द्वायश्रक्ष

त्र शहासिकामु अधिनिक नेपच्छी क्रान्तिम्बर् स क्षेत्रकार !

भाग । रेर अकार देवनाया हर ३४ छर ३८ शासन

विकालना

লোমপ্রকাশ আৰুক ' গণের শুভি:

देश्य मान काणीय म्थानका कामारका छाः स्ट त्याम श्रेमारणात म्रामाकाल कामीक स्थेपा-स्ट काण्यत कीश्र विभएक विस्थापूर्वक कामान विराहत, केंग्रां ने अञ्च श्राम्यक्षक द्वाग करिया, स्थानीक स्टारंड काश्याम मुखा स्थान करेतर ह

হিক্ষাপ্র। বোমপ্রকাশের স্থান প্রিবর্ম

्र 🎋 ् क्लिश्य ह

enter and the state of the stat

वानि विश्व हिन काका निव निकाह के दूसन विश्व स स्विध में काका करिता असीट्य क-काल दे दिकियों किका हि स्वतु स्विधान वित राक्षण स्वयाप महिताराम श्रीय कि सामका स्वयाप महिताराम श्रीय कि सामका स्वयाप कावि अवस्थिका स्वया स्टेशिक हिन स्वया-साम स्वयं कावि अवस्थिका सामका क्रियां का यादिकाद स्वयं क्रिया व्या स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं का स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं महि स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं साम स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं

विकाशन्।

विकाशन

दायराज्य क्षेत्र प्राचित्र । पूजा २ जरू हो जरू क कु कहान प्रश्न के को पार्च किया है अंदर हों, ज्यान कु कहिएको के किया है जारका स्थाप कर्म के वाणिक भूगा १ हेरावर्षे ... जाविक पालिक ३० हैरावर्

अरख् ७ राज्यन स्थापामस्य विकासीर्व क्षेत्रिकी राज्य ।

विकास की प्राप्त की

क्षित्रक क्षेत्रकाता विशामित्रक से क्षित्रक वार्षे दारवाद्यमान हात्रदान क्षाक्रिक विकास क्षेत्रक एक कहें। रहेशारमा हे हात द्याचान बार्या समा क्षेत्र हाला। मेरना क बार्या के विकास होते. मोर्ट रूप पर प्रत्य क्षण क्षित्रक महिल्ले

अब, बि रहेक् देव किया ।

रमामश्रकां म

water the state of the state of

२९०० व्यक्त के **काम्यानिसाय गाहिल्यान** क्तिरमञ्जू

ररेट शिक्षा 'अवनर्ष स्ट्रेस पामा '
पान्न विद्यानीता । वस्त्र स्वामा कर्न ।
गान्न करिन्नार क्रिक्ट स्वामान व्यामा कर्न ।
गान्न करिन्नार मान्नार । अस्त्र क्रिक्ट स्वामान ।
गान्न करिन्नार मान्नार । अस्त्र क्रिक्ट कर्मा क्रिक्ट पान्नार ।
गान्न कर्मा स्वामान । अस्त्र क्रिक्ट कर्मा क्रिक्ट व्यामा स्वामा स्व

कीवाता वर्षि "न देनवलक्टिक पुन्छ स्कीविक इन, फाका क्केटन cate py की स्ति। अक्षाकात्र अन्निज्यवर्दम उथनकात कात्रकवर्ष विनया विनिद्ध शाद्वन मा।

 शब्द—क्रेन्टनत्र भृत्कः आभन्न। ভারতব্যীয়া নবর্ণমন্টের খ খের অসঞ্চতি দেখিয়া সাভিশ্ব শক্তিত হইয়াছিল।ম' एप्र क्लांक जाका क्लिल्य भतिभून इकेटन, **তাহা ভা**বিয়া **ছিব** কণা ভার হইয়াছিল। উইল্লন সাহেব আয়বাদের সমস্থ বিধান-कतिहरू थानिया हैनकम होका थहलिए ए नार्दिन होना ७ ताहे अहनतः व क्ष खार कतिया यान । डिनि वाय मश्यक्ता र्थ (य नमक छेशांत्र अवस्थात्वत मक्रान्ध कत्रित्रोहित्सन, व्यकात्म मृङ्ग, इल्डा: एड নে মন্তামনা সিদ্ধ চইল না। তাঁচাব मुकात भन्न लाख मार्ट्य कलिका जाम था নিরা বার সংক্ষেপ্রপ গুরুতার এহণ क्तिएन । जिनि एचिएकम कुठमरिध क्र ছারা অনুস্থার করা অসাধ্য। যভানিন चन्त्रिविष्ठ देनना, ७ नानामकात्र चनान-भार गाम बार्किटर, एछिनि द्वान क्रायहे **অর্থের অ্বক্**তি দূর চইবার সম্ভাবন। ৰাই। ভিনি ভলিমিত্ত সৈন্য ও রাজ্য अध्यास बारगत मः एक शकार्या शहू वृ ষ্ইলেনা বাঁছারা পূর্বতন অ⊲ার অমু-শরণ করিয়া আনিডেছিলেন, জাঁচারণ ताम मश्यक्र अत नाम स्वीमेश निएक ह ইয়া উঠিলেন। কিন্তু লার্ড কংনিত্র ও স-ब बार्षेन कि बात काश्वि बादका धर्मश्राड मा कतिया लाउ मारहरवत मञाघक। क्विट्ड नःगित्वन। भारः भन्न मिल-द्विद्धि ७ निवित्र किमान क्रिमम नि कुक्त इरेशन । कर्णन वानरकात रेमना क्षान्त्राम् । किल्लन नाटक्य तामा नरका-आक्र व्यवस्थात मः (कर्ण व्यवस्थ हरे भ व्याकित्मत् जमानगाक कर्णाहाति इक् छाजान इरेग। करति (कना घा हो प्रमाहित विकाशमाजितका हरे - पुत्र इहेतारक प्राप्ति हेक्क्ष्माणीय प्रमा निर्माणन कतियात चाळा कतिराम । अहे हे

ल : ७७/द्धाः ५.४र्गः मध्ये ८५ विवरः स्य वास করিশ্রন, ভল্ল ভল্ল কাবন্ধ কাহা **বিবেচ**-मा कतिया वाद नश्टक्ष दलव अरहाद कता हरेगा बरकारे अलामीय एकि बहरा वाय मराष-रशव अमान आश्रह रहेण! फे-विश (य किना**का क**ित्रन क्ष्यूक्ति काः लब केंग्रास्था भिगाव अखाव प्रतिसम किछ । भोखाकाकाटः । चात्रव्यनात्र अदर्गस्य-के जे श्रेष्ठात्वत्र चक्रुरभावन कतिरलन नाः अभिटण करान वा नरमान वक्तावा निया-ही ७ भूलिय रेमना ছाफ़ाइंद्रा निवाद अ-तर कक कक कमहाकात रेमना बाल्यवात । व्यञ्जदहार कतित्वन । इंडेरब्रानीव स्मार नश्या क्याहेश निवात खाँशात हैका हि: न, त्नक मार्ट्य ७ कात्रक्वरी व अवर्थाम-निथियाहितन, किंह काशनिरगत एउकी नकत रहेन मा। बारु इडेक, देमना मा क्रान्य चटनक वाज मःटक्क्ष कर् इत। **(१७ माट्य क्रमण माट्य व्यास वार्य**ह किनाव निया वानकाशक मछाय विद्यान चात्र मूठमदिन करवत थरहाकन नाहे. --थात्रदाटः त्र नगलाविशान हहेगारह ! अहे कथा अभिया अकटन दिह कतित्वन नाके-সেন্ধ টাক্স প্রবৈত্তি চইবে না। দিল্ক লে 🕉 সাতেৰ পীড়াবশতঃ ইংলণ্ডে যাওয়াতে এবং চীন দেলে অধিকেনের মুগ্র স্থান इथवारक: ना व्यानकी नव वार्टन क्रिया-व नाइटनका हासा अहिन कतिहरूमा চ र्राक्टिन अ**गरमाय स**नि ऐपिस करेन। चारममरत्रताञ्ज चाहरमत्र वर्षावममन्द्रभ दृष्टि अहिरान ना। धरे कत्रनश्चा रक दहिल। পরিশেষে লাভ কানিও স্ব-(तन याजाकारन अहे मृश्कि चारेन छेठा रेगा निरलम । बाहाबिस्थत निक्षे रहेस्ड लाजेरमञ्जू अध्या इहेबाहिल, जाना मिशटक छात्रा किन्नाहेता (मध्या इहेन। **७कर्व छार उवस्य त व्यर्थव भगक्र**

क्याव्या ८ ५,० ७ क्या व्या ७ तः वेश्वारी न बान सुम्ब करा -ब्रु - श्रेष्ट) इंदे [ल प्यार-आभिराधक राज बादन देशका पहाच छब्छ क्ष्युंट प्रदेश । यथमध*्र र्वेडे व* खत्रु **स्**र दाम मिटन आह पूरे क्यों है कि उन् থাকে। বাণিছের জন^কঃ শি_স্থি হ^{ান}াক CE । इसक्त्र हाका देखा । याहेदन, अइ-त्व वहें शकात जडावना कृत्रिक्कन। एक्टिक भारभधीरवत च्युविरित्ती वरञ्जन भागनानी कर केठाइनाव ८०० मा स्मार्थ-म । किन्दु छ।त्रकृत्सीत्र शवर्गत्याणे, नाथाप्रव লোকে এদং উংলগ্রীয় ধব বৈন্ট ভাঁচা-ब्रिट्शत अर्थे शार्थमा व्यक्तात वीक्य देवा ८६ छेरभक्क। अभर्मन कविशाद्धन

ः । वारक्षाभक म मः--- भार्छ ए। मः ः দি ১৮৫৩ অংশে ব্যবস্থাপক সভার ক্রি জ্রিয়া **হলে: যাবতীয় শে**সিডে**জি**ব এক 'এক জন _বৰভনভোগী প্ৰতিনি: :, প্ৰণ क्मित्रकार कोणिएन स्माप्ता अर শিষ কোটে: অভের' ইছার লভাগদে बरमानीक रम । यसम मत हाक्ष्य म छछ म-श्रेष्ट्रदात्र त्राक्षवध्मीयन्त्रित्क वर्ष्ट्रकारि है। तिश्वादक मुक्त अधिमय विवस इस, क्रकारण मत्र दार्शन शिक्क दान्छा-शक महारा चानीन हरेश मबिटनर माहन महकारत डाइडि कावन किस्लाम करवन ! शवर्गस्यकी माहरमका विद्यान दिया विद्य চনা কৰিতে বলিলে ভিনি স্পাই ক্ষিত্তে विलासन, अधिक करतत वारसत हिनाव म भारेत मछा सूडमिय कर सामान्य সভায়তা করিবেন না। জাভার এই স্থির গ্রহিন্ত ও সংহাসিকতা দর্শন করিয়া खाद खबर्वीत गवर्गरमाले खीड क्वेत्रा (के रें म्बार्कि । विकास क्षेत्र कि विकास क्षेत्र कि विकास कि वि **উ७ ३: न और बहामजाद अञ्चमिक न** ऐता है পুर्वाचम वावशाशक मणा छठा हेवा पिरलम एर शतिवास कात्र एवर्सत चटक, वकारम्य अवर त्राष्ट्रां । मालादम च न्या च्या नका

न कर्म में अनि चार्या है। जा सम्बद्धा करिया करिया करिया करिया करिया करिया करिया है। जा सम्बद्धा करिया करिय काली। अ अद्युक्तीद्वाता अद्युक्त कत्रियांत अ-স্থাতি প,ইয়াছেন। ইয়া তলেশীয়দিগের म कार्छेत्र करकत व्यात मञ्ज्ञ बन्ति।। पदि-श्रीपक नरहन । किन्नु शवर्गत (क्षमञ्जा हेका। कदा इहेर्द । हेकारक ५. जन विवात করিলে তাঁত। দিশের মত গাইতে পারিবেন : পিতি ছইবেন । বর্তমান পুঞ্জিম কোটের गरनश्रकाम व्यवधि अहे मक्न मञ्जात कार्या । विधातप्रक्रियोः समन्त व्यामालास्य । मिन আরেন্ত হণীরাছে। যে যুক্তি স্বলয়ম ক- । লিয়ান বিচারপতিরা, একজন বারি विधा मञ्चा मध्यायम दहेबाट्स काशास्त्र देव अन्य अन्यम अञ्चलकीत विधार म'जात वाधीमणा नाइ । भक्षाबीन मक। इर कार्या निष्यः कल इरेरबन । मकरणवर्षे ८- काल्किन कनेलाटकत धाकामा कराए | যায় না : কিন্তু ৬০কেশীয় বাবস্থাপকগণ । পীৰ বলিতা রাজপুরুষদিধের বড়াতেত্ব মাদুন সাহস, রাজনীতিজ্ঞতা ও অদেশ যে পক্ষপাত বিরাজনলৈ দুটা মা এব-निकेशिका क्षप्रकान कतिहासका, ए।शास्त्र विषय स्थान्त क्षेत्र पृष्टे क्रें का का । ' करम्द्रम्य मित्राच हेचे**न**्ड स्ट्रेटर अ**न्त्र** चान:क्रतां वारेटल्ट् । ताका विनक्तांल, । चार् अभवकुमात् ठे कृत्, राक्षा अकाशहस निर्ह अकृति मरुटाई श्राधीनशुक्ति व्हेशः नविद्याय भारतिर्मिका महकाद्य विक निक -कर्ड*रा कार्य अन्तर्भाव व विद्*राण कर्म । विद्राण २। इ. व. जा हिनका ३१७ (एक्श क्यांमाना वृत्ति व छ। ८ हे १० व्यक्त ने अध्यक्त का वर उद्यूष्ट , রাজনীতিজ্ঞ 4141CE नि जाशान भाषा भारत्वित करण दिस्मद्युटम् अ Lनटक्ष क्षा । काष्ट्र कित्रहरू शाहित्यम みて中で アリシュ

 श्रह्म रिमादायम श्रेष्ट्रीके - (ग्र ाक कार, मर'म । अद्रिक्तार्य सुहत মাৰ্কাপেক সভা আপেন করেন, ভাতাবাই भि'कर महाबरमद পहिर्द्ध ७ ७० हम रि চারতেম স্কাপন করিবার আছে: ছয়। সি विलियादनगदस्याः, इहि कथान इत्यान भाग महन्य अवर्ष्णा कित्र क्रिया हाथिया (इन : ७१ ७ काई। कड़ा शक्त, आ ना श्राकुक, विविधिकान कईरतके कान महर्गाः देखकात् भव नाहेश पाटकम। य ংশিকা এই কুৎসিদ্ধ গ্রধা আংশিক পরি विश्विष्ठ कितिया आहिक्रिकिनियाक केळला ।

छुरेकन अि।क्रेंड नरकादी (मरक्रे।द्रि হইয়াছেন। জনশঃ সুতন ফুতন ছার উ

नमद्र व्यामानक ७ ख्र्याः द्वार्धे अवस ्रक्र**न मनाम इहेर्र्य। अरह**ीए ७ हेर्डेर्टा-(दिष्ठात्र पश्चित्र। ग्रा.स) मत्या मक्यान ग'र

३४७२ **चः न्यरमञ्ज कावज्ञ** कर्वाच म खर्निमारम्ब काहेन ७ (कोक्सानि बाह्म অচলিত হইরচে ৷ এই আইনের আ निक (पाय काइह, छोड़ बामबा अधीकात क्ति ना, किन्द्र लाशकियात प्रमा विष्ट्य रेशात अविशास केंश्रासांस्टः मुक्त इहे-८७६६। बर्धश्रकाट ३-३५ मध्य विद्या সংক্রোর গার্ড ব অংশক ক্ষিয়া অংসি-नाटक । कु'न नाजा कि- ज आः स हरे-😘 है। हु 🕆 वाडा विश्वा प्रिक्षिणशास 📭

🎢 ६:न ११%- । 🗇 स्व ५ १७ ७ ४८६ हो হাৰ সংগ্ৰেমিকাৰ **বহু জাভিৰন্ধ**ক विश्वसारीत पाव अक्षि व्याद्यः इत्यादिकः। जन्मद्रवादकाति । লহ কর্মিণ হছগাছোঁ। বারেক্জন বারি केंद्र अन्द्र व्याता अहे नकत अह आह **-ইয়াচেন : বিস্কু বারিউর্দিগাকে তথপদ** मान कराइड निवस्त डेश्याः, प्रश् नि?्।

৪। পুলিব—ভারতবদের শিষেতঃ ্কদেনের পুলিব অভি ক্রমা। ভারমিত अटमरण कमको दूसति १.ि. म अधिक हरे | स्थेष वाहि का कि के हाता है । स्थावे

রাছে। এই এগালী অমুসারে একজন স্ত্রাবধারক ও করেকজন সহকারী ভদ্রাক এক, ইন**স্পেক্ট**র ও মারণা নি**মুক্ত**েষ্ (१न। माजिरके रहेड़ा चात श्रुक्तवर श्रुक्ति উপরে সাক্ষাৎ সম্বন্ধে ক্ষমতা চারেক ब्रिट्ड भाद्रिर्दन ना। **धक्यम द**्रिन এবিষয়ের খাধান কর্তা ছই**বেন।**

६। देनमा — ध्यमन अक्षिटक शृशिह উৎকৰ সাধিত হইতেছে, ভেম্বি 🖫 क्टिक (मनाषण कमान ह**हेएछाइ**। यद्य जात्र क्यों से अहे । का **की व के ज**ा मान्टमद्र अक्ट। राष्ट्रीमन **यत्रा ह्रा** (ह। এই नियम स्डशाटक श्रृ**क्षणन (** ম্পানির সেবাপতিদিগের কিঞিৎ ব िथा इहेशारह । जटनटक रशकास अर्थ (इन । अल्लिनिय मध्यारे ताना मण काञ्चाबित नाम लाभ इहेरव ना नारे । धर्मार्थ ५,३०,००० निशारी bo. • • रेकेट्डालीय **रेनना खाइ**ड থাছে। গওৱিদ্ব আমাদিপকে ত্থা ३२,००० **अदर्भना (मनभन (२७न**् इहेरल्ट्स् । हेरल्ट्स ४ अथारन र श्रारम (मनात्र कमा कामानिरगत्र श्रीर क्ति है कि । **दक्षरमदम्ब शक्त्र**!) গিতেছে ৷!! ভারতবরীয় গ্রথমে त्रभात स्थाय अधियात कतिरहरेंहर, টংল তীয় প্রব্যেন্ট এপ্রান্ত ভারেটি क्षाय कर्षा करत्व माहै।

७। (गाउँ---) ला मार्क व्यवधि र्गरान्द्रेत रनाउँ कार्यान्छ दहेचारह कृति रक्षरम्यीय स्थाटकत्र महिए । हेश विषय**्छ । त्यारक अवर्गरमर्ग्ये**त লগতে অসক্তি বা অনিকা প্রয়াশ েছেন থা। অংথিক পরিষাণে নে চলন ব্যুগ সংক্ষেপের একটা উৎঃ পায়। ব্যাক্ত মেটি ফ্রমে লেণি প (छ. काइन वाएक (म स्मिति याहे फारा व्याप वर्षाच्या करेटलाक है।।

१। बील--- नीलपंडित शालायांशंख . गंक वर्शदात घठेन। मट्य' मामाणा विन-্ধা পরিণাণিত নহে। গত গ্রুই নৎসর ক্র-ন নীলব্টিভ গোলযোগ ছইভেছে। নীল क्राज़ न क्रिडिकिटर अक्षात निकटरे श ब्राजिए इहेशा (अटव डिक्शोनेशटक केच क রিবার অভিপ্রাধে অসকত কর্ত্তা করি কে সারত করেন। সুচনাং প্রজারত फलारम अमग्रह हम। एक्ट्रिक भीत करतता कहे क्या अकाम कतिया पिरसन (ब ध्वांभन इंखेरनाशीयनिशतक दक्षत्रवा হইতে দুর করিষা িবার চেইটার আছে ন। গর্ববর তেনরল ভাগেলিপের মাষ্ গ্যন্তায় জুলিয়া গিয়া থিকেৰ কমিসনত निद्योरभव अञ्चल कविष्यन । ठमसूत्रा-**दा मर-के न**त्र ७ भविम माह्य महीता, य শোহর ও পাবনার গণন বরিলেন। জা-হারা অসুসন্ধান করিয়া অপুনিতে পারি **रमन धार्यान्ट**शंव मीलवनन पः उन्नाहे **নীলমধ্য অ**দেশের নীলম্টিড শেকাষ্টে 🕊 🛪 🖎 🛪 । स्पष्टल नित्रभिष्ठ कर लख्त **व्हेटल्टब, मिथारन शका**दा दयन उन्ह **्यांश कतिर उरछ्** गा। अने अनात लान क्षात्र इंडेट्टाइ इंटिमर्ट्स नीलम्लं १ ?! क्षित्र इन्ता लक्ष माद्रव्य चासुदाम क्रिया **এজ্বেদী**র গ্রব্দেট্রের সেক্টোরি সিচ্চে सक्तुत्र मारहरण इ छ। हात्र करणक थ छ नि-Can । कात मारह्य टाः . में दावराम डेफ, सार्छ मास्केमवित अङ्गित देश्याद्य करण कृष्णम ध्रधान लाटकद निकटें ७ ४०एम भौजिक्दाक्षान मन्त्राद्यक्त निकटण ह 🚧 क्तितन । लात्यद २०४१ ७३, शुक्रक भ नीक्षहाले व बाह्य (मात्रा कता इस ! भी-क्या कर सम भारता देखानिशंकनार्थी

ষ্ট্রা লেপ্টনত গ্রণরের নিকটে পুস্তক প্রেরণ কর্ডার মাম ও পুস্তক প্রেরণের शत्र विकामा कहिएन । लिनि এই উ ত্তর নিলেন, তাঁলার আজ্ঞান্ত্রনারে শৃত্তক পেরিত হয় নাট, অবং **পুরুকের** মধ্যে काहाव आनि सूठक कान -क्यां नाहे। किस नीमकरत्रता धरे छेखन शारेत्रा पूछ **२२८लन ना। ठाँशता त्राताल करेंगा शूख** क गुष्ठन कर्छ। भाष्य्र धरलह मारम मानीस করিলেন। অতঃপর গঙ্সাংহর নিচ্ছের ताम दाक्क काव्रद्राम् । मौनक्द्रनिर्धार वा য়ে ভাঁচাৰ নামে মোককমা চলতে গ্ৰি ला भव २७१७ ७८३ त्म विहासम्बद्ध এনুচিত পক্ষপাত, ৰচ্চা, ঔদ্ধৃতা, ও অ-पृत्यभिनात्र अतिरय अमास करिया वर मारद्द्व १६ लाग ताजाताम ५ -००४ টাকা জরিমানার আজা দিলেন। নীল-कर ७ कर्यक्षान विश्व अधिरहरू ४-कल भारत्रहें लड़ जारहरवज्र छून्न ये छुशी क क्हेरलम । बोहा आकार हम्म शिर् ही হাত উদ্বালেষ বাষ ও বাবু কালীপ্ৰাসম कि॰ इ क्रिनामात्र हैका दिलान । व्यटनटक हेरा बारम्या प्रम खुन होका पिट्ट अ भाउ हिस्सन। सन्तु नारहर এक मान পৰে বারাগার হ**ৈত বাহির ১**ইলেন। চাৰি ৰিক হইতে ভাঁহায় নিকটে সাৰ্বঃ স্তুত্ত পত্র জানিতে লাগিল। ইংলঞ্জীয া দক্ষাও ভাশার ছাবে ছাবে প্রকাশ भ 'ता लब । इ. अ भारमदेव इ. विष्ठांत्र कारम স্ব নড়, ও প্ৰেল্স য'বতীয় বালা। বাৰে গ, বি নিগড়িবলৰ ধলিষা এড়জেশীয় স मुलार प्रभात स्थाप अवज इहेगा गडा বাশ্যাশ বাল। রাধারান্ত্র দেরের বাটিতে धक्र भाजा कर्त्या सह अध्यक्ष एरहतास्व **ফুঃস্বভাবে**র বিষয় ধৌট সেকে।বির লোচৰ বরিলেন: প্রায় ২০,০০০ লোক के चारदम्म भटक श्वायम्य करहम । विद्रम्य व्यान्त्रद्यात दिपत कहे चारतमन शक्त भाः পৰে মুদ্ৰিত হইয়ে স্কেরাথ পার এক

মাস চতুর্দ্ধিকে থেরিত হয়, ইংলিস্থান ও চরকরা সংপাদক একথণ্ডের জনা ৫০০ টানা নিতে চালিয়াছিলেন, একণ একতা হইয়াছিল যে তথাপি কেই এক থও দেন নাই। সর্বারলস উজ আবেদ নের উত্তর দান কালে মডান্ট ওরেশ্ সফে সাবধান করিয়া নিজেন। সেই অবধি ঐ বিচার কর্তার স্বভাবের জনেক প্রথিত হই রাছে। গত ফৌজদারি সেসিগনে তিনি ইউরোগীয়দিগের পাপ্রিক্সার রুদ্ধি দে-বিয়া অকাশ্যরপে কোপ প্রকাশ ক্রিয়া-ছেন।

७क्तिक मार्जुमद ७ महिन नाइ নের নিপোর্ট আপ্ত হইনা ভারতব্যীয় ावगरमकी की शामिश्रास्त्र धनावान निरमन । কিন্তু গত অকুটোবর মাসে কাও গোল ए। में में का जानगाहितात त्य ह्या प्यापन ক্ষিয়া পুনরায় নাল্ছটিড গোল্যোগ্রে विध्य स गटमर्ग्डेब स्थाप्त व ब्रिस्म । स **डं कामिन्द्र शत वर्षेत कियाद्वत भनाम** र्भ करण आन्ते मारहरतक क्रम करण श्रद लिचिया धरे रिलिमः चित्रकाव विविद्याल । তিনি নীল কনিস্নরনিপের বিশেষকালে ক भाषा है। करवन मार्थ अवन व (भनवरवार क्षा वल विवादनय काञ्चन भ**रम**नन निवस का न इत्रथ करियाद्यम । व्यवद्ध भूनकृतः ভূতন কমিধনত নিযুক্ত কৰিল লীপকঃ प्रकाषिताम जानमात्र मस्याय मध्यय कतित विशेष भागा भईन। यस मदर् व धारे व्यवस्था भटन व्यवस्था व विकास केल्पियारन विभिन्न, खिलि उ विभिन ्रता पद्यत (अस-द- व च्याकाकुमाद्वते ফার্য্য করিয়াছেন কলতঃ গ্রণ্য ছেন বলের তাসুশা শাস্ত্র জিখিলা বেশ্টনট शहन्द्रत फत्रासमा करा मञ्जूति ५ हर भारक्। च काबना जीकांद्र वृत्तिशृक्षक ्यु बाहे। याहा क्लेक, कत्र आनारणत कता शुनर्वात छ्टे सम करियनत कक कारनक्षेत्र क मानिस्मिट्रित कामग्रा गारे था नीत ध्रांश अदम्यः श्रम क्रिया ছেন।

৮। जूना--चाटमहिकात्र शृंः विटच्हन २ असारणः **मारक्षकेट**वत्र च**ळ्वात्रवटर्ग**त त्य-थान इट्रेंड पुर यानत्व प्रचंते इटेग। অননি ভারতবংগ তাঁহানিগের দুযি পতিত হইল। ভারতবর্ষীর গর্শনেত ভদ र्थ मान' निटक क्रमिममत्र व्यवन कहिरला। ভূমি সকল নিজ্য বিক্রণ করিবার গোবে-. न इहेल । हजू किंदिक त्राज्य प्रशांकि अञ्चल व्हेदर वाशिकः

तः दत्रशंखदत्र---खात्रशंदयः तः दत्रहेशच्द्रशः क्र ३१। ५ अञ्चल इट्रेस्ट्र । ५ मिर्क क লিকাতা হইতে মুঞ্জের, আলাছাবাৰ হই তে আগরা, লাকোর হইতে অযুভসর, করাচি স্থতে বরদা, এবং মাস্রাঞ্চ হই एक बोजिशिदि अ**धीयः अभीय मक्छे** इलि **्टर्स् । म**ा श्रद्ध श्री? महत्रप्रकाम (ब्रह् नंदर युनिवारकः) अन्दिकं माञ्जाद (व ইলওয়ে কতকদুর খুলিং ছে ৷ জুনসাসের भर्या भूक ब क्लाज दिन्छ त गाड़ि हिन ৰায় সন্তাৰনা আছে। এই ছুইটী রেল-अदम मन्त्रृ । ६३ टल नाविद्याय अविद्रणय ळीइक्ति इहेवात अल्लाृः अञ्चादना **चःट्रा**

२०। প्रकार अग्रक-- भ्रवर्गमण हा क्रमधानित्र विषरम मित्रिमय यजुरान सह-ताहरून। हेमकभष्ठीका इंडेन्ड ७२ लक ও সাধারণ রাজস্ব চইতে প্রায়ে দ্য কো 🖰 টাকা দেওয়া হইয়াছে। বাণিজোব ও कुला नक्षानी कतिचात स्वित्रा कताई अहे रारम्ब धधान खेरम्बा।

५) । शिमानिका-- गर्यट्यके विका-कारणा किभिन्द नरमारबानी इक्सारक्रम। अ विषदम आज मभनक होका भिरात प्राक्ता ह हेशारक । बक्ररणभीश अध्यक्ष क्रेट्ड नियवि ना। भरगत्र वाणित्र धनः। ८२७ मकः हाकः। ८५७ ্রিল ছইরাছে। শীঘ্র একটা জ্বাভিসাধারণ निकाश्यानी चालिङ इहेरव, हेश्नख हरे विवदा जाका जानिहाटक। ठजुर्फि

क दिनाविररियों **डे**श्चि मृत्ये इहेरक (छ) बाबीय निक'श्रेगी दाणिक हरेता ।

मद উद्धद शन्दि । अश्वतः । शङ्कारः दूर्जिकः । ত্ত্বা বিশ্বদ **লোকে** প্রণত্যার করে। ভার ভৰ্মীণসভা আপনাধিমের স্বাভাবিক লেশনি হৈনিত' গুণ এজাৰে বনিক সম্প্ৰনা दयव मिक्कि विभिन्न इट्या अक है। ता कब्रि ८ तः । এ मिट्नांत मक्त श्राम इष्टेट । । । । थःनिरु नाधिन। हे-नशीय लारकक्ष নৈস্থিক বদানাতা হেতু প্রায় দশলকা होकः अमान कृतिहरूम । आग्न छुन्नाम কাল ছুভিক ছিল! বণিক সম্প্রবাবের **म्हिक्कोति डेफ मार्ट्स ७ कर्र्स ८५**३१७ নিধ এ বিষয়ে ষপোচিত কট ও পরিশ্রম স্বীকার করিষ্ক্র ছুর্ভিক্ষণীড়িত লোকদি ্ব: বপেন্ট মামুকুল্য করেন।মিসনরিবা मक्षकारण ६ **मक्षक्रण** हे प्रतिस्ति महाज्ञ ७। क्रिया थार्कन। श्रकात्वत झालि ना म अक्क्रम शाक्ति यात्रशत नहि करी मध করিয়া**ছিলেন। অনন্তর,** বা**ঞ্চলা দেশে** বারা मल, जिर्देशी, हालिमण, श्रकार प्राप्त मा রীভা উপস্থিত হয়। কলিকভা বাদা স भाग म्यावणक्त इरेशा म विषद्य यदश्हि **७ त्राहाबा मान करत्रम**।

১७। এउटनाभीश ताक्षशत्वत्र मणावना— গভবৎস্ব এতদেশীর রাজগণের সন্মা নার্থকে প্রকার মুক্তন সম্মান্তির প্রক ঠিত হুইরাছে। মহারাজ সিল্লিশ, হোল काव, शाहिवालात वाका अकृति करतक बन প্রধান রাজা এই চিহ্ন প্রাপ্ত হইয়া (इन । म ७ ८७ गरांडेनि क (मनीय त्रामश ণকে উপেকা ও জনাদর করিয়াবে **জ**য়ি[†] প্রজ্ঞতি করিয়া যান, লার্ডকানিস্ত এ দে দীয় প্রধান বক্তিদিগের সম্মানন। প্রথা লাবা ভাষা নি**কা**ণ করেন**া ক**লভঃ लिनि এই উপায় दाরা অনেক কার্যা সংধন ক্ৰিয়াছেন।

১৪। মনৈত্রিং সাজিকৌ উ—ইংলভীয় প্ৰণ্ডেট্র আঞ্চা**মুলারে এতকে**শীয় অ गरु.कात पादणाक जात्र विकृष्ट क्षेट्र । त्वक मञ्जास वाक्षिरक जादिए निक माणि ्के हे ' । व शक्त हम् । **पश्चादवं ७** व्यद्वाधाम् ১२ ! फ़्र्डिक ७ माबी छग़--- % छ २२ | डेडात छेरकू के कल अ आ का के बाह्य । बन्दरम । अने शथा खनविन क्हेनाटक । চিন্ত পঞ্জাৰ ও আয়াধান্ত নাম্ম এখানে करा नर्भन ४३,८७८६ न।।

> ३६ । ভারতবর্ণীর সভা—आमाषिद्वातः रात्मत य निम्मिन कित्रिक इट्टिस. ७ विषय नाशाहरू भटन ह्नाहै। विषा শিকা ইহার প্রধানতম কারণ। কি**ন্ধ রাজ** নীতিঘটিত **ৰে** উল্লিড লাভ **হইতেছে,** শহার প্রধান কারণ ভারতবর্ণীয় সভা। **এ** र मचादक अडमर्थ धनावाम (मेखना छेहिस) **এই সভা এখনে জ**নীদার দিগের সভা বলি-যা পরিগণিত হইয়াজনে সম্ভ ভারত্র্যা থের অভিনিধি বলিয়া পরিগণিত হুইয়া (हन। এकारन मिटन त्र महामा द्राक्**रे आ**म ত। দানি গোর মতে চলিতেছেন। শি**রপুর,** ব।-রাসত, ও লক্ষ্যে নগরে শাখা ভারতবর্ষীয় সভা স্থাপিত হইরাছে। সভার অমুরোধে श्वर्गरमणे अद्यक्त कार्या कतिशाह्य । করিতেছেন। সম্প্রতিকার ভমাকের উপরে টাকা পরিত্যাগ ইহার একটা প্রধান প্রমাণ। मक्चरतत कारन चारन यनि माथा खात्रस्य শীয়সভা স্থাপিত হয় এবং সেই সেই সভা यनि अ एमनी । निरंशव भिक्का कार्य भरनानि (बन करवृत, चन्नकाम मर्थाहे व प्रस्तु नितिस्थ 🗃 दक्षि 🖛 हेगा छ टे 🕚

পুৰিবীয় জানা জনা জংকে যে সমস্ত ঘটনা ঘটিয়াছে, ভাহার মধ্যে আমেলি-কার গৃহ্**যুদ্ধই প্রধান। যের**ণ সহ'দ পা-ওদা যাইভেছে, ভাগতে ু যুদ্ধ ইন্তিই (अस इक्टर अस्त (याथ क्केटलट्ड । हो **লিচে স্থানীনতা** ক্রম্ম প্রবল ছইতেছে (दाम ও विनिम छिन्न कात मकल दार्मित लाटकर बाजा विक्टेंब्र, देशानि डेब्स्नत व्यक्षीनडा जी के कतियोटहा समीय

मञ्जूषि क्षेत्रक निर्शाद कर्र ! प्राविति मात्र इ । अ विष्ठा विकास क्षियः अवस्था कति-শৃথল হইতে মৃক্ত করিয়া দিয়াছেন। ভ थात श्राधीन मानग्रधनानी श्रापन कति नात के छा क्रिमाः वनवर्षी क्ट्रेटलका हे॰ । शताबरमत आसूम्रिक निट्ट ६६८३, (अहे नटखंत अधान घरेगात गरधा ताककृतात विकि अहेक शिवाल आक्रत हरेन, छाए। 'পাল বাটের মৃত্যু। তিনি ইংলতেশ্রীর হুইলে মুগার্থ স্থিচার দর্শন প্রত্যাদা পাণিগ্রহণ করিয়া ক্রিধি অধাবসায়সহ । কোথায় ? লারে পাদনকার্যো, ধথোটিত সহায়তা করি**ভেছিলেন। ভা**লের মৃত্যুতে সকলেই **प्र**ंथिङ हरेग़ाहरून ,

> आ भि लिए हर र र ल । क म्यू र 🎍 স্বিচাৰ হয় নাকেন্ট

क्ष विद्यात जी गाल्म वर्ष महक नत्र। हुटमदुक व्यत्नक 🤐 💢 ईरात गीमारमा ঠেন্টা পাইয়াছেন, কিন্তু অদ্যাপি ইহার अक्रुष्ठ निकाच इस नाहे। किह पार्थ अ **`ভার্থির, কেচ আইনের, কেহ** বা থামলার কেই বা বিচারপতির এতি দোষারোপ করেন। অধি প্রত্যবি দোষবাদীরা বলে-म, अरमरनंत लारकता विधानामी, अव क्क एकानकाती (अविदेश ना कानिया मायात्रद्या अहेबाल मायाद्याल कता इहे রা পাকে) যাশরা নংক্না করিতে মার, ভাহারা আলালতে প্রায় সভ্য क्ष्या करा ना । अधुनाय विस्तरे विद्याचाता **जाक्त क**तिया तार्थ। भरफना कार्निन **रशत अरे धकात म** यात खारक, भियो, **ना कडिटन म**कस्माध आप इस मा क्राट. दै इत मकन मिथा, (अशास विक: इर्गिट कि क्रिटिड शादत ने मिष्ठादत्त्र ুপু**ধু না পাইলে তিনি কিবঁ**ণে স্বিচা। ्रकतिदन्त ?

যাঁহারা আইনের লেখ কেম, তাহা-িক্লা **ৰলেন, আ**ইন অনুসারে বিচার করি दशरम विठावकर्तातक वास्नावरण ্স্তাকির উপরেই নির্ভর করিতে হয়। কেবল এক আলসা লোষের দাস হইণ। श्रम अक्ष लक्ष्माका अधिक अधिक विदा करें। या दाजि नाकानान अञ्च इन ना

ভে পারে, সেই এশংসিত হয় ৷ যে ঝঙ্কি ं त वाहका निचान कतिया सकतिया। अस

बारकन, जानालाउत जामकाबाहे महिना- । दह भारत ना। निर्देश्य, जनम, ए श त लाट्डित महान् थारुहात । नामगुनम । कामारुशि पूर्वित विहातकहीत निकटिके রত ধান্মিক ব্যক্তিরা প্রায় আমলকেণে । আললার এভুত্ব ও খুর্বি এভার্বির প্রব-अ:पान एक अ:१वमः करत्रम म.। अनक्तित्व | भना थार्के। आयत्र एकात्र आपने छेना উৎকোচ পাইলে ন্যায়কে অন্যায় বলিয়া । আইন ও যে অধি প্রভাগে লহ্যা অধ্ব বড় জুকাছ হয় न।।

ভাঁহারা বলেন, বিচারপতিদিণের সায় 🕽 সকংশরহ এক একটা দোষ আছে।ক তক গুলি অতিশ্র উদ্ধৃতপ্রভাব। তাঁহা । স্বলে দগুবিমান অ ছি। আমানিগের পথে প্রবেশ করি:ত পারেন না। হত-द्वार वामि अधिवामित नालानाल निक পণ তাহাদিগের পকে **সংজ** হর না! কোন কোন বিচারকভার পক্ষপাভ লেষ আছে। ভ**লিজ্বল ভাঁ**হারা বিচার < । दन **अक्ष ६** हेशा **यान, नाग्राना**ग्र ट्रिक 🛴 (ः পास्त्रम ना। एक ६ रक्ष चाल मन (अद. ऍ! होदा अधिन अकल्मात अनुधान-ारण (ा निकरमहे त्रभर्य मरहन । कान क्षान विधानक इंद्रि विश्वकन वृक्ति छ वि-বেচনা শক্তি আছে, সম্বিটানের অধান শ্ভিবেশ্বরু পক্ষপাতাদি দোবও নাই, उँहाता नकक्षमात स्का ७ वशार्थ विठाटव

(करे निश्वां अधिवक्षक विश्वा निर्मान कद्भण, आमता कांगिक्सब दारकात সম্পূর্ণ অনুমোদন করিতেছি। বিচারক-র্বিধি কোগ লোকাদি শরিজ্ঞাণ পুরুষ मक्षा मह्कारत कार्या करतम, व्यथि अ ভার্থির প্রবঞ্চনাই বল, স ফিল্বের অনুভ বাদিতাই শ্র, আরু আনেলাগণের উৎ व्यामनारमायकी ईमकातितः विश्वा । क्लांक आहिशाहे वन, किकूर्ण विष्ट्र करि-হাজিক ছারাল আলালত পরিপূর্ণ। তা- | হরণ দর্শন করিয়াছি। যে বিচার।সনে ব मृन टालिमितात किছूर अमाधा नारे। मिश्रा अक्ल विवादकर्ता ए जामला, रा এবং খন্যায়কে নায়ে বলিয়া বিচারকর্ত্ত। বথ বিচার করিয়া নিয়াছেন, সেই বিচা-त मुडिखम कन्नारेस। १५ ९४। ठाट्रांकिश्वर 🕴 त्राभरन व्यामीन ६ रेस। १ मटे व्यारेन (मटे আমলাও সেহ অধি এড়ার্মিট্যা আ यों हात्रा विहातकशादक ृषिक करत्रम, १ शत दः क्षि स्था १ मिनात कतिरहरहम । আমরা যে বিষয় প্রধিপন্ন করিতে প্রবৃদ্ধ क्रेगाहि, जामदा निष्मिरे ठारात्र माकि রা উল্লভ্য বশতঃ বিচারক্রিষার জটিল তিক পাপালা প্রক্রিক্ষী আমাদিনের পৈ ভূক বিষদের কিরদাশ অধিকার করিয়া অইয়া**ছিল। শুগ্র আ**দ**েতের** বিচার কর্ত্তা প্রতিপক্ষকেই সেই বিষ্ঠেব ডিক্রি एक। त्या वाशील क्रिया भौगापित्तक ' दिनम् आमानिराद्र रुरेयात् । सनि आ-পীল আলালত না থাবিত, আহবা ক নাখা বিষয় হইছে বঞ্চিত হইযাচিলাম। নিচারকর্জানিকেব দোবে সন্চার ব্যাঘাত অন্মে বলিরাই আপীল অ'দালতের স্ফি ছইরাছে। বিচারপতিদিগের দেখে তা-त्य विश्वार भागता नकसमा विटमारव चा 3 शीन दक्षि कत्रिगांत अञ्चादव अञ्चटमानम করি না। 🥗

करा वर्षा এ विश्वतंत्र अञ्चल हरेन्नाटर, সে এই-ভাকার জজের বিচারকার্য্যে य मनन वाक्ति विष्ठात्रकर्कांत्र (माध- । जापपुँ जा निवक्तन यरथके जानिक परिष्ठ एक, अदे विषय निश्चित। এक वाक्ति आमा निर्धात निकटि अक् श्रितिक श्रेष क्रोपेट्रे नार्यन । उप्ता श्रेकाम कृता यनि वि त्वचन। निक्त रहा, श्रामानिवादक श्रेक्तिक स्ट्रेट्ट ।

পুক্তৰ শান্তি।

মাদেশ। সকুভজানিক স্থীকার কায়ভার, এ रह निम्न निषिक श्रीक्षक छन्न । क्षाप्ता निर्दाश्य কস্তমত হৰ্ষাচে। প্ৰথম, জীগুক্ত দানু বিশিন-ब्यार्च जन कथ क्रमीड नक्ष्यामात्र । विद्रान्ति, ্র্বান পঞ্জুত, বড়রিপু প্রস্তৃতি সংখ্যা ছটিড অবশ্ভাতবা যে সকল বিষয় **অবেব্ৰব্ অ**ি-ान : आरक्ष, बहे शहस स्म**रे** छलित शास्त्रा कतः दर्शिष्ट कियु धूरे अक श्वारत काथ हैत्**कता** म ८ २६म । ६२, मक्कान तथन । ए पूजित हरे-ণ হে। হৃত ও মুকা চাবি ভাষা বিভীয়, পদা श्रीपुक्त यातु यहद्याम्म(ल इट्क्रिमिश्राम्) ेष्ट र गर्या २ व्य'देशा ६ स । तामक विरुद्ध सान ् भरवार्थी वाल्ला, कारक मकल है हराख अवा-१५ मा ५ १ हेग्राहा धराइ कवकक्षा कविका यपूराद्व करिछ, जार कडकश्रीस मरग्रहीखाः को भूकरकर मूला हिन काल, । जुडीय, कुलि । न वर्ग न कुड बाय, भवाभन मृति धानीखा श्रीयुष्ण विदिनास्य विभाग्यद्व केश पश्चित कवि नाहित हेंगाउ पाना ब्यान वैक कालन াপ্রকৃতির শুভাদিন পর মন্ত্রাধির বিধয় লিখিছ केन्याहा हेरा विमा कुल्ला विश्वत करा दहे-८५६६ । हलुके, शिनेटकद्रम आवक क्रेनिकीटनद কলিক। ভাটিবেউ সুকলে সাইটি ভোৰারায়ু দ্রিত ও প্রারিত হুইয়াছে। পুর্যদর্শ্বভাষে भागकित्या साहित १९ मकविया इत । यहर यहित ं जबह अबे हुटे द्वारक्षा मुका केरम्मा । बस्त. भजीरावश्व । देश नील माह्यस्त्र देर्राही अध्यत कञ्चाम । अप कर्कति नाम नाहे । उत्ता ে বাংগ্ৰের মুদ্রাবাস্ত্রে মুস্তিক ক্রয়াছে ।

শাদর্শন হইকে উদ্বত শাদর্শন হইকে উদ্বত শাদর্শন হইকে প্রথানিকের শ্রীযুক্ত মরে হইকে প্রথানিকের নিব গদন, ভ্রাণ হত্যা, জী-হত্যা, বালহত্যা! বলাহকার জা-লকারিকা প্রাভৃতি।

প্রতিল বহাখারবাণ লোম একাশ সম্পাদক মহাব্য় ! বিক্সাক্ত সম্পাদক মহাখ্য ৷ আপ-লারা অলেখানেক নীলকান্ত্রের অক্তাচানের বিষয় আবন ক্ষিয়াত্ত্ব, ইক্সাক্তিক বোদক্ষাত্র এক

- No die William William .

वास्तिः कथन था, कि श्राप्त श्राप्त का पार्थ कि पार्थ कि स्टिए स्थिता दिस । सामा कि करें के के साम कि स्टिए स्थिता दिस । सामा कि करें के साम कि साम क

😕 । २ पिन ११७ इडेल नीलका सःश्रुद ॥|-তেতে বুলু জ জ জ গুলাং বুলিবয় বৰ্ণ ক'বুলা किलाम। भाषा (म चरे- १ छेट्ड : कविटाइडि ইফার নিটি ভাতুশ হতোচার কতি সামানা। हेश्वाक कांच्यि गरभा (अ गण्युव ३०) हा । अड- । मुच निर्कत, बङ्गुह मिल्रेड छ।८६, छ।इ। छ।न्या शूरके काफ जिलाम मा। मान जारहर अधून। যামুল ছদ্দা কৰিতে ছল ভাহাতে ৰোধ চয कि व्यवसा बोक्सील, कि श्रीहाद विकेट प्रावसीन कः कथन अडराष्ट्रभ छ। पूर्ण प्रतिष्ठ क। एष् । इस इन नार्डे । वृक्षिः कुकार क्षा वार्य, कश्रार्थि, নিৰ জাকরকালী প্রভৃতি এত্তদ্বদীয় সমূত্র क्षारकता **८३ छि १ तित्र। य ज्ञणवारम** सर्वात निजा अंडेटफोम एक विश्वांत्रतहा क विका देश्या. करक भागन कर्छ। करिएा ध्रिताना, अकरन बहे न-কল নীলকর মহাপুরের ছইতে কি তাহা অ-পেক্ষা मन्त्रकी कालागित चित्रका ना न कि का-म्हर्या । अभिकारमा बेर्याक्रके कि निर्ह्ण हुन्धाद्रक वर्षक. देशीय: १८थ विष्यदिटेडचीय न्याय छान करवन, कार्या क देश विका अ॰ १८ई।व नाक्ष कार्या कविष' अ त्यानिव श्रुष्टि कविर ५ ४० / व करवन ना । अभक्ष भाषा है शिल्मगान, इदकता हे हैं। एवं अ-थान गराइ, कात वेश नितात क कि कतिए भारत न कि कि इ कामका दम्पियानन ऋषाचा कि रुकेटब २ (कडे वा फामार्ड्ड कथाय विश्वाम कड़ि-वित्याहा एडेक जिल्लाम अधिक किहू मा ब-সিয়া প্রস্কৃত ঘটনাটি বর্ণন করি।

आता करे छ छ थेकि छ भारतम, मध्य माध्या व नी नक्षि छ स्वा वरण आवा छ छा छ ।

मार्ग कर्म कर्नु क्रिक क्षेत्र क्

धरे मा अन्ति कञ्च व्यक्ती व्यक्तीय श्रद्धां उन्हें करिंग। क्षे - 'द्र व्यान अरहात कतिरलम वावर साहे ন্দ্ৰায় প্ৰাচৰ ছুই জাৰা ক্ৰিয়া এক জাৰ भगामित्रक १५%। हेटलान, अवस्त्रां संस्थाद सम्बद्ध-राहित सहस्र माञ्चा व अधिमृत्य व्यक्तिम क ्यतः करे भगव श्रवीत् **अकाशन्य (बक्र**श क्छे पित्र हिं। जन छ। इ छिन्दिल शाबाव छ सर्वी-कृष क्या, अनम विश्वीत इहेन्। यात्र, नत्न इहेटल कनवरक अध्याद्धा निर्विष्ठ हेरेड बार्टमा क्षे अ क मा हुवेही शिक्त धना अश्वकी बुवकी एक वनारकार कहा एडेमा हिन्। स्मेर कुट्टी स्म. ी स्मार्था अक्षीय काट अक्षी लिख क्या धिन। मेन जिल्लाक निराद न्या (प्रदे क्या जिद्र) আন বিচয়াল হইল : হাৰ ! যে নিশ্বতা, কি নি-গুবতা, কি অবাভকতা। ইছা कি ইউরোপীয় महा काजिर बाबाद १ पराहानी देशमर अवती कि ब्रोकः भागम केविटक्टर्सन हे क्षेत्र 🖁 अध्यस्य वर्षि में मृग ४३' हार स एक स्पार्य वर्ग अभिट उने दिन् তাহা হইলে কেন সিরাজউপৌলাকে সিংহাসন্ চুত ক্রিয়া তাহাব আৰু সংহার করা হইল ১ भवर्गमणे हेरवास अभवाधीयक अवाधिक वा লখু দও দেওয়াতেই তাহাদিগের অভাচার এতদূৰ পৰাত বৃদ্ধি হইরা উটিয়াছে। পূর্বে मात्र गर्जान्ये अस्तरम् राय अक्षण विश्वाम दिशा दश हैरवाटकवा मक्टलवे विक्-इविक क बाक्य-निता रम्भात इक्ट्यंत वाधात । अक्टन डीहांह्र त्र मरकात विपादन । अधुमा विनि बुविशादस्य त्य वांच्यां निव नाम देश्वारखवाल भूक्यां विक हरेश वाटक । गछ मामबात रमणन सुमिरम जि-नि उपष्टि याक्समा स्विता विस्तिर्धास्त्र स केरब्राक्ष्मियरक अञ्चल्य स्कृत्य शिक्ष स्मिथिया আঘি অভিশয় ধুঃবিভ হইলাম। বাহা ইট্টক त्म मकत व्यव्यामिक क्यांत्र क्षात्राक्षम बाहे। একৃত প্রতাবেরই অনুসর্গ করা ঘাউব : জন-তের নীপক্ষীর কথা কর্তা হিলি, অসহায় প্রকা: भगरक बांखकात 🎳 श्राष्ट्र प्राचित्रा वरत्र विक्रि পরামর্শ ক্রিঞ:গা করিতে আর্সিলেন, গরে পুন-कार माजनाम भिन्ना के एउडाना खळानवरण . करेश व्यान व्यक्त विशे शूर्वां विश्व वाका क्रिकिन धनर वाहित श्रुमानवान खेशकि छ-ইয়া একটা কুন্ত খীপে ভাহাদিপকে ছাড়িয়া निरंतन। भनीर अञ्चाहा (महे ब्रह्म हिर्म्म सञ्च ममाक्षा भत्रदेश खन्य कत्रिष्ठ क्रिक्ट किश्वस्ट्र बर्यक्कम मर्गा बावमाग्रीत कृतिह स्थिटि श्री-हेल, बर उरक्रमार क्षित सुर्वा हैन दियं है-नेया खासारमत खाळाग आर्थ कड़िला। अभिरक शक्य प्रसाम् दिनि गाः एव कानिएक भावित्यन रक व्यवस्क कालांता भरमाकीबीड का अरग्र जब-ছিভি ক্রিছেছে। ভিনি অবিলয়ে দেই তানে **উপস্থিত হ**ইছা ম**ংগ্রী**হী<u>(सि</u>श्च स्रोतीसा ४-तिहा व्यञ्गेषदक भूगनात मेनिकवादास्य गर्वे गूर्

প্ৰস্ক্রিতে জালিলেন। এই স্বয় এক স্থের निवास्त्रक्षा करिया सः । जागांचेत्रा दशम । ठेडि पूर्व विवाहित । विभि अवस्थित छहे क्षि कतिका कात बार छात्र काता निर्देश करें। हेत्रा विश्वहित्सन। त्य मकल श्रामा अनामितन अधिक ए: प्र: हिल जाहाबाल बहेक्कण प्राच्य बद्धाना स्थाप का त्या अक्री कूछ बीटन खरविडि किंदिक शिला। भरत देशकाश्ची क्षेत्र आंत्र क्षांक चीकिशोहे इंडेक हिला मार्टश्य श्रव श्रा-মীত প্রজাগণকেও সেই ছীলে ছাভিনা নিলেন। क्ष्यन हुदे तन अक्ष रहेता। अण्टल बाकद श **्कृत क्रमकल वत्रकाल जा**तक आध्यक्षांम কৰিয়া এই হডভাগা ে শালিগতক বাচিৰ কৰি-লাছে। হিকি মাণ্ড্ৰ প্লাচন করিয়াছেন। युनिनीयांव 'अभूति बाकिरकेट हैव निकृष्ट करे व्यक्तिमां आहि । नवन्तराखें वह विवास क स्थिक तिराधि इहेग्राह् । अवन्यके अभ् भिक्त कविद्यारक्षम या या वालि दिलि मारहः -धकृष्टि किनसन व्यथान घडााठः विदय धविषा व অসুসন্ধান করিয়া দিতে পাবিবেদ তিনি এ-জ্যেক ৰাজিংকে ধরাতে ছুই হালার টালার হি-সাবে ৬,০০০ ছমু সহজে টাকা পাবিভোহিক व्याख स्टेर्बन । स्टकारल अवर्गस्य के व क्ष्मिक ध्यमान एवं प्रश्नाल दिनि शास्त्र हि पश्चेष कर्वान्ति कहिरक्षिलाम । मुख्य क जिनि भाव छ। पृथ्वेत्रा चारमहिक चार्टाटक चारवारव পূর্বাদ আমেবিকায় পলায়ন করিয়াছেন।

कमिटक मद्रि मोट्ट्य (घटनम (ए मस्टराभ উপস্থিত হই ১৯.১, প্রাণ সকল কর্মাই প্রকাশ भूदेश পভিয়াছে। এখন कि करत्रन, कि क्र**ाम**् दिवसक ग्रवाम क्रिनिट छ। एसस्य में अध्या ू भें के इरेश रामन बहे ज्ञाश कात्र के जिल्ला है-खित्रा भारत काम कतिहा विभि मारश्रद नारम < •. • • • টাকা ভহ্বীল ভহ্রপাতের নালিস क्षितानम् । हिनि सारहत भरतत भक्षाम हासात क्रीका धररीन जालिया प्रनायन विशादक, छ विद्रमध्ये भवर्गरमध्ये विश्वाम कविद्यम । य हेनि रू. स्य भार्तिक, अभवन अखाठारतत निम्य विद्वेष श्राप्तिन ना । गाहा इंडेक अंबे भाकस्थाय स्व क्रण न खिविधांत्र इप भरत अकाम कविएक :. के।

च्यांभन्न विद्वाच्या कवि, शंटव्य हवेटल [क [ূ] হয়, এই ওয়াতর ্যোকদনায় কেছ অম্নি নি-क कि भारेटक भावित्वन ना, राक्षभ प्रवक्ती रह-विश्वाहि छाराटक त्याभ रहा अटलाक देश्वाटकत ু**লশ টাকা,বড় বেলী** হল পাঁচ টাকা করিয়া জৱি क्षांकृष्ट्रहरूकः। अञ्च धक्रमर ७ कि मीनका भा भ्ये**टब्र्ट्स्हा लाविक घडेर**व मा - **जबमा** हे इडेरव । व्यक्षा अध्यक्ति अख्याख एरेवात्र जावणान कि । रे क्रिकेट श्राविधीम् '

्रिक्**रे कछा<u>न</u> मिना गमाधि १हे**टन किंदी अविकास विमिश्व घटेलाम यरमाहरत्व

गानिरमुक्ते मारहद बर्द्र माहास्वत्र निकृष्टि छ छ भग्र ६ काक्का हार्टर इंदिन्स देन क्वित्र छ छहार कवि সাছিলেন। দৰে সাহেখ তথ্য ভাছা বড়ুএকটা। গ্রহা ক্ষেত্র নাই । এখন ভিনি নিড'ন্ড চ'পা-ाभी स (शांत्ररशांश (कां भा डाकु व किटके हैं। সাহেবের সহিত সাক্ষাৎ করিবার নিমিও গোণ-भीत शक् (स्थिक्षाट्या । पाकित्ते हैं गांट्य के धर निगाहित एवं द्यांककमा निग्नान ३० द পুকো অংগি ভোমার সহিত সাম ২ করিব লা । हेश्व जाश्च छू। कांगव क्र वाग कांगिक में त মাজিটেট সাংখ্য একপ এতৃত্বন দেওয়াতে আমবা ভীহার উপর নাতিশঘ এন্তর হট্ডাছি। এক্স উপৰোধ অমুধ্যেতেৰ ৰশনকী ও ইছ।ডি शक्तभाडी मा र अधारण (डिम कारणारे बरणार ७ किन स्रावन ।

श्रिरमार प्रेर्सिमभागा मण्याभक्त अक्षि कथः जिक्रान्। कविया स्मिथनीटक विध्वाम भिष्टे जिति श्रीम मञ्चलीय मश्यामहे मर्माटच श्रकाम करम्म । कि खरप्राम कि बिर्मान, कि लाका-कर्य कि थाउँपा कि बारम कि उत्म नर्केष्ठ के:-३१व मर्द'म बाडा काइन। कामरा त्य निन भत्न कृति हा अमा अडे दिस्मा मध्य प्रिंग आपदा मकीट्य स्थानम कविनाम, रम्बे मिन स्थाप रमन সংবাদ্ধী ইংশিসমান পাত্রেও দেখিতে পাই।। কান্তব পদন কলাতে দারালতের অনুঃপঞ্জ কলিকাভার মধ্যে অত্রে সহাদ সংগ্রহ বিধয়ে কেছই ইংলিস্থানিকে পরক্ষেত্র কবিশ্ত পারেন ना, भर्ष पूर्व्यत्र दिवस धर्म एय छिनि करे सकल **गरवाम एनिएड भाग मा। बेराब काउद कि ने** ভীহার সংবাদ দাভাবা কি এই সকল অভাবির डीहांत्र कि अके हुइ: बाबा हिनि कि जनम पिक भगान सिथिएक भाग ना ? (कान वाक्रांनि यपानि स्थाम वेश्वारकत कि विवास महारामक क কাংশ্ভ অভ্যাচার কৰিত ভাহাহইলে যে ভিনি ্ৰ মিউটিনি মিউটিনি ?? কবিড়া পাণাল হইডেন, ভাহা ছইলে ভাছার অ্দীর্থ বজ্ঞার ছটার भसः भगोत्र लाक दिवादिष एरेख, छाष्टा इटेल त्य डीवांत ए। १ किटनंद्र कांश्रट वाकां किवि গেৰ উন্ধ পালি **ব্লটি ক**রিয়া বড় সমু এডিটো-রিয়ল প্রকাশ হউতে থাকিত। এসময় লেখনীব व्यञ्चा अभरवाम माञ्जनदेव मरवाम मरवार निपूर्ण माने क्या । क्या कवि विलक्ष एक्य दय িন্হজা**জা**দৃশঃ সমূৰ্যয়ে প্রদোহেক্ষণ বিয়া চক্ষুষঃ অওলোক্তবিৰো মুদ্ৰিব্ৰভাঃ প্ৰথণ প্ৰথণবৃদ্ थतः। " घाराता चमाधू डीश्राता 'आन्नारमत ছনীতি দশন করিবাব সময় আলা ও পরচ্ছেছ দ্-শ্নির সময় দিবাচকু হ্ন এবং আপেলালের ৩০ वर्गात नमत डाइशास्त्र भीच होच राक्त्या थ-काम इहेटल पीटक। एथन छोड्डिक्ट भटक्र अ শংসা করিবার সময় উপস্থিত হয় ভখন ভাছা-हा भोगक्र व्यवस्था करत्ता । हेर्लिम्या व शक

4.5 TI লেন হাজীতি কমিলেছে म र 🎽 न इक्त साहुद्द्रिके । यः मधा। द -65 15 たいくちゅう たい 雑なん 为有过的 । हार, । गाउं । युष्या का ली

रिविधमनाम ।

रे ब स देवक (मानाम्बर

खन्न अन्यम् । वज्ञरमभ[ा]यः अन्ति एके स की बिगदक छ। छ। देश के राधिशन अन्य दलाल बर्फ नियुक्त हरद द २०. fa ि क्ति यक्त क्वांबर हो। (बेठ द्विप्र क्वांब) रुप्तेल उद्गाल জীয় প্রধ্যকের কিন

ब्रास वर्षान हेरहाओं गामक क्षांक अर्थाहरू, विष्ठात् । किथा , किथा हु हु मारहा १ कि हा है। **मा**(व) अम्लाप्त्वय संग्रेत हम् उत्तर (दह राम बुलिया लारिका है एए ८.७ शाहका ू ५ सूर्य देश्मा ७ यां अभिरामध्य करून (प्र. भ्रांना ८७३० छ । इ.व.छ १६२ छ। निर्देश । इ.र. १००० লঙ্গাতেৰ ও অনুৰা লা আহুল, তিনি যে অভিনয়ালিয়া তেলেন কেটি নাজু নাহে ব करम क है। निर्मान स्ट्रेशन स्।

क्क द्रा_रक्ष केल्दाधिक(दी मा १, ५४१ ज्ल दैनश्कि थानाव कारम नारयाला काश्व क्रान मि आजिमार कर्रक, फार्कार जागाव रक नम नव विग्राप कडेंगार्ट्डा ७७८५७ भू(नरवन नर्या हार्विभिद्यान हेड रचा क्**डेल** रा ।

कुड्दिश्रद श्रामा अवर्ग्यातीच विकर्ते प्रके गांक मिलाकी शांकिश दिवस (फाउँ पिक स्क प्रमान करें, बाकार का सरक्षित । कि म मिल्, श मिर्दर् दव्या 'नर्वम । (न्या क्षेत्रे क्षेत्र ।

देरमिनमान मन्यापक (दामा) इंडेट्ड हि मिञ्चाक त्य दश मधान भाडेश दब्स 'छज्र : त्व **८क्ट्रा मारक्के**री काशरक्ष्य छन्छ क्याइराव अञ्जिक्त व्यादियन क्रियाद्वन । व्यावादनह विविद्या अरम्हना अम्यम हार्ट्स !

ष्ट्रिक्ट १९ कि श्रेष्ट । इसके व्यक्तिया एक वस्त्र वस्त्र । भौग्न शवर्गमाने खम(दिन्द्र कर सहैशांद (इन्हें) श्रादि-ভাগ্নি করিয়াছেন : বুঝিয়া কাজ করিলে কলেন क्तिकोष्टे **अविख्यांश क्**तिए इस ।

উक्त मन्यामक बदलन वश्चांत्र साहिती मा-क्षिर्केट्रवेद नम् छित्रः निशाह्यः। अकस्य न्यहि-হিত তেপুটি কালেক্টর ওলতা শান্তি । কাকে। **छाहु ^{देश} हेग्राट्ड**न । कमकायूनवि भूनिसम् **व्हेल** व्हेल क्ष्मिक बाक राज व्हेशास्त्र (PR ?

ছাকাপ্রকাশের ক্রিয়ার সংবাদ দাতা ব-लान, फवका एक्ट्रिक्टक्षत्र अवविश्वत्र अवक्षत्र धूनगिद्र अर हे मात्राटक खनत्रात्रत मारहरमत नारम नामील एवं। खन्ना के हिन्दे utfor के ह प्राप्त अष्य एक प्रदेशक, रंग-१८के वनाया ५ व है विक्रम अस्य समित्र, प्रदेशकी है।

क्यार्थ (कार्य के लक्षर काल बर क्षेत्र कार्य एक महत्त् क्षेत्र के कि के कि कि कि कि के कि एक महत्त्व कार्य केमकम है (क्षित्र क्षांक) क्या न

এন্তুল জনজ্ঞাতি উদ, বিল, ওচাট সাহেব । নিবিন গোমা এব ছইবেন !

विव्यविधानिकार व ते ते रूपा अवस्त्र १९३० जिलापुर्ध करेर क स्वष्ट्राच्या के स्वार्थ करिया स्वार्थ चारका करिया प्रदेश के स्वार्थ करिया के स्वार्थ क्षारका वाक्षि का वर्ष्ट्र के स्वार्थ करिया विवर्ध । व्यार्थ के स्वार्थ करिया विवर्ध । व्यार्थ करिया विवर्ध ।

शिक्ष ए.५ खरबस्य पिनत्राप्ता चालबन क व्यार्थ्य । व्यान्यक व्यक्ष्यान कि एटाइस, क्षित्र त.५७:१६ क्ष्य, क्ष्य, भागन व्याद्य । त्रांक्य १ मो हान्यका अधिकृत्य खन्न कि देश, श्रोक भागन व्याद्य । प्रकार कहा व्याद्ध क्षिति ।

コーラ 75道 内部野寄ります

निक्षीर 5 जारतम् आरमः ियाः १ स्था एतमः इतः । किन्न समर्थे कर एक्टन योगमः छः। । इत्यादम् समर्थेः स्थित्रहरूनः। वन्ने अक्षाकाः । १८०१मः कवितः स्था दिन्दः।

भिष्ठ विश्व किल्ल वर्षाः विव वर्षाः विव वर्षाः क्षा किल्ल क्षा किल क्षा किल्ल क्षा किल्ल क्षा किल्ल क्षा किल्ल क्षा किल्ल क्षा किल क्षा किल्ल किल किल्ल किल किल्ल किल किल्ल किल किल्ल किल किल्ल किल किल्ल किल

श्रवतः भणीतिक वर्णम, कर्णक्षम स्वक निर्मिणम अक्ष्मणीय स्वक्ष्म मिका वे भनि-कास्त्र वर्णक्षित्र माना स्वक्ष्म व स्वि इस प्राप्त वर्णक्षित्र संस्थान कावेरस स्वक्ष्म निर्मादक। भणात्म वर्णम, वर्ष भक्षम स्वत्र स्वक्षम स्वाद्य क्ष्मिका वर्णमा वर्ष महिल्ल स्विक्षमा वाक्षित द्वस्ता है किस महरू। सम - ১ ল বাৰা, আৰু, কাৰ্যান সেছিল স্ব ইয়ো আই মাজত আছোলে ছবি (...

প্ৰত্য প্ৰেল বাৰু রাখ্যন প্ৰশিক্ষ ব প্ৰত্য ।
প্ৰত্য নিজ্পত্ব জান্য প্ৰিচাছন । চিনি হলকাল আৰু গ্ৰহাৰ প্ৰকাশনে চিনি লাগত জাক কিবল কিবলে নিজেন প্ৰশান জান কলে।
ভিনিবি অধ্যক্ষ কৰিয় কিছেছে ন্

कमिश्वमा द्वरेष भरवाम आसिशास्त्र छ छ । रमाकाकीरश्ववा जितिम शवर्यप्रमानेन हर छ छ । रमार्थन कविवास स्मान साक्त श्रम्मांच सा, प्राप्त रमार्थन कविवास स्मान साक्त श्रम्मांच साई। रमार्थन कविवास सान्य नास्त्र सावसाल आई। अक्तिक कारबार्यन।

क अवान विकेश खाया भागतात क्षिताण वि यह स्मान ख्याय खेणील १ २०११ व मानदात । जा वास्मीय संबद्धे बनान के जिल्ला खाँगक हिल्ला सन्तर

সম্ভাতি কাজিলে নিয়া ন মন ল গণ শু দ নি ক্লা কিলো শুনি ই এখনে কনেক লেন ল ছ প্রকার ব এবিধনে করা স্থিতি । জাগালে কিলা এ আকার ছাটিয়া থাকে, বন্ধ ব , এন ধ-স্থা নিয়াল একনত কল্পী কল লগাল না লাগাল একনত কল্পী কল লগাল না লাগাল লক্ষ্যত ভাষার ধল গালা জাবিন বে স্কুলাল্ড । এ লাগাল নাম নিয়ালে ব লাগিল। বিভাগাল ।

केस्रमामा ५३शिका जिल्लो मण्डे काणक हिंद्र सम्बद्धि काल बद्धा केस्राट ।

21-4 CJA 44474 .

स्मा रमनी काँउ६ आखि काँउ दण् एम म इति छाड़ । भक्षणना केंद्र मुख्य खड़ द इटच मवर्गदमकी व केंद्र हैं स्वाप दे हैं । जिस क्षणियां केंद्र स्माप्त केंद्र हैं द्वारा दे हैं । शिश्व क्षणा मिला काँउन कर आप क्षणा मान । जिस क्षणा मिला काँउन कर आप क्षणा है से । जिस काँच केंद्र कर आप केंद्र हैं

केक जन्म मान नरमा, भव विके स्वास आ भ । भागावार हा । । किराना । भव देवे अभय म अक्षिण वि मान । । म रवस । स्मानिक ८ के क्षांक्र गंद अभ वि के . १ कामा शिक्ष ए । क्षा को , ५० विभिन्न महक्वीं स्मारक की श्री केमा दिवाल क्षेत्राद्वस्य ।

गुष्पि काश्वीरवन द्वासात शुक्त काछाण भि १४३ वरि १ हत्त्व द्वासाद कगाई। विश्वह इन् कि १५१ वर्षीवनिष्ट श्रुट्यत विशेष्टाश्रमहरू वि ४ वर्ष क्रिक्सहरूम।

हेश्मित्रधान जम्मानक त्यूको ४ वस्तव इत्रेट्ड तर्गात भवित्राहरू, कत्यका वस्त्रकाको दिवसा करती ति। तत्र केमत्र प्रमित्रका आहेक कतित्राहरू। १० त्य कृष्ठ मक्षर्कको त्रहरू दिवस्ति। तत्र त्रव्यवी त्यामन कहा देशी सह

कार्या करत्य कवि इक्षि, काक्षि विकास कार्य-११० के कार्य के स्वक्ष कार्य के के दिशा विकास की-१ ते कवा क्षेत्रका कार्य कार्

है दिन्द है कि का है । कार निर्मा क्यारिक कर्ना क्यारिक कर्ना क्यारिक कर्ना क्यारिक क

शासन्दर्भ कार्य कार्य होता कार्य का

क्षण क्रमांक मह वार्षेम क्रियास कांच ५ वंदा एशवर्षेस मारद्द विकि मारद्द्दह थः ९ देवस । कींक्य मारद्द स्मश्रोतक व्यक्ति इंटिल ८डा मारद्द कींक्श करक योहर्टन ।

भावन्त्रित लाह्य दिश्रविद्यार्थेः. भा भ (नादेन ब्राट्समाद) रहेन्द्रार

. 🍽वि ७ वर्षीय दश्यात्मय 😻 म्यद्वित है । 🗷 धान वैश्विनिष्ठ हेनगढु- । "१४व निक श्रम छार्ग क-क्षित्रा वेश्लद छ नयम कविष्ठाक्षम । क्षांकाक्ष अधी-मण मणीहाबीदा छ रशक अब अबिजामन श. व्यक्ति करियारहरू। हिन्नायुक्त अधिकेव एकांच 어() 날 :

देशन वान र न्यापिक बदलता शैक्षत राहर ति विशिध आख्य इत्रेष्ट्राहरू ।

森と明代。 弘本 東竹橋 P 内郷 第[四刊] 1.75で2寸 山水 水山 छ व विष्यादिक क्षा क्षा क्षित्र (बार्ड केरक्टर वे व काइवर सम्बद्धिक काम्राटक हुन कर्णवा महा अप अप कर्ताहरीय (श्रीता क्षिपा एक सार १ महिन्द महकां सं संबंध का निरंगर ध मा निरंगर 不可愛を 事でより

मिर्न रहेर । मरव.स व्योगिः (स. अरवग) Cक्ष्मोत्ती क्षमण दे का प्रमाद क्षेत्र क्राम क

क्षा के जिल्ला कि जिल्ला महाराज्य के जान करिए (क्रम क्षण्यक्तीष्ट मर्न.स भरमन य तैक्ष, त्म ६ । चेक्डवा र मण्यापक बरलमः, वर्गम् हा गश्दरेष 🗥 ट्रॉव्हें बीला लिंक त्यां नाम न पश्चित करिसारह 🖣 अन्। विद्यंत्र क्षांक स्व द्वांका द्वांभव 🖘 . कर्ष्ट्रस्य वट्टि । !) अवन् जो अवन् अन्यामभाउ क्षेत्र प्राथमी । निष्ठि विश्वे अधिक लिएक क्षेत्रकार । अवस्य विक्रित जन्मावत्कव की ज कि

दिश नम क्रिकेटिलेंग, संउ दुरुम्मावनाः क्षेत्र हे प्रिक्ट दे मेरदा क्य स क्यानक वर्ग 🌬 म प्रकार नेसार कहि एकेपाइट्स

२३ व टेंbद बुहम्मा १३ व द . भूबेक अपने व कार्य है। व करिया अपने किया व कि कि कि कि अमेरिक का पर मण्या दल दक्ता Part becare i

्र_ा, ब्लाक्स्ट्राहरू क् (कर्रा करा स.३ स क्षेत्र में इसने, क्षेत्रिक करें करा, ५८० 70 1E 1 4 क्षेत्र श्रीमाना क्षेत्र एवं जोशीन एत 🕥

Athenia on Bein be u. . . अंशाह्य द्यारक दर्गी वासकः ००। क्षित्र विकास

कि में विश्व के ब्रिश्नी के ब्रिक्री के म्य THE RETE MENT HE PROPER . ME Ferie के के किया विकास का विकास कर है। इस स Catalores and am alust a ferial भौतिहासम्बद्धाः अधिका अधिकाः । अधिकाः कु क्रमीत रक्षम् व्यवस्थान काम कामारक मीन प्र 的社会有的国际的。更多一种产品。

द्वाद वर दंत वदाक द्रक्ष इति का म (पर कार्रमसर राषेष्ठ (छन । जार श्रेष्ठ छन) माधनिक चाहिन (बादधन रा. रे अहिनिक कविवा

मुख्यकि शर्मिक भूमा । यहेल श्राप्त अस्मा वि हक्षत्रहरू थ्यान ५००० है (कर समा प्रश्न हों

্প্রায় সাহিত্যাল 🚁 🧳 পারি कियाः द्रारक्षदेवेः आंश्वर्यक्षिक अर्थक्षण्डः । याकात्र अविक मान्य ६ वृद्धिमारक्षम । द्राक्ष, व्यार ette is a ration res

> লাণ্ড কংনিত স্থেপে গ্ৰাম ক**লে** ব্য ्रिक्षे अध्यक्ष का श्री कर्न कर का अख है। कम है हु रहिल कविवास विराग के हार हा कर केव देव किन प्रतिप्रारद्ध "आ(श्रम्धः वेतक्र है अर्थिया छै। अर्थ क विश्वतक्ष्य अनुक हा, हे । इस है । क्षेत्र है है । हे वो , प्रश्नम् के के वो हि है । विन्यवीच शर्वा या नीव काले व्यक्ति शास विकास क्ट्रेश्राम् ६६ व्यार्थेन मधान क्षेट्रको स्थान 本名 福田 亦行と「司」。 **教養の職者 、 将字書 カ**キュル व वहें अभिक्ति मिटलके कि ल इस ।

> भंडे शर्मात वापा कलिकाकां वृत्त जाः ष्ठे व्यवस्था है के स्वाधिक के जिल्ला है के विकास नक्षदंग्नीय ना। अ अव्दिम्बर्केट विभिन्न बेट्य का भिक्ष भा का कविश्राद्यात । मांगार्थ्य 🔞 मांगार्थ बाएएक यक या हि माना माभित बहेरब

्याप हे त्परकाठे भाषा प्रकार दशका छाल्छा 🕞 क मनक स मान्यात जिरश्रकीय शक्तियाल मा दश्य किं≛ शिरमण अमा विष्या के अपोर्ट प्र मारत्य सञ्चात आकि अकितिनि छित्वकृष्टेत हैं। 1 (44)

दर्भा है में दिल्ली तिनी मुख्ये सुद्ध बाह्य किन द साम पीक्षि जन र तथा का के हैं है। कृद्भ चार्षामा अ.च कतिकारकर ।

र्ने 'कहाक्षित धवस्त्रज्ञ अल्ला'वक घरतः ७(७a) । खाणि इसे जिल कोरिक **बारबर**ा श्टार्यक स्रोधिक प्रकार के गाँ विषय का किया दक्षा । क्षीयन पश्चिम इंधाः जात दमकातारी प्रारमेन विम ज 😁 शहक साथ प्रविद्या छन्न शहिमाहिटलयः।

पि∫लक्क श^{क्का}, एक डे लिशास्त्रर म ६ थरून र पर जिस्ति प्रस्था के के किया मिल्ल शास्त्री क्षेत्र किविधित विक्रिक विक्रिक विक्रिक । १८ > १३ वर्ष अधि वे खेलावि विष्ट अध्य व प करवन।

> कर अन क ब्रह्मी कक्की बाक्री शांध करि नाइ मण्डा व शिव अधिकांतीय न एक व मि रही -कि व द्यत लहेका अलाइन कट्टा श्रुनिंद की ही य भारत महभाग इंद्युटिक् कार्कुम का ने देखा क्रांत्रादक नातृत पतिका क्षांत्रां कविक्रा क्रियातः (क्षेत्रिकः आप्रक्रम । शाक्तिक्षेत्र अशिकात जेसा

करी राज्य (संरक्षा) हमाचा अञ्चलका 🕿 अन्य वा 🗷 रिक्र की १५ जान के **आध्या अध्या करमा** के रिका <u>का</u> पूर्वी कार 「南・とをなってい」 ツ朗 4 (452) 塔は 178 郷村, 本山 হউবে কিয়ু ১ লাগ প্রাথম্দান্তালিকের প্রতি मध्ये क्षिप्र प्रश्व दिए न कर, श्रष्टे (व ।

(कु ६ अ.स. प्या अस्ति। असे कृदेशां है। कार ए ६० - हे,ला काण्यान वाकि वर्षा के का होक्स "ले.हरा हिन न अखादक व्यक्तिरा कतिशारम्ब । 'छन्नि नरमम छारु' भेरेट्स निष्छा। (Biel)n'acas mis obit i rim farmite be t বিশ্হ হিন্দ্র রা

क्षेष्ठ भग्भामक सम्बद्धार भावत न विद्याल्यन सुन क्षित्राद्यासर सर्वारद्रहें अविक नाक वान कर्ने मा अक्टिप कर ज करहें , अक्टाइस बर्धकार दोन शक् र्वेड प्रकृति के तरहक वृज्यामधीर के विश्व के विश्व कर area । अंक्रवंतर विभावत्र का अवेत्रर का अविद्यार का रक्षात्र ाम (का शांच केरलक, श्रावध के खाका क Gods i mie Bint fine alem einen. काबी अधन औं अशास आ कर रवस टक्स र

C. C PEN BENTY!

भेष्ठ अञ्चादक प्राप्तक हैं जो र का भक्त दिल्ली अ इन्देश्य । दहनस्का अवव्द्याः स्मिति कक्ष्माद्राः Mefer spane.

ख ५२' स्टॅन्स म रहत हारिय अकडान मा-ट्याचादि अञ्चादम के किर्मात्मत मन्द्राभ गानि। 野菜 电图形设置点 1

सम्बद्धारा क्षां व दशनांक्षा व गिरूर वर्ग । किंग क्षित्र श्राम् व्यागका धारण क्षित्रहे हिन्दा र ५ -जाप अक्र विद्याल का बद र जा का का विद्या । क्रिय शत्रात त्राम, क्रिय क्षाञ्चराधकारम अपि ४ क्षुत्व वृश्चित्र र वेत् एक्ष्या अभागारंत्र कादमक काव्य यांक वाद्य द्रा ४ कम एडिल इनेवाहन छाउनि भूषा ति हेर्डेटन ३ डेटाटकरे कि क्टण मध्यम ८-५ श्रक्ष(दर्भ वर्ष्यक्रमा धन व्यक्तः। 🐣

५७०७ व्यास्त्र ५० साहित स्टामाध्य वहेता कि। तबक स्टेंग(रह् । जनवृत्तर्भं धारियत्व स्वामान fores again and wife :

ब्रुक्ति अन्तर्भारक सम्बद्ध अन्तर्भ कल्किल (दश्य बांच कर्मकं मृत्यानाथाय आर्थेमः कविते।ह्य ८१ ए क्षेत्र शक्तिकारमञ्ज श्रीवयदर्क ६५ ५०,००० क्षिका क्षात्रमाना वकेशाया छ। वक्कारण न । हिल कि बात, के बैकिन महिनेबर करना । **लहिन्न क्षित्रामा विशिध** के नित्रों जन्म। बन काक्ष विश्वादकृत मध्या चीवांत मुख्या एवे का भा र्वश्चक स्थेकी है। का धानार्थन कांत्रद्वम मन, पह कृतिका दीकात क्रियामधिकात्रीविश्रदक मिक बहर्रां प्रदेश । "नत्र चाहानंत्र अविनदः दक **知識! CVでごす!** भारतीयार्थ का अधिक प्राप्तिक मुख्य सर्वकृत्रक मध्या सिन्दिक सब्दादी कविनमहा

भागि अर्थ करिया विश्वय क्रेश मेंब्रेंचा निर्माणक है

(मांशक क

প্রবর্জভাং প্রকৃতিহিতার পার্ধিবং সর্বতী প্রচতিমন্তী ন নীয়তা।

मन ১२७२। २ देवलाय। हेर ১৮७२ २५ ब्राट्यन

বিজ্ঞাপন।

সোমপ্রকাশ আহকগণের প্রতি।

চৈত্র যাস অভীত ব্ওয়াতে অনেকের अप्रव (मार्ने: क्षेत्रारम्य इ.स.कोन **काफी** उ.चे.-हारक, व्यञ्ज्ञाय डीशांवित्राक विवय पूर्वक ल'नाम य'इएउएइ, डाँशवं: अक्षप्रद भूर्तक রব। করিয়া আগামি বর্ষের অপ্রিম দুল্য গ্রে 19 4(24)

विख्य'शब

मामध्यकारमञ्जू छान भविष्ठः

সেপপ্রকাশ বন্ধ এডিলিল যে স্থানে ছিল, বৈষণৰ মানের ১ লা ভাষ্ঠি ভাষ্ট পরিজ্ঞাণ কবা চইয়াছে। অতঃশর আমাদিগতে প. ক্ৰাদি লিখিতে হট্লে আপাড়ভ: কলিকাডা न क्ष पद्ध निथित हरेरकः थार व्यावता স্থান নিৰূপণ কৰিয়া লিখিব।

विकाशम ।

अण्डि भारमत भदनस्मरलेह स्मरक्रस्ट स्म ধকল আইন ও সর্কুলর ভাতর এবং রাজ-ক্ষীয় বিজ্ঞাপন প্রকাশ হয় ভাষাতের কবি- । যাইবেক লে বাজালা আপ্ৰবাদ উজাত করিব: শনৰ ্রু, ওলাশি নী ব্ৰেবার সংহিতা নাম গ পত্রিফার্নারে প্রতি শকে প্রতি মাদে অ'থি প্রকাশ কবিতেছি এবং অনাভিষিত্যে প্রতি সম্বাচন প্রবাদ করিতের অলীকৃত হটবাছি ৷ আইনাদিব বাদালা অন্তবাদ সাঞ্জাহিক পাক্ষিক, মাসিক প্রিকাকারে প্রভাগ করবার একাণিকারী

न पर्नरमरके दिक्षिहेदी कवित्राहि । विशेष अधि সাধারণের রাজ নিয়ম শিক্ষ'ন এব ফুড়ম উপায় ও স্বিধা সংস্থাপন করিয়া সকাতো গবর্ণমেন্টে রেজিইরী করিয়াছি ওখন আই. मानित्र नाजांना 'अञ्चलां प्रशिकांकारत প্রচার कतिएड क्वर पापि अवाधिकात धार्श हरे রাছি, অভএব গবর্ণমেন্টের আদেশ ভার্যায়ি वाद्यं कब्रुभार्थं गर्क गाधात्रभटक विश्वापन कवः যাইতেকে যে জ্ঞন্য কেহ যেন তিন নাদের প্রকাশিত সম্পার আইনাদির আলানা লাড় বাদ প্রেণী পূর্বাক পত্রিক'কারে প্রচায় ন ক ৰেন। যদি কেই ভাষা করেন ওপে ভিনি আমার ক্ষতি পুরণের দায়ী ছটবেন।

দ্রীরামচন্দ্র ভে নিক চাকার সদয় আমীন আদালতের উবীল।

ৰিজ্ঞাপন :

এর্ক সাধারণকে জ্ঞাত করা ঘাইতেছে যে আমার দ্ধারে অব্ব কর্মালয়ে এক জন सका मंदिल १८ हे कि मानि ३ दवजरन प्रवृक्तात्व হইয়াছে যে কেই উহার নিমন্ত উদ্দেশ্য হই হেক দেছ 'দা'পন প্রাডিষ্ঠ। পত্র ও নক্ষার নম্না সন্ধলিত দৰখাত আমাকে পাঠাইৰে উ**হা দুট্টে যেমত লকুম চয় পশ্চা**ৎ **জ্ঞান্ত ক**র।

নিয়ার বাঙল্গিতী ডিভিন্ন গঞ্জাব। 4年 11年 24 多2

विस्त्राभम ।

রেবরেও লভ সাহেবের প্রতিফার্ট विकार्ध

সংক্ত ৰড়েব পুত্তকালারে ও রাধাবাঞ करेगात अमा १४४१ आरमद २० जाहेन मट्ड रे द्व १०२ नः कर्दन उन्ह कदित लाहेर्टनम

নাসিক মুলা ১ টাকা বাৰ্ষিক অগ্ৰিম ১০ টাকা

वारमाज्यक गाउँका

मुका । भाग ं

সংস্কৃত বদ্ধের পৃত্তকালয়ে বিক্রনার্থ প্র श्रुष्ठ कार्रहा

বিজ্ঞাপন।

জীয়ুক্ত উপর্চস্ত বিদ্যাসাগর ও ব্রীযুক্ত দেবেজনাথ ঠাকুরের প্রতিমূর্ত্তি বিতীয়বার প্রস্তুত করা হইয়াছে। ইহার প্রত্যেক খণ্ডের 🖰 মূল্য এক টাকা। সংস্কৃত বত্তে 😉 বিসনজার 🖰 নীচে ৮ নং গৃহৈ তাত্ত্ব করিলে **পাইবেন** ! जन, नि, देशीय हर्वीत्र्णामि 🕡

সোমপ্রকাশ 1

a B traite

:৮७२ ७० जरनेत जोत्र राज्ञ ।

লেও সাহেব গড বুধবার ১৮৬২-৬৩ অন্তের আয় ব্যরপ্রসত করিয়া টুই ঘণীর অধিক কাল এক দীৰ্ঘ ব জ্ভা করিয়াছেন। উইল্সন সাচ্হে মুডনবিধ কর স্থাপন ও তৎ প্রস্তাব করিয়া যেমন সকলের বি-ৰিষ্ট ও অ্যশোভাজন ক্ইয়া বান, লেও সংহেব তেম্মি খ্যাতিলাভ করিলেম। অস্প দিন হইল, পাঠকগণ অৰণ করিয়া (इ.स. छात्र छववी 'य शवनंदयने लाहेरमण क्य डिक्षारेक विद्यादस्य, अवादत स्थात अवि আনক্ষর সমাচার আহণ করুন। যাহাদি গের পাঁচ শত টাকার স্থান আর, তঁ. ह। नि-भटक कर मिटल स्ट्रेटन मा ; भाषा- ह हिकात वान्ति भारक भारकती আ্যবান जाति केरिश क्षेत्र विद्या क्षेत्रकार

্লাণির্ লোকেরা যে এই উ**ংপাত হইতে** ছুকি লাভ করিলেন, ইহা নামান্য আহলা , (नज़ वियम् महरू। अर्रे भृतिक कन्न अक ,,কালে কৰে উ.ঠিয়া যাইৰে, আমন্ত্ৰা 'একণে এই পতীক। করিভেহি। লাই ु त्रिण होज्ञ ब्रह्सिकता बल, 'बाब हैनकम छोडा शान क्या वल, छेलबरे लिड नाट्ट्रवत बर्फ्न क्रेन्नाटकः। लाख मादकव मार्क्कदेवत कांभरकत स्थक कमाहेश भीठ, ও স্থার শুক্ত ৩'।০ টাকা করিরাছেন। 'আৰ্দানী দ্মাক, দ্রাপ ও কাগজের ৰাশুলও ক্ষান হইন।ছে। বাহার যে वार्षनः हिल, लिक माहित जार्शनक णाहा पूर्व कतिशास्त्र, काशास्त्र विभिन्न করেন নাই। ইহা লেও নাহেবের লোক ব বশতা ও বিনয়প্রাহিতার পরিচয় প্রদান **क्रिट्डट्ड** ।

नारेट नच छोद्र डिविश (शन, वेसक्स টান্তা ও বন্ধা প্রভৃতির শুলক ক্রিয়া গেল, তথাপি ব্যব অপেকা প্রায় কেড়কোট अधिक रहेरव। वर्छमान " बंश्यादत मञ्जाल खात्रख्या १२, ३०, ३०, ৯>> छोका चात्र बहेगरह । चानावि बर्दा हुउ, १७, ७२०००, होका चात्र मुखादन। **可"(罗**。 वाम काम मिशा धारे किनाव धवा इहे हैं इ.ट्रा अस्टिक्टनद्व श्रांका अकार्य शास ase कोकांग्र विकास स्टेटकटक, किन्रु क्लांक नाट्य ३२०० छोका वाज अवना कांत्ररा হিসাব করিয়াছের। লবেবে আপাতত: গ । কার। বশতঃ ত,হাদিগের সংখ্যা ক্ষিয়া क्षिक किथिए कम भाग हरेएए। उशाहि এৰূপ সন্ধাৰনা আছে, অধিক না হউক, দৈনা প্ৰেনিত হইবে না। কলছঃ এৰ প भूर्व बद्दमदम्बद्ध न्याम चान इरेट्द । कज्ञकः । (दाद म्हेल्ड्ड एव क्ष्म काल माधा उपन शाटि 88 कारि होका काम नि'नदम्बर द्यानवर १०८५ आमानिशास आहारक श्चित्र कहा माहेटक भारता चामामिटशत । यह के खेटतानीम (समा शाकित्य । यहि केर विदिश्य कांकारकः विवय करे, कृषितक लिशेय भवनंद्रमके भूदर्व करे मण्य कवधः निक् विकारमा ७० तक व शयनिक केंद्वार्टक २० लक्क व्यक्तिक जात हरेगारह।

এক ভূমিতে অধিকতর আগ হইত সদেহ बारे।

১৮৬২ : ৬৩ আজে জার্ককরে ৩৫,৯০ eerso हाका दान स्टेटन : वर्डमान वर्ष কেই ৽৫০,৩৩,৬৪,৬৩ [ক্যাস্থ্যভাবে] बाग् क्षेत्रारक । ध क्रिमादव ४८.५५.७७० টাকা ৰায় সংক্ষেপ চইতেছে। কিন্তু যথা र्थ बात्र व्यर्थाः सम्भ, । तल वटरत कामीत्मत টালা বাবে প্ৰনা কবিলে ২১ কোটি ৰায় करेशा (का श्रामा भरता वाग मश्यक्ष शर ইছার প্রধান জারণ। বাদের মধ্যে পেনারু दावडे धार्या । जाना जाना হিত এতথসংক্রান্ত বান্নের স্থান ভারেক क्रिटिन म्थाके अञ्चल हरेंदि, ध विष्रायत . বিশুর খার ক্মিধাছে যথঃ

प्रद	টাকা বার	
>b(. 50	そのから からぞっ	
>p ~16;	このもどみらんかっと	
24.7.45	75 A.000non	
८८।५७ ४८	25500000	

खात्रकवय गमिनाटक डे॰ल्ल्ड्स् खात्रसंना त्म नः मत्लव य वन्त्र मिट्ड इवेट्डइ, स्लड স্তেৰ এক প্ৰকাব ভাষার প্ৰভিবাদ কবি श (य कथा बटलग (म এই---

" छात्रकदर्भत नातम हेश्मर १ ए (मना चाटक, काकामिरशद कता चामापिशटक त्रथा वाय **कतिएक स्टे**एकटक । इंश्लर्शीय গবর্ণমেণ্ট স্বীকার করিয়াছেন. ও দেশে एक इंडेरताणीस रेमना चारह, ब्र्जुन्नल ্গনে ত ছাদিগের **পরিবর্ত্তে আ**র মুখন রণ করিতেন, তাহা হইলে ভারতবর্ধ ঘোর তর বিপদের সমবে এক গুরুভার ছইতে कि पित्र के कि ना रहेटन त्वन पूर्व रहेट शाहित्वन । किंद त्वन मूच

পরম সুখ; আমর। বিপদ হইতে উত্তীত इहेगाकि।, अकरन बात बनानिक हेकेता भीत देनमा मारे : अमावनाक देनमा महत्रव পদ খুনা হইলে ভাছা আর পরিপুরিভ হইবে ন।। আমার একপ বিধাস ই गाएए यपि है क्ल और गतनस्यकी भूमसीत আপনাদিসের সুবিধা হেতু ১৪০০০ অধ া ১৫০০০ সৈনা উংলত্তে রাখিয়া ভারত वर्ष हरे कि काशान्तिशत (तर्फन लम, स्विते मिटक होति हेह। इसिवाहन क्रिया , ,, u.s কার। স্পষ্ট প্রাথীয়মান হইছেছে, লেভ मारकरवत्र व्यर्थकः हेश्लखीय भवनंस्मिकेटक এই কণ বলা হইয়াছে, আমর এত দিন তামাদিগের সুবিধার জন্য প্রতি বংসং করেক কোটি টাকা অপবাধ করিলাম, किन्द्र खामदा खात छात्र. कदिन मा। यात्रा इंडेक स्थ्या याहेर्ट. छादस्वर्गीय ग्वन्ट्यन्डे এই প্রতিজ্ঞা পাল্ল ক্রিডে পাবেন কিল' .

हरा व ज्यामाना ७ त्रशानीत मुविधा (२३ ताला क्षेत्रड कृतिवाह निमिष्क .a ४० भन भार अक तका हि होका (मण्डा बहेटन, इनकब होका इट्टंड ७৮ लक होका सन् या इस्पाइक । विचा निका ও द्राकाविह কন্য প্রতি প্রেসিডেলিডে মুডন কর স্থা পন কর। হইবে। তলাকের কর হ গেল, ভবে বদ্দেশে মৃতন্তিধ কর আদাচন্ত্র উপায় কি ? পান - পান ও তমার উভয়ই সমান।ভনাকের কর সে যুক্তিতে পরিভাঞ क्रेग्नाटक, शादनत क्यु अपने श्रीकृटक शक्ति ন্যাগ করা উচিত। অপর, বিদ্যা শিক্ষা नः काष्ठ कर काम कामने चारा मिर्गव , चनूरमानिष्ठ नरह। विषा. व अमन व्यार्थ नीय भनार्च, कन्नमृथिक स्टेरल देशां अक लित्र विकास विदिश्चे हरेता केंद्रिय ।

ककि वित्मार जास्वारमञ् विषय अहे विमा विश्वत अर्ज सम १० लक होका त्य ७ व वर्ते वारह । यथ वर्णत शृहर्स अक्षात ভারতবর্ধের শিক্ষার জন্য ১১ লক্ষ ছাত্র बात रमें उता इस। विद्यादि रमरणंत्र (जी)

ভাগা লাভের মূল। গ্রব্দেক সেই বিদ্যা विषया ए शक्तिवार मान् क्रियान अर्थ পৰিমাৰে প্ৰজাপন সৌভ,গালালী एইবে। বেশ বিন্যাস, অবিবেকির শাসতভারতা প্রশার সৌভাগ্য ছইনেই রাজার সৌ ভাগ। ।

পরিশেবে আমাদিশের মনের ভার প্রকাশ না করিয়া এ প্রস্তাবের উপসংহরে कता विषय इंदेर इटक्ष मः। अञ्चलकर एयन दर्जावव त्मञ्ज म'दङ्ख्य माध्य मध्य ७ द्विव চিত্র রাজকদ-ক্রাট্ট কার্যা)কারক প্রাপ্ রম বার স•ক্ষেপ থার রাজ্যার **আ**য় : वाय मग्रका विधास मन्दावन। शाकित्लक विधासम्बद्ध अवि मन्दास अपनीत करतनः र्राइता शक्तभंगरक खकारन कर्नीहा পেন, জাহারা মেন রাক্ষক সংক্রান্ত প্রধান 🕛 कार कात्रक इंदेश: ठ'इ ठबर्स सा आहे সেন। তাদৃশ ভুরাকাক্ষা পর্বশ বাফি बार्च जात्रजनार्धन यक कर्योत कान्न ।

জ্ঞা খুলিদা দকান প্রবর্ণন।

অংমালিগের চিরম্মরণীয় ছইয়াছেন। কি তিন পরে বিচারপতির সহিত ত।তার ানক্ষেত্র, বি ক্ষান্তি বৈশ্ব, কি এদেশীয়ুদিশে ' অনেক তর্জ বিতক হয় শেয়ে সাচেব ত অব্যাননা, অনুধাৰন করিণ দেখিলে। তাঁছাকে কুতা লইযা আসিতে দিলেন। फेरू मार्फ १, मक्ष कर्यस्य भूम , इं.शांत्र यह विषय हरें । वाशाह नगरत व्यासनामन 'धপমান কর' ইউ,রার্লিবাপ্রাে একটি বিকে গালি দিবাব জনা আর্থানিতারী थाः। हर्देशः के हिवादकः। अस् वास्ति कालः। व्यक्तिभारतत् सक्ति तंत्रा कथा स्वीतः पूँकिः। কবিয়া ধৃত হইল, অফলি ভারিধার কাকের। ব। হর করিলাদেন। বিজ শেষে এই সি ভারস্থার এ দেশের ঘারভীন লোকাংক গা লৈ লিকে জারু র করিলেন। কুয়েক সময্য क्रकाश निर्मिष मिलाई। विकासी हरेल ए हर्देश विलिया मधुषात्र (सम छिन्सल किल ় প্রস্থান ছউল। ক্য়েক জন ৯:এ প্রা:১৫ ক গঞ্জ চুরি তবিল, অমনি সমুদাদ বালা লিকে চোর বলা হইল। আমরু: কথঞি° এ সকল বিষয়ে উপেক্ষা ফরিভে পারি क्टिनाड एक्तरहेति क्ट. श्रामता हेडे ार्थी।याजियमाद अवि मन्यान आगर्भारतत

व निष्म कन्निश यान, जार। कान क (यह उँटिशक्तिम नट्ट। वृक् औटलाटकत्र ^{হণ}, **খনভিজ্ঞের পশ্তিত** বনিয়া পরিচর । দান এবং জুড়া খুলিয়া সন্মান প্রদর্শন এ श्वेल बिटाह अमरा ।

লার্ড ডেন্রহৌসি এই নিয়ম করিয়া যান যে এতকেশীয়ের৷ যখন গবর্ণর জেনে त्रत्वत्र पत्रवादत ও अधान च्याणालारक धाहे ान ठथन काणांजिशक जुरु। श्वीतः। य हे তে হইবে। ইউরোপীনেরা টুপি খুলিল এ **मिनीश्रमिश्रास्क अपू**ठा चूलिया मिडे जन्मान अनर्भन कतिए इ.१। अहे वृद्धि चाहेन প্রচলিত হওয়া **অবধি আ**নাদিগের দে শের তেজন্বী তন্ত্র নোকেরা কোন দরবারে वा अधितन कटल एडिएड हाटका मा। অস্প দিন হইল, সুরত নগরের জঙ্গ এক জন পারসীকে জুড়া খুলিয়া এজল সে লার্ড জেলছৌর অনেক বিষয়েই অ'সিডে বলেন, পারসী তাছাতে অসম্মত দুর্ফার দর্শন করিয়া একদেশীরদিগকে হৈইতেছে। তাত। দটতে রিনিউ পার काम क्रवियात्त्रम साहारा विलाडि कृष्ट। a (ठाकः अवित्यम क्राह्मिशस्य **अहे नि**ग মাধীন कव: উচিত নতে। এই निश्वाय अ **७९ क**ार गावजीत सातु अव्याभाज मुन्न में को इंटरिंग मिला मोडे। योहा हर्डेक. क रहतरांत्र मर्न जानाम शक्तिका है। हेम्म **प्रकृतिः हिल जनक्याहिका अर्ज्स** दिव कर वृश्चि चार्नेनटक कक दल छे । देश निवा**त अनु**रहेशि गाहिमार एन ।

> यथान वा'लिकका'खाँद्र भारतगरभन जन कतिता रुखका नक्ष अविधान करम्भ, उथमा 🏸 दिस्ता, किन्दु आधार्व ६६ अन्य स्व पन লে জীহার সেনাপত্তিগণ অভিনয় বিরক । চাগন কলৈতে পাছিভেছিনা। খেবালি

र्रेग़हिद्यतः ; किंक तार्रे तार्गापिका यमि धरे मनदा छन्दिक स्देश स्फेट्स পীন সভ,তম আভিন্ন উল্লিখিড সমান পাইবার আশা **দেবিকেন, ভাষা হই**লে ण ए। मिरशत कि छात अ**शिष्ठ । फालकर्व** स् े केता भीरवता कारवम, वेके जा भी म मारव वे **क लिनी शिक्त का आक्षा । कि में वी वह ख** বরাহ অনতার হেইরাছিলেন বলিয়া কি मदल भ्रदत्रहरे हत्रद्र मध्य शिष्ठ হইঃ৷ প্রণিপাত করিতে হইবে : আছে৷ इंफेटब्रानीटब्रका ध्वमि चिनामी स्ट्रेश উ ঠিন্ন হেন, অন্যের অম্পন্নাত্র ক্রান্ট কেখি त्तरे अकलारन क्यांट्य व्यवीत रहेना 🕏 ঠেন এবং সামানা সন্মান লাভ হইনেই ভাচ, দিপের সম্ঘোদের পরিসীয়া থাকে ন সমাজ চির্কাল একবিধ অবস্থার থাকিবার নচে। বিদ্যা, সভাতা ও বাহা**বস্তু প্ৰভাবে** ক্রমশং রীতি নীতি সকল পরিবর্ত্তিত হইছে एवं ताका ७ नवाविष्टलंत नकृत्वे गार्काण व्यनिमाच क्रिएक स्टेक, अकरन কেন্ ব্যক্তি অসভা ব্ৰহার ব্লিয়া ভাষুণ अंतरम च्वा अवर्षन मा करत्व र मधा त्वत विषयः श्वर्गस**म्बद्धः स्वाध्कः** सूर्य চাহিত্র থাকিতে হয়। কুকিয়া রাজার গাত্রে নিজ চরণ স্পর্শ করাইয়া সন্মান अपर्णन करत । शृज्य रेक्ट्राणीत ह कारा (भारभन्न भार हुद्दम कतिरखन । अक <u>ণে কে: নু রাজা জাদুল কার্টো সন্মত হই</u> বেন ২

> ্ৰাট স হেবেৰ নিকটে শ্বভাৰতা প্ৰেদ্বাৰ্থ সভা 🕫

গঠ বুধৰার ভারতবর্ধীয় সভা গুটে आन्छे भारश्रदय निकटि इङ्ख्ला अन्म নার্গ একটি সভা চইষাছিল। সকলে স্থির द्विगाटका ानटण्डेमणे अवनंदरक अक प ্রেস দিয়া ভাঁচার এক চিটিত অতিনৃতি

क्रुवक्षित्रीक देशक.टाउँ अडीहाँ प्र भी मच मुचल एरेएड मू क क्रिज़ाद्दन ; विनि চড়বিকে ছুরুপদার প্রতিবন্ধকা সত্ত্বেও चमक्रिण विषय পরিজ্ঞাগ বরেন নাই , যিনি বার্যার তর্জিক তর্থ সিত ও বিজ্ रहेशां काकादात्र निमिष्ठ विव्रतिष स्ट्र म मारे : यिनि ध्ववंत भक्तनः एक ७ অধানের সহিত বিবাদ করিয়াছেন, তাঁহার কি এই পুরস্কার ? লার্ড কানিত বরাবর উচ্চ শ্রেণির সম্মান ও নীলকরদিগের স হায়তা করিয়া আসিয়াছেন। তিনি এক প্রস্তর্বয়ী প্রতিমৃত্তি পাইলেন, কিন্ত **প্রাণ্ট সাহেবের এক চিত্রপট মাত করা।** रहेम ? क्षिता जालापिछ रहेनाम बाद लाल विश्वादी एक अधिवदत्रत व्यक्तिवाम क রিরাছিলেন। সভোরা তাহাকে নিরস্ত कब्रिबाब्र निविष्ठ धरे कथा वटनन, व्यरिक **इ.मा जामात्र हरे**दल अरू अख्रुमश्री अिं वृर्षि क्या स्ट्रेंद्र ।

🤊 ভারতবর্ষীয় সভা যা করেন করুন, রুব क्त्रा चालिख मिनी रहेश ब्रहिशाहन 😛কেন ? ত।হারা যদি তাহাদিগের উদ্ধার ক ্রিরার স্বরণার্থ চাঁদা না করেন ভাহা হইলে **ुं आर्।निगटक चकुण्डा १रेट्ड १रेट्स । जा** গৈরা তাঁহাবিগুকে অধিক দিতে বলিতেই ্বীনা। **প্রভোক বা**জি ছুই, আনা করিয়া পি लिरे परवंके रहेरव । कि.म् थका एकएड **অসমত হইবেন - অন্যারা চাকা চ**ুগ্রাম _ন কুমিছা। মরমনসিংহ পাবন। এবিসাল নীলই ভাষার আদি কারণ। ইচ'ব অব-तालगांशी सुत्रिमानाम नर्भागः यटणाहः **এড়ডি স্থানের লোকদিগকে অন্**্রেগ করিতেছি তাঁহার। অবিলয়ে এক সভা क्रिज्ञा हैवंगा क्यून । मधाम द्वानिष्ट द्वाक **বিশের এ বিবরে যত্ন**বান হওয়। অভিনয় । ১, প্রার এই অভিস্রারে ভূমির পরিমাণ আবশ্যক। তাঁহারা কি এ অভীউ সম্পা দলে সমর্থ নছেন ১ তবে ভাঁছ-দিগের কি দের জীবুদ্ধি ও বিদের গৌৰব - কোথায বা ভাষাদিলের বদেশানুরাগ ১

ं नीतकद्विष्टिशत केंद्र मरश्रह व्यन्त मध्या वासायवार ।

সামান্যত বাদি প্রতিবাদির ও দলা দলিশ্রিয় ব্যক্তিদিপের যেরপ পরস্পর ভিন্নীবা দেখিতে পাওয়া যায় আমাদিগের কর্তৃপক্ষ রাজপুৰুগদিগেরও সেইৰূপ জি গীনা বৃদ্ধি বলবতী দৃষ্ট ছইজেছে। এড খালক কেবল যে প্রকৃত বিষ্ণের মীমাংসা হওয়া চুৰাহ হুইয়াছে একপ নহে, চুৱা চারেরাও প্রভাষ পাইতেছে। বোধ হ্য भाठकत्रन विष्युष्ठ एम माहे, शूर्ख मह বার্টদ ক্রিরার গবর্ণৰ জেনেরলের দা ৰূপ ৰঞ্চ ছায়া আৰুত হইণা নীলকৰ দিশের কর সংএই প্রসদ লইয়া আ্ডাবণ ल्लरब्डेनके अर्वत आके मारक्रवरक पानू চিত বাক বিদ্রুপ ও কির্ক্তার করেন। আণ্ট সাহেবও তাহাব সমুচিত উত্তর দা त्र विमुध इन मार्डे । जात्रकवर्ती व अद्वर्णाया কিলীবা পরবল হই:৷ পুনরায় প্রাণ্ট সং হেবের প্রদন্ত উত্তরের প্রভুগন্তর দান ক রিয়াছেন। কিন্তু বিশ্বয়ের বিষয় এই, ভার **छब्सीय अवनंदार्ग्येत अध्यक श्राहार्यके** कृष जश्कात प्याट्य (य अं.हाट) यशस्य ত্রেরণ বায় নীলকর ও প্রকারণের পর न्यत निवादमत मौमाश्मा कतिया पिरवन ।

গ্রবর কেনেরল স্থাং সমূদে স্থাকার **করিয়াছেন, খাজনা লই**য়া নীলকব[্] গের महिन्द क्षकांनात्वत्र त्य विद्वाप् इन्देशकाः, ভ্ৰিত পারেই তিনি কহিছতেন, পূর্বের राप्त गील द**शन ना इंडबार । नी**लक**रत्रा** অগত বাকি খাজনা আদাৰ করিবর, भाषन, दृष्टि कतिवात अवश् काश धारी, क , रुनियाय पारण अधिकत्तृ यञ्जाम हते।

र्द्धिक कील इक्**एक मा** विश्वा ए সকল বাজি খ**ান। বাড়াইতেছে, স্বার** मार्क मैलिक्दब्र मम्मेटक शिक्त मील

युश्न क्रिएक इष्ट्र, धरे खरा यारात्रा भील कर अम्भक्तं शहेरक हाहिरक्टह ना, यथा হুত ভাব। সে উভয়ের বিয়াদ নিষ্পত্তি इके वाद म द्वावमा च्यारक कि मा अकरण कवि ব্য বিনেচিত হুইভেছে। বিবাদ করেণের फेब्रुलन ना े दिस्त विद्वाध बीगाश्मा *(*ह ষ্টা বিভ্রন:। সেই কারণসত্ত্বে যদি কথ ভিহ্ন মীমাংস। কৰিও দেওয়া সম্ভাবিত ষর সচরচের প্রবলেও চুর্বলে যেরূপ विवाप निष्पत्ति इहेरः व्यक्ति । त्राहेकल इहे **वि गरमञ्ज्ञ साहे। भवित क्रथक्षिशत्क** व्यः भारक निरमन्मय क्षानित स स्ट्रेंट हरे (व । शन्क'र ये श्रीयांश्मावे कार निहत वश्र অন্তেপ্ত মূল কইয়া উঠিবে। ফল্ডাগ্ৰ পব জেনেরল মধ্যস্থ গ্রেরণ করিয়া মীমান मा क्रिकें मा कतिए येथि भीज श्रधान श्र দে**লের ভূ**মির নিবিখ কবিয়া **খাজন**। নি फिक्के कविशा मिएकम, मम्मिक क्रकार्थका পার্ড বরিতে পারিকে।

्य एरक्त कारवाकर राष्ट्रांता र्र. इउद्योगक

य नमन्द्र गुक्ति कलिक है, स्मिन्दिन कारल कर बोचाला 'डम' हैं (महत्वे प्रधानम করেন, ত হাদিকেও পুরুকের কসম্ভাষ त मिकाव व्यापता अपृत्ति वर कि वि-बर्गर **উল্লেখ বার্যা** আন্দেশ পূর্ব ্ক বাজি আমাদিবের নিকটে এক থানি ध्यविष्ठ भूज भारे हेगा (प्रशासन, आजन তাছার কিন্দংশ এই শ্রু গ্রুব করিলাম।

अक्षर (श्रीराह्य कार्यात्रम् कार्यात्र, **ि**ष्ठ[ा]र्क स्थिति के विक्तित्व क्षेत्र क्ष लिभित । किंगा ५ एएक राज्य इतिसम्हें लि থিতে সম্বিদ্ধতি বিষার ভাষে সলেল গে अभ) वर्धकाः शिथ्य **माराज्ञ्य छैरस**च कर्ता माबेटक्ट.

अथम भूक्षदक्त्र क्ष्मानः विकीय, नश्रदाद তৃতীয় শিক্ষক দিলের অনাহা इ हुन, धार्यक्षरकेत्र डेंग्लक, । अन्य, कांचि ७ प्राक्षांक्षा कांग हा रेखन ४,०५% और ८ छन्ने

बब्र माडे । प्रश्नकात मरक ए नावमाची हिरातन क्रांक्ष ब्रिट्स व स्थास नामानः खिलान्ने भटनेतु हा-ত্ৰদিগকে অধিকাম্প পুস্তকট্ প্ৰচন্তে লিখিয়া ->(ज वश्र वें के के किल्लिए शत्र के के हैं, 'a'a! शहरक्षेत्रे कार्यादमः अनुष्ठः कविद्रह ে পরব। ক্ষেত্রৰ এই কর এড়াক্মাঞ্জ ভাপকার वश्. अक्ड बाप निकात्तव सामान व्याचान क्षा विशेष । अद्योगतः । अ (स्टीतः (य अक्त ा कि स्मित्रक्स कार्यस्य स्मिक्टि कडेशा ्या. निकास किथि । भारती त्यान करिएन क न, ६१८न भूखान्य अपकार पुत्र : विश्व ११-*(क्र.)* (क्रम ভाঙাদিগের ৭'ঙাই'ছে निस्म अमार्गामा गरे क्षेट्रेट्डाफ, जाभाव कावन दि स्वाह्म अञ्चलाय , म आह्न मिलिए वाहिए **७** : तर्पद्व या , के सब्बे नहि !

ছিতীপু, সমারে অপাচ। জিন বংগর । क । बाक बादे वाकारा फिलाई द्वारक इन्हें भिरतम् निथात् काला। इष्ट*ृते* धिन्मिलस अडे निवस कर्तिहा उपन (स. अ प्रिन वरमात्र मद्भर कुरे वर भन्न कादन अन्न भिका त्वम क्रिमा 'প্রার্থিক শাস্ত্র কাল কেরণ ক্স(পরে**লে 'ভা**গ্র के र ए हित्तः भा भिक्षा कतिए७ बहेर्द्य । यहा नग प्रके २५ वि कारमह मर्टा माहीव विना चुन्द्रवर्ष्ट्रिय निका कर्ता निचाय अन्नाह्र विक्र । ক্রমারণে শিক্ষা করা দুরে পাকুক, অতি व्यान नाक विषय कामा अन्य जान करण जिल्हा हुन् मा । एत्म वर्षमस्त्रत भविषयः अपि हाति अ ধরা পাচ বংশর নিয়ম করা সন্ন ভালা চইলে किष्णिर कृष्णिहि एक्षेत्र मक्षावनी आहि।

ত্তীয়, শিক্ষকদিলের এলাছ।। শিক্ষক चकाभएमता ज्ञापन ग्रापन अध्यापनीय विवय গুলি যথা কণঞ্জিৎ উপজেল ছাবা লীছ লীয় **लिय क**रिएड पर्रावालके स्थापनामिद्रसन् कर्यनः क्षं (लग हटेल घरन कविश्व कारका। किन्न ए का मनदान नद्या पूर्वक विषय छोता निका করা ছাত্রদিগের সাধায়ত কি না, তাহারা त्म विद्यम्मा कर्त्रम मा

इ.स. गर्वास्थित छेटलकः। सर्वास्थ्ये यनि यटनोटनांश करत्रम, निःमरणः छैलात्रि উক्ত বিষয় গুলির দৌৰ সংখোধন করিছে পারেন। नंदनदम्मे कि जना स्व छविष्ट्य बहनाद्य न করেন ব। বলিতে প'রি না।

७द्वा देवमा ध क्रमाहित जनमा

পद ध्वेतक मिडिएक्स कारहर्भव ना ण'ला जिला**र्वेटमत्त्वे**त विवाय त्य त्य कथा लिचिदारक्न, डार'त अन्डिट अनुबार्थ नहरू । ये जिलाईस्मरकेंद्र कथ स्त्रा हरू **ल ७२क**नार वा'नाकितात वामुक्तिता अडे डिम्ब इड्रेंड भाटक. भवनंत्रके (क्वह প্ৰজাগণৰে জ্বোভ দিবার নিমিন্তই আঁড়ি প**্টিনেন্টটা**র সৃষ্টি করিখাছেল। উচ্চ প্র क्रुडिक्ष भिक्क व द्वान करः धर्गरम् सेर् व्यक्तिक मार के का तरम भिकार अन् कर्तन स्थान कहा है है हो है है। है । का का क লিগের যথোচিত উৎসাহ দান काराता यमभएकामत स्मिति रेवनामिर्शय **জ্বালায ্রলিভেছি, গ্রণ্মেণ্ট** খাবার কঙ্ক কণ্ডলি মুমের দ্বিতীয় সচে।বর প্রস্তুত ৯ विया पिर्डिक्न । वाष्ट्रांना ि भार्षे स्मर्कात ছাত্রপণ আমাদিশের এই লেখাকে কুই হইও ন। । আমন। ধুরুপ কথা কলি,ভছি। **ভোম। मिर्भक गथन मुलिक, हरेएउए बा.** ज्यांत्र क्यांक्रिएश्व इटेटर अल्लद् प्राध्यक्ते मध्यितः चार्षः। च्यानक काक का वर्ष का जिल्ला कर्वाकित हाल नाहि निष्य अ কারুটা। পাঁট। কাটা কত হত ভাগিলে **हत्त मा । तम मरहद नरह । १ । जाव हर्हा** मानिदश्रत बर्ट्ड, शवन्तमार्थेट । ज्ञामानिशदक **এই विजय**नाम किलियाहम । वेट एक की मानिर्वित लब्जिङ ७ क्रिक ३३१ त दिनश

भवर्गरमकी यभि अपिताकल कारलरकत বাদালা ভিশার্টমেন্টের সংস্কার ক্রিয়ায় यक्का महम, क्रूबर ए इन्ट्रेंट भारत्म कि ना चयर कि छेलाः अवस्थन कतियाहै वा দেই সংস্থার করিতে হুইবে, একবেণ ছাত্রি যা বিবেচিত হইছেছে। স্বাপাভত: তিন বৎসর কাল বাজালা" ডিপ(টানেটের ছাত্র গণের শিক্ষার সমন্ত নির্দেশ্য হট্রাডে अबर के मकल हाँच भंदीचान है ही व हरें। क्रकालीय म.छरा अलि त्रां वर्षायी उन्टेर्ल क्रिशमिश्र क कि यर । हाउलाकि के कांत्र सूच

नामाना (ब्रज्ञान **बिट्याक्रिक क्या** ५रेग्र: খাকে, কিন্তু এই সমধ্যের ও বেভনের কৃষ্কি कतिया (ए अशा किक्कू वफ् कठिम कर्च नग्न । বাদাল। ভাষায় **ইউরোপীর চিকিৎসাশান্ত** প্রথমনই অভিশয় ভু**রত হইতেছে।** য**াহা**র। (मिडिक्न कालाक भिका कदियाका, ठं ठाता चार्था भार**क्रां त्रहे दाख ममख, छाँ** हातः (य चुकःव्यन्नुष्कु इंडेक्का च्यायमाक अस् এ শ্যম করি যা এ অসন্তাব দুর করিয়া দিবেন ाम প্রাছ্যাশা অব্প । গর্বদেন্টকে এ বি यर्थ मित्रान्य मरनार्यानी । किश्विष्ट प নিকতর অর্থ বার করিতে ফইবে। ভাঁছার: अर्था करशक वाहित्क मरमानी कविश किंद्र अधिक बार्स खालबारण किक्शिना नोटल मुलिका क्षणांस क्यून, शकांद जे मकल वास्टिक श्रम धानग्रम कार्य। निर्श कि ह कदिएक । अवर्षरम्पेरक की शामिरअंद प्र: जिक द्रांक सिंक' । व कक्किश विरक परेरव, এৰপ করিলে তাঁহারা নিশিক্ত মনে গ্রন্থ खन्द्रात नमर्थ श्रेटवन, **भडीके निक्रिक** (व मास्यक्ष माहे। या किम लाएक चन्नः क्षेरमारी हरेता अर्थित कार्या अर्फ ना হণ ডভ দিন রাজসংহায় নিতাস্ত আব भाकः। षायशं श्राहीन कारमत् स्य नयम् उद्भवे अप क्षिक भारे, काश्त व्यक्ति काश्म त्रामलक माहाया वटलहे हरेयाटक ।

আমর। ক্রডেডের সহিত স্বীকার করি তেছি বছরমপুর দ,তব্য সমাজের অউম সায়ৎসরিক। ১২৬৭ সালের। আয় বান থি তির বিবরণ পুস্তক প্রাপ্ত হইয়াছি। সেই আয় ৰ শু স্থিতির বিবৰণ এই –

13/2 बाग्र COASAC ころとろいろうと **₹303**&30 चारस्त्र विवत्र ।

মাসিক ক্তেব্য >5>> 110. বাৰ্ণিক দান্তৰা প্ৰাপ্তি 20 C812'0 20 11/20

লাজ পরিবারের নাসিক বৃদ্ধি পুনাঞাঞ্জি

दारस्त विवत्र । অন্ধ্র বঞ্জ এভূতিকে মাসিকরুত্তি দান CBGN:

ख्या পरिशासिनित्रक मानिक रुखि नाम **ゆ**>5が。

আগত্তক দান *P\$34 मह्मक्षि क्रम

(1) d >0 ধনসংথাত্ক সরকারের কমিসান

205NG 15 विविध राह 64 क्रिकेट अनु 2/0 नक्न निर्मित (वर्धन ٩ স্থিতির বিবরণ 780 >

কোম্পানির ক্রিজ নগদ دو جود ۾

विविध मधान।

স্ক্র, অধীনত্ত, সঞ্ভজটিভ, সামান जारशक, এই करहकहै । शरक व्यास्त्र स्वार्थ স**েল্ড ২**ওয়'তে এন স্যক্তি গেই নংশং ত अनाथ आर' मराद निकटने निभिन्न। शाठी है স্থাটেক। হ'ল ধা । এনট প্রভার করিয়া विकास थान इस प्रकार सामान पूर्व अपने क्हेटल भारत्। ज्ञ[ा]सवर्ण दिख, १ ५र्थ क. ब्रिटिश कारीनाय मारे फाराव्य देश न **"新达您** চিত্ত কিন্তু:বিশেষণ, কডভাটিত ইছার করে, অংশকার বহিতে বহুন ন ১ বিজ্ঞান কবিকে সালামের গোলাগোরের বর্ষেট্র ১ বিপ্ৰান্ধ বাক; ঝারা দাংশেক শব্দ দিক नाकाद माद्यादकार मान्यक कटे बढीका पुन्त । क्रिया मार्शया प्रारम्भ करेंगे वाकित्र ऋष् । उन्हारादिक प्रक्र क्रियात व्यक्तितार मुक् श्हेरख शास्त्र ।

বালী,প্রামের শভকর, সভার সভাগণ এক খানি যাসিক পত্তিকা প্রচারের সক্ষাস করিয়াছেন। এই পত্রিকার আকাব লে। ধার आत्मद बार्य क्टेंब । देशत मृत्रा वःत हावि **জানা নিকশিন্ত হটরাছে। ইহা দম চার পত্র** নহে। ইহ'জে সাহিত্য, বিজ্ঞান ও অন্য অন্য विषय अञ्चानकि निश्कि हरेरन।

लि। हा ४ श्री रहाक ६२१ । इहेर १ और विशेष व्हेष्ठारक। अध्यान अन्तर्य धराहे महाद्र पूर्व ह काल्यि हर्ने व. विराह्न विकास मार्क है पिता अक बाक्द हैन र न क कि प्रतार के क्रवर वार्तित अधिक मूना । अक्षा का का अप अप कार का कि क्रवान हरह

करे 😅 । जाजिया 🕝 जेप्ट क्य (द्वल) 👅 व 🕞 🐠 🗕 कर ीत्री अञ्चलित खरकते । कोल साहित कि री रण ८२क्र^{मे} नेत्रम व्यक्ष कर्ना द्वारहल । दिल्ला- | माप व्यक्तमा वाकेटलट्राइ -র চিকিৎসাল আনেকের এ সকল রোগ ১(৪) ग*्य इ*ड्डेश्हरः ।

বোৰ ট নগতে মালন্দেশীয় অভিযোগনর जिल्ह्य ३२ ४४ है।कांब्र विक्रम करेंद्र इस्ता । ब यह करां-मा एक्टरांट कार एका प्रक्रि रहें।

क भरा भारत श्रीकांच करियाहिलाय, (ना

গ'ই নগারে বা দেরা বিলাভি কালডের डिति । न यात्र उन्हें अन्दर्भन पहिंद्या এক্টে, সংবাদ - ব্যক্তি হৈ একার্ বলে হত দিন উলোটেলের পুরাভন বঙ্গ गक्ट विद्वीर न, १९० छ ५ मिन पर्य छेठी-ই লে ডিঃ সন্ধে ক্তিয়ন্ত হটাতে ১হবে -काल५ जिल्हा इक्टान अब चेठावेटन जिल्हा

ना **्वारङ व्यर्**ङाक सङ्कर 🕻 🦫 🚉 নেতন দিতে সম্ভ চইম্নাছেন। চা ক্ষেত্রে বাৰণ বাহির হইতে গারে:

অস্বার্থপর দেখিয়াকে ।

 ই ালুপরি ভারি নিকেপ করা কটারেছে। সাম বাক্ত এরপ করিডেছে, ভা**ন জানা** বন্য নাই। তাকজা **সেনাপত্তি এতভেশী**য় দিগকে রাজি নাম মট্রকার পার শিবিরে বাই-एक निराध कहात्म भैगरम काफान विवस कर्ति। एक जनमुद्ध अन जन देननिक পুৰুষ এক ব্যক্তি কে বধ করিয়াছে।

রামপুর বোরালিয়ার মডের বিক্তারিত

'आंबर) कारता अक शांबि क्ष्यां भारतात प्रशासिकारका का **व रव प्रा**टन १६ वय. ें छोलानी प्रयस्त कविवास - केवांत संभागीयो | २ ८३ मझ. वीधी अभूषांग अनकारण १८त , अर्थ भरहा रण्डील **डिम** विक सहेरा ठल क्षीतुरुव नामसा प्राप्तन वान प्रयुव्धिति । एउन्न के फिन्न निर्मात स्वाप्ति । निर्मात सुक्षांवनीन क्रम फेलिस अंदेश मरग, ग्रह्फ कृत्राक्ष इन कर्ना व ७ १'करा च | किंग्रेस ६ १ करूर । स्थान ७ **महारा**त् श्रीम दिनहें ५३ गाइन निष्य हेश्य अकर्

> 293 MID D 277

इन , श. महिर है जाति (65 दिनान मृज CHR एमात व (1) कर्न इडे. य क्रिक अध्यक्ष स्थाला अवस्य द वेयांक । १३ -कारक अधिन माला खानी मिनहे कहेबारह। च्यान्त्रं क्वडी इयरकात्र । जोवा कहि व्यक्त्रव নশ্বংস্কু স্বস্তু ৬য়ু নক বা দ

नम्याननीय व्यवपद्भ द्राउँच द्रवादकक्षी वि स्त्रीत एन नाद्ध्य विष्णांच लख्यांद्वज इर्ह्मान नाद्ध्य है तीन काला जोडियोर अवस विद्यान होते

ं १ हीर १८ <mark>छाडे सम्मान</mark> १ दर स्थाप ए १ ए। शह চাত বাজার কোনাক জলতান নামে ৭ সচী দি ছে। আপতি যাই। মুদিকে কে লোখায় । েখাত বৰীয় পুত ক্ষম পুৱে গুত কটা ছেন विद्रमाद्रबद्ध अक अन शक्षाय विश्व किका है। अब हि खना काल व्यानादमंत्र छ। नदाता भव्य हात ब्रहेट छ । निर्धाः काल्ल काल्य अर শংসৰ মাজ বস্থাকম ছিল। এত্যৰ কি যু ক্রিতে ইছাকে বিজেপীর পদাধ বলিষা

स्त्रकत्री नष्णाम । भूनकात्र प्राप्त छ विश्वत का प्राकृतिक (शरक्ति अञ्चाप्तक वर्तम, किर्मात्र क्षश्चर्याप्तन किर्मित्रका । मा कर्र्य (कन, क्वांन वर्द्धत कथा १

> नमग्रीत हिन्द्रकामी जन्मापन करवाश व চিবস্থারী বন্দোবস্ত প্রচলিত করিবার ভাস द्याच कवित्राद्धन ।

(पिह्नि इंड मन्नावन एरमनोयक्तिनाटन पश्चि-আৰে শরিষানা করিবার বিলের প্রতিবাদ ক-दिया **जार्यमन कदिएक जल्लाहाथ कदिया**(हम.। ज विवदस जांब्र विशय कहा कांब करा ८५म नरक ।

वाड रेकतांमहत्व यह निवित्र किमान कहि गामा श्वित्वय शास्त्रा कक्षांत्र कर्यात्रके जीवाद्य ३००० हैकि। शुरुषात विदादक ।

(वांबडि माहेटल दिविडे मन्नाविक वटनव महाद्राक गिक्तिया बाबाई नगद्त गाउँ एक दहन। अक्षण समझारि द्वामा हेरलर वाहेरवन। পূসং কার নিগাও জন্মশা ভাগ উচ্চতেছে।

भ ज्यांदक्ष अफरफमीवृत्तिश्वयुं त्व त्रका कांद्रह, के मका नत छेड़ेलियब एखिमगरमद निकाड़ वि-भि अधिकादित शाबी बहेबा अव आदिक्रम श्रक्ष क्षेत्रां कित्रां कि इंति चरपत जार्थ এই, পরীগ্রামে বে সকর ভূষ পতিত আছে, ক্ষীখারেরা তাখ্ কাপনাদিদের ক্ষীলারির অন্তৰ্গত করিবা লয়েন। তাহারা চিব্নকাল এই यद खान कदिया जाभिएउर इन। मद्र छैहेति-अब (अनिमन जाराकिरगद जारक्षम ब्राका राज व करकरण जाककवर्गीत अकाइरक अक ক্রিয়া বলিলেন " আমার এ বিশ্ব বিবেচনা । সভা হইরাছে। করিবার সময় নাই ৮ হাঁ বড় এটাখ !

বিরেট বিভাগের ছেনের অধ্যক্ত ভাত্ত त्र कर्तिन क्लिका आह्न आहिनवाल नमस्य वर्षः ৰানে শুনিলেন লেপ্টনন্ট কৰেল ভেনিস নামক এক 🚜 আফিদর ওলাউঠার আক্রান্ত হই ग्राटकमें। छाहारक प्रथम कतिवात सभा कत्रि-ा.क आस्टादाथ कता हरू. किन्नु वाष्ट्रीय मकडे ড়ীয়া ঘটাৰ বলিয়া ভিনি ভাষা করেন নাই, এক্সন্য কারতন্ত্রীয় গবর্ণমেনী তাঁহাকে পদ-**हा** कविद्यादश्य

वकर॰ अवीरकाछीर्व त्रिविविवानित्रस्य न-हेन्। সংবাদ পত্রে সহাআন্দোলন হইতেছে। এই युवक्तिरशत प्रश्वाचा क्षेत्रमः श्रकाम स्ट्रे-**उद्धाः किम्मोर्डभन बद्दानाहा । भटन छै**. लागि।वटलम् गवर्गद्धत् नाम बहेमा छेट्डेन दर-बिडि शके!

पूरे अन रेडिट्डाभीत नाविक अक राज्य চুব্ট চুক্তি করাজে ভাহাদিলের এক মাস কারা बारमञ्जू ज्यारसम् स्हैवाट्ड ।

আর এক অন ইউরোপীর চুরি করাতে ভা-হাতে সেলিয়নে সমর্গণ করা। হইয়াছে। ক্রনে तत्व शनकात परेएउट्टा

ইংক্রিমান পশায়ক বলেন স্থিয়ানার क्षित्रनद्ध खडाडा ब्यूज् विक्रम मामक नश्वीप्र পত্ৰের সম্পাদককে ছাড়াইয়া বিশ্বাক্ষন। কৰি-

A STATE OF STREET

প্ৰদেৱ অন্তিম্ভ কোন বিষয় লেখা ইহার কারণ । পঞ্চাবে স্থাধীনভান্ন আ্থিপভ্য রহিত করাতে এর **অন নরেন্দ মেওঅ**ব ইণ্ডিয়ার দ লের লোকের এক জিন্ন পাত্র।

🏗। শ নামক এক জন ইউলোপীর এক শভ টাকার ব্যাক্ষ মোট চুবি করাতে ভাহাকে নে-निवास मधर्मभ कवा बहेबाएए: त्वल कार हैलि-मा ७ इश्विममान क्षणुष्ठि अधनक कि हैंडे-রোপীরদিগের হতত্ত্ব ও এদেশীরদিগের হতত্ত্ব जालालंड दाचिवाद छडी करिरेवन ?

উত্তর পশ্চিমাঞ্চলে এক ঋন ইউবোপীয় मग्रदेखि जात्रक कत्रिवारम्। जनाय क्रममः তুশ্চরিত্র ইউরোপীজের সংখ্যা রব্ধি হইতেছে। देशदाहै कि उनिरंत्रणकादीविद्याद आवर्ष ?

क्षांके मारमर्थित मात्रभार्थ कर्षका व्यवधान

গভ সপ্তাহে আরু দশ লক্ষ্য টাকার গ্রবর্ণ-**मिक कार्यस विकास बहेशाए।**

कुष्णव देखियां मण्यांचक बरमभीयूप्तिसम् সরাণানে অধিকতর প্রার্ডি দেখিয়া আকেণ क्षेद्राणीद्रक्षित्वत्र मः मर्ट्य क्तिबार्हन ! ज क्रिमीयक्रियात जरे विषाति विकल भिका रहेबाट्ड ।

ইংলিদমান সম্পাদক বলেন, গত চার্ল্স-উভ আৰু দিয়াছেন এধানতম বিচারালর इट्रेंट्ड देशमधीत अिनिटकोन्मित व ममस वाकक्षांत्र आशीत स्टेट निगान त्रित्वयु ।-গারুকে ভাহার দংকেশ রস্তান্ত লিখিয়া দিতে

আসাম হটতে সংশাদ সানিয়াছে ভব্ৰডা (भागदार्शन किश्विर मास्ति रहेग्राह्य ।

দিনৰ ব বাও পীড়িক কইব:ছেন।

ोनरमम बहेरछ व्यहेमस्यादम विभूतिबिछ সমাচার আসিয়াছে। বিষেহীরা অব্যাপিও श्रीतवत दम्न नाहै। शारणत ५-८कान शर्यन मर्या যন্ত বিলোধী আছে ইংরাজন্য করানী রণজ রির অধ্যক্ষেরা ভাহাসিধের সহিত সঞ্চলা বুর করিভেছেন। সাঁহেততে প্রান্থ ৮ • • • পনারিত ব্যক্তি আনিরাহে ভাষাদিলের নকলকে আহা म र्पे बड़ा करियं स्ट्रेश केवितारह । शिवित क

জাপার হট্তে জোন সিলেব সংবাদ আইনে भारे । मामकिएन नहीं कु ज्या कारत नहार्टिय সেনারা যুৱার্সে আন্ধন করিয়া পুসজ্জিত ঘট. ब्राट्यः

निकरणा क्रेंट्रेड नश्याम **आनिजांडक विद्या**-की मिर्ताय एक तक आवास कुमान व्यक्तिकांत्र করিবাব জন্য একড ছইরাছে 💣

অন্য টোম্খালে সহলোভের সমাগন হই- उपाद चरतक भूम्म कन क चेक्क्ट मनेता-प्ति अप्रभिष्ठं स्ट्रेटव ।

সম্রাতি পঞ্চাবের জেনের এছত করা हरा महत्र्यांकिर्निक रह, जानदक छारा वर्ग न করিয়া স**ইউ** ছইয়াছেন। আলিপুরের **জেলের** ম্ব্যাদি সাধারণের দশ্বে উপাইত করা না

এ , এ, ব্ৰচন সাহেব' পঞ্চাবের রাজ্য विवरत्रत्र कमिननद्र स्टेब्राएस्न । अवर्डिन नाएस्व जात्रज्वर्दा ब्रावस्थानक मजात्र मजा वर्दे-(यम ।

मारहात क्विक्म मन्त्राप्तक राजन क्यूकांच शूरत य जाकिमस्त्रता नर्सकीविरशत अफि कूपा বছার ফ্রিয়া যুত হন লেপ্টনকীগবর্ণর ভাছা-क्रिजात केनत्र व्यक्तिमा वित्रक दरेगोरहर ।

একজন ফিরিলি করেনটি ছুলি ও কম্পান-চুন্নি করাতে ভাহার মুই সঞ্জাহ কারাবাদের व्यारसम्बद्धारम् ।

र्तक्त्राजन्त्राज्ञे परमन नित्रात नानक्तर्यः हाति जास्टिक्स अक्सम क्यांनी २०० हाना বেডনে ছডন ক্রটাবুলরি পুলিনের একজন नदकाती व्हेबाट्यन । ब्राटकात स्वताबूटन अहे विना छत्रिया गरेतः!

ইংলিস্থান সম্পাদক বলেন কিসার নাসক আৰৱা শুনিয়া ছঃখিত হইলাৰ ছাজ। অকজন দিবিলিয়ান জিবাকুরের রেণিডেন ষ্ট্রাছেন। নিলেটারিরা আর রেনিডেক বই-या शास्त्रम् ।

পরিষিটের স্ব্যাদি অঞ্চিশর বিশৃথ্যার व्राचा क्यू छेख्नमञ्जालक प्लाकांत्र ध्यमक क्रिया আব্দেশ করিয়াহেন। বস্তুতঃ কর্মচারিদিগের स्मादक कार्किक करिया करेवा बारकन ।

রাহপুর হাটে ওলাউঠার অভিশন্ন প্রাছ-कीन क्रेक्टिं।

हेरनिस्वास्त्र निविष्ठ रहेत्रारह, श्राणा थाः

काशह्य जिन्द करण्य जिनम भूटन यथन वर्ष मारम यान, जनकारन एवा शारत केनल इंडेवा-क्रित्समः उ मर्गावी योष म्हा द्या जाउग्रह फू: दश्रद्ध विमार मदल्य सहि, किंद्ध अ मण्याम मिन्। कामाजित्वत विभक्ष (वास इंडेटल्डा) बाष कति हाआ के हेश जानेक बनिया छार्जि 🚶 शनं कदिरवन ।

विविद्ये दिना अपने मान्या करता. मार्कि भौरका करत्रकृष्टि जुलाह आवाम स्ट्रेटन में छ-**द्रिशीत क्रयद्वता का**या किहरन क्षिकरम्बंद्र উহত্তি যাত হয় ভাতই ভাল কিন্তু ইউরে:পী-। (बदा कृषि कोश कदिएत, अहेडी खरिशहें अंक) ৰশিতেতে ৷

क्षिम भिन रहेन अक जन हेडेर्द्राणीय और।-মপুরে রেই-ডেয়ে হইতে নামিবার সময়ে আ-श्रमात् भरत कृतिश्र गाम। एवलिय कृष्टे अपन লোক ভাষা লইয়া যায়। তালারা ভরধ্যস্থিত २७०० है।काद बाहि ह्रिक क्षित्रा भः निष्ठ छना. नित रहेमन माहेब्राक राष्ट्र । देखि मर्था हिला গ্ৰাফে সংবাদ আসাতে ভাৰারা ধুত বই

भूद्रनिर्मावीटणद नवांव आंके माटकटवद्र चातु-भार्थ किटकत स्थला २००० होका श्रामान कृतिया.

থোখাট বিশ্ববিদ।লিয়ের চারিশ্বন ছাত্র वि, अ, छेशापि शाहरण्डम । हेर्हाता मकरनाहे ব্রাহ্মণ । ১৮৫৯ খাল আবণি ১০৯ হাল মৃত্র ख्यांत्र व्यर्वाचका भन्नेका । श्रेत्रार्छ ।

ম্রত নুমার আঞ্চিও এলাউঠার প্র-কোপ কৰে নাই :

शांति १६न मारश्य कियुपि गर्भत् अमा श्वर्ध **टक्टनब्र टक्टे** कि। बहु दमत्रत १६६। ५५०।

এবার চীন দেশ হটতে ১০০ বজা হল। निवद्रभूरत ग्रह्मानी क्ष्रेयार्ड ।

সর উইলিশন ভেনিসন বিদ্যালিকা ও ध्यवश्च हर्जाव ज्यावसाक्छ। विश्वत्य कुट्टे श्रास्त्राव वैनिधित्रदिह्न। अटन द्याचा भवनत्तिरभन्न व्यवना 🏞 🕹 बा 🌣 प्राप्त निहें !

লাভ কানিও করাচি দশন করিয়া গমন ক্ৰিয়াছেন।

কাৰুল হউতে সংবাদ আসিয়াছে পায়দীক (मनोत्रा कड़ी न भक अक्षि संगत · अधिकाह क-্মিয়াছের ক্লিটের নবাব তালাগিলের সহা-

থত। ব্যাতিত্তিন। ইনক্ষ টাকা ক্ষাইযার ∯তাহাবে দশ বার বংগর কারারুভ করিরাছেন। किहै। स्ट्रेट्डिक, अ अवस्त्र जीवात शांतरमा भिषारयत त्रीय अहे स्वितात । अथवा शकारय-युक्त छेशश्चिक बहेत ।

লেণ্ডনট কর্ণেল ক্রম ধাবভব্ধের পু लियहेना अक्रित रक्ष्मत्रल घडेब्राह्म । अन मा-्टर बाफ सन्धित्यत्र कुठेव।

निश्र लिथिक अवग्रासके लोहे नक्स चित्र ক্রিথ রাধা প্রমাতে প্রচালত চইয়া**চে**। কলিক ছে ্বাখাই

利型

যোট প্ৰতিভূষৰণ টাকা বৃদ্ধিয়াছে ৷

जेक **मण्यामक बरमन आ**न्द्राप्र नमाप्ति मला बहेग्राह्य। ह्याना अणि हेक्श्व ॥७ क ब्रिया विकास बहेगाएक। जबरमञ्ज छेख्य समन कश्चित्रोटकः।

পেণ্ডুলমের ছারা পাখা টালিবার যে ছ-एन **जाविक्रिया बहेबारक, उँखंद शक्तिम**.श-লের গ্রন্থেন্ট ভেদ্ভসারে কার্য্য করিবার চেঠা করিতেছেন ইয়ার আবিভিয়া কারী। গ্রান্ট সাহেবের প্রতি আলাহাবাদে গ্রম ক विवाद जारम्य क्वेश्राह्म।

'ग्रह्माभ्रादशह अन्यानक वहतम कंग्योह লক্তাদলপ্রধান শভু মিণ্ড মত ফটড়াছে :

উক্ত সম্পাদক জার ও বলেন, লচ্ছে। নগ-व्रष्ठ इंडिरवाशीय (मनाप्रताव अन छन रेमनिक शुक्ष (कान मार्यामा अभवारि काराकृष छ ७ রাতে গুলি করিয়া আত্মহত্যা কৰিয়াছে। গৈনিকপুরুদের। হয় ত শুরুতর অপরাধ করি- 🕺 শ্বার্থেন। ধ, মৃত হয়, নতুবা সামানা অপরাধ হরিয়া কঠিন মতে পার।

डेडियम कार्ग हे सिश् रुम्लाएक दर्जन বোদাইয়ের **ভেপুটি নাজিট্রেটেরা ভিন** প্রে-্য পীতে বিভক্ত হইবেন। **ভালালিদের ৫০**০, ৪৮°, ৬৮০, করিয়া বেজন হউদে।

गरिशत क्रिकटन मिथिक ब्रेब्सटइ अंक वास्कि अर्थ क्रम क्रेडिट्स्शीयरक वश क्रियाटक সন্দেষ করিয়া তত্ততা কর্ত্তপক বিনা বিচাহে । এই বিনা বিভিন্ন চইল

রই বা গোস কি, **আমাদিণের ঠকি কেলে** অ ,মদে ভিন্ ১;রিবৎস**র হাজতে থাকে** ।

চণলীতে সম্রাতি রাজি **ও কামদে**শ্যে পূজা স্টান্য বিদ্যাহে : উতুপর্বকে পাটা ব मदलत आक रहेगारक। अना गांकेटलटक् अकलन পেছারের উদ্যোগে এই বৃণিত পূজা ग। 🥕 ে 🌣 এই সকল দশন করিয়া আমাদিবোর এক এক 🕐 🏮 बात्र डेप्ड: इग्न स्थ भवर्ग्यक जाहेन यविश्र ··· वन शूर्वक कूर्शनक उपमा मकल है है। हेश (पन।

বে'ছাইদ্ধের ব্যবস্থাপক সভার প্রথম সে ৩,৬৯,০০,০০০ সিয়ন সক্ত ছট্রাছে। ইচার পর জবিনানার भीत्र हाद्वि क्लिक्टिकी धारे अकल आहित। विश्व विविध्यक्ष क्षित्र हरेग्व, बाहे (बला कामः । দিনের ব্যবস্থাপকেরাও কিঞ্চিৎ বিভাগ কবি शा चिप कडेम ।

> চিঘাপতিয়াব রাজ' জাসন নারায়ণ লে (देत मृद्रा इडेग्राट्ड : भिका हान दिव य उन्हें র বিলেষ উৎসাহ ছিল।

দত শুক্রেবার নিযু লিখিত মুন্দোই সং त्मन विकाय करेशांटक।

\$ 15! ज़िला क বেছারের 30.4 কাশীয় -304 গড়ে প্রতি সিশ্চক ১৫০০ টাকার বিক্রয়

क्रिकीट एक मार्थ क्षेत्र मात्र क्षेत्रिय (४१६ ६४) G कार्रिया (सत्रश्नाः सहैतारहः भाष , जानका भ' भागः हशांत्र व्यक्तियाण कमान मा (कन र

> दश्रामीन वादश्राभक जला। ३२ ई अध्योल मनिवाद ।

भोजवी व्यावहत्र लाउक दिकः शांकर काइः क्षितं कतियांत विका कार्यन कतिया अक दशासा

(सप्रेमा छ ग्रह्य के विरम्भ मशक्ता करि । कर्यकृष्टि स्थ्य मध्यापम विद्रालन अवर 'उनि **ইলিংলন পালফি প্রভৃতির ভাতা নি**র্ণয় করা कर्जुना किन्दु धर्नदारीजेज करक छ। का किन करि राज्ञ का का क्रिया बादकां नक नकार करल य कांत्र अनुवास के किए। अने विमा शिक्षके कि क्षि ब्राय नम्भित व्हेम।

नायु द्रमाध्यमान मात्र ३५०० चार्चन ३३ पा क्रेज जेररमाधन विवयक विक वर्णन कविरमनः

व्यक्तमन मार्ट्ट्यम श्रष्टान अध्य रामश्रीम स्म s कि प्रकल क्रथा काथा श्वीक | कविवाद विस्तृत लिस | ·४०९(६ गठिन वहेल। क्रांडिहे मा.वन नरहकारि जन्द्रजास्य स्वित्राच्याः

क्रांत्रिक मार्ट्य १७४३ व्यक्ति :- व्यक्ति u. emiधन विवश्व विका विधि वक्ष कवियात श्र-क्षांव के बिलान। बांचू त्रमांशन में वाप्र अके वि-লেব প্রতি আপত্তি কবির। অগানি সভা পর্বান্ত ত্য প্রতি কবিবার ম্পুরেণ কবিলেন। এইনির মালিটেট ও কালেটার স্টবেন কিছ 'सल्डिनडि अरर्थर **डीहो**र अध्यक्त , क्रिट्सन, किंगु हा सक में हा धरमा है र हो है। दे हैं दिला मध्य हरेता ।

कदलभन मारहर क्यीशांत्र कारहर विस्त "দে,লেই কমিটির রিপোট পাঠ কবিবার প্রস্তাব क तिहास । देखा था अक एक विदासित श्रेष ध-শৈতে ব্যক্তি

ভারতব্যী র ব্যবস্থাপক সভা।

७७ हे ब्राट्सल सुभरात्र। क्रिक हम अवस्थान आखान अध्या केरी केरी क्रिक ज भाषा विद्युत विस् विविधक बहेता।

লীরন সংবেধ ১৮ ৩৫ আছের ২ আইন পরি-यक (यरक्त दिन माञ्चास निरमक्के कमिर्वित दि-ल्या है अम्बान कविरमन। व्यविश्वेत भारवर निम् निष्य अभित्तात विरम्पि यक्षान क ब्रामन

क्षा हो इ. ७ ४ एम। इंडिया दिला। व्योक्सी कि कावित मर्माध्य विषय निम्।

्राम्प्रशादक्य २४-३% आरक्य २१ जाविन (वाकी ऐक्स्य नालास्त्र व्यक्ति) । नश्लाधन विवयक विम अर्भन क्रिया छ। श्री मिरलंके क्रिकेट राख অপন ক্ষিতে অসুযোধ ক্ষিলেন।

रक्ष अरहर र ३৮ ७० **ज**रक्ष ३० आहिन गर-শাধন বিষয়ক বিল অর্থণ করিষা ভাচ। সিলেক্ট र्या हिन्द्र हा स्थापन किंदिमान । अहे विज अर्थन करिराद नमाय जिनि ३৮ ७० चाह्र स्था था-हर दिना द शहान क्रिटनन । आह क्रूबेश मन वडा स्वेटनन। भर्षान्त रख्नु ३) कश्चा इद

काउँ ७ किएंस उद्देशियम मार्ट्य ब्रक्तानीय मार् ্ল ও ইনকম টাক্স কুলন করাজে স্বিশেষ আক্ষা

অৰাশ করিয়া এইরূপ অভিনায় প্রকাশ কবি-লেনপাচ বংসৰ থাইডে দা যাইডে এই খুণিত | कत्र छेटिया बाहेटव ।

्मक नोटक्च १५७० व्यक्तम् अर् व्यक्ति (हेन-क्म है।क्म मर्त्याधन विषयक विश्व) व्यर्ण क्षिकः विश्वि क्यांत्रके ब्येक, व्यक्ते मारवस् के मकन **ড! ह। जिल्लोड क्यिक्टिय प्रदेश हिटलय**

वाजिन्छेन मारवर उत्तक शन्तिमाक्तम । अन्त-

स्मान सर्वद करत्य विम जलाम शर्यन कति- । कारतक्षे दव श्राप्तिक इंदेशम

भवर्पयन्छे विज्ञालन।

कालनाटलनीय - अभीयन्ते शव (एत्रुव আদেশাসুসারী নিয়োর। २०० म् हिं।

अक. वि. जिम्लन भारत्व व्यक्षम् विश्व धार्यम् गडकिन , अना इक्स म! इक्स পूर्निय़। व काटकत প্রতিনিধি থাকিবেন।

अहें अहें छ. इतिकान नारमव स्मिनीश्राव

चांत्र, कि. कक्टवम मीट्डव अक्टन अपूर्वाह লইয়া অভুপ্ৰিণ্ড আংকুল ইনি ধাৰাৰ মাজি-ब्ब्रिजे थ कारमञ्जेत प्रवेटनम् ।

धकः धनः दर्शलस्य नादस्य द्रावनादिव काः ইন্ট নাজিত্টেট ও ভেপ্টা কালেকটর হইবেন। বিজ বত্তিৰ 'অবা ছকুৰ মা হয় চলাবৰে মা-बिर्देष्ट व कालकृष्टेन शक्तिका।

अवेष्ठ. शांनिक म'रहर शिक्षीप (अनिव का-वेली मान्तिक के ८७ थी। को नकी व वर्षा वा

| 有込刃座 (6 8

चानि कोबदावि चहित्यत् (३५-५५ मोरस्य स्थ कावित्र । २२ वर्गद्वः क्षक्रमास्य हो शहरू वर्षम **८**ण्योव स्थीय माजित्के हते व स्थान गाहित्य।

१३ व्याद्यम ।

मानकृष्यर कारुःगाणि अण्नाव प्रावत सन-त्रक बोश्चि क्रक्ड बाबि क्श्मांत्र पारेत्वत (১৮৬) महिन्य २८ चाहेन) २ थात्रा महिन अवर ১৮৫৪ সালের ১০ জাইলে ১ ধারা মতে ঐ श्राप्तरन किकीय स्थानिय अधीन माणिरकेटिय क्रमञ्जा भाइत्यः।

মৌলৰি আৰম্ভ লডিড পৰীকা সভাৰ এক

৮रे पांदशम ।

जर्बाक शक्कांव गमाजिक रेमना स्टब्स् धाराक् क.र्वान अकेठ, अव, एक्जाकोर्स मि. वि, १७०० मारलार ३३ जाहिम मर्ख के काहिम मर्-कांक मनवमात विष्ठांत बना बनिका शहरायह क्षिममह स्वेटनम ।

अरहरमञ्ज आफिनबीम वक्ष ६६८६३

. अम. आवम्बर मारबन किश्रमात्र का हेन्छे या विर दे है छ ८ छ शू हि कारकाक है दब ब दिन निश्चि इद्देश्यमः

नि, डि. क्षिज्ड नारहर सूर्विद्वाद्व खादेकी का নিটে ট ও দেপুটি কালেন্টরের প্রতিনিতিনী (वन।

क्रे कारताम ।

ए विषये जि. हेन्नर जाएक्ट क्रिक्ट्स श्रेपेय ्ञिनिय गाकिरके हे ७ काटकंक्डे- वहेरवन

३०६ बदश्रम

कारश्चन, कश्लिक, हे स्वभाव वस्त्रम्भीत विजीव (अनीव मःस्मिरकेट अक्टालवेन स्वेतनः १ शनिक श्रीतन समाव्यत्य अवाक स्वेत्रन।

> स्मिन्डेसके नि, कि त्नकावः वि. नि. विभि अक्टन किलाब लोब आंध्य अन्य बनिख धु-जिन रामामामात्र अधाक स्टेरनम ।

> দি, জি, বুভশাংহৰ অভিনিধি বিভীঃ সাউর चार्डिकाले :बर्वन ।

জি, গ, স্থিপ সাংহয় সুঁথিভাঞ্পরগদার नक्सान कविनमत स्टेट्सन।

>> दे बद्धाम ।

চ'কাৰ অভিনিধি **অভিনিক্ত অভাএক, এ,** कामद्रिक्तम, अभिकृतिम भारत्य कि है हि-আহাটের লা আফিনর মোলবি বেলাউরার। মের কমা উক্ত কেলার প্রতিনিধি সিবিল ও সে-সির্ম ক্ষের কর্ম ক্রিবেন।

এবুক নোমঞ্জকাশসক্ষাদকেরু। কুমারধালির অসম্ভব দাধ।

गर्वाष्ट्रिक मधानश्चेत्रश्यदः निरंदलनस्यकः । केश कि गतिलागा भए कमा किक्र व ब्रह्मसी একাত ক্রয়াছিল, একে বিপ্রচরের প্রচণ সার্ভণ ভাপ, ভাহাতে ষটিকাসমূপ বাসুহ বিষয় বে-न, बाध दरेए जानिम स्वत वस्त्रकी अन्द्रव হত্তে শক্তিক ছইয়। বা**হুগ্রন্ত** শশ্ধরের নাার কশিত হইতেছেন। তখন যাহার দিকে মৃতি কেপ कत्रीयोत्र, दिया योत्र खाद्यांत्र है किस विकृत, दिश्हें श्वर्षिक नटबन्न. विटनब्डः (मरे ममग्न महामा म!-ब्बिड्डे आशिद्य ममन डेलिड्ड, काश्टवः शाकात গুৱত: ৰাদাবো প্ৰান্তত দইজেছে, কেছ আহার ক্রিছাছে, কেছ আহাবে ব্যিয়াছে, এমন সমুদ্র क्रिक् क मात्ररण क काकिमनाज करकह अकि- बिर क्यांत्र वालित शेन्तिम विरक महि जातिया এক ঘণ্টাত্ব মধ্যে দক্ষিণ দিগের প্রায় ৩,৪ ফোল वारिशका यञ्ज वन ही वामि ७ श्लोका वामि क्रिक. 🚉 क्षित मारक्ष माझिरमे मोसिरमे है 🦁 । मह्मात्र एक क्षेत्र। स्वात्तर क्षावाणि मुनीकुक

महेल। बांशांव र ए कार क्रिया, कांबाहर होशांव प्राथम क,प्रशांक अर्थकों एक्टचंत्र विवेद के विवेद के विवेद कांक्ट होरा के विवेद के विवेद के धीकारण, कार्यत् विष्याण्य विक्रिक्ष होता स्था भीष्ठात क्रिनावक स्वति । त्व, त्य कावश्वार किङ्, तम, दमहे **कावण्डार**कडे आ (कर पूजिटल शादनन। बकरांच ७७ मेटल जिला। रमर क्षां हुन १६वा सूच रामान कतिया हाउँ म थनामि श्राप्त दशका स्वा भागत करिया क्षा निवासि ना मक्ष्यांत्र त्यार्थ क्वार्थ का के के बकुरा आंत्र कड़ियां कथकरश्तव कांख हिल्ला। গত কলা ভাঁহার ওদশেকার চতুও ল কুধানল প্ৰস্থালিত ৰ্ওয়ায় কিন্তু প্ৰায় চইয়া ও।৪ ক্লোপ बारधान भर्यास स्वस्थ करण जाहात क. तसारहन धवात बरवक छोडेन 'उ धारत माहेबा हिस्सने, छ'-कारफरे बका, मा धराल ,बक्रम विकरी मूर्जि वाबन ক্রিয়া আনারে এরত চল্টাছতেন, ভালতে যে সমুহ লোক উদবস্থ কৰিতেন তান্ত্ৰার আর . 🚅 जरमार नाहे। बाहा हर्छेक, मण्य्रित आर्निकक्त मा कतिया दक्ष्यल हाउँल अधारनाइड वा मनुके इदे विश्वारह्म, अहे भग्य लाउ एएगा प्रस्ता ু বেলন কোকে হতজান হগ, এং কলে এ অ'শ্বৰ शक्तान्य तिरुक्तभ मकत्त्व क्यान्या इतेश्-क्तिन। स्वबद्दे ए। बाद निक्री वर्त्त । विष्य सार कि प्रांक्तर्या. अक्षण सरक्षत अप्ति कर्यस 🖷 (मिथि नाहे।

अस ४२७৮ माम । নি ভাস্তা হুনত তারিশ্র হৈছে। भागमान मञ्चमान क्गांत्रभीति।

महिनश्र मिद्रम्म ।

मर्ग कतियां व्यक्तिगद्र भी ज़िक्क इंदेशिक व्यक्तिश् महा एक रहेल। चार्षिक क्रवरहरण बांबैरङ शाहिरफ्डक् मा। बाल्यन

প্ৰকাৰ কৰুণৰৰে জ্বান কৰিং হছে৷ ত্ৰা হইয়া গিয়াছে উল্পু বিপ্ৰেৰা 'ইয়ালাৰ নেছেৰ-ध्यवन कविटन काम् वाक्तित कामाधान। विश- वामि ॥(क न मनि-) नानिस्व र केलानि नर्स विक्रिक स्ट्रा २ मन्प्रक मक्ष्मां मक्ष्मां । এত ছাতি বিক্ত । দুই ব লগ গোক। প্রালেশ ক্ষ্মিন । দেবিংক সং कांचा निवित्रा (नेग का प्रशासा। अस्यान ७०। करी। हिन्न साराजित श्वीरमाहकता समारी र ९० होकांत होकात होखेल थाना धारः धानांना ८६, किन्द्र माक थाएं : वक्काइन शर्वार वर्ण पांच-विभिन्न एक व्हेश जनामार ६ हेश्वाहित शतक तहे , श्वाम करना, उत्तरिकाण कामाहाड स्थान के त्य प्रस्थात उपन्ति, जाहार ह दार एक कांडि (मान लांटएना खाँडमान प्रस्थान विभाग नका अपन अपन वास्त्र किए।) विकारिक विविद्यान त्य कर वाचित कड़ेए सका विकाश केलांग व्यवना करत त्य कड़े विवास एएमा कोलाई कड़े विकार समित श्री याम् मा। विश्व (माक्कमान केशायाभी किम मना नदीवाक, विकारण। नाम नियुक्त ५ ११६ त स्था भफ् भिष्य मा। अडबर धर्मस्मान्य छे । डाइएम्स खडून, ६ १ शिव्याम करे दिना नर िड जे स्मान्य सकामरण सुरे mकता दिलालार | तीव च्याताला माधा अविक कडेवारक । क्यात বিদ্যান্ত করিলে অভি শীন্তই ব্যুৎপত্ন হইছা সংহালা। ই এককালান দ্বান করিচাংহ্ন আবর

जन् काहिनः

মান্যার প্রীযুক সোমপ্রকাশসভ্যা-निक्मक्ष्मम मभीद्वान्।

महागत । १७ २२ थ, टेव्य इङ्क्यान्द्रिया । ठमन नगरम् डेश्बाची अत्र विकासिताम्बर्धाः वार्षिक পूरकात वि >वंशकार्या स्ट्राह्मकृत्भ मण्डाम विकेश है। धरे कार्या श्रीतक असम ह दिए। শত্ত কতক থালি বিলাপ্তবাকী ভক্ত লাকের ম্যা-গ্য হয়। কার্য বিষ্ণে সভাপার প্রীযুক্ত বেবরও "। हेनम नांट्रव डेश्वांकि **छ व ३ विना।** निकान গত সলে ধৰ্মনীতি শিক্ষাৰ ফলেপধায়ততঃ िर्देशक तस्तु छ। कविश्वा मङ्गिष्ट मकटलक्ष्मित्रक्षम करितल कर्तामकाकांक छाक्कत मानिकन मेरिक्व । छीत्राय (भावक्छ। कनिर्मास । आसहार आदि किस জন দেখার ভার লোক মধ্যেৎসাহত্ত্র সহিত্ত 👇 দালিকাৰ উচাত সাধ্যেত ও ঈশ্বহাতুপ্ৰছের উ-

्ष, ते द्वारा अंधिक अधिकार्वे 4 भशानाः । नि विद्वारत भूरति विभूतः (सम्। मही: " ८ व नक्षा है। साहकूता स्विप्राहतः लमाण- शांत ह मधीन **स्थान लहें: श्रम महेत्र । इ समन्**मत्त्र शिक्षणाम । क्षिणाम करक्षणीय कि एक हरे के पिताणास स्थान स्थान वैत्यांत हरताहिन विवर्ध त्यादक, त्याद का विन तिला । मकल अस्तिम् त्यापीयात, मार्ट, विश्वास कि व्याप के उत्तेष व्यापीयां है। समाय है कि थि किए। एक शिक्ष, कि क स्थान कि क्ट्रेल दे किए ल क्यार्टी, स्थेवतर्ग लाक, स्थान मिनि- विभागरम के समाधारक। जाक कि कि (म) भेरत्क कन्नभाषात्त, त्कर् का बाद मर्जनाम । ५ शास्त्र याय म । सिन खानात्म (किन खानात्म) - विकिश कृत । १३ राष्ट्र । वान अभिराध १९७० हरेल शिक्षा नक्कान्य कर्नामां क किन्या कि किन्या के के किन्या में जिल्ला का कार्याचा का का किन्या के किन्या के किन्या के किन्या के किन्या का का किन्या के किन्या किन्या के किन् माभावत वाह ४ ७ जिस्सा ६ २३६। भारक, प्र इ ता। धनभटराक घटएड आहे १० नाम विक्री कहर क त त्रक्षिण स्वेदा प्रवृत्ताक । लावर्ड २ व्या ५ ৰাৰসায়িলোকের তে তিপ্রান্ত করিছেছে ভিকন্দা, মেকলিজাতের প্রায়, মাধানিক স্থ- খ্রিত্ত উত্তেঃ সংহরে । অক্লেপে প্রচত मानिष्ठित क्रमार्थ कर्त्र नालील अकाम है,व कार **南京教育集中** 1

> ८ ४ ६० वस मास्यादान छः স্থাপান কৰিয়া দেন। কাশণ কুলিমান লোকেব। ধে যে দেশভিট্ডবা মহায়গল এই বিদ্যালয় । वींह्'ता भामिक क्षेत्र कविशाहित ९ ८०१६ नक গ্ৰেন্ত লাস্ত্ৰ লাক্ত বিকাৰণ বস্তু শক্তিভঃ আলিছ্ক এছলাবদিগের মধ্যে ধ্যথাবাইছালনা-পন ৰচিত সর্ভায় প্ৰকৃত্তির এক এক গড় '১স্তুক বালক নগকে আঁত্রংসর পাবি ভাষক অদ'ন म।वाऽरह्म अर्थसम्बद्धाः उद्घेत्स्मान दिव डेव छव चना भारत दिक अ बाल्लिक भार म श्र कर्नाव रहन कायन: मनलां खःकतरन छ। म्हि গেব সকলেই নিকট কুডজত। স্বীকাৰ কংলেছি अवर निमीजकात्व आर्थन। एष्ट्र हा डीम्,वः माद-कीरन रचन करांत्रखाकार भारत वाक्तकार ह বিশাও দাধন

> > **इक्ट**नन ११ क 396 = 4F 🕮 : रेब्रोगहर्ख ६८ छ। मासाय C) 4 654

শ্রন্থ সেমে প্রকাশসন্পাদক महानम् नमीरश्रम

সন্দানক মঙাশ্র ! আ।মরা অভিশয় মুর্গেড হইরা প্রকাশ করিভেছি বে, অ্যুতা আলালতের ममत्र जामिनीय डीक्स शाबु कामाठीम माम शह-মহাশয়! আমি কতকত্তি অপকৃষ্ট স্থান অ- পৰ িভিনের আবদাকত বিষয়ক বজ্ঞাকরিলে গীরোগে আকান্ত ভইরা গড় এই এলিল দনি-याव भूर्र्याप्रसम्बद्धः भूर्ट्य भारत्याक शयम क्षि-२४ ४० वृष्णस्मित जित्तरत पारम शहै विमाल । प्राट्यां। देनि प्राक्रमा, देशाकी ७ भारती वहे

ভিন ভাষাতেই আমালতের কার্যা নির্কান্ত ক- বাকেন তালা লিখিয়া শেন কয়া যায় ন। যায়ত ন। হওয়াতে লাহেব অবজেন কনাযাত विष्ठम । क'लाडीन वासू अग्रहस्क कथन हवा किय शास्त्र हव में ही खन्न, अवधान लका है-वक्त करवन माहे। ठेनि चिक शिविधारी, विक- कार्य कि शावादि शहाक्रकरण हानाविद्य मध्ये वार्ती ७ शरद्राशकांत्री त्याक वित्यता हे श्वा वहेरवन । भिका मध्याख करियाय व्यवस्थ गर्हा-कर्त्रका करार्थ विद्याबद्धार देनश्रेका प्रकृत कवित्रा नाराव क कार्यास्य प्रदे कव कर स्ट्रावा स्राप्त बामामाञ्जर विष्ठांत कर्जात। वेर्दोटक " तांत्र " शक दशन बद्र। कर्डता। उभाधि श्रमान कविश्व हिल्लम। विश्वव छ। मह-বোত বিষয় এই দে বিষয় সম্বাহ্মিনী ১৬ টা মটিয়াৰ সময় এথানে প্রচণ্ড বাজা মইলা বছতৰ भूल ५ ६ ही बना। नद्मारा २५ में नहान शब्द क उवारकना अकारा हेवाँब हु है। शूक्त ७ हुए कमा। व अभीन अध्या। काला हैं। दीवू अक्कन পৌতালিক ভিলেন বটে, কিন্তু জিনি অন্য ধর্ম । দিবদ চাকাব অদ্যংপ'তি নিযুলিয়া প্রামে দিলা (बाह्यके (क्रांटन न)। हेवांत्र अक्तदम्ब श्रीक्षं **वचन " ७ मा**न ५ । स्तव ७ ५ ।। स्तत्र क्**ट्रे**प १ वृक्ति दश्च । বছাঁর ছেনীয় পুতা ব্রাক্ষর প্রভিজ্ঞ পত্রে ভিষেত্ত নিশ্বর গোরেশ্বর্ম নিশ্বই চইয়াছে श्वाक्त करिया जाक्षश्यक्तिय निग्नभाष्ट्रभारत नेथ-বৰ উপাদলান নিমিত ব্ৰাক্ত সমীতি বাসনাগান মন কলিতে লাগিলেন ভখন ডিনি কোন বিব-े द अक्षान ना करिया नहर मियमाई शकान करिया हिन्छन । मृष्ट्राकारान काशाहित संब्रुय ८. ज्ञान के वर्गन महित क्षेत्र किता।

মনোবর জীয়ুক সোমপ্রকাশ সন্দা नक बरु:नद्वर् ।

ふちち、コス。 さ

३३ है धीयत ३५ र

্ৰাদ্মীপুৰ

कि वाहित । विश्वतिभागतिको নগ্রে আকটি সভঃ সংস্কৃতির করিয়াছেন। নিবং ध्य निक्ष्य वाजकनिर्वाच वैष्यांक विकासिर्व समायात्राभाषात्री पहिला अपन करा है अहे स-कार भूषा प्रेरमण। क्लारभाग नेन्ध्रुरम्ब शहरम 'लक्षक सह,गारकेष खागद्ध क समामनारम बहे भवा कर्लान काकुराम क्षेत्रहरू .

अस का अस्य जातीलयः वर्गनिवृत्तेन पृष्टि !!-हो। डायमप्रदिश क्षितीरफ क्षांग्रमक है েল ডাএ গ্ৰয়া-ছা ও জাজিগকে একজ শিক্ষ ∤ বিশ্বস্থ ৰস্থা নিকট এবণ করিয়া বৰ্ণন করি-रत्न थे। ज्या हिन्दु । हा अध्य িং লিশাল সংহেল। অধাক। ঐ প্রেমী ছুই সংগ্রে

लक्षरादस वि (भन् विश्व कि। क्षर म, लिखिम अविभ किटर अहिलाम मा। कः नलः १५९१छः .২০েট উছাৰ জুল্য গাৰিজ্ঞানী দে 🛷 পা**ৰ**য়। लाब । हुन्जीन, कि श्रां अध्यक्षण नागर दक तथा লান্তে আহিছা কা পালিকে পালা পালাইকে কয়*ে* हामाप्ट हिंदि प्राथित स्वाप्त स्वाप्त

ওংগত হুহল্পতিবাৰ বেলা অপরাহ্ন ভিন ভূল'ক্ষিত গৃহ ভুতলণ:গ্ৰী কবিয়াছে। বা-ভাৰে অবাবহিত পৰেই রটি মুবল ধারাৎ পভিত इब्रा आगणिक लाक घुरचे भूजिनांव राजे अवर अक कम कुरक मूमुगु धार्य । हेब्राह्म ।

बिक्रसहस्य (में दिक

क्ट (अप्र अक् नमस्त्री पद महान्द्रम् ।

भक्तांसिकि विषयक्षांत । भामश्रकारण श्राम পাইলে বাধিত হট

असु । प्रस्ति ।

এগ জন কুমি জাতীয় লোল কোন হফভর 🖣 क्षणद्वांच ज्ञित्रकाल एक व्यक्षा राष्ट्रकाल नाग्न কল্প চিন হ'ব এ চছগ্ৰীয় কলি পড় শিশ 'কল্পন হলে এপিও চয়। সে দোহা বলিছে। স্থি-ण्ड' े_{र्र}ीक्ड ६६'ल .बाब इब दोलवाबाक वांक्ड'व ज्ञा करने हे अभाव वास, त्य अकारत वर्षेक ह्या-का वया ११ करियाचे कारभणकार्य मध দিবাৰ প্ৰায়ণ দেন। ভলসুগাৰে মাজি 💆 সা কেব প্রান্তন্দাস কলে কুনি, ল' লুগভাত ' পাওয়াম। তাওাং ১৪ কৃত্তশর্। এইতে লা পা-य : श्रीवरणशास्त्र कारेके मालिए छिन्न छणन र । आश्वाकत्वीमारवांभी कथा,शक विवर । क्षेत्र हा । स्वाकति स्वाकति । 5 ३६ मार्क कामान (महरू के नेप्तार निवेश উপাৰ যেরপে প্রীচন কবেন ভদ্ভান্ত কোন

प्राः । पारमानी विकास नगरत आसी ५ वर्षे ব'এক কাঁলোছেন অধ্যক্ষ মধ্ববেদ প্রিপ্র- (জো সংহ্রাচ চন মেন্তর ভাকাইছা ভাতাদি-১০ক কুলিং সম্ভৱে বিষ্ঠান হাজি চাপাইতে ক-किन्द्राः तम ही कांत्र कांतिए। मनिक ^कर्माकां के शहरू पहि नामा**य (काष्ट्रे एक्स, श्रमा**य का দাওভর আমি ট্রা বাডার ক্রিভে পারিব । संक्रिटके हैं कहिएलम । अन्यानि मिनाव ्रोशमणकः ऋषि कथान् दशायाः ? । कृषि विकृष्टके ।

জাবত করিলেন। কি বিঠুপ্নছাং লাহেব বড আবাত করিতে লাখিলের সুর্বি আর্থনায় কহ-कारद ७७६ ही एकांत्र कत्रिएक मोनिया, अरम म সৃক্তিও ভূমিলুড়িত চইজা, লাবের ভর্মত निवल परेरमन मा । क्षिप्रकार माद्र मुखित मृख-कत्र त्रक छाक्षत्र नात्रत्वत्र विक्षेत्रे और विलाह এেরিড দইল বে এ আর কম্ব বেড থাইলেও यतिरव ना, छाल्य परिकास आह विशेष: व्यक्त वेकारक बाह्रा चांबेटक शादह । विश्वान व्याच नव । याना स्था, कोत जिन्नहिन शेरत स्था, बन् प्रदेशिक प्रमुख बङ्गेन्ना । खर्गादन मारह কুৰ্মির প্ৰতি ক্ছিলেন গ্ৰুমন টোন নেটর ছো-গা নেউ ' বে কহিল দে:হাই সাহহৰ ' জানান ফালী দঙে আ'ব যত্ৰণ দিও না আৰি প্ৰাণ श्राद्याल केम। ११ तिव सः १ । महिष्युव ,कविरासन चाः ज्ञांन का याक क्वनाय क्षा प्रांता का निम अडे कार्या ।

गुरमार ।

সম্প্রতি অহিলা কালনা নামক স্থানের গরে क्याति कः। तथा कारनरकः व्यवस्थ क्याति होस शिवारण । स्वरार्थन अने स्वर सहासदान शा अक लाम विकास अवा मके करेबाटक ; अरेक्सर बार्य स्वाहे विश्वत कछि स्वेतारस । अयम कि औ देश्याक यहार्यको **मध्यक**े **सम्बद्ध वरक** ग उ रारमात्र क्या मूक्तिया गियाद **वकाद क्** ८थव विषय बिलाइ इ हेदय । काइछप्र विषय अहे এডজারা একটাও প্রাণি দানি হর নাই।

(को अभावी।

স্প্রতি জিলা বর্জমান ধানা সম্ভেবয়ার্ডার · ধেনো ' নামক আনে একটি বিলক্ষণ কৌত-দাবী কাও চইরাছে তছুভাত এই ঃ---

वे आत्वर समीमार प्रकार गाए। विदासी बीवुक मीमक्यम शासद्वात उवका लात्का प्रकेश निरक्त आंत्र लानत्त कथा बहेशा की नाष्ट्र यहार्यना करावन खन्न्यारत खरी-कांत्र मारवांशा श्रीमान धक्यम बहुकशांकरक शा **के किया (एन)। आकारा नकटल मिनिछ रहेन** উহ্'কে বিজ্ঞান উত্তৰ সধ্যৰ দিলা বিদায় করে ्म भावास चामित्रा मविस्त्रव म्यस इलांख हा (ब्रांशार क व्यवशंख कवित्स मार्ट्यामा खन्न क्रिंग क्रव मन्नास्थित । भटनां व चित्रदेश र निःमः विविद्यक कुरकेतः विकासन क्षत्रतस्य सक्षाद्य विद्या श्रीक आक्रमाशास्त्राणी इहेम। २ वट, छ। বেংগাসংক্ষেত্র অনেক মুমধান কবিয়া এক বিজে કૃદ લુ े हैं लिक्स नाम इतेर छ स्पर्न

অধনি অন্তঃ লেশেন ওঁছোর দক্ষের উপত্র शिष्ठिम विलक्ष्य नशत कृतिन अवस्माद्यार्थान CE क्षांत्य न। मा विश्वा न उक्छन। श्रामानशिक क्रिया विशेष कतिम. स रग्नांशिक व्यवनि आह्म का नाय আলিয়া উপত্তি হ'লয়। ডিপ্টিমাজিইটে, মা-बिरके हे अर्थन जुश्ति किरवर के प्राप्त लेक এক থানি রিপোর্ট করিলেন। সম্প্রতি কালনার **८७ थू**णियात् चान्यि। **चारमक स्माक्टक वन्नी** करि-क्षा जरेत्र। शिक्षांद्वन अक्षर्र कि वह रुक्षा एक्स महा **অপ্রতির এরণ অ**শানিত দ্বে অবেক অছে !

at confau na utface pifale faus fefes क्ति। जाशीय अव्हि दिवस । क'न ने कि अनुसन् श्रिकाशिक विश्वत थोकारड काठान करा त्या या। मण्यासम्।

মান্যবর জীযুক্ত সোমপ্রকাশ मम्भोष्टियु ।

বাঙ্গালা দেখের দক্ষিণ পশ্চিম বিভাগের विशालक मगुरस्त हैमर्ल्लाहेत बीव्ल स्मिति উত্তো সংক্ষেম মাধ্যময় অত নগতের শুড়াণমন করিয়া প্রায় সন্তাহ ভাৰত্বান করিয়া ভিয়া ट्या हेरबाओ बाजामा छेण्य विभागत्यत স্তাত্রগণের পরীক্ষা একণ করিয়া ডিনি পরি त्काव व्यक्ति कहेशरहम । भरवाम गरअहे क्विम আমরা ভাঁহার গুল্মাম পাঠ ধরিয়াছিলাম ক্থন নমুনগোচর করিলে দশ্নেক্রিরের চরি-ভাৰতা লাভ করি নাই, এবার ভাহা সম্পূর্ণ इंडेड्राइड । जिलि २৮० . क स्थानरात यानिनी ৮ प्रक्रिकांत्र भवद शवर्गामने हे १ द्वामी जिल्लासय গুছে এফ সত্ত ব্যংগাব প্রদর্শন করিলা জিলা ছেন, ভাৰ। আমরা কথন কি বিজুত কাড়েড পারিষ। ঐ যাগিনীতে তিনি অর্ডা তারং मखा खार का जिल्ला मधरक का प्रदेश में इंप्रकार कर किंग्र मृद्धि अवनंत क्षिता नक १६४५ (भा ব্রিত করিয়া গিয়াছেন। গিয়ালয়প্ত ছাত্রণণও चौमाञ्च हिल्लम मा । भारत्य मरहामय छार छात প্রতির যে ব্যাখ্যা করিয়াছিলেন, প্রনতাহেত্ ্রি**ভারা** প্রায় কানেল্যেই প্রতিগোচর ৩য় নাই विनिद्या भनिदान है जानि निनागदगर के करूम संब्रि भारत काक अवर मगद्रक विमाध्यक्षाति ब्रह्मभन्निक्तिर क आब्दान र्राञ्चन: अभिने, ख अह मक्क भरवह शिंड, हस्त देशी, संस्थ छ । छ। मान करता का भूकि कर अभूतिक स्वति (१०४८मा

िखंड मृतिं धार्मन भूकंक विखातिक करण ভাষার কারণ ব্যাখ্যা করিয়াছেন। তিনি ভা তিশর পরিজ্ঞান শীল ও অধিরক্তা চিন্তা, সং-ক্ষেপতঃ ইনিস্পেক্টঃ গণের যে যে খণ থাকা ইতিও ভাষ। এহাতা উভোতে বিদ্য-মান আছে [

भाउनमा क्षियाद्व स्ववस्थानम खेलनाएक অত্তা রাখ্যন সম্বার পর স্বাল গ্রে এক ডিড হইয়া নিয়ামত ৰূপে পর একের উপা त्रत्र, कर्त्त्र । डेलामना त्यस घटेटल डेलाहार्यः क्षियुक्त दशकानाथ इक्तरही यशम्य अक्षे । বন্ধ ভা পাই করিলেন। বক্ত ভাটি জভিত্ क्य ७ (ध्वाङ्गात्मन स्वयंभयू वक्य स्टेशाहिन। চন্দ্ৰভূপী মহাশয় আৰাদেৱ প্ৰতিভাতৰ ধন্য नाम जासन। जिनि देश्यांक निमान्द्राय थ-। ধান প্রত্যিকর দলে যভাচন তাফিবিত্ন হট য়াছেন, তত্তিৰ তিনি এই সভার উপ মার্শ্য লিখিতে গোলে অভিনয় বিভাগ হন হাতঃ -भाग और राजनिक कारण श्रोहण अधिकार एवं । मात्रः হাহাতে ভাঁহার নিজট ক্রন্তভাত পাশে শ**ঙ**া আছে। তাঁচার বন্ধেতঃ শেষ স্কালে প্রবাসন্ত 🖟 হার বিস্ফাট লিখিতে 🕻 है ख़िल वि गुलदात कथान निश्व औदस বার রাজনারায়ণ বসু মুহে তা স্মাগত আন भाग नवरक प्रधामनीय बहेगा अवहि वक्ष छ। করিলেন : রাজনাবায়ণ কাবুর মান্ন এবল ক िल, **এখানক:** ह्र यो क्ली ह्र तास्त्रत अञ्चः कदान আফুর্ত্তীম ক্ষান্তি ভাবের আনিচার হুইবা পাকে। ফলভ ভাঁহার যথে ও রেইার অভি অক্লিন মধ্যে মেট্নীপুরে 'ধানার অতি বিত্তা সভাতার সংগ্রে হট্যাছে। স্লার শা भा भ्रमाधा इष्ट्रेटन युद्ध आक्रमन पञ्च माहान-য়ের বার্টিতে একব্রিড হচ্চা তে: ধন পরাপন क यथा अंद्रेडिएक च च ग्राइट अञ्चल कड़िएक । अडे मार शक्कन (मधिया कार्या प्रताद मध्य (एट॰५ रेइनियम छेन्डिन खाम) मध्यविष्ट 53' ECT

通程 如《外下出答》如明明门时了水平

ছহাশ্য। ভাষ্টা কলিভাষ হ,বি নেরা क्यन्द्रम् । के इ.स. १ वर्षे । वर्षे । वर्षे । वर्षे । বিষ্ণের ভারার বিশ্বর দেবট ক্রিট কলিটে

পারিবে না। কিন্তু সম্রাতি নোমপ্রকারে 'মণ कातीत क्यांनि भडा, छरभाइ पूर्वपूर्व है काम श्रमशानि १ के स्थिती कामात्र रन कर मुत्र बहेब दहा अध्यार के मित्र (ख्रभूकी व्यक्त किलिए खनाञ्चको हन नाकदिया काल हो एक श तिलामना । म १८५ रहन्। जेवरत्र र स्थार কীৰ্ত্তন কৰিতে পোল ভাক্তৰতা প্ৰায়ুক্ত : ঞাৰ্টি লজিত হন, সেই ৰূপ ইহাঁর বড় ৩ কি-কীৰ্ত্তন করা বাউৰ না কেন তথাপি আন্তৰ' क्ट्रे सिक्ट क्टेट क्या 'आहा' हैनि .कन সন্ধিচাৰ্ক ভেম্মনি সায় প্ৰায়ণ, তেম্মি স গুলীস তেমনি অপক্পানা স্থান গুলের পুরুষ্ট্য প্রেরান করেন তার ইটা-লে ইনি যে ন্তর্মাগ্রাপণ্য কাহাতে আর সং 🗝 बाहे । हेर्रोड़ कांक्र'दिव कांबर अभीवल स्न ^क भिरान्य को क गावशांत्र अ मिकि देवत्र विसा कांत्रश्राणि बामक आंत्र कांत्रियां, उप हमस्य ' विष्ठांद्र निष्णिष्ठि कविष्य, निर्वादध्य दिवस्त उ

মতালা, । এই প্রায়ের কডাব গুলি প্রস্কার সভিত করেজা শ্রমিশ্য 🕠 কেবেই সি বাদ হয়। মহামতি , ৬পুটী ারু ইঞ্জ বিবাদ ক্রিম্পতি গবিতে খাঙা বিষাদী খেতকান্থি এছালারের চ**িত অ**কশার कु सम्बद्धिक भाक्ष र र इस्रा छन् (प्रपू बहेबा छेतिल भन्निम्दन जाभाना समा निष्ठ ह লোখ্য। নিড'ন্ত বিমোধিত হুইল ম' সাহেবেন ग**रक** हे अब इंडेंग । यात्रात किरशत डेंग्टरन प्रत মুট্টে মা, ভারাবা কছলেতেগর বলিভ লাগিডে ग्रंबू .२म² छोश्ता _{प्र}बुन, एडग्रन दरेंद्र'ड ডেপুটি বারুর আর্একটা বৃদ্ধিনতার কং লা निभिन्ना कास्ट्रहेटड शादिल द ने । ५ छानि (बाद्ध (बाद्ध दिवस) बाहर बहुत में, को बाहन दिवास পুরি মহান্য ভাল অগ্রহাকান্য্যা কৌশ্ল পৃষ্ঠক বিচার নিজ্পতি করিলেন। বাহুলা গ্রে आंद्र शिथिएक जातिमान का उ

क्षेत्र के अंक के कार्य का के क्षेत्र के का करण द त्मरमार्ष्ट्र दर्भगरम् । प्रतिस्थ । "दिर्ग' रा खाद्य क्रिडि া দোৰখাৰ আংগ প্ৰাৰ বিভাগ

(मायक्रीक्री

" অবর্ভতাং প্রকৃতিহিতার পার্থিবঃ সরস্বতী আইতমন্তী ন চীন্তাং

र अखान मर्थान

मन ১२७२। ১७ देवणाचा ३९ ১৮७२१२৮ এट्यल

যানিক মুজা ১ টাক। নার্ষিক অগ্রিম ১০ টাক।

বিজ্ঞাপ

म्मिकाम आहकशास्त्र क्रकि।

টৈও যাস কভীত কওরাতে জনেকের এদের সোমপ্রকাশের মূল্যাল জালীও কর্ট্-যাচে, সভেএৰ টারাদিগকৈ বিনয় পূর্মক লানান ঘাইডেটেং, উাহারা জন্মগ্রহ পূর্মক ন্রা করিয়া জাগামি বর্মের ক্ষান্তিম মূল্য প্রে ক্ষা করেয়া

বিজ্ঞাপন ৷

भावधकारमञ्जू जान शहिवद्य ।

সেম প্রক ল বন্ধ এতদিন বে স্থানে ছিল, বৈশাস যাসের > লা ভাবধি তাছা পরিড্যাগ কবা হটপুদ্দ : ভাতঃপর আমাদিগকে প্র ক্রাদি লিখিতে হটলে আপাডেড: ক্লিকাভা সংস্কৃত করে লিখিতে হটবে। পরে আমরা ান নির্দেশ ক্রিয়া লিখিব।

বিজ্ঞাপন ।

শক্ত সাধাবণকে জ্ঞাত ব্যা বাইডেছে
যে আমান গগুৰে শর্মাথ কথা লয়ে এক জন
নকা নবিল ৪০ টাকা মাসিক বেড়নে দর্কার
হইরাছে বে কেই উহার নিমিত্ত উবেদার হইবেক সেহ আপান প্রতিষ্ঠা পত্র ও নকার
নমুনা সগলিত দর্খান্ড জালাকে পাঠাইবে,
উহা দুটে যেমত হলুম হর পালাও জ্ঞান্ড করা
বাইবেক।

বাক্রালাকী বিভাগন একলিকিটাক ইবিবাক্রালাকী

रियान राडमानिकी १७विकन

বিজ্ঞাপন :

শ্রীযুক্ত ইশরচক্র বিদ্যাগাগর ও শ্রীযুক্ত দেবেজনাথ টাকুরের অভিযুক্তি থিতীয়বার প্রস্তুত করা হইয়াছে। ইহার প্রত্যেক খণ্ডের মুলা এক টাকা। সংস্কৃত যথে ও মিসনরোর নীচে ৮ নং গৃতে তথ্য করিলে পাইতেন।

এন, সি. খোদ কোফ্লানি <u>:</u>

সোমপ্রকাশ।

३० है देशसास ।

পত্র প্রেরকের প্রতি।

মাগুরার পত্র অতি অসারের মত লি বিভ হবরাছে এই চেতু উপেক্ষিত হইল। কান্দীর পত্র প্রেরক মুরসিদাবাদের শিক্ষা সংক্রাক্ত ডেপ্টি ইনম্পেকটরের অসমত নিশা করিয়াছেন বলিয়া তাঁহার পত্র আ দৃত ও প্রকটিত চইল না।

> লাভ এলনিন্ও লাও । টোলঙাদ সভা।

কেই বলেন লার্ড এলগিন গোঁয়ার ও একওঁরে; কেই বলেন, তিনি অভিনয় পূর্ত্ত, ডেল্নেলেরির বলের ন্যায় তাঁহার বিলক্ষণ চতুরকা আইসে; কেই কেই অনুসান করেন, তিনি ম্ব্রাতিপক্ষপাতী। কিন্তু তাঁহার পূর্ব পূর্ব কার্যা তাঁহার চারি ত্রের একপ পরিচয় কের না। বাকা ও কার্যা মারাই লোকের ম্ব্রায় ও চরিত্রের পরিচর হুইয়া থাকে। তিনি হুই বান্ধ সর্ব ম্বর ক্ষমতা প্রাপ্ত হুইয়া চীনক্ষেণ্ডার মুন্তের প্রমন্ত ক্ষেত্রন, হুই বারই তিনি স্ব্রাতির গৌরহ রক্ষা ক্ষিয়া সন্ধি করিয়া আই

সেন। তিনি বৃদ্ধি প্লার্ড ডেলহাউনির স্থ লের লোক হইটেন, আয়রা এই দিয় চীনদিগকে স্থাধীন দেখিতে পাইভার না। তিনি যে স্থাভির প্রতিত পক্ষপাত হোষে অল্প নহেন, লাও হোলডার্স সভার প্রসন্ত অভিনদ্ধন পর্বের প্রভারে কানই ভাষা কহিবা দিতেছে। তিনি প্রস্কান্তর কান কালে এই কথা বলেন।

" जानि जिन्न जिन्न काफि पूर्वरण अ বহিতি করিভেছি, জাপনারা মনে ক্রি **उट्टन, 'कांत्रक्वटर्य (य माना आफि जा एम जामि छाँशक्टिशंद शद्भान्यहरूद महाद** मकात कतिश निष्ठ ममर्थ स्हेब; किन्द এ चल चामात्र रक्त्या এই, शवर्गटक्के এ বিষয়ে অম্পাই করিছে পারেন। গর্ণ मिटिंद कर्खरा कर्म अहे ता मधार्थ महिं कार्य। कतियां अधि, वर्ग ७ वर्ष (छन ना कत्रिता हेश्ला अवहीत मनुषाय व्यक्ति अवह त जूनाबरण मूर्थ इक्तित रुखे। करतम ; धरः य अल भवन्मरव्रव च्य ७ व्यक्षिकां व ইয়া বিবাদ হর, বিনা পক্ষপাতে তাহার মী मारमा क्रात्रन । चश्रत्र, हेरत्रारक्त्रा अरमरण বে বভাতা প্রবর্তিত করিভেছেন, তাহা अक्टब्स्नीरत्रता मचरलत विषय खान कवि दिन कि ना, रेश्ट्रांटनद्वा अटक्नीत खन्ताकित উৎপাদন বিষধে ধে চেষ্টা করিভেছেন. ভাৰা এ দেশের লোকেবা উপকারেব হেতু विनिष्ठा विरवहमा क्रिक्रियम कि मा धारणी प्रक्रितित वर्ष खेता एक श्राकत कि ना, अरे विषय शिक्त कावडवर्ष हिड हे ब्राफ

লিন্তের কারে রেউপরে প্রবাম**রতেপ নির্ভরক্ষ ভারতবর্ধের পরাধীনতঃ প্রভৃতি করেকটা** করিভেছে

লার্ড কামিও চলিয়া সেলেম, লার্ড এলগিন তৎপদে প্রতিষ্ঠিত হইলেন। গব ণ্র পরিবত সহকারে পূর্ব গ্রণরেব অব লব্নিড রাজনীতিও পরিবর্তিত হুইটে, অনে কে এইরূপ আশহা করিরাহিলেন, কিন্ত লার্ড এলগিনের উপরি লিশ্চি বাকা দারা সে আশহা এক প্রকার দুরীভূত হই टिंट्स, कार्ट्या त्य हेशत या ठिक्रम घर्षित धक्ष वाथ क्रिक्ट मा। ग्राहा द्खेक, 🖫 হৃদ্ধি কারিদিগকে এ এধিকারকালটা ও কিঞ্কিৎ অসুখে ক্ষেপণ করিতে হইবে অসুখের কারণ এই, কার্য্যকালে জাতি ও वर्गाक्षम थाइकिइव मा, अक्था खमिरलरे छ। इंक्टिश्च क्रिय हत। अथरा करन এই অধিকার বলিয়। কেন, ব্রিটিস গবর্ণ ্মন্ট সভ্যতার যে উঙ্গহর সোপানে অধি कड इरेब्राट्स, जारा इरेटड यनि असे ना চন, জীৱনিকারীয়া স্পাতি ও বর্ণভেদ ঘটিত পক্ষপাত বাৰ্তা ৰড় শুনিতে পাই (वन मा

> বিজ্ঞান শিক্ষার উৎসাহ দ য়িনী সভার আবদক্তা।

धरे खात्रकदर्भ यथकारल विक्रिपिश्त ब्राम्मच हिल, ७६काटन नर्भन विकानानि **ৰামতীর বিববেরই অনু**শীলন চইয়াছিল। কি চিকিৎস। শাস্ত্র, কি গণিত শাস্ত্র, কি बरभाम, कि ज़्रांन मकल मार्जित्हे ज কুশীলন-সহাদ আমাদিগের শুটিগোচর **খ্ট্রা থাকে, বছ** বিষয়ের আবিক্ষিয়াও হৈই ৰাছিল। ভাক্ষৰাচাৰ্য্য পৃথিবীৰ খনো । ত, হা হইলে কি পৃথিবী উল্লিখিত পণ্ডিক ুক্সমন্তান বিৰূপণ করেন এবং গ্রহ নকীতাদি ^{শ্}ষ্মান করিবার নিমিত্ত দূরবীক্ষণ কল্লেরও । ভাবতবর্থের পূর্বতন সম্ভানগণ দর্শন বি कृष्टि कत्रिशिहित्सम्। अक्षेत्रेश व्यानक वि বন্ন আছে যে ইউরোপীয়েরা সেই সেই

দোব নিবন্ধন সকল বিষয় সম্পূৰ্ণতা ও উৎ कर्द्व अतुमा शीमा व्याख इत्र नाहे । याना इडेक, आमानिरशय कारखन विवय अहे. ण। माणितात भूई भूतायत। य भक्त विन রের আবিদ্ধিয়া ও উদ্ভাবন করিয়া গিয়া ছেন, আম'দিগের দারা তাহার জীহৃতি না চটয়া ক্রমশং তাহার বিলোপ হইতে (ए। आधिक्**ड**त (कार्डित विषय अरे. देखे রোপীযের। যে অ'বিষ্ক্রিয়া করিয়াছেন ও করিতেছেন, ভদ্যোও আনর। সেই স্থান का शृह्म कवित्र शाहिलाम मा।

এ খনে স্কুটুনকে জিল্ঞাসা করিছে পারে न, আমাদিট্টি দর্শন বিজ্ঞানাদি সংক্রান্ত শ্রীরুদ্ধি লাক্টের কি কোন উপায় নাই উত্তর—উপাদ আছে। ছুই শতাব্দী পূর্বে ইংগ্রন্থে বিজ্ঞান শাজের সমধিক জীর্কি ছিল না। বিভীয় চারল্সের সময়ে রয়াল সোসাইটি সভা সংস্থাপিত হয়, তদৰ্ধি বিজ্ঞান শান্ত বিদ্যুৎবেগে জীর্কি লাভ করিতেছে। রয়াল সোসাইটির যত্তে অ প্রতপূর্ব ও অদৃষ্টচর দেশ সকল আবি क्ष इरेशार ; अकुछ्पूर्व रख मकरात्र व्याविक्तिया <u>अ ज</u>िस्टेशिक : अवः व्यजा ধারণ গুণ সম্পন্ন ব্যক্তিরা নিজ নিজ বুর্তি ও বিদ্যাবলৈ হুদেশের সম্যক উন্নতি স। ধন ক্রিয়াছেন। ডাক্তর লার্ড নার, কা প্রেন কেটর, সর জোসেক ব্যাল্পস, সর জন ক্রান্ধলিন প্রভৃতির নিকটে ভূগোল ও विकास कि शर्य हिं मा सन्धर . मार इस ? जाम्द्रा व्यक्तीकात्त्र निर्किष कदिए शांति শদি রয়াল সোলাইটির সৃতি না হইত, গণ্যক প্রদাব করিয়া ক্লভার্থ ছইতেন জ্ঞানাদি বিষয়ে যে বৃংৎপান্ত লাভ করিয়া हित्तन, केंक्ज वासनात्व उरमाइ मान বিবর ভারতবর্থ হইতে ঋণ করিয়া আবি জি তাহার কারণ নছে রয়াল সোসাইটির ু ক্রিয়া ক্লেশ হইতে মুক্তা ধ্ইয়াছেন : কিন্তু নাাণ ভাষতবর্গে িল একটি সভা করিশার

काल डेशब्रिक इस बाहे ? कि रमना एल. কি বেলওয়ে কি চিকিৎসা ডিপার্টমেন্ট অনুসন্ধান করিলে সর্বত্তই উপযুক্ত লে:ক मिलिएक भारत । जाशामिशस्य योग यतथा **চিত উ**ৎসাহ দেওয়া হর, এদেশে বিজ্ঞা त्वद्रं श्रिवृक्षि दर्शत्व मारमञ् नारे । त्रमायन विमा, भवार्थ विमा, जुञ्जु विमा अब्जीन নের স্থান ভারতবর্ণ অপেক্ষা উৎকৃষ্ট দৃষ্ট হর না। হিমালয়, বিদ্বাগিরি প্রভৃতি পর্বতে যে কত অভ্যুত পদার্থ আগ্রুছ তাহার নির্ণয় নাই। আমাদিংগর দেশের লোকেরা হদি উৎসাহ পান, ঐ সকল স্থানে কায়মনো नाटका ज्यंविकि है। कोटर्या वार्शिष्ट क्हेटदब गत्मक बारे। क्रिजीत तामकी त्रवृताथ काल कुलरमद्र य गृष्ठन अभिनी व।हिन कदियः ছেন, ডি মরপান প্রভৃতি পণ্ডিভেরা ভাছার ভূরি প্রশংসা করিয়াছেন।

व्यापना गर्वर्रायकेत्व अहे नक्ल काव ণে **অনুরোধ** করিতেতি ই-লঞ্জীন রয়াল সোসাইটার ন্যায় এখানে একটি সভা সং স্থাপন করুন। সভা অংপাততঃ চিত্রশ লিক, জবর ভারতব্দীর সভাগ্নুহে অধিবেশন হ রিবেন। পরে বিশ্ববিদ্যালধের বাটা প্রস্তুত হইলে ওধায় থাইবেন। এতৎ সংক্রান্ত সুত্র ধন ব্যৱিষ্য ভাহা হইতে যদি। উৎসাহ দান करा कर, आमदा भीज विकादनद्र नवित्नव জীর্কি দর্শন করিব সন্দেহ্ নাই।

> :৮৬০ **অন্নে**র বিহুবিদ্যালয **अ**दविका भड़ीकांत्र वाकन। भुखक।

একের রাজত্ব গিয়া অপরের রাজত্ব इरेटन किय़ काल आय मनूकाय वियत्त्रके বিশৃত্বলা ঘটে। একপ হইবার বিশিষ্ট কারণ আছে। যিনি বহু দিনে লক্তপ্রতিষ্ঠ হইরা রাজ্যের অবস্থা বাছল্যন্তপে অ্বগত হন, তিনি চলিয়া বান, আর রাজ্যের অব স্থানজিজ ব্যক্তি, আগমন করেন্। আমা দিদের বাদল ভাব। বিষয়ে 🙀 ঘটনা घरियात्ह । बद्ध काटलाव लक्ष्यां किये मान्य



ভ ভাষা বিলুপ্ত প্ৰায় ধ্ইয়াছে, বাললা ভাষা ক্রমশঃ তাহার অধিকার হরণ করি তেছে। এবরিধ সময়ে বিশৃষ্টলং ছটা অস **डाविक नटर्। अधन त्य दा**क्ति या गरन क तिरक्राह्म, को हो है बाबलारक लिथिएक (हम। अकृत्व वाजनात (सक्ष्य चारका, मर ক্ত জ্ঞান ব্যক্তিরেকে এ তাবায় প্রস্থ প্রণরন **पृत्त थाकूक, हेशांक महाक्कां वृ**ध পদ্ধি लाटब्रिश्व महादनः साई। कि इ दिन्त ख़ब्र विषय अहै, याहाद्वा कथन मश्क, छ শ্বৰ্ম ক্ষে নাই ভাহাদিগকে বাদলা ভা যার এছে রচনা করিছে অঞ্চনর দেখিতে পাওয়া যায়। মা আছে তাহাদিগের রচ ন: ল'লিডা, না আছে ভাবা ভাষাণিগের বলে, না আছে তাব বিশুক্তি , তালুগ বা ' ভিন্ন প্ৰস্থাকৰ বিভাগিত বাসনা বিভা क्रमा मास्य मारे।

अन् अन्यम विवास त्यन्त्र याचकाता রিভা দৃষ্ট ক্টতেছে, উৎসাল দাভারাও তে মনি উৎসাহ দান বিষয়ে স্বেক্ষাচারিত। अन्नेव कतिराज्यस्य । कर्त्यस्य वाक्नात्र বসকা নহেন। ভাঁহার। সময়ে সময়ে আ रगाना भारत्वय छेरमार वर्षम क्रिया থাকেন, কিন্ধু যোগ্য পাত্রের, ভারাদিগের थ्यमापत्रम्थ रहेशा ख्रांश्माध र्हेटक क्रम। भरगरभात्र छैरनार् ७ वारगात्र चनुश्माइ छेळत्रहे चनिर्देश (रकु। चरमात्र वाकित उमहान वाच वहेरक १४७ अछान। কণ। ত অনেক দুরে আছে; রাজপুরুষে तां अक्रिकिक वाबहारत शवां मुख बरहत । ঠাহারা বাদলা ভাষাধ অনভিজ্ঞ: সুভরাং काक'मिटशंद्र फाजुन शहेबा विश्ववानह बहर । एँ क्रिबिक गरबक्षाहाजी अञ्चलनाज्ञकातिन গের ছুম্পু বৃদ্ধি ভিবারণ করিছে পারেন ! **এৰপ গু**ল দোবজ্ঞ ব্যক্তিও বিরল । ১৮৬ **দক্ষের বিশ্ববিদ্যালয় প্রবেশিকা পরীক্ষ**ার वाननाभूखकरे चना चांचानिरंतन शह **এতাবের অবভারণা করিয়াছে**। আমরা এ এছের ছুটী ভান উজ্ভ করিয়া দি লান; পাঠকগণ দেখুন কেমন সুন্দর

এছ থানি মনোনীত করা হইবাছে।

कार्टनांस अस्त्राप्त याश्रास्त्र कहे भावा । ৰভাবেতে অবন্য ইতন্ত্ৰ কটি ড'বু: 🛚 বাহার। নাহিক ধারে সভ্যতার ধরে। পিভাপুত্রে চুইজনে স্থান গোঁৱার 🛭 কাহারে বন্ধুতা বলে কাহারে প্রবন্ধ। কঠিন গুমন্থ লোকে অধগত নগু . সভ্য লোক ৰাবা তার। কোষন প্রহতি। । আগদিক বারা ভাষাদের অসা হাঁতি॥ জাত্র-বিবা হয় বলি জাপনার দেশ। **ভবু হ্বক্সের ভা**য় জানন্দ বিশেষ ॥ **स्थानविलारगत वाष्ट्रा** बदन वक् बाहे। তালতেই ভুষ্ট যালা খনে বনে পাই देखित्यानेख तथ क्यू नावि भारतः স্বভাবে রা পার কিছু ক্ষি ভাতে দৈনে ॥

ধরাজনে ভুরস্ক এবং পারস্য দেশীর প্র **খান লোকের। স্থা জাতির অংগক্ষ। স্থপু**ক্ষ বলিয়া বিখ্যাত, ককেছু এই যে ডদেশীয় উচ্চ পদনীত জনগণ চক্ষির্ এবং সর্কেশীরা নেৰজ্ঞান্ত প্ৰপ্ৰাস্থ সংগীয়সীদিগকে কৰ্ম ছার। क्रम क्रिमा विवाद करत, किष्ट यमालि हैं छै-ब्रांण चर ५३ व्यथाप्रनाद्य के नजनान रवत्र चा-ধীনতা কুণ থাকিত, তক্ষেতিক দেশীর প্র ধান ৰংশী**রেহা** বেরূপ ক্ষণৰাল বলিয়া বি-খ্যান্ত, সেইৰূপ বল্ডান ও বুৰিখান বহুপ অগ্রগণ্য হট্টভ একের নাই। অভএব একলে া ইবাও বিজ্ঞাপা, যে বালালা দেশে সুঞ্জীশালি-নী কামিনীয়াত্র পবিগ্রহ করিলেই গেকোন করা উচিত নহে। এতকেশীর ব্রীলেক্সিবের काबावरताथ विद्याहर सा बहेरत अनः जानात्र সীতা, সাবিত্ৰী, ফাৰ্ডণী অৰণ প্লৌপদী প্ৰাৰু-ির লাভু স্থাচ্ড ও স্পিকিত লা হইলে खात्राजित शहर महिन्मम्बद्धाः यदाराच म**खा**-নগণের আ:বিভাব হু থে। **অসম্ভ**র।

श्रम् कारत्रता उ या निषिट्य जारनम मः, स्टिवन ध**रे गांव ज्लानात्र वस्**, **बू**ल नारकाञ्च अथ अविप्राटकः। ज्वीत्नाक मूनि क्रिक वा इट्टेल यकि माइम्बाम महान न। जिच्छ. डाश स्ट्रेस क्षाडीन कारतत न्नाणि नगरतत त्रमगीभग नीतथञ्च इहेरस्य ना। चन्द्र क्रवरकवां कि वेश्वित्रक्रियंत्र

मूर्य (ज्ञांग करत्र वा ? अवास्य देखित्रजनिष तुथ मरफत धर्च कि । क्लेफा मिका मर ক্রান্ত কাবে।র অধ্যক্তেরা এই প্রতিক্রা ক-রিয়াছেন, গ্রণ্ডেটের ব্যন্ত করাইবেন; किंड श्रमात्र किंद्र श्रेट्ड शिदन मा। अ प्यत विद्यार क्वल डीव्यक्टिशंत अरे রীতি লক্ষিত হর না; স্থানে স্থানে শিকা কের ও অধ্যক্ষের বিষয়েও এই ব্লীডি স্প मुके हरेगा बादक ।

श्राश्वा

মূতন কাব্য।

भारता दनभीत वशक्ति इः दक्क वर्फानन মানিত ছিলেন, ভডদিন গ্রামা, সামীর, মন্ত্রী সেমাপতি প্রভৃতি সকলেট ভাঁহার লেখনীকে অভিশয় ভয় করিভেন। এই সময়ে সিক্লাকের নি চট বৰ্জি কোন স্থানে কল্পেক্সন যুৱক বণিক খেলুর খাইরা ভাষার আটা এক জন উঠুচা गरकत भारत निरम्भ क्तार्ड म वनिन িতোষরা আমাকে জগমান করিলে, অভ-এব আমি বাটী বাইরাই ভোষাবিগের নামে কৰিতা লিখিয়াঃ সহিব হটগা কাৰ্য লিখিতে সাহস । পুকরের হস্তিরূপ থারণ করিবার ই 🎳 ! অনপ গৃষ্টভার ধার্যা সম্বেদ নাই। বার্গা হউক, সে ব্যক্তি অপনানিত হইবা হাকেজ হইতে চাহিরাচিল, ভারিকিছ ভারার নেই বাক্য লো-(मत ना बहेया शालबारे बहेबाटक, किस बहका-नी बच्चमात्र कि ष्टर्य जनक विनाम विविधा खात्र**कडळ वर्षेटक** हावितार्यम > **छेडे** हान्यस्य ন্যায় ডাঁহাকে কোন অপদান পৰা করিতে হয় নাই। ভবে কি ডিনি নিজে কোন বিদ্যার ञ्चत्र बहेगात ज्यानास अकारी कतियांका म ডিনি যে জীবিকার জন্য এরপ কার্যো প্রত্ত হইবাছেন, একণা বলা ঘাইতে পারে না. *ে*--धनीरक डेलकोया कत्रिया इतन अवन तिक ভারতবর্ধে বিরুল। বিশেষতঃ আজিও কর্ম দিলের স্থালের ভাতৃশ অবতা হর সাই। আস্বা এই কুম্ম কাৰ্যা পুস্তক খানি মুদ্রিত করিবার কারণ ,বুঝিতে পারিতেছি না ৷ য'হা ২^{৪০}০ अवश्विक ख्याना भूखक श्राप्तात व्याक्ता, तेर है নিতান্ত এইনীয় হটরাছে:

वाक जालागंध जिल्हाम नेर्पं करी

আয় নয়নগোচয় হব না। ভারতচক্র বহুদে-শের প্রধান কবি বলিয়া পরিগণিত ছইয়া থাকের। ক্ষিত্র অংশে ভাষার বে প্রাধান্য আছে, ভৰিবয়ে জণৰাত্ৰ সন্দেহ নাই। কিন্তু তংগ্রণীত কাব্য আদিরস দুনিত বলিরা ইলা-नीयम कारत नमाक् कालांश्यादी वहेरखरक ना। जाँश ब्हेरज अस्मरमञ्ज अक्ती स्ट्रेर जातिई যটিব ছে। তাঁহার স্টান্তের অপ্রসরণ করিবাই रा त्र पूर्व क्वकिः होकति ज्ञक्त बक्त क রিয়া কাব্য লিখিছে সহসী হইরা থাকে। উবরচক্র গুপ্ত এই জনিটকারিভার বিষয়ে ভারতচন্দ্রের সবিশেষ সহাস্তা করিয়াছেন। সামান্য বিষয়ক পদ্য রচনায়তই উপরইতের विमक्त कविष मक्ति हिन। क्षि शर्शर्य विव-নে তাঁহার কৰিছ শক্তি ভুর্মজ্পক্ষ চটক প. ক্ষির ন্যায় দূর গমনে নিডাস্ত অসমর্থ ছিল : জাদিরস্থটিত বর্ণনা বিবরে ভারভচজের স্থায় ভিনিও অসামাস্ত কবিধ শক্তি প্রদর্শন সরিরা গিরাছেন। কিন্ত কোল্ ব্যক্তি একংগ मुक्रात तुम भून कोट्या जासूरवामन क्रियन १ সামান্য শারীরিক লাবণা দর্শন করিয়া মহা দ্যা কোন্ ব্যক্তি নোহিত **চইলা** থাকেন? प्रमात शूक्रम नदशरणाच्य सहैरमहे खीरमारू ৰাত্ৰের চিত্ত বিকার জন্মে, বে কবি একপ বণনা করেন, ডিনি মণ্ডব্য প্রাকৃতির ও ধর্ম ্রীভিন্ন মর্শক্ত নহেন। বিচাহকারের মন্তর্গত ্তিমিকা প্রকরণদী পাঠ করিলে কোন্ সন্ত 🕏 ব্যক্তির মনে কবির প্রতি ঘণা না জনে। ? কলতঃ ভারতচন্দ্রে কাব্যে স্থালো কর সভার খ**র্দ্দের প্রতি অনাতা করা** হছধ **ছে** ' ভালার स्त्रचा स्मिचित्न म्लाडे स्वाधकर किनि बठे म **র্ম্মের অবিধের প্রতি** বিশাস করিছেন ন।। ্রক্ষণে প্রাকৃত বিষয়ের অন্তসরণ কব। । ই (छट्ट। व्यवस विनाम निन्तासम्बद्धत ८००४ স্তের ছু চি। কাব্যের নাস্থিক। কথা কংগিও হন না। এইসংখ্যার থাকাতে হরকালী বংগু দে ক্রের, পুরাতন ছাড়াখরা বর্ণনা পরিষঃ **ভা**ৰাৰ

- " কুরুল নিশিত ভাষি, গঞ্জি বঞ্চন পাখি कुका नाहि एवं देखीवद्व ॥ নাসা ভিনি ভিন কুল, গ্ৰ জিনি কৰ্ম দুল, व्रक्तांचाद्र विष वक्रांच्या

मुस्का कान्नि वृत्ति प्रस्तुः मारक ब्राट्स क्रमंबि क्रिक्टब्रु ॥

মৃণাল জিনিয়া ভুঞ্জ উত্তান্ত্ৰিত ৰূপে कारवात मा त्रका कामकर्यास्मीत करशत कथा विक्री इटेटन । धवात हिक्टि वाल गृत्सा वि-লিখিয়;ছেন ।

বিজঃরুপ রাজকুমার মুণ্টা করিতে আ-निवा मकार मधरा अन मरबानक्रहीस নিব্ৰিত হউবেন। অন্তুত্ত জনজ ছোহিনী শিব পুজা। পদ্যাব সময়ে শিবপুজা। করিতে আসিরা উংহার া দশনে যোহিত ষ্ট্র। হার ও অভা ধ্রীকু পরিবর্ত করিব। शृष्ट् अध्य क दिलः ALM EXPLY MAN শিশ্রীয়া উটিন, জিনি ভংকলা স্বাগ্রহ ब्हेरा काषाँदबाबर० यक पूजान्डरह नगरद अधन ! कतिया अकेरिनातारविद्यास्त्र भागिनोत् नहिछ শাক্ষাং করিলের এবং ভাঙার বাটীতে গ্রন कड़िया क'लीड बढ़त्र, यानिनीय बढ्य छ छहान মিলৰ হচল। তৎপত্তে আমাদিশের উন্নিংশ। শতাব্যর ভারতচন্দ্র বাসরের বার্গর বর্ণনা कदिलान । । । भाद । क रेमजा नाहि-कारक करान कड़िका र वेदा (शान, स्नारम वस करहे डिकटग्रह विश्वन इहेस, कार्यावय (नम **रहेत । जामहा वर्गमान क्या बलिएखाँ** मां, তাহ। যত জখন্য হইতে পান্ধে হইয়াছে। গ্ৰ-পুটিও স্থান নহে। পেটু বিদ্যাৰতী বাজক-मात्रो, त्नहे बानिन। (अडे कानीय एटन (अडे । देवनक्ति ७ ६मडे शिवन । अञ्चलकात् कि वदन करत्न, नर्स माधायूर्ण अडे कचना शुरुक शह कविषः कारमानिष्ठ स्ट्रेयन । अक्न अन्य अन्य वि होत्रक। कान् याकि अहे अकात वननाय जा..! নক সুখ অমুজৰ করিবেন **০ बार्यराक् विस्तृत्वल द्वासात् तक्क** ८१९ १६५ स्विधाक मीजिक स्थन ह भोजाय के **ग्रमस्मिक (हर्दिन, महम**ा नश्च र प्रतिल विधि किया जुलक्का ह

विविध मश्वाम ।

टावरा पाना**टन जिल ब्राम्बन्द्रक बाना** ।

ম'ন এবা প্রেক্তত করিল খাব। খাবা ॥

त्राचारे गवर्रामां ले मशत वरेएड कहारि প্ৰীস ডাকের ইজার, দিবার বিক্ষাপ্ম করি-ब्राइन। विकारिय जार कलिया छाउँ जारू

व्यस्ति मा इस भास । कारणकाक सबना, देखारी किता ताडे विभू ধুলা ভারও রুক্তি হটবে :

> জ্ঞা ইডেন বাগানে পুনর্কার জাতোব कोष धरेष्ठाहर

নানাংহনের আছুস্ম রাভ সাতেব े भूड अंडेश्रांग्डम। के वास्ति शक्षांत्वत्र प्राप्तः পাভি সোনাই পর্গণায় বুকারিত ছিলেন । ভত্রতা তেপুটি কমিননর ধাকনার পাতেব ত ं शाकात आफ्नीय शास्त्र मान्या महेना अन भागांकरण खीरलारकत्र राम भतिका दाख मा-হেষকে গ্ৰন্থ কৰিব ছেন। রাখ সাফো বলি। (इस, किनि क्षां प्रकास नाम क्षम **क्षोरना**क क बाह्यकांभ्रेटनाम् ब्लाबियाङ इच्छ लिखं करमून में है िक्षि प्रथार्थ युक्षधन्त्री;ःमाद्र युक्ष कदिवादिकाः य नक्षर अभा नारकतन्त्र अन्त्र याकाव नाष्ट्र आर्ड, भारति कहा मार्ड !

(नकातुः) अभिक्र हें "धीध प्रमानदाद बर्गा क्षरां है है। अदान नहित्रां छ। छ। बाबिरान्य ८६ मुकल वाहिक ग्रन्थत तम ०३ थ्रा जातिहार्छ। ভাষারাই এই রোগালাল হইভেছে : শক্তর বনই ওলাউঠার অ:কর :

(व'वाहे मनदि मालवर्षनीय जिल्लिस्ट्र मृत्रा क्रमणः अवि वक्रेएक्ट्रः शठ मश्राट ঞাতিব'বল : • · · টা •াৰ বিত্ৰীত চটবায়ে ।

यक व्याभियाहित स्त्रामाई है तनाब करे বেশন দিবলৈ বিষাধ্য পৰ্কতেন পুনায় বালিব "ভাৰু ঘটিত কংশক পানি পত্ৰ পত্নিত হয় ,

थिनिका मन्भाषक थान्तीक चाटलांब हि मदः अहे नित्रा आत्कल कतिशाह्म क्रिम इ'खिएड आरम् सालम कडेगा वाद हिन ভর্মিনিভ গাসে কোম্প,নিকে সতক ছউতে विनिग्नार्ट्यः । त्येष्ठ वाजिएक प्रकल ज्यारमाई य लिम इस । भाग (कान्न्यामिन क्यांच (क न

बालही बीरण धक अन ' मञ्जूषि ए रेम्सि ক পুরুষ পাদ, বাসন প্রভৃতি দুরে করিয়া ধ্ত ইইস্টেন। সঞ্জু ভে লেটেকর এখন কুদ্র स्वि ।

मक्चलाई है अन्धालक नामन बिरत्र है खतू:-নক জর দ্রীতেছে। তুর্তিক্ষের পর জ্বাধি ধ্র **নীহা ও বা**ণ্ডের দৰ্শিকে প্রাত্মর্ভার হটরাছে : महत्र बांब बिलासिक शवर्गावके हैं । लास्त्रव নায় ভারতবর্ষে মিউনিদিপাল নিয়ম অচলিত उद्भिर्यन मा ।

পিলীবেডেট সম্পাদক কলেন আকাহা-ाहि कर्मक क्रम कुछकी लाक इड्डिक्टक व्यथि 'ক্তেছে। সম্ভাতি একখন সৈনিক এক ব্যক্তি-्क निविद्ध क्रिका मिर्ड स्टब्स, कि**ड** कोङोस्क দ 5 করিছে পারে নাই। স্থানামাবাদের अनाभकि जाला निवादक्त अउदक्षिीदवर्ता हाश्चिरवारम कारमा सहेवा निविस्तत हिन्द्रस्त ल**ड**े,दन् ।

এবংগর উত্বরণ, ऋषाक লে প্রচুর শুল্ক ्र प्रश्न बहुजारका वोभी छ निश्वनि ,सनाव : न् कि कि अन्य है कि आमार बहेरांद्र ।

থামেবিকার উত্তর বিভাগের সেনাবা আন্তল্য অন্ত্ৰী বইতেছে। মেষ্কিন ও নাস্বিল। লিন্কিখার জাতা। কয়েকখানি পর্জে কার্টেন - इर मन्तरहे नवर्षायरतेत् इन्द्रभाष्ट्र इन्द्रेयुर्ट् সমাদের সংবাদ দাঙা ভরিমিল বিলেপ आदक्षा व तिहार्डन । इं द्राभीति साम्य लिन ্ম'শন সভাবনা দেই পামেট ইংলিগ্যান ও তাহ ব অভ্যুদ্রপাণের । কাভি।

নকা প্রকাশ সম্পাদক ভত্তা কালেভের धनः এक क्रतं नुभन्न हि.किश्यक विश्वक्रक दिनाय ভান্তরের ক^{রি}শ দেন। তত্ত্তা সিবি**ল সঞ্চ**ন जंग्रदशङ्ग हेक्स्मि। कशिद्यम निवास ठाकि নাসে ৷ লক্ত চাৰা পাইয় থাকেন, কিন্তু राहा ७० छ। काम क्वार अवजे छैशकांत्र माजे : চাৰ্ড ৰব্লিতে গেলে উপত্তি শাভ চাতি দি न, अ ५० ६ का के हैं एक निश्चित नहीं राजद है

ए ज मन्द्रापक छ**ङ्काला बोब्बिटक्टे** रहेड स्**ब्र**ी এন ব শক্তির এক দুরাজ প্রার্থন করিয়াছেন। काहेरमञ्जू छेरलच कहाएक भारत्व विदेशाः। कः, आडेन (म) श्रीमा ७ म । '' हलीन ७ म ्रका द्वाला बर्ड्ड ब्रह्म १५ ब्रिट शिव गर्डि ।

😰 ্যাতিতে ইডেন বাল নে বিস্তব জ ्रायुर्गाके शक्ति। **दशा कारमक वर्णक खर्**गाय ^{फल}िक हिटलन। अखिदला प्राम कारमान-्रीता नरहा हैश्रेरफ क्षेत्रिक को निवस अवन्त्रां अदिक । ५का नेजनाथ काल्यश्रद्धानार ্র পাতী হরিবান্ডিক সাভোসবাকী ক - १ व । ७ अन प्रकार १ (५ ५८४। ७ अम छोल- । ত্যাগ করিয়াছে, ভারা ২০১ লালের প্রাপ্ত

ত্যাগ সম্ভাৰনা আছে। এ আমোদ পরিভ্যাগ[া] कड़ है है हफ ।

केन्द्र शन्त्रियाथारम अवधि भीमका स्था-न्यानि ब्हेब्राट्डन। व्यव्याख मारश्य क्षञ्जि कर्यक्रमान दलरामीय मीलकत्र ७ ठा कत्र देशांत উদ্যোগী। प्रम नम डोका देशक्रिश्त मुजनमः। কোম্পানি সমুর খাটাইয়া নীলবপন করিবেন : **डाहाता ज्ल निर्माम द्वाप्रडी क्षर) ज्यमस्य** क्त्रिरवन। नेजनात्त्रा कि दुक्षिया। इन यक्र-(सट्न आहे भोड़ा दशन कहिनाद (58) निकल ?

বোষাই দাটভে বিবিউ পত্নে প্রকাশিত एक्ष्माद्व महाद्रोक निक्षित्र वाश्वीरे प्रमन कवि-বার ইক্ষা পরিভাগে করিয়াছেন।

लटकोनअद्भीत नवार इक्षाप्रकाता (जा-হেনের জ্ঞাল স্বাক্ষর করিয়া এই কণা লিশিয়া ছিলেন ৰে ৰিজোকেব সন্থে নদাৰ গ্ৰণ্মেকৈর সহায়তা করিয়াছিলেন। সত্ত এব পুরস্কার স্বৰ श नाबारक द्वति कहिया हि छम। बहेरत। जना-त्वय ६०. होका अदिशाना इक्षेत्राट । खारमञ्जू अहे ५७ कान चाहेन जारमाद्र ६३-

যে ডকাল জিপাট থেটের ভনকে।বউর জে सब्देश ७ छात्र क्रमा छेष आहरत निक्र शत शहर-**जान क्यांटक जा**वजन्तीय रूपर्देश है। असीमा ৰূপে গেলেটে ভাঁহার প্রনণ্য: করি৷ ভাঁহা-क भगाराज शाराम १ केंग्स्य शाम **आत्मा** क्रमा घः । धनाम वृतिप्राष्ट्रमा छेङ छारू । ৬২ বংসর এদেশে লাবিভি করেন। কাব লের যুদ্ধ তিনি ভা,পনার বার্যাদকতার স্বিশেষ প্রিচয় এন, ন করেন। ক্রানে প্রশান ह्याक मकत अवकृष्ठ इंडेरफ्राइन, उपन संबुष्ट নংগ্রহ ক্রেডন হট:এডে।

ধোমরা শান্ধা আঞ্চাদিত হটলাম হগালি ्छ जक्षी भाषा जात्रकररात्र भाषा स्टेश्स्ट । তন্ত্ৰতা অনেক স্থাভ লোক তাকার সভা হই. ्त्रच । कि ह क्योरक्रं ए ते विषय भेडे ख्या है स्ट िरामान गर्था। भारतकाकृष्ठ "भाषा। बाकारण ক্তিবিদার মুখ্যা ক্ষিক্ছণ, স্ভা বেন - विवदम विद्या किया कार्य हाई हार्यम । छाक्त লোকাণ্ডগার কৰে উৎসাহ ছটাৰে >

ইশিশ্বান বিল্ভ ছডন বনষ্টাবুশ্বি পুলি 🕽

শের কর্মচারির মিগ্র লি খন্ত হিসাব প্রাকাশ क्रिश्राट्यमः--

ক্যার व्यक्तिहरूत विका ১ ইনস্পেক্টর জেনরল \$\$ · · | O · ৪ সহকারী >4. **3.**.. ६ महकादी वेनटच्यार हैन ৮ প্রথম মেশির জেলা স্থণরিক্টেপ্তার্থ বি ৮ দীতয় ভোণির > ভতীয় জেণির ২০ প্রথম জেপির সহকারী R . . ৩০ বিতীয় জেশির 9#+ ৪০ ভতীর শ্রেণির 4. ১-৯ প্রথম জেপির ইমংশ্যকটর 14-২-৭ খিতীয় শেণির 300 ২৪৭ ভতীয় মেণির 70 २८ जहकड़ी देनएणकड़ेब्र 4# ২৪৭ বিভীয় কোনিয় ×. ২৪৭ ভতীর জেপির 34 ২৪৭ ওবর্লিয়র প্রথম মোশিয় 78 ২৪৭ বিভীয় জেপির 24 ৩৮০০ তৃতীর শ্রোণির ৮০০০ প্রথম শ্রেপির ক্ষরটেক্স ৮৭৮০ ছিডীয় জেপির ৮১৮ ভুতীর শ্রেণির

गर्काच्छ हेराब समा ४० वस होता ग्राप हरे(व) द्रामश्रुद्ध (बोद्योनिय्न), क्रुक्य गद्ध, क्रुक्य: পুরী, রাণীগঞ, চাকা, করিবপুর ও সবরপুরে মুডন প্রলি**বের এক এক প্রধান ধানা হটবে**।

अदेव इतिक मास्त्रिक्षे हे विशयक रव स्था-লীতে কার্য্য করিতে হইবে, ভাষা স্থির করিরা দিখাৰ নিমিত কৰেকটি নিমুম প্ৰকাশ করা ছই, রাছে। নিয়ম গুলি স্থানান্তরে প্রকৃতিত হইল। আম্লা ভাবিয়াছিলাম অবৈভানিক মাঝি-<u>(डे.८७४। नाइँ८मण हारकाद्र क्यूब व्हेरनव।</u>

েকারে একণে পাই পর্স। সতর আনা विलम्ब क्षेट्रिए हा। विके शयम। मार्ड साल

জাৰেখ্যাৰ নবাবের সন্ত্রী উজালিনকি বাঁ বিজেক হাৰ্থি বিনা অনুস্থিতিতে বলিকাভাব বাহিরে ৭ ৮তে পাইডেন না , গ্রুথিণী সম্ভাতি উটা কে সম্পান স্থানীনতা প্রদান : तिष्ठार ५ म

মন্ত কিল

अंबी विलाय कहेंद्र। हैं बारक शंभन करबन, हुएँद्र निश्मिত সমর ज्याजीख स्हेबांब शूटर्क्ड ভাৰাদিগকে আপদ আপদ কৰ্মে প্ৰৱন্ধ হ ইতে হইড, বিনি না ইইডেন, ভাহাকে পদ চ্যুত করা হইত। কি**ত্ত অলেধেই** বিশেষ কারণ व्यवनंत्र ना कतिया (क्षेष्ठे निरक्तको विद्र निक्के হইতে বিদায় ল**ইডেন**। ডারিবল্পন উলিখিত নিয়ম বিকল হইও ৷ এই হেড় জাত্ৰত্য গৰণ-विके जांका कार्रहाट्न विकास कार्न अप-র্শন লা করিলে এরপ খলে তাঁছার৷ পুনর্বার निक निक कर्य शहिरक मा

गंड क्ला अडस्क्लीय मञ्जास लाकिया **আৰু সাহেন্ডক এক** এড্ৰেন চিয়াছেন।

णात्रक्वर्योत्र (त्रहेम ७८५ (क्षाणाित्र हे-কিনিরার উইলসন সাত্র রেলওয়ের স্বিধাব जना मुन्ननिशायात्र स्टेट्ड मनशांति शराञ्च এ-ক্ষী পাকা রাজা প্রস্তেকরিবার জন্য গবর্ণনে-🗝 হইতে ছুই লক টাকা পাইরাছেন।

ইংলিগ্ৰানু সম্পাদক আৰণ করিয়াছেন क्टिब्राक, नार अक्टन अक प्रन वाट्यांबादि प्र-ञ्जात जिनासक रहेत्राट्म । करत्रक भाग शृर्क সম্পাদক কিরোজ সাহকে মভার তৎপরে পা- কিটে কৈন্দিরত চু কি কর্তব্য : রুস্য **দেশে দর্শন করেন। এক্ষণে আ**বার এক ক লে ক্লারভবর্ষের মধ্যে আলিয়াছেন। ওয়া-निवेद्धदारवेद कांन देवर मिक जाएक नार्क्ट

सिनूरन अक सम होत्र विख्य वाक्रम अ বকুৰ বুৰাইরা বিজয় করিও। নে সভাতি ষুষ্ঠ হইরাছে। এম্বলে নিরম্র কবিবার জালা বিক্রম করিতে পারে নাই।

ব্রহ্মদেশে সম্প্রতি ভয়ানক কড় -ট্যা - বিশ্বাছে। এ বংসর অনেক দান হইডেই 🕮 । क्न करकृत्र नशाम आमिर्ड (इ. :

जाना क्षाके नारस्य हेश्न एक नामन करि ছইলেন। প্রেসাকের বীজন দাহের কার এবং 🔾 ति, व्यक्ति ज्वास्ट्य स्थाम स्मरक्तिरी विकास नियुक्त रहेशारकन। नीजन शारहत "अगुन स्रो**्थन कि कुल द्रारथन १** टिश्चितात विश्वित विश्वित है विश्वित के इंगाएड । अवाद विश्व क**हे**ना द्वा शव আৰম্ভ উইম্থ হট্যা রহিল।ম।

बाद्स रहेऽल निकिष्ठ न॰वान व्यानिशादह করানগর পারক্ষদেনালিগের ২৬গভ - হর । শার্তি কর্ট্যাভিস।

त्रारकः। कांबीत्र क्षांच्य महत्त्रम् निज्ञ त्रामः अध-ভিব্যাহারে কান্দাহারে গিরাছেন। একুপ জন ঞ্জি ভারতবর্ষীর গ্রণ্থেক এট বৃদ্ধে সা-, कार महस्या शत्रक्षण ना कतिया कार्य छ ए. শিক্ষিত সেনাপতি ধারা আমীরের সহয়তা

সম্রতি একজন পদ্যুক্ত গাড়োরান প্রক প্রভুর আন্তাবলে সুরাপান করিয়া গোলবোগ প্র মৃতন গাড়ের নের সহিত দালা করিব। ষ্ড হটরাছে। ভারিমিত ক্ষণারের জারি ৰিসিম্বাট্ড।

फिनिएकात्र श्रमक्षम गाउँ छात्रक रेशिक्यारमञ् আ গৃক্ষগণের প্রতি চুলে দর্মসাথারণের নি करहे भड़े मिनदा अखिरयांत्र वास्यारहरू (य , উহিরা গবর্ণনেটের আছে। না মানমু; বার माही व माधादन व कि मक्सरकड़े भारक গোল আনা পরসা দিতেছেন া গছলা জানি-वात तमन अग्रंट शीलर्रगात इस रण काहार नांगा उचात्रा आरम करतः भव । भव । शहर वरमन তিনি ১০০ টাকার মধ্যে তুই টাকার প্রনা কম পাইরাছেন। টাকখালের অধান্দের নি-

माजगादबङ कांद्रनरक्ष्य नादम अक्कि औ লোকতাহার প্রভের নামে এই বলিয়াপুলি বে নালীশ এরৈ বে ভাহার পুত্র ভ হার বিস্তর অলকার অপহরণ করিবা ডুইজন বারাচন। ও এক পারিচিত কিরিজির নিকটে ভালা বাখি রা**ছে। পুলিষ কর্ম**চারির। অনেক কন্দরে ৰাহির করিয়াছে, এখন পর্যান্ত নৌকল্পড়াব निष्णति स्मानाहै। कित्रिक्षि व हेर्डेटहानीय CD दिवस माधा कामभड़े इस्म एडेटफ एक

होनक्षम इ**हे**ए७ मश्रम व्यामिय;दृष्ट्, मह दोत्र (मनात्रा **मञ्जाि विदश**िक्वितारक ध्व র'⁽লড় করির**্ছে। ডল্ডর সকেট** ক্রিলয় কি **मिन। बीटकन मारहर्व क्लिट**िंगके प्रात्तः, क्षेत्र स्वराहरण करिए। क्रांटिंग क्रिकाशिक स्वराहरी ा व "त शाय पूरे महत्य निवृत्त विद्वार विद्वार

> २० भारतिष्ठ निवसूक निज् ! "स्वर्ते र (मण्ड व्हेस्ट क्व. शहिता त्रिक्ष লিতে ইইলেই সাক্ষা শাগিবে। এতদিন কেব

इंश्ल क्षीत नावर्यम्ब छात्रकवर्षीय बर्गानगत ্বত বুৰ পা**হাজেৰ সংখ্যার প্রভৃ**তি করিবার ক্ষম্ভ বোদ্ধাই ও সিদ্ধাপুরে দুটি রহং ডককরি-ব'ব সক্ষাস করিয়াছেন। বোখায়ের ডক অভি तिहम कारकृष्य आहि। निकाशूरद्र झ्छन छक করিতে হটাব। সি**লাপুর এই বেলা ভা**রতবয হটতে পৃথক চটক লাকেন > অপনা ভত্ৰত্য তুর্গ, ডক প্রস্তৃতি আমাদিগের টাক'র এ.স্বড कद्भियः, (मार्य डेश्लक्षीय अवन्द्रबद्धिकः व्यक्तीनन्द्र कर: इहें(र:

बार्ख अल्डिन फिस जिन्न प्रत्य वन्ति सन देशक कि अब नश्या । अ छैरशास्त्र विवस्त ब्रिल्मिक हाधिबाद्य ।। अभिदन । वानाद्वे उन-िनेष्ठदेव वाह्यक भावनी भेगरक काशना निरशंद बरम मार्डेर इ होरहन म है , शिका म কিহাছেন। সাধারণ ব্যয়ে সন্ত্র নইগ্ন শেশি ५ ६ इहेश्री एश्राम्मान एश्राम्म क्रिया नर्ग 🗥 📭 🔾 भवाइ 🗈 क्विन :

ুশম্বাই গাড়িয়ান পৰে শিশিত কইবা-ছে, তথার ৮০০০ টাকায় সরাপের কান্ট্রী ছিল, গুনাৰ **একজ**ন গুডি ১১,৮ - টাকা দিয়া कार्के क्रियारह। अधिक मध्या भारक मध्य ভইলে কর শ**ভৰ**কা ৩০ টাকার **অধি**ক মান্তনে িতে কথন স্বীকার করে 🔻 । ধে প্রবর্গনেটের अभिकाद्य भविक काञ्चाल छात्रादक्षेत्र कि तरह ध्येभावरम्म श्वर्राधके ३

·चन/भक्ते फान्द्र। क्रियोड्या द्वा वाहित মন্দ্র ব্যবহার ও জপ্রিছিৎ পান রেভালন . प्रमु आ, किरमव क्या महिराज पर्याक्त प्रदेशम ों है हम अधिनम्ब (जल्पा इक्षेट्र जा । एडिए भ ऋषे केर्रेत्रादेश भारत्यह माहि हो होता वाह काउटा रमवर्डी नांत्रद्वन डिझिना कार्य এই আফ্রাচী প্রতিপালন করিছে পারি;শ

লাভোৱা মেৰ্ঘি সমুদ্দে সন্ প্ৰাক্ত বে 🤞 क्ष्मा दब्रहेमकरह पुरिवादक, जाकान जुलीय জেপা। হারি আন্ধ ভাত। নিক্ষার এ এইং। ছে। ত্ৰন্ধিন্দি জন্মত গমন বছ প্ৰীত্ব কে। ও भाव भाव स्थाप काडिस्मा हर में के पढ़ दान स्य मर्ग करें पृष्ठे,रकत कर्तकर केंद्रीतक कि **छात्रक्रमीय दा**ईम १८४ माण रह ता ?

বে উপায়ে উভয় ৪.খ ৫ লেইন গায় স্থান

K

रवाशांत रहे ए ब्ह्रान्ड अक कविश्रात (सरवाजित इक्केश्वारक्रमः। काइश्वारभन्न विषयु अहे व्यवनि ८म নাপতি এত জিমেরপর ক্ষিস্রিএটের চৌর पिरशद्व श्रांत मोडिक्स क्षित्रोह्न । किन्न को किम्(त्रुः) विस्थान मखके मा क्षेत्रेण क्रियमन किट्टरे क्रिएड शांत्रियम ना । প्रवित्क अवात-क्रिय ब्राक्त निर्मात कि किहुई के लिना न

এখান সেনাপাত আন্ধাং কবিয়াছেল বে ' চিনকে অক স্থানে তাবুর ভিতৰ রুহিতে ২ই ে। সেখানেও ওলাউঠা গমন করিলে সেরিক । লখন করিয়া উভয় স্থাতিত প্রস্পার ইবর मुद्र ६ क्षण्य व'तुह विश्वही छ किएक शहेटक इन्द्र । जल,केंद्रोत मिलात्रण बहेदन गादिस वि ्बर १८भ शतिष्क मः कवित्व (स्नामिशतक ! বুলবু ত তথার খোরণ করা হট্টেম না সর ফি ाह्यांक का किमग्रीवनात्म अनिमास महानारया हो। इन्ट्राफ विद्यादक्त । **अमात क्ला**केशन सैयदन 'व डेलाब कदिएख इहेंदर एन नथांकि न हे ।

क्यायहा श्रीनशाय निक'नश्क्रोश्च कार्रहरू **५७** शुक्तं अधाक हेत्रः भारत्व वकरम्भीय (म ८क्किंकि क्षेत्रदेन । स्थितिक माञ्चारते विका विशेष क्षेत्र यहिंद्रन । পাঠেবা ক্ৰেণ্ড লেখালিকেছেন।

शृक्षांख्य भक्त वरबीव्रविष्टगत्र व्यक्तेशिका, महे. ্রভূতি **অনুধ্যন রাখিতে অনু**রোধ করিরা हिन् । सामा दक्षाकि श्वामि श्वम सक्तिका कार । दर है। यह सिट्य स्वित्। इर ना । ক্রিলে ব্যুসা ম্বাসির এওমিন কোপার বাই-ভ , তাহাও সর হিউরোজ হাঞিরা সেনাগ- তিশির খার পথ্যাবে বিদ্যা বিশ্বে ৫০ লক ८९५ मिविवर्गाणम कविद्य विवर्गाहकतः । भ शास्त्रा द्वाच अश्रवीय काउँ।तिना क्य कविशक्ति रजिया हिन्नका मिन्नजीय बहेशाएए। ভাৰতবৰ্ষ**ন্থিত ইংৱাজে**ৱা কি সে ভৱ ওছ-क्रव्यम :

সম্রতি বেখুম গোসাইটিতে যাললাতি সাংস্ব বাচ্পীয় মন্ত্ৰের বিষয়ে এক উদ্ভদ প্রস্তাব शारे रिनवाद्यत । क्षांख्यत क्षय द्राष्ट्रा (प्रवना-ताप्रण निश्चित्र वक्ष्युं खांत्र व्यक्षाश्चरत् ॥ हे कथा वासन करें अच्छाक अच्छाक्रनीय ७ व्हें हिलानीय अटनक बाक्ति जैनात्मम स्नात सात्रा शतकारतत भोक्षानिक्त कतिर्द्धान्त । क्रेक्ट्र काकित न-सीन वर्षेद्रवाली मनिका इयः जून एकान ब्लाइङ खारा अखबात्रा जनूनक बनिष्ठा अखीत्रबान रहेरछ-। (व।

টে বিদ্যা ভারতবর্ষের একজন স্বর্যধান কু দীৰ ও ভার চনবাঁর ব্যবস্থাপৰ সভাব সভা, ताका (स्वमात्राहण निष्ठ वेशक्षित व्हेत्रारहम , 'উনি ধক প্রাচীন महागुन्त वराभव लेजिनिषि, व बर्म अस्मरमञ्जू हेन्डिहारभन्न बर्धा क्षेत्रांन काम कविकात क्रियारक्षा । द्य नका मानवबारिक वन्नेश्य ५० काहि मसूरगात क्य बारक्। अञ्चल कतियारहरू, भिहे भ्राप्त এক জন এতক্ষেমীয় আৰীর প্রবেশ করাত্তে व्यकान भारेरजरह भग्नरभंगे अने नीजि कर শান্তি করিয়া সন্তাব নরিয়া দিবায় সম্বাপ করি इटिइन । त्रकटनर पुरुष ७ कमा ७ मनिट्ड भा अहा योग ना ।

কর চিলে বিনি নানা সাহেত ওলিয়া খাড हम, औष्टादक चाला:शिल मुख्य कहा वह माहे। चाराज्यमीय भवन्द्रबन्धे जाहारक कामभून भा-ঠাইতে আজা ক্রিণাছেন। এ কস্থিব অভি इंगा बनिए स्टेर्प माना माहन एक वि क्यिन नरहर त्य शांतुम। तम्म न' कर ह स्वाहि

कि निर्मात अप अन गाउँ आहरक प्राकृति লাংহার ক্রমিকেল সম্পালক উক্ত সণরত। করিয়াছেন নাগালিগকে আক্রমণ মা ব্রিয়া ভাৰাদিগতে ভাৰাদিগের প্রবার বাণিকা कद्विद्य प्रश्नाव (४७वा कर्सवा) जारा वस्ट्र

> ক্ষেত্ৰৰ ইতিয়া সকলেও সমাং প্ৰেমি होका निवाद अस्ट्राया करियाहरून । एए होका দেওরা হটদে ভাষায় তৃত্যীয়ালে - জাপুরুরো अवः काध्र अन्तर्भ क्रमत तत्र विपालिक बाब कतिरुख बहैरन । या नरन अगन गुरिक ६००० টাকার অধিক দান করিবেন সে স্থলে গ্রহণ स्टिन्डेन (मेडे भविन' न हैकि। स्वत्रा **कर्डवा**। ज्ञानिक बीत, भंद्रक व्यक्षिक क विवर्ष मान कहिएए विक्रि। किन। छटन योगांदन नारह বে ক্লাকা খ্যন্ত করিবে।

नक्षी नगरत अक्षी विमाजत ७ पृथका-লয় স্থাপিত হইয়াছে বৃ বাবু বিক্লিকজ বেব हेशह केंद्रकाली। काह्यकर्याह विका के हाका गरकास जीवनि बाजानी जिल्ला बाजारे वह-

স্মাচার হিশ্বস্থানী সম্পাদক লিখিয়াছেন ताकोनशास अव्यो शेर्वाक्षेत्र कांक जानिया-ছে। সে সাছে পাঁচহাত লখা, বতকের বেড় क्षार गाउराज, एक भन्नामि मिट्टे भन्नियाल वि কিন্তু সে শভিশয় ভূর্কলভাই রে এক গরুর गांकिक बहुता गाहेरक रहा त्म खंडार खाँव See है!का मान ला**हेटखटह**ी

त्रः भूत्र विक अकाम रहेरण

দিন বিদ বত লোকের বিলা বৃদ্ধি নভাতা हि गाहेरण्ड, इन अवाहना अवस्था छड ব্যজিতেছে, বিশেষ বন্ধ দেশেই ভাছাৰ প্ৰাচুৰ্য্য ल्धिक द्वार्थः यादेरङहरू, व्यानात्र हर्गवे व्यारमा खानाभरवद्या त्य खरत्य खारदा भट्टे, शक्त ७ गर्दव मस्था क जिलाकाच निक्र । ति अस्तर अभिन গণ্য স্মান্ধনি সহোদ্য সাক্ষণ ধন্তির কর্ণ স্ট্ वः खनाव भरम भार्मन भवात शक्का राज দতে দক্ষিত হটৱাছেন, ভাষ্ট্র নবো বাছ লিব-कुक यत्मारेशाराचा वाषु व्यक्तिक अनोत शिक প্ৰভৃতি ২। ও লগ ভতি প্ৰধান লোক কানাবছাৰ द्भारमहि शक्ष व शहिलान, जानत साहर सम এবনও দও ভোগ করিভেছেন, উত্তরপাড়া নি-বাসি জীবৃক্ত বাবু জরকুক্ত মুখোপাব্যারও পিব-कृक रानगणात्रांत्रत चौणांदत चुक्रस नवस्त ২৪ গরগনার এচও সেমন জন্ম মেং সাটুর মা-কেবের চক্ষে পজিয়া কার্যক্ষ ছঙ্গেন্ব পরিবর্জে कारमा कारमा भूगव्या ७। ३ वान व्यवस्ट ণাকিয়া আপীল আদালতের ছকুদে বুকি শান गाव्यत म नम इत वा स्वेटउरे श्रवहात विकीत এক খোকদ্মার লিপ্ত ছবরা সুখ্যাতির পরিপা-क बन्नाहरणन् ।

আঙ্গরা সংবাদ দাতার পত্র প্রদাবে গত সংব্য ৰ পজে ভাঁৰার বিষ্ট্রীয় চুবক বিবরণ মাত্র একা म क्विहाहि, बक्दन द्विश कर देखिन, गंज शांहे आरक्षम श्रेक्य श्रकाम क्रिएडि, तांत् कार्य উপৰুক্ত ভূতা জীৰুত পীডাছৰ ৰত্ম ছায়া এক भाष्ट्र। शक्क क्षित्राहित्सन, विशादत छोद्दार কুত্ৰিমৰ প্ৰকাশ ছইবাত সদৃত্ৰ নিজাৰত আছা मध्यत्र विद्वारत के वर्षिय समा कात्रीयक वरेश (क्ष, चांडेनिय विनिधात स्म प्रकार्**या**। प्रव मिथ्य श्रेरकः। अनावादेख्यः, कलिकारः। वानिवासूत्रा कींदार व्याका वर्ष दलन धर्मनाम श्वर्यस्य कार्यक्त्र केन्द्रियम, बश् कोल्सन मिछेयाक मश्रूप पहुत्र श्रूखारक महेन्नो, या व

প্ৰদেৱ কাল ঘটিত মাকৰসায় আলীল প্ৰিৰি বৈ লেওসাছেৰ এলেলে আন কিছু হাল অব্যি क्लिक्स क्थन १५ नाहे . मध विश्वासम्बद्धकाः कि करने यहे स्थापना क्विन। व्यवस्थानस्य प्तिथित्रे। स ब्लाहक न वर्षान क्यू मा हैवा स्वाप्तः । कविरागन । नी वर्षे । भनि एक विकासिका अवस्थि स्थम অক্লপ ছইংত লাগিল ভখন সামান্য লোকেব লেপন বিষয়ক বিলেব চে এই কমিটিত বিপেটি | का कथा, अहे मध्य द्वाविश श्रमिश्वाहे हैं। हाटा-वां अस्तित्वत्र स्थारिकत्र व्यक्ति व्यव्यक्षा छ वृत्रकः (इन

ভারতব্যীর ব্যবস্থাপকসভা।

ঁ ২৩এ এতোল বুধনার। দিনকর বাও পাডি-'বালায় রাজা ব্যতিরিজ নামুদায় সভা উপস্থিত **हिटलन**।

चारक्य २ काहि। तव किव्रमश्म भविवर्द्ध कांत्र-बात य विम देहेग्रोटइ ७ विवयक जिल्लाके कि विन विश्नोर्षे शिव्य इदेश निल विश्वित हरू ।

गांविकेम मार्ट्य क्षेत्राय क्षिरणेन, मून्य ष्ट्रीको ७ भवना कड्डिइस दिल नित्तहरूका पि একাৰ স্থিব কৰিখাছেল ডাছা পঠিও চইয়া বিথি | জেল : ০ আইন সংশোধন বিষয়সূদি প বিতি ব- | ব্যেৰ ভাগ গৰা আদিউ। তি সাজ্জনেত ভবে দি

शिटलक्रेकिमिछि दर्शकामाति आहेम नराम। ধন বিষয়ক বিলেব বিষয়ে রিপোর্ট কবিচা द्ध्य रीक्षत महिष्ठ उपमा मखान्न सर्गंग कविद्यान। আগামি সভাগ এই বিল বিধিবন্ধ করিবার প্র-ন্তাৰ কৰা হইবে। উদ্ধান্তাইন দ্বারা প্রাচের रक्का कश्चिमनय विशास कारक गाउँ २९मह ऋध्याः बामक्ष बहेबार व कमनाप्रदर्भ हत्। श्रृतिङ दिल शादा छात रिक कतिश पुष्टेतरमत करा

Sben करमूत 38 कांद्रेस अल्ला प्रस्ति किल्लाक विरमत विवस्य मिरक के किये हैं रा निर्णार्ट **করিয়াছেন কো**ড্সাহের ভাগ। অর্থণ করিলেল ; **कांत्र किमि १४७० कास्त्र ३० अ**हिन मश्रमाधन विषय क विद्याद गिटक है कमिछिव विदिन्त निर्म ৰায় প্ৰস্তাৰ ক্ষিলেন।

वाका (सरमावाधन जिश्र विकास लिंद नेट्य সম্ভাতি বাৰীৰ প্ৰচিশত টাকাৰ ভান আয় বান-বাজিদিবের ইনকন্টান্স বহিত কবিশুরু বে কাজ অবিষ্ণাহের আন্দি ভাষার স্বিলেদ ওকালালা করিরা **কা**কিডে পাবিনা। এত**কা**রা তিবিধ উপ कार प्रेयारकः श्रथभणः महिल्लाकाः वीजन क्रमेटक मुख्य वर्षेयांट्य : चिक्रीयकः स्कालम् देशकः courte अधि कांक विवासिक, कृषीवतः वहे भारेन" देश्ना ध्वनाप हिवस्त्री एरेव विनया

न देशका आशील का - वि है, अन्त व केटबन, केन्छि क्लारकन दर नश्कात कलिशोहिल जोका कृत करे हिन्द है जिल्ला अश्काफ कार्यान कनियेत कार्यान

दल्डमार्ट्ड अस्त्र अस्त्रह धर काहिर में रिस्त । श्रमान कति श्रमा

क्रीबर्धेस मारकत , ५४: ब्राय्य ३७ खाँकेंग ५৮ १ - व्यक्ति १६ लाकेन छ १६ वह व्यक्ति एक अ। किल (सहार प्र हेन मरानाधन (तन्त्रक निल नेकाड व्यर्थाः करि

दण्डाप्रक्रीह द्वात्र**्षात्रमञ**ा।

১৯ একোল শলিবাৰ ৷

त्रका छिलाहिक मृहलात । हैयह महिस्स महा हार 🚶 ৰিভিন সাছেৰ প্ৰস্তাৰ কৰিলেন ১৮৩৫। পারতারে শ্রেটেনকার সাংহত হথানিসি यभय भ ५८ उर भारत था-ि छिन्छ वृहेरसम । कर्षातः मारकर बाल्लीम स्थित्व अकल स्थाह मधाय एक्स करिया। विकास खाँच व्यक्ति क्रिया, ए। इतिहास कतिनात शक्त कवाट छार

अभिरहेन मार्कापय अञ्चलि क्षिमारम अक्षर अ

क्रमीप्राप्ति काटकर दिल प्रदर्भन करियार एव- ! कर्ष दिल छहि। असा रिट् न स्ट्रेस ।

गवन्द्रमणे विकालना

नाक्रमाराज्ञीय स्म्रिकेन अन्यद्व ज्यादिमभाइभावी विद्यांश !

वृद्धे बरशाम-नियु लिथिङ वास्तिः वरणी-হয়ে শিক। নংক্রান্ত কমিটোর সভা হইছেন।

बाद कालीक पहुत्राम, बाह बायाहरूम धरर । (धर क्षमक थाल स्वेदन । জ্ঞীনাম খোৰ চৌধুগ্ৰী

se है बार्शम-spus माम्मा अवाहिन। 'अञ्चर्गादव निम्न **निधिष्ठ ब्राम्मका** २४ अवशंभाद एए पूरी कालहारत इ अजिनिधि प्रवेशन ।

काश्क्षपूत्रंत्र कांकि किंवर आहक्षम । পাও হার বার নীলমণি মিক।

५०२ अध्यक्ष-- खब्रिके कि है। १ माह्य नव-ঘাঁপে মিবিক ও সেনিয়ান কজের অভিনিধি 1 6.5(2.1

এস এক ডেবিস সাছের সারণে প্রথম জেনি-व भारत के है । कारमहेब स्ट्रेस्स ।

७५५ । अस्य भारकव (भिन्न अक्टन अञ्चनकि भावे भारत र वक श्रुवं भाषितके हैं व कारन के द

: • है बराना-नि बहेह सारवा भारत्य या-কুড়ার মাজিটেট ও কালেট্র ইইবেন, কিছ আপাততঃ তিনি যে থিশেৰ হাৰ্যো নিৰুক্ত इदेशारहरा, छोशाने कहिए बन ।

१८६ बरक्षम--- निम्न लिचिक गासिया ग्रह्म-

क, ल' नारहर। सन् कालीक्षत्र लीधती। এফ ৩৩'দ, শিলিপ সার্ভব ব্যাসাইলয় শিশু । কারু কার্ষের অবিটির মেছর ভর্ম-

रांतु नेकल तम व रांध्र वर्षा प्रांटमल पर्देव उसिक्त ्रे हे बहुत, हालकाती आहिरनम २० पाता 's or us becar to आंक्रेटनब ६ म मानापुनाहत ्टाल्ट नहकारी मास्टि ्ये ्षेत्र काम उ. जात्रा इर्ग - ।

′ऊ. भि. मा^ (३५ ११०,४ भ**र** ८७५कि **क**स्टि (अक्ष अ.स.व्हे इच्चे (रजः)

সকেবগঞ্জের শেশুটী সান্ধিটোট ও ফেলটি কালেক্ট্র যৌতারী কাছপ্রন নটপ্রামে বছলি **ब्हेबर (ग्लंबह(४) फ**रके पर ধাব প্রসাকে अन्धाः इतिहालाः । अर्थ वाणितियः नद्वाः । शिक्षीय (अन्ति अन्दानि काक्षिरमेटवेद क्रमणः) **ार्टरबन** ।

> क्षेत्र अर.र्थम--- है, कि. श्रिम'त् मं(इर छ।-काव माक्षिकी ए अव्हारसङ्घेदब्रह्म अन्त्राची ४डी-

क्या का मात नाहर । क्या है में का मिल ० की अंशित महकति। हं १६४०।

া, এ, মান্টেল স্থাপ্র ফিন্ট্রেম নিম্ক একে-তের প্রাম্থি সিধিল আলিটাত লাভন इत्रवस्यकः छीत्रांत व्यवस्य विकर

২৪ গরং গ্রাস ভেপুটি ম ব্রুটেট ও ডেপুটি का लाहेद खद निष्क, भि. क्रिया मारहव 'विदि निर्माष्ट्र विदम्भय कार्या भवन स्वित्र रहन । यहमान अपने विकास के स्वाप्त के अपने विकास के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप क्ष्मा कराउद्यास स्ट्राबन्।

সংহাৰাদ্ধের ভেপ্নতা মাজি.ইটুট ও জয়টা नारमञ्जूत (भ, भि, कार्डित मार्टित कास्वरम दहाल इडेग डेफ स्वनान का व्यक्ति वाहरवर २२ १% বায়ুসাহে শ্বিভায় এেনির সত্কারী নালিকৌ-

१३ चान्यम--- व्यः शि, बहेत्, उपार्ज मारहर् ুল প্রথার প্রতিনিধি মা**লি**ট্টের ও আলি भारत्व (कारमन उद्घावधाग्रक क्वेर्ट्सन । ७ग्रांफ স্তেৰ কলিকান্ত, নগবে ম(গৈট্টের ক্ষমত भावेदनम्।

২৬ এ মার্চ পথাধ্যের ইউরোপীয়

সং চার।

अस्ति अक्तान अद्यापनात्र मात्राच करिन ब्रोट्स बारम्बामितिरशय क्रथमहे क्वांड शृवन क्रिया निष्टा क्रोगीनश्र काथीनका क्रिया क ৰ্ত্তৰা। মহাসভা উক্ত প্ৰস্তাহে সন্মতি এদান कशिशाद्यन ।

विक्रमाश्वा महायामत्र अमिष्टिहरत कार्ड क्ष्मिक नहीत व्यादामात्र अक्षी नमूख गृहक करी इवेद्वाद्य। आह्नकांग भारमत गवर्गको रमनाता बाबजर्ब, आहेर त बाँचिल्यान अधीनव माना-

क्षित्रात्म अक नवाबूदक नवाक्षिक क्षित्रादक । क्षेत्रक | त्या वदकार कार्यक क्षांक्रिय केल नाम क्षित्र कामत विकास स्थाप का प्रदेशहरू । व्यवश्रिक মাজিলন কেয়ারকাক্ষ কোর্ট ছাউলে প্রধান লিবির স্থাপিত করিবাহেছন। পটবাক নদী রীরত্ত পথ পরিক্ত হইয়াছে।

देवेलिय मूख्य मिश्र मध्यमान व्यवस्थ द्रांक कार्या क ब्रिटिय, तमें क छिन्ना शामान कविद्या-<u> ह्यांबमगद्र वाष्ट्रधारी ଓ विक्रि</u> नाथीन स्वेटम। संस्मा बेडोर्लस दमनास। नासा कोश त्मनाममञ्जूक इदेरत अवश् इदेरकाह । বেংন নগরভিত ক্বাসী ছুত পোলের সহিত वागत्न माकार कतिया करोर शांतिम गाला कर्ववर्द्धन ।

क्ष्मित्रांव मञ्जिब्दम व भारतरम शक्काश कः রিষাভ্রেন ৷ জাতি দাধারণ স্কার অভিনিধি : शब्द कविवाय कमा विस्मय क्रिकेश कहा। **इ हेटल्ट्रह** ।

কবাদী মহাদভায় যে দমস্ত এটি চনিধি বি-নদীয় বাবিজ্ঞা হ্রবার উপরে অধিক শুক্ত ল हेका चारमणीए विकितिशास स्वितिक क्रिका शंदिवादित्सन, चौषाता विनिद्राद्यम वेश्मदक्षत महिक मण्डलि वानिका विवस्त स्व नाक्ष क्टे-নাহে ড'হাতে ক্লাক্সকে কবিতাত চইতে क्षेत्र ।

शांदेश सद कगरण करें वित्रशं उर्ज विदर्भ व्हेब्रासिष्ट्रहार्य जेगिनिहरणांतिएक स्य नवस्त हुन अकु अकु कत्। यात्र भवन्यकेष्क छल्यं । नाईद्वन , क्षक्रमाहत विशास कतिद्वेत । नत्तर Bal sift #[bt. 2 aft !

(गान भूमकात भा शक्ति नीक्रिंड बहेगा-

न किर्क श्रष्ट्राकावश कविकारक्त ,

वेत्रेनित नर्स सारवह बाडीह हारेकन नकः म-क्षामि ह दहेरछहरू।

धकण अवध्येष्ठि शांविनम्ष्रित वातिभित्र महिन्दु मह्याद स्वेग्नाद्रकः।

२⁴⁶वट व्हिचिएक **जीरम**ङ विस्काद मासि छ- । दरम। वेशाङ् वर्षे क्षि वास्तिक दश्न माहि ।

क्रिकेटनद्र काष्ट्रस्य राष्ट्रम्य मात्रक राग्नि र्गामक विकास । देखिया जनारमुद्ध ,कानवीशांड नके कश्वाद्य।

কডকৰলি অধান ব্যক্তি ইংসও হটতে ইউ-नाहेटकेल व्हेकेन गर्बास किनिजाक क्षित्रात है-ब्बटन मार्ड गांत्रत केटबढ़ गविक मांकांद कविथा-《更可》

त्रष्ट्र इडेग्राट्स्य ।

निवनावली । বিজ্ঞাপ্ন

३७वें बदशका

चटेक्छनिक माजित्के हिम्मादक त्व त्व निवास कार्या कतित्व बहेर्द्य, छावा मार्थात्रस्थत स्थाह-রার্থ প্রকাশিত হইল।

)म। **करेरडमिक माजिएके होता निक निक** वर्त्तवा कर्त्वत स्राव अहन कविवाद शूर्व्य स्थलाद माजिरकेट्रहेन मण्डल निमु निविक गर्भन क्रि-(4#t--

" আবি,-অমুক,-অমুক জেলায় অনৈত্যিক মাজিট্টে পদে প্ৰভিতিও ঘইলা শপৰ কৰি-टिह, ए चानि वह क्लान माण्डिहेत এলাকার মধ্যে শান্তি থকার্থ ঘর্ণানাধ্য নাজি-ভৌটের সহারতঃ কদিও; আদি অপক্ষণাভিতা ७ उक्क भश्याद्य निक कर्वना कर्य मण्यापन कवि ५ , जांबाह कर्डवा कर्म अल्लाहरमद्र अवद्य श्वर्गध्यद्गीत कांक पाडित्रद्रक माका क महत्व अथवा श्राह्म है। के अथवा श्रह्मांहा है। धार्व कतिर मा, अर्थ चानि अप्रमिछ जारेम्ब कष्ट नानी बहेश विमन जान ७ विष्युम्ना उपस्थाति । क्षर्वा कहिन गा।

र श। व्यद्विक्तिक मा.वटब्रैहरेना व्य क्रमका नवटत्र खीशकिशस्य क्रमका स्वयक्त स्टेस्व । छा-शत्रा श्रीकरमय छेगरय स्थान समञ्जालकाण क-ब्रिड शांविरस्य मा। किंद्र क्यांच शांक्षिरक शकी लक्षेष्ठिंद ल्यादकत्। शतम मक्षांबदक काक्ष्रिक- ! कविकांब कता श्रृतिहास केश्रप्त अवस्थानः विद्य । भावित्वतः।

> ৩র। বলি বিচারেত্রত সমতে অবৈভানিক সা-লিক্টে কোন পুলিন কর্মচানিৰ কার্বোর লোক দল'ন কলেম, ভাষা হইলে ভিনি ভবিষয় দিক-টবর্জি প্রসিদের অধান কর্মচারির গোচর করি-

धर्ष । अटेबक्जिक म.जिटके, एकेता निकासिक क्षमांव श्रीतम क्ष्मग्रांति कि स्थमा शक्षित्र वि-জ্ঞাপন ও প্রাথন, মতে নোকল্যা এবণ করিচত शास्त्रन। गानिरकुष्टे देखा कविदन करिकतिक गानिरके हिन निकार व व्यावसानि व्याक-मगोर बङ्गबान, धार्यम विकास ଓ निकासित ভাব বিভে পারিবেন। ভাষার। নেলিয়ানে ও অন্মিনকোটে সমর্পন করিবার কোকজ্বাও এ-भ्यात्र । विकासिक स्वेशारक कांत्र कर्नीत थन निर्मात कर्निरक भौतिरनम । किछ अक्षण स्राम

मिरिक रहेरर बरेरकाँकिक क्षांबिरके रहेना गर-र्गत्मा विकास के के का काला आका सहितारहरू

त्य । क्यांक नाकित्येद्रवेदा विजनदेवव পছসতি অছ্যারে খোল ক্ষত্তিক বাজি-ভূটের এলাভার স্থা বন্ধ অনিদা নিচত শান্তি-त्वन: करेरकनिक माजिरके हैं कारांत गाहिस्त क्मका श्रकाम कतिएक शाहित्वम् ना ।

৬ঠ। যদি কোন **অংশভানিক নাজিট্টে** काम कावचनात विज्ञासन्त नगरम स्वरं स्वरं নাকাৎ নহয়ে অথবা পরতার নহয়ে ভাত্তি ভাগার নিষ্ণের আর্থ আছে, ভাগা মইলে ভি-নি তথক্ষণাথ ঐ খোকৰণা নাজিকৈটেন নিকট **ब्याप्य कतिरमम**ा

१म । चरेबङ्गिक माजिएके दिन क्लिक्सिक जारेरमत २२ थात्राञ्चादत विक्रीत जनना अनेन জেণিৰ সৰকারি বাজিকৌরটর ক্ষর্যভা পাইতে भाद्रित्यमः अवर जनकृषादमः क्लिक्शकि विश्वास শাত হইয়। যোক্ষমা নিকাভি করিবেন।

৮व । व्यटेनकांन मानिरक्टिकां श्रदानका ক্ষিত্তিক কোন প্রাবি ক্রিবিডে চাহিলে ভাগ সাঞ্চিষ্ট্রেটর ছারা প্রেরণ করিবেল।

»मः। व्यटेनधनिक मालिट्युक्तिया अदे विवेदश विरम्बद्धारम पृष्टि प्राविध्यम स्थम कवि द्वाकार्थि विभारक हुन। विकास कतिका करू शाहिरक वा वर्षे ।

>०म । अथामछव कर्षणातिम् चार्युतं प्रकृ- " नादर भरेनछनिक नाकित्यु हेन्सिक श्रेष्टकार्कीदर " নিমু লিখিত হিদাৰখলৈ রাখিতে চইবে; বা-किर्केटिया व म मनदा विकेति विव मन्तूर्व ध्यपिटक भागा---

क्रम्लंड स्वादवन	क्निंग ।
चना चना नांचाना लांदन	. 4
লরিবারার	3 1
WICHECAL	3 (
अर्डाक स्वा ७ थ्राइहरू	4 1
নেসিয়নে নদর্শন করিবার	4.1
कर्षि धकार्षि विरमन आ	डाहिक
र्गिक्ट इत	4
मण्डमञ्	· 🏕
ঞ্জোৰি পরভাদার	4
सुरकातित मकरणत्	2

>> म । व्यदेरकविक माथिएक्ट्रेडिया **के** नकत विवासक क्या वाकिएके हिन्द निक्रे सहैएक शहि

५२म । द्यवाद्य मर्क् माधान्नद्य क्याद्य गर्छ-Co शास्त्रम । अदिकासिक भाक्तिक विद्वासिक क्टन विश्वेत कविद्यन ।

२७म । **प**रेव स्थानिक माचिए**के होना वावदा**रवत् क्या भावित्ये होत्र निक्षे प्रदेख बक्द कि ता एक गांदेदवन ।

3841 व गण्य मिलिएके हे बचा मिल्राम এডাহ নোক্ষণা করিবেন আঁহারা জারসার रिष्ठम । काशक क्षार्यक्ष-राष्ट्र शहिरवन।

>६म । क्यांत्र वशाद्विक क्यां करेरछिक मा जिल्ली है रचन कान वांक्रिक कातांक्रफ कति रवम व्यवन स्विमारम, विद्यां पूर्व्यवस्वारि मन-র্ণণ করিবের, জখন পরস্থানা ও তৎ সংক্রাম্ভ चना चना कांगरकत महिङ क्यार छोश विक्रिपेक्ति भूमिकक्षित्र निक्षे नवर्गन कि । त्वन ।

>७**ण। अ**नियांना श्रृत्तिः उत्तर्गते होका वन्दिरेद चरेन्छनिक माबिरके दहेता अ. छन्। १४ म नक्तांत अपर मालिएके है अवभित्र निक नाष्ट्रनादतः हैक्नांत धर दिनांत मान्निर्देशे अव-यां ७९ शास्त्र काम क्षेष्ठा तिव निकार तथा है। क्षिट्यम् ।

) १९४१ । क्यां कार्यामा, वा क्यों स्मन क-শা এড়ডির টার্কা কিবাইডে হুইলে তাহ মালি-**्रि. छित्र आशांगछ स्टेर**छ स्टेरन। प्रदेशहरिक সাজিন্টেটেয়া কাহাকে কোন টাক। দিতে পাবি-(र्यन ना ।

অবৈত্তনিক মাজিক্টেটেয়া প্রতি 354 I माहन कछ नोकस्था कतित्वत छारात अक हि-म्।जित्ये दिव निकाष्टे ८ ५ द्र १ कविरवन ।

১৯म । , मानिक ७ किमानिक हिनाब शह ুষালের ও দিনের মধ্যেই প্রেরণ করিতে ১ই-**द्वत मध्य भागिर** हरेत :

প্রেরিত।

মান্যবর জীযুক্ত সোমপ্রকাশ সদ্পা मक अञ्चलराय ।

সম্পাদক মহাশয়' পত :•ই জ'ত্যু দিও ' **ই(ওয়ানু বিকারমার ও ১লা** কেব্রুরারিত সং- ' वाष्ट्र श्राप्त विकास होता विकास कर्मा कर वार् লৈকী ট সাহজন বাবু জোধপৰ চন্ত্ৰ হইয়। চুচ্ড। क्रियम्भवनित्र व्यथाक शलद नाम क्रिलाइ य!- । किर्के नारवरका निक्षे विशा अवते यांच कार कतिया सम नगाय विस्कृत है निक्तीय अधिवार्ट्य : किन्न कि हमरकात, व्यामि अवस्था- । काम गमरह मममरू महेवा विकास स्वर्ग वाल

निरंत्रक्रम व्य गांशास्त्र व्यामात व्यक्तित्रं स्थानित क्षा बद्धा कान देशान्य श्रमान कदिया वापि छ कतिहरू र

अभगाउः सामात समामान अ रामचान सनः **बर्ध्यत्र अतिका प्रिएक्टि । कामांद अग्रहान अ** বাগস্থান মহা নগৰ কলিকাড়া, লাভিডে সুজ. ওয়াধ্যে অভি নীচ কিন্তু লাভীয় ব্যবসায় ছুই পু क्षाविध वृद्धि छ इहेब्राह्य, शि डा ७ शिक्वा महा-गात्रका मानामा बादमात्र धात्रा व्योवन योजा योगम मत्रियां विराजन, चार्मि स्याद्ययादम विकित इकितन। विद्याशिक कविया खवादसम्बद्धना छे देव शक्तिम अरम्बर्भ भगन कविद्यादिमात्र (चीक्री मिध्यन मह-बारम बाविका, (बाक्रे) खलाव आश्र करेगा व्यक्ति। किर्मह नाम्र छथा। नान। विश्वाद ও विदेशिया कविएउ छर स्क बहेशाहिलाग अकाप रक्रामान প্রত্যাপমন ক্রিম। হগলি জিলাব অধীনে কেশ-স্থানে অবস্থিতি কৰিতেছি, কিন্তু খোটা সভাৰ खाल क्षित्य श्रांवि नावे, कालीय नम्भ म करे (य देरङ् ७ इटल बान (बद्दावा खाझारक महन करव बा, जुड़बार এक भागकी शाह्य दांबा गमना गम-नाव अनुमारमञ् अना मिवरम अनुनित्मत साता । म कति, यानारतावन शुक्रक स्थन भवन कवि छथ-ল মনের আনহারে কানার সহিত কথা কৰি না, माना अकार विक्रिक विधित १ । सम्बन अदिधान করি কিন্তু অবস্তবের কলে পারিক্লেব মর্ব্যাদ। বে। বাৎসরিক জিসাব জালুসাবি মাসের ১০ই বিকা হর লা। বরঃক্রন চলিশের অধিক, বাণুক্তি स्वर वर्क्तकृष्टि प्रक्षक रक्त मृत्रा प्रदे अविग मध হান, ক্ষু জুল, উবর স্ক ইতাদি এইত রগ. श्चारात क्षेत्र (क्यन, अधीनच त्यांक विशदक । ভুক্ত সংস্থাৰণ করিয়া থাকি, সাধাৰণেৰ উপকাৰ कतक खेवर बासनार कति, उनाम विदीन टालि ' গ্ৰ'চিকিৎসার জন্য জাসিলে ছবক্ষিয়া দিবাব म:धाम इ क्रिकाशि, व्यक्तिवादी बहेरन काणन ্লনিউ হ'ল উন্ধ করু কবিতে অসুবেধি করি **बन**् श्वकोतन **मूरमात खर्वा किन है। म**ई, अक्षा अक्ष्म सूरलमान खेब्ध भारेतात्र निमि छ আগিবায় ভাগাৰ শ্ৰাঞ ধাৰণ কৰিছ। অপৰান कवि, विचाजि दशेकवासार श्रीवक्शकरम ब्रेक्सी व्याप्ति धुम् ७ महाशान कतिया कांक्रहरू कति, কার নানানিঃ দৌবাকর কর্ম করিয়া ও এপর্যান্ত | কের মন্তক চুর্গ করিয়াছিল।ম পরে ঐ অপন্যা-

त्य कांद्रांत्र अक्ष बहेमांचे, वा आवाद मध्य मध्याम मिछ मूनमवान ७ आव्छ दिनक टाक्यांटन शास अकान दब्रवाई है बाद कावन खानाब कि ता 'मिलियांन कविता मिल कवि, खानाब निक्टि গাট স্বীকাৰ ক্ৰিডে হইংৰজ। দেখি জীবাত যে উৰ্থ জন না কয়ে ভাছার চিকিৎসা কৰি ন। व्यथवा प्राप्तवत्र क्षता व्यक्षकारा कविराजाहे जाकार । यशि व्यामाव व्यवस्थ क्षता व्याकारम क्षेत्रक क्षता । आधिकत वस, बक्ता चीत्र क्षावावित शक्तार, करन उद छोड़ो। ध क्षाकान पादत समिक मा-विधिएकप्ति, अवर जालनांत्र निक्के कामांत अहे। भरतत कालां माना अपनित विकासन माजब करे, कामांत्र अवाधारभाव विद्वाद आहे, সম্পাদক মহাশয়, আ্যার ওণ্বলিব পরিচয় প্ৰাপ্ত চইলেন একৰে মনে আপতা ভইয়াছে रा ५१८म जामात्र मणा कि इने ।

कर्गा हर बहुउ (शिव क्रमा।

মানাবর শীবুড সোমগ্রকাশসংগ্র मक मह भर भर महीद्रशयू ।

धरे श्राप्तित धक क्रम व्यवस्थितक पञ्जी ग्रह-वरम् (प्राच्छक्ष क्रिप्रार्छ् । अञ्जूषवीकाव अक गाँदिन २ घरनानी ७ ३ छे ४ छूननं व्यापस्य राष्ट्री-क्क ब्याजमन कतियः, साधाराहरू मक्कामी **ब**् नाषामाधक ও मामानिध हिकिश्मारक मिण् विभिष्यः शिवि म भिन्नः किह्न स्व का न स्थापान বনি চার মূচবৎসাদে, ধ পিশ, ৮ মন্ত্র ছাবে জড়ি-अ क्रम क'गड अभिता **क**र्म अप अपना कतिहा खरा, र्रा क ६ छ। हात्र छो के शहका कर विक्रो अकराद्य (यन ।यन। भूरका विक्री ५ इदेश अवर माणिमन् नाजाजात महिक भाग छूत करियाँच अञ्दर्भ कविन। श्रेष्ठ विदेश अश्वीदेह द्वारा ६ ५ घाँकाव भवत्य (मर्ट ७% धार्वायाः) ज्ञानाः। कारियः अस्टिक अक्षि मृशुस वैजन राजि श्रेन कावमः १६६८७ दिन्युक्तम् देखन श्रामः स्थितः বাধিতে এবং আওপত তুল ও সিউলেদি নৈ-८१८एउन फारस्यासन क्षित् क्षित्र क्षानाधार প্ৰম কবিল। ৰণিক ভজেপ কবিল। গাঞ্জে ৯৭-क्षक नाम्नाहरू अवसी सृष्ट गाउँ व विभीन मलक इ.स.कतिया डेशक्टिंड १ देश । धनस्य -धक्रि कांग्रे(भटन यद्ध) **क्**षेन क्षित्र, कद्वभाव खेळ পশু মন্তক ছাপ্ন করিয়। পূঞ্জ-ক্ষিতে ব্যালা। किवर क्रम श्रीद्र भृष्टे ज्ञानर्थ मानकमानारक क्रम ॰ फूबि भग्रवय जानकात गाउँ वर्ग - উत्पाहन कतिक। त्व त्व जनसभा वृश्व कार्क क्यार त्व धक्रकात प्रक्रिगाङ अक्षि । उन्नाह्म अक्षे श-হিধান কৰিতে চয়, তাহাৰ এক এক পাট আ-बात निक्रे ७ धर धर भाषे करिया चालाव विकर्ष दार्थ धरः ६२ कालक्षत्र व्यक्त कार्ट छा-

हां आयात विकेत सूर्व वरहर रहान्नात काल- अवर कार्यानिरणत रहाण्डरके अवर्ता प्रकाश-कारत कुछाकर्यन कतिरवका। " व्यवका ने महदेत अन शाकी महददर निकृष्ठे कुछाछ। वाकानार्य कारमना स्मादत महामत कामकात काल स्वेटक श्मित्रा, अक शांष्ठ दीक प्रम, अक इ.म. श्रेड्डा व्याख्यापिठ वरेशिष्ट । अहे मछात्र वांतू शकायम এवर এक एक। क्षांतिक (अहे नवमांकि क्रमांत्र) वाला।भाष्त्र, वान् रंगीवर्गन वनांव, वायू श्रीकः अकि कि त्यामात्र दिलाइ च क्किंग कर्न कि कार्य कार मानिवादी दिल्ला वास्तिक कर दिलाइ कार्य होने कार्य একটি শিতভোগ হার এক্ষে ৬ দখা অলকার দেন করি আণকুক বন্যোপাধ্যায় বার আধি-न ईटक वित्रा क्षयानिक कार्यनात मिक्छ तार्थिक। काठतव शरकायाथात यातू तीननाथ शरकाथा-कर दत शब्दान वर्गान नवायबाद से पर्व वि ৰকে শীল্ৰ দ্বাৰ কৰিছা আৰিতে অনুৰতি কৰি- বাবু ৱাৰলাল চৌধুৱী প্ৰভৃতি নহোভয় গণ উ-ल. वर्विक अभन कविद्रात, शूर्व छमीत छावी। कि शाविक दिएलन । मछात्र कावीविक देवल नहा-এক নিশ্বাদে হাজা হাইতে হুকিবয় বালুকা আল-ब्रम कदिरल जारमम कदिम । अहेकरण यथन का जिल्लाम शक शक्क कहा वहेदाहिम बाबू (भी-১।রা উভরে ধরিপতি ছইল তথম পূর্ত খীর ইউ 'রদান বঁমার ভাষা পাঠ করিলেন। ভাষার পর नाथ: नव नवर पार्वेश जनकात्रांनि रखनक कतिया नाय प्रतिन विश्वे त्रम कशिकत ' का-चि उक्ति द्वारतम् । एक श्रेमातम् कतिम । जनस्त গৃহদৰ্শনে বিস্মাপন হইল এবং পূৰ্ব্বোক্ত বারি- সকলের মাধ্যসত কিঞ্চিৎ ২ প্রদান করিয়া ভা-ংক্তি ঘটে হস্ত প্রবিষ্ট করিয়া ভদভাত্তরে যথন। রতবর্ধীর সভার পাঠান আবশাক। এই বলিয়া ডি খান জলভার দেখিতে পাইল না, ডখন একে- নি ভাব 5 ববীর নভা হইছে প্রেরিড প্রাঠ সাহে বাবে ক্রন্থন ক্রিয়া উঠিল। তৎপত্নে অর্থনিক বের অর্থার্থ চিক্স স্থাপন ক্রিবার আবশাকতঃ अङ्गोशमन कवित्र। उपवक्षा वर्षम कवित्र। वस्त्रात्र विविद्यानी विकासनी वांत्र वीननाथ श्राह्मशानाः-অ:বহণে ইতভড়ে জমণ করিল, ভবন সে বাটার সাম। পার ছইয়াছে আর ভাষে পার কে ? অবশে 🛮 ঠ করিয়া কবিবেন 'আধরা চীদা সপুত্ করিয়। त्र श्रदक्रकत्र जञ्जकान मा शाहेबा एडान इतेबा श्रीनदर यनव जिल। दमया राष्ट्रिक श्रेजीदमन नाया-লীর: বি করেন ? বাছ: ছ'টক, সহালয়! বেটা ছা-রের বিষয়টিতে কাঁকিতে পজিয়াছে অর্থাৎ স্থান প।বলী মনে করিয়া শিতকের ছার পাছাটা লইয়া গিয়াছে। এবল পর্যান্ত প্রলীবে এবিবলের কিছু অন্নত্মান হয় নাই, গৱে-বেক্সপ হয় একাশ क्षिर मिर्क्स ।

মানভুদ পুরুলিয়া मनः २७३ ७ देवलाच

क्नाहिद शाटक्ना

অযুক্ত বোষঞ্জাকাশবক্ষাদ্ৰক वरान्टत्र्य ।

वर्त्रमध्य निर्वामी वाखिन्धिन्यक अकृत्व मद-কিবার **অছঠানে প্রতী দেখ**় বাষ্ট্রিততহে। কির শিবস হইল ভাহায়৷ উত্তর পঞ্জিমাঞ্চলের ভাল-नक इ किंद्र्णत अवर हुं 5 महाकी हैंकिक्क बुर्चाण গাংলৰ চালার বিশেষ কাছ্ডুবত করিয়াছিলেন धाराय वरे देवनाथ cami e चरिक्तन अवन खानी रथी जीतम जीमूक बाबू श्रीकम्बिमानी रात्मत

अंड गड़ा क्यांन करमम, देश क्विंग गाड़िन्द थाव बाद बीमबल्याबाक बाद देवकुर्वाय माथ क्ष्वर अभिनाद्रहरू शक्षाम क्रियांत्र क्या ए की मार्ट्य क्रांमारनंत्र स्ट्रिंग रवक्षण क्रेशकांत्र क বানকমচিল। বালুকানয়ৰ করিয়া জন শূন্য বিষাহেন ভাষা বৰ্ণনাভীত, এজনা আমালিগের , হওয়াতে বিকিৎ সা লিবিয়া কাম গালিকে পারি মুকে পাঠাও অদান ক্রিলেন। ভিনি ভাষ্। পা-न। भाषाचेत्रा यमि अयोदन अवहि " आके दान " নাদক প্রাকী সাহেবের নিকট কুডজতা প্রকান্থার গৃগনির্মাণ করি; ডাহা হইলে ইবাতে মুটা উল্লয कन परेदा । अक आले मादबर बहु मनीदन कुछ-क्रजा क्षकाम कर्ता : विजीय बहारण जायात्रन वि जार्य माना मध्यार्थात जारमाहमात जना नाथा র্ণ সভাগৃহ মির্দ্ধাণ করা। অতএব আলাদের এই क्रुश क्यादि कर्त्वरा । शक्तांशाधाय बर्चानद्वर्त्व अने अखादय राष्ट्र जीवनकु नांधान ও राष्ट्र अधिकां इत्रन नरक्राणाधावि श्लावक्षा विद्राल गद्र नक्त मुखाई खीबान करे शाखाद धना वादमत निवक अञ्चरभावन कहिरतमः। श्रेनद्रात यांचू वीनमाथ वहक्षांगाधान कहिएलन जागापन अहे निक्रम টাদার জন্য কাশু একটা সভা করা আবশাক। ভা शांख बाबू 'श्र्मित्रिशंदी तम विश्वम "मार्ड **८कतीर राहाबुद्ध आमारमद र्क्ट्यद रक्क्**द्र উপকার সংখন করিয়াছেন। অভএন ভাঁছার এতি मुर्खि निर्मारण्य जनाय जामारमय होना दशका कर्जना। अवै डाक्टांटर नोमू' सक्तानमहत्ताराता-धान राष्ट्र भोतमान नगांच अर्थ यानु न्नामकान চৌধুরি অভৃতি সভাগ্ৰু টোব্ছকা ক্রিলে गढ़ गंडागांक बरानब्रहरू बनावाल कराक कहिना

২ বয় ভাষ্য লোম একটাল একালকয়িতে জাট कत्रियं मा निर्देशन हेन्द्रिः।

३२७৯ गाम जार ৯ देवलाच वश्चमण्डा । क्ता है । इस क्ता।

युज मामध्यमानुमन्भी नय वरामन्न सुवीदमञ्जा

गण्डांसक मराणव ! काबि कटबक किन भावी: রিক প্রীজিত থাক্ত্রি শ্রহার শেষ হভার পরে बिरदिव " बरे अंडिका, अंडिया अन क्रिएड পারি নাই। জেলের নেক্ষিলাল'থে রূপ বিভার रदेशांद्र, जाशांक कांत्रक्षस्त्रहे जातात्र हा अ-जिका शूर्व कतियात रेग्स दिल में। किन्न ५ वहे मार्क तामश्रकारन व्यक्तिश्रेषुच् ४२ वर देखि শাক্তিত প্রত্যেষ্ট্রের গ্রেরিক স্থান্ধে জেলের नक्यमात्र निकासि विश्वद्व स्काम कृष्टि वृष्टियाह्य मान ना । ध्यमहीरमञ्जू ५ मान पूरे गड, अवर चनावादात्र जिनवान अवनव होका क्रावृ क् च-त्रिगानात चारमण वरेत्रारह । अध्य छारमूत्र अधे कि ? परत्रत ছেলে परत अल । स्थाल श्रेहर्स् বেমন আধিপতা এখনও সেইরাল। কিন্তু খড়ভা্-गा ज्ञाहद्रव यस्त्र क्यारम बहु-श्रदकांत्र मोक इदेश क्ष्में देशंत्र शूर्ट्स केशिए दक्षा शाह কাটুনীয়ার সমারি করিতে হইত, এবন সাক্ষরি ও প্রেণটাবের লাবে নালির ক্রাডে কর্মাৎ ववार्य कथात छेटब्राट्य मानि क्लिनीत स्कूम स्वे-যাছে। মহানর ! ভাহা ধর্ণন করিতে খেনে বাল-(का क्षत्र) अक्रामाच नावानसम्ब निकृत रास्त्रित हेम्बश्यम् विहोर्ग यह। मार्क्स नाटश-द्वत स्टीर अक्टूर्य कीकात निर्मत अवने प्र-**मृत कृतिस वदेश्याद्य । जन्मनन्त्रा**क जे नःश्य (क्**र**क्ष) प्रदेशां हरू ने श्रेक्ट्र प्रक्रिक। कट्रका मह। (अञ्चारम अञ्चयमद्र अपूष्ट कूर्ग कि शूर्ण व-शांकि समान कतिएक विकेशन अधिकारण असर বিভিন্ন স্থানিক কাটিছে হয়) আছম বারু বালক-काल वर्षेट्ड श्रीतृक्षणणील बरहम, ग्राउदार कार्याक्षेत्रं की बार्य करक कार्य प्रदेश के दिलाटक । ছাল্ডে আৰার কর্কচুখনন করিতে হইস, অ-মান্সা করেলী ৩ । ৪ সের ওক্তনের পাঁচি (न्हें। मिक्कि करकर नगरमर अक्टाकांत्र सारा वि ट्रांब (इक्क, अवर क्षाच्यक्रकार बक्करक b 1 के ^{(7) व} ওজনের শাঁডিতে মৃত্তিকা ধনন করিতে 🦮 😤 ছে। जाह वृद्धिका तस्य क्तिएक स्वेत्स जमा अटम अब अब बारत अब अरु क्यांका बहरा १६२, वस्त्र कर्ष्ट्रिक वस्त्र मिश्रीनंत्र ! बदक क्षात्र वा वा वा खारा, खारक कोरांस क्रमारशंका २ । ३ ७० ५। ञ्चना रेपकेस सोमार्स **मिन क्रियुक्त** किएक कार्रिक १ ज्ञारिक क्रिका १ **देश**िक ने विश्वतिक स्थार स्थार (स्थारिक अपिक क्षिप्त क्षिप्त

इत्त '्राज्य, '' अमगीम राक्तिक कथन केतिएक शक्षक कतिका गांत शृह माहे क्रेशकात कतिमां। यसक क्षारकालम कतिएक लागिरकन । सकरण-সমর্থ হয় 🕛 🗁 গ্রুলের মুখে ক্রেমিটেল কেবল ছেব্য হেইলগ বণি এখনও আগনি পরোপকা- রুই অস্ক্রেমণ আমণের ও উৎসাহে পবিপূর্ণ मृज़ारे हर, गहरूरात भवम बहु वही विश्वका छेश-निक रुष। पर पहेंना स्मिथात क्या स्थान अक শনিবাদের হাপ-জুলের পদ্ধ পালমুঃথকাতর कारत वर्णस्य विश्वांकी विश्वांकाका करवकी। भिक्षक र लात पुरेशक हांच के क्षरहारन जातिया धक्या एवर छोड्न अरंगविक्षांका शोह र े है ज्या विकासि केविसाहित्सव । उत्त-^११औं शह शक्ति विक्रेडिकविटनत्र बहेक्स विश्वह क्रिकेन कार्य व्यक्तिकक्ष क्यांटन श्राकित्व मा क्षित स्वित्ये हैएक ७ नशकः। छवनमद्व भगा 🐔 একান্ট করিছের চলিয়া গেলেন। হায় রে শিক্তি তোর কি এডই মহিমা বে, একেবারে ্ৰি স্পান্ধৰ করিয়া আপনক্ষতা প্ৰকাশ েডেমেক্ড থিক্ ভোর ভক্তকেও ধিক্! 'বহাপর, এক এক বিচাব গেল, আনা বিদ্যু-🚰 বিষয় নিবেছিভেছি - এখন জেলের নিষ্ণম वि**क्रिके काणि। अक्फ्री क्लांख (कर्** काहा व 🎇 उप्रमिष्ड शिवित्य मा। ब्राइक विन क्ष्ट्रेन क्रिके जब अक्का व्यक्तांक 10 हाति जामस्रीत 🎆 শেদ আইণ করিয়াছিল বলিয়া ৬ই ক্ষর্যট क्रियान क्रिपुर माणित्यू हे जारवरत्रत्र स्था विद्धारत ক্লিবির প্রতি ওছয়নান কারাবানের क देशादा यति अदेश वयार्थ विशास वक्ष िंग्यामहे १८वट १९ **क्याम्स्टब्स् ३८ वदमस्य** ना, निर्दामाव किर्म वस ना, चनर महिन्दान कि अवर्रामिक क्षित्रमक कि इस मा । वा নৰ্কাল নর্বভোগট ভাষ্ট্রের দোবাস্থলী শান্তি। যদি অবৰ্টাৰ প্ৰকৃতির বিচারের ঋৰা मुरि पार्रणाक इंकेफ, जरब अध्यक्षत्र प्राराज ह इक रामछ। मक्टलई नहलाइश्वरत रामक तः न्या कारी विशव बाद्धां निर्माणय क्यू है-চিত। অ'মরা ছবনই জানি নে সামাগারে ফ্লি मान रमक्षा मन्त्रावरम्य काल नरहा वावाद मा-क्रमक्रम भिका बोधारमय मध्या, जादाविभएकछ दश्रेष: क्रिक्रण मध दशका गर्य मरहा अथरत हेरू।-र्क श्रक्तका एवं, नार्क्यनाष्ट्रित बादम व्यः, व्यक्तिकादः (प्राह्मायोगी। जिमि नांश्य मा शिक्त प्राक्तायन्त्र মৃথ্যু চেন্তলাৰ বে কোন গোলবোগ হউক ন' ইচাবে কিছুপ স্থাক্ত ও স্থানিকীগালক ছইছা ्रदक्त, भोर्क्कनमारक्ष अक्षवात्र मारक्षरास्य चरत्र छेडियारक् छावा विस्तृतक महस्यके, मुक्किय क्रि- स्व आक्षत नीकंत्र वतेत्रावात्र । याश वक्षत त्यत । अहे वृतिक वाग्यादत आविद्यत् गर्थाव्य े अधिकार जात हुदे। जाएकुण चंत्ररना त्यावन एक्स क्यां क्यां के विकास में के जाते क्षा मात्र । कृदव काश्वीन व्यान श्रम शक्त शक्तानि क्षांनगाजार व्यात्मारम् विका विवासिक वि-

हिलाश्चरभन्न बनवर्जी प्रदेश करे विवरमन ना- पर्वेम । लाजवात्राम मध्यव प्राप्त करिजान करे রাংল উষ্ ও করিয়া শক্ষণাত সুন্য কোন ইংরা-बी मश्रीप्रशब्द था। इ बना ध्यात्र वर्दनः 📆 स्कृद्धा गांखिणा वांधिक ७ वेशकूक स्केर। क्रिया मा जापि ७ बटक देश्यांकी कामि गरि, यनि ल अथानकात घटनारू देश्ताकी काटनान नटिंग, किस्युक्त पात्रका जाटकात काटनक थनानांन अमान क-ভেন্থারা ভাতৃণ উপকার মইববে সম্ভাবনা সাই ট जानमा जनक जग्रामि श्रमुक अङ्ग विवादः वृष्ट 🍇

२। शाय २। ३० मान स्ट्रेन अवनगरत ¹⁵ विविधविवर्शविधारियो " मान्नी अ**वकी म**छ। च-वका करत्रकी। कुछविद्यात अवस्त्र काशिक। एरे-প্লাছে। ভাষা সাঞ্চাতিক ও বালিকনিয়কৈ নিৰ্মা-विक रहा। माशाहिक कार्या अकि प्रविद्याल र । श যটিক। হইতে আয়ন্ত হইয়া ওঘটকার পোর্ব হয়। **শাসিক কাৰ্য্য রবিবার রাজি ৭ বটিকা হইডে** ১০ ঘটিকাপুর্বান্ত চলির। ছার্মিড ছর। ইংরি শ-रका अकारन राह्मन रमस्मित्वहिः देशास्त्र रनाथ-क्ति चाहिरत्रहे देशांत समिति पहेरत । १४ देहन त्रविशहत देशांत मनम मानिक कार्या बरेता विद्याद्य । त्य क्षिम क्षानमात्रा क्रिमा व সৰ্য়ে জাপরিক অধিকাংশ কোকে লোকোশক ছুট্ডা'নৃত্য গীত ও রথানোছে রত ছিলেন ; যে नवस्य तकन शृहरे आह आदित कृत्य गदि-शृंद दिल; द मगदत मक्लाइरे अन्नवश्च अविकृ-खूम महून इरेश हिल; मकाल्य स्थम्यल वि-कृष्ठीकात भावन कवित्रादिकः य नवत्त जुर्वग्रस অলেডেই ৰাছজান না ত্ৰিরাছিলেন সেই. मद्भारत विविधविषयः विभागति असाम १० जन मका मुमारक स्वेष्ठः " अन्याकनीय क्ठिविकाधारमञ् बादा कर्तवा कर्ष गणांदिक स्टेस्फर्ड कि मा। " वहे विवाहत आध्याहमा कारतम। होकि भक द्वरेति वङ्खा गडिज इंदेश बक्ति युवक গালোখান করিয়া আয় ছই বন্টাকাল পৰ্যন্ত धेरे विषया अक श्रामीय विष्णु को कृतिरामन । क्रिमिन का, मामित्के हे नारश्वके जातात श्रामाः जीवाद तारे वक्कृतात नरमा बवेकी विरमय क्राप्त उस्थित द**रेशदिन त ' ज**मा मानवाजा' अर्थाक्त गाहितां क्षेत्र विविद्य शहुन रहेर्छन हेश अथवतः व वेटमरण रहेक मा क्रिन, नच्छाँ

शिक्ति क्षिया प्रक्रमधनी अभिकृषिय आम-ক তথ অন্তৰ ক্ষিদেন। এইরল অংকোলনের ात शांत ३५ है। द्राक्षिर **ए नखाकांनी फ्**निष्ठ दह्न । নৰাদলের এইরূপ চরিত্র ও উৎসাহ দেখিয়া क्रिप्राह्म ≰। योष्ट्। **च्छेक अत्यक अञ्चलका**म करिन आवार वीवारी विनिधिक्रण जादनन, वम जीवात। विभिन्न क्रिक्स क्रिक्स दिनाहरू तर, तम विवस विविधित्रका किया महिल्हा लानवाबाद स्थान नर वि-😼 🎎 🍇 । जानता जांना कति नश वस्य विषयः अहेन्नण पात्र-

> আশিলার পুর্ব্ধে পত্র প্রেবক >8वे वद्भावा মেদিনীপুৰ 31 Sales Sales

> > बुमाधारि।

অধুক্ত বাবু ছড়োন লাল রার চকৰিখী)२७৮ टेहज इहेट्स ५३ कास्त्रम शर्वास २० है।का ^१ जनवजीहरूने हिन् ১২৬৮ চৈৰ হইছে ৬৯ ভাজ পৰ্যান্ত গশ্ভকুচরণ বস্তু বছর**স**পুর **५२७३ देवनाथ क्षेट्ड पालिम गर्यास** ণ ব্যক্তা সভাপরণ কোবাল **)२७३ का उँच शरीय** म(न पुत्र ण देवकूठ माथ दान्न **५२७७ रेवनाच प्**रविध क्षांचिन गर्वास द जे " द्वाधिकाञ्चन व दय व द्वीतिक न उपार्यान **२२७७ रेक्नाथ क्षर्याय क्रामिन नर्याय** .. भद्रामना सूर्याभाषात्र वीत्रकृष **)२७३ देवार्ड प्याप कार्जिक श**र्वास ब्राक्त क्षांनकांकी ब्राव वहत्रमध्द > > ४ रेड्य सर्थि ७३ छोज भरीख u नामाक्षत्रं क्रकोश्धास वस्त्रमध्य **)२७७ रेग्णाश क्षर्या आधिम शर्वास** া শাষ্চরৰ জীবাদি কলিবাত। **३२७३ देवनाथ अवश्रि आधित नवास** क के क्ष्मिक्क बहुन्त्रभाषात्र तामकृकश्य **३६७३ देवलाई वैवधि जा**चिन शुर्वा द वे

क्षेत्र शक्त विश्ववीकात पश्चिम, पूर्व बाक्का द्वाम करवत त्मानाम् स्मानम् विका वार्षिरमाचा बार्य नियुक्त ब्रीहरूमंत्राच्ये विकाशकूरत्यम्, योगिरक काकि म्यार्थयात कारक क्षत्रीनिक रह ।



अवकार ताहा विकित्त सार्वियः यहपती क्रावियक्तीय शासकार ।

Feld!

महाभूका ११६० द्वानाम्। १८ ५००-१००

night dight i gin!

क क्षेत्राच कालावर इ.स.च्याचाला

क्षितिकार्ताः कर्नाकान्त्रः कार्यक्षत्रकारकारातिः

राता जन्मानासूर्यन कि विवय पास्त्रक न्यानवास रकाप्रदेश, नक्षितीत् कः स्वत्रसंस्य ভোগ ফ্টুলেই জুলিল। জালাত্বা বিনীক ও সূ-निक्षित रहा अवर अवदानत निकासिक क गर्मक्रानित जेनास्य प्रदेश विद्या थाएक, विदयक्तीक सामगढनकरे अर्थ अन्ति।। क्षि रक्षण अध्यक्षक संकारण अवस्थ वरे क्रकीष अवस्थानमान्त्र प्रदेशक शास्त्रम ना : चनकं व्यक्तिस्कृतं व्यक्तिस्ति न न्यूर्त कालें। मारिक्क क्लिक क्लिक कालाम कव विन केंक्क मांगूर्वेब्राम ब्रांक्यार्व प्रदेशक शास्त्रत मार्चे । अधाविक बहुत कम्ब्रानित केन . सर विश्वासनाम जु Alter tellor

में केटबेर्स हिला। ज्यांकिश वक्षात्रमं धारी पुलिरंगद्व पोणात प्रशिरपट्य। क्य माजिएके वेर्बाक्षिक मरका वार्याक्षमामूक्य দা হউক বঁড় জুনেও ছিল না; কিছ বিচায় ক্ষায়-কৈ যে গ্ৰুপ কৰি। আৰুণ্যক, ভাত্ৰত बरवित्र प्रक्रिकारम क्रिक्टिक विष्ठांत्रकर्ष भेटन कार्यत्र किकारण्येत्र कम्बान दिन । स्वर्गात्मके अटबनीयविद्यात निकाशन केंद्रक कांक्रुकानीन विद्रमन मा अवन गर, ক্ষিত্ৰ লোক সংকাৰ সহিত গৰণ্যেত কড चर्चन्न गरका कतिरमे मब्द्रेस नामा चर्चान मात्र स्थि। एकित पूर्व पूर्वाचारमञ्जात , ক্ষতি অফিক্তিংকর ব্লিয়া অতীয়লান হবৈত महक्ष्य बोरे। काराहरू कविकारण कर्का क च्युवयरप्रकविष्यप्त त्यच्या शर्याविष 450 F

मस्त्रिक वर्गरक्तिम क्रिक्रिक क्रम् विकासने क्रिक्रियाका रहती। स्वित्रहेद । भूमिताकाव नश्लाकार्य स्वस्तित भूमि स नश्क्षिक स्रेखाद, विहासक्त्रीय सश् क्षा वृद्धि क्या स्रेटकार व्यव क्षणावरमा विकासमार्थ क्रिक्रिय व्यव वर्ष वायक्या स्रेशास ।

क्षर्यक्षके वक्ष्यादा निकाकादव का अवा होता नाम कहिएसद्यान । विस्तास क्ष्मणा, वर्षाद्यक्षक कर्षात्रक, श्रीतंत्रकारका क करि क कर्षा क्षाद्यक क्षित्रक क्षिता करि पान क्षेत्र वर्षण्यः स्वानितितित्वाः स्वानितित्वाः स्वानितितित्वाः स्वानितित्वाः स्वानितित्वाः स्वानितित्वाः स्वानितित्वात्वाः स्वानितित्वात्वाः स्वानितित्वात्वाः स्वानितित्वात्वाः स्वानितित्वात्वाः स्वानितित्वात्वाः स्वानितित्वात्वात्वाः स्वानितित्वत्व

वाका क्षेत्रक अवस्थित अवस्था क्षेत्रक विकास क्षेत्रक क्ष

আঁহণ না করেন। বাহা माहारा मान अर्था

म् दगवन्ता नदर। देशक्र देशक नेह লোধন বৈভিনয় আবলাক। বেখানে বি मामन स्रेटन, कडकी देनारकत्री हावटकत त्रकत वादन कर विक्र किटबन, सर्वाटम है छ ज़रे भविबादन मान्य क्या कतिरवन धरे बतमार्वे अकारम् भटेर । देखी भटनक घटन विशालक अधिकी कार्या प्र नेश्न अध्वात লিটিছ ৷ বাহাবিদের আপন আপন বিদ্যালয় ছাপন করিবার আন্তরিক हिट्, काशांनिरभंद्र करनकरक धरे দ্বিরা ভয়ে। ২বাহ হইতে বেধা র্দিনেন্ট আশু এ নিয়ম রহিত রা পুরেও একবার কহিয়াছি क्रिकिश्, य बादन शवर्गस लाख रहेन्ना बादक, भष्ठ क्वा हिनादव च्यका विद्यालिक हान कसन। अव्हाल আর একটা ক্থার উর্টেখ করা স্থাবিশ্যক स्टेटक्टरः। शवर्गरंगके क्षमरंग कक्षावधान কার্ব্যে যে অর্থ ব্যক্ত করিভেছেন, ভাহার गर्टको क्या निषास भावनाक। रेनटन्न ক্রম ও ভেপুটি ইনস্পেটরের সংখ্যা কর করিলে বিশ্যার অণুমাত হাস হইবার সন্তা वना नारे।

> 'কাছাড়ের চা-করগণ ও চাকা-असारमञ्जू नचीएगाणा ।

বিদ্যালয়ে পাকিয়া এতদিন চত্ৰত্য **ত্তা অন্নতিবার ব্যবহার র্ডা**ন্ড ঢাকপ্রেক**ে**শ ক্লিকিতেছিলেন, ভিনি সম্প্রতি আম:দি ুর্বার **নিক্টে একধানি পত্র প্রেরণ** করিয়া 💏 । পঠिকরণ পত্রধানি যথা ছানে দর্শন ক্ষিত্রিৰ । পর পাঠ করিলে কোন ৰপেই িন্দ্রীবোধ হব মা বে এবেলে ব্তর গবর্ণ ্রেই, খৃতন্ত্র রাজগাসন অথবা ব্যস্ত রাজা बाइट्डिन । व्यवका स्केट्सानीप्रिमिशकरे च-बर्बेटकके, ब्राक्यानम ७ हाका विल्हा (बार

হয়। চাকাঞ্চকাশের উক্ত সংবাদদাতা किषित्राहरू, छा करत्रता छीरात था। नर स्टित केंग्रेक स्टेग्राहिल केंग्रिटक अनका। কাঁছাড় পরিত্যার করিছে হই রাছে। ব্যক্তি वर्षका जल्छकात्र विद्यान व्यक्तिकाद्य का कि विरम्पत्वत्र व्यानअव्यव माव्नी व्हेटेख भा त्रम, पण्डा भवर्गदमणे वाकित्म कि कथन अवश जड़ाविक इत ? के क जड़ाववाको विकि अवस्थित, क्रक्रित अवस्थिक जासका चनताथी रहेता शांटकन, चानक्कार्य चाटर, त्मरे शारम छैं,श्रात विष्ठात स्ट्रेटन धनर चा ইন আছে, তদনুসারে তাঁহার দও হইবে; चरुटच त्रांकविधि अर्थ क्रिक्रा चत्र श्राप्त र्देश कारावर पर कतिवात समय। बारे। रेकेट्राणीम्मिरभन्न ध्विष्य भर्न ७ ध्विष्य বেচ্ছাচারিভাই ভাহাদিদের প্রতি এদেশের লোকের বিবেবের কারণ হইরাছে। বেধা নে এৰপ ব্যবহার, সেখানে ছুর্বলের ধন প্রাণ রক্ষার সম্ভাবনা কি ১ ইউরোপীয়েরা এদেশে আসিয়া বাস করেন ভাছা এদে শের লোকের যে অভিপ্রেড নহে, ভাহা রও কারণ এই। অধিকসংখ্য ইউরোপীয় বাস করিলেই এদেশে অরাজক কাও হই (व, এই এদেশের লোকের শৃক্ষা। এই শৃক্ষা ष्ममूलक्ष बदह। ध्रदम्दर्भ धक्कर्दन स्य नवस्र ইউরোপীর বাস করিতেছেন, ভাহার অধি काश्यान् इर्यान्यात्र मुक्ते स्ट्रेटकर ।

উক্ত সহাহদাতা হাকাঞ্যকাশসন্পাহ ক্ষে উপরে ক্ষাত অকাশ করিয়াছেন। क्षि >२१ रेवनारचंत्र-डाकाव्यकारम पृष्ठे হইল, তৎসভ্যাদক সভ্যাদকীয় বাক্য কলে সহায়গভার পরধানির ভাৎপর্য প্রকাশ করিয়াছেল। সভএব ভাঁহার আর ক্ষোত কি? তবে ভিনি কাছাড়ে অৰ क्त्रियाद्यम, वाख एरेटन जारा सुनिक হইবার সম্ভাবনা আই। সম্ভাস সাকা किशिश्कान क्षत्रीका क्यून । क्षत्रा भरनत्र थांचि সমপक्षमाट्ड मबिहात विचन्ने

क्रिके पृष्ठ सरेरब्द्रस्, बाहारक म्यांके त्वःध श्रेरकटर, 'मणाठातु कर्षा विनि श्रेम ना কেন, প্ৰভাচার পার প্রথিক বিন অভুত্ব করিছে পারে না। জাতি ও বর্তারে বিচার তেবের কালও ক্রমণা ररेएएट। जामना नाकीकात है করিতে পারি, ঘড খিন সবিভার সঞ্জী হইতে পারিবেন মা

> ভারতবর্ষের প্রদান গুরুকি ও জন ডিকিগন সাহেব।

ইপ্রিমা রিক্মর সোসাইটি সভার স ভাপতি অন ডিকিখন সাহের ভারতবর্ধের প্ৰলিক ওয়াৰ্ক প্ৰসম করিয়া সক্ষতি এক সূত্র পুত্তক প্রশারন করিরাছেন। ভারত वर्षत्र गर्व इतम त्रमश्रदत्र इन्टेरण्ट । क्षि नरीगर्ड चन्द्र क्षिण वानंत क्षिल **ध्वर कुछन्दिर्ध सामाणि स्वय कत्रिरम रा** লাভ সন্তাৰনা আছে, ব্লেলওব্লেডে ভাহা रहेवात मखावना मारे, अपेष्ठ रु.केन अव ক্মপের অধিকাংশ সভ্য ও ভারতব্ধীয় शवर्वदर्वे तारे द्वान्यदत्रवरे व्यव्दवायम করিভেছেন; ইহার প্রতিবাদ করা উচ্চ **अन् अहारश्रेत्र सूर्या केंद्रम्मा । कत्रम्म म्।कें** म्बर्भ प्रकार्भन्य गरहायम क्रिया हेश नि বিভ হইয়াছে। রেলওয়ের অংশকা ধা তাবি ঘারা এ দেশের বে অধিকতর উপকার লাভ হুইতে পারে, আমাদিগের সামাম্য वृद्धिक कांश विलक्ष लाथ स्ट्रेक्ट्र । नमी नम ७ वाणानि बाबा द्वारा व ख्वा वित्र चानत्रन ७ ध्यत्रगावित्र सूर्विश इत এৰণ নহে, তথারা মেশের উর্বর্ভাঞ হিতির বিষয়ে যে অভিয়োর অফাণ / পের রুবি হইরা ছুর্ভিকারি যোগ প্রশাস त्वत्र गण्युर्व मञ्जावना च्याटकः। यांत्र शवना क्षिटल ७ केव्ह्यून संख देशकाना लिकक **प्रदेश । अस ८काम अर्थ काम समझ कार्य ंक व्य बाज एक, व्यक्तकरहरू व्यक्** বিষয়ে অত্য গ্ৰণ্ডেকেইর বে সাগুতর জেন্দে ছাহার বছঝা ক্ষিক্র বয়ে হইর। থাকে; কেহ বলিয়া না বিলেও ইছা স্পর্ক বোধগান্য হইতে পার্ট্রে।

দলতং বাহাতে কাত ও উপকার আ
বিক এবং ব্যর অপ্য, ভাহা কাহার অথি
কতন প্রার্থনীর না হইবে ? ডিকিলন সা
বেন এক ছালে লিখিরাছেন " গোদাবরী
মূখে রাজা ও বাল প্রভুতিক সুবিধা , ছও
রাতে অব্যুক্ত উপকার দর্শিরাছে; পূর্বে
বর্ষে ববে ৫ । ও লক্ষ টাকার প্রব্যের রপ্তা
নি হইত, পলাথ প্রার্থ ৫০ লক্ষ টাকার
রপ্তানী আরম্ভ হইরাছে; তলনুসারে প্রজা
গণেরও বন সহ্বির র্জি হইবাছে, এক্ষ
ে রাজ্য গতকরা ৪০ টাকা বৃদ্ধি হইরাছে
নেবিপেনন কোল্টানির শতকরা ৫৫ টাকা
লাভ হইবে, সমুখারে যে বার হুইরাছে,
২৫ নাইল রেলওরে প্রস্তুক্ত করিছে যে
বার লাগে, ততও নহে। গ

আমরা ডিকিসনের ক্রিছ হইতে আর এकि दिवत्र कामिएक शांतिएकहि। अवर्ग त्मके दालक्षात्र व्यक्तिक श्रेत्रास्य. रेश नाग्न मिन्न एवं नारे। जनक्षत्र का म्भ नि कविश्वय इंदेरन अवर्ग्टमकेंटक रन ক্ষতি পূরণ করিয়া দিকে হইবে। কিছ ত হারা কাহার টাকা লইনা লেই ক্ষতি পুরণ করিবেন / তাঁহাখিগের টাকা কো খাব - প্রজার টাকাই তাঁহাবিগের টাকা। অভএব একের টাকা লইয়া অপরকে সে ওয়া কি বিধেয় হয় ৷ রেলওরে কোম্পা নির স্বাধীন স্ইল্লাকার্য করাই বুক্তিসভত। তিকিশন লিখিয়াছেন "রেলওয়ে কোম্পা नि विमा चौकनाम स्म्यून र् ३३ वर्गाहर भाका भारेतारहम अञ्चल मरहे; अवर्गरमण কেবল বে ভাহাদিগকে ভূমি : কেবল এক বোষাই বীপে চান্ত্ৰি নাইলৈ ৩০ লক্ষ টাকা वात्र मात्रिप्राटह -) वित्राटहम अञ्चल नट्ह ; ववर भवर्गको भाषकता ६ होका सूप । वस न चटन चना चना नव्यंटमके वाहा विक्र शास्त्रम, काहा चारणका हजूबीरम प्रशिक পেওরা **হুইরাছে**) কিবেন স্থীকার করিয়া

ट्रिंग अक्थ मट्टू ; के शाक्षात्र विश्वात्र मडीच सरेटनरे जम्बद्ध वार्यटर केंद्र व म्लेखि स्ट्रेंटर, किंद्व छै अ काम्याप्ति त ভাঁকা বার কল্পিয়াছেন, প্রব্যেন্টকে ভ হা অভ্যৰ্পণ করিতে হইবে ৷ ,, এইৰূপ নিধিয়া তিনি পরিশেবে শান্তাকরে কহিরাছেন, तिल्पदा चंडिए व ध्यस्कता स्ट्रेस्ट्राइ, ভারতবর্ণীর গ্রণ্ডেন্ট ডাহার আদি কার্ন मद्दम, कार्त मानिकात्र कमण राक्षेत्र। খাৰা ছউক, পরিশেৰে আনাদিখের বঙ্ব্য धरे; किकिन्द्रमत अक्षाविक अन् शांह क রিলে ভাঁদার কিঞ্চিৎ ঔষ্ট্য প্রকাশিত कृषे रह रहें; किंद किंत बाजान बनतात व्यवभाकर्षवाका विषयः व व व कृति श्राप র্খান করিয়াছেন ভাষার একটাও অস্তত ৰলিয়া প্ৰতীয়বাৰ হইতেছে মা। ভাৰতৰ বে পথিক পরিমাণে থাতাদি হুইলে ইছার বে সর্বাদীন মদল লাভ হইবে ভবিষয়ে ष्यनाज मान्य नारे।

» **অবন্ধিরার বিলো**র ।

यंत्रिया ७ क्रमसितात शर्बटक व्य वि व्यास्त्रक्ति व्यक्तिक स्रेशास, जनानि क्राह्मम् भावि एव बाहे। श्रव ১८३ अध्यन ম্বর্ণমেন্ট যে ছোবনা প্রচার করিমা দিয়া ছেন, ড.হা বিনা পোণিতপাতে অভির काल्यरा छन्निर्वार्थ नमर्थ स्ट्रेरव नाम र मारे । जिरशंखिशांत स्ममतल माख्यार्नक क्षिमबाबुद शाम नियामिक करिया খনিয়া ও জয়ভিয়া পর্বতে প্রেরণকর। रहेन्नीट्य । ठिनि प्रवचा लाकनिनदक आहे क्षा क्षक क्रिया कानाईश वि ग्रह्म (व. सर्वत्यात्केष्र अवश हेन्द्र। नष्र (पश्चित्राश्रवहरू कर्क राम, ब्राकायर्था लाम छेनाह्रद मा श्र त्म, अवः अव्यागन मूर्य क् व्यादक बादक, देश्रे भवनंत्मत्त्रेत्र पाचित्व हः; पाचव्र त्य जन्म बाकि विद्यारम व्यक्त स्ट्रेशारम. काश्ता विक अनुगार्थी एत, अवर्गटमके काहा िशहक खूमा कतिएका ।

والعراصات فالمنظم عماسي

विद्धारीमिश्रंटक अक्षेत्रक्रेट्स्ट्र जुला विखाइ निवादर्गत चण्य देशक देशाय **भ.८इ । विरावका वना क्षेत्राट्य, विरक्षांकि** निरंगत य मरनार्यक्रम ७ रकाज चारक. ড'ছা গ্ৰৰ্ণমেণ্টের পোচর করিলে গ্ৰ্ণ মেন্ট আবণ করিবেন। এক, ফ্যা : ভিতীয়: ष्ट्रांचं व्य शिकात । ज कुष्टीचे विद्यााचिनियात शटक अनुकृत । भूष्यश्चीकात्र विषदत्र शुवर्गरमध्येत्र विरुष्य बरण मरमारयांश कतः অভিশব্ন আবৃশ্যক। বিনা কারণে লোকে क्षेत्र हेक्: शूर्वक विद्यादक चतुत क एव ना । करन निर्द्धां दलारकता किलबामान त्लावरक ভালপ্ৰমাৰ জাম করিছে পারে ৷ বাং হউক, বিজ্ঞোহের কারণ অত্থেদ করিয়া ত হার উল্লেমকঃ। অবশ্য কর্ত্তর হইরাছে। त्य क द्राव विद्धान घडेना र्डेक, त्य गवर्नदं त्केंब्र व्यविकातवाद्या विद्यास घटने कें।क्'ता ' क्लक खाजन इस गटकर मारे। बुर्खानाकरम ভারতব^{্টি}র প্রবর্ণনেত **উন্ন অধিকার** মধ্যে পুনঃ भूनः निकार पछित्यत्य । त्य शृत्वत्र स्वका নিজপরিবারত্ব বাবতীর ব্যক্তির মহনর জ.ব অবগত হইরা সমঞ্জন ঋণে কার্য নির্দাহ करतन, त्न शुरू कि विवासद्वाक्त, धावः विक मुक्ट रुस् ?

श्रमितिक एका स्वावनात का स्वावना के का विकास कर स्वावनात का स्वाव

আখার নিকট হইতে শিরোনাখা সকলের সন্ম-ঞানিয়া ডাব্ঘর হইতে যু কিঞিৎ বেতন नाफ कटहा

ইংলতে কাগুলের উপর হর হুাস হও রাতে বহুসংখ্য অভিনৰ পত্ৰ প্ৰকাশিত হট. ं ज जादक बहेबारह । त्व शक्क अशास अक গ্ৰন্থানা মুল্যে বিক্রীত হয় , করিকাভায় ভয়স্থ ৣ সাণ পত্রের মূল্য আইআনা , আহক মণ্ডনীর ু লাক্ষ্যবিকাই এই আপায়ুল্যের কারণ , লওনের ্রেছলি টেলিআৰ ' নামক সমাচার পত্র প্রতি উল্লিক্ত একলক সমুচনিশসাসাস বিক্রী হয়। লও জিঞ্ছ ক্ষম সকল কেবল ভাকের ছারা নিভরিভ ! क्कि भेक्क नरव , नैबस अउस (प्रोकारन) ক্ষ্মিক্তিকাপ বিজ্ঞান বিজেন ্ৰু ক্ৰিন্ত পাকানে। উন্বিক্তিত হয়। ভাল-আছেন ভ , ইৰণ সভাগ কৰিয়া থাকেন लिए अधिकार्य प्राचीत्र त्वां क्वां व्याचित्र एके

३वे मार्फ।

क्षेत्र क्षेत्र के कि विकास कि विकासी असिनि विक्य सरेता छे हिसाहिन व ক্রিক্টি শুক্তিহিছা গুড ও কারাবদ্ধ ক हिंद हेर्देश अधिक मगद्वत अदनक श्रीत নি ক্ষতি গ দ'বিবার উপাত্তন করিরাছিলেন । कुँगाल, की मह कड़े लेडक े महाहे बीह बाद-বিলয়েকে ন নবত শরার্ডৰ থীকার করি-भूषक करिए। या बन्धा एक आक्रांटिक डीकांड व्यक्ति सः एक विषयः भवतः । प्रजा-**वर्ष** () कवि (व ्रायः क्षेत्रः क्षेत्रः জি ছ'ল নপোলিখন ন্যবস্থাপক সমা-ক্ষি**নরকা** করিয়া নিজের মান লক্ষি করি-**ব্যাহেন। মডোন। নে**নাপডিনে 'অভিৱিক্ত इंडि व्यवस्थ रहेरव मा । किन्नु महादित हुन् **ভাকে খন্যবাদ** । তিনি সমাজে এমত প্রসংধ **'ক্ষিয়াডেন যে যে সকল বাজি বিশেষ যুক্ষ** देवनुषा ध्वकाम कवित्व , नाहा प्रिश्वक ममा ী**টের ইম্বাক্র**মে পুরস্কার দিবাব নিমিস্ত প্রণ্ডি-্**নতে ব্রাজনে** যে পূথক ধন সঞ্চিত হর। এই প্ৰস্তাৰ প্ৰায় হইবার সম্ভবন। আছে। বলি প্ৰায় হৈত্ব ভাষে সমাট ব্যবস্থাপক সমাজের সন্দর্ভি मा गरेवा जनावारन घरखार्वात नाव मनवासिन-কৈ পুরস্কার দিতে পথরিবেন। এক্সণে কেবল कक्ष धात्र महिद्रा कथे थिए निजलां व मुखानना कित्रहरून

प्य इड :-- क्यांभीभं रेमस्मुद्री मश्क्रीड রোমনগর পরিত্যাগ করিবে কি না ? কুমার নগোলিঅনু এষত অভিপ্ৰায় প্ৰকাশ করেন, রোষের সহিত সংপ্রতি সংশ্রব রাখিবার আবশ্যকতা নাই , কিন্তু অন্যান্য সভ্য (বাঁহা पिशास देश्टबंकी मन्नामटकता महाटहेत वश्मी अक्ष वटलन) कटबन एवं योवर द्वारभ विभव ঘটিবার সম্ভাবনা নিরাক্তত না হয়, ভাবং সৈ-ন্য সকল ভগায় থাকিবে। ইহাতে ইংরেজে-রা নিভাও অসম্ভই এইবিধরে টাইমুসু সম্পা-দক সেদিবস সহাটেব এজি শ্লেষোক্তি পরিভ এক প্রস্থাব প্রকাশ করেন। বন্ধ ড: ইংরেছ ও ক্ষ্যালীশেরা ৰাজ্রের মধ্যে নিজেবিত তরবারি नुकांशिक ब्राचिद्रा भराभव 4 क्विन नहांनव পুৰ্বমন্ত্ৰী বিকাল্যোলি সম্ভিত্ব 🖟 न्यात कर्ताट हे रहार कता बरलन स्य कड़ानी । विद्यार एन । मञ्जे विकहेत् अवाश्वकत्क कृष्यामर्क पित्रा थाक्रियम । छ।हारक है हैहे। सिव महाद्वारखद्व 📗 স্কিত মন্ত্রীর মনোগালিকা কয়।

আমেরিকার কেডেরনেরা ্রেডর আমে রিকার লোকের:)জনে-িবার ক্রমিক জন্ম লাভ করিতেছে। গত ১৬ই লেকজারি ডানেধ্সন नोबक कनकि प्रदारे पूर्व ३३० ० वन्ही व बल्दिय যুদ্রসামগ্রী সাহত ক্ষেত্রেলনের হস্তগত হটসা-ছে, ত্তিন দিন বাবৎ যোক বর সংগ্রাম হল ত হা-८७ द्रिष्टित्रम्हास्त्रं शह्म ७० वर्षः, ७.०व्हावर्षः **এবং ১٠٠ वास्ति निकास्त्र व्हेगारक । विशास्त्र** ক্ষতি ক্ষৰণ্য নমৰিক, তংপক্ষীয় জেনে (স কে: ভ ৫০০০ সৈন্য সহ নিশাবোগে পলায়ন কবি-इ।८५। करत ७ नहीं छीटत ५००० देश्ट इन् रेमना शक्क चारह। नार्फ नायबहेन अभक অভিতায় বাজ করেন বে ইংলগু সামেরি কা বিষয়ে মিরপেক থাকিতে 🕫 ইহাতে কেত্রে 🕽 वृद्धान्य अस्ति कानिक श्रक्षां कवियारह । हेर ্বজনের সেল্মান এই যে তিন চার মাসের । এক গাতি এক ভাটেলে চুবি করিয়া খৃত হ ম্পে অ'ম্বিকার যুদ্ধ শেষ হইতে এবং সম্ভাত দাসন্থিতার দাসত্তম্বিকর পথঞ্ পৰিন্ধ ত হইবে

क्क ड इंश एर हेम (ए दिन क्लांक्ला निव्न क्स्प्र)-কেরা অবিলাম ভারতবর্ধের মানাম্বানে ট্রা-মওরে প্রেল্কত বর্ণার্থ অধাক্ষারোক প্রের্থ वैवरमब हे श्वरत भीरखब श्राप्तकार छ।

तका अहै बार्क अध्यः

- ইউমিচাদ গুগুড়া:

বিবিধ সংবাদ। **५७३ टंबलाच**्याययात् ।

व्यानता । विशाहिलाम व्यापाद द्वारा ওবে কেবল বুনি কাগতে উঠিয়া বন্ধ ছইল। এক্ষণে জানা শাইতেছে কোম্পানি শীপ্ৰ কা_ ব্যা,ত করিবেন তরিসিত্ত ফয়েকজন ইঞ্জি नियुद्ध १७ जानः जना कर्माहादी नियक्त शहेशा-

मन स्टब्स् क्रांक मन वाधक कि शहन या ইবার পুর্নে বোদ্ধট ভণণ করিয়াছেন ਾ সর বাটল দিয়া: বাট্ৰাত সময়ে মালুফে হইয়।

ভিন্ত লে ১উ বাপীর জালনারী ভাতর क्षाफ़्रीफ़्रे, शिनवार्षे करे थ वनन स व्याक्ता यान मोरण (थ**्रिल** ३५व रष्ट्र ाञ मिशरक नील्पित्रि अवंटिंड भागे। हेनात्र कथा दिल किन्न ভাষারা স্বেহাপূর্সক আঞ্চাননে গিয়াছে। वृत्तक का क्षेत्रिकिक न्द्रेश हेळेट्टांशीयनिर्धात क्रमा माधावरवत अछ वाब बहे ह गा '

ই নিৰ্মানেৰ পাৰিলত সংবাদ লাভা ই' वार्धकरीत एष्ट्राष्ट्रे भूव ि.स.भव अप्रामस्य ध्वित कार्यक विश्व कि शिणार्यक ना अकुवाब व्यालवार्ति । देशकार्यक्षेत्री १ वंद्रव मर्जावा म এবং কোন ভাকারে কোন ब्रीक्टांक्ट्र महिक बालाल कांद्रेस्क प्रिट्टन না তথাপি রাজস্মার একটি দানানা স্ত্রী লোকের প্রতি আগত - ইয়াছেন। তাঁহাকে ভারিষিত মিদর দেলে প্রেরণ করা হইরাছে। বাজার এ লোহ বচ জনপের ছেডু হণ।

শেখাই নগরে দিলিপ বিবিংটন নামক

व पूर्व अन होशन मांडेरब्रबं लाख नटा. ডি ড গল াদ বাস্থীর শকটে পাকা বাগিয়া ভাছা ভগ ১ইবাছে ভাছারা উভয়ে পলায়ন করিবাছে ৷ ডাহানা বৃত হটলে প্রাকৃতর দপ্ত भाइद्व।

च्यापारगरमस्त्रेत्र कश्चित्राचा नरवान

দাতা নিধিয়াছেন সমেতি কে ঋ ঋ ইডি- ।

যা পত্রে মুর্সিদাযাদের ননাবের বিশ্বতে বে

দক্র প্রভাব নিধিত হইয়াছে ত হা মুত্তপূর্বা
রেসিতেট কণেল বেকিকির নিধিত। সামরা
এত দিনের পর গুরু কথা জানিতে পারিলাম -

শুলবুক সোপাইটি ও অনুবাদক সমাজ একব্ৰিত হইয়াছেন।

বিশ্ব পেট্রিয়ট সম্পাদক অবণ করিখাছেন বার হীরালাল সীল মুরসিদাবাদের নবংবের নামক্ষা ও মুন্দী আমীর আলী গ্রণর জেন-রবের দরবারের উকীল হইয়াছেন।

উক্ত সম্পানক যথার্থ বাপে হয়কর, পত্রকে পাশ্রন হরকর) , বলিরাছেন ; ক্ষেপকার হয়কর র লেখা দশ্র করিলে এই কথা তামুন লক কলিছে। বোধ হয় না।

র নি নিহেবের শ্বনার্শ ভার ভবরীর সভা

গেন সভা হয়, ভিংপ্রসদ করিয়া নেও জন

ই প্রয়া বলেন ক্ষার কানিও সহার স্থায়

গাংহ্যাণ ও নিশ্বনা ঘটগাছিল। পেটি,
গ্রাণাদণ ভবিষয়ে বলিয়াজেন ভারা স

পেত্র বিধা গিছে জন ইভিয়া ক্রমণ পুর্বা

নন মান হালাইয়া নিলেন্ড মগ্র কইভেড্নের

কারকার প্রশ্রেক প্রেম্বর খাতা।

কিন্তে ভিনম। সের হেওন পুরস্থারের স্বর্গ

কাল কাক। কিন্তাজেন। ছার্রি সার্থের দল বং

শাবর আগন কালের কর্মচারিদিপকে গোলান

দিবাং য অন্তরোধ করেন গুলে, ক্রাঞ্ছ।
১ই বাল্ড।

বার জয়রক মুদে পাখারের প্রাণনাম তির তাঁহাকে ২৪ গর্মণার ফেলে ক্রেরণ কর হুটবাছে। জ্গলিডে ভাছার জ্ঞানক প্র-ভা ক্রুমাছে জ্ঞান্ত ভাছার ক্রেরভা করা ভাছার পর্কে বিশেশ ক্রুকর ক্রেয়াডে কর প্রার্থনা করা হয় , সর্ক্রাপ্রবৃত্তি ন যক লগুমন্থিত একজন আ-থেরিকার বাণিক ভব্রং জরিল ব্যক্তিলিগের উপনোরাই পনর লক্ষ টাকা প্রধান করিয়াছেন। শিবভি এভতির নিজ হু লগুন বাল্টিমোরে বিদ্যালয় পুক্তকালর প্রভৃতি স্থাপন করিয়াছেন, একপ ভালেক ভানেকভ্রনে দেখা গিরাছে ভানে কে মৃত্যুকালে সংকার্য্যের জনা ভানেক ভার্থ লা ন কনিয়াছেন, কিন্তু জীবিতকালে এক প্রসাও দেন নাই।

করেক জন পারুদীর প্রার্থনাত্রসারে দর বা র্থস পিকক পারুদিবক্সীদিগতেক কার্যগারে জু ভাপার ও টুলি মাধার দিবার আজা করি রাচেন।

) १३ देवमाच **मनन**राद्र ।

চারত বর্ধের পোই বার্ধর জেনরণ ভাত্তর পাইনের পোনন লইবার সমর উপলিত হইরাছে কেন্ত তিনি নিয়বালসারে ৩০০- টাকা
অরিমানা দিয়া নিশ্র কর্মে থাকিবার অসমতি
আ, অ হটরাছেন। কেন্ত জার্মানা দিয়াও থাকিতে পারিলে মহালাভ জ্ঞান করেন, আবার
কাহাকে খোসামোদ করিলেও থাকেন না।

দাঞ্জার জান্তনিসিগাল কনিসনরের। তথিতা রাজ্য সকলে জলস্যেতন করিবার জন্য কলিকাজা ইউতে করেক থানি জনের গাড়ি লাইরা গিলাছেন। এপান কাব ক্ষিসনবেগা ভিত্তি উঠাইয়া অলের গাড়ি লা করেন কেন্ত

সম্প্রতি সামরিক বিচারালয়ে বহু সংখ্য ব্যক্তির গুরুতের সংঘবিধান হইয়াছে নিম্ লি-বৈত দৈনিক পুক্ষেরা দুও পাইরাছে।

গাছৰ নামৰ্ক এক জন সামান্য সৈন্য প্ৰ করিও কার্যা করিছে করিছে প্লায়ন ও ভাকার প্রধানভার আফিসরুকে এহার করাভে ভাকার চারি বংসর কাল করিন পরিএম সাম কারাবা– শেব সালেশ ক্ট্যাভে

১৮ গণিত হউরোপীরদলের এক ব্যক্তি এক জীংলাকের ৮ববস্থা করিবা**র হেন্দ্র পাও** ফাডেড ভা-বর সাচে বংসর মেয়া**নি হবিরাচে**।

াও বিক দলের আক্রেনতেও ভাহার সে-নাগতিকে পালিদে এয়াতে ভাহার ৫০ বেড ও তাই সংসর কার্যবাসের আচ্চেম হইরাছে।

গ্র গাঁপত দলের কুইলটার প্রস্থাপানে আ মতু হটরা সেনাদিশকে গালি দেওরাতে তো ্ছ মুই বংসর কারাগারে থাকিতে হইবে। ১৯ গণিত দলের সিলভন্ত **মুদ্রাণানে উ**ক্ষাত্ত করি সেনাগতিকে **পানি লেওরাতে** উ
তালাকে ঘোড়া হইতে টানিরা কেনিয়া কেন্দ্র

এনসাইন হিল সৈনাগলের সামান্য হৈননিক পুরুষদিনের সহিত পুরাপাল ও লানা
প্রকার স্বাবহার করাতে উল্লেই পর্যুত্ত
করা হইগাছে। নর হিও রোজ বে প্রকার জান
রজ করিয়াছেন আর কিছুকাল ঐরপ করিছেল
সেনালন শাসিত ছইবে সলেছ নাই।

মাজাতে বাইকাউট করাসীবারক এক कर क्योंनी काल क्यिया पुछ इहेबाटह। अहे गर्किः भागगांदक अक जन क्षरात्र परनीत করাদী বহিরা প বৈচয় দিয়া ল জালেল স্বা-জের প্রধান প্রধান ব্যক্তির সহিত বৃদ্ধতা 🗸 क्दब्र : क्रिक्सियम इंडेम (म व्यविश्विष्ठ याद्व 📽 🖰 মহা ঘূম ধাৰ করে, পরে এক বিল জাল করিয়া विवादानात व्यक्तिक व्हेन्नाद्यः प्राचीन व्यक्ति अम्प्रांशिक्ष क्यांन मरक्षत्र **आक्यां शह नाहे ।** শাল্রাজের ব্যবস্থাপক সভার অবৈভানিত্র-'छार्शन बानाबत (**'अन्टत्**यम) **अहे छेलाचि आँ।अ** হটরাছেন। ধিনিক সম্পাদক বলেন সুকা পু-নেই তাহারা ঐ উপাধি বালা আছত ইনিয় কিন্তু সভার বাহিরে ভাঁছাবিশ্বকে জ উপ্র ৰাৱা সন্মানন করা উক্ত সন্সাদহ্যর কৃষ্টি भज नरह : हेश्नधीय बदागणात महलाक्षा में ভার বাহিরেও এই উপাধি ধারুণ করিল षाटकन .

উক্ত শত্রের সন্তন্ত্রিক্ত সংবাদদান্ত ইংলভেন্দরির দরাক্তা ও দর্শিক্তার এক দৃষ্টার্ভ
প্রদর্শন করিরাছেন। তাঁহার বাসস্থার অন্
বরণের নিকটবন্তি এক দরির স্রীলোক পীক্তার্থ
স্তবং হওরাতে এক জন পুরোক্তিকে আনর্ম করিবার জন্য লোক পাঠান হয়। একটি
স্রীলোক বহুকণ পর্যান্ত ধর্ম পুত্তক পাঠ ও
নানাপ্রকার সন্তোবকর বাক্য হারা সুমূর্ব ব্যতিনর মনোরঞ্জন করিতেছিলেন। পুরোক্তির গ্
হমধ্যে প্রেকেশ করিরাই অমনি থানিলেন। ব্রীলোকটি বলিলেন মহালার 'মাসিরা খার করিরা কর্ম কর্মন। পুরোহিত দেখিয়া বিশ্বধাপম দ্রীকেন, থিনি সাধান্য ত্রীলোকের ন্যার
দরিম মুসূর্ব ব্যক্তির গ্রুহে ধর্ম পুত্তক পাঠ
কবিতেছিলেন, তিনি সহাবল শরাক্রার হুইং ब्राव्यक्तितात नेपत्री । देशमध्यवत्री अहे शहन অঞাদিগের আরাণ্য হইরাছেন।

এক ব্যক্তি আপনাকে লেপ্টনক ভগলাস ननियां পরিচয় দিয়া উইপার্ট নামক এক জন ्र सिटिंगरकरका निकंडे स्ट्रेटड व्यानक वर्ड লইয়া গভান ই শার্ট জোম্পানির নামে এক ক্রেই দের ৷ উক্ত কোম্পানি চেকের টাকা দেন थी**रे। উदेशांके ज**िन्दिनेत निकार नगर টাকা নইডে আসিরা দেখেন সে প্রাপ্ত ন করি-রাছে। উক্ত ব্যক্তি অল্যাপিও ধত হয় নাই। **देखेलां भीत्र धुरर्जन प्रश्या क्रममः त्रि** रहेरज्य ।

ইংলিদ্রান সম্পাদক জ্বাত করিয়াছেন, **বেভিকান ইনম্পেট্রর জেনর**শ ডাক্তর যাকি লাও ডাক্টর করনিধের কর্মে ও ডেপুট ইন **ম্পেক্টর জেনরল ডাক্টর** জিন্সন ডাক্টর **নাকিলণ্ডের পদে প্রতিন্তিত হইরাছে**ন।

গভ কল্য ছোট আমালতে গাস্পার না ৰক এক কিব্লিকি ও ভাছার স্ত্রীর নামে ৫ - টা-কার নালীশ হইয়া ভিক্রি হওয়াতে বিনি গা-স্পার বলিলেন আমার স্বামীর কর্ম নাই কি একারে আমরা এই টাকা দিব ? হ'ল বুলনর 🗓 এলিলেন ডুমি যাইয়া ভাষার উপায় দেও।

অমৃত সরে টাকার ১৬ সের শস্য বিক্রয় ष्टेर्डिक प्रिनीर्शस्कि गणानक बरतन (क्यू জিবলের যথো ট্রাকার ৩৭ সের হটরাছে। অ 🎠 ুনেক আমলানী ইংার কারণ।

উক্ত সম্পাদক আরও বলেন খহাবারে র প্রধান জ্যোতির্বিদ্ বার বোপদেব শালী প্রচ লিড সংখারের বিপরীত প্রণালীর অভুসরণ **করাতে তাহার আত্মী**গলুৱৈহেল তাহাকে প্রাঞ্চাত করিয়াছেন।

अक **अनु कड़ा-ी** छेल शहर विश्विषाहरूम किति मणाहेत्र निकटि अक कप्रता ७ (ले १४२ **ভাৰের বাহির করিয়াছেন। স**েট্টতে বহি **कर्ताञ्च ज्यांकर्त्र पार्टिं, फिल्म प्रश्न भाषारागर ক্ষেত্ররে** রাণীগঞ্*হ*টবে।

পেলোয়াব্রস্থ দেনানিগলে প্রস্তাত পাক बाब्र कांच्या (ए ७३) करेगारक . कांबा किरणद **রবর্ণমেট আবার** পারস্য স্থে নিয়ক্ত চন , समना कि?

> ar दे रिक्यांच वृधवाद । লশুৰে মুন্তৰ একটা কোম্পানি চইগাচেন,

व क्लाम्लानिव উप्पन्ना वहे उँरहावा छाउँन क्रियात निविद्ध द्वाष्ट्रा **श्रेष्ठा**ङ क्रियान। भाषा । शिविनियानक्रियात विध्यास श्राम । রেইনওয়ে প্রস্তুত করিবার অন্যও আর এক , কো পানি হইয়াচেন। এই রূপ কোম্পানি এই-লেই দেনের যথার্থ উপভার দর্শিবাত সন্তাসন

কিনিক্ পত্রে এক জন আকেপ করিয়া-ছেন টাকশালের কর্ম চারিরা পুরাজন পোদ্দা রদিগকে পয়সা না দিয়া ভূতন লোকদিগকে , শণ, পাঠ ডেলো, চর্মা, পুরুক, কাগজ মান भिराज्यक्त । अवर्थस्यक्तित जाल्यात विस्तरक काक कहा है।कमारकह ज्यशास्त्रहा शोद्धरहरू । मा इ हि इंडमॉर्स वीकास नरवन। सब मान्या विषय कान करहन :

উক্ত প্রের ভগনপুরের সংবাদদ,তা ক.া লেন উটোর এফ বন্ধ সাওতাল দিগকে ধৃষ্টীয धर्षायमधी ७ मछा कतिए भिन्ना (मक्षा नामक এক রফ দেবিয়াছেন। তাহার ছাল সিজে। না রুক্ষের ন্যায়: পত্র প্রের্ফ ক্ষমুমান ক্রেন क्र भारक कृष्टेनाहेन हहेरल भारत । खेलम छा-ख्कद बादा हैकार भद्रीका करा उठिका

विकीरभरक्रके निधित बहेश्यक पुरस् অৰ্থি দিল্লী গৰাস্ত যে রাস্থা আ ১ তবাৰ ভন্নক দল্পভন্তইয়াছে ভেনারা নিউঞ্ এতদেশীয় ও ইউরোগীয় উত্তয়েরই সংগতি सूठे कदिएकाह । जान्हः । व निषय अहे प्रशिव 🕻 क्ष हातिहा अभिष्य अभिष्य र कारनन का

উক্ত পরের কাঞ্জন্মিত সংবাদেশক ব লেন আমীর দোভু সর্মদ খা। লক্ষ্মের। ^১ বিশায় বর্জন্তম অনেক অপ্রসায় কট্নাচেন ভাৰার অবাধ্য হইয়াছেন। রঙ্গ শ্রী ৮ লেই হেছ নিজে সেনাপতিও গ্রহণ করিয়া কামা ছারে ধাইভেক্ষেন। মেন্ডি মহমাদ বলেন ''আ্মি বলি জীনিড থাকি, কিরাই জকসং कत्रिय**् । ७३ मध्य ज**ाकरत भी ध^{र्}बिटन धी হউতে না।

का क्रांक हे हिमन नम्लाप्टर करण करिया ভেন মইলেব্ৰের রাজাকে ভালীয় বৈপজ্কু বাজে ा श्री के कहा कहेरत ना । आवार श्री रिमले *र भवत वि*षयः **२५८कण कतिराज्यक्**न स्वन १

শাস্থাতের এক্তি**ত রেজিমেন্টের** এছে-क्लिमोत्त (मनक्लिमाल जाजा**ह**या **क्लि**जान

১° র উবসাধা ব্র**ক্টাজিবার** ।

্র। ইউরোপীয় দের'দল করে ক্ষিয়ং **আুসি**

এবী অনঞ্জতি রেবেনিউ বোর্ড উঠাইরা ওরেতে প্রব্যাদি স্মানিরা টেসনে লোচির। বিদ্বার আজা ইটয়াছে। বোড কেবল জনস

> मर्गाधिक खरम्बद्ध 'बांडेन नाक कमा विधिनक हरेग्रा निम्न निश्चिक रूप्तर्भ करन स्वक হুইতে মৃক্ত **হুইয়াছে। অনুদ্রিত ত**ি রৌপা, হীৰক, মুক্তা, ৰাষ্ট্ৰ, ভাৰা প্ৰাকৃতি জীবিত লয় शकन, नहर, क्यन।, हैंहै। संख्रि, क्षेत्रद, शत्रव क्रिड, जि. क्षेत्रकारा धवः धवन दक्त हति ह · এবিষয়ে 'বলেদ পুরদ্দিতা প্রকাশ সরিষ্যাদ

निमारतम् निक्टेटिन कान समूद्ध रक्षीरहरू "पोक्स माहेर क्षेत्रशास्त्रः। **८०७७** "१%८७७ कार, कुंडी । ब्रिटीण देश हिमी हैं। ज दिस हिंद हिन्दि शिक्ता कर के इन भिया अभोभ गांत्रिक उ क्तिहा श्रेणा कास--বলিগ্য**েন** ।

नाष्ट्रादतन जिक्तातः शिका अध्यक्ष किन्। । योः म**िक** प्रात्म कडे १६८ ५ छ। इ.ज.ची. २१ सन किंकु शानी दर्शन, व भागे करिएक

ना अनियमन बाल्लार ने विष्या अदेश क क्रम विकाधन १ व कर है। जल केणां विकास के शिक्षित . २५% धन भद्रीणाधिई स्ट्रांग्य कम श्रीराणिका १ रेकाह उन्होंन ब्हेगा हरा

क्षण भाषि ।, ज्या १ विद्याद क्या ५ ना ः **महे बुर एर् एट**क पुरुष विद्वारी किया का उत्तर है। उत्तर है कवित्रा सबन कविश्, इक्ष्म । द्वाक विक्ष ४ का ওতন গুলিণ স্থাপন ক'ই বন, ভরিলিস্ক ডিনি कात कवरों । १ (१४८ हेन्द्र निकाहे ए हे अम हे है রস্য সেনার। কার্তে প্রবেশ ক্রিটে গাহস্ট। রোপীয় পুলিন বামচারি চ্যাইয়াছেন। লার্ডের द्रांकी भारत अरबट डेबर्ड आध्य कहिन्। ছেল। ভেষাণ সনেক ২ স্পীয় ও সাধান্ত্ৰ বা ণিক, জাহাত সূত্ৰ জাহাত ও নানা প্ৰকার, मिक दिक्राव हक्त एटेड्राइइ : ब्राइट्स (ब्रेटेन **९एवं ध्यंक्ष**ा कृतियोग अन्य **प**क्षान ज्याहित। সভ্যতাঃ কোভ ভারে কোথারও কর থাকে

> নিকাপুরে একণে আর ওলাউঠার প্রায়-র্ভাব নাই। তার চা চীনেরা পর্বেশরের নিক টে কুডাছতা প্ৰকাশ প্ৰতিম দিবৰ নিজং वानि बीनमालाय पूर्वि करिग़ांकित ।

ह न तम बहेटल मन्योग व्यक्तियाहरू अव भ विद्यारीविरगत मुख्य हेटलट्ट महामुख्य दिनाहर मानक नगद्भत्र निकट १००० विद्यान् शिरक व्यक्तिमन कांग्रेस १०० गासिएक यथ २ ००० क वन्योक्ति कत्री १०० गासिएक यथ २ ००० क वन्योक्ति कत्री हेडेबाट्ट । विद्यारीया क नक व्यक्तावाहरू क्रिएल्ट्र । ज्यान्तर्गत विस्त कर्षे मानक जांगाहिन्यक " हारीयान व व धार्मिक वनिय हिस्सन ।

গৈলিয়ান গতে লিখিও হইয়াছে করাচিত বে ব্যক্তিকেনানা সাহেব বলিয়া গুড করা
হয় তাহাকে বোদাইতে প্রেরণ করা হইরাছে একণ অভিন্তায় প্রকাশ করা হইরাকে
তথার তাহ দে মুক্তা করা হইবে। ভাহার করি ফতি পুরণ কে করিবে ?

ভূতিকরিলে এবার ৮৮.০০০ টাকার মাত্র হক্তা উর্জোলন কর হইরাছে। ইক্সায়লারকে। এবার ক্ষতি প্রস্ত হইছে হটবে।

লাহোর অণিকেল পত্রে ছুঠ ছইল সম্প্রতি পোনোরারে এক ভয়ানক ভূমিকল্প বইরাছে। ১৭-এ এত্রেল স্থাসপুর বোরালিয়ার লো-কেরা ৭ক সভা ক্রিয়া প্রাক্ত সাক্ষেবকে এক

এড়েদ বিরাহৈন ! "
"গানেরিকার এক ব্যক্তি রদায়ন বিকা।
ভারা দুর্যন্তিত তুর্ব বেগজিন প্রভৃতি কান্ধারে
উডাইয়া বিরার উপার উত্তাবন করিয়াকেন।

দেও আৰ ইভিয়া সম্পাদক নিশিবাছন

"এতদেশীর ব্যবস্থাপক দিনের প্রতি বিজ্ঞাপ

কর। একনে প্রথা বইয়াছে: কিন্তু বিনেচক

দশক মাত্রেই ক্ষুত্র দুর্ত্তি ও বার্গপরত। ত্যাগ

করিয়া ভারতবর্ধের প্রতিত্তি দশন করিতে ই

মানুক বইলে বসকোশীর ব্যবস্থাপক স্কার বার্
প্রাস্কর্ক্তার ও র্যাপ্রাদ্ধ রাজা বিশেষক।

ভারতবর্ণার ব্যবস্থাপক স্কার রাজা দিনকর

রাও ও কেববারারণ নিংকের ব্যবস্থাপন কান্
ব্য দশন করিয়া অবশ্যুক্ত বীক্তার করিবেন

আনিরার অভ্যুক্ত বিরুদ্ধি হইবে তে কেন্টেশ্

র মুখে একখা জারও কাল, লাগে।

केश अण्यासक महत्ताक जूनी याजांजा द्रान वक क्षम कर्नामं कवित्रमाताह क्षीएम प्राणिकांच अखान क्षित्रमाताह क्षीकां जाने स्वतिहा कहा द्रारत्निके, क्षीत्रम्हाद विश्वरक विश्वास द्रान्तिकां कर्ना

१०० देशनाच् चक्रमात् ।

্ একণ খনশতি দেবু সাংখ্য দীয়া ইংল-ধ্রে গমন করিবেন। তিনি পুনর্বার নবেরর মানে আগমন করিবেন। এটিকে ৩০এ এ প্রেল রুগবার ভারভবর্ণীর ব্যবস্থাপদ সভার বৈশিরন বন্ধ ংইরাছে। রাজা দিনকর রা ও, দেবলারারণ-শিংহ প্রভৃতি খন্ত গ্রেছ গমন ক-রিয়াছেন।

গবর্ণর জেঁমরন জাজা করিরাছেন ৩১এ মুলাই অবধি টেনিগ্রাফে গালি ও বোছাই হুইডে গবর্ণমেন্টের ব য়ে ইউরোপীর স্বাচার জাসিবে না । সংবাদপত্রসম্পাদকেরা নিম নিজ ব্যক্তে জাহা করিবেন। লার্ড এলগিন কি ইংলিসমানের গালির টেনিগ্রাফে বিরক্তে হুধরাছেন ১

होहेन् म स्व देखिया जिल्लामां करियां द्रिश, क्षेत्रस्वर्यस्त विषयिषानारस्त रि. अम सेशामि धारी बाद्यसा कि निविश्त मुख्य केष्ट-स्व विहासानार्य क्ष्मांन्दी करिए म सिर्यन मा १ वित यहचालारः महिस क्या यह, स्वाम सा विनक्षकरण विद्या शासि, स्वाम क्या हित व तिहेस्त्रस्त (शामिरस्त मर्गा शाम क् महीरका ही बाद्यप्तिस्त सर्गा श्राम क् रूरम मा किस स्वामित्रस्य मर्गा क्रिस्स विहासानार्या वाहरू क्रिस्स क्रिस्स क्रिस्स क्यों बाहरू वाहरू क्रिस्स क्रिस्स क्रिस्स

চীন লেল হউছে সংবাদ আসিয়াটে বি-লোইসা সাচল জ্যান করিবার ইকা গুলাল না করাতে করামী ও ইংরাজ সেনারা ভাষা; নিগকে আক্রমণ করিয়া মুরীছু হ করিবাটে ট গাবর্ণমেন্ট বেভিক নামক জাহাজের সংখ্যার করিবার ক্রম্য ২৯, ১৭/৬/১৮ টাকা দিরাছেন, ইকার মধ্যে ২১,৬৬৮৬/১০ নগম ও ৩,৬৩২ টাকার মধ্য কেওয়া হইবে।

স্প্রতি হাবড়ার রেইনওরে ঠেননে প্রার্থ
১২ - বর্র কর্মজ্যাগ করিরাতে। ভাহারা
বলে লোকোনোটন গোড়ি ডিপাটনেটের ক্র
ক্রেরা প্রজ্যাহ ৮ ঘটা কাজ করে। কিছ জা
হাদিগকে ১ ঘটা পরিজ্ঞান করিতে হয়।
করেক দিব্যাহ্যি কার্য স্থানিত বুরিরাটে ।
রেইলওরে কোলার্যি বস্বাহ্যিক প্রির্থান

शृज वाणमात त्यान्यक गाँकि विवास जार वर्ष विशव वार्ष । कुर्व वाणान्यक त्राहेनलं दश द्वेतन वर्णन कवितन विश्वास द्वेतनाट कृति वाज द्वाप क्या केंग्री केंग्रिक व्याप कर-क्य वरेष्य । जावि क्यान्यक व्याप्त क्यान्यक अप विद्यान कार्यक्रिया क्यान्यक व्याप्ति व्यापति व्याप

गाजित नारा। त्याचार हाईनाव्यक्त पृथीतं त्यागित गवरहे त्यांत से इंडिएस वर्ष गडितक हरा, क विभाग कर्ड, विश्व हैवाएस हम महाम कर्ड नाहे, हेरात प्रकीत त्यागितं व्यक्ति महाम क्ष्म कृष्ट दायतात्र विकल, स्वत्वक क्षांत्रकात्र कृष्ट वाति त्यक चाएड। जात स्वर्ध क्षित्रकात्र कार्यामा क वन्नविक्त कार्यक व्यक्ति मात त्यहेगकरत कांग्नाति कार्यात क्षांत्रकार्य करतम, जारा सहरम कार्याति कार्यात कार्यक्ति

স্মীনেজেট নম্পানক বলেন মুদ্রোজ বিশ্ বিশ্বা ও রাজা দিনকর্বাও আবর্জার শীৰ্ষ ক্রিয়াছেন।

ব্যক্ত বৈশাধ শদিবার।
প্রিয়া হইতে একজন কিনিজ পাত্র নিবিয়াছেন ভবার সম্প্রতি ভয়ানক কর্ম ইইটা
বিয়াছে। এখার সংখ্য নিবেব প্রায়ুত্তীক ক্রেবী
বাইভেছে। করেক বিবস পর্যায়ু ক্রিকানায়ার
এ যত কড় হইতেছে বে বুলিন কর্মানায়ার
গাংলার পালীতে আরোহা ব্যক্তিত নিবেব
ক্রিয়াছেন।

कारवित्रकात अवर्गतिके श्रूनकात वर्ष वर्षा-वृत्व करी व्हेतारका विक्रिक्त कामुक्ति काम भवन जावादिकात करीनम् कामान्य वर्षा

আবরা স্বাচার পাইত্যের নীক কর্মা প্রেরের প্রকারিকার কর্মা করা হইতেতে এবং প্রক্রিয়াকর কর্মা পুরি হইতে বহিত্ করা মহিলাকে বিশ্বা রেরা অন্যার কর রুধি করিতেন্ত্রর কর্মা কালেইরেরাক প্রকর্মান রামানিকার নারার ভা করিতেন্ত্রের। ক্রেক্টের প্রবাহ পাইক্টি ক্রিয়াতে ব্যারা কি নিলক্ষের। ক্রেক্ট পাইক্টি

त्रवर्धके वन्द्रगरमह विनामिक। जैना ध्रवाद १८ नक होको विनादकन । देशह नेद्रश ब्रह्मक विकादकत द्रवास द्रवि कहा वहेटल्ड्स । विकादक्षित्रगढ़ द्रवास द्रवि कहा जानगढ़, किस महत्रगढ़ होको ध्यन हैबाटल्ड्स नवायनिक सो देश।

हेरतास्य अवस्थि जीत्माय अव कार्ता किन-स्थि शुद्ध अभव कतिहारह । हेरतारक्षती केल-जीत्मावर्षक ७० डोक्स श्रीकार्य विवासका ।

গভ কলা ভ্ৰিন কোটে গুর চারলস জাক সন্মের সন্মুখ্য জন ইজনাবক ইউলোপার বজা কারীর ক্ষিত্র হয়। ভাষার কাকিগণ উপাছিও বা থাকাতে আগামি সেসিরনপর্যাত ভাগা-আগাত রহিল। ১লা জুন বিভার সেস্যা ন আগত হুইনে। শেষ ঘটরাছে। বহারাজ শিব্যশংগর সহিত ৰে ছুখ্যবহার করেন সভ্যপ্রকাশসন্দালক ভাহা ब्यमान कतिया विशादकत । बक्यमारका नाह **डेक्श**्चद्रियानः ७ स्वाक्क्याद्व नपूर्णात नाम বিবার আলেশ হইরাছে।

🚜 त्रिष्टिषिक पूरना श्रद्धान्यकेत काशक

विक्य स्टेप्टस्ट : ও ঠাকার সিকা का गरा কোম্পানির ¢ " 306 1 4 4 46 1106¢ 1 °62 411 **কাগতের দুর্লঃ পত সঞ্ভতে অভিনয় রবি হ-**देशाहिन । अवर्गस्य केंद्र कांद्रिस्कारि केंक्निय **কাপজ জেম্ব ২বা হইরাছে, আ**মরা **ও**নি माव वक्रप्रनीय गांध क्षक कांधन धरे क्ष्युद्धमात्र मचरत्र क्राकिश विदयन। अहेवारमह व्याय दाव्यात बद्रम स्ट्रेट मान त्नद्रा गावधान बहेबा कार्या कड़िएवन ।

वजरवेगीत वावचानक मणाः

২৬ এ এথেল শ্নিধার।

श्राका अक्षाणहळ निष्ट् गाजिएहरू जोत মুখ্য সভা উপস্থিত ছিলেন ৷

सूख्य क्षण्डमन्त्रे गर्भन्न वीखन बार्ट्स नका शक्ति सामम अह्य कतिक्ष चारमा किर्मान निवर्षे करे जिल्लार राज कतिरमन उराशित-ক্ল,বছৰণিতি৷ ছারা তিনি দ্বিশেষ শাগাবা औं इहेर्दन ।

ভিত্তমন সাহেষ ভনীদারি ভাকের বিজ विक्रमा कतियात क्षेत्रांत कवित्रमा । मकल क बीक्षाप्रदेशके मुख्य भना चालूगांत्व अनिवास कि-Mer feen nges :

. ব্যাপ্তসম সাহেবের প্রস্ত'বাসুদাবে ১৮ ১৯ আখের ২ আইন সংশোধন নিবয়ক বিল বিধিবছ क्ष्मिन , हेरांत्र वर्ष करे आवानिक प्रमीत वाहि-**ब्रिंड् मीशांत। पृति छात्र क**रतन, छात्र, भवर्ग क्षेत्र शहलका क तरवन।

ক্ষুষ্ঠনৰ সাহেবের প্রস্তাবাহুসাবে মাচলা ख्या करा शक्त कविवाद विम श्रध्मवाद शहि-🕳 হুইছা বিধেট ক্রিটির হতে অপিত স্টল খিলি খারও বলিলেন তাগ'নি সভার ত'নচ कि श्रीहम्ब विम विविध महिनात श्रीकृति करे। A SERI

क्षांत्रकवर्षी प्र वावचार्थक मछ।।

७०४ वरमा र्माराव ।

শ্ৰেষ্ট্ৰমেশীয় কোন ব্যবস্থাপক উপস্থিত ছিলেন भा । बीखन मारहर श्रेष्ठां कतिराम, व्योध-श्रीकात्वादिक सर्वाधनविषक विद्रात विवास নিচ্ছেই কলিট বে রিপোর্ট করিগাছেল ভাগা नैकि के बेबा विश्व विधियक करा दय।

दशक्षाक स्टब्स श्रीवां समार्थन स्टब्स नि अदेशका है। मा अर्थनार्थम शिवमन िता छ न। हे- । प्रक मिन्न प्रमादावस व देवा स

म्बा क्षेत्र केशहरात विस विधियक करेल । जि नि विशालन देनक्य है। इ. कश्रोहेश स्वक्षाट ভারতবর্ষীয় সভা এক অনুমোধন পত্র লিখিরা-

কান্তিংটন সাহেষ চওবিধিৰ করেকটি একরণ किरेबियांत्र विक निरंपत्रमा कतियात समा शासा क्षितित ।

त्व त्य चात्म वश्चविधात्मत्र चारिन श्राह्मिक इदेवां ए जवार १४०२ जानव १७ जाहिम विक्रिक क्रिकांत्र विवटत स्व विक्र कतां विवाद দলের ক'বটি ড ঘ্রুড়ে বিপোর্ট করিয়াছেন। হারিও টন সাংখ্য ডাছা সভার অর্গণ করিলেন

वाश्वंत अवश्वाच लागदम अवन श्रष्ठ करत्र जांचामिरशय मध्यिभारमञ्ज विश्वत्य त्य विमा व्हेवाट्ड। (३४८७ व्यव्यत् ३५ व्यप्टेन ७ ३१-१६ ন্ত্রের ৩৩ আইন স'শোধন বিষয়ক বিল্লে কি-त्मके कविणि) व तिर्लार्डे कतिशासाः क्रिक् নভার এলাস করিবার প্রভাব করিলের

হ্ৰিড বহিল ।

७ ज्ञा बाद्यम भर्गात्वर देखेदांशीव

সমাচার । সেমাপতি মাকিল, প্রশানসভূত সেবা-দলকে সংবাধন করিয়া লিবিয়াছেন, যুদ্ধের সময় अभिवादि। जामकविथ क्षे क फिका शाहित्व ছবিংব, তমৰ্থ স্কিড হওৱা কৰিব। ভাঁছার সেনা দল মানাসাম স্থাত গমন করিয়াছিল কিন্তু পরি-बार्था कांचान होंके क कर्मन रहन व क्वार क छ।।-पिनदम आह्मका श्रिकात कितिक गाँदिक "ठे-शास्त्र। युष्ट्र नम्हात शनानी गहिर्दे कर। विकादह। शिखांगीनियान तानाह मरना 5.80 000 । श्वर्गट्यान्तेत्र त्मनावा निष्माण्डिण নগর অধিকার করিছ। দেনাপত্তি বরণ ওঁছারা ব্যক্তি মিনিলিপির ১০ গণিত দ্বীপ আক্রমণ করিয়াছো অভানভার বিচারসংক্রান্ত কমিটা म्हानिक की ज्यान मुख्य करियार अवार आव B'auften i

देश्मा उपही विज्ञधनवी मछ। पूनियाद ক্ষমা কেলি কে কিউক, কান্টাব্যলিয় আক্ৰি-नग, मार्च हादे हारणमत, छात्रवित स्रोतम बरः लाई र बहुवैनाक क्षित्रनम् निष्क विन TICE 4 !

৬১৫ মার্চ বে আর মুদ্ধের বিনাব প্রকর্ণনত হইয়া<u>ছে</u> ভত্নারা জানা বহিতেতে বে মহৎসংগ ७० किए हैं।जा जारिक जार हरेगांटह ।

किश्व गात्रवर्त्व महस्राद्ध हेडेक्टिय गाउँ रश মিছোগ কলা **চৰয়াছে** ৷ **প্ৰাটেজি ব্যক্তি**লি সভার मधान^{दा} ३ करमत्त्रकृ कार्या विकास्क वरेशा-

क्यांनी नमुक्ति विश्व श्रमणंत्री नका वर्णन कतिरयम विश्वा बन्तावस कता स्टेरफाई। वड थानि युक्त काशक गीत्रवर्ष क्षेत्रक कीशांक अ-लामानन क्रिन्। व्यक्तिर ।

ইংলত্তের বেলজিয়বের শহিত বাণিশাবিধ-

जाजातून जिल बांद्रा भवनावज्ञत्वद्र गर्व क-तिया ভারতধরে আলিবার প্রবিধা করিবার छै-शान मिर्नेश्वार्थ पर्शक्त शामाने ए कमिन नियुक्त हरेशांक्स छ होता चड्सक खर्म नाफीत सरीन প্ৰকি ভাইগ্ৰাছেন।

ताककृभाव व्यक्ति रोट्डिंड श्वद्रशार्थ कटलड कना s.७०.०० होक • व्यभिक होक, श्वेषाट्य !

गवर्गायक विज्ञालन। बाज्जारकभीय त्वश्रेनके भवर्रवद कारणमाञ्चाती निर्देश ।

১০ট এপ্রেল—ছান্দি শিংগ্রর স্থাবিক্টেন্ডে ने क्षेत्रवादि नरकाक, त्व मेवन याक्ष्या नि क्यांडि कर्द्रद्र। 'दूर्रहम्सक्याद्वर, अब जानात वा भीत अभिना क्षेत्रका वार्षिका ।

२५० वर शक्त-बिक्य स्वीतंत्र रहाते नागश त्रत थाजिनिधि कतिसम् विकेषम । यज वि मामाणि बनिस्त्रम गर्छ। मद्वयप्त १ कि. जित्र कथात्र उनिष्ठ मेर्ग क्रम उन्ह क्रिम सम्बा (क. धन, Cडारेन के गार्वा करि वस ।

क्षाविधि क्षित्रमध्य व्यथीमण रक्षणी मा-জিট্টে জে. কোৰৱৰ সাহেৰ ৰঞ্ছা ফেলায় भाषि है। हैन मन्त्र क्या है। आख दरेशन

ात्रवादान्त्रः, ताम, द्वामा गोरस्य मय गोरमण २% क्षत्र ८, क रोजू वहेटवस ।

एक्षि मालित्के, है । एक्ष्णि कारमके व भी-लवी धार्मान मुख्य काशामानाक विकासिय ভার প্রাপ্ত স্ট্রা ছগলী ও বর্ত্বদান জেলংয় शक्तिरहेति मन्द्र क्यां अपना श्री क हेरदम ।

ভেপুটি মাজিটেট ও ভেপুটি কালেটৰ বাব চণ্ডীচনৰ সিংছ মুনসীশক বৈভাগের ভাব আপ্ত वर्षेत्र। क्लोक्सानि चारित्मत २२ भातः ख ३७०३ অঞ্চের ১০ আইনের ১ ধারাস্সাবে ঢাকা জেলাব প্রপন্ন প্রেণির সংক্ষারির ক্ষমতা প্রাপ্ত ভূটবেন।

Cक. यम, निवय शहरूर) ता एम गात्र पार्वि ्मिकिंग्जन कारमाक्त खिलि**छि** (संस्कृत हि-किरमा विष्यात) ख्या, शक ह देवस ।

२२व कटशल---व, आत, विवनन अहर का-কার প্রতিনিধি সিবিজ্ঞ সেসিয়ন ভল ১ই-

क्षेत्रक कि अम्बर्धान अंद्रिक व विश्वासी के (छिनिधि मोसिट्यु हें के कारणकेत प्रहेरवन ।

जि. वि. बादवष्टे जारणव अवसीत अकि विध माकिरकृष्टि । कारणके व क्नेटवस ।

मिल्ल विक्ति वाक्तिका व्यवक्रिक मासि-च्छे इतेता कोकज्ञानि यावेदनत २२ थाना इ ১৮৫৪ অক্টের ১০ জাইনের ১ ধারাস্থলারে ছি-कोड द्यानिय मक्काबीय क्रमणा व्यास बहेरवन ।

रिके. क्यांत्र माहरूव २८ शत्रश्रामा (क. (र)-टिएका बार्ट्स व्यक्तियतः कोधूती लिवत क्षां वितिष्य क्षांवस्ता ।

राभावत्य विद्यान कांची निवृक्त कारवान गा-(११ १५२) बारभन । बाहेन बाह्यतीत द्वित किन्त कविश्वमद्देश सम्बन्ध नावेदनम्, अन् काश्वम-भूरतात्र माध्यातः समिति । अ माध्यात शत नेपान अ भारतात्र समान्य माध्या प्रस्ताति । नारी ए तन्नाहि शहनगृत देव के कालके कर क्रमयः, अश्व इक्ट्रियमः

Winds I. C. S. Lines

বাৰ করি ছাজা ক্ষান্ত পাঠে ভাইনিক কাল কর বিবাহ ইউনিবলৈ ছাজানিক ছাজানিক ছাজানিক বা করিবলৈ ছাজানিক কাল করিবলৈ হাল করিবলৈ কাল করিবলৈ কালা করিবলৈ কর

नामाविध देश्बाकी नवाहात गतिकार जा-পনাদের অভ্যাচার রুড়াত অবগত হবীয়া চা-কর গণ সধানধাতাকে স্বানিজে চেক্টিক হইকেন। বাহাড় অভি কুম্ব জিলুঃ আন্ত পরিক্রনেই আ मान मान जानिएक गाहिस्तन । जनहर ভাষারা এক সভা ক্ষিত্রা আলাকে জাকাইয়া चानित्तन वदर चार्मात्र मात्य-च्यक्तित्वात्र क-तिर्वय विवया ज्या वर्णाद्विष्ट जाविष्ट्रांचन, स्वादाटस गामि किष्टू गाँव पविष पर्देशांव मा, बहर छेड़िछ উত্তর প্রদান করিলান, বৃথন ইহাতেও আদি কাহাড় হাড়িকাৰ নাম তথন জীলারা আৰার বি-रत्र मोलिएके है मार्क्स्यक स्माहत कतिरामन । जिनि া মালিট্টে নাছেব) একাপা কাছারিতে আ-শনার আমলা ও কর্ম কন উন্মাল নোজারের गाकारण प्रजिद्धान " हा-करवन अवाद्यादी মইর। ইড়ভভঃ জন্ম করিভেছেন ছাকা প্রকা-भिर नवावनार्कारक स्ट्रांट्स वाक्ष अहेरल निष-न योता क्षति अहिरदम, अकश्चर कारोह शरक रानांदर रक्षा कंडरा, सात कानता कारात्म বোন নেয়েখার বলিডে খান বিওলাও লে যেন আমার কার্যাহিতে হা আইনে গ ডৎপ্রে ^फंक स्न्तिदक कॉनिस्कार ^म कॉका क्षाकारणह जवाह দাতাকে ভাক্তব্য আলিচক বিশু লা নে জড়ি जनशाम " हेर्नेत्र और प्राचात्र विद्याप छार-পৰ্বা এই বে আৰি কালাবিবে ও ভাক মনে বা-र्द ना गातिक ठा-कत ह्यून नाट्य क्लेस्ट्राजी-**उ व नक्त कावित्राम, स्वेदन खोहा सोनिस्क** পারিব না ও ডাডে পদার্শিত প্রকৃত করিছত পারি-र ना । नवानव ! प्रकार राज्यि अनुस केन्द्र भान कार पहेरण विकास अधिक प्रात्नीयक एक जिल्ह nidia rem finde fife man nur pen Birne,

मानि कर सक्ता क्षेत्रक हामानाम हामा विकास मिन्द्रक महत्त्वा केल्स क्ष्माना कर विकास मन्द्रक महत्त्वा केल्स क्ष्माना क्ष्माना क्ष्माना महिला द्रष्ट्रक महत्त्वा क्ष्माना क्ष्म

वन्नावक वहानव ! जांनी जांनात जांना अठ विकित्त कतिर्यंत्र मा त्य कांनि जांनात जांना अठ विकित्त ठ दहें देखहि ! ठा-करतता जांनात मार्ग्य जांनि म कतियांत त्य कत्र वर्णाहें देखहरू म क्यात्मा जांनि विकित्त महिः यदि विकां कथा निविद्या थांकि वश्च त्र वहें व । जांक्यात्मात विवत्त और त्य कांत्र त्यवहें जी-कत त्यत क्षित्र द्यात विवत्त म्याधांत्र मिक्सित्त निविद्यंत्र मां। कांत्रात्म त्य क्ष्यक्रम क्ष्मिक्स वाक्षि जारक्म, जांक्यात्म कांत्रात वर्ष करत्म। क्षात्म व्यवक्रम विवत्न निविद्य मान्नी हदेदन-त मां।

ः नदान्तः ! स्वित्तः अवश्वा तिवित्तः शास्त्रं वर स्वत्तः क्षेत्रः क्षित्रा क्षित्रः क्षित्रा क्षित्रः क्षित्रा क्षित्रः क्षित्रा क्षित्रः क्षित्रा क्षित्रः क्षित्रः क्षेत्रः क्षित्रः क्षित्रः क्षित्रः क्षेत्रः कष्ति क्षेत्रः कष्ति क्षेत्रः कष्ति क्षेत्रः कष्ति कष्ति

आनि नाम ७ आन ७८३ मण्डां श्री है। आनिवादि। छनिएएदि हो-स्वापन क्यांमस्ट्रेट्ड आनोटन श्रीतद्वा महेश नाहेश्व हुन्छ। स्विद्ध द्वर हुन्छ। स्विद्धन क्षित्र स्वाद्धन महा क्योंटन द्वर दिखेशी यहनक स्वार आह्न ।

वर्षम वाश्नादात्र निक्षे वाश्रात् आर्थना वर्षे त्य व्यागमात्रा रिष्ट त्यागमात्र व्यागमात्रा व्यागमात्र व्यागमात्य व्यागमात्र व्यागम

वाक्या। वाज्यात वाज्यात क्षाक्रिकात विकास वाज्यात क्षाप्ति वा वाज्यात क्षाप्तिक क्षाप्ति क्षाप्तिकात वाज्याति। वाज्यात क्षाप्ति क्षाप्ति क्षाप्तिकात विकास विकास क्षाप्ति क्षाप्ति क्षाप्तिकात विकास Transfer Company

वरहतीप्रशासक परमाधासकी करेंगा रेगील-निक्छ। मश्रीकारण प्राचन कर्मा केंग्रे जानकर-र्वत बणापन दीन ७ प्राणिन करेकी विदेशकी। त्रीवनिक्षक जाहारिक के विकास के देव-किम मांक के बहुद के जायाता के विश्व के विश्वदा हैं। निर्धाणिक क्षित्रा कृत्य निरम्भू कर्तित्र कृति-त्याह । वेषम व शकान प्रदेश केतिहास त्य. त्य कारना बारमक बुद्धि इक्तिय आरमानमा क व्यक्ति रगात्र जा रनाक करहे औह क्षांत्रीती क्षांहर करता. व्देश्य प्राप्त कार्यकृषि क्षिके क्षेत्रीके क्षेत्री ভাষাদের ভাষ সকল নীত ইইয়াবিয়াটো, ভাষাfrent fier a ferne fliefe alle etelet बरर गर्याक्ति जान दिखित्रका विभाग विभाग जानगाविद्यत में व विवाद स्कूल सिवा है नत्त्रामार्थेतनरे वाराता व्यक्तिमना बुर्वे क्षेत्रहाँ प्रवीन निर्कते आदि गोजात कांगी क्रिके हर्मन पाधिक शर्के, देवीर क्षकांत्र क्षेत्रहरीत कार्के क रतत्र कलना मृख्यि विमाधिक चहैराबाट अ<u>पन</u> म गता बदारम जाकार्य प्रकीर क्षेत्रक उ।कर्ष व बरवरमा महस्यकात मीवन ८ उद्दर्भ की शास्त्र जाता गरनाथ महिन् त्व करण्या गर्नाकाराव वर्षम स्थान स cen bereiter wim eine gint fint করিয়া বাকেন। এই ধনী নবাই ক্রাক্তিক্রার আচার ক্রবহারের সামিক্রারী ক্রাক্তির ইয়ের নকর এচলিত ক্রিকে প্রক্রারী ক্রিকের ইয়ের কর্ क्रमांच्यी माध्य ब्रांस क्रमा है। ब्रांस हा गरनारे गकार स्टेर । नीवर्तकृत में स्ट्रीक नगढ केंग्रा बहेश क्यां ख्यां खुला है सानि गाला। পরীর শ্বন্ধিবর করে অক্রপ ক্রাক্তর্য লৌভান क्यात्र पंजाति स्वानि स्वता मानूकत प्रत्या वेदक्कि चानका अस व्यवस्था । जन ८९ अवेदी मध्यान चारा मानवादक जीवाच्य जाकी केविकात सर्वा अद्ये बंदाक नशीक आग-নার নমিখানে এেরণ করিভেছি। সহাণর বঁৎস-दात्र अवन विषय वैशास्त्र जावित्यत्र विकी वैश्यन रहेशांत्रशांदर जनगरे अप हुरेश पारि-(पन । पछ ३३ वाटक व्यवेश विवृक्षे क्लेसहरा ज्ञानम नरायारे चीत्र मस्यक्तिरोटन भूकाश्राप्त अभिनारका अयोगाणंग মাৰ্শ্ভাত্ম সহাপত্তম ৰাজীতে ভাইলা বাস-अवि । अहि भवनाव प्र छेरमन छेगलामा अर्थान जास्टन बार्की वेस्ता जीवाद महाब कन्द्रीलाय त्मस शर्विवादार क्षानं प्रवेकन जाकार प प

क्षांत केगरिक स्वाधिक क्षा विकास अयोगासका । য়া বহিত সমিলিত হুইছা এখনে बरमाने करने जातन परने प्रचल स्थिति नोर्किक कराय रेक्ट क्याननक क्यानिक्याल क्या व्हेस পরন শিতার উপারবাস আত্মান বিবিট কdisce, rigrecter greetalle garge wit-CE अवाद पश्चिम क्षेट्र क्षेत्र अव अव शंका प्रदेश क्ष्राम्बिक्क्क्स्यार्थ्यः साक्षाविषदक माधाया अ-यांत्र अक्रिया व्यक्त शतियाया विविधिक श्री-प्रकृति क्षेत्रायम अपूर्ण में कृतिका बरवनीय प-विकासीकारी अवसीता स्थान सक वर्ष विका-भारत वर्ताम् दिक्षाको विकास करतम । जी-राष्ट्री केले करणेंग हुन। इसके बहरक बालना-क्रिकेट मुन्दर किया सारण शीवन करिएक वि-লেম কৈ সাধিতীয়ণ থালোখান করে, আগনা-विश्व में कि नेहर दक नश्माती वाकित करन कीय विदेश अपूर्ण काशांत्रप्रश्मित्रचे र-

विक्रमां । ं महानक । अभिकासिक त्यान का प्राप्त त्यापिन रेक्की अक्षानाह वृहासारम्य अधि बरात रक् क्षांनीक परेवादक्त। क्षीत्रका क्ष्मार नामुल नामन বাহাতে ভূমিছ বা বয় এবন অনেক আছান मार्वेडांब्रियान, जीवात शक्ति यात्र अब भवत्रि ধরিয়াহিলেন, বাভীতে শাব্দী আবিতে হেন भारिः वर्र क्यांता ७ बांत्रभारमता प्रकरमहे ক্ৰিক্সেন্সাৰাত দিবার জন্য সারি বৃদ্ধি হইছা विकास अक्षांत्रवान हिल्लन, किन्न " विक नवर क्रमुक्तम जन्मदिकारमानमः नगः " मरखान निष्के फ्रोबांट्यत नद्यमात क्रिकेट विकलीकुछ খ্ৰীক্ষ ৷ সংসামী ব্যক্তিয়া পদে পদে শিক্ষালাৰ্ড क्रिक्राह्म, वर्षाणि कि छीवारमञ्ज अक्यादल ক্ষু কা বে নভোর স্লোভের নম্বে পর্বত विष्युक्ष कृत्यह माहि फानिश यह । मिथाह क्षा अवस्थित निकटी क्या-्रित्रव जिस शंदुत्। रचनि निष्ट्रें कारक वाथा निराण न-ন ভথনি ভাষারা পরাস্ত চ-

THE PERSON WITH MICH. P. हका ने प्राप्त कारण बारण अवीता होता है बहितक अंक्षीक बहेता रमरांगम के विमें महिलान कि परि-अ हे भोरताय अवेद अवोद्य अवान्तप्रकारिक विश्वक है-লেয় গৰাৰ বিশ্বা জালৰ দ্ৰীকে পাঞ্জীতে জা-त्यादन क्यादिर्शन क्यानि वा वीवाय कि दरेन ? रहेल जा चात्र विक्रारण प्रतिय प्रथम उच्चामण प-হাণত চলিয়াবেলেন তথ্য ভাষারা পেরীপ্রাবে ক্ষারা পলাইলে হারোগারা থেরপ পরাক্ষ প্রকাশ করিয়া থাকে অথবা চোর প্রাকটিলে বে মুগ বৃদ্ধি বাজে)পরাক্তম একাল করিয়া স্থার-পাল্টিগতে ছতুৰ হিলেন কিনা তেশৰ বাবু ও তাঁহার স্ত্রীকে আর বাড়িতে আসিতে দিও না ৷ ব্রজানক মতালয়কে বাটা হইতে বহিষ্কৃত কর্ किञ्चन परेवारक रायन अवही अश्वतिकित राष्ट्रि হঠাৎ আৰার ৰাড়িতে আসিয়া আমাকে বলিস ধে ভূমি ভোষার বাজি হইতে হুর মও ঞ

হেখিতে অতি উদ্ভব অভএৰ আৰি এখানে বা-স করি। ভযুগু ভাল নীলকর বিপক প্রজাদিগের ন্যার ব্রথানন্দ বহাপরের অভ্যাচার হইতে নি-ছডি পাইবার জন্য যে উহার বাচীর লোকের। रमस्य वर्षेत्रारस्य देश। रमस्यापन अवधि सम केलीया बारणाच भद्रक, त्याप वृत्र देश: रक्षरपरणा श्रवाद्यस्यक केविरम केविरव लेश्य । एक रहा বলে এক আন্ধ বাহিত্যে এক বাকিলে আন্ধ ভাষা-रकं इमान क्षेत्र पन मा, नाइता अनित्य व्हारमेल थीला बाहिटक बाहिटबर्ग जान रामिटक जानिया आधान इंद्ररंगद्वे पूजि विक्रा क्रम शांन केंद्रिरंग, वृद्धित्वाक्ष्मञ्च भोजा केन केन कतित्वन । निक्ष देव वाकि विश्वविकार काम बरमम बना गर्स ভাগ করিতে বাইবে ছালামুই উপর বহ পীতৃন. क्षिकाका विकामित्रमें कि वेषेन कोडि कार्यः (र जाकित क्या जारां केवल हैरीकियाँक। यो-क्ष विषेत्र श्रम क्षेत्रविदेश क्षेत्रात स्विद्ध शावेलाम त्रम बाह्र विश्वाद का विश्व वर्ग क्लाइन व्यवदि । वयन अक्षानितः सर्वानि सुद्धिः वेचेव हैरत श्रीवृत्रारहम । अथरम रथम । क्रियाहिरलम वयम है विश्वेदक ही सहिमान वार्थ শন্ত ড্রাক্সর্যন্ত এবণ করিতে উৎস্থক । গী প্রাধানাচার্যা গুড়ে **স্থানাভার্যা** করিছারিলেন: ভৰ্ম কাঁহার। বাবাত বিরাধি আর তলিমিভ প্রার্থিভ করেন নাই উপ্রি হোট নামে ভট্টৰ দত্ত কৰিতে কৰক জন্তী- হিন্দুখৰ্ত নতে তিনি ভাক্তিভট এইট্নাইট্ৰাইট্ৰাই ৰে কৰ্মি ব। কৰাৰা সাণাধিত হ- তথন বৰম ভাষালা নকমেন্টেউল্লেখ লাখিছ জান- 📆 উইটাকৰ্মিকাতাৰ সীলা প্ৰতিনাল্যা প্ৰদান্ত क्ष्मेर्विक्रमण, गर्दे पर्यम किकि था - यम केशरदणमानि कप्रियादक्षम क्ष्मेण कि <mark>माहेर</mark> है বেশিকার স্বাচীতে সম্পান কাইতে। চারের জাতির কিছু বাকি আছে চমাকু ক্রমণ ক্রমণ ক্রমণে করে।

anter cha transfer for extra cut-अप अप रेखिश नहींक কুনু উপস্থিত হবিচাহিত্যা অনুষ্ঠিয়া কথাৰ গৈ-ল কর্ত্তাদিশের অভান্ত এই মুক্তাভান্তভান কেন্দ্রে त गरिक शहर चानीक देवेडाह्यक, इस्ट्रेंग किन करनदे अवनाशास्त्र अहम वदेशदिरका व्यवस प्रदेशका विष्ट्रदे प्रदेशका यात्र अरु व्यवस निर्वातम् प्रदेशः विष्ठात् वद् मणः वेत्रमादैः न्मक्ष मध्यकि काप्रकारमञ्जू मान्त्र विशेष वर्षाचे परे-বাংছ ভাষাতে আর কোম সংশয় নাই। আর ও कृषि मुख्य कथा अनिद्धिष्टि व ,श्रेक्ट्राव व्य कर्ष কস্তম না কেন ভাষাতে ভিনি স্থানি স্থটত বি-हाक स्टेरवम मा। धारात जी रक्षणन मा जाकि feme minig ereng wege weige Ginig किहाँ कर नारे। देश कि बक्ति जामारका शरक व्यक्तिम्बद्धाः भरतान्त्रदाः ? नवदाः सावि वाद श्र हैश करशक अकित्रम गरक समयोगित আয় কি আছে? হে আছুখণ কোননা আৰু ভয়াৰ্ড स्वेश मा, गर्मान क्याबादवर **बहुसून स्वे**टक्टर्स ভোমরা অভান্ত সম্ভাব খারণ করিব। চরিত্র"ও यबर्ड विश्वक क्यांच क्यांच्या क्यांच्या क्यांच्या कर निकार जामाहित्या महाम महित्य, निकार है ट्यामता द्याचधर्ष थामाद्र कुल्काक स्ट्रेटर 🖟 क्रमाहिर जगक्रगांचिव । ।

बनायावि । जीवृक्त शह बद्धनाथ व्याहरिक राष्ट्रीमञ् ১२७৯ रेरणाच् कवंदि काचिन नदीक · • इक्लंड्स (अब · 500014 ১२७৯ देश्याच भारति महिन्त भेरीहरू माधिएंड उपमान श्र >२ ७७ टेरणाय जपनि चार्चित गर्दास ,, স্থানীৰাণ হয় 明明时间 ५२०५ देश्नाय जर्शि जासिन गर्नाच n ুসন্মানার হল বর্তী ১২৬৮ চৈত্ৰ হটুছে ৬১ ডাত্ৰ পৰ্যাৰ " नव्हा जो होत **। श्रीका स्ट्रिय ७३ व्यापत निर्मेश** の の何事事 を知る! **১१७৯ देवलायं क्यांव देवन गर्कक** 4 44 61 " श्रेकेट्स द्वार ১২৬৯ কাৰ্ডিক পঞ্জীয় रहरदेश रमञ्जाल कारियम मार्ट्स कुक्तमाह **३२०७ रेशनाथ जननि रेइट लर्गा**स ा पारकावाय स्टा ৰ লিখানি <u> ३२७३ देवनाथ प्रवेटक स्माधित गर्वाक</u>

cultural courses you stifushed also fine लेकिनामांचे विकास्थितक संविध्य स्थिति हमायका

720

প্রবর্তাং প্রকৃতিহিতার পার্থিবঃ সর্বতী শ্রুতিমহতীন ইায়ভাং।

B 4141 २७ मर्पाः

मन ১२७२। ७० देवणाय । हेर ५৮७२। ५२ त्य

বালিক ভূজা ১ টাকা 🥤 गाविंक पाजिय ५० है।का

विद्याপन ।

সমাচার পর সম্পাদক্ষিণেব প্ৰতিৰ্জ্গা।

গ্ৰাচারগঞ্জগম্পানকলিগের প্রতি ভাগা हिरात वस्तवा अहे, छाबादा स्मामध्यमा-(अह विभिन्नात कानावितार द त्रकल मः শ্র প্রদান করিয়া থাকেন, ভারা সংখ্ত काल्यका बाबणात्मत निकटि गाठीहेवा मि বেন ৷ স্বাচার পত্র ভিন্ন অন্য কোন পত্র लिथियाद्व दृति कर्रयास्त्रम रह, ति नकते शब সংশ্ব ভবতের প্রেরণ করিবেন।

विकाशन ।

क्षेत्र मानीक्षणा निष्य महामन कर्ट् ज्ञातिष वराकात्रजांत्र डेक्स्वानशर्क श्रावा চইরা বিতরিত হইতেছে, আহদগণ জানিয়। अवन कक्रम । প্রীরাখানাথ বিলারত্ব পুরাণসংগ্রহ্ম কলিকাভা বোড়াসাঁকো। প্রধান বিভরিছা। मकाका ५१५७। २३ देवना भ

সোমপ্রকাশ্। **७०७ टेरणांथ**्शावसीत्। পত্র ভাৈরকের প্রতি।

গড় সম্ভাছে অনুন্দ ২০ ধান প্রেরিড भज बाजामिरशत इंस शक व्हेत्राटकः। हेरा-त्र कडक्शनि कोब्द्रिय, कडक्शनि जनात ७ कड्कालिः बाहुन कात्राक्रमागरवाशी नव् दिनिहास्त्रका अनि अक्षिक रहेन ना ।

🗸 बील अध्यक्ष आदाल भग्नदक्ष भग्नई मिट-छेत्र अय (शन मा।

এক জন নদীয়া হইতে ৩০এ এপ্রে শের ইভিয়ান নিররে লিবিরাছেন "কেবল একটি কুঠির প্রায় হাজার প্রজা ডেপুট गटलक्षेद्रत्र निक्टि चाट्यम कतित्रा कामारेबाट्ड रा जाराता धुरे पिटनत घटशा জাছাদিদের জমা ত্যাগ করিবে।,; নীলক রেরা বে অভ্যাচার করিভেছে, ইহাভেও कि चीत्र छविष्टव गटम इ थाटक : त्लाहक विटिश्वकः वाकामा क्रायत्र । त्वारक व्यक्त ছু থে কি পৈতৃক ৰাস স্থান ও জমা ত্যাগ क्तिएंड कात : बीलकत्रिक्त रेक्श्रे यनि बनवर्षी स्टेल, भवर्गरमान्ये अरश्रामम कि ? প্ৰণ্মেন্ট কি এৰূপ বিশাস করিছেইছন स्य अरे नक्त केला कृत्नादकत कृतवाबदर्भ नीमक्त्रमिरशत जन धावर्णवार्थ धर्वप ব্যাবেদন করিয়াছে। তাহারা যথন বাস্ত বিৰু জন্ম ভাগে করিবে তথনই প্রব্দেট্টের रेहरूना रूरेरव। नीलकरत्रत्रा व्यवलीका অইন জনখন ৰূপে করবৃদ্ধি করিভেছেন ; य इरल धक्छ। कर हिल, त इरल हान्नि পাঁচ গুণ কর খায়া করা ছইরাছে। কর হৃদ্ধি করিবার আরু ৮০,০০০ বিজ্ঞাপন त्यका व्हेशारण । ... स्वानी व्यादशक्षितमा शवर्गामा के विकास के रहेन्ना नगर्कोकार्चः निर्वेदकार्कन, नीक्षकरत्रका त्व कत्र वृक्ति कतिहरूरेत्वा आहे। अत्यात भटर्। समाता वे सामाक मंत्रियक्टर BERTHE WANTE WAS METWOOD AT 1 WIT.

🕖 হাদিগের পো, মহিব, খৃহারি বিজীত করি त्रा अन्यात्र कते ज्यानात्र कता स्ट्रेट्काइ । नीन क्षथान क्षरमण्यामर् म्हत्सरे संस् কার রব উঠিয়াছে। আরু সুই বংসর কাল ক্ষমাগত বোকক্ষা করিয়া করিয়া हररकता व्यनम ७ मिडाई निम्ह व्हरेत्री **প**िवादस् । जूबिहात्र स्टेटन स्त्रेश्, श्रीहारि গের ক্ষোভ কিকিৎ দুর হুইভ 🎋 ক্রিড্র ভা शाविद्यात काटना त्मणि पश्चिम महे । काश पिरंगत हरे कुलरे त्यनः वका के विरंगः কমিসমর জাল্পন স্থান্ত্র गरपा बाक्यनात श्वासिकारते प्राची वि

शारहत ; किस चतुरायम स्विता तिर्वित निःगरणम् अभीसमामः एतेरम् लाहिनाः ने चाका निक्त्ना जान वहीत अर्थाः रश्च जारमा सुनिया एउमा क्षेत्र । मारात নক্ষাৰ নিৰিমিয়ান ও পচিত্ৰিক ছেপুট কালেক্টয় আকৃতিকে কালেক, কাঁচার অবশাস্ত্র খীকার করিবের উচ্চ পঞ্জমনি দিনের আজা অরোধ; জাহারা একবং त्व चाका त्मन, जाशत चीत्र भतिवर्ध व दब्ध वा । कलकः क्रांक्यन, मोरहरदब्र क खान केमिनिका मान विक्रुःहा हरेत अर्थे माज।

व्यवना वामना मर्बन्द्रमञ्ज्य हुन वा द्वित कहा का शास्त्रम अवन क्षे नारे भवर्ग्स्टर केत्र अपि बूंका पूरत बाकुक, केंग ह ष्यावाद्य जीलक्यमित्सव महाप्रकार जन अक बारमंत्र व्यक्तांटर शहीय प्रश्न य

ক্তীয় লোকের দণ্ড বিধানের বিদ্যু বিধি ৰের বন্ধ করিতে উনাড ছই গছেন। আলানি त्रवर्गरम[ः] भक्त विव**रत्रहे पहि**ष्ठी ক্রেকটি যুদ্ধ ঝির সভা ভালিরা ्रीका व हरेल वात्रम तिएकमिन छ ্তিনিতাক অনুচিত; প্ৰণ্যেণ্ট ডাঁ হাঁদিনের ছারা শাঙ্কি অল হইবার ভয় ক अब ; किंड किरे मांकि तका करा कि भव র্ণমে**ণ্টের ক্রিউব্য**ানছে > ভাছার: সতর্ক र्हेर्ट्य एव दुक्ट चनात्राहेत्र कतिए সা **পারেন** ।, এ**ে শের কর্তৃপক্ষ এই নীভি**টি विष्णुक स्वेतारस्य। व 🥱 विरमस्यत व्यवस् मन्त्रांनाम विरमरवत्र व्यक्तीके नाधन केरकम করিয়া কোন বিধি বিধান অভিশর গহিত। একের অপরাধে খনোর দশু বিধান কি শান্তি রক্ষার সমুপার ২ এডডিম কি শান্তি রক্ষার উৎকৃষ্ট উপায় নাই > নীলকরদি . अ**द्र चर्छााठांद्र वि**राजन **एरेटन** कि महरक খা**তি রক্ষা হয় না** ? **ভাষাদিগের রাজ** शुक्रावक्ष। कि बीलक्क्रिक्टिंग्र नाम मदन হত্তব্ব একারা চিরকাল ভাঁচালিপের স্বে ক্রান্ত্রীয়া ও "ত্রীরুদ্ধিকারীদিগের,, অভ্যা 🕴 বিতে চান চার সন্থ করিবৈ ৷ যে সম্প্রদায়ের প্রতি विधिन्ना वटलम अवर्गरमण्डे मस्त्रमिरभन्न रव ভৰ স্থান্ধি করাতে চা কর্মাণগের কথ্ট হই তেত্ত্ব * লে সভাদার এ দেশের কেমন हिटेड्डि अवर्षटमणे दुविशांच दुविद्यत ना न्याधिक कथे। कि, आम'निरशंत तांकशू ।

सारवद्री कीनकत्रविष्यंत्र मात्राकाटल वक र देशभूकि विज्ञापित रेवकला मण्यापटन क्षेत्रक्षेत्रहरूम । चीह.वो ১৮৫२ परस्त्र **্পাই করি**রা লিখিবাছেন

विवासकाम मन्नोपर गठ पूर्वारवत ल-क्षेत्रकारसम्बद्धाः स्वादः अन्तर्भावनः ८१के दर्गात होति, विष्हारक व्यक्तित्व हो-द . बहा क्षा के विकास सम्बद्धाः शहिरक हिम मा। अहे नकन वाः श्रमहित्रारम् नका अ क्षात्र प्रदर्शत क्षेत्र के अभिनेत्र मिट्ड श्रीकर्य 4 7 71

(च भाक्रित्यम मा ७३१ (च व्हाल क्ष्यकि कि कानित्यम बण्डाल मी एला प्रवाहक । भारत क्षा कि कि कि नाम अधिक स्ट्रेटर में नी नकरवत। यनि नामा कर्त नरेशा नक्क **छथात्र क**त्र दृक्ति कता श्रेटव मा। अरे भा देत कि जनाश्चिम (मध्या इट्टा) बीलक द्विता बी नवश्व क्वाहेवात छटकरण सम्बद्ध করধার্য্য করিছে:ছেন, ইহা কি এখনঙ জানিভে বাকী আহে > আব বাবের ভ কথাই নাট। গ্ৰণ্মেণ্ট কি ইছার নিৰারণ করিবে ৰ না। গত শহাকীতে ভাতান্বের: রুশিয়া রা ভ্যত্যাগ করিরা চীন দেলে গমন করে; তদ্মি বন্ধন আন্ত্ৰাকাণের শাসনকর্তা থাবজ্জীবন কারাবস্ত্র ও চিরকালের জন্য স্থাভাজন ছই নিছেন। বছাদেশীর প্রজার। কি ভা 🎆 কে পরাজয় করে। পরে ভাছারা করা ভারদিগের অবলাধিত উপায় মাহুণ করিতেই ক্রিগর অধিকার করিয়াছে। আমীর ভধ্ন উদ্যত হয় নাই - এক্ষণে ভাহারা নীলকর দিগের জমীদারি তাাগ করিয়া অন্যত্র বা ইতেছে। কিন্তু গ্রব্মেণ্টের খাসন প্রণা ীদোবে যদি তাহারা সেধানেও তিতিয়া থাকিতে না পারে, শেবে কি ভারতব্যায় গবর্ণমেক্টের অধিকার পরিক্যাগে উল্ব इरेटन मा > अवर्गटमणे कि ल्लंटन अरेडी एन

"আমরা বারহার কহিতেছি গ্রণ্চেন্ট নীলকরদিদের অসমত কর এছণ এরাস রহিত করুল এবং প্রভোকের ভূমির সী मा वक्क कड़िया वंशार्थ कड़शार्थ। कंक्र-२ । दि শেব কমিসনরেরা প্রভাক পদ্মীক্রানে গিয়। ভূমি জরিপ করিয়া কর নির্বারিক করিয়া আসুন। কর লইবার জন্য বৎস स्ति करवक पिन चित्र कता क्षेक । नील करत्रता कत्रमा सरेटम निक्रिवेखि काटलकहे ব ওডেপুটি কালেক্টুরের নিকটে ভারারা টাকা জম: করিয়া দিবে। এবং আব বাৰ প্ৰভৃতি এককালে হি**ংশেষ কৰিছে হই**ৰে। अरे छेशात्र अवनवन वा क्रांत्रान क्रिप्टूटिंर নীলকর ও এজাদিদের পরস্পারের বিজ্ঞাধ भक्ति स्टेरव ना। याहाजा चन्नाभिक्ष का ्रिक्न, भूगर्वीत मील कविएव काहाता विषय

কেছ পরগণার হারের অবিরিক্ত কর লই । জাম পত্তিত হইগাছেন। ভাঁছারা নিশ্চর না হন, ভাঁহারা এই সিছান্ত করিয়া রাধুন কিছু নিন পরে তাঁহাদিগকে আপন আপন জমীদারী পতিভভূসিশর **দেখিতে হইবে**।

कार्रलह मुख

আমরা পূর্বে পাঠকবর্গের গোচর ক রিয়াছি, পাবসীকসেনারা ভানীর দোন্ত মহন্মদের রাচ্চা আক্রমণ করিরছে। তা হারা কোরাসান হইতে করা পর্যান্ত আসি ্যা তথাৰ আমীরের পুত্র মহম্মদ আক্ষুল क्षिल्लावाद हिल्ला । जिलि उरकारम কয়েক জন অভিরম্ভি অবাধ্য সর্ভার ও জানগীরদারের সম্পত্তি বাজেআগু করি বার কায়। লইয়া ব্যস্ত সমস্ত ছিলেন। ঐ অশভ সহাদ তাহার কর্ণগোচর হইলে তিনি উক্ত সরসারদিক্ষের অনেকের জায় গীর প্রভাপণ করিলেন এবং ভাঁছাদিগকে শক্রুর সহিত যুক্ত করিতে আছে। সিলেন। এদিকে হিরাটের রাজা সুলতান জান পার্নীক সেনাবিলের সহায়তা করিতে ছেন, তাহারা **রাজনাঃ আগ্রসর হইডেছে**। ब्लांख महन्त्रत्वत्र क्टबक क्रम महनावृत्र ৰিপক্ষ পক্ষে পক্ষপাতী হইয়:ছেন।ভঃ হার সমুদায় সেমাণতিও তাঁহার প্রতি সম ধিক পানুর ক্র নহেন। উক্ত আমীর হিরা টের রাজার উপরে অধিকতর জাতমন্য হ**ইরাছেন। জিনি স্পর্কাকরেই কহি**রা द्म " शत्रद्भवदात केकात विव व्यापि की विष वाकि, काश क्रेटन हिताउँ कृतिगाद. कतिय। ए जिमि देश चरभका । अहावश বিপদ হইতে উত্তীৰ্ণ হইয়াছেন সভা; তাঁ श्रंत दुवित्र जिल्हा, त्रनशक्तिः। ७ नगत क्वांकृदर्व । व विवदत्र क्वरं माम्य कात्रव मा । কিছ ভিনি এক্তৰ অভিশার রুভ হত্যা

एवं । जैहान-विश्ववहः श्रुवः अध्यवकः विह (याब्टिक जाक्यादिवज्ञा त्यक् :के:ज्युकार्यः বলতঃ 'হোৱা আক্রর , রঞ্জিত) এবিং ত্যার করিশ্বাহেন। পার্যনীক ক্রেন্ডাঙ যুক্ বিগদে আকুৎপদ নতে, অকতাৰ সোভ মহন্দ্ৰৰ শীল্প ৰে ভাহাৰিগকে দুরীভুত ক ब्रिह्म के हैं एक भारतम अक्ष स्वाप दर्म मा।

चामाणिएश्रम् श्वर्गत्मके क नगरत कि क्रिद्वन ? अधन, धरे खार दे मीमारणा करा व्यावभाक स्ट्रेफ्ट्स । ट्रेश्नश्रीश भवर्गमण 's प्रका भवर्गमणे खेडरम्बरे अहे मश्काः त चारक, अन्नाक्ष्यर्थत अधि झानिव नम्। টের বিলক্ষণ সভুষ্ণ দৃষ্টি আছে। ভিনি সুযোগ পাইলে কোন ক্রমেই আছা পরি তাল করিছেন না। পারসাধিপতি উক্ত সমুক্তি গোলবোগ থাকুক না কৈন, এদেশীয়ের। টর অনুগত ; ভাঁছার সহায়তার সন্যুটের **फायडवर्ट्स जाशमन जमसाविक मटह। छा** ब्रह्मदर्भ जानिएक इन्ट्रेस दिवाने इदेश जा नित्क स्केटन । असे निमित्त हैस। खंब्रकर र्व व ' बात , विलया बिटर्फ निक हरेता था কে। এই নিমিশ্বই লার্ড আকলাশু ১৮৩৯ ष्याक्यां कहारम त्यां अप्रत्न करिया **७०,००० रेममा '९ हेंश्यांक कान्तिय (गीवय** বিনাশ করিরা**হিলেন। এখন পর্যান্তও** আ मानिश्रदक धरे चित्रवाकातिकाविकृतिक युट स्व >१ त्काणि छै।का भारशङ्ख श्रूष बङ्ग कतिएक स्टेंटक्टर । अल्डिक व्याप्य यथम ना বদ্য দেখারা হিরটি অধিকার করে, সর জেমস্ আউটরাম পারস্য কেল আক্রমণ কবিতে যান। হিব্রাট পারসারাজ্যের হস্ত शष्ठ न। इयु, छ। ब्रष्टदबीं ब्र अवर्गस्मर केंद्र अहे केर्नाहरू (हस्ते।। छाँश्राहा (मः अ महत्त्रम বাঁকে ভারতবর্দের কলক স্বৰূপ জ্ঞান ক রেন। এ সময়ে কি ঠা, হার। ঐ রুদ্ধ আমী ब्राक् भक इस्ड बिस्कान क्षित्रा विनिष्ठ थाक्टिवन >

क्रिनियम्बार्डित खात्र्जबर्द कलना चारक व कथा क्यां सं मरह, विद्य वकारन ক্ষণিয়ায় বেশ্বপ গোলেয়োগ উপস্থিত :

माजितिसन नवासमा स्टेनाटक, काश्राटक च्यकः नम्।के त्राध्यम् स्वरः चार्यकराः इ हित्स वृद्धिनाच अधिएका द्यान वानारे একণ বোৰ ভ্রমেন্ড না। আর বভিও ভিনি, আর্ভবর্ধ আক্রমণ করিবার ইচ্ছা ক त्रन, चाहार भूर्ग इरेबार मखावता चम्मा **छाति नामं क्रमित रेन**ना भवकिनाहरत मा লইয়া ভারতবর্ধে প্রবেশ সুসাধ্য নর। না দীরসাহ প্রভৃতি সহজেভারতক্র জন্ম করি য়াহিলেন বটে, কিন্তু সে কাল অতীত হই য়হছে। ক্লশিয় সমুটি যদিও ছুরাশাগ্রন্ত হুই য়া ভারতৰ থেঁ আগগন করেন, অনতিবিদ্যার তাঁহাকে পলায়ন করিতে হইবে। ভারত वर्धिनीन थ रेनकम होता चिक य किह कर्गाणि व्यथवा साणिप्रविरशत व्यथीनचा वी कारत केंब्र्य नरहम । यमि नूथे ও चांधी नका व्यामानिरभन्न व्यमुदक्षे थाटक, हेश्लटश्र ध्यमुद्धाद्दर इरेटव । यथन मिरानंत्र त्लाक म्बाधन । धन्यर्थन मन्दलहे विक्रम, छ चंब क्रमिश्रमिटशत अरम् म चानिया हुछ कार्या रहेकात अखावना कि । मान्य महत्त्वन পুরাতন বঞ্চু, ভাঁহাকে সাহায়্য দান করু अर्किक बटके, किन्कु स्थम आयामिश्ररक श्रम ৰ্বাৰ ১৭ কোটি টাকা ঋণএন্ড হইতে না रहा। **जामहा अध**न शुक्रनगिरशङ्क जवि ক্ষাকারিভাদোবে পুনরায় যেন বিপদাপল্ল म्हे । व्यामाणिएशत शवर्गमणे भातनग्रि পতির সহিত যুকে লিও হন, ইহা কোন क्राप्तरे जामापिरगत जिल्ला नरह। আমরা স্পন্ধীফারে ইহার প্রতিবাদ করি ভেছি। সম্প্রতি ভারতবর্ধ জন্তব্ধ অর্থ क्रम् इरेट डेडीर्ग इरेशार्थ, धर्मन्ड म ম্পূৰ্ণৰূপে ইনক্ষটাজ ৰূপ রাজ্ঞাস হইছে মুণ্ডিলাভ করিতে প্রায় নাই; এ সময়ে र वाकि भवर्गमध्य क्या चानिवाव সৈন্য প্রেরণে উৎসাহিত করিবেন, ভিনি ভারভ্রতের শত্রু বলিয়া পরিগণিত ছই (वस महस्य नाहे।

উৎস্থ ও **উৎস্থানিয়ে ব্যক্তি**গণ।

" একৰে আৰু আন্ট্ৰেৰ নাই, সে কাচ नियारम् , त्रापटनात्र व्यापना व्यापना করিয়া থাকেন। কল্ডা **আমানিটোর** সম ब्बन अक्षे दिल्य कार्यका चित्रारेक, देव र्वनारमस्य पूर्व इत ना । चना चर्ना स्वरं নৰাজন্ত নৃত্য, গীত, যাল্য প্ৰভৃতি ভালীৰ নেন, বৃদ্ধেয়া এ সকলের বিশ্বট ভূইতে ট मात्र खर्ग कतिहा थाटकत, किंदु रेक्टकेटन इरकतारे गाटा, भैं।हानी अकृष्टिक भागर ध्यर क्षचिका क्राटक्या क्षाक्राट विद्या হইঃ৷ পুত্তক পাঠ, সভার ভর্ক বিভর্ক ও স वाब भवाबि भार र ममधिक बाबू व कृष्टे इस युवरकता छेलिचिक वाळावित व्यारमारम स হওয়া লবুচেভার কর্ম বিবেচনা করেন ৷

যাঁহারা উলিধিত আমে দেরবিবেই वाथ एश, छीहाता अरे रूपा सहिर्द আজি কালি চাঁছা, সতা, রাজনীক্তি সংয ন্ত তৰ্ক বিভৰ্ক ও কৰ্মন বিজ্ঞানাকি শিক্ষা কাল উপস্থিত, এ সময়ে কি কোন জ্বিক আমে:ম করা উচিত > আমানিবের, মা ভূমির কি একপ অবহা ছইরাছে হয[়] मता करकरणत श्रिकाशम नित्र होश्रेक्षि क्वन निज जूटबंद अणि मुर्जिनांच केरि উল্লিবিড কৰন্য আৰোদ প্ৰমোদ আন **इहेद**ः **शक्षांबुद्धः উৎসব্**ঞিয় राहि विनारक भारतमा भागता यनि वात्रहेश পূজা করি, বাই দাচ দেখি, অবনা য श्वित. काहा इंदेरन नवा मन्द्रानाटः व मा मटकद्रा अनुस्र भ्देता स्टेंटर्जन ; स्रान सार (शत्म निका एहा, आंकि नारकरवत्र पात हिट्ड ना विशा योळात भारत विका बाग्न इप्त । फरव कि ष्यांत्रज्ञा क्वरल (পচ मान भड़ीत हरेश विनश चाक्ति : भा গুণ (আমরা ইছার অনাতর কোন বারে অনুযোগন করিতেছি মা। আমোদ নি <mark>জাৰশ্যক, ইহা প্রস্কৃতির নিয়ম। অ'মা</mark>টি র শরীর বেশ্বপ নিজার পর মৃত্যু বল এ इन आत्मारमञ्जू भरक राज्यां यामामिर यन मुद्द के अहि जिद्द रहा। काम् वाकि न মার দিন কের 🖯 গিরি, বিক্ষান্তর, কিছা ওকালতী করিতে সমর্থ হবার ক্রিছা-সকল थकांत्र चाटमान -श्राटमान नमून् नम्रद्र ७ नकन चवरात्र श्रीकिकत एत मा । हृद्यता ৰে যাত্ৰা পাঁচালী প্ৰভৃতিতে আৰক্ষ সুখ শনুতৰ করেন, নব্য ক্রন্থাখারের ভাষা ভাল क्षित्रं ना रून, अकृत्य ख्रियम वित्विष्ठि PROPERTY !

পূৰ্বকালে বে যে বিষয়ে হিন্দু জাতির শীর্ত্তি লাভ হইয়াছিল, এই জাতির রাজত্ব ও স্বাধী**নত৷ লোপের সলে** সলে সে সমুদার বিবরের**ই আ**র **এ**এংশ চইল যার। অভি নৰ্মাৰি বিষয়ে হিন্দু জাতি যে উৎকৰ্থ লাভ করেন, ক্রমে ভাছার বহু বিপর্যাস হয়, ভৰিম্পিনী ক্লচিও ক্রমণঃ বিপর্যান্ত হইয়া **ेट** इ. चामन्ना अक्टन एव वाळाणि पर्यम कति, छोशे मिरे ऋहि विभग्रांत्रद्वाद्दत्र क्षा अपन त्य त्र प्रकृषि मारे, अपन त्य শনুৰপ ভূষিকা, বিশুদ্ধ নাট্যোক্তি ও বিশু 🖷 সংগীতাদির বীতিও নাই। এখন সমূ দারই বিকার প্রাপ্ত হইয়াছে। আলভারি *(क्ट्रा पश्चीतःकाशा*णायस्य नाष्ट्रस्य अकवि क्षेत्रांत क्षेत्र विश्वा भवता क्षित्राह्म. क्षि के मार्वी अक्षनकात याजा भन्न अकति অধান গুণ বলিয়া ব্যাব্যাত হইয়া থাকে। 👌 মথৈ বে কভগলৈ লোক হইয়া পিয়াছে নী। স্মঞ্চলবাজিও কখন খলোদা र्वेष्ट अर्थमञ्ज व्यामता याशमिनाटक तृष्ट्र अहे । माटक, श्रीत्रवर्न वालकल क्थन क्रक श्य, मक्ष बाब्रा निर्दर्भन कतिशा थाकि, छ। इति । এव । कांकि अपून नामवर्ग वानक् ও ताथात्र भारत विश्वकारम लाक वे मकल प्रश्लील বাত্রাহির একান্ত ভ জ । ঐ মহাপুরুদের। কে বাপ । যাত্রার চাকাই পাড়ি পরা বর্শে দাও বল বে আমাদিগের দেশের নাটক নাট কখন কখন দেখিতে পাওয়া যায়। শোক, का अकृष्टित्र अखिनमानिएक हीन नना शः শ্বরাইয়াছেন একপ নচে. হ'হারদিগের क्षेट्र , ब्याबाबिरशंत्र मिन गंना श्रकारत 🚶 बुक्को ७ बुक्का अन्त वरे वरेतारह। डोहानि । जात ना। गाशात्रत विराय निष्य ৰেছ বেৰণ ওপ, ভাহাতে এৰণ ঘটনা ছুওট্না অসন্তাবিত মহে। তাঁহারা না জা । এমত সময়ে বরেক জন ইংরাজের বেশ एसम् महस्यू छ, मा जाटनम वाल्या. मा काटन । भतिया व्याधितः जेशहित इकेल । शैकाली, पूना चाहे व्यादा । अकृष्टित्यास कलिकाठा

व देश्ताकी । व शामितात अवन अन, का शाम भाकपाद अव्यक्ति क क्यार नारे । হাহিপের অসাধ্য কি আর্থু: ব্যার্ড মেকলি এচেপের যাবতীয় লোককৈ যে প্রবিক্ষক বলিয়া পালি দিয়াছেন এবং নর মডাণ্ট **७८** दन म या **च**ंकि ७ भोनि निरंक्रहरू, स्म কেবল ঐ মহাপ্রভুদিপের শুণে। চুলকাটা কোঁপছাটা আমলা দলই উহাদিনের প্রধা न । शक्कास्तरतः, नदा मस्त्रमारम् नामाविध ইংরাজী এছ পাঠ করিয়া স্লচিপরিবর্ত হই बारक, जुलतार চलिक जरमाव बाजामिरक की হাদিপের জীতি কৰে নাঃ এক একটা ক রিয়া ধরিয়া দেখ, উহাতে প্রীতি জন্মিবার महाबमाए बारे।

প্ৰথম, ওন্তাদিকৰিতা। সখীসহাদ, বি রহ প্রভৃতি কভকগুলি গান অপ্রশংসনীয় নৰ, কিন্তু বাদ্যেৰ ও ছব্লের যেত্রপ মিউভা, ভাহাতে ঐ কবিতা যত দীক্স বিলুপ্ত হয়, **७७३ म**'स्तारमत विवश । **छुटल** ७ काउता বাদ্যকর, গায়কেরাও প্রায় ফাডিতে এবুপ **শে**ছারাদগের ছঃ**জব চীৎকারধনি ও খে**উ एएए ये कविषात्र छेश्कर्स व नविरन्य श क्रिष्ठ म भिन्नाटक् । विक्रीय, योजः । हेरुः बन्नर क्षुक छाम । किन्त रेश थातीन कारमञ অভিনয়ের বিষ্ণুত আদর্শ। অভিনের ভিন্ন িভিন্ন ব্যক্তির কপ, বেশ, বাক্য ও ব্যবহা রের প্রতি কিছুমাত্র দৃটিপাত করা হর क्र ४ तुन करत्र। পतिक्रामत्र विवास धर् ্রাষ, সংখ্যাধ প্রকাশ করিবার সময়ে क्षत्र कि क्षक्षंत्र जनकरी कतिए इत् ভাচা যাত্ৰৰ নেটু নটা প্ৰভৃতি কেম্ট ज्यास्थित । रश उ अस्तान हिंदिक स्ट्रेरकटस

रेशंत किरहे धवानि সহত্র গুণে এশংসদীর। অধিক কি, মদ, ওলি, ও দাঁজার্ম পরিপদ না হইলে গাঁচালী ও হাপ আৰ্ডাই দক্তে ार्यभाषिकात एत मा । या किम चार्लीक्ष् গের জীলোকেরা সংগীত বিখ্যা লা শিল্পী বেন, তত দিন বাই ও পেন্টার প্রায়ুর্ভার... पूत्र व्हेर्स्टनः। नामाना बाब्राचना महेता 🦠 আমোদ করা কি সভ্যভার বিপরীত কাষ্টা नरह ?

' যাত্ৰা, পাঁচালী. বাই ও ধেৰটা প্ৰভৃতি একে একে সকলই খাঙিত হইল, ভবে কি আসানিপার দেশের লোকেরা এককালে क्षित्राटन अध्योदन विक्षेष शक्टियन - देश्व बेंब्रात्र जामानिरभत्र बरूबा এই, जामानि গের পূর্বতন অভিনয়াদি পুনস্কৌবিভ र्षेक् । त्रपारती, भक्कता अकृष्टित पवि নয় ঘৰ্ণন করিয়া আমরা ভাবিয়াছিলাম এই সভা আমোদ ক্রমণঃ পুনরুক্ষীবিভ इहेरव, कि**क् भारकरशत्र विवन्न अहे, भा**त्र উহার প্রসন্ধ নাই। श्रीशूक বাৰু রাধামাধৰ হালদার প্রভৃতি করেক ব্যক্তি সাধারণ तक्षकृषि कतियात अशाम शाहेबाहित्मन, কিন্তু উৎসাহ বিরুচ্ছে ভাষা পরিষ্ঠাক रुरेशारकः। भूनदात्र कांशांकि भन अ विवरत চেন্টাবান্ হওয়া উচিত। স্বভাবের অনু করণ দর্শন ব্যতিরেকে ফুডবিদাবাড়ি দিপের নয়ন ও মনের প্রীতি কলিবার সন্তাৰনা নাই।

মূতন গ্ৰেছ ।

সম্প্ৰতি ছুইখানি সূত্ৰ প্ৰস্থ আনাদি গের হতে ভাসিয়াছে। সীভাহরণ ও প্রক্র তিথেম। ঢাকা বাদালবাজার ব্রাঞ্চ ভূ লের বিতীর শিক্ষক জীবুক্ত বাবু যোক্ন চাঁদ বসাক সীতাহরণ প্রচার করিয়া ঢাক। वाणनायस्य युक्तिक कन्नित्रारहम । देशक

रिक् विशालदात जनांका जिल्हा केंद्र वाबू बाहरु।नाथ हास व्यनीक । ज अक्वानि श्रावतः। हेरा शांठ कतिता आवाणिटशत এই সংখ্যার অভিয়াহে প্রস্কারের বিসক্ত कविष मिक्ति भारह । भागानिरगत्र धन মিত্র এই প্রছের বিষয়ে যে অভিপ্রার প্র কাল ক্রিয়াছেন, ভাষা এইস্থানে গৃহীত स्रेश ।

সংপ্ৰতি জীবারকানাৰ রায় প্রাকৃতিথেম াসক এফ ধানি স্থাতন কাৰ্য প্ৰাণয়ন কয়িয়া ছেন। রায় ঘলাশয় অতি সুকবি ও লক্ষতি ষ্ঠ প্রাপরসামুতে ভিনি নিম কবিশ্ব শক্তিব স্বিশেষ পরিচয় প্রদান করিয়াছেন। এই স্থৃত এড়েও উাহার ঐ শক্তির সম্বিক প্রমাণ পাপ্রা হাউডেছে। আমরা দিন দিন বছবিষ মূত্ৰ গ্ৰন্থ দেখিয়া থাকি, কিন্তু তৎসমুদাং গ্ৰাল ৰাত্ৰ। প্ৰ**চ্ছিণ্ডেৰ অনুবাদ ন**ছে। এই কাষা খানি কেবল রচনাত্তেই ছুড়ন এমও নৰে, ইহা বে শৃথবাজে প্ৰণীত হইৱাছে তা হাও সূতন। **অ**ংশা**ডভঃ শব্দ ও বিজ্ঞা**ন লা ব্রাদির অনুদীলন প্রাত্ত্রাণে, সভাতাং ন্মাগ্ৰে ও ভিন্নভান্ধ লোকের সহিত সচবাসে অক্সজেশীর্মিসের ভাব, মডি, ও ক্চির বহু বিপর্যয় ছইয়াছে, স্তরাং প্রাচীন क्ष्मानीत तहनानि शाहे कतिया छारानिश्मत ज़िश्च भाग नी, किस श्राह**ि**-अध्यक्ष क्रमीय नवा शाठेक मण्डीह भद्रांत्रक्षत कत्रिवांत्र वि-শিষ্ট উপবে গিডা আছে। রায় মহাশয় এই **থাবা খানি কোন প্রিরত্য ছাত্রের কবিতার** क्षां कि छ। व्र फेल्मा श्वां दि श्रष्टम अविवास स्ना অ'রন করিবাছেন : এই হেডু ডিনি'স-পুর্ব কৌশল করিয়া প্রসল্পস্থতি ক্রমে गर्भा मर्था कांगा ब्रह्मांत जात्मक विधि ७ ব্যবস্থা প্রেম্বর্যন করিয়াটুছুর: তৎপাঠে কেবল ভাঁৰার ছাত্রেরই উপকার ব্রুবে এমত নছে चान्द्रक्रभोत्र कवि । धान्न्यान्निहरात्र निश्रूम छ " कोरतत महावना । व्यथत, समीय कार्वानिका ও ডালার উন্তি দাখন এবং ঐকস্ত্য অব লম্বন ও সভ্যাভারে সহজুল বিষয়ে ভিনি মৈ যে কথা জিখিয়াছেৰ সে সমুখার ওলিট যুক্তিসিজ कराज्य अहे कांग्रा बाबित घरवा अक्ति ? ला तात क काइबो क्रिक् कथा नहीं । हेवात बता व बिराय कि भगरबत वांगी, किया कवि द्रशातानि,

रगरमाका केवा का । उत्तर व्यक्ति व्यक्ति नटनारह ७ छैरहर्ड र त्राहरू । शहरिनाान क्या সরল ও প্রমুদ্দ পঞ্চিতে বোদ হয় যেন ভাষ नीनाक्का ज्यानी स्ट्रेस्ड विनिशं छ स्ट्रेग्नाट. च्यांत्र मच्यु, नक्य ब्रष्टक्रिकांत्र अथनि २८७ च्याटः व द्वाणि रेजब ७ जनखिष'निक भय अग् क रत्न नारे, अवर अधिकरूँ अ महीनजा अ ভূতি দোৰও কোন ছানে স্কিত হইতেনে না। আফ্যোপাত এক ছব্দে রচনা করিচে कारों क्षांत्र मीत्रम एवं बनिया श्रेक्टिएश माना करन ब्रहिष्ठ स्ट्रेयाट्ड । मानाविध इन्ह था কাতে ইবার আরে৷ অধিক নিঠত৷ হইরাছে এই প্ৰছে বাদালা বস্ববোলী ও সংস্কৃতান্ত্ৰা রী নানাঞ্জনার হন্দ আছে। গ্রন্থতিপ্রেমের ২ পুঠার ভোটক ছন্দে নার্দ্ধ খনির যে সঙ্গীয নরচিত হইরাছে তাহা অতি মনোহর। সর্বা পেকা চতুর্থ সর্বের শেবে ১০৮ পৃঠার রয ভাষার সদীতহুসাহ্রবারী করের পংক্তি জ জিলয় শ্ৰুতি সুখাৰত হইরাছে। নিম্কৃতি পত্ন পংক্তি উন্ত হইন, পাঠ কবিলেই পাঠ-কগণ রার বহাশদ্রের রচনাশক্তি ল্লবুজ্য করিতে পারিবেন।

'ब्रुक्की 'अवमान उत्र । পিককুল প্রভাতবন্দল করে গান রে॥ ভার প্রাচী দিলীখরী, বৃকি নিড়া তদ করি, প্রাণপত্তি ছক্তাবেরে করেন জাহ্বান রে। **जारन ब्रह्मध्यि खरन, मकरन वांना**क बरन, কার সাধ্য ভার ভাব করিতে সন্ধান রে 🛭 वच्च दर्जि बरहारशल, कार्य छन्न इन इन. ম্নস্তুখে নীরে ভাবে সহাস্য বয়নি রে। মধুকুর মধুকরী, গুন গুন্রব করি, दुक्ति कोशासन श्राटन कटत मधु शाम हि ॥

नाना शकी नाना चरत, किया कन्नफ.नि करत, বুকি ভারা প্রকৃতির করিছে ব্যাখানে রে। गर्ड-अन्य शक्तवर, बाद्य बाद्य व्यर्टन्स, প্রভাতের সমাচার করে বুকি দান রে **।** নৰ দুৰ্বাদদোপনি, নীহার কি শোভা বরি, **(यम नील मा**श्रीमि**एत (यएमत मयान द्व**ा বুনি বা প্রহৃতি দক্তী, ভাবে জোর হয়ে অভি, লোম জন্মপাত করে হর জন্মনান রে ৪ ভাবুক গায়কে রাগে অপ্টুর্ন রাজিণী রাগে,

ছব্লিঞা বাব কিবা ডুবিনে হডান রে।

কিবা পিক কাক্রী বা হয় ভেক্তজান রে। भागांन भाषत नहत्ते, व्यक्तिक् मधुन् स्टब्स, महती बाजादन करन स्वाह्मेदन श्रामा दर। कार व्यक्तित भएत, बदन भएक महेबदत, गरन १८५ र्रनाकेनीमा हरत ज्वश्र्यान रहा। যত চোর নিশাচর, হেরি **প্রভারত্ত্**র, সচবিত হয়ে সৰে সরিছে প্রস্থান রে। ৰহাপাণী সৃত্যুকালে, বেৰন লেখিলে কালে. **ज्रात्र व्यवस्य कार्य एक कन्नीयां अप** স্কীবের চঞ্চল চিত্ত, পাকে স্মির প্রাকুলিড, করে জীব নানা যাত কর্মের বিধান রে। दुवि धरे काल वन. ऋयूना स्वीस्व पन, भारेरत रह वा नःमा **करनत** नियान रह ह षायानिरभन्न मिटळन्न खान्द्रश्यीनुमन्त्री বছু বে কৰা বলেন, ভাহা বড় অয়ধার্থ নছে, প।বিও বদি ভাষরা কবিত্বশক্তি প্রকাশে ফ্লক্ষ্মীলা বৰ্ণন ব্যতিব্লিক্ত বিষয়ান্তর না পাই, ভাহা হইলে আমাদিথের কি উদ্ভাগনী শক্তিও ভূতন রচনার ক্ষমতা ধ্রুক্ত ন কুকলীলা বর্ণন করিছে গেলে অধিকাংশ স্থলে ভাবেরও ফুডনস্থ ধাকাভার। 😘

मधन ३०ई महि ३৮७२।

প্রির সম্পাদক। আপনার পাঠতহর। থনিয়া আফাদিত হইবেন বে. **ভারিভা**র-ভাবৰের দারা ভারতবর্ণীর সংবাদ ১৫ ছিলে-র বংখ্য বোদাই হইজে এবারে উপস্থিত হইরাছে। অপকারলয় বর্ণ্যে আপ্রায়া चरपरम विश्वा अक्तित्वत्र गर्नु प्रतिक विना-भीत नवाहात खंदन क्षिर्वन ।

স্থাছারণতে হাস্পড্য-বিশ্বোপ সংক্রান্ত निम् निथिक करतक्रि विद्रम्य भवाष् अन् लिख बहेबाटम । ১৮৫৮ मुक्कि मध्यत्र ३७३ জান্তবান্ধি এখানে লাম্প্ড্য-বিদ্বোগ বিচারালর স্থাপিত হয়। ভাগৰণি উক্ত বিচারালয়ে ১৮ ৬১ শকের ৩০এ জুলাই পর্যন্ত সর্বাত্তৰ ৭৮১ খানি আবেরন পত্র অর্পিড হর। ১৮২৬ ^{জার}-ধি ১৮৬১ পৰ্যক্ত স্বান্ধীর স্ত্রীকে ও জীর স্বাধী কে পরিজ্যান কছিলা খড়ত্র বান করিবার অভি-आरम २१৮ थ७ जार्यमन गत्र क्षांत्रेन ७ न-ধীন বিচারালয়ে সমর্গিত হয় : ডল্পণ্যে ব্যক্তি-इ'त क्षमा ३-६ र निर्धू तको अमा ३२६ र शकि-

जान कतिया भनायन नि वस ३०। वदीन दि-চারালের ১১ট জালুরারি অধ্যি ৩০এ স্থলাই পৰ্যন্ত ৪১৬টি বিনহে দা**ন্দ্রান্ত্রিল সিন্তা**ত্ত र्देशांदक । २०१८ माक्क्या प्युताब हरेशांदक, अवर ७३०७ विषदः आन्त्री केवन त्वन नाहे। ১৮७) मध्यत्र ७०० स्वाहे लाम्नहा-विद्यारशत विविश्व १८थान चारवपन शक বিচারান্যর সমর্শিত হয় :

रेन्य महि

অদ্যবার ষ্টাঞার্ছ পত্রে 'ভারভবর্ষ বি-बरह नांबधान ' कहे नारम अकथाना अका-শিত হইয়াচ্ছ ৷ ভারভবর্ণীয়েরা রাজপুরুবচে-র প্রতি অসম্ভই, ইহা প্রতিপাদন করা উক্ত **असीरवर फेरमभा । मिश्र मिश्रिड करत्रकी** वि-यश्च जाथावून ष्मत्राखात्वव्र कावून विवया निर्फ-**শিত হট্ট্রাচে । বথা ভূতন ভূতন** টাকা[,] ল^তণ বাজবাকের উপর শুল্ফ: আর একটা চাডন वावन्। बाह्य बाद्रा कांत्रखबर्दर करनर क ৰভাষাৰ ব্যক্তি ব্যক্তম সংগ্ৰহের গৈড়ব অধিকার হইতে পরিচাত হইরাছেন: পদী এাবের ফ্ডাল ক্যাগভ নির্মানির প্রতি হস্তাৰ্পণ ৷ প্ৰাদের মধল দিগকৈ পদচ্যত ক-विवाद क्रिडी । क्षेत्रारम्य धर्मविवस्य क्रिन अ কার প্রতিবন্ধকভাচরণ : এবং শস্তানির ছু-र्म्म मास्रो। स्वथंक मर्मस्याप अहे अख्यिति क्षिः न कत्रिद्वारहम या वास्त्रभूक्रस्वत्री नामी িলিব্যবস্থা পরিবর্তন কবিডে গিয়া বেন ্ব জার ভারতরাক্ষ্যে অনি প্রস্থালিত করিয়া ्रें अंटिन

্রি আপনার পাঠকদের মধ্যে অনেকে উই ছে। হোইটের নাম শুনিয়। থাকিবেন , কেহ ক্ষেত্, বোধ করি তাঁহাব ও তাঁহার ফ্রীর আ-'**ত্বর্ণীয় পুস্তক সকল পাঠ করিয়াডে**ন। উই शिक्षय विदेषे हिल्मवर्ग यावर आह कर्व्य अव कार्युवं क्वतिवाद्यात, किन्त व्याकृत्यात् विवय अहे 🚜 🍽नि न्याया व्यवनी व्यन्याया करण इंडेक. **'খুর্মার্করদের সহিত বিবাদ না ক**রিয়া থাকিতে পৈরিন ব।। এইবাণ বিবাদের নিমিত ভিনি ৰক্কালাবৰি প্ৰসিদ্ধ আছেন। সংপ্ৰতি ঐ क्षेत्रीय अक विवासि धाइल बहुता श्रवाक्षिल इ. 👣 🕶 । তিনি হাল ও বট'ু; নামক মুদ্রাকর किंगटक छात्रिवर्रमेत्र निविष्ठ अनः श्रृष्ठातत् यः े त्यान श्रुप्ते प्रदूषका १४ ।

चाधिकांत्र विक्रिक् करत्रन वृक्षाकरत्रत्रों के ठाति-यर्देव प्रदेश अंक शृक्षक भू केल क्रिवाहिरतन বে চারিবর্ব অভীত হুইয়াছে তথাপি সমুদায় बि.टम्बिड १वनाई, जुडवा ९ डाहावा जमाणि बे श्रुष्टन निक्रम कतिएउएइन। एरोड्डे विठा-तातात्व अधिरवादःकदिता कर्षे निकास रहेन रा के ठातिबर्धत बर्धा गडवा भूतक मुख्यि হটগ্নাছে, ভাছা বিধিৰোধিত 🔻 অতএৰ নিযু-ষিত সময় অভীত হুইলেও সেই পুত্ৰক সকল ন্যান্যৰূপে বিক্রীত হইছে পারে। কিন্তু সা-थायरण अविहादत्र मांगार्थन कत्रिएउ८एन ।

मञ्जू नरशास्त्रक्ष कृतिवृत्र स्वनतीव ইতিহাস ৷ নামৰ এক পুস্তক ধুৱায় প্রচারিও করিবেন ৷ ম্লার্নান্ক কবি স্থাটের আ-নেশে ঐ পুত্তক ষ্ট্ৰে এক নাটক প্ৰস্তুত क्रिएडरहरा। **हेरदाख्**दा विज्ञण क्रियात्र वक इस शाहेदारहर ।

ধরাশীশ দেশীয় রাজকুমারসবজে ঋত रहेल (बे ११ ५ ७%) बार्फ छिनि मक्ष्य वर्ष প্রবেশ করিরাছেন। বভ মান্তবের সম্ভানেরা नाना विश्वत्य द्याभागा नाज क्रिया चारकन কেহই দরিছের অনুসন্ধান করেন না চিঞ সর্কবাদিসন্মত অংশ শুনিতে পাওয়া যায় যে কুদ্র নপে লেখন ক্ষাধারণ বুজিয়ান্ जिनि नक्ष्मवर्ष क्वत अत्म क्रियाह्न, অৰ্চ চারিট পুৰক্ তানার কৰোপকৰন করি-তে পারেন, মরবিদ্যার বিলক্ষণ পটু ছইরা (इन) किन छेखभ कारवात. अधाक्षक्तिहरू. এবং সাধারণের জন্মরাশভালন ৷ বলিতে **श्क्रिकोत ए नकल द्वाङ्गनुरक्षद्व**े नियदं गंभ का यांत्र, क्यांनी तांककूमात व-ন্তঃ ভদমূৰণ।

আমেরিকার ওছিও প্রজেশে বিকাজা किनिश्र् मात्रक अक 'निद्धा' र कार्या र আফ্রিকার ক্ষপুরুষ) ১৭৫ বংসর বরুসে সং-প্রতি প্রাণত্যা**গ করিয়াছে**।

নংপ্রতি পারিষগরের রুক্ষসকল মুকুলিভ >ইয়াছে: বে কে**হ পারির অংলাহিক চনং**-কারিত্ব প্রত্যক্ষ করিরাছেন, তিনিই বুনিজে-পারিবেন বে ভাষাবার রক্ষসকল মুকুলিভ ও स्वानिक क्ष्ट्रेश ख्याच्च शंचित्राक बुग्र

অস্টি বার সমাই কালিস্ লোজেক জ-ৰ্মন্ প্ৰধানসিগকে একজিড কৰিবায় চেটা कविराजास्म ।

और इंग्लिस क्रिक स्वेवांत डेगक्य হইতেছে: মহারাজ ওথো এক খোধণাপত্র প্রচার করিয়াছেন : এছং বিয়োহীদিগকে দ-মন করিবার নিবিত্ত প্রকাবর্গকে আত্মান ক विद्यारस्य ।

ভাষণতি হইল বে এক করাশীল ভাবেরি কার চিলীপ্রদেশে বাস করিয়া তথাকার লো-কের এমত প্রির হম বে ভাহারা ভাহাকে রাজত্ব প্রধান করে , সংপ্রাভ তিনি প্রাতি-বেশী প্রাভিদের সাইও ধূবে পরাজিত হইরা, नमी इडेग्राट्स ।

शासिदमके त्रयाच मनीचादर इतिराउद्यः गण ११ हे भाक रेवकारक रहोत् काक नएई 🧐 পৰিত ছিলাৰ ৷ লঙা নৰ্মান্ৰি ইটালি স্বধ্ধে একঘন্টারও জাধিক কাল এক বস্তা পরেম 🥫 उरकारन काराना भएकात क्या पुरत्न थाकुक, ' গলি ' ছিড স্বয়ং লার্ড চাল্লেলরও বিলক্ষণ जनामनक रहेन्। हिटलम . ८क्वन नर्छ त्रटनन् বিরুদ্ধ বক্তা ভা করিভে হইবে বলিরা অবধান क्रिवाहित्व । याष्ट्रम वाखिरवद हेश विश्वव कत्र विषि वय वि वि हैशात्राच्यता भाषानागृहद्य म भा भाष्ट्रसम् अकर्ज्य विमयो अक्षामादक जाम বহিত দোখলে ছু:শীল বলিয়া থাকেন, তাঁ--राता महाम्छात्र व्यवस्थानछादक पृथ्वीक स्थान

' अङ्क्षियिगद्वतः ' अङ्गोशिकः राष्ट्रगं इहेश আনিতেছে: উহা 'ক্রইান পাংলনের ' অ পেক্ষা নিক্রইভর হইরাছে স্কারণিক্ষার हैडेकमम किछि मिथितम ध्यकां छ छ। भारतः नाति वाप रहा । अकलन एकानीत्नत लिकिङ এই বিষয়ের এক কোতুক অনক পত্র টাইখুন পত্রে প্রকাশিত হইরাছে। বাদালাভাবার অস্থাদ করিয়া ভাষার ভিত্রভা ও বেট্ডুকা-বহত। রক্ষা করা ভার।

1 31F PK

महात्राच्यी विक्टडोत्रियात हित्रक विनाह বক্ষাণ আখ্যারিকা মাজ হইল। আপ দিবল পুর্বে ওখাইট জীপস্থ অস্বর্ণ নান্দ রাজ নিকেডনের গুরোহিত প্রয়োজনবশতঃ ব্লাক বার্গীর নিক্টব্রিড এক প্রাচীন ও সরিম ব্য

कतियां क्षित्रमार क्षेत्र आके स्थापनकः व्यक्तिका को इटबर भगामहीरण वनिहा संदेशसम् या-ए नाजन्य यांना जन्म शांठे स्तित्वरहरू । घ-গুৱাং ভিনি প্রস্থান করিছে উদ্যাত চইলেন: केला जी देश किथा रशिया रशिया वर्गमा नावम महिरदम या। व ज्युकान इरकत गरक खबापुन बाखिया छैशरमभ माखिमय छेशकांत्र स्तक व्यक्ति स्वाप्ति स्वाप्ति व्यक्ति व्यक्ति । जनरभरन जाना रहेन एक महीब्राकी पत्र नि भव ज्ञानश्रष्ठ द्वारण पर्यारमण सनाहरेख क्रिक्न ।

আমেহিদার বাজসভাপতি নির্বন্ এ-রণ খোষণাপত্র প্রচার করিয়াকেন তে বুবে विचन्न वर्षरात्र सहैटक्टर । से अर्थ मश्दराश করিয়া বিভে পারিলে জীক্ত সাসমিগের বৃদ্ধি লাভ ষ্ট্রতে পারে। বোধ হয় অনেকে ইহাতে সমত হইতে পারে । এবশ হইলে মুদ্রেরও त्यन इक्ट्रेटन - अवर शां**मदश्राय पृत्रिका कवा**न এছৎকার্য সিঞ্ছইবে। ইংলণ্ডেয় বৈস্পিক अवस्थात वर्षा वृक्षा छाष्म । अहे बलिक्स मनदक প্রবোধ বিতে ছিলান বে'শীভঞ্জান করিয়া-ा , अमुशास्त्र **के**डिया स्मृत्य त्व स्विमिनी বেত ভুগার বজে আর্ডা হইরাছে। এখানে ৰখন জীম, কথন লীভ ৷ এবং কথন ব্যা ভাষার স্থিরতা নাই।

তুট্শতের অধিক ছুবি অপকাল পূর্বে क्रिकाणा स्ट्रेट बामाद्विका बोरण ध्यद्विछ ৰ্য · তাহায়া উন্দি**ঠস্থানে উন্তী**ৰ্ণ স্ইয়াছে ।

भारमहिकाद प्रकिश्यकीरहर्शा शास्त्र नक সতে পতে এইভয়ে ছদেশে যত ভুলাও ভা মাক সঞ্চিত আছে, সমুদায় দক্ষ করিবার श्वामन कब्रिटफट्ड।

१ जीहि मार्ट ।

গত শনিবারের স্পেক্টেটর পত্রে ভারত ব্যার উপর্ক্ত লোক্ষিলকে স্থান জনক পদ আলান বিষয়ে এক প্রচাক্ত ও অপক্ষপাতমু-বিভ প্ৰস্তাৰ প্ৰকাশিক হইয়াছে। উহা পাঠ ক্রিরা সাতিসর ভূগু হইলাম ৷ লেখক অবি-সন্ধাদিত ৰূপে প্ৰজিপাদন করিবাছেনভারত-বৰ্ষীয় লোক দিগতে ইংরেজ নির্বিচনতে শাসন कड़: तासश्रहनरमञ्ज मर्यरणांकीरव कर्यनः।

क्षित्र एटर शवन सहक्रतः चिनिःवात्र देशर क्रिकः वैष्टक्षण क क्षीत्रक्षपर्वीत्रविद्या ग्रामात्र अपक क्रमणः निक्तेका स्ट्रेटकाइ । हेरा गत्रव खा-वंगीतं ता चात्रकरवेदिवला कुगरकात वर्कन कतिया हैरलट्ट असीमार्श्वस्ताधनन कटतन क्षांचांच्येरण व्यागारमक स्मरणत जैवकित भव কৰিকভার পায়িক ভ হইতে। আৰি অন্তি বি-সংখ সঞ্জলে খনেশীয় আকৃষ্টেশনের সুখাব-লোক্ষ করিবার প্রভ্যালা করিভেছি।

1 SIR D.85

ভারতবর্ষে নানা স্থানে অনতিদীর লোখ বৰ্জ নিৰ্দ্ধাণাৰ্থ এক কলানি স্থাপিত रहेरव । बांगाम् म् अरमस्य आहीव 'स्नांडा ' य डीनरक्ट्र गरिक नरीन नच्यमंद्रव এক বিবাদ কইয়াছে: অনেকের অভি कांक को त्य मुस्तिरिक्ष वर्ष (वथा व हीन व र्ष, मृजनमानपर्ष देखानि) चाटक बनिया ষত্ৰৰ কুল বন্ধা পাইডেহে, _একিন্ত অপক্ষণা-**एक विकास क्षित्रों। क्षित्र व्होर व्होर है** পূৰিবীতে এপৰ্যান্ত ৰক্ত ছুৰ্মতি ৰটীয়াছে. তাহার অর্থেক কেবল উক্ত মূপ ধর্মের নি-। विख!

रदल बाक्

আবেরিকার ' কেতেরলেরা ক্রেবিক কর-লাভ করিতেছে।

मधनपुर जारमद्विकारमनीत कर्क शिविष्ठ मध्यात महिन्द्रपद केशकातार्थ शक्यम मक मुजा सान कतिहादस्य !

সঞ্চন এক সভাস্থাপনার্থ পুরুষোভ্তম মুজনিয়য়ের মুদ্রিত প্রস্তাব প্রাপ্ত মুইয়াছি 🖟 ভারতব্য হইতে যদি কতিপর উপযুক্ত ব্য ক্তি প্রেরিড হন তবেই তাঁহার মহৎ আডি-প্রায় সিছ হইবার সভাবনা ।

नक्षत्र रक्ष्य मार्क ३५७२।

এউবিচাদ গুৰুত।

विदिध मरवाम ।

२०० देवमाथ (माववात ।

চীন লেশে এক্তে৭ ১৬১২ টাকার খালব-দেশীর অধিকেনের বাকা বিক্রীভ হইতেছে। বিয়দিবস তথার ভারতব্য আপেঞা অপ্-गृरना कविरका विजीक श्रा

আপাৰি সোমবায় লেও সাহেব ভাসহৌ-

নি ইনটিটিউ স্টোড় ভারতবর্ণী ভিন ভিত্র माकि व डेंग्सिक्सिक्ष कार्य, व विंगस्त अक ख-खाद शांठे अविद्वत ।

ৰণিক সভাগালের **অস্তরাৰ অস্থাতে** कांतकवरीय अवेद्देवके अव्यक्त वृद्धिप्राद्ध्य . তুলা ও রেসহের কাপড় উভিব্রের্ট এক প্রকা-त्रं धन्क धंदन कत्रिरवम ।

क्तिक प्रकाशक किलीका क्रिश्चार्ट्य " अहिरिक कर्षहादिविद्यां आर्यम्बद्धाः कि रहेन १३ (डेडे - त्नदक्षकोत्रित चांटक कोश्रहकड ৰুডিভে আছে।

উক্ত সম্পাদক আৰম করিয়াকেন ইংলও रहेरउ सुनिष्ण पृष्टीह जानिक जामाफेकेके चाक्टिंग मियुक्त कहा घडेरव । अटब्राम कि वि-नाकी कन करन माँ?

ভাগলপুরের কর্মন বাক্তভালাকুত , মাধক ' এক জন ইউয়োগীয় ভূমা ও পাট প্রবিদার, করিবার এক হাজন বন্ধ গ্রেছ করিয়া গর্ণ-त्यरकेष्ठ विकार अन् शार्टके । क्ष्मक विकास **এই यह विकास कड़ित्तर फायाह अक्षापिक शब**) वर्षास्त्र है

७-४ बद्धान प्यति नचनश्च क्रमा सह-रमनीय त्रवर्ग्यक्षेत्र एक स्ट्रेटक भवर्ग्यक्षेत्र ५८७ निवारम् । देशं वशुक्रानुक्रवर्दम् कवि-ननरत्रत्र अपीतम् बहेरमः।

वित्री (गरकडे नन्नामक जारकन क्रिया-হেন ভারতবর্ষীয় রেইজ্ওয়ে কোন্দানি আ-লাহাবাদ হইচেড, জান্তাভ, ছাজিবোলে বান্দীর শক্ট প্রেরণ করের মা / জাহাতে ই-উরোপীর্নিধার অসুবিধা হয়: সম্পার্ক राज रुहिया रिलद्वीरहरे, द्यांन्यानि अखरक-भीय पाद्धारीविध्नय निक्टेंबे ब्यांब नव्यांव नाच रह वनिदा इंडेर्ड्राणीत्रविदनंत्र करा कि-ছুই করিডে চাহেন না। কোন্দানি এর্থি শারীদিগের জন্য ক্ষতি সহ্য করেন মা এ বড় 可存[注 [] *

व्याचारे नवर्गरमके आका क्षिशास्त्र छ-ত্ৰডা অনৈভনিক ব্যবস্থাপকদিগকে পাথের প্রভূতির জভ ২০০০ টাকা প্রতি সেসিরনে দেওয়া হটবে। সাবাদ্যরের নবাব সম্প্রতি ২৮০০ টাকা পাইবাছেন। ভবে বেডনের ব্যব স্থা করা হাটক না কেন ?

ক্রাচিত্র এক সংবাদ পত্রে লিখিত হইরা

তেই, ক্লণীয়দিলের সহারভার পাস্তর প্রকার। তেরাই অধিকায় করিয়া কাশ্যান্তর আক্রমণ করিয়াতে। এখন ক্লনিয়ানিয়ের সভাই ক্রমণা।

कर्रन कम कर्मस यामध्यारसम् महियदर्व विद्यामेदिकिलाकविना कैटनटकेस स्थापक ह-देशारहन ।

চাকানিউপ সম্পান্ত বলেন মুবারখানির বভাগোরী বিভিত্ত সম্প্রতি ভানায় দেখা বি-জাহিল এবং বোধ হয় লে চানার বিকটবর্তি কোন পদ্মীপ্রানে আছে। সে বে ধরা পড়ে লা সে কেবল পুলিবকর্মচারিদিনের গুণ।

ক্লশীয়ায় হ্ৰিখ্যাত ষত্ৰি কাউন্ট নেনেন রোজের ৮২ বংসর বন্ধনে মৃত্যু চইরাছে। নেসেল রোভ এক জন প্রধান সাজিবিগ্রাহিক বলিয়া বিখ্যাত ছিলেন। নেগোলিয়নের বিশক্তির পর বিশ্বানানগরে বে সভা হয়, তিনি ভাহার মধ্যে এক জন প্রধান ছিলেন।

গ্ৰথমেন অর্থিরার খাসরাজিগের নিকটে ইনকনটাকা লইবার আঞা দিরাছেন।
এ দিকে চা-করেরা ভাষানিগকে বিনা বেভনে
খাটাইবার চেত্রীর আছেন। ও দিকে গ্রথনেট ইনকনটাকা লটভে চলিলেন, সোনার
সোরাগা হইল।

রুলপুরে গুলাউঠার প্রান্তর্গাব হইরাছে।

চাকাপ্রা গালসম্পাদক বলেন চন্ট্রপ্রামে

ককটি লাখা ভারতবর্গায়সভা সংস্থাপিও হই

রে। প্রেজাইগের কঠ নিবারণ করা উচ্চাদিগের উদ্দেশ্য। সম্পাদক চাকার লোক্দিগকে

এবিবরে মনোবোগী হইতে অস্তবোধ করিস্থাছেন। চাকা ক্ষনগর ও বলোহরে এপ্রা
কার সভা হওয়া নিভান্ত ভাবশ্যক।

केंक मण्णामक जाइन्ड वर्टन व व्हाला का-म विष्ठांत्रभित्र विष्ठांत्रामरम विष्ठा चाल्य मक मस्य भागि स्मान, मर्था मर्था चूमिन्ड जार्ट्ड । क्र विवय कर्ष्ट्रभरका श्लीहत कतिवात जा क्र मुख्य स्मृतिक कि जान वस मा ?

२८० देवणांच भक्तवातः।

়া সর অর্জ সার্ক বোঘাই নগর ত্যাগ করি
মান্ত্র্বন । ভত্রত্য সাটতে রিবিউ সম্পাদক এই

আন্ত্রমণ করিরাছেন ক্তপুর্ব শাসনকর্তা ব্যব

মান্ত্র্যক সঞ্চার ক্ষাধিকাংশ এক্সফেলীরদিগকে

विष्ण किलाएक, विश्व किल शवन मधरम क्षांनित्तन विकट वर्ड क्र.कास समाहे। मह वर्ष कार्क प्रदेशन द्यांगितित्तन क्षांनित्तन क्षांनि क्षांनित्तन क्षांनि क्षांनित क्षांनित

বোঘাইরের ব্যবস্থাপক স্থার অন্যন্তর।
সম্প্রা ভিরারে সহৈব (সর বার্টন ভিরারের
আডা) একনিবস পকরে আহ্যোহন করিরা বাইডেছিলের এইড সমহর সকটারোহী সর জেমসেট শি জিজিভাইরের জানার্ডা ডেডবেলা
তাহার নিকট ব্লিরা গরন করেন, ব্যবস্থাপক
সাহেব রাগাহিতভাবে তাহাকে থারিডে
বলিলের। উক্ত পারনি ঘোড়া বাহাইলের।
ভাহার শর উভরে বাহিতভা হইডে লাগিল।
ইডিমধ্যে পারসী উক্ত সাহেবকে এক চারুক
মারিলেন (বাধ হর সাহেব কটু বলিয়া থাকিশেল। ভারিত্বি দ্রার সাহেব প্রনিসে নালীল
করেন, কিত্ত পেনে উভরে রকা করিরাছেন।
"কেঁচো শ্বিডে প্রতিতে সাপ বাহির হয়। »

কাৰুৰ হইছে সংবাদ আনিয়াছে লোভ মহম্ম বাঁ ১৭ই এতান কান্দাহার বাত্রা করি-য়াছেন। তাঁহার সহিত বিভার সেনা দিয়াছে, কারুলে একটি জনরৰ উঠিয়াছে এই সুবোগে ভারতবর্ষীয় প্রবর্গনৈ ঐ দেশ অধিকায় করিবেল। এই জনর্গট আ্যাফ্রিগের গ্রন্থে-ক্রের সৌস্পন্যের পরিচায়ক বটে।

পঞ্চাবের লেপ্টনক গৰণর আজা কবিরাহেন ঐ প্রদেশের বে সকল সরিপ্র হযককে চুর্ভিক্নের পার গো দহিব ও শন্যাদিবীজ ক্রয় করিতে টাকা কেওরা হয়, ভাহারা চুই-বংসবেব পার চারি কিজিছে, টাকা দিবে। তিসিলগারেরা এইসকল টাকা আদার করিবার ভার প্রাঞ্জ হইরাছেন। গর্বারেন্ট শর্মার আজা দিরাছেন হ্যক্তিগের খেন কোন কট না হয়। গর্পমেন্টের ও করা নীলকর্দ্ধিকের এই একার ক্যাকে গ্রেডিরা উটিকে পারে না। ব্যবহার সম্পাদক নিজাপুর হইতে সংখ্যা
পাইরাছেন সম্প্রতি চীনজেলীয় নিজাহীতি
গার গহিত ইংরাল ও করালী সেনারিগের
বা যুব হর ভাষাতে করেন ইউলোপীরের
মূর্য বইরাছে এমং রণজারির আন্দর্ম প্রথা
কার গুরুতর রবেশ আহত ছইবিরাক্ত করালী বেনা হং কং ছইতে উত্তপ হিলেপালয়
কবিরাছে। তহত্য শিশু সরাই পি নিজা পর্যা
সিরা অধ্যরন আরম্ভ করিরাছেন। অন্দর্শনী
সামধি বিদেশীরের। প্রবেশিকাশ মুক্তরীয়া
পিকিন মর্শন করিতে পারিবেন।

আবা বীপের নিকটে বোবেটীয়া নিচ্নী স্বিদেশ প্রাযুগ্য হট্রাছে।

कें राज्यां स्थान करियां हम बार्जाह क्ष-य खेलिनिय कर्मम मारहर ५ के त्य है रहा: के भवन क तत्वम। खिनि अव कारण भव्यक्तां भ करियां रहन । श्री उन लात्कां मक्ताह भवन करितात ।

ইংলিসনান সম্পাদক কাছ্ ভ ছইতে সং-বাদ প্রাপ্ত কইরাছেন, সম্রেতি একদল বাসরা ছমংচু নামক এক খানি গ্রাম দক্ষ করিয়াছে । জয়ভিরার কমিসনর প্রধান ও অপ্রধান সাধা রণ্যে ক্ষমা করিবার ঘোষণা করিয়া না দিজে শীজ উপত্রব সাধ্যির সভাবনা নাই ।

উক্ত পত্তে প্রকাশিক হইয়াছে সম্রাপ্ত কএকজন নাগা ছুইজন নিপারীকে আহত ও এক ব্যক্তিকে হত করিয়া পলায়ন ক-রে। পরে পরস্পর বিবাদ করাতে ভাহাদিশের এক ব্যক্তি গোয়েক্যা হইয়া অপর কএক জন-কে পরাইয়া দিরাছে।

खेर्स शिक्षत्र शादिमक मश्यान प्राफा बरनन हेश्मकीय क कड़ानी गर्नश्यक हीनरप्रभीय म-ब्राटिंग मश्याज कतिया विद्यांशिनिशटक ध्या-न कतिर्यन मक्ष्म कतियारक्रनाः निर्मानीयाः बक्षरम य खंडाानांत्र मित्रिक्तरः खंडाराज हे खेरताशीयमिरभन्न वाशिक्षा नहे हहेवात्र मक्षायताः विद्यांशीयमिरभन्न वाशिक्षा नहे हहेवात्र मक्षायताः विद्यांशीयमिरभन्न वाशिक्षा नहे हहेवात्र मक्षायताः विद्यांशिक्षण्यक्तिः भवर्गस्थिताः बहे कार्याः खेरक हहेरकहरूनः

দিন্নীগেজেট সম্পাদক বিরেটের বেল দারোগা ভরেট সাহেবের মৃত্যুর বিষয় নিথি রা আকেপ করিয়াহেন গ্রথানভরগদাভিবি-ক্ত লোকেরা বিরোধকালে সামান্য সাম্ব

आर्थन क्षित्रा मचाकत्वाच क्षेत्राहरून क्षि ভৱেট অনেক ছুকাকাৰ্য্যে সাহস্কু জ্বালান কৰিন, वा । प्रतिज्ञानकांस आवकाश्य केंद्रियान । हेर-রাজ জাতির এইত লোখ, ভাষারিত্রগর র্তথ নিয়া শুসুন স্বাধীনক্তা স্বাধীনক্ত। ও গুংশর 'পুরকার গুণের পুরকার এই শব্দ, কিছু খন, সহায ও প্ৰথানৰংশ এই, জিৰিখ সুবিধা না बाकित्त मध्य अर्ग छेरहर्ड रहेरत ६ एक छेड भा जाच कतिएक भारत मा ।

উক্ত পত্রের চাহেশর স্থিত সংবাদ দাতা বলেন ভব্ৰতা আৰক্ষরী সেক্ষেডাদার বলেন গিলোহকালে বৰন বাও সাকেৰ বিভুৱের শা-সন কটা ছিলেন তথন তাঁহার আজান্তনারে व शक अम है डिस्त्राणीय खीरनाक ও शुक्रत्यस প্রাণবধ করা হয়। দোবীর কথের বিনয়ে আম'দিগের কোন আপত্তি মাই কিন্তু বেন . ১৭ ভাষের বিচারপতি নিগের ন্যায় বে সে ८४ रकत भारका श्रामिरञा मा कड़ा रहा।

२६ अ देवनाच युष्यात् ।

माञ्चारकात्र कालकाती वानरकोके कात्र নীত গ্ৰহণসূত্ৰ মিয়াৰ হইৱাছে: প্ৰধান বি-চারপতি দণ্ডাজা দিবার সমরে এই বলিরা ভাজেশ করিয়াছেন বে ডিনি বুছিমান লোক হইয়া কিৰাপে ঐ ক্ষমন্য কাৰ্য্য করিছলন। এ-খান বিচায়ণাডি ফারসীর বে খুবি জেবিয়া-८६न, त्म पूर्व हि ।

कि'नेटकात अक्कम शब्दास्त्रक दशकात টে কিলারিটাকা ও ভত্তভা বাজিটে ট পান ব সাহেবেৰ বেক্ষাচান্ধিকার বিষয় লিখিয়া প্রাচার করিয়া**ছেন** ৷ **ভিনি বলেন** ভক্রভা শংখ্য ভারতবর্ষারসভা পাষর সাহেবের क्षनावि वावशास्त्रस्न विश्वत्र क्षश्रीमाख्य कर्जू श ংক্তব গো**চর করিবেন। এদিকে পান্য সাহেব**

विषय मञ्ज्ञात काशनाविद्यात विद्यार्थे ্রকাশ করিয়াছেন। ফিট্জ উইলিয়ণ সাতেব শ ভাগতির পদ ত্যাগ করাতে বুলেন সাহেয ভাষাতে প্ৰভিত্তিত হইয়াছেৰ ৷ আকাদের विषय अहे विभिक्त मुख्यक्षांत ब्रिट्शांक मध्या मी-নের কোন প্রদন্ধ করেন নাই।

উত্তর দাগরে আবিভিদাগরী সন্ধলন

ह्रांचनियन ही क्लिकाछोड़ जाध्यम कहिया-ছেন। মর অন ভাকনিন উত্তর নাগতে প্রাণ ত্যাগ করেন বিভ কোধার তাঁহার চৃষ্টা হয় **जार। वित ना स्वयादक अवश्विक्षक्र निर्मा पुरत जारवर कारहरू क्रीशत जारवरनार्थ** ८व्यत्रम् करम्म । हेव्ह अनुवन्धी स्वयं। अकट्स ইংরাজনিধের ভিন্ন ভিন্ন উপনিত্রশ দর্শন क्तिरकरक्त । शक्तिश्राह्म अपनी पूर्वदन्त्र অসমার স্বর্গ।

हे रिनिम्सन नम्मापन बहानिश्वकि वहेटकं সংবাদ পাইরাছেন ভুচবেহারের রাজাকে বে সুইলক্ত দেনা দিবার কথা হয় ভাহাদিগতে অল্যাপিও প্রেরণ করা হর নাইশী বোধ হর रहेरक नाः

উক্ত नम्नाहरू बर्गन मानिवादबब्र आहे है मानिरहें है नित्रम विक्रम मानिका शाशास्त्र मिश्च एक्साटक क डेशहहो स्वाहि क्यूर्य स्त्राटक ভাঁদার বিচার হইবে। পাটনার ক্ষিস্নর ও অস্ত এবং সাহাবাদের কালেট্র তাঁহার বি-**চার কারবেন। সিবিলিয়ানে সিবিলিয়ানের** বিচার করিবেন। কারেস না একজন ছুণ্ড-न ६ भद्रीरकासीर्य र निविधान र

निट्टन कार, चूड् जाकमन, (महीवाद জল)ও কেন্দা সাহেৰ প্ৰধানতৰ বিচারানৱের निविनिदान विशत्रभणि वर्षेदवन, अवर बाबू রৰাঞ্জনাম রার এডকেশীয় বিচার পতি হট-তেছেন।

বোৰাই সাইডে বিবিউ সম্পাদক বলেন শার-করার হইতে বে শাতৃমিঞ্জিত সৃত্তিকা-প্রেরণ করা হয় ভাক্তর হেনস ভাষা হইছে धर्ग वास्त्रि क्रिब्रोटस्म ।

উক্ত সম্পাদক 🧸 ভারতবর্ষের বিপদ 🤊 এই শিরোনাবের একপ্রভাবে ভারতবর্ণীর अथमात्वानित माजित्हे हे क कारणकेत वहेता। गर्नस्मकेतक शूनकांत शात्रकावनीय बाक्यात সহিত ধৃত্ব করিতে, জহুরোধ করিরাঞ্চন। **শাটর্জে রিবিউর বেরণ ঘভাব ভাহাতে** ভাৰাকে বোৰাইয়ের ইংলিসভান বলিলে वना यात्र । भवन्त्रके स्थम के क्षकांत्र लाह्यत কৰার ভারতবৰ্ষকৈ পুনৰ্বার ক্রথছে না क्रवन

> বোখাই নগতে বেজর কট্ট সের এক জন পারসার সহিত জ্ভা পুলিবার বিবন্ন লইয়া

व्य नियान एस, छात्रिहिंस छेक्न क्ष्मक शासनीत नारम श्रुविदन नाजीलं करहत । विश्व कीवान, चारवन्त्र चन्नाद्वीक्ष्रेत्रारष्ट्र । वस्रद्रमनीय वदा সম্মনার পারসীদিনের ভু**টারকারী ক্টম।**

गका विकेत मण्यातक भारतम् करियान्त्रम शवर्गमञ्ज म क्यांनी किल्लामध्येष भाषीम् वि-গের কি রবি করিবাছেন। লোকে এখাণ णविर्वन ना त्य भागीत्महा और विक्रिक होका পাইবেন, ভাঁহাদিখের নিষ্ঠান্ত্রিক বেক্তন হয়-शांदर । जे कि नवर्गकारकेन कावकुष्क वर्ते

উক্ত সম্পাদক আয়ুত বলেন ডাকাছ বা-श्रीता अकन सुन्नि सरेवारकन कवारण अहनदक मान चांचन्त्रक कड़िएक शास्त्रम मा। अवंश ভোৰত চভাৰত ভন্মগ্যে আছে, ছভন্নাং चन्नारकता सूत्रि रहेटल हेक् व बद्धन 🕫 ভাতির জন্য আইসে থার না, ধূর্ব লোকে किथकात जुड़ि स्ट्रेट ?

বিষমনোমুখন পত্রিকা সম্পাদক সিভার আমিরাহেল লাভ এলখিন সুরসিরামাধ্যের নবাংবর সহিত দার্শাৎ করেন নাই। লার্ড ভাগ হাউলি রাজা ও নবাবদিবের অবনামনা করিয়া ভায়তবর্তে ভঞ্জি-জ্লোলিয়া বিভাছেন किन्न कर्मन व्यक्तिक बर्गन जांक कार्य बुद्धन ना ।

सबश्च विकासार्क मिनिक स्ट्रेगार्ट তথার প্রতিবংসর অকেন বাসিয়ে ব কার নেবের পূজান ব্রয়ার বাহক করাব্য লোকেয়া ছাট বাদ প্রতিয়া ভাষাত্র উপরে ছিমপার্থ-ৰা, বাটা অভ্তি রাখিরা ভাষার চতুর্দিকে লী পুরুৰ একজিত হইয়া সূভ্য এ সান্ প্রকার অন্তালখ্যবহার করে। আমরা সকলে अक्ट इंद्रेश कि अहे जकत अवना क्षता নিধারণ করিতে পারি না?

আৰম্ভা মুক্তবালয় সামক একথানি সূত্ৰ সাঝাহিক পত্ৰ পাইয়াছি। ইহা প্ৰভি বলন-बाद्ध अक्षिक स्ट्रेटर । अक्षरन खादा वर अ-কারে নিখিত হইভেচ্ছে ভাষাতে ভবিষ্যতে ইহা হইতে লেলের কল্যাণ সভাবনা আছে।

প্রভাকরের কাশীর সংবাদ দাতা বর্গেন ভত্তভা গোকেয়া গৰণদৈ কেয় হুডন লোট **লইডে অনিভা একাশ করি**রাছেন:

ইংগিদ্যান সম্পাদক ববেল ভার্ডবহে একতে প্রায় ১০০ মুবা আহিন্দর অক্তর্মধা ভার্ম বনির। আছেন। উরিছিলেই বরু জোন লেনাদলে নিযুক্ত করা ভার্ম উরিছিলেই অন্য ব্যবসার লবলবন ভরিবার বরুস ঘাইবার পূর্বে বিনার দেওরা কর্ত্তবা (আবন্ধ কি ভার্ম বিনের নিষিত্ত সভক্তেরি ভ্যান প্রের ভৃত্তি বর এই :

गवर्गान वृद्धक विशादक ता व्यक्ति विकास विद्या विश्व विद्या विद्य

२७० देवनाचं हरु लेखियात ।

बांबू हटाकूमांत (म-धन कि, उंशादि काश्र व्यक्तारहर । इतिकाखांत्र विचविष्णांततः अरमणी विकास क्षत्रमः अवे हेशादि क्षणांत्र क्षत्रस्मतः ।

আক্রেণ গ্রন্থেটের ও ডির ডির ব্যাজের আর পাঁচ কোটি টাকার নোট চলিডেটে । বক্ষদেশীর ব্যাজের ৬৮,২৮,৮৯৪ বোরাইলের. বহু,৭৮,৬৮১ ওয়াজাজের ব্যাজের, ৬,৬৬,৭০০ টাকার নোট বাহিতে আছে !

हेश्वास्य नट्यां ध्यक विनान आकाम हहे-सारह, ख्यांत्री खाना य हेर्डिह खाँ छवर्ष नर्स ख्य अम, वन, वम, १२११ त्वारकत वाम खारह, हेवात बर्या ३७ वट ६२, ३३५ त्वाक हेश्वार अभ्वति ख्र ४ ६, ०८, ४४, ०५ व्यक्तिया ख्रिक ख्रित त्रांखांत द्यांचा। नश्च ख्र ३५ १० व होतिकानित खारह। हेश्वारक ५ ७५, १६२ ख्रम ख्रांत क्ष्यकार ख्यांत्रम करता। तिकान ख्रमा स्थारित १८, ४६ १२० होत्या ताल हता। यहे वि-मारत मण्यू न्यांचा ख्रांचा वहा यहा व्यक्ति

ষাপ্রাক্ত টিং ন্স সম্পাদক বলেন বাদা-লে রের ভাকধরের এক জন কের গী পত্র হ-ইত্রে নোট প্রকৃতি লইয়া পত্র গুলি এক কুপ কর্মা নিতৃত্বপ করিত। নে এই প্রকারে প্রায় ৪০০ টাকা অপবর্গ করিয়াছে। ভারতা শোর আহিনাইনলেটার আহাতে প্র ক কোনি কোনি রাজ্য ভনাকের কালি ক্রিটাছেন রাজ্য ভনাকের কালি ক্রিটাছেন ছিলাছেন। তিনি একটি স্থানি কালি হোরের উৎপাত লাভি করিছে পারি বে একটি আলোক হিবার বাটা ক্রিটাছ কালে বে নাই

আগানি সৈনাননের বে ব্যার হইবে,
কর্নের বা গলোর কলিকাতা জ্যাল করিবারী
পুর্বের ভাষার এক হিসাব প্রকাশ করিরাছেন।
ভ্যারা জানা বাইভেছে। ২,২২,০০,০০০
টাকা ব্যার হইবে ছির হুইরাছে। এই হিসাবে
সর্বা শুলা ৭৪,০০,০০০ টাকা বাঁচিবে।

সত্ততি ইংরাজদেনার। সাজের নিকটে চীনবিদ্রোহী দিগের করেকথানি যুদ্ধ জাহাজ অধিকাব ক্রিব্রাছে। বিদ্রোহীরা শাসিত না হ'লে তথার বানিজ্ঞা চলা ভার।

সিদ্ধদেশীর বিখাত সেনাগতি লি এখি লেকব পদত্যাগ করিয়া ইংলতে বাইতেছে ন। ঐ সেনাপতি সিম্পুদেশের অনেক উৎকর্য সাধন করিছিল। তিনি জেকনাবাদ নগর প্রতিষ্ঠা করিয়াছেন। ঐ নগর তাঁহার নানে বিগাত হটয়াছে।

মাজাজের ১২ গণিত এতদেশীর সেনা-দলের লেণ্টনাই কর্ণেল টেম্পলের ত্রী জে, প্রম, লেও, নামক এক জন চিকিৎসকের সহিত্ত ব্যক্তিচারদোষদূবিত হওয়াতে কর্ণেল তা হাকে ত্যাগ্ করিবার আবেদন করিয়াছেন।

মহীত্রের রাগ ইংগণ্ডেখরীকে করেকটি উৎকৃষ্ট গরু উপহার দেওয়াতে রাজী অভি-শন্ধ আজাদ প্রকাশ করিয়াকেন।

বীজন সাহেব ১লা নে অববি আলিপুরের বেশবিভিন্নার বালতে প্রবেশ করিলাছেন। তিনি নিরম করিলাছেন প্রতি রহস্পতিবার ভোজনের সময় দর্শকলিগেস সভিত সাক্ষাণ করিবেন। এই সুবোগে আনেকের আগার উন্ধর্ম পুই হইবে। ভোলিভে সাহেবেরও রহস্প তিবাব নিরম ভিল।

ব্যবস্থাপকসভার কর্মন সালেবের পালে কাহাকে নিযুক্ত করা হইবে না।

কলিকভার যাবড়ীয় আবিস একটি বা-টার মধ্যে করিবার কপানা হইরাছে। ঐ বাটার একটা চিত্র করিবার জন্য গবর্ণর জেনরল এক কমিন নিযুক্ত করিরাছেন। ভারতবর্তীর গব-গ্যেণ্ডের প্রসিক ওয়ার্কের সেক্টোরি এই কমিসনের সভাপতি। क्लिहिन त्राकः जगरकः क्लिक्ट क्लिक क्

ইংগিসমান সম্পাদক অব্ধির। গ্রুড্রের্রু সংবাদ পাইরাছেন সেন,পতি সা-উরাজের ঘোষণাপত্রাপ্রসারে একজন সরদার আর্ক সম্পূর্ণ ও আর করেক জন ক্ষমা প্রার্থনা করি-রাছেন। এ সময়ে সেনপিতিরা ক্ষমা শক্ষের অর্থনী বেন বিশ্ব ত ন, হন।

কলিকীতার আসেনর ওগলটন সাহেবকে অকর্মণ্য বলিয়া পদ্যুত করা হইয়াছে। কু-মার হরেজকৃষ্ণ ভাঁচার ক্ম করিবেন। ওগল টনেহ বেডন র্ম্বির গ্র্পারিন করে হইয়াচিল ল। গ

গত কল্য এক্সচেঞ্বাটাতে নিয় লিপিত টাকার অধিকেন বিক্রীত হইয়াছে: --

সিদ্ধুক টাকা বেহায়ের ১৩০৫ · · · ১৯৬৮,৫০০ কানীর ১৩৩৫ · · · ১৬,৬৫,৯৫০

বেৰারের অধিকেন প্রতিবাক। গড়ে ১৫-৮।১/১৫ কাশীর ১৪৬৭ ৭১৫ বিক্রীত কট. যাচে।

মাক্রাজের এক খানি সংবাদ পরে নিথি ত হইরাছে উত্তেজা এক জন পানরির বাদীতে চোর আসাতে তিনি ভারার দাসীরে কানিতে কানে। দাসীর আসিতে বিলম্ব হওয়াতে পাদবা তাহাদে এক লগুড়, যাত করাতে ভালার মন্তব হইতে রক্ত গতি ভ হব : সে পাদরীর নামে নালীল করে। কিছু পুলিবের মাজিরে ট ভাহার আবেদন অপ্রাক্ত (ভিস্ক মিস) করিনাছেন। এই প্রকাব বিচার দেখিয়া কে'ন ব্যক্তি না বলিখেন এতদেশীর ও ইউরোপীয়াছিলের পাকে স্বস্তম্ব আইন আহে?

আসরা শুনিতে পাইতেছি, ধরিয়দের সুলিদিগের মধ্যে "হঠাৎসূত্যুত প্রবেশ করিয়া-ছে। তাছাদিগের ইউরোলীর প্রধানের। ভা-ছাদিগকৈ ভরানক প্রধার করে। ভরিবধন ক োক কৰের বৃদ্ধা কর্ষ্যাহে। তাল্ডা বাজি েই ট চুইকাৰ কড়াকারীর বিশ্ব কণ্ডাই বেল্ডাই কে পালচাত করিবার প্রার্থনার আঁকোন ক্ষি-হাছেল ইউরোপীধেরা এনেশে আসিয়া নাস করেন ইয়া এদেশীয়নিধের অভিপ্রেড বংল, কে ও অব ইভিয়া প্রেড্ডি ভাবার কারণ বু-

२५० रेवमाथ छक्तवात् ।

ইং নিসমাস সম্পাদক বলেন লার্ড নি টোরের নামক এক জন আধারলভীর সরাপ্ত লোক ভারতবর্দে শীকার ফরিডে আনিয়াছে-না আপিন পর্যাত এখন পুরাতন হইয়া-ছে:

লেশটনক ট্রিনেলিয়ান নামক এক ব্যক্তি
থুকের আত্মনভায় এগটি ঘোড়া ক্রব করির।
ছল না দিবা পলাবন করে: পরে ভালাকে
লানীগলে দত্ত করা হয়। সম্প্রতি ভাট আ
দালতে ভাষার নামে নালীস হওয়াতে সে
টাকা দিয়াটি বলে এবং ক্রমণ্ড সেই কথাপ্রলারে আহ্রা দেন। পরে ট্রিকেলিয়ান লিখিত
এক পত্র বাহির বওয়াতে পুনর্বিচারের আহ্রা
দালতে এই পেকার এক কোণে কাটা ঘোকগলতে এই পেকার এক কোণে কাটা ঘোকগলা বিভার হইরা খাকে।

हरकतः मन्यांषक यत्मम हुन्नम् नामक स्ना-बात्स मन्न गहिल क्षित्राद्वत्न श्रुष्टकामि बाहेर्ड हिल, हिल्स्या फेर्ड स्नाहास स्ना सम् इडे बात्हः। मन्न वाष्ट्रिय क्षित्राद्वत् श्रुष्टकानद्व छा-त्मस हिल्स श्रुष्टक हिल्, अडे क्रिंडिंड डांबान्न गिरम्य क्षेट मान रहेर्द्य।

কীলপতি পুনর্জার দৌরাজ্য করিতের। ইহালিগের প্রতি নগঞ্জালে কিছুই হটতে না। গ্রন্থেন কড়কগুলি মিসনরি প্রেরণ করিয়া তালাদিগাকে স্ভ্যু ও লুশিক্ষিত করিয়ার চেই। কর্মন।

गटाि जादािकात सकिन विखादगढ़ अक्षािन कोश्या आश्रास जाकाल बद्धा देखन विखादगत पूर्वभानि कोश निर्मिष्ठ श्राहा-स नहे कतिवादक भारत खेखन विखाद त अक् यानि कृष्ट लोश गढ़ जाशांच पूर्व माळ काशांन गरेना विद्यांकी जाशांकरक जाळावन कतिना प्रतीकृष्ठ करव । हेश्नशीम भवर्गद्रमुखेन श्राह्म वाहिन ।

কার করা বার্তি কি ইয়াতে সম্ভৱ হব আমা করিয়াটোর। তারি করা করিবাতা আমার করিবাতার আনির্মানার্কারে অপনান সহা করিবাতের আনির্মানার্কারে অপনান সহা করিবাতের প্রতিব ক্ষিপ্রম করাকোপ সাহেব ওাছার পরীর মুক্তক সেনা নিগের তর্বারি কারিবা লইবা ছিলেন। ভার-ভবর্ষের কোন ব্যক্তি কি ইয়াতে সম্ভৱ হব বেল ?

বুধবার মুলী জানীর খালির বাচীতে মুসলমানেরা এক সভা করিরা বীজন সাঙের কে এক অক্লিনন্দন পত্র প্রাধান করিবার সক্ষণ পা করিয়াছেন। ডেপুটি মাজিতে ট ফটবার বড় সমন্ত হটয়াছে।

বোখাইয়ের বিশ্ববিদ্যালয়ের উপাধি পঞ দিবার সময়ে সর বাটল কি মার এক উৎক্তই বক্ত তা করিয়া ছাত্র দিগের উৎসাহ বর্তন ক রিয়াছেন।

নিম নিখিত মূলো গ্ৰণ্ডেন্টেন কাগজ বিজ্ঞান কইডেছে:---

৪ টাকার বিকা কাবল ৮৯৷ ৮৯৷ ৬ ৪ " কোন্দানির ঐ ৯২৬০ ৯৩ ৫ " ঐ ১১৪ ১০৪৷ ৫॥ " ঐ ১১০ ১১॥

मन्द्राच ७ त्याचारे नगरत्र मागरचय७ थर्डे मुना ।

১-ই **এপ্রেন পর্যান্তর ই**উরোপীর নুষ্ঠানার।

সেনাপত্তি বাকিন্সন গটসাক কিন্ত সেনান্ন-লের এক এখান অপ্ন মনরো ছর্নের বিকে প্রে রণ করিবাগ্ছন। এবং তিনি নিজে নিউবরন্ অ থিকান করিয়া ভাষাদিগের পক্ষাৎ গবন করি বেন। বিজ্ঞানীয়া বোকটি ও মাকো ভাগি কয়া তে গবর্ণমোন্টের সেনারা তাকা আধিকার কবি-রাছে।

একটি সূত্ৰন আয়ন্ত ং কামান গ'ব ীক্ষা কর হইয়াছে: গুৱারিয়ার ন'মক কালাকের এক অং-ল লোক দিয়া আয়ত করিবা ড'বা ঐকামন ছারা ডেন ও চুর্ণ করা হইয়াছে।

ব্যক্তিই ও ভাষত্বয়ৰী দেনামূল একতিত ক্ৰাতে পোৰোক্ত দেনামূলের আফিসম্বেরা বে সকল আবেদন ক্ৰিয়াছেন, আন মানিতে কর এন ক্রেক্টের্কি ভালার নকল হাউন অব ক্ষ-জ্যো দ্বাহ এক্টাব্যক্তিবন।

क्यांत्रीत्रम्हि विक जिल्लाहरू ७२००० हैनना क्यांवेरीत जोकांत्रिशस्त्र ।

বাজৰ বিবাহের দক্তি আছব্যমের হিনাক।
প্রধান কবিয়া কবিয়াকের ক্ষত্তত্তত টাকা উত্ত্ব
ভ কইবে। ডিনি ভূপের র্থ এক একার কেলনা)
কর উঠাইয়াবিবার ভাবের কর কবাইছার এবং
নর্থের কর প্রিয়ার্ক করিবার অভাব করিয়ান

শ্ দিয়ার সাজন বিষয়ে। এই কেনিনী পত্র সিংখন কিন্তু জাকার করিনে বছরা পতি সাহত। ভাই সইরা ভূতন ক্ষেত্রার

,450.

ইটালির মন্ত্রীবর্গের অক্সমেধি শারক্ষা করী

য়া গাবিবাল্ভি নেপুল্ল ও নিন্দ্রিমাণ্ডে প্রকা
করিবার ইক্। ত্যার করিয়াছের। নেপ্রত্তিবর ই
নার নিকটে দ্ হ্যার। পুনর্মার করিবর্গে করিয়াছে
এরপ করক্তি নেপজনের ভূকপুর্বে রাজা-রোচে
তাপ্তালিগের বংহাবালি কর্পন ,ক্টরমান্তের
রাজাকে রোক হইকে প্রকাতিবিধি নভাল প্রকা
কাব কইরা ইটালির প্রাক্তিনিধি নভাল প্রকা
আন্দোলন ভিত্তের।

লোনীয় গ্ৰণ্ডেন্ট এট অভিন্যায় প্ৰাকৃতিক বিয়াছেন যে ভাষারা নেক্লিকোয় আবীৰত নট ক্রিয়ায় কোন চেটা ক্রিবেন নগ !

हे छोत्र शक्तं देशणस्य गार्जिहारवर्षे ६५ अ अस्त्रम शर्वास्त्र वस गोरिटन।

गवर्गमण विकाशना

বালনাচলনীয় লেপ্টনক পুন্ধবের বিদ্যাপন

28 श्रमना, यागावत, महीवा ७ शिवनित्र श्राचितिय एक्ष्मी मानित्ये हैं ७ एक्ष्मी कर्णक केन नाम क्ष्मिनियाने मूर्याभाषां स्टिक्टिक्ट गारकात, नन विचि ७ स्थायक श्रामभात सम्बद्ध गारकात निर्देश शांतियन ।

त्यभूषि मानित्येष्ट च त्यभूषि कारणविश्वाः कालीहत्वः बरक्तानांचात्र क्षेत्रक्षात्वस् क्षेत्रचा नलक्षित् च नकाभूत भन्नज्ञात्र चक्र नीक्षाः नलक्ष्यात्वी, त्यादनजादी, नजकादी च त्यन नाहि ग्रह्मशाह कृत्या होत्रत् कृतिरस्य ।

महोतात राज्येत माजिरकृत क राज्ये क राज्येत राज्येत महत्त्वल मान्ये कतिन्द्रश्चर मा राज्येत माजिरिक क्षेत्रमाच्या महत्त्वल क महत्त्वल माजिरकृत क राज्येत महत्त्वल कर्माकृत कर्मा

বলোহর, নহীরা; ২৪ পর্যণা ও পারীরার প্রতিনিধি ভেগুটা নাজিকেট ও ভেগুটা কার্কেটর ইর বাত্ররকাপ্রনাধ হতকি ক্রিক্টরের নি-ডোর, নজভিতি ও গজান্তর প্রথমুক্ত কমভা চালন ক্রিবেন।

् वर्ष्णांकतः वजीताः कतिकश्च ७ २६ं एकश्चेत्र प्राचित्युः चे एकश्चेत्र कारमञ्जू चानक द्वादन प्रमुखनात्र शोरवाद मनतः जादनगादीः नमस्त्रादी ७ दक्तगादि शतः कृषको ज्ञानन कहिरदमः।

क्रिकावीत गरके : ",(देश) त्रवाकुक राष्ट्रभी व्यक्ति वर्षेत्र कृष्टीक क भरत जिल्हें व क्षितिया

े बाद उत्तवाले सुवाशायम् अस्ति प्रत्येत १ व्यक्ति जन्मे सुवामध्यक्ति चारमार्थः स्ट 141

एक्ट्रों गाबिएके केंच एक्ट्रोंडे कारलकेत (मो-वी थर। छवीन नदी के शत्रमनाय वेदनी बहेता छिन्दर दिए रहेश केंक क्यान माजिएके छिन পূৰ্ব ক্ষমতা চালন ক্ষিবেল ।

त्म, धन, ब्रिक मार्ट्य क्यिनिक्कि कालाक ভিহান ও বার্ডা শাল্পের প্রতিনিধি অধ্যাসক रेटरम् ।

२२७ अर्थान-नवद्यारमद्र रक्षश्री वाकित्ये ७ (७५७) कांद्रमानेत्र को लगी मीन महत्राम ১৮ - के चार्चक 😕 बातालुगारत कमजा शांश एके-

े '२६६ अरअल-एकत वह नि क्यान ' লপ্ট নক' গ্ৰণ্ডেম আইবেট সেক্টোরি হই-_কৰেন্ <mark>টিনি আয়ও বসংহণীয় প</mark>ৰ্বলক ও হাক ক্লপাঁট্ৰমেন্টের এক্সিকিউটিড ইঞ্জিনিয়ব থাকি ्रिया ।

नि व्यापादिक गांदकत विष्कृतिकां भारतत রভার সভাস্থ হইবেন।

स्टब बद्धान-ध्यापन मनिक श्रुणिय दमनाम ब्बा क्षि मार्के करिकें, कावन कुछीर ग्रनि-छ श्रीनर मानामानह अजिमिश चालक हो है। ुक्र्स्ट्रियम् ।

२७ व वट्यम-- एर्गमंड, उ व व्यास्त्र ^१ लिय नामरबद्ध विवासमय स्विक्तिस स्ट्रेटवन ।

🔭 २२ व बाध्यम—कारबन, है, वह उँहरिक्टन व्यवस्थात काटकामध्यक आहे केंद्राक्षिक छ । व्यापनातित स्वतितितिति ।

 हमर्डेनार्क व' बाबुन सम्बद्धां व विद्या প্ৰথেতির সহকারী ক্ষিণ্ডর হুইবেন।

ें 'रस्य बर्ध्यम-कार्यन कि, यम ब्रहेफ ३० वेलिक रक्ष्मिनीय श्रीनव त्रमामाना क्रथाक र्वेदिनंग ।

৺কাঁট্প্ৰৰ বি, নিড ৬গণিত পুলিৰ বেনাদ∙ क्षि व्यथान इटेरवन।

👬 २०० बध्यान--वाबू वक्रमाथ मनकाव ১৮७० श्रामान्त्र ७२ जादेन जलगाद छगलशादन जा-क्षा क्षेत्र

[♣]देश्च बदशन-ि, दस. ति. श्रीलगादर द-अविभिधि कारेके माकित्यु है उ (ए५) करिम्बीत वहेदरन ।

📆 कुन्दद्वा नांद्वय व्यक्तिरेशूटवर् अहि-क्षिकिविष्ठिषे ७ (७१) कि काटसहर

क्षिप्रमुख क्षापम (व्यापित्रश्रामिय देनाम्म्)केव 🛊 খচ, 🗞 ভরালার বেহারে বদাল

ক্ষিত্র কমিননরের অধীনত্ব ভেপুট क्षि दक्ष दिवस्य गोरस्य मूलनियायाम क्षिक्टक वहाँग वहेबा २८ शव १०१. के अभिक्यात्र का किर्के हित मर्भिक-

ं कामनाको अधीवक त्वश्री मानि चक्र हत्व वृत्र प्रश्नीवद्य वहेटल पूत्र নিয়া 'বে কলী বইবা অবাদ্ধ ও রাজণাতী, त्रक्रांत, दिनांकश्व, मानस्य ७ वधकाव महिल-क्ष्रिक्त मरश्रीर क्या आहेरवन

তেপুটি ঘাছিক্টেট ও কেপুটি ভালেইর জে कुकर्नात्स्य विष्या स्ट्रेट्ड जिस्ट्डिय अभ्य रहेन्द्र बक्की प्रदेशमा ।

ভেপুটি মালিটেট ও ভেপুটি কালেইৰ জে. आधिकवेता shee चाइत so आविष्मार s श्वानः মুদানে ভাৰাৰ বৰ্তমান ক্ষতার অভিনিক্তা क्याको महिर्देश ।

ক্ষিদপুরের অভিনিধি কেপুটি দাক্ষিটে ও ভেপতি কালেক্টর বাবু দীববদ্ধ বৌলিত কোঞ্চ-भारतिहरूम अवर्षे खर्माकांस मार्थर सम्बद्धाः ।

७०६ बारशाम-- मिद्द मिथिक वाकिता (वाह)-**हिन्न भिक्क। मध्यक्तिक क्याद्विय मध्य क्रिट्ट नह**

त्वनवश्च चात्र, त्कः नास, वि. च, क्रविमार्डे, व्धिक्त भाष्ट्र किमिहे। धम, मि. के यूपि मा-ट्व यामाहरम् मिकामरकाख क्यिकि मना इंदेरन

अतः वि-कारक्षत्र चात्रः (त्रश्चेतात्वे शर्बतः) रोजन म्हल्स्वत्र अधिकः इष्टे वन ।

त्यः, त्रि, हे हेंद्र माद्द्य (वश्याद्र अक्रिक्स अस्मिनी १ वे दबन ।

ab, त्यम् मन मारक्ष (डिमि अक्स्ट वि-দান্ত লট্ট্যা আছেন) বেছারের 'স্বিল ও সেনি-वृत् अस इ हेदवन ।

कर्गान्ड, कह, बुक स्वास्ट माटस्य माहबर्धन मिविस ७ मित्रियम सम परेटन्म :

खर्**निड, अम. (बाक्डें** मार्ट्स, बिक्ड मा-श्वाम ३ महिन्द्रान्य छाछित्रिक क्रम वर्षेत्वत. किंद् रेड सिम सना दुर्गन आका ना देश दिला-दाइ धर्न्डिमिधि निवित्त ए रिन्जिन । अस थी, क-दबम ।

थम, थक्, ८७/द्रिम मोटक्च विक्छ, मांक्वन ७ ¦ माझाबारसम् अफिनिधि अफिनिक अस इकेरनम

মালদক্ষে মাজিটেট ও কালেইর আব কে: উইপ্রাম সংহের প্রথমভৌগ্র, মা কর্টেট ও कारमञ्जेष इहेरवन ।

এফ, মাৰুনাট সাছেৰ প্ৰতিত ভিত্যিতো-निय मास्टिक्टि ଓ कारमक्केत इंदेरनम, किन् वरु किन अभी cath **कारका ना का**र नांश्वरण्य অতিনিধি মাজিকেটি ও **কালে**ইৰ গ' কৰেন।) अर्थ प्राप्त के प्राप्त के के कि का कि के मान হেৰ ১৮০৮ সং**লোৱ ও অভিনেত্ত অ**ফুলাতে ঐ श्यापा विद्यान अविन्याद्वत क्रमकः शृहित्यन ।

প্রোরত ৷

न्वित्यं निरामग्र-महासम् । आधार सिवित

ু শ ক্ষিৰেন। সংপ্ৰতি জানি মুজেন্তর জাসিরাহি । **८२ है देग्नाब अधिमध्या हमिलीगा एक्ना व** खकाणांकि वसर्व नायक कारण किलाम । वे कि त मांदर नवरष 'अबोब कि खड़ाबक संख्ये बहेब्र| शि-ম্প্রে। প্রথমতঃ নিবিত্ত খনস্টার চতুর্দ্ধিক আ-দ্য হয়। পরে উত্তর দিক হইতে বায়ু কেন আয়ু मानक क्षेत्र। चार्निएक चाव्यकरहा सर्फह द्वरश বত বড় শা**থি সকল স**ড় মড় করিছে লাগিল। रहे कहे । तक व विश्व शिक्ष बाह्य दिन हो ना वान वर्षे व्यात्र, व्यास्त्रत्रम् नाट्ययं यक्तिया विस्तर्यका काम 🕻 ८५ माणिन । कटलानिभीत क्रम विमान ए त्रलाकु ्छि इक्षेप कन्नर त्राय विषय्छ माश्रिम । संभागांत यन अन्यास कर्गावहीर कहेटल लागिल। व्यक्तिल भाराय जिलाहिक जात्य रहेन।जिलान देनदेगानि শ ক এার আখেতের টন টনানিতে জচর পেচ त अक्राध्य अधिमकाम खाउँमाम बाक्स प्रकेश । शांति व्याद्धितत्व ७৮ धार्वाक्षमादन दमित्रदान मन- । काल्यारा (क कार्य व यांव विकूष्टे व्यव नाहे । छै न्धान कविवास त्यांकस्थाय श्राच्या निहास कविटा । कि जवानक मध्य अहे मधासक अववासि शृद छ-्षिय् नर्गाष्ट्र शहा, जवारमा महिल्लाम शिक्षिक क्रिल । डा॰ 🖓 सांभूटवरण जानावर्त्वकरेशा नाम। कोटन भिक्ति। भर्द ये प्रतिवृद्ध हे है लि विद्यार विकास प्रशिक्षणय अध्या कश्च मानिक কাহারও পদ কাহারও চত কাহারও শুদী एष्ट्रदेशीरम् । आहर हरे अस्क्रम अरक न। (तहे अक्षक् नार्वेद्याः । मण्यां प्रक भवानेत्र ! का नि अक्षाक्ष वक्षण एड ७ लिन दिक्कि क्षन ५८ के दि चित्राहे । सद्ध मासूर छेड़ाहेर निम्न' या अक পে(য়া করিয়া এক একটা শিলা পড়ে ১ মা হ(চ केंद्र श्वक्रियम आय मध्या निमा (म्बिलाय ग्रम्स) (अहे नाहे। **८करन ५३ अन्ति च**ोर्सिन, नाह भारक, सम्बागमार खड़ शा मकलहे अलबध् बन्न (क्रस्त हुरे १४) हरू द हुक माठ **उन्नर** थानि है। # ८२वे कुण ८३'४ इकेटल लाशिल : अदि व्यव्हा-द इक नाथ ५ शुर्शनकाः। गामश्री लगेशा श्री च्छात दिवाल का बार अंदर अंदर अरुवाचे व्यवस्थात क्रेग्रह् । कान् अस काश्र दक्के हि.स তে পাবে ন।) ছুরুছখন বিশেষ ক্লপে ঝড় লাখিব। saic प्रश्रहरेव 'व स्वायम्प्रक नाहे । हुहै धरुषि स्वाय শ্যাত সংগ্ৰাস লিখিতে চইবে ছুইগান বেইল ওলে ঘটের প্রকার মাগতে লাগতে তিনকান स्या अर्था खान्य अर्ह्ड केन्द्रशास्त्र रहा भडाव न्ते खरे जा भाक्तिकात् मानव स्त्रीकाः मध्यद्भव कविट ज s हरत , आहे छिनिसाय क्वानश्रात यम्**त्री ।**याङ ৰ প্ৰতি অভান্ত মিষ্ঠুৰ প্ৰীড়ন কৰাতে উৰেশা ক্ৰ श्चित मागक श्रवक्रम अञ्चलादिक दिनमांग कर्तः ৰ।ল এইছাছে। আছে। ১ মহাৰাপীড়ক কীদি এছ-তি তামের ভেপুটা মাজিটে টাদিলের কি লিট इक् मा २ के ब्रिक्ट वर्ष ८ कम । १०१० । शामा १ भी १ भट्ट व किर्या मिनानी शामितवम ध्येष ना त्येष किक्क्षमा --- बुरक्षरत्व मध्याम भटम लिथि इ वाषा वाक्रमास्त्रा जि.ब.६ भित्रमानः।

खग्रवक दिव्युः Dema 1

कक्षिणा कविकास्त्र प्रक्रिय पूर्व मोचना दश्य वर्षम (का जो जुड़ क्षेत्रकार प्रस्ति हार विद्याल को का अध्य वर्षकामाध विमहाद्वारतम् नामित्व अन्ति ।नामनान

(भाराक्ष्यक्रीक्

" अवर्षकाः अङ्गिकितात गार्थियः अनुवनी अधिमक्ती व शीतकाः।"

८ छात्र। २१ मरप्राः

मन ১२७२। १ टेकार्छ । ই९ ১৮७२। ১৯ ब्स

ৰামিক ত্ৰা ১ টাকা বাৰ্ষিক অগ্ৰিম ১০ টাকা

विकाशम ।

আহকগণের প্রতি।

বৈশাধ্যাস জাতীত হওয়াতে অনেকের।
প্রনন্ত সোনপ্রকাশের মূল্য নিংশেষিত হট্যা

ভে তাহাদিগকে বিনয় পূর্বক জানান ঘাটতেছে যে ভাঁহার। জন্মগ্রহ পূর্বক স্বরায়
পাশামি বর্ষের মূল্য পাঠাইরা দেন। জাপাত দা সংস্কৃত ব্যেরই নূল্য পাঠাইবেন।

নে যি প্রক শি।

বিষয়ে সামবার।
পর্প্রেরকের এতি।

বীরভূমের অন্তঃপাতী কীর্ণছার এনে

শ্রীয়ু দ বাবু শিবচন্দ্র সরকারের যতে বাল
কলিগের পাঠার্য একটা এবং বালিকাদি
গোর শিক্ষার্য একটা এই ছুটা বিদ্যালয়
প্রতিত হইবাছে, তথ্য ক্রান্ত যে প্র
আসাদিশের হত্তাত হইরাছে, স্থানভাব
প্রযুক্ত ভাষা প্রকটিত হইল না।

লক্ষ্মীপাশা নিবাসী বিপিনবিহারী সর লারের লিখিত নড়াইলের কালীরা আমে র ব্রাক্ষ সমাজের প্রতি প্রাচীন সম্প্রদারে র বিবেঘ র্ডান্ড পাঠকগণের তাদৃশ প্রীতি কর হইবে না বলিশা প্রকটিত হইল না। শম্মন সিংছের সূইখানি এবং করিদ পুরের এক খানি পত্র নিভান্ত অসার বলি রা উপেক্ষিত হইল।

क्रमानि च कार्याक वालि आरमह म मनमट्श्यमनमश्काक भटा चटनक निरमह महाम लिथिक इरेसाटक बलिया अकाम कहा राम ना। बार मारम्बन श्रेष्ठाव भावे।

ভারতবর্ষের বর্তমান রাজস্ব সংক্রান্ত अधाम कार्य। निर्देश्य जमत्त्रवल लाख मा **হেব গত ১২ই মে নোমবার সন্ধার পর** ভেলহাউনি ইনটিটিউট সভার এক প্রস্তা व शक्ते स्टब्स्स । भवर्षत्र काटमब्रम मार्फ धनिश्वन, स्मर्ल्डन अवर्गत वीजन माद्दव প্রভৃতি অনেক প্রধান ব্যক্তি সভাস্থনে উণাদ্বিত ছিলেন। প্রকারটি বছ বিস্তৃত চইবাছে। উহা অভিনীতা পুত্তকাকারে युक्तिक ও अञ्चातिक स्ट्रेटन । माउ मारहर প্রস্তাব মধ্যে নিঃ লিখিত কয়েকটি মূল কথার উল্লেখ করিয়াছেন। প্রথম, ভাষার সৃষ্টি। বিভীয়, সামবকাতির দৈননিম **बिह्**कि मध्कारत जे छ।बात वस्रविध शति বর্জ। ভূতীর, ভিন্ন ভিন্ন ভাষার ব্যাকর ণাদি গড় সৌসাদৃশ্য দর্শন করিবা ভিন্ন खिन्न कार्जित এक मूल श्रेट्ट उँ० पश्चि नि র্ণয়। চতুর্থ, আর্থ্য বংশেব ভিন্ন ভিন্ন দেশ প্ৰমন্ত ভথায় বস্তি। পঞ্ম, হিন্দু ও हैश्त्राक्रिमिश्त्र के दश्म हहेट असा।

লেও সাহেব শেবোক বিষয়ট লইয়া
অধিকক্ষণ বজুতা করেন। হিন্দু ও ইংরা
ক্ষেরা এক বীক্ষ পুরুষ হইতে উৎপন্ন, ইহা
রা পরস্পার আতৃভাবাপন্ন; অভএব ইহা
দিসের পরস্পার বিষেত্তাব পরিত্যাগ ক
রিয়া সৌহার্ফ সম্পন্ন হওঁয়া উচিত, এতৎ
প্রতিপাদনই লেও সাহেবের
প্রস্তাব পাঠের রুখা উদ্দেশ্য।

ज्ञांकि कांत्रि करें अक्कि भन्न में स्मर्थ বাইডেছে, যঁ হোৱা বক্তা ৰায়া ক্ষাপনাৰি গের উদার ভাবেদ্র পরিকর দিয়া অশংসা লইতে অভিলাধী হন, ভাষারাও উনিবিড প্রকার বস্ত্ত। করেন, আর নাঁহারী गर्गाणम ल्याक, ज्ञिष् ७ देशामानित्यमः शत्रन्भरत्र क्षेत्रि विरवत वृत्ति मर्जन्य कृति हा बाखविक व्यमुश्चिक स्ट्रेस्टस्य, क्रीसी वा अवन्यरत्त वान्य मक्ति वानवार উভিধিত বৃজ্জা সংগ্নিয়া পাৰেলা ও টালা जारहर भ्यान ब्रांकश्रूमन, चात्रका दिन्ह क रे:ब्राटकता शतमात सूच्छावांशक एत. कांश्रंत त्य अवन देखा इंदेर अदनी सना বাহুল্য। উভন্ন জাতির *সৌহা*র্যা বন্ধুন **डिट्सटक द्विष्टिय चामिलका ब्हाबंदेन स** मृत रम, महाविक बटड, देश कीशाह वा मिक नारे। **विकित ब्राजणुक्तकका अक्नी**न দিগের উবেগ না জন্মাইকা রাজ্য করেন **এইটিই छै। हात देखा, नचाकिनात देनकुन** টাকা প্রস্তি রহিত করিবরে চেকা বারা काश व्यक्तिश्रमान इंदेरहर । किस ক্ষোভের বিষয় এই, উভয় :লাভির সৌন্ দ্য পথের কউক স্থ্য স্থীয়া প্রকর্তাত প্রভৃতি বেগুলি প্রতিবন্ধক্ষাচন্ধ ক্রি তেছে, ভছুজুলন বিষয়ে কাঁহারও কবি শেব বন্ধ দৃষ্ট হইক্ষেত্ৰ মা 📗 দেঁই এভিব क्ष र श्रीकृष मा रहेरन केवून ही ভিন্ন অকৃতিয় প্রাপন্ন হওয়া কোন কনেই সম্ভারিত নহে। যে বিজে মৃ**তি**পাত করা **यात्र, त्वरे निरक्रे शक्तश**्च लक्कि रहा। এক জন ইংশ্লাজ ও এক জ্বন বাখালি উভ

ां क्यांची रहा प्राप्त में वर्षा বের নিকটে য जर्भक हीनस्त्रीक, स्वाप्त अधाम सन वानानित्क केरणका कर्मिता हैरताक क कर्म भिरवत । अविधि शक्तमान मर्जन क्रिया बाणालित मन कि कथन है श्रास्त्र थि तो**स्या गण्यस स्टेट्ड श**ादा : এक জন বাশালি যে বেডনে যে কর্ম করিছে क्षा का है। का का का का का ্তিক হডঃ তাহার বিভাগ রেতন र्देख, अस्म ? हेश लिखिश कि वामा লির মন প্রীভিঞ্জসর থাকিতে পারে ১ वाषांक्षि चरशका देश्ताकिंगतत वाह च বিক, এ যুক্তি নিভান্ত অকিঞ্চিৎকর, পদস্ব बाचानिनिगदक स्य कूटभारा भाषन कृति **एक इंग्, कार्यक त्य वाज्ञ रंग्न, कार्यक्र** পদস্থ ইংরাজের ব রের অপেকা অধিক. বিশেষতঃ এক্ষণকার পদস্থ বাদালিদিগের बाप्त क्लाम करमरे नाम नरह।

अच्टन (करल अक हाकड़ी हे शक्ता **राज्य केमार्जन बाजन अमर्गिक रहे**ल? **এইৰপ অনেক বিবরে আহে।** এদে इ दिन्नो अरे नकत पिथिया क्रमणः बीक अ हरेराज्य । हेर्डां वा अक विंस अ अक বিষয় তত অনুভব করিতেন না। যন্তা त्री' **,नक् चनुख**नमालिका **करन**, এখন দিন দিন সেই ক্ষারণ উপস্থিত হইতেছে। পক্ষ **लाक पर्णन कड़िया लाएकत महम एय रेव**े यमा रुन्न, हेरा चरेनमर्भिक नरह। वहित লোক্ত কথা পুৰুষ কেইন এবলকে প্ৰাৰে সংখার করে কেন > বাইবল ১তে *উ*ন্ধর

अंकि स शक्त ह करतन, कहे **্লিন্ত, দ্মনাযুভাৰপ ভাহার** একটি কারণ ¹ ক্র ক্রিড বিশ্ববিগের সভিত ইংরাজ ্ৰ ইম্ব বিশেব করা হয় আমগ্ৰ 🗢 কোন কারণ দেখিতেছি না। दिनद्य हेम.मीडन वाचालिमिरशत नर्बत वर्गिष्ठ हरेन्ना बादक। करव

कुर्विकात स्थिक वल बाकारक स्टाटक व विविध् क्षित्रहरू वाकामार अंत्र केन केंडी ब अटदभी शिवादक व्यवसान करत्न ভাষাও ঐতিষ্ণীয়দিনের বিষম বিরাণের ' কারণ হইরাছে। অনেককে আমহা ঐ শ,কেপ করিতে শুনিতে পাই। ফলতঃ উটি.খিত পক্ষপাত নিবন্ধন যে সমস্ত অ देवध कार्या अनुष्ठिष्ठ इट्रेट्डिक, यङ किन ভাহা পরিত্যক্ত না ছইবে, তত দিন জ্ঞ কিয়ায় স্বিশেষ স্নোলিবেশ করা অবলা ভ। গ্রণমেন্টের নির্বৃতি লাভের সম্ভাবনা । কর্ত্তব্য । গ্রণ্ডের উত্তির আমর: আর কা নাই।

बाक्ष!मा दिल्लामग् ७ शवर्गभारतेत्र मोशागु मानः

গ্ৰণ্মেন্টকুত সাহায্যদানপ্ৰণালী গত যে माव चारह, चामत्रा भूटर्ज विरमय अविहा | তাহার উল্লেখ করিয়াছি। এই সদেশ চরণ করিতেছে, ইংরাজীব ভত নতে। সূটি কারণে লোকের ইংরাকীশিক্ষায অ ধিকত্র যত্ন ও অনুরাগ জন্মিয়াছে। এক, ইহা রাজভাষা। যাধতীয় রাজকাষ্য ইহাতে নিৰ্ব'হ হইতেছে. ইহা স্নানিলে অর্থোপা র্জনের পথ সুগম হয়। বিতীয়, এভাবাটা বাদলাভাষা অপেকা বছগুণে উৎকৃষ্ট চ ইয়াছে। ঘাঁহারা কেবল ক্ষানোপার্ক্তনের জনা সভানকে শিক্ষাকার্যে নিয়েছিত কবেন, ভাঁছাবাও ইংরাজীর প্রতি পক্ পাতী হইযাছেন। ইহাতে অনেক উৎক্লয় अष् चार्छ। क्षरायन कानवात महस्क উ শাটন করিয়া দেয়।

বাদলো ভাষার ঐ উভগ গুণেবই স দ্যাব নাই। প্ৰথমতঃ ৰাজলা ভাষা ইংরাজীব नाउ वर्षक्री नाइ। हेश्त मनाव वामा পি উৎকৃষ্ট হয় নাই। গ ভাগার উৎকৃষ্ট अञ्चलका इसं खु। जे इंग्री खन बारे निल য়া কি এ তাষা উপেক্ষিত হুইবে : উপেক্ষার কথা দুরে থাকুক, হাছাতে ইহার সন্ধালীন ব্রিক্টাকার্ম বিশ্বরে ইহাদিনের হীনভাই 🖯 উল্লিভাল হয়, সেচেন্টা কর। সর্বভোভা

कंद्रियात कात्रकः विषया वाणामा क्टलत के हैर व करें के बात बातन वहें ल. देर ' स्विकिश्य विद्वीकन कतिया विश्विद्वा है हा जिलाख्यणाणां निष्कता प्रत्मक नाहे।

यथन अटमनीअ मिरशंत विकानुमारत साम न। जागात अनु भीलम विषय विस्मृतकारण मि विकेमना इहेव द छूँगे महान अ इतात मुक्के इहे ्टरङ, अथे**ड केटा**ब **डेट**शका त्कान करमहे সু । সহ হইতেছে না, ভখন গৰণনেটের এ হাকে কহিব প্রজাগণ লাব্ধ ব্লিচ বুকিতে া না পারে, ভারত পি তৃত্বানীর গ্র**ণমেন্ট**ভে । সেই হিচন।ধন কাব লইতে হয়। অসতঃ ब्राजशताब माप्य व्यामामाध्य व्यवस्था नि র্বোধ ও অং বেক নহেন। প্রকার হিত্পা धन एपि अवर्गस्मात्केत सूचा छ क्रिका इस. अ প্রবালী বাজলা শিক্ষার যত প্রতিবৃদ্ধকতা জার বদেশীয় ভাষার জীর্দ্ধি সাধনের জুল্য श्चिकत्र कार्या अन्त्र आहि।

वाष्ट्रांकायम् डिमॉड लाम भवर्षामणी माश्या मात्वत छेलत्र निश्च निर्धत कृति एट(इ. हेडा यथन दित हरेल, उथन माइ. यानामवियदम डं॰ताकीत महिल हेकात किছू विस्मय कता भ । स भारमाक । सा माफिर्भित चिकित कर मिर्मिय अरे, भव ৰ্মেণ্ট যাবৎ বৰ্ত্তমান সাহায্য দান প্ৰণালী পরিবর্ত্তিত মা কবেন, তাব্ৎ বাদস্য বিষয়ে अरे नियम कन्नन, १२ ता श्वास्त रक्तिमाः লয় চইবে, ভত্রতা লেণকেরা ছাত্রদের বে कन भामक एक छै।कांत्र मश्रमांत्र कतिशा नि বেন, গ্ৰণমেণ্ট ডভ টাকার সাহযো প্রদান कतिरवन । এ निश्रम स्ट्रेट्स अपनक स्ट्रल दण दिमाला अञ्चिष्ठिक स्टेट्ड शाद्धा व बिद मश्या वक विकालिय हरेटल वक्कावाय উৎক্লুক্ট প্রস্থের যে অসম্ভাব আছে, তাহাও ক্রমশঃ দুরীভূত হইবে। উৎসাহলাভ ও এলোকৰ উপস্থিত হইলে কোন বিষয়েরই व्यमप्रक्रि बीटक मा। পরিলেবে এই প্রাপ্ত ঈ বিভ হইতেছে, জাৰৱা বে প্ৰস্তাৰ করি

एक्, अवर्गद्रमण्डे कि ज्ञालन देखान कम्मून् श कार्य कतिरवन र कवनहें ना । बार्चना नि কার সাবশাকত। আমাদিগের কেলের যে प्रकल वास्त्रित स्वत्रसम्ब क्षेत्राट्स, छीहात्रा स्तिथिक क्षार्थमा क्रिया हजूमिक क्रेट व्या: तम्म कक्ष्मन्। भवर्गटमन्त्रे छीक्।मिरशत य शह वृतिदन अविवद्य यथः हिन्छ मदनादगा १ कतितान मत्मार नार्रे। चाकि कालि मि त्यव प्रात्मालय वाडिद्यदक कार्या निक्ति इटे व व महावना चाकि जान्त्र।

কি সক বিচার ·

वक माकिएक्वेड 'इ एंश्टराज्याही मा ·বাগরিটি সব মজাউলেন। বারস্থাপ্র দালা এড যে আইন করিভেলেন, প্রধান भुक्त थरा। वर्त्रज अवविश्वित्य प्रद छ বন বিচার শ্রেবর্তিত করিবার এত যে ७ कि वितिष्ठ क्रि. के सह भूक्रवित्वय क्टेंट मसूमात्र तथा व्हेंख्ट । वाथ इस, রগু ভাকাইকেব নাম আমাদিগের পাঠক গণেং কাহারও অবিদিত্তন,ই, সে নিজ व.म द्वारनत निरुप्ति शामक लाकनि ার নিকটে বার্নিক করিণা রাখিরাছিল ! নাহ'ব। দেই ব:িজ ভিড, ভাছারা অব্যা হতি গাইছ। সে দসুরে রক্তি করিয়া ভাষা দিপের দর্শব হরণ করিয়া আনিভানা, षरावा **इट्टेलरे च**माया **१२७। त्र यथन** ঐ বাধিক আদার করিতে ঘাইত, গৃহত্তের। কে'ন ৰূপে ভাহাকে কিছু কিছু লবণ কক্ষণ করাইতেনঃ ইছাব ভাৎপদ্ধি এই রবু নিমক হারলে হইয়া তথার ভাকাইতি ্টরিতে ন। পারে । রবুও খাচার একবার লবণ বাইত, তাহার গৃতে দলু রাজি কার করেন তাহা আমরা বুরিটে পারিতেছি । থানি স্থাদণত আছে, তৎসম্পাদক ७ न । किन्छ प्यामाणिटशङ्क जारङ्गाशः वयू 🗐 💵 । দিশাকে কিছুতেই পারিবার বা নাই, লব नार विविधि मृद्धिम मा।

জনশকারী কৰেক জন রামাধ বৈক্ষব গ বিধেব ক্ষতি পুরুৎ করিয়া ভাঁছাকে বিশেব मन कतित्राष्ट्रित । मकर्टा के कार्यम द्राचा करण मर्कक कविता (क्युता कर्कवा । তেরা নিভান্ত নিঃশ্ব নঙে। তাঙালিগের স त्व अक्की इसी ७ करवा हिल । ভবাকার দারোগা কাহাদিগকে দক্ষা বলি **रहाभा मार्ट्स्टब्स् मरमाव**िशा भूग कर् नाई) अर छड्डा मास्ति क्वे माररावत ि উপার হৃইয়াছে। আমরা বিক্যান জানি **শ্ৰেড নহে যে বিনা প্ৰ**মানে কেনে য **डिएक काताकृष्य क**त्र। २य . किन्छ मा*जि* ষ্ট্রেটেরা কি জন্য ইচার বিপরীত ক্ষে

য়াহা ছউক, আমৰ গৰণমেন্টকে অনু া " শার আর শুবই কর, ভাঁছাল সর্ব | রেখে করিতেছি তাঁছারা অবিলয়ে পুণিরার " वाकिट्युटिंत देककियर छाहिया शास्ति । ^{अन्}≱ि बनाजत कादबाश नाटक्दरः । ।। दिन्दन औरम्हद्दत केशद्द विवद कविया । १८ एका निवसन अविष नियम प्रकृत करें। इत्याधनिशास्य काहासूच्य कहा करेगा पारक,

बीटक् । विचमरम्बद्धन अजिकात शृविगात । छाडा इहेरल छ। जानिमरिक अहे वर्ष क्र मध्याम माछ। लिथिबाट्यन, कथाय श्रीतं, कतिया न'किर्योट्र एवं तकम स्ट्रेट छात्रा

হিকুণ্ডের আসরকাল:

যে কোন ধর্ম হউ হ, ভতুপাসকগণের য়া ত্রেপ্তার করেন (বেল হল ভাগারা দা ঐহিক ও পারতিক শোলসাধনই ভাহার উদেশা। কিন্তু উপাসক্রমণের স্বার্থপরতা 🦿 उ पूर्वका निवक्षम वद्य चूटल त्नई खेटकाना कर्छ পाठारेहा त्मन। माकि हे हे मार व दाविक करेवारक। अक उरकात सेकानमा र हिन्दिशत क्रम मात्र कार्यादात्मत आरमभ । हिन्द्वितशत चामि धर्म ; खेलातकित्वत निवाटक अरे महान यनि मका दव, एवं स्माद्य छेश करम अमि विक्रक हरेवा केंडि क्रत खत्रोकक कां अत्मर शहे। अधिक ग्राह्म स्व अध्य खटनदक मक्त समाहिक मःश्रा बाकि(ट्रेडे ও नाद्राभादक कामानि । हिन्दु धर्धावसदी विलिया शतिहत्र निर्देश स्थाप গের যেৰূপ জান: আছে, ভাছতত এ স । বোধ করেন। উপাসকবিগের জুরভা ও य' म राष्ट्र अविस्थान रहेराज्य ना । व'मा न्याराज्य वाता सूनलमानस्य विखाद पूर्वि मिर्भात व्यक्तिया अक व्यारमत अक गृह । उ हहे ब्राइड । त्रामाम कार्यालास्त्रता पृष्ठ স্থের গৃহে একদা ভাকাইকি হয়। দাবোগা। ধর্মকে কি শোচনীর **অবস্থানা পাওরাই** আপনার চালাকী দেখাইবার নিনিত্ত কচ । যাছে: সম্প্রতি চীন দেশে যাছারা রাজ কগুলি ঘাৰুড়িয়াকে ডাকাঁইড ব'ে..৷ এে বিপক্ষ চইধা মহান্ উপদ্ৰৱ উপস্থিত ক্ষি खात्र करतम । मकचारताव मार्कि क्षेत्रहेती कु आहर, ठाराता वृक्त धर्माकनदी बनिया नात्रि तक रमनीश कामीमिरंगत चरलका चलमः हम रमत, देश्त्रारमता पृथे धर्यायमंदी त्रशिश ও রাশীয় বিচারপতিদিনের নারে খেডা : প্রথমে তাহাদিধের জনুপঞ্পাতী ভ্রম চারী। লোককে কারারুদ্ধ কবিবার হ, । ছিলান, কিন্তু হাত্যদিমের কার্য্য কর্মন शमित्रित य कृषः अ तह मन विवादन कितिहा धर्यन आवात कीशाही विश्वक इन्हें র আইন তাহা তৃপ্ত করিব'ৰ বিলাজন। রা উঠিয়াছেন। কলভঃ উপাসকদিলের ব'র্ধপরত। ও মূর্ব্ছ। ধর্মের অধিকতর खात्रकवरीं शनवन्द्रमा के विश्व विश्व विश्व विश्व कि कि कि विश्व कि विश्व विष्य विश्व विष्य विषय **এই विषएत्रत्र धानण कतिएकहि, जावा निएन** निश्चि रहेर्डाइ।

নোষাউনগরে সভাঞ্জকাশ নামে এক कर्य व माम मूलकी ७३७। बनायह श्वान-শ্রদ্তের প্রধান প্রোচিতের দেখেন करा जिथित २.५ का छे दह जारा ३. क्षकारम् अकाम करत्रम् । अधानः भूतः व क मञ्दाय की अकतुषु की बाधनाहर हा কাবতার বলিয় পরিচয় কেন ১৭ ট্রাকে

ইয়া ল, । করিয়া ধার্মের। সভ্যথকালে ্ গাল পুরোহিতের (শ্রুইাকে মহারাজ विश्व) **এইनकल पूर्वावशास्त्रत्र** कथी लि থিত হওয়াতে মহারাজ ভক্তা সুপ্রিমকো ^স নালী**শ করেন। সম্প্রতি** ভাছার বিচার ार्ड्स**्ट्रियाटर। मरात्राटकंत e ग्रा**का कति হাছে আর তাঁহাকে মোকজমার बाब्बाय निष्ट हरेरव ।

ধাম পুরেছিত উপাসক্দিগের স্ত্রী ক ন্যালি লইমা বাবহার করিবেন, ইহা কেন্ ্ শুর্ম শাল্কে আছে > এত দিন অক্যানাল্লকা র সমুদার সাক্ষ করিয়া রাখিয়াছিল, ছ শ্বরিটেকী ধর্মনাম কঞ্ক ভারা সাত্ত ইবীয়া যাহা মনে করিয়াছে, ভাহাই হই রাছে। প্রতিবাদ করিবার নোক ছিল না। **এখন সে কাল অভীত হ্**ইয়াছে। সাহস श्रुत्रःमत्र वे मकल प्रम्भु दृष्टित्र विषत्र श्रकः শ করিতে পারে এখন এরপ অনেক লে: क रुरेग्नाटम् । औ अकल विवयः वक अकः मिछ श्रेरित, छछरे लात्कित कि धार्मत প্ৰতি **অগ্ৰহা** *ল***লিবে**।

বোষ্ট্রের এধান বিচাবপুলি উক্ত মোকক্ষমাধ আজ্ঞ। দিবার সময়ে এই কথা वरमन, ''य विषय नीजि विक्र क छाहा कथन धर्मानूरमः पिठ स्टेट शास्त्र मा। या म কল প্রথাব ামাজের মূল পর্যান্ত নতীক রিবার ক্ষমতা আছে, প্রকাশক্ষেপে ডাছার **প্রতিবাদ** করা নিতান্ত আবশাক । , যদি আমরা অনুধাবন কবিল দেখি স্পায়ী প্রতী রমান হইবে, প্রধান বিচারণতি প্রকারা স্তুরে ভারতব্দ যদিগকে এচ লিভ কুস-স্কার পরিত্যাগে যত্নশীল হইতে অনুয়োব করি ब्राट्स्न ।

ভারভবর্ণের এ অংশে উক্ত এহারাজের नाथि धार्षिक नाहें असन नय र देखवरी एकः ্লি : এই চত্ৰের ভাত্তিকদিণের প্রব প'ন ও বারাখনা দেবন কি অনুষ্ঠ নয -্কোন কোন ভদ্ৰবংশীৰ জী

व मः वर्षाशानकिर्देश औं क्यांनि म । लाक्ड इटक्यटब्रव आरामनाव (मह नम প্ৰকাৰে। মেড়ামেড়া, কণ্ঠাভন্তা আ **उ**त्त काला क मस्मात मर्त्त कि कृकियात्र कार क्षेत्र दिव **पृष्ठे इ**स मा - महाक्षरान शम्ब्री, कर भारत है। जन्मी एक मिलाई व्याप र्भ १ क्षण करेश्वारक्षम । सर्थम छ। गरुनात्मर यकत् ५। धन मञ्जामक्षिरगत् छैएन्या 🐯 য়াছে, ভখন ভোগি বিশেষ অথবা বাজি বি শেষের মনোরঞ্জন চেন্টা পরিতাপ ক্রিয়া ख्याक श.क **हिंद्य स**ंद**ें । क्या**क्त केंद्रकारन क्तां विषय। (सः मरमं विस्कत्तं धर्मः ५ वि सक्त अथा अष्ठाकुं ज ना इस, जारांद्र राषार्थ উমতি লাভের সম্ভাবনা নাই।

लखन ७३ बहुल्ल ३५ ५२।

ध्यिन नेन्नाहरू । शका**ख्या**ल भद्रोका पिया मक्टन बाक्रकाय **शास्त्र क**ेरवा **अफ**्र বিচ্পুক প্রস্তাব ১ লা এত্রেল কৌন মাদ क्यम भगर्ज विष्यं विषय हरा । (हर्सिन महारूप मभाराष्ट्र उडे ध्येखान कर्रन स्य ।भविस नवविभ , भारताष्ट्र यावणीय भारत क्ष्यत भनीरकादीन नाकि -क्रियन अंखि জাশিত হয়: যদিও এই প্রস্তাব বিচারাত্ত ভালাছ হইল ভগালি উক্তনিচার দায়া প্রাণা-গু প্রীকা বিষয়ে কোন কোন কমত খালু স . कात्र अकिथात्र कान इंदेशाइ । । व्हार्लिन | निर्ध्याच्या वस्त्र काला श्रीरकाष्ट्रीय दश्, महाइव कहिरहान ता शुक्षांत्यका अकर जातक পদ কেবল অনুপ্ৰহ বা আইনিডানিবল্পন প্ৰদন্ত হটতেছে অভএৰ টহা বুহিত ক'্ষা क्रवल गढ़ी क्षां होनं वा कि बिगडक द्राष्ट्रवाद्धा ি গুক্ত করা উচিত বিদ্বাসটাট সাহেত এই প্রভাবের পোরকভার কহিলেন যে ভারতর-८भंद्र मिविलमर्विम विवक्त अकाना भवीकाद एव তা বিক ব্লীডি প্ৰবৰ্ত্তিত চটবাছে তাহা ফল न्डो इह नाइँ । भू**ष की है नी हरून छा**छ नाकि কিলকে ভারতবর্ধের রাজকার্গো নিযুক্ত কং, দিবিল দ্**র্থিনকৈ নীচকরা মাত্র** • তথাপি **जिन्नि ३ ॰ म शोद कर्ष्य मध्यक्ष ५६८२: नि मारहरमब्र** (पार्वका महित्सम महक्रम महित्य बनिस्म বে পরীক্ষান ইণ্ডিলান্থসারে, কার্বার্শিরা আজি विक्र कार्यापुर करन

গণিতশাল্রে শ্বাংশর হয় মটে, কিন্তু প্লাক্ষকা. ব্যে পারদর্শিতা **প্রকাশ ক্**রিভে পারে না . অভএব প্রকাশ্য পরীক্ষার ব্রীতি যায়তীয ডিপাটনেনে প্রচলিত করা অনিষ্টজনক হট (व। शीककृ नादहव अहे अखिक्षांदाद (शाव-কভার কহিলেন যে পরীকাক,লে কার্যাধি িলেব প্রতি যে সকল প্রশ্ন প্রচন্ত হয়, ভাহা অতি শযুক্ত। ভিনি শক্ষ্মান্ত সংক্রান্ত একটি **्राप्त डिल्डिय कडिया कहित्यम (व मञ्जा**र क्तामा महाबद्ध कथा प्रत बांकक सुध् পাজনটোন গাছেব উলার উত্তর দিতে সক্ষ हर्दे का मा, कुछ राजकांगा कि रहेट छेवन এটের উত্তর প্রত্যাশকরা নিভান্ত অবিবে-চৰার বাবে বাজ্যনত ব লছা তীন্ লিট্র ক্ষিকেন মে প্রাক্ত পরীকার প্রতি একটিও শুরুত্তর আংশত্তি উপাপিত হয় নাই > প্ৰথমত কৰিছ হর্মান্ডে যে এই রীড,গুলারে কেবল বু,গুরুতি ও যানদিক রন্তির বৌক্ষ, হদ, কিন্তু ধর্ম প্র हा । व भारीहिक छर्नक अप्रमुख न क्या इव না ৷ ইভার উত্র এই বে কার্যাপিঃ শারীরিক भाष्ट्र हिकिएनकदकत बात्र, शबीकिछ ब्हेश बादकः हार्यक्र विमरत्रा ग्रुक्तनः अङ्गे ।व स्थ्यम সভিজ্ঞানপত্ত ড ৮৭ আছরণীয় পরার্থ নছে 🕫 সকলেই জানে যে জনায়ালে অভি এন পত্ৰ 🕟 লাভক্ষ: যায় ।ক**ভ ভারতব্যায় সি**ৰিল নবিংদৰ গুৰারীভিতে ঘেৰুপে চার্ড্রের পরী कः इत्रेज, अकरण (भर्दे स्ट्राप्ट्रेक स्ट्राप्ट्रक र ভাগন লে আপনার সম্বধিক প্রিঞ্জমেশ পরি-ठेव निश्ना थोरक। अक्की द्याराम कालन् अङ दम श्रीहीन विविद्यारण मञ्जादनका वाक्षकाम् কটতে বধি ভ কটতে পারে। ইহার উত্তর এই বে প্রাচীন বেলাণীরা ববেও পুরস্কার লাভ क्तिया, शास्त्रमः किञ्च किञ्चमा छै।शास्त्र मञ्जू ्रवर्ग व्यवहाना बहुत्त्व कार्यका मम्द्रिक क्षप्त . গ্রহ লুভি করিবে, ডামার কারণ অক্সমুভ হয না : প্রেরে বিষয়ে কথবিছেব্য এই তে একরণ প্ৰেম কিছু সৰ্বাদা প্ৰদান্ত ব্যৱস্থা যা কেবল উপ হান করিবার নিনিত ছুই একটি প্রেপ্ন নির্পাচিত क्या क्रिक अन्तान । अहेनका विमन्न विरम्हना করিয়া কেনেসি সাধেনের প্রাক্তাব আহও করা ষ্ট'ভিত ব্যোধ চই**তে**ছে। তদনস্থয় সৰে **জ**ঞা **থু** हाराज्ञ माशिष्ठा छ। इम्, मदसक भाकि रहेन् अकृषि महत्राज्ञा बर्स्- ब बहेता। हेश्यरक जोकत क्षेत्र करियते करहा ल किर्दासीय दश माहै ।।

आखन रहे स् माद्यन क्रिने ब्रांटकाब जा-गामीवर्दात्र आह राष्ट्रम अन्हित्महे अर्थन क्षियारहरू वाष्ट्र १०,०३०,००० रमी ७, आहे.

৯ • • পৌন্তঃ

नोजबर्गन माहेदक्य हेश्दरकी अञ्चलि ! এখানে মুপ্তিত ছট্টা বিক্রীত

রোমক পত্তনে এমত জনরুদ উঠিয়াছে বে পোশ বেগম সময়কে দেবীদে প্রতিষ্ঠিত ক वियोव किथाय क्षेत्रमा क्रिकाम क्रिकाटका। यक-त्मान्य देवरायराया नामा (देवराद्या क्षा शक्त (।।भान्काविकक नाज) वामान काशामिक भरोद्यात्र। मुख राक्ति विस्मरक স্মিধিক শক্ষিয়ায়ণ শিবেচনা করিয়া গোলাবী লখন দেবভাৰণে প্ৰতিষ্ঠিত করে ८दश्य मधक (महे क्या ५क ६० में इहेरका। विश्वमित bas आश्रमात्र शहिकरण्य मर्था चारतरक মদগত থা কতে পারেন। ভাঁহার উপপত্তি দানীর সৃষ্টিত হাজা পরীহাস করিরাছিল বলি-हा विश्व के भा तिस्य अव कांश्रीमरनद निर्देश স্পাৰত প্ৰোধিত কবিয়াছিলেন > অপ করি যা বেগম ছয়জন উপপতির মনোর্জন করি-তেন। পরে রকাবস্থায় তপ্রিনী লয়েন। মনে भारत छोडा व हे न लार्थ विकासन विचान हिल. লাপচ ভালার হত্তে শালগ্রামানির অবমাননা व्हें ज्ञा । उथा थ. वेक्वेलि अल्लाम कं काव विख्य धन निक्षित इंडेवाटक द्वाध इस द्वाधान काणा लेक एक वी बारण कि विभाव कारण विचानि इडेरनन ' कर्रोन शर्फ छलको एउस छपूर्यन हाइ उ नहरू । अकदा कि जा की वन कुल्धां बनकी भाकिया पुरुष्तात समि करतम प्रामि श्रेष्ठ वि শুণ্ডে নিশাস রাখিয়া মরিভেছি ভলে সে ৰেত যেন দিগের সহিত দিশ্রিত হটবে। ^না-मारतत बरलभात धर्मा त्य हेदात कछ कार्कण, ভাষা আপৰার পাঠদেরা বিবেচনা করিবেন:

गरপ্रতি একজন স্থাচারপর সম্পাদক रेका पुर्वाक आजमान कविया (अक्छारां कविया , % ol .

পুরুণ তাত্রেরা ধেকাপ কলেকে পরীকো दींग करेंद्रा बंग्टकन, औद्याद्राविकारण भिर् ांभणात जिलाब विशिष्ट कहे। कहेरलेक ।

खा कतिहरून । किस शिवेदनाटम अकामकी मुख्याः । विश्वेदनायदेशक अकि विद्यान की कि धाउँ हर केव बोबन्न वास्त्रिक्ष साध्यानम् क्रिश्टम डेन्नलावन क्रियात विभिन्न विद्वस्त करी क्रिका बारकम ।

> একজিবিশন কাৰ্য্য আৰুছ কবিলার নিষিত্ত क्षक्षक कविमानन् नियुक्त क्षेत्रार्ट्य , हे श्व-८ थर्दरी उपकारम मधन एटेएड प्रदर्भ थाकि বেন ৷ ইহা নিশ্চিত বলিয়া শ্রুত ক্ষ্ট্রীল যে স্-प्रीष्टि मर्शारम अन् है रमस्य कांगमम कविराजन।

ফ্রাদীন দেশীয় বিখ্যাত কৰি ও লেখক वाबार्किन् व्याबादवर दल्लीय व्यावकरण व्याच সন করিয়াছেন কবিদের সাধারণ ভাগাঞ্-সারে তিনি একণে দৈনা দশার পজিরাছেন , এক ব্যক্তি তাহার পক হইরা ব্যবস্থাপক স্থা **म्य उंशिक इति प्रियोग विश्वित ज्याद्यप्रम श**ङ् প্রদান করেন ৷ কিন্তু লামাটিন ইবা অবণ মা-ख बरम्ब्। १० मभा स्वयु अक मजारक श्रव कि चित्रक रा के जारनमन भरा एक जाका है। कारन, जिनि बरमन कहानीन लारक्या रा स-श दांश्रमात्रम श्रमाती कावशत्रम कवन ना क्रम ভাষাতে ভাষার কোল আগঙি নাই, কিছ পু-র্বে তিনি রাজ্ঞাসন বিষয়ে পুন: পুন। বে ম. ভ প্রচার করিরাছেন, ভাষাতে সমাটের রা-ক্লেৰ বইজে বৃত্তি অহ্ব করিতে পারেন मा । व गुरुश्त नामाछि त्वम छेलगुक्त रहि । आन्यात नाठेक्टमद घटना चाटनरक सार्वन ৰে উক্ত ভবি সাধারণতন্ত্র পক্ষ লোক।

> के बरकात ।

थाम रहेडे द्वाब कुलाव नः प्रकाश देव। शा हि रिष्ठ के र्यं के किरान । ... रेड धक कार्त-মন পত্ৰ প্ৰস্তুত্ত কৰিবাছেন। তাহাতে উক্ত म्ह्यादम् व काश्रक्षवरीत् भवन्दम् स्टब्स् डे পত্ন শতকরা পাঁচ টাকা ও বজের উপর শও-क्या प्रम डाका त्व शक काशन कतियादहन, ভাহা অভি অন্যায় তথারা ভারতবর্ষীয় ৷ वारमाशी मिल्राटक किरल छ : मान मिनशा स्के তেছে ভারতব্বীর ধনীদিগের রাভারশী প্রভৃতি কাব্যে নিযুক্ত পশি উচিত, বেছেতু वश् बावगारव डांगारवत शक्यामण जानविकात-इक् विरम्भ कार्यन नातीक्ष आर्थन अहै त्य र एश्वत कारुमांस कारणत अपित अक रहाति। कृत्रम् नः दमञ्चरादङ अवर्गदन्ते भक्तभाक्तिका कदिएक्टर्डन :

व्यागान विनीत ब्राव्यक्रिके स्वानीन क्रिक विश्वविक व्यविद्या । **अनुवाद होत्र** পত্ৰে উক্ত হইয়াহে বে তাহায়া হাৰ্সেন্স, ও লিঅ নগরস্থ সমস্ত আন্ধ্য ব্যাপার কৌতুত-লের সহিত্ত অবলোকন করিরামেল। কোন কোন ধরানীৰ সম্পায়ক বিখ্যা কৃত্রিছা দিনিং बार्ट्स य निर्भ संगठत केंद्राता वास्त्रीह भ-करहे आर्वाहन कडिएक की करा, आकाम स. রেন : বিদ্র লেখকলৈর স্বরণ করা ইটিড ছি-ल एवं निमंत्र प्राप्त कोई क्या ७ वांच्यीच मकड বর্মদান আছে, এবং ব্লাক মুক্তেরা ভকারটো भागवन क्षिप्राट्य । वाहित्र वश्य प्रावित र वन किन्द्रासन दिविके धार्मिक स्ट्रेस नार्ख झाहेक् अशक्षा अहिंदन । "

काणां वायरमासम् बारवत् संसू स्वितं सा তম সাহেব ইজিহাস ভন্ম বিষয়ে এক শ্বাস্তাৎ ষ্ট পুত্তৰ প্ৰস্তুত ক,ইয়াছেন। ভাষা रहेएएए। बर्र अर्थितिमस् अधिवित रहेटव ।

মৃত অন্বট বাহাছারের কীর্টিট্রিছ স্থাপ নাৰ্য উপযুক্ত টাকা সংগ্ৰহ হয় নাই, অন্তঞ नाथात्ररण जिल्हा जात्रक बहेत्रारह ।

क्ष वहेन य अव नानि मानिक्स (वरः গারিবাল্ভির সহিত্ত সাঞ্চাৎ করিতে উদ্য করিতেছিল। অস্থাসভান করাতে আহার বি करे वांक्रम ७ श्रीमधूर्य अक् लिखन एडे बहेन **अथान वर्ध शूर्ट्स ' द्वांशामानि ' विनदम वन्द** भ्यत त्व ताल अवन्त्रां हिनाः अम्मर्ग हेडानि কোন কোন অংশের অবস্থা সেউছণ হয়

चारडेन् ७ ब्रीफ् नाटश्य देवेंहें किया त्य স্পানির ভাইরেকটর বলে সংবাদীত চইর ছেন**) উক্ত কোম্পামি স্মাজিও প্রাণ** ড্যা करत्रन नाई।

সিন্ধ-রেল-ওয়ে কম্পানি প্রভাক সংয २· लोश दिमार्ट ১३०· • खरम यात्रा see,eeu পৌশু সুল্বন রক্ষি করিবার নি**ি** ভু আ'বেচন করিয়াছেন। তথ্যা। গলুবে চা **उड फिक्टी भागान्त (लोकदर्फ) क्षाना** स्टेश्व । आर्फ्किन इट्रेड कान एक उन मध्य

रिक्रियम् विक

ध्रास्थ मीक संभव। এতেক স্বোর ॥ वृक्ति निषयु

> 🗯 পাতা ভক্র : काली करत निर्वत ॥ मिन अपि अरियन। विकि निका, दर न ॥

> > বার্টি ু ভার চ

रामवद्ग ब्यांत्र हुँ देश छत्र ॥ **भूगांद्र आ**इण श्न ध्वनी । विभन्नवज्ञम विषया शबि॥ क्रिक्कीय स्म दर्गादेवस व्याप म विधिष्ठ विधिष्ठ क्यांथा भनाइ। উঠিতে বসিতে যায় তো দিন। ব্লাভি সংখাপন ৰক্ত কঠিন **এ** কালরাতি সম বিষম খোর। কানুমান যেন না চৰে ভোর # व्याधन विरुद्ध में वाँ एक क्षान । कें। भारत कर इंग्लंड वर्ग महास् কত দিন আর এই যাতনা।। क्छ पिन भीख विदेशभा ॥ কাজিয়া না ছাতে একি বাসাই। मेंद्रम दम ज्या (इट्ड शनाई ॥ न्यम ११ई हेह्य ३३० २ ।

विविध जरवाम। ৩-এ বৈশাখ সোম্বার।

হরকরা সম্পাদক নিম্ন গিপিড ইউরে:শীয ও আনেরিকার স্থাচার প্রাক্ত হট্যাছেন :-মেরিমাক নামক থিছোটী জাচন্ত মেরিকার দক্ষিণাংকের লেক ছিলের জাত ক্র श्वर्यसम्बद्धेक किन थानि साथास यक्षापूर्य कः । स्टल (४६) हि.स्४३ ।

অবুর্থিয়ার উপকুল হইতে পলাবন শক্তিয়া তেন্ত্রির শন্যাদি ন্ত করিতেছে। ইয়র্ক টোবের সিকটে এব होतिकाह अके नक रेमक के लिए अस केरिक **13**(77) 5 (

प्य 📆 भवर्गदमके महिताह जीमां 🖚 নেন প্ৰনা এক এত করিয়াছেন :

একণ খনশ্ৰান্ত করাসী যুদ্ধ জাহাজ সক্ষ নেশল্ডে হাইভেছে।

মানার্গ । এক জন বিখ্যাত করাসী ধর্ণ: क) विठाएत भूक ष्ट्याएक्स ।

३२हें अध्यना

করিত্রগরের নিকটে এক ভয়নিত বুল । এইয়াকে কিনা জানা ধার নাই। হইয়। বিশ্বাহে। প্ৰণ্ডেক্টের ২০ সহস্র ও विद्यानी जिर्जात ०६ महता स्थाक हरू वहेंगा-एनः मिनापि **स**न्द्रेस 'बिट्डांकी। इस क বরে:পার্ড । বিচোটী। **নাহত** চ্ইরাচ্নে।। विद्वाहीता अध्ययः एष्ट्रं इर कि ग्रावन-বেন্টের সেনারা সাহয্য পাইগ্র ডাং-দিগ্রকে ! দুরীভুত করিগাছে।

> गनिए दीश गर्यस्य देत इस्त ब्हेब्राट्ड । ए

ब्यक्तिरकात अवर्रवन्ते ज्वनिक् वाजि हि. भारत निक्र व्हाउ व हाका कर्या अविद्याह्न । সহযোগী সেনাপভিরা পুনর্বার বৃদ্ধারত ক ब्रिट्बन निवाद्याः

मार्थम, २०७ /बरक्षतः त्राक्षणकः (म नाड़ा केलाहा नाश्रांगद्या प्रतं धाराल कतियः ছে। পারিস, २२७ ७८थन। संत्रक शाबि-ন য় একট। ভবানক খুদ্ধ হইয়া গিয়াছে। ও थाव इब्रम मिनाकिलांक पासीन कड़ा जाव . **হ**ইরাড়ে। ম**িটানিজার লোকে**র জাবাকে मयद्वीध क्रिट्डिट्ड 🕫

বাবু একনাথ ধর পুনর্বার দেউলিয়া চট-বার আবেদন করাতে বাবু শ্যাবাচরণ থলিক বিচারালয়ে **তাঁহার প্রান্তিংক্ষকতা করে**ন। क्काउः व्याद्धे क्ष्यांच इत्याद्ध तक्ष्यांच प्रत्र া মাডা, পুত্ৰ ও জীয়নাৰে অনেক সম্পত্তি আ-স্থারপতি ভা**হাকে সন্তর্ফ হই**তে বাল ৰ জুলাই পৰ্যান্ধ মোকক্ষা প্রবিধ্য রাখিয়া ाम अपनाम शहराद अवशाल करिया अहे

"चामित्र अभिक्र निर्मात वाजनात निर्मा" রণী সভার প্রতি ট্রিন সাংহ্রের আ-८८म्या समारत अक क्युंक्षिताकृत नाइनाहनत युष कहेबाँस विलक्ष महादम। कीएई। किंद्र कि भीड होता क निर्माण के देवारह । विष्ठ मा িমনা প্রভাতিশানে এবাশ প্রার্থক অব श्री आहि जाराता अ शक्ति नेरबार ग्रीन करमहे ना हि होनिटल शहर मा । ख्यानि खांशपिन ে শাটিতে হয় :

> 'आम' हायात ८० एका है अकाम ' शाहेशार्र গত গোমবার তথার ভবানক বন্ধ কইয়াছি। প্রথমত - পাল কৈছিল। সমুদার মধ্যে স্কৃত্যুর मा करता । "दि वड़ वड़ वक निर्देशकेड़ कह कर्रातकार राष्ट्र साथ रहेना नाम । आनिरस्त

গ্ৰণ্ডেট্ৰ ভিন্ত প্ৰাগালে নিম্কিণিড টাকা এবা জাতে।

क्षराक नमेंश नावनीयर केश दश्र- १ १ % र 🖈 प्रभी श छेएभ भागमा पता स 4434074 পঞ্চা: বরু मरबार जन বোগাইরের া লোট টাকা

সর চালন উত্ত কার্ডবর্ধের উপরে যে ছতি অটিরাছেন ভতিবন্ধনই গত মাস অংশকা এবার অপ্য টাকা জন পথ। যাইতেছে।

व्यापन्न गांकाली नामक आश्वीहरू शाउद पूरे च । आ । वर्षे मा वर्षे । अहे भक्ष गानि है। প্রম রূপে বিভিত্ত হউতেছে। আমালিগের बलइक्ति ए ५ हे एए, ज्ले मनन। भिर्मे मनन বাসালী **পত্ৰ হার৷ সাধিত ২টাবে 'নামরা এ** আশা করিতেছি।

সৰ সোসিন্টাই মহক্ষম বাবু বছুনাথ ঘোষ विद्धारकार । अभ जाकाभः देवनामध्य हिर्मन, ভ্রিবজ্ব ভাঁহার পুর্কার জনা ইংলও ধই তে একটি ধর্ণ মেজাল আদিয়াছে। কিন্ত তিনি অহাণস্থিত থাকাতে গ্ৰৰ্থনেও ডাহং ब्रालियो (म'मन) कदिवा पिद्राटक्न एव मारमत भर्मा क सहरस हैहा नव होतनम उटडब निक টে প্রাক্তংপণ করা, যাইবে :

পুলিসে সম্প্রতি এব জন ইউরো টীয় খন भन्न एक बास्कित सार्थ, अहे बांग्या नानीन ৰবে, প্ৰতিবাদী গোপুনে ভাষায় এক নৌৰা विकास कतिवादक । वाक्षित्हें हे महत्त्व में विव रहत क्षत्र कवित्तर त्य यनिम, आवि कि जना बालीन काबदाहि वनिर्छ शक्ति मा। अडेक्श আরো সে অনেক মিখা। কৰিয়াছে। বাজি হে ট ভাষার ছুই শত টাকার জাখীন লইয়া ধোক্তমা স্থাগিত রাখিরাছেন। দেখা যাউক बांक्रिट्टें है। विशावांक्रिकांत्र कि मध्य करतम ?

७५७ देवलाच अक्रमनात्र ।

किमिक मण्यापक बरका, मथ जानिहाले महत्रम छ। कुर भ, मनवन निस ११ छात्र क हिर' बन, छि, डेशाधित झना ईश्लट्ख आधार ন করিতে যান। হিনি ঐ উপাধি পাইশ্বাছেব। ान्बरमञ्ज छ। हाटक श्रूनकात्र कर्य जिल्लाहरून। ন্দ আ স্থান্ট সরস্বানেরা পদত্যাপ করিবেও যদি ভারাদিগকে পুনর্বার কর্ম দিবার নিরম बय' इस् फेखब (bकिश्मक ला**च पूजर** इस मा ।

এক ব্যক্তি ৬৮ গা**নিও এডজে**শীয় সেনা-मरमात्र रणवामात् व्यामरत्त्र श्रामनथ कांत्रेषाटक । ब भाग प्रम द्वाजिकारम गाउँछ किम - गुरव-লাস অস্থানের্হণে ভাষালিনের পশাতে ভি-्मन, अञ्च अ<mark>यरम् अक बन्द्ररकर नम् ए</mark>डेन । ব্ৰিন ভংকৰাং হত হট্যা কৰ হটতে পতিত बहेदलन । अक साम नीक मायुक्दन नक्दल एछ।।-काबी बलिया श्वित कदिशास्त्रम, मात्रम उन वास्क्रि नताथि व्हेपाटकः आफारवास विवय अहे, क्षरबन्धाः इते शाच वर्षि मिनादा नकरम् विन टिट डाहाता श्डामि तिर्थ प्रश्न करत्नाहै। স্বিদেশ मुदब्राट विदक्षांक् कः अ भवनद খাণুকুল, করিয়া_{বি}লেন : অন্তএও ভাঁহাকে ৰধ ৰেণ্ডে অনেকে বলিচ্ছেন ৩৮ গণিড रमन्त्रमध्य कन्त्र श्रीतः श्रीकृष्टिशं रम्बन्न। के दिखा के अक्त का कर शरू वर्ग अनिस्तिहें প্রাকুল।

इरिकायान मण्यापक मरनाम उपनिद्वरम महेंथा थाड़ेवाय कता त्व भवत पक्षत वित क्री क्त्र, जार्ड प्रिटलंत कारण्डा श्रीक मध्यारवान দেওয়া হয় না, ভাহাতে অনেকে জাহাতে अविवाज १८की कृतित लाए छात्र आंगडा ग करत्र। व्यक्तक अवरत्न । धन्। श्रुतः । व्यक्ति । व्यक्ति । তো মাডার ছুড়ুঃ হওয়াডে উপাধ হীন भिक्किशास मिल्लिटमं विरम्भ क्या बर्वेहारहः ।

मद्र हात्रनम केंक छतिथित पार्टीकरत अहे जा- । जीयमूर्छ श्रुविश क्षांत्रिक्री छाराटक দেশ করিছাছেন যে মত্ত্রপিংগর বাজ্যের প্র **चि-विनिष्ठेक्टण मह्माह्यान सम्बद्धा हत्र** । খাখারা আবিত্যাগ করিবে উপনিবেশের প্র-फिनिषि छोरामिरशत नकानश्रयक रसाध्र पूनः ब्याद्रन कविदन, जनवा छ।शामिरशङ् গৰে।চিত ভর্নপোষণ করিবেম ৷ গ্রাক্টসাহের ^{भि}त्रकृतिमध्यत्र कडे निवाद्यत्वत्र कना व्यवसान् সভায় এক বিল ভার্পণ করিবেন প্রস্তাব করি-রাছেন, কিন্ত তিনি ভাষা কাব্যবন্তঃ করিতে | রস্যাধিপতির আক্রাসারে পুর্যালয় সেনাগণ भारतम बा**हे**। वीछन मार्ट्स এ**छविरा**त म-(नाट्यांनी कडेंग :

नश्याम व्यानियारक क्षीन स्मर्भद्र विद्वार मा कि बरेबारक । तालकीय भागता विद्याविभिरशत अधान प्रश्नं कविकांत्र कविकारकः वाश् इ-উক আসের যাবভীয় লোক ব্রাজা ওথোর अपि विवास स्टेगारहर । शका तक्षम कविवा नामन कार्यः निर्माह कत्रा 'अरनक त्राक्षांत्रहे धटि मा :

डेरमध्य वक्ते व्यथा स्हेशास्त्र श्री क भक्त विवाहाओं इष्टरत वह ७ कमाह निविश्व সমাদ পরে বিজ্ঞাপন করিয়া দের। ভাহাতে আপৰ আপৰ বয়স, ৰূপ, সন্দৰ্যন্তি প্ৰভৃতিয় বিষয় লেখা হয়। সম্রতি এক কৌতুকাৰহ बहैना बहिन्नादृश अरु वास्ति अवना अहे छाट्ट এট বি**ক্তাপন** করিয়। দেহ ডাহার বয়স **অ**প্স গু বাৎসারীক ৩০০০ টাকা আয় আছে। সে যদি व्यक्ति कोल जी शांत्र विवाह करन। वह विका-পন দেশিয়া এক জী লোক তাহার নিকটে লি-বিশ্ব। পাঠাইল যে সে বিবাহ করিবে না স্থির করিরাছিল, কিন্তু ভাষার বিজ্ঞাপন দেখিয়া তাছার নিবাহ করিবাধ মানস চইরাছে। উভ त्त्र अहे क्षण चूहे हाति भज अश्वी लिभि बहेरन शर हो लाक्षी अक्षानि श्राप्तर नाव निर्फ শ করিয়া লিখিবা পাঠাইল বদি ভিনি দেই পুলে যান ঐ দ্রী লোকের সহিতে সাক্ষাৎ ছ-ইবে। পত্ৰ ৰখ্যে লেখা ছিল, ডিনি ৰখন ভাষার প্রিম্বভষার পহিত সাক্ষিৎ করিতে बाइटवन, ७ वन द्वन इंगटबटन बान : बांतक এই পত্ৰ পাইয়া মহাঘটটিতে রেইলওয়েয় শবর্টে উর্তিয়া নির্ফিট স্থানে উপনীত হুইনে-मः क्लक पूत्र पार्टेष्ठ ना वार्टेष्ठ करत्र सम

ध्यक्षेत्र कतिम। यम जिल्लाम नाम क्षेत्रीम ना-ইল বে প্রীলোকটি বিজ্ঞাপ করিবার ক্রিকা डाहा:क प्रया वितेश **भूक्टिय प्रश्वास स्वयः।** भाउंक्शन। बी वर्धन को कुमावस महिना कि. ? मा १

नमाठाव विरुद्धावी मण्यात्रक विवस्तान क्रात्रन, जावशानि पार्श्वात्र क्रात्रक ज्ञात्रक्षेत्रकडे गतमारतत प्रकारक प्रभाव पूच चर्मिनाइक । भी-তথায় থোরিত হর নাই ু নির্মাষ্ট্রের রাজা ছ-লভান জান শারুষণ দেলে সেনা সংগ্রহ করি-য়া ভাহাদিগকে ব্লাক্ষীয় দেবা বৰিয়া বো-ৰণা কাৰ্য্যা ি শ্ৰুম । যাতা ষ্ট্ৰীক প্ৰবিশ্বনীক বেন ভাল বংগ ক্ষেত্ৰান লা করিয়ান্ত্রক বছ

्रशा रेखां हे ब्यवाद । 🔊 (महेशांश्व माट्य विक मद्भावादवन भव-कांद्री अकांगकि वहेंद्राध्या क्वांग्रिय स्वाह

वाकी थाएका त्कन र

शांठेकश्य स्थानिशास्त्र विनाणी व श्रम रेडिया निवाद मञ्जिष मनिक अन यनिक देश**नथ एटेटड क्यनव**ि क्षामक्षाति करतमः। कडेन कारत_{्य व्य} क्षेत्राम् राज्य गाइन बंदेवनं, जीवानक ज বোড়ে' আবেদন করাতে জাঁহারা আজা স-করিয়াছেন সুব্রিভ কাগজ ভির আর সমুখার कागरका राज्य मञ्जूष स्ट्रेंट्य । इंदाह व्यर्ष **4** ?

गाउ वर्दा वक्रासाटन शर्शनक ख्वांक व्यक् নিহু লিখিত টাকা ব্যন্ন ২ইরাছে :---সুজন কার্যো • • • • ১৭,৮৫,•৫৯ সংকার কাট্যো • • • • ১২,৯৫,৮৬৮ বেডন ইড্যাদি ০০০০ ১১,৯৯,৬৯৫

ঘোট টাকা 85,51,42; প্রবিশ্ব ওয়ার্কের ডক্র্যদিগের উল্ব অ-বেৰণ করিলে ইহার ভিন অংশ বাহির হইডে भारत् ।

ম্যাসীয়া আসিয়া খতে পুনরায় অধি পঞ্জ স্থাপন চেষ্টার আছে। কোচিন চীন আ্ श्रामिदशम् श्रन्थण श्रदेमादङ् । हीम *दश्र*म जा-काला अन्दर्भ चित्रभन- स्वेता केलि: कार्कः

করাসী রণভরির অধ্যক সঞ্চাতি মভাটের जनजानस्य এই कथा निषिद्या गाराजेबारहर त्रभंडात्नत्र त्य नवश्व थका विदंवाकी व्हेग्रा-্ছেন্ ডিনি (রুণডরির লয়ক্ষ) ভাহা विराज वननार्वे माहाया क्षेत्र केंद्रियन के अभाजान जल्रास्य करियारहा विर्देशनीय मिर्ग-র ^সহা**র্ভা আমদ্যক হটুলে** ডিনি ভারতক भीत भ्यादिवर्देश विकट्डे टायरम का दिवस क तिरवम **्रिकेट है** छ। श्रृतक परत (यरन। सन क्षेत्रित वास्ति

भेक कर्ने विक्रियार माथ प्रकृषि प्राप्तिवधीत कितिकि बार्गक भौति हाथ। भाइम खानजान ্তি ছিরিয়াটছ। জাতবৈশ্বের গ্রেমাবধানে গাড়ি हैर्नाप्त निरंपक का अहि श्रृतिह कि 'डांश कार' मा।

জ্বীন্তবার বেলা পাঁচ ঘটিপার সমপ্রে মেডি-**প্রের ছাত্রদিণের পুর্**কার দেওয়া िक्षेत्र ग्रहेनां के गर्व-दि ख्याब देशहरू.

> ংলিসমান সম্পাদক শুদ্রিয়াছেন অনেক भीत हीनरलभीत भवारहेत स्मा जरत ोब कब्रिब्रोट्स्न :

ারিকাবাসী এক ব্যক্তি সাজের নি বৰীয় সেনাদলের অধ্যক্ষতা পদ

व्यक्त केवियाद्यम् । आदमके रे द्वान मासिनव हेरेक क्षारबंध क देवाहा है कि ' क्रीकान' कति-हिन्द्र है भरेगा शक् उल्लामर । व

दिविद्याद्वत्र अहिरमध्यत्र ज्ञयकन्निरगत् क्र-শের বিবর প্রেসজ করিয়া উক্ত সম্পাদক বীডন **পাহেবের প্রেলংসা** করিয়া লিখিয়াছেন " এ **ক্ষণে কুৰক এ.ভৃতি সাধাব**ণ লোকদিংগর র. কা করিয়া ভাহাদিগের তুঃখান করা নিভা **ভ কর্তব্য হইরাছে।** বহুক লাব্যি ভাগালি **্রাইনাই সংখার জিল যে ভাহার**া এইতে 'স ্রিতিই জন্ম গ্রহণ করিয়াছে। অভএন ডা 🎏 হারা হাল পরিবউ দর্শন করিয়া 🚜জে🕩

🎇 🎋 প্রবা অমালাল প্রকাশ করিত না. উলাগীন 🏅 **স্থার প্রাহর্ণন করিত। এক্সে এই** সমন্তঃর

भारतिक **बहुराखद्रह**। विन्यालय, नामा-क्षिक विश्वकि, नद्र वन निष्टेद्र आल्बेद किहा ব্রেইল-প্রয়ে টেলিঝাফ প্রস্থতিতে তাহাদি-

हत, तक। क्षात्री क्रम विश्वकृत बुकियारक ক্রবকেরা এক দিন নি**ল খণ্ড বুকিতে** প[া]রে बाई वित्रशंहे अधारति (बाहे छाहावित्र) की **उ फ्रांट्सन ब्ंस ब्राचियांत्र शदायणं क्रिया का** ঠি,স্থাক্তিন :

২ বা উলগ্ন হেশ(ভবার ।

(अञ्चेनके जाएइके व लाशंत मार्क्य अक २९ होका खिलामा इडेयाँ ८०।

कहा हिट अ केंप्रवाशीय भिष्युरकत्र अरथा। রাজি হইয়াছে। ইহাদিগের নিষ্ঠিত পথে যাও রা ভার হট্যাচে। এই সকল বক্তির উপরে श्रु क्षिष आहेर ब्लादि ना कहा उद (अन :

সিদ্ধ ও পঞ্চাবের বেইল ওবে কোম্পানি :৮७० व्यक्ति वर्षा हः दशत व्यवति धूनजीन পধ্যস্ত রেইলওয়ে পুলিবার অধীকার করিয়া 🕴 ভাঁহার। সাংগার অবদি দিনীপর্ব্য স্তু একটি রেউল ওয়ে করিবার চেষ্টায় 🐠 (DA 1

८६: हे आक्र'नएउत्र श्रथकि क्या नुसम्म भ.८३ व्यक्त करक विकिशाएकत भाषा नाशाहर क য্যাগত হইরাচেন ' তাঁহার চিকিংসকেবা বলি য়াছেন চমুটি অন্ধ কইবে; বুলনধ সাংক্রেৰ অনুপত্তি কালে উভয়ুকি সাহেত ভাঁছায় মিউনি দিপাল কাৰ্ণ্যে ভার প্রচায় এইৰ ক্ৰিব্য করিবেন

बारकहरत्त्र एउ द्ववाय वर्ग कोबुक्टरर्गत् नाम रे ८७ तानिया कालि ७ १४३ माहिरकाकर्न ८४० প্রাকৃতির মূল্য রুদ্ধি ছওরাতে সক্ষপ করি (थम न्। अक्षण कतिरत जारमकरक ऋषि ची কার করিতে হটবে।

সম্প্রতি পেশু নগরের অর্থাংশ ও প্রো মের প্রায় সমুদ্ধার আংশ অগ্নি লাগিয়া ভক্ষা সলেন চ্টয়াছে। ওখার কান্ত নির্মিত বাটার ా 🚻 अधिक बनिहाँहै नर्बन्ना अहै पूर्व हैना चिषा थाएक ।

प्रिक्षार्थित अक जब मर्याम्बाछ। यग्ना राजिएक क्ष्रवद्धात विनक्ष भूनकृत्सभ क कियारपन । अभिरामत वाणी शिक्षता वाणेरखट्ट,

क्षवरकत्। जम्लान्न रहा, जाहरमत् पर्या, कारव । जाहा भीव काहिता मा क्षितिस्य अर्डी विकित्त नीय विगष्ठे इट्रेंदा। माला (महाप्ति, श्रेष्ट्राक्षः, অতএব তাখাদিনের মুখ ফচ্চেম্ব এতি তাখার নিকটবর্তি বাটের মেরামতের জবিত अनुस्मारबाजी **१९५**' निकास मूर्चा हाम गाँ। । ४क लक होका निवाधिसन । श्वासिक ८नाक ডिপাটিয়ে**ট स्ट्रेटड** हेटांत मण्यान्। हा

পার 🕆 দেশ হইয়া টেলিগ্রাফ করিব'র जना है (सक्षीम शवनद्वारे **कांब्रक्ट**वर्षीत बनाइतः है हैता । मब्राहिष कि है कि है र छादेब है লিগ্রাফ হ'বা ভারতবর্ষ ও ইংলগ উভারেইট व्हांगाम हेडीम्म (प्रज्ञ नार्ड वानेशा 'डार्सानियम विभाग केंगर,व व्हेर्ड, खाव जानवा किल्रका मनुकाय

> इंश्लिपमान भक्ताम्य म माह लाईसाइम तमाद्वादल करत्रायम् ए 🗗 अक अन बेर्द्राधः कार्किमत् । रूद्वक छन् नेम्द्रभाव । ध्वः ध्वः ध्वः রিয়াছে। ভাশতধীয় গব-সেট এক শতাধীর भामपुत्र प्रमुख्कि विशापन कविद्र प्रकर्व कहें (तन न) ; वक् सब्बात क्यो ।

रवाषांके रंगरेक हे नग्भापक वरा ने व्याप्ता है ः (यदः "कस्थावस्तात्रः ,, अश्याकः बसूनाधः स्रो माड्ड अक'म मान्धिप्रक्रिय छरम (४'४)हे नश्र হুট্রাল সভ্তর গালের স্ভিত্ত প্রাণ্ড করেছ -ক্ষেন। সম্পাদক জাহাত্র নামে মিথ্যাবর্ণনভার r, क्रिष्ट कब्रिबोब्र खेंद्रगृहता । खारक्रम । वक्षारूम नामी पुरस्कता हैंहा हिल्ला मिकिट ब्रहेन।

মত বিয় শউরোপীয় নিষানীকা ভত্রভ: कविदादक्ताः अर्थादम्बे अदल्लाम् के न्यान ज

किश्रीरशरक्षके मुल्लावक प्रकार केंग्र १० রাছেন এবেশে আরু অধিক কাপ্ড প ঠাই ∤ ফে মার ও উমাস সাহেব পুলিবের মহাংশ হৈ अञ्चल निः है अभिक धाक करते विश्वापिक करें 🧢 তালার সুইজন সহচরকে বদক্ষিক্রিটেন্ট শাক্সন সিংহ আগের'র খেশ হটারে প্রাথন कद्रिक् महा होड कद्रिएडक्टिंग के शार्थ । भ ক ভাবে করিবাব সময়ে সে এখন পরাত্র বি कान करिशाहित । बर, आवास खास है। किन व किश्मिन, मन नटमा छ। हात छ। मा (योग कहें '।

स्थित (बारन हिन्द्रसम् क्षेट्ड स्थान्य कानिवादक क्यांनी उ हेश्याक जिनाना नात्र-**ंध्रेत कार्डित कारमह ब्राम कतिवारक। जामभीव**े जामान छेलात रच मकल **लिल्ला हक ब्हे**तारक चि निकड़े चि निकड़े कि एसाकी विशास सुमधात

্ার্ক্তমণ করির। শরাভুক্ত করিমার্ক্তি । ক্রি हाराजा मिरिएनव रेमसूना आयोर्न कतियां सूँस র্যার আপ্রাদিনের শিবির অধিকার श्वितादम् । विश्वणात् निकटे विद्यापि त्रमा গাড়ে কিছু ভক্তিতা বিদেশীয় বলিক দিলের द्वेशास काम देशास क्वेटलटक् में।

পাঠক গণ শুনিরাছিলেন, নীলকর সাক अर्थत ग्रम स्न शिक्टि आक्रिजाटकर वार्ध म्बिरगांश करत्रम । गर्छ कता (नई स्थानकम्। র প্রীরকোটে উপস্থিত **হ**ইরাছিল। সিটেন-নার, লসিংটন সাবেৰ প্রভৃতির জবানযক্ষি इनेगारक। अक्ररवाकरहे ब्लास्ट्रिय अहे वनिता आक्रमाख्यक शक ममर्थन कतिवादकन व भूर्तभाव श्रुटलब्र कालमान मान व्यन्तित मर-क्रांश । त् अकाम कर्ता क्या। तत्र वार्तन পিবৰ কোন আজা দেন নাই। অশা দিন इक्रे≈ क्षांव भगद शकति श्वांकक्ष्मांच (क्षक्रिक area und जाउँ समिति क्ये स्वर् হাত্র ১ ভাছাকে জালকারী বলিরা কারা-इन्द्र रहा कहें छ।

क्यिमियन शूर्क है लिमगान मन्नामक इस्त अवस्थिके अवश्वियायात्रिक्तिक निक्र महेट हेनक्य है^{।का} धहन कविटंड हैपाड হইরাছেন কিন্তু গ্রব্দেণ্ট ভাতা অস্টাফ न निम्न अञ्चलक न निम्न स्थाप

আশাম টি কম্পানির ছুইজন জিরেক্টরের নামে নিঃলিখিত অভিযোগ উপস্থিত মইরা । য়িরাম্লকর খোগ, ভিতীয় য়য়ে।খালদাস ६० । वेशामिश्ति नाम भारत्य क कांग्रीत । उप्ता-রা কেম্পোনিব চারবীজ আপনালিবোর ভূষি-(७ वशन सः काम्पानित नाना क्षकाह प्रवासिः) क्रिक्तान्द्रभव कृषि कर्षण कवित्रा महियाद्विन, , काणिद मारहर ४०%। ६ काम् **७ छेशहरक** कति। का डी छ , श कविशाहल्य । भाठेकवंश क्राह्म-কি মাকে পাছেৰ লাও হোলভাৰ্য সভায় সভা 5 11

किनिक मण्लाप्तक अविक अवारकेत्र क-টু স্তি প্রধার প্রতিবাদ করিয়াছেন ট্রুডে । धडे कडेंदन अक हादब्रह शांशा एक ्रांट्रह वी **** **ਦੇ ਤੋ**ਹਿਸ ,

व्यः ^{के}न्नाकं खळावात्रः।

াৰ্টিঃ সাজা विद्राट्टन এক বাসি বা- বিটিড এ অভ্যাচার সামান্য।

नीव मींबाज तार्थीं स्ट्रेस्ट शावना जना-देख मक्षि, बक्का, के बुनाबात स्टेबा बदन बा পৰ্ণাত বহিবে : প্ৰতিবাৰ ১৫০০০ টাকা ব্যৱ হট্বে। এই একার বংগরে৮ বার ঘাইবে। ইতাথার৷ বাশিকা বিষয়ে উপকার ছইবার मखोनमा आद्या

मोळांच होहेब्न हान्नांबर यहात बहीत् বেই রাজার সাঞ্চাতিক পীড়া এইরাছে। রা-জার সভাগালি কিছুই নাই, সম্পাদক জিল্ঞাসা করিরাছেন, তাঁহার মৃত্যুর পর কি হইবে? কেন ডিনি কীবিড থাকাতে যাহা হইডে: ছ, **ण|तुष्ठभर्मोत्र शवर्गदाके प्राट्यत**ा

কিনিকেয় লওন স্থিত সংযাদ ছাতা ব. নেন উত্তর সমূদে প্রবিখ্যাত আবিভিন্ন কারী ने नत (जब न बरनव भृष्टा बहेग्राट्ड ।

डेक मरदोनगाँछ। यहमम इरमास्थ्यती नवरकारम कर्ण्यभिष्ठ शयम क्रिट्रम ।

ইংলিস্মান সম্পাদক বলেন রাও সাহেব ্ক পঞ্চাৰ হইতে কাণপুৱে বিচারার্ধে প্রেরণ क्ट्रा स्ट्रेटन ।

8 है। देलाके मनिवादा।

আষরা প্রাথাণিক লোক মু'ল গুনিলার ছুটা বুবা খ্রীউপন্মাবলবনের মানলে কাল্ন। रहेट्ड भागति वानविशांत्र जित्र निक्रे जानि श्रोहिन। धक्यन वर्षशर्भ क्रिनांत्र प्रश्रापि ই দেশ থানার লারোগার কনিষ্ঠ ভাভা, নাম शरकाशाधाय, डेनि काल्नांत श्रीयांनियांनेत দৌহিত্র সন্তাৰ

भज्ञरनाभव मारम अक्योरि २७म राजनी বিষয়ং বার্রাছের ও ট্রেইটিবের মন্ত্র ছা-্ স্বাচার পত্র আমানিগের হয়ে আনিয়াছে। डेक् कनिकाछ। गुम्राश्वत त्तर ५०। भर ग्रह সুধাৰ্থৰ যথে মুদ্ৰিত ও প্ৰচাৰিত হটতে আ अक्ष क्षेत्राद्धः देशक् टेप्रनमित व्यक्षकि वर्ः, हेश आश्रीविद्यात अकास व.४०१३ :

স্ক্রা রুজন পরের এক ক্রন পত্র ব্যেরক करकन एवं हेनकश्रीका कांत्रश किनि ख जांत्र निधिका विश्वाहित्यन कारानिक छाटा वि कृद्रिय , ०० है। को का काम। य कृतियात अस अबुबाद शाहीत । किति दन मचरत ग्रंटर किटन-न मः अवरमध्य आविम । छान वस्त नरमछ ^{বে, সাত্র} াসর্বমেন্টের ক্ষান্তাল ক্রেলে সর ১৭৯০ টাকা ইলিচেত চইরাছে। ইনক্ষটাকা

चांका जन्माक बरमन नीक्स्क्रेड्रिट्स गरिष व्यवागरम् चाविक स विवाद प्रकि: রাহে ভাহার কারণ এই প্রকারা অর্থে ও সা-नर्दर्श भीजक्तंरमञ्जू पूजा नरम् अवर विद्वांत श--তিরা প্রার নীলকরদিনের আপনার লোক, কোন অভিযোগ হটলে ভাঁহাদের পঞ্চেই विष्ठात रहेता चाँदक। अ छ भूता कम क्या ।

गतिमर्गक मन्भामक **खरिप्राट्म अक कृती**क বাজনের সঞ্জয় বধ বরুত্ব এক পুষ্ণের তাতি नमादबार भूर्कक विवास स्हेता निसादह । विवा-হের সময়ে ছুব্ব পোন্য বালক লোগন করিছে नांभिन, भरत कर महरूति कर विक स्टब्स् রিরা উপস্থিত হইলে যালক ভয়ে নিভান হ-ইল। এই অবসরে পুরোহিত বস্ত্র পাঠ করিবা বিবাহ কার্য্য সম্পন্ন করিলের। বাসর বল্পে বর या. य वृद्धिक्षा कावित्रा केविद्धाहिन। कोनीयाः **ভোকে धमारवाम** ।

किनिक राष्ट्रीपक कर्म व किन्नाचीह এক সহাৰত্ব হইবে ও ভাষা ও কিন আৰ্শ্ছ-জি করিবে বলিরা বে জনরব হইরাছিল ভাষ্ সম্পন্ন চইল না ৷ বোধ বন্ন কড় পৰ ভুলিয়া অন্য কোন স্থানে গৰম করিয়া থাকিবে।

অনরেবল ইডন সাহেব তারভবর্ষীয় গবর্ণ-্যনেট লিশিয়াছেন বে আগাৰি বংলয় এক অভিনেন হইবার সভাবনা ছিল ভাহা হট্ছে-मा । मर्ज्य अमा अजिना बाबिक सहैवा है। (कवन (तजात वहेरण २·,७०৮ निकुष वावर বেমারস হইতে ১৬,৮৭৫ নিজুক পাওয়া वाइरवा

नीनका त्वक व्यर्थन वज्ञावनीय कुछ्नूर्य লেকটেনউগবৰ্ণর প্রাণ্ট সাহেবের বাবে স্থ্রপ্রিষ কোটে বে অভিবোগ করিরাছিলেন ভাহাতে **आन्छे नाटश्टवंद्र अके ड्रोका अद्विवाना वर्देद्राटश**, **এবং প্রাণ্ট সাছেবকৈ মকদ্ব।র ব্যর দি**ডে হইবে। প্রাঠ সাহেব জন হইবাছেন, আর নীলের ভাবনা নাই।

निम्न निविष्ठ मृत्ना भवर्थको कोश्रव विकी **७ श्हेरण्ड** ।

কোম্পানির

- ८ होकांत्र निका ALUM PAI PAI
- ¢ ,, 7+8 : 7+8.0
- en, 224 1 23.44

77 **44** 47 17

WW TI (3/3/1

E 70-7

गवर्ष्यके विकाशन। राज्ञाद्यभीय राज्येत्रके श्वर्द्यद

चार्यमाञ्जाकी विद्यांत्र।

नम्बीरभन्न मुस्रानक गांचू भटकभाव्य हो। वि मार्वि परित्र ১৮७১ माल्य २० पाइन २ वीत्री अवर ३५-६३ मारलंद ३० जाहितात ६ श्रीत अञ्चलारम कंके आहम विकीया अधिम माजिल्डी होत्र अवका शहिरका।

>৮৫२ मालत ३० जाहरनत १० धातात ज्ञान गाउ निमु निर्विष बुद्दरायका एउपूर्ण कालके-६द्रत्र क्रमङा शहरवज्ञ---.

बाजनाविट ज बाबू पूर्वाधनाम बेख् बम्रशूरव रांद् मलनदमांचन एखः।

रहा मि---नवधीम ७ गम्भागद्व अछि-নৈষি ভেপুটি লাভিট্টেট ও ১৬ ৯ট কালেটর বাবু क्षित्रक्षन् सूटबोणोधाम श्रानिष्ठात वर्षात इहेरवम क्षेत्र कोबसाति चारेत्वर (১৮७: गालव २६) २२ धातांत्र अञ्चनादत् के अदमरन ্**তিভাতি** শৈক্ষি অধীন সালি টেুটের ক্ষমতা

🎏 🗱 --- কলিকাভার প্রভান্ধি কউন क्षिक्ष है है, हि बद मारक्ष करेंग कारलकेंद्र

क्षिक्ष कार्य (विनि अक्टर अ ক্ষা ক্ষাত্র বিভ আছেন) বাল্ল (চি ডিল বিভালিট ও সরস্টের ক্ষিসন্ত হই-

🖖 🖑 क्रिक् क्रियकमक ऋष्टिस्य छ।का विखादन द्वारय-নিউ ও সমুকুটের কমিসনর হইবেন।

ति. बहेड रक्षणादक मारब व विश्वाप मितिन ख मित्रीन कंस हरेरवम, किंद्र अक्तरन रा .रन्व কর্মে নিযুক্ত ছইয়াছেন আপ্রতঃ ভাগতেই क्षी इस्ड बबेरव ।

है, अक, मार्टीय नाइहर है।कूड़ाद्र "श्रथम इंक्सेनिय मास्रिर्के हे ७ कारमहेन इरेर्टन किस् क्क निम स्थाना स्कूम ना रह शोहेनाव करस्त्र প্রতিনিধি পাকিবেন।

खबलिखे, कि. देश म्हाद्य क्रिया विकारन বেবেশিউ ও সবকুটের কলিসমবেদ প্রতিনিধি

.ध. आत. विम्तृत मार्टन किष्टू कांग्रमन खना | खिट्यु छिर क्रमछ। माहित्वस |---नवर्षीण निवित्र । अ विश्वास कार्कत श्रीह-निधि परिएम।

🔌 ই মে—লাছালালের প্রতিনিধি মিনিল ও **मित्रियान करू अक, प्रेकर मांदर्शन के अरमान कि-**क्रिल ७ मिशान क्रम इट्टेंटिन ।

🎻 बिस्टब्द अव्हिनि वि मि विभ 🤊 मार्गार एक क्षित्रे अम् भिर्मायम्ब म् । अत् वे शहसाम १ / व.स. 🔑 तितिश्वीत एक व्हेटवस ।

এক, এ, জ্বিণ্টন স্বাহেষ (হিনি এক সং এ 密が「医中川原則」 研製作「関ロー制作を行う デアル」。 र नाम ५ त्रियान एक इकेटन ।

समाधित याचि केते भाग्यहेव व. न्त्रहेनक शायक्य अधन्य अधिक या कि ले हैं त्र क- द्वन ।

ष्टांकात श्रीकृतिथि मीकिटके है व कांत्मकेत. जि. अक, बांबरि मीट्टबं के अंटम्टम विकीय खिनित मा**जिल्हे हैं स्वा**रम ।

भारत, वि. प्रकारकाम भारतय (विनि अकास অভুষতি পাইয়া অভুপত্তি ধ্ৰুক্ষা ভ্ৰমণ ব্যব্ধ-भटक माजिएक है । कारलके व के हरवन ।

अवेष्ठ, कृष्टि मादबन बाक्याहरूत का^{डे}ले माक्रिक्टिं । एन्हें बाल्निहेंव बहेरना किंड यक्षम्य अनाष्ट्रक्षम् ना एव नद्रायालिए उ गायि-<u>छि छ काटमकेरतम अधिनिधि धार्कित्वन</u>

কে. বিষ্ণ, নাছেব দিন্দীয় শ্রেণির কাই-ট माजिएक है । जिला है कारलकेत स्टेटवस ।

और एक पाकि के हैं । कारन के ब्रे, धन, ध है है। **टिमद माप्टर अध्य एक्पिद बाक्टिए है ५ का** (मक्तेत्र स्टेर्नम

ক্ষিপুরের প্রতিনিধি মাজিট্রেট ও কান্দে-क्रेत्र अञ्च, कांत्र, हेट्डेनश्य माटक्र के शहरण विजीव (अभित मामिरके है अ कारमकेत स्टेर्स्स ।

धक, आब, ककावल माह्यत ' पिनि धकाव অনুষ্ঠি প:ইয়া অঞ্পন্থিত আছেন ' বেহারেন माजित्के छ कालक्षेत्र बहेरवम ।

थ, हिं, अञ्चन मारहर मुर्गिमाराहर क्रामे-की मान्त्रिको है है एव राष्ट्रिक का महेत बहेररम किन्द्र यजीवन चन क्षेत्र ना केंग्र से अस्तरण मा कि छै। ও काटनकेदबब श्राक्तिभि बार्किदवन

मि. वि. शाहिक महिन्द विजीय क्यांनिव का है-क्षेत्रांकिरके हे थ एकश्री काटक हा इंडरन।

खबलि है, बहेह, (हेटबर्ग) भार ५ द भारतियात क्षवर्णन रशास्त्रात क्षत्राक रहेरने ।

৩২০ নে —ভেপুটি মামিটেট ও ভেপুট का नकेंद्र दे के बाहे माहरूव मानिद्रांग विकारणव ভারপ্রাপ্ত হট্ডা সাহারালে সালিট্রেটর क्रमका अपेटे(यम ।

৭ ই বে--পে, এ, ছি-্ সাহেৰ কিয়ল্লিবনেৰ कता क्रिक्ट अधिनिधि क्षांकेले माक्टिक है ए ভেপুটি ক'লেক্ট্র চইবেন :

कारकर थ, दक्षिर बुरायसंबद्धित श्रीकृत-थि'निर्वान मर्फन वरे। रम

खाळात्र धम, এह. भाकत्रश्रीम वाटनवात्रन আভিনিধি সিবিল সক্ষন ছটাবেন

निम्न मिथिए गुरमाकत्, स्माहमाति भावेतन २२ बाताचुनारत चि हीय क्षानित नक्कांत्री मा

रांबु अवहीमांचे वजुषा, बक्रम मिकि. इ.तर **Mentfam विश्वाम, वज्रदग**छी, कोमक्रग ।

স্তকীবার মুখেক বারু মঞ্জেনান মিত্র :৮ ৫৯ অক্টের ১০ আইনের :৫০ ধার ভুসারে ১৪ প্রথার ভেপ্টি কালেক্টবের ক্ষমতা পা हे: यम ।

প্রোরত।

'गि।वर ে :প্রকাশসন্দা कक बहाना असु

मध्रीयंत्र कृत्यम्।

নিরম এচলিত ছওয়াতে আমর। এরণ ভর্ম করিয়াভিক্সাম ভক্ষার। সমুদার লোকের চবি । लाधन बहैरबक किन्नु त्र छाला क. ब्रुव गंदा १ কলবড়ী ছইবেক ছিত্ত করিতে পারিতেছি ন। विनद्धिक वैक्षित्रा नास्ति वकार्ये भूति।वह कार्यो निपुक्त चारवन खीदांत्रादे यथन मर्माटक खंडा 🤋 চাব আৰম্ভ করিলেন, তখন বাহারা ইভার লোক जोबादिय अकृति व छक्ष प्रदेश छेठिएक छ।त कांत्र महारका कि ? अडश्रश्रद्धत्र खल्डश्रीं कि निर-गत्भन योगांत कक कन नाशकां जीव पार्यान (रिन वावदात विजीय ध्यानीक महेदात आर्थना क्टबन । नष्टानय अक्षां अक्षि क्रेश्रीवरीन (भाषा-ল:ক নৰ্নীত ও ছুখ দেৱ সাই বলিয়া জীপা-দুগায় হউতে চূর্মা পাছুকা উল্লেচন ক্রিয়া আ!-अनोव व्यथीनम् अक जन बद्रममः । भरक स्कृष (एन 'मानाद्या एडा पिने माठ' यत्रक्य क व्यवस्थि थी। **করিল্ল অ'** স্থ, সেই নিব¦েশ্য **হতভাগা গো**লাু-শাকে বুলক। পাছক প্রহার ধরে, গোরালা फरकार्ल अंबिमकाडिया कविया हिमना यात्र, এখনে সে ফৌজনাবিতে সাবোগার নামে জাতি-(बान कवियात्। धरे पादवानाति कि अहमी **भूक्र**र, **क्रेंटे** कालाठ त्वसि । क्रिन ८० निर्मान कारम करनम माहे. अकाना घरन अर्थ दन मनाक्षिके कहित्राह्म । उदकारम असकत বেবিণিউ কাষাকাৰক (পাটওয়ারি) ও ড।র তাব অনেক তলে লোক তথায় উপস্থিত हि स्तिम । दशाय ला करम् । कम नामाना दल कर् भाषो मानियः आश्रम न लिम अभाव कार्य, किन्द ছভভাগাৰ ভাগা সোধে বিচাৰকর্ত্ত ভাততি म भून निवास करतन न है। अन्य, रणायाल ন্ধিগঞ্জেৰ মুখ্যে দ ও পাট ওয়'নি প্ৰাকৃতি কয়েক रक्षानाकरक मार्कि मानिहारस् । श्रुटकारकत्र देवसि-युक्र अध्याद म क्लिप्रान्त कम्मर बन्द्राहरू, हैक (-्षय शक्ति। प्रशेष कहेंदिन गेष्ठ क्**ष्ठ - १११४ क्रश**ेशन यात्र, माहि, शक्तांद किश्वित्र। व्यानाहेर

স গাদৰ মহালয়! আপেটি শুনিম: থাকি-रबन रमकारल इरहक्ष मायक এक सुधांक हि-८ नम । जिल्लाय ब्राम्बद्धकारक विश्वारक ও বুল্ডিকে দিবা কলিবা ব্যৱহাৰ চট্টভ वक्तभरता (क.कन् न ७ व्हास्तक्रोह भटक मह बरहळ राजार "क्रिकाम इम्ब ब्रेग्स्ट । छ। मतः । ए ७०६ (भारतासि महाशुक्रशंक कारमाहे ও সণস্থাটি পাইমাছি তিনি কাঞ্চে, নিয় भगरम विठ' । ज. ३ श्रेष्ट्रीशन करत्र - ३४३ , जि करपक क्षत्र वा वासाद्रक करेगा मिना 🚉 १ शुक्र-नि भक्षाता भाषा । दिन " सहस्र प्रक्रि कृति भारता महि क्षेत्र अभिका"ल इ छ ि

men . 12 while what is it was

াংবানি দশ্ করিয়া থাকি আলাইয়াওময় হিট্টি न क्यम तकती है क्यम से क्रेक्स क्यून हैंने 🤰 गरिको अर्थास विहास कारी करवर्त । कार्फोश्रा हाराधि । शाकिनात्व क्रम स्विद्या स्वाप वती (इह । इंडलाशास्त्र भन वार्षकांत्र तथरह का-र्शत श्रादण कविद्वा दर्धनी क्षण अकावण चरिका ারাও থাকিয়া ক্ষুণায় ভৃষ্ণার কাতর চইয়া গ-। यमि पारक्त सक्षामा विवरण निवरण जनरव त्हात कारी कहिया बसनीटक जावना गंगटक हिंद्या युद्ध थाएकम जा्रा स्टेटन व्यामादम्ब ्ठ छु:च स्त्र ना । यशिक व्यायमांगन উल्ह्ने शकांव हमा भान नरहे किय छ। बाटक कावृत छ। य न ইবার জারণ আছে অস্তুথের শেষ চাকরি করা, ক্। জ বিলার ভাষার চাকর হটপ্রছেম। চাক্ষ हे.स खुन (क्वि.स न

(七月)

कताहि यथ। र्यशिकातिस्य क्रिया ।

লনাৰ্য স্থায় জ **নোম একালন পাদক**া महानय नमी(अनु

त्मक्रीश्व बनारवय क्षाप्तन ও शामहत्य ্ত ক্ষাবন কাছে। সম্ভাতি ভণার বাজের प्रकाल नेथ क्षेत्र(एक , शंक शक्कर्य मधान्य मध्य ार ० १५व प्याधिको साहातित क्रिक्रीस दिव पू-ाँद अधुक कीर्खियात शक्तप्र अध्यय कींग रा-गंनाति कवेटक विकाधि स्वेशन, आहर्य कालाने था। দীৰ'শ্বিত সম্ব ললং চাবে পাল পাতি বিলিও ১৯-त्या साम्या भाषा अध्यो र मार्ट्य ३,८०१मा र्ग राष्ट्रभद्रौत्राम राम क्षित्राक्रम । अवाहकाव ेर्वाक महाभाष्यद्वा । कर्रास रामा सूक्ष्मक मरक्रित्रहे है अध्यान राज्य लाग आराम कॉन्स ० कास्त्र व 意見 デーノアー

গও বধন ত মলাকেন্দলভিত ফে।ন্থাক राष्ट्र कारणाम समा व्यापात प्रदेशा, कांद्राविक मीश्रीयः ।कवित्रकाक्ष्मास्य एशीवके क्रिका स निर्मा पर अ०० ६हें(अ शहकान शहा किं र्ताच गत्रफ शक्य के को इंडेग्रास् । कि आ

(भक्ते श्रीय त्रकत विशामित्रदर्भे व था यन्यू न, कविएडरहर किंद्र शविक अपार्क व 39 ्टे । 'ध्यामन्यक्र विश्वास वि

हर्वत अक्षेत्र किलिए हिल्लिए व नाइएक अपी-क्छिक्शनि वीथ आहरू। यह हरेने अविषारीटि अवानि अभरत्व ଓ नर्माचार क्रिनी अनेक्स थांत २३ कि ३२ कम मदछदत्र छ श्वदमीप्रद्र की-र्गा कतिका बाटकत । छेड्।त्मत त्वछत्म शांव वर्गतमधी चीव्रधनानांत्र स्टेट्ड धानांत स्टब्स मा क असाध बरशद निकृष्ट श्रमकारिय वेत्र प्रेटिक নাদার হইয়া বাকে। পবিতাপের বিষয় এই अभियां व नामद्र ता श्रीविभादन वाय, कावा छोडांब भ १०८मंत धकाश्मक क्यूना ! योगीय क्यूकातक-शिष्यद स्माद्य कर्च क्या मा अवस्था बकाराहित्व পাৰে ব'। উ'বাজে। কৰ্ম পে কট ব'ছেন লাজু ल्डाफ़्टन वे का शहक, क्या माक्ष्याद कार्य । कहै। मध्यत्रकोत्र कर्ककात्रक्षमण (मृ विकेटमण श्राम) कविश्राद्भ अर्थासः छोडा मञ्जूत स्था गरे। अस्टिम्ड सम्प्रमान्ध्र इहेरतः वर्ता भावतः क्वेटलके खाँव।त कर्यः नक्क क्रिक्ट व्याः अखि ৰংসৱেই এই প্ৰক'ব, জমিদাৰগণকৈও প্ৰতি বং গর অকারণে ৮,০০০ হাজান টাকার দায় এস্ত **ভটতে হয়। জ**মিদ্ৰেগণেৰ প্ৰতি ৰক্তৰা এট ভাষার। কেন প্রদিক ওরার্কের কর্মচাবিপনের উদর পূর্ণ করিতেছেন, আপনাদেব কর্ম দাপনাথা করুন। একলে ঐকামত। সংক্রমন क्तिक अनर्गस्मात्ते स्थाद्यम्य कृतियः, विद्यार्वे ্যুণ্টব চক্ত ছউত্তে বাঁধ সহচ ধারিজ কলিয়া লাউন। উভোলিগকে প্রতি ব সব দে । १००० - ८८लम , हिल्लान मिन्न जन्मापादकार । है। तेर अवत्यास्विधारमा अक्त प्रिण्ड क्य. ७।६। भाग्य कर्तिराभ पाछि वनमञ्जू ते स मण्यू क इंड र এলং ব্যানের ভালে। ক্ষতি প্রস্তা হরীতে এর নারা।

> न्वा अह भान क्षेत्र विस्त्रमा **食、(トータン !** (एउनीश्रह

मंत्रास दक्षण वेदा श्रीकर्त्व विकास भवन

त्मकी भौनमञ्ज्ञाल गोडा डेक्ट करू-

कर्लक्क्षन्ति कर्नन्त्र सुर्गे नद भियुक्त ज्ञायकाकोवाय भागव । मग्रामाग असीरव्ययु ।

विविधायिनम्भूकंकः निराधनाधिमा "क्याम् तम कार्डे क प्रशेष काला का कार्या का প্রসের ক'জন্ম ক'লড়া ডিক্লিন্সী उत्पाति । यो देशियात पाक केम्प्रीम रक्शा । विद्रान क्यांव क्ष्मित शहरक्त द्वित्र व्याना की मनिनिन या कि**म्य**दावि भिन्नाम । (१५०० छ. ११७०२ इ.१८८ हैं, शक सफ मनाक तम विद्वाप शहर नाजिय गमय सार्व विदाय व प्राप्ती याम मा। अने विविधित विविधन विविधन विविधन विविधन विविधन विविधन विविधन विविधन

जारक गरणांकित अन्य वावन श्वम्यामा मानमृदिष् हम केमेर्नी कारण ७ विनिर्मा कमियांत्री नांद्य अलाहाय कतिया गर्स एक >-861/ है।को मुक्तान क त । मन्यानक महानद्र । भागाना क्रम्यान स्ट्रिन (च्द श्रों(७ रश्क्षण च्याडा)होक चित्रका शिक्षांदर्भ. ७७० क्रीका अधिक मारण वालिक एए । अधिका ५- जिल्हा व्यवन कवितम नक्षत्र वालिमारवाली क्षति है বিদীৰ ৰয়। তথিবৰণ ৰাজনাক্ষণে লিপিয়ন্ত্ৰ 🗢 विलाम ना अञ्चाद गृहचानी उक बामाह अनर-নিত লা'পাণা **জী**যুক্ত বার **আগকুষ্ণ হাজরা**ই मर्गामात्रव निकृषे महाप्त स्वकृतिक स्वापक स्वापक क्रिंडवी मारबाधा वास अधियांक वास स्वेता प्रदेश करत छेशिक इन बदर प्रदेशक चा- द्वे ^ট দোপোর সমস্ত ছতাত অবগত হ**ইলা অভী**র खडीच्यू दक्षिणक्ष ७ कोनाम महस्रोद्ध वहविध অভ্নন্ধান করিয়া বাঁহুণা বর্হ্মণান জিলানং-কান্ত, ইফাৰ, বিষ্ণুপুৰ এবং ওকা ধানায় এলাগা হচতে প্রায় ১৭২**টাকার অপক্ত প্রবাস**ই >२ अमें नगारक पृष्ठ कतिता शक्षतका वक्त्रवाह निवादश्रीक आनिकेलि शाक्तिकृष्टे मारवर्षित् ममीरण (अवन कदब्रम । छद्यद्र आंत्रिकेकि বাজিট্টের সকুৰে করেকজন অক্ত দোবঃ অজীকার করিনে এখাণ সহ উক্ত শালিক্টেটী नाट्य व्यादाधी जानाम भगटक विकादमिनि পুৰের সেসন ক্ষালাচের বাছাছরের বিচারা- টুড়ি मारु महत्र्व कविद्रास्ति। कियु प्रेनोधीन बहे मण्डात भाक्त खेते ध्वर क्ष्ममा क्षम सामा-च निड क क्योर ५ विठाव अभिमान **च चित्र आहर्** क्षणामकादी सारशामा वादु श्रीवसात **चाडिला**ह श्रम । जन इड्रिट्स्म ।

> २५८म अट्याम ४५७२। নিভারাত্মত। 🏋 विष्टार ए विषायकामाथ मिरह।

> > জ্ৰীযুক্ত সোৰপ্ৰকাশসক্ষ্মীদক महाब्द्रिया।

भरामतः । जना आमि आश्रिनाटक ८० करपुक्छै। नः वीक जिएलाहिक क्षार्था पूरी नव्याम नगश्चिक ছুঃখের সহিত প্রকাশ করিতেতি। স্নানি এক্লা कान यक्त वाशिव धक्की वालक्टक नव्नताहरू কবিয়াছিলাম। কিছু ডাহার আফুডি রুশনে মুসলমান বলিয়। এতীতি না মণ্ডরাতে, পরিং ব विकाम कविता कानिकाम, वे यालकी छक्ष्वाह – ः । এহার পিত। মাজা স ভিদ্যা ছঃশী দিক ; खाबाजा अभारकाट्य अमाधिकछत्रं यक्षाः शतु करे (छा. धांच bifa तथमः वश्रामत समग्र को मान्त्रही विश्व के निष्य थक्कन प्रान्तप्रत्व िक्षे अकड्रजांत विकास करता अकाव के जातानी

वयम श्राह कार्रे दश्य इ हेबाद्य । शूट्स कहिय-ৰ্কীয় এবং ঐ বালকটার পিজ। মাজার রাল বগ-ড়ি প্রপ্রার ছিল। করিল সেই ছালেই এই আমার মাকাৎ ছত্তরাতে প্রার ভিন ঘটা কথো-বাসক্সিপে কয় করে। পুরে প্রায় ছুই ধৎসং ত্তিল বরদা প্রথশার **অভঃপাত্তি**- সুয়ালিয়া কথমের ছার। আমার বিলক্ষণ গোধ চইল এ!মে বাল করিভেছে। বালকটা করিমের বাটা- সঞ্জীব বারু এক জন বধার্থ নাার পরায়ণ স্থানতুর। ं हरे भ।रातामि अवर क्षीक्षशंदशत माांः शह क-भामि गणाम अविद्याद्य ।

रुख्याकानात्र मिक्ड वर्ती आध मकाल आध्रे अधिमिन नवाह भूट्य दिल्ल वड़ हरि इदेश बार्क। उन्हान्ना लाक करमत्र विक्रकन क्क इन्देखाइ। क्रान्ट्रकर है बांगे कर गाँउ उ क्रवेरक्टरम् अवः कृषिक,र्यात्व अविश्व भणित्वरम् । विश्वक ১৯ ० देवणायं द्व अक्की ब्रायक्रमक ব্যাপাস ঘটনাছিল, আধার নির্মন্ত কেবনী खाद्ये वर्गन कविएक ब्राह्म व्हेरफरहा (कालन-भूत गत्रभेगांत व्यवःगाठि जोवापूर औरम राम-ধন চটোপাধ্যায় নামক একজন সমুক্ত কোক ৰাস করেন ; **উক্ত** দিবস অপরাক্ষে ওঁ,ছার বা-দীর পাঁচটা যুবক একচে তাসকাড়া কানতেছিলে ল, জীহাছের মিকট একজন খানগামা ভাষাক সালিভেছিল, ইতাবনরে ভরতর বড় রক্তি আরম্ভ **খ্ট্ডা, পরে দৈবছ্**রিপাক বদতঃ ভাষ্যাক্র মন্তব্যেশরি মন্ত্র নিপজিত মইডা চারি ক্ষমের প্রাণ সংহার করিয়াছে। অবশিষ্ট ছুইজন নিজ- 🖟 **ক্ষ্য আছত ঘটনাছে। বোধ ক**রি ত প্রাক্ত প্রাক্ দান শা**ইলেও** পাইতে পারে।

्राष्ट्रीपृत् भूत्राप्ति । हैनकम्हेराक ७८क ड दिलके क्षिप्रकृत प्रकृषिक ३५ क्षिणका करेगा-क्षिक । मा व किरुल महा विदिछ क्षित्र कृष्टि (बाग, द खरा ७ का बानानाम विक्रिय देवीन । सन उप्तानाक गुरुष स्नि-हैं। विकित्र के निर्मात का कि स्वाप्त के मान क्षित्रक मित्रा एडसर, १७ वर तव ७, र प्र ৰু ৰাত্ৰ ৰাজ্ব কৰে ল'ছ তেওঁ চিক আহামু-क्रिके में बिल करवर, 11% केवर 1949 **অনুষ্টোর কের বলি**ডে ারিন। পুরুর বেশি **चारवं अध्यक्ति । एक्स्ट्रिल** १७ **भाष्य क्या इंड्रेटमध ठिक** ४१८१ई जापड शवनात क्या प्रतिकृष्य नाहे 'ि ' 'अ' পাৰ ৷ আমি আনবা ছাই এক এটে-व्यासी बंदिर्गात महित्यह कर्नाः इश्वित इरेलाम '

" अहे श्राहाताला फि रके. कीबुक्त वरण मधीनहरू ५८ हैं रहेशा न देशांत्र महिन्न चानांत्र विलय चानांश माहे वाहे. क्रिक करप्रक मिश्रम बहेश हेबाज गाविल धन प्रिम भक्षेत्र इ**रेशांक्ति। अहे सुहोर्य काम** कर्यामः উপযুক্ত লোক। ইনি ছেলোনডিসাধ্যেও সন धिक राउमील। खर्यां शि हेहांव अभीरत कि क्या এরপ অভ্যান্তার ভইতেছে বলিতে পাবিলাম वा । याम् इतिक मश्रीव वावृत अविवास मान'-व्यानी पश्चमा छे हिंछ।

बीवनिश्वधारम श्रीमुख्य मेथनठळ विमाननाव महाभट्य बन्धि करियक्तिक विश्वाक्षण अवर म! षांत्ररात्र खेशकांतार्थ ककेंग्री डिकिश्मालय जारध विक्रामित्रणित व्यवस्थ वयु वसा भटन, किन्न व्रिक्ट गोलभ्रेडीइ दर्जमान खदक्षा सर्मादन गमधिक द्वर्शकः ও হইদাম। ইছার এই হীনদ্দার কারণাত্স-क'रम थाइक इंदेरिंग क्षत्रम वर्जमान छ।क व বাবুর চবিত্রের এতিট দৃট্টি পড়ে। পুরের, क्षियुक्त बांबू भागावत्व खन्न अहे सारन हिक्द-मक हिलन, जिल् अथानकात लाक भगारक বে কৰ জ গ্ৰাগ ভাজন ছইৱাছিলেন ৷ আগুনি-ক জাকোত বাব ওপতু রূপট বিবাগ ডাজন ছট क्रिट्स **वर्षे क्षिप**ेटल्**रे विश्व क्रि**नि स्थिति किर्यन।

२४ व है रम 'थ। י דור בלכל היי

मानः वटनयुः

भन्नाःसक मध्याम ' जासा क्रमणी काण्डमा न थान् क्यां क्रिक्ट्राट श्रादिक हवेन । वर्डमान नाय (क्रमा वाक्सर्थिय **क्रम्बर्थ (यादा मक्**र्यक वर्ष क्का स्टेट्ड क्युंकिक स्टेग (१ शहरू । अपिन সাহী পার্থধান অধীন বেন্ডা। গ্রামে বঞ্চত (भा विमाण्यात्रम् इ अमारिक इक्षा प्रश्ने कूमा १०० कुन वक्षार्थ वा, कुन करेव। नाना वर्ग कझारा कवि- 🗦 २०७५ विष्यं आवर्थ आधित अगास ८७६६, चे जायमध्य करेमक श्राहीन त्यांह। मेथाय 'ংশ্মীত ভটায়, মঞ্জাভ্রত মহালয়' ডেম্মন নাট্র प्रदर्भ कि कथन धन्त्रका व्यव । (माम्राह्म कार्यका कार्यका निक्त मार्थ कार्यका है। के प्रवास के कार्यका कार्यका अक्षार स्वरम् अनिहरू मानियाहि, मनि अवस अकलन मूहि भागित्वाहे (ग्रीक्**मर ल तक**)। न । - गानर इत्र स्वित्वसर्वाष्ट्रिया ^वन्न वार्थी ा अवस्थान वर्षकाका व प्रशिव्य नर्था त । तकाव कि याच प्रांत अवस्थ राउधक्कित्रक्त ा। अप्राप्त भागा विद्युति अदिवद्दार (salte era filo क्रम

निक्रे बाल्यक्र क कि शाब गाद्दन बार्चाइड धानिकारच मध्य प्रक्षिपुरम जैभाविक परियो । गोया भाकांति गर्भन महर्षे हान्नि सन्दर्भ दक्षमात्र स्टब्सa. धार्वनिके आंगांचित्रन आंश्वरगांशन क्रिया तात्रणत्रात्रण नाटकृत् वाकाक्ष्य छैक वयम **क्छित्रक इत्र इत्र वा्म कावावाम भर्छ प्रशिक्ष** कविष्टाहरू।

ココンシャカー! निध्वत्रक २९६ रेगम् । **國帝: 5: 48** (मांड कमरा (अका यहणांचता

यनाथां थि।

शियुष्ड र.बू माइनमाम बार ক্রিপপুর ेवनाथ बहेरड काश्विन गैर्यास त्याः द काकीयाह कु% । माध्य शांत्र ५२ ५५ । ५१ वे देश्याच कार्याच ५६ वे विकास

े कि एएक्सा छ मास्ट्र

ै थिभिनाध्रेत

: १५७२१२५ कार्याम सङ्गात . च.२५० कार शास শর্যাদ্র ときつ 使る配がいな) ** ক লৈক 'ত্বা ২ ১৮ চৈয় স্বাধি ১৯ ক্রেন প্রাস্ত " नुरारत्याम् प्रकाशिक्षाम् **कलिक**ाउत ১৯৬৯ জাবাড় পর্ব্য ১ " (ग्रीभात्महत्म वदन्याका बाह्य 五,如金,丘 .२५% देवलांच अवश्वि जार्गमून अकान्यु কুমার্থ লি おしま は、 は、 ないない १२७., (१५)के स्वर्ष ५० नेश्माच शर्वा क 20 र क्या ब ' जो अनुभाव नका अ ১০৬,১ বৈশাখ আৰাস জ্বাদ্ধিন পৰ্যাপ্ত है हो न्याहरण मुद्रम अपराय 4 'BT ১২৩৮ কৈছ ভাৰপি ৬**: লাজ**ন পৰ্যান্ত . 5 স্থা আনাক্ষর ভাগ্রা *[[귀리] २ ५५ रेग्माच खारचि चाम्मिन अर्थाष्ट 李阳 भ (अर्धिनीकूम्य व द् अप्त्रकार्थ अरथोशीधाहा । । अभिनि ১२ ° क्र 'ते " ' व्यविष देख्य **श**क्षा स त्रगदीरमाञ्च । हास्त्र 有なく कलात । अहिम्फ भक्कामांव ্বহার ইন্দার জন্মিট্র পর্যান্ত भी उम्म इक्ष अहि #**1**/5 अन्भव तक्ष रवन अन्तित कर्षेत्र। १००० मा क्ष्म जानीय श्रीमहिन नारा स

र , भ, राद अकिन जेम्ब गा रक्षा पश्च वा र

गुरुक

" धवर्षकाः अक्षाकारकात्र भाषितः त्रत्रवजी अन्विमस्की न शिक्षकाः

8 3/91 २७ भःषः।।

मन ১२७२। ऽ८ टेब्नार्थ। ३९ ১৮७२। २७ ८म

मारिक मृत्या ५ है। 🕶। বাৰ্ষিক অগ্ৰিম ১০ টাকা

विकाशमा

গ্র মুখ গণের প্রতি। কৈশাখ্যাস অভীও হওয়াতে অনেকের ারত নোমপ্রকাশের মূলা নিংশেণিত হইয়া एक । छाष्ट किशास्त विनम्न श्रुत्थन **अ**निन बाहे **ংক্তে যে তৈহোৱা অন্তগ্ৰহ পূৰ্বক দ্বা**র জাগামি বংগর মূল্য পাঠাইনা দেন। আপা-েড: সংখ্যে বল্লেট মূল। পাঠাটবেন।

(मार्गधकाना

. 4 देकारे रनामनाज्ञा পত্র প্রেরকের প্রতি।

মর্মন সিংহের ব্রাক্ষ্যনাকের জনাত ২ সভ, প্রাযুক্ত বারু রাধাচরণ দের পুরের ল,ভক্ষ ব্রাহ্মধর্মের রীতানুসারে সম্পন্ন স্ট্রাছে, তথসংক্রাপ্ত যে একটি বস্তূতা থামাদিগের নিকটে প্রেরিড হ্ইয়'ছে তা হা অভ্যন্ত বিজ্ঞ বলিদা প্রকৃতিত হুইলনা।

উচিত বজ্ঞার পত্রও দীর্ষ হুইয়াছে र्गाच्या क्षकाम क्या लोग मा।

হিতার্গির পটের বড় ছিত কথা দেখা (जन मा ।

নী + খাচিত ভাত্ত্যাচার। আফাদিণের ব্রস্থান্ত মেদিনী भूरत्र अक्ट अंतर निम् निविष्ठ अवधानि भ,के:हेम्। पिम्नाट्सन

> শ্ৰীযুক্ত সোমপ্ৰাকাশসন্দৰ্গাৰক महोन्दिश्

र का अन्य अन्य कार्य स्त्र विकास अन्य कार्य कार्य

किहू पिन इडेस मित्रिनी शूद्र इ काम शब প্রেরক আপনার গোনপ্রকাশে সত্রতা জমী-দার নজিরালি খার-নীলম্টিত সভ্যাচার विषय कर्ष कर्म क्रहेशानि शक निधिया ছিলেন। তক্মধ্যে শেব পত্রে এইভাব প্রকা শিত হটরাছিল যে একণে আর ডত অত্যা-চার হটতেছে না। বাস্তবিক আপনার পর **্রেরকের বাক্য বড় মিখ্যা দহে**। জামবা এ পথান্ত রামনগর, আঞ্জল, মনিবগাঃ প্রাকৃতি चारमञ्ज ध्यानिगरक चरशकाहरू निरूप-দ্রবে বাদ করিতে দেখিয়াছিলাম। কিন্তু সম্প্রsি আর ভাহাদের সেক্গ অবস্তা নাই। ভাহাদের বিশম বিপদ উপত্তিত হট য়াকে ৷ কয়েকদিন ক্রমাগত রম্ভি কওয়াতে (পঞ্চি। नीमवीक एडाइवाव उत्तव सुरवान **एडेग्नार्ड्। ज अ**यग्र भीत बुनानि भा कडेरल रिगर चार्थह नि इश सिथिश मिलिहानि भे। य काम भारमञ्जा क्षजानियः। ज्ञान भारतिगात्रां स्वभा वा व সমস্ত ও হিতাহিত জানশুন হইরাছেন। জাহারা এখনে জাট লা বাদিন াতা দিগের প্রতি যেকপ অত্যান কলিতেছেন ভাষা এখন যা দশন কৰিলে হ'ল। পৰ্যা চুল

আহি ৪।৫ চিন ঐ না গ্রা হতিস্তে

ক্ষাজ্ঞাত্ৰ চ্ৰিন্ন আন ১ খান লাজল

এবং কতক লারিয়াল নগদী সঙ্গে করিয়া

्करडा १ भरक उर्ज र दिश्वास्त्र । अध्यक्तिम

का इस्तिया इस्तायन कारम वार्टेश क्षेत्री कालादान त

मन्द्राहर १ लेड व्यावन निष्क क नीवनी

ড় চাইতে ভাবেশ দিলেন । তংক্ষণাৎ ভন্নাপ

অনুষ্ঠে হটল প্রিজারা ইতিপুর্বে বে সকল

ভূমিতে জনান্য শ্ব্য হোপণ করিয়াছল

इडेल। (र भक्त शक्त। माहम बाज महाम করিয়, আপন আপন ভূমি রক। করিতে আ-দিয়াছিল ভাহার। বিলক্ষণ শান্তি পাইল। अतिरंग एक्डन जागांड श्रांखं रहेग । " है। বিষ্ণু স আমি একটু লিখিতে ভুলির। গিল্লভিলাম। নীল কর্মচারীরা এইবাপ স-ত্যাচার করিবে পূর্নেই প্রস্রারা ভাষা মানি-তে পারিরাছিলু এবং ভাত্রতা ভারেন্ট শাসি ८३ रहेन्न निक्षान्य वर्षः बन्नवीक करियादिन বে আমাদের শীলচাব করিতে শৌল ক্রান ইকানাই।কিন্ত শুনিতেছি নলিরালি খার নীলকর্মচারীরা জোর করিয়া আমাদের ভূমিতে নীল বুনানি করিবেক অবং ভতুগ-সক্ষে দালা হটবারও সম্ভাবনা **আছে। অভ**-এব থাহাতে আমাদের ভূমিতে নীল বুরিতে না পাবে ও দাকা না হয়, আপনি ভাহার ভিণার বিধান বন্ধন । অৰু कि মাজিটে ট **সাচেন ভাষাতে এইবল চতুন দিলেন বে** আমি নীৰের কিছুই ক্রিতে পারি না, কা-হাতে নীল বুনিছে বলিতেও পায়িনা এবং কাহাকে নিবারণ করিতেও পারি না। তবে भाक्षा निवात्व क्रमा श्रुलिटमब्र ब्लाक शाठेक्या দার্ববের জ্যানিত উষ্ণ কর্মা উঠে । চিতেছি। তিনি বিবাদয়নে উপস্থিত থা किश्च। प्राक्षा निर्वेद्धिश्कि द्विवाद जना प्रादर्शागिदक প্রবস্থানা দিশেন। দারোগা স্থয়া তথান, माइँद्रामन भाग फ़राला नेटफ ब्रहिटलन)। मारगर बारताकार २ (दशासारक) शक्रीहेत्। विजन मीन श्रम विश्वत मर्बन'न उ कार्मश्रीण प्र भिन्न फारू कहरण अकरे प्रमाद मधार हा वर्षभाव जुलिमकर्पहादिक्तिति बद्दा अन्थ लाक काष्टि विव्रन। नारवन पारवर्गमा *दर्गन* সাস্থার শ্বন বাজার হয়ে করেতে জান্ত দ

ি এইতে নানিয় ভাষা দেখিয়াও ৰেখিলেৰ ^ছ। বিলে কাঁকুড় প্রভৃতির **কেন্তে যথন** লা-জন গ্রহা, গোল, **প্রকারা আরাসুথে আপন** ্অ। 🕫 ক্ষেত্ৰের উপর শয়ন করিয়া পড়িল, অমা: নারেব দারোগা আপন অস্তচর বারা ্রাহাদি াথে ভকাত করিয়া দিতে লাগিলেন। ाप बट्य ब्लिय मारहाया आकामिरवर वि-कृतक पूर्व धक्कि विभाग तिरुशांकि कतिएउ ना-লিলেন। ফলভঃ পুলিন যোভায়েম বাকাভে ध्यञ्जानितत्र अधिकंडैत नर्कनाम ७ समिता-नित्र (भीवनात्र स्टेब्र: उठित । नीत कपांजादी-त। পর দিন উক্ত প্রকারে জাগুলে যাইয়া প্র कारिश्वत भर्कनाम कविश्वा व्यामिश्वादहन। এडे नार्थ अक अक किन अक अक आर्व याहेग्रा प्र পাড়াইরা আসিডেছেন। ধামাধর। নারেন **ভারোগা সর্বতিই সঙ্গে লঙ্গে ঘাইতেছেন।** নীল বামলোর। যে কড দিনের পর কড প্রাম ফুর খার করিয়া কান্ত হ**র্**বেন ভাহা এখন विलाख भारत ना।

कि हमश्कात वाशात । विहात ऋदिनत छूडे िन दक्ष,रमव्यद्धारे श्रम्यन मायाना समीता-মের সামে অকুডোডয়ে বংশরোনান্ডি অত্যা ার করিতেতে ৷ আমি ভারাদের সাহসকে ভাগণ্য ধন্যবাদ শরি। জন্তত্য নিচারণ তরা ও व्यामात्र ज्ञान भाषवातम्त्र भाग्यम महस्म। छूई ভিন জোমের ভিতরে যে গকল ভারাজক কাও ক্ষতেন্তে ভালার। ভালার নিবারণ কনিতে ও याचीकी व्यवश्व इहेर्ड प्रमर्थ स्ट्रेडिइन मी। ष्यात किवारभङ्गे वा अञ्चरनमञ्जनसभू स्थाप अक জ্ঞান নায়েৰ দায়েলাগাৰ নিবছ হউত্তে শান্তিবজা ও বৰাৰ ন্যাম প্রালিত বলম, আদা কহ वोहेटल शादर मा विभव छ ता ताला प्रवासि 😘 (छश्वेजी मास्त्रिरहे हेरत (थ्रदल कर) 🖫 ५५ **हिन । अथन करनक भग**त्र का एक नारत हा **পার গিরা দাঁডার** ভি যুগ্রাত জামনা ক হার ক্রেপকায় রভিলাম।

शाहिक वर्त विरवहनी वितिया रिएपु वर । से साम्ब्रिट्टे हे मार्ट्स (य स्कूम हिसारक अहा रक्ष्मत यूकिएक व्हेसारक विति कि यूक्तिरक बनिरसन कामि नीरमत वित्रय कि है बन्दिक शांवि ना व्यक्तिया निरादन दहा वि स्वेदिकरकेंद्व कर्त्यमुक्ति नरह ? कृति रहा

দিগের সর্বাধ বিশিক্তি কলন অপরের ভূমিতে জার করিয়া সিন্ধানি রোপণ করে তাহা

কি অভ্যাচার নতে বিলিপুর্বাব প্রশাসের অমতে কেই নীল বুনিতে বিশারোগাকে এ
কপ পরওয়ানা কেওয়াই ৯টিত ছিল। তা
হা ইটলে একণে নীল মধারা বেরপ অভ্যাচার বরিতেছে গেরপ করিবার বহু পশ গা
ইত না অথবা সকলই করিতে সক্ষয় হই
ত, ম নারেব দারোগাব উপরেট ম বার্থ্যে

विभिनोश्रद्ध १७३ व्य

जाकि कालि रुमन इहेन्नारह, ''जा-ত**াচার অ**ভ্যাচার ^৯ এই শব্দ অবিরুত अञ्चितिमात्र क्ट्रेटिस् । (यथारम এक পক্ষে শুম ও অপর পক্ষে মুল্পন বিনি যোগ সম্বন্ধ, সেই ধানেই অভ্যাচাৰ। নীল করের ভ অত্যাচারকারী বলিয়া লব্বপ্র ठिछ इड्याटइन । हा करत्रत्रः अ मीलक्त वि গের অভ্যাচারকারিভাজনিভ কীর্ত্তির **षःশश्ची इर्हेशाइन । इद्रक्त्रांत्र निक्र** পরত্থেরক বেহারের অহিকেনক্রবিব্যাপুত ৰ জিদিগের প্রতি ক্লভ অভ্যাচার বৃদ্ধান্ত লইয় ভুমুলকাণ্ড করিষ ভুলিয়াছেন : আমাদিগের ফুডন লেপ্টেন্ট গবণর বীড়ন সাহেৰ উহার অনুসন্ধান ও মিবারণ চেন্টাছারা মূচন লক্ষ নিজ পদের গৌবে বর্তনে উপাত হইব,:ছন। আমাদিণের পত্র প্রেরকেরাও নিশ্চিম্ভ নছেন। কোন স্থানে **কে কি অভাচার করিভেছে, সত**ঙ্গ छ इति अनुमन्त्रान कतिया श्रीकाम कर्त्रित।

এফান এইপ্রস্থ ইপস্থিত হ্ইনেছে
এখন রাজপুরুষদিগকে অন্যাচার নিবা
রন বিষয়ে সমর্থিত যুদ্দীল দেখা যাইছে
ছে, ক্রোথান উন্নার নিবারণ হইতে,
তাহা ন হয়ন দিন দিল উহার হৃদ্ধি
নিউতে লানিল ইচার নারণ কি: এখন
কার লোক কি অন্যাচারকারী হুট্যাছে:
অধার, মাহাজিপ্রেক্ত শেলি ক্রেন্সে

इ**इट्डिइ, डाइमिटभन्न अनुख्यमा**लिखा শক্তি অধিকতর বর্ষিত হইরাছে : পূর্বে च्छाडाइकांश्री हिम ना. अधनकात ला क्दारे चलाहातकाती इरेग्राटर. अ च ভি অকিঞ্চিৎকর বাক্য। কালভেদে অনু তবশালিভার তার্তমা হইবাছে,এ কথাও শ্ৰোহৰা নহে। ছবে যে এখন খন্য ক্লুত অভ্যাচার বার্দ্তা অহর হঃ আমাদিগের ভাগ্য সুলের উরেগ জন্মাইতেছে, ভাছার একটা বিশিষ্ট কারণ উপস্থিত লক্ষিত হই তেছে। পূর্বে তুর্বলের। মনে করিত প্রবল দিগেব শভাচি ; সহা বরিবার নিমিশ্বই 🧍 ভাহাদিগের জন্ম লাভ ধ্ইয়াছে। সুভরাং ভাহার৷ পূর্বে অভ্যাচারকে অভ্যাচার ব-লিয়া জ্ঞান করিত ন: যাহারা মনে২ ভাষা বুরিতে পারিত, জালার ৭ এরে ভালা বাস্থ্য করিতে পারিত না। এখন আর অ ভ্যাচার সহ্নশীল ব্যক্তিদিগ্রের দে অব স্থ। নাই। এখন অত্যাচারকে অত্যাচার বলিশ ভাহাদিপের জ্ঞান ফলিয়াছে এবং নেই অভ্যাচার বার্ত্তা প্রচার করিয়া দিবা রও আর তাদৃশ বাধা নাই। তদিবক্ষনই ''অভ্যাচার অভ্যাচার ' এই শব্দ **অ** ই कन जामानिरभन अनिक मुस्त अविके हरे (QCE I

स्वल (नर्श याईएक्ट्स, ठाइ ८६ कात करण १ उपल (वंध इदेएक्ट्स का एर कार्याचावादाः के नीख इस्क इदेरवें। यांत्र (भारे कार्याचावादाः के नीख इस्क इदेरवें। यांत्र (भारे कार्याचावादाः कार्याचा कार्याचा

(अर् बू**टका क्म कक्ष का कविशाहित्सक**, इट पिन महासुदी हिटलन, गर्पन फाल सन्ह क्रांतिक भावित्स्य, ज्यंत्रहे विभारक भिक्र েনে লোক মোহাদি সানিয়া ওঁছোকে স্থা क्रम कविल, किमि वर्गुममून रेएम छ मान रहेरक अने सहरतन । पूर्वत हमकपि োর এখন স্থানস্তংশ অবশিষ্ট ভাছে। (महोते ह**रेटलरे गर्बाण भूग** इस ।

> अञ्चल भवन्याकेत् ताम य चाउँ कार होते और िन

ার্জ্য প্রায়েশ্বল লেও সাংহ্র বাজব সং ' তাহাদিগের একচেটিরা ছিল বলিয়া ইছার क्र'मु श्रथात्रच्य कार्या काश्रदक्त भटन भ काक्य मुल्लक्सरण मन्नात इंटेर्डिल विष्ठः हहेरा **चवार्य मा इकेट क्**डे वश्म्य , मा । लाख मार्ट्स्य कहे स्थास्त्र अश्लाध াল কার্য্য করিলেন। ভালার পুনর্বার । নার্থ এই ডিপার্টনেটের কর্মচারিদিনার ্ব সগ্রন সমর উপস্থিত হইল। তিনি ! শ্রেণি বিতাপ করিরাছেন। উচ্চ যোগীত नर्भ 🚉 भट्टम बामीक इहेन्नाट्टन, छ.ह.द्र कदिरामम अधन छ.इ.त शनमा कत्री पर प गांवक इकेटलाइ मा। जिलि स क्राउकाया 🌬 াদিছন, ভবিষয়ে বিসভাদ নাই ৷ বিজে । হেৰ আৰু একটা মহে প্ৰায়ক কাৰ্য্য কবি कः इर्न चर्चा चर्चा वर्षरः के चारम्ब । यो फिलाके सारकेन निर्मित करूक अप्ताता अपात्रत आधिका निवसन क**र्य**े গ ইতে**ভিলেন, লেও সাহেত্**ৰের য**েছ্ন সে । চ্ছিরাছে । শিক্ষা**র্যাদিনের ২৫০ টাকা ্ব কু দুরীকৃত হউ নাছে। তিনি আনাদিশ 🖰

ি৮ ৬২। ৬৩ সাজের আম বাধ হিসাব মধ্যে । অচিক্লিত এবং আতি, ধর্ম ও দর্গ ভেদ বি र्थाः का भरका ह म आह अनु गम कोत है हात बाकित्व मा। यक्ति कार्याकार दाखि भ हिराजज, बराड़ **जहिरकात्मत**् जानियी ह् १ ाट लाहा **चामक कमिता गांछेरव मरस्यह**े **चामण छेशका**त्रक। এएम नीग्रियरक गणि · ট. চপাপি প্ৰশ্ৰেণ্ডকৈ পুন্ৰায় পুৰ্বের বুলিক্ষিত ক্ষ্মিয়া লক্ষ্ম হল প্ৰশ্ৰেষ্ট र भाग वर्षकृतकः शरिष इक्टिक वर्षति हो, श्वामवाद्य कार्य। क्रिक्त । म तुम्लकं ताथत्रमा इहेरकद्ध ।

अ इ ७ फेलान अवलयन कतिना द्वा आम भारत नाशमन स्केवन । अस्मनीन्निनाक । महाम आवन कतिना हमकि हरेना छिति व अञ्चलन मकल निषद्य हे चला छ। भवनदम ^{্টির নবাবী} কাও দেখিভেছিলাম। কো় যাবতীয় ভিপার্টমেটে প্রবর্জিক হয় কেব**় আদিগের স্বন্ধ ও অধি**ন্যায় নির্নীত হইয়া र नियद्तिहै मृश्वना क्रिया वा। मृश्वना का वा। ल त्य वाच मश्राक्तभा क्रिया व्यक्ति महत्व । ति वात्रभा कर्म, क्रमी नात्रिक्त

किमार्केटबर्टकेन मानकीतः कार्या श्रृष्टांसायकः विद्यात्मात्रः यत् वर्षसः कार्यः कतिएक केंग्राड क्रियार्डक । स्था सना कि विश्व अकार महिला सुक्रक स्थानिकन भाकरमण्डे , प्रदेशका, सक्कानावधि किया निहान जिनावें स्वार्थ परिकटर निमृद् ना विंन । उँशत विभूषना निवस्त अधिक তর অনিষ্ঠীও ঘটিতেছিল। লেঞ্চ স:ছেব **উरात मरम्भाधम विग्रास महनामित्वण कत्रि** हाट्यन । २७१ त्मत्र शदर्गस्यक्ति व्यक्तिका अखिवरत नाकामानः कविरक्रमः।

এত किस मिविल मर्बाट है और जि यायांकित्वव वर्खमान ब्राक्टबरिय कर्म । शार्षेदमक्षेत्री आज कतिश शांविशाहित्सनः সহকারি কর্মচারিদিগের ১৫০০ মর্থি ২০০০ এবং নীচ শ্রেণীত্রদের ৪০০ অবধি ৭০০ ট কা পর্যান্ত বেচন হইবে। লেও সা গুলি কর্মচারি গ্রন্থ করিবার উপায় করা পর্যান্ত ৰেডন হইবে। গ্রন্থানিত ডিপার্ট ^{দ্}ৰুজ অৰ্থ দেখাইয়াছেন। তিনি: মেণ্টে কৰ্মচাৰি বিয়োগ কালে চিক্লিত ও **ক ইছার অনুসর**ণ কর। হান এটাও একটা उरम्बीहरूबा ५ हैं ६ मार् 🕝 १५ वर्षेश प्राप्त লেও সাংক্র করি কুলু দুর করিবার নাদিগের বুরিবাবির ও ফনতার পরিচাং বাছেন, **ভাঁচাদিখের চিত উ**হার প্রিবর্ত मुनिष्कित कति । कर्ण गिवात अथा गणि । त गरमह नाहे। खेहा हात्रा (कदल आ रम यह **काम क्षेत्र सक्**त क्षेत्रात नहा , क्षेत्र अक्षण सरक, शवर्गकाचे आएमनीत क्षेत्र प्रतिकाल प्रतिकाल प्रतिकाल करें

र्ा, करकाटन कार्ज कामानु अवेत्रीनामाना वनवन कत्रिवात्ररे चनुदर्तः व विकासिकानाः। ानत हातम् न शिविनित स्वतः है बीक्षांक चनुत्यापिक। छेरेनगम मार्ट्य चुन्नाभूक এন্ত না হইয়া যদি এই উপায় অবস্থান कॅतिएकन, देनकम ोान्स सम्बद्धिक कंत्रिक्ष লোককে অসুখিত করিবার প্রায়েশ্রম হইত না।

अन्यने **मार्चन ३० कार्डेस** का । ज त्रव्यक्तीत मका **केशा** म्हान्ट्रस्त तर শোধন প্রসাদ লইরা অপুরারিখের অভি থেত সংশোধন প্রভার করিন। ব্লবেশীর ব বস্থাপক সভার যে আবেম্বল পত্র প্রদা न करतन, करत्रक मधार स्रेन, छ.स.त একৰণ্ড আমাদিদোর সমূৰে প্রিক্ত ইচি बादक । वाजानित्भन्न अ-अ-विवदम किन् বলিবার ইচ্ছা ও প্রতিক্রা আহে। বে गका के. थिक चाहेरनद्र मश्रामान अवाह এছণ করেন, জীভারা এ সের্বে মত দুর করিবার ক'ল করিয়া বিশ্রা**ল করিছেন্ডের** তাহ দিলের কৃত পরিবর্ত ক্ষার্থ আর্ড বৰ্ণীয় সভার পরিবর্জ প্রস্তাব বির্দ্ধোর ও युक्ति मनक परेवादम् किन्ना, कव्रिवन्न दिद्व া চিত্ৰ হুইতেছে।

১৮৫৯ अध्यद्भ ३० आहेन विधिवस्त्र वेबात शृद्ध या शाहा अञ्चात अवि समी सूर्वत पिटम र देवह बावणात पर्मान कति शहिरलन श्वर के भारत विधिवक स्टेस्त शत करी দার ও প্রক্রা **উত্তরের** সম্ব**ন্ধ ক**রি ালব জানে ব্যবস্থীয় । দিশের মৃতত্র ভানুরাগ আক্রম স্ট্রেন। । পুর্বেনিখ্, প্রসম ও স্থানের প্রোচ ও

क्षा कार कार वार निंड १६ेटन टाइ अवादक ৰভিপ্ৰায়ে ৰাকী **ৰাজ্** प्रशिक्षेत्र हरा कविता विद्या गक्षत्र है भे প্তৰ করিয়া ভাছাকে এককালে উৎসৱ করি**ডেন। ভবিত্র প্রকা**কে ধরিয়া **ভা**মি রা **চুণের গুড়ারে ফুড়কর।** এবং লৌহকী লাবুভ উপানৎ প্রহারাখিও অসচরাচর र्श्विम मा। ১० भारेन एरेश जनकि जारा **বিপের হত ক্লন্ত হইরাছে। পক্ষান্তরে** বে সকল প্রস্তা ক্রিয়া কর না পেয়. **ভাষাবিদেরও শাসনের সত্পার হই**বাছে। वांकी शास्त्रवात वश्रातीिक नालिन रहेरल जबर बंधाविधि क्षेत्रान क्षरतान क्षप्रिक क्रेट्ट इट्डेंब्र चांत्र चयाक्रि शाहेबात (वा बंदिक मा।

নাৰ্যন, করিনাহেব এতৃতি উলিখিত আইনস্ফির মূলকারণ। বছকালাবধি তাঁ। হারা বিভার প্রবাস পাইয়া কুতকার্যন रहेब्रार्ट्स । देशक्र जः अर्थ परनक पन्न ভারক্ষ ও অনেক পরিক্রম ফইয়াছিল, ভাগতেই ইহা কর্বোৎকৃত হয়। কিন্ত নীস ও জনীব।রনিগের ছুপ্তেউ। ইহাকে । চার ও লৌহকীলারত উপানৰ এই গুলি পুনরার মলিন কবিধা ভুলিভেছে। একা । কেই কারণ বলিয়া পথনা করিলে ব্যবস্থাপ निरात बक्कारतह जागानलक अब इटे 😮 वृक्थि व्हेनात्र छेलक्रम हरेगारह। ক্রীদারেরাও অভাচেত্র করিবার পুনরায পূঁথ পাইতেছেন।

अः हुनाबिक कारिन दोत्रा निक्षि के हरे कारक क्यीकारत्र्या क्य मा लग्नेतन अजारा कार्ट्स केतिएक क्रम क्रमा कति हा पिरन । ८५ छन , **शृद्धेक कर वा निरम ध्यका**णिकार अङ्कर ২৫ টাকার হিসাবে অর্থ দণ্ড চলবে 🥹 मीमादात्रा यमि क्षकामिश्रास्त्र कच कविवात चा जिल्लादर कर ने मन, जारा घरेटन डेहा क्रियाक कालिश्रंदर क्रिजा क्रिक क्रेरन अध्य द्विद्वर्ष अाव लिल्ड इंड्रेड्ड्ड मा । वर्त्रे

न अवधि अवस्थि में दिन दिन कृत्याकृतः ছি। কিছ ছটি অনুরোধ করিয়া আ নিয়ম অভার অন্ ক্তিয়া প্ৰতীয় मान क्रिक्ट्स । कब्रज्ञहर्ते ना- कब्रिटार्गिके स्नामिनाक यनि कारलक्षेत्रिट क्य अंगिय कविए स्य काशामिशास्य देखारम्य ऋ त्वमन क्रिएक ছইবে, জনীদারেরা কেভিটে পুরণ করি क्रानिदम मा। विकीत, अमीणादाता का পন ইক্ষাৰ নিজ নিজ স্কুমি জারিপ করি **एक भारतिहरून । ध्यक्षात्रा रःद्विरभद्र नम्**रः উপস্থিত থাকে ভাল, নচেৎ ভাগ্যদিগের च्यू अविकारन कतिश हरे । उन्यू गारत কর ধার্যা হটবে। এই নিয়মটা বছবিধ অন্ধের প্রস্থৃতি চইবে সম্দেদনাই। জ बीमात्रमिरशत हेन्द्राहे बलवकी क्ट्रेस्ट । सा शक्तिरगुत्र वेक्।नूत्रारम् क्य थार्था व्वेटन, প্রজারা প্রতিবাদ করিয়া কিছুই কবিছে র্প:রিবে না। প্রজারা যদি জরিপের সম য়ে উপস্থিত না খয়, তথাপি জরিপ হইবে এ নিয়ম করিতে হইতেছে কেন > প্রচাদি পের ছাউভাই ভাহাদিপের অনুপশ্বিতির কা तान अरेकी ना दुविशा मिकनातीनक, नाम ব দিবোর বন্ধনশিতা প্রদর্শিত হরত স ন্দেহ নাই। বাবস্থাপক সভা আগানি সে সিয়নে এই অনিষ্টকর ধারাটির পরিবর্ত্ত ক রেন, ইুহা আমাদিপের একান্ত প্রার্থনীয় হই গ্রাছে। অনিউ ঘটিলে উন্নিবারণ চেষ্টা অপেকা যাহাতে ভাহা ঘটিতে নাপারে সেই *ডেব্ট*াকরা সহ**স্রগু**ণে ক্রেম্বন্ধর।

াশ্বলে আমাদিগের আর একটা বস্তু ব: আড়ে: নীলকরেরা এবং ভাঁছাদিলের प्रथम अम्मांमरक्या **क्षरे** । भारेशाहित्स्य बर वर्षामध्य श्रक्षां क्रियात स्था वारस्याख क के दें িন্তে ব্যব্হাপক সভা ভালা**ডে** শ্মত 🖍 নাই। জীছার: স্থির করিয়াছেন हेर्। अभिद्रमीय हेर्प्रका कामता दशके 🏋 लिक्ट का काला होका सक्ष्मा व्हेट्य। 🗷 🖟

जात्रा विकि किखिए मा एम्ब अवर জহাবিদের অন্য অন্য সম্পত্তি বিজয় ক ति। पारणाम पर्व मेशाहील ना रह, त्य त अम् विकीप स्रेटिकिकान अस्तरम এইৰণ কতক গুলি দেকিবাসিয়া খুটিয়া हिन, छाँहारू[।] श्रकानिद्वास्त्र होतिषु ला श कतिया छ। श्रीविश्रदक देवस्किन स्वयं सी বী করিবার চেফীর অ,ছেন। ব্যবস্থাপক प्रजाति के कामिरभन बाका चलाका कति গ্ৰাছেন, ইম্ম কেবল ভাঁছাখিলের পৌরবে ব নগ. ভারতবর্ষের ও সৌভাগ্যের বিবর বলি ত মহাৰে। **অধিক কি যে দিন প্ৰজা** রা ভূমিন শ্ব ১ইড়ে বঞ্চিত ছইয়া দৈনি क अवकीती एकेरन, शब्दे किनके विकास कामित लाइकरत्वय (भव क्रेन ।

লমী-'রেরা যদি ভুইতা কবিয়া কর अर्थ का करतन, अवाहा कह कारसकेत्रि **८७ करा** केंद्रिश किरत । अबे निष्येष्ठी बार्डः विभिन्ने छेशकात मणिवाह अहारना खा एक कारलंडेन ७ एड शृष्टिकारलंडेरव्या অসপট চিত্তে নিজ নিজ কর্ত্তব্য কর্ত্ত करतन, ध्वर नीलकाइद्र, अनुष्ठ कृत् লইবার আশা ত্যাগ করেন, তাহা হটলে बील मःकाम्य विवाहण्य लाव इत्रेयां मन्त्रुर्ग मञ्जादना ।

চানে ক্রানে প্রস্তাবটা দীর্ঘ হট্যা উ গল, ভারতবর্ণীয় সভা ১০ আইন সংশো भट्नित (य (य ध्यक्ष'व क्रियांट्रिक, अक्रुटक्रिय আদা দুৰ্ঘট ঘইল বৌধ হয় পাঠকগণ আ পাসি ৰ'ৱে দেখিতে পাইকো।

वजीय विधाना मन्द्रावली ।

আমরা এই এনের একবানি সুদ্র 🤊 खक आंक्ष इरेताकि: डेश **चामापिर** गंै জ্বরে পকুন্র কৌতুত্ত জন্মাইয়া বিভেছে ইহাতে সাপের ভূতের ও ভাইনের মত त्यकृषि **जारमक श्रील यश जारह**। स्र श्रुलित राजन घम्म, एकमनि ब्रह्मा, रहजार ক্ষাৰ ও তেমনি " रकाम मानाम ख्री

मारे। ये क्षणि क्रमानरमे निक्ति स्थिति । क्षण्यानी क्षणितान कि स्थापित कि निर्द त्रोतत्र्व वाखित्रक व्यक्तक विकः क्षेत्रक তেদ করিয়া **শেভ বিদাণ** বিশিক্ষ**েকটো**ল গিলৈ এই মাজ গুলি সংগ্রহ করিয়া কুলিক ও এচারিত ক্রিয়াছেন, আত্র মধ্যে কাঁছা इ नाम नारे, कि डेटकटम रेश कार्माहिड क्रेशाह्य. छाड्राक म्थकीकात निर्द्धनिक , कि सुभिक्तिक, कि तुक्तिमान क्षात कार्य হ। নাই। এই মন্ত্ৰ গুলি বিস্মুপ্ত ছইয়া যাইতে ছে. ইছার **উদ্ধার করিলৈ অপটেতর মহা**ন उभकात माथिक स्ट्रेंब, अ डिट्रकमा कति মা প্রচারবিভা বন্ধ ও পরিত্রীর স্থীকার পুর্বক ঐপুত্তক খানি মুদ্রিত করিয়াছেন ্টা কোন ক্ৰমেই সম্ভাবিত বোধ ছইতে ছে না। যাছারা লেখা পড়ার চর্চা করেন. हैं।इ:कित्यात मर्द्या चाकिल ध्वम निर्द्याध चारधन, काशांविरशत अयम विश्वान मार्टे। अरमनी सुद्रा चाकिल छैति विक निर्वे क्रिक्ट माल अका कात्रम, अहे विनशा है भड़ाम करा व्यथवा इंड्रांसिश्मत्र बरे निर्व, क्तिका मर्भन कहिया एक करते, अठात्रशि टाइ छै। सभा ६६(फ शारत। स के स्मान रकेन केलिथिक महत्र नियान जाकारक अ ्रम्भी विकास विकास का विकास विकास । উনিপিত মত্রে বিশ্বাস থাকাতে এদেশীগ দিগের বৃদ্ধি তীক্ষতাৰভিৰ্ত হইয়া ছীন मना शास इवेटल्ट वरे याउ पानकात सग महत्राह्य (प्रशिष्ट भी अत्रा यांव, क्ष्म प्र फिक्टिया। (वात्र **अस्ट इट्टे**ल के विधिए मञ्ज প্রকারীয়া রোগীকে ভুক্তাবিষ্ট অথব। फाइनमधे विविध्या कविया केरधानि प्र বন প্রধাস পরিত্যাগপুর্বক রোজা ডাকা केश वाकाक्ष**्ट जा**त्रस करतन । तांभी, वाक्ष्यान या जूटका कथा जारक, वाक्ष्यन প্রচিরকালমাধ্য কেবল রোগের নয় বনদুত বোজারও হস্ত চইতে মুক্তি লাভ করে। **ত দীন্ত মুক্তিলাভ ক**রিবার বিশি**ন্ট** কার ণ্ড ভাছে ৷ এক, রোগের চিকিৎসা হই ल मा। विश्वीय, ब्रम्भरमानमः । त्राकानिरश्य নিদাক বিশাসাত ।

विद्यालीय शक्केक्श्रेय इस क बदन करिन

कि विश्वविक्ति, कि समिकित रासन (2) 可(2) 斯德·莱德尔 引作中

না বাজবিক জান্তা নহে। সুলিখিতে দি क्षा क्योरे क बारे, बुक्यान त्यादकता भी जनमं भट्डा, क्षणांत्र करत्व सा। किंद्र সম্পূৰ্ণ ৰূপে পীড়া কালে স্বগ্নহে উদ্ধানম **অবেশ নিৰেধ করিছে পারেন মা। অঞ্চ**া **७ निर्दाप िरगत्र के**ि. विष्ठ मरत्र मुग्ठत বিশাস আছে। সুলিক্ষিত দিগের গুছেও त्मरे निर्दाध ७ वर्ष स्नास्क्र व्यक्षक মাই। এদেশের স্ত্রীলোকেরা অবক্ষেদাব ক্ষেদ প্রায় মুর্ব, তত্তিম ভত্র গৃহে অনেক व्यक्तिक श्रृक्ष्वल वाट्ट।

আমরা যে সকল মন্তের প্রসক্ষ করি রা অদ্য লেখনী এছণ করিনাছি, তাহ: गडा इहेबांद्र मखाबन। चाएक कि न। এफ (४ ७ दिवस वि: विकि करेत छ । भु: छत **ও ড।ইনের মন্ত্রের** বিষয়ে **অ**ধিক ব্রুবা নাই। ভূত ও ভাইন বলিশ বান্তবিক প मार्थ चाटह. এ कथा आमानिक लाटि শ্বীকার করেন না। উহা ঐতিহ্য নাত্র। **(मन यक्षित अस्त थांटक. उठ मिनहें जें** সকল কশ্পিত পদাৰ্থ বাস্ত্ৰিক আছে ব লিয়া লোকের সংস্থার থাকে। সেজপিণা द्वित नमार्य हैश्लदेख के मध्य रावृत म्बिर्म ষ প্রান্তর্ভাষ ছিল। উপহাস করিব'র উ स्मापेर किनि निष आए कार । नवल প্রসাদ করির।ছেন। একংশ ইংলও চ**ইতে** मन्तृर्व कारण फेकांत जिल्लाकाव क्षेत्राटक । बाधाकर्डावा न हाब उ जना वर्ष कर्व म । मूल गर्थन व्यवहा इटेल, उर्थन कुँछ ও ডাইনের আবেশমন্ত্রের সভ্য হইবার সম্ভাৰনা কি -

এক্ষণে সর্পমন্ত্রের সভ্যাসভাক্তার বিষয় বিবেচনা করা পাৰশা र । খু জি ধরিয়া বিবে हन। कविएक श्रांटल मक्त क्थ्य मका स्ट्रेस्ट পারে না। খতাবভঃ আমানিধের দ্রীকী अकृष्टि त्य मनक क्षेत्रक्षेत्र विक्री बाटक. তৎত্রতি দ্বের উবধার্কি ত্রপ মৈলসিক উপার সূট হইরাছে। মন্ত্র ঈশর "সুকী নয়, সনুব্য সূ ট, অতএব ইছা কোন জনমেই নৈস্পিক উপায় বলিয়া খ্ৰদ্ৰাবিত ঘটাত भारत ना । चभन्न, शिष्ट् भाक्षेकारहर्त्न देव मम्ख मजरक चालोक्स्यत् विनिर्धा विद्यार শ করিয়া গিরাছেন, সর্পাদি মন্ত্র ভন্ম (४१७ निविधे नार । देश (बार्याक्ष मा। বিশেষতঃ অশুচি জাতির সম্ভ্রপাটে অধি कात गारे। किस हिन्दू भाजानुगारत ता যে জাতি জম্পূদা বলিয়া উপেক্ষিত কই য়া থাকে, সেই সেই চাগুলোগি অন্তটি का जिहे मर्ना पिमस्य भारता खा।।

भक्क लाकनिरमंत्र खरवाधार्थहे आधा निगरक এठ कहिए एट्रेन, नुवृक्ति वाक्ति द्वा এই সামানা বিষয় **मरे**श अधिकहत অভিনয় দেখিয়া বিরক্ত ইইবেন সংক্ষ नाइ, जात्र बाड़ा वाड़िएड क्षरप्राधन मारे। ष:मद' श्री हुई मद्भ के मुक्त कतिता निमा म । भारतकान रमधून, यमर्थ अहे मझ मुक হট্রাছে, ইয়ার ভংগ্রহীকারে সামর্থ্য জা ছে कि ना व

আশ্বসার।

खर्थं द खारानाटक संख्रिम ।-

हैं। हें हैं। हैं श्रीत का पूल वि कारी के है है, शिक्षण विष माहै, माहै विष विवर्शन আজায় নাই। পাড়বার এই মন্ত্র বলিতে হয়।

विष्करस्त मञ्जा

রেজা এইমন্ত্র ৭ বার পাঠ করিয়া ফলার করিয়া পাকে :

या श्रह्ण प्रकल हिल कोकान विष दर्शक्रन करि. काई निष्यास समाहम विश्व मानकाभा कति है है शाहीन कांत्र निकिल्या काल, काल कृष्टिल, न পেৰ বিস্চত্তিগে মুখ চাঁদ সপাদাকুল, 🔑 থানে মংবলি, ছব, চৌষ্টি সাংপ্র বিষ নে" লিগৈ মূখ মে.।

> হিন্দি ভাষায় কাড়ন। **७ है मझ** ३० नाज बिलाएं।

त्याक्षण नष्टकी क्षांकृतकि बोक्सानि में।श

हैं में एग र ७ व्यक्ष्मा भाग है दिखा नांच दिखा एउदका जिल्ला कांग दिया माकक्ष्मा एक्षि एक्ष्म मान कि है, में का केंद्रिक के द्वाद्यां कि मध् मार्जित जामा एकि, कांग कि कि क्ष्म कि है, क्ष्म न कोंग कांग मांग बादिल विच कुरवादन क्षा-भाग कांग्रम, केंग्स विच मांग क्षिम, मांग विच मां न किंद्रिक विच कांग्र किंद्रिक मांग विच मां न किंद्रिक विच कांग्र किंद्रिक मांग क्रद्रिक म आहा !—

এই প্রস্তাব লিখন সাল হইলে পর এ
কেন্দে ডাইন প্রস্তৃতি আছে বলিয়া বিশাস
থাকাতে কড অনিউ ঘটতেছে, হাতে হা
তেই আমরা ভাহার এক উলাহরণ পাইলা
ম। ডাইন বলিয়া কপীনামে একটি জ্রীলো
কের প্রাণ বধ করা হইয়াছে। সদর রি
পোর্ট ঘারা জানা গোল, কপীর প্রতিবেশী
এক বাজিব পীড়া হইলে কোন কপে তা
হার পীড়া শান্তি না হওরাতে সকলে ক
হিল কপী ডাইন ডাহাকে খাইয়াছে, তরি
মিন্দ্রই ভাহার পীড়া ভাল হইতেছে না।
ঐ কথা শুনির্মীভাহার দেবর ভাহাকে এম
নি নিদারণ প্রহার করে যে সে ভাহাতেই
প্রাণ ভাগে করিয়াছে।

(लए.शरेबके धनर्षा आखि मार्डन ६ नीमका मारू खश्रा।

लक्षीभाषः भीलकृषीत महकाती कार्या मन्नामक क्षम माक व्यर्थत माद्यव व्यवता भीलकृत मान गठ त्याच्येमके भवर्गत क्षम भिन्नेत आणे माद्याच्या सात्म मूर्णिय दका किंद्रा व्यक्तियाम कर्यमा छाउएक श्रथान बिहातंभिक मह चार्यम भिन्ने भारत्य द्रोक्ष माद्याचा क्षम होका मण क्षित्रा द्राव्य भारत्य क्षम होका मण क्षित्रा

সরু মর্ড কি ওয়েল্স সাতের লঙ্ দা হেবের মকক্ষমার যে দগুজ্ঞা দেন, তাঙা দ্ক্র যক্তের স্বাধীনভার আঘাত করে, এ বারে সর বার্ণেস পিকবের আজা রাজ কর্মাবিদিপের স্বাধানবাদিতার বাহাত করিয়াছে। গাঠকপন অধ্যে অভিযোগ দার্শিনী আবণ ক্ষুন। উদ্ভিষ্ঠিত ক্রীর অধীন প্রজাবিপের নহিত, একদা কুনীর কর্মচারিবিলের বিবাদ হয়। প্রফাগাণর महिन विद्यायकारम कुष्टीत कर्यहात्रीत। থত ন্যায়ানুগত ও বৈধ ব্যবহার করি:। পাকেন, তাহা আমানিপের পাঠকগণের **प्यविष्यित्र नःहो। विवास्यत्र शत्र नदीशात्र** क्षित्रमन्त्रे लाजिक्षाच्या जाएहर कई दिएलाई করেন, তাঁহার এই এপ বিশাস কবিয়াছে যে উপস্থিত বিবাদে কুঠির সহকারী কর্ম **টারী মাক অর্থর সাহেবের সহকারিতা** भाटकः। शन्हां के सकक्षत्रः जनत् कान লক্ষে গার। অভ্যাচার কারী বলিয়া গে যে बास्तित नारम व्यक्तिगाश रूप. मनद्द्व स जित्रा माकिव का भरेनका पर्भन कहिए। তাহ দিপকে মুক্ত কবিয়া দেন। আণ্ট সা **्टर्वत अभगाप शहे. याषाल अवर्गस्मर्टी** ए मकल काशक शक अक्छ मरशृहीक हरे য়া পুস্তকাক রে নুদ্রিত হয়, লাগিঞ্চন সা ছেবের উ**িখিত রিপেটি ভল্ল**খা পূচারিত ছইয়াছে। লেপ্টনন্ট গ্রণর পুঞ্জ মুদ্রণ কালে ভাষা পরিভাগে করেন নাই।

সুপ্রীম কে:টের প্রধান বিচার পত্তি যে यूखि व्यवस्था कतिया प्रशासा श्रामा করেন, তাখাও পাটকগণের অব্যাচর রাখা विरुषय क्रेट्डाइ न । ई.कात अखिरण छ বুক্তি এই, রাজকর্ম চারিদিগের আপন্নং এলাধার মধ্যে যে সকল ঘটনা হয়, ভাষা উপরি পদত্ব ব্যক্তিদিপের গোচর করি वात विषयः कै।शामिरगत व्यविकात व्यक्ति। किंद्ध याद्यारक वास्क्रिकिटमारवत्र मिक्ना इत्र. রাজ কর্মচারিদিগের বিজ্ঞাপিত তেমন বি বৰ প্ৰকাশ করা বিধেন নছে। ভাতুল বিষয় হাউস অব কমপের **আজ্ঞানুসারে প্র**কাশিত रुवेदन अपूर्वा देश विकास करें कि प्रश्नी विकास करें कि হৃহবে। উপত্তিত বিষয়ে সাক অর্থরের নিন্দ। স্থচক থাক: প্র**কাশ করা হইয়াছে**। সদবেৰ জন্দদিনের মতে ভাছা সপুমাণ

লঙ্গা েবর নামে অভিযোগ স্বার উপাঁথত অভিযোগ এছটাই নিভাগু অঞা

हा। क्यि जुलाम- कार्टित करकता रेश खाश क्षित्र श्रिक्त जानगाविद्यात कि व भोर्वेत्मात्र शक्कित्र नित्रांत्यम अवन महर সুগ্রীম কোর্টের বিচার যে সমরে সমবে বিভ্রনা মাত্র হয়, ভাষারও পরিচয় বেওয়া र्वेताट्यः। यनि युक्ति धन्निमा विश्वहना कन्ना यात ए वाजियाधिक बिट स्वाव, यकि दक्ष বিশেষ বশক্তঃ ভাহার শ্বনিষ্ট ক্রিবার উ (कर्ष विद्या जनवान भूषात कर्तुः ष्मभवाषकाती पश्चनीय इत्र महत्त्वकार नार्हे। আস যাহার বাস্তবিক দোব আছে, যদি কেচ ত'হার অপবাদ করে, ভাহার কেছ প্রাণ হউই না হউক অপ্রাদকারী দ্র नीय इरेटक भारत ना । किस आरेटन रेंड्: ্ব বিপরীত বলে, বাস্তবিক দেমীর ব্যপ वाषकाती । एपर ध्यमान क्रिया क्रिया পারিলে দওনীয় হন। অনে; অকারণ লো কের অপবাদ দেব বলিয়াই এই আইন লোব জবিরাছে। কিন্তু রাজকর্মচারিণ (शत्र विषदम् क्रिक अधेकश इस ना । कीहा র। দোধী ব্যক্তির দোষের প্রমাণগত বৈক मा मर्भन कहिरलंड मकलगात चानुशृर्विक যাবভীয় মুক্তাম আলোচনা করিয়া কাঁহা बिर्मात स्वरूप २०काव कार्य छ।हात. তালা প্রদার করিতে পারেন। ভাঁছাদি গের এ অধিকার না থাকিলে আপীল दिदि विकल हरेश यात्र। मामद्रा चानी লের মঞ্জয়ার যদি নিয় পদ্ধ ডেপুটি यार्निक्ट हो है व्य ्रांहत मश्कादात कथा क्ष **চার করেন, ভাঁহাবা कि प्रस्तीय हरेदन -**উপস্থিত ছলে তাহাই ঘটিয়াছে। লেপ্টে नके भवर्ष प्रद्यात मश्कात विषयरे अठात कविता किराह्म । विद्यारकः धाईरम स्थार হইলেও যখন বিচারপতি বুক্তি পারেন অপবাদকারীর অভিসক্ষি চুষ্ট নয়, তথ্য দক্ষ কর। দি ন্যায়ানুগত কয় । সর্বাত্ত আই भित्र प्रकारियंत्र प्रमुप्तत्र कता गुर्के বিচারকভাব কর্ত্তবা নতে। সমু দায় শোৰীর কেং কি সপ্রমাণ হয় বাক বিক মাক অৰ্থন উল্লিখিড লোবে লিড

हिटलन, व्ययम क्लाक बलिया आयोग क्लाम मध्यान रहेन मा, नेवल स्वता जेमदा বিভ মধ্যে। ভালায়, মাফ ভার্মার পদুটের বী কার করিয়াছেন, উল্লিখিড অপবাধ নিব चन डेंग्स दिनाम व्यक्ति एत मारी, करव म्थ (क्य) चमिकिमान्निका विरवहमा कन्नि রাই কণ্ড বিধির সৃষ্টি ক্রীরাছে। লেক্ট मके अवर्ग्य क्षेत्र बाखिक व्यानाधी क्रेगा शास्त्रत. छीवाह थाणि मकसमात मञ्चात जार **विशेष प्रमुख्या एटेल हा (क्यू** ?

প্রকরী পরিক।।

এই সুস্তন পত্রিকার একধন্ধ সামাদি থের হস্তগত হইয়াছে। আমরা পাঠ করিরা অভিশ্র পরিভূপ্ত হইলাম। বালিজনের করে क्कम विषाञ्जाती वाक्ति देवात शुभन्नकार्डा প्रश्च इरेब्राटइव। रेश बाटन बाटन अक्साब क्षित्र। वास्ति स्टैर्प । स्टाब्ड एव क्ष्प्रकृष्टि विवत त्य दीजित्य निश्चि वर्षेत्राह्य, काश (मधिता न्यकेटवाध स्टेरफ्ट्स, क्टब्रक्क्स ভাল লোক এতৎসম্পাদন কাৰ্বে প্ৰতী व्हेत्राट्न । छाँहाता सनि ज्ञेथानत या स्म, এই পত্রিকার নাম অবর্ধ হইবে সলেছ मारे। देशक शाक्तिकःविनदत्त सामानिदनेत्र সম্প্রাত্তও সংশয় কবিতেছে না : সাঁসিক **চারি আনা মাত্র দ্বল্য নির্দেশত বইয়াছে।** चण्यकाल बरधा खाइक मःथा इक्षि स्ट्रेबाइ मन्त्र्वं मञ्ज वंता चारह । वन्त्रवृत्ता छेरकुरे बरा शाहेरल स्थाम् राख्यि धर्ग कतिए चक्तिनारी मा स्ट्रेट्य भागना अरे शिवका व्हेटक अक्षि विषव केक् ए कक्षित्रा विरक्षित्र, भाक्षेत्रमान देशात खेरकर्व ७ चिम्बर्य दुवि তে পারিবেন।

बाबदब्रब अमुहिकीया।

শেল গেশহ কোন সামান্য ব্যক্তি নানা ব্যবদায় আঘলতম করিরা দেখিল বে কিছুতেই केश्वय करण जीविका निर्दार एवं नाः व्यवस्थान युग्नभागदश्य क्रिटम निहा हैनि विकन्न कत्रिय **এই चित्र कर्तित : ज्यास्त्रत खारात त्य पर्यक**ा किर गर्श्वाम किन प्रांक् केलि करत किल्लिक- | स्वत्राव करता करता

कृषिकोटनहा शाक्षित मर्गा स्वयं মাল ট্ৰণি পানীয়া খাবে নেইম্প ক্ষকণাল शब्दार पंत्रिक्ष पाक्षिक एएक श्राम प्रतिम ।

अन्त्री अनुप्रदेश शास्त्रीयान करिया अन्ति। ने विरुद्धि जन्म क्रिएक जातक क्रिक : अर्थ ৰেবা দুই এবের হইয়া উঠিল। স্বাহ্তালে चाक्तिको स्मरन व्यवस्थ ह्योज स्हेत्रा शांदक। পৰিক আতংগ তালিত হট্যা বিলামাৰ্য এ-কটা রক্ষারার পর্য করিল এবং পর্য করি বার পূর্বে একটা টুলি খাহির করিবা মন্তবে किन[े] (बना जनबाद **रहे**)ने भविष्म्य निश्चा-ভল হইল ৷ কিন্তু কি সর্জনাশ : চকুকুলীনন क्षिया क्रियं क् बुक्क्य मध्याय भाषात्र অসংখ্য লাখায়ন লোছিত বর্ণ টুলি পরি ধান করিয়া খড়কে বসিখা আছে।

रानद्वता शिकटक द्वेशि बाबाव विदेख मिशिष्टिम धवर त्र मिक्रिक श्रेरामाळ छा-বার টুলিগুলি বহিতু ড করিয়া সকলেই এক একট মাৰ্বার দি ছিল। সুর্বোবিত প্রথিক ভদৰ্শনে শোকে অধীয় হইরা নিয়ে সরাবাত করত হাহাকার করিতে লাগিল এবং বিরুদ্ধ হইরা ৰক্ষকের টুপিন্স ভূতলে নিকেপ করিন . कि जाकात। गविकरक हैनि स्वनिएड स्व খিয়া যানরেরাও ডংকশাং সকলে য খ বস্তু-কের টুপি ভূতকে নিক্ষেপ করিল। তথন প-বিৰ ৰংগরোনান্তি আনশিত হইগ টুণিগুলি সংগ্রহ করিয়া লটল।

কোন কোন দেশে নিয়ু লিখিড উপায়ে বানর ধরিরা বারে। ভত্রভা লোকে একটা গা त्व यन त्रांचित्रा इस प्रसापि ध्यमानन करत्, পরে সেই পত্রে জরল আঠা পুণ করিরা কিছু-পুরে চলিয়া দার। বানরেরা তঞ্চননৈ আপ-নারাও দুখ একানন করিতে আইদে अवः रावन के काठिकाता पून क्षोर्क करत्र, অবনি ভাষাদের পদ স্কল জুড়িয়া ষার, প্রভরাং অভ্যবং হইরা ডায়ুারা আর প नाहेटल शास्त्र ना ' जयन महरकदे काहां मुख

ক্ষিণ আহেরিকার বাসরকের বংগা এক ৰ'র বসত রোগের অভাত প্রাত্তবি ব্রা দ্বে কোন ভাজার ভবিষারণার্থ এই উপায় प्रदायन कट्सन । किनि पूरे किन्ते नागरका TH HIMLES AL

ভাতে উহালের লোকনুব্যাদাক করিছা বি-লেন। ডিনি বাহা করিলেন বানমুচ্চা ভাষা অ-किमिद्दमभूर्वक क्षित्र । क्ष्मेद्रत केक्सिक मशानत अक्षे हां वानत, क्षि रीक, अध्यक বানি চুরিকা তবার স্থাবিস্থা গেলেন বাহা ভাবিরা হিলেন ভাহাই বটল। ভাও মহালর অন্তরাল হইডে লেখিতে পাইলেন त्य के इक यानव तारे यानवभावत्यक एक अस वस्त कृतिया श्लीव ह्वीथाम कृतिया विका ক্রবে ক্রনে অন্যান্য বানরেও 🖣 চিকিৎনা निवित अवर नक्टनहें श्रीमक्वीडिक रक দ্বাতে ছুব্লস্ত বসস্ক স্কোপ শীক্ষ নিবান্ধিত श्रीम ।

একসম কোন লেখে কডকগুলি নৌকার ज्याक बहेबा अवदि बीटन विकृतिन जनिष् তি করেন। তিনি প্রত্যুক প্রাত্তঃকালে কস্ত থা বন ক'রডেন। কিছুদিন পরে দেখিলেন একটি বানর তাঁহার বন্ধ সম্ভাবন করিভেছে, আর কিছুকাল গভ , হট্লে লেখিলেন বে শভং বানর নদীর ভটে এক একটি উইলো: পানা হতে কৰিয়া ব্লীজিৰত হত খাৰন

विविध जरवाष्ट्र।

1डे टेबार्ड मामगाता

আইড গেৰেট সম্পাহক কৰেন তথাৰ এক বাসতে ছাই লক টাকার বর্ণ ও মোলোর जनकात्र अवर शैक्षक शोशका विद्यादक्ष । ले নাইটি বেগবের, অধিকাংখ ব্যৱহানে জীহার নাৰ কোদা আছে।

किमिक मन्नाइक करदत आंके मारहरवत्र माक्समा विवद्य गंड मेनिशंत व स्मर्थी व्य फाराटक कर रहेग्राहिम, यहां ३ कर ठीका बिट्ड स्ट्रेटर मां, स्म्यम क्वि भूतव बना ३ हा-কা বাজ বিবেন। ভিনিব্যের আছি বণতঃ সোমশ্র নদেও জন হইরাছিল।

ক্ৰিকাডা ও ডাইক্টবৰ্ডি গুললবাৰেয়া बीजन मारहबरक अब अर्जून विवादहन । जि-क्टेंडनके भवर्गत्र काशांत केखद शांत कारण क-विश्वाद्यम त्य अदमात्मत्र वामकदमत्र विश्वात्मिक। विवदम जिनि विस्मय सत्म भटनारवांशी बहेदव-

चना मकरमय बहुबान एखहा। डेडिक । मकरम चारिः गूननमानविशदक चानद्यांना हाकाई. বার চেঠা ক্ষন, পদ্ধাৎ দেখা পড়া শিখাই-(राम ।

विसी श्राटक है निकास वर्रमान विकास ন বে অপরাহ খ্যা- ঘটিকার সমর ভূমিকলা रहेगा निवादक् ।

रिकारमञ्जूष मानावन अविदाहिन, कांबिर क्टब ४०१० होक। जाबाह इंडे-ब्राट्ड ।

অনা পেল লোণ মনের সেডু নির্দ্ধাণ স ম্পান কইরাছে।

অনাতর ইউরোপীয় সমাচার পত্রে দুট रहेन शृहेरिक्छ माध्य ाक चारमह अब काह. খানার একটি চোৎ দাটিয়া প্রায় ২৩জন লো-क बाबा निवादक ।

বীরভূমের অন্তঃপাত্তী কুওলা হটতে अक बाक्ति निवित्र। शाठीहेगारहन, जवात्र अव জৰ ভন্ন সম্ভান ৩ • টাকা পণ লটয়া পাঁচ मारमञ्ज अक्षी कतानि विदार नियादक्त । कता ক্রম বিক্রম প্রথা ও বাল্য বিবাহ উভয়ই 'ন, ডখন এৰপ ঘটনা বিশ্বয়

৮ हे देखाई भन्नवातः।

ক্ষালেক কথার সোক্ষার নামে এক ব্যক্তি কিনিক পত্রে লিপিয়া ছম যে তিনি शूर्य नव व्यानिडीके नर्यान किरनन किस **উপাধি লাভের** নিমিত বিলাতে পরীকা **লিডে গৰন করেন**, পৰীকোতীৰ **হ**ইয়। প্ৰ **जानियन क्रियार्ड्स, अक्राल** छाद्राउनसीय শ্ৰণ্যেক ভাঁছাকে সেই কৰ্ম আবার দিভে চাৰিয়া চিলেৰ কিন্তু তিনি তালা প্ৰচণ কৰেন नाहै।

টাইমুদ অক ইভিয়া সম্ভালক সমাচাৰ পাইশ্বাহেন বে লাভ কানিং আলেক জ'-खिता स्ट्रेंटक २१.व अध्यम मात्रामालक नहा-**द्ध बाद्धा कतिवादक्त । यहै जारन का** उठेवांब **সাধ্যেরের সহিত** তাঁহার সাঞ্চাৎ হটরাটিল। 🖟 মাজ্রাজ হইতে বেপুর পর্যন্য বাল্টান भक्ते इतिएक कात्रक श्रेतारह।

किंतिन अजात नाएम अन कर कारिनत

प्रकार गार्ड राम मिद्रा छी। कराव । अ थम श्रीनाट किङ्क क्यू बाहे किंख बिखीमवाद ঐ রূপ ও ল করাতে ভাষার পায়ে ভাতিশর আঘাত লাগে গুলিকেশ কর্রার অপরাস্থর বিচার হইয়। ও বাসের কারাবাসের আস্তা ষ্ট্রাছে। কিছে বিচার পতিরা প্রশান সেন পতি ক্ষা করেন এই অন্তরেণ করিনাছিলে ন। সেনাপতি ক্ষা না করিয়া কহিয়ানেন बर्खाहिक प्रश्न हम् माहि। शबीकान खना व ভাৰুশ গৰিভ কৰ্ম করা অভিশয় অনুটিত स्केषारह । श्रीम १ देश नः माशिय। एरक निर्म ब्रुट्श मानितम श्रीम मात्मद्र अधारम हिल। जाकिनत्रविराज्य अस्तरकहे श्राप्त वे कर्णाः

> हे रेकाठ दुश्वाद्र ।

स्त्रकत्। अण्यामक भारक नारस्टबत्र नारम अशवान निश्चित्र हिरलन वनित्र। यहारक नारह व छोष्टादक डेकीन भारता जिथिया भारतिहै वाहन য'দ ভিনি নিজ অপবাধ কালন না করেন, ডা-হার নামে অবিলয়ে সুপ্রিম কোটে অভিযো . **হউবে। এই** বা**রে হরকরার সাহসিকতা** ও পত। সমাদ সংগ্রহ করিবার পরিচয় মইবে।

किनिका मण्यापक कदहन, शर्वश्यक्ति हा-জবু ও বিচার সংক্রান্ত অচিহ্নিত কর্মচারিরা अहे बिलया भवनंत्रात्के च्याद्यमन कतित्वन त्य ভাঁছাদিগেব ৭০০ টাফার অধিক বেডন নাই. किञ्ज हे छे दाशीय किराय कुना कर्य कतिया। शास्त्रम, ভবে इंडेरवां शोवविरागत अधिक अवर छाञ्चानिरभन्न कम रकम ? भवर्गमाने विष्णानरमन निकटकहा अ कन अहे मदन राज किन ना। वाषाई मध्दम् मन वार्षेत विश्वत निष्म कतिए'-ছেন, বাঁহাদের পারে বোজা আছে তাঁহারা দৰ্শ্ব পাতুকা গট্যা গবৰ্ণষেক বাটাতে আসিতে পারিখেন, কিন্তু বঁহারা যোজা ব্যবহান না করেন, তাহাদিগতে জুড়া খুলিরা আসিতে क्टेंदि । या कथा यस मना बन्न मार्ट । सन यन বংকে পরিক্ষরি হয় না।

গাটবডে বিভিট সম্পাদক কৰেন, পারত চত্তেব নিশ্চিত সঁমাচার পা**ওরা গিরাচে**। আহ্মদ জ। নামে ছিবাটে একজৰ স্বাক্ষা জ্ঞা-ছেন। তিনি সমুলাশ কাকগান স্থান কর 🐔 কৃষ্টিকার প্রতির ধারা সাত্রৰ লবে কি না এই বিবাব নিষিত্ব একান্ত অভিনানী কইরাছেন। क्षिण स्वापनिकार किल की अरब अर अरब स्वापनिकार की मुख्य की मुख्य की मुख्य की

के बाह्य जानन देनना बहुन कहानशह अधि-কার করিয়াছেন। জিনি পারদরেরাজ্য চটতে 'अरनक नामाचे श**म्याटक्य** ।

हे १ निन्यान मण्यालक काइन (नशास प्रतु-বার চটতে গণ্ডার ক্রিশন্ত্রকে এই পত্র লেখা হইরাছিল যে এক জন গুরুখা নেপাল उठेए भनावन कतिवा विक्रिताह्या चानिना চে অভএন ভাৰাকে গৃত করি<mark>কার</mark>পারণ করা ছয় প্রাধনর সাহেব কোন উত্সিদ্ধান না করিয়া ভাষাকে •িয়া পাঠাইয়া দিয়াছেন বলিয়া পৰৰ্থমেন্ট 🔭 : প্ৰতি অভিশয় ভা সন্তোগ প্ৰকাশ ক

१८ म शा शाहेता. ना ,त्रत् अत्व त्क अरमा विद्वाह कारल भाषात्राण करवन. ভাগালেনের স্বর্ণার্গ স্বটলংগ এক কীটি উট্ট নিশিত হইতেছে।

कर्त अश्रद्धात्रेगात मण्यापक करूबन, 'लार्ड মিস ব্যাচরিক নামে একটি স্ত্রীলোক রাত্রিতে অধ্যুদ্ধ করিতেছিলেন এমত সমগ্র সসারিতে এথি লাগিয়া সকল তথ্য কইয়া গিরাতে। তি নিও নালগ্রাদে পতিত হইয়াছেন। তিনি বেষন ৰূপৰতী তেখনি গুণ্ৰতী ছিলেম , জ ভ্যন্ত ছুংখেব সন্থান।

स्तुकतात्र नथानत् न वामनाया करस्य. नीजनभन भुनकांत्र भूषिक बहेग्राट्य। धरादि कि लः मीरश्वरक रक्षरत यदिर छ बहेर्द ?

श्रुकत्। अ**न्या**प्रक कट्टन इंटल्ट्स्ट्राही हेर् (सप कतिया जियारक्त व वरमञ्जू टार्शन जम-ভিৰি উপদক্ষে সোমারোহ না হর। উচিড आक्रा स्टेश्रांट् ।

, . हे टेकाके ब्रह्मा उवाद ।

किविका भण्णाप्रक श्वितारहर, लाः मा **(हर भीज़ांत अना इत बाध्नत विश्वात भाइता** ছেন। তবে তাহার বিলাভ বাইবার সার বিলম্ব নাই।

डेक अन्यातक बरमम स्मर मार्ट्स छ।डा वर्त्तन काला विमारखद दिविमान्य व्हेरण कर्पाधारी जकलहरू महत्र संदेश जानित्वन । अधि যদি সভ্য হয়, ভাঁহার এখানে লোক প্রস্তুত করিবাৰ চেটার দহিত এ ব্যবহারের বিয়োধ

लार्यात, स्थितांश वितिति ए कांगारा

बारा व्यक्तित्र वड़ बहेता व्यक्ताच कवि हुई गाउक। चरत्रत स्था अनेक्ट विकिश निश्राटक।

निवीदगटकरनेत्र मारशरकत्र मध्याकाका करकम जांच मारकबरक कांश्वादत त्यावन कहा वकेटलट्ड ।

रे°निम्माम मन्यापक काइन ३६ मर्थ भागिक रेगरमात्र जरमस्य जगाउँगात आन छान कतिरकाइ। अशोद आत्मक मात्म कड़ अगडिवेद टाइडाव यादा खना गाहेटच- क वाकि आशिक्षित्व विकड किन চ্কার অন্তংগাতি মানিকগঞ্জে অভিলয় ও मार्चे इन्हें इन्हें

यक बिन बुक्तमंत्र जादक्य जाएताचा जाक না করেন তাত দিন থেককর্মন সাহেব কলি ক'ড়া ছোট আলালভের প্রথম জ্ঞের কর্ম ♦तिरस्य ।

সিষ্টনকার সাংহ্র নিজামতে অভিরিক্ত अप वर्षेत्राध्य · नीलकरत्नत्रा त्य कृण कत्निन्। 4 787 2

धक्कान बादभावान पूछी कछाच ट्याडेक नक्टि याजिक क्षिया हानाज्ञ छहिन, शूनि শে ভাব র ৫ টাকা জারিমান। হটুগাছে। প ভর এতি নিষ্ঠুর ব্যবহার নিবারণী সভা ভূষে ৰ ল করিতেছেন।

र्ष् ७ जर रेखिया मण्यातक कारत बहिनाम ২০০০ লোক ওলাউঠান মারা পড়িচাছে ৷ .नथानकार्त्व (मार अ०था) विरुक्तमा कतिरहा (म रादन दलांक माहे बलिएन इत्रा

फेक मण्णापक चार्डा करून विकास मुभार वाका अस शर्भ निर्मात्म क्या ६०,००। रं का क्रिशहकता अब्रे फ बाब ।

उंक मन्नाष्ट्रक छनियाद्यन गार्छ कानिर গাৰৰ কাৰে যে জাহাজে হান, ভাছা পাৰে ट्य व्हेत्र अना अक खाबाक चौता असम क्तिड**े श्रेगारह**ि

३) हे देखांडे एक शहर ।

मध्य स्थम माध्यम मुख ब्रिकि मारकरवंद्र क प नियुक्त रहेन्। इतः।

गण विमारवादन मधानां का नियादक 🕬 মুড্তৰ প্ৰধানভৰ আছালভ সেপ্টেম্বর সাংস अजिबिज रहेरव । यह बार्टन शिक्क भारहर নির্থ একড করিবার কল্পবতি পাইরাছেন।

क्षित्रीरगरकडे मण्डाक्क ब्रह्म सम्बद्ध

च्यांवर वय स्ट्रेशांटक। च्यांविकी मनन चन्न रहेकां विद्यारम् अवर अध्यक्ष क अफ भिन्न न विक्रोटह त्य एक्सम त्यस् कथन १५८थम नाहे ७ धरमन गाँहै।

হিউ বেকচারসন সাহেব কলিক।ভার इंडा नर्था कतिहा भूखनाकारत काशत করিরাছেন। **ভাষাতে** ২০ বংসরের হিসাব নিখিত হটগাছে। তিনি কৰেন প্ৰতিবংসর किन्द् । अ जूननवास अर्ड् ५१ ०० मटह । अन्यकें ৰারা অধিক সংখ্য সোকের সৃত্যু হয়। এচে भीरतत चरणका वेखेरत्रांशीव कर बरत । वश्य-तात गर्था च्यारव्यम शांत्र फिरमचत ७ मरवधरत्रहे व्यक्ति शीकां रह, मुनारे ७ जूनरे नवीरणः কা ভাল ৰ।র। কেকস্থাবি বার্চ এতাের ও বে বালে তলাউঠার অভিনয় প্রামুর্ভাব হয়। स्थ्म हारेण यः वहात्रहे अहे शीकाव्यतित कांत्र रि फू ७ मृतनवान त्व अविक मदत नवस्त्रत ৰিউৰি সিপল ৰজোৰত ভালার এক কারণ।

विनिक मणाम व क्टब्स क्लिका छोड़ निक हैवर्कि २३ शहराशंत्र जनाकांत्र बद्धा शूटक मा-कर ज्या विकासित अना ह्याकांव कतिएक हरे-न गाइरमण माइरमाई ग्रंफ किए अफरन कति কাভার অধীন হওয়াতে ক্ষিপ্নরের মভ वाजिदहरू विकारश्व का नाई। बाहक करा विकास का अधिवस्य रह छाउँ जाता।

किविद्याद क्षामानाद्वाद मध्यान हाला करण्य (व खबाब अक वन बद्धा नवर्रवर्तेत । क्रांक चर्ड कतिहा नदेशहिन, क्रिक्त काहाता ধরা পডিয়াচে।

रेडेरेखियान त्रम बरबद व्यक्ति क्रिशाई-स्टिन्ड ज्यादकत मोर नियुक रहेट्ड शक मनियात २३ होना हति बात्र। माद्यव बालाहि क्यानिविधस्य अरक्षक क्रिया मकरमञ्जू **र**ङ्का भूगिया मार्थाम बाहा जरधरन करतम किन्न होका आंश्रं इन मोहे। स्वतानिहा अक्वाका হইয়া আফিস হইতে চলিগা জানের। লোহ-বার আফিনের নিকট উপদ্বিক্ত হইরা ছিলেন क्षित्र (क्ष्ट्रे क्षित्रदेश यान नाहे। नाह्य है. नकि पूर्कन निरंधन व कियाहिनक चल-যান করিবার অভ এভাচুল করি করা ব্য নাট। কেবল ভোষায়ের নির্দোথিতা সঞ্জাব कतिवाद अमा व्यवस्य कता व्हेबारम् । आहरः **८वत्र पुणावेशा पितात्र कि क्षत्रका १ ् वेश्लाका**

क्लिमिटमञ्ज एक्का कारबंदन क्या बहिन मा

त्रांशहे भारेटल' ब्रिविके अल्लाक्षक क-द्दन, व्यायादेवियविष्णानस्त्रत्र शांसक्रिनस्य खेणानि क्षणांन कहा स्टेश्नाटस् । श्रे**ट बायस्य रि**, ज, जबर व हि जम, जब कैपाबि लक्षिहरूम । সর বাটন ভ্রির সভাবলে অধ্যক্ষতা করিয়া ছিলেন জিনি এ কেশীয় বালক্ষিণের বুছি हाँचन गविद्यान धानश्मा कान्निया करें च्या-क्ष्मण कत्रिप्राद्धम त्य जारमजीद्यक्षा त्यम ज्याप विवद्ध व्यक्तांच विदयम कवित्रा शास्त्रम । व्यक्ति ইবারা কোন ছতন বিবয়ের আবিক্রিয়া ক. दिएक नवर्ष मध्यम । त्वाथ एव प्यापक क्रिय **जर्श विक्रिकोड हामान जरीत बाविना ४**-নের উৎসাহ পিরাছে। তথাপি ত অনেকের **बहे हेका दर हेशांबा मारमब मक था.यन** १

)२१ रेकार्ड मनिवाह । এক ব্যক্তি নিষিত্ব। পাঠাইরাছেন, খ-जीवशृद्धत्र विकिर पश्चिम कृष्टिरणांचा विवासी একজন পদ্ধনা ব্যবসায়ী বৰিক, গভ ওয়া জ্যৈত ওক্রবার রাজি অপ্রযান ৬ রডের সম-য় এক বোট পয়সা লইয়া বিজ্ঞের গঞ্চ ফুটডে वाजी बाहेटलहिन, अधनगरतह अंत्रत हालांटल বাজারে বোধনিখের গলার পূর্ব পাতে ক্ল-त्राह्न विद्धात दृष्ट्य निक्टि एक्टीर अक्सन মত্য আসিয়া ঐ যণিকের বাডার এক লাসির 'লাখাত করে। সে মিব নিজের **গলের ছাট-**বার, রাভার হুই একখন হেটো লোক চলি ভেছিল, এবং ভাষায় নিকটেও লোকে मिक प्यारक्ष, विक क्रीरकांब्र क्या शनायम कतिन अवर पूर्वे अः ভাসিরা পড়িল, শুলা গেল পর্নার ৭ या वाहेरक गारह बाहे । समुनशह खारब ৰগুলি অন্ত লোকের সন্তান নেসাধোর হই১. (क्। त्वीथ क्त्र जीवारक्त्र मटबाबे द्वान ब्रह्मशा-रखद्र अहे कर्ष। अहमरणे कथ्य मञ्जू छत्र हिम না, উক্ত ভরের এই ভুতন অবভার। বাহা रफ़ेर, काफरवाज विवत और, अक्ककान बहुत।-इ बाना श्रीटक के जान जाते इतिह जाविक मुत्र मदर । जबाद ही रकाद कदिद्रम महस्वहे থানা হইডে অনারানে গুনা থার, ভারাতে আবার রাত্রিকালের শব্দ, তথাপি বানার क्ष्मित्रीया त्य से विश्वत्य होरकाय क्षाप्त छ

।बर्फ लाम नाइ ७ ७। शांत्र चवत् त्रांटसन म.हे. িছাডে সকলে বুকিডে পারি**বেন থানামু কর্ম্ম** 'त्री भशशुक्तरवतः। **मत्रकारतत्त्व कर्णा किन्त**न्न क वसुः पाटनमा ।

চউগ্রামের এক বাজি ভত্রভান পর্যবেশ্বের इन्ह्राकी देख्दनह चूर्च अधिक विकासीन ভবাল**ভারের প্রা**শংলা **ভরির। পরিলে**বে हाळ विरवद अभरमा फरन निभिन्नारहर. ७ जन रोतर होत इंडिय गढ़ीकाय उँठाँ र-ইয়া ১০ টাক। করিয়া হাত্র রভি প্রাঞ্চ হইরা১ एक अवर अञ्चन वालक अन्होरणात शर्तीकाड উত্তীৰ্ণ হট্যাচেন এছা না না না নানবার উক্ত বি**ল্যালয়ের ছাত্রগণ বিলিত ১**টয়া দশস-याञ्चारश्रम्क अव कानीश्रकः कतिशास्त्रनः। त्यव अनुश्ताही नाव्यक्तिक अन्तर्ता ।

>ना य रेमनावारमञ्ज ज्यान्त्रं चारेयमञ्ज आत्म बाबू अधवनान कोषुत्रीत रेवर्रक शानात বহরবপুর কালেকের কতিপর ছাত্র একত্র হ वेदा कानकुर्महिका नारम अवहि प्रका प्र:-পৰ করিবাছেন। সভাত্তে বতসংখ্য সভাত্ত **ও ভারনোক উপস্থিত হিলেন। বৃবক স**প্রাদা-**র। কেবল সভার আড়খর ক**রিয়া বিভবিত स्केरफट्ट (कत । काम कर्न ।

২৬ এতাল পর্যন্তের ইউরোপীর সমাচার টি

পিট্সবর্থে এক ছোরতব সংগ্রাব হইর। গি नरङ् । केवम मरमह विश्वद ताःक वश्व वृहेष्टारङ् । শক্তি বরোধার্ড (আমেরিকার দক্ষিণাংগের मारवाधिक काषां । गावेबाद्य _{ই প্ৰ}ত্ত দইৱাছেন। মিসিলিশি দ্বীপ भिन्न एकश्रक स्टेबारस्

क्रिंटिकत (अमातः मम्दर्भ प्रदर्भ प्रदर्भ জ্ঞীয়ভেছে এবং সেনাপ্তি ভেবিস ভাচা-के देशक अरदा महेशा निशाहक ।

উত্তরাংশের সভা আজা করিরাছেন যে ই ট-हिट्डिड किर्देश्य कार वित्र समा मन्न व्यक्ति विभेरितमें वेशव मक्टम गरिएक गाबितमः।

विश्वादेशक वाक्षीक शाक्षाचन वर्षालावर कठेरवन। জিক্ত্রকর। অভিশয় কর্টে পাড়িয়াছেম।

'अपनिक्रिकारियम कर्ष क्यांत्रम् कविवाह क्यांत्रः। ব্ৰিক্লাক্ষে, বাৰ্ত্তৰ পৰিব পৰিব বাৰ্ত্তি সভা বলে

ধান ব্যবহাপত সভার রাজধিনিক সভার পদ गावेज्राद्याः।

कांशारनंत्र इंडनन २५७ वटक्रम भावित पर छ हेरलए ग'का क दरवन्।

देशमञ्जूषात (मना मरमञ्जू आर्यक (मधान লইয়। কর্ম পরিস্তাপ করিবার বে নিরুগ ছিল. जारा जःरणाधिक सरेक्षारस् ।

देश्यक क कार्यातका केवर हारका भाग वा বসায় সংক্রান্ত বে সুওন সঞ্জি হয়, ডাঙ ধণ-এপ্ৰন সভাৰ বিচাহাৰ সম্পিত হয়য়ছে।

विकेष देवाचारवास्त्र बावर माभार मणा वस्ता, खावर कर्माभन वृद्ध काष्ट्रांक त्वर्गान यांचेहे (त्य বার আঞ্চা পাইয়াছে।

বিজে আচৰটের মৃত্যু উপলক্ষে জাতি সা -ধাৰণ করণ চিন্ন স্থাপন প্রস্তাব পদিভাক্ত এইর! षना समा श्रवात बहैरिएछ।

ष्टेरिय गटका आध्यतिकाव मध्यान ए। छ। সেনার'স্থিত পটোষাকে যাইছে নিবিছ চই-म। हैश्मर्ख अङ्गानमम क्रियाद्वन ।

विशिष्ठ, त्रान्ते, विश्वत नांदम क्रमचानि का-হাজ কলিদাতা হইতে ধারা কালে আবেরি-काव छेलताररमञ्ज्ञ कार्यमिर्गय बख्यमञ्ज बङ्गा ছিল বিশ্ব মৃত্য কইছ লিবরপুলে উপন্থিত চই ALCE I

गवर्गायक विज्ञालन। यः ज्ञारक्षीय त्वश्रीनके जावर्रहत्त्र आदश्याञ्जादी निर्द्रात ।

अहे स्य-- जाक्केन धन विश्वविद्य भरग-त्य केंद्र भएक छेश बरवणक विराध स्थितिक क देनटम्ब्रेड व्हेर्वम ।

cm, a, कृष्णेत्र गांद्धर क्लिकाउ.त नव-कारी करेन काटनकेत प्रदेशक

30हे ca--- एगाँगें। श्रीकिंगि के क रक, हे, क्षम, मिलि मारवर ३৮६२ चरकत्र ३६ है करन क्रमान्। शांश शकेरवस ।

'ট, জে, সি প্রান্ট সাছেব কিছুদিনের জন। শেলিনীপরের **অভিনিধি মাজিট্টেও কালেট**ব তার অব্যত্তানক মাজেট্টে হইবেল।

বার ছুর্নাপতি যান্দ্রাপ খ্যায় বীর্ত্তমের দাধা-त्र विष्णानिका कार्यात क्षित्र मको बहैरवेस । বেবেণিউ বেণ্ডির প্রতিনিধি সভা এচ.

फि. ६४. कवस्त्रम मार्रह्य मर्श्नून प्रका प्रहेरवन ह

दश्यक्ति गमर स्थान शहर क्षानिकां छात्र था । किमाबूर मणार स्थानिव मर्भूर्व के मननत हुई

. D. मि. अम. जिस मार्टक्य फिल्टि अफारण नि-क्षाप्त करेगा अर्थ्यम्, क्षेत्रज्ञ क्ष्मित्रम् कर्ष्ट्वमः।

नमीयात अधिनिमि कमिमनद्र हि, 48, नक সাছের এন্ত বিভাগের সংপূর্ব জমিনমর ১ট

अभवन भिर्देश्य क्षेत्रिविध खंदा रक्ष, ति. एकमन छे व्या*कात्र मर भूगे सम्बद्धी (बन* ।

১ : ১ ও চটে প্রাথেষ আভিরিক্তা জন্ম এছে. था, बानकिनर**के,न ७ ड(म**्दल्यल श्राहर पेस्ट িজেল মুখেৰ প্ৰতিনিধি জাত ম্টাৰেন।

ই. তো দাদ্যৰ এথম প্ৰেণিৰ বাজিটেট उकारल देव नर्ने द्वा, किन्द्र श्रन प्रिय थाना आहि। न्या ना 'श'द विस्ताय कर्दावी जिलुक की सन

en et et, entre plant funtageta विजीव (अभित्र मिकार्वेष्ट क्षांत्रहर ५०-८वन, कियु गण प्रियासमान प्राच्छा न अग २६ भवतन व व्यक्तिम्ह या कि से है का करनन त

उदिल्फ भारक गन ए एवं क्ये और अत अहि । माजिएक है व (माजि कार करते अहेरदा , किन्त कर्माका कार्याकार अस्ति। सामग्री পুৰেৰ ভতিলি'ধ মাজিট্টে ও বালেইবেৰ क वि र र अम ।

बक, वि, शिवाम नाटहन विकीए ट्यानिव बाइले माबिरचें है । एकपुरि का लहे र पड़ारमा Sel (म--- अर्थ एन ग्रम्म किर्योश कर्षेत्र

ति, क्य. व्यवस्थि । मामनीश्रावतः चिटीय (आ-निव माजिएक है ଓ कार्यक्रिय इवेटवंस ।

· २६ ८म -- छर्गलिके बलां। निष्य नारका ३८६ এপ্রেম অবধ মুলেবের সব তেপুটি অছিফেন श्रासकी इच्चें(वर ।

:২ ই ... মে জে ভব লউ আৰ তামৰ বৰি সাছেৰ যণেছেৰেৰ সাধাৰণ সিক্ষাসংক্ৰান্ত ক্ষিটিৰ সংগাদক ছউবেন।

39ई (म--- अर्फ वि शिक्य अश्वित प्राणिमी % रत कहित प्राक्रिके । एक्षि कातिहैदरा গ্ৰন্তিমিধি ছইবেন :

के वि (वक्य मां(इव किंक्कार लंब लंब) शाया-न श्रीतर हेन्'म्लक्वेरवर महकांवि श्रीजिनि'ध

a दे त्याः क्रिक्त त्यश्री वालि हे हे ख (छ प्रति कारलने न वाबू व बहुत (वाब कामा य -छ। दिछ। भिष्ठ मुर्ग छ। मुख्या अने वार्ष्ट्रम धनः লোর গেছেলটি প্রকাশিত আজাতুসাবে ঐ একংগ নাহার যে ক্ষমতা আছে করিছ ১৮৫০ च्याकृत ७ चाकित चाक्रवादत विदल्प कवित्रमद्भव । ग'त्लव : • चाक्रिसव ५ थांतः खन्नपती कमा ६: **अ**:हे८४म ।

५७३ त्य- थि, ब, कादर्क मार्ट्स क्लिका

एकेशास्त्रत (फ्लूमें मास्त्रि.कृषे ७ (खलूमे कारलहेत भोजनी काष्ट्रका भावतात रहाति बहैय जै अरहारण मामिरके होर क्यां आध

क्ष्यो मामिट्युं हे क एक पूर्व का कार्या अस भाग्नार अञ्चितिम स्विमनत कि अर जिल्लाक नार्कात विकास मार्गाहर भाग्न

इट्टबन थवर दक्षेत्रमाति व्यक्तिम् (३१०%) वर्ष-त्वत्र २० चाहिन) २२ थाझां 🗢 ३५/०० माट्यात ५० - त स्थीम माजिएकु होत सम्बद्धा शहिरदन।

বলুরার লিমক চৌষ্টার প্রতিনিধি অসাক্ষ राष्ट्र प्रशंकां व ब्रुटबाणांबाक के काव्याम निवक ानेकीय स्थापन इत्रेट्सा

राम्मध्यत्र नियक अध्यत्मेत्र विकीय नव-। িক্রী ভব্লিট্রি মেজাসাছের আইন জেলিভ। हिल्लम मञ्जम ध्यानिष्ठ अधिक्रष्ठ इदेशम ।

জার শিলক্ষেয়ার সংহেত জ্ঞােধ্য নিষ্ক टोकीय अधिम (खानिय महकाती स्थापक इदे (4P .

কলিকাভাত এভিনিধি ভেপুটি কালেক্ট্র ^{ত বাংকারি অধ্যক্ষ কে} মেকেঞ্জি নাছেব '४४० मास्मत ७० आहेत अञ्चलति से स्राह्मत क्षिमसद मखीत मन्द्रासक इक्ट्रिस

oos ca-अवर दम्खानि विकासक आसा-ल कि नियं निष्ठ छ। इरिक् वस मित्रक करे ८६म .

क्ष वि. किन्। मार्ट्स फर्माणे, क्रम, मिहेम-कांद्र मार्ट्स्स, अल, अम काकमन मार्ट्स।

उर्वलंडे, धरेड, १६७ दमन महिद्द दायद ं क्षा भिवास । अस्मिम्यान सरकतः अञ्चितिस क्ष्रिया ।

. . इ.क. चार्टाकका छद मार्ट्य मूर्यात मा-क्टिके हैं । अ कारकट्टेश्यक अधिविधि इंडे-

(क) हिर्दे छ न'एश हुन, (अझ (त काथा छ)त. राक्षि कहेदबस खन ८० कामाओं आहिदसक (३► ७) मारमबर् आहेग) >> श्वा मर्छ छ :৮ ३ ५ मारमार ५० चाहिरमत ५ धार्य गाउँ **धावन** दश न्त्र महकत्त भारत्यके होत्र काम् । शास्त्रस्य धवर १७८८ मणलय १० आवंब का छ नवहीरक (उन्नेष्ठी कारलकेरवड़ कमडा शहरतका

एक विम्त भरदाव शृतियात मा। अदिकृषि छ यालिके वित्र आखिति । ५६८४म

ए राज्य धन किलि शहरू वस्त्रम्य निर्देश का देने माजिए हे हे ए एक्यूनि कार महेत्वब शक्ति-भि इच्चेद्रबन्।

दश्च विकारणान मादश्य निमाधनुद्ध वाहे-ট নাজিকেট ট ও ভেপ্টি ফংলেক্টবের প্রতিনিধি इक्टेर्बम ।

वीव अज्याहरूय महिक वास्त्रामण विकादमञ्ज श्री जात्र आश्र बहेरवन जिनः २०लग्नभनांत्र मा-ाकुटिय मन्त्रुतं क्षत्रकाः शहिटदनः।

अदेव जिकादान गारक्य ब्रामान मानिरकृते ध कारमञ्जरहत्र महकाति स्ट्रेश्य । धरर के अरह-आहेरनत । भारा माछ बासनाहिएक काथन क्या- ल बिक्षीय क्यानित स्थीन स्थानित स्थानित स्थानित स्थानित स्थानित स्थानित **भा**बेदबन

> বলজেশীয় বাৰস্থাপক সভাব কাৰ্য্য সম্পাদক এজি মেক্সারস্থ সাংখ্য অপ্ন ক্ষান্তর কিচুকা करवत शिविनिधि चत्रश थाकितनः।

> নিমুলিখিত ভেপুটি মাজিক্টেট ও ভেপুট कारणकेरदवा माजिएके हिंद्र क्रमाला शहरवन ।

छिडी। व्यास्मिति एक यम कामि ७ दार् ते प्रश्ना काशका श्रहरवर प्रश्ना कहा। क्रावामध्या वज्र। मिलिमी ग्रीव जोलवि ब्लाइव

নিদুলিখিত ক্ষচাবির: কৌন্দাবি খাই दनव (>४-७: आस्मात २० आहिम) २२ शांत: य-তে श्राणम (अनित्र अभीन मास्त्रिक्ट्रेड क्याउ। ১৯৮৫৯ নালেৰ ১০ আইন মতে ডেগুটি কালে केरत्र कम्फः श्रीहरम् ।

नकारपदा का हुई कि । क्टेंद्रिकार जि इंस्न्,

পাটনায় এ । দি বি দি বেশ্ন। स्वांग्यावादम करमिछे आहल मान्यनि

के द्रष्ट्रस्य बहेह धम ११दिनम महदन्त । निवृत्तिचित्र क्षेत्रकानिया कोलमान कारीसर (১৮৬ সালের ২৫ জাইন-) ২২ খারা অনুসা-বে প্রথম শ্রেমির অংখীন সালিট্টেডের কনতা MAD CAP!

কি প্রবায় বাস্তু ক্লামাক্ষণ চ্টি-প্রাধান্ত্র में १ अ. जा शास्त्र के कि एवं किय मार्टर।

नश्रद्धि, पर अभिज्ञार, २५ , वर्षमातम्, अहरुकारा व्यानः

अंकण कि छवा छन्ने निक्र

ध्योऽ११८म **७३० ७ १ लि**डे ४,४४१ । ५५**म**ेल्स् थाः ५५।

্ৰাণিয়াট ৰাপ্ত ই ইচনণ কে'য*া* नेटम करत मांचु श्रीदेश , कर्म अ বাধার গল্পে ন্যাক্রিক, বচ্চল শক্রা।

পোরত।

जीवुक (मामध्यकानामभी एक । मटक्षिट्युष् ।

गम्योगनिद्धस्यः। AGA. Tamin entationers Muse wermen वांबाबुत हत्यांवरम जानमन महिता जन जार्च-. द्वाद व्यक्तिपूर्य शक्ता कतिहारहरू।

शंख २८।२६० देव नाथ जन्माकाल जाना क्षक इक्टि श्रेष्ट्राद्य । एक्षारा अन्न व्यक्ति 🏋-्कत किकिनगकांत **इंदेग्राट्**।

धान्यम् भारताम् मुक्ताः श्रेष्ठ सूचै वयनम् प्र-्नर कमा कमिकाल। हाकि कामामर ७३ शामा राजा नाम क्षेत्रहा । स्वरम दिन्त । इरवह भूला चांथक ब्हेब्राइ ।

> ववाय हमावास बोक्सांका अकृषि दिन्दिन अधिक ग॰वा एकी कामित्राहें कि स्नीरमाहक

,२१७ टेरमाच ।

इल्लाबनक शांक्षका । 74 >2421 3-514-

মান্যর প্রায়ক সোমপ্রকাশসন্পাদক। महानद मनीटलव ।

প্ৰেৰ ভঞ্জ ছাৰ্য বিশাৰীত কল। হেরিধে নথনে বছে অধিরত বল।

অক্ষম ও অবোধ বালকের। কোন চুক্তর कार्यात प्रश्नोति काइस स्ट्रेश पश्चिममान गण्डित डेडाब्रिकात उरमार आमानार्य भा-भवान है खाबार ভাৰগ্ৰহণ কৰিয়া দেই प्रशृक्षिण कार्याणि ज्ञान्त्रक कतिया बाटकत। चामि (मरे फनमा कतिया धाकि देशतीक 😻 राज्ञाल। विज्ञालय मर्याणन कवि : छोविश्वा-ছिল म ध्यारम स्थ नम्स ध्रमी ख कम्बा-बाइएके रात क्रांतिकानाम पूर्व धानक वि शा. त्यांक व्यविष्ठि कविष्ठाहरू, कीव्याद्यक ५ व अवनार अहे अङ्डिङ काशि निकास क्रमार प्रेषा डेडिटर । क्रिक्क क्रुट्ट्य रिक्क े हे, विकासियाँ विकास आहे . वरगायां व অধিত ২ইল, কোৰাৰ বলোৱাল্ক সংকারে ক্রেব কান্তি পৰ্টি হইব। সুঞ্জী হইবা উঠিবে, ভাষা না-इंदेवा क्रुणां रमंड १ मियर की १ व्हेंग इंद्रिकी रकेटलस्ह। यन्त्र अकाम मस्या स्वित्राम्बर्ग কোন মহাত্মাব তৃত্তিশংগঙ পতিত হইল না

> া আহি আনতা ভেপ্টি মাজেক্টে জীবুৎ এচ্ बारेलक माराव माञ्चाष्ट्रगठ घरेषा अनिवरम विहास काका अभव कितरकाहन, किनि ह्यू निके-श्राक्षांत्रश्रम ७ हुएँ एगन् अकथः यना रहिना । अकरन मीमाध्यान न। छेलाहित्स वया। हैनि बहे স্থানে কিছু কাল সায়ী ছবলে বিদ্যালয়টকং केत्ररि बहेवांत्र महत्रमा आहरू।

क्षेत्रक्षेत्र दश्यम् । १३वे (स : ५०७३) श्रीर क्षा ४ ०क वहीं। ेन देवा**य** भ्रेकन । अञ्चीतास १ रेन इतिहास

भागावत जीवुक (मान आकार्यकार्यान म. पदालंब महीदशबू।

নহাশয়! নিশু লিখি ভ স**ৰাদ করেকটি** বৃদি প্রক-টিড ছইবার বোগা হয়, ভাষা ছইলে প্রকাশিত ক্রিবেন |

😕 अपूर्व जिल्लाम बहुन कवाटम अक्री হিতাখিনা নভা স্থাপিত ছইরাছে : নভা অলা,-ৰ্ষিও কোন বিশেষ কাৰ্য্য কৰিয়া উঠিতে পাৰে-ন নাই। খুউনি সভা ও অন্য গভোর সহিত বি বাদই ইহার কারণ: এখন খুটান্ সজোরং সংখ্ ভাগি কবিয়াছেন, একণে আৰহা আলা কৃষ্টি उद्दिमक भीख करि। प्रत्येत शकाम कालाव

र। महासम् कामनः र विज्ञानकथ्नः देशंदक दम्बिला त्याथ क्या मा दर अथादम निक्रिय मिटचंत्र व्यक्षिकोत व्यक्ति । धर्याटन क्रमान्तरिक একচেটিয়া বাণিয়া মাছে ছেনালু, পান মিগি देशांपि कारमक खवा धक्यमधे विक्र कति। -. विकीय करनत विकासिय प्रवासके। श्रीमारक भारते दर्भाका निरासके काछि आता अस्त कि: : स्ट्रेरव । जाशनि धरम भटन कविरवन के रा एके টাকা কোলা মিতে লয়, এটালায় বজাল না বাৰাৰ অধিকাৰ।

१३। बीशुक राष्ट्र कीवानण कर्कावार विन ৰলিকাড়া সংস্কৃত্ৰিলালয়ের ছাম ভাঁহাল স্বকাশ চওয়াতে এখানে আলিয়া একটা ব্ৰাক্ত িদ্যাক্য অপ্পত্ত কৰিয়তে, মৃত্ত প্ৰভাৱে পেৰা নে নিক্ষে শিক্ষক ১(ক বা দণ্গদ্র করিতে ছেন दिलालप्रणि ऋमात्र एकि छ। १ १ १ १ १ १ १ । সত্ৰ জন ছাত্ৰ জানিতেন্দ্ৰ

8: अस् २६८० ेम र প্ৰক্ৰ কাৰ্য্য किर्पादित करियान हुए। १ इर्राहर खेलिनमा'स (महिन २० वर 🖮 १४ क अध्यास हिन्द र है। 🎉 প উপসন। সাজ প্টবল জঁব 🖙 क्रीते छेरकुके बारकारत प्रिंग्यन । **अवेश: वृक्षे**(भगः खाका विशालय ८ क्षेत्राहर वाज्य क्रिक् वर १००० ह विकाशिक अभाव गोहार अंत्र ह. **ফীয় আহিছে**ম। ব হা চউক ঠাছ হৈ। भाविद्यम मा।

 स्वार्थाः व दशेकिमानि छेप्तुः ५ ; विरक्षा को कियानि है। का स्वत जा **दर्भाक्ष रहे बन्नो** के हैरन। किन्नु का असान का पान **নীয়া এক নিঃশ** ও দ্বিজ ৮ ইছামি:পদ 'মনে

टिंकिसाहि है। अवादा कि बहेटर मा द रहा छेलुन क्रार्थ वीष। इटेरन, किन्न कामि छेडम जर्भ विल-व्यक्ति एवं कारमहरू विशेष माला अञ्चल ता स-कल बिलया । ताथ क्य

२१ ८म देवभाष । १४७२ देश जमा। क्षितिक साथ अभा

💐 ভা সোমপ্রকাশসম্পাদক बर्गान नवी(१५।

একার একটি ভারজন ব্যাস্থ্র আক্ষমা উপস্থিত कनेगांदर के बात जैरशांटक करता करियारि '।१ बंबिटमें। म बंदित यामें हा शाद का । खे रताज ५ ० ५३ रेक्साब वससीएक क्रकंडि बामन ८ শীর বালককে উদ্বেশ্থ কবিয়াছে। সামুস্কান षाना कार्य मञ्जूकी मध्य शाल्या विष्णान्यः । অশ্ব, এডৎপ্রদেশে ওলাউঠা বোগেরন অভান একে ল'ব হু ইয়াছে। এমন কি ঘ্ৰাচে প্ৰভাই সূত্ এ টি কাল কৰলে প্ৰিড ছইডেছে না, এচন আন অভিবিদ্য । অভ্যান্দ্রীত । চহার প্রতিধি ध न उप्ये। कदा कर्द्धवा । स्छूत बिटन्सी व-भवाति । छुटे दाम अपूरत भाषामा दिन वाहाविन शक्ठि प्राचन नाम हेज्य जेरनन ६७५, ५.म (** & & *)

३२ हे देवनाच । निध्दद्वाः । त्रम ३३ ५%। कमाहिश अधिवासिय, मिक्रियातः

মানাবর জীযুক্ত সোমপ্রক'শ সম্পাদক মছাশ্য সমীপেক

नविनद् निद्वपनिम् ।

मन्त्रभाषक महानिष्ठाः (५) हिन्द्र (३) हिन्द्रशास्त्र आत्म र म क्या कांत्र एहेंग्र डिहार বা িপ্রাণ সভয়ে জাগিখা থাকিল্যেক্য। গভ नदर्गत आव धरे शकाव व्हेंगाहिल, कि ह छ। ोटन अर्थिय। वाहि अहि हिट्ड वय माहि । ब वीर अं ररक्षकीत् विश्वस्थात, क्षाष्ट्राह्य, ,बार अस े जिल १९६म ११ शीम को तरफ इस १७ क्रम-- के एके आकरात्री आहिननार्थ राम । १९५७ र स्थितक द्वार कालेका बक्रान বিষ্ঠানে প্ৰায় - ০ শশু টাকান কিনিয় স্বাইয়া किंग १८, ६४ अप्तार **छ**िएड मांडम, मकिर आह ें दा आक्रि भक्क भंजि क भी विषय मर्केष महिव অংলি অম্ক বাটীতে লাভি বিভাছিল ध शकाह कथा कित समा दकाम निवस्तर कि हुई अभित्र शाहिना। ब्रह्मभू । ब्रह्मबंद कथा कि विजय गाउँ बाद्या आंशासित अविनाभी ৮ जनाह বাটীতে চুরি গ্রুষা ছ

महानह । अबे आदम अकृष्टि सं ने। चादक रही ও তাহাতে একজন क्रमानात्र । कशक कन कर्य-छ। बी ७ चार्छ अवर धामाखरम सर्वामक मारवा-া নায়ের দাবেরো অভৃতি নহান,ভবার 🛶-. इ.स. कि.स. हेहारमत निक्षा **एक वहर**क ८ त्त्रीय ना, दक्ष्यल चीप्र छेम्ब्र श्वरण व्यक्त शहे ॰ ज्ञारमय मर्कामां विक कात्र याचा अधिक छा अ८७ जामादान कि कि ए छामादनन छेमत श्री इदेश्लडे इहेला। एपि तक खामिया जाहा-নিংগৰ নিকটে কছে, অমু'কৰ বাটাতে গত बाद्य इति बंदगारक, कामनि जानादा भवनभा मार्थी हुन् गृहण्य मानि प्रश्नवत्या खे छ्राचित वा-छर व जिल्ल अभन भूके अपान नम विवास भौत्रहात्र विद्या भूतः अस करिएड धाउकसः छि। दस्त खान्नम (* * कर्, इन्द्रिक थाकुक, खादन के राजिय বাটী অনুসক্ষাৰ কৰা মং লা ভাষাকে ধৰ্ম সাক্ষা करिया मिना कर्नान छ। मधानय अहे शास्त्रक व्याद्धः । है। इ.स. निष्यः (कारः । अञ्चल्यानः कार्यम उप्राथित कि करत इंडिके मग्रह्या लगमा। एक ना कहेरक क्ष' में साक्ष्में 'ठातूम **'संग्रहत** BUNKER OF SE SE.

८६।दे १५८५ विख्या र (३९५५) अभाक्षि । शतर विवासिसः।

मृनाथ (ख।

अपूक्त बाबू नागमणान एएट ১> ७३ देवणाम १ हैएड व्य नित श्वांख क है। इ न्द्रमान क्यान नाम ১- ১৯ বৈশাঘ চইতে জ্বেনিম প্রান্ত পীতাখন কেছে :>४२ टेबलांच क्टेटक ख{कां का अन्य ४ স্থাবনালাপ ১২ ১৯ বৈশাশ হুইতে জান্মিন প্র্যায়

करे गढ करियाजीय पश्चिम श्रुक्त साम्माः दम्भ करः। (मांबाचूब व्यवस्थत प्रक्रिक अंद ज़िल्लाका बाद्य कीत् प्रतिकृतिका निकाश्वितात्व वामित्व अवि

(माराक्रीका

" এবস্ততাং প্রকৃতিনিভার পার্থিবং সর্বতী প্রাতিমাতী ন চীয়তাং

母 要以 。

मन ১२७२ । २५ टेकार्छ । डेर ५४७२ । २ छन

माजिक मृत्या > होका বাৰ্ষিক অগ্ৰিম ১০ ট্ৰাচা

विद्याभन्।

গ্র হহগণের প্রতি।

বৈশাখনাৰ অভীত হওয়াতে ক্ষেন্টের जाक भाषा प्रकारनय मृत्य बिः (नविक स्ट्रेग्ना ছে। তাঁক দিশকে বিনয় পূৰ্বাক জানান চাই त्यक त्य डिकिया काम्र अर्थन क्यांब कांशीब वर्धन मुना श्रीहेन उस-। आशा-ভঙঃ দংক ভ যত্তেই মুলা পাঠাইবেন

বিজ্ঞাপন ৷

विष्विताम नाष्ट्रेकः

बीयकुमान मित्र श्ली छ डेक महिक भन्द ए यद्ध मृतिष्ठ क्षेत्र, विकाशन श्रेष्ठा जगर्द আহ-মণ নিমু লিখিত ঠিকানায় তথ্য করিলে পাইতে পারিবেন । মূল্য । 🗹 মান মাত্র

কলিন † তা

ठेमहेनिया , २१७ वर छन्दर्ग प्राप्तु छ श्रुख ক'লারে শ্রিলভালা ৮৬ নং ক্রান গুল তারণ मिर्गरं भूखकानं मामनाभादा कि दांसाबि व এए কाम्मानित नार्सतित

वक्षा ३

वाषानगर् उधानकां वेशाधारी 🐵 । क पूर्वानक कवित्रम्भ महाबारश्त्र निक्रे।

> (मामधानामा i theres beat a ti व्यमसंद्र्यानवादनी मुख्य হাবশাকতা ;

কালে শুনিষাছি ভাকাইকেব, প্রকাশ, ল: যেকপ আদালভের গতি, প্রচিহাত

याहेक ; कुकाल धनवान वर्षना कर्मामारतता मान हरेवात महावना मारे । वीक्षाता धकाना ब्राङ्श्य रहेए मुनदी जीत्नक च्च क्त्र। चात्र हिल ; श्वरत्नत्र चाळालका ष्ट्रवंत्तव मर्वज श्रांवनात्मव ना रहेक श्रांव নাশ সদৃশ ব**র**ণা ভোগের হেডু হইত। এখন সর্বপ্রদেশে (নীল প্রধান-প্রদেশে ইহার অনেক উপত্রব আজিও জাগক্ ঘাছে) না হউক, অনেকছলে উদ্লিখিত टमोत्राचा भाग्न निःदम्थिङ इट्गाटकः। भागन कः शालीत रेमनामिन क्रीवृक्ति नवनरशाहत हरेटिकः। किंह अनुशायन कतिहा (निश्व ে ভর্মলের প্রতি প্রবলের সম্যক অতণ চার নিবালণের আব্দিও বছবিলয় আছে। **धक्टि म**5द्रीहत .न**बिट**र शंख्या यात्र, य অত্যাচ'ব করিলে ভণ্ডিয়য় দহস। বাজ পো**চর ও সঞ্জা**ণ হট্য। গুরুদণ্ড হট্যায সম্ভাবনা আছে, ছুফৌরা ভাদুদ অভ্যাচার প্রায় পরিত্যাগ কবিয়াছে। প্রর্বলের পক্ষে ভাদিলেতে যে অত্যাচার প্রমাণ করা নি গাস ২-ঠিন, একণে গাদুল অভ্যাচার প্রোত द्भवंदिक पृथ्वे इहेटका । भानालक इहेटक সে সকলের প্রতীকার সহজ নয়। দৃষ্টাস্থ ু স্কুপ একটা উদাহরণ প্রদর্শিত চইতেছে।

वाध कर अवन ७ हुईन উख्रास्त्र स्तलमानिष्णित व्यथिकारतत कथा भ'तू । जूमि भाष मश्लग्न । अवल भीमा व्यक्तिक क, देश्त्राक्रामिश्व दे थार्थिक अधिकात कार्त्रिया प्रयत्नित शेष्ठ एक क्रिम इत्र कति মূপে প্র লিখিয়া ভাকাইতি করিতে ভূমির উদার আছতঃ ৫০ টাকার ফান স

आमानार प्रकल्मा क्रिज़ारहम, कीक्क़ा । एगादक वर्ष पतिशा महेगा याहेक ; (ह) कथन e हाक कृषित कवा द॰ होका वादक तित छेभखर विन्धित्रमा विकाशूथ अन् | कथा स्वित्रा दिनावाभन एरेटवन मा । प्रस्क द्रा अक्ष अक्षा जीमाविक्टमं महत्त्वाह द्वांत्र कानि । अवकार्धा कृति शर्देश विदे विवान हरा। जाहारक ३२० होका वान सहना যায়। কোনু বিষয়ে कि বাম স্ইরাছিল, তালার সমুখার ঠিক করিয়া বলিতে পারি ভেছি না। কিছু যে প্লাক্তিরাক্তে সকল্পনাদী হইয়াছিল, ডাহা আৰণ করিরাপাঠকর্পণ বি বেচনা করিয়া দেখুন আবদা যে ব্যৱেদ্ধ কৰ্য कहित्जदि, जारी रहेटक भारत कि सा न

> क्षथम चार्यम्ब छ छेकीरमञ्जूषात्र । **५०क कार्ठः कृमित्र अकल्यातः आहेरव -स्य** উ হীলের ব্যর নির্মাণ্ডত আছে, ভাহা অভি বহসামানা। ভাচ্**তে উক্তিরা মহজ্মা** গ্রহণ করিতে সক্ষত হন না, মুক্তরাং অধিক किट्ड इरेन। काराज शत शनाकिटकत मि वाण पिया नालीण स्टेबार्ड, अखिराणिटक स्रामाहेरक रहेन। अधिवानी काहात रहान **উद्धार पिल ना, भूसब्राय मधन काडी क**वि **७ हरेल । जुल्हारे श्रुनहात्र भवाजित्कत** मित्राप निष्ड स्ट्रेल। ভाषात्र शत्र गांकी। এদেশের সাক্ষীর এমনি ছুর্ফলা যে যাঁছারা

গ্রহণ না করেন ভাতুশ ছন্তলোকের। সাক্ষদানে একার পরাত্ব ; ভাঁহারা বেছা कत्म शांगादश्व जानालहरू याहेरक हारम्य मा। अञ्च नाकी महेता याहेर हरेन ! শাহর সাক্ষিদিদের এই রীতি, ভাষারা মুক্য

क्रिक, कार विश्वा तनूक, छोका मा शाहरन विमालाह भगानेन करत ना। हाका नाहे अमेरे दे कार्याम्हरमत बन धामन हरेल, लेकिन्त्रन अवस् विविद्या कतित्वन ना। ক্ষ্মিকুলের শতান আমাতা চটলে তত ী লৈনির করিকে হব না, এত আদর ক রিয়া ঐ সকল সাক্ষীকে গাড়িতে (ক্সমের मत्था जाशांकित्त्रत थरे वा शांकिक्क इत) লইরা থাইতে হর এবং র জভোগে আহার क्त्रावेटण इत्र । नाक्की लहेशः याहेबात जिन আপনার প্রিয়তমার অভ হইতে উলোচন করিরা অলকার বন্ধক দিতে হউক অগবঃ वनर्षिवाणी विक्रम क्रिटिंग इसक, वामी **অথবা প্রতিবাদী কিছুতেই কাত**র নহেন (ছাবিধাভঃ লোকের যে অসাধুতা ও নির্বু क्विवादमणः अरे विजयना वर्गालटक, जःहा কৰে অন্তৰ্হিত হইবে) এইৰপে সাকিল করিতে হয় **ণ্টক . আদালতে** লইরা গিরা দাশির क्यानवनी क्यान हरेल । धनमास चा यनानिरात्र किছू शाशा चारह। जीहा বা ব্যক্তি বিবেচনা করিয়া প্রতি সাক্ষিতে अक्टोका व्यथवा काटियांना लहेशा शास्त्रन (बैंग्स्त्रा किस्पिथ अधिक त्मन, छास्तित्म्र श्रीक नाका पनुकृत इश) उन्न निएठ र्रेन।

छेखा भरकत अरेक्ट्स भाका (१७६) स्रेटन विठातकका मान्यहान प्रदेश मक्ष्यता আলীন পাঠাইয়া দিলেন। আর্ফ্রী নব উদর ৰুহৎ, খাঁহার নাাষাপক্ষ তিনি ডালা পুণ ক ব্রিভৈ পারিলেন না, সুতরাং আমীন বিপ শ্লীত রোরহাত দিলেন। প্রস্তাবিত মকদ मृद्धि कुरंत्रकुम छालाक गांकी वित्यम्। ক্রিকিছ ১৯ আইন জারী করি। উচ্চাদি **लेंद्रक जामानटक नरे**श गांख्या इहेना। **कृष्टिक क्ष्म वाह्य हर्देश ना । किहू**टक्टे বিছারকর্তার সংশরক্ষেদ না হওয়াতে **ক্ষিমি শবং মফখলে খেলেন। ভাঁ**ছার বাহ্নেরাও (আমলারা) ভাঁহার সমভি के हिट्टि भगन सुनिद्दलन । जामलावः कथन

ৰিনা লাভে একপ**দ গমন ক্রেন** না।ভার। এশন প'ঠকগণ কি বিবেচনা করিভেছেন. কে.পায় পায় .

প নিমামে এক কটোভাষিব মুলা সচ এই পাঁচটারার উলারার্থ ১২৫টাক: टाव कविरक मक्दलत श्रृष्टि कविदन (कन मकलमा कृत किवल अर्थवाम इंटेल १ व्य . अञ्चित भाष्ठित कांवेदवम, विष्ठातकर्त्वा क्विल ना. (ल'क्वल हारे । यहात्र (लाक्वल नाहे, অনে: বিষয় কাড়িয়া লইভেকে দেখিয়াও : য়া কবিতে ন, চাকেন সনুসন্ধান করিয়া তাপেকে অগতা মনোত্র মনে নীল

षायता निश्वनिवाध এय हि केन रत ৰ প্ৰদৰ্শন ক্লিলাম, ফক্সকে দিন> এই क्रश महत्यः ज्याग कार्या ज्यत्रिक ३३ তেছে। তাহার নিবারণের উপায় কি व्यानालक्ष्य एवं मन्त्राधिक व्हेटल कामः लकर डिविवाइरन केलू हरेर वन, क जाना मु । यञ्चवार इन, मजाउ कथा खनिया कार्या क দুর পরাহত। গ্রামের হন্ত ও বার্ষিক লে কদিপেরই এতলিব।রণের উপায় সনু **সন্ধান** করা কর্ত্তব্য । স্থানে> জনা।য নেব त्रवी मञ्जूषाथन कत्रिवायरवत उँ इक है ' व्याव छिएलक्ष, इक्ट्रेक्ट्र, कथन भवर्गस्थले

কুতবিদা বাভিন্দিগ,ক এই সভাসা পনে ক্লডোদ্যোগ হছতে হইবে। যে সে বক্তবা এই, অন্যায় নিবারণার্থই সভাব বাব্রুকে সভ্য করিয়া ইউ সিদ্ধি হইবাব ় সৃষ্টি হইতেছে, কিন্তু সভা যেন এক পক্তে স ট্রাবনা নাই। যাঁহাদিগের ধর্মজন আছে, যাঁতারা অন্যের হিচ সাধনকে প্রধান । প্রভুক্ত লা হল। সভা ন্যায়োপেত কাষা कार्रश विलिया खान करतन अवः व्याध वाध वः छष्ट्रिवहत्व याहामिटशत्र हिख्युक विहलि 🖟 ত করিছে না পারে, ভাঁছারাই এই সভার । शहाभा लात्डिव (संभा भावा । अहे मुका क (ग श्रीजिट व । य कोष। कतिएक इंटे) खात्र काया निर्माणक किছू कि**डू कटर्बत्र** (व. म शत्र अ**टल थ क**रा गावेट करहा। अहे

সভা ধৰ্ম **অথবা সামাজিক বিব**য়ে **হস্তক্ষেপ** তেও ফিছু গেল। শেৰে সুবুদ্ধি বিচাকপতি ্ করিনেন না, অন্যাহ প্রকার অন্যায়নিবার अधिक शहारेश मिल्ला । आशील प्रशेल, ' ात क्रिका कतिरवस । क्ष्म काशत अकि ड.इ!७ विमा 'वर्षवाय अम्भव प्रदेश ना। ' एपि जमात्रात्राहत्व करत्न, कामकाभ डाहा সভাব গোচৰ হ**ইলে সভা প্ৰথমে** এককাঠা ভূমির উল্লারার্থ ১২৫ টাক ए। ত'গার তত্ত্বানুসন্ধান করিবেন। অন্যায था, व्यवसायिक : पविख्याख्ति क है।कः ' तक्षाव व्यवसाय महित्य मजा आर्थ अभागकाति एक एक्षिम इंडेटड বিনির্ভ হইবার অনুবোধ কবিবেন। ताहब शह है।कात वक् अधिक इत बा । किंद्र दक्ष कामूद्राथ तका करतन, है उर धनाय मन्त्र अनाध्यम्बर अधि निर्व इष्टेश, ये विषयती सिक्षेट्य विष्टांब গলার বালেনৰ উপৰে বিশাস করিয়া কা मार्थिकारम् निर्मेष्ठं क्रिक्टिन ।

भइतन अहे भ ेखि हहेरछ शास्त्र, दि চাবকর্তারা সভাব কথা শুনিষ, বার্য্য ক तिरवन क्या अधि श्रेष्ठार्थित आहवनमामि । अन्। क्रिए कार्य। क्रियात्रहे निष्ठम छ ती । डि या (इ । इंशांत्र छेन्द्रय धरे, यनि श्रश्वादि ভ সত। সর্বর গ্রেতি**ভিত হর** এবং স**কলে** ब्रिटा अध्यादेन ३ ७३१/३ **४४न प्रकार हरे(द** म । अमाम निवातन कता शवनंत्यत्नेत केटम्भा । 'महे जन, सि निवास वर्धन म ় ডাহার অনুমোদন না করিবেন কেন -**अञ्चल विरम्भ कतिश जामानिर्गत अक्री** পক্সাভিনী হটয়া শ্বঃ অন্যায় কার্য্যে क्तिरल अवगरमणे शके हिरा पन् (सामन कांब्रादन मान्सक् नाहे। अहेबान गर्बक गरा रुरेटल अवनंटमदन्छेत्र अर्थवन्त्र छ পরিবাদেরও আনক লাখ্য ছইবে। এই স अर्गाकन इहार मरम्ह नाहे। क्य (परे भर्व हैं। या बाता सामक त्नाकविष्यक निक हे प्रदेश्य मध्यक महिष्क क्षेट्रको

কেহব মনে করিছে প্রের, আমর।
ভারতবর্তীর সভার শাখা অধনা প্রাচীন প
কায়েত স্থাপন প্রসদ করিছেছি। ভারত
ব্রীয় সভা ও পঞ্চারেছের ব্যাপক বিবয়,
কিন্ত ইহার বিষয় ব্যাপ্য। ভারতবর্ষীয় স
ভা ধর্বনেক্ট ক্লভ আইনাদির দোব সং
শোধনেই সম্বিক বল্পবৃতী, এ সভার সে
উদ্দেশ্য নহে, এ সভা প্রজাগণের প্রস্থা
বের প্রতি প্রস্থারের অভ্যাচার নিবারণেরই
চন্ডা করিবেন। পঞ্চায়েত ধর্মাদি যাবতী
ব্য বিষয়ে হস্তক্ষেপ করেন, ইহার সে সক
ল বিষয়ে হস্তক্ষেপ উদ্দেশ্য নহে।

कार्यक्रिकात मध्याम।

हत्रकता मन्नामक २७० अदिशास नर्गा (वत य जाटमित्रकात मरवाम नाहेबादकन. हाहा म्निकाल्ट्रक किंह्ना निष्ट... इ. जाटम विकास मिकिगारमित महिक केंद्रतारमित । य विवास हहेएक्ट्रक, हेरलेख के क्रिका निष्ट्रक से अब बाका डाहाद निष्मिक केंद्रिया निष्ट्रक म, महरक एनि मीमारमा ना इस, में केंद्रम शवर्गदमके वस श्रकारमें अत्राक्ष प्रथ हहें (वन न)।

লোৱ কাৰণ এই জাছাৱা প্ৰদীৱ 'যাখি অব मक्त महिसा ध्विष कार्स । अहसि विवा म कब्रिएक्टइन ? चारमब्रिका, चाथीय ताका, ভাহার উপরে ইংলগু অথবা কুডিজর প্রভূত্ব নাই। বিশ্ব ঐ উভর রাল্য প্রভূর बाान कार्यः कतिरच अवृच्च इरेनाटबन উত্তর অংশেরিকার লে কেরা জীত হইয়া যদি যুক্তপ্রাস পরিত্যার করেন, সর্বাধীন मकल् इय मरक्षर मारे। देशमा ७ कृ।ज इस्टब्स्य कतित्व छस्राः त्यंत्र लाकपि গ্রের অন্তে পরিভাগে করিবার সমধিক স आवनाथ चाटह। धाटक केखा केखा गवर्ग स्मिक श्रवल, माज्यकः किंगितन व्यवत्त्रतं न ভিত প্রতিযোগিতা করিতে হইবে। বিভী गुक्तः खेखवाश्टमंत्र शदर्गरमान्येत व्यर्थत म দ্ধল নাই।

কিন্ত উত্তরাংশের লোকদিগের যদি चनवान खान धारल इंडेब्रा छेत्रे, এ नकल हिन्दा जिल्लाहिन बहेश यात, छाहा हरे (शक्रे विषय खनर्थ । देशमण ७ म का के म अवर्गतमारी तम विकास क्या काल कालियात সন্ত্রণেশ করিয়াত্তম, তত্ত্বাধা দ্বিদ্বাংশের আনুকুল্য কর: হইতেছে। কিন্ধু সেই সা शया मान विधित्वानिक क्वेटक्ट ना। ष्मनुधावन कतिया स्विद्धा मिकिशांश्ट्रमञ् লোকের। এক প্রকার রাষ্ট্রবিপ্রবকারী। मिक्क अ देखात केलच आरमस्मत लाक अक भवर्गस्यातीत अर्थात्म धानगरण्डे आ व्यक्तिकात यक कीवर । अवस्ता संविद्याश्रम युख्य इहेबाब (हुई) नदारक रमहे भोत्रब इ.नि इट्रेडिंग्ड् । हेश्ल ७ ता व्य स्मितिकात शिक्ट्रे भ्रताकुछ कर लेखा बरागत बेक्स ৰন্থাৰ অবস্থান কি ভাষার কারণ নয় : क्षत्रकः परिवर्गा भित्र लाटिकसः वर्षेत्र प्रदे बाब क्यों, न्याएक क्यों क्यितिकांत्र शर्मरम ের অনিষ্ট ঘটিয়াছে। বে সক্লন ব্যক্তি নিজ গবংমেটের অনিক্রারী, ভাতাতি ধের সহায়তা করা কি জনম হৈম হর

रेलान अस्ति । राजा पाटन

विकाद विवाद एक्ट्रकन्त स्वादक व्यक्ति विद्या व्यक्ति व्यक्ति

১৮४२ चटनते ५० कीहेंन नर्दमाध्य द्यक्तव (🚁

वर्गीत्रमञ्जात आह्वमन क्षेत्रमञ्जात आहे।
वर्गीत्रमञ्जात आह्वमन क्षेत्रमञ्जात आह्वमन क्षेत्रमञ्जात आहे।
वर्गित श्रम्भात्म स्टिन्स क्षेत्रमञ्जात अहित स्टिन्स क्षेत्रमञ्जात स्टिन्स क्षेत्रम क्षेत्रमञ्जात स्टिन्स क्षेत्रमञ्जात स्टिन्स क्षेत्रमञ्जात स्टिन्स क्षेत्रम क्षेत

चनत्र, मश्रामिकं चार्यमत्र विकीत्र शात्राय करे क्षांचि कत्र, यकि क्षांन क्षां शात्राय करे क्षांचि कत्र, यकि क्षांचि क्षांचि शाल्या मा त्यत्र, मिनिकं करेत्र कर्त्र कर्त्र कर्त्र कर्त्र वा क्षांचित्र कर्त्र कर्त्य कर्त्र कर्त्र कर्त्र कर्त्र कर्त्र कर्त्र कर्त्र कर्त्र कर्त्य कर्त्य कर्त्र कर्त्य कर्त्य

এখন এমন প্রকা অভিবিন্নল। ভাহা ৰাবনা নাই। এফেলীয় প্ৰজায়। নিজ গৃহ शिद्धिम मा । परव शाहाद्वा पूर्क, जमा वारक हरेद व्यवः वामला वरमञ्जूष मितरणा औह **मार्क कतिवात** निशम कतिशा छ।शामिशस्क ं कि घरेटव । **ইন্টিবার চেন্টা না পাই**য়া যদি দত্তের 🕆 ক্রিয়া করা হয়, ভাহা হইলে কি অতীট ্য় সভা যে আপজি করিয়াছেন, ভাষাতে ক্ষা কর্তি ভক্ষরাধির নিবারণ, কুইয়াছে, ও ৬ ধারাতে যে যুক্তি প্রদর্শিত হটগা **चात्र शहात्रा इंग्डेंडा क**तिया क्षेत्रमा ना । हि এवः य यूक्तिरेड मिरे चार्राखिव टक्झ, मल बाजा क्लंबामिट्रांत्र कि भाजम ६७ । "अनकता ब्हेगाटक ३५ ७ २१ थात्रां ए मा 📢 সম্ভাবিত নম্ব 🤌

পু**ৰুত্ব হেটা প্ৰধান আপেত্তি, ভ**ত্বিবৰ 🚁 🏗 🖰 ভাষ্টির ক্রিয়ার করা অসংশোধি 🕆 ভ্রিব বিষয় উল্লিখিত হইল ন, 🕡 ্বিক্ত আইনের যে যে অংশের সংগোধন 🛊 **শ্লাম করিয়াচে**ন, **ভা**হাও উলিখিড হট**্** ु**३८ছ । ১৮৫৯ षरसद्र >॰ ष**ाहेरनद्र ७।६। ু প্রে ধারার ভাৎপদ্ম এই, যে প্রক্ষা ভাষা কক্ষিকার ন্যাম নিক'র ভূর্বে, গ ই ্রিকৃতিং সীর্যকাল (৪ ধারাণ ২০ বংসবের ় গাছে। প্রপত্নে আসর শুনিলাম, পারসী ্রার্থ 👁 বার্রার ১২ বৎসরের কথ। আজে) 💢 করা আফগান 👻 নের রণক্ষেত্রে খাব তীর্ণ ্রা **আসিরাচছ, অনীদার ভাহাকে ভাহার** । খাছেন, ইংরাজেরা সৈন। প্রেবণ ছাবা দো ' ক্রিকার ক্রীডে মাজিত করিতে অথবা তাহার। স্বের সাহাত্য করিবেন কি না. এই বিষয় त्रासमा वृद्धि क्रिएड शाहित्वन ना । अधाता । लहेशा चात्मालन व्वेट्डर्ट । विश्व अकरन গুলি গুলালার বন্দোবন্তের প্রতিজ্ঞা বি 🚁 বলিয়া ভারতব্যীয় সভা ইহার পরি। মার্পরণ শর্জে অলীক। হিরাটের সুস্। क्षा भारतानिक भरत । एत् का भूतकान कान विश्वकरक कर नक्षकिक

প্রণার্থ, ন্যাব্য **প্রাজন**। বি**ভে অস**্ব ব্যক্তি ২০ বৎসর **পর্যান্ত একবি**ধহারে ধাজনা দিয়া **আইসে, ভাঁহার ভা**দুশ হারে পার জনা বাজেআপ্ত হইবার অনুমাত্র থাজনা দিবার বিশিষ্ট কারণ থাকিবার সম্পূ র্ণ সম্ভাবন। আছে। সেই কারণ জানা অথ ংর্গের ন্যায় আপন আপন জ বি প্রনাণ চইল না বলিয়া ভাষার ভেড়া ্যুধিকভায় লেছ করে। ভূমি বাতিক্রম হওয়া কোন ক্রমেই ন্যায়ানুগত , ति छत्र का शक्तिम छ।इति ; स्ट्रेटिए मा। अक्तम क्रिमान्न किरा देशा अमान्न में हा क्ट्रेटि। किस इस अ ছার স্ক্রির সাধ্য করিয়া থা | বিবেচনা করা আবশ্যক, চিরন্থায়ি বন্দোবন্ত ক্রেয়া সেটাবৈশিতে পারেন না। । ছওয়াতে তাঁহারা যেমন লাভবান্ হইয়া র হইয়া উদ্ভয় শস্যাদি করি । ছেন এবং বজালা দেশের সৌভাগ্য বৃদ্ধি । সম্প্র হয়। প্রজার সম্ভল । ইইবংছে, তেমনি প্রজাদিগের সহিত থদি অশীদারদিলের স্বচ্ন, ভাহাও তিহাদিদের চিরস্থায় বন্দোবস্ত হয়. কেবল শিদের অনেকে বুরিয়া উ.ঠতে প্রফার নং তাঁহ।দিনেরও বক্তদ লাভ হ

১৬ ও ১৭ ধারাব বিবয়ে ভারভবর্ষী अञ्चादना नाहे ? त्कराम এक क्रश्चाह कि**ष्ट्र विराध स्ट**ल्ट कथा नाहे । ७।८०३ ই বুক্তিতে গণ্ডনীর হইতেছে। দশশালার নংশোষিত আইন সমস্কে ভারতবর্ণীর বিন্দোবন্তের প্রতিজ্ঞা ততই সেই যুক্তি অদ্য প্রস্তাবন্তাঘিম ভরে অনা ২ আপ '

.३.कशादनवं वे.

উপস্থিত আফগানের যুদ্ধ ফণিভাষিত ্রনা ঘাইডেছে প্রেন্ট্র**দিগের সংগ্রা**্

কৰিয়া স্বাভীষ্ট নাধন কবিবার উদ্দেশে शावनी कमिरगंत्र मसत्र मस्या श्राह्म कतिया দেন। দোক্ত হমভাৰও স্থাৰ্থ নিজির **উজে** লে ঐ অলীক সম্বাদে ৰ'ভাস দেন, ভাঁছার व. ए'म निवान कान्न करे, किनि के छेना বে যদি ব্রিটিস গ্রণমেণ্টের সাহায্য পান্ বনম্বন করিব৷ এ প্রয়ান্ত কেছ ক্লভকাষ্য *इंटेर्*ड शास्त्रम न **है** ।

मत्था जानाव क्ष्मा शिल. जुलकान का त्वत प्रहिष्ठ मान्त्र महर्यरमत मिक्क इरेशास्त्र কিন্তু এখন শুন' যাইতেছে, জাছাও অদী क। धेक्स कथा छे.}ेवात धक्छी कात्रन चारह। जूलकार कांच (नाम व बारकत স্থামিকা। অভএব শীঘ্র সন্ধি রওং। অস স্তাৰিত নতে , মৃাহ্য হউক, একংগে ভূনা याहेरफरक रमाख भरमम महेमना काश्रमत् इंटिक्ट्न । इंट्राटिक्ट (मास मङ्बद्धक माहारा कतित्व कि ना अधन्य दिव हथ

गीलक्षमान अरमभ हर्दे । अधि।

भागाता मामाक बद्याना । बीलकृतियान नादभावत्रा कत्र इश्वित नानिमादक्ष्ट्रे श्वकांत्रिशत्क ঞ্জ করিশার **শ্রেষ্ঠ উপায়** স্থির করিয়াছেন। মক গরের ভেপু**নি কালেক্টরেরা অনেকে** তাঁহা बार्टान नाराया कविट उद्या करें किलाब खडश्री **असे ब्रोग् है** ब्राव्य **सारक**न् नारकन इतिहान माद्रियणिद्रशास प्रमुख्याम पूर्व व्यवस्था *ा*िड रक्षक **इरेग्नाइटलम**् अक्राप्त रम्यिनडेन् क्ष्यांक्ष्यम् गा**रहव सीमक्ष्र**े अ**व्यक्तिरधन** क्र । সংক্রান্ত বিবাদ পটিত ৰোকদৰোর বিচা, নি স্পত্তি জন্ম কৰিসময় নিযু**ক্ত** হটয়া এখানে হ্য-ভার্য্যন করিয়াছেন। গুনিলাম এছিকে কুর্তীরাল সাংহ্রের। প্রচার করির। দিয়াছেন বে সুইস ब्याकम् म् व्यक्तित्र क्याटक व्यक्ता अवर्दम्दके দর্শান্ত করিরা আমারদিনের মলোমত বিচা-द्भक्ष नहेगा मानिवाहि। क्षक्रांकी अथस्य स्म কথায় বিশ্ব.স করে নাই : কিন্তু যে সকল প্রজায় कुई आखाद क्रतिहाटक्रम । কিন্তু এডৎ পরি । ভান জাবের সভিত দেওে মহত্যদের বিবা । ভূমি দখল করিবার খড় মাই ভাহাদিদের क्षेणि अतिशाम मादश्व व्यक्तिश्वादश्च व्य निश्चि

त्य प्रांथी विकिश्विद्धानन, क्ष्मानिक्ष भी कपून क्षिणानन वामित्य कर बहरूवाकी कर्या निवृक्त गाएव मिरिय बग्यक महिन्ना क्रिकी हिं क्टिइन : व्य नक्त क्षेत्रां पूर्व एक्त क्रियां-র বস্ত আছে, ভালানিগের গুলকালবার বিশ্ব- डिकी क्रिएडएन। यह नविशासम्बन क्रि লা কুটিয়াল সাহেবদিগের প্রচারিত ই কথাতে क्षणानिरमञ्ज पृत्र विदान विद्यार । किन्न रिनि बांचोर्वे कड़न मा (कम, 'आजात पृष्ठ थे-তিক হটয়াছে, ভাষারা প্রাণাক্তেও নীলব্পন क्तिर्य मा : क्षित्रमद नारश्यक अपे विष्ठांत দর্শন করিয়া প্রফার। ভানেকেট জ্বাজ্যি ইস্কান বিশাহে এবং বছতের প্রজা তান গ রিভাগি করিখা ছ। এই বিচারপতি ভার किंकू काल अवेशन विवास करितकर जानि বোধ করি ভনিবাতে কুরিয়াল সাহেবদিগের ভাতের সমুদার প্রকা ক্যাক্ষি ইউকা कविदनकः।

প্রস্কারা কোন ক্রেমেই নীলবণন করিতে সম্মত না চওয়াতে কুঠিয়াল সাহেবেয়া মক্ষ-स्तित महाजनिकारक शिरूमध कविता स्थल स्त हिस खाईके विक्रिकेट खाउँके स्वार्थ करूप अन ভাষারা প্রজাগতে ধানাদি কল্প না দেন aar ভिश्वादिकावृतियांत्री शासामिशदक सम করিবার নিষিত মধ্যকংগি কুন্ত ভাতৃক-দার্দিগকে অস্তরোধ করেন: কিন্তু ভালারা ভাগ এ:হা না করাতে ঐ সকল মহাজন এ ভাশুকৰাৰদিগেৰ অভি কৃতিয়াল সাংক্ৰা স্বাত্যস্য হইরাছেন । সম্পাদক মহালয় । রাম রাবণের যুদ্ধকালে ইন্দ্র রামের নিমিত্ত রব এেরণ করাতে রাবণ ক্লোপে আধীর হই-র। ন্রাত্রে ইজকেই বধ করিবার সঞ্চপ ক-विश्वाधितम् ।

একণে একটা অভ্যুত্ত মোকদ্যার নুত্রাপ্ত লিখতেছি। সুচারীগাছি প্রামবাদী ভালুক. मात्र अवर महाक्षत सामकृषात्र व सूप्रकारहर न হিত নিশ্চিমপুরের মুরীর জেমস্ছিল সাচে-দের উক্ত কারণে শত্রুত। জন্মিয়াছে। পূর্বে बख्यमादतत मस्जि नाद्यदत क्षणत । जा सीवछ। डिन এবং मरश्री र स्यूसलार्यत विक्रं के के कि कर्म नर्दिन । मे जबरम जारहरिक उठीत समानत जागत जान श्रहतक हाकती मिनोत निमिष्ठ मञ्जूभशोद्धार निकडे ध्यार्थन। व

वित्रोहित्तन । बध्यमारतम् स्वार्कश्रुट वर् वा बै বর দেশাদের নিকট করেকটা টাকা রাখিশা क्टिन । कटहरकनियम भारत दमङ होका ए हि-ে বরকলাজ করে যে আ ম ভারা খরচ ক**.** রিরা শেলিয়াছি। এই ক্ষন্যার কথা শুনিয়া यक्रवाः, कवि क्षित्रः। कव्र स्वथिता कविरतन ৰে শীত্ৰ টাকা না দিনে কৌলদানীতে না-লিশ করিয়া- ভোষাকে কএল করাইব। বর क्ष्मांच ७ क्रिक्टमङ्ग सत्थः हे,का कामियः। प्रिय বলিরা ভাছার খুড়া উক্ত জনাদ,রের নিকট हिला बाह्य अ**कटन दिल भाट्य** कड़े (भाषा ন পাইয়া ঐ বরককাশকে গোপন কবিয়া ভাষার শুগ উক্ত ক্ষালারেবদাগ চুয়াডা कात बाहेके समझेरतत किक्ट वह विवा নালিশ উপস্থিত করিয়াছেন বে স্বাদানের সাতৃপুত্ৰকে অন্তসন্ধান করিয়া গাওয়া হার নাই। ত'ভাতে ভাহার মনিব মন্মুদদার প্রমী দানের প্রতি সম্পূর্ণ সম্পেহ ত্ইতেছে। এই পুলিব আনলায়া সঞ্মলারের বাটতে গ্র ৰেশ করিয়া খাৰাতলানি ভ গ্রামত্ত দোব ৰারা হারভদাল করেন, ভাষাতে প্রমাণ হয় त्व भि बास्ति भून क्य बाहै। होक। जानियात 'निविख डाञात्र चुड़ांत्र निकट दिन नाटक्ट्यं क्री एक भिनादह । व्यापि क्रांबन्ति हिल मादक ৰ বপৰ দেখিলেন উচ্চার এই কুনত্বা নিয়া দুইবার উপক্রম করিয়াছে তথন ডিনি কোন त्त बाहेके मास्वेद माद्ययान अन्माश्राहान र्य नेष्क्रभम दश्त श्रुखनवृत शक्ति के नवकामा-·**खंद ध्यतिक हि**ल भारति कावाल मञ्चलारविद्व পুরেরা ভাষাকে খুন করিলাছে । প্রোণ জ वेके सम्बद्धेन शहरू वद दश्य कथाय १६ विद्यान स्वित । डिनि बाद क्रन्य । निस्त्र मा कद्रि १। **वर्षः सञ्जनमारद्वद्व १**१६ व मरक्षः क्षाद्व**न क**द्वि लाग. क्षरफ ५३ ८१२ अञ्चनभ्राम कविया शक्ति त्नरम बस्बाहरू व िर श्रांतिक भनन कता छ इहेशांटक । के भारभ करनक उप लारकत वान আছে। জাইট নেয়েইর বক্ততর গুড়া<u>শোকের</u> ছো।ানক্ষী লইফু[†]'ছ্ন, ভা**হাতে উভ্**ল **য**ুগে अनी वर्षेगाँदह य रहक्षांच होका चानिएड विश्वाकित्यमः बस्ममात्र एमधनारत खार्ट्यन । शहे वसिम् किन मन्द्रप्रता कृते। देव मिना

निवादकः हेरादाक सार्वे स्वाहत है है स्वत न। २३ तो मञ्जनारत्तव कृष्टे श्रीक क बाजित जान मानी अङ्ख्यिक धतिवा महेवा चित्रा साम - याथिया कडे लिट**उट्डन । बार्ड व्हेंबाइड्र** स्त शहित विश्वदेत वस्त्रमादात श्वान्य विश्वदेत তলৰ করিয়া কাছারিতে হাজির করিয়া জো-वानवनी नहेरवन । जन्मानक न्यानंत । वरि আগনি একবার মফখনে আসিয়া এট বিচার পতি মহাযতিদিলের ছাতার ব্যব্যার বর্ণ্ कर्तन निरूष्टे विक्रिय त्वाथ कब्रिटबन मा। ब्रह्म रंडेन मामि बकरन स्वचिटकहि स्व के अकर् स्थीमात असात नरावछ। कृतिहा ७ किंग ना-क्टबर क्यांश क्हेरा अक्कारन करन झारन विनडे वहेरमन । जाबाद जाहेक मार्थ েব যদি ভাঁহার পুত্রবধু দিগকে তলৰ করেব তবে দেশাচারের লোবে তাঁহাকে ন্যালচুচত ও जां जिल्हें रहें एक स्ट्रेटिक। आदि आदिहां আপনাকে জানাইডেছি বে বজুমভার মহা: শর ও তাঁহার পুরেরা অতি সুনীন ও দিরু :

পরিবেদে হিল্ফ গোটরট্ ও ইডিয়ান कोनफ् अवर इंखियान त्रिक्कीत नन्त्रावक वश्रामश्रमित्रात्र निकटि जामात्र धार्यमा अहे त উল্লেখ্য অন্তগ্ৰহপুৰ্বক আবার এই পৱের সং র দর্শ্ব ই বা জীতে অপ্রাদ করিয়া জাঁপন আপৰ পত্ৰিকাতে প্ৰকাশ করিলে আদি জাঁ-ं भटशत्र निकडे शत्रद्याशक्ष वृहेर । विद्यक्र

>र ७२ । : • हे देखास ।

প্রাপ্ত।

ब्रांग्य ।

প্রচলিত প্রখা, ব্যবহার অথবা সংখারের विद्यापी बहेबा कान कथा विवास गाम अ-এেই ' মুর্খ ছঃসাক্স, নির্লক্ষ প্রেকৃতি উগা ৰি **পইতে এক্ত চই**তে হব। যিনি কোন বি-বরের উৎকর্ম <mark>সাধন করিতেছেন, ভা</mark>লারই এই ভাগ্য হটয়াছে গালিলিয়, লুচর নকা রামনোচন রায় প্রভৃতি উহার দুষ্টাও ভুল ০ अभिन्त स्वतथन। ১% निमार्थत् । म म ४ ८ শে আমি বা : ছবকালী ৰামুনানার প্রণীত যা नक्षीकारम्य काम राव दिख्य अभित्य का **७०३ ९ के इत्छार छत्र का**र्रश्ता विचास 🕫 🕫

বিভিন্নায় বাকে করি, ভা**হাতে প্রভাকরের এক** ^ন্ধুৰ পত্ৰা,প্ৰৱ হ আৰাৰ **উপৰ অভিনম্ন বিয়ন্ত** 'ষ্ট্রা আম'লে ' প্রবোধ প্রভাকর » " হিড প্রভাকর ৷ ৫ প্রভাকরের পুরাতন ফাইন ৷ লাঠ করিডে কহিবাছেন। তর্ক বিনা কোন বিষয়ের সিপাত হয়না, অভাএৰ আখার এ স্থাৰ যে সৰ্বাসাধারণের এক ব্যক্তিরও নিকটে পণ্ডনীয় বোধ হইয়াছে ইয়া আমার আজান त्वत्र वि य विनिएक श्रेटव ।

🖛 রুপ্রেক প্রথমতঃ লিখিয়াছেন আমি খ্রিক্তিব্র বাবুর নিখিত উৎক্ত কবিতাদি পাঠ নাই : এ উখর গুরোর বিরচিত কবিতার ह, दुन, छार्यार्, डेशरमम, ३ व्यक्टारवर व 🗽 খৰন বে প্ৰকার প্রকলিত অবচ সরল ভা-্রিপ্রকাশ হইরাছে, তাঁহার কবিদ শক্তি ভ'-📆 প রূপে আরোহণ করিয়া উর্থান্সনে বে প্র-🖏 সমর্থ হইয়াছে, তিনি কবিতা কুন্তমে যে ্টিক্সির নব সৌন্দর্য্য ও গ্রেমবাংসল্য প্রভৃতি ্রীভার উপযোগী অভি উপাদেয় নব নব জুঁ একাশ করিয়াছেন, আনি স হস পুক্ক ্টিনিউতে পাবি গুণাকর ভারডচল্ল রাজের নি 🌉 छ विकाञ्चल महे बाग गरम रामगार रा-🎏 বর্ণিত হয় নাই। উপর গুরের সমুদায় র-্টিক্লিডা আমি পাঠ করিনাই সভ্য, কিন্তু যে হি-প্রভাকর ও প্রবোধ প্রভাকর আমাদিবের ্তিত্ব প্রেরকের মধ্যে সর্কোংগ্রন্থ , এবং ঘাছা । সময়েতে এখনিট যাবি প্রেম দেবে । ^ঐ **এলেনের** আশল রম্ব কনিতা সকলেই আ– হর পূর্বক পাঠ করিবাছেন সভাহা আমি আ ল্যোপান্ত পাঠ করিবাছি। এই পুজৰ ছুই সা बिर्फ नेयत छर धद देखावनी महित किंदू मान পরিচয় পাও 1 যাইডেকে না 🖰 ন ভানেরে গুঁ**ভাব চুরি করিয়া কুং**গিত লাস বানাকটি 🎉 ब्राट्स्न अहे बाद्ध । मङ (कथ) वनिएउ 🧖 ७३) ্ৰীপু**ত্তক দুই খানি মৃদ্ৰিত না বরাই** ভাল চিক ্রী<mark>লিক্র চের্ড উপর শুক্ষের ভা</mark>র-বস সভার 🌡 র্বনার প্রশংসা করিয়াছেন। পাটকণণ দেখুন ্ৰীয়ে নিখিত কয়েক পিক্তিতে ব'ছ 'ভাৰ বুদ क्षे चर्णांचे वर्गमा ,, स्मार्ट्स :-

ि क्षिताशीशत्य याम करते. त्यांभीनाच नाम घरत গ্ৰগৰা গোপ এক জন

करित्रा अर माहि बन्द, गावि कारिय खोश मन महानम शुर्न छोडू वन ।।

বিচারিণী দারা তার, কাণা কাণি স্বাচ্ব, केंद्र ट्वेटिंद स्माटन चाटन घाटन । क्टिय महि मृडे स्त, ' खमात अनात त्र्य. হ তে নোতে ধরিতে মা পারে 😗 »

পরে কবি বর্ণা করিয়াছেন গোপ কুটছের বাটী ধাইবার ছল করিয়া আগনার খাটের নীচে লকাইছ থাকে (ছব্লিম গোপের খটা 🖽 রাত্রি বেন্ধে ত হার স্ত্রী উপপ্তি সহ লয়ন করে, সে ভাহা প্রত্যক্ষ করে[,] ভধাণি উক্ত बोरमाळ रठीर चानीस्य समिर्ड अन्हेबा जा হার ৰাশ্যবিক প্রেলংসা করাতে গোণ ভাষা তে ভুরিয়াণিয়া ভাহাকে সভী স্থিয় করিল । ইহাতে থেমন সভাব ধৰ্মা তেমনি জাস ও ভেষনি ভপদেশ গ্ৰেনাজ্ঞি '' গ্ৰগ্ৰাই চন ইন ভাহার ক্রিংপে দুর্ভতা সম্ভাবিত হয় 🤉 দৰ্ম ব্যক্তির নিজ স্ত্রীকে উপপত্তি সহ দর্শন করিয়া সেই অসজীর বাবে বিষোহিত হও गाहे वा किराण मध्य हर ६

প্ৰক উপস্থা।

ত্ম**ন্দ উপত্রন্দে**র প্রতি। আর কেন মত হোলে কপৰতী হেরে : মর মর হততে গা লেরে ভুট কেরে :। प्रिव दाव दाव दखारत करक बारत त्रारव । মরণ নিকট তোর রহিয়াছে বেরে। পজিৰি কালের হাতে নালাতে না পেরে। शास्त्र ८५१८त अ**ने** नाती ज्याबादत्तरे ८५८तुः। विषय विषय येख 📜 शिरव मिरव ।। तमद्भ वीम कथा तमान कौ थि दरे ज दरे हैं। भाग्रीकेन बन्नोबन्न शक्त ५३ स्वर्ते ।। কোন মুখে কুলালার নিজে চাস এরে। यद भव ह ५ जाना ५४ द्वा कुष्टे दक्दत ।' डेगाअक । पृष्ट्दराज प्**ष आव्य कानापृत्या** काना वर्ष न । जि.स. क्रम विक्रि आमा भाषा ॥ া মাণে কেলেন বিভারী **কঠ মালা**। इंटे आदि পতि इर्ट अटडा स्वांत बाला ॥ चात होने आप दिए गाह, **शांता भांता** । নতি . ১'ব ক্ষেই চিত্ৰে ফলি ফালা ভালা !

্বই নিবি প্রিরন্তনা, এবপরী বালী।। মেডবে কেমনে নিবি আরু ছেখি খালা।

एम डेश्सूरणव युक्ष ७ श्रूब विटक्षम दखा-र वेदित्र अधान काद्याद्रहे स्वीरा । वेदिन-থে কি ঈদুল ভাষা ও ভাষ ভাল লাগে ন্যা-চাব, একাও জার করিয়া ছিল, ভারারা তথ-ম এত মূৰ্থ **গ্ৰহতে পাল্পেনা বে আভাকে** '' শালা » বলে (১) কোন ব্যক্তি উহা পাঠ করিতা বলিবেন, উপর গুরুরের ভাষসোষ্ঠ্য ও সর্পের উলাধ্যবোধ ছিল, পঞ্জ প্রেরক যে '' নব নৰ মুদ্ৰেৰ কথা বলিয়াছে, তাৰ, আনা দিলের জানিতে বাকী রবিল

খৰাৰ্প বিষয়ের ব'লি! বিষয়ে **টবর ওংগ্র** কবিস্ব শক্তি অপ্ৰতিহত ছিল মা: উপহাস রসিকড়া ও আফিরসপ্রসক্তে তাহার সবি-লেষ ক্ষতা হিলা সাসমান সাবেবেৰ প্ৰতি বিজ্ঞাপ করিয়া ভিনি দে প্রধায় রচনা করিয়া **ছिट्निन, जानि जानाजागांत्र छ। हम तहन। वर्ग** ন করিনাই। কেবল উপহাস ব্যাদিত এনেশন করিতে পারিলেই কিছু কেই মহাক্রি বলিয়া ाद्रि शनिष्ठ स्ट्रेरङ शास्त्रन मः। योहाद्र दनमाः নাৰ অন্তঃকরণের নালা প্রকার ভাব উচ্চলিত ্য ক্লোধানি উদ্দান্ত হয়,জিনিই মহাক্ৰি ৰলি-ধা প্ৰিণণিক হল কবি বে স্থান পোক বৰ্ণনা 1 se एटाइस एकाम अ'हे क्यू **'अ**लक्ष्मक्ष**म (म**ा शाकाय छ नरन युश्रत काद्या खारत शून सहै त मुक्क्य भवरम क्रिक छेरमाद्द शहिश्रुविछ চইবে, স্বদেশের গৌরব ও ছুর্গতি সম্বাদ 🗣 -নিয়া ঘল আহুংচিত ও ছুঃবিত ইইবে। ক্লাড যে কৰি পাঠকের খনকৈ **আলেকজ্ঞ**্য-্ষর শাষ্ট্রের নাম্ম বেকালুসারে ইভডড: नक्ष गाहिए भा**रत**म, रिक्नि य**शार्थ** कवि যাসতে শোক মাছাছিব উদ্দীপন ব্যু উৰ্ব্ शक्ष त्या कि विधिवार्डन शक्ष १ दन्यमन

🤃) राम्भिक ब्राम क्षाकृति एवं नक्त ब्राक्तित हरिय - प्रशादक्षा **को**श्वात ज्ञान कावि म**पूरे** । ्राप्त , अप्तिविवास्ति **कार्याः सरक्रम** अक्ति स्थाप টাং ক্তিনেং । ডেম্বা সম্ব সায়কেও সম্বাচন সংবেশি ४० कड़ि-४२ । बूदवीशेयर यूक्त कांग्लक कार्क्या,यरक " मेग्फा , प्रांतका मध्यांत्रस स**्वित्रांत्र**स ।

কাল ব্যাপিয়া জিবি মানা প্ৰকাৰ লোকা বিশি यारका किया कामात व्यूनीक क्यान कामांनाति त्तारकत वन वर्षा**र्व कुरम आक्**र्यन स**डिस्ड**मा (त ? क्वानी क्विलीय कारण ? वावरणणि ग, াহ্ম হ নামক গাঁডের ন্যায় ডিনি কি কোন कावा बह्मा क्षतिग्रारहत ? शव क्षात्रक बरनन তিনি নীলের বিষয়ে গীত রচনা করিয়া গিয়া-्रक्रम, यक्षि फिनि यथार्थ क्षि श्हेरदन, फार्श र-हेटन मिडे भीएड इयटनम् विश्वाप्य है भी-ভিত ষ্টত। আমি নিশ্বয় করিয়া বলিজেশা-ি তাঁহার গীত কুবকদিগের শত ফাপের ৯৯ ভন ভাগ শুনে নাই।

পত্র প্রেরক ঈশ্বর শুর্গ্লের মহার্থবিবরিশী াচনার ভূরিতের প্রেশংসা করিবাহেন। ভারিব। রে আশার পুনরায় যক্তব্য এটা, হয় তিনি বি-বৰ অনে পতিত হট্য়াছেন, নতুবা ভিনি গা-थांब्रद्भत हरक वृक्ति निर्माण अधाद चारहम বে ৰাজ্যি ভাৰুবোধিনীর মধ্যবিধ স্থোত্ত পাঠ করিয়াছেন উংহার কি " হেন ধ ! ভূমি ইখয় ওপ্ত আমিও উৎয় গুলু প্ৰভৃতি প্ৰবাপ ছু.. इन कारा भाठे केंद्रिया विद्वालि क्षरण नाहे

विविध मरवाम ।

: १३ नेवार्ड मानवात ।

किनिका मन्याप्रक अनिवादकन कर्नन क्रम স: दश्य द्रामकांचा विरुगत्वत्र উপलक्ष्म भीतृत्रा **रमाम जबन जना यांजा मतिशांदक्त** ।

উक्त गण्णापक करहर, गध्मशूरद्र द्वांखा निर्याटनब्र डेप्स्तान स्ट्रेप्डट्स । देशांट्ड नवर्ग-अर्केत्र जरनक बाद्र इहेरव । क्षेट्रक्त्र मर्कदारन ভত্তৰ পথ নাই বলিয়া বড় কুই হইয়া থাকে, সে क्षे अह्वाद पृत्र ष्ट्रिय। अटेक्श क्षमा क्षमा স্থানেরও কট দুর করিলে 👽 ল হয় না ১

করিয়া মহাসমারোহপূর্কক সেইস্থানের লোক-নিগতে এক ভোক দিয়াছেন। ভত্ৰতা কোন বিদ্যালৰে ঐ টাকা দিলে অধিক উপকার स्विखः

আলাবাবাদে উজ্বপশ্চিমাঞ্চলর রাজ-थानी इडेटन वनिया त अनमून रम, छाहा সন্দে সভ্য বলিয়া বোধ ঘটতেছে। देखियानिक्छ मण्डाहरू क्ट्रांग नय वर्षा-

के क्रावर्त मान्यदिक धीकिक बहेबा बाळाटक भूतम् अविवारक्त । किवि चीक्ष स्ट्रां वर्देश चा श्रुम । बाजानिविश्वरण गानि विश्वाद्व स्त्रांक करें?

भागाहाबाजरअध्यक्षे मन्त्राह्य क्टर्स गङ मखारर अर्फ सब्दै सहैगारह स्व न्ला॰ बनुनात जन प्रदेशक इक्ति शहेनाहिन ।

উক্ত সম্পাদক আরো করেন আলাহাবাদে একজন বৰিক থকাচ্য বলিয়া পরিচর দিয়া ৭০০০ টাকা খান করিয়া পলারন করিয়া-हि। मगरत मर्था पर्या अहेक्न पर्याक धनी रमभा मित्रा चीरक, छचीनि रमास्क्य टेहजरा रष ना ।

আটড গেৰেট সন্পাদক কৰেন তথায় লোমবার রক্ষনীযোগে ক্ষমি সাগিয়া গোমতী নদীতীবের স**বস্ত খড়ুরা বর** তন্মাবনের হট্ ब्राट्ड '

উক্ত পত্রের আলমোড়ার সংবাদদাত। ক रम ज्यान अजार कर अ ह है स्ट्रेस्ट्र हा হাতে শদ্যের ক্তি কইবার বিলক্ষণ সভাবনা। 'কোনস্থানে হেউচেউ কোনস্থানে কিচুই নাই।

উক্ত সম্পাদক ৰলেন সীড'পুৱে ভয়ানক ৰড় বৃদ্ধি হইয়া গিৱাছে। ভাষুল ব্যাপার কেহ कथन (मर्थन मार्टे, श्रीष्ठ ७ किया ६ त्रत ওজনে শিল পড়িয়াছে এবং ডদায়া বহ मश्या **जीवर्**छ। भ्रेतारह । अखर्फ निन -ভাক্তর বুইই সাহেব কহিবাছিলেন মাজালে একবার র্ষ্টির সময় মৎসা পভিয়াতিল।

३ वहें टेकार्छ मननवाय

ৰাব্ৰাস্ত এতে দিন এক ক্ষ জেলা ছিল। সেখানে এক মাজিটেট ৪ জন ভেপুট মাজিষ্ট্রেট থাকিতেন, তডির গুলোকের কাছা রি আহে এবং বন্দীগণের খাকিবরে এক জে-লখানা আছে। একণে সে ধকল গিয়া সামা-গোয়ালিরারের মহারাক আগরার গমন। ন্য এক নিভাগ হইল। একটি ডেপুটি মাজিটেই ট মাত্র থাকিবেন। বাবু অভন্নচরণ মলিক সেই কর্মে নিষুক্ত ধইরাছেন। বারাসডের, ভেপুটি माजिएई एएत अधीरन बाका अहे क्षवंत बहेन।

> किनिका गण्णाहरू करहर अक व्यव गण्णा-पक लिश्शिरहर, विष्ठा निका निविष्ठ अरबरल श्यनदबके विम्हानदा नाहाया वान 🕶 स्वयोद भिष्करषद्र १ एउन इषि न। क्रिया गप्ति शुक्र-कामद ७ देम्राम्बहरूत मरका वृषि करहन,

कारा स्ट्रेंटन जेवन रहा। चक वनि शतिहान सा कृतिका श्रीहणकः व्या वनि नकन विद्यालय केंग्रेट्स. हिसा, क्लाई কের কিছু বভিত্ত নির্ম করিয়া রিয়েক্ পুর্যুক্ত ভাগ হয় । Mark to the Administra

QC

উক্ত সম্পাদক কৰেন সম্প্ৰতি ইংলাঙে বে अगर्किविनन (तना) व्हेंद्रा भिद्राद्ध का-বাতে কেবল সুইভনের ও প্রেসিরারীয়াজ পুরেরা আগিয়াছিলের, জন্য রাজ পুরুত্রর **भारेत्रन नारे। वित्ननजः स्ट्रानित ग्रहारहेंद्र** আসিবার করা অবধারণ হিল, তিনিও আ. ইদেন নাই। কিনিকা সম্পাদক অন্তমান করেঁ। न, ह्यारिय हम क्यांनि देनना आद्य क्रीशाक्षे शक डेविया जाना रह नाहै, अहे क्वियें कहा-দি সমাট বুই বেপোলিরনের বিরুদ্ধ কর্ম ংইতেহে, লার্ড পাষরইন এইবাপ বক্তাতা করাতেই করাসি সমাট বিরক্ত হইরা আই-সেন নাই।

উক্তে সম্পাদক আরো করেন লৈং সাহেই স সহিত দর্ চারলদ উডের সভাব নাই। সেং সা হেব বক্ত ভাকালে কুহিবাছিলেন এ দেশ হুইছে हेश्मक्षत्र रेमटनान (व गात्र सम्बद्धां वास्टाइटस्, ভাষা অন্যায় ৷ ১৯ট সেজেটারিয় এই ক্র মনোমত হয় নাই। বোধ হর লেং-পা**রেব্য**ক क्यांत्व भूनद्राव चात्रिए**ड. हिट्दस**्ना । वृक्ति সভ্য হয় এ কংশে লেং সামেৰের জো-य नारे, ८डेडे अध्वतिहासित्रहे स्थाता ।

हेश्विममान मन्यामक कट्यन भवश्राह्म লোবে নামে এক ব্যক্তি কোচবেহারের রাজার 'নকট গিয়া নানা নাহেবের ক্রিট জাড়া ব লিনা পরিচর দের। রাজা ভাষাকে ধৃত করি-भी विधिन कर्षानातित एउस निर्माण करतन, क्षि ता गुडिए छोटा चीकांत्र क्रांत्र नाहे, ता ক্ষেবে রাজা রোব পর্বশ হইয়া এডায়ুন কর্ম করিয়াছেন। কর্মচারিরা ভাষাকে পুন-রার রাজার নিকট প্রেরণ করিয়াছেন। ভবে कि ब्रांका गवर्रावन्त्रें ध्वन श्लामारक्ष्य कता अह बण क्रिशिष्ट्रव ?

विवीरशस्त्र मणावक करून स्वाधान भुद्रत मनदम्यनि । नादम अक बाक्कि विदर्शा ফাল অবৃধি *এক অনুধ্*যু বাস করে, তাহার अधीरम अत्मर्क लाम आरह यामा धारांत्र

ধৃত করিতে পারে নাই। স**্লোভি** ভারের ारत्रहिन ३६ जन श्रुलिय रेनमा अहेहा धुन्ड ইতে গি । ভরানক আখাত পাইপ্লাছেন। হার জীবন সংশয় ৷ স্থাসাইস সকল সমট্য *श्रु*लाणधातक रहा जा ।

>७ टेकार्ड दुषवाद्र :

কিনিকা সম্পাহক কৰেন বুসরাজ সম্পা-ক্ষ জাগৰ পঞ্জে এক ব্যক্তির নিশা নিখিয়া हित्नन पनिता छुडन क्यांसनाति जाहेन बढ **পুত হইর। জেলে জুবস্থিতি ক্রিতেছেন, আ**-গামি সেদকে ভার্মীর বিচার হইবে। সম্পাদ-करक स्थायता शृद्धके नावधान कतियाकिनाम. তাহার তুর্ব ছি।

বোঘাই সাইডে' রিবিউ সম্পাদক বলেন জেনজিবারে গ্রথমেটের প্রতিনিতি দাস-वावनारद्रत थाजिवक्काजाह्रम कतिहारहम व-नित्रा जातरवता काहात कीवन नात्मत कही ক্ৰিডেছেন, কিন্তু গ্ৰহণ্টেন্ট প্ৰভাৱানকৈ ক হিয়া পাঠাইরাছেন হলি কোন জড়্যাচার হয়, ভাঁহাকে অবিলয়ে রাজ্য পরিভ্যান করিতে হইবে। সুলভান : বসুষ্য ব্যবসায় করিয়া লাভ করিবার কাল ভার নাই।

কিনিকোর অহাসার সাবাদদাতা করেন ত-পান্ন ওলাউঠাব অতিলয় প্রাতৃত্তাব হইগ্রাছে। अञ्चलि धक्षेत्र वह रहेश शिवादक । २ इहीक শালনে শিল এক পড়িয়া ছিল যে ভূমি সেখা ৰাৰ নাই।

উक भण्णाहर एक्शिइन अवानाय अधि वांशिया ६ मी वांशि ख्यानार इहेशाइह ।

উक्त मन्नाष्ट्रक काद्धः वर्षाम धक वाद्धिः ध्यक व्यानित वश्चक द्विष्टन कविष्टा का शिद्य व र्जन कतिया हिन, त्म युव दश्याहि, कि व न:-বালি জুরিয়া ভাহাকে নিমোন বলিয়া দুক্তি भिनाट्म, अकि मजद ?

ভেকান হেরালুভ সম্পাদক কছেন, চিত্র মাধ্যে এক প্রাথে অতি লাগিয়া ৭০০ বাদী দথ स्ट्रेज़ शितारह।

মাজ্ৰাত্ম এথিনিয়ৰ সম্পাদক কৰেন মনী-

शंत शूट गारे, यह उच्छाविकाति नियुक्त ना করেন, তাহার রাজ্য প্রবর্গনেটের হত্তে পতি ত হটবে। সে সিম্বান্ত স্থিত আছে।

বোঘাই সাটতে রিনিউ সম্পাদক বলেন **এएएटनव लाटकवा विविधानित्वव ज्या**ग्यन त्मिय कविया अर्थरयरिके अधीरम कर्या हा हो। না করিয়া আপন আপন চেষ্টার অর্থ উপা-र्क्टन कढ़न। वानिका ७ अन्याना अस्तर ষ্টিপায় আছে। সংগ্রামর্শ স**ল্ভেহ** নাই।

হরকরা সম্পাদক অবগত হৃষয়াছেন জুন मारमञ्जलक (अवेन अर्थ कालिश इ वर्षा छ-লিবে এবং ডিসেম্বরে দিট্টা পর্যান্ত বাইবে।

बाकांनि भद्ध मण्डाप्तक कर्द्य वावु तथा প্রদাদ রার উচ্চতর আদালতের এক স্বন ক্ষম মইবেন এবং বাবু শস্তুনাথ গণ্ডিত তাঁ: হার কর্ম প্রোপ্ত কট্রেন :

ইরকরা সম্পাদক বলেন সাভিনান সাহেব শাসিক হ৺৽ টাক! বেডনে অভিটর জেনরে (लब्र कर्ष अक्षि स्ट्रेब्रास्क।

বাজানি পত্র সম্পাদক শুনিয়াছেন সদ-রের সজের) মৃক্ষেক্তের বেস্তম রন্ধির জনা भवर्षया लिथिबारहन : पाछि छैडिछ कर्ष रहेग्र.८इ ।

वांतू त्रवा शशांक तारवृत्र अधिनाय भक्त भोड़ा इंडेवार**ए । जा**जिन उन्ह क्डेरड भा-द्भिन नाहे :

जानिक रहेल कुनिकालानिकानी औयुक अशब्द्ध क्रिकार्टिया व्यक्तीमभवर्द्द्रमभीय अक **जि श्रुष्ट व्यर्गश्रद्धत शृक्ष भवशास्त्र व्यर्गामस्त्र** ব্যমন করিয়াছিল। ঐ বালক সহরণ জানিত ना, श्वान क्रिट्ड शिवा शूक्तिनीटि सनम्म । मध्यर क्ल क्षेट्र मूक क्रेगाछ । চইয়া প্রাণড্যাগ করিয়াছে।

১৭ট বৈজ্ঞান্ত রহস্পত্তিবার।

हे दिन्दीन जन्भावक खनिवारहर, वारा-कशुरत्ते त्मना भटनत • शिक्ति ममक शिकियोत সাজা হট্যাছে। আমগানের যুক্তে বাইবরি धना ५ म १

तिजी आ अहे मन्त्राष्ट्रक **करश्य कामारमञ्** গভাগিকা আবশ্যক বিশাসকরিরাও দেশী-রদিনের হড়ে ধনাগার ও আন্ত শল্প প্রভৃতি প্রামার ক্রতিশয় পীড়া মইরাছে, জা- । রাখা টাইত নহে, ১৮৫৭-৫৮ ক্ষমের কণা

जयन त्रक् विच्युष्ठ क्या नाहे, चला ना नहेंचा दकाकी गन्न क्या पुरिक्रमिक नर्रेक अवर (म-শীর সনাচার পত্তের প্রতি **দৃষ্টি রাশা কর**ন।। **এই गकल मश्राभुक्त स्वाह विद्धांत्र पहाडे**बात्र

আউত গেজেট সম্পাদক কলেন ভথায় >8 जित्तव न था ५8 जै व्यक्ति बाहा स्टेग्राटक ' চাক। বিশিসের এক জন পত্র প্রেরক করে। ন, তপায় এব **জন কান্যেলর এই বলি**রা রি लोडि वद्धि। एउन व्यक्त मध्य विविध अहेगाञ्च डोका कारांत्र श्रेत नहार अधिक ब्रहेख को

(अभरहित शाहे न विमन्त कथिकांत कारक ।

दालांनि "शाम करहर विष्णात यह केत তি হইতেছে ড এই মধুৰা হতার মুজন মু তম উপায় চন্তাৰিত হ**ইতেছে। কেহৰা বন্ত**-কের ওলি স্থিক দুর বাইবাব উপায় করি তেছেন, কেই কামান ছারা বহু সংখ্য লোক মারিয়ার চেঠা কলিডেছেন, কেল বার্ম মারা अकदादा मध्य भाग क्रम क्रियाव इन्ही शाहेर इड्स. ख खेलारम इंडेन, श्रीव माम र्हेटलहे २६ज, अर्थ भाष्य बहेटल भूमद्राय ণ ওয়া যায় কিন্তু মনুষ্টের জীবন সেবপ बद्ध। डिक ल्यानिक अवकाम शानिवम नह ভার বিকল নথে।

३५३ **रेषाचे खळ**नात '

স্মাচার চিন্দুপ্রামী সম্পাদক করাচিব এক পত্রে দর্শন করিয়াছেন বে এক জন দিপাহি অংশন সহধন্দিনী ও ঐ জীর সংলাদরাকে হত। করিয়াকে। ভাষাকে ধৃত করা হটবাছিল, কিন্তু ভর্বারি দারা নে আংন জীবন শেষ করিয়া

সমাচার পত্রে ছোট আলালতের মোক क्रभाद ब्रष्टा स्त्र निश्चिक एवं विषयः व्यक्तिक অসংখান প্রকাশ করিতেছেন। ত্রী লোকের নামের ১. লক্ষা এও.জ লিখিত হটলে ভতা भित्रातक काभी हा बाचा जात करें व के कि কিনিক সম্পাদক আপন রিপোটারে উব অ'দ'লতে য'ইতে বিষেধ করিয়াছেন। বাল কেরা কুক্তম করিলা ধরা পঢ়িবার ও র বেম-চন্দু দিত করিয়া খাকে, এ উপায়টি সে बाध कर्ष 🕠

रहकत्ती मन्त्रामान पामान, गर मक्षिके कः विकेश महर्वत कवितेश विभाग । लाक विशिश मण, के श्राहणह सान वांचक छा. शत मध् स्टेन ना

इंश्लिमबीन मन्नाप्तक भित्रिया व्हेरेख नर-र प्र भारेकारकम, वेश्नरश्चमद्वीत स्मार्क भूज जां छ करहे जीवन त्रका कतिहास्त्र । जिनि वक प्रम ज्यांतरवत् १८७ भ जिल बहेशांहिरम्ब. ণলে অধিক লোক ছিল না। আর্বের। ভারা हिश्तित प्रवा नामधी युठे कहिबाब छेशकम क्त्रिम अक गाँकि करिन हेश्नास्थातीत ब्लाई পত্র তাহাদের স্বভিব্যাহায়ে আছেন, ইহা ८ १ - कब्रिमा प्यांत्र (बद्धा श्रामायन कित्रा ।

रक्टमभीय लाटक्टिमक शवर्षय चना माछ শ রেলওরের শিরালির পুল দেখিতে গিরা-১লেন আহো অনেক ভার লোক ভারার দলে ছিলেন :

ক্রিনামপুরে একটি মহুষা হত্যা হইরাছে। ঐ ব্যক্তি গমতার কর্ম করিও, প্রভাছ টাকা শুটুরা বাইড, কিছু হত্যার দিন ভাহার নিক-< हे हेक्न **हिन मा। ह्या भारत होका आए**ड भरन क्रियारे छाशास्क वध क्रियारह। अधन . यक्ष श्रीतिम च्याद्य. त्यह काहारक हन्छ। ফ্রিবে মনে শ্রিলে হস্ত্যাকালে ভাষাত্র নিবা ३१ महोबना महि।

১৯এ टेक्स्ट्रेड मनिवाद्य ।

क्रम्या मन्मामिक २ ७.० ७८वाल गंगार्ख्य নিঃ লিখিত আমেরিকার সমাদ পাইখাছেন : िन्त्रियर्ग अक्षी युक्त क्रेंब त म्हाबना ্র ছে। করাশি দেশীর বে কার্ব্যকার কচির্মতে ামন করিরাডেন ভাঁছার রাজনীয় ব্যাপার ঘটত কোন উজেশ্য আছে, ভাৰিবরে নানা পন নানা প্রকার অভ্যান করিভেছেন। সে-নাপতি বরগার্ডের জাল চিট্টি ধরা পঞ্চিয়া (क) मारखडेटम्य थान्छ भात नात दिनाव বজেট) পালিমেন্ট সভাৰ অনুবেশ্বিত হট্ গাছে। ১ই থের পালিসের **দখাদ** এই, আদে ্রকায় বে বিবাস উপস্থিত হইয়াহে, প্রাকা ³ हेश्तक केंक्स ब:बा बन **भूकंक काहा**त े वि कतिया प्रियम अवर एकिनार्डक था-

अन्तर्भ शास्त्र भेष १५**ई ता सामाज स्टेटल एतः जातारक** क्षेत्रका आकार क्षिएकंट्र । वालिएक यांक्री कतिशारहरू । द्वार र व द्वारमञ्जू नाक्ष्य भागतिक नामां व व्यापात अधिकाम अभाग कतिबादस्य।

> চীনদেশ হইতে স্বাচার আসিরাত্ত, ইংরাজ ও দরাশি সেবার৷ সরাটের সেনার नरिष्ठ विनिष्ठ इहेन्न। विद्याहीतिर्गत इस **ब्हेटड अक्ट्री नशरू ७ ১७००० छनद** मृत्नाद अन् मान्धी रूस्भेष क्वियाद्वतः

ওরা বে পর্যান্তের ইউরোপীর

नवाडांड ।

अना दम देशमध्य अन्न जिदिनम (दमना) 'আৰম্ভ ছইলাছে।

स्टेड्टनत ७ क्रिकार तालाहा चत्र जानि- नानवी व्यक्ति व्हेटन । র। নাহায্য করিভেছেন, প্রায় ৩৫০০০ লোভ ড-वात्र छेशचिष इदेशांड्राज्य !

সেনাপতি সেক্লিনেব সেনাবা ইয়ৰ্ক সহ-त्त्रव निकेटहे चाटह ।

धवर्षावरकेत पुष काशक देवक नश्दत ध-নেক ভৌগ করিয়াছিল, কিন্তু কোন ভগকার कतिएक शांद्र माहै।

भनाष्ट्रिम भवर्षमध्यमाहित्तव एक्षण्ड segice :

শশ্চিদ ৰঙে সেল'ণতি বরপার্ড এখন প্রবিত্ত করিছ অধিকার করিয়। আছেন।

भवर्षामध्यामा विषे थव विदश माम-**মণকারিদিগকে আক্রমণ ক**বির'ছে।

क्यानिष्यं उन्नानिश्वेदम्ब प्रुक्त विश्वय कार्याक्ष्रद्वारथ द्विष्ठमर् भगन कदिवारक्त ।

সভাপতি লিক্সন কলখিয়ার দাসদিগকে মুক্ত করিবার পরে আকর করিরাছেন।

সেনাণতি গরওন রোম পরিতাপ করিয়া अविकास कराति स्मान शाकानमा कहिरवन । स्वभूषि कारककेत वहेरवन। विव व्हेब्राटक

विक्रेत्र देशाञ्चबल्यम कांज नगांद्रांदर विन-क्षारत च्यास्त्राच्या वर्षेत्राहरू !

नार्ज शांवर, जिडेक चार नवहरूपहै, चांत्रश ब्रातम, मार्च गांक्षेत्रवित । मार्च विष्य देहे-লির্মকে গার্টার দক্ষান আলভ হটুলে।

स्वेद्वारस्य हिसानारम् मुख्यम् ७०० वर्षाम्

क्ष्मिक् जानिहारस्य अवर असमिति चित्र दिरामन, जात्राम प्रदेशका महिला भाषां ६ वहेवहर ।

नाकानावाद्य प्रश्विविश्वरक जाकावीत् বার জনা চাঁদ। ঘটডেছে। বেলাল কিউলিছ त्वत २ मध्या देउँदर्शीय रेनमासूर्य के क्रिया ८क्षम अष्ठवर्षार्थ पेशक्त मारहरवत्रा विक्**टि**न विका क्रम शाहेरवम :

त्य कांवरन देखेरज्ञानीय ७ अरम्भीय रनमां अ-া কলা করা চইবাছে, সর চারসস উভ সেই কারণ क्यक श्रोडेटनद्वर्रशास्त्र स्त्रिशाद्यम ।

क्रुनित्रोद्ध भवर्गदमन्त्रे क्षूक्षम सूत् अव्यक्षम व्य চেটা ধরেন, তাধা নিক্ষণ ঘইছাছে।

विकारका भवनीयमध्ये कहा विविद्धांत क्रिनेट्स wills weller whitever, when the इडेएड विक्रिकाटक देवना क पूर्विनिक्यांनि

गवर्दमक विज्ञानन।

বাললালেলীয় লেপ্টন্ট গ্ৰৰ্থয়েয়

चारमभाष्ट्रमात्री विरव्राम ।

अव्य त्य-न्वाद् प्रशिक्त साम अन्यन नारमण अ जादेम जञ्जात्म किंद्रकाटनम् समा गारमा ও মনুষ্ম নিংহে আংগনৰ ও জেপুটি ফাজেটৰ

मनीरशत ब्राटनक बांध् बरहणहळा प्राप्त वर्ध-वाथानिए विजीवत्वित अभीन नावित्ते,-ं (हेंद्र क्षमका शांख स्हेटरम ।

२১এ व्य-व्यवीत्रात्र चारमञ्जू ७ व्यापूर्व कारलंडेर बाबू बांद्रकामाथ एक शक्तम ट्लानिक हिरमन, इक्ष्म ध्यानिश्च वर्षेश्वाद्यम ।

নিৰু লিখিত অভিনিধি ভেগুট হাজিভেঁট ও ভেশুটি কালেউরের। ভেশুটি দালিট্টে ও

श्रुविद्वाप्र कान् विकासम्बद्धाः वटन्यानाथान्। क्विक्प्रस्थात् हीनक् ब्रीकिन। রক্তপুরে কে, টেমর সাহত্য :

২১৩---মে জেশ্টমেকী, আন্ন, নিম্মি নাহে व रहात्रे मानश्रुरत महकाती कविमनत्र हरेरवयः। ২২৩---বে নেটিৰ ভাজের সেথ মন ভোটচীয়-मार्च मानिः ३७वे बाद्यम द्याचारत केशक्ति । शूरत्रत वांच्या केव्यामस्त्रत चात्र शास व्हेरदम । २१७-- त्य क्षेरका अधिनिधि मिरिन क

व्यक्तियान कक थ, छे थक बारक्य के कारवरनात গিবিল ও নেলিয়ান জান, হইয়েখা।

चात अम, लाब मारबर्व भूमिश्रात निवित्र ए निवाम क्या प्रेट्स (क्या प्राप्त धना चाका मा एव क्वेटनइ क्षित्रबरहरू अखिनिधि माकित्नमे ।

वर्षमादमञ्जामित्युष्टि ଓ मादमकेत अन, अ-দ্ৰু হণ নাছেৰ প্ৰথম প্ৰেণিয় মাজিকেট ও ক रंगक्षित्र श्रेरद्रम

বিনাকপুরের প্রতিনিধি দালিটোট ও বা-मिक्र व्यवेक, वि, निम्मम मार्टिंग विखित्र व्या-भित्र भाषित्ये हैं व सारशक्ति श्रीहरून

cm, लि. बहेड खन्नार्फ मारहर वारमध्य मा-क्षिरक है,कारकड़ेन के लगरनत अस्कर्त इदेवन किंद्र राष्ट्र किंद्र प्याया प्यायाः मा वह २८ शहरागांव भाकित्य होत्र शकिमिन पाकित्वन

माणिएके ७ एउन्हें कारमकेत इवेटनन किन बा निम क्या काका मा इस शूर्वताय माधि-**८केट्रे ७ कारमकेर**कत अजिनिधि चाँकिरका ।

এইচ, এস, चांतकार्थ मारहर विकीय (खाँग 🥇 ब करिये माकिट्युंगे ७ टक्पूणि कांटमकेत निद्ध उद्यावधान कांट्या निर्मुख कर्ता विटधन स्टेटनम ।

৭ই জাত্মারির বিজ্ঞাপন ভিন্ন সাধাবনকে জ্ঞাড় कुत्रा साहेरफट्ट एन कोजमाति चाहेरमत् ७२२ थात्र। वट्ड डेक्ट चार्टरनद ३৮ चथारवत्र क्रिन-बुदन नमर्गन (योगा मक्स्या नक्टलय २८ श्रेयनन) ध्रमेलि, रक्षमाम पुरुतिशावाश, महीका, शाहेना **ও চাকাতে করিব স্থা**বা বিচার ছউ৫?।

প্রেরিত।

মৰুক সোৰপ্ৰকাশসন্পাদক

मरकामरश्च ।

ज्ञविषद् निरंदनन । महाचय । काथि श्रीदाहि नवा श्रवुक व्यविक इत्रामान खमन कविएक ना तिर्केश ना, च रखर मानम क्षित्राष्ट्र दर नान **फाइस कार के कोटल दर जनम** विवय आंगोन दह क्षान्त विकास त्याय स्ट्रेग्राह, जारा निथियः ছুঃস্তু গ্রীষ্মসময় জড়ি বাহিড করিব। প্রাধান্য প্রযুক্ত প্রবিষ্ঠঃ এড়ুকেশন ডিপার্টগেন্টের বি-্ 'सह लिखिक सहैन।

नकत कारमध्यक्ति भाषा विद्यालय का इ. क्षि मध्य कार्यायम् क्रिये माहे। वर्तमान व्यवद्वात नरम् को कारकक क्षातः स्य वनरभरभय कि श्वास उभक्ति प्रेटिस्ट, उन्न शांत्र मक লে অৰপত আছেন, স্মৃত্তবাং বিশেষ কৰিয়, मिबिनांत आयोक्तम नार्वे, विल्यकः मक्त्यरमद

লোকের সংস্কৃতের এতি ঐক:বিকী আছে। অভএৰ যদি সংক্ষত ও ইংনালি উভয় ভাষা শিক্ষা দেৱয়া হয় ভাষা ছইলেই অভি ভাৰকৰৰ্গ অধিক বতু ক্ৰিয়া বালকদিগকে निबारेनांत्र क्रिये नाम । रक्तान गांविम मांव সংক্ত ইংরাজি বিল্লালয় আছে। ছত গিলেন भवर्गामले अवकीरकक महावा आमान कंद्रन नाः विजीवज्ञा अपूर्णमा जिलाई मानीव जाहेर बक्के व मारहर वय अकी का जेरलाल् याका विश्वया अक वास्त्रित উদ্ভাৰনী मंक्तित उनत बादडीय वक्रम-े प्यार भिष्का कार्याव ভात व्यर्भिक बांका डिविड विद्वान माहे कि इ राबारन केशरवर डेशामना हरू. (क) विश्व नार्ष्य प्रिमाणपूर्व काइँ लें | नग्न। कृतीव्रठः मक्ष्यस्म चौद्यां वालाना भावे শালার সন্ধারণ ভেপটা ইন্সেক্টর আছেন্ তীংদিবের মধ্যে অনেকেই বাঙ্গাল। কিচুই ভাবেন্না। অভএব বাজালা পাঠশায়া। ওলি শ্বতন্ত্র করির। সংক্ত কালেজের ছার্নি-**हिल्ला है। अकल हो व वक्षालय वीजीन** २१४--- व जित्रियंत्र क्षिकांचा (अध्यक्षित्र) भागमाना इहेर्ड छात्र ह व शहित्र। कारमाक আইলে, একৰে ডাৰ্লা-বেৰ চাৰি বৰসৰ যাত্ৰ ছাত্র রক্তি শ ইবাব নিয়ম আছে: কিন্তু ভাগাদি-ণের অন্ততঃ ছর বৎসব ছাত্র রুক্তি পাওচা বি-द्धम । स त्र क्रांत्र वर्शत्वत्र मद्धाः छ'स्क्षिः शहर শিকা পৰীক। দিয়া উঠিতে পাবে ন।। ছাত্ৰ রন্তি শেৰ চইয়া গেলে আৰ বিমেশে থাকিয়া পড়ি-**एड शा**रत मा। डानाता न व यो म लक्ष्ये इतेत्र ৰাকে অৰ্থাং কৃতবিদা না ছইয়া পড়া ছাডিয়। বিতে পারেবা, পভতেও পার না, বাছলা ভয়ে আর লিখিতে পারিলান না।

अवन्त्रं जिन्ह

মান্যব্য প্রীযুক্ত সোমপ্রকালসম্পা-দক মহাশন্ন সমীপেরু।

क्षित्रज्ञ निरंत्रप्रमध् ।

কথাৰ মাৰ জাতীত দুইল, ধালিবছর প্রভৃতি ানে চৌকলাবিটাকে সংগ্ৰীত কইডেছে,ইছা निकीठित व्येगात मनत माजित्यु है मार्थ्य उक्ष शास्त्र अथक नाजिन्दक **छै क है। अ निर्दार्श दे** खाव एमन । जाबीएड निक्कांत्रकशन काबीर (शका-্ষিতগণ) এনল করিয়া টাক্লে নির্কাবন করিয়া-

इन व छार्। न नाने धामान । है, ५ इस्त घटन-ৰ আগীয় বাজি ও অঞ্জীয় বাব। অন্তরোধিত शांक (प्रक्रिक पहेंदल क क्यांडे माडे) ध्वधान इ-ইলেও তাঁহা দর ট্যাল্ল এড অল্ল পরিমাণে নি স্থারিত করিয়াছেন যে ভাছা বলা যায় স 🛊 এমন कि /- এक जाना मानिक है। जा जानरकव सिका-বিত হইয়াছে। আর বাগারা অম,প ও অনাঞ্জিত (७) हाता यक्ति शका दिवस्ताव आधीत मा स्त्र) ত'হাদিগকে পঞ্চাইতদের ধনী আগ্রীয় অপেকা । দ্বিগুৰ ও চত্তৰ্যপ্তৰ টাগালু লিজে ছইডেছে। সা-धाइन विकाशनय सं क्षियमन्त्रित श्राप्त श थारन उभागनांक स्त्र रम चारमत है। ज महेवांव नियम नारे किन कामारमत स्टब्स् है। म निर्देश-तकशन छोड़ांद्र अञ्चर ही कांद्री करतन मा। मना श्रीन क[ब्रुरान द्वारनत है। इस करहरू नाहे कहा-ভक्ताति ब्रह्मा विश्वंत कविवाद चार्रित है। क्र **८४थ।टन मार्च निवरमा मिनकानर ऋष्टि ११**४ इष्ट, " १९४०; डेस्टर्सन " **(स**हरतन र: (१) है १९४३ बाक्रममास्त्र है। क्रु अधिक श्रविमाद निर्द्धाः বিত কৰিয়াছেল। কি পাৰিত,প' দলাদ্বলি ছোঁ। रहेद ७ १६व डार्यन अधनक रिलक्ष आहर्जन आहर । मण्डोपक भडीगर ' बईक्रेश माहि अन्।वर वाक्तिःसत् गःचा। ह्व क्वेटल । भरणत् गर्थके रू शक्रां(तत्र मञ्जूबनः।

५० देखाके ५२ ७७ क्या हर को लगहर महिला

মানাবর জাযুক্ত লোমপ্রকাশসক্ষা: मक महान्दिश्य ।

महालड ' यापक्षिरशव स्मृत्यव धन छ। क क-দিপের যথ্যেকে কেমন গণ্য কে কেমল দেশছি-देख्यी जाणा जीणामिर । व कार्यात म्रोता श्रामा পাইয়া থাকে:ভাক্তাড়া নি বাদী জীবু ক্ত বাৰু বজে-चव जिर्द्रि कशक्षी सहद शार्था यांत्रता हमर-कुठ बरेग्नाहि। विमानित्र कार्यनः श्रुकान्तरहत्र थमा क्षेत्र २ द्वेष् हें।शं दिशः वादकत किन्नु छन्-वाहर बहेबा कथन काराटक किंदू किएड (बयाया इ मी, नेख बदनत राख्यंत रातू खेलवाहक हेहैं?, क्रममनवर्षं विषामित्यस् क्रमा १६ है। छ। छ। हेर्यू -स्मा । खाकारक खामन। खाडिलाम माधि छ महेन्न छी-হার নিকট কৃতজ্ঞত প্রদাশ করিতে এবা ওয়ভ লাৰী ছিলাৰ। সংগ্ৰ ভ গ্ৰীছেন অংকাল বাচ্চাৰ মুই বন্ধতে একতিও ঘটনা উক্ত বাৰুণ্ণ সচিত माणाय कहिए। विशाहिकाम । वेर्गण्य (सेन्स क्वेटड गामिया छ।मनाभ स्व ७४। व्हेटड छ। क्रांक्। भरीष ७ ८काम श्रक्तांगा गर्व केन्द्र वातु কিপেন বারে নিন্দিও **ক্ষর**াছে। পরে মাধ

· रा स्थारका का एक केवर मर अधि अवक्रि लेकियाँ ্জিত হউজেছে, ভাষাতে ও াণ শত টাক ভাগ- লের ছরবস্থা ছবীকুত দউতে পারে। · भे तक आरम्य निकंध वर्षी क्**डे**ग्रा श्रंक्षिक म भाष्टे छैदकुष खबर अणि बदमत निश्च विक 🗸 व मर्ग्यान कड़ी श्रेष्ठा थाएक। बर्ग्य विश्वत · गिव मश्रुटचं अक्षेत्र हैश्हास्ति विकाशक साटक 🚅 ্রাহার বার নির্মাপের্যে তীহার। ৬০ টাক। · कि काम अब्रियः बादकम धानः अवर्गटम्के छ-श्राप्त के श्रीविभारण जा कांचा शांख्या क्या, व्यक्ताना धना विकारिकिरणेत्र मान्त्र यरळ्यात वायू सक् या-थत आष्ट्रका करत के ल मः शासिता चार न-गाम पंदानाका स विका वासकमिटशत धर्मा उनामन নহা থাকেন, উমিতে পাই ভাষাতে জুলের - ७ ते शेट्र **अफिन्या क्या व दे**शाधिकान, व्यव-ं हरू हैं हैं हैं हैं हैं दिवस, विमानिया पर्या खेलावन ! - 'न्ए' (प्रपृत्ति नाजू नरभंद्र मर्था कथनर ध्रमन ্ন যায় লে কের উপার্মাভ জনিয়া পাছেন, কে-🕐 পিদ্যাসাপৰ প্ৰচলিত বিধবাৰিবাৰেৰ প্ৰতি নংখ্য থাকাতে ভাঁহ'ব প্ৰতিষ্ঠিত বালিক।বি u 'अप अवदा आक्रम विज्ञालय केठाहिया पिराव हरी भागा गरकामन बाजूब विमानियात अक्री ন্যংখ, গা পথিত ব্রাহ্মধর্মে ঐকান্তিক ভক্তি বা-क रह बालांभवीच (कश्चित्र) विद्याद्यम । जन्मारज প্ৰামত প্ৰায় ভাৰেৎ ব্ৰাক্ষণে ভাঁহাকে একখবিয়। कविश्व (हर्के) क्रिया हिटलन, निक्क छेक बन्त् प्रकारक अवज्ञिष्ठ करिया कहिलान, आशानाहा भ ६ इ बद्दामबूदक अक्षद्व करादक आमिनिश ४३ এक्वरत कत्र। श्रृहेटलट्ड खुळनार खोद। ६-०८७ डें। इ:दा कांचु व्हेटलन । बदालय कलादवव ক ৰোভিনী শক্তি[।] কলার পাইলে কাছারও জাতি বিচার থাকে মা। যজেইর বাবুর বড়ে करी वालिका विद्यालय स्थापित स्टेग्नास् छा-१८७ ७० টি **ভদ্রলোকের কর্মা অ**পায়ন করিয়া ४।१क এवर डेक्क बाबू आयर छ।इ।विश्वय मिक्का भित्र अप्टकन : विश्ववादिवाद**व छोष्ट**ां विटनव অসুনাগ দুক চইল এবং প্রামে কেং লীজ বিধব। प्रिक्ति करवन श्राक्त **अकास देखाः उपस्पानी** নত্ৰ ৰংগ্ৰোনাল্তি আছা, যে ছেছু ডিনি টাৰ কাছাকে পৌশুলিক ধৰ্মে দীক্ষিত ⁵⁸रेड स्थानाहै। आश्च बक्ती काक्षत थ हि-কিংগলেয় অভিচা করিবার চে**উার আ**-विवश्र कक किमि मनुष्य निरम्प स्थित। बादकः, धनर काखिनात्र मिखनात्री। जाखात्रिदगत ^{পরি} উন্নতিশয় সম্ভাক এবং গ্রামের সকলেই জন্ম করে কি ডাখার নিনিজে নীলামে ভাকে, र शत थना क्रकोर्डन करिया बाटकम । बक्रमारणक करन रम मुक्रे वरमाहम क्रमांक क्रमांक क्रमांक

विश्वानहत्र हरकेलायाया

এবৃত্ত সোমপ্রকাশসম্পাদক महाक्रित्रयुः

भवाममः ! कामना क्रेचर्यन निकार क्राप्तकन्त्र-ণের সভিত আর্থন। স্বরিত্তিতি যে সোনপ্রকাশ मीय जीवी इलेक। दिनाय श्रमाटमय कुलाय चा-नवा अध्यक दक्षन प्रदेश इ मुख्य प्रवेशाहि । आभरा शृद्धि म एउन्ही बाद् व कथा निधिवादिनाय. रिति क्यांनि स्थाय धकाण शाउँ कतिया अकवादत क्रमा विद्यार्थित। अक्टर्ग अजिल्ल सर्वेद পময় জাসিডা চারিটা পর্যান্ত কাছারি করিতে-ছেন, জায় গান্ধি কেল আলিবা মাত্ৰ ভালিবা स्टेट उटह, चयर के हैं करबब साथ चौकार क-विश्व विश्वार्षे कविष्ठांद्रकतः जन्माहक वश्वानाः বিতপ্তী বাবু এইরূপে ক্রম করিয়। অনেক গরু জীর্ণ করিয়াছেন, আলা। উঠটা কোন রূপেই এই পাবনার অধীনত ছুইজন ভুলাছিকারির कीर्य कविरख शाहितमा ना।यादः इडेक स वाक्रि এক মাস পুংৰ্ফ্র ভেপুটা বাবুর কার্য্য দে বিল विरम्दम शिष्ठोटक, शद्य यनि चरम्या का प्रका ভেপ্তী ৰাব্য এক্ষণকার কার্যা ক্লেখে তাং। হই-ल देशीरंक विभिन्छ शाबित मा। ताथ कति-বে বেন সে ভেপুটা বাসুই নয়, আন এক বাজি व्यानिग्राटकः। याव। वक्के कामता क्रिम्म मारब-দের বিচার দেখিয়া অবাক হইয়াছি। তিনি নি-विश्वास्त्र य अवाह एक्प्री महिल्लु हो स्थ बाध मार्क्यन। कवा भाग. जिलि त्यन छविया उ मान्धाम धम । এই अकदान गामिश मग्न, त्य वाक्कि दक्षिय इहेश्र, श्रीना श्रीनः अ'देन निर्वेश्व कार्या कतिएउट्डन, यमि आहेन छालकाल ना कारमम, जिमि होकिमि कविट अधियादिन (क्न ? [विष्णवंडः मध विधिक आहेत अहेक्श कार्या कतिरम अञ्चलत मेल इहेर'व विश्वान चाट्ट। कागरा अविकत से लाइनी उद्घर क विश्व शिक्षांन ।

১৬৯ **भा**त । वाककीय क.र्व/कातक ८४ दन्ति ৰাজ্ঞি ব্যক্ষকীয় কাৰ্য্যক: শক্ত হত্ত কোন বি-भाग मण्यक्ति कार कड़िएक कि में. **उनिमास मी**-লালে ভাকিতে ভাইন মতে নিষিদ্ধ হয়, সে বলি ज्याननाव कि जातात नारम क्या जाताबरम्ब महत्यांत्य कि सार्य कवित्र। **(महेन्नण मन्म**क्षि -'ব্ধ ধনাতঃ লোকের। বজেকর নার্ম ন্যায় পর্বান্ত বিদা পরিতানে করের ছইবে ক্রিব্যুক্তা- কাকে বেদন ছেবি ভাগা লাগনাকে লানাইতে

गन्मकि यभि अस कविमः बादक कटन के मेक्सैंक म्स वर्षेत्व के छ ।

ا (أجالية

মানাবর শ্রীযুক্ত সোমগ্রকাশসন্পাদ্ধ महानत नवीटभद्र ।

সম্পাদক সভাগত! সোমগ্রকাল প্রাক্রিয়া थानि कामास्त्र वर्षे आक्षांव मामग्री, खुक्रबार **जनगर्स्ड अन्यरक्षणीय ल्यारक्त्र अवर जिन्न स्वयन्त्र** र्याष्ट्रात्रा अध्यक्त यात्र कतिरखाद्यम, कावाद्यम व्यविद्यवनात्र काद्य व्यवाभी त्रकत व्यक्तिक बहै-त्म कारम अवगारे छारात किह ना किह ली-थिए हरेर एउना कतिया निमुद्ध क्थकि निय-যের সার্মান গ্রহণ করিয়া আপনার কাছে পা-চাইতেছি, দে। মহাকাশে স্থান দিয়া বাধিত स-विट्यम ।

অতি অলু দিবস অভীত অইল আসাহেব शतन्त्रत समक्त सहैतः जानकि जनकि दम। के शक्तवरहत मरथा चरशकाकृष चक्रभार खर्ण माथा अभाअनी गांख जानगत इर यात्र जारिया मक्यम छहात्रस्य सना स्वीनिदनत প্রার্থনা ভরেন, তাঁথার সেই প্রার্থনামুলারে खेशविष् विवादास्त्रः। विद्यवस्या स्वित्रः। (शूर्क যাহাতে অন্তৰ্কোচগ্ৰাদী বুলিয়া কাৰিছেন अञ्चल अक्षा (वक्षाकृष मन्त्रीत स्थिनिगरक मक्याम गार्थेदेश समा जिनि वानियासके धनक्रम कुछ डीकांच लिक्टन लाहक, महिरमध्य তিনি এতিবাদির পক্ষেত্রৰ প্রভাষা উড়াইর। প্রধান করিরাছেন। এখন মুর্কালপরকর ভাগো त्व कि च है, जार। बिलट्ड भारत मा।

কিছু দিন হইল কোন এক কৌজয়ারি বোক-क्यात माका विवास क्या छैछिन् विवासी क्रीयुक्त राष्ट्र विकास भाषिक क्रीधुनी मनामन, क्ष भारतम् इष्ट्रभूषि माजिदे हैं जैवुक्तराम् पूर्व চন্দ্ৰ মুৰোপাধ্যায় মধাশবের স্বাহারিতে উপ-বিত হইলে ভিনি বিদাপবাধে চৌধুরী মহা-भव्रःक शांकि दशम । मन्त्राक्षक प्रशांबद्ध ! मान राष्ट ধন, ভাষাত্র কিছুকাল প্রেই চৌধুরী বহাণত छब् श्राष्ट्र विध्नम 'कहिन्ना महत्व कामावेदर. এখানকার নাজিক্টেটের এতি ভারার 🤏 ভাগেতা জানিবার আ দল হইরাছে। ভনি-লাম বোলালিয়ার কমিস্বর সাহের নাকি जन्द कवित्रा के विवरत्त्र नामा विद्याद कतिर्यमः

गण गतिया अन्याधिक सश्चाता वाक्षानित प्राप हेशीय नार्वे, मस्टब्रक्ष गानि, मस्यद्भाख जानि, विरवनमा दिल चरमणीय विनादक बहेरल वृश्वि थील बाब्या वैद्या नावेदन । किस छ। काबान व्यथन क्षितिकहि, द्रवणम मा, द्रवणम वि, छात्र নাড়া ভার মাজিনীটি।

वि वहातिम वे इहेम (७१। है मत्ला-ক্ৰীৰ কোৰামিশ লাছেৰ খুনজানাকুলে উপা্ৰত रवेता जवका अवम (अगीत कशक्कन स्वाहक मशोहक छत्रन स्वा विकासन गणान क वन्ना जिल ब्रोट्डन। बहैक हारे कितिब्रीत राक्षा कि ना। ভালিলাম ঐ স্কুলে এরণ সামাশালি ছার আন CE. कीशांत्री मां कि धानक्रश अन्य कविटल পাঁচ একাৰে ভালাৰ উত্তৰ দিল্ল প্ৰশ্নকলকৈ धारीक कटत ।

जन्मानक महानव । अ आरम्हानव नीमक व क्रियान । जाम क्रांस करिएल दर्शित हरेंव । ब्बर्स थकरन वन जानि कतिया हत्त अभारत्व লক্ষ্মাশ ক্ষিত্তে আষম্ভ করিয়াছেন। ভাষ मध्या ज्ञानात ज्ञाहनम्ब इक्षामा एउट अदमकदक ক্উ ভোগ করিতে হইতেছে: কনৈক প্রজা ঐ नकत्र त्मारम द्वार्गिक बहेश (य धक्यी गीट शहुक করিরাছে, ভালা ভতুন।

আৰি আছিগো ভাবিণী কণী তৰ পায়:

देवरण दर्भाषा स्था कृष्टेन शकाव जीवनः मदह मय, यांत्र की वम, यात्रा बार्यक कानि छात्र उ. ब्बर्ध मा त्या चूहरकरक, कि प्रश्चाद कारह ट्यांत्र शक्तांशन । या हिन नीरमण्ड नव निरम्रहरू. **क्विम नेतान भाग धारण्य तरहरह.** व्यव दिरम नीर्ग (मण वरम्रहरू, त्यांकांमरम महा रश् प्रहित्त्. बार्णा दबाबा याव वन याव. किएन शाहेर निकात, **छेश्रीय म**िद्धार्थ ऋद छूनग्रम ॥ নিভিত্তে নিভিত্তে বিস্তে! হ' অ - প. क्षित्य क्य खांव शत्य कित्या खुँकारम जल, वल किएम यहा शाय क्रम मि. भाग ऋष टेश्टल योग गरानी ও या क्यारिय कार्याभा सात. क्यारम स्व विव भाग, जोकि काल कोबादसम अपन र किह क्रिम-कांग्र ज़ित्य द्वावन . बद्धाक्ति चात्राद्यव चूठावेटन या उन्। कथन बारतक किरव खुरांख नाः ख्रिक चन्र (कम हो व ना क्षिरंग का भा देमनाम करण. छोदारम कुमहत्रकृत्न, अपन अकुरण देश (अ) मधन **!**

विस्मृती विभिन्ध कि की बड स्टाउत क ८४ छू देखिल साम्र कव का कि श्रविक त. क दक्षां आष्ठीत वृक्षा देवटला अवि. এই কি উচিড ওচে, মা ভোমাব, जर्दना विद्वाली मा बदल यकि। जारत कि वर्जरन रिधि। क्षान् विधि सिट्थर्ड् व द्विस्त । डाविध २ ७.६ देवमाच ५२ ५२ म म

প্রযুক্ত সেম প্রকাল সম্পাদক महानंदत्रव् ।

विषयुष्ट्रांकः निर्धमनिष्यः। भाष २वा देवनाटस्ट दम्यासकारम् " काम। লতে সকল মকল্মাৰ স্থিচাক কেন ধ্যু না ২ " वहे शक्षी सविद्या किंद्र मिथिएएडि. अस्थार পূৰ্ব্যক পত্ৰখান সংশোধন কৰিয়া, সে মপ্ৰকাণে

হান্ডার মুক্ষেড়ীজাদালভটা জীযুক্ত বার্ নীলমণি নিত্ৰ মহাপ্তেৰ সময়াৰ্থি ভাৰণ সুক্তি थात्रन कविष्टारक् । डिनि निरम वड्ड माञ्चन १र्वाय হয় কেবল অঞ্গতদিখেব হিভাপট ভাঁহাব माकती कथा। जीवाव अवदय अदब्खामात शिष्ठा-बाध रक्षर अक्षिणका दिला।

अमलुद्ध अधानित्य कमा श्रीतृष्ट गांचू नार्धः-ত্তৰ সলিক মহালয় তৎপালে প্ৰতিনিধি পাকিব দ সন্ধিচাৰ ভাষা যশ বিস্তায় করিয়া ছিলেন।

এক্ষণে জীবুক্ত বাবু ধেমচন্ত ৰন্দ্যোপাধ্যায় সহাশর মুখ্যেকী জ সন জখিকার করিয়াছেন। हेनि डेकडेशाधि शांध सूनिक्टि लाफ, हैर्नेद দারা সন্মিচার লাভের প্রভ্যাশা করিয়াছিলাস किन्न पूर्णीया वयदः वे इ.व. क्यकी कार्या हिन जास प्राचिक परेशहि।

আমলাদের উপবিলাভের কথ। আগনকা-ब शारेकवरर्शव खाविष्ठिक माहे, क्षित्र ब खामान-তে অভিশয় বাড়াবাড়ী ছইয়া উঠিয়াছে।

शरकाय कारकी माथिता १० कार्या शरकाय এজেহারে দুং আনা এডোক সাক্ষীর ১ ,ভিরী সে পাইতে 🖋 আনা প্রজ্যেক সমনজারী করাইতে া০ আমা এবং প্রভোক সাক্ষীর ক্ষোধানবর্ণীতে वान। विभारत, आममा तातुता वेसग्र शास्त्र वह निक्र इंदेरक लहिया श्रीरक्त । अमन कि छेवां को बादामत साता शाक्ष्म। प्रदेश शिक्षकां छ । है-হাব উপন্ন যে পক্ষ যক্ত অধিক দেৱ ভাহাব কাজ उक्त कवित्रा भारकत।

मह | भग्र । ३० हे देशांत अवकी सक्तमांत जान লাকেঃ৫ টাকা খুস দিতে হয় একবছায় ভৱ জে। মের কি আলাজতে আন। উচিত ? বিচার পতি-

भित्र महावाशाकी बिह्मांब के कामकाव कामल करे-न्त्रं क्षांत्रं क दिन्।

ampata आहालड क्वम कत्रवर्शन शहरू লাত সংক্ষী এবং অশিকিন্ত ও অসক্ষরিত্র মাম কাৰ আন্ধৰ্যাল মইয়াছে। গৰাবেটি আরি ক ইচিন ্ৰিদ্যে উদাসীন গ,কিৰেন 🖟 আছাঅতের 🕶 না ত ৭% আৰু কভৰিন ধাকিবেকা বিচাৰণাল-য'ৰ আবি কত কাজট ৰ৷ যমালয় জ্ঞান কৰিছে ₹ **\$** '.4 '

বিনয়পুরিক ভানাইতেছি গ্রাথনট নিয় लिबिक हुने दियस्य भवित्यव मस्मास्यांण क

) म! विश्वादशक्षित्व स्थमन साहित्मन श्वीका मुक्त्र, स्त्र, क्षिमीत वाक्षाक इ ଓ हरि হেত পৰীক্ষা । ওয়াৰ গ্লীভিপ্ৰৰৰ্শ্বিত কৰা উলিও। त्य (त्याप धिनि वित्यय धीरित सांस्त न। जांतर १ পাবিধেন,ি ন করাপি বিচারণতি শক্তের বাট। म। ५७ । अधिक क्षित्री अधिक। अधिकात ए सहस-কেব চৰিত্ৰ নৰ এটাছে, ইংৰাৰ ভূত্ত দুউল্ভ দে बाइएड भारा गांग।

২য়া আদিলেতের গ্রেম্মানিপের প্রী-ক্ষা লাইবার রাতি প্রচ লত ছইয়। স্থানিকি ১ ও मछ(त्रज (महिस्स चाधक । बहुत्व मिनूक कहा-ৰ্য় ৷ ইছাচে গ্ৰগ্নেদেটৰ যে গ্ৰভি ছইংৰ গ্ৰহ পুরবেব উপায় বলিতেছি '

बक्दन अभागाउँ इंडोन्स शक्ति वाक অবধ¦ৰৈত অংছে, ভাল বিবেচনামত যাডাইয়. मिरमाई यद्यके श्रीव क्षेत्र । हेकारक मान (वहन-द्र कि दि हे देश में। '

একণে নিচাবপত্তি মহালয়ন্ত্রিক অফু-বোধ কবিতেছি ভাঁচার, বিংৰচন। ক'রণ । দেখুন य किष्मिमिक विर्माखन्य भूटका **अ**टमणीरवतः नि क्षण प्रवरम्भाञ्चल हिल्लम, अधून (व श्रीम . मर्या भाव अत्मान (७ एका याहेटलट्ड, त्म टक्का १ क माहिशत्कः श्रुप्ति इतिहास् मत्या म है। अकल विष्ठांबर्भी विश्व क्षिणुक वात्र बव्हस খোৰ গুঞ্জিৰাৰু কাৰ্শাৰত মিন প্ৰাকৃতি ন্যায় গ্ৰায়ণ বিদারপতিগণেৰ অংগৰ অঞ্কৰণে ^কর্ম শীল চন, থিচাৰ কৰ্ম্বার দোষে যে অনিউ ঘটিতে (ছ, ভाका मिनायन **एके**टन।

সংশ্ৰ'গাছী

बहे शह केलिकोडोन केलिक शृंक मायल: मन ३००० সোমাপুর ভৌলনের দক্ষিণ ছাংগিলোভা এ'বে ^{জি}যুক वातकां नाथ विका पुष्रात्त शतिर्थ अधि त्यांमयांत्र .ब्राट्स क्रामाजिक प्रम



" अवर्षकार अञ्चलित्याम नार्वियः मनुष्ठी अवस्थित्वी म ही महार

8 **काथ**। ७० मरबाह्य

मन १२७५ । २४ देकार्छ । देर १४७२ । ७ जन

या है के पूजा 5 के की विकास

বিজ্ঞাপন। গ্রহ্মকগণের প্রতি।

বৈশাশমাস অভীত হওরতে অনেকের প্রমন্ত নোৰপ্রকাশের মূল্য নির্টিণ্ডিত হইরা ছে। তাহগদিগতে বিনয় পূর্বাক আনান বাই ভেচে বে ভাহারা অপ্তাহ পূর্বাক স্থরার আগামি বর্ষের মূল্য পাঠাইরা দেন। আপা-ভভুঃ সংগত ভাষরেই মূল্য পাঠাইবেন।

বিজ্ঞাপন। বিশ্ববিনোদ শাউক।

শ্ৰীৰত্বাধ নিত্ৰ প্ৰণীত উক্ত নাটক সংস্
ত যত্ত্বে মুক্তিত হইর। বিজ্ঞান্ত প্ৰস্কৃত্ত লাছে
ক্রাহকগণ নিমু গিখিত ঠিকানার তম্ব করিলে
পা উত্তে পাবিবেন । মূল্য । ঠ আন, নাত্র

কলিকাড়া

ঠনঠ নিয়া, ১৭ ৬ নং ভবনে সংখ্ ত পুস্ত কালণে পটলভালা ৮৬ নং ভবনে গুঞ্জ রাম্বর্ণ দিকের পুস্তবালয়, লালগালার ডি বোলারিও এও কোম্পানির লাইরেরি।

वर्षमान ।

রাধানগর এজনভার উপাচার্চ্য ইঃগ্রুপ্রসূর্বানন্দ কবিরুদ্ধ মহান্দেরে নিকট

नामश्रकाण।

२७ व रैकाके स्मानदातः। ४- च्यान'रमत् हो कत्रवान १३ स्थानत

रगकिमान !

অভাচারকারিণিণের পজে কি অল কংণ কালই পড়ির্চে, ভাহাবিণের অ ভাচারকারিতা ও তার্ধপরতা আর গোপন রহিতেতে না। নীলকর ও ভা-করেরা

षांभगाषिभएक व मरानंत्र " क्रीवृक्षिकाती বলিয়া পদ্মিচয় স্থিয়া পাকেন। ভাঁহারা বলেন, ' আমরা বিদ্ব পরিপূর্ব ভূমি পরি ছ্ভ করিয়া ভল্ডো নীল, চা. প্রভৃতি ৰশৰ করিতেছি, আমাদিশের চেঞায় অনেক দ্ৰবা উৎপন্ন হইছেছে, এবং আম द्वां रव जकत खवा विरूपत्म द्वशोभि कदि : তেহি, ভাষ্তে পুৰু খুৰুপ সরকারের অনেক টাকা লাভ হইতেহে। ^চ কিন্তু আ बद्रा कांब्रक्रवर्ट्ब ब्र. विरमयकः कृषक ७ जाम নীবি ব্যক্তিদিগের অনিষ্ঠ বিনা ইউলাভ व्यविष्ठि मा। अवृद्धिकातिमित्भत शरह পৰিত হওয়াতে ভাহাদিগকৈ চিরকাল कडे (कांश्र कदिएक इट्रेड्ड् । जाशानि গের যে কেবল স্বাধীনতা বিস্তুত হইরাছে এবল নছে, ভাছারা শরীর সমর্পণ করি ग्रां अन्त्र भृद्रनभवा श वर्ष लास्य नमर्थ इट्रेंट्ट् ना । नीलथधान धारपानंत थ জাগণের ছুর্জনার বিষয় এপন আব অঞ बाब बाई। हा-खराब धरमरमञ्जूरा क बनः मधगांव स्ट्रेस्टरह ।

আসামের চা-করেরা পূর্বে প্রত্যেক
মজুরকে প্রতি মাসে ২।।০ টাকা করিরা
কেন দিতেন; ক্রমশুঃ বেতন রুদ্ধি হইরা
৪।।০ ছর । একণে পরিকানের বে প্রকার
মূল্য ও গৌবব রাজ হইরাছে, ভাহাতে
৪।।০ টাকা মাসিক বেতন অধিক নয় । এ
বেতনে এখন মন্ত্র পাওয়া মানমা । জম্প
দিন হইলে, আমানের জাতুর্গত দেবরুল
দের একজিবি-উটিব ইজিবিন্ত আভোক

मनुत्रक क्षणार हात्रि भाषा कृतिसः मनुते। দিতে আরম্ভ করিরাহেন 🕽 মুকরাং অত্রতা **डा-क्टब्रह्म जात्र ज्यार्थ वाटब मह्यूब**्रा शहे তেহেন বা, ভাহাতে ভাঁহারা করাবিয়াক हरेत्रा नकीभूटवत्र गरकाती किनियत्र व अत विवादत विकृति **अर् वानता, भा**रव यम अराज ता अक्जिकिकीय देशिनित तात थाकि करे मार्टिन (क्य:) स्त्र स **ठा-कटब्रहा मञ्जूबनिवर्ग्य १ए विकास्य १४७** व मिशा चारकन, डिनिश्व मिहे स्त्रिहारव (ब्रज्ज (क्षेत्र) शांठक्यदर्भन्न पान्न पीनिंदक পারে, এই মেজর বিবার চাক্রমিটম্ফ चन्द्रतार्थ शिक्षां अस्वात्र कृषे चिक्षादे शवर्ग्या निविद्या हिट्टीन, जानांद्यत ता क्ता बन्दी करा मा, छा-करहा बन्द भारेरकरक्त मा, जक्यर जानाहमत स्ता কের প্রান্ধি করে করে করেন্দ্র কর্মতি হইলে তাহাদিককে স্থাকা কর্মী করি **७ इट्रेंट । श्वर्गटमके अरे क्या स**निज्ञा র্ভাহাকে ভর্ম সনা করিয়াছিলেন। 👢

स्थान विवान छा-कन्नित्तात क्यूदार्गं त्य अवान न्यक्षाक्तमं मिथिनात्स्य, मज्ज न विरागन (रक्ष्य मा क्याव्यल म्यक्ष्यांत १५ व्यक्ष्य क्षिण्यक (छा-कन्निमारक ।।) कृति दक्ष कृतित्व इत । ,, क्षाणात्मन क्षिण्यक व्यक्ष्य कृतित्व इत्र । ,, क्षाणात्मन क्षिण्यक व्यक्ष्य कृति स्था कृति स्था कृति स्था कृति वाल क्ष्य क्ष्य कृतिवान कृतिवान क्ष्य कृतिवान कृतिवान क्ष्य कृतिवान क्ष्य कृतिवान क्ष्य कृतिवान क्ष्य कृतिवान कृतिवान कृतिवान क्ष्य कृतिवान कृतिवान कृतिवान क्ष्य क्ष्य कृतिवान कृतिवान कृतिवान क्ष्य कृतिवान कृतिवा

>- डीका (वस्त्र सिट्स ख स्राह्म हैं ্ট্রের। তিনি বলেন 'আখারের্ড্রের

में भी भूरत २३ नक छ। कात्र हा कविर्दे क्षित्र दीरकात प्रशा चक्रत वारह । सुन ৪০০০ লোক কৰ্মৰ ব্লে, তাহা হইলে প্ৰত্যেক मजूत ७०० होकांत्र हा छेरशामन कतिएकः विशेष्टत्रत क्षत्ररूप निर्वित्राहरून, हा कर

অনারাদে শতকর ২• টাকা ব্যর্করা যায়; এবং মজ্রেরাও मारम > जोका कतिता भारेरक भारत । ग বৃদ্ধ্যে ধৰি > ট্টাকা দেওয়া যায়, তবে প্রবৃদ্ধিকারীয়া সম্মুদ্দিশের অভিব্যক্তিকে ্র্রতিবিন চারি আনা কয়িয়া বিতে কাতর

মেজর হৃপকিন্তার আপনার প্রশংসনীর পত্তের এক স্থানে লিখিরাছেন " চা.করেরা বলেন, ভাঁহারা দেশের জীর্জি করিছে एव । और्चि काः।एक वटन । वस्त्रतिपूर्व ভূমি পৰিষ্কৃত করিলেই কি দেশের জীহৃদ্ধি হুইন্ত্র ফলি দেশের লোকের অর্থ বৃদ্ধি না হয়, ভাহাহইলে ভূমিপতিত ধা কাই ভোয় :— বাৰ্ডা ভাত্ৰ ইহাকে সৌ खाना **बरमन मा। १ रम** १ रत्र द्र प्रथ करम्क्छे। ব'ক্যে অৰ্থময় অক্ষ্বপঞ্জি ধারা লিখি বার যোগ্য। এতদারা কি স্পর্য করে; भारे कथा कहा इंडेटकटर ना ता लिएनव 🖫 হ জিকারিভারপ কঞ্জ ভার আরত ভ্ৰয়া ভাঁহারা কেবল আপনাদিগের অর্থ स्वि वितिष्टर्म धर्माण। योगना अधिक विकत शारेवात वाथा, क्र'हानिशतक खण्य ्रवस्त किया वनपूर्वक बाहारेश मध्या कि

পত্যাচার নং ে চাকা আক্লাপের কার্ছাড়ে त एक्षाच्याका अक क्षित्र का का विश्वत ज्ञाहारत्व विवयं ह्य निविद्य जानित

क्षिक विद्यान एक को हो। यह को को स्मानित क्रांकिश बादक ७ कार्णे जारहरवन চরিজের বিষয় বেৰপ শুলা বাইভেছে ভাষা युनि ने ने इस कामून ब्लिटिक्स स्थीरन मन् রের প্রতি অভ্যাচার, হওয়া কি অসভাবিত ১ याहा रुकेक, त्लक्षेत्रके भवर्षत्र वीखन गारहव দিগের মজুর সকলকে লোভ এদর্শন করিয়া ছাড়াইয়া লওয়া গ্রণবেক্টের অভি थि**छ मर्टर, किन्हु छ।-क्**त्रणिशत कर्ख्ना যে তাঁহারা মন্ত্রদিগকে যথোচিত বেতন

আমরা ব্রাব্র যে কথা কহিয়া ভাসি ছেছি, গৰ্ণবেণ্টও' সেই কথা বলিলেন; मसूर्विभारक शवा श विका कान मूलधान त अधिकाती ७ अवकीवि छेउरवत्रे छन কারুক। আডাম শিখ কহিয়াছেন, মূলধন সঞ্জি ব্লাধিয়া 'যথোচিত বাগ্ন করাতে তা श्रंत्र शंति एत ना । शति अदयत यूना गर्या চিত ৰূপে নী বিলেই শেবে ক্ষতি গ্ৰস্ত হ इंट्र इस । नीलक्ट्रब्स क्रिकिस अरे निस মের ভাৎপদ্য স্বীকার করিরাছেন। নীল কর্দিগের দৃষ্টান্ত দেখিয়৷ চা-কর্দিগের भिका क्या कर्चवा । अक्टन दारेल अस প্রভূতিতে মঞ্রেরা অনায়াসে প্রভ্যাহ চা রি অথবা ছব্ন আনা উপার্কন করিতেছে। এখন এখন নিৰ্বোধ কে আছে বে অস্প বেতনে অধিক শ্রাস করিয়া চা ক্লেন্তে প্র कांद्र कल कव्यिन्। अक्ष्य क्दिर्द : नीलव्यंशः न अरमा अवक भिरमंत्र महिल हा कि त्तित्र मस्त्रीपरभन्न वह कारण भारह । वी

न व्यवस्था वाल्या नीनकारिका ज ना कृषित क्रिक्टिनियिक्काल जलाहात নত্ করিরাছে, চা কেজের বজুর্ণিগের শভাচনিজ্ঞ করিবার সে কারণ নাই कृत्याकेविका क्षित्र (श्राटचत्र विवत्र धरे ত 🖟 🖟 🖟 জন্ম হণকিতাৰ এই আইন বিধিবন্ধ করা विभार्क रहेनम) व्हेरम् छ।-स्त्रमिरभत चर्चिक्षेतारच्य मृद्धिता नारे। मण्डाता क्की के नहें ना विश्व किया के स्वाधान मह कत्रित्व या 🎉

मार्ड हा कर निगरक भूभवीत गटक क्रिन्नः पिट्छिष्ट्रि, डाँश्ता तम क्थन मील क्रक्रिशत पृथीत्स्त चनूनत्र मा क्रात्र । লাও হোলভার্স সভা ভাঁহাদিগকে জ मनः शृष्यं चानियः एल वल वृद्धि कतिनात চেক্টাথ আছেন। চা-করেরা যেন সাবধান रत, छारानिश्वत क्यातियान ना करतन। ভাঁছারা যদি আর কিছু কাল নীলকরগণে त नाम अञ्चाहारं करतन, जाहा स्टेटल ভাঁচাদিগকে ভারতবর্ষ ত্যাগ করিছে হই

> অত্যত্য কতিপয় ইংরাজ সম্পাদকের অপুরদ্ধিতা 🕠

কাজকর্ম ন৷ থাকিলে সানুষের মন পরানিফটিভায় ও কুকর্মে ধার্মান চয়, **এই यে এकটी क्षांत्रक कथा जा**रह, हेर्। অষ্থার্থ নহে। সাধুগণ ইছার লক্ষ্য इल ना रुडेन, किन्ह हेश्द्र राथाया वस्था পরীক্ষিত হইয়াছে। ইচার প্রতিপোবক আর একটা প্রসিদ্ধ বাক্য আছে। সেটা এই " বলে বলে করি কি, খুড়ার " নামে (भक्षण कि । " कर्च मा थाकित्ल भिकृत्वात অনিষ্টচিত্তাও গহিত বলিয়া বোধ হয় म।। ব্যত্য কতিপর ইংরাজসমাচারপত্র সম্প। मृद्यम् अहे गठि एश्वा याहेरण्डः । यथन ভাঁহাছিলের লিখিবার কোন বিষয় বা बादक, तमरे नमरहरे काँहाता अरक्लीन वि त्मन समिक विकास अव्य इत। सामि कि

मः वास्य मन्योष् । विल्लामा, अद्वानीयस्थ व्यक्तिय व्यक्ति के बालनः हेई।विश्रास কোন গুরুতর রাজকর্ম দেওয়া উচিত নর। অমুক কৰিলেন, এদেশের সোক অভ্যন্ত প্র ভারক, ইহু দিলের হতে বিশাস্থোপা কাম দেওয়া বিধেয় হয় বা ৷ আর এক জন স্বার এক দিক হইতে তারস্বরে বলি ए। छे.ठित्मन, ्रामनी श्रामनात्म पाछ मंद्र त्रवहाद कतिएक मितन वि:मः मय वित्रका 🕶 १ घिटि । चना अम्भाषक मत्म कतित्तम, মকল সক্ষাদকই আপন আপন সূক্ষা वृक्तित भतिष्ठ मिर्डस्म, व्यामात सोनी थाका केहिक इंस्टिट ना। धरे छावि म्रा किनिक आहे विनिधा व्यापमात दुकि ভাণ্ডারের ধাব উ ছা টন করিবা দিলেন থে **এলেভার লোককে আবিক লেখা**গড়। भिश्रास छेडिक सर, छड़ा इडेरल প्रतिशास जाबकर्व देश्वाक कार्टिय क्ल अदिस्छ চইয়া ঘাইবে । আর এক জন বা এই বলি हा काश्वाद बाश्वती अव'न क्रिलन, राश्त्राक माकि अरमामात विरायका, अ मनी বোরা বিলিত; অভএব উল্লফাভির সম্বন্ধে একবিৰ ব্যবস্থা প্ৰশন্তন কবিষা বিজি अत् अञ्चत दक्षिकत्। कामजारमहे विदयन ALE !

এব্ধিধ অসারভাদুনিত বচনোপন্য।স. ইংৰাজ সম্পাদক বিগের অদ্য দার্শভার कल मतमूब बाई। छात्रात्रा मत्न करतम. গ্রবর্ণনেক্টের বড় ভিড করিভেছেন। কিন্ত দ্রাদি, কণ্ডঃভীহারা বুকিতে পারেম মা গে তাঁহাদিদের ভূল্য অহিতকারী আর নাই 1 প্রকার অনুরাগ ও বিরাগের উপরে রাজনীর স্থানিত, ও অস্থায়িতা নির্ভর ক রিতে ে । উক্ত সম্পাদকেরা যে পরামর্শ निक्टर्र, आभामित्रम भदन्द्रमे यनि छ प्रमुख्य व दार, शवर्गस्मरन्त्रेत आकार अनु वाश कीका इर्वात कि महावन। आह -পরাম্বর্শর অরুসরণ মূরে থাকুক, सम्भा भटकता या **উक्ष**न्यकांत्र बाका बात क्रिंतिएठ

ছেন, ক্টাডেও ইংব্লাক কাতির উপরে এ रमणीवं किरमंत्र विदेशन युद्धि अधित छट । য়ে জাভি প্রজার বিবেব' ভাজন হয়, ভাহা त्र तामञ्ज क्यन चारिनी इत्र मा। जन्मानक পণ তোমরা কি প্রান্ধার অনুরাপ লাভ চে ফীকে অকিঞ্ছিৎ কর জ্ঞান করিছেছ - অ ত্রবল বারা ভারতবর্ষ কৈ চির কাল ব্রশে রাখিবে, ভোষরা চি এই ননোরধ করিতে ছ : এ তোমাদিদের তুর্মনোরধ সদেহ নাই ৷ ইতিহাস ইহার বিপরীত কথা কৃষ্টিত ছে। কোন রাজা কখন **এবরিধ** উপার অ वलक्षम कतिया ब्राह्माश्रम भीर्चकाल बहरू রাখিতে সমর্থ হন নাই।

শেছি, ভোমবং ত্বিব চিত্তে একটা বিন্দ্যের িবেচনা কর। কে মরা যে ভারতবর্ধ কে বলে রাখিবার উদ্দেশে এই স্বার্থপ্রতা ও নীচাশয়তা **ঐকাশ করিতেছ,** দে ভারতবর্গ কোনু কাতির পৈতৃক ব,সভূমি - সেই জাতি যদি ভোমাদিগের হস্ত ইইজে ভার **उद्दर्भ तक** लाहेश श्राप्त शालन कवित्र शास्त्र । ভাছাতেই বা ক্ষতি কি ৷ ডোমানিগের অপেকা সেই জাতিব ইছাতে সম্বিক সম্ব আছে। ভোমরা আপনাদিগকে মুক্ত রাখিরা এদেশীর সমাচাত পত্রের লায पर्णनार्व लाक निर्मात श्रेष्ठ व लहे। गर र्देशाह, किन्तु यनि चानुशानन कविश (नश् **्डामाफिरभन्नरे कार्या मर्मामार्थ आरश ला**क নিয়োগ আবশাক। ভোম া যে সহস্ত बाका आहान कर, लाग निरामागि अ व्यक्तिङ कविशा (७.१. कियु अरमीय अस्मा मकपिरशत यह बाउली विद्य होकी शबी बद्ध। अपन्नीय महान ला । अस्मनीवृत्ति গের যে যে অভিক্রায় প্রকটিত হয়, গবর্ণ মেন্ট ঘদি সেই গুলি বিবেচনা করিং। কার্যা করেন, বিচ্চোহ সম্ভাব**না খাতে ধা**। একজনের বাকা বিজেটের উন্ধীপন করি एए. प्राप्त धक करनेत वाका का हो विश्वी न कतिराज्यक, जा के छट प्रत घरधा भवर्र म প্টের ঞক্ত হিতক(রী 🏕 🖂

कैविष्टे किरमह स्थिक विद्वारक भारता, नय जवाक देवकि 🚊 ष एक इस्।

এখন উন্নতির কাল ৷ সমু**দার দেলের** मह्माय विवश्रहे थात अथन छन्छित्रं निहेक ধাৰমান হইয়াতে। **আনাদিলের বেশ**ঞ मिश्यविष्कृष २८६ । किंद्र अटेंग् শের যেকপ উর্লাভ হওর উচিত, সেই रहेरलट्स या। ज्या ज्या दश्रानंत जरन या अ रमरभात अविराम श्रीवृक्ति इहेवान वि निखे कार्य आहर । डिकिंग गुवर्गकारकेर व्यक्षिकारत वामामिटशत वाम। अभवर्गम ्येत जारतिक हेका बहे या जास निरमंत्र यामता ट्यामिशटक यमुत्वाध कति । य य यश्म यमूत्रिक वाटक, काहा पूर्वी ভূত হইয়া সর্বাদীন উন্নতিলাত হর টির ন্তুন কুদংকার প্রাকৃতি উর্ভিন্ন যে সমস্ত চুরতিক্রম প্রতিবন্ধক আছে, ভাহা অপসা রিত করিবার নিমিত্ত বাজন্য বাপে বিখ্যার অ'লোক বিস্তার করিবার যথ্যেটিত চেকা ह**ेट्डिट्ट । उदांशि जात्रता बाङ्किकटन व** क्षिक व्हेर्लिছ, छात्रात्र कार्न कि ?

करें कांबरेनत अनुमक्तांत अवस् रहे १। भटतरक व्यवस्थित कीव्रटनंत्र विदर्भ भ कतित्वन मत्लक मार्ट । किंद जामाविद्यान माठ क्रमीम इक्टिश्न मू निकंग दिनें इंटे थक्ष कात्रन। अरम्हलात्र क्लात्कत्री खाहीन 'बाहात रावश्क्षांचित्र मिछाड अनुत्रक ; वे नकटलत नटनावका निवस्त रेटाँना यात পর নাই কর্ম পাইতেছেন, ভবাপি উহার रमायक रमायकान क्रद्रान मा, এक्था আমর। অখীকার করি না। কিন্তু সুসীদ नकन दिवरयद काक्कि ७ शतिवर्छ इहेना प्रत्मन निर्वाम शिक्षा हिंह कर एक माहे। अस्मरण क्रमीमात्रिक्टशत्र मर्न्दरणामुशा अङ् ভা আছে; দয় লগ লোকেই কাঁফাদিলে, बाया ; योहाता का ग्राटान (क्षेत्रे, के हानिन क्षित्र क्रमीपादना निकटि शक्नपाक्र हिं মা থাকিতে হল , **জনীশারদিনের বা**জ্য

লক্ষাকরা আত্যত্তিক সাব্দের ক্রম।কলভঃ তাঁহারা যদি কোন বিষয়ের পরিবর্তে ক্লত मुक्रान ও অধ্যবসারবান হল, তাঁহাদিলের চেন্টা কথন বিকল্ হয় না + আনাদিখের দেশের আচার ব্যবহারাদির কথন কোন পরিবর্ত হর নাই এক্স নহৈ। পুর্বে নযুত্ত গৰনাদির প্রতিবেধ ছিল না, প্রবলব্যক্তিরা জঁকৰাক্য হই বা তাঁহার নিৰেধ করিয়াছেন । প্রাচীন কালের জালগাদি বর্ণের যে আ চার ব্যবহার ছিল্ল এখন ভাগার বহু পরি वर्क एरेबाटह। जिल्लामीकन जायान ७ रे দানীস্থন ব্রাহ্মণ উভয়কে একত্র করিবার যদি কোন উপায় থাকিত, তাহা হইলে উ ভন্তক এক বৰ্ণ বলিয়া কোন ক্ৰমেই চিনা यादेख मा । जन्मकात उप्तापिता मीर्यटकम ও শাক্ত নথাদি ধার্ণ করিতেন, এখনকা র ব্রাক্ষণেরা লুঞ্চিতকেশ ও ওঠের উপ ति उ रश भास्मधाती मृखे इत। उपानी इ ন জান্দ্রবৈদ্যা সারং প্রোভঃ ও মধ্যাত্র এই ত্রিকালে ত্রিসন্ধ্যা, নিত্য হোম ও দেবারা ননা করিছেন, ইদানীন্তন ব্রাহ্মণদিগের ८शमाणि विवरम कलाक्षाल मान ७ ब्राकावा थना गांत श्रेतारह। चुट्यताहे जमानी दन ত্রাক্ষণদিগের শুশ্রধা করিতেন, ইদানীস্ত ন ব্রাক্ণের। পুত্রপুঞারু হইয়াছেন। তদা নী ধন ব্রাক্ষণের। বিনা বেদাধ্যয়ন জল গ্রহ न क्रिटिंग्स्या, हेमारीक्रम बाक्षणिएश्रद चरमरक राम करांगे जाहा अवश्व मरह ন। তদানীস্তন ত্রাল্পেরা প্রাণপরে সভ্য **ाहि, बार्ख्य,** हेक्कि विश्व खर्म कि मनविध धर्म काछिशालन चडिराडन है मानी क्षम खान्न निरंगत व्यवस्थ के अव **टम जनाक्षान विश चटमटम**ह कुर्नाहमत द 👪 প্র'জ ক্যা দ্রামাহাজ্য ব্যাচাম প্রা নিগ্রহ बीर्किया। मखा भरकार्य प्रमुख्य सम्प्रताकान्यः ।

-जारकार, कमा, हिं। उन्ने रिकार न इंदर, फ महोत्र कृतियां शिक्षन क्षेत्रन मा मतः, गुक्तनक्षिता स्म्ब , **क्ष्रिक्ष क्ष्रि**ट क्ष्युव। स्मित वात्रन, भा**द्रकान, केन्द्रकान्**गठान्छ कार्यस खरूकाः।

जुजुड क्ट्रेझाट्स । अहेद्राल जाना व র্ণেরও আচার ব্যতিক্রম ঘটিয়াছে।

एशन व्यामाणिएं वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष । বছারাদি অপরিবর্জনীর ছইতেছে না, এवः अवन गा**खिता करो।** शहेरल उद পরিবর্ত্ত হয় সপ্রমাণ হইতেছে, জখন গ (मार्म्य अभी मार्युत: मार्म क्यित्स अमा ! য়াদে বিধ্বাবিষ্ট প্রচলিত করিতে এবং বালা ও বহু বিবাধ প্রস্তৃতি উঠাইয়া দিকে প শেন, ভবিন্দে অনুমাত্র সন্দেহ নাই। র্ত:হাদিগের এক এক ব্যক্তির যে ক্ষমত। আহে, সহস্রাধিক , মধ্যবিধ ব্যক্তির । স ক্ষতানাই। তবে যে ই হারা পরিবর্জ रुकी कतिएक इस मा. **डीक्! मिरशत मू**िका বিবহুই তাহাব কারণ। বিধৰা বিবাহ প্রচ লিত না থাকাতে এবং বাল্য ও বন্ধ বিবাহ এচলিত থাকাতে কেশের যে **অনি**ট चिटिकाङ, कहा यदि की हो पिरशत स्वरंध পম হইত, ভীহার কি ইছার উপায় না করিয়া নিশ্চি ধ থাকিতে পারিতেন > সুশি ক্ষা নাই বলিয়া জাঁহাদিগের ঐ দোষ श्रीत क्षाप्त्रम ३ ७६मः(भारत व्यवमा कर्जना वित्रा वाथ इरेटक्ट मा। य বিষয় অৰশা কৰ্ডৰ্য বলিয়া বেংধ হয়. সুশি का कि उर मन्नोष्ट्र श्राध्य हरेएड দেয় । আত্যস্তিক ক্ষতি ভইবার ম্বিশেষ সম্ভাবনা থাকিলে তথাপি এক দিন কথা কা হইবার আনেক গুলি প্রতিবন্ধক আ খাকে। জমীলারবিগের সে শকা নাই। काम क्रमीमान यमि जानन ग्रेट दिवत। বিবাহ প্রচলিত কবেন, ভাঁহাকে জাত্যমূর हेका क्रिटिन चनाटक चनाप्रीटन क्राइत्सर করিতে পারেম, অবোর এমন কি সাহস খাতে যে ভাঁ**হাদিগড়ে জাভাত**র কবি ৰ'ব কথাও একবার মান করিতে পারেন -সালাদিলার কোডের বিবর এই, বিধবা বিবাহাদি প্রচলিভ করিবার চেকী করা দূরে থাকুক, তাঁহারা উদ্যোগী হুইরা বিধৰ বিশহকারীকে অঞ্জের ও অপাত্রজ্ঞায়

করিবা রাখিবার ব্রোচিত চে্টা পাইয়া पारकत ।

शरे थागरक करत्रक गर्ज धार्यान ला কের শিক্ষাদান অবঁরা সাধারণের শিক্ষা দান এই উভয়বিধ শিক্ষাদান প্রণালীর 🕻 কোন্টা যুক্তি অনুসারে অবলয়ন করা বি ধেয়, তৎ প্রসম উপস্থিত ইইতেছে। লা ৰ্ড কানিত ৰাহাছুর উপরি ত্রেণীস্থ ক্রেক সহত্রের শিক্ষাদ'ল প্রণানীর পক্ষপাতী हित्तिन । द्रोकमहर्त्स य जिन द्रास्त्रप्रा शा ড়ি খোলা হয়, সেদিন বিনি ব্জুতা কা লে স্থাকরে এ অভিপ্রায় প্রকাশ করি ধাছিলেন : লার্ড সকলথেরও ঐকপ স্ত कित। थे मठी उदहारी यूक्तिक व्यनूनाती मर्ल्ड बाहे। व्यंत्राप्तश्चे लाकरक मुनि ক্ষিত করিয়া ভুলিতে পারিলে ব্লসংখা উপকার লাভ হয় সন্দেহ কি - আমরাও উপরে সেই সেই উপকার লাভ গণন ক রিলাম। জমীদার প্রাভৃতি প্রধান ধাক্তি দিগের অর্থবল ও নোকবল আছে ভাহা র সহিত সুশিকার থোগ হইলে যে মহাক ल लाख श्रेटर ७ विधरत व्यक्ति र जना न है। किंद्ध के जकल वास्तित अक्षान भगरक সুনিকিত করিয়া ভুলা সহজ ও সাধ্যায়ত कि ना, ७ विषय निरम्हना करा चार्यमहर्ग।

ক্রীদার প্রভৃতির সম্ভানগণের সুশি छ । श्रथंत्र, ज्हारवाशार्व्यवरे स्व विमानि কান মুখ্য উদ্দেশ্য, আজি ও আমাদি (शव रमाम्बर कारनरकक रम मशकाय क्य করিছে কি কেই পাহসী হয় । উহার। মাই। ক্ষমীদারেরা সেই দলের প্রধান। क्रजीमाठी हिमाब ब्राबिदात छेशरयाणि । लिया भड़ा निकारकरे छोड़ाता भर्गाश्च विजीश, क्यीमःदब्र स्रात्र करत्न । সন্তানের। অভিশয় অলসকভাব। আদর পাইয়া ভাছাদিগের এমনি কদভ্যাস হইয়া উঠে যে উত্তরোজ্য তাঁহ দিখের শরীর অ পটু হইরা পড়ে, অণুমাত্র ক্লেশসহিষ্ণুত শক্তি থাকে না, চিক্ত চিকাশক্তি বিরহিং

इव। त्यानका गांकित क्षेत्र क्षेत्रका है। शक्तिराह कि शूणिका श्रेवात अञ्चादता wice : विमा सम ७ विमा किशात पर्मम वि জ্ঞানাদি শিক্ষা সম্পন্ন ছওয়া কোন ক্রমেই সম্ভাবিত মহে। ভূতীয়, জ্মীদার সম্ভা নরা অম্পেই ভোগপরারণ ও বিলাসী হ हेश फेंट्रे। विमामभन्नका विमामिकान **এकটी श्रथान श्राहितक्कि । हार्चुर्य, प्रज्ञ** भ्भर्भ । अरुकर्म बाला ७ वस्रविवाशिक প্রচলিত থাকাতে অধীদারদিগের অংশ | **४ इरन दिवार ७ जन्म नग्रदन महान अरमा।** একে **অপন্ধ বীকে জন্ম,** তাহার পরও নিয় মের অভিক্রম, মুভরাং অস্প বর্সেই শরী तात वेल दीयाँ क्य इ**दे**शा शाम । पाक १व करीपात पटल ककाल भृष्ट्रा वर्णन कर्मा ব্লাচর মতে ৷ এই সকল কারণে অধিকাংশ ফৰ্মীশার সম্ভান অম্প ৰয়সে পিতৃ নি হ য**় উপযুক্ত অ**ভিক্তাৰ**ক না থাকাতে অ**স তরিত্র ও চাটুকার দিখের প্রাছর্ভবি ছখা म छूनि वात्र स्हेशा जिटहे । ज्यान मरमर्भ इ नेत्न कुक्त्प मिं एउशा चरिन्मार्शिक नरह । गर्डे कां**द्रटेव कविका॰ण क**शीकांद्र महाबटक বাসনাসক্ত দেখিতে পাওয়া যায় ৷ ব.সনা पश्चिम विमार्गिकात् अविधि सर्गा

উপরে শরুণ প্রদর্শিত হইজে, হন্তা ना न्यस्ट अकीरमान स्टेट्टर्ड, याँ,स्राह्य সংশ করেন, জমীদার্থিগাকে বুলিসিংত ক্রিয়া তাঁচ,দিগের **ধারাই অ**প্পায়াসে ধিতীৰ ও ভূতীয় জোণীর লোক্দিগকে 🏻 সুশিক্ষিত করিয়া ভুলিবেন, ভারাদিগের সে ছুরাশামাত্র। বিভীয় ও ভূতীর শ্রেণী हरेटाई कार्या न्यावष्ट क्रिया क्रेट्र াই ছুই শ্রেণীর লোকেয়া ধুশিক্ষিত হা ान भर्मीमारहता यमि मञ्जाम शक्तिया जाश नां पिरानंत्रं प्रज्ञामनागरक जूबिक्किक करतन. **এই এ** क्रम्मादना **व्याटह**।

171

িজালাম চা কোম্পানির মাধ্য ও কটির সাহে।

উক্ত কোম্পানির অনাতর অধাক্ষ মাকে ও কার্টার সাহেব ঐ কোম্পানির টাকা ७ চার বীল লইয়া আপনং কাঘা সাধন क्रियादकन विलया त्य अनत्व १४, छाश कारमर मछ। बहेगा कें,केंटलटहा के छुटे वा क्रिन्न काटपान अनुमञ्जानार्थ एवं कशिष्टि नि রোজিত হন, ভাঁছার। যাহা বির করিয়া **(हन, डाडा अशारन क्षकाम करत्रन नाहे)** ঐ কোম্পানির ইংলগুড় অধ্যক্ষতার निकटों त्थाद्रश कद्रिशारहरू । भागतः शत স্পরা শুনিলাম, ঐ ছুই বাজির দোশ সঞ भाग इहेत्राटङ । कमिछित्र काराबाहा ७ १३ अकात मान्स् मित्राम इहेर्डाइ । गाःक अ कार्गित पनि भाषी मा क्यूदान, क्रिडि कें,द्षिरभव विषय मर्जमाध्यात्राश्व काह्य क विदल्य मः क्या वे मारक मार्ट्य लाइ ফোলডৰ সভার সভাপতি ছিলেন। ওঁাইটে राष्ट्रहे के नका व्यक्तिक हरू। कार की হার সভাপতিত্ব পদ পরিত্যাগ হইল কেন সিংভূমে যে তাত্ৰখনি অ'ছে, ভালাৰ কাণা निर्माहार्थ अक स्थाप्तानि हग। वे मारक সাহেবের তথায় আধান্য হিন। দিছ এ काम्मानि कुछकाशः इहेट राप्त्रम माहे। इंश्रंख भारक शहरहदद कामा प्रकार ६३ विराज्य विवास अरुमाय अवास्त्रीत किंग्या म

वाका इंखेक ब्राह्मभारक्रदत सुड गावशास्त्रप्त नियाः छेटाच करा व्यक्ति भाद जातमाक इंटेर७(इ.) पामाम हा को विषय इट्काम भाज १४र प्रकाशित इस 1 भारक मारद्य ने जिसक भिया शवाम विमा । **इतका अम्माम्यक्ट कार्य ७०००० हो।आ**त ক্ষতি পূৰণ প্ৰাৰ্থনা কবি"। মুখ্ৰিম কোর্টে ৰালিদ করিখাছেন। যত দিন মাকে সাদে বের চেবিত সংশয়াশপদ রহিরাছে, জভ দিন তাহার রুভ মোক্ষমার্ভাস্ক মনে

কের মনে অনেক প্রকার ভর্ক উপস্থিত क्रिया निटव अटभाइ बारे ।

मारक् मारक्रवत्र हतिरुवत्र क्रिन्मक्रीन কারি কমিটি ভাষ্ার বিষয় সহসা আঁকা-म ना क्षित्। हेरलखब् व्याक् नकान्न वर्ष-প্রতীকা করিরাছেন ৷ তলিনিভ আনন্যু ভাঁহ।দিগকে দুবিত করি না, কিন্তু জীহার। यनि मारक मारहरवत्र माच भागम ताचि বার ও ঠাঁহার প্রাতি ক্ষম প্রদর্শন করিবা র অনুরোধ করিয়া **ধারুকা, তাঁখারা সর্বতেঃ** ভাবে पृथ्छि इ**हेर्द्य गर्टिनेह** बा**है।** बाहक मां द्धि यपि बाखबिक का कान्नानित है।का ও চার বীজ লইয়া আপনার কাজ উহার করিয়া থাকেন, ভিনি কোন জনমেই ক্ষায় যোগ্য নদ্রে। **ভিনি কেবল বে** विक्रक कारा कत्रिप्रांट्न धनन नटर. डोड' इहेर्ड धक्छी दियम अनर्थकत अन्ध थ अवर्षित इन्हेंबाइए। यमि जागर को ম্পানির অধ্য**কে**: কাছার দুর্য তের **अ**जूनत्व ३ रहन, नखुषु नमूर्यान **अस्त्रिक** करें। जनश्रक श्रीष्ठके कतित्व नत्मह

পুত্তক প্রান্তি।

याम्या क्रांडेका निक्कारत वीकांत्र क বিতেছি, বুধেলারহস্য নাটকের এক ৰণ এবং সালুট ডিপা**টমেন্টের** ১৮ ৬**০**। দরের একরও রিপোর্ট প্রাপ্ত ছইয়া ভি: বুখেলার্হ্স: প্রিঅগদীশ তর্কাল্কার व्यक्तिर । देनि यथन हाउँ शास्त्रत भवनस्यके বিদ্যালয়ের প্রধান পণ্ডিতের কর্মে নিয়ে প্রাম ঘটিত মার । সংবাদ গপর দের। ত্রিক ছিলেন, তথকালে জিলা রঙ্গপুরের थक शांकि काकिमीशांत्र जीगुक्त वांदू मान, চল্ল রায় চৌধুরীর উৎসাহদানে এতৎ অবিয়ন করেন। এত্কার নৈপুণা সহবা त्त्र रेशांटक अरमटम्ब ब्याहात्र वावश्वाति র বিবৰ অনেক বর্ণন করিয়াছেন এবং এটের অধিকাংশ ছলে কৌতুকপ্রিয়ন্ত প্রকর্মন ক্রিণাছন।

াদঙ্গ। ৬১ অন্সের সাল্টডিপার্টমে .८. व दिला है बादा आया गारेटकटर, भूव , বংসর অপেকা এবসংর অধিক লবণ প্র शक व्यवन विकास सम्भारी १ ५४०० । ७० व्यक्त ४४७१००१ मंग विकास ७ ७७६२०११६ कें।कः लाखें रहा अवर ३४७०। ७३ वारस ३ ७००२**६२ मन विका**त्र ७२२७७०८ छे का লভিহয় 1

विविश्व त्रः वाम । २ ३ म रेक्सि लामनाव ।

जाना शंचिनहेन कामानित वांगेरङ क ज़ाहे । बामात मुठेशा थ शहर उ जनकाता मित अक अश्म विक्री उ वहेगाएक है . ति म । थ्या कारतक वरुष्ट्रा प्रवा अराहकः। अला संना नाट्ट्यंत ও निकुट्मनीय क्राञ्चन कामीत भोत्र महत्त्राह आजी धांत्र कालकांशाहि । दिन्ती उ इरेगारह।

जारा भुलिम च्याकिटम जारेट दिसक माजि ট্রেটদিগের এক প্রস্তা হয়। তাঁলর। দাই 🕾 क स्म रहिन वाणित ज्ञारधान कति। वस विद्वा न दिशोर्डन ।

वाषाई नगरः मन्बर्एणीय जिल्हान २ % है। काश तिक्स इन्ट्रिक

অনেধ মিলেটারি সাফিস্ব অপ্রয়তি না नहेन्ना त्मणास द्वारकः भृताता कातराख । तथा भा কেন। তথ্ৰত্য গ্ৰণমেন্ট এই বিৰ্যা ভারত ন ৰীয় গ্ৰণদেক্তিৰ গোচর ক্ষরণত গ্রণত প্র नक्षण काका भिष्ठादक्षम भगादिक्य व्यक्तिके ষারা বাজার অভ্রতি না ন্ট্য়া ক্চ লে শ**্**ল बाँडेटक शाहिद्यम् मः ११५ रूपः । फन्रस्त्र রা "লালা 'প্রবার দীবার মালেকা ব किटलन ।

किनिक मण्याहक आधिति । । होति বেপার গরিধার প্রতিবাদ বরিগায়েন , **प्राप्त आके शहरूब (बशांद्र) प**्रिवार द्राव्य, त्र-হৈও করিবার জন। ব্যবস্থাপদ সভাধ এক বি. ब कार्यन १९८० । किस कार्यिक्ट विद्धा वि না হওয়াতে ঐ বিল জার ছিডীয় বার পরিত 🖟 🛱 🖫 इत्र गष्टि । मुख्यकि नश्रदश्रभीय वात्रश्राधक न कांग्र में दिपन डिजानिएड स्केश्वरक : त्नशाब

ধরিলে গাড়োয়ানেরা ভাডা প্রায় পায় না এই নিষিত অনেকে আপন আপন দকট তা-গ করিয়া পলায়ন করিয়া খাকে।

देशकी मन्त्रीप्रक मरवाप श्राष्ट्रेशिटमन क ब्म श हर देव क ६ डे खाँडेदभन्न प्रभानद्रकेटड वे े डिक्स महकाती जाक त्यीक सु छात्रभव हडे गारहत ' गर रियाने अविदय सामियात अमर अ न थानि तालीय छाद्यात्र ६ ५१तन कवि . FA !

मिली १६८**८** ५ ४४ , त्रवः स्वरंग कविषाद्यन करमक छाम अउभर्त, विष्याशी महा उदेए क'त उद्दर्भ कालमाजिएमत् महहरत्व निकार বিলে'ইপূচণ ক্ষেত্র থানি পত্র বিলে । কিন্তু প্রতিশ কম্মচারিন, সেই সকল পত্র হস্তগত क दियादक

हें छ नन्नावक बदलन किर्द्राक्रमाङ क्रीहरू প্ৰায়ের ক্রিয়া এক্টেশে প্রস্কৃত্যে জ্ঞানেয় কি িরে অাস্টিতি করিন্ডেলে । কানীকার্ট্র সভ পাহাব গ্রীডে বঞ্জিত ১টল।

केला 'तका १० कर अन्य म भाषा अह के २०व्य (स. १०११वक्या १० छन्। संक हमा **ज्यानक वाडी अ इक्सांकि महे क**िए हा स्पार्टी मिबिद छ। भ्रेषः "करशक छ ्तसः '१२ छत् बार्ण का' इक इक्कारक

इ।यमन। वारम ८ अस्म 🗱 । क्षेत्र हो अह मश्कव खानवाची जिल्ला मुख इटे आदर हा দিশালীর ধর ভায় গলাবাও পদে; ন করেন, ভাগের শ্লাপর ान रा'तान रहेत 🕞 रहे मकत दर्गक महार ० हाइ ० वर्ति महादु । জন্মক হত করিয়া দকিলে ঘ্রাস্থিক সাভ 😨 व्यापान काहित्रात कालाना कालुकाहि 🗝

अर्याचा १९१७ है रूप्ताप्तक बहर कराजू. িবের বালা নিজে রাজকার কার কবিব, ৩). व र अ शिख्य भिर्दाम्य । र काशक मा जारहर , চা মই উপের জন ,

ব্যাপত কালে, তক প্ৰাস্ত্ৰ কা প্ৰেতি সাৰক हरुया है जिल्लाम कर्य र तत्त्वस्त कर्ततः । त श्रीम- प विकास । अकास कब्रिका क्यों स्था একং ক্ৰিনালে ৷ চখন আবাৰ ধেন অন্তভাপ कर्रिंग छ 🚾 दश ।

जानाश्वाप (शरः हे मन्नापन वरनम (आ-यान पुरवंद पुनिय व्यथाक लाग्डेनके शांबिन নক্ষঃ ব্লাম সিংহ নামক এক জন বিভোচী দ স্থাকে ধৃত করিতে গিল্পা হত হইগাছেন। শ কর রাম এক গছারের মধ্যে কথ্যেক জন সহচ-,রর সহিত লুক্।রিত ছিল। গাটন দেমপ্যে ্রবেশ করিনামাত্র দ্বা তাঁহাকে নথ করিল। পুলিদ দেবাগণ দক্তাদিগকে ধৃত করিবার ''प्र कान कडी ना कविशा भनावन कविय' ভে : পুলিষ সেৰাৱা মফল স্থলেট স্থান সাহস

নবর্ণর ঞ্লেনরল আজে। করিয়াছেন, স্থাতন ইয়া-প্ আইন সিমাপরে প্রচলিত হইবে না

্বিয়ে সমূপক সম্ভতি এই আছে. েন, কলিকাতা। নাজিয়া বাত্রি আইঘটকা। পৰ আন্তন বাখিতে পাৰিৰে ন। মাজিবা ভাষাতে স্পন্ধত্ত হট্যা কৰা ডালে করিয়াছে 🗈 সামেক বলিংকর এবরাদি ভারিমিক তীরে আ না হ'চতেছে না ' করেক এন ব'লক এই কা আ बुद् इ काब्रेबाव क्या स्थापीयानि श्रवन्तिव विक **्टे व्या**रवषन कतिशास्त्रन । ङाङाभिरशत आ বেদন প্রাহ্ন কর। কন্তবা ।

একণে প্রাণ সকল খানেই চোরের ভয় इ''ग १६ । ५ न° क'छ ७ भिमनद द्विकि भारत्य

च - न (लगाँम, के शागद्र भौक्रिक विशय् न्यलपुरम्भ मन् **कविहा** अर्थेष्ठसिकविह्याः। সিংঘতা ওলিলাম তেথায় মাটী ক্রায় করা বইবা

বাৰু র**মাঞ্চাদ ব'লের যর্থ হটরাছে**। প্ৰাৰ হাউলাভ হৈছিলে পীভা নামিছের নাই। অন্তিশর ক্রাধের স্থান

२२५ देखाई यक्तान्त

টাইমস অব ইভিয়া সম্পাদক নিউজিলাঙ ¹ এট ১টাডে / বাল এ:৩ চইয়, চেন, সর *জন্*ন এয়ে বান্ধে তেওঁতা কোটোৱা শান্ধ ৮,৫ আবল্পন धन ८७ विम न १ व कर के हैर. शिश दिशियाहर का का आधान वास्तित। अदम्म घादा सनामन क्षेत्रांनी अहिन्छ कतिबाद रहते।य এত্রত হইবাচেন। সর করে গ্রেনিট কিলাপে য়ে উপায় অবলম্বন করিয়াছেন, ভারতবংঘ ा हो कहिल '' बैदिनि काड़ीद्र र बन एक शिक्षी छेटिएडन ।

मधानत मिणापि क्षणनंती महाय छ। त्राउ-ত্রত্য লে'কের অ,ধিকতর প্রী,ভিকর হ**ইরাছে**। গণের ফোনবল ভানিমিন্ত কলিকাভাও এব্যা তি সংগ্রহকারিশী সভাতে ধনা বাদ প্রাদান ্বিধ।ছেন ' উক্ত শিশ্পাদি প্রদর্শনী সভায় ! ः : तामीम करभग गालिएक । धार्म कर्न है-, র ভিল । কিন্তু কলীয়াধিপতি পিটবের ব্যক্তি বিশ্বত্র প্রতিষ্ঠান প্রতি থাক। অ 1561

উৎলসমান সম্পাদক বলেন উত্তৰ পশ্চি-यु'वनायुक श्रेबारक्रम । खिनि य**ं अधील श्र** দ্রালি প্রাচার বাদ্ধ করিবেন । রসরাজি সহা ५ । इन्नेट्स्ट्रे वक्टल्ट्रप्त जूत भ गाम ।

সম্প্রতি বীডন সাত্রত **আলিপুরের** বিল ন্দ্ৰ লাইনে মুড্যালি উৎসৰ ক্ৰেন, তাহা-্ডে এতকেশীয় ও গ্রহমেশীয়েক। আহত 😘 . अग्रम कानिया है क मन्त्राप्तर अन्हें मही अवस्तात्र अन्यान्। कविष्याः विविद्याः क्रम भ- (दा. अनाक-एक्षेत्र ७ (भविनाक अ-िण्डि (व प्रशाद कारकप्त कतिवादिका वेह: १० (महे प्रेमण्य कल भाव। अहे जैश्कृहे क्षम नाम हहे अन्तरक्षनीय ६ इंडेट्स क्ष्मीक्षिर्धाय भवन्य । সংবে স্থাবিত হইবে 🤌 একবা ওনিয়াও रूर्व गुन्न कड़ेल । व उरमनमञ्जास वार्ष्टनीय भिनेटक खुडा पुलिया यात्रेटड वर नार' ; अहे । कर्ति विदुष्तव का छ ।

कें 'अम्रान (are ji मान्न मन्नाम क्या कित्र াছেন, ছেটিনাগপুরের রাজা বে মন্ডভাগা े किए गोनी मार्क्त व्यवसा च इ कहिया ্প্ৰথণ কৰেন, ভাৰাকে লেণ্ডনট প্ৰকৃষ্ করিবার জালেল দিয়াছেন। নানা সাফোরর কেরাণী নিযুক্ত কর। *চ*ইতেচে স্ নিজেটারি अभ क्छ (लोक्टक " काम लाब शास शास ত কাকের সঙ্গে য ৩ হটুতে হইবে :

भन्दलामम् नद्ध छैडेलियम एडमिनम[.]७ मा-ে'''য়েও ব্যবস্থাপক সভাকে ভারতবধের **জি**র-ক্ষিয় কারণ কলিয়া নিৰ্দেশ করিয়াছেন। এইত **११ में ब्रिटिंग दार्था याहेटलट्ड, 'डांडांब्र' वा**ं দৃশাই কুড়ে । ছিলেন। জভেএৰ ভারাদিগোয় रहेटाउ अहरूद्र ज्यानद्वारम् आदम्ब अधूनाह ह्या ल्या अदिवास कार्या कले हि विस्तर कर किंग म् 🖯

আগাহাবাদ গেজেট সম্পাদক বুলেন, এ বর্ণের যে সমস্ত ক্রব্যাদি নাত হইরাকে, তাহা । কলম পুলিষ গৈনিক এক ব্যক্তির নিকটে আ- | ব্যান্ত প্রভৃতি স্থানে এ**তকেশীর পুর্রিরাই** ম ক্রেম করিতে গিলা অধিক আম চাহিবাতে সে ভাষাতে অসমত বইন। উক্ত "ম্থানী. র স্ত্রি দ্ব বাছিন দেখাট্রাডে বিজেভা ভয়ে ভাষাকে ভাষার প্রেক্তানত আন্ত দিল। সাপ দক ভারিষিত্ত মহাক্রোধে লিখিরাছেন যাহার। শান্তি রক্ষা করিলে ভাহার। একার্য্য कतिरत कि (वाथ एश १० एश कांग कि १ जान नः ⁴ কুচে মুর্গির বস্তু ঠে।কর १३

> मार्का ही मन्भाषिक बटनन, मध्दाप गढ्य গ্ৰণ্ডেন্ট কৰ্মচাগ্লিলিগের বিষয় আন্দোল্ন करा कराष्ट्र। किनि क्रक्टन त्य दण वान्ति वाक ररण्यं नियुक्त राष्ट्रेन न। क्या नियभिष्ठ भवरद्र आक्षित्र दुनिया निगमिङ काँगा कतिहा अनि দারি একাগ**ন্ধ লিখিলে সম্পাদক দিগের কিছু** विलियोध कि स्वित् भारक । यमि इतकश्रीत कुछ পূর্বা সম্পাদক কর্মান এক জন নীল কমিসনর द्रम बाक्षाओं मण्लाहिक कि मीज्य चानिएयम ह

२ ३७ टेकाले वृष्वात् ।

সুবিখ্যাত বিজ্ঞানবিং ভারভববার ছেনরি, জন, কাটার সাহেবের মৃত্যু হটরাছে। ইংলন্ডীয় পণ্ডিতেব। এদেশে প্রায় আসিতে অসমত 🔊 কিন্তু কাটার বিজ্ঞানের উন্নতির हिटकम क्रिया अट्रम्टम वर्षमान अवश्विष्ठि क রিষাছিলেন। "ঠালার মৃত্তু।তে অনেকে ড়ংখি ভ ছ্ছেটেন সন্দেহ নাই ।

जिविक ए बिटलहें दि किगाक दिशम বখন ক্ষেত্ৰী দিগকৈ ছাড়াইয়া নেন, তখনট 📗 'শামবা কৰিয়াছিলাম, 🕹 के विक्त कर्रिक। अच्छिकि व्यक्तिक आर्किटः स्टब्स কনৌ : বের জাফিলে প্রভিন্নে চয় শভ उन्हां चारिक तात्र कविवाद आखा **बहेतारह**। ৰখতে কৰন কি ছাতু ভেলে।

वय-दाके किना निवात जिलाई स्वत्के प्य-। ,नव शतिन्द्र कतिर अरुन । वित वर्षेत्रारह हेर्टा ३ श्रेंटि छैं शब्द प्रविद्ध जानसन कड़ा হটতে এদং এই ডিপাটিমেন্টের বর্ত্তমান কর্ম-हा दिता विन वर्गायनाक अभवता ७ अवनीन, ভার পরিচর প্রদান করিতে পারেন, ক্রমণঃ উচ্চতর পদ আৰু, হইবেদ ৷ ইংলগু হইচ্ছে

মূলরি আনরন করা **অপদার্থ লক্ষের নাই** नक्त कार्या नशिश्रा चारका।

উজ্ঞ পত্রের মানদহত্বিত সংবাদ দাতা বলেন শশুতি ভবার অগ্নি লাগিরা বে নকল प्रतिष्ठ (माक्टक अक कारम निवासन क्रिन्टिक ভাহাদিগের সহারভার জন্য ভট্টভা শাব্দি-्रेट्रें यद्भ अक मणा इ**डेगा ७०० डोका म**रू গৃহীত হটগুলিছ। মাধ্যে**ররের মন্মুরলিগের কট** হ ওয়াতে ইংল্ডের সর্ব স্থানে চাঁদা হইরাছে। स्रत्यत विवन अहे अख्यानीत्त्रता 😘 अहे नकन সংকার্য্যের অস্থর্টান অর क्षित्राट्यु ।

উক্ত প্ৰের সম্পাদক হলেন প্ৰশ্ৰেকীর ভিন্ন ভিন্ন কর্মচান্নিদিশের নামে সরকারী পত্র সহর বথাবধ স্থানে প্রেরণ করিবার জন্য পোষ্ট ভাষিতে একটি বতর বর বাকিবে। ঐঘরে সমুখার সরকারী কাগক পত্র রাখা ষ্ট্রে। গবর্ণমেক্টের বাবতীর আকিন এক বাটীতে হইবার কপন, হইডেছে। ভাষা **इहेरन अवस्था स्वक्तांत पात्राहे कांचे ए**-ইবে। এডভারা সময় ও অর্থ উভয়বিধ লাভ **इटेरव**ा

ইংলিস্থান সম্পাদক অৰণ করিরাট্ডেই, সর চারণ্ স উভ ভারতবর্তীর সিধিল কর্মচা: রিলিগের একবিধ বস্ত্র পরিধান নিঃমু করিয়া मिनोत नक्क कतिबाद्यम । विकासिकिका नाम देशीहरभद्रक अव क्षकांत्र क्षका रह হইবে। তাহা কাৰ্য্য স্থলে আকাণ্য সঞ্চা ও লব বার প্রাকৃতির সময়ে পরিধান ক্রিডে ইইবে। শুলিক্ষিত দৰের বেসকল ব্যক্তি বজোপ্রীত পরিডাাগের চেঠা করিভেক্নে, ভাঁহারা আ-त्र गुष्ड इहेरजहून रक्त र

আলাহাবাদ গেলেট সন্দান্ত বজেন, সু-**अधि केल नगरत अवन्यानित होका जा**ति-তেছিল। ইভিষধ্যে করেক জন দল্য ভাষা বুঠ করিবার চেই। পার। করেক জন পুলিব "বেনা সদস্যসিদের উপরে বন্ধুক মারিল क्षि कारांत ७ किह्ने वर्डन मा। प्रशास हिन हा शाम, किन्न क्वारे डांगामिशक पूछ पति-मान्न क्रिको करम बाहै। शूनिय श्रामानिर्देत अछ গুণ, ডৰাপি গ্ৰণ্যেক ডাহাদিকে পুৰুষায় क्षिन ना !

उक्त शब्द निभिष्ठ रहेश्राद्य, प्रश्ना नक র হাম সিংহকে ধৃত করিবার জন্য ফুলপুরের অভিমূৰে করেক লান সৈন্য প্রেরিড হইরা- १६ । भक्त ताम शूर्व हानाहे आदमत स्थीमात ছিল। এই বৰুল কল্লাল্লে কৰা করিবার বোবন। केत्रिया पिरम বোধ হর, ভাহার। অত্রভ্যাগ ৰবিতে পাৱে।

জেম্স, হেমরি উইল্সদ নামক একজন টাঞ্ नियान अम की वर्षमान थाकिएक शूनकात वि-ধাহ করাজে ভাহার এখন ত্রী ভাহার নামে **নালীল করিয়াহেন** ভারিকিত টাহাকে ধৃত ক-बियान शबदायां व्हेंनेंट्ड । अधिनिह्य विक्रम নীচপ্ৰাহতি লোনেরই সংখ্যা জবিক 💛

मार्के मार्क शावित गरास राहेन कार्य प्राचित्र कार्या कार्यो श्री श्री व्याप्त पूर्विदव MA ASTRES

্জি চানদেশ হইজে সংবাদ আসিয়াতে বিলো 🕛 **খীদিদের সহিত ইংরাজ ও ক্রাসিদিনের** পুষয়ার একটি থুব হইরাছে। এবার বিচ্যোহীরা i অংশকাহত সাহস সহকারে বুদ্ধ করিয়াছে ওয়ার্ড নাবক একজন ইংরাজ চীনদেশীর সমাটের সেনাপতি হট্যাছেন।

२१७ टेकाके हर्म्मा करात । কার্ড কানিও কে লইর। বাইবার জন্য গর চারনূন উভ ও লাভ িজ ন পারিনে কঞ্চার द्रवा भागामधा एकान । व्रमण्डका । व्राह्म অভিশব্ন সমাদর পূর্বাক গ্রহণ করিবাছেন।

क्षतिन क्षत्रोरभत्र निक्रतिर्छ अक आदम এক ব্যক্তি আপিনাকে ঈশবের অবভার বলি স্থা পার্যান্তর দিয়া জানেক শিষা সংগ্রহ করিয়া-**८५ । बे आंटबर ला**क्सः च हेर्स्यादनश्ची । ८४ , কৃষ্টীর ধর্ম বানিয়া গাকে, এখন মহম্ম,দর **ন্যার ভাষভার হই.ডচে** অনেকে তাহাব **ক্ষান্ন প্রত্যান করিতেনে** , সহিবানট বল व्यक्ति सूनक्यांनरे वस नकत (अभिन गुरर्गनाते ज्याम ।

" बाल्यांब हे हेम्स राज्यांबद राजन कि क्रिय रहेक, बिलाई बदना मनरत उप्रातिन मारम् । भन्नीत तकः रह हु १०० अवारता ही रनना नियु-আৰু অস পাছরি আত্মহত্তা করিবার চেটা 🖟 প্লাম । ডিমি প্রণমতঃ গুলি বাইবার চেটা ফ ব্লিরা ছিলেন। পশ্চাৎ সকলে নভর্ক ২ওয়াতে ভিন্নি এক দিন অলক্ষিত কুপে এক উচ্চ নিত্ত আবশ্যক ছইবাছে।

প্রাচার হইতে খুমিতে পতিত হন বিধ তাংর প্রাণ বিয়োগ হদ্মনাই : এলাল্য नारक्य अकल्पन शास्त्रि, विरूपकरः 🖰 🚉 🤞 থাপি ভিনি ধর্ম নিকৃত্ব কার্য্য কলিভে পাছে হটর ছেন। খোধ হয়, প্রীকৃ। অথবা অন্য কা বণ বলত তাঁহার বৃদ্ধি জংশ হয়গাছে।

, এট মে নাজাল হটতে পেরু পায়স্ত तिहेन अस्य मृशियोस्त ।

টালরে নীলামের প্রেগান কেনাণী লাহাল (अक खून कितिनि) खुद्धाः पृष्कृ कि गाउँ नत निरह बस्रदक । योज्यान व बनाएस वाव नि লক্ষণ উত্তৰ মধ্যৰ দিহাছেন। জনিখিত দিত্তি **লি দিগের সহিত ভত্রতা** বাদ_্লী কর্মচারি দিগের বিধাদ হটতেছে ' চেঙ্বলে আদি ৰাই, কই বলে আমি যাই খলদে বলে আহিও गाँडे म कितिकि जिल्लात अहे प्रांत पछिशाहि, ভাগাতেই যত অনগ

भि॰श्न भीरण अवस्मत वादवारण प्रम नक है का अधिदारिक । शर्रश्य प्यदेशको अवदि **उथा**य 🕽 ७७, ३३० क्षी**रा अ**धिक सम्बद्ध "म'मार 📗 হইয়াছে। সিংহল ছীপ ভারত্তবনীয় গধ-মে क्षित्र अभीमञ्च रहेर्स्य अन्त्र छिष्ठ् क है।क, श्राप्तनीन করিতে পারে কি ন। দক্ষেত

এক্ষদেশীর বাস্পীর জাগাজের কোন্দানি র করিল। জাহ,জের ভাষ্যক তাহার টাঞ্জ ন व्याप्त नावाचा छप्य । यस भ्याप्त व्याप्त म्या করাতে তাহার :০০০ টাকা জরিমানা হটয়া-ছে ৷ ইঞ্নিয়ার কল চালাইবার ক্লন্য ভাধিক লোক চাহিবাতে কাৰোন ঠোলার এতি এই কুব্যবহার করেন। পর বার্থেস পিকক আঞ্চা षितांत्र मध्दत्र को**टलंगरक विरम**ग ग्राटण छ : मन **করিরাছেন। উচ্ছ ধান** ব্যবহারের যাত উদার্গ রূপ পাওয়া যায়, সংব্যবহাবের ভাত পা क्या बाज मा।

ছফিণ ছেব্লাল্ড সম্পাদক বলেন ছাবদ-্রাবালের নগবের প্রধান যত্ত্তি বালার এপকে অভেত্ত তার করিবার চেন্টা করাতে ভাগার 🗠 तन्। ब्रहेब्रास्क : हेशद्रः हे॰लट७वदीत् 🕮-दारताशैत मधीत वर्षस्कत शतिष्ठम शतिषाम क्रियं श्रेषांत्रमञ्जानास्त्र सम्बन्धाः वारान व्या

मध्य खात्रखबरम् दिल्लानम् द्वांशिखं इडेग्रा-**চ . সি এ, সার ব্রাউনিঙ সাহেষ বিদ্যাল**। नश्राहर हेनद्रान्तकेत इहेग्राद्या । यस्त्रः था (4गनदिविष्ठा**नस्य जान्यक्रम् अक्षान** क्या 3571CF !

আমরা শুনিলান উজো সাহেব বিদায় वह है वर्ष्ट भवर केंद्ररम् जिन्नकिकारः সর্বের কেড্লিম্ট সাহেব ডাছার কল্যের্কর e ইটবেন। শিকাসং**ক্রান্ত ভিপাটমে**টে দেভলিকটের কি বিশেষ গুণ ছাছে, আমরা জানিতে গ*,রতেচি না :

চুদ্দনন্দ্রে নাজাতি **করে হ জন** বেথেটি য়া এক এইকান জাকাইতি করিয়াছে। রিলি দাংখ্যের কহিলনৰ **হও**য়া ভাৰণি চেইা ও प्रपुर्वि रीव ड इडेब्रोट्स । अपने श्री श्रीय नव ল ব্যান শইতে চুবিব সংবাদ শুনিডেছি ।

५७३ । घ य! गो। द्वा उग्नाम र कड स्ट्रेस, जि याद्भा उर्देश की की बाद बाह का नाम क

मिलीरगरक्रराहेत कांत्रमञ्ज्ञ मा यानमा छ। বলেন আমীৰ লোভ সক্ষম খা খেলাভিগে लिख्य नगरत मरेभरना उंधानीक इष्टेश्रारहरू. সমতঃন জাম খানফর মদীর জাণ্য ভীরে काविक कि करिनक्ष्य । भावमा (प्रमीध सर्वा ग 6 अकामा ११८भ सुल काम कारन १ महागडा কবিডেডেন ন ইঙা এক প্রকার শ্বির চইব:-

মুলতান লানের সহিত্র আশীনের সন্ধি ভইবার সম্ভাবন। অংছে

अञ्चाक है। वेषन नम्लाक्त नर्कम, मही-द्रदार वाक निक तार्थात कात कराल करी बाबू श्रीर्थनीर का(तसम क्रायम वा) हानिक ভাষা ভাগ্রান্য করিয়া রাজ'ে এন করণ শত্র लिभियाः इंटलन भरवा मध्या त्य कर्नेन पा कर् এक कोक कड़ा वसू, 'ठांड एक (२ अन्द्रभाष জ্ঞে, ষ্টার পভৃতি নান। প্রকাব সম্মান চিন্ন শ্বিয়াও ভাহা গ'য় না।

নিটেন করে সাহেব সদর আচলেতের এক জন জড়িব্লিড়া প্রজন হওরাতে তাঁহার <কলেশী ব্যবস্থাপক সভার সভ্য পদ পরি ত্যাগ হটগাছে।

मिश्र विश्विष শাল্পান্স পৌনিডেন্টিড उदिएक काकि रहेरकदश---

विषा ক্ষিত বিধা C951" " 97310 নাতুরা ডেমেৰিলি "১১২৯৯% 4424 ন ইপানুর 74.5884 . 5 3 - 8 No नारमञ 76'00" 6 20 13 40 U. উন্তর কানাড়া দক্ষিণ কৰিছে৷ ১৮৪৷• 19710 মালবার >> 44 45 W. 0:500H

अहे भगत पूजिरक नर्ब खन्न भवन वन কাৰি হই ডেচে। ১,৩টি কেন্দ্র আছে। (कुछ कार हे खिन्नः मण्याक्क कांग्रमन्त्रविसन् न বাবের প্রতি বিশেষ স্বপে সৃষ্টি রাখিতে কর্চি गाएक । जिमि वालन नवाब हेश्कार अवहीत वक् নহেন, এব সম্বায়ে সম্বায়ে ইংরাল জিগকে व्यभभाग सञ्ज्ञिया थादकन । हे रसद्धवञ्जात ८ । वना शत्र मा ६३८म बाह्रमदावीन अठमिन व्य ৰোধ্যার পৰে ৰাইও।

উक्ত मन्नाष्ट्र डेंड्ड शक्तिशक्तात्र मः বাদ পরের ভক্ষাবধায়ক নিয়োগের বিশরে निर्मित्रारकन ''यमिछ अउरापनीय भरत नि. ছোৰ হাচক প্ৰস্তাৰ বিধিত হয়, তথাপি সে সমুদানের স্বাধীনতা চুককরা উচিত নতে :" এনেশীর সধান পত্তে বিভোষ স্থচক প্রস্তাব किथरमञ्ज विवय विभिन्न बच्चा, अस्मिनीय नः শাশ পরের আধীনতা অত হইলে গ্রন্ন ঐকে ভাকের ন্যায় চলিতে ষ্ট্রে।

आत्यांथा शास्त्रके मण्यांकक वर्तम, प्या-গরায় সভঃতি করেক জন ছকেটিত বাজি সনুদাৎ ই টয়োগীয় সেনাকে বিশপান করাইয়া वंश क्तिवाद टाडीव चाह्य। डेंडव पश्चिमा ঞ্চের প্রায় ।বল সংশাদ পরই বিভেহে স্থন *भिदिउद्दर* ।

मानाइ बुटे खांच प्रदा नकन विक्रीख रहे-भारकः। कारमकः प्रया, विरम्यकः काक्यद्वी स्था-· इत्र फाडिरिक गृहमा विक्री**फ वर्**श्वाहम ।

क्ननीर७ मञांषि क्रवारे खाँबाई थि रहेश त्रा भितारम् । प्रश्नात्रा भागात निकडे वर्ष्टि धक **रहाकान वहेरछ ১०'॰॰ डिकांब अबा बहेबा** जि রাছে। এখন ভাবার ভাকাইডলিলের অধি कांत्र हहेन मी कि ।

জত ছানের বিচারালয়ে এক আরুত বোক-ক্ষা ক্ষুয়াছে ৷ এক জন কিব্লিজ কলাউভার हिक्किनानरवद अक्र हानीव अञ्चिकानस रहे-श्री व्राजित्यारम खास्त्र श्रुष्ट खादम करते। দানী ভাষার প্রেমের পুরুষার করেক লাজী मित्राहिम। उज्रजा कांग्रेसदयके शासिद्धे हे উক্ত মোকজনা কৌজনারিতে নদর্গণ করাতে मंभीव अवियान। स्टेब्रा८६, किविकि ' दब्बमूब्र খালাস হটয়াছে। বিচার চী ফুল বটে।

अक अन हे डेर्डा भीड़ भारांगी अक वास्ति-ে প্রহার করিয়াছিল। সে পুলিবে আনীড अ गुडे ब्हेबा बनिन " चामि त्य त्म कान নিগারতে মারিব স্কারভবর্ষের ক্রমে জীরাক

२०० देका हे राज्यात ।

খনা গেল, সর মন্ত্রি ওবেল্স আঞ্চিও ग्रू क्र केटेंट्ड शास्त्रम माहे, जि क्ल बीरंग अव-স্থিতি করিতেকেন।

এক জন বিসন্তিকে ম'লাজের প্রেসিডে-কি কা**লেজের অধ্যক্ষ করাতে ভত্রভা** লোকে. द्रा प्रक्षित्र प्रमुख्डे क्हेत्रार्ट्यः विमनद्रित নাম শুনিয়াই ভাসত্যে কেন্ত্র যর্গ্যোপন্দশ तिबाद दथन काहेन नाहे, खबन मका कि? ভাঁহাদিগের স্বারা ধর্ম নীভিব উল্ভি হটবার ! मुबिरम्ब मञ्जाबना जाटह।

कार्क हेर्टन मायक এक सभ इंडेर्डा भीष এক জন উভীয়া বেহারাকে প্রহার ও তাহার 🕽 পালকী ভন্ন করিয়া ভাষাকে কোন ভানে যা-ইতে করে: বেছারা আগন স্চচর দিগকে **आं ज्ञान कविश्व गारहर्वक भागकी एउ सहेग्र।** ह शिल । किन्तु छाशाहा निकित्रे डाटन मा पाठेता अक कारल भू ल्रान सहसा राहा है हैदनव नाह फिर्मिय बुद्धि मार्के -

निष्न लिक्तिक आदिउनिक मोखिएड्रेएडेरा भागान्त्र उक्ताव वृत्तिन वाष्ट्री अनीत करिएयन :---

किहेक लेडे विश्वभ . शूरे विकासित , तक, अठ क्युक्षमा गाउँच । त्राक्य कालीहरू वा. क्षंतुक, शांवू ब्रायदशाशील (बांव - अवर बांबू भाषिक कि द्रख्य कि।

प्यारवाशांत्र कविण्यतः, त्राज्ञः निश्चित्रं निश्च গ্ৰন্থতি তথার সর্বা শুল্ল ৩৭ টি ব্যাস্তা বধ किश्राद्यम ।

 वाकि मिरशङ्ग अधिकार क्षण अधिका । ৰণিক সভ্যদারের অন্তরোধ প্রথম প্রথম-त्वके व्यापनाणित्वत शूर्क व्याच्या द्वाचिक व्यक् রা সাজি মিগকে সকল সমতে আমি স্লামিটক অসমতি দিয়াছেন। ভানা**নিগতে কেবল** উ-क्षत्र हिनान ब्राधिटक श्रहेट्य । अवन्द्रिक सीक्ष কৃষকলিগের প্রতি এবলে **কটাক্ষ না কারে**ন

गिनिक मणावय नहात, अवहानुभीद मर् বাদ পত্রের স্থাধীনভার প্রতি হস্তার্শন করা गर्नरमध्येत हेडे मरह। अञ्चरक्षमीत्र म्ब्यूविक দিগের অভিপ্রান্ন অব্**নান্ত হওরাই তাঁহানি**-গের সভিপ্রেড, সেই হেন্দু উত্তর পশ্চিমাঞ্চল এক জন ভজাবধারক হইরাছেন। আমরা বরাবব এই **অসুরোধ করিয়**ি **অনিডেছি**।

ডক্ত সম্পাদক বিরাটের পে আকিনের এল জন কর্মচারির পূর্তভার বিষয় লিখিয়া-তেন। নশলাল নামক এক জন কেরাণী নামা লোকের নামে ছঙি করির৷ ভাষা পেষাউরের ৰারা ভাভারিত করিয়া টাকা লইভা । একলা সে বিবি মাক্ডোনাল্ড মাবে এক ইউ-রোপীয় ত্রীলোকের নাবে ১০০ টাকার ছাঙ্কি ক,টিয়া ভাষাকে ভাষার টাকা নইতে বলে। নে ভদহুনারে কার্য্য করিল। কিন্তু নন্তলাল ভাহার অধিকাংশ টাকা সর। পরে আর এক বার ঐ প্রকার করিবার চেইা পাওরাডে সে ধৃত হইবাছে। এ**ক জন বৃণিক ভাহার সংক** ত্ৰ চইরাছে। উক্ত ছীলোককে ছাড়িরা দে-ওয়া হইয়াছে কেন?

হরকরার সম্বাস্ত্রন্থিত সংবাদদাতা ব-নেন ভত্ৰতা বিখ্যাভ বিলোহী সুৱেল নি হ আত্ম সম্পণ করিয়াছেন। আরু কল্পেক জন টাৰা অবিমানা হটয়াছে: তা নাকি উড়ে <mark>দীম আক্ষমবৰ্ণ করিবেন । সরার</mark> এই

> श्रिण जब उपन्तर श्रेनकात अक कर वि ছুইন আরবের হল্পে পতিও হট্রাছিলেন। কিন্তু ত'হারা তাহার নাম অবংশ চলিয়া গি-स्रोटकः। अभूख स्मारम सम्मा केन्निक मटनः।

> देश्यास्य मह्मास्य अकति स्थाकावर बहेना रहेबाद्धः। अदब्र नामक अक नास्ति अक्टी म শ্বস্থাবৰীয়া বালিভাকে বিবাহ করিবার प्यामा सरह। के बास्क्रिय शूटर्य विवाह रहा। ধে ত্রী বর্তমান। ঐ বালিকালী ভাহার ছুকেট।

আনিতে পারিয়া আঅবাইটনী হার্মছে। ব উচ্চ র কর্ম করিবের। হর্বেল সাহেব ইভেন धात्रहे अनिष्ट शांखत्र। बीत्र, क्लाहेनिश्यतः। नारहरवत करण ७ अक्रुब्बार्ख (अ नारहर २८६ कारन जबन वानिकांका पूर्व लाकप्रिटनव চাতৃরীতে পাড়িয়া ভিয়কালেয় বত মান 🦫 মবা শুনিবাছিলাম গাড়ান ইয়ং সাহেব সেলে हुथ अवर क्यन क्यन क्यान छ हात्राहेत्र। थाएक 🕕 **अर्डे (मार्यम क्लोजमात्री क्ल कि विर**ध्य नहर

२७० रेकार्ड मनियातः।

পাঠकदर्ज अर्ड সোমপ্রকালেই দেখিয়া **(इन " दिशन कर्षा देखमिन करा १ नारम ध**क খানি জ্বন্য সমাচার পত্র হটগাছিল। রসবা-। **ত্তের সহিত প্রতি**যোগিতঃ 🕝 ই উহার উদ্দে । শা। উহার গুণ রসরাধের ক্রেন্ডা হান নতে। আমর। শুনিলাম বসরাজ পশ্লাদকে। ন্যায় উভারও সম্পাদক জীঘরনাসী হইয়াচেন। অবি নরের কল ভোগ কে নিবারণ করিবে ? ভাষ-क्षा भूटक भावधान कतियाहिनाम ।

হরকরা সম্পাদক মিছলিখিত স্মাচার টে-निजाक त्यार्थ आंख बहेग्री इन

a न। व्य निष्ठेरेश्वर्क । शवर्गायरकेत्र मुख्य कांडर অ সমূহ নিউঅলি যক নগরের সমুখে উ ব্রিভ হইবাছে। উক্ত নগর সমর্পণ করিবাব প্র चाव बहेटलट्ट । विद्यादीया अथाय द्वेन बुटन्य निकंडेच पूला नहें कतियाद्य । बन्नगार्ख जानक গ্ৰহ্কারী গেনা প্রাপ্ত **হট্রাছেন**

> ३ स निरव्या । निष्णिनि वन रेख গাড় বইরাচে। ৫০০ প্রা তুলা বিক্রটিত হট্। গের উভয়ের কঠিন পরিজ্ঞানত 🕒 মান কারা ब्राट्ड

পঞ্চাবের প্র।মেউ উত্র সিদ্ধা নদে করে-**ক থানি বাস্পীয় জাহাজ** রাখিয়াছেন।

२७ अ सून स्वाप्तिक शानवंत स्वशाम द्वारा कात्राशास्त्र चीकिएछ बहेरत । शबन क्रिट्रिंग ।

किव्रक्तिवन भूटर्स अतिकालेल भारण । धन অস সরকার ৭৮০০ টাকা এটায়- ৭০চন নবি बाहिन। ता मध्यिष्ठि भूत रहेगादः

ब्रुक्त्र) जन्माहिक कार्युटन व्यंतन ने हिंद्रे देखे **अधाब मिनांगंडि महन रेमना ६ आ**जिम्हर আগ্রাট অর্ণীয় ফতে তাঁহাদিগের এব দি **বল্লে বেডন দিবার "**সমূরে" কবিব। 🖫 । সায় হিউ হোক এত মূর্ব নহেন।

किनिका मुच्चानिक वरतान, वक्तरमधीर भर বেক্টের নেজেটারি লগিংটন সাংহেব ছা মা **নের বিলার নাইয়া পদন করীতে ইভেন সাহে** हे सि इंडेएवस ।

ञारशाध न्यत्र अब राक्तित त्रामी १३ শ্ৰিত ৰাসীতে বিশ্বাভ স্কালারী হিলি ধুক। রিড আ**চে বলিয়া সন্দেহ ছও**সাতে পু িংশ কর্মচারির। তাঁহার বাটী স্মধ্রেশণ ক্রিডে গমন করেন। আকলাও তাহাদিগের গমন প্রতিরোধ করাতে ভাষাকে সেগিয়াল সমর্পণ করা মইরাছে। আশু জুরি তাঁহাকে লে^{নি স্থি}র করিরাচ্চন**া ভবেট ড**া

নিষ্লিখিত মূল্যে গ্রন্থেন্টের কাগল : বিক্রম হইতেভে।

৪টকে,ব সিকা কাণ*জ* ৪ টাকাই কেম্পানিব 🏕 । हान द रांक है।कवि

त्रुक्षिमदर्शो ।

অভিযানী নাম্য একব্যক্তি ২৫ টাকাট নোট ও ৬৪০০ টাকা লগাল চুব্নি সাবিয়া ক্ষকুচর নামক এক ব্যক্তির নিকটে হ'লতে ভানাদ , বাসের আদেশ হইরাছে।

উইলিয়ম ষ্টিবন্দ নামক এব ব্যক্তি ১০০ টাকার এক নোট চুরি কবিয়াছিল, ভাগকে

ট্যাস আ**লেকজাখার** নামক এক বাস্তি। ভাষার কর্ত্রী মিদ হারিএটের করেক খানি कानकाच जनस्त्रम कतारक ए ४,व ५७ मान নিবাদ **২টবাভে**।

জন নেতিস, জন শুক্ত ও পিটর ভানি अल नामक जिम बाजि जिंत जिनात करें। शांव ত^{ুত}ি গেও কঠিৰ পরিজ্ঞানসক গুইখৎসর *ছ*রি प्राप्ति ह साइक

নগান বাগালি লিনের বেলার সিলি ভিবার ভেট পাওয়াতে ভাৰার সাত বংসর রীপাস্তর मंग्राक क्योरियम एडेवारिक :

শাল নচন্দ্ৰ্মিক একটি বালক ভাচার

কৰ্মী এক শরাজনার বিভার আলকার আগহয়: করিয়া জাকর জালি মাধক এক ব্যক্তির নিক-ल लाइद्यंत कर्ष निवृक्त बहेदवन । किन्त मा- । तो ब्राट्य । वालक हिन्न इस मान व केन्द्र मा-, ति: र पूर्वे वः सद्ग विद्योग प्रेयः ८६ । 🕽

> শেক করিম সিঁল দিয়াছিল বলিয়া ভাগায় এচ বংসর কারাব সের আচেদ্দ হইরাতে 🔻 🕆 চেনরি বিধান নামক ভারতবর্ষীয় বেইণ ·७'गृत *धर सन ।* इतिकाय भक्त**े स**न्नादन শংচেত্ৰন হৰত্বাতে ভাহাকে এক মাস কাৰা-

> > ১০০ মে প্যারন্তর ইউরোপীয় मयाहोत्र ।

গালা থাকিতে হঠাবে।

द्विक हे दल ए.स.भित्र युक्क द्वानांहे, किंद्र ভঙ্গ বিভাগর দেনাই, ছুর্মের প্রাচীবের জ্ঞা-बल किरण क्षांग. क्षांधिश शिक्षांद्ध । अवर्गदानीक रमतात्र निष्यान्धत अथि श्रधान्धित पर्यन्तरिक्त नभाग प्राप्त र अहेज्ञार्छः ।

গ্রণ মন্টেস সেন্বে। নি"জনিধি**লে**র দ-ক্ষিণ্ডিভ ক হল- ছ'র্গ**েলাল।** নিক্ষেপ আহ-**छ** कविश्रोद्धः अव (स्मर्टिन कार्यक्रभान कांग्राहन द ি দ্বেকা প্রেলিড়াভিড এ ১টিন বে অধিকাস কবি

विष्ट्राचीय कारकाम् माध्यद्व (चवर्टे । मनि-शिशि बजीव है। जीकिए। पिशास्य श्विदिस्ड প্ৰায় ২০ ক্ৰোশ ১ইবে এখন দেশ কাল প্লাৰিও হ্টলভো সভাপতি হেবিস দক্ষিণ বিভাগের মংখ্যার নিমটে এই কথা বশিয়া পাড়াইয়া-চেন অ্টাল্পথর্ম বয়ন্ত অর্থে ক্রিংশং ব্রীয় पुरुष: प्रपटक देशनिक भारत मिरहास्त्रित करा छै- "

ক্ষালী গুড় মলিউন মালিয়ার রিচম্বর নগরে भगन क्यांटक ज्यामितिकात ज्यान क जानक थी-কার অন্ত্রমান করিজ্যেরন। বেশের্ট সাহেব राजिंगाताले विवश्राद्य ब्रोटामध्यके दक्त কার্যোব অন। তথার ছুত গমন কবেন নাই। अक्रम करकाडि खना जना विश्वनीह 五金山 रिह्म**्क** भ्रयस्य क दिशु'हिलान ।

नाष्ट्रगाना गरु बसुद्धानात करे क्रिया विक्रित इदेश्साम । িলগুম্ভিত প্রধান সভ চালা করিলা আমেক টাকা त्थात्। कविगार्ट्सन् मारक्षक्षेत्रस्य स्थ अवका मक्ष-रतं कथ नारे **उःहाता विल्यारह** रा खाहाता भागीकां मह मां क्यांनरम्, ब्यां आप्त क्रांतरद

নিংখল বীশ ভাৰতবৰ্ষীয় বৰণ্টেবং জীৱাই নত্ৰ করিবার প্রভাব লইবা বাউন আৰ ক্ষাত্রে আন্দোলন ব্যাহে। কিন্তু ব্যাহ্রিয়া ঐ জীল হভাজ্য করিতে বড় নত্তত নচ্ছেব।

করাণী কেরারা বেক্লিকে: নগরাভিত্ত বাতা করিয়াছে। ইণ্যাক ও ক্লেনীয় সেবালি-গাবে কিয়াইয়া আনা কইবে।

লাপানের ছতগণ শিল্পান্ধি আন্ধান পূহ ও অন্য অনা সাধারণ স্থান দুর্শন করিতেছেন। স্মাইটজনলতের জাতি সাধারণ সভা তাঁহালিগ-নে উক্ত দেশ দুর্শনার্থ আজ্ঞান কবিয়াছেন।

আনেরিকার নহাসভা ইংলভের সহিত সঞ্জি কবিয়া দান বাবসায় স্থতিত করিবার গ্রন্তা-বে সম্বত চইরাছেন। তাঁহারা ইংরাজী জাহা-কের অধ্যক্ষদিগকে যাবতীয় জাহাজ ভাছেবন করিবার অন্তর্গতি দিয়াছেন।

অকুীয় গৰৰ্গনেও এই অভিপ্ৰায় অঞ্চল কৰিকাছেন যে জীহার। জন্য দেলীয় কোন বিষয়ে কন্তাৰ্পন কৰিংবন ন। এবং ইটালিব বিষয়ে কেবল অংয়নকা করিবাব উপায় অবলখন করি

গবর্ণ মেণ্ট বিজ্ঞাপন। বালনাদেশীর লেপ্টর্মট গবর্ণরের আদেশায়সারী নিয়োগ।

২৬এ নে—জীহটের জন্ধ এম এ জি না না-চেব ১৮৬২ অন্দের ২১ এথেলের গেলেটে একাশিত ১৮২৮ অন্দের ও জাইন অনুসাধে উক্ত জেলায় বিশেষ ক্ষিসময়ের ক্ষমত। পাই বেন।

নংগাঁদানের ছেপু.ট মাজিট্রেট ও ভেপুটি কালেকর মৌলনী দীন্মবর্গদ ১৮-৩৫ অন্দের ৯ আইনের ও ধার। ও ১৮-১৯ অন্দের ১০ আট-ন ও ১৮-৩৮ অন্দের ২৯ আইন অন্নারে তথার নিমক চৌকির স্থাবিকেট্রেট চইবেন।

জি ডবলিউ, এস ডিখনন গাছেৰ ১০ই যে অব্যি মুজেরের প্রতিনিধি গ্র জেপুটি জ হিলে-ন এজেট ছইবেম।

২৮-এ নে ভাক্তর আহ বান্বারি মন্ত্রন নিংছের কেরিকও ক্রিটির একজন সভা ভই-বেন।

निशासपट्यत एक शृष्टि ना सिट्यु है थ एक शृष्टि काटन का का का का का साम को का कि वि: काटन का की स्वेता का साम को का मानि का कि एक ते २२ पाता क्यांट्र क्यांत्र क्यांत्र स्थांत्र का किट्यू -हित क्यांचा आहित्यता পুর্নিরার কেপুটি নাজিকে ই ও তেপুট কালে ইর তথানত মারান নাহেব নাহরণে বলনী হইরা তথার কৌজদারি অবিলের ২২ ধারাস্থারে এ-থম জেনির অধীন সাজিক্টেরে ক্ষমতা প্রাপ্ত ঘটনের।

সাহয়নের ভেশ্বটি শাবিন্টেট ও ভেপ্টি কা-লেটর বাছ গোড়লচক্র চৌধুরি পূর্ণিরার বছলী চইরা ভবার কৌজনারি আইনের ২২ ধারাছ-সারে ছিত্তীর জেণির অধীন নাজিক্টেটের ক্ষ-মতা পাইবেল।

७०७ म्य-निप्रनिषिक क्षेत्राहिता जोगीत्व अक्षाती दहेरवम ३-

লেণ্টনত এ এল কাৰেল, লেণ্টনত এএন কিলিণ্ন, লেণ্টনত নি তেলার। বডরি-ন জন্য কোন জাজা না হয় লেণ্টনত ই এ কিলিণ্ন হাজারি বাগের অভিরিক্ত সহকারী ক্রিসময় হইবেন।

৫ইবে—৪র্থ অথবা পশ্চিম বিভাগের রেবিনিউ সহবের নিমু লিখিত ভেপ্ট কালেইরের। ১৮২২ অক্সের ৭ আইন ও ১৮২৫ অলের ৯ আ ইন অক্সারে কালেইরের সম্পূর্ণ ক্ষমতা পাই। বেম।

যারু মহেজনাথ বস্তু যশেষির, করিদপুর ও বাসরগঙ্গে।

বার ছর্থাঞ্চাত খোব বাদবগঞে।
১৫ই মে—১৮৫৬ অক্টের ২০ আইনের ৩৬
খারাত্নারে তার্ব্য করিবার জন্য বালেখনে বে
নতা বর নিশুলিখিত ব্যক্তিবা ভাষার সভা বইবেন।

বারু নিভাইচরণ হান।

'' পার্জাচ মধল।

নিবিলসরক্ষন। #

ভেপুটি সাজিট্টে খোলবী আব্দুলা এক ভিকিউটিৰ ইজিনিয়ার।

२२ अ व्य-नाटिशात एएशी मासिक्ष्रिष्ठे अक आक्रमाद्य ।

প্রসর্মাধ কথক মিটির এক জন সভা ছইবেন ২৯এ মে--কেপ্টমন্ট জি এল পিল্ল কলি কাডার গিবিল ইঞ্জিনিয়ারিং কালেজের জনা-ডার অধ্যাপক হইবেন।

বিবুলিখিত ভরণাজরা বয়দদ লিংহেব দাত্তব্য চিকিৎসালয়ের কার্যনির্মাহ কারিণী সভায় সভা হইবেস।

জেপি হাৰটন নাংহৰ। "জি টি আই ক'ব নাংহৰ। বাহু কাশীকিশোর রাহু চৌধুনী। प्रवितिष्ठ काला वि. ८, जारक्ष विश्व संगि-दात जाशात विद्यालिका कविष्ठित द्वारक्षिकी विद्यम ।

্ ৩০এ নে—ই, ই, ওড সাংহৰ ছবালৈ কাটিক জেব প্ৰতিনিধি সাহিত্যাখ্যাপত ছইবেল : ^{ইন্ট্}

नार कुकरमा प्रकाश कि के स्थानित्ती-नि स्ट्नाटका नहकारी सम्बाधांशालक स्ट्रे-रमा

७३व दन-- बुन्द्रनक शांच मांचकांक द्वाप मां-टोटतत प्रमीम स्थादियका द्वापिका परे-द्वार

২রা পুন--সি জন সন সাহের হারভার আজি-নিবি সিবিল সরজন হইবেল।

তর। সুন-এড, বি, লিপক নাথেব বালহথের এতিনিধি বাজিট্রেট ও কালেট্র হইবের।

এ, এন, সাক্ষিত্র সাংহর কেন্ট্রিপ্রের প্রতিরিধি আইন্ট বাজিন্ট্রেট ও জেপ্টি ভালেট-র হইবেন।

তবলিউ, কেম্বলগাহের সাধ্রতের সহকারী নালিট্টেট ও কালেট্র হইরা কৌল্যাকি-আই-নের ২২ ধারাছসারে ছিন্তীর আেনির অধীন না লিট্টের ক্ষরতা পাইবেন।

গড়বেতার **ভেপ্নটি বাজিট্রেট ও ভেপ্নটি** কা-লেটর বার কণলাকান্ত বলাধ নেদিনীপুর ওঞ্জী-মুড়ার বাজিট্রেটের সম্পূর্ণ ক্ষমতা পাইবেল (

মান্যবর **অবুক্ নোমগ্রহালনভা**। কক মহালয় মহীপের ।

শহাশর! নিমুলিখিত সমারার করেনটা। যদি একাশিত হইবার বোণ্য হয়, ছবে অভুঞ্জ-হ করিয়া প্রকাশ ক্রিবেম।

ৰোৱকে ধৃতকরণার্থ অ क्षित्र । चट्चित्र या-यू जारात अधानकार शास्त्रवानिक क्लिक्टिकेटक न्ते । शारतामा निवा प्राक्रमानिव मध्यद्व दर्शानमान क्तारक बाक्याणित मिगाविका कार्याति छ बन्द-। ठळ वाय वाणि व्यक्क क्षियात करा कृष्टे गर्छ क लहेत्रा श्रीलंग खन्ना कर करता । शर्जाक नाज ना-८वर ७ क्रिश्रेष्ठि मोनू हुहै । **क**रन करबाद गाँदरक धुक करहरा । अविरम् ज्ञांकवानिशकास वाश्वातः हिन नक्नक्ष्ये थृष्ठ कहा यह, नान्छि टोक्ट्रिय বেৰা জিলবার বন্ধ হয়। কলা কোন কোন ভত্ত ब्यांकरक ब्राधिका अधिक अधिक क्या प्रदेशिक्त, **কাহ্**তিৰ বা গলাখাতা দিয়া এদিক ওদিক ক্রা হইয়াছিল ৷

কলভঃ কলা কালনায় মহাজ্লতুল চই-শ্বাহ্যি । পরিশেষে আমবা এডাপ বার্কে ধনা आह या विद्या चांद्र शांकिष्ठ शांद्रिजाम ना, देनि भारमात्र बाह्यस अक्षम बक्नू, छथाणि बक्नुस ना রাধিয়া জাপনার কর্মণ কর্ম সন্সম ক্রিয়াছেন।

২। এখানে যে একটা ডিস্পেকরি আছে कारा केठिया बाहेबात मुझाबना बहेगारह, आरम-व ल्यादुक हैं। इस दिख्य दहेबाद, कांत्र ब-बानकात कुछश्रक्ष मारमाधा स्थिताम व्याप क्षाक्षक करे विकाशन एम दर, सराफि जि-পেজারিতে চাঁহ। দিবে ভাগাকে আর ডাক্তরের কি দিতে হইবে লা কিন্তু এখন কাৰ্বোতে সেপ্সকার হ**ইডেহে** না, পুরুরাং অনেকে চাঁদা লিতে পদ্দী-कांत्र कत्रियांट्य।

 भक्र ३२ वे देनाके मानिवाद त्रीक्रिटक वि-छार्थिनी मकाद अधिरवनन बहेबाहिन। आधात নে দিন কোন কাৰ্য্য নাখাকাতে আমিও উপস্থি-ভ উইয়াহিলান। এপদতঃ নভার কার্ব্য দেখিয়া अव्यक्त अधित, त्यरं जीराममा शहू समीय क-विश्राकतिरंगव विवयं धक्ति स्वीर्थ श्रञ्जाव भारे क्षित्वम । बहै श्रवान खिनमा खामना यर गरमा-বাজি পরিভুট হইলাম।

> काक है चंद भे ४२ हे अक क्रांजन! বেশি শৰ্মা।

অবুক্ত সোমপ্রকাশসম্পাদক

मर्गाण्डम् ।

, क्याप्ट के इंक महीत कहेला मीन देखा । । सुन्ह अध्यक्ति काश्यम क्याटि क्लिक प्रथ्य मगन Aguice !

ইর্মান্তর উল্লোপ কবিয়াছিলেন। কিন্তু কভিপর ब्रुवक्द्राकीस्वत सक्रमास्य वित्रक सारहन।

विवृद्धिमानदात चेक भूतीकारक अरे नगरवत ष्ट्रम वेर्ड्ड रक्षारको विक्रीय निकर सुरन राष्ट्र **जिन्दी केन्द्रिक स्वेद्धाद्वतः। श्रद्धातः निकर** টাকা পাইবেন।

पामिक प्रमानिक निवित्र वाद् क्षेत्र-मानीय तांकेणेय विश्वादसम् । केलि भारतीयिक उ মান্ত্ৰিক উত্তন্ন ওংগ্ৰেছ প্ৰাশংলিও।

मार्वाष्ट्रण श्रीहरूत काम एकवर्तीह आहा आह मिंड किन है कि बोर्ड के बार्ट है किन के आत्र একটাও বিন্যালয় **লেখিতে পাটভেছি** মা।

> विद्रिन्छ । 1 6 mg & oc

মান্যবর জীয়ুক্ত লোকপ্রকাশসন্পাদক মহাশর সমীপেছু।

महानव ! अंख पूरे मश्चादर व्यवस् श्रीचा १७-রাতে পলিঞাবে অভিশয় দর্শন্তর হটরাছে। এমন,কি লোকে সর্বাধা সর্প ইডয়ভঃ পড়িড पाणिक स्मर्थन अन्य अनुश्रम् नामि हरेएक রাবে বহি গমন করিছে লাবলী হন লা। সন্ধা-তি করাশভাকা ও চুচুড়ার বধ্যে ৮ জন লোকের নৰ্পাখাতে মৃত্যু হউৱাছে। মহাপর ' নৰ্প কি ভয়া-मक कड़ ! जाकार वयवश्वकृत्रा, व्यान कविद्यार क्षांट्यत आप विद्यात एवं। जानांत्मत अरे **उ**क् বেশে দৰ্শের **আমুর্ভাব অধিক দৃ**উ হয়। জানা তে আবার গভ বংগর অভিশয় বর্ষা হওয়াডে নমুদার স্থান কলে পরিপুর্বিইয়াছিল স্মতনাং नर्ग नकन आदम ७ यदम चानित्रा चां छाउ नहेत्रा-हिन, अक्रांत्र बावात जीवा प्रश्राट छात्रातः 'বাছিব হ**ইট্না সভ্যাদিগকে দংশন ক**বিভেছে। श्वर्यद्याद्वीय्राज्ञेष्ठेय्र निवास क्षेत्र क् वन आह्य तब निवस्त्रकार्गात कार्या कतित्व था-नि रकाश जातक पान देशक नात्य , छोदारमञ चारमण अहे त, त्याम राख्य नर्गधितमा मान्य-ভৌটের বিকট আনিরা ডারাব নতন কেলন ক্ষিলে কিঞ্চিৎ পুরুষ্ধার পাইবে কিন্তু ডাঁহারা বে অল্ল পুৰস্কান্ন বিদ্না বাবেন ভাষাতে কেব নহন। এড। पृथ इक्क व वार्णात्य अञ्चल ववेटल हाटव मा মতএব ভাঁচাদের কিঞিৎ অধিক প্রকার ৮৮-७१७ छिठ अवर मर्खांबाई असे मित्रम्। स्माद्य पा-कारत कार्या क्यू कीकारमंत्र कुछि जाय। छेठिछ । মাণাডাঙ বলি সমূলার জেলার মাজিট্রেটরা 🏸 নামাতি এরমধারে একটি প্রাক্তিশী সভা । বন পরিছার ও সর্পবিনাশের নিয়ম প্রচলিত मर्कालमार्थ कालीत्यायम मान वि कल, स्टरामङ । कविहा । एन **छाई। ह्रेटल ऋत्मक डेलकाह** हरे-शास्त्र । जिस्त्रगी, शामिनश्त

प्रव क्षित्र। क्ष्मित्रकांक विश्वन क्रियान क्षित्र या प्याप्त मध्यान त्यादकत् था। क्षमा कतिप्राधि-कात अक्षरन मर्गक्य जियांत्रन क्रमा दलयंती पांतुन ক্ষুর। মারী ভয় নিশাবণ জন্য কলিকাভার ব্রা-ক্ষমণান্তের অধ্যক্ষরণ ও ভারতবর্ষীয় সভার खराक्रश्न रह्नशंन ६३व! आंत्राक्रियंत्र स्मरनत মান রক্ষা করিয়াছেন, স্থাতরাং দেশের কোন একার অসমল উপস্থিত ছইলেই ওঁচালিগকে-ই অপ্রশাসী ছট্য। ওমিধারণের চেউ। করিছে क्ट्रिक ।

७ कुन गम ३৮७२ मान

बिहातांबहक हटके।भाषांत्र উত্তরপাড়া ৷

পত্রপেরকের প্রতি।

श्लालकारमत भव्य निर्मय महाम नाहे. खंडबर छ। । अवान कदा रशक मा।

क्णिकाप्र अधिवृक्त यात्र देकलाग क्रम महक -दार राष्ट्र धक्षि रक्षितमा नय अधिक्रिक हरेगा-८इ। ७६मध्यास गर्य अ७ (व मोर्च) छ। इ: शार्ध ক্ষিয়া পাঠকগণের দীর্ঘ সম্ভোব লাভের মন্ত্রা वना नाइ। बन्दरजू फाइ ब्रिक्नित प्रकेलना। কালনার একথানি পত্র প্রকটিত হইয়াছে।

তমিমিত বিতীয় পত্ৰ এক।শিত হইল না।

मृनाथां थ।

बाक्क जनवान हस्य को यिक क दिवशेव ५२७३ देवन व बहेटल जाकिन गर्वास को? @ মেদি নীপুৰ मिनिश्व नारेद्वि ১२७% देवणाच **ज**विध जाचिम श्रद्धां हुए। এইচ উদ্বো সাবেষ **কলিকাত ५२७७ टेवार्ड रहे**८७ १० टे माथ भवास क्यार ३० পরেশ লাখ চৌধুরী न मोदा)२७% टेकाके घंडेएक ०० टेनगांच भवास *(कार*)० **फर्वक** उद्धित्व गाइंद गटमा व ४ १५७२ (म हरेक १५७० **अध्या**स পর্যান্ত 30 " हथोहरू दर्भर किर्ताम गुर्वे ১২ ৬৯ বৈশাৰ্জৰ্ধি হৈচন পৰ্যান্ত কোই 5. নবীদ কুক পালিত ৰ্ভম্ব ১२ ७৯ देशके व्यवधि कार्जिक गरीब क्लांध 有哪分! 🕮 युष्ट्रन दश्च न च इ हम अगाम (मन ১২৬৯ বৈশাৰ অৰ্থি চৈত্ৰ প্ৰান্ত কোণ >0

वर्षे नद्भक्तिकाषार्क्षक्षित्र भूकी बावमा दिसक्तवा काळानुष् व्यन्तिक अस्ति । हारिक्शका बाह्म अनुक न्योरमञ् । शक्क्षांकान विकारपूर्यत्वत्र वामित्व व्यक्ति स्थानयात्र ं नारीका डेशनःक व्यागित गर्यादव दन्यकी था- । शादक अकाशक स्त्रा

३२७७ क्यांचे क्यांचि किर्देश **भवास** । कार

इ १ वए

" डेटबन हस मःन

" প্রবর্ত্তাং প্রকৃতিহিতায় পার্থিবঃ সরস্বতী ক্রতিমহতী ন হীবভাং

৪ **ভাগ**। ১১ সং**থ্য**া मन ১२७२। ७ व्यायाछ। हेर ১৮७२। ১७ জन

যা, ১৯ খুলা ১ টাকা ৰ বিক জন্মিন ১০ টাকা

সোমপ্রকাশ।

য়। আবাদ নোমবার।

য়ালেইবের মঞ্জরদিলের

সাহাধ্য দান।

্য পরিমাণে যে দেশের সভ,তা বৃ

রয়, সেই পরিমাণে পৃথিবীর অনা অনা
ভাগের সহিত ভালার সম্পান হইয়া পার
ম্পার সবিশেষ উপকারলাত হইয়া থাকে,
ঐবপ যেসভা দেশ সংসর্গে যে পরিমাণে
অনা অনা দেশের উপকার লাভ হয়,
সেই সভা দেশের বিপৎপাত হইলে অনা
অনা দেশের সেই পরিমাণে অনিষ্ঠ
ঘটিন উঠে। ইংলগুও আমেরিকার
বিবয়ে অবিশ্বল এই ঘটনা হইয়াছে।
ইংলগুও আমেরিকা উজয় স্বা দেশা
পরম্পর সম্পাকে এতদিন পরম্পর লি
ক্ষা লাজবান হইডেছিল, সম্প্রতি আমেরি
কার মৃহ বিচ্ছেদ হওয়াতে ঐ উভয় দেশাই
সম্বটে পড়িয়াছে।

ইংলণ্ডের সম্বন্ধ আপাততঃ মান্দেই রের মনুরেতেই স্পৃত্তী লাক্ষিত হইয়াছে। আমেরিকা হইছে তুল আনমন বন্ধ হওয়াতে যাকেন্টরের মনুরদিশের হত্তপ লাদি বন্ধ কইয়া সিয়াছে। তাহারা অম বিনা বিপদামান হইবার উপজ্জন হই য়াছে। তাহামিশের সাহায্যার্থ চাঁদা হই তেন্ধে। টাইমুন অব ইপ্রিয়া সম্পাদক এক্সবিলয়ে সাহায্য দানার্থ একেনীরদিগ কে আফান করিয়াছেন। হিল্পপেট্রিরট অ ইপ্রিয়ান কিল্লে সম্পাদ্দের্যাও ভাহার

অনুমোদন করিরাছেন। আনর।ও সম্পূর্ণা स्टः क्रांट् अवियद्य असमीय्रिक्टश्रं मान শক্তি বিনিয়োগের অনুরোধ করিটেছি। আমরাযে দেশে থাকি নাকেন, বিপদা পর ব্যক্তিদিগের বিপত্ত্বার চেকা সর্হতে। **ভाবে विराध । विराधकः वेश्लाख**त महिक এবেশের পরস্পর উপকার্য ও উপকারক **छाद महस्त्र हरेब्राटह। त्मिमन रे**श्ल-कीटब्रद्धाः উত্তর পশ্চিমাঞ্চলের ছর্ডিজে দানশৌগু তা প্রদর্শন করিয়াছেন। এদেশীরেরাও আ शलर १५ व्यक्तिकार है जा हो हो है । विश्व इस बाहे। किन्दु चामना किनिका मध्यापति র এফটা আশ্চয্য ব্যবহার দেখিলাম, তিনি বলেন " যতদিন এৰূপ জানা না যাইবে যে 'ইংলও হইতে মাঞেউরের মজুর দিগের ঘণাবশাক সহায়তা হইবে না, ততদিন खात कवर्षी ब्रिक्टिशव निक्टि न श्रामा अध्य উচিত নছে। ইছবা অতঃ পর গর্ব করি বেন ধে ইহার। অল্লান্ডাবে প্রিঃমাণ देश्लक वामी जित्रात महायुक्त कतिया CER 1 7

ইংলিসমান সম্পাদন প্রাকৃতি একপ কহিলে আমরা বিদ্যানাপর বইতাননা। তাহাদিকের মন অনুদ ব তাবে পরিপূর্ণ, কিন্তু কিনিয়া পত্রকে এবছিও অনৌ লার্হা দোল দুবিত থলিয়া আমাদিপের লংকার ছিল না। ইংলগু ও তার্ত্তবব কভর্ম এক রাজার রাজা। এই উত্তর লাজের প্রজান্ধকের পরস্পার বাধা কতা ক্রীয়াজান্ত্রিন সৌহার্ল হয়, ইবা কি

প্রার্থনীর নতে । পরস্পার উপকার করা কি
সৌজ্লা বন্ধনেরপ্রধানতম উপায় নয় ।
এক জন প্রাচীন সংস্কৃত কবি কহিয়া
গিয়াছেন, সহজ ও প্রাক্তত মিত্রতা ও শক্ত
ভা অপেকা উপকার ও অপকার নিবন্ধন
যে মিত্রতা ও শক্তভা জন্মে, ভাগাই
গরীরনী। *

শুরি বারা বিচারের প্রথা ইংরাজনিংগর
থাখানতার প্রথান উপার। গু সাকটোন।
১৮৩১ বৃঁঃ অন্দে জুলে ও অর্থনির করেক
ক্রন প্রধান বাব্ছাপক এই অভিপ্রায় প্রা
কাশ করেন যে জুরি বারা নিচার প্রথা ইন্ট
সাধীনী নহে। তরিবন্ধন ঐ উত্তয়নেশে ঐ বি
থরের তত্ত্বানুসন্ধানার্থ এক এক সভা হন।
উত্তর সভাই ভিন্ন ভিন্ন প্রকার সিদ্ধান্থ
করেন। করাশী সভায় বির হইল, বুরি
প্রধা অনিউকারিণী নয়। পক্ষান্তরে
শ স্থা গ্রীয়ান্ শক্ষণ্ড কু ক্রমস্টোহি কায়াতা।
নালামনিত্রো বিক্রেচ সম্ভ প্রাকৃতার প্র

কৃতিৰ (কাৰণ ৰপতঃ জাত) শক্ত ও মিন গৰীয়ান্, যে হে তু উছার। উপকার ও অপকার বুল কাৰ্যা ৰপতঃ শক্ত ও মিত্র হয়। সহজ সেই জাত অৰ্থাং এক পরীরাংকৰ জাত) শক্ত ও মত জাত অৰ্থাং এক পরীরাংকৰ জাত) শক্ত ও মত্র কি আৰু এবং প্রাকৃত (প্রকৃতি কি) শক্ত ও মত্র কি আরু ইবারাও উপকার।প্রকার নিবলেন কির ও পজ্য ইবার। থাকে। সম্ভ নিজ নাজ্যুকেন রামি পিতৃষ্যোগানি ও নহজ্য শক্ত পিতৃংব তং প্রামি কির্মান কির প্রাকৃত শক্ত ও ভারার প্রামার বিস্মাধান, সেই প্রাকৃত শক্ত ও ভারার প্রামাধানি হিম্মাক সিকৃত্ত মিত্র।

জাগানরি ৪০ ছির করিনেই প্রথার অনিই নিল ইউ হয় না ! জনিবর, জর্ম নির কোন কোন ছালে এই প্রথা উঠিয়া গোল ৷ বিজ গারালী সম্রাট লুই কিলিপ গুলে হলতে উহা উঠাইয়া লিতে গাহনী হইলেন না !

যদি স্থির চিত্তে জুর্মি প্রখার দোব গুণ বিবেচনা করা যায়, ইহা কোন ক্রমেই অনিউকারনী বলিয়া প্রতীয়সাম হয় না। गে বিষয় এক।ধিক বাজির বুদ্ধি ছার। বি বেচিত হয়, তল্প তল্প করিয়া তাহার যেৰূপ श्रुका विष्ठात बरेगा थाटक. अटकत दुक्ति দারা সেৰূপ হইবার সম্ভাবনা নাই। একের **वृक्ति मकल समरा। मकल विवर्धत प्रवास्त्रत** ভেদ বে'ধে সমর্থ হয়না। তবে যে সুরির বিচরে দেখে দেখিতে পাওয়া যায়, সে क्विम विष्ठात्रकर्ञात ७ अवि मरनानीछ कतिवात मार्थ इया अति अविठातकर्छ। क्षेत्र केल इंदेरन विभाव छाल इस मटन ্ঠ নাই । জুরি ছারা বিচার এফনি প্রশংস াব ও ইহা ছারা স্থিচার হইবার এত '''ब्र'वना **चाट्य ए हेश्मखी**व बाव्रटमश ্লিপনে জনীদারেরা) নাগনাচাটানা স্ত্র বাধীনতার মহাসমন্দ গ্রহণ সমরে প্র कारणकरण ब्राजांत वाता এই कथा लिया ইনঃ লইবাহিলেন যে " প্রতোক ব্যক্তি ঠাহ'র **সমকক্ষ** ব্যক্তি হ'রা বিচারিত হই বেন 1 "

তাই উৎকৃতি বিচার প্রথ এদেশে প্র চানিত ছওয়াতে আমরা সর বাণেন পিক কের নিকটে ক্ষণী আছি। চাহাব চেক্টা তেই এই বিদয় এদেশে প্রবৃত্তিত চন। কিন্তু বিচারপতির ও জুরি মনোনীত ক রিবার কেনে বাঁড়ের গোময়ের নাায় ইচা এক প্রকার অবাবহার্যা হইয়া উঠিয়াছে।

বিচার পতির দোবৈ জুরির বিচার যে র্মান্ত্র হর, আমরা তালার অনেক উদ।হরণ পাইরাছি। জুরিরা এক প্রকার নত প্রকা ক্ষরিলে যদি তাহা কজের অনভিমত হয়, জন্ধ ধিতীয় ও জুতীয় বার তাঁহাদিগ क भूगर्तिहात कतिएक ब्राह्मम, कल ३३ वड কণ বিচারপ**তির অভিনত** মত দেওয়া না হয়, ততক্ষণ জীহাদিপের নিষ্কৃতি পা কে না **। অনেক হলে জু**রিদিগকে অপমান महा क्विट इत्र। कटक्तः विहातालस्त्र व সিরাই তাঁহাদিগকে পক্ষপাতী ও অনতিজ্ঞ বলিয়া খাকেন ৷ সে দিন হুগলির অতিবি ख कक वर्ड मारहर आर मिथा। धूरी मकल যায় প্ৰধান জুরি বাবু ছারকানাথ চক্রবর্তি কে " মুর্থ , প্রভৃতি শব্দ প্রবেশ করিয়া গালি দিয়াতে।। জুরি জড়ের মতে মত निश এक क्षम निव्न श्रीध वास्त्रिव कांगीत পরামর্শ দিলেন না বলিয়া বর্চ সংক্রের क्यादिक शतित्रीया हिल मः। लंख नाटर वित्र भक्तमाध्र मद्र मञ्जान्छे ७ दहलम व्यक्तभ **ज्**तिपिरगत व्यत्थ[ा] अरुक्तभात व्यवस्था वर्गन করেন, তাহা কাশ্যরও অবিদিত নাই !

বিচারপতির দোষের ভ এই কণ পেন। সুরি মনোনীত করিবার দোধ এই, **षत्नक एतः यां ष्रमात ७ ष्रमार्थ** ব্যক্তিরাও ভ্রির পদে প্রতিটিত হইতে ছেন। ভাদুশ ব্যক্তির ঘারা যত সং ও স্থান্ধ নিচার হইবার সঞ্জাবন। আছে, তবি वदत्र व्यक्षिक वाकावात्र कत्र विकल । **गवर्गाम्बर्ग्ड** অুরিদিগের विषया भारतारपाती हरेल अनुरहा व করিতেছি। বিচারকর্তারা জুরিদিগের অপসান করিলে কোন কুতবিদ্য ভদ্র লো क् अति इनेट ठानियन मा। पूर्व लाक দিগকে জুরি করা বিচারের অবমাননা মাত্র। জজেরা মকদ্দমার অবস্থা বর্ণন করিবার সময়ে আপনার মত প্রকাশ করিতে পা रवन मरलक नाहै। किस हैश्लशीत विश्वास ওলাড টেন্টাডেন প্রভৃতি বিচারপতি রা নিম্তকাল ঐ **খড়ের অনুসরণ করিয়া** কাৰ্যা কৰিতেন না ৷ মত প্ৰেকাল করিবার অধিকার আছে বলিয়া বিচারপতি কথন জুয়িকে একথা বলিতে পারেন না বে

" আপনারা এই প্রকার মত দিবেন। গ এদেশের বিচারপতিরা এই প্রকারই ক চিয়া থাকেন। সুবিখ্যাত আইনজ্ঞ লাভ কোক বলিয়াছেন " খুরি সাক্ষীদিগের বাকা অনুসারে আপনাদিগের মত প্রকা শ করিবেন। গ এদেশে কি তাহা করিতে দেওনা হইতেছে।

গবর্ণনে কর নিকটে আমাদিগের আর একটা অনুরোগ আছে। নফবলে এই নি য়ন আছে হত্যা প্রভৃতি হইলে এক জন্ম চিকিৎ সক মৃত বাজির দেহ জেদ কবিয়া যে কথা বলেন, তাহাই প্রমাণ হয়। গা বতীয় চিকিৎ সক সূচাক্লবলে নিজ নিজ কর্তবাক্য সম্পাদন করিবেন, একপ আলা কবা বিভয়না মাত্র। এই নিয়মের দে,যে অনেকস্বলে অমথার্থ বিচার হই গাঁথাকে। অভএব মফবলেশ করনারের জুরির নিয়মকরা ফর্ড গা কোন হলে হলা হই লে যদি কবেক জন ভন্তলোক জুরি এই। ভবিষয়ের শুখন বিচার করেন, হত্যা গো পন করা সহজ হইবে না।

পরিশেষে আমাদিগের বছরা এই.
বাবভাপকসভার এদেশীরদিগের প্রবেশা
ধিকার দান, উঠেতম আদালভের বিচার
কর্তৃপদে এদেশীরদিগের নিরোগ প্রভৃ
ভির ন্যায় অরিবারা বিচারপ্রবাও এদে
শের সম্বিক উর্লিকারিণী সন্দেহ নাই।
কিন্তু বাজি বিশেষের দোবে যদি ভাহার
প্রভিত্তর হর, ভাহার পর জ্যাভ আর
নাই

আত্রত্য ইউরোপীয় ও স্থাপ্রি-মকোর্ট।

কুজিসকোর্ট যথার্থই জেনি বিশেষের জর পরাজনের স্থান হইরাছে 1 বথন এদে শীর কোন ব্যক্তি অপরাধ করেন, তথন সু প্রিমকোর্টে তাঁহার গুরুতর দণ্ড নিদ্ধান্ত ক রাই হর। বিভ ইউরোপীয় দোবী হইলে প্রেমকা ভাহাকে মুক্ত করিবার উপার অ ं (ब्यन कहा इत, निष्ठांच क्रेनाहका बोक्टिश गामाना ५७ निता कोशंदक युक्त क्या प्रदेश: থাকে। আমরা থানেক বার দেখিয়াতি বে चनत्राद्ध अरू कम अरुद्राचीत्र दीनाइतिष **ट्रेन, अरे चलतात्परे अक कान रेकेंद्रा** পীর বড় অধিক ছয়মাস কারাবাদে রহিল।

পাঠকবৰ্গ হিলি নামক ছুৱান্বার বিষয় অবগত হইরাছেন। সার্চনাসের প্রারুদ্ধে कलिकाणाम जरवाम चानिन, तारे हुनाचा ুমাকলাও নামক রাণীগঞ্জিত এক ইউ **(द्रांभीरद्रद्र वांग्रेंटिक चारह १ जमनूनारद्र** जिस अन श्रृलियकर्षकाती ও तानीभाश्र त महकाती भाकिएके है है कि नारहव আকলতের বাটী অনুসন্ধান করিছে ৷ মন করিলেন। আহলাও মালিছে টের অভিপ্রা ন অবগত হইরা জাঁহাকে গালি দিয়া বাটী হুইতে বহিন্ধুত করিয়া দিবার চেন্টা পা ইল ৷ শুনিতে পাই সে তাঁহার গায়ে হাতও जूलिशाहिल। बाबिट ने हैं छथाति, जिन् করাতে আকলাও বলিল " ভোরা পাজি | ডিলেন 1 ১৮৩১ খৃং আন্ধেরামমোহন রায় (थ मार्टम १ , १८महतीत हाकत । व अरे क প অনেক গালি দেওয়াতে মাজিট্টে ডা इ.एक रत्रतिश्रदन त्रमर्त्र कर्डन । एक िश নের আইন অনুসারে এটা গুরুতর অপরাধ गरमहरू नाष्ट्रे । किन्कु मूखिमरकार्ष्टे १७ वृथवाव এবিবয়ের বিচার হইয়া আকলাও যুক্তিলা ভ করিয়াছে ৷ সাক্ষিৰাক্য ধারা ভাষার | লোধ সপ্রমাণ হয়, প্রধান বিচার পতিও তাচাকে দোবী ছির করেন, কিন্তু পুরি মহোদরের। ভালাকে মুক্ত করিরাছেন। জুরি মহোদদের। বিচার ভার পাইয়াছেন, रा मदम करत्रम, छ'हे कतिर उ পाद्रम, धर्मा ধর্ম ত পরের কথা, আপাততঃ ভারতবর্থে व किक्रान भाषि वका इरोत. जारांव कि স্থির করিলেন -

আমরা আবার শুনিলাম জনরচ্যের অপ व व मार्कमा सन्ध दे हैं। ज्ञानी देशका व्यादिकम করিবেন। সে ব্যক্তি বেচ্ছা পূর্বক মনুন্য বধ করিরাতে, ইছা স্পাঠ প্রসাধ হইয়াছে, 🏻

ভাষাপি ভাষার জীবন রকার চেকী করা स्रेटेक्ट्रं । यनि अक्टब्रभीशिवादक एका। कतिया सकत रेकेंद्राणीय वरेक्टल सूक्ष इस्, बंदबद्धांत्र महाना दकाषात्र ? वर्ष शुक्र र्हेटमर् कि व म धुत्रांचा चक्रम भागा बिटअर्रे कान वय कहिएक शाहित्व :

चात्रवा देवत्रनिर्याख्याची नहि, यनूद्या त्र श्रावमश्र मर्गरम आमाविरगत केश्नाह ও অনুরাগ নাই, তবে বে আমরা এবরিধ বিচারের প্রতিবাদ করিতেছি, তাহার কা রণ কেবল ভারতবব রক্ষার উদ্দেশ। অূত্র ভ্য ইউরোপীরেরা যদি মনু্যা হভাা করিয়া यक्रम व्यवाहिक शाव, छ। हाहरेटन छ। व ভবর্বে বাস আর সমর্প গৃহে বাস উত্যই ; ভুলাৰূপে পরিগণিত হইবে সন্দেহ ন ই।

शक्तभीत जित्रात्र हेरनध

এদেশীয়েরা ক্রমে ইংলতে পথ পা বিলাভ গমন করেন, তাহার পুর্বে এ পথ अरमनीयनिरंगेत नशरक, अन्दर हिल्। ये महानुख्य क्यल अटमर्ला धर्म ଓ आहात दावहात्रापित मश्त्याधनकाती जिल्ला ना **অনেকবিধ শুক্ত পথ প্রদর্শন করি**য়া ধান। **छमर्विध प्रांतक श्वलितक** काम काम रेप्डे त्त्रारम शमन कनिएड एवं ताल । धकार बाँहाता यहराज्यका, डाँट भिराव मृथ्येन আফরা বাবু দেবেন্দ্রনাথ ঠাকুব ও রায় রামলোচন ছোবেব পুরের ইত্লও গমন সমাচার পাঠকগণের গে'চর কবিয়াছি : शिवादहर ।

मारेरकल मधुक्षन अक. जन केश्रवूक **लांक** । हेनि गःक्ष्ठ, वाषणा, **देशांकी**. লাটিন প্রভৃতি কয়েকটি স্থাবা সামেন 🕽 किनि व केटकरण यादेख्यस्त्र असिक् শীজ ক্লডকাৰ্য হইতে পারিধেন নদ্দেহ बारे। छारात के प्रकल खावा कार्य कारल স্বিশেষ সহায়তা করিবে। এববিধ পৃথি छ बाजिया यनि हेर**ाट शान, बाजभूर** यंत्रा चामापिरगंत्र मदरक् य मकल दिव রের ছার রুজ করিয়া রাখিরাছেন ভা া चित्रकाल मरधारे केलांकिक रहा।

পুর্বে লেখাপড়ার ভাতৃত চর্চা ছিল না. कुनःकात रेश्मल भगरतत वक्षी व्यथान व्य ठिवक्षक हिल । এখন जल्लकाङ्ग्रंड जल्म क्त्र ख्रम्दश विणात चाटनाक मधात रहे शारह, कुनःकात्र व्यत्यत्वत्र स्वत् व्रेटि थ ত্বান করিরাছে ৷ তথাপি আমরা অধিক मरशा लाकरक हैश्नक अमरन **डेब्**स किथ তেছি না। ইহার তিনটী কারণ প্রধান বঁপে আমাদিগের বোধগম্য হইতেহে ৷ প্রথম, অলীকলোকভয় কুসংস্কারের স্থানপ্রাহী হই য়া কতকগুলি লোকের ব্দরে আধিপত্য গ্রহণ করিয়াছে। বিতীয়, কতকগুলির ইং लंख अगरन विलक्षन चमुत्रांग चारह, छ।हा ता तथा लाक्छ १७ करतम मा. किस वर्ष म পতি বিরহে কুডকার্য্য হইতে পারিচেছেন ম। তৃত্তীয়, কডকগুলি স্বদেশ পরিত্যাগ क्रिता शारेनक समय्यक छेरमाही मटन्स । সমষিক करलाश्याही इहेरहरू । तम पिन । य कात्र व इंडेक, यन पिन धरमणीय अधिक সংখ্য লোক বিলাত গমন না করিবেন, **ङक्षम त्राकामश्रक्त अस्मनी**य मिरशंत मगा ক উন্নতিলাভ সম্ভাবনা নাই। ততদিন রা লাম, আফি এক তম লক্মতিই বিখান যা ও প্রভা উত্তরের ভিরত্তবৈও চুরীভূত वास्क्रिक विलाख शबस महीम अकाम कहा | इहेरव सा । " ब्रीहिक कारीता" य करणता गारेखाः । अते वाकि मारेक्न मध्य । এত श्राप्तुः कतिराज्यमा, जामात सात्रा कि -मन मंड । अथरमांक पूरे वाकि निवित्त मामानित्त्रत वित्नन्त्रमनविमुधितारे साहात সর্ত্তিস পরীক্ষার্থী হইয়া গমন করিয়াছেন, ব্লন,তর কারণ। " প্রীর্দ্ধিকারীরা স্বাচনে শেষোক্ত ব্যক্তি বারিষ্টর হইবার বাসনায় । ইংলতে আনাদিগের দোব প্রতিপর কবি ্যা ইন্ট্যাধন করিতেছেন, কিন্তু অ 🚐

তাহার প্রতিবাদ করিয়া আত্মন্তর্ভিতা সম র্ণন করিতে পারিতেছি মা ! খন্য কথা কি, আমাদিগের লওনত্ব সন্নাস ভাতাও (ইনি বঙ্গবেশের লোক) নীলব্দর বিগের বাক্যে विद्याहिक इरेश्राद्य । रेश्लाट्य अकटन नि 🔐 পৌ বিজ্ঞানাদি ঘাবতীয় বিষয়ক 💆 ২কর্ষের পর। কার্ছা इইরাছে । ঐ সকল বিধয়ে ্ আমাদিদের সবিশেব নৈপুণ্য ল ভের ইচ্ছা **जिल्ला अवंग रेडे**ट्रांश भगन व जिल्लाक मरमात्रथ मन्धान श्रेवात मञ्जावमा मारे। यञ्जिन अरमरण ओ नक्न विवरत्रत्र जविरण य ब्रीहिक्त वा स्ट्रेटर, एडमिन ट्रेडेटब्रांश श्रम नहे जामानिरगत ७७२ विवर्त व्यंगांक दूर পন্তি লাভের একমাত্র উপায়।

> माइटकल मधुक्षम पख देश्लश याजा কালে বদভূমিকে সহোধন করিয়া যে ক রেকটা কবিতা লিখিয়াছেন, তাহা এখলে প্রকাশিত হইল।

বদভূষির প্রতি।

(तरथ , मा, मारमस्य यस्य, व थिविष कि वि शिम् । সাধিতে মনের নাদ, .घटि यपि श्वमःम, मधुकीन करत मा (गा उन्ममक किनिस्क! હशादम, दे**ल्टर**ब स्टब्स, জীব ভাষা যদি থসে व एक कार्यान करत, - नावि (श्रेष छ। इ. । জন্মিলে মরিং ৯ হথে. खनव (द दिनेश करद / --किनश्वित करव मीत्र, होत्र त्व, क्षीवम बरम १ क्षित्र यक्ति नाथ भागः, লাহি, মা, ভবি শ্য ব **ৰাক্ষিকাও গলে না গে**। প ড়ালে ১১ रमधे थना नदर ल, ८तः दिक ग'रतः । । इ कुःल, नदम्य प्रस्कित निष्टा स्मर्थ २ ऋहन किंदु ,कांच छण सं १६. मि हिर (य उर क . ह. হেন সময়তা জামি, কছা, হে লা,মা, কথানে कटव पहिन महा कर, , जून क्षार, ७० ४५, व्यमन करिया। यस स्मान करिन, प्रवस्त ! ---

কৃষ্টি বেশ অভিনিধ

मानदन, मा. वक्ष करम अधूपर जःयदम कि नमस, कि भन्नाम ! विभिन्नभूत ३२%॥।

ा देह परक्षित ३५४२ ।

প্রির সম্পাদক, আবেরিকা হইতে এনত সংবাদ আগত হইরাছে যে ceনেরেল দর্থ-সাইড অধিরোধে বোকোর্চ তুন অধিকার कतिसाद्यतः। भावन् नामकः पूर्वं व्यम्मानि ৫০০ কন্কেডারেট্ সৈন্য রহিরাছে, কিন্ত ভাহাদের 'রসদ্'পাইবাব সভাবনা নাই। ৭ ••• কন্ফেডব্রেই সৈন্য করিত্ব নামক স্বাদে এক:ব্রিড হটীয়াছে। এবং স্থানস্তিরে ২০০০০ এক রিভ থলিয়া শুনা যায় : "অবি লবে উভয় পব্দের এক ঘোরতর যুগ্ধ হই বার সভাবনা আছে। সেক্রেটরি সম্নর রাসনভা মধ্যে এক দীঘ বক্তা করিয়াছেম -এবং ভাষতে মূল্যুদিয়া কলবিয়ার দাসদিগ কে মুক্ত কথা উচিত ইহা প্রতিপাদন করিয়া-ছেন। বন্ফেডরেট্লের র.জসভার সোএন নামক সভ্য এখন্ত প্রস্তাব করিয়াছেন যে ইং লগু হইতে দুড়নিগকে প্রড্যান্থান করা, এবং উক্তদেশ হইতে কনকেডরেটদের স্বাধীনতার **অঞ্চীকার প্রতাশা পরিত্যান করা উচিত**। **পূর্ব্দে ইংরেঞ্জের: কন্ কেডরেট দের পক্চই**-ব্যাছিলেন, কিন্তু এফণে ভাব পৰিবৰ্ত্ত কৰিডে-

গভ ১০ ই জাপানদেশীয় প্রণান ज्ञालकुछ औषुक है। करना छे हि-नियम्स् कि নো-কামী পারিদের রাজনিকেতনে দয়টে কর্ত্তক সমাদরে গৃহীত হন। রাজনুত সমটি কে সংহাধন করিয়া বলিলেন ও সহাধান্ত । মুটিমা र्व टेडिक्टनद्र अ.काम्रनाद्य जामत्रा जल; न-য়'টের সমকে উপস্থিত হইলাম। জাপানের দ্যাতি করাশীশদেশের যে সন্ধি স্থাপিত হট্ রাড়ে, ভদ্মার। উভয় জাতির গরস্পর মিত্রতা ত মশঃ প্রগাঢ়তব হইবে। এই হেডু আলাদে त ^{बद्धा}र **छ एकीय श्लामिश्रिक वह मिलियह।** শ'লশে অপ্ন করিবার ভাব আমাদের প্রতি স্থান ক্ষেত্ৰ - এবং একড ভাতিপ্ৰায় প্ৰকাশ े किंग्डि हिन १४ निकास अथ्यक्षेत्रीय कविया दाचा ও লার একাত্ত মানস। আমাদের মহারাজের । ১৯মড্যপ্রসারে জানতা এই অনুধার প্রার্থন। ১লা মার্চের বিবরণ এই পোডসংখ্যা ৩৮ সৈ

করিডেছি যে ফরাশীল মেশীর এক যুদ্ধ-পো-**ज बांता जामहा बरमरन शक्ति अदित रहे।** ज्याबारमञ्जूकाष्टिक आर्थना এই ६व महातास সপরিবাহে স্থাভোগ কবিতে পাসুন এবং ফ.. রাশীশ জাতির মলন হওক গ সমাট্ এই উ-ওর দিলেন " আমি অংকাদ পূর্মক জাপান সনাটের প্রতিনিধিন্বিগকে সংকার করিতেটি, এবং এরপ আশা করিতেছি বে সংস্কৃত্যপুর্ব **ছারা মললোৎপাদন হউবে। আপন**রো ধরান भीगरमरम जानियारहन, जागारहत द्वारका র মহস্ক যপার্থ কপে প্রতীত হইবেন। আপ 🗣 नात्रा अरम्पन (व कारण गृशेष इंडेरनन कवः যেরপ স্বাধীনতা শ্রেগ করিবেন ডম্মারা জ. বশ্যই জানিবেন যে অতিথিসংকার সভংক্ষ, তির এক প্রধান ধর্ম। আনি আহ্নাদিত হট-রা জন্মমতি দিব বে আণন।রা এক যুদ্ধপোত প্রারা কলেনে প্রেরিড হন। আপনারা, যখন প্রতাবর্ত্তন বরিবেন, তখন ইউবোপ দশনের স্তুপান্নজ্ঞবেদ্ধ সঞ্জিভ এই বোধ করিয়া য'ইতেন বে জাপান সভোগভার সহিত সন্তাব সুক্ষ। কর, আমার সর্বতোভাবে লাঞ্নীয়। 🛎

পৃথিবীতে যে বস্তু দ্বারা মহোপনার সাধ ন হয়, ছোগা যদি অপ্যাবশ্ভ হয় মহানুজনগ উৎপাদন করে। সভাতা ও শিংপবিদ,ার যত উন্নতি হট তেছে ও তই মুমুণ্যের মুকল ও অ মলল উভয় গল পরিক ও হুইভেছে। যে বা-क्षीहत्वस्यारण अक का कि काकि पुरापन करें। তে গিয়া মৃত্যু শিতার মহিত সাক্ষাং করিয়। চ্টিতার হয়, তাদ রাহ্ দস্যরা এক জানের দর্মবাপবরণ করিয়। নিমেদ মধ্যে প্রায়'ন ক ात ' लोट्रांकि सरग्र काता ' प्रतितीत करू म জন । কিন্তু কোনা একণে মধুৰা নালেৰ ভবন্ধৰ উপায় চইখাছে। আৰেশ্বিকা ফরাশীশ ও ট॰ লও এই তিন দেশে এক প্রকার কার্ডপূর্ম ও প্রকার্য কোন যন্ত্র প্রস্তুত ছইতেছে , উহা পোত বিনেম - উহাতে অভি জাপট যুক কৌনলের আম্দ্রক কিন্তু উলা পুথিবীকে ছিল ভিন্ন কবিবার ভালোৰ উপায়।

্রতিবদের :লা লাচ ভ রভবর্ষ ও চীন च्यथाल इंश्वरश्वर यस नाविकरेत्रना चारह, ভাষার বিষয়ণ পার্লি ষেক্টে আর্গিড হয়, গড

ना अभार : द्वाक्यांक १०९;एट० हैक्स् इत्याक्षी:-দি ৭৩১,০০০ টাকা ৷ বাজেনব্রচ ১,১৬৬ বিচন-होको। कड़ना २२७/६२० होका विस्तराहि ५ ७,६६**० हेकि। । गर्वाचिक** यार्थिक ताब ८,६७०,६.. ४० होना ।

चानवाद भोडेरक्द्रा चारशंख बाक्टियन रय कृषधाष्ट्रमांगद्धतः यूगान वीश मकत अव अवा-র ইংলতের অধীন্ ওথান্তার অধিবাসীরা নানা প্রকারে বিধীড়িত হইয়া শাসনকর্ষাক निक्रे अक आद्वलम् शञ्ज अर्थन् क्ट्रुमः किन्न এক্প আবেদনে যে রূপ উত্তর সাধারণতঃ প্রথন্ত বইরা পাকে, ভাষায়া সেই ৰূপ উত্তরই काश स्ट्रेगारकः ।

ইাখাত পত্রের এক জন সংবাদদাতা লিখিয়াছে ৷ যে সাফিকার দাস ব্যবসায় পূর্ব-वर इलिएफेट्ड : अवर योज हैरल छ : कारमंत्रिः काद मांगरमञ्ज अञ्चल जूना अकृषि अना अस्प না করিতেন, তবে উল মপ্টাড়ত হইত : हेश्म ७ व्यास्त्रिकात गुरुत श्रुत्व पूजात नि-নিস্ত বাধিক ৩০০,০০০, টাকা দিতে হি লেন , অথচ ভাষেরিকার ৪, • ০ - , • • দাস **इटेंट्ड धन इकि विवर्**ग अंक भन्नमां **व नांख** क-(तन नाइ।

শারিদের ভূত্র রাজবাসিত্র নিদরীয় চিত্রশালিকার নিসর দেশীয় কতকগুলি প্রাচী ন ও সুদৃশ্য শিপজাত বস্তু খানীত চই-वारक।

বিখ্যাত বৃদ্ধ লক্ত ব্ৰাহম্ কিমুৎকাল গাঁড়ি-**ड हडेहांड्रिसन , धक्करन विस्थान आदित्र.गा** नाच कदिशास्त्र।.

এমত জনরৰ যে সমাট নপোলেজন্ সপ-तिवाद्ध व्यक्तिश क्रम प्रिम यावर वकिश्याम ना-मक बाक्षाक्रीमिकाय ज्यविष्ठि क्रियम ।

নিগ রাই টাইন্স পত্রে এমত অভিপ্রায় প্রকাশ করেন বে এদেশে অনেক জবিকাহিতা खी माफिम्ब कष्टे भाईएडर्ए । खारानिशत्क পুৰুষোপযুক্ত অধ্যন্তনক কর্মে নিযুক্ত কর। অন্যায় : ভাছাদের দুংখ অপনয়নের এক উ-গায় এই যে ভাষারা বিদেশে ঔপনিবেশিক-(एत् मदश्य **८८१तिक र**त्ताः कायाकाम किर्ट्स এই অভিপ্রাহের পোষকভা করিয়াছেন, এব करियांत्रक्र हर बीजा लग्नी अ व्यक्ति वर्गेराज निभिन्न एडेब्लिन्स्टिस् । थाकीक ब्हेस स्यू अरह-

वन वर्द->०० विकितिक जी चारक्व कंकरणा | माहि-कारमत श्रुमीन नशकांच कंकिणहे नाम क्रिकेन और विकारन वाहियात अञ्चलधुरू, कर्छ-ক্ষেত্ৰতেই উৰ্থলংস্থান আছে, এবং ক্ষি-**শइ चल्रमबस्द्रम**्मिनच्छ । मिन् द्रोहेरस्त क्ष-खाँद अहे दर कार्यनिहें ब्रीतिरगत छात्रखर्याणि चान देखात्र कित्र्यात्र निविश्व अर्थ नाहाया দেওরা উচিত। অনেকদেশে প্রত্যেক স্ত্রীর স্বিজ জুলনার ছুই বা ডভোধিক পুরুষ 🕯 🔭 (রাজ) বর্ত্তমান আচে।

এগুজিবিশস্ প্রায়ত্তনসময়ে এরণ জন রুব উঠিরাছিল বে প্রারম্ভিকেরা এক বিলেন বেশে উক্ত কাণ্য সম্পীয়ন করিবেন - কিন্ত কমিসনরেরা সে অভিশৌর পরিত্যাগ করি-हारहर । विरम्भीय जाशक्क निश्वकरपत्र যাহাতে কট না হর, এমত উপার করিবার মুচাুরু নিয়ম অবুদ্ধিত হউতেছে । ভাহারা অভি অপব্যৱে ল**ও**নে ভাৰস্থিতি করিবে ৷ ভাহাদের সুবিধার নিমিক্তি এক জন ছিভাবী মিবুক্ত হইবে[,] পীড়িত হইলে অত্যপ ব্যৱে **हिंक्श्ना क्षांच ष्ट्रियः** जनर फनावारन नथ নের নানা বিচিত্র স্থানে ভ্রমণ করিতে পা-इटव ।

जात्रजनवीं इत्तरा (य करण नर्छ किनि॰ कि श्रिष्ठित शद्ध क्रियारहरू, जागां अथानकां व कारके माखिमात्र मरखाय धकाम कतित्राहरून » भागारम अधूक बादू इमाधनाम बाय ७ वा मः प्रितका ता उ है शामत वर्क्छ। विस्मय करण हिनिधिक बहेगारह।

টাইম্স সম্পাদক ১৯৮েনের রাটয়তদি পের ' অভ্যাচার ' বিষয়ে এক প্রস্তাব প্রকাশ করিয়াছেন : ইহা নিভান্ত তুর্ভাগ্যের বিশর विनिष्ठ इष्ट्रेंद य बीनकरत्त्रः ताङ्ग्रेष्ठप्रमञ् (मान मधामान कतिरंड भगर्थ इहेट उरहा धा আরা দলিকাৎ স্থবিচার চায়, তবে আপনার। प्रदेश शक्ष नहार अव अवस्तान करूक । मह्ने **७.हारमञ्ज अवन्त्रा अवनाष्ट्रे (नकरङ् ! (नव-**क्षु । ' वाली श्रमद्रक्तकव नाव महेदन ।

গত রাত্রে এখন লক্ষিকল্ সুসাইটি দাদক সমাজে বাবু জানেজমোহন ঠাকুল, বৌদ্ধপ विश्वत अर क्षांत गाउँ क्षत्र ।

अश्वितिभन् डेननाकं बाना तम् वहेटड नथरन कळक्छन् ज्यान हारबद्ध नवाशव वहे-ग्राटकः कारोद्यम् ह्योत्राच्या नियानुगार्थं कडामी-

अधारम निवृक्त रहेरव ।

কলেক দিনসাবধি আক্রান প্রকর্ণনির স্কুত विर्धन रहेब्राट्ड, ज्या श्रकाणिख वक्र स्वरण्या वाचनारमञ्जू नाम क्विन्युक्त किया **अहे ए**व मी जनारनम् मध्या अहमके मंत्रस्य अव्ह শীত অনুভূত হয় নাই।

उनिहाम अवस्ता

नवन, ३•वें "८न ३৮५२।

প্রিয় সম্পারক ৷ সিম্পু বিন্যাস-নিকেডনের चारवामग्डेन अवाद्यकात् सर्वे ध्येथान् स्रवीकः। আখার অনু ও পদাবলীয়ারা " ও শ্রিং অবু দি हेर्नमनन् अक्सिविनम् , माजिनामिक হইভেছে, ইহা আপনার পাঠকেরা বুরিয়া गहरवर्ग। अश्रमका<u>त सानाः</u> मश्वान गढ्ड अहे মহৎ ব্যাপার , নানাশ্রণে বণিত হইরাছে। কেহ কেহ ইহাকে সামান্য ও ৫১ শালের ব্যাপার্টের অংশেকা নিহুইডর বংশ বর্ণন করিরাছেন*় কে*ছ বা ইহাকে **ভাতুত**পূর্ব বলিলাছেন ৷ পরস্ত আমার হন্ত হইতে अविवदम् अन अन राजानित् वक कि, हेवारे আপনার। স্থানিবার ইক। করিতে পারেন।

)ना त्व इंदग्लेखिवादतत **प्रहे** जिन सिम পूर्वाविध क्षा मधाकु आजाविक बहेमा अना." লিত হইতেছিল । দিবলোর ভাষ কোঁল অং-শেই বললেবের কাত্র লাসের অস্থান হিল না : কিন্তু উক্ত শ্বংশাডিবারের প্রান্তে আকা-শ মেঘাজন হ**ইছা খন** বৰণ ছওয়াতে সকলে-तृष्ठे मत्त प्रमानका केशनिक दत्र । यादा दकेन, ণেলা নগুটার সময় হৃষ্টি অপস্ত হুইল। নগ-त्ता हु इ कि क्षेत्र का का का माना नामा है পুসজ্জিত হইয়া এখনৰ অভিমূখে গমন করি एक नानिल । (बना प्रमहोत शूर्क नमन वर्ष है শক্টাদি স্বামা পুর্ন ম্ইন , শক্ট সকলের গতি যথাৰ্থকাপে শ্ৰুক গভিত্ত সহিত উপনিত হই দ্লাছে। পথের ছুই পাৰে' অট্টানিক। শ্রেণি **হইতে নানা বৰ্ণের পতাকা উভ্জীন্না**না এবং वस्क्रेन खाद्युर मध्य द्रम्प अक त्र्टी गडाका " স্থাগত সমস্ত স্থাতি ! স্বলিয়া লোকসিগের অভ্যৰ্থনা করিভেছিল। যে কোন পথের যত দুর সৃষ্টিগোচর ছইয়া ছিল, ভাহাতে শক্র শেণী ও বছব্য কিছ আর কিছুই দেখা যা^ৰ

নাই। চতুৰ্দিকে নেত্ৰপাত করিয়া হোধ ছুইতে | পরিচ্চদ-ভূমিত ইংরেজ স্বাজপুরুষ ও সেনা | मांभिन यन उमहेल धक्यकांत्र जनशायन छै. পশ্বিত। রাজপুরুবানির জাগম নার্থ বকিংহাম পালেন অৰধি শিশা বিন্যাস-নিকেতন পৰ্যাস্ত তুই ক্রোশ ব্যাপিরা` পথের ছুই ধারে বিচিত্র সমহি-ভূমিত অখবার সৈন্য সকল দণ্ডায়ন ন হয় এবং ভাহাদের পশ্চাদেশে অসংখ্য লোক সমবেত হইয়া রাজপুরুষদিগকে দেখিবার ^{*} নিমিত্ত <mark>সাডিশন্ন উৎসূক্য প্রকাশ</mark> করিতেছিল, ১১ টার প্রাথি "মহাজন গ সকল থানা রোহণ পূর্বক ছোণিবন্ধ হট্য়। গণন কবিডে नाभित्नमा अत्मदमत भक्त क्षांक्रमञ्जी समाम **ৰূপ লোকপ্রিয় নহেন** ১ গৈটায়া সম্ভিক প্রিয়, উহিদিগকে দেখিয়া লোক সকল ধন্য ধানি করিতে লাগিল। ক্রমে ক্রমে নানা দেশীর রাজ দুড সকল লোকদের দৃষ্টিপথ অভিক্রম করিলেন। হৈতি প্রদেশীয় হঞ্চর্ম ব্রাজনুত সকলকে, ও জাপান দেশীয় রাজগুতরিগকে দেখিরা অনেকে হাস্য করিরা উঠে, ইন: ই॰ **রেলদের অতি** ঘূণাকর অসভ্য রীতি। অর্জ-ঘটাতীত ১২ টার সময় প্রভাকর প্রচণ্ড মৃত্তি ধারণ করিল, তখন শিপে নিকেতনের চতুর্ফি ক্ মন্ত্ৰারা একেবারে আ প্লাবিত হইয়াছে ক্ষিত্তনের বাখমূর্ত্তির পরিচর পূর্বে দিয়াছি কিন্ত :লামে যদিও উহা নানা পভাষায় শোভিত হয়, তথা।[%]। পুৰ্বাৰৎ কেবল বাণিজ্য भाजात्र माध्य ८०१म इते ८ व वाजिल। यात्रा र-উক্, অক্টালিকার অভ্যস্তন্ধে এক ভিন্ন ব্যাপার ৷ পাঞ্যার मन्दिर ও अधनाश्रामर्यंत्र मन्दिर নির্মাণার্থ বিশ্বকর্মার স্বাহারণ জাব শ্যুক হউলা **ছিল, কিন্তু উপস্থিত** অন্যতপুত্র সন্পারের সম্পাদন নিমিত্ত কত শত বিশ্বস্থান প্রয়োল **জন! মন্তব্যের খা**রা যে একণ কীঞি অনুষ্ঠিত **बहैंदेख शांद्र, हैंशे किंगल डे**स्ट्रिक्शिए-द्रार्ड | ঁ**সপ্রমাণ করিতে সক্ষ**া প্রশ্ন ব, শশিহ্য কারে ্ **প্রাবেশ করিলে ১৫০ হড়ের** অপিন উচ্চ এব ু**লের তল হইতে সমূখে ৩৫০** ছল দীয় ক abe एक व्यमादिक ग्रह मृन्य रहा । निख अक हम अधिनिकात भारतिहास भिवास समग्र नहरू প্রাসাদের অভ্যন্তর ব্রেশ সম্প্রাধিক ব্যক্তি খন আকৰ্ষণ করিতেছে। নানা জাতীর মানা প্রকার লোক সমবেত হইরাছে ৷ কোন স্থানে प्रशासिकाक ब्रक्त, शोक नीम, हक कर्तत्र । ना बनिया मध्यमीरक महस्रवात जिल्लाह्न क-

পতিগণ, সগর্বিত চিত্তে ইতত্ত নিরীকণু করিতেছেন, কোপার বা করাশীশ, ভুরুড, রুব প্ৰভৃতি **দেশীয় ব্ৰাজপুত সকল স্ব স্থ**াতীৰ সজ্ঞার শোডা প্রকাশ করিডেছেন - কোপা -বহুমূল শাল মুক্তাহার, এবং রুদ্ধ বিভি উ ফীনধারী রাজা, কোন স্থানে বা ঘণলতা শোভিত রক্ত কৌনেয় বজের ভাগরকণী পরি-ভিত ইউনান দেশীয় ধনায়্য ব্যক্তি ৷ এই ৰূপে याजक, टेनम्ह, बाबम्हासाबमाही, मिश्नकन्न, हि ত্তকর, গ্রন্থবার প্রাকৃতি স্বীর স্বীর বেশে অ বিঠান করিয়াছেন। **ক্ষাপান দেনী**ৰ রাজ দুতেরা আংনাদের গড়ীর ভাব দারা লোক-দিগকে চকৎকৃত করিলেন > ভন্মধ্যে চুই জন প্রহুদ্ব রাজপুত গাড়ীব্যের প্রভিমূর্ত্তি বলিলে হর ৷ তাঁহাবা সমস্ততঃ অভ্যাক্ষী সমারোহ সন্দর্শন করিয়াও কোন ক্রমে অজ্ঞ লোকের ন্যায় বিপায় প্রকাশী করিলেন না ৷ তাঁহারা বিশ্বরম্ভনের ন্যায় ইডম্ভড: দৃষ্টিপাডও করেন ন।ট ় কিন্তু তৃতীর রাজপুতটি তাপে-কাহত খুলা , ভিনি চতুদ্ধিকে মনোহর-বদন कृतिक शक्किनितिल्य देश्द्रक महिलाद्यात ভাব ভনীর দার। স্পষ্টতই উক্লাটিত হন।

১টা ১৫ মিনিট গত হইলে ভূৰ্যাধানি হট-তে লাগলঃ তদনস্থর অট্টালিকার দক্ষিণ ভাগ হটতে পশ্চিম ভাগে রাজপুরুষেরা ভোগি বক্ন হইর। গমন করিলেন। তথায় রাজসিং হাসন স্থিত ছিল সকলে ধথা স্থানে উপিং 🕏 **इट्रेंटन** काउ ने ज्ञानिदिन धक्**री रक्**छ। शार्ठ क तिरामन अवर देशमध्यभूतीत् शक दहेवा छिडेक অব কেন্দ্রিক ভাষার উত্তর দিলেন। জনন-্ন্তর রাজগুরুদেরা পূর্ববং খেণিবছ হইয়া উ-ত্রদিক দিয়া পূর্বাওছজের তানে গনন করিলে ন। রাজমন্ত্রীরা প্রাকৃত অশংসাবাদ লাভ করি তে লাগিলেন, বিশেষতঃ লভ পাসমুষ্টনকে লে। বিয়া লোকে আহ্লাদখনি করিতে লাগিল। ७९५। त वथन किंकि चान् किंद्रिक हरू कि कि ংডাপুর ম**লিগের ছারা পরিবেটিড হটরা রাজ** নি হাসনে উপ্লেশন করিলেল, তথন বে আ-দুভ ন্যাপার লোকের প্রভাক হইল, ভাষা কথনাতীত। আৰ্মি পাঠযোগ্য বৰ্ণনার **শভা**ং-শের একাংল মন্প্রায়ম করিতে পারিংভট্টি

রিতেছি। তৎকালে হুর্ব্যের কিরণ বিশ্বন উ. খলতর হইস ৷ এবং সভাস্থ লোকদের অব-হিড মণিধানিক্যের উপার পতিত বইরা এক कारन इन्द्र क्षम कड़िएक मौतिम, बनिरन बन्न । 'अद्वीतिकांत्र मधाष्ट्र जुहांक ७ नमूक खड (अवी উৰ্দ্ধদেশে বিচিত্ৰ চপ্ৰাত্প, পশ্চাভাগে সহ-অ সহস্ৰ গাধকপুরিত লগীত মঞ, এই সমুদার একত্রিত হইয়া যার পর নাই শোভা প্রকাশ করিল। ভদনস্তর সঙ্গীত। কণিয়াক টেনিসন এই বিষয়ের নিমিত্ত এক সঙ্গীত রচনা করেন, ভাঙা টেনিপনের যোগ্য সংক্রহ নাই 🔉 ঐ সভীত বৃধন সহস্র সহস্র পর ও पद्य निविद्य ४**डेग्रा मधील इहेस, ७४**० অনেকেই আনন্দাশ্র সম্বরণ লবিডে পারি লেন না: ভানান্য সম্বাতের পর ডিউক অব বেথ্রিঞ্জ শিশ্য বিন্যাস-মিকেন্ডন জড়ি-मुक्त बड़ेन रनिया देशेय अधिकी कविरामन যদিও <u>ভাষার বাক্য উদ্ভয় রূপে এণ</u>ত হয় নাই, তথাপি ভূগ্যধানি হারা উহা সর্ক ব্দনের গোচর ছইল।

দেৰভাত্ম প্ৰকাণ্ড ব্যাপারে বলি নাডীত मध्ये वन ना । जाभारमत राज्य वितत महिछ দেবতাপুজা আরম হইয়া পাকে: এখানে উহা বলির সাইও শেষ হইল : কলা দেবী এ किं विनिद्धान स्ट्रिक नार्ष्यान मुख्ये क्षेत्र स्ट्रालन । स्ट्रालन শালক কেণ্টুংলাকাম্ব হট্যা একটা চলিকু करनत निक्षे प्रशासमान ग्रा। करनत अक मार्थ ভাহার স্বয়োগরি পড়িয়া মন্তক ছে৮ক ब्रिग ।

যাকা হউক এই মহদ্যাপারে ভানা কোন বিঘটন। হয় নাই । কোন কোন বিদ্যে একারা-প্তর ধ্যবস্থা করিলে ভাল হউত। কিন্তু চি-ज्ञक्य मा स्क्रेबा ७ लाएक जिल्हा स्थाप विज्ञात श्रिका थात्क । उस्त । त्यत धरेना अत्यद्भन भटन নিকিড খাকিবে:

क्याहर काना कान विद्यम अहस्यक्रिया नवाप्त नाष्ट्रे। भानिदिनदेने जिएका बीभ खोद्र-তবৰ্ষ সম্ভুক্ত হটবাব প্ৰস্তাব বিচায়িত হট্যা-ছিল : কিন্তু গর্ভ প্রান্তি প্রভূতি ঐ প্রভাবের <<p>(शांतक्छ) करत्रन नाई।

উমিচাদ গুপুস্থা।

विविध मरवाम । २৮० देखाके लायवान ।

নামরা হতজ্ঞতা সংখারে থাকার করি-**ড'ট, র#পুর ফিলার অত্যংগাতী** সাকিনিবার क्यों मान श्रीराक्त गांदू भाष हस्स तात हो पूरी স্মতাকাশের উপ্রতির নিমিত ৫০ টাকা দান েরিয়াছেন। সোমপ্রকাশের জীবাদিব নিমিত াষাৰ গাহা জেন, ভালা ভাগাদিগোল অভিগল ালিবের শামগ্রী (আমর) শানু নারুর বিদ্যালিক

া দেশক্তিকৰ বিষয়ে বন,ন্যতঃ শক্তির শাসক স্থাদ শুনির্গাছ । কিন্তু কোভের ভি 👊 এই, ইফ্ বারু দীখারোগ এফ্ চ্ট্রেয়া কর্ত্ত भारे एक एक न

नव विके त्व' स्व ग्रथा वेष्ठे देशना ६ । गांकि-নবলিগ্রের ভাষ্টরোধ করিয়াছেন যে ভাষারা ा जिस्सव ६वलम ब्यालवर्डे चाहुनीरः मृत्स्त्रत क्त क्रेन रक, गारक्षेत्रत मञ्जूदनिराज्य निमि े भारति काल कहे हैं।

গত শনিৰা ৷ অন্তি ইংকেন সাহেব বল ্দ্রশী গোরণমেন্টের সেক্রেটা কির কার্য্যের ছঃ র এইশ শরিষাভেন করেন সায়খন বোর্ডে 'অ'নিয়াস্চন : তিনি উপযুক্ত লোকট মনেই নী ১ কবিয়ানেন। তীহার এটে প্রাপন্ধিং কার্য্য २०० कः तः अध्यापिटा ३ (१४४ **३ हेट्छ** ८६) .कबिट्यां अ विषद्य िङ्कि आ.केमाद्वरद् · ीय व्यक्तिकाताबाली शहरत्व वा ,

विकास नगरत अविदायन हुन शुम क - মতে , গাও শওকে প্রতি নিয়ক ১৬০০ চা-'ব ডিলাভ কটবাঞে

'ন) জুন সাচনতে এফ ভয়ানক ডাকাইভি ^{হইন।শিনাছে}। **প্রা**য় ৬০[ু]জন দক্ত ভ**ে**ভা ाला १ क झांडिय निकडेरिड कटार वाणे खूरे ীবিধা এ:ব ১২ জন লোকটে জাইত বহি-া েল, ধন করিয়াকে। পুলিন কর্মচারিরা যে ৰূপ করিরা থাকে, সম্ভারা পলায়ন করিলে প্র े : फिरशन कारकानरमा शतिशीमः किन ना । " । १६८ स्मार्ग अहे (यह) भागवाम छडेन, कर्ष া^ত ব বাদির **উপরে দন্যাদলের দৃষ্টি** পড়ে।

यक अलाहे हे नक्षी प्रक बर्टनम, मित्रारहेन व. 🐣 ান আফিসর তাঁহার এক হাসীকে চোর मरमाद क्रिक्स श्रुमिट्य ६८वर्ग करतम। बामार

দারোগা ও শার এক জন ক্রেট্রী ঐ হত। লিতে। চনজুন গুর্তু আপনাদিগকে প্র-বি-खाशा बीटलाकटक (माम नीकाद कहाहैवाद কলৈ ভালাকে বলপুক্ত সম্পান করাইলা শেবে ভাছার জুরুরতা করে জুই ভিন দিবস ভাহারা এই প্রকার শশুরণ ন্যহার করিরা हिना भट्ट आकिम्त हालोटक विद्यान छा নিঃ ভাৰাকে পুনকীর ব'টা লানিয়া দেখেন त्य फेंंट्रड्ड नांत्र इडेब्राइड । शद्द विकिश्ता षात्रः ७ हात देवज्या इंडेट्स ८४ त्रमुलास थ কাশ কৰিল। দারোগা ও ড'হাব কণ্মচারির जिन वरमञ्जू कांद्र दिवास पक्ष क्रेंग्राह्म । जाना क्ति (मरम अञ्चकां के वेशनक खड़ाहात कड़े-লে কৰে পুলিন সংখোধিত হইত।

উক্ত সম্পাদক লেগ সাহেতের পরিবর্ত্তে নেজর নাক্তিগবকে রাজ্য সংক্রান্ত প্রাধান काराक दक कदियात ज्याष्ट्राध कदियाद्याः बिदलक्रीद्रिताई बाबक दुकियांक लातके वहिन ?

क्टब्रक्षित बहेन आमता - हर्ते १ ए गुत्रुत সম্বাদ শুনি নাই। দিলীগেকেট সম্পাদকের সমুগ্রে সম্রতি তাহা আহাদিগের ফতি গোচা रहेशायक एउडाका व्हरेन करत दहेनन मार्डेश अकमन अंडेरगानीज ६ डर्राट व लागाए করাতে তাঁলার খেদ পালকের মৃত্যু হটর'ছে। प्यनस्वके कि अहे कठार मन्द्र निवासरगत धारी कतिरस्य मा

छेक मन्नामक वासम 'कात्र:क्रावाटमत िनमयाचेत्र । भारत ३२ गासिक समान्त्रीक একটি অপেবয়ধা দ্রীয়ে সভীত্ত হরণ করি: দাভে । ঐ ক্রীশোকটা রেউলওয়ে ধারা তা হ'ব थायीत विकास यार उक्ति के पूर्व छता ্ষ্টেসনে তাহার জন্পত্না করে। জ মাদিলেখ (ल्ट्लंब नाष्ट्रिय कि जन्नवद्रक्ष्ट्र करेन)

জালাবার গেডেট সম্পাদক ধরেন, ডাছভা গৰণ্মেণ্টৰাটা ও প্ৰত করিবার নিভিত্ত সাড়ে-जिनसभ हे। निर्वात आक्रा कर्षारक। अन कल विमाध अवन्दात्रीक हाउसदा ।

कारयायः (अंश्रमहे अध्याप्तक बद्धान, खबाब क्रमत्र र प्रदेशक अध्याराष्ट्रय विश्वत देगमा लहेश करशक्त क्या कविटक जानिएकरबन ! এগকল জনরব কোথাহইতে উঠিভেচে, ডা-হার নির্বন্ন করা আবঞ্চক।

डेख मण्डामक चाटका वदमक द्वाद्यद्वदन

लेख कर्महाति नामहा **शब्दिहत्त मिल्रा धामण** भारतिक अहे कथा वरन विन **क्षांत्रा** हेन्द्रा नारमञ्जू आम एक कविता **कारम**क মূখ লোক ভারে ঐ শুর্ড দিগকে টাকা দিয়াছি-ল। তাহার। সম্প্রতি ধৃত হইয়াছে । এ এক मण खुगाइति नम्।

গ্রণমেন্টের ভিন্ন ভিন্ন ধনাগারে এপ্রেলের (मध्य िव्यविष्ठ होका स्वयं हिन ।

লারত ব্যায় গ্রব্মেটের ১,৬৩,৪৬৪,১৬ वजरमञ्जीत के উত্তর পশ্চিমাঞ্চলের 🏖 5.65.25,562. ं भारवत् ले বোখাইয়ের 🥙 নগলোৱতবর্ষের 🛦 मिकिव श्रीरमध्यात মান্তাভোৱ ঐ

মোট টাকা

39,96,96,962

वान धानम्बात ठाकुत कत्रत्वाता नही वह তে এकी चान काठीन, शवन्द्रवन्ते छाहादक (ग-हे भारत कर नहेरछ कल्यांड विदारहर ।

यानिक शरकत रखन्ति याजिएई रहेन विश-কে চাকা একালে একটি প্ৰস্তাব নিৰিত্ত হ্ৰাৰু। তে তেপটি ৰাজি ছু ট সম্পাদককে কিভিয়াইছ न " मजानत ! ज्यामि स्मिथिएकहि क्रिकिं ज्योति है প্রতি অন্যায় ব্যবহার করিয়াছ ইত্যাদিস্পরে क्ष्मिष्ट में बिरहे हे वरमन मन्नावक के हिन् হাব সহকারী**দিগের নাম প্রকাশ লা করেন তা**ন s: হটলে তাঁহার নামে নালীল হইবে। ভেপু**ট**। यांजिएहे टोन वृक्षिमकांत्र विवत्र विवत एकम् হউক ভাঁৰার লেখার ভাৰ দেখিয়া বিখ্যাত निरमात कथा यदन क्हें एकटक् " ठीकून बनाने চলে গেল কুড়া কোড়াটা পড়ে রুহিলেন। >

বাস্বারে গঙ্গ উটিয়াছে লাভ এলগিন भीज वर्षानिविद्यात व्यक्त कवार्रेती जिदयन এবং চাউল প্রতি মণে দর্শত আনা ও তৈল है। कांच इन द्वार विकटनन विजय कतिन किटव-ন ৷ একাণ করিবার ভাৎপর্য্য এই, ভাহারিচেগর व्यक्तम कवित्रा बाहेरव, छाहातिश्वत कडे हहे-মে না। এঞ্চার বিখ্যা অনম্বৰ ভূলিবার লোক

আমরা শুনিলাম বারাকপুরে একটি তুর্গ নির্ন্দিত **হইবে। সর হিউ রোজের জাবার** কি । কানপুরে এএরণ করিবার জাজা ছগরাপে । या कितिल १ हेका नित्रकूम ।

रिक्ट रशिष्टे बाँगे जन्माविक बरतान अवर्ग विक विष्ठा निकात करा दा हाति वक होका वक्ष শে **অধিক বিশ্বাছেন, ভাহা হইভে এ**সিয়াটিক **নোরাইটিডে প্রতি যানে আর চুই শ**ত ^{টার}। **দেওয়া হইবে। এতকেশী**ব সংবাদপত্র ও পুত্তকাদির মন্দ্র ভাষণাড হইবার জন্য এক জন ্ৰু ভেন্ধাৰধায়ক মিযুক্ত ছইবেন। গ্ৰণমেণ্ট স্মা-রুও মিজ ব্যয়ে এক বাদালা সংবাদ পত্র প্র কাশ করিবার সক্ষপ করিয়াছেন। শেগেকেট व्यथवाय स्ट्रेटव ।

২> এ জ্যৈষ্ঠ দ্রুলবার । গত কল্য একচেঞ্ বাদীতে নিয়লিখিত অহিফেন বিক্রীত হইগাছে:--

সিম্মুক মূল বেহারের ১৩৪৫ ৽৽৽৽৽ कामोत्र >>७१ > 9,18,511 গড়ে প্রতি সিম্মুক ১৪৭৫ টাকার বিক্রী. ज रहेबाट्ड

बाद्धांडेरतत बख्रकिरगत जशासुकात सना पिछ ज्य अवर्रायकेरहोरन अक्षी मृजागीखम्य उरम्य হইবে, ইহাতে বে টাকা আর হইবে ভাহা भारकहरत भागान इंड्रेटन

नद्र रिष्ठे द्वाञ्च लक्ष्यो नगदत्र दमनागंशक সভা করিতে নিষেধ করিগাছেন। সেনাদিগকে भाक कतिएक रहेरन जाशानिगरक विवाद कति তে না দেওয়া করবা, নচেং পুস্তকালয়ট কর আরু সভাই কর, সকলিট রুগ। চউরে :

ভারতবর্ষীর গবর্ণমেন্টের মিংলটা হৈ সেঞ্জে-ষ্টারি কর্ণেল নর্মাণ আপনার অবীন ১ সচি-क्षिक कर्षकातिमिर्शय উপবার' । निश्च कर्रम **আকিলে এক পুস্কালয়** স্থাপন করিন,ছেন। কেরাণীরা আফিলে বসিবাব সুক্রে 🖫 পরে ভ भार भार भार कार्य कार्य भारत में भारत भारत कार्य किन विद्यालय रहेवा উঠে 🕮

ভারতবর্ধীর রেইলওয়ে কোম্পাতি দ্ব किन्न सर्व क्रमा कुनून अकृष्ठि क्रक्षित दे हैं। **'বাইডে অলমত হইরাচেন। ব**াঁহরে। ঐ সকল 🚶 **এোরণু ক্রিবেন তাঁহাদিগকে বিশুণ ভ**্চে বলা।

नान नाइरवद आकुन्तुक गाना, अस्य

कामतः शुरस्य विज्ञाकिलामः, बाववात है। হজভাগা পুরোধিতকে করাটিতে নান। সাহেদ বলিয়া, ধুত কৰা হয় ভাছাকে মৃক্ত কৰা হট-ব্লাছে। একৰে জানা গেল তাহাৰে। শাস্ত ছ**ীতে কলিকাতার ন্যানা ইই**য়াছে। দে এল (भ भुनित्य कक प्यांटहा याँहाती मान, जाक ববে দর্শন করিয়াছেন.. তাহাদিগের অনেকে विश्वादक्त विद्यादी नयमाद्द्र महिन्द्र शुद्धा **হিভের অন্ন সৌলা**দৃশ্য নাই তাবে বি জ্ঞান। ভাষাকে রুদ্ধ কবিয়া রাষ্ট্রা হইয়াছে 💤

টাইন স্বু ভাব ইপ্রিয়া সম্পাদক বলেন **৬ গণিত জ্'ণ্ডণ (অশ্বারো**ছী) দেন। দলের । कर्दन्त क्रिलि आधनात्र अधीमत्र नर्द्यक राजि (क मायांना जानवादि कक कतिया अड तः) , দিরাছিলেন যে ভাইাতে এক বাক্তির সূত্য | इक्षेत्राह्य । इंश्त्रांक (भगाम्याव अदे अवसी বিশেষ লোফ আফিসরের' গুরুতর অপ ্চরিয়াত মুক্ত কন কিছ সামান্য দেনারা কিছু কবিংলট কালাদিংগর

লিখিত সমাচান প্রাঞ্জ জইয়াছেন: -জালে জাপ্তিয়া ১৯ এ মে ৷ আমেরিকার বিদ্রোজ -द्वा हेब्र्क हैं। डैन छान कद्विपाद । भन्निरादकेत গেনারা বরগভেঁকে আফ্রেমণ করিয়াছিল, কিন্তু कृष्णकः वं। बहुँ एक भारत नाहें ' फेल्ब्र मरजत বিস্তর লোক হত হইর[†]ছে। গ্রন্থেন্টের সে माता छेडेनित्रम्भवतं ७ विन्तं के त्राहरू निषेत्रांक भारत्य प्रक्रिय नि गर्याय कानरदाभ किया निविध कविया वाल्एक द निविध निष्ठ-व्यव्यक्तियुक्त पुलिवाह्यनः। अकिन्द्रशतः महिख क राज्य युक्त ब्याद्र इ देश्रीर है ।

हेश्विनशास्त्र मार्थनोन्डि नश्योक मार्था वास्त्र जनाम अन्तर डेजियार मध्य व कृत्य নিগ দেওবা হুটবাড়ে, ইউরোপীয় দেনাগণের প্রাণ বিলাশ করাই ভাছার উদ্দেশ্য। এই থিয জনগ্রাতির মূল অস্থেদণ করা অভিশয় আ-এলকে। অন্যথা বহুত্ব অনিট ষ্টিবার সভা

जिली (भर माहिस क्यू श्रुप्त किंछ मध्यां म

দান্ত বলেন, ভত্ৰতা ফুডন মন্ত্ৰী পণ্ডিভ শিব-भीन काजिलद्व विरवधना महकान्द्र कर्मा, कड़ि তেছেন। তিনি গছা পুরাতন কর্মচানিদি-भटक निष्माय पिहा जातता कारभटकात क्राङ निष्य क्राइक्रिश्टक विठांत काटण, निष्टुल व विष्यः ্তুন ে জ্যাপীল শংনিবার জন্য তথান এক উচ্চত্রম বিচারালয় কটনাডে। এই ওলি যথান मीहिकियु तक्का। कान्य कान्य दास्यादः एति এট রাজির অভুসমণ করেন, ভাঙালিলেন রাপ্রী। বন্ধ মূল জ্যা :

বাদ নিউস স্ম্পালক ভগলীত নর্থ।লা विषय विकास अल्डाम्बीय म्दिया द्रीक পটক টাচাইবার জায় **ভাষাকে** নিক্ষোণী পলি ষ্টেছন আমৰা হাঁকি প্ৰকাণৰ বিভাৱে বি यान्द्रमः वर अनाव भाष्ट्रमः योग न है। जनानि ६ क्य . इं अलब' ह किमाद इत्याम कर ले द खुर्विभिरंधत अर्थे घककश्च मनिर्मा 乌南沟 布扎 香帛豆、

৩০ ৭ কৈ, সংবুধবার

लक्षा-द विभाष्ठ " शत्रु निम्निन नोजल क्षाम्मध्य मीसम्भर्षन हे भूष्मी काउर्धन य काल कित्युरिकार अधि येथ ४ जानार रि **बत्रकत्र।** मण्णाणिक किलिआस स्थारिक निश्च । को ७ ४६८ ७८४। श्रवात्र हे जिस्कृत अवारत सी ংকর্দিরের বিষয় ভাগ কবিয়া ভাবশার হ डें(बर ,

> *द्या दिख* अषुक्र किया (य .डेक्किश्राय टर्डे ′তেছে, ভবিশিয়ে হাউস অব কমণ্ট আহে∖ ব বিরাছেন ভাষার আঞ্চল ব ন ভারতবংগর बाक्ष वर्ष कि जि.उ. वर्ष व. अ.व. भन्म 🖜 ভাচোরে কাহাব সাধ্য আমানিগের জ.রিন অসমতি দৃষ কবিৰেন।

গ্ৰে**ণ্ড জেনেরল নি**ত্তে টেলি**মা**রে সং वान ज्यानवृत । ध्यत्र व्यव्यक्ति व भव ooo हैका **भाई द**यस । जासव कहाव जात শ্যকতা দেখিতেছি ন

ভারত বর্ষের বেইল ওয়ের প্রেমান ছাঞ্চান त्रव भनगरबद्धे निधित्रारक्षम भागावि साध्या-রির পূর্বে বালী পর্যান্ত রেইলভয়ে খোলা ডু শাখা **চটতে, কারণ কে স্পা**নির উপযুক্ত শক होफि नाहै। किन्न भवनंत्र दक्ष्यत्रम् कथ्। অগ্রাহা করিয়া ভাঁহানিবেকে জিনেবর মা-সের মধ্যে কালী পর্যান্ত ও ভাক্সর পূর্বে দা- क्षियाद्वात हैं विश्वास महिले

केष्ठेरबाशीय मिनाकरलङ निदाध मन्नोरभद অভাব হওয়াছত গ্ৰাহমট শ্ল সাক্ত হট্যাছি-্লন। সম্রাতি শুনা য ইতেছে ১২ ৮০০ শিশা विश्वाद आभिनाटम्।

লোপাই সেনাদলের এক জন একজেশার সাফিসর ছুই বংসরের বিদায় লইয়া ইংলতে শাইবার প্রথিমা করিয়াছেন: প্রশান সেনা-প্রতি সম্পের করিতেছেন ইউরোপীয় চি**হিড** जाजिनअपिटम्ब नाथि वेशेपिटम्ब हुति श्ला निगर बड़ा छैठिए कि ना वाक्श्रक्रमदा जना करत्य देश करे। **भक्तभाक करान, है स्मर्क** अन्त निष्य **अक्रभाउ क्**तिया ट्यांनरक **फ्रांश्ना**र भेदमा (ए अया दिएम्य नरहा)

উভিয়ান এম পারায়ে লিখিত হইয়াছে, ে ক'লি নামা সাঙ্কে বলিয়া গুড হুইয়া আৰী 🥫 २५ ४१८६, शवर्गस्य है जोशंदन युक्त कतियांत्र धारमन हिरा रहत । के गृहित्य भारपन क कि ्रान क(द्रार, भिका चटलरम् अध्यक्त कद। इष्टेट्य ।

ই লখের এক খানি পত্রে লিখিত হইয়া-्हें अक्टरन भूषितीराज मुर्क्ष ग्रेष अक्षण कि कि अन्य प्रा**रह। हेहासिरंग्य मर्**श ७०५*६* हि এ শা ও ১: ৮০ প্রকার ধশ্ম প্রচলিত ভা**ছে**। াদে প্রতি মনুষা ওওারণসূর চাবিমাস জীবিত "'कि। भोशाक'द बच्चपा अव्यक्ताय द्वाक ज्याण-🛂 , जीय श्रीती । २० वरमञ्जू शर्वा 😸 क्रीस्माटकत्रा ्रकर भारतको अवस् धारक। क्रियम खारु u है का**टन** जाधिक **अन्य ५८ भृजूर र**हा । 🖙 ल ६७ मध्य ७ विद्यान इष्ट्र ७७ वन-🏋 ९ इन्द्र बहेबा चारक ।

ন'-প্রলাইউ সম্পাদক বিরাটের পুলিন অ-उन्हार महित्कत विकीताथ शकाम कवितारह-^না যে মুই জন ধানাপার_্একটি **জী**লোককে থ্যাপ'ন করাইয়া ভাষার ভুরবন্ধা করে,ভাষারা ^{अ⊤. अ}रहेडेंदिक वरल, हिंद्रिल्यू'ल नामक अक अन ं कि अहो कि बादम बनिय ब्रियमान किहूहे ^{ঞানিত্তন} না। **তথাপি নাজিট্রেট তাঁ**হাকে मित्रास मधर्मन करहोते ! स्त्रित्रवान प्रस्त स्टे ग्राटइन, किन्न छाराज कर्म निवाहरू। अक्श

থার কড কাল স্বালা-

🏟 देखाई इस्प्य दियात् :

টাট্যস ক্ষৰ ইভিয়ায় এক জন পত্ৰ প্ৰে-त्रक वरणन आंत्रवरमनीत स्वपूर्णनगरत वश्च-बामणिरगद बाम कहा चात्र बहेतारहः भूगन মানলিগের একটি সংখ্যার জারিকাডে, মধুলার শৃষ্টীয়ানের শীক্ষ লোপ ফটবে।

হরকরার বে পত্র প্রেরক বেহারের অহি क्लम वर्षिष्ठ परकारहारहार विवय हिर्मिन, काली महाब्र माध्य अर अन कर्माहाब्री जामखहे दहेवा তাঁহার নামে নালীস কবিয়াছেন। ভত্রত্য খা-ক্ষিট্টেট পত্ৰ প্ৰেরদের জামীন লইয়া ভাহাকে भुक्त करियादहर : लक्ष् नाव्हर्वत्र वन्त्रायान অবণি সকলেই মুদ্রাযন্ত্রের স্বাধীনভা বিনাশ गर्क कान क्रिएउएस्।

গত বংগর আগেটেখর চা কোম্পানি ১১-৩৭ ৩াণ মণ চা বিজ্ঞার করিছালেন। ব্যার বানে केंद्रिक्षिरुगद्ग २,३१,७०० हेग्को सांच स्ट्रेग्नोट्स। অংশীরা শত্বরা ১০ টাকা লাভ পাইবেন। এই ফোম্পানির অংশিলারের মধ্যে তিনতা-বোর এক ভাগ এতদ্বোর লে,ক!

भागिकिक माशबुद्ध माहियान दीरण आ-প্রেম্ব পর্বান্তের উপস্থারে সমুদার লোকের প্রাণ निग्छे वर्हेग्राटक ।

क्रिलीटशरक्रंडे मन्त्राक्षत उटलग, निखु मदमब निश्रम् सम्ब कालि महत शक्छ व्हेरवर्षः। >१०६ किएवेंव भाषा ५०२४ किए साम रहेगा-(छ । এक वक्ष्मद्वित ब्रह्मः दल्य क्ष्मेनाव मुख्यः । मा अ'८ह ।

वक्रप्रभीव वाबज्र शक मजाग्र एने विस জ্পণ কর। চট্টে। প্রথম কলিকাডার ধুন वक् कदिवात किला । अस्तरक अमावधान ह রস্থনাদি করেন, ভাহার শুমের ধারা চতুঃপার্স্ব किंक (सारमन अबे इम् । बिलीम, विभाव पत्री क्रिसिथ क्रियात वेता। अङ्गे विस्म अञ्चाद कर्ना eট্যাতে যু**ৰ প্ৰভূ**শির সময় ব্যতিরেকে কা-্রিষ্ট লবেশাক্রীর জন্মধ্যে ছিলেন। কিন্তু ঐ ঐ হাকেও বেগার ধরা ছইবে না । বেগার ধরিকে ভাহাকে তণপরশ্বিত লেনার হাত্রিরা সিচ্চে হট্বে। কাহাকেও ৫০ জ্বোলের অধিক দুর লইয়া যাওয়া হইবে না। জাহা করিলে পাড়য়ান

न्दरम जाशाजिमारक विश्वन चाका जिटक हर्दित : এক জন সিবিল কৰ্মচ বী উপস্থিত বিক্লি গাড়য়ানলিগের ভাড়া দিধেন ৷ এই **আইন** নিভান্ত জাবল্যক, কিন্ত ইহার খারা কাল ক্লম এৰাণ বোধ হব না

করেশি ডিগাটমেন হইতে নিমু লিখিড ताहे अपृष्टि अहिन्छ **रहेन्नारह** अवर के कि-পার্টবেন্টের হন্ডে নির লিখিত টাকা আছে:---

> थर्यद्याकेर कानक कर. T+2,243 62,.. 4 ¥

लिल्डेनके नवर्ष २७७ जून अक्षरत्वाः. ইবেন, ডিনি ৮**ই সেপ্টেম্বর পর্যন্ত কলিকা**: তার প্রত্যাগমন করিবেন।

সমাচার নিয়ুশ্বানী পুরের লখন স্থিত এ-क जन रिन्ह् निधिवाद्यन वर्गाटीब नवाब्दक তদীর নিংহাসনে পুরঃ স্থাপিত করিবার জন্য भारकहेत व्यक्षि ५०% मशरबद्ध लाटक मत চারলস্ উভ ও বহালভার নিকটে আবেদন করিরাছেন। জন্য অনেক নগরের লোকে ঐ প্রকার করিবেন। নবাব **আপুনার ছঃখ** হল্লা-স্ত এক পুরুবে নির্ধিরা চতুনিকে জেরণ করা-তে ইংলণ্ডীর লোকের৷ তাঁহার সহারতা ক-রিজেছেন। এলেশের লোকেরা অন্যক্ত জ-ড্যাচার কর্ত্তপক্ষের গোচর কল্পেন ন। বলিয়া यक करे श्रीम ।

আমরা এক অভাষনীর স্থানে যুক্তিসিঙ দিগের সক্ষতি সাইতে হট্টে; এবং এবড ু মত দৰ্শন করিলাম। কেণ্ডু অব ইভিয়া লিখি

রাছেন গ প্রবলরিপু মূর্য ইউরোপীরদিগকে ! ভারতবর্বে বাস করিতে দিবার বিপদ গড় কল্য স্থাৰকোটের এক হন্তার মোকদমায় দর্শন করা গিরাছে। স সম্পাদক রভের কানীর দৰ্ভী যুক্তিনিৰ ৰঙ্গেন। এব্যক্তি যদি মুক্তি লাভ करत, खाँचा बहेरन हें केरती भी त्र पिरांत विहास दक्ष क्यांचे कर्खवा ।

উক্ত সম্পাদক অধণ করিয়াছেন বিখাত হত্যাকারী হিলি বোখাই নগরে গৃত হইয়া ছে। সে এক জাল নাম করিরা ভব্রত্য সেনা-দলে প্রবেশ করিতে গিণা,টিল !

৩২এ জৈ। ৪ ওক্রবার।

শীৰু সদর ও স্থাঞ্জিকটি একত্রিত হই বে বলিয়া, যে সকল কাজ বাকি পড়িয়াছে ডা হা সম্পাদন করিবার জম্ভ আর সুই জন অ-जिब्रिक अस निर्शिक्षिक इंटेरवन ।

किनिक मञ्जाहक अंदर कतियादिन हिन्ति क्ब्राहिटल धुल बहेब्राटह । हिलि वा माना मा ८एव एव ।

ইংলিসমান সম্পাদক একটি আক্ষ্য সং वांच निश्चिद्यदृत्तः। जिनि व्यन्तन (हेडे (मर्क-টারি গবর্ণমেন্টের পুরাতন কর্মচারিদিগকে ছাড়াইয়া দিবার আজা দিয়াছেনী। তাঁহার। করেক মাসের বেজন পুরস্কার স্বর্গ পাইবেন

जांब्रज्यसब जिम्र जिम्र कारन व के बेरबा- विक्री क को राजाका শী্য ও এতদেশীর সেনাদল সাছে, উক্ত স শ্বাদক ভাহাব এক বিসাব দিয়াছেন ঃ --

>> -	جر د-	
P 56	র*প্র	i Diri

Ŷ	- 20g - 1 g 1	
	বঙ্গদেশ প্রভৃতিতে	27,64 3
, .	पंजारण पंजारण	34,016
, h	८व। स । इंदर्स	75 200
ا ا	মো ট	४२,७५ १
**	अउदम ्गीरः।	
<u>.</u>	বলদেশ প্ৰভৃতিতে	100.4
	माळाटम	5 (4 %
	বোৰাইয়ে "	y ~ ;
	<u>নোট</u>	2 4 4 4 5 c

अधान क्षेपान नगरत रामानिशक ५८% दि ब्राचा बर्वेटफरक दव निशाही पिरशत अ **িক। ইউলোপীরবিদ্রগর সংখ্যা অধিক।** ত िल क्राइक व्यक्ति **भारत भारत विद्या**क स्वय क्रिएक्ट्स् !

সিবুলিয়া পৰ্বতে এক জন ইউরোপীয় প্রী তাঁহার নামে নালীল করিয়াছেন।

রসরাজের ধর্মদাস মুখোলাধার ও ফে ज्यानन क्रीडार्यात विडाद क्ट्रेश क्षाज्य क নের ৫০০ ট কা জারিমানা ও দ্যাস হিয়েল **अवर धर्मामारमञ्जू अक भाग भिग्नान** इडेग (७ : ক্ষেত্রখোহন ভট্টাচাধ্য ভাস্করেরও সংসাদ 🗀

्रमा भाषात भविदात ।

शवनंदयन् ज्याच्या प्रिमाटक्रम देनक्य है। देक ন শতক্ষা এক টাকা রাজপথ প্রস্তুত প্রভৃতি द अन्य विभित्यान्ति क्टेर्ट । श्रेट होकः । कांगर - प्र मर्था भवित्रशिक बर्दा । अङ्गी ज्ञतसङ्गीय भव

গ্ৰণ্যেন্ট অচিছিত কৰ্মচারিখিগকে লেঙ সাহেবের প্রস্তাবাসুসাংয় উচ্চতর পদ দিবার আজ্ঞা দিয়াছেন ডরিমিন্ত সকল অ ফিস হই-তে কর্মচারিগণের গুণাগুণের রিপোট চাচা হইয়াছে: গদৰ্শেট ক্ৰমে প্ৰকৃত পৰে আ সিতেকেন ৷

লেপ্টনক গ্রাহা শিক্ষা কালের প্রধান ট অধ্যক্ষের অপ্ররোধ এনে কলিকাতা স্থিত कि **इंड कार्य कार्यक विभागताय भा**तिक प्रश টাকা আপুকুলা গুলান করিয়াছেন।

नियुक्तिथिक गुरुतः अवर्गस्यस्य काशक

Lander a section to	
৪ টাকার সিহা	40 00
8 डोका द (काष्ट्र) नेत	ネウ,カモ
৫ টাকাব	200412-4
d H	ת. ללוכל.

स्थिगरकारि।

वाश्रीवाण बाग्न ७ अन्छनाम सू भागांपानंत्र **৫কটি বারাজমার কড়কগুলি অল**য়ার অ^{ব্}বর্ণ करांट्ड डांबांबिटशंव ३७ मार शियाम क्वेबाट्डा

विभिन्न द्वारम्य, मत्राहरू । उत्तर्भ न -নক ভিন শক্তি চুরি কবাতে পথস ও ছিডীয় বা-ি বিব পাত বৎসর দ্বীপান্তর ৰংম ও জুডীরেন ১৮ भाग कार्रावादमत छारदाम इत्रेग्नाट्य ।

বিশ্বেশ্ব বাঘ ১০০ টাকার ছইগাছি বালা 🤏 .৭৮ ৫০০ টাকা চুবি কবাণ্ডে ভাছার কঠিন र्श्विश्रम ग्रह् क्रुडेर्ट्भव क्यानावादम्ब फाटिएण ं र केशांत्स्र ।

নদ্ধিশোর রায় নাম্ভ এক ব্যক্তি তাপ-लाक निक्कायीत्क शहसाहताथी रतिया नाटक मित्रा कविया व्यावकावीय अक वन গোয়েকা বলিয়া পবিচয় দিয়া এক শ্রুডির मिकटमें अक्षमां श्र खुत्र। माख्यात्म श्राम्बात अक्ष शक मिश्री म बहेबाट ।

> करिल धक स्थल (सर्मा) शायक करते. তাহাৰ কাঁপী ছটব'ৰ আদেশ হইগ্ৰে।

> ব জু দত নামক এক জন পুৰাতন চোৰ ছুই-টি পিডলের লোট। p র ক'-য়াছিল বলিয়, ভা-১০৮ ৮ ছ বহসর জীপাত্তর বালেন আংকেশ इकेंग क्रिं

> सेन महत्यम मिथी। श्लीम अवियोक्ति বালং ভান্য লগ ,নৰ দ্বীপালন গানের क्षां,र० ल कब्रेंग्,र्द्ध् ।

(अ)र्रोद्यनाथ असिड भागन धार गाँउ कडकर क मा १ दिशिक्षात व्यवस्था व्यवस्थ ক্রাণে ্ৰাকে ১৮ মা কঠিন প্রিশাণ সভ হান্য সাসিতে থাকিতে ২ইবে

गवर्गन विज्ञालन ।

बाक्क्षार्यनीयु त्मर्थेक के कर्वनरहर **आ**रतमाञ्चमारी नियान

ত্যের কেল বিশ্ব কিশিন্ত কন্মচালিকা ৮০০ । आक्रिक २ अस्टिर- '२ स्वित ३५७२२ 'अस्मित ३० अक्टिनर ७ १७५७ अस्तर २३ व्यविष्ठ 'ेर्स लक्षा किंत्र स्वर्भावरकेश्वारकेर क्षाय ५

(दस्य

6 हे और मह माक्टिक है । ভূপুরার বাক্রগঞ্জেব ग्राम(इत्त्र Ŵ ২৪ পর্সণাস **छश्र मत्** (अपनी प्राय नार जना देव कहित्कत পুর্নার

द्रशील । স্বাহানাবাদেন ছেপটি যাজিট্টো

> यदम हिता ८क मिमात्र **ध्रमभाग** क्ष्मिकिंग श्रदेव अव्यक्ति ।

माक्रमाह >8 이렇지네! वांबामा: ७ व यांक हे गुप्तत ्वजिद्याटिन क्षांत्रश्रकादकादवद्र खे সাওকীর রে 6. कडेक: का कर्पा इत Ð কেলারাপাডার न्द्रिमाह् । Ó ভক্ত কেব বাকরপঞ্জ। নাম্বিসুরের পিক্সপ্ৰের त्यक्रियेश्वः গৱবেতার मख्या'ल। र्ग किंग नान्त्रेक (क्षेत्रे) द्वा धा 5 ট গ্রাম। न अवीकार बह

০ব জন---বাৰু দিনমাথ বেশ্**ৰ ভমলুকেব**া ः, रशाद्वितिधन लयुगः कार्या निर्माष्ट्र करिया शक अन्तर्भ इडेर्टर्स

প্রেরিভ। প্রীয়ুক্ত সোমপ্রকাশসম্পাদক अक्षणार्थः '

जारमा जिल्लामा मिष्र कराक्षित प्रदेश करा नांचक अन राष्ट्रवास स्व १ के हे र के ध्यारल प्रश्निक के गांकि के हैं त्रदेशः का त्रिशः (६८ : स्टू**डर्युक्त** मील (मग्छ (ए-रेनाक अर्डेशन माहित्वन माजि हे कि आयमा-ত বশান্তভ নহেন। বিচাৰ লা**লে** সংখ্যান্য ব জ পন বুদ্ধি পরিচালন কবিতে ক্রটি ক বন रा जिला । अ पर्यास्त्र रच बेब्रोब्र व्यवस्थित छैन-र ६ । है , अ अक्रिन का बाज का का कामगार का खा " यम क्र_{िया} के**ष्ट्रिशीयम्। यथीनियस्य अ**न्तर -भारतम এवर अस्तान कारी। अवाशिकास्य वृश्मि ध-.माब धार्याच अञ्चल जिल्लामि कारण ३ क्लेक

िङ्जिलिल भाषक **এक स**म वित्रत्दि । भीत्म स्वामित्र। कशक्ति विकालिक अर्थाभन । निरुक्त भन्न पति प्रश्रात स्वतं स्वित्र सहस्र कतिप्राष्ट्रकः । भित्रमहिदा अन्तरम्भाष्ट्रं यथार्थ विकास करी। यह प्रजीशा वहारकरण पूर्वा । शहर सेवार्या शहर ना वहार् भाउ गढ स्थान मन मीलकरवन मः था। जुलन बहैना नथाई लाक । ८२७ ६३३। ए कर्म कहिए जमक, विद्याप स िटेडमी विमासित नश्था मिन मिन हाकि शार्च मामा छावान करतम, अकाकी भर्दान वर न निकार कार्नाक करित्व धार केंच्य

পতে ছে প্রতিগমন করেন।

प्राहित्स क्षरणा त्र कछ क्षेत्रक वृष्ट्र कार्या महत्या छार। प्रतिमा क्राय मणाव क्षित्र वा **बाइएक कर्ना ख्रकतिन: आक्रमिटलन गरिक दिन्न। यान गृगरक: मान ट्राइक क्रमिस्ना क रन-**উজ মিনমারি মধেশিন ধ্যাবিধায়ে তর্ক বিত্তর্ক শীয় বাজিব। বিশ্বদ্ধ ধর্মের আঞ্চল করেন। कविरयन अक्रम त्यांथ एवेरछएए।

श्रीशृष्क बाद कामनाव्या बरण्याशास बद्दाचम् । ६७विन छोशाहः काशनाविद्यत्र महत्व काटनह अकृषि आसुष मान । हैद दि सनावत्ति निविष्ठ दिनामन सव्दर्भ कृतिका स्थापन समिकित भारत क्षा क्षा करे । के विकास करे के कि विकास कर कि कि का क দিব ও কু अ কাম যে ইহাতে দেখিবামাত লক - । ই, হাদের উন্তিত সঁয়াবনা নাই। ভাষারা আশ-ক তের সমুদর কাও স্তিপথে আর্ড হয়। নাদিশের প্রতি আর কত কাল এরপ জয়ানক ওজ লোকের সহিত্ত গভাবণাঁদি বিধায় ইনি চালেত সকল উপতি ছার ক্লছ কবিছা বাবিছা-নকটি অভিত্রীয় দগারা । বিনি ছুর্তাগারুখে পুর্বের হে ! ছাব উন্মুক্ত ন। থাকাতে গুছের ভাতাত্তবস্থ একবাৰ ইয়ার সহিত সাক্ষাধ কৰিছে যান, ডিলি 💉 কি ভাষা দেখিয়াও দেখিবেন না ? স্থার ক্লছ मन करवम ना । काश्रामित रेपायशीन जागम, । छाशामत जीवमाना अक बाद्ध विमक्कन बिटक प्राप्त करता मर्काल आकृष क्षार्थकारण महा केवेदर नाथ हन क्षार कामारणांक आखि कन कविष्णा । अभिष्ण भाके मध्य मन्द्र देनि । मादे, ख्रुद्रार छावाविष्णत सूत्र कार्याक्षण थाका कार्याद काक गोरकटबढ़ निकते स्नाटकद धुनीत काग्रहम मरह, किक् आउन्छ आस्कारशत विवश् করিয়াট ইনি অংশিশ উভ পদে অধিরত ১ই। নে.ক পৌরালিকভার অবারত। ব্যয়ল্য করি-ब्राह्म । विक्रा विवदय देशीय जनाशायन हे १- । प्रांश छाश्यक अधिकांत्र त्रका विविध्य यहानीम भाव, कथाय कथाय कृत्वत शांक क्षत्रावतश्चक , व्हेरलाक्ष्य द्वीवांका क्षत्र वरत करतन स्व वधन বংক্য প্রয়োগ করিয়া থাকেন। আর প্র- বিষ্ণাপার্জন করিছে উছিবে লক্ষ ছ*ইয়াছে*ম । यें अक्कन अगंभाना लाक। मण्यामक सर्वाः उथम कीशास्त्र मकल वजूरे काल वरेशांदक्ष । कीं-ন্য ৷ কোন্ কিন্তুশান্তে লিখি ৷ আচে 🐯 ত্ৰা- 🖟 হাদিখের এ বিষয় আকি কন্ত দিলে অন্তর্হিত ছ-े कारा व श्रीवर्षावर्षमञ्जूषिया निष्ठकारिक है। विकास है। विकास महिला क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका

র চেরে চ, **কার**। ল উদ্ধান্ত। দেৱ হ

র্মিপুর বেয়ে। জিয়া। 23 SALLEY

প্রীযুক্ত লোম প্রকাশসম্পাদর महामहायु ।

প্ৰশ্নের ভন্ম সম না হৈবি ফুক্র। े अश्वतं क्र" दें र अकि बरमोबद्र । न्मपद (मान) जीत विकास प्रस्ति । लाकाम कुछम छ्या (कांत्रक विश्वीत ।

क्षाक्ष क्रकेटल निकारणय छिनि प्रकारण ६८वन ।

फरव प्रविशेष्ठ डीडाडो **जनकिसीर्यकाल संस्था**न আৰা দেশের কুমেন জালা সদৰ আলিন , সমূতি আতিমধো প্রিলা**নত হইতে পারেন**ী ইহার বেমন স্থা শরীব, সুক্ষিতি ভারতক্ষ। বিজ্ব ব্যবহার করিবেন ? পৌত্রনিকভা বে তাঁ-स्माक्त्रात हैशान खनाचन अवश्रष्ठ मा " एवारिक मात्र तर एक कारण कलू विक कहेता रमनि, छींका-कांत दिखीय बात देशांव वामान निक्षे क्रिक. भ- किया आद कियू काम चटक्काम निक्रा शहिल कतिको बात्कम । रर:ब क्रम शहै जेलाह अन्तरक । अहे या अबन ४ कुछविना बाक्किमिटमेर बरधा अ-। १०० का आरक किकाना क्यून द्वित, वाहात ग-जिम क्षांचित्र यात्रः अधारत अगस् काम अखाय सूत्र व्हेत्रारक्ष किना - त्नहे आसाय-श्रीषा क्षेत्रगृहद्वा काश्रमः एएन् ५० सश्यमः थार्थ चाश्रमान स्वम्भव मान कवित्राह कि ना। ্টপার উঠির।ছে ।জ্বারণ শ্যেগের 'ছ্ছ্ও নটি।। নিংসন্দেহ বল। ঘ**ৃহিত পারে ভারাবিগের আ**ন ्यः। कथन्दै देराटण दें। विलिश्ना शांग्र निरंदन ना। ^ই'হ'বা যত জন ধর্মভাত হটভা থ'কিবেন ভড क्रिम 'डाङ्गरण्य मिरज्यक' मक्रम लाई, 'उन्हिन े कें। व्यक्तिका वाना अवस्यात अवस्य मध्य वहे-তে -।। বলি আগনালিগের ও বলেদের উন্নতি জন্মে অভিলাব থাকে তবে ওঁছোৱা মনেৰ কু-টিল ভাব সমস্ত হুর করিয়। দিউন। লোকভয় বি-मक्तम विद्या भरमात चां भाषा श्राप्त कहात. अवश स्व বেহু ধণ্ডের সহায়ে জেলের সকল বিধানে ভাগ্র-মর ছইয় ছেন ভীছাদিলের পথে বিযুরাণি স-মুশতিত বা করিয়া ভাঁচালিগকে উৎসাহ ও সা হানা প্রহানে তৎপর হউন। তাহা হইলে উ,হা-दा द्वारणात्र आहरतीय हहे वन, शासिक अन्तिर कें विकास का अपने का का अपने के दिन के किया कि का अपने के किया र्काश्मित्राक कीय स्कार्य निवास तका कवित्व-म । मात्र ! अमम कारम् । आश्वाहरिष्ठ क्याहे छा-होरा अधनत ना म्हला।

थ मिन यमन व्यक्तिक मुख्यिनां करिया 🐐 ২০৩ দলিন ছয়েন, ভেষনি হবন ধর্মায়র 🖰 कि वटनंत्र कुछ कुछ भवराष्ट्रश्च ज्ञांक गर्क 躇 কলের প্রতি ভাঁছার মৃটি নিপত্তিত হয় তথন তিনি আশার নকার পাইর যে নভাহর্যুক্ত হ-न डांबाटड बाद मरमह नाहे। ब्राट्सता त्य क्य-ন আর্থপরতা লোকভয় প্রভৃতি পরিত্যাগ কবি-য়া **কর্ত্তব্য সাধনে উ**ন্নুখ ইয়, চন, ইচ ভাছার _| भीतम क्लोकां ना बिक्टि क्वेटनकः। यथन अंत्रवकः ব। যায় পৌত্ত নিক্তার নাদেশ অবচ্ছেলন লবি- । মৃত্যুতে আমল প্রাক্তার ও অপর সাধার। का डांटकता विश्वक उनका शर्यक व्याकाञ्चल কার্যা করিভেছেন, তথন এমন কোন্দেশ বি ভাৰণকৰী পুৰুষ আছেন বাঁলাৰ দল আনংকা পরিপূর্ণ না হয় । মহাশয় আপনি কর্মি খবণ-**रशांहब करत्रम शत ५२ हे देवा है दि**गान करत्र নিকটবর্ত্তী মোড় পাতুর প্রাথের জীবুক্ত বারু এ লল কুমাৰ ছোটেৰৰ নৰ কুমারের নামকবণফিল ब्राक्सभववाद्भवाती निष्णव बहेम विमारह. अदि आंगनात भग कि शतम आक्रांत कात क-त्व मा । भद्दाम्य अहे सामकृत्व छेगलाक ह-बदमत्र व्यक्षिक द्वांका अविकित वहेंगा हित्सन । वर **ঈश्वत्र अन्तर्भ कार्याकारक विस्मित कोम नियुद्धे** উপব্রিড হয় রাই। এই ক্লগ অনুষ্ঠান বর্ষ এ-क्रिमीर क्रिक्टियाल एट६ मिक्कि प्रकेटर उपन ब दमम कि अर्थ्क् (नान। भारत स्विट्ड मा? टड ज्ञाकानव क्षत्र केन्द्र आंश्रमाद्रमय प्रश्नीर्थ अन्तर ६-न, यक्ति आण्याचा गदल क्षेत्र' शालभाग मछा পালন করিতে অওগৰ চম, দি কলেশের िक मधित बंदांच अञ्चलारी अन, र्मन मान् ঠান না ক্ৰিয়া কান্ত থাকিতে ন, প্রেন, তবে । দক্ষিরের পূর্বপ্রাত্তে এক গ্রুথের গুকে প্রিত **আপ্রাথ নিশ্চয় জ**ানিবেন, গোন বাগাই জান **बालाजिएकेन भरत मधान मान म्हेर्ट भारित स्ट्रा** मिन् अवेष्ट्रीहे जालगरित्यक समस्य १ है श्रि**वंदर कर्जना श्रीलन कना महम्मानक म**ामार्थ एउ **्रिक्ट तक्ष्म १९८४म । स्माटक रर माण**्यिकरू আৰু প্ৰায়ণৰি কবিতেছেন ভাছ, ও কি.নিক विक्षा के विकास मार्थ भागना विकास के कि জীৰ স্থাপাপি স্পট্যমধ্যে হ্ৰয়সম কৰিছে 'ং ন দিন'নাই বসিয়াই ভাষাব। এখনও পাৰ্থি অপে ুদ্রাদের'উপর বিশক্ষভাচরণ করিতেছেন ' ১াহা ক্রিপের আব্ধ। দশ্লে যে অপ্সন্তা প্রভার क्षत्रके जो ६२, अवर स्थान चारानामा **उजारी**

खाराष्ट्रत्व मक्तात्र समा त्य खाननात्रः वारकृत **দইয়াছেন ইজা একবার জার্মিছে পা**রিলে আন-দাই ড'ছারা জাশবাদিপতে ভাত। অভুও জান कविद्रा यांभनां विषय पृष्ठीतकत्र अपूर्वनी हरे বেন :

মান্যৰর **জীযুক্ত সোমগুকাশসম্প**া-पक बहानद्र नजीएलवु ।

সক্ষাধক মতাবয় ! সাভিশয় ছুংখিত হয় ছ প্রকাশ কবিভেছি ৯ই মে শুফ্রবার চুই প্রাহত চাবি ঘটিকার সহয় অন্তল্য কালেইব ও নাঞ্জ-्के है अकेह, अकेह, विकास श्राह्य आखिनात। व्योऽस्याकास स्टेश भवत्याक श्रमक क्रिया-ছেন। পীড়ার বঁথাবিধি চিকিৎসা ময় নাই। টনি প্রতি দললোক ছিলেন। ইছার সমুল ই 🕒 राज अवाद्य चाछ काझ जातिगारहर । देई, उ स्रात्रा अर्थे खळे व्यक्ति करिहार्ड्स । हैसि बर्थ। इस प्रदेशांग कांश्रमांक कारकान करवम। धर्म एम कां-निया अविधि चार हा जलावीय हैहाँ व भारक अप-नहें अध्या बहेश किए ए एएट हे डी दि बुखाबू स्थ প্রাবশ কবিতে करेशा । विश्व कुश्लाम । वस्त्र शहे (य है: ", a खाएं। शीखान अर्त्तान शहिया मा-कार रित्रिष्ठ अपिराम, किन्दु माकार कविएड পাবেন নাই।

গত ১০ই যে শুভ শ্লিবাৰ শ'বু প্ৰেষ্ট্ৰীয় দে नो ६१ न्यातीमः व्यवस्थानां मार्ट्य छैउद्वरे ज्यानीत्म बामाम शाहिबादहर । हैवा सवाद्या জীয়ুত সোশন জল সংহেংবর একটা এশংসাব विनयं रामिएक वर्देश्य । मण्डाकि क्यांन कार्यकार्य অভয়চন- ও খ্রীনস্ত লাল পাঞ্জা খা তাকেব জিশ জিশ বেড সংগ্র: দেওয়: হইয়াছে। এথমতঃ >৫ (बद्ध माना इहेटल कडार जाशनारक निर्फारी ব্লিয়া উল্লেখ করিলে ক্ষতিরিক ৫ বেড একু-(3 30 (でな ま)る! 東京!

श्रु २० এ स्म ५ चिकाद नमस्य अश्रम-मधन (मध्य चाक्त इहेत्र) मूदलशीहर हकि नह শীতলা মন্মিধের অতি মিকট পশ্চিমোন্তবে এক ्वनात्मात्र, अनामि एकांभारः क्रमनायामस्वय । ५२४२ रेकाल स्केरड क्राहिक शसाय হয়। ইবার মধে। কোন স্থানে একটা প্রাণীরও श्रागश्कास दश्च माहै। किन्स थे प्रविद्धार छैनेह দিয়া সৰ আশিক গিছাছে। ডাছাৰ এক মাত গ্ৰ हिल, छोडा समावित्य दहेगाइ । एक काल হতুপাত চয় তথন ভংগবিবারেব, কোন প্রতি ८वनी व वाहित्य हिला। व्याप नगारत व्यास्त्र हे फेकबए दिल्ला खना क्या कांन का बहुन, সালে গুল্ডৰ পানিক চুণক(সা খসিয়া, বিঘাছে।

, ৭ নে প্রভাপটিকার সময় কোডাগা-लि २१७४ र खं अक्षिया २०४० थाति ग्रह म हे हरेग, निगा छ

मक्तिकि काकन छ : बाद अ, द्वांटर गीड,

মিবেনন্মিতি। マリの養養さ (मसिश्व ।

শ্ৰীযু জ সোমপ্ৰকাশসন্দাদক महामदस्य ।

নিজ আমিড। গ্রামে পুলিন ধান। আছে, ড বালি যে রূপ চোরের লার্ক্ত্রান্ধ চইয়াহে, ডা रा वर्गमांडीह । माक माइ अल्ले अलाव ह कथारे नारे, कालाइद रका शहाड कीन धांत्रवाद्य । म িব ভোগ আরু কড দিন সম্ভ কবিডে কটাবেক . ছাড়িতে ছাড়িত ছাড়িছেছে না। এদেশে রাস্ত अहि । ब्राञ्ड। विश्वदय अहिम्हानत राज्यका प्रश्नेन। बहे-घाटक छोडा बना योष्ट्रमा। ब्राह्मानु वत रोमात নাস্থার সহিত আমতা ঘটতে এক রাস্তা সংলগ্ধ किश्वताल कादन छुद्दै बरभव काल लाएन द्वारीन . (कला इदेखाइ, किंदु जार वर वर्शाद ভাষা বাৰছাবোপবোগী চইবেক ২৯ গায় না, থাত সহাত ভাৰেক কৰিয়া পিয়াছে, আপামী ব र्वापुत देकश इंद्रेटक श्रद्धा व नाहे।

অন্যান মুম্বোঞ্চ চৌকিতে এক জন প্রাচীন মৌহারি চারিম **আনিয় ছেন।** তিনি বাঙ্গালা छोत्रा खोरबन स्रो। श्रीवृत्ता स्रोबोटड व्यक्तिमार র য় সিবিয়। পাত্রের । তাভার বাজালা করাইতে বারী ও প্রতিবাদীর যথেষ্ট কট হয়। বাজালা ट्राटम बाक्षास, 'आयात्र व्यवस्थित वाक्षित्र प्रकृत्री বিজয়না বলৈতে হুইবেক: এক জন কুত্ৰিলা इक्तिम अथारन काइएमम जकरकार आर्थनीय। আমেক ভাবের মুক্তাকের প্রতি ভেপ্টা দালি-**रके** हैं ७ राष्ट्रकी कारमहिराज क्रमणा। धमन **চটুতেছে। মৌলবি সাহেব ভক্রণ** দোগা পাত্র **इडेटन अस्तर शक**िम्दनव स्थास्ट[ा] विहाद প্রব, যাইতে হইত না। এখানে ত্রুকার তেপুটি ब क्रिकेट ७ । उर्श्वी क्राप्त हेरद्र क्रम है। श्चाल मा जिल्ले जानमा का

নামত: 1 **6165**, 14 KC

गना था थि।

🚇 শক্ত বাবু লক্ষ্মীনারায়ণ সেন शाकी द्व शारक्ष विভाक्ती नामक पारन, एकती वजवाजारत्रव ১५% हेकाल क्षेट्र का किस भवाब रक। व हाना '' जानावास विमालकार गणलाहे क ल दब्बीमाध्य ठक्कवर्सी वामश्रवाहरी १२७२ रेजाके स्वेटल पर देवना व शर्वत्य o के शक्कां शक्क अध्य >२७७ देवाके **एडे**टड कार्डिक अर्राक्ष ै' डांदक नार्थ सरमग्राक्षामाग्य श्रूटशद ১২৮৯ ভাৰাচ হইতে অগ্ৰহায়ৰ প্ৰতন্ত্ৰ भ विशिमविष्ठांती छ। इ.जी छ। वडा गर्वादम है। क्र हा ५२७५ देवार्क करेरफ का दिक भर्गाख द শ্ৰীৰাম পালিত বটিল **३२७৯ १५७ इंडेटड जोड पराह**

> साहै पान करिन कांत्र क्रिक श्रेष्टी मायल दहन छ/ पन्न त्मा आ के विकास के किया के किरणार्थ आहम के पुरुष वाहमाताच विष्यां कृष्टनत्र वाणिएक व्यक्ति त्यास्यात व्यारिक दाना निष इस ।

" অৰ্ভনাং অকৃতিহিতাৰ পাৰ্ধিবঃ সৰ্যতী ^{ভা}তিম্বতী ন ৰীখতাং।

भेक्ट ३००२ । २० जन

(मायकानाः

a श्री सामात दमाम वाता । সাহাব্যনের জিক্সেন সংক্রান্ত জভ্যা **डार्ड्ड र सुमन्दान ६ ७ ७ कता।**

कामाभिरावत जुडान । नारकोनको भाववित्र বীভন সালেবের অধিকারবাল একটা শুভ कामा विद्या आवज्ञ हरेल । देशांत पूर्वभाव ্লপটনন্ট গ্ৰণর প্রাণ্ট সংখেরের চেওঁয়ে নালকঃ দিলের অভাচাররভাত কগৎ বি দিত হুইবাছে : যুখন অত্যাচাৰ প্ৰকাশ হুই গুল্ছ, তথ্য আজি চউক কালি চউক দশ क्रिन भारते इंडेक बादम के टाइन्द श्रकीशात इकेटन । बीडम मारहरत्त्र याप्त्रे अन्तर् মেন্টের অবিদিত পূর্ব (অনোর অবিদিত बार) अकृषि खडारित था तम हरेग्ना ह সেই অন্তন্যার সাহাবাদের অহিকেন ঘটিত।

भाउक्यर्ग भूटवें स्वितार्डिंग स्तकतात সম্বাদ দাতা প্রথমতঃ এই অত চারের বিষয় माधातराव लाहर करतन, वीखन मारकव ্ৰ'ছ: দেখিয়াই উহার অনুসন্ধানে প্ৰতৃ छ हम । अनुप्रकान बाता वित करेगा । হরকরার পত্রপ্রেরক যেকপ লিভিয়া ছেন, ছাহা অভুজা ২টে কিন্তু পৰিকে .न.' क्रथक निरंशत विक्रि क्रेटिक आंग्रहाता ীনাায় পূর্মক যে অর্থ গ্রন্থ করেন, তাছানি। লাক । আমল। একৃতির বেডনের অস্প ্থাঃ নকে ৷ তিনি বলেন কছসরে কেড় কোটি ৷ তাই উলিখিত অন্যায় অৰ্থ গ্ৰহণের কারণ ৷ ें कांत्र व्यक्तिक कर करा हर, क्रयत्क्रा

क्षुवक्षिशहरू मा निष्ठ इत्र, जाहां हरेला कारत्रत्न ए खेलात्र श्वित कतिरज्ञासन, जा भवन (अन्धे अकार्य ए। भूरता व्यक्तिम अन्त्र করিডেছেন, তাহা অপেক্ষ: অস্প মুল্যে পাই তে পাবেন। একলে প্রতি সের পাঁচ টাকার ज्ञ अप्र वर्ष कर्ष कर अवश्वना वक्क व्हेरल अधि সের চারি টাকা অটি আনায় পাওরা যাই **८७ भारत । त्लल्डेंगर्फे शवर्गत रहत्र एक्ट** রার পত্র প্রেরক লিখিয়াছেন, ক্রুয়কদিরের षाद्रा दः भृर्वक अहिरक्रानद्र द्वविकार्या करा ইয়া লওয়া হয়, কিন্তু ভাচা বান্তবিক নচে। अञ्चल आश्रामिरभव बक्कारा अहे, भवनरमध्ये नीलक्र फिरभन्न नाम वलशूनिक चिंदिक्टबढ़ कुबि रु:पां कतारेग्रा लग गा বটে, কিন্তু আমলা প্রভৃতির ধর্মন তত প্রস্তুত্ব ও অর্থ লেভে র্হিণ্ডে এবং অধা ' ক্ষপিতের ভালুখ ভজাবনান ও অন্যায चर्ष अञ्चयमात्र निव.त्र। क्रिकी मारे, ज्यन क्रकमिर्भव अधि बन्धरगांत रुख्या प সম্ভাবিত নছে। তবে সেং বল প্রয়োগ প্রকাশ হউক আর না হউক সে স্বতন্ত্র

स्मिन्द्रेमके भवतर धहे काछ। हा तित्र व का त्रन ७ क्षकीकारवत्र ष्ठेशांग निर्गत्र कतिशा ছেন, এখনে ভালারও উল্লেখ করা আৰ আমলার[।] চারি টাকা করিয়া **বেভ**ন ष कात त्य मुला शाम कार। इट्टिक दधनत । शाम, किन्दु अथन निव्वाचन नामान, नजूरबन्न ানৰ লক্ষ টাকা আমলা প্রভৃতি ঠকাই । বেতন মাসিক হয় টাকা। এই কারণটি অ 😕 नहें 🗷 शहरू । जे हेकि। एपि अहेक्श्य । जूब निष्ठ थाक्टिक लिन्हेक्के अवर्षत्र व्यक्ति

हा कान करवर करनाश्रमात्री हरेरव ना १ তিনি বলেন ভাষলারা বাহাতে ক্রবক विद्वान निक्षेत्र व्हेटक खेळात्र वर्ष अर्थ ক্রিডে না পারে, অগ্নাক্রেরা সবিলেব সভ ঠ্ভা সহকারে ভবিষয়ে সদা দৃশি রাখেন এবং ক্লুবকেরা আসলা প্রভৃতিকে বার খ্ৰুপ না করিয়া ঘাহাতে সাক্ষাৎ সৰচক্ च्याक्तित्व विक्रे इट्ट मान्न खर्ग করে এই ৰূপ চেন্টা করা আবদাক ভাষা হইলে প্রবঞ্জার অপভা হইবে নন্দেহ नारे। किंदु ज्ला तकमकुर जाम् मा मि-গের আধিপতা থাকিতে এক কালে যে প্র वक्षमा क्रव रहेरव हेश क्षामकरमहें मजाविक बद्ध । त्नल्डेनले भवर्गद्र चाम् मी किरमद वि ব্যায় নিধিয়াছেন, অ'প বেডনে অধিক আৰ লানা রাধিয়া **অধিক বেডনে অ^{ন্তা} আমলা** व्राथा विद्धत । अन्दरम व्यामानिदमंत्र अर् धक्षि विकामा इरेएडर , लाक्ष्मक श्र র্ণর অধিক বেতন দিয়া যে আমদা রাখি বার প্রস্তাব ক্রিতেছেন তাহারা কিবপ আমলান এক্ষণকার ক্ষণিক্ষিত আৰুলা निगटक कि व्यक्ति विका विशा त्रांश हरे বে > গ্রব্দেটের যদি আমলার অত্যা होत्र मिरावर **बहु वास्त्र के एक विश्व के अपन**्य के जिल्ला के उन्हें के जिल्ला के उन्हें के जिल्ला के उन्हें के ज সুশিকিত লোকের অত্থেদ করুর 1 ভাঁছাদি भित्र विख्या यमन किकिन अधिक गरिए **(छम्ब ध्रवादिक लाख इट्टिक ।**

এই প্রসঙ্গে আমাদিদের অভিশন্ন সবি भा कोष्ट्रक अविक्रिक्ट । य कोन नार्श

क याट'ता जायलात मच्चेटक यात्र छाहा रभव जिनदार अवाहित्य इस, भवन्तिक ত দিনের পর এইটা মৃতন জানিতে পা बदलम !! व्यक्षात्कः, १७ वड निम सूट्य शा দরা ছিলেব !!৷ ভাগ্যে সম্বাদপত্র ছিল !! এত উপ্রারকারী সহাদপত্তেরও : ধ্যে ম (था चाबीनका स्त्रत्वन्न क्रिकी स्ट्रेश थातक

रत्रकता शक रहेएड और छेशकात हा। छ स्रेग्नाटक बलिया स्मन्धेनके भवर्गत छ० সম্পাদকের নিকটে কুতজ্ঞতা প্রকাশ ক রিয়াছেন। অপর, হরকরার পত্রথেরক কা नीमारीत त्य ह्माय करत्न, त्मभ्रेनक গ্ৰৰ্ণর ভাছা যথাৰ্থ বলিয়া বিশাস করেন না ৷ এই কালীসাহী হরকরার পত্র প্রেরকের नात्म विशाशसम्बाही दलिश अनित्या প করিরাছেন। তত্ততা অন্তর অধ্য

किन्ड माट्टरवंद्र महिल कालीमाहीत मिंदिणव व्यन्त हिल धवः किन् छ मः दहव রধাবিধি স্বকর্ত্ববা কর্ম সম্পন্ন করিতেন ना विलिया काँशिक स्थानास्त्रिक कहा हरे তেছে। यदि अक्श रहेल, छत् क्रम आह হ্রকরার পত্র ঞেরকের নামে মোকদ্যা চলে ৷ তাঁহার যত্ত্বেই গবর্ণত্বেও উল্লিখিত ব্দত্যাচারের বিষয় কানিতে পারিয়াছেন। যখন অন্য অন্য অ্যানার অভ্যানার বিষ दत्र मत्मक इहिएछट्ड ना अवर काली मा रीत महिक कीलफ मादश्यत धनिकेलात বিষয় সঞ্জাণ হইয়াছে, বিশেষতঃ কীল फर्ट चानाडिंतिण कहा इहेटिएइ, जर्थन প্রে কীলত ও কালীসাহী সংক্রান্ত হরক রার পত্র প্রেরকের বাক্য সম্পূর্ণ অলীক, ্ৰাহা কিবলে ক্ৰ্দুংখন হইতে পালে: ুবেখানে এত সন্দেহ, সেখানে দণ্ড বিগ'ন ^{বি}ধীনত্ব; এবংশ কানাড়া ও অত্রেলিয়াও কোন জবেই যুক্তি সিদ্ধ হর না। ৭৯প ই॰লংগ্রম্বীর প্রাক্তুম্ব বীকার করে। কিন্তু : **स्टल पक विधान क्रेटल जा**त त्कर जाता । अक्षान क्षान ্র অভ্যাচারের বিবর রাজপুরুবদিগের গে িকি তত্ত্ৎ গবর্ণমেন্টের অসমভিতে ভরত্য क्रिंत क्रिंटिक नांश्नी श्र्रेट्स मा। जातात बाका हारत्त्र विषय व धे काणिक थाकूक, अ े के देश्यार अ थाकिया कावाका वा व्यटक्षिया

(सहे का शामिरभव **अक्षा (वाध इहे** एक एक मा (य काजीमाही ७ कीमट ७३ विश्वतः इव করার পত্র প্রেরক যে কিছু লিখিয়ারছন, সে সরুদায় বিৱেষ মুলক।

केरल**ीय मधात वा**भागात्र । পাঠকংকের স্মরণ থাকিতে পারে **পূर्दে উল্লেখ** रजा शिवार्ट्स देश्लाधीय अक **শন্ত। প্রার্ভবর্বের রাজশ্ব হুইতে লো**ক্ত সমূত্রের টেলিঞাক কোম্পানিকে ব্যয় দি বার আজা করিয়ছেন। বিশেষ করিয়া बलिया का पिरलंख विष्ठकन बाल्कि नार्कि बू बर्फ शांत्रिय्न लाहिक नमुरक्तर हिलि आक रेश्लरखत्ररे मवित्नय फेलकारहरू अना क्टेश. इ. १ अक्षानकः कि द्वजूबाटम अटम শীষ রাজবের উপরে হস্তার্পণ বরেন ভঁহারা কি আমাদিগের অর্থসক্তি ও धामक विद्र भारी । हेश्नर शबरी काद्र उर्रव র ঋণের দায়ী হইলেন ন।। সহাসভা ৭ দান্ত্ৰী নহেন , তবে কি যুক্তিতে তঁটোৱা আমাদিগের ব য়ের উপর হস্তার্পণ কার্ম 🤉 তাঁহার৷ আমাদিগের অসশ্বতিতে ১৪০০০ সে নার বৈতন লইতেছে :, ভাঁহাদিগের অনে क कर्माठाति । भाषानित्रत निक्ठे हहेत्य বেতন পাইতেছেন, তাহাও যথেই হইল मा ! महाजला ७ हेश्मकीत भवर्गमणे अक । एक । ণে যথেক্তা পূর্বক আলাদিলের টাকা বায় क्तिएक लाशित्लन ।

আমরা এদেশের প্রতিনিধিশ্বরূপ হ ইয়া স্পান্টাভিধানে ইহার প্রতিবাদ কবি कि । मेछा बट्डे छात्रकवर्ष हेन्द्रदेखत व ্রাজ্য ব্যয় করিতে পারেন ? কত রেজিনে

क्षमा जनाम महा कतिर्वन ।

वामतः। अक्टकनीय ७ इंडेट्साशीय नकलंदक अनूद्राध कतिराजीं, काहान जन চারলণ উত্তের অনুষত মহীসুরের টাকার नात्य अर्थे मार्ज्यत अधिवाम कक्रम । गाँकाहा ্র প্রদান করিতেছেন, এবিষয়ে মনোজে मं - इहेटल काँहामिरगत मनवश्मत व्यवत मुख्य धालाव कांत्रकात वृह्म कतिएक महेरव मत्माः न'हे । कीशाता अक्तिक इरेता कटत ক ব স্তি ক ইংলতীয় মহাসভার প্রতি निति कविवात् (क रें। कन्मम । यथन हेश्ल औय जनन्द्रमके ए मधानका अदमर्गात त्रीककार्य। র ও বাদ্ধান্তর উপরে হল্বার্গণ করিডেছেন, क्षेत्र रुक्ष य जामानित्रद्व कार्यक क्षेत्र अकि নিবি থাকা 'নত।যু আবশ্যক। আজি যেন वाल हेंग्ड़ा (मध्या इक्टेस्ट्राइ, किन्द्र (कान् गांखि बलिएक भारतम ए। भावमाधिभिष्ठ র সহিত হুদ্ধ উপস্থিত হ্ইালে মহাসতঃ তাহার সমুদান বাব আমাদিগতে দিতে विलायन ना - अरे नमर्य मर्जना इहेरल भाष भविष्ठांश क्षित्य स्ट्रीत '

हे॰ल खीर शार्नामक व्यक्तिकात अ आर्थना खाशा कतिएक शांतित्वन ना । कारमहिकात, अरेक्श खार्यमा आहा मा कतिया रुमिकात स्टेट्ड विकार इहेग्रा

विष विभागत्वर

তিন প্রেসিডেক্সিকে নিন্দি বিশ্ববি नालम् **अविवित्र इत्रेग्नाहः। एव**ट्या कलि কাভাত্ব বিশ্যালয়ই সর্ব প্রাধান্য লাভ করি রাছে ৷ এতি বংসর উপাধিধাবিদিনের नःथा इकि स्टेएक्ट । देश बाता मिटन त रव माहाशकात ल'च इहेरव छ।हा विनक्ष्य (याथ इरेटडटा किस व विक 'বিদ্যালয়টিরও সর্বাবয়ব পূর্ণতা প্রাপ্ত হয मारे । करत्रकों। विवरत्रत्र व्यमकाद व्याटक । হুৰ্বুৰেক্টের কাৰণ অভিতাত নতে। অথবা তেপ'কলনি হুইতে বেজর পাইতে তিনই অভাব গুলি পরিপুরিত না হুইলে इंडे:ताशीव विचेविकालरमत नाम रेश कत्लानशारी ७ मक्काछित्रं म्हेर् मा । वि श्विणामदत्रतः अथमकः मुख्य वाणि मारे । টহার মহাসভা কেবল উপাধিই প্রদান करतनः किस छाजनिरशत्र भिका विनरत मध्यिक महःगठ। कृतिक शास्त्रम मा रेफेरताण ७ चाटमतिकात विश्वविष्यालदस्त्र ন্যায় ইহার খতন্ত্র নিয়োজিক অধ্যাপক मारे । कलकः भामानित्मत्र अरे विश्वविणा मद बचार्थ विचानम दिल्ला পরিগণিত हरेटड शाद्र मा। धई खडाव शिल पूत्र করিবার অভিপ্রায়ে সম্প্রতি ছুইবার মহা मकात्र व्यथित्यमम् इत्र । मरकात्रा शर्के मनि कात ज्ञानवानितात मक छात्रक्रयीत भवर्ग খেক্টের গোচর করিয়:ছেন। অভিস্বিত खुवावणीय यत्र व्यार्थमा कड़ा इस माहे वर्रे ক্রিছ ক্রমে অভিলবিত থিবর গুলি সুনিক क्ट्रेटन काहात मञ्जानमा प्यांटक 1

मका श्राथमणः विमित्नामण्यत्र निमि ত্ত একটি শ্বভন্ন বাটা প্রস্তুত করিবার অনু त्वाधकति श दस । देश वाशालि भ ीएछ সংস্থাপিত হইবে। ইহার নিমিত্ত প্রায় তিন বিখা ভূমি লওয়া হইবে। এত ভূমি लहेबाद डांटशया कुई श्राटमाजन व्हेटल वाही वृश्वि कहा वार्टेस्ट शादत । अर्द वाही LO मखात्र व्यविद्यमंत्र, **क्रे**शरमम मान, श রীক্ষা প্রভৃতি হইবে। কিন্তু বিশ্ববিদ্যালয়ের माधातम श्रद्धीका आहे वांग्रीएक स्टेटव मा। विचीत्रकः अधि ब्रम्त विमि वि, का ब्र नित्र मर्था क्ष्यम क्वरतम क्षीश्राटक ८० है। কা মাসিক ছাত্রবুভি দেওয়া হইবে ৷ এন, এ. উপাধি পাইলে ৫০০ টাকা দেওয়া হইবে। ভা**ন্ত**ন <mark>ডক, লাড বিশপ</mark> প্রভৃতি केटब्रक अन विचवित्राल्टब्र अधाशक नि যেতোর প্রস্তাব করেন ৷ কিন্তু বীতন সা **(हद, भावकिन गांटहर अकृषि कर**शक अन देशत दिलायी इंखताटक त्नाटक वित रहे शारह, यनि अध्यानीत स्थान धनवान या

را ودل

व्ययांभक मिरवारभंत बल्द स्वयं, भवर्रधक षांइ एक थां जिस्का करा हत्र । क्तिराम ना । के अभव व्यवाधिक बना काम विमालाय व्यक्षांभवा कतिए भावित्य मा विक्वि मानदात माथा काटनक ७ वदावा विमा লয়ের ছাত্রগণ নিখনিত-বেতন দিয়া উচা मिर्मंत्र डेशरमम खंदन कहिर्दन । जाशा ততঃ পদার্থ নিদা শৈক। দিবার নিমিত্ত এक क्रम अधाशक निर्माणित क्रवां कवा

সভাবে যে প্রার্থনা কবিয়াছেন সে मयुगार शिल मण्ड । किन्द्र च्यामवा हुर्गर्थ क इटेरकडि व्यथां शक निरंतात्वेव दिवस्य ষ্টাহাহিনের "মড ভেদ 'হই রাছে। খতত্র अधाशक मिर्शाक्कि ना प्रहेटल विधितपा লরের ঘণোচিত গৌরব থাকা সম্ভাবিত बर्ट । चात्रका काम विमानराई धर्मनी **তির যথাপদ্ধতি শিক্ষা দেও**য়া হয় না। খাপ্ততঃ অন্ততঃ ধর্মনীতির এক জন উপ দেশক বিয়োজিত করা অভিশয় আবসাক। বিশার্ষিপণ ঘাচাতে কেবল বৃদ্ধি বৃত্তির চাল্মা হর একপু শিক্ষাই পাইতেছেন। चात्रक अवश भंदा क्रिएट्स भने नी कित्र अधालक नियांश विशेष्ठ वरेल निमन्दि मन्द्रामारवद अनः ठव व जिन् निः जामाह उद्भार अधिकि हरेराव । हेरा त्क अकटकामीरवता विव्रकः स्ट्राफ भारतम । মিসনরি অথবা বাইবলের নামে শক্তিত ए अस बिरधत महरू। वृक्षे धन्मावनशी कति बाद्र खेटम्नटम बार्रेब्टलव अधालका स्वताह विलाहा अतिग्रीक इंटेंटि अध्या कि ধর্মনীতি সংক্রাম্ভ শিকা দিবার অভিশ্রা य वार्वन रहेल किंदू धर्ग कतिल (माय स्टेंटक शास्त्र मा 1

अक्टन अकटकनीय थनी वाजिन्दिशंत्र विकारि, चामानित्त्रंत्र अनूर्देशंथ धरे चानात्क গলায় ঘাট ও কানীতে মন্দির অভূতিতে विश्वत्र वर्षः व्यञ्ज करत्व , किन्द्र धाकरण अक অবিনখন মন্দির ছাপন করিবার উপায়

र्रेग्टर। अर्थे मेबरः করিয়া অধিনশ্ব ব रेखेरब्रारभव जातके न मालदा विषय विप्यटब त्र यांचणीग बाग्न असान -पिन धेर लामधकारण नि द्वत ३६ लक्क छ।का माहन च स्रेश: हर । अचः क्री कि अ विषद्ध यञ्चवान स्ट्रेटन

'रिकी SPA L विषयि -ब्राटम 11 500 ः यनि · SHOT दक्त्रा لأبل

स्मिक्डि परम शिक्षधर क्ष पूर्व थ्राञ्च ।

অক জন ত্রাচ্চ শাপনার মনে eta थकान कतिया जामानित्रत निक **A** ধানি পত্র প্রেরণ করিয়াছেন ।वि यथा चाट्रम धारुषिक मृक्षे प्रदेश्य । 門斯 পঠে করিলে বেবল যে সাধুশীণ নুশি ক্ষিত দলের মমের ভাব অবগত হওয়া যায় এরপ নতে, একব্র সুশিক্তি দ হিন্তুধর্কের কড দুর প্রভুত্ব আহে, ভাহ विट्रियक्टभ कानिएक भारा यात्र ।

अकृत्व पात्रदक क्लोकिकं ब्रकाटर বারে। লৌকিক রক্ষা করিছে পিয়া না পরতা বিসর্জন করিছে ছউক, আপ দিগের যেবশ সংকার ও বিখাস, ভাষা-বিপরীত আচরণ করিতে হউক এবং হি णाहिक **काएंग कलाक्ष**णि मिरण स्कैक ভাঁচারা কিছুতেই পরাঞ্জুখ কছেন। য हात्रा धरे नकरल कलाक्कलि चित्रा नरहेत नाम यावहात कतिएक मा शास्त्रम, काहारि (भन्ने काम विश्व ; छास्। विरुग्न कटचेत्र পরিসীয়া থাকে না 1 আআদিগের সাগু मील पाक्षकिक शत्राद्यांत्रक अहे १५७ त्व अधिवादस्य ।

देवव ।। बन्धम वाफिद्युटक जाना ७०: धरे विशेष स्ट्रेंट छेकात स्ट्रेशत छेशाला क्क नारे। त कान्नरन जैना चडेना शरेरक **८६, कविषय किया कतिता दे**थर्य ग्रवनधन र तिरक हरेरद । **न**≟रअत्रक खतश्हे कहिंा

উ.হার অসুথের হেন, शायता ७ कहिए हि, করেণ खर्विक कांद्रभा भारत ইংরাজ াধর্ম ও আচার ব্যব ्न वस নালিয়াছে, ইংরাজী শি হারাচি का (में निका करत्रम, ७'शि য হৈছে সবিতাধর্মে অঞ্জনাও আ গের (নর প্রতি উপেকা করে। চার ፣ छुषि विक्रक विवरयक्त धारुज यथन ठएक, उथन मिरे दिक्क विवय नम्ब য় পঞ্জেরই অসুখিত হইবার নেবী ছ। যে পক্ষ হীনবল, ভাহার कथा আহি র কউ। বাঁহারা এ পর্যান্ত এ দে ার্জী শিক্ষা করিয়াছেন ও কবিতে ছেন গছারা ছুটি কারণে অপর পক্ষের प्ताः, ना हीतवल । এक, हेरवाकीरण मूनि ক্ষিত্ত অশিক্ষিত এ উত্তরের গণন। কবি प्रामिकिटकत मश्याहि व्यथिक स्टेटव । ঠীয়, বাহাতে বিশুদ্ধর্থে দৃততর বিশ্ব। ধর্মনীভিতে সবিশেষ অনুরাগ ও সং न्त्रा সাহসাদি अटथा, कापूरण लिका इहे ३६ त।। कामृत्र भिका इट्टल शहे ख^{ार्ड} ংখ্য সুশিক্ষিত দলই অশিক্ষিত দল দম न मधर्ष इंटेएजन १

ক্ষাতঃ উপরিগণিত তুটি কারণ বশতঃ ু বুশিকিত দল গীনবল হইয়াছেন। চীন , দের সম্বাচর যে গতি হই থা গাকে, তা **হাই হইরাছে। সুলিফিতের। অলিফিড সলের অনুগত হই**য়া আছেন। কাজে কা ক্লেই সুশিকিতদিগকে অশিক্ষিত্র নার াবহার করিতে **হইতেছে**। যত দিন সুলি **ক্ষিতের সংখ্যা রুদ্ধি অ**থবা উটিখিত প্র कात मूनिका ना इंदेर्र, उठ किन मूनि দলের লৌকিক ভয় পরিত্যাগের স

ভাবনা কি >

এ क्लीव्र वर्धी मस्त्रभारवद्र ए क्ल া, ভাছার বিপরীত কার্যোর সচিত স্মাণ ধ্ৰুবৈত্যে বলিয়া কেবল ধৰ্ম ও

শাচার ব্যবহারাদি বিবরে কেন, রাজনীতি সমস্বেও বিলক্ষণ বিরক্তভাব লক্ষিত व्हेटब्रह् । हेन्द्राकी निका कहिन्ना विद्य (इ, वाकात निकटि जकटलई जमान, खनई) वित्यस्वात्री, वर्ग व्यथवा आहि । छम वित्यव ब्रहे मणुर्व विद्धार्थियो । । कात्री नदर्श किस आगामित्त्रय ब्राक्षभुद्भव দিগের নিয়তকাল এবছিধ উদাব ব্যবহার नश्नात्भावत इत ना, कार्या कारल परनारकः। নিকট গুণভেদ উপেথিত হুইয়া বণ ভেদ আদৃত হয় আমরা দেখিতে পাই, i ध्याप्रमानि व्यास्तित्रहे निकान ध्रमक्ष इहे ३। शादक । উপসংহার ऋत्ल आशामित्रक বক্তবা এই, যত দিন উল্লিখিড বিষয়গুলির माप मन्त्रकार भरावाविक हरेशा नदा मस्भानात्यत याद श्रीत वियस मिकानूक्ष म म्मकं ना इंडेटर, उठ मिन नवा मस्स्रेमःदश्र मण्युर्वतार्भ मुश्यः ६३व व मखावमः बारे । क्रडमिन नवा भन्धमाहरक विव्रद्ध मा हरेश কাল প্রভীক্ষা করিয়। যাহাতে ঐ গুলি সম্পন্ন হয় দৃত্প্রতিক্ষতা সহকারে সেই (हसें। क्तिएंड इरेंदि । हेर्त्रामीनिका আপাততঃ বিভ্রনা বোধ হইতেতে বটে, কিন্তু পরিণামে অয়তময় কল গ্রাসবকারি नी क्ट्रेंट अंटम्बर नाहे '

সোমপ্রকাশ !

विविध गरवाम । ্রা আবাঢ় সোমবার।

नार्छ क्:निर्देश भारतीर्थ क्षास्त्र स्टब्स নিমিত্র চালায় ৪৯ ২০ টাকা সংগ্রীত ইটা চে । এ সংদারই কি কেবল প্রস্তব্যস্থ প্রতি মূৰ্ত্তিতে পৰ্যাবদিত হইবে ?

চাকা প্রকাশে পুনরায় এক ব্যক্তি কাছা-ভের চা কর্দিগের অত্যাচার রু*ছাও নি*থি-হাছেন। খানজু বাজিকেও বলপুৰ্ক কাজ करादेश कहेरात थया " अभिवृधि कांद्रीतः व ববে পথিড, গৈ করিবেন ১

कामता राउ वादत निथिता क्रिनाम देखे-्राभीय भश्रम ८३दे। व्हेरज्य ह, त्यव भागरकत्र প্রাণ হত। রডের অত্যত প্রাণ হয়। बदाद्ध किनिका १ जा महे र जा, दिए भीरप

ता आहे चार्यक्रम किर्दिख्याह्म, या ब्राएक्ट প্রাণ দণ্ড না হ'রা হয় দ্বীপান্তর বাসের নভুৱা यां बक्कीयन कांद्रीबाटमत 'आरम्ब ६५ ' डेख পত্রের সম্পাদক রভের পোদ এমু ক'ববার নি भिष्ठ नरलन, यक रैमनिक भूक्न, ध्वम शास्त्र-রা ভয় প্রদর্শন করাতেই রভ ক্রোবে অংশীস क्टेंगा डियामिरगंत अक नःदिख्य आप मःइ.व करियादक । अन स्वाटक कि द्वादानि दिश्व ব্দীভূত ন, হট্যা সুন্তচিত্তে প্রাণি হতাং

অধ্যোগে গেডেটের এক জন পত্রপ্রের নান সাহেব ৭ ভাষার জা**ভার বি**ধয়ে এই ৰূপ ি পিষাছেন — " সাৰি (পত্ৰপ্ৰেব্ৰ) ১५ a ७ व्यक्ति यथन व्यक्ति (साम) माइहा কে) দেখি, ভখন ভাছার বয়স প্রায় ২০ স मन अस्ति व वीत्रि । ५ केथ्व नया, स्वीत्रव (वलर स्, ध्यादाय गर्य, जीत ७ छोन्न हन्। এবং ভাঁহাৰ কৰ্ণ বিদ্যাং কৰাত। মানা সাকেনে त गृहिं अपने व दैं। इ तक पन्नि बङ्गा ता 🛊 ক্রিন ন'ন' সাহেত্বের বতঃ রাপা হয় ভথাতি ভালাকে কণমাত্রে চিনিলা লওয়া যাগ। ১ হার পাতাও এক এন প্রাসিদ্ধ লোক। আমি তাহার সহিত সর্বলাই বাস করিভাম, ঠাই,* महिंड कर्षाशकलय कार्त किया आहे यह বপা তৃলিতেন যে গ্ৰহমেন্ট ভাছার ভাভার প্রতি জন্যায় ব্যবহার করিয়াছেন এবং যে वाक्तिक शानियादमध्ये आदवस्य क्षिप्ट शा ठे।जेबा ८४ ध्या रुद्र, ८म ठेकाञ्चर, ८५ । ७ ८५ मञ् -উন্ন মন্মান্তিক করাতেই নানা সাহেব বিলে (इ अ दि स्व।

নতীয়ার প্রসিক্ত হমেল সাহেব রেনিভিউ বোর্ডে নিয়োজিত হওয়াতে হিল্প ংগট্রট সম্পাদক এই ভাষসতে নত্তীয়ার প্রজাতিগকে ভাঁহার নিশটে হ'ডজভা এলননের অসু রোধ করিয়াছেল। আনরাও এই আন্নরোধে অগ্রমোদন করিতেকি।

এক ব্যক্তি রামপুর শোয়ালি 🛛 🕏 তে अध्याप्तिका निकटी निविद्या भी नेवारहन, ''আজি কালি এখানে আম বিলে গ্রার উপরে পুলিস বাটেলিয়ানদিবের জৌরা । দেখিতে क्रि, উহারা আঞ্চাইরা গুলা বর না, মূল্য চাহিলে প্রহ' করিতে বাবুঃ ওরাটনন

' পুলিব্ যা-

कितान वरेता **वितादकः व भूतिदनत देशीक्** ्नि। बहेरन चरछत्र छेन्द्र चात्र क क्रीवाच्छ कद्भिरय भ

উफ °ाउटधातक चारता वरताब 4 अधीवकात्र (রামপুর বোর:লিকার) গুড়ন কালেটার ঞ্জীযুত সদরলাও সাহেব পূর্ককার জনেক নি রম পরিবর্তন করিভেছেন। তিনি বিলিয়ার্ড कर्षा कंगिबीयन करतम ना अवर वक्क्यांत्र द्या-য়ও আর পেখারেশ হারা লিখান না। করেক জন মুক্রি বিদায় লওয়াতে ভাহাদিগের কর্ষে পেষারের পরিচিত লোক না রাখিয়া ভ কের ছাত্রের অয়েষণ করেন। । এইছি ক্ষাব্রিদিগের গলে টনি কেবন ১

ছিন্তু পেট্রিবটের এক অন পত্রপ্রেরক আসাধের চা কর্তের এক তাড্যাচারের বিবয় লিখিরাছেন ডাহা অবল করিলে শরীর লোবা-্রিত হয় এবং রাজপুক্ষদের বিচারের উপর ५७ कि करणा

কাছারিপুকতরি ভূতির অধ্যক্ষ লাহেব প্রায়-शताल एक नाटम अन खन पुरुष्तिएक अकलिन अहं कथा करिया हिलान, भूना भूना ८ देखा क वाटक रम करिश अध्यक्षत्र करा कानारा, यनि বোন তাপরাধ হইয়। থাকে চাব আংটককৈ আ 'B कक्रमा नारशास्त्र कारण कारण कारण करूँ क ংলেন। মুহার সহা করেতে না পারিয়া ভাষ্য करक खाउ मात्रास्य राहेर अध्यान, भारत्य दक्ष বিয়া বুলিও হইয়া ধাবয়া আনাইয়া ৰটি ছারা এং'র করেন এবং আপন দুড;দের ছার। ধুড कांत्रः। श्रह् ७०४:८कद्र नियने मञ्जा याम । त्य भारत बाहा, नाइन कारन अध्यक्षारय कि कशिष्ठा পুনরায় এত্যাগমন করিয়া সমস্তর্গুনী গুদা থে ৰুজ্ কার্ত্র রাখেন। পর দিন প্রাভাবালে কুঠার সকল লোকের সন্দুধ্যে আনিয়া ভূতলে নিজ্পে কারণ। ধেত্র দাস। পুর্টে প্রহার করি-CO निर्दिष्ट रिक अब इंडेल। भरत अक एर्डिक আনিয়া ভছাবা এতাদুল প্রহার করিলেন य পुर्छ । एनाई दान वृष्टिन ना अवर वतरस क्ष इरेटन्य। यूक्ति अक बाद्य क्लानमूख हरे-ল, সাহেব যুক্তির মৃত্যু হইরাল্লে জানিয়া ভূথি-শংৎ করিতে আজা দিলেন, কিন্তু ভাহার প্রাণ जयन वाहित एक नाहे, बतुकशारमता अनाम চন ও ৰাভাস করিতে করিতে অনেকদণের

भन्न छेकू छेक्षीमन कविन । नाट्य विहादत्तत्र मकनदक डाश्मिशक अहे छेभावि वाह्रा भक्:-रक रहेटछ वृक्त रहेरात अना ১० कम मून अक স্থালে ভাষাকে প্রেরণ করিলেন এবং ভাষার ছুহ ভগ্ন করিয়া স মগ্রী সকল ইডছাত। নি-ক্ষেপ করিয়া ভাঁলার পরিবারনাতক বহিত্ত कतिया विद्यान ।

শিব সাগরের ভেপুটি কমিসনর ইহা জব-৭ করিয়া তাঁহাকে মৃক্ষ করিতে আক্তা দিয়া ष्माणम मश्कादि स्कांक माट्वदक अविवय ভানুসঞ্জান করিতে কহিলেন। ভোল সাহেব ভথার উপস্থিত হইয়া আসাম কোম্পানির व्यथाकरूक विकामा कदिरका । हेनि अक्सन ক্ষাৰৈত নৰ মাজিছে ট) তিনি কহিলেন একি ছুই নয়, মুক্রি জ্ঞজু প্রকাশ করিয়াছি-লেন বলিয়া জাপ শান্তি প্রদন্ত চইয়াছে এবং উহার যাসী আসামে একারণ তথায় প্রেরিড হইরাছে। ইছাই বথার্থ বিদেচনা করিয়া আর কোন অসুসন্ধান হইব না। পুলিষ ছারা মৃত্তি প্রাপ্ত হইরা ফুচরি ভেপুটি ক্ষিসনরকে আ-প্র পিঠ দেখাইয়া সাহেত্বর নামে নাল্য ক-ব্লিল। ভাহার পিঠে এক বিশ্ব চন্ম ছিল না। সাহেৰ দোৰ খীকার করিখা শহিলেন মুহরি প্রথমে আমাকে প্রহার করে এবা অ নি জা স্ত্র ব্লহার্থ উহাকে প্রহার কবিয়াছি। পাঠকল मारहरवद्ग कि भाष्टि इडेरन विस्वहन। करतन न এডাদৃশ গুৰুতর দোশের গুৰুতর শাস্তি সম্পেই কি > বিচারপতি ভানেক কণ ভাবিয়া क्टित कविरलम अरए-नेमरक्रव भिरतेव b-त्मित्र कड हे महा इहेर । अध्यना ग, दश्रान ३ | हेत्र अद्भिन्न, कविरत्न ।

की चामः मन्त्रातः

ভারত गरीय भवनदब*े* म नाम क ब्र**ं** ৰ্ষের আয়ু ব্যে ও লেক সংখ্যা নিয়েকরিব র खना जर मान। मः वालन विवादकन। भराद cmagang हेका 45 (१ कोन कान यांचीन मन विवय विद्यास्तित छात्र ध्रांत कर्मन । अ সিয়াটিক পোলাইট, বলিক সম্ভা প্রান্থতি এ-বিষয়ে বিশেষ নহ'নতা কৰিতে পাবেন !

नानर्राके ज्याका कतियोद्धम क'वडवर्षीय ও বস্তদেশীর ব্যবস্থাপক স্কার থাবতীয় স্ভা क्नारद्वतन ''। बानावक) छैलानि भाष्टर गः

नि निथिए इट्रेस ।

আরাক.দে ষেইলের বাস্ধীর লাখাল হয় যটিকা নাত্র থাকিত। ত**নিবিত্ত ভত্তত্যে বণিক** मिर्भन कडे **ब्**बग्नाटक **कानुक्रवर्गीत् भवन्द्रक** वच्दमान थाराव कविजनद्वत ज्ञाद्वाद्व का. बोक नद्र परिन, द्वाधिवाद कांक्स कद्विहारस्य ।

रतकत्। मन्भु'प्र ५ वटनम् अवर्गदमके प्यक्ति লীত্র সার কয়েক ব্যক্তিকে নদীর জন্মাবধায়ক পদে নিযুক্ত করিখেন। ইহা ছারা আর্রোছী-দিগের সবিশেষ উপকার দর্শিবে। ১৯৯

है श्लिमहोन मन्भः इक वटनव बाखनोत्र हो -ইনওয়ের বার্যা দীলে সম্পূর্ণ বইবে। ভারিবিভ ভত্রত। নদীতে একখানি আলোর আহার ও করেকজন আত্তাটীকে প্রেরণ করা ভুট্রের কিছ আযারা শুনিজেছি পিরালির পুল निश्चाद्धः

পূজান্ন পূর্বে পূর্ব্য বালালার রেইন বাজীয় শক্ট চলিতে পারে। আমরা र 🔍 क्राहे मारमद्र कादरक अक्षानि शह भक्ठे यादेखा

व्यावा धीरशञ्ज निकटे व्यारपञ्जितां पूर् র্বার অড্যাচার করিভেছে, করেকথানি ওল-লাজ ৪ ইংবাজী জাহাল তাহালিগের দম भार्थ भगन कतिकाटक ।

किनिका अन्यात्रक रहुवन श्रीपानसम्बद्धाः लंड भीध शामिख रहेंद्व, अन्त्री, सूनांत्रे पर কাঠ্য আরম্ভ কইবার সম্ভবনা আহে।

উক্ত সম্পাদক নসিয়াবাদ হইতে সংবাদ थां **अ इ**ेग्रारहन, मच्चिक निषदात निकार के रवक्षान पद्धा छोक त्ठे ७ ७क्षान क्षरवीरक আছত করিরা পলায়ন করিরাছে।

ই লণ্ডীর সুবিখ্যাত ভাজের উদ্কের মৃ-ত্যু হইয়াছে। ইনি পূর্বে এক জন ইহদি हिलान कि स मंत्रीय अर्थ अवलक्त कतिशा **পুश्चित्र अकत ज्यादन উक्त धर्म्य (धार्यन) क**. রেন। এজন্য তাঁহাকে অনেক কট পাইতে बहेबाहिल। शृथिती चृत्तिग्राम विभनविविद्यात निकार पादनक दिवदश अवश्रसः।

यावानी मन्याहरू यस्त्र वीत्रकृषात् अरु कन ' बीइधिकांद्री मरमङ, (छन्नूष्टि याभिरहे े ভব্ৰদে৷ এক জন উকীগ্ৰহে ও এতজেশীয় সং

नेपूर्व वालि व्यवदारण देनीन दावात नार्य गवर्षाम्हर्षे सुर्भागं करत्व । स्वरूप्टेनके शवर्ष ভাৰিমির কুর্ম রাম্ল নর্ডান্ট ওরেলনকে সম্পোধ < 'देशार **एवं 'दि**

गणार अं पुरस्क शंकत ७ क्छीरतव प्रकि क्षेत्रारहः। क्षेत्रक किवन शूर्त्व वक सन्दर्क ्रिंदि प्रकृतिका अंख कता अवधि शंकत ध्य अने ब्रिक्टिक्टिक्टिके का त्रिशास्त्र ।

अं अभिने क्षेत्र व्यानन क्यात ठोक्रतत् 'ট একটি বাৰ্মা ক্লমতা হইয়া প্ৰাণত্যাগ

৫ই আষাড় বুগবার :

किनिरकात्र वित्रिभारतात्र সংবাদ দাতা হেন, তথার এক গ্রীহন্ত্যা হইয়া গিখাছে ৷ জচক্ষরায় নামে এক জমিদারস্থান এক 'শিরাছিলেন। ত্রুমে তারাকে আপন ইয়া বার্ণেন । শে রক্ষন করিয়া নিত, বাহার করিভেন। পরে বাটীর লোকে लारपान क्यार्ड डाहारन दान स्टाउ । ঐ বেশ্যার একু চাষারের সহিত হয় । বারু তাহা জানিতে পাবিয়া , শং. কে স্বহত্তে হত্যা করিরাছেন । বাবু ্ত হায়া আপন দেবি স্বীকার করিখাছেন। ্রার্ক প্রত্যুক্তর হই ডেই মকরলের জীর্জি १ ब्रुट "इंट

इश्वित्रभारमञ्ज करकत्र मःयामणा া সুক্ষর সা নামে বিখ্যাত বিজেগী र्भरियर है व हर्स्स अपने कि हिम्रो हिन् वे बाुक्ति अध्य राज्योदिनात्मे । एत जिल. ারে ভাছা ভগ করিয়। ভানেক সহচয় সম तिकादित भनीयन कद्य भागा ひるのみじょ **াইরা পুনরায় বিজো**কে প্ いずての **बित्रमञ्जू भौट्यदेव अ**श्चरियाद्वय स्थापन स्थापन स ১০০০ টাকা বাহ্মিক দিলে। ১৯৮ টিয়ে **्ष**) **डोहो**ते बोडोरक प्रकेशन राजि उदा उद्देख।

একাৰে আবার শনা বাইডেডে গ সামে খেবার বিভার তুরাখন ফিলান গত *चिराहित। दिनि काशन नाम शनियक करिए । एते तिलया यक हत, तम शक वला किया ংং সিষ্ক**ট সাহেৰ ভাষাকে স্থা**ন দলি : কলাল অৱেদণ করিবেন সন্ধ্যাষ্ট্রণে পাছেছ ় প্রাছিলেন বলিয়া খুডাইইয়াছেন। ডিনি । ১৯৫০ তাহাতে বিষ্ণান করাইক। সণ ক্ষা

कट्टन अविषय किहूरे जारनम ना'। अकरन क्रांत्रिन निया मुख्य ब्हेंब्राट्डन किन्तु उंग उन् বিচার হইবে ৷ মধন্দৰা অভি শীঘ্র আর্থ बहरत 🕫

হ্রকরা সম্পাদক কছেন কাছাছের অধ্য क अवर्वाय कि विश्विद्वारहम अवाद ७ टिएम इइंटि प्रम लक्ष होनीत हा तथानि इहेरव धवर আর বংসর উহার দিওণ চইবার সভাবনা মস্তুরের জনা কঠ হইতেছে, অনেকে পদার ন করিয়াছে। কিন্তু কেহ কাহাকে ধরিরা আ-निरम १ है।को भूतकात भाहरन कड़े खठात क-রিয়া লেওরাতে একণে অনেকে ধৃত হইয়া ভাগিতেছে। আমেরিকার দক্ষিণ বিভাগের **जुल উৎপাদনকারিদিগের প্রথা অব্দ**য়ন করিলে অধিক চা অধিতে পারে !!।

ইস্ত সম্পাদক আরো করেন ভারত-বধীয় গ্রণমেট নিয়নিখিত তিনটি বাটী নির্মাণ জনা ৫০ লক্ষ টাকা মঞ্র করিরাছেন : রাইটার্সল্ডিং (কোম্পানির বারিক। পুন নির্মাণ পোষ্ট আকিস নির্মাণ জন্য প্রেসিভেন্সি কালেজ নির্মাণ জন্য ৬৫০০০

লাহোর ত্র লিকেল সম্পাদক করেন তথায ভয়ানক ৰড রাষ্ট হইয়: বিচাছে ৷ আর ত্রীথ निर्मान (कान कहे नारे।

গত সোমবার লেপ্টেন্ট গবণর মা দ্রাসা কালেক দর্শন করিতে গিয়াছিলেন। विषाविषद्य मूललाना पिटलत छेरलाङ उक्तिह জন্য তিনি অভিশয় শুগ্রান আছেন, তাল थया बास्क कार्बेबाएइन। योशके कर्नन सुनल ्रांगिष्टिनात् विल्याच्यादन महनोदश्य र उर्ध वर्ष সম্ভাকথ। নতে । বীভন সাহেকের আগমন खनः बाम्रामा कारमञ्ज ५ कलिका वेस्नुत ५ किन ज्या करेग्राहित। तीष्ठन मास्ट्यंत अन्ताना नि সনবাবেও গ্রম করা কইছ। ।

৬ই আবাচ ক্লম্পতিবার।

्ध ' एकाशा नाहिक करा, जि**एक बाब**। मा-वृष्ठे नारम अक मार्टनरवर्द वाविष्ट हिल् । १ व म्याहीस्त्र त्यान छराना कविद्यारक । नावर्यद्य-হাকে করিকাডার আনরন করা হইবাছে ্ কেব চা জারুসাবে করণার ভাষার মৃত্যুর

बहेबाटड, खबिमित अहे श्राह्मेंन बहेटलट्ड डॉ-ब्राञ्चवीय शगर्वद्यकेट्य दर्भिष्टे अ व मीव प्राटिस ना एता वास्तित कानाशास्त्र तथा कहे स्थाश छ अवारखरे आन विद्यान श्हेबार्ट्स धक्या म-ৰ্মাধারণকৈ ও ভারতবর্ষীয় গ্রন্থেন্টকে ম্বী-কার করিতে হট্বে।

ইংলও হইতে এক একটি সৈন্য আনমুক্ত করিতে শিশুর ব্যয় হয়। গব-মেন্ট ভঞ্জিয়া মনস্ত করিয়াছেন যে সামল সেনার কার্য্যর্থ স-মণ্ উত্তীৰ্ণ চইৰে ভাষার। যদি পুৰস্থার দেন। দলে প্রবেশ করিতে চায় নিমু লিখিত টাকা পুরুষার ব্যরণ দিয়া নিয়োঞ্জিত করা হইবে। হৰ আটিলেব্লি वृश्वाल औ . .. डेक्टिनि द .. 50 5114 4 অশারোহী পদাতিক ইহা লারা অনেক বাধ স**ংক্ষেপ হইবে** ৩ উ ত্বম দৈশ্য পাওয়। যাইবে।

হারবি সাহেব প্রতিনিধি আকাউকীক **अन्तरः इडेट्ड्इन** : डिनि अ**क्रा**न ७०० টাকা পাইতেচেন তদতিরিক্ত শার ৫০০ টাকা পাইকেন। বোছাইরের পোষ্ট নাইর জেনরল ১৫৮- গেড়ন পাইডেন ভার্ডবর্দীয় staffम के अक्षर्थ उन्हास्क २००० है।या प्रिटबर । त्रिविल थिभोकः कवित्रन वाह अ - एक श भिविद्याहित्सम् अक्रात्मः अस्ति अति। র্বি হইডে গলিখ।

ছবুকরা সম্পাদক বলেন এতকেশীল প্রার এক গ্রহম কোকে মেড পারকের হত্যাকারী র ভের ক্ষাৰ ক্ষা ইট্লোপীয় গণেৰ সভিত আবেসন করিয়াছেন : আবেদন প্রথমতঃ বা ভেন সাহেবের নিকটে এপ্রণ কব। হয়, কিন্তু হত্যা তাহার সীখার মধ্যে হর নাট বলিখ ভাষা গ্রথয় স্থেনরতের নিকটে প্রেরণ করা ছইব্লাছে। সম্পাদক বংশন এতকেনীয়ের। এই অন্তবদৰে **আক্ষ**ক কয়াতে ইংরাজনিংগর স ছিত এতদেশীয়রিগের বিশেষ সন্তাব জনিবে। ইউরোপীরেশ যা ১ছো তাই করিলেও এদে-भौरत्रत्रा यक्ति किछू नावनित्रा वृश्केतिया थार्कन छ हो बहेरलाई मुद्धान । अहे नमुः व नर्केड वर् मा विश्वाहे बर्धा मर्द्धा विवास वास्य अ.स्थीय े ८४ ७ अ अञ्चल वर्गाच्य क्षाच्य क्रियार । मध्येषांत्र s ? ইউরোপীয়দিশের আক্রিন্ত কের্ডুন্ত্র। যু ত ?

সির্গা হইতে একজন হরকরা পরে কি:
ধরাকেন ডাছতা বলকিয়ার সেনারা নগরের
চতরে যক্ষ চুড়িয়া গাকেন। কারণ
'ডাছতা লোকেয়া বেন বুরিডে পারে বে
লোহী ছইলে বলভিন্নরেরা উ হাজিগকে
বঞ্চণাৎ মণ্ড জিতে পারিবেন। এই সকল
গ কেরাই বিজ্ঞান্তকে বিষয়ণ করিয়া আনে।

দিলীগেলেট সম্পাদক বলেন লালা জ্যো-তঃ প্রসাদ প্রথান স্নোপতির অভ্রোধে তাঁ ার সহিত সাক্ষাং করিতে গিয়াছেন। তাঁ-াকে পুনর্বার কমিসরিএটের ভার দেওয়। হ-বে। জ্যোতিঃ প্রসাদ এ কার্ব্যের বিশেষ উ-শবুক্ত।

भारगथा। शिक्षि मण्णामक वरनन नद्धा-ए अक गुल्मि मुदिशयोग आम मध्य कडिएड ।।वेटडिक्स अम्बर्ध नमस्त म् युष्ठ कवेन्नारकः। गण्णामक् अञ्चान करतन मि विद्यारकः अक ।न केरमान्त्री। वेद्यां साहे मिस्स चन्न क-

উক্ত স্পাদক আরও বলেন পাটনার তপূর্ব কমিসনর টেলর সাফেব (বিনি একংণ কলের কার্যা করিডেফেন) ভত্রভ্য প্রধান ব আমিনের সুক্রিত্রভার বিষয় প্রথমেন র গোচর করিয়াকেন।

মাথেও রের ভত্তধার বিদের সহায়তার -ব:বাংসগরে ৩৬, ২১৮ নিকা চাঁদা হ গতে , এখানেও চাঁদা করা করিব্য।

ন্ধংসর ১৯০ জন সিবিলিয়ান হইবার রাজা লিবেন। ৮০ জন ছাড়ন সিবিলিয়ান তি হইবেন। পরীক্ষা বিদিশের অধিকাংশ ক ড ভাষায় পরীক্ষা লিডেছেন। সংস্কৃত গা ক্রনে ভারত্বর্গ জ্যাগ কনিয়া ইউরোপে ভিনেন।

টাইনস এব ইপ্রিয়া গুজর টিও সহারা-র ভাষার সংবাদ পজের এতাব সকল জা-াদ করিয়া সৃত্তিত করিতেছেল। কলিকা-ার দৈনিক সম্পাদকেরা এপ্রকার না করেন ব

् कानूल इट्टेंड नश्नाम ज्यानिवादह जामीत जिल्लाम जी दिवांके जाकान्त्र ना कतिवा

ক্ষাপ্প বইবেন না : বোখারার রাজা ভাষাকে ক্ষাপ্তান ভাবের সহিত সন্ধি করিতে অস্থ রোধ কবেন, কিছ হব আধীর ভাষাতে অস শুভ ঘ্রুয়াহেন।

সুরজনগরে অফ্যাপিও ওলাউঠার শা-ডি হর নাই। বিভার লোক প্রাণ জ্যাগ করি-২েছে; আনাদিগের বাবজীর নগরের মিউ-নিসিপাল কম্বোবস্ত ভাল না হইলে এই সকল জনিই সর্বদা বটাবে।

সক্রতি মতা হইতে মুন্তনান্দিণের নি
কটে যে পার আসিরাছে ভাষাতে ভারত্য ইনান বলেন গেরিএল মুভ পৃথিবীতে চারিবার
আগমন করিবেন। প্রথম আসিবানার রাজা
ও শাসন কর্তারা নিজ নিজ করতা হইতে
বঞ্চিত হইবেন। এবং সূর্ক ছানে অরাজক ও
বিশ্বালা হইবে। ছিভীর বারে মন্তব্যদিগের
খাল্য ভিক্ত বোধ হইবে। তৃতীয়বারে সভীর
ধর্ম পৃথিবী হইতে অন্তর্ভিত হইবে। সকলে
যথেকাচারী হইবে এবং চুরুর্ধ বারে পৃথিবী
উৎসর হইবে। মুস্লমান্দিগের শুধ্রিবার
ভারেম বিলম্ব আছে

' 1ই আঘায় শুক্রবার।

নানাসাহেবের কোমর বন্ধ ৪৭০০০ টাকার বিক্রীত চইয়াছে। সম্পার দ্রব্য বিক্রয় হইলে বিতরে টাকা লভা ইইবার সম্ভাবনা আছে। তুর্কু বিতা চেতু এই সম্ভাগ ঐথব্য গেল।

যণিক সম্প্রদার মাঞ্চেইবের অকর্মণা ছুর্জিকণীড়িত মর্জুর,দিনের সহায়তার জনা চাঁলা গ্রহণ করিবার বিজ্ঞাপন করিয়াছেন। এক্লেনীর সকলের এবিশরে সহায়তা করা করিবা

স্থামানপুর পর্যন্ত রেইনওয়ে খুধিরাছে। তথায় পরীকার জন্য আপাততঃ ছর মাসের নিষিত্ত একটি ডাক্ষর চইরাছে।

কিনিকোর সম্বলপুরের সংবাদদাতা ব নেন তত্রতা ভেপুটি ফ্রিসনবের যদ্ধে বাবর্তার বিদ্যোহীসন্দার আত্ম সম্বর্ণ করিয়াছেন, এফ ব্যক্তিমাত্র অন্যাপিও ইংলভেম্বনীর অধীন নতা স্বীকার করেন নাই। গ্রন্থেনী ভেপুটি ক্রিসনরকে পুরস্কার দিবেন। ক্ষাপ্রেম্বন ইহার কারণ।

সমাচার বিশ্বস্থানী সম্পাদক পুনর্বার ক-বিয়াহের সম্পাদি বিয়োহের হৈ আশকা

হইর:ছে ভাহার কোন মূল নাই ক্রুক্তর্নাইট প্রভৃতি ভয়ার্ভ সম্পান্তকর্মাও আক্রেন স্থান্ত হইরাছেন।

ইতিয়ান রিক্সার স্পাদক শ্রম ব্রিটার ক্ষার প্রতিবাদ করিয়াহেল। আনদা হৈ ক্ষা ক্ষিয়াহিলাম তিনি তাহার পোকতা ক্রিয়া বলেন রডের কালী হইলে ভারতব্যক্তিত ছ-র্লু ত ইংরেজের। এডকেলীয়াহিগের প্রাণ ক্ষ করিউত সাহসী হইবে নাঃ

৮ই আনাচ শবিষায়। ইংলণ্ডেষরীর রাজ্যাভিবেকের বিন বলি-রা গভ কলা কয়েকটি ভোপ হইরাছে।

দেনাগতি দাউরাস পুনর্বার **কর্তির।** পর্বতে গমন করিরাছেন।

গবৰ্ণর জেনেরল জন মুক্তকে কৰা কৃতি-লেন না। জিনি বিবেচনা করিরা বিশ্ব করি-রাছেন সে ক্ষার খোগ্য পাত্র নহে। খোধ হর এইবার হিতাৎ মৃত্যুর, সংখ্যা অব্দ হই-বে। সোমবার ভাহার ফাসী হইবে।

হরকরা সম্পাদক বেলন ছরাজা হিলিনে দেবরুগতে ধৃত করিবার সংবাদ গবর্ণনৈক্তির নিকটে আইসে নাই, কিন্তু তিনি বে ব্যক্তির নিকটে সংবাদ পাইর।ছেন ভাষা স্পাস্ত্য ছই বার সভাবনা নাই।

হাওড়া হইতে এক জন ইউরোপীয়া
নিকা পত্রে লিখিলাছেন ১৭ই জুন রাজিলে
এক ব্যক্তি তাহার মালিকে এক ছুরিকা খারা
বধ করিরাছে। খানা হইতে ভাহার দালি
অপা দুর খারা তথাপি হভ্যাকারী খুভ হর
নাই। কি আকেপের নিকর! ক্রমণঃ সকলেহই জীবন ও সম্পত্তি বিপুলে পতিত হইতে
থাকিল। মালির 'বিঠাৎ ছুরিকাখাত দম্যতঃ

বে যে খানে বলদেশীর ব্যক্তের শাপা কট্রাতে, তথার গবর্ণবেক্টের আর বত্ত ভেজুরি থাকিবে সাঁ।

ইংলিসমান সম্পাদক বলেন গ্রহণ্ডল রল এখান সেনাপভিকে কলিবাভার আসিতে ক্যাক্তা করিয় ছেন। কারণ ?

নিম্ব লিখিড মূল্যে গ্ৰণ্থেটের কাগন বিক্রীক ইইডেচে :--

৪ টাকার সিকা

SoN. S.

৪ টাকার কোম্পানির

いたこうの

ধ টাকার ঐ

708il !>.

লে টাকারঐ

>><1>>5.

एक रही भविका हरेए रेडेनारेटडेड बरहेर्

वर्ग जारा धरशंड चौरह्म । कि-भित्रांतक पूर्वत चार्णातन हत रक्ट कार्य कार्यक महस्य। मा-खुन कात्रम । के बाजय किर चक्र-का व्याप क्रेंग किक्रण शहनिङ আসর। এছবৈট্নেই বিষয় লিখিতে এইত 🎻 ই

नि डेख्न रेनलावली, मूत्रवासिनी उपक्रिकी हुडीर जनगानी, अवस्ता इतीर्च मुन्दलगी है विवर्षन्त ह मर्ग नीत्र भागार्थ मकल शाक-त्योत्वर रहा, जार। इरेल हे-क्ष्मिकित सार्भका श्रीवराधि । एन বিলর **অক্স'কোন অং**লে আৰু দৃক্তি গোচর सा ना । बिह्न स्नवन द्विमर्गिक शविमां हे छहात्र 🌉 🕶 । उरात्र हे जहन्त चडाड न्वरकृष करिया व वर्गत श्रम छेर। विक अंतरण श्री किस धर छत्। नक ्रमुज्य ७ ७एएमा । अधिकाशकात्र उद्यासका ही भरवद आवान दान हिला किन्दु अकरण डेरा জুকীৰ্ণ নথর ও জনপদে প্রিপু হিইয়াছে; ^{ভিতি}কাৰ প্ৰচ ও ৰাজ্যীয় লোত উচার চতুৰ্ফিকে া করিতেছে, ভাড়িত বার্তাবহ অভুক্ষণ স্বী **बाह्य को बाकार्या निवृ**क विद्याहरू. बरः ও महत्रको (परी भनम रमनीव अज़ाबन या कर श्रीविधान स्तिमा गर्खन विज्ञासनाना चारहर । घडवर वे स्मानत है, उद्वेष्ट व्यथात्रात - খুভাৰত:ই সকলেব ইছে। অভিয়া গাকে, বিশেষ-তঃ ৰখন কোন সহ্দত্য বিলি ভালুশ ধন ও জা , नोरकाकिंगणात्र सम्भ मध्या यसः लि स'नद्रश्रवीः **প্রচলনের কথা ও**লিড়ে পাল ভখন আবে উল্লি क्षारखद गाँदमीनः थात्क स. ख.: जाहाद श्रू-**ट्यांक रेक्**षित रिडाय असिरावी बहेता

हुदै भंड बरमध्वय काश्रिक कांश शंकु ५४ त ्म अ दमरम निष्कितिष्ठे न नादन कर मान्यापर া। **ভাঁচাদের মতের** সহিত দেশীয় প্রচলিত र्षिय किंग किंग धार्म श्रेतका हिमा के छ কাৰণভা পিউনিটান্দের প্রতি প্রচৌন সম্প্র রের লোকেরা অনেক অভ্যাচার ক্রিভেন। धर्णाव थाकि शिक्षेत्रिष्टांनिवरणत वृष्टका 🐍 न हिल अखाठांत छत्त्र क्थम क्थम छ। । क्रिय-ভাছার বিপরীত আচরণ ক্রিতে ছইত। ফ্-া ভাঁহারা একাশারূপে স্বীয় মতাত্যায়ী ধ-

:31

त्फंड अस्काम स्वीति गाहिएक मा । अठः डीहोता वहे जिव 🎆 ट्याही हुव, दा धर्मात षायामित्रय पृष्टकी विक्री वाहर मानवत्र ভাগার বিশরীত আচন্ত্রণ করা অংশকা দেশতাঃ প করাই সহজ্ঞ অংশে উক্তম। ভদ্মসারে কায় क महाबा जामण गहिलांग मूर्क्क आ

র বিজন কাননে আসিয়া বসতি ক্রিলেন : জ-নে ক্রে তাঁহালিবের সন্তান সভতি ক'লাতে । ধর্টিক। ঐ সভাব নাম কংএে গম হইতে লাগিল। ফলতঃ অঞ্কাল মধ্যে হা নেওা. ইউনাইটেড এটেট্লের মধ্যে কা थाव व्यथीन थाकिएउ इहेल। व्यमसङ्घ कीश्वात्र की, अन्तरे, अ व्यात्ररक है आहे तकस्तात्र मेकम मा ১११७ वृश् व्यक्त ह है। कृषाहे " खेरानिटम्मि-কেন। ইংলণ্ডের অধীন তা পরিত্যাগ করিয়া আ-ঘাধীনত। অবলয়ন করিল '' এই বলিয়া ঘোষ-नामक लाग्य कविया जिल्लामा देशल श्रीय जिल्लाम স্থিত ঘোৰতৰ যুদ্ধ ঘটতে লাগিলঃ প্ৰিশে-८य में विकास सामी जुनून भरजात्मत श्रेय यह बीन उप्राभिश्वेदनव बीवय अ महाग्रा क्रांकलियन-व बू फेमडा शाखादा यात्मितिकान वा मुद्दा अही इरेट्सन ७ ३१५ ७ था बाद्य हे ब्ला हे ह स्मर वाधीनका चीकात क तरहान।

খোৰণাপত প্ৰচাস কৰিবাৰ পুৰ্বে আমে-तिकार्तः। किन्न किन्न द्वनिष्ठी अस्मरण वान किन्नाः व्यानिरञ्हितन । शत्व वे एउवणि अल्हारम भि-লিত হইয়া ঘোষণাশত্ৰ প্ৰচাণ কৰাতে ঐ গুলি-व नाम देवनाहरहेल अर्थेडे म् (विश्वित अर्यमा हरा कि उत्ताखन अस्ति-मः थान इकि इक्-प्र.ए हेडेमाहेर्डेड बरकेत्य, बकरन काउ हरर ब्राका बहेत्र। डेठियाए । এখন উচ্চতে अधी প্রদেশ ও চাবিটা অভুক্ত প্রদেশ আছে। 🛧

🔹 (क्यूड़ कारन) --

দেই ন

নিউ হাম্প সায়র (২)

उर्ज है

महा नाहरन है न (१)

ं ड क्यांच्यांचं ६२)

कामणिको (१)

(AR) #124)

Ta & Bra (19

व्यक्तिकादक्षिक्षा ८० ।

> 1 (4 th selfer c z)

> | CBM; ##(* C *)

্ন কিলাও (২)

क्याबियः (इक्टियंड

विभागिती महा व her: we sieren Am

(कार मध्यव नाई। वार्क्स् 🏋 🖥 व नगरण अवशी मनागकः। नीवादिन विष: विष विष: प्रत শাগিল ও মুজন-সুতল ঔপনিধেশিকেবও সম - ' নাগ খেলিডেনী । ইংলওছেঞ্চী থেঞ্জি গালিকা উপনিবেশিকের। প্রণা হইছা উট্টিলেন । কিন্তু সঙ্গ প্র সেই রুপ। । ইংল্পতে ক্রুপ্র ক্রেল योगित छीनाव। दमण प्रमास अविका धर्मा विवाद । ल फ दिन मकः, अवर ब्राक्षा अहे नकदास्त्र कि আধীন হই লন বটে স্বায়াই ইংকতিৰ অধিনা-, মঙ লাওটলে বেমন কোল নিয়ম বিশ্বিত্য চয় नी विभिन्न। क्याना विभाग की शामभटक हे॰ स- , या, धर्यात्म ७ उपन (३८५८ मटलेकि: ८४०) म-ইংলগু বেশের অসম অভাচাতে প্রণীড়িত হই 🕝 তা না গ্রন্থ কোন মৃতন নিগম বিধিবদ্ধ হছতে शांद्रि में।। के लाख दायम धांक काम *द*कान কাষ্য পালিমাংমেণ্টের বিনাম্মাডিডেও স্বয়ং ক্ৰিভে প্ৰবন এখানেও প্ৰেক্তিভটেব প্ৰায় मिहेक्रभी क्रम अ: खाट्ड , एवं एवं विषया हेर्स छ अ षार्थिरकात मानुना नाहे राक्षका ष्टाः छोड् -আমরা এছলে বলি ও পরিলাম না।

(P'er witn)

≯। क्*किं विश् (६)

১। উত্তৰ কেব্যোলিনা ১ 2

ऽ । वर्षक्रण (स्ट्रट क्रिका ८३

> । अभारतीयाँ

ক্লোভিড

(भःच्छम खारभ)

te 36 ies

के किया व

हे जिलाई न

বিভঃ

11045152

। छिमिन

> । डिमि.मिनी

>। **ट्यानिशा**ना

১। টেকুসস ३ । ऋक्तिमन

fafent a

উট্সক্র নিম

चाहि शह

क्यां निक्धिया

法[月本方

बिटबदम'छ।

আরিগন (migra estant)

を表する

fat cerfice:

उपोनि । उस

२ । अर्रे हिन् छ कारमण क लिल्केवरम् अकृषि ३ एम। अ अरे किए कारमण अभिरक पात्रकृ आवा

atte with

বেলজিয়দের মাজার একবে আর বিশিতি:

श्रानाविष केंद्रेन किएक अध्येष्ट मुख्य अध्य कति १८४८म मानप् थया अविभाग दिस, क्छ-व श्रीलाक दिला मा। मामक अवारव क्यकि मिके ब श्रवः लोक्दश्रविषयः तव शृतिक इर्ण्या मी-अ_य भृ**भारत रक्ष दा विश्व। हेल्द्र शंख्य ना।श छ**ि हा प्रशास राम्काताता कमार्था छ अशा छ वावद तानकात्र कत्रा (य विकास अवशीव---वेका कश्या-লান ক্ষানাকোক্য-সঙ্গ হাজিরাও বৃত্তিতে পা.-(बन मारे। कि साम्हर्ग एवं देखेन दिए अट्डिंगे, সৰাসীৰা ১৭৭৬ খুঃ আৰু পৰাধীনত। নিগড় ছুব্যে নিজেশ করিয়া আখীনতঃ - দেখীর শ্রিয় পাত্ৰ হইয়াছেন ভাঁছাবাই আৰাৰ সক্ষণ কাৰি-८० यहांत्रवा मांगद्व मंद्यांच वक्ष कटियां वाचित्रा-ভুন ' যে স্থাত্মা ভুষালিংট্ডের দাম করেও ক-र्विद्राम व्यक्षतीकाः शिविद्यात्ता (शिवि ত্ব,ধীনভার জন্য প্রধান পর্যান্ত শন করিয়াছিলে। म. जिमिल कीय की उमानविश्यक मुक्ति आमा टम गृह्यान क्रम्य माहे। किन्दु श्वरमधान के-স্কাৰ ক্ৰমেন লোকেৰ জানচক্ষু: উন্ধালিত চই-८७८ छ. अर अहिन्द्रांत मध्य ८७, जातितिक CHEMIC मारुव अथ अहलन क्ल स्वाक्त अ- i क्रवीक ६ हैरव लागद्र अञ्चारमा हदेहा जानि-।

CREE I

अंडि शांतीय काम खर्बाय मध्याव मध्या मी-मद्भूत अथ अञ्चलिक चार्काः कात्रक्षर्य, श्रीम, त्वाम अहे भगक श्रधान त्यान त्यान के हुआ-পা প্রচলিত ছিল। যুদ্ধে যে যান্তি পরালিত হ-ক্তিত সেই ব্যক্তিকেই প্ৰক্ৰাত্তকে দংগদ স্থী-काव कति। उ इहेछ । कथनर व काशवर्ग कय श-विष्णां कविष्ठ व्यवस्थ उद्देश कांद्रांदक अस्त्र প্রবেশিদ স্থরূপ দাসত্ব জীকার ক্ষতিত চইত। कथन वा चार्यंत श्रीसामन वलडा किरर श्रीव श्रकृत्तिक विकार क्षिष्ठ ध्वर थे विकीष वा 'ক্ররা ক্রেডার নিষ্ট চিরকাল গ্রেপোতারি त्रज्ञ मृक्ष्टल वह इहेछ। अक्रू मत्म कत्रि टल मात्रिक्तिक विक्रम क्रिएड गाँविएक। **धमन** কি দাসকে হত্তা। কৰিলেও পান্তুৰ বিশেষ দণ্ড হঠত 🛋 : ফলডঃ আমরা গো, রুখ, মেন এতৃ-ভি পশুগণের প্রতি বেক্স বাবান করিয় वाकि, श्रुक्तित काफिरमय मध्या मारमत्र ওদপেকাও নিকৃতীয়ণে ব্যবস্থত হইত। ঐ সমন্ত कांखिता कि या समीत्र, कि विक्रमीता, नकना करें ন্ত্র করিতে পারিতেন, কিন্তু আমেরিকার প্রচ-जिल मानव त्म थाकात नरम । अवात्म न्यसमीय विद्याहरूम ब्लाक क्षेत्र स्पूर्णकृत ना। क्षकानांक व्यक्तिका वानिका देशारणक मानज कार्या कतिया बाटक

'* विश्वविद्याद्य आदयतिकामना कांग राव-

मात्र कशिएक शास्त्रम का, व्यर्थाय देशहा चग्नः कांक्रिको वरेट जान जानवस कविराठ शारमम না। কিন্তু লুকায়িত ভাবে আজিকা ও অব্যানা द्यंग इटेट्ड मांग जानव्य क्रिया बाटक्य। इट-मत वदमद आधा ३६ कि ३७ वालांत साम सुका-विश्वादि हेरेमहिटिक वासेह बाबा जातीक হয় ক্লি ভাষাতেও আমেবিকা শ্লীদিনের কর্ম मन्त्रभ इहेमा उट्ठ मा। खुछत्रार शहाद मानि श्वत वर्ण हिंद व्या. छविष्ट्र छीवांत्रा चछात যত্নান থাকেন। ভার্কিনিয়া প্রভৃতি করেনটা आहरणत ल्लाक निग्न ही मानवरण हिन्न कहा है বার নিমিন্ত নিমুক্ত আছেন। ঐ সভাপুরুৎদের माभदश्य अधि कहान है दारमात्र । छीहात्र वज्ञ-र्द्ध के द्वी श्रक्तराय मिलन कवित्रा निया थे एक व्यवस्थानमञ्ज्ञान मार्थः यसि एक स्व स्थानित वश्य हिक्ति मञ्जाबमा मा दम्बंबन, छत्व खाशांकिशक পূথক করিয়া মৃতন স্ত্রী ও পুরুষের সহিত উচা (सर विकास करा**रे**का (सम :

देश्व (यम आंभामी वांटन इक्रेटव

১৯ এ মে প্যাত্তর কটরোপীয় স্মাচার ।

আন্মরিকার দক্ষিণ বিভাগের লোকেব।
নিউ অবলিয়ক ও ইয়কটাউন পরিভাগে কাররাছে, উজা এক্ষণে গ্রগমেন্টের হস্তগত হইরাছে
বিজ্ঞোভীয়া পালায়ন করিলে গ্রগমেন্টের সেনারা ভাষাদিলের পশ্চাৎ ধার্মান চইয়াছিল।
বৃদ্ধ লোটাজ সকল বিচমন্তের ১৫ জোল মুরে রভিয়াছে। উভয় পাক্ষে অবনক সেনা আছে এবং
ক্ষে ভূষুল মুদ্ধ ছটবার বিজ্ঞান সভাবনা। সেনা
পত্তি বরগার্ড করিছ হটাতে নাম্কিনে প্রস্থান কবিয়াছেন, ভগার স্থায় মুদ্ধ হটবে বোধ হইভেছে। থেকন মুর্য গ্রগম মুদ্ধ হটবে বোধ হইভেছে। থেকন মুর্য গ্রগমেন্টেন হন্তগত চইয়াছে। সভাগতি লিক্ষান নিউ অর্লিয়ক্ষা সাবেন
নিউব্যব বংলাট ও কার্নানাভ্জ ভাবরোধ মুক্ত
করিব;ব প্রতিজ। করিয়াছেন। করানীস মেলীয়
ভাগ্য লাখ্য উন্না বিভাছেন।

বোরাই, মাজাজ ও বছদেশীয় চিক্তিত সিবি-ল কর্মচাবিদিগের আবেদন পত্র কম্পা হাউলে অপিত চইয়াছে।

নেলিকোন রাজপ্রতিনিধিনিধের সহিত সন্ধি হর নাই । সেনাগতি প্রিম কিউবাজে প্রেরিড হুইছালেন

বঁলাশিলের। শীত্র যুদ্ধ আরম্ভ করিবে বারুপ সম্ভাবনা ছিল। জোড়ারিজ পর্ববৈদ্ধী ইংরাজ ও স্পোনবেশীর্মাদের সহিত সন্ধি করিতে ইক্ষা ও করাশিশারিকের অভিবন্ধকতা করিয়ারে।

শক। নাই প্রিস নেপে:লিয়ান নেপজ্নে উপস্থিত হউ। স্থাছেন। মনিটিয়ন সম্পায়ক করেন ডিনি কোট

ৰাজভাবোর অন্তরোধে তথার বাদ নাই।
হোড়াইট সাহেব বর্জনার চীন জেলের আং
হার বিবাস এক বক্তৃত্য করিবেন বিজ্ঞাপন
করিয়াছেন।

হর্ষণার্ড, কাংখ্যান র্যাইসলৈর বিষয় বিচার-কবিয়া নিছান্ত করিয়াছেন বেকর্ণেল বেকরিক নাহের আপন কর্ম বিদ্ধের কিছা আর্ছেক ব্রেকে, পরিভাগে করিছে পানিবেন।

সিনিলির জোকের অভিশয় আসক প্রথমন পূর্বাক ইটালিন রাজাকে সমান্তর এংশ করি-য়াছে।

নেশল সহিত ইংগ্লাজনিগের কার্যকারক স

কে হতসম সাধেষের কার্তিমাল আন্টো
লির সহিত সাক্ষাৎ হটয়াছে।

তুৰক সেনার। হারজি গোতিনার বুজে
চইয়াছে। এডাছুল জনারৰ হইয়াছে (
থের অনুকুলে বে মন্ত্রণা হইয়াছিল
লিটরস বলে প্রকাশ হইয়া লিস বন্দ।
ডপারিত হইয়াছে। সেনারা প্রকাশ।
গোলা মিক্ষেপ করিয়াছে।

২৬এ মে পর্যান্তের ইউরোপী সমাচার।

নেনাগতি বাহিলনের অধীনুত্ব আহে

র প্রবর্ণনেন্টের সেনার। উইলিরবিন্ধর্প
অধিকার কবিরাছে। বিজ্ঞাহীর। নিকাবিত
বাত পারে, শলরণ করিরাছে। অন্ত্রনান
লিরাছিল তাহার। অগ্রসম চইয়ারিরসভ্ত
সলুধে বাহিবে। নেনাগতি ক্রাছলিন উইলিয়মন্বর্গে বাহিলনের সভিত এক বির্গাছে। ইছ
হিরোর পূর্বে ভাহার। মেরিবাক জাহাত ও তর
ভা জনা জনা তক কনমুনার জাহাত নতী
রাছে। নিউজলিরল জাব্ধি ঘেক্রিন প্র্যান্ত
নিনিসিপি নদী বিজ্ঞাহী ক্না হইয়াছে। দেনাগতি ব্রোগার্ড করিছে আছেন।

ওয়ালিংটন সময়ছিত প্রতিনিধি সভার ই' নাইটেডটেউনের সীমার মধ্যে জীত বাস ু' বিষয়ে প্রবা উঠাইবার এক বিল বিধি জ মইয়াছে।

লগুনহিত আমেরিকার দৃত এবিলিনে-ট-লিয়ার জালাক কিরিয়া পাইবার প্রার্থনা ভ্রত-ন : কিন্তু তালা অগ্রাহ্য বইরাছে।

মেকসিকোবিত করাদী সেনার। ভত্ততা রাকথানী সাইবার ক্ষতা অর্কিবানগর অধিকার
চরিরাছে। স্পেনীয় গ্রন্থেন কেনাপতি গ্রিমের
কার্যের অভ্যান্তন করিয়াছেন। করাদী নার্র
সম্প্রদায় এই যুদ্ধ সম্পূর্ণ ন্যার্ডিক বিন্
হেন

ट्रिकारमञ्जू देरमकेत अधिया ७ धानियात भवर्गमा केंद्र अञ्चरहार्थ जीव द्वारका ১५ ७১ च- । त्वेरश्वके एक्टियमम मारक्ष आंश्रहार कर्म वा-জের শাবন অগালী পুরুঃ ছাপার করিছে সভ্যত ত্ইয়াছেন। ইলেটার মাণীর সুর্বৈদ্ধ এতি অনাদন श्रमण कर्वाएक श्रमित्रा ७ सभीतात्र भवर्गमधी भवन्मद्वत द्वाक्यांनी स्ट्रेट्ड निक निक प्रवस्ति अख्यानमन कतिरक चारकम विवारक्रम

৮ বেডবর্বীয় পর্টিউ জুমি বিজয় সইয়া ছাউ-त अब सबस्या अस्मय अर्थ विकर्म हरेग्रोतह ।

माळाट्यत ल्याट्यता क्याटीत नवाटवत ११-दक्क त्य चारतस्य महिसारस्य २९७ स्म त्रिल मा-**८६४ शक्ति व्यवस्थातः** । १६। श्रद्धात कविरतनः।

श्वातकाव हीनामा ७ क'लामा बाह्यह #'***জাপন পত্ৰ একাশিত চটয়াছে**। সৃষ্ণধন े क्लांबि डोका।

🐇 ২৯এ মে পর্যান্তের ইউরোপীর नवां हाड़ ।

রকার বিজ্ঞোধীর। অতি অসুখলাবসায় क्रिश्न राष्ट्राकांत्रम कविरुद्ध । मार्कि-ী্ষ্টিকের পদ্ধাৎ পদ্ধাৎ পদন কবিডে वयर्थाय क्षेत्र क्षित्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क स्वेद्रोह्य। यदमांगार्क व्यन्गांशित वेस्र প্রাচীরক্লট করিভেছেন। বিজে। নীরা মেবি নাশি লাহাত ও সহুদার তক নউ করিয়া কার ^জ্যাগ করিয়াছে। জাক্তম ও কিলিপ वर्षट्^{की,}केन अनागरणक अधिकृष्ट इवेग्रा-ছে। বিছে: হীর। মেমিকস ও মিসিসিপি নদী बहेब नकन दारम जुन: यक क्रियारह ।

যে সকল জাহাত আন্মেরিকার কনসলনিপে-ব্ন অভ্যতি শত্ত কইবে গে সমুদায় অলি য়ভা ও (वाक्षे नगरत्र वाविका क्रिएक भारत्य। क्रीख দ্বাস রাখিবার এব। উঠিয়। থিয়,ছে। প্রতিনিধি গভা এই দিয়ন বিধি বন্ধ কবিচাছেন ৷ নিউআ পালিক বপরে ক্রিন নামবিক আইন এচলিত etaice !

গবৰ্ণমেণ্ট বিজ্ঞাপন।

वाकानारकभीय स्वर्धनके वदारवद व्यादनमाञ्जभाषी निदशांगः।

ৰভিন্ন ভেপুটি নাজিট্টে ডে, আর. च्यानाम मारहर को क्यांति चारित्रत एक पा ্বাস্থ্ৰপান্তে কেলিয়নে অধবা স্থান্তিল কোটে সমর্প-स् क्षित्रोत्र त्यांकक्षमात्र श्रमम विठात कतिवन ; बाह्य प्रदेशकोड महाराष्ट्र क्रमण शाहरतन ।

ফল্স পাইঝের সাইট ছাউনেব অপরি-ভিবিক क्षेट्रक क्षेत्र कार्यक्रित्व महवादिक कथा कतिरवन ।

नव अधिनेशोली नहस्रम बाबू जेम्ब्रहाँ व परयह অমুপৰিতি কাল পৰাস্ত্ৰ অধবং নতদিন অনা द्यांन जाका मा द्यं पर जातिहै। है परक्रम मधु-ठक **हरकेशिथा'य उपमृ**ष्कत हिक्शिशाय कर পাইবেন ।

সব আসিউকি নরজন নদ্যাল ভোল পুর্নিয়ার माजवाहिकिश्मामाया क या छात्र भाष्ट्रस्म।

নির লিখিত মুনলেকেবা ১৮ ৫৯ অক্সের ১০ অ।ইনের ১৫০ ধাৰা মুদাবে ডে প্রটি কালেকটবে-ৰ ক্ষমণ। পাইংৰমণ নাটোৱেৰ ধাৰু সাভক্তি ८एव ७ अब्राह्मनाश्चव बांबू श्रीकाइम चंडेक। वा-कराजी। दांतू अमृज्लाम हर्ष्णेश्रीय वि.अ. ति, शल, विकासीना सम्मन्तिश्व व सू उर्लाक्क ही बारिक्य व টো শতকরা ভিন টাক। । বস্ত বি.এল,উক্ডা, বীরভূদি। বাবু বৈক্ষযান্ত্র मान (व)क्न वाक्रवश्रा

> राद् श्र्राच्या दाग्न ३৮ ७० व्यक्ति ३२ व्यक्ति वासूम्हार माना करत्व बारममन ए एडन्हिकामन- वानु श्रीवस्त्रकान एकवर्ती कृत्ववरक्षा वाहित्स কট ব চউবেম। ১৯ এ জুন আঁচাৰ পাৰিমা ও মন্ত্ৰ-यन १०१६ निर्मादभेग स्व काष्ट्रा इस कि हो है है। দ্বার: বহিত হটল।

->ব, কুন। কুগবেশালিব ভেপ্নটি মাজিইে,ট ও তেপুটি कारमहोब ८५, अम. विनि मार्ट्र कृष्टिम शूटन वम्मी करेवा उथांग गामिएमे हरेन कच्चार क्रमां आखं इंदेरबन।

ভেপুটি মাজিষ্টেট ও ভেপুটি কালেটৰ বাৰু भूर्यक्रम मृत्यायायात्र कृमार्थानि विज्ञास्य ভার পাইবেন ।

६६ जून-- जनदरक्त थ, हैएडन क्लाक्सीय नवर्गरानेत अधिनिधि माराक्षेत्रीव इहेरनम । खर्गाडे, *एक*, शर्दम मारहर द्वरद्गिडे:वा ভের প্রতিনিধি কুনিয়ব সেকেটারি চটবেন।

ই, গ্রে সাছের নদীয়ার প্রতিনিধি মাজি-**्ट है ७ जारमास्ट्रेय एडेरवन ।**

五日北江人民教皇人民教教堂 公 人名马德 北 त्मकेष है, वि. क्षेत्रके शास्त्रक विकास पूर्व নে বিভীয় জেপির অধীন সাজি ইটিয়ু ক্রিন্দর্গর্জী अ।इदिना

विनाम श्राप्तत रहलू है मालि**ट्रिके ७ रह**लू-টি কালেটার জে, বি, প্রাট সাভেব ছার্বড়ায় विभागी वृद्धेश: क्लोक्सांति व्यावेदनत २२ बातायूर्न वाडीक हाविकालागर इत व्यक्तिमधि श्रवीय करू मार्व धार्मात्यान्य व्यथीन मामिर्केटहेंत्र , इदेरवन । क्षडा शाहितस ।

काष्ट्राटपुत्र स्नुटमक नांबू बाबदशांनिका एकत मा किरके रहेन म अर्थ कन्न छ। शाहरवन ।

त्विश्विक क्षेत्र, जूने क्योगारमद वक क्षत मञ्चादी स्त्रिमम् अहिटवस ।

নিমলিখিত কর্মচাবিষা লেপ্টনট লংগ-त्वत्र को जिल्लाव २४ ७२ चारकत ७ व्यक्तित्व -भ भोत्रीस्निरिव ३५-४२ स्टब्स्ट ३० स्ट्रॉनेनर्-কাত্ৰিক্ষামান নালীল প্ৰচণ কৰিতে পাৰি ८वम १

ন্দীয়ার অভিবিক্ত ক্ষিত্রতার সহকারী श्रु, द्विनित्य नाहित।

কুন্ডিয়ার ছোট আদালভের কল ও, টেলা-क्ष मार्डिन, माख्यिपुरवद द्धिवाम माउद अक्ष रायु कुर्या अमान (याव ।

क्षिक्षिपरदान एक है का भागार उन कहा वांबु इं 'कर्न्स्यांचे वांद्र ।

क्षेत्रिंत कायुगिक वांशांगरकृत मुन्दमक वांक् कविव'ल'ल !

পুরিংব অন্তর্গত অভবিধান মূনদেক বংগু ८ शोकुल शिष्ठ ।

প্ৰিয়¦ব अध्यक्षेत्र कुश्माद्धव भूगम्ब मून: मक् (ब्राजनी नामः च ८० टमन

८ हे हुन। बिमु लि ब ५ लक्कालारक प्रक्रित्र-य माधायम विलामिगा मंत्रिष्ठित मखा प्रकेरवन ।

क्रि, उर्रकारे अमे जिनमेम माहित व्यवस्थि, किल्डे (श्रीतुम मार्डर)

৬ট জুন। চট্ঞাবের প্রভিনিধি ভেপ্ট माक्रिके है व उपपूर्णि कार्क्टर बह, खर्गाने है, यात्रगात मार्टन नलगायान्तिः वन्नी दहेग क्षीक्रमात्र आहिरतत्र "२२ धाराध्रमास्य दावम ध्यिषिः स्रशेम गासिस्**कृत्येत क्रम**का शाहेरसम् ।

প্রথম গণিও পুলিষ সেনামলের লেণ্টমন্ট णि, अरक्रमाञ्चन **केल** सरमान शक्तियि काशास

अवस ग्रनिङ श्रीत्रव स्मान्यात्रव महकावी रमभवेनके शामक बानी हेक मत्तव अहि -थि च। एक्टे। के बहरवम ।

खिरक, विशास मार्टक माध्यक्षांच भागनात क्षकं क्षत महकाती कविननव प्रेया कि क्षति है राजी बहेता क्लिकानि वारिनाट १२ देशिक्षण । जाहित्यत २२ थात्राक्षणात विजीत व्यागित वर्णीन मानिर्दे हिंद क्ष्मडा भारत्या

> ৰত দিন বুলনয় সংহেদ বিশায় সভিয়া অন্ত-गिष्ठि शंकिटरान अथवा समा द्यान आसः मः इन्न, कि, बन, रकशाम नाइएव जानगाव रुख

প্রেরিত ৷ গ্রীয়ক লোমপ্রকাশসম্পাদক बर्गिएअयु ।

अमरल वय मक्त, इश्चे बांख फाटन। हिरु: विभि वैथि। बारक, जल्क क्रम शास्त्र ॥ मह'यश जांभगांत्र लोमश्रकांम क्राचाक्-लि इ व्यामन भेत्रम व्यक्तिम थ्रम ए हेवाइन मान्स् नारे। **स्तर्भक्ष** भक्षां ना निराह्म कहित्स भक्ष হউন আৰু ৰাই ছউন, ভাছাকে মনোধাৰ উদ্ভ थातेम कतिष्ठः विद्याः स्थम मार्थः अवस्र छात हरे-एउ टिप्रांख इह, मिहेक्स व मिलीश लो करा ােল শােচনীয় অবস্থায় নিশতিত হইলে যদিও শোমপ্ৰাশ ছইতে সাহাব প্ৰতীকাৰ না হউক গ্ৰাপি ডক্সংখ্য কে,<mark>ন ক্লগে ডিব্ৰিয় প্ৰকাশ</mark> कविष्टः आश्वमामिशस्य कुछ कुछः व दर्शय कविष्टा ব কেন। তি লোমগ্রহ'ল আবাহ মনঃগীড়া অপনয়ন কৰিতে সমৰ্থ চইবেন ৄ এমন ও আন-শ। কৰি না। ভাষাপি খে ভাষা আ**পনায় জাভি** ১পাচার কবিবার অভিলাধ কল্পিয়াছে ভাষার কারণ কি। কেবল মমোভাব লাখ্য করা এক महा छैरमना क निर्देश । महानत् ! यहि काम उभाग वित्रा क्रिक भारतम अवनाई कुछळछात्र। শৃহিত গ্রহণ করিব।

ষামাৰ বিপদেৰ বিষয় জাবণ কৰিয়। সাধা-ালে আপাওডঃ হান্য কবিয়া উটিতে পারেন বচে, কিন্তু মিংস্পিক্ষ চিত্তে ৰসিভে পাহি সন্ধান ধ ব প্ৰান্ত আয়ে৷ সকল কথনই জামাৰ এতি সক্ষণ ন। চৰহা থাকিতে পাবিবেন না। লোক ^{ন্মতি} আমার মহা বিপদ কানিবেন। ছয়। ्कम हे ना हे श्वारक्षता अ core क्यांगम कतिता-ছিলেন, কেন্ট্ৰ, ভাৰারা ইংবাকী বিদালের সমস্ত সংগ্ৰন কৰিলেন, কেনই বা ভাচার। এ দেশের উত্ত স।ধন সংকয়ে করিয়। ভুসংকার নাশক বিলা লিক্ষা প্রদানে প্রায়ত ছইলেন। চা পিতঃ আমাৰ এতি কি আপনাৰ এগাচ বেছ চিল ম। ? কেম্বৰে অৰ্থ লালত। আগনাৰ ত্মেদকে সহক্ষে পরাস্ত করিল আপ্রনিই জানে-म । ज्ञाथ त्लामूण बहेश वृत्ति आश्रीम आसारक देश्याकी विमागलाम ध्यापन मा क्रियक छटन छ आमात इक्नांत महारमा दिनामा। आमि यक्नि अरम् अ अवानकमिरशत ह्यू म्यांने मर्या अरबन क विश्व मार्के के विश्व मार्केट के महास है अस निक्र कतिया वाबिटक शाविकाम, यनि छारा-मिट्यत विश्व प्रदेशात प्रक्रित सन्दर्शत प्रमुखे चागात मुके शार्व जीविक इदेक, कामा बहेता कि

পৌশুলিকভাব প্রক্তি জালার জবিশাল জয়ে , তারেন নাং নতাশর বলি ক্ষয় বিশারণ ভাষা ঘটটো কি বিভাগ ধর্মের আঞার এবে তার্ব/তনা সমূহ আম্যের বৌচর ^২ क्या चानि उसता हरेडा तकाहे, छाडा हरेला कि खोक्त भन्न जामात हिल काकर्यान शहे इके- कि अग वहे क्ष्यकारण जागमास्य स्वर CBम । Mिस्मिक्शन ' C हार दो आयाद निकरि কেন এমন কৰাক সৃত্তি ধাৰণ করিতেছ, তোল ছই, তাৰে সগুৎ মধ্যে কাছায়া নিয়ে স'দেহ ধর্ম সার হীন না তইলে ও আমার সন অচতুর বলিয়া দিবার আবশায় করে ভাগ, পরিভ্যাগ করিজে অভিলাগী হইত ন, ৷ ৰে অভি দীন ধৰিত, ভাষার আঠি ভোষাদেব এত নিৰ্বাতন কেন ২ আনি সতা ধৰ্ম অবলহন করিয়াছি বলিয়া কি এত জকুটি প্রদর্শন করিছে रह, द आकारका चानि यदन कतिशाहिलाम তোমার উপদেশ পালন ্কলিল' আপবাকে প্- ছই, তথ্য সময় পাইলা আক্সা ভয় অবস্থা হইছে বিম্ফা করির। কিন্তু সোক क्षा जावित बदन अवित मृष्डतकाल रह्यून र-ইয়াছে, যে আমি ভোমাব আশ্রন্ন প্রচণ করিয়া चक्रम मत्भात्र पूर्व कविरक शांविरक्ति ना । তে সার প্রতি বধন এত উচান্য কবিতেছি। দিয়া কলধারা বিবিশত চল্লা।। ... তथन आमात क्षम ए प्रारंथ शीक्षिक प्रदेशके कालामाम विद्या (अमाका) विधि হিব আছে। হে মন! ভূমি জাগনার পঞ্চে আপনি কঠাব প্রবার করিয়া কেন বিপদ্পত্ত ধ্বীতেছ। নিশার জানিও বতদিন ভূমি সরল ভাবে সভোব সহিত আপনাকে অমুবদ্ধ করিবে, ভজনিৰ ভোষার ছঃৰ বালি কেবই যোচন করি তে পাহিবে म।।

भारतक रक्षित्रः बारकम ८० वाणाता क्षरत সভাকে রক্ষা কৰেম'এবং সামাজিক নিয়ম পরি-পালনে বিষ্ধ হয় ন।, ভাহারাই একুও চড়ুর। বৰাশয় বলিতে কি ভারা দ্বের মৃত কুপা-পাত জীৰ অভি অৱই আছে। ভাহালিগের মানস ভূমি নিৰুছিৰ আৰ্থনীয় বিলাস ভান क्यानिटवन । यथन विकाषिक क्यानित क्टीन ष्यप्रकानकम धराइमान अविद्या (कान विन्द्र উৎসবে छीहोत्रा थहल इन, उन्नन चन्नाजीत चा-शारीनि चामित्र। कि छीडामिरशत क्षराक कछ বিক্ষত করে না / ধনপিথাত্র প্রাক্ষণবিধের श्रीक कि इंटिके खनात है न १ व्हेटलाइ मा, चवड वीबुक्तिरणत अन्न बक्षिक व'तृष्टिशय अन्न बक्कि বলিয়। ভাছার। **প্রতি মুহর্ত জাপনারিগের চর**ণ थुनि छ। छ। छ। छ। विद्यारमध्य अर्थन क्रिया আশীর্কাণ করিতেছে দেখিয়া তাঁছারা কি মুংগ अकारन अममर्व मृदयन गाम अखरत अखंदत অইরিয়া দবে না ? কডকভালি আলস্য প্রাছৰ, धर्मकाञ्चाहरिया, कृत्वाहरप्रत कडेप्रांतक विकी न कविनाव कता जाननाहिनक विश्रम कर्व वारत वांधा विविद्या कि छांबांता भरत वरत कुंख

না গ্ৰহ, তাহা গ্ৰহ**ল ভাগাদিলের** ষানি ফট করিতান না। আনরাব मामिटबर कि प्रमिन। जाक ममाटक हिटेडची (माधुमनममीत्म निमा प করিতে পারি দা। বধন পৰিত্র সহা नवन क्षव नायूमन नविद्विक व्देव यापारक नेत्रत्यबद्ध नवाधान क हित्तत्र अवण विकृष्ठि अन्नार्देशः वा नर्गाव कन्नुनात्म जानवादक दाक र नि विष्ठ एवं। भ्यानक नोष क्षेत्रा 🌣 क्रमम कविष्ठ देखांबरेला अक ছে, কেচবঃ উষক্তশিরা হইরা উল্ निविचेठिस स्ट्रेशांट्स, देश नित्री^{देश ह} क्रिक जानेनाक विकास हिट्ड व 💘 নাধুৰণ নমিধানে বাই, তথ্য আ 🥕 चौरावित्वत कुणावृधि निगवित ह्वि दिन अवद्रव **क**तिएक काक्य ह**े** हो स्थानिक रकत रहेत। शक्षि। जाशनात बीमां रर করিয়া ব্যাকৃলিভ বই। হার ভারুণ্ নোভাগা ভাষারা অধীনতা ক্ষিত্রী ভিজন করিয়াছেন; কর্ত্তব্য জানের পালন পূৰ্বাক কৰাপত আভগ্ৰাক নতে রিভেছেন, মেলের কুরীভি ও কুল্ফোর ভূত করিতে বস্থানীস হইতেছেন : হেলের त्त्रारत ७ मापूर मामजी वरेषारहम, जन्द, व्य जानमामिर्वत नदात नादेशांद्यं ।

মহাশর ! এই দ্লগ না, গৌছলিভা সজে থাকিয়া মূখ উপদান্ধি করিছে পা उक्तिवर्गत गम स्वाता भासिमास्य मन्द নকি ফলে পড়িয়া প্রাণ ছারাইবার ই रवेशाह। भीडं औंटबर मचि वश रतर कि भन्नम प्रमशीन कांग थानन केंद्र । जिन्द নীর সন্ধি খুলা এতাহ ও প্রদোষ **কাল** ত কেবল চিভাছরঞ্জন কবিরা থাকে। কিং गबि चरम व्यवस्थि महिना जानता क्रि হইলাৰ। হে অহেণীয় আতৃগ্ৰ! জাপনা ৰান নতুল লোকের ভাব বিজ্ঞাকন করি रात अपि " ' पृष्टि स्तून। आंगनां

क्षिको कार्या कतिएक निरम्भ आहम ? क्नाहिर हाथ जात्राकात्मा।

ার ত্রীপুক্ত নোমগুকাশ্সন্দা-, मक बहामन बबी (शबू।

^{के} निज्ञान ! कि सत्त्वाकत ! म शासक रक्ष घरगढ कार्यन स्व जिस्सी र फिल्कामांवरिय खड़ानि भीछा तिष्ठोटक, चरमदक महिल्ला निरक्तन 🚉 , 🗷 भवाजिद्द मृङ्ग् इद्यं निगडिङ वांका कीविक कारहम कीवांमिरगंगल गांविध निक्रे शीकात रख शहेरछ ्रं गोप्तन माहै। अवक वितम ब्हेन बिह्न बीत निक्र रहीं बहतभूत छ रागः-ं डेलेव शामारक बारवाश्वशांति श्वांत महान् क्टेरेजर्ड स्विशं विश्वतंश्व क्टेनाम । एमणि वार्षि जाभवरत्व देशांव नकम रबांटि, काम मिर्म महबर श-क्रेडेटडटह कान निर्म जीटनाक निर्मत मृद्य बैंन । मूर्यां का बाहि अवन समा, छेगर वम-াণ্ডোৰী স্থান প্ৰস্তুত হ ইডেম্ছ, বাহার। ﴿﴿ পভাবে আজিও ক্ষেত্ৰ কুৰ্মোচ হস্ত হইতে ্রজাণ পার নাই, কোন কোন নচায়ার, এরপ श्रेटकड निक्**ष्ट एडे**एक छेर भीड़न क विद्या आर्थ शर्-क्रिक्टिक्न, एकि तक उर्शाक्ति वहेगांव ैं। के बाबुक वर्षशास्त्र क्षत्र हडेक, छ। छ। छ-व्यक्षान कविरखन। महानत्। धरमन शीम।कि

वी व्हेटनम मा। आश्वनांत्रा लाक विद्यालया अध्यात्मा अध्यात्मा अश्वना विद्यालया विद्यालया विद्यालया विद्यालया अध्यात्मा विद्यालया विद्यालय ন হল বনিতা সকলেরই স্মতে সভা- বোগ শান্তিব জন। কলিকভারে একে মনাক, "- চইড়াছ। ব্যেনকর্ম তেসনি কল। हैं क्रिक्ट कियाँ भाजिम, बदर काम- मालि क्ष्य अप रहिए एहम, द्या कारित ছইতেছে ? কৈ প[্]রতাপ।

७३१ आणां ५ ५५ हमस का हिर धर्मकता

মানবের জীয় জ সোমপ্রকাশসম্পাদক महान्य नमीत्रम् ।

সম্পানক মত্রালয়। বন্ধদেশের জ্রীক স্থিযুক্তন नवार महिल्य वाइ।इहरू अवस्ती निवर्गन एए कि किश्नकरक नियाकिक क्षियाहित्नम, डिनि अ-ৰং ভাৰাৰ পত্ৰ কৃতিৰ টাৰু৷ কবিশাছেল বলি:,. অত্তা মাজি টুট গড লবিশ্বে দিলা ভূতীয় প্ৰ ছনেৰ সমায় ভাঁছালিখকে ওলক কৰিয়া আছাবি তে জইয়। পিয়াছিলেন। ভালাবপৰ কেম্ব্রেডব शक्का नारम का का अवास अवासकी मानू हाम-ख्यात सम कांकिय कांधिन क्षेत्र। विठ. ७ भूज উভয়কে জানিয়াছন। এড দ্রিন টাকা কৃতিয ক-বিৰার ষক্ষ, অস্ত্র শল্প অভূতি যেগে ব্যক্তিব ৰাটা ष्ट्रेरे वृश्चित बहेत्र रहे, डांगोनिशक वास्रक रा ওয়া হইয়াছে, মহালত: এটা বড় কম পটনা নয়। (वाधकांद्र'मांकिटके है भारत्व चाझ डाज़ित्वन मन्त्र जना अहेगरी छ त्रिन ।

वर्षमध्व ३२ जूम ५४-७२

মান্যবর জীযুক্ত সোমপ্রকাশ मन्द्रीपक बहानारमञ् ।

সম্পাদক নহালয় ৷ গত ১৮ ট জৈছে এই ক্রান গুণ প্রায়ৰ ৰাজপূর্বাক ভাষাৰ খনি বাটী কলিকান্তার কলুটোল: নিবানী একটা ভারলোক বেশালয়ে মদিরা পানে উন্নত চইয়া উপণ্ড্রীর ় ঃ! কি **। আক্রেণের বিষয় । ই**কাতে জুনু কি । সভিত্ত ভালের উপায় মৃত্যকরিওে ছিলেন, নৃত্য শশর বলজুমী উল্লিকে প্রাপ্ত ছইবে দিন দি- , কবিতে করিতে ভারার উপপন্নী ভারতে উপ্লাস वैश्व प्रच छानिनी क्रिडिट्। श्रामा वानश-। १४। व्याप्त विश्व प्रमा क्रिक स्था विश्व हिन्द विश्व क्रिक स्था विश्व ৰাৰ অধাক মহাশ হয়। আপনাদের কি ছট নীচে পাঁডতে পার ভবে আদি ভোষাৰ চিব-भूशिन अबन यह आहेरन मा २ त्यन अरबरक- कारमह मानी बहेंछ। शांकिक। बांबुक्ति अरक शांक क्रिन गांड मिन चढ़त्र हरे ,थाटक धवर । यह कानत्मात शतिनीय, नारे, कांशांक कांशांत

कारत विभागक कि स्थापन अध्याद अस्ति। अस्ति । अस्ति विभागक कि स्थापन कि स्थापन कारता कारता कारता कारता कारता कारत मिर्गत नाम मधानकी कहेबा शाकि- शकाम क्या करा करान वा शहे । इस कि धिन शाकिरण शास्त्र रात्र के छ । भटक दिव जिन्न कवित्र। क्यून, क्यो- हातिश्वाह উद्याशित प्रदेशास्त्र - दशाह कि वाद्यक्रित मध्यकित मध्य एक स्टेशास्, इस सम ह क्यांगक केवलीकृत कतित्र। बरएक कर्कारपारत्वत ब्यारमण हिंदि कहे. ० ० ११, करें किएक मात. वयर कार्यर क छानियारक, मी-क् उ कतिया विकेत । जाश्रमाविष्य व मिंग्टिय वामान राष्ट्रिय । श्रामा । य प्राप्त वर मध्यव । विकिश्माद विकिश्माद वामी व

२ प्र'-- गं . २६० देशाहे (त्या) श्रीप १७३ कर्म निकायन यात्र। आधारमाध्यक किम, अहेक्कण वृथ्। बारव्य निग्न्त क्षेर्य ७०० १ कार मध्य मनिकालाव कालकारे, श्रीमह स्मामन । কলন ।-- বন ভোগার কি এথকা- ছায় একি সহদের মহা। কাতিত ন্যায় কামট কেতাখোঁহন ছুতাৰ লামক এক বাজিব . নাডল বৰীয়া ল্লী উত্তৰ্তন প্ৰাণভাগে কৰিয়াছে, জাননা তব্ৰবিধ, ভাছাৰ কাৰণ জানি লাস কে-करनाइन कृष्टीर कविषय अवस्रोदाणस्य । अर्ट खाना हो लागा क **के भागा**हर १ व्हेट १ दिवस ছটবার বিলিয় অন্নবোধ করে। পালিয় ভার; न। एकिंग समीमा औरक व्याटा छ र्यन्ता क ব,দে সংগ্ৰহণ প্ৰতিপ্ৰাণা স্ত্ৰী মুখৰ মাধ্যিক कार किए उथाप्र कविष्य मा भावित। वेबसन क(व. गकत पुरस्थेत दगर कवितादहः .

अग्रा कवाहित मुख्यान मारबंब शीहिड ষ্ট্রা এইকণে কলিকাত্ত্র শিক্তি ছল্পিটালে स्रोतील प्रदेश, इस्त । हैकान काताह आकीत एक विराल • 'सः अः 'इव विजय' कथमडे ८८१४ इयु सः क्षमा हिंद

क्रिक केंद्र (河 汉 本明 中代明明 夏 河南 : ; 63°;

गनाञाखि।

बीगक रुरू विविधान छात्रुंब वर्क्षमान >२ ७२ खांबाह सर्वाध अञ्चलांबर **श्वांक** (क. १) शेर्वकांम भाग कामका न

>२७৯ देवमान ध्वरि ज्ञामित **श्वा**स क्ष्यास स्वार । इश्रीहर्ग मधी कांत्रकार.

>२७**৯ रे**वनाच अवधि खाचित्र श्रांखि क_्र त श्रमध्य द्वाच शाकीश्रय

२२७२ रेगार्ड व्यवस्थि वार्डिक गर्यास्य द्याः त

८४८मळ नाथ ठेल्बर कलिकाछ, ১২৬৯ জাবাঢ় অৰ্থি ৭০ জৈটে প্ৰাপ্ত কে: ১৮ कर्जन्य स्थायाचा क्राउगर

>२७» क्यार्क समितिम शर्वास स्मार «

यञ्चन व अक्षातात क्षिकाका >२७३ कारोड कार्य अग्रहाइव ग्रहाइ कार ह नवबीगठक शास्त्राची विकासा

১২৬৯ জৈতে প্ৰবিধ ক বিৰু পৰ্যান্ত কেণ্ড হ महरूपहरू देख् कलिक'डा

5२७३ जांगांठ जार्गाम **जार्थर**ावन श्रांख एकार ह

वर्षे श्री कलिकायांत मिकिन भूकी मोखना दक्ष स्टबड़ त्नामानुद्र व्यज्ञतम् म्बान । हारविद्याका श्रीतम क्रियुक् ছারকানাথ নিদ্যাভূষনেত্র দাঈতে তাজি দোলবার क्षीर्ड डाक्स्निडक्यू ।

(मायकार्का

" प्रवर्त्ततां प्रक्रतिश्विताय पार्थिवः मरखती अतिमश्ती म श्रीयतां

৪ ভাগ। ৩৩ সং**ব্**টা

মন ১২৬৯। ১৭ আখাত। ই॰ ১৮৬২। ৩০ জন

िर्द्धा स्थित

নাসিক ভূমা ১ টাক্ত ১ বার্ষিক আব্রিম ১০ টাক্টি

मला एकक्ष विकालन।

ক্ষিকান্তা ভ্যানীপুর প্রাভৃতির প্রাধ্যান গকে লানান ষাইতৈছে বস্তুনাথ চঞ্চিবর্তী নামে । যে একেণ এক দিন আম. পিলের সরকার ছি ক্ষেত্র আমরা ভাষাকে ক্রিডামি ক্রিডাছি। গাতংশর আয় কেই ভাষার নিব টে নোমপ্রা কং ব ভ্লানা দেন।

বিজ্ঞাপন্।

न १ दशशु । कारन छ ।

१ हें जास ह म्बर्भ अरू !

औरेद्धाल कामांथ (म

दिखाशन।

নিউ ইলিখান লাইবেরি। বাবেক ছী, ট

ন' ৬ প্রেসিডেলি কালেকের বাললার কগ্যাপদ প্রীযুক্ত বার কুড় করন ভটাচার্য্য ফান্দর
উচিত্র ও উচ্চান জেরি রাডা পরামক্রল ভটা
চাগ্য সহালরের রচিজ্বে সকল প্রমু প্রকাশিত চই
বে সে সকলের মুলাকর ও বিক্রেকের সম্পূর্ণ
হার আমাদিখের উপর অংশন করিয়াছেন।
কভনর উন্ধা প্রমুল্য প্রাইবেল। নিয় লিখি
ভ প্রমুল্যরে প্রমুল্যর প্রেছত আছে।
বিশ্বানার মুলার প্রাক্রনা প্রেছত আছে।
বিশ্বানার মুলার (প্রায়ন্তর আছত আছে।
বিশ্বানার মুলার (প্রায়ন্তর আছত আছে।

ইংলা শুর ইন্ডিহাস (এই র.ড.) . .

পুরাকাঞ্জের রখান্তমণ (রফকমল
ভট্টাচাধ্য কড.) . . .

श व्यवदार न

বিজ্ঞাপন। বিশ্ববিলোগ নাটক।

প্রী মুক্ত বছুনাথ নিএ প্রণীত উপ্ত নাচক সংস্কৃত যথ্যে স্থিত স্বইয়া বিধ্যার্থ প্রপ্তেত আছে । প্রাৰ্ক্ষণ নিয় নিশিত টিকান ম ত ও করিকে পাইতে পাশিকে, মুলা গ্রথণ আনা মধ্যে।

কলিকাতা ঠনটনিয়া, ১২৬ না ভবনে সংক্ত পুস্তকলিরে পটনভালা ৮৬ না ভবনে গুপুনাদ্বলিলেন গুস্তকাল্যে লাল যাজার ভি রোজারিও এও কোম্পানির লাই নেরিঃ

বর্দ্ধান রাধানগর ত্রশানার উপাচাণ্য। জীগুক্ত তুর্গনিক কবিরর মলাপরের নিকট

দোমপ্রকাশ।

54ई ब्राह्म (मानवाता श्राह्मकार्थे ।

এত লিনেব পর হাই কোর্ট (উচ্চতর বিচারালয়) স্থাপনের সমন্দ আসিয়াছে। ইংলভেশ্বরী এই সমন্দ পত্র ভেট সেজেটারি ছারা প্রেরণ করিয়াছেন। ১লা জুলাই অবধি ইছার কাব্যা আরক্ত হইবার সন্তাবনা আছে। সুপ্রিম কোর্টের বর্ত্তমান বিচারপতিগণ, সদর আদালতের অক্তেরী, ভূই অন বারি উর্ শ্ব,বেম্প ও পুরু আক

সন সাহেব বিচারপতি প্রেম মনোন हरेशाट्य । बाबू ब्रमाञ्चलाम ब्रांस चाटक লাভ করিলে এতক্ষেণীর বিচারপতির ' সম এছণ করিবেল'। শতাবিত্র বৎসর হ ल, এ म्हल देश्त्राकनिरमंत्र त्राक्षप ह शास्त्र, व भगान चात्रक विवाहको हिट यकः विकास विवास वेक्ट्रांगीत के के हैं শীর বলিয়া ভেদ করা হইতেছে ৷ কলং केउदा कुनः नगर, कुना कश्कानी, चूना सम्बोग इरेटनक व दंग्नीवरित (वजनगढ वक रिनम्बन) वर्षेश माजिलाई क्ति मलावि रेश्मर अवती चांस्यीवासांहरि शक्तभारमूमक वर्षे वमर्यकानिकी क्षेत्रहरे केलिकि अधानकम चामानक म्हेक রিত করি নাছেন। সভা ধরণক্ষেক্ত আরু ক্র কাল প্ৰাপাজমূৰিত ব্যবহার করিব मणा ममारम निक्षित ए छेलेर्निक मू তে পারের > আমরা উপরে বে অন্ত্রে विवत केटलेच कतिमात्र, काश क्वल बै रात्म वेक्कवर जागानक जागरनई नम्म मत्र, जामद्रा देशांटक श्रदे जदिये व प्रिंट्स हेरद्राक्त काकित काशीत्रवस्त्र मनक्ता ड^{्र} वावहादवन छन्नानकाती जनस बिलाम ग १मा कतिय। और भागानंत मश्यानिक स्रेम, अकृत्य अ त्मरण विष्ठात । अवस्य আভূতিগত যে সমন্ত পক্ষপাত দোব আ हर, छाहा कारव छेबुलिंग हरेरव गरमह बारे। याश रहेक, अहर विवास वर्णना वेजेट्यांभीय ७ म रंग्नीत छेजतिथ

রুপতিই জুলা বেউন পা ्त श्राह्म वरमत्र वर्ष कतित्रः शहरदन । जाभीजकः दण्य इ विटमन बहेरव, अकरण शहादा नू াকোটের বিচারপতি পদে আছেন ারা লে বেভন পাইতেছেন, ভাতাই পা ন। কিন্ত তাঁহাদিকের উত্তরাধিকারীদি ह अहे सूक्त निव्यवद भवाधीन इंडेटड त्र मिनूर्त विव्रव छिन मूक्षिम (का रं विष्ठात्रभिविष्ठात्म भारे हे (त्रत) क থি দেওয়া হইছ, অভংপর ভাহা রহিছ रव । এই উপাধি বেওয়া না বে ওয়া लाटअमहीक्र रेम्।।

मत ह।व्रज्ञम छेड ब्यात अक विषदा वि त मूनमर्जिका अनम्बन कतिशास्त्र । जा রা ভাবিয়াছিলাম প্রধানতম বিচারালয়ে विक्रित राषितिक जनां कर क्रमानश म्ब्रिट्ड शाहित्वन ना । किन्दु जामानित्वत म महकात चूत स्टेबाटक। जनत जानान ভর মুর্ক্তমান উকীলেরা ও সুঞ্জিম কোর্টের क्रिकेटब्रहा छेक्टब्रहे अहे विष्ठांबाण्टब छकान ही क्तिएक शाहित्वत । आह्न, योहांत्रा देश प्रतंजिक कारतास वि. धन छेगाथि हां थ है -हेटबन छ।हात्रा बदः छक्त विठातानर्स्कृत दय সকল আটনী প্রতিনিধিত্ব (মান্ত্রনীয়ার ক্ষুব্রন কোগাড় করিয়া দেওয়া) পরিভাগে क्रियम, ভাঁছারাও ওকানতী করিছে প

🖫 বিশিষ প্রধানতম বিচরালয় যে রী ক্রিক সংখাপিত হইতেছে, তাহাতে কা अनि चनारकाय अभिवाद माउपता (मथा बैद्धिक मा। সকল এেণ্ডি লোকই **্রিক অঙ্কিবেশিত হৃই**য়াছেন। সর ্বার্টেস পিক্ক, সর চারলস আকসন in जात मांचा के उद्देशन के सूरे कर वादि क्रित त्राज्यभूक्रायकत इंख्रेटतानी प्रमिर्धात व्य किति पद्भ चाट्या। कम्मा हिन्त क्ष विवित्र अर्थित, इरेएं भागिरव्हरून ,

युक्त सं हता ।

विष्ठादश्विता सर्था सत्था सक्थमः धारेत्वन । भूत्र हेज्यतां भीत अभ्याविति গ্ৰের মধ্যনেলে বিচার হইত মা। ভালাদ নকে নানা স্থান চৰতে কলিকাডায় আন। চ্টত। ভাহাতে গবর্ণসেণ্টের বিশুর ক इहें ड, बदर य हारिक्ष के मानाहान इंगेर्ड মাজ্য বিতে থাসিতে হইত, ভাহালি ক্তি ও কংট্র পরিসীনা দিল ন । मांहर वेशिष्ट में विकास का का करा है স্থানে গিরা ইংলভীয় আসাইতে ী नगा इंजेरब्राशीविक्तिका বুকর্জ,দিবেগর এড দিবস্কুন কেবল विष्ठाः कत्रियमः। त्य त्रवर्गस्मान्तेत्र वाश मुक्षाक्रम स्ट्रेट्व এরপ নহে, দুরছ পঞ্জীঞ্জ মর লোকদি গের স্ক্রিট্ন কোটে আসিরা সাক্ষা দিবার বছবিত থাকাতে সাধা মধ্যে যে অবিচার হইত, তাহার নিশারণ হইবে। একবে বিচারপতিদিশের যথানিধি নিজ নিজ ক र्ख्या प्रम्म नवहे जागामित्तात अधीकनीय । ছইয়াছে। অপর, মফ সলের বিচার।লয় नकल वस प्लारंग मृतिह मुखे स्ट्रेट्टर ! के शिल्ड फेंट कर्ष भाषत कड़ा एक छाई। कि প্লের একটা প্রধান কর্ত্তব্য কর্ম হয়। বিচা ब्रामरमञ्जू उँ कर्न नाधिक इरेतन रेफेरतानी য় ও এ দেশীয় ৰুনিয়া স্বতন্ত্ৰ স্বতন্ত্ৰ আইন कतिवात चात्र अर्रेशका स्टेर्य मा। मक पित धहेबाश मा इहरव, छए जिने अवर्गस के बाबामिदशब यक दिख्यक कि है। कब्रन, कर तथा इहेटड शाहित्यन मा

অত্নত্ত্য কারাগৃহ ও বন্দী বন।

चामता नीस्थ्यमान अर्पाः नत् कृष्क ও চাকোম্পানির মকুরগণের প্রতি অত্যা চ'র প্রভৃতি বিষয় লইয়াই বাত আছি। वह भारत स्था स्था त्यानित करकेत दिव র অন্নতাবিশ্যুত হইয়া যাই ৷ আলামিগের वैवाक्षणां वीत जावानिरभत अविनिधि नगावना जावारिरभत मनार्थ वि

कूँ हो । उठ्टा एन । ইছ দৈপের কেছই অনুপ কটবাপে মুখ বিকার করিতেছে, কিছু সে िन्द्रित आमानित्त्रत यदशांहरू मत्नानि , दम इहेट कटल् मा। पहिम ७ ब्रांक च अप्रकि (वस्य का मानिरगत अधानकम कारकालामत विषय हरेशारक । अस्त्यकीय अक स्थानित का श्रेड विवर्ध खाम्म निकास डिल्मका क বিদেছি। এই আেৰি কতভাগ্য ও ভ্ৰাচার वृत्तिम् 'मानादक हेश्कित्मम विषय अकवात्रा हिन्द्र, व्याप्त मा। अहे कान्नरत देशहा नि डान के अभिक्षिक इंदेया दात अत बार्ट करी পাইত্যের এবং ইহাদিগের চরিতা সংগ্র धानः अ क्यांम छेलात् इहेराजाः माः ला क्रेटनाव र कायर है । अक्षाद राष्ट्रीना बद्र दि सम्बद्धाः किति ।

क्षक हम विशाज दश्य हिरेडवी कहि शहरूम, एक शालिकार्यन्त्र डेटक्क नि ग्रम सटक . मा.मानृखित कर्मन कर्निया धर्म নীতির শিক্ষান দিলে পাপপ্রারুত্তি কিছু क्ट्रे मूहीपूर हा मा। बनाव करी. जल বিসীম যন্ত্রণ, ও গুরুতর দণ্ড দান করিনে শোষী বাজি পাণকায়ে অধিকদর কৃত্ थाडिक स्हेता छेता । (अ मश्रुटक देवर नि র্যান্তন জান করে, বিচাব পতি ডাছার निकटी ५७ वर्षण्या धर्णीयमान इन बदर मि রাজাকে দসুড়েও করোধারকে কসাইবেয় লোকান বোধ করে ৷ ভাঙার শ্রেষ্-সাবন করা र्य आहेन, शवर्गरम्के ও विष्ठांक शक्तित **अस्म** শ্যা, সে ভাষা ৰুখো না। সে কি কারণে বুবে না , অকুভ রুক্তা কি চ.হার কাবণ ,সা, প্রণা ली शावरे छाएक क्षानव ! यक मिन धरे প্রণালী দেবে স্ব্রেক্তি ত না হউবে, তত मिन अविकास (पार्टी क्रमाभामत काम मा गरेगा का नामात्रमात्र पृष्टशिक्त, कतिराहि क्षेत्री वाक्टिर, इम र. ७ वर्ष मित्रिका क्षेत्रीक एमटन करत्रिकिमिश्रक (क वल शांकिहिन्नः लखन्ना इत्र मा, कथान कारा নিদার মনোহতির উন্নাত সাধানর প্রতি मृक्षि वाथा रहेश। बादक । अवादन व्य अव किছू कहा रह मा। क्वम बन्नीनगरक चाँछा

हेत्। मध्या इत्र। **ए अधिक शांक्टिक मा शांद**क ठाहाटक चाटमहिकात क्वीकशास वर्गदा हा काच्या मित्र मध्युतिराश्च नाम निमाञ्चय এহার বস্ত্রণা ভোগ করিতে হয় । ইহাতেই कटकेंद्र त्मव रहेन भा, हेकांद्र छेनद्र चावा त बारादात करें। शार्रकान स्विता वि শ্বৰ'পন্ন হইবেন, ভাহাৰা প্ৰভাহ ভিন পদ্ধৰা খোরাকী পাইনা থাকে। একে এই চুর্যু লোর সময়, ইচারও সমুদায় তাহাদিগের ভোগ वाक इस ना । या वाकिन तक्कन करते. तन किছू लग्न, চाপत्रामी ও माद्राभात्रा ३ व्यद्भ ক ছলে পূজা পাইরা থাকেন। আমরা न्धारीकात कहिए शाहित नकत करवनी १० इंड्रेंट होका चानाइटड ना भारत, डा চ দিগের এক বেলা **অর্ছ ভোজন** মাত্র া তাহাদিলোর লব্র, শ্বা প্রভৃতির ভ क्षाई बाडे। छहिम, बिद्धांछ आह अक शृह सरदः वयमश्या त्नारकत् अन्त्राम् वाहामि भात था कर्क, छाहानिरगत कि वृक्ति मान वंकि हरे ॥ नाम कि ॥था वृक्ति अधिककृत दल व ही घर 'ति महावन। नह - इसको हे इसक অ'র ছ্য়াচারই হউক ভারাকে অনাহারে वार्थिंग मध्यत्री कांन कार्त्रहे गुलि निक क्य ना १

या विषय शवर्षा शवर्षा विद्या विद्या विद्या शवर्षा विद्या शवर्षा विद्या विद्या

े गा है करतनित्य श्रम शास्त्र ताथा

वा एत । देश बाता होंगे जिन के बाउरकार जक्, जल वज्ज, शार्थिक वशक्ति, उद्यंत उ महा क्षकत, शाकारक शतकात मश्मार्थ शतकारत्व क्षण्य पूर्विक स्टेशा वास्टिइ । विजीत, वलवान पूर्विक स्टेशा वास्टिइ । विजीत, वलवान पूर्विक स्टेशा वास्टिइ त्रांश क्षां शाक्तिमिर्गत शतकात मश्मार्थ व्यावस्थात वित्रकारलात वक वाचा वास्टि स्टेशा बारेरकार । व्यावस्था देश मह्मारा क्रिता वार्थाक।

ই । যাহাতে করেছিদিগের চরি

টা দেন সংশোধিত হয়। ভবিষয়ে
দৃষ্টি রাধা উচিত। ভাহা না করিলে
সহত্র দগুবিধানের আইন পাপ নিবারণ
করিতে সমর্থ হইবেনা। পাপীরা কিঞ্ছিৎ
সতর্কতা ও অধিকতন ধূর্ততা নিধিবে
এই মাত্র।

৩ । যাহার যে ব্যবসায় ভাহাকে ভাহাতে নিযুক্ত করা কর্তবা । আমরা অনেক হনে দেখিয়াছি এক জন ক্ষত বিদা ভক্তলোককে সুকি। খনন ক্রাম ইতেছে । ই-। অভিশয় অন্যায় ও অনি ইকর।

स। कर्रामिनिश्रक श्वीश्व शामा सथ विश्व व अ भौषी (म ब्रासी कर्राक्ष । ठा हानिश्रक स्थान शामा ना निश्च हार्छ न छाछ न अकृष्टि (म ब्रासी केहिक।

ৰ । একৰে যথাৰ্থ ভান্ত ও ক্লতবিদ্যা লোকেরা দারোগা। প্রাকৃতি পদ লোকে চাহেন না । ভাঁহারা যাহাতে এই কথা খা কার কবেন ভবিষয়ে উৎসাহ দেওরা কর্ত্ত, ব্য । প্যাপ্ত বেছন ও ভাবি উন্নত পদের খাশা দিলে খানেকেই আজ্ঞাদ পূর্বক এই সকল পদ গাহণ করিবেন।

७। छेशयुङ मिथिता करवक सन मह का^{ती} जिल देनरामकेत निवृक्ष कहा कर्छ वा . देर्गेता करतिमिरशत छक्षावधान क तिर्वत ।

धरे थेनि क्या निष्य चावभाक । है । नाव नाथा मरम्ह नारे ; किस स्माक निरम्म हिंद्रेज गर्टनांबन के नेत्रकारः भवने गरेता यथन कथा स्ट्रेडिट के छात्रकारीत भवनीयार्कत दहे सम्बन्धि क्रिक संद्या दिश्य नाम ।

> नीन धार्थान क्षांस्टलंड कड़ नहेड्डा विवास ।

নীল প্রধান এদেশের গোলখোগ বিরুদ্ধি रहेबात आकात छ त्रथा नार्टेटकी वंदगरमके व्य केनाव व्यवसम्बद्ध क्विटका धवेश स ममल क्यानिहरू । अतृ कहि हिन, छन्दात्रा ध**रे विवास्मन महिन्द** हत्त, व श मञ्जादना नःहै। आमता छ।दित्राहिल জাকসন ও কাৰেল সাহেব নীলকর ও 🍳 ফাদিখের পরস্পর আন্তরিক বা হউক বাহ্য সদ্ধাৰ করিয়া বিবেন। ক্তি তাঁহাবিবের উভয়কেই অক্লডকাষ্য দেখিছেছি। জাঁ হারা যে উপার অবলয়ন করিয়াছেন, ভাহাতে নীলকর ও প্রজা উভর সাক্ষেত্রই षगरसाय कविशादह । भीनकद्वर्ता एव क्रि সাবে কর লইতে চাহিরা**হিলেন জারুন্ন** मारहर काहा कथाहा कतिहारहरू, जावाह প্রকারা পরগণার হারে বে কর স্থিতে খ্রু ण हिन **ण**्गां आश्राकता **रह गारे। कि**रि भट्या अधिका शटक ११०) व्याना, १०० व्यान ७ २१० कत्रंशिया कतिवादहर । किसि बुद्धाः क्षकटन यावणीय खवा महाच रश्वमादक खकाद বিলক্ষণ লাভ বান হইয়াছে, শতএৰ ভাহায়া किशिष अधिक कद्रमा विद्य दक्ता व ब्रुटन আমরা ভাঁহাকে জিজানা করিছে পারি, ত্র वात्र विकास मुना इकि स्टेब्राटक, तिहे थ कांत्र कि शतिज्ञास्त्र बूता इक्ति एव मारे? क्ष्यक्ता किছू धकाकी महावाग्र कृतित कृति कार्य। निर्वार कतिए शाद्र वा; छाहापिश क बजूत थोडोवेटक इस, लाजरलत वास जा ছে, গোমহিবাদির আহার আছে, এ নকনে त्र समा ভाराविभरक कि भूबीरभक्ता अधिक बात विष्क स्टेख्टह बा ? चात धरे जकत

লাভ থাকে.ভুনাধি দারীরইবা ভাষাতে তঁ, হাদিগের যত্নে কি ভূমির উর্বর্নী গুণ ग'पिक इम्र २ कें।हाझी कि अकापिमारक धकार्या त छेबछि मांधरमञ्ज छेलास मकरहा का (मम : दिकाता चांश्रमानितात गरें **चार्डा म रत्म जूमित या किছू उद्दर्य** । ধন করিতে পারে, দেই মাত্র ৷ যদি মির উর্বরতা গুণ ১৯ন বিগণে জনী পারের জিলিয়া না রচিং', তবে ক্ষমীদার ও দরগণ কি যুক্তির অনুসারে অধিকতর थाशी हहेर**र भारत्म । विस्मिन्डः कृ**बि ধিক শস্যাশ,লিমী ছইলেই অধিকন্তর ক <u>ৰওয়া হুবৈ এঝপ নিয়ন করা অভিশয়</u> নমায় 'ও অনিউকর। সে দিবস রাজা মা নসিংহ কি বলিয়াছিলেন ৷ তাঁহাকে ভুলা প্রভৃতিব কুথিকায়ে মনোনিবেশ করিতে ব লাতে তিনি বলেন, পতিত ভূমিকে শ্স্যশা लिनी दता वड़ छू:म'श नरह, किन्तु छ:हा হরিলে কি **হউবে - আনাদি**গৈর জনীদারির কৰ বুলি স্ট্রেথ এই মাত্র। এই কার্ডে, লাভ कानिङ बारशभा अकृति अटमरम हित्रहा শী বন্ধোরস্ত ব রিবার **সংক**ম্প করির ছি ारकादरसञ्ज ष्यश्मकाङी स्कृत विरुध्य नश्न न গছা করিনো কি ভূনের উর্বরতা গুণের ।अधिक तृक्षि स्व मः

বর্থন জমীদানের, চিব গল একবিধ কর দিং। মৃক্ত হইতেডেন, দখন প্রজার ক্ষাপ্ত কি ১ ভাছারা ভাবক পরিস্বল ক্রেপ্টেক্ডাহাাদ,গর অনুবাধ - তা হারা ব্যান্ত্র ভারুব দিরে আবাসখ্যে পতিক **छति जकत्त कृषिका**या कविक ७ इत्। ७ প্রয়াপ্ত শ্রম উৎপাদন করিছেছে ব্লিল 📗 कि काश्मिरभन्न व्यर्थमञ्च वितर ने दे িক্তা **আমনু। গর্ণমেটের নিকট এ**ই প্রাথন: ¦ না সুস্তু শাগ্রে বৃষ্ঠদেশের কুরকের। দক্ষি

কর ধাষ্য করিভে বলুন ৷ আমরা বরাথব कहि:। आमिए इहि अधुनात वक्रामण अक বার জরিপ করিয়। **জুনির সীমা** বন্ধ করা নিতার আবশাক। নেপে:লিরন এই বলিয়া शीरा करवब, टीबाइ काषादीत व्यथार ভূমিব যথ থ ছিসাব থাকাতেই স্বাচ্চে সক দ্দমার **অনেক হুলে ছইয়াছে**। এদেশে সেই থকার করান। হর কেন > ব্রাহালীদিগকে মোকজ্ম প্রিয় বলিয়া গালি দেওয়া হই রা **থাকে: কিন্তু যখন ভূমির এই** প্রকার পুরবন্থ: বাইল, ভখন মকন্দমা ব্যতিরেকে হিক**পে** ভূনির **বত্ব অ**ব্যাহত থাকিলে পারে >

পরিশেষে আমাদিপের বস্তুত্ব এই, এই বিবাদেব সত্ত্বর সীম'ংসানা হওয়াতে প্রজারা ক্রমশঃ উৎসম্ম স্টান্টে বিজ **फिन प्यवधि नील माञ्च लहेश नीलका**फि পের সহিত তাহাদিগের বিবাদ চলিতে ছে, মকদ্দমায় মকদ্দমায় তাহার৷ অম বস্ত্র ছ'ড়া হ্ইয়াছে, সকল স্থানে সুন্দর্রপ मजा ७ उर्भन ह्य बाहे। बहात उपद আবার কর লইয়া বিবাদ অবিজ্ঞামে লন। প্রজাদিগকেও কি দেই চিব স্থায়ী । যন্ত্রণা দিভেছে। এক উপদ্রেরে কৃত্র প্রাণী প্রজারা কভক্ষণ ভিত্তিতে পারে : এই বিরোদের মীমাংসং নং ছওয়'তে পূর্র ভন নীল্সংক্রান্ত ভাত্যাচার পুনরারত্ত इहेरल्ट्ड। श्वनिष्ठ शास्त्रः अहेरल्यः ष्यातक क्षांत्रत क्षांका निष्क विक्रित्र व ह देश (मदे कानर्शमूल आहीत निस्टिं मान न शहर कविराज्यह । या अन्भीत संग्राह्म र्थ ८७ का ७ इहेशा शिला, ६७ वर्ष वास হট্র, বাঙ্গাল প্রণ্যেণ্ট মিসনবিদিপের সভিত শ্রেক্তারাদিন্যের কো প পতিত ्रेडेट्रेन्ट **लक्ष माह्यत्त्र क्**रानाम **इडेन्**. ধাৰছিধ নিঃন পূৰ্বতন নবাবিদিখেব ওলাও । সিউনজাব সা হব ভিন্নসূত হইলেন, সেই আম ভূরক ও পারসা পর্বদেটেবই উপযু ় পথ নী পুনর'র র কটতে চলিল। উহ্। পু क्रीतिएडहि, कीहात्र। क्रांकमन मार्ट्स्वर का । ॰ ट त्या लनात्र क्रीकमार्थमात्रव कर्णका ্ 🚌 রহিত করিয়া শ্বার্থ পরগণার হিনাবে । সহধিক সৌভাগ্যশালী স্ইবে না ।

<u> ४.कृरकमम (को निरमञ्जू भूनः मा</u>शन

এড়কেশন কৌশিল সভা উঠিয়া গি যাতে । সভা **যে সমন্ত কাষ্য করিছেন,** *श म*ुनार थक रा**क्तित रूटक नाक** हरू नारक। काटक रश्वा पार्था याहेरकरक, হাহা**তে এটা শিক্ষাসম্বচ্ছে এ দেখের** নৌভ গোব বিষয় না হইয়া। ছুৰ্ভাগ্যের বি ষর চইনা উঠিয়াছে। এক্সনে বিদ্যা শি কার জন্য পূর্বাপেকা অধিক টাকা দেও যা হই:ততে, প্রধান প্রধান লোকের৷ বি नात डेबांडव कमा यञ्चरम स्टेग्नार्डम. অনেক যি এ, বি. এল প্রভৃতি বাহির হ इं. १८५२ किंद्र १५८०मा क्रिशिएँ। गर्ने ान प्रयुक्तातपुरः कहेर **८५। भूटर्स व्हो** কি. সভাৰ ভাতাকে একতা বসিয়া বিবে हरा भूचंक नारा ध्वकार ध्वनालीत हैहा নন কল্পিটেন, কোন বিষয় উপস্থিত ছইলে ভল্লভন্ন ৰূপে ভাগৰ প্ৰদুৰ্গ কৈচাৰ হইড, সুভরাং শে বিষয় কর্ত্তব্য বলিয়া ত্বির ছইড, ভাহাতে স্বিশেষ দোৰ সম্পৃতি **ছইবার ভাতৃশ গন্তারনা ছিন ন**় বিশে ষতং পুর্ন্থে কৌপিল সভা উপযুক্ত শিক্ষৰ দিগবে ক্ৰানুৰূপ পুৰক্ষার দিতেন , শি ফারেবণণ্ড উৎসাহ ও আব্বাদ সহকারে অ,পন আপন কৰ্ম সুন্দর ৰূপে বৃষ্ধন্ন ক ব্রিল্ডন। তথকালে এই একটি বিশেষ গুণ ভিল, কেই ইচ্ছা করিলেই অনায়াসে শি ক্ষত্রনিধের উপরে আপনার নীচ এরভির **চরিতার্থত: সম্পাদনে সমর্থ হইক্টেন ন**া এক্ত্রে এই দেশে ঘটিয়াছে, কোন শিক্ষক अभागक्य क्षकादिव चिथियकश्रेत इ'इ'व মত কেন কে। ধাকুক না ভাংরে নিন্তার ধাকে না। যাহাদিগের অন্য দিগে উপায না হয়, ভাহাদিগের পক্ষেই পতিত পাবন अञ्चलमान जिलाउँ एमणे चार्टिम । महरू কেহ এ ভিপার্টমেন্টে আলিতে চান না।

এই সকল দোবের প্রতীকারের উপায় কি - সামরা শুনিরাছি ট্রীডন নাহেব মা কি পুনর্বার এড়ুকেশন কৌশিল স্থাপন

कतिबात श्रेष्ठाव कतिबादवर्ग । देशहे 🏚 नकल रगार्यस व्यक्तीकारम् आक्षात हैं शी ए। जिलाकुरेश और क्लिक्टिल्स स्टब्स्डेडि र्छेन, रेनट्लक्रीवनिशटक कर्मणः विश्वात দেওরা হউক, (ভাচাদিগের দারা এ পর্যাত্ত तित्नव काया क त्मची यात्र नारे) कट्रक क्रम तहकाती हैनटकाक्रेत्र चंक्टिलई श লীপ্রাসম্ব বিদ্যালধের উদ্ভি সাধন হইতে भाविता। भवित्मास वखन्या करे. अक या ক্রির হতে শিকা সংক্রান্ত গুরুতার সম अंग कविया निन्दिष्ठ थाका काम करमहे আ্ফাদিগের অনুমেটিত নছে। কথন क्रथन अक्रभ प्रथा याद वरहे, अक् वास्क्रित হৃত্যু সম্পূৰ্ কায়ান্তার থাকিলে কায়া যে बल कुम्बद्रकरण अम्मह इह, भैं ह कद्भद्र হল্ডে থাকিলে সেরপ হয় ন।। সেই সেই গ্ৰেন পাঁচ ব্যক্তি প্ৰধান কৰ্ম কৰ্তার কাৰ্যা সম্পানন প্রের অন্তরায় বলিদা পরিগণিত इहे ।। ध'रक्स । लिख अन्धावन क्रिया ए থিলে দেখিতে পাওয়া য'য়, উলিখিত খুণ ওক্ষমতাব্যম বাজ্জির কায্যকর্ত্তত্ব পদে व्यक्षिकान मुहास नरह । व्यानका करम करम मिक मरकाष कार्यात कुरे कर पिरतरहे बहुक , पश्चिमाञ्च । देश ह माह्युद्ध क व्याप ক্তরে পরিভয় দি, পাঠকগণ প্রবণ কর্ম। अष्टराज्य जिलाएँ सार्वेद क्षानाम प्रदा त्कत कथ रेमिनिक**आब**हीवीत. (कव्र'नीव क्षर। करम्भाकिहेरत्त्र कर्य सरह । रुखा ्मन्य बाइम्ब दहिर्दम, एडाया ए इ.डे করিবে - শিক্ষা সংক্রান্ত প্রধান অধণকর মনেক।বিধ হাতন ভুতন প্রবালীর উদ্ভাবন কবিৰে ইন ভাছা অনেক্ৰিধ চিন্ন ও সম া সাধা। তদ্ধিন কোন বিদ্যালনে কিৰুপ্ ক্ষা ইউতেছে ভাছার ভক্তাব্ধান করিছে क'नकरभ अहे भद् नाश कविएक इहेटल जारमक अगर जानभाक ^{न्तरव} न**ाम**६ बा**र्ट । किन्छ सूरुभूत** र बाहरील ^{ইণ্}ত সা**হের উপরিস্থ কর্জুপক্ষে**র ভিকটে িবিরাছিলেন, এছুকেশ্ব ডিপাঠানটে

त क्यमा **्रम्य क**तिहा छोहात **कातक म**त क्र-बीटक । म! দেখিব। না ভূনিয়া কেবল महकाती कानटक बाकत कतारे कि श्रधान षश्राद्रक्त कर्ष ? अधान षश्राक समहत्त्र क्रेश यान मुक्त्रक्रण काया निर्वाह कति তে পারিতেম, তাহা হইলে মল্লিসভা ও বাৰস্থাপক সভা প্রভৃতি রাশিয়া রাজারা चकात्र बाग्न श्रष्ट हरूटिन ना। तारमत थाहीन काटलब व सामिरशब स य वास्कि क्रेगिक्टिन्न।

মুত্তন গ্ৰন্থ ও পাল্লকা

ख बि

আমবা ক্তজতে সহত্তের থাকার कतिएक है, निमानिश्य सहस भूकत प পতিকা প্রাপ্ত হইবাছি।

😕 । উত্তর্গম6বিভ সংস্কৃত, মহা কবি ভাৰত্বতি জ্বেনীত , কানুকাত, নংস্কৃত কালেত্বের অধ্যক্ষ প্রীয়ন্ত 🖟 বি ক্টেণ্ড সাচেব নিজ বাহেয J. F. --- 3 প্রাচ ब्रिक क्षिपादर्डन। जे कार १८५४ अलकाह শাস্ত্রের অধ্যাপক জীবুক্ত (এম5ারু তর্ক্ বারীশ মহাশ্য ইছার ক্রনে স্থান সীব। ख कुक्**र भरक** कर्ष कतिया कियोर्कस । পুর্বের মুদ্রিও উরো চরিতের আংক স্থানের অর্থ বিশ্যরূপে হৃদ্ধন্য চঠ্ছ। ना। उक्क दात्रीम बदानरपन गञ्ज रा अदिखा মে রতন মৃদ্রিত প্রত্যের সে দেবে পরি क्षेत्र दक्षेत्राटक । क्षाटखार ८एवक प्रकेष्क रम केंद्रवा महा मुख्य १००५७ छेदक्य वर्षे हो। (छ १ हेरु छ । उत्त. নিৰূপিত इहेर्ना 🖪 🕽

২ : প্রতিভ্রম ৫ : শ্রীমক্তে বারু फर्डो एत्। रूप देशत **अन्यम कर्छ। हे**ला अ काखन हो किएक निषिठ स्टेशास्त । हेट्या বচনা প্রণালী অভিসহজা এতন্ত্রা সহজে অনেক প্রাণির বিষয় জানিতে পারা যায়।

৩। ভাকাবার্তা প্রকাশিকা। ইব য় ক্ষিকাশ কইতে আয়ন্ত ক্ষ্টুড় कीयुक बाबू ब्राम्कस क्लीमिकः मन्नापन कार्या जुडी स्हेश्रारह्म । ৪। ভারতবর্ষীয় সভার হৈমানি. ২ জ

भानशासि।

আমরা ক্রতজ্ঞতা সহকারে বিশার সেনেট সভাকে উপেক। করিয়া কাষ্য বরিতেছি. প্রমতী রাণী স্বর্ণমন্ত্রী আমাদিগে क्विप्राहित्वन, डाहाब्राहे श्रक्षांत्र अश्विष 🖟 द्व श्रीठिक विद्यालरम् व नाहायार्च >०० টাকা দান করিয়াছেন

বিবিধ সংবাদ।

১-ই আবাচ সোমগার :

আখনা বরাবর বলিয়া আসিডেটি উত্তর পশ্চিমে বিয়োগ ছইবে বলিয়া বে ভার করা হুইয়াছে ভাহ, খায়ুলক। আগরার প্রনাপত্তি বিগেভিয়ার ট্রোপ দেনাদিগকে সর্বাদা অহ-গ্রী ব্রাপিণাছিলেন, এবং গিরজায় অস্ত্রপারী ाना लहेगा निपाहित्सम यक्तिया अन्दिक्त 'বাহাব নিক'ট কৈন্দিয়ত চাৰিয়াছেন।

क्यक्तां गम्भोजन किथियाद्यन ^क सन र ইটার'পীর হওরাতে লাভ এলাণান ভাত ক্ষা ক্ষিত্ৰেন নত ইয়া এডবিন এডকেশী লা গুরুত্ব অপরাধ করিয়া স্থা**ন্রমকোট** ्र य क बहुतारह ।

িনিকেট্ড চাকাশ্বিত সংবাদ দাতা লিখিত দ্বাপে ভত্রতঃ প্রধাম কর্মচারিটি গুল বৰ্ণনা করিয়াছেন। ছাক্রি জঞ্চ ও माजूत इस मूर्थ। माखिटहे हे काउएक **७ जायमाप्तिगरक मर्सकः गालि कि।। य..** अवर ममग्रक्ष ला 4 (वो) (बाहाब्रा ७ *(क*.डी-.. কে মান্দ্র বিভিন্ন পার্থ । আবার এ? 🕟 एक भूषि भाषित्हें है आंदहन, ने न **रहेत्र। बनित्राद्धन, अउद्यम्भीत क्लान** नः वी कुडे अंदत्र (बना: बनिड़ा ग्राम्म) मिर्दल छ।डा फट व्यक्त क्रांखि वृत्रिया सहेरछ इंडेरव ।।। हे न १ **उद्देश अक क्षान कम नग** । दो छ (या हैक कहे ग^र »

अखरमभीष मश्वामगरत् 🗀 ७३ 👫 🖰 **জান্দুকত র বিষয়ে যাহা** লিখিত হয়, - ন্পাদক বদেন তাহা অন্যায়ণ ক্ষত দিনের এই সংখার ভানিরাছে, ক্ষুদ্ধ সং-্লক নছে , উরোগীয় হত্যাক্ষ্মী টো আমরা ইলার ক্রেক্টি দুরাক্ষ্ম ক্রিম ভি। - মুক্তিই এ সংভাব এ ব উউরোগীয়দিনে সংজ্ঞান্যাক্ষ্মি দুন করা ক উচিত নহে ১

ই নিসমানসম্পাদক গ ব্বি নিছেন।
১০ পরিএট জিপাটনেন্ট প্রেবন গেনাপতির
১০ নক্ষ হটবে। যাহায় তা নিপ্ত হউক, ইহা
১০ বের প্রাভূলি সনিবারণ করিতে গ্রেন।
১৯ সাবিব।

াদ্ধাদেশীয় লেপ্টনট গ্ৰহ্মের জাজিও মাল্যুলে শহিব জন্মা হয় নাই।

লাহোর ক্রণিকেল সম্পাদক এবন করিয়া ছেন আমীর দোস্ত মহম্মদ খার এক দল দৈ না ক্রমনারে উপস্থিত হুইবাছে। ২২ হাসতা নজানের সহিত শীক্ত সন্ধি ১ইকে নচেং এক ট ঘোরতের মুদ্ধ হুইবে।

লাও সাহেবকে কানপুৰে বিচাৰ বিজ্ঞান । তাহ তে বছন সরা ুল কড়া ইটবাছে।

ক্ষেন্থাত ক্ষেত্র পক জন শুর্থের ।

সক্ষ প্রশাসন করিবার জন্মতি চা
বাছিলন নকর গ্রথমত করেবার জন্মতি চা
বাছিলন নকর গ্রথমত করেবার করিবারের ন
ভানিতে ভিতে ভারীকার করিবারের ন
া জনেব নানব বেংকের কর হইতে
বা গেলা ভি চলত লোব নইয়া জাবিভারমতি ন শুরুত

কানপুরে এক দল শাস্ত বা একডিত ছবিশ্বছৈ। ইছারা কোন বংগার কিছা ও সমর্বিলেনে চামুর্ব ও প্রকাত করিয়া জীমন শাসন বর্ত্তর লক্ষা লোকের উপারে বিশাস দায় ক্রিয়া।

প্রতিশ্র করি।

নারানতে এই ক্রিটির দুক্ত উবদ্ধনে গ্রোণভাগে করিয়াকে ক্রিটির ক্রিটির ক্রিটির স্থানা যার নাই

শ্রীরামপুরের সদ্ধানিতনীর একটা গীলোক ভাষার হাসুপ্র গুত্ততে কর করিয়। ছে। উপন ইয়ার কার।!

উকু হাবে সক্রতি ছুইজন ইউরোপীয় একটি দ্রবংশীর জীকোকের দুর্বছ। কবি বারু চেঠা পায়। বিজ দৈবাং তক্রতা ব্লৈন শ্দ্রদোক ভালদিগকে নিবারণ করেন। এই ভুরারারা কার্যকর লাছে। অল্যাপিও ভারাদিনের বিচার বয় নংহ। ইহাদিগের প্রে,

ড'ল। প্রকাশের চা গাথের সংবাদ দাতা বলেন কুমিলা করেছি চউগ্রাম পর্যন্ত যে শক্তা আছে দাহা উত্তর্জা কমিলনর পাকা করিবার প্রকাশ লাভ ভিতাব সিন্দিল লাল চলান লাভ কিলাব সিন্দিল লাল করিছে। তাই তে বালন গ্রামান করিছে। তাই তা বালন নাই

্র**্জ আ ধার্য** কেলবার ।

বি জানুনা ও চা

তি লাভ লোক ল

তি লাভ লোক লাভ লোক এক গানি সাংখ্য

কার করিবাছেন :

তুণ বলিতে নাম, নিলের উদ্ধানাই ৷ আপা

কের করি হউতে

তুল সাংনারা এই মান্র ক্ষিত্তে দার রাজ্য

কার করিবাছেন :

তুল সাংনারা এই মান্র ক্ষিত্তে হইয়া থাকে

নাম পরিভাগের ক্ষিত্তি হইয়া থাকে

নাম পরিভাগের ক্ষিত্তি হাল লাভ লাভ লিখ

বাংকানেন এ বি মানা, নিরেশ করেন সম্বিক ক্ষেত্তাল লাভ

নাম দুল্ভানি বালিনের পারেন ।

ক্ষিত্তি লাভ কবিনের পারেন ।

লান বংসার কলি গাড়ার নির্দাি মাত উচ্ ল' খ্যাসিয়ারছ '-

শ মদানা (২ শ. ৬ ব.)

- গালা ৭১,৩ ,৬০৭,।

১.লে সম্পাদক বলেন, জাসান চা

শ ন আজা নিবাজেন উাহ,দিনের

চার নীজান শাষা এইবে শাংক শ ন শান্তি ৮ শাষা এইবে শাংক শ ন শান্তি ৮ শীজেন উব্দেশ্যন ব ন শান্তি ৮ শাষ্ট্র জ বিশ্ব নারী

১০ শ ন বাংশানি ৬২ লাগ্য উদ্বাস্ত বিশ্ব নারী

১০ শ ন বাংশানি ৬২ লাগ্য উদ্বাস্ত বিশ্ব নারী

দ্বিক উবদ্ধনে। একণ বিশাস করি না, কিন্তু যদি এপ্রকার দিরণ ভি তাহা পত্ত'ব হটরা থাকে তাহা চইলে ভাঁছারা ভারতবর্ষ হইতে, দুরীভূত চটবার পথ আপ ভারতবৃষ্ঠ হরিতেছেন।

প্রতি বন করির।

সঙ্গাহেবের কারাবাদের আচেশ হইলে

সিন্নিদিনার যে সভা কয়, জুবকরা পরে

তাহার যে পার্থান্ত প্রকারী পরে

তাহার যে পার্থান্ত প্রকারী পরে

তাহার যে পার্থান্ত প্রকারী পরে

তাহার যে পার্থান্ত প্রকার পারে

তাহার যে পার্থান্ত প্রকার

তাহার যে পার্থান্ত পারে

তাহার যে পার্থান্ত পারে

তাহার সংলাদেক ইংলণ্ডে যে পার প্রেরণ

করেন, তাহাতে জন রতের বিষরে লিখিনা

তাহা সল্পাদক ইংলণ্ডে যে পার প্রেরণ

করেন, তাহাতে জন রতের বিষরে লিখিনা

তাহার সল্পাদক ইংলণ্ডে যে পার প্রেরণ

করেন, তাহাতে জন রতের বিষরে লিখিনা

তাহার সল্পাদক ইংলণ্ডে যে পার প্রেরণ

করেন লাভা বিদ্যান্ত আল্লাক সমারাদিরের

বিদ্যান্ত সল্পাদক ইংলণ্ডে যে পার প্রেরণ

করেন পার প্রান্ত বিষরে সামার্থান্ত স্বান্ত বির্বাহিন পার

বিদ্যান্ত সলিল বির্বাহ বিশ্বাহ সামার্থান্ত সা

মক নাশাদা আরও বানে এবংসর দলিকা নাব অক্সাজা ইউলোপীনের মূর্য হুইয়াছে বস্তুত, এই তুই বংসর কলিকা তায় অপই পাড়া হুইডেডে। লগুৰ, বোদাই প্র ভূমি নাবের লায় কলিকাভাব জন্ম মার এব শেশিসাত করে রাখা হুইংবা

ট্টোর কর ই জিয়া নম্পাদক বলেন, সুর তের জন্ধ নানিকাদী কাউয়ানালাকে স্কুড়া পুলিয়া যাট্যার কথা নালিয়া যে সংগ্রান ক্র রেন। ভাষা ডিনি বোধার গ্রামেন্টের।গ্রের করিয়াজেন। যদি উদ্ধে সম্প্রেক ভাষাতে -

िहू मा बरमम, कादा महेरम शाहनीता क्रिके हैं लेखक क्षेत्रांव शति जन्नवादिक महिरकदृष्ट । तह हिरू बनाग प्रेशार्थ प्रदेशीय जनताह कतिया अधिक वैश्वाकीत वसर्वकार अधिकार করিবেন । পারগীয়া পা**নুক্তা পার্**ক বৰ্ণার সভা, অবোধ্যার শাখা সভা ও মাজা-ब्बर नगरकर नरिष्ठ अक बांका बहेरा। कारी कश्रम्।

रतको बचाठार्य मामक (व एक छात्राहक নানা সাহেব বলিবা হুত করা হা ভাহার মৃত্যু র কারণ করনার খারা খির হইরাছে 🕻 ভাঁথার প্রস্রাধের খারে পীড়া হইরাছিল। জিন এট পীড়া বছদিবসাব্ধি।ভোগ করিতেছিলেন। এম্বলে ইহার উল্লেখ করা আবল্যক, বে পুলি-ম কমিসনর ও ভদধীনৃত্ব কর্মচারিগণ উক্ত পু রোহিত ও ভারার আভার প্রতি বিশেষ বূপে যদ্ধ করি রাছিলেন। তাঁহার ভাতাকে পাৰের দিয়া করাটিতে পুনর্কার প্রেরণ করা হই-তেছে।

'शारमत्रिकात शवर्षायले क्रममः अत्र नाउ করিতেছেন . ক্রীতদাস রাখিবার নিয়ম উঠিয়া গিয়াছে। বছসংখ্য দাস সেমাদলে এবেশ করিভেছে। িছোছি দিপের অধিক সংখ্য ক্রাহাক ও বিস্তুর আন্ত্রে প্রভৃতি গ্রণমেটের হস্তগত হট্যাছে। ভাহা-রা দকলে ভীত হইয়াছে ৷ বিচমণ্ড নগরে-ব নিকটে যে যুদ্ধ হইদার সম্ভাবন। আছে ভাষাতে যদি অন্ন হয়, ভাষা হৈই লেট বিয়ো হ ক্রীভদাস রাখিবার প্রাথার সচিত নির্মাণ হট্রে গ্রেড নাট। আমাদিনের এই প্রার্থন। :

মেডলিকট সাকেৰ উচ্ছে গলা েবেৰ প্ৰতি निधि बहैरवस । वावु कुरमव भूग्याशांगांध्र छ। ट्राइ महकादी इहें दिन।

रुगनी जिनांद्र ठाचन वन्भीयां जकि यूथ-ডি বিধবা আপনার ডিন নর্বীয় একটি পুত্রকৈ ত্যাগ করিয়া এক ব্যক্তির সহিত্ত পলারুন ক-दिवा विभाग इत, त्म ग्रह इहेटल कारनक जवा আনিয়াছিল, ভাৰার নামে নালাখ ও বিচার **ब्हेंडा खादाद छूड़े मान भिराम ब्हेंच'रह्। अहे** अक्ष (प्रभिन्न अभिन्न काम', जिस्त (प्ररूप র লোকেরা বিধবা বিবাহের বিপক্ষভাচরণ করেন কি অক্টো।

४२हे ¦श्रीषाष्ट्र बुधवात् । গাট্য স অব টাভিরা মাহরাতী য সংবাদ / শুনিয়া কৌতুকাৰিট হট্বেন, প্রধান ছুত সন্মা-

विष्ट व्यापाय जानकश्चित जाबादिकशक् जा: হেঁ; এক খানিও প্রাভ্যবিক গত্রনাই। সম্পাধ- 🔓 क बटनम, अहे जनम शक्त (बांचाहेटसम् व्यक्तक देरवाकी शब भारतका उरहरे किन्न सबसा কৃতবিদ্যেরা দেশীবগত্রের বথোচিত উৎসাহ शाम करवन मा। कल्पारण अहे लाविष्ठ क्रमणः তিরোহিত হইতেছে।

ুকিনিকা সম্পাদক প্রস্তাব করিয়াছেন, লগু-নশ্বিড টেম্পুল বারের ন্যায় এখানেও একটি ৰ্যবন্থা বিদ্যালয় স্থাপন করা কর্তব্য। উভয প্রভাব। ইহা স্থাসিত্র করিয়া ভুলিবার নিমিত্ত সকলের বন্ধবান হওয়া উচিত।

উক্ত সম্পাদক কলিকাভার পেটস্থরিত্র लाय **छेटलय कत्रिता फल्रालाक्षिशरक स्**त्रि-পদে নি যুক্ত ক'রতে কহিয়াছেন। ভব্ন লোক रहेटन आक्नां अपृष्ठि श्रीतिकातीमिश्रत উপায় কি হইবে ?

বছদেশীর প্রিভিং কোম্পানি অংশীদিগ-কে ইনক্ষ টাক্ষ বালে শতকর৷ ৭ টাকা লাভ দিয়াছেন। গভ শাঝাসিক রিপোটে প্রকাশি ত ভইরাছে হর মাসের মধ্যে ৭৫০১৬।/৫ টা-কার কর্ম ছইয়াছে। তুইলক টাকার মূল ধনে এইলাভ সামান্য নছে:

आभारमंत्र मुखिम्दिशत है स्त ७ म् नि গমন র্ক্তান্ত পূর্বে পারকগণের গোচর কর। হ-ইরাছে, ভাঁহার৷ লওদস্থিত ধাৰতীয় অন্ধৃত भवार्थ, भिन्न अवर्गनी महा, काराव निर्माद्या खक, চिकिश्मानग्र श्रुक्छि प्रश्न ७ উভয়क्तभ পারীক্ষা করিয়াছেন ৷ দুওলিগেড সহিত করে-ক জান কৰ্ম্মাধ্যক আছেন 'ঠাছ'রা বে বে বি-ষয় দেখিয়াছেন আলার চিঞ্জ প্রবিরণ লিখিং রা লইগাছেন। অনেব বিশয়ে দুভের। বিশেষ পারদর্শিতঃ প্রকাশ করিয়াছেন ' তালদিকের সৃষ্টিত যে একজন চিকিৎসক গিয়াছেন, জিনি ব্যবক্ষেদ বিদ্যা প্রাণৃতি বিষয়ক বে মত প্রকাশ कत्रिवाद्या छाराटछ अत्मक हे रताम हिक्शिनक विश्वय स्थान द्विष्टाह्म । पूर्वा क्रिक्स क्रिक् জ্ঞান কবিয়াছেন। পঠিকবর্গ বোধ হয়

र्वे विश्वकितनः।

' ভাষর সম্পাদক বলেম, **আজিগুরে সর্ভন** ক মুদি, পোদ্ধার প্রভৃতি জুরি ছইরাছে। ইবা प्रिटात त्वर त्वर नामल चाकत कतिएक गरिय ना धवर करिक मरचा लाटकन वर्षित व मारे। जामाप्तिशात त्वन विष्ठात्र विकास ৰূপ ক্রি হইয়াছে।

সম্রতি হরিশকরণীর সভা ভারতবরী त्रकाशस्य बहेरकरकः। गरकाताः ऋकिवान 👰 👯 बाद् कानीक्षमत्र मिश्टबर क्षमच कृषिटक प्रस् त्रिण नवास , नायक अवधि वानि क्यित्वन। हेराएड अवधि शृक्षकानम् स्ट्रेय । अहे वाँकै ए गार्च मानिर्देश क्षानुवन्ती क्षानुवि **७ वार्क नारहरवन्न हिज्ञ नहें नाकरव**ा, नार कानिरक्ष व्यवनार्थ व्यापक होका व्यविद्यार দেই টাকা হইতে গ্রাক সাহেবের একা अस्त्रवही अधिमृष्टिं वा एव व्यन ?

গ্ৰণ্যেন্ট সাধারণ আহিস বিশ্বা स्ता ७६,६-०-- **ठोको निप्राद्य** । स्फ গোষ্ট আহিসের জন্য ৮ নক ও প্রেসিডেলি ও जाना जाना कारमस्यद्व जैना ७,१०,००० नक होका स्वता इहेबारह । ब्राइटेर्अविक्षिर वबार्थके छात्र कहा स्टेहाटक।

ভারতবর্ণীর রেইনওয়ে কোম্পানি কুজীর (अभित्र मक्डे भूकीरभक्षः कुँएर अतिहासः जूर्य व्यक्तिय मक्डे कतिवात के कर स्वीती है। द्विष्ठिक्तं। अहे नरम् विकीत्र स्थानित्र भंगरहे-র ভাড়া কীছিয়া দেওয়া করিবা। मक्षनाहे हे जन्मात्रक बहनन, नाना त्यांजिः अभाव विनद्वारहम बाहाबा विद्वारहत जान-ন্ধা করিভেছেন তাঁহালিগের শক্ষা অযুলক। তিনি বলিষাছেন " এই স্কল ঘটনার গড়া-বনা হইলে ভামি পূর্বে জানিতে পারিব "। মুনতানের যুখা ও বিছোহের পূর্বে নানা भवर्षाकेरक मर्ड्क क्रिया रिगाहिर्सनः

১৩ই জাগাচ রহক্ষতিবার।

সম্রতি ইংলগু হটডে ১০০০ ব্যক্তি নিউ শবু স্মানরে গুলাত হন। সমাট ভারাদিগকে জিলাও বীপে উপনিবেশ করিগার নিবিত यात्म अफिशमनार्थ अकथानि काक्नीस अधा- (अतिक क्ट्रेसाटक । आत करणक प्रवेश का ষাইবে। উক্ত হীণ দাঁৱ ছাত্ৰ অভালয়া इडेर्ड । टैशनिएम्स र देश्य विसरस 🖔 🔌

L

অভিতীয়। কিন্তু জাকেপের বিষয় এই. তৈশ-निट्यमकाविविद्यात्र जाश्यदन जाविस्रविद्यात्र কঃ আর্ভ হয়, পরিশেষে কোন কোন িশ্বলে ভাহাদিগের সমূলে উন্ধাননত হট্যা वीटक !

कांचीत्र निवांनी आकृत सामक अक वास्ति sৰম রেসম প্রা**ক্ত করিতেত্য**। তাণার ক্ষে-র বিশুর গুটীপোকা ও তুজগাছ আছে। **दागव होन दाजीय दागय जार**शक। <u>उ</u>९इडे । াৰিবিদ্যার উন্নতিকারিণী সভা তাহাকে व्य द्वीरणात्र विकास निवादकन । क्रिक्टी कहि: ল এবেশেও^{ক্ষি}রেশম উত্তন রূপ জ্বিতে ारित, किन्न प्रारंभद्र विवस कहे आमाणिरशद श्मीपादब्रहा त्कवन " कत व नवेबारे वास. विविधात छेत्रि डांशिशिय शक्त "शा. ভাতের কাঠি বহা স্মইয়াছে।

বৌখাই গেজেট ভত্ৰত্য বাণিজ্যের জীৱ-ात दायान चक्राण करियार्डन वनिक्रमिरगत्न त्रित मरथात जानक त्रकि रहेनाटक वर्थ :---

প্ৰবিভন বৰ্তমান मु**नलब देवतु** । ७.... । २१ रिकृत ... 14. ٠٠ " পারসীর২৬.....৬• গলাল দেশীর হিচ্ছরা বোম্বাইরের হিচ্ছ-দ্বৈত অভকরণ না করেন কেন ১

পঞ্চাবের রেইশ্বয়েতে এভাের (সি বের) ভাপ্র ১ল হওয়াতে গ্রথমেন্ট লোটের **এত্যে দি**রাছেন। উক্ত রেইল**ওয়ে** :৮১০ অব্দের অক্টোবর সালের মণ্যে সম্পূর্ণ হটবে। अरम्य कार्ट्यंत करण जानिम माञ शास्त्र। मारे।

ইংলগ্রীয় এক পানি নিবিধার্গ সংগ্রহে জন করিয়াছেন। ইহা জন্মগ্রহ নছে। किथिक इंडेग्नाट्स, शृंदर्भ अरम्भ वात्री निर्माण ्विकादि निविध्यय प्राप्तीतम हिंत। एकः। य মান জ্বম বিভাগ অপে হট্যা আলিয়াতে পাৰ্চ ८म्बर्ग किंग में। ब्रोक मार्गप्रोव, एउपा टल মন্ত্ৰান্ত সকলোর কাজ পূথক পূথক ছিল , ভাসু ভাষার পূর্বভার কাষায়ার অপুনায়ার কবিলে ! ें भारतक विवरतुष्ट्रे किंदकर्व माज पृष्टे ध्रेट्य । ক্টিরপ্রাধীনভাই ক্রমে সকল আন করি-ं बाटका

विष्ठांत्र निष्ठित विष्ठार्थं विष्ठार्थं द्रोश ध्वन महेता खेडिहाटम । हे श्लिमहाटनव धक्यन পद्रश्चित्रक बर्दम्ब, उत्परपुरण धक्ररण त्व प्रचन दिवर्ष जानामक श्रेटकर्ट, वादिहेत ব্যতিরিক্ত মন্য ব্যক্তি ভয়ক্তা কর, উকীল अकृषि इरेटक शांतिरक जा। अवर्धक विष একণ প্রতিজ্ঞাক্ত ধ্রীয়া থাকেন, তাবে কি जना अम्मर्म अक्षे दावन्। दिवानम श्राणिख मा रुत्र ? প্রতিযোগিতা शाकिता এলেশীয়রি-गरक कान विवरम्हे विकित्त बाकित्त इहेर्द

মূলনিন নগর ক্রম্শঃ একটি ব্রহৎ বন্দর হ ইতেছে। রেপুন টাইমস পরে ভবতা বাণি-জ্যের নিম্ন লিখিত হিসাব প্রকাশিত হইবা-**(5:--**

जामहानी५२,७७,००० त्र अमिरे १४.५२ - - -

মোট.... ১ ৬ - . ৪ ৯ . • ০ ৽ ইহার মধ্যে কাষ্ঠ ও শদোর রঞ্জানী অধি. क इटेटजरू ।

ठीकुत्र भिवयका निष्ट किम्रक्तियम शूटर्स छ-যোগ্যার একজন অবৈত্যনিক সহকারী ক্ষিস-নর হইরাছিলেন। সম্প্রতি ভারতবর্বীয় গব-র্ণমেন্ট ভাঁহাকে অত্পযুক্ত বোগ করিয়া পদ চ্যুত করিয়াছেন

ভাক্তের টমগন নারক একঞ্চন ফিরিলি ও সামশ্য নামক একজন ছিন্তু চিক্তিত চিকিংস-কের পদপ্রাশী চইরা মাজে জ চটতে টালে খে গিয়াছিলেন : কিন্তু গ্ৰহ্মিন ট বিপ্রীড **জন্মার আ'জা দেওয়াতে উ:৯,বা ভারত** ধর্মে অভএৰ লে:তের এড়ো বাসহ'র করা মলা হয় । প্রভ্যাগমন করেন। মাঞ্জ জের গবর্ণমেন্ট ্রঃ হাদ্বিতে বিনা পরীক্ষার সব কালিটান সর-

> করাচিয় জেল ছারোগা কিনারলি ৫০٠ টাকা ভছনাপ করাতে ভাঁহার বিচার হইয়া দোৰ সঞ্চাপ হয়। জারিয়া এট বলিয়া ভাষা র প্রতি ক্ষার অনুরোধ করেন ফে তাঁহার প্রণ'নভর কর্মহানীরা প্রায় ছিলাব পরে দুষ্টি কবিতেন না বলিয়া ডিনি শোভ সম্বর্ণ কবি-ে পালেনটে। ভরিষিত্র তাঁহার এক বংসর শ্রিন পরিএম সহ কারালাসের আদেশ ছট-। शाष्ट्रि । उदन ह्याद्रव व निष्ठ भारत जा

माजिएशक स्थित कि ? शृंश्यू कामावशान क्रिम আমরা লোভ সমরণ করিছে পারি। মাই। विष्कृत्र्वान अक्या वनितन श्रीहिक,दीत দল লাকাইরা উঠিতেন।

शासक्रीवादमञ्ज नवादवज्ञ मञ्जी जानाज्ञधन উক্ত নগরের পুলিব, দেওবানী ও কৌজলারী আদালতের সংশোধন করিয়াছেন ৷ ডিমি বিদ্যা শিকার জন্য এক সভা নিযুক্ত, একটি চিত্রশালিকা ও একটি চিকিৎস: বিদ্যালয় স্থা পন করিয়াছেন। সালার্ড্রান্ত দিনকর রাও त्कान हें अरवाशीय बास्ताब मिंड रहेरन हानि वाल ७ भागवहीत्मत महाव विषहां के केटल পাব্লিভেন :

মাতলায় মিউনিনিপাল আইন প্রচলিত इरेग्राट्डा २ 8 श्वनानात् या जिएहे हे निक्तार्ड किमग्रुष, जिलांब ए काम्पारुष। नार्क्रवत्। ও বাবু রুমেগোপাল ঘোষ এক সভা স্বৰূপ निरम्ना खिल कडेबार ५२।

আন্ত্রা ভাবিহাছিলাম, লার্ড কানিঙ গ্রা केमारहरवत् धाम् क्रांकिथाना धामरमव कत त्रश्चार तिस्त्रक ध्योद्वात्वत्र भारेत्रा करेतः ন। সম্প্রতি প্রকাশিত হইয়াছে ভূতগুর্ম নন र्वेद्र (अम्बद्धः अपने अम्बद्धाः विक्रो । व्यवाधाः ভার ৯ এক কৈফিয়াত চাতেন প্রাক্তিসালের ভদ্রুত্র লিপিয়াছেল তিনি ভারত্যনীর গ্র ন্মেটো প্রতি অঞ্জ; প্রকাশ পরিছ: কোন পত্ৰ জিলেন নাই। উদ্দে গাৰ্থমেট তিবি লে যাহ! ধলিয়াছেন তিনি ভাষ্ট বরিধাছেন निष्मिम्छ । ए खटल रिख्य अवर्वस्थालेत् बद्ध इ জ-নকা হটগ'ছে তথায় ডিনি ভারতংশীয় त्तदर्वद्भारतीय काष्ट्राहे माध्यास आहितासन করিয়াছেন। তথানি বঙ্গলেখবাসীরা লাভ कानिहास अव अखनमधी थाउगलि अ इनक দিগের উদার ক বাবে এক চিত্র পট দিবেন ।

कड़ाहेराय बूट्ठेब सन्त निक्री ड रहेगा 🤚 ৫০০০০ টাকা লবা ঘট্যাকে, এক একটি জা-कवदी (बाहद क है।काम विक्री ह हरेग्रार्क्त । পাতিহালার রাজা ও কাদীর এক জন মুদ্দি জাধিকাংশ এব" ক্রন্ত কবিদ্বাহেন। · 1

लिओनके गर्दात्र जाना एक म्पूट्य वास्त्र ^{हा} कविद्याद्वार

बाह्याक है। इरत मण्डाकक दाकत हारत হাব:দের নবাবের বাদীতে প্রতিহাসে ছুট স ছন টাকার বরক ব্যায় হয়। ভবালি নহাবের শরীর শীভল খাকে না কেন।

দ্রেও অব ইতিয় বলেন, অন রতের বাঁনী হওয়া অন্যায় হর নাই। এতকেনীর সংবাদ পত্র সকলো উক্ত ব্যক্তির বিব্রে হারা
নি বিভ হয় ভবিদ্রৈ উক্ত সম্পাদক নিবিবাকেন " তাহারা (এতকেনীর সম্পাদকেরা)
থথার্ব পৌত্তনিকের ন্যায় ক্র্যা কবিরাছেন। হ
এতক্রেনীগদিগকে কথার কথার হত্যা করা
থক্তিরানের ক্রেণ। সেই হত্যাকারীকে রাঁচা
ইবার চেইনেরাও খ্রিরানের ক্রন্দার। খ্রীয় ধর্ণের যদি এই ব্যাখা হন, ভবে পৌত্র

১৪ই আবাদ গুক্রবার।

গ্রথ্যেক উত্তর পশ্চিমাঞ্চল দশ লক্ষ টাকার পঢ়লা প্রেরণ করিয়াচ্ছেন।

আমরা শুনিলাম জুলাই মাসের প্রারত্তে বর্ত্তমানে একটি ওকালতী পরীক্ষা হইবে।

শুনা গেল হারদরাবাদের নবাবকৈ ছুতন

होन দিবার সময়ে তত্রতা রেনিভেন্ট কণেল
ভেবিতসন ও ৪- জন আফিসর জুতা ত্যাগ
করিয়া সভায় বাওয়াতে গবর্ণমেন্ট কর্ণেলকে
ভর্পনা করিয়াছেন। কেন্ড জুতা পারে
দিয়া না গেলে ভেরস্কার খার। জুডা পার
দিয়া গেলে লিই হুইতে কান্তার বা ম ম কাটা
কর। কি পক্ষপাত।

भाक्ताम होहेब्स मननावक क्रांभी छैनि-व्यक्त कृति वहेशा याहेवात भूनकात क्षेष्ठिवात स्विताहरूमः व विषश्चत स्वश्चनक्ष म मा स्य द्यम

কোচিন ক্ৰিয়ায় শত্তে লিখিউ চইয়াচে, ডিস'ক্রের রাজা খীয় রাজাধধ্যে এবর্ণবেওে র মুভন নোট এচলনের আন্তা দিয়াচেন

ই গুরান বিকর্মার ধর্ম ই বলিয়াছেন বি

য়ন বলির ও প্রাথা। নন রেগুলেসন) অভিজ্ঞ

যন। কম্মচারিগণ ভাল হইলে কড়ক সুথ

ইয়, নচেৎ এই প্রাণালী দারা লোকের কেবল

কর। আমরা কয়েক মাস পুর্কে ইহার প্রতি

ব ক্যিয়াছিলাম।

উক্তেপত্রের একজন পর্ত্তেপ্তক চালার বি.

বা বিসাধের উদ্যোগী ও প্রতিজ্ঞাপত্র বা
ফরকাবীদিগের কার্য্য বিবরণ জানিতে ইন্ড্

বইরা জিজাস। করিয়াছেন, ইইারা এও আ-ছবর করিয়া শেনে কি করিলেন? এলেলের লে,কেরা এগকন বিবরে বা করিব। বাকেন! কনার বল্ল হইকার তর বড়।

ac हे आवाह मनिवात ।

• আমর। শুনিয়া অভিশর চু:খিত হইলান
আল্য বেলা দশটার সমর মাওলা রেইলওরের
পিরালির পুলের কিরদংশ ওর হটয়া কতক
গুলিহত ও আহত হইয়াছে। শুনা বাইতেছে
ফতের সংখ্যা রূপ ও আহতের সংখ্যা কুটি।
পিরালির পুল মাওলা রেইলওয়ে ধ্রাম্মানিকে ব্যতিবাস্ত করিয়া তুলিয়াছে।

পাঠকবর্গ ইউরোপীর স্বাচারে দেখিবেন কার্ত্রের যুদ্ধে হস্তার্পণ করা লার্ড পামর্প্তরের অভিপ্রেড নঙ্গে।

বোদাইয়ে অভিশন্ন বড় হইয়াছে :

ফনিলের আলাহাবাদের সংবাদদাতা বলেন তথার করেক ব্যক্তি অলকারের লোভে একটি বালকের প্রাণ বধ করিরাছে। এই অ নিষ্ঠ প্রায়ুই ঘটয়া থাকে, তথাপি এ দেশীয়ে র! সন্তানকে অলকার পরাইতে ছাড়েন না।

উক্ত সংবাদদাতা বলেন তত্রতা গবর্ণ-নেটের ছাপাখানার ব্যর সংক্ষেপ করা ছই-তেছে। নে সকল লিখ প্রাক্তর প্রভৃতিকে গব প্রিন্ট ক্লিকার্ডা বইজে লইয়া যান, ভাঁহাদি-গেব কি উপায় বইবে ২

টাইমস অব ইণ্ডিবার পাত্নিসত্ত সংবাদদাতা বলেন, শিরাত নামক এব জন ইঞ্নিনিসাত্র কেবল জল । বিং রেইলওরে শবট চালাইতে
তেন । করাসীসমাট ইয়া দর্শন করিয়া অভিশর
আক্লাক্লিড হইরাছেন। এফনে সামানা পাল রেইলওরের ন্যায় গাডি চালাইতে পারিলে
দর্শন লাজের সবিশেষ মহিমা প্রকাশ পার।

উক্তপত্রের লশুনশ্বিত সংবাদদাত। বলে
ন ইংলপ্তে কেনে সক্ষপ্ত ১৭০০০ বল্ডির্র দৈনিক বইরাছে। ভারতবর্থের বলকিয়রে
রা কেবল দাধারণ সন্তাগার খন্য করিলেন।

অল্য পূর্ববাদালার রেইলওরেডে পরী

কাধ বাল্টার শকট রাধাঘাট পর্যন্ত বাইবে।
বাল্টার শকট গুইখানি, প্রবন্ধ প্রেলির গাড়িও
এক খানি প্রব্যের গাড়ি গিরাছে। ক্রেক
জন ইকিনিত্র আরোহী ত্র্যা গিরাছেল।

श्रमात श्रद्धारे माधात्वत्व बाहुदक्क मात्रिट्यम ।

নিম নিখিত মূল্যে প্রব্রেটার কাশক বিক্রীত হইতেছে:— ৪টাকার সিহা ৯১ ৫ ৯৯৪০ ৪টাকার কোম্পানির ৯৬৪০।৯৬৪০ ৫টাকার ক ১১২৪১১২৭

প্রকরী পরকা হইতে উদ্ভা

ইনাইটেড এটেই স্ক্রেন্ড স্ব।

দলিব বাংলালি : প্রমেন্ড একটা সভাতে

কোন সমরে এই প্রভাব বইয়া ছিল বেন লাগবিন

গকে উত্তর মধ্যে আহারাদি প্রকাব করিয়া অম্ন

গরিমাণে কর্ম করাইলে অধিক লাভ হব না;

অভায় আভার দিয়া দিয়া রাম খাটাইয়া নাজু

আট বংসরের মধ্যে উহালের আলুমেশক্ষিয়া

দিলে অধিক লাভ হয়। সভ্যা মহাপ্রেরা নাকা

গ্রহার ভর্ম বিতর্ক করিয়া পরিশেষে এই ভির

क्रिलिन (व. (भवक्क्षरे जाराकांकुक शांक्कनक

ন্তরাং ঐ কয়ই পরিগৃথীত ঘইয়াছে।

যে সমস্ত প্রদেশে চিনি ও তুলা করায়, দেশ্ থানদাব লাসেরা প্রায় প্রত্যাহ ২৫। ১৬ প্রতী কর্ম করিয়া থাকে । এবং সমস্ত্রিশেষে আহা-দিগকে সমস্ত দিন ও সমস্ত রাজি কর্ম করিছে হয়। কলতঃ সুসিরানা ভিন্ন জনা কোন প্রচেশের পেট সময়ের নিয়ম নাই। জন্যানা প্রচেশের প্রভুরা ইক্ষা করিলে যজন্য লাস মৃত হইছা ভূমিতে পভিত না হয়, ভক্তক্য পর্বান্ধ কর্ম করাইতে পারেন। সময় সুসিরানার নিয়ম এই বে, দিখা রাজির সংখ্যা লাসকে ২০০ মতী। বিশ্রাম করিতে দিতে হইবে।

বলি দালের কোন প্রকার ক্রটি হইল তবে তাহাকে ভয়ানক হও ভোগ করিতে হয়। কথন বা হলে রজ্পু বাজিয়া ঝুনাইয়া রাখা হয়; ক-খন বা লগ্ধ করিয়া কশাখাত করা বর্মা, কথন বা উপুড় করিয়া কেলিয়া হস্ত পান গোঁলে বাজিয়া দোঘী ব্যক্তির পুত্র কি জাভা কর্ডুক জাহত করা-ম সম ; কথম বা ছুরিকা খারা জল চিরিয়া দে-ওয়া, কথম বা পিরুল খারা গলি মারা কখন বা জোখাহিত বিভাল খারা গাত্রে খাল কেও হা, কথম উভগ্র লোহ খারা গাত্রে খাল কেও হা, ইভালি জভাবনীর ভয়ানক শাভি দানদিগ-কে ভোগ করিতে হয়। আল প্রভাল জন্ম, নত্র উৎ পাটিত, কর্প ভিন, ইভালি ব্যাণার ত সর্কারী पारता भारत । शब बढा खारनारमप्रक बहुन माजि ছইতে তাণ পাইবার বিষয় নাই। ছঞ্জা সংবাদ शरक मर्था मर्था राज्ञभ विकाशमा अवानिक হইয়া থাতে, ভাহার ছুই একটা উদ্বুত কৰা বা-ইতেছে। পাঠকবর্গ জন্মারা কানলিবের ছুরবস্থা-त्र विवयं महरकहे जवशंक शहरक शांत्रियन।

" जानांत्र नानी नान--शनांत्रन कविद्यादह । ष्ठेशंत्र क्टर्न **अ अमरह**त्म क्लांचारखत्न, विलक्षन विक मारह। "

" चानात्र किंव क्षत्र भाग श्रुलायन कतियां एक्, धर बदबद्र श्केदहरण क्यांचारखद्र विकल्प हिरू আহে, ৩৪ ও চিবুক বিলক্ষণ কত। "

" আধার বিভূজন দান পলায়ন করিয়াছে। अक करमद्र कर्न नाहे, अक करनद्र अक्षी हकू नारे ७ वर घटनत्र रख अर्थ। "

केखन्न कारतालिनान अक्की निग्नम अदे रा, দাসকে লেখা পড়া বিধাইলে কি কোন প্তৰু পৰিতে বিলে ওজ ব্যক্তিব সুই শত ভালর অ-রিমানা ও কাল্রির কারাবাস হইয়া থাকে।

🔑 কাদদিবের অবস্থার বিষয় টুআর অধিক লি-বিশার স্থান নাই; অভএব এখনে একটা অভার শোচনীর বিবয়ের বর্ণনা করিয়া কান্ত হই।

-- बक गाँक मूर्गिन्नामा श्राप्तरण गिन्ना मही-बांग्य त्नांदक रवक्रण क्षिया थारक, कारमक वन कतियां ठांन कर्त्व श्राह्म बहेलान, वरनत्र ए রূপ উপার্জন হইড, ডবছুরূপ উত্তন-ব্রের দেয় পরিশোধ করিভেন। চিনি ভত্রভা জার একটা সাধারণ প্রথা অবসরন করিলেন-একটা কান্ডি वश्रामास्य क्षीरमास्य महित श्रवत स्वित्मन । বেশীর নিরমান্ত্রারে শুর কার বাজির সহিত কাব্ৰিংশ জাভ বনাৰ বিগাহ ছইতে পাৱে লা, ! 'चुरुक्षार चाहिन चग्नगारव त्महे कामिनी छाँहात. विवादिक भन्नी ऋत्रभ ग्रहेश ना . विद्या नाम्य क **যুক্তি লাগ সুনারে ভি**ী ভারে সহধর্মিনী ছি-स्तत । वे खीरनांकी द्विगठी, अस्ती, खात जन्मा ७ शार्षिक दिल्लन । डी शर हरे करन প্ৰসন্ধাৰ বিংশতি বংসদ কাল তভিয়াইভ **ক্ষরিলেন। ঐ জ্রীলোক**টীত বর্ণে কুফাব্রের লেশ ৰাত্ৰ ছিল কি মা, সংলহ , কিছ ভাহ,ন কাঞ্ **মঙ্গ হইতে উদ্ভাগ, স্থাভরাং** ভাঁহার সন্তান সন্ত खिता मानव-मृत्यम रहे. ७ मुक्ति भारे: ७ भारत ना, बारे गढ़। करिया जीरमांकी चापीनठा था। श्चित्र क्या कामीरक मर्साक्ष क्यादांच कविएउन । আবী আজি কাবি করিয়া ঔদাস, করিতেন। अवदानाय फिन्छी कना। ताबिका ह्रवे अदनवह

मन । मृज वास्तित बाडा डेबाटमत्र टेनड्क विव-রের বন্দোবন্ত করিতে আইসেন। তিনি জাড়-क्रमारम्य विमा कृषि स्थितं क्राठाख गर्वे ভই:লন এবং অচির ভাল 'মধে^{নী'} ভাহাদিগকে यत्थालयुक्त मञारक जरेशा यहित्यम, असम कामा। ३.७१६ इस्मारः ३२.०७२,७२५ू,। जेखन वृद्धन विकात। मृख वाक्तित पाढाझ थन हिल । खेरमा । अहिमानकल ७১२.८৯९ वर्श माहेल पार्वार है: ल-हिर्मात निक्छे युक अध्यार्गत गांवलीय विवरत्त कर्क विश्वत हीडि दिन ; प्रजन्नार जिनि जारोरे क्रिलिन। क्लान , उन्न जानिया करिए (१) ভিনে সমুদায় বিষয়ের উল্লেখ করেন নাট---ভি नि वारम्ब शक्ष प्रश्वा श्रामन करवन मारे, ভাষার জাতুক্ষনাদের বাদ দিয়াছেন। এই কথা শুনিয়া ভিনি ৰক্লাছতেৰ নাায় তক্ক ছইয়া বৃতি-(लन। **अनस्त**र जिनि अधूक्षांत्र ठेस्टर्गत चार्टर গিয়া বিনীত ভাবে কলণা উত্তেক করিবার চেটা । এরপ দাসবাবসাংগ্র অন্তবক্ত যে ঐ এখার বিশ-ক্রিতে লাগিলেন , কিন্তু সেই পারাণ হ্লয় ব্য क्तित्र किल " व्यायता धमन यह भूमा अया ছাজিয়া দিতে পারি না। " তথন ডিনি জ'ডু-क्षमा। श्रामित शक्ति राज जीवाद निरक्षय नमूनाम সম্পত্তি দিজে চাহিলেন এবং বলিলেন ** হা-मिश्र क मानी कवियाय कवा ल्यां एक युक्ता निष्ठ চাহিৰে, আমি ভদগেকা অধিক দিছে-ছি অপিনার। ঐ গুলিকে পরিভাগে করুব । " ভাষার। উত্তর কবিল, " উহারা দানাইভি তিন অন্য কর্ম বিশেবের উপযুক্ত, ভাহাতে নিয়ো-জিত করিলে বছতব লাভ হইবে। " তথন जिति क्लान क्रेश मध्य मध्य विद्वरूप कति-লেন যে ভাদৃশ অবস্থায়িত করা অপেকা উহা-विश्राक विवास कहा है खान। धरामध्य अ!पूक-লাদের অভ্টেকি আছে তাবা তিনি ছঠাৎ ভাষাদের সমক্ষে ব্যক্ত কবিজেন। তনিবংমার डोशस्त्रक त्य कि व्हेन छारा आंग कि पनित। जिनि रनिशास्त्र ए काशंक लांक रख, का-ছাকে আৰ্দ্ৰনাদ ৰলে ইডি পুৰ্বে তিনি তাহ। অবগতই ছিলেন না। ভাগারা দেই অবধি আ-হার নিজা পরিভাগে ক্রিল এবং বিক্রয়ের ल श्हेल मा। कारामारच मिछे जात् लिएका (४०)-विट**छ छादात्र। अञ्चाक मुस्ता अवक**रा **छ**स्मणा गाथमार्थं कोंड व्हेब्राह्ड, अर्थन छोवांद्री की-राप्र त्यरहे कारन मा, किंद्र अम मिन व्यवनाह ভালারা প্রস্নেধ্র সমীপে উপস্থিত ঘট্যা এই नबुक्। व नगुनादन का का कि दिव । ११

বে বে প্রন্তেশে দাসব্যবসায় প্রচলিত हुकू इदेल । क्या जिनमें गहन चूनती हिन ; , आहर उ त त शहरून शहनि छ नांदे छोटा हिन । क्यन त अर शहरूत वह क्यन वा क्यून

একটার বয়ন ১৫, একটার ১৭ ও একটার ১৮ বং- পুর্বেই উক্ত ছ ইরাংছ। এক্সবে সংক্ষেপে এই वना वाहरडाइ रव छेल्द्र थए। म'नरावनात्र छ-लिए बाहे ; मिक्क बार बाहा । याथीन आम-(न (डेंडब बंदब) दम के थाए ५३ ०३७५१७, मान श्राप्रामद वनडि चाधीन ৮.०७२ ४१०, मानजन्त्र ও ও ক্রান্স একতিত ছইলে বত দর ভাগার বি-छत। এই क.न १६ प्रहे थ्छ भूषक बहेग्रा गत्राचार যুদ্ধ কৰিভেছে, উত্তর খণ্ডের প্রেসিডে ট লিন্ক-लन, प्रक्रिन चटश्चर व्यक्तिएक है एवं किन । यूएक्र কাৰণ নিম্নে প্ৰদৰ্শিত ছইতেছে।

া যদি এক দেশর মধ্যে পরস্পর ভিন্ন সভাবলস্থা ছুই সম্প্রদায় থাকে ভাষা ঘইকে, সে রাজো क्थनहे सुमृत्र्यतः वाटक नः। भक्तिन झाटनत लाक রীত কথা ও নৰামাত অন্ন ধৃত্পহত চইয়া छटरे । यहि अहे अञ्चानि हे वाकी छ वन्त्र लिच-उ रहे छ छार ध भ घष्टेन कित्य श्रेष्ठां वटनथक স্ক্রিন থতে উপস্থিত হ্ইতেন ডবে ভাইবি খান मश्चार इहेड माम्स व । है। साम वावमारमव वि-ক্লাছ এক খানি এছ প্ৰকাশ কৰাতে কেলুবেৰ যে তুৰ্গতি ছ ব্যাছিল এম্বলে কাৰ্চা স্মৰণ কৰা कर्त्या। (इश्वर अवस्था मा किनाचा रल'व , हिन्दि श्रासक विद्वहमा कवियः छिव कवियः छटलम् ८१ দাসবাবসায় এচলিত থাকাতে দক্ষিণ খণ্ডের চমশঃ অবনতি চইতেছে। চিনি উত্তযক্ষপে গ্র-बान मुन्बिय। क्रिनित ८ अथरम मन्तिन थ छ म প্ৰক্ষা কুত্ৰ উন্নত অবস্থায় **অবস্থিত**ি হৈল**,** শিস্ক **হালসংখ্যারে উত্তর অত্তেব আছিছি চট্**য়াছে আৰু দাস বাৰসায় এচ্লিড পাকাতে দক্ষিণখণ্ড क्रमणः 📾 मचे बहैटक हूं। मान वावभागात विकृष গ্রন্থ প্রচার করাতে দক্ষিণ খণ্ডের লোকের। ছে- ' व्रत्राक वर्गमकाव महश्राहे प्रार्थमा क नेत्रो ह-लाम । यसि संबंध भागरपुर विक्रास रकाम कथे। कः হে ভবে ভাছাকে এই বদা ২৪ জুমি একৰ ব मांकरन भवन कतिरम क्यांत वाया व कि हैता मिं नमत्र भवास अक. हरू ईं अपराज्यत हरू व खडता- । विष्या आजिएक भावित्य मा। अवित्य हेसर अपराज्य র লোকদিকীর দাসবাংশায়ের প্রতি জাধার , इसमि विदय्य । यथम अञ्ची मूजन अदम्य संस्था हुक वय छथन मिने नवष्ट्रक शामला मानवा हुक् । अहलि इ वहरत कि मा देश करेश विवत हैं औ নবোর উপন্তিত ছইরা উঠে। মিস্করি ৮ सुक कृतिकाद नमन विवासिक क्यानाक महारूप নেই অৰ্থি ছাই পক্ষে ছোৱতার বিস্থাদ হুইডে-

भटका सम् सर्थाय क्यंस मांत्रस्थ नाय क्यंस वा मांत्रस्थ विभिन्न विभिन्न विभिन्न क्यंस विभिन्न क्यंस क्रिय क्यंस क्

দাসভ্গতি তি প্রদেশ নাতেই যে দক্ষিণ খত্রেক সংগ্রুত থোগ বিষ্কাছে এমত নছে। প্রেকিন
কো কিছলন আ মধাবর্তী সালেশগুলিকে
হ স্থাত ক্রিক,র যে উপার উদ্ধানন করিয়াছেন
তাচা অতি প্রশংসনীয়া তিনি কাল্যার করিয়াল
থ্য যে ঐ নমন্ত প্রদেশের দাসগুলিকে অন্য
করিয়া সপ্তয়া হউক, তাহা হইকো উচার। আব নিমান থপ্রের সহিত খোগ দিবে না, শক্রুপক্ষ
চামহীন হুইয়া হয় ক্ষান্ত নয় শবাক্ষিত চুইবে।
টি ব্যয়সাধাকার্যা কিছু উহাতে সভাগতির সুদ্ধিন
মন্ত্রাই ক্রানিয়া প্রশ্লেশের দাসদিগকে মুক্তি অন্ধান্ত ক্রিকারিয়া প্রশ্লেশের দাসদিগকে মুক্তি অন্ধানের অন্তর্গতিশিক্ষ প্রকাশিত হুইয়াছে।

পূর্বে দ্বিং বিরাজিলন কিন্তু একণে উত্তর্গওকর সালে করিয়াজিলন কিন্তু একণে উত্তর্গওকরিবিই কর সালে করিছে ছেন । অভংগর এ

যা-কর সংবাদ পাওয়া কঠিন ছইবে। উত্তর খণ্ডে
একণ বাক্ষ আক্ষা ছইরাছে যে লোকে যেন অভংগ্র পার মুদ্ধের সংবাদ না পায়। টাইম্ম্ পত্রিকার সালাদশক্তা বলেল নালেবকে যুদ্ধ স্থানে রাইতে নিবেগ করিয়াছেন, ইছার তাৎপর্যা কি ভাল র্থা যায় না।

গাছ। ছাউক আছেকুল মধ্যে সমর্থিকা হও শীপ্র নিকাপিত হয় ওড়েই আক্রাদ। শীপ্ত সঞ্জি ইউক, শীপ্র স্থাসন্ধ উঠিছা বাউক এই আমাদেব কোন্ত বাসন।।

দ কণ খণ্ডে তুলা ও চিনি প্রচুবরূপে জারিয়া
বাকে: ঐ ডালা চইডেই পৃথিবীক অধিকাংশ।
কোনের বস্ত্র প্রস্তুত্ত বর। কিন্তু সম্প্রতি কালা
থণালীরা কুল্লে মস্ত চইগা তুলা প্রভৃতি কালা
থনা ভালাভবে নীত হইজে দিতেছেন না । এ
থন ইংলও ও জান্দের ভোব বিপাল। আমেবিকাব তুলাতে এই ছুই স্থানের আনক লোকেব।
নীবিদা নির্কাশ ছব্যা বাকে। ক্তরাং সম্প্রতি।
নীবিদা লোকের জীবিকাশ বিষম ব্যাখাত জপ্রিয়া উন্নিয়াছে ক: ইংলেওল প্রায় ৫০,০০০

শ এই বিশন উপৰিক ক্টবার আল্ডাফ্রনে এই দেশে পুলা ডান ক্রিবার ডেকা ক্টবেছে। নীল বারা; বেরুণ দেশের কীর্তি ক্টয়াছে বোন্চারি কুলাতেও। শেই[রূপ হইবেক।

लाल्कत कव व्हेटलाई महा समा वाहेटलाई त हैश्मल क कृष्ण वहे गुल्क वस्ता कतित्वत । वसन कि वह तम किम निकाल मा वस कार करें। वसन कि वह तम किम निकाल मा क्स कार करें। वहिटल महा कर्म कर्म कार किम दे हैं क्स मामस्थित के किस कार कर्मा २००००००० विम कार्कि किस कार कर्म कार कर्मा क्षेत्र हैश्मल के गर्की केर्लि स्वात क्ष्मला क्ष्मला क्ष्मल के गर्की केर्लि स्वात क्ष्मल क्ष्मल क्ष्मल भावका कार्यन हैश कि विभागतीय हैश्चि भारत क्षमहिम। क्षमहिम।

ওরা জুব পর্যান্তের ইউরোপীয় সমতের ব

সেনাপতি মানিলন বিচমধ্যে কয়েক কোশ মূরে আছেন। বিজ্ঞানীর। উক্ত নগথের সন্মৃথে শিবির স্থাপিত কবিয়াছে। এরপ অবজ্ঞাতি
ভাষ্টা দিগের সমতিব্যাগারে অধিক সংখ সৈন্য
আছে।

বিজোগীর। চির্মধ্যের সাজে তিন জোপ দুরে ক্ষেম নদীতে গ্রণফেটের ফ্রিটর ও জ-ন্যান্য লোগায়ত স্বাহালকে প্রাভূত ক্রি-য়াছে।

করি ছব নিকটে অবগণিও কোন যুদ্ধ ছয় টে সকলে অনুধান করিতেছেন, মেনিকিল নগবের সমিচিত ছাইট মুর্গের নিকটে প্রব্যন-কৌর কামানের জাহাজের সংহত বিজোহীদি-গের কামানের জাহাজের যুদ্ধ দুইবার সম্ভাবন।
আহে

গ্ৰণ্যেকের একজন সেনাপতি এক বোষণা। পত্ৰ ছারা জ্বার্ক্তিয়া দক্ষিণ কারোলিনা ও ক্লো-রিভাব ফ্রান্ত দাসনিক্ষক স্বাধীনত। প্রদান কবি-বার জাজা দেন। সত,পতি লিখলন-বালয়াছেন বা বোষণা ভাষাব অসমাতিতে ছইয়াছে।

নিউ জলিয়কোৰ লোকেব। প্ৰশ্যেকের ক্ষতার স্থিত্য অভিনন্ধতা করিতে ছ।

বোষনগৰ্বিত ক্রামী সেন। কংট্র। জ-। ক্রেক করা ক্টলাকে। কাউনি ম্নিবেলে। তত্ততা সেনাপতি অইফাছেন। মজুর কাণালেট রোমে প্রত্যাগ্রন ক্রিয়াছেন।

का जिम क्षा कमरण हुई मरण (क्षेत्र ७ की-ति) माधारण नाम कार्यमा ध्वायकत विश्वास क्रि-द्वाम ग्रीम म किल्ल मार्ट्स क्षेत्रीय क्रियम क्ष्रि-राम मश्यकण क्ष्रा पांदेरज भारत । माक मामन केम क्षेत्र श्रीकार मश्यक्ष क्षिर्यम ।

গতিস অব অন্তেল এই প্রস্তাব অইরাছিল। সৈনারতের আবিসরের পর কার স্থারিয়ার এবা আছে, ভাষা রহিত করিবার গুলাস্থসারে সম ত্র-

ছিব নিয়ণ কর। কর্ত্ততা। **এপ্রভাবন্দান্তাহা ছই**ন ভাছে।

হিরাটের সভিত আকুণালিয়াকের বে যুঁও বইতেছে, হাউস অব কমতোঁ ভবিষয়ক কর্ত বি-ভর্ক হহরাতিল। সার্ত পাসর্কান বলেন অসুক্রে ইংসভের ভতার্পন করিবার আবন্যকভানাত্রিশ

ভুরক দেনারা স্থিতিবিশ্রের লোক্তিবিকে কল্লেক যুক্তে গুরুত্বরূপে পরাজিত করিয়াছে।

गवर्धः के विद्धालन !

वाक्रांकाः इस्मीय दमक्षेत्रके शवर्दस्य

आह्मभाष्ट्रगादी निरद्राम।

১৯ এ মে—বাবু রাওডারক রায় রক্ষান্তরর প্রতিনিধি সময়ত ৪ ১ইংবন⊥

বারু সদস্পোপাল সোমারীজ্বার প্রতিনি-ধি সহর আধীন ও সম্বর সুরবেক মইবেন।

२१६ सून--शत् अस्यामक शासानी क्यांश हित नाशात्र विमानिक क्यांग्रेड क्यिक अक स्रम मस्त्र विमानिक क्यांग्रेड

১৮ট জুন---জে, সি, গেডিস সাহের পাবনা-র সাধারণ বিহ্যাশিক্ষাকার্যের ক্রিটির এক বং-র সভ্য ও সেয়েটারি ছাইবেল।

১৯এ জুন—তে, এক, কে, হিউছিল বাহেব সাহাবালের অভিনিধি কাইট মাজিট্টে ও ভেপুট কালেটার চইবেম।

ভবলিউ, এল, চিলি নাছেব নদীয়ার প্রক্রি নিধি ভাইন্ট নাজিট্রেট ও ডেপ্টে কালেট্র ডটবেন।

্০ই ভুন--- দাঁওতাল পরণদার জন্তঃপাঁড়ি সুমকার সমকারী কবিনদার কে, জুট সায়ের দাজিটেট্র সম্পূর্ণ ক্ষমতা প্রাপ্ত হুইবেদ।

শীওতাল পরগনার **অভ্যেপতি প্রালমহংশন্ত** গ্রণ্গেনির একজন সেনাপতি এক ঘোষণা । সহকারী ক্ষিত্রত এ, ভ**্যালিট, ভ্রাট সাচ্ছের** ভারা ভিন্নার্ক্তিনা দক্ষিণ ক্রোলিন। ও ক্লোম্প্রাক্তির সন্ধূর্ণ ক্ষম্ভণ নাংগ্রাছরণ।

गाँउ छान गर्भनास आवश्यानि यसास मर्-कारी क्रिन्त्र कि, ति, अभ विश्व मारस्य ती-कारि कर्षेट्र अभ धार्मक्रारस स्मिन्द्रस्य स स्थिमरकार्ष्ट समर्थन क्रियाह स्थिक्तामात अथम विवास क्रिएड शाहिरसम् । अपन स्थितिक मक्त क्रिया गाँडरस्य ।

२७व जूम--- निज्ञिनिष्ठ क्यारमार्ड्या स्व-कात माध्या क्रिकिश्मामस्य माध्यक्रिक्षीहरू मधात मधा स्टेर्या। स्वामान्द्रीसम् मार्ट्या। याज्ञा सीवांमास

भीन ।

এন, সচ সাহেব প্রেনিডেন্সি কানেকের ইজিবান ও বার্ডা লাক্সের নহভারী অধ্যান্ত্র হুইবেন; কিন্তু বড়ানিন অন্যকোন লাজ্যা না হং উক্ত কালেকের প্রজিনিধি ইভিহান ও বার্ড শাল্পের অধ্যাপক বা ক্ষেত্র।

বারু প্যারীচন্দ, সরকার আেদিছে জি কা-কেলের- ইডিমান ও বার্ডা নাল্লের প্রতিনিধি সহসারী অধ্যাশক হউবেন।

कामिकश्रुदक्षत्र यून्टम्क वासू (भागीनाथ देग्द ८,५८३ अद्भुत ३० अद्दिनत्र ३६० धातास्याः कविष शूर्व ८७१वि काटमहेरवृत क्षत्रका अधि-

२ ७६ जून---- (अ. करिनेडे मुक्त महरूर वा-लिमात्रत सेनान बाकालेत खर्किमिन सक्षाती म्हेरबन्।

ভবলিউ কেছল নাহেৰ ২৪ পরগণার মাজে-्रचेट्र गडकारी रहेश क्लिकारित आहेरनत ২২ গাবারুদারে ভিতীয় জেশির সহকারী নাজি-**्ट** छित कम्जा भारेदन ।

निम निविक कहरनारकरा ३৮-३३ करमर > वाहेन ७ १४०० जारमत २२ चाहेन, वाना ১৮৩৫ जरकत के कारितन र धातास्मादन र अन्त धनार निषक छोकित खगतिर केरछर केर विछा-दत्रव क्रमणा श्रीवेदवन ।

उत्तरिक माजिए हैं। स्मानिक आवहन जिल्ह नियानम्द्रके द्योननी अग्राव्किन निर्वा

मानि बोनरी चानि मध्याः।

পণ্ডিত মধুস্থান বাচস্পতি প্রদেশীর পণ্ডিত। २३ व जून--- छश्म शूर्वित माजित्वे हे ए का-**रमकेत नि** विकितान माह्य श्रम (स्वित मा-बिखे है थे बालके बहर्तन।

भाष्ट्रमात्र शांजितिथ गांजित्यु है । कांत्महेव बाह, खर्गाणि, आदिमक काश्च व जेन्द्र स्कार मात्र गणिक विकारक, बहेमकल दिवा अधः विजीव ध्येनित मालिएके छ कारनहेन इक्टरम।

है क्षि नारहर मानम् एवत् मानिरक्रि 3 का-লেক্টর বইবেন, কিন্তু বড়দিন জন। কোন আজ। ना एक नमीवांत माखिएके छ कारलहार थाकि-**C**有用 ;

नि वि शांदवंडे मादव शांहेनांव याहिनी मा-বিক্টেট ও ভেপ্টকোলেটৰ ছইবেন। কিছু যত দিন খনা কোন আজা নাচয় ছগলিব প্ৰতিনি-नि मानिक्षेष्ठे ଓ कारणजेत था किरवन ।

उनिष्ठे धाल, इति माइस विष्टीय अधित कारे के बाकित्यों है अ एक शृष्टि कारकहेर इस्टेर । वाडे जिल्हान छ। न छेडे शांक मा इंट्रवंड निवास महेश, लहै 'अर्ध पहितात श्रा का विश स्हेरत।

প্রেরিড।

निवित्र निर्वत्न भग्नायः कृतः श्रकांण भू-**र्ज्य महीत क**िश्य श्राहि काटमाध्य कविया दनांव श्रकारण काकाण क वृद्द्रवा।

আমি পুর্বে এভূকেশন ভিল্টেখনেটর বিষয় निश्वित्रोहि, धक्रांव स्थाबन वी जान नाउँ व वि-रत्र शिविद्धान्यहरू वर्षः दृष्ट् । क्यु वक्रात शु-शित्मक्ष आदिम शदिवर्ज बहेबारह क्र १४११ शहा-**खन श्रीनम व्यविदा आजि** व्यवकत निन्त्र किन क्षित्रादिनांग, ७ श्रांतिथा प्रथः। यः १६३०. ' অবংসলের ভেপুটা বাজিপ্ট্রিদিগের কারা পরী-া ক্ষাৰ্থ এক জন লোক নিযুক্তা ছণ্ডদ। উচিত, স वना छेगविक विहासगढिन। अछ हः वदमध्यत मध्या हुवे यांव स्थानित। श्राम्यत्व श्राम्यां क्रियात् मिक्के घरेटछ देशक्रिका छ० द्यारवर्त्र विका खूनम करत्रन, छाए। घटेरम छाम एव । छानि वर्षे इंत चारम व्यविद्यादि या चरनक एउन्ही बोद्दां जानस्थ कर्ड्डा करत्रम मा, अश्र हेर्नाम-বের অন্তব্যক্ত ভাল নহে। কেঃ খেহ অভিদর ্মর্ড, কেবল কৌশল করিয়া আপনার উন্নতি

कत्रिया सन, श्राटन प्रश्चित शक्ति मृथि। १०१ विकि नाराश्च मिनवागी किएक नाद् दानकृषात कटब्रम म'। किए क्षत्र आई उँवात, जार्गिन कि करांकेम मन, क्ष्र क्ष्य अव्यक्ति विश्व अञ्च অভান্ত লোক পীড়ন করেন, কেচ কেচ রখাছি মানী আপন্য প্ৰের পৌর্টে অনেক্রচেন त्री वास्तित्वल (क्रम (क्रम)

एतरडेक काब एक पंडी बाबू मिरश्रह खनकी है न करियः (मधनी प्रविष्ठ कतिवाद धार्यमानका -है। अकृत्य भू लि.सत्र का त अकृति (तत्र लिथि. इ करेरन। मकखाल मिलाहो रिम्टनार अस्ति। (मिदांशा करत, श्रीकृष खु'ता कामक्राश माणिक क्ष ता, व्याद्यान अधिनद्यात अवदे प्रशास ছাত্ররা উচিত আমি অচাক নেখিয়াছি বীবজুন क्यांव चहुःशांति विल्यांका चार्क्तांवर **फरिक त्मांक ओल्राता डेडिश विद्यारहः होत्र:** उ'र्घाषात्रत्र छा गुरुमकल प्रिचिश्व क्रमग्र विमीर्ग करेम, गाव, द्यान क्यान शृक्त अटक বাবেই ভূমিশাঘী হট্যাছে, কে'ল গুড়ের ভিত্তি कार्तिको करे हार्ट्य अन्तर्भा क्रिया कारलाक उनकी यांडेटडर्ड, क्लानग्रंडन खेलर्ड खुनमान्छ नाहे. क्लिन कान श्रहत अम्रान क्लिन कश्च गुरश्_{ठि} क्तर प्राप शक्ति हिंदेल, किन्द्र कि कवि त्याम ক্ষমভাট নাই, পরিশেষে এই ভাবিতে লাগিলা- । সলত নগলের শক্ষা, বিষয়ে উদাসীন চইয়া এই ম ভাষাভূতে অপতাপাৎ কোন স্থাত। ভবিষাভি , । একারে মনস্তাগ ভোগ ক্লিম্ পুশক্ষ মেট জগরু। বাতীত রাকল্পটোর দে^নবারা ছইতে আমালিগকে কে বক্ষাকরিব।

জমণ কারিণ

শ্রীযুক্ত সোমপ্রকাশসম্পাদক

मर्क, जरश्य।

ब्लिंग की पूक्त को इंड को इंड विकास कारहर कि वुक्रप्रंदे विविभेष्ट्य आश्रमन कविवाहित्यम । তিনি এখানে পদার্পণ করিবার অন্তিবিসাধেই পীড। পিশাচী কর্ত্তক আক্রান্ত হইয়া কর্ত্তর কণ্ড প্রায় একবিমণ্ড অফ্রান্ড সংস্কৃতি সামুদ্ হন্নাই এক মাস অভীত নঃ হইতে ইটতে বুলন্ত काल डीडारक करिने कतिया चीत्र कठरकाल . निहरू क्षित्राहरू । मुख्यांक देखिन्नान विक्याद्वय কোন প্রত্যেরক জনতা স্থর্থসিদ্ধ অ,নিষ্টাঞ্চ भक्कन क्रीयुक्त वि क्लिशन माह्यन प्रद्राष्ट्रपट्ट বু চিকিৎসার ববিন্সন্ অকাঞ্চে মানা দীল। मध्यम कवियात्क्य रिलय। अकवानि प्रशिष्ठ शह शकाम कराइ श्रीपुक्त खाक्तत्र मारहर ७ श्रीपु क উटेलियम টেবি ফোখাছ इंदेश शक्काश्रम चकुमकारम शहस वदेशांदहन । जीवांतिरक्षर म क्षिक क्ष्म देशांक्रश्रावाञ्च कुष्ठविषा नाकः लिशानत्र माद्र माद्रिये अमन कविट्डाइः। गर्थ। मर्था विश्वति अधिक द्वर्यक किन गा-८६१ मट्डामरसङ्घ बाउस्मिनज्ञान भेनक विश्वास क्षिण नम्हिट्डिक अलागड म्बेल्डाम् । ভনিতে পাই বিষয়সৰ সম্পাদক বহালয়কে পত্ৰ লেখ। হটহাছে। ল প্ৰভাৱৰ পা**ইলেট একটি দি**-बालिनादम्य स्मानमम् उपानिक हरेरकः। 🕖

महाशाह बामक अन्य भनाष्ठा वाक्तिय अकृति अकृत कृते कतिएंड शहरन ना, शहरूर कार्या नकम कार्या । h-'न्यींब महान की लाझनिन नि कंडिशह मीड ক, তীর চৰার। কর্মুক নিভ চু দ বছাতে আহত। ८ १ में क्षेत्र के बिन के कि के कि के कि कि कि कि कि कि कि राक्षणित विकास कार्याकाति e वाल्किन cut: ; मधामान व्हेन्नः प्रयोक्तानित्यव यात्रक्कीरन ची-शहर काश्वास सार्वस करेव विवादक क া ক্ষান পি তাই শক্তির অকালীে নাল-अध्य पर्विष्ठ ६३वाद भूगीकृष्ठ स्थान । तान-कृतांत तांद्र अग्न मान्य मुक्त हो स्वतीयत वहेगा अ र्ग । वेश वर श्वामिकाद श्रांत विकास भरतास्त भ न। कतिशा जावनत अरख किइ টাকা দেওখাতে বালকটা শুদেৰ লোভে ঐ ছুৱ:-भाभित्रक त्रिम कविशक्ति। से नासक शक দিবস ৷ত্যুক্তুক আছেত ভইয়া পিড়াব জালাক मारिय क्रमावालि शत केश्रत छन कानित्रीत গ্রাবার প্রায় ক রব। ভাষ্ট্রিকের ন্তিত ব_{্র} क्लड कराइड डाक्स्य ३ डेक्टराका श्रात्म करहे । ভাষা দিখের দে^{ছি}র।রারস্ভাস্ত ক্ষমদের কর্মে (१९१५ र विचे हिन्दू) के बाद, धरालक कुकै क क थमन बेरल जारांबा दे 'ठ रहेत, के श्रामकी दक ত জাবিষ্যা অানে বিগতে মিধাপন জ্ঞান করে। व्यक्तिमार भनेका वह न्धारा खात्र खाला मान्या

> 228 Bu : F. F.5 1 (म^रनन्दे ३द्र ।

> > थार 🗗 क्रमा ।

गमाथां थि।

১ । এখানকার জুতপুর্ব্ধ কালেনৈ ও বাজি- । গোতা জিয়ার কল বলালয়ের ছাত্রগণ পাবন। ১२ क्रि देह (के खावधि वर्क नेवम् व शर्वाष्ट्र कार उर भागेक वाद संबन्धन प्राप्त शरण इब

>२ ४क देवनाचे ज्यविद कार्यिन शर्वास त्कार ए क्ष्मावनाथ एगा त्यमिनो शेव

२२ ५ के देखा के कार्याच कार्यिक कार्याख दकान क ए तहर मृत्योग (भाग क निक'छ।

১२७৯ देश्म थ खद्धि शास्त्रिम भगास (क.१ त ररनदब्ध के इन मार्ट्स्ट कलिकाका

১२७३ रेकाके **ख**र्रात कार्जिक भर्गानु (का० ७ রাগন্বায়ণ দাস কলিকাত,

১२७৯ क्रिके खर्मि काहिक अशिष्ठ (के॰ ८ ধনপতি সিংহ বাঃ দুব মুবশিদ।বাদ

ऽ२७**৯** देकाके व्यवस्थि प०टेवम|च श्रमाख ८कः ः ः मिनिया यहाराभांत्र वराषः

১২৬৯ জৈঠ জবধি কার্ত্তিক পর্যান্ত কোং ৫

देवनागहस मन् वि श्रे ১२७৯ रेरमाथ व्यवधि व्यामिन भ्यास एकार ह

কৰ্ণেল জেনিংটন সাৱেৰ লগুন ১২৬৯ জৈতি অৰ্থি ৭০টবলাল প্ৰয়ন্ত কোণ্ ১৯

এই পত্ৰ ক্ষিত্ৰভাৱ স্বক্ষিণ পূৰ্বে হা ১ বিশ্বেষ্ট্ৰাই त्माबाग्रह क्षिमत्मह क्षित्र डा॰ किन्द्राकृत है कि वांत्रक नाथ निवा क्रमरम् वार्रिक स्थानिक रमाववाई २ ! धरे क्रिमांव कास्तुश्रीकि थाना (क्रम्भूव म- । कारक क्रमांगिक वस्तु । 🔒 🕵 👯 📈

" प्रवर्णनी प्रकृतिविनाव पार्थियः सरस्रती सुतिमवती न कांचना ।

সন ১২৬२। २৪ छाषा । ३९ ১৮७२। १ जला

বিজ্ঞাপন।

माबि । एएर्न क्षिप्रकृतिम् कर नरम्ब ह मामक श्रीसात्वव मिनिश्युक (कार्तनहि। श्राह्मण কবিলা সুধিত করিয়াছি। মূল্য গঠত আনা। ন্ত্রের প্রয়েজন হব, তিনি আমার নিকট एकः। कनिकां जो त्यानिक्तिः धरम मृना भाष्ट्री**इत्स भा**ष्ट्रदश्च वहवबश्रुत करिहा । 4 男 (本) まる だれ なるか 1

क्रीडाम क,माथ प्र

८नामधकाण। रक्ष कांबाह माध्यमात्र।

त्त्रातीय सूनि स मद्रवित ।

क्ट्यक मक्षार व्यवधि इननीत नन वित अमन लहेश जूबन जारमातन इरे তেছে। हेर्बाकी मन्नामक मिर्गत जान কে বাক্তবিক বোধ করিয়া ইহাতে প্রভার क्रविवाद्यम् । ७९ मश्क्ष मक्त्रमाय् बाश्वा जूति इनेग्राहिटलन, कैं।हाविटशत्र क्षिक स्माया (द्वाभ कदा इहेताहा। किन्न वास्तिक से घठेन। इरेबाल अवश खूलिल विकारत काव थ ।कवात महायमा न्याट्स कि मा, छाहात वि मनदत्र विकटि धरे विनशा नाही मनदत्र त विष्ठमा क्षित्रा लाटकत्र मटन य व्यवश्रेष्ट्रक সংখ্যার ক্ষত্তিবাছে, ভাছার ধুরীকরণ নিতা ন্ত আবদাক। খননী কলিকাভার অধিক ण्ड पूत्रवर्षी बदर । छेश नेवर्गदवरकेतं उत्पत **উंশরে রহিবাছে বলিলে হর 1 বিলেবত:** ठेगी मोजिए हेरे ७ छ। कार्रेडि कमिननत स्त्रमी ७ वर्षमान अव्चिद्ध (व अवान का केरनव क्या भावनाक द्य कहात कानीत

কাশ করিব'ছেন, তাছা তত্ততা লৌকেরা আজিও বিস্ত হর নাই, বিস্ত হইবার সম্ভাবনাও নাই ৷ একুপ স্থলে আজি कालि नदर्गल भिवाद हेम्हा क्रमकरमध কি কাহার মনের মধে। উদিত হওয়া সম্ভাবিত হয় : যাহা হউক, এক্ষণে উহার আনুপূর্বিক র্জান্ত পাঠকগণের গোচর क्या इरेटण्ट भाठेकान ! हैशव छशा ज्था जिर्गम् कदिर्देश्य ।

काहान वाटम ब्राह्मचन्न ब्राह्म नाटम अक জন সন্দোপ বাস করে ৷ উহার কিঞিৎ ভূ সম্পত্তি আছে। ততুলক (যেমন আমা मिर्तात अभीमात ७ छालुकमाद्रश्ररात म চর:চর হুইয়া থাকে) প্রতিবাসিগণের সহিত ভাছার সর্বদা বিবাদ বিসহাদ হইনা शास्त्र । त्म निरम्थ जान मानून नरह । कृदयकवात्र ठाहाव बादम बाजीन हरेशां हिल, ভাষ্যে থারা গুরুতর পাপ ক্রিয়ার অনুষ্ঠান पामञ्जाविक बन्न । किहू भिन इहेन, करतक बाङ्कि এक शद्रामणी इरेवा रेवत्रमायन क রিবার উদ্দেশে ছগলীর ভাকাইভি কমি রামেশর একটি বিংশতিববীর যুবককে আপ্নার প্রতিষ্ঠিত কালীর নিকটে সম্মাল क्तिता छ होत एए वर्ष कथ कतिहा निरक প করিয়াছে ৷ কবিসনা ভংকণত ভাষা র বাটাতে থাইরা ভাষাকে কৃষ্ণ করিরা मित्रित्राय न वर्णन करंत्रन । अक्टन केश्रह

निकटि युवरकत्र हिर्म मक्षक कुँके रता। त्रारम यंत्रक क्ष्मतिज बलिया शूर्य करका मन्का র জনিয়াছিলু; এক্ষণে এই ক্ষণবাস অবৰ ও ভাহার দেবী মৃতে ক্লিম্ম্যক হৰ্ণান করিয়া णशासि जनताथी बाँगहा अनेकान स्थितः वारः जुतित्र निक्ते अवस्थाद्यतः व्यक्तन मकक्षमात व्यवद्धा वर्गम कतिरामन ।

ब्राट्सच्यक्त विशयक योगावा नामा निट्ड चारेत्म, छबादा व वाक्कि अधान, সে খলিল, ৬ই জৈ. ও অমাৰসদা আৰু . वाजि ५:० घण्डिकात्र नगरत ब्रास्त्रचत्र विश्-শতিবৰীয় একটি যুৰককে নরবলি বিয়াছেঃ मृतिता विकाश करितन" पूर्शिक करा ति क्रामित्न १० गाकी विनाम "व्यक्ति चठरक দর্শন করিরাহি ৷ এক স্থায়ও জুনিক ব আর্নি কের্বনি (১২ - হাড) ছুরে ক্ঞারনান हिलाम, क्षिप्राहि ब्राट्सचंत्र अरु स्टब्ड चूर्व करक पश्चित्रा कता क्रक कं कांत्र निवरण्डकर করিয়াছে ৷ ^০ কিন্তু ভূরিরা পঞ্জিকা আনা देश क्षिरमंद्र करें रेकार्ड चर्चावना। मरह । খণর, অধাহস্যার রাজি, খোরতর শক্ बात, ३२० हाड कृत हरेएड मध्याप नितिः व्यन कड़ा कि जड़ादिल इह । माकी बंदल. ब्राटमचढ्रक निकटि खनीन हिन मा। বিশেষতঃ বিংশতি বর্তীর বুবককে রামেশর धक राष्ट्र वंद्रिया अन्य राष्ट्र वनि विम ! त লোল লোগ খাবদা আর্থারক্ষার চেকী করিল मा! देश क्यंत महाविक रहामा। जलदः, येली कुछ वास्त्रित्र माखक श्लामाकारत ७ अन्तर

थात किन पूर्व कर । अर्क काटक बंदिया व न इ.च (फारन क्रिट्रल स्नाहर) स्ट्रीहा न ए दस बारे। शक खरत त्रां**टमचरत्रत श**की य माकिश्व बदल ७३ टेकार्ड मक्तांत नमा তাছার জী ঞদৰ হুৱ : দে ধানী আনাইন সংপ্রার অপর একটা সম্ভান লই। নিঞ গৃকে বসিয়া ছিল। তিন জন সাম্বী এই ব র কৃষ্ণি: ছে । ভা" দিলের ভাবানবন্দির किंग विस्तर्कता है।

কর্ম কি ১ ইউরোপীয় প্রধান প্রধান ব্যবস্থা দ্যীত র সূত্য হয়, তৎপরে রামেশরের বি পকেরা বলিবাছের " জ্রির। সাঞ্জিগণের " পক্ষেরা তাহার মন্তক ভে্চন করিয়া উলি ্বীরন । অপরাধী ব্যক্তিব অপবার্থ চুই আর্থ মৃত ব্যক্তির দ্ব লইরা বিপক্ষকে জন্ম কারে সঞ্জমাণ হইকে পারে , এক, ধর্মনী । করিবার কথা পূর্বে অনেক শুন্ম গিয়াছে। ইল. ডাহা হইলে ছগলির জুরিদিগের কি দোব আছে : ভ.ছারা কি এক ব্যক্তির পূর্ব ' काव कुण्डविश्व हात्र कथा। स्थानिहा महस्रावकत প্রমাণ ব। হিরেকে ভাহার প্রাণ দত্তের বিষ**া** নিকটে রামেশরেও দোধ গ্রামাণ করিতে ' था यात्र । छ.क'व अक्तरः कि भारतात कित्र । व्यक्तियहत्त व्यक्तियां करहता । मखक लागेता प्रश्वात वाली जिक्ताह दारि । £क शास्त्र मा - तम मिलियम यात्र हिः । अ **ऋटल देशं ७ विरवहना** कदा व्यादमा , रा **अपाँत यथन (श. भर**न नव्यक्ति मिहार्ट्ड वर्ति । भा कथा **इटेएएए, ज**र्भन होता अक्षा हो रक्षं मध्याय स्ट्राफ स्ट्राय कालार (म मक्षा श्लिम तम या नज़विभि मित्रा तमहे किन्न मन्द्रज कालीत विश्व हो दोशिश मिल, व्यव्या कानिता क्षानातारम जिल्लाका समा देश काम करमरे े श्रथमाविध धरे विष्ठात्राम्यत श्रादान कति

সম্ভাবিত নতে। এতজারা পার্ট প্রার্থী, ম.ন हहेरछहा छ हाद विशवनान हहेरछ छ। रा त ু অজ্ঞান্তসারে ঐ কা ও ঘটিয়াতে সন্দেহ নাই 1 य वाञ्जि । भाग मनुषा देखाक्य इस्थ কাও করিতে পারিল, সে কি একটী মতক গে.পন ব্রি.ভ পারিভ না ব্রিসালে একবাৰ এই ৰূপে এক ব্যক্তির প্রাণমন্ত ए। । । इसीम तुरु एक कृतिवाद हुनः খীল ক গার শিরদেছদন করিও ছত্যাক বা **এৰপ হলে কোনু কৃরি এই** বাজিকে বিলি: ভুসাবিকারীর নামে অপ সে দে অপরাধী বলিতে পারেন > জুরিব কর্ত্তবা ! ? ৷ আমরা শুনিয়াছি যুবকের স্থাভাবিক কেবনৈবনির অনুসারে আক্সত প্রকাশ করি । খিত তা ীৰ মন্দিরে লইয়া রাধে । পীড়া তিব অনুসারে : বিতীয়, আইনের অনুসারে ৷ প্রায় তিন বৎসর হইল চরিশ পরগণার আইনের অনুসারে যে বা জির অপরাধ সহ। 🍐 মধ্যে এই রূপ একটি ঘটনা হয়। যাহারা মাণ মা হয়, িচারপতি কথন তাহার প্রাণ জুবি হন ও অ'পনাদিগের কওঁবা কর্ম বুবে দণ্ড করিতে পারেন না ! যদি এই নিয়ম হ ে ন, তাঁহ'র ই জানিতে পারেন জুবির কার্য্য কেমন গুৰুতর। বিচারপতি বলিভেছন बिनवार रा डे.इ.सा धक बाक्कित आव म (७३ **माळा मिर्**यम, अकशा (३ विलायम -পরমেশ্বরের নিকটে কে'ন বাস্তি তাঁহানি । উভয় জাতিকে এক বিচারলেদের অধীনস্ত যে মত দিতে পাবেন - অথী কি ভাঁছাদিগের ৷ পের জন্য দায়ী হ২০েম : পরিদেযে আমা भिरात्र वक्कवा अरे ता अक्क शत स्वीत বনা চলয়তে রামে দিগকে একের কটুব'কা কথা অনায স শ্বরের কাল্যার নির্ভিত্ন মার্কার পাও। লেক মাই। জুরিদিগেরও মার্ড । তাঙারা

প্রধানতম বিচারালব।

গভ সোমবার অবধি সুঞীম ও সদর मानालाज्य अक्छा इहेग़ाए। ये निवास ব অভিরিক্ত গৈকেট ছার। এই এধানতম বিচানাল্য স্থাপন বার্ডা সর্বত প্রচারিত ই उ तमले इ.जि.म तिहा यथाविधि भन्ध कति য়ারছন। বারু রমাঞ্চাসাস রায় পীড়া বশতঃ

তে পাদিলেন না। আমর। প্রামাণিক লো त्मन निकार अवन कतिशक्ति, देश्या क्यों अञ्चलनीय विष्ठांत्रशकि निर्मारशव छात्र शवर्गत रक्षमत्रस्कत श्रष्ट निशारसम् । मर्बस्थ क २० सन विठात्रश्रष्ठ निशुक्त इटेरवन ! देश्ला अपदीत यह जिस देखा, विहातभाडि রা নিজ নিজ পদে এতিটিত থাকিবেন !

य निश्चम विठातामश्र काशिक हरेय क বং যে সকল ৰাজ্জি উপতে ওকালতি ক রিতে পারিবেন, তাহা আমরা পুরে লিখি য়াছি ৷ আপাততঃ সদর ও সুপ্রিমকোর্টে व त्य कुरू वाणा ज्याहर, त्यह के छप्न क्यादसह किए पूर्व किहा विहासकार्य। विकास किहा किहा व विकाशात प्रकारता इंडे(द्वाभीय দিলো বিচার পুর্বের নায় একরণও সুঞ্জি মকে,টে হইবে। যে সকল ক,জ বাকী পাছ য়াছে সদর আদালত অ.পাতত- ভাছার নি ব্যক্তিও আপীল শ্রেষণ করিবেল। যত দি ন একটি প্ৰশস্ত্ৰাটা প্ৰস্তুত্ব: হয়, ভত क्ति **এ**डे क्र. श कार्य । इतिहान । इंछात् श्री श ও একদেশীর উত্তা জাভিনেট এই খ্র ধি একবিধ দেওখানী ও ফৌক্লবারী আ हेर्सिव अधीतम् इंडीक इंडीर । बहे मान कतः हरेटलरे खाल इहेठ । এই विषरमृत् मु সিমি হেডু আমাদিগকে কাল প্রতীক্ষা क्रिंग्ड इहेर्द अस्मिक नार्छ। २:४।नहरू বিচারালয় ইংলঞ্জীয় আইন অনুসারে প্র क्षेत्रमावः तिनिर्गत दिवाङ ७ एम्पाडीत পরস্পরকে পরিত্যাগ প্রভৃতি বিষয়ের বি हार्जाम कतिर्वत । य नकल कोकमात्री मक्फमा ध्राथमावधि धरे विहातालुदः परे ति, छाहात्र चात्र चांभील हहेत्व मा। अधक विष्ठातानदा मध स्ट्रेटन ७ व्य भकम्मा क्ष् धामकम विवादाः एतन आश महेरन, रेश्न ণ্ডেম্ব্রীর প্রিবি কৌলিলে তাহার আগী ल हिनार्व । (मध्यानी विवरत्र (य च्टल ১०,००० मण हाजाद्वत अधिक **हाकात मुक** ক্ষমা হইবে, সে হলে জাপীল চলিবে ৷ ইয়ার অশ্ব টাকার মকজনায় ও যদি কোঁ
ন বিষয়ে আইনের ব্যতিকান হাট অথবা
আড়বোকেট জেনরল রাহা
ভাষা হইলে ভাষার আপীল হাটার, আ
পীর্ল হইলে নথির সমুলায় নকল প্রেরণ
করিতে হইবে। জার আর নিষম সকল
সমান রহিল

বিচারালায়ের কাষ্যের নিম্মাবলি প্র স্তুত হইতেছে, চাহা প্রকাশ হইলে আময়া পাঠববর্গের গোচর কবিতে ক্রাট করিব না। আলাদিগের দেশের আমকে শলা ক রিয়াছিলেন, প্রধানতম বিচারালায়ে মক ক্রমা করিতে হইলে সুপ্রিমকোর্টের নায়ে অধিক বাম লাগিবে। কিন্তু আমরা স্পার্টি ক্ররে কহিতেছি সে কেবল উভালিগের ক্রমা মাত্র। এতাদেশীর অনেক উক্লিল ভ স্থানো প্রবেশ করিতেছেন; প্রতিবৎ সর অনেক বি, এল উক্লিল হটবেন। এমত স্থানেক বি, এল উক্লিল হটবেন। এমত

र दित केश'नवाड़ी छ तद।

भ्यु: **डि इश्लीट्ड धक लड्डाक**र गा পার ঘটিনা পিষাছে ৷ এক ভদ্রলোক সমা রোর কবিবা তর । এলান বাজীর নিল্ট | দিয়া বিৰাং কৰিছে গাইচেছিলেন ৷ ভত্ৰতা णाळ गाजी (क्या, मदा ज़ीत क्छा) संख्या दा मित्र मधुर्थ वत्रशाकिनिशत्क वान्। कतिरङ নিয়ের করিলেন। ই,হার। সে কথা গ্রাহ্য না ববাতে করেক জন মুসলমান অংশিয়া ন বামারি করিল। বন পাত প্রাইন। এক মিবের মুছে আজন এছণ করিলী পরে ड-कोता **अय नक्ट है कब्रि**शा वां**डीए**ड कड़ा। भारत कर्दासमा। कतका मास्तिर नेट्रिंग नि कटें में विषयान मानीन ब्हेशएक । देकत কি কল মইয়াছে আমরা আছার নিশ্চন भवाम भारे मारे, किंख भागता अरु कामा ণিক লোক মুখে সানলাম, কমতা মাজি ्रें हे भागत महरूर (विनि इन्नीत लाक

ইগাছিলেন) জাজা করিয়াছেন, এমান বা ভীর নিকটে কোন চিক্ত বাদা করিছে পা রিচেন না ' কোন আইন অনুসারে এই আজী, দেওয়া চইনাছে, আমরা বুকভে পারিতেছি না।

वब्र वामा किन्या विवाध कतिए याही **ভেছিল, ইমামব**। ज़ीत ज्ञार क एके चलतार णांशांकिशाक श्रहाद वितित्तन, हेवा स्वभिवा भारेकश्वविश्वयाभन हडेरवन मरमाइ नारे। किस देशांश्वीत आगण प्रकृत ताक, ভাঁহার গুণের কথা শ্রনিলৈ বিক্ষা জানিবার मञ्जाबमा माई । धे वाहिए धक जन वाक शाब, एव मबर्ग हैश्व, ब्रामिरशंत माँ क क वू लित युक्त इस, (मई) मझार्स (म डे॰न'फ, जि(भव পক 🍇 বা চারের ব বা করিবাছিল। ১৯২ कारणत भूवकात स्वतं भाषामण र हारक हैमामवाङ्गीत अधाक्तह, शृष अन्। में करतम । भी बाक्कि प्रक्रित्र मृथ ଓ ई क्रिग्लब्र ग्रा त्म प्रथम नदम्यान विभाव हरेगः छत्त्व कागा मितियाटश अथन छ'ण द व्यापन हि ज বিত ও বাদেশনেবাগের স্বিশেষ প্রিচয় হুইবাছে। তারার অব ধ্যকোন কর্ম তা..ছ भामाणिकात अक्षाप द्याप ३५ मा ।

याक, क्रफेल, क्रमित्य साल क्रफ्ट त सेक्स काया कता क्रांस मारामन तक मेंद्र। आलिमास दा लालामा का मार्क मार्क। आलिमास दा लालामा का मार्क मार्म का का क्रमांस किलाई क्रिक के त्रा है। सिस स्वासन वास्तित के क्रफांत क्रमारिक मक्कद्रिमास स्वासित के क्रफांत क्रमारिक मक्कद्रिमास स्वासित के स्वासित क्रमारिक क्रिक क्रमांस विवास का सामित्य क्रमारिक अके स्थालीत सामान त्रावदर्यीत माला क्रमारिक क्रमाराक क्रमा।

---- R

বিষাণ পাই নাই, কেন্দ্র আমরা এক প্রামান বিক লোক মুখে সানলাম, ভত্ততা মাজি বিশ্বী পামর সহেব (যিনি ছগলীর লোক বিশ্বীক বল পূর্বক রাজপথে জল দেওগা ব্যাসংখ্য লোকে প্রাণত্যাপ কবিছেছেন 1

য[া]হারা থীবিত আছেল, ওঁ.হারিপকে স্কী गु ठ विल्लिहे हा। धक वर्षमहत्त्व स्वितः करेल, ठॅलाता खर, शीरा, यक्न अपूर् নানা রোণ ভোগ করিভেছেন। **অনেকে** और मसरवत सर्था 80 । तक वात शीकः श्रेल । जरल वाणिएडर श्रीका, नकंन शांतरे केकत बनि, नकत 'शूक्रविनीव তীরেই সৃত নহ দুই হয় ! শবদাহ করে ন, এৰণ লোক সকলের নাই। ঘাঁছাদি গের সন্তি আছে, তাঁহারা নিয়সিত ঔবধ [मवन दविया थाटन वै। हिंहा **या**ट्य । किन्छ वैं। छिक्ष क्षारहर अहे भाज । नकरनहे थात कीन, इर्बल ७ विक्रमान्निते! पत्रिक्षत्नाटकत्र खन्नानक कर्क क्रेमाटक १ याह मिरशत कविकार्योत है भरत निर्देश छ। हामिर शत्र कर है ते शति मौरा बाहे । त्वारश त्रात्त्र कीर्न रहेश छ। हाद। कार्या कम इडे या भाष्मा, बार्क, मुख्यार श्रीका थ मा तेला रुख्य शुरु जीवन मूर्खि धातन कवियादम । षात्मक गृह (ल'क भूमा हरेग़ाइक । बाह्मक বালক ও বানিকা মাতা পিতা প্রান্থতি আ अन दीन इरेश जिलाशीनी अथना कृष्ट्रेय भरत्व भराधक करेग्राहक । कि बलदान, कि व्लीन, कि इक, युवक, क्ल्इ ब्रातन शक्ष इंटेट बुक्ट नरहन । अन' रमन हहेरल ८ इ দিন ইহ'র প্রতিকার ইইড সলেহ নাই .

বর্গার মারীকা নিবারণের চেকায় আ ছেল। ওঁলোবারা মত দুর হইছে পারে হা হারা তাহা করিয়াছেল! কিন্তু ইহার বেণ নিবারণে সমর্থ হল নাই। ওঁহারা এক প্রকার হতাশ হইরা গ্রহণিয়েণ্টের নিকটে আবেদল করিয়াছেল। লেপ্টন্ট গ্রহণির আবেদল পাইবা এবিবারে কনিদনরের রি পোর্ট চাহিয়াছেল। গ্রহণিয়েণ্ট বা আজন দিবেল, ভবিবারে সংশার নাই; বিশ্ব বতা লয় হইতেছে। একাণে কনিদনর নিজে বাই হা হইতেছে। একাণে কনিদনর নিজে বাই হা লক্ষ্য কর্পুলুসালো ক্রিপ্টা এবিবারে বিশ্ব



। कडान धरे वार्गामरभद्र व्यन्द्राधः । शमही शूर्वं करिशाहिलाम, 'भूनकाश ্লিড়েছি, বারাসত এভ্**তির স্থানদে**।ব -दिशाह्य। यादाएक औं स्नाय मरराना বৈত হয়, বারাসভার শাখা ভাবতব্যী ৷ ৰভ. 'ও গৰণ্মেন্ট' উভারেরই ভবিষ্যা দহিশেষ যত্নবান হওয়া উচিত।

> লামোলয়ের প্রিচ প্রাম্পর লোক দিলের সুবর্ধা ।

व्य'मत्। वर्षमारमत् च गुध्भ' ही 🦪 इस्थ পুর হইতে এক খানি পত্র পাইবাতি ? छेहा भारत कतिहल किवल या मारमा नहत्व পশ্চিম পাশ বর্ত্তি আননাসিদিদের ছুর্ব ন্তার বিষয় অবগত হওয়। যাখ এ প নহে, मञ्चारत मञ्चार यामता का कर्मा विकास দোৰে যে সকল কথ্য পাইয়া থ'কি, উলা ভার একটা প্রকৃষ্ট উদাহরণ স্থল। দা क्षाप्तरत्र रक्षम रैसर्जनिक व्यवस्था (छ्रहे भ १ (वंश्ला) हिन, अदकारल छितिविङ ৫ জ,গানের এক্ষণকার শক্তাংশের ১ সাংশ ্ট ভিল্মা, প্রভাৱ দামোদবের পলি ७ े इक्के रातिरमक शावा **উछ**य भारत्र ভূজি অভিশব শসসোলিনী ছিল। প্রচুব । बना लाख (ला**८७रे (लाटक व्यनाज इंग्रेट**) অ,সিয়, উত্তঃ পাৰে বাস করেন :

यथेर फी मान्द्रव एक भ भ'त्य वीत हि া, **তথ্**নও অনেত নংশে সে কেন শ্বদ্ধক ছিল। কখন কোন গ'মর বঁপ ভাভি.।। रभटन हुई धकि धारम्य अज्ञित दरेख এট মাতা। কিন্তু প্রতি বৎ সব এর গামের व्यक्ति है हरेड मा 🕽 एवं दरभव 👍 🦁 🥳 एवं और भेज का का कि हरेक कि कर । । ব্**ংসর সে এান জিগুণ ল**াবর ভাড়া, এজনে পশ্চিম পাশ্বাসিদিতের সেন্ **শ্বক্রমণ্ট নাই। প্রতি বৎসর অ**বাদে ত হা ক্তিগের শন্য কভি ছইয়া থাকে। 😁 ह्य न व गरा निष्टाच्छ ज्या**न्य रश**. (महे दर् সরই ভাল্রে: ছুই চারি স্থানী ধানা পারে।

ঠী,বিকার স্বত্যুক্ত এই পেল - তাহা मिर्शत बाम मुर्थंत ७ मीमा माहै। यय कारल বর্তমানের এক একটি জ্রাম এক একটি খীপ স্কুণ হয়, চজুমিকৈ জলাকীৰ জ্বি দ্বাবা পরিবেক্টিত চয় : আন-স্থবে প্রায জন উপস্থিত হইলে সর্বনাশ ; প্রামান্তবে याख्या मृत्य भाकृत, अरु राजी व्हेट অন' বাটিকে শাওয়াও অস'বা সাধন 2া ত্রাপ হয়, প্রাম সংখ্যে বন্যার জল প্রবি करें .हे। इन्हा घारे ध्वकृष्टि निर्धाप्त कुर्रम करिया चुल्ला। कल्डामा साहि व म मन. वा भारक भगः मूच, काम मू খই নই : এত ক ই চথ পি যে ভাছার। বাসভূমি পৰিতাল করিতেছে মা, সে কেবল ভ,ছালি, বর লৈড় হ বাৰ ভুনিতে শত ছিক লমতার পরিচন দিতেই। এ দেশাম্মর যে প্রৈত্ত বাসভূমির প্রাচি একাও পাণক্ত, এটা ভানার একটি প্রধান ^{ক্রি}ক্রেণ **স্থ**ে। **য**হি। ছউত, eই ছলভাগ্যাদিশের প্রা**ভি গ্**রণ/মান্ট্র किथ्निद क्रथा कड़ाक्क बता छेडिछ। मध्या ভীব। পর্বত হইতে একদ। অধিক জল আলমন করতে নদীগত মধে; তল সমা বেশ না হইলা দেশ ভাগিনা নায়। স্থানে স্থানে দুরে বাঁধ দিয়ে এটীগাড় প্রশাস কবিছঃ मिटल, धार्यः ऋएम खारन थ न दः विका দল-নির্গ**মের প**থ করি: দিলে ঐ ২ত छात्र-मिट्यत बख्यान छ। प्र विशयीय व्हेर्वात मसुत्वन, कार्ट्। शरण वर्षे यनि अहे मकन ভাষে বার সমাধ নার্থ চালা করেন, श्राबद्ध स्त्रीकॅपिरशत विन्ते । हेर्ड अस्मक ষাহায়। লাভ চইছে গাবে ১

। विकास का कि किया ने का सारा अल्ल, प्रक्र ब्राह्म १९१५ तर्मक माह्य प्रकृत ানত জলাপ বলে ভাৰতাশিচ্য পাল বড়া আইফুক্স-ार जिल्ला ११ के मधार तम् १थ श्री**रक्ष प्रमु**र्ग की दि<mark>र्गित</mark>ी स 11 . 10 4 49 15 15 15 15 19 2 本有一件等

क्रांत्रिशिरचंत्र कानवधांमकांच द्य ख्यांवर चूर्वक्रमात সূত্ৰপাত ছুট্টাছে, তাৰা প্ৰবৰ কলুন।

भेड बहुर्वेद नाम् क्यांमाविशतक कांत्र विश्वा দ'গরে শীবিত হুইতে না হয়, তলিনিত আমহ রশিক্তি জনীয়ার জীবুজ বারু ছাবকানার মিত্র বিদ্যালয় করিক মাস স্নাক্ষানীতে হ'ল ক্রি-यः डीक वेक्षिनीयात्र अवश माजू कर्जन्तंत्र (वजू-ভূত কর্ণেল বিজেল সাহেরের সভিত অংলক বাদালবাদ করিয়া অলডা কর্তিভ ও ভগ্ন সৈতু कारमण ताबित करतम। उपग्रमादत व-क्षणानक है लिमीशांत अध्यक्ष क्षीथ नाटनव कि इ त्रत ४००० होस्रोह मेकि। वास्त्रह श्रीकेश्वरे करि গ্য ক্ৰৈক গ্ৰ-উঞ্জিনীয়াত বাসু কেন্বারনাথ সেন प मन क्ष्यरमीयातः **मण्य**गण्या ५८**३**।शास्त्राद्य উপ্যসেজু নির্তাশের ভারপাণ করেন এবং ল ক্ষুত্ৰ বাস্থ্যৰ সৰ্ম্বক্ষণ লাম্ব্য অংশ উপস্থিত থাকি : ८५ अदर किम'व नीसूरक सहक्षा सहक्षा का शास णक्ष व्योग प्रदेश कोसम्ब कः तम । जानके वाः 'ता राज्य य क म **श्रीकृष्णभूग उं**श्विक ५ केन्न জ্বা^{প্}নত্ত্ব স্বাভাষি করিলে স্কলেই হ*ই প্র*-ৰাশ ক'তে ল'গিল। **এখি**কে কুলী লোক স ম'বত হটয; কাছার বীশা কারার গাছ ক'বার ভিটা কাটিতে প্ৰব্নত দ**ইল এবং** মানাবিধ উৎ-१९७ अ.२६ करिला वे.**स** इ**हेट्ट विमा अक्टाल**हे च त्रानश्चार प्राफ्तीं छ चारां हात नहा कविन। महित्र वक्त इत्य मिनान् पाञ्चलके ७ वन् । विक्रि सहस्मार विकासमान सूमनामहिकदः धुम करण भारभण कडेला 'क्या। दनाव लोबू नारम क्षि ए-१ (समादमाथ (सम्मिन) किस भवरत्ति र्डेट नक्षक र्यायक्ष श्रोडेग (इटनर इसी, खा - , १ किस । दकाणा क**है**र ५ **माथनदा**कु साम £क जीर्य कार्य मार्थ किंद एकी क्रोडिया। तम स्राहीय ह-नीकनग कविरम्म । ७ मिन्न कडक श्रीम हाल्यामी मकामोन आकृष्य . क्यून्टव्याक मण्डरक १ हेर्रा श्राम थक्र कुछ-छालम चात्रह कवि । (क स्कावः कि करत, जारांव कांचा मिन 'हैन को अध' दलल मा। अका कड़े खालिन बार्य र टेवर ९ विर (हरी) व ফিনিতে কীলিল, কুলী চেশ্ক হিসপ্ত বুকিও। 😕 🛪 ন , বীভিষও কাজেন গ । হয় ম, স্তুহ্ন, क'क चार बार्याय मा, खातिक कृष्टी शृत प्रम स विल, अविभिक्त लाक है कागड़ गांड रही कार्या क्रिया अर्थे अर्थिय अधिके धाकिल :

मध्यन विदेश । मामका विदेश मामक कर्ष **ब्ला**क छेगरि । याका हास थावुक, मन्त्रांट छाँ-कार अक वार (मर्थ। मांख्या पूर्णल इक्ता गाति हे ६ - १८८ १ किस्स । जाक अक्षापि एवं मकल वि अभिन्याम देशविक द्रावस,करिर्दात मुद्याना रूप क्वीरमंत्र व्यापित सम्बद्धाः हि स्वाप्तमाक मर्च जकल र अह आ, दूब, मध्यांत व वार्म र मनमी कर्षः । या क्रिया दश्य हिंगीरमक। भाषीरामक धर्मारम

प्रमी जार कर्त्यों क्या व्यक्ति के अहा जीवन के जेरेश नहीं थीत प्रदेश पासन प्रकृति एक्ट्री द्व राज भारतम् कार्यः मरेशा मरेशा और मेराप नाम सार ज्ञा देकि सेहि बाहियारै ग्राहिय करहम । किंग्ने संबद कारा सवाधा क्या छाराहा कियाह व्यवहानि त्रव र। कथीमक निर्देश क्लाइ हिनिट्यंत्र भं लेम वेश्वंत किन्नवे करतम था। क्यानी नहीं विके सिक्षा নাধন ভূজীর ভূজীর জতে ভূলিয়া কান। প্রায়ত্ত ন্ত্ৰীচাৰ মহাশংগ্ৰা ডাঁচাকে ও লক্ষ্য অবভান-क क्रमाकुत: गडर बरतत ता अव क्रिक कथता। ाष श्रञ्ज ४ व्हेरन या. छ। हा व्हेरल अव्हर्मान डेश वन्देश्हेटरक,विकादक प्रदेश कांग न व , क्यारीय बांबू मात्र कर्ण नियुक्त, बीक्तांत्र की जात क्वीक्रिश व्य-াবধান ২ 3র। নিতান্ত ভাসক্ত বোধ হয় না বঃষ্ট্র क्यु ७८७८५७ चुडी क्यांशक्तिन क्यु ।। कर् বয়। নিশ্চিত্ত ভাবে স্বাহিন্স ভাব। অভাবনীয়। এ ।म कि मोगार्व व बारक्षत्र क्षाण व। उन्नावधान कि राज गांदक **अरक्शल करद नां, ५**५। हा साम াখন লাভিনী ' ভিতর ভিতর লাভের অভি ংক্ষ বহিমাছে, ব'দে ভানিলেই সে অভীয়া সিদ্ধ

क्रत्यव विवयं अप्रै त्व क्षमीयांत्र स्रश्म श्रद्ध ্জনা কেলৰ বাবুকে বিশাস আশকা ছবক ৰিন্তাৰ এক লিশি ছৈ 'বৰ। কেন বাহুৰ ভাৰা-5 🐎 उठरा एम न 🔁 । स्तिनित्र हुँ इन्द्र स्थान वा ायान मध्यक। मन्त्रीविमी<mark>कार्यास स्टाहत विकू</mark> ःवन माहे। अस्टिक व्याटक व्याटक वर्षा छेन इन्द्रिकेल। ५७ ४३ जानाइ मधाः। सर्वाद शत्र, त्वन द्वला आ श्राह्म निर्माण खनित्यहरम यावा To रहेत, ७६ इक्क्फिंडियात महाराय मॅसड ाम सर्वित **माल हाँच आतक •देश** साहित ব্রতীয় প্রস্তাহর পর হড়কা বাদ আনাতে একে-दिर **अ**त्र शृति वृद्धन **राष्ट्र वश्चरत सन्न** कन्नि-। जीवनत्त्रका आधारक आव्यमन कतिला। जाम-रठार अमरविक स्टेशः प्राप्ताकाष्ट्र इरव चकी-७ पुरु का वाकित कोवन प्रकान समा गाकूस ब्रैशाम । कर्णानेषद्वत्रं जुलात्र अव्यवनाचि चातः विक करके श ब्रह्मसम्ब के क्रांनियां किर्मन शान के। मेरियादि किन्न प्रशिक्त अधिकारित बागवा क

बीव ! नाव नाथम कड़ियाँ। यनि वरिकर्णुनका ह्या-व व्हेटलात, चार्काहोत । क न्यार्थश्रह सून्युन कर्य-वित्रता गर्कामा विभिन्न कहिला, गर्केटिमार्केस - गार्थ रहेका। जिल्लाम् विस्टर्गक् लाहकत

क्षि के क्षित्र विश्वपद रेम विकासिक हिंदिनक के किया देश मान कीन दाविका मानाव किया विश्व निका बहित्क र मा । एक मध्य के देव क्रीका नाटको सक्ता निका कर दिन, मक्क व्य की क्षेत्राटिक कारणाई नेगरक ट्राप्ट्र निर्देश करेका न्त्वा महात दर्गाकत वीवित्र त्रका व्हेश । बाल न कि विभागितिक पर्या केई नर्या। पूर्व नर्या के किल में किका बिह्मिन इरेग्राईम मा (कार्जि नः वर्षितं। कञ्च द्वीका बन्नह (कृदबन)।

मेंन्नाइक वदीन्हें। बेकटन खाटबन्न कारदा त्ववित्त दक्क क्षांक ब्राविता कारियाक देखा क-त्त ' छोषण गर्कान' मह बनाशकि विनाम कान-क्षण म । न जानामहरम प्रश्नम कतिरक्षाकः मृथशा भाग भूक्त नक्षम भूतर वह अधिकृष्ठ आक्षमगृह .स्रांत कतिर उरहा व्यानात्र बालू ताक्रण भवनद्वाणि र्कितिहर भूर्य ह की विकार कहा बहुमह करिया हिएक (स् १ अम्म क व्यानाम कृष्य स्हेत्र। व्यामता त्य कीवृत्र महत्र क्रियाह जीवन बागन करिएउदि, छाइ। ाहे वहेन वा। कर्तकृत महत्रका क्रमा के एक्समा के अवताब क्रांटनम, व व्यालाका वामादनत क्रममध स्देश आगरिमाण् बदेश छात्र स्टेंड । वर्षाह मंत्रित्वदे विके मा क्रांति जगत्। क्रिष्ठ वर्गाक । म 'बालह ! मारकछ: इव बक्त जिल्लाह माम् वामानार व बेर्म्सीत्रिम्भरक कञ्द्राध्यतिरक्षरक्र,कावतः व হলত অধাৰ এজা অভবৰ যাত্তে এই হতভা भाविरामं कि भवर्रारकीय धार दिनारिक ৰী ৰাছেনের দিংগর জুল। কটাক ১য় এমত উপ।। विश्वास-सहित्वेन । दर धर्केमुर्डि जास्त्रभा । साम-माहा कि आधारमृद्ध आर्मिन'त्म करियां करियां म न। ? व्यक्ति इत्रवर्ती विकात शाम्त्रभाकाः म प्रकि ক উপস্থিত ছইলে আপনাবা আৰপ্তে সাক্-या कांच कतियादिक्यम्, आभावा आधाराहित्यव ক্লোড়ে বসিদ্ধ, ওদুন বিনা গণেক ক্ইডেছি আন নালিপের প্রতি কি ভূক পাতেও গরিবেল ন। ১ হে ভাব ভবর্ষীয় সভার সভানহোকর্মণ ৷ আপুনা-ही महिन्द्रिक के किन गांदर्भ ते हुन कि आनगर इडिए।ट्राइक, व्यक्तिया नवनद्याराजेन कालिएन'छय कतितः श्रीखिविषादसन क्रिके, स्विद्ध आन्तु कंड विस छेत्रातील वाकित्यम २ त्यांनी महिंदन आह खेयदम कि काम स्वेटन २ लोतिरणःय, एक् अच्छाः तक मेरणामस्थनः ज्ञानमासिन्दकः मनिन्दसः क्षाविराउदि व्यागनाता चलुक्त एरेडा चलाना व्रशस्त्र अटक रमस्त्री अकासन कर्ड्डम करह करणाहे कायतः इकत कृत्य गांशत वृद्धिक विन्ताः। व शाहि । वस्ताको ३२७३ व्याचात्र ।

> . एक ... **पदानाडि** व्यक्ति प्रदेशको क्षान्त

पानाकृत क्रकेनवेंद्रक रेरत्राची विकास्त । वर ३५६ रेक्ट वृत्रकाचित्रक म्बनंत्रक मश्क्**ण देश्याकी विश्वास्तृत** गरिवरमञ्जिक भाषिरधार्विकी कि । मन र्देशाट्य। ब्राम्द्रमानिक चर्मासम्बद्ध সভাপতির আসন এখুব করিলে প্রার ক্রিয়া अनवकृतात गर्वाधिकाती विविक्रिक्षिक णन शांठे करतन। मखाक्**रम वाप्त अंद अक**् च्छ लाक छेन। देव हिट्स्म

श्रद्धान्यत्रधानादम्, जन्मानान्ति महान्ति । सन् ८१७ पर्वाणासून ! जामादेशक कृते बोलाकुल कुल मनत्त्र हैरद्राकी नरम् क विकासकारी कृष्ट्रक नातित्वां यस हिन जाता वनश्चित्र मानदिव्य ममानम माता तार्क गातिरकारिकी किया त्यन क्रम श्रु के रहेट के स्ववस्थित प्रश्न में विश्व मिल्लिक भागांची मरमद अवस अदेवन द्वारेक्क प्रक्रिन फार्चका माक कतिहरू । कृषिरीत महारक्षे विशासक विशासक सामेचित द्रवासक देव से यकार्व अविके। करियार शक् क स्वार्गिक माह्य । अवै नक्षम नाथू नमानम मार्शमान मार् भ रमत वर्षे विद्यासिद्वर शर्क स्विक् साकृष्ट-त्वय चात्र कि आंखके। बहेर महादेश ।

यमिक विभिन्नात्त्वतः, स्टान्टक व्यातः सम्बद्धि चनगढ चारहन, छमानि, क्यत, व्यक्त विमा मन्दित श्रीकारीविदमम अपने महिल्ल क निहा याणमात्रम निकटी निहस्स कृतिस्थ उर्वत, भाम वं देश हैं। विद्यम्त एक वर्षक्रिका धारे ठावि १६मद्र काम शाउमानाह अवस्था काणाह शिष्ट्रशासूत्रं श्रीकृष्ण रहतीय नहीं। वंशासी ्र महत्र रागित्व याना विक स्थला का बारकार क्ष्माना करण निवास विक्र क्षमान प्राचीन का जागातात क्रांनिक संतिक महिक साह मजूर। कि म ता क्षेत्राधिक हो के मुत्रानंत्रको अवः म'न पूर्वक कीन विदेश किन विकि क्रेंग केर्ब गाउनामीत करका श्रह कि जिल्लाकिक क्रीन-गहिएमन, कार्रावक, वह क्रामान केश्वाह वि-करें कुरकोड़। अस्ति कहिंदी वैक्रिकेलिका जीव कतिकाम । विकासिकाकी त्यं अक्षणे स्वरंग छ क्षेत्र विद्वारक्ष याचा रचनम स्वित् अवि-वाडि के चार्कि गरियार ये केरिएशिंड स्था-वैभाष्ट्र संस्थापिक दर्शिएक ।

विकार्शनिकार अकुक अन्ति आहत्व कार्रश दम्बा महिलाय केल्पा महिला है। जास न महस्

,प्रामात अवग्री मध्य भारतकृत स्वीतिस्थात हरे। 5- विश्वान विश्वान विश्वान विश्वासिक, प्रः -লেৰ ও৭ ন'শ ম পঞ্চৰ, বিনি আখলে এট প্ৰাঠণ'-कार विकायण कार्या छाड्य कवित्र दिशास छ-লক্ত করিচাছিলেক, বিলি ছাত্রবর্ণকে অসাবা-त्र द्विमकार्या कि कि निर्मात निर्मात विश्वन न दिल्लिके बणी कुट इडेग्रा हिन. विनि करे गाउँ ग्रह्त अंडरनाशालां नी अध्य है। किना नकम जिल्ल औरम जाय करिया माहित्यन, किनि चन्ना की दिए मात्रे क नगुन्न नन-पनि कति-👣 পারিকেন ম। ইয় 🤄 🗐 আকেপের বিষয়া গিবিশ চন্দ্র গুলের নাম সারণ হই জ ভাঁচার সহিত পরিচিত কোন্ব্যালির হাদয় সা বিদীর্গ रत्र । एव र्राक्राता,भोटमालाह चनकायत्रभ चा सारवंत्र अवे देश्यकी मध्युष्ठ विश्वीनिक जोगांव লংস্থাপনবৈষ্ণে থিনি বিশিক্তরপে বল্লবান ছি क्षित्रकारक श्रवस्य कील्यक्ष प्रतिवर्शाविक क्षेत्र क्षा विष्णित्व क्षेत्रीयोदन अति। विष् ै,या कहेग्राहित्वान, जीकांत्र कावकांन गुट्य নিন্দ্রাৰ দেখিয়া বিনি **অংপনাদে**র ব_েগুচের বহিৰ্বাটীর অধিকাংশ-বাহাত্তে গতাল্ডিইংবেজী क्ष मश्यामिक दिश-शांत हातिरदर्गेत काम **योगमाद्रम् अदम् बसूरिधा महे**रमञ्. यंधार नामि कार्याह निभिन्न निरम्भिन कतिया ग्राभि- ! शाहित्वन, तमके दिल्लानि देखनी श्रूनगण्यः देवकूर्य-नाथ गर्काधिकांत्री क्लेबिड चाकिता अहे मकत मन्त्रमेन क्रिएन **उँ।होत्र कि शामीया आक्**रीन व-টিত। ভাষাকে আহলালিত লেখিলে আনার कि जागा गांदांका जास्त्रांस कत्त्रित । जयहां अङ्ग-भ^क आहेकभ वहिन'त्रहे आश्वमाक्षक। कि ? अहे भाभ शर्भ पराउदम स्थ ७ (भाक च उप्परिवक्क-(१) विभिधित इदेतः मञ्चामाद्यासदे भूमा क स्मान् করিবাব এট ভূলওলে কাচার**ই, অ**ধিকাব নাই।

পাঠ্যছ নিৰ্দাণ কবিডে কড বায় হটুল এখ-ুনও তাহার হিনাব হর নাট ৷ সমুদ্র র শেষ চ**ট**ে दश जाणमारमञ्जलिकरे १३० जिस्त्रम् व वित्र ।

विशासिकाम, काल किम क्रीशुक्त जान-एक्याव अ- | विमाणिकाम क्रीक मीता वर्ष मण देवन मुक्ति : क्वीचिकांद्री महिद्रापय एक अक्र कारत शाधाम निका- विकास प्राप्तिका क्रीकार अवि स्वक्रण क्रम्याक्र टन्द्र कार्रा निर्द्धांक कतिशो ६८तन । भाग्यातहरू के कि प्रक्रिश माध्यक्षा क समावित जावारित कांसू आवन यांत्र कावींस द्यान यात शर्काः धावी क्रिके विश्वहरून। क्रिके आवाहत्व धावे का म निकासका केर्दिक नियुक्त हि लग , रेमी,य गांटरी, है विमाणिश्कां स कार्त्वात शव स्मित्केत मका अध्यक्ति विक विषय विषय के दिन । किन अर्थ कि কৰ্মকৰ্ত্তী জীৰুক্ত আটিকিন্সন সংস্থা ও ছাকে मामाबदर्वेत शवर्गदम्भी फुटलन १.५ न निकार कर क र्ट्या क्रियुक्त क्रवाटक क्यांमारमय क्यांनक द पर्य हैं।-ষাকে জগতা প্ৰিত্ৰাণ কবিতে ইইল। তিনি **এখ লে থাকিছে थ।** शिरा छ छाना हुई *रिसा ज-* । ८क्क वर्ष्क्रभक्तीरगढाँ क्षेत्र श्रु क्ष्म भविरमय मणा-मान्य महिन्द क्षेत्रिके स्थाप विद्याला स्थाप भिक्ताकर कर्य शहर के तिए ए स्वास मान् मन তিনি আনাজের এখানকার মায়া পবিভাগে প विटिंड यगमर्थ बरेग्रा डीबाइम्ट अबाटन कन्नज्ञ ष्ट्रण कर्तहरू **अञ्चीकांत्र अस्त्रम। श्रीहर**णस्य, वि दाक्केरवन व्यक्तर्थनात व्यमानकेंकेन्द्रकर स्कूटर वि-ध्या वय ना बाह्रे विद्यहानः कत्रियः, ब वर श्रुर्त्तकण অঙ্গীকার পালে বন্ধু চইয়া ভিনি মালদ্রচেন ! कर्ष कीकाव कविशाद्या । किंग दगतान बुद्धि भाग् विकास अभोगः मध्यिक । निकास -र्मा १६. जोशंट सामारमत अधारमध हाजर्नेन যে ওঁটোর প্রতি বিশিষ্ট রূপ অভুৰক্ত ছিল भग खना गरालहे ता छैं। इस खोल बोजिल ए क्या, प्रतिक, धक्य, देश्ययं करः प्रश्निका माहि। एक प्रान्त रव कक्टान्त कालावत क्षेट्रव हेड्डिक निकारीरत अनुप्राप्त काल कार्य किता कार बाक्ता के न नामित्रक दादूद अध्यान-কাৰ প্ৰতি ও কথানকাৰ ইংবেজী দ জুত বি । থাক্ক। এক জন উপযুক্ত প্ৰধান পিক্ষকে: ভাগে হব আহি এট্রশ মনতা ক্রিমাছিল দে , কেই ক্তিতেছি বোধ হয় পাইতে অধিক্রাপ্র डिम भवन कारम व्यवस्य काद्य विस्तृ विभव्यत्य [।] इष्टेरव मा। व्यामारमङ नोष्ठांगा करम विस्ती वांत्र, रहार प्रश्चिक व्हेश विहारकृत बर॰ वस्तुत । विकास सियूक बानू केरम्बहस खर्ल कासी श्वेय ৰ্থকৈও মুখেত কবিয়া গিয়াছেন। শাংসাচৰণ আছেন। ডিনি এবং ভূতীয় শিক্ষক এপুক বা क्रम कतिमः वाधिमः एकः। तिसक अर्थ खेशरकान । वः मुद्र नग्रमद्र शर करमक निरम क्रिएस वान् क्रिक्रियासम्बद्धाः हरिष्ठाः विभिन्ने क्षा अन्तर्वे मध्यात् स्थाना कार्या मध्यान क्रिएउएस সভিত্ত বিসী। বেডমে এধান শিক্ষত কলান- । ভীত্তালৰ নিকট কৃতজ্ঞত। প্ৰকাশ কৰি ধান হ **জাহ করিত্তাভিত্তেন। ডাতার নিষ্ট, শামি:চ**সণ, कानुक् (लक्ष्ये, अवश्यानक कुन्तर ्वक्षे कानः পাঁটিট্র সংক্রান্ত যাত্র, রাজন্য আপুনালের শিক্সকালায়াপে কুন্তজন্ত। প্রকাশ ক্রিয়া ধার প্র শিক্ট তালা একপ্রকাব নিবেদন কালয়াছি।। নাই আহ্বাক্সিক্ত ছইটেডি । লালি লালে ১০০ अकारन निकास सर्वागाविषयाचे कथ निर्देशन कन नामू करमूक किया कर्या करिएक भारत है जिथुक রিব। আপনারা ছাত্রদিনের উৎনাচ লক্ষরার্থ করে কৃষ্ণক্ষল **ভটান্তার্য যি এ এ**খান শিক্ষা ৮-भक्ष वश्तक अविकास मनद्वा को वास द्वास एक का अपन अपन कतिया आधारक अवि विकास स्व ,,यान भरत **व्यक्त राष्ट्र नामा**हरन मरणाभागा । ररभरमान कि देलसात कित्रमार्द्धम् । किमि भर-नि, व. अधान शिकारकत भन अव्य करताः क ७ ७ वेश्यकी भौत्य विकाश ग्रीवर्णीय निकाः

প্রালাধ প্রক্ষে জীহরি দত মেন্য শিক্ষক অতি हिन्द्रभागी वय । आयादम्ब अहै विभागद्यंत तो। লাগ্য কি **চিত্ৰৰণলাই জন্যায়ত থাকিবে'৷ কুঞ্চ**-कथल तो हूं चात्र अभारम श्रीकर्ड शाहित्वन नाः च बाबि २ - अ रेक्षाके चवर्ष धीकारक कालका-তায় অবৃদ্ধিত করিতে ভ্রীমে। শিক্ষাকার্যের অভাধনায় ভাঁছাকে প্রেমিডেন্সি কালেক্টর यमाल्य मध्यां विश्वामार्थम यम अध्य विदाल ষ্ট্রাছে। ওাছ'ব এখান ভার কর্ম প্রেডাণ কবিতে ডে ই-ছ: ছিলানা আনি স্থিতীৰ অত-दार क्रिया **अ भ**ाष्य भिन्ना कें।इसक - क्र**न**ि স্বীকাৰ দৰাইলাম। বুখিডেছি যে একপ কৰিয়া अञ्चलका को विकासिका हर भी मान्यन महिला अधि क्लम । किन्द्र दिलाटन वि इप्न, काम, मा अर्थाटन गांभ 😼 व्यक्ति है।कः सांक दर म মুক্তম সাক্ষ্যীৰ মাণিত বেচন - ০০ ছাই শত डे|फ्रा |- कुक्कियन **रायुटक अक्पो**र्डि ५५४० করিতে প্রবর্তিনা না, দিলে বৃদ্ধা মত ুকা জনা হুইয়া নিভান্ত স্বার্থপর বাভিন্ন মত ক_েত करा रहे छ। धलादा छहना कदि ए कि न मक थ'ाून तरर ऋममा के शान शाम इकि व्हेर-চন্দ্রকার বিজ বুদ্ধিবভা, আগ্রহ ও বথত বোগ পাইয়া আন্থাকে আমন্দিত কৰি:ভঙ্চি জীয়ন্ত বিশ্বয়ন ভৰ্মৰাগীশ চতুৰ্য শিক্ষকেৰ পা बर श्रीवृक्त बराग शाम रगायाम विके मिरम নিনিত পঞ্চম শিক্ষকেত্বপদ্ধি নিমুক্ত ঘটনাছে ভাষ্যাদ্বৰক্ষে ৰেক্ষণ কৰ্মক্ষম গ্ৰহ ধৰ্মপ্ৰায়ৰ ৰচি ग्रं जीमान मरकात जारह जीनांट दर्शन की ८७ श्रीहरवम।

भिक्षक मध्यविद्यंत्र कवा व्याभगाविद्य उन्हानिम गर्भाक्ष भाषा एउन बाबू चारायन ना र- काःना दश्त्रभु ची श्राह्मको छ गड़ि चामारानय करे । मिकडे अक आकान बिरम्बन केवे। बेरेस । अकार

बदगढ भोरम बारम ५ % के बार किया है कि कि विद्या निका बादम आशिमाहि । कि रेव शिक्षक रामके मोरिष्टं। देशीयकिये श्रारमके शविवाश गटक गाटन आहेत हैं। की की साथ प्राथ बंदर है वहे वह मार एकिम क्रिकास महारा व्यक्तान निक Cस्त्रांक शकारत थात हवांक्त प्रेका आहाई वह। ह जगरशत महिना भागिक श्चित्रकृताम् समाध्यमान वास क्रियुक्तवात कांकीयूगांत स्व **ब्री1ुक्तरात् किर्णादिध्यास्य हर्छ।श्रीयात्र** নীপুক্তৰাৰ জগজজ ৰন্দোৰ্শাখ্যা **बि**र्कुलानु माधरह**क् फर्नीनकाछ** শ্বীশুকেশার খনম**ন্দার পা**ল শ্ৰীপুত্ত মুখাৰ সভ্যানন্দ হোৱাল > 1 日本 36 mis 18

अंबुक्टवान् मोशक्यम राकाः न थाव

वियुक्त। न समिनाम राजनात শ্রীযু দেশার র।মার্ম্মর চটোপাধায় >5---> পিটুৱেৰ ধুৰামকুমাৰ ছালদাৰ আনশিকী ১। প্রমন্টি। ৩৩ ছবট্টিট্রাকার সং-নক অথাতুল আছে। ১০কৈটে এৰখি জানক তেছেন বৰং ক্ষেত্ৰযুক্ত অধায়ন কৰিয়াছে এক ক্লাস ব'ড়িবেই এবং মালিক ব্যৱেষ ২৫ পঁচিল है। का हाकि वकेटरका दो**लक विद्यान वा**किया वहे-८७ .-।.२ छेकः यूष्ट्रम खालाग्र बहेट इ शास्त्र । ত হা হইলেই অংব:৪।১৫ট:কার সুভন অপড়ুস -रेला अख्यांत औशूक्तवात्र नेज्ञमण का. इ.च र विक > है । प्राय्यय अवश् त्रोध। सभद्र नियानी জীবুজ বাহু গোলামনাথ দৈত্ৰ মানিক ১ এক পাৰায়, দ্বিতীয় শেলীৰ ছবিলাগ কয় চেলাহিল ष्टीकः शस्त्रतं अर्क्षानः त कवित्रार्द्धन**ः**

ए हि वाद्यत् कथा यथम जिद्याले अतिए श्री एयम अपर्भ कुडम्बछात्र महिन्छ हैवान निरंगकृत কৰা কৰ্ত্তকাৰে পাৰিভোষিক ভাৰের নিনিত সভিলাক দল কাইলেন ভোল ও গালাব'মণ প্রকেশ্র কর করাজে বে ২০০ টাকা কালিয়াছে ८ १४१२ मटना 🔊 कुक मैचरण्टा विशामांगव २००० होक' धर अञ्चल श्रीवाल मात्र उत्होका विद्यान ट्रिन, पाड श्रेष्ट्रकान् प्रमाधनाम् बाद्र) C व्यागान । १ (क्लोबर) व विक **3** खाइ कर,यू काकीना**व विक** मारमन एक्षीकाच करियारक्षम अवनिधे ১०० इल। यह मरक आमात्र हरां छ छ -श्वाकित्रक खर्बा अस्ता कर्त्वा वर श्रीकृष्ट क्षेत्र कांसिक,भार पंछ अब कालीन ३० वन होकासा त्व कक्षीकांव कविशा**र्म धवर शिक्स**कांत्र कृष কনল ভটালাৰ্যা স্বীয় মুক্ত সংখ্যার ভুক্ত থেকন

क्षेत्रिक कर्णकृति अवस्थान आधानाम ३ सक स्वर चर्यहरू विक्रियोध > ५७ दिलानप्रतक श्रान क्षिक दिल्ला

অপেনাকের অনুস্তি হটলে এবম্ বাসক-किंद्रमध्य शादिक विषय निर्देशन कवित्र । अथान दक्षितीय हारजवा अखावरमय मर्काच मकूछमा, ৰীয়চয়িত এবং বিজ্ঞান্ত্ৰণী পাঠ কৰিয়াছেন। राज्ञांका अका अनर देश्याकोटक दिश्वविद्यान-र आरत्न राहीकात श्रेक्क नकल क्याहम क-इटल्ड्न । मनुकारत्र शैक्षाक्त अथ व्य हाति यश्यक् व्यवादम क्रेट्टिट्। अहे अभागत मध्य खें। बादम्ब क्यूनोर्ड प्यान, ब्रधूनरम, क्योब नप् ৰ কিয়াডাকুনীয়, শিশুপালবধ, বেমছুড, শ্-कुलुला, बीवहरिष, विकटभार्कणी असुप्रार कर ব্দধান্তন অইয়াছে। কাছারও কাছানও মন্তুদং-वि डांव मक्षम व्यथात्र अधारम श्रेष्ट्राट । a- i ভন্নাতীত বাংকরণ পাঠও পুনশ্চ চ্চাইইয়া আ मिल्लाइ। वाक्रामा इ कुर्वास, भागिर्धा छ वी-क्षतंतिक सं उक्त हुद्र करामन अवेगारक । धरण्य-ধ্যে সংখ্য কোন কোন বক্ষালা কাৰ্যন্ত অধীত [ক্ষিয়াছে। ভিতীয়, ভূতীয় ও চতুর্থ প্রেনীর ছ CEश अमिषिया किंग, हुने ७ धन वर्भन "र्डि-

जवाद्य राजक्षित्यत भेदीकः। नावा आयुष्टः बात् कुक्ककणना अहिन्यायः अवश् आमि आधारा উদ্ভাগ সক্ষা কবিয়া হৈ। এনেকেন উত্তম পারী का कान करियार्क्त । के मांक मकरमहै श्रमः अन्य काला। एग्रास्था अनम (अनीस निकृतेन)च (पाक्षांत्री विद्यतान काष्ट्रामा ए रहनाव प्रत्य माल बराहे, शाममण्ड भारत पर मालक परिवान लाभगांड, कडींब (म्प्लीट एर निमान रि.स. क्रियान बरेनाम १६ ८ ब्राव्यक्षम् १६ न । इ.११ ८ कु । ८ व्यमीत क्षापु हेक्का, पद विभिक्त करा अभाग्या, करिट ५ वह । श्रदम त्वानीय रेक्क्रुवेमाध शास्त्रामी ७ हिजीब ८ आबीट काबार्यक राजाराकारात्र मध्यू र संबी-काम दब॰ श्रथम (कालीव दिवसाब लागामी हैंग-रहाँ भेशकाम विकाभन पड़िंडा गामस्य अर्थ क्षांभव्यात्म्य द्वारभेडिय ", नष्टक "पान कियां-द्धन। निभ निभाके होत्या भाडित्वावित्वत क्षेत्रभूक्त विषयं क्षित्र क्षेत्राष्ट्र।

প্ৰথম প্ৰেণী ৷ न्यक्रेनाच लायामी ্গ্ৰহ্মাপ পাস্থানী यहरः, १ मृध्यांशिधाकः ।

গ্রিম্নাপ ংস্থ ১ **স**শ্ব*ড্ডা* চফ্রবর্তী वास्टान मूर्यानायाहर द्रिकाम गणिक ছিতীৰ শ্ৰেণী।

इतिमाध वञ् विश्वतिनाम वर्गरे राममध द्याव ৰামাগদ ৰংক্যাপাধ্যায় भाजिमान तार ब्रम्भावस ब्रह्मीनाधानि धिनियाम बद्ध छुन्। क्रम्साधिक वी मरतस्यक्षात्र गर्का विषात्री जनहर्देगांव नर्काधिकांद्री कृतीय (अनी

्यादशम्बद्धः निक्र खेत्म वर्षवाण (करवळागंच वर्षा श्रमनमाच मूह्याशीयात्र বোগেন্ডানাথ রাছ वह्रमार्थ खडी होया हिल्लाक्षांत्र मक्तिकाती -द्रमानाथ राष्ट्रांशांशांत्र শ শভু প সিজ प्रक्रमहस्य भिन्न क्रियमाथ (१) व

हरूषं ध्यमे

महिलांक प्रस MITSCHA CHIN र्वानानाग्रम नोष 化加热型制度 医隐 भीनमाथ वालिकाल रायक्षभय हट्डिभाषांत्र বমানাক বক্ষ্যোপাব্যায় क्षण्यात त्राचामी দেহারিজাল মুখোলাখায় क्षत्रधन व राष्ट्र বেহারিলাল বিংহ

चायमारमम व्यवन श्रीकिट्ड भारत रा भड वरमह देवनाथ अवधि आधारक्य अधानकाव हा-বিশ্বন ছাত্ৰ ৰাজালা ছ'ত্ৰ রুভিত্র পরীক্ষায় দ্বীণ बरेवा गर्यासमे इरेट्ड श्रीवटश्रीयक पान्त कारन मारन छात्रि होका कड़िना हुँछ। भारहा था। ब्रिट्छ ब्रिट्सन । खन्नद्या रेयकुर्फन्यक राज्यानी ख कब्रमप्ट ब्रूप्पणी प्राप्त के ब्राह्मय करे छ। नह र 🗬



हाति ररशरतत निविश्व अवर विश्वसाय-द्वाणानी छ नेपानहस्त हस्वर्थी वे श्रीरक्ष कृषे अपन्य त्रक्ति अस्य वरशरतत निविश्व निक्कित्य कृष । ख्वस्थारत गाउ >> रेग्याच खर्चाच द्वालाची स्थाताचे शाउ वर्षि प्रविश्वसाय द्वालाची स्थाताचे शाउ वर्षि भाषेरका।

দক্ষিণ পশ্চিম বিভাগের বিদ্যালয় সমূহের ভাষাবারক শীবুক্ত কেবরি উভোগ দলোগর আন মালের এই বিদ্যালয়ের ভাষাবিপের উৎসাহ বর্জনার্থ এই বিদ্যালয়ের অনাতম ছাত্র শ্রীপতি লক্ষাবিকারীকে মেডিকেল ফালেকের বালাল। ফালে মালিক ৫ পাঁচে টাকা কবিয়া ছাত্র মৃতি হিবার অনুস্থতি করিয়াছেন

जानगरम् मिक्डे विशासत् मध्यान थात्र नक्षत्र कथा मिटवस्य स्त्रिशक्ति आह बक्ती जि-द्यम्य स्तित्वहे वस् । जानमाद्रवद् व्यानस्य শারণ থাকিতে পারে বে বালা বিহাহতে অভি व्यक्तिकेन अर्था विद्यक्ता करिया अथानकोत्र कि माधुनील ७ महित्र **देश्त्रोकि मध्युक विमाध्यात वहे क्या विग्रम छ ठातिक कर्न यात्र रव अवारम क्षायान क**रिए ३ क-ब्रिए७ पांचात्र विवास स्वेदन, फालाब मान कर्जन कता वरितक। जिरे क्रांति वाहात साम कार्ने वहिर्देश, वन देशि अद्विमाना नः विक्र काश्रीक चात्र भूनकात्र छर्डि कहा यहित्यक ना । वह थ-**८७६ि जरमरक धरे मिश्रम बणकः चीश्र श्राप्टर** विवाद तमन नाहै। हेरा अध्यक्ष आक्रातिव विवय । किन्न छाविति एटल देशांत वाकिकम एपि-याद्भा भावन र उपाटि प्राचित्र रहेगाहि। अकुड ঠুপে পুত্রের কিলে **নজল** তর আমরা কি ত:হ। अवन भगाड : जिन नः ? आंगदः। कि अक्रांत्र छ ভক্ষু উন্থীলন কৰিয়। দেখিব না ২ বাধ্যবিবাহ হ-ইতে ৰ'ল।লা দেশেঃ কতু গভ জনিবী হইতেছে। আমরা কি ভিচ দেশীয় কোক্সিগের মিকট हिंदक ल कहे करा समा जाना कानरवह गहिन्छ উপ্ৰাস্থানৰ পাছিল। জনসং ক্ৰে অন্তিধি-**अस्टब अन्दरमधे बहुना विवर्दछन छन्। ८कः अ मुक्कि**-তে দশনি করিয়া দেই স্বান্তাক ভাৰত ভূমি **মইজে এক** বাবে ভিতেতিত সহিবেদ : চারি क्षत क्रांटिव विवास ६६६१एम । समाग प्रशीत हार রাজিঃ জাএটাতিশর প্রযুক্ত বিদা 🕒 চা গাড়া क्षि, क्षांत्रे। श्रीकर्षात्र विभागितक निर्मित क्षेत्र २० ३४ -া**রত, ভেবন** না ছউক, কণ্ডক পরিম্পুর

क्षिक वरेशहि।

क्षित्र प्राथित ज्ञानार विक्रिक ज्ञानात ज्ञान क्षित्र प्राथित व्याप्त व्यापत व्य

পাখার ও বারবেশুছুররারের জরজুনি ধানাকুল कृक्तवंत्र समार्ष्युत सुध श्रेतकीहे केन्युत वह बर जाननाहिनटक मुख्या प्रदेश भननीय गर्रा। विशासिकारतम् अवन दर्शाणास्य वहे प्याप्तमान व **थमक डेक्डब अव्हार खादार्य क**दिया कुछ -र्ष अहेरांत्र प्राटमक निजय चारक् एग्न गर्यात। धीरे क्वांक्री द्वांबारक्षेत्र भरत क्षांबद्धक वारकः जान निविक्तित्र विविद्या अञ्चल भ्रष्ट्रांगास्त्रका 'अ जनामा वाक्तिया श्रमश्मा क्षित्र त्यम मिथिन प्रवट्न रहे দা আপনার প্রকৃত ভার্ব বিস্ফুত হইও না। তে भारकत हेड्। बहुत शामश्यांत विवेश मध्य दि । िनि निन एकामारकत क्रमाश्या कार्या निर्माट কবিদ্বাচ্ছেল ভিলিই ভোলাদের আবেশ গুণেব कुन्नती श्रभश्या अनिवाद्यन अवः द्वायादन मक-तित्व महाके व्यवहारह्य । क्षामारमञ्जू देश अञ्च त्मीख रभाव विवयं नटक रम अभवाक दर्जामारमन বিনি বিনি শিক্ষ হটয়াছেন ডিলি অভি উপযু

व्यवेष (अंगीत कांत्रभन क्यांत्रिय निक्छे क्षांत्र, व्यवंत्र गर्हे यात गर्ह्या, क्ष्मिक क्ष्म क्षांत्र व्यवंत्र, क्ष्मिक क्ष्म क्ष्मिक व्यवंत्र क्ष्मिक क्ष्मिक व्यवंत्र क्ष्मिक क्ष्मिक व्यवंत्र क्ष्मिक क्ष्मिक व्यवंत्र क्ष्मिक क्ष्मिक क्ष्मिक क्ष्मिक क्ष्मिक क्ष्मिक क्षमिक क्ष्मिक क्ष्

महाण कि महाणव अ मधरण्य महाण्यामा । त्राणमारक्षम निक्ष को आर्थनः रा क्यानामानः को मार्टणालाव केणव स्वय हाथिरवमः, काह। ह हैर लोहे हेड्। शहम काकुनिक मर्न्यणक्षिमाटनव क्ष मारम क्षिमकी इंडेरक थाकिरव।

রিপোর্ট পাঠ সমাগু হইলে পর বিদ্যান্ত্র লয়ের থাবন শিক্ষক প্রীযুক্ত রুফকমল ভট্টাচার্যা বি, এ. সভাপতি প্রভৃতির সভা বিমানুসারে পরীক্ষার সময় যে সকল প্রশ্ন প্রদন্ত হারাছিল ভল্ডাগ্যে কজল গুলি করেক জন ছাত্রকে জিজ্ঞাসা করিলেন ও ভাছারা হ স লিখিত উত্তর পত্রিকা ছইতে পাঠ বিলো পরিশেষে রুক্ষমল বাবু ছাত্রদি গকে কতকগুলি সভুপদেশ বিলেন, সভা পতি মহালার গ্রহণ অন্য অন্য রুদ্ধেরা প্রসমবানুদে আলীর্ডাদ করিতে লাগিলেন.

शास्त्रता भावित्वादिक भूषक ब्रांख स्टेन भाव गढा चक स्टेन।

বিবিধ সংবাদ । ১1ই আনাচ লোহনায়।

ধণীত নামক আর এক ব্যক্তি চা-কোঁদানির সাধারণ সম্পত্তি জহরণ করাতে ন কোম্পানি ভাষাকে কর্ম হউতে বহিত্ ভ করিয়াছেন। রাজ্যের যত চোর ও অসং লোক
নিবা কি চা কোম্পানির মলে প্রবিষ্ঠ হইরাছে?

গত বংসর বললেশে সর্বাহ্য ৪৯ ১২ জ-নের গো খীজে দীকা জেওয় হয়, ইহার মধ্যে ৩৪৭১ ফরের দীকার কল দ্বিয়াছে। একণে ১২ জন দীকালার আছেন।

আমরা শুনিরা সবিশেষ ছুঃখিত হইলাম রুমাপ্রসাদবাবুর পীড়ার উপশ্ব না হইর। আরে রুখি হইরাছে ডিনি এক্ষণে চৌরকি-তে অবস্থিত করিডেছেন। ভাহার প্রধান-তন বিভারালরে নিয়োগের সনক্ষ আসিয়াছে। হয়ে বিবাদু সক্ষেত্র নাই।

কির্দিশ্রস পূর্বে প্রধান সেনাপতি আ কা ক্রিয়াছিলেন, ওলাউঠা হইলে সে স্থান হইতে সেনাদিগতে কন্যস্থানে প্রেরণ করা হ ইবে। কিন্তু সম্প্রতি আচেচ্ছ চুর্সাক্তন প্রাধান প্রাকৃতি রক্ষণ দৈনিক্সিগের উপরে এ আজ্ঞা বভিবে না।

ই লিসমান সম্পাদক গলেন, মাজালার করেক ব্যক্তি এইতিত হটড় কঞ্জয় উৎপাত্রন করিবার সঞ্চাপ করিয়াছেন। ত্রমিণিয় বেধে পিউ ব্যেডে এনিকটে একটি চর প্রার্থন। করা হয়, কিন্তু লে প্রার্থনা এপব্যস্ত গ্রাহ্ম হর নাই। মাজলায় একটি ব্যাক্ষ হইতেছে।

অবেষ্য। নেজেই সম্পাদক বলেন, ত গতঃ
হসার (অব্যানের হী) সেনাদলের প্রায় ১২ ন সৈন্য এক সংসরের মধ্যে দশ ত্যাল করির। পলারন করিরাছে। সম্প্রতি এক জন সৈনিক পুরুষ কানপুরের দিলে পলায়ন করিতেছিল এমত সমরে এক জন সংগ্রা ভাষাকে ধৃত ক-রে। প্রে একটি বেচকা খুলিবার অন্তমতি গ-ইয়া তঠাৎ এফ পিছক বাহির করিবঃ প্রহরী-কে বদ করিয়া পলাইবার চেঠা পার, কিয় জ-ক জন আকিসর ভাষাকে ধৃত করেন। সোন-সলে কি জন্ম এত বিশ্ববার ঘটিতেটে

शारणात्र कानिरका मान्सीयक वर्णक चार मीत लाख बश्यम भी क्यां मगरमहत्त्व रच छ-পারিত হইরাছেন : ছিরাটের লেনারা করেকটা তুর পরিভাগে করিয়া পলায়ন করিয়াছে। স্থ-ল্ডান স্থান এক্ষণে নিজ রাজ্য রক্ষার্থ ব্যস্ত क्षेत्राट्या। द्याच वन्यद्यक्त ५ ३ वरमञ्ज वस्र-এন হইগ্ৰাছে, তথাপি ভাঁহার বল ও উৎসা-त्वत होत रह मारे। **अकरण धरे श्रम उपिछ** इडेट्ड शद्त हिवांडे शाब्रगाधिकातिब कर्वथ-**৮।বী প্রেলে। লোক্ত মহম্মদ তাহা জা**ঞ্চনং করিলে নসিক্লিন ভাষাব সংখিত যুক্ত করি त्म कि न ?

भक्षात श्वर्रामके मारखीम क्लिम्सक चितित । **मास्तिरहे हैर**क धर अब्द मा 'नव मरन क्षोकरादि किश्वांनी अ आनकाती आहेन म-गढ़का भारतिका निराक करियादिन। धर्भगान की াবা পারের ঘাখা কাটিয়া ক্ষুরকর্ম শিশিতে * . 44 1

তর্মত খা নামক এক জন ভূতপুর্ম বি-प्रकी अञ्चलाका शेत्र मृह्य करेत्राटक । काष्मी-সন্ন ব্লাজাৰ উকীল ভাৰাকে ধরি 📸 দিবেন ই কার করেন কিন্তু দৃত করিবার সময়েনে ८९ वन्ती कतिवाद चैलांब स्त्र हिन ना ।

पिलीर एक्के मन्मी कर गरमम, थाउँ इ. व. -टे का अं हरा देजना निगरक कारण कितियाँ (फ ७ १ इहेर । ५३ तुर्छ अस ७क ५० मण है कि। थ' ७ग हरू। ज्याम्हर्यात्र विषय अहे, के अरवाट মধ্যে কয়েক ভোড়া করাশী টাকা ছিল।

ট'ইন্স ঘণটভিয়া খালেদদের সৈনিক लेपान्तरमञ्ज अक ब्रिट्यां है अकाम कविद्यादह ন জনেৰ মূল সিপাহী তথায় বাস করিতে: us, গুৰুবিষ্টে ভাষাদিগ**্ৰে অগ্ৰিম** টাকা দিশ ্ণিকাণ্ড্যে প্রবৃত্তিত করিখাছেন। এই উপনি-েশের স্বাদ্য জীর্দ্ধি হইতেটে। জয়ন্তিবার प्रार, मी ७ डोस् ७ मयस शुरुद वस्त्र क्रिक्स भाडे हेरगाइ मा (म अम्रा **स्म १**

प ठाविकन देवेदवाशीन रेनवा मन जान ফলিয়া বাবুলে পৰায়ৰ ক্রিডেছিল, ভাহা-দিগের আন্ত্যেকের কঠিন পরিজ্ঞন সম্ভারি বং नद्र क्वांद्रायादमञ्ज आर्मण वर्षेश्वरिक ।

जागात स्व करश्रक गुर्कि साम्वेमके नि-

काकरक यथ करते. 'डावाजिरशह वावक्कीवन का-स्विद्धारम् अपिकारम् वर्षेत्रारम् ।

' কিনিক সম্পাদক নিম্ন নিখিত ইউরোপী-মু স্বাচার আও হইয়াছেন :

২৩এ মে, নিউ ইয়র্ক। আবেরিকার গ্রবর্ণ মেট্টের সেনারা পোটররালে পরাজিও হট-शहर अनवन अहैक श विद्यांचीत्र छिल मनोड व्यक्तिक्षं क्रियारह। अक्षे भशावृत्र दहेवाव मञ्जाबना आद्या

২৯এ যে সেনাপতি ব্যাক্ত্স পরাজিত ছ ইহাছেন। অনেক লোক হত হটুরাছে। তিনি द भी ने श्रा ७ महिनाए भनाश्म कहिनारहरू। বিঘোহীরা শভাদ্ধাবমান চটরাছে। ও রাসিং উনের লোকেরা ভীত হওয়াতে তথার সেনা প্রেরণ করা হটয়াছে। বালট্টমোরের লোকে-রা বিদ্রোহীদিগের "বিপক্ষতাচরণ করিছে-इस् । १०७ (स्पर्केत (प्रशादा मार्ट्फ्डरद्रद्र निक-টে পরাজিত চটবাছে। পটদাক পুনর্বার अवरहाध कहा इडेब्राएइ। द्विष्ट ७ ब्रिक्टर७-ब्रु जिकरहे मुख्य इंडेटन त्वाथ इंडेएउट्ड ।

ুই শ্বন ল্ডন। ভারতবর্ষীয় রপভরিদশ ক্ষাইল দেওয়া হইবে। সেনাপতি জনতন এমন সাছস পূর্বক বৃদ্ধ করে যে বধ ভিত্র ভাহা- | আমেরিকার গবর্ণমেটের সেনালিগকে পরা-জিত করিয়া গেলেয়া উপভাষায় উপস্থিত হইয়াটোন । গাবনীমেটের যুদ্ধতরিসমূহ নাচেস मन्द्रै कार्यकात कदिशाहर । ये निवन प्रदेश ছরের স্বয়ে প্রশ্নাব টেলিপ্রাফে নিম্নি-शिख्य म बाम जानिशद्यः नित्यांशीता देवेरि ওরাসিংটন নগরের সৃষ্ধ ধে আসিয়াছে। তত্ত্ जा भ्रक्त अविक रहेशांद्रमा

> ফিনিকের জগলপুরের সংবাদ দাতা ব-क्ष्म, उला अक्षम हे देहा वीह सहैन ब्रह কর্মারী আত্মহতা ক্রিয়াটে।

क्षित्र (अहि १ हे बर्ड्स अबि १ हेर्न अ छितान क दियार्थन । ज्यानक कें प्रत्याभीन खोलाक টাং; কৰ্জ্য কবিয়া লেখে আগনাকে বিবাহিত श्री विनिधा "द्विष्ठम भिन्ना भाषांनट्ड व्यवहारू.. তি পাইয়া খাকে। সহসন্ধান ক**রিলে জালে** কের ভাষী কপান বার আছে।

१५१ काशक मक्रमंबात ।

शंख क्या अधानक्ष विष्ठातातरत्त्व विष्ठा-রণতিনিগের সমস্য লাভের বিষয় আছিছিত

भारति अवाभिक बहेबादि है असी विश्वास्त তিরা গ্রণমেউষ টাডো শপথ করিয়াইছব।

अवश्यत्र कटत्रक न्हांश्य अंक्श्नाकी अहीर्या क श्रेयाम कथा हिन, किन्न आर्थने अपूर्व নকপ করিয়াছেন, আগাৰি আছুদ্বান্তি সাঞ্চৰ श्रीकांत्र प्रथम क्षणांनी कतिरवन, क्षत्रभूमां हैं। পরীকা হইবে, অডএব এবংগর পরীকা ল্ল-रिख बहेगा अन्त्री पूर्वन आनागी रक्षा क्र-जिमन बान्नाकः। रक्षरामन वैनीरमन् दिन्ना আইন মাত্ৰ জানেন, ব্যবস্থা পদ্ধতির মূলস্কু যুক্তি ও ইডিহাসের বিনরে ভাঁহারা বিভাত चनच्चि !

খনা বেল রেইলওরের কর্মচারিটিংগর পেতান পাইবার নিয়ব ২ইরাছে। ঐ ডিপা-हेरबट्टे व बाना लाक जानिस्म, अने चा-हात अविधि देशांत दहेश !

স্বাচার হিত্যবাসীর এক থানি অভিরিঞ্জ গতে প্ৰকাশিত ঘটয়াতে, দেবী নামক এক हाबाद जाःशनादक शवर्गदबदकेत हव विशेष्टिश-বিচর দিয়া স্থানে স্থানে প্রাব দক করিভেছি-त । উত্তর পশ্চিমাঞ্চলে জনর্য উল্লিয়ায়ে এ-**হটি সহযুতা দ্রীনোক একজন ইউরোপীর** ाज पूछि वाजिए<u>ई</u> हेरक शृद्धा कारन अ**रे** कथीं । बटन द्व अवर्गमके योग्छीत और एक की क्लि ल हे रहाजनिर्गत हाना श्रीकरंग में। स्वरी वहें छरवान शारेबा डाविक्टन जनस्डांक अन নাইবার অভিপ্রায়ে ঐ কার্য করিছেছিল 🕻 🙎 তাহার সাত বংসর **দীপাতর বাসের আ<u>ল</u>াশ** ভিরাছে। ঐ <u>প্রাক্ষার আহর্ম থাক লও ব্</u>রস্থা^ত ইচিড ছিল।

चामा दिनिआक्टवीटन विश्व निविक नवी-নর আনিরাম্থ---

मधन १ करे जून। " अवानि रहेन अनगर " व्हेबाइव । विद्वार क्षार्थ मण्डे छेन हेशाब निकास खेलाच्य बहेबाउह ।

> १६ सून । बार्फ शामप्रदेन देश्निक्ष माह्यहरवत अधारवत त् अश्राचाम करतम, ভাহা বহাসভ। গ্রাহ্য করিরাছেন।

शांदिम ११ई स्वा अद्भविद्याद शर्रात्वके बाबकीय वेकेटबानीय शवरद्यदेखेब निकटि द লয়েন্ড প্রিড পুরুষ সেনাদিবের মুর্নাবহারের अधियात क्षित्र। अनः शतः निविद्याद्यम । क्विनोनिक स्टेबाएस् संस्तु, साहित्रके क्रमीया क विवदस सत्तार्थन् स्वतिहसम् ६ के 🚉 🗸 👝

रावा अकार अन्यादक विकासनीय कान-कादीकित्वद्व कार्क्सिक्य विवासन क्षरं व द-तिहा बाजन ज्यानाविद्यक्त स्वात्मन बट्या बानन-शुद्धक प्राचिको १म प्राक्तिकोद्दी वन्नि । द्वर्थान-कांत्र व्यक्तीमाञ्चली कोकाहेख कांशाविदगत **अक्रम्बद्धाः आहि कि क्ट्रिय ?**

ं अद्युष्टिक हो। पूर्व प्राप्ति प्राप्त निर्दिनियान भटनत **अहाँकार्थी करे**डा है शाटल भवन कड़िशाटहन, केंद्रोक्टिनंत्र अरू शक्त देखित्राम विद्रोदन थका-भिक्त बहेबादह । चांदू क्यांत्मामानं हेर्जून 🗢 ু উাহার স্ত্রী ভাঁহাদিবের প্রভি স্বিশেষ যুদ্ क्रिडिडिट्न । जायां विटभन्न शत्रम यस् नत्र अछ अञ्चार्क द्वापन क छ। हे महिसून कहे चीकांद्र कः ब्रिया कारामिरशद्ध क्यांत्रथाम कविरक्रहरू । ' ভাষারা লিখিয়াছেন, ভায়ক্তব্দিত ইংরাজ-ক্ষিত্রের সবিক ইংলঞ্জিত ইংরাজনিংগর इनोबाङ्ग्या बारे । स्थान क्यरनरे डाँशहरिशन স্বিদেশ সম্ভান করিয়া থাকেন এবং সক-ু নেই ভারজবর্ণীরনিরগর জন্য ভারভবর্ণ দা-गर क्या क्याः वरतन । किराहा कात्रक नि ्र वित्रारस्य अञ्चरमनीरस्त्रा वनि वर्षार्यस्त्रदेशरमञ् गकत प्राप्त कारो स्ट्रिक है शायक कार न । ज्यांक्या ७ व्ये क्या गर्मण विश्वा पाकि । **ंच्योगद्री भद्रिकर्णस्य अवस्रि विकाशन (म**ू विद्री जोकांतिक रहेताव, व्यक्तिकातकः हत-ব্যের চিকিৎসালরের এতকেশীয় রোগীরিগকে बन्धानि स्म्बन्न रह ना, छन्निमिन छारासिरशङ्ग

লেওরা কর্তব্য : िक्षेत्र । ' ३३-४ व्यक्तिक वृदयात् ।

ুল্<mark>লাকেবালারের কর্মপ্না সম্</mark>রদিণের স্ **ब्रिक्कोक्क क्या अस्य क्या** क्रिकेश हहेटल #**७,७०० श्रीमा ८थावन कता ब्हे**बारक । वा-**প্রতিম্বর লোভেয়া ৫.০,০০০** টাকা পাঠ ইয়া

व्यक्तित्र कडे रहा। करहरू अन स्मारिटेड्सी

্ৰাজনিবিভ চাঁলা করিভেছেন : ভাছারা ২৫০

्रिका बाज गार्ट्स । देशात निविश्व मकरमात्री

अमा प्रमान, नह संबर्धन देख जाका हिन्ना. क्षा हा प्राप्त क्रिकिश्मक क्रीक विभावेद्या है। ক্ষেত্ৰ তাৰাল্য সামান্তবন চিকিৎসা ক

রিতে পারিশের দার বর্তনান চিকিৎসকের। বুৰি কেব**ল উপজিলাঞ্জিলিলা** বেড়াইডেন ?

हीनरमप्प पालाहिक विद्वारी प्रश्नित म विक कहानी च हैं दहासविद्यन मुख वर्षे एक ।

द्याचा**हेरत**्र अ**ञ्चल अवश्राक वह**ेशाक. ভারতবর্ষ **হটতে দীননেশে নৈ**ন্য প্রেরিত হটবে । চী**নলেশ দেলে ভারতবর্গের** নাং ইং**রাজ অধবা করানীলিগের হস্তগত** হইবে সন্দেহ নাই।

लाब् नांस्य स्य निवरम् यक्रप्रमीव वा ক্ষেত্ৰ হত্তে সাধারণ রাজৰ ও নোট প্রদান ৰাবিয়াহেন, ভাষাতে সর চায়ন্স উভ বিবক रहेत्रा अक शक्क किथित्राट्स । ८ईडे क्रिट्यामीति वर्गन विममतिती वक्रामण्यक क्रिक्तिरात क **ছে, উাহারা লাভের অংশ লই**কেন, কিন্তু **क्षि व्हेरन महलारहरू हुहेरन। जामदा १५१५** ইহার প্রতিবাদ করিরাহিলায

ওনা বাইভেড়ে, পূর্ববাদালার রেইল ওয়েতে আগামি সঞ্জীহ অবণি বাবাকপুর পৰ্যান্ত বাস্থীৰ শক্ট চলিবে।

ইংলিস্থান সম্পাদক বলেন, লেপ্টন্ট্ৰ शवर्षत्र भिषा विष्णानदत्र ১००० होको प्रान क्रियारङ्ग ।

ইংল্পে জনরব হট্যাছে লার্ডকানিও সর চারুল্স উত্তের পরিবর্ডে ভারতবর্ণীয় নেকে हें दि हरेदन। किहू मिन १८३ १३ हा छोन-

পাঠকবর্গ সর জেষস ক্রতের নান শুনিরা बाक्षियम, से यास्त्रि वार्तित बीटणत माताल-ब्राक् ब्राक्त शांख बहेबारहम । वेश्मरक्षी जा शादक श्राचीन सामायनिहा श्रीकांश कतियात्कः न्। नद्र स्थान्त अन्य निज क्षानानिश्वतः व्यक्त भाः त्रका क्रिट्युर्डम । त्रक्षिण जिनि अन प्रण (बादब्रिवादक अहे, क्रिकाटक्स ।

বাখালী স্বস্পায়ক চাকার কিরিমি রেজি-ষেক্টের অন্তর্গান্তার নিবারণের অন্তর্গেধ করি-রাছেন। ছাকা প্রকাশে করেক বার ঐ ছরাজা দিগের অভ্যাচায়ের বিষয় লিখিত হযু, ৷ গব-ব্যাক্ত কি নিষিক্ত এই " তেতুলে বাগণি গনে मा पन वाधिहारङ्ग ?

> ২-এ আন জ ব্ৰুশাভিৰার। সমেতি গোৱাল পাড়াম গো হড়ট্ট উপ-

नटक रिक् क प्रमनेशास्त्र क्षेत्रक शाला स्ट्रेश निवादम् । जुक् बाह्यि बक्त बहेवादम् ।

ৰবীপ্ৰের স্থান কমিসনর বাউরিভ্ সা-एव निक कहन्त्र कप शम्भावन कतिवा तक. ब्लत वित्रणांच बहेबाटइन। कांशन निद्धा-भित्र नमस्य भारतस्य भारतम् धानातं विद्यान कतियाधिकाम ।

পিনাতে গত বংগর ১,৬৮,৮৭ ৪৩৪ টাকা त स्वा जामनानी व २,००.५७,७६१ त्रश्रानी **९३वाटहः होनरमञ्जात अरमक वनिक साकार**ङ **এই वन्त्रद्वतिह अभ्यामः উद्युख्य स्ट्रिट्ड (इ.)**

পারক্ষর্পের স্থরণ থাকিতে গারে, গভ বলেন, ব্যাক্ষকৈ অনেক লাও লেওয়া হইয়া- ৷ বস্তায় কালুসন্ধান করিয়ার জন্য এক কৰিসন निरम्रारभन्न अल्डान ७ शार्यमा करते । यहि-हान ज्याबन्दर निविष्ठ इहेशाह, शांके मा-ज्य कर्णल (यहां छ श्रिक्ट बाई कार्या वि য়োজিত করিবার সঞ্চপ করেন। কিন্তু উত্ত कर्सन्दर मृद्धा स्वर्गाएक जिल्ली खेश एक लाक निवद्य निम्निविधिक शार्थना आहा अदिए भमर्थ स्नु_{र्वा}। हे वीजन मारस्य अविनन्न कि वि च्यू इंडेरियः विश्वनिविधित्रं श्वर्तात्रं आः र्यम्भ कड्डा कर्छवा ।

हीनदिन्याय विष्यां विषया मिर्देश है हो। अक्टिश्व शूनकीत युक्त बहेदारकः अक अपन রণতরির অধ্যক্ষ ও আর এক জন লেপ্টনট र उ व्हेराट्स्न। पूर्वे व्हिका ब्रह्त शह वि-হোহীরা প্রায়ন করে।

मिली शिक्षा विकासिक क्षेत्राह्न, युन-ভান আহমদ ভান রন্ধ আধীরকে বিলা সৃধ্ধে কালাহার ত্যাগ করাইতে বা পারিয়া ৮০০**-**অভিনিক্ত সৈনা কইয়া রণকেত্রে উপস্থিত रहेब्राट्टम । व्यविगटच अकड़ि युक्त रहेवाव विश क्न महारम काटह !

मरको नगरत भूनकीत ८১ ६०० मगम है।का क जानवात्र शोकत्रा बहेत्रोद्धः। जात्मदन कव्य-थ्यः अनम कतिर्द्धाः हमः । वर्षः नतः ।

अभाग म्मालाक विवादिक देवेद्वाशीय লেনাসিংগর সংখ্যার এক হিসাব চাহিয়াছেন। क्षिकि गरमञ्ज, अना त्य करे विमान निर्देख ए-केदन । देनंबालरबद्ध विवास बद्ध, फाटनरम अबे अञ्चरताथ अतिरक्षरक्षम्, किञ्च क्षाह्मस्टान विवत क्षर्ये करमेरेन फाशामिरशङ्ग और समा जारा থাকিতে গাড়েঞ্

লে জ্বীলোক কেন্দ্ৰীৰ ক্ষমিশাৰ কে কেন্দ্ৰীৰ ক্ষ্

मालारक इस्कि देश कावास्त के विश्व इहेट उटह । हेश स्व वर्ष नी हिस्स कि स्वासि श्राम मान्य कावीरमाँ द्यान इहेट के महिन्नी-उ इहेरका अन क्षम श्राम गानि हैन कि स्व श्रीक इहेरका मानाक रागीना अविष्ट । कावामि राज बरणका काविक उन्न मोजाना मानी ।

বোৰাইনগতে গড় বংস্ক ২,২ ৯৬ টি নাতালের পুলিধ বিচারালতে বিচার হন। আর ভাগবের সক্ত ছালে স্বাপানের জীয়্তি হই-ভেছে। ইহার জীয়তি ভারভক্ষের জীয়তির প্রধান জীয়ায় সংক্ষে নাই।

সম্রতি বেংবাই নগানির সদর আঁল লভ অধীনত মালিটেই ট লিগকে আইনে অনতিজ্ঞা নলিয়া ভ ৎসনা করিয়াছেন। তালালিগের বাধ্যে অকেকে ল বিধানের আইন বুরেন না এবং অধিকাংশ অলন। বালেকে একব্যক্তির ভিন্যার বিচার হল, তিনিবারই ইজিটেই ট অলচিত ক্ষতা চালন করেন। নির্মিটিয়ান বিচার বাজিনের বভলিন এই সংখ্যার না লামিবিব বে বেলোন করিলেই: ভাষাবিদ্যান হালালিবিব বাজিন করেন। করিয়ান বাজিনিবার বাজিন করেন। করিয়ান বাজিনিবার বাজিন করেন। করিয়ান করেন।

निर्णाश्वाद अवस्थान मध्यक्ष गढ्य ध्रकासिंछ श्रेदाहरू करामीहा दिन्छिन हीरनद
महाद्वेद निक्छे श्रेद्ध प्यामान दम्भ छ।
गहाद्वेद निक्छे श्रेद्ध प्यामान दम्भ छ।
गहाद्वेद नाद्वार अना छ। नम्भ छ।का गहाहेदाहरून । श्रुवामी दम्भागिका महाहेदाहरून । श्रुवामी कर्कू रहेन । श्रुवामान विद्याहरून प्रामान करामान कर

विकास क्षेत्राम काष्ट्र मिलानूद्र हो क कोकार का श्रीक व्यक्तादक द्रव क्षत्रिकादक दर-प्र केवका क्षत्रिका क्षत्रका करियादक । विद्याना क्षत्रका क्षत्रका क्षत्रका क्षत्रका PARTY OF THE PROPERTY OF THE PARTY OF THE PA

सक्ष्म कर्म दिल्ला माध्य माध्य वर्ग स्थाप सम्बद्ध करिया कार्यम माध्य माध्य करिया माध्य करिया कार्यम में शांक मध्या करिया माध्य कर्म करिया करिया माध्य में माध्य करिया करिया माध्य में माध्य करिया करिया माध्य में करिया करिया करिया माध्य में करिया करिया करिया करिया माध्य में माध्य करिया करिया करिया माध्य में माध्य करिया करिया करिया माध्य में माध्य करिया क

काषता श्रामित्राविकाम हैं, हैं, हे यह जारह व वहायत कर्डन कारमहोत्र वाकिर्द्यन, मर्रण म-र्या स्थानि क्षेत्र कीरात स्थान हिंदि बहेर्स और बाज । गण करमात लास्करों केंग्रांटक दुव्य निके स्वारंकत स्वत्र केंग्रा करेग्रांट । करकार्क जारहर क्षीत शरम क्षांकृतिक बहेर्सन।

ইংলিননালের হারলরাবালের সংবাদদান্তা বলেন তত্রীত্য একটি রাজগভনা অভ্যাবদার অনুসতী হওরাতে ভাহাকে নদীজীরে এককুটী রে রা বিরা, আসা হর। ভাহার পিত। ও আ-জীরবর্গ এই প্রতীক্ষা করিতে হলেন বে ন-দীর ল্রোত র্যকি হইরা ভাহার প্রাণ বিনর্থ হ-ইবে, এমত সমরে প্রধান মন্ত্রী সালারজক ভা হাকে উদ্ধার করিরা ভাহার পিভার মুচলকা লইরাছেন। হিন্দুধর্মে এই সকল দোব পাকা তে হিন্দুধর্ম বিলোগোর ব হইরাছে।

किनिका गण्यात्रक अखरकनीवृतिरत्तव द्व वालाम श्रद्धित निवादन कविवाद अञ्चरक्षात्र कविद्यारह्म । आवकादीत उलक्षरक गवर्गस्य श्रीकेत जानमा वाकिस्त निवादन स्ट्रेगोह मधी वर्ग माट्टें।

वन्तर्भ जनजाषु किर्याण गांव कविरस्त ।
तिर्म जनजाषु जिल्लाण गांवरम् अवरस्त वर्षम जनस्त ।
वर्षम जन प्रश्न जांवास आंग्येन परिवारम् ।
ताथ वस्त किर्याण गांदस्त रेमवरण जांवस्त ।
तथ वस्त वाणित्म, जांग्या जिल्ला विश्वस्त ।
वर्षा विनि वि यर्ग वस्त वहुँद्य श्रास्त्रसम् ।
वर्षा विनि वि यर्ग वस्त वहुँद्य श्रास्त्रसम् ।
वर्षा वर्षम विना वस्त वस्त ।
वर्षा वर्षम वस्त ।
वर्षा वर्षम वस्त ।
वर्षा वर्षम वस्त ।
वर्षम वर्षम वस्त ।
वर्षम वर्षम वस्त ।

सरेशादक जाती है। जातक कड़िशादक है

पानी कानस्तातिका स्थितिका वार्तात केवर वाण्येत कार्य विषय स्थान के व्येत्राति संस्तृ कार्निका का वार्षे । कार्य स्थाप कार्यका केवल कार्य साधारक को स्थाप केवल स्थाप साधारक कार्यका कार्यका स्थापका साधारक कार्यका कार्यका

स्वारेग्रहान मा कि? द्वार एक रेकिस नाम केस्टर्स गाउँ त्यार किशिविक कियान कास्त्र नाम संविधिक स्वारोगी प्रथानी

THE THE PROPERTY OF THE PARTY O

ক্ষাৰ আৰাঃ ক্ষাৰায় । প্ৰথমিক হাতলাল ক্ষাৰায় ইংগাল ক্ষাৰ ক্ষাৰা হয় প্ৰথমের অক্ষানি ক্ষাৰায়ৰ

অংশগার ভারতবর্ণীয় সভা একটা বি ক্লিব্লিকার ক্রিরাছেন। তাহারা ভরু ক্লিব্লিক হ্যাবণা ধারা সানাইরাছিং। বে বে ব্যক্তি গ্ৰণ্ডেরে নান কৰিছিল দক্ত করিভেছে, ভাহারা ছুক্ত জারা ঐ খোৰণা পাইরা দেব। করিয়া দেয়। উহার সাজ বং বানের আচেন্দ হইরাছে।

হারধরাবাদের নবাব ও ভারতা বিক্রান্ত হৈ কে লইর। লবাক লটো অর্ক বিক্রান্ত হৈ ভারতবর্ণর প্রথান প্রথান প্রথান সম্পান্তালয়। তে ও অব ইভিয়ার অর্থান প্রথান করেন নাই। তে ও অব ইভিয়ার অর্থানত নাই। তে ও অব ইভিয়া সম্পান্তবের বেরপ ভার দেশিতে গা্-ওয়া বায়, উনবিংশ শভানী না হইলে ভিনি বহুদদের ন্যার করে করবানা ধারণ করিয়া এলেনার্থিপতে খ্রীয়ান করিতে প্রেরত হই-ত্রেল সন্দেহ নাই।

ইংসিমনান সন্দানক বামান পাটনার অস ই, লাটোর লাহেন নিজে স্থানীবিলেয় ক্ষান্যন্ত্রী প্রহণ করেন। আজি ফালি ইয়াও প্রশংসায় বিষয় হইয়াছে।

এক জন পিরিলি ভাষার রশিত এক জন
ইউরোপীর প্রীলোকের নাক কাটিয়া কেওরা-তে ভাষাকে নেসিরলে সমর্থন করা হইয়াছে:
: ৪ই জুলাই সেসিরন খুন্তির প্রতিশ পাপ
ভিত্রা জনশং রশি

শিশপ্রমাণন লক্ষ্য বিশ্ব বিশ্

३ रक्ष कामाई मनिराद्र ।

শিক্ত বংসর সিজু প্রান্তেশ ২,১৩,৬৫:৫৪৩ শক্ষা অলুকে আলাব বইরাছে। পূর্ম বংসর ব্যক্তিয়া ২৯,২৮,৬৫০ টাক। অধিক আলার ইয়াছে। সিজুকেশ ক্রমে অক্ত্য গ্রথমে-

থ্যের ভার করণ ম। ছইবা সাধারণ ধনাগারের সহায়তা করিবে সম্বেদ্ধ নাই।

ইংলিসমান সম্পাদক আসামের চাকর
ক্রিনেকে এই পরামর্গ বিরাহেক বে ভাহারা নক্রি দিগের পর্যাপ্ত বেজন দেক এবং ভাহাদি
কের প্রতি অভ্যানার না করেন। গারে জ
ধিক জোর ক্রাছে, ভাহাই বে অভ্যানার করি
ভেছে, ইংলিসমান সম্পাদক বলিলে বি দইবে

রিচার্ড ক্রেম্স হজ নামে একজন ইউরো পীর চারল্স নেকিউ কোম্পানির দোকানে কর্ম করিত। এক জন পারবী উক্ত কোম্পানি র দোকানে বিজ্ঞার্থ একট অনুরীয় রাখিয়া যান। হজ ভাষা আজ্ঞাং করাতে ভাহার নামে পুলিয়ে নালীস হওয়াতে ভাহাকে সে সিরনে সমর্পণ করা হইয়াছে।

কুপ্রিম কোটের সহকারী অসুবাসক লল ব উহবিল ভছরপ করিয়া পলারন করিয়াছে। ঐব্যক্তির নামে প্রারই পুলিনে নালিল হইত। ঐ ব্যক্তি পূর্বের কলিলা ভুলেন্ন প্রধান শিক্তক পকাৎ চাকার নর্মাল ভুলের শ্বিক্তক হই বু ব্রিল। শিক্তকের উপায়ুক্ত বটে।

আমরা অমাবসা নামে এক খানি মাসিক পত্রিকা প্রাপ্ত হইয়াছি। ইহ র মূল্য সুই পর্সা মাত্র। অমাবস্যা জগতে বেমন আলোকনর শহরে, ইহা কি সেটশ্রপ করিবে।

্ৰির লিখিত মূল্যে গ্ৰুথিনেক্টের কাগল বিশ্বতি ছইডেছে।

৪ টাকার সিকা ৪ টাকার কোম্পানির		0166 1 • 164 04: E 1 • 164	
e:: টাকার	48	२७५ । ११४०/०	

शवर्वां विज्ञाशन।

२७० जून-विश्वत आत, क. हेलिम वीय प्राथव विश्वत द्वांबाचेत बहैद्यत ।

২৩এ কুন—উপুবেড়িরার মুক্তেক বাছ যছ
কাৰ মুখোপাধারে ১৮৫৯ অব্দের ১০ জাইনের

১৫০ ধারামুগারে ছবলী জেলার জেপুটু কালে

ক্রীবরের কমন্তা পাইবেম। জপয়া বাছ বছুনাধ

মুখোপাধায়ে ভারত বল্পেনীর ব্যবস্থাপক

গতার ১৮৫৮ জন্মের ৬ জাইনের ১৯ ধারা ভা

১৮৫৯ জন্মের ১০ আইম সংক্রান্ত মোকক্ষার

আ্বেদ্ন প্রহণ করিতে পারিবেন।

গৰ আনিষ্ঠাণী সরজন ক্ষেত্রতক্ত নদ্দী ববি-, সালের সাজবা চিকিৎগালন্ত্রের কার্থা ভার প্রাপ্ত হইবেম !

२१० जूम-विमु लिथिउ क्यंडावित। ज्यूहरी भगकारी कमिननत व्हेटनमः-

লেপ্টনত ডবলিউ, সি, এস, স্লার্ক, এবং জে, গ্রেগবি।

२४-७ जून-इगनीव शिकिशि जिनितिक ज्या है, जि. वार्ट गाण्डव केन्द्र कालोग कारलकेटन त कमजा आख बहेता जालील खनिरक गार्थि रसमा

्यात् माधनण्डा (ठोशुती विश्वविध्यात्र अर्थे अर्थित ए अन्त भाषीम व्यवस

৩০৪ জুর—আসামের ডেপুটি ছমিস্কু প্রেন টি. লাম গোযালপাড়া বিভালের বিক্রি

অপামের অভিবিক্ত সহক্ষী ক্ষিত্র তথ্য ডব সিউ, এচ, ব্রোবলো সম্ভেদ জনা নওগাঁব ভাষ পাস্ত হুইবেল

আনামের অভিনিক্ত সহবারী কবিব কি। এ, ব্রান সাহের সঞ্চলনি ও পঞ্চলনি ক্রিক্ত করি। ভইবেন।

श्रुवीयाय आश्रम नमग्र जामोन नाक्रोती विक् इ.स. व्हा वृत्री देखा क्यान म जान म स्थापक्री दे दहिन्द्रिय श्रम्पतम ।

खनदारम् ७६, व ८७वरम् छीष्टाम् केस्टि है कर्ष गाणितिक १८५८मध्येत खेमील क्ष्मित्र है विद्यापुरेन्त्रत्य कार्या क्षित्रस्य।

भा कृताहै—है, हि, हिन्न भारत्य (क्रिकें) कि प बार्डिय क्रम क्रम श्रीटिनिधि गढ़ा इदेरवम १

জে, এ, কুলের সাংহ্য কলিকারার এতি নিধি কটন কাগ্রেটার ছইবেন।

बुनाथाथि !

আই. বি উন্তিয়েৰ সাতেৰ পাৰম। বি ১২৬৯ জৈঙিঅন্য কাৰ্ডিক পৰ্যান্ত কোও ৫ টাক। জীবুক্ত বাহু ৱাৰ চন্দ্ৰ ভৌনিক চাক।

সংক্ষ ভাস্ত পর্যান্ত কে,০ ুর ুর

শনীলভদল বনাথ কলিকাৰ্ম ১২৬৯ ইছাটজ্বদি কাৰ্তিক পৰ্যায় ক্ৰিকে

শ্ৰীণ্ড বিলাজুলণ ম্ভিমপুৰ

३२७**७ जापाठ** जनमि अधारावन नर्गम् त्यः र

এই পাত্র ক্রিকাকায় ক্রিণ পূর্বা বাবলা বেদ ওবের সোঁলাপুর উদ্দেশ্য ক্রিণ চাংকিংশাতা আনে উচ্ছ বায়কানাথ বিদ্যাত্বদেশ্য বাদিকে জাতি সোমবার আক্রে প্রকাশিত হয়।

मायकान

" प्रवर्णतां प्रकृतिष्टिनाय पार्थिनः सरस्ति। श्रुतिमस्ती न सीवनां

৪ জাগ। ৩৫ সংখ্যা।

मन ১२७२। ७১ जायाए। हेर ১৮७२। ১৪ জ्लाह

মাসিক মুলা ১ টার্মা বার্ষিক অপ্রিম ১০ টাকা

विकाशन।

আমি " চেম্ম কৃতিমেউস্ অব নলেজ গু নামক পুস্তাকের মিনিংবৃক (অর্থবিহি) প্রস্তুত করিয়া মুক্তি করিয়াছি । মূল্য নাঠ আনা । নাহার প্রয়োজন হন, তিনি আমার নিকট কাথবা কলিকাতা প্রেনিডেলিচেগ্রে মূল্য প্রিট্রেল পাইবেন ।

পহরমপুর কালেছ।

াই আৰে চ সনঃ১৬১ :

बीरेखरण कामांथ रम

विकाशन।

বভলিন ছট্ল বলক'দায় কবিবর ভারতিরণ एम अनीज बन्नच मांचा मारब रए अक बरवारत পদ্ধ গ্ৰন্থ প্ৰচাৱিত চটুম্বাছিল আহা- এইকণে দুস্পাপ্ত হও,াতে আমি উলা পুনমুত্রাকিত क्षित्राः जाधातम् अनगरभन्न भाष्ट्रार्थः व्यक्तं म করিতেতি। মুদ্রথ কাব্য অতি স্থলনিত, ইঙার যণন, শুনিলে জাধবা পাঠ করিলে সাজিশয় চমংশৃত স্কৃতিত ৽য় । মশ্বৰ ক'ন্যে। অনেক স্থান পরিভ,ক ও পরিবর্তিত হইবাছে যে সকল স্থাৰ অসংলগ্ন ও অপরিশুভ ছিল, এ गकश द्वान, तश्मा ७ संश्वाधिक कतिशी নিডে সাধামত প্রয়ান পাইরাছি। এই সুভব सामाधिक किंग भठ शृष्टी बहेरवक । बेबात पूना ुग०तेत्याः श्वाकतकाहित अञ्चि ১।॰ । अहरवर्ष भक्त भारतिया भितित (अभाष्ट्रेय व्यक्तिक भारति निकर अञ्चलकान कतिहा छ। छ स्ट्रेंदन ।

(नामधकान।

खैनवीमहद्भ पर्छ।

কাঠ আখাছ লোমবাৰ। লাভ কানিডেই মৃত্যু

পাঠকর্ম আজি সোমপ্রকাশ আপ নাদিগকে একটি দারুণ শোক সমাদ প্রদা

ও ফুতজভার আম্পদ পরম দ্যাবাম সেই মহানুত্র লাভ কানিও আর ভূমওলে बाई। पिनि अत्रामाना मन्ना, माकिना, ना বপরতা ও সমপক্ষপাতিতাদি সক্ষাণের ভাধার হিলেন; যিনি বিজ্ঞাহ কালে বিপক্ষাণের ক্রুবচন বাভাছত ছইরাও **শচলের নাায় থাকি**য়া অবিচলিত চিত্তে স্বক্তব্য সাধন করিয়াছিলেন, যাহার জ্ব র সন্দিরে ভারতব্বের উন্নতি সাধন চেকী নিয়তকাল জাগৰকছিল, যাহার যতে সেই উন্নতি বিধায়ক, বিধি ও উপায় সকলও প্রবর্ত্তিত হইয়াছিল, ইংলগুত্ব হইলেও যা হা হইতে আমাদিপের ভাবি শুভ লাভের আশা ছিল, তিনি একাণে আর নাই ৷ ডি মি ১৭ই জুন লাপ্তনে প্রাণতালি করিয়া (इस । जांड' स यक्कर न्दीक वरेशाहिल 1 ভারতবৃদ্ধ পরিস্যাগ করিবার পুর্নের ভাঁছার শ্বাস্থা বিহুত হই 🖫 যায়। পথে পীড়া বৃদ্ধি হয় ছিনি লণ্ডনে উপনীত হইয়া সুস্থ চিত্রে জাত্মীর বজনের সাক্ষাৎকার লাভ সৃধ অনুভব করিছে পাছ্টে নাই। নাধা तरन के नरक सहैश **मानम मरहादन** क्रिएड भारत नाडे।

हाय । मानूरवत कीवन कि साग्र सूत्र ! मानूरवत आमा कि स्थित ! এই स्थानता स्थामा कति । कि स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान कि शासिक स्थान स्थान स्थान कि स्थान कि स्थान कि विश्व स्थान कि विश्व स्थान कि स्थान स्थान कि स्थान कि

ন করিতেছে। আমাদিগের স্নেহ, তক্তি রেন নাই, ইংলতে গিরা তৎসম্পাদ ও ক্রতজ্ঞতার আম্পদ পরম দ্যাবান সেই রিবেন। সর চারলস উত্তর পদে তঁ মহানুত্ব লাড কানিও আর ভূমওলে প্রতিষ্ঠা ৷ হইবে এই জনরব শুনিবা গ নাই। যিনি অসামান্য দ্যা, দাজিলা, নাা দিগের ছাদরে সেই আলা আছু টি বপরতা ও সমপক্ষপাতিতাদি সন্ধানের করিলা কইয়াইল, কিছু নিমের মধ্যে সমু আধার ছিলেন: যিনি বিজ্ঞান কালে শেব ইবা গেল!

পাত্যতিক পরিমান, চিপ্তা ও উরে উ.ভার অক্লাল মৃত্যুর কারণ মইরা। ভারতবয়ে পদার্পণ করিরা অাধি ি এক দিন সভলে যাপন করিছে পাঃ। নাই। পরিলেবে স্থলেশে প্রভিগনন ব বার সমরে নিম্ন গুণবতী ভারা বিরুদি

নাত কানিও ১৮১১ খৃত আনে হ
এহণ করেন। সুবিধাতে অর্ক্ত কার্নি
ভাষার পিতা। তাঁছার সন্তানাদি কি
নাই। তাঁছার সম্পত্তি ও ফুল সম্বান
ক্রে অধিকারী হন একপ কোন নিং
আগীর নাই। অভ্যাপর তাঁছার নাম লো
হইতে চলিল। ফুলাগর্ল চইতে তাহ
নাম লুও হইতে পারে বটে, কিন্তু ইং
ডের সক্ষনগণ ও ভারতব্ববাসিনির্দে
ছাপর হইতে তাঁহার নাম কথন বিগ্
হইবে না।

ভারতহ্বে যন্ত উৎক্ষে জনসংগ প্রবর্গর জেনেরল জাসিরাছেন, লাভ ড ও তাঁহালিগের মধ্যে এক জন প্রথ ভাহার ও লাভ বেণ্টিকের নাম ভাষা বীর্মানগের জ্বারে পাবাণ রেগার ন দীর্থকাল জাগ্রক থাকিবে সংলহ্দা দেশীর নবাধ ও রাজগণের দরবার

গুলে ইংর জনিগের উপান্ধ ।

ব্যবহার প্রভাব।

ক্ষেণে ভারতববে ব্রিটিস কাঁডির একা গ্লাভ হইর ছে। ভারভ বে এখন কাহারও স্বাধীনতা নাই। নেপালের वाश्चाहत ७ सहस्मतावार-त्र निकाम ভ **আপনাবিগকে স্বাধীন জ্ঞান করে**ন किन चन्नु भग गटनाइमा कब्रिटन छै। গের সে স্বাধীনতা নাম মাত্রে । উহা স জাতির অনুগ্রহের উপরে নির্ডর :ততে। ভাঁছারা আপনাদিগের এই । जन्मूर्गब्राम दुक्तिक मा भाक्रम, किछ ठा इंखेरबाशीविषरभन्न है। अविषिठ । নিয়ভকাল এই বিষয়টা মনে উদিত গতে অতে রাজপুরুবেতর ইউরো क्रिप्त्रत मर्देनत्र छाव शतिवर्ष क्रेश्नारक । ভাৰ পরিবর্জের অনুসারি ব্যবহার প বর্টেরও চেই। ক্সমিরাছে। এতদিন তাঁ ा अटमनीव्रिपरशत हिताहतिष षाहात ্হারের যথোচিত সন্ধাননা করিয়া আ য়াছেন,কিন্তু এখন সেই সন্মান প্রদর্শন ভাষ অমহা হইয়া উঠিয়াছে ৷ ভাঁহাদি त्र कळनकात्र महतत्र कथा करे त्य नवाव রাজগণ আপন:দিগের পুরুষ পরস্পরাগ আচার বাবহার অবিলুপ্ত রাখিবার চেকী व्याक्ष्यान मा इनेशा का मानिरशत (देखे ा**जी प्रक्रिटशत) हेक्**। मनुभ नावहाद कटत्र । এক্স চেষ্টা হওয়া অনৈসর্গিক নছে। র্শ্বৰ আখানা লাভ হটলে মাৰুবের ম गृह्न **ब्यान अस्य गरे** हरेता ५'८ ह ।

श्रामित देश्वाटकता धरमणीय नवाव छ श्रिमारणत पत्रवात पत्न क्या थूलिय थ श्रिमारणत पित्राटक्त, क्यान कथा कि य ना ध्रिम चात्र ध्रिमें क्यानकरमहे मध् रहेत्छ श्रिमा ध्रीमताबाटणत दिनिए कर्तन श्रिमान क्रिका निजामरक की स्वामक ध्रीमान क्रिका क्रियात महरत निजा श्रिमारत क्रियात क्रियात महरत निजा श्रिमारत क्रियात क्रियात निजाहरूमन

বলিয়া করেক জন ইউরোজীর তাঁহাকে
লইরা হড়াছড়ি করিজেছেন। অনুধাবন
করিয়া দেশিলে এ বিদ্যুক্ত হার অপশ
মাত্র অপরাধ নাই। শভ ক্রিমসর কাল ব্রি
টিস রাজপ্রতিনিশিনা যেরূপ ব্যবহার ক
বিয়া আনিতেছেন, তিনি তাহাই করিয়া
ছেন।

উপানৎ পরিভাগ করিয়া কর্ণেল ডে বিভসনের নিজামের দরবারে গমম প্রসর্থ लरेया यथन जारमालन छेशविष हरेयारह. তথন এ বিষয়ের মীমাংসা গ্রণ্মেকের উ भद्रिरे निर्दे क्रिडिएर । क्रिक गवर्गस्मरणे র পক্ষে এ মীমাংসা সহজ নছে। এগেণী ধদিপের চিরন্তন আচার নাবহার 🏣 🕏 मानन जनवा वितम्स प्राप्तरंग किस्सिक्षिक क्ष्मत विदयप अध्यासम्बद्धाः भन्नस्टब्स्येन क्रिक्टिक नर । नाम (उनक्रिकि क्रिप শীয়দিগের দক্তকাদি গ্রহণরীভিত্ন নিষেধ করিয়া ভারতববে িজোহ বঞ্জি প্রাক্তনিত अतिया यान । लाखकानिक मिर्ट था हीन রীভি পুন: প্রতিষ্ঠিত করিয়াঁ সকলের চি **खित व्यामानन कत्रियारहन। এक्श व्या**स গবর্ণমেন্ট স্বেচ্ছানুসারে জুতা পরিভাগে ক ব্লিয়া দরবার গমন গ্লীঙি রহিত করিতে भ: द्विम मा । **छोहा क्द्रिटन अटम**ीहिन्दिन **িছ**বিরাগ জমিবার সম্পূর্ণ সম্ভাবনা আছে। ইহা বিবেচনা করাও আবশ্যক যে, নবাব ও রাজগণ আপনাদিগের সভায় জ পৰারা রিক্তপদে लेপবিট থাকিংবঁসং আর ইংরাজেরা সোপানধক ছইটা ডখায় গমন করিবেনক্রিয়া দেখিয়ে জন্তুবার স त्कृष्ठ नारे। त्क्वल त्क्विट्ड' चामुन्हन् अह ाक जात बन, महाद्विशे ध्यानीत था। পনাদিগকে অপুষ্ট্রিক ক্ষান করিছে পা त्तर। विद्यापकः अद्यापनित्रं स्वाप अ त्राक গণ যথম কেখিতে পান, ইংরুজ গ্রণ্মে ণ্টের ক্লুছ সভায ভাঁছাদি**গকে** জু**ভা খুলি**য়া বটেতে হয়, অথচ ইংরাজেরা সভাত্তে জু ত' পরিয়া পিরা আপনাদিগের জাতীর ধ্যব THE WATER AND A STREET OF THE STREET OF THE

---कार्य कर्मगा । है स्वाटकार प्रकार के जि विनिर्देश नवा स्वाच्या स्थापिक विनिर्देश देशहो है। किरनेत वित्रकेन का क्षिति करनाका कर्तात्रा भागमापिटनहरू के ब्रिक्ट में के किया षरियात महास्का अस्टिक भूगिकः एनटत পরিগণিত ছুরুল 🏋 ক্রিক্টা ছাজ্ব কুরুবেতর रेजेजाशीर जात्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र থার স্থলে গমন সহু করিছে। প্রারিহত ছেন ना। व्यक्तवर शहरू के केरसमूह का जीय वह्नवरात तथ्या रुप्त ध्वर ४ ध्वस्त्री सी, मारुमा कता व्यविभार । स्म भीमश्रमाह केलात अहे, গৰৰ্গমেণ্ট এনটী বি শ্য আক্ষা ধারু নৰা ৰ ও রাজগণকে এই কথা হা নাম যে ভ ভারা অপিন অপেন সভাস্থলে উপানং ব্যেত্য র আরম্ভ করেন এবং যে যে হুলে ইংরাজ मिट्यत म्यवात स्टेटन. टमश्राटन अ क्लीटग्रता স্থুতা পরিয়া যাইবেনঃ হেনুস্বপ সমান वावरात वरेल चात्र कार्यत्र मामराज्ञि रुरेवात अलावना धाकित्य भा, अकल पिक देका करेटर मटक्क माहे।

হাইদরাবাদের প্রসংশ আর একটা

যে কথা উঠিয়াছে, নিজাম ফারচিত্র লই
তে চাছেন নাই, রেসিডেন্টে তাঁহাকে আ
নেক লওরাইবা গ্রহণ করাইয়াছেন, নি
জাম অনিজ্ঞাপুর্বক গ্রহণ করিয়াছেন, ত
বিষদ্ধন ডিনি চিত্রগ্রহণ কালে থথোচিত
ভক্তিপ্রদর্শন করেন নাই ৷ এবিধয়ে আমা
দিদের বক্তবা এই, এঅংশে দাতা ও ও
হীতা উভয়েরই নির্ভুদ্ধিতা প্রকাশ হরিয়া
তে ৷ দাতার নির্ভুদ্ধিতা এই, দাতা যখন
মিঞামের সহিত আপনার নিভান্ত অধীন
প্রজার ন্যায় ব্যবহার করেন, তখন ভিনি

বে চিক্ল আপনার অধীন প্রস্তান্তে প্রসান্ত করিয়া তাহার সম্পান বর্ত্তন করিয়াছেল, তথন সেই চিক্ল প্রধান করিয়া মিত্র রাজার সম্পান বর্ত্তন করা বিষের হয় নাই। বিজামের নির্বাহ্তনা প্রাই, তিনি আপনার ক্ষতা বৃত্তিতে না পারিয়া বৃধা অভিযান প্রযুক্ত আপনাকে খাধীন রাজার নাার জ্ঞান করিয়া থাকেন।

যে সকল ব্যক্তি এই আন্দোলন উপ ভ্তি করিয়া কালকুট পরব্রের ন্যায় অন র্গল কটু বাকা প্ররোগ করিতেছেন, ক্রেপ্ত অব ইপ্তিয়া ভাঁহাদিগের সেনানী ৷ ভাঁহাদি গের এইটা করা নিভান্ত দরকার দুইয়াছে বে এ দেশে আর কাহার কোন বিষয়ে অণু মাত্র বাধীনতা অথবা ঞাধান্য মা থাকে, সমুদায় ভারতর্ব মধ্যে তাঁহাদিগেরই কে বল এক মাত্র স্বাধীনতা ও প্রাধান্য হয় এবং গৰৰ্ণমেণ্ট বে বে নৰাব ও ক্লাফগণের সহিত অৰ্থ ও অন্য সহজে যে বলেংবল করিয়াহের ভাহা ভব করিয়া কাহাকে কিছু না দেন। ঐ সকল নবাব ও ব্লাকারা সামা ন্য লোকের ন্যার পর্বদেশ্ট আফিসে রবি সন অথবা ডিক্রজের সোপান্তক চরণ প্রহার সন্থ করিয়া চাকরী করিয়া জীবিকা निर्दाष्ट करतन, देश छै। गणित्वत (त्यु भव हे खिया अपृष्ठित) आहु दिक है का। क्डि ठाशंता गर्वाक्षक अधूक वृक्तिश উঠিতে পারিভেছেন মা যে গবর্ণমেন্ট এখ न रव ताजनीजित अनुमत्रन कतिराज्यहम, 'ध्युनकरे चौकामित्रत खेखात्राखद द्वाटका র জীর্জি হইতেছে। ইয়ার বিপরীত করি ल दिनतीक स्ट्रेंटर मत्ल्य बारे। आठीन तिरित्र अवृतिक्ष नमत्र कथन् ? यथन छणू ৰ্দিকে ভিন্ন ভিন্ন শ্বাধীন বাজা ছিল, সেই नमहरू कि जिहुक्ति नमत नतः : स्त्राम एथ न करम करम मकन्द्रक निम्न चरीन धामा त नाति कतिशे जुलान, त्मरे नवरत्ररे कि ठारात केंद्राम स्ट्रेंट चात्रक रतमा । क्षांत्मत क्षित्यांगिका कि देश्लाकत केत

निनिध नरह । यति धनन विन केश स्त्र, श्वितीत मरधा हेश्मध विन प्रकल झामा ना थारक, ज्यन कि हेश्मध द्वांकः श्ना वित्रशानीत नृत्रात्तित मात्र करन विकृष्ठ हहेता वाहेरव ना । भामता राष्ट्री भव हेलियात वियस व कथा कहि लान, मूत्रनिपावाप ७ हाहेम्बाशस्त्र नवाव ७ विश्रुक्तकारनत वश्मीशनिस्त्रत क्षिण कांकांत्र भारकाम वाकाई काका क्षमान कति या पिरव ।

वक्रासभीय मान

বদদেশীয় ব্যান্তের অধ্যক্ষণণ তাঁহা দিগের বাঝাসিক রিপোর্ট প্রকাশ করি রাছেন ! ব্যার এক্ষণে সাধারণ ধনাগার হওরাতে তথায় সমুদার তারতবর্ষের টা কা জনা ও তথা হইতে সমুদার ব্যর হই তেছে। তাঁশদিগের যেনন কাজ বাড়িরা হে, তেনন তাঁহারা প্রায়ের অভিরিক্ত লাভ পাইতেছেন। এবার অংশীরা ইন কন টাকা বাদে ১৪ টাকা শতকরা লাভ পাইযাছেন। প্রত্যেক অংশ ৪০০০ অব্যি ৮২০০ টাকার বিক্রীত হইতেছে,

चामता शृद्धे थि थिवाम कतिशिष्टि লাম, ৰ্যাছকে অধিকতর ক্ষমতা ও मोच मिथ्रा हरेएएट । बधारकः। स्वा এক প্রকার স্বীকার করিয়াছেন ৷ ত্রৈজ রিছে বে ৪৩,৬০৬ টাকা আফিসের বায় रुरेष, षाश बाहरक (मध्या स्टेसारस। ভাঁহারা প্রভাহ গত নোট প্রচলিত করি তে পারিবেন, ভাহাতে শুতকরা বার আ मा लाख भ रेत्वम । शवर्गस्मरकेत कहित्ल যে নগদ টাকা থাকিবে, তাহা তঁহারা বেভা পূর্বক গবর্ণমেন্টের কাগজ, রেইলঙ त्रत्र ज्ञान श्रम्बिट चाहीहेन्न नं क न हि एक शांतिरवम । शवर्गरमक्षे त्महे लाएकत भश्भी महस्य। स्थि यकि शवर्गस्य कांच জে ক্ষতি হয়, তাহা গ্ৰণ্মেটেরই হইবে! নেটের নিমিত্ত যে ৭০ লক্ষ্ ট্রাকা প্রাতিক্ত वन्तर जाद्य जाहां जाहाता जानमानित्तत्र विकारमानुगादत चाहाईएक शाहित्यमः। भागे जाल ७ इति आकृष्ठि स्देशा भा कि स्देख, जाहा शाहकाई स्टेब्स अव विकारमेत्र शक हरे जम जवाक चाकित्यमः, धक जम रेमण्यक्षेत्र मत्या मत्या जलाव धान कतित्यमः।

राज्यक चमका रहका वर्षे प्राटक । विरम्परकः व्यत्मक विवदस कें.इकि भित्र रिव्यक्तमात्र छेशात्रहे निर्वत्र क्या कहे श्रोट् । त्वाम वास्ति विनय भारतम व र्कं शंद्रा के सम्मणात स्वर्थािक विभित्तान क्रिट्यन मा । नाथात्ररणत वर्ष अहे शकारत करतक जम मामाना विविद्यत हरण मिना काराजित्यात्र क्रमकात नीमा दक्क कतिता मा विश्व ज्ञास जनात स्टेब्स्ट । व्यक्ति দক্ষৰ শতক্রা ব র আনা বাাদ্ধকে বিবার त्य कथा रहेबाटर, जाराट जाय । अहि वाकी नहि । केरेलमन माह्यदा महसूल विकाश ७ कमिनमङ निरम्भ स्रेटन है ষার চতুগুণ বাস্ত হইছ। কিন্তু নোটেয় প্রতিকৃষরণ টাকা ও সাধারণের ক্লমা টাকার উপর ভাঁহাদিগতে অনীয় ক্ষমতা मिथता विरथत स्ट्रिक्ट सा । बाह्यत मश क्ला वटनम, संवर्गस्यक्षेत्र अवा है।का बाग ररेटन कें।हाजा बाएकड होका नरेटक शांत्र বেন। সভা, কিন্তু আপাতভঃ সাধারণ টা কা খাটাইটা ব্যাপ্ত অপবিনিত লাভ করি তে চলিলেন; লাভ ভাঁছালিখের, ক্তি गर्बनाथांत्ररनतः। अहे नरक्षाः ख बाता छात्रछ वशीय भर्गटमर छेत्र दुर्श्विष्ठा अकाम इत बाई। नद्र ठावलन छेड काँहानिस्टक व विवेकात कतिहारसम धरे मिमिक छ।रा व नाति इत गारे। जिनि धक जन किनांजि बात, कें हात यक महेशा खेल निगम कता के किए दिला शांक वर्गत भग्ने सुवा **एका गरिष धरे बत्मावस ध**िक्रत । করেক ক্সন বশিকের সুবিধার নিমিত এচ निम तार्ब माधातरनत किंछ र कहा गा, गू

र्हेरहरह ना, नज़ हाज़लन **केरखंड घरण्ड** जनूनज़ब कड़ारें कर्खवा ।

ইংগঙীর মহাসভার জারভবরীর প্রভিমিধি নিরোগের জাবনাকড়া।

বর্তমান সভাত ৷ সময়ের রাজনীতিজ निर्मात मक धरे (अरे मकरे विस्था) यथ न दे एएटन सूच्य कह निकांत्रण कहिएड হইবে, ভাষেশ্বাসিদিগের মতএছণ না क्त्रिक्षा खाका कता वित्यत्र मत्ह धवर সেই কর বায় করিতে হইলে ভাষা मिर्लन पूर्वा उँ:श्किर्तन अधिविधिन ণের মত একণ নিভান্ত আবশ্যক। যে অব ধি প্রতিনিধি দারা শাসন প্রণালী সংস্থা পনের রীতি প্রবর্ত্তিত হইয়াছে, নেই স্বব थि धरे नि म हरेश व्यक्तिष्ठहा रेशन ८७ अरे निव्रम चारह ; रेगिल छाराव चनू সর্ণ করিয়াছেন ; করাণী সভাট অসীম क्रमठानानी हरेग्रां ध विवर्ग व्यक्त अ প্রজাদিপের মতনিরপেক হইরা কাবা কারী নহেন; সম্রাট আলেক্লাণ্ডর রুশী য়ায় এই প্রধা প্রবর্ত্তিত করিতে উদ্যত হ্ইর।ছেন। আমেরিকার সাধীনতা লা ব্যের ক্র কি ১ ইংলগ্রীয় মহাসভা তত্ততা লোকদিগের অসম্ভিতে কর স্থাপনের किंदी क्यार्टि छ हुन महीमाताला हरे তে বঞ্চিত হইয়াছেন। অ'পনারা আপনা क्रियात व्यर्थत नाम जान आख स्ट्रेस कत দাভার কেবল যে সুখ বছক হয় এরপ मटक, शवर्गामर केंद्रेड भवित्नव कलाक साञ **হুইয়া থাকে।** যে **দেশে** এই নিয়ম অ ছে, ভ খারু শাসম কর্ডা ও শাসিত উত্তরেই পরস্পর লভাৰ সম্পন্ন ও সৌভাগাশালী দৃষ্ট হইয়া খাকেন। যে সমস্ত চিত্র খার। সভা 😉 অসভ্য কালের ভেক করা হয় এই নি ক্লটা কল্বো একটা প্রধান। অসভ্য রাজ। हा केंद्र विद्यान्त्रशांकि कारण श्रामात्र मूर्थ व ছ্ল, মধের ভাব ও ইছ। এভৃতি কোন

বিষয়েরই অনুসন্ধান করেন না, উ.হারা আপনাদিগের বার্থ ও ইন্থার অনুসরণ করিয়াই ঐ সকল কাষ্য করিয়া থাবেন। পক্ষান্তরে, সভারাজ্যণ সেরপ করে ন না।

আমরা উপরে সভ্য ও অসভ্য রাজ भर्गत्र (य दायहात्र ट्यान्त विषय छेत्सर कतिलाम, ভाরতববে कि फेश्व धनूमात्री কাষ্যানুষ্ঠান হইরা খ কে: আমরা যে বর निशा शांकि, जाशब्र वियदत कि किছू वान **एक भारति । वाटरात्र विवदत्र कि प्यामानिर**भन्न হ'ত আছে: আমরা ত'রতব্যবাসী, ভারত বৰীয় গ**বৰ্ণমেণ্টই বে কেবল বেচ্ছা**ক্ৰমে মূভনবিধ কর স্থাপন ও ভাহার ব্যয় সমা धान करवन अब्भ नरक; जानामिशरक অন্য এক গ্রণ্মেণ্টের ইচ্ছাপরাধীন কই शा हिल्टि इत्र। त्म श्वर्गायके देशम् । यन पिन चामता हेशत अधिकात क রিতে মা পারিব, তত দিন আমাদিগকে क्छ मञ्च क्रिएड इट्रेंब मल्लाह नाहै। ইংলগ্রীর গবর্ণমেন্ট ভারতব্দীয় গবর্ণমে ন্টকে লোহিত সমুদ্রের টেলিপ্রাক সম্বন্ধে व्यर्थ शात्तव व व्यनूत्रिक करतम, व्याभता পূর্বে ভাহার অভিবাদ করিয়াছি, ভবি बाटक याशास्त्र छात्रकबस्य त्राज्य देश्ल ব্দ্র গ্রণ্মেন্টের বেচ্ছানুসারে ব্যথিত নাশ্য়, সে চেক্টা করা আমাদিণের প্রধা ম কর্ত্তব্য **কর্ম। কিন্তু ভাষার প্রকৃত উপ**াব কি : ভারতববের কয়েক জন এতিনিধি। ইংলগুরি মহাসভার প্রবেশ করিছে না পারিলে সে উপ্পায় ফ্রবার সন্তাবনা নাই। আমাদিগের দেশের বাবতীয় গুরুতর ক र्खवाकर्खवा हेश्नर्थ दिव रवा करवक द्यन अक्ट दाखिन (य क्था बारान,न, মহাসভা ভাহাতে ' হাঁ » দিয়া যান। किस व्यामित्मत्र यथार्थ व्यायनीत्र, यथार्थ ন উ. অসহ অভ্যাহার, সামাজিক ছুর্বস্থা ও দেশীয় লোকের মনের ভাব প্রভৃতি বিষ য়ের প্রায় বিছু জানিতে পারেন না। ইহা 🕶 🖰 ইব ।

ক্ষকারে লোক নিকেপের জুলা হ**ইডেচে** । মহাসভার ভারভববের করেক জন এতি विधि थोक्टिन चक्का जूनक धरे जकत अनि कि कि ला निरंद मा । अधिनिधि था किटक देहिल दीव्र महामछा ७ भवर्गसम्ब चात्रक चिमात्र चश्राम हरे छ मूच्य हरे তে পাবিবেন ৷ ভারতববের মদলের ভ ক ধাই নাই। যাবতীয় বিষয়ের ঘধায়থ অব का देश्तरक वर्षिक इंदेरन व स्वरण व्यरभ ফারুত অ'প বিশৃষ্টলা ঘটিবে সন্দেহ নাই। ইংলগুরি গ্রণমেণ্ট ও মহাসভা ভারতব বের প্রতি জন্যায় বাবহার করিতে জনু तक, **ध क्या व**ा भागांपिरभन्न चि প্রেড নহে। ভাঁহাদিগের সুবিচার জগরি: খাত। অ.মরা তাহার প্রতিবাদী নহি। তাঁশ্রা ভারতবর্ধের বিষয় ভালকপ জানে म मा रालियांने कें। र निरंगत निष्धियांत्र न कल नमाक करलाशशात्री इस ना। श्रीक নিধি থাকিলে কেবল যে ভারত বে র উ ন্নতিপথ পরিষ্ত হইবে এবপ নছে, ইংলগুীয় গ্রণ্মেণ্টের অজ্ঞতা নিবন্ধন যে সমস্ত অনিষ্ট ঘটিভেছে, ভাহারও স মাক নিবারণ কইবে। পরিশেবে আমরা भूमजीत चानभी प्रविश्वास व विवास सञ्ज বা**ন হইতে অনুরোধ করিতেছি। কা**য়ম নে:বাকো যত্ন কল্পন অবশ্যই অভীন্ট লা एक नमर्च स्ट्रेयन।

मधन ६६७ (स, ১৮৬२ ।--

প্রি। শশ্পাদক। পূর্ব পত্রে শগুনের শিশা বিন্যাস নিকেতনসুখন্দে ১লা ম্বের ব্যাপার বংসাবানাক্তপে লিশিবদ করিরাছি । অর্না উক্ত অট্টালিকার বাহতীর অসংখ্য এবং অতুত পদার্থ সংগ্রীত হইরাছে, তদ্মধ্যে কতিপর বন্ধর সংকেশ বর্ণন করিতেছি। ত টালিকাছিত সমুলার পদার্থের যথা বিহার বর্ণন করিতে গেলে বহসংখ্য প্রকাশু পুত্তক লিখিতে হর । অভ্যান আমি কেবল করেকটি সামগ্রীর নার্যোরেখ মাত্র করিরা সম্ভই হ

पार्डेक्टिकांत्र क्षिणांत्रपूर्वि हैंश्स्त्रपं ७ व्यवीके मा काफिन मरपालकान बार्ट्स विकास, अवर हेश्द्रमध्यत्र व्यवीमणां कि अवका हेश्द्रमध्यत्र शरपारे फूक रहेशारहः निन्न पूरे क्षेत्राहः প্রম লাখ্য শিশা, খা সুন্দিশা। জন সাখ্য শিশা জাত বস্তু ত্রিবিষ্ণ, (১) অসম্পন্ন সাম্ঞী, बधा, धाकु खबा, कुना, शह, छना देकानि । (२) यञ्च कार्याच त्य मक्त कोमंत्मन वाना ত্ৰসম্পন্ন সামগ্ৰী সকল মন্ত্ৰোর ব্যবহারে আ-नवन कदा बाब । धवर (७) जम्मन नामजी, यथा 'शनकाय, यञ्ज हेजामि । हिज्ञ, श्रास्त्रानि নিশ্বিত প্রতিমৃত্তি প্রস্তৃতি পদার্থকে জুসিপ अ। ७ वता दाव । अपृष्ठे स्वत्र निरुक्त हरू एक प्रेम विषय विषय विषय विषय विश्व প্রকাত শিশ ভাত বস্তু সংগৃহীত হইরাছে। এম সাণ্য শিশ ৩৬ খেলিডে বিভক্ত > ১৬০০০ िएमणीय १००० हेर्द्रक, अवर २००० हेर रण्यास्त्र काषीन **आखीश, गर्व छ।** २०००० ি অকর আপনাদের নৈপুণ্য প্রদৰ্শন করিয়া-চে সুশিপ জাত বছর মধ্যে ইংরেজেরা এক×'ত ব্যের ভান্তর্গত ২০০০ পদার্থ প্রেদশন क्रिद्वारहन व्यवनिष्ठे स्य नक्त शहर्ष नःश् হাঁত হইয়াহে, ভাষা বিদেশীয়।

শ্রম নাধ্য লিফোর মা জোণি ধাতু ও আকরীয় দ্রুল্য আক্রম হইতে কর্মনা প্রভৃতি হন্য কে ৰূপে সংগ্ৰীত হয়, ভাষার ক্তিপয় প্রতিদলে প্রদানিত হুইবাছে।

·ষ প্রেলিয়ন্ত রুসায়নোপালালী প্রাভৃতি বিবিধ এব, ৷ চিকিৎসা বিদ্যান ধাৰতীয় বস্ত ুউপায়ে 🖼 ও ভাষাছে, এখানে তাংসমুদায় থক ক্রিড :

তৰ জেৰি খাদ্য সাৰগ্ৰী, দংবৃক্তিত দলা নি, পানীয়, ভাগ্রকুট প্রভৃতি।

৪র্ম জেনি শিশ্দ কার্টো ব্যবহার্যা প্রাণি ও উভিদ জাত বস্তু, মঙলা, রবর প্রভৃতি :

থম, গম, ৮ম, এবং ১০ম জেপিতে নিবিধ বান্দীর মন্ত্রাদি। কওক যন্ত্র ভিত্র এসং কডক ভাল চলিঞু। রাম্প্রট্য নাহক শিশিবর धमक क्षिमा धकाम कति । द्विम स्य दिसस छाउ अमृत्या म हि त्य सन महेरांद्र अना খাকিতে হইতে না , আর্বংদশে উট্লেমন ু লিত হইরাছে , তালাদের সংখ্যা করিয়া উঠি. कीय डेमब्र इटेटल व्यक्त व्यक्तित कहिता एकः । क्षत्र जनकाभ न है। निष्टि करत, উक्त वज्रव भारे क्ल कतिरव এতব্যতীত গুলালারী বান্দীর যন্ত্র প্রদণিত নানা

ब्रुट्व मां । क्यांभीरभद्रा प्रहेष्ठि वक्ष आपर्यम क-त्रिवाद्यम, जाशादमञ्ज अरजादमञ्ज वस अ॰ ध्या-উক্ষেত্রতা। হচী দির্মাণ, অকর নির্মাণ মুদ্রা বন্ধ, ছুলাল চক্র প্রভৃতি অলেব বিধ প্র क्षिक्रमीत यद्वेत मध्या कर्ता प्रकृत । कृति বিদ্যা সংক্রোন্ত কতক গুলি হয় সাভিশয় উ-शुक्रांती : करत्रक वश्मताविध कृषि कार्या वाक्षीत यद्य निरम्नाकिछ वरेगारम् । युक्त विमान छैल বোগী অন্ত্র শত্র বিবিধ প্রকার। কয়েকটি প্র কাণ্ড তোপ প্রদর্শিত ইইয়াছে :

३३म . ०म.२६म, अवर २ ७म (श्रमिटङ नाना এক প্রকার চমৎকার বার্তা বাহক বন্ত্র প্রভৃতি নানা বস্ত প্রভাক হয়।

১৪শ জেপিতে কটগ্রাক সম্পূর্কীর বিবিধ যন্ত্র পাত্তি সমান আলোক-চিত্র দকল প্রদর্শিত হইয়াছে।

১৫ म. ७ २ ४ म (अ) निर्क नानाविध परिक. যন্ত্র- একবংসর ফিরাইতে হটবে ন। এমত ঘ টিকা প্রদর্শিত হইয়াছে, কোন ঘটিকার পু বিধীর সমস্ত স্থানের সময় নির্পিত রহ म्हिन्ह

তুণ নিশ্মিত কাপ্নজ্ঞানিতে পৃথিবীর উপ কার হট্রে সন্দেহ নাই , উদুস নানাৰ একার কাপত একত্রিত হটয়াছে।

केरलक व्याक अवक अन्य ' (लाहे ' क्षाप्र ने করিয়াংছন, গে কেচ ডাচা রাজ্যি করিছত भाविद्यं मा ।

१७वं ८० निरंख माना श्रेतात वाला यहे. এবং ১'শ শ্লেণিতে লক্ত ডিকিংসা সংক্রাপ্ত ' नामा यश्व

१ तम् कादि ३ तम् अर ३ नम् स्थिति^{रा}ठे, : চুল শণ, পটু, উৰ্ণা, জাত ও বিশিত বহু, স কল এবং উপানং শৃভূতি চৰ্মাঞ্চ এবা ৷

২৯শ ব্রেণিতে িকো সংক্রান্ত বন্ত সক ल , एडन शुक्षक अञ्चलियात निका प्रिवाद क्षित इरव के छा कि ।

अस्मान्य (भाषितक स्त्रीह यक नकन अन-

নানা দেশ হইতে इरद्रक्रद्रम्य जर्भ ্য আগত হইয়ান্ড होनरमण हहरज

হইরাছে। ভাষা চলিবার সময় পুথ নিগঁত। পটকবত্ত, বখুমল, মৃত্তিকার খাসন এছতি। निश्रम मीभ श्रेटिक स्थापि, श्राम्महिमि, ब्रुक्का-मि महीठ तेश ीश प्रहेटख छैरक्कडे मर्कका, क क्नानि । व्यर्द्धे नित्री स्टेट्ड क्लाडिस्न, डेनीक वज्र. भाग्य ध्यकृष्टि जयर ५५-४५ भाग व्यव-वि वर्डमान जनम् शर्वाच २ : १७० मन शर्विजिक व्यक्षीर ५ ०००,०००,००० होका मुस्माने त्य वर्ग আকর হইতে সংগ্রীত হইয়াছে, ভারার এক ষর্গ মন্ডিত প্রতি দশে গুড় আগত হইয়াছে। নিউ জীনপ্ত ঘ্টুডে ডিনি মংস্য গরিবার নৌকা প্রভৃতি : আদি কা ও আমেরিকার ইংরেজা-योग जरण स्ट्रेटड खाइम डेरहर्ड प्रवासि ८४-ব্লিভ হর নাই।

> ভায়তবৰ এখানে কি ভাৰ খাৰুণ করিয়া. ছেন, তাহ। আনিবার নিমিত্ত আমাদের সা-ডিশ। উৎমূক্য অন্মিডে পারে। অট্টানিকার िक्रम शृद्धत मध्या ५००० इक्तूळ की है जा-যাদের দেশে^{ন কিশ্নি} নিয়োজিত হইবাছে। अर्थामहे वद्यान कांड वस अन्यक वर्षः ডিল ও সম্প বীজ, ডৈল, এক্সিগাস, ডেমজ वस, ও कांश्रीपि नाना स्वा अक्तिक इडेग्राट्ड-আসাম কাছাড় এহট, দারজীলিত, ভেরাছুন গড়ওয়ান প্রভৃতি স্থানের চা অভিনয় প্রয়ো-जनीय विनया शामनिष्क ब्हेब्राट्डः अयुक्षाट्य প্রায় ৬০০০ প্রকার বস্ত্র আবাদের দেশকে अमर्थन क्रिएडएइ। विक्री श्रेट्ड क्रिक्टड्स উপর চিত্র স্থল আগত হইগাছে, তামধ্যে এক মন্দিরের অভ্যক্তর বিবর্ক চিত্র ক্সনেকের মন আ**ক্ষণ করিভেছে। লক্ষৌনগরে** যে সকল ফটনাফ খুহীত হয়, ভাছার কভিপন্ন বিচিত্র প্রতিরূপ প্রদর্শিত হইরাছে। কলিকাভার विक्ष कर्थ, खबियदात हुङाञ्च देन भूगा क्षकाम করিতেছেণ কাশ্দীরেব বমাতের উপর পট্টক-র্মা, ও দিলীর জাল অভি উৎকৃষ্ট। নানা গ্র-কার গালিচা ও তুলিচা, ও জীনগরের ও অ-মুতসরের **শাল পাতিখর মনো**রে। গুজরাট **७ भश्रादेश कक्र्यांशिक्सं**य वर्ग निर्देश লৌহ কর্ম সকল প্রশংসা যোগা। পট্টলন্ত্র বিবিধ প্রকার এবং উৎকৃষ্ট , বারাণসীর কিং খাবের ভুলন। নাই , ভাছাদের মূলাও সংচি-ত। পঞ্চাৰ, মীরাট, ও বরাহনগব (আলিপু স্ত্রা প্রতি কারাগারের ফলীনিগের প্রস্তুত সান্তিধ বস্তু প্রদর্শিত হইয়াছে। নানা প্রক

কাগজ্বে নমুনা, মুলেরের থড়ের কর্মা, ধ্যারে- 🕽 টি চিত্রের তাৎপধ্য এই যে করেক দিন এক্ লীর জ চু নির্মিত কর্ম, লাহোরের পাকপত্তন কৰ্ম, এবং ফুফৰগৱের বাৰৰ প্রান্তি ক্রতি কৌ-ভুচল জনক। ক.ষ্ট্র, হস্তিদ্ভু, প্রেন্তর প্রভুতির উপর খে: দিত কর্মের বহু প্রকার নমুস্ কিয়ু একপুরের হস্তিদম্ভ খোদিত ক্রেম্মর ভূল্য জভ किंद्र नहर । विनि कतानि क्षेत्रकंत्र (दोन) कथ দেখিয়াছেন, ডিনি ভাছার নির্মিণাদিত প্র-भश्या विवद्य काम कार्यं अण्डिशा इहेरवन मा। जनका डेक्सिशिरशा धहे धकि माज खन । हाक्यंत्र वरस्त्रत्र नारगरस्य माज् यरबहे। বোৰাই প্ৰদেশ হইতে নানা অসম্পন্ন সামগ্ৰী याजीज विविध भनादर्शत छेशत श्वामिङ कर्य. कृषि व वद्यारता शरवांशी यञ्जानित क्षांत्रिका । প্রভৃতি প্রেরিত হইয়াছে। **খাস্রাঞ্চের ভাগ**: जारा वरहे, किस भाग, अव कित्र करफाँद মহুর, ও জান্যান্য কডক গুলি মধ্য দম।গভ अहेदारम् । अक्तरमन्, यवारे 👑 অভান্ত পুর্বা काकनीय त्रम बहेटक था हू अवा. बिह्नस, र-তমুল্য প্রেন্তর, ও বর্ণকণা প্রভৃতি পদার্থ থ্রে **রিত হটরাছে। ত্রন্ধদেশীর ক্**ডিপর কো*ু*ক क्षत्रक हिद्र लाटकंद्र शंटगुरिशानन कदि 1 **253**25

করাশীশ জাতির প্রমের নিদর্শন অবশ্য कृष्ठि उरक्षे । उर्शिक्षा चार्मगरिष बञ्च अन- म नित्राह्म , उँकि एक वाक्तीय यक्ष नकन कुष्डाच विलाल क्या।

ভাষ্ট্ৰি যা হটতে ন নানিধ অসম্পন্ন সাম এ। বীট্যাল জাত দাবা প্রদর্শিত ফটরা-**্রে , উ**ত্তে ফেন্সে প্রতি বর্ষে ১,৩৭২ **০০০ মণ गतिबिछ वीडे म**र्कश छिरलज रहेग बाहुक।

প্রেসিয়'র অথব নিশ্মিন যুখ সমাল বুমণী क्रा सम क्षारकर्ता सहस्र ४ १७ 📜 💇 गञ्ज **নিকল এপ্র**রণ করিয়াকেন :

মুশিক্ষ জ্বান্ত নক্ষর এক ,শন 🚉 🧸 🦫 🎉 ब्राटक विवादन क्या, त्यांत्रभ रम व पाय विवाद विवाद **ও চিট্রাদি ছিল, তাহ'**র শবিৰ 🕬 **क्रमेटक् र तर्भात नर्मार= व्हेर्ड २३ हर. र** (क्या वस् भूता भिष्म स्थानकर ,८१२५ ८०-गांटकर :

अहे महर बांगाल मध्यक बक्त इ. इ.हे (य করাশ্যাশের ধান নামক পত্রে নানা প্রবাদ ক্রেক্ত্রক,জনক টিব্র প্রেকাল করিডেছেন। এক

क्रिविनास्य क्षारदामञ्ज प्रकिना ३ केवा किन, ७ भर्षा এक प्रिन এक स्नम कांग नाक्ति १ होक। किहा **अर-रमत कडी कतिरखर** । णांत अक টির তাৎপর্য। এই রম্মাসিকাবুক্ত নান। সংহেব ভারতবর্ষীর একু িবিশন্ প্রদর্শন করিয়াছে ৷

चाड्डी निकास श्रादरणंत्र खोदा, राक्य होकी নংগ্ৰণত হইডেছে, তাহা অভূত পূৰ্বা।

সামেবিশা হইতে যুদ্ধের সমাচার আগত হট্য়াছে, নিউ অলিন্স ও ইয়ৰ নগর ফে-(फ्रह्म एक्स क्ल गंड क्स्याटक, जाकारमत থশুখে ক্রফেড়রেট্রা **তি**ব **হট্**তে পারিভে ছেন, ইহাতে এমত লুচ ভর্মা হইতেছে যে এই যুক্তে ধর্মাই জগ লাভ করিবে।

है छित्रन कीन छ् भद्र मन्भाक्य अत्र भूक्त लिथिशाक्त य वर्षमान है। जिनिमान कारी। লিকা হাইডু পাংশ নিৰ্দ্মিত হট্যাছে, বস্ততঃ উহা উক্ত প্র হইতে বিশ্বভূরে তথ্টন না মক উপন রে এথিত হইখাছে।

ক্ষাশীশ দেশে যে গোল্যোগ হুইবার সন্তাবনা ভইয়াছিল, তাহা নিন্ত হইয়াছে। कर्छ कार्रिक चटलट्य छैटीर्व बहेबाटल्य । ভ মিচাদ গুওদা

বিবিধ সংবাদ।

> ৪.০ আগাড় লোনবার।

আমরা অত্যেত দুংখিত চটাং' নির শি थिक देवेनिआरण्य मध्याम श्रामा विवादिक "লগুন, ১৯৩ জুন গতকল্যারেল বানি ঙের মৃত্যু চইষাছে। মিনিসিপি নদীতে একণী **अवयुक्त इनेत्र। तिराहक ।** विहासकि पिरत्य वर् ভরি সমূহ এক ফালে বিনষ্ট হটবাছে। মেশ্ছ-স নগ্ৰীয়ের। অ'বাস্মর্পণ করি (চেচ। বিচ ছীর। বাইটছুর্গ ভাগি শরিয়াকে। গরণদেটের ্সনার। মেণ্টিল নগরের সামুপে উপস্থিত স ইংশ্রেছ । চারলস টে.নেব সভা করস জাম্ব िक शास कविदार्हित। " गाउ मधीरहर असी-चित्रेत तथात्वत विश्रासन्त मध्याम पाना नरह ।

्रायाडे महादय भारत (प्रभी व क्राह्म्स्टरम्द्र । থাক বলা ইংকায় বিক্রীত হইতেছে। নীৰ ुर्वते १ राहित तान्त मृता वृष्टि **हरेगाए**।

মহী মুরের ক্ষিসন্ধ বাউবিভ সাহেব 👁 ত্রতা বালির টাক উঠাইয়া দিয়াছেন। জনে-

क हेश स्विधा कान कतिरस्त, किस वसकः ভাহা নহে:

আমরা নিশ্বর বলে এবণ করিরাছি তা-রতবর্ষীর গবর্ণমেন্ট কাবুলের যুগ্ধে হস্তার্পণ করিবেন না। লাভ পাষরখন মহাসভায় ব-লিয়াছেন পারস্য দেশীয় বাজা এবুজের বিয় রে হস্তার্পণ করেন নাই ৷ ইহা স্থলতারে 📆🏰 🗽 ও দোভা নহমদ খার গৃহবিবাদ মাত্র।

দক্ষিণ হেরালভ সম্পাদক সর বাটল ফিয়া-রেব পুনার জরবারের বিষয় প্রকাশ করিয়াছে-ন। উক্ত দর্বারে <u>এতকেশীর ও ই</u>উরোপীয উভর্বিধ লোক উপস্থিত ছিলেন এবং সক-নেই শাসন কর্তার যিনয় ও ভরতার সংস্থাদ লাভ করিখাছেন।

উক্ত পত্রে জু । গুণ ে क्रियंटिन कर्नल ক্রালি আত্মরকা হেতৃ চুইখানি পত্র প্রিকাশিত বব্বিয়াড়েন ৷ উছিব্নি নামে নামরিক নিচাবলে-(श कारमक व्यथवांक क्लिस्त्री क्ट्रा करत्रक खन অ'ফিস্ব **ভাহা স**জ্ঞ বলিয়া শ**প্ত করেন** : কিন্তু উ,হারিগের কথা মিখ্যা সপ্রমাণ হইয়া ছে। অবশ্যই দ্বীকার করিছে চইবে ভুতপ্রশ্র কেম্পানির আফিগরেরা রাজকীয় আফিসর দিগের অপেকা ভয়লোক ছিলেন।

मिन्नोरशरकाडे अभ्यामक वरशम, कर**श**क मिन म करि करमूक राक्ति जागताह नारते।. ন্যেন্ট মাজিতে উট্র বাটালে রাব্রিযোগে ছিল ामित्रका । मन्द्रीमक निष्धं करायक थानि ইট পড়িতে দেখিয়াছেন। ৯ জিটে টের বারী ८७ डेडे পड़ा सम्बन्ध ।

ইণ্লিস্থান সম্পানক লিখিয়াটের সম্পা তি থনি েবা বেচ জন বিপালীকে বং করি যাছে ভাষা শেষোক্ত ব্যক্তিনিগের দে, শেষ খটিয়াছে। ভাহারা দেনানলের কতক রসদ क्ष्मेया श्रांडेटान्हिन 'अक्षेष्ठे निवादित्र निक्दै মান্ত্র একক্সিড কবিয়া বাখিব। ভাষারা কান ক্রিভে গদন কবে, এমন সময়ে ধন্য জাতী ব্রেঝ আসিয়া ভাষাদিশের প্রাণ সংঘার করি-বাছে। গায়োজাতীয় এব দল সম্ভাতি ত্রিপু-রার রাজার ভারিবারে প্রবেশ করিয়া করেক शानि आम लूडे करिहाटक् । अहे समाप्तिकटक । পর্যন্ত হইতে বঞ্জি ও বরিরা দেশের মগতে লে অথবা কোন খীপে বাস করিতে ক্ষেত্রা क छेवा ।

গত শনিবারের নেজেটে প্রকাশিত হইচাচে ১২টি ছাড়ল ছোরী, আগালত ঘইরাছে।
দশকন সদর আলা ও দুই অন বারিটর ইহার
বিচারপতি পদে নিযুক্ত হইয়াছেন। করেক
অন উপাযুক্ত সদর্জালাকে প্রথম প্রেণিস্থ করা
হইরাছে। গবর্ণমেন্ট সমর্জালালিগকে বারিইর অপেকা বিচক্ষণ বিচারপতি ভান করেন
ইল্ বিশেষ আজাদের বিবর।

জোনেক কারবেরি ও তাঁহার ভাগনী দেউলিয়া হটবার আশেরে আদালতে উপন্থি-তে হটগাছেন এ তাঁহাদিগের মাতা কয়েক বং-সর পূর্বে দেউলিয়া হওয়াতে তাঁহারা বজ বিক্রবের কাব্য আগ্রম্ভ করেন। এই সকল কেউলিয়াদিগের অবস্থা বিশেষ করেশ আবগ্য-ত হওয়া উচিত।

পূর্মবারনার রেইলওরের এজেন্ট আ-ফিসের এক জন পাগাওয়ালা ৭১১॥১৫ চুরি লরাতে ভারাকে সেসিরান সমর্গণ করা হ-ইবাকে।

বিশ্বমনোরঞ্জন পত্রিকার এক জন পত্রপ্রে থক সলেন মাসদহের খীবরবংশীয় একটি জী লোক ভিন বংসর গর্ত্তধারণ করিয়া সম্প্রতি থাংসপিশু মাত্র স্টুটি সন্তান প্রসাব করিয়া প্রাণত্যাণ করিয়াছে। চিকিংসা শান্তের অস্থ-শন্ধানের উপযুক্ত বিশ্বত সন্ধেধ নাই।

২৫এ আইছি মজলবার: 🌩

মদিনী ব্ৰের অন্তংপাতী দেক্ড্রা ইই-তে জীবুক্ত কৈলাসচক্র রাধ্য সহাশর ব্রহ্মসমা-ক্লোনবাব নিষিত্ত আমাদিগের নিকট পাচ ত ক. ও নিম্ন লিখিত পত্র পাঠাইরাছেন।

"সম্পাদক মহাশয়। শীন্ত আমার কন্যার।
আন্থালন ক্রিয়া সম্পান ইইবেক। ওড়লপথেদ
শুকু বান করিতে ছইবেক। বিদ্যু স্বীয় আত্ম
জান শান্তা লাকেশে সর্বাত্রে বকণানিধান
জানীশরের নিগট শুক্ত প্রাথনা ধরা, এবং
শ্রিক্ত শ্রে বিশয়ে দান কর। অবশ্য কন্তব্য
নিবেচনায় এই পত্রের ভিতরে ৫ গাঁচ টাকার
পোঠনীম্প মহাশ্যের নিকট পাঠাইলাম
মহাশয় অক্সগ্রহ প্রকাশ পুর্বক উক্ত টাকা
বিদ্যাতা ব্রহ্মগ্রাক্তে পাঠাইয়। দিবেন।
সমালের নারা এই ইলোচ

ं। नामग्रामा अन्य | चित्रप्रमा है। व

水管 生生。

.च १ के **का**शास्त्र । ...

সাহরণ প্রবের এল জে জ নামক এক দ্বার লারোলা ১০,০০০টাকা ভহবিল ভালাও করাজে জাহাকে হাজতে দিয়া ১০০০০, টাকার লামি ন চাহা হয়। সে ভাহা দিছে জক্ষম বালার ভাহাকে ভত্তজ্য সাজিকে টু কারালা ল প্রান্ধ করেন। ভবার সে পালল হট্য ছে ভি ভাহার জী গবর্ণমেটের নিকটে রা আবেদন করিরাছে বে কারালানে বাভার প্রাণভ্যাক হট্যাছে। ভত্তজ্য সিনিম্ন সরজন পাক বলেন এ মিধ্যা কথা। ঘাহা হল্ডক, আমাদিকের এই আল্ডর্য্যা বোধ হইজেক, এক জন প্রীর্জিকারী ১০০০০ টাকা বাই

একণে এতকেশীর রাজগণের অগবাল লেখা একট প্রথা হইন উঠিরাছে অযোধা। গেলেটে এক জন লিখিয়াছেন, জল ব হাতুর চারতবর্ষীর গবর্ণনেন্টের প্রতি অনাস্থা প্রকাশ করিয়া বলিরাছেন যে তিনি শীল্ল জ্যোধ্যা আক্রমণ করিবেন। জল বাহাতুর ইউরোপীয় দিগলে নেপালের বনে শীহার করিতে নিশে ধ করিবাছিলেন, ইহাই কি একপ লিখিবার

ভালে নাই, তমিষিক ভাষার মিরাল হইস।

দিলী গেজেটের সংবাদদাত। কলেন, ম হারাজ রণনীয় দিংহ প্রজাদিগের উপর অ-হাস্তে অত্যাচার করিতেছেন। তিনি নিজে কান্দীরের প্রায় সমুদার বাণিজ্য একচেটিরা করিয়াছেন। শালের তালিরা উালার ক্রীত দানের ন্যায়। রাজা সকল প্রবেদ্র উপন অ পরিখিত কব লইয়া থানেন। তালার রাজতের দেশ দকা ক্রপাছত।

इक्ष काशक कुनगढ़

াইন্স অন ইণ্ডিয়া সম্পালক ক'বুল হই তে সংবাদ প্রাপ্ত কইয়াছেন, সম্প্রতি দোও মংশাদের গাইত স্থাতান জানের এক ভরজর যুক্ত হট্যা গিয় ছে। ইং'ব কলাকল জানা যাস নাই।

মান্দ্রাজে যে সকল নোট প্রেরিড হইরা-ছে তথ্যগৈ তামিল ভাষার নম্বর না থাকাতে ভরতা লোকেরা ত'হা লই**ডে অসমত হট**

234 21

্মান ছেনিশ্বন '৮,শব্বী **ভট-**ব্রিড প্রাদেশ সমূহের পলীমানিত বিদ্যালয়ের

বারের জন্য এক প্রকার বিশ্বাবিদ্রিশ শাশন করিডেছেন। বিশ্বাবিদ্যালয় করিবার ও একটি প্রধান কার্থ বিশ্বাবিদ্যালয়

विनिद्भात एगनीप्रिक मःश्रीका का न, जबका रेकेद्वाभीत देननिक क्षीका है दारम ध्यातन कहा व्हेटकद्य । वक कानू रे २१ ज का बाह इक्लाकियां ।

গড কলা একন চেম্বৰ্থকে জিছু কিছি টাক ব্ৰ অহিকেন বিক্ৰীত ক্টব্ৰাক্টেণ

বাজা ু বেষ্টি বেষাবের ১৩০৫ : ১৮,৫৮,৩৬ কালী: ১,৬০৫ : ১৫,৩৩,৩৮

নের নি নিয়ারে সম্প্রিক কুলার নথাকা বিশ্ব গের সহিত তুলার কুলবাসিয়ের একটা বালা হইরা নিয়ারে । বালালেরা একটাতার বুলা নির্দারিত করিশাহিলের কিন্তু রহাজনেরা ক্রি হাতে অসম ৪০ ওয়াকে জনের বালার প্রাক্ত রন করিমান্ত ভক্তের কুলেরা কুলিকারে ত ম্যোল নি তিন্দ্র হাত উক্তর বুলে ক্রি হানক বিশ্বর বিশ্বর বিশ্বর বালার নার্নির হরণ বিশ্বর

ইভিয়ান এম্পারে নিশিত হুইবুর্তিই ফরাশীর। নোহিত সমূতে এক ছার্মীর করিবর্তি হে। প্রমান্তার নিকটবর্তি একটি বীপা আরুটির গের হন্তগভ হইরাছে। সমাট নেপেরিকার স্থানিবিধ্যাক কলবাটের প্রশানীতে করাশীর করিভেছেন।

অবোধ্যা গেজেই সম্পাদক বলেন, শুল্প-ড্য ১৯ গণিড অবঃরোহী সেনাদলের মেল্লর গক গুলিবারা আজহতা। করিবার ১৯৪৭ ক-রেন। গুলি ভাঁহার বাব কক্ষ দিরা গবন বর্তি রাছে। উ.হার জীবন সংশর । ইউরে: গীয় সেনাদলে অস্ত্রসঞ্জান করিলে আজহত্যার ১৯৪ ন গোপনীয় কারণ বাহির হইতে গারে

টাইনস কৰ ইণ্ডিয়ার বাজাঞ্জন্তি সংবাদি লাভা বলেন, সর উইলিয়ন জেনিসন নিজ-পদ ভ্যাপ করিছে ইচ্ছুক নহেন। উচ্ছার কানেক পরিবার এবং কান্দা দার গাল্পড়ি এমার কান্দা লাভা করিছে কান্দা লাভা গাল্পড়ি এমার কান্দা লাভা করিছে লাভা করিছে লাভা করিছে লাভা করিছেল। তাহাল বিজ্ঞানিক ভারত করিছাছেল। ভাহাল ভাহাল ভারত ভারত করিছাছেল। ভাহাল ভাহাল ভাহাল

ं जना क्लंब कारबाई। जिलि क्लिया ায় অন্স। ঐত রোগ।

हतिएक आवंडे व्हेर्स्ट दर मंगा (अति-তাহার ভাল ক্রাডে ক্রাসীশাসন न मा नव उद्गित्तव रहीयगरमङ मिक्टे छाहा-ं अखिनांत नरहात । किमि वक्करत जारकश গ্ৰকাশ ও কমা আৰ্থিৰা করিয়া অঞ্চ প্ৰত্যৰ্প া করিছে সম্মন্ত হইরাছেল। এইসফলের নি শিশুই কি ভেমিসন ডিয়ভার খান।

নিয়লিখিত হুফ্রন নোট এবং ভাষার প্ৰতিপু সম্বানগদ চাকা ও রৌণ্য প্রাকৃতি जारिक ।

> ভূর্যায়ত রে.শা गवर्दवादेकेन वांत्रक ते*ं, हेर*, क्का প্রতিষ্থ বরণ টাকা ১,৯৯,৫১,১২৯ ৫৮,০০,০০০ क्षर्व निज ٥٠٠ مع ٥٠٠ معرب ١٥٠٠ د٠٠ و٠٠ و٩٠٤ ٢٠ বোৰাই

मोखोरम (नाठे छ अडिपुरुवर डेका उपद नमान। अहे जन्मकार स्ट मान हावि **লোটির অধিক নোট প্রচলত** করা প্রনারে क्रेग्रांट्स् ।

মুলতান জানের একটা যুদ্ধ হট*াডে ও চ*় গিত হট্যাছে তাহাতে তিনি যে যুদ্ধের যথা তে ৰোক্ত মহমদৰ্শ। পরাজিত স্ট্রাচেন। ञ्चाक्रीमकारनार मुक्ति कृतिगात कार्रियम 41.12

লাও বানিং ক্লোৱন্ত। জ্ঞা मगदम विभिन्नः नियादिक्षण कटकेल वाका का ं **ठिडे**:ब बो**र्ड जोल्लक्टाक्र**,क्य राष्ट्र मनाव ६१ র ছে। ভারভবর্থে বালকোরের ন্যায় নিয়ত पूरे अक अन लीक होते।

बाक्यांच अवर्गदबके जारमदमत मिक्टे दूरे মাইনের মুক্ষ স্লোপণ করিভেচেন। সাঁওভাল পর্গণার হুতন সিজেন। রফের কি হটন। এরপ জন জাতি কয়েক রেজিমেন্ট শীক সৈ-ন্য পুনর্বার চীন দেশে এপ্রবিত কইবে। বিজ্ঞোন दिशिनारक प्रमन कर्ना हेवांत्र केंद्रिकन्। त्नरम উপন সি লিখিত বান্ত ছাব্ল। বিড়াল ছয়ের যক্ষমার নিপান্তির ন্যার উল্লিখিত বিবাদের নিষ্পতি না হয় '

ক্ষিনিক সম্পাদক বলেন ভারত্তবধীয় গবন বেন্টের প্রস্ত,বাহ্সাকুর টেট সেক্টেরারি प्याच्या विवाद हन, उर मकल देशना ग्रवस शूर्व হইলে ইংলড়ে য'ইডে চাৰিৰে ভাছাদিপকে অণিক টাকা দিয়া এদেশীয় সেনাদলে র'থ: **इटे**र्टर । एउन रैमना कांनिएड निस्त बाह्र र्र হয় : প্রতোক ব্যক্তির প্রতি ২,১ :- টাকা প- ! ডে কিন্তু পুরাতন দৈনিকলিগকে র_ংখা হ**ট**লে ব্রিবিধ উপকার **১**টবে । প্রথমতঃ পুরাতন ন্তশিক্ষিত দৈন। প'এয়া খাইবে,বিতীয়ত। সু তন সেনা আনিবার ব্যয় সংক্ষেপ হইবে, ডু তীনতঃ ভারভদর্যের নামে বে ১৪০০০ সৈনং ইংলধে আছে, ত'হাদিগকে ব্লাখিবার জার श्रदां क्न कदिए न। ब्यागास हि कामापि গের সালামার :

স্থ্ৰুর। সম্পালক বলেন বঙ শালের ঘাটে मार्ट्सक हें डेटब्रांभीय चौलांत्री विवत्र बहेश। टेनकारम याम करता। श्रुमित कर्पानितिकात এডরিবারণ অবদা কর্ত্তব্য , খ সাসীয়া এক প্রকার স্বরোধ জন্ত, জারালিগকে লয়নে ন রাখিলে ভাহাব। ঠিক পথে চলিবে কেন।

व्यविशित्भिक्षितं अकल्य मध्योष प তা বলেন, রাওনাহেবের স্ত্রাকানিতা প্র मांग इडेरन ना । द्वांनड भटा ब्रांडमारहर्द्व **করার নিকটে আ**কগ'ন সেন্ের স্টি'ড্.} যে প্রকার সাহস ও আলুবসাহের বিষয় লি

TO THE TENT TO BE TO THE

পুলিব কর্ম চারিরা ভাষাকে 🍟 করিবার ক্র ন্য চেষ্টা করাতে সে তংশমুদরি জানিতে পা-রে। একদা ছুইক্স চরের সহিত ভারার সা-কাং হইলে সে বলিল আমি জানি ডোমরা আমাকে ধরিবার চেষ্টার আছ. সতএব তো वाकिरात्र अधारमद मिक्टड अहे किए लड़ेशा यां ७, वहें कथा विशिश्व छाशक्तिभक्त छन. বারের আঘাত দিল। সম্রুতি একজন কালেক্টরের বালতে বাইরা তাহার সংহত রাজয় ও বিচার প্রাকৃতি বিষয়ে আনেক কণ কৰোপকখন করে, কালেক্টর কভককণ পরে ভাহার নাম জিজ্ঞাস৷ করাতে সে নলিল আ-মি িখ্যাত ভাক**টিভ শ**ক্ষর্য়ম সি°ই হ কালে ক্লীল তৎক্ষণাৎ পদ্চাতে ছত্ত দিয়। এক বিবল বার পিত্তিল কটবার চেষ্টা করাতে শক্ত ক্লেড বহিল সাহেত ভোষার পিস্তুণ ঐ বেক্লের টু পর আছে, দাহের তথার বাইতে চাইতে শক্ষরাম করি টোল প্র বাহিদ 🕏 র। গেল। আমার। ইংলভীয় র্নিণ্ডভের গ্র পি জ্ঞাবণ করিয়াছি। কিন্তু স্থারতস্থান শক্ষর র্মি রবিন সড়ের নিছুট নছে।

গ্ৰহমেন্ট আজ্ঞা করিয়াছেন এই লক अधारक्ष नाराच अन्। स होका ज्यानमार তাহার মতিরিক্ত দাকা, ৮ওয়া হটবে না। क मारमब छात्मह होका कामा बाहम उन्हेश इंडेरव में। भारतक Gग्रांटन अभवाम निवा त्रव मिषिस कि अहे छड़ी हड़ेट एड ।

প্রভাকরের নেপালের স্বাদ লাভাব-লেন, ডিকাং দেশে কগ্ৰন্থন লাখা নেপালী-म् अक्टा उन्धार वध कहारछ चे कम् द्रारकः युक्त হাইবার স্ফাবেন। হয়। কিন্তু ভিকালের मिक क्लाकाविक्रिशत (अभारत (अवन क শ্যেত সেই অন্ধাৰ নিয় ছে।

উক্ত সংবাদদাতা ভাবেও বলেন মং র জ জনবাহাতুর মাণনার তুই পুএকে ইংলকীয় नामतिक विशासित्य निका पिराय कि जिस कर्त्रिया भवर्ग्य (अमन्नाताद्व मिक्ट्रिक्ट कार्यक्रिक क রেন। কিন্তু গ্রণর জেনেরল এই বলিঘা ভাঁচার জাবেজন গ্রাহা করেন নাট থে ঘাঁহারা কেবল हे मरभ्यतीहः स्मानस्य धारम्य कनिर्यन ६७ (१५) - अभवाद । ए। आहे न् उत्तरिकालाय के प्राप्ति

াংশল নেশাল স্থীন র চ ু বুলি বিলাতি এই আহে দেশ এননি স্**ভ**ৰ্ণ হোৱা কৰানাপার প্রাধিণাকে জ্বাকোৰ সমাটে এ निकटी क्षिप्तन क्ष्म्य क्ष्मानीत्वाहे काहेगाविक इरेशः ज्ञाहिनक निक नावतिक विकासिक श्राटन क्षिर्क क्षित्रम । य ज्ञेष्टप्र नकत विक हका हरेशाटक ।

২৮ এ জাবাঁচ গুক্তবার।

জান্ত লার্ড ক নিধের মুহুস্ম্ চক ২ুইট তোপ হটরাছে। বাবভীয় গ্রেসনে এই প্রকা-র হইবে।

চাইনস তাব ইতিয়া এতকেনীর চি ক্তি চি
কিংসকের কার্ব্যের প্রার্থিনিগকে ইংল্ডীর ।
গবর্গনেনের নামে ভত্ততা প্রধান বিচারালয়ে
নালীল করিতে কহিয়াছেন,মহাসতা যে আইন
করেন, সে আইনের বহিত্বত কাবা করিলে
বিচারপতিরা ভাষা রহিত করিতে পারেম।
হর্গগাভের অধ্যক্ষেরা উদ্ভিবিত নিবরে
মহাসভাব হল নির্মের বিক্ত কার্য করিয়া
ছেন যাহ, হুটক বিচারালরে ইহার প্রতিকার
হুটনে না। সংখাত লোক অভ্যন্ত প্রবল।

হরকর সম্পাদক তুর্বাস্ত্র হিলির করেক খানি প্রশংসা পত্র প্রকাশ করিরাছেন। সে চান দেশীর বুবে সহিদেশ সাহস প্রকাশ বরাতে সর রবট মেশিরর ভাষাকে এক অন সেদাপতি করিবার অন্তরোধ করেন। সম্পাদ দক কি উক্ত বীর্ষকারির জীবন রক্ষার চেটা পাইডেছেন ?

এক দাসী বাবু জগচন্তে মুখোপাণ্যারের বাদী চইতে প্রার ২০০০ টাকার জলকার জ-শচরণ করিয়া ভাষার উপপত্তিকে দের। ভা-হামিগকে সেসির্বে সম্বর্গত করা হট্টয়াছে।

विशास विकलात निरमका करतन अप-दिन निर्माण का निर्देशि मत्रवासत श्रम बहेर्ड वहिष् छ कता कानाम वह नाहै। हेर्ड-द्वालीय ७ श्रवीयात्मता अछरकानीय विश्व कि किश्मकिशतम विक्र का श्रम काशनाकिश्मत शतिवाद्यत विकिश्मा कतिर्द्ध ना स्मन, क्रमर्थ छाहापिरभव द्रम्या स्मन्ना योग्न नः। क्रम्ब श्रम्य श्रुष्ठ श्रम्याद्य क्रमा स्मन्ना योग्न नः। क्रम्ब श्रम्य श्रुष्ठ श्रम्याद्य क्रमाविक्र स्माम भ्रम्य क्रिया विक्र श्रम्य श्रम्य क्रमाविक्र क्रमाविक्रका हत्न, क्राहा हहेर्स्य वर्षायम क्रिष्ट

२३७ कावांत्र मसिवांत्र :

উদিশ্যর পুত্র ব্রুদ্ধের শেব হয়গাছে। শব্দপ্রভৃতি বন্যক্ষতিরা বে উৎপাত আর

র্ক্ত করিরাছিল, সম্পূর্ণ মণে তাংগর পাঁতি ছ-ইরাছে। ক্ষরতিয়ার গোলবোধ করে বাইবে ?

ল্য়কর। সম্পাদক বনের সুর্নিলাবালের লাকিসের নাবে নেকিটাকা প্রান্ত করিবার বে অপরাধ দেওর। হয় ডিনি ভাহা হইভে মুক্ত হইরাছেন। এই সুযোগ পাইরা কুেপ্ত জব ইভিক্লানবাবেরচারীতে দোব নিরাছিলেন না

চীনদেশে নেবা প্রেয়ণ সংখ্যাদ জনজ্য নয়।

ন্যাচার হিন্দুছানী সন্ধাদক বলেন জুেও তাৰ ইভিনার হায়দরাবাদেন নবাবের
বিপক্ষে প্রভাব সকল তাৰ মূলক বোধ হর,
মনাবের তাবয়াননা কয়া ও কর্নেল ভেবিভসন
কে নুরীভূত করিরা ৫ স্থেতিয় ন কোন বিলে
টারী বছুকে তথার প্রেরণ করা ঐ সংল প্রভাব লিখিবার উদ্দেশ্য।

আমেরিকার যুক্তের ক্রমশং শেব হইরা আসিতেছে। গংগদেকের সেনারা বিয়োহী দিগের রাষতীর প্রধান নগর অধিকার করি-রাছে। বৃদ্ধ শীয় শেষ হইকেই ভাল।

मित्रतिथिक मूटना शवर्गदम्दनेद साश ह विक्रीक स्ट्रेटकंड

৪ টাকার শিকা	11/e 12e
৪ টাকার কোম্পানির	>01 >01
ে টাকার ঐ	7.81 ;e84
an Biefa &	اوو::

:• ই জুল পথা ত্তের ইউরোপীর সমাচার ।

পোর্ট বয়ালাখন্ত বিজ্ঞাধী সেনাব, সেনাপতি ব্যাহ্বপৃথক উইংক্টের নগবে আফ্রন্থ কবিয়া পটমাক নদী পাবে মেবিলাথে প্রবীতভূত
ভরিলাছে । ওবালিংটনের লোকেরা অভিলয়
ভীত হইলাছিলেন। সভাপতি (লিক্সন) মুছ্
সন্দার্কে রেইলওছে আপনার অধীনত্ব করেম;
সেনা সংগৃহীত হওপ্লতে সেনাপতি ব্যাহ্রেম সাহাব্যের জনা সৈনা প্রেরিভ হয়। বিজ্ঞাহীরা
উইক্ষেট্রের প্রভ্যাগ্রমন করিয়াছে।

নেনাপতি সাক্ষুয়াল ক্রেডারিকন্বর্গ হইছে বিচ্চনতের বিধে অঞ্চরর ক্রিলাছেন। নেনাপতি মাকিলান ফালবার কোট ছাউ। লইরাছেন এবং একংণ তিনি সমুদ্ধ নৈলোর সহিত ভত্ততা ব.অধানীর পাঁচজোল মুধ্য অবস্থিতি করিছে ছেন

বিদিনিগিবিত প্রতির বর্তী বর্তীর বিদ্যালয় ।

ঠানবিষ্ণ সাহেব বার বৃহত্তের বার প্রভাব করেন ভাষা অপ্রাথ প্রভাবের বিশ্বনি প্রাথ ভাষার পক্ষ ও ৩৬৭ জন বীষার বিশ্বনি প্রাথ বাপ করিয়াছেন। প্রভাবেরীর মার্মেনি ক্রিক বে বংশোধন প্রভাব করিয়ার নক্ষম ক্রিয়ার ভাষা পরিক্রাণ করিয়ারেন।

देश जीत बरांगका वह जिल्लाम क्रिकें के "
प्रित्राट्य प्रतिनक्षकारम्य क्रिके के स्थानिक क्रिकें कि प्राप्ति क्रिकें क्र

করাণী দেনারা দেরিকো নগরের করেই কোশ দূবে অবহিতি করিভেছে। এরুশ কর্ম-তি তন্ত্র দেনাগলকে পরাজিত করা বইরাকে, পুলি হইছে আছো অধিক সেনা শ্রেরিক হইবে।

টাটরলে অনেতে অনুীয় নেনা সমধ্যে হইডেছে। অনুীয় নেনাকলে আন্মো অধিক ছিল ব্রিকেড (১৮,০০০) নেনা প্রেয়িক ছইছে:

>ना भूमारे जनवहान बाजक्याही जानि त्यह गविष्ठ व्यक्ति बाजक्याह भूरेह विकार दरेदर।

বিসর বেশীর রাজগুড়িবিধি পারিলীছট্ট সঞ্জে উপ্নীত ঘটরাছেন।

১১ই জুন জাপান দেশীর ছভাগ ইংল ভাগে করিরাছেন।

লোমিজ সমূহ ও ভারজবর্ণীয় টেলিএ কোলানির বিল ছাউল ভার ভারটায় ভির্ব নার পঠিত বইয়াছে?

३१ई क्ष जांक कार्नित्वम कृष्ट्रा बहेबाटक, विवयक्षिक विरक्षात्रीयां अवर्गदर्ग कृष्ट्रा अक जरणस्य कार्यम्य कृष्टियां कटनक कार्याः, स्था बच्चक कटतः। शत विषयं श्रेत्रवितः ज्ञात्रक वकारक विरक्षात्रीयः। श्रेत्रवितः का विरमत विवित्र सत्या क्षत्रिक वहेबाटक। शः क्षित १००० स्थाप क्षत्र वहेबाटक।

বিজোবীরা করিছ জ্যাব করিরাছে। চি
পিতে জাহারিধের রণজরি পরাজিত হ'ই
গবর্গদেশী বেশিকা দ্বার এইবিজার করি।
কেনাপতি ব্যারণ নবাগত সেনাগণেন
প্রনর্কার পটনাক লবী পার হইরাছেন।
গবর্গদেশীর দেলাপতি বটলর নিউ
ক্যের জীলোক বিধের নিকাস্ক্রক এক

লব প্রকাশ করাতে ইউরোচনর নাজন-লোকে ভালার উপর ব্রিরজ হউরাহেন।

क्षांती रेनरमाहा वृक्षा वृष्टे स्वकृतिस्थात स्मान-विरुक्त मिन्नरहे श्रासिक्त महिलातः । श्राम वर्तेरस सुक्त स्मान स्वतिक सहित्यस्य ।

त्व स्टिन्ड विद्यादित ज्ञान क देशन बान त्यिकाद क्रान्ड क्रिक्ट कड़ियन कि बारन उरमक, व्यक्तिकात कवित्रास्थम बानावकः द देखा अधिका

পোশ রোর নথক্তিভগুরোহিতদিগতে তাঁহার বাল ক্ষরভালনাকতা করিবার অভ্যোধ কবি-ভাষেন । প্রোধিতেরা ভাষতে নগত হইয়া এক বোষণা শত্র এতার করিয়াছেন।

्र मिन्दिरमंत्र वर्षात्रका प्राक्षांत्र अक अध्युत्र विद्या सः। दृष्ट्यः - देवेश्वीवतिरभव द्यारम स्थार परिकार कारकः।

क्षिक जन क्षिक क्ष्मीयांत स्वर्गतानी विकास क्षिक प्राणित्व य जनम त्यांक इंग्रेलिट भेजीयन क्षियांट, यकि जायांवित्र क्ष्मियां क्ष्मियां क्ष्मियां यहिला व्याप्तां रिकेट क्षियांक्ष्मियां क्ष्मियां विकास क्षियांक्ष्मियां क्ष्मियां विकास क्षियां

ালর্ডিপাশর্কীন সহাসভার নেমাপতি বটস-বের খোষণার প্রতি মোখারোপ করিয়াছেন।

धम् धम आधि भाग सतामी वन्तरमञ्जेष्क । देशारदेन जिनि देशिनित त्राकात महिक मित्र तिरवेन मा।

ভুরত্বের সহিত সর্বিষার লোকলিংগত ব্রায় গোলযোগ উপবিত ছইয়াছে।

গ্ৰণ্ডেন্ট বিজ্ঞাপন। বালানা নেশীয় নেপ্টেন্ট গ্ৰণৱের

শ্বাদেশালসারী নিয়োগ।

ব্রুদ্দশালসারী নিয়োগ।

ব্রুদ্দশালাবাদের এখন বিভাগের আন্ত্র
ব্রুদ্দশালাকর এল,ডি, আন্ত্রেন নাত্রের

ব্রুদ্দশালাকর করি বাভিনিক ব্রুদ্দশালাকর আন্ত্রের আন্ত্রের আর্বার প্রিয়ান

ঠ ও জুন-এইনিডেকি কালেকের গলি ক্ষেত্রারী অধ্যাপত জে, এল, রিজ সংহেত্র কর্মা কর্মানিক্রের জনা উত্ত কর্মানিক ও জুতদ্ববিদ্যার প্রতিনিধি ক্ষেত্রাক্রিটা নির্মাহ করিবেন।

्रकामारेकाम स्व क्षित्रकारमञ्जूषा ध्य-व कारमस्यत बाुकी मास्यत श्रीविनिधि व क्षेत्रस्य। নিয়লিখিত কণ্টারীয়া ৩০ সে ও ৫ ই জুন সহকারী ক্রিসন্বের পাঁলে নিযুক্ত চইয়া পশ্চা লিখিত স্থানে নিয়াছেন।

লেপ্টনাত এ, ই কাৰেজ, মওগঁ। " এ, এল, কিনিহ্ন গোয়ালপাড়া। " এল, সুই, সন্মীপুর।

এ, ডি, জোজ সাহের ইউপে ও উসন্তির এডিনিশি স্থপরিকেন্ডান ছইবেন :

এচ, বেল সাহেব বলোচরের ছেটি আদাল ভৈর প্রতিনিধি জল ঘটবেন। অপব, জিন নাওরা অনিদা, কোটটালপুর ও নডালেন ছোট আদালতের প্রতিনিধিকটবেন

জে, গেগান সাহেব বছছেশীর গ্রগ্মেট ইব অভিনিধি অগুর সেকেটারি হইবেন।

এচ, এল, ডাল্পিয়র সাহেব উছোব বর্ত্তমান কর্মা ভিন্ন মনীয়া বিভাগের অভিনিধি কমিসন বেব কর্ম করিবেম।

১লা জুলাই--গ্ৰণর জেনরলের অন্ত্রতি জনে লেপ্টনটগ্রণর ১৮৩০ অক্টের ৪২ আইন অন্ত্রারে নিম্ন লিখিত স্থানে ছোট আয়ালত সংখ্যাত করিলেনঃ।

১ মুক্ষের ৭ ম টোর ২ ভগদপুর ৮ পাবন। ৩ নেরাজগঞ্জ ৯ চগদী

৪ কুমারখাদী ১০ চটগ্রাম ৫ ক্রিদপুর মেদনীপুর

৬ বামপুরবোয়ালিরা ১২ কটক

উক্ত আইনের ২ ধারাগুলাবে উক্ত আদ: লভের ক্ষমতাব বিষয় নিমে লিখিত হইলঃ।

भूरक्य-- डेटा नश्त ब्लानस्यत मोगाः

ভগলপুর ঐ
সেরাজগঞ্চ ঐ
ক্যাবথালি ঐ
ক্যাবথালি ঐ
ক্যাবথালি ঐ
ক্যাবপুরবোরালিতা ঐ
সাটোর ঐ
পাবলা ঐ
ভগলী ঐ
ক্যাক

: मः स्माहे—যোলনী মহম্ম বাকিক ছুছে-রেব ছেটি আলালভের জল হইয়া উক্ত জেলার প্রাণান সম্ব আমিনের ক্ষমতা পাইবেন।

বাবু পারিমোছন বন্দোপাধার নেরাল-গাঞ্চ ছোটআছালতের জল হইরা পাবন। জেলার প্রধান মদর আবিমের ক্ষডা পাই বেন। वातू विशेषक विषांत स्वातवांतित हाउ-वातावरकत कक व्येष्ट्रा गावर्ता क्यांत अथाव तक्षय व्यक्तित्वत क्यकः ग्रहिस्यतः ।

वंत् উপেজाठक मानितंत्र महिनश्रदेश (इ.हि-जानामध्यत सम हरेश छेक ब्यमाह श्रामा मनत सामितमह सम्बद्धा गोहिस्सा

वात् जानमहून बरकाभिःशाः इं।जनाः इत् हार्वे जानामस्य क्रम बहेत्रा वेक क्रमान श्रथा-न मनत जानित्तत्र क्रमणा शहिरमम्

ড বলিউ, ডবলিউ সিন্টম সাহের সা:টাবের ছোটমাদালতের কল হাইবেন।

जननिज, बाइडे नार्ट्स शास्त्रांत्र हाडेका हो-नाउर क्षक इतेबा छेक क्ष्मांत श्रमान नम्ब भाषित्मत क्षमका शहिरस्त ।

বাৰু শক্ষাৰৰ বংশ্বাপাখ্যাহ জ্বালিব ছোট আদালতের ভক্ত ছবিয়া উক্ত জেলার প্রধান সভ ঘৰ আমিনের ক্ষতে পাইবেন।

খোলবী বসিষ্কুদিন সংগত কটকের ছেটে আদালত হর জন চটয়া উস্তে জেলার প্রধান নদর আদিলের ক্ষমতা লাইবেন।

বার কালীকিলর বায় চউপ্রানের ছেটি আলালতের জল হ্রিয়। উক্ত জেলার প্রধান বলব আফিনের ক্ষমজ্ঞপাইবেন।

नि,षि, निर्णेष माद्रवय लाहार्ड काव हा। चामानएकत कक इहेदन।

বাবু কাশীখন বিত্র স্থবসিদাবাদের ছেওঁ আদালভের কল চইনা ইক্ত কেলার প্রধান সদ্য আবিনের ক্ষরতা পাইবেন।

২৭এ জুন-কানসির অবৈত্রনিক লাকিট্টের কি' বিশ্ব শাংহৰ কৌলকাবি আইপন্য ২০ ধ -ব'স্থাৰ উক্ত জেলাব প্রথম প্রেণিব কাধীন নাকিট্টের ক্ষমতা শাইবেন।

उत्तर विভारणय महकाती विविधिक महित गात १ मा मुनारे भवित मः शृत महरवगात

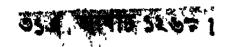
ওণ্ড জুন---বলপুরের অন্তঃপাতি বনিচ থ। লিব প্রতিনিধি মুনদেক বারু মধাননা রায় ই ১৮৫৯ অন্তের ১৫০ ধার স্থাবে উক্ত জেলুকে ডেপুটি শালেক্টরের ক্ষমতা পাইবেম ।

१का जुनावे-वाबू त्याविमा होते । १३ विके श्रक्ष वर्षायात्वत्र श्रामान नमत्र प्रश्नित होत्यत् । १६ जुनावे-का स्वत्रमान

কেরিকণ্ড কমিটির একজন সভা চইবেন।

লেপটনাতি ছাইলিউ হাউই আসামে এইন লেশির সহকারী পুলিব জ্পরিতেটি হুইবেন।

৭ই জুলাই---এফ,এচ, শিলু নাহেব্ বরিনা-লেব সাধারণ বিদ্যা, শিলুক্তার্ব্যের ক্লিটির এব জন সন্তাহইবেন।



শ্রেরিত

মানাৰর জীবু জ গ্রামগ্রকাশবন্দাংগক মহাশ্য সমীপের।

মহালয়। ভাষুক ভুলজানি থেরপে বেশন্তার্থি কতুতে জনাহারে নীর্থানিক্রায় নিজিত থাকে, পদ্মানদীও লীরপ এপর্যন্ত অব্ধাবস্থার বিজ্ঞা করিছা আলা ১০ টি মহালা থারা। মুখ লোখন করিখা লাই-লেন। খীববেরা পদ্মার বিষম্বর ছইতে উক্তা ১০ জন মহালকে মুক্ত করিয়া, অমতা জুলাখিকারী জীযুক্ত বাসু পালাশাহার চৌধুনী মহালরের নিক্ট উপস্থিত করে । বারু খীববলিগকে পারি-তোবিক অরণ বর্বাভাল পর্যন্ত নিজরে পদ্মার মহাল প্রত্তা আছেল করিছাছেন । অন্যান্য থিবন ও জুলাখিকারিগণ ও ইকার দুক্ত তেরে অক্সব্রা হাইন।

অতি অল্লানিক ছইল। অত্তা থেত গোড়া
নীলেল কৃতিতে ভাকাইত পড়িরাছিল। ছরাছা।
বা ১৯১৫ টাকা অপহব! করে। জাকর গলের
লারোগা আলিয়া ১২ জন ভাকাইতকে ধৃতক্রিয়াছে। শুনিলাম কুঠির 🔘 ভাবের ছাত্তও
নাকি বজ্ঞাত ভইয়াছে। গাধু ।

श्रीप्र ते विषय गाँदर एकि इ क्षिण्य मान्द्र मान्द्र क्षिण्य मान्द्र क्षिण्य मान्द्र क्षिण्य मान्द्र क्षिण्य मान्द्रि क्षिण्य मान्द्रि क्षिण्य मान्द्रि क्षिण्य मान्द्रि क्षिण्य मान्द्रि क्ष्णि क्षिण्य मान्द्रि क्षिण्य मान्द्रि क्षिण्य मान्द्रि क्षिण्य क्षिण्य मान्द्रि क्षणिय मान्द्रि क्षणिय क्रणिय क्षणिय क्षणिय क्षणिय क्षणिय क्षणिय क्षणिय क्षणिय क्षणिय क्षण

শ্রীৰবিশ্চন্দ্র সিত্র ভাবিদীগঞ্জ

ক্রীযুক্ত সোমপ্রকাশ সন্দাদক মহাশয় সমীপেব।

वह आवाद वर्षयात्वय द्वाक्षणगाद्याय का शे केस्थानिक विद्याद हो स्थानिक । वर्ष्याद का व्याद का व्याद

নাট্ড্র ডাডা এত্র করিয়া ধন্যবাদ এতান করি য়া গনন করিলেন। এই সবাদ দর্শন করিয়া জি-নি অভ্যন্ত আহ্বাদিত কইয়াছেন।

मांडाः काव उक्कृति करव जामात महान विश्व शिक केल्या की काशा करिरव ? करव नकरकार मस्न जान्नाशर्यात वीक श्राकृति उन्हर्म रक्ष ? करव कुगःकार जनम श्रमवारत्र विष्कृत नमा श्रीक करेरव ? मांडा करवने ता कामहा श्रदे मानव मुख्या हुए कति श्र श्रमण्या करिएक नमार्थकरेव । जला शर्याण स्माजित क्रमांट्र भागितिकर्य श्रम् कृत्रम्या करेग्राह्म । कर्ष भागांविरत्य श्रम् कृत्रम्या करेग्राह्म । कर्ष भागांविरत्य श्रम् कृत्रम्या करेग्राह्म । कर्ष भागांविरत्य श्रम्

উঃকেত্ৰমোহন বিজ

মানাবর শ্রীমুক্ত সোমপ্রকাশসম্পা দক মহাশাদ সদীপেয়ু।

मन्त्रीकृत महानय । बाशस्त्रभीय सर्व चर्चिछ অভ্যাচাৰ হত্যান্ত শুনিয়া থা কৰেন। অৱভ্যানি-मक ख्रुश्वित्वेदस्य मृगःम ग्राडिकः । । क ७ शब्र धननिभुष् पूत्र शिर्यम्। वमनोखता ल किकियां व नवन जुड़ायिक क्रिक्र निवस्ट পথেহ অমণ কৰে। সম্য পাইলে কোন ব্যক্তির शुटक छेन्क सावन श्वांभारम याचित्र। (अडे शृंहक -भीरक, अथवा कान विश्ववृद्ध प्रस्ता शिवादकत কাৰ ভাষ, সমর্গণ কৰিয়া মেই প্ৰিক্তকে, লবন অপত্রণ করার্মিখা। অপরান দিয়া- পুডক্রিয়া **७: बाइ इर्श्य द्वारम किथि २२ छे ५८० है।** क्षा जिल्ला (मण्डा व्यामना हण्डु मिन १३० अस्तिम । ज हेपूल क्षत्र इध्यास कांत्र इप्ना । आकारण कडिलीय उरकाहणाञ्चात्र अक्तियात्र करण राज नाग**ल**यान ত্ৰ আগত নালপ্ৰায়ণ शर्दा प्रश्नित श्चियुष्ट भौलिव श्रीन महत्त्रम थान भौडां छव ডি-্টি মাজিন্টেটের সহিচ্চেন ক্তল নিসাস-র্থলোলুল ক্ষেত্রকাতির দুপ্রবিশান ছইয়া, উল্লিখিত উপতেৰ 'নৱস্ত প্ৰায় চইয়ালে।

खबूत। क्यांचित्र गनकी शार्थन, त्य, जि नि केशवास्त्र केशभावितिस व्हेंग। श्रृतिहात्र व्यव: व्याद्यासार श्रिष्ठक सांध्यम व्यवस व्यवस व्यवस्था २०० श्रुत १৮७१

•

<u>শ্রীযুক্ত সোম প্রকাশসন্দাদ্</u>ক মহালয়ের।

व्यागारम्ब धार्याम मान्यव्यापित नारश्रद्य

नारम छैर का इ जाररमा आंद्याम क्याप्टी फिनि नरम्मछ छ की बाद आवित्रमा जिल् क्याप्टी क्याप्टिंग क्याप्टिंग क्याप्टी अवन्छ विधान बन्न नाहे, विधारमा जान कामा विचारमा जीवृक्ष क्याममन मारक्षमा अकि का विचारमा जीवृक्ष क्याममन मारक्षमा अकि का

আসানের কল আলোলতের নেরেছালানের নামে উৎকোচ এবনের অভিবোপ ছইয়াছিল। ভ্রিচারক জীবুক জল সাহের পোকলনা জিন বিস করিয়াছেন। *

अस कम छा-कत मारहर सीकाश स्तिक किंगे, निर्म क्षेत्रका महत्र सुरक्षकम काहातिस्क साहेश मुरक्षकरक क्षरम करते हिंदा श्र अक्ष्मम श्रीकाहर्की मुरक्षकरक क्षरम करते, सुरक्षक मारहर क्षाने करीय विधालमारत कारोह (२००) हुई क्ष छोक। मश्र करतम, क्षामारहत क्ष्म मारहर्भ कारोहन क्ष्म करतेमारहम । छा-कत मारहर्भ हैर्यतक-कि मा २

ভানতে শাই আমানের জন আলালভের অध्याप्तक महालाह नाकि উৎভোচ প্রহণ করেন, यमि व समद्विष्टि मक्षा ४५ छट्ट क्रिमि, सुनिक्छि নৰাজকে অপবিত্র করিভেছেন। মুরায় লোভ সহরণ করুব। আবরা জীযুক্ত মহান্তা জল সা-व्यट्ट अञ्चार वर कर शहराश्चा अवने মালিট্টে পাইরাছি। ভিনি এক জন অপুর্ব্ব विठातक। जैरशांत विठात कार्या स्थानितक एक कृत १४९ कुछ व्देश्यम । जिनि अपनि **प्रविष्ठांपन स्त** আজি যাবপ্রতি সময়, কালি ভার অভি নিবন্ধ, शादारक व्यक्ति काम कार्फ नियुक्त कतिया प्राच-भागाद मन्न कतिएक्टम्म, कालि आवाद दिना धालनाट्य दनके बांकि कार्याक कात्रा क्रयांग्टर मग्र १ देखाइ। - विठाहानाइ, व्यक्तिमाग्र निश्व यामी, श्रीलवामी जिम्न जना वास्त्रित्र श्रादणकति-बात नाथा कि ? चांदत्र चांदत्र यबहुक व्यक्तश थ-दती, এक कब नद्भार यूजकमान, क्लान करियानि-র্দ্ধিক ভাষ্যর আঞ্চিদে বিয়াছিলেন, ভজ্ঞনা সাহের সহাশর ভারার এক টাকা জনিবানা ক-तिब्रोह्म । किमि दा नकल कार्यक्र भन्न धर्म करत्रम, एकार्या रव नकल इन्योरिस, छीवार नि-লে হৰুৰ দিবাৰ ক্ষমত। নাই ভাৰাতেও ভিনি ইছায়ুৱণ ছতুম প্রকান করেন, জার দেই দব-थाटक माजिएक्री । नाट्यावत टेवर्टक निविता উহিব হস্তৰত কয়ান (সাচেব কিনা তবে আর এতে দোব কি ।) আমানের সনিভাইটে नार्टं वर्श्व स्त्रवीख एकियान व्यत्मन का वा वर्षे-मुद्धि छ, देश कदर स्मे ्राइक क्रांकर देश मा नही

मानक कि कि कि कि मानक के कि वो कि करिन या भाग । जामध्यम् कृषे अन्तर्क विकित्य है मा-ट्य अशत विकासी विकास अधिक जिल न्यम अक्षमनीटक भीतिकाम सिर्मन, करकाः লে কালেইরীয় এই কর্ম কর্মারীতে খাত গ थोनार वित्र चाराज करिया किला, उच्छन क्षित्र इति इतिहासिका। अवहिम सन जन्तर অবিচাদ অবুনিচার মুর্কুরিক পুনরার পাই দ আ-मारमव अध्यमिनदी, बर्गनि , आसामिक प्रदेश-एम द ज्ञान जानमें एत जनर्म नवन पू-প্রাক্তিক ভাষা বর্ষণ নির্ভেছেন , 🕮 হ টাবা 'স मानिक्त जिपूछ महिन्द्रेय । शांवरके हे मा द्भारति काले ही कतिवाद त्य अवहि देशदिकादहाहिलाह त्य कालनाव कालाहि वार्णव রোগ বিক্রিণ শতাতি ভাষার শান্তি ২ ইয়াছে আ-ৰ আনলেই দীমা কোথায় ডিনি এখন নিয়মিত नमात्र कांहां ही कारत ।

কসাচিৎ প্রীছ্ট ব্যসিনঃ।

बार्क (मध्यकाम मन्त्रापक সহাশর সমীপেরু।

জাপনি অবগত আছেন প্রায় একসংস্ **इंदेश जागारम्य अने दांटम क्रमांट अवर्गरमार्के स्ट्** কান্ত ভিস্পেনসনি ভাপিত হ**ই**রাছে । এই দি-ল্পেনসূত্রির সূত্র আচিতানী সার্জন জীবুদ্ধ ধা-यू भवीन इस श्रिक नद्दानदाद नदावदात द्वारः কাল না ও ভলিকটন্ম প্রামের সর্বানাধারণের বি-শেষত, দীন হীন লেংকের অনির্ক্রচনীয় প্রধান कारु कवेट 🥧 छ । किन्द्र सद्यागद्र ! चूप्टबंब दिवस **बहै ए, हेश्व हैन्द्रवासन खिहाक ना हहेग्रा क**-अन्द. श्रीम श्रेवाय न्येशका चणिर**छट्छ। यस**न छ¦-জ্বাবপানা কাশিত চয়, ২ক:লো এামের লো: दक्द्रां कि के कि भारत्या क विद्यम श्रीकार कति-श्रीविद्यानः अकार्य जोदः व्यक्त दश्यकेशा-क्षि श्रुकोव कविन है कि। ए नहिन भए उन्नहे निवि-স্ত উপোৰা,দেই মনীকৃত উদা দিশত আত্মীক,ব **করিডেছেন । আ**র কেয় কেয় ব'লেয়,থাকেঁ; **আটি আনংকিখা এক টাক, যা**টিক বিনেও দিন ८७ भावि क्छि पिर मा, राज्य 🕆 प्रदीन 🗠 ६ **रका कामारमंत्र गाँगे** हा स्थानियः (क्रिकिश्वा कविष्यम् ना ॥ क्रश्यः कारः। ६४ ६६ **आधन् वाष्ट्रिता एक मार्ट्स्ट्रित वेर्ट्ड**ि ५ १,५५ ज्या विकासिक वाष्ट्रांट **अ**जिके वर्ग शहर्गत ' **८७ भूमे वाकिएके हैं अर्जाण बाए (बनी)** 'साहत শ্ব সঙ্গল চেটা। ন। পাইয়া ব্রাজধনাক ও নিবন 🖰

निमित्र मणराख दिरेशम । विशासिक दागन करा क्षम गर्गत निकडे दर्गा, लोखन खिनार चत्रा इशिके करिया चीय क्षांन वर्षे किन्छ प्रकित्ता श्रूपंकता क्रिक्कित

धडाम य बाब गति है। स्वामादन्य वर्षाः এক দেন খৌলবি ছাজিই আসিয়াকেন ' ভৈনি चक्रां वा कार्य विश्वकात शविश्व किन्द है रति अन्तर कारमा मा। खाँकारक प्रवास वासमा करे (५ अस्टिक इद्देशक ! **काथवा अविवा**रण अवर्गान के ুন এই অনুৱেধ কৰিছেছি, ছাঁছান। যেন এ ভাগ বারুর মত মাজিষ্টেট নিযুও নাক্ষে**া**, - কিছু দিন গও খুইল আপনকাৰ পাটি হ'ব र्क्षां म नारम (इटमाँडे शैकिश्यः) नमबन करिवाह অংশায়ে এন স্থাহেবের মিসন বাটাতে অংশিয়। ভিলেশ শৰে স্তঃলোম যে তথায় ৮দিবস ফালি महिले - वद आजिशाह्म क जर्निहरिल বে এ । খালকে গেণ্মপু ভক্ষা করাইলা জাতি-। পায়। আনাদ ওরপ মত নর করেও আনেক্রী তে তুলিবেন।

গ্ৰীয় ও বৰ্ষা কালে এখানে সৰ্পের অভিশ্ৰ श्रीकृति वस्त श्री अस वस्ति पूर्व अर्ल प्रकृष्ट प्रवेश क्षांबाङ । अर्थारन व्यक्षां इति व्हेर प्रद्रा श्रद्धा क्रम क्रमणः इति हडेएएरक, मान्द्रमानात्मह स्मीकात सामनानि **उत्म कलाहे जात्रक बदर प्रमाभा करा पूर्वः।** পোকা প্ৰলভ মুলা হইডেছে । ছিচকে চেংবেৰ मन इसि इदेएअध्य, विरम्हणः आंत्रि कालि की টাল চোৰটা কিছু অধিক হইয়াছে। মহাশ্য প निश्वद कि मश्रामाधन प्रदेश मा १ दाखाँद कार्स विशाय सना आजि कालि को विश्वविद्य टारिय वर् या क्रमन । आधारमत कोकी अने सक सक्षेत्र किएक भिएक आल्फेर लाला।

এক পঠিক :

মানবের প্রাযুক্ত নোমপ্রকাশ जन्मी मरू बह भए स्यू ।

श्रदिसम् निध्यम्स भन्त्रामक सङ्ग्रमणः मश्रदाति প্ৰীক্ষাৰ প্ৰায়ন্ত্ৰ ৰ মহীত হওয়াতে আমি মধ্যে। महार , व नविरङ खारस करिए। इरे अकृति ४- ल 'कलिका - अपन्य कविये, आर्मियाहि । इ. ६०४ वृक्ष्युष्ट राज्य कि वि.व. श्राप्तमण्ड (विकेस छ) ह হা, গঙা চারপাককী ভোগ কবিয়া এ। দিয়াছি ডাং मार्च अस्थान आहेल कहेलाम । विहेसलावर ्रक्षा (४८) श्रीकार्य क्षीवाद्यः करव । विस्तिवत्रः ধাৰার। মুক্তি জোবীৰ পাড়িতে যায় ভাষাদি-विद्यानिवान दिना क्या विद्यानिक विदेश रे १ १ व १ १ अ एक्सर महाद उठकूर है । जो विद्यानिक विदेश

श्राक्षाण करता। श्राथमातः किल्लिक महाचारितः विकित क्षेत्र करिएक वस्त क्षेत्रीय वरक गा ण्टिल कि ब चूनि माधिक बाबेटमम । लिक्कि राकृतिक छाष्ट्रांन एक्स्प्रेनिता विक्रणन्तिके द्रिय विक्रांत्रक अवैक्षणना विकासिक छित्रिक निवन ण्यातात विकामन शमात्रांका शहिए क्षेत्र छिनता ह निवस चाटह ८ व वक शाखिर वर्ष विकास व अधिक केंद्रिक शांबिद्य मा किन्द्र क्षेत्राचा वार्या-कियां एक एक शाफीएड ७०। ७६ कुन कडिया प्र-विश्वी । प्रम, जाशदक अचीकांव कविष्म विस्तर्कन উत्तम बधाम विगायात्मम, छनिएं शाह जाल्ड করিলে সাহেবেরা বলেন খাছারা ভদ্রলোক ডা হা< তৃতীয় জেণীর গাড়িতে ব'য় কেন ২

হাত শ্বা সকল ভাত্ৰোকট কি সমান সঙ্গতি ম । আৰু ধাদার। ভূতীর শ্রেণির গাড়িতে ধার ং!হাব। মন্ত্ৰাই নয়। মন্ত্ৰা বলিয়া ভালাদিপে-্যে এক প্রকার মন্ত্রান ও অধিকার জাছে তা-ः मिश्वत छोनाल नाहै, याद् करेड अञ्चनाहै दिन था क उत्त काक अनीव सबीनहस्य निव षाधन्त्र त्यान क्रांचे दे दे में अपने का किएक शहरण स्वी-ংম নালঙ বাসু টার হত্তে আহার ক্ষিয়া প্রাট্যা বিশ্ব ক্রিডেন না: তিনি বলিডেন ওখানতাকু গমন ক ব্যাছে। আবি জনবুৰ হইরালে বে গেঁ, করা চে সর। লে কের এতি অভান অভাচ হতে আমি প্ৰাচা দেখিতে পাতিব ন' কিব গ্ৰ श कर हुई वक्ति त्रांव रास्क कर. खेडि न्य यथा ६८अद्वि दलाइयः ६५मविशास्त्रं विक्री हर हो। मार् किम्पिनिव कि (एक व के लाई कि क्षेत्र काकाटक किर्दात कलक प्राविति, श्रेष्ट्रे

गृनाक्षािश्व।

क्रमुयाव वाका

१२ १म का उ बहेटड १० देखाई अवास टकार ३० শিবুক্ত বাব িহা এলাল রায় ববিদাল (कार ... जी ১২৬৯ সংস্থল পর্যান্ত । अभिजीश्रद ण d(द्रुप्त च क्ट-क्रांश 'धा'ग ८कार >० वी , ५२४५ : ५६३ जा माम शर्या ह (म मनीश्र " अधिनाउस पड ১২৬৯ সৈটে অবসি কার্তিক পর্যান্তঃ ক্রেমের ঐ (महिनी श्रेष क्रारमधा,ल न भ भ १२७२ देखाई कार्यस कार्डिक शर्याङ कार्रा e के ्यक्रिमीश्र्र जनसम्बद्धाः सम्बद्धाः ,२७३ रेकार्डकविष कर्तिक **ग**रीष दक्षार है व গেদিনীপুর " # \$} # B # # 15' ्रकारे प्रशेष क्षेत्रक राज्य प्रकार ८३११ ६ जे १९ वर्षे २ । श. १७ म **)२७३ देखांके क्यांच कांचिक श्रवील क्यांट ६ व्यो**

क्षेत्र व विकाशिक प्रक्रिया पूर्व मण्डली द्रिणकापम (भावानुह त्कनरवह प्रक्रिक होरहिरनाका बाद्य अपूक बाबकांगाच विकार धूरत्वत्र वामितक अधि व्यावसीत

मियशका

" अवर्षनां प्रक्रतिविताय पार्चितः सरस्वती शतिवत्तनी स होसता । "

র ভাগে। ৩০ এইখান।

गन ১२७७। ७ धारन। हेर ১৮७२। २५ छलाई

মাসিক স্থানা ১ টাকা বাৰ্ষিক জাগ্ৰিম ১০ টাকা

विद्वापता

তভানি হউল বজাভাষায় কৰিবর ভারতিরণ দাস প্ৰথমি মন্মৰ কাৰ্য নামে যে এক মনোচ্ব পদা এর প্রাচারত ইইরাছিল ভ হা এইকংশ তুক্ত পা চওয়াতে সামি টহা পুনমূলস্কিত কণ্ডি সংখ্যাবৰ জনগতেশর গোচনার্টে প্রেক ল ক,বিচেছি। মন্ত্ৰধ কান্য জাতি প্ৰশালিত ইংবি সমূম ক্ৰিলে অথবা পাট করিলে সংভিন্ত ! **ह्यारहरू इहें (७ १ या । यसाथ कोटनार कारनरू** কু'ন পরিভাক্ত ও পরিবর্ত্তিত চইয়াছে বে मकल फ'स 'अमरता ७ जागति छक किंग. अ স'লোধিত ফবিয়া नकत सात, मश्नम দিতে সাধ্যমত প্রয়ান পাংয়ারিং এই পুস্তক भावाधिक फिन मह शृष्ठे इहेदन्य। हैरीय गूना ১৫০ট'ক', স্বাক্রক,ব্রিয় প্রতি ১৫০ । এইং ভূ মহালদেরা সিণাল পেমারর আবিদে আমার भिक्षे अञ्चलकाम कहित्स आ छ स्ट्रिंटन ।

क्षेत्रवीवऽक्षर प्रश्नः

নোসপ্রকাশ । •ই লাবণ লোমবার। ইনকম চাকা ঘটিত স্মতাচার।

অর্থক হওয়াতে প্রক্ষাদিপের নিক্
ট হইডে কিছু কিছু লইয়া অসপতি দুর
করিবার উদ্দেশে গ্রণমেণ্ট এ দেশে ইন
কম টাক্স প্রবর্জিত করিয়াছেন, কিন্তু কর্ম
চারিরা আত লোভে উপন্যাসপ্রসিত্ত
বর্ণময় অও প্রস্করারিণী হংসীর প্রাণ
বব্দের ন্যায় একবারে প্রজাগণের আয়মূল
বিনাশের চেন্টান্ন আছেম। আমরা পূর্বে
রাজকর্মচারিদিপের এই মুল্লেন্টার ক্ষেত্রটি
উদ্যহরণ প্রদর্শন করিয়াছি, সম্রান্ড কুমার

কালি, পাৰনা প্রভৃতির মহাজনগণ এতৎ সংকার যে এক বানি পাত্র পাঠাইরাছেন নিমে প্রকটিত চইল, ভালা দর্শন করিলে পাঠকগণ খাবে একটি উৎক্লট উলাহরণ নাগু চইবেন।

महाचर किया । मनगत उ भारतात कारीन কুমারখানী প্রাভূতি স্থানের মহাজনগণ প্রথম वयमध्य हैन्यम् होटकाव स्वय धास हहेता उँ शिक्तित्रत्र त्व त्य रूप्य छन क्योर्ड नवृष्टाद्व क শের আর একত তরিয়া উত্ত হর্মে লিখিয়া দিয়া আদেদৰ মহালদ্দিগের নিকট অপ্ন करतन । छोटार्ड राइय अभी अवस्थानी कर्पागती कित्वत नाटकत होना नारम त्य मा নের কারবাব ভাষার নিজের যে যথার্থ জান্ত তাহ'ই লিখিত হয়। জেলার কালেক্টর সাহেব ঐ রিটপের লিখিত খারের উপায় কিছু কিছু সাতিরিক ধরির আনেসরদিগের প্রতি জা-দাধ্যে ভার ভার্পণ করেন। মহাক্সনেরা তবি सद्य जाननाहित ये शक्ति अन्ति स्टेस्डरहर লিয়া সাপত্তি উত্থাপন ব্রিলে ভাষা অগ্রাছ হটগু কালেক্ট্রসাহেলের নির্দারিত টাব্দ আ লায় চইয়া ভাষার স্তিকিকেট ওরসিদ পাও-হ হয়। দিনাজপুর ও কলিকাত। **প্রভৃতি বে** বে স্থানে মঞ্চনদিংগর গদি আছে, তথাকার कार्यमञ्जूषिरभव निकडे के मक्त मार्डिक्टिक्र ও বুণিদ প্রেরণ করা হয়, কিন্তু কলিকাতার আদেসর ফলিকাডার বাণিজ্যের আর পাবনা প্রভৃতি স্থানে প্রদানের প্রমাণ গ্রাণ ঐ সক ল আসেসরের দত নাটিফিকেট ও রুসিল অগ্রাছ করিয়া কেবল মহাজনদিগের বাজার সমুমের উপর দৃষ্টি করিয়া অন্যাত্তপে কা

मात्र निक्षे ६८० काश्य निक्षेत्र १०० काश्य নিকট ১১০০ লক্ত টাকা পৰ্যান্ত আছাত্ম করিছা तहेशारक्तः अपिरक पिनाम शुरवदः कारलज्जेव সাবেৰ মহাশরও তথার প্রেরিড ঐ সকল নাটিকিবেট ও রসিল অগ্রাছ করিয়া টুক্ত শ্বানের প্রতি নোকানে ১০০ শত টাকা পদ্ধি बादन कार व निक्षे २ ०°० काराब निक्षे २००० কাহার নিডট ৩০০০ আজার টাকা বল পূর্মক आशोषं रुनियादहन । देशांत स्टब्स खादता विक्र বিশেষ ক্ষত্যাচার ক্ষাছে। বে সকল মহাক্ষম डेब्रिकिक होका नरमा मध्यार क्षेत्रक विद्वा जनवर्ष व्हेदाहिरनन, छै।बीप्तिरशद्ध दावाह ৩০০০ হাজার টাকা টাকা ধার্য হয়,, ভাহার প্রাত্তি শতে ১০ টাকা হিসাবে স্বর্ত্ত ধরিরা ৩৩০- শত টাকা পাওৱানা ক্ষিত্র ৩৩০-भड वर्ग हाउँम नीमास्य विक्रम कविद्या

বাছেন। উক্ত চাউল পরিবাবে ৩০ মণ, থলিয়া ১৩০০ শতটা। বাহাটের সমুদায় विनद्यत्र ज्ञान वृतिया ३००। ৫.० ज्याचा १०० শত টাকা টাকা নিৰ্বারিত ক্রা হয়, নিকট হইডে প্রায় ৫৯০৭ ভাহাদিগের হাজার টাকা অন্যায়ৰণে আছার করিরা লওরা চট্মাছে। বিশেষতঃ বিবাজপুরের চাউলেয় বন্ধা নীলাম করিয়া ঐ টাকা আলা-র করাজে, মহাজন লাকেরা নিডার হতাশ হইরাছে। এক লক পচিশ হাজার টাকা আর मा बहेरन १००० हाजान होका होका होरा পারে না। কিন্তু বাহার এক লক্ষ্প পটিশ হা-জার টাকা মাত্র মূলধন, ভাহার নিকট হইডে ४-०० शंकांत्र हैं कि होका जाशीय कतिया न-ওয়া হইরাছে; ইহার অপেকা অন্যায় আর कि भ्राह्म ? बराजनि नातुरात्मद्र नक्षि धरे.

८एवा कि व ॰व ४० कोक'त है। को लडेव २ फ | काळका द्यारक ৰাবে বাংগাহে ভালার চুট লক্ষ টাকার স্কুম का । ८०२ से अहे महुद्भन्न हैशस्य पृथिशांड বরিয়া টাকল পার্যা কর[া] আত্যান্ত আবিষ্কেচন র । वर्ष माण्यतः माहै। अवश्मात्त्र ९ भूकी वर्मात्त्रत গুছী - টাকের পরিষাণে এবং নিজ পাবনার কোন কোন ব্যক্তির নামে বিগুণ ও ত্রিক্ণ পরিষাণে টাকা এহথের নোটিস দেওয়া চ?-राष्ट्रा शक वरमस्त्र बहीस्त्र स्तारक्त्र काल ৰঙরা দুরে থাকুক, যুলনে হটডে ৶ আনা তাড়াই আনা করিয়া কভি ছইয়াচে › ইহাতেও বলি ঐব্বা জন্যায় করিয়া টাকা प्राक्रीय क्या व्य, जांक् क्वेरल महाअन वर्श জাচিবাৎ উৎসন্ন হটকেন সন্দেহ নাই**্**

> কুমার খালি পানন প্রভূতির মহাজনগণ

বহাজনগণের স্থানে স্থানে, যে যে কার বার আছে, তাহারা সে সমুদায়ের আয় **একর গণনা করিয়া : ইনকম টাস্ক করমে** निषित्रा निशाहित्नन, এই छ। हानित्रत অপরাধ! এই অপরাধে তাংাদিগের মূল ধন প্যান্ত ঘাইবার উপক্রম হইয়াছে ! ভাঁহাদিগের রক্ষারও কোন উপার নাই-िक काटलकेंद्र कि चाटनमद्र टक्ट्रे छोडा । धामानिर्धात च छान आगर्यत मरमाह बारे. খিগের বাক্যে বিশাস করেন না! আমর। কিন্তু উক্ত চিকিৎসক পদ ইহা অপেকা ম ্বে পত্র খানি উপরে প্রকাশ করিলাম, । ছে,পকারক। ভারতবর্ত্বে রাজনীতিক্ষের এ ভাহাতে বে প্রকার অত্যাচারের কথা লি ্ভাব নাই ৷ আইন বিবয়ে এতদেশীর অদি বিশ্ব হইয়. ছে, কিছু দিন এৰপ হইলে | কাংশ অচিক্লিত কৰ্মচারী ফিবিলিয়'নদি **ষত্যজনগণ কতকা**ল বাংসায় চালাইতে ; গের **অংগ**ক্ষ, নিক্কণ্ট নহেন। সভা কগা প্লাব্লিৰেন ৷ প্ৰধান পুরুষদিগের কর্ত্তক, বলিছে কি, আমাদিধের খনেক ' ডপুটি मुद्र, महाकानिएशद्र व्यादिषम कादन कविया माजिए है है अ महत व्याल। एकत्थ काळ . জা**হাদিপের প্রতি যে অত**্যাচার কটতেছে, [†] বরিষা লক্ষ প্র**তিষ্ঠ ও লোকে**র বিশ্বাস ্লেঞ্ছার শিবারণ করেন, নডুব এব কালে 🖢 ভাজন হইয়াছেন, অনেক সিবিলিয়ান সে **हैनकन होता त्रहिए कै**रतन। अककात्ल क्ष इन्नेट्ड शास्त्रन नारे। किछ विकास ्रेसिक्न **होला तरिए क**तार खात्रःकण्या । माद्यात वियत्य अ**क्य नत्र । छात्रधवर्**थ वि ্রিলার <mark>প্রস্কার থাকিলে অভ্যাচারের নি</mark>্ড_{ান} খাত্রের অধিক্তর উন্নতি হয় ন'ই। क पहेरव मा। আবাদিগের এই কো । অ: গ্র চিকিৎসা বিদ্যালয় সকলে অণপ জ্বের মুইতেছে, লেভ সাহেব এই নহত্তর । ম.এই শিকা দেওয়া স্ট্রা ধাকে। ভারত শ্বনৰ ব্ৰাহন টাভেন্ন জিলুলন চেই। বৰ্ষের হোনু স্থানে এডিনবৰ্গ অথবা পারি ্বিয়া মাজে ইরের বণিকগণের ও দেব ন্যায় চিবিৎসা বিষ্যার অনুশীলন

ना त्य मुदिश अस्य एव क्रिट्सम !

> हिन्दा हिनि नाम 🗸 🖰 🖰 গ্ৰেষ্ট্ৰ জালাল ক

লাভ মেকলি প্ৰা ,4<u>(</u>] 2, **त्रक व्यक्तित मनिरम्म । इमे ा वेश्मरश्**व অধীশর চভুষ উইনিসনের সমতে মহা मछ। देशलास्त्र । प्रतीय ব্যের প্রাধান কলন ক্ষেত্র প্রাথ কার দেন ৷ কে ^সাৰ ं ६ ५ ७ के कि मी विषय के कि कि कि कि कि कि कि कि **ভের অধি**বাৰ কোটেড**লেন। ১৮**৫:: অ ক্ষের মুতন সভন্দ পারা ঐ অধিকার কেব ল যে দুড়ীভূত করা হয় এক্স নহে, সি विस मर्बिटमें अर्जनीधकात मान क्षेत्र ५ দেশীংদিগের জার এফটা কল্যাণ দ্বার উ ন্ধাটিত ব্বিমার ওরা ধয়। ঐ সকল স্বন্ধ প व्यथिशास्त्रत्र मर्था छिङ्कित हिति धमक श्रेम लाट्डिंग अधिकात्रर के अभवा क्षेत्र कान করিয়া থাকি ৷ মান, সন্তুম ও বেডন প্রকৃ ভির বিষয় চিত্বা করিলে সিবিলিয়ান পদ

इंग्लिट्ड - ध राग्रामंत्र क्या सन ठिकिश्यक উদ্ভাবনী শক্তি প্রদর্শন করিয়। কোন মূ তিন্ত্রিধ বিদ্যালয় কারিছার করিয়াছেন -নিজ্ঞানশাস্ত্রেন্বিষয়ে তাঁছাদিগের नि दी सभी प्रदेशाइन - अ भारत थात । जाका जनमार का क क्या मान करा অকিন্তিৎবন্ধ। বিষ্ণু ন শাবেশ্ব অধিকার্ অনুশীনৰ হইতেছে না, বলিখাই এডিছা গুণের কিয়া দেখা যা**ইভেছে ন**া

 (क्नीशिक्टिंग्ज छिड्डिक हिर्दिश्मक) भाग नां छ भाष अब्रुक्त थे:कितन हेट दा है। गर**७ मिना क**त्रिया हिन्दिस्मा मारञ्जलि শেব বৃাহপন্ন হইতেন, আমাদিগের এই এক মহতী আশা ছিল। কিন্তু সেনাদলে প্রবেশাধিক:বের নিষেধ হওয়াতে আমরা निट ए इंडान उ ल्हाश्याद मंद्र इंडायादि । धर्यन च नत्य (कदल रिशानात्र इहेश हे॰लाएगमनाधी दरेएबन का, मैक्स शक, অধিক মান ও অতিক বেডার কাকে লেণ্ড विमाः निकार अवधि क्षश्राः केलीलम वि क्तां । क्वांन विभाग क्यां विभा मिका করেন এরণ লোক ছবি বিশল ।

যে দিন ভারতব্বী ৷ ব্রুজফীয় দেনা দল একত্রিত হয়, সেই দিনই আমাদিগের উনিখিত অধিকার হইতে বঞ্চিত হইকান অগল আরে র জ জইয়াছে ৷ স্তিরা আমেছি গকে ব্রুণ্ড করিখাছেন, তাঁহার। আমাদি গের শ্বীরিক দেখেকে উহায় কারণবাপে निम्मि करतन किन्द्र चरनक अवान क्षया ন চিকিৎসক ৩ বিষয়ে যে ১৩ প্রদান ক রিয়াছেন, তন্তারা উলিবিত বাক্যেব অনু লকড। স্পাই প্রজিপাদিত হইয়াছে। শ্রী इंगड चलहुँ है। यनि व्यक्तिकृत मः हरेन, ভবে আরু কি অনা প্রতিবন্ধক 🗸 তবে কি वर्गटक थ्राहितक्क । हेन्स्ट अपेरीत स्थाय ণা পত্ৰ এ বিষয়ে আমাদিগের সহায়তা করিতেছে। উহাতে খেত, পীত ক্লব্স ও লোহিত প্ৰভৃতি কোন বৰ্ণের কথা নাই। जात इंडेट्संभीन परल खन ना इरेल, जि

পাহী দলে চিৰুত্ব আমিতাণ্ট পদ লাভ व इश् (कन) धर्मन भगस्य धक लकः ত্রিল সভত্র সিপানী আছে ; ভাছারা ভ क्वत छात्रध्वस्य पाकित्व. के महल क्ष ल्ब्बीय विशदक वियुक्त क्षितल मांव कि: क्रहात (क्रमात अ मिनीय्निग्रक निविल পুরুলন না ক্রাই বা হর কেন[্] ইউরো कोर्टनरात्र तक्र तक्र कर करणीत्र विकिर जकन १८क पालनामिर गत्र गत्रिव रत्र हि किश्मः कार्या निर्माणिक क्तिएक भन माह श्हेटक शाह्मस बटते, किंद कोहाता अश्वान अधिक इंडेटवर ना ; गर्भिरे दा ज ।तक इन, ट्रांनि अपदा अस्त्रपाय विर्मापत ুসংস্কারের অনুরোধে একটা কাতিকে तकारन अक्षीं महस्तः स्थिकात इहेर्छ। ব্যক্তিত করা কোন ক্রমেই বিধের হয় না। · म ७३:भी विषयः **रेड**ेट्र श्रीरत्नः। मकत्रन कामालाख्द क्षीनद्र। हैं हात्रा अने यूदि ্চ কৰে বল্লন না কেন যে এ দেশীয় মুন দেকদিংগর নিকটে ভাছাদিগের বিচার मा इय । शवर्गामन्त्रे कि इंखेरताशी प्रणिरशत कुमश्कातरक शासाम पियात छे. फरण व र नौग्रिशक ग्रमकि अम इटेट विकट ক্রবিবেন: আমর। ছুংখিত হইলাম ইণ্ডিয়ান বিক্ষার সম্পাদক ইউরোপীর্ণিগের উল্লি शिष कुनःकारत्रत्र शिक्षाः पितारहरू । य ব্রাকনীতি জেনিবিশেবের কুসংস্কারের অনু त्वांभ वक्का करत्र छ।हा निर्फाष ७ अमः সনীয় নছে ৷ যে বিষয় বিশুক্ত রাজনীতির অনুমোদিত, ভাহা কথন বিশুদ্ধ ধর্মের অননুষোদিত হয় না। যাঁহার। ধর্ম জেদ প্রদর্শন করিয়া রাজনীতি বিঘটিত ও বি কলিত করেন, তাঁহারা যথার্থ রাজনীতিজ্ঞ নহেন। যিনি ভারতবধের শুভাকাক্ষী **जवर विनि चरमभी ब्रक्टिशब अ**िनिधि र्नि রা পরিচয় দিতে উৎসুক, তাঁহার এ সক म विवा विरवहमा कब्रिया लिया कर्षना। হিস্থপেট্রিয়ট এই জনাই ভারতব্দীয়দি গের প্রতিমিধি বলিয়া পরিগণিত ও আদ तित्र भाग स्हेशास्त्र ।

वाबारेरवर भावनी ७ हिन्द्ता छेन्नि चिक अधिकारतत्र शूनल छ वामनाव शालि बादमके महान क्षेत्र कार्यम्य कविद्यादस्य। মাক্রাজ ও বন দেখেব লোকদিগেরও এ रियदत छैनात्रीम थाका विषय मण। अव विध विवरतः भिमित्त भानियास्मर्त्ते (य थ। दिमन इय, काहाटक अविधि महती काणि হই য়া থাকে। ভিন প্রেসির ডিক্ক এক बिड हरेश बड़े नकल घ'टवमन कन्ना कर्ख बा। डाहा हरेटल आदिमत्तव जाव शक्तकत হয়। ভারতবহীর সভা কি কনা বোনাই ও মান্তর হৈছের সভাকে এ বিষয়ে প্রামর্শ না দেন - বর্ত্তমান আবেদন ঘাছাতে এ দেশের শাবতীয় প্রেসিডেন্সি চইতে যুগপথ প্রেরি ভ হন. ভারভব্যীয় সভা ভদ্বিবে সবি কি গ্রণনেক্টের ধনাগার পরিপূর্ণ করা শেষ শৃত্ৰ বসুন। উলিখিত অধিকাৰ লাভে র জন্য আমাদিগেব যত দূর সংখ্য চেন্টা কবা উচিত। যদি ভারতব্বের সমুদার লোকে একতা হুইয়া এ বিষয়ে প্ৰতিবাদ करतम, इंश्यक्षाय भवनस्यके काम करमहे আপনাদিগের অন্যায় ও অনর্থ মূ দক আজ্ঞা अপतिवर्षिक दाधिए न इनी इंटेरिन ना ।

পতিভক্ষ বিলয়

এই বিষয়টা যেমন আমাদিগের অতীত গ্রবর্ণরজেনরলকে শেষাবস্থায় গ্রাকৃষিকারি দিগের প্রিয় পাত্র করিশচিল, তেমনি আ বার মুক্তন গবর্ণৰ জেনরলকে ঐমহাপুরুষ मिरान्त्र विदय विदय कविता जूनिरकाछ। লাভ কানিডের সময়ে প্রিত পুনি ক্রিক্রয় প্রতিক্রা নি মুধ্রায় হই গ্রাছিল, জীর্ধিকারি मिरांत चानरमत श्रितीय हिन ना। किंक लार्ज अलगिम स्ट्रेंट उँ।शामिरभन মনোর্থ পূর্ণ হ্ইবার ব্যাঘাত জ্ঞারিয়াছে। শেষোক্ত লার্ড আপাততঃ পতিতভূমি বি क्रम वस्त्र कर्त्रमा निशादहन, अतृक्तिकात्रि দলের কোপ সীমাতিক্রম কারয়াছে। ভারু তবর্বের ভূমিতে ইহাদিগের নিভান্ত লোভ मृक्ति शिक्षता:इ। देवीनिरशत अखाबाम्

স হোই লার্ড কানিও প**ডিড ভূমি বিক্র**ংসুর প্রতিষ্ঠা প্রকাশ করেন। যে দিবস লাভ এলগিন কলিকাডার আসিবেন, সেই সৃত শাসনকর্ত্তা এইবিবারের বিল ব্যবস্থাপঞ সভায় অৰ্পণ কৰিয়া ভাষা শীস্ত্ৰ বিধিবস্ক रहेवात चित्रभात्र ध्यकान कटत्व । अविध রের শীত্র নিষ্পত্তি হয়, লাভ কানিডের একান্ত ইচ্ছা ছিল, কিছু নালা কারণে এ বিবৰ স্থপিত বুজিয়াছে।

আমাদিগের ভূতপূর্ব শাসনকর্তা পতি তভূমি বিক্রয় করিবার যে পাজা দেন, শ্রীর্থিকারির দল বাতিরিক্ত অন্য সকলে ভাষাতে সংপূর্ণ অমুমোদন করেন নাই। পতিতভূমি বিক্রয় করিবার উদ্দেশ্য কেবল অথবা ইহার অপেকা আর বিভু ক্সন্তর উদ্দেশ্য আছে: বন পূর্ণ ভূমি সকল পরিষ্ঠার করিয়া ভারতব্বের এর্ডি সাধন করা कि মুখ্য উচ্ছেশ্য নয় ? यनि তাহা হয়, ডা গ হইলে লাড ফানিডের পতিতভূমি বিক্রয় করিবার আক্ষা নিদো ব নছে । গ্ৰাণ্ট সাংখ্ৰ প্ৰস্থৃতি ভার তবৰ্ণীর ভূমির বিশেষজ্ঞ ব্যক্তিরা বলেন, মালাক্কা, সুন্দববন প্রভৃতির ভূমির নাায় এট সকল ভূমি কিন্তু করিবার সময়ে ক্রেতাদিগকে এই প্রতিজ্ঞাপাশে বন্ধ করি যালওয়া কৰ্মৰা যে, যিনি যে ভূমি লই त्वन, कें।हारक करसक वर्षमस्त्र प्रदेश कि म्रनश्म প्रिक्र्ड ७ क्यिंड क्तिएड इरेएन, महार भवर्षाये कृषि बार्कमाश्च क्रियम, " **জীবুদ্ধিকারীরা " ইহাতে সম্মত** ছিলেন मा अवर लोख कामिष्ठक कें.होनिरशत ध्या র্থনা পরিপূর্ণ করাই ভোয়ংলাধন জ্ঞান ক রেন ৷ বাহারা নীল ও চা প্রভৃতির উৎপ प्रम कार्या जुडी हम, डाहानिश्व यह हु र ধন থাকে, ভাছা একণে কাহার অবিদিত नारे। छाराता अथरम किस्किट होका कड़ করিয়ু কাক আরম্ভ করেন, শেবে শাস চাঁদ্র প্রভৃতির উপরেই নির্ভর। গ্রাট

कें अपन्ति भागिक चिरित । भूर्वर मिलिश्व क्यों के अहे, जीवृष्टिकात्रिमिटशत्र (भोतादश हाहाजिरशत वाज कता छ त इहेरव अवर निवृद्धिकातिमिरशत कनिके धरे । श्रवं वागिमिटशत मः भटर्श 💆 त्रिक्षकानि मिटशप्र শাবীরিক ও মানসিক উত্তর্বি বলেই क्रमणः हाम इरेश याहेर्दा

भी र अधाय धाः महस्य अञ्च क्रिश्य वर्ड

हरेटर मा १ वर शका संवयनी तकता है वात । करतमा करिक वर्णत व्यवस्थाकिरक स्थारत, बनाष्ट्रत छेरमञ्जन। इहेरल दुवि बाजधुन थाता **फेक्शमिटश**त विन.देमद्र मीमाश्मा यदि द्यम 🔐 🗸 छेर प्रम क्रेटल প্রজার है क्रेटन, रशरकषु काहाता हुईल। मील मरका छ यक अकल्याः इवे गट्य १९ वर्डेट्ड्ट्, डांवाद मभूम:(शरे व्याः दिहात्रश्रांकिमरशत अक পাতিত: ও অন্তিত্তভা স্পষ্ট প্ৰকাশ পা ইরাছে। आমরা পূর্বে শুনিরাছি, এখনও শুনিতেছি কোন কোন ডেপুটি কালেক্টর অনাায় করিয়া ডিক্রি দিয়াছেন, কোন কে.ন ম'জিন্টেট সামান্য দোবে অংবা विना (म। एवं क्विन नीलकरत्त्र कथात्र प त्नंक काकारक कात्राकृष्क कतिप्रारहन । रहाउँ আদালতের বারিষ্টর বিচারপতিরা ত নী क्षक्रमित्भन्न भृष्टाप्य छ। ॐ। गामिशास्य পাইবার জনা জীর্ষিকারীর দল অনেক আনাধা করিয়াছিলেন ৷ বারিউরেরাও প্রসম্ভ্র হইরা তাঁহ।দিগকে পুণমনোরথ ফ নিয়াছেন। সম্রাতি যশোহরের অন্তঃপাতি জেনিদহের প্রজারা তত্ততা ছোট আদাদ তের জঙ্গ লিকাস সংহেবের নামে এই বলিয়া নালীশ করিয়াছে যে তিনি নীল কর নিয়ার্স সাংহবের কুঠিতে কাছারি ক রেন। মিয়ার্স যাহার নামে নালীশ করেন, ভাহা সভা হউক আরু না হউক, -বিচার পতি তাহারট বিপক্ষে আক্রানেন। অধি

তে পারে না; সুতরাং প্রার একতরকা जिक्कि रहेश योदक। नीनक मिर्मद 🗷 ব্রতা ও অমারিকতার জুটি নাই। ঠাঁহার। সকলকে অপুনাদিখের ভক্ততা কেবাইবাব क्षत्र करत्रक कटनत्र माट्य मालीम कटनमः ভাহারা দাদন লইয়াহে, শ্বীকার করিয়াছে। পাঠকগণ জানেন তাহারা কে ১ তাহারা **अक्टलरे भौतकरत्रत्र भाक । छाहामिरभन्न** বিয়াবের সিক্রি মাত হইয়াছে। কিন্ধু ভাষা ক্রিপ**কে** কোন ক্ষতি এন্ত ছ**ইতে** হয় নাই। এ হতত পা দিলের কি কটের শেষ বিদ্যাসকলম্ম কলায় লোকের জরিদানা যশোহবের সহকারী মাজিকে টের গুণে ও পুলিব সেঝাদিগের সহায়তায় নগ্রানাথ ঘাচাৰা ন'মক এক ব্যক্তির বাটাতে ছয়টি क्छा: र्यः अ या**ङ्गिक नीलकर्तामर**श्य চক্রতে ৩০০০ টাকা করিমানা দিতে হই शास्त्र । आहार्या नील वश्न क्रिट मिटड ए ना, च्हां उदे अकाता भाषन लहें। করার ভদ বারতেছে নীলকরেরা এই কথঃ বলিবাম এ বিচারপতি ভাঁহার শ্লবি माना करत्वा भे वाल्डि भवर्गस्मरत्वेत्र विक (हे चाट्यम्ब क्रियाट्या यि श्रिष्ठांत्र এক কালে ভারতবৰ ত্যাগ না করিয়া পা **ब्लिन, भे राक्तित प्र (धेत थाठी कान इहेरत।**

বিচারপতি অর্থি অথবা প্রত্যর্থির স হিচ একত বাস করিলে এডফেশীরের। ভাঁহার ক্তুত বিচারে অবিখাস করেন, ইহা व्यथान भूक्रापता कारनम ना अमन नत्र. क থাপি যে ভাঁহারা ইহার নিবারণ করিতে (इस २।, हेश अण्ण विकासित विवस नाम । এই অবিশ্ব:দের বিশিক্ত কারণ আছে। এবপ অত্যেক শুনা গিয়াছে নীলকর্মিগের খালা ও সাজ্গেন বিচারপতির মডিজম স্ক कार्रमा निमारक । लियान कि क्षिति मील कूंगीटक काहात्रि करत्रम ? हेलाँटेंड क्षिमि-ব্যক্তি ভাঁহার পক্ষপাতিতা শক্ষা না করিবে मः आप्रदानिकश विगया भारति अस्मत विक ११म् कामा काव मीमपू शिष्ठ शवम कति । हि ह्य मकल माली मुक्कि एक छारा नका

मारहत अष्ट्रिक सनूरमः अथ। अवलविक रहेटल क्लाइनिहें के बेर्ड कटनक छै।का मरवादब्द्र आवनीक कट्य ार्न য**়হার। সেই আবশ:ক অর্থ সংগ্রহ** করি:ে । कार्या श्रीवृक्ष स्टेर्ड शास्त्रन, छैं:हानिरशङ्ग ছারাই দেশের কল্যাণ হইবার সম্ভাবনা, কিন্ত উর্দ্ধিকারিদলে ড.দৃশ লোকের সংখ্যা **অ^{ম্প} ৷ মুডন গবর্ণর জেনেরলে**র मञ्जिलिरंगंत्र मर्था । ध नि रत्न म ५८७ म इन्ह াতে লাভ এ গিন এ বিষয়ে সর চালেস উত্তের মত গ্রহণ প্রতীকা কবিয়াছেন! রাজপুরুবেরা ভারতব্বে যে সমস্ত মূতন **कुठम विधि मिर्द्यश**िष उरदान । शहा छ द ্রায় দ্বিন লক্ষ্য করি मध्ये . ती इस, महिला एवं बता कहे खतुरताप করিয়া স্থাসিতেছি। কিন্তু সঞ্চা রাজ **श्रृक्रत्यद्वा मकल मगरः। এই निः, स्मद्र चन्** সারে কাষ্য করিতে পারেন না। তাঁহারা জেণি বিশেষের ভয়েরাজনীতির অননুমো দিত অনেক কাষ্য করিয়া খাকেন। একুপ 🕽 মবস্থায় সর চারলস উডের হস্তার্পণ ভার ত^{্তের} মলল হেডু সন্ধেহ্ নাই। সর চার াস উড বলেন, প**্রীগ্রাম মধ্যে যে সকল** প্তিত ভূমি খাছে, জ.হা সাধারণের গো চারনের স্থান ও সাধাবণ সম্পত্তি, স্বতএব ভাছা জিল্ল করা বিংধর হল না। ভাছারা नाथात्र-।त यच रानि क्षेत्रात महायमा ! পর্বত প্রভৃতি ভানে যে সকল বন পূর্ব ভূমি আছে, তাহাই বিক্রের যোগ্য। (আমরাও এই বাকে। অনুমোদন করি। শলতঃ আমাদিণের অভিত্রেত এই, এর্ব্র প্লেষ্ট্ৰ ক্ৰেলে যে সকল ভূমি পতিত আছে, ঁ **ভাছাই জীর্জিকারি**চিপকে দেওয়া ভয় **্রবং ভারারা ভাষা লই**য়া কেলিয়ে নারা क्षेत्र । श्रीवृक्तिकाद्रिकिरशत नहत्राहद्र रा क्षकितिव विक्रिक शास्त्रा यात्र, जाराणि গুলু এয়ৰ, নার ও জনপত্তে বাস করিতে क्षिक्षे स्वाम चातु । म

बर्दे। अवाहां नान्य तत्र गाहे। पान्य न हेरल मीलकरबड़ा चार्च भाका कब्रिया लिचि हेन्ना महेर्डन भरकह बाहे, 'डाहाना मा মানা কাপজে বিনা রেজিউরিডে করার পত্ৰ লিখাইয়া সহবার পাত্র মহেন 🏋 যদি বল বিখাস থাকিলে এ ৰপ ঘটনা इडता चमद्धाविष्ठ मटर्, मीमपण्डि भाग যোগ হইয়া অবধি পরস্পরের সেবিখা त्र विवाद । हिलहे वा कि ? अवल चटन মিগার্গ প্রভৃতি বে সকল বলিল ব্রিডে ছেন, তাহা সহজে প্রমাণ্সিত্ম বিবেচনা क्द्रा कि.म करमरे मनतानूगंड मरह। य বিচারপতি ইহা বুরিয়া উঠিতে না পারে ন, ভাঁহাকে এই দত্তে বিদায় দেওয়া कर्छर) ।

यट्नाहरत ७ এই हहेट७८५ । बद्दीशांत्र বিষয় হিণ্ডপেট্ৰিয়টে সবিশেব বৰ্ণিত হই য়াছে। নদীয়ার এক জন খৃতীয়ান ডেপুট কালেক্টর সম্প্রতি অন্যায় করিয়া এক মো कम्मगात्र बीलक्टब्रुब्र क्या कविया निशास्त्र । যে প্রজার নামে শালীশ হয়, ভাছার উপা धि शाचामी किस मीलकरत्रत्र यथार्थ मलि লে তাহা ঘোষামী লিখিত আছে । উক্ত প্রজা এই জন্যায় পাজ্ঞার প্রতিবাদ করি র৷ তত্রতা জ**জ লুই জাকসনসাহেবের নি**ফ**ি** টে নালীশ করে। ভিনি নবি চাহিবাতে দেপুটি কালেক্টর নদেশ, ভাছা ভাকে প্রেরি क क्रेबाटक् । किन्नु छ।का कृष्णनगरतंत्र छका । षामालटा भेंद्र इ.स. गुरे काकनवना হেব গমন করিলে এলফিনটন জাকসম मारक्व मिथिएलम मधि कात्राहेगारक। अम खड़ अरे निष्ठं वक्तभनी विहात्रभिक शका র বিরু.জ ডিক্রী অপরিবর্ডিত রাখিলে न ।।। गर्भन धांका मीलकरवत प्रलिल ফাল বলিভেছে, তথ্ন এই ৰূপ আজা मान त्व कडमूत ज्ञाभ, छ। चक्ता क्षिएक शामित्रारहम । मण्डिन कारतानि নার বিচারপতিরা বিচার করিবার সমরে অধিক্তর মান্কতা শক্তিসকার সুরাপান

कतिश बारकम । जामाविरभद्र विष्ठाहुनुकि वा विठातकारम जूराशाम बा क्रियोध हु ब्राभाषीत कथा करत्रन ।

अकरन गर्नारमणेटक हुरे अक्छा अनू त्रोथ क्रा किछ । अवस्कः लिकास्टक करे मत्त्व मिश्रारमंत्र नीलकुठि छा। स कतिएक व मून, ठाँशंत्र विक्रटक रा चारवनम स्ट्रेश হে, উত্তমৰূপে ভাহার বিচার করা উচিত সাব্দী ছারা যদি লিখামের পক্ষপাত সঞ मान इत, जाहा हहेत्न जाहाटक वहे मृद्ध পদচ্যত করা কর্তবা। পৃতীয়ান ডেপুটি কা লেক্টর কে ১পাঠকগণ বোধ হয় বুরিছে পা রিরাহেন ৷ ইনি ঘর্ষন আসেসর ছিলেন তখন ইহার নামে উৎকোচ গ্রহণের নালী म इस । देनि धर्षद्रम दुक्ता भादेशारह्म । িন্ত ইহার জাভাকে কারাগারে যাইতে হ ইয়াছে। উক্ত সদ্গুণ সম্পন্ন ডেপুটি কা লেক্ট্র নথি ভাকে পাঠাইয়াছেন কি না; ভাছা কাচা ৰাবা পাঠান হইয়াছিল ;সে কি প্রকারে হারাইয়াছে; কোথাৰ এবং कि श्रकाद्म बाबाहेल, अरे मरुल नियरब्रब त्रविटमव अनुमक्कान कदा अखिमस आवमा ক । উল্লিখিত নৰি অগ্নি ডাকে যায

পুস্তক প্রাপ্তি।

আমর: কভজ্ঞ চা সহকাণে স্বীধার করি তেছি, এস প্লাহে এক পানি সাঞ্চালা ৮ ৮ক খানি ই বাফী এই ছুই খানি গুডন পুডক खा अ व्हेग्राहि , बाह्म य मिव न म कुरशा-ল।রিচন। কগুটে,গা একি ভুলের অনভের পশ্ভিত জীযুক্ত রাজ্যরত ভটাচার্য্য এডৎ अभयून कवियारयन । नानकत्रिरशत नाठा वे हे হাতে সংক্ষেপে कृत्रांग हवास विश्वित हहै-अध्य । हेहा अथन निकार्षितिम छेश्रवाती হটপ্লাট্টে: কটলভের মি,চর্চের অন্যতন মিস बहि द्विवरम्थ क्रम व्याभके मार्ट्य क्रानीत শুটিয়া বাঙ্গারের এক নভায় বে বক্তা করে ন, ভাছাতে বিভীক পুন্তৰ পানির হৃষ্টি হট ৷ ভববীর শিপাঞ্চান্ড যন্ত সকৰ 🗤 য়াছে। ইহার সারাংশ আমরা আগামি বারে 120 পাঠকলণের গোচর বরিব

मधन ४१३ जून ३५-७२। প্রিয় সম্পাদক।

লখন একণে এক অপূর্ব ফ.ব খারণ ক-রিয়াছে। প্রাচীন কবি ও পুরার্ভ লেখকের। অবোধ্যা, নিদেবা, বাবিলন্, মেক্ষিস ও রৌ-মক পত্তন প্রভু ও নগরকে মতুব্য কুলের গৌ -রুব স্বস্থাপ বলিয়া বর্ণন করিয়াছেন ৷ সেই মনঃ किना वर्गा नक्श क्विन वर्षमान् वर्धमा সংসিদ্ধ হইতেছে। এই মহানগর সমূদ্য-ক্ষম-ভার হংতী কীর্ষি। একণে ইহাকে একটি কুত্র श्रविदी विकास स्त्रा श्रविदीत सर्वाश्य बहेरछ সহস্র সহস্র লোক স্বাগত, হইরাছে: ১৬ রোপ, আসিয়া, আছিকা, এবং আমেরিকা বেন একটি আধিতার্থিক কেন্দ্রে পরস্পর গা ক্ষাৎ করিভেছেন বিসর দেশের অধিগতি. জাপান দেশীৰ ব্ৰাজদুৰ্ভগণ, ভূত্ৰৰ, কৈতী প্রভৃতি দেশের চুত সকল, এবং রাজোপা धिधादी मामा रमणीय बङ्गे वास्ति अभारम विष्ठब्रुण क्रिटिखर्ड्य । अधीनकांत्र ज्ञानश्या भरता বুঞ্চ বিবয় সকল দৰ্শকলের নি যন্ত্র আভিযুক্ত इहेब्राट्ड । जनकोड़ा, महकोडा, *विःनाजी*डा, ক্রিকেট, বিলিখর্জ, চতুরত্ব প্রভূতি অংশববিধ মামোদ সকল লোকদিগকে আকৰ্ষণ করি ভেছে। সার কাল উপস্থিত হইলে নালা স্থানে গীত নৃত্য, **খিত্র দদ্মিলন প্রভৃতি** < নিগ সুখে লোক সকল পরিভুপ্ত ছইডেছে : কীন প্রভৃতি জগবিখ্যাত সটেরা এভ্রমণরীয় य(बाह्य बाह्यभाषांत्र कार्यबादम्य का ५ क मज क्षेत्रांच कब्रिडिड्स । अकृति शतिब ह অট্রালিকা প্রভিদিবস বহুসহত্র ব্যক্তিকে সং ক্ষণ করিতেছে। লাভ ক্রছমের সংসংখিত বিদ্যোৎসাহিনী সভা ও ইউরোপত অন্য চই ভিন সভা এখানে উপবেশন কর্মতে 'সং-' विश्वां का कि अन्ति के वेवाद्य भाभ हडू किरन रव कछ ना भार रेगि তেকে, ভাষার সংখ্যা করিলা উঠ ছাধ ৰ ক্তে করা উচিত, বরং লণ্ডনবাসী বীণ র করিভেঙ্গে যে শুগুনের সর্দ_্্ খর অভুন, অহুতপূর্ম কথনাডাটে 🕏 💠

क्यांबि विज्ञान भरता (गार्श माः ४ মিত্ত সম্প্রতি এগজিবিশনে গিয়, 🕆 ন্যান্য দেশায় তব্যের সহিত ভুলন'

ंद किन्देक त्राम अध्यक्ष व्यक्षेत्र क्रिटक েরিলাম না। ইবা অত্যন্ত **জালেপের বি**নর ा गतिना छ।त सिन्न विम मिरमूत स्वाबदमन এত কোন কে'ন ৬ব; এখালৈ প্রেরিভ কা ্ট ত প্ৰিষ্ঠে জনিপুণ প্ৰভাৱ জ্ঞান বিশ্ব » ^{জি} প্রবদের কান্য **নকল প্রেবি**ভ ইটরা**ছে**। प्राप्त कालीदबंद माल, यादानतीत कि थान চ'বার বজ্জের উপলক্ষে এই আভিপ্রান্ ! क क विराट्डि मा । अभवन बत्रभारत हाभा েব প্রাচীন নৈপুণ্য স্থান ক্রান্ড সাহত বস্তু ए हिट्र**ेषित विषय व है। इ**क्षि करानी शहनत क भीमादयंत श्रांतिष्ठ कन्त्र ना तन्त्र हेगा यति নিচ্লারে রামধন অর্থনারের খোটিত কর্ম নঙ্গদের ভিবিধ্যের চড়াত শগ্রা প্রদানত त्य उर्द मसप्तर न्युक्ति अवसम्बे (या छन्। হাত প্রিব। আমর। আদিম ক্ষত। এট শলে নিভান্ত কাপটু। মিখ্যা গঠা করা ভাষা . জা. রীজি বাটটু বিশ্ব ভাতি *ভাত* বিদ্যালয় বিভিয়ার বেও লোল কে ইইয়াছে। আৰু श्रीभार येथीय भग्नमाद श्रीक मा कदिया थानि । হা কটক, ধার আমাদের কেলীৰ কার 🐍 कल दालि वर्षमाम विराम छिल्माई। इतेना भागित्रहरू कुछ लिखेशीया सर्हे। आसे अभाग ল্প ছেলেন কবিছেন, ভালে ফান্ডবর । ৬০০ ° তেবন এইলেমফোনণের গ্রপতি । রে এব উৎ ই ১০৬ এক্ছ কালয়।ছেন র দ এর শাণিদ্রাক্রিতি এই ভ গাছ এওজের জালীত লাভ সাভ / বিগেণ টেডিলেন ১

मरचा। e 20.00, कृष्टम मलस्थिया भगन धृती छ बहेरजाइ , (बाक्ष्य (कारजनाता । ६ १५%) ন প্রাচায় করিডেয়েছ, ভখার বন্ধক নিযুক্ত না করিলে, ভাতত ভাষকে কষ্ডলয় ন নিবার স-प्रक्रम बाहि : कवाय डावर्ड देपटगुर्वा *क*वन (इंछि **ध बा**ध्य का स्थाहर व र्राटा को न याश्रम াবিরেডাছে। বিহা, বাং। পরের ওারাফালে তা या छ छ भी होते । एक १४ वर्ष ते व आर मंत्रि শাৰ সূত্ৰ লেখ হথবে - চিন্তু এড়**ানে ভাষা**ৰ 분 ' 5 (일 위 1 6本'하 內閣'소리 - **

হর্দেল - ৬, ৮৫৭ প্রাপনীয় পোকদের निहे के मुन ही रहे देश हैं के प्रमाण है। विकास ख्क रुषा रुषा १८ १८६० (१०वर्ग विकास स्वास क प्यान भर्गा व वर्गात प्रकार पुरुष दलाकरक । वस्ते एकिः । इस्तुवन भाषा विक्रिय নণবাৰ : ১, টিবার নিমির সাইটেইছিকেন, | বিন্দান দেশত এ ধ্তাকক মুক্তিক, ব ডাই) पा ने अप शुर्क किए किया अदन्त

বত নভেনিছেৰ অবিগতি এড

ধ'ব'নত,'প্ৰদেশ ধ

কুড় প্রেচ ধ্রাজেল সেন্ধ্ স্থান করাছে " मुनामा अन्त १ । १९६५ किया व क्याना ALT ! 4 B 4 - 24 -माज्य नाम नाहर त 中国 "前 是 后令 ALL LAP A STUDE !

নহ চবিলান ডাছ প केरी । राम दल कार्रंड अध्यास्त्र । ५० ्रीके भेगान वाष ध्वेडाप १५०० क्षे अहर अप चेरक्ट व्य मण्या है, के शिक्ट शिल्य हम्।

कारमविकाय क्रम भाइ श्रुप्त १०६०४६. है हैक १ ८ कम्रामण्डक देवनामिना वर ो एक्ट्रिक ब्रोह्मादल् । दक्षद्रक्ष्यनदम्ब देवन, । ११७ एक्ट्रिय नामन अधारण विश्वविद्य देस ।

1544 AM CITY OF 1 ालक महाराजा ্ হৈ 15 শ ক 🕴 S SALWARD B 201 1/2 12 11 102 · Bu 164 · U <u>ئ</u> 1 24 c All 7 204 よりて 可で事業 一丁 112 26 2 6 17 के निर्देश के उन्हें मुक्का में इस सा है।

> क्षा ६ अल क्षेत्र एक , ^तनका का **प**र 1" 34" of 25 374 S. 4 নত -ইবাঞাই দিৱক গৃহ य क्यां का जिस्म कालना नुषाय लुझे | २°७४, ४०० २४४० - ५१०७ व्हेर्स्स ५ 1年 "新" ") 新门外 "别要何况事事 ্শনৰ ভা্ৰেষ্ট্ৰ ১টাৰে

े ११ ति अशास्त्र अञ्चलका**द्वादञ्**

মনেক প্রসিদ্ধ লোক ও প্রসিদ্ধ যোটক ডখা य अमिश्रिक इहेशा हिला किंद्र क्रियन श्रुसीयनि युवा वास्तिहा त्याम त्यांत्रेक मर्साक्ष्मी घडेरण एके विधरा करेखा बान्सी हा भिर ७ हिल, दक्टरे यान करह नाहे स्व कालाइक्रेक्स नामक अव काळा भिष्ठ एक् अभागाम, सुविक्ताल । वाहित्वत महत्र **শত**া করিতে পায়িবে + বস্তুত: ঐ লোচক স্ব-र्वअपी क्षेत्राहरू। अक व्यथनात यानक छ ত মধে অরোহণ করিয়াছিল বিটেকেং ডালী ড:হাকে জীবনের নিষিত্র সমস্র টাক। े दां कि हुई क्षित्र न के ब्रिगोद्धक ।

ककरः क अस्य मर्गु मर्या मधि उद्देशकर् कट्या : किन्म अवण दाष्ट्र ४४म्। क्रेप्टेस् फिला কিন্তু আমানের কেনের ম্রিমারিত বন্ধ ধানি অপু হেন্দ হয় কাড় হয় কাড় জনসংগল বানা कर इति । व सामाजिल करेगाएक जार पर কালেও পন্স, সাকল প্রীক্ষে টিও বিদ্যাস क्षांबर अरहम, राज्य राज्य राज्य सामान सही ম বস্তুস্তের পর্যার্থির বি

ा प्रमान्न पार्टकरम् अवशीक (प्रविद्ध क्ष ्रमार्क्य रेजन लहेर्: कार्य अक्टि । साके**ट**डि 🗸 लीका लीवामाजन पारण 🔫 🔫 ्रमा भौगताद महार्थक भौकासार ने इंकिंग्स आल्य महिन्य के उठ मा सिंग र निव लाक्षीत करीय । सा १ (किया है दि स्माप्त स्थाप

क्रियेन हमेरक अधि।

Then find dies etting i the notion to 18、全国 Yu 1g m , 产品 17x,111 gn 山梨 अंड क्ट्रीक (मार्ट) गुन्न, में १४% ह जा ब्या, ब्यारम 👊 या 🔭 है है हो । 🖽 जिल्ला है है ्या ८ इत्र जा नाम व ४०% । या श्री । १६ व्हान रक्षके अभक्षाप क्ष**्रह**क हा इस (अर,*स ८४°° ভাষাকত সংস্থানিত কলৈ ছে, সেই ৷ খানেত भूगरतकमिर्भव भाषा अन्यक्ति। १५७ । १५ । इड गा,भा श**रव** शुर्द्ध ऽ०ि चुनार 'ये ०ि [इस । अवारत और र स झा'बर' आहे नये :-के**हे, हे**यू. (**ए ७व्. वि**धेशारफ : महत्वन उ.हे पुष्टि वर्ष्ट निश्चम देशम भग भूका राष्ट्र हिन्द्रकान काहि-श्रारकः अञ्चलित्राम श्रान्य नाष्ट्र ना राज्यका ्वः अनावभाकः **你可以想**到 为大约的 不知 **बहें** शिक्षाट्या त्यां वस्त्र अहे बारत मन्द

লত মুনদেকবিগের বেড্ন রুমি কবিরা ि भागञ्जीत कादन डिस्कून कदिस्का। था भे उत्पन्न केला अभिन अद्राप्त कर्याकृष्टि আলা সদর্ভানিত আলালত উঠটেনা দিয়া | তে ব্রত্য মুনপেক দিনেরে বেজন রভিকর। ঘটনাছে, বর্রা ভালা বেশ বুজি ত পারিতেছেন। एकत प्रत्य कालामण यांचा लिमिरवह जाली-भएत मुक्ता कनिएड अपि कदिएन न'। काला ड निर्देश, कका एकिए भूर्य ध्यवण स्चैक, किया धनामीहरू विभक्तावर हराम क्रामनाइ करा का नाकि प्र**मारमक्रामंत्र (व**ंचन इक्तिन) क ा एड जिल्हा विकायन विकायन विकायन कहा | साराजन विवास निम्न से द्वार होते हिम ্রতেন্যে। এক বংগর আজীও ১ইন। মুনতা ৮। জাপনাকে পৰ।র এপনেরল অপেশাও এক গদ সিরিস্তাদারগণের প্রতি নামিবি া এবা ভাব পাৰ্শত হটনাছেশ এখন চৌকিই | হাব দাড়িকভাব কথা মান হইখো বুলগাৎ বুশা त हे अर्थाएं। (राजन ६ कि. भव तमहिराज कि प्राप्त ककार हहा। हैनि २८ त्राहिन व्यर्थाय विकासाहरून महानिक है, का महान देशा छ। महाने विकास होता विकास विकास है। करत, अभग कि कारमक मिल्छ मात (कार-তে কি মুনপেকলিবের প্রধিষ জামাননার বিভিন্ন বালিন। চর্বে চোলের নামগত মাল মইয়াছে, সে ব্যক্তি ঐ প্রাধ্যের চৌকিদার :

वियम स्टूब : निइंडरक कारफर मिष अन्यामिक जारिस् । নাম বাসাপার ক্রেক্টির প্রাক্তির বিশাসক কাম্যাত াত্রহারিকে জেল্ছি ভি**লেম্ব** প[্]র CDI (VIA TA BU श्राप्त अर्था াও ইটলড়িয়া, বৰুমান বৰ্ণেয় জড়ামান ! २० के दरे हैं गिन ७ एक माई, निस्त नर (अ) वक्षकांद म् था: (क्षिण (क्क रान कार्य कार जब गारिभाग अध्यान ना करबन ক্ষালালত প্রিবিক্ত আলে সাম্ব भाषिक अगर ५० च्याईम मा का स सामाधिक িছ হ জার মে'ক কথা উপস্থিত হট্য়ালে। 'ব र्गस्यके ७ ११५१**ड कर्यक्राद्विय म**्याः वस्ति नाउन লাই বিধানে নীল ঘটিত গোকদমত বৰ প্রাছ্ডার নাই। ধোন কোন নীনকার খাডা। उत्छ माम्रानत शांकि विकित्ता मन नानविष्ठ मा ক্রমা উপন্থিত করিয়াছিলেন · ঐ বোকলমা ্ৰলি ভাঁহাদের অনুকৃলে নিশান্তিইটলে এতি कृष्टि इंडेएड पूर्ड जक शंकाद करिया नामिश **উপদ্ধিত क्ट्रेंड मत्मार बाहै** । किन्न बीत कराती **काश्राह बिट्शंद मादि मध्याम क्द्रिए मा-**

পারতে ই সকল মোকদনা ভিস্তিস ক্রীয়া नित रहें। अहे रहां हे आमानरक नूरनत आकू-कींय नाडे। भक्ता विष्यातालास्य अदेवाण ध्रेंद्रम (मर्गात क्छ छेम्छि ल:ख ह्यू, न श्हीताल (मा.,

 अध्यान दल्कि नार्द्श्य (छश्कि माहिः) ষ্ট্রে আছেন। গুলাবর কিলা এক ফে ভাহার উপায় নাই। ওঁচার যাখা ইক্ষা ডাহাই কবি ইঞ্জ বড় মনে ববেন। সক্ষাদ্ধ মহাশয়। 🕏 🕴 হইয়া 📭। न तुक् ...वल १८९: • धार्या माक्कीन्टिशत २०० देशकांच क्यारिक पाईरा | ८७। नानविक स्वयाहिया लडेगा शास्त्रम् छ -অস্থানত কর্মচাবির ডি. এপ বেতন, । ফিল্ডা নাবন কার্যো চেপ্ডটি হাল'ছুর একটি ছিল ন। তাজার শ্রন্থ প্রসানের পর সংখ্যি কর্ম <u>। स्था इम्र म डे. अपर १ विद् ७५० १ ८ का त्र</u> प्रश्ने कुर्तुत कार्यक कोइ'4| श्रांट 'भर ० । हि

> 4, 60, 45, 60, 51, 51 ARKEL PALL F का इनाम अवश्य विक ቆፍ ነቸ ማ*ለት የ*ያ न, म वर्षिया, शारतमः । अर्थमः १ ५ । ६२१८ | भूगाकः **छ। महेर्ड प्यक्तिए अक गाँवा** म-त अहि इत्या ग्राह्म फार्ट्सन, द्वाय नग्नार रण्डात्वात्र विश्व व ট্ৰেন জন্মথ, চকত ই के। इंडायर जिट्टाव इच अपे किया महत्र भारित সংখ্ঠিত দেশবৈং ন লহিছ इक छ। इति दक्षी हेंग इद अप्रवर्ग सद्गारेगा। কটল, গ**রিদ**্ ইপানে ঐ কাপ কুকুৰ ১,ডিফালিডেন। সেই আভি কালি এটি বড় ছোট কথা ন্য क्रात्मत् (सार्यका असारमहत्ते कार्यक्रम कर्तिश्रो উক্ত অপুরাধ প্রমান করিবেল পর **ভিনি স**ন ्रिकास सङ्ग्रेया कारणका इंड क्षम्या **खारन**्द्र ্রিত হয়েন। **ভেপুটি সাহে**েৰ মনে করা উচি. **७, গত भोग** धानस्यात्त्र सम्मानस्य ता. क्त्रा भवनंदबदके ज्यारवक्षम क्यां निश्चित्रीहरू। ८। এখানকার ভাষ্মমাজ এখন এফ

क्षा हिंदि । क्षेत्रका क्षेत्र संशोधरतम् वर्षे ও উপদেশে অনেকেট বসভানার অলোচনার সম্বিক অধুবাগ প্রকাশ করিতেছেন। **প্রাচী**য় দলের শিক্ষার জন্য তাঁহার প্রভাষিত নাইই কুলটি শীত্র লংকাপিও **হইলে আবরা চির** विविक्त १६१।

ा अधारतान व्यात केंद्रम नीत सहसा-হিল কিন্তু নিগীড়িও প্রকাষিণের অভি-্যম্পাত বশতই হউক জবাৰা জন্যকোন শুক कातन वस्छारे रहेक असमिक्करम करबक हिम ণ্ডি হওয়াতে নীলের গাছ বিনাশোশুখ

७। प्रतिका। भवन नीत्रश्यत् स्थाकमधात রভান্ত এই যশোহরের জীযুক্ত রহুল সাহেৰ भः अप्ति पूराप्तानिराग्य यहभी अक **स्वर्धक वीकि** o,১৯নকে शंबक्कीयम श्रीभ'खन्न अवर ५ क्तरक धनवरमद कविया कांद्राक्रक कदिवास व्यारमरण क्रियारक्रमः। स्य गुल्किन्न केर्नान्न वि-क्षांग विश्वेष्ठ वेक् पुरुष अनिवास सूता**णी दिनि** त्रोधारे बनाइ एउ हरेगा धननियान**क्रांत्र क**न शिंख इटेग्नार्र्ड। बरद्र निवन इ**हेन खोहार**क यान्। कात्र व्यानियाय जन्म २० वन निर्णावि প্ৰিলিভ চুইলডে। দেখা **ৰাইৰে ৰেভচৰে** কভেগুৰ কি ব্যাহ

 । ६८भाक्तद्व दा बुजायक कानीक स्टे দাদপত্র প্রচারিত হউবে। অনা গেল ক্ষান গবে ও ঐবাপ উদ্যোগ হইভেছে।

৮ ৷ সম্প্রতি অত্ততে ছোটসামানতের तम ४.८१२ । विजीय हार्डिय वामाद क्यांनक अवि हि ্ চটরা শিহাছে। আমাদের ভেপুটি সাহেই অন্তং দেখ়ানে উপস্থিত চর্য়া উণ্গর কেছে প্রের একটি সিনিলিয়ান গালেরে ট লোকের 🕽 হল চরিতার্থ করিয়াকেন । সহাশস্থা নড়াইবং

कान्त्रि इंटे.ड खाख।

गम्भाजिक बहानाम ।

১৭ই আশাচ অবধি চুই তিন নিন এ~'.ন কতকগুলি রাজনৈর জাসিয়া অত্যত্ত 🔭 " ভ করেন যে দিপাহি 🗸 আনার হায় 🕆 **भाकामित्व अव भन्नमा ए**न्ड, ७.१६५७ -

ডিশর ভর বলিতে হর। ইহাতেই শিশাহির। বাজারে কেবন দৌরাজ্য করে ভারা সকলে বুৰিতে পারিবেন। দোকানিরা অভ্যাগর বে-चित्रा स्मानान वस क्योरक अधानकांत्र लाक-विराद जारांत्र नावदी सूत्र क रहे, कृःचि লোক্তেরা বেগাৰ ধরিবার ভবে যারের বাহির **লড়, মা, কি ইভর, কি ভর, গৃহত্ব মাতে**ই 🐃 পাড়ি ও প্রাণ্ডরে সশহিত। নি পাহিদিণের স্বভিষ্যাহারি অব সকলকে রা-व्य भारत ब्राव्यादक माधावरभव भवनाभवरम्बर्भ नविद्याव बार्गायां करम । जे नियम देवकारन এখানকার রাজবাসীর হস্তিপক হস্তিলী সইয়া । বাইডেহিল। অবজাতির খভাব হস্তি দেখি লে লক্ষ করের। থাকে। ঐ হত্তীকে আ নি**ভে দেখিরা** শিপাহিরা নিষেণ করে। হস্তি-পৰ উপায়ান্তর না থাকাতে সেই পথে আসি-**তে বাণিল। তা**হা দেখিয়া তিন চারি জন শিপাহি ডত্রন্থিত একটা বাঁশ নইরা প্রথমতঃ **হত্তীকে বিলম্প এহার করিল। তাহার পর** নাহড়ের কর্ণসূল ও মন্তকে এমন প্রহার করিল বে, সে হস্তা হইতে ভূমিতে পড়িয়া ব্লক্ত ব-শন করিতে লাগিল। দেখা গেল ভাছার মন্ত-কের একদান অত্যন্ত ক্ষত হইরাছে, তথাপি 🗳 সুরাজারা প্রহার করিতে বিরম্ভ হর নাই, মুক্তপার হইলে ছাজিরাদের । শুনিতে পাই श्वर्रावके हेगांपिशतक भास्त्रियमात्र क्वा दाचि ग्रांट्स किन्न भागारमञ्ज अथम अथम मन रह है. हात्रा श्रांताहे जाशबः नाडि हद्र।

গড় 'লাখিনমানে পূজার করেক দিন ব
ন্যার দরণ লোকের বাদী খর রাখাই ভার হইয়াছিল, সেই কর্তের উপর আ্বার কতকগুলি

শিপাহি আসিয়া যংপরোনান্তি দৌরাজ্য

করিয়া নিয়াছে। পরে শিতকালে আবার এই

ন্যাহাঃ। বোধ করি এখন এই কণ ই কইতে

চলিল।

বিবিধ সংবাদ। ৬১এ আবার সোমবার।

বাকেইরের ভত্তবার মন্ত্রদিগের গ্রা কুজার ক্ষা উত্তর পশ্চিমাক্ষনে গাঁদা আর্ড মইরাক্ষে। ভত্রভা লেপ্টলট গ্রথর ২০০ টা কো গ্রেমাক করিরাক্ষেক।

न्यासन्द अवा महीतात ज्ञाजा मी न-

কর সিধ সাহেবের জনীয়ারি গরিডাগ করি ।

রা জন্যত্র গরন করিয়াছে। ভাহার ৬০ ০০ ।

টাকা আর ছিল, ভরখ্যে কেবল ৩৫০০ টাকা ।

যাত্র কর আছার হইডেছে। আরও কর রবি

করিলে আর রবি হইবে ৪

• আলাহাবাদে জুয়াচোরের দলবন্ধি হইয়া-ছে। অনেক ইউরোপীয় বি-ক বাজ আদশর দেখাইয়া ধনীর নিকট হউতে টাকা কর্জ করিয়া শেবে প্রভারণা করিভেছেন।

দেউলিয়াদিগের বিচার করিবার সময়ে সর মর্ডান ওরেলস ক্ষরিভিয়ানে করির ছে-ন বাছার। দেইলিরা কয় তাহারা পূর্বতা নিব-দ্বন আপনাদিগকে নিংম বলিয়া পরিচয় দেয়, অন্তএম ইহাদিগের বাসস্থানে গিয়া বিচার কর কঠবা। ঐক্পানা করিলে শ্রেভীক রেরও স্ভাবনা নাই।

পারিসনগরে নিকুলি নামুক এক ব্যক্তি আছে, ভাষার দক্ষিণ গালে ৮ বুরুল লগা শৃলাকার একটি গুলার্থ আছে। কন্টেনব্লোর নিকটে একটি গ্রীলোবের ই প্রকার একটি শৃল ভিল। ঐ শৃল আদ্যাপিও পারিসত চিত্র শালিকার রহিরাছে। স্বভাবের কাশু বলিয়া ভাদুশ বিক্ষাকর নর

কিনিকা সম্পাদক অবণ করিরাছেন, উত্তর
পশ্চিমাঞ্চলে অভব্র একটি প্রধানতম বিচারাকর হইবে। সর চারল স আক্সন ইংলণ্ডে গ
মন করিতেছেন, অভএব সর মর্ভ কি ওয়েল্
স ভব্রভার প্রধান বিচারপতি হইবেন। সর
মর্ভাকী ওয়েল্স উত্তর পশ্চিমের বোগ্য বিচারপত্তি বটেন।

ি বিশ্ববিদ্যালয়ের পরীক্ষার্থ যে বাদালা
পুস্তক নির্দারিত হইয়াছে, উক্ত পত্রের
এক জন পত্র প্রেরক তাহার দোলোলেখ করিয়াছেন। বিশেশতঃ তিনি বলেন,
এবংসর বে ক্লংশ নির্দারিত হলা হইয়াছে,
তথারা ছাত্রগণের কিছু মাত্র উপকার নাই।
বিশ্ববিদ্যালয়ের সভা শীসকলের কথ র কাপ
দেন না।

উক্ত সম্পাদক বলেন, জন্ধতা গ্ৰহণিন জ্বার লবণ প্রস্তুত করিবেন মা। জামন,নী লবণে জধিক লাভ হটভেছে। ভবে জার র্থা ব্যয় কেন?

সর চারস্স উভ পালি রাবেক সহাস্ভা-

র কবিরাহেন ভারতবর্ণের উর্গ্ন অর্থ কালে কেও সাহেব হিসাবে এক কোণ ভূলিরাহেন। কেও সাকেবের ভূল হ আনরা যারা বাই।

লাহোর ক্রণিকেলের এক জন পত্র প্রের্-ক লিখিয়াছেন, এক জন লেপ্টনন্টের বার্লি হইতে কিছু দ্রব্য অপষ্ঠত হৎয়াতে ডিনি তাঁছার খানসামার উপর সক্ষেহ করেম। খা-नमाबादक के पृत्रित्र विवत्र चौकात्र कहानेवात् बना जिनि जारांक अक हरक रक्षन कतिहा এক শাখ, দারা হেহার করেন। এক ঘনী। প্র-হার করিয়া সাহেবের খ্রান্তি হওগাড়ে আপ নি এক চৌকিতে বসিয়া ক্ষন্য ভূত্যদিগকে প্রহার করিতে আদেশ দিলেন। খানসামা বরাবর আপনার নিদোবিভার কথা বলিয়া আসিতেছিল। এক ধন ভগ্ৰ লোক তক্ষণনৈ लिश्वेनकेरक मित्रख इट्रेंट विश्वासन । कि 🖁 তাহার কথা অগ্রাহ্য হওয়াতে তিনি ঐ বিশ্রু -ভেপুটি কমিসনরের গোচর করিলেন। ভেপুটি কৰিসনরের আক্ষাক্রমে লেপ্টনউকে ধৃত ও কারা রুদ্ধ করা হইয়াছে , হতভাগা খানসা मा ठिकिश्नांनरम् चार्ड, अहात्र ऋषित्र यसम হইডেছে, ভাহার জীবন সংশয়। এই লেপ্ট. নটু আমাদিগকে দারোগার গুণ বিশাভ করাইলেন ।

টাইমস অব ইতিয়া পত্রে বোণাটবেব করেক জন তুলার বিশিকের পূর্ত্ততার বিষয় প্রকাশিত হইয়াছে: তাহারা পূর্ব্বে এক দর ছির করিয়া পরে তাহার পরিবর্ত্ত করাতে অনেককে ক্ষতি এক্ত হইতে হইগাছে: পৃথি বী কি কেবল বঞ্চনারই স্থল ?

জন্য প্রধানতম বিচারালয়ের ফৌজনারি সেলিয়ন আরম্ভ কইরাছে। সর নত ্ট ওয়ে-লস বিচারপতি। এবার করেকটি গুরুতর মেকিকমা আছে।

र्थं करश्य विभाग्य व्यक्तिया विक रतम् नामी त्रस्त्रमी स्टिनिया रहेगा व्यक्ति दीरंग नानायन क्षियारहरू।

হিন্দ্রপেট্রিরট সম্পাদক বলেন সম্প্রতি ক-রেক জন আনৈজনিক মাজির্হেট হরিণবাদী দর্শন করিরা অসম্ভূই চইরাছেন। ভাহার প্র পালীগভ বে দোব আছে, ভাহা জাহারা শী-ল পরপূরেন্টের পোচর মন্ত্রিবেন। ক্র হভাভা- शाबिरगद अकि किश्विर हुना एके कड़ा े दिया

উক্ত পত্ৰে একজন লিখিয়াছেন ক্ষালগ্ৰ त्वद विश्वति काष्ट्रेश्व अवष्टि वालकत्व भया-बाउ क्षियाहित्मन विनित्रा विन्धानत्त्रत नव -बारा हाक "ब्रिट्सांनर मिन्ना विम्हांनय जान করিয়াছে। প্রস্তু বালক নাজিতে টের নিক-**(हे मालील करत, विजयतित स्मार ध्यमान वहेन** एशाणि मास्टि है है बानकिए ३० है। का अबि शाना कहितादहन (अयन ना स्ट्रेंटन माजिएहें -百 (本 ?

भागदा वर्षाञ्चल भट्टा अमीनांव ६ ध्र क विद्यात भद्रम्भदित मध्या मध्या ए क है. ्य श्राप्ताय शाहे कदिया मयुष्ठे इहेशोहि। अहे প্রবার প্রস্তাব আন্দোলিত হইলেই সংবাদ পত্রের উপ্লেড হয়।

वशिमान व्हेटड अक गुक्ति निविद्योहरून. ভব্ৰতা ৰাজিটেট প্ৰভাৰ কামনাদিগকে वालि (प्रम ९ अदिमांमा करत्म । छडाडा नक ्त्रहे रेप्पारक निरुक्त बहेबारहम । टाम्नाशन् শবে এই সবল অধোগ্য ব্যক্তির হাত এভাই-

ংহ এ আগার মনলবার।

८टाक हेन भूटत् भाषावरणनीय जाविर्यन :১০ তাকাগু বিজী**ত চটবাছে**। এ**নিবে ন**র इन्द्रभ न के छ भागियात्मा के विद्युद्धिन, छ। ব্ডব্ৰে এক কোটি টাৰা অকুলান, গৰিকে আশ্ব অছিকেনের একণত টাবা মূল্য কমি-যা গেল লাগিক ছুট্ৰতে টাকা আহের উপ২ ইন্দ্রটাকা পুনরাধ বা প্রবর্ত্তিত হয় ।

कितक अन्याहक हिल्लिशंकरवारा निश् লি:খত ইড়াবাপীয় সম্চার প্রাপ্ত কইয়া-(FH ...

লপ্তন ১৪.এ জুন। '' হাউস ভাব কথলে कार करन हो एक कुन **आनवन मध्योध क**र বিত । ইয়া গিয়াছে। গ্ৰথমেন তুল উং शानन विषया मञ्जूषाय सुविधा कतिया पिरवन। अजीकांद्र कतिशास्त्र ।

है॰ बाउ ७ वा**रका**द भवन्त्रात त्रहात कारक , ७ 🗟

করেন। কারণ পারিলে গুরুতর বিবরের আ-त्मा न बहेटक भारत

হারিদর্শ দগরে ড্রিমটের সহিও জাকসনে-র বোরজর বুদ্ধ হইরা গিরাছে। উত্তর পঞ্চীর বিশুর লোক আণ ত্যাগ করিরাছে। জাকসন পরে পলাবুদ করেন। অভিশন্ন মৃষ্টি হওরাতে शवनरम्बलेक त्याना विकास विकास विकास स्थान শর হইতে পারে মাই। ত'হামিগের সাহান্যা-র্ঘ যে সকল সৈন্য আ'সিভেছে, ভাষারা ভা-হাদিগের **প্রতীকা** করিভেছে। ভাষার পর চারলুস ভৌন আক্রমণ করা হইবে। মেদ্যিংন 'अध्यक जुला मध्य कड़ा बड़ेबाटक छित काछि টাকার নোট বাহির করা হটরাছে।

ল্প রিস। ২১এ জুন ' ফরামী সংবাদপত্তে প্রাক:শিত চইয় ছে সেনাপতি করি দল সহত্র সংকারী সৈন্যের সহিত মেন্ড্সিকো মেলে ষাইতেছেন। গ তবে কি ই লেভের সহিত ্ৰাব্দের সৌহায়্য বিজেদ সভাবনা হট্যাছে 🤊

যেইল বোগে নিমু লিখিত চীনচেনীৰ সং. रम जानिहारहा

व्यवस्थी बृज्यकी माधक शहरतीक्षरभव गरिन प्रिडेनिया इतेश्ट्या ११ लक्ष देवित তাহ'দিগেব ঋণ। যত্ত্ব জানা নিয়াজে তাঁহাদিয়ের কিছুট সম্পত্তি নাই। টপিক নামক অহিকেনের জালাজের অধ্যক্ষ অভিনয় ধর্ম. ঙা প্রকাশ করিয়াছিলেন। ডিনি ২.৫০০ সি. ন্ধকের মুক্তা করিছা এগিল দেন ভাষ্চ জাহ'ল্ডে ০১**টি নিজ্ঞ ম'ত্র পার্ল্য** লিয়াছে ' টুণি (नव पाणाकरक कांचा (नएश्र अहेद्राह्य) ब्रख्यकी अन्त्रशाक्तिक ली कि व हैल निर्वास প্লাহন ক্রিয়াট্রনে। জুহিন্দে[।]নার সাঞ্চার স্বস্থ भरम, मना आवत कशिवारक। व

বা ও সাহেৰ সম্প্ৰতি দ্বিষ্ণ হৈছেৰ, া স্বীকার করিয়াছেন :

রেবেন্ডি বেভি । বিনন্ধদিন্তে ভাস্কা। দিয়াটেন আপতি ডঃ পতিত ভূমি বেক্রীত ছটবে না। যাছিলে। ভূবি আঘ করিবার আবে. प्रम (तक्षिष्टेच कदिया जावा मध्या वहारत. · কিন্তু হৈছায়া বেম এৰূপ ভাবেম না, ভাছারা লাভ পাষ্ট্র প্রাস্ভার প্রিয়াছন, প্রাপিত ভূমি পাইবেন কন্ধীকার করা চট্ট্র

जिल अकृतिय समा रेका सकर करेंद्र मा, गिलि के शेर हैका अहे , व हे क दीरवण गाँग १० न उब कतेबार करेगी किशाहेबा CH sail ^९ के देश राष्ट्राच्य कार्य लाग दिन च काश्वास स्थाप । ४ अस्य । एवं छात्रास मार्थेक अर्थान साम किन्ना

হেন পর্বভের উপরিস্থ নাম্পার্টির হুপর্যন প্রভৃতির ভূমি বিজ্ঞান করা আ गोरत बरहे किन्न अविषदम किनि स्क्रिके **्वत्र टाकार्यत्र अक् बाटन क्यार्याप्य**े नाडे। " अविकादीवार क्या कि श्रीहर ৰলা বায় মাণ

किनिक शटबंद कर्राम्यूटबंद मश्वीक्षे वरमन, रमध्येमके भवत्र जनम्बद्धाः विद्याली লয়, কারালার বিল্যালয় **প্রভৃতি ক্**রি **জুরি** য়া সম্ভই হইরাছেন। <mark>ডিনি কর্মনালা নহী</mark> ^{পৰ্য্যন্ত রেইলওছে ছায়া নিরাছিলেন। **সঞ্জ**} লোকেরা তাঁহাকে এক অভিনন্ধন প্র ক্রিটেট চাহিরাছিলেন কিন্তু কোল কারণ বলকা প্রত্ **अत्रा रह गार्ट । याहा एउँक, क्रश्नानुह श्रीकंत** সাহেত্যের কার্ট্যের **প্রথম** খাস, তথা**র উ**র্ বিভন্ন শুভাকাত্রকী আছেন।

টাইনয় অব ইতিয়ার একজন প্র কে ও অব ইভিয়ার কর্বেল ভেবিভগট ভাবের বিষয়ে **লিমিয়াছেন লেয়েভা**রী क अत्यक्त वजीव क्यां निविद्योद्धन है। प्राप्त अकरण यूजनवान वरशङ्ग देवार्थ द्वार्थ र्याण नारे। देश्मरश्चनीत त्वामभाँ সকলেই নিশ্চিত্ত আছেন। কি**ন্ত হে ভিন্ত** ব ন্তাৰ দেখিয়া ভত্ৰত্য অনেক হডবিয়া হৈছি ভীত ও চিকিড হইরাছেন। **ভারাণিটা** গংকার আছে গাঁবগাঁহেনে**টর আমেশাস্থ**-সারে ক্রেড অব ইভিয়ার অনেক প্রস্তাব: লিখিত হয় : **অবোধা লইবার পূর্বে এই** -প্রকার করেকটা বিষয় ক্রিখিত **হট্**য়াছিল। অভএৰ অনেকে সংক্ৰে করিভেছেন্, চায়-দ্রাবাদের নবাবকেও বা রাজ্য পরিভাগি করিতে হর। লার্ড কানিধের প্রতিকূল প্র-ভাষ সকল দেখিয়াও কি ক্রেণ্ড ভাষ ইণ্ডিয়ার विषया काकिन लाटका केतिथिक वार का-ছে ? ৰাহা হটক, কে ও অব ইণ্ডিয়া " কেও চ এই নাম সইরা ভারতবর্ধের অভ্যন্ত অপকার क्रीएउएक ।

উক্ত পত্ৰের লক্ষেণিছত সংবাদদাতা बरनन, खद्धका विश्वित्रभारतीय कमिनवर् का-বেল জাপনার রিগে'ট মধ্যে ভারুক্লার্ডি-शब अश्वरंभा प्रविद्यामा शिलियां किला अभिन्यत काष्ट्रकारो पर , अ ३

फिटम'वर्शि , अध्ययन आर्थ ्रा.

^{प्रक्र}्रका तक। कारबन रम् ७ प्रवाहेशियाः ি অন লেখক ছইবার বোলা লোক। ্বীংলিক্যান সম্পাদক বলেন, আগরা নধু ^ল প্রভৃতি ছালে এলাউঠার প্রাভূর্তাব ২ই- ¦ িছ। ওলাউঠা কি স্কল ঋতুই অধিকার। তে ভালাইরা সইতে পারি বন। ভাল হট ^{जा} देश नदेश ?

ইটোয়ায় বিশ্বপদ বিংহ নামক একজন ুৱুল্য পু**ত বইয়াহে। রাজা বা**নসিংহ তাহার [']**জাবীন হইখা ভাহাকে** যুক্ত করিয়াছেন । সে **আর ইংলভেখরীর রাজ্যে আ**সিতে পারি त्व वा ।

সম্রাটি সর মর্ডান্ট ওয়েনস একজন আ কিলব্ৰের খানসামাকে মিয়াদ দিবার সময়ে ব-जिल्लाह्म 'जानि नर्जना खनिटर्जुशाहे यूनक जा-किनद्विषटभद्र कृटकात्रा कारामिश्नत्रहे अगामि **অণ্ড্রণ করে। এবার বেভূত্য এই অ**পরাধে ধুত হইবে ভাহাকে আমি নি:সজেহ হাপা **ভরিভ করিব > । সর মর্ড**ান্ট**ওরেন**স উত্তয 🍽 चित्र क्रियाट्स । अहे मटक कांत्र अवधी **বিবন্ন ছিন্ন করিরা রাখা জ**াবশ্যক। যুবক আ **ফিলরদিগের ঘাহারা কথার কথায় নরহত্য করে, ভাহানিগের** কিবাপ বিচার করিবেন >

ভাত্তর সম্পালক বলেন, কুকের বাটীর ছুই জন সহিন ছটি আৰু নইয়া বারাকপুরে গিয়া हिन। एरे जन '' बिइक्नियों । ভारानियात्र নিকট অস্ব ক্রম করিবার ছল করিয়া ভাচাতে আয়োহণ পূৰ্বৰ ভাহাদিগকে এক পত্ৰ দি-**ब्रा वित्रण अपूर्व वाजिब्र शास्ट्रवब्र निक्र** वाहे. লে অবের মূলাও ভোষাবিলের বকসিস মি-লিবে " খুভেরা এট সংয়ো প্রস্থান করিল, স্থিসেরা নিদ্দির স্থানে গিলা প্রভারণা জা निष्ड शादिन । अरं प्रदे मूर्ड मूर्ड स्टेश्वास्त्र । **ভাষাদিলের দল ব**ংসব ক ব্যোলের আদেশ ब्हेब्राट्ड ।

्रमा खादन वृष्ट द :

যাৰতীয় আফিস এক বাটাতে করিসার **খা হাইভেছে। প্ৰলিক** ওগ্নাৰ্ক ডিলাচিনেক **প্রধান রাজকর্মচারিদিলে**ব নিবরে বিজ্ঞাস कब्रिपोर्ट्स (काम फ्रांक्टिन् क 公佐 端門 例はればまり

बिर्मिकोद्धि किमान्य क्षित्रम क्षारक १९८ १९ । वर्षाक्षरत्रे हैं त्यांच इस स्मिनी स्ट्राह्मा ।

হেন পেৰা**উন্নেত্ৰা ব্যধ্বনে**র সেনা সংক্রান্ত বেতন, পেনসন প্রভৃতির চেক আভিটব ও আকাউন্টাক স্বেদরদের সম্বভির প্রাভীকা স করিরা জাপনারা ভড়ং স্থানীর ংনাগার ইউ वृद्धिः। अद्भारकः श्रुप्तम्भ कष्टे मध्य कृद्धिः

চীমদেশ চইতে সংবাদ 'আসিয়াছে বি **ভোহীরা সম্প্রতি একটি যুবে জ**র লাভ করি রাছে : করাশী ও ইংরাজ দেনাগণ চাপনা ब्रिट्शंद्र चिविवयद्धः अन श्रामाय क्रम हिन्हः । ছে। আমরা এখাণে ব্কিতে পাবিলাম কি अन्य करत्रक द्वाकिएमले भीकरमना होत् नरम প্রেরিড হট্রে :

हापः मा**रक्व करिवारक्र**म, विरक्ताः रहे अ^रहे ভে নানা পাহেণ ভাঁহাকে বিখুরের সেনাগতি | করেন। সেলাপতি সংযেলক নানাকে তথা হইতে দুরীভূত করিলে রাও সাহেব ঋষাবেশে কুল্পীতে পলাবন করিয়া সেনা নংগ্রহ বরি রা ভাতিহাতে।পির সহিত একত হন। কুণ্ नी इंश्वासनित्र अधीनक बहेटन डांशाता পোরাক্ষিয়রে গমন করেন। তংশরে মণ্য তা-तुष्डवर्ध शनामुन करत्रन। घाउँमाद निकर्छ ঠাতিয়া পরাজিত হইলে উভগের বিফেদ इशः बालीद्र द्वांनी किव्यक्तियम ॐ;कानिरशत স্থিত ছিলেন কিন্তু গোষালিয়রের নিক্টে আহত হইয়া তিনি অন্যত্ৰ গ্ৰন ক্ৰেন। সমস্ত দৈন্য ছিল ভিন रहेश। গেলে গার রাও সাহেং আত্ম সমপণ করিবার দক্ষপ করিয়া ছিলেন, কিন্তু উট্থার সহচরগণের অপ্রয়েট্ধ ভাছা করিতে পাবেন নাই। তিনি নাম পরি वर्स्ट कद्विहा शकारत छ का ग्रीरत समन करवन। भिद्रानद्वादि छोबता ७ नाश्य धव ५७ वांनी হাইবার ছল করিয়া ত'হাকে গৃত করিয়া দের। ডিনি পাঠাভিধানে করিয়াছেন কোন ইউরো পীয় ভাঁচার হতে হত জন নাই:

लना दशक, कदा रीया क्लाहिन होटन इस्हि त्य कन्ममा रह, क्रामनः जार १ है। हा अरह । तहस श्राप्तन शास्त्र वहस्त श्राप्त । क्यानीवाना আসিবায় ক্রমে বধ্বমূল হইগ উটিতেছে

हाका विक्रेत्र मम्शाहक व**्या**म, **व्या**क्टकेत নে ৷ দলো মাকে সাচেচবের নালে বে উৎকোচ १ ११ ५८ स लीस इस, फ्रांक्) व्याप्तक बॉलग्री ् क्यान क्रम्बाटक । याः भवन्तिकतः द्वाराधि

উक्त मन्मापक ननाव मारवरबंब भविवरसं বারু রামকনিটি বোংকর নিয়েগি দর্শনে জিলা-ना कि:श्राह्म नानांत्र नारव्य विक्रु निम ष्ठाकार नन्धान विशामायत अवाक हित्सको ডিনি কোথায় গিয়াছেন ২ চ লালার কিঞ্চিৎ होकः कर्षः कवित्रः इन्त्रमम्बद्धत् पिर्वामवित्रा **ः चियादक्रम**ा

रदा আবণ রহপাতিবার।

হিল্স পরে প্রকাশিত হইরাছে ডিব্রুৎ ८ व^{्न}ित्रद्भ **भर्का** ज भक्त अद्विश कहा हहे. टाइ ' कामक अन कितिकि हैश कति**एछ**-ন , প্রধান এখান শৃঞ্জের উচ্চভার পরিমাণ নিয়ে লিখিত চইতেছে:—

७ ददबृष्टे	ર્≒,••ર 1	Ť\$
কেকে	* \$15, 2 %	
কাপান্তবন্ধ	2 2,5 2 8	À
ধৰল,গৈৰি	2 3 ,52 \$	à.

দানাপুৰে এক জন ইউরোপীয় ব শ্রুক্তক একটি ইউরে পীয় জীলে কের সভীব ধরণ क्रिय़ोटक औ या कि अर छ । निःवेनिय़ास्मन ভারজ পুর : সে প্রথমতঃ সেন্দেরে এক ভন ्रम्भीन-४ फिल । हे . लाइए दम अक छन यश्मीव रविष्टिक निर्वाध करत । अक्रि क्रवक्वांनिका লাসী হ[ু]া ডাঙালিবের সহিত আ**ইলে**। ्वभ् हेनद्रकेद स्त्री **रव** किनम स्विना शहन श्र বেশ করেন, দে সেই দিবস ঐ বা শিকার ছব বস্থা কবিয়াছে। ই অনপেক্রিয়ের ওরুতর एश करा करेगा।

বীবভূচের কয়লা কোম্পানির সংশীরা भाउकता १ होका **लाफ भा**ईबाट्डम । वदाकत भवातः । बाह्यः । ७६५ व्या व्याप्ति । व्याप्ति । व्याप्ति । ত্র লাভ কটবা। সঙ্গাবন। আছে।

भारतीयक को अहे कविया, एउन, काम मर ক্ষেপ অভিপ্রায়ে যে সকর কমচারিকে ছাড়া हेन्रा (प्रध्या १हेर १ छोड्रोन्ना विक इन्हांम (विक র থাকেন, ভারা চউলে ভাষাদিগকে ঐ সং য়ের বেডন পুরস্কার ধ্রাণ দেওর। চইনে ब्रहर नदस्।

সিকাপুরে বাজ্যার আলোক হইতেছে , १ वे भूता है फ विति भूनामशद्र दिशा সর্। স্থাপক স্ভার কবির ভারিস্ক স য ়ে গ্ৰামাদিশেন ব্যবস্থাপন সভা এক P 237.

बाज व्यक्ति बीटगढ निकटि अने का व्यक्ति शास्त्र चार्योगंगः केश्वितां ७० समस्य नकीञ्चल -করিরাছে। বেটিকটিরারা সবিদেব সাবস্*শ* অধ্যবস্থার সহকারে বুর করিয়াছিল। ভাষা-তে করেক চল ওলকাজ আকিদর হত ইইরা ट्रिम । अनुसाम । इरब्राध्मया विनिद्धा अहै पूर्व एक्टिश्व बागा कालिया किन।

नव कन कहानीयगडांगी देनना कार्या-क्षित्रोच्च विद्यादीविदशन अथान व्हेन्ना न्यामंदल भीत्र शवर्गद्यक्षेत्र विकृत्य युष प्यात्र विश्वी-इ. अहे क्टब कडाणीड़ा वा ल्यांव मा। माना (भक्ष इच्छाम् भ करत्रन ।

वाषाहेरवर अक अन शिष्ट्र वनिक क्षांत्र क्रिड़ा शिवाद्दन, या गाकि देश्तानिएड यह जरकास छेरइंडे ध्येत्व निविद्य शांतिर्वत, ভাষাকে ২০০০ টাকা পুরস্কার দিবেন। ভত্তত্য উইলির্য নিকোল কোম্পানির হতে ঐ টাকা আছে। ক্তবিখ্যাত ভাক্তর হগ লেখার পরী का कहिर्दन ।

সর চারল্স উচ্চ প্রধানক্তম বিচারালয়ের বিচারপতিদিধাের বেডন প্রভৃতি বিশ্ব করি-রাছেন, অভঃপর প্রধান বিচারপতি প্রতি वरमञ्ज ५२००० हैं को ७ व्यता व्यता विहासभिक्ष । के बाद्धि ३० ग्रनिक समाप्रसार अरु व्यत का ब्र. ८०, ००० है।को शहरवर । मिलिनियान বিচারণভিরা সিবিল সর্বিসের নিম্নালুসারে विष्ठात्र भाष्ट्रेरवम। नाषात्रम कार्व्याभाषात्रक - इत्र मान विषात्र (ए७व्रा इट्टा এक र९ নরের অধিক **অগ্ন**পন্থিত, থাঞ্চিলে কর্ম ৰাইবে। প্ৰধান বিচারপতি ার বৎসরের भन्न ১৮,००० है।को वार्षिक हिन्दि भारेरवन, কিত্তাহাকৈ অভতঃ এই বার বংগরের হর বংশর প্রধান বিচারপতির কাণ্য করিতে হটবে। ক্ষান্য ক্ষান্য বিচারণডিরা নিয়মিড সমর্মেরী পর অর্ফ্রেক বেডন পেনসনে व ब बन नाइँदान । है रमक इहेटक दन व्यक्तम বিচারণতি অংগ্রিয়েবন, তিনি ১০,০০০ ও অন্য जना केन ४००० होना गाइवन गहिरदन।

रमका कार्यानं विभि महको महस्ता विद्या-रकारम अवस्थितके कार्यक काला मूटमा अन्य क san, Spites unger wit eduten !

नाक्ष्रभटक्ष विभागक कृतिसात भएतन

क्या क्रिय प्रदेश, अके वानि क्यानाम मान आवणमं छा। करियादम । विविद्ध विहा-ন্তের পূর্বে সন্মেদকে বাইতে দেওয়া বাহার श्रीत बारे अना व स्रेताटकः स्टब्स्टन्ड क्र्ट्रेक्स भूषा द्वीनाखद्विक ७ वक्कावद रोती हरे-TICE I'

> গ্রন্থেটের ভিন্ন ভিন্ন ধ্যাগালয় বিশ্ নিত টাকা জবা আছে।

2,28,86,+49
3,63,°¢,434
٧,٠٥,١٥,٠٥٥
r.>,44r
७,२५,६५,७२६
64,30,622
₹¢,১১,• % 1
۵,54,00,700

ৰোট টাকা >> 84,29,009

গত যাস অংশকা এবার তহবিলে অধিক क्रीका च्याटक ।

त्ररंजन केहें निव्यंत्र शायन अक अन हेरता अ ज्ञानमादक काटलम ब्रह्मन विश्वा निर्देश किया वांत्र है ७ नाक्षारंक्त्र करहरू गांद्र ३२०० डोकाब क्थि कान कतिवा एक वरेवाटक, श्टेनते । क्रम्भः फेक्सरत्द्र हे डेरताशीय मरम**्** जानवातिका अविद्वे पृष्ठे श्रेरक्रकः।

मारहात अभिरक्त मन्त्राहक वरतन अन्त्र দিন হইল দোভ মহত্ত খার পুত্র মহত্ত্ম সরি-क चुल्डानबात्नव अक क्ल देननारक श्रांकि क कतिया करत्रमछि धुर्ग अभिकाय वितिप्रोट्सन। धवात थानस्य निहंच। वस्यत्र मिनग्रन क য়েৰ্ট্ট বাবালনাকে যুত্ৰা খাওয়াইবা ডাছাদি গের অলভার অপহরণ করিবার মেকিলবা ছইরাছে। সর মর্ভাষ্ট্র ওরেনদ যাবতীর দৌ-নী ব্যক্তিকে সাত বংসর করিয়া বীপান্তরিত করিয়া বলিয়াছেন, খুরুরে আর কেই একাজ ক্রিলে ডিলি গুরুতর স্থবিধান ক্রিবেন। गायकीय कृतिन्त्रा बांब्राजनाशस्य बांकीपुक है हेबार्ड। शहरण विधानवाडी करक क्रांसाड नियात्रण कडी कड़ा छेडिए।

আগানি দনিবার ভারতবর্ণী বৃদ্ধারী ज्ञात व्यक्तिमन स्ट्रिन । अधानकेन निर्मा

मह मरकार विद्यालयोह अहे व्यक्ति करक्षणा अकार दक केन्द्रिक क्रिक गर्नेटमरे क्रिकाचा चतुर्थ चौद्रश्रीहरू

क्रिक्टाकारमञ्जू क्रिक्टिकारमञ्जू महास यदः व, चंद्रका हायाः । यात्रीमहोत् क्रोमार मिनासरमञ्ज केटकरन करतकार स्था अर्थ निर्देशका । श्रीकान नगरप्रशाह कर्मा वर्ष ब्लाबहर क्योक्ट हुई व्यक्तीन निवादि cated a series

किनिरमा बार्यम लोडासिका अरशक वाका बरनर्व, रमग्द्रिके सम्बद्धाः क्यान स्वय महिला भवानतीय मनद। प्रतीन भूक्ति नीपंट রণ বিচার্লালয় আছুতি আয়াছারীত ভারিনার गरका विशिद्धिया । के गावन वाहि कावितार जन क्या वर्टरम, बक्तिमें जना शर्म मिलि मा बहेरन बाजांजा पाल विकास काहा बहेरक है - वाटकडेटबर वर्षेत्रकिटनं नशासकात् म मा गर्नस्थ (७,५७०॥० ज्यानात व्यक्ताहरू)। अक्टब्स्मीय कारमध्य अन्यमः द्वीका विश्व त्स्म ।

जारवाश्रादमध्य मण्यावय बहुम्ब या নাশার সেতুর একটি খিলানে চিড় খবিরায়ে हेरा काठाड भकाबू विवय गरमक मि विविकार दिर्मेन अस्तरक निवासिक त्र प्रमा वरेरकार मिर पून कुनारेगात निविधान स्थान नीक रह, जाहात अवशिष्ठ विद्यान्त विशिष्ठ प्रश हे कि निवदस्त्रा बद्धा क्रिक ना क्षेत्रा के करहरू जन लाएकह जीन होंडी होंदे

देनि निश्च कर्रास्त्र केलिनक व्हेन्स्ट बीपु नमजाद निकटे के कुलाब त्मेल कांबल बहेटन । इंशाब क्या २৮ अक् अक् अक् वर्ष ब्रेस्ट्राइ । हा-ভুর সাভটি বিলান হইবে।

देखियात विद्योद्यत सम्भगनंत्र नहत्त्रीत ্লার্ডা বলেন ভরতা হোট, আলানতের ডিন জন বিচার পৃত্তি বারু জানীবর বিজ, ছুগাঞ্জ-शाक्ष्याय ७ हेम्प्रमे शहरूव गर्व गांवाग्रत्य জিছ পাল হট মাছেব। নীল কলেরাও 'আঁহা-क्रिप्तक विकारका काम क्षिप संवित्र स्विट्ड ्रमोद्रक्तम् ॥। देशांका किंग कंत्रमेरे महत्रकाना िहिंद्रमा, आपर किंग कार्याई २००० है कि विकास अस्ति (अभिन्न विश्वत गर्डि बहैनारस्म। नीन कर्मको अकादा विरुद्ध विहास्त्र प्रमाय गारिक

भे तिएक वा शासकः विश्व काराविकास क्रिक অসমত সমের মাই : 🧠 🔧

14 4

चेक राज अवसाय प्रवास कारण कारण भारतमह बाद प्रथमान बहुतामानका अवस्ति-टिश जासक विकास अंश वरमय करणका ज देशके विक्, इक्निंग देक्काडाण व्यक्त महिलारसम् । बैदर्गन महिल्य कीस्ट्रांटन अ कोर्या व्यक्तिक विदेश प्रविद्या दिल्ला । निरम्प प्रतिरम क्रियह, नवर्षमधीय भिष्यो अस्तिमधि गरे किया।

क्षा अपन श्रमनार । ্ৰাৰ্যাৰ্যা প্ৰাৰ্থ ছবালিয় ইবাদ বাড়ীয় সন্ম ८च बेटबार मास्त्रिक दर माणीत नचीन निर्वित्री क्तियां क्रिक्टिक अप वाकि एशनि वहेटल मिनिया शांतीवेशांद्यम, विशाद्यम गांपांच वर **িট্ট বন্ধপদীর এক প্রধান ব্যক্তি রাজা উপ-**্ৰাৰ্ক ক্লাখিয়া আগদি বে গাড়িতে বরের अक्षर अकार बाहेटछहितान, बत्ररू मिर है विकास आदेश रूप क्या देश विश्वास परन था हिंद्या स्मय धार प्यांगिय वास्त्रिक होत्र निक है बाम । बाबिट्ड है बादबानाव उनदव बाज मुखुबहभन्न ज्ञञ्चकि स्वमः बारहाना शर्वे विम ন্ত্ৰেক লোক কৰ লইৱা ইয়াৰ বাড়ীর সন্দুৰে क्षेत्रिक बारकत। यत्र नवारब्राप्ट कतिया ध দ্ধাধ্যম করেন। মাজিটে টের কাছারিতে এই रबदबुब नाजीन वर्देशाटह चार्किक छावात संभक्ति स्थ नारे।

के शब क्षियम चारबा बरमम, अन गारिक श्चिम पर्वोद्धा अक्की वानिकाटक वनश्कात कति গভে। ভাষার মকজনা হইভেতে।

भावता बानना बहेटक चुडे चानि श्रेज शा हैक्सरि, पूरे पानिएडरें स्वथा शान, छवान व आई श्रेमाएबाटर नावहेवादि श्रृष्टा रहेवा भिन्ना क्रिश्चिद्धवादका। উष्टबरे चाटचल कहिना देशी, बद्रापीरवृद्धा यति बड़े क्य जनर्षक जर्ष भुष्टिम्। कवित्र। कन्तानकत्र कृदिन्। व्यर्थ नात्र ক্ট্রেনি, কেলের জীব'ছ হয় য বাহার। বারই-ক্সিলার যত ভারাদিগের কি কলাপকর 🖫 ভবেষ্য প্ৰা কাৰ্গ্যের প্ৰভেদ করিবার क्षेत्रका जाटह ?

व्यक्तिवासीयात्मम् त्य मनन त्माक बाव क्षेट्रेंट्यब् महाबुख। क्यित्र। विद्याह कोहिवाद क केंद्रे संस्थित हम, खारामिरभद्र भर्था जरनरक क्षेत्र भारताहरू । क्रम स्म विक क्षिका अविकास केरणांगी हिन । এक करनव क्षा १६, १०० होको स्वतियाना व्हेशाया ।

भावन्यत्वे भारत्वनिवाद भारति नामक क्षेत्रक्षेत्र अविषे श्रेष्टांच ध्यकाम कहि-अस्तिक जीव अस्तिक। वर्डिम , हेश व्यक्तिकार्के अरमी, पश्चित पनि क्षापृति का साथ करेंगा है। इस अवस्था निवास स्थापन

बरियाट ।

निविद्वानःगद्धा अर्थेन क्टर निवृद्धान প্ৰটুডে অনেক বাৰুপ্তান লাও প্ৰভানী বইডে-है। मिश्रू बहनत चीरत व नकन इरर हुआ जीटक खेबाबा स्वर्धेन क्टब अकृष्टित मिरामव সহারতা হইতে পারে।

লাহোর ক্রণিকের সম্পারক বলেন, আ बीब्रह्मान्ड बर्यात कहा जगह जाक्यन कडि-রাছেন। পুরভাব জার নগর য়কক সেনালি-পের বহায়ভার জন্য সেনা প্রেরণ করেন নাই: সুভরাং করা দীত্র শক্রহন্তে পতিত হইবার সভাবনা ৷

ভাৰবোগে বাহাতে ত্ও প্ৰভৃতি নিয়া-शास आहेरमा अक्यासि छवितवस केंगिशक ष्ट्रेख्टरून। डोकांद्र शतिबाल कि मिल हुद विरक्षमा कतिया छाराज मासन मजरा वरे दि । छाक्रवार्थ अथन द्वरवर्षकी कतिहा शब (धात्र कत्रितात नित्रांशन माहे।

কিমিকা সম্পাদক সর বার্নেস পিকককে, वस समीय अवद विठायांगय नमूट्य छेवछि সাধন করিতে অন্তরোধ করিরাছেন। আনলা গণের পরিবর্ত্ত না করিলে কিছুডেই জাবারি পের মকবলের বিচারালয় সমূহের দোব मरामाधिक स्ट्रेंटन मां।

8ठे। खावन भमिनांत्र ।

लिल्डेस हे शवर्षप्र इद घाटनद्र समा कनि কাভার শিশবিদ্যালয়ে এবং করেকটি বালিকা विद्यानम् । अन्य अन्य विद्यानस्य आप्तकृतः क्षत्राय कत्रिवादस्य ।

ৰাজালার দক্ষিণ বিভাগের বিদ্যালয় সমূ (स्त्र देनिरण्डेत गण गार्ट्य घारम ७०० डाक्**।** পেলৰ পাইবেৰ। এই টাকা ভারতবর্ধে তাঁহা-म लाम अजिनिधित निकडि (मध्या वहेटव !

ুনিষপুর ও হাৰড়ার স্বংগর গালার সং कारतम कमा शवर्यक ३>००० होता किवादक ন। বিষয়পুদ কেন। করাচি প্রভৃতি স্থান হই তে বে লবণ আ সিতেকে, ভরিমিত্ত করেকট क्ष्म्य भागा बहेटन ।

ৰাৰ্চ ও এতোল বাংস দিলীয় সূতপূৰ্ব্ব বাছ नाट्यत समा १२० डाका राष्ट्र ४७वाटक र्वन-बिके के बालगारक करत्रक जन भूखारक हाजा हेवा निदयन अवर वालगाहरक व्यापकाकृष किशिव चांधीनका (मध्या प्रहेरन। कार्यन (खिविन डीवांत खर्यावशायक व्येवादक्त । वक নৃপতিকে অধিকতর **অহুদে** রাখা করিবা।

कात्रकवर्षित शवर्षपके ज्याच्या विवादक्त তাঁহা হ'ে।র আজা ব্যক্তিরেকে ছানীয় গব-নেঠ কোৰ হুতন প্ৰকায় ব্যৱের আক্তা বিহুত शाबिदयम अर्। करब्रक्ति विश्रानिदर्श वाब विवि प्रकारक कामकार्याम अवश्वक मामुद्राम्पी

कि जाएक छात्रां अवस्थित अवान विद्वार । अवन्यतिको विकास कोविकार्थिक । লেবে কেবল আটাআট সার ছইবে।

> माञ्चारमञ्ज करम कातूमति ज्ञिन अरमण्यक् चरणका वक छेदझ्डे मध्दः छडाछा नावर्यस्य व आहेरको स्मरकोति वयम मीन्भितिरक वाहर अधिक अधिक कार्य कार्य ड़ीबाब अवाकि बार्ड . जाहारक क्षशक्त करि-ग्राटकः। सन्द्राह्मा ध्याना शृह्यविद्याह द्व अवा मामश्री रहन क्रिएक्ट्र व जान रहेबाटर, वित छाराविद्वाद देह छन्। ध्रेद्रा, श्रुविद लाव **সংশোষিত হয়** !

विश्वविधिक बुटना शवर्य स्वर्केन काश में विक्रीख स्ट्रेटिंग्स्ट ।

מכב מכב 8 डोकांद्र निका של פולב ৪ টাকার কোম্পানির 3-911-3-84 e होकांब > > > 11->>> 4 en Brais हीम (क्टम एवं यनिक स्मिन्ते वाहा वर्षेत्राराईक

ভাষাবারা এখানকার মার্কান্টাইন গাক্স ভূতির অনেক কডি হওর তে কাগলের বা-खात नत्म स्टेग्राटम् ।

म्लाथां थ

अयुक्त वांबू श्रृजिनविशाति Cनन वहत्रवर्षेव)२७३ रेकार्क आवश्य १० रेक्नाब श्रीष स्का^त >९ খাল্মণত ছোৱাল ব্যৱস্থার

)२७७ देवार्छ अवधि कार्तिक श्रवास क्रिश ६ केनामाळ बाह वन्त्रपूर

>२७७ देवाछ कार्य कार्जिक शर्यास त्यार ह माम्बन मृत्याभाषां महत्रमश्रव

১२७৯ क्षांके बर्गां कोर्डिक गरीख कार द. रेजरमाकानाथ ८४ वस्त्रवर्त्त

5२७a टेमार्क अविष कार्तिक गर्वाय कार क. .. भागाध्यम पुरवार्थायात्र जानश्रह

১२७३ रेकार्ड करवि कार्किक शर्वास स्कार स इधिक्षान्य त्या वन्त्रवर्त्त

ऽ२.७७ रेकार्ड फार्नाथ १० रेवनाथ शर्वाछ रक.२ ५०,

ৰোধিশচনা দাস কলিকাডা **১২৬৯ আবাড় আব্দি আপ্রহায়ণ পর্যান্ত কে**)৽ ৩,

निकाम बल्हानाथांच क्वा देव **)२०७ रेगार्ड अवांत्र कार्किक शर्वाण स्मार स्मार**

ণ ধোশাখাচঞ্জ পাল কলিকাত। 5२क देशांक स्पार्थि कार्यिक वर्षाय रकांव द से

न मृद्युक्षत्राच तात्र कोष् तो नक्षण्येत्रा, 5863 रेकार्ड जर्बाय काञ्चित गर्वास त्यांक के से न भवन्य मात्रोहन मिलक देवलाखेते

३२७३ जावाह प्रवेटक आधारावन नवीस टवा<u>ं इ</u>

क्ष गर क्षशिकाचा इस्तिन युक्त बावला हेरलका caimings course where sinferente after the etputate frentenes affin mile comple and the state of with mailing an



मन प्रकार । उठ जारा । है। ५००२ । २५ कत

भावित पूजा : हेक. गांजिन पातित्व ३० हेक्स

विकासित् अस्वरम् द्वावध्यकान् द्वाव १ रक्ष विकास

व्यक्ति पूर्ण मा नाइरम मनकान स्मान लागन स्मान मान मा । इस्ति पारित मन क्रिक महान नरमक ५० व्यक्ति म नामित १ हार्ग विक्रिक चारक । इस वास्मद प्राप्त व्यक्ति स्मान पत्र व्यक्ति व्यक्ति स्मान स्मान विक्र स्मान व्यक्ति स्मान स्मान क्रिक क्रिक ११, किनि क्रिकिस सुक्त पत्रिक क्रिक व्यक्ति

विकाशिन ।

সক্রতি বাজাল। লগাল বিল্যালয়ের ছা।
দিনের নিমিড ইউস্ তাব দি পোব 'আ;
বাদিত হইয়া " বোলোবেয় উপবেশিতা
নামে এক খানি ক্র এছ বলিকার্ড: ইয়ানলৈ
প্ বত্তে মুনিত হইয়াছে। মূল্য গ্লং আলা
কলিকারা।

२४३ '२०स्नाहै।

क्रियोशकाल्य प्रश्वासीय

সোমপ্রকাশ।

20ই আবন নোনবার।

গান্ধ: কি ধ্বন হোড়া হয় ?

পার লেখেন, লেপ্টেন্ট বর্বর ভারার যে विषंत्र विज्ञास्त्रमः कवाता अधीतमान हरेटक दंद, जामाहित्यत अवन्तिक के जिल्हिक त्यानी बरम्ब विका काम विवरत छेवातीय सरहत । किं भागता कावितादिलाम (तदल क्रथान বীৰ্ঘন কালেজের অধ্যাপক্ষিণের বেডঃ बृद्धि ७ वार्षि निर्मान क्षण्डि कार्या है अव द्भात अमान हाति लक्क है।का वातिक व्हेंदव আটকিশন সাহেরের প্রভাবানুসারে চে हंग्क्रेनफे भवंगेंटब्रब प्यारमण करम त्य विष बृष्टि चित्र रहेताटड् कटमानधातिका चः (= ইছা অপেকা বড় নিক্ল ট নহে। সে বিষ্ **এই, श्रम्भश्मराज्ञा शांक क्रा**का वृद्धि शां स्रो सर्वीत विशासन्य ७४ २० प्रवृक्ताम शिव কতা কাথা শিখিবেন। ভাষাখিলের যাব। অনুপদ্বিতি কাল ইনস্পেট্রেরা ১২ টাব घासिक गुरुवाय अन् अन्न क्रय वर्षाल है দ্যালবের ছাত্রকৈ ভাহাদিগের ক্লুত পা শালার প্রেরণ করিবেন। গুরুষচাশয়ের भद्रीकात केकी व हरेटल काशकिश्वर या হেড়ের পুনবাব সেই সেই পাঠশালায় পা केमा मान । बड़ीता वहेंबन करिया द ट्यांक भन्नी:अ.टमत विकास्टरात वान या विक ६० छैंका इस्टेम्स हिलाउ शाहित्व প্রাম বাসীর। জন্য জন্য ব্যয় দিবেন छेर छ। माटहर जनविध श्रधा चरलवन का दा क्रुक्ताना इरेग़ारम्म । श्वर्गरमणे छैर বিষয় সম্পাদন জনা খাপাডভঃ ৩০.০০ होको निवात जन्न निवास प्रश्निक । अधि

त्य क्रीका बाकित्वः काश्रा विदेशक कता स्केटक

वर्गातंत्रे क्रवन क क्या क्या व्या राकिक्षिक किलाई से दर्की संस्थित (इ.न. **जाका आविश्वास्त्र कार्य कार्य** (गत विका मार्क्स मारे । आजान कार्य कारानिक्रक धनावार क्षिक्रकेर । अ वेद नत नाहाचा मान विवास १७,००० है कि रमध्या स्ट्रेरफट्ट । रेमा अ स्मामप्र मनि নেৰ কল্যাণ্ডৱ সন্দেশ্ধী : কিছু ভাষা वा त्य छेशात्र व्यवस्य कतिरक्टाइम, उक्षा वा ए कांकिक कम मान पहेरा, अनुभ त्वाथ क्रेटफट्ट मा । श्रम मक्षाभटक्का अति भ म पूर्व । जाशामिश्रदक **मुग्गिक्त समित** অতীউ সাধন করা কোন ফুড্রেই শুলাব্য वाथ क्टेप्डएक ना । शाका वाला जातान यात्र ना अकती अनिक क्यारे चार्ट । चामानित्वत्र निका मश्कार्कं कार्या त्र चय ক্ষদিপের অবস্থিত নীতি মিতাক ছবেখি काशंनित्तंत्र व्यटमक कांट्या हेश्त शतिका পাওরা বিরাছে। अना একটা উনাহর প্রদর্শিত হইতেছে। বাদলার দক্ষিণ ি **्छ, त्रात देनत्मकेत छेट्या जारहर विभा** अव्यु क्याटक साम्राह्मक है गारव्यक छ। भरम **अविविध स्त्रा इर्रेग्नारइ**। स्मानिक ভুকল্প বিষ্ণায় পায়দর্শ, তিনি শিকা শ ক্রান্ত কারের অভিজ্ঞ নতেন, বিশেষতঃ ২ **पत्रां कारत्य वा 1 जवह दौहारक हे**?स्कर त्रकता रहेल। वाषना महस्राभित्न थे कार क्रिकि शांदिना अक्रमा अक्रमार । "बात काशत मस्माती स्वीता स्थापन वरे म ! निका एक्स्प्रांच स्थापन स्थापन स्थापना धरेक्टम एत सर्व वर्ष स्थापन स्थापना प्रकार स्थापन । केस्स्प्रांच श्रीवरण मान स्था धर्म अस्मात स्थापन स्थापन के छोठ स्था निका स्थापन स्थापन स्टर ।

क्षिण नायन अनार काला विमानदात वर्थार्थ क्षिण नायन अनार काला विमानदात हात विद्यान मध्य के अ वर्थाल विमानदात हात विद्यान विद्या कि विमानदात निद्या किय करियान नित्रन कर्नार कर्यता। क्ष्य न क् अनिक्शन अविथ क्ष्यता महिर्दात अक्षी कार्ड कार्टक। के द्या महन कर्नात, क्षण वस्त करिल क्ष्या करिद्यता। किय क्षान्य वस्त करिल क्ष्यतिक अविवह्म के द्या व क्षान कार्ड हरें साहित्य। क्ष्यता क्ष्य कार्ड कार्ड क्ष्यतिक । क्ष्य वाद्य क्ष्य कार्ड क्ष्यतिक कार्ड हरेंद्द महम्मद मार्ड। क्षित्रक स्थितिका क्ष्यतिका क्ष्यतिका व्यक्त क्ष्य

> গবর্গদেন্টের শবণ প্রস্থিত করিবার শ্রিল পরিভয়াল।

বাণিজাগত স্থাধীনতা না থাকিলে ক খন উহার সমাক প্রীকৃত্তি হব না। এই নি সিত্ত সভ্য কালের লোকদিগকে যত্ত্বাস হুইয়া ক্রমে ক্রমে পেই স্বাধীনতার ব্যাণার্ড काड़ी विच मकः एउ पूर्वीकुछ कद्रिएछ । चा যার। অসভা কালের লোকেরা টিছা র বিপরীত বিবেচনা করেন। ভাঁছারা হলে करत्रन वानिका अकारप्रिया इक्ट्रेसके व्याधिक ख्रु लाट्ख्र ६२५ हम । ११ लिशन शहे ভ্রমান্ত্রক সংস্কার নিবস্তম ই প্রাচীন ক'লে द्र व्यथिकाश्म अकटहरिए। स्टिक्ट महस्त **শুনিতে পাওয়া যায় ৷** কিন্তু ব্রিচিম রাচপ্র क्राविता मछा कार्लित लाक क्षेत्र मर्ज ভোজাকেতারভববে বাণিকেণ্য এক(চ¹) ল अब्रक्ष श्रविकाश कवित्र भारतम सहित ্ লোকস ভাষ্টেটিয়ের অধিকার ভার্যি 👫

व्यक्त के साथ कार्य अध्यक्ति अरहरणी है बरड करामिक क्षित्र कार्य कार्य कार्यका करामिक कार्यका कार्यकार कार्यका करामिक कार्यका कार्यकार कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्याका कार्यका कार्यका वार्यका कार्यका ज मकावना करेगा केर्यका कार्यका करेगा

निवस्भूत, स्वका अकृषि दान श्रेर अधिक अधिवादनं सरदन्त्र आमनामी क्टेरप **८६ । जारंबतिकात ध्रविरक्ष रहेवात भू**रा नियत्रभूत स्रेटि बैटक्टमत्र मक्कि विकास विख्य स्वन वार्षे । फ्युका शवर्गरमकी । किन विकं:रनंत वसंत नकन चवसंत कृत क त्रहे मजुनाय नदन अव्यत्न अ त्रह चानित्करह । यहे नदश कि दर्ग कि चान : দন উভয়বাই এ দেশের পাদ। ও বরক। উভয়বিধ লবণ সংপেকা উৎক্লস্ট ৷ সুচ ब्रार वन मिटन विटमहरू: खेखब्र शन्ति। करल धरे लदगरे अधिक छैंकि इरेरछटा। ध्ये कातर्ग भवर्गस्यरकेत्र मदम भूर्याः ন্যায় বিজয় হইতেছে না। বগদেশীর : । नरमणे अहे कातन व्यवश्य हरेश ख्रिविः ह (४.८७त निक्षे किकाम। करतम, भवर्गक है ल १५ 2 खंड कहिवान कार्या शहिक १९ व ने তে পারেন কি না : বোড তছুত্তরে লিখি । হেন গ্রবর্ণমেন্টের ক্রত লবণের আর ভাগ পৌরব নাই ৷ গড়ে এ দেশে ৭৫ লক্ষ্ম लवन लाभिया थाएक । धक्करन भवनंदमर्द ब्र किन जिन शिलाय ५१ लक मण मर्व म खंड चारह । अञ्चित्र क-िक्षांत्र कि जू भून व्यकृषि दान दरेए эсс----াবণ আসিয়াছে। এই সকল কা । । গ্রোট সাহেব প্রস্তাব করিয়াছেন (প্রভাব ইয়ার পূর্বে বোডের অধান 🖰 🗊 िनकार्थ मारहव करतम) हर्रेशाम हि s.লি ও বালেখারের পোক্তান বন্ধ কা !!! ম প গরিমাণে লবণ **গ্রন্থত করা কর্ম**

जामभानी रास्ट्रन (य सुक्क लक्क क्ये...

बारात्व मावात्व वाकार्याः दाः विरूपः शास्त्र वर्षः शास्त्रव्यक्षः को स्वतः परमञ्ज वर्षः वर्षः स्ट्रेट्र स्टेड्ड स्वत् इति कृता परभवः वर्षः सरमञ्जाते ।

त्मर्रकेने अवर्गेत्र स्वारः

ক্ৰমে আপাততঃ চাঁৱাৰ হিজা কের পোজান উঠাইয়া দিজে गटा करल अकटन लाकान कापि कात्रव वंशकः यकि देववाद शरायत भागनामी वस रहेश वाल, और मिनिय গ্ৰণ্ট্যুটের গোলায় এক বংস্থের ঈ্র যুক্ত ৮৭ লক্ষ মণ লবণ সর্বদা সঁক্রিক पंक्रिय । सर्व प्रश्नुष स्त्रा रेख्न १७ ब्राटक त्य नकम मलकी सर्वद्वाक स्टेटेंब, তাহারা ইছা করিলে লবণের ভুমি সকল চিরভায়ী বন্দোবতে লইয়া ভাষাতে দ্রুবি कार्या कब्रिएक शाहित्व। य जक्त विक ল্বণ জন্ন করিনেন, তাহাদিগকে জালাই বার **জন্য লবণের হিসার প্রকাশিত হটু**রে। পূর্বে কেবল বিক্রীড লংগের হিসাব প্রকা म क्या इरेफ : अक्टब शर्वस्य छेत्र (का লায় কত লবণ খাছে, প্রতি মানে চুই বারু ক্রিয়া ভাষার এক এক হিসাব প্রকাশিত ररेदा।

भैठि काषि मान क्रेन्स्ट्रा स्वावकार्यो नवरन अर्थ क्रीका अष्ठा स्ट्यांत महात्रहा चारह कि ना > रेश लंबीका दरन उदिन १ व्यामितित कर महोत्रज्ञ मानिक की ত্রৈস'লিক হিলাব ব'হির হয় লাও ভাইা হইলে আমরা এক আকার সংশার ভঞ্জন করিতে পারিত ম।

নৰ সভাদার কিবলে কাজ করিছে **बरनरमन डेमडि क्लाध्यम मन्ध्र** इडेर्यन ?

. हिन्द्रशिष्ट्रियं, देखियान किनुष्ठ, ইপ্রিয়ান রিকর্মর ও বাখালী, এই কর খানি পত্র আমাদিগের ধর্ম ও সামালিক আচার ব্যবহারাদির পরিবর্ত্ত প্রসম লইয়া करमक मर्थ २ जारम्यानम द्विष्ठाह्म । फक्ष्यंन कतिहा जामाणिटगंत क्ष्मरग्न केश ति केल धान केलिक व्हेटक्ट । धान्नी যেমন সহজ, ইহার মীয়াংসাটা তেমন সহ क्रम्बर्ट् । त्म जकल् दिवरम् व्यथान व्यथान व क्लिइ ७ मर्क्ट इस इस इस व्यविवस्ति छ ভাছার অন্তর্নিবিফা। ইহার সমাধান বিদ রে ঐকসত্য দর্শন সম্ভাবিত নছে। কেছ वटनन, व्यासामित्रात्र त्मरण क्रमन्त्व रव সমস্ত আচার ব:বহারাদি প্রচলিত দৃষ্ট इर, मण्यूर्ग कृत्य अक्कारल छोडांत छेटक् म कर्तिष्य मा भातिरल छेवित लाख महः वना बादै : त्क्इ त्क्इ चटलन, जेनिश्च ती**िएक अभिन्याकात्री**त नाांश्र कांधा कति ल रेखे लाख शूमाथा रहेरव ना। ठाँशिन भित्र अखिरक्षक अहे, अक्षकारल अविनि গের প্রাচীক আচায় ব্যবং রাশির পবিবর্ত না করিবা উহার অনুমোদিত প্রথা অবল वन कतिया खर्म-(काय मश्टकाधन कतिएक হইবে। কেছকেছ আমাদিপের প্রাচীন , আচার বাৰ্হারামির বোধনী শক্তিতে 🙉 काड बूप स्हेता छेहात त्यांव त्यवितं भीन मा, जुल्हार कीश्राहा केश्रह शहिर AND AND ASSESSED.

पृथिवीत मत्या थयः तामनेकि, मामन । हात तारे चाडी है पर्य करें প্রধালী ও নানাজিল নি:মের যত ইংকর্ব ख भतिवर्ष मृति इत, तम मसूनात्रहे आह প্ৰবিষ্টিক এক বা তদ্ধিক অলোক সামা मा थोष्ट्रिकाकः मन्ध्रत गाक्ति वाता मेन्स्रा निष्ठ इन्देवांटक् । किन्तु त्म मकल वार्षिक म्याबिथ छेशात्र व्यवलयन कतिया क्रुक्काया स्रेटिक भारतम बाहे। कें.हाता अक क र न् তদানীত্তন জাতিসভূল কুৎসিত প্রথার चेषानन ठिया कतिगारे कुलकुका रहेगा ছেন। প্রথমতঃ তঁ:হাদিলের কেহই জনেক मः च च कृतः थाश न्न म है ; स्थारमात ও সাহস সহকারে কাষ্য করাতে ভাঁচারা ক্রমশঃ সচচর ও অনুচর প্রাপ্ত চইয়া খনে শের শ্রের:সাধনে সমর্থ হন এবং পৃথিবীর चना चनः लाकपिरशत मधक्यानूकारमत मुकीख इल बरेश बान । लुबंद, जन नक्त, कालविन, छेर्रकलिक, प्रश्नाम श्रेकृति धरे ৰূপে কাৰ্য করিখা মহ'ন্ পরিবর্ত্ত সাধন করিয়াছেন। বিস্তু ভারতব্যে যিনু যুখ্র काम विवरगत श्रवि र्ख छये। श्र हेगाइम, সালসের অম্পত্তা প্রযুক্ত প্রায়ই তিনি মধা বিধ উপায়ের অবলয়নে যত্নবান্ চটযাছে ন, সুতরাং ভাতৃশ কৃতার্থতা ল্রাডে সমর্গ 🔏 হন নাই। আময়া রাম্মোহন রাম্বেট উদাহরণ স্বৰূপ এছণ করিলামশ উ.ছার দ্বারা আমর্ণদর্গের দেশের যথেষ্ট উপকার हर्रेब्राएक. এ कथा जानता असीकांत कति না, কিন্তু তিনি আপনাৰ চিত্ত শুদ্ধি ও সং ক্ষার্নুরূপ একটি বতল পথ করিয়া যা हेट, शास्त्रम माडे। छिनि ध्वे हीम बिन विषाद्योगिएक भूत अलाग करिया व शनाद शक जश्हाशन करत्रन। किन्ह चनुपानन কবিয়া দেখিলে িনি বিষম জ্ঞান পঞ্জিক इहेश्रोहित्सम । किनि बटन क्रिशिहि**त्सम,** क्षांत्रीय अवदा केंद्रग मन्द्रकरे कोणन जनम जायनात्र महत्र महेना जाकीकी माधवन् कतिर्वतः। किन्नु धाकारम रएकण रमधी महि कार काराय माने ताथ क्रेडकार की

शाद्यः शाहीन पत अविकेष विता काहारक क्षाविक स्वरक्त পার ইংরাডীভে সুশিক্তির বার্ডির पाए। मा पाकारक क्यानेशक्क नी वितिष्णाहम । वृत्तः अवस्ति अभिक्री क. वर्ग मन्द्रानीएश्वर कर्फकश्रील द्वारिकी হাকে আদর্শ করিয়া এ **খেলের উন্নতি** অভিবন্ধক কইয়ার্ছেন। " কাল'ছ, সমারে त अवदा वृक्षिः। इल । धेर्डी श्रीवानियः कारपात्र कुल यूकि स्वैत्राद्ध । किन्छ प्रश्नी রা কর্ত কাল কালের প্রতীকা ক্রিক্র कारणात्र काम करव वरेटव !

छनदा रायन व्यवस्था, स्री षर्भारक अनुभाग कार्यान कार्यान व्यापन रा जामता नवा पंजरत वर्षे अनुरक्षा की তেহি যে তাঁহারা আ মানিনের ক্লিকাল ইয় মন্দ ধাৰতীয় আচাৰ ব্যবহাৰাকৈ উল্লেখ্ করিলা ভ্তনবিধ আচার তবদায়ালির ৰ্ত্তিত করেন। এৰপ অনুরে।গ ক্ষাই পঞ্জিক্ট গের অভিত্রেত নহে। উৎক্রেই করে क्ता व्यविद्विष्ठदेश काया महस्वकृति वठः अक्रमा नगुरादश्च श्रीकृति शिक्ष नमार्क्ड विवत वि rital grown also ber beiter वात (हकी शावशा अहमभाव रूप गरमार मारे, इन्छ विरुक्ति सहिए उदेख गारे महत्त्वनीति **स्विद्धि हैं**? मा । भूताकम वरेटनारे दम असि असिन खना वरेल अवश्री निकाकल्यम्बर्के क्रिकेश्व र केक, जामानिसम्ब रक्टरा करें, महिन्दान माद्राप्त के रहातः सामक्षमा कृतिका सित्तिक सारव हारक, अवंदी प्राप्त क्षि भेगाँदे_{यी स}र बलकः अरुवाव ज्याहात वावशत्रानि के किहिरन विकि वाविशात के । क्रान्त, विशेषक्रि व्यक्त शतिकान क्यान, व्यव द्विकार्यन-विचटता मरणायका जिनका व कार्ति विदेश या । अ अविके बहिटकार, जरुगड़े हिर्देश करा क्राइट्ड क हात्र श्रीपंच जरतनाचन श्रीविधित । त्य

व्या मंद्रामंगटक अहेस्ट्रेंग करेग क শীরবোধ করিডেছি, ভাষার এক काल्य चाटहा चार्वाविटमत त्म क्षेत्रं अवस्थानि जर्देनायम कवि ক্ষু জ্ব জ্বান্ত নিধের উপরে পতিত হই ্ৰাট্ট হাৰ্ম ঘৰি কেবল আচীন দলের ইতের অনুযোগন করিয়া যান কিবপে ्र स्टेट्ट ? काष्ट्रांत्रा यणि आजीव्यनिरगंत्र লেকা না করিয়া অকণট ও সেং र हिएक के विश्विक क्षा हार्टन कावा करत्न াচীন সম্প্রধায় তাঁহাদিগের প্রতিবন্ধ াচরণ করিবেন সন্দেহ নাই। তাঁহায়। ार्त्र वावश्वामित्क **विश्व मिटक**े **नरे**श बिक्ट हो दे किया क्यान, थाहीरनवा कि मश्मव ক্ষাত্রতে উহার পূর্ব সীমার রাধিবার ৰায়ণ স' বিশিইবেন। এইবপে উত্তহতঃ আহু कान वंगित स्टेरन य य जाहात बारह वानि ক্ষিত্ৰীয়া দ্**আটো, ভা**ছা সংশোধিত হইবে ক্লিক্ট্র^{াব্}ন **খোৰ গুলি আ**দৃত ও 'পরিগৃহীত शक्ति है ज स्पर्ण चांठात्र वावरात्र ७ धर्म क्रिक् जनकारकाम अवि वस दून श्रेगारक। ্পোৰ উন্নন করিতে क्षि दर्भ दन्दे हैं नटनम् धरे धक्माद है अब्बिक्ट प्रवेदात अविद्याह राहे हे সূলন কারী কোধার ? কাজ অংশে অংশে হউত, তাহাতে কাজি আই। ক্রমণঃ সহকা রীর দল হজি ভাই, তাহা হইলেই কাত্য অগ্রসব হইবে। কিছু আন্তরা দেখিতেছি, সকলেই ক্রেক্তে ক্রাড়নান আছেন; কা জে কেহই হতাকেশ ক্রিতেছেন না।

যাঁহারা প্রভাও প্রসভ্য সমবের প্রচু লিভ মতের পরিবর্জনে সাহসী হর্ষাছি त्निन, जामानिरभन्न मदा मस्यामान उद्याप भित्र नाम क्रमारम १ फिड नत्स्य । हेराया এ বিষয়ে **পরম জীভ**ংগাশালী। স্বদেশের मर्गिय वावश्रामि भविवर्श्वत शब्द इह त्रा देशिनिनटक काजानाद्वत याहेट इहे व नी, नांक्रन शुराई ७ मझ कविएक इटेंद ना । প্রাচীন দলের সহিষ্ণুতা শক্তি একং। विस्कृत वृद्धि करेप्रीट्स, सदा मध्यकाग म মাজ ও গৃহ পরিভ্যাগ মা করিয়া যা করুন ত,ই.তে ভাঁহারা আর বঙ্গ কিছু বলেন না, স্বমতপরিত্যাগী সন্তামকে বিষপান করা ইরা হত্যা করেন, এমন পিতা ত আমাদি श्रित खेरन ७ नयुनशाहर इस नाई। वि लिवकः देश्याकी लिका ७ देश्याक मन्मर्ग নবা দলের অনেক সহায়তা করিতেছে ইহ দিপের উদ্ভাবনী শক্তি বিনিয়োগ করি वात्र चात्र शुरग्राक्य मार्चे एकदम किञ्चित উৎসাম ও অধাৰসায়ের সংযোগ কটলেই ইচারা অনায়াসে অভীষ্ট সাধন করিছে भारतम ।

উপসংহার কালে সংক্রেপে आयानि भारत वृक्षका धरे, कु भारत श्रामक विश्व विश्व मात्र आमता अककाल यावणीय विश्व भारत विश्व नाकाको महि। धामूम विश्वव कथन क्रिक्त कला। कात्री दश्र मा।

বোমন্ট গাছেকের প্রান্তাব :

ভগলীর ঘুঁটিয়া বাজারের ' ধুবা বা ি দিপের সভার ,' তত্ততা নিস্বার জন, বোসন্ট সাহেব যে উপদেশ প্রদান করেন আনহা গভ বারে: ভাষার উল্লেখ ছিলাম। বোমন্ট সাহেবের প্রস্ত'বটি অন্তি মনোরন হইরাহে। দেশের নৈগরিক আ ক্ছা 🕯 সমাজ প্রভৃতির মনুব্যের চরিত্র ७ धर्मापित छैभटत मन्धुर्व बायुष् चारस्, তিনি ইয়া এই প্রস্থাকে উত্তমহপে প্রতি পদ করিয়াছেন। পর্বতীর লোকেরা প্রায় मठाध्यीवनशै इत ना । करेनात्वत हाई লাও ও এ দেশের মহারাষ্ট্র প্রাকৃতি ইয়া त मुक्ती इ क्ल । शक्त स्टात, आधुत ७ मन তর্কেত বাসীরা এনিক্তেল ও বিলাসপরা यन हेत्र । यम रमना, क्रांका ७ हेविलित का प्पतिश विरमव **करण हे**हा क्षत्रान कक्टिन দিতেছে। বিস্কৃ শিক্ষা ও অন্ত:াস বারু: ইচার বন্ধতর পরিবর্ত্ত হইয়া থাকে। লাভ বেকন অভাগেকে বিভীয় স্বভাব বলিয়া निक्लम क्रियाद्या । श्रवितीत म ममस्त्रत (र भरक्), १ वि नमरत व धकात केन्रिक হয়, সেই সকল দর্শন ও বিৰেচনা করিয়া লোকে ক্ৰমণঃ যদি সভাতা সোপাৰে चारत्राहम कतिबात छ । भारत भूव चलावा मित्र यद शतिवर्ष इत्र अत्मार बाहे।

বোমণ্ট সাহেব এছেলের বিদ্যাশিকা ও ধর্ম পরিবর্জের বিষয়ে যে মত প্রকাশ করিয়াছেন, ভাহাও প্রশংসদীর। ধর্ম পরি বর্জের বিয়দে ডিনি বলেন, " ভারভবর্থ ওটার্লিটী প্রভৃত্তি ধীপের ন্যাক্সমূহে। এড क्मिने विकास का की माने का कि माने का कि क খতত্র আচার বাংহার প্রাভৃতি আছেই, বে সমুদায় এক দিনে পরি। র ক্রিয়ার নর। জনশং ভাহার পরিবর্তম চেটা করা নিভা स पारमार । अमाद मांगरत्त्र घटमक बीटशत क्लांटक अककारम वृक्त धर्यायम दन कतितारह, पंचार्थ : किन्द्र श्राक्षाकिरशव পূर्दिय किहूरे हिल मा १ छाशका समम गर्दक पृष्ठ धर्व व्यवसम्बद्ध कतिहारण, एक পরিত্যাপও তেমনি তহাদিগের সহজ। মাভাগ'ভার, আপান প্রভৃতি কি ইয়ার केंद्रके मुक्रीयक्त, नट्दे क्रिक्किट्याव Multin vin. fife applich (44 h

नित्य के का अवस्था अवस्था गरिए का उन्हें बार्कित के का अवस्था जीवारित करने के का पार्क नित्रित के का अवस्था अवस्था के का ना का का का का का का का का ना का का का का का का का

विविध जर्याम् । अरे भाषन लावैसङ्

বোধাইনগায়ে মালমদেশীয় অবিক্রেনর বাজ ১৪৯- টাকার বিজ্ঞীত হইডেছে। গাড সঞ্জুহ অংশকা ২- ট্রাকা মূল্য রবি হটুরাছে।

শশর বাতি অভ্যাচার নিবারশী রভা ইশর কণে স্বক্তব্য কাব্য সম্পন স্থানিতে-ছেন। ভাষাদিশের ছুই জন প্রতিনিধি সর্মদা জন্তসন্থান করিভেছেন কে কোবার পশুর প্রতি অভ্যাচার করে। ভাষানা ইবার সংখ্য ৬০০ গাড়রানকে সাবধান করিয়াছেন।

কার্ল হইডে সংখাদ আসিরীছে, দোন্ত বংশদ ঘর্ষণ করার সম্পুত্র-উপরীও হইরাছে নার্টীত্রলভান জান পুনর্বার সন্ধির প্রস্তাব করেন। কিছ পুনর্বার ভাষার প্রভাব ক্ষপ্রাহ্য হইরাছে। স্রলভান জান পার্স্যাধিক্ষিতির নিকটে এক মুক্ত প্রেরণ কবিরাছেন।

विनि स्विष्ठांत्र करतन जिनि क्षित्रविका
तीत मरनत काल्या हम, जावात क्षश्न कात्रन
वारे, वक महामणि नारवात्र क्रानिरक्त गर्वा निश्वारहन, कान वेंग्नेरताणीत वाज्यानीत्र काँम पृष्ठारक क्षश्नात्र कतिरम निष्ठम नारवं (क्षणिकाजात क्षश्नम नाजिरके हैं) जावात करा करता । करताम करा करानि विका वेंग्नेरताणीत कार्यहन, जायाता स्वक्षा पूर्वक वारक्षीत्र निशास क्षान्त व वस करतान, क्षणिक नारवा क्षण्या वेंग्ना व वस करतान, क्षणिक नारवा क्षण्या वेंग्ना क्षणिक क्षणि विवेध मारवा क्षण्या वेंग्ना क्षणिक व्यक्ति क्षणिक क्षणि त्रावे क्षणिक क्षणिक व्यक्ति क्षणिक क्

নক্ষণাইট প্রাক্তাৰ করিয়াছেন উন্তর প্র ক্রিয়াক্তার ছাউজ নিরায়কী নাজার হবে বে টাভা আহ্যে, ভালা ক্রিয়েকী নাজার হবে বে স্বাক্তার জন্ম ক্রেয়াক সময় ক্রিয়াক উন্তর প্রাক্তার সময়ে क्षेत्र के क्षेत्र वरमन केन्द्र शक्तिक रम् स्व किन्द्र कारने स्वान्ध्रीन कारने के राजा केन्द्रांक हरेरान । व श्रीकी कारने वाकिएक नामगानम कन्निरमने, केन्द्रिक्त के विक्र केर्द्रांक कार्यिक कार्या न तथा के कीन्द्रां विक्र केर्द्रांक कार्यिक कार्या न तथा के कीन्द्रां विक्र करिक कर्म स्वया है कि कार्या करनाम क्रियांक क्षेत्रांत्र केरणा ?

কর্মনাশা নদীর অত্যন্ত জন র্ছিং ওয়া তে তাহার উপরিশ্ব সেতৃত্ব একটা গিপা ভগ্ন হইরাছে।

পঞ্চাবের লে'কেরা হতন নোট নটতে সক্ষত নহে তথায় শতকরা থা টাকা হ'াটা নিরা নোট ভালাইতে হটুতেছে।

কিনীগোড়ের বলেন কোড় নামক একজন
ইউরোপীর পূর্বে ধরর।বাদে একজন শিক্ষ
হিলেন। কোন অপরাধে পদচ্যত হওয়াতে
তিনি কার্লে গমন করেন এবং ছঅবেশে তথার অনেক ছানে জমন করেন। জেলেলাবাদে
তারার হঅবেশ ও গৃতীর ধর্ম প্রকাশিত হওখ
রাতে করেন জন তারাকে প্রায় করে। এই
কলন কালে জিনি এক জনতে বধ করেন।
তত্রত্য শাসন করি। তা াকে রুক্ত করিয়া
পোলোরারে বিচারের জন্য তেত্রী করিয়া
ধ্বের।

পোসোয়ারে একণে ওলাউতার কিঞ্চং শাস্তি হউয়াছে।

লেপ টনট গাবরি ভিগ তিয় আনিসে কাগল কলন প্রভূতি প্রোণের কডকগুলি নিশ্য প্রকাশ করিয়াছেন।

হাউস এব ল ও ল'র কানিশ্বর মৃত্যুতে শোক প্রকাশ করিয়াছেন।

कि विमनतित रमकारोति है, है ब्राफ मा-देवन रिफ रमिक्ट भरत निविद्यादक जाहेग्रन मारहर काराज निवासित्त अक्रमंत्र होजाक नावि बाहतम मोहे काराएक बामारवानी कहि बात संग्रा किनि सह बोल किशिय बाल क्रियाहित्सन । बाल क्रियाहित्सन क्रियाहित्सन । बाल क्रियाहित्सन क् केल नकावन करण केनकको (जान केन बाद के द्वार केवित हैं जुद्र केक केवित !

ी है आपन _न

मा आरम्ब क मानुमान्ति है कि मान्या है के मान्या के का मिन्द्र वारमित कि मान्या है के मान्या के का मान्या के मान्या के का मान्या के का मान्या के का मान्या के का मान्या के का

विविध्य बहनमें नय होतमन कि विश्व कि वि

के कार्या के का कि विद्या आर्थान कार्या कितारका क्षांन महत्वेष कार्यान मान्य कार्याक कार्याक विद्या कितार कार्याक कार्याक रक्ष म मान्यत शृक्षिय के द्वार्थ कार्याक कार्याक केका मान्यत केन्द्र मुद्दे कार्यात कार्य कर्णन केतारका

বিষয়ে কাৰ্য মাংক ও কাৰ্টার সাচাৰ কাৰ্য হৈ প্ৰাটিক মৰ্যাতি আন্ধান্ত করাতে কাহ্যক্ষিত কিন্তুত করা বহুৱাইটো হোপা-কিন্তু প্ৰতিক্ষে বিশেষ অসম্বাহন হোড বট-মান্তিক নামিক লাভ হোলভাগ সভা বাংক ्राट्टब्टक जानमानिटधन जर्बाही नक्षानुक्रित रमन्द्रस्य विवास निवादस्य । **विश्ववि**वाही नाहेरकतं क्रममः व्यक्तितं प्रदेशक होनान ।

केंक्ष्य म व्यव देखियां यहनमें ह्यामिक्सिनहत अवि रेकेटबार्यम बोर्टगार्क गर्बमः प्रवास न · করিরা ভাহার স্বাসীর সহিত্ত_া বিবাস করিত। একদা লৈ ভয়ানক উল্লভ হট্মা এক পি खन बाह्य जान्यरकाः कविद्यारमः नियरअनिय , इंदिशाणीय खोटनाकितिरात कात करे ताव क्षिणा पांच ।

खना त्यम जानतात निकडेनर्सि चान नग्-হে নেকড়িয়া ব্যাহ্মের অভিনয় উৎপাত হই শাৰে। স্ব'ঞ্জিললে ব্যাজে মনেক শিশু সন্তানী

ৰাজুকোড় হইজে লটয়া গিয়াছে द्वार अट्ट कें बटनम अक्षेत्र खीरमांक चाराम নিকে বুকা করিবার জন্য ভাষাকে খা টর ্হিত যশ্বন করিয়া রাখেন। রাজিতে ক্রন্সন ৰি অবণ করিয়া ডিনি জাগরিত হইযা. সিভেছে। গোলবোগ করাতে ব্যাপ্ত পলারন ^{हर्ते} देश, निष्क भिष्ठक्रित आभित्रका कात हरे. दहः

जानादाबान रगरकंड बरमन डेंस पर त किंछ मार्का एक में किया के महिला पा बना ইবে : এক বন্ধিক ভাকা উংলগ হইছে ানাইভেছেন। পারিদের ন্যার ভারভবর্ষেও हेशांक बहुरज्द ।

উন্তুপত্ৰ আরও বলেন আলাহানাদ ফ্রন্থ ও ভলরার পাওয়া গিয়াছে। ভত্তভা आमान्न ५००० होका उरस्कात महेना समीमा-্ক্লকে ক্ষন্ত রাখিতে দেন। অন্ত সকল ছুৰির স্ত্ৰিয়া সুকারিত ছিল। এক গড়েক্সা তাহা বাহি 🧤 করিবাছে। থানাদার ও জনীদান উভয়েরই स्थ क्रेब्राटक् । नित्रव कतिया विद्यात निर्वा-्ब्रहंशन करी दया । अश्चित अवस्थित नयः-প্রিতি । একার করিয়াছিলেন, তথাপি ১৮ ক্তি আছে গারিবালভি ভত্তত্য হবকলিগের **স্বায়ড়ার জর্মাণ রিগকে মুরীভূত** করেন।

(समुभेदे विक्न उथात उदानक कर कुषदारक अक्सांकि क्रांशक गाविक गरिउ 🦛 लग्भ बहेबाट्य ।

উक्त शत्र व्यक्तिक वंदनक तकरमान महा রভির শ্রাস হইয়াছে। স্থাকা ভাষার নিবারণ र्च विद्यान यहसीन स्टेडाएडने।

उक्क भट्य निश्चिद्यारक्त द्वानूरण मश्रमा कत इ.अप्राटक अकटन विज्ञक इरेब्राटइ जानामिरशत शबर्धकरेल भणात कर कतित्र धीववृद्धिराव व्यक्तित स्टेब्रॉट्स्न ।

উক্ত পত্ৰ খাৱৰ বলিগছেন ডত্ৰড क दंगिनद्वके शांक्राह्ने दिव क्षेत्र महकारी শেরাণী তহবিল ওছত্রপ করাতে তাঁহানে প্রদারতম িচারালয়ে সমার্প। কর। কইরাছে चत्र कि २ त्वशस्त्रत्र (जनमाद्रांभ। मुक्त स्टेबा (इन : वें डेट्साणी सत्ता जनकन क्लांटन आह দণ্ড পার না ভগে রখা কেন এন্ড দুর দোবী দিগকে আনিয়া সাধারণ ধনাগার চইতে वात् कत्, रव

আমরা সমাচার হিন্দুস্থানী পত্রে একটি প্র স্তাব সর্ণন করিয়া বিদেন সুংখিত হইলাম। বিলেন এক নেসভিয়া ভাঁহার সভাবকৈ ১২ লিগনান অযোধ্যার সভাকে গালি দিয়াছি-লেন বলিরা সমানার ছিল্পন্থ নী ভাঁচাকে পশু क्षकृष्डि भन वाजा करू किशादकन। आनामि গের দখনখিত সংবাদ দাতা বলেন এই नकन प्रभंग कतियां है रमधीय लाटक विवस्क হন, বস্ততঃ কটুভানীর সহিত কটু ভাবী ছওয়। কোন মডেই উচিড নচে।

্ট আৰণ মুখবার।

আমরী কডজেডা সহকারে স্বীকার ক্বি-ভেছি ভারতবর্ণীয় সভা " ত্যাকের উপর अलाब अक अमोशादात गाँगिए आत्मक । बाजुल इक्बा विद्यम कि माण अनेमाद्यत अक गंध श्रुष्ठक क्यांगांजिरगंद्र निकटे छित्र कित्र-ब्राह्म । । आमानित्नत कुछ्नूर्य लाग्डेनके शवर्गत चात्रकवर्गत शवर्गवरन्तेत जाप्रदर्शय পর্যাত্ত হট্টা ভবাবের উপবে কর প্রহণ ক. রিবার সক্ষপ করিয়া ভারতবর্ধীয় সভাকে এই কর জালারের এক जागुरहोध करत्रन व দ্মী সন্মুপার নির্দ্ধারিত করিরা বেন। ভারতব-য'র গভা ভাষার প্রাপ্তারে লেখেন এই কর সংগ্ৰহের বে কোন উপায় অবলবন কর। ইউক ত হা কোন জনেই অজ্যাচার নির্মুক্ত হইবে मा'। वित्यवंद्धः बंद्धभाषाः वित्रवारी वर्षाय-त्य देशिक एकार्मिन सहा एकेरवन जानव नकदम-त्म राय जारनाची क्षांत्र विश्वन जाति वर्ग अवय

प्रा जातान जगरिको मात्रि विनारमहे क्या क्रमात्र कहा मध्या ज्याबिहरमा । येनाक्रानी संभावित तिके मधाप्त धार्मिक के प्रके के मन के कर-न कतिता ने क्यू अवन क्यूंत्रक निकार्त वृद्धि बारक्त । बनरमा छात्र उपने व ने ने निक्रेड अविवदय मण्डाख मान्यस्य माहि ।

অল্য পূর্বা বালালার রেইলওরেডে রাশা. যাট পৰাক্ত ৰাজ্যীর শক্ট চল্বাছে। আগামি वृथवात कृषिता भगाव गरिएव । अना व्यटकारक অবধি সাধারণে 🤻 গাড়িতে আরোহণ করি-उ शांतित्वम म**रणह नाहे**।

हे। डेयून जांव देखिया श्रा अन्तव देख প্রকাশ হইতে নিদ্ লিখিত উক্ত করিয়াছেন। ইম্পুঞ্জাল বলেন পু-ৰ্বতন মহারাষ্ট্রীয় রাজাদিগের স্ববহে রাজকা ধা, যুদ্ধ দৌতা প্রভূতি কার্য্যসংক্রান্ত ক্সনেক ৰাগত গত আচে। ৰোষ্টি গ্ৰণ্যেউ ভাহা বিনষ্ঠ করিতে আদেশ দিয়াছেন। আৰয়। ইন্দুপ্রকাশের সহিত এই অসভ্য জাজার প্রতিবাদ করিতেছি।

দিলীগেতেটের কার্পছিত সংবাদাতা ৰলেন সুৰ্তান জান ও স্বদার সাম**ওল্লি**জ র্থ। ফরা নগর রক্ষা করিবার জন্য তথায় উপ-चित्र क्षेत्राटकन । मांख मश्चम 'इत्राहे-शयाख क्य कहिएनम् भन्न कब्रिकार्ट्स ।

উক্ত পত্র প্রেরক জারও বলেন কর্ডকণ্ড-লি তুক যান বিরাটের নিকটবর্ত্তি একখানি গ্রাম দম করিবা আনেক জীলোক ও পুরুষকে धृष्ठ कविया महेवा निवादः। शांत्रमादमभीय সেনাপতি দুরাস বিরক্ষা এই বন্য জাতিকে কোরাসান হট্ডে নির্মুল করির। বেন, তথা-णि जांगोषिरशत्र लोबाचा वाद मा।

त्त्रभू कानिहकत यहान बचहाराम छव।क ও পানের আবাদ করিলে বিশুর লাভ হয়। किनिका बर्गन महाँहै (मरणानिकन गर्थनक

लिका ध्यसनम् श्रम सर्गतार्थ अवन कतित्वम ।

অবোধ্যা খেলেটের এক জন পার প্রের- जिन्ना नक्ट छात्र, वाकिट्ट, इंडेंड क्रिकी ज. सूख नविशास्त्रत पृथ्वी सः अपनित कतियादकाः पूर्व वाकि अन वाही कावा नहेंग्राहिटनमं मू क्षाराजितक वर मामानावि नामाटक को कर का विक अवस्थ देशिया जागरका निविश्त

कारक क्षांत्रका कर्न प्रक्रिका विकास कर्ने कर्ने क क्षांत्रक समिति हैं प्रतिकार कर्ने क्षांत्रक के क्षांत्रक कर्ने क्षांत्रक कर्ने कर्ने क्षांत्रक कर्ने क्षांत्रक कर्ने क्षांत्रक कर्ने क्षांत्रक कर्ने क्षांत्रक कर्ने क्षांत्रक क्षांत्

सत्तकता बरमान ६६ शत्रभागांत सम्म मार्टात गांद्रव गरू गांद्रदश्च व्यंक्रनिषि स्वाध व्यथा-गक्य विधाताल्द्रवर्त्त अक स्ना विधात्रशिक्ष स्ट्रे-ग्राह्म । गरू गांद्रव गोंकावनकः देश्मरक भवन कतिद्वाद्य । २६ शत्रभाग्न कारमञ्जत बाहें गांद्रव मार्ट्यात गांद्रद्रवर्त्त शद्भ विद्या-क्षित्र स्ट्रेगार्ट्म । बाहें गांद्रव जांभगांत्र प्र-क्षित्र स्ट्रेगांत्र महिक महेत्रा वाहें क्ष्र भागिन-व्यापनांत्र महिक महेत्रा वाहें क्ष्र भागि-

উক্ত প্রের আরেরিকার সংবাদ দাতা
সেনাপতি বটন রের বিখ্যাত বোননার কারণ
থাকাশ করিরা নিরাহেন। নিউজনিরিকার আ
নেক "সভাল্প প্রীলোক গ্রন্থেটের সেনা ও
সেনাপতিবিশের গায়ে খুপু পর্যাত দিরাহেশ
ন। সেনাপতি বটনর এওকিবার্থার্থ উক্ত বোখণাখারা সকলকে এই কথা আনান বন্ধি কোন
খীলোক একপ ব্যবহার করেন, তাহাকে বেশ্যার ন্যায় শাভি কেওরা হইবে। সেনাপতি
বটনর বিভাহিসেনাপতি বয়নার্ভের প্রীকে
হতে পাইর,ও ভাহায় প্রতি ব্রেই স্থান
গ্রন্থন করিয়াহেন। ইহায়ের সেনাপতি বটলরের ক্ষেন লেখি সেনা খাইভেছে না।

চাকানিউস ভত্রভ্য বিচারলৈর সমূহের সাম্পার কবানবন্দির ব্যৱের এব ভিনাব দি-

THE TAX OF STREET, SAID

विशासिक प्रशिक्ष विराम्यक लोहा स हिम करने अवश ग्रह से शामिरन क्षेत्र !

व्हें आयम इक्का क्रियां ।

गाउँकवर र्गत गात्रम थाकिएक गार्ड, क्यांके प्रस्ति निकाड दिन जन शुनिय निगाही पूर्व जन क्षणाएक दिशात श्रीवादक कार्याविष्णत गरिक क्षांविगीतिर गत श्रीका रहा। कार्यादक क्षण गांकि वक्ष क्षणात्र अक जन क्षणात्र करण जांकक रहा। एजका रकशी वाकिएई है निगारीतिगारक मधनीत स्ति करतन। किस् जन्म जांकक क्षणांत्र कर वर्गत विद्यांग रहन। जांगीन क्षित्री क्षणात्रा विकासक रहेटक प्रक वर्षेत्राद्धां। क्षणे क्षणात्र विवादत रव क्षांकिक गांकि तक्षां वरेटकार, क रक्षण गत्र रवपदात्र कृशा विगादक रहेरन।

ইংবিস্থানের পেসোরারের সংবারখাতা বলেন বজাতি : দ গণিত পঞ্চাবী, সেনালনের সহিত আজিনি আতীয় করেক ব্যক্তির দালা হওরাতে উভয় সন্যেই করেক জন হত হই রাছে ৷ পঞাবের লোগ্টনন্ট পর্বের আজিনি-দিগকে ঘোষী বিশ্ব কারা ভাষাবিশের ভারি মানা করিয়াছেন ৷

বোষাইনের স্থিকাত পাবসী হত ধ্যের নজী নর্জাণসজী তথাদিয়ার ক্লেরণার্থ পার গীরা এক দিবস আপনাদিগের ব্যবসার বল রাখির।ছিলেন। শীঘু তাঁহার স্বরণার্থ চাঁহা হুইবে।

চীনদেশে ইউরোপীর বাশিজ্যের সবিশেষ
ক্রীরত্তি হইডেরে। নাপের্ডরের অনেক স্তব্য
ইয়ংসিকিরাক নদী ভটদ সানসমূহে বিজনিত হইডেছে। চীনের অনেক লোক বাশিজ্যে
প্রান্ত হইডেকেন।

চীনদেশীর গ্রথমেন্ট আপনারিখের অং ধীনত্ব বারতীর কর্মচারিকে অবিকেন রেক্স পরিত্যাগ করিতে আজা বিরাহেন। এক বার কি ইয়া করিবেন তার্থকে শেল্ডাত অবধা নিরপান্ত ব্রতে হুইয়ে।

नकारम करम रहमानेत्र होन करिया होति । त्रा मनकारी समिनवर रहमोजने अधिकारी अध्य मनस्य सम्बद्धानित विकास होता होता

शांक पहणीतिहाला शांक पहणीतिहाला शांका परिवादक वाचीराह ब्रोडक वाचीराह ब्रोडक

करमञ्जू हरने श्रमक करतेत्र क्या क्षमिटक गांवज्ञ कारमञ्जूषिटक स्मार्टक क्षमित्र वाकिरमा शाक्य गरकाक स्मार्टक इ.ज. क्यारम करने इसे क्षमित्र गांक।

यां वाट्य प्रशिवद्यादी अन् वाट्य मात नमनागत्तादव इस यांच कांत्राक्षणी द्वा दन अर्थ कन कांत्राह्मा क्षेत्र कतियां दिन। विशेष श्रीत स्थापी कांत्राह्म त्वान, मध्यविष्ठादम् आदेव स्थापिक व्यवादक्ष प्रविद्यादक कांत्राह्म अर्थ त्वान, किंद्र क्षतियादक कांत्राह्म मार्गिक व्यवद्याः क्षिकाकांच्या और त्यांच कांत्राह्म व्यवद्याः क्षिकाकांच्या और त्यांच कांत्राह्म

নাগপুর ও ব্যক্তার এই লাভা আঘানক স্থাপিত ঘটুরাকে ৷

নক্তিক আৰু কিছাটোই বিষ্ণাৰ সংখ্যাৰ প্ৰাক্তি বিষ্ণাৰ যে ১০ টকা কৰিছা কেন্দ্ৰী ভাষা কৰম প্ৰাক্তি কাই কেন্দ্ৰী ক ১ টাকা কৰা সাজন বিশ্বত সকল গাৰিয়া ইয়াকে ক্ষমত ক্ষমত

विश्व क्षेष्ठ के उपाणीय क्षेप्त स्वाहतीय के के प्राणीय के प्

वार्ड जान अब जानन

্জালৈ সাহেব ভুডগুর্ব কোট আব হন্তরে অদীরার কর রভির প্রতি বাদ কর্ম প্রভাবকরেন। তিনি বংলন, এক ১০০ কর রভিব পরওয়ানা দেওরা তাল নাই অধিচার। তাহার প্রভাব কর্মী। কিন্তু আশুগ্য এই, আঘাদি কর্মীয় সেওবে থাকিয়াও এই সকল

I family about a second

गळाडि - ब्राइनिय स्थापा स्टेशार्ट, नकार्यद्व रामानकार्य स्थापादस्य से स्मार्ट्स कृषि कर क्षिट्यमास्थित स्था

বিরোহ কালে নৈনাপান হাবেলকেই কিছু থানে যে সকল ইপন্য ক্রিল, ভাষারা সকলেই পুরকার ও অধিক মন্ত্রি, প্রাইবার আজা পার্টি ইয়াছে।

ফিনিজ নিয় লিখিত ইউলোপীয় স্বাচায়া প্রাপ্ত বইয়াছেনঃ---

শমিউ ইয়য় ২০এ অব। রিচনতে কোন
বিনরের পরিবর্ত হর নাই। বিয়েহিরা সূত্র
ভূত্র নল নইরা লক্ষ্যবং মুখ করিয়া গাবর্গনেন
সেনাকে বিরক্ত করিতেছে। ফাউএল, সেনাপ্
ভি মাকিলনের সহিত একত্রিত হইরাছেন। চা
রলস টোনে ভূত্রল সংগ্রাম হইরা বিয়াছে । বা
রোগার্ড রিচনতে শাইবার কালে নকগমা রয়
সহিত একত্রিত হইরাছেন। আকসন অনৈক্
সহকারী সেনা পাইয়াছেন, ভিনি গেনাপ্তি
কুমককৈ পঞ্জতর কপে আক্রমণ করিবার চে
ইার আছেন।

সঙ্গ ওরা স্থাই। স্বারীরার গ্রন্থেন রাজা বিক্টর ইমানিউওলকে ইটালির ভূপতি বলিয়া স্বীকার করিরাট্রেন। রাজকুষারী আ লিসের বিবাহ হইরাছে। সেনাপতি ক্রন প্রো-প্রায়াগকরিরাছেন। ভূরার বাজার বভ গরন।

কিনিক বুলেন মহাস্তরের রাজপুত। গণের বিকার্থ যে কংগক জন সিপাহী ছিল ভাছাদি গকে ব্যর সংক্ষেপের হিসাবে ছাডাইয়া দে-ওয়া হইবে। গবৃধ্বেট রাজকুমার্রদিগকে নিজ ব্যরে সিপাহী রাখিতে অনুষ্ঠি দিরাছেন। গবর্ণজেট বে সিপাহীর বেজন দিজেন, সেটা কি পোলনের সামিল নয়।

উক্ত পদ্ধ আরও বলেন মণিপুরের রা
আর জাতা তাঁহাকে পদচ্যত করিবার অভি
প্রান্তে সেনাসংগ্রহ করেন, কিন্তু ইংর: জ গাবর্ধফেন্টের করেক জান সিপাহী তাঁহার সেই ছুম্মিনারথ সকল হইতে মের নাই। স্পিপুরের
আর এক জন মরদার কাছা ছ হইতে সেবাসংগ্রহ করিয়া রাজার বিদ্ধান্ত বাট্টারাল জন
বিদ্যাহ বিশ্বের জন্য উপ্লিক্তিক
মুদ্র ক্র ছাউনী করিতেছেন।

त्वान विश्व कि व्यक्त विश्व क्षित क्षित क्ष्म क

া আলাহাবাদ গেলেই মনেন, ভন্নভা ককিন্তু জন ইউরোপীর বৈদ্য গই সুসাই ভএতা এক ব্পকের দোকান কঠ জরিবার চেহা কবে। তত্রতা পুলিবের সহিত ভরিনির
ভাহাদিগের দালা হন। পুলি। চৌকিদারেরা
অতিশর সাহস্ সহকারে সেনাদিগকে দুরীভূত
ও এক জনকে ধৃত করিরাছে। যৎকাসে
দালা হর, ইউরোপীর গণের হত্তে বন্দ্রক হিল, পুলিব সিপাহার। কেবল ভাহাদিগের লাঠি দইরা যুদ্ধ করে। রেইল গ্রের এক জ্ম
ভূতপুর্বা বাহারী সেনাগণকে

করাশী ও ইংলণ্ডীর গ্রন্থনৈট করিব ক্ষি করিরাছেন পরস্থারের রাজ্যমধ্যে বত করি ইন্ট র্থক কোন্সানি আছে, জালানিগের দেনা পাওনার বিবাদ হইলে পরন্সার রাজ্যের আন-দালতে নালীশ হইবে। ক্রবে আডি গে রাজ্যে থাকিবেন ভাহারু নির্মাল্লগারে ভাঁহাদিগের বিচার হুইনে, অভএব এক্ষণে ইংলণ্ডেবরীর রাজ্যমধ্যে ক্রেউলিয়া হুইয়া করাশী রাজ্যে প্রাল্যন করিব র উপার গেল।

পুষ্ঠ ভন্কতি, স্থ প্রায়ণট প্রতিষ্ঠিত হাল ভালিলা প্রবানতম বিচারালয় ক্রিনির বিদ্যালয় কর্মানি সম্প্রতিষ্ঠিত বিদ্যালয় প্রভালর ক্রিনির বালি বিদ্যালয় বিচার ক্রিনির বালি বিদ্যালয় বিচার ক্রিনির বালি বিদ্যালয় বিদ্যালয় ক্রিনির বালি বিদ্যালয় বিদ্

কে প্ৰজন্ম ইন্দ্ৰিলা লা ক্ৰিটোৰ সভাচৰ প্ৰজিত কৃষি বিজ্ঞান বিজ্ঞান तिएक संस्थान किस्तिहरूकेन । ना करणान छार्न गढ़ी हो क्सिनिय वर्ष कक् बर्दन रगांच व डेरक्ट्

उक्त नह अठायनीय भूनिन मरण्याध्य स्म भट्ट बनिवाहिन न्यजिन रिक्त्यानिक्तिश्व माव बाजानीय। आवाटिक न वर्दा नावाज मा कवित्यम जिल्हिन, भूनियमरणाध्य जी बाक्तियव कान जैनकाय बहेद्य मा मानमध्य है हेव बन्दा भाष्ट्रिका यहनायस बहेद्यह ।

গ্রণ্ডেন্ট আজা করিরাছেন চাক ও মুর-সিদাবাদ ব্যক্তিরিক্ত বক্তলের আরু সকল আনে গভবংসরে যে পরিমাণে ইনক্ষটাকা লওরা হইয়াছিল, ভাছাই প্রচলিত থাকিবে, ভাছার আর কোন গরিবত হইবে না। যদি একপ হর এখন কোন আলেসর অন্যায় কর খার্র্য, করিলে, প্রজাগণের তংক্ষণাৎ গ্রণ্ডেন্টের গোচর করা করিন।

১०३ ल्यांचल खळावाज ।

আমরা একটি অতি লোচনীয় গটনার সং वान् आ अ बरेवादि। विवासभूत्वत अधःशा फि थाना दिवशास्त्र अधीनम् भाषास्त्र देवकू वे**भूत आरमत अक मंत्रम अ**डि करिकाजीत কর্ম করে। ত হার স্ত্রী ভাষার বাসগামে ধা কিত। ল্রীলোকট ভডিশর স্থনারী ও জপ বয়ধা। ভাহায় ভাহুণ অভিভাবক ছিল না। তিনটী ভর্নেজিয় যুবা ভাষাকে কুগৰ গা-मिनी क्रिवात चार्नक (छडे। शात) किन्न কিছুভেই হুভকাৰ্য্য হইতে পারিল না ৷ এক দিবস ঐ জীলোক স্নান করিয়া রক্ষন করিবার জন্য ক্রপর এক বাসিড়ে জ্বি জা निरम्छ शता । ताई सूरवारा और सूर्व्य सूर কেরা ভাষার গৃংং গিয়া অ্কাল্লিড ষ্ট্যা রহি ল। সে রঞ্জাগারে অধি রাখিয়া শর্ম হতে कान क्या आनिएड (नम । के पूर्व एउता के অবসরে ভাহাদে ধরিয়া ও ভাহার সুখ বন্ধ করিব। ছুরবদ্ধা করিল। এই অভ্যাচার কালেই তাহার প্রাণ বিরোগ হইল। বুবকেরা এই प हेमा हमित्रा कीज बहेता भनावम कतिमा शरत खडाका क्यीबारतब भवक। वसन छ हो किशाबदक किहू छैश्टकांड विश्वा खीरनांकवित गनदारम सम्मू तिहा, ता क्रेस्स्टम खानजान कतियाँद्रक, अरे अमन्ते कृतिया मिन। वित्री

লের সারোগাও উবছনের কথা নাজিট্রেটের
নিকটে রিপোর্ট করিকেন। চারি বিষদের পর

রু কৃত লেহ জীরানপুরে আনীত হইল। কিছু

সিন পরে ছ'ডি আগন বাসতে আসিয়।
ভাহার স্তীর মৃত্যুর প্রছত কারণ জানি
তে পারিরা জীরানপুরের মাজিট্রেটের নিকটে
নালাল করিল। মাজিট্রেট বৈদ্যরাসীর মারো
গার উপর অংশসভানের ভার মিলেন। জ

লারোগার যতে সমুদার কাও প্রকালিত হই
য়াছে। হরিপালের মারোগা, গমন্তা মওল ও
চৌকিদার যুত হইরাছে। ছর্ম্ হু মুবক কার গ
লারন করিরাছে। জ স্থাদটা বদি সন্তা হয়,
পুলিব রাখিরা গবর্ণবেন্টের রখা বার মাকারে

কিনিকের বোরালিবার সংবাসসাতা ব-লেন, উক্ত নগর প্রায় প্রায় সর্ভত্ম হইল। সরকারী বাটী সকল ও ওয়াটগনের স্থবিখাতি অট্টালিকা বিনৱপ্রায় হইরাছে। তত্ততা সা ধারণ পুত্তকালর তথ্য হইরাছে। সর্বা ৬% প্রায় ৪1৫ লক্ষ টাকার সম্পত্তি নই হইতে বসিয়াছে। এত টাকার সম্পত্তি নেল, পুর্বের একটা বাঁধ দিবার চেই। করিলে কি এ সকল রক্ষা হইত না ৪

ইংলিগ্যান বলেন, গ্যাগার সেনা নিবির
থাকিবে কি না এই বিবরের বিবেচনার্থ এক
ক্ষিণ্যন বসিয়াছে। সর হিউ রোজ এই স্থান
জ্যাগ করিবার প্রস্তাব করিয়াছেন। বিজ্ঞান
কালে গ্রাগার বে সকল বারিক নির্বিত হই
য়াছে, ভাহাতে গল নহত্র সেনা বক্তব্যে থাকি
তে পারে। গ্রাগ্রেকর বিস্তর্গর হইরান
ছে।গ্রাগর ভারাগ্রেকর স্থানও নহে। ভবে
কি কারণে ভাহা জ্যাগ করিবার চেটা হইন
ভেছে ? গ্রাগ্রেকর ধনস্থানে কি শলি হইন
মাতে ?

উক্ত পত্ত আরও বলেন পূর্ব বছালার রেইলওয়ে উসনের নিকটে একটি বাজার হ ইবে। গবর্ণমেন্ট ভরিষিত্ত আড়াই লক্ষ্ ট্রাক্স্ দিয়াছেন।

ক্ষিক তার বিস্বাহায় ছুইট বানর আবিয়া অভাত উৎপার্ক ক্যাতে ন্ত্রেক ব্যক্তি পূলিব ক্ষিণ্ডারের নিক্টে এই বিষ্ণা জানাই রাহেন। ছুই ফ্রেকিনেট ফ্রেক্টেড্র

जारनाय ना कि ? श्रांतरण कि नावनी ।

- विन्तरणि वर्ष नाविश्वत पश्चित्रक स्थानि
जारनार प्रति व्यापित्रक विनयं वांचा जिल्लि बारहन, वेश्वित्रन विनयं कांचा नामून कांचा श्रोकां करतन नाहे, अन नीयं जानिक्या करतन नाहे। जिलि व्याप स्थानिक कांचा कांचा कांचा वांचा नीतनाय जांगा (जांचा व्यापको नीह हजीहतन नि श्रांत कांचा व्यापको कांचा वांचा निक्ष क्या आयंगा कांचा कांचा

্যাহা হউক সাধারণে নাম্বিংর বিকর্ষার্থন যতের অসুযোগন করিবেন হর। আনমান্ত্রন বার কবিডেছি নমি ধারাইবারা কারণ নার্থন আন করা আবশ্যক।

উদ্ভাসন্দানক বিস্কৃত্তি আইসন সাম্প্রীক্তি অপরাধ সৰু করিবার চেতা শ্রিয়ানের বি বে চেতা কলন পাল আগার কর্ ক্রিক জল হউক চরণাখাত ভারত স্পান্তর করা বে কোন নয় ইয়া কোন অন্তর্গতি

३३ हे ब्यायन मनियांत्र ।

সমাচার বিশ্বস্থানী বলেন, ক্রিক্টিকির এক বেগবের বাসিতে হল কর করে। করিবা ২০০০ চাকার প্রবা অপায়রও করিবার ভালারা অন্যাশিও হল করে। উচ্চ পত্রে তিনটি ক্রাক্টানের করেই করেই করিরা হল কইরাছে। কভার ক্রিক্টিকি আন কর হুনল্যান আপনার স্থাকে করে ক্রিটার্ন করিব করেবার আক্রেক্টা করিবারেই। ক্রেক্টানি ক্রিক্টিকির করেবার আক্রেক্টা করিবারেই। ক্রেক্টানি

যদিপুরে গোনবোরপর লভাবন করে। ভবার এক রেভিচনত নিশারী কর্মীত দুই-রাহে।

हेरजिन्दांव वातन कहितांत्वल मांगु कांट्र-वादनावन जीवृत्तं वातिष्ठेतातं नतीकातः केंग्रेर् वर्षेत्रा क्ष्मादनक विश्वविकानकार्यक्र कांत्रक्ष्मीत्र काहित्सं क्ष्मानक व्हेताद्वनः ।

্ৰীয় লিখিত বুলো গ্ৰহিনটেয় বাগৰ বিজ্ঞীত বুইয়াহে।

850

৪ টাকার কোন্টানির . . ৯খাত-

・・・・ > *860/-->=840/4 現年的を手

ভারতব্যীর ব্যবস্থাপক সভা । **३२ थः चूलारे भनियात्।**

গ্ৰ-ৰি ক্লেনেব্ৰল সভাপতি: সৰু মুখাইনেপি-यत रातिरहेन, क्षेत्रकिन, ध्या, क्षित्र हेरेनिया, **७ क्षेट्रे मारहरू डेगाँड्ड इरल**न।

এধানতম "বিচারালয়ে কি, ও ইটাম্প माञ्च जांबाब के ३४४० जरबद ४ जाहेराद করেন্টে ধারা মহিত বরিবার অভিপ্রায়ে **क्षांत्रिक्षेत्र महिल्लं अक दिन कर्णण कहिरलन। এই বিলের মর্গ্ন: এই**, স্থাপ্রেম ও সদর কোট ক্ষ্মি হইয়া প্রাথনিতম বিচারালয় হইয়াছে ক্ষিত্রিবনের জন্য স্থাপ্রিন কোটে অংশে পূর্বের (**मार्किक्षिक्षवर्गा स्टे**टर । महद्वाद्व क्षर्रम ५० <u>শ্রীরাম্</u>লারে ইটান্দ বাত্ল আ

क्षा बहेरक कार्रा किल्कि क्षेत्रक तान हुव विवास मन्त्रादर्भ मन्द्रिय मान्य हेडी। निर्विद किखेरेव नकत्र त्य कमवा शूर्ता न ৰ্মনে আনিডে গান্তিত না, ভাষাতে ইটাম্প লাগিবে ন। বিচারপজিরা ১৮৫২ অন্দের ৮ অন্টিন ভেত্সারে আপনান্ধিগের রায় আ ¹नमोद्गी निसिद्दन । अंक्रदेश काशीरमञ्जू कान 🤲 বিবস হৈয় আছে কিন্ত প্রধানতম-বিচারা-्नाहः दिक्तः। भूक्षक देशम् शतिवर्ध क्रिट्डः शा जियम ।

এ জুন পথা তৈর ইউরোপীর সমাচার।

प प्रवर्षिक क्षेत्र (मनाद्वा क्रमणः ५ क्विट्डए । अकृष्टि मुद्ध हरे-प क्राणात्रा क्यो १ देशास्य व- | विस्तृत्वा क्रिएक्ट्र । THE PARTY OF

व विष्णा के मिरण म महा-"I Di. -

चानिश्राट्य । असा अधि-इक्षारक व गर असान कत्रियाद्यत्, वासिकार पूर् जेना गरक ७००० की-'ৰ ড হাদিগ-इस्ति अपू सीन स्वेडार्ड क्षा क्षा क्षा । क्षेत्र श হাসভা বি-

ाक्ष्महर्द्ध मीब्राइडड कडबक क्षम श्रीकिनिधि गर চাবদ্র উভের সহিত লাক্ষাৎ করিয়া ভ'রত্বর্ধে व्यक्तिक वट्या अन्य केटारेश निवात आर्थन क्रिय हिटलम । सब हायल म खेख बहे निवार । ए। कांव छेड्व मान कतियाहित्सन त्य व्यार्थन व्याक करा वाहित्क शांदर मा, त्यदब दुक छ । महत्र र्य अवन्त अक क्रिकि है का चारवर चानतान वह-प्राटक् ।

ইটালির মহাসভা ভত্ততা বাঞ্চালে এক অ-जिनमान शब श्राप्तान कवित्रा (वंत्रात्व हेर्देशित हास्थानी क्षिबाह सञ्चाहाध करना राका है। কাদিশের মতের অন্ত্রোদন কবিয়াছেন।

সর চারদাস ওয়াইটের মেলিকোর এবর্ণ মেন্টের সাহত এক সন্ধি হয়। কিন্তু ভাগাত পূৰ্মকাৰ এক সন্ধির উল্লেখ থাকাতে ই'লটায় প্রব্যেক তাহ। প্রাছ করিতে অসমত চই- । সদর আনিন হইয়া উক্ত জেলায় সালিষ্টেটের

২১এ তুন আহল ভানিওকে ওয়েট মিন্টব আৰি বাটীতে সমাহিত করা চইয়াছে।

त्रनाशिक करत व्यक्तिक विक कराणी रेग-भार अभाक वरेषाहरून । कर्मानीया अमर्रिकायः मशरत विकास मिन्ना महकारी समान करा अ-डीक। क्षिडिड १ ३०,००० महक्षी दिना, व-ছ কেছ**'জন্ম বে বজেন ১৫.০০০ দৈ**না প্ৰেৰিড क्ट्रेंट्र ।

গ্রীক ক্ষেৰীর কব্রি কক্ষাবার এক ছোবণা পর ছা-ब्रा आकाम क्रियारहरू छोटावा यथार्थ वास्त्रान् দাত্মারে মানিক কার্যা নির্মাত্ত করিবেন ! বক্ষ-ক লেনা সংগ্ৰহ ও মহাসভায় প্ৰতিনিধি মনে:-নীত ক্রিবার জন্য শীয়ু কয়েক থানি বিল অর্ণ-न कहा इहेटन।

कारश्चन अन्वत्र ६ व्यात करप्रक्र केन देश्ता-# अ फिनद्दक जाशन किर्शद रमना करनत ज-धाक कहिवाब समा होन समीब शवर्रसन्हे स्थ शक्तांव करियारहमः वेश्मधीय अवर्गमणे जानः

चारमद्रिकात भवर्गरमन्त्रे अकाम कवियारस्य । मच्चिति विकारश्च निकार त युद्धे स्वेद्धार छा-इ.८७ ८१७२ अस इड, आंडड ७ कर्गा इहे-

देश कक क्षणांत्र निष्णतंत्र स्टेग्नारम् सनीयाव शर्यटमारी विकेत देशामिष्ठेशमात्र देविशिष्ठ हा-कः विनया भीकांत्र कविटरमः।

गवर्वामक विद्यालन।

वाकालारमधीय (मर्ट्सके शवर्रव्य जारमभाग्रमात्री निर्द्राण।

वाब (वनीवाभव लाम सममीशृह्य हाडि আদালতের কর হইয়। উক্ত কেলায় প্রধান স-हर व्यामिटनर क्या डा शाहरका।

বাৰু লবীনকৃষ্ণ পালিত মেছেবপুরের ছাট व्यक्तिलाउद क्या धरेया महीता स्थान अधान गतः वामिरभद्र व्ययका शहिरदम ।

নিম্ন লিখিত প্রধান সদৰ আমিনের। প্রথম (अधिव अधान मनत आभिन परेटरन।

ব,ৰুভারকমাৰ সেম ২৪ প্রগণা

বাৰু জীনাণ বিদ্যাৰাগীশ ক্ৰিছড

ব.বৃজগৰ্ম বন্যোপাধ্যায় জিপুরার প্রথান महरकारिय करेश, উल्ड क्रियांत्र श्राचन (अनिय खतीत मः जि है दिन क्रमंड। शाहेदमा

वःयु टेकलाम एक ध्य २८ शवशनबाद शक्षाव সপ্ৰক্ষত প্ৰিবেন।

(क. ' अवके, बाटकर काक्रमादिक ममन का निम ७ राष्ट्र सुन्दरमक् श्रृहेद्दन्।

यान् कुछजान वरम पंथाधारा सूत्रमिनावारम्ब भएव अश्विम ७ भएत मून १ एक ४ है (वस।

নিযু লিখিত মুন্দেফের। এখন এেণিডে अधिके इचेत्र (छून । 🕝

व : वू व्रशिकल : त ७ व : वू शक्राह्म व भवक : व । মৌলবী মালি অক্সিম বেছারের প্রধান नमत्र अधिन वहेददन ।

भोन ने देवांमक व्यक्ति माहाबादमव व्यथान भन्तवामिन स्ट्रिनः

वांत् व्यक्तम हट्याशांशांत्र शन्तिय वर्क्तमाद्यस প্রধান সদব্য:মিন্ত্ইবেন :

योग हो है महान यांनि विष्टु छव अथान म-मत्रवाधित हेंदेश **উक्क क्लिम**ार श्राप्तम (खानिर चत्रीम मा सिट्युट्येत सम्बद्धा शाहेद्यम ।

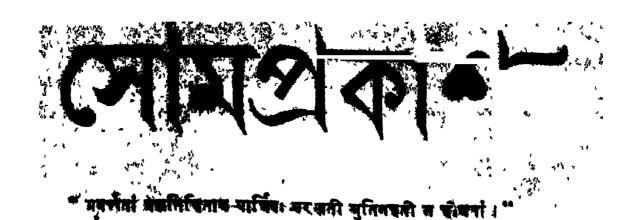
योगरी देवल दशरमन माद्यस्थात आपान म प्रवाशिम श्रेट्रन ।

र्यालरी कारमांची क'लि पूर्विश्व श्रदान महत्र का मिन इहेरत।

बांबू छ।हाकान दिलानांत्रत बाक्यमध्यत क्षश्राम जनत चामिन वहेटवन।

यान मेक्का हरू नाम इक्र श्रेटवंद श्रेपान मन्य আবিদ হয়য় উক্ত জেলার এখন তেনির ক্ষ্মীন মাজিকে টের ক্ষতা পাইবেন।

चानू कत्रदशीती वाद्य क्रिकाटमद्र, अश्राम नम्स भाषित स्ट्रेट्स । 🕫



ট তার। ৩৮ সংখ্যা।

मन ३२७७। २० व्यायम । वेर २४७२ । ८ व्यागके

যানিক যুদ্ধা ১ টাব্টি যাবিক জাত্রিস ১০ টাক্টা

বিজ্ঞাপন । সক্ষতে সোৰপ্ৰকাশ প্ৰের পেয় নিয়ম ।

विकाशन।

সক্রতি বাজাল। নশ্মাল বিজ্ঞালরের ছাত্র দিপের নিনিত 'ইউস্ অব্যকি লোব 'জ্ঞাল বাজিত হইয়া '' গোলোকের উপবেণিতা হ নামে এক খানি ভুত্র গ্রহ্ ফলিকাত ইয়ানহো-গ্রহে মুক্তিত হইয়াছে। মূল্যা দি জানা । কলিকাতা।

अन्दर २० स्वाहे।

किरणाशास्त्रस बद्याशायाव

সোম প্রকাশ ।

--এ লাবন নোনবার ।

হায় - মান্তবের অভাব কি

বিহুত হই এটছে !

मीर्च कांटलत जजान वज्ञान रहेक. जनाम पर्जाद देननिर्देश जनहिंदूका वज्ञान प्रकेत, जात नम्शापकका कार्याकात अर्थ प्रकेत, जात नम्शापकका कार्याकात अर्थ प्रकेत, जनाम पर्णाम करितार আমাদিখের চিড় নিভার অসুধিত ও चविनदा क्थ्यकीकारत्रत्र केशात्र चरचवरन व्यक्त रत। किंद भागापि नेत्र हिस्त व्यक्त পক্ষৰ উপায় গ্ৰহণে কোন ক্লয়েই উৎসূক रत्र ना । मानूर जनथनात्मद्र पाकद्र चल । জন প্ৰমাদ অৰ্থা অক্ততা বগতঃ মানুবের **भनाम क्षत्रि क**िवांत भनकावमा न.हे । **এই বিবেচনা করিয়া ন**ায়ান্যায় বুঝাইয়া मिश्र खार्ड, ध्रमञ्ज ७ चळ वास्त्रिमिश्रहरू নাায়পথে প্ৰবৰ্ত্তিত ও সাৰ্ধান করিয়া দিবার নিমিন্তই আমাদিগের প্রাথমিক চেন্টা লক্ষে। কিন্তু কোভের বিষয় এই, অনেকের এবুপ ক্ষর্য বভাব দেখিতে পাওয়া যায় যে ভাহারা সেই সেই বাকো **আত্মদেৰ সংশোধন চে**া না পাইয়া প্রজ্যুত খলব্ব হৃতে বারিবিন্দ্ প্রক্ষেপের मात्र माकिनंत्र अमीख हरेता छैटे ।

অন্ধ নিন হইল আমরা সোমপ্রকাশ

হ রা অনুচিতকারী করেক ব্যক্তিকে সাবধান করিবার চের। পাইরাহিলান, আর
একদল অন্যারকাবীকে গোপনে সর্ভক
করিরাহিলান। কিন্তু উত্তর হলেই বিপা
রীত কলকলিয়াছে। এক দল আমাদিপের
নামে অতিযোগ করিবার ভয়প্রদর্শন
করিয়াহেন, আর এক দল আনাদিপের
আরীরিক ও সামাজিক অনিন্তু করিবার ভয়
দেধাইরাহেন। আমরা কর্তব্য কর্ম করি
রাহি বলিয়া যথন আমাদিপের চিত্ত আ

यानिरभन्न कारपान चनुरवानन তখন আসয়া কিছুতেই বীক্তঞ্জী क्रमान कि रेका क्षिण क्षेत्र वि निर्विश शास्त्र ? जानीक छ जानूनः निथिश जाजकरनयत पूर्व सङ्गा दि व्यकारमञ्जूद्वाने चारह ३ द्वार्क्षकाः वाटका चश्रुमाज गटकर महब्द द्वारा क्षेत्र षार्शित्मत्र दक्षिष खुष्या বিষয়কৈ স্থান দান করে না ক্লিক্ট্র कम विषय स्थान कतिका सिहक একপ সভাবনা ভাছে, ভাষাই ७ करिया मं कि । महन्त्रक्ष त्रहेमा अथवा सूचार्कि नाम अस्ति। क्रिनाक्षत क्या मामक्रमा क्रिकेट क्या नरर। व क्लिक् में महाई क, माधामू महिन कुलिवाहर्व कार्कीहै थानारम् अधान करणना । मुख्यातः एक करे कांचानि क्रेटन दक्तियां दि के ब्रुखाबद्धदक चारीक्षा अमार . नारे । পाঠकशव ! चांजि नरकरक् 🛰 विश्वत्य किंद्र कार्नारेश द्राविनान প্রয়োজন হয়, পশ্চাৎ ইছার বিব विवत्न क्रामिटक भावित्व । अ

পরিশেরে ভর প্রবর্ণনকারিটি আজি আমানিধার বজাবা এই, উঁচ লোকসমাজে অপনানিধার এতি রক্ষা করিবার নিনিত্ত যে উপায় ন রম জান করিয়াছেন, ভাহা পরিঃ ामता इक्षकर के करिक्टि, का ान करमरे इक्काकि व्यक्ति भा ना। जानता दिक कर्मन क्रिता भरक क्षेत्री महस्र केशात करिया दे, के हाता जाग्रहणाव भरणाधन , गरुटक क्रुकार्यका लाटक मनर्थ हरे । जाराजा निष्कत्र कामिर्दन विस्त्र हर जानता के सामिर्द्रा जामिर्द्रा विस्त्र कामता के सामिर्द्रा जामिर्द्रा विस्त्र कामता के सामिर्द्रा जामिर्द्रा विस्त्र

শাল্পিইরের তন্তবার্বর্গ ও ভা ু রুত্বধীয় হলা।

त्रकवरीय हुना । 🏄 াচর দেখিতে পাওয়া যায় স্বার্থ াকেরা আপনাদিগের কউকে পৃথি डाटभात्र. कांत्रगक्तरण भगना करत, সময়ে তাছারা অল্প হইয়া থাকে, াদিখের কটের সমর উপস্থিত হই হারা বদি অভিমত আঞার না পায়, 👸 ইলেই ভাছাদিগের বাএতা ও কো त्रिजीया थाटक ना । आयता याटक গৰুবায়দিগকে এই ভাৰাণন্ন দেখি रस्य अपूत्र शतियाद्यं चारमतिका হু শা আসিভ, তথন তাঁহারা ভারত ব্যুহের উপাসীন ছিলেন; ভারত্ত্ব া উৎপাদন চেকী করিলে ভারতব াৰ্গম ছার বিবৃত হইয়া আপনাদি खारतालाञ हरेरव, **के कथा उथन** দর্গের মনে উদাহণ নাই। কিন্তু हैं करानि। तम्ह अ जूना मध्य 🛴 এখন ভা:ত দেৱ প্রতি তাহাদি ৰুক্টি দিপভিত হইবাড়। ভাইবো এত . 4 किसी भारेत्स धर्म उपहातिनाःक । कालत हरेट इंग्रेस सा। याचित्रक्ष ' ত্য়াক্রির উপাত্ত ন। হট্লে সভ্যাদ্য ्रुडे प्लिम विवरत अनुखि करवा न', ख े **रेगानीसन अ**ङ्खि तिथा। मार्क्छ র্ম্ম **করেবাংকিগতে দূর্বিত** কর্ম যাস না ; ্রীমিক আমরা সুধিতও করি তিছি । **ারা পুরুষ্টের** নিশিত **ভাগ্রহিত** চেন্টা कड़िएकरम्भ वर्ज्ञमें, कुन्नाहारण वाह्रश कि है केशिता पार्ट्यक विकित्तारम जागाविद्रमंत चरि । क्षी कृतिहरू हेन कार्या वर्षे জনিতেছে ৷ পাইক্ষ্তের সার্থ থাৰিত পারে, পূর্বে সাক্ষেত্রের ভদ্তবারবর্গ ভাঁহাদিগের প্রভিনিধীভূত কলিকাভার বণিক সম্প্রদার মাঞ্টেরী ২ত্তের শুক্ ক্যাইথার চেক্টা পান। লগুনে করেক জন তম্ভবায় ভূইবার সর চারলুস উ:ডর সহিত সাক্ষাৎ করিয়া বত্তের আমদানী কর উঠ.ইয়া দিবার অনুরোধ করেন। नत होत्र म छैड छह्त्वदत कहिशदहन, আঞ্চিও ভারতববের ব্যব্র অপেক্ষা আয় चिंदि रह नारे , चिंदि व्हेशट दिनश যে হিসাব দেওঃ। হইয়াছে, সে জমমাত্র: অতএৰ এমন অৰম্বার মাসুল রহিত করা সন্ত নহে। অভএৰ তিনি ৰণিক গণের প্রার্থনা পরিপুরণ করিতে অসমর্থ হইলেন।

হাউস অব কমশেও মাঞেই রের প্রতি
নিধির প্রতাব ক্রমে তুল প্রসদ লই:। যৎ
কালে তর্ক বিতর্ক হয়, তৎশালেও সর চার
লস উত্ত যথা বিরাজনীতিজ্ঞের ন্যায় প্রত্যু
ত্তর দান করিয়াছেন। তিনি বলেন তত্ত্বা
য়বর্স ভারতব্য হইতে. তুল আনয়নাকালকী
হইয়াছেন, অতএব ভারতব্যীয় গ',গমেন্ট
ত হাদিগের মনোরথ সিরির নিমিত্ত সবি
শেষ যত্রবান হইযাছেন, তুলার সুবিধার
নিমিত্তই পানিক ওয়াকে বিতরে বায় ক্রমা
হইতেছে ৷ কিন্ত তুলার জন্য ঋণ করা
অবিষেয়।

শাররা তন্তবারদিগের ছুরাশা দর্শন করিরা বিশ্বগাবিই হইতেছি। তঁ.হাদিগের ফতি হইতেছে বলিয়া কি আমাদিগের গবর্ণমেন্ট আয়ের একটা উৎকৃষ্ট উপায় তার করিবেন ? ঐ আর দেলেই তৎপুর গর্থ আবার মুক্তন আরের প্রয়োজন হই বে সন্দেহ ল ই । অপর, রাস্তা ঘাট প্রত্তির নিমিস্ত আয়াদিগের নিকট হইতে জত্যাচারের হেছে ভুক্ত মুক্তন কর প্রহণ

कतिएक स्रेटन ! क्यनाद्याता निवस्त्राहरू मनिक्र किन्। चारत कुना सर्दिनम । देश कि कारामा पार्वनप्रका । क्या कि जानदा किर्णंत्र के विश्व क्रिकियांत्र विशिष्ट शहरक कर्वे विवाद क्रिकें। बद्र क् वावाविरवद्र शब ্ণিমেণ্ট উ,হালিগের সুবিধার নিনিত্ত আমা निरमत निक्षे र्रेटक कर अर्व मा करिया कि तार्का माहे, अपृथ्वित विविध देशक स ইতে টাকা আনিবেন ৷ ভারতবর্তের সম্পত্তিই ভারতবর্ণীর প্রবর্ণমেক্টের সক্ষান্তি, ভাষাদি গে, স্তপ্ৰ সম্পত্তি নাই ৷ অভএৰ যদিতত্ত বারগণের আত্ম কল্যাণের ইচ্ছা থাকে, ভাহা रा यतः काम्मानि स्रेता ताखा बाहे अपू कि विवदत बाब कतिया चकाया नाथम क्रिया क्ट्रम । छात्रक्रत्य भागमानी कृत पृशीक र्उतारक कारामित्नत कवि स्रेटक्टर मा ।

সর চারলস উড উ.িখিত ভদ্তবার গণের অসকত প্রার্থনার যে উত্তর দান कविग्रारह्म, ভাহাতে একটা তুটিল শিকত হইতেছে। ভারতববের আয় উরু फ रा बारे, फाछ धर फिनि टब्रुझ साजून রহিত করিতে পারেন না, এইকপ উ স্কর ना निया **धक्र। इस पूर्विक ध**रिया छा হার উ জর দেওয়া উচিত ছিল। সে যুক্তি এই, देश्लटखद्रं आर्थि व्यवदः मस्यानात् वि শেষের সুবিধার নিমিক্ত ভারতবর্ধের আর পরিত্যাগ করা বিধেয় নহে . ইংলও হইডে चामनाभी वर् अत्र ए मामुल लख्या स्ट्रेस्ट्र चनुषा न कतिया पिरिल अपनी अपिरभन ক্ষেই তাহা পতিত হইতেয়ে, অভএর ফেই माजूल दिक एरेटन व एएटमदरे जूविथा, अ मिनीताता मूलक मूरला वश्च भारेरवन, তথাপি যে আমরা এত আপত্তি করিভেছি, তাহার কারণ এই, অসাক্ষাৎ কর রহিত হই লেই আনাদিগের নিকট হইতে সাকাৎ স श्रक्त कृत भृष्टीक इहेरव भरमह नाहे, दिख সাক্ষাৎ সরজ্ঞে নর এছণ এ দেশের নিজা क विक्कि, विषय अधिवात विस्मय कात्रग এই, সাক্ষাৎ সহজ্ঞ করে আত্যত্তিক অস্ক্র্যা

्यान करवर विविध स्ट्रिक्ट ही। water the state of the

चलांडाई स्विद्द कृत्यनीह स्वी GR 4 8 44 84 1 " वर्णवंद्राः क्रिक्टिंगरप्रदे । " " त्व द्वाच अवन देवेश उट्टे फट्य छात्रास

किंगा क्योंक्टिंग जन्मकि अस्मरण देखेदबानीवरियेत चकाहार चक्क क्वा करेता केंद्रिजाटकी देशह खाडीकांत्र छाटीएकरे नकरल व ख সমস্ক আহেন। সুজরাং আমানিবের যে लंड बंदीपाइपिरमद्द भागकिया ७ पेका চারের ঐতি কেছ বড় দুর্ভিপাত করিতে रहत ता। हैश केकरन करकात चाक्त হইয়া আছে। মহাপ্রামীপ ক্রবালিভ হইলে ক্ষম একীপ ভাষার নিষ্ঠটে দীন্তি পার না। অত্তত্য অসৎ ইউরোপীয়দিশের অভার্যার ক্রমে ক্রমে আর সকল অক্যাচারকে চাকি রা কেলিভেছে। কিন্তু পাঠকগণ? একপ অনুসান করিলেন না যে, এ কেপ্টে পুরাণ পাপিরা (अबीचारव्या) नक्टनरे नांध्यील रदेश्राट्य ।

এक वः क्षि वर्षमारमञ्जू अक् कर्मी मार्रजन चकातात इकास निर्देश चार्मान्ट्रात निकटके भागिरहारहर । जानदा छेवा वर्षा ভাৱে প্রকাশ করিলাম ।" পাঠকগণ। আ भगाता कि यटन कतिएक्टरून, जन्मात्र वर्ष मान जिल्हात वधा क्षेट्र अहे, अक्की माळ श्वन्यूक्रव चाविद्युक्त व्यवहारक्रम । क्षारी महा अबेरे मूल फारमेंसे बंध श्राप्तम केंद्र की व चाटरन । क्षान नेपटक क्षान करिनेत व्यक्ताता अवस्थाता । भीता वर्षा असी असी निम चित्र कात्र सर्वात च्यानिक्रके व्यक्त ारक । 💉 🗯

हर्के, चीर्वामा असे साहित्यम मचार्के म मिन्द्र केति । अक्र.मन्द्रके चपुरक् चार्कि भारतिक यात् भन्न नारे भीतृन कृतिक की रक्षम । फर्टन निर्मादन मरेना अर्थ स्थेतारहर कृत्व अधीनारहज्ञा नेवनमरक कामाना व लिरे ें अभागगरक विषातानि कतिएक, अर्थन माङ्ग देनेहै। २७ करत्रन ना ।

क्षिनात्रिक्टभंद महबा चात्र अक्छी प र হইয়াছে: ভাহারা বঁড় পাকা লোক ! ীফারা কুফাব্য পরিপাক করিবার উদ্দে त्य औरिरत विमानन ७ हिकिश्नालय छ ভূষি স্থাপন করিয়া খাকেন। আমাদিয়ে वं क्षांतीन परमद अक्ति नस्त्रचार बहेरच काँदाविरात अरे निकांग स्टेशारक। अ সম্ভাষায় গোপনে না করেন, এমন কুকুর্য बार, शत्रमात्रभमन छेश्टकाठ खर्म ह क् ভ্ৰমতা করিয়া পরের সর্বস্থ হরণ প্রভৃতি किছु एकरे श्राध्य भरवन, का निर्मात करे नक्त कुञ्जिया जीर्ग कदिवाद मटहोवध चारक । त्म खेवह अहे. शर्माकाम ७ मार्गा बनी क्षत्रवर्

कवीपाद्ययां कि हिन्नकाल व्यक्तिकाधि ভ ৰূপে এই ৰূপ অস্ত্ৰীয় করিংব ৷ हेबाब कि निवादालय क्रियात नाहे हैं किशाब আছে। সে উপার এই, অধ্যবসায় সহকা ব্র श्राक्षभूष्रविष्मत अनुमकाम स्तिर्। कृतिः शा वाष्ट्रित कतिवास क्रकी अवश्राक रेक्ट नेह मधाम ७ क हो ह रची सम्बंध की। मधा र ७ क्रिकेट य अनी क्य अन वर्षण स्टेश स्वी गांत नित्यह यावजीत स्थाटवत विवत प्राज्यभूतमधीनरकत গোচর করিতে ক্টবে। জাঁহাফিনের সক্ষ प्रका वाक्रिदेशक ताम्भूकर्वती सेनेस क्रम्मी ar partification and states by the first THE PERSON NAMED IN COLUMN TWO IS NOT THE OWNER. THE PERSON NAMED IN COLUMN TWO IS NOT THE OWNER. THE PERSON NAMED IN COLUMN TWO IS NOT THE OWNER. THE PERSON NAMED IN COLUMN TWO IS NOT THE OWNER. THE OWNER. THE OWNER. THE OWNER. Print Statement of Mariney & Mariney THE PARTY NAMED AND POST OF THE PARTY OF THE

Te graffered A ALE . ECOLOG THE SE त्मा जुनाकक प्रेशास्त्र त्नत कुछीत छ प्रशास स्मान रिराष विविधि मार्थः सं सम्बद्ध त्मत्र देशात्रा ना स्टेर्स्स व्यक्त त्म देश मिनंदक भग्नम हम्माना क रहेरव । जामानिकान सब्देशको स्तत्र निर्मित नहात्रका अक्टिक्स स नारे।

धारत वाकि वर्षि क् व रत, रगरे पूज वाकि नेवर ইতে পারেন। পর্ত্তের প্রশ্ন शकानित नार्क निर्मित्र स्त्रीश म नगर्व इंग्र

तक र महामा कार्याच्या टकाकीमा केर्

मह शास्त्रापि महकान्ति मन विकास कार्यकार

भागाणिटशत वर्धा । **अस् भरतम त्याम (मोक्सी)आहि** ष्या पार्च के कि विशेष कि पाटक । के शामिश्रदक विक्रीका নায় অভ্যাচারকারী 📲 🗱 भर्व हुई रुक्तिक क्रिकेट

A VIEW BOOK

ক্ষা আর্মা মে বেশের কথা কছি আনীত অলহার পরিধান করিও লক্ষ্মী তে ক্লি কিছু দিন হইন, ঐ প্রভার লইয়া তারিনীচরণের গৃহাতিমুখে গমন ক্লিছাই করে এবং উক্ত তারিনীচরণ সর খারে। নিজ পথের উপরেই তারিনীচরণের ক্রিড়ি ভাছার পরিজনগণকে আপন। দি একথানি দোকান আছে । সেই দোকানে প্রত্তিক্রিক করিবার যোগ্য পাত্র আসিয়াই এই সকল কাপ্ত হইতেছিল,

রিরা উহাদিগের সহিত আনু
করে । ভারিণীচরণের বিশাস
নিষিত্ব বেদে নানা প্রকার কৌ
ত লাগিল । প্রভারকের নিকট
বিলা, সে ভারিণীচরণের নিকটে
রাখিল । এইকপে বিশাস পাত্র
কিদির সে আই কথা কহিল যে
একপ ক্রমতা আছে, সে কপার
নিমা ক্রিয়া দিতে পারে । ওদিগে
চর এই বিশীচরণের জীর নিকট
ইাদিগের ভাত্রহ লক্ষ্মী আছেন
ই লক্ষ্মী ভারিণীচরণের জীবেক

निवांत ७ कश्वा होका जाना
निन चित्र इंट्रेंग । निक्शिष्ठ
विनिनी छातिनीहनत्वत छीत्र
तो कहिल, जि लक्ष्मी चार्नित,
बात शिवान ७ चलकात
तेत्रा लक्ष्मी चाना इंट्रेंत मा,
निक्लाक मण्यत ७ क्राप्तः श वी विक्थानि मुक्त व प्र चा
वाश्यात चाल ७ कनात यह
ता हिल, चाल प्रतिनीहत्व दश्य
वाश्यात क्राप्त चाला
ता हिल, चाला प्रतिनीहत्व दश्य
वाश्यात क्राप्त चाला

ইয়া আনিলেন। সাধংকার উপস্থিত হইলে णातिनीहत्रव **होशः व्यक्ति पू**र्वेनि वाथिया लहेगा निर्मिष्ठे स्राटन अवन कतित्वन, शर्जी রকও ভবার **ভা**সিয়া **উ**পস্থিত *ছ্*ইল। कथा वार्का स्ट्रेटक नाजिल। अमिरक विनि নী মুতন ৰম্ম ও ভারিণীচরণের গৃহ হইতে আনীত অলভার প্রিধান করিষ লক্ষ্মী লইয়া ভারিণীচরণের গৃহাভিমুখে গমন ধারে। নিজ পথের উপরেই তারিণীচরণের **এक्शनि लाकान चाट्य ।** (अहे लाकात्नु चानिहारे धरे नकल कां इंट्राडाइल, এমন সময়ে গাড়ি আসিয়া উপস্থিত হইল। मिट शालर्याश्वत नमन् चार्यात मर्गात्रथ निषित छेखम व्यनत विव्यन्त कतिया अ ভারক টাকা গুলি চাহিয়া লইল এবং मिर जानत्याल महिया शिक्त । जातिनी চরণ মনে করিলেন, যদি সে ভাঁছার গুছের দিকে গিয়া থাকে, ভাঞ্চাভাড়ি নেই দিকে (भरलब, भिन्ना किस्तिब, बरम ७ विभिन्नी नारे । একে दृष वत्रम, जाशास्त्र ममल पिन উপৰাস, আশাভদ, কড়ি, এবং ত্ৰী ও क्नान देवथका मुना सुक्रक दिन्न एक मुन्त এই গুলি তাদ্ধিণীচরণের হাষরে শলোর माहि वाषा कपारेष्ठ लागिन। नगतिवा প্স হা হভেংকি করিতে লাগিলেন।

सक, लाजास, अवित्यसभी, नव् रिका सक्तिमिश्य अरेकन श्रजात्। क वित्रा श्रदश्यक्ता त्य क्रज्काण हत, जाहा सामामित्मत्र विश्वणावर प्रदेशका मा, विश्व रित्र किंद्र कर या हती. स्त्राहती, श्रजात्वा श्रक्त नामास अव्यादत माना स्वावीती श्रदश्यक्ता मार्चित्राय श्राजात्र प्रतिश्व क्रज्काण द्वारकार स्वाह स्ववंद्यक्त क्राज्य या श्रिक क्रिक्ट स्व ह स्ववंद्यक्त क्राज्य राम श्रिक क्रिक्ट स्व वह स्ववंद्यक्त क्राज्य राम श्रिक क्रिक्ट स्व वह स्ववंद्यक्त क्राज्य राम श्रिक क्रिक्ट स्व वह स्ववंद्यक्त क्राज्यक्त ति वार्य वाद्रा धर्म भित्रत वाद्रिक वर्षेत्र णावाद्रा नागा दान धर्म काद्री मा इर्देशा धर्म दिन दिन वर्षेत्रा वाद्रक धर्म क्यांकि धर्म दिन वित्र वर्षेत्रा वाद्रक धर्म क्यांकि धर्म दिन जीविका वर्षामान क्रेट्स भाग । जावाद्रा स्वांकि काट्य अस्ट्रक भाग । जावाद्र स्वांकि क्रेट्स धर्म परम, मनूष मारणद्वरे स्वांकि वर्ष्म भाग विद्रिक माथन विष्ट्रम महाक्रमांत्र व्यांकि भाग वाद्रक माथन विष्ट्रम महाक्रमांत्र व्यांकि भाग वाद्रक स्वांकि माथन विष्ट्रम महाक्रमांत्र व्यांकि

সচরাচর দেখিতে পাওরা বার, বেকে ও কান প্রভৃতি এক এক উদাসীৰ প্রামে शिशा मर्ट्स मृद्धा वान करहे. किहू विव थाकियां कथा स्टेरक असान करेत्र। अस्थ वाजक्षको चिक्तमंत्र मन्त्र । तिर तिर विदेशित त अि काश्मित्तत यम ७ अनुवान शास्क नां, श्रांत्मत अवह रहेक चात्र चलवर र छैक, छाहाटङ छाहामिरगत हर्वविवाप नाहे, গ্রামের লোকেব সহিত আগ্রীয়তা অধ্বা मोक्ना इस मा। अंतर व्यवस्त्र कारानि গের হইতে সেই সেই গ্রামের অধিষ্ঠ হুই वाज कि नमधिक महाविमा बाहे । क्लांस का রণে যদি আমবাসিদিপের সহিত ভাছাকি গের বিরোধ হয়, ভাছারা নির্মন ও নির্দায় ररेश मास्रव रेवत्रनिर्याचन कतिर्छ नास्त । ভাহাদিগের হারা চৌর্য দ্রাভা এতৃ তি কুজিরার অনুষ্ঠান অসম্ভাবিত ও বোধ ररेप्टर ना । जाहाता निक्रमा नुकतीर र ভাহাদিগের কুকর্মে **অ**ধিকতর অনুরাগ জ चिवांत्ररे विलक्षण महावसः। विटमस्कः श কি বধের অভ্যাস দারা তাহাদিপের বিল क्ष धनुष् निका ग्रेश बाटक । यादा व्यक् পরিশেবে আহতা পুনরায় অনুরোধ হু किंकि. निवन्य किंकी विरम्य दिशे के गुक्स राजिए माना दान जनन बिद्ध कडिय़ विवा जानावक जातको र्वा अक्रा लाहिमाटन कुण केर नांबटनत महिलाक्ष्मा महिलाहरू, जे बन्ता वास्तिक cel star fictible ups,

)म। मुनारे bb-७२ मार्कत beर भारताम। अभागिक व्यवस्थित आक्षास्त्रभाग्त कार्यस्थि পৰ বি ছোট ৰাপপুৰেৰ নিম্ লিখিত স্থানে ১৮ ७) चामह दकारेन (भूतिय म'रमाधनी प्याहेन) । हे ଓ कारमहेन ८६ वस साहित्रम मारस्य १७३० क्षिक करिएलम ।

চাজাবিবাগ, লে'ছার্ডালা, যান্ডল ও সিং ¹

১ল জলাই--ফেব্র হাট্টে প্রথম শ্রেণির ভেশ্টি ইন্তাপেক্টাবের ভাব প্রাপ্ত ইবেন।

লেপ্টনট, টি, এচ, সুইস ভ্তীয় শ্রেণির क्रमा खुलिदिनिका है इस शका तिवादन कर-ছিতি ছবিবেন।

खबनिते, शि (छवित्र माद्यव क्लोक् ब्राह्म-জাৰ ভূতীয় শ্ৰেণিয় কেনা প্ৰগ'ৰাকীকানী ছই- |

रलभारेनकी अम अ. हि. सन मिश्यक्रम विशेष শ্ৰেণিৰ জেল প্ৰণাৰিনী গ্ৰাণী ৰউন্নে।

ক্ষান্তেন 🕰 ভবলি উ, পিবসলি বিভীয় শ্ৰে-পের ভেপুটি ইন্সংগর ব জেনবল হইরা সন্ধান রে খাকিবেল।

এখন প্রেণিত ডেপ্টি ইন্তে ইন জেনবল ८मळव : क. जान, शिक्त, शाहिमाविकारशब छात्र आक्ष बहेदवन ।

कारश्चम, प्रि. आह. अम्बद्ध र क्षेत्रारम इ वि তীয় শ্রেণির জুপরিনৌ ও।টে ছউবেন।

कार क्षेत्र प्रविभिन्ने, प्रि. स्क्लान श्रीरस्रुप्त वि ভীয় জেলাস্থপবিশ্বৌদ্ধানী ৰইদেন।

हे (अ महेल १ गांध माद्वाव हैं। कुए दे अर्थम এছ বিষ্কৃতি প্ৰশ্নী প্ৰ**প**্ৰিকেট লগেট ভূটায় উদ্ধাৰি खार्थन जाव श. श अधेरकर .

কেল্ট্রান্ট, জি জনকীন চুম্পারত প্রথম করিবেন যে ভেপুটা নালিটেটাও ভেপ্টা কালে ্রেলির সভকারী ভূপ হৈন্টেগুনি হৈয়া উক্ত ইনের মপেক মুগোধনিগার কর্ম করিব ও সম-ক্ষেণ্ড ভার পাইবেন।

कात, धार, जिसस्य छेल्ला क्रांत्र छात्र शहित्य । এক, हैं। अहिम महिस्य मुक्ता, व अध्यम (अविन महत्वांवी सुभद्रितिकांची वृत्रेषः छेळ (स्वा:त खाद आश्च रहेत्व

नामक किए किए कि गरमन स्ना का मांचल राजान ता काशक इडेटरमः

3 ६ के क लाहे --- निम्नलि चिक्र (७ पूर्व मार्कि ्रोटेंद्र: १४०**० व्यस्**त्र क्र स्रोदेश्वद २४^{१८}। ३ ्राप्ति म्हास १० कावेद ८ १००० प्रतिहर १० णांचैन प्रश्ननादम् निशक ८६ किन् प्रशन्ति। धन ब्लैंक विष्ठ(रलक्ष कामकः शाक्टरमः

(मोलवी का विकास के वास्त्र मह बांद्र क्यारमाध्य द्वांग करेक

वाद् मत्रमि॰इड्ड कांग सून्ति बाजू काविकता हरके।शांधांत भूतक प्रश्नि ।

^{59हे कुला है---वीतकुरमद नवकांनी गामित्से} कारकत ७२ छ। देशमत ७२ बात क्रिकारत अ त्रक सम्मणा शहरवस ।

खदलिङ हे अगः । गांदिन वांकांबादमञ्जन्-कारी मासिएक है । उक् 'रमकेंद करेश विजीव ब्या निव परीन म कि: के छित कम डा शाहितन।

नि व क्लि गारहर नक्षमारतम् जनकाती मर्-किएमे हे ७ काम्लकेत एरेश किकीय ब्लिनिय वा-थीन माकित्छे दहेव कमका अहेदन।

১० डेब्ब्ल्ड्रेस हिंद्र अल्ड मार्डेस स्ट्रिस स्ट्रिस अ शृंखी विख्यातह दिन्। लिंग मधुरक्त विजीय देव-**ल्लाहे**र इट्रायस

क. बि. विषक्तिके माद्य प्रक्रिय शक्ति वि-ভাগের विकार स्मार्क्स जुडीह जैलालाकेस ककेटनम धन: छिप्प ना.क्टनन निमाय कालीन मधा विक दश्य अव अ इंडर्सन :

১७६-- इक है नव का निर्माण नक्कम खन-দাচরণ কাই প্রি দলাব লাকি ি কংলাক্ষয়ের ভার आहि कहेर्दत .

প্রেরিত।

स्टब्स्क कि. वर स्वाहत अंड कम दक्त १ প্রীয় ক সে:মপ্রকাশসম্পাদক

महान्त्यम् । সংস্কৃত মতাশ্ৰম । তেপে হতু সকলেই জীকার

विक अनम था, कियु कि काराज अंबर मास्क अंबर-अथ्य अधित महकारी अर तिर है उन्ते ¦ र दरभम अवस्मि पूर मंड है'क। ए स्मर्थाक श-(भव अब - उ है का कावश्विक क्षेत्रादृह, देश निर्द्यम् कव। आयात्र नात्त्र खञ्चातूष् वाक्षित शः ক্ষেত্ৰ ভিৰম্ম ক^{টিল} ाशहरत कर्जनकीरहरू। ओ श्रकात प्रात्मण विदय, का कविशा**ने काछ मटल**->>३ क्षाह--कार्यक खर्माणे म'कर्यान् म, व्यक्षिणा मुक्ताक एव याहरम्ब विश्वासक-'७ (७ र्रो काशाहित्वह अव: कान कान **चारन-**व सूरमाग्रक एक वृक्ति सामिता है है वे समस्या विद्या ঐ এবদ ভ টাক্ষ গোকৰ নায়ে উতন্ত্ৰ পৰের কর্ম व महिला, सार्वे कि हम । वे वासके वा काहन कि जा-্র'ও বুনিতে পারিডেছি না। **খেদের কথা অধিক** কি কলিব, ভাছাবা কেবল ভ্ৰমীললাকের কথা ক-ারবার নিমিত্ত নিযুক্ত ১ইড়াছে, আবলোভালে চাহারাও ছ^র শত টাকা বেতন পাইলা থাকে।

থিকু বেডৰ তওয়। বোগ্যস্ত। কৈ পাছিলা नहरू, बादाक श्रामा श्रम्बर्धक के क्षा अधित कोत गाहित्वरहम, जादारम स्मीह सहित्र जन मिर्काइन । हैं।! अस्त्री बका गार्डे परिका असम जिलाई बार्की अर्थी लेगात लेख बहनमत्र अकृष्टित दर्शक विके शांतरे कार्के अभाव शांबता सार्वेदकरक, रि गंत्र अवस्था महत्र शक्षित्र। शक्त दश आंगुरिद्ध য়ণারারণ রাজা পিডার অরুণ বইরা কং **जीत विषय तिष्कृ वर्षेका बांबाना वाशिया** कि कविक ए कहा देशार्कमकाती नृत्वत পেকা করিয়া ভোজানামে ইজর বিশেষ কাঁ न २ किइ डॉक के न. किश्रनारम विद्याल का পারি! অন্তঃ যদি ভারাই প্রভুত হয়, 🕸 ब उठाशा सुरकात्मता रक्षत विवास अवकृति অবভার থাকিতে পারের ন , কারণ ক্রং गवक पतिरमञ्जू हेकाला 📽 सतीनांमा र স্থান কল্পে মানিক ভিন্নজ্ঞীকা म्द्रमिट्ड जामाग्र व्हेश थाइक ।

२म् । भवर्गरमकी एककाका भूरतीकी है अक्रश खनगत विदय्हमा कतिहार कांबु व र्षाम्। अध्यक्षेत्राम् अप्रित्यम् कविश्वा माजिविक परेटबन, तम शायक काँहै।। चारमी पूरकारमञ्ज नः था। क्षनारत् मः ब्बिस मर्था। जोकांव क्यारामक क्यार ভউবেক। ইঙাতে অনেক **মুজেক পো**জ গা চইয়াও উচ্চপদ লাভ করিতে পাছে माना विध्वक्रमान्न मिन बन या वालि क নেট উচ্চপদ লাভ করিতে,পারিবেক, नगंत्रमण्ड कथा विमित्रा शिद्वित्रविक श्र रत मा । कांत्र**व विकृत्य मादे अवश**ह रव ज(द्द भग्ड प्रत रम छात्र अञ्चलकात्र -बन्द क्तिताहे जात कन कि ? शक्तित नर्का के विरागत माथा को बादक व बिन्धेकी वर्ष कतिएउ विश्वित प्रथा रमत मत्था कांगांटक खरलाए बाकिया रू ছণ কৰিয়া ৰাটা গমন করিতে দেখিয়াল ভাষা না হুইল, ভবে এ হতভাগোরা হি **८वषन ७ शहर कि विवरण निविश्न मर्द्धा**र्वे क अन्यदानके ध्वनीय वन मश्क रे शाहित्य ना।

ওর। ছোট আলোকত সংক্রাভ মুগে निष्मक्ति स्थाकमभात सम अन्दर्शक । আংশীল ভিন্ন আৰু আশীল 😁 ট এই ' ब्याकस्थानश्रक ब्राह्म करा छात्रांत छ। निक्यति क्रिया क्रम महरूर का गार अकटल बमम श्रम खेलिक्ड **इंडेटफ शा**रत थ था- । व्यक्तिक कृतिका निकार के प्राप्त करना

नारे। अश्राम विरवण्या कत्र समामूह गरीकार दल शर काटन संदेश करि-उ कार्बा इडेब्राइ कि मा ? अमज अरमे-াছেন বে এডপ্লেশীয় ভাৰা বুৰিছে মা (कर वा बांहाल डेकीलाइत बाक् हाजूबी-পতিত ছবনা একে জার ছবিল। বলেন, নিসু আলালভের নিপ্রভিকে রক এবং क जारमान विनामहे,तारे जातम ह्या-विक धनक वावश्वकता क्षांन एवं नाहे। *

> क्षेत्र राज्यम লাং লাভিপুত্ব

পরবপুরবীর জীযুক্ত লোমপ্রকাশ मन्त्रीक्क भक्षभारम् ।

माकार्य मरकात अगत्रम वावका। देवणांचे मात्रव एक्टबाधिनी शक्तिका-वश्र इंडे माम, ब्रोक धर्माव प्रमुक्तीरमव গ্ৰন্থত হৰবৈক : গাঁখার মনে ব্রাক্ত ধর্মে-ত বাসনা আছে, তিনি এট সহাদ প্রবণ यात भार माहै थाउलाहिक इवेटबन मटनाव किंद्र बरन महत बक्ति आ। नका इंदेरजहरू, रिना जाकशास्त्र मध्यक्ति अह्य स त कलिकाणाञ्च नगाः छ छूडे छाति सन । इक रहेका बावका शासक करनम, छोटा मबूमाप्र विकल ६ है(वक : व्यञ्ज्य । ॰ कार करिएक हि स्व स्थान अन विष् वेश्यामद्रश्रेष्ठकाद क्राविद्यम् छ। । গুৰোধিনী পতিষ্ট গুৰুষ করিতে नि चारमव जोका १९४७ माला मम्ब ैं हैबिटफ इंदे:व, नियं भेट प्रमाप्त कर्ताड है आख्राव लहेश विध्यानः कविवाद ! বিশ্ব প্ৰান্ত বিশ্ব সকল ভংগ্ৰ ভূৱা

ন্ত্রে তথ্যকার লিখিন কা প্র रिष के हैं(त, जाका कहें। जान क्ष का 🌉 ना थन महिटा म निवाक्त होते अपि बान रावश्र 👃 भ्याननामिक व्यथामा हाथिए इक् देख क्षेत्रिक शिल्म करिए नन-कर्षे प्रमाद्ध उन्तान । तक प्राणक विकानकिन्द्रिः छ व्यक्तिकात ना भिनादक ्रक्षतिकी संबंध वहेसारकः । पं वीकात

शक मछ।त मछ। इकेट छ शांतिदक्य ब्यू:।" वथन कि कि बाहुके न करिएड स्ट्रेस्क छोडाहे अभवाह मेर्गान केशाह कविजीत कनका क्षित्रं । विज्ञ मा बकार करे छाराह नामका श्राप्तक करेरक-हि, छचन क ए० शांत्रांत सम्म क रक्त्र कि शकारिक कान। यहिएड शारत । वर्धन क्षत्रीय छा:-চার্যা ও সভাপতি মহাশয় অবং আঞ্চিও খন बिख्डिक. उथन कांश्रक का खड़ शेरन जन्मर बिलाहा श्रीय माध्य कहा प्रदेशका जामालक्षिरधर প্ৰাধান্য স্থাপন বাসনঃ যোগ আৰু চেট অনে : कुछविमा महानेय राष्ट्रिः द्वासा भन्ना, बलसी ३६ য়াও কলিকভিত্নি সম্কেব অস্ত্রীন কইছে রছে ' कर्त्तन हो। जनर जहें जना किस्तीय अल्ले हक भवाष्ट्रे 'किन्द्रिश्य र'लेंट लडेह, ये समाज '' कडिया बारका (यहांगम् ! ग्रानम् अ-मृत २ का स এই अर्थायु ४३मा, 👍 कि नागड़ां सावहत छ। 🔻 मान जिस्सा अकार करिएक रमयो सानगी कन्तिहरू दामगः दक्ति।

.काम द का

व : 4 5

ইংশ্রুগ্ন, নংস্কুক ও ফুর্ছিশের मीं किया र खाँव . 國有各 (五十二年中日) 1450年

महरू (पर्युक्त

सद्याचन । धा,मामिर्णन कुछ शक्त भानानर शवर्गव कीयुक्त ८क कि बाह्य प्रवेशक विकासवरीय कर्राव क्रमा श्री अञ्चलक है कि में के देश। ছে। শুনিলান ঐ ট,কা এলার প্রতিমূর্ত্তি নিশা। ce निर्माकिक ककेटर ,क्यू के हैं 'क' स्वित करन त्राका अक्टि मक्टन आर्था निर्देशक र करे। इस अरम्हण्य आस्थानाय लाख कहेरा र

কিছুদিন হটল লোমপ্ৰাণে লাজালিলিছে 🤚 টুতিনিখিদিখের সমতি পাইবার কাল । ত**্লও গমনেব ডিনটা** প্রাদ্ধানক লিলে ব স্টা चम्रा एवादमा विक्रीय है। सक्त करिलंद है लाख গমনে বিশক্ষণ অনুৱাগ আহে কিন্তু অৰ্থসক ভ मि दिस कविटक करायक वन (महे। निद्राह क् अकार्या कहेटल शहिराक्टलन मा) अ ह भग् (न' हमीत्र अ द्वाधावर । यगक्त राज्य अर्थः राक **देश्लश रामक बानमा शून करिएक श्रो**निएकं एक क , हैं। इंक्लिटशब कार्च १६ किंव छेपाय कांच्या। ৰিছ ব্ৰাহ্মগণেৰ সম্মতিতে বাল্ড। দিবাৰ একটা অধ্যাৱ উপস্থিত চইয়াছে। সে এই क, जिब्र सरक दश है। का अर्थुकी क क्रेब्रा एक, अटस-নীয়ের ক'বাতে অংশ কিছু কিছু চাঁদা দিন এন গাড়িদাছেত্বর সার্গ্র প্রসূত্তি টান उ'रुप्त धन व कतिया धक्री क्ष कार्न कड़िक .. १ श्रेष्ट प्रतिक्ष स्वाक्ष में देशन स्वाक्ष ये हैं। म भा नला है १ - ८५ में, कक्ष ७३६ ५ मी बादक्रम शाद्याय < ইংলাদেশেক শ্বাধ দিয়া, **নিবিলাসক্রিন এভি**ভি ं 'व कमा भारे। इंग्रा (क्षश्रः इंडेक, এত এব । জন নিকট ক্টতে এইকপালে-शिक्षेत्र लक्ष ६ डेक .य. ८ धन और मिट्यव नि-्र अस्प्रहेरिन व्यक्तन, जीवाहा नानवा- विखास ना प्राप्त प्राप्त । १ विहास विकास का विकास का विकास का विकास का व

मेश तारे हैं। काल अकार्य कविरमन । अहेक-श करिएन वार्थ मझाँव वेराव वाहानियां वेर्-ज्य अभव वांधा चारह, दीश मिर्णन व्यक्तित না চটক, ছুট তিনটারও বাধা ছুরীভূত চটবে कं। प्राप्त विष्या व्यानक श्रीत कहें। व नाम-

न कि त्विष्ठ ७ शोने कंष्ट्रियम् दे नवझ तातः ∍ हे मोर्ड्ड **डाइ'व श**दिवर्ष कथा स्रश्लिक कर् ७।इ। इन्ट्रेस स्थाय अक्षी साउच होता वाहित क्य नाम छ ,शनाक !

গ্ৰীযুক্ত গেমেপ্ৰকাশ সম্পাদক মহাশয় সমীপেষ্।

अंख २२[।] %।२९ तक अर्गनक कार्यक्र ९ था काव मभन्न व्यवका हिटेक्सिकी महात मश्रम मा वर्षितक करिया। ह नाक क्लिप्रांष्ट्रा कि ाक्तमभाञ्चव क्रिकीं। उस १८६ ४ कम आहर वक बाबु दम तसमा, श टेडिक्न मना पाछन छ -मन अभिकार कार्यन । मध्य वार्या विवतन आहे है। भार मार्गात मन्त्राक्षण तीतु का राष्ट्र कामाहे निक्ति भारति मधाना शारीमा विवास अक सुनीच প্রবন্ধ । তথ্য সমীতে শর্মা হি **ন** री क्रियान अभ्याः अकृष्टि क्रिया अक्षा भारतेष डें। देना, कर्जांके स्थ्य : १४ शास्त्र मानांच मक (अके अवस्यु अत्नाम भाग मा व दिल्लामा : कके हि-टे यिनी गञ्ज शास्त्र भेराकणा अवेटम सक्त स-क मिरान मान कृति राजर्थ महाकी के बच्च करा मण्डायम भीन घरणी वास्त्रिक भव विसा निकार्य हार अवित रामग्रहणार नामन काक (राजि व बहेदार्थ) (का । क्षेत्रियमीय मार्थाव आर्थन न्तास कन र टाकार इहेर,इड दम्मी खडे नकडे शडी कि एक्षिण में त्रीत सिंह का बाहातात किराबन औ ে অৰ্ণিদ ও জন্মহ কাৰ্ণান চটালে, এই স-- ればけばれ とう ブール ささいずき

नगर्नु वर्णसूत्र,

3 T 4 5 E3 4, ma's

यनाथ।। थ।

পীপুক্ত বার জয়কুলে সংখ্যাপারারে উচ্চনপাল १ ७२ रेकार्वे सर्ग (कास्त्रिक भागान क्षा का वर्षे (का २ अध्यद¦म क क्रिक्ड|

-७३ मात्राह कार्या १० हेकार भूतिक . ३० ५०

णि उठक महत्त म बीम्ख्य ८६% अति छ छत् अ यह रक्षाई अहा 🛎 (कार्टी) हे र्रावर 'दासन अध्याद बडा नत्नुन

रत सर, (भोग गर्गाष्ठ कार ह है ° বেংগদেহজ সঞ্চোপাধ্যান কৰে কথুব .२४७ कि के उपनिमाधित विकास विकास करा ३०

है। आकामाथ सम्मी कामा पूर १८०० रेका करा क्षेत्र अवास (का. १

कार्य भाग करिया हो व ब्रोह्मक मुख्य अन्तरमा (तुम् भ्रष्टस्तु स्मित्र भारति राज्यस प्रस्कित हार्रिष्टानीका आगाम विश्वेषुका वाजवीन'न निमा ह्वाटनं वाणिएक काकि स्नाथवात

हि वाक्षित्द्र देवेद्वा अख्ताक्षेत्र केंद्रिएक्ट्स, **छचन मृनदेशका** ३ कि ना कहा छान क्ष्यांच्या मा ।

दिन्द्र त्यति यह बरमन, खात्र व्यवसेर दल्ला তবে কোন্দানি ককলে খুরের বেশওয়ের নি-बिंड पूरे क्लि होना कक्क कविरहरूम । अ তি অংশ ২০০ টাকা নিছাব্লিত লট্যাছে। নবৰ্ষেণ্ট শতকরা ৫, টাকা পূল পুৰাইয়া बिद्यम अभीकांत्र कतिताद्वा ।

উক্ত পাত্র অবণ করিয় ছেন, ২৪ পারুগ |র व्यक्तिवि माजिएहे है उदार्छ भारत्व जक्ता ঞ্জিনিধি কালেইরের ও কার্য্যভার প্রাঞ্জ হত-ब्राट्ड र्वर्गस्टलेंब्र निक्ते धक्का आहेले ही. बिरहे हे छान्त्रि।हिटलम किछ शवन्त्रके छे उत विद्रोहित स छोहांद्र अधीत अवस्त अछि उभयुक्त ७ भूषि मासिद्धे है । ज्याद्वन, धारा-षाताई कथा निर्वाह इट्टेंदक। दल्लीनके ज. বর্ণর কৌলবি জাবতুল লভিক্তে লক্ষ্য করিয়া ঐ কথা কৰিয়াছেন। আবিসূল লাভিক এই_{বা}প डेलयुक स्ताकह वाहेन।

উক্ত পত্र ब्यानिस्टरत ८६'हे ज्यामामाञ्ज ६ छ নিকাম সাহেবের অবিচাবের পুনরার প্রতি वान क ब्रह्माटक्या के स्वस्थ अञ्चलक विश्वीरह কার্য্য করিয়া কেকের বাটীপ্রভৃতি স্থাবর বস্ত দকল বিজ্ঞায় করিতেছেন। প্রায় একশত প্ৰামা কেবল যে গো মহিং লাখল প্ৰভৃতি ৰইতে বঞ্জিত হইরাচে এরপ নচে ভাষা-দিগকে স্থান ভাগি করিতেও কইয়াছে। अडे विहाद्यक्त कारगात श्राप्ति यकि शवन्यके व्यविनास विदेशन बारण मदनारवांशी भावन তাহা হইলে মহান অনথ ঘটিবে সন্দেহ नाहे।

পরিদর্শনের এক জন পত্র প্রেরক কলিকা-ডার, বাহ্যালারের লোকদিগের স্রাণান! थाइफि व लाम्निक प्रात्मक केटल थ कतिया मा- । देशाय है कि उप क नाम अक कन देखेला-ক্ষেপ করিয়াছেন। তিনি বলেন রাজধানীব এ পরীতে সভরিত্র ও ইতবিদ্য লোক প্রা शांख्या वाद्र मा। इन्छविना म बर्खेन मर्काव्य ज़ाव इंकिशनीटक क्वमः विद्वन हरेग का निरक्रद्व।

शोकेकारभन्न चन्न बांकिटक भारत रमण्

কে চোৰু সংখ্যত ক'রয়া গাতে কাৰিয়া করং ্রক জাগার জ্বান্তা থাবা ওক্তর প্রহার করিয়া। ছিলেন, কোট যারগলে ভালার বিচার হইবে। কোর্ট বার্থনে বিচারের অগুমতি হওরাতে ष्ट्रिकां छ कहेरवा अक, अन्त्राधिक स्थित ८क टिंग् चानिर्छ भवर्ग्य स्थित चारनक नाइ খ্ৰত ভাষা বাহিৰে। ছিডীয়, ক্যাইটোলার भट्डाम्टप्रता म्यादन गाईटक शतिस्वन मा।

किनिक कर्टन, आंडे क्रांक डेव्लम्म मारहः ব কলিবাড়া পুলিদে কেগান সাহেবের প্রতি-निधि इहे. यम अव (युगमग्र भारत्यत्व अन्नशिक्तः তি কলি পৰ্য্যন্ত কেগান সাকেন ছোট আদা-লণ্ডে ভাষাৰ কাৰ্য্য নিৰ্দাহ কৰিবেন।

नारशंद्र क्रिकित नम्भाजन करहत, अहा-নগর দোভমহমদের হত্তে গ তত হইরাছে।

উক্ত সম্পাদক আরো কৰেন, গেলোয়া-রে অনাউঠার প্রাপ্ত বি হইয়াছে, ইউরো भीव मिनामिनाक देखलाउः (धवन क्या हरू-যা:ছা

आहेर अस्मिष्ठ मण्डानक नरहन, दाहेन ওরের গাড়িতে এক জন জাফিসর এক জন ন্ত্ৰীলোককে অণাধান করিয়াছে ধনিয়া বে মন রুশ উঠিয়াছিল তাহা মিখা। এক জন গার্ভ এট কর্মা করিয়াছিল ভাছার শান্তি হইরাছে ৷ विनि अभन मकतिल वास्तित्व वाक्ती कतिया शांटि র शत विद्याहितन, छाशांट धन्याप নিতে হয়।

ডিজুপ নামে এক ব্যক্তি আর এক বা . ভি:কে এক ইঠকদাতা চক্ষে আঘাত করিয়া ছিল বলিয়া ভাষাত্র পুলিলে জুট টাকা জারি थाना स्केश दह। इटकात गृहा कि धूडे डीकात ক্ষাধিক নয় ১

> १ हे भावन बल्लवाता

ভিত্তৰ পশ্চিমের সংবাদ শ্বিমে প্রকাশ ছ ⁴ेव त्राक्षमाध्यकत प्रकाल स्टेबाट्सन। च्य-त्मारक छीड़। ब छेकान बहें Ca bicen माहे, हैं। हैं क्षा**७ डेकान ए बताएउ बीह्यिका**ती प्रदेशका ্কর কেই ভাহার উপন্ন কুপিত ইইয়াছেনঃ আঅপক রকার বতপ্রকার উপায় আছে धभवाधी गुलिस्क विष्ठांत कारन ता नकन नके कार्यम मादम द्वारिक व्यानन थानगाय।- | वर्षेट्ड वर्ष्य्ड कर्म विद्याह सम, अ निम्नकी

जागाविद्यान धीविकातीना जादक चानावाचा प्राप्त । बद्धार मा त्रव जामाभिक जीविक जात्वस्य की पूर्वेति काविष्ठि कतिएकद्व विकास नाइएव " लाट्य: " शाह्याद्य महत्त्व आहे

किनिका बहुका, छेकियानि क्या में बंधरी पूरे बाजा विवास क्यांटक कथान क्यांकारम् উপস্থিত হইরাছে। ১৩ গ**ৰিত এতচভূ** দেনাদল তথার প্রেরিড হইরাছে। এই বর্ ক্ষ যুদ্ধে শির্ভর বার হইছে সালিছ कान गालि वक गाउँ विकास किया है ঠিবেন। ভ রতন্ত্রের ধনাগার কি আইছ ै

বোষাইয়ের ব্যবস্থাপত সভা এ**ই প্রভ**ি व कतिशाद्यम त्य वाख्यित व्यक्ति कतिम शाक्ति এমনহ কারাবানের আবেশ হইবে স্বাহার্য হৃততর বাপে লোহশুভখলে বন্ধ স্থাবিত্ত रहेरव, अक्रम निश्म कड़ा नाताम् ग**छ वह मृश्** লে যদ রাখা আর না রাখার ভার **গাভিটে** -डे किटनंत्र छे**न्द्र स्वताहे कर्जनाः केला**ता বিবেচনা করিয়া বংহাকে **অধিক অণহানী** বোধ করিবেন ভালাকে শৃথলে বন্ধ বাবিচ্ছি

हेरिम् म जाव देखिया बरमा बिक्क देखे বাদার স্ব্যোভির্মেডা কম আবাদ্ধর नाद्वत देश्वाधीय त्रवाम लानादे क्रिक्ट्रिक किटबंद विकास शाहेबाट्या क्यि महिल्ली विशाष क्यांजिर्क्सक्षत्रिका शृहकांक्षर्व এক কণ্ড ল্ল'খরা বাদ : ত্রাউণ - সাহেব ক্লাব হতন আবিজিয়া করাতে এই বেডারা পাই-ग्राटकन । व्यवास् एवत शासाध स्मानिसिंगान সবিশেষ অনুৱাগ জাছে।

ब्रेट के खंदान नायकं अक सन क्राइडी ছরিশবাসী হইতে পলারন করে, **উই**লিয়ন ট্ৰকলো তাহাকে বুকাইরা নাবে, ভাহারা উভনে প্রধানতৰ বিচারালনের লেসিয়নে নমর্গিত হইরাছে। এইনিবিভ আনারিধের শাত্রকারেরা পাপীর সংসর্গ করিতে নিবেধ क्रियाद्याः

64 हाक। निष्ठेत्र रहमन, २८७ सुनाई सूर्क्छ रजानाती रिनि बाजीत जाराटक सनिका. **कांब व्यक्तिक रहेबाटक । कांका निकेश १ इ.उ.** णांगा विशेष दिनि , धरेश्वण निश्चित जाराह नचान तका कतिहारहन । विहक्तिक तह नाम

ब्रक्षा क्या कर्डवा, मरणरकि ? किष्ठाका विष्ठेम) वात मन्द्रक्ष बहेदव मरणर वाहे । किष्ठ का-"এঁড়ে গরুর লেজঃ ধরিয়া অর্গে ঘাইডে চা हिर्छहिन मा छ ? १३

উক্ত পত্ৰ আল্লে বলেন ডব্ৰড্য জন আ বর ক্রম্মি গাহের সম্প্রতি একটিন হঠাৎ সদর আলার বিচারালর দর্শন করিতে বান। কাল 🕰 উক্ত লা ৰ্উক জাজেয় বে এখন পুষতি, ইং ७ जाकारमत्र विषय ।

se हे खायन वृषवात ।

বশোহরের অন্তঃপাতী রাছুলি কইকে अक व्यक्ति व्यक्तिमित्र निकटे निविद्या शा ठीरेवाटस्न, वे आवदात्री अवीवात सीवृज्य বাবু হরিশ্চন্ত রায় চৌধুরী তথায় একটি বা লিকা বিদ্যালয় পুন: প্রতিষ্ঠিত করিয়াছেন। <mark>জামরা জানি বে</mark> বে কাণ্য ছারা স্বগ্রামের স্থিত্ৰৰ উন্নতি হয়, সেই সেই কাৰ্ম্যে ছবিল बाबुद्ध विमञ्चन यह ७ ज्ञानुत्र मार्क ।

यक्तरमञ्जू विम्नानत् मः को छ करत्रकथानि পত্র আবাদিগের হত্তগত হইয়াছে : স্থানের অপতা প্রযুক্ত সেগুলি প্রচারিত করিতে পারিলাম না। সেই সকল পত্র পাঠ ক্রিয়। **डारंभग्रं भग्गालाव्या क्रिक्ट हेन्य्याक्**वेंद्र उ **८७१मे हेनट्यक्डेटब्रबा उज्यावधान विवटा** नि তান্ত লথাদর, ইহাই স্পষ্ট প্রতীর্মান হর। । निक्रक्त्रा विमानदा व्यक्तिष्ठ वावनात क (अन । शाद्धिय ७ निव्य नार्डे, नमख्रत ७ निव्य নাই। তত্ত্বাবধান না থাকিলে একপ হওয়া অসম্ভাবিত নহে। তাপা বেতন পান বলিয়। কি ইনস্পেকটর ও ভেগুটা ইনস্পেকটবলিগের कारक ना मारन ना ?

আমরা একখানি শত্র পাইয়াছি, তংপা টে জানা গেল, হাবড়া জিলার অন্তঃপটে ৰৰ্হটি প্ৰভৃতি কয়েকটি ামে সপাহাতে রত্ব ব্যক্তির প্রাণ বিয়োগ কইয়াছে। পরী আমের রাভা ঘটি ভাল নব বলিয়াই গ্রীক ও বর্ষাকালে সর্গ ভর হয়। গ্রামন্ত লোকেনা कांश क्रिया यमि द्रांखा चाँठे भतिकात द्रार्थन জ্বালে কানহন্তে পত্তিত হইতে হয় না। "

এত দিনের পর ভারতবর্ষীয় যুদ্ধ ঞান ভেদ সংখ্যা কামান হইতেছে। ৰোখাই গ্ৰুখ-মেন্ট সম্প্রতি অনেক জঃহাজ বিক্রের করিব:র আজা দিয়াছেন। আপাওড: ইহার ছার।

মরা দিবা চন্দে দেখিতেটি + ইংসংবিত ভারতবর্ণীর সেমাললের > ন্যার বে সে ওলে থাকিছাট করেক খানি রাজকীয় জালাল জা বুতবর্গের ধনাগার হইতে ব্যর লইবে

आमामिरशत श्रीनारवत् कि कथन्ह हैं है। उ क्डेटर ना १,6भाडे भाडेत (अनत्म धर्मान प রিয়াছেন, বোধাই প্রেসিডেন্সির তক ও নগব। নামক স্থানের মধ্যে ভারত্য তাক হঠ হট व्यादक् ।

निके किना ७ वर्डे एक मध्यान जानिकार ওটেগোর বং খনির কাজ শীভাধিকা প্র**্য**ক্ত । ৭ সময়ে ও দিলে শীতের প্রাতৃত্তার চলা: **ছে । বন্ধ চইপ্লাছে । তন্ত্ৰত্য আচিম** নিদ, ৌ ছুই জাতি ছুবি লইয়া যুদ্ধ করিতেছে . 'ন ছ এক্স স্কাৰন। ছাঙে, ওত্ৰতা শাসন কণা हेहाइ श्रीमा॰मा कड़िया फिरबंग। या ११ अपता त्व बडेक. विषे जिलाद्धत्र जानिम निवाशीनि গের লোপের কাল অলিয়ণ্ডে :

घाट्याञ है। इसम बरलय मण्डलि करश्वज्ञा पुट्टे वास्त्रि कहेबाजूब रहेमरमद निकर्दे विशेष ওবের উপর দোহ প্রভৃতি রাখিনা আরোগী मिर्गत था। नार्यंत्र क्रिशे शाहेशाहित किय मोडांशः कृत्य कान विश्वप्त चहेना क्य नाहे। मरक्षा मरका अहै कल स्थला याईराउटहा, दिल ওরে কোম্পানি তুরাজাদিগকে শরিগা গুন লও বিধান করিয়া ভাগাদিগকে অপৰ সুষ্টেব म्राच्यत कामन कतिरखरहम ना तम्म ?

করাশীরা কোচিনচ নে জনশং সাধ্যুক্ত; হইতেত্বে ৷ আসাদেব রাজা তালাদিশের সহিত সন্ধি করিয়া প্রতিক্ষা করিয়াছেন করাত শী গ্র**ণ্মেট্রের সম্বতি** ব্যতিকোক তিনি काम विक्रणीय गर्नास्यक्तेत्र मणिड[े] त्राम क्षकांत्र मिश्व वा मयक कतिरवन नः। ७ वि हु বর্ষীর ব্লাক্সারা হেটিংস ও লার্ড ওয়েলেদ্বির এই কৃপ কৌশলে পতিত হইয়া সামান্য জ योषांद्रत्र नात्र करेत्रादकन ।

भाषाभिरशञ्ज भाउँकवर्श मध् भारवस्यतः। বিলাভ যাত্রার হুখাই শুনিয়াছিলেন তা হার পর ভাষার আর কোন কথা শুনেন নাই। তিনি সত্পতি **একজিটরহালের এক স**ভান[া] উপস্থিত হট্য়া ধৰে চিড সন্মান লাভ কবি गाइन । डेश्लकीय अधानर वास्ति म्लोडीकरव

कविशादस्य, डीहाद व्यक्ताय प्रथ क्या बहेबाद्य श्व जन नष्ट्राय वाक्ति अहे श्र**क्षाय अ**दिशास्त्र त्य जानखनर्स मार्च कारबरनत्र क्षेत्रीख करना. য় নিশাশারীর দশু ঘটিত আইন প্রচলিত হয়।লভ সাহেব শীদ্র নীলঘটিত এক পুস্তুক अज्ञान करियत । नीजकरत्त्व यथन এक सन মহালভৰ প্ৰেচিডকৈ কট দিয়াছেল তথ মত উৰ্বেদিনের ভূজান্যের বীক বপন করা

हे हार ए नियम आफ़ि, कीन व्यक्ति गुरु প্রীর ভাগনীর পানি প্রহণ করিতে প্রায়েন না। कात उनार्व केंप्या कलिए व देखता अहे शहिन বার্টু না বৈবেচনা করিয়া এব ক্ষম আকিস্ব এই প্রকার বেল কথাতে কলিক।ভার বিলপ প্রেক্ত: দিয়াছেন ভ্রিয়াতে কেচ এই রূপ বিবহিন করেনে, যখন পিড়েয়া ও লাভুলের বন্যাকে বিধান কৰা অস্তমোদিত হটতেছে, ভেখন মৃত পারীৰ ভাঙিনীকে বিবাহ করিবায় নিংশধ কর। হাসকের সম্পের নাউ।

দান পুৰেব বি্লেডিয়াৰ নাট্যশালায় থক স্বীনোকের ঐতি কন্সটিত ল্যবহান হবি গাছিলেন গলিয়া, ভালা,ক নিজ পদ ভাগে কভিত্তে এইয়াছে।

कार्याना रहारअप्रेयरम् भ नेनार अक गाँउ । तथ्राव कडिया जार अन ४ व्हारअस् বাঠাতে উৎপাত করা,ত উক্ত ইংরাজ ভাষা (न त्र कवियाक्। इंडाकार्ती कावाका কাংছ : সে ধলে শৃত ব্যক্তি সংগ্ৰাপান কৰিয়া ভাহার বা শু'প বধ করিবার ১৯৪। করাতে ভূত্য ভাগাবে বপ করিয়াছে। বিচারে নানা याकेरव ।

- ৬ই ছাবেশ রহম্পতি কান।

त्वादाङ मन्दिन्छेश्नादनव (निक्र व कू-মির ৷ বজোবজের জন্য ভত্ত্য বাবস্থাপক ^{্রভা}ন একবিল অর্পণ কবিয়াছেন। নি**ন্ত ভানে** क लाक हेर्नाच किष्मानित श्रेष्ठ 'रवत अखिता में। इंडेचार्ट्स ।

লাও হোলভার্স সভা বারিউরের নিক ्षे शद्वावर्ग शिकामा कदियादकन, भवन्यासे পতিত ভূমি বিক্রম করিবার আশা দিরা ক্ষয়িপের ক্ষন্য আগামী টাকা গ্রহীয়া তাহ: क्ति। किर्देश किर्देश करें कि बार के किर्म किर्म किर्म के किर्म किर्म किर्म किर्म किर्म किर्म किर्म किर्म किर्म ইয়া গব-মেটের নামে প্রতিজ্ঞা ডলের নালী ज क्या बाब्र किया ? में बाब्र, जीतविकाहीकि तात निनाय जारपत म्या काहेरमा जातू क ताथिया निवादका। এই সমুলার সম্পতি ধারা, সৃষ্টিছাল প্রকরণ অসমারে লাভ এল निव ଓ नव ठाउन्त केंद्र इत्र मान थींभी इहेटड शास्त्र .

লান অ'পন উপপন্নীর পুরুষাস্তার আসক্তি । লি এক সভার তাঁহাকে ইল প্রসান করেন। অপ্রমান করিয়া ভাতাকে ও ভাতার জালীকে । নর জেমদ আইটরাম অদ্যানিও তুর্নক আ-ৰণ করে। তা,লার ফানী কটয়াছে।

दे:इभूम काव इंसिया बदलम, मि॰इन ীপস্থিত জিক্ষালী নগরের সম্বধ আবা টিলিগ্রাক কবিবার যে প্রস্তাব কয় ভাষিয়ে নামর বে জাহাজ ইতিপুর্বে জননম হা, ভুবরি [।] তত্রতা রাজ্য অসমত *হই*রাছেন : নসিক্ষিম मार्चा छ हा इडेएड २ ७-०० हे कांत्र सरा इलान निरम हिलाकी क कहिरदन मक्क कविद्रारहन । ত য়াছে। আরও অধিক টাকা উঠিনার সং 🔻 क्षांबना कार्य ।

ল ও।পন নিমরে ড।লভে,সি সভার এক এ: । এই কর বন্ধ করা হয়। র পার আবেদন সময় স্থাৰ হটায়াছিল লাভ এলগিনেৰ গণিধায় সাৱে সৰ চাৰলগ উত্ত উৰ্চাংকে এই ট্ৰে সংপুর্ন ইস্তা আছে : বলভিয়রদিশের ভ্রমন ও | গুনর্মার দিবার আজা দিবাছেন : এদেনীয় ্য সাহন ও অধ্যান্স যি ছিল এখনও তা शके चार्छ।

সম্পাদক কলৰ দাস ফুলজীল উপ্সাল বৰ্জ । উদ্ধেষ অভিত্যেত নতে। এই নিমিত্ত আহি নার্থ বৈবিধাইদের দও জালেকজনার প্রাট ্ডিকানিদিকের তালার উপরে ৪০ আরে 🚁 🛚 প্রাভৃতি এক সাত। করেন। বালানিধার জান। নেকে ল'লে লালে থাকাৰালায় জ্বলাভ মহা । প্ৰাণে হটহাছেল রা ওলাতেবের পাচটা বিষয়ে 🖯 ताम गठून थ को द्र निष्यं भिष्य अंतर कि या ज्याक्ष्य प्रदेशन कृतिहार्ड्य । क्रांच्या ५ देगार्ड । (तोप्रोडी तोकाल) (एम बार्शका वाष्ट्र वहेल ।

বোষাই প্রেনিছেন্ডিব হুডার জ্বেশিব ८न्डेल ७८५ सकर हेत्र च्यारताशी भरतत तरक्षेत्र तः। त्राखिशालात हाका कल्पिक ∵ं इते तड सालन नम लहेंगा अध्यक्ष का लाखांच इहेशा नियांक. ङक्षणा काष्णानि श्राष्टि मक्छे ०० काम्य ।-एस-१एक कशिशास्त्रम् ८ भगार सम्बद्धान অধিক উঠিতে দিবেন মা স্থির করিবাছেন। আবোদীনদানর সংখ্যা দিকিষ্ট করা নিভান্ত -আবিশ্যক। কিন্তু ওপানযার, রেলংয়ের মহা-পুরুষের। জারে: ীর স্থানিধা পুরেন ন, ।

वै°िनम्बीन अवन कहि। एइन, ट्राइन क्रिन শর রা একে ভারতবর্ষীয় প্রদারেন্ট ও সাধার-। ণে বিশেষ স্কান করাতে গোষালিওরের রা था। किथिए जामखरोक्डेबाइडन। भहाताल मि किया कि अछ निर्द्धां पर शर्मा गर्थाहिल । इहंग्रा अठे हेड्य एम व छिनि अवाश क्या পুৰকার দেখিয়া অসম্ভই হইবেন ?

বাৰ্ড কাৰিত বিংশতি নক টাকাৰু সুন্দান্তি कांशंत निकीत स्थानित्य भारत्यः।

वाचा हेटब्रह (मारकवा गत स्माम का के রামকে দে এক খুর্ব চাল দিবাকেন, ভালা वाध हैता हैताहिय नामक जक मुनन । डाङाटक मिखन स्हेग्नाटक । क्रिके काम कार्न

পারন্য দেশেব ৰখ্য দিখা ভারতবর্ষে

বিকিমের ব্লক্তা ভারতব্যার গ্রথবেটোর নিকটে দাকজিলিভের করম্বরূপ প্রতি ব বর किन्य जार भुनक् र नविष्युद स्मना २- । ४००० हाका छ। ४ बहेटल । १७७ युद्ध छानात्र देखि। इ मनाविमिश्यक मिल निष्ण खाशर वस्तु इडेटिंड वॉक्स्ड कवियां **का**त्र अववीत्र अवर्गासके বোদাই গেছেট বলেন, নতা প্রশাদেহ । কে সকলের বিদ্বেশতাক্ষন করা সর চারলস

্রংলিসমান গত কল্লা টলিগ্রাফে সংবাদ ্থিক। रामाय मध्यमान २७% " र जिल्ला संभेत्र कहेतातु

११ई भाग व्यक्तिर्देश

ট জিস্মান সম্পানক লিখিয়াছিলেন ্রেশে প্রতিগমন কবিধ এক দবসাধ করিয়া সভা কোলে নম্মান্ত্র ক্তিমে প্রিপূর্ণ, এক্তাক্ষেনীব্দিগকে এবংগনা কবিষা সমস্ত यन हेश्हर्ण कडेना राजगडे के मजान जिएक-🚁 👝 अर्थाद्यम् अवर्गत् हेरी स्मित्रा मान्न (क्षत्र कवित्रत ५८० है । तु याथीर्था कायुमक्कान क-द्विरः काइन। रेक कर्षात्री शास्त्रियानाय घटता. अरक उतिक बादा के कथा कि**काता** ক্রিয়া পাটান। স্থার জ এবণ করিয়াত মধ্যুত কখন কৰেন নাই, এবংগ ভাষ্ট উছার মনে

फेनव रव नाहे। खादाब बदक का स्क्रेक, ब्रेस्डी-नवारनत नरन श्रेताहरू। अहे. श्रुक्त अनुवार मन्भाषको भ त्रनारम छात्रक्षरदे हैश्हाक क्रीं অত্ব লোপের কারণ হইবেন সংখ্যা প্রাই।

क्रिनिटकात्र एतारायत्र भरवात्र काका क হেন, লেপ্টমট প্ৰবন্ধ ২৩এ উচ্চ স্থানে উপ স্থিত হইয়াছেন। প্রধান প্রধান লোকেরা উহার জাহাস্ত বধ্যে আসিরা সাঞ্চাৎ করি-ভেছেন। লেণ্টনট গংগ্র কিছু কাল করিছে भातिर्यन छ ? ना क्विन श्व**र्यस्थित स्त्र** করান সার হইবে ১

উজ পত্র ফারো কছেন বে ভাগলপুরে এক খানি নৌকা ৭০ জনেবও অধিক লো-দের সহিত কলদ**র ক্ট্রাছে। কাহা**লে। প্রাণ রক্ষা হয় নাই। তর্ত্তর পুর্বটনা। এত (कांक कडेरल (**ए उन्नः एन १**

थन। **भव अहत्र कह्दन श्रीवाहिता पूर्ति**-মান নামে এক ছানে এক ব্যক্তি বিজ্ঞালং-শক্স প্রাণ ভাগে করিয়াছে। বিজ্ঞান্ত দীর্ঘে पुष्टे हेक ७ अमस्य सम्बद्धाः ३८ पहिना भंगाल वद्यभा किता। के नवरबंद वरधा के ना-खिन मृत्रु रहा। अस्तरक नहिर्द्धाः 🛊 वि-क हीटक जटर्न प्रश्मन कविशाहित। डेएम श-किम अरमरम विष्टुत **উপারৰ অভাত অ**-

लरकोनगरद्वय गार्क अक कम केंब्रेट्सांशीय জান ভাঙি ভাজাইবার চেত্রী পাইরাছিল। किन्ने वान्य जीवादक प्रतिया श्रीमहरू व्यर्भन করেন নাট : ভত্তভা গব**্**মেণ্ট কর্মচারিয়াও ইহাতে চকু সুদিয়া আছেন। এডকেশীয় হই-লে 'অবোধ্যা গেজেট ঘন ঘন ছন্দার ছাড়ি-८३न ।

आहरू गर्भव छेरमा र पान विवृद्ध मध्यम সুখন পত্রিকা উটিয়া বাইবার উপক্রর্থ হই-शृंद्ध । से शक्तिका दुवि आर्थकश्राम् निकटि देशनाहिका रहेबाहिएलम ?

:৮ই धारंग मनिवाद । স্থামর। অভিশব ছুংখিত হইরা লিখিতে চি, গভ কল্য বাৰু রুদাপ্রসাদ কাম প্রাণত্যাগ করিয়াছেন। বৃহস্পতিবাদ ভাক্তর ওপমুব ভাঁগার জীবন মুক্ষা বিশয়ে হত,ন হইরা ভানা ८क भवनात हिन्दा कविएक वर्णन । ७२कीता হারিওটন গাছেব প্রভৃতি অনেক সভাতি

ৰেষ্ট্ৰ-জ্ঞাৰ উপস্থিত হিলেনঃ কাৰু নিগৰয় নিত্ৰ ও রমাঞাসাল বাবুর দ্বী টান্ডার-যাপভির অচি হইরাছেন। তাঁহার সু**উপুত্র, আছে**। বল লেশ একটা উপযুক্ত পুত্র হারা ২ইলেম 1

जान राष्ट्र स्मिटि स्थार्थ क्रिक होकान ए-मं हरेब्राटक् । जीनदलनीय युट्यक्क राष्ट्र छ ताकेन এরে সংক্রান্ত ক্ষতিতে এই টাকা কন হঠতে हि। ठीन दलनीव बृद्यत वाब न। हेश्ल श्रीय श्रव र्यस्म किएवन ?

विश्वविताल प्रस्तु बादम हैहेन्स स्वामित्यत अक सम रकतानी मसत वसमाहेश रक्षांगरम हेहें। স্পাৰিক্যু করিও। সে সম্প্রতি ধ্ত হইরা-ছে। জাহার বাটা হইতে করেক খানি ইটাম্প বাহির হইরাছে।

আমরা শুনিলাম গবর্ণর জেনরল অক্টোবর মা**প পাণ্যন্ত উত্তর পশ্চিমাঞ্চ**লে গমন করিবেন। ডিনি ছুই বংসব তথায় অবস্থিতি করিবেন। । আগরার ভাঁহার বাসস্থান করা হইভেস্ক্র ভারত্বর্ষ পরিভ্যাগের অব্যবহিত প্রেই मार्ड खानशाउँमि ७ नार्ड कानिएक गरा segics লাভ এলগিনের কলিকাভায় থাবি- ! তে কি সাহস হইতেছে না ১

রিমু লিখিত মূল্যে গ্রথমেন্টের কাগজ विकोफ शहरण्डा ।

५ डाभाव भिन्ना .. . 35--2516

8 है।काब काम्लानिब

हेक्सिक के 308'0/- 30840 ,৫৪০ টাকার ঐ

222---- 25110

ভারতবদে ্র নিমিত আরু দিন লোটি টা का कर्क करा हरेंदर जाउ पर कोन्।अह संख्यात, नत्रव क्ष्ट्रेगात्र भञ्जादन ।

७ द्वाः कुलाइ भगा ८ छव डे देवाशीन সমা চার

S सा क माडि हैश्लाधधारेत अन्य क नार्यन व अभववरण ८४ भन राख्यकृष्य पुरेप महिल्ल भारत कार्या जन्मत ब्हेग्नाहा।

ब्रिह्मार्थ कृष्णियाराभद स्मर्गातः दनक देशसा भेगाक जा क्षेत्रम् कविष्ठः सारमगाकः জ সরিয়াছে, ভারতো পুনৰতা অধিক া आंश्रीमा आश्र वरेषाट्या

জ্ঞান দেনপিতি ক্ষিত ক সেনানভোগ গ काळ्यन कवियादस्य, खीराय स्मनामल शत्या লোনাগতি চিল্ডেল কে রিপংলিক সুর্কেপরাজ-। বহুদন আনা কোন আজে। না বয় বেবে- ট क्रै कहियाः हा।

अ**उड़िन सन्दर रह डिकड़ो: रन**त बुक कारवाद ष्याक उत्र हा अवन्द्रवादकीय निक्षेत्र क्षिक रेम-। त्नाव जना लि**बिटबस** ।

भिक्तिशास्त्र भवनेत्वरकीय (मार्गना व कार्ग पू-**८%** विदन **४ हम। स्माकित ७ क**न्निष् अ^{ने} उँउन मश्याम मानिवादक क्यां मारकारकत थाम । दान व्यविति कविरक्तात । वित्र 'ड ৮ '००० रेमना मह मिनि लिखीएम जाएइन।

> वेषेनावेद्धिक विदेशक माराजीय अल्ब र তে লাগত্ব উঠাইরা দিবার শল এতে গাংহ जेवर निद्वादिमिरभय भागतनः त रजाशस्य 🗥 🗥 क्रियात कांका, स्टेग्रां ए ।

> क्रियांच अवर्गामके टिक्रेड एक्। छुबसार हेते। लिय ताका बालक एवं कांश्रान व हिनाउडक, हा क्ष अक्षात कडेग्रह्म । अस्मिन्सार कराहत्व वार्ता का एक महद्रा । भन्न, भना है। कामा हि पुरस् श्रवास्त्रिष्ट इक्ष्णारस्य । स्वतानी सः । रिका श्रीय बरेक्श छोत श्रकान रहेरा हैं।

১টুগ'জা'[দ∈ে ক্ষায়ার অংকা ক্ষাণ रह। और व औरम कोंच्च + अमा मधे के का । शीनमें मनारवाद क्रोमल ५ है। ३८० अपन्य के न ७ ६ है। ५

ইংলাজীয় সম্পদ্ধান এক িমা পানে এ৮ 🕽 हैज़्रिष्ट , ज्यू क्र करें कर ए जिस्तार का स्थाप राज अ अनुष्ठ का विकास प्रकार का कि एक एक एक एक एक एक

ভারভবর্ষী কলেপ্রিটি সালসাড়ে ২০০৩ | 'ध्रम' के करें मन्द्रेश इस शबुर दश्यानी कार १७ अन्यत् प्रांद्री के र नगंगमन ।

अर्थितिक र पृक्ष लाख दलाए क्टेंब न । अंगरा मा व को इं जिल्ला पूर्व महाचा पर परि ক্ত এশয় শক্ষিত চটটাছে।

गवर्गामक विज्ञालन।

बाक्षां शाहकारिय । स्वार्थन में इन दिवत

आरम्ब, धुभादी विद्या

b-हे कलावे---ध, मनिश्राहर, मा लि, प्छेषा । कामन्य हे हर : त्यत्र **कविज्ञ**तत करे**रवत**, किन्न शङ्गिन काम काला. मा क्य फशलार्थन ७ ११५६ ल[ी] फिला आकृत २८ हाकिन असुमारद कलिका প্ৰগ্ৰাৰ ক্ষ্ণানৰ ছই

मिमक होकित छिलिधि उदान्ध गर मरब्रम ७६, वि. ८७वरत्री मण्या अराज्य ভাব প্ৰাপ্ত চইবেন।

ট্রিকার্সন সংজেব নদীয়ার মিবিল ও সোঁগ প্ৰশ্ৰু ছইবেল, কিছ শ্ভণিৰ খন্পৰাৰ क (छा। मा इम उर्द मम डीकार अक्रानित करावा ! ्रानुक्त शक्ति, गरा

ज, ज, कुडेकेन भारतत विश्वतीय मिलिल ६ (ममिन्न साम इक्टरन ।

क बिमिडे,वि, वक्स विनि धकाव दिनांग्रस । त्र हिमाम्बन बाक्क शदक्ष मिनिम ए कि.स्प्रिन कि.सि.सि.

टम्प्यूटकर मिमदलब अटबन्धे छि,रुन, नक ्राप्तः क्रिकाशित्य मिश्रह आरक्षेत्रे प्रशेषित

ार्थावन प्राक्तिकारि । कारलकेन बहेदबन, कि ি বেটুডের কনিও দেকেটা বর পদে পাকিবেন। । ও জেপুটি ক,লেটর বার কুলনীপ ন'ব য়া

मिनिर्माद्वत माजित्यु है से कारलकेंद्र नि. জে, মেক্ডি সাহেৰ ভথার প্রথম প্রেণির মা-किएक है से सामक्रेय बहेटबन ।

पतीत याखिनाचि माखिनाचे है । कारमानेत कि.बन. नाबरमा मारहव छेल्ल स्त्रकांड नि প্রেলির মাজি উট্ট ও কালেট্র ছট্রেম।

माहतानव आर्वहिमिति मालि के है ए मारल-हैन अक्षामकन्ति माध्य देखा । जन्द माजि-(के हे अ कां: लक्षेत्र प्रदेशिया ।

বাঁবুড়ার প্রতিনিধি মালিষ্টেট ও কালেক্টর ভবিশিষ্ট, এস, প্রয়েলস সাহেব উদ্ভে জেজাৰ স্থি जीव (अपित माजिस्से हे ७ कारमक्केट स्टेटनम ।

है. अक लाए है। ज जार इन इन्तर का किए के है ও কালেট্র চট্টবেন। কিও শতভিম অনা আলে। নঃ হয় পাটনাত গুডিনিছি সিবিল ও সেলিয়ন क्राक्ष र कर्ण कविश्वम ।

हे जि. काम क्रिक्र मोर्ट्स्ट वर्क्तगारवद स्रोहेलें मा किल्ले है अ एक पृष्टि काण्यक्रिय व है। यस । किन्दु গৰ'লন প্ৰাকোন অ'ল্ডনা হ'ব বীৰজ্বেৰ আ-किन म भाकाकी ने अ का लड़े रन कार्या करें (वन ।

क्रि. बल, जिल्लीय नारकत विकीय तथाना महित वाकित्त्रं ५ ८५९३ काला हैन

बा, त्या, याक शिव मान्य क्रिकीय स्था व अन्द्रेत प्राविताम है ५ । इन्हें है काल्किक करेरबन ।

आहे. (तहा ११८६व नक्षण्यन्तीय अवन्दन्यन्तिक ≨নিচু সেংক্রি†'ব ° উদ্ধেন । বি ১ গত্নির তানা ा, छ, म् । ध्व र'्षोक्टवन स्थान (छ, है जोल्लान-তেন প্ৰতিতি গ কক গাকিবেন।

ব্দ্রুপ্রীয় গ্রান্টের প্রতিনিধি ছাও্য ংস্কেটাবি জা, পেশন স্তেচৰ আছেব সেকেটা-वितार में शहेल कहेरिया।

हैं हैं, (के उद १९७० ३৮% वालक उन का हैन क्षमार्थ कोलश्कार 'नकन विल

ठेड क्लाई--ाक, कि भड़ खाँ। भारकर कुद शक्षक स्विध्यक्ष विध्यम्ब व वेष्टिन ।

ह्या है, अध्यक्तिल महत्त्व । यक्तिनीश्वरत्य मान प्रारम १...ा∫आक्"व र्रा, चिर धक क्या ४ का

कि चालि (यह कार्याहर केंब्रा ५० ३९ जिस्केर 🗲 इ है। बार र १९४० के प्राप्त कर का देन ए ১৮৩৮ একে ১০ জাইন অসুসারে নিমক চে-किर विवेश क्षा के ब्रोडिंग्स ।

সুসভার প্রতিনিধি নামিংটীট কে পি, IN THEFE

ংবড়ার তে**শু**টি লাজটেট লৌলাধী

जीरामणुद्धर मधकारी माजिएके है खरिलिंड. ্ৰাব্যমিনী নাছেৰ দ

नः नांबः प्रत आहानम् ७ १५ भू हे कारमहेत क, टालिक, प्रार्थन मार्टक्य महीकार अल्ल नारू श्रीहळ राष्ट्र के क्लार २००० जात्कव a अारेन कार्नारत ८७ किं कारनके व केंद्राना २ ००१ कृत--गांदत्र १५ १८ है मालि के है

্ত উল্লেখ্য লাখিকেটুটের ক্ষমত প্রি-

Set : कुलाके -- ट्रांके जाशपुरमङ महकादी াসনাৰ ভাত্তেন ও পি.এস, মহক্ৰিক পালাগোঁ —গ্ৰের ভার প্রাণ্ড ইন্যন।

(६१) साम्रम्बन महकानी कविनमत टन-টিল, ট কাৰ, দি মনি লোহাৰডাক। বিভাগে िक्टन ।

) हे ज्या है—चार धमाविष्ठ वार कियू वह अपनिष्य कारणीय कारण कांत्रे मा आरोह है ए क्यानकाहि श्रूणांव दंगेदखले बरेटरम।

ক্ষানগাৰৰ চোট আলালাতৰ প্ৰধান ক্ৰ धन, ०६ डिमनस जाटकव क्लीका भी अपेडेटनड J प्र'नाधूमारत थानेय दक्षावि कथीन मा**क** ्रों हे अ ५७ ६ के कार्यन ३० जा हेन प्रश्नकारिय एउल् ने का लहेत्वर कमडा लाडेत्वन ।

नमीय व (ए'इपि म'कि।केपे व (प्रश्नी कः ्चनेत महमन मिश्टक बमले कहेता उथास मासि-েই 'টব স'পু কিন্ত। পাইবেন!

(मनीय डिजियमक चांडातकारमन मिनाक भूगार माउवा हिक्श्मालायत होत अधि द्वेटबन ।

एमधीय विकिथ्नक बाबू वाम खांद गिनने ब দ্ব ভবা ভিকিৎসালয়ের ভাব প্রাপ্ত ভইবেন।

न्त का निकेषि नवस्त मानावन मृत्यां शी-भाग इधनान जिस्मामाप्तर व व स छ रहे 172 1

১৯ क लावे — एउपने वालिएके हे e एउप-िकालके । उद्यक्ति छाति मण्डन महिद नव (बर '%'व शाश करेड़' कोकशांत क केटनन ২০ ধানপুদাৰে প্ৰথম প্ৰেশিৰ অধীন দাকি টু (हेर काम छ) लाभे (बम् । एक वि २ ८६व चाव ख ট্ৰ জাউনেৰ ৩৮ ধাৰণজুসাৰে সেনিয়নে সম্পূৰ্ कविवार व्यावसमाद श्रथम विशेष करिएक भी शिर्द्ध ।

নদিং লংবের ছেপুটি মাজিটেটুট ও ভেপুটি क टलक्केट (स. मि. क्लालीव भारत्य कुछि य अथवा पूर्वा विकारः इ (वर्रिक्षे भवरराज देलली व्हेन्न ১৮२२ अ. कर १ वाइन ७ ১৮:१ व्यक्ति ३ वान টন অনুস্বে ঢাকা, আছট, ময়মন্সিংছ ও বি-भुताव कोरलक्केरतव मण्ड् कम्छः शहिरतम।

तक (क मा मारक्य चिकीय अथरा भीका) निक्षांत्रव ग्रहादव स्थाति । विद्यालीय व्यक्ति ककेंग्रेट '

लद्य फिलाइरमण्डेन निव्व मधि कक्षा वि-तः देशह श्रृद्धनः

क भिका ाव भाग छि।किन सूशवह र लेटलकी

ছিলীয় জেণিতে। हुए शहसद महकाती निष्क अध्यान कि छ । हे-ব্ৰম সাংগ্ৰ ভূজীয় প্ৰেণিডে

लिकान जात हर्ष्ट्र दर्शान है।

क्षेत्कत महका दी नियम दे कि.है

七江神(野 足草水 (現し)至り

अ।मारमद महकादी कांभणनत उन्नारिकी এ, এন, কিলি পদ ডেক্সপ্তৰ ছিছ হইবেন।

প্রতিনিধি নিবিদ্ধ ও নেনিয়ন ভত ১ টবেন।

वह शहरनांद्र द्या है। निध म कि एके हैं एक लि. এচ ওয়ার্ড লাবো ইক্ত কেলান থভিনিধি কা-(क्षक्रेंद्र क्षेट्रस्य ।

वांत्र केचत्र क्यार 'त का आस्मत जाव थाल । अस्तत्र वांचा मारी का अलीक्षि वांत्र कांच

দেপটি ৰাজিটেট ও দেপটি কালে কৰা ৰাৰু य क्यांघरण शाल राणांगांदेर छात प हैव. द्यी-क्षा के विद्यास १३ भारत ७ १५-४१ अस्मित्र ১০ আইন সভুসংহে প্রথম প্রেণির জ্বপীন মাং-জিংকুটের ক্ষম ১' পাইবেম: বাবু মহিমান্তরণ পাল দেশিয়নে সমর্থণ করিবার মোকলমার প্রথম বিশ্বে করিতে পারিবেন ।

জেপুটি মাজিকেট ট ও ডেপ্টে কালেট্রব বাব কামিচজ চাটাশাখাৰ কৌললাৰী আহিনেৰ ৩৮ গ্রেকারে মেলিয়নে সমর্থণ করিবার (याकसमात शक्य विष्ठात कतिएत शाबिएन।

२) स लाहे जिल्लि मर्जिला है लग्हींव भारत्व किर्मासन्दर क्रमा जोवक्रवीय भारतीय (लैंद क शीन अहेरवन ।

প্রেরিত।

খ্রীযু ক্র সোম প্রকাশসম্পাদক

यक्रान्द्रस्य ।

'মাপনকার ৩১ আ্যা(চে শাসামগ্রকাশে ব'বা-মতের মানীভারের ইন্থায় পাঠ ক,রে। অভান্ত দিশ্র পত চইলমি। ভাষাদের বিশায়ের কাবণ £हे (य अक रश्मय आशीख परेल खात, श्रीरा थ-পুতি উৎকট পীতা বাবাসতের করেকটা প্রাণিছ গ্রামকে একেবারে ভন্সুনা কবিল। গৃহ সকল লোক,ভাবে বলে পৰিপুৰ্ছসক মৃতদেহ সকল भरब शार्षे भडिल वं किंग्, मध्य अस्मानंद्र सन বাষু তুণিত করিল, তথালিও গ্রণ্মেত কিছুই क्षित्राम ना। (वाधक्य स्थाप्तीत्मय क्षेत्रे क्ष अधि रक्षकृषि न। इंडेन्जि इ.ड. पृथ अग्रीनक मानी अस्त्रह ক। বল অংশাই নিৰ্ণীত হই ১ । ছাত্ৰ । আনাৰি। পের বি ছর্ভাগা, খাঁচাব। আমাদিগের রাজ। বি-(मणीय द निया डॉश्वा आगा,सिंव अपि अमा-वरमञ्जा म देश राजास्त्र विश्व छेल्यका क-तिया थारकम । देव मछत्कत्र कोत्रण निर्मेश्वर्ष की-श्रोतः कि कविकारक्त । तीक्षाता मध्या मध्या दत्र-विविष्ठ क्षत्रिमनय मिलान निकृष्ट व बेटल मांत्रीच-(ममर्गी प्रतिक निमालक सुणविद्यारिकी यात | तात वित्रार्थि क वित्रा वात्मा । जात । दहिनिके न, काडबर त्रवर्गरमालीय उठिक रण क्रूडेकन दिन क्रांकारक क्रूक्श्रमान क्रियक जालिक, क्रूक वार्दे-

२५४--- मू माहे कि जाहेरे में एकर २८ शवनवात है एकन जाकत्व मक्तव में नेवन मिनेनाई निर्दे क नटरन । भएयरमञ्जू में निरंधनी की काहियाँक ভাক্তরকে মাহীত্র নিমারণার্থ নিযুক্ত করিছা স্থানে স্থানে প্রেরণ করিয়াছিলেন।কিন্ত উপনেত্রী खिर्के मोकिरके । अपूर्ण कारलहेत , जाएन कारक्ता ना नागारक के वाहिकत की-মিলের যথেও উপকার হয় নাই, বসং কলিকাতা अंक्षनगरसङ्ख्याक अन ता हाति मन्य है।या চীকা সংগ্রহ করিলা স্থানে স্থানে ভারতে ও উষ-ধালর স্থাপন করিয়াছিলেন তাহন্তে করিব পী-**७ ४ ल्यारक्त्र चरमक उनकात्र व्यक्तिशिकः। योषः!** कामाहिरमद स्मरमद महाच स्मारकद्विका कडकाल धनक्या विवास डिल्म्याः कतिया पॉकि-(रम । डीश्रामित्मन्न धानवश्रामधा क्लारवर्षे धाना-जिर्मत क्ष्म छेरमत प्रहेरस्य । महीता परमादत भारता शकृष्टि कश्कृष्टी स्वनात् नश्च गर्व अ-वा इक्षंत्र नीनक्द्रविश्वत चडाठारद व्य নৰ্মাণ হছিল, ছামোল্য নছেয় ভয়ানক ক্যায় ব-क्रिशास्त्र कथकी अनिक आरमह स्मान की-वनकां वर्षेत्र अवश् वाहामण जिल्ली अकृषि , शास्त्र प्रश्य प्रदेश काल मात्रीका विमेचे रहेन उथानि डानाक्र किंदू अखिनात सूरेन मा। आमानित्यत दरत्यत ल्याच्या दुव्यम श्रीवरेतांकि क्षात खेलतरक क्षेत्रा **स्टेश सात संदित** संदर्भन के अर्थ मध्याद कतिया अगर कार्या मके किसि-त्र। बाटकम । हात्र ! नात्रहेत्राति शूक्त दम देवरणेत्र প্রধান উৎসাধ, লে ছেপের লোকের সংকর্মক थिक त्म त्मरणप्त त्मारमप्त मच्चार्यक विक । क्लाहिर वस्कार ! ।

अयुष्ट मावधकाण मण्डीहरू।"

मद्भारत निवादनपूर

সভাষৰ মৰাশত্ন! প্ৰভাৱকাত্ৰী কোন আৰু शक्तित निक्दंते निषय उसूत्र वर्तेगाति व्यवन করির। অভিশর আকর্ষ্য বোধ হইল। ধানা সা-ভ পুরের স্থিতিত পোশাল পার নামক জানে, এক গৃহখের গৃতে একটা গোৰৎন কুচুরীর জন্য-शांन कवित्रा स्रोपन शांत्र कवित्रक्ष ए पिन र केलन स्वे शूके_{।स} ४वेरकट्टा धनरवर ५।\$ দিবসের পর, বংগটার বাডা রোগাকার ক্ষয়া এান ভ্যান করে, ভৎকাজে, গৃহত্বের বাটীতে এ-ষ্ট্ৰী প্ৰাণ্ট বৰ্গ। কুৰুৱী ছিল। ভাচারা কৌশল । সল্লেস- टार- मछत्कव कि कांबर विश्व कदिरवक, जिल्हा, मक्टिय वाह्यज्ञिक खादहरे हुक्शान क-বাংগক সংগ্রাছের কোন পুজেন নিয়ম ভিত্ত করিন । বাংইয়া দেয়া । গৃহত্তের, ২ । ও দিন এই প্রকার তে হইলে ভাঁছারা বরং কৃতকার্যা চইতে পারে-্ ভারণাছিল, তৎপরে কুথুটীটা জাশমা ছইতেই

नात क्या नाबुवनि क्यांच विक्रने शक्षा कतिरमंत्रे | दाव, २०० माना विक्रमारम नीवन्यम् नामन । त्म मध्य कतियां चापून वक्त्यक्ष मात्र प्रदेशांच शतीर शक्तांच मक्तांच प्रदेशांच करेंगा क्तारेश बाट्ड । अरेक्टन द्वशाय क्रांता, वर्शी **अक्टल का ७ मारमह एवंबारक । देवा कहा जाम**ः- छि!शा बास्ति इसिह समुद्व करमा ध**िरांद** अमा ध्वीव विवन्न महस् ।

व्यक्तिवर्तः क्षेत्रकः व्यक्तिकः । अथानकातः विविध्य व्यक्तिकः प्रदेशकः व्यक्तिकः विविध्यः । जारमध्य कृष्टिया **पारकम हैनि ज**िक आठाक लोक एउए प्रदेश विद्याहरू। कर मांज द स्वरूजा। बाह्य हर्जेक, श्रांक भनि अक्षक सम्राधिक अकी समग्रह छेठियाहरू १४ १४ "अपन बात धवादन व्यंत्रक श्राक्कालम् (व्याधकारम वाका वलश्कांक वार्क्षिणः वहेत क्षेत्रराज्य श्रीरलारक्य) मनाश्रम इदेश बारम, अरर अरमरम অনেক অবার নানস করিয়া বায় (কাক ভালীর नार्द्ध) गर्दाता निष्क महनावन एवं जोशंक्रियदक मयोविकि लाभकत्रम देनरवशाधि बाहा स्वीत पूषा । निवादणाथ अज्ञान कतिएक एक । निवा- विद्र सूच किम सर्वत बैं। इक ভোগ অভি আন্তর্বা কাও। তথাকার পূজক ज्ञाचन केष्ट्रित वर्षामञ्जर केवम व्यवगक्षन शक्षक कतियां स्राप्ताः सभी" वदेनाम अवन श्रास्तक का-. আৰু ক্রিবাদান নিকটবর্তী বনস্থা ১ইডেড करवकी क जकार मुगान जागमन क तरा वह-ক্ষম গমক্ষে সেই নুমস্ত আছার ফরিয়া বাছ (এ **(क्वाक्षक क्षान्य महिया अवाध मान्यह** मादे } ব্রিপেত্র তভিত্ত বছাঞ্জি বজনান | ভেল: বর্জনানের অভাপাতি কোন এক স্মুতি। जुरु।वनिकै दांदा किंद्र गड़ियां बीटक श्रमान व नि রাভজি পুর্মান প্রহণ করির। আপনাকে চরিতা। র্থ বোধ করিতা থাকে। হা! আগরা কি ছানিবরে क्रारकातांविके के क्यांका। बाहा: कक्राहात, ब- 🖯 क्षामाने विश्वत महामद्राय मेपून विकृषे गर्वा नब्राह स्थानिक e इंगानित बनिहा अञ्चीत्रयाम **ष्ट्रेर्वर क्छ पिरम छोराप्तिरशत खक्क छोन्नीत मा**। ब जम ७ कूनरक्षितोच्छ समग्रदकरव मछा धर्मक्र-न हत्कांक्ष बहेरव ?

৩। বর্ত্তনাম বর্ষে মৃতন জীঞ্জিকার মেধ্যের नाम भूका, भूका माम अनगर्धि कृषिकीविश्व अर्थहरत्र इकत्र राति" बहे छाविशा महिङ ७ म-শ্বিষাৰ ঘটনাছিল পারত সম্প্রতি প্রভূত বারি वर्षेष विश्वा, जाशकियान व्यवस्थात हुन्। इ भेद्रेष्ट्राट्या अकर्ष अवर अस्ट्रिंग केन्द्र वर्षण कु विकार्या हिनाउः ह।

 अवश्वासा वश्यद्व चःश्वकः, वदश्यदः, त्रकः-चारक व्यक्ति कारकद मृजू वर्णेटलट्ड, अहे mi- | मकल वालिव म'दल कीवाद मोहला वहेग्राहिशा ভ্ৰমীয় সংবাদ প্ৰায়ই জাভিদ্লে প্ৰতিট ছইতে- বিদৰ মুৰ্জিপাক বশতঃ এক কিবদ বাবু দেখিলে ছে। অল্ল দিবস হই সং সাওটা প্রাম নিখানী। ন তে ঐ ব্যক্তি ভাষার উপশল্পীর বাটীতে বনি লুবিবোচন চৌধুরী নামক এক ব্রাক্ষণের বাটাতে ∮গ জাহেন ভালং, বছাল্য বছলে ভালাবিবাংগ **ৰজ্ঞান্তা হ'ব, ভার্মান্তে জান্ধি শে**, চনীয় গটনা দ 🕝 া মন্ত্র সামিত কথা বার্ত্তনে কৰি তেন্তেন **র্থাটিভ হইরা গিল্লাছে। উক্ত চৌধু**ার একটা । ইছ নেখিখা ডিনি কোল সম্বরণ করিছে লা গা--

থাণ গরিভাগে করিছাছে। শুনিক ব 🕫 ইউ-। भगन कतिएडक्लि. शिविषया धडे खाँक र ह 🔁! ्र ज़िल जांक श्रेतका के सूत्रका नाटम । यहेना घटहा कि खशानक कांध: व्याग 🗸 १केस महोत्राक्षरक जारिन दोका भर्तरः लहा विद्योदह म । এ এবাদ সংপূর্ণ আমূলক ব্যেধ হটাকে। এ একার ভনপ্রতির কারণ চি र्था ३४७२ : १ क्लारि

ৰাব্যস্থ্য **बिक्ना माहन क्रो**किये

জ্ঞাযুক্ত দোমপ্রকাশ সম্পাদক महानम् नमारश्रम् ।

নহাশর। প্রায় এক পক্ষ আতীত চহল সংগ্রি **অনিদান্তে ৰাটিডে গম**ন কৰিয়,'ছ'লাম, বিলে-য অন্তলভানভারা কানিলান ঐ চলিল বংগৰ बयुक् हुक् " महाशा " मक्किंड नवागीरन अल्लाह এম স্ত্রীতে নিভান্ত আগজ চইয়া ড'হ'ব প্রি **क्ष्म प्रतिकृत क**रिया शिवार्थिक, अवर खा बब्रम क्रू लिक्का नर्माका के स्मिष्ट महावास्म छ । नि স্তাতেই কালকেশ কলিডেছেন। মধাশঃ ' বাজি इत हैनि धक्कन अकुछ हिन्द्रभग्नीरलयी निवव বিশ্বান্ত বিশু ঐ খ্রীলোকের বাকে এক গ্রাহ্ম '-ব মন্ত্ৰকে চৰ্মপাত্ৰকা এটাৰ ইটয়া গিয়া ছু! **क्लांटक कटल बाबु कि स्क्रां कि प्रशाला ' मर्श्या** खानभात्र भाक्षेत्र भाष्य निक्षे डाँगाय उदाराय **७ प्रमानुजात भावनिष्ट्र श**िकाः श्रीमान कांद

अक क्षत्र कांत्रक छल महान देशनिक आहा-রোপবে।দী ক্রবালি ক্রম কবিবার জনা ঐ তা। যে বাভারতে করিজেন শ্রভনার প্রামত প্রায় **ब्राह्मका श्राह्म आप विद्याप प्रहेणाहः । ब्राह्म**् दिने के दाक्षितक पृष्ठ करियात ब्राह्म स्मानदा । जीटक व्यक्ताणिक रेत्रे त

ভিনি জানীত ছই লগংগরোনান্তি গ্রাণার এএক कर मीहरास्त्रिय बाह्य क्रीकात मूर्य है सदा নীয়া ভাষাকে আনে চইচত বৰিন্ধুত কৰিছে ক্লিক্ व्यक्ति के क्षेत्रिक्द अन्तर्भ भावि । क्षेत्र भिप्र^तरक् । अक क्रियम बस्रमोदशास्त्र से म्हीद्रमाकः ^{पार} भूग के जिल्ला काना देश आहे विवे किन केन स्ना क नमरक बांबू धकका कृत्यात थाति जाताक নবন্ত্ৰ কৰিবাৰ আছে। দেন। ছোৱা সম্পাদিত এটালে পৰ উদ্ধৃদ্ধে **জ অবলাকে ভূষিতে** শ্বন क्याहेग्रा **७°ह**। योह निषि**ख लिथनी या**कन वंदेखान वर्षभाष्ट्रकः शाबाज बहैन, दग महिन उता क्षेत्र। श्रीहरू। अ शामक अवाषकः केवा अ েক। নত্ৰতা ও দয়'লু ডা আর কি ভট্টতে পান ात्र : **काराव निक**ष्टेच श्री**लम कर्यष्ठारीदां अन्**ति एमिटा शाहे वयांद्रमदनीय छेख्य बदाय व , यक्ति ्रास्थक रिडाम्ड फिनिम्राध समित्रद्रत অ চাচেৰি সভা সচিত্ৰে জনমৰ্থ ছইয়া গ্ৰাম ভাগ श कविष्, शक्षायुम करह । ६०१ ख्राद्माक अन्त्राय न स्वित्र हि । करव नातुक अगरवार्थ अ अर्थ र-टल श्रीमत्र कर्यक्षितिया भिका खाँ इस ^{इस} खेशहि इ करिया फोर्साम्बर्धन श्रमताय ब्रुट्टरको करि ।व फना ८६कोन कान काम का है करदन मा भराना क्रमा वह अशास, केहांटल यकि वाबूब छविछ नः रमाधिक हम्र अर्थन **रमध्योदक विश्वास मिन, छ** व যার ডাছ, মা হয় লেখনীকে পুরব্রবিশ ক্ষিত্রে া, অনুষ্ট্টান:, ভাসি যে বাৰুৰ ৩৭ বলি। कड़िलांग कीन शक्त यमार्किक, बानास केत् . हता शंक्र पतित्र, काप्नम ।

५ क लाहे

गनाथा थि।

জীযুক্ত থাবু বুলল'ল বায় क गामग्र ऽर७३ ३०**३ ज**ार इस्टें€ड ५१**३ म** श्रहार । शरास CATE & BIR कुश्वभन ५ व्हन हों।

५५ ७० व्यापन स्केटिक (श्रीम श्रीम द्वार क क्रिकेट চন্দ্ৰকাথ সেল ছলপাইস্থাড়ি २२५५ जाताह हरें छ जासाप्र गर्याह ६ ले ब्बाट्स ब्रोब পাৰনা परक्षत्र आवित प्रकेटक त्यीय अधीष्ठ कोर क् औ ८म्बियाहस्य मञ्जलात करीया

১০ ১৯ জাবৰ হউতে ৭০ আবাঢ় পৰ্যান্ত ১০ ঐ ्वांद्रविक्षात्रस्य भाषी अब्रकाश वर्धाः। २२ ७३ कोरन रहेट**ङ ०० व्यावांत गरी** छ। ऽ०् ओ

७३ २६ वरिकाशं । मजिलेनुक्य बाउरा (३३ ७०५) त्मा बायुद्ध क्लिम्हम्ब प्रक्रिय प्राप्त विद्यालय । পারকারার বিদ্য তুষপের স্বাসিয়ে আছি লোমবার

(माश्कान)

" प्रवर्ततां प्रकृतिशिष पाधिशः सम्बनी जुतिमहती न बीचतां

र मन ऽ०७०। २१ आवर्ष। हर ४৮७२। ३५ जातक

মানিক মুদ্য' ,, টাকা ু বাৰ্ষিক অগ্ৰিম ১০ টাকা

বিক্রাপর :

भक्षरत (माभूधकान (अह

েবর নিসুষ 🖟

অগ্রিষ মৃল্য না পাইলে মফললৈ লেখ ঘণণ প্রেরণ বরা যাগ না ইচার বাদিক ফুলা ভাক্ষা এল সভেত ৯০ এবং বাল্যাদিক আইকো বিক্ষিতি আছে। ছর মানেব ফুলে অগ্রিষ মূল্য গ্রহণ বরা যায় লা। মকন্দরের যদি কোন বাজির পোদপ্রধান গ্রহণের ইন। হর, তিনি অগ্রিম মূল্য সহিত পত্র লিখিলেই পাইতে পারিবেন।

विद्धाशन ।

সক্ষতি বাদালা নর্মাল বিদ্যালয়ে ছাত্রদিখের নিমিত্ত হৈউস অব দি স্নোব্ 'অত্ন
বাদিত হুইরা ও গোলকের উপহোগিতা হ নামে এক থানি কুল এত্ কলিকাতা ট্রানহো প্রয়ে সুলিত হুইরাছে। মুলা ৫০ আনা। ব্রিকাতা।

: ४७२ । २७ खुलाई ।

किरगांशीलाज्य वरमांशादांत्र

বিজ্ঞাপন :

ৰশ্বৰ কাৰা মুদ্ৰিত বইরাছে, ইবার আকা র ১২ পেজী করমার ৩২৪ পৃষ্ঠা । মূল্য ১৪° আক্ষর কারীর প্রক্তি ১০° মাত্র। মক্ষণ এহণা-বির্গণ মূল্যের সহিতে আরো এক আন। ডাক মাত্র সিবিল পে নার্রাপ আলিসে, আমার নিকট প তাইকে জ্বেবিলয়ে পুস্তক পার্চিটিটা দিব।

अभिनदीनहरू गर्छ।

বিজ্ঞাপন। কর্মদেব।

ভারুক রক্ষান বন্দ্যোগাধান প্রণীত উ-ক কাব্যের মুদ্রাক্ষন কার্য্য প্রায় শেষ হইল, গ্রহণেড মহালয়েরা প্রীযুক্ত নারু বাজেন্দ্রলাল মিত্রা, প্রীযুক্ত এরুকেশন গ্রেক্তির স্থায়ক ক্ষাবনা ইক্ষা নুক্ত গোসাইটার প্রীযুক্ত সেক্তে টারি সাহেবের নিবট অস্ত্রসন্থান করিবেন। মূল্য কগেন্ত্রের নলাট ১ টাকা, কালিকে। ১০০।

विकाशन ।

গত ২ - প্রাৰণ সোমবাব ঞীবৃক্ত বাবু দে বেজনাথ ঠাকুর মহাশয়ের পিডার ঘোড়ন সা-ঘৎসরিক প্রাঞ্জবাসরে যে এক সংসং ঘইরা-ছিল ভাছার বিবরণ ক্ষুত্র একে নিবফ করিয়া ভাহার ছুই সহস্র খণ্ড বিভরণের জন্য ভিনি কলিকাভা এক সমাজে স্পর্ণ করিয়া ছেন, বাঁহার প্রয়োজন হর, ভিনি সান্তর নি কটে প্রার্থনা করিলে প্রাপ্ত কইবেন ইভি।

ঞ্জীকানকতন্ত্র বেদান্তবাগীশ কলিকান্ত। র'ক সমাজের সম্পাদক

বিজ্ঞাপন ৷

মুখোলোগ ব্যালরণ দেবনাগর **অকরে** মৃত্রিত হটর, গটনভালা শালেজের নিকটে হরিশলে ওর্কালকারের **লোকানে বিজ্ঞ**র মুট্ডেটে। মুল্যাণত আনা মাজ।

লোমপ্রকাশ।

२९ ८ क्षांचन इन्हांस्यात्र ।

সর চারলম উচ্চ ও লেও শাবের। ভারতব্বের রাজস্ব সংঘটিত কারে।

उडा शिक्षाद, कथन व रेगाइ मुनिश रहेत्व, अक्षा महावता क्या महिक्क्ष नाः अथरन हेश जक्करोद्ध जाक्षम हिना। उरेममन मार्ट्य हेशक क्षिम का रहेर्छ निर्मु क क्षित्राय क्रिक्का शांत्र, किंक्क छाँशत करत्रकृषि क्षाय शांकाक जिन्न म मार्ट्य क्षाय रहेर्ड्ड शाद्धन नारे। क्षाय मार्ट्य शाद्धन नारे। क्षाय मार्ट्य शाद्धन शांत्रमा महिला पात्रक मुनिश क्षित्र भीद्र कामा कहिला पात्रक मुनिश क्षित्र भीद्र कामा कहिला पात्रक मुनिश क्षित्र भीद्र कामा कहिला पात्रक मुनिश कहिला छाँग मार्ट्यम अख्रिश प्रतिमान कहिला छाँग क्षाय अख्रुष्ठा विनिद्धान कहिला छाँग किंक्ष हरेला स्रील प्रतिमार्ट्य। छिनि विलक्ष हरेला स्रील श्रम छान कहिलारह्य। हेश प्रकृष्ठ क्षा

কতি সহ করিতে হইতেছে । এত তিনি বিদ্যানি প্রতিষ্ঠিত বিদ্যানি পর্যবেশ করি বিদ্যানি বি

রেলওয়ে ক্ষতি ৪৫৮৩৩৩০
চীন কেনীর যুদ্ধের প্রাপ্য ৪৫০০০০
ইংলগুীর যুদ্ধ ডিপার্টমেন্টে ৭৯৪৪৪৩
ক্ষম ক্ষম প্রকার ১৪২৮০০০
কর্মে ও তাহার সুদ

মোট :১৬০৫৭৭৬

ইহার মধ্যে দেও সাহেবের হিসাবে যে ১৪২-২১- টাকা উৰ্ভ আছে তাহা বাদ भिट्रम नज हाइसन छेएखड मए >०১৮६ ৫৭৬ টাকা অকুলান থাকে। সর চার नम 🗣 हेश्नटखन्न वारतन ६८৯১८७२० টাকার হিসাব পাঠান, লেও সাহেব সে হি সাব প্রমাণ না করিয়া ৪৯৬১৯৮৩০ টাকা '**ইংলতে**র ব্যয় ভির করেন **৷ ইহাই ভ**াহার , লকাহিত লেও সাহেবের বিভেদ হইবার হারণ ৷ সর চারলস উড গড় বৎসর মৃত य पाकिरनंत्र क ना २० लक होका सहता हिटलन। (म मसुमात होका वाय एत मारे. **जुक्ति जनुनादित स्मध** मारहद रु:हा व द् मदान रेश्नटखन वाप इहेटच व.प निटक পারেব, কারণ আফিনের ভাষ্য এ বংসর **লৌবার টাকা দিতে হ**লচেছে। সাচার 🅍 🐯 ৰঞ্জ পথ ধরি । বেৰপ হিসাব **ইবিরাছিলেন, তাহ**ার সন্তির উল্লেখ 🐂 विकल। धरे माञ्च विनिद्यारे प्रयाशि क्रिक जिमि बाप न मिद्रा महुम एत ্ৰাক্তিক অকুলান কেণ্ডাইয়াছেন। লেও क्षि निका कार्या (४ ३८७८७० होना

ত করিব'র আজ্ঞা দিটালের ! এ আজ্ঞাতি | বস্ত হব, তণনুসাবে ইংলগু হইতে পুরিত সর্বাহের প্রতিস্থিতি শুরু আরু করিব ক ! টাকার ছই শিলিও ধরিয়া না লইদত ওঞ্

সর চারলস **উ**ভ ক্ষেমা। যে নম্রভাবে

भर्तक थाएं। धाममीम कतिया कार हरे वार्ट्स अक्षा सरह, साहार लाख नार्ट्स वटक व्यमाध् भयाच बला इरेग़ाइड : अध भ्य २४**८३।७० व्यक्ति क्**रिस राज्य अर আনুমানিক হিসাব ও শেবে তাহায় প্রকৃত হিসাব হয়। লেও সাচেব পূর্বে 👺 ব্সিখ অবলয়ন কৰিয়া আয় ব্যাপ্তনা কর ডে **च्छिडे मिटक होति बल्लन ''यशन** अक वर्ग हा র নিকটে প্রকৃত হিসাব রহিয়াছে, তখন তাঁহার আনুষানিক হিসাবের উপৰ নিজ্ব কর। অভিশয় অন্যার । অভএব লেও সাতে ৰ যে কোন কারণ প্রদর্শন করুন না কেন ভাষা আদর্যোগা নহে 😘 আমবা একাণে নিগৃত কথা বুঝিতে পারিলাম , ভারস্বায়ে यक बाज परएकण इंडेक ना दिन, अशास আমরা যত কর ভার বছন করি না বেন. আমাদিশের বিদ্যা শিক্ষা হউত, আর না । হন নাই। হউক ভাহাতে সরচারলস উত্ত ও ইংলগু त्र मिल नक्शमारस्त्र कि नारे. भाष्टरहोन **ৰাহেব মহ¦সভা ছারা অ'পনার বজেট** আহা করাইভেরপরিলেই ক্লডার্থ হইজেল আমরা রুধা রুধা ইংল্ওম ১৪০০০ সৈনোর বেতন দিতেছি। লেড সাহেব **এই অপব্যয় নিবারণ করিতে** গিয়া **অপমানিত হইলেন। স**র চারলস উড **ट्रेल्ट्रेत बारतत विवस्त ए**प हिनाव প্রদান করিয়াছিলেন লেও সাহেব তাহঃ বেবেৎ প্রমাণ করিয়া কাষ্য করেন 🖓 ব্রিয়াই নর চারলস উডের যত আফে 🗐। বাহা হউক, লেও সাহেব আত্মপক রক্তা করিলাছেন, ইংলাজীর গ্রণ্মেন্ট কিবাপ মী'াতসা করেন আমরা সেই প্রজীক। ারিখা বহিলাম।

লেও সাহেব ইংলত্তের টাকা এ দে শে ভাগাইবার ক্ষতির বিঘরে ফলেন, রেল

টাকায় ছুই শিলিও ধরিয়া না লইফ্ ওক मिनिक **मेम (शक्त श**क्तिया लहेगाः হর, সেই নিমিস্ত ভিনি ভাষা গণন। ক.়-নাই। দ্বিতীয়, সর চারলস উড বলে চীন দেশের যুক্তকালে ভাষতব**ী**র ধন গার হইতে যে টাকা দেওয়া হয়; ভাচা সেই বংসরের ব্লাগ বলিয়া গণিত ছইয়া ছিল, তাহা পরিশোধ করিয়া ই'লগুীয় भवर्गमण्डे त्य होका विद्यारहरू, काहा पा বার আরু বলিয়া গ্রানা করা হইয়াছে. ইহা অনায়। লেও সাহেব ইচার যে উস্ত াদান করিয়াছেন, ভালত স্পন্ধ বোধ গমা শইতেছে না, পুথমোক্ত বিষয়টির উত্ত রও প্রিক্ব ংইতেছেনা, যথার্থ বটে, কিন্তু लिंड नोट्यंटिक अवसामना कहा अनुहिन्छ हरेबाह्य । बाबूखब अय द अय खोतनविंक নহে। তিনি পদত্ব খাকিলে ভারতবধের त्र'कश्व कार्यात चारतक मृथिधः हरे**छ मरक**

মহান্পন্ধর্ত্ত।

श्राम लाक्ता यप्नता करेल क प्राण्य गर्म ७ जानात्रवावरादाकि ला व मश्राधम हरेल कर जन लाल । मिर्ध स्व क्षांनि व्यक्ति श्रेष श्रक्ति व में में में कि भावित्यम महकारत भ र क्ष्मण, ६ जि.इ भावित्यम, कर भ । कि स्व जि. १ में श्रित दिल्प, व्यक्ति व मान विश्व जन्मण कार्य योग व्यक्ति मान विश्व जन्म विश्व प्राप्त कि भावि ह ज । श्रेष कार्य प्राप्त कि भावि ह ज । श्रेष कार्य प्राप्त कि भावि ह ज । श्रेष कार्य प्राप्त किश्विक ह्य, क्षा कार्य ह हास्त्र ।

a. च ५८% द्व स्टब्स

মহাশঃ । সে, বপ্রকাশে ক্রকাশিক জীয়ক হারাশচন, দুর্টোশাখ্যার স্বহাশত । প্রে-

.644

ব্রিত পত্রে আপ্নকার পাঠকবর্গ অঞ্জিত আছেন যে আমাদিনের ভাতাকা বিদ্যালয়ের ব্লভাষার প্রধান শিক্ষ বিবৃত্ত পরিভ श्रीव बुद्ध हरहे। भाषाम्य बर्गमरवर व व वर्ष যথেষ্ঠ ভক্তি থাকায় জাতিভেনস্চক ব-কোপথীত প্রভাগে কর্মাছেন এবং, ড ক্লন্য এই প্রামবাসী রাক্ণনণ ভাহাকে স-মাজচাত করিতে চেটা পাইরাছিলেন।যদিও পু নিবোর্থ হইছে পারেন নাই বটে ভত্রপি ভাগার সহিত এক ছকার ধুমণান করিতে কেচ কেছ অসমতি প্রকাশ করিতেম এবং উাহার বার্টীর কোন কর্ম **উপলক্ষে ভো**জন अस ताक्ष निमंद्रिक श्हेरन श्लोनरवां शहेरवक ইহাও কহিতেন। সম্রাতি তাঁহার পুরের জ-রপ্রাশন হইবা গিরাছে। সমুদার ভাষণ কা-गङ् श्रञ्जि खडाताक टबाबमानि कं हुदा नि-मञ्जभ द्राप्तां कदिवां भिटलन । अपहाटन मनामनि প্রির প্রাচীন সম্প্রদারই প্রায় সমুদার, পরা নিষ্ট টেৱাকান্নী ব্যক্তিরও অভাব নাই। মনে মনে যাহার যাহা খাকুড, কৈ কেহত কিছু প্রকাশ করিলেন না। হে ব্রাক্তরাতাগণ : এই खण्म रवीम कि ज्यां मानजनक बढर १ हेराटड कि ক্ষামান্তের নাহস **ধৃত্তি করিতেছে না** ২ খাহারা যশ্ম হইড়েড শাংস্তার শাসনকে এবং শাস্ত ২ই-তে বউম ন ব্যবহারকে অধিকতত্ত্ব মান্য করিয়া থাকে জামবা কি ভাহাদিশকে ভণ্ করিয়া ক্তব্যাসভানে বিরুত্ত থাকিব >

> এক;ত বশহদ জীরাখালচন্দ্র বোব ভাঙাভা বিদ্যালয়ের বিভীয় শিকক

खाकरन यस्कांभवीक भतिकान कृति ल धवः जिनका खाक्रनकर्त्वरा मक्षावक्ष नामि ना कृतिक कृष्टित खाक्षत्व कृतिक नाम यस्कालवीक अस्वभा छ०भति नामि खाक्षत्व कृतिन स्वभा छ०भति कालीत महिक यस्ताभवीक्षातीता मन्त्रा किक नित्रवालुगात्त धक्त म्याचात्राणि कृति ग्राहिन, कृत्व कृत्या हिन्दुम्याक्षविधालाती भतिवर्त्व कांत्र कि कारक श्रेष्ट्र कृत्या का कृतिवर्ष कांत्र कि कारक श्रेष्ट्र क्षेत्र केणा स्त्र क्षात्र क्ष्र क्ष्र क्ष्र कृत्य क्ष्रात्र क्ष्र क

শিবুক বারু হারাণচন্দ্র চটোপাখারের भूवे भज बाता जामानित्यत त्यद्वभ नःका त्र कांभेत्राहिल, कसाता न्य है त्वाद स्दे তেছে, ভারাড়াবাদী কমীদার প্রাকৃত্ রটা সম্পন্ন চইয়াছে ৷ যদি এক জন প্রথা ন লোকের বৃদ্ধে এত দুর হইয়া উঠিল, यानकी स अधान वा क्षि धरेन भक्तान हरेला काम्बिया मण्यत्र वा इत्र ? क्षथा न राक्तिभिरभद्र अधिकाश्त्यात अक्षे थ इंखि नार्रे, नदकियानाइन बारे, नूनिका ও অধাৰসায় নাই, ভাষাতেই আমরা चर्पालय रेपविकास जीहिक पर्याप यक्ति ত ও হতাশ হইতেছি। আমরা বদেশীর প্রধান ব্যক্তিদিগ্রের অধিকাংশের চলিত ধর্মে অকপট ভব্তি ও আছা দেখিতেছি मा इलिज भार्यत नियम कार्यात अनु कारन काँशिमिशस्य भन्ना असूय रिविटिक मा, व्यथि काश्वीमारक विशुद्ध धर्म ७ व्या চার ব্যবহারাদির অবসহন অথবা তভোৰ সংশোধনে যত্নবান দেখিতে পাই না, ইহা আমাদিগের আঁতান্তিক বিষ্ময় ও কোভের विवन्न १

য়ত বাবু রমাগ্রনাদ রাব। বিশ্বনি আরু বিদ্বাল আরু একটা শোকবন্তের আ আত এনতা ছইলেন। আমরা গতবারে বাবু রমাপ্রসাদ রামের শোকাব্য সভা সমাদ সংক্রেপে প'ঠকগবের গোকাব্য সভা সমাদ সংক্রেপে প'ঠকগবের গোকার বর্রাছি! তিনি যেরপ গোক ছিলেন, তাহাতে সংক্রেপে তাহার মৃত্যু সম্ম দ লিখিয়া আমা দিগের চিত্তের তৃলি ও ছংল নিক্তি ছই তেছে না। ১৮ই আবণ শনিবার হঁ। হার হুছা সমাচার অবণ করিনা কলিব। তার্যাদিনি ছংগিত না হইনাছেন একণ লোক অভিবিরল। এক সপ্রাহ পূর্ব অবণি আমরা তাহার জীবন বিষয়ে হতাণ হইলাছিল লামরা তাহার জীবন বিষয়ে হতাণ হইলাছিল লাম, তথাপি বধন তাহার মৃত্যু কথা আমা

বাবু রমাপ্রসাদ রার রাজা রাখনোহন
রারের কমিও পুল হিলেন। জিনি ১২২৪
অব্যের ১২ই আবণ জন্ম গ্রন্থান বর্তনার হুরাছিল।
শিশুকালে তিনি পেরেকাল আকাতেনিতে
ও করেক বংসর হিন্দ্রকালেকে অধ্যরন
করেন। রাজা রামনোহন রার ইংসত্তে
পরন কালে রমাপ্রসাদকে তাঁহার (রমাপ্র
সালের) জ্যেও আতা বাবু রাধিকা
প্রসাদ রার ও হারকানাথ ঠাকুরের হতে
সমর্পণ করিরা বাব। বারকানাথ ঠাকুরের
সবিশেব সংসর্গ হওরাতে অভি অপ্যান্তরের
তাঁহার মনুব্য পরীকা করিবার ও সহজ্যে
হ্যুবগাহ বিবর সকল বুকিরা লইবার সাকি
লেব ক্ষমতা অভিয়াহিল।

১৮৩৮ শব্দে ডিনিভেশুটা কালেউয়েক गर थाथ एन, ১৮৪**६ चय गराय अरे कर्य** कत्रिवाहितान । अरे मनदम् बाबूक्विवनकृषाह ঠাকুর নদর আদালতে ওকালতী করিয়া यरथके थाकि ७ वर्ष छेलाक्यन सरवन। রমাঞ্চনাদ বাবু ভক্ষপিরে সদরে ওকালডী क्तिटक श्रीटलम । व्यनम्बूमात बाबूत मिक्टि তাঁহার অনেক সাহায্য লাভ হইযাছিল। পরিশেশে তিনি স্বীয় পদ ডাগে করিলে **রমাঞ্জনাদ প্রথমেন্টের প্রধান উ**থীল চই **লেন। সেই অবধি তাঁহার** প্লের.২৮ টুরি र्रेष्ठ मानिन। नाजकानित ७ वार्ष সাংখ্য জাঁহাকে সৰিখেব অনুগ্ৰহ ও গ্ৰেহ ক্রিভেন। গত বংশর প্রাণ্ট সাহের উন্থ क निशंग त्रियां कारत्र भरन क्षरिधिक क्रात्रन । किनि नक्तका नहतारत ८७० कीरात सम्मापित केवल केवल । विकास दान दे राज के किवल केवल केवल राज के राज केवल केवल केवल केवल कोरात किटमन ।

বদদেশীর ব্যবস্থাপক এডারু ा**वत्र ग**का भाग श्राक्तिक इरेग्ना है প্রস্তুব্রেও ভিনি আপনার বুদ্ধিমন্তা শ: শবিশে পরিচয় দেন। তিনি সভার কুঁটা রাজা দিনকর রাও সকল বিষয়ে পারদর্শিতা প্র পারেন নাই ৰুটে কিন্তু তিনি র রাজনীতিনুক্তর বড় নিকৃষ্ট হিলেন না । ভিনি যকু জোগে আক্রান্ত হইয়া তিন ্রাল কর পাইপ্রান্তিলেন। এখনে আ ব্যাহর বিস্লিয়ার বাটীতে ছিলেন, ইন্টেকিৎসার সুবিধার নিনিভ চৌর **পিড়ে গিরা অবস্থিতি করেন। তাঁ**হার চিকিৎসার যে চূড়াম্ভ হইয় ছিল একথা ৰণা ৰাহুল্য, কিন্তু কাল এমনি ছুর্তু যে कि धनवल, कि लाक वल, कि हिक्टिश्यक दल, क्रिक्ट्रिक के शहरक मिराप्रण कतिएड नमर्थ इहेल ना।

আমরা রমাপ্রকাদ বাবুর জন্মাদি মর ণাস্ত র্ভান্ত বেমন সংক্ষেপে বর্ণন করিলা ম, তেমনি সংক্ষেপে তাঁহার স্বভাব ও চ রিত্রাদির বিষয়ও কিছু বলা ভাবল্যক। ভিনি অতিশয় বৃদ্ধিমান ছিলেন। তিনি ক্ষেবল এক বুদ্ধিবলেই এত দুর সন্মান, গৌ **द्रव, ७ गर्थके फर्थ (** ८क्ट वरल २॰, **८क्ट** বলে ৩০ লক্ষ্ণ টাকা) অর্জন করিয়াছি **লেন। ভাঁহার স্থ**াব বিনীত ও নম্র **হিল**, **এई श्वर**ण कि हेन्द्रेताती कि **শীয় অনেক** প্রধান লোকের সাক্ত সাঁক্ত **ब्र मिंदिलेव भाषी** ग्रही ५ वर्डा करणा, কিন্ত্র প্রতাবগত একটা অনুক্তা **(भाव मनके लक्किक इरेक : धरे उन् ঞ্জা দোব নিবন্ধনই** তাঁহার প্রক্ত ননস্থি ভা, ভেলমিতা প্রভৃতি করেকটা সদসুদের সুমন্তাৰ ছিল। এই কেব থাকাতেই তিনি

ক্ষেত্রী কোন বিশেব শ্রেয়া সাধন করিয়া वंदिक्षे পারেম নাই। তিনি যে লোকের मञ्जूजि, छोहान्न निकटि वजरमभ कि अधिक তর প্রভাপকার লাভের এত্যাশা করেন নাই : তাঁচার অংশমাত্রও সংক্রিয়াস হ त्र हिल मां, अकर्थ! विल्ह्नांस त्यांथ रहा प ভুক্তি হয় না। তাঁহয়ে পিতা হিন্দু সম। জেখ্যাতি লাভ হাসনা পরিত্যাগ ও অন্য অন্য ক্ষতি শ্বীকার করিয়াও খনেশের ধর্ম ও আচার ব্যংহারাদিগত দোল সংশোধন চেন্টা করিয়া ইহাকে উৎক্রন্ট অবস্থান লই বার চেন্টা পাইয়াছিলেন; তিনি অসার, অপদার্গ ও অসতের নিন্দ, ও কটু বাব্যে কৰ্ণপাত না করিয়া অকুতোভয়ে যে সংক্রি য়ানুষ্ঠানের পথ প্রদর্শন করিয়া থান, রমাঞ্চাদ ভাঁহার পুত্র হইয়া কেবল এক সৎক্রিরাস'হস বিরহে সেই পথের পথি ক হইতে পারিলেন না। প্রত্ত তিনি সেই প্রাচীন পক্ষম ভগ্ন পথের পথিক হইয়া বিশেষক ব্যক্তিদিগের স্থার পাত্র हरेशाहिटलन ।

তাঁহার চরিত্র বিশুক্ক ছিল বলিয়া আমাদিগের সংকার নাই, সুতরাং বিশ্বক্ষ চরিত্ব লোক বলিয়া তিনি আমাদিগের ভক্তিভাজনও ছিলেন না! কিনি যেকপ প্রস্কৃত্তাজনও ছিলেন না! কিনি যেকপ প্রস্কৃত্তাজনও ছিলেন না! কিনি যেকপ প্রস্কৃত্তাজনও ছিলেন লাই বেকপ বুক্তির্ভি, ক্ষমতা ও অথ সভতি ছিল, তাহার সহিত্যকি চরিত্রের বিশুক্তা, প্রদেশানুরাণি তা ও স্বদেশবিতিবিতা থাকিত, তিনি যে কেবল আমাদিগেন অবিমিশ্র শোকের পাত্র হইতেন একগ নহে, আমর। প্রধান পুরুষ গ্রনা কালে ভাঁহাকে বিতীয় পদ দানে উৎসাধী হইতাম না।

যড় লোকের চরিত্রাদির বিবরে লেখনী গ্রহণপূর্ব ধর্থাযথকপে অকর্ত্তরে সম্পাদন করির কৃত্রর্থত ল'ভেশরাবড় সহজ্ঞ নয়। পদ্পাত্রদি নানাবিধ চুর্নিবার কারণবশ ভঃ চিভবিত্রন ক্রিবার সমধিক স্ত্রাবনা। আমর। ব'রু রমাগ্রসাদ রামের চিরিত্রাদি

বিৰদে প্ৰসন্ধ করিয়া অপক্ষপাতিৰপ্তে चकः अवा माधरम ममर्थ इर्गाम कि मा এই চিন্তা করিভেছিলাম, (গভবারেও এই কারণে আমরা তাঁছার বিষয়ে কোন প্রস্তাব লিখিতে সাহসী হয় নাই) এমন नमत रेखियांन तिकर्पत आवानिरशत रख गठ रहेल। चामद्रा क्लोजूहनाकांख रहेश আঞ্জ পুরংশর রমাঞ্যশাদ রাবের মৃত্যু বিষয়ক প্রস্তাবটা অঞ্চে পাঠ করিলাম ৷ क्छि शांक कत्रिश आमानिटशत इय वियान উতর উপস্থিত হইল ৷ হবের কারণ এই, রমাপ্রদাদের বিবরে মামরা গেলপ অভি প্রায় প্রকাশ করি গ্রাছি, ইণ্ডিয়ান রিকর্ম রও সেইৰপ করিয়াছেন। এতদ্বারা এক थेकार थयान इहेन स द्रमाथनातमः वि বয়ে আমাদিগের যে সংস্কার আছে, ভালা জনাত্মক নহে। বিবাদের কারণ এই, ইবি বান রিফর্মর চিত্তের অনুদ:রভা বর্ণভঃ বিক্পেট্রিটের ভূতপুর্র সম্পাদক মৃত र्तिन्यस म्र्याशाधारतत चरनम हिरेड বিতা গুণের **অ**পলাপ করিয়াছেন। **উক্ত** পত্র ভিন্ন আরু কেছ এ ক্থা কলেন না। আমর। যত দুর জানি, তাহাতে মুক্তকঠে কহিতে পারি, এবিষ্ধ উঁ.ছারে বাকা কে,ন ক্ৰেই গ্ৰমাণ যোগ্য নহে।

্বিক্তে কি কি আমারিগের নিডাপ্ত আবশ্যক।

ভারতভুনি একণে এক অভূতপূর্ব প্রী ধারণ করিয়াছেন: একণে দিন দিন অনে করিথ পরিবর্জ নয়নগোচর হইতেছে, তাঁহা র সন্তানগণ একণে নানাবিধ শুভক্ত ভো গ করিতেছেন . কিন্তু জামানিগের আজিও খার্লীয় অভিলবিধ আবশাক বস্তু লাভ ধারা চরিভার্থতালাভ হয় নাই। আমরা দুর হইতে সৌভাগার্থীপ দর্শন করিতেছি; সম্মুখে অনেকগুলি ভ্রতিক্রম প্রতি বন্ধক রহিয়াছে। সে সকল অভিজ্ঞ ক রিয়া ভ্রার গমন আপাততঃ অসাধ্য বো ध रहेटकटर बटडे, किस. यति अधायुहात्रा का रहेशा छथात्र मात्रम दहदी क्या व.च. (D दें। नक्त प्रदेशक्ष मणूर्व, मखावता था ছে। ত্বিতর প্রয়ত্ব, উৎসাহ ও অধ্যবসা तात चर्या कि किइ अधिवश्वकराण गंधी রমান হইতে পারে : কাপুরুবেরাই আপ দের আশক্ষা করিয়া পরাযুধ হয়।

चाता कि एकी शहिम चार्मारतित त्य যুংসাধন করিয়া পিনের পোমরা কি আনার मुथ क्षांत्रीका कतिता तहिब ? कथनहै ना । সে মখল বিশুদ্ধ ও স্থিরতর নহে। আপ নাদিগের সক্ষ-আপ্নারাই চেডী করিয়া লইতে হইবে ৷ আমর৷ যে জাতির অধি কারে বাস করিভেছি, ভাঁহাদিগের দ্বারা মনেক সাহায্য লাভ হইতে পারে সন্দেহ मारे। फेंहाता वायापिशस्य अथ अपर्यात করিতে পারেন; কোন কোন বিষয়ে র্ভারা কাষ্য ছারাও আমাদিদের দুউার इन इरेग़ाटइय , किस छारात्रा जामापिटन র যাবতীয় কল্যাণ সাধন ক্ষরিতে পারেন না। ভারতব্ব একটি কুদ্রতম প্রদেশ মহে। সমুদায় দেশের উন্নতি সাধন বিদেশীয়দি গের ধারা সম্প'দিত হওয়া কোন ক্রমেট महाविष्ठ वस् ।

আপনার ভোরংসাধন আপনারই কর্ত্ত বা বলিয়া যথন স্থির হুইল, ভখন সেই ভোয়ংসাধন বিষয়ে সাক্ষাৎ সম্বন্ধে কোন श्री निषास भावभाक, फाशत विद्युचना विद्यंत्र इंट्रेफ्ट्रं। कृषि, भिण्णे, वानिका শারীর ও মামস উভাবিধ বল : এই পাঁচ **ि विषएतत क्रिवृद्धि माधन मर्बाटश प्याव 制** 1

প্ৰথম, ক্ৰবি ৷ এক্ষণে গ্ৰহ্ণমেণ্ট পতিত **ज्ञि विकास कतिरहरहत । जारतक देखे**रता পীৰ সেই সকল ক্ৰয় করিছে উদ্ভ कारा क्रिया व एक्टी क्रियक्तिगरक छैद इन्छे इनिकाया कानासीय निका एक देवां मजदल्य विवयं मदम्ब मारे। किछ प्रकि

चानुवादम कतिहा (पथा चात्र, क प्राचनत कृति यक क रमनीयिंग्रितन स्वीतन स्वीतन য়া উৎক্লট প্রণালীতে ভাহার কুবিকাব্য সম্পাদিত হইবে, ততই অধিকতর সমলের विवश । जात्रण्यस्य क्रवत्त्वत्र चजाव आहे ; क्वल क्षिकारगत छेश्कृष्ठ क्षनालीत्रहे भक्षत ; यमि धेई सम **डेई**ड मा स्टेफ. णाहा बरेटल वर्डमान क्रनत्कता अटिक শ্বাও উৎপাদন করিতে সমর্থ হইত না। ष महा यपि क्विकारमः त जेरक्र धनाली শিকা কবিয়া দেশের অধিকাংশ ভূমি আপনার৷ কর্ষণকরিতে পারি, তাহা হইলে व्यामानित्रव यथार्थ (मोडाना लाख इत । नजुवा इंखेरबालीयनिर्भव हा, भील अथवा जना क्यांज क्वन मन्द्री क्रिल क्रांक पिरान्त्र अथना या माना, कथना राज्य माना थाकित्व। ज्ञान्त, ज्ञान्त्रा यकि जान्यात्रा जुना धानुकित छैश्यामन विवत्य नमर्थ हरे, चात्रानित्वत्र छेशात देश्लात्यत् विर्वत् क तिएक स्ट्रेंटर मान्सर नारे । यद्या स्ट्रेंटन कि आमानिश्वत पुर्कितर्छ आर्थना नकत এখনকার ন্যায় তথন অগ্রাহ্য হুইবে : তথন ক্রি আর অসার ও অপদার্থ বেখে ক রিয়া ইউরোপীয়েরা আমাদিশের প্রতি উপেকা করিতে পারিবেন ৷ একণে খদে भी । पिरश्र विकरि जामापिरश्र किसा স্য এই, আমরা যদি আপনারাই ভূমির অধি कारी ७ क्राक अ छे छात्रत जागा निर्वाष कति, देश्लक्ष क माणिएशत व्यथीनक करे বেন: আরু যদি নীলকণ প্রভৃতির মধুরী কাৰে কিছক্ষ কৰি, আনাদিগকৈ প্ৰত্যেক স্বার্ধপর ইউরোপীয়ের দাস হইতে হইছে, ভারতবর্ণীয়ের৷ এই চুই উপায়ের কোন वि अवलब्द क**्रिट**क कारब्द २ - 🐠 🔾 विकीम, निष्ण। जामानिरधन निष्ण रेमभूना रहेगारहम । इंछ ज्ञानीरम्भा ७ त्वरन द्वति । विज्ञुश व्यास हरेगारह । हेश्ताक वर्षरमकेहू **এই সোর্টেপর কার্ব। ১৮১० অব্দের সমদ্যের** भूरवं हादा, विक्रमभूत, वारमध्यक्रकाङ्ग्रह

विराप्त विद्यात वज्र देवेद्वीर वृद्धिक धारमा नीड एर्ड । किंद्र केंद्र में में मिन्द्रिकें कांच बाकृष्या बाक्या च बाद्या बाद्या है লগুৰ ভৱবাৰ বৰ্গের সুবিধা হৈছু কাইছ र्थत्राट्ड जायानिकात त्राज्य राजकी निका बैंक काटन लाग शेरिशाटक श्रीटिश्रहक त्रशानी कता कृदत्र बाकुक्त, ब्यावर्त वर्टकर्टिके समा अवास अविद्यार व में के से के ए गातिएकि या। मर्बनाई आयाणिएकई नवर्गतम् । जमा जत्मक रेखेर्ड्यानी हे जाई **एवर्ट्स पर्याशस्त्र डिलाइ डिस**ंचर्न*े बे*हिं क्योत উল्लंख क्रिया बाटकम् । এই क्योंब्र यथार्थ कर्ष कि ? जात्रक्वांदर्य अनुत्र कुली উংপন্ন ও বস্ত্র প্রভৃতি প্রস্তৃতি করিয়া পূর্বি बीह्र मधुनांत्र चेटल 'टबाहर कहा कि देशहें युश्रा वर्ष बहु ? गर्दर्शिक खरम ७ कि कंधन **अवश हेका अश्रम कतितारहत रहतारक उ** त्रव मात्र अवादन वाच्हित क्रीक क चना. विथ क्य बहु । व्यामहा देशम्य वहा विभन्न वाश्चर कमा मिर्जर मा कहिश देशक था मानिरमत्र छेलरत्र निर्कत्र कतिरयम्, नावनीयम् के कि कथन अबन कवा बुद व जानियारकन यनि छ। हा वा हहेल, छट्य आक्राविटशक्क स्थार्थ श्रीहृषि क्याचातः वक वित्र धारकनीरहातः निर्वारण निर्म स्टेश अरमण्य मार्या विष सवादि केश्मान क्षान क्षिएक मी शांतिरका, छावद अर्थाशास्त्र बांच किशी विक रहेगात्म, अ अशामि त्रमा वा**र्था** मा आनू मारत मनक स्ट्रेटक महत्व मा ।

कृतीतः वानिका । आकारन छात्रकवरन कै॰ कार्ड क्रीकात वानिका क्रेस्ट्रिस । कि **ड रे**रांत क्छ चःण चात्राणिशात श्रवह मन्दापिड इटेप्डएइ? खात्रक्ष इटेरड क्य प्राणि काश्य विरम्दन गानिका क्रि **क्ष्मिन क**न्निया शास्त्रः वाश्रहेरात क রেক ক্লম পারসী বাভিন্নেকে ভারতববে ৰ্থাৰ্থ ৰণিক কোখায় ৷ পারসীয়াও পুৰি

नेक्रेश प्रश्ल वानिका क्रिए असन **बार्यम महाम अभिन् बामन जिला। जामा । कार्यम वो । जा**मा मिरशन वावमा शिना रेडे तानी प्रतिरमंत्र निकट है सेवा सूर्य करिया परणनी प्रतिभटक प्रतिक सूर्या विकास क तिन । काशांक है। सा स्कालक स्था करे सोंवा। विरम्भ स्टेटक है। सा प्राणितक ना भावितन त्यरमंत्र स्थार्थ स्व द्वि इत ना।

वाविकःविविद्यो अवृत्वि क्रिके कि का भाषितम् बिरांच चारनार मन् । क्रमीतान अथय शिक्षेत्र अव्यानिनटक वानिका विष्टप्र া সরিলেশ উৎসাহ দান করিতেন; ভরি जिल्ल काक्षक्रियरक विरम्दन वानिका कामा निकार्क ब्यापन करा एरेक। अक्रीर्म कि শেরণ করা হইতেহে আনরা কি চির काम अरेक्श व्यवदारी वाक्ति । वामना कि जानवाहा बाबा त्ररूप वांनिका स्त्रित। श्राटमहा धमा ७ तमीहर हिस कहिय ना ? टर रक्तम वानिरकात्र मविरमय क्रेनिंग इत्र, क्टकनी प्रविदर्भत अपून वन ७ अपून ग इत इत । चारलक्काश्वतरक कांगारतत न चार्ष 🕩 मान काल जनःनिदयन कव्रिः। থাকিতে হ্ইরাহিল। ডেরার্সকে জর ক ब्रिट्ड डॉव्रांब यक करें मां ब्रेड्स दिल, जे বন্দর প্রহণ করিতে ভরণেকা ব্রথণে স थिक कर्के रुप्र। वानिरकात्र त्ररमने म्युन्तन **থের লোকেরা স্পেনীর বিক্তীর কিনিট্রের** क्छ रहेट७ युक्त स्टेब्राविन ; वानिद्रकृत बरमरे रेश्तारखत्र। यहांग्रेत व्यटमानिक्रांसत्र পক্তৰ সাধন করিবাছেন। ভার্ভববের क्टिंक्यो भूजनाटजद्रहे यम अहे क्या भद्रभ बीटक ।

कृष् र्, द्वित्म । राक्षण चन श्राक्षण विद्यान मार्ग हिस्स विरमण ও बाहिश्यानि व किरत्रक मार्ग हिस्स वन ७ महिमानिवृद्धि मञ्जाविष्ठ स्वत, दुर्वेक्षण मविरमय क्रांमना वाकिरत्रक वृद्धिक मुक्ति मञ्जावना नार्ग । दुर्वितन वृद्धिक अक्ष्मां छेशास्त्र विद्यात मविरमय

मत । आकार विषात आश्रिकाहरू अञ्चादिक अञ्चादिक स्टेस्टर, अ स्मित्र अञ्चादक जिल्लाम दुष्टिकास्थित स्टिशा अञ्चादकार्य अञ्चादकार्या

ব্যের দ্বোৰ লাজিড হয়, ভাহাও ক্রমশঃ
সংশোধিত হইজেটে। উন্তরোগ্তর ছৎসং
শোধনের সমধিক সন্তাবনাও আহে।

शक्त, भातीप्रिक यल वृक्ति। धरे विव त्रिटि । दिनीत्रिक्टिशत चटाक चनक्रि আছে ৷ সৰ্ব এখনের এ অসপতি দুর করা निकास जादमाक। ध जनकिंति यादर हूतीक्रक ना इरेटन, ठावर व मिनीटग्रतः श्रद्धक महस्त्रमाटक ममर्थ स्टेरवम मः। भा রীরিক বলর্দ্ধি ব্যতিরেকে সাহসাদি বৃদ্ধি সন্তাবিভ নয়। যে জান্তির সাহস ন।ই, 🦠 ভাহার সম্ভা বিভ্রণ সাত্র ৷ এই শারীরিক বল বৃদ্ধির উপার করা অতিশয় অংকণাক ৷ পৰৰ্ণমেন্ট ও এ দেশীয় লোক উভয়কেই कविषदम् यञ्जनीत हुरेटक रहेटव । तम छेन। म्र ७३, भवर्गस्यात्मेत् बिएकत विमानित ह फेक, चांत्र সाहाया क्रुड विमालिश इंडेक, नर्स च्टलबरे वालकपिटशब वाशिय नि কার নিয়ম করিয়া দিয়া উপযুক্ত শিক্ষক नित्राभ कतिए हरेरवु; विमालदश्र अना **খন্য কাৰ্য্যের নাংশ ত**াহারও তত্ত্বাবধান ও উৎসাহাদি দান করিতে হইবে; বালক चिरभन्न क्रुप्टिमा क्रेन्स विमालन हरेक वाहित व्हेवांत्र नगरत किंदू निन टाहा नि পকে অন্ত্ৰ শিকা দেওয়া কৰ্ত্ব্য। বালকে द्वा यकि अहेबर्ग मात्रीतिक वल अम्भव, ক্লভবিদ্য ও শিক্ষিতাপ্র হয়, ভ'রতব্ব আর **अक्की मृज्य क्रि शांत्र क**्रिटर मरमह नाहे। এ**ই চেন্টা কথন** নিম্ফল হট্বে না, ক**য়ে** क्री महर कल लाज हरेत जामह नाहे। আপদ উপস্থিত হইলে এদেশীয়েরা কেবল व बाजनकान ममर्थ एरेरवन अज्ञान मरह, গংশ্যেটেরও সবিশেষ সহায়তা করিতে পারিকের। বিশেষ লাভ এই, তথন আর ইহারা ভীত্ন, অসার ও অপদাধ বলিয়া **के**:शक्किक इंदेरक वा ।

বলস্থবিও চৃতিগো । আমরা ক্রফনগর স্ইতে নির নিথিত ক্রুলে শিকা বা । পত্র থানি প্রাপ্ত চ্ইয়াছি। বউচ্ভাটা আ

ভাত শীর্থ হইয়াছেবলিয়া ভাহার কিয়দংশ এবং করেক জন স্বাক্তরকারির নান যাত্র প্রকটিত হইল ৷

পরম সন্মানাস্পদ **প্রমা**নে ম প্রমান সন্মান্ত্রিক শিল

নিয় লিখিত মান মার্কি বিবর্টী, আপ নার ভুবনোজন গত্রৈকাইকে ভান লাভ গুর্মক

মান লাভ করে এই আমার একান্ত বাসনা।---সক্রাতি এক দিন জীগৃক্ত বাবু বাষতপ্র াহিড়ী, স্বীযুক্ত বাবু উদেশচক্র মন্ত ও স্বীযুক্ত वाद् जीनवस्तु विज करे कर वशासद समस्यक হইরা মৃত নদাঝা হরিশক্ত মুখোপাধ্যায়ের ন্দরণার্থ কলিকাড়া নগরীতে এট্রন্থ অট্টা-लिकात मार्चाया क्यूरनेत मञ्जूना करतन । मीमक्यू यांदुई व्यथान जम्मामरकत्र चांद्र अहन कहिला অৰুপট যত্ন সহকারে অত্তত্য মহারাজ বাহা দুরের আদেশায়সারে এক সাভার অসুষ্ঠান क्दब्रन । २७७ अलाई मनिबाद (दला २ हे)द्र ,সময় প্ৰলিক লাইৱেরিডে এই স্ভা সংস্থা পিত হয় ৷ ক্লফনগরস্থ বছজের ভন্ন ব্যক্তি স. মাগত হটয়া এই সভা মণ্ডপ মণ্ডিত করিয়া-ছিলেন। জীযুক্ত বার্ ভারিণীচরণ যোগ ধংা-শর সভাপতি গদে ত্রতী হন। অনম্বর দীন বন্ধু ব'ব যে ৰক্তা হারা সমাগত সভাগৰকে আম করিরাহিলেন ভাহা নিমে প্রকটিভ করা ्यांत

" इतिम बोद्र (यक्षण दिन्दिखरी दिश्वम. ছরিশ বারু ষেরগা পরোগকারী ছিলেন। ছরিশ रांबू राक्रण स्टालबक हिटलन, विविध रांबू चाए-শের উপতি কান্য যে পরিপ্রক করিয়াছেন, ব্যিপ वाद् त्रामभूक्षविद्यात (य मध्यात्रः) कविद्याद्यतः, ডাগতে ডাঁহ'য় অরণার্থ কোন চিচ্ছ ভাপন করাম৷ করা সমান, ফারণ ডিনি চিরস্রণীয়, তিনি প্রাভঃশ্বনদীর, তিনি জুলিয়ার যোগা মন, ভাষাকে জুলেও ভোজা বার ন। বরিপ বারুর ব্যবহাৰে কোন অটালিকা প্ৰস্তুত ভউক বা নী • উक् जिनि श्रामात्मर श्राहरकरून श्राह्मोनशाह সভত বিরাজ করিতেছেম, হরিশ বাবুর সর্বার্থ কোন যদ্যির প্রতিষ্ঠিত হউক বা না হট্টক, ডিনি कार्याटकत क्षमन विकास क्षान्त्रीया दश्यकः व्यक्ति আছেন, হরিক বার্ত্ত প্রতিমূর্ত্তি কোন রাজগংক क्षांत्रक बदेव का अवैक, किन क्षांतारतम तार्य गर्य राष्ट्रीगायांत्र यक्षाप्रधान चार्ट्सः विक्रः

अका दारावें बहान वेच अवा काहिए देन दारावा अठि, प्रक्रिक्क कर्यकां कतियांत्र क्या दिन्हरनं-विकारी जगभार अन्यक्ता बंदराव्यक भरू-्रिलाक एकेटल कीकात खत्रगार्व कीवात रवलक लाटक काम क्रिक चालन कतिहा नाटक, क्रेट माहिएलन, क्रिन क्यम >++ होका एकम लाम; मुखबरर्वह महसाह लाक क्रूक क्रेटिन, क्रिकेशित जना " च्रिक्छ नर्ग मान्य प्रकृतिकात अपूर्वाम स्टेशास्त् ।

ধরিশ্রম শিক্ষণালে উপায় হীন ছিলেন। তাঁহার শিতা সাতার ডুার্শ সভারি হিল না বে বাঁগকে অচাক্তমণে শিক্ষা দেব, বিশ্ব বাঁচা-त अमानातम वृष्टि दिना, जिनि अनुमक्तः देखेनि- दांत अवन्ततम अवर्षत पिटक पृथिशांक कति है ना, वान कूटल विवाधिमन कतिवादिकात। उद्या कियन करवरन क्रियां के श्रेतिका का-পরে আগবি আপবার শিক্ষ ঘর্ণাছিলেন, আপবি আপনার উপদেউ। হইরাছিলেন, ভিনি অভাব কলিকাভাব প্রতিক লাইত্রে- পাকিতে পারে > হরিশের লেখা বে একবার 'রিতে গিরা সকল নংবালপত্র এবং নাত্রা- পড়ে সেই বোলিড হয় এবং তৎক্ষণাৎ ওীছার ¦তেন। কিছু ভারভারীর বাভার সভা বণের কি বিশ প্রক্ত পাঠ করিয়া আসিতেন এবং জগৎবিখ্যাত হিচ্ছুপেট্রিটের গ্রাহক হয়। डाहांट उर . क्रूबमविचाण विका तेथा- क्या का का किरान मध्य विकास विका ৰ্কন করিলাছিলেন ভাষা ভাষার ভূষনবিখাতে পেট্রিয়াট বইতে ৩০০।৪০০ টকোলাভ বইতে ভিক্সে ইরাটণ সংবাদ পরেই প্রকাশ আছে। জাগিক। ভিক্সেট্রাট, বিক্সবৃদ্ধ ছরিশচক্রের পিতা মাতা পরিজন এতিপাননের ভার তীয়াব কোনলক্ষতে পতিত হওয়ার তিনি অভি অস্তাৰ- থীয় হইয়াছে। কেবল বলংলা কেন বলি-ছনে টালার নিলামে এক ক্ষুত্র কেব্রানির কর্ম তেত্রি, ভারতবর্ষময় কিন্তুপট্রাটের গৌৰব ভাষা আৰৱা কথনই জুলিতে পারিব মা ৷ বে ক-গ্ৰহণ করেন। কিছু দেখানে তাঁহার অধিক দিন । ইয়াছে। কি মাজেলৈ ' কি বোহাই ' कि । খা বনে করিতে গেলে আবার অক্তাকরণ আর वीक्टिड रह मादे। विकितित बाकितिय कारमन नारमंत्र विकासन महामादे विकासित्-রেল আপীশে ২৫ টাফ। ধেতানের এক কর্ম ছাটকে অভি সংখ্যা সংবাদ পত্র বলিয়া। यांनि महेरन किनि गरीका विवा से कर्म आक হন। ছরিশ্চল শুভক্ষণে মিলিটারি আভিটার অভিশর আদব হটয়াছে। ইতিয়া কাউনসেলে **८क्टबरहासम् जाशीरण आदरण ,कहिन्नाक्टिल्डा।** ঐখান হইডেই ডাঁঃ ার উন্নতির সোপান হইল। ভাষার কর্ম দক্ষতা দেখিলা ভাষার মনিব সা-ब्ह्या कि जिन्दा महत्वे क्ष्मादिएकम अवर धर्मन পাছ। পাইয়।ছিলেন তথনই হবিপের বেডন हिंदि कतिहा निर्शाद्दासमा। पाकि व्यक्तकारमह मध्या के कांगीत्म इतिस्मत हातिमञ्ज होका दुरञ--CEC-Th न एरेश्राहित।

निस्कान इरेट्डर इंद्रियन भरताह गरत - পাচরাগ ছিলু, কারণ ডিনি আনিডেন সংবাদ भवने क्राप्तत डेश्चित मुक्त, मरवामभ्यात बादारे स्टिंग नकाका माधन स्थेटक शहब, मन्ताम পজের ছারাই মেলের উপধার জনত রাজনিয-্ৰ কিছু সভাষ্যকেলা তাঁহার সকল পত্ৰ ছালিতে নাই, লেপ্টেন্ট গ্ৰণ্ডের নিকটে, গ্ৰণ্ড জে- ইংরাজলিখের সভকে থণ্ড বঞ্চ করিয়া কাটিডে আপথি বিজে একথানি সংবাদ পরের কৃতি টারির নিকটে,ত্রিটিনইভিয়ান আনে:বিয়েলানের বিভা একেশারে নিরাফুত হইবে এবং ইংরাজ-

क्षांकि कारक कीकांत्र मान विजान मा क्षत्र वर व्यक्तिमान, शाब नश्यामगरतात्र मान विज्ञासमी-क्षेत्रति अहांत्र क्रमा नाने, स्वयंत्र व्यक्तमात्र केन-खनारे रिक्ट्र^म्निवारित अथम क्**छि एवं किंद्र व्यानिवारहम और कांद्रक्रमें विश्व** कांद्रक्रमंत्री ভখন ঐ পত্রে দানে ৫০ টাকা করিবা বর বইতে मिटि रहेड, वास्त्रम अञ्जानी द्विन्धक छात्र मका मध्यानस्त्रता प्रतिरान्ते विकास मुख्यिन के दर्शन (कन ? डांहोंत चढ़ाक्द्रन खिंड महर्य, डीं-निउ। इतिमध्य व कांग्राह रम्पनी नकांनन क्रिक नांविरमन रम कांगरह लाक्नांन क विन লেখাৰ কৌশলে বঙ্গদেশে অভিশন্ন আছর-भंग करत । हैश्लास्ट विकृत्यम् वार्षेत चाहर इरेड़ा हुल, बडामडा शामितात्वरणे चा-मृत्र इरेश्नाहिल, लीति कांडेनरमरम चा-দ্ধ হইড়াছিল। বিলাতে আৰওরিজিনিংস ट्यार्टेक्नन नावक क्रम गढः आरङ्, विमार्टेक हाका। धीन वक्त स्मा काएक तमहे मकल स्मान । कांक्रिय बारम्यता क्लोक क्रायद देशकि मानि कतः त्म मछाव छेटकमाः । क्रांत्रत्भन विन्द्रद्रशित् व्रापे এইসভাব চকু স্ট্রাডিল ত্বিশ যে স্কল

अवागित क्षि कामभी क्षेत्री के विशेष मार्जन की जारंजनीत गुंजात कु व्यक्ति। जीय जातवरायंत्र महालाक स्मार्टको जिल्ला कृति करियात करता विन्हर्रणि वांत्रे द्वावात कहित. कांत्रक विदेश महादेश महादेश करिएक व्यक्तिक करिएक भागितास्यके वरेशारहा जातकार्यक अधार करमा अकमिरमत खरतक काजव दम माहे। काछत्र जाककारका शांतक, विका विरुपंत अपने साक दि-त्मन, जीशता शतिभाष भूरवात मुख रवस कति-তেন, পোন সহৎ বিষয় স্থাপার করিছে হট-লেই ভাষারা ছরিপকে ভার নিভেন,মরিপ ता विवत्र वर्गान मधाधा सन्निष्ठम केंग्स्स गर-त्म हमरकुछ चरिरकम अपर श्रीम हिर्मिकीयी एउक, वनशेषात्र विकास और वार्यमा करि-ভুঃদুউ !ভাঁহালের কি পরিভাশ ! ভাঁষারা অভি-च्या विष्टमह मध्याचे अविद्याल चनावाल नवा-য়ত। হইতে হঞ্জিত হইলেন। 👑

शक्त ६९ मारकाइ मिष्ठिमित्र मनश्र दर मनश्र दन পাইগৰ হাল বিভোছিতা ক্রিয়াছিল বে ব্যস্থ হ্যিলহাতু বে ক্ষমভা একাশ করিয়াছিলেন, কার নতার নমুদায় লোকের অভ্যকরণ ও ভারত বর্বের সমুদায় লোকের অভ্যকরণ কৃতভাভারসে আত্র হয়। দেপাইদিগের অত্যাচারে ভারত ব-র্বের প্রায় বাক্তীয় ইংরা**জলোকে রাগাল্য হট্যা** ভারতবর্বের সমুদর লোকের আ'ব সংখার করি-शंद्र कमा ही श्रमंत्र श्राम संविद्य मानिस्मन, उपन कालाद्र माथा खीलास्त्र अहे जामश्यक म छ निम्छ करतः छ बन छीडारकत मधरक कर्ता-प्रमुख्य बालाक कालि वक्ष, खबन खादारका वि-इत्स अकी क्या कहिएन खबरथ काण्या करना। व्यागता क्यांन की हेगा की है। अवर्गत व्याप्त का লাভ ক্যানিং ভাষাক্ষের বতকে অব্যায় মত ন म्छ क्षांच कविटलन क्षेत्रे मकाव नजावन क्ष्में क्षिप्राहित्याँ विषया चाँचारक श्रमकृत्व कविचार मा व्यक्ति विश्व विश्व श्री कि का कि कि कि कि कि कि कि कि कि विश्व कि कि विश्व कि काउ'व द्विषित देखियान धा'तातिदात्रात्मत देशकातिका आवादमत दिन्तू प्रतिकात अकृत्य त्य त्यात्रव त्विविक्तिक त्य त्याविक व्याविक विकास कि विकास कि विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास হাবশ্চপ্রের লেখনীয় স্থোরে চইয়াছে 'ব্রিটিস ় পারিলেন না। এক দিকে ভিনি ভাঁছার দেখনী মের ক্রি মইতে পারে। তিনি প্রথমতঃ সংগদ ই ডিল আসোসিয়েসানের ছারা তারতশরের ছারা অবেশের লোক্দিলতে মাতৈঃ মাতৈঃ পত্তে সংস্থানের মন্ত্রসক্ষমক পত্রপ্রেরণ করিতেল গৈ উপকার কলিডেছে ডালা কাছারও স্থিতিত শক্তে লাহস সিতে লাগিলেন, আর বিকে বাগান मान्ती प्रेक बा, बहे करता किमि विवक्त करेगा । स्टब्टलव निकटी, देखिया कविमस्त्रस्तव स्टब्स- काशिस्त्रम् बदश या महुनाव वावा प्राप्त विस्ता-

ুৰানপ্ৰকাশ।

का जातजनार्व मानीतार वि कारात अवाव एतिएक आविष्ठकाः । जानाः रतिका विद्वाब बार्यक महा कहिरज्म मा তিনি কেবল সেবিজেন কিনে অন্তেখ্য উপকা-त इवेटर, जिति-चटकरमत छेलकारतस कारह छैं।-লার জীবন জভিত্তক_্জালুলিরিতেন। তিনি विमान्त स्वीतिरखन, त्रीहे छत्तीवर बस्ता अरु सन देश्यांटक विक् वंद्रक विक विकास मान क्षा रामाह जाँव फ़्रीशंटम छर्द्रशाद कान বিচার কা করিয়া কোন প্রবাণ না স্ট্র। ফাঁনি বের, ডা বলে কি ছারিশ্যক্র সিচপা হবেন, ডা-ৰলে কি ছয়িশ্চজ বথাৰ্থ কৰা লিখিতে সল-ठिंड क्रवन, जिनिकानिएवन खाँगात कीवम निमा বেশের যদি কিঞ্জিৎযাত উপকার হয় সেই তাঁব पर्यक्त। नाक क्यांनिर वर्षणाम्य, अहे ममृद्य हि-স্থাপেটিয়াট সংবাদ পত্ৰকে অভিশয় আদর ক-রিতেন, তিনি রাগাল হন নাই, তাঁহার মহং শব্রংকরণ চঞ্চল হয় নাই। তিনি ভাঁচার মহাত্র-चन प्रश्चिम कांडेनरमाम् महाभरतन भागान्मी বেরুপ ভবিভেন দেইরুপ ভিন্মপেট্রিয়ট সংবাদ পাত্রের পরামনতি ভানতেন, তিনি তাঁবার মতা-র সভ্য গণের ছারা যেরপে উপকৃত ইটয়াছিলে-न, त्महे क्रम ब्रिक्टब्स् इंक्ट्रशिष्ट्रिके मेजबाद. উপকৃত হইচাহিলেন। লাভ কানিং প্রভীকা কৰিয়া থাকিতেন হত্নিশ্চক্ৰ আগামি বাবে কি লেখেন। এক দিবস বিস্ফুপেট্রিট পৌছিবার নময় অতীত চইয়া গেল হিচ্ছুগেটুরাট না আলাতে লাভ ক্লানিং ব্যস্ত হট্মা ভাঁহার क्षादिरमप्रे भारकष्ठे द्विष्क यक्तिः सम अर्थन श्रवास ভিন্তুপেট্রিট প্রিদাস না ইছার কারণ কি ? धाहेरको माक्रिकित वह क्या छरक्रार ভিস্কৃতে ত্রিট মস্বাদাত লিবিলেন এবং অবি-लदा विकार शति गाँव का निः महामहाद वर्षः शक्त वर्षेत्र । त्रवेतः हा लाउ कानिश मास्कृतिक ्बेर्द आगोरएउ ह्यांभन अला समित स काशि अभगृष्ट्रा दरेग्ड रक्षि ३ ५ हेश् ह । इति ४६- । है सा आभारतय स्मर्थन थ.सा उकत्रिया हुन, আমরাফি ভালে করণার অকলিংকর কি **किर अर्थमान कड़िट**ड श्रातिव स्थार भन्नाय हरा, শংলান কৰিতে পারিব কি নাপা বেব বলি। द्वा विकास करा चाराव अनार करा, इतिस्डा নের নাৰ বাবে আমাদের আৰু থ্যুত্ত চহাৰ আন্যক্ষার সভার কথা শুনিবামার তথ্নকাল বাব की कारक सामकि छ व्हे: श्रेन अवर छेरन' व अक्ष वेष्यम मछात्र यात्रमन क्रितारध्य छ।न

বি উদ্দেশে সভা ঘটয়াছে ভাছা প্ৰসন্ধা হইবে ভ'ৰার সন্ধেৰ কি।

দীনবন্ধু বাবুর এই কথ কার-গ্রসাখিত বজ্তাশ্রবণে সভাস্থ বাবতীর লোক মুস্থ আর্ম ও সম্বন লোচন হইয়া উঠিলেন। অন্নত্তর স্বাস্থ অনুসারে যিনি বাহ। প্রদান করিয়াছিলেন তাঁহাদিগের নাম নিয়ে নিনি ই হইল।

মহারাজ সতীশচন্দ্র রার বাচাত্র	7 .0
বারু ভাবিণী এগাদ দেন	200
পূৰ্ণ প্ৰসাদ বায়	* •
বামগোপাল মুখোপাধ্যাত্র	Q o
উম চরণ মুখোপ।ধ্যাস্থ	đ c
বাষগোপাল মিজ	¢°
डेप्पनहस्र भद्र	G o
मीनम्बुधिक	ಅಂ
এলগ্নী ও মধুৰাপুরের প্রসাগণ	3 P
যুনাৰ বায়	₹¢
মংগ্ৰহন্ত পাল	≥ @
অভয়ান্তবৰ চড়ৌপাধ্যায়	રહ
দ্বারক।নাথ দে	> ₡
कार्डिकाउस वाग	₹ @
ব্রুকুমার মলিক	? (*
লাক্ষেহিন খে:ৰ	۵ ¢
<ग ीन।थ रष्ट्	٥٠
প্রস্তুতি	
নে,ট ১০৪	2110
ক্সাটিং কুঞ্ নগ্ৰহ	व। जिल

विविध मर्याम्।

२०७ खांदन मामवाद ।

বেলিইয়ের ছোট আদালতের এতদেদীর বিচারণতি তত্ততা প্রশানত্ম বিচারাল
রে বাইতেচেন। আমরা গুনিলান রমাপ্রবার
বারর মৃত্যু হওয়াতে বার হরচক্র ঘোদ ধরা
নকার প্রধানতম চিচারালতে বিচারপতি
হইবেন। এই সমালটা সত্য হব আমালিগের
প্রার্থনীয়।

লগুন্ধ শিপ প্রদর্শনগৃহ দেখিবার নি
থিত একলে প্রভাই প্রায় ৩০০০০ লোক গ্রম
করিরা থাকেন। টিকিটে বিশুর টাকা লাভ
ইউতেছে। প্রদর্শনগৃহে একটি উপ্রই আছে,
ভাষা হউতে সর্জন। স্থপন্ধ বারি বিনির্গত
ইয়, আনেকে ভেদর্শনার্থই স্বিশেষ ক্রোভুইলা—
ক্রান্ত ইয়াদেন। ন্যাট নেপোনিষন ভদ্শননাগী ইইয়া আনিতেছেন।

মাংগেইরে একংণে ২,৬০,০০০ নস্তা মাত্র , তুলা আহে। তালা অতি শীগ্রই ক্ষম প্রান্ত बहेदर माल्य बाहे। अवाह क्या बब्दानियीक जनावादत चोकिएक बहेदर, बाह्य जादबहि-वाह युक्त क्या कहिएक बहेदर । हैरलक के क्षांना बधानकी बहेदा युक्त केशाह बाहा। जादबहिनांह युक्त मोमारम। कहिता मा स्वत करता ?

ইংলিসমান অবণ করিরালেন, হারদরাবা দের রেসিডেন্ট কর্ণেল ভেবিভগনের মৃত্যু ঘটরাছে। কর্ণেল ভেবিভসন এক অন উপায়ুক্ত সাহ্বিতিটিক ছিলেনা। ভিনি ন্যার পথে অ-লাঞ্চলি দিরা আনিক্লিরিদলের মনোরঞ্জন করেন নাই বলিরা ঐ দলের প্রির্থাত হটভে পারেন নাই।

নিজু নদের সভালে পঞানী সেনার করেক
শতকে কর্ম করাইরা লওরা হটতেছে।
এক জন নায়ক জার করেক জন সিপাহী
ভাহাদিগকে ও কুলি ৮ প্রভৃতি ঘণাভচব
বাকে। বিজ্ঞাপ করাতে নায়ককে অধ্যাপদে
নিয়োজিত ও সিণাহীদিগকে বংগাচিত তির
কবি বা হই য়াছে। নিদ্ধাপের ভয় না থাকি
লো এদেশীরেরা এত দিন জনেক সুসংখার
পরিস্তাগি করিতেন সন্দেহ নাই। বিজ্ঞানা
রীদিগের গুরু দও বিধান বারা উনার নিধানে।
নিভান্য জানশ্যক।

ফিনিকের আনাহানাদ্র সংবাদদাতা বলেন, অতিশর রাই হওয়াতে খণুনাব সেতু নির্মাণ কাণ্য বন্ধ র বিয়াছে। তাহার তিনটি নাত্র বিলান হুইয়াছে। এই সেতু হুইলে এককালে হাবড়া হুইতে আগ্রা পর্যান্ত বা স্নীয় শক্ট চলিবে।

উক্ত পরের বোয়ালিয়ার সংবাদদাতা বলেন, ভত্ততা রাজা বোগেক্সনারায়ণ বায়ের সম্পত্তি কোর্ট ভাব ওয়ার্ভের অধীনত্ম হল্ল। রাজার ছতিপূর্ণ দেওরান জনীদাবীর সরস্থা করিবেন কথা হউভেছে। যেন ওঘাটনন পুনর্পার ঐ জনীদারিতে প্রবেশ করিতে না পারেন!

বার সভের নিকটবার্ট কলমগাছি প্রানের যতুনাথ বংশ্যাপাখ্যার নামক এক যুবক খ্রীয় ধর্ম অবলম্বন, করিয়াছেন। ঐ বালকটি বারা-সভের বিদ্যালয়ে অধ্যয়ন করিভেন। কিছু মিন ম্ইল ঐ বিদ্যালয়ের এক ক্ষন প্রভিনিধি শিক্ষক হন। ভাষার অধিক পড়া শুনা হয় लाहे दिख्य क अधीम केंद्रस भटकाहे किए छा। (सम मा । वृत्ति समात्रव मा**छा वृत्त**, अवाहि कुञ्जित হৰতির পাণি গ্রহণের ইফাই জাহার বিশ্ব ধর্ম জ্যাব্যের কারণ। ইগ্সভ্য চউক্ষ। হ-ট্রক **অবেক যুবক জনভিজ্ঞ জনবাতেট** খ্**তী**-शंग रहेश बारकन, ध्रद्या जनका नरह। वि-দনরিরা এবিষরে চৃষ্টি রাখিবেন সচেৎ তাঁ । নিকটুট জানায় যে ঐ ন ট সত্যন্ত জীন हामिराव पर्यात । वनिकारमूत कारमान-मा इष्टेटन ।

लाखांत अधिवन वदहान, द्वांशा यि भीप गाथे हिंड इंदेग्रेटि भागाय निकल्प एविधा इंद्रोट्ड । किन्न संदक्षावदन कारनक श्रांकि तरे कतिशासः।

शिकी (शास्त्रहे वरतम १श.नाम गर्वि थे। नाबक अब अन विदर्शारीय विष्ठांत्र वर्देश नाह । त्रशत कातावारमञ्ज आरमम क्रेमाइक । क्रे या कि सब गर दा नगर दा है की व हिरनन।

व्यवाधा आध्यक्षेत्र कामधूरवत मर्थाष দ্যাত। নলেন, তথাৰ একটি ইউলোপীন বালি কার পাশিপ্রাহণাণী হইয়া ক্লাকে শ স্ফু কু । পেয়াদারা অভ্যাচার করে। কার্কে বংসর ধনী " ব্যক্তি 'ঋনেচ চেটা পান বালিবাটি ंपिंड सुरारही किन्नु हम कोश्रोद एक महनानी उ करत माहे। भितिभाव अक निवन मुख्याल क्षकानिक इंडेन, এक अन मीध कित छन्मत प्राथाना रेमनिक शुक्र छार्'त व्यंभगकालन হইয়াছে। বালিকার পিতা মাতা তাহাকে এপ্রকার অনুচিত মীচগামি প্রেম পরিভাগ করতে অন্তরোধ করেন কিন্ত সে নিভূতেই সমত না হইর: পরিলেবে প্রিয়ক্তনের সংকিত পলায়ন করিয়া ভাহাকে বিবাহ করিয়াছে। একণে ভাৰাকে ৰ ভ করা হইবাচে। বালি कांत्रित बद्धाक्रम : ६ वरनत्र मोळ टा ठ ४२ সে বহঃপ্রেপ্ত হয় নাই। দশুবিশির তাত্র সারে গৈনিক পুরুষের সাত্রংসর কারা-यात्र स्ट्रेट्ड शादन । दम अक्टन रूफ फाटन এবং তাহার প্রথম বিচার ভব্রত্য কান্টেন-(भक्तै जाहिनै मा माई देवेद निकट हे हहेएछ:ह। প্রের কুজ জীল মারে না, ডাইনিড আন্মনা চিক্সিক্স লহি ৷ আমাদিখেয় চিত্তা এই ঐ বার্তি কার্ক এইসকল উপায় কয়িয়া ভাষার খনো मीख शक्तित महिल विराहम कड़ीहेन्न। यनि कना भारतित श्वानं कता स्व समीव्यादत में भन जी बहेरन कि मान

বোমপ্লক। ।

भतिमें के बर्ह्न, बह्वाकारतत ११६ वर বালতে বেককি নামে এক জন সার্জন নাস ক্রিত। ঐ যাক্তির নিকট এক নামের ভাঙা পাৰনা হইলে সে ভাৰা না দেববাতে ভাৰা কে বাসী ভাগা করিতে হয়। যে বৈধনিধাত नांधीं बहेता निर्कतिंग्यान कवित्रमञ्जलितत **ভর্তরাভে। ভরি**মিত ভাল ভম করা হয় । বাচীর অধিকারী নালীল ক্রাতে প্রধানতম নিচারালয় খিউলিপাল ক্ষিণনর্দিগকে ্'॰ টাকা ক তিগুরুণ ও উত্তর পক্ষেত্র মোক **জ**ার ব্যয় দিবার আজ্ঞা কবিয়াছেন। তাঁহাঁ-मिट्राज निष्क्रद ठीका निवास का सन प्रदेशी-ছে ত ? তাঁহান। কলিবাভাষানিদিগার টাকা नदेता (यम नाक म'रद्रम मा ।

णिकः क्षानाम अन अन शन् (श्रेतक नि ম্ব চৌকিব লোক। দিবের ভাতাটোরের নিষয় লিখিবান্দন । এই কর্মচাতির বিশেষতঃ পূর্বে ভাষারা বাবাসতের চত্রুংপার্দান্তিত আবে স্থানক ভত্যাচার করিত কিন্তু কৃষ কেরা করেকবার নাতীশ ও মধ্যে মধে জঠ-চন্দ্ৰ লোকত কৰিয়া ভাষ্টিগকে শান্ত ক রিরাতে ৷ পূর্বা বাজাশায় এপ্রচার করিলে

িন্ত পত্র আবন কবিয়াছেন কুমিলার সহাপাতি দুদ্দেতীয়ার নীলকুঠিতে এক राष्ट्रितक शांख्यायकांन अमास्य वस दांची হয় ৷ সে কোন ফৌশলে পলাগন করিয়া না-लील कदाट**ड** कृष्टित भगउ¹ ७ करग्रकण्डन था-नाजीत जर्भंड हाका कतिहा अधियान दहे ब्राह्म । अक्षकार अक्षक दम द्वा अहे मेख ! भीरमह जम्मास ,क ज्यादेन गर देशा पास र

रेख लय बाता प्राप्त, याहेरङरह, हांकांत कारत्त्वा क्षांत्रायत्व वांत्र प्रश्यन्तित्व व्यटेक-, ত্র, ফরা চুদ্রি কবিজে ভারিস্থ করিয়াছে। **खरन निमान** छोत नन '

बिद्धालिए वह निकामश्कास जिलाहिता, ৌৰ এতি গৰাবৈটের অনুব্যানভার বিশশ্ব প্রদল কবিয়, জাবেশ করিয়াছেন ৷ ভারত-বর্নী সভাও এদেশীরদিণের শিকা কার্বো जापृत्र महत्राहणाची महस्त । जाराहा महत्राहणा । ता रहेश प्रदेश काय विका कि स्टेटन? গী হটুলে এ ডিপাটিমেন্টের জানেক । সংলেধিন হইতে পারে।

रेः व खास्य समस्याद्वार् विविक मन्द्रभाग हिन्दिश्रीकरमञ्जूष्ट विश्व चिछ हे छेटबालीत नवाहात आ अ वहेतादस्त्रा

लखन ३० हे खुनाहै। **हेरलखीं कुर्ज ज़क्त**" পুচতর করিবার বিগ ক্ষ্মণ ছাউলেই আছ दृष्ट्रगट्य ।

लगीरतत्र, विकडेत देव:निष्ठ बलदक देवी जिल्ल बाजा बनिवा चीकांत कविश्वाद्यम्।

र्वे চরিলন উভ লে**ড मीटरेएस जा**त्र ব্যয়ের হিসাবের প্রতি দোবারোপ করাতে তিনিধীয় পদ ত্যাগ ফরিয়াছেন।

निटेड्सर्क : १वे खुनावे । शिव्याप्तक निक्दी करवनि जनकर युक्त स्टेब्रोट्ट। २,६ औ सून অবধি সাডমিন পৰ্যন্ত ৰুম্ব হয় ৷ এই সুত্তের 🌣 भारत माकित्रमाक श्रद्धां प्रष्ठ रहेवा है। क्रांच পশ্চাদাষ্য করিতে হইয়াছে। তাঁহার কতক वृद्धवा, २६ हि कानाम ७ फालक रेनला विश्वक. २८७ भिः उ रहेग्राट्ट।

গ্রথমেন্টের দেনারা জেম্প ন্রের থিকটে কামানের ভাষাজের ছারা আত্ম রুক্ষা করিয়া পশ্চাক্তমৰ্ক বৃদ্ধান্ত।

সভাপতি বিশ্বনৰ ভার ডিন নক্ষ সৈম্য চার্কিটছেন। চারলারটনের আক্রমণ ভাগে कदा व हेवाट्य ।

किनिका क्षावन कत्रियांट्यन विद्यासमाह যথাৰ্থই যুৱতান জানের নিধিয়ে 'অবস্থিতি করিতেছেন। ইহার পূর্বে ফিরোজপাহ কেপা লে হ'ত হইরাছেন শুনা গিরাছিল। ছুট শাং वरमञ्ज भूटर्क हेश्नटश्वन्न स्त्राक्षणिएश्वन्न यहेन । বিখাস ছিল, ভাইনের িভালের নহটি জীবন আছে ৷ বিজ্ঞান সাধ সেই এক প্রকার বিশ্বা-स इंडेर्यन !!!

উক্ত গৱের এক জন পত্র প্রেরক বলেন, ভাবতধর্যে বেশ্বপ খারে মধ্য বিক্রয়ের রীডি আছে, এৰূপ আয়ু কোন স্বাদে নাই ৷ কলি-কাভার বাৰভীয়ে ইটাব্রাণীয় ও ফিরিলি বাহ্য आफ्रवत प्रवाहेगात निमित्त कर्का कतिहा दए भाश्रमी करान। यहे कानिष्ठे नि विश्वार्थ शब (अञ्चल भारत अन्। विकारपुत क्षत्र। छेठ:देश দিবার প্রস্তাব করিয়াছেন। জাপনি সাম্পান

छेखा भद्र छेक्त्र भन्धिमान स्म हिन्दारी बहुम्। १६८ व अजिताम क्षिश्राहरून । ६। १ म মতে এই বন্দোষত তারা ক্ষিবিষ্টের ক্ষতি । নেবতঃ তস্পাস সাহেবের তানব্ধ নতা কটবে। বিনিকা ও টাইসল অব ইপ্রিয়া উত অযোগ্যতার বিবরে প্রধান বিচারপতির রেই এই জাবে পতিও বইরাছেন। তুনির টে এক আবেষন করেন। শত শনি শস্য রিষ্টি নিবজন বালিজা কৃষ্টি কি সাধারণ দেউলিয়াদিগের বিচার ইইনার দন্ত ভাগোরের ও কেনের জ্পকারের হেছু নহে । মতাতি প্রাক্তনান্ত তাহাকে প্রাণ্

निकुदमभीक्ष भाजेबात (अभन्न नरमन, नष्ट সরোর এক জন মুখলগ্ন রাজ্ব সংক্রাস্ত কর্মচারী ভত্রজা হিন্তুদিনের উপর ভাডাত **স্বজ্ঞাচার সারত** করিয়াছে। ত হাদিগের বাসতে ওক্রেপের নিকটে গোমাণ্স রাখিয়া ক্ষেয়। কোন মুসলমানের নামে কোন হিল্প নালীশ করিলে ভাষা আফ হর না। মধ্যে बद्धा पूरे এक नहन्त्र मुनलबान हिन्त्रितिरात বাটা হুঠ করিয়া নানা প্রকার অপমান করিয়া থাকে। প্রায় ৩০. হিন্দু একত্র হইয়া ভাহার क्षित्र बानीन করিয়াছেন। এই ব্যক্তি গুজনাটে র লোক ৷ এক জনু সিবিলিয়ানৈর সংহাথোঁ এই কর্ম পাইয়া ভাঁছার ভরনায় ভানার এইরপ অবত,চিরেকারিতা হবি হইয়াছে। নীগকর দ भाव विश्वक काल्याहोस स्वयः सार, व्यानक শ্বনে সি বলিয়ানের সাহাব্য ভাহার অন্যত্য প্ৰধান কা**ন্ধণ বলিয়া প**্ৰিগণিত হয়।

তিক পাত্র জাবণ করিয়াছেন সর বার্টল কিয়ার শীল্প সিন্ধুদেশ দর্শন করিবেন। আতি সাহেব বেরূপ নদীরা ও যশোহরের লোকের ও বীভন সাহেব ভাগনপুরের লোকের প্রিয় পাত্র হইরাছেন, সর বার্টন ক্রিয়ারও সেইরুগা সন্ধুদেশের প্রিয় হইয়াছেন।

্ নিম্লিখিত ইউরোপীয় আফিসর ও সেন গণ ইংলও হটতে ভার তবর্বে আসিতেছে ঃ-

41 6 101 0 d	440 3	140.01.
ত	া ফিপর	দেনা
र, ऋदनदम	8 4	₹
মাজাভে	r	400
বোদাইয়ে	२ ४	>:09
ক্রাচিতে	۳	₹ 🙃 🕫
যো ট	F '9	1 ~>

জুমনে জিজান্য হইতেছে ভারতবাই জানোত্র প্রয়োজন আছে কিলাও খান্দ্র প্রেমির শুনিরাহিলার জগণে ইটার বিধ লোনার আর আবিশাক নাই। অগেরা ব্যেধন গুলানের ব হতারোধে সমর্থ হইব ?

्षितात नांद्रेज्य नांचक ८क वास्ति अधान क्षित्रक स्थल कृत्यातीत वि

নেবতঃ জন্মলান সাহেবের আনব্ধ'নত। ও
আয়োগ;ভার বিষয়ে প্রধান বিচারপতির নিক্
টে এক আহিমন করেন। শত শনিবাবে
দেউলিরাদিগের বিচার ইইনার দনরে নর
মন্তানি ওংখনন্ ভাছাকে প্রনাণ দিতে
বলিরাছেন। ভগলান সাহেব অনুপরিত,
ভথাপি দর মন্তানি ওরেলন্ কিনাবের প্রমা
ল প্রন্থ করিবেন আগামি শনিবাব এ
িব্য হির হটবে।

>२ अ आवन वृथवातः

সভ্পতি হাজাজের এক লগ নিথিনির নিব কনারে বিবাহ সময়ে এক প নীরামে একপ জনার হল যে ছেট হার পুই বাল কে বলি দেওপা হইবে। ভরিমিক ত্রতা যাবতী ব লোক হলে গোলামন করে। বিভাহ হইলে ভ হারা গৃহে প্রভ্যাক্ষমন করিয়াছে। ইংরাজিকা থে কিবেপ লোক, এছেকেন লোকের আমিলিগের রাজপুক্তমেরা উৎস্তুর্ভ প্রনালীতে সাধারণের শিকা দান চেষ্টা কবিবেন না। এই বিবয়ে ভাছালিগের ঘত মিত্রারিভাগ জনালালভা শুরুমহাশন্ত্রিগের উপরেই উল্লেখ্যার আহে আমেলিগের গ্রুমহাশন্ত্রিগের উপরেই উল্লেখ্যার আহে আলোক্ষাক্র শুরুমহাশন্ত্রিগের উপরেই উল্লেখ্যার আলোক্ষ আলোক্ষ স্থানি স্থানি দিনের আলোক্ষ স্থানির স্থানির আলোক্ষ স্থানির আলোক্ষ স্থানির আলোক্ষ স্থানির আলোক্ষ স্থানির স্থানির স্থানির আলোক্ষ স্থানির স্থানি

চাক র ইউরে নিয়ান রেজিবেটের জেপ্ট-নকী মাকনেদরকৈ কোন অপরাধে কাদী করিরা কলিবাভার সামরিক বিচারালয়ে বিচারের জন্য জানালিয়। তিনি গারাগার্কীইভে প-লানে করিয়ালেন। এখন কি কার্গা রর প্রাচীর এত অশাক হইবাছে গান্ত প্রচরী ভাছে সন্দেহ নাই '

ভূপাল হটতে সংবাদ আসিরাছে তএত। একটি বিধনাকে উচোব ভনিকার ভাবার মৃত পতির ফলকিভার আরোহণ করান হইয়া-কো তাহাব মুটখেরা গুড হটুয়াছে।

ভানা শেল, হঠা আগত বাবু সার্হক মুখোপাধ্যয়ের থেকেনম। প্রিবি কৌশিলে ইবালিত হটবার কথা সাহৈ।

क्षेत्रांन नुरानत वरतम वापहिरात निर् कःकारधात अध्यक्ति बाजितगरकः क्षेत्रं क्षेत्रं क्षेत्रं गृद्ध श्रादम किर्द्धु व्यक्ति ना । विकास श्राद श्राद्धितगत मत्नीमाणिना पूरा करेत्रा भारक मर्भक ममनावशात श्राद्धि करण. करे करत कि केल धिरतहेत्र क्ष्णा करेत्रः बाहरूक राम नाक्ष्य किला मध्याप कारधात स्टिट्ड राम नाक्ष्य किला मध्याप कारधात

ভাক কর্মচ নিরা মধ্যে মধ্যে সামান্য পামফুট সকলও প্রস্তুকের ভাকে প্রেরণ করে-ন। ত্রিনিত্ত কনেকের অন্তরিখা হয়। সম্প্র তি গোইমাইর জেনরল সাহেব আজ্ঞা দিগা কেন, ছয়তোগারে ম্যুন বে কোন পুস্তুক হইবে, তাহা গংবাদ পানের ভাগে প্রেরণ করা হটবে এই কাজ্ঞানী প্রতি পালিত হয়, এই আমাদিগেব মনোবধ।

ক্ৰিক পত্ৰ বংগন, ত্ৰিপুৱ র রাজাব মৃত্যু চইয় ছে। এই রাজা অভিনয় ইতি য় প্রায়ণ স্থ্যাসক্ত ছিলেন। একজন গোষা মান্ত্ৰ শাসন ও প্রাণা নীয়ন করিয়া ক্ষান্ত সিতেনেন।

উত্ত পথ্ৰ আরও বলেন ভারতখনীর গ্রনিমেট রাজা প্রদান নারায়ণ দেখকে মুব্দিন।
বাদের নশাবের নিকট হিদাব দিনার জাজা
দিয়াছেন। আমাদিগের বরাবর এই আশ্চঃ,
প্রান হইভেছিন, প্রেনম নারায়ণ ভাতা হইযা
নবাবের উপর এড ক্ষমতা প্রকাশ ক্রিতে
হিরপে নাহদী ইইলেন:

মহারাষ্ট্র য ইন্দুপ্রকাশ বাসু তারকর'ণ
পোনের ২ও পরণাণার প্রতিনিধি ক্লকের পদাভিথেকের বিষধে বিশেষ আহ্বাদ শ্রেনাথ কবিষা বোখাই গ্রণমেন্টকে বল্দেশীর প্রণ্মেন্টের অক্সরণ করিতে অপ্রোধ করিরাছেন।
তিনি বলেন ওতন্দেশীরদিগকে উক্তর পাশ্ দিবার বিষয়ে খোগলেরা ইংরাজ দিগের জা পোকা অধিক ধদান্ত। প্রকাশ করিয়াছেন।
ইংরাজ দিগের অন্যাশিও আক্রারের নায়
লাসন প্রালী শিক্ষা করিতে বাকী আছে।

মাঁট এর পে বাষ্টর কাণ্ডেন ছেনি স বিচা-রে দোবী হইরা গলারন করিরাফেন। সেনা-ললে এক্ষণে বড় বড় লোকের ভাবিভাব দেখা রাইডেকে!

दिवस के किस्ता नामाक्ष्मित्नम अक्षे पूछ दिलक्ष्मिक क्षेत्र जांश कामाजित्सम विद्वारवत क्या निर्मित्रारकेंग । जनका भारकें ট পাডার ছল করটেড ডাহার্ফে চিকিৎসলিরে প্রেরণ করিবার আঞা কয়। সে ভাষা স্বাঞা-क कतिया करतक कर महण्डतत मंदाबूख व खि न प्रम जाकिनतरक वृष्ठ थ क्रव करत । खलू व-ইতে করেক জন ইউরোপীর সেন। আগিরা जाकिनइक्षिगरक मुक्त ও विद्रारी क्रिगरक इन्द्र कतिबादह । अहे मरवाने पश्चि वर्णार्थ एव एक-থা বাইডেছে, কর্মচারিমিগের পরস্পরের ভিপতে একটী শাসন শুধুলা আছে ভাহা क्राप्त क्रम स्ट्रेटक ।

बरम्का विद्वारी कृष्ठीत्वय निक्रि ५ छ স্ট্রাছে। ভালারা মণিপুরের রাজা চঞ্জীদি নি হকে পদ্যাত করিতে আণিয়া আগনারা ধ ও হইন।ছে। আৰম্ভ বোধকরি ভাছায়। চট্টপ্রানের বিজোহী নিপাহী।

শাইব পাড়ার বিদ্যালয়ের জন্য প্রতিমাসে ५३ डेक्स डीए। प्रिरंक जाकीकांग्र कतिहार्ड्य । -ां भी वर्षभन्नी भाषभंभी आज्ञां कि करवास स्थान औ ्यांक विका विकट्स मिद्रिक्ष छैश्माङ क्रिएक-(SA |

২৩৭ আৰেণ বৃহ পতিবায় ৷ ু

कॅं.भिन स्विथां छ विद्यारी ७ मना गर्न म भिष्क एउ बहेग्राट्ड । काटल्यन समाप्त रही। ভাষাকে আজমণ থবিয়া কম্মেক জন শহচর সভিত বধ করিয়াছেন !

श्यमवाराष्ट्रवान श्रीत वासा श्रातिवात । विद्यम । काम क्षवा मदम्य भारे । অপক্রম করিভেছেন। ভাছাব বেগম ও দ**্র** भी निरम्ब सन्। ऋषन होरबूद स्वित्य होना क्षिक्षण कड़ा वहेश हि।

नागांत स्वत्र सम्बद्ध हुनांव हाटमत स्वास्ता (विद्यादक्रम ।

महिनाम शकान ७, २,००० लांक आहरू ট্রার মধ্যে ২,২৫ ১০০১ ভারত্তবর্ষীর। তথার ६०,००० बाज स्वय अह्व क तमाह्य । यन उः छिशांन दिनिद्वय मश्याद्वे खांधक।

েইর পশ্চিমাঞ্চল পঞ্চাবে গভ বংসরে व^{र भ}नेटका ५,,,1,१८,००० होका श्रांक श्र नेश जाणांत्र इट्याटक । धुर्वा वर्गव जार्भका ^{>भ} शक **हे** की व्यक्ति हाथ। यहिन्द्र छि । हा

জাটিতে ছবিস

कार्टक्षत न्यानिम त्याचाहेननद्व पुष्ठ वहे-ক্লাছেন। বলের ভারে তিনি পলাভক ছইবা क्टिन ।

हेश्मधीत भवन्यके किथा डेलधील मुन **एक द्वायक महेरछ जन्मछ हहेग्राट्य**ः क्रांटनत् अहे अक् सुरवानाः

কাট্ৰ ক্টি আইন ক্ৰান্ত অপে অপে এ-চলিত কইতেছে : ভাবতবৰ্ষ ব্যুস্থাপঞ্চ শভা শীম্র মধ্য ভারতবর্ষায় প্রক্রিক স্বার্ক 👁 রেইলওকের মঙ্গুরুদিশের নিমিন্ত এই প্রয়ার अक्षि चार्टेन कतिर्दन , नर्सनाथान् ला के त्रम दे**ष्ट्री ऋरहत्र का**डा ०,000 कि पु इस्ति कार्यु

व्यान् वादिक वटनन " और किकाद्वीत र े मह देखेरहां भी ग्रुटानी भारतात ख्रामन महना. শুনা গোল পানাবণী ছালী রোসমণির কন্যা। বী নহেন ? ছুরাজা হিলি ফলিকাডায় আনি- বিশ্বি করিভেছেন। वात शूटका कदगक अन वातिशेत आदिशन कति-রাছেন ভাগার প্রথম বিচাব যেন হলোগ্রের না **इग । क्लि 'ङ। ङान - यर्गाइरह इट्रेंटन 'ब्रह्मक** । অপ্তনীর প্রমাণ প এমা ষাটবে।

> গত শুক্রবাৰ শ্রীবামপুরের নিশটে ডাম্লা ইতি কৰিসনবের অধীনস্থ এক খানি বংশীয় ভাতিরা ম্যাস্কের নে কার বইলর मुद्रा श्रेगिति ।

दश्य अनुशक्ति (श्रम, जा अल्लाम आ গামি শাত্তবালে ভারতবর্ষ দর্শন করিতে জা

শ্রীশমপুরের টেসন্ম,ীর বংলার (এক खन के बाख) ७०० हे ना नक्षा १ २०, हे न ভত্তৰপ কবিয়া পলায়ন ফ নিয়া সাণভাষ ৰুত हरेपादछ । 🕮 ,कि र तो हि ,बार असे ने नाम शह बद्धन ' डेक र ज़ित्र ५० डेलि बाज ८५७न (मध्याटक म बड़े कांचा कविणाटक । काडबर ্বইলওয়ে কোম্পানিরই দেনে বলিতে **হইবে** । : काञ्चलको यहिरशद ,बलावे " कामक'डा र "স্থালকারিডাই প্রজাতিবাহির ইইলা পড়ে।!

वन्द्रमभीद् वहारश्चन व्यथहरकत्री उंकि करशब् मिद्धारोति प्रिकिनान मास्वरक ३००० विमि পুরস্বার দিয়াছেন। এই পুরস্কায় যোগ্য পাত্রে अण्ख स्कृत दहा

माञ्चाक अविनिध्य बेट्यान, "क्रार्टकाटकक्ष রা সার সম্পার অলকারাদি ঐভার্শন ক্যা करेटन । रूपन करहकति बीयक श्लीपां बहेटक-नहेरछ हहेरन जनन न ब्या कर्डना व्यवस्थ অভিশব্ন মীচালরতা প্রকাল হয়।

रें जिनियन क्रांच के कुछ एरे ब्राइट । अरे म का है डेरब्राभीत ए अक्टबनी ब्रह्मित स्थि मा बर्श्वस्त्र क्रमा स्त्र। किन्द्र म मधीई निष् हरेन नः। भाषांक्रिशंद क्षांक्रा**क्रियां**न ७ हे पै রোপীরদিগের অহংকার সা ক্ষরিলে পরকা- 📑 रवद्र विजन स्ट्रेटर ना ।

যক্ষলাইট অবণ করিয়াছেন পেলোয়ারে র সেনাণতি সর সিভনি কটন খীর পূদ ভ্যা গ কবিচেড্ডেন।

কাবুল হইডে সংবাদ আলিরাছে আদীর দোন্ত বহন্দ হেরাটের ৭৫ কোশ দুরে অব

एक चव हे छित्रा वरनमः शक शान चाधीम ইলে বালালীয়া সমুখায় প্রতন দেখিয়া এক कारत ध्राप्त इट्टेर्स्स । " का,माजिटगत वर्धमान की क्षत्रकां व व्यक्तिकाञ्चा । कुनश्कादात्र विनय বিদেননা করিংশে একথা অসমত বৌশ্

शक मना अकारहम शृष्ट विश्वनिधिक का डिक्न विक्रीफ क्रेब्राइः--

সিশ্বক	मू ना
(वह दिव ३०-४	ie, an de
काणीव ३५७६ '	26,46,000
েহারের আইকেন গড়ে	549-II/8
ও কানীর অভিছেন	5 28 = Na
বিজ্ঞাত হইয়াছে। তথাপি	পর চারলস উড
জকুশানের ভব করেন।	

ভাক্তর হরণ ত্রুক নামক একজন ইউরো-পীর ২৫০ **টাকার লোট চুরি করিরা** ভাষাতে জাল স্বাক্ষর করাতে ভাহাকে নেসিখনে সম-र्भंग कड़ा घडेशाद्य । 700

३८७ छ।रण खळारांत्र।

নিয়ন্ত আছুৰ্ভ মটনাতী কোন আলৌয় বন্ধুর নিকট আবণ করিয়া অতিশন বিষ্ময়া-পর হইলাম । চারিশপারগণার অন্তঃপাতী ধ্বধনি নামক প্রীতে এক সংগোপের লৈ

ह्यान अवही काली द्वाप्त २५हे। स्माही পর হইয়াছে।

বোদাই প্রেসিডেক্সিডে এক জন পরি 🖟 গিভ ও ভূষির ভূতা উল্বা নামক এক আনে মনুষ জানিতে গি"টিল। ভত্ৰতা লৌর'ন-গের এই শকা ক্ষকে যে পর্জুরিক্স মর্র লি क्रियात सम्बद्ध कि महिएक क्यानिशाहक । या विव करवृक्त के कि अकड़ रहेत्रा छ। शहर नम ু করিয়াছে। উত্তার মাজিছে ট কলেব জনকে ধরিয়া সেপিয়নে সমর্পণ করেন। ভব ভাষা-मिर्गद्र **मध विधान क**तिग्राहित्तनः किः जनत महेरा खादाता मुख्य महेमारह। नत्र गलिया আখল জ্বিধার কারণ কি গ

भवर्गद्वके व्याख्या निहादकत्म महत्र राध চারী ২০ টাকার অধিক বেডন পান ভাঁচ'দি গ্ৰেষ দেওন লট্বার স্ময়ে এল হাংনাব **बेडोच्च ब्रिंग्स मिटल क्वेट**न ! करम ऐंडे!^{च्ड} काइरवत् शताक्ष्म क्षणाम स्ट्रेस्टर्ड। अभव এট প্রাপ্ত থামিরা থানিলেও মঞ্জ।

১৮३१ ७८ मत्र विद्वाद केदिन केद्रा करा है। पूर्वे प्रम हे हेट ताशीय दहरेग छत्य हे मर अति १८४ वध तरतः अशिषिकात कराव अन नधी ५७ के ब्रीएर ।

शक्यभाष्ट्रित अक कन म वाममाङ्गास ম, ভাতের মৌএট ভাত্রর মানিলভের পরি बर्व अभाव धिकिश्य इंनरण्यकेत स्थानत्रम क्ट्रेट्ट्स ए खान स्मोव है एस इंगरणाहित অংশ্যে তথ্য অনিক যোগ্যত, প্রদর্শন ्रवात्रिक्षण "विश्वदेखी।

क्याहित राष्ट्री , मक्डे अडेस्बाद आविद्र প্তিভ ফৰিকা, গ্ৰিপ্ৰাধে গোলেন নামক क्षक दाख्यिक सह भाग दि रे काम्रा ब्रानिस तित् । किए त्र अक्टकार्ग छ पुछ इत्रेग्नाटक । । बाराजीर्थं किंदिर काल अन्त क्षेत्रा क्षेत्र

२१० चौर्ण मानती ।

किबिका नर्मा १८ मेर विकास ग्रह्मका त्या मिविन वेकि गालिक पादन व २,२७०-ार्थ बाब करे होटे ह

기 4-1

13

केल्क भाव कारन करिए इस डेएकाट्स ए **क्रिक क्षेत्रां प्रश्नानन। अ** १ .७ .०।ल काउप व कारतक दोना ज्यानिहाँ तिरहरह । ताला निज का न व है। ক্ষিষিত্ত ট্ৰাকা লিডেছেন ও প্ৰা मिवात अब नामा विभ छेलाश करिए ५ े कितीय मब जामिलीक मह 'न । **उड़ांव एक मित्रमंस गो**याज्ञ उ ्रेक्ट्राइफ शकारवत्र गर्वन स्वले जरारः nie fraice4

পরিদর্শকে বিশিক্ত হইগ্রাডে কিছুদিন থ-र्क्स रेवकव च होब्ब अक काकाइ कि इब्न, होनिश পুন্তের দানোনা হানিফ খাঁ ড কাইডসিনকে 🌡 ধরিণা মাঙি **ট্রেইডে চালান** করিয় দেন, ইতি পুর্মে তাহার এলাহার আর যে তিনটা ডা-কাইতি হয় তাহাবৰ ডাকাইত দিগকৈ ধৰিয়া Cen ' अभन्न श्रीमध्ये दि नर्वता अभःनः निएउ भारे।

मित्र विधिष्ठ मुरक्षा अवर्गरमर हेत्र कांगज বিক্রীত হইতেছে।

१० है।कान निका בולפ --לפ שופה וו. ב ह है।काम त्यांश्यानित्र 2000-5-3110 77 × 3 (制體)

> -3/110-উরোগার **সমান্তার**।

टेक्टियाक्या व विश्वविक देवेदवालीय সন্, 'বু আলিয়া'ছে।

लयन १४ हे स्थादि । स्थाप्त भौद्वत मत्र छ।दलम छिए एवं क्षीटन व्यव क्षेत्र कित्व भा। मह क्ष লস উজ গল দীর্থ বিজ্ঞ। ল'বছ। এ বিষয় মগ্ন मक्रार " क्रानाबेग्राटक ।

কু। ক্ষা ইউরেপে ও মানিটা সা क्रांख कञ्चलिति । यात्र कर्ष्ट्राण कर्षतः । स्य क्रांद-**সেন্স** টেম্বর ब'र क्रवा धक मित्र कविष्ठ*cs इ. त क्ला क्रिया छ अभिहार एक्री टे. मे यह । পর্জ্পার সাল হলবে मिक्टिकाट बक का इंडेटर्राशील दे। भ के क বে মারণিত কিয়নিংসের জন। একটা নতন

मात्रक . लोको उदेश हि । লাজেগায়াবের লোকস্বিগের দিন দিন ক্ট क्रकि क्षेत्रसम्बद्ध कार्के एक्ष्यू कार्य किल्ला मन। मका , कार्या कालाव ।

গারিবকড়ি এক ব সূত্র কবিত কব বী সমূৰ্ণ ८ हें निका कराट है। जिन मक्स श्वास से दिवय करेय कांडियर जात्य रात हरे ३६७

भश्चन २४ व खुटा है। सार्च भानरकेत ५ हाझे भूष्ट्रम, शक्तिग विकासिक स्मारकदा कमा कि की ণ্যজ আনোচে ইংল্ড ডাগালগণে স্বাধীন িব,লিখা স্থীনেবে ক্রি, ৩৬৮ন ন্। দেনাপতি মা-কিল্ম : চা সভাই বচন্ত্ৰে নিজ্ট প্ৰাফিল इड्रेच्य हम ।

बिडियेक है है मूश राजने यक्ति विक्रिकीय दका ब श्रेट दिस्की ज्यारम, एक १ यूट्स इक्षार्थन करद्रव फ इ. इइटम कर्तत, निरंशद श्रष्ट काल स्मार्थाः

মালট, ২২ এ জুলাই। সেনাপতি মাকিলন रि.अन्तिभित्यतं कर्ण अः । अग्रमन कतियाद्वन । ित्रभागक्षत्राह्यास्य काना ये अन्ति ।

> প্রিযুক্ত পেশ্যপ্রক,শসন্পাদক बार्ड, पर्दे सू ।

रहे इस्मिनीय असर श्विटवर करत्त अध्यक्त। कारक अव्यागक कर।

विवास केवकि इच्छाट्ड, फार्की किल्लूस्कृत निर्वत কৰা বাৰ !

Spee कुड़ारक कामांट तस चरेखपी श्रीवृक्त विश्वक नानविश्वक का कोम-मा जीवय राजिकाभित्यत हिस्टक 📆 मार्क क छात्रा अञ्चल अहिनाद ध्रम् कृतः विकल वर्षा-क प्रमाण्डे क स्रोक्ष करिश्रुत जिल्लाहरीय दल्ल कोलाब कविकी कीय खर्बहारब क' उर मा इदेश अधनीचे त्रद असू शहा कि हिन् নিসন সংক্রাস্ত ভিনটি বালিকাবিদ্যালয় স্থাপন করেন। বালিচ দিংগর সংখ্যে সূচনাধিক এচ শত, বিদ্যা নাৰ গুলি স্থাপিত চণ্ডাঃ পৰ্যাপ্ত আলা-নধি ব্যালখারা অধারনের পুত্তন পাইয়া প্রক্রুক। उन्दिम रेमिनक किथार किकिर माकु थातक अवर ेष्ट्रानम्**रशा अवस्य क्ष्यान**न दृशीम् সংহদ্যিক ছুই বাব বস্ত্ৰ পাইয়া খাচ্চ, এই टलप भाग दल्लीत वालिकाता हास वाहे. कुट यान प्रेणित त्यारधालय जास देशालि मिन्द्र कृतिहाः थे। एकः किन्दु सङ्ग्लाम् प्रशास विषय अहे रंग गर्भागाथावरणंत्र महनामक व्यक्तिकारमञ रिका खात्र क्षेटिएक् मा। का इहेबात नियुक्त-विडक्षक्षकर्षकात्र गरिए।

১) কালনাৰ লোকেৰ বিদায়্ৰিবলৈ অন্তৰ্ श न्तृष्ठे रुल्लिके व्य । विश्ववेष्ठः वालिकान ्र (सब शृष्ट्रा सिका कारत, हिंग शिवत स्वारा-্ৰ'ক ভৰ ব্ৰাচলপতি বাতিবেচক ক'ছারও অভি-ខ្មុនាឃ្ម

হ৷ সন্থান সন্ধৃতিৰ ন্যান্ত্ৰাল বিল্লা বিল্লা क्राजीत वा इ-िकर्रवा कर ि, अद्यामी ए पञ्चा विभीति देश्व अधिक कालन है जानार्म कवार्थ हरेस -/ছ , মাৰ পাল অপমান্তৰ মেণীয় **জী**জাতি আৰ कर काल धरे कूनवत्राय कालनाश्वस केन्ट्रस. । ভাহাত, কি কত্ত্বিলয়ার মার ছম্চতে চেই। বার

आव्याः व्याप्त ना करें कि विवाद स्टेशः थारकः श व्यानकित कृत कात काहत ए ही कि डि विमा निका कतिया भीख दिनव कर।, त। निहा कि कविती छ मार्ड वर्क निकट मह स्टार्ड छेलपुक्ष कल लिकात सहित्रके विगर

गनाथाशि।

औषुक बाद कालीकृषधन कतिवाउ। ১২৩৯ কৈটে অৰ্থি কাৰ্কিক প্ৰয়ন্ত কোঁণ ৫ টাক।

क्षित्रजी जू । दनभती बच्च वादनभत >२% क : द र्थ अ.वाह ख रिंध se दे (शोत शर्ता छ द वे সংগ্ৰাদ প্ৰিক। এছণ এক চক কভা ঘল বুর ১২৬ ৯ প্রারণ অংগি পৌষ পর্যাস্ক কোত ৫ জ

धम, बह हिममन महिन्द कुरामगढ़ >> ४% आत्रक कार्वि (भी व द्वार्तास स्क' o त व

এই ৭.ড ক্লিকাডার ধন্দিৰ পূর্ব্ধ নাত্রনা বেল চেইর অপুসালন সমুখার। হোলপা প্রীক্ষাদিকা নিশ্র তেওঁলাপুর টেসালয় ফাক্ষণ চাত হিচপত। প্রানে জিনুক্ত ্য, সেইস্কুপ্ ব্রীজ্ঞাতির ফাবত অংশলোকম করিটু বাচনা বধ বিষ্যাতুমধের অভিতে অতি সেশ্যর

अधिकोक

' प्रवर्तः प्रकृतिदिताय पार्थिनः सरम्बती यृतिनत्ति न द्वीयतां । »

8 ভাগ। ৪• সংখা;

भन ১२७२। ७ छाम। हे॰ ১৮७२। ১৮ जागक।

যাতিক সুকা ১ টাকা বাৰ্তিক অগ্ৰিম ১০ টাকা

বিজ্ঞাপন। মুক্তবে সোমপ্রকাশ (১র-বের নিয়ম।

অতিম মূল্য না পাটলে মকরলে বোমপ্রকাশ প্রেরণ করা যার না। ইয়ার বার্নিক
ফল্য ভাকনায়ল সমেত ১০ এবং নারাসিক
টোকা নির্দাণিত আছে । দণ লাগের গ্রানে
ক্রিল মূল্য এবণ করা বাধ না। মুক্যবের
বলি কোন ব্যক্তির সোমপ্রকাশ প্রক্রেব ইক্রা
কর, তিনি অগ্রিম মূল্য স্থিত পত্র লিখিলেই
পাইতে শারিখনে।

বিজ্ঞাপন । মুদ্বোধন্যকরণ।

নুধাবে, ধ লাকরণ বেবনাগর জাকরে মুন্তি চটরা পট্ড চাল। বাবেতের নিকটে লক্ষিত্র ভাকালভারের সোবানে বিক্রার চট্টতেছে। মূল্য ৮০ বার মানা।

বিজ্ঞাপন। বাসবদতা।

তা ° ২৫ জাবণ / জীরামদান নেন সন১২ ৬৯ সাল / সাং বহন্তমপুর

्रिकाल ।

বাজনা সরু দেনটি প্রস্থান্য ও সমচেরে এবং সামরিক পত্রিক। পাঠগুরু । বাহারা হাওলাত করিব। বাললা গ্রন্থ করিতে থানস করেন তাহার। নিয় লিখিত

নিয়ম দকলে সমত হট্যা আমাদিনের চাঁদা পুতকে বাক্ষর করিলে পুত্তকাদি হাওলাত দেওরা বাটবেক।

১ম। প্রানকগণকে প্রতি গ্রন্থে ভারিকা নার হিসাবে প্রতি নাসে চালা লিভে ইটকেক এবং ভালা মাসের প্রগনে লিভে ইটকেক, এক সাসের স্থান মূলা প্রহণ কর। বাইবে কানা।

২য়। এক মাদের কানিক কেন কোন প্রায় রাখিলে ভাগকে ভাগর মূল্য দিতে হই বেকঃ

তর। বিনি বে হানস্থার পুত্রক লইকা বাইবেন, তাঁহ চে সেই 'অবস্থার স্বেত দি তে হইবেদ ভাহার জনাধা করিলে পুত্রের মূল্য দিতে হইবেক।

নর্ধ। অপ্রিচিত ব্যক্তিকে পুস্তকের মূল।
ক্ষমা রাখিতে চলবৈ অথবা এক ক্ষম পবিচিত ব্যক্তিকে জামিন দিতে ইউবেক। তাহা
চালে তাহাকে পুস্তক হাওণাত দেওয়া বাই
বেক।

ধম। স্থাচার ও সমায়িক পত্রিকা সকল আমাদিগের গ্রন্থালয়ে আসিয়া পঠি করিলে কোন মূল্যই লাগিবেৰ না:

> क्ष व उपनर्भ निष्ठ हे क्षित्रान वाहरतिय करन्छ सि है जर ५७।

সোমগ্রকাশ।

ও প্ৰভাৱে লোমবার।

সদস্থার ফোট আছাক ৩, নীসকর ও প্রজ্ঞানন।

ख्यां किर्मात्र हा क्र श्रूकरण्या । जात्रक्य र् जिम्माबिश्यत्र ती क अधान अल्लाब अल.-

त्रंत हिण छेत्मन क्तिया त्य नक्त काळ.

करतन, जिल्लीहरू लाक मरनानीच क्रित

रात त्यारव जावात ज्यानकाश्य करलाश्यातक

हत्र ना। मक्त्ररल हां हे ज्यावानक ज्ञालेल

कर्कि मरहाशकातक कावा मरलह नाहे

क्रित विज्ञातशिक त्यारव ज्ञाले क्रितिक्र क्रित विज्ञातशिक त्यारव ज्ञाले क्रितिक्र क्रित विज्ञातशिक त्यारव ज्ञाले क्रितिक्र क्रित व्याप्त क्रित व्याप्त क्रितिक्र क्रित व्याप्त क्रितिक्र क्रित व्याप्त क्रित क्रितिक्र क्रित व्याप्त क्रितिक्र क्रित व्याप्त क्रित क्रित क्रितिक्र क्रित व्याप्त क्रित क्रितिक्र क्रित व्याप्त क्रित क्रितिक्र क्रित व्याप्त क्रितिक्र क्रित व्याप्त क्रितिक्र क्रित व्याप्त क्रित क्रितिक्र क्रित व्याप्त क्रित क्रितिक्र क्रित व्याप्त क्रित क्रितिक्र क्रित व्याप्त क्रितिक्र क्रित व्याप्त क्रित क्रितिक्र क्रित व्याप्त क्रितिक्र क्रित व्याप्त क्रित क्रित

এই সমূল রবের আকর, ইবা বহুতে করি লাভ বইবে এই আলা করিরা ইবার কেবিঃ করিলান, ধন দুয়ে থাকুক, কারবারি খারা। মুখ পরিপুরিত বইন।

यथन वावशालक नंखाइ मक्यांन की है जानान्छ श्राज्ञित श्रांन निर्देश हो। कालन वत, तारे नगरतरे जानती किलांग, ता नज्जा नाक्षि नगर जानांग कार्य कतित्रा शतिशक क नवश्रीके की गारकन, तारे तारे वाजिएकरे के स्वाक्ष्य जात कता कर्षवा, किस बाजश्रात्म की केत्रित्मत श्रांक जिल्हा कियान रूक गारक नकत प्रांत जातिशत कियान रूक गारक नकत प्रांत जातिशत गरेंग कियानि निर्देश कार्य गरेंग जात्रा त अक थानि श्रांति निरंत श्रांति हरेंल । क्रिंतरकर । ता वंशिन निरंत श्रांति हरेंल ।

महानप्तः आलगास्त्रः ७ के जनगर १व अङ्-क्रिकासिशात् नीम अधान अल्लाब अस्- निश्रक वामेद वर्षेट्ड छेक्काव व्यक्तिवृत्ति एव है। धरर । गञ्चात इ:थ विस्मापन क्रिकेश अञ्चलहरू वर कार्य বাধাৰ ও হিল্পালেট্যুটের লেখনী ধারণ সমু-भग्रका बहेल! अक द्वांगे आमानक श्वांशित ६-अमारकरे मीमकाजित्यत पूर्ववर मीताचा ७ अञाजात श्रेमहीशयम कतिहादह । यमि वाद् का শীৰ্ব মিত্র কিয়া টুম্মন সাহেবের ন্যায় নিব- ছিল ওছউড্ডেছে, ভাষা লিখিয়া কি জ ন,১২। পেক বিচারপতিধণ হোট আদাসত সদলের क्षा का का कि विकाद के एउन, का माहित्य जि **इत्रवंश इहेड मा अवर श्र**काता व्य व्यक्ति-म जर् देशार्कम कविष्ठाहिम छ"वाल-बाहादि उ म । **এব কর্মন কার্মির বিচারণভিপাদে মি:চাজি ম** क्षेत्रारक्षेत्र, उत्तरथा कृषियात वक मनागडि बीए उ টেম্পল সাহেৰ সৰ্বা গুণে গুণায়িত ৷ বিন্দী দংহৰ লিংবাৰ লাহেহৰেৰ সন্মিচাৰ মহাপয়ের অবিলিড ্রিনাই। টেম্পাল সাংহর তাঁহারও উপরে চলেন! ুইনি অভাতি শক্ষণতিতা বিষয়ে সকলকে পৰা का महिश्रद्वम । देउँदानीत य मिथा। करह देश किमि आशिष्क विदास करतन मा। विठा-क्रोम्टम ब्रिक्ट न्माएँ है बिन्द्रा शास्त्रन या मारहर ्री जाक कर्षेत्र विथा। कह ना। अक्रुश योशंत जः-স্কার,,প্রাহণ ভইতে সকল্যার ধ্বার্থ বিচার হট-· बाद गक्काँबमा कि ? क्यान नी लक्द नालीम खेल-श्चिष्ठ कतिरम अम क्या देशताच माकी शाकिरमध त्र मकस्याम भीनकद्वर निम्हत स्वय एत ।

উक्ट ७०% मरहाम्य अस्मीत ७ वेखेरतांभीत উভয়েন মকক্ষাতে একট আইনের ভিন্ন ভিন্ন ভার্থ क्तिप्र' थाट्यन ! चावण चूत्रस्य मीलका अक शकान माध्य, गांव काणिया महेबाटब, विमिन्ना फोट्टाब भूमा भारेगांत नामीम करत । शक्रियांनी शका बहे यागडि कतिन, त्य ३८ आहेत्यत २ शाताञ्च मारत मार्ट्यय नामित्य श्रीमंत्र श्रीमाह्य । किन् स्य वर्गी गिठावशिंड शक्षण ५३ आहेरवड ३७ ষারা খটিটিয়া একান গতিকু,ল ডিফ্রী দিলেন

নি কেনি সা হলের গৃহ দেবতা, কেনি সাহেরের चात्र बांग धावः किंग मारक् नव चात् काञ्चाविक করেল। ইহঁার সহায়তায় কে,নি সাচেব অনেক 🔊 अवात रिक्टर विथा। नोनिन कविया विकी शा-ইয়াছেন। কি আশ্চার্যা ' একটা ভবুব গাড়েব মূ-**जा ७० है। देश कि बरानर कथन** जारव कवि-कृत्यन ? दर्गन मार्टन श्रद्धां के शाहनत पानक-नर्था अथान अथान अवाह नाम धरे अकार জনার ডিক্রী প্রাপ্ত বঙ্গাতে প্রজারা হতাশ চ-🏂 देश भी जात जायन जीकार कविश्राह । म 📑 मह अञ्चलका भावेकवर्त किया मोटकवर विज्ञासन काटसम मत्त्वह माहे, किन्नु डॉबरिय म-

रग्रनाहे, आदश्य कामाग्र कतिया अभि प्रतीत প্তিও ভূমে হটতে গোক ধবিয় স্টয়: ে ''' : विद्याहर । व्यक्तक अन्न, ब्राची प्राप्त । केटा CHF थ्,लभ्य केविएड साहस्य म्,रग २०१^०० ४० कर-বিয়া বেশ ভিত্তে। এড স্ক্রিল এক এক প্রকার বি रङ्ग करु = उ विश्वार मालिल 'উश्क्रिक' २ हर्गा-ध्रम्भिरशंद मुझ्यं नर्गन कविरक्त कारण खाम किन् জেলজন্ম দিটাৰ হয়। পাজাৰা চাৰ কবিৰে 🗀 कि मुरुक्षमा करणांच विश्वक, बहे छिष्ठांच राष्ट्रिल बहेग्रा क्रान्टमध्य क्षांत्र मञ्जू करिए उ. व. श्री परा राइ(सर महब्रांचे कडेग्रांच । स्ट्रींगड राडि ८क्रेल्यस म्हाउटाव विकास अन्यामा की b। दे गड मवर्था अस्यादा किया पर्वाप्त में अस्य श्री भृष्टिभा र करिरवन (राव व्य नः । गमि के।तिक কাৰিয় কোন শক্ষাল কাকিনেৰ বিশ্লুক এছ क्षा इत्यान्त्र क्षित्रहरू, हिन प्रत्म हि श्रम-छाउ ४डे८५२। धक्कान श्वर्गात्रपुर सिक्ते अहे आर्थन, यात टाकापिश शह कि एक एक विकास कर পোৰ প্রোয় কল্ল হয়, মুর্বলকে বক্ষা কৰা ওঁছ-सिर्श्य कर्तना कर्या हम, उत्य श्रक्तां प्रध्यत भाग मरमय श्रांत श्रांविधीम क्यून।

টেম্পল সাহেব কেনি সাচেবের গৃচে वाम ७ काष्ट्रांति १ दुवन । এই । किन माटक বের সহিত প্রদানিগের বিশ্রাণ ভঞ্জনার্থ टिम्मान भक्दरल निर्गाह न। व्हिन महि ৰ ৰাদী ও প্ৰজাৱ। প্ৰতিবাদী। এনপ স্থলে টেম্পলের কেনির গৃহে বাস ও কা ছারি করা যে কেনে র'জকীয় আজ্ঞা, विधि अथवा युक्तित्र अनुमार्थी. ट टा आ मालित्भव (बाधभमा स्ट्रेट्ड्ड्इ मा । ५वन মেন্ট একপ অনভিজ্ঞ লোক্দিগকে নিযু ক্ত করিয়াছেন, ইছ'র প্রত্যবায় ভাগী কে **भ्ट्रेट्यन** ३

আমাদিধের পত্র প্রেরক টেম্পলের বিষয়ে যেত্রপ লিথিয়াছেন, তাহা যদি সভ্য হয়_ত (ইমাৰ সভ:তা বিষয়ে সন্দেহ করিবার কারণ নাই, পত্র প্রেরক লিবি গাছেন, ইফা সপ্রমাণ করিয়া দিবেন) रिश्वध निष्ठ व कार्डाया सूच् ख नवादिनामञ् ग्राविकाद्र कारलब विष्ठांत्रकर्फाण्डियंत्र 🕶 क्ष्मव विकास स्वीतामा । नायात्रस्य द्याप्तव । भिष्कः अधिककत अभिकेकात्रक नात्मह

নাই , উক্ত নবাবনিগের অধিকার কালে विहात दांश्रांता माकांच मद्राक्ष अव्यक्ति म র্মাণ করিছেন, ইছ রা অসাকা**ৎ সমুদ্রে** করিতেছেন। বিচারণ্ডির এবলিধ বাব হাব দেশের উন্নতির প্রধান প্রতিবন্ধক। যে দেশের প্রজাবা স্থাধীনরুত্তি হইয়া क्ष्यापि कार्या कविष्ठ ममर्थ मा इय, स्म . रमत कथम औद्रिक्त क्य ना । धक्तभ बाब শর বাজা শাসের নিজন্ত বিরোধী। জন क्युंतर्हे जिन लिथियाएएन " एवं अ'हेन ७ েবার র এক লোগির **অথবা এক** সম্প্র দায়ের খানিকী করিয়া **অপর ভোগি অথব**ণ অপর সম্প্রদাথের ইউ সাধন করে, যাহা কচকংলি প্রশায় আত্মহিত চেকীর এতি রোধক হয় তাদ, বার্জালাপ্তের মূল বৃক্তি ः निकान दिक्षकः । ये मकल चारेन ५ दा वृहर्ग मा धा किएन (मर्टनेत नांधावरणा (म উৎপদেন শাস্ত্রি থাকে, ভাচা কলিয়া যায় ৷ শ্রমার বেস্থলের করে করিছেছি, ত স্থলে আইনেব দোৰ না থ।কিলেও বি চারণাতিব লোবে বাৰহাৰ দেবে ফক্সি 7.75

বিধনাবিধাই :

ভামরা ভাবন করিয়া পরম ভাহ্যাদিত হইলাম ছগলীকেলার অক্লোডী বীর সিংহ আমে ২৪ আবণ শুক্রবার মহাসমা বোচে একটি বিবালিবাস চটয়া পিয়া क् । अहे वीव्रितिश्र विश्वविविष्धवर्षक প্রীযুত ঈশ্বচন্দ্র বিদ্যাসাণ্যরের বাসকা না ইতিপুর্বে এই আমের চতুর্দিকে চ खुरकाना द्रामकीवनभूद अपृष्टि नानाशा নে বিবাহ হইভেছিল, বীরসিংহ আমে এই প্রথম সূত্রপাত ধইল। বীরসিংহ রাধানগৰ উড়পালা বছপুর লক্ষাণপুর উ महश्रक्ष भीर्वधाम विक्तिसभूत (गःविक्रभूत প্ৰভৃতি এ'লেব দাখতীয় ভদ্ৰলোক সজা क् इरेश कर्य नमाथ कतिशास्ता।

जे कक्षरम शंक किंग उदगरत कर्त

क्टम २०। २२ छि विथवात ब्रिवाच क्लैताटक किछ कान विवादश्ये अक्षेत्र मगारतात् ও এরপ বছ্ঞানের সন্মতি ও বছ ভত্র लाएकत अम'शम रम्न नारे। यद्वत्र नाम প্রীয়ত রামপ্রকা পাঠক, বরস্থা বৎস रा अहे हेरीत अधम विवाह। कनगत नाम अवडी कामधिनी (मर्वी, कीव्रशाह निवा वानी जीवृक हात्राधन চট्টোপাধাरः त ক্ষা। পাঁচ বংসর ব্যুসে চল্লুকোনানিব। সী এ সীভারাম চৌধুরীর সভিত প্রথম विवाह इनेश के ब्यूनदार देवथवा मध्यके इत्ता अक्तरः, कार्णीयनीत्र बगःक्रम क नत्र तक्षात्र मात्र । विद्युष्टना क्रिएक शादन वा (जाटन नम्पिक मम्पिक मक्रमील ना क्रमेटन मालि कामिनीत विवादहत शक्क वसन् हत न.है। अदे वरात्मत माथा विवाह देवंब, डेबांड लांख इस मा। विवालिका विवास वा प्रकारन ७ भूनताश विवाह हरेल !

ধ্বর্থেটের অথবা মিসনরিদিয়ের কাহার বিদ্যালয়ে তাশিকা 罗夏!

जारक वर्षी ग्रिपिटशङ्क नमाज्ञ. वर्ष. हाका ख পাসন প্রণালী প্রভৃতি যে গে বিষয়ে নিরুষ্ট 🐠 ও সদেশতা দৃষ্টিগোচর হইয়া ধাকে, সে সমু ৰায়গুলি এক কার্বে প্যাবসিত হুইতে পারে; ভাছা দুবীভৃত করিবারও এক মাত্র উপায় আছে। বিদ্যাশিক্ষার অজাবই আনাদিগের ভাৰৎ কটের কারণ। আমাদিনের দেশের य चन्द्रन दिनान अमधिक जमानत हरे য়াছে, সে খুল হ**ইতে কু**স স্কার প্রভৃতি शलागत्नाच्यू च व्हेशाटक् १ त्य खटल प्लाहात्र সভাব, সেই স্থলেই নানা দোবের প্রছর্ভাব। ए**দি আমাদি**গের ক্লাকেরা লেখাপড়া জ। নত, ভাছা হইলে কি ভাছারা প্রভাক ভুমাধিকারী ও মীলকরের দান চ্ট্রা ধাকিত ৷ মধাম ও প্রথম জেণি ঘদি প্রকৃত **ह**्विमा **इटे**एक्स, जात्रामिरगंद नात्राक्रिक मित्र कि कालिक अरमभरक धवन छूत्र ব্যোপ্তক করিয়া স্থাবিতে পারিত। ইংল द्वीव प्रदेशिका कि जागानित्यव यथार्थ पर

७ व्यक्ति मात्म शतायथ हरेटड शाहि তেন ৷ কেবল এক বিদ্যালিক্ষার অভাব কি चामांक्रिलंड चौनका, ७ मध्यामा गाइ नामि विष्रदेश अधान कात्र नदह । अपन भिव अधिकांश्य लाटक यनि क्रुडविमा হইতেন, আমর। কি কানাড়ার ও অত্তে निशांत छेशनिरवर्णकाति किरशत नात तो ज्ञानानी हरेए शांत्रजाम मा ?

আমাদিপের গ্রহণমেন্ট ও আমরা এ विषदत्र कड पूत्र क्रुडकांगा इरेताहि, अकारण ভবিষয় বিবেচনা করা আবশাক। বেংধ रुत्र, এकथा प्रकटलरे दीकात कतिर्वन, কেবল গবর্ণমেণ্টের চেন্টায় দেশের সম্যক এদেশের গোকের তাদুশ বত্ন ও অনুরাগ नारे, मूज्द्राः शननंत्रके या किছू करत्रन, ছাহাই প্যাপ্ত জ্ঞান করিয়া থাকেন। किंब्र अवाली अवलंबन क्रिट्स (मण ग) ারণ থাবতীয় লোকের শিক্ষা কাথ্য সুন্দর इत्भ जम्भन्न हरा, এवः धर्यनी जित्र छैन्छि গাধনের উপায় বিধান বাভিরেকে যে শিক্ষাদান প্রণালী, তাহা পূর্ণ ও প্রশংস বীয় ন্য , এ সকল চিন্তাদ আমাদিদের ্যায় গ্রণ্মেণ্টও ক্লেশ স্বীকারে বড় সমত । হেন। ধর্মনীতির সমধিক চর্চা ও সৎ ধণালী অনুসারে যে সুশিকা চইতেছে া, প্রধান পুরুষদিধ্যের কোন লোন ব্যক্তি । मूरथे ७ अकथ। कथन कथन लानिएक शा 750 ३म्। साम् ।

त्वाष.हेटात भवर्गत मत वार्षेत मितुषात ঃক বিদ্যালয়ের পাবিভোবিক দান সময়ে **১হিয়াছেন, গবর্ণমেণ্টের প্রতিষ্ঠিত নিদ্যা** য়ের অপেক্ষা মিসনরিদিগের প্রতিষ্ঠিত [मानाम डेडम निका इडेमा शास्त्र। अहे [बर्दन बीमाश्मार्थी क्रेशो नश्वाम शक्र म ल पुरे मत्त विख्ख रहेग्रादश्व। এक प्रम युर्दमर्गेत्र व्यवलिक भिका क्षशालीएक র্গে লইয়া ঘাইছেছেন, মৃপন্ন দল মিসমরি

विगालरत्रत्र निका अभागीरक कार्के कर्न त्र गरेश गरेवात कड़ीय चार्ट्य । क्रिड चामहा चिन्ना बानित हा है के उच्च दिय সদোব শিক্ষা প্রথালীর একটারও উদুর্শ শ্রস পত প্ৰশংসাগানে উন্ধ নহি। যে শিক্ষা প্রণালী দারা বৃদ্ধির্ভির অধিকতর মার্ক্ ना इत. त्म चरत्म शवर्गत्मक विकास्मारबंड , ष्टांजिंग्रिके श्रीभाग नवन शिष्टक इरेस्र থাকে। সাহিত্য, গণিত, ইতিহাস, বার্তা ু শান্ত্র, এ সমুসার বিষয়ে সবর্ণমে**ন্ট** বিস্লাচ লয়ের ছাত্রেরা আর সকলকে পরাত্র ক্র-রিয়াহেন। গ্রেসিডেশি কালে**লের করিছ षशत्र विज्ञानरतत्र ७ जूनवारे एत वाँ 1**ः কিন্তু ধর্মনীতি সংজ্ঞান্ত শিক্ষা প্রগালী প্রসদ উপস্থিত হইলে আমরা গবর্ণলৈক विमालरम् इाजभग्रक खारांना भएगरिन Beमारी महि। श्वर्गटम**े विचालात ए** इत्भ कार्या इरेग्न बाटक, जारांटक ब्लाका হাত্রগণের এবিবন্নে নিক্রউডা হওরা ক্ষরতা वेड यत्र । निकक्षन (क्वन हात्र विनंदर्ग গরীক্ষোজীর্ণ করাইবারই চেকা পান। গতের৷ ছুই হউক, আর ছুশরের হউক, াবিক পরীক্ষার সময়ে প্রশংসা সাক্ত ারিলেই শিক্ষকেরা ভাহার সমুবার্দ্ধ বোৰ ার্জনা করেন ৷ কর্তৃপ্রেক্টেও এই ার্হত রীভিতে উৎসাহ দান দরা হইরা াকে। অধিকসংখ্য হাত্র পরীক্ষার 🕏 हैर्न इहेटलहे छै। हान्ना कुछ हम । अ अश्ल দসন্ত্রি বিদ্যালয়ও সম্বিক সৌভাগ্য ালী নছেন। সেখানে বাইবল পাঠন। য় বটে, কিন্তু তাহা ছাত্রগণের চরিত্র সং শাধন বিষয়ে ভালুশ উপৰোগী হয় না। कान ছाত शृद्ध व्यवना विमानदम किवन राष्ट्रप्रकतिलः; वास्यत्लव्र फेशरमभानू गाउत लिल कि ना, त्रिमनति विकासराव व्यथ ক্ষরা অধবা শিক্ষকগণ কি এ সকলের मनुजक्षाम कत्रिशे भारकते ? अ नकरमह मनूनकान वाजित्तरक कि ছाजिय वर्गनी ভিত্তে বুংৎপত্তি জন্মিবার অধবা চরিদ

केक विमानरमम रिक् शांबिरशम ग्रह बारेबरमञ्ज छेनरकमानुबन चाहत्रव रु७३।७ সম্ভাবিত নয়। ভাঁছার। বিদ্যালয়ে যে श्राचंत्र प्रमृत्रात्री केशरम् स्वरंग करत्रन, পুত্র পিয়া ভাষার বিপরীত ধর্মানুসাবী আচরণ দেখেন। উঞ্চ বিখ্যালয়ের শিক্ষক भरवज्ञ एक वार्यम भारतारक पृथि, হৈছে তেয়া ভাষার উপদেশানুরপ আচরণ ক্ষিক্তি না, সৈ বিবন্ধে দুকি নাই। কেবল कि एक भक्तीत बाह्य छोरिक वाहेरालत ৰাষ্য শিষিলেই চরিতার্থতা লাভ হয়?

বে প্রবালীতে শিক্ষা করিলে সম্পূর্ণ बर्टन क्रुडार्चडा ज्ञारकत्र महावना चारक, कि गवर्गस्यके विमालरमञ्ज कि मिननति विकासित्व कांस विकासित्व वर्धात्क ্রাই ভদরুসরণ করেন না। সে প্রণালী **बहै, विमान**दात्र निष्म खिनि हरेटठ **षात्र**स করিয়া প্রথম এই নী প্রয়ন্ত ধর্মনীতি সংক্রান্ত উপদেন স্থানের নিয়ম করিতে হইবে ৷ হা व्यत के गृर कि विगालत कार्यात कि कंश कैंदहात कतिन, निकक्तिएशत ७६ বরের সবিশেব অনুসন্ধান করা আবশ্যক। शार्ठ मा इहेटल निकटकड्डा अथन रामन इ।जिन्दिशत मश्चविधान करतम, हतिज माप দর্শন করিলে তখন তেমনি দংঃবিধান ক ब्रिट्बन । यठ मिन এই नियम न। इटेट्ड्ट् क्रक भिन्न कि श्वर्गरमणे विभानम् कि मिन सब्रि विष्णालय कानदारमञ्जू निकाथ नानी माण र्रेटफटर ना । जकल विषद्यद्वरे वाला ৰধি অভাস চাই, অভাস বাভিরেকে **দুঢ়তা অনে না। সে অ**ভ্যাস কোথাৰ यादात्रा मिनमति विमानत्यत अथवा भवर्ग **या विमामित** इहे छ। ति सन अफर्विज शांजरक ध्रमान चन्ने अम्मीन कविशा **তত্ত্ব বিদ্যালয়ের** শিক্ষা প্রণাসীর উৎ क्यं ७ व्यनक्यं ध्यत्रान कतिवात ८५ है। भाग, के हाता आव गरमह नाहै। हुई চারি এনের সক্ষরিক্ষা বার। শিকাপ্র / করের সহিত সমস্ক । ব্লংগণের ভূতির যে

भाव मर्गाविक स्ट्रेबाझ मञ्जावना चाटह ? गालीझ **डेरकर्य**चा चशक्य श्रेमान स्ट्रेबाझ मञ्जादन, मार्ट ।

विद्वादी वटकावन्तः।

সর চারলুস উত্ত একদিন হ উস অব कमरक कहिन'हिरलन गृष्टि हिन्नकारी व त्माव ख थाथा चात्र जवर्षत्र मर्त्र इत्ल ध्वव र्खिड कर्त्रा गात्र, छात्र ठवर्षित यथार्थ भणन হইতে পারে। সর চারলস উভের এবমিং উদার চেষ্টার সহাদ প্রবণ করিয়া ছুটা কারণে অমাদিগরে অমুক্তিম আনন্দ कबिट्डट् । बक, बरे क्षण अवस्ति हरे ल ভाরভব্যের সবিশেষ 💐 बुद्धि इरेट्य विटीय, धरे क्षपा क्षत्रक्त युक्ति । ना য়ানুসারে নিভান্ধ শাবশ্যক। এতদিনের পর এই প্রথার গুণ সর চারলস উদ্ভের क्षमग्रम्य इट्रेशाटह । यम्रामान्य हित्रहाशी वत्सावक थाकारक रम्हान त्य महरान कात लांछ इहेबाटड, এक्श अटनाकरे चीकात कतियां बाटकन । शब्द बर्माद्वत মুডিক কালে খনেক প্রধান ব্যক্তি উত্তর भिक्तमाक्रात উलिधिक श्रकात वरकावस में किन्न गत कात्रलग खेड वा श्रकात वरकाव क्त्रिवात अनूरताथ क्टब्रन । मट्या मट्या মৃতন মৃতন বন্দেবন্তের নিয়ম থাকিলে क्रुवक ७ मभीमाद्रत सुमित्र थाटि यथार्थ भाता करण ना । कत्रवृक्तित छात्र व्यस्तरक ভূমির জীরুদ্ধি সাধনে বিমুখ হয়।

আমরা চিরস্থায়ি বন্ধোব্যের সপ্ ক্ষতা করিতেছি বটে, কিন্তু আমরা বস (मर्भंद्र बर्कः)वरखद्र मशक महि। धवरका বতের একটি মহ ন গোব আছে। এতভার। অমীদার্দিশেরই হল্ডে অধিকতর ক্ষমতা শেওয়া হইয়াছে। কুবকদিগের স্বত্ন ও অধিকারের বিষয়ে তাদুল যত্ন করা इस मार्डे । পाठकशात्वत स्वत्व शाकिएक भारत, चायता भूटर्च अकवात ध्रमान कति ফাছিলাম, কুবকেরাই ভূমির যথার্থ খ ধিকারী। জমীদার ও রাজার কেবল

ৰূপ ৰ ফোৰত করা ছইয়াছে, তাহাতে জনী मात्रमिर्शत्रे भूचामित्र चौकात कत्। इहे য়াছে ৷ লাভ কণ ওয়ালিস গবর্ণমেন্টকে ভূমি त अधिकाती विनिशा वीकांत करतम माहै। खनुवादन कतिया राचिरण देनमर्तिक निश्म ও বিশুক যুক্তির অনুসারে রাজা ভূমির थक्रड पामी मर्ट्स । **উक्त लाउ** क्रवक निशरक छेटशका कहिया यपि क्रमीमाहनि भारत हरक मर्बद्धय अञ्चल अमान ना कति তেন, তিনি ভূমির প্রকৃত স্থামীর ভাবি क्षतर्ग नमर्ग इड्डाडिस्तम, आमता এकथा যুক্তকতে স্বীকার ক্রীরভাম। ভিনি যদি करीमात्रमिरभन्न रटख यरथेक् क्रमणा जा দিয়া রূবকদিগের সহিত সাক্ষাৎ সমুদ্রে চিরস্থায়ী বন্দোবন্ত করিতেন, নীল প্রধান थारिक इसकितियात क्रांत्रक शुक्तका कि আমানিগের দুর্ভিগোচর বইত : নীলকর িবের সহিত ভত্রত্য প্রজ্ঞানবের কর্ঘটিত विवास लाहे या शवर्राय लेखा एक कही शाहेरछ ছইবে ফেন এই বিবাদের মীমাংসার্থ माधातर्गत है।कार्य वा वस्ते रहेरव (कर : তের সঙ্ক^{ত্র} করিয়াছেন , ভাষাতে এদো যের পরিহার সম্ভাবনা আছে। তিনি समीमात्रमिशतक सथागर्की मा कतिया छेखत পশ্চিমাঞ্চলের ক্রবকদিগের সহিত সাক্ষাৎ সহজে চিরস্থায়ী বন্দোবন্ত করিবার মনো द्रथं क्रिज़ार्टन। **७३ वर्टमाव्छ जककार**ल मर्ज्ज क्षवर्षिक कहा हरेरव मा। नमर्य म बर्य ए ममल ब्रामानल स्टेशारण, छ। इत बिश्निक जबश्र केलीर्ग इहेटल दिएकम शर्ब क हिन्नकृषिकरण कह भागां कहा हरेटव । शूर्रकात निश्यान्त्रभारत जनन एतन किहू **এक्कारन ररकावल इत्रवारे, अञ्**धदक्षरम বন্দোৰৰ সৰ্বত্ৰ প্ৰচলিত হৃইতে প্ৰায় ৬-बद्भव म् शिद्र ।

সর চারলুস উডের অন্তাব পালিয়ামে ট সভার আদৃত ও প্রহীত হইয়া বিধিবজ ब्हेटन नित्र लिबिक क्टाइक्टि महान छेन

कार माफ स्ट्रेंट्य । व्यवस, क्ष्मुट्यू इं क्ष्या श्री शरेरल जाशांनिरनेत कृतिहरू मनका क বিবে; সুতরাং ফাগারা আনগবে আগব আপন ভূমির উন্নতি নাধনু চেন্টা করিবে ৷ বিতীয়, ছাহাদিগের স্থীনতা ও সৌভা ন্য লাভ। ভৃতীয়, ভাহাদিদের স্বাধীনতা ও সৌভাগালাভ হইলেই তথুলক ভারত वरवत विश्नव क्रीवृद्धिलाख श्रेरव । ह्यूर्थ, এक्टब बीतक्त्र अभीमात्रमितंत्र मिक् हुन কলিবোর নিত্য বিরোধ থাকাতে ভাহার मीमाश्नार्च भवर्गरमण्डेत्क वः चिवान स्रेशा त्य অর্থব্যয় ও কউশ্বীকার করিতে হইতেছে, काशत व्यवस्थान माच्य इरेट्य । शक्या, व ক্ষণে উল্লিখিত বিদ্যোধসূলক ভারতরূবে व विषा व्यवक्रमाणि क्यांच व्यवस्थि पृष्ट्र হইতেহে, ভাহা সম্পূৰ্বণে না হউক, জ त्नक चर्टलं क्रम इरेट्य । यर्ड, यनि मिष्ता প্রবর্থনাদির সূনেত। ও তন্ত্রক মকন্সার ভুলে হইয়া গ্রণ্মেটের বিচারকায়ে অর্থ ব্যায় কমিয়া যার, ভারতবর্ণের অর্থসভ্স इरेबात बात এकी छेशास स्टेटन। कलका পর চারল্স উডেব প্রস্তাবিত চিরস্থায়ী ব লোবন্ত প্রথ। প্রবর্ত্তিত হইলে ভারতব্বের বাজনীতি, সমাজ, ব্লাজৰ প্রভৃতি বহুতর विषया गर्वाणीय समललाक स्ट्रेट्स मरमार नारे

व्यवित्र स्टेता नितादक । अवन कीशानिन त्र तरे तरे वरीशही ररेए वर्ड করিছে মেলে অনেকের সর্বনাশ হইয়া वारेरव । गंका भवर्गस्यके कि अवन क्रिक भारतकः छडिय, भवर्गायान्येत् धाविका चनवन भात्र अक्टी चनर्थ महिनात्र সম্ভাৰনা। ভবে গ্ৰণ্মেভের কিৰূপ क्त्रा क्ष्व्या ? अवर्गरमर्केत्र क्ष्व्या अहे, छै। राज्ञा सभीगात्रविशटक मधत्रारेगा क्रयकि গের নিজ নিজ জোডের ভূমিতে অ'প চা त्व स्रोबनीभाजा मिख्यांन । क्रमीमावनिश्न র এপ্রস্তাবে অসম্বত হইবার কারণ নাই ৷ क बरमावस कतिरम छ।शामिरभेत सुवि चरभकाकुष व्यवस्था थन मन्त्रव हरेरव नद्रक्त वाहे ! कें.शिक्टांब्र क हावल एकि **कृतित छैभारत निस्म किंदू** क्रिवात रेका থাকে, প্ৰিড ভূমি বিক্ৰয় হইবার প্ৰস্তাৰ स्ट्रेट्ट्र, छोडा अन्य अथवा अनुनामस ভূমির আবাদ করুন। মৌরনী বন্দোবন্ত ना शक्ति व्यक्षाता जृतिक द्राविक्रि কিছু করিতে চাহে না। তাহার কারণ **এই; म्बन किंद्र क्रिल क्रिशांत्र किंद्र** চোথ টাটিয়া উঠে। আমরা এক দিন चुक्टर्न स्थितिलाम. काम कामीपाटहर अक গমস্তাকে এক প্রকা কহিতেছে, '' ভামি ২০ বৎসর দে ভূমিতে বাস করিতেছি, ভ হাতে ২।৪ টী গাছ বসাইয়াছি বলিয়া ভোমরা, খাজনা বাড়াইতে চাহিভেছ, আমি যে আওলাত করিয়াছি তাহার কি क्रू मूला मांख छैं हैं ता यहित। , अभीमाँ রেরা স্বার্থপরতা বশতঃ প্রজাদিগের কঠ ও হিতাহিত বুঝিতে পারেন না।

পুন্তক প্ৰান্তি।

আমরা হতজাতা সংবাবে বীকার করি তেতি নিয় নিখিত পুত্তক গুলি আমানিলের হত্তনত হইরাছে। শুনুত্ত ১। নাহিতা মুক্তাবনী। শানিপুরত ইংরা জি বিলাসবের পণ্ডিত তীমুক্ত জরপোশান গোরামি প্রদীত। সংস্কৃত হাহিত্যসূদ্ধি হই-

त्व रेश शक्ताव मन्द्रशेष स्रेबाहर

<। রারারণসার সংগ্রহ। ক্রিছত বার ক্রানের পাল রাবারণের নার সংগ্রহ করিয়া বাসলার গ্রণরন করিয়াছেন।

ও। তানিনীবিলান। সংখ্ ত এছ। কৃত্রি-কাতা সংখ্ ত গাঠশালার অন্যত্তর অধ্যাপ্ত প্রীৰমূলাথ তর্মন্ত ইহা বৃত্তিত ও প্রচারীত করিবাহেন। ইহার মুক্ত অংশ ও শঞ্চ স্ত-লের ব্যখ্যা করিবা দেওবা ঘটরাছে।

8। यमरमरभन्न देखिशांग । क्रिकुंक सान् विध्यमांग फाणुडी धारताचन सानागीरक क्षार धनवन कतिनारक्त ।

१। व्यव्यक्तिक व्यक्तिक्ति वास्त्र व्यक्ति गमक कि नां। हेवा विक्रमकातिमी गर्छ। वहे-एक प्रतिक क व्यव्यक्तिक श्रेतारह। व्यक्तिक-प्रभाव क प्रक्ति गमक नरह, वक्तर क्षक्तिमान नहें वक्तर व्यव्यक्तित्र पूष्ण केरक्ता।

७ : मन्नर्थ कान्य । छात्राहत्वन मान व्यनीछ । जीवुक्त कांत्र नदीनहत्त्व मञ्च नश्यापन कहिन्नः हेर त नुजनकांत्र मन्त्रत कहिन्नांत्कतः ।

প্রাপ্ত।

शक्षा ।

" नामा कि कथन (क्ष्ण रूप्त >

बर्ड निर्द्रानाम प्रिया शक्त ५० हे स्थानस्थय निविधिकारम श्रद्ध महामहहिनाक निविधिक করিবার ছেটা বিষয়ক বে একটা **প্রভা**ব প্রকা निछ **रहेशारह, 'छविरहक मण्डूर्य** अस्वात क्ष मान क्यारे जमाकाय अ अखारग्य यूथा उरक-শ্য। আৰাধিনের ভূতপূর্ব লেপ্টন্ট গ্**ৰ**ন্ধ গ্রান্ট সাহেব পাঠশালার গুরুমহাশর ও ছাত্র-निगरक शांतिरकाविक निगत क्रमा विकिश টাকা প্রহাম করিয়া যান, কিন্তু শিক্ষা সংক্রাপ্ত কার্ব্যের কাষ্যকেরা ধাষ্যতে ঐ টাকা দারা গুরুমহাশর্মিগতে শিক্ষিত করিয়া লওর। বর, ভাষার চেঠার কিরিভেছেন। প্রার এক বৎসর গভে হট্ল, উভেূ৷ সাহেৰ কডকগুলি **कर महामद्भरक ६ है। का तृष्टि विदा मुनली** न-স্থাল সুলে পাঠাইয়াছিলেন এবং ভাষাদিগের ক্**তপাঠশালা**র ১২ টাকা বেডনে এক এক न मन्द्रीन होडएक निवृक्त क्या स्ट्यांक्ति । शार्यस्य वास कारतम, केरजू नारश्य अह প্রধা অবন্ধন করিয়া ক্তরান্য ক্ট্রাছেন। বিস্তু এ রহন্য কাহার কাছে নিবেছন করি !

গভ বংসর উত্যো সাহেতের সরকুলার অনস'ছে কুড়পুটি ইনলেক্টরেরা গুরুষরা कार्या क्षेत्र इहेरल, स्वयंत्र शक्केरलह स्वर्गास्त्र নিমিত বহিৰ্গত বিপাহীকে দেখিলে কুলী-লোক ভীক্ত হয়, সেইবুপ গুরুষহাশরেরা ভীত ও বুলুারিত হইন, অনৈক হলে এৰপ জনবুৰ উঠিল বে গ্ৰহ্মিট গুড় মহাশয় দি গকে সংশ্বা গিরা কুলী বা ভারবালী পভর কার্য্যে নিয়েক্তিত করিবেন। স্তরাং প্রায় क्ति (छश्वी देनरम्भक्तेत्रे नर्भात्न एक भा-ঠাইতে সমর্থ হটলেন না কেবল বর্ষমানের খুৰোণ্য ভেপুনী বাবু ভানেক যম্ব করিয়া প্রায় ৮,১০ চী গুরুকে নর্দালে প্রেরণ করিয়া প্রভুর আজ্ঞা প্রতিপালন করেন। কিন্তু একণে নি-শেষরপে অবগত হওমা গিয়াছে যে 🗳 স্কল . शक्त मर्गा २'३ जन वाजिरत्रक श्राप्त करहे বাস্তবিক গুরুনহে, কাহারও পঠিশ।লা ছিল ना , (उथूरि बांबू टालाउन, डेकांडेन, बनी করণ প্রাকৃতি মত্র প্রাপ্ত ৰারা আনের অ-পর লোবকে বশীছুত করিয়া ঐ কার্য্য সম্পা-লন করিয়াছিলেন। ইহাই উভো সাহেবের হুভার্থতা লাভ।।

সম্প্ৰতি উক্ত বিষয়ের জন্য যেৱপ প্ৰস্তাৰ 🕛 হুইভেছে পঠিক বৰ্গ তাহাও অবগত হুইন। ু এবংসর গবর্ণমেন্ট উক্তরূপ কার্ষ্যের নিষিত্ত ব্রিশ হ'ভার টাকা দিবরি সংক'প করিয়াছেন। 'শিকা সংক্রান্ত কার্যাের ক্রচারেরা প্রভাব **ক্ষুতেভেন যে এ** টাকা ছারা বন্ধনান, ক্লুক্রগর 🛥 ছাকার এক একটি নশ্ম, বিদ্যালয় স্থাপি- 🚶 🕶 বরা বাইবে। যাহাস, বা প্রবিক শুরুষলাশগ্ন **ট্লি, বা বাহারা গুন্মহাল্য চইতে অভিলাদ**া क्टब, खोहांद्री ६ है। का ब्रह्मिश क नन्धारन का निता अक वरमाद्रत जना कथायम क्रिटा, ৰাহায়া সাটিফিকেট প্ৰাঝি পূৰ্কণ প্ৰিগত **ब्हेड्डा एक्न्यशमस्त्रत्र करियं, वर्गग्छ इहेर्यं,** न्यदिवाने छावानिभारक योगिक एक होका প্রালাক করিবেন। । পার্থের ব্যাগ সমেত মালিক। : •• **अंध होन। विख**त्न वि पूरे कन नव एड क्षेत्र हैन दिन है कि इस प्रतिन, ज़िश्त के মুক্তুর পারিশারার **অস্তা**নধান করিয়া যে সকল हाञ्च 🖝 चक्रवराजम्बद्धिकरक् चक्रव स्थितिय

ভাগবিগকে বংশ্য করে। কিছু পারিভোবিক প্রদান করিবেন। ক্ষানে পার্কবর্গ স্থানারা-সেই কৃষিতে পারিকেন্দ্রের বে উল্লোস্কেবের কৃতার্বভা লাভের সহিতে এই কার্যোর কলের কৃতার্বভা রভন্য পাকিবে।

ফলতঃ এবিবল্লে আমালের গবন্তিন- কৈ তাদৃশ দোৰ দিতে পারা বার না, বারণ তা হারা টাকা দিতে নিভাস্ত কাতর হইতেছেন ना, किन्न मिका मरकास कार्यात कार्यात স্বহন্তে স্মীৰৰ প্ৰাভুতা পাইৱা ঐ টাকা বাঘৰা দে ব্যর করিতেছেন। এই রূপ ও ধ্বি টাকা नडे क्रियांत मृडेश्विष्यं (मिनिकांत क्षेत्राध्य व विक्रिके गार्टक्त हैनरामक्रीत गरह নিরোগ এবং তাঁহার যাখালার অনডি-ক্ষত। প্ৰযুক্ত এক জন বালালিকে তাহার সহকারী করার বিষয় উনিশিত হইয়াছে, তারা বোধ হর ভাল হর নাই, কারণ ইহা অত্রে স্বভঃসিদ্ধৰৎ ধরিরা শেইডে হইবে ৰে বালা-লিয়া সংস্ৰ বুজিবাৰ ৩ সম্ভ্ৰ ক্তবিদ্য হই रम् इंबर आहे दि अपृत्ति वर्ष वर्ष शह क्यानह ভাহাদিগকে দেওখা হইবে না, খলাভি গালন ধঝান্তরে ধে উহা ইউরোপীয়দিগকেই দিতে হটবে, ইব। গ্রথবিষ্ণটের এক প্রকার স্থির गःकभ **जाट्य मिथा योगेटफट्य । वि**न छाराहे म्यू उद्ध दिख्लिकहें कि हेन म्यूकेंद्री मिथा क्रांत्र ब्हेब्राट्ड वना बाइएड शाद्र ना। किन्छ खन्नद्रथा व्याक्तर्या अवश्यात्रध्यत्र विषयः अहे त्य অপরাপর ইনস্পেক্টর সাহেবেরাও বাজানার भावप्रभिष्ठा विवस्त्र मिछलिक्छेत पूनाकक इड्ट्रबन, किन्नु र्रीवर्धस्य के कान्यांना चारन हेन-ক্ষেক্ট্রদিগের বাকলা কানার আবশ্যকতা পুৰুষ্ণতৰ করেন নাই, কেবল সেড লকট সাহেব বাললা জানেন না প্তগাং তদারো সমুদায় সুনিৰ্বাহ হইডে পারিবে না ভাবিরা এক জন क्षकवित्र ब्लानिटक छारात महंकाती कतिता দিয়াছেন : । যাহা হউক "ঘুড়ি ঠিক হইলেই ভাল হয় ৷ যদেই কোন কার-৷ বলতঃ ভাহা না ংয় তবে উহার একটি লাজুল বোজনা কয়িয়া (मध्या উচিত » देश (य **এफ** मित्नब्र शब গ্ৰাধেন্টেব্ন বোধ হইবাছে সেও আমাদের **এक ध्यकात एक सुरुक बनिएक व्हेए**द !

'পরিশেনে আর একট কবা লিখিয়া এঁ ভাব স্থাপন করা বাইড়েট্ছ। প্রথমেক আ

गामिरगत्र नियुद्धभीष् लाकप्तिरात्र विशासि-कांत्र क्या (व अष्ठ क्षज्ञांत्र शाहेरज्यस्य खन्नः-ন্য তাহাদিগের প্রতি আবরা সম্পূর্ রুভঞ্জ-ত। প্রকাশ করিভেক্তি। কিন্তু আমরা বাদালী, ष्मामन् अरहर्षात्र व्यवस्था विश्ववद्यान स्थानि, আমরা নিশ্বর বলিভেছি, ভাঁছারা ঐ কার্য मश्मोधानत सन्। त्य क्षेत्री कावलदन स्तिएउ एन **जार। क्वनडे कार्नाका**तिनो हहेरन ना । य-क्रि अरे के या जिल्हा करण मरमाध्य क्रिया है তাগাদের বাত্তবিক অভিপ্রেয় থাকে তাবে **উ.হারা পূর্ব্বোলিখিত প্রস্তাব সকল পরিভ্যা**-ग कड़िया माहाबामान ध्यथाटकहे अरटलायन ৰত্নন অৰ্থাৎ এফৰে এই ৰূপ নিয়ৰ আছে বে ছাত্র দত্ত বেডন বাদে লেকেরা বড টাক। निरंदन भवारमञ्ज ७ ७ होका नाहाया निरंदन, ছাত্ৰ পৰ বেডন লোকেল্ স্বিশ্বিসৰ স্বাধ 🕰 तिश्रिक वहेरन नः। शवर्यस्मेनेः अहे निश्च রহিত করিয়। ছাত্র দত্ত বেতন বত হট্বে তা. হাই লোকেন সৰ্দ্ধি পান বিবেচনা করিয়া ড-ए छोका माहाया सान महिएक चाह्र कक्रमा। ঐ বেডন স্কল স্পূত্য স্থান খাকে না খাকে তজ্বন্য সম্পানকদিশকে ^কনয়খিত **টা**কা দিবার জ্জীকার করাইয়। লউন। গুরুমহাশ্র্রিদের পাঠশালায় প্রায় সর্বাত্রট ৫ টাকা বেডন উঠি-त्री थीएक, यतिन्य कान द्वारन ना छेट्ट छात्रा ब्हेटन किथिए ८,डी कब्रिटनहें ६ है।को कब्राहेबा महेट्ड भारा बार । याँचा क्लेक, स्वबादन क টাকা নেতন উঠে গবৰ্মেন্ট তথায় ৫ টাকা সাহাব্যদান কল্পন । 🐤 টাক র এক জন টগা-মান্য ৰূপ নন্মাণ ছাত্ৰকে বা নিক্টক কোন माबाबा इन्ड विष्णानस्त्रत्न अर्थ अन इन्डविष्ण हाळ्टक गाउँमानाय निवृक्त कतिया द्वाच्या नाः ইতে পারে। এই ৰূপ নিক্ক প্রাঞ্জি নিষিত্ত ज्ञान निर्माण कृदन कादाबन नाहै,वर्डवान म-न्द्रांश महत्र किथिए अधिक वाद्र निवरण कद्रि-বা দিলেই হইডে পারিথে। কিন্তু ঐ সকল चून भाराय क्छ विकालद्यत छ वावशास्त्रत बना त्व नकन त्क्रशूषि हैनिमल्य हेन्न नित्त्र विक থাকিবেন, তাহারা সেই সেই আমের ২১ জন বুজিনান মূৰককে নন্দালে পাঠাইতে চেঠা করিবেন। কারণ গ্রামবাসী কে:ল ব্যক্তি স্থা-. পদ প্রাবে ১০ টাকা বাদিক পাইলে জাহার -अक्टर्शक इतिएक भारतः। अहे मनन कार्रा

ज्ञानमध्य विदियांत्र निमित्त है रहिक्की क वाणामा-एक विद्याय यूरणियांची क्षण क्षण वाणामित्क हे न रण्यात्र निष्ठक क्षण निर्णाप्त कार्यानाक। योजानि कित्र है है देशियोग्न वाला क कार्या निर्माण क्षणा कित्र क्षण्य क्षणा क्षणा क्षणा कर्या निर्माण क्षणा क्षणा

लक्षम २ श्री खुनाई १४४२ ।---

ক্রিরস্থাদক সভনের সমারোকের কি-থিকাত্র স্থানত হয় নাই পুঞ্ পুঞ্ লোক সকল অন্যোদার্থী হইরা নানা ভালে অমৃণ করিতেকে।

ই লভেররী একবে প্র আছেন, প্রতি । রিভেচে। দিবল অস্বর্গ নিকেজনের নিকটে পদরকে আমি বাহু সেবন করিয়া খাকেন। যে খ্রীরুগ

्रणान बादभाव काशीचंद्री अन्न कन्। धानव वद्गिवादक्त।

প্রসিরার রাজপুশ্রবণু (বিকেট।রিয়ার ছ কিতা) গর্ভবতী হইরাছেন।

ক্রিটান পালেনে বলাসমারোকে হাতে লোখনৰ প্রার্গিত হইরাছে ৪০০০ গাধক একব্রিত হটর৷ হাতেনের রচিত কভিপর গান করেন ভাহাতে ১০০০ ব্যক্তি উপস্থিত ছিলেন ৷

গত ১৪ ই স্থুনে জাপান দেশীর রাজ
দুজের। হলাণ্ডের রটরজ্জি নামক ভানে উপ
স্থিত হন, তাঁহারা নিজ ভাবার লিখিত বহতর পতাকা নিরীক্ষণ করিয়া চমংহত চইয়াহিলেন, ভাপানের সহিত হলাপ্তের বহুদিনাববি বাশিলা থাকাতে জনেক চলাগুর জাপান
দেশীয় ভাবা অবগত আছেন।

শেন দেশে ঘ্ৰকা পেরেখ নায়ী এক ভা-ভকাৰ: রাক্ষণী বাস করিত, গভ বিংশতি বর্ষ যাবৎ সে শেশনের অন্তর্গত গালিসিরা প্রেদে-শের পক্ষে মহাতীতি বন্ধপ হিলা কতকথালা অস্চরের সহিত সে নানা স্থানে ভাকাইতি করিত। এবং কোন পৰিক ভাহার হতে পড়িলে আর ব্রাণ পাইত না। সে বংপরোনা-ভি নির্ভুর ভ্রমা। এবং ব্রুকাল ব্যানিরা রাজ্যার ব্যবস্থাকে তুলমং স্কুক্ত করিতে ভিল সংপ্রতি সে গুড ভুইরাছে।

বিসর-সেপের অধিপত্তি এখানে নানা কু-

भीरमञ्ज्ञ शब्द व्याष्ट्रिया शोकाञ्ज कत्रिरखरम्म ।

করাশীশ ব্যবস্থাপকসথাজে শক্ট ঘোটকান দির উপার টাক্ষ লইয়া এক গোলবোগ উপান বিজে কর । উন্তে বিষয়ক বিল সংশোধিত হইবা গ্রাহ্ম ক্টয়াছে।

ওয়ালাচিয়া রাজেরে মন্ত্রিসমা**জের সভা-**পতি কাটার্গি সংগ্রতি নিম্ভ ক্ইরাছেন।

জামেরিকার কেরর ওক্স নামক ছালে জাপ দিবস পূর্যে এক াজ হয়, তাহাতে কন্কেডরেইট্রের পাকে ৮৯০ হড, ৩৬২৭ জাহত, এবং :২২২ জন শাক্তি নিরুদ্ধেশ হঠারাছে। কন্কেডরেইরা প্রাণপণে যুদ্ধ ক-

আমি পূৰ্বকার এক পত্রে নিখিয়াছিলায যে খৃতীরগর্শের রাজদিশ্ব মতের বিক্তমত क्षाइंच कड़ाएड एकहेंद्र ऐहेनियम म् धर्वः উইল্গন্ সাহেবের নামে ধর্ম সমাধে আভি-বোগ উপস্থিত হয় • উক্ত বিষয় লইয়া এখানে महान् आत्मानन इष्याष्टितः। देवेतिअय्न् ७ ऐंडेत्रम् উछद्द्दे ६६ ज्य-३ स्तरश्र পাদরি , তাঁছারা চংের মত প্রচারার বেতস এং**ণ করিভেছিলেন** , অবচ তাঁহারা *য*রেভ ,बंदश वाहेबदलङ्ग ब्याचान करिवादहर । विठात •ঘারা উভয়ে নির্দেষ হইয়াছেনঃ আভএৰ ताथ **ब्हेर**कट्ह स्व एर्ड काव-हेश्वरक्षय सावाहे দিয়া এক্ষণে লোকে বিনা চলকে বৰ্ণেক মত অবলয়ন করিতে পারিবে। অনেক ইংরেজ ৰে এই ৰূপ অবস্থার অবস্থিত, ডাহাডে স-ব্দেহ নাই।

কৰিত হইরাছে নে র-সিরা ও প্রসিরা আ বিলামে ইটালির আশীনত জীকার করিবেন গ গারিবাল্ভি কাপ্রেবা ীপে স্বীয় ভবনে প্র-শ তিগ্রন করিরাছেন।

বেল জিয়নের রাজা রোণ ভোগ **করিছে** ছিলেন, একংশ স্বাস্থ্য লাভ করিয়াছেন :

কানেড়া প্রদেশে রষ্টির স্বভাব হৈছু লোকে কই ভোগ করিতেছে।

চিন্নীর নিকটে বয়না উত্তরণের নিক্ষণ্ড মাঞ্চের নগরে এক প্রকাশ্ত লোহ সেতু বি-শিত হইডেছেঃ তথারা বাস্পীয় রখ ও সা

নান্য শ্ৰটানি নথন ক্ষিতে পান্ধিৰ । উহায় বিদানের সংখ্যা ১২ লেভোকে ২১৩ বিট চীৰ্ব একীদলট ভাজের অনাহরর সহিত জী নীৰ্ব ভাকে একজিত করিলে, সেন্দ্র বীৰ্ক্তা । স্বিভ্ৰম এক পান্তকাশের অভিনিত্ত হল ইবে।

শ্বগতি বইল যে ভারতবর্ব বইতে ১৮৩১ শবে ১৩৯৮২ ব্যক্তি মরীত উপান্ধিশে এখন
করিরাছে । জীলোকের সংখ্যা শতকরা
৩৩'৩।

আমেরিকার পিরু **প্রেশে এক ছুবিক**ন্দ কইরাছে।

বডেডিবেরা মুক্তাফা পাথা থার। মুদ্রে বারহর পর্যাক্ত্য হীকার করিবাছে।

गश्चरमञ्ज शर्यत सम्या नियात्रवारं प्रसित्तः वर्ण निया स्माध्य समाध्य समाध्य

অন্য কোন ভায়ুল প্রয়োজনীয় সংবাদ উপলব হইছেছে না । আধানত ইংগ্রুড়ে অবিছিতি শেব হইরা আসিয়াছে । অচিরাৎ এলেল পরিত্যান করিরা অবেলাভিয়ুখে বাজ্রা করিব । কিন্তু ভরুনা করি, বে নোমপ্রকালের নিন্দির শেব না হর । আনি নানা কার্য্যে ব্যাপ্ত বাজিরা পাঁচ বাস বাবং আপনাকে পত্র নিধিরাছি । কোন ক্রেই উচিত মত করিরা নিথিতে পারি নাই । আমার নিপি সকল প্রভাং অনেব নোবের আধার করণ হইন্য়াছে । কিন্তু ইবা সম্পূর্ণ ভরুনাবোগ্য যে আমার অবস্থা বিবেচনা করিয়া আপনার সক্ষম পাঠকেরা আধানেক করা করিয়া আপনার

जाक कत्रिक्षा वरवाष्ट्रिक **वरण कालुकाक गाउँ**को नगाव नगरत अशाह नवासक करिया वारक क रहेर्त्य । द्वीक का क ब्रिक्तिन कब्रिया क्षाचनः चन्त्रद्वन्त्रीय कार्य व के रशक्त कार्यमञ्जू के हिस्सन, क्रामीन नमान न क्य **अकोक प्रेटकरहा अहे त्यरम**ाजाति । ইংরেজনের সন্থান করা ভারতবর্ণীর্গিণের मन्द्रनाम्बन्ध्यः अर्थ क्षेत्राम छेनाम । वीव दन्त्र यहरू व्यवस्थिक, बीबादकर कर्व नरगठि আছে, বাঁহায়া ক্লভনিয়া, তাগদের অকি কিং কর নোক তর পরিত্যাগ করিয়া এই यत्नारह शक्तवाकाञ्चा चीरण कीयत्नव কিয়দ লৈ কেপ কয়। উচিত। তর ব্যবহার করি-লে অৰ্থাং, অভয় ব্যবহার না করিলে ইং दिस्टाइ विकटि जाएटब्रुड सकि नाहे। जानि ৰাদশ্বাদের মধ্যে অভূক চরিত্র লোক গক লের সহিত্ত নাজাই করিয়াছি ৷ জীবন বে অ-সায় পদাৰ্থ ৰহে, ভাষা উদৃশ চরিত্র সকল ज्यपुत्रव कतिहा विभक्ष व्यजीक रत । जावि 'ধ্বৰেণাভিশ্বৰে বাইভেছি, অৰ্চ ক্ষতি ছ'-বেঃইংসভ পরিজ্যাগ করিতেই ৷ বলিতে কি, এখানকার দেশ বেবন শীক্তন, এখানকার **(म रक्त्र भारत फट्डांबिक फेंक**) मह्यतिय ব্যক্তির এদেশে আসিতে কোন ভর নাই। লোকাপবাদ তর কেবল আমাছের মত অন ধ্রে মূল। আপনি, সম্পায়ক মহাদায়। আ-যার সহিত একমত হউন আর না হউন, व्याघाटक व्यवसारिकामा कतिहरू विदेश (द क्छ पिन जात्र थे रूप रास्कि गांग क्त्र, पृष्टि যুক্ত ব্যক্তি অঞ্চের, গণ্ডিত ব্যক্তি মুর্বের **नव व्यव्ययन क**तिया हितायन २ अ**वन नटब** ছলিয়া আমরা কেবল চির্শাল পরাধীনতা **শূধানে বন্ধ আ**ছি : অতএব শানিশতা **পরি** ভ্যাপ করিয়া ভাষাদিলের এককালে মণ্টেয়র স্বান্থ কাৰ্য্য করিতে প্রথম হওয়া সর্বভোষাবে ক্টাড ইতি।

किंदिमिहीम खन्म, ার্মভা ১লা ইংলভেশরীর বিভীয়া ছুদ্ কান বিবাহ সম্পাদিত হইরাছে।

विविध गर्वामः २१७ व्यक्ति (भाषयात् । ঞ্চের ভাইক বাজিটেট আদলা,

ভাহাতে ভক্ততা লোকেরা তাঁহাব নালে 🧀 क्टेनमें अवर्द्धकृत निक्दि नांदीन करिएडिम कांब्रीका खान कान्नरका लामन कान्न रकन

🗃 হটের সদর আমীনকে তত্রতা জন্ম णत्नक त्याभनोन्न कथा क्षकाय ७ कदियात छन्न^{वे} प्राप्तन छुनि मकन कर्द अतिथ मंद्रेस > अप्तर्भन करियाद्यन । अप छाईएम्य छाई मा

উত্তর পশ্চিমাঞ্জের এক খানি পত্রে দৃষ্ট इहेर करवक अने 'किद्रि*कि* निक्कित। क्टब्रि প্রার্থনার ভব্রত্য সাধারণ শিক্ষা কার্থোর ডি द्भिक्तिद्रेष्ट्र निक्दं चार्यक्रम क्द्रमः। ब्रिफ मी-হেব তাঁহালিগের আবেদন আছ করেন নাই। **िनि ठारांत्र अहे कांत्रम क्षत्रमंग करत्रम रा**प উাচাদিলের " সামাজিক পদ নাই ৮ বোং হর এ স্বাহটী স্ভা নর, স্ভা ইইলেড এ-খানকার ভাবেকে মারা যান।

२६ शर्वभवाद कल नार्देश मार्ट्स (विनि শিচ্চ দিনের জনা প্রধানতম বিচরোলযের বি চার পতি হইবেদ কথা ছিল / পীড়া বদতঃ ছর মাসের বিদার লইরা ইংলত্তে বা**ট**ভেছে_ত न। अर्थाभाग कारबन जारबन अथवा स्मिन-নীপুরের রদেল সাহেব তাঁহার পরিকর্তে নি রোজিও হট্নেন।

बाद ताथानपान शानपात (हिन किছू पिन शृंदर्ब है रनत्य गयन कवित्राहितन। शंख भ নিবার খনেশে প্রভ্যাগরন শরিরাছেন। ইনি বোগ্য ব্যক্তি, ইহার একটা বোগ্য শদ লাভ स्ट्रेज्ड आमानिरभन्न अव्यक्तित जानिरमञ्जली-

ইংলিসমান বলেন, প্রিল অব ওয়েলদের এলেশে আগম্ন করা উচিত নহে, তাহা হই-লে তাঁহার লেয়ার্ড ও রদেন সাহেব প্রভৃতি-त नात नरकात वहेटवा है। ध्वैव्विकाति-भिट्यंत्र कोर्ध्य व्ययांनी मक्टन क्वानिटक शांट्यंन দেটি ছাল নর। নিংহ ব্যাত্রাদি রাজু ও জ-क्षकांत्रहे 'बान बादन।

চাক। প্ৰকাশ ৰলেন, ভত্ৰভা বিখ্যাভ জ-मानात्र श्लानम मारहर अन्ति होना सन्निर्ध र्मा खडाका कारनरकत्र करंत्रक क्रम इन्छ-

कविवादक जाना काम महिक्क अविवास अवकार्क देश का कर कि अकार्यित करें है। विवास कि निवास कि निवास कि निवास कि निवास ८७ मोडोरेगंत्र निविद्य प्रमाधन मध्याद क. রাই ইহার উদ্দেশ। গোশস সাহেব চ.কার ক্ষানক ব্লাপেলাগৰা প্রিরাহেন। ভত্তভা का के के बाकिए हैं है निविधितान छ - आध्यमन ्ति।इस्ता कर्, ती डांश्त निविधन नश्यका करत्व अहे सांबाध्यितत्र व्यक्तराथ।

> উক্ত পঞ্জ প্রবণ করিয়ায়ন্ত্র কাছাডের ভু-भक्ष्मण क्रिजाहिन। भार गानीन " क्राज्य १ के ब्रिश क्रायक स्ट्राहि। नीवड भार ख

> > হিন্দ্রণোট্র্যুট প্রধানতম বিচারালয়ের अक्षि कार्यात **आकात ध**िराम कतिग**ट**ह-ন। সম্প্রতি ট্রের ও মর্গাণ নাহের এক মো-कक्षनांत्र क्षित्र क्षित्र छात्रम्, छत्रीमाद्वेत माद्वेव ও গৰস্থারা যৌবলি পাট। দৈজে পারিদেন। धकल निरम रहेटल क्या व समीमारमहाह বিপদাগর হইবেন এবংগ নহে, ভারতক্ষে ভালকারিতা ও প্রবঞ্জা প্রভৃতির জার अक्की छोत्र 'डेल्बाहित क**्रिया, (४७४) ब्हेर**वा

> > শ্যাম দেশ হইতে চীনদেশ পৰ্য্যন্ত একটি द्विदेशकाम करियान अधाव क्वेटकटक ।

(वृत्रात्र वन्स्ट्र क्टबिक्टिश्र विषयः এক ব্রিপোট প্রকাশ । ধইয়াছে। এক্সংগ্রন संसक्त २,२-२ करदक्षि चार्छ। हेशब्र मरधा ः ৮ २७ जन श्रुक्त ७ ১१६ कि जी**लाक का**रह बोलाक्त्रा धः व विवादिका । व्यानक विवा-স করিতে ইঞ্, বাদ্ধুরা বিবাহ করিরাছে ভা হারা খতত্র বাস করিয়া স্বাধীন হইয়া জীৱি কা নির্মাহ কয়িতেছে। তথার অধিকুসংখ্য ज्ञोत्नाक (अंद्रभ कद्र) क इंग् । 'अर्जरक कनि-কাতা প্ৰভূতিমুগৰ অতি জবন্য জাতায় কা-লক্ষেপণ করিতেকে ৷ ভাষারা পুনর্বার গৃহতা-व्याप क्षारम क्षिए जिल्लामी ब्हेरव मान र नारे। क्योन भवन्यकी माकृतिनात छैननिः (बर्लाब लाक मरभा। इधि कवियात अहे छेना-म अवनधन कृतिम एक्न !

টাইমূল অন ইভিয়ার এক জল পত্র প্রের-ক বলেন টমাস নাসক এক ব্যক্তি ভারতিব... र्व विमानत ज्ञालन इन कतिया नश्रद्र है मा করিভেছে। এই প্রেবঞ্চন এক বার না কারা क्रम रेशिकित ?

भूबो क्यवजात्रवद्व वरमन, व्यारमानः (u.इ. কালেক্টর কাভিওরারের বেসিডেন্ট হরণেন। ভুডপুর্ব রেশিডেক ডব্রড্য মবাবকে অণমা-

of Translation SINTE NE TO PERSON CO WIND PERCENT AND to rise a l'estimation डेटलर्ग !

टबंदरमी शांत्र कतिराजन । अच्छेत्राची साम् किंशाहिनाः (क care क्टेंनर्स र श्रीमकार श्रीका क्या manan mitalicae im fice gini biein मिनारक चरमंद्रेन काष्ट्राभावी क्रियां क्रीका पिशोर्ष्ट्रम । अभन पर्दानं चैतुनँदयद्वीक् कर्ह्नमु दयन भ् श्रीत धर्म अपनीर्गेत्राद्ध बालद्रक्या निशीक्षि मास्म।

गंड मनियांत्र मद्र वर्ष के बेटप्रम्दम्ब मा-😘 कटन स्थिति गाँदरत छनातीय गाँदर 😎 প্রথিম কোটের অন্য জ্বা কর্মহারির দোলে-র বিষয় থাকাল করেব। কর্মচান্ত্রিয়া উৎক্ষেচ अश्न करवन कि मा खाँचा अथनक व्यक्तान दव নাই। ভগলাৰ নাহেৰ আদিলে ভাষা আনা गाउँदा। किन्नु चारमक मदय चार्निक्रार्थिक। (शर तथा दिलय ७ वर्ड इस खाइ विकास म-ध्यान इरेतारक । मह सर्ज के खर्मम डेके-न बाद्या मारम्बरक पूर्वावशाद्यत निवित्त जि রভার করিয়াছেন। জিনি কিসারকে ৮০ টাক। त्र काटन > *** डोका बाबू कदान । डेकिंग हि -त्यंत्र भारत्या चात्र विदेश ह

शवबंदम किंद्र किंद्र किंद्र की शादि किंद्र कि भिष होका करा आदि।

क्षांत्राञ्जनवीय श्राप्त-दिगदणिय ४,४३,४४,३२० रभरतनीय के **૨** •৫,२७,५৮• উত্তর পশ্চিমাঞ্চলের و لاهرې د ري **ाकोर्यद्र** 2,35 34,249 বোম্বাইয়ের **6,86,07,60**5 मधाकां ब्रुड बढ्रेड 65,65,661 দাণিশ:ডোর 50.50.35 मांखाट जब

(53 27 296 25 EL

रहेबाटक ।

ক গৈকান্ত;	দ ভ ে		2 ,80,00,000		
বোৰাই	ï		3,44,00,000		

THE RES CON CHARGE क्षित्रक पानि एउन नाबाहिक की नके की वे रहेशाहि । बरमनीप देशव हैं निया नाकि हैसे बागड निवादका हैशह व्यक्तिकार्ति केराहर्ष परेशांदर्ग किंड "हैंबा मक्ता वाक्षिक क्रिक वारिक्ड है जिला-GR ARE TEL

रम्भावायन मननवाद्वा

जायका वर्षमात्मक काल्याली जोवाव रहेए अक्वानि थ्यतिल क्यारेग्रहि, जा ৰাতে লিখিত হইৱাহে " শুনিবাৰ, পদ্ধীঞানে मार्जाशाङ्ग अम अम्बर्द्ध छेडिया भाग । इह क्रियोग श्रृतिव महेवा এक এक क्रम हेमरणाई व नियुक्त बहैरवन । जाबाहरे भाकासमादह श्रृति व मरकांक मधुबाद कांदा मिर्झाट स्ट्रेटकः। कि क्षण गुजिन व बेशहम निवृक्त बहेरदम स्नामना ভাবিদ্বা কি<u>র</u>ই দির করিতে পারিভেটি না। ब्योक्षायनियांत्री स्थान आधुनिक धनीत शूक्रक পূর্বোক্ত পদের উপযুক্ত পাত্র মনোনীত করি या वावर्राम् के कार्यानि चार्यस्न श्राह्म क्षा রিত ইইরাছে। আমরা শুনিশা অবধিবে কি. ৰূপ ছঃসহ ছুঃখ অভুভবু করিতেছি নিখিয়া কি কানাইব। তিনি যদি সভ্রিত্র সাধ্নীল অধবা কোন প্রকার সকাপ সক্ষা হটভেন **डाहा रचेटन असर्ग क्या भूटम आजा हुटन था**-কুক, জান্তঃকরণেও ছান প্রদান ক্রিছেলা ।> পত্র প্রেরকের৷ এত ভীত হইরাছেন কেন? গ্রামত্বেরা একব।ক্য থাকিলে ভাহারও জন্যার করিয়া ক্রডকার্য্য হট্যার সম্ভাবনা নাই।

मक्त्रमार्केड बरलन, भिवाड स्ट्रेंटिड अता-क्षेत्री चाष्ठनि उ वहेगा है।

« ইংলিসমানের এক জন পত্র প্রেরক লেঙ ৬,01,৩২,৪% । সাহেতার হিসাবের এন প্রান্ত করিব। বলি वारहर " फिनि (लब्न' एवन) क्लाहा शुक्क मञ्जनाथात्रगटक कुनाहे । भवन्द्रबद छेत्र काश्रदक्त्र নিম্বিতিও প্র-মেন্টের নোট প্রচলিত ; মুলা রিনি করিলাছেন। কোন ব্রিক্সমার । ज्यानमानिरगत घरम इदि कत्रियात ज्यानिक्यान द्र विभ विभाग कांग्र क्षकान कविद्वान खादा रहेरन कि चाहेन अञ्चनारत छै।हासिरशत म-

A. Arvarete viz briefe de B M A WE NUMBER TERICE क्षेत्र व विवास स्टब्स् कडावीडा क्षिड़ाइक्न । विमान ब्राया के

करनेन रखनिकनरमञ्जू भटने निवानं मिनुकं वहेदनंत कथा की निर्क पुक्रवाही मानम क मोकी कारकार्ड श्रीपुक, कारा जावचीरदेव बर्टीक ब्रेटी मक्त मध्ययान हेर्नाहरू 🚰 🖓 🗫 🦠

वानीवात लारकते स्वीति व्यक्तिकारिका वर व करिकात कार्यकार्तिकारिके विदेशिका ण्डेणा नश्योत शब नेक्स, क्येंगोडिडाँ, नागडिनन गर्गाष्ठ जारिनागीहर्नाण चांचीन मानव धारांची खेवी स्हेत्राद्यम । जि-পীড়িত পোলাংকর প্রশাসন ব্রন্তীস্থান্ত त्वत्र काष्ट्राय क्या प्रदेश्यदेश । भावत्र व्यक्ति क्नडीक्रोड्स सारीत प्रका नक्नशासी सहसा-्वन । चनीवान चट्नक चटन विद्वादिका न-कन देनचा चाहरखरहा कीर चंदसंक चादन जविनश्रतार्थ व्हेरक्ट्य अदिविक अञ्चर्धः भवन्त्रके की उ रहेशांद्रका लाउक मही के विषाम् वर्षेका दिवाम् अवर्यस्यक्षेत्रे व्यक्ति के (थकां) व करवन १

मिनीरमः कह बर्दान अक्षेत्र का मह किन शक्तिमाधारमञ्ज अमन निकायदेखे बी समीरहरमञ्ज (माक्समा शहेटक ।'

এবণ সন্মতি লাভ ভানরিকার্ডের বি-তীয় পুল লাভ ফানিধের সম্পত্তির সহিত ভ-मीत डेगावि धाल वहेरका। अहे वश्यक मा-न विज्ञ ना वह हैंदा चंजाक आंचनीहैं।

টেলিগ্রাতে সংবাধ আদিয়াতে, নেও সা-रूव मह हाबुवन छैटखन विशरक अब श्रुष्ठक প্রকাশ করিরায়ছন ৷ ইংলভীয় সর্কাশাখাল लाटक नद्र होद्रजन **डेएड**ड नभक्का क्रिक्ट

উড়িব্যার নরবলি ও বালিকা হড়্যা নিধা-ब्राप्त सम्मा ता भवन कर्यान हो हितन, होशो াৰিণকে ছাড়াইয়া দিয়া এই কাৰ্য তত্ৰ গুণু

निर्वत पर्य प्रवचन क्रिका क्रिका

वानीकरमञ्जू राज्यक्षीता स्थापिता TIN STEE STATE STATES

विक्रीविक्रिके विक्रिके स्ट्रिके PINT WIFERING PROFILER & THE श्रवेत्राव पार्थक विकास समुख्य माधक व क्षित्र अस्ति। अर् त्यायना गामगारा छा-वेदिकारक क्षेत्र के दिवास स्टिश्न करिएन व्या ं च मार्थ वर्ष करिया क्षेत्र महित्य भारत ।

विवेद शिक्ताकार्य करें चानि जश्यान नेर्देश निविध प्रदेशांटक, महत्वप्रद्र माटन नावनंत्र ব্যেমারত আধান সেনাগতি ও ভরতা লেগ্ট-্ৰত্ৰী গৰাৰ আৰম্ভান নিবিত বইবা নথা ভারত-🖟 बंद्यें श्रेष्ट्रेय कद्विद्यन । देशक कदिन काम बाद ना-है। (क्) महत्रम्य- भवत्र क्षात्रमा काणीशांउ-**ए अब्रिक्स पूर्वि**रवन ।

আৰৱা সংখিত হইনাস, বালানী পত্ৰ পু-न्बाह्य बाह्य दिवादयह श्रामका कतिहादकन । **अक्टन व अक्ट क्यो**चीय जाहरनोत्रन कर्ता वक धनात्र व्यक्ति धार्नेक शासन

३> এ ब्यायन बूधवात ।

वाषां वनात्र मानव क्रमीत परिस्तान वाका ১৬०० होलास विक्रीफ व्हेश्राह । वाथ বরি এক অধিকেনে আকানিধার অবুলান গুর कत्रिद्य ।

किनिक ध्वर क ब्रेब्राट्स, ब्रांडेमां वर्ग गारहर उँउद शन्दिन स्टाइ टाकिनिधि य-ৰণ ভারতব্যায় প্তার অন্যন্তর স্ভা হট-(वमः

উক্ত পত্ৰ আদ হটৱাছেন, হারিসম সাহেৰ मीम देश्मक रहेरा क्षाणांश्यम कविहा यस स्वर्णम् एकपूर्णे आधित व काकांद्रकाक ় ইউউট্ট হইবেন

निविष्यंक बद्धान शांक कर्र निवासिक प्रदेश स्क्रेनस्म । भूकं बाष्ट्रांशाञ्च त्रश्चलस्य अक ^{ে ব্যক্তি ছালে চিন বশাইতেভিল এবত সময়ে} দে **ভূষিতে পতিও হয়** । ভাষাবৈ ভদতে ্ৰ**ডিকালকালেটেল জে**ঃশ করা হইল কিছ ्रिक्रिक्ष्मन बर्ज्याहे फोब'त्र क्यान विद्यान इहे-, Tie

MITTER THE WHEN THE PROPERTY OF CHEST AND परतार के कर किया बीत बहेदारह । या प दन्य क्रक्ट दिश्वत अप्रै होते। क्या एव**ो मी** त्यम महाम निर्माणितमा पूर्वा क करमस केमन 群 シネー

े निक्रुरमानं नित्र निषिष्ठ पुनित्र कर कोने দ'র হইবাছে।

,	2240172	25.02 (95.		
ৰ দ্মাচি	4,00,020	4,88,004		
হারদরাবাদ	3,63,489	2,22,244		
শিকারপুর	54,44,463	36 83,034		
উত্তর শিক্ষ্	>>,b1>	2'20'284		
পারকর	3,092	2,64,054		

90,40,44. त्याह 28648,45 খাল খনন প্রাকৃতি ছারা ভূষির শস্য इति र ब्याटि अरे नत्र इति वरेत्रांदर्।

নীল গিরিতে চা অন্তর্জ মইয়াছে। আ-वाकारनव हा ८०१न स्कान स्वरूप स्वानारनव हो जरभका छेरहर्डे स्हेताट्ड जावामिटबन्न ज-मीम(रत्रत्र) छ:त्र हाय करत्रम मा स्मान

পুনা আৰম্ভাৱনর বলেন, ইংলঞ্ড মইডে ब्राक्य विवरतंत्र मञ्जी जातरस्य ज मानिरगत কেষল ক্ষতি ও কঠ হইতেছে। উইলসন সাহেব এক ভবানক কর স্থাপন করিয়া গিয়াছেন লে ধু সাহেবও আমাজিগের ফট দ্বর করিডে भावित्सम मा। अकवा वक मिन्द्रा नग्नः।

গত সন্তাহে টেলিপ্রাক্তে সংবাদ আইনে আবেরিকার গবর্ণযেটের এবান সেনাপতি মাকিলন পরাজিত হট্যা আত্মসমর্গণ করি-ब्राट्सम । कना हेशनिष्याम अक किनिआंक शा-वेहारहर, अ त्रश्यान विश्वा । वाक्तिम हिन् মতে পুমর্কার অগ্রসর হইয়াছেন : সভাপতি মিক্সন ভাঁহার শিবির দর্শন করিয়া সভট 🕶 हेर्बाट्डम । अथरमष्ट्रे प्यामानियात अहे সংगटन **अविशांत हहेबाहित। सिड्नाक देनना सब-**ডিনাবের এগর্যন্ত কোন সেনাগতি আর मयर्गन करतम बाहि ।

ৰহুবাজারের এক জন সন্থান্ত ইত্রধর তাঁ-शंत्र विश्वा कमान्न विवाह निरंदन नक्षण के বিয়াকেন ৷ জামনা কোম কারণ বশন্তঃ এক্স-८९ काँशत मार्यारमध कब्रिशम मी १ व्यवक । ভূত্রবর অবিনয়ে সম্মাত প্রা**টাশ করিয়াছেন**।

The state of the s

PINCES PROMINERS OF STREET लगा के शक कार किछाइम । अहे संबद्धी गानित्रात्मक बन्छे प्रकृतिनात्र महण् बीरशत मात्र वाणिक । कांबिक्स के बस्तावित्रक केषने अन्यात अन्य किईसे ।

" निक् शहरा मा बंदगह र ०००० वका कुला ररेप्राट्ये। खबका मध्यान गत यटनम, जाना-त्री नदर्व देशम् जिन केनं कूना अम्रिटन । क्ली चांकारमत विवय धहे त्य धहे वाभिष्ठा राम वानोविरगद राखरे चारह। त्रका विवस्त अहे अंशद रहेराई छान रहा।

नकार अकटन जानांतिय अविवाद वानी इहे **एटड । अक जन श्वास विद्याद्य महत्त्रम** छोटादम चरत्र निषादस्य, श्रीवेश्यम मुख्देशाय मःपि मारमः ५৮७७। ७३ च्या व्यवसीन हरू म्। नम्मात्र भृष्टीयांनटक वेथ कविद्वतः। ५ ही. यादनका मका महत्मह छै।शिष्टिंगत खेटकाम इडेटर । विद्या मुनलबामिक्टिश्र बटशु वड श्रद-শ কবিতেছে না। 'সভএৰ ভাহার। অধিক কলৈ পৰ্যন্ত এইৰপ ক্ষম দেবিৰে সন্দেহ नारे।

দিখার ইউরোগীর সেনা দলে ওলাউঠা হওয়তে তাহাদিবুহু স্থানান্তরিত করা হই-.

हीन ज्यान ब्राज्यांनी शिक्टिन विद्यानी-বেরা খেডামত বাইবার অনুমতি পাইয়া ट्या नहाटिय शिव्या त्रामक्ष्यात करवत यद्भक्ते अके नकन व्हेटफरक्। हीन द्वरमत বিছোলীরা হতবল হইগাছে। নানকিন শীত্র সমাটের হল্পে পজিত হইনে। অভএব উক্ত প্রাচীন ব্লাজো পুনর্বার শান্তি ভালিত ब्हेद्द क बाद्ध मजानमा लिया याहेदकाई।

योक्ताक है।हैन्त्र बरतन, काशालात वाकि-वर्गस्थ केंद्र विकडें केंद्र विषय अखाद करत्व, এডফেশীয় খাত্রী ও কবিরাজেরা অক্সভা क्षंत्रुक्त करनक ब्लारकब्र क्षान नहें करतन, ज्य-खजर हेश घरनद्व अस (मस्त्री कर्डशः निर्जा-ख शहक हैवै।किश्वटक नीवधान महिदा (मध्यः) जानका मानाम स्वत्यने काम लिएंड जानके प्रतिष्ठ ज्वान स्वत्यने हैन्द्रण हैन स्वव्यक्ति देवनीवर्गिक हैन्द्रण हैन स्वव्यक्ति देवनीवर्गिक हैन्द्रण किया निर्वाद्धिक महत्व केना क्षेत्रक कीन ज्वानकारका अधिक महिल्लाका नव महानविग्य किया महिल्लाका किया महानविग्य क्षित्रक महिल्लाका किया महानविग्य क्षित्रक महिल्लाका किया महानविग्य क्षित्रक महिल्लाका किया महानविग्य क्ष्या क्ष्यका क्ष्यका

जिन्द्र असं होणांत्र असं सन प्रदेश अन् वाक्षित्रक क्षां क्षित्र जात्मा क्षांका क्ष्मारक डाहात वांकोयन काजावात्म जात्मा शहे-बाह्य प्रदेश कांका जात्मक विवाद जांगत्मत जिल्का माध्य विद्या जांका करिन उरका माध्य विद्या जाताह क्षांका करिन उरका ।

ভারতবর্ধের বাবতীর রেল-গরে কোম্পানি সর্ক্রাধারণের সংবাদ টেলিপ্রাকে পারাইতে পারিবেন। পূর্কে তাঁহারা কেবল আগনালিগের সংবাদ পারাইতে পারিতেন।
আন্য অন্য সংবাদ গবর্ণনেটের টেলিগ্রাকে
পারাইবার নিয়ম ছিল। গবর্ণনেটা ও রেল
প্রার কোম্পানির প্রতিবোগিতা হওরাতে স্ক্রিয়ার্থ অপ ব্যব্র সংবাদ পারাইতে
পারিবেন ভাহার উপার হইল।

চীন দেশের বিশ্লোহে গ্রণকেট বথার্থই হয়ার্পণ করিভেছেন। এক রেজিকেট বেল্ চিকে প্রেরণ করা হইভেছে। সর্ব শুল চারি রেজিকেট এভকেশীয় সেনা চীন দেশে গ্রন ন করিবে। এই বায় শেবে ভারভবর্ষের ক্ষেত্র গভিবে সম্পেধ নাই।

७: क्षेत्रीय स्टब्स्यात् ।

ইখিয়ান মিন্নির ভারিভবনার্ছিণের সার্ক বিবয়িক উলানীনোর বিবরে আক্ষেপ করিয়া-কোন এ আক্ষেপ নিকারণ নর।

উক্ত পত্র বলেন, এক সন্তান্ধ ব্রীলোক ইংলও হটুতে এক জন বালালীকে বল ভানার পত্র কিভিরাছের। লক্ষণ্ডলৈ ব্যারীতি প্র-লোগ করা হট্রাছে, এবং অকর গুলি প্রোগ চাপ র অক্যের ন্যার। সম্পাদক এতকেনীর রন্পীদিশকে এই বিষয়নীকে সৃষ্টিপথে রাখি-রা লেখা পড়াঃ ধনোবে গ করিতে অহ্রোধ করিরাছেন। রুমনীলিগের অক্সেকা তাঁহাদি গের পিতা, আতা ও খানীকে বলাই উচিত চিন্তঃ

हीनद्रम्भ प्रदेश्य श्रावात्र व्यानिवादह वि द्याक्षेत्र। नादक प्रदेश्य श्रावात्र विवादह । व्याभारत द्यक वास्ति हेर्स्सक क्षणम् वय क्षित्रात्र द्रावी शांत्र । क्षित्र क्षित्रद्र क्षण्यां । प्रदेश सादत्र लाहे क्षणक्ष स्वादिक । हानद्रमार्थ क महिला निद्रम्भ वक स्वेत्रोदेक । हानद्रमार्थ वायक हैं। वाद्यिक कोर्टरकात कान प्रक्रिक के विद्यापित कियाद काडे वरता विद्याद करेंडे एक । केक्काकीय बाह्य कातानिक क्यांक प्रक्रिक वा का गाउँ।

विशेषिकां विश्वितिश्व कविश्वस्तात्वे अस्ति । श्रेष्ठ काश्वित स्वेशस्त्र । अस्ति अस्ति अस्ति । श्रेष्ठ स्वेशस्त्र । अस्ति अस्ति अस्ति । स्वेशस्ति स्वेशस्त्र विश्वस्ति । स्वित्व । स्वित्व स्वित्व । स्वित्व स्वेशस्त्र विश्वस्ति । स्वेशस्त्र स्वित्व । स्वेशस्त्र स्वति । स्वित्व स्वेशस्त्र स्वति । स्वित्व स्वति । स्वत

শর হিউ রোজ ক্রিশর এট ডিপার্টরেন্ট সংশোধন করিবার অভিযোগে উক্ত ডিপার্ট বেক্টের প্রধান কার্যেন কিইলারাল্ড ও সেনা মলের কর্নেন প্রিটনীকে ক্লিয়ুক্ত করেন। এই মূই কর্মারার বিবাধী করাডে কার্যেন কিই-জারাক্ ও প্রধান সেনাপ্তিকে থালি দেব। ত্রিনিত ভাষার পরিবর্তে নেজর রাউটনকে নিরোজিত করা ক্রিয়াছে।

পঞ্চাৰ গ্ৰাথক্ত তহতা অবৈভানিক মাজিট্রে ইনিগের ফার্মের এক রিগোট করি-রাছেন। মাজিটে টেয়া বথানিরমে কার্য্য করিরা গ্রথনেটের সভােদ বর্জন করিরাছে-মা কােন্ বিগরে আমাদিগের ফ্রাট ফাছে। ভথাপি আমরা ক্রিবিকারি দলের মন পাই না।

বোৰাইরের বাক ইনকন টাক বাবে আংশীসিগকে শতকরা ৯ টাকা দিরাছেন। সর চারলস উভ, লেভ সাহেবের বন্দো বন্দে বথাবই ক্র'ন্দ হইতে পারেন।

কোচিনে জোনেক নামক এক জন যুগ্ত ইউরোপীর যুত হইয়াছে। উক্ত ব্যক্তি ছব কভের অধিকেনের কৃতি হইতে করেক সহজ টাকা চুরি করিরা জানিরাছিল। দে এক দিন এক হোটেলে স্বরাপানে উন্নত্ত হইরা ঐ কথা বলিয়া কেলে। ভাহাতেই ভাহাকে গুড করা

আভিশয় রাষ্ট্র কর্নাতে নিছু রেইলওয়ে ভার হটরাছে ৷

ফিনিজ বলেন, থিক অব ওয়েল্য কোন কারণ বশতঃ এবংসর ভারতবর্দে আসিচ্ছে পারিলেন না।

त्याबाहरतल क्ला भूमियात त्यांमार्थाः त्यात्र विवरम् त्य व्याप्तम्य महत्य स्व. छोडांश्राः विवाहरू स्वा त्यांमा शास्त्रीयर्गात निश् त्रील । विश्वतिष्ठ स्वरंग स्व कि, अरमगीताला स्वा भूमिया हैश्रांसाविष्ठमेत स्वास्त्र व्याप्तम्य स्वाहरू भाव हैश्रारम्य स्वाहर्ण शास्त्रा असमीताला त्यात्र महत्याद्व वाहर्णम्य, असमि स्वाहि स्वाहरू होत्राहरू । The control of the co

PART OF THE PART O

ंति। रुपाय क्षेत्री ह्वास्ति व क्ष्म स्थितिय विश्वाचात्र ह्वासि व क्ष्म स्थाप स्थितिय य गरित्रा चारम् क्षांत्र केस् स्थाप क्षित्रक व्याप क्षेत्राहरू

for filler your necessary when

8 डीकांब निका

8 SIMIS (MIMILES) 3 28 - 9014

e টাকার e টাকার

ANT TO SALE

शक्र विकाशिक । नामानारमनीक राम्प्रेयक नामस्वत

कारमण्डमाने विष्यांताः २वा भाषके—स्माप्तिके हैं क्यारित क्या-वर्षे भागारवार वर्षे भग गरकारी क्राव्यवस्थाः

काके व्यक्तित सम्हानक दर्शामकी व्यक्तिस का त वाकावरक ३५-८५ कारकृत ३५ माहित्स १- वाजाक्तादत रक्षवृत्ति कारकहरत्त्व क्षेत्रका विरक्ता

alle etten :

हरे जावके लाकस्वासक स्वितिक स्थ रितिक, कह द्वस्तित सारक्ष क्रिक्ट प्रतिक जावेन जाक्ताक केक द्वासांक विद्या क्रिक्ट स्टब्ट जाक्स कर के ब्यादाका द्वारका स्वाक इस्टिंग स्वीतिक स्वीतिक द्वारका द्वारका स्वाक स्वाक्ताहरू स्वीतिक

वह मान्यान के कि उने नात्य जीवन हरत महेशकी माणित्य के कारणकेत हरेगा लेकप्रक्रि भाषित्य के पात्र भ्रमंद्र किवीय लाविह व्यक्षिम वाक्षित्य केंद्र क्ष्यका लेक्टिन्स वह भाषके किस मिनिक क्ष्यूण वाक्रिक्त के के कार्यों कार्यकेरतका मन्द्र क्ष्यूण विकास के कार्यके कारणकेरतक क्ष्यका गाहि

नाषु क्षेत्रां कर शतकारास्त्रात्रे स्टब्स्ट क्षेत्रकार्यः क्षेत्रः नाषु विश्वतस्त्रात्रे

किश्चनः। वर्गेप्राः

युनीय।:

ৰাত্ৰ মহিমচয়ণ পাল नांबू ब्रम्नकांन स्थान

TETRE OF शर् काजिकातीय संब

क्रीपूर्ण । बहः करणिक, बाह्यान जीर्वेश के करे चायके-कि चित्रं महिल किया गर रक्षि चहिरका अस्तर्क देशिया ।

कर्गाने, बहु, काम्यानां मारहर मारा-बारक्ष अन रखन्ति अधिरक्ष अध्यक्षे क्षेट्रन । कि, ब्रावेन नार्क्य विकास सर राज्या परि-(यम बद्धकी इक्ट्रियम ।

a काक्के-रे. हि. द्वेरत महिना नकाम अक कार जन्म प्रदेशक : 🐃

M. d. sall sices ugunfreine affe-मिकि बाहित माजिएके व क्या विकास

विविधित्वेत क्षित्रे मिलिक्ट्रे व क्षित्रे हाएं केंद्र (योजनी अरखह चालि स्वर्णेट्ड बहती व्हेडां अधिवनीति कहिरमह २२ थात्राक्ष्मास्त्र वि-कीय अधिन क्षेत्रिक माबिद्र एटेन क्षत्रकः गार्थ-ধ্যৰ। ইয়া খাৱা ভাঁচার স্থীয়ার বিরোপ রহি-

33 का को -- वि. हि, दिका मारस्य जि-পুরার জাইকি বাজিকেট ও তেপুটি কালেটর treat.

ंदर्गालयी अभिकृषिय महत्त्वन किवियामह अ-লা ছপ্তালীয় ক্ষরিয়েক এখান গলত আনীন হই-44 L

প্রেরিত। ****** এবুক নোমএকাশসন্দাৰক बदर्गनत्र मनियादम् ।

जाल व कविष्ठ । इष्टिश्वर क श्रूवावनानी विज-স্থাছেন ! কি আক্ষরী । দিন দিন কি কলিকাস উপৰিত চইল। ভয়নোকের আর যান থাকা फांत्र। दूरव्यत कृता biwin काथ वन द्वितः अर्थन न त्मन ৮ त्मन वहेशांत्र , अकारन नक्षमीक्षनत्मन क्ष क्षात्र सुबहे महि, याहिन क्षांश्रेन क्षांश्रेन প্রাক্ষা ও থাতকের নিকটে, তারাও ইংয়াজ বা-अधिक अक पन कारेन वाहित कतिहा छैरमा कृतिको विद्यारहत । आत्मह लात्मदा जानावि-संदर्भ धार्य कार कार्न जलाम करत मा। क्लक क्षेत्रश्राच्य व्यव वर्षेत्राहर, खादात्रा मा मन জ্যান্তিক করে, না পিতৃ যাতৃ আত্ম করে, আবা-स कांबाबित्तर व्यव्किना नगरत मृजा श्रीकांवित आदिमाञ्चन स्मित्र। टेलनकर्ष:क जामनिक रनि-का क्रेम्ब्राम करना बिन बिन क्रिक्ट विमानि केर्जिक्सिया। वरवेटलस्य, स्मिक मेल मकरा कि ध-र्क स्थित कि सामाधिक निवा कि माण्यांति-विवर्ग क्षमा पुरमदे উछत्त्रांत्र मधिक चापुठ क्षित्वतक्षे । अके त्राचित्रः अभिन्नः महत्र कृति वान, मर्चनकारणरीतिनात चामात्मर नतन খ্যাপুর উচ্চিত্র হেই জন্য আর বৎসর পৌৰ wirmmife miriff an winn alen anbi कृत करिए क्षेत्रिक कार्याक तकाल व्यान-दक्षके को कि स्वितिक अंग्रेश भाग विश्व स्टान-

भागनात द्यामञ्जूषे ७ पूरे वक योगा देश्याकि वस्त्रकृति निक्र निक्र क्षांव वर्षा अहिलाय व जुल्ल दिवस्त जनगरक मन्द्रे नाथा कर्डिस है अलेवर आवाह बड त क्टिके मा 🖽 🔭

भोगुता (फोलंदिवर निक्षे कि भगरोभ कहि-शादि हैं। चांबामियाक ट्यायन ग्रेसनगानी रण ? आंबर। कि कुण क्रि महि. आंवर। कि ब्रिटम्भवृत्त्री कर्त्र बाहे. वा आवता कि कति वाहे? হাজা, এলা প্রাথহ, ভিন্ন প্রাথহ, সকল পাক্ষকে সম্ভূত করিতে চেটা পাই, তত্ম কাবারও বিহ পার হট না। কি কলির প্রভাব! বাহা হউক. ट्याबड़ा नक्टन धक्य विनिधा सांगां मध्यत बिन्दा क्रिएंड क्रियंड, जामतांड क्रिका शाहित, वाशास्त्र स्वामानित्तीत मुर्ग हुन वस । श्रेतान भागी। कि २ बाइक ७ अकी अहेना कांच कतिए इ ছট্টলে, কাছাৰ ন। সধ্যে সময়ে দণ্ডবিধান ক तिरुठ पश्च ? ज्ञान'त धर्ण कृतिरुठ श्राटम, विषय অ'শর রক্ষা করিতে থেলে, কাঁটাৰ না কোন্ नगरत पूरे अक थाना कांगल श्राप्त कविता करे-एक वह । श्राप्ता कांगल पूर्वा है हैरिन छ।वास्क कि छेशास मानन करा वाहरत शास ? जांबाद भाविता पहेला मा, जावाक गृत्वत अमात्म श्र-রিরা রাখিলে হইবে না, ভাষার গরু বাছুর ছাল क्याम म् किरोगाणि नवस्य विकास करिया मछ. কিছুভেই নে শাসিত হয় নাঃ এক্লপছলে ভাহার পরিবারের উপর ছৌর।আ না কবিলে নে শা-দিত হর ন। ভাগা বলিয়া কি আমরা নর্মদাই এইক্লপ করি ? ভাছা নয়; স্বীক্তিকের সময় আছে; আরু অল বঙের সমর আছে। ভূকা-দী বে ব্যক্তি হয় ভাগার সকল বিচাব করিয়া ও নাৰ্থান হট্যা কাল করিতে হয়। বিচারে কথন कोर्याद्र आयू वर्त क्या, काशांत्र वा शक्त पश इत । आहि अलाब शिव वात्रा पर छेशव क्रिकांत ছিলের লৌরাজে।র কবা লটরা ভোষর। যে আন্থোলন কয়, সে সমুদ্য অলীক। পতকে ছুই পাঁচ্টা কৰন ঘটে। আবার বিংশ্র লোক মনেক আছে; ইহাব। তিল্কে ভাল করিয়া ভূলে ভোষরাই 5 বঙ মন্টের মূল · এই ভূমি নোম-श्रकाल कोतक हानाहर उहा कृति कार्याव आश्वास्त्रका व्यवकारिक काल प्रतिविश्वमाणित खुबांकि निविध जागांगित्यत बत्यातांन विव चित्रकतः वाशी वृद्धितः छात्रा ना वृद्धिता वि क्या क्षत्रों का की के विश्वा वाका आहां विविध (कराम मिन्हार है वट आह । श्रवानगांगी क नगत ? कि चाम्ध्या! बाका वृथिति व बढोवन बारकोटिनी त्रवा विमानगृक्षक अक রাজভুর করিছা পাপকৃষ্ণ চইছাছিলেন ভাত্ कि काम मा ? मा कांग्यामाज मान मा ? क्य-है। तुन कि कथने गांवांना अवाशीस्त्र वित्रक अवाश्विक एक ।

त प्रकाश के अवस्थित । अवस्था कृता गाम जानाविस्तत महीदत चार्के अविद्या गारह ? जागवात क्षत्र जाशति वावेरक महिः। ४-मि क्षेत्र के कार्तिकारतात्र वागिएक गोरवात गुला ग-क्षित् जावा अवेदन कानिएक गाहिएकन क्षातात जानक भीषे व्यवन कृषिका भव अक्षेत्र भाग turi, waifer mittig wittig wiere went wie un mitgeren wente fo wer; for क्षि क्विंद्रवर्ष क्रिक्टल है क्वारकत "मन । गामित क्यांनरकारण स्व मनतप्त क्वांकिं। केता भिवादम् ७ क्यार्थाः त को अ० नःकार 'कनमही বিশ্বাস কল্পিডেছেন; আমি শত সরহত্যা ও শত कुमकाविनीय मजीय मेरी क्रिक्स आवाह विभिन्न गांग धारम कहिएल भारत मा। का कि चारमम २ मरमात बाद्यामात । कार्यक्र महीक्र काशत भाग, काशत चुंगा व गकनवे त्रिया।। खाव विश्व **कां**लव शिक्टिंग पानटमंत्र क्रमा क्छ-क श्रेमा दिनाक क्रम द्राविष्ठ १४: रून क्रम श्रीक भागन एवं त्यक्ष क्षांत्र, क्षांत्र के क्षमांने भवते। আছার করে। ভবে আশনি নিজ হতে भागककता होता । डांक्स बांक्स कि करता ना करत, काकात कक्ष कामता मर्काल, ता बिटा ली-दि सा। भारत भारत मारताहिक ७ ४% कर्ष जहेब्दा गर्यामा बाखा

> अनिवाहि जार्शन मा कि मनोगरगंगायाय পণ্ডিত। প্রয়েহিতকৈ ক্লিছাস। ক্ষাতে কানি-उ शांतिकाम ्व'शंतकात मात्र कार्क नाहै। अवस्यत्र ज्ञानामी भागनीत महाशुक्रा नमस्त्र <u>क्रीइड्र प्रजीन लोख के द्वर। शस्त्रद्व होर्बा रह-</u> प्रव माकार बहेटल शहर, लोको मध्या मध्या कडेटव । किन्न जामामिरशहीस्था मिकायासास कतिरस्य मा देखि

: अधीरन ३२७०।

ग्नाथाशि।

🗷 पुष्ट बाबू बांधानाथ बांग क्रिम्शूव **३२७७ । ३६ है जावाह हदेएड ३६ है** और **O** A CAIS G BIAL " विक्रमाम निर्म समीमात বানকৰ त्कार ३० वी >२७० रेहब शर्यास ≄লিকাত। অমুৱলাল বিষ **३२७७ देवर्ड व्यवीय कीर्जिक शर्वाफ टकार ट्राये** वस्त्रवर्षेत्र मानिक्षा कर 99 ১२७৯ टेमर्ड जन्मि कार्जिक गर्वास स्कार र से मभीया यञ्जाब इत्यानायात्र 5२%» देवाके व्यवधि कार्तिक गर्वास त्कार के. वे Sa z d WESTERS AIR ८कार ३० वे ३२ ७३ हेड्य अवास রাসকুমার মাশাস্ত **ऽ२७७ फाळ जर्रास्थ मात्र शर्राष्ट कार €् जे ब्रिशको वामाक्षणती व्यक्ती भावना ३२७७ जारांठ जर्मा जशहात्रन गर्नेड त्मार क्**ले

এই গত্র কলিকাডণর ছব্লিণ পূর্ব্য মাতলঃ রেলওলের वाकान क्लाकेटफटक, मान थान कति- मानानूत देवनामत प्रक्रिन प्रक्रिकाण आत विकृष्ट ट्याब, वार्किक हाँच विरक्षत्व, अनवकात वर्षाकृ वात्रकाताव विवश्रक्षत्वक वाकि टान्यकात आहेप



" प्रवर्णती प्रकृतिविताच पार्चिवः सम्ख्ती मृतिमहती व दीवतां। म

85 **45 (#1**1

यन ३२७७। ३० छाउर। है९ ३৮७२। २८ छात्रास्ट ।

मार्थिक जुला ५ है।का শাৰ্ষিক ক্ষমিক ১০ টালা

বিজ্ঞাপন ৷ মকর্বল সোমগুকাল প্রের-পের নিয়ম ৷

अजिम तृता मां भाष्ट्रम यमबरम साम-প্রকর্তী প্রেরণ করা যায় লা। ইহার বাবিক मूना जानवाज्ञ नामज ३१ अवर वामानिक ट्रोका निश्विणिक चार्टि । इस वारमत क्यार्य अजिन द्वा कार्य कर्ता यात्र मा। मर्ययस्मत एकि (क्षा नाकित नाम अकाल अक्टलत है का ভয়, ভিনি **কারি**ন মূল; সহিত পত্র লিশিলেট পাইতে পারিকে।

दिखां भन

भु कदवाभवाक्त्रभ ।

मुश्रद्धां रहांकद्भ दलकांश्रद्ध कान्नद्ध अफ्रिक स्टेश शतिमञ्जल। नोस्तर्भव निकटि २,तिक्ता उन्हों **क्षादित (Piates विक्र**य १**३८७८५** ।

বিজ্ঞ:পনা

वामरमञ्जू

मनन, बाह्य उकानकार कुछ शह राज वनका कारमाक इवेदारहा विनि कामारक (উহাব এক গণ্ডসংগ্রহ করিনা লিভে পারিবেন ार्य व है। मा शाहिर डांगिक क्षेत्रां कहा अहरतकहाँ ।

का के खारन जीत्रायक्षात्र (जन मन्द्र के भारत সাং বহর্ম পুর

িজ্ঞাপন !

াৰ্কা, বকু লেডিং এম্বালয় ও সনাচায এবং সাম্যক্ পত্ৰিক। পাঠগৃহ। হোৱা ৰাওলাভ করিবাবালনা এছ পাঠ

করিতে মান্স করেন তাহারা মিথু নিখিত নিয়ৰ সকলে সভত হইব। আমালিগের ইছে। পুস্তকে ছাকর করিলে পুস্তকাদি হাওয়াড **(ए-७३) याई**रवक ।

১ম। প্রাহকগণকৈ প্রতি গ্রন্থে আটফা मात्र दिनादव अधि घाटम हाला बिट्ड बहेटवक, এবং ভাষা ধাদের প্রথমে দিভে হুটবেক, धक गार्यत्र साम गुला धार्म कता पार्टिश

२त्र । अक मोरमद्वा कथिक त्वक त्वाम श्रष्ट রাখিল ভাঁহাকে ভাহার মূল্য দিলে কট

ুল বিনি ধে ভাৰত্বায় পুক্তক লইয়া য, চংকল, ভাঁছ হেছ সেই ভাৰন্থায় ফেবড দি তে হইবেক, ভ হার খন,পা কবিদে পুরুজের मृत्रा किट्ड २३ दिव।

ার্য ৷ অপনিচিত ব্যক্তিকে পুস্তাকন মূল জমা রাখিতে হরুবে, অথবা এক জন ১ বি চিত্ত ব্যক্তিকে জামিন দি**তে হটবে**ক। ত**া**। हु? द्धा **उँ हा क भूजक श**क्रां**ड स**ख्या राहे (नकः

 क्ष , अवारात ७ अद्गेष्टिक शिंडिका भवत आबाफिरशब अधानरव आिश भारे कविरम া কোন মূলাই লাশিবেকনা।

গুণা ক্রেন[া] निष्ठे हा क्षिणीय व है। यदि करश्राम के हैं ज

(मायकाना।

১০ট ডাটে সে,মলার। ८का है। धिनाइतत मिस्स विधा

थारमा ।

एक खोगान (यिनि शूर्य भाविशूरत हि त्तन, अकर्प रमधारम चारहर) चायः निर्गत मण्डिककामु स्रेता व्यामाहिएसस् निकटि धक्यानि युक्तिक चार्यमन, भूज ७ अक्री **बारेटबर भाउटनश** भाउँदित कि য়াছেন। আফাদিগের মত এই সোমপ্রস্থা শে অকটিত হ্ইল, পাঠকগণের সভিত তিনি ष्मनुश्रद्ध कतिश। मर्जन कतिरदम ।

जे पाद्यम्यात्र सर्वे जहे. विश्वनात्राञ् माद्र चारत विवत्यत दक्षा विकारधन নিশ্ম থাকাতে এদেশের প্রাচীন ও 🚟 ब'र धांन्दरम मकल क्राम क्राम क्राम आध व्हेशारह ७ स्ट्रेडिंट, अवज्य क्रेस्त्र. ্বালে যাহাতে একপ না হয়, ভাছার এক টা উপায় করা কর্মবা। সে উপায় এই. क्षांवय विषयासम्ब कूख क्षां भारत हो हो हो। ्रकाकेके मधुनाप **कानज विवर्धक व्यक्षिका**री **FA** 1

এৰপ একটা নিয়ম হওয়া যে নিভ হ অবিশাক, তাহা আমরা গত ব্রেয় ; (>२ ७৮ नारमञ्) >० हे मारपञ् रामधा কালে বিতারিভবতে প্রতিপাদন ক্রিশ্র हि। পরিদর্শক ইবার প্রতিকৃল 'পক্ষ অবলয়ন করাতে ঐ বর্ষের ২৯এ মাথের শোমপ্রকালেও ইহার পুনরাকে।লন হব। पाँहोत्रा सिद्दै सिंहे श्रेक कड़िल इंदेरिक वर्ष्टि त्र **क्ति**का **त्मचिता**त्र द्वाम श्रीराद्य शराद्रिध ्र**स्ट्रिक, व्यथका ग**ें.शिक्टिशंत्र इटल्ड ८० हे ভেপুটি মাজিট্রেট জীয়ুক্ত বারু ঈশ্র \ি তই পত্র নাই, তাঁগদিগের সুবিধার নিনি

३ २०३ मार्चत्र श्रीमञ्जलारमह कियमश्म -याल छेष्ट्र कित्रमा स्वत्रमा स्वतः।

' भरतरण कुनाबरण विवद् विकास ना ' र' एकर अख अनिर्देश सुनित स्हेत, sun ub suit Baibai क्रिया ubar শ্বন কৰা উচিত যে, জ্বোষ্ঠ জাইলাই। - ७ तरहायात्र स्वावत विवास, अधि ों वजेटनन, कर्निक आवाद व्यरम् १८३. 'न नाः कनिर्हेत्रिक्षश्चावव कियाक 'अक्ट अ म कतिया कड़ेरवन, धमक्र म्हारक्क विव দেব উপস্তু **ब्हेटड रबाद्यागः रम**भन भ^रेर्दम । अक्तभ क्बि.ल हुद्द **्ष्ट्र पू**र्ध; **থিবার ন'না খণ্ডে বিচ্চক্ত চইয়া তাহার** থে বিলোপ ইইডেছিন, ড:হার নিবারণ क्टेर्टर धारः त्रमन्द्रव पूत्रम्थानित प्राधिक। পিরা **গ্রভ**ড়ক भः केरम विद्वाधानियाः তুষ্টনারও সম্ভাবনা ভাপ ছটার দেশের জুমিসম্পতি জাসংখ্য মুর হাতুর বিভক্ত দুর্য কণ্ড ডেব্রেডা সংক্রিয়া স্থ पूर्ववद्याञ्चल ७ भवनम्य तरक मन, विद्वाह লক"র **আহুল হট**য় দ'ল যাগান ব বডে नगर **कारण अवैद्यार्थ अस्कार** ७ ७५७ गर शोग विस्क. एक्यो १ है देखाएगढ़ अस् म्म अस्तित्र कारशका के अस्य न्याम '5' म केलभ्रव चरिया भ .५ । १ दन्त्र के.चे विद्यादिक्य कहा एथन व्यवस्थाह भू र १२ १८ १ विष्युद्धा मनक । ३ व ा ६ । । । त । अहं श्रुत्वत्राञ्च देनद्र प्रकृतिकादी इक्षेत्रस न**ेन**िक्षांच क्रम् প্রব। । ১০ । স্বাস্থ্যমে প্রচলিত বিষয় এই पर्यः एन्द्रस्ताङ्ग संक्रिकांद्री करोटाउँ भा

প্রত্তি শিক্ষার একটা প্রধান প্রতিষ্ক্ষক
হর্রাছে । তারারা জীবনোপায়পর্যাও
তুসন্পত্তির অন্ধ্রীবারী হুইনেন বনে করিয়া
ভালন হুইয়া পাছেলা জলসের বিদানিক।
শেষন তুরুই, কুকার্যা শিক্ষা সেরপ নহে।
তাহারা অতি সহজেই ফুকিয়ায়, রাণ
শার হুইরা উঠেন। অপার, ড্ডীয প্রেম্বীন
মধ্যে যাহারা কেবল ক্রম্পিন, স্থান
লিগলে সদা নানা প্রভার জনীনই হুইযা
নানা প্রকারে হাডসর্বাধ হুইয়ে।
নানা প্রকারে হাডসর্বাধ হুইয়ে।

ज्यात्रत्रा छेणात् त विधि विधारमञ्ज करा স্বাইলাম ভাছা বিধিনত্ব ছইলে কেবল ह्नाधिक। द्विकिरभ ४नी र র সংখ্যাদুশ্য নিবারিছ কটবে এবংশ महरू, ४ नेव "शत्र कमिन्ने नश्चारमवः। प्राप्त म अंबर्टीक्ष मधान कारनी बकेटड ना थ. ित्म विकास्त्राह्म इंडेर्ट्रिन । ଅଧ୍ୱିତ ଅଧ୍ୟ ଏ ଓ ଅଧିକ ଦେଖିବ के। भी इ.स. १७७५ विकास माणा वना इ.इ.स. अप्र क्रम राम्य धक्का भाग । प्रतिवृ अधान २०% ० टर्ड विस् लगाय १८ व েব্যাস্ত লেকি মানের সহিত্য কলি তাব १९४ व्या १४ १४ व वयरमा २, ११ इत्रमा त॰ मीश् व 🕫 नए" ने 🕕 खापारिड, भर य स म अभिक, यह दिनिध ছিল্ড সাধনে সূত্ৰ^{ং প্}ৰেন । 👰 🗸 (म) अ(भक्त त्य स्मान्य का प्रतिक्र u la cy Pilygi अन्य क्टेर्स ^{प्रका}क १४। नगर किर्न **र**। छङ्गी दहेरन रा तिस्थित राज्यस्य, পুক্রে (য ব'শ ५० - बॅट्स्ट्रेंड्र अङ्ग्लाङ् क रुष्ट्रा 'का निर्'न 3 5 FE 2517 **DAND** ी जाना शंकादमार्कीत ह्याँ भागाना है हिंदी क्षर्याह अित्र म

উস্মারের জাই নব যে পাঞ্লেধা ই বরিষাটেন হলিধানে খানাদিধান হৈ নিজুব এবা আছে তাহাও এফান ও কন স্টতেচে স্থান, উস্থান বাবু এন। বিছাল সমিনিক লোকের অভিকাম বিভ

क्रिक्टिश्व । किंद्ध त्म त्मरमा (नाटकंत्र समय कूमश्कात भूग स्टेश त्रस्थित्य, ख्या न कहा चार ना कहा जमान देन कंद्रेल अरमरण्ड वन ष'वेपूर्वा कमरकार्य उन् क् चाछानिक (कम्बेर् ररेदन, कदन काक क्रिकेस । দেশের শান্ত্রীয় নিংম লক্ষ্যে বি-ণছেন, আইন ঐকিছ পাতের যে ৰূপ সম্ভাবনা, লেও সেইকপ সম্ভাবনা। 🖪 किम.कात ७ डारा बहेटल 🕪 🐠 ঘটিবার সম্ভাবনা আছে, এমলে ভা বেশে त्रथ विदवत्रमा इत्रा प्यावभाकः। भा 🚉 ग नित्रम लक्ष्मा कविदल कृति स्वनिकं एविष्ट श दत । शक, योशामिद्रशय माद्वह, विकास श (इ. शह पि शह माजुल प्रकला अष्ट गाउँ कविद्व । चित्र, स्थाक्षिरक्ष् । ध्यानारमाचे द्वित १८ वर्गाम् भारतिसूक् व र कत्वन, अरमान्त्र क्यारामध्य क्रिय क्षेत्र विरागी प्रकेश्वर 📜

अथ्याक कार र किस्ट्र क्रिक क्रांकर विष्कृता करे, भक्षा वक्षमामि मिन कर्छन्। कत्माः चनुष्ठं,नविशयक ता २३ ह महुः ্ডে, ততুল্লজ্ঞন করিলে তেকপ প্রছ বায় জন্মে পৈতৃক্ধনের অধিকার শিং मर मारा राज्यन कतिरान रमका प्रकार কোন্যমেই সম্বাবিত নাছে। যুক্তি 🗱 বিবেচনা করিলে অ**নুমাত্র প্রান্ত বাস্ক**্রাক্তির **श्रक**ा द्यां के का । ल्लाटकं व 🖏 🗗 । विद्युज्ञ अतिष्ठे लालभुत्नुत् । बेद्ध्युज्ञ रा धार्याव इनेएक्ट्रम, ठाकांट्रक कन्एन रेके विना जनिके नारे . कि अवार हरेक टाइ। इरेटल अ अ म द्वावना कि विद्यापट (পিছ। गिर्देश प्रश्ने । प्रश्ने দিয়া ফেনেন, ভাছা অপাস্ত্ৰীৰ হৰ ন একবারা স্পাক্ট প্রান্তীর্যান হটাতেছে উলিখিত প্রশাস্ত্র অকিঞ্জিৎকর। ত

भता विकीय व्यक्ति निवाद्रदश्य शक्की के श्रीय करिया विद्रार्थि, ' कन्यून्तर क्रिस्न কোন বিশ্ব জালিয় র সন্তাবন। থাকিয়ে না। এবিবরের নিমিত্ত একটা শক্তা করিয়া যাবতী গু জনীদার ও ভালুকদরে প্রভৃতিকে তথায় নিমন্ত্রণ করা হউক, ত'হোরা সকলে একবাকা इहेश के ब्यार्ट्सिस शर्क चोकत्र कहिया राप ত্ব:পক সভান্ন অৰ্পণ কৰুন। এই ব্ৰূপে কাষ্য क्रिया यपि छेहा विधिवक्त कत्रा हत्र, शदर्ग ্মন্ট আমাদিগের শান্ত্রসিক আচার ব্যব हातः कि विषया इस्टब्क्श कतिया अनुहिष् कर्व कविदलन विलया त्मारकत विद्वय अ বিবার যে আশকা করা হইবাছে, ভাষা ्रहास्ट निवाक्रण हरेत् । नकालर नमाणि নহয়া কাজ করিলে ভাছাতে বিৰেম জাম 🛂 - সন্ত্রাহন। কি - একদ্বারা আরু একটী ः अभकात्र लाख धरेरव । है (नाखन्न ला ৴কৰা ড¦হ'র বলে রাজত্ব সমুক্ষে **স্বাধীন**তা নাদ করিয়াছেন, প্রথমেন্টর প্রজার সন্ম তি এহণ পূৰ্বক কাথানুষ্ঠান ৰূপ সেই স্বস্থ ুন রোদে **অমাদিগর হত্তপত হইবে**।

বিভীয়, প্রস্তাবিত পংগুলেখে;র এক পানে লিখিত ছইয়াছে, কোন বাজি তা ার পিজাব মৃত্তুর পর যদি ধর্মান্তর প্রচ া করে, সে আপমার পৈতৃক বিয়ন্তের অ र्भारतत प्रधिकाती इंटेर्स, जनवर्ष धाँहात িশত র আল্রিড পরিবার্লিগের ভরণপো া গ থাকিবে। এখ্যিধ বিচিবিধান এ . मन्त्रीत माञ्च ও युक्तित बिट ख दिक्का 1 িন্দ্শাল্পানুসারে ছিচ্ছধর্মপরিত:গীর পৈ जक भटन अधिकात बारे। गुक्ति विद्राध **এই, যে ব্যাক্তিকে পৈতৃক ধনে অধি**কার শেওয়া **হইল, লে সমুদায় ধনেত্র** অবিকা **ो न इस रुक्त ? जाना जाना भ**विवरस्य त यात्राष्ट्रापन विवाद निवय दिशान दात्रावे চরিভার্থতা লাভ হইতে পারে !

ভৃতীয়, প্রস্তাবিত আইনকে ঐজিক করিয়া ভাষ্টে রেজিউরী কী...প্রভৃতির মে প্রেরার করা হইষাছে, ভাছাও যুক্তিসহ स्टेरण्ड्या । छेश पाता अच्छाहारत्त स्थात **একটা পৰ পা**জিত করা হইবে।

सहित्कारहेत अकतिरशत बांब বালনায় অনুবাদ করিবার অবশ্যক্তা :

षाठि व्य^{रम} िन इहेग, नवर ७ मू व्यिम क्लॉर्ड अक्ज इरेश हाइटलार्ड नाम আগু হইয়াছে। এত দিন সদর আদা लट्ड धरे निसम हिल (प्राक्रिक डेंग्स

পবিবর্ত্ত হয় নাই) कटकता আপনাদিগে র রায় আপনারা ইংরাজীতে লিখিতেন, তাহাদিগের দেই রায় উদ্দৃতে অনুবাদিত ररेश मकवरलव जामालस्टिव लाफ রার্থ স্থানে স্থানে গ্রেরিড ইইচ। বাজ लां विश्व थाइडि ममुपाय थाएए एवरे अहे निशम जुलाकाल अनुमृष्ट इहेड। दिख অনুধাবন করিষা দেখিলে এ নিয়মটা কো स क्रांप्रहे नाषानुगड सदह । वाषता **एएए** বাসল। ভাষা চলিত, সেখানে উদ্দ ভাষায স্তুত অনুবাদ প্রেরণ। সে কি প্রকার युक्ति । यक्ता अवती कृष्ठ अरम्भ गरह। ইশতে চারি কোটি দশলকুলে কের

वात्र। अग्रमादः खेमहिल्लाकी (कला चाट्स. डवर्षा एक्टल विष्ठाह, शांहिना, बुर्णत, ভাগলপুর, হিছত সাহ'ব'দ भावन । **এই कर्रा**की श्रिलाय हिन्सि जाया श्राहलिक । श्रि**षिक चनुवाम व्याप्य गर्मिक व्या**प्य चाट्या छेस् अधाः कर्जान्द्रशत ताद्रत अनुराष्ट्रको हाति कांचि मण मक लो। কের কাহার সহজ ও সুথিগার নিমিত্র হইয়া থাকে: প্রজুত উগ লোকের কউ | তৎশিকার লোকের সমর্থিক যত্ন চুইয়া **७ व्यर्थ क**रहा अकड़ी ध्वबन कार्रश हरेशा বুহিয়াছে। এ দেশের লোকে উদ্দু জা त्मन मा, योहात जो तास पूजियात थाएगा কান হয়, ডাছাকে ডান্ননিত অর্থ বায়,

क्ष्म **अ अत्मात अनुकृष्टि कहिट इत्।**

অপর, গরর্ণমেন্ট ব্যয় করিয়া শে উল্লেদ্ধে

ঐ রাবের অনুবাদ মকস্বলের সর্বত প্রের

ণ করিয়া থাকেন, ভাগরও ব্যাথাত জানি

क्टर। य जाता स्करता सह बुद्धा, তে কোন কাৰ করিবা নাৰাইটা भणीय कम लाएक मेंद्राका विकास

गमत जानामक व भारतिमान स्विति করিরাছেন। ইহা একণে হাইল্লোই রিণত হইরাছেন। **আজিও**ুকি উদ্ধিশিত व्यविष्याकातिका वृतिक वृक्तिनिम्नम् विष्य অপরিবর্তিত থাকিবে / সময়, আখালতের त्रह शतिवर्षत्र मिक कि देशक शतिवर्ष स्टेटव मा - श्राहिटकार्ड औ विवदक्षत्र शतिवर्ष করিয়া বিশুক্ষ বাদদা ভাষায় অনুবাদ वार्था व्यविष्ठ क्रांत्रन, तारे चनुद्रांथ क्रि वात्र मिसिखरे भाषा भागता अरे धासावता করিরাহি ৷ হাইকোর্ট শ্রন্তিভিড হওয়াতে . व मिट्न बरमक्थित लोखागामाक है রাছে, আরো অধিক সৌভাগ্য লাভের ম স্তাবনা আছে। ঐ আদালতের এ দেশকে সর্বত্যেতাবে উন্নত করিয়া ছালবারই চেকা: क्टि य दगव शक्त ने द्वार परवात रुदेश तिशाहरू, उदम्हामाधम राजिएसहरू **छेर। नकल स्ट्रेवाब्र मञ्जादन। नार्ट 1**

জলদিগের রার বিশুক্ষ বাজলার অনু वाम कत्रिवात क्षथा क्षविक्रिंग इंदेरन इंदे मट्शियांत्रलाख स्रेशत मखायमा चार्ट्स ह ध्यपम, गर्दाक शवनंदयदक्षेत्र केट्रक्नम्। जास्य त्रेरव । अ रमरमंत्र नक्एमरे समाप्राटक है তীর, উহা বাদলা ভাষার জীয়ুদ্ধি লাগনের একটা প্ৰধান উপায় হুইছে। যে ভাষা चानानरजत्र छावा इत, चर्चकृती बलिश शास्त्र । अर्डे फेक्स्टमरे लाख शांजिक्ष धक া শন্ত এক বাদলা। পাঠশালার প্রতিষ্ঠা ও এই প্রতিজ্ঞা করেন, যাঁচারা বার্ণনা ভা वाब जूलिकिछ ना इहेरवन, छाडापिशटक कर्ष विषय मा। किन्नु छेरा शवर्गरमध्ये क्या क्या करमर दिवसिनी अक्सिन मात्र कल अनव कतियात शृद्धि विनीर्ग যা যায়। যে কোন উপায়ে ছড়িক, বং

।। जावात जीवृष्टि नाधन व शवनंत्र ্য একটি কর্ত্তব্য কর্ম, বোধ হুর;'' ভাহা रामापिटभंत्र ज्ञाजभूज्ञचिटमंत्र (चर्टमंडकरे वीकात कतिरस्य। छेट्रेलियम "कि कंप्रत्रत्र? हेश्तरक हेश्त्राकी जाना विजुख क्रांत्रश করাশী ভাষা এচলিভ ভরিবার যে ৰূপ - রুর্যনোর্থ করিয়াছিলেন, আমাণিগের वाजभूकपिटनंत्र मध्य त्मरेयंश स्पटना রুণশালী কেহ্ আছেজ, এরপ আমাদি গের বোধনতা হয় না, যদি থাকেন: তাঁ হার। সংখ্যার নিভান্ত অম্প সন্দেহ নাই। একণে আদালতে যে ভাষা প্রচলিত আ হে, তাহাঁ এক অভুত ভাবা। ए জারী जेबरधत्र मात्र अकाधारत मञ्जूमात्र जावाहे আছে। রত্বাকরের সহিত ঐ ভাষার সা मृणा कितिरम वाथ एव नमधिक नगर इत । जश्झू छ, ज्यात्रवी, शात्रजी, वाषला ও ইংব্লাকী, ইহার বে ভাষা উহাতে দেখিতে চাও তাহাই দেখিতে পাইবে। উহা যে (क्यन छाता, जामानित्तंत्र त्रामशून्यत्त्रा যদি বুৰিভে চান, সংক্ষেপে এই মাত্ৰ विलिट्टि भगाश इंट्रेटन, बक्ट चनूनकान করিয়াও সাত হাত দীর্ঘ এক থানি কব কারির মধ্য হইতে সাভটা সমাপিক। ক্রি য়া বাহির করা ভার ।

त्रिष्ट् क्रिष्ट् अक्षा कहिए भारत्रन, बुद्ध्यत्र अपृष्ठि करग्रकति अरम्दर्भ हिन्ही প্রভালিত, অতএব কেবল বাদলা ভাষায় রায় অনুবাদ করিবাব নিয়ম করিলে তাহা निरमञ्जू यूर्विया इटेर्टर रक्न / देवात छे बत স্থলে আমাদিগের বক্তব্য এই, হিন্দী তা বার রায় অনুবাদ করিবার নিমিক ২।১ বাক্তি নিয়েকিত হউন। কিন্তু ৩৯টি কে লার মধ্যে মুদের প্রভৃতি সাভটিব সুবি **शाह निमिश्व दक्षिमण्डित चामू**विशा करा, ৰুক্তি বিশ্ব সূত্ৰ না । নেই সাতটিতেও উল্ব । হানই প্ৰজুল্ভব । ভাবা, চলিত মতে। এ ছলে সার একটি वक्तवा धरे, यनि दिनी काम धावर्षिक ्, इस, मित्रम्भत स्मार्कत यम जाहात अलू े देना शतकारमाणिक ब्लेमाम । हात ! जिलि वित्री क्यों व केंचिकाम श्रूकर इतिक, यदि स्म-

বাদ প্রথা আুরম্ভ করা হর। এখন যে উদ্ধু ভাষা লিখনে পার্মী অক্ষর কাবছার चारक, काक्ष चानत्रतीत्र सरका भाउनी व्यक्त श्रीत निर्धन शर्रेटन महत्र नगी উত্তর পশ্চিমাঞ্চের কথা তুলিয়া কোন व्यानिक क्या अक्टल यूक्तिमह इहेटहर्ड ना। चामत्रा छेभटत त्य शहेरकाट हैंद अ मक कदिलाम, रेहा वाकला (मरमवडे . हे ন্তির পশ্চিমাঞ্চলে শুভন্ত হাইকোর্ট প্রকি **ভিত** इक्षेट्र, देश হৈর সিদ্ধান্ত শাছে।। চলে না আনহা এত পরাধীনা বে আশা তাহ্য হইলে তথায় সে কেশীয় ভাগা প্রচ लिङ इट्टेंव । त्म अमूद्रशास क कांक्टकार्हें ৰাখনা ভাষা প্ৰচলিত করিবার বাধা জন্মি ए भारत मा।

~ **}-

ভারতবলীয় রমণীগণের তুরবন্ধা -মোচনের উপায় কি ১

আমরা আজি একখানি প্রেবিভ পত্র পাঠকগণের গোচর করিছেছি, পাঠ করি লে আ্মাদিগের ন্যায় পাঠকগণও প্রম প্রীতি লাভ করিবেন। ইছা এক জন বি দ্যাবতী জীলোকের লিখিড। বোধ হয,। ভাষাকে অনেকেই জানেন জামরা ভাষ্তেক दिल्य करण कानि। छ। हात्र दावन लिथि ধার বিলক্ষণ ক্ষমতা আছে। আনেক পূ ক্লবে বেষৰ জীলোকের নাম দিয়া আপ নাদিগের লিখিত পত্র সম্ভাদ পত্রে প্রচার क्तिमः शास्त्रम, देश (मक्त मारा । हेश यथार्थरे कामल क्य इन्टि (विनिशंक हरेप्राटह ।

খাসী ও তাঁহার দামীর এক বন্ধু উভয়ে মুদেরে পিয়াছিলেন। তথা স্ইতে তাঁহার স্বাদীর বন্ধু ঐ স্থানের বর্ণন করিয়া ভাঁহাকে এক পত্ন লিখেন। প্রস্তাবিত পত্র খানি তা

महत्रचः कद्ररनदू---

স্হাপনের অনুমার লিপি খানি প্রাপ্ত

খানি পাঠ করিতে করিতে বে ফণ্ড মঞ্চপাত হইব, তাহা আৰু কি নিখিব। বহাশয়। জা-নিনাসে আনেশ্যক্ষাকি বিবাদ্যকা আপ-नोर्ग मुटण्डत भिन्नो नोना अकान द्वनभीय शकार्य मकत पर्नम कत्रिहा हबरहुछ ଓ अविश्वहनीय আনন্দলাভ করিতেছেন ৷ শিব বারু ৷ আ -এবা বেখিডে তে[†] পাইতই লা, ম**ন্তরোর** এক টা লাশ্য থাকে, ভাষাও ক্ষাথারদের নাই । এ সকল বিবরের ভাশার মূলোভেরন ভাষাক (अट्ट कि कवित्र रङ् ? छ। । ! चात्र कार्यन। যাহাধে বলে ভাছাও কবিতে পারি না, হতে द'ह तक न अकड़ी दिवस्त्रक काला कहिया मा जुड़े (यम 🕆 च्यू इंडेएड (क निवस डेंग्डे " 🛰 नहरू । शदाक्षीय, इडेश, ज श्रदः'द बरूर दिव য়ের জালাকে মনে স্থান দিও না ৷ যে চেড়া sagran स्थानित तम् (क्रांक क्रिकेश हरेत। र হে পিত[া]। অ নার্দিগকে পিঞ্ববন্ধ। কনি-রা রাখিণার ভাগতী কি **স্তি করিরাছ** মাও গ পূৰ্বি। ভোষাৰ এই সংখিনী সহিতাদি গোর প্রতি সময় ইইয়া কিঞ্চিৎ নিস্কৃত স্থান প্রদান করু, আফ্রা তথায় শিরা সাধিতি क्वि , । वसूषा कात्र नवा इय मी , मिखां छुड़े क भारतम् भागप्रयोग्धः संस्कृत ত সূত্ৰ কই যাতে। ्याम् भिन्दमः अ अम्बद्धीः। ः भवरमञ्ज राष्ट्रभा कहें एक प्रदेश में स्वाद कहा। भिष्टः। व्या মারদের নানর বছল, তাগুত্র করিতে পাতে, এ পু,পিধীটে ভাদুক ম্পুদা একটিও নাই (জ। লার এইপ্রাবার সংখ্যার) যদিও জুনি মনের মনস্থা সম্প্র<mark>ট মনগত আছ তথা</mark>শি না বলিয়া চুপ করি। থাকিতে পারি না, অভএব ভোষাৰ নিকটে কিছু কাৰ রোদন করিয়া মনের যন্ত্রণাকে কিঞ্চিৎ লবুভাব করিব(র সন-বিনি এই পত্ত লিখিয়াছেন, তাহার ৈ ক্রিয়াটি, ইহা বাতীত আন্দ্রেদর ক্রি উপায় ন'ই। পিত-! না হব ভোমার ফিবন मृज्ञातक मीश्व (अत्व कड़, आयोगिगदक अट्य চটাত উদ্ধার করিবার উপাত্ত জিমি

> निव बांदू : इस्ति (बार्ड चानूच विश्वेदर একটা কৰিতা পাঠ করিয়াছিলাম, ভাষার সর্ব म्परं निथित स्केग्राह्म "क्यूर्यंत मिन्द्राः

अर्फिनीय रकांन समनी इहिष्ट करे ३, छोटा হইলে তিনি অয়শাই বনিজেন বে " তকু (थर् तमन अहे राज्यांना वात्म नाहीक्रन ज्ञास अश्वकता , अश्रहामशायक तक योत् गरम হয় যে পড়িতে শিখিয়াছিলান কেন, যদি প ব্রিতে ন। পারিভাষ ত'ছ। এইলে নান। নু!নেৰ ইত্তি জানিত্তেও প-রিভাম না, জা जिल्ल हेकां व हरें हरें जा, मन अकटाकां ह ल्स्यू मान कड़ेग्रा प्रक्रिक कान क्यान कान গুত্ৰ করিতে পাবিতাম নাঃ ক্লেন মইতে मूख बड़ेगात कम डा यादारमंत्र बाहे सम्भारत क्रम विद्या त्यांच न, आक्षान उप्पादमञ्ज शत्क कार, अधिकत्र विविद्या कतियो (प्रश्न ! महा-मह । आबारणम् महाय छ । भी दलक जाना दक्क কি আছে ? বহি থাকে ভাষে বিশিক্ষন, তা-अ तम्ब्र अधिक पूर्वमा महिता यप्ति किङ्कु छन्द ০টতে শারি। আহি নি [†]রখিতেড়ি খনোর त अक्षित्र विद्यास कवित्तम १ कि छु दुधन विद्युत्त । कारात . हर जानिएक शाहिता कि बीय क्रिय बालिक इन्द्राम कविटा भारित । व उ : करामहे शांतिय है। छोड़ स्वासिया स्मयस छै मा । उ क्रम महाराज विश्वन उत् निवित्। তুলিন। অতথ্য খন। এত উতলা হট্ওনা विद्वहरू। कविशा अध्य अध्यक्ति। य व्यक्तीनम ভোগ চলিতেই কটাতেক, ভাষে বিলাপ করি हा दकत बद्धना वाजांच, दूनि कि का माध्य যালার নবট বিদাপ করিতের তিমি এই ষ্ট্রা দেখের পুরুষ জাতি। চিনিতো মাহ দু যে কুপিত ১৯৫০ন আহা কি প্রকারে জানিত শারিলে সঞ্জী চ ডিব্ল ছ খে যদি তাহারা ভঃখিত বটাতেন, হবে ছত ত গিনী দেব এ ভ করভোগ বরিতে হটত দা 🛮 তারারা फु.श्विक इक्रेंट्रन क्लंब > क्रीबाटम्ब क्रान्त्राभीत क अ, तर्रास्त्र काक अनाबारन हिंगा याहे ८७८६ । উ।शता कामा**रमन ए** प्रान्तन्त्र (5हें) (तम कांत्रिक १ था किये लिशिश मिव वाबुदक कर्ड किर নিভাত স্বাহা হটথাচি এ প্ৰবস্ত ৰত ! আলাপ ও লিখিয়াছি। যাহা হউক, দীয় বাংগ का छान (हार क्यां कंत्रवन। मिर्वमन हेन्ति। সন ১২ ৬৯ '

9 35.74

बाबाध मही !

এই পত্ৰ খ্ৰীলোকে নিধিয়াছেন ৰলি | রা আমরা এক কালে ভাবে গলিয়া যাই। সে কেবল যে আমাণিপের बाई, व्यांगाभित्वत करमत जीटमारकता। मूथमत इंदेर धवाण नरह. 🤏 मूर्थ, त्राहे मूथ जरलत अत क्य वाचला ! शतम मोकांशामानिनी हहेता है खावात स्थार्थ द्रीकित ध्यूम, इत ८ कुल लड़ | व्यामानिकात क्लान स्थ विकेष लिथिएक भारतम, ६ कारिए व जामण करे নাই, আমাদিণের এত সম্ভূত হইবার কা গণের মূর্বতাই তাহার একটা এখা त्रव करे, करे अर्फिश्च अब माधा करमधीत त्रव । जीकारिरे धात कण्यिक ख द খ্রীফাডির হুরবন্ধা ও পর ধীনভার বিষয় স্বিভার ব[ি]ন্ড হইরাছে।

'' ভারভনগীয় রমণীগণের ত্রবস্থা। स्माहाबद छेभाष कि । य बलिशः श्वामद्रा উপরে যে গ্রন্থ উধাপন করিমাছি, এতৎ পত্র ছাবা ভাচারও উত্তর ও সিদ্ধান্ত করা ब्बेग्नाट्ड । बादमा करण जीकार्कित विमा मिकः हे मिटे **উপा**यः त्रमनीशर्दशत विष्नाः निका करेरजरे कें.इ दा काधनामिरात हुत बचाव विश्व वृक्षितः शानित्वम, वृक्तिरक পারিনেই তথ প্রতীকার নিবদে স্বিশেষ চেন্টা ক্লিবে। উল্লিখিড পত্র মধ্যে পত্র রচনা কারিণীর যেৰূপ মনের ভাব ৰাক্ষ हरेग़ाहर, गूनिक अज'त्व यनि क्षिकाः न श्रीतनारकत्र भएनव छ।व धहेकथ हा, जा মরা কি আরু ভাঁহাদিগকে পশুবৎ শোচ নীয় অবস্থায় রাধিতে সমর্থ চইব > তথ্য ভাষরো আপনাদিগের তরবস্থা নোচনের উপ্যে আপন'র'ই কবিষা লই.ত প'রি

আমাদিগের জীগণ খদি চির কাল ब्राक्तानाकारत बाव्ह्य हरेश शादक्य. অ্মর ব্ভ ভাঁছাদিগের হিডচেম্টা করি না কেন, আমরা যত ভ ছাদিগের উন্নতি সাধন চেন্টা করি না কেন, আমরা যন্ত ভাহ'দিগের সুখ স্বচ্ছন্দ করিয়া দিবার চেন্টা করি না কেন, আমরা যত ভাঁহাদি গের স্বাধীনতা প্রদানের চেতা করি না কেন, তঁ হারা কোন ফমেই সুখিত হইছে ন ন' , প্রত্যুত তাঁহাদিগের সেই সেই वाधीनकामि क्वल सम्दर्भ निर्वेष्ठ 'इहेर्दि ।

व्यामामिराव खीराव कू कुर्केटशाहत रहेटलटक मां, सामापिटः थम अ अ, ि मझुल चाहोत्र वावश्व া অ,প্রায় শ্বল হইয়া থাকেন।

> পতিত ভূমি বিৰুগ্ন ও সর্ চরলন উভ।

ক্রমে ক্রমে ভ'রতব্বীয় গ্রণ্মেণ্টে সহিত কেটাসেকেটারির একটা মস্তুত্য যুদ্ধ হইয়া উঠিল। অত্ৰতা গ্ৰণ্নে উট্ৰ किছू क.क करत्रन, नत छोत्रलम छैछ रू नमुपात थात्र एम एम कतिया विद्रत्वतः क त्रम, अवर धायडे किছू किছू পবিবর্ত क রিয়া থাকেন। কান্ট্রাক্টবিল ভারতব্বীয়ু वारक्षत महिक वरमावक, जाग्न वारवत् कि সাব, এংং সম্প্রতি অগ্যত পতিত ভুরি বি ক্রন্ত কান্ত আজা ইহার প্রমাণ । সর চারলস উড এব্রিধ বাবহার করাতে ভা রতব্বীর গ্রণ্মেটের স্বাধীনতা বার্ত্ত হইতেছে সন্দেহ নাই। স্বাধীনভার একপ বণঘাত কাছারও অতীক নহৈ। ভারতঃ বেট ভ'রতবাবের শাসন ক্রিয়া সম্পন্ন হয় ইহাই একান্ত প্রার্থনীর। যুক্তিও এই कथा विदेश किरणाएं। किन्त धनुशायन कब्रिय़ों रमिरित की हात अरे स्वरक्त पूर्दे, এक्षि विषय व जिर्दाटक आमाणिरभव अन . র্থের নিষিত্ত হইতেছে না। অধিকা শূ ।ব यत्त्रहे दीच त्नथा याहेरङस्हः छ। ब्रज्यान्त्र हिड माधम डाँहात উष्म्म्या । जिलि ए **এই इटल इंडरक्र भे तराम, ७**:हाद कर्ल्य कि : निहर्वाक्तित्र अलूब अनर्भन दि ठोइ क् केंद्रमा : काइ। इंडेरॉक्ट काइ कार्याः গুলি ভারতবংঘর বলাণেকর হইত না ুল্ক मामिर्भव की कारायान क

্রই অধিক প্রান্ত্র্ভাব, অরভা াই আছুৰ্ভাৰ পরাধীন হইয়া म, नव ठावलन केड बहेब्स बटन

ণ্টরকাষ্যের এউ অনুসন্ধান করিয়া । याष्ट्रा ५७३, यथ्यात्राच करे उनिह्य रहेगाटर, अकार कारा विशा क्या यारेटल्ट ।

শ্রীক্ত কানিও ১৭ই অক্টেবর দাবতীয **ত ভূমি প্রতি একর (** ৩ বিষা) ২।।০ ে টাকার হিসাবে বিক্রয় করিবার অনু উ'দেন (আমরা তৎকালে ইহার নি নাবলি প্রকাশ করিয়াছিলাম, একণে টাহার পুনরুজেধের প্রয়োজন নাই) সর **हातलन छेड अक्टर ठ:इत** करम्कि वि পেত নিরম করিয়া দিতেছেন। ফ্রিনি বলে ন, পর্বত্যের উপরিস্থ, নদী তীর্ত্ত ও প্রে রের ভূমির অনেক বৈণকণা আছে। সক ल भूमि अकविष बूटना विकीष श्रेट পারে না; যে ব্যক্তি এখনে জাবেদন ংরিবেন, ভিনিই ভূমি পাইবেন এ নিয় यथ नाम्रान्भक मरह ; जात्र ल.फ कःनिड আজা করিয়াছিলেন কোন পতিত ভূমি মুক্তন ক্রেডার হন্তগঙ হইলে যদি ভাহার পর কেহ সেই ভূমিতে তাহার স্বস্থ আছে বলিয়া আপত্তি করেন, ভাহাকে এক বৎ সরের মধ্যে আপন বস্তু সপ্রয়াণ করিতে ! ৰ্ইবে, স্তত্ব পুমাণ হইলেও তিনি

भूमाध्याख इहेरवन ना, जागटक जाहात । মুল্য ক্ষেওর। হইবে এইমাত। সর চারলস **উড এই আজে**। রহিচ করিয়াছেন : ভিনি রলের অন্য অন্য ভূমির ন্যার এ সকলেরও শ্বস্থান্ত্ৰ নিৰ্বয়াৰ্থ ১২ ৰৎসর মিয়াদ দেওলা কর্ত্তবা; আর সেই ভূমিতে সপরের বাহ আছে এৰপ প্ৰমাণ হইলে ইচ্চা হয় তিনি मूना नहेर्यन मजूबा जूनि लहेर्दन । अर চ্যুরলন উভেদ্ধাতে লাভ কানিঙের উক্ত আজা প্রচলিত আইন ও যু ক্তির বিরুদ্ধ। ि प्राक्तित स्टीम विक्रीण स्टेन ; जिनि

ন'ল'ল কয়িশা **নিজ স্বত্** প্রমাণ করিলেন_ে ভাংকে মুনা লাইতে ৰলা ছটলা, কিউ किनि इ इ एक **अनमक इ**हेरलन , अकः খুলে বিচারপতি ভাছার ভুমি প্রভাপ-করিবার ভাজাে না দিয়া আরে কি অ।জা দিছে পাৰেন > সর চারলস উড এই দ্বাপ এ বিষয়ে যে কথা গুলি কহিব'ছেন. 🏲 কিকারি দল ভবিষয়ে শেরপ বসুন নিংশ্বাথ স্থিরবুদ্ধি ব্যক্তিম:তেই ড.২. অখ গুনীয় জ্ঞান করিবেন সন্দেহ নাই ৷

স্টেট সেকেটারি আরে: বলেন, দেপ্ট নকী গাণেরেরা সকল স্থানের ভূমির ভার क्या विद्वहरू। करियः এकति सुःत्रकत्यः মুনা দ্বির করিয়া রাগিবেন। যে ব্যক্তি अथरम कृमित्र कता कार्यक्त कतिर्दन, ভঁ ছাকে করিপের ব্যয় জমা দিতে হইবে। পরে নিকটবন্তী আম সমুফের প্রকাশঃ স্থানে এক দেখিল। পত্র দেওয়া ভইতে। **এইক্সে তিন মাস অতী**ত इंट्रेल পর যদি পলীপ্রামের কেচ কোম আপদ্ধি নাক রেন, ভাষা **হইকে ভূমি নীলানে বিত্র**ীত হুইবে। নিৰূপিত মুলেণ ম্যুনে তীহা নি ক্রীত হইবেন।। এথম অ্বেদনকারী থাকি **নীলামে ক্র**য় করিতে অপার্গ হন, এক্র হইলে যে ব্যক্তি ক্রয় করিবেন তিনি এপ म जादरम्मकातित आण्ड कविः भव वाय প্রদান করিবেন।

সর চারলুস উড আর এক স্থানে বলেন বাছাতে অধিক সংখ্য ইউরে:পীয় এদেশে বাস করেন, ইহা ভংহার সাপর্ণ ইচ্ছা, কিন্তু তিনি ভরিমিত্ত দেশস্থ লোকের স্বস্থানি ক ব্লিতে অভিলাধী নােন। "আসাম প্রভৃতি বন্য ড'ভী দিগেব অ'পনঅ'পন পৈতৃক ভূমি ্য উপণ অতিশয় মায়া আছে, তাহাদিগের कृति रेखेरत्। श्रीयमिश्राक (मध्या व्यवासः । কোণ স্বাচন ইউরোপীয়দিগের বসতি হই লে গবণমেটের সহায়তা হওয। দুরে খাকু ক', উ'ভাদিংগর নিমিন্ত অপরিমিত বাস । কবিতে হইবেু। ? তিনি আরে। এক স্থানে। সঞ্জন করা সুশিক্তি দিগের কর্ত্ত। নগ।

लिभिवाद्य " इवटकद्रः मयुक्ते थाकिटलर्डे ावनस्मरन्छेत्र यथार्थ प्रकल् । र म्हराज्य वा কাটী স্থাময় জফারে ভারতব্বীয় সভা গু ের ভিত্তিতে দিবিয়া রাখাই বার্থবা।

লাড় কামিড লাও হোলডাসা সভার ুঃকে পড়িয়া ভাহাদিগের সস্তোগ সাবন: থ -৭ ই অক্টোনরের আজ্ঞা প্রকাশ করে ন : ভারেশবনীর্নাদাশের স্বার্থের প্রতি তৎ का ल कामून वृष्टि हिल मध्य मह हाहलम ঐঅ্রের ইহিত কবিয়া উত্তম কার্য্য করিয়া (जन ज न्युक्ति । अवर्गरान्ते स्वाधानक अङ्ग्रि छिन्। दिधिवक्ष मः कृति । ও अतु मा বলস উড়ের লছ না লইনা কাষ্য আরুস্ত ৰু বুয় ভাল করেন নাই। অ^{ন্সা} মুল্যে জুমি <u>জণ করিয় হাছাই **আবার অ**</u>চিক मुदला विक्रम कविया गायमास करा ज নেকের ইক্ষা, সর চারলস উভ ভাষ্ বুঝিতে প বিরুদ্ধেন 🗎 🖘 রা ভারতবর্ষীয গ্ৰণ্যুটকৈ প্ৰতিজ্ঞাভদকাৰী ও অসংসূ বলিয়া ও লি দিখাছিলেন, ভাঁছায়। পাঁচত ভূচি বিজয় সব চারলস উডের অনুমো निष, अम्बाम स्कृतिगांख त्यांचे हत जू ही कहे হঁ,হাদিগের অসম্ভোগ জন্মিবার कारव এই, अंत हांत्रल्म डिंड अस्म গের স্বার্থে উপেক্ষা কবিয়া কেবল দিগের স্বার্থ সন্ধান করেন নাই

विविध সংবাদ।

े हो काल मिथाहै।

मड़ाकेल इट्रेंटड अक वालि लिनिया भारे। हेर्टिन, एखेडा होडे कामानटब्र कव অস্ত্র বঞ্জ অনাধ প্রভৃতির ছু:ব িবাবণ ও मां ६ या जानार्थ अवसी मणुणात्र य त्रवाद आल-য়ে২৫ এ খাবণ এফ সভা করিয়াছিলেন श्रवित्रं । अग्रहिष সोधांत्रं कता, श्रवद कार्दा प्रथ श्रेष्ट्र निद्रित किरल क्ष व्यक्ति इस এর্প নতে, আপনাদিগের লেখা পঢ়া জ্ঞানভ मार्थक बग्न, जमात्र जनमार्च गृष्ं दूरीका. शरह मधुणांत सीवरमक छेशार्कम ও विम्यावि- হাইও নালে এক জন ইউরোপীর দিনী বাাছে টাকার ক্সি ২০০০ টাকা করিরা ভাজাইরা এইনাছে। সে গুড ক্টরাছে, আজি কালি জাল কাথো কোন্দল ভারি ?

ইংলতীয় ছাউস আন কম্প ও লার্ডদিনে

ন রাইক্স শিক্তল ছু-িবার যে বাজি হয়, তা
লাতে লাডেরা জন্মী হইরাছেন। ক্ষনেরা
কি আজিও লার্ড দিনের এত পিছিয়া আভেন ২ এই নিষিত্ত কি আজিও তাহানিগের
ক্ষন এই নাম সুটিডেছে না ২

শিশ প্রদর্শন হছে দর্শকদিনের নিকটে
প্রাচাই ২২০০° চালা উঠিতেকেন অক্টিনির মা
স পর্যান্ত উহা থাকিলে প্রান্ত ৭০,০০০০ টাফা
উঠিবে সন্দেহ নাই। চিত্র ও নানা প্রাক্তর ক
ল, বিশেষজঃ বান্সীয় লালল প্রভৃতিতে মান্স প্রধান হইরাছেন। ১৮৫১ আনে ইংলও খে দেক্তে বিশয়ে প্রাধানালাত করিয়াছিলেন। প্র তিহোগিতার এই লাভ। কলিকাতার কবে শি-ক্তা প্রদর্শনের হৃতি হাবে। এ হৃতি ছইলে বে একটা উন্নতির পথ হর।

গবৰ্ণদেই জন্নজিয়ায় যে সকল কুলি প্ৰের ন করিয়াছিলেন, ভাহানিগের জনেকে বেড ন না পাইন্থা পলায়ন করিবাছে। ঐ প্রচেশে একপ ঘটনা রইবার কোন নির্ভ কারণ আ ছে সন্দেহ নাই, ডাহা আমরা লাকিও জানি তে পারি নাই ?

গেও সাহেব অত্যন্ত পীডিও বইরাছেন। তাহার পদত।তিগর ন্যায় পীড়ার সবাদ ও-নিয়াও সকলে ছু:শিত হইবেন সন্দেহ নাই ?

আসাব কোম্পানির গত সভার মাকে, কা
ট'ব ওমনি সাহেবকে আগ্যক্ষ পদ হইতে বহিক্ত করা হইবাছে। অজ সাহেব (মিনি
প্রথমতঃ মাকে ও কাটারের নামে ভছকপের
বালিন করেন। ১০০০ টাকা বেডনে এ কোম্পানিব ভত্তাবধারক হইরা আইউ ও কাছাড়ে বা
টিলোছেম। কোম্পানি ৩০ কক্ষ টাকার একচার তাগিচা করে করিবার প্রভাব করাড়ে জনেক মংশী প্রভিবাদ করিবা হৈন। অজ সা
হেব বেমন পরিজন করিবাছিলেন, ভেমনি
ভাষার শীকার ১ইল ভাল, কিছ ভালাকে নিধ্রক করা চা কোম্পানির পরামর্ণনিক্ষ কার্ব্য
হয় নাই।

হরকরা সংবাদ পাইরাছেন রাও সাহেঁবে র কানী হইবার আদেন হটরাছে। কর্নেল রিইনীকেও ক্ষিসরিএটকনিসন হইতে হাজান হইলাছে। উচিত বটনাংহ। আহার থে-বাণ স্কাব, তিনি তৎপদের বোগ্য নহেন।

দিলীগেকেট বলেন, ফিরে জারালের বে মুর্জান্ত ঠেনন মান্তার ও ভাষার সহচবেরা এক-টি জীলোকের সভীত নই করিয়াছিল আগ-রার সেসিয়ন জন্ধ ভাষাদিগের ক্রেন্ত অনকে-গাঁচ বংসর ও অবশিশ্রকে মুই বংসর মিন্তার দিয়াছেন। আমরা অনিলাম ঠেনন মান্তরের পাঁচ বংগর চইয়াছে। একণে বলাংকার বভাল্ত সচরাচর আমানিগের জান্তিগোচর হইরা থা-কে। অজিভেলিয়ন্তা কি সভান্তার একটি স্চচর ধর্মন

উক্ত পত্ৰপ্ৰৰণ করিরাহেন বাদীতে ওদা উঠার প্রান্ধর্ভাব হইগ্রাছে।

আমর। আলাদিত হঠ নাম, হিন্দুপেটিরট দ্বেও অব ইতিয়ার লেও সাহেবের প্র
শংসার কারণ এনিডে পারিয়া লিখিয়াছেল
"আবরা ভারতা করিয়া বভ দুব পারিয়াছি
লেও সাহেবেব বর্তমান বর্দের হিসাবের স্থায়তা করিয়াছি। কিন্তু আগরা মুগণিত হইতেছি. ক্রিনাছি। কিন্তু আগরা মুগণিত হইতেছি. ক্রিনাছি। অন্যায় করিয়াছেল। বর্তমান
পারে (অন্য কারের পেট্ য়টে) আময়া ইহাকলেরই এই সিহান্তল করিয়াছি। তামাদিগের সকলেরই এই সিহান্তল করিয়া রাখা উচিত,
ক্রে অব ইতিসা প্রশংসা অথবা নিক্ষা মড়
সরল লম্বনে করেন না :

এক জন কিছু উক্ত পত্রে লগুন হইছে

কিখিয়াছেন, বোল টুন নগরের লোকেরা ক

গাঁটের নলাবের রাজ্য ফিরিয়া দিবার যে আবেদল করিয়া ছিলেন তবিনার লার্ড এলেন
বরা কট ক্রি করাতে ভত্রভা লোকেরা তাঁহাকে ক্যা প্রার্থনা করিতে কহিয়াছেন। যিনিযা বহুন আনাদিব্যের গ্রন্থনিটের উদ্যান্ত্র
করিরা ধেলা রোগ নাই।

লেও স হেব সত্রতি নর চারল্ স উত্তর প্রভাতর অবশ বে পুজুক লিখিরাছেন, তা-হাতে তিনি ভারজবর্ধের ধনাণারের ক্ষা টা-কা প্রেকৃতি শীর্ষির লক্ষণ প্রধর্ণন করিয়া উ-পসংহার স্থান কহিয়াছেন ধ্যমি জানার আ-

র সংস্তাবের আবশ্যক খালে তার ভাহা ইয়া করতেই হইবে, আনি শ্রেণি কেল না করিরা করিও করাতে বর্কের যাবতীর বুজিবান লোক জীকাঃ হেন বে ভত্রভা একজন রাজকার্যকার জামি নির্ভরে সাধুতা অবলয়ন পূর্মিন করিরাতি। আমি একখা বলিতে পা। দার পূর্মে কোন স্কান্তি এ প্রকার কার্যা তে প রেন নাই, আনি বাহা করিরাহি সভাবিত বলিরাও কেছ মনে করেন ম লেভ সাহেবের নিজের মূপে একখা ভাষ্ণ নাইভেছে মা।

• চাকাপ্রকাশে বরিশাল বইতে এক জন্
বিরাচেন, তত্ত্বতা উকীল বাবু বিবেশর লা
র বারে তাঁহার বালতে রবাপ্রানাল বাবুর প
গার্থ এক চালা হইরাছে । ইহার বাংগ্য ৮
টাকা উপিরাচে, রবাপ্রানাল বাবুর পর্রক্তিক করা হইবে, সভা এখনও ভারা হৈ
করেন নাই । এই টাকা ভারতবর্ধীর সভারতি
কটে প্রেরিত হউক । চরিশ স্বাজ্যুহ নির্দির্থ
হইনে তত্মধ্যে রবাপ্রনাল বাবুর এক চিলিত
প্রতিমূর্তি, ভারত ভারত চাকা সংগ্রহীত হঃ
ইলে তাহার প্রভর দরী ভর্ম প্রতিমূর্তি করা
কর্ত্ব্য । হরিশ স্বাজ্যু গ্রহক ভারাক্রিক্রে
ভাতি সাধারণ মৃত প্রবর্ণার্থ গৃহ করা কর্ত্ব্যার্থ

8ठी फांड यजनगङ्गा

नवर्गायक्षेत्र कार्य प्रशासिक वास दिन নিবর বাইস সাহেবের কর্ম অনাব্যাক গো इंडव्रोटक भवर्गस्य बाब मराक्ना अक् এক কালে ৪০০০ টাকা পুরস্বায় বির ডাহাকে বিদায় দেন। কিন্তু এমিকে আবা ভকের কর্তুপক অপর এক অন ইঞ্জিরয়রে জন্য গ্ৰণ্ডেটে লেখেন। ভারতবর্ণীয় গ্ৰণ বেক্টের মেরিণ সেক্টেটারি তাঁছারিতার পে দক্ষতা করেন। একণে প্রথমেট কিছা: क्त्रियाद्यन वित्र अक अन हेक्नियद्वय वर्ष क्षरहाजन, खरत बाहेनरक शत्रहाख करी इडे কেন ? ৰাইস সাহেৰ একণে সিদ্ধু নদীণ্ডি ভব্নি স্মুহের কার্য্য করিতেছেন ৷ এদি আবার গ্রণ্থেক তাহাকে টাকা প্রভার্গণ করিজেবলিয়াছেন 🍂 कांत्र कल कांचाय घटर र

न **२**टेन ८ त**िशूद्वव कांद्रा**शाव अन विश्राष्ठ कद्या शनावृत्त कट्याः इ अक सन शृष्ठ वहेक्राहरू।

ंगञ्चाराय दिनिखारक नित्र निविक व नश्वाम श्रीश स्वैद्याद्यून :---/১লা আগষ্ট। হাউল অন কমজ প । क**र्ज्यभक्तिशस्य अ**वर्ग्यस्केत् कःदव ক্ষিবার অপ্রবৃতি নিমাহেন। এই द्रविदारद्व मञ्जूबित्यव উপকারার ें 🗸 विश्वय स्ट्रेटन ।

🕏 देवकं ३२७ व्याहि : ब्रिट्मर धर न-कान विषय्यत विरमय शतियम् दय नारे । 🔰 ५५दे खुणाहे किवस्थितस्यहं सना वयः 😉। লেনাছলের জন্য ছড়ন সৈন্য সং-কার্য্য আর**ন্দ অর্থে হইতেছে** ৷ ইহার কর্ন क्षेष्ठ गरह । मुखाशकि विद्यादिनिरुगत হৈ বাজেভাগু বিলে স্বাক্ষরিত করিয়াহে দেশের সীমান্থিত অধিকাংশ প্রদেশের ভিনিখিরা ইহার প্রতি বাদ করির।ছেন।

বিদ্রোহীরা কেওকিতে করা হইরা সার গ্রিসালে সেনা সমবেত করিতেছে। এমত জনশান্তি ভাষারা নাসবিলের আড়াই ফোন থাত্র স্থায়ে আছে। স্বনশ্রতি সেনাগতি জাক খন হারপার কেরির অভিমূখে বারা করি.

দিলী গেজেটের কাবুলন্মিত সংবাদদাতা **दश्च अक डेमार्ड्स अमर्गन क्रिज़ाइन। क्लिर्ट** স্থান নিৰাসী এক ব্যক্তির স্ত্রী অপর এক ব্য-প্রিমু সহিত ব্যভিচারিণী হটগা পলায়ন করা-তে ভাষাদিগের উত্তরে প্রাণ দণ্ড হই গাছে। काहिनानवानितक भूनमात विवादश्त समा ८० ষ্টাকা দেওরা ছইয়াছে। মহত্ম আলি শা আনেক চোরের প্রাণ দল করাতে তেত্রত। शास्त्र काहात केलत वड़ मार्ड वहेशारहर ।

কার্ম্বেন আলিন বোদাইয়ের পুলিসে আ क्षि इदेहारहर । त्मनामरलत वर उथारिक हिंद्र व्हेटज्टर :

करबंद को । बोबोरिक देवी देव अर्ज । (एन अक्की खोबान कारज :

উ!হার (5है। "মধেক খলে ডিনি বলপুর্মব बुक्: कवादेशां शास्त्रमः । माक्षीविराधन अवाम विक भूर्यक्षक महित्रिक्रिश्व बाहा स वर्ग रहेर খালে ৷ রকার বিশয়ে 'আয়ালিণের তাদুল সাপত্তি নাই ৷ কিন্তু কবিষয়ে যাখিও বর্মা অনার ভোক জবান ধন্দির ও মুদেদের গা नि मिश्रीत केश यकि पछा एवं संवीतिती কি জনা বারাসতের শাখা ভাতেস্পীয়সভাকে अविवास मार्गायां भी क्षेत्र मा बातन ?

নামা সাহেনের করেকজন ভড়া পোরালি মুত্রে মুখ্র কইয়াছে। ভারাদিগের 'নকটে তা-लिक कांशक शक्ष वाहिन्न महेग्राटम । विद्यादात्र জন্য ভাষাধিগকে কামপুরে প্রেরন ফর' ই हैदर ।

क्लिश कतियारहम जिलाक शुरु अमार्राष्ट्र है है उदा তে ভত্ততা কৃষি কাৰ্যের বনগাত স্থানিয়াছে। গত বংসরও তথায় ভাল শস্য হয় নাই : ভরিবন্ধন ভানেকে অহাভাবে কর পাই- ছিলান ওলাউট স ই কর মৃত্। ১টাংট

উক্ত পত্রের যশোহনের সংবাদদাতা ব *(लम चूर्ताच: विश्वि गरमञ्ज्*तर *क्वाल*द्ग ५३ উপরের ঘরে বাস করিলেনছে। তথায় তাহা त्म यांबङीय अर्घाकनीय ७ विन दमर्त संग (**एश्यः ३३८७८६ : फिलीत अधा**ष्ठे ल'रा अ जा হেবেল বেলা কি ঘটয়াছিল ২ এক জন প্রত্যুগ ब्रेंब्रुडा मानन कर्डी बहत्त्वन जानि चाँद्र विठा-। छूड़े जाना श्वामिक शाहेर्डन, অগরেব নবী রে বিশ সের লৌহ শৃথল ুআছে বর ছির **बिन्न क्रियोटक: जामाना करधिमिन्टिशव ना**शि আছার হটরা থাকে: এই স্কল সামান্য কা রূপে গুরুতর ভানর্গ ও কলতেই উৎপত্তি চয়। व्याबद्ध हिनिएक सुबाम; ७ डेल्म दान मियाद প্রতিবাদী নহি ৷ বারতীয় সজুভি ক্যেদিদি-োর প্রতি এক প্রকার ব্যবহার না করা হয়

e है छोत्र बुधवाय।

ফিনিফা বলেম ইন্সোরে ভীলেরা পুনর্বা র দৌরাভাং পারজ করিয়াছে ৷ ভাষারা রা भी**जामराज्य मस्य मृत्रार**कत कार्यानाञ्चन । किर्मारण सूत्रे करतः । यात्रि स्हेटङ अक प्रथ **্রিয়ন উকাল আমাদিণের** নিকটে এই । ই'ঠনোপীয় সেনা ভাষাদিগকে দমন করিতে 🕽 🚾 निविद्योदक्तु युष्मक स्थान मरुपमा 🖟 श्रम्भ क्रियादक । এই मक्त क्रूब युद्ध धनक-

আউবার পেশর বলেন এব জন যদিংকর ৩০০ টাকা চুরি বালু ৷ ডিমি ভারার বালক कृष्णात ^{कु}णक मरणह कतिहा **डाहात** अक **छ**. न शृतिहान कर्षा ठाविएक सनिएनम छेव्ह था. गाम्ब मारम छ।श्रंत । खाब निकार भन्न स्मर ा होक' निक्षिपादक किया । चहिनाम दमहे প্রকার করাতে বালকের গিড়ো লিখিলেন টা-ক[া] পঁচছির°ভে। সেই পত্র বালকের **নামে** আইনে কিন্তু খ ছিল্লা ডাহ। পুরিন্'ডিলেন दिस्ता देखात्क कादानारत वाहेरक कड़ेग्. कि। उठ'त्र पहिचान समा के भूत भूता एडेंग िल, पासनाव के कार्यश्रीष केषांत्र (गारा र रम्बर मार्चे । दम्पन**म जाहिरमह जान**मार्थ जाहा-मदल रुद्धिया भ'क्षा कद्भिरम **अस्क**त प्रक्रित ड দিক প্রকাদের এব জন প্রশ্নেরক আ- কিডা প্রকাল পায়। বালকটিও জন্ম ছইয়াছে।

> থুট আন্তর্বরের এব কর পত্র প্ররুষ वर्षान कर कि ८५ निष्ठमन अभवात द्वारश थ -ণ জ্যাগ করিরাছেন। কিন্তু জাম্মর। করিও

व्यक्तिया । अस्ति व्यक्तिया । अस्ति । गरमान ज्ञान शांवाराहव शिक्षात्व प्रश्रामक त्राह সিংক্ষান ,পিঞ্গলালা, লাউ (নুন্দ) ম্বে পুলিষ কর্ম্মায়ির কেল প্রিষ্ণ ভিন 🖯 त्र विक्रोदानध्य १ ११क भार ऋष्ट्रम अस्त कर्य अवध्यामिक एक कार्य में एक कियान कारण का নেন পুৰস্কাৰ দিব'ৰ ঘোষণা ইউমাচ্ছে তথা ন লে ৭ ও হব ন ই। সে কাল ইইলে শক্ষরাম द्वसः 'तक्त बर्धा धन अब ६३ ५ '

গত শনিবার পুনিবায় কর্মস না বাবেধ नीलकृतित विरोध प्रतान ने स्थ अन अन सन বারী কলিশতে,স ভাষিয়া বাধার সন্ধান ক त्रार्क हावल म . वस्त्र बार्य अक वे हेरत े के ভা**হাকে আপেন বাটাতে লই**য়া যায় ৷ উন স ভাহার নিকটে ১০০ টাকা নগদ ও ২০৮ টাক রু নোট রাখেন। রাত্রিতে বেকার উ'াক সুরাপানে উত্তর করে। পরে প্রাতঃকালে है। हार्डियारक स्म किंद्र जारन से विनिया তাঁলাকে যালীর বাহির ক্রিয়া ফেটা তিনি भूमित्य बाहीम कतिदादछ है।को ख ब्वाउँ वाहि त्र इहेश्री. इ. १ दवका कब वर्धश्राटक म औरभ उड़े প্রকার ধ্রাত। হ্লি হইডেছে। করেক দিবস क्षांभाष्टिरशत जिलाचे बस वहा में है। त'

भीत भारतेनी द्वालन कडिएड क्रिएड व्यक्त ভালাৰে মুদ্ৰায় শহিত অব্য আভ্যান্তিক তে অধি ৰাজক প্ৰবাজিয়া কাল্কান কঠিয়া ওঃ क्षेत्र र होका क्षेत्रश्चल कृतिहार्षः हालदाः । ७।८वन कृत दश्हित भक्त **स्**यु'रहादस्त का कष्ठा । शक्तित्र अधिवास्त्र अर्थ इत्या कर्तिता । कार विभिन्न सन्ना (नगरमञ्जू हो है। अवही कर

ै। हेम म कार : 'हिन्ना कारक्षम न्यालिस्मन्न विद्रादित अक कीय तथा छ ध्रीकाम कतिया विद्राहित मादकत अविश्व भोग्मकामेमन क विज्ञ-ছেন। তাঁহার নিশ্টে অনেও টাকার এনীন । য়াহিলেন। ত'লার পুত ইংলতে লোমনীন हार्विवाहक किन्न काशाहक अक्रम रेम। अर । कारहें के एक का कार कि के इंग्रह

হসকরা টেলিপ্রাকে মির ল'নত সংশাদ ा यु इहेशार्डन .--

লগুন ওয়া আগওঁ। তুলার যাজার প্রী-পেকা ভাল হটয়াছে - আমেরিকাব 💩 ায অস্কেন ভলার ভার্ম কেনি মূলা আদিক ছই

निर्देशक २८ म खुनाई। भाउ मध्यादन ट पान दकान दिश्लम घडेगा इस माडे र छड़र। বিভাবের লোকেরা গত খটব্রাতে সতাও খিল:পুষ্ ভটবাজে। সেনাপতি গাবেলক গ্র ন্মেট্রের প্রধান সেমাপতি চটবাছেন 🗎 নগ্র ীকা প্রচন্দ্র বন্ধ হুইডেকে , এ মূপ জনপ্রতি मानिति विभारतम् मामावना इतेत है।

তাকা নিউস ইংব্লাড়ী ভাষণৈ কন্ডিজ বংশক ভুল সঙ্গর জালার ১৯:উ নাগলৈতের ভাঞ্জ হই যার কারণ বুণি 'ত পার্বিতেছেন না 🖟 কাহানা সহ হিচারপাটি এই কালে গ

ড় গুড় ছিলির বিধুয়ে আমরা পাবহাসক্ষ िया विश्विद्राहिकार, है के शक्क कि ''ओ एए श ৰুব লেজ গৰিয়া স্থেপ যুক্তিত চাছেনু: তিনি हेरात करे केन्द्र निवाहक्त "विध्वहन। वर्षक य থাপ্তাৰে রশিকতা প্রকাশিত হ'মুনছে। ভা भना विलिटेफ्कि अगुरुष्टि यमि राजाली, परा दर कारी दहेता आवत्। १ कार्यक शाहेश प्रकारा । कहा । शर्भ यो वंग्री) बुँछ। विशे कार्न वर्षेत्र ना । कांद्रा फिरवर्ड दिनक नेहेंग्रेश वादनीय स ्रियुम्बन्द **कक्षकाः अधिकं**द्रान्त्रशास्त्रशास्त्र शहत ८० अ 'केन्ड घेनिया चारम यु स्वे न्यर्ग अर्थ हिन् अर्भ गाँउ णाकः। भानदा देशप्र राज्य पन्नि হুর্ণ হাইতে পারি মার্ড নম্পাদক ক্লিক

करियारक्त ! नीरक्त छात्र कतिया इटबंद लिक्ट् निवादकः। किंश्व व्यामञ्ज्ञ व्यानकृत कथा वित माते। पूर्वे हत् मीलवर्ग, अक्रमुक लादि व चारात्र इप्यान मिन्स्नात्र स् विद्र नाः इक्ष्णवा भूमणे मर्कता अवन्तिमकी वासि त **७ अगद्रके** 'श्रीत उवले मृतिहान वा বে। গ্রুর পেট্টি বেগুনীক্ষরভব (চ'কানিউস , छ'दनन नीच " माहिर्फ द्रम्थनं बुह ह्यू। 'इन किष्ट टा 'त्र नित्मम थन कहे के शक् । যথন বলোলর নজীনাপ্রভৃতি শ্রিনর স্বাট্টে চৰে ধত কুধকের কেন তাহাতে সংল্য হটর। লোমের ক.ে.করে। এই গড় যখন जादक, खर्चन ' मील., ए. " की हि , अझा পাপ,, ও ভারতকাশ্দর, ক ্সার দাও চ এই প্রকার বে বাজিব ১৫ : কেন্দ্র করে জা প্রক্রের মহিকের কেলে কেসামুদ্র गर्छ। काश्रम। हाकानि नेशन कहे अनिह कामाधात्रम (११) यात्रा खड्य बाकेड्ड ক,ইয়াছিলাম স

सारामुतानादभव वर्ग, व नावाम तामा स्टेइडी राष्ट्राकारी कर के हैं। विद्यादहर ह

লাশ্বনে ১৫০০০ টাকা বাবে লাভ ক'নিঙের একটি প্রস্তরমন্ত্রী প্রতিমৃতি কবিশা স্তুত্তন ভাৰত বৰ্ণীয় বাসীতে রাগিলায় প্রস্তাহী নইয়া-है। अवार्टन स कि निष्ठ अर्थ १००० होका সংগ্ৰীত ছইয়াছে তথাৰ মধে টাইসাখা। ২০,০০০ টার জালিবে, লাবী টাকা হইতে अनिराह्यत्व धर्म अटरनी अञ्चिति ना क्रम त्वल १ ज्ञान्छ भीचित्र । अधिकरमुद्रे कि मितिइट्डिम ।

্রাইম সাভাষ ই প্রিয়া বলেন দ্বাকিণাডের। 'जनात्रष्ठि ए एताराच जुलिक करेगांत भाषां करें।

गुर्छ नव (अभिनेष्ट्रे कि जिल्हिकी हैर्देशक এগটা পিডালার এ উণ্ডি মেন্টিও চুইট্ট ড ব্ৰতঃ মতিকাৰ কালেন্দ্ৰেৰ সন্ম খে ছাইছে स्टेरक् । वेदाक् वार्य दोक्यूज श्रम् **्रीक्रा**क्यल । পুর্বে সাধারণ জীন্ধা থাকা একটি কাজন্মতী প্রভিত্তি ভত্ততা টে'নহানে স্থাপিত ইয়া 🔆

कृतिशाषात मुख्योगे, स्वरावरतत्र सा

वीक्षांती किम बहेटड ७०० विद्वादमस्यन ≱রি গিয়াছে। অবচ এইগু'ল পুর্ षीदम दिला।

> মাজাজের কৰিক জেনেটার্ড ৯ মক্রদিণের সহাযতার ঋণ্ড্য টালা ও ब्रिटाट्सन । इस सन श्रेणीम व्यक्ति है ३. - हारा करिया विकासका

छक्रलिकार्व महस्क्रांत श्रवाकष्यक्ष নিশভিকটণাছ। ট্রেবছাঞ্চ সন্ধান। क्षेत्र तरमदम् भाग समृद्ध कविया 😘 🖰 যাবছনীবন স্কীপান্তরিত ও মৌলজু ক্রাৰ্ नाय कर मॉस्टिन क्रांभोड्ड स्थापक विक्र भाषिकान व्यक्तिकात्त्र कव्यक्ति कुर्स कु वक इमाज्यम मधानमान शामित। शहा वा**क्तिरक-छ**।से कतिया कड 😸 क्रिक्स 🕾 भारक कारबाटक ' एन निरम्न श्रीरामान्य त्र क्षरंगक्षे । व नामा धानात् व्यवस्थितः क्टिं। **ए**वर्गि कहें महावान लाखान है। कैटम ग्रह्म मामावित्र दिलान एर । त्यक्ति बिद्धाः द्वाचा ३ देवारहः ।

वशीन गाउरव एक इसे बाब विद्याहन न यदनारख वाहेदफद्छन। कुद्रक् सम्बद्ध त सृति रहेरदम । यनि ७१५, व्यूपा, १४५ कू कांकि मुख्य वर्ष । एका रहेकान्युवाहरू मि मोविड शास्त्र, दिन् सिक्द्र मुक्ति त वा मट्ट भाजिह्न ्यहुद्द्वकुत्रुक्ति

धर्मात स्मार्थका, द्वास्थात कृतिकार ग कतिहा नंदह्यभूत स्टेंगू अग्रेस्ट

कतिकाउद चुनिकम्भिप्रा সাহেত বরাইনগর গ্রন্ট তি কলিয়াভার क कीन नकेंद्रों के भिनित्य जिल्ला है थार जिल्ली हमें। के हैं श्रीकेष बचन देश के कार विदानी विद्यानकः वृक्षेत्रम आध्याह ভীবৃত্ট) ভাষার প্রতিবাদকরেন কি वैदित को किन किन किन नामा है। ना न चेटिकने देव निकटकरें 'डाशक्दिश्व कार्', है दहेवादहन । खंत्रादकाश मार्ट्स वर--कींकी के क्ष्रिकेट दीमभेडन शहरा টেবি উভিকেটতের প্রধান আক্তা करियक जैनाक पूर्ण करियार देन, कि उ न জা সংক্ষরিতে বাকী আচে পরিতি

্ক করির। তারার[°] অধ্যক্ষা প্রা-াছেন। ভাষার অন্তরোগ,প্রাঞ্ছ কর।

। দিন্দর রাও ভারতবার্থর দাসন দংকা**ত এক খাৰি ভূত্ত প্ৰভত** মুক্তিত *চন*। হিলুস_ংপদ্ধ বলেন, ভাষা ৫০ কা श्कु : विनक्त मा क धारान कतिहारहन, ক্লন্য বৈপত্মক লক্ষ্যন্তি বিজ্ঞান কর্, ইচি है। क्रिकेश बांख यादा वरमन, जारा **র পূর্কক ভাষণ ও গ্রহণ করা ক**র্ত্তব্য । তাঁ माप्त द्वासनीष्टिक गवर्गत स्मानहरमह त्र चान्त्र नाहे।

কুল অৰ ইতিয়া ভারতবর্ষের রাজ্য एश मध्यात कतियोद विषय क्रिये क्रिये ৩ লোহিতসমূদের টে িগ্রাফ্ পারস্ দ্ব টেলিআক্ এবং ভূতন ভারতবর্ণীর বা-মন্য যে অন্যায় ব্যয় হয় ভাহার প্রতিযাদ রা লিখিরাছেন " ইংলগ্রীয় ব্যয়ে আমা-ার (ভারতবর্ষের) রাজবের চতুর্গাংল প্রাপ্ত হটতেছে। আমরা যথা সময়ে যথা हिं ७ जब जब दिशाव हारि यात्री खांदी था। हिर्माद ७ क्यांब क स कि १ জানিতে পারিব, কিপ্রকারে প্রতিবংসর কোটি টাকা ব্যবিত হয়। মহ।সভার কো-াব দেওয়া হয় না। যে ব্যবস্থাপক সভা া আমাদিগের উপীর শতকরা চারিটাকা টাব্দ ধার্য্য করিয়াছেন, তাঁহারাও কো ांव श्री से हम मा, अहे आवि आ माजि टक्द्र व्याम ध्रहे हरे(व " हेश्माटखद्र बाद्र আর ভারতবর্দের ইনক্ষটাক্ষা উঠাই-. ৯ আমরা বহুবার এবিবরে আমাদি ংকলের লোক ক ঐ সকল অপব্যব্ন নিবা চেটা করিতে অন্রোধ করিরাছি, কি ार्वाविद्यात स्वान क्रायशे जिल्लावक वर्गण 11

े कि प्रज्ञ बटनन नद्र द्वां विकेशवाहि अन्न भागमा क्याहेन्ना ও काना काना क्ष-' ৫১ সক টাকা বীচাইরাছেন কিন্তু ভার কু ধ্বৰ্থকেট আপনাদিগের প্রাণ্য দত कि होकी महत्त्वभन व नकार्यद्व २० हा-के अपूर्णान परिष् । जातक गांगता कहि क्रमा वर्षन भीन वानिका वस्तरमञ्

প্রকাশিত হইয়াছে, ডিনক্তি ভট্টাচাধ্যকে ভাৰার বৃক্ষিত বেশ্যা লোকাশ বধ করিয়া ছে। ঐ হততাপ্য ভূমি বিৰুদ্ধ করিয়া৫০০টাকা ! जानिवाहिन। जाराबरे लाटक जाशास्त्र के বৈদ্বিণী ও তাহার আদ্ধ এক উপপত্তি ছুই ম নগ করে। ভাষারা **উত্তরে নে**সিয়নে সম र्जन्ति इडेप्रोट्स। रवन्त्रामस भारभन्न ज्यानग्र, के স্থানে পুলিবের সন্ধিশের সৃষ্টি থাকে না কেন স

ণ্ট ভার শুক্রবার।

ভারতবর্ণীয় রেইল ওয়ে কেম্পোনি প্রকা-ল করিরাছেন, গছার জন ও স্রোড কমি হও রাতে ভাঁছারা রাত্রি বোগে পারাপারের বা-স্পীয় জাহান্স চালাইবেন না। তবে পূর্ত নাটু রেদিগেরই প্রভাপ ব ড়িল।

র্যাপ্রনাদ বাবুর মৃত্যু হওয়াতে কানিছ সারণীর ফণ্ডের আর একজন সেক্টেটারি মলো नीज कतिवात सनः जाता कांत्रजनवीत्र मक গ্ৰে এক সভা চইবে :

হরকরা প্রবণ করিয়াছেন কলিকাতার हे डेटबांशीय बाह्यनांना स्ट्रेटन । आयः

পঞ্চাবের তুর্ব্ ও লেপ্টনই জাকানের বিচা द्र मुल्डारमद्र नामद्रिक विहादानरह स्टेस्डरह। আমরা দেখিব ছোনু স্থানে সরিচার হয়।

শিপপ্রাংশনী সভার পুরকার দেওয়া **ब्हेबाटह** । शांब २० ०० गुरिस स्वा श्रापनीत कब्रिवारहम । ७১०शक्ति मिङान भारेत्रारहम । हेरी बिटनत बर्धा ७२৮ जन हे नरसबतीत थाना 🕊 ३৮१ सन विदयभीता वात् उञ्चक्यात प्र अउद्धिनीय खेवश क्षाकृष्टित क्षप्तर्भन समा ত্রট বেডাল পাইডেছেন।

ফিরিকা এক ক্ষুব পত্রপ্রেরকের পত্রের नित्र गिथियाटइन "शूर्व्स है.की गरेवा किहुहै मा त्मकृत्रात्र एकत्पन्न त्मात्कन्न चर्णार। । हिक क्था। अहे लाखिए अक शुक्रत प्रापन नहेल जिन शूक्रव निकृष्टि शांत्र मा ! धरे कांत्रविषे कर्क उपापन टाकृष्टि मच कथन अरमस्मन लांक्त्र क्षाजिरगांक्त्र क्य बाहे ! मुन्नायक जात पृष्टि छःवकारवद कथा कविटक कुनिवा-निय रहन । धक, क्लान सबीजात क्य इवि क. রি:ন এদেশীরেরা গোপনে ভারার আব সং-रात करत अवर दिवार कतिता वरण विवास क्त्र नाहे।

५ इ.स. मनियोद्र ।

ত্রিবাত্রের রাজ্যর শশুরের আজানুদা. त्त अल्वाहित इंख इहेग्रोट्य । अक स्म स्ट्रांत উপরে তাঁহার এই সম্বেদ হর যে ভাহার সহি ভ ভাষার জীয় প্রদিক্তি ব্টয় ছে। অভএগ তিনি ছুই তন হুৰ্বাত দারা ভাগার বদ সম্পা-मन करतमः। विष्ठात सहैग्रा छ। हात्र २० वरत्र कात्रावादमञ्ज्ञादमम स्टेब्राट्डः जिवाक्दत्रत तः को वर्षार्थं द्रोक्षणार्भव कल्लाद्रश्च विद्रोटस्य ।

किनिका शत्मक प्रिमीत चुक्रे-सहैट७ इड সেনাপতি উইনসনের ১,০১,১০০ টাকা প্রাণ্য चित्र बरेगारह। अहे होका छारान शतिवाहतक म वया करेरव मार्च्य माहे।

উक्त् ग्रञ्ज २८तम, कृष्टे मारत्रत्र मस्या निवतः शूरनाः तवरण २० नक है। मा ७०० छेडिवारक , २० व जानहै ১,२ ७,००० डोका जानाव इद। এ প্রকার শুল্ক আছায় , ছইলে নাবদের পো कान छेठाईडा जिल्ल कि उहेरव ना।

निम्न निथित मुरमा शवर्यस्थित काशक विकोड स्ट्रेड्ड्इ

८ जाकात जिल्हा র টাকার কোম্পানির द्राकृति ॥ 9 25 245--- 275

गवर्गाने विकाशन। वानावाद्वनीय (नदश्रमके शवबद्धप्र

आंद्रमाञ्चनाती विद्यांश।

১১ই আগউ--- লোচার ডালার সংকারী কৰিবনর জেপ্টনাঞ্জার, বি. মণি এখন জে-नित्र अधीन मासिटक्रेटहेड क्षमका आह हरे-(वन ।

५२वे जाभके — धरु, जि. जात. जि. जा-নল নাক্ষেৰ কিছুদ্বিবদের জন্য সংব্যাদকের স্তঃর भ'रेक। बिठीव ध्यवित अधीन मासिटके छित्र क्य-यका भाषेत्यम् ।

টি, স্থি সাহের মন্ত্রার মাজি 🗟 ট ও হা-लिकेरबब महकारी रहेता विकीय आणित कशीन मान्दिके होने क्याका शहरका।

লে, এস, আরন্ট্র স্ফের কুষিলার গাখা-अन् रिका लिकः क्षित्रिः अक्षत्रं वकः हरे-टबन ।

ब.जा सारहर ५१के अक्षान ५ आहेत अस्-মায়ে ক্লিকভোৱ প্রতিনিধি, নিশিৎ নাউর ধ-दिरको। का मारक्षे केकाकविकात 5 बाजाकुमारह অস্থ্ৰপতি পত্ৰ হিংড প্ৰায়েৰেন 🖯

2 उद्दे जाशके - निष्क निष्क कर्णाडाहरू। वक्रामणीय वानवंत्रिक मंद्रात ३५:३२ व्यापम क खादेश्यत्र ३० भारते ७ ३५०० सध्यतः ३० खादे-य केक्नार्य बंदमस्टिवन स्थानकर्मात मानीन अ-६० कहिए नातित्व ।

गांश्वरात्र छाड़े चांड्रांजरजत्र कल रक, ও এ-केन मार.व।

এড়ালের ছেটি আয়ালতের কল বাবু ছাত্ত-य कुन्न वि विकास

Lक्रिकेश्चर्रतात (क्षि क्षांशामध्यत क्षेत्र वासू তারক নাথকায় '

যাওয়ার মুলেক বারু তানিনীচনণ মুর্থা-श्रीक्षांब ।

क्यानिगांद्वत् बूट्याक् वायू प्रमुख्यान प्रश्न ।

निय मि विक कर्यहातिका बक्र दिलीय वावका-भक् महात्र ३५-७२ व्याच्या ७ व्याहिएतम् ३५ प्रश्व। ७ ১৮৫৯ व्यवस्था ५० कादिन व्यक्तनाट्य व्यवस्थ-ারত অভ্যপাতী সাঁডোর, নলছিছি, ও গছাপুত শাৰণায় এবং করিলপুৰের অভঃপাতি নতক্সা-हि, ब्याह्ममाहि, यहिनगाहै, स्वामाहि, श्राम-नांत्र अवर भारमांत्र मामीण अध्य कविरक्त भाति-رجم **د**

यान। वर अक्रीकर एक्ट्री है मानिएक है थ एक पूर्वे कारमकेर वाबू कामीहळ व्यक्तांशाधांच ध-শোদর প্রভৃতিব অভিনিধি ভেপুটি মালিটেট ও ছেপুটি ক'লেট্ৰত্ত বাবু কুঞ্চবিচাৰী মুৰ্যোপা-था प्र. बद्रमाधानाम मुख्यो, ज्यानकामाहर मध्य-मार्यः क्रमनाच यत्मगांश्राधाः । विश्वचन्न हज्जवेती **७ (यो नवी अध्यान महिन)**

২৪ পরগণার অভিনিধি ভেপুটি কালেট্রর बांबू बक्राइत्रम नतकात्र ३५-५० व्याक्त्र ३८ व्या-ইন অতৃপারে উক্ত কেলার প্রতিমিধি ভেপুটি মাজি: ইট চইয়, ছিতীয় জেবিৰ অগীন মাজি-८के रहेद क्षत्रक, शृहिस्त्र १

প্রেরিত।

উত্তৰ সোমপ্ৰকাশসন্দাদক

मदकानदत्रम् ।

किइक्टिन खड़ीड एड्रेज, अधार्यमध्ड निवाती क्रीयसम्बद्धादम् मञ्जलद्व वानिएड वक् जानाहेकि इदेश विद्रारक्षी ह्यांस्वात के गय-८शह अकी वानिक। स्थाप्त चाउा प्राप्त मिन मारक्षः वरकारम जे भूताकांका वेवांत वानिरक क्षारण करव छ । कारण के सामित्र कर विक्रिया प्रह्या अखिरहरक, शांत मक्टकरे अमारेका याय । मुख्यमा बाजिटक काररण क्रिकारि के वा-निकार जानाहिष्ठ कतियां विकास कतिन " তোর বাল কোবা ^শলে কৰিল আনি কিছুই कामि मा। अप्रे कथा बनाइक प्रशासा एका-मत्त्र माप्त क्यांत्य अवंशिक पर्वेती हिता-ষাব। জালার অন্ধ ক্ষতবিক্ষত করিলে মুর্ভাগ্য-वणका के वृद्धिको वृद्धिका १६ त लागारक रकामकाम<mark>्याक्रक सिर्देशक वरहे क्रिक्क का</mark>जि रहामा-

अवसाप्त अप हरेटल निक्ट क्रमाटल आहि बटबा विक्षां सेति गाँउउ हरेल ए ज्ञान अस्तिष हर, प्रदाप द्वारप दाव नेड वहेश: क्षेत्रिका क्यांक्य त्व क्रम क्यांबक यञ्जन। विका कांद्रा करे मार भाषमील मिनिएड मक्स महर। महा কলাগণ আভিনাৰ পূৰ্ণ করিছা প্রস্থান করিলে ভাষার শিতা বাজা আদিয়া কন্যার এলপ ছুর-वर्षा धर्मास स्थापिक द्वारान्त्य प्रश्न क्रेस, बार्क শ্রমান্ত ভাষাকে আবার কন্যার এরশ চুর্কনা। हैर, प्रभारत के भक्षण विष्ठातालात नमस विवस कामहिला, विवित्र शूरत्रत्र मारवाशात्र छेशाह 🛎 विवासिय छान्। प्रमासिक छात्र वस, किन्न के छू-भीज जवांशा के चांदन अजन कविशा कि कांत्ररण बिलाक गाँवि मां अञ्चान बम्रान मारकाके है जारब-दरब्र निक्षे ब्रिटिंग हैं कहित्यन त्य खेयना। खंके, উহার উপপতিকে জন্ম কলিবার আগতে এইরপ ,ভাৰাইভিদ্ন ভাগ করা হইয়াছে। ^শৰা**লিটে**ট शास्त्रक वे कथान विदान कतिया मानवर्ग ভিৰ্মিৰ করেন। মন্ত্ৰাই হাতে উৎদাহাছিত ছুইছা বৈষ্ণবেঘাট। এড়ডি ক্তিপদ্ম স্থানে ডাফা-ইতি করে। পৰে ঐ কন্য। ঈশ্ব প্রসাদাৎ কি-किर जार्दाना जाउ कदिरान ने प्रथम उद्योक मम्बियाबादम महित्र शिक्षा धरे विश्व शूमद्राष्ट्र প্রর্থকা করিল বেসপ্তর্থবর্গীর ক্লাব কি কর্মন বা-ভিচাৰ দোষ সমূৰ ছইতে পানে > উথাকে কৰ্মন कतिया बाक्तिको है मारहर अन्नर अन्नाधनगढन উপস্থিত মুইজেন ও তংকানের সমস্ত লোককে উপৰি উক্ত মধ্যমেৰ বাটাতে ভাকাইয়। আমি-লেন ভন্মধোৰে করেকজন উবাং লিও ছিল खाशांप्रशास केंन्राजिका प्रापंत्रिया विवासकि **। श्रीप्र कवित्मतः किन्न विकिश् छेस्य मधाय** लाह आक ना हरें। कहरे योगात वा छाहा-विरमद अना अना मण्डल वसुनियाद नाम कतिन मा । अकारन जनता है भूछ दहेगारह, किन्न पारवाना মহান্তার বে কি ছইয়াছে তাহার কিছুই সংবাদ शांश हो नाहे। महानव ' बेह्रवाद्यानित्तव व्या-बारबान करा इथा। एति जामानि नेद्र स्मरमञ् भूमिय मश्रमाध्य कत जावा बहेरम् अस्त আলারতন চইতে হয় ন!।

> करग्रनिविद्यत भूतवसः । भवनभूजनीय जिम्रुक मामश्रकाम जैन्नोपरः महान्द्रव् ।

अविस्तर सिरवल्यमिकः। महामरहर शक ३१ वे चाराएउ निव्यक्त च्या কারু।পুর ও বন্দীগণ বিষয়ক একাবটি পাঁঠ করিয়া অভ্যন্ত সম্ভূতী চইয়াছি। আমি এবিবয়ে ধৰানাং वर्किकिर अञ्चनकान कविश्व दिनिया है ते कादा । विश्व प्रवेश अक्ष्यका काकार शुरू दान कविद्या वन्हीदिशक चाळीव नश्टणादन ण्डहा हु:त शहूक यहर शुक्रार**ंका कविक्छ**ह ছবিত হইয়াবায়। অত্তর্তা কারাপ্তের এটি वृष्टिलाड कविरम स्वाय एक स्वत राजीवरक छड़ क्क विश्वात सकार देशहालिक प्रदेशहरू विश्व (करम क्रिन निरंश कथनुष्टे विश्रामान नशला**ध**क बिरश्व माथा मामकाच्ये विवि " बहै होना । इस मा, भरमामाथा हा नेवेख का शवन बारक,

टनरे नवा बहे बनीयन प्रकृषि बहेरत किया विन इंड पानिया उरम्दार भूत्रीय कुलेक्याची वया। वदर विक्रेकाम विद्रारम्य शतु वसीवर्टनेत्र व्यक्तिका थहरि जो धर उन्न श्रायम च देश क्रिकेट । 'अधिकहा व परम अधिकमध्या अमृद्धः दाक्षि सक्ताः, मान करत, जनाव क्रांत क्रांत क्रांतिक विवस्त्रमुक्ते जारिनाइना इहेवा बारक, जुडुन् कार्टाविश्वय क्रमण विश्वका दारशिक सरका

कारतिकारक रवस्थ व्यक्तिस्था क्रिकेस स्य कर्र । छाराहा । एक्स । व्यक्ति । व्यक्ति बारक, काबारङ अधिकारत्यक्र क्रायानकुरुद्धायः অভিনা আৰু বিভোগ হয়। ভালখাল পাদ करनाम के चारांत्र घटनकटक कांच विद्रक हर ब क्षेत्र क्षेत्र देशीनक क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्रियो। वन्त्रिक वेदेशा भारक, रष कुर्वहरू: **कर्रा**क्षित्र। क नम्ख निर्दार क्रिए सम्बद्ध स्त्रेश र ए সন্ধিপ ভারা কড়ক সমাধ্য করিয়া লয় স্কুডর তৎ বিনিষয়ে ভাত্যিগৰে আপন আপন সে काठाडा कोषारंतम विश्वमध्य विश्व एष्ट्रा बार्टर মুর্বান, ভাষাতে জুপদ্বিতি আন, ভাষাই জা नोड रक्षण पार्कामहत्व विवशास्त्र, देशांक्ष रहेक् হওয়া বস্তাবিজ্ঞ, ডোগা সকলেই বুকিডে পারি-**टिट्ट**मं। अदे अमाधायन राजना क्षेट्ड प्रका शा-ইয়ার কেবল একমাত্র উপায় হাঁমপাতাল ৷ ড-পায় প্ৰেয়িত বইবার জনা পীডিড মা ছ**ইঞে**৫ অংশকে নানা প্রকারে কভারণা ক্ষিত্র পীড়িত বলিয়া ইংসপাডালে থাঃ। শুনিয়াছি ইহাৰা অধনতঃ অনেক্ষণ প্ৰান্ত হত্তপদায়ি करण कियादेवा प्रांटच महीत विक्रकण मोक्टर বইয়া অফ্লির চর্মারি কুঞ্চিত ভইজে বেং उर जनाकेश स्ट्रेगारह मनिया जाकरम्ब नि জাতল করিরা ভাকিরা আবিজে করে। ছ**ে** আগমন করিলে বাছভূলের নাড়ী টিপিছা র রা লাশালার মধা দিয়া হস্তব্যিপতি করিয়া णालप अक्षण अवश्वात- टेबाबीटेक माजी रमिष्ठ। नगरसरे एकपृष्ठि वरेक्वा शहकृत ।

व्यवनामात्र वृद्धामध्या छ०ष्ट्रक्रीच रद गही जरशका जरमक प्रशिक। अवह कर हैरात वहें कांत्र निर्दाल करवस र हीत्र। गीष्ट्रिक स्वैटन स्वानगान्तारम वय নিয়মাধীন থাকে, কিছু ভাৰা ছিইডে ব বে আর আর ছত্ত করেমি বিধের লা পার, স্বভরাং ভাত। উত্তর দ্রাপে গ হওয়াতে ভাষারা প্রয়ায় শীভিত ং बरन चःतक बरहरी बांद्रशह भीविष न कान करहा।

পূৰ্বে ইউন্নোগৰতে অভি बार्थ कीती बहेज। ताहे निकेष थाइनिड एदेशाः । क्रिक् परि शिर कालान हुनारे परेन খালে ইয়ানীতন আইন 📍 रिमिन्ना श्रीत्राधिष स्टेट्ड प অকান মৃত্যু মপেকা কা ेहिन, जारा श्रेरन देश कार

ना ७ भवनाति एवका कृत्रम् ্ভাগ কবিতে স্ইত মা। कामांव विद्युष्ठमांत्र कांद्राश्चरक्ष 'वर्डमांक' हु-বৰহাৰ **ছটা অধান কারণ আছে।** "

क्यानकात क्या विभिष्ठ श्रामि मा विश्व व्यक्ति বিশেদ কলে জানি কাশীতে জাটার সহিত অ-

विश्वविष्य शक्तिया । . करव्रविष्यत्र । हीविक मौकि विद्यामा ना कतिया नक्तरक ান ক্লাল ক্রিয়া সম্বান প্রিম্বেশ কর্ম अम् एम्, केमा प्रकास प्रमाम । कामि नातानः ৰ কাৰাগ্ৰহে দেখিয়া আলিয়াছি, যে শবল ্ৰাণ প্ৰাক্ষ্যবিক প্ৰিমাণ কৰিয়া দেওয়া বাইতে १८त बा फार्का Cबला 8 महिकाद नमस बसा रगा। क्ष पहि नवश कर्षा किन छित्र शकाय कर्माद हिमाडा विशेष एकान विकास देश ना। कर्म यह विक व्यथेता श्रञ्ज व्यक्तिम माधा वर्डेक मा द्रम क बटल कि चुर्तान मक्टलबुट मिटे 8 परिक क्री हा करी करिएक क्षेत्रक बिह्न एवं मकल कर्णान প্ৰিম্ব নিষ্কিট হুইতে পারে, তাহা স্থাতি ই-के जान नाजि **७ वर्**षिकाहे वर्षेक मक्ष्मित्रा तर्ख इ म। इरेटन खुवाइकि माहै। अभिनाम या वा व्हिट्स शामिश्रंष्ट जूताबेग्रा टेड्स अञ्चल বতে হয় তাহাদিগকে আরই সামি ৮টা कु बलक्षित मान्न पूतिरख हुए।

> । र तीपनंदक दर एवं कावरण गित्रिकाल कर्तान भक, जादम्श्र निःम् निःमानिक स्ट्रेटिकः। तीश-दक नार्वाक्रक अवश्वात अञ्चल अदब्ध-গ দেওয়া উচিত তেওালাবা কাৰাণাব भूक प्रदेश अनक्षात कुकर्य शिश्व न। इ।श्रीता च च की विका जेशार्फन करिएड है। इ श्रंड वित्यव मृष्टि व थ, आवमाक

> > भारक् भूरहिःल छात्र। ४ व न 👍 **ाक कार्का नि**विकेत, वाकिएल फाउंद ^रर**नद**शाभी दशः

ষ্টারকা। প্রমিত পরিক্র। ক भी अधिमके बहेदा थाक ।

कुण 😎 कात्रण यह रहा ३ । ५ ८ % दिशास करोड़ियान प्यनाविध क्र.ड ^{रक्ष}े क्**रोहिवावा स**ञ्जाकत प्रदेश डें, देश दर्शनकत्मर महारिष्ट क्षा । दिवार के प्राप्त के प्रधानीत । ্ৰিটা চইলেডিনি খনশাই क दक्ष के दोनीका ना वर्ग हमा है है देशि शिक्ष क्या रहे

द्वम ग्राम्क नाहे, श्रामक खाँगक्करण विस्ति। केतिए शास्त्र करवृत्ति विदर्शनं च च लाम क्रिक नरकार উপाई शवर्गस्थरकोड्ड प्रश्नाटकाल करिन र कि क्ष्मण। बारह २ ज्यांका, ७ देशका ७ क्यांशि ५ वर्ग া কোপরিবিত ও কর্মরী আই।র। আনি বেন্ট করেছিলের, ক্রমিত ধন গ্রহণ ক্তেন मा। कामाशाय ध्वेतक शुक्त वरेशम देशमा G ्रांन कंदी शांक्षा थाछि जहेंच बालांव सर्थः जान मिटनेत मित्रहें कि किट वर्ष वाकिटन क्या मः कर्ण्यत्र ६५क्टै। कृतिया सञ्चर्गः अहिकः निक्षीय कविवान सुविधा बहेरात शास्त्र । १ वर्ष वता द्वराः वर्षरमञ्जे अक्यारद्व अठ हे।कः क हि एक श्रांबरवन नां। गांधा बक्रेक गमि कायूनि দিপেৰ বাস্ত্ৰিক উপ্ভাৱ কৰিবাৰ নানস পাৰে ভবে করেছি করেব প্রাভাত্তিক কর্ম নির্দ্ধায় কৰিছা মেওছাও যে কৰ্মে বত পৰিঞান কৰিছে হুল ডং শ্রভি দৃষ্টি বাখিয়া কর্মের পরিমাণ করি-র। দেওর। উচিত।

> कर्याम् विश्वाय राज्ञ ५ मा श्रीयक व्यवस्यः विध्यपन। क्षित्रः शविश्रासन केन्द्र विस्मार कनः

হ। একাৰ এই ব্ৰীতি আছে কংগ্ৰিৰা ভূম্বতিক। মন্ত্ৰত তাখিক পৰিবাৰে কাৰ্যা কৰিবৰে উচ্চ 📦 ছইলে ভাছাদিগদে কইসংখ্য কর্মী করিছে বে-२मा इस। अ दीन्डि मना नहर, निथ मूके वहाल শাস্তি দেওয়া অংশক। সজাইত হইলে প্ৰকাৰ দেওলা ভাল, অভএন বন্তি। ক্রি:ত্র মধ্যে দিনের অভেনর পাপানরারক পালাব্র রাজ্য बम्हेशराज जाहात ७ श्रीवर्षत मान 2 क्री दिय र ७ । ८ व्यानी दिखान करिया बन्नाम वरका-ब्रम्भ क्यां अ प्रदेश वस्तीना नेव त्य मनका वाकित চৰিত্ৰ অংশক্ষ কৃত উত্তম ওয়াহালা থেছে : ক্ৰ কর্ম করিতে প্রয়ন্ত হটবে তালারা অপোক্ষাকুত উত্তৰ ভোজানি পাইবে, আৰু ধানাৰ, অধন ১ই বে, ভাছারা অধন ভোগোলি পাউবে। সিঙ্ েই क्लाकार्षिद्व विभीगर्यने मामासूनक । १९५१ र মহির্ক ও নিতৃত্ব সংস্ক ও পীজ্লার্ড माइगा छोड़ी बहेट्ल जाराव त्याम हा वंशी १२७० काल सर्वास भाष भाषात्र शरण्य मादी ब्रक व्यवस्था ध्रमा रशका कडक जान प्रदेश्य भारत्।

 ा क्षाक द विष्युक्त स्थाप द्यार निष्युक्त विष्युक्त द्यार देश विष्युक्त विषय द्यार विषय द्या विषय द्यार विष ६ नीय कानन अने ता बेंध,पिरियय महलाद्वाहिय हाज न. र मूहिल हारण धन ग!। मानक श्रंकृदिन अदि मराक वृधि कर्राम लाके दराव वग दा न नीविक रे. 3 मोर्ग्हिन शिविद्याच ब्राह्मा दिलकान भागासमा अहरू। यमि मानशिक शिक्षिणार्थ के शिका व्हेटल महाया शाहाम प्रदेश (पहिल्ली केटन संभा निविध नानी तक अधिकारमुत न्या मरनाहरिक्त का-मार्च हरिष्ठ इहेरले स्कारे शाबीका विलेकिक

मा क्रिट क व आया जिलहरू मार्स दिक वा शहर निश्च वीचित्र हेर्नेत्र चाहित्र, हिन्दा है। बुद्ध श्री असमाहित अक गोरनकत् के ब्योग कान स्मोकि ৰ ও নামা**জিক ধৰ্ম অভিপালনাৰ্য এ**ড়াৰ তা-त्यक विषयात्रके जावना कतिएक क्या कि इनकी দিনেৰ অভাৰ ভইলেই, অৰণ সক্ৰ ক্ৰাণ निक 'उन्न न। इरेटक इर्डेटड, कर्म शुरु माहेटड उर्गण ना चारह मन ना आरह यक कुछन । त्यक्षी कतिया भरतने का कि क्षतिवान जन्नायन কি ৷ অপৰ ছুটীর পর আগের ক্রিয়া ১,৫ ., সমত্ত দিং নৰ খোৰতত্ত প্ৰথমত শত্ত ক্ৰীৰাংগ নিজা पंकर कृत स्था नक्त काम काम महीन महिल सम् ল'লাপে দিনবাপ্স হবে, অভবে প্রিঃপ্র कारत कारिया। शुर्वकृते क्रूकर्वक्रमा बहुएत.प क नदर हम र किराई स् भूग अडिख्य करण িযুক্ত থাকিৰে ১

िटनार करता शहे, छोझा व शब्दियन अ प्रीष्टम देखन विरम्मन कवित्र । अ C स्वरी (1= rt कविदे व अभाग नेरक्षणा अने द्वा शहाबु है। ११०,-िष्टा यान छेरमाह हा लरा महानम अट्टा हर्यम हो इ.सि.चान एकिन स्टामाध्य ८ 🕏 बिएड भारतः । छात्र। इटेस्स ड। इर्ग्या अन् श्रम्या লাবফটিভাষীন নিম্পুদ, ও নিধ্যেট *এক*্ৰি क्रिय अग्रम्भ माज्याभित क्रेक्टिक अन्दिर से ११ গণা, বলীকে এটাকা প্লেছণানত নেতিকো ভাছে। क्रवनः क्यापन रहत्। मनुभारतम् श्रीक रभारत्रन्थ-বোগী হওয়া সংস্থাবিত সংক্র

विकित्रते ।

गला था थि।

শাসুক্ত বার শান্ত্রাণ বায় ১২৬৯ জানৰ স্নাহৰি গৌৰ শক্ষাৰ কেনং ৫ চাক " भाष**ाउन ए**की स्थाप : ১৯৯ ভান্তে জৰ্দি নাখ প্ৰস্তু কোং ৫ " इतिकृष् महिन W W " ८कम्ब्रह्माच्य श्राह्म (कार्या) 5.500 年代第4 外旬時 医甲红 化 ⁴⁴ 密印简使和 (5) 24 6 >२७৯ ७ छ धर्म ५ स य ११ ग्रंड CHER 1 ए C3।लामस्य मृत्यांभाषाणः यामः वर्गाहि ्रक्षेत्र जन्माह अर्थि अर्शहात्र ! शयानु "。 当初时间 不便! ·秦(引車)海、2 ५२७५-खासक्षेत्र दनोस **नदास स**मार स*े*ये

्यक् भाक कशिक्षः व्यक्तिकिष्टिक्षेत्र "श्वर्षः व्यक्ति । श्वेषा १८०५ । ीरभोजरामुक दक्षणान्यकः अभिन्ने जिल्लामिः लोका क्रियमे की पृष्ट वाक्षणकार्यक्रिकारिकेर्देन परिणिति कर्क रमाविका । व्याहरू



" प्रवर्णना प्रक्रतिस्थितस्य पार्थिवः सरस्रती मुतिसक्ती न चीर्वती ।

इ ख्रंब । हर्मस्याः।

मम ১२७२। ১१ ভাজ । ই९ ১৮७२। ১ मिश्टिवन

मानिक जुलाई है। वर्षिक जुलाई है। की

্রিক্টাপন। মদহতে নোমগ্রকাশ প্রের-পের নিরম।

লাগ্রিম মূল্য না পাইলে সফরতে নাম প্রকাশ প্রেরণ করা বায় না। ইহার বানিক মল্য ভাকমাসল সনেত ১০ এবং করা করা করা করা মাধ্যের স্থানে ভাগ্রিম মূল্য গ্রহণ করা বায় না। মর্ক্সলের বাদি খোন ব্যক্তির সোমপ্রকাশ গ্রহণের ইক্ষা হয়, ভিনি ভাগ্রিম মূল্য সহিত পত্র বিধিয়েট পাইতে গারিবেন।

विकाशन। दिवि (महत्रे)

বিবি মেয়র এ কেনীয়দিগকে জানাই
ত্রেন্ডন, বাহার। ফটোগ্রাক্তিডে আপনাদিগ্রেন্ডনী ও-কন্যাদির প্রতিমূর্ত্তি করিবার ইন্ডা
করেন, তাঁহারা তাঁহাকে স্থাদ দিলে তিনি
অতি উৎকৃত্তী ও সুন্দর্ভাগে ভাষা করিব।
বিবেন। গুচু কর্তের (লালনিরজার) পূর্বা
দিকে ভাঁহার কার্য্যালয়, ভথার অল্লসন্থান
করিল গবিশেষ জানিতে পারিবেন।

বিক্ষাপন ৷

নাললা ংকু লেটিং এছালর ও সমানের এবং সাময়িক পত্তিক পাঁচপুত। বাঁহারা হাওলাজ করিয়া বাদলা এড পাঁঠ করিতে নানস করেন জাহার। নিয় লিখিত নিয়ন সকলে সমত হইরা আমাদিণের চাঁদা পুত্তকে আক্লর করিলে পুত্তকাদি বাওলাও বেওকা বাইবেক।

ः व । आद्यमनदेवं श्राप्त अद्य जातिक। मात्र विमाहव श्राप्ति बाहम होता निरण स्ट्रेस्क,

এবং তাহা মাসের প্রথমে দিতে ছইবেক, এক মাসের হলে মূল্য গ্রহণ করা বাইবে-করাঃ

্ষ্য এক মানের অধিক কেছ কোন প্রস্থ ক রাণিলে ভাঁহাকে ভালার মূল্য লিভে হই। ক বিকঃ

্া । যিনি যে অবস্থার পুস্তক লইরা য, ই নি, তাঁও টো সেই পার্যার কেরত জি-তে ন্টাবক ত'হার জনাথা করিলে পুস্তকের হুল, বালু হুটবেক।

তর্প প্রাণারিটিড ব্যক্তিকে পুতকের মুক।
জন নাগিতে হইবে, অথবা এক জন পরিচিত্র ব্যক্তিকে জামিন দিতে হইবেক তিহা
হ'লে উহা ক পুতক হাওগাত কেওয়া বাই
বেক।

ে ৫ম। সমাচার ও সমায়িক পত্রিকা সকল আমালিগের গ্রাহালয়ে আসিরা পাঠ করিলে কোম মধ্যই লাগিবেক না।

> গুঝ ভাদর্শ নিউ ইপ্রিয়ান লাইভেরি কলেজ হী ই নং৮৩।

সোমপ্রকাশ।

ছাত্ৰৱন্তি

नाह वरमत वाजीय हरेल, केट्या मा एव निकार्थ वालकविष्यत केरमाह वर्ष मार्थ वालमं, हरतायी वालामा ७ वालामा विलामदात भूजीएका जीव हाळविकारक करतकारी हाळहर्षि विचात ७ देवी होज इकि आं राक्षिकारक विकारविकार व वर्षाम्क विनामदा अधातम क्रिएक विचा

त स्राचाय करत्य। क कार्यास्त्री गरमार गारे। देशात क्रिका श्राम प्र रू । পत्रीकामण विमानित्स क्राम प्र लारकत महार्त्त्राके शाहे : तथा थ लारकत महार्त्त्राक शीवका ही। स्थापन कतिरण भन्न गंग मा हात्राष्ट्र वित्रम स्थापण सर्वात्मत स्थापन क्रिका क्रिका स्थापण सर्वा । किस्त क्रिकिश वि मात्र स्थापन देश माजिक क्रम्मुण्य क्रिका क्रिका स्थापन देश माजिक क्रम्मुण्य क्रिका क्रिका माज स्थापन क्रिका

ওদিকে একণে প্রায় বার্কী ट्यिनित्र गवर्गटमके विमानिद्ध वस्त्रक् कतित्रा त्मर्व विचेविनामरत्रत्र व्यट्ड त्रीका निवात निवय ब्हेत्राट्य। विक्रीः विनालिय नक्टान्ड नाज वंदनप्र मा कड़ियाँ भरीका विवास छेलाइ व ৰূপ হলে নিভান্ত গল্পে বাড়ে লাভ भा**ठे ना 'कंब्रिटन दिन्**य हाळ था **পরীকা বিজ্ঞ সমর্থ হয় লা। কিন্ত** চারি বৎসম উদ্বংখ্যা পাঁচ বৎস বেক্তন পাঠ করিতে পার। ভাহাদে क चटन करे दलाव घटने, चटनकरः বিশ্বহে অগভ্যা প্রবেশিকা পরীকা পূর্বে বিদ্যালয় পরিভ্যাগ ক্রিট সুভরাং ভাহাদিশের শিক্ষারও करण । চाরি পাঁচ বংশর মাত্র অধ দ্বিয়া সুশিকালাতের সম্ভাবনা কি লাভের সমরে তারারা তাহা হইটে

थि नामामा **विवा**क्ष हा भएन का निर्मा का कि लहिए है शकरे हैं हि उरमह साम स्थादन अर्थिका गंडीका डेडोर् स्ट्रेट मा। केएका आरम्ब ७ मिकामध्यान केत्र कि अदिवय कार्यक सहस्य ? यकि রা জার্নেন তারা হইলে বালক एक्ष्मा विकास निकास चारायन " কু**নুইয়া হুটা**ৎ ভাষা বৃহতে বঞ্চিত ক ৰছেন ৮ বৰ্ষি প্ৰতীঞানের বিদ্যালয় দ র উন্নতি ও স্ববিদ্র বালক্ষিপকে অধিক গ সেওয়া শিক্ষাসংক্রান্ত কর্তৃপক্ষের াল্য হয়, কৈবান চারি বংসরের রুত্তিব র উঠাই 🏰 দরা অন্ততঃ আর ছুইবৎসর া দেও টিউচিত। তৎপরে তারারা बर्खार्क्कि निका रेनभूबा अपर्णन क s পাট্, ভাল হইনে যত দিন ভা**হা**রা विका/देशिएक मा साम क्रक मिन्न वि "ন[্]াঠ করিবার অনুমতি কেওয়া । এ क्षां छारामिन्नद्व क्रिया সাবশাক বে সাত বৎসক্তে পর যদি পরীক্ষায় উদ্ভীর্ণ হুইডে না হাত্ৰবৃত্তি পাইবে না।

ার: বিলক্ষণ বলিতে পারি এই वश्यदित मध्यः सक्दली फेल्क्स ত যাইবার যোগ্যতা লাভ করিতে ৰ ৷ এইৰূপ নিয়ম করিলে **উ**ভে ৷ লা षकीके निक इटेंदर अस्ट्र नाडे । s बाद्यला **कर्**ल भक्षत्र । स्थालकात्र त मि विवदत छे: जा जारकदात वा কেছই অধিকতর যত্ত্বান নছেন **াঁজখিত** দোষ বশতঃ তিনি সশূর্ণ **য়া হুইতে** পারিতেতেন না एकदल डेलनगण क्षणिक वेदिल ক্ষা ও নির্মণ জল লাতের नाञ वार्तकनिरगत विज्ञान हें के किए हैं इस्टिस्ट

त्वर् शाद्य क्र कारोट अधिमान

विक मचानाप्त ७ माथरशम्बर्भ न्त्रका त्मक् नीटंश्वटक अख्निमान शक् पि বার অবা কলিকাভার সরিককে টোনহালৈ क्क मछा कतिवात अनुद्राध कतिशास्त ! ভারতবর্ষীর সভাকেও ভাঁহাদিগের সহ কারী হইতে বলেন, কিন্তু এই সভা তবি ৰয়ে অসমত হইয়াছেন। লেওু সাহেবের अमञान कात्रज्यस्त्रं कुर्कारगात विषश ৰলিতে হইবে, অতএব ভারতবর্ণীর সভা বণিক সম্প্রদায়ের সহিত মিলিত চই য়া যে তাঁহাকে অভিনন্দন मारन डेच्यूथ हर्देशन मा, छतिविड घरन কেই আপাততঃ তঁ,হাদিগের প্রতি অরু ভক্তভা দোষের আন্যোপ করিবেন সন্সেছ नारे। किन्तु यनि छाँहाता व्यनुधायन कति য়া দেখেন, উব্জ সভা সংবিবেচনারই কা র্য্য করিয়াছেন। লেডসাহেবকে অভিনন্দন পত্র দান, আর ইংলগুীর গ্রবন্তিত ও সর চারল্ক উভের কাব্যের প্রতিবাদ করা नमान । त्यापि व्यथवा मरतापाय वित्यय या র্থান্ধ হইয়া যা বসুন ন। কেন, সর চার, ल म উट्डिन कारा এड जनात्र द्व नारे य এ দেশীয়েরা তাঁশর এত্যর্থিকে প্রশংসঃ ও তাঁহার কাষে র প্রতিবাদ করিয়া শুচি र्ट्रेट शाद्यन । जिनि लिए गारहरवत सम কর্ত্তব্য কর্মই করিয়া প্রদর্শন করিয়া ছেন। জ'ই সংশোধিত হইয়া প্রকৃত আঁয় বিনে। সে টাবা কিছু নগদ ভারতব্বে প্রে বায় ছিন্ন না হইলে শ্রেমোলাভ সন্তাবনা নাই বিসাত্মক আর ব্যর গণনার উপর निष्ठंत केंद्रिया वाशांकि कामा अभ्यांकिङ कहे त्ल शत्रिनाटम माझन कत्र छेदश्र है छत्र শসম্ভাবিত নহৈ। তবে ভাঁছার এই দোষ হুট্য়াছে যে ভিনি **লেঙ**ু সাহেবের প্রতি व्यापिकाक क्रम ३ कर्कन्याका श्राप्तान করিয়াছেন। কিন্তু এ অপরাধে ভিনি মৃত্যা চারলারী ও ভারভবর্তের শত্রু বলিয়া श्रतिभविष अ विक्षिक इंदेरक शास्त्रम का ।

मिक् नीरम्द्रवन कुछ जान काम मर काड दिनार, महाहातून केटलब छदियसक পত্ৰ ও মহাসভাঃ বজুতা ও লেও নাহে त्वत्र व्याक्षशक ममर्थम, अ ममुकातः मर्ब সাধারণের গোচর হইয়াছে। অপক্ষপাতী নিঃমূৰ্য বাজিয়া এ বিষয়ে কি অভিপ্ৰায় थकान क्रियाद्यने लिख नाद्य द्र व क्रम াইরাছে, হিরচিত কোন ব জিল না স্বীকা র করিবেন ১ রেইলওয়ে ঘটিত ইংলভীন निनिष ७ अटमनी व है। कांत्र विकास अवश চীন দেশীর যুদ্ধের টাকার হিসাব লইবাই বিব দ হইতেছে। লেওঁ সাহেব সম্প্রতি আত্মপক বৃক্তার্ক যে প্রেরিড প্রস্তারটা টা ইমুস পত্রে প্রকাশ করিরাছেন, ভাহাতে লিখিত হ্ট্য়াছে প্রতিব্রসর গতে ৬ কো पि छोका ताइमाश्रास समा बास रहेगा থাকে । সেই ব্যর মূলধন হুইভে হুইবারই कथा, ब्राक्षत्र स्ट्रेटि एटेनाव कथा माहे। यथन এकथ हरेल. उधन ७ क्वांिं है।कारे রেলওথের বাস্তবিক বায় বলিয়া ধরিয়া লইতে হইবে, ভাহার মধ্য হইতে ৫০ লক্ষ টাকা রাজস্ব ক্ষতি বলিয়া প্রণনা করা সম্ভ इंटेंट्ड शाद्ध मा। (इंदल नियम ध्रिया विद्यान कतित्व त्ना नारह्द्वत कथ। व्यरंखनीय विलिक्षा (वाथ एम वटेंहे, किस का জে তাহা কোথায় হইতেছে ১ সর চারলস উড প্রতি টাকান ছুইপেনি ক্ষতি শ্বীকার করিয়া রেইলওয়ের তমাটাকা কর্জ ক त्रव क्या इम्र मा। छाहा हैश्लाटशत बारस्य জন্য রাখিয়া সর চারল্স উড় ভার তৰবে উহার বিল প্রেরণ করেন। সেই টাকা সাধারণ রাজস্ব হইতে দেওয়া হয়। একণে ডিনি সাড়ে পাঁচকোটি টাকা কইয়া হর কোটি ট্রাকার রসিদ দিতেত্বেন, আমাদি शदक मण्युर्व इस टकाणि होका मिद्धु वहेटक ट्, जाशेत मूटनत क कथारे वार्, केव्हटन অবশিক্ত অৰ্ডবেনটি রাজস্ব হইতে না হইরা चात्र (कावा स्वेद्रक विवास सञ्जाद 🗗

vermen, find the se land थं। पूरे निविध के स्निव विक्रियर के विक्र म दत्र, काना क्रिक कविवारक कामाविरकृष्ट नाज प्रदेश । विश्वास्ता नामानिताले वास्ता নু'্ৰায় বাৰ্ছ কাছে জবিবাৎ দরিয়া কাযা कृषा विदेश अपन्ति । ' खनिचाकत विभारत নিৰ্ভন্ন উল্লিখন ইমানীয়ন সভা গ্ৰহমুল্ট माह्यादे क्यांद्रमा । पारियाद शन मा कतिको किसीकडो सुनि नम्छ स्त, छ।हा हरेटन (तरेमें ब्रद्धके सूरमङ महेने वकान श्याद्ध वक यात्र इंदेशार्ट, छाटी स्था है। কার মধ্যে পরিক্রনিভ্নো করা হয় কেন ১ त्त्रहेमश्रद्ध मन्त्रुर्व व्हरण जिल्ला कि দ্পানি জন্দশ্ আংশিদিধের সুব্দের টাকা .. ड श्रेडार्भन कहिर्दिन। धक्रांभ कांग कहा ভ্রাপ্তিদোষ ছারা অদুথিত মছে। সর ওয়াল পোল स्वेटक्रें अवधान भारे खावित मृचि হয় ৷ কলত বেঙ সাহেব ও তাঁহার অভ্ সহক:রীরা যে ৰূপ বলুম না কেন, রেইলওয়ে র বিনিম্ব ঘটিত অত্রতা গ্রণ্ডেটের ক্ষ্তি হইতেছে সন্দেহ নাই। তাঁহার কেবল তর্ক শক্তি আদর্শন করা হইতেছে, কিন্তু সে ভ ক্যে গ্রহ্মতা ও সারবন্তা নাই। এন্ধপে আ অপক্ষ রক্ষার চেন্টা না করিয়া ভিনি যদি শ্ৰুক্তীক্ষরে সাহস পূর্বক বলিতেন যে ভা र य अकार कि गरा क्रिटिय र मत्त्र अपि है। काम हुई मिलिए हत्वन, काहा हरेटल के हात यथार्थ : ं नवीत्र काषा कहा इहेड । विभिन्नद्रा

্ব। কেবল ভক্তাত্ত্বের আত্ত মাত্র । भिक देननानित बाग्नार्थ हेश्लखीय अवर्गम ित क्षा वक्षा व होक। (अन हेश्लहीं ! महाप्रका कार्यन वर है, किस बाशांक हेश्मर ख ^{शत-(}त्मके **छाहा भृति त्था**ध कृतिहारहरू। ∤ द टाइत्यः दक्का, दिमा शिकाद छहि ७ व्यवः লেও বাহেব সেই টাকা আর মধ্যে গণনা বরেন। সর চারলেন উভ ইছার প্রতিবাদ 🕽 ভাঁছার আন্তরিক ইচ্ছা ছিল। এদেশীয় ও

महार निर्म रेश थहर पात शास्त्रिक हरेटक शास्त्र वा। रेश केन शाह त्मार माम । छत्र क रश्म करे महर्ग मा क्रम रेरेल, विनित्र रेशांक यथि जाये महारा वंबमा २वा करेत्रा बाटक, जाबाटक किंद्र विटनंव कि स्टेटलंट ना देश आह विनिश्चर हर्कक, जबवा कर्क जानात विन बारे रहेक, व छेटरमूत्र जनाकत्रं या विशेषा পরিগণিত হউক, তাহাতে ইকানিক নাই, তাহা গণনার রীভিতেদ মাত্র।

रांत्र बारन होना छन् छ हरेत्रारह अक्वा দৌও সাহেব বারবার কহিতেছেন।ভিনি স্ব वर्षिं। नक्षेत्रांग कतिवात विशिष्ठ क्या है।का (কানবালান) প্রকর্মন করিতেকেন ৷ কিন্তু मत्र वात्रलम छेछ करिएटहरू मुठे थाल है। কাও নানা প্রকার কণ্ডের টাকা একত জমা र्खन्नात्कर बना है।कात्र वृक्षि वरेनात्व । ধনাগার অ<u>ধিক</u> টাকা থাকিলেই যে আয়, वाग्र-व्यापका व्यक्ति हरेल अक्था बीकाव कता वाहेटक भारत ना । कि लिक मार्ट्स কি সর চারল্স উড কেহই উলিখিত অসা টাফার সবিত্তর বৃত্তান্ত প্রকাশ করেন নাই। এক্ষণে ধনাগারে ১৯ কোটি টাকা क्या मुक्ट ब्हेरल्ट्ड । चडवर व दिवरत সর চারলুস উদ্ভের প্রতিবাদ করিয়া লেঙ স:হেবের উল্লিখিত ক্রমা টাকার কারণ निरम्भ करा व्यवगारः

श्रामतः। भूटर्बंध करियाहिलाम भूनद्रायध कहिटडोई, लिख मास्ट्रिय सम रहेगार्ड मत्मह मारे। किस का विनाग किन खेल ক্ষতি হর মা বলিং। হিসাবের মারিপেঁচ । কার যোগা ন্ত্রেন । জমপুনা লোক কোধায় > তিনি ভারতবাে্যর এক জন যথা চীনং- শের যুদ্ধ কানে আত্তা গবর্ণ : র্থ হিতেধী ছিলেন । কট্রাক্ট বিল প্রভৃতি ্ ধ্রই একটা বিষণে ডিনি শীলকর প্রভৃতির णना धाकारत अ'रमरमा अहिकि हर, हेहा

रेक्ट्रानीजिक्ता सम्बद्धना रक करिया किया जिला करिया TILTH OFFICE COME. THE PARTY किनि केरेलनम " नाहबूदक सामि स्व नटकरा विनि विका मार्टका नमूजिन वाचन क्रिया कामा करत्य । ज होसाँह কৰী আন্দৰ্ভে আৰুলাক। কলভং উল্লে णान अवागिएमा हुग्स्यत निवि হৈ সলেং মাই: ডমেডাখাকে শান পত্ৰ পিয়া বন্ধ হয়ালুস উত্তেপ্তি প্ৰথমী क्त्रां अभागितिका अधिया नाहे

गर्वाच्य **अहा ई किमाईसके** हैं ভারতবর্ধীর গ্রথমেন্ট নাইবারের প্র লিক ওয়াকে বাবের হিনা ইঞ্চাল করি ब्राट्स्स । ब्रिट्स ७७५॥ म्य क्रिकांत्र कर्ष वृत्त, क्**ष्ट्र जा**र २०॥ लक्ष्म क्रीय**्**तिक्रांत সৰ্ভেশ্ব ওচচ লক্ষ টাকা ব্যন্ত 🕬 🤼 क्मडीटकात्र भा कत्रा अक डीका है ধরাহয় নাই ভারা ধরিলে ' लक व्यथिक रहा বেস্থানে ও বে यक क्रीकी मिख्ना इहेन्नाह, कार. लिचिछ हरेल।

	▼
যান্ত্ৰাঞ্চ	4
বোছাই '	e t "
रक्टम न	e21#
উত্তর পশ্চিম	- polf '
नश्रीय क. २०	¢>
षदगांथा।	39 ·
মধ। ভারতবর্ষ	११९८
शंप्रण द्वारा क	S VI
बक्रारम	sen
নিদাপুর প্রভৃতি	8
चना चना	2N
(त्रहेम उरत	१७८
ইলেকট্রিক টেলিএনে	વાર
পোষ্ট আফিস	>
क्या	>01
নোট টাকা	৬৮৮ লম্ব

51ई डांड ३३७३।

देश त मत्था त्यमान्द्रका सम्बद्ध ७०.० a,:>> होका, कृषित केवृष्टि निक्षित (पा ल बनन क्षण्यिक क्षण) क्षर्यक्र क्रिका जावर संबोधिक क्रमानि क्रमानिक करा 3,03,89,800 क्रीका की छेला प्राथनन किछा गाउँ

क्रियांकेत है। नवक चात्र समें विजाय क्षित्रिक स्ट्रेश थाटक, क्यर्ट्य चाटमम वि वित्व वयरमञ्जूष चाथिक होको सर्वे हो। क्षित बारतत खना त्म बन वह । छेशदतत दिवाद पर्णम कितिलाई नकानत सांश मू न्त्रांके कुँवत्रभव १ रेट्द । अक्टन शटड़ क ৰি বংগর কে লওরে প্রভৃত্তিত ২২ কোট डिंका बात्रके रेप्टर । केंद्रि मध्या थात ভারি কে ট সাধারণ রাজপৃহহতে দেওনা -44.5

वीत मत्था कान, १ देशतमध्ये अष ু এ বিষয়ে বায় _বূৰীতে পারেন के**क रे**हात चतूर^क कन नाज बरनक मूरत जारक,। कि शतिमारन ল ভোগে আমরা সমর্থ হইব, তবি রেনিশ্য ও বিংস্কিশ হইতে পারি ता । तालपथ अवृष्टि अवृष्ट व्हेत्ल अरम भन्न मविरम्य छेन्छि इहेर्ब, धई मधुन ্ধনি কেবল অমৃতবর্জির নাায় কর্ণের আন । मा উৎপাদন করিতেছে। এই 'কেল বিবরে अध्यक्तिष हरेट य व शिवादन वात हरेट ्ट. जागता त्य उत्र लंभ कलाजानी इहे कृत, कारात्र अखावना अभी गारेरकर ना । क्षेत्र व्यक्षिकात्यारे तार्वत्र 'अ कर्ग्युक्रिमाद्रद्र अन्त्रमाद इन्टिएड । अभाग स कन्द्राके অধা হইরাছে, আম বা স্পানী করে কহিছে পারি, ভাহাতে লাভ হওয়া দূরে থাকুক, এ कि कार्या अ मुहातः बटल मन्निक हम जा। क्षेत्रके निवाद भार दि अहे "क महा आश्रम **द्वा अधिकारण अध्य , आ**द्र किथिए गांक वा - हु क्यू । " र्युष्टाद्द रायात्म कर्ने छि. ताई पा तिर थात त्मिक्ट भाउमा पाम, छेल

ন্ত্ৰেৰ প্ৰাণিত্ব " কুই জুৱাচোৱেৰ লবণ ও) कं विकार के किए किए। केर । व्यक्ति র গত দিয়া করিছ বাহির 😻 তিবিছি त्म करकेर केर्मा किक रहेत के हैं। है कि त्त्र क जिल मार्ट्रे। क्लु हिलार कार्ट्स मान विद्रा हिका कफ़िलहेश वि ।य र हेर्यु ना स्ट्रेंट तारे काटनत स्मतामक क्वारेवाँव নিমিন্ত পাবার কণ্ট্রাক্টপার অবেবণ করিতে হর। যাঁহার হাড দিয়া এই কাণে কাজ **रह, डाँश्रत्य कवि मारे, कन्ट्रे के**णादततथ काकि नारे, क्षकि त्करत शवर्गमार्थेत । श বর্ণমেন্টের ক্ষতি হইতুনই আমাদিগের কণ্ডি। এই ব্রণে যে অকারণ ক্ষতি কর' **रहेरकरह, काहात्र नाजी** त्व । क्षात्रहे स्विन তে পাওয়া হয়, অনেক ওবরসিয়ার বিনা भी कविता कर्यों है नहेंगा धारकन। अहे न কল কারুণে আমরা জিদ করিয়া অনুরোধ করিছেছি গ্রাংশিক্ট এক কমিসন নিযুক্ত कतिश श्वितिरः अग्नार्कित अप ध्वत দিয়াৰ ও ইঞ্জিনিমনদিগের কাষ্য প্রশালী त्र शंतीका कत्य। शर्रायणे बात कड কাল আমাদিগের শোণিত দিয়া ঐ সকল धुर्फरक পत्रिवर्षिक कत्रिरवन ।

অনুৎসাহ দিয়া চড়ক উঠাই: দিবার শাক্তা

সর চারলস উড এই আজ্ঞা কবিয় পা ঠাইরাছেন যে, ভারতব্যীয় গবর্ণমেন্ট কর্ম **চाরिमिशटक कदिया एमन, छै, हाद्रा अनू**र नाइ निज्ञा हज्क छेंग्रेहिश निवाद किकी था न, किंदु क्लान करन यन अरममी श्रमिरभन **धार्य रुख (क्लाबा करहात। त्रत्र ठ**ित्रलक् উত্তের এতার এ কটা যথার্থ রাজনীতিক্তের কার্য করা হইয়াছে। প্রজার সূপ ফুংব সন্ধানে উদাসীন হুইয়া কেবল আপনার मूथ यक्ष्रत्मत हिशात चरवन कतिन काला তিপাত করা রাজার অখ্বা রাজঞ্তিনিধি প্রধান পুরুষের কর্ডহা কর্ম নর। প্রস্তার

तार मत्येत जून कांत्रते या कि पूर्णाम् **पृथ्वेदर्ग कारोत्र स्वयम वीतृतकाचे कति**ता अधितासम्ब (इंकी क्या ज़ियेना कक्षरा । किको भेरे कथा क्रिक मिन्ना ब्रह्माभगतक ব্রুর ক্লেনাগরে নিক্লাভিড रत्र ना । अरूनमा कि इच प्रधान थरा शाक्श्रीचिक्तियरे व्यक्ति जामांच जावन हरेवा शास्त्रम । कारत्रत्र विद्यांथी रहेता जेवक করিতে গেলে ভাষাতে প্র লাভ সভাৰনা খাৰিলেও পুলা এইৰণ चंद्रेना रहे।

এ म्हिन यक भूकात क्रवेमा वावकात পুচলিত আছে, চড়ক ডালর মধ্যে একটা প্রধান। অনুধাবন করিয়া দেখিলে সকল বিষয়েরই প্রায় আংশিক দোর ও আংশিক গুণ দেখিতে পাওয়া যাঁয়, কিছ আনক विश्वत छ।विश्री मिविमान, क्र्डांशा करम **हफ़्क़ित अक कारणाउ अक्की छन मिश्रिट** পাইলাম না 1 নৃত্য, গীক, ৰাণা পুতৃতি ইভার অল পুতাল সমুদারেই অপরুষ্ট । वामा अमनि मधुत रव किथिन अधिक काल अवन कविरल कर्न विधिन्न रहेन्ना यात्र, 🤨 হাকে পুরুতিত্ব করিবার নিমিক্ক চিকিৎসা कतिवात शुरशासन करेशा छेरते। 'नृष प चिटल व्ह्वल व्य चुन जारम अवन में हें. উহা অপ্লীনতা দোন বারা একান্ত দূবিভ উহা কোন ক্রমে,কাহারও বিদে (नद्र भर्मनत्याना नदर । भी ह, मात्र चनूक्षा । अष्ठस्ति, हानकाः, ক করা ও কাপ খাওয়া পুভৃতি কভকগু। मृनःम ७ रीज्यम कांश व्याहर ।

कलकः अ केरमेविंग अमला काटलाहिन. व्यामानिटशत्र मिरमंत्र मुख नीह लाटकताहे हेहात बड़ी। हेहा एवं हेहानीसन काटन অধিকতর অনর্থের নিশান হইবে, এ কথ: वला वाक्ताः। हेश यक भीख व मिन हरे **८७ जडरिंड इंड, ७७३ महत्त्र क्रि**वंड क्लान क्लाम प्रश्ल कर्क जारह, जात जरे । अहे जगका मिर्कूत रावश्टतत विवृत्तन PART OF THESE MOST CO TROOP a divince, where when want नाम्बानिक क्षेत्राहित हरवनि स्थित पल ारताय न्याक्टराटक केन्न छलात्र वाली छन्न र नव के मान भागरताथ स्तितारकत व । अधिकवा महके २२८७ है। अ (म विरोद्ध पनिका ७ पत्रक राजभूत 🋊 🗯 स्मरणिक के कि कावना व्याह्म सावः अब में सहस्रक करिया श्रेष्ठात विरेक्ष कार् दर्गन करमरे क्यांनिरगद्र विकास न्दर। शुकात सम्बंधि अरेप्रश्री 🛎 केत्रिएक शास्त्रम स्क्रम काशास्त्र चाल HIR 1

क्षेत्र होद्दालन केछ एए छनात्र व्यवस्थात विका केशियक कवना खंबात केंग्रुनल क्कीत मन्द्राप कतिहादस्य, क्रांस्ट्र **ंक्षा अहारका अहारमा चारह कि** या,

। छविषदस्त्र दित्यक्रमा क्या वाहर्ष ८६ । अब हाब्रह्मण छेड चबुर्शाई दिश्री केरात विवाह ने क्या केतिए करिएएएस, किंद्र ल पानुरमाप् व्याप्ता किंद्रश्री है। य नक्त वाक्रिक चंपाक्टान उद्दर्श हरेत्रा পায়ক 🖓 জীছাবিদ্যাল করের চার্যুকর বিকা वाहे क्षिश क्षाकिर्देख नक्षेट्रक निर्वेष क्षेत्रिक्त देवकी श्रीवत्री कि दारे प्रमुखनीत्र

्रिक अर्थाताच्या कुम्बाह्य क्लेटक क्षेत्र बहिमारह, क्षांशस्य सङ्ग्रहण क्षेत्र क्षिक सरेवात्रः महावना कि क्षेट्रक पाणक निष्युर्गरेतमे अर्थ क्षि कड़िया प्रमान प्राटक तारे छेना कार्यक के बर्धानीय करेंगे वर्ष या । त्या अनाम-अवस्थाप्तरण विकासि । यस

W. The World

न्यामध्येत्रच्याः चाराचिक AND DESCRIPTION OF THE PERSON OF THE PERSON

লিয়াহছৰ দ কৈছি সাহছৰ এ বংসর বি कार्मिक कविक अ शक छोवा विवाह के । कीपूक तार बातकानाव र्णकृतिक क्षित्रकाहित्सम्, किनि (ग्रह शाह लन छेंछ) छोड़ा यक कतिहा क्रिसंट्य । जारा श्रीत वर्ष । ७. जश्रक्त कतिहा । नाम व्यक्ता केहिया। अरु विका शुकादर ভারভব্যবর দিন দিন যে কিবুপ ফ্রভ পরিবর্ত হইতেছে, সর চারলস উত্ত এখা নে অবস্থিতি করিয়া যদি অনুভব করিতে প্রিভেন, কণ্ডনই এ বার বন্ধ করিছে व ग। अधिक प्रिटनत कथात्र काल गारे, चिति अभ्दर्भ **क्षिण** निका नश्कान स চিঠি পাঠান, ভাষার পরের পরিবর্ত্ত দর্শ म क्तिरल्ड कें। हारक विश्वताशत हरेएक र्वेदव नत्मर मार्च। खवानि देवात मत्था हिट्यांच्यक अकडि जवांत्र वित्र रहेता नि

भूषक वालि।

শাসরা হড়ভাড়া সহকারে খীকার করি তেছি, নিয় বিভিন্ত পুত্তক গুলি আমাছিলের रक्षाफ स्टेशारह

थ्यंत्र मध्यम्ति १२ इत्वार्गातके वस्तिहार লব্বের লংখ্য ত শিক্ষাক শ্রীমূক্ত ব্রচ্জ সেন 🛢 ব প্রশীত সংক্ষু দ্বাংশাদিক। ইহাতে नाक्षित्रं हुन हुन कर्तकहि विवद मरश्री छ र्वेत्रार्डि ।

রিতীয়, শিক্ষাদেশ। চাকাজেকার অন্ত-পৰ্কি পাচলোনা বিশাসী আঁগুড় হয়চজ্ৰাসেন हराज अरम्छ।

क्रुंकोड हाक्स्निवाशी क्रियुक्त बाद व्हिन्ह ক্ষাৰিক বৃদ্ধিত হাস্যা বসতৰ দিনী। ইহা পৰ্যা-

क्षेत्र्व, शकांकियात्र जन्न के नीप्रसामी विवानी बीपुर शिविमहूल तम संशोध वनिका विकास व

भाकामान मार्ड पहेंचे देव ? क हेची क व्यक्ति बाद बाइजिल्ड विज थनी छ । हैसे नाइक्रिक देश के कि बहुबादक । देशक आदिक देश बिंदी नाउन्तर हेटाई छन द्वाबद्ध नीविहाद्य to the cultural action with the fa

अर्था सनीय क्रेना जान कान Francisco I

क्षार्थमा क्षिप्रक व्या वियुक्त यानू कामानेलाल निविक व्यवस्था लोग नगरम शाउँ कर्तम क्रिकार के नीर्व बुनिया अस सारत र्रेश क्यने अक्लिक क्री

wini venn fund bullen menn fent. नावे ६ जिनि सांचामित्तव मञ्जूनाकह लहन यक किनि प्राथितरात अस्त तर्वनात सरि-बार मक्क कारमात दिस्त्रीकेल, के विश्वास्त्री. किकियाम।बिरमन समाकत महिल्लीक मुनित (करक्त । आर्थनाह श्रेटक् किनि-क्योमोहिहणः অভাব নিৰায়ণীয় উপায়নীয়ধৰ ক্ষিয়াট্টেন ৷ ক-वित्र गरम गरम किनि कास्तिका गर संस्था विश्व-ভক নিয়ম বিশ্ব করিবাছেন। প্রেক্ট্রীবর্তন উলা-प्रायमञ्ज्ञ क रुन्दे सक्त निवाय व्यक्तिम् क्रिके स्तिरम चामका चोगोविध्यत स्था ने भोवता कतिहरू পারি। তবে কৈন আমরণ তীক্ষরিক্টি প্রার্থন। করি ও ভাঁহার নিক্টা আর্ক্টাইট্র উরিয়া কি আ্লা-महाः कामा भागम मकतं ,माधन अतिहरू सहित मा १, अर्थार्थमानिकाशिकाशिकान त्या त्य द्वा है-चावायीय क निक्यांचीय क्षेत्रा (स्थापन स्विकार्क तार्वे रमवे विमानावमध्य क त्महें विमान क्रिके नावम भनिता प्रवन स्टबारेग्स्ट स्टब्स् पीचात्र विकास धार्यका के ब्रिश्ति विदेशका है. क शार्वना महिन्द्रिएक क्षेत्रक्षिकेषक्ष्रकृष्टिके odere ar dert si fin abnice affenfrie tites dies anders mile graffichie विकास करि द्वारकको ने बरकर सिक्ट किरोप यसा आर्थिन केल्ला है क्रियान स्थाप और्वितः for Bundliconcept Breist and when the proper and the state of the second ne und mittelle ne mi, der cene derret figne arringer viere all bath begefenenter and marifes from vent considera was engaged in seed faction over with more about entering formange apple aren sen eferfete et-कारणाम्या । अस्ति भी का ज्ञानिका ।

क्रिकित व मक्स विश्व स्थान क ্ৰিপ্ৰা ভাষাদিখের জ্বৰত।প্ৰাক্

वरेरमेक्क्ष्यक माजार्ग वेषच क्षेत्रकृत्रकृतं स्वतंत्रभ ওঁ 'ব বিটু দুৰ্দ্দিন, পাপবেলাৰ ভাইট্টে স্থানীয়ার মুক্তি जार्जार्थे बेह्नेवेंबा क्या स्वत्यक्षा क्षेत्रांत विक्रम ! प्रमान केलान केलाकी कहात्रत जड़र्गछ. वीर्थना गडीं बर्धनाम लिए १व मा: शर्थना , মৃতীত মেই ভুমার জীকাৰ জার হয় লা; প্রার্থনা भूगा डेशामना डेशामसाह सदह।

जेषद्वत क्ल्ना, ट्राम, स्थान, दर्शणम महिमा केडाहि विवाद वन नवाधान कतिहा किया প্ৰসাৰে এডিয়ভি উত্তেভিত হয় ৰটে, ভিত্ত शार्वका शंकी जिला कृषि शाह मा । काम माप्रम **इन्** हेमांक्रांकिड शमस स्मरवार्गात দ্যিগাত করিলে, নানাবিধ স্থান পুলা-भ इक बांद्रा खगीका कामम मध्या खर्ची। कति লে,জাত্রাক্ত পর্যাত্তপুলোপরি ঘণ্ডারদার্য হইছ: চতুর্নাক্ত বেত্রপাত করিলে, কোন বৈজ্ঞানিবর इडेर इ क्षेत्र अभाष मित्रीक्षण करिएत. यहन कु-श्विकट माना पर्न दक्षित छ माना श्रमाद्व पंतिष शक्कार्तित व्यवदार्थं व्यवस्थायन कदिएमा व्यवस्था मक्त द्वकित क्रवा क क्रम्यमस्त्रमा पति विधि विवास किया कविद्राल क्षीवरकरकत्र व्यक्तिकी मी-विश्वीदिंग क्या संतित क्यित्र, सन नगरिक अवार्य प्रमास वक वक खाद क बहेना पर्वार लाह-न। क्रिक्त वर्ष छश्चाक्रमक्षी क्रिम्बर्फि तिहै स्मात कहानी, स्रोम, स्नीमल स्निमा स ध्यारमह ভবি ভবি পৰিচয় আৰু হইছা ভবিদ বাগাল সা sa > उक्तिकाल एडेडो छचन तारे वालिक nin for every wife Grants to wife wife গিতার আবিভাব আপন অন্তর্ভ অস্তুত্তৰ করি-ा, डीशटक प्रमानाच अवास के ब्रह्म , के कीवाब নিকট কুতজভা প্রকাশ করিছে কি নেই স্বাজিত্ব यकावत्रहे देखा वश मा ? तम देखा अवदशार्थ अ-तिरम कि छात्रात्र स्थानहरित क्यु जिंदकी येत्र ? কোন দরিত্র দশাখিত ক্ষুধার্ত্তবার্ত্তি আনার্ছিটেন-_ज्र अक्ष्म **१८५ भ**िन्छ चरेला कांचावितमा कास्त्रत মহার উল্লভ হয়, কিন্তু আগবরা বলি ভা**হাংল** 🗯 क्षांभीय मा कति. जाक। बहेरम कि स्नामाहिन दर्भक्ष जन्नाहरित रज्ञासास १३० मा का हीना स्टेबा-🏙 দেইলেপ প্ৰমাৰ্থ বিবাদ চিন্তাতি খালা क्षिण्ड क्षेत्रम, आर्थन ना कतिएम छारा ক্ৰিৰীন ক্ষৰ বাৰ। আৰ্থনা বাতীত ছব্চিত क्षिक कार्य मारमा मध्या छेमत प्रदेश महत्वहरू ब्रिका स्थान काथ हतकता त्यान क्षांकार्य कार्यक्रमं शहरमंत्रदश्च नाकारकात्र Bet Gut fieb gene Geje er: BE STORY MARKET STRIK FRAD

त्यत कार्या। अक्षेत्र स्थात मण्डम देश देश करेटम व्यव कारत किन्द्र तान कार्यमान महासम क काकात सम्बद्धाः कतियां कावता त्यतमं स्नाता-बिरमद बर्बाहर्क हति । च कदिएक गाहित ताचे क्षेत्रका क्षणान गांव। क्रिक्किक स्थान हर्कि ही-ক্লাৰি মধ্য স্বাদি দ্বারা ভগংগিতার সাক্ষাৎ 'কার লাভজেরির। তাঁচার নিষ্ট প্রার্থনা করি-লে আৰম্ভা আৰাদিংগর ডড়ি ও প্রেমমুভি চরিতার্থ করিতে সমর্থ ছই। এবণও মনন স্বায়া चार्ना हित्तर मत्त लेच्द्र कान, यक्का दश्या-দির ভাব উথিত : য়, প্রার্থনা ভার। ভাষরা व्यापांकित्यत महमामध्या छश्कानीम छेन्छि-क्षांत्र कीशीत्र निकड श्राकाण कति, आर्थिया बाता কানর। অন্তরে অন্তরে ভাঁদার সহিত্ত বাকা। লাশকরি, ভাঁহার গাঁও 🌉 নালাপ করি এবং ভক্ষানিও বিদলানশ্য ভোগ করি ও ধর্ম বল उभाक्षम कृति।

গের অন্তরে ভক্তি ও প্রেমরন্তি রোগিত করিয়া - (इत. चर्षक परमान त्य तहन खेशकातक कार्या विकासिक करितन, गर्दाहक माध्यम दक वेहँकिएन वार्तित्वत नाग्न कार्याकता एत. आणि छीराज्ञित কে জিজানা করি যে ঈশ্বর বর্ধন ভিত্ত ভিত্ত ভারী। সাধনোকেশে আনাদিনোর অস্তরে বডর বডর इंडि अनान जीतग्रारहन, खेबेब मनन ना बंडेक व्यक्तिक क्षापान श्रथान किन्द्र इति इतिकार्थ । अन्तर श्राष्ट्रंपन किरक्षित । अनेमक विवश्न वि व्यक्त बच्च वृक्ष मा वहेत्म किथाकारत आधारा था- कित्य विस्तृतमा कतित्म आधि निमान वृक्षित र्जिद्वा माहि कार्या कतिएड मक्तव करेव ? आहि খীলার পাই বে একট্ডি ডেম্বলিনী হই ল ডা-হার বলে জগর কোন কোন হবি কিছৎপরিষা-এৰ বলীয়নী হয়। এৰ ব্যক্তিৰ মন্তা অভিশন্ন প্ৰব-লা, বে য়াজি পর ছাব নিবারণার্থ ভাপন ত্রব ববোচিত্তরপ্রতির সাধ্যে আমনাক্রিটি ই নশাভি বিশ্বান করিভেছে, পিতা নাভা অপ णांत्रचेटक नांत्रकाश्च कतित। श्वरहरूम शवत क- त्वते नांत्रकारन सांवादिकास संस्थान हां कि विष्ठिरंदेर निवास कमा यादान कना यादान कना উপন করিফের, ভাষার গ্রেময়ন্তি ভিরৎপ্রি सर्वामे समयक्रीक्षप्र गरणव कि ? किस एकि थ ह म स्थि लामुब्रालन केट्सकिक स्ट्रेटन हा शकात गडीतः केंद्रात छ विक्रम जान नरवामस्ता निवास नरह रक्षक क्षांत परम रमान जार कर्माहे जिल्ह गा गा। एकि के स्थान मध्य इकि चर्ना चना विश्वक्रिय गरेल कियानात काहोता परमान हिंच करने आकृतिक श्रेरंच नाइक ? दर्भाव मार्थ-শীল কিছ অভিকালনালার বাজিল গাঁওছ राकाणान कृष्टिन कालवाडा कार्क प्रकृतिक क्ष त्त राजित्र प्रकार जैपनिक वंदीत विदेश होते हैं Court well walkers with the

अवश्यानं काल करा देवारि एकि क देश- शक्ति वहेश्य देश का प्रांत्र श्रामा श्रामा त्य नामामा वसविभिक्त साविक लाख काहात[.] मारकात्र वाकिशत छोराह धुर्वहरू हुर्समाङ्ग आंख वह । देश निजीकृत बार्ट्स रव अर्क्स 💆 तिप्रकृत्तक समन क्षेत्रशाह क्षेत्रां कृष्टि र जिल्ला वरण जायता त्याले वजीवाम देशे भ-वन्तीयाम भागतः युद्धि क्याँ। स्वास मान नवे एकेटड शांत्र ना। धर्मनीक्रितानिक्रों 🕸 লিকা পাই যে রাখ খেদ অভিদ্যাল্ডিয়া সূত্র উচিত, লোকের यक्षण गांवस कर्ने विक्र वदे कर्तवा जावता कि जल जाहारन कूँलं कतिएड मधर्व हरे। बाहा निकालमार्व स कि रहन পরিষাধে ভক্তি ও श्रीडित देशह র করি মা > ভত্তি ও এীছির বল বাড়ীভ ক वाकाता चीकात भाग ता अवनीचेत्र आंभाति- माध्यम त्मात्म कि मवर्ष क्ष ? त्मानवासि क নাধনে অধিকতর নমর্থ হয় ? তাজি ভাজ্ঞা রী কি আঁতি অধাপান ভারী ? এজনভার চ্ঠা किन पूरविमान शकि पृष्टिगान जीते। नाता व अध्येत सम्बद्ध 'अल्डान अकृत । র্তাহার। কি প্রথালী মন্ত্রানে লিকারাত স্থান ्डनः कांशविष्ममः काम् काम् क्रीति कि कि त्रियात्व विक्रानिक व्हेशार्थ्य अवर कीवात् हि हि कार्राम्या प्रक्रकं ,चीकाइ कतिराज, क क कालमा मंत्री कालका मीवित उन् र्खरामाध्यम् व्यक्तिकात्र म्यू संद्र। व्यक्ति नक्टलेंडे कारमंग दर गांश जिला कारणा प्रम करेगा। भागाविका ता लाहिनाहत कुलि वाक्टिक कारे प्रशिक्षात्म स्वाह्म स्वाह्म नमर्ज पहेर । मानाव सुद्राहत कावका हैनेकि ভিয়াৰে মৰ হয়ৈছে মুৰীকুত কৰিছে পাৰি Terrir du munich benfer wie ein दम महादोशकान कार्यन आश्रीहरू के जेश है frem fourer: Burburg went fen beginnt ber THE STREET MANIFEST PORT PROBLEM ! ville in all fee all fire and feinfre CO. ALL ALLASA SEL SESSON WAS IN मता गावित करे । ब्रीजिन स्वार्गा क्यांना आ The Military Assessment of Carried To Carry St. Service Co.

AND THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY.

महेनात समा आर्थितिक स्थाहका आहत समुमा। अर्थना गाँविक अर्थित सर्गाहिक ऋरण केरब-किक एकेरनकेमा है.

क्रमण्डे क्षमण्या

ব্ৰ সংবাদ। :-ই ছাত্ৰ লোমবার।

প্রধানতথ বিচ্ছোলর বাবতীর কর্ত্ব, নৃত্রআলা, সমর আমীন ও মুলেকমিগের নিকটে
মিরণের এক হিসাব চাহিরাছেন। বিরণে না
ভিরদিগের বিকলপ লাভ হর। তাঁহানিগের
নেতন খাবা করিনা বাকী টাকার একটা কও
করিনা মুলেক মিধের বেতন র্থির উপার ক

মৃত্যন দশুবিধানের আইন প্রচারত হওয়াতে এমেনে বে গ্রাংসক আছেন, এত দিনের পর লোকে দেরী অহতব করিতেছেন।
ইথার এই একটি বিশেষ উপকার দেখা বাই
তেচে, বিখ্যা সাক্ষীর কণ্ড আরম্ভ হইরাছে।
লাক্ষিক্র টেরা প্রভাহই প্রায় গাঁচ লাভ ব্যজিকে সেলিয়নে স্বর্গণ করিতেছেন। এত্বলে
ভাহাদিগকে সাবধার করিবা দেওরা আবশাক যে উ হাদিগের ব্যাহ্মরাগ ও অধিকতর
দিৎসাহ হেছু মধার্থ সাক্ষির বেন কণ্ড না হয়।
সাক্ষিপ্রে টেরা দিংকাছ গ্রহণ সংক্রোভ ধারাটি
ভাষনাগ্রনের উপরে খাটাইতেছেন না কেন?

প্রধানতর নিচারালর অধীনত আঘালত
সমূহকে পাত্র লীয় আপীলের নককনা প্রেরণ
করিতে কহিরাছেন। আপীর গুনিবার জনা
করিতে নার্থিন পিকক বলি এত ভাড়া ভাহিকরিতে নাগিলেন, এডারিন ছুই ভিনপুরুণ আ
পীলের মকজন্তা পড়িরা বালিবার বে ব্যবহার
ভিন্ন, সেরি এখন ভবে কোবার বাইবে।

ভিত্ত সু নামক এক জান কিরিকি এক বি-জী এরালার এক খানি কেনেরা কাড়িরা কও-যাতে ভাষার ছয় মাস মিরাল হইবাছে !

মূলবিনের বশিক্ষরা নাজেইরের মুজুর দি-পের সহায়ভার জন্ম ২২৭ - টাকা চাঁচা কবি-ভালেন

হিন্দ্রপেটি রটের এক করা প্রান্তব্যেক সু-ব বিখালির নাজিতে ই রেশি সাহিত্বর সাজা-চারের করা নিশিয়াহেন। ইমি এক কর পরী- লোকীৰ বিবিনিয়ান। কুমারখানিতে উদ্ধন বাদ্ধীনা পাইয়া এই বহানতি ভৱতা বিন্যালয় বাদ্ধাৰ্থ লাইনার জন্য বিশেষ চেতা পান, বিদ্ধান লয়েয় কাৰ্য্য সম্পানকের উপরে এক পরওয়ালাও, হুইয়াহিল, কেবল ইনস্পের্যার নার্টান লাহেকের নিবিত হুতকার্য্য হইতে পারেন নাই। স্থতন নিবিনিয়াননিগতে কি আকরে টানিভেছে।

দিলীগোজেই বলেন, আনীর লোভবহনত্বর খার সেনারা বিরাটের অভিনিকটে নিরাছে। ভিনি নিজে অল্যাপিও করাতে আছেন, পুল ভান আন পুনর্জার সন্ধি করিবার প্রার্থনা করেন কিন্তু ভাষা অগ্রাছ হইরাটে। একপ জনক্রণি ভিনি আনীরের হতে আন্তাসকর্ণণ করিবেন। এরিকেলংবার আসিরাছে পার-স্যাধিপতি বিরাট আক্রমণের প্রভিবাদ ক্ষ রিরাছেন।

আগরার সদর নিজাবতে রাও সাহে বের বে দিবস বিচার হয় সে দিবস ভাহার উকীল প্র্রাফার্ড সাহেব উপন্থিত ছিলেন না।
তাহার নিমিত্র এক নিবস বিলয় করা হর, ডথাপি তিনি অসুপন্থিত থাকাতে বিচার পতিরা নমি দেখিরা তাঁগার মৃত্যু রভের আভা নিয়াহেন। প্রাফোর্ড একার মক্ষমায়
উকীল হইয়া কিজনা মক্ষমার সময়ে উপন্থি
ত ছিলেন না, ভাহা সাধারপের জানা কর্ত্তরা।
বেমন ইফ্রা লোবী হউক না কেন তথাপি জপ
রাধী বংক্তিকে আত্মরুকার বধের্ছ সময় ও উপার করিতে দেওরা কর্ত্তরা।

আলাহানাদ গেজেট বলেন, অক্টোবর হা ল অবধি ককল পুরের রেইলওরে আরম্ভ হই বে, তরিমিত ২৫ লক্ষ টাকা ব্যয় হইবে ।

অবোধ্যাগেজেট লাও বোল্ ভান' সভার বিষয়ে লিখিরাছেন " ভাষরা এডদিন এই দ ভার কাপনিক বাংলা মুখ হইরাছিলান, খা ধ ইহঁটিনের কার্থের ও প্রক্তিবাদের সুল । সম্পাদকের এই সংস্থারটি এপন থাকিরা গোলে হয়।

হরকরা বনেন ' আবরা সভাই হইলাব বে বিটার হিলির বলোভারে বিচার করিবার কপানা পরিভাগি করা হইরাছে ৷ উর্বারে কলিকাভার বিচারার্থ আবর্ত্তকা হইছে দি এবাল সুরাস্থার এবন কলিকাভার আবিভাত

আর বিছু বর না। এবন ক্রিকাঞ্চার বাজা ল কিরিয়াটো।

गंध नानिस्मातनीय गणांस द्वांको अका-गांद्रस्य निरम्दक गांद्र स्वांकानां साद्यस्य गांद्रियदं नादकोति क्या स्टेलांद्रस्य नाद्यंका कि क्याःम नादस्य मृक्ष बाद्य क्षानरम्। के का-सात क्षान मृहास निषय क्षानं त्यांके क्षा-कान क्षित्राद्वस्य।

ক্ষিক বলেন, ভারতবর্ণীর প্রবং এটেনর প্রনিক এয়ার্কের সেজেরারি বিজেচারি সে-ক্ষেটারির মূল্য ৩৫০০ টাক্ বেজন পাইবেন

डेक शब बरमन हैश्तिम म अ तुम्छ जब हैकियात वर्डमाम जन्मामक गतिमक बहैरकरहू। क्यांग हैत दाड़े नक्षणं हैश्तिममारमत मश्यो-ममाका स्हैरमम। निरंपत मन्नामककात रु श्र जब हैकियात श्रीमरमत मश्यां कविता बाव-बारक क्षेत्रात श्रीमरमत मश्रीम कविरक हहे-रकरहा आंवता शृर्धिक क्षित्रहिमाम, अपन क निरंपित क्यांगहेत दाड़े क निर्म बादकर्य कांग मो मंत्रिरम अरमनी प्रविष्टत में विष्ट हैकेरतागीत्रविरमत महान हहेरन मा।

३३दे चात्र संस्कृतीत् ।

বোৰাইনগরে হুড়স সালৰ দেনীয় জাহি-কেনের প্রতি খাল ১৬০৮টাকায় বিক্রীত হ-ইতেছে।

वर जन बाळाण केवेन म गर्छ जिस्सि-रहन, गाणिगरणा श्रीकांत जेगाडि श्रीमरण-रह। विरयमा श्रीक वर्षे अश्वारत विषान जना कृष्या। गाँ नीजांग व्यवस्थात वर्षा जन गाणिक क्षारत जारह। देशक विषारत गर-गाणिक क्षारत जारह। देशक विषारत गर-गाणिक क्षारत जारह । देशक विषारत गर-

বাজ্ঞান ইন্থিৰ স ত্ৰন্তন্দিখিত একবল বাআত্নী নেনার ক্ষরাখাতার বিষয় নিবিরাছেন।
এক তাম ক্ষেত্রাতীয়ে মার্ক্তর প্রধান দেনাগতির
অন্তন্তি প্রকৃষ্ণ বাজিয়েকে সিপারীনিগতে
কৃত্রাবির কৃতি-বারণ করিতে বলেন একবে
নিপারীনিগের পরিক্তনের মূল্য ভাষানিগের
কেতন ক্ষরতে-কর্তন তারা ক্ষতিতে ক্ষরাভার করিছে প্রক্রাকা হইরা স্থতন ই পি এবণ
ক্ষিত্রত প্রক্রাকা হইরা স্থতন ই পি এবণ
ক্ষিত্রত প্রক্রাকা ক্ষরাতে সমুদার রেজিনেন্ট
স্থানার ক্ষরা কৃত্রতে চাহিল। গতবিলোহ

শ্বিকাংশ স্থানে আকিসর্ভিনের জোনেই টেট। অতথ্য হাতন কোরাট্র ক্লিইরকে সা-ারিক বিচারালয়ে অনুদ্রম কর্ম ক্লিব্যা।

দিনীগেজেট বলেন লালা জ্যোতিঃ প্রসা
া অভিনয় প্রীক্তিত ইইরাছেন। ডিনি ফান্টা
ত আছেন।

উক্তপত্তার এক কান পত্তা প্রেরক বলেন।
দিনীতে তুই কান ক্রিউরোপীয় দৈনিক পুত্র
এক কান সকলের ইউরোপীয় এএক কান রক্তাক
কে বধ করাতে সামারিক বিচারালকে তাহাদিশের নিচার ইইভেছে। দেপ্টনাট জাকা
নের কি হইল ?

শাস্ত্রাক্তর ব্যবস্থাপক সভার সভ্য মোর বিভ সাবেব ভত্তভা বিচারালয়ের বিচার প ভিত্র পদভ্যাল করিয়াছেন। মোরহেভ সাবেব উপবৃক্তে লোক, সর হেনরি ওয়াভে র মৃত্যু হ-ইলে ভিনি কল্লেক মাস প্রভিনিধি দাসন কর্তা ভিলেন। মাস্ত্রাজের লোকেরা ভারার উপরে বজ্ঞই। বোধ হর ভিনি কর্তৃপক্ষের প্রিরপাত্র বংগন ভারা হইলে ভারার একটি উপবৃক্ত পদ লাভ হইভ।

গত **শুক্রবার অবধি বোগাইরের** প্রদান তম বিচারালরের কার্যা আরম্ভ হইরাছে।

ফিনিকা প্রবণ করিরাছেন কলিকান্তার আ।
র দ রহৎ পর:প্রাণানী কোন কান্তের হ ইল না।
ইহার সাইকর্তা ক্লার্ক সাহেব ও নিউনিসিপন্
কমিসনরের। ইহাকে যে কেবল নিভান্ত অ-কর্মণা জ্ঞান করিরাছেন একপ নহে, ইহা ছা-রা নিকটবর্তি বাটা সকলেরও আনিই হইবার সন্তাবনা চইরাছে। আমরা পূর্বেই এ আশ-ক্ষা করিয়াছিলাম। সাধাবণের টাকা যে রখা
ঘ্যারিত হইল, এখন ইহার দারী কে?

উক্ত পরের চাকান্থ সংবাদ চাত। বলেন ভাৰতা আইন্ট মালিটে ট সপ্তাহে বড় ভাষিক ভিন দিবস কাছারিতে আইনেন, এবং তুই এক ঘন্টা থাকিরা প্রন্থান করেন। সেরেস্তানার সর্কে সর্কা বইয়াছেন। আইন্ট নাজিট্রেট সি রিশিয়ান ত ? কাছারিতে তুই এক ঘটা গে হড়ারি পদ্মুলি পড়ে সেও বথেই।

ক্ষাকার্যালের এক জন পর্যপ্রের বালন ক্ষার্থারের হোট ক্ষাক্ষাক্ষের হাতন জন্ম ক্ষার্থারিশেক্ষ করা নাম্যালয়ের নৌকা হটাতে

নামিবার সময়ে মত কোরালা দ্বি দুর ও থীবরেরা নংস্য সইয়া এবং বেশ্যারা দুর্পারমান
থাকিয়া মললাচরণ করিয়াছে, পরদিবদ অজ্যে
রু অভিপ্রার সুসারে বেশ্যারা ভাষার নানায়
হাইরা কিছু কিছু দক্ষিণা আনিয়াছে। অভ্যের
সক্ষেক করেক জন গায়েক ও ভাঁড খাডে '
ফরিল পুরের জোর কপাল ভাই এমন জ্জাটা
পাইনাছেন।

উক্ত পত্রপ্রেরক লিখিরাছেন পোন্ট নামক এক জন নীলকর তত্রতা কৈ। জদারের না জিনের নামে দিখা নালীশ করাতে তাঁহার ২৮০ টাকি জরিমানা হইরাছে । ইউরোপীয়ে র বেলা জরিমানা এডদেক্লীণ হইলে মিরাদ হইত।

५२३ फाज नुपरात् ।

পুর্বের ঠকদিনের হল্ডে পতিত ২ইয়া উ. ন্তুর পশিষাধলগামী প্ৰিকেরা ছাত সর্বায रहेरजन। अकरण के जूता का ब्रिटंगर प्रमन एक হাতে উহারা আর একটা হুতন উপার উহাবন করিয়াছে। যুখন কোন মেলা বা ভীর্বে বাত্রি-বা প্রম করে, জৎকালে প্রারু বাবতীয় সরা-इर्द्ध ३ ३ अन युष्पती चीलाक प्रचिर्छ भा প্রশাহার। ভাহারা কোন ট্যাক ভারি ভরনে ক্রির ব্ৰক্তে দেখিলে নামা ছলে ভাছাব স-হিত আলাপ ও ভাব করে। কেছ বা তীর্বে ব।ইতে ছিলান হঠাৎ স্বামীর সল হারাইয়াছি वित्रा इन करिया यूवा পथिक्त मक्ती स्य । श्चिम्दभ्र अ कथा (म कथा इन्नेगा खब्रलिक्टिउ রা বে ভাষার প্রণয় পালে বছ হয়, একথা कहा बंध्नाः। अहेदार्ण (श्रवान्नात इहेरा শেৰে সেই পাপীয়সীয়া প্ৰিককে এৰণ দ্ৰুষ্ ভৌজন করার বে সে ভোজনাত্তে ঘোরতর मिहाद अधिकृष्ट हर्गे, প্রাভঃকালে জাগরিড स्टेब्रा (पुरंच व क्षानविनीय व निवक हैं)। कित होका कारूना महेबादह। करे छक्त पूर्वका নিবারণার্ব পুরিসের ছতন সতর্বত। ভাব-ميسرا المراه

বারাসভের অন্তঃপাতি কাঁঠানিয়া প্রানে

এক রাজ্বনের বালতে একটি ভাক' ই ভি হই
য়া নিরাছে। সম্প্রা বাল মধ্যে প্রবিষ্ঠ হইনে

গৃহ স্বামী রাজ্বন এক বিচালির গাদার মধ্যে
লুকারিত হয়। অন্তর্ম মন্ত্রা তাঁহার স্ক্রীক্রে

বিষয়া করিয়া সুরুষদ্ধা করিছে উদাত চলল।
তপন তিনি আর অ্কাইরা থাকিতে না পারিরা সম্প্রতি এক থানি বরগা লইয়া নিক
টবর্তি বাঁটিরু পাক্ষে প্রেইর বদ করিলেন।
তাহাণ পর যে তুই ফর্ম জাহার জীর ভুরক্তী
কারিতেছিল, তাহাদি লেরও প্রাণ সভলার
করিলেন। সর্মপ্রক তিন জ্বনহন্ত ও চারি জন
আহত চইলে দহারো পলায়ন করিল। ভাচা
দিগের করেক জন খৃত্ত্বইয়াছে। আমহা
ভবিরা আলাদিত চ্ইলাল, রাহ্মণকে পুল্ব

हेरियुन क्य वेश्विद्यात् अक क्षन भग (शः क वरनन, नील गिवित हा कामास्थ्र हा अर्थ का उरवर्ष करेग्राइ । '

গত ছয় নাসের মধ্যে সর্বস্তিত .০৬০

জন মন্ত্র মরিসসে গমন কবিবাছে টালব

মধ্যে ৩১৩ জন গবর্গমেটের ও ৬০০ জন

ভাপনাদিনের বাসে গমন করে। তাং দি

গের মন্ত্রী বরিবার মিয়মিত সম্য উত্তীব

ছটলে ভাগদিগকে ভারভবর্গে পুনং প্রোবং
করিবার উপায় করিবার জন্য সর চারল্য উদ্দ ২,৫০,০০০ টাকা কোন এক কতে জমা কাই

তে কহিয়াছেন। ভানেক মন্ত্রের ব্যেছাপুর্বক
ভথার বাদ করিভেছে। নেগালৈ ভবে বেশে

হয় নীলকর ও চা-কর নাই।

আহ্বাদিগের দেশে • কুসংখারের তাত স্তিক প্রাত্ত কি বাকাতে যে কত তানগ্র দ

টিতেছে, পুনা অযজনবরের এক জন পত প্রেরক ভাহার একটা দৃষ্টান্ত প্রদর্শন কানিয় কোন কারকী প্রামের এক কল বিদেব কারিপ্রি প্রীলোক্তক এক দিন এক কেউটে লাপে সং-দান করে। করেক জন আফিসর ভাহাকে সৈ-নিক চিকিৎসালরে যাইতে বলেন। কিন্তু তানা আন্য সকলে ভাহাকে এক গণেশের মন্দিরে যাইরা মন্ত্র পাঠ করিতে বলিয়। সে ভাহাই করিল। কিন্তু ১২ বিনিটের বর্ষ্যে ভাহার মৃত্যু হইল। এই সক্ষর কুসংকার শ্রুর হই শান্ত্র এক মান্ত্র উপার আছে — বিদ্যান

উক্ত পত্র থেরেক আরও বলেন, চট দুধ বিশিষ্ট দর্প আছে বলিরাশ্বদ সংক্ষার আছে জাহা বিল ডিনি নিজে পরীক্ষা করিব। ক্ষেত্রিয়ায়েল বেরিকটি মুখের সালি বের্থ হয়,

क्या है हैं।

- আই প্রথমন্ত্র বিচারালয়ের নেপির্ব আর্ড বইজেরে। এবার অপাই নব্দীনা আ-ছে। আনুরা হিনির নাম অগরাধির বিট ম খ্যে মেবিজেছি না। বোধ বর আগানী লে-নিয়নে ভাষার বিচার হইবে।

हाका क्रिकेन यह मन, लिल्डेन ने नर्शक व्यक्ति हैं दो बाइयात नवस्त्र अरु यात जिन बहिनात क ना हाकात वानिशाहिस्तन। जिनि खड़का है किश्नानत क वातिक हर्गन कहिला व्यक्ति हैं गि ग्रास्ट्रम। जामता अहे गड़ गार्थ कास्तानिक हर्गाम, वीखन नार्थ करिन ग्रंक्ष धरेशा

ইংলিস্থানের স্থান্থিত সংখ্যালয়তা বংশন শিপপ্রদর্শনী সভা ভারতভ্রের বি-নিত নিয় লিখিত মেডাল ও এখংসা গ্র দির ছেন :—

	ৰেডাল	প্রশংসা পত্র,
दक्रद्रम्म	04	٠٠
উত্তর পশ্চিমা	क् न >२	خ
भवाव		
'দ্ৰবোধা		
সিঞ্চাপুর	٠٠٠.8٤٠٠٠	
नाधीय टालन		
মান্তাজ	>>	58
क्षम आरम्भ.	•	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·
মহী 5 বু	•• ٩	
季 5	4	ى ، ،
न्वना जना	>>	•. • \$0
বোখাই •	58 •.	
(यांके ,	308	>4

বলদেশই ভারত্বর্ধের সকল ত ন অংশগা প্রশান হটা ছেন, তথাপি, প্রপ্রেরক
ভাল করিবা পরীকা করা হর নাই। শিশ প্র
দর্শন সময়ে ইংল্পেকরী উপস্থিত হিলেন না
বন্ধ বিদেশীর রাজকুষার ও স্ক্রোকলোক আ
নিরাহিলের, ভারাবিধের আবাসন্থান নিরো
ভিত্ত করা ভাবা অন্য কোন প্রকার অভ্যান

मि मा केन्नरेक बाकात निया श्रेड दर प्राप्त म विक्रम (लॉट बनकः मा शासन दिल्ला कार करकार बाकावादगरनत जावत करवन बाद रका १

্ ১ গই আন রহস্পতিবার। ্্রিন্র গম্পর ক্ষেত্রসমূল আদা মুলের হইতে ক্লি কাডায়া প্রভাগিমন করিয়াছেন।

भूक्तिकात्र रहेग्या २७ व स्टब्टेंच्य बाक्राकाम १९व्ह्य चूलिय वयर ५मा कटहा-बद्ध कृष्टियां भर्गक चूलिय, क्या व्हेटकट्ट ।

কেন্দ্রারি আববি এপ্রেল পর্যন্ত ইনকর টু কা ও ইটালেশ নিম নিখিত চাকা আলার চইয়াছে।

त्यां है है।	दिश्चित्रं व	यांखादः द	21416	শ্বৰাঞ্জের :•,৬৬ -৪৮	नीय क	ठ व श्रवनदक्के	होंब
846,32,43	3-,64,5.3	480,40,4	₹ ¥ ,80	48° 88° 6°	040	6,54	7
93.866	4.40.344	868,68	4:5,00 \$	£,58,£91	42,88,00		W. 1-4

এক্ষণে সর্বাহন্ত ৩৬,৮৬,৫১০ নণ থাকে।

কানণ কানা হইয়াকে । ইংার মধ্যে কিবরপুল হ

ইডে ৩৭,০৫,১২৪ খন আদিয়াহে। কান্দা

শিংহল দীপ ও কোন। প্রভৃতি খান হ
ইডে বাকী লবণ আদিয়াহে। গবর্ণনের্ট এক্ষপে নির্কিলে কবণের এক চেটিয়া ত্যাগ করি।

তে পারেন। তবে শুভ্যুর্গে বিল্ল কেন্দ্র

লাড হানিলটন, মামনবরি, প্রাণ্ডিল ও সর চারলদ উড় লাড কানিছের একটি থেন্তর্ম মনী প্রতিমূর্তি কবিষার উদ্দেশে এক নিজ্ঞাপ ন প্রকাশ করিয়া সর্বাসাধারণের িকটে জালা প্রাথনা করিয়াছেন।

লক্ষ্যেরত নবাব ইক্ষেউজেলি জাল করাতে করেক নাস পূর্বে ভাষায় ২০, ১০ জা-কা জাইনান। হয়। প্রবর্গনেই জ্জুবে, জাজ্ঞা করিয়াকেন জিনি জায় নবাব ইপানি ধারণ ক

প্রণ্থেই ভাষা করিবলৈ প্রথম কর্মান প্রমা ভার ই ভার সাইছ লাভ হঠুব বা । পোনারেরা ইভার প্রাক্তি মুগা ভাষিক পাইবেন। ইভার পর কর্ম পুর-র্যার পালা বাহির করিবার ভারতার ক্রিন, ভাষা ভাষাইরেরা নার হালা প্রাক্তিক সাহত লোল ভাষা বিভে পারিবেন।

गत हात्रकार केक आक्षा करियारका शवर्ष (गटनेत्र कर्षहाविधिएसस कर्षका कार्याका हरून श्राम निर्मण गांव कियो कर्षण कार्या केनेक्न विचात एकी करत्रन, अकराया कीर्याम क्षणणा करण घटका केन्द्र कक्षण्याचिएक गांवतम ना वर्ष्ट किस देश यात्राक क्षण्यां यात्र रा एक्टांस कार्या कर्षणा कर्याम यात्र रा गरिय कार्या कर्षणा कर्याम वर्षण स्थान

গান্ত বৰ্ষে সিলাপুরে ১৭,৪৪,৩০০ টাকা আর ৩১৯,৫-৫৪৯ টাকা ব্যর ক্টরাছে। এই আড়াই লক্ষ ট,কা বলডুমিকেই লোহন করিয়া গঞ্জা ক্টরাছে, আরো হইছে।

নিজুদেশীয় বিরপুর প্রায় ক্লাগাবন বার। এক ঝালে উৎসর ক্ট্রাছে। এরিটা রায়-পুর বোরালিয়া ঘাইজে নানিয়াকা।

অমৃত সরের কোনের মারকাইরের কর্ত্ত দিনোর সহারভার অন্যান্ত কৈ জালা নাংগ্রহ করিরাকেন। ২০০০ টানা ভিত্তিকর সভাবন।

देशकीय (अधिक्योणिन यां अवस्य पूर्वाभाषारम् आशीन आश्रीश कविवादर-म । छोबाबा छोबादक शर्वर (अस्तव्यक्त विक्रे भया आर्था कविद्य निवादक्त । छोहाव आर्थीक छदंव निकास निक्त एत नारे । छि-'क-अबन शर्वत (अस्तव्यक्त निक्रे आस्मिन कविवा कथा शाहरण शाविद्यन व्याप स्विद्या

হ্ এ আগর্ভ কানপুরের যাজিতে টেন কালারির সন্মুখেরাওসাহেবের বাঁনী হইর। ছে। ডিনি প্রাণভ্যাগ কালেও আপনা ভীক্ষতা ও কাপুরুষ্তা প্রকাশ কবেন নাই ডিনি মৃত্যুকালেও বলিয়াছেন ভাঁহার আভ लगारत कान देखेरतानीरतत आहे वर्ष करा श्रा नाहे। जातक देखेरतानीय प्रकारणाका ७ मण एक बीरमान कीनी स्वतिरक भिन्नी-किरमन।

সাধিবলৈ সাহেব বুরুইনেতির আজানুসারে হাজ প্রেরণের এক বিরুষ্টাবনি প্রকাশ
করিরাহেন । প্রের্টা বেষন বত ইকা তত
টাকার হাজি প্রশ্বেটের ধনাগার হটতে পা
ওরা বাইত একণে আর ভাষা হইবে না।
গাঁত টাকার অধিক একগত টাকা পথ্যবেরী
ক্রির্টার র্ফের্ডা হইবে। ইহাতে পভকরা
এক টাকার বিরুহেন বাঁটা লাগিবে। এই
ক্রিকার ক্রান্ত বজানা সর্বাধারণের ক্র

व्यक्ति विश्वक्रियम शृट्य व्यवन कड़िया চিলাম মানাপুরের সেনাপতি বিগেভিয়ার বণাঁ কোন খ্লীলোককে অপমান করাডে উ बाटक शक्तकां व क्रिटक व्हेडाटक । ইংলিय নান তা়গর বিভারিত হতাত প্রকাশ করি-রাছেন। বৃদ্ধ ত্রিগেডিরারের সহিত ভত্ততা कर्नन केन्द्रजाकरनत जीव विरूप व्यवस हि ল: এখন বি ত্রিপেডিয়ার লর্কণা ভাষার বাদী তে অধবিতি করিতের ও তাঁহাকে নানা প্রকার উপচৌকন দিতেন। বিবি**ও নিজ থা**-মীর সহিত গমন না করিরা বিধেক্টিরারের भक्टेंडे कृष्य वितिष्डम । अक्षा क्टर्नन पान-জিলিতে গমন কয়াতে বিবি অভি মুক্ত বস্ত্ৰ পরিধান করিয়া এব নাট্য শালায় আগখন ंकद्भा । তাহার বক্ষত্ব বর্ণা নির্মে আরড **শ্ল ৰাক্ষতে ত্ৰিপেডিয়ার 'ঠাহা.ক নিলৰ্জ্জ ব**-লৈন। পর দিবস ত্রিগেডিয় র বিবিব নিকটে 📫 বার্থনা করেন। বিবি সেইপত্রের উত্তর 📲দ্ধপ লিখেন যে ডিনি তাঁহার উপরে কুপিড ক্ষেত্র। কিছু একজন বুবক আফিসর তা-**्रिक्स विद्रक श्रेश** बिरमिष्ट्रगारत्त "व कर्न-**্রার্ড বিকটে প্রেরণ করেন।** কর্ণেল এখান ক্রাণডির নিকটে ভাষা প্রেরণ করাতে সর 🙀 ব্রেক্স ক্রিকাজিয়ারকে পদ্যুত করিয়া-বিশোভিয়ার কেব্রিকের ডিউকের নি-ত্ৰে আন্তেম্বৰ কৰিছাৱেন। সেৰাঘনে প্ৰত্য-्र व्यापातः जानान्य मध्य प्रदेश्यकः । (न पि-

वन निवर्ण निवर्ण अवस्था जाकिना "जुन-करम, अवस्थि औरनिवर्ण पृथक्षम क्वार्ड औरनारका चांबी खाद्य अवस्था त्रमानिवरक जानादेश हिर्मम् । अनकन प्रस्तिकात त्रमा-मरनत नजुन्ध जाकिना प्रिरण्त मर्था हुई इ-उस प्रत्येश विवस ।

আলাহাবাদ গেজেট বলেন সম্রতি ত-থার একটি সুন্দর জলস্তত্ত হটরাছিল। এখা নে কর্মিন ঘটিয়া একটা শুমকেতু উঠিতেছে।

কুও কাব ইতিয়া ছার্মরাবারের নবাব কে ছাড়িয়া মহারাজ হোলকারতে গরিয়াছে-ন। বঙ্গু ল, বেন সকলেই জানিতে পারেন কুও আমাণিবের কেমন কেন্দু।

উক্ত পত্র বলেন তুলা টংপালন ও " ভা রুতবর্ণীর তাঁতিদিনের অন উঠাইবার ভিন্টি উৎছাই উপায় আছে। ইংলগুরি মূলখন জু-ল। পরিছাত করিবার ছা ও কাঞানই আইন আমরা আর একটা উপার বলি, সেটা ইছা অপেকা উৎক্লই, ভারতবর্ণীরদিগতে পেট ভাতার খাটাইর। লইবার চেঠা।

উক্ত পত্র আরও বলেন ক্রেণ্ড অব ইণ্ডি রার সম্পাদকের পরিবর্ত্ত হইবে বলিরা বে কথা উরিয়াছে ভাষা অলীক। সহাদটি সভ্য হয় অনেকের ইকা।

আনরা রারটস ফেন্ডে একটি প্রস্তাব দেবিরা অভিশর ত্রেবিত হটলাম। একটি রী
লোক ভাঁহার সুলীন খানীকে লিখিরাছেন বদি ভিনি ভাঁহার নিকটে না আইসেন ভাহা
হইলে ভিনি (স্ত্রীলোক) অন্য এক যুবকের
সহিত্ব প্রবন্ধ করিবেন। এই কি নিকার কল >
ভাহা হইলে জীনিক্ষা বন্ধ করিরা দেওরাই
কর্মিয়া সম্পালকের প্রতি আমাদিশের বন্ধ
য্য এই, সুংনিত কৌলীন্য প্রথা উরিয়া যায়,
আমাদিশের একার ইন্ধা। কিন্তু এই ব্রপ অসং বিবরকে আমার্ল করিয়া সেই চেঠা করা
বে কভারে অন্যায় ভাঁহা সম্পালক আশেনার
দিখিত প্রস্তাবলী পুনরায় পাঠ করিয়া এক
বার হিন্নিটিতে বিবেচনা করিয়া দেখিবেন।

१६६ जाज शक्तराहा

নকে বিভ ১৮ গৰিত ইরেগুলর অবারো-হি দলের একজন দলাদার বাহাতে সেনার্টি-দের অসভোগ কবে এখণ কবা কহাতে তাহার দুই খংসর বিবাদ হইয়াছে। এইবিদ স্বরাশ্য শাক্তিসিংগ্র ক্ষমভার স্বর্থিশান দ্ রাই উচিত।

वाक्यासकीरियुग मुन्नावरकत नार्य कर-सन्नवम् वर्षाते विद्याः सानियः इदेशास्त्रः। अक स्वयु प्रचन्ते स्वयुक्तं स्वयुक्ति सान्तिरहे के उत्तर इत्तर सम वासिहेत कर्षो वर्षेत्रारहमः। क्रिकाः कात वाजान बाक्यारक्ष्णः निवारहः।

কোচিন কুরিরার বলেন ত্রিবাকুরে এত দিন ক্রীডমান রাখিবার এখা ছিল। তর্তা রাজা লক্ষাভি ভাষা উঠাইরা বিরাজেন। মৃ-তা দালেরা একণে বিদ্যাশিকা করিরা আণ ন আপন অবস্থার উম্বতি সাধন করিভেছে। অনেকে খ্রীয় ধর্ম অবলঘন করিয়াছে। ত্রিণা হুরের রাজার অনেক বিনরেই উদ্যুর বা-বহার স্বাদ গুলা বাইভেছে।

সন্ন বাইল ক্রিন্ন প্রান্থনার্থ সবিলেশ চেঠাবান্ হইরাছেন। বোখাই গেজেটে কির-দিবস পূর্বে কাভি গুরারের দ্বেসিভেন্ট নেজর বারের বিরুদ্ধে একটি প্রস্তাব লিখিভ হওয়া-ভে ভিনি ভংকণাৎ রেসিভেন্টকে পদ্যুত করেন। আবার সাইভে বিবিউ প্রস্তি বারে-র সহারভা করাভে শাসনকর। তাহাকে ছুভ ন পলে প্রভিতিত করিতে সম্মত হইরাছেন। এবংশে কাজ করিয়া সর বাইল ফ্রিন্নার লেখে

বেকার নামক বেব্যক্তি এক জন নীলকরের টাকা চুরি করে, তাহার সেসিরনে তুই বংসর বিরাদ ক্ট্যাছে।

বিবিকিই জরাক্ত আপন বেং রার না-বে এই বলিয়া নালীশ করেন থে সে রাত্তি মোগে তাঁহার গৃহমধ্যে প্রবেশ করিয়া তাঁহার সতীত্ব নাশের চঠা পার। উক্ত বেহারার চা রি বাস নিয়ার হইরাছে।

३६ हे जास भनियांतु.।

বণিক সম্প্রদার লেও লাহেবর্কে অভিনন্দ ল পত্র প্রদান করিবার যে সক্ষণ করিবাছি-লেন ভাষা হইডে ফান্ত হইরাছেন। গাড় কল্য এক টেলিপ্রাম আসিরাছে "লেও সা-হেব ও সরচারকান উত্তের পরশার স্কাব হই-রাছে। লেও সাহেব আর্ভবর্ষে প্রভাগনন করিভেক্ষে। গাল সম্বাহলী সভা হর, ভাষা-লিগের সাক্ষার। ভিনিসা আৰণ ক্লিক্সাহেন বাৰ পদ্ধ নান পাৰিত প্ৰধানতৰ বিভাৱালকে প্ৰবেশ ক্লি-লো এক জন বাছিলে অধিকতন্ন ক্ৰেনে পৰ্ব নেক্ষ্যে উঠাল ছইকেন।

উক্ত পত্র বালেন ভূটানের লীেকের। ইংল থেকরীর প্রকাদিখের উপর সর্ক্রা অভ্যাচার করে, প্রকামেই ভরিবারণের অপ্তরেশ্ব কবি-ধার নিমিত ভত্রভা রাজার নিকটে এক জন দুত প্রেরণ করিবেন সক্ষপ করিয়াছেন।

আরামপুবের ইউরোপীয় জৈসন মাউরের লোগ সঞ্জমাণ হটরাছে। বিচারপতি মর্গাণ ভাল্যাপিও কোন আজা দেন মাই। ইক্ত তেস ল মাউরের রক্ষার্থ এরকরার বে কোন উদ্যোগ দেখ থাইতেকে না?

বিমালখিত মূলো গ্ৰশ্মেটের কাগজ বিম্বীত কইতেছে !

দ টাকার সিকা ১১'।০—৯১৮০
৪ টাকার কোম্পানিব ১৬৮০ – ৯৪/০
৪ দীকার ১৯৪।০—১০৪৮০
৪ টাকার ১১১৪০ – ১১২

ইউরোপীর সমাচার।

ভিন্ন বিশ্ব সংবাদ পর ছউতে উদ্ধৃত।

দাধুন এঠা আগাই। মহাসভার কার্যা বলা ছইগাড়ে। ইংলতেখনীর বস্তু ভাজে বিদেশীয় প্র্ষেত্তির সাহত সহারে সংস্থাপানের অভিনায়
ও অংমেসিদার গ্রু মৃহদ্যম জন্য আজ্ঞোর
ব,শ করা ছইয়াছে।

माल दे। ८ के। का ११ है। शांविरल कि ७५ क रालांडे शांका गरमा छ। ११ कतियां कावलस्कारम श-म कावम रहमा कथांस कारम स्मान मरश्रीक १३ हेटलस्क ।

পারিদ ও ই আগত। মতি নিপ্রো, থাসীরা পুলক্ষির মুদ্ধ কারন্ত কলিয়া আয় ৫০০ তুরক্ষকে ২০ ক্ষিয়াছে। দক্ষিয়া বিজ্ঞাহ কটয়াছে , এ বেলগ্রেভের দকলে শক্ষিত ঘটয়াছেন। টিটালিব কজা এক ঘোৰণা প্রকাশ করিয়া হ'ব। বেশে গৃহ সুদ্ধ ঘটাইবাব চেণ্টাও আছে ভাষা বিশেব নিকা করিয়াছেন

পারিস ও ই জ্বাস্ট । ক্লোবেসা ও রেছি-না,ড বড় গোলামান ছইডেছে। পারিবলজি স্থাটাজ্যের বলিয়াছেন তিনি গ্রাহিমটের ক্ল ব্যান্তসংরে কার্যা ক্রিবেন ন।

লভন ৪ সা আগত। আমেবিকার উত্তর বিভাবে কাল কপে সেন। স গৃহীও ছইতেতে ন।
ছ'লেক প্রানান নেনাপাতি ছইতাছোঁন সভাপতি বিজ্ঞোধী দংগর দাসনিগতে মুক্ত ও ভামালিপের সক্রান্তি নীলান করিবার বিলে সাক্ষা
স করিবাছেন। পার্মান্তিক আলেশেন প্রতিনিবিয়া কর্ত্ব প্রতিবাদ করিবাছেন। উত্তর বিভাবের লোকেরা ক্রমণার ভারোৎসাদ ছইতেছেন। বিশ্রানীরা প্রভাগের ভারাক্রন ছার্মার
ববং ভারানিপের লেনাপতি জাক্রন ছার্মার
ক্রিকে ক্রান্ত্রন্ত্রেন।

्वविश्वासिक्त के स्वाह मण्डविश्वास विश्वास ण्डेटक महिनाद्यम्। जिति कोवाह वादेदस्यः कारात विश्ववी नार्षे। देवेशिया ताव्या वीद्यासः कारा निवपविश्वस्य तिन्द्रा विश्वाद्यम् स्वाहित्यः वाह देव्या श्राचन मित्रवाद्यमः। क्यानीका द्यान् कारा नीमात निकटक काराक कारा क्यानिकाद्यमः।

-বিল্লীর সূঠ প্রাপ্ত টাকা ১ লা নেপ্টেব্র ভারতবর্ষীয় আফিনে বিভরণ কবা রইবে।

এরশ ক্ষত্তিত অভিযান গ্রপ্তেট রোস রক্ষা করিবার জনা প্রসক্ত চইন্ডেছেন কিছু ন-কলে ইভাতে অবিধান করিয়াছেন।

हैश्मरक्षती गीए स्थापीय एश खार्य भवन क्रिट्य ।

নেপাল্য ৪ ঠা আগত। ইটালির বাজার খোৰণা সর্কানাধারণে আগর পূর্বাক প্রচণ করি-য়াছেল। ইটালীর ও করাণীর রণভরি দলের সমিত মিলিত তইলা ইংরালী রণভরি দল কার্যা করিবাব আজা পাইয়াছে।

৩০০ ০০ বিজোছী জেমস নদীর নিকটে আ-নিয়াছে। গ্রথমেক্টের সেনার। দক্ষিণে প্রা-জিত হইডেছে।

गर्गटमके विकाशन।

ৰাজালাদেশীয় লেপ্টেন্ট গ্ৰধ্বের আদেশাস্ত্রসারী নিয়োগ।

: ৮ই আগই -- নিমন্ধ ডিপার্টমেন্টের নিম লিখিতে কর্মচারিরা উচ্চ পদ প্রাথা হইয়া-ছেন :--

জনেশরের নিষক চীকির সংকারী জপরি-কেন্তাক আন সিজেয়ার সাচের পঞ্চম জেলিছে বাক্ষরগঞ্জের নিষক চৌকির অ্পরিকেন্তাক এ, ভিজারিশোর বঠ জেলিতে।

সাহরণের ডেপ্ট মাজিটোট ও ডেপ্ট কা-কেক্টব জে, দি, মাকলিয়ত সাহেব উক্ত তেলার মাজিটেটির সভাগ ক্ষমতা পাইবেন।

১৯এ जागके -- ८क, ७५, এ. लिह गोहिन द्यक्तिका कार लाकर जालवकारी बहेग्राट्न।

২০৪ আগত --- বাব্তাসক'ছ বিদ্যাসাগৰ বেহাবের প্রতিনিধি প্রাধ্ন সময় আমীন ছব নাজেন !

এল, ভবলিউ, শৃচিন্দন সাংখ্য বাক্ষণ-জের প্রতিনিধি অধান সময় আমীন ছইয়া-যুক্তেন।

২১৩ আগ্রই -- ায় বাশাক্ষমাধ আচার্যা চক্ষ্মির মাডবা চিকিৎসালয়ের ভার প্রাপ্ত

्लश्वेमाने भवत्त्व श्रीक्षित्र शहित्वहै त्राक्ति विकास स्वत्र शहित्वहे त्राक्षिति इद्देश्य।

करे जानके जा जा जी प्रतिक जिल्ला के जाने किए हैं दिवस्त करें करिया के किए जा जा किए जा किए जा किए ज

३०६ आंधि क्यांशः ७ क्यस्तिशं श्रद्धास्त्रः कः मिनवरत्रत्र नश्कात्री (क. वि. नाकक्षण शक्त

তোৰি ইইতে উচ্চশত পাইছা কৰ্মব্যালয়ৰ ব ভাৰেন।

२०व जानके—स्ट्रांस्ट्रांस अक्रेस्लामि सम्बोध-ट्या ब्रेट्स नाम् विम्नुकर् ब्रह्मांलाक्षेत्रं क्ये-ट्याम रावद्याक नजाम २००२ जटका क्यामित ट्याट प्रकार कालीन करिक गाहित्यक् हैं

২১৫ আগত জে. এখ. ভবলিউ, ত মুখিনা নাহেব সন্মীপুনের অবৈত্যিক আখিনেউ স্থানিক লোকদারি আইনের ২২ থক্তা ছ ১৮৪৪ আইনিউ ১০ আইনের ১ থারাজ্যারে ক্ষমতা কৃতিকেই।

হওৰ আগতি—ভাবেদ এ, দুৰ্গলিন প্ৰবীদ্ধি বিতীয় জেশিয় জেলা প্ৰানিৰ জন্মবৰ্ণায়ত উক্তি বেন।

নৈদ্যক্ষ ভোষেদ ১৮৩০ আছের ২৩ আছি। ন অস্থানে চাডার আনেসর ও ডেন্ট্রি স্থাতে উর হুইবেদ।

প্রেরিত।

নোমগ্রকাশসন্দাসকু

मट्सन्द्रम् ।

कान प्रविधाल अष्ट्रकार करिसाह्य " अने कार्य बालक्षणीय अविधिक अया नम्मान अविध-विश्व द्वेशम जेशमन द्वेरलाइ । क्षेत्र था-वारक स्टोलिक शहिराई प्रमीति नश्क्षिक मामन, त्र विदान नकामने मणा विश्वीति स्ट

माअब, त्म विरुद्ध नक्टम्बर्ट मण्य र म्बिबाया छ-क्रियः। च्याचारमञ्ज्ञान्यः वर्षाः चरनरमञ् ন কুস: ভার জয়িরাছে ভাষরা সমসৎ 5म कविया खना कांजित वारहात का चरि शहस हरे।" अध्यक्त काल व 7 78 शास्त्र पुरक्रत्या अहे कथा पार्य . **4**7 **ষ্ট্রে ভাগারা আমারের বেলে** গুলি চিরাগত স্থরীতি ছেখিতে 🦠 बधुनग्न धाराष्ट्र शृथिशेत स्मा, हुई, विख मुळे बग्न मा। फार्ड मान स्थापन বৰ্ষে অনেক কাল প্ৰবাস্ত স্থান্ধৰীৰ অহিছে: ১০ ট देश्यादित वरेटकात् । .सम् ७ सम्या, धाका ও ভক্তি , হয়া ও হাক্ষিণা প্রভৃতির কার্বাক্ষেত্র এখানে মানব সলের অনেক रात्रिमत छ १० व-विशाह । अक्रवाहे कांगता द्वाबिट शहे, कां ভাৰমীৰ শ্ৰেছ বছৰী অন্তপ আতৃ বিভীয়া, নৈ দিক পিতৃত্বক্রির অভিনারক আছা, এবং জান क एवर स्टब बामारे यठीत जानम विका अशास आइ^रलाड चारम्। अनकल चारनाठ ক্রির। প্রভীত হয় বে উপর্যাক্ত প্রতীত সকরে । প্রচারকেরা কেবন খনেশীর দানব প্রকৃতি श्रवणक। व्यवधाहरण अमर्थ इत्रेग्नीहरणम है दिश्लोब क्रिकेश्व विक्रित कि अक थीना वाक्रमा नर्वाक्रमञ्ज वंदेरक कारक वांद्रव नवश्चनांनीटक কুত বিক্লম পিছুপ্রাছের বিপক্ষ কোন অনুর দনী লেখ্যুত্র এবল অভ্যাদ করিয়া অনীর গতে প্রকটন করিয়াছেন। ভাষাতে বোধ হয় তিনিও ভাষার মতে বিশেষ অভ্যোদন করেন। ক্ষান্তঃ শিভূ ভক্তি একাশে বে কি ফোৰ আছে আৰি ভাষা নিংবচনা করিতে পরিসাদ না।

Č

आंव विराह क्षि किनि क्षान क्षेत्र क्षान रेख शांदाम का क्षांत देशीक्षीक्षकांतरन. हवाज्या अथवा दार्थिक अञ्चलेख्या मध्या-र बाका। क्यांकि काकि काटनको कालने क्यांन कान जारकात आंख कार्द्य अन्तर्भ किहेरे गाँदे । यशि शास्त्र क्षेत्र शक्तिकाक इंद्रेन कर बार क्ष्राह्मावा त्व कि निविद्य गतिवादी क्षेत्र कि-E TELE PERCUTE HI I CAIN ER ERIR न्द्राकीत्वा अन्यात्व कराहे किंदू त्यानःशाव थांक्टिन । सामि स्थान महान जार 9 शिक् चक्रि शारकार वर्ष किया होन कारावर गाके कति मा दक्त, दक्ती केंद्रीक कांनकी के कर-८इड कार्राह्म सहैदर; दक्ता कारम लागार्ड <u>ष्ट्रांट अक्टूटमंद्र काम वाष्ट्रिक वर्षे ना, क्ला</u> জানে ভাষাকে আনার ভর্তিলোড প্রবাদিত बहेटक महिन्ना अका बाहित जानारमत जनक जन-नीता चानिता किंद्र चारावित्वर उख्तिशूका উপহারের সৌরতে আমোদিত হইতেছেন না। কিন্তু ইং অন্তঃ অবদা দ্বীকাৰ করিতে হইবে त्व **जांगारम्य जक्**रसामगारम त्व अवे क्रूम मकः টা আরোশিতা আছে অভাবের অলক্ষ্য নির্মে अभाष अभाष अञ्चलको इहेर्त्हे हहेरन। अक-বার কলিক। উৎপত হইলে, আর কি তাহ। প্ৰস্কৃটিত হইতে বিধারণ করা বাইতে পারে। বনপু:লায় কেবা আত্রাণ লইতে যায় কিছ গে ক্ষিত্ৰতা এক্ষিত চটনা অপতা দাবে বিৱস্ত क्षांका त्म सम्बंधि मन्त्राधिम करिया

डेम्गारम्य त्रमशिवाडा माधम'अ जेक्ट इंद ब्रां डोइडि मझलिएमा नमा-देशन . । जामा प्रशंत गरक उद्धान. ন কবি यक रिन मन तांद्रमात अधिकांत 131 2 धा वि दिर्दन, यक्तिन जामारमत समस्य উপ্কার বুংশির সমাক উপলব্ধি। Elf. কিংশ ভার দিন আমাদেব চিক

ता वारप्र-' धानका।

काशांव का है जामाद बना छेडिछ, व हैं ब्राह्मियान (अब्दाशीन। किंब जा-🖺 🙀 ট্রাট্র বে ক্রান্তের বিষয়া ি<mark>শ্রিকালানের স</mark>্থিতি সম্জ্ঞনী ভূত করিয়া বাবেন, अध्य कारक का (कड़े छ हा मि : शद आ क किंदर ह ব্ৰেটাৰ। ভিজ্ঞ সেই কাৰ্বা দেন মদেৰ কৰাট উৎ-'हैंब कड़ियां चाउंचे अञ्चित द्या। न' क्टन ी क्षेत्र कृष्यम व्यक्ति। जागरण प्रारक्त विश्वास मार्थ ! " देखितान निकायकाद " छ।का প্ৰিছ **সহায়তা কল্প**ৰ বা বিপক্ষত কৰু উন্ম बोद्देशके ब्राष्ट्र पिर्शय माठा, मध्य प्राप्त करिएल ख क्रांन्ट्रे। क्रिक करवरी दहेरलेख ध्रुं राजिता আক্র বিবেশ কোন অভুষ্ঠান বিবংশ লান চণ্ **্রিটার্যালে ভাষ্যনি একখন** তাংগ্রিগতে স্বস্ত জি किसीन कतिएक वाकित्व । अध्या खारकंत क कुरुवाका कुछक नशक विधान वय-अब्रेस जिम्माह , ७ वित्यहर्मा क्लूम (४ --'कान कहा डीहाद गटक ट्यायका । धरे

बम दिखारचेंदी बाक्षकिखांमगरते किन्न छोराता। द्वम माडि भरेखात सम्बद्धी परेशा कार्रा करते। कारा रहेला जार्शिक्षात्र उरक्ये इति गमन pfasies: नाक करत: जाक मरगढ़ या वि हेक माध्यम इस । धमा अवादीन ! म तर त्य शत्य गाउँक मा (कम मिहे श्रायंहे (उ'म)त्र भन्न निर्

क्रम मन मन्यं ता ही।

্ৰীয়ন্ত সোমপ্ৰকাশ সম্পাদক ि अमानंत मनी (भव

क्षेत्रशृंद्रब्रहर्म्स् भट्ट द्रमांड माटबर मिशूक् क्षेत्रांटि चामता एका पाका पित बहैता **ছिलाम, এখানে अ**त्वत अधिकांद्र अञीए बढ-মাতে দেইরুপ সন্থা চুট্যাছিশাম, কিন্ত মুর্ভাগ্য ! बणाइ रायम अन अ.संग डेस लिए नारकर्वत হিসাবে ক্লম দশ্বিয়াছেন, তত্ৰপ এখানে হতি-ा किकिश्माकता खराक आखान किता का -मिन्नीत्स् । श्राप्त कालनांव व्यक्ति ग्राप्त स्वय स्वाप्ता माबे, गाँचात्र के हाजुरफ्रिय निकृष्ट स्थित भारत करबन शांव जीवात्मय काकारत मुका बहेगा थी-क्ष्य क्षेत्र क्ष्य क् खोशकिश्वक आह काबुन योग शर्यास खब क्रिं-भ कविद्र हर । भर्गराय अहे के किश्नकरम्य हिकिश्ता ब्रेसि निरादण क्रियाल कि छान कर मा। কালনাৰ অন্ত: পাতি জলপট নামে একটা পলী प्राट्ह, छंशंट्य प्रत्मेन छ ल देखन लांक नाम क्रिया बारक, उ.हारलय चार्चाय वावनांव अक है भारमञ्जू ऋड । शाग्र डेश्रामय मकलक,दृष्टे अकरि একটা মছাজন আছে, ঐ মহাজনেরা ডাংগ্লি त्वत्र क्वीविकांत्र अक्षण कष्ट क्रियः भौरक धरः के डाव, शालाक वरमम शाम आवादिकव १० है। इंडेटड क्र'वर्रनर (मध् पर्वाय भनाय फिस भा ना धृद्धि। के कक्क अनित्माभ करता, किन्न पूछ^{्डा} |विषये कुडक हो **केक् निक क्षेत्र। विष्कुः ध्रेष्ट मध्यत्र कृ**का हाम स्पन्नाटक कार्या ুরুষ প্রে পরিশোতিত করিতে । e ক্লিবনের অধিক জাল পাড়িতে পাবে বাই করিতেছি আপনি অভুএই প্রেক ভাবি চাল আর্তিব নিয়ম। এই ঈশ্বের কুত্রবাং কর্জ শোধ করা সূত্রে থাড়ক ভাগাদেব ! ১ছিতে হান দান করাইতের পর্য এটিচ ৩০% सिम राज क्छत क्रूची क्षेत्रांटक

প্রত্যান্ত যেরপ বোষীয় পেটি সিধনর কঞ্চ' क्या क्रिविश्रामास्त्र अंकि वार्यात कर्त्तिछ (म.ह. १ नित्र कायत्र शक्तिका निवः क्षल हो महास्था वर्ज जार कि शव याँ इ वारकार क्विटडःह ।

क काम ३५ जाभके ३५ ७२

45 7137 -

--श्रीयुष्ट मात्रश्रकानं मन्नोपत

মহাশয় সমীপেয় 🗓

ग्रह मन्न अबादम अक्ति अनिक देशिक क्षेत्रा ल्का रुष्ट्र दिश्वरवद श्रांस आहर, देशन आफ বাবি ভানোদের ভূপানী সমানের মহাতাল ১২৬৯ কার্বিক পর্যাও টাৰ ক্ষেত্ৰামালেৰ প্ৰত্যা কাডঃ ডিনি ঐ व विक्री कहरता न, ता बाहा अर, दलाकरक विकास निगारकृत थ हेक्कावमाय गर्दाशः स्मन्डिविमद्य च.प्र कार्याञ्चर्न कहिराव कांकशाद्य निम्न निर्मयः एता मकल এक हिल्ली कतियां हिन, ज्याना, ज्याना, क्षित केंब्र अनुष्ठ । या नमरण पूरे एक ' श्राम, पून, रर्णकाल, बस्त्रम, श्रिम " देखारक व्यव | >२५० कार्किक श्रवीक

श्रीविष्यत्र ८४ कि अर्थास सगकात साह क्र महरू, दिल्लवका विकलानत निवृधिक 🗐 भ राषीड व्यवस्थित क्षीयाचा महा कहिंदुई रह. छत्रात्था श्रथांनतित्र मात्र " ट्या এইবঁকল অন্তাচার চুবীকুত করিবার জন্য এখণ্ড कार देखि शृर्द्धत बारताथे। बाहु श्रेत्रांतृत्व स्वाव मदालत क्रियात्मय माजित्ये हे अक्षम् । स्वाक नारवरके अवन ७ कवान, किन्ने मा किर्दे हे पहर . मरमत्रा अविवास किए भी भीठ कात्रन माहि अवर না করাও আশ্চার্যার বিষয় নয়, কারণ ভাঁচার: ্ষাট। মাহিনী পান, ভাষাতে বিভিন্নিরন, ওঁছির। কালনার কচু ব্যেচুতে কি কেয়ার করে न, ना नियात्रस्टियंत्र प्रति प्रत्यी सन यमि डेरेजनन, वा अस्तित, विकृत्येक, महस्रभा, श्राह्म-क, क्लाक्त के जानि बक्त छ कि कि जारा ष्टरम कें। हाता कि हुन क्रिया धाल्य हन ,

३**७६ जा**शिक ३४-४२ । जन शाहिक :

অগুক্ত সোমপ্রকাশ সম্পাদক म',काम्ट्रायु ।

क्यार्थिय वृत्ति अवशांड क्षेत्र छाता व वि ম্ভেন্দ্রগণ আমার পদ্ধাব্দীতে ভাল্প লাক্ষ্মে मां । (द क लका जा शामिन वा विकास निवास देश গু গমনে হৈছে । ছিল দেব সংহণ্যার্থ ট্রান্ন, ব, চ াচিব কৰিয়াছেন। জোমর'ও আবে একথ নি ব।বিব প্রিণ, ভাঁচালের স্ত্র মিলিয়ে 🕝 । के करिट देव किवान (क्षेत्र) एक दर्भात व देश हा है है-ा **ंत्री नार गाउँ जात्रहराय है अब** लेखा न क्षेट्र १४९ अक सम्दर्भ इब ब्यागाह्मत गांकुक्त् वर्तास्त्र मगक्क वर्त । विश्व कृष्ठभी क ४३-(न । मन्नावक महानय । जार्कि वाटकाटक शर्क किम लाशी किल शामकावि वक्क के वन्त ্জম'ড়াপিক এই ধ্যুদ্রানানা প্রকারণ মান 😭 ¥₹8 ; आमना होका क्रांचित्रा विलाम हाँका कहेटडारू भा-

मुलाथाखि।

জ্ঞীবৃক্ষ ব,ডু ছাব,দন ছবিবাক। বলিকতে। : ১২৫৯ ভাতে ভার্য সাথ প্রসাত কো, প্টাকা 那,妈*** " (पार्था) म भूम (मन ় ১০৬, জ্ঞাবৰ ঋৰধি পৌষ পৰ্যান্ত '' হবলাল মিড 本[二十] अर्थेक श्रामाणा श्रामाणा अर्थेक **"路快化"** '' সংক্রা পুর্বীরংগ্রভ গালে মেদিনীখৰ D 3 9 15 63 ~ F 1 ' कील ८%, भिज 3814 50 हे अपन्य वार्यक वार्ति अवस्थ ন ক্লিক'ড। " प्रिन्माण ध्य (4.2 C ST >१७**> आदन अवसि ल्यो**ग भर्तास गुर्भ व " अनमस्माद कीश्वत (**₩**'2 @ &

(मायशका

अर्थनां प्रकृतिविताय पार्थियः सरस्रती मुतिमहती म श्रीयतां

৪ ভাগ। ৪৭ সংখ্যা।

সন ১২৬৯। ২৪ ভাজ। ইং ১৮৬২। ৮ সেপ্টেম্বর

गानिक क्रिका 3 है। जा गारिक व्यक्तिस इन क्रिका

বিজ্ঞাপন । মক্ষণে সোমপ্রকাশ প্রের ধার নিয়ম।

ভাত্রিম মূলা না পাইলে মকস্বলে সোমপ্রকাশ প্রেরণ করা গায় না । ইনার বার্ষিক
মূলা ভাকমান্ত্রল সমেত ০ এবং ধারাসিক
ব টাকা নির্মণিত আছে। ছয় মাপের স্থানে
ভাত্রিম মূলা এছ। করা হায় না । মকসলের
যদি এশন ব্যক্তির সোমপ্রকাশ প্রহণের ইক্তা
হয়, তিনি ভাত্রিয় মূলা সবিত পত্র লিখিলেই
পা্টাতে পারিবেন।

বিজ্ঞাপন ! বিভি বেয়ব !

বিবি থেয়ক ব দেশীয় দিশাকে জানাই তেনে য হার। য টাগ্রাকিতে আপনাদি-নের দাঁ ও কন্যাদির প্রতিসৃত্তি বিবাব ইছা আন্ত, টাইবার ইছাকে লখান দিলে তিনি ভাতি উপরই ও ক্ষান্তানে তাহা কর্ম। নিবেল। তেকাকের (লালনিক্জার) প্রস্ক দেকে তাহার শ্রালিম, তবায় অলুসন্ধান করিবো স্বিশেষ জানিতে পারিবেল।

दनाबश्रामा ।

परा भीष हेकील छ । सः खात्रान ।

পরিবাদেনী সভার ইংলক্তেমর চতু
র্থ জার্টের জ্রী কার্যেলাইনের ব্যাভ্রঃ
র দেনের সধান বিচার হয় নংকালে
লাভ ব্রাহান ভাহার পক্ষ সমর্থন করেন
ভংকালে ভিনি বহিলাভিলেন আনার
নক্ষেলের জন্য যদি র'জনিজেক্চেন্দ

করিতে হয়, ভাহাও আমি করিব! > এই व'का बाता छेकील ७ मत्करलत भत्रभारतत যে কিন্তুপ সমন্ত্ৰ, তাহা স্পাঠ প্ৰতীঃমান হইতেছে। কোন গোপনীয় কথাই উহালে त निक के व्यव कि बारक मा। এक अन इ छ। क्री जाराब हैकील किलिवगटक विनवा ছিল " অামি হত্যা করিয়াতি যথার্থ ; তথা পি আগনি আমার রফার্য যথোচিত চেটা कतिर्देश । १ केवील ७ गरकरलत शत्रण রের কিব্রপ বিখাস থকে। আবশ্যক, এভ फाता न्यके मध्यान इटेटलाइ वर्टे, किंद উকীলের কর্ত্তব্য ন্য যে তিনি আপনার 📗 गरक्रमदक जरमाय कानियां अर्थनीजित विश्रीहरूदी इहेश हाहात्क निकार বলিয়া বিচারপতির সমূথে পরিচয় (एन।

উদীলদিগের কর্ত্ব। এই, তাঁহারা অর্থি প্রত্যধির সাক্ষি লেখাদি যে সমস্ত প্রমাণ থাকে, ত হা যথাবীয়ি বিচারপতির সন্মাথে উপস্থিত করিবেন এবং অর্থি প্রত্যধিত করিবেন এবং অর্থি প্রত্যধিত করিবেন এবং অর্থি প্রত্যধিত করিবেন করিব বিচারণ ছিলিখাকে বুঝাইগ্রাদিকে । মানা প্রকার মিলা সাজাইয়া মক আনা বিশ্বত করিয়ে তু'লবার ত কথাই আহা বিশ্বত করিয়ে তু'লবার ত কথাই আহা বিশ্বত করিয়ে তু'লবার ত কথাই আহা বিশ্বত করিয়ে একপ বিশ্বত ব্যবহার কলি, না লোক হিলির বিশ্বম বিশ্ব উপস্থিত ধ্যা লোক হিলির ও বাজবিধি কি দোষী কে শিচারপতির হলে সমর্পণ করিতে বাজিতের না ক্ষেত্রত উদীলের কর্ত্বনা এই তিনি, মর্কেলকে রক্ষা করিবার নিমিত্ব

ন্যায়ানুসারে বংগারিক হোকী করিবের কিন্তু কথন ধর্মনীতির প্রক্রিক্সনাতার করা তাঁশার উচ্ছিত্র নর। হৈনি এও প্রি র কথা ভাবণ করিবের বাটে, কিন্তু করি ক্রমেই পাপের প্রভান দিবের বাট করিব ও উপরের নিকটে তাঁহার বে কর্ম আছে, এইক ক্ষণিক ভারের নিজি তাহা কথন বিশ্বত করের ভিরোপীর উত্তীলেরা প্রাছই এই স্বাহ নিয়ন প্রতি পালন করিয়া গাকেন্ত্রক প্রের টেম্পলবারের ইতিহা ত্রতা বারিক্রিদিপের স্থ প্রায়ণতার স্বিলেব প্রি

डेकीममिरभन्न एवं श्वनमहारव्री তাব বিষয় অ'মরা উপরে উল্লেখ করিট এ (मर्ग्यत्र छेकीलमिर्गत्र, खादा ज्याद्य না - সতা কথা বলিছে কি কৃতিপুর স্থ वाडिटतटक अटकटलंब केवीलक्टिशंब केंग्रे শাধু বলিয়া আমাদিসের ভক্তি মাই। ই कीत्मत्र कारम् याज्य। जामोनित्यत्रं भेरप রোগীর নিম্ব ভোজনের ন্যায় হইয়ার কি কন্য লোকে তাহ,দিগের প্রতি 🐯 প্রাক্ত। সম্পন্ন নহেন ইছা কি ব্যবসার্থ লোব ; ন' স্বভাবগত কোন দোৰ **স্থা**। दादमादश्र व्यथवा ख्रांडावत्र त्याव हरे ইংনতের উকীলেয়াও সচ্চরিত্র বলিশা: প্ৰাভিষ্ঠ হইছেমনা। একটা বিশেষ নিং চ (मार्ट्स क्क् भ चियार हा तम एम.च **व**र्डे क त्नर्वत्र के हिर्मा नकक्त्रात

সোমপ্রকাশ !

रामामध्य वर्ष्ण्य केन्द्रिया वर्षि कथा इत्यक भगवंत कर देखा कावा अविशे ाटकन । देशमादी प्रकार प्रकार त्यांक था ছন। আটবারা মকক্ষমার কোগাড় ie বা तेकेरतता विष्ठात काटन व्यक्ति क्षकार्वित शक गर्यक करत्रन । और कात्रराई बाह्रि উর্বিদের চরিত্র খোৰ খটিবার সভাবনা Stable 1

🖟 विटम्बर्धः टेंडेम्मनवादब्रह्म चात्र अक्रि ি জিলা প্রিয়ম আছে। যে বারিকীয় ব্যবসায় मुद्देश क्षेत्र व्यवंश मंत्राक भवत्व द्धेक, 🗚 নীবিজ্ঞানিকৰ কাজ করেন, ভাঁহাকে হংগত্তের বিচারালয় ত্যাগ করি ডে । বারিষ্টর্শিগকে মকদ্মার स्त्रिष्ठ रह मा बनिहारे नाउ 😁 া বেশস কারলেট ও আড म विश्म भठ होएड बहर লাড কোক শ্রভঙি বারি

> क्रः भृद्रः_भन्न द्रेकीलपिरगन्न **चनक**न्निज्ञा রি/একটা প্রধান কারণ আছে। আ ন্ত্ৰ আদালতে যত উকীল দেখিতে ক্রিবিনের অধিকাংশই ভাল লেখা हारमप ना, रहतम आहेन शहीका ্রিক্টিল হইয়াছেন। সুভরাণ জীক্ষ अवनी किएक पृष्टत्र एकि शाका क्षित्रह । यामहाटि निवा शदक विक स्य व्याञ्चाव पृथे हर, छेन **নিৰভিক্ত উদী**ল ও মেন্তেশন্ধৰ। ্রিলাতর প্রধান করে।। মে কুটুর 🎎 কলেই মুখ । ধুর্ত্ত, তাঁহাদিলার 🚶 **्रिमा % वावनातः**, माक्किनिशतकः भिनेषा डॉलिमी इता छन पना अवः ল সাফার এবং নির্মে**খ** ও

বিশেষ প্রতিষ্ঠা লাভ করিয়া

धनी भक्तिम «পाইলে नामा इन की শল ও জয় প্রশর্মন ছার ভাষার শর্ম দোহন করা ভাহাবিগের গৌরব। এই महामिठिवारे जामली महाशुक्रविपतित डेशाक्त दोत्र । मछा वटि महभा मह्या

এক জন সং মোক্রারও নেধিতে পাওরা যাব। কিছু তঁ,হারা মরুভূমির মধ্য দ্বিত ছুই একখানি কৃষ্ট ভূমির ন্যার। ভদ্মারা বালুকামর প্রাস্তরের ভয়ন্তর তারই অধিকতর রুদ্ধি হা। ফলতঃ অজ উত্তীল ও মোক্তার্দিগের দেবে আমাদি গের দেশের মহন্তর অনিষ্ট ঘটিতেছে। ইহারা কিঞিৎ সার্থের লোভে স্থলন্ত অন লে আছতি প্রদানের ন্যায়লোকের মকদ্দা প্রারুত্তি সঞ্জিত করিয়া দেব। কথন কথন শুনিতে পাওয়া যায়, উল্লিগ্রিড ধুর্জেরা वामी ७ প্রতিবাদী উত্তরে নিকট হইতেই আর্থ সংগ্রন্থ করিয়া থাকে । এ অনিষ্ঠের জিলে, সর টমাস ভেনম'র, লাভ । নিবারণ না হইলে লেগেল'ভ নাই।

> अक्टन अङ्गियात्र १ छेशास् निएक निष क्टेर्फ्ट । हेश्नर ७३ हिन्सन वार्यय नाम के कील मिराय अकरि मंखा कहा अवर উহাদিগের কেবল আইনজভার পরীক্ষা मा इन्स् वाहाट्ड विषः वृक्ति । महित्रव ভাদি জানিতে পারা যায় এরপ পরীক্ষা প্রহণের নিষম করা হটক। এই সভাষ বিচার কইয়া যাহাদিগের চরিত্র দোব প্রমা न क्हेंद्र, छोहाता वहिफ्र छ व्हेंद्रन : छैती समिरभेष करों। श्रेष्ठ ह अस्थ्रामाम ध्वः मक ক্ষা গুঢ়াইরা দিবার নিমিত অটণীদিংগর একটা স্বতন্ত্র সম্প্রদার হউস। সাঠনগণ। এরপ বিবেচনা করিবেন না যে আটগীরা भिक्षा मककमा भाकाहेगा नित्रकरे थाकिटव ন, একথা বলা আমানিগের অভিপ্রেত। মিব্যা ও প্রবর্গনায় অনুৎসাং শেওখা ছাঁ হাদিগেরও এগটা প্রধান কর্ত্তরা কর্ম বুল মেন্ডেরেগনাক আ**ল্ড দুর করা আব**ল্য া বাহালা ছিডাল শ্রেণির ওকালভি পরী

कान छेडीर्न रहेटबन, छाहाता किन चात কেছ মোজারি করিতে পারিবেন না! फेकीलिंग्टिशंत मात्र कान बाखादत्र श्रह क्मा विकि इरेटन कैं। शटक उम्रद्ध या দালত হইতে বহিষ্কৃত করিতে হইবে।

আর একটা বিষয় প্রসম না করিয়া এ अ**खाळा**त छेश म•्हात कता विद्यत इहेटल ह् ना। किथि॰ अधिक विख्त महातिज লোক নিয়োঞ্চিত করিয়া আমলাগণের উৎ क्कांत्र अरुव क्रम का क्रिटल चाराक्रकत मन्पूर्व करीक मश्रमाधिक इट्टेंब मा १ कुट्टें বৎসরের মধ্যে জামরা অবেক গুলি মহাধ পরিবর্ত্ত দর্শন করিলাম, কিন্তু উচিথিত বিষয়টা যে আজি ও অপরিবর্তিত রহিয়া (ह, ७'इ:एड व्हदल व प्लामंत्र हुनाम ७ विनर्ध हरेटछ ६ ५ नटह छैं। अटमटन র প্রীরৃদ্ধির একটা এখান অন্তরায বলিয়। পরিগণিত হইতেছে।

নীল প্রধান-প্রদেশ।

अरमभीराहा अर्थन कि कहिरक्र हान -হিন্দু পেট্রিটের নীলপ্রধান প্রদেশের मर्योगमाणा (कार्थाय शास्त्रम - £ मगरग e জাদিগের বঞ্চত কোথায় আডেন शांक्रिशंत (३) (काम डिक्ट बाहा खिमार पर ওয়া থাইতেছে না। ঠাঁহারা কি ভাবিয়া ছেন, নীলঘটিত গোলবোগের শেষ হইয়। ছে : প্রজারা বি অভ্যান্তরের হল্ত হইতে मुख्य इवेगाइ - धाँवादा अक्रम हित क्रि য়া নিশ্চিত্র আছেন, ভাঁহার: ভ্রাম পঠিত क्रेशिएक म्टब्स्ट् बार्डे । शुबर्वात मक्टलत একপরিকর ছওয়া কর্ত্তনা অভ্যাচারের ক্র मनः वृक्ति इट्रिक्ट ।

এক জন সে মপ্রকাশ গ্রাহক পাবনা स्ट्रेट विश्विताद्यं " ब्राप्ट में न কর্দিগের সৃহিত প্রজাগণের বিবাদে रकेरव । यान की ग व्यन्तांत्र दिकातालात कहेरक व मीमाश्मा इस माहे. अथन अमारा नग्रदय विवास विश्वास थूंग छर्चरमञ्ज भ्रहास পাওয়া পিয়া থাকে, সম্রতি ভাউডাখান कृतित मार्ट्यम निर्मेष अधिवात्रभावना कि बाप महितानवीयात्र भावीत आक वस स्वाप १० चात्र अक मन

নাই) কর্ম করিছেন। ভাঁছার क्या ७ थका चाटर । बीरात थ्याता नील वश्रम करत्र मारे विलक्ष कुठित कर्य कर्छ। मारहर कीहान बार्टि बाबा श्रकान श्रिथा नामीन कतिया बाह्यस्य वर्णस्त्रा নান্তি কট দেন। ভাঁহার কারাবান ছুর্দানা প্রাপ্ত হইরাছে। তিনি রাজনাহির জঙ্গে র নিকটে আপীল করিয়। কোন কোন বি ব্যে নিজ্তি লাভ করিয়াছেন বটে, কিছ সম্পূণ বলে তাঁহার আপবের শান্তি হয় নার ৷ নিম্ন পত্ত্যের শেষে তিনি লিখিয়াছেন ''নীলদ প্রেথর বর্ণনায় যদি কোন সহায়ার সন্দেহ থাকে, ভবে বারেক এ প্রেকেশে স্থাপ মনকরিয়া নীলকরের অভ্যান্তার ও বিচার थ नाजी ७ जन्मरमत्र जवषा जनकान जवरता कम क्तिएलरे वर्षिक भूष्टर व अक्की क्यांव প্রতিও অবিশাস করিবার অধুষাত্র করিণ थाकित्व मा। १ अहे जकल (मित्रा स्वित्रा कि त्याथ रुव, वाक शूक्क त्यक्त रेजित्वाभीत्व रा अट्टरभत्र अवृद्धि कतिएक जर्मना अटन भ अश्हात्र कत्रिद्रक भागिशाद्यम ? मीलक्दत्र वा अथन व्यापात काकगन साटक्रवन नहां यका आख बरेबाटबम ।

काकमन मारहर चाहरमत मण्ड्रं विश्व तीडकांद्री हरेगा श्राकामरभत कत इकि कतिरकारहम । ১৮৫৯ चरचत ३० चाहन चनुमाल कर्म हक्ति विकासन सूर्य (४७३॥) ८ तार्र विकासन १ (५७३॥ स्टेशास्ट

क्रमहाह काकी हात्रा चावनाक् भारतक की नेपाल जाता. विद्वर स्टब्स माहै। अन्तरन छ।हानिका क्यांत क्यांत क्रिक 'निर्मन कतिमार्थ काकजन गार्ट्य कर इदिस कांका विष्युद्धन । एउन्हें काटनहेट क्रात्मत्र वामाध्या एरे त्राटश्न । अकाता नक्रम क्षंत्रांमक्य विठात्रामदः चानील कद्विशदः, अक्टन नव बार्टन शिकक यांश करत्रन । किछ अकाता नर्वश्रव दरेल । योहाता का राषित्रक रेमनिक अमसीवी कतिवात रेका करत्रम, खाँश्विर्शत मत्मात्रथ भून हरेबात्र विलक्षभ महाबना स्ट्रेशांटर । चामानिरान् আরো আত্যন্তিক ফুণধের ইইতেতে, যে বস मिनीय अवर्गमण्डे अविषय छेगानीत हरि ब्राह्म । कुछन लिक्ट्रेनके अवर् क्रिके दिलात क्वां क्रिया (यमनु क्वेड्किकांत्री দলের অনুরাপলাভ চেতা করিয়াছিলেন, প্রক্রাদিগকে নীলকর মুখে সমর্পণ করিয়া কি সেইৰূপ অনুৱাগ লাভের চেন্টায় আ ছেন > যদি ভাঁহার সেই অভিসন্ধি হয়, ভাষা ছ্রভিস্ক্রি সন্দেহ নাই। প্রজাকে উৎসম করিয়া কোন রাজা অধ্বা রাজ অভিনিধি কখুন অভিষ্ঠ ভালন হয়েন नारे। बार्चकाणिक रेजिए:म এदियात्र आफ्रा প্রদাম করিকেছে। লাভ কানি**ও ভার**ড कृभिएक निर्दर्भाय त्यांविक कांद्रा भाविक क রিয়া জীর্জিকারীদিনের সম্ভোগ সাধন চেক্টা না করিরা প্রকারকা করিরাছিলে ন, ভাহাতে হিনি প্রতিষ্ঠাভাজন কি অপ্রতি ঠা ভাজন হইয়াছিলেন। সেই প্রীর্দ্ধিকারি য়াই কি শেষে সেই লাভ কানিভের **প্রশং**সা গানে উন্মুখ হন নাই ৷ কোন জীৰ্ভিকারী কি প্রাণ্ট সাহেবের ন্যায়পরতার অপল্ পে সাহসী হইছে পারেন : জাকসন সা হেব দে 📆 ধাষ্য করিয়াছেন ভাছা নাার निक् कि का क्लामिनीय शवर्गस्था आह (वाटक हैं ' (अन्तरलंड यक सरेश ' अन्त्राहरू व्हित केंद्रिएक श्रो**द्रम** । পরিশেবে বসকেশীর গ্রথবৈক্তব্রু

হারদর্শনার ধ

মনুবাসাত্রই প্রায় বার্যপর ে বার্যসি রতা বর্তমান সভাতা ও নাংনারিক ব্যাপী तत्र अक्षेत्र व्यथान मह्मूहत्र । अरे रक्ष्म থাৰপর বাজিকে দর্শন করিলা আনাবি भारतिका करण मा। गठकान्त्र अवकार वाखिएकरे पार्थमाधनाथ किन विके चयलस्य कतिएक राया यात्र । किन् वर्ष तिहै तिहै सिक्तित तिहै तिहै विकिन् वाक्रा शरबंद्र समियी काथिए का एक अनुस् त्क्ष्र काहात क्रक्तियान करत मा ने किस वर त चार्थलक्ष्मा सर्वनायक्ष्मात्रमः चनित्केत् (रजू श्रेता छेट्ठ ; अथम सामगत सास्टि चानन चंडीके नामनाच निर्मान छ निर्दे ए रास्टिक केर्यम स्वित्ति क्रिकी गांव यथम (नर्दे क्रिकें) जाधातरवत्र विकं नोमन् म्पानित क्षीत्र वर्षम ७ अविद्यात व्यवस्थात इन क्षत्रिक्ष क्या इत, स्थनरे सार्वत्रका একান্ত দুধাস্পত্ন হইয়া খাবেন, ভগনই তত্ত্ত লোক মাজেরই ভাষার প্রতিবাদ লায়া ক র্ভব্য ৷ করেক সাসায়ধি করেক জন সাম ন্তরির একটি স্বার্থপর অসৎ চেন্ডা স্থান করিয়া আমাদিশের অভ্যক্তরণে কভাভ

द्रोस्टवंद्र मञ्जास द्रोका अक्ट्रिक स्व, ্র নামধারিদিশৃকে বিভাগ করিয়া দেওয়া বিভ ছাজিয়া দেওয়া ক্ইবাছে ৷ ভীক্র ^{उत्त}। **छात्रक्वरंबद्ध** 🏄 🎜 🍇 🚜 भारति | हेरानिश्वतः निविद्यत्य मराप्रकाः क्रिक्टिए । '

ও অব ইভিন্না করেক মাস অবধি হায়দ বিশ্বক মাস হইল, যথন মধাভারতবৰ্বে রাবাদের কর্ণেল ডেবিডসনের চরিত্রের । যতন্ত্র কমিসনর নিযুক্ত করিবার প্রভাব **थांक् रमनारतान कतिता चानिरछिहर-ंन, ो** इत्त, छ० कारत रहेम्मल नारहर निकारमत তিনি উপরিত্ কর্তৃপক্ষের কোপোদীপন क्तियांत्र क्षंचित्र व्यक्ति क्रांत्रम मारे । जिनि ৰ্লের, ভত্তে। মৰাৰ ভূতন সমান চিত্ৰ বাম । স্তৃতক ব'লা পভৃতিতে বায় করা হইবে, হতে হরিরা লইরাছেন; এবং কর্ণেল ভে বিশ্বং পূর্বে গেমন এই প্রবেশ রেসিডেন্টের विकास पूछल छेपविके इहेग्रा हेश्ताम । हास जिल्ला साथा किया विका कर्याता ' एक मृद्युकाटल न्यंकोष्करत कहिसारकत. क जरूल विशा स्था, उथानि चेक महाम ভিরা বিরত হন নাই। জুনিয়স তদানীখন 'ধান সেনাপতি লাভ আণবিলকে প্রথমতং হ গালি দেন, শেবে ভাঁহার মৃত্যুর পর ोटक विदर्भाव बलिया जाविए পाद्रवः

তাঁহার অভিনয় পরিডাপ হয়, কিন্ত 🖟 ামাদিগের 💐 বিকারিদলের সে হভা मद्र । य कात्र । श्रीवृद्धिकात्रिता कर्पन ! अविज्ञास्त्र ७ शासन्त्रावारमञ्ज निकारमञ्ज উপরে এত কুপিত, তাহা এক্ষণে আমরা জানিতে পারিয়: ছি। তাহা এইঃ---

🎍 প্রসারেণ হেন্টিংস এতদ্বেলীয় রাজগ ब्ह्य मानव मृख्टल दक्ष कतिया द्वाचितांद्र 🙀 🗸 নৰসিডিয়।রি সালাখাসেন্ হ তি করে হিন্দ্র ছুল তাৎপদ্য এই, যে যে রাজা क्रीकृष्टि, बेदान महस्क हरेत्व, टॅंडाव हारका **কুলুক অহত্র দৈন্য থাকিবে, ই**ংবাজ মে **রালিকিন ভাহার অ**ধিনায়কত, করিবেন, केंद्र विस्त्रित বেডনের জনা সেই শক্ত । विश्वीदकीक विश्वपश्य शिक्षा पितान । **ই সুকল কৈনা খাকাতে রাজা বহিঃ শত্র**র

'श्राद्य । देर दिएम् देखां भरे, । छेशख्य स्ट्राफ शुक्क स्ट्रेलन यटि विक छेहात्रा व्यावात - এছরী স্বাপ রহিল। दर काहामित्रत ताला महेता विद्वाहिका निकासित द्वारकाद एवात अरमन धहे नि সহিত এই বন্দোবল থাকে যে সেনাগণের विका अकृति मिहा त होता छ मृख थाकि পাঠকগণের স্মরণ থাকিতে পারে ফ্রে । ত হ ভাছাকে প্রভার্পণ করা হটবে। निकटि श्रन्थाव करतम, विद्रारतद छैर्छ **छे.का निकायत्क ना मिश्रा (मर्ट्यात आहिक** अधित अवमानमा कतित्राद्यम । यमि १ क वित अधीनद हुरेटन । कलकः छिम्मल मा র্নেল ডেবিডসনের বন্ধুগণ এবং তিনি নি হৈবের প্রকারান্তরে এই কথা বলা হইস যে বেরার প্রনেশটিকে ভিনি তাহার ফুডন ক্ষিসন্ত্রির অন্তর্গত করিতে অভিসাধী হইয়াহেন ৷ নিজাম ইহাতে অসমতি এ काम कवित्सन !

वितात महाताकी प्रिमिटशत निक्छे ह हेट बदन करके लखता इह ; हेहा ভাঁছার পৈতৃক রাজা ; এতৎ পরিত্যা গ কবিলে ভাঁছাকে কেবল প্রজাগণের निक्ट है नम् धना धना ताकशर्भन निक টেও খুণিছ ও নিন্দিছ কইতে হয়! এই সকল বিটেছন। করিয়া তিনি তাহা পরি ভাগে করিছে সম্বত হইলেন না। পাঠক **११ ! शहिकाति किरशद कि अस्** ७ पृष् অভিজ্ঞতা দেখুন! তাহার পর গ্রহণমেণ্টকে व्ला इहेल, (ब्राद्ध र, दर्शभयुक्त पाय হয় বা , সাধারণ ধ্যাগার হইতে অনেক টাকা দিতে इत। किछ अनूत्रक्षान पाता **अक्षामिक इंहेन, उथाय आंब्र** 🍎 कि काणि होकः आग इस्ता थाटक । बाय वाटक कटन्न क लक्क द्वाका छेत्रुख इव। এ फिरक स्त्रा লাপুর বিনিময় করিয়া প্রক্মেন্ট নিক্সা মের নিক্ট হইতে গোদাংরীর ভটিছিত

कियान सर्विद्यान त्रवतात्त्रक छेर् দ্বীকা সোদাবরীর গর্ভ হৃতি করিবার ট্রিড क्तिरवाणिक वृतं, देश दिक्यान नाट्य अ के शिव क्ट्राक कर शिविकाति महाटे रेका हिला। किंद्र अर्थन चात्र वलपूर्वक ত.হা লওয়া সম্ভাবিত নয় ৷ লাভ কাৰিত বল প্রকাশের ফাল অতীত করিয়া গিলা एन। वित्यवन कर्नुत् छविष्यम निका মকে সনংপীড়া দিছে উসমত হন, ভাষার अनुताय अनुनास ब्रीस्ट्रॉटमके टिम्मन ना द्द्रवित्र अकार शाक्ष्य क्रितिस्त्र मा। **य**के জনা কণেল ডেবিডসলু ক্রেও অব ইতিয়ার দলের অথিরপাত ছবানেন। ইতিমধ্যে নিজাযের কার চিত্র গ্রহণে অসমচিক্রপ मूर्यान जेनिक्ठ इहेल। जातं कि: अम नि निष्मामरक विश्वामदाछक, विद्वाही প্রভৃতি উপাধি এখান করা হইল টিউনিয় ভেবিডসন অসার অপদাধ ও স্বীয় কপ্তব্য ক.র্ম উপেক্ষাকরী প্রভৃতি বিশেষণ দার: निष्मिण ग्रेट नागितामा छ। अवस्य श्र ব্রের সাহস পৌরুণ প্রভৃতি সমুদায় গুণ্ विकल हरेल ।

ইহার অপেকা স্বার্ধপরতা আরু কি আছে ১ এক রাজা পৈতৃক রাজা পরিচাগ করিতে অসম্মত হওয়াতে " 🛍 বৃদ্ধিকারি **प्रत्यत्र , प्राचीके जिल्ल इंग्रेल न. । इंग्**रेस ভুল; অপরাধ **খার কি হইতে পারে** : রেসিডেট বল পূর্বক ভাষা লছলেন ন, फ्र**७५५ भक्षाकिस्भ म्**ख विश्रम हान्।मे कि (क्वम काश्रेष अञ्चलद्वारम्य श्रीदेरम्य হওয়া সম্ভাবিত হয় > 💐 বৃদ্ধিকারিদলের 🍇 অস্তুত বভাব। কণেল ডেবিডসম गणি বঞ भूर्चक विकास्त्रत तांचा लहेरच्य, धवः चन्न लक विद्याद चिकि काम इरेटन हिस 'श्वरणद्रश्रंद्र (कोत्रवर्षन्य, भाषात्रद्रशत्रं िछ 🕾 कर्द्धना कर्म मुम्बद्ध क्राप्त नाधन कविशास्त्रन विल्या कें इन्द्र अवश्मात मीमा थाकिक मा, किनि भनाम कतिमा अक इति अ ক্রাজার সর্বস্থান্ত করিছ। মূন পীড়ার্

टिश्व । जानहा ना यमिशा व्यक्तियम अकृद्ध रेशोडिंशक विकिशाय द्वितक ना हिल्मा कृष्ण कृषित निविष जनाति ७ मा । यानावियार व्यथा । अरमटन वानाविवार व्य क्याकात क्रिक्स काश हेशाविद्यंत्र निकटि क्रांबा कर्ष देशिय भतिगाँगेक स्देश शास्क

मानिक्षाम कृतीय टेवलिक ट्यनीव भगाविकाल क्रमानक व्य**व**ी भदिवर्श कड़ा देखिया ... कि वि

धरे चिवान क्षेत्रक जानमध्य विमाख नानीम् अक्षा अखाव निविद्याद्य । अखा क्ष भार कार्बिश स्नामानित्वत्र संगटन यून शर् कार्या म अ भनाकाम खेलतह छेशदि क होरेन । आकारमद्र विषेत्र अहै. किनि क्षक (ब्युट्न क्रिक्कान महकारतते, वंकान ्यक्षेत्र क्रिक्षिक श्रेष्ट्री क्रिक् कृतक्रमात्र व কুইনিত প্রধার দোবোরের ও তৎপরি बर्फ़ूर्त, ८६ छोत्, मारमवास प्रेत्राटहर । अना का राम्य विषय अहे,"हिन्न सम कूमश्कादनत প্রাছ্ডার উংহার অব্যক্তকারকে সম্পূর্ণ बर्ण भूतिजाभ करत्र बाहे । भावा ७ पूर्कि बनुगारत कुल नवरकत्र यक कृत शतिवर्क क दिवात गढावमा चार्ड. अरु कूर्नस्कात ध ভাবে ভিত্তি ভুত্ত হাইছে প্রারেন নাই।

मामद्रा भूटर्व करवात अभिधिक देवनि क (क्रांनीह कूमसबरफाइ विषय ध्यमक क्रिया दिलांब, त्यां शुक्त, शांठकनार्यत नात्रव वा बिट्य । और टब्रिनेडि क्रांस गर्ड भर्ड नवस क्षेत्रा वाटक । महिन्द्रकिते चट-शिक्षाटक (क्ना भटबाद (के मार्च भट्ड) विश्विमान विका बिह्नी के वे विकि चालन कमाने करवन मा सरिएन कार्य कार्या किया कार्य दर्बोंद्व भक्षा क हम अस्थ मन दिविक है। इद्वी क्रीकात निकान चात्रक क्रूटबर । क्षि अवेट के जानि महेरक वा स्ट्रेट के अवक के क्रिकेश का वा ना क्रिकेट व्यापन के प्रति CHREN PIETA WILLIAM WIND P

हे के करिएक का राज्य गरि हू

किनान वाक्रियाद्वरे छा । सनावादन बू ৰিভে পারিভেছেন। ইটা একটা নিঃ চলিভ বাকাতে শরীর, সমাল ও রালনীতি नःका**न्छ त्य एप व्यक्तिक प**ष्टित्यहरू, देवनिक निर्मित्र वाश्वमास अवात त्म मकलश्वनि 'আছে। বিভারিত করিয়া দে সকলের ঈ लिथं करा 'जागा जानामिर्गत जिट्टिक

अक्टन शक्क निवरसन चनुत्रतः कतः यारेटल्ड्र । कुक्टन त्यक्र अवा अइलिए আছে, বেদার্থীগীশ ভাহার পরিবর্ত্ত করি श और क्रिटिंग हाहिएक्टिंग एग अथन स्व মন অশৌচাক্তে ৰাগ্দান হয় সেৱপ না ম্ট্য়া ভিন বৎসরের পর সাভ বৎসরের ष्रदेश दोकनाम रहेरदे। छिनि स्व युक्तिव ব্দনুসায়ী হইয়া এইৰপ নিয়ম কবিতে ় প্ৰহিতেকেন লৈ এই--

্বামালিগের কুলসশ্য প্রথা এক্দের হে বংগে নিস্থানিত ছইল্লা পাকে, ধনি ভাছার কে ন অংশ ক্রমণ: শাল্প বিৰুদ্ধ বংগ পরিপড় रहेताए किया मृग्यावर रहेता उठितार अवक ह्वाथ रहा, खट्ट व्यवनाठे शोबात विद्याप रहेट्य रय रत्र कारम शतिवर्ष कतिया निखक । भारत সমাত্র কর্মা হস্তাবিশ্যক ৷ শৈত্রহ্মা কন্যা পা-रखद्र कछ बग्रुटम ও निवादमद्र करू जिन श्रुटकी বাগ্লাম করা কর্প্তব্য ভদিবতে শাল্পে বি নি য়ি আহৈছ, ভাষাই অশুসন্ধান করা **্র**িধেয়। ত হাতে কাগার প্রমাণ কলেটিনিড मक्ष' शंध्र, वर्षा,

জ্ঞান্ত্রপ্রস্থার করা বিশাস তে । अकाः द्वीरू करवावज्ञ मनं नर्त्ययु निाडामाः। कट्डाबान् सार्वेशवाः वावटमकः भव हि । ক্ষান্তঃ পার ং প্রারকান। ং প্রিয়ান্ত্রনিতি নিশ্চরঃ। ৰাকপ্ৰভাৱে ৯তে ডব্ৰ জেবুঞোডৰ্ডইছেং। ि हिमा ह उर्फान होना ह कर्न देखा है। অন্ত্ৰি জাৰাধ চুছা কাল প্ৰায় ক্ৰা

बद्धारा महाः त्योह हेश मई वर्त्याह विका मा-প রূপ বিধি। আরে চুকু। অবংধি বাগ্রাজ भूर्व अकार मात्र कारने छ । यान्यां अवस्थि । वन्नाक्ष्म शहरमहे यत्रभूक्ष कर्मामान किरा

निष्ठत । अहे बाज् शास्त्रत शत्र क्रिकेट स्वर्भ हेश भिड़दूस । वहसूत डेस्ट्राइट स बेहर चात नः अमारमत शत रक्वमें चेंदू है स्क्रिए च्यदन्तीह रहा।

बोरिक कडरम नाग्मीकार काम पार्ट कर নিৰ্পিত নাই, তথাপি চুডাকাল 🤏 🤻 দান কাল নিণীত হইলেই ভাৰাৰ স্বা ৰে যাগ্ৰানের কাল ভাষা ক্লেয়াং নিৰ হটুলে। অভএৰ চুড়া কাল মি-রে ময় 🚶 क्रार्ट्स वर्षा,

हू फालक विकाधिता १ मर्द्सर्यात्वय सर्वाक यां कर्जवाः - ज् व्यथ्दमस्टमं कृषीरत

গৰা, অম্বান্ধকা ভূ কাৰ্য্যেয়ং জীপান

मरकातार्थर महोत्रमा प्रथाकार यथा लाक्षरभद्र ७ कजिब देवमा नकरनड़ বিধান হৈছু ধৰ্মতঃ প্ৰথম বৰে বা ভূও हुड़ा कर्म कर्मवा। जात क्षीतिरगत्रः त्रः कातार्थ भूटकां क वर्थाकात e यश्री मध्य जिन्हा कसाण व्यवस्था गण्या क्रिक्सिं।

जांगक्रदबन्न बह्न रेवा, जनाज्य जीदन वटवं ह् काकत्रविधि होते. অনেশ্য ভূতীয় ধর্বে চূড়া ক্ষরণ ক্রেবক। চুকা কাৰ্যে ভূজীয়াকঃ নৰ্ব চ্ছাভিন্তভ চুড়া কৰ্ম ভৃতীয় বৰ্ষেই দৰ্ম গৃছ। ছি নান্ধ

क्षेत्र नकत बहरत जिन बंदन में गर्दे हैं। कांग विश्वीतः एकेश्वादकः व्यवश्यिकारमञ्ज শ্ব ডিডে অভিন্নদের কর্মে বিজ্ঞাণিত স্থ **कड़ेन्स् करवर श्लेखी सवयंत्री ह स्ता**रिक बनरम कराका ज्यास्त्रा चाक्केसर सम्बद क्रमाद नवदनहरू आहे अ समस्य कराको हुटे ध्यमाक्ष्मा क्षांबरक्षम न स्मानः कामस्ति । म् अस्यरमञ्जूषिर निवादः ३ ৰবাটুয়াঃ শগতে র:জনস্থা দ্র্থককিছে:

चाडेबनीय कमालाइन (धीर्वीनॉम, -भ्रद्ध द्याहिनीलाम भगव्य कम्प्राप्ताद्मर र्रे, देशंद्र शर्द्ध इज्लंबना क्या चाउनिय एक न्मर्गार नरक्षाना भवात विद्रांक, हैंसी । खुन्न नात नानप्तांच स्ट्रेपिक मा जाट

THE STREET SHOWS

খংসা. ারে সর্বাগেই কন্যার বিবাহ প্রশ ल दिश कर्नाए कार्य इ**हेटक क्रांस वह**रमञ् ं कन जान कशिएन धन्द्र शक्षिक कक्षित्र है।

.इस्थ ज्यामा यहरम् हि रिन्द्र अहे 🛷 নিশীত ছইমাছে। জাত্তত্ব যথন তিন ात शर्व प्रस्त कृष्णकारा अ काठि वरमर अतः रम वश्मत्र भराष्ट्र विवाहकाम नाटक विदि **হট্ল, ভখন ভিন বং**সরের পায় ১¹৬ বং-। প**ণ্যস্ত বে কন্যার** বাগ্দান কাল । এরিন **এত, ভাহাতে আ**র জোন শের বাল

धाकरण अवाभितात बक्तना धरे, त तिबीन " च क्यानख मुज़ाखः यज्ञ कन । নতে হৈ ইত্যাদি শাস্ত্র এমণে করিয়া বৎসরের পর সতে বৎসর প্যাস্ক বাগু রে কাল নির্ণয় করিবার চেন্টা পাইনা , किन्तु अनूभावन कति:! मिथिटल अ ना भूगक व्हेरच्टक ना। हूज़ात शतह ান করিতে হইবে, উক্ত শায়ে এ म्सः अहिराज्यस्य मा। जात, त्य भनिरकेत निवाह ने ८६की वहरकाव, हैका कतिया त িতে পড়া কেন । প্ৰভাৰ লেখক কুসং লারের প্রান্ত ভাব হইতে যে সম্পূর্ণরূপে মুক্ত इंडेर्ड शार्त्व मारे, अर्डकी नि काश्त्र कल। ধন অশোচাতে বাগুদান না হইলে যেমন क्षा ७ करें जिनिहिंड इस, मक्षम करवें गरे क्ल हरेरव, **जाहां**त्र **लंद मनम वर्**यद ार्था विदाह कि:। मन्मन्न कन्निवान कर्छ : এত কন্ট স্বীকারের এযোজন কি: িবাছের সুই এট মাস পূর্বে বাগ্লানের নিয়ম ক ুঁরিলে শার ও যুক্তি উভয়ই অব্যাহ্ত बाटक, व्यथक अवकी विश्व करोकत भाखा. | रेका भाखा ७ युक्ति छैटा तत व्याप्तानि েশক ও যুক্তি বিৰুদ্ধ বন্ধন চইতে মুক্তি লাভ হর । যাহাতে এত লাভ, ভাছাই ्रक्ता कि क्खवा नग -

্বেশান্তৰাদীশ নিতীয় পাতে কলা 🖯 वर्षा छः कत्ररंग छ। इति अनूरम' पन कतिए । अथि अहे तूर्शिक क्षया अहितिक श्रीकृदिक बाका वृद्धीक शक्तिक स्टेवात महावन.

নাই : এছলের আরু একটা কথা আঁমা লিগের নিভান্ত অফুচিকর হইতেছে। প্র क्षांच लाधक इक्कांत्र शास्त्र कनामितित त्रजूत्भाषम करत्रम माहे। प्रजः व्यवा स्थिपीत ल्लाटकता क्रकमंत्रभादत य क्रमामान क िटिश्टह्न, खादा कि व्यभिक्ष ७ व्यथ्या ४३ তেছে - বৈশিকত্মেণীর মধ্যেও কি ক্লত দার পাত্রে কনাদান প্রধা ন'ই : রুডদার পাত্র স্থীকার না করিলে সপূর্ণ রূপে কুতা ৰ্থতা লাভ সম্ভাবিত ৰহে।

(सक्त काया कविदल क्रूडकाया हरे बांत्र जमधिक जाग्रावमा चाटक. अ.स्र'क লেখক ভাষারও উদ্ধাবন করিছে পারেন नारे ! क्वल विमय वाटका देविककिनिशटक **এই विषास धावान्ति विधान कविवास धान्**रसः ध कतिरल अञीय मिषित महादना मारे : रा क्षमत कुमःकात बाता बका । উপहउ হইয়া নিভান্ত শুষ্ক ও কঠিন এইবা 💵 রা ছে, তাহাতে কখনই এই অনুরোধ 😉 বিন য বাকা এবেশ লাভ করিবে না ৷ তাদুশ কুণ কাবাপন্ন গের একবাক; চইবার সম্ভাবনা কি > কুলসম্বদ্ধকে গভিত বলিক হাহাদিগের দৃত্তব সংক্ষার জন্মি:। छ। श्रीदात्रा निक्का । देखा क्षे आवस क्या ন , আপন আপন কনার বিবাহ দিবার অব্যব্যিত পূর্বে বাকু দ ন করিবেন, গভি ऋ) बड़ हुई न। अहलिंड कुलम्बद्ध शहिबर्ड कतिवात करो विश्वविवासामि अञ्चलक করিবার চেন্টার ন্যায় ছ্বাহ নহে ! এবংপ পহিত ব্যবহার অন্য কেনে ক্রেনীর নাই। ত। ইহা পরিবর্জিত ফইলেই শাস্ত্র ও যুক্তি উভয়ের রক। হয়। এ কুৎসিত সঞ্ ন্ধ পরিবর্তিত করিলে ত্রান্ধণা হইতে হীন হইবার অথবা জাতান্তর সন্তামন্} ুদ্দের যে প্রস্তাব কবিয়াছেন, জামরা নাই;কৌলীনা পদও অবিক্লড থাকিবেন क्रि । विक्रिक्ष मिन्न ना कडित्त कूल । या या मरख : व्यक्तिक विग्निक्ष कार्य क्रिक्क निवास मिन्निक्ष में स्वाम वर्ष क्रिक हरेटक निकृषि हरेटने। ता कार्रिक क्षा कि कि विकास कि

थन, दशक्तत्वाका सक्तिरणात्रा एक क्षेत्र नुमत्रदेश व्यामुद्र म्हेर्डद्रम मा, हुन मा माना त्यराच ७ विचएत्रहा विवत्र नटर् के वित्यांना चात्र कणकाल चत्रुमक मार्कि शिक्ष कर लाक करत की क स्त्री भागना भिरमप्र काशुक्रवका । काम ध्यार बार्समीन **७ चटमरनेत कान्य करिएका** । **

व्यार्थना विरश्नक कवस्तु ।

(संड श्रेटब्रेड्स (संच हे) 🥞 🏸 : কগদীশ্ব ফাপদ প্রতিতিত নিরুদ্ধিন कतिया काम: जिल्लान जा काका श्री क काम की ज क्रश विद्यान क विश्वास । क्षेत्री द्वाचीका विश्वास वि-. । वाथी कंग, स्नावि हैं के निभएक किस्तामा क्रिया एव , प्रायत्। वसम आधि बरगत स्थानः सन सम्भा छो। र्चन (करिः धार्ततः) क्रांकः व्यामहाः सम्बन्धः वीकांत्र ावमः की बंग नाम, डांकाल निकरे प्रांतरिक्रणा কৃতস - প গাস্ততাপানি আকাশ করি, জীচাকে নামাদিশ্যত পরম জ্বন্ধৎ জান করিছা এপ্রেন্দ जार' गर्थन औशह मिक्छे जानावित्तम के केटर व क्या वाक्त करि, उसम चामापिश्वर व्यक्तियः एंडील स्टेटन किलामारन की होता निश्चन ठळ थू-ৰ্বাজ্ঞান হউতে বাধ্যুগাউটোক : **জগ**ং পিত র ७व की उनक्या, खाँशह मिक्टे क्रुविंड। अक:-नकता अनेटबटन खाँबाव म्बिशास स्क कांत्र প্রদর্শন করিয়া প্রধিদা করিছে কোন আপত্তি वियाशन कहा क्षम मेरे नक्षम अर्फ, निक्क मर्चन(स त कना शर्षना कतिएक आवँमाविद्याचित्रा चाशति देवाणम कड़िडा थारकम । द्वीराज्ञा व-टलम, गर्काम कथर तकुत्र कर्मभाग महित्स, द्री-शंद निरुद्धे कुवलका अन्यान कड़िक, कीवाब रतम जान पुरे कतियोह दल र क्रांचा किए किसा म् म बहेक स्पति छ। अवश वह क्छनार भक्ति-द्रम करा विश्वामिका मध्य यसकाम इष्, करव टकाम धर्मनरकात भागा भागात भागा क्रिका प्रदेश एक ्यामनिक वर्षमञ्जनमा मेचक खब्दिल प्रक्रिका प्रक्रिका वthe sais and attention of the states while अ जित्रेश व्याखन्देव ? वेद्यार (वेदिन वेदकार उत्तव क्षति अनुन करिएक भी हि । आकृत क्रमन क्षेत्रक गाहित्वमं धर्मवः स हे स्वा आक्रिकेट दक-य के भीना करतम अवेद शांश निकित्र में कि हा हा-दिक्षीर्थ । विश्व की देशा अन्य प्रमान विश्व

अछ। विक विकास अधिक अधिक लीएम । अधिक कार का के केंग्र के का का का का का का का का का AND PURE OF PERSON MAN THE PARTY OF T ******* **** **** **** **** *** ATTE WATER TO THE WATER WATER ना क्षेत्र का कार्य कि के बन्दे रहना संस्कृति के ना अभिनेत भूत्रितका क्षित्रामारत ह का देव। धानि with the state of the state of किया, छोटर क्षेत्र र कुर छन nin mart finin fine barat einem m. can, to introduce affe and a faretan. SHA MEN WAS BURN THREE WATERS WATE atten signing a language armining ship-क बार दगहे के का करिया के विदेश की क शासिका गाहित्यमा भी। कथम कोवानी कमा मारमञ्जूषिरक निर्मित्र त्व क्षेत्रदेश मधीरण राष्ट्रा कर्ते अञ्चलका नकार विकास कराइक जीव A PARTY WAY DESIGNATION FOR म त्रांका प्रकारिका कर कार्य कर्णा प्रकार कर किया । मोद्या कृतिमान केम्या क्रिया क्रिय कान बाहर मध्या व्यक्तित्य देश सर्वरण राजी min min treit lattig wat faft, was frie REPRESENTATION OF PARTY वेती रहता है असा सार्थिको करिया क्षतिक है कि कर The last the same of the same NAME AND ADDRESS OF THE OWNER, WHEN PARTY OF and the fact that the Marin efferen en dere bente क्षेत्र सन्। सार्वित्वस्य सन्। स्वीति Bergenter enten, diete s reger plantagen, und affelg नाम क्षेत्र नहक कि र शिक्ष केला Real Property and the same क्रिकेट का के अहं विश व्य प्राप्त का अवस्थित HINTER Y WARE UNE LEAR

the second to the late of the second A STATE STATE STATE STATE STATE अधिय नार हेम है अले १५ कि विर्मा अधिका सामन महिल्ले के के बाब कारत हिल्ले का क कर्न के क्षाता कार्यकाष्ट्र विवासम् । क्षानक मान द्वानिक्तातम क्षित्य क्षात्रतीय माक्रमीकि गारचंक्रप्रसम्बद्धाः सङ्गाततः सामा क्षेत्रके मार्क्रिक विश्वकामन अन्यक विश्वकार वाशिक, दक्ति निकृषे हर्षेत्र व्यक्तिया स्टेट्ड श्रीततान प्रदेश्य व्यक्ति वर्षमं क्लबीम वह छथम कि आवते। का भा अवना भूका बहेरा निटणके स्टेर, ना कार्यत गर्मा शास्त्र इतिर एतम म्यम गंछी सा त्र काकाई समीरलप्याकावाव आवर्षः विद्रास मीकि उर्दिश एम ः वाकिशिश्तप्त ৰ কাৰতঃ नेका मूह २ कथन साथ निजा निका काणह साथ बङ्का हीरेम् इक्क, तारे शिक्षा व हीर्म र शिक्ष ৰাকা ৰাকীত আৰু কাহাৰ ল'হাৰ্য আৰ্থনা কৰি व ? खबन डिवियाखी उ कांद्र क कांगोनित्यंत्र स्टब वन अवाक्ष्यकृतिस्वक ? तम नमस्य आवानिस्वत चांचादिक्षीकां वे वास ४ देश ए दिश्व विको প্রাধ ন। ক্রিলে কোড়া চটতে যেন জামরা বল धार्च होते. इकुद त्वम आधानित्यत मत्मत पृष्ट् हो वृष्टि क्रियो त्वम, क्रांभी तृत्वत असूत्र विश्वस मनिरमं रही है के बिया रहन ।

Siempf weinig wieninfon wer aff मा क्रिक्री बंदेकन। क्षार्थन। क्रिकांच्य वाक्तिक वृत्तिहरू नर्रावंत्रक्षक धर्माङ्गकः। चाठव्रत्व वयुनी-माना विकास क्रिया क्रमा आर्थमा क्रमिएन स्म आर्थिया वर्षम मध्यांग्राधाक कर मां छर्चम अन्तर वा क्र वर्षाहरूदे सहस्र जारह किया छोट्। यो क्रां-ৰেয়া কিঞানারে ভাগার ধর্মবল রক্ষিদেভু প্রা-क्रिया कहा बंबिएक लाइह ? विविध ह्यावडी ब्याबि-CO नीहि एवं दमवाकि कर्डवा मिविटम बच्चवाम আহৈ তথাপি ভাহার ধর্ত্তবন্ধ হয়ি হেতু আমাদি इत्रत व्यक्ति। कतिवृतिहे रा किल्यारभाष ? शहरत कुलांत निकड़ कि गालि, कि ग्रांका अकरलंब है अविना कतिनात गुमाम कविकात काटकः विनेत्रः त्र निकं**त्रे अञ्चल**ांग कविएक, व्यक्तद्रद्र कर्गा अ কাল করিতে ও যাজক। করিতে কেন্দ্রীক্তিক बार्व। करव चारवार कमा केंग्रांक विकास अर्थ वर्शन प्रमान वर्ग महित्राम् अध्यासम् हिए स्वर् क्षेत्र होते ता कार्यात्र करा सङ्ख्या । अस Al magaza Peres miller fed an miller क कर्षा केनरप्रत नवास्त्रीताः विकास AND THE PROPERTY AND THE PARTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY

ALL MARIE SHIP MENTERS प्रथम केट्सिक्ट क्या क्या केट्स कामाहिस्त्रम् निल माचक्र हिल 平海科 作 中语 中海 经营产 मायोगिक हामें दान वामान स्था THE WATER BETT IN THE क्षरण सकात के समझ है जा क्रिकिट्स जानत्। तिल्हा बोकि ८६ व **टबरणह जाकानस्कृतः सं उपित्रत है** क्ष करम बड़ा स्थादिक विकीन सके मुक्तम दिवासात दक्षम अपूर्ण स्थान प्रवेश्य । जांच कक्ष ज़िल शहर हो वेगक्ति प्रदेश की आवंग पाताः विक देखांगजीय बाद क्षिप्ट अव ना वर्ग रक्षान गणिएक मुद्रशास् रेरक पुरेकृति कथन कानमा हुए र किया बाकिल हैंव क्यार लिखे us fine more witter panier egra en l'Bi ? Guinta 34 रहेरम क्षाप्तक क्रियंग ह द्यार्थना व्यवस्थातिका सम्बद्धाः रक्षराज ४ ं अहे अविश्वा The same য় ভিত্ন ferrein faus at 7 - 4/1 en alfait albiffic e wolfe मात्र क्षि वांकान शाव मान वक केर जान वृक्ति के किए में Middli mart Sent 1 Men m म शाहा आक वर्ष कार्य कार्य THE RESERVE OF Digital to grant STATE OF THE STATE OF THE कामार असम्ब गाम म THE THE STATE OF THE STATE OF Print of the line of THE PERSON AND PROPERTY. कर्तन विवर्भक महिल्ला महिल्ला The state of the s

मध्यकत त्यम हवा ना अधिक विकास मिश्राष्ट्रि त्य महिमान के किन के TREET WEEKS THE STORE WIS । क्षेत्रे एक स्त चाममा कांचि क्रांचितियो बाव

हित्य हो। जुलाई केंद्री क्रिकेटन कारू। विका क्रांस वीकि में नहीं मा। शा ्ट्यम क्येन्यक्रियंक्य हायम अवन्ति कार रहा अञ्चली करेगाह अनुसन होक মুর্বাছিলেন। তে পভিডপাবন ! ডাই: क्षित्र व्यवस्थात्व त्यामात्र व्यवस क्षाल क्या खादाविटनम वीवादीन म-विकार को द्वीविशय का वाज विकास क्षान कर्ता है। आर्थना क्रिकाय फिरमन िक्षांत्र क्षक विवरश्वत खेरमाथ कतिरकति क्रिशित शहरमचत्र मर्केष विशा-क्षिनित्यत अखरतः योविदा गर्या हिंदी ^{क्}रीय चाहम स्माम स्मार कि े किम कविद्यायात नारे क्या हि अक्रीचर्यानि मर्स्यपद अक्रांत क्षत्र श्राटम व्यक्तिके"— क्षत्र क्षांनांद्र क्तिका जा न पुर्णि जनत्र TOTAL STATE OF THE বছণ প্ৰাৰ जारभवं दे व्यक्तियशिक मारगाहि हटन काय हो क्रिकेट अध्यान नाक क्षा भवर्ष रहे वा भूजारे जागावि कि। रक्ष कं बिरिक के बहर सम्बद्ध ।। केकसरमें आसी। सर्विश्री संस्थिता া এটিড হ'ব উদ্বেশিক ইইলে ভাষায় मिक क्रि । 🎁

ैविविध गरवाष 🐷 ১৭ই ভাত্ৰ গোৰবাৰ ৷

क्षिकेश्व रहेटड अक क्षत्र मिनिश्रास्त्र ৰ্বা বাখ্যপ্ৰকৃত্

দী আৰু ভ ৰকজ্যা উপস্থিত ছেইয়া-के ब्राप्त बहेरा अक वास्ति अ**क श्री**क ক্ষেত্ৰ কিন্তু ভাষার শাখৰী একংশ ব্লুটার করিতেছে , কন্যারীয় क्षेत्र महाराज्य । अधि विकास स्वास्त्राहि। त्यनुविशासिए हे अहे क्ष बालिएकत्र कवानवको THE WINDSTEEL ! AWEN विष्युनश्चीश्राक्ष

स्ट्या । ज. कानिसंद्रश्रही अन्ते , पानिका प हेरार जनस्ति केस्कृत केसीकार १८० कार्रेश वृक्तिराक भा विलोध हो। अध्यक्ता विवासिक 五次部 富門寶典

সঙলে সম্প্রতি এইটা ভয়ানক পারি পাও হট্টা প্রায় ২০টি বাসি ও বিশুর সলাত্তি বি-) পরিজ্ঞা শীকাজার ব্রীটার্টেন বালয় দীর नहे दहेगाहरू । 🛧

बावस्थानक मणाह्य भूछत्रुकी वहा बिटकः व नामा (करवन सुक्ष) क्षेत्रारेक । निवित्रिश्राम क्रिश्रम बर्ध्य किथि क्रेक स्वत क्रिया कि क्टिंगन !

क्रिकिम म शहसम् विधारेष्ठ गद्धर अन्न क्रिक জ্ঞার রুদেশ উল্লু পত্রের ভারতবর্ষ সংক্রান্ত विवद्यम् जन्माभक म्हेबार्ड्य । हेर्यःशीयनर्व প্রাধান পত্রে জ্ঞা পর ভারতবর্ষের বিবর ব-बार्च करण वर्षिक ७ विस्विष्ठिक वर्षेत्र मध्य इ नाहै।

अश्वासीय दाँ व कालिया भूसद्देश जन म বন হইরাছে। তিন খ্ণসর কাল ভারিবিভ তে ज्यं वात स्ट्रेबाट्स छासात कि कत बहेग ?

शक कमा बहे बोलां जीव जिम्हें अरू या-क्तित्र ऐशद्व रिक्रा अकथानि शांक्त्रि गांक्त्राहरू ভাৰাছ প্ৰাণ বিৰয় হইয়াছে।

विश्विमान शास्त्र अक वाबानमात विश्विमान অঞ্চল মৃত্যু এইমান্তে। সে ধরং বাইরাছে क्षपताः त्मर कोरार्कः वाकादैवारम् जारा श्वित्र इत्रे ब्राष्ट्री वेषाक्षेत्र रम्भागातः अहे नकत পাপের রংখ্যা জন্মণ: রব্ধি বইতেছে। 🐞

क्षांक्रांत्र हिन्द्रभागी यत्नम, व्यव्याधात श्रीबारवार्किका मरशा क्यांन रहेता। हेराटक व्यक्ति क्रिका हैरी प्रमान क्रिका मनी क्रूब क-बाह्यक्रिक्षक क्या बाह्य काबाधिशक वाह्य *द्वार्थको स*्थान स्थाप । १९४४ । वर्षेट्या महाहात विकासिती अञ्चान करतम हैर केल विद्वास सामित्र महिएव स्थाप छत्रास जिल्हिस आर्टी संस्थि भारतिक वा मा सार्वरिक व की की क्षेत्रक श्वाप रह कवाका कविशम भूटकी के क्षेत्र करियादेश

क्ष्यक्रमान स्मारकार न रवाय माखा नदानि खेनाच समक ह्यादनत निवासन केम के के कार के हैं देखें के ने की म पुर निवास निवस्य नुसन् महासाराहरू निर्मा अधिकार करिएक

क्षिक्रिक गाड कार्डिकिकिट के हा-क्रवरा जा-थ कात्रप्रार्थ न बाई माते महाता कि कि नीमसम्बद्धितात यह मचात्र महिन्द्र अध्यक्ष जा THE WHEN THE WAR WIND WHEN THE

A PERSONAL CALCALL SECTION OF THE CALLAND

विष्ण कर्त्रा नीमशिक्षिक शहर अधितन cons micros & tres a tire a tige of क्रांक्षेत्र स्थाने क्रांक्ष्मित्र हिमान क्रांक्र त्महानी महरन मश्रक्तिक किमेन्सिक श्रीकेरिका ाज मनिवादिस**ङ्ग कृतिकार्ड अवस्य स्था**नस्<mark>यान्</mark> कीन का देशारणन किए। बिराय में विकास रका-

न कातन बारे । बाराक क्रिकेट बर्टरक्स का शता सम्बन्धः देव क शक्षां क्षित्रं क्रिट्रिन । काटक **७३ वण मिरिक गाउँ मिन्ने वर्ड प्रदेश विवन**

বেনাণাড়িক বিশ্ব কৰাবা নিৰ্ভাৱ কৰাবিদ্যা यानिकिमारिके अवस्था आवित्तात विके व्यक्तिक कार्रिका (इन, जरु कांद्रम स्थापन देनना करेंग्र कांट्रा कि. ণোর বাবতীর কার্টের ছুর্ম ক্ষমিকার করিবা লওয়া কর্মবা। আর ছানে ছানে এমণ জেনা রাখিতে হইবে বে উল্লান্ত একট্রাইরা দ্রান্তি त्वान देशम्य कृतियात कृते। शास्त्रकृतिकार्या स्थ क्वार काराब निवासका किया कार्यका । केंग्र अखान नरमर महि क्रिकेट नमा म ভাষার মানার ইন্সেইনের পোরে, করিনা-রণার্থ বিশ্বিদ করিনার প্রতিষ্ঠিত করিনার চ

क्षणके ने गर्म का बेटकरमक गुना अके क FIRE MENTERS TREES MENTERS MIN M

कानदेशन वहींदक नेपाल का सामित A PERSON STATE OF THE PARTY OF THE PROPERTY OF THE PARTY. GOVERNMENT OF THE PARTY OF THE

क्त विशिक्षक कविरोक विशेष किया क्षेत्र नार्रहरूम 'प्रस्कृत कार्य होते हि अक्ष कामा प्रवेशास्त्र-। वेवास्त्रक इवर्षेत्र मुका लग्न छात्रलक छेर छन्न का জিবাল ক্ষিত্তে গালেশ ?

<u>এজনন্দ্রী স্কার ছাজারিবাগ, সালা ,</u> त्रवाह दूजा डेक्स विनहा विही हुछ।

ক্ষু জবন করিবাছেন 'ভেলপার নাম द्वरकेषु अस धामि धराव मान्ती। नीमाद्य विक्री उ वहेंदर ।

भारत अवन करियांद्रका, फुलारलक । क्षित्र क्षेत्र जानक जानान हिन्द आर्थ 'जिब मंबान क बडेंटन बडामबादबार क বোদাই বা উদ্ভব পশ্চিমাঞ্চলয় শাঁ जा विश्विक करेबादक्त । अवण कम : है या कतिवात करी शास्त्रा है छ । की किद्रमन्। बहेरका विषय्राद्यन । वि

প্রেছ একজন পর্প্রেছক বরেন আ। अक्षाकिरमञ्ज्ञ अधीन क्यांनी व्यक्तरका <u>টাত্র কিজিল কিজিল পোত্মসার করি</u> म । बभारमची म्हारक अञ्चलात वाहित

विकारक वे वालन नारमास्त्र अमा है । बहेबाटहा जामुखमदब्रक अहे द्वांग (ण

· ৮ই ভার মহলবার।

रक्षत्र क्षेत्रेरहाशीय रेगनिक शुक्त गरको र्केड लारण भारता उरमयुक्तां माटक संबंधक्रिक्टिकः महाब्रहात् समा श्रामा ।

্রন : অসাবান্য বলাল্যতা । वध्य कार्या अञ्चलिक स्टेटन हैंग. क्टिक क्रुडिन ब्लाएडेज भाग देखारक्ष

क्रीस 'य है क्षेत्रि कि 'य एक भागत किएन लि चिक्क क्रांक्टिक क्रिकेटिको, खोज उदमे १० १२ व्हिन वेदास केल् किर्म अमर्थि अभागामा जारम । स खन देशको **'स्थितिक सूची वटहै। किन्न वेशएक श्रीकान्नातित काशास केस**नगत वेहटक कहा है। জি ক্ষম মাজালা ও উকু লিখিত ১টল না., তে ভাক প্রেরণ করিভেন । সত্রতি ওক্ষে ভাষা আহার। বুকিন্তে পারিতেটি ন। ।

मामीट्स अवति भवपंत्रदक्षेत्र जवार दहे (कर) । एक्षण मान्या स्थाप को सम्बद्ध । कारीकार्यक्री कराज मान कश्चिमा निर्माणिका officers:

"我的情報"者"我就说"

मका कात्रविक भारत्व · 伊奇斯河南北京湖 湖本 湖南

र्न क्षिरमन्ने अक्रिमिष "महत्त्वक्रिक करेंद्रम ।

'বে ভেপুট ৰাজি ই ট মাঞ্চাদ চাইন্ নেই नेन्नावरकत बाह्य बालीम बद्दव, डिमि कर्र টাতা ভৃতিপূর্ব ও ভানির মদক্ষার বাব क्षा वे वेदेशारक्त । वाति देशनरचंत्र मालीता कि स्ट्रेंग ?

वाकाशी व्यापायक स्वार्शिकार्यय अधि वाच कतिवार्यक्त । जीवाब क्षवाम ग्रेस अहे कार्वाणिकां द्रारमंत्र त्कव गरमरभन्न विक व्हे-বে ভাবিয়া গৈড়ক সম্পত্তির সধান কংশ হ हे॰ छ विकास के के कि नाइन । ११ कि ही त्कवन त्व चीर्नगत्का काव मनिक धर्म सदः निर्वाष्ट्र काकिकिश कहा। व्यामाहिताद व्यवस ইমিখন গোকের মত ন' হটলে জাইন ছওরা উচিত নয় ৷ কিন্তু কত বিদা বাংকির ত্রেণ্ট দে

ই ভির'ন মিরার অবণ করিয়াকেন, আসা म बो ज्यांत्र किर्ताह कडी जला एरमह । त्यह तीका क्षेत्रक अवस्थन कहित रहस।

फेक्टम व व वन्नधमांच श्वारंगर बाहु अक यानि शत धाकाम कतिवारहम । जिसि शुनर्त्ता त्र है भिक्षीय लोकजित्वव नवाद्वित वानहः । क दमनीत वाकिमिरशत खाँछ नवामा अवन त्यत कथा निथिया हिमा है । है । सद्य अधिकारम लाटका निष क्षामन याने माहे बालग्रा गर्नन 'আ**ডেল্প প্রাথা করিবাছে**ন ।

कियो शास्त्रहेर कार्यक्षिक मन्द्रिक हा ভালিখিয়'ছেন, ছেরাটের নিকটে জলভান भाग वाञ्चिक राज्य भाग स्माप्त मध्य प्रतक्त आ अञ्चल कतित्रां शत्र विज्ञानदिश'रहर । व्याभीरत् य विख्य रेमना ७ करवक सन विचा ७ (अन्। १) ি : ত ৰওমাতে তিনি পিচিরা পতিরাছেন

একণে অনুষান করা হটুছেতে কলিকাতা हम अकात होका वादित बहै बार्ड देव । तु (छ रशत बना ৮) अक है।का दाग्न कर्रात । स्पूर्ण ७३मक है।कात कन्नगांव कर्। हर्। कलि ক্লাভাষানীদিশ্যর বিশেষ করিয়া জানা ক্ল वा के ৮१ सक शक्तिगार्थ बाहारक क्वम अर. बाह्र मः ह्या खाहात प्र'यी प्रहेरवन एक ?

शुक्त नव रिवके व्यावादी वालीय काशक बीव क्षांच्यांनि केंग्न बांद्र धार वकेवारहरू। , शरकीक काम्मानित काशाकत केरणास्य ग িয়াছেন, ভাছাভিবার থানক টাকা তছকী - STAN * 東京(大学 !

मक्षकाहित बन्दान ल'ला .चा जिल्लामहरू दि पाकि साम नारहेत्। क्षेत्र विदेश दिन । भीका प्रतिक विदेश । प्रतिक केलि क्रियुक्त वाकरी काल मार्ग काश विकासकी ষাভির হর নাই। ভাইনিছ মধ্যে মধ্যে ভাঁহার গ্টাণা হয় আপাত ডঃ উাহার অন্যান্ধান শী হা

के जेल्या कर के किया नरकार, प्रवास केरप्रस

विभिक्त याह सकत के अ आर्थ करें। कानिय अन्ति दक्तानिम स् एकि हे हो। बिर द सबेर है , बेर्ड ध्य केंद्रक क्षेत्र कार्कियार्थेये वर्षिका भेजिम स्केन । 🗀 भागार्थ र प क्षार्थक बेट्स में यन व्यक्तिक नेहरू ही कविन्नेहें विद्याय काशीन करतक वर्गी करने क गरिष्ठ बरेग्राइक । क्षरित्र क व रिवर्के कालक अर्थ हुरतां के egatee ;

है जनवान कडरचनीय कें रव अक्षेत्र केरकेट खाडाब विश्ववा विषयात्रा दिल्लाचिका अनुसा अनुस गान्छ मार्च कर्ष कर् वन या विकासिदेवह कुराई भी रावारेया बार्टका अहै अर् कारम हेशका बाज जोती य मन्यात स्मिति वर्ष के विक्री टक विश्वादस्य । देशीयवाने क्रि खारण , जिस्के द्वेन, विभिन्न अञ्चलकोत्र 🧇 💐 है श्राप्तात नवान विज्ञात अवसी व अन्त्रक्षां नियात्राच्ये अके मात्र के विध्वाविताह । , , ,

> अब्र काम वस्त्रामक हो।

रमण्डेवाके चयनंत्र वर्षे दम्भी **जार अंडरानम्य स्वित्यः।** হৰতে রেইল হয়ে শকটো

শহবিধার अधि विक्र भी गढ कादबक श्राह्म क्रांडिक का করিবাকা করাব্যক লাভিক্র PURE PROPERTY. यहर्ग कि किय का नो बिहु बहु है 28, , **MG-07 A. BIN 介方 連貫 甲头 咽唇的** जि गांकिशकांक केंद्रेन इस्कार (刘克 明江河中 年 福 祖教理》第一明年(1915年 क्षेत्र क्षेत्र। के क्षेत्रक विवयम् अ न । प्रदेशक किए महिलानी मध्यदिक्ती थक पडे काकिया, वाबेटर महास्य मही,।

and militare of contactuality of his ण्:ca कार कर कामना विकास है। শাল অভিন বইবার ০ ডাবনা, ক্লাগ্রিক वया शिक्षपाती यहनावक कविवास स्था निष्यं प्रदेशक दर्शानर कर्मका अ भे दराबाहे महेटल विश्विष्टमा वर्ष केंद्र कड़का निविज्ञानविभव्य केंद्र क्षात न्तर्भ क्षेत्रकात काहेन

पूर्व व्यवन क उत्तर बटल कर्मिकान काका पिश्रीहरू ।

प्रेक्षश्रेत वरमम चार्मितिकाम् युक्त ४० १-ंक व्याचा**डेरबद वशिद्यक्ता आवा** बाताडीय व 'নিক অপেকা_লকট্রিক লাভ করিরাছেন। তা তার' নাডেইরের মনুর্ভিগের বিমিশু ৫০ ০০০

ोक विकारक्ष ल्यान्त्र थिडेनियुक्ताका कारश्रम थिडेनि *ক*ৃত্_{তি} সংবাদ পরে লিখিরাছেন মেজর শ্রিকী উন্ত শহরে পরবল হইতা ইউনাইটেড কুৰ্কুৰে প্ৰধান সেনাপভিন্ন নিদা করা

ইট্রাণ ভাতা ভাষা প্রধান সেনাপভিয় জ্ঞানটের। ছিলেন। উভ রয়ই বাসকর

ক্ষাহে। জী গোজেই বলেন ভত্ৰতা লেপ্ট এচ, স্মিধ ১৫০০০ বিষা পত্তিভভূমি ধুরুর ক্লড আক্ষাপত্রের নিষ্ক পড়

ছেন। সকল স্থানে পতিত उन्हरिक्टर वन्द्रम्य विकासियम व्यक्षा: छ्रे माख्ट मिखार्ग (भीनकत्र) ভারতবর্বের ভূরবন্দার হুর ব

অৰ ইভিয়ার উচ্ত "পুনা দ ু পদ্ধের এক প্রস্তাবে নিখিড क्रेस्ट्राणीत क्लोनगटक लोह मुख वक्ष करा एवं मां। अविवरत कालिएकम क-🗓 सामाहः। जनन विनरसं न्यारष्ट्, हेशाउँहे **्वंज्ञ वाकी** २

্রিরাজ্ঞানপ্রেকাণের এক জন পত্র থেরের र्गंद्रातम, मार्क कामिएर्ग्न मृतुः व्यथ्न कविद्रा ারাম নিমিয়া ভারীর ভারা ও কভারত দি-াকে তিন বিষদ শোকৰতা পদ্ধিধান করিতে মাজা বিয়াভিবেন। ইতি পূর্বে কোন এত ার রাজা এক জন ইংরাজ রাজনীতিতে

वा ध्रकामाकरण त्माक ध्रकामञ्चलदाय । কংকে মাস পূর্বে এরামপুরের মহায निधित्रोहितन ८ जीनितात्रे स्मारकता या হাংক ভয় করে ভাহানেই ভাল ব সে ু ইহা-

ত্ৰে কি প্ৰকাশ পার ১ इन्ह्यमान वाद त्रश्थामा हारदृत विक प्रमुक्ति वेदक्षे द्वाराव निवस व्यवहै द्व अर्था कत्रिपारकनः यगत्राही । शर्यात्र वर्था

🙀 বাসি সর্বাহান। কিন্তু তত্রত্য প্রারু স শৃঙ্গ পত্ৰই শ্ৰীল ৰোধ হইতেছে :

পুরা ভারতারেবারের এক জন সংবাদ ক্লাক্ষা ৰক্ষেৰ ৰাউৰ পিলি এ যে সাত বোকা ब्रीनांक्रि बोलित व्हेनारक । यथा खाउळतम ७ हें क्षारका निक्रेष एटन गत व जानाहि ह **लेटकरेंड**े क्**यांनि डि**मनव होका द्विए हड़े ban i

वर्तम मामाश्रावत निकटी ५ ए।३। भवर्त-(मृत्येच ১১०°० होका कुछ। शृतिकारक, असिटक याजारमञ्जू भवनरत्त्व शांचे वो अरब्बेहात्रि প প্রধান বিচারপ্রিয় প্রব্য 🐠 হটগাছে ।

विभिन्नान, दक क्षत्र शह 'शहक वरमन ७०७ जानहे मचान्त्र भगद्य । न ५ ड हे हेदहा-शीप द्वारामहरूत याम्बन्धाः स्थल अस् अस পাৰাৰ্য হৈ নিছ আপনাত । দুক হাবা এক ব-निरमञ्ज क्षान महे कहिहाटण एरकनार थून निम अहिता जोशक मूज विवाद किंडे शोबा कि ब्रुटिंग शहायून करता ज्ञावरमस्य त्य শিবিরে খত হটয়াছে ৷

डेटर शहरू व प्यांत कर छात्र शहर (श्रेहरू বলেম সম্প্রতি ভাষ্মণ্ড হার্মারের নিকট তুইখন নাৰিক এক বাঙ্গীয় প্ৰাসাজের নিক ८६ बाहेबात मना जनमध क्रेगाएए।

২-এ ভাত হুংসভিদার ৷

উন্তর পশ্চিমাঞ্চলের একখানি সংবাদ পত্রে লিখিত হট্রাছে আলাহাবাদের গ क्रीम मृद्र क्रांक्षि श्रीम्बर कारक जाना পিও উত্তর প্রিকাঞ্জে নিম্নেছ ঘটনা হই রাছিল একথ। শুনে নাই। কর্ণ গুয়ালে একজন इनक कथन अला हिम्मा नाम खारन कर नाई. भारतिशासक ८ किमिटशङ्ग । विरायसङ । या कटल সাংগদিপত্র নাই এপ্রকার অনভিজ্ঞতা দ শন **লাভ্যের** বিষয় বারে ৷ বিস্তু জাঞ্চর্যের বিষয় এই বে আনেক মহামতি আজিও বৰি য়া পালেন, ১৮৫৭ আন্দেদ্ধ বিয়োকে ্রসায় ভারত বর্ষ লি গু ছিলেন 🔻

হরকরা ও ইংলিস্মানে ক্রম্ম: ছাত হাতি হইবার উল্লোগ হইতেছে। ইণ্লিস্ম। न उ व्यक्तांत्र मध्य निष्ठांकावी विवार भाविन ৰবিয়াছেন। একণে উচ্চা উভানর বিপক্তে বে সৰল প্ৰস্তাব কাড়িয়েডছেন ভাগাতে পুলি বের হস্তার্পণ করা অসম্ভব নহে 📭

অধানতম বিচারালয়ে জীয় সানী পবি ভ্যাগ ও শ্বামীর জ্রী পরিত্য'ন বিষয়ক মোক कवात विष्ठां विष्ठाद्वां नत् व **र्जाके अरहामान आकृ**षित के इष्टेरवन । जा व**ड़ि** वर्षात्र मीर्थ प्रीर्थ वस्तु छ अवन कतिहर -

क्रा देवत कविमनत भारत मारत्य मुचलश्रुराह्नत কল্লেকজন বিজেখিক ক্ষনা করাজে গ্রহণমে 🖣 উহিংকে অন্বিকার্জ্জত। চালন স্থানা कर्शनी कतिबाद्यन । यह आफिक्रियाद क মা করাই শান্তি রক্ষার প্রের'ন উপায় ্

मतिमत्म बक्षी मन्त्रिय काशिल स्टेशांटक कि अस्तक कूनि चुडीय पर्य अवनश्य कहि-

त्त्र**७ मार्ट्स्ट्र डेश्न अफरक्रवीय मर्कर्** धात्रत्वत विचारमञ्ज कि विरमम क्षत्रान् मा ্ৰিছা ৰাষ্ট্ৰজেছে। ভিনি গল ভাগে 🗭

बहै मरगृष्ट क्षानिक स्ट्रेगचाज দর কমিয়া বাদ কিছ ভিনি প্রভাগ त्वन कडे मध्यादन भूजा डामि स्हेबादक বার কাগজ ১:৩ টাক ব বিক্র'ত হা

क्तां ि अवां करते व वर्षा मन्द्र र करत्रकडि कारबन्न १६ छ नारह छ हा . त्वद्र डाक्ट्रद्र नागड पर्यंग कतिया अक প্রদাশ করিরাছেন। এই পর্যন্ত হট্টে उक् कर्मन वाहित वसः भागतकत् **का**न क्षत्राद्धत मनद्रम हेशन स्वात कारिक ह

লাহোর ক্রনিকেল এক পঞ্জ দারা হইয়াছেন লর জেল্স কলবিল ব্যবস্থা खात आडेन मरकांच मरा स्टेश ए भारतम । मत्र छात्रमम है "निश्नाम लिक तित कर्ष नहेटल छैरत्क जाटक्ष्म । ७ क्रम लाटकब्र बाबाई कांत्रध नटमब्र निरमा र्ष ! किन्न फें शिक्षात का भवन का

२३ व जान है अह वार्षित विद्याद शुर द्रि अक मन्नरांत्र कतिनाटक्स । वे मन मध्यम महाबाह । व्यक्ति २००० वर्गम कित्त्व । क्षिम द्वाराष्ट्र रहत्व রোনের শর এঞ্চকরু সভা 🕏 महे.

উক্ত পত্ৰ বলেন সমু ফরাল বাঁন क जन विद्धारी 'छ रजाकावी धांत्रह 'उ व्हेना**रक स्म**यां के मारकरवन ना नवार्वाटम विद्याह ची हेराव जानर করিকা চিকা

रक्षामान भवति । अहार्कन दिन কাশিত হইয়াছে। আৰম্ভ আগামী धिबिगरम किथिए बिनिय :

পরিদর্শক ক্ষাবণ করিয়া ছেন একঃ লমান জী ও ছুইটি পুত্র রাখিরা বৃদ্ধি মন করে। তাহার অঞ্পশ্বিক্সিল্পালে **फाशितम् वहेक हहेवा वे जीत्वादकः ज**ा পুরুষের সহিত বিবাহ মেয় পুসমার্থন স্বায় नन रहेरछ क्षाजानमन कविष्यः अविषयः प्रकृत २३ णहराशह मासिट्ट्रेडरेड निकटी माली क्रांटिक काशित्मक व केंद्रक खीटनाटकत ई वः नत्र कांत्रीवाटनत्र क्यांद्रसम् स्ट्रेष्ट हरू। (व क्रा क्ति विवाद कतिकांक्रियं देन पूछा दहेवादकः।

विज्ञाद्वेत रण अन्यक्षिक्षक रण्यानी गांध हन डोको खुक्कार कहियाँ हुत विदेश खुन व जन वर्गक्रकारोष बरेडाह्य । जात अस क द्यांनीव जिल्हा विषय महस्य स्थाद्ध र स्टिक अवस्तिर हेन स्टिक्

बर्गेगाटकः।

অনুৰাধ্যাল্ল ভাৰ্যুৰ THE THE PERSON शास्त्र स्टब्स्टिस है

Provide Aller Alle Manual and Manual Annual The same of the sa सींड व्यक्तिरका गर्बास्त्र वर्षट्वरण म अवश्व प्रविश्वित्र यक विश्व हत। यशिक्षा व्यक्तिक इच काराविक-া কালে দিকিং সুৰংভান ক্রিছে marin. र्व जोगसिन खीचकाका जिल्ला गर्सहस रिक क रेटरमा क्षत्रिक अकड़ी बाड़ी. গ্ৰা হটকাতে : :श्**रक्षत्रः अकल्यन यतिक ज्ञान्त्रारशर**क्ष वन पूरे नक होक. विरंख हारिनाह-श्री अमृद्धिराज्य के किल विष्ठांत्र काशीय म-লাগতে উপস্থিত বা হইব। টেলিপ্রাক্তে ब्यान्यस्थात निकार का ब्यार्थना क লেৰ বিশ্ব কোৰ প্ৰায়য়য় প্ৰাথ ুঁ। এই ব্যক্তি বহি কোন দক ক্ষতিপ্ৰা-প্ৰতিত হইৱা বাবেন ভাষাহইলে তাঁ. আৰু ওভালতি করিতে কেওলা উচি-বাদ্বাই সময়ে কালিস ভিনিষা নামক এ-र शहेतिक काम कहिया एक व्हेद्राटह !

২১এ ভার শুরুবার।

নাগণ্ডরে বছকালার্থি চিনি গুড় প্রেছ্ উপ্র মণ করা এক টাকা গুচ্চ লঙ্গো সম্প্রতি ভাষা উঠিরা গিরাছে। উঃ গাচার ছিল।

अि उपनिति आदमत निक्टि अक्यात्र व्यादाक व्यापन । व्यादान व्यादान ।
वानान ७ करत्रकम देवेटतानीत छनिवाशूरत व्यापित दिस्तन। वर्षाच्य क्रम स्मान्य व्यापन । वर्षाच्य क्रम स्मान्य व्यापन । वर्षाच्य क्रम स्मान्य व्यापन । व्यापन व्यापन व्यापन ।
व्यापना व्यापन व्यापन व्यापन ।

नाः त्मक गार्थरक ५८ हुन विश्वास अन्तर्भः .न शारम गणा प्रदेश्य करत्वक जन ५७८कः १)त पूक्त विश्व ज्यादिनी चित्र ज्याद्र रक्ष्य छन्। रितृ मरस्मः।

विज्ञान गढ मरमम्, जिन्नाम गर्नमा ज-विज्ञानिकार । मृज्ञानिकाम एवरे आस एक प्रेरकार । काम वृक्ति - मानाशिक प्रकार मार्थे ।

रबट्रामीत गाँएक ककरन मर्केशक ৮,55, कि. ६ व ६०/व कीका चाहिए, देशक बट्या नजन-दुनेह के. इस्ते १ वे. १० मना के का. ५६० व १८० कालक चाहिए। बाहे काचार कार्यकारण भारत केलिको नाम कार्यका प्रकाशि कार्या देश केलिको नाम कार्यका प्रकाशि कार्या सहित्याम् । सम्र कारामर देख भारे महित्य सम्र सम्बद्धाः सम्बद्धाः स्थान स्थानहे स्थानहा स्थितक सारतमा ।

क्षेत्रिक्षेत्र विक्षित्र विकास क्षेत्र विकास क्षेत्र क्षेत्र विकास क्षेत्र क

२२.म कांग्र मनिवाद ।

नत हातनम् ६७ भाष्ट्रा-तियाद्य वस्त्रत्त त रहाडे भाषानप्रस्त सम्बन्धिः अस्त्रिशस्य अस्त्रिनीप्र भाषा गत्रीका निरक्ष वहेरव। अहे वांत्र वांत्रि डेरह्मा विशोदक शक्तिनाः।

গত কল্য এক সচেঞ্চ হাহে নিয়লিখিত অধিকেন বিক্রীত হট্যাচেঃ

निष्ठ्य है।का

दिवादात ३००१ १४,८६,७००
कालीत ११७६ ३६,४४,०६०
कार्यादा है। १८६ ३६,४४,०६०
भवर्यादा निर्मित कार्यित कार्याद्या कार्याद्या है।
कार्याद्या है। इंगाटक किथ्विश्याद मराकरणत महायता।

वर्षावरहत अक वन नीनवत अक वन वनीवांतरक थ क विद्या ननगूर्वक कि। इ निकटि अक वनीवांतित हेवांता नदेतारह। शूर्ट्व व्यावता वक्त मश्चीक रहिंदि शूर्ट्व व्यावता वक्त मन्दीत श्रीवर्गादक आक वन श्रा थ्यातक निश्चित्तारहन कथन हेवा-त श्रीक व्यावता स्थात व्यावता महिंदि त श्रीक व्यावता स्थात व्यावता महिंदि व श्रीक व्यावता स्थात व्यावता स्थात स्थात स्थात व्यावता स्थात व्यावता स्थात स्थ

देशीनमात्मद्र शादिमय मश्यां बोखा व-तृत्म, ख्याय अक समयय छेठियाद मधा देश कि मश्दर अके मायांना इयक यांनाय मश्चि अक शाद्यांनाय मृख्य कियांद्रमा । त्यस् त्यस् बद्धांना के स्वीतां अक इस्टर्सियादियी कृतीय वश्योदा खीरतांक। स्वर्णानियांन सश्योद्धांना स्वीता खीरतांक। स्वर्णानियांन सश्योद्धांना स्वीता कीरतांक। स्वर्णानियांन सश्योद्धांना स्वीतां कीरतांक। स्वर्णानियांन सश्योद्धांना

उक्त मध्याम काळा कात्रक वरमन शाहित तम रामात मध्या वक्त हवि श्रीताह्य रह नवा त ज्यात जावावित्रक वर्तन वेता यात्र । सन्तर क त्यारकत जावावित्रक क्या विकास विवास वरेता हिना मध्या वर्षण अस्ति होस्तित व्यक्तिय काम सम्बद्ध

वियोजका विश्वासीय ।

ক্ষাণ নামেৰ বিচারণাকৈ। যতি কৃষি ১০০ চাঁকা চুরি ক্রাইক কান বার তিন কংগর ক্ষরিক ক্ষরিক্সার সংক্ষি নেয়াৰ মইবাহয়।

সের জীবন্তন ও দেব মাধুক কৃষ্টি কৃষ্টি, এক বারা নার ক্ষাকার কৃষ্টি ক্ষাক্ষা কৃষ্টি নিবের ক্ষান পরিক্ষানের সাইক শ্বাই সক্ষাক্ষ কারাবানের স্থানেক ক্ষাক্ষাক্ষ

ाच निम्न वायक अब काविक कार्यक भागित नव होते कार्यक कार्यम अक मेरलम आर्थक हरेग्राटक।

वीषध्य कातात क महिल्ल जावित होते-विष व्यावदक क्षणात कहाटक व जावात अवके गर्म क १४ होको जा क्षणांदक क्षणांतिहरूको कुँव वरणत करिन गाउँकारम् महिल्ल उन्होत स्वीत-दर्श

বিষয়নাম সাস এক বারাজনার ক্রান্তার চুরি করাতে ভাষার ছই সংসম্ভ করিব ক্রিক্তি অনের সহিত মেরাল কইরাছে ১

ক্রজনাথ চটোপাথ বি এ আলার ব্যায় জ্ঞান তে ভাষার দক্ষীয় পারিঅবেদ্ধ ক্রছিত এক এছ নয় বেয়ার ঘটয়ায়ে।

त्रकात नावक त्यू देखें होता केत्र नावकरतत होका हति करते कार्याटक क्षित व्यक्त बारमत गरिक पूरे क्षणत वृत्तिकातिक बार्यक त्य वर्षात ।

नाम् यसनामान्य कान विश्वीस्था कृत्र है। का पुरस्तात कर जान की वासकित्र हिन्दा देशवे राजनी कायक क्षय कार स्वतिक कारत स्वतिक व्यासकार क्षांतक करवाद विका व्यक्तिकार करवाद वान व्यासक स्टेशवाद

मिकाल (त क्षेत्र) वाही अप वाहास्थात् कार्यात् प्रीत क्षांत्रक कार्यात् स्टीत शतिक-त्याः निवेष पुरे यथनाः स्थानं वर्षेत्रारं ।

বিশারীবালি কর বাবক বে বেশ্রাণী ইটান্প স্মাতিকে ভাল করিয়াহিল ভালার সাম বংগর স্থানিকর সামের আছে। হইসাহে ।

नंद्रम्यकोषः लोग् क्षांशाहः अस्तुः श्रापान इस्त्राम्भावितः ७०० होत्या ज्यक्तिम क्ष्म्यम् कडा-एक क्षांस्थानक जोग वित्रा गडियाच्य क शासाः हर्गा ब्याह्मम स्ट्रेशांटकः।

ब्राकाय नायक त्य दहेवन ब्राईस क्रिकेट स्ट्रांट

C

करेनिक उपनेश करत जासक निता अधिकास जिम मोग स्माम स्टेपार्ट ह

ক ব্যাহ কৰা নাখক এক জাতীক স্থানীকাৰ, ব নোট ও নগন ৬০ টাকী প্ৰাৰ্থক ভাষার ১৮ मान क्यांच हरेशांटह । कि हैं कि

काराष्ट्र व्यवस्य क शायक क्षा के के दिलानी व २६ • प्रेशिय स्वांते क्रिक्टिक्टक काश्य विकृत्य (कर केशनिया मा स्थादिक मोद्यार प्राप्त द्वक्षा रहेशाहर ।

THE SHALL MAIRIE !

क्रिक्ष विश्व गढ व्हेटक केन्द्र हैं। हर्रे के ब्राम्कात कावा नीय वस स्वेटन। देशको प्रविदेशक शिवामा कि शकारत कार्या केव्यान, कवियात भगामकात वर्षे विकर्ष रहेशां-CE । शांख शामब्रेय जैनशास्त्रन, विद्धार्थिन-क्षित्र विश्वास अक्ष देशका महाना कहा करेंगा। वे १-क्षरं क्षेत्रही औषु कर्मनीरक बहबेरवन । किनि निष्ट क्षिय-दश्वाची मगदम वान क्षतिरवत । शिका कार क्षात्रमध्येश्वाप् महिल्ल शृष्टांच कश्चित्रः वार्वामध्य कार्ये, वृद्धिस्य । भारक्तिश्राद्धतः यक्तिहस्य कुषे क्षेत्रनेः होति दरेएक्टा । क्षत्रका विद्वतिनिना क्षेत्रम् प्रित्मक्ष महाप्रकात निर्मेख ग्रेक्। वर्ण चंदिरीत चेक्कविक माथ बेबेनारहर ।

भाका। ध्यल्पिटकांटक घटमक रामा रक रामाण कि कित्रेत्र व्यवीदम दर्भात्र ने कता क्षेत्रे हता। नम्। ह विकि मध्य अवंदिष्ठि अविष्ठास्य ।

ইটালি। গাড়িজাভিগৃ**চ পুস্ক উপবিভ** করি-बारक्षा वाक्षकीय स्माना ग्रीक्षा मक्त्रभगरक शक्षांक्षक क्षत्रिकारक । ब्रोडियक्कि क्षाकावगरह चौरणि वि क्रिडिट्स्स । विद्योगिता अचीनामान्तरन ब्राक्षाद्र मधावतः क्रिक्टब्स्म । देश्याक वनकरिय मुश्रीक बोकाद मशहरा कडियांड ब्यह्मिक आस वेष्ट्राट्यम ।

'অভিযা। মন্ত্র বংগর পায়বর্ত্ত হুইবার সন্তা-अवस्थ ५५७७ चारस्य बाय बारस्य दिनाय मीच अक्षिक प्रदेश

🖔 অসিদ্ধী। মধাসভা রাজার বিপঞ্চার্টরণ ক-ী**প্ৰহেন**া **বাহ**য়ৈ ওত্ৰতা হাউস অব লাভ ক্ষত**া** sum विश्वास विश्वास किया किया का विश्वास CENT

্ব্ৰিক্সা। নালা ছানে অলা,পিও অগ্নি লা-প্রায়ের। প্রানেক জাকিসর ব্যাটের বিশক্ত হ-ক্ষাৰ বিশেষ পোনপোৰের সন্থা

कि विविधा गरीत रखा उ वर A Ming alangi millich mind. tau i Si कि का क्षा विकास किया किया किया किया कि के विकास के किएक के किएक एक विकास के किएक एक विकास के किएक एक विकास के किएक एक विकास के किएक एक किएक एक विकास

श्व (जनाशकि स्टेड्डइस्ट्य । छ।शत्र माजनस्य ও নিউ মার্যেটা, অধিকায় 'ক্রিয়াছে। সভাগতি र्रज्ञकाम विश्वद्यां स्था भी भी पुष्टिम सक्त परस-िकाह देशका का ब्याबेटब छावा वहाल रश शूर्वक रमना मध्यकीक प्रमेशन। नकरम है गाउ क्रमक्ष कुर्तिस्थ्वार्ड्ड देशोरहम । मधर्म हासा अन्य बंदूना परेवाहि। कृषि यह दूरे शहरा मू लाइ छाक्त्र विकिष्ठ युक्तात्र स्थाप हिनाउ छ। जकरमाने के था अर्जन के ब्राइडिंग । स्मृतिकी-८७ कराणीता अल्या के करवकति कृष पुरस् कर কাভ করিয়া'ই।

गवर्गायक विकाशन।

वाकालाटकभीत लाटक्टेन हे गर्नदात्र আদেশারসারী নিয়োগ

২০ এ আগাউ---নিম্ন লিখিত বাজিরা কাম-ক্লাপর ভেপ্টি ম'লিকেট ছইরা কৌলদাবি साहित्तत २२ थाता थु ३৮३२ खरका ३० ' वि-त्मत्र ५ थात्राक्षमारत विकीत खिलिय यथीम मा- क्योक्यादि सामानाकरकेत दमात्रकावार कि कि देव केम डा आश स्टेटनम ।

बाबू बस दलन मान को धुती., लक्की किश्व को धुनी নিয়'লিখিত ব্যক্তিয়া ১৮১০ আকাৰ ওঁ--

स कश्चितवय व्हेशांटक्व

সভাপতি --- এ প্রাণ্ট সাংগ্রহ সজা। ভিকাই है बन, खन्नारकांश, खनति हैं; बन, किए क डेडेनि-इस, शारवर कर: बालाशहारीहळ जिरव छ भोजनी ज'नजून म उसे।

२० अ आ १५ 🕏 --- स्मिनी शूर्वव अन्य आसिन बाब् भूर्व इस बूरवालाधात देख (कताव मनीन क्डांदरकड दहिक्केर क्डेंट्रेन ।

২৫ এ আগওী---রজপুবের নিম্ন লিড মুলো क ১৯৫৯ जान्यत ३० जाहेश जल्मार इ टाउपे हैं-कारलकेरतर क्रमणा अश्च एडेज्रास्य।

ষাৰু **নীল**নাৰণ **মুখোপাখা**য় বভগারি।

े भ रुख कुमार भिन्न कुक्पश्र ।

·· स्थानाव वःगारिशवात वस्त्रता अपेक च्यानचे---कि. अत्र, द्वान नारवत चलि प् काष्ट्राव ह्यां जामानट्डब द्र'ङ्गिपि अथम सम्बद्धाः

क्ष्मिक केंद्रेशमान कलिका छ।व धक सन अञ्चलि श्रीमा मामित्ये हे व्हेरवर ।

क्षात्राध्यत मिन्द्रिक्षण तरकाकिकांत्रमादत्ततः। शका विश्विक हो नजकरन वाकित्यम .

क्ल्यूमच्छ कर्ने सुदेश, मचीलून केल. क्षेत्रनि লিংস(গ্ৰ

"उर जेडे नि. श्रेम, अर्थ-- सर्थ म

w far, cabità - with the

" 点意。 对"洛斯——《特拉斯 "付额" "

" 多, 哈斯曼 西斯阿斯罗。"李维语: 3 WPGF1 TIEN, 1-7 - 4-

अनुसर्वाहरू । विश्वादिक स्वतंत्रक अपने हरें । (को सरी साविक्षित्र साहित्रक अन्य प्रवेतिक स्वाहरू स्वतंत्रक अपन स्वतंत्रक । महिल्लाक केवर शहर शहर देशका विश्वाद स्वतंत्रक स्वतंत्रक स्वतंत्रक साहित्य स्वतंत्रक स्वतंत्रक स्व कोलकी बार्विक्रिकिन कार्यका ३५३०, वर्ष

करः किल्लामध्यकः क्रम्यक्रमातः वर्षाकः । कार अंश वर्षे मा विश्व क्षेत्र मन्त्र श है सम

ধোরিত

মানাৰর জীযুক্ত নোমপ্রকাশসমূল वर्गणंत्र मधीदणक्।

दमस्य पद्ममा दशके सामामध्यतः भाग्नीरमाध्य बरकार्गाशास्त्र कीत श्राप्त न बहर क्षक कर कुड़ेच'क निष्ट वर्षाह नियुक्त करिया के सकत वाष्ट्रित वि की। धारर कृष्टेश फारा (मानाम क त्रश्री सक्ष्र अवन्दयद्वी ब्रिट्गार्ड क्विम्रोट्स्स । हाः है क्षप्र वाशित्य क्ष होत्रवात्र विश्व क्षेट्र त्व विदर्भकारण श्रवाभगः व सुविधार क दिश्यम मध्य वर्षे ।

य:तु शक्त वस उत्ति धिमि जियाह তিনি সম্ভাৱি তাডোইনক্ষ টয়াকে 🕏 बबेबारह्म। त्माप्रकाश शास थाक. डीशाक चामका विकास को विद्या छ। আইন অনুসারে পুনর্কার কলিকাত। রাজ ধানী। তাহার আসেববী চওরাতে একোগণে সভ্তব্যর আর গড়াব কি.।

भारतात मनद आभिन (मामनी न्या) ua अ'म एडेम्रा अरेम्रा काष्ट्रानि कानुमा क वि घार समा क्यांकरक धारकण करिएड सम को व कार्य यम कराउँ मार्य अम्बितः सर प्रश्न अव (ज व १८४, ८कोल 'क्रिक्ट र क्रोक कर्_{ड '}'-शहरण करिटड देशांक बहेरम सार्थ ह বিদায় করিয়া দেয়, সেবেক্সাল'ব কালাং इस व्यक्त प्रवेशिक्त । अत्वस्ति। डेबाटडर शार्टका मुक्टिंड गारियन পৰ্যন্তে স্থানিটাৰ ঘটাতে ছে 🕫

দ্বতা ছোট মার্যাসতের জন্ম 🤭 ব্যুষ্টি সাংখ্য উত্তৰ ক্লগে কৰ্ম সাক্ষন ক रहाम अरथ की कांत्र के जिला के मारा महा क्रिक्क कांत्रि विरुगत दिलाय कि शकांत्र अवकांत *दाच*, र?डेव ।

श्चित्रकार्यः स्ट्रियान् स्ट्रियः । स्ट्रिक्कर्यः । 2579 四年日中國日本 明明日 山東江東 (北) "在京海 er Balletiale stall bilette minister. 52.83 कादन प्राकृत (शोर शक्तक (तर दे TANA " 南南山南南南 東西 事・プトのがはははは 通りしゃっ THE . 41 E क्षा करते के जी NAME AND POST OF THE OWNER. cuit i " paging child MANAGEMENT OF THE PARTY AND PARTY. P.

प्रवर्तनां प्रश्ननिक्तियाय पार्थिकः उरद्ात्वः महीत् न दीय ग

मन १२७२। १ जाल्यिम। हे॰, १५०२। २० इम् एउँ बन

weight 19 James 有效的 化二甲基甲基甲基

मंशिष्र भारतः, २ ५ ईर्ल स्थापार्था ५५%म म (अहं । क्या वास ना । इंडाब्र व दिन असमा जीवन कहा व र ना । कडाइन व लाहिए इ इट्टेंग्स বলি বোর না কিনু সোম্প্রক(শ প্রহাণের ইফ) इम्, दिन्द्रे, मश्चिम पूजा भावत पद्ध जिल्लाहरू । बीलपांड १.६ । विशास ६ मा महिता. इंदर् (विद्वन)

> . J. रिस्वाशम ।

िय ,स्यद्धाः

निधि स्वयुत्र अ अभीक्ष्रिक्ष अस्ति। छ । ना छे - रे ख्डिक्न, ब'श्रद्धा करकेश्चादिराच कालनामि । গেব খ্রী ও কম্যুক্তির জাতিয়াও করিশার টাভা করেন, উচ্চার। ভারতে স্বাদ্ধিকে ভিনি ভাতি উংক্লাই ও **ভূকাঃৰ**ণে ভালা কবিয়া लिटएम : १६० कटर्मन्त्र (मामाशित्रकाद) ११ म विक्रिके के शत कार्यमध्य अध्यक्ति अध्यक्तिक त्रदेश मिद्रिमम आसिर्फ भाष्ट्रिद्देश ।

विद्यानन ।

মামাৰ ক্লান্ত কালীয়াখিপত্তি " শিউবের। জীবনু মন্তান্ত স পুশুক্তকের স্বন্ধ আৰু বিক্রায় । শ্রীনবলবলী া মুলটাকা ও ভাষ। रिकिट वेक्क जाहि। अहे भूकक्षा अध्य भगक्राहरू ३००० **चरकत्र मृंद**्या ४० च । मार्क ক্ষা ক্রীষ্ঠ রহিরাছে। ইবা ক্রিকাভাত চিত্র '९म ७ वस्यरमञ्ज नाम। विशासरण नामध्य

गरियोत्र खना नहां ह उस्करः, ব মূল ক্ষেত্র জন্য ১০০০ ১০০১ ১০০১ ১০০১ নি

ৰ তাগ কামি নৈছে ন,? । দিন। প্ৰত্ प्रयम् रक भागे कांत्र करतः । । य हिन्दीकाः प्रयू लोक क प्रदिश्य **१ एक वर्षमध्याः हो उत्तर का**ह्य-द भूष्टिक (किएड इन्स् । ११ । २ १४ । व्हान ভাগমায়ল সংঘত ১ । এবং সাংবাদি ১ (বিশেষ, ক্ষেত্ৰাসনীয়া ন্ৰুপে, স্কাত্ৰাল কৰিলে ती निकाशक करहा इस मीरभव सारक निविक्त करें, लाकि का नरका पहालक कर् * steria ! কিন্তুৰ তাৰেল তাৰেল সাম চালেল

> के दक्षणाम बहुमा। । भागा ^{*}(ቅ ዓጥ ፲ምን ምጭ_ብ ነጻነውም (

> > ž

16

.

511

বিজ্ঞাপ্ত :

निहे हैं लियान लाहें। बह **४७ म**ः नासञ्ज की है :

ठाक भाग्या हेलाहा. खीवक ध्यानम চন্দ্ৰ বেলাখনাগান উ'বাস না প্ৰেৰুপ্ত প্ৰস্ত नगमन विकारमञ्जानमा श्राह स्वास्त्री अध्यक्ष भन कार्यन कविद्यादका कराजव आक्रकान के प्रभाव महिला का मिलात कि के देख के निरम भारत बंदेरहर देति

প্রকাশিত পুদকের নাম বেদান্তসার ভূতীয়বাব সূপিও পঞ্চনী দিজীপ্নার মুদ্রিত रहेठक मिनाः । अङ् বেলাডের জবিকরণ প্রতি সংখ্যা ৰহাভারতীয় প্রজলোগাখাল इत डेशन्बस

ाना ए प्रतीस भावो दिक **द्राज्य शर्मन भान** 🔪 প্তথ্য হাদর্শ

विद्धांभ्य ।

^{प्रक}्षिक कु**छ** ।

क निता वध्या नत्था छनित्र शाहे सनि-কাত্ত, ভবানীপুর প্রভৃতি ভানের গ্রাহকণণ निराग्य ७ काश व गाँग मा, मतकारवता व्यक्ति-না কৰে - সভএৰ উভাচিগাকে স্নান্ত বাই-েচচে, বিলি কাগজ না পাইবৈন, ভিনি 🕆 कर्णर अ'र्राक्षेत्रक **क्षाबाहे (बब । अवशाह**. কেব নামে কলিকাড়া সংফুড কালেজ ব্লিকা না টিরা টিটি পাঠাইলেই **আমর**িপাইর।

বিজ্ঞাপন ।

টাও বাং ও ইংরে**লী অর্থের সহি**ত বাক্যানতী মামক পুঞ্জক চলিত 🛥 বহুতত্ত্ব 🖚-চলিত কণার হৃহৎ **কর্মার ৩৭ পুরে মুরিত** ं हेतारह, देश स्मीत हैश्युकी होस्रमालय शास- काधिक वी दर्शायी, मुक्का । ले॰ इस काला ষাত্র। কলিকাতা নিউ ই ভিয়ান লাইরেরি गालक है है है के बर खतरन किया जानजा-खना प्रकिरज्ञानिक गरक ५२ मर खबरन खबना नित्रवर्धन नेक् मन एना क्षित्र क्रवित मक्त शुक्तक द्यां का बहु (वन ।

শ্রীন কুমার মাথ मां . (可何, (男书)

বিজ্ঞাপন।

粗似地 中一一一年 日本中 五十二年

मध्रम त्थ ए १६०० जिला के निकाकी संस्थाल ক্ত। জানেলা 'নিদিয়েরর গ্রী**কার গুলী** ডা **চ্**ইট্রর ৰ। দ্ৰহাতি তেই ছাত্ৰয়ন্তি তালি বাটে जाद है। है। बीनि इंड्रेबाइक मुखारन धार ঘাঁহারা হতিআহিছাত্রহুপ অপুণ ঃ ৰ। পাইয়াও **তথার** পাঠ করিছে। গভিতা করেন ভাঁছারা উক্ত ভিন দিক चंद्रिकांद्र मामग्रु कलिकान्त्र मधा ल 🦠 🔌 📆 পুর ঝেডের ৬৪ ন° ভন্নে) উ বেনা বাঁহাদিলের বয়ংজ্য 🔑 ব ১৯৫১ প্র कें होता विकासिता १८ १४ ५३० में ११ है । स **না : যদি কে**ছ কাপনা, বিদ্যা । চবিত্ৰ বি ভাষা লইয়া আদিদেন প চুনি পড় বিষয় **নকলের পরীকা** এম প্রান্ধির কার रुपा अन्य । वका ব্যাকরণ লেড লিখন ভুগোল সমূদ'য় ও ম নচিত্র লিখন : ৰাজ,লার ইতিহাস প্রথম ও স্থিতীবভাগ : আৰু বছরাশিক ও সাধান্য তথাংশ পালে। **জে,** জি মেডিবট बाक्र लाजू बन्ध विख्यारश्च क्रूल हेमए भड़ेन्द ১•ই সেপ্টেম্বর मन १५१२ नाल

> নিৰ ইতিয়ান লাইবেরি न्ध्रज कर प्रकार के विश्व भागम ज क्लाम ।

জীগুক্ত কার রামনান স্টেখাপাব্যার স্থা খুৰু পৌরাক নিত্যানক প্রভূব ৫০৮ এবং এচা विश्वादको द्वीत शांध अलाह तर २०२। ७ ७ मि 🙀 শ্বিদ্ধা পাশওদন্দন সংখ্যা এব 🤛 নাভি ब्रिक् शुक्क विक्रगादर्ग जाशानि ग क्राम्य अविदारहरू । साधन हे व ५ ७० । है। इ. थाउँ कतियाँ स्मिनाम तम अक्र छ अभिनेत्रक व्यक्तिका मिनिया । इस ना " । से मा इस्तू विशव मात्र विश्व गात्रम माने उपा क्राहरूक व्यक्तिमध्य, प्रतादक, त्याक्य द्वि अध किक विभिन्नांत्र याजिय रहते विशि

डेडिय ब्रह्म के निर्मा ाकः : शुरुरक्तं मुन्ताः ६: सङ्गीः क

সোনপ্রকশি।

व्ये कार्जिन (मध्यम् ।

पूछ मधीर माध्ययान वया ।

সোমপ্রকাশ প্রাহ্কগণের বর্ণানি इ श्रेष्टेश दिवन पा जिन जिन विकास তেছে এৰপ নহে, মনোন-ব মেতেব- ২ लाःकत्र की छित्र, व्यत्मरकः। भक्र'ः। ^{। ।} त्रक्षक क्यांन आवश्यां भाड भारता विश्वक लिएन कियात्मात्कत अस्तित का क्यांन के हेरार है। हा । খানে এত উৎসাহ, স্বেগনে এণিকতঃ শ্ৰ**াষ কৃদ্ধি ক্ও**লা প্ৰৈস্থিক নুছ। সে मध्यकाम अहेन्स् धार्त्यः शहरा क्षा का পনার জন্মকানীন সহ ও আগজার ও ব নায় উৎসুক ফটগাছে: সে অধিকার এই---সোমপ্রকাশ **ভূসেবি-সবের** সময়ে চুই সপ্তাহ आह्त भटनत मिकंडे इंटेट दिलाम व्यक्तिया **অ:সিতেতে। এখনকার দিন সকলেই** আ পন আপন বিনষ্ট শ্ব হু ও অধিকারের উদ্ধার ध्वर विमामान चन्द्र ७ अधिकात तकात **हिसीय व्य**ग्नामनाम इ**हे**ंदिइन. ७४न रि **শোমগ্রকাশ আ**পনার বস্ত্র পরিতাল কবি ति, निकारिक नरह । हेका (महे सङ्घ ७ व्यक्ति) कात ब कार्यी रुहेश विस्त भूर्वक आहरतनाटक क नार्टिक के हैं जिस्तित महिल हुई मश्चा হ আৰ ইহান সক্ৰমি হইৰে নাঃ

-ত্রপ্রাণীর শ্বন্থ অভয়ানীর ।

যাঁছার থেমন ক্ষেতা, থেমন পদ, শেষন সম্ভূম ও যেমন বুদ্ধি, তিনি অত্যা ট্রী **হইলে অভাচার সেই পরিমা**ণে ।'শ ও রুহুৎ হইয়া খাকে। এই কার-<u> এই জগতে সামান্য ও অস মান্য তে</u> দে নানাধিধ অফ্যাচার লয়ন গোচর ক্য লগতে ধৰ্কনীভিন্ন ভাষুণা আছুৰ্জান্ধ ও भाजम थानालीत किर्मुक मा कानाइक

ভারতবদে অভাটানক বি ार्टानव्यान प्राटनद्वारे के पर्दा मा भाग दिन्ति । 'दिन । श्राटन प्रदेशका प्राप्ति । भी किरात नक्षा क्रम क्रिकी उद्गताल কেবল একজাতীয় অভায়েয়ে দৃতিগোচর स्टेड। विशामी किएमा अस्पर्भ आस्वर লাভেষ পর অবন্ধি সজাতীয় বিশাৰী 🛊 না াবিদ ভারণাচার ভারস্ক হইরান্ত্র বিশ্বস্থাতি . अ भार प्रश्रेतनहा विकास के

> धामका छभटत भटनम्बिकाट विटमन ^{টু ভ}াবিধ **ঋত** চে'রের ক্ষমণ করিত उ. छ. किन्न विश्व विषय मीर्शिमस्थव ज्या জানকতর ভয়ত্বর হট্যা ভরিসাতে। 🕏 ाण अलोकात इत्या। वं कीकात इवे % महान् श्रीतनक्षत्र आ इं धक, f । अञ्चलक क्लिक खोगमिका विविधान विवास छर महाखीस विवास িলগের লা'রপরতা এরে ক্ষুর্তি পার না। विकीय, अन्तरीय त्य मकल उत्ति विकास পাত পদে অধিন্তিত আছেন, ওঁ সাক্ষেত্ৰ चार्या मारहरदत मकलमा छेनाञ्चल रही थाय टाइहा भवाक्य स्वता। त्वलक्षक्रें अ নৃতি ইউরে পীয় কর্মচারীর। ইছার উলাচন্ধ-ा इत । भामतः भागक बात अवन कतिताहि तिनाश्रद्ध गारहरवतः अरमनीय पिरात **व**् डि योशंद्र शत मारे सकाहात कतिहाटक কিন্ত অভিযুক্ত হইরা আদালতে উপ্যিক্ত रहेरामध्य जमनि जनाइकि शाहेम्र इस्ता कथन कथन अपन घडेना । इप, याहाइ छुनेह সাহেব অভ্যাচার করিলেন চাচার কি त र ७ छ। पूर्व के कुक का राटक आवा खी দালতের দও লইতে হয় ! সেই দ্ कार्तम धर्म छ मा। इन्तर्का यञ्चि কর্ড কে পরিজ্ঞান করিয়া দুরে 💝 👯 दा । **अरेकेश नावशास्त्रक्र अकेषि** काञ्चन प्य ८ ह करमनीश विष्ठाइएकका जीएस्विमिश्यक दा भारेटक कारबन मा । आरबरना कृशिन प्रक

वक सत्मत्र क्षाकि समाप्ति कविदानं सप्त इस् व'त करवत विकित्तंत स्वावना कि । एक लक वह क्षावि क्षितिक हरेतारक, द्वानास्तत श्कितिक श्रिक श्रिक कार्या क्षित्रं क्षित्रं व श्वादश्वत्रक्ति निक्के हरेरक (व कि का क्षित्रं व श्वा स्वाव क्षाक्षित नरेके व्यक्ति स्वाना इस्वक् क्षाक्षित नरेके व्यक्ति स्वाना व्यक्तिक क्षिकामा वहें, व श्वामा क्षित कि

মকস্বলের আলোকতে গে মাণে কলে হয়।

আজি আসয়। বছৰলের জন্স, মাজি-ট্রেট ও ভেপুটি মাজিট্রেট প্রভৃতিকে নিম্ন লিখিত বিশেষ গুলি উপহার দিলাম।

- ্। সাক্ষির থালিরার জরণ ন জীর সুই প্রেচ্চ চুট্ ডাকা ও আসামীর বালিরার জরণ ৪০ খানং জনং
- ২। ভাগামীর সামীন দিবার অন্তমতি কইলে তাহার নিকট হইতে নাসীর শতকর। ১২০০ টকো লইয়া থাকেন।
- ৩। দরখাজের নকল লইভে শেলে পে. ভার ॥• আনা লন।
- ৪ । এজেহার বিজে নেলে ॥• আনা দিজে হয়।
- ে। দলিল কেরত লইতে গেলে পেডার ১ টাকা না লইরা কিরাইর, দেন না।
- ৬। পেরাদার বেয়ার জনা দিতে গেলে এক জানা অধিক দিতে হয়।
- া १। যোক্তার নামা ক্ষমনিক করিছে হ-ইলে পেছার ৪০ জানা রাইরা থাকেন।
- ক্রিন। বাহৰতা দক্ষণ গইছত গেলে পেৰার প্রতি নকদে কি ক্রিক ক্রবিদ্ধ ১ টাবা লইব। বাংকা
- »। বাহার। ব্যক্তির ক্ষরাত বন্দী লয়, তা-বারা প্রকি সাক্ষিত্র, বিষ্ট বৃহতে ॥° সানা করিয়া লয় ধু
- ३० । रेनेपालाको विक् करेवात जानदर कोर जा काकरक करवान करत

The second of the contract of

एक खंडल क्रियन। किन्न ध्यानक खंडल हैं क्रिया है एक क्रिया नाम हे हो प्र क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क

वश्र्वत रहेक चात्र चराश्रद्धत रहेक, नमलक्षणाटक जनात ७ चछाठा त निवात्रगार्थदे धर्माधिकत्रम श्रहिष्ठिक र देत्राट्य। नात्रकाती ताका ७ ताकशिक निर्धाल चमात्र निवात्रम्काटल चाच्र शत्र विर्यक्रमा करत्रम ना।

> ৰম্পি ৰাজ্ব বশী দ ৰম্পা স্বৰ্ণন ইত্যেৰ নিৰ্ম্বকারণঃ। গুৱপন্ধিটেৰ রিপো সতেংপি বা নিষ্ঠি হতেন স্ফুৰ্নিবিয়বং।

রাজা ছইলেই জোধ লোজাদি পরি ভাগে করিয়া বিলা পক্ষপাতে স্কর্ভব্য সন্পান্তন, করিতে হইবে, এই বিবেচনা করিয়াই রেই রাজা হুর্যোধন কি পুত্র কি শক্ত বিশ্বাক করিতেন ভাষারই, ক্ষা বিশ্বাক করিতেন।

हाजा इत्याधित चना चना च त्म च जाहाती इताचा विलया व्यक्ति वित्राम क क्कि जिन गंधन क्षणा भागम कादन गांधानुगारत मञ्ज ७ सिंव के बरतवर्षे चुंचा हात पून ब्रट्टेंग विवादन करिएक चौर्मक गणिक स्टेंगांकिन क्षणि के देशकी करिएक गणिक स्टेंगांकिन क्षणि के देशकी करिएक गणिक स्टेंगांकिन क्षणिक क्षणिक क्षणिक प्रत्या कर्षता अक्षा प्रमा कार प्राप्तता छेशस्त्र प्राप्तामक नक्ष्म विवस्तात करम् कतिमाहिः काम्याह्म कि मामिकिः (काम प्राप्तिम किर्मि स्य मानीतः (शकात अक्षि वासी कि

वे अक्न होना कि श्रव्यास्त्रहें हुई पूज् देते? जब ७ माजिर देरहेता वस्त्र आ ন দ্বাপন দ্বাদালতের এখন ক্ষাৰ্থ উপৰিদ্ধ ष्यात्र निरात्रदेश मन्यै एकेट्सटक्स का, 🕊 थन त्य कें।हाता चरनातः चरकातं क्रांक च नगरत्रत्र यथार्थ जानायं काम्याद्ध विवासन क विटब्रेट्स, कार्यक किस्टुश अकात हरे केशाहार विद्वकता केंद्रिकें, द्विकृत मा त्वम, वर्षि क्षकार्विता ब्राम बाह्य স্বিচার লাভে সমূর্য হাইবে ইটিয়াই নাম वासात पत्रमा पारेतात हुनि स्रेहिका । किक भागना निरंशत भरेत्य सर्व अस्त आसी বারিত বাকিলে আইনের যে 🕏 মুন্দ 🥍 क रहेवात मखावना कि > नश्चित्रमुख्य व्याधा पिर्मन चन्रताथ धरे, विश्वासम्बद्धाः अर त्निर्मात्रकात कतिका त्रवस्य केल्पाकर A MINISTER BENEFIT CONT व्यवारिक स्ट्रेटकरके अन्तितं अनि केंग्सन कानिएक शारतान् व्यवसार क्षेत्रिक एकाटम व्यवि गटर फालराज्ञ अस्ति ।

गत वार्टिन नियान करणारम अर गैरानिकर स्ति प्राप्त विकासक प्राप्त स्वित्राह वार्टिन करतम, स्वाप्त स्वापत स्वित्राह वार्टिन करतम, स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्ति जुलक अन्त्री स्ट्रिंग स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्ति जुलक अन्त्री स्ट्रिंग स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्ति क्वियात स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्ति श्रीकरण स्वयम् (१

गक्रा । देश्लक ब्राह्म श्राटकार्य भ के अबा व्यवस्थित एक कि इति । के की माना करें (क्टर । क क्रिटल खेश एए बाक्सिक्खाई अक्री ल व्योषित व्यवता विकृष्टे व्हेटक उदा जरीमादिका यसम् तम्पूर्वक माभून **টিংনামে সমন্দ লম, তথ্যালে ক্**রিডা व्यविष्टं कतिवात् करो ৰিচাৰ প্ৰথা विराग ऋतिहाः निर्मित्रा लख्या एर्ट गीक्टिंगः। চালের বিশ্বকালেও তথায় উচা এব र्केक इत्र । यस 🛣 शाबीन है। लाखर है गोर्ड मेशिकिक मनेन्स े श रहकोत मूल।

ু শাষাবিদের ১ ৭ জুরি হইবার যোগ্য प्राक्ति मार्चे धवान नहां, क्वल मक्षरता वि ্ৰাপ্ত কিলের কেটেব সেই বোগা লোক नाक रेरे रक्ट मा। काशानिरगत कार्या ७ सब्दोन विशिश्या नार्के दाध क्षेत्र, छै। होता खू দ্বী প্ৰবাদ্ধ বিষয় বিশক্ষ্য। এ প্ৰধাটি মকস্বন হইতে রহিত হয়, জীহাদিগের ইহা অন बीके नव, अक्षे विशिष्ट स्वाध क्षेत्र पाणा कि रमाप रस बा १ जानेता कंटबर बान शृद्ध ख ৰণ করিয়াছিলাৰ ২৪ পর্যাণার কয়েক জন मुनिए जूतित भग कास हेरेताहरू। जाना ভভঃত্গলীর জল ভুরি মিলোগ বিশয়ে এক ভী **মন্ত** বাবহার আরম্ভ ক্রিয়াট্রনা উপ্ল ক্লাৰ্ক ৰাহাদিগকে ভূৱি পৰে মনোনীত ক ক্ষিড়েছেন, ভৰধ্যে মুদি, গোৱালা প্ৰভৃতি বোর ভাতিরই প্রায় অদর্শন নাই। মৃতন ক্ষুত্রিত্যক মকলমায় এক এক দল ভুরি বিচ্ছালিত করেন। সুরতি খেলার রীতি-के मुक्के बाहनी वरेता बाटक। मीहाता अ **খন্ন মন্ত্ৰেলিভ ন। হন, ত**ংহাদিগকে লাট্ট পাঁচ দিন ক্লিপাইড,থাকিতে হয়। বিশ্ববিদ্যালয় **উপবেশ্যনের স্থান** নাই। ওঁ:হা क्षिक मह्योष्टिक म्यान करा १ र र केट्सप रक असम्बन्धाः राज्ञ निक्छि क्रिके अक्रियाम स्था किल स्विनिति क्षांत्र गार्थर क्रांस स्वयंत्र महत्रम ।

कार्र ग्डें। हा कि शत निक्र कि व ्रिक्षी क प्रति **स्ट्रेटिक सम्य**े साहरू **कारा न्यक्रे अकीसमाम पर्दिते। इ**ल्ल किश्रामीतिक विकास सर जातक प्रतार प्रके हुन चित्रिक्ट । ब्रह्म वावस्ट दृत कारान কি 🗦 এক কারণ প্রশানিধের 🖓 দ পরে প্রতিভাত হুইতেছে দে এই - পিবিলি ब्राम विচाরপতিরা আপনার। मार्चमर्व। स्ट् তে চাহেন , তাঁহাদিগের যে মছ, ভানুসা রে বিচার হয়, ইহাই উ'হাদিনের অভি প্রেত। অবিরা সকল সময়ে ভালাদি গর মতে মত দেন না : সুসরাং জুরি প্রাবা তা शामिरभन्न विविधि मा भहेरव क्रम : धहे কারণেই বোধ হয়, তাঁহারা সুশিক্ষিত. (यांशा व अनक्षां) लाकनिगरक जु तित भरम भरमामी**ङ कति.** छ पाछिः।।वी नरस्म । परवाशा लाक निरम्नाश काता क মে অুরিপ্রধা সকলের অবজাভ হইয়া উঠিয়া গেলেই ভঁ.হাদিগের কণ্টক যায়।

বেরণে কার্য করিলে অভীফ সিদ্ধি হুইবার সম্ভাবনা আছে, এক্সণে তাহা নি **ক্রেনিক ইইভেছে। এতক্রেন্**সাধারণ্যে स्त्रिश्यक्षा अहे स्टा ध्वाक्ति हरेतारह। মুঙ্ধ বলিয়া-আঞ্জিও সকলে ইহার মর্ম **अरह मनर्थ इन नार्हें। विरम्पवार अरनरक**त এক্ৰণ শুক্তাৰ আছে, যাহাতে সাক্ষাৎ সৰ-জ্বোপার্থ সরস্ক না থাকে, ভারতে সামু द्वाश अवृद्धि करक ना । यथन देश्लर कृति थवा अवन अवर्षिङ इत्<u>त्र वेश्वरूष</u> धरेवण चंडिया स्ट्रेसाहित। चार्के हिन्दिस्त छेशदत सूत्रि विदेशास्त्र स्ट्रिकेनिक स्रेटन তাঁহালিগের কর্ত্ব্য, তাঁহাঁরা সুমিকিত श्रुरवाथ व्यवस्था । विश्वाहरुवास व्याक मिरिश्राहे कर्नाएम बिरश्राकिक करियाँत क्र की करतन । अवस्थि मन्त्र मन्त्रम् लाक পথিক মিলা ভার, ভাষা আনরা স্বাহীকার कति या । क्रिक्क स्थान्त्र कर्माना सन्दि नि त्राच्या श्रीके कार्या अवस्त

कि अक्स्प्राप्त कि समा लूटन सूक्त है। नि:याक्रिक कर्ना इंड्रेटक इन सक्दरलि वेक् লে প্রতি মানেস এক এক বার সেসিয়ান दनिष्टि । अस मन विति वाही कि अस ्राजियरमन मकलमात विष्ठांत छट्टन म १ প্রত্যেক মহন্দমাধ ৭ জন করিয়া জুরি ক রিলে এত জরি কোধার পাঙঃা ঘাটৰে ৷

भारतिस्था विस्मित कहिया आह अक्री कथात छाल्लाच ना कतिहा व विषत्तक छनामू कात कहा वित्रय इकेटलाक ना विद्यान के পতিরা যেন কোনৰূপে ভুরিদিশের ক্রুরী गानमा मा करतन । सूत्रि अथाय यथन करी ভবাৰ্য সাধীনতা ও অপূৰ্ব একটা সম লাভ সরজ বহিয়াছে, ভান জুনির অৰ মাননা হইলেই ভারতবর্যের অবনাননা क्ट्रेंदि । धामतः स्थायीकात्त्र कहिएकहि, ভারতবর্থ পুনঃ পুনঃ সে অপ্যান সম্ম ক-রিবেদ নাঃ

এবিত্যক্ত শিল্পর আজায় গ্রেব লাবশাক্তা।

গত বাবে মিখ্যাসাক্ষা এই শিরোন ম দিরা যে প্রস্তার লিখিত হয়। পাঠকগন ভাহা পাঠ করিয়াছেন সন্সেহ নাই এবং আমাদিগের দেশের বিধবাদিগের ভূকণা बुं अक्की केमाइबन क्षांश इहेब्राट्स । अ (मर्टन गठी जीह आंगर्न चक्न सरमक विश्वा चार्टमें, चायता शुक्त कार्ठ अक्या খীকার করি , কিন্তু এলেলের বিধবাপণ প্র बुल क्षमहा बच्चना महा कत्रिक्टरम क्रिके ভাঁহাহিষের প্রথমাকাশ বে বাপ পাছুকুর ; चळान् चन्नकारत चाक्त रहेश चार्ट् काशांक प्रकरमंदे स्व अश्वरकत्त्रिय स्वेता जब अध्यक्षकात जनमें स्वेटन देश स्थाने. करमर् गडाविष मरह। चारमकंगःथा विध-का जनहाम धरताहनाम निरमाहिक ७ देthen cry carrier during real months

राष्ट्र काशित वर् S. SIFECULA TOTAL STREET, TO fra fra anifere er finitent न क्तिएक्टर, जैवाहा कारा सुविएक लीत (电影 新) 山地 阿米 阿米明 斯田田田 ७ महाटकात प्रत्या विके पालिक स्टि दन चारक, वर चारिक्त केंग्राह्म क्यांनीय र्देश चार्ट्स । क्या केल्या पनि अक वात मनमंबिद्दवक क्रमू विश्वानक कतित्र। **उज्जिक विद्रीकने कंदले, दनविद्ध गाँदे**-तम, भूवकात महराह विकासके मालिन त देशिक इरेडाएंड र महारखन वात त भवश नारे । हम ब्रामनिवन महिक् तम कि DIS मारे देश श्रीलिय मारे क्यारेक्स मध्य-त त्य कारक सार्वे। भूदि बार्कनिवयमञ् त्य नमस लाव हिला, काका सम्बन्ध नश्रमी-पुरु एकेटबट्ट ; न्यूटर्व विकासकाता ट्य-किशीन वार्वभाषाम् विरंपन् असन समाय कृत्य वा इंकेस, कांश्रात व्याह्मक विवासन स्रेशांदर ; केशब्रिक कर्कुंगटकं प्रशिक्टके विषय छ प्रेट रहेटर, अध्य छ। प्रतिरगत गत्न वस्म व्यक्ति भन्ने सिकाहर । पूर्व भूशिन वेरिक्शां किंग की भूशिन कर्पा त्रीता कुर्वक विश्वाव के कि पूरत पाकूक गर्मा वर्षा के किया किया विभावन "कार्तिमा कृतिमादिल, ध्रम ठारा

the large : Sands all all NO WHAT AND PARTY क्षित । अहं स्वम् केशवर मार्डान क्षिणारम् इपूर्विक स्व कतिस विका त्व. क्षेत्र कार्या कार्य कारण भावन जारक विन्ता काल द्वारित्व नारेत्का इस ना है जनाक्ष्य राजिनियात एखनक सान क्षेत्रा जिलाबरशह त्व बेशहर केशाव चारह. कीसामान काशान क्यूननार केन्य परे (क्टब्स मा: क्ड-क्रिस त्र डीराजा क्रानू: मदर्भ वाटा स्ट्रायम, काराह्म विकत्न माहे ह তত বিশ্বজ্ঞাণ হত্যার প্রোভ অনিক্রত হই-श्री कि थावादिक शांकित्व ? शवर्गतमके स्व जीवेश क्रिशिष्ट्रिय, क्य किय काश्ये कि अधिकातर भगाउँ यनिया अतिश्री क्ट्रिय : शहरीयांके अवक्का निवासरंगक कंद्रीत वादेन कतिशादक वर्षार्थ बटडे किक अवदान देशं विर्यव्या विविध स्केटर, व्यक्त मन कह जारक, रक्तम अक ্বালিক ভয়ও **অং**ছে । विषयात्र गर्क आकाम स्ट्रेटन अक्षरत स्ट्रे-एक श्रेटन, अखगती जामामा खड मना। च ভন্ন সন্ধে কেবল দণ্ড ভা প্রদর্শন বারু त्य काव स्वाति मधाक विदासम स्वेटर, हेन्स दकान करमरे महाविष् मेरक ।

वार्थ्य अक्टन काम्नाविटनातं बाह्यके करे, याद्य विश्वता विवास क्षातिक मा स्त्र, स्वाद्य सान स्कान निनात्रात्रतं स्वात अक्टी

STATEMENT OF THE STATE OF STATEMENT OF STATE

के श्री क्षेत्र के स्वाधिक स्वाधिक क्षेत्र कि विकास क्षेत्र के स्वाधिक स्वाधिक स्वाधिक क्षेत्र के स्वाधिक स्वाधिक क्षेत्र के स्वाधिक स्वाधिक

विश्वी क्षेत्रिकां कार्यम अरमा प्रथम विश्वी क्षेत्रिकार विकास समग्रम र भूक्तिक वृद्धि विश्वित्रेष के क्षेत्रकार र भूक्तिकार रहे कि विश्वाप के क्षित्रकार स्थाप र क्षित्रकार समाज स्थाप के अरकार र process of the second s

THE MENTS OF THE PARTY OF THE P

क्षा वर्षा स्वान क्षा क्ष्यांनि नाम अस्।
क्षिण यात्र सक्षान करणानाभाव देवारक
आक्ष्यांनीत क्ष्य-मधी क्षीत हरित्र वर्षन करित्रा
(स्व । क्षिण नामिन्द्र। केनाचारनत नरवापत्र।
क्षात्र क्ष्मिनिक्षात्र निक्त निवात निक्ष ज्ञा
विकास क्ष्मान नाद्यक स्त्र ना । क्षिति क्षमें
क्षान नवक्षिकि वाकि।

কর্ম দেবীর কবিতা গুলি গাঠ করিয়া বে

ক্রিমনে প্রাক্তান্তর পাজিয়া ও ভাব্ৰভার সবি
পের পরিচর পাজয়া পেল, তৎপ্রকানেই

হিষাধ হইতে লাগিল, ক্ষরিভাগুলি রুল্লাল

নারর পেননী হইতে অন্ধর্গল বিনির্গত হয়

নার। ইরুন্ন প্রশ্রমার্থ টাছাকে অনেক প্রয়াপ্রাইতে হইরাছে। এই প্রত্নে আর একটা

ক্রোন লক্ষিত হইল। তবি অনেক অংশে ভারভালে প্রভিত্র অনুকরণ করিয়াকেন। অনেক
গুলি কবিভার গল্যগন্ধও কবিভেছে। বাহা

হঠক, আহ্বান এই প্রত্নের গুল বর্ণন বিষয়ে

প্রাইকর্ণনাক প্রশ্রমণ সহিত্তেছি, আন্রা

ইলা পাঠ ক্রিনা লাগন্তই হই নাই এক্টিপেরি

আন ও বিকল ব্যাপ কবি নাই।

दश्च कृष्ण विक मदल कि । ह भागवान मारक सार्थ नेषीत कृ त्वत छ ०१ क शानवान । कि मार्थ नेषीत कृ त्वत छ ०१ क शानव भाग क मार्थ नोयक्षण कहे। हा त्यां के ना कि मार्थ क्ष कादलस्थक करवे का स्व कि कि छ । स्व क्षित क्षां क्ष कार्य कार्य करान कि । मायक्षरकार मुश्च क्षां क्ष कार्य कार्य के कि । मायक्षरकार क्षां क्ष कारक । त्वर के कि । मायक्षरकार कार्य क्ष कारक । त्वर के कि । मायक्षरकार कार्य क्ष कारक । त्वर के कि ।

KEL TELE

ঃ ুশিক্ষায়ন বিতীয় লগ। অপুরু थानु निवस्**या आव देगानु म**ण्डारमञ्जा । निवस्या বাধু ভুবিকার সধ্যে লিখিয়াছেন শএই পুঞ্চাকর প্রথম ডিম অধ্যায় ডাক্তর এণ্ডু কোব সাজ-বেছ' টুক্তিশিত এড (কিছি চনজিকেন এজ महत्रम *(महत्रमधानके* न्यांव हेन् दर्गणः) शहराक, इदूर्य कथाद्व स्वडेप्रमाञ्चाहरस्त्र नियनिकः वि-महरू महिला महिल्ल कर १ नव हुई प्राथमित है-बर्ल इ.हेब् टक्के हैरिस्टक नायक शृक्षक बहेरफ त्र श्रीक बहेबाह्य :> जामना खेगात है जिन्छ সায়ের বিষয়ে যে বক্তবা ব্যক্ত করিশাস, ইকার গুণ দোৰ বিষয়েও সেই বক্তব্য, ছাৰ্মন কিছু মাই। উহায় উপটেলায়ন রে বালকগণ স্থানি ক্ষিত হট্নে হিন্দুস্যাজের মহোপকার লা-ভেদ্ন সম্ভাবনা । খাল্যকালে বথ রীডি শিক্ষা ब्रु मा बनिहाई वंशकूवि इस्तिया गस्तिविदनः র বিকট বইতে বে উপকার লাভের এডা-मा करवन, जाश शूर्य स्ट्रेस्टर्स मा।

ा क्षेत्रक लोडीमाथ भन क्वित्रक्ष क ণীত শারীরিক খান্ডাবিধান। ইহা ভায়িবেশ, গরভারি, ক্রম্পাণি প্রাভৃতি প্রার্গিষ্ঠ পণ্ডিড गर्भन्न क्रम नरक् छ खेँई वहेटछ नक्षतिक दहे-স্নাছে। সংখ্যত গ্রহুকারের। টকিংসা শান্তের বে কত মুর উন্নতি সাধন করিয়াহিনেন, এতৎ পাঠ বারা ভাহা স্পাট স্থানা বাইডে পারে। কিন্তু আমাজিলের মতে এগ্রন্থখানি সুরিত্ত ক क्षांत्रिक सं व्हेरनडे कार इंडेन : ब्रह्मकर विव तारे व्यक्तिन कारकात मरणत महिन्दे केनानी सम भटाउत्र वस देवहासना हुई व्या विहासीखन वाक (व সম্বিক বিশ্বাদ, ভাষা সক্ষেত্ৰ বীকার ব िता बारमन । किस जंडर ध्यातंत्र बाह्म अहे धक्र मह अभिने श्रीवात महास्त्र आद्य, अरमद्रक हेश विलक्ष अन्त विश्वता हैशात जाह-् ने कार पद आहत्रन कतिएक शास्त्रम । वि-, বং তেওঁ উলাও আচে আচেম বেৰুপা বিৰুদ্ধ **সভ** ०८क कि विशिष्ट देशिएक, क्रांस देख ज

दे जाटक, जी नुक्राक मान , त्रिक कार्का नाक प्रांता, त्रिक कार्का प्रांतिककार कार्का देश, त्रिक कार्का कार्का कार्का कर्तिक वेशांत्र कार्क कार्का कर्ति क्षेत्र कार्का कर्तिक नामम कार्का कर्ति कर्ति क्षेत्र कार्का कर्तिक यर नामाव्यक करनाकि क्षेत्र कार्का कर्तिक राज नाकित्रक मनीत्रन कार्क कर्तिका क्षित्रक नाक करता व

। ভলিকাতা ত্রাক্ষনালের বজুতা।
 শীবুক্ত বাবু দেবেলাপাব ঠাছর বিশ্বনিত্রি বহি তে আদিরা ত্রাক্ষ স্বাহন্দ বে প্রেক্টা ব্রুক্তা করেব, তাই। পুরুক্তাকারে সুত্রিক ক্রিলারে।

। বলোহরের জিগুক্ত বারু নর্বভুষার না-থেয় সংস্থীত বাব্যাবলি। ইহাতে এবল কর রাজী শক লিখিত ইইয়াছে। ভাষার পর ভা-বারু বাজনা অর্থ আছে।

५ । ताबहरूशूत ताथ नवारकत वक्षा । ১७६ व्यक्ति वरणाविवारतत नव्यक्ति वेदात नलावक व्यक्ति वात् वदीवकत वरणानावात के वक्षा करतत । वक्ष्यति वेद्यन वर्षे-त्रारह ।

বিবিষ সংবাদ। ৩:এ ভার দোনগার।

ইংলিস্থান অবণ করিরাজন ব্যবস্থাপক সভার অধিবেশকাল সমিবিত্ কওরাজেন গ্রথনি কেন্দ্রল আল্লগারি বাসের নথ্যে উত্তর্গ পশ্চিবাঞ্চলে বাইডে পারিডেছেন না। ইডি-ঘণ্ডো ডিবি এক্ষার বে, রারক্ষণারে বাইডে পারেন। ভবে ভক্তকা করেছিলিলের ক্ষাক্ষ ভালান সক্ষার সম্ভাবনা।

केस भव किया कोर्ट भरवाम माहेशाः द्वार करा का नामा कीन्द्रास्य त्या मरश्चर कहिशा चीश श्रीमा श्रीमानिकात कहिएक म्या-निक्किकन । एकमश्चामा क म्याम्ब स्मानी माहे

तान कार्योक क्षेत्रका कार्यक कार्यक

विश्वाद्यां कालिक कालिक कालिक व विश्व करेगा में निवादिक कालिक जावादां कालिक करेगा कालिक कालिक जावादां कालिक करेगा कालिक व्यक्ति वालिक विवाद विश्व करेगा कालिक व्यक्ति कालिक विवाद विश्व करेगा कालिक कालिक कालिक कालिक वर्गा कालिक कालिक कार्यां केलिक कालिक कालिक कार्यां कालिक कालिक कालिक जावादे कर्य कीर्यां कालिक कालिक वालिक कालिक कालिक कालिक कालिक वालिक कालिक कालिक कालिक कालिक वालिक कालिक कालिक कालिक कालिक कालिक वालिक कालिक कालिक कालिक कालिक कालिक वालिक कालिक कालिक कालिक कालिक कालिक कालिक कालिक वालिक कालिक कालिक कालिक कालिक कालिक कालिक कालिक वालिक कालिक कालिक

जान वृद्धिकालात जात्रव स्वर शतः स्वान नोत (क्ष्मुंब) निक्तेयुक्ति तक नामेत (स्वान गक्ति। तक क्षम् चयुक्त श्रक्तक्वयुक्त जावक त जनत तक क्षम् वयुक्त व्यक्तियाः हैंसे क गा-माना क्या, केक्क्र गतः स्वानीनीयक व्यक्तक नेका गत स्टेनाया, तमे जन जात्रक कन क्षम् विद्या गानता नाहेया।

কিনিক অবশ্ করিয়াছেল নর মার্নেস পিকক প্রথান্তম বিচারাইছের বিচার্সাভিবিত্র
র নিয়োগ বৈ ছানাভর্তন্তনের ভার ঘইতেত প্রথান ভারিয়াই কেটাই আহমন। একন্য বন্দকেনীয় মার্লিকেটিয়া সহিত্ত ভারায় অনেক ভার বিভার মুইয়াছে। এত ন্যোক্ত কেনি

विविद्यांत क्यानगुरात न्यावंशाक व-त्या वर्णत स्थानगणं क्यांक व्याप्त विद्या गढ़ वर्णत कतिया काक्रियं अवह द्वेता विद्या गावकतिर्वाद अविका कड़ियांक्रियंत । आक्रि व्याप्ति क्यांक्रियंत्र विद्यां विद्याप्त गामगुराह्य क्यांक्रियंत्र क्यांक्रियं

न क्रिकेशकारिको ज्योदन जात्रामित्रके गांक के विशिष्टिक वह विद्यांनिक क्रिकेशक गांव मिन्ने क्ष्य क्षेत्रक क्ष्यक क्ष्यका विशिष्टिक गांव क्ष्यक क्ष्यक क्ष्यका क्ष्यका क्ष्यक क्षित्रक गांव क्ष्यक क्ष्यक क्ष्यका क्ष्यका क्ष्यक क्ष्यका क्ष्यक क्ष्यक

े अर्थ जीपन बजनवीत । किंदि । विशेष्ट राजीय कान्यावर्ष व्यक्ति भारत प्रतिकास करतकी विश्वन केनाक्षर का निर्ण रहेबाटह । दारांप रट्ड क्वनांत्र जान হিল, ডিনি এই জন্ম ছই বার জোলানির नारन स्था विश्व होना नरेबारहर । उद्यान भावन देशानामित्र होंगा गरिया गार्टवी किर्ने निर्व केंग्रे करिया जार जानीन नेर्डेडार्ट्स ক্তির বৈদা ভীহা কোম্পানির নামে বর্মা লিখিরটিছ্ন । আর্থির টিনর মানক এক জন गाइमी अर्भी और मकन पूर्वभू वादिश संदि ब्राट्यमें। बंदे दर्वन्त्रीमि डेविंडी बहिटकट्ट, अकरन करे क्षेत्र हरेंटकरह पूर्व अशुक्र कि-त्यक्र मारम द्विक्यांत्रिएक मानीन बहेदवं कि না ? খুংউরা 📲 রূপ প্রভারণা করিয়া 'সা-पू क कि विद्यान चंद्र वंद्रा व्हेटकट्ट ।

निश्री रंगरंबडे परमन जानीत रहां के वह पात्र थे। जाले करतक जन हुन्छ रखेत्रमें करिया त्रा समस्य जानरक जान्यमंत्र करिया जार रहांच करतम । किस समस्य जानी करिया राज जाने करियारम । जानीरहात जिल्ले बानर स्था हुन्यांचा स्टेशारम अस्टिक्ट कर्म करिया

केक गटबर विक्रमाचित्र गरबाद आका के के कर कर कि मांचे :

the state of the

office for a past of all of the said of th

१शा चाचित रशकाः देशकारिक सर्वात्रशाह आदिकाः वेशा पुष्- सरेशांत्रकः स्टब्स्ट शिक्षाः स्टब्स् कोत्रतः सर्व स्टब्स्ट स्टब्स्ट स्टब्स् स्वात्रस्य व्यक्तिस्थाः

serie produce milities of wis of (a. standardische malices produce) a 10 stante i milita all all original

्रान् है बंके चंचांड श्रृक्तदावकात रह बरना कि केरिएफ्रन्मार्थक कारे, मा शाहिरांड छ क-हि मार्ड्ड, क्यन प्रदे हुम इका बड बा।

ক্ষিত্র করিয়াছেন। সমূদার আরতবর্ধ এক জে ক্ষিত্র করে এই আপদার নিবারণে বস্থবান

্বলেম পে যাইর সালিসের অছু-এপ বোৰ স্থায়াণ হওয়াতে ভাঁহাকে নেসিয়-স ব্যর্গণ করা হইয়াছে।

क्ष्म भवजाद्भवद्भ बाहर ৰূপ আহে ছই ভাই বাস করিত চেক্স জন জন ্টুক করিক ভাগর কিঞ্চিৎ সক্ষমিনান ছিল। নরিত্র জাতা এক দিবন ভাষার জাতার নিকট रहेरछ विकित्र भेगा जानमून करा, किस्र सा বার আত্বণু তাহাতে বিরক্ত হইয়া ভাহা কি-बार्देश करेश कारेटा । केक कारिक व्य विव-य किहूरे परिवाद किल्मा। चाछ अस् अहे जि. ছুরভার অভিয়াত্র ছুংখিত হইরা লে কাহইতে এক একার বি।তে লভা বানিয়া ভাষ। দি ক্ষেপান করিয়া আপনার জী ও সুই পুত্রকে বিনার স্কলে প্রাণভ্যাত্র করিলু। <mark>অণার ভাভা</mark> किव्रुक्षन गरत जातिया अहे नामः व प्रनंदम শেকতি হট্মা সেই বিব পাল করিয়া প্রাণ-া প্রাক্তি করিল। যে জীলোকের দেনে এই করে 🖏 আনী প্রাণভ্যাণ করে। ভারাকে হ'জভে आचा ब्रेबाट्म। मधाम्की यनि मडा ३५ अन्छ। क्षिकारकत विषद्र। देश प्रथात जनके सन। े के **हैं रिनियनान शांत्रफ**तीयाल क्टेटड शहास পাঁইয়া লিবিয়াছেন। আপদাব উলনুলক নাম **क विक्रांकि विवि मरद्रा** नांद्री अन छन छमध 'শ্রিক্সর্ন কারিশী জীর সহিত যোগ কবিয়া বি'ব িজৈবিভালনৈর নামে করেক থানি জাল পত্র ক , বিল্লা ও এক সক্ষ টালার এক জাল হণ্ডি ভালা.

देश एक निर्मित छिन्छिन पृष्ट कर्मा छिन्छिन्द हैं, किनि धरिनदश्व किंद्र कारमा ना । और केस्टि के निर्मित नदश्व कामा-भिक्ष किन्न यह गरि।

বাভানী পত্ৰ হানের প্রিপ ভাব প্রয়েলস ভারতবর্তন ভারতবন্দশীবেন না।

গালিকিবলের অনুত বাই এবং নিশা ও
গালিকিবতা দেবির। প্রথমাবধিই এই পরের প্রতি আমালিবের, অক্তির অপতা হয়
কিবঃ অংকালে আমর। মনে করিরাহিকান, ইবঃ ক্রনে ওপরিরা উঠিবেক। একণে
দিন দিন আমালিবের সে আশা অনীক
ক্ইতেহে। উক্ত পত্র চের্ডার আছেন
হিন্দু পেটুরুকের বলোহানি ও ক্রমতা নঠ
করিয়া আপনি প্রধান হইলা উঠিবেন,
কিন্তু নে উন্থের মুরাশা, ডাহাতে এই নার ফল
লাভ ইইছে, বিস্কুপেট্রিরট বিস্কুলাভির প্র
ভিনিধি খবাপ, ভাষার নিস্কা করিয়া ভিনি হি
স্কু লাভির ভাজত্বেনী বলিয়া পরিগণিত হইবেন।

চাকা বিট্টল বত আক্লাজিত হইথাডেন।
লেপটনট গৰবন্ধ চাকার এডদেশীর ভন্নলোভ নিগকে বথোচিত সন্মান করেন নাই। বী
ভন সাহেব গণিমিয়ার গাড়ি না এইয়া এক
ভন নীলভন্নের গাড়ি লওরাতে ডিনি বিশেষ
আক্লাভ প্রকাশ করিয়া বিজেপ করিয়া নলি
রাচ্নেব ও ভারতবর্ধীর সভা সভক হউনগ। উ
ভ সম্পাদক এড পুরিডে পারেন। জীরছি
কারীয়া আজিও ইবাকে আপনাদিনের পালের গোলা করিলেন না, বড প্রথের বিবর!

छेल्ल बरन हिंग्झार क्रियं कर कर प्र-एण्डिल गृष्टि अर कर ठा-करात करत हहे-एक छारात मृख स्वर गरित कतितां करा निर्मे अरे निर्मे गिकिस्स थुल कतिगांत करा ३०० ७ अरु कर हा-क्र २०० होका मिस्यम स्था वर्गा कतिग्रास्था। छाका निष्ठिम अरे छेलबस्क विक्ष ७ मूमनमानिकास्य गानि निग्नास्था। अरे गात छाका निष्ठिस्य आहरू वृष्टि हहेस्य मस्कर नाहे। हेर्नेनिममान ७ स्तकता अरेकस्य आहरू वृष्टि कतिग्रास्था।

ও রা আঝিন রহস্পতিবার। গত বর্বে সিংহল নীংগ ৭৫,১৯,৯৭৯ টাফা

चात्र स्टेन्स्का चात्र सहस्र १३, ४१ ४४ वर्ग केर्न केन् च त्रित्रहरू । कृत्रकार्यकात्रकात्र शानात्रक चार्या चारतक केला चात्र स्टेन्सकटका । ति रम कील चात्रकरहर्षत्र चात्रक संस्था ।

নেশালয়িত আনক ইংলাই আনি প্রকিন্ত নানি ভাষে বহুগ্লা এবা প্রাইনির মেল ক্ষরি-বর্ষন ভয়তা সমন্ত্রেটের ক্ষরিক্ট লোকির লাভে রেসিটেডটের নিকটে নে বিক্স ক্রানাম হয়। ভিনি আজা নিয়াইছন আবিসরিদিশের-কোন এবা পাঠাইবার অব্যোলন হইলে ভাষা প্রবাদে নেপালের শুক্ত লাক্ষার কারী কর্ম চা-রিকে দেখাইতে হইবে।

রণবীর সিংহের অত্যাচার করে নিবারিত হইবে ? তিনি আজা করিরাছেন, নীজকানে ইংরাজ অন্ধকারিরা তাঁচার রাজ্যে থাকি তে পারিবেন না । সেই সমরে প্রজারা লগ্য কাটিরা বাকে, সেই সমরই তাঁচার অ-তাাচার করিবার সময়, অন্ধকারিরা পাছে ই-হা ভানিতে পারে, এই নিমিক্ত তিনি ঐ বাপ্য আজা করিয়াকেন।

মাজ্রাকে একটি নাট্যপালা করিবার জনা

,০০০ন টাকা মূলখন সংগৃহীত ক্ইরাছে। ক
নিকাতায়ও একটি ইউরোপীয় নাট্যপালা হ
ইতেছে। আমরা কেবল দেখিতে ও গুনিতে
আহি।

ক্ষণ নিয়ার বিশ্লোহিদিগকে ক্ষমা করিবার খোগণা করা ক্রব্যান্ত। তুই ক্ষম রাজাকে ভাষা দিগের নিকটে প্রেরণ করা হইয়াছে। ওদিকে বিশ্লোহিদিগের পরকার গৃহ বিবাদ উপস্থিত ক্ষতেশ্ব ভাষালিগের ক্ষিত্র ভাগে করা ভাস-ভাবিভ নহে।

১লা আক্টোবর গ্যান্ত জেনরল রেছুণ, মুল । মিন ও নুেয়ার বন্ধর জর্শনার্থ গ্রান্ত করিবের । ভিনি এক্যাসের অধিক কাল রাজবানীতেও অনুপস্থিত থাকিবেন না।

अवश्यक्त ७० अन मिनितास अद्रमाण स्थान मिद्राज्यक्त । में सीमिद्रशत बत्रम २०१२ १२०१४५५ वरमद्वक्त जाभिक नशाः

নীকলিবের গুরু বিব্যাস সিণ্টেরর মৃত্যু হইয়াছে। তাঁহার চেটায় ১৮৪৫ জালে নীক গেলের সহিচ্চ কোজ্পানির মুখ হয়। বি ক্যান সিংহ স্বিলেগ সাহসের দ্বিভ যুগ্ধ করি গাছিলেন, যুদ্ধের পর ভারাকে ভিঞ্জিৎ প্রকান निर्माद कर विकित्यक्ति महान्याक्ति कर्मा निर्माद कर विकित्यक्ति । स्था कर्म पास्त्रक प्रमास्त्र निर्माद क्षांद्रक विकित्य पास्त्रक प्रमास्त्रक विकित्य प्रमास्त्रक व्यव प्रमास्त्रक विकित्य प्रमास्त्रक विकित्य क्षांत्रक विकित्य व

 त्वावार स्थानिटकाणिटक अक कवकर का. ज्ञानात व्हेषारक् । स्वम्बारमञ्जूषक व्यव क्रिकी न जाबात पूर्वभन यरकरमञ्जू मारम अर्थ विक्रिया ন'নান করেন বে ভাঁহায়া ভাঁহায় বেডন দেনু নাই। বিচা±পতি নে**জর জেবসন উক্ত গু**ই বাজিকে িনা বিচারে ছাতকভ়ি ও গেড়ি মি-ব্রা এক অপ্রকার বরের ক্রকাইরা রাখেন। আ-व डीएक्टिकंड भीट्य ८० ००, है। कांत्र क्ल কার প্রস্থৃতি ছিল ভাষা ও এই "নাহদীবোদ্ধ'ল আত্মসাৎ করেন ভাষারা বিনা কারণে ফ্রন্ড হ রগান্তিলেন এই নাশীল করাতে নেজনু e. · · होक। विश्व विश्व क्षेत्र क्षिया दाखिमार्था क्राह्मारहम । अकरन अहे अन हहेरखरह मत् य हैन सिधान यहे पूर्व ए कर्षातीन कार्यान थां विकास विकास करें विकास करें विकास करें विकास करें विकास करें कि स्वास करें कि स्वास करें कि स्वास करें कि मजाहादत्र कना सामन्ना देननिकविद्यान स्टब्स विচারের ভার দিবার বিদয়ে এও প্রভিবাদী।

রেবিলিউ বোড কনিসনর দিগকে পাউন্ত ভূমির মূল্য নিক্ষণৰ করিতে আজ্ঞা নির্মাছন ন বলদেশীর গ্রাবনকৈ এই সকল ভূমি বিজ্ঞানের যে নিয়মাবলি প্রকাশ করিরাছেন ভাষা ও ভবিষয়ে আমাদিনের যে বস্তুব্য আছে ভাষা আগ্রাহিতে প্রকাশিত ছইবে:

नमत आमान आजा नित्रप्राह्म ता न कल गोलाडेन आधाश वन्नकिरणत नम्मालिन अक्ष्म, डांशकिरणन जनताताताता यकि छाड़ां मिरगत क्षि इन डांश स्ट्रेंटन डांशकिशक मान्नी बचेटल स्ट्रेंटन। उत्तम कांग्रा स्ट्रेग्नाटक, आमन्ना नर्समारे द्वारिक्ति वामकिरणत अमेगानि आन्ने मेंग्नकतिशास हमान्ना क्षित. डांश नई करा हम।

নাক্ষেষ্টবের মন্ত্রেসিনোর সহারতার জনং কলিকাতার ৯০,০০০, নোজাই ব ৭০০০০ ও নাজাজে ১০,৩২০ টাক। সংগ্রীত হট্যাছে। লর বার্টিল ক্রিয়ার বোজাটনে এবিবরে একটি

मधी व्यक्तिक पारिवादिकांत्र पूर्व स्वाकावित्रक विभिन्नका विकारणका व्यक्ति साथ क्षतियाः इत्य, व्यक्ति भावित्र साथ क्षत्रकार वर्षा कर्मक देशों मान्य करत्रमा है बाहिन स्वाक्तिक देशों स्वकाहिकांत्रम

पू विराम रिप्ता प्राय (पारकेम क्रिस क्रिस विमानाटक नित्रतिविक डीका स्वा क्रिस

कांब्रक्तवाम भूगेन (मध्येष्ट	4,68,56,508
यक्षरक्षेत्रीष्ट्र के	3,28,53,060
উত্তর শশ্চিমাক্তরের	4,2727,030
ामा त्यम	٦٠٥٥ ١٤ مهرد
বোৰাই,ছেব	46E 50 00,00
भट्या क्षांत्रक्षयद्ग्यंत्र	40.0 C 144
মাকিণাড়া এভৃতি	\$ 3,29,8¥8
माखाः म	5'>2'86'278
ষোট টাকা	33,84.:3,983

अंख क्या है। का कांत्र क्थ्र बबू बारे।

লাহোর অণিকেল বলেন ভান্ডসরের ১০ জন সম্রাপ্ত বাকি পঞ্চাবের গ্রন্থেটের নিকটে এই বলিয়া আনক্ষম করিয়াছেন উক্ত নহর অবধি শভাচ্চ নলীব ভটাছিত কিরো জপুর পর্যন্তে একটি খাল খনন করা জাবনাক, ইহা হইলে জান্ত সংস্ক পশ্চিমাঞ্চলের প্রথান বাশিক্ষাভান হয়।

২ % এ সেপ্টেম্বর ভাষণি ১ ং এ আন্তিবর পর্যান্ত প্রধানতম ও জান্য জানা দে এরানী বি চারালর বন্ধ থাকিবে।

জিলস পত্র বলেন দেরাস্থের আনেক জ-মীলার ২০ বংসলের কর পূর্বে নিয়া জনীদারি। নিজর করিতে ইজুব স্ট্রেটিলন ।

বিভ সাহেবের স্থীব জন। ২০,০০০ টাকার অধিক চাঁচুক্তিরাছে। না হবে কেন। এ বাজালি ছিলেন না। হরিল সমাজ ঘুহ ভল্যা-লিও আরম্ভ হইল না।

আলিপুরের বেলবিভিয়ার বাঁটার স্ং.. ভার হইতেছে লেপ্টনান্ট গ্রবর্ধ কিয়দিবস ভগলপুরে অবস্থিতি ক্সিবেন।

এবংসর সিশ্বি ইতিনিংরিত্ কালের হ হইতে এগার কন কতবিদ্য ছাত্র বাহির হ ইয়াছেন। তিন কন সহকারী ইঞ্জিনিয়র ও ৮ জন সহকারী ওবরসিরার হইয়াছেন। সহ-কারী ইঞ্জিনিরারের মধ্যে গুইজন পূর্বে বি.এ উপাধি প্রাপ্ত হইয়াছিলেন। গ্রথবিদ্ধী আ-

जातानात्वक स्थान विज्ञानिक राष्ट्रिक नि नामक अर्थ क्योगिएस क्यानिक विक्रास मान्य स्थानिक स्था

ঠো জীবন ক্ষমবার। ীনী তুলানো ক্ষমবার বিজ্ঞানী নুক্ত। বিভাগোন হাই ক্রিকেন্টে। ইবারা করে

र्फ् म स्ट्रेटन १

পাকিয়ানায় থালাউঠা আয়াত বহুঁয়াটো গৰ-ছৈক আজা করিয়াছেন, লোক ব বিগর লেউলিয়া বইলে বলি ভাষার ভূতি: কার্থ প্রবর্ণন করিছে না পারেন, ভাষা ব্রু গে জিনি কেবল গৈনিকনেডন ভিন্ন জা কোন বেজন পাইবেন না ।

বোৰাইরেয় এক খ নি পত্তে চ্ঠ হইব জাজন সেইন ব্যবস্থাপক সভার সভ্যের প জ্যাগ কয়েন নাই। ভিনি অফ্টোবর বাসেব নেইকে ভারভধর্ষে আগমন করিবেন।

ক্লিকাভার ভেবে ভয়ানক ভাপব্যয় হ'ণ

विश्वास विकर्षत्र वाणांनी कालित भागीपूर्वाणण कि की कर्णा विश्व अंतर कि वृत्व क्षेत्रका कि विश्वास करियां करिया

টানীরেণ হইতে সংবাদ আসিরাহে বিরোহীরা গুনর্মার যুদ্ধ আরক্ত করিরাহে।
রাহান্তিগের চারিটি ক্ত তুর্গ ইংরাজনিগের
ইত্তগত হইরাছে। একজন হতন ফরাদী
রপ্তারির অধ্যক্ষ আসিতেছেন। পিড়িনছিত
ক্রাদী দুলে এটবিরিয়া হইরা কালে প্রত্যা-

শ্বিক সম্প্রদার গবর্ণর ক্ষেত্রকার নিকটে

শ্বিকেন করিয়াছেন যে তিনি প্রবিক্ত ক শৃংক্রাছ অস্ত্রমত সমুদার টাকা দিবার কা করেন ডোসতব্যীয় সভা নিক্ষা সং কালা বজ্বেব প্রতিমান ববিয়া আবেদন করেন কেন ? এদেশীয়ানিরে অগলানা নির্দিক উক্তে সভাব ওচা প্রাচ্ছেন

ইং বিশেষাৰ বাবেন, বোগপুরের রাজ।

ক্রেডার সিডেনিকে জ্তালই প্রের রাজ।

ক্রেডার সিডেনিকে জ্তালই প্রেনিকার বাবের আতি হা করিতে ছেন না বে

ক্রেডার ক্রেডার বা বাবেন বাইতে না প্রিরেড ক্রেডার বাবেন বা।

উক্ত পদ্ধ আঁদুৰ বচনৰ গৰ্গমেন্ট এক্প আজা করিবেন প্রচানশীয় কোন বাজা জ-গিক লোক জন নাইবা আয়ত বহীয় কাবৰ্ণন ক্রের সীবার আসিতে পারিবেন না।

হরকরা লিখিরাছেন লার্ড এলনিন এই কংগা স্থাকর ব্যাকারে বেরুরার বন্দার না শাইরা আপাত্তিতঃ মালোজে বাইবেন।

বেলপ্রায় ও থাজোরারের মন্যে টেলি প্রাফ বস্থান কাজে একার ইউরোপীয় সমাচার মানিতে বিলব হইয়াছে।

ভাবেক রবাইসন দুই তন মুসননান ও ত কে বেতন না দিখা ছাড়াইখা নেন। তাই! রা বেতন লইডে আদিবাতে সাংহ্বের সহিত ভাহাদিনের বিবাদ হয়.। তিনি ভাগাদিগকে ভারিষিত বাটার ভিতর জাসিতে বলেন। কিন্ত ভাগারা প্রহারের ভরে ভাষা না করা তে সাহেব ভাগাদিলৈব নামে পুলিষে নালীশ করেন। অবৈভানিক মাজিটোট প্রাদিশেশ ভূই টাক করিয়া জবিলানা করিলাছেল। জবলা। কুমীরের সঙ্গে বাদ ব্রিয়া জলে বাদ করা হয় না।

व्हे व्यक्ति श्विदाइ ।

अवस्मत विस्त्राह्मभीक्षा महाया भवारशील যোগ উপস্থিত হইয়াছে। কতৰ গুলি 'বধাা-পকে কহিভেছেন, নবমীপুঞ্জাঞ্জে বিসক্ষন হইবে আরু কতকগুলি কহিতেছেন, পরদিন এই বিদয়ের দীমাংসার্থকী বৃক্ত রাজা রাণাক। স্ত দেব বাহাতুর আপন আলবে ২৪এ জায় এক সভা করেম। সভ'কংল ভানেক অ্ধ্যাপন উপ স্থিত ছিলেন। ভাঁৰাবা প্ৰায় সকলেই এক वाका रहेगा भूकेकिन विमर्कान वर्ष्यका अग्राटका कर हि विनव किस तक न विद्वस्ते आय न र्कतः मिनन्य उ रच्न मा। ध्वियदम् अप्तिय त्रहेतः প মতটাপ হইর.ছে ভাহাতে আস্মান্যা বিশা शालत बड़ि । आधामित्यत विन्यत्यत विनश अहै। डेसिथिफ 'नाशां शक्तार्वत मर्घा त्कह (कह à क्रिस्ट द शुदर्क (य वानका क्रिसांक्टियान, शहन আৰু : ভারার বিপরীত বাবস্থা দেন। অধিক ुँ तर स्वित्वेड क्षेत्रं यूल ब्रष्ट । क्षेत्रे मारुवादन . ५ ८३ है। संबक्त वर्षे ।

হি নিকা জ্বৰ কৰিয়াছেন, বাবু র্মাপ্রবা শেষের পদে বাটু শন্মুনাথ পঞ্জিত মঞ্জে

ক্ষা নাৰ ক্ষাৰ ক্যাৰ ক্ষাৰ ক্

তোখাইরের ব্যবস্থাত জিলা বিশ্বস্থানী করিয়া লেখা, ভাষা করিয়া লেখা নিলা করিয়া লেখা।

নিয়নিখিত মুন্যে গ্ৰণ্ডেটে ক্সিক্টি ক্ৰীত বইতেছে।

- 8 डाकांड निका
- ও ট'কার কোম্পানি
- ৫ টাকার নিকা
- া টাকাব কোম্পানি

ইউবোপীয় সমাচার। টেলিগ্রাফ্ষে:খে আগত।

स्थान रता प्रतिकृति अधिक तक्षि भी होते । सिक्ष स्थान करीय एकिकीय मन्द्र मन्ति कर्या होते । इत्रेश करा स्थान स्थान सिंद्य क्षेत्र सिंद्य स्थान सिंद्य स्थान सिंद्य स्थान सिंद्य स्थान सिंद्य सिंद्य सिंद्य

श्चिम अन् छात्रका सद्भा द्वान्यात्कर वास्त्रक्ष वी च्यां क्षत्रका छिनान महिट निर्देशकार स्वान्ति निर्देश व्यक्ति कार्याः द्वाराष्ट्र । च्यां पात्रि वस्तुकार विद्याः श्रीतन ।

নিউগরুল । ২৫ ছ জাগ্র । মাকিল্ল হাবিসন ।
ঘট হটতে গমন কবিয়া সেনাপতি পোপের
গতিক ট লিত মইয়াছেন। পোপ নবৰ্নাইছের
আন্প্রিয় লগ্যা রাপালনক নদীন উন্তর পারে
আবিহিতি কবিতেছেন। নিম্নোর্থানা দক্ষিণ পান্
রে আছে এবং ভাগারা বা। জোশ পর্যন্ত কাশ্যান পাতিয়াছে । বিজ্লোহীয়া অনেক বার নদী
পার ঘটনার তেই। পায় কিন্তু কুত্রকার্য্য ইড়ে

বিজ্ঞানীর বিচমও হইতে পর্ডন্সবিলের চিগে বারজিনিবার উপতাকার প্রবেশ করিয়া-ছে। তাহারা- ভয়ারেটেন ছইয়া পর্ববৈশ্বের লেন্মণের পশ্চাতে আসিতে চেতা করিছে ছে। ইভরু দলে একটি খোব সুদ্ধ ছইবার বিলা-

বিজে টানা কেন্টকিব নামা ছানে আবেশ ক-নিষ্টা ক্রমশঃ থাগ্রেসর ছইরঃ বাটন রোক হস্তপত করিয়াছে।

প্রথমেন্ট্র সেন্ধেলে অংশক সেন' আ'সিত্তেরে। ১লা সেপটরর অবধি জনিছু বাজিনিরকেভটস্নিক পাদে সংগ্রহ করা জানায়
ভিয়াতির।

and the factor will bifuffen fon im tent war dureren Vinimere Carmen ver-न । श्रिम ३৮३० महिन के करिन चामगान टबरलम् नरवा वोबिद्धके छित कर्मका आहि पर्दे-04H 1

क्ष दें त्वरम्बिवद---्ति, वि, वारवर्षे मादवय २३ मत्रवरात आंकृतिय कारेकेना व्यक्ति । ७ (छन्डि का:लक्षेत्र द्वरवेन।

क्यांतर्के, क्षत्र, न्याव जारहर जी क्यांत राज्ञ-चनाव अवस्थाती क मनमञ्ज वेदस्य ।

त्कर्मि मामित्वे हे क क्रम्णि कारशहेत त्क, कुर गार्थ्य न पुर्वत विद्यारनीत कात आक्ष प्रवेश अभन्देश । अर्गिशोह माजिएके हो मन्त् क्रमण आसं प्रदेशमा

 व तिरम्पेका—नाम् स्थानाव स्था-भाषांत्र वांचांकित विश्वक को कित्र कुणहिरकैरके च केट्यम ।

चान, मि क्रानेत्र मारबय कुमूबान अजिनिधि 'नक्क क्रोंक सून्द्रित्नेटक्ने इड्रेयन।

 वे जन्मद्र्य हे ब्रह्म-नि, ब, ब्रह्मि, मारक्ष **इंग्रेशात्रत अजिनिध कार्रे शिक्टिंगे उ ्ल्यू हि कारमक्षेत्र वह वस।**

ভবলিউ, বি, ইভ্স সমুস্থসিংছের প্রতি-मिथि बारे हे बांबिखें है । उन्होंने कालहेत

रगःणांषारप्रेत्र मध्य चाषिम बाबू द्रवांष वाष चालमाव कावी वाचि बच्च महकावी कनिम-वर ४ एकपूर्वि कारलक्षरबाब व्यवका शिवरवत ।

প্রেরিত।

গ্রীযুক্ত সোমপ্রকাশ সম্পাদক মহাশয় नमीरभव ।

यात्रि कलिकाञा इहेरेल क्यानिकार नवरव " (शान्य:भाषक भ नामक त्य अक्षी अपि कारक. া ঐ হ:উটা বাণী নাখমণিৰ) তথায় রাতিতে ्नाका वार्थिगोद्दिलांग, किंदू गरह स्विलांग स्य এ^{ডজন} মুসল্যান আসিয়া খুটাগাড়ী বলিয়া শত্যেক নৌক। কইজে পাঁচ প্রদা আলার করি-13'e. ज्ञारम आगात द्योकाटक आमिए. डेग-ं ८० हरेन, शहरा हाछ रताटक वाबि किकामा

क्रिक्टी बहेगा बहित eller effente iberig fine eben. with while themen for a straight color জীয়িক শাসক করিন, আবি ভবকণাৰ পাইসং क्रीक्री क्षिप्त क्षिप्त किया क्षिप्त क्षिप्त क्षिप्त লে বাটের এক বেশাশ এবিকে ওড়িকে বে প্রকল मोका चाद्रव समावशास श्रीतकर असम जीवास क्रेड जानिन।

आर्थि प्रश्नाम्य मा ब्रह्मत्र निकार वाचेशा विकास महिलाम प्रशंभव! बर्षाम लोग ब्रापित পদসং জুন কেন্ ? মাএব বলিলেন মধুর বাবুছ ছত্ব দতে আহরা আলায় ৩রি, তুলি ভাহার কি চাঞ্চ আদি বলিলাব বে এই পরনা ছার। এ-थात्व किक्न बहैरक ? उद्दुष्टत नाथव विज्ञान বে মধুর বাবুর নিকটে কিলাসা করিও, অধিকধা ভাৰাতি **ভারতো বেইজাত চ**ৰুমুৰ আয়ে জাতে मिल्लाम इन बारनेहैं। जात मन्त्री लाक्षक विभfor free !

পরে শুনিলার ঐ মাঞ্বর নাম চক্রনাথ रवार, व बूजनबाम गम्भः जानाः बदर छोहार माम क्वरूकी।

मन्त्रीपक महाबद्धा - जामि क्रांनि मा दय के প্রকার পুটারাড়ীর পরনা ফোল্ আইন ও রাজ নিয়নমতে অ'ফার হইডেছে, আব ভাষা আবার प्रदेश कि स्व :

विष्य क्रेंगी क्षेत्रप्रिताम एर प्राक्रिए का विश्वामा शाक्ति गर्क्य हति व्यक्ति व्यक्ति वा বৌকাতে ঐ রাভিতে ভাগও হইছাছিল।

विमम्बूरांत्र त

প্রীযুক্ত সোমপ্রকাশসন্দাদক

मरक्षिरश्रम् ।

धारेटेंबर क्लारल (११) अवर्शन। এডুকেশন ডিগাটমেন্ট কি ভয়ন্তর স্থান্ই व्येषा छेठिबारछ । अहे खिलाप्रेटमके विक दलाम কোন কর্মচারিক চরিত্রের বিষয় স্বরণ করিছে इस अल्लामि नकत छमत मरधा अविके एए, बाक्-শক্তি শুদ্রিত হয় এবং ইহার প্রতি এত মুণা কল্পে त्य देशांत जिनीमा विश्वकि चात्र हता उ देखा दह मा। दाह! धवर्गमणे भाम क्तिएक्ट्म दह काशांद्र। रुपूर्वित्व त्य दिना वीच निर्माण विद् उद्भन छोर एक अमुखनग्र कन खेरना स्ट्रेरन

त निवास विकास मान ক্তিনি এই ভিগাইট अबिहाडी मरक्स : जिलि बेर्ग्स अस्ताम २००, जिल्ला खेड्डाम : ६० मि विकाशनदक्षत ভার জীহার উপত্র অপিন্তু वरायांत्र प्रतिस्कृत विवर्गा यतीक ह्यां सम्बद्धाः व रही हम् निर्म समानित परेट्डाई । किनिक्रि में লোবাও উত্তৰাৰ্ড, কোনাৰসায়ে উল্লেড, কো বাও তথ্য বহু ত্রাক্ত ও কোনাও কা প্রকাশ কর माखिन बहेशा विशिष सार्ग्त्र गतिक्रम प्रस् ৰণট মাউবেদ্ধ মানায়াল অভিনয় অভিনা থা-टकर, कावा क्रिकामा एकावर सामी विका महिलार ए माः विश्व किमि विश्वक प्रकृतिक प्रदेश हर सकरताह চারিত্র ছবিত করিতে উবাক ধ্রীয়ায় , জায়া त्यांत प्रत्य क्यां कतियांत्र त्यांका बहुत् हिलि ব্যাকন্দেরের এভাবুশ শ্রেমক্রান্ধ হটুয়াকৈটিয়ার ন বে ঐদেবের আর্চ্চ নার নিবিত্ত প্রতিবিদ্য সভ पूरे रेक्नांत कम कैंक्नांत निकीय वस मा । अनक हिर्देश चलावरे करे त्य, बीरांडा चार्यसंदिरः অবলভিত সূত্রন ধর্মে অন্যান্য লোকসিবটে चार्रश्रम कतियोह परचीहिक क्रिकी कहिला बार्क ম। উক্ত সহায়াও ঐ এখার প্রতিপালনে কে: ज्ञालिक कृषि कति कि एक एक ना । महाना होत की व বাসার পদন করিলে আছু কাছাকেও ডিকিলীন वेक्ट्रिक्ट बागांच लाग मा बहारेगा प्राप्ति दरम ना । अवदा अक क्षत्र উद्यक्ती द्रश्येती द्रश তাৰার বাসায় শদনক মুক্তে উক্ত প্রথ ভাগ ৰদাশৰ ভাষাকে চাৰ্কী করিয়া বিন্ধু আৰু श्राप्ति करिया अगार नाम क्रिके क्रिके भोजा (नैत्य बहीर इयेडामा क्येन लाव क्या हा 🤏 त्वर्थ नारे, त्म अनियानाव एएस्टिश अविक शाह रहेका गाविताः अलखह गुन्ह भूका बंध भागांन बहेबांक वर्षम देशांन भटकरे क्षाना काक्की रहेल मा, छत्रक छाहाटक पूर्वजीत मिनात आणा मित्रा के कथा काराबल निकंते ... কাশ ক্রিডে, বারণ করিয়া ছিলেন। !

পাঁঠকগৰ ! আযায় উজয়টী ছাকা বিয়া বসুন **क्षियां** बाक्न्यक्रवरक बद्ध छ। म बादम रक ;— वी নগ। অন্তর্গাং বিনি ব্যাক্ষের ভারণ অন্তর্ভ खिनि योनरमन्त्र शिश्रणात्र रूस मः वहरवनः क्ताउर कामान्त्र अनु बाबुक देखा स्वरीत स्त्रह क्ति छोर्रापत स्नेनव्यामका कार्य छोर् वर्षेट्स प्रमुख्य अहाव अहावृत स्व व्हेशाह्य व छोर्वि ।

महिनात निविध पर काम आर्थ महास कार्यान वितर देशक व्यवस्था । चिति कार्यवाहरी ARIA MINESTE PROPULATE OF SPRINGERS 42 and union & waller there is full ग्रेज्याम समय कवित्रा दर्शक दर्शक गाहिर असिन ्यवामुक्ति क्षिकिरिक्य केंद्रिय आये क्षिक्र क्षिक कहा कितिक-स्थानीहम मध्येत्व नकतिस कतिराउ भोगारिकः गेर्याः नेत्याः वयारमः भागिताः si, of pat enters land Stete chies ৰ্ত্ত -- ভিন্তু কৰা প্ৰাৰ্থীৰ কৰি বসতৰ কা-त्या का क्षेत्र केशन वार्षिक वारह—त्या-त्म नव्यक्ति योज्यक कांगात व्यक्तित्वत क्रम्यत क्तिक अधिनांची बहेटक शादत वांतृनवृदयक जिक्तिः अभिन कविनद्र चपनी रशिदरिक इदेशे 'बंबियायक चूना शृहरक्त, आवारत जेक रक्त वेहें के कारणकार करिया नारकत ! !! ডিলি কোন বিভাগনীয়েয় শিক্ষিত এক জন হাত্ৰ: त्य अञ्चल स्थाप क्षित्र। महत्र महिता तका-ইতেছে বৈ ভাষা লিখিলেও লেখনী কলছিত।

রবং পারণ করিলেও পাপ হয়।। शुर्खीर केक विकास त केक बाद मानिक १००, क्षेत्रा केशांक्ष्म कतिश बोटकम, कि ात्र मर्क् अटबच्ड क्षांत्र Sie क्षांत्रात होक। दहने। शहरू । माठेकसन् । ब्रह्मण निरन्तमा कतिरनम त्व के कर कीशात रेशकृष वा काम मद-ा अध्यात विविध चांचकुछ एवेश्वीरह : अ मृदे शृदकाक एवर ध्यतीह हत्रावशृत्नीकृषि अ হইবাহে : ইহার পর আর বা কি হয় ভাগা-विश्व कि। कामाश्र कावा क्षित्रक वीश्वविद्यक्त ে তাঁবার কিছু ব'লবার ক্ষমতা আছে, ব'া-গকে সময় বিশেষে কিঞ্ছিং ভার প্রায়শন করি-क्ष क्षा सहस्य व्हेरन, जीवानाव केंद्रान वर्ष क्रुरेश्व अञ्चलकारण त्यांन विषय छन्न त्यांन क्षे बद्धा केंग्रा होका होस्या वितरणहे हमूह श्रद्धिक, भूखद्वार शवर्यस्यटक्टेन्न कांद्रा व्यवस्था शासक खिनि बहाकनविशय बाँहों देख ना ক্ষিত্র পারেন না।

तम अखार राष्ट्रित छै। इं कड़कर जना ানেই বিরত হওয়া গেল, কিন্ত একণে নক हम विदर्शन करिया समून, त्य खेळक्रण शक् क्षित्र हमाहि वर्षे क्षान किम हैं(मालेंट १६ एड कार्मात्र कार्यक्री शाकित्म छात्रात किला শ্লীপ্রতি দর্য। ওল্লী চরিবের লোকের প্রতি শত क्षित कि मार्थ अवश्व मार्थन ! कि आंक- उति वा स्थाप कि, आंक मार्गित करें, जात्क शिक्ष कि त्याक्त अविशेष कि त्याक

बी । यारावा वक बात प्राप्त दलारका वनकार de all wir dietin apair fere de gen-क्षत्र प्राप्त प्रश्नात अविश्वक बाह्यके वेशारवन र्वना चे रशारकत कुर्तिक क्रिकेटिय सेमा चे रि त्वत्र क्यांवधान्य के अंगा क्रिकारमञ्जू भाष्मान छ । श्रीतर्यस्य कांग्रस केंक्क पानुरविक कांग्र এক বার নাবধান করিছা কিডেইে--ভিনি পান स्मान्द्र<mark>कान्त्रका अंचनक्षर द्वान श</mark>क्तिलान क्क्रक, निरुवातिका कात्रा श्रृक्षकृष्ठ कर्पत्र गाँव त्नाथ क्यान এবং नवल ७ माथु वावश्वत व्यवलवन कश्चित्रो कर्जुवा कावी जन्मकात्म वज्जवीन, रहेन। फिनि देश निष्ठत कानित्वन स्व, शांशीहात क विश्वा (कर कथन हिन्द्रभाग खूबी ও अम्बिएं वा किएक लारत मां, भीरश्रंत क्या कारणा है क्यां क ब्रिट , स्केट्स देखि ।

मःश्नदन्त्रव् ।

चन्नाविष ३६ नियम प्रदेश बनादन चार -बाब ब्रक्टि इंडेप्डरक्, खन्नारथा २। ७ जिनम रव-क्रम करेवाट्य त्म अकाव अवश्यत एव मारे. अरे इंकिट्ड कामनात ह्युश्नाधन् मुख्यक्तिया বে ছামি হইয়াছে ভাষা বলিবার মছে। এব-वकः काशास्त्र भाका कावियाम नवे श्रीमा-८६। चिडीप्रडः जामनथामः ८१८क गाँदेगात छेग-क्षम बहेब्राह्य। धनरमत त्व छाबात्मप्र वि ध-कारत विश्वभाष स्ट्रेरंग छात्रा गला अत्रम । गण-শন্ত একে ভাষাকের চাবের এই পতিক, উষার উপদ্ধ প্ৰায় ভাহায়েদ্ধ সফলকেই /০ এক আন্ত্ৰি জারগার। চারি আনা চৌকিলারি টেক বিয়ো इत्। विद्यविक्षः वीवाता दिक्क कामान क्यान ही: शास्त्र मृत्युत्वत्र कथा अक्थनीत, छार 🗥 वर्षे, ল কথার বলিরা **বাংক**ল "এপুনি পয়ন' দি-বিভে। দে নতুবা ঢোল পিটুই ্ট্রেই,সহ।শর। ই-क्षति नाम प्रकृति खेशन चैं।कृति च¹े । यहि दश সাছেব শ্বরং আলিয়া এই টেলের বিষর ডদা-द्रक करतम अवर मञ्चलाञ्चन'रत मः व्हांगिल कतित। ा । जाना परेकारे गर्सनाथांत्रत्वत मनन, नपू-न विद्रिव लाक क्षेत्र विद्रा

क्यानकात मीनकीम लाएकता क्वरक মনে করিয়াছিল বে, শশা সুষ্ড়া হইডেই সুদ आबू बांबाटकंड खटकारणिकंड कांत्र निरम्भ करा. रिक्निंग स्टेटर में कि सामिति मा गढ़िए गढ़ि-कि अमेरियर केंद्र का हरमद्र कारण (भ. जमर्थन) उन्हें विहें हरक कारत विहें ए कार्या वाक, करवे हैं अक्षा देहरकाम ना ? शर्गायक छर्गात प्रतिष्ठत वा ना त्कन, क्वांकियात त्कां कि किएक व्यास्त ना,

THE PART OF THE PROPERTY. Tolke 100 A शहर, विश्वकता शृक्षक क्रद **बाकं स्ट्रे**स ।

जीवुक बाबु प्रावरक बृद्धांनाशांव क्षांक्रानिवर ১২৬৯ আখিন ছট্টাড় কাস্থৰ পৰ্যায় " দলিভবোষৰ মান্ত চৌক্ৰী ুকীয়ো ১২৬৯ আখিন চইডে কাজকুর পর্যান্ত cate **''** ভগৰতী**চরণ ছে** मृत्य व ১২৬৯ আৰিন অবধি ৭০ ডাড়া পৰীস্ত কেলায়নাথ ৰন্মোপাথাায় ভৰলোক ১३৬৯ ভারে অবধি ৭০ জাবন গর্বাস্ক •• शागधन क्रीयुरी , विकाशक ১২৬৯ কাৰ্ত্তিক পৰ্যান্ত रकार र ले

• বছনাৰ দাস ৰ্ম চড়া ইং ১৮৯২ নেশুটেবর্ম অর্থ উউ কেন্দ্রারি পর্যাস্থ

বামারস ১२७৯ जाचिन जन्दि मानसन পर्याष्ठ

नानी वाहे " মেশালচন্ত্ৰ ভটাচাৰ্বা **5255। ५८३ आंदन चर्चाप ५८३ माप** ८कार ६ खे

<u> ব্ৰাকালী এবন দাস বেদিনীপুৰ</u> 5२%) छात्र भववि यांच गर्गास कि!९ *६ वे* ' चात्रकाताच चरनहारणाधारेष्ठ वस्त्रकेत ১२७३ चाचिम चर्या १ई जाव गर्यास त्री१ >०

ব্ৰহ্ণপূৰ্ वांशाहरूव बरमागांशांका ১२७৯ जाचिम धर्मा १० छाज्ञभमास रक्श २० রজ প্রস্থ खनरखी हत्र मा

১২৬৯ আখিন অংখি कांचन गर्वास Cost c श्चिम नाथ उर 44897 CALL & ১২৬৯ ভাতভাৰণি সাম শৰ্বাক

এই পত্র কলিকাতার শুর্ব যাতন। বেলওংগর সো-क्षेत्रहरूमसम्बद्धम् हाक्ष्मित्रहरूमानात्रः विवासमानाद

मन्तिन प्रकृतिविक्षाण् पार्विनः वर्षाती मुतिनवर्ती म पीर्वाति ।

ज्य १२७७। २८ अधिम। देर १४७२। १० जर्दिका

#14 E#E-

ता क्षण्या व्यक्ति हा क्षिण वाक्षिण क्षण वाक्षणिक गण वा व्यक्षणिक गण वा व्यक्षणिक क्षण वाक्षणिक विकास क्षण वाक्षणिक विकास क्षण वाक्षणिक विकास

> विकास सामाह-करण सांगलांकि-इति स्वितात हैसा त्राप्त किया किया ग जास के उत्ता सहस्राह) वृक्त साझ सहस्रकान नेहरन ।

> > अन्य क्षारकाचा गः वीकामधा गः वीका प्रशेष पः वाकामधा व्यारकः विकास वीकामधा

व्यादिका स्वयं कृषिकाका महााम कृष्ट (हिन्छः श्री स्वादिका कर्ष मृश् क्षाप्त) वेशिष्ठिक श्री दिन । व श्रीविद्या व्याप्त व्याप्त १ व्याप्त श्रीविद्या व्याप्त १ व्याप्त श्रीविद्या व्याप्त व्

Tinge Summers

ভূরোর সম্বাহ ও বাসজিয় বিশন। বাদ,লার ইভিহান প্রথম ও বিভীয়ভাগ। আন্ত বহুরাশিক ও সানান্য ভরাংশ গণ্ড । জে, জি, বেড়িকট

वांचामान सथा विकारभन कृत देनदन्तकेत ५०वे सार्यन्तियम

अस १४३३ जात

নিট ইভিয়ান গাইতেরি ৮৬ নং কলেজ ইণ্ট্রাই। শুনিও ললন।

व्यक्ति सां श्रीवनात प्रशानामात वर्षाः व्यक्ति हिन्द्र स्था प्राचित्र स्था अवर कर्षाः विद्या प्रशास विद्या प्रशास क्ष्य अवर कर्षाः विद्या प्रशास व्यक्ति व्यक

THE RESIDENCE OF THE PARTY OF T

Charles I The State and Aller

and paleon boilets from the second of the se

CONTRACT OF THE PARTY OF THE PA

कार्गाची राज्या व २००४ मध्येष

क्रमें क्रमें नेपास विकासकी क्रमार्थ वरमत्र महीका वन्त्रसूत्रम् केक विकासिक बद्धा श्रदीक करेंद्र । श्रद्धीकांत्र विवेश राजाना क्षित्र व्यक्तिम् विश्वित चक् ७ प्रशाम । **जारे २ वे 🏰 स्मार्टियम् ५৮५२** ।

ৰাখালায় ৰখ্যবিভাগত বিদ্যালয় সমূহের অকিস এটিং इव्टन्गड्ड व

্ সোমপ্রকাশ। **२७० णा**रिव शामदोर ।

আম্রা ফুড়জভা সহকারে স্বীকার ক-রিভেন্তি জোড়াসাঁকোর প্রসিদ্ধ দাতা ৰবেশহিতেৰী প্ৰিযুক্ত ৱাৰু কালীপ্ৰসর শ্রীংকু সোমপ্রকাশের উন্তির নিমিত্ত ২০০ টাঞ্চা খান করিয়াছেন ৷

্ল শিলামরা সানন্দচিত্তে ঐকাশ করি-ছেছি, বিশানুরাগী ত্রীযুক্ত আনন্দচশ্র বেগন্ত বাগীল ক্ষত আরুত্ত হইয়া পুজার পুরাবৃহিত পূর্বে আমীসিগের জামের বি-न्यानरत्रत्र भत्रीका अर्व कतित्रा मरस्य অফাশঞ চল্লিশলী পারিছোদিক দান ক-स्त्रिवाटर्शन । शाहित्छाविक मान काटल খনেকে উপস্থিত ছিলেন । হরিনাভির **মিযুক্ত** বাবু নবীনচক্র ছোবও বালক দি-্ৰৈয়ে উৎসাহ বৰ্ষনাৰ্থ তৎকালে কিঞ্ছিৎ **খান করি**রাছিলেন।ইহাতে ছাত্র ও পণ্ডি-🗢 💆 🗷 নেরই সনিশেন উৎসাহ রুদ্ধি হই-

' ১২৬৯ সালের মত ভূর্গোৎসবের আ:-🌉 🕶 भ्या स्ट्रेल। এवादत क्लक श्रुलि अक्षेत्रिक अधिन्तरम वावदात कतिगारध-শ্ৰীশ্ৰীয়া এক মৃত্ৰভত্ত ৰূপ দল এইণ **্রাক্তিক বিভাগ ক্রিন্ত্রিক এক বিভাগ** क्षेत्र के किया है के किया निक

व्याप्त व्याप्त मृज्याय-ना रहेरल नर्व छ ७ जनामका मा विशेष रहे ।

छु*र्फ़ा*दश्रदश्रे केंक्स किन्द्र काणित मही-মটে:এসব*্*শাস্ত্র লাই ৷ হিস্তুশাগ্রকারের ভদনুষ্ঠানে মহামধ্য লাভ লিপিয়াছেন ৷ কিন্তু বাৰতীয় হিন্দু এ উৎসবত্তোগী নহেন। दिशांत श्राटम्य भार्त एरेटल क्र्जाथिकात महिक बेक अक्षार्थन इसे ना । य य शासन व्यापन उज्ञासक्यान्य । সেই সেই স্থানে প্রায় প্রতিমার অদর্শন। वाचालिवारे क्वल धरे उद्यावणी धक চেটিয়া করিয়া লাইরাছেন। ইহঁ।দিগের এক চেটিয়া করিয়া লওয়া বিশায়ের বিষয় नदर्। देरीया अवन भाष्तीतिक - वीर्या ও সাধ্যে होत, माननिक সাহতে हो (एमनि **बकार कीन । भूकतार देवीता** कीत कारण সেই অবিভীয় পরমেশরের সাক্ষাৎ আরা-ध्यात्र काङ्गी हैहेंट्ड शास्त्रव वा।

এই विश्वक्रीत क्रहानत्मत्र अगरप्र ष्ट्रामद्रादे रक्ष्म विश्वष खःष्ट्रिमरभव्न महिल **बिद्राम्टब्स् कालएकश कदिलाम।** पुरर्गा०-मेव कारलब जब मान, बड मान, ७ जना-বিধ দান এবং পূজা প্রশালী, এ সমত विवर्ष्ट्रज्ञ हिन्द्रा त्य त्य नमत्त्र व्यामानिरशत ছাদয় প্ৰদেশে এৰিউ হইয়াছে, সেই সেই **সময়েই আমরা নিতান্ত অন্ত্র্থিত হ**ইণাছি। चामानिरमम् रमरमत लाएकमा रमरे गर्व नि য়ন্তা, সর্ব প্রথ টিমার পরম পদার্থের আরা-ধনার পরার্থকইয়া অকিঞিৎকর নিষ্কির চেতমহীন জড় পদ থেঁর পূজা করিং। অপেনাদিদের অশার্ডা ও ক্রাশয়ভার পরিচয় প্রদান করিভেছেন, ইছা দেখিয়া চিত্তের সুখানুত্ব সম্ভাবনা কি: এই সুক্র त्मन २०। २७। २१**रे** धेरे किन मि.न बेह्न পলা সেনের অন্তনক অর্থ কন্দ্রীভূত হট্যা-क्षिक्रिक् के क्षिप्राटक । दि उ प्रशि (ए) अगर्वा महिल ल्याटक ने किस मिन नतम कीकि अपने क्षातिमादिकी अर्थने भागा TO THE RESIDENCE OF THE PARTY O

कतिहा त्वचर वास् লাভ অভি দায়নীয় ৰ हेर**न गरमक** मार्रे। शक् डेनकादा डेनकात सर्ग त्य जनश्या 🗯 যদি ছিন্তুর 🕪 মুক্তী क्या एक क्रिक्टिकी উপকার ভোগে অ व्याभी बाबा वार না ৷ যে কাৰ্য খারা উপকার লাভ সন্তান অধিকতর পুণ্য সঞ **मदकालीय क**ंद्रस भाष अर, लारकड़ लगाएम:व ५ किए हरे প্রভূতি সমুদার সক লুগু হইয়া যায়।

(ख्रु

ave team ত পত্ৰ আমাদিং दार्त्य अवधिक र ধিকার প্রস্থাব জ ত ছইয়াছেন, পা কোপ চিত্ৰ দৰ্শন

२। अवस्या সকল পুত্ৰই সম' **मान्न विवत**शत्र व्य লে তাহা হইতে ভাব বৈসর্গিক পিতার পুত্রগণে হার শে 'নিতাং क्षिकर में स्वामित यादेरकराह लाइ। त्य (कांन कांत्र) ्ष्रुलः शांत्र्य, पु n pen menia स सुरी वरे

किन-मह्मावृद्धि प्रमान चि चाट्ड, मिनक्तरक নিয়জিত করি:৷ জুলা नित्र नकन् नगरग चित-। जाराह्य कांत्र शहकाल रत परनक विषय पहेंगा र्थ मन्मिखित्रहे मधालना अर्थ थाट्ड. तारे भूछा। ग मकरलब्र सिक्ट है छा-मित्र, काश्त्रहरू कथा चाटना क्ष करता जेपना वान वा-न दियान ७ वृक्षिमान इन, শ্ব সর্বাদীন উন্নতি লা-रनः आह्र । अकं क्रम गर 'हिन.

(क) न*ो देशाच भवतः* । ঃ তত্ৰ বাসং ন কাৰ্য্যেং গ্ৰ ৎ অর্থাৎ পথ্যিত, মালা, े भाँ। अन स शास बा विश्व कहा कर्खा अट्टा विभाषा धरवान लाक ध्य 🕹 थाटक ना 🕽 जाया-वृह्ध अभीपादी मकल । स्रक्ष भरम मा दर्भ धनीत मश्याः িশ্নর সংখ্যা

> विकारवंत्र क्षिण (क वस् याः भा য় ভূমি স রগত হই . इंक रव क्रम् ग ,श, क्र ८म

क्षा जनामात्री विमचे रहेवात मीलाम अक्-তি বে সমস্ত উপদ্ৰব আছে কাঞে কা फ़िल् काकात निवातन दरेगा छेडिएव । स्नरम। हरू स्थीनाती गकल मित्रासत्र स्थित सात्र व्यविकःका ७ व्यक्टिकः इर्टरव मान्स-इ नाहे 1

পত্র প্রেরক লিখিয়াছেন, " পিডার চাৰি বা পাঁচ পুনের মধ্যে এক বাজি शि इम्ख नस्याध सभीमातीत स्थिकाती াইয়া সুখ সচ্ছলে কালাইচপাত করিবে, मणत करस्कृष्टि कथिक महिखन साव গ্ৰহালা ৰুজিভে.গী হইয়া চিরজীবন ्रिट्य कालारेत्व, रेश नात्र ७ यूकि नक-। नटर । " कमीनाजीत पश्य ना शाहेटलरे াতভোলা খাইতে হয়, পত্ৰ প্ৰের্ক কি रिश धवश निकास कदिरान्त ? ध मिर्माह कित लाकरे कि क्वीम'वीत आव्य शाहे-া থাকেন : জমীদারীর জাঁপে হাভিরিক্ত হ অর্থাগ্রের উপারাত্তর নাই : অনীয়া-ोत विकाश निशम तकि हहेरल **जात अ-**कि बद्दाशकाव माञ्ज स्टेट्र , शब व्यात-ः छाहा चानूच्य करतन नारे। समीनाती া তে.পের নিয়ম এ দেশের অধিকসংখ্য (गंदक्ता थे माना श्वास अपृष्टित्र का-। ৭। জাভাগ জাভায় বিরোধ করিয়া কভ । भीमादत्रत प्रत अध्यादम छेरमा स्ट्रा 1 । तादक । *काकेशिकात निगम व्हेटल ब* ং ২পাতের অনায়াসে শান্তি হইবে।

र। পত ध्वितक रालन, व पाटन वा-ः विवादहर् षश्चिम्य व्य क्छ.व चारह, प क्षा विवादहार भन्न अधम भूदबन निर्वीय। ৬ হতরুদ্ধি হইব'রই সম্ভাবনা, সুতরাং ভা मृ । भूत्वत इत्य इत्य स्मीयात्री शिक्ष क्षि (एन प्रदेश अनर्थ घष्टित ज्यानाइ में है । हे 'त उच्छा मान घटन चामाविटकेंत्र चरि-क राज्या मार्चे, अ रमराभ बाह्य विवाद (व 🌡 🗷 চি কাল একাধিপতা করিবে_{য়া} পত্র প্রের্ तः । अक्षण निकास अविका क्षांत्रा युक्तिन क क्ट्री

नामाविवार विद्वारी तथा वारेटण्या 🏰 वामाविवाहरे व भूटका निर्वार्थका र्डर्कियात धक्यांव कात्र्व, खाद्दा आवता খীকার করি না। যখন বৃহৎ জনীকারী কোন ৰূপে অন্য পরিবারের হত্তগত না रह, तारे क्टिं। इरेक्ट्राइ, क्ट्रेंस धनीं এখন পুত্রের নির্বৃত্তি ও অক্রণাভী (६ व

()

म थ 713

टर

19

ोर

.ell |বৃঃ

f

13 4

(}

1

5 1

7

न्धरतत छेश्मन स्ट्रेगांत महायहाः स ण रुष् काटम (बाना) त्यात्राः विद् क्षि स्थापं भूत्वत रहे विकास

* वितिशे गोरेरक यनि अवना श्रीकृत

। इत, छोटा स्टेटल चाटबा**्लक**ाः राष्ट्र जानात व्यक्तमान मूल्य मा जीएन (नविद्य शास्त्र) यात्र, विद्या श्रीत श्रित श्रिक विरागित काहुन वाणकः गवि-श्रिक गण्येत्र इत । स्वारहत श्रुक्तः व वरे कृष्णेश्वन वाच्येत्र विश्वन वास्त्रित्वल् महा श्रुन गण्येत्र विश्वन स्वार्थे । स्वत्र, बाहुन श्रुक्त विश्वन व किन्न स्वार्थे विष-स्वत्र कर्ष्य छात्र श्रुक्त हरेवान गडा स्वा ।

্ ক্ষাসার চা কোম্পানির সভাপতি । মাকে সাহেব।

10

े द्वार क्षेत्र विश्वज्ञा नमाधान, धर्माशक-রার অথবাচরণ, বিচারকর্ত্তর প্রধান 🏥 মিকুই বলিয়া শণ্ডের লবু গুৰুকরণ এবং কুজিয়াকারির আন্মনাধুতা প্রতিপা-ক্ষা, এ গুলি কেবল অসমত নর, নিডান্ড ইপুরুষকুর । আনাম চা-কোন্সানির সভা-हा वादक नारवरवत्र विवयत्र मच्छांकि अहे ক্ষুত্রত্ব কর কাও ঘটিয়াছে। পার্টকুগণের প্ৰদুখ থাকিতে পাৱে, আমন্না ২। ১ বার - जिन्दि बाहिलाय, बाहक ७ कार्डेड अंट्रिटर्ड न्यादम किन्छि दिगरमञ्जू अकित्याम अनिक्छ श्रा थक, धरे हरे राक्षिके क काम्मानित ্নাৰ্ণ্ণ দারা অংপন[্]দিগের ক্ষেত্রে কাজ ক-প্রাইয়া লইন,ছেন। বিতীয়, উছারা উক্ত अमिन्सानित हात श्रीच महेगा निक एकद्व স্ক্রাল করিয়াছেন। তৃতীয়, উহারা কো-্রান্তিনির কাগত পত্র ভূতিম করিয়াছেন। 🊁 🐗 विषद्धत अनुमङ्गानार्थ अक क्रमि-্রিক্রিয়াছিত হন। ঠাছাবা যে রিপোর্ট ক্রিন, ভাষা মাতে সাহেবের অনুকুল হয় শৈকি । পেই হেডু মাতে দাতেব আত্মপক **রামর্থন করিয়া উত্তর** প্রচার করিয়াছেন। শেই ক্ষিত্ৰ প্ৰতি এ ছলে সংক্ষেপে উক্ত ক্ষুট্টের সাঠকগণ তাহা দশন কবি-क्षिक ज्ञानंद्रत द्विए शाहित्वा, छ दा-बादक जारहरू दत्र निटकं। विका कमन अ-MARKET !

क्षारक क्षेत्रक अनुवाकित्वात्रत वर्षे

छेत्र मिश्रारह्म, जिनि ए नकत मज्जरक যে সময়ে মিল ক্ষেত্রে বিনিয়েজিত করে-ন, আমাদ চ্বা-ধোম্পানির তৎকালে তা-হাতে এয়োজন ছিল না; তারায়া অনি-যোগিত থাকিলে হর প্রায়ন করিত নতু-বা কোল্প'নিকে,ভাহ:দিগের নিনিত্ত ক্তি-**এত হইতে হইত।** তিনি মজুর লইয়াবরং কেল্পি।নির উপকার করিয়াছেন। এ ফলে আমানিগের জিজাস্য এই, মলুরে যদি কোম্পা,নির প্রজ্ঞাজন ছিল না, বেংম্পানিব নিয়োজিত লোক ভাছাদিগকে সংগ্রহ ক-রিয়া ভথায়জানয়ন করিল কেন: প্রয়োজন **षाट्य कि ना गांदक क कथा का गांद**क ि छा:-ना क्रिसाहित्नम > काहात निक्रे हेट्ए वा अनुविक नरेसाहित्सम । कलकः अहवा-त्र कर्षकर्छ। रहेशा खग्नश् बावनाती स्ट्रेटन व्यात्ररे अरेक्श घडेना इरेना थारक।

ই বিভীর অভিযোগের এই উত্তব প্রদক্ত হইরাছে, মাকে চার বীজেব জনা প্রার্থনা করিরাছিলেন, এবং তাহাকে ঐ চার বীজ বিক্রম করাছে কোল্পানির লা-ভ হইরাছে। বেদা ব্রজ্বকে যেমন ভোলা ও ভোজা, হবা ও হোতা, কার্যা ও কর্তা বলিরা ভব করিয়া থাকেন, মা-কের বিষয়েও সেইকপ ঘটিয়াছে। মাকে ম্বায়ং আবেদন করিয়াছিলেন, আবার ভি রেক্রের আসনে উপবিক্ত হইরা সেই আ বেদন প্রায় করিয়াছিলেন।

कशकः वादम गार्ट्य कात्र दी क वि कात्र कत्रा कर्डवा कि बा, यर कारत करे वि वहमा एत्र, जरकारत जित्र देत्र मजात मार्ट्य, कार्डत ७ क्षक कम मार्ट्यको तियाचा छेशिह्छ हिरतम । मार्ट्य करेबेश मैकात्र मेठ तहेश कि मार्ट्यू कात्र वीक कात्र कार्य कार्या कि मार्ट्यू कात्र वीक कात्र कार्य कार्या कात्र वीक विकास कार्यवात विगादत कार्या कि कर्ट्यू कर्ट्यू कि क्षा कार्य कार्य कार्या करेब्य कर्ट्यू कर्ट्यू कि क्षा कार्य कार्य कार्या करेंद्र कर्ट्यू कर्ट्यू कि क्षा कार्य कार्य कार्या करेंद्र कर्ट्यू कर्ट्यू कि क्षा कार्य कर्ट्यू कर्यू कर्यू कर्ट्यू कर्ट्यू कर्ट्यू कर्यू कर्यू कर्यू कर्यू कर्यू कर्ट्यू कर्यू कर्ट्यू कर्यू कर्यू कर्यू कर्ट्यू कर्यू क्र क्रू कर्यू कर्यू कर्यू कर्यू कर्यू कर्यू कर्यू कर्यू कर्यू

ভিরেক্টর তৎকালে কুণ্
ভা বলিয়া ভাঁহার, ভা
ধের হইতে পারে না
সভা আ ান করা ভা
বভঃ কোল্পানির চার
বার এখা নাম্পা একপ
বিষয়ের নিক্পান্ত করা বে
নুগত হর বাই : বিস্তুব ক
রীতি এই, তাহরা এহ
অধ্যক্ষ সভার উপস্থি
মন্দ কোন মতই দেন ন
কোল্পানির চার বীজ গ
আছে, তখন ভিত্তিশ হ
লাত জান সন্তাবনা কি
লাত জান সন্তাবনা কি

৩। মাকে সংকর ব বিষয়ে বলেন শেশারী কৃত্রিম করা হয় নাই, শে ব্যক্তিক্রম ঘটিরাছে। মা জন কর লোক, তিনি বে পজ পর কৃত্রিম করিয়ায়ে আমাদিপের নিভান্ত ধূর্য ভবে কেবল ২।৪টা ' ২৫বের পরিবর্তে ১২৫ ই নিরম ব্যক্তিক্রম ঘটিরাছে

পতিত দৰি বি

গত ছুট কাতে আ করিতে গ র্লান করিছ কেশের হ লাসাাহত

ধারণের গ নিভান্ত দুর হইটে পারন্ত ভা পারের এতি সমধিক দৃষ্টিপাত করিয়াছি- | নেকে পতিত ভূমি করে করিয়া তৎক্ষ-্রন - চিনি কি এতকেনীয়দিবের সংস্কৃত্ ুতি উপেক্ষা করেন শাই > লাভ কানিভ र्शात ६०विथ म ज मुला बिस्न न कहिया । ूरल्य, किन्दु मत ठाइलन छेड नयुगाय ু ই প্রকাশ্য নীলামে বিক্রয় করিছে আ-क विश' (इस । शृदर्भ भा जा कहा इस, उस्ह ্লে প্ৰতিষ্ট ভূমি কৰা ৰাইলৈ এক বৎ-্শ্র পর আর কেই ভাইর এতি দাওয়া ক্রিছে গারিবেন মা। ভাষার পর কেচ নিজ শত্ব সপ্ত মাণ করিছে গণরিলেও তিনি ভু-मित मृत्रका अहित्यम । अभिन्न उरकाटन । इत्ता । दियोग कवियादित्य । अत ठात- । াদ উত্ত এই অন্যাদ্ অ.জা রঙিত করিয়া। य छ। कारहर अतः अता ज्ञात जिलात যুৰণ নাংশ চলে, এই সদল ভূমির हल के प्रकृषण हिल्ला । अन्द्रिष दक्त-🔥 🗠 क बदबक मुनिया करा बहेरायह 🕽 उ ্যা। ল দ ক'লিডের যে পাচ । ছিল ১, শুক্র অপরিবর্ত্তিত রচিয় 🗥 দাব করে - মার এলোর দলামাণক ক্রম: ইরিকে ছ- ¹ प्रदेश है। विकास का अपने का का मुक्ति । बद्दारहरू ४८६ किएट उड म ानिहर ।कदल आधनः किছू समान अतिराक्ति । याति त्यस् त्यमः जुलि रुक्ति त प्रशिक्षक किया। **जी दवनम** अद्भाग आद হার ব্যৱসাঞ্জ অধিনা^{নী} ব তির ইন চালাল লাজ টুলামার ভালতে এত ं । त्रान इंड (त.स.) अवस्तिय व्यवस्था महारा ্ব বি বাং । শা**লীয়ান নহ[্]ত**তাছ ক ্বেশ্য করে। আরক্তের স্পর্গিত্র ं • रूप**्डिश । श**ांच रह स्वाप्त ्रेड हैं, बर्स १ भडिंग प्रतिनिध 🗥 - , बिष्ठः । १९ त्य प्यास्त्रकारीय वि । । ত দংগৈতিছা ভাৰার কিবেন **হ** गर गरु । यभटवंद सहका खाल्म वाहर ্রিছে ত ও কাখিও কবিবর ংতি वस्थि। मुन्द्रा दहेन मा दिन

ৰ্ণাৎ তাকা অপেক্ষক্ত অধিক মূল্যে বি-জ্বের ক্রিয়া অধিক লাভ করিবাব চেকী। कतिराम मरमार मारे। कलडा रेश वरन-কের ব্যবসায় স্থল ছইয়া উঠিবে। ভ.হ'তে নেশের কি ইউলাভ হইতে -

चार्यक कांमानिशक कामना हारवर গুণ দোন বিচারে অনুংসুক দেখিয়া অস-্ষ্ঠাৰ প্ৰকাশ করিয়া পাড়েন। জালানি-গে ও গুণ দোৰ বিসংক্র অনিছা নাই किंद्ध अञ्चर-१६ भिरम्म (् मन्त्र नवत्य আলে। মনোৰৰ পূৰ্ব ক্ৰিছে পাৰি মা। अकार्य अञ्चलकी व याप्तानक र एड खरावर -্সংখ্য মুজন মুজন পুত্তর 📑 গণত ক্টতে 👌 ছই আংশে বিভক্তে ব রিষ'ছেন । প্রাথ ्ष् बट्डे, किन्छ काक्ष्यर या १००३ स्थापन । कविक, टार्यीत वर्गता स्ता इर्गाट्स ्रीय पृष्ठे कर । मार्ट्साम याक , वादी, ८-३ वादन सम्बद्धारकत्र मानात हालास त्रायक सर्विदः ६ ८०३ कर्नाः आठीन | क्षेत्राष्ट्रः **आत्र मि**टशत्र क्षेत्राहिन वर्तर हे भूतर स्वरूप कामती गताव परम तहन । अब कामणे अविधि कुर्शिक आबाकी bह इन्हेर, शास्त्र । राजनीति । १ व्हिटी | यम कतिला थात्कम । धावणीय बाका দাবে ঘটি শ্বিশার্থ এক জ একত কবি , ব্যক্তি নিশেষের তীবন চরিত অর্থ নাট্ডার প্রায়ের বিষয়ের বাতিক সাত্র নাম্বর নাম্বরার েম বিষয়া।

र क्या आहे. के बर्ड कि ने ने विद्यास स्थाप दिल्ल स्थाप है। ध्यार रेग्यु (३. १४) ५ की तात्रक । र शामितित अपूर्ण मृथिधात मि प्रश्ली कि प्रश्ली कि प्रश्ली के स्थान के स्था के स्थान ्री. . १५०१ तक प्राप्त कर कर कर कर विकास किया कि कोर किया है हैरे. हुन्। १८ वा १६ १८ वे विश्व किया । ए। कावा थानित प्रकाश सम्बद्ध ह व्यद्धा सम्भातिक स्टब्स एक और जात न निवार मृत्य कि र कि व श्रृष्टीत क्**रेश एक वर्ष, विस्** ए ্রিক বছা শশ্রের হার্থ মান । এতা ভাষাও সান্ধেশিত হটসাছে। ্ক্রিয়ান বিশ্বদর্গে মূল সভাবারের ১০ । গণ ইয়া ধইছে উন্ত বারেকটা िएक व त काला । अपिटल से किसिए 🕶 ्रतीय - १८२२, खब्रादी इ**हे**(ताई पर राप ध्रमा विधीत. सारामस मृत यस । यस स्राहतन, पूर्व का उपन পরীত হুইয়া সভরাহর প্রচায়িত হুইয়ে। ও তেনির্গুন, কানবর্তি ।

থাকে, ভাচার অধিকাংশই অস श्रमार्थ, ज_ारांद्र श्वन (माय विद्यार ক্ষমে না। তবে যে সকল প্রছে গুণও দৃষ্ট দয়, িশিষ্ট কারণ না আমরা প্রায়ই তালকে গুণ সোষ পরাভয়ুখ হই না '

मन्द्रकि एवं शक्ति र्यान र মালিবোর ছব্রগত স্ট্রান্টে। ছ ভাষার গুণ দোষ বিচারে ৫ বৃদ্ধ একের নাম সার দর্শন, বিভীয়ের দীত শতক। স্ব. মুখান ৫ দেবার (। मन कर्मकाइ।

डक म **रह**त १ थण खञ्च विश्ववि ৭৪লিভ করিবার সঙ্কাশ করি» েক **ं व**ाद्यत वर्गसाई चा विक् । ए. एक थित हरेगा थारक। जात्मरक रव् १० 📑 , करा भटका कामा व्यक्त अस्ट्रह्म ७ पर्यास क्रम ।

क्वांबदर ब्रुजनी क्वांड करें ते ;

त, पाकि इंटनग्राशह. कर कड़िएक स्था। । হ'ा, सभी ब्रमबद्धी (अर्ग नी निमान मौन। दन, १८**७८६ वर्न.** ্নি করি ভিত্তি গছর। गोदांत পढ़ अभिनात. র অসমীপর। কাৰে প্রেমে শক্তে ভারে, া ক্রিছে পান: राग् भनान्ध भीयान शि सूच, कतिइक म्र'म । সভী প্রেম ভার কাছ, न ,६ ए न धां तु कार्ब : াঞ্জেশ করি:ত্রেছেলো । बच्च भीत्व 🏋 🤏 वेहर गर्या भर्या गर्या कवित्र व्यक्त या व सिविष्ठ इहेर्फिएम । कनि क्षत्र माना मानीवार्थः श्वत एर्कः र निश्रीदिक्त । विक्ती मनी हर दादवर है स्वाहत, ত পিনুর সানে করে গো: গমন ⁶ल दहलियाद्य सम्य सम्लास्ड . ^{ন্ত্ৰ} চলিত্ৰ সংস্থাত ও গাড়িত ল াজ এম্বলে গো এই সম্বোধনাস্থ ্র সভাব**ভ কবিভার সমুদার** বিশে কলে উৎসম **হই**য়া গি টা ব্যু য়, ভিনি এ**ক্তির বে গ্র**পে ন্ত্র বিশ্বন অন্তিল্ডো নি ড়িয়াড়েন্ড নে আলে কেবি এত - প জনাগায়ু 「鴨」用「アカケをおりだれ」。 শ্ৰী হাজ দেৱ গেম্ম 🔧 🔞 **判17.7777.7 18 阿代表 与在 [1] () 1 () [1]** प्रमृतिदक्ष बरी । १८ বৰ্ণনাটী নিত্ৰ,শ্ৰ আ 💢 📑 হট

ভ সেই সেকেক্টেন্ন ুন্তি

क्रिक भारतम् । द्वायः ।

के करा बाहर स्व व कि दिल

হিংস্ত ব্যা**ন্তকে ভা**হার জাতীর **বভাব** পরিত্যাগ **করাইতে স**মর্থ হয় -

विधीय सबीज भवन विश्व विशेष्ट विश्व विष्य विश्व विश्व विष्य विष्य विष्य विष्य विष्य विष्य विष्य विष्य

क् निभी नियान। Bie Gitenit! 77 ∰्थि कुचने' **医**有效[6] (7 + 1.2 অধ্য কি ডিচ ান জ্বলিক্তের্ড এন ১ भना है किएखाई कान भन्ने दिश्य र भ CTICAT' & ACTO T 1 (4 4 4 5 19 (भारत (भारत में भारत চঃজিতে - পুলা মানে मुना "द्वास पुरु प्रकृ ्कार्य हेरलाज्य -८चंडक ८६६क इंटर का... मक्ति वद्रशः चार् **医胃水流 李 明**春 **第八字 177 年 17** 114 3 mm 2 1 1 1 ভূমিনাৰ 🕬 कर्डेय अधिकार नग क्राइन् । उ कि न्य कि उन्न के दिन भूकेरन करित १३४ ए। तथा ६ स्त । स्त्रा, ५ 19575 Jahn 1 5;

क्षांति स्थापका ।
होल का १८४० व्यक्त का १४ क्षां का का १४ क्षां का के रहे का ए छा कि का है का छा छ कि का कि का कि का स्थाप का का कि का स्थाप का का कि का বায় নে কেইই ভারা
কাছে নাই ভারা।
বাবন ভোষার ভারে
কোকমর গান করে,
কাননী ধরণী কোক
করেন বিস্তার।
কথাবাত, বুলপাত্র
করেন; কেনি ভাগাত,
ভারনিক স্তর্ম প্রায়
সমস্ত সংসার। ৮২ ৪

বিবিধ সংস্কা

भट्टे व्यक्षणाम्य (मामग्राह

न्द्रय पात्र भाष्याचा श्रीबाज क्या क्षण बहुत है। - में, गारवप् भाष्यों व्या खान्यत्व क्षण ते क्षण के क्या क्षण के क्

১০ দিনি দিলের পরীক্ষার জন্য বান
ত লিবন বনি প্রকালের সংস্কালে ভ জ
লেব বিষয় বিনিয়ের বিনার করেল শীকার দ
লিবন কলে লা কটিক।

८। १८ ई नगर्व ककरण शामवर्षणीय ए

লেও সাহেবের অক্সমিত মূল্য অপেকা ৩৬ होता काधिक क्यां य बेटक्टर, कथांनि कि বিদ্যা শিকা সংক্ৰোন্ত দান বন্ধ থাকিবে গ

पिनिका धर्म क्रियार्ट्न गत क्रिएडिक ব্যলিতে লেডসাহেবের কর্মে আসিতে চাহে-ন। তাং ছটলে ইউলোপীর বেহালার শুক্ত পৃত্যগণ স্থানাওরে মাইবার সমলে বে क्राज डिजिश बाहरव

নিপ্রীনেক্ষেটের কাবুলবিক্র্সংবাদ দাতা लिखितादस्य, क्षांबीद्व स्मान्त सक्षम भी मृत প্রতিক্ষ বালে হেরটি আক্রমণ করিয়াছেন। ৰে এফট বার খাল ছিল তাহাও কৰ হই রাছে। ক্ষামীবের লিভিবে খাদ্য এবা মিলা ভাত্ন হইগতে , পুল চান জানের কোন প্রস্তা 'ভাষাৰ স্থাৰত। কৰিতেছে না।

मारशत क नरकः, तरहत बारकहरतत মাধুর্দিংগার বংশাভাব ক্রম্য পাড়িতাধার म इर . २ ० % शास्त्र यो को . २००० स मोर्गाप्त त र १ तार है,या विभाइक्स उद्याशि कातन মুক্তির টি ০ ৬(জনীত সংক্রমণকৈ গুক্তর त्य छ तत्य 'वरमाठी व नेत्रा शादि बिर्ड क करन ।

होतेश माध्यय क्षीन'लेगानी अध्यक्त खिला इडेंशारक्रम । क शुक्रमात् किना. ♦ रहि महत्रात ्राम्याटक अद्भारक क्याबिलकी करेंका नेहिंगी ्रक्त । ८२^५८ आमामि। व दीएन माहरू के उ ोुंदी दिला। विकास

फल भूतान अस्तितिका नेद्वेत मारहरवद ारपान _{म्य}्रक हे^{न्द्र} क्षत्र' कद्रिमः टार्शत र १९७ क्ट्रेट अटक्फ मा**ंडन, विमान्य क** একেট হাত্রটিট মেলান করিবাছেন।

एक तरक्षत्र अकर भीए। गरुका**ण**क स**ाह** क'ः, जाटक कहेर्य। लाग्नाम बाह्रद्राप-্ৰেপ্ৰত পেৰ উত্তাস জনতের সভা হট্তেন। त्य तलाल स्थान, मार निष्यान बहेदलहे कार-क्षां भ ज्ञा ।

५३ का जिम मन्भवाद ।

रमभाषद्भतः व्यक्तिम् तम्बन्धः व्यक्ति अक्ति रुन क्रानाम बहेता एए। मध्यना हे हैं भेरें सम अ নেক সেনাপতি দায়ানের খোড়া সৰল জব্য-वश्रदि विलित्तां वर मायाना मुद्रशा नीलाम क-রেন। সহালাও ভাহাদিগের বন্ধুগণ এ।

कंक्क्वं विकास १ । । । । । । विकास विकास स्ट्रे ब्राट्स, त्यां ३ स्कोटड़ खादाता : ०००। २००० होक। छैनार्कान कतिहारह। त्रनामस्य अहे न क्न पूर्वात्वहात करत निवातिक क्रोरव ह

कित्यम बद्दमम भवनं स्थादकेव ज्ञानवामी ध्व ভাতা পাইরা থাকে এখন দ্বংধি কেকড পাইনে ভাৰার একটা নিয়ম ভির বরা হটবে

शक्तिनारका काब करहेत वादा। इति वहे ভেছে গৰ মেন্ট ভাষিদায়র দ্বিপোট চাহি-शास्त्रमः क्षार्किटधन् कार्याश्वरे होत्। के न्यान (मश्रद्धा इहेक ना तकः ।

है हिनमारक अद अन अक्नड न बाह निष्ठा यहरूम । या राम कवानी जिला अपनेन গ্যাহে বর্ষ প্রান্তত করিব'ব এক আবু জ কল कःविरोटका अधि ७ अस दौरा अरेर वा শ্ৰীয় কলে ৰবফ প্ৰস্তুত হটতেছে। ভুৰ ধনাৰ কল অংশক। ইং:তে ১১৩৭ **অধিক হট**ু

4.5 ट्रिडेनिया कापालटल **जाडेगी शिव्र** भ न पुत्रे खन भारतहार निकार होका तहेगा দোৰক্ষাৰ সম্ম উপস্থিত হন নাট বলিয়া শর মড় টভংঘলস উভার চরিত্রেয় প্রতি (म।वाद्याः नाद्वेय वद्वनक्रिन्दक होकािक-ब्रास्या नर्नमात् कना १६% जानामर्ट नानीम < तिएक र्यानद्वाद्वम । .श्रेभक्त वार्गात्र म-ৰ্বদা ঘটিয়া খাবে তথাপি সৰ্ভ্ৰান মোক্তার **७ উनोसमित्रात ५दि। इन लख्दारधान क्रमा ८**६-ম্পলবারের নায়ে এবল সভা কবিষার বিষয়ে . कहरे कथी करण । (

भारत क्षेत्रक होग्यादाक क्षारण विकेष **নাহেতের ম**্বার সংবাদ - এটিশাছে। **হিউম** भारहर अन इन्स दिव'न ७ अस्मर**मन हिए** कांब्री किएलम ।

বোদ্ধাইয়ের সাবহার ল **সভার সেলিরন** वक्ष १३,५,६६।

तरे प्याधिन वृथवात् ।

(बार्याहरवद्ग क्रांके ज्यानांगडरक अहे क्य-তা দেশগু ইইনাছে যে ঐ আদালত ১০০০ **ই**[श अर्थाएक्टर साक्कमा कब्रिएक शा**द्वित्वम**। এই বিশয়ের বিল ভক্তা ব্যবস্থাপক সংকার कोश अन्य कतियां बादवन। १५ म कल कार्य विधिनक प्रदेशाइ। एवं कालाकाइका वर्षमा

গত কলা প্রধানভন বিচার্লিরের কৌভ माति राभिन्नान यनिन्नादकः वसीने नाटस्य वि চারপতি। প্রতিবাদে *বেলিয়া*ন হওয়ারে **এবার ভাপই লোকমবা ভাচে!**

वनिधेयत भाषामध्यम् विवेदम् व्यक्ति যত প্ৰকাশ করিয়াছিলাখ, প্লাইটাই ফ্লেম্ব চ राटक जन्द्रवाहर या क्षित्रा प्रगटकीय अवस्थे শ করিরা**ছেল। সম্পা**ত্তক অইপাশন করিছ मिरियम, यक्षवित अक्रमील मेरियम महिल्ली वन ७ गांदरमञ्जू इक्षि ना इहेरव, 🖫 प्रस्ति वर्ग রোপীয় মনে সম্বান নাই।

परिशिम नगर क्यमः मुद्रत गर्फ रिन्छ ছে। কোভিন ভুরিয়ার পুনর্কার এবিষয়ে _মা ক্ষেপ প্রকাশ করিরাছেন। গ্রণবেটের ভা^{ত্} त त्रकार्य कडी कतिया वित इन्डकारी व्हेशत भर्जावना मा बाटक खटव द्या होका वह कड़े व-न दम्म ।

३०१ पापिन वर्ग्याजनाता

পুনার বাবতীয় শগ্য অগ্নিসুন্য হরৈছে। ভাজতা ইউল্লোগীয় ও এতদেশীয় সক্ষা দ্বি-ন করিয়াছেন বশিকেরা এক বাব্য হইয়,লগা

¹ ? মূ'লা সূর্বিয়াছেন। এবিষয়ের জন্তসন্থান ' বস্ত্রা^ন

्वावाहरम् म्वावहान्य विकास विवास स्वाहित विवास स्वाहित विकास स्वाहित विकास स्वाहित व्यवहान करित । प्राहित व्यवहान करित । प्राहित व्यवहान करित । प्राहित व्यवहान व्यवह

ক্তর আভারসম গবর্ণমেন্টের নিকটে বা রিপো । করিয়াছেন দারজিলিঙে পজোনা রক্ত হইছে পারে। ইহার চাদ ভেডই ভাল।

ংকা বাঁপের লোনেরা ভত্ততা দুতপূর্ব কর্তা সর কেনরি এরাভের অরণ গ ক্রিলি শিল্পার প্রতিমূর্তি হাশিত করি-ক্রিলিগেড়ের প্রতিমূর্তির কি হটল গ ক্রিলিগেড়েই বলেন ক্রিরান নিরানে পুন র কলাউঠা হইডেছে।

तक्तरप्रदेश है श्लाकश्चित्रक कृषिकात वरश्च इ वर्ष्ट निश्वनिथिक वाशिक्य बहेन्नारक है-

আৰ্লান্ ৰূপ্ত হ

₹<u></u>₽€, ₹ **७,**•१>

व्यानी ७,५२,६६,৮% ******************* *************

আসকল স্থের বিদর বটে কিছ করে বল-নের ডবা স্টেডে এইসকল প্রায়েরের ত নাইদে

১১ই জাখিন ওঞ্বার। ুপেল প্রিঠনীকে ইটনাডেট সার বিস ুপ্রকাবিশেৰ) হইতে মহিদ্ভ করা হ ভিনেষ ঃ

ক্ষাৰর আকাদিত ইন্লাম ভারত ধর্মীয় ক্ষাৰর আকাদিত ইন্লাম ক্ষান্ত ধর্মিয়ন বিদ্বাহন আনত নগাঁও গ্রহণ বেকেইর আবেদন করিয়াছেন। ভারত ব্যায় এও বিশ্ব বে তব্দ ইইয়াছিলেন ইংগ্রহ

ে ্ ই**ুই-আনুষ্ঠিন প**নিবার। **এটিনিয়া ঠেনিয়াকে বে ইউ**রোপীয় সং- বাল আবিষাহে, ভথারা জানা বাইভেছে, ভামেরিকার গৰণবৈদ্ধের 'সেনারা ক্রনশ' পরাজিত হইভেছে। ধেনাপতি পোপ পরা জিত হইরাছেন। বিমেহীরা ভরালিটেনের নিকটে আসিতেছে। আমরা ডুংখিও চইলাম গারিবলার সম্প্রতি গৃহবুদ্ধে যে আঘাত প্রাপ্ত হইরাছেন, তেমারা ভাহার জীবন সংশ্র হইবাছে

ावन्द्रशके कांका विद्याद्धन ६ देवल व्यवस्थ रेमिनक शुक्रासता (शन्मन शाहेटम कांकः है १ स. स्वतीक पा दक्ष म द्वारका का हिल्लिन्दर शाहित्र कांक्ष करेंद्र शाहित्यन

) शक्ते-का 'यन दशीयवास ।

ইংলতের ভাষ্টগাঙি নাই তামের হবং সেউল্লেখির পুরোজিত কার্টরাইড জাল কাঁ গৃত ছইয়াজিলেন। তিনি বিরক্ষার বেডিটি অনেক বিবয়ে নিখ্য করিয়া লিভিয়ানের ভাষার সেউলিগের বিশ এক, ভালাকে খন্স। করা হইয়াছে এক্যোগদেখায় একশ ক্ষাণ্ড শানিভান্ত উপ্রাসকর।

আহোধ্যবৈ বিচারসংক্রান্ত কমিসনব শ্রীবেল সাহেব লক সাহেবের পাববটে বলি -কাডার প্রধানতন বিচারচন্দ্রের এক জন বি-চারপতি হইর'ছেন -

क्यांटिट भारकहेरद्र गळ्नक्तिराव अनु •••• क्रेकि मश्यशिष्ठ रहेगारकः

এমত জনজাতি কর্ণেল প্রিটাবির বিধর লট্না লার্ড এলনিম ও সর হিউরোজেব মনোভল ঘটরাছে। এবিধর সর চারলসউত্তর নিকটে প্রেরণ করা হটমাছে। লার্ড এলগিন এগকন ভাগে কৰিয়া সর্বসাধারণের নিকটে আত্মপরিচর প্রদান করুন। আঘরা অন্যা-পিও তাঁহাকে চিনিতে পারিতেছি না।

) धरे जातिन स्कलतात्।

দিল্লী গেলেটের কাবুলক্তিত সংবাদদাতা বলেন দোন্ত মহম্মদ খা এদিকে হেরাট আ ক্রমণ করিয়াছেন প্রদিকে পারস্যানিপতি বলিনাছেন, মানীর বদি হেরাট অধিকায় ক রেন, তাহা চহলে ভিনি আক্রানত্তান তান ক্রমণ করিবেন। লক্ষি অধুসারে হেরাট খা-নান থাকিতে পারে। ভারতবলীর প্রন্থেন্ট এবিগরে যেন কল্পনা কন।

उक्त भाउत श्रमीशिक मः गांतणको वात न. गर वार्षण । मुगान । गांके नगरन नारकते. तत गर्याकानगाहेना न नात क्षत्र क्षाक्ष किरिएक त्व श्रके गध्न मतियादक । मन ग्रमको स्थि चित्र काले श्रक्ति स्थान काले क्षिण क्ष्म किर्मेश क भ्रम मिलिश मार्थ । मन गांकि क्षिण क्ष्म किश्व के महात्र कि गिरमको । स्थान क्ष्मि काल भिन्न नारम नार्य भारता । स्थान क्ष्मि काल भिन्न नारम नार्य भारता । स्थान क्ष्मि देश्यादका।

উত্তর পশ্চিমাঞ্চলর এক মাণ পা কেন্দ্র কর্মিটারী এক কেন্দ্রমনী লোকদ্বন্ধ ওক্তর হওয়াগত ভক্তা পদর্শনেট প্রকাশ্য রাপে ভারার চানিরের প্রতি দোষারোপ করিব ১, কোন উচ্চত কাব্য ক্রান্ত

হরকর। ভাগণ করিয়াকেন থেন্টেনট আক-সন ংশে ব্যক্তি এক জনী খান্দানালে এসান বরিয়া বধা কবিয়াছি। অসানিও এখা ভাজে অসমাণিও ডাহার বিচার যে নাই।

माखादिक देनन्य है। का र वनगण्यत्। मा संमाधाद्वन्य । चार क स्विद्धाद्वमः। देविद्धाः है देखानी प्रक्रियां मिन्द्रेन सुद्धन प्रद्धाः स्थान स्त्राट्ड मकाम प्रमायते हहेत् द्वमः क्रियेदक मिनिन है स्वर्धीः। क्रिम द्वाधान मरदान भाव गिनियाद्वमः न हेनस्य हो क स्वर्धान मरदान भाव गिनियाद्वमः न हेनस्य हो क स्वर्धान स्वर्धान क्रिया स्वर्धाः स्वर्धन स्वर्धन हो क्रियं । स्वर्धाः स्वर्धन स्वर्या स्वर्यन स्वर्धन स्वर्यम स्वर्यन स्वर्यन स्वर्धन स्वर्यन

১৬ই আদিন বুধশার। লেপটনট গ্রশ্র ভাগলপুরে গমন ক্ষি

য়াছেন। শীতকাল তিনি তথার অতি যাহিনী

छ क्रिट्रिय । जोई अम्बिन भीख नीनशिक्षि न श्री का नाम क बिर्द्यम । क्यांना जिस्सा नाव रेडा तश्रोत्रके पर्यद्वता कि दक्तल शंक्रा था हता दवक्रियम ? शिक्षम मारस्य पूर्वाकारम footsetal, कि कतिशे कोई अने किहुए प्रजा श्रिक्त मा । शिक्षकिश्व शास्त्रक्रम ্ব ভাহাদিশের বিজ কেল্বু,"ইডে সম্পর \$ 773.33.5 E

रहाबाई (धनिएङ्गिएक १ मार्ग अलाए-) CB अञ्चल्ड नवर्गमने अभित्र । • प्रशिक्षान şবিডে ব**লেন কিন্তু কেহই তাহার** ভূব গো दार एकि रिश्व नवन इन नाहें।

राकाराङ कारतम छोड़ी बहे का अगाउँ । हना कहा प्रदेश करा गा क्याना ार्भदर्भेष्ठ कर्त - ७ ग्रह्म क्रांस्क्य साहित्

WAR THE LANGE THE THE A नाम ख्राहर विविधि राज्य अनिम् । अहे , उत्ताक्ष्य हे दिव र र १ १ पूर र का पुरुष के एकता है। इ. स. माह्य मियुट्स पर्वे व । क्याबाक्ष्मिन् व अहम दणी ध्रीय नाम्बर াৰ ৰোগ্য বলিক নিহু বেলি চাৰু পাদ क्षित्र प्रियुक्ति विच १ करिय

4番曲 "似纸丝"从下

एक माल्ला वाता रियार (४८%) है कि व्यक्त प र इंद्र अब दिया । धनानि । वन्त्र दार्घ । व्याप्त न व शहर हो । पान साम्राह चार राख्या, ए के बच्चान हैली भूरक

ালিকি নাই ব সমোধাৰৰ নিটা ি বুলবির কোনকা ব বিবে ন বিজে গ্রুত A CONTRACT CONTRACTOR THE T

ने दू दश्रीभाषि शृंह इति अध्याम । विक अव्हान्य महास आमानाव्यक्त व्यक्त 🖣 ै 🕫 ेत्र किरणम । माज्यत राज्य नर्श े अस करेग्राटक्स । क्रीडशर्स फैक्स ध्य নডেকিটের এ একায় পদ ভার কে লা গ येन मात्रे । व्याधानिकात हैका 🎍 🔭 🐠 🗷 के नीच रमन २३ शतुभवात का उदय अराजन শদ প্ৰাপ্ত হন।

. ३५ है ज्यादिन एक ग्राव।

नम् दर्धिन भिक्त दिलम् प्रदूरमञ् स्तु । इक्षि ७ स्नानमन मारकता है है। महास का-क्षात्र विवरम् व्यक्तिराच _ाकाम कहिन्नारक्रम । | ১৫৩० हे।सात्र वासील ॥ **छवानि (व** व्यामहा देश व्यादमाण सं ५१६ महिन्। साहेक विभादस्वत विमान व्यादन होता व्यक्ति ह গণকৈ ইতার মধ্য ভারগড় করাইছ।

रम् सम्बद्ध है स्वयं नदतन ५५५ (तन्तेस्वयः 📒 ি স্বর্থের কের্যের ক্রায়ের বারে । নিশক্তি ভূত । সভার এক জন গভা হয় यक्षण प्राम्मान्द्रेनगर, ५०० क त्रेष्ट्रका । नदर्गक इक् भीव मि अर्थ भीव है। भीव है। के वची किनाप क्याना कतिम दक्ष উট্টোর জ্যাতা মধ্যাণ পাতিত সংক্ষেত্র

र्षेक श्रेष्ठ भारत वासन वासन विभीतः ्बंभार भारत (तक्दरे अक वार्ति क्षांत्राओं जार दिन्छ दर्भाका न राज्या रहन कि 🗎 ्य विदर्श होता भूमजीत स्थातक द मा कहेम' द से ना एवं जान महे कड़ेशिहिं। यांच दब्ज है जातिन । उ शना व्हान एवंच रे सहिं। प्रांच वेक्यामहित्यम हे कि नियास किया महिता है। हो हैता की शहर के अनेता कि अने किया महिता कि विश्व के किया महिता ्यान सन्दिर इन मान मा इंप्यापास वारनी र । इत्यापास आभी । एजारन्य प्राप्तिमीय नाम । वर्षम खडाका कृषिकी मानिद्वा ामहर्केत्र सम् अस्त्रका का अन्तर १ का १ का वाहा प्रदेश के का किल्ला ड पुरस्तः । িবুলীয়া কোন্য ব্যৱস্থাত প্ৰব্ৰেটেকে কিন্তু নৰ্থাই ১০,১৯ अब्भ अवश्राक्त पेयत् भाष्टिमा राज्य । उ क्षार्य ग्राह्मा का मामा । एतर वि कर रहेराई काल कि हारम यन कड़ेरबर र

५६७६ अधिका भागवासु । क केलार इ. ए. निकास राधा करत द्वार है। 人物的用品不可用 正 如此 1 31 1 21/1 五 美红 भ एडे-८ म चित्रुत्वयः माधिशः इरहासः । 75. (PT 15 3/4) अरवंत वृद्धालयाँ । १९४० লৈয়ে আছেই বাজত নি ও সতু হয় সাত্ৰক ন * 31.2.9 PSSM, * , 9 472 St 大大篇章 人名英格兰人姓氏 :130 PTX MS. V 46 00 75 71 解釋 调用证证明 ·野鸡山荒市 "水"。 * 81(28 TTLS 明明 海野 小に

THE REPORT OF A REPORT OF

👫 ন ক ১০ চাড়ে ধর্মজনকে আকল हा - ;> चिद्रश र द्रा'क्रम रसीहा ४ कि.स 'কে এ'ভিচাৰিণী করিয়ান মানহে 'ছিল কা े २९७७ एक र स्थापन स्थापन है । इस अपन .51

<. अ **का**चित्रातः

भ'लद (पनीयें का कुला कार्राक জ্ঞাপ হটয়ায়ে। নতে প্ৰতি বাংল ! WICE!

वर्षमाध्यत् ताला ४१ कहेआ सन्भटमके धन्यमदन् नारवस रश्य क्रांचिन ।

क्षेत्रदश्य रहेटक मध्यक्षाद्व

मिनितान काष्ट्रेशियोगा मा

ियो रगरको स्क्रीशाह्ना, खाः কের পর্যবিশাস भिष्म विविवाह : े आन द्राशंह ज ૧ છે જાણિસ્ટ मिली: ए ह

′ን : ማውግና ¢ र । हात्र गाय कि , प्रश व तक बालेका किर्याच ह का सम्बद्ध कहें था देखें ।

তুরাভা কিলার এ ্বইরাজে। ভাহাণ লো ক্টরাজে ভারাকে শী ं रही करेंग्र । जामन, का त दादवणनेतात करण 3.CE :

> : '7 & '51'f क्रशीशद्भ कारिन

> कामद्री गृक्ष रू म्मानिक प्रतिन मः

क्रिगांत भूत एक ब्हेबारह । जारा पिन ! वा श्रीय भक्ते। अवः इक्टेक्टकः।

4절] 개

ात होद्र**ल्लास्थय**दीद्र का अ ह LICE I

खामझे देता जाराका बाक्सा । व वर्षा शक्ति पुरि प्राप्त करियात हरा बंध क्षेत्र आण क्षेत्राहि । स्व अधिकाक काएनल

भूर्वहत्व नाभाषाण् ह्य । वारण लिप्ति व इत्रवा ্ল স্থাইপথান্ন

> क्षा दली : <u>।ज्ञान</u> 🔏 (अर्गे । **एक ५३ छ** । 'নংঘাল্ডৰ বে বি

Ť, 7 F * 5 (Th কুঃ কান্দ্র স (म (चामना कड़, याँ

্য় : প্রত্যেক লাই এক বন্দে ও এক সী-'केक क्ष्मचीका दे। असी अधिक हो- । यात न एक एकेटन । एक आहे (कान नहीं वी त्र' রি বার ভাইরের লাভ লাভ ক্লাককে : 'গার পার্যাতি হইবে, 'ল'বন ব তইলে নেট নদী বা বা**স্থার পান্ধ** কখন প্রস্তাণিত ভূমিব कते। है नि भूमकी क्रिकालन । अ: पत करकरकत अधिक इन्द्रित ना । शर्म . इ. १७६६ विभिन्न कतिनाह काला दिन अति अति अति मानिक मा दिन राया ্জিভার জাবেছন অনুসংয়ে ্গেষ ভালা पन मारक मा ३ हेटन छा। निरीए १३ व अवर्तत तम कि शिवारक्ष ताळे ना । गराटक क्षेत्र मध्यक हिल्दक व्यानः गाय जनवीय पात क बाव्यवारक्य आहे । उद्गा हुक माउ अवश व्हेरव । व्यक्तिक अपह । दाविक् रचंद्र अवरक्ष अरक्षा | यक्षि ज्ञाचा काम रह छ है, कि टि अप्राप्त पर छ कतियां कर्मात आनगार्जेन में विक् (अगार वर्गर विश्वत श्रीत वर्गर है स्विक्षांक भारत्र केंद्रमा करा | डांका क्वंद्रमा कर का मान मान्य টিলাত হটকে না

भासात ने अक'बा भरोका'न | 2 मानास काटसक्रेट्ट विक्र प्रतिहा के लाजिका अपनि | विचिद्दल व्यवदान--

राष्ट्रण कोत्रण । अत्या अपूर्ण के कि ।

ক্রাছেন ব্রেল্ডিডাকা : ১০ খনে ভূমির নিমিটপুলি ও পরি, স্পৃত্তি

 भाकारकहेन्द्र पणि आजिएड क्षुद्रिम छ। প্রশংসনীয় স্বিভ ভূমি জিডীয় ৩০ ইটাম নিলম কলে विक्रमार्थ बाहरम् । ना रहेताहर ্:হার श्वाम एक मी.बा मिकिक्के हर्का, ल एके व्हेरल ^{इस्ता}्र खिति क्याम विश्वास क्रियाम खाद्या पासुर । । मा क्रियमस् क्रारश्चित्रस्य ज्ञारतक्रम প্রাপ্তি কর্মার প্রাপ্তার হ'ক। ১৮৮ ঘাতে ভিন্নাব্য আবস্থা ভূতি ১২টোগুলাবে বিক্রাং ति । त्रभाविते | विन: १०७० किक्रय गाविवाद (एप्पन कविष्य , । ' त्रितात आखाः क्रिएड शाहित्यम । शाहित अब भे काश । शामी कर्माहाद्वि, अ ए कार्का का भिन्न के राम के राम होटा भागितका। एकि क्रियमहर ए र भारत राष्ट्री थानाइ ह हेशान कहे. तर

बर्धा कृषि कारमञ्जूदेशक काक्रान्तिक अवकृति । यह र एवं, होका बादम आहेम नई रहे । १० कि अप । अनेत्व । बादणकुत्र कावमाव द्वाप कविद्या प्रणा । १२ म । पूषि आश्र वहेटम । अकाद गर्गः करू मिलिए इ. भारतिहास ।

> क । कि कार कि विदेश विक दिवेश कुला । किन्न क्षालिक क्षेत्र । ; अदियं

(बम्बवादिय विकट अंदे छात्र मुस्सा विकास क्यां याहेएव ।

৮ম। ভূমির চুল পুর মধ্যাংশ ধ্র ভাষার ভরিণ এভৃতির বা এমা করিরা **মিগে** কা (महेन क्रिकारक अक प्रमान मिट्टम (अहे प्र লিল শীজ রেবিশিষ্ট বোড দারা প্রাণাশিত হইবে) ইহা ছুবো এই ছুমি উহিচ্ছে পুঞ পৌত্রাদিক্রমে নিক্স ভোগ কবিতে দেওছা বইবে। কিন্তু তথ'পি ফেডাকে ব্যবভীয়ু ক্র-जन माधारा कर फिट्ड कहेंद्रक्। अवश्यक्रि कीण दूषित उभद्र श्वनद्वराक्षेत्र व्यवश काना क्षिन गास्तिव वां पही शास छोड़ा इंडेका हि-ादरम् क्षमा जैभवुक विद्या । अपन बाबीम व-তে পাৰিবে:

इम । मीलास्थतः शुक्त । ततमः एकि १७३ पू भित्र छेण्य मांस्या कटतम, छाङः यप्ति काटन त्रिक्ष विश्वस्थात । अञ्चलक ८५ व एव **छोडा इ** Distant Ger Natural

ম . ড-শসন্ধানের ধার যতি এ প্রারাত্ত ध्य मध्यान इस्र 'ड,श' इहेटल या ि हेत Ca राष्ट्र क्यारक्षण ऋथाहा **अवटा (अडे** 'ব্যায় ক্ষাল্যান্ত্রের ব্যাচর্। প্রেরণ ক্রিয়ের ता । अने सार्वस्त । वाका क्**ट्रेस** क्वाल मिकिन्द्रस्य निकटेरे नान्तीस कतिएक शाहिर

ें कारकार्वेद्ध (क्रमां हु ५ १,३ १०) । अह गाँव देंका केरबन का पर रावद्व लगा म ार भार ज इसियबाधरे भाग राष्ट्रिय ৬র। সোমণা হতত র অল্ভার ও সামের । পাটানার সামের, পাত হতার রাজার কবি

िरुप्त प्रश्याक विद्या किन्नु विरुक्त क्षांपु विज्ञात । जिस्स व काष्ट्रां हमारत मीमा निवापर्यं व क्या ं ४८० र पुष्क शांका शिट्ट व्यवसा काना दशान

ात अध्य प्रशेष्ट द्वारा क्षेत्रामा भीलाउम वि. | यहि जमा काम नाव्यि पूर्वि केय कार्यन 'कारा । कहा युख्तिक रण - ए र राइव किन्न ज्ञान चुरल श्रांक विचा_{र्स} व्हेंदन श्रामाक वाकि व्यक्ति के वृक्ति समा ে খাল, পুৰে বিক্ৰীত কটবে না। বে টান, আলা করিয়াছিলেন স্থান ক্ষেত্ৰিক ं दरव, अधन का ् शिक्षात्रेश दरक्षा बहेदव । 👺

५८म । दक्का दक्कालमारत् कृषित् मनुवाब हारा अक्रमाँदम मिटङ शाहिद्यम अथवा छिनि ভোতার দশম'ংশ ক্ষমা করিগা বিশ্বা ব্যক্ত টাকা ूभ वरम**रहत घटमा** किथिवनि महिद्री निद्र ः जिल्ला अवस्य स्थान स्थान है। काब अधि बरमञ्ज भक्तज्ञा एम हैकि इ दि-मार्थ क्षम मिर्फ रहेर्य। खाँगांव क्षां अहें नकान श्री छ ए समाभ धारिय । जनः जिल (A. कि हे अबदब्र बद्धा है'का न फिरम काटन-क्ष पृत्वि भूनकिकारमूह स्थामन कविएक भा

Sem । विछीष (य न) एमि नहेना हिन व त्रव बाबा यकि नात व प्रमाधिका छ करिय एक्डिय है।को सबो ना कर्यन फाश महीत ুমি পুঞ্জ বিশ্বমালুসাংস পুনর্কার চিক্রীত ^স উৰে। কিন্তু এৰত স্বলে অধ্য ফেডাৱে কথ ं के शास्त्र कारिस हते।

६० । भावजीय मास्त्र यूना क्षांज बकाद अ,च कट्रण ३॥ ठीकात किमादव खित £हेरब . यर **८कास कांब्र**ल • एत्रकांब साम ८क्रका, ३३ बा। किन्नु निर्भय गुरू कार कहे । रिविशन ুর প্রসাতি অপুন্ত অধিকতর মূল্য বি ন প্রার্থিতের বিলেখ। কিন্তু কৌন স্থানে পত্ৰি একার দল টাকার অধিক গুলো বিক্রীত

रकेंद्र का , ्रभा । बति २७ एमि छम् सारम् काला े किली उरा एका स्ट्रेशन कारा अध्य हर । (In हरके) में में क्षेत्र दिस् 'उराक करें स कोर्राहें , ८क्रफीर फारवेसन धा राष्ट्रं डाह्य हैं हें में हिला ্রিডীয় ও ভতীয় দরে সিপীড प अन्य इंडेस्स ज्याह मार्ट्सन अहोदा ं शामित क्यों है।वात मंडनदी पन देंपा ा व प्रत्न कियानेगा, भाइत्यम १

न्म । अर्थ । श्रीकृतिक क्षांच विवसीह भाग कर्याक स्थान द्वा<mark>यारक द्वा भागमा</mark> शास्त्रिष कृति काला कालाहरू केंग्ने का काल कर का कि

• লাভ কানিত বিল্কণি, এজভি^২ণ नेपा मुला निक्षिण कविबाद फाइन (एक) ্জা ভারা দে সমুদাশ পৃথিক অভগত িলালনা করিয়া ভানিত্র সহিতে এক নুলো বি-भाग महिद्यः (मार मर

छामा अङ्ग वसमाञ्चनात्त्र हो छात्री वटनावटकः । क माकि काम कथा कड़ेरव। अरे भूतिह कामी | मात दर। महिन काकाम काही राका भूकंक डांग जिस्त कर्य कतिएक शांति " (रम) क्षामुत्र मुना पहे त्थालात्य निकासिक ফরিতে হটবে যে ভাচ ব ও শভকরা পাঁচ हे'कोत दिनादिक या या के विद्यालीकी हाथ तरिन-विक करतर तथ'य हम् । कि छ , शीम शहर श्रिष्ठि क्काररज्ञ गुला २१० हे हेकि । खान बहे. व्य मा।

इनमा अखिल कृति विक्रीए सहैत्स स्व मयमाद्राम अक िमार अविवास खाउनिहे ब्बादस्य निकटी स्थिवन हवा इंडेह्न र हास এই চিপাৰ প্ৰকাশ দাত চাতি ক্ৰ বোন উচ क एर रिजाब्रभणि अहे निग्नास्त्राह्य सारवङ्केत রাঙ বিক্রায়ের পরিবর্ত্ত করিতে পারিদের ন**্**

२०म । अग्रांसिक्टिंड क्षयामा प्रस्कृतिक বাতীত পৰালি চরণের ভূমি নশর ও জেলা व निकडेवर्सि अन्नाहेवाद कार्छद्र फान्नि वांत्री নিশাংশৰ স্থান পশালয় ও আফোলের ভুদ্ধি भिन्नी के केरेश मा १ दहाराति । पार्क करे मक क पुनित् अक कियाय शकाम कविद्वत । के कि স্থি প্ৰাৰেট্ৰ অপ্ৰােগিড ইট্ৰে থেৱে গো,দেন্ট এলালিত হটাল

२ भ्रम । २०४२ च्या कर १५३ खादका नहसूद क छोष्टमादः (य मकर क्षित क दावन द्व-क्रिहेर्ति कवा देरेशारह छ।टा उड़र ।मार्ट्स निक्रीख उर्देशमा किन्नु अर्थ वर्षा विषय अर्ध शिए का है-स्वत निश्नीष्ठ २०६४ मा।

१२मा धडे लिया दलि अप िछ हत्रेहरू े सब क्षत जन्म ग्ले (प्रक्रम जाहर क

--

門道"五十十十二

্রায়ন্ত কলিনাচল সে ভ্রের,কীস **আয়া**ন দিক্ষে নিষ্ট ২ এব এটা প্ৰেট্ডি পাৰ্ পঠ, গ্ৰাডেন ভাসাতে যা বিষয়ে ভাষার गरि 🤊 पराधा जिल्लार 🕫 चार 🗸 🗝 अन् 🗷 🖫 यदश्य त्या र कथा निर्धिष्ठ रह माहि वालेशा आ-भव छार, व्याभिकतिलाम माः

यवार्थ वक्तांन वर्षा काल मधीख धार्न्यक वाकित विना निश्चित ब्हेब्रोट्ड, भक्त ध्यातक াপনার ন'ম প্রকলে ও বিশিষ্ট প্রমাণ না দিলে আমরা ভাষা প্রকাশ করিতে পারি 31 [

পাৰ্কতীচনৰ উপাৰ্কিট

का भोता दिस स्तावाहित इतिवास म য়াতে পরিতা ল করা পোল

वयुगन ि १८६३ हसामा स्थापन কোন মুতন সশাদ নাই।

क्षात्राण द्वः छूत्रवश्चातः वत्र क्षात्र भामध्यकारण अकाण बहुआरहे

यतिमधुरित्रम् शक्त रक्षात्रके विशेषं विशे निदर्शय कतिया निकारकत प्रयास गाउँ स्व का यम कदम ।

জন্ধকারী থেবল পত্র ক্রিভি শহল, তার্কা धकाम (याना बदहा

मदरखनाच बढीश्रेटमाड याना क्रिकिताल গৰি এৰণ স্বাস্থ্যীত সংখ্যাগ্ৰান ভাইন র বারা টিকিংসাল্টা সরাইলেইড সমুস্থার বি छेरशारजनभाषि वर

এড ইন, আরু ক ক কান্তি বহার নিট্টা 代 हिका ७ कालक 🖰 २३म. क्टब्रक : त्र विवन्न प्यान

むすすもおく い ভবা চিকিৎসা प्रकाश करम रे च हैवाद महु,बः SIEF 9 F) এরপ অপ্রক

এই শিকিৎসাদ প্তি হাজ, মহ াপচন্দ্ৰ প্ৰিপ্ৰয় মাৰ এনসমানি সংবক্ষার সমুদ্ধি বেডন নিয়মিত এটো দান करिया थाएमन । अवर्गमानि क्षेत्रभ 😕 अञ्चानि छ श्राम महिस्ट्राइन अन् देखा बर्गहाल, वह िक्टन (ल'यह बिचिष्ठ विश्व बार्ड अक ही उट কুট অটালিকা অন্তত করিছা বিবার নিনিক নতুষতি ক্ষিয়াছেন, বহাসানে ভাহাও আর ड स्टेर्ड । (क्वन श्रेड्रिस स्ट्र ग्रह्न दर्खन छ 🌢 जन तांशीत चाराष्ट्र 🖟 जाल मुन्दि सुनन व्यर्थाः ठीमावामा निर्मा वया । द्वानीमिटनह আহার প্রয়ান করা **হয়ে থাকু**ক একংব পরি চারকের। ও বেজন পারি গ্রেম মা। বীহার। है। का कित्राचीटकम खीबारेंक करना खास्त्रक है अ-यम मिलाफ त्र्य त्र, जे म श्रांत्म चामारेशः न्यांची कि ३ योग नव् धनि । भि नार्कान जाया निरम्ब भीष्। हहेला विमा :बख्यम बाजिएक खी নিয়, চিকিৎদা করেন, ভবে চীয়া প্রাধান কবি বে পারি, নতুরা আমরা একপর্যাও বিল

روان

7

श्राम करि जा, मणाक व्यामक । क्रक शनदक काणि विभीष छ ११ छ । "क्षित मा । यून्यविदेख अवेत्रण, श्रावाली क्रिक्श टा धार मकाश क्रियका क्रवलंडन मुक्ति वह म-पर कार्या ही रक्षांत्र के तिया तांचन । अकारने किता भारत्य शांकि स्वाय किছू बक्कबा नारि ।

· ##1 4. क्ष अधिकी तहा ।

कु (मामक्षकां भारतका कि

स्रक्षांभाव महीराय दूं -अक्टा कि किशि विस्तार केंगन मन बिर्दे ्राह्म अपित्र में के के कि । के के कि ने के कि ने कि कि के कि कि में कि के कि मुना कि में कि कि में कि में कि में বির ১.এক পাওপোমে "উপ্তিত চইন, প" "ল'ন । করের প্রতি ল'দুৰ্ দলাপকালে এক দিন কুমা-के गा। ल अन्देशका लच्छे। क्षा है मा है। 海中州大人工作一种的 市副相对指示 医下颌 声 型土 टल है। ''त कड़ेश' एजिल्हा न इन कार अगाहे। প্রায়ায়, গাবে কার্চালা হার প্রথম ব 😁 ইংক ব श्रीपूर्वी प्रभागिक शामक श्री खरी छ । उपा छ। छात्रद क्या किस्ट्सः । अञ रविकाम, चार्ककर सम कार्कः मन्द्वः । सर्गञ्ज विकास । उपन्य १५० वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र । ्राश्वास्त्र आर्गिया विक्रिके असम्बद्धाः वाकृष्यः व बादर क्षायान पाछिलात्य प्रकारीत्य देशांश्राहः । । र वयनप्रे भिन्ने सामाप्रिक मार्गामु विदर हेनाम, दर्शनाम नेतृ देवमान स्वार , हैं को वें होते को सार प्रश्ने हैं है। तह ब्रिया एक सिन । संच्या कृतिया प्रायम्भ छन् छ ४५ए। ३६० ছে বত দিনেব বিধাৰদাৰ উপস্থিত চর্ব 'दर'र ध्यार'ः পরে উচ্ছা হয় । খানার উপর গেল।ম, গিয়া, দে,খ এড জন চে-র কর্মটবের । যাবে ব্রিয়া শুভুগুভি ট, নিতেছেন, ্বাপ ছবল। লইণ টানাটানি, আপনি ব্যাহালে পল্লান্দীর म्हित्राता मधानम, द्वारात राज्यायम् उक रहे छ मश्चर भू मद्रा को को करना नामि अह ल, किन्नु मांदक मारक चार्यकत मान वाजमान भीत्र कति। देश (करवांश क केटल्टर्स , कि ए। भड़ेवी एवर्गराम हैं। गाँउ कि में। अके में। एक कि बढ़ा अकि में ধৰালয় উঠিচা । ত লালনে অধ্যাণিও পঞ্চা। ্ৰাজ গ্ৰেক না, । ইডিড অ'নিডে আনিতে একটা কাছানি গ্ৰ क द्यारक । यनि । प्रकृषक छवा कहेर । दाइन्स भूकीक भविमाशा 'क्य ही **केंद्रि**या | क्यांन कांद्रन म कांद्र किया ममाधन कविया प्रमाप चुरेशान्द्र चुरेग्रेद सम्ब श्वाप्तानातीत्व कार्याः सर खाँचे का है। अहिला है असार व के उल्लेखा न अमा किन कार किन ुपब दर्शनकः जिल्लामा करिलाय गाने K. a. . शिक सकानाः । नामक के ते नदेश था। वि । क्षित कार अक सम निता तन सेना कि ओना सन् से , न्या को कर अधिकारिक किसानांग्र के नाम नाम राजीशन कविकारिक किलानोत्र में बनाइ संग राजीशव कि कार जिल्लामा एडकि सामात्र वर्णन र ফুল্ডিতে বিচার দেখিতে কছেলী পানে চলি कुर्वेशक काणिक के के के के के के कि का का कि का का कि का িব'ক্লুইনেপ্তে গুরুষটন সকলে কিজাস । ওজন্য বিচাত্তৰ কিছুই ক্লান ত প্রানিশ স ब छण् ७ छ वारा अने हा बा, शाह्र अखद श्रीकाम श्रीरवण व विष् (b) अक ांकि मामिन वाकिना तिथि। नगवकत आनः शामित कानिवृद्धि, मंद्रिक्षिष्ट्य, स्विमाध ्ठ थ आहे ज्यानाह काम काशक काता अकता | व (हिम्र) चीकि छटत जुनावयानिय कि मिन [म्यु खर्मम र नरावित शक्तिमान र एका | कादान व्याप्त स्थान तक एक महारावित स्थान या लक्के द्वार कि स्थापत विषय अवर्गम है 😁 অভিবেশ্য এও পদ ও বেভন কৃদ্ধি করিব'

ः ४ क्षेत्र रिटानगिक्य किलार भटनायान

भ व्यक्ति शहरमदान अरथा फानदा है ात वरश्चन काकन । वे श्राह्म विदिश्व हिंगाति । शिक्षा वर्षि रहे भागाधिक २००० है। व तिया बारक , बदर बाजा व्" द्रथम्छे. न्तर ा ७ व्यवनी किया अहम विषेशांन अला-गर्व रन। १ कि क्रिकांगा कति छोटतक मुद्र चार्च कि ? त्यांच हो। त्करल शूना ত েবাৰ। কল ভাহাৰের প্রাত আমি বিভাগ ভারের বলিতেরি ভাষারা সাধ্যরভা পরি আন क्षिका अपे मा क्षिप्त विद्या करेला मा प्र **विदेश। क्षेट्रे कि. दमांकाल महत भरता ही मनूर**ी क्षित्र वास्ति वाने आर्थ इतेश विका पारव त्या-🚰 शेष्ट्रक १ एक इ.स. १ स्टाइट कि खेलार . हा विश्वी के यन ना ? का नाहे क्हेरवन । क्षेत्र। क्रिया ८१ मानिक श्रेका. टक्क्ष कामा व्यव्यक्ति विक्रिक मा कविया शास्त्रता

विदेशेल माम विषा अवसम्भय अगिका किमार्कन !

होद्देशी अञ्च प्राप्यदास क्ष्मादम् विद्वा कामान। दिग्नाः ।

क्षिक्य ब्रेस्ट एनिका देनि वहे आंश्रिनशंगी

উন্ধানন গৰহে।খাঃ 'রপঞ্জি; ইনি ও ঐ

क्रिकेड लामा शरमण मा व है, मा माना विवास है

📱 ऋक्षिय अधिक देव का कार प्रमान प्राप्त माज ।

अविक्रिये में से अधिक के विक्रिय ब्राट्स्स । (य भक-নালয়েৰ টাচা প্ৰায় আছুমু व :पट्टार्ट्स टब्रा नर, रुख्य বাইর এম ·

wife B s witter his 本教教の指揮 दिश क्षेत्रध के (अथा, अथा निर्मेश काहि 1 621 Q.

भवास क्रोल छ वर्गांशाल कर । । । छ। **ুলাই বিশাহ নম্ম অ**ধিক সংস্থাতিত कार्यक्षेत्रा मा, उपनदे भार ११ल क्षेत्रे ब्राप्त विद्यात करे विद्यालिक । कार्यक्र में, जबाद वहल कांग्राहार काल भार শ্রুপার্মাল মাত্র ভোগ করিলাগ क्ष्या क्षेत्राविक मनीन मका शका । १८११ थामलादमादकर जाउ नाकृतिक क्षेत्र

उथा स्ट्रेंड यहिंद्य महिंद्य महिंद्य मध्यार श्रीकृष थारव मिना अक याति आविष्ठासूच कलक्छलि च्छ विश्वत शक्क कविर उद्दिन, द्वारिशांक शहिना পোত্র ভাষাকের পদ্ধায় ওপায় গোলাম, পরে नंदश भट्डा कोलकाती काहानिय कथा किलानः कराव कि क्रम विकासिम, अ महसूत्रीय एउन्ही मामि देश है दबक दबलि मारक्व किम मारमह विमान य अअग्रम भारत' दाप्ति पालिक्ट्रेड बान श्रीत्रक बरक्ताभाषात्र हेन्द्राची ब्देशास्त्र. किंद्र फिनि भारतात्र पाकित्र हे व प्रहरूपान

र्दर के इरलन, अक्षमा लाइक कारमक ্শলি ভ উপ্ভিত ছইলা বিচায়াবয় কৰিব नाक, यानाम, यहिमानि शक्ति शाक्ति श काराज क्षान काणांख न। समिग्रा २८ है। यक्ष्य। িণ্ডেন্ডৰ নধ্ব পারিজ ও ডিফমিষ ক্ষিতা পত্ িদিশ গণুতৰ পুনমূৰিক গুৰ আখাৎ আৰক। अब महम महिया मिरमान असन कविस्तान महाभवा धामा लिक्का अलगामील विश्वतिक ्नः क नहा सम् भ हि। क्षेत्रन अन्। ६ দ্যালীত গ্ৰন্থিৰ প্ৰাশ্ব **দট্য দুৱল্তগা**ৰ আন্ত্রান ক 🕞 স্থান স্থানিত করিয়াছেনঃ 'कब उन्हरिक स्ट्रा स्ट्रिक, अधन कीवर **७इ.सिक .वर्शत कथ अस्तिहा वर्गकर्वत, अध्** नमें भार क्षेत्र ए शामन सम्बद्ध कवित्त কে বির, কথায় উপস্থিত ছবিয় ওলি লাম, ভারু-क रव राष्ट्रांति, दश्हे बांदन यशिक्रोहि व द्वा मध-যোচন মন্সমান ডেপ্টা কালেক্টরেল গুনা,মান বাৰণ ম'েলামে, কিন্ত ছবিদ্টি ধশতঃ ভাঁচিক দশ ংশাইলাৰ ন[ে] ১৯৫ খুমারধালিতে জাগ अन्तरस्क नाशका कुछ है का कि लगर राजा क्षित्र विकासका, किन्न सक्ष याहः उथम अवस्थानस रल रहत बाहै, महाणश ऋल रह श्रीह कारि के क श्राद्ध। अकार- कृष्णियांत्र ५ लिलाम, वश्रि त्यारन खर्वाविधि कवित्र। कृष्णियात ५१९ जूनिकिथ भौति अविश्वास का शामारिक आहे । का, बंद बेंकि --

> कनाहि भूम।इंध न कमाहिर सम्पन्न । तिवह 38's wind ३५-७२ म्या

.01

LEASE FRIME DAS

日本 2年 4年 1 「京中市と 下日

मन्त्राप्तक महानेषा । व्यक्ति व्यक्तिमा प्रदेश था म विषय **वर्ष केल्लाहके क्या वर्**ष केलिक मर्याम न्यान शांठ म त्रवादि-

त्य क्षेत्र कारम अवज्ञी भवक्षमा कर्त्रमाहरू দিব অভি অথকিছ খান বলিয়া তৎকালে हेडाब विष्य प्रक्रींख कारबंध स्टेशब स्थान क त्यांत्र किया ना । वद्यानस्थत व कारमध्न दर्भाव াদ দান্তা দাটে, আমি সেই ভার এচণ ক-विन्तु हेक्को क्षित्र विविध बङ्गल आखार कहा जा-ম'ব পৰেল অফুচিত সাধস ব্যাতে ছুইবে. েব করি ও প্রাণ্ড সংখীয় ঘটনা সকল ও ইংক্র निवंतर व व रेम्प्रवाच "शर्के स्वट श्रीत विवासिक स्वयंक চটাৰে মা বৰুং ইছার সূত্যেত্ব নিৰ্মান ভৎসমু-मत क्रांनिट अर्थरकत्र क्रांकुर्थ अधिर्दे प्रदेश शुर्का करे यान जनश्या प्रसान जानान ভূমিছিল, সমিধিত নগর ও পরিতে মহায়তি क तम फाराजा आन थात्र कतिछ, शतिस्थर জ্বাক ইতি ক্ষিপ্তর্গণ কর্ম্বক ভ্রাধ্যে আলে-্ষ্ট হত ও দ্বীপত্তিত হওছার অভ্যাচার অ-*। उस* निरातन रह, योगता (क)मान स्काप आकृष्ट 'ভাব ছিল এইকণে জেল। বঙার ভাছার। "ोगरत चां अङ्ग लडेशं(स्) अहे क्रांब देख्डवी ^{্ত্ৰ}িব বাম ভীরে অব্যাহত, য**েশাহর মগর ই**ন ার ১২ জেলে দক্ষিন প্রর্জন প্রাথের আয়েন্তন नं र कोण, धामरख र क्यान स्ट्रेरर, बहे ামন ব্যাধিক ১০০০ খন লোকের বাস, ভক্ত া হাত ৩০০ ঘৰ মৃত্যী, মৃত্যীর সংখ্যা অধিক ४ नगः ठम्भ शोष्ट्रका मधः। नटक आसामाना ८५८मह महीत भाग्र केशती ६८काव वादमांक आवदा खुडा अप्रद करव ना। कृषि कर्यात स्वावाहे वेदारहत्र र श्रीवर्ग करका। उक्क वर्गांद्र स्थापक भरपा। उँ यहा, उत्सव मरथा। क्षार्यकः। बाह्य करः क्डरिया का वर्षकीक वालि छ शांक शांका। र्रा उदे अ द्वांस अतिह, ३६०। ५० है। हें देव

শাস না। চিনি ও গুড়েব আমদানি ও রঞ্জানির বিভিত্ত চিনির কারধানা **আংছে। শীত**কালো ं पारत है। ७ जाक विकास किन ए अब करा नका व्यव थ'रक, अबे कारण क कारन वफ रवादनांक् छत्र ७ वहन्द्रवा दलाक नगरवंड करें । ा कः। विश्वविश्वश्वद्यं **वर्षे**द्धः वर्षे**क्षः**मत्रा वर्षतः। ा कविट अवश्वास स्टाय, आध्यक्ति ग्राम स-গ্রে বিজ্ঞান পরীস্ত্র ঐ নমস্ত জোক এখানে ंत करत, अहे करवृक्ष मान विकृतिका स्त्रार्थिय अ शास क्षा क्रकांच वृद्ध, सश्चत, लंकहें। वृद्धिक छ मा-'तक्षाः भव (काला हर ने शक्ति शूर्य इत्र अवेश करकेत े देशीया बारक भा। अक वर्शक चाडीय व्हेम यथारन वक्षी दशके क्षानामक श्रीलंड रहेग्र-

क्की रक्ष्मित्र वाकिरकेरके काश्रीत थ शाम, बनर बन्धी जाकवन बाहर, बन्धी देनकम । बन्नाकान रक्ष्मी मोकिस्कु के बन बन बाहरूरी ं अ जारममात्व काहाति हिना ने छा । उसे । है में हे कि शुर्ध्य अप अने मीने एक विराग कि । लाह केवरि

Anglie willia waven folha महिन्द सार्थि । ध्यानकार शक्यक के कि अपने किया निर्माण के निर्माण प्राप्त क्षा कार्र । कार्ष केलेश किया पारम कारण ने क क्षानके केंद्र में किये हैं है। यह यह में बोका की क कारका दाकाश्व केंग्र क्या। भीक्कारक रा प्रकश इंक्ष्णांतात क्षत्रांची पारम वकारम रत नमून'न बनाकीर् प्रवेशास । मर्गाव साह त्वर काराव । मसि विस्तात्त्र

हत्वर सक्टाट्स अकट्स निरुद्धि कार्या कार्य अधि-

শস্ত্র প্রতম্বরে নিম্পন্ন চইডেছে । দান অভি

अर्थीर विविद्या वर्षि औ खरावि अक्कारक आही-

ज्ञ चरत्रत्र विदित्व प्रश्नायाम वर्षकाळ हर,

ब खरिया खुरीकद्रभाषं ब्याद्यत भाग्नम आहर

श्रीत व्यवस्था । विश्व क धन शाहर मधा

करशक्ति संस्था चार्राजिका निर्मित बहेटस्टर्स,

प्रकेशिक परिवास घटधारे मिन्दीन कावी गांक वरी-

एक कोटबा व कारबाद होता है एउमाना जना

বিভার ক্ষয়ে, আহারীয় বা পানীয় ক্রবং আল

मुन्। मास्, केल मुना-मित्नक मिना कांत्री व

PROPERTY. TERM WIT. CHILDRE BIC: this difect WENT FOR अर्थे स सम्बंह

to Agr. Maria शांवि शिक्षांतम विश्वास्त्र आवित्रास्त्र भारत विश्व **阿勒斯里及 李海东** 如: [中中於「西京「西京中 | | | | | | | · C. Traverst & Distan विका अनम्बन्धानाः । व्यक्ताहर कतिन पृथा-

জীযুক্ত সোমপ্রবৈদ্য সম্পূর্ণ

नकति नबीदशव

নোম্প্রকাশ প্রকাশীগুরা অব্ধি জার্মা जनिरक्दल काम् ननामक्ष्मकारेन शर्क विश्वा शांकि। विवि सब कटलक्ष्मात्र क्रिया: देव्य-कित किहि मनगार क्षेत्रकार समोरण शdigmen Cha Casin Antiacon Clahen ववेदादिन दर वासना कान आहि हा स भीव कमगटनव दर कक्षाका कादमा है। है। Men 6" -: 4' Fil a Braw !- 218 সোমপ্রকাশ 📜 Matte wieden 明朝 山山山 五 गारठे जारि (河村里里市村市 SHI FI ME CO .4 51 Beig fr. -इ थि अल्लाबर्टराजि PARTIES MEN SE **भागे** जानांक

स्यान द्यान प्रधास वर्त ७ क्लो, तिक हि-**छित मिसिस के निष्ठ मां शादा अपन कू • र्या ना है** আর্থের অন্তরোধে কামারও প্রাণ বধ করিতেও टेबर करत मा। शरतांशकात ও मतल वादवांत काराटक करन कांबा देवाता अक्कारम कारन मां, क्षकांत्ररंग क्षांक्षित विश्वांवाय ६ शांवि कडा रेश्फिरभव चार्छाविक मरकाव। श्राबाद्ध दक्ष কাৰার স্থানাতি করে না, মীচ কাডীর লোক ष'राह जराधा ও षरिनीड, धनी वास्त्रित्र। धर्ष शृथ् वात्रकृषे ও धर्म स्नान विकित्र। धर्मात्म भ-क्यांडि अक्ष्री महिता कि करण जाय । जनवंदमकी नाश्चार शास वक्षी केश्नाकी निमानम छाउँ आम्बोमाण्डत सम भारतायाम्। विमाञ्जानी विकादर राष्ट्र चांबकामांथ नाम योगक्रावर ध-कांख रुएक के जाशाया म ्यालिक श्हेबार्छ। देनि कडि ब्रामा धरः जाशान्य विक्रम गा-भीदि देशद स्थारतामा छ छेश्मार ७ खल्हाण, विक्रांत्र कंटरा ७ देशक गर्थि स्थानि, विक्र প্রাচীন চইয়াছেন তথাপি ব লভের ন্যায় প-विश्वमी। अ स्मामक मोखाना राम्ड वर्षेट्व यक्ति देशक कार किंकु मिन अवादन व के देश। अवादम हैश जिल्ला ना कविशा काछ वाकिएड शांत्रिकाय मः हर वयानशार श्रे लग मारवांगा বাবু পার্মভীচবণ বন্যোগাণার ও নডালের श्रमीमात्र प्रकाणक्रकिट्राय (मान्यात वांद्र (म्रवनान बाइन ब्राप्ट महानायन। खेणांत डेप्क निमानाय अ हिक्टमानप्र पोशनाव निवित यरपेके ध्यम ध আহাস শ্বীকার করিয়াছেন এ বাহাতে চির-दांगी इह काकांप्र मिनिख महोत, यन ও आर्थ লিয়া উপকার করিছেছেন। এ কেপের প্রকা नाभद्रम वर्षे मकाक्रफरकि:शह स्वक्षण खश्रावश्राक्ष (४) श क छेरमान स्मिथिक ए योगाक बाह्यकात वे व्यक्तिक त्थांचे तमरणत करणा केतिकत्र तिमामान महा रवाकी कामानिकार

(5) 海堤 事事實行 द्वाहरू योग

परिदर्शन स्थ

महम । ज बहु

क्षकांभ मगर

ৰওয়ায় ভাৰ

क्रांग (२) इ

टबंद एउट्ट^ह

শাক্ষর মা

क्षेत्रा यहरू

क्रम महाभी:

perice . '

পরিভাট বই

এক কারণ

ब्रह्म बर्फ को

受力中 明神

क्ष करिया

· ('R } 9\F

न व्यक्ति क्षिण्ड उ वरे कर ७ शहां र পরিশ্রম স্থী-इस्टम् एकेशः ক্ষে এখাবটা

· 一种理题表 "创世

भजीय जातत गांभी घरेशा अपाव वे व्याप **रडम रारदा-**-1ক্তির অস্থ-म भूजभरवर द्वियात्र निवय क देशमास SPIS END जानकाती देखा াসের কর্মচারি ল ভাষা আদ **চ ভেপ্টা বারু** र **क**तिबाद्यम विक्क विद्यम ্ৰই বন্ধ। ভবি

ছেম ভদতি-

क निषम समा

क ? वेक्सांबर-

র ভিন্দামীগণ

कि शतिवाद

শারেন তৎ-

া এতি ইয়াক

मि श्रीकशरणपु

क क्षित्र रिक

বাল প্রতী-

ंडि। **ल**ळास

भर्गाय मञ

र्गा वहेंदवन रक्त अग्रहि াৰ মুক্ত প্ৰয়োক FIT ACHTI

कृषि राक् उड्डेटिं शह

नामश्चनारम कतिरम अभिकासम् अस्यत भारक इकि मान वर करें कार्या स्वीतिश यह शक्ति मोहका-दिया तमें विकासिक वर्षिक बनिशा गर्थी किंद्र बार्टिक किंद्र जेंद्रका किंद्रिक बाल शकी केंद्रिक कारके कि बहुना निवृत्ति जान शकी करिया विका श्रीमानक माम्यु विकाश करिया GIR PIRENIE ्य केट्राय करश्रम साथ र्वाध एवं क्ष g agenin H. A

সাহে হতি বিভাগ ছবিয়া ्राष्ट्रि चार्ट्स स्य कुकानक्ष्माधि-ঐ রার জাপন চর্ম কালে "হইয়া ইব্যাস্পানে পর্দ'র न्द्रितंत्र मत्या त्राका निरम्कतः नाष्ट्रवर एड पूजि नावू त्य के क्रिक चा-ক্রিনর অভবোধ করিয়াছেন ভাষা किलाभवाडी (वास क्ट्रेडिट्स मा।

्रीबीज्ञाच्यां महाभाष्ट्रिक मिह्नमानित स्ताय के छे দিশ যথেষ মানে পরিশোধিত না ছইতেই ইরাপের নাার জোঠ,পুত্র জুনন্দান্তির অধি-नाही रहेटल याकाविकड कम लास इरेटक स्याहराष्ट्राच्या मार्ग स्थाति अख्यानम् सुनाधि কারিগণের মধ্যে অধিকাংশ ব্যক্তি লেখ। পড়ার লগভিন্ন ইং। বলা কথিক। বিতীয় ঐপায়পালী विनामीमदसम् मध्या योजावियोह ये बक्शियण्डा করিভেছে বোধ হয় তাহা কাছারও অবিদিত নাই অতথ্য পুতুল খেলার ন্যায় তাহাছের ক্ষ্যাপাত্র বাল্যবিবাদ অতীব ভয়াবহ। স্কৃত-बार रमेरे रामक वाजिकान महरगारना स्थानकल সন্তান উৎপত্তি হয় ভাঙার মধ্যে প্রথম পুত্র হৈ নিৰীয়া; ছুৰ্জন ও ছডবুদ্ধি ছইনে ডাহাণ্ড আৰ কোন সংলাহ নাই। এমও স্বলে জ্যোঠপুত্রতে রুইদায়তনের কুলপাত্তিব অধিকারী কবিয়া ভি ला कि समहर्षत्र दश्यु इदेदक मा २ श्रापुण्ड वर क्र उट्या के प्रकार ज्यानकाम जार वे विगय नके एडेमा अभन भूजभरवर्ग क्रम माता वाहेटड भारत ।

देशमध्य के निषम अञ्चलक शाकार अवस निश्व कांत्र कांट्स छात्रा कहै:--- व्यानकांत ন্যায় তথাকার জনীয়াবগণ সময়ে গমংম রাজ कड़ विटक वाथा नटहर, उथाकात क्रमीयांती कत শুন্ত এ দেশে কর্ম কর্মে চারিকার জবধারিত मिस्टम स्वारस्त प्रश्च समित्र शावन कक क्षेत्रं पाटक। अवक यटन वस्पूत्रश्रानद उनकोविका चक्कश क्रिक्रमातात्री छात्रात वर्ष-দ্বের ভার এক বাজির ছব্যে রাখা উচিত সংহ।

পরিপেষে আমি এইমাজ লিখিয়া এই শ্রস্তু: रयञ्ज केलाश्यां क्र करिएक ह्र यसि काखरमानीय सर्वा-महत्रका ऐक्ट दिनश्चन आहेन एक्टांत आर्थना कदन भाक्ष अवस्थित इस जार किन्नोक्षण व्यापन विश्व कडेक्सन कारिन एउड़ाई आर्थन। क्यून द्व त्रव्याप्रक क्रमोद्यादन मस्मिक्टनव मध्या *८५ श्र*क मर्का धनादत डेशयुक्त स्वेटस्य डाश्रत् गद्गीकः লইয়া পিতার অবর্ত্তয়ালে সমুসার বিষয়ে। कत्रत्व कत्रका कास्त्रक क्षावरा यांचेकी गत प्रजान एश्हाक मिनके एकेटफ् ह ब्रिका सम-कार्य महेर न मान्य म ইতাসভি হইছে পার্থিক

बार श्रामक देश मध्यापन महिला आर्थनक गरेकक्यात्वं बानकात्म किवासिक कवित्वन

क्षांच स्पान A IT PERSONS IN

-সামপ্রকাশ क महानदम् ।

দৈনিক ভিন্তে क्ष पाडित्रक वा-मामिरशंव मिश्या न्त्र गुरु मरीमध्य मिठ महानव कालवा बीनी माळांच दय द्व जातन चांचरका, स्थर। दिवारमृत साता चाराजः कांत्रे अ अन्य इत्र कार्। श्रृदीका कृतिवात जात. गर्बहुम्की रहेरछ आप रम्। किंह मिन गठ हरेले थानहा आठ हरेलान दर बचान्कात छन প্ৰক্ৰ গোজাৱের বৰ্ষ কোন আহত ব্যক্তিক **छित्री** नाबिरकेरित विकास मानीन कृतिरङ प्रिक्ति, करक्षवार के वृष ब्राक्कारवृक्ष: कंकिटन ও ডাগার অভিগক্ষ দলকে পক্ষান্তিবিত এব-ক্ষনাভালে ভড়ীভুত কবিয়া উৎকোচ এংগ কবিজেন। যথা বিয়ালি কোন বাক্তি লাটাব ছারা আহত হ**ই**য়∤ নালীশ কৰিত, ভাচাুকে कछकश्रीन मार्कार्य बनिक, यमाणि जुनि किर्दे क्षर्य माथ सारा सहरम अवानमात्र का केंद्र वान् এवे आमान कतिया मिध्यम**्ट्य काञ्च**त मात्रा क्छ হইয়াছে, ও ভাছা ছইলে ভোষার এডিবার্গ[া]-मिर्गिय कुक्करम **मुख इ**है। कु शांदर विकास स **শ্ভকগুলি মোক্তারে এতিয়াদিকে এই প**রামশ कि उ. याति कि हे है। का काश करने कार्या नाज् केरा नामान्य काषाठ व निद्या Colubbas मार्क स्राम क्रियो निरंग्न । अहे शकारत अवासक्रि ভেপুটি দলিউট্টের কাছারির মোকারের डे ब्रचिड स्**डल्लि**बिकुछ को गरमत सोबा स्वर উপार्कन क्षित्रत्व । किन्नु এडम्रिटनद् शव गरीन বাহ্য বেশভাগ্যক্ষমে পৌষ্ঠিংছ নামক ওপ নোজার গত নহ 👺 শীয় কাঁদে পানত চইনা (इन अवर अहे विवश्नी मदीम द्राक्त हुई। माज के शामनत्क कहित्सम १९ केशिक देव त्मन मा शाजात्व। शतात्व स्क्रीटनेस्टि रहेर्ड इस "। भारत से **विकित्त के किल्किल** के अन्तर nifere bee mane men a bei ber कविशा श्रमान भा राज्यक वर निर्वे कार्यक मध्या वृद्दे प्रेरकाह अस्ति विश्व क शहरम छोल्ड

(मायशकांका

" प्रवृक्तता प्रकृतिविद्याच पार्चिनः वरसती मुतिनवती न श्रीवर्ता। ।

जन ১२७२। 8 का**र्लिक। है**९ ১৮७२। २० व्यक्रीवत

मार्थिक ग्रंमा ३ डेरिकी वार्थिक चासित ३० डेरिकी

tri :

বিজ্ঞাপন।
বলে সোমপ্রকাশ হেরগের নির্ধ।

মূল্য না পাইলে মকললে সেমিগ করা বার না। ইহার খার্ষিক
সূল সমেত ১০ এবং হার্যাদিক
পিত আহে। তুর মানের মানে

য গ্রহণ করা বায় না। মহাবেশের
ভাবিদর সোমপ্রকাশ গ্রহণের নিজা

ৰি অগ্ৰিষ মৃদ্য সহিত পত্ৰ লিখিলেই পাহিৰেন ঃ

বিজ্ঞাপন ।

নাগাৰি ২৮৬ ২৯এ ওতংগ আইোৰর বুগ ও বৃহস্পতিবার কলিকতে। ল कृटन श्रांतमानिप्रियत्त्र भतीका श्रीष्ठ इ र महारि . जी बादवान थानि पाएक. ज नामि स्टर इस मझारामी व्याहि, কৃত্যিতাহিছাত্রৰূপে অথবা ইতি *ইয়াও ভবাম গাঠ করিছে আভলাম ন ভাঁছারা উক্ত ভিন দিবস বেলা দ वि नवत्र कशिका हा समाजि कुरत (ि आरख्य ७३ मर स्टर्स) छेला ४७ 🕫 । बीहाफिरभन्न वन्नः व्यन ३० व्यमत्त्व छान ाता विकासिक ध्वाविधे क्वेट प्रशिदनम र्क्कि । कह ज्याश्रमात्र निष्णा 🕫 हवित ि s का क्ष्यानश्मा भक्त भारेका चारकत उदय सं अहेशा आंशित्वन । शक्तंब्रिंग ड विमस दम्य शहीका वार्व कहा वार्ट दक উপক্রমণিশা 1434 河 南部. दर्शक महाहास क मामहिक निर्मम ।

বাজ লার ইভিহাস প্রথম ও বিভীরভাগ ।
আঁক সহরাশিক ও সামান্য ভয়াংশ পর্যন্ত ।
আঁ, জি, মেজিক্ট
বাজালার মধ্য বিভাগের ছুবা ইনজ্যেটার
১০ই সেপ্টেম্বর
স্ব ১৮২২ শাল

নিউ ইভিয়ান লাইবেরি ৮৬ নং কলেখ ইঙ্গুটি। পাষ্ঠ দলন।

জ্বীগুলে বাধ মুখলান মুদেশগাখ্যার নহা-শবু গৌরান্স নিত্যানন্দ শ্রভুর হল এবং গচা-রিভ বৈষ্ণৰ ধরেষর সমস্ত নিবাণ সংগ্রহ ক विया औरीय नांसू कामाय नात्म ब्रामः उ मृति ভ করিয়া পাৰ্থসন্ম নামে এক শানি অভি बब भुष्टक विक्रमादि कामानिका अपि को-नु र्गन करिनाहरून । आगरा छेडाँद्र का त्मारी-भाष भार विद्वित् जानकाम त्य, अष्ट्रक्टी **৯০** কল অধিকল লিখিয়াছেন বচনাব নিমিত্ত ুণ্ল বিষয় হু পি গুজি করেন ন'ট আপত ় যোগ করি এই तहनां अलिश्या दरे भूक्क धर्म(कक्क'य ताकिन (अहरे **अ**टना-ভনীয়, বিশেষতঃ বৈক্ষবপদ্মবিল্যি মহাশন্ধ গণের অতি বাধশ্যক তৰা প্রহণকর निल्डां छिटि जारहरू वर्धमानमरत्त्र नेत्रशासकतानाशान कारमहरू की यू शर्ट्यात वर्ण्य বক্ষিত্র। পুস্তকের মূলা । বারো ভাষা যাত্র। গুরু ভ্রামর্শ

विकाशय ।

जाशांदी २৮ (म ७ २० (म जार्ड) वह ५२ है ७ ५७ है का जिंक मक्त ७ दूपवाह हुई

> ্ব বালানার স্থাবিভাগত বিদ্যান্ত্র সমূহে আনিনি এটিং ইনশ্যেটার।

বিজ্ঞাপন ৷ মিট টুনিবান সাইনেম ৮৬ নং কলেক খ্রীট ৷

বাদ স্থান্তের উপাচার্য ক্রিক্ট আন্তর্গ চল্ল বেলান্তবানীল তাহার থারা প্রকৃতিক প্রা সন্মর বিক্ররের সম্পূর্ণ ভার আনাদিবের ক্রি পর অর্পণ করিরাছেন, অভ্যান প্রাহ্বক উল্ল গ্রাহ্ সকল আমাদিশের নিক্ট ভাল আ রিলে প্রাঞ্জ হইবেন ইডি।

প্রকাশিত পৃত্তকর নাম।
বেদান্তসার তৃতীরবার সৃত্তিত
পঞ্চলনী বিভীয়বার সৃত্তিত
ব্রিবংগবলনীতা মুল্টাকা ও ভাষা
বইচক্র নির্দেশ প্রভূতি
বেদান্তের অধিকরণ প্রতি সংখ্যা
মহাভারতীর শক্তলোপাখ্যান
হর উপনিবল
সাধ্যবদীর সন্ধ্যা প্রয়োগ
বেদান্ত নর্শন শারী রক স্তেরর প্রথ

#1 (

त्यायश्रम् । करे। के/सिंक स्मानवास । महिष्य ।

. विश्वाब इणित्र करें कि निग्नम ए मा । निःमक रहेशा मूटच कालयालन कति-তে পারিবে না ১ আমরা প্রায়ই দেখিতে পাইতেছি, এক একটি ভর ভাঁহার পিক নে লার্মিরা আছে। বদদেশীয়ের এত **বির মর্যা ভর্**রাদির **ভ**বে নি গ**ন্ত** ক'তব स्ति मात्रीक्टरात कथा थायरे व्यामित्शत मित्मत कटा क्षापिक मृत्त गम्म कटा स्थ े केंद्रिशंदर विकिथ्त क्षेत्र । खात जामाना वस- जारवा शतिभूवी थाएक, अमन कारल के का ্যান সমিহিত এমে সকলের ্যভরের ক্ষ্ম পাঠকগণ ত পূৰ্বেট অনিয়াছেন, সাতিল্য কেল ও বিকাঠ জন্মে এ এ এ अतिहरू अनेता किलात अनुश्रंक स्मर्थाम . अपूरि न . मम्था आहर जाता वाती ত্ত। হইনাতে। এই মারীভয় সংক্রান্ত এক খানি প্রেরিভ পত্র পাঠকগণ যথায়েলে। বাভারা চিকিৎসা করিয়া কে গণ, ভাতার वर्णन कविद्वनः।

मध्या मर्था विशिष्ट भाउता गात, मा রীকা উপস্থিত হইলে তৎকালে কোন কোন স্থান প্রাপাততঃ দংগ্রতীকারের क्षि कि कि कि हरेश थारत कि छ छारा मबाक करल्यावारी इस्तान विकास है। **ण:हात छ।वि भादीका १**.व'याव्य १क'म क्रमण नाहे। याद्यार इतिरा १ आहे । **बा इब्न, तार्ट (महे फेर**"र पर, उस कवाड़े **সর্বভোভাবে কর্ত্বা**। সার্বভোগর ভাতা-कांक चार्रक शिल कांत्र क्राह्म प्रदेन শেষ অনুসন্ধান করিয়া অজ্ঞাত র বল ক দির স্থাবিছিয়া এবং জ্ঞাত আঃ **র্নিরাকরণ চেক্টা করিলে** মারাভারত আ ্ট্রীৰ শাস্তি হইবার সন্ত'বনা ভাটে। 🖫 ं बर्म**्स** श्व**टसटान**िक खा दस्तरमञ्जू राज्य राज्य राज्य राज्य

উভয়েরই সাঞ্জিব বছুনান হওয়া উচিত, অন্যথা **কুডাৰ্ঘভা লাভ** সম্ভাবনা নাই। ে অংশে **গৰণমেভে**র আৰ যে সংদে দেশের লোকের যত্ত আবশ্যক, তাহার **डे**ऽत्र**वं वर्णी गाईएकरए**।

বর্ষাবসাম সমুদ্রেই প্রায় গল্পী শামে বার বি**কারাদির সাতি**শর প্রাত্তাব হয়। ইহার **কারণ বিভাস চর্বে**র নঙে ৷ অনে ক প্রামে কেথিতে পাওয়া যাস, এনার ও ছিলেন। সে ভরটি যেমন কিছু কমিয়া । 'রিছুত রাতা, ঘাট ও গরে বর দি নাই। আসিরাছে, তেমন ওলিতে মার্রাজয় বা- । চতুর্নিক বনে ও জলে পরিপুণ হয়। লঙা জিয়া উঠিবাছে। আদ ও জনপদ বিখে-। পাতা প্রভৃতি পচিয়া উঠে। গ্রান্তরা ক-अधिकाठित इरेग शहक। दात्रामक क्ष- तथा ७ शृहस्य भारत कक्षाल । मलाक एटि करत्रकि अ म ग्रामत्र वाख्यकुमि इहेद्र, | भ करत्र । भर्ष भक्त कफ रण 'अ धूर्ग ,, ্ব স্বাধিকার বিভার করিতে**ছে। পাঞ্- হইতে অ**ভি অস্বাস্থাকর কৃৎসিত বাস্ত্রিং मृश् इत, छाइति साञ्चानमात्यके शिक्षाप्त कांब्राम श्रीडा मा क्वेर्य (वार न्योडा क्वे ्ल कोहात आही कार्यत ३ का भारत केलाग् नारे । भागक जाता मुहिनियाक नारे, निতास अने सिक्स, डाक किर्लं। द्वातः श्री **जात भावि १७ना मृत पाहिर १७० व्याटता** বুদ্ধি চয়

> শিপরে পীড়ার যে কাষণ গুলি বণিড क्रेल, आत्मक त्यादकत अ आक्रक्षी ति দিবোর যদি স্বিশেষ যত্ন থাকে, তাহার बिताकत्व कुष्मधा अय मा । द्याप्त्रत क्रिक गृश्य यनि यथानविक धार्य हेतिएउ किङ्क किছ मान कतिया आत्म त्रथा मत्यामनानित किंश्कर्य मन्नामिन क्रिकी क्रा न, छाडा मह-एक्ट राध्यान करेता है है। लिख बाबाफिरशब দেশের লোকের এননি কুদক্ষাৰ যে বে फिन्टे भूट्र चाकुक, धारताय निक्**डे हहेएछ** वित इकाला, जिन्दा, शतक सभी, **द्या गा**न েরিয় কোলেন। যা**হা হাউ**ফ, **অভ্যপন্ন ভাঁ** া : এই ছাল্ট্রেল পরিস্থাল ক্ষিয়া লা-

त्मत्र ताका, चांडे क भूकतिनी अ শত্ত ও পরিষয় করিবার এবং ফ প্রভৃতি কাটিয়। পরিষ্কার করিবার शासेन **प्रवर्**षाहाटक खारमञ्जूषाः हिस्थिमक ७ डिस्स डेयथ गृरं ८ दग, फरिश्ति । उन्हों क्सून ।

भवर्गरमण्डेत्र कर्खवा करे, लिय कर्महातिमित्तर श्राष्टि मु न इ षाख्या धामान करतन ब्रद्धाः त्य काटन यम १३ क्षणा ভাষার। কাটাইা দেন এবং এভৃতি অপরিষ্ত দৃষ্ট হইলে ত। ছা পরিক্ষার করান , রখ । দিং সংস্কার ক্রিমার নিসিক্ত প্রথমের अत् अकृत क**तिरस्टाह्म रु**'हा **এ**व ी है। इस गारा के दूख हरें ए कृष्या विनित्याकिक कर। कर्छवा ्या एकन भूतिमकधाः विभिन्तः তেগনি কৰ্ত্বৰ থোৰে ঠানুৱা যদি এই क पराहा अनुर्धान करतन, जार हरेट ोकी **जि**दस म श्रावना । कि भी सं, शवशहर वक्रा २ व शहर हिन्द्रिमालय ^{াত} হার সংখ্যা রাজ করিতে হত্রে। ৫ স্থান্ত বোকো। বিভাগ নি সভাগ त्वरे अर्थ इत्वरे हत्त्व हिवित्रा श्वनि ८ डिलिक क्रांत्राक उदेरवर क्रमी १ अ ग्रद्भाष्टित मार्या भाग : तिया हि किए प এতি ইত করিবাদ যে বাছি আছে ত ঃ পরিবার করিতে ২ইবে। এক্ষনে প্রায় দ थाधि निवाद निगरमञ्जे हिकिश नालग १ ষ্ঠিত কর। হথ্য, খাজে। এ নিয়ম প্রিব निविद्या धार्यभेटमन्ते अभि य खोद शहन क এবং ঐ ভার গ্রহণ করিয়া প্রায়ন্ত 🤇 কের কল্পে অংশভার নিক্ষেপ ুকর **ठकुर्थ.** इशन ता कारण माहीकव छना *इडे* द्वे. (मज्जिस्कृत कमिनन निर्शार्थ **प** ভাষার মিদান মিশার করিনা ভৎপ্রতীব চেন্টা করা আবল্যক

। जना इकित समस्या ाख अब इत्बंध स्का ! भूताकन এত পরিবর্ত্ত, মূতন আইনের এত यम पिन यूछन यूछन पाईरनद ग्रा क्टेप्टरक् क्व । यानूरवत व-विके कि (कदम छोशांत कांत्रण? মনি স্কীশর ও ভার্ক বভাব চই-ছে হে ভাছার ছুক্টভার নিবারণার্থ

বাসস্থাপকান্যক নান বিধ কৌশল অবল-দ্র করিতে হয়, সুভরাং ব্যবস্থাশাত্র रवम ३ पूनारक्रेश छट्ठे। वावकामाटञ्ज त्वारण '। अतिवर्धन भीलावात अरे अक त्व कानः सम, बाब्दाशिक्षाः ७ बावदा भर्गाकिशिर किराह सम अमाकि छा-न्त धवत्री ध्वशान कात्रभ ; कँ हात्रा जन ় ও বিশ্বন্ধ যুক্তিৰ অনুসামী इक्की शत्य श्वास्त के कार्या कि बिरागा-पत का गाउ शाहतः मा, काटक काउसरे পুরাজ্য আই মের বছন পরিষ্টন ও নত म मून, व्यक्ति मुद्देत पूर्णमूचः । १९ क्रम ्न, अपूर्क त्मारकत व नाना पत्र वर्षे देल्या १ वर्षेक्ष यादः । अस्यामि वर्गादम विकास सम्बद्ध अधानकर विकासकर है। कार्रो । तिक्क कालमा त्रिक कार्कान धर -ী মানসমায় যে বিলাং কণিপাছেন, ত হ, केंद्र के हुए। आकारताव ककी निवास्ताव র্ণ - এইবা প্রান্থাত চ',দ্ধিব কারণ श छिटियात अञ्चावना करेला से वेगाउट महक्रमाणि अमे --

िण्डिकुणुरत्व जीत कुरत नर्व साम মুস ছিল্ম নদীয়া জিলার ভেল্টি দেশকুৰ মৌনবী ইয়াভাজান কেটেবনিয়ে कट्डे अभाव स्वास्थ्य सारम बास्य हिस्स्य । न्तीम करत्रम । **उप्**षि कारत 🗸 २ का দ্বি ডিক্রি করিলে পর ঐ জিলায় আ पन्न क्रम का किर्दिन आक्रमन मा बन्न विस्ताति छेद य का भीत हम । ३ इ बर्ट भी गार्ट । शहक दिल्हा सम्र

म म बरमान, भूबीरभका विकेटन मरनात मुला दक्षि स्देशांट्स ; ১৮৫৯ जास्त >० चारेटनत 🗠 थातात चाटक, यकि श्रकात भित्रिष्टम, यन ७ वर्ष गार्द्ध। वाकित्तरक ভূমির উর্বতা ৩৭ অথবা শসোঁর মূল্য वृष्टि दम्, कांश व्हेरमधारुव, वृद्धि व्हेरक পারিবে। অভএব যথন শ্রেগর সূল্য রুদ্ধি रहेशात्म. ज्येन अध्यनात तृश्चिमा स्ट्रेट्य क्ति अहे शुक्ति मिन हिला दिशा कृषि बक छे का कांग्र । छा छ। शुद्ध के সকল ভূমির থাজনা কিঞ্চিদ্ধিক সোয়া পঁচ আন। ছিল ! জক নীসকরের প্র র্থ नोक्श थांक्रम दुक्ति मः कविया भए। व मूलः विश्वन दृष्कि इटेश्ट्रि धरे गृह्धि धति-**য়া পূর্ব খা**জনাব ভিন্ধণ বুলি করিব'র **ভিক্রি দিলেন**। গ্রান্তম ভিচারণলয়ে फेहांद्र 🦠 🖭 हड़ेल अर व 🗝 न लिक्क যেলি ও বেম্পা সাহেৰ বিল্লাম্য সিন या ले लिकाका जा भीभारता कविया हरू. १८ न म गरहर अ **च उ**रा दुलि एट् **याहेस** व्यक्तां व यन्। वहत्र मार्थे । किन्नु सर्वि एत वारिकास 🐱 । महामाद गुक्त विकास 🗱 क्षेत्रपद्धा भी मा पुरस्कार श्राप्तका विश्वय ক্ৰিয়া, আছেতি 'নাগছেন, সভা আই-्रवञ्ज खनुभावी सरका साहित्य दिनान छ। িঞ্জনপুদ্ধ হৈছে। কাৰ্যে মান্তাতে এই রাপ অ'ছে পাখালে বিশ্বর যুক্তির व्यनुहम िक करेंद्र । विकेट खेकर क्रिकेट ध्डेत्व । ध्रेक्ष विष्ठा विश्वास भट्टाक अनेम स्त्य शक्तः दृष्टित क्तिशिक्षा विश्वास्ता ।

अविवास ७ मा जिला म करशक कि कि-अन्त्रः अ बद्धाः छेर अष्ठ बहेर हर्षः । १-थम, मारत व वृता पृक्ति हरेसल श्रीकर दुद्धि इन्द्रा अल्लाक सहा भएमाद मुला थ.छ । अधिक ल.क अन्यादमा

ভ হে : অধিক পাত **হইল ভ**োৱা তু- ए'भीतक अबिक जो चित्र (कन र विश्व ध-राम ६ १८ मा मा १६, रेनकन कि । जन्मन वाह्या कारा किए खन शासका ! जिल्ला रामाहरू रहमना हा। रार्

दृषि करा ता किवरण विश्वक वृक्तित्र और मुरमानिक करेरकरम्, काहा स्कान करमंहै, चामानित्तत ताथनमा स्रेट्डिंट मा 🐔 বিচারপতি ৷ এই যুক্তি প্রদর্শন করিয়াই ছেন, বোধ কর ভূমিতে প্রকার যে 🚧 স্বত্ত থাকে, ভূসামী তাহার ভূ**তী**ৰ অংশ পাইয়া থাকেন যে ভূমির উৎপুর যে 🔫 নোর মুলা পূর্বে তিন টাকা মাত্র ছিল. धकरण रमरे भरमात इस होता मूना इसे-ग्राट्ट : এরপ ছলে উপক্তের ভূতীর 🏃 अश्म जुन्दामीत काशा हरेटन हिल्म **मारहर** िक्षिपिक अव होका माहा श्रीह चाना প!हेर्ड श्राद्रम , किंद्ध जिमि श्रयः अर्क টাকার অধিক প্রার্থনা করেন না, অভএব মধিক পাইতে পারেন মা। এছবে আ-নাদিগের বস্তুব্য এই, বিহা ভূমি তিন <mark>চীকা</mark> रामन भरमाव मूला बुकि हरेग़ारह, उपन भूर्व रभक्षु कृषिकशर्यात वात्रः दृष्टि व्हेश-ছে। পূৰ্বে যে ভূমির এফ বিয়া কর্বণ ভাছা-र वीक्षणन ७ धामातकपन ७ वष्नाणि कि.ौ ১। ট.কায় সম্পার হইত, এখন ৩ টাকার स्तारम के मराराक का निर्माह र **७३१ कठिन्।** এৰপ খলে ভূষানার ঐ বাজি শস্য মুলে:-র ন্যান্য ভৃতীগাংশ পাওয়া **কিবং**শ হইতে পারে - কেবল যে ক্লবি কার্বে।র वाच दक्ति हरेताटक् अबन बत्त, क्रवटक्ब मेरि-माजिक बाब विश्वास्त्र अधिक इरेशार्ड्ः मुहुत्यः शूर्त्व यण कृषित इति कार्या कतिशी এक वाङ्कित निर्दाष्ट इहेड. अथन छ हात দ্বিগুণ পরিমিত ভূমির কৃথি কার্যা মান-রিলে ভাছার চলিবার সম্ভাবনা নাই। त्महे विश्वन जुमित्र क्ष्यांनि निर्दाह अस्कत সাধ্যারত নতে। ভাঁহাতে যথন ছুইজনের পরিশ্রম ও বিশুণ অর্গ কর অপেদিত इनेस. उथन भरगात दिशा गुगा हिस इहे-ब्राटक बलिया श्रकात मिक्छे हर्। ह जुलीगाः শ এছণ হিৰুপে গৈৰ হুইছে পাৱে ১

कलकः त्यार । ६३ विषा ्रिय

कवितम धक्षम क्रयक्त क्रेक्स वाध कतिए इत । ७.श हरेला बुक्ति धानुमारत भटनात मूला इक्ति रहेल देकू ? एटव ह्य এ-भेर जानता क्राक्षिणरक चटलक कुछ कि ক্লিং সন্থান দেখিতে পাইতেছি, তাচার এন-क्रिविद्याय कात्रव चारक । भूति कविक क्ष्मिश किस ना १ मेत्रा विकास ना २७,५८७ न्यद्यात मूनेंग मूनछ ७ क्रवरकत ज्ववदा भृष्के रहेछ। धकरन भगा प्रभा प्रभासात े ब्राह्मी कलगार मंत्रात मृतः दृषि । क শুকৈ: ত্রবস্থার কিঞ্ছিৎ অপ্শত্ত হুইণ চয় " अहेर व । किश जनूशादन कविशा त्रशिह भूको अधीरण को र, यस हा स्थार, क्षिक्षे (पथिता, नृत्यात सात होत एके अक्षेत्र को पहा दाय दल पटने, क्रिक बाल क क्षेत्रका गाइ।

ক্ষান্ত্ৰ কোন কানে ব্ৰ'ক্ষান্ত্ৰৰ ক্ষান্ত্ৰ কোন কোন ব্ৰ'ক্ষান্ত্ৰ ক্ষান্ত্ৰ কোন কোন ব্ৰুক্ত কান্ত্ৰ কান কোনিত হয়। কোন এক ব্ৰুক্ত ত

র দিয়া এক গানি প্রত্যাতি কোর নিকটে থেরণ করিয়াডেন। প্র শ্বাহানে তারু প্রকাশ করিয়ান।

नित्र ध्येत्रक ध्येष्टम कई छ। एव हि वित्र हिन्दु खोक्सिएकोत्र गृरु विष्कृत है।

where the state of

東・幸 湯 と

नाहे. बदर व्यवीदशका विश्व म ७ कार्त्याएक र्धकाई मृखे स्ट्रेडिट । आस्त्र रामत विषत्र। खान वर्ष क्रेट्ड शत्मामत मनार सम्बद्ध ল.ভ হইবে, আমাদিগের মতে একপ প্র-বল **আশা আছে, য**দি কোন কাৰণ ব**ণতঃ** काहात छे गुलम मञ्जादमा २५ वा महा बरना भरता चिक्तित वारा अहै। चामता भूरई भनिशक्तिमा अयुरु शतु (मतिसमार्थ ঠাকুর পিতৃতাদ কাতে ধানক ব্রাপ্ **ह**िंख। त्रिग ट्रिंग, তত্তাময়া ব্ৰাক্ষদিশের খুছ বিজ্ঞেন এই শিরোনাম षिया धार्खाः विश्वियाधिक सः ६।इ। यप्ति मा इहेमा १९७० छानामान दिए। मान्य महिं। तिक पामका / कशा कांश्रातिका, व. 18) Magn (3) भारक र वहाई েল্ড কৰি গ্ৰেন্দ নালি স্পান্ত কোন ्यांन अस्तिः यसः अतः ।

विश्वीतः भगे । क्रिकिश गाइन क्रिक्ट वर्ग अपम्य स्थान वर्ग भि दृष्ठ क्रिक्ट शिक्षांत व्यक्ति वर्ग अपम्य स्थान वर्ग अपम्य स्थान क्रिक्ट क्रिक्ट वर्ग अपम्य स्थान क्रिक्ट क्रिक क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक क्रिक्ट क्रिक क्रिक्ट क्रिक क्रिक क्रिक्ट क्रिक क्रिक क्रि

रेग़ार्फ, ङ कि वश्मत त्महे जित्म শরণ করা স্বাভাবিক ও সকত। ष्मामामिरमञ्ज बक्कवा धरे, मुकारह चहन कहा यमि चाउःविक इहेर, ইলে মৃত, হ লালা না থ কাতে অ ক্ত হওয়াতে বাঁহারা সে নিন तिष्ठ मा भारतम, क शांपिकाहरू : मभी ७ व्यमावम, एउ छ। क् क निविष्ठ भुद्रादिक निवास क्षेत्र में महिए रहे भा। भारत' किट मिराई व निवाह मू र्दिहे (महे मुह्हिशि आक्रकां) अपने का निहा छेनिष्डि को छ महत्वस् बाह्य । लिक छन्। म পরিভাগে ६।ति। । । । र्शन विकास माञ्चलम्बरी हे कुलावा विकास कत्तितः हात्त्रमः अक्षाः व्यक्तिः अमूक्ते त्रके करार सामान्त्रीक्ष सार्वका । त्रहे हर अह. क्षेत्राम १०० मा १ व स्क्रेस भाव अल्ड म्क बाद! स्मैक, उ श्राहेक भ्य बाहिएराज चार्श्यक अक्षेत्र

कृष्टीय, भिराट आबाद केमी उन कर्म ं शंका कर्। जना कि का, केनी (शास्त्र) हुए ज्यानात आ ब्रोड क्यूंकि बार्बन मकर १ केसरता भावका, व ना, (१६वा व्यास्त । यहकत्र कृतान व्यक्तात्र थेछन मङ्क इहेता है, हिन्द (्रेक्ट हो स्टाइ) विश्व रहरा दिशेषात ए है आहें हैं के ৰম্ভৰ সহিত্যখাল,দি গাঁ৷ এক জ্বং যে . मध्य विस्तित कहा अपना द्यारा ६ (१९८७) प्यामाः गटनः । जाङ्गाद क्रेन्न चत्रः र जननेकानत निरुटी अर्थन त अटव स म'हे, खांचवा यकि व हैना'क ईंट छ द्विषा करा करि, आथमा बार्ट्स यानमः करोडिहे जातात्र केनिक हरे উঠिব। अर्थना नैयस्यत পরিগৃह रनः हेरा मूजिमक्छ गाइ। ठिनि व দিগের ভূত্তে, থার্থনা আবণ করেন वास कन्न कार्रेशां, कार्यान स्था । त्काम का का महिला अपि माधा

न करिन : जानका करकारन बार-। जनकानन करेगा हरक गारही-। जा प्रकार रहती का भारेशा र्वाक करेगा नेपरतंत्र निकरि करें क्वि " रह कक्षनामय! करें जानतन न क्षामान करें किया कारन जाना क सका करें में कि शांध जनका कम शांत्रन भूर्यक करकार कर्मा

তে হইরা ব্যান্তের গ্রাণ সংখ্য পূর্ব-क जामानिशत्क तका कवित्वनः कथन है ना । ফলতঃ কেবল ইম্বর উম্বর ক্লরিনে আপার উর্ভি হ্য না ৷ আমাদিনের যদি ঈশরে দৃষ্টর বিশাস ও অকৃত্রিম তাক্তি খাকে, এবং আমরা তগনুৰাণ আচৰণ করি, পা কা করিলে দিন্দক্তাহার ফল কো: করিতে ফ্টান, এরপ দৃত্তর সংক্ষা द्र : . त्वः, धादः (मध् भःकादान्मारः, का-नार ७ अ:शकार्या व्यव्यक्ता हरे ; कर्य-তে হিত সাধন করিছে পারিচাই ঈশ वित्र कार्या माधन कता हहेल, अक्ष ্রন **থাকে,** এবংসেই সংক্রান্তের বদানস্তী 1 यपि जाशानुमादवः महे श्रिप्त कार्या त्मत्र क्रिकी कहि ; भीमनेव सिविस्म मूथी व कि दक तमधितन हथं, व माधू

ংপাপি ব্যক্তিকে দেখিলে উপেকা ও

চালসদং প্রভাব দেখিলা শোক উপস্থিত

চব, এবং এই সাল্পত্ত দি লচনা দর্শন ক
রিয়া কণদালের অন্ধৃত লোশল ও বন্ধুত
শক্তি প্রভাতির বিনা যদি অনুক্ষণ চিন্তা
করা দার, ভাগাইলেই কেলে আত্মার ক্ষি
ভি হইরাউটো।বোধ বর, এক ব্যক্তি নিল্লভর কুকর্ষের অনুষ্ঠান করে, ল যদি অহরহঃ ক্ষির আমার আত্মার ক্ষিতি সাধন

কর এই কথা মুখে ধলিতে থাকে, ভাগার

কি আত্মার উন্নতি হইবে ৷ যে বাজি কু
করে, লে ভ নাজিক, নাভিবের ক্ষির

। मार्चित्र बुद्धावना कि । यथन बाबहर

বিনা বিনিধ আপনার অ আর উন্নতি

ক্তিকে দেখিলে মিজতা করিবার ই

লাভ সভাবিত হইতেহে না_ইভেখন পুত্র স্থত প্রার্থনা দারা পিতার আছার উন্নতি লাভ সভাবনা কি >

উপ্তসংস্থার স্থলে আর ছুটা বিষয়ের विठात करा वायनाक क्वेरजाही अक. खांक अरे भरभन्न विष्ठात । दिखीय, त्मरव-দ্ৰনাথ বাৰু আছি ক'লে যে মন্ত্ৰ পাঠ করিরাছিলেন, ভাষার বিচার। আরা পূ-ईंद लिखात खुख में ए किंदू (मखत्र) यात्र, ত হার নাম প্রাক্ত। এখন্দলি পৌতলিক্দি পের রচিত। আদি খনুক দ্রবাদান করি-লে পিতা তৃপ্ত : ইবেন, এই খনে করিয়া किंदू ना गिरम भार ख स अगुर्व इग না। বেবেন্তুর বার উলার পিচর ভুল্তি কামনা কবিয়া কি কিছু পদ করিয়াছিলে-न १ (परवस्त वृद्ध शिशंत खोक कतिस्त्रव, একপু না বলিন পিতাৰ নিকট কুডজ্ঞতা क्षकां मार्थ मात्रध्यद्रिक म्हा व तिर्लम, अ-थानात बिलाल कि उत् क्षा रेखना ? দিনীত দেবেক্স বারু আছ কালে যে মন্ত পাঠ করিনাছিলেন, আন্ধাতাছার ব্যাখ্যা করিরা দিতেক্লি, পাঠকগণ দেখিলেই বু-কিতে পানিবেন, দেবেন্দ্ৰ বাবু ব্ৰাহ্মসৰ্মা-ভের অচ্যের হইয়া অসপত মন্ত্র পাঠ ক-রিয়া কেমন অসমত ক্ষে করিয়াছেন।

अध्यक्ष म[्]रिडा ।

মৰুবাতা ঋতায়তে নধ্কর & সিক্ষবং । নাধীনত সভৌগধীং : ৬ ।

পতিরেতে পাতং ব নম'রন ইছতে বল মান্য থাত সংশ্বো নু মাধুবারাপেতং কর্ম হলং করংতি বনংতি। প্রক্তংতীত্যর্থঃ তথা নিজবং সাংলেন্টালা নলাঃ সমুদ্রা বা মধু নাধুন্যোগেতে ক্রীয়া রসং করংতি। এবং নোক্ষ হামেনিগতি ফলপাকারা ক্রমের ভাষ্ণ নাধ্যী মাধুন্যোগেতাঃ সন্তঃ ভবস্তুর্কর

বাৰু সংল বজ্ঞানের নিমিন্ত নাশ চ্যাহ প্রা কামানি গুলান করিছেছে, জন্মা নদী আৰুষ্ঠ সমুদ্র থকীয় রস করণ করিছেছে এবং কর্ম-ধি সকল মাধ চ্যাচেত্ত ছটক

मधूनखण्डाकावरमा मधूनद्रभावि वेश क्रमान मधुरकोत्रस मा शिका ॥ १ ॥

नकः व्राजिद्मांश्याकः वर्ष् वर्षा वेर्षे देशी-रगण्यामा जयकः । उठ जाना उपकृतः रश्याद्यागामिक्षणाम्। जित्र वर्षे वर्षे वर्षे गार्थियः त्रकः शृथियाः अस्यर्थी स्माद्यक्षिः ग्याकः यथ्यर माध्यापिकिक्षणपूरकः जयकः। गठा हार्षे राष्ट्रांश्य महस्याप्यकः । गठा हार्षे राष्ट्रांश्य महस्याप्यकः ।

तांकि जामानिश्वत नषरक नाम् द्वाराणक कर्म श्रीक, श्राज्याम मध्यिनिह स्क्रेंक, श्रीकीत लाक जा नामिश्वत नषरक नाम् क विनिधे कम वृक्त स्क्रेंज, तकि श्रामान सात्र। नक-लात भिका ज्यार भागतिक। स्वर्गाक मध् वृक्त श्रीक ।

र्मपूर्वी जास स्ट्रीः।

मदीनीरवा खब्द मध्या ।

নোহত্বাকং বনস্থিতি নানাং পান্তি জাবুপাভিনানা লেবে নধুনানু যাধুহ্বাবেতে
কলনানক ৷ ভাতৃশং কলন্ত্ৰাং প্ৰকৃতিন-,
বাঃ স্বাঃ সর্বার প্রোকঃ সবিভা ভ কলুবারজ
লাথেংভিনোভাল্প ধনবন্ত বোকসাকং
বাধার বি ব্যাপেতেন প্রশা মুক্তা কর্ম না

বনের পানরিতা খুপাতিনানী বের লাখু-ব্যোপেত কণ বিশিষ্ট ২উক, সূর্বনোক প্রেরক মধ্য মধ্ বিশিষ্ট হউক, দাস্থি ব্যোক্তর ক্রেরি: অন সাধন গরু সকল মাধ্যুব্যাপেত হুল বুক ক্রিক।

जनविष आर्थना वृद्धि भक्त वृद्धेनाह महा-वता थारक, जाद स्तक, वृद्ध स्वक, वृद्धानिका क्षेत्र भारत व्यावादिका कार्यना जहे, व्याव विभी छ धारत जावादिकात कार्यना जहे, व्याव कार्य अंश्रास्त्र जायासम्बद्धाः कार्य, इस विक्रिक्षां शांखको खनारन कार्यासम्बद्धाः

মুডন এছ।

আঁমরা ক্লডজ্তা সহকারে স্বীকার ক-রিডেছি, নিমু লিখিত গ্রন্থ গুলি আমা-ক্লিগের হত্তপত হইয়াছে।

)। **শ্রিকুক্ত মণুরানাথ তর্করত্ব প্রণীত** ধাকপ্রকাশ। যে খাতর উত্তর যে প্রতার

করিয়া যে পদ নিম্পার হয়, **এডছায়া ডা**-रात जानक काना गारेएक शाहिए।

২। ত্ৰীবৃক্ত রমানাথ এবাৰ প্ৰণীত এক ধানি ক্র এছ। ইহাতে ক্লাকেরা গে নৃ-তৰবিধ আৰু করিরাছেৰ, ভাহার সপ-क्षा क्या स्टेनाटह b.

ির্ভ । হুডম পেঁচা । ইহাতে অ মাদিরে त्र क्रेंब्र रक्षत्र वर्षमान व्यवहा नेविखत वर्गिक विश्वत छ। नात व्यवहास व्यवहास व्यवहास BILE !

পঞ্জীরক সভার বজ্তা

🍇 ত্রন্থোত্র। উপরি উক্ত সমাস अभिनी इरेट छेन् क कतिया हेरा क्षिकं क्रिशास्त्र ।

বিবিষ সংবাদ!

२८७ जारिन दृश्भिण वाह्र।

ব্দাটরার গেণরের এক জন পত্র প্রেরক बत्तव मद्या छ दक्षित्र सुगध्य शक्यांत जानि मुक्ति। छोर्ह्याः काश्व हा रेटक म वाशिया क हेरमा दिन्हे येगरेहा महिनान श्रीक पहेंचा

. ত্রা পের ভারত্বনীয় চেইনওরে কো-नीरि 🕫 है नरवच्छे जाता शुब्र गर्याख दाहेल ७-**अ प्रतिरवन** ।

विडेनिनिशांस कवित्रनत्भिरात् अछ.पिरनत् পর চৈতন্য কইয়াছে। বলিকাভবাসীর, বা-হাতে ভাল অলপান ভালাল উপার উত্তাবন পুর্ব 🕶 भवन स्थाल्डेस निक्टहें 🗟 लाई कड़िय़ारहन । 🔻 বাজান্তের চোরের। ক্রমণঃ অধিক স্ ৰী ইইভেছে। ইয়েক মান গুৰ্মে ভাহারা ভ बोर्डी ब्रीमान निष्ठांत्रभाष्टि के शवन रतत । हि-'**ংবট সেঁক্টোরির অর্থ** জ্পাহরণ করিয়া চল্ল। লক্তাভি লব ভইলিয়**ন** ডেলিগনের নিজের ূৰি । তীকাঁ স্থান ও একটি বন্ধুক চুরি গিয়াছে। ি**অনধ্যান্ডারো**গের এই একটি উত্তর

पिन एक्नोत्र। क्षि बाटकडेरतत मञ्जूत ্টিকা করিতেছেন।

कान वास्ति वशिष्य क्रीशिक्षितभव भाष् ज धिक तर्था कडालांक च्याह्म । कर्षण वि.' ষ্ঠিলি বলিয়াছেন ক্লিগায়িএট ক্ষিণন বলিবার সমবে শেষর ফিট্ডার্ডান্ড প্রধান সেন পতি त विश्वा कि ब्राइटिनन डिका कि विश्ववित्र अधाय कातन रम क्यां वियो।

कादश्रम श्वामितमञ्ज विष्ठान श्वात्रश्र इत्रेवा-ছে। তিনি **৪৮,••• টাকা তছ**ৰূপ করিশাছেন

📲🎘 **কলুটোলা ব্রাহ্ম সমাজের বিতী**য়[া] এই আজা করিয়াছেন তাঁহার: এখানডম বি িচাবালরে **রাধের ইংর**্টেশ ও বা শল: স্ঠ প্রকার নকর পাঠাই মুদ্রেন । শেনিয়ন জাম, गाउ काषणः हैरहाओं ६ या श्रांतिक कराहे देशात डेटक्लाः।

२७७ चाचित्र म निवार ।

মহীকুব রেফার্ডার ধনেদ সম্রেডি বারুম क्षित् करमक कम दमा छैल्लाक क्षतिमाहिल किन्न श्रीकारक राम जानात्र नियात्र करहार्ड रमाणायदीय योदमञ्ज्ञानी भागानुद्वतः किन्त्र स्त्रत्र राख राज्या वहेरव ।

উक्त गढ़ जाउन गढ़ गलन अह वार्टेन के हो বের জাতা ভারতা প্রধানতম বিচারালয়ে ৰবিচাম প্ৰজিয় পদ জ্যাণ ক্ৰিবেন ।

· বোম্বাই সমতে বিবিটি প্রবন করিয়াছেন শেবের বাকী মাভরিক্নগরে মিডাপ্রবর্ণ न पद्भिराद जना अक क्षित्रन नियुक्त कवितः ह 'ন। স্পেন জম্প: পুনর্বার গৌভাগ্যশালী

२५ ७ जाचिन शामगात ।

भीन निविधात तरमम नार्ज अन्नानम भीज উত্তকামুতে হাইবেন। তথা হইতে তিনি স র উইলিয়ম ডেনিসনের নহিত 'ত্রবফুরে গম न कविरयन ।

अत्राद्धांभ जारकव ३६ ४३।४२ व्यक्ति भूति म विद्रश्, है अकाम क्रिय़द्रहन । दर्शशैनां है श বৰ্ত ভাষাৰ কাৰ্য সক্ষতার সভাই ব্ট্রাছেল। বহুতঃ ওয়াকোণ সাধের ক্ষিপ্সর কওয়া জ यथि द निकालांब श्रानित्यद्व आरमक छेवालि कहें-

অলাহাবায় গেলেট বলেম কিছু,বিকীশ্ইণ थक कर मूजनमान थक कर हेडेटहालीब वेदगत्र इति व पर्नटन | देननिक श्रुक्तरमद्र बूद्ध धूधू विद्या व्यनवान क्रि

রাছিল ও হার এক ব্যস্ত্র বেরাল হয় 'কিন্তু সাজিহান পুরের ক্ষরের নিকটে ল করিয়া দে মুক্ত ধর। জরিমিত প্রধান পতি জড়ের উপর বিরক্ত হইরা লাভ नद्य खादा खानारेग्राट्टन । ग्रेनलमान কোন গুরুতর গোব করে নাই বে ডাহ क वरमत व्यक्तान रहेटक भारत।

বিবিজ্ঞান নামী এক বারাজনা পুলন্ম ক'এক জন দি নিকিকে অভিনয় ভাল বা मत बाद्ध न श्विक मिन्नम अर्थिन । अर्थन निकृषिन छ शांत खिंडि अर्थेत न । मञ्जिष्टि मि विवाह कितिय श्वामिक विवेशां म निव श्रांबकुरत्। विम श्रांब कवित्रा प्रश्निश ७ ,७ পর কর হর এবং এনিবর তাহান্ধ এতিবাসি গণকে বল্পে ১ ডমন্ত্রনারে ভাষাকে টিকিৎসাল तिया गाँउ। स्था तिक पूरे प्रतिकात वर्षा र रात युक्त स्टेट^{*}८५ '

> फिनिक अवन कविशादक्त सुविव (दिष्ठे त राजि लय कतियः अधानक्त विद्यापाः जुन मन जन्ति घटन भनि अग्रत क्या हरे है। জিকে । টি য়ট মলেন লেপটনাত গৰণ বা বাসতে শস্তুতি স্থানে উষধ ও চিকিৎস্থ 🛰 ভবিষাৰ ল.জ. পিয়াছেন এই, সকল এত দেখাস্থাকর চইয়াছেট্ডেন, ভাষার,

निश्यार्थ मी उकारत अक क भनन बनिद्व . **पद्यद-वेद्र** क्र†द्वर क्राय्यक शूटक्ष अधिय**द**य ह পণ করাই উচিত ছিল।

भक्का कि पर शुक्त का है। ता, । सा **वि** बाती अार्यसक स्वादकत आध सबे इंडेपादा একটি বালিকা ও সময় অনোর প্রাণ রক্ষা রি**তে গিরা প্রাণ**্যাগ করিয়াছে।

३० को चिन मक्त रात्।

कि निका यासन अमात्र मध्य गार्ट्य 🚉 🍱 होगदा केश्यक स्टेटल वाका भ महिद्दिल देनि मुद्ध विक्रि नाटश्टनद्व नरामि विक्र देवें

केल गढ़ राजन रूपन नगरत 🌉 🎉 दक् श्रीरहाइक्ट थान नाम क्रिएं क्रिकें हैंग করিয়াছিল। করানি কথ্যারিরা জ্বীরীন ধৃত করিবার নিমিত্ব কলিকাজা পুলিক্ট্রিক্ট্রি हार्तित्वहे विभिन्न दिलान, खन्नात्वां ना खाश विश्वत्य भूक विश्वत (ब्हब्रन वृत्तिकार) मिहीरहारकडे करून अकाइन जनह विश्रीत जीवनायक सुद्धा विश्रीतक । की

বরঃক্রম >- বংগর ছইয়াজিল। বালনাহকে বনেল হইতে বহিক্ত করাতে বনোক্রখেই

মাজ্রাজ টাইন স ক্ষেন লাজেসারারের হইরাছে এব মার্রজিগের সাধাব্যার্থ বোবাইনে ২ লক ইরা নিরাছে ইকো আলার কইরাছে। উল্লেখ্য

उक्त श्रा कारता करक कामाशात नातः सन फड़ेन नारम्यत्व ध्यं ग्राट फथाय ५८ हि बीरमाक ध्यंनव क्याह्यत दिन्नाव मि,किछ । बहेबा शरीका मिग्रारक। हेशया क्ष्रं प्रमायमधी, । नेश्व कार्करत्व अक्षरतास एक निम हेशस्त्र

त्रमास्य म, इत भवन्दम् है शिव्दर्भत प्रदेश क सम्देश प्रदेश कर्षा करिया प्रदेश करिया स्वित्र क्यांका करिया स्वित्र क्यांका करिया स्वित्र प्रदेश करिया स्वित्र क्यांका स्वित्र क्यांका

সিঠন নামে এক থানি ভাকাজের চোং
ফাটরা এমভাদ আলি নামে এক ব্যক্তির
প্রাণ বিয়োগ দ্ইয়াছে আর ও কম এখন
তিকিংসালয়ে অব্যাহিত করিছেছে।

৩-এ আখিন বুখবার।

মান্দ্রাজ টাইম স রেল পের সংবা
দ দাভার নিকট কাবণ করিয়াছেন পেণ্ড পুলি

সের অধ্যক্ষ কেপেটনট মেকেঞ্চি পাহেবের

ন মে পুলিন দেনার। এই বলিয়া অভিবোদা

করিয়াছে যে ভাতারা হর মানের বেভর প্রাগুলনাই। উতির অনান্য টাকরেও হিনা

ব পাত্যা যায় নাই। তিনি প্ত হইমাছেন

স্করায় বিচার ছইবে।

্ শসিয়ায়া এখনও স্পান্ত হয় নাই, পুনরা-য় উৎপাক্ত করিবে একপ সন্তাবনা স্পাহহ ভাছারা করে ভাছাদের রাজ্য ছাড়িয়া না দি লে ভাছারা কান্ত হইবে না ি রাজ্য একবাব লইকে কি জার মেওরা বার।

कितिरकत अक्षान गरवाव गांका करकन तथा कातक वरवत कितावत रहेन्त्रमा गांकरव-त वरत क्षांकात मुक्तिवय केतक १३८७ हः जिम क्षांका वृद्धि अक्षांकात केरकृत गांवरत गवि रूप शरमाहाली क्षेत्रारकन । यर स्मारका अ-

क्षानीय ब्रह्मायुद्धित संश्यान गोको स्टब्न

माञ्चात धक ख्यानक यः व्हेत्रा नित्रादक छन्मछ करत्रक प्रिम का खिला हाई बहेत्रा हिना, नात्र क्षांत्रक करिका बहेत्रा हुक क श्हांति खन्न बहेत्रादक खनर-अध्मक मण्या क नार्थ हज्या ह-हेत्री निवादक

উক্ত পত্র আবে, ককেন প্রধানতগ বিচা-রালবে আর ছুই জন জসকে কিছু দিনের জ ন্য নিযুক্ত করিবার জন্তবেল কবিধা প্রধান বিচার পতি গ্রামেন্টে টি.পিয়াছেন।

हे दिवन कार है दिन। कर्डन सहतन स्थान न नारम अक दाक्ति विरमाद कारन व सन है है स्निभीयरक ६ छ करिया सथरनेस्त्रत स्वनास्त्र त १ एछ नमर्गन करियादिन, स्वन्न छाहास्त्रत स्नीतन नाम कर्डन, सद्यन स्थानन कालन ना म शतिवर्जन करिया निष्क स्थानन नाम जाहन करिया निकास्त्रत स्वीरन अक छात्रक व्यास्त्रत निक्के कर्षा स्थान स्वेता स्वर्धि करिस्छ

নিজামের অন্তমন্ত নটরা কাবেন কুড়ার এবিষয় অনুসন্ধ ন কারতে গিরাছিলে ন কিন্তু নে ব্যক্তি এই সমাচার পাইরঃ প্রস্থান করে ভাষার ভূত। ও দ্রী মৃত বয়, পকাং আ-নেক অনুসন্ধানের পর দে ব্যক্তি ও মৃত হই যাছে অতি নীয় বিচার হইবে। ওবারলাও নিউস পরে সৃষ্ট হইল ই লতে এক কাগজের কর্মানায় আগুন নাগিরা অ নেক ক্ষতি হইরাছে। প্রায় ৭০০০০ টাকার সাম্প্রী ভাষিদাং হইরা গিয়াছে।

অপর এক জন জীলোক আপন র ২ টি
নিশু দন্তান লইরা আপন ইন্টার জলমা হইরা প্রাণড্যাগ করিয়াছে। প্রথমতঃ সন্তান মুটিকে জলে নিজেপ করে পরে আপনি সিরা
পরে, সকলেরই মৃত্যু হইপুছে। করিন অনুসালান করিরা বির হট্যাছে বে ঐ জীলোকের
স্থানী ভাহাকে অভিনর কর নিভ সেই মুলের
ক্রেপ্রাণড্যাগ্ করিরাছে। এইকপ মুন্দ্র আনেক আছে।

जात अवस्थि जीरनाव चलारांदर आंगजाने श करिवारहं। जाराज वानी धारांदन करतक तिल जाराज स्वत्र लोहें। स्व करण बुख्धांत के हेन्द्र अक वास्ति जाराद जागत वालिएक ले हेन्द्र आंग विक जाराज आंग बुक्या क्रिएक ले वर्ष क्रा नाहें। ०५० का विम गुरुषास्त्रवाह्न ।

হরকরা কৰেন বে সর খেনুস আউটরাকা অভ্যন্ত পাঁড়িত হইয়া বাই বুল আবশ্বিতি ক রিতেহেন।

আনাহার'ন গেডেই ক্রন ওক্রান্সবেশ্র আনিগড় হইতে হাটান গর্মান্ত এক দার্থা রেইলওরে শুনিধে।

रक्ष चर देखिश करन स्वकारां है कि नाश्याचि स्वोतिस्त ७०३६० अवर स्वयं करण ७००० होना नरप्रीय बहेताहरू हैं

বরকরা কিবেন বোগাইছের প্রীক্তন গ প্রাপ্ত সর অর্থ প্রার্থ ঘটনতে অবস্থিতি ক্ষাইসিশ আরু নেক হাত্ব ঘটনাকেন।

কে ও কৰেব কোচিনে বৰংকা অংশ ক্ল বিশুণ রক্তি ক্ট্রাছে।

विश्वित करका, योगिक महमद्यास्त्र स्वारंति ।

सर्वद्यस्थ निकार्क आहे विजय कार्यक्र स्वारंति ।

ह्यार्यम द्वा समझ स्वारंति आहे आह्यांत्राह्यस्थ स्वारंति ।

क्रम यात र्मानदर्मात स्वतिहास्त्रित, शूनदांत हमः

स्थ क्षित्रम मा शहर अवस अवसे छेशांत क्यां ।

क्ष्म क्ष्म । स्वारंति । स्वारंति स्वारंति वहां ।

क्षित्रम । स्वारंति । स्वारंति ।

क्षित्रम । स्वारंति । स्वारंति ।

क्षित्रम ।

क

আইবার পেণার করেন ছট বংগার বর্তের র একটি বালক করাচিতে আলবার বইরাবিল, ভাকার বাভা ভাবাকে রক্ষা করিবার জন্য আলেমি অনো কলা দিয়া পভিত্ত বইন, ছনের প্রাণ বাল কইবাছে।

न नके पं प्राप्तक भाषात्रिक अरुक्याद्य । शहरद्या । शहरद्या । शहरद्वा वर्णा पत्तकः। वैक्षेत्रक विकित्रिविष्याकः हैन्। सः देशका प्रशास्त्र कारमानके ह

ेक्स्टिम अवधि नी स्थाक हैन्द्र हहेबाइट । हिन्दी कराह्या वान्त्र ह ीर के लाहे हैं , उन्हें भारतियां शिक्षा का देन | वार्ते लाग्न अवकार का स्वान का । ब्राप्तिक स्थापति । का महत्र । अक्षेत्राक करणाहरू । A 54 Modern din all arcs in gien euffeine unteriffe, fes un nie f 可性 特 使测量物 本语 治性的

THE ROOM STREET, SELLING CLASS CONTRACTOR OF THE PROPERTY OF T कित पुरुष्टिकोष क्रिके का कर्रे का निर्माणक रिनाइ कर्ज करा । अर्थ कर्जिक स्थापन स्ति हिम्मिक प्राचित्र के किया । प्राचित्र के अपनिद्धांत्र के अपनिद्धांत्र के अपनिद्धांत्र के अपनिद्धांत्र के From A

म अभिनेत्रक विकेश कर्य राजित है। एक राजित है। एक राजित है। The second is sent to the foundation The pain Francis of granter in the contract of स्वाः आस्ति अधार्ताक्षेत्रः अस्ति। अस्ति क Terrant av Carpensa bufor Calm THE THE PARTY

EL O'TARA MININE MANAGEMENT AND THE SECOND MINES IN CAR I मुन्ता है के में के जिल्ला है जो के महिला है के महिला है के महिला है कि महिला है कि महिला है कि महिला है के महिला है कि महिला 202

क्षां ब्ले दि · 格·太龙横鸣/ 一个 ·

45

ई कर्राह्मप्रकार क्रेस्ट्रिक्टर १ केन्द्र १,१५५देग (१००५) । ज माँ क्रांब्रह

अभिनेतिक के का कि नामानित स्थिति भी पर भी भी भी भी भी ने नामा अभिनेति । देशीय कामाना । यहाँ प्रति व व विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास कामाना । यहाँ विकास व विकास व विकास व विकास व विकास व विकास व

STATE OF SERVICE OF SERVICE 28. 1/1 to shall 1

০ প্রতি নি ছি কবিছা উক্ত প্রপ্রথ প্রতিভাৱ স্বাধা े^भारम कदिएस र

ं ३२१ तम्हारेषत् - ए-लिप्रे - ३, छत्रमह १८०३ मान गर श्राविनिधिक देखे वार्टि केट प्र थीं कार पहेंच हुई। प्रमा

क्षेत्र होता. कुराप्रकार - दहारामा अत्र हिंदी होता ्दनाविम नश्रदणभूत २ मः, मिन दक्षित् व अति। वृक्षि लंबा उम्हें व

- to # 1 "Night to my an language has will a militar it not has feller to but

The the court of the gar. THE CONTRACTOR OF THE STATE OF P. W. 医公理 () 明朝歌《本书诗 P. 包 ##-

अर्थ अर्थेश: -- का तंत्र अधिगमद (स. हि. State Der fint erimp in errin for im ift in ufferig nichten entrag.

र कार्याच्यास स्वाप्तास ।

तिश्**रिक्त** अस्ति भागा स्ट्रिय । ELME DAPES AS IN CRAPU SIMILARIES C. Milde Direct House about the विकास अध्यात कार्यन न कार्यास

開新聞者 引起"咖啡 PROPERTY OF CASE **新聞作用的社**

্ৰগ্ৰহ সভাব

1 在424个体系和影响的 AND DESCRIPTION OF THE PERSON.

ALCOMORAGE STREET, STR विक्रिक के हिन्दू में एउट के ब्रेस्का ।

अल, कर्नाके, रहिमान बाचन शहा अलिल देवनील क विस्ता औ मराराष्ट्रम क्रिकिशिक स्त्रीयकेत्र क्षेत्र स् च्डर्थक गाँवच

aft catefr of

4 777 रेन अर्थन मानिहासिम Burit ICHE

श्रीण चटणेक्षुत्रावन्तः विशास-क्की दश्य व्यवसंबंध कतिश ात्र भ**्रिक्टेंगे**ण वंद्रमत् भगास भाग काल अहे जिक्कांच कड़ि-क की महाँग बहरतन धर्म । थ अनुमञ्जाम कतिहा रमधिया . भरे कबल (बाब इहेर टर्ट न। (ब দারের অব)বহিত পরেই বাগ্দা লৈ সারেন্ত হুইয়া সাত ব্যস্তে रव । बहरम कहिरकत्त्र, क्रमावनि ািন্ত কনা মবৰে সদাং শৌচ, চু ্যত দিন বাগ্ৰাল লাহয়, তই कांड आर्थाइ, वर्षणात्मद्र ११ वि हिडिड भटवर बालुमान करत, ध में ह विश्वास विकल करेंग्रा यात्र ।

.ষ্য ভাবের কৌ_{নী} নববসমত কোনিনী ।নক। ,প্রান্ত! অভটন রঞ্জন । मान्यः बुदेशः । रायरतस्य व्यापया **ज्याः अपर**ः

्रात्यक्ष व्यक्तिक स्थाट्य नव कतिरशत

वर्ष बालामात्मव मीमा राज्य मा हम त्क्रम । अक्षत्र वर्ष चिक्रियम करिया या या व सर्वा মে তাওয়া বাইতে গ্রেনা, এদ গুরুরীল एकि अबल बिरवंधक न्हें। नेश्वेर्ड शाह्त-म, अर्थमि विवाहणय दग्य क्रेया शकेट्य. ভাষার ক্লত সিদ্ধান্তকে আক্ষা অবশাই निरत्नाथायाँ कविद्रा लब्द । ६१३। स. कद्रिया खुक गं'लि विशं काराद ेखेंग'ल प्रधावन' कि न स्माकटल भवारा विद्यालयाहै दिन-ल भाभ , अशांसि भिन्न करी इदेवांत (5 हो। পাইতেন :

विद्या त्रमाध्यातीम लिखिगातुक्रम বিতীৰ পাত্ৰে কমাত্ৰলে মানু ক্রাপ্ র্যান্ত পিজু চুল ও গল্ডায় কুল উক্তঃ 🍐 হে নিদে 🕟 🖹 কেবল কুভদারে নিয়েখ ব্রিবার আনেশ্র । ঐ বদনগুলি : আছে । গবিশ্য সান্ধ্য বেসান্তরাগীলের গুরুলনের আরম্ভ ও অবসান এ টি- । নিকটো এটা এলা করিলাভিলাম 🥤 অন্য क्रांन काल्याई निरम हटेएटाई सा. चिना 'खानीव ल्यारकत' क्रमात्र शाटक यह दे व जान्य भारते यूना याहेटलहरू । १४ कमाणान करिए एडम छ। हा कि अभिन এই হাঁতি ছিল, চুড়ার অনেক পরে । ও অধর্যা এইকেছে ১ বৈ দিক্ত এনীৰ ম-क्केल , (व'स क्र क्रक्टाले पणि । (वाड कि क्राप्टेंड पट क्राणांन थेथा माहे । महारूपा भारत क्यातानाम मित्रथक । वहन छेक ठ रू व : आमाफिना क निवासन ক্রাই বেদালবণীলের ইচিত ছিল। ভি िन जाहा सा चार्तिका दक्ता वाटका कथा । এইবা গে লয়েওে কৰিছেছে।

> পাঠকরণ অপনার বিবেচন করিয়া দেখন, কুছদ পাত্র ক্যাদান যদি ्र^{ाक्त} के इ. कार कहारा एक *स्थि*क बगरक व्य कलात हिंही, एवं विदाह कवियाए, छात्रा थ-ক্রিটের্জন, 🛊 জাজীয় শ্রীয়াচে - জনাজীঃ বিবাহ সিদ্ধ त्यक्ति सा । प्रतिकृष्टि । सा प्रतिकृष्टिक विवाहकात्म अमिषि-्रक्रेनश्चमार्गीते कालो इस मा अहे त्यहे विवादशब्द शब উ:ছুর`বিক্সরক্রম**প্রাপ্ত ধন** े रहे क्षिक्ष काता । या तम करन सहरक शाहर - जानान अधिक क्षेत्रक कता। याच गृष्ठ कताह अथना गृप्त खाना क-विष त्य त्य- विष वाला अव्य करत्र, विषा त्वर प्राणाटक । विवाह बाद्र, मिहे मिहे विवाहिश्यम भन छाटम कि रेशकुर भटनत्र अधिकान वर्ष-(व) कल्कः ध्विराप्त विमास्योगिराणीतं स्था । जामप्तिराव स्मा किकाल स्पान क्रेस : ?

अभिवाद, कुरुणाव शादक कनााचा के लेकि বেধ কর। শা সুকারদিলের **অভিত্রেভ মটি**ছ ভাদুৰ পাত্ৰে কন্যাদান অঞ্চল্ড হুইবে এই নাত্ৰ :

বেদান্তবালীল ৪ সি<u>ংক্লাব্দিনে বে কেং</u>-विञ शत क्षेत्रानित्व विकेटि शांत्री की (मन, जाशान में हुई दिल्हेंस केसर कि अया इडेगएड कि जार देव एक

মানাবর **শ্রীযুক্তা সোমগুকাশসম্পাদক** भक्षांग्य अभीरशब् ।

ख्यामुक बाववाराथ विक्रा**क्षिण (व माक्रिगंक**) ए भीन देशीय के का **की कान कहारक अकार का**ल ग'र अलाबिक्षिया नाथाना आसक व्यक्तिया वेला। अक्टब क्रिकांना क^{ें}ब्र⁺ स्वा में दर भवां-किर. का कूजीन रेग्नीक ध्यापीय श्रष्ठ कांक कूज भवन अथा भदिवर्त्त कहा छितिक कि मा भक्त-चित्रक अञ्चाद श्रीक्रकाकारत आहात **अन्तिकारि**, ভালার ভাষার্থাটি কেব**ল কুলীন বৈদিকে** उभाव बाटि, कि कृतीन स्वीतिक स्थात नाराजन देवभिक त्थानी मारकत खेलात व हैश्रा अध्यारे कृतीन नक विल्वन मरभा कुलीय मञ्च विद्यायन, अवर त्यायक मक विश्वमंत्रम् शाकारण खेलात्रम्, खेलात्रम् धकार धारमाध्या क'तता च**ि निर्दर्श** জিও বুৰিলে পদৰে যে উদ্বাক্তৰত কুলীৰ क करीर शहरीम्द्रानं कुल मध्य श्रेषा श सारक, कार्यान्यवादे केन्द्रस् बारविक्ष क्यों जिन के राजक यात्र विद्याल के खेल हैं। या हालाउ न के. खाइ विविध्यत खेलांब बार है था। खंड aर कृतीन रेश्विक (ख**ीव (३) कुछए'त शा**रक বাগুলান নিৰেধ প্ৰতি পালন বেদৰিয়াও ২৪ ভাত দ্বিগীয় শোষতাকাশের ৫:৮ পরের দ্বিতীয় श्रद्ध दर विकास्त्रियर इं १६१एड सङ्घाड सम्राह्म स १ रेन प्रम ८ अभीत (२) मध्याक कि कुछवान गार्टक

⁽১) কোকু বচনে জুংবা জোকু চুণিক এইরুপ ধরিছা লিখি হি যে দাক্ষিণাতা कुलीन देवहिक (धारी कुछमान नाटक कनार বাল্লাল করিতে পাবিংৰন লা ? বেদার बाधीन् बाह्र भिरु दहनी छन्छ प्रतिश ংকেল, আনের। পরমোপকৃত হট্রাস।

⁽२ विश्वया । द्योगिएकर्ग कि देवनिक ध्या-बी बाज को माधिकतार (मधान कि कुलीन बड़े ग-रेक्षिक (आदी भारतय विस्तव हिल - ए १४

हिंग बा, दिवल ठीहांत्र जन्माननार्थ इसस्थ ने श्रहांत्र कता हरेंग ।

美

1

जकरम भरनत जांव शीर्चकाम शामन क्रिया ब्राधिएक भारतम मा। क्रोहाँक भव তিনি এক থেরিক পাঠাইলেন, ভাহাতে कें,हात भटनत महायां में बीत के कांग्रिक पृष् হইল ৷ উহার কুলা কবন্য এেরিড शब लामज्ञकारम क्येम अकाम इस तारे । वे संमि भारेत सामना छाविलाम. গোঁৱবাগীশুক্রুত্ব হইয়াছেন, তিনি জে-थवनकः निर्मं शरवत धन्तमाय दुविए शास्त्रक बारे, किंद्र आमता यमि डांश ८-কাশ করি, ভাঁহাকে সংলে অবজা क्टिर्न : किनि स्वत् भवद, रीहारक लिएक निकटि भक्षाविक केता भागा क्रिनंत कर्ख्या नग्न। धरे छावित्रः चामता तिहै (क्षेत्रिक श्रम क्षतिमान ना किस रेख्नुनिर्धाकत थातृष्टि दिनाध्यांगी-শের জ্বরুকে একান্ত ফলুবিত ও হিতাতি বোধ পুন্য করিয়া ভূলিরাছে, সুত্রাং जिनि जामानिरंशत ज्यक्तकत्रत्वत छाव द्-ৰিতে না পারিরা সর্বত্র বলিয়া বেড়াইতে मानित्नम, छिनि ३ टा चाचित्मम ध्यतिष शक्त यून विषयात छेलत एति क्रिज़ीयरून. ভাষিয়া ভাষা প্রকাশ না করিয়া সন্যায় কর্ম क्रिज़ोड़ि। ये मग्रामंत्री प्यामाविरशत्र खण्ड প্ৰধ প্ৰেটি হইলে প্ৰথমে এই ভাবিষা স্পান **মন্ত্রী উপে**ক্ষা করিমাছি নাম, বেদান্তবাদীশ **্টিল্লিনন,ডে**ল্ল উপাচ,ফ, হইয়া **আপনার** क्षांत्रिक भटन एव कथा जित्यन नाहे. कारा

রাছেন বলিয়া সর্বান বলিয়া বেড়াইক্রি, ইহা কোন ক্রমেট সন্তানিত নছে,
বার্থ ইং বাছারা আনাদিগকে সদত্র নি
ক্রেই আহারা একে আর ক্রিতেছে।
ক্রিক্রেই আহারা একে আর ক্রিতেছে।
ক্রিক্রেই আহারা বিক্রেই উলিখিত বিষ্
ক্রিক্রেই অর্কার্টাইয়া দেন, তাহা
ক্রিক্রেই ও ব্রহাণ্ড ও যৎপ-

রোনাতি কৃষ্ণ ংইয়াছি। বেদাতবাগীশ সভা গভাই আমানিগের অকাবণ নিন্দা করিয়া বেড়াইভেছেন। সে গত থানি নিয়ে প্রকটিত হইল।

ममकात पूर्वक मिरवनन

गंजराज व्याचित्रम स्थायन्यमाना जिलिह ছইয়াছে বে আপিনি জীয়ুন্ত লা' দৰলে caris ৰাগী**শ মহাপত যে এ**হাৰিত পত্ৰ পূৰ্ব ব**্**চুছন हैं हिर्देश में एक का भागांव (व किंग्रन्त . ् तम अने ্ৰছে, তাহাস ভাৰাত কোন বিখ্যাত, পাৰা-**८५ थो**ंकि छोडी ८५.मधका भ सू क्र । वरिटलक नः । बिन्ह दब्हाखदाशील महासंघ पुरत्न कर्क र र्ख क बा'छ लबिइड एक्स टा दिमा छूपरेगर असि इ ष्यानाव त्य पूर्वेण विवदम् अञ्च एकत् व वे८ ७६६ जारा आगाव दर्भाग्ड गरत देहिषि उ आहा। थवृष्ठे द्रान व्यामवा कांडांत्र कथा। दिश्वाम क्या-व । आहा क विषय मद्य कार्याद्य वह व। आहा क न कि । यक्ति देशे सूचित्र करा शामनाम छ। 'छ **थ्याउन वय, उपाणि शाम धकारण अकाम क**रिए, त्रांमापिटमंद मान्यसङ्ख्य कवा आन्यांच असाय कारमान, (दन क्राजीन महामद रामन, आ-ं भामित्यव प्रदेश माज विवास मछत्छल, अन्त्र, व भिषादनक काल विवदम्य विज्ञीण कुछम् द शादः वांधकोन निरमध विवर्ग हरूल्या व प्रृष्टेति विवर श्चित्र वि. भिक्के तथ के दिल थे का दिल ।

ভাং ১ কার্দ্রিক ১৭৮৫ শক। কলুটেঞ্ফা জীউপ্রিধান কেন

আপনাৰ নিষ্ট কলুটোল, হ'লাক সনাবেল | বিনীয় সাধ্যম নিষ্ক বজু ১) এবং দ্ৰন্ধ স্থোত প্ৰিটিডেছি অনুগ্ৰহ পূৰ্মক গ্ৰহণ ক'লংকন আঠাকবদান সেন ,

क्लूडोलांड उच्च मश्राक्तत्र मः वास्त

त्य हुई विद्या विषाख्याती त्या नहिल भागानितात यक ८०व हुई ग्राह्म, ठे कृत्रमा-न वात्रम् श्राह्म काला कहिला निर्फाह्म । " श्राह्म त्राह्म काला विषय, विद्याः स. कृष्टमात शाद्य वात्रमान निर्द्य विषय, এই हुई विद्याः भागानितात शृक्षणान त्य मण्डल्य हृत, शाह्यश्रद्धम् भागानि छारा श्राह्म विषय वह स्वाह्म कहिला वात्रीम विका श्राह्म अह सिकास कहिला हिरसन न्यान हिस्स स्वाह्म स्वाह्म हिरसन न्यान हिस्स

७ लाग्निरमञ्जूष क्रम्बर्ड विश्व कार्य भारत विश्विक তিন বৎসর্বের পর সাত্রাধ্বর क्रमात्र वांत्रवामकाल ल.८.३ विं তে স্বারু কোন সংক্রি রহিল मद्रा এই निकार के अमूरमान्त ২এএ ভাজের সোমপ্রকালে লিখিঃ " বেশান্তৰাগীশ আৰুত্নস্ত চূড়া কন্যা বিপদ্যতে, ইত্যাদি লাভ্র[্] ফরিয়া তিম বৎসরের পর সাভ **अर्थ) ख वार्शम स्वत्र काल मिनेस** २ हिकी शहिहादस्य, किंद समुधायन क्षित्त व क्षा भूभक्क इंदेर्फ्र চূড়ার পরই বাগদান করিতে হই भ.**८४**- ध्रम्भ कहिएल्ट्स् मा। उट व्यनिष्ट हेत्र निवातन क्रिकें। इहेर ইচ্চা করিয়া সে অনিটে পড়া, বিবাহের ছুই এক মাস পুর্বে ব নের নিয়ম করিলে খাত্র ও যুক্তি উ व्यवाह्य थारक, व्यथंड अक्छी विषय कें कह मार्ज लाक, अ युद्धिति । ১ইছে মৃক্তি লাভ হয়। " বেদাক্ষরাগীনের উচিত ছি

তিনি আমাদিগের এই সি ্রান্ডকে বচন ও সৎযুক্তি ছারা অপসিদান ৫ তিপন্ন করিং দেন, নতুবা এই সিদ্ধ 'কার করিয়া ১ अंब हिंहा खोशकुर्वभाग भाग | विकीष्ठ भूकुक बाल्स तिनी किया पात्र व वर अहे, दिनि अहर ना, रक्षम द्वायभङ्ग अप क्योप व्यक्त र ठेक्शन यशास स्हेश में का हि जिल्ला निर्मा का अवस्य है के विर महाः द्रमीत्रभ करम् प्र ভাটোৰাকাৰ প্ৰাক্তৰ HOME CHIMNE

गथक

" अवर्षतां प्रकृतिविताय पार्थिनः सरम्यती श्रांतमहती म श्रीयतां

8 614 1 क्षेत्र मर्था

সন ১২৬৯। ১১ কার্ত্তিক। ইং ১৮৬ 1२१ अक्टावित

यानिक मुख्या 🤉 क्रीक गाविक व्याख्य >> है। व

বিজ্ঞাপন ২

भक्षाता जोमध्याम दश्ब-

(भन्न निश्च !

অঞ্জি মূল, না পাইলে কমলে দেখি धकाम (श्रीतम कहा बाद्य मा. हेमार वाहि ্লা ডাক্মান্তল সমেত ১০ এবং বাঞালিক ठीका निक्शिक जारह: एवं बारनद सहन । अजिय मृत्या अद्य कर्ता योष्ट्र ते!। स्कच्टलब्र योष्ट क्वांन पास्तित भाष**ानाम अवर**णद हेका কর, তিনি অগ্রির মূল্য সহিত পত্র লিখিলেই পাইতে পারিবেন

रिकाशन। आर्क्शर्वत्र शकि।

आर्कनवरक स मान वाहेरजरह, ज्यादिन ম'স অভীত ব্ধয়াতে অনেক্সে প্রবন্ত সো मध्यकारमञ्ज्या निग्रमिक व्हेमारक, कार्किक নাপ আড়ীত হইলেও অনেক্সে মূল্য লেব क्षेट्र, व्यक्तम् वाराजा प्रता कतिया कुला भा-ঠাইরা দেব। উক্ত দুলা কলিকাতা সংস্ত याद्युटक कामामिद्रभन्न माद्रम शाउँ। हेरलेहे का-मना निर्मिट्य 👁 भीश शाहेश।

त्त्रांशश्रकाण। **এ ই**'ছাত্তিৰ গোৰখাত । স্কাৰ্যাপৰ সভা চ

्यान्यानिक अव्योग कार्याः व्याप्तिक स्टेगाः। भाव एक जिल्हा महि । क्षेट्रे महत्रपत्र क बातका विद्यात पुष्टित क नार् रित्रित क्षेत्रकारिक स्थाप साम केव्याविक स्टेटव क्षेत्रक वार्यक्षा वार्यक कार्या वार्यक वित कि किए किएन के अधिकार देशी रहे कि है जा । उपक्र जान-

স্থাপক মজার সহিত্তই জ্ঞালেলের জানেক जिन माकार हरा नाई। अदन जिन रहेक, আদৰ। লোন বিদয়ের প্রাথনা দ্বাব, ভাষাদি-गहर निव्रक्षः इति । विश्व किन । बल्हीब কবিষা তাহালিগের চিকেন লেভ্নোমঙ প্রশমিত হইয়াছে : এখন দদি আমরা কোন विष्या आर्थना आनारे, जीवातः अविक्षाहरूष আমাদিকের ধৃষ্ঠতা সহা করিবেন সন্দেহ না ই। পাতএৰ আমবা বিনীডভাবে নিমু নিখিত करहरूकी विषय छोड़ा करभद्र त्वाहर व्हिट्ड ष्ट्रि । फ्रांशांत्री खन्न विषद्ध देशांतीना कावलकन ना करवृत ।

ध्यम, ध्येषांनस्य काषांनास्य मह वार्तन শিক্ষ এড়ডি বিচার পতিগণ হিল সাচেত্রের थोजना हिस्ति भक्षमात् एवं स्थानारमा किन्ना CBA, छार। नीम ध्यथान खाल्लीमय विवासनित নির্বাদের কামুণ লা চইয়া আরো ভাষা প্র ৰালিত করিয়া হালবে ৷ ভালব শান্তির উ भाष वि १ मारुवाभन नहां बार्डिसाइ (म के. शांत्र कविषात कारमात क्रमाठा नाहे। शुक्त बा বস্থাপক সভা ১০ জাইন ৰূপ একটা বিকলাল मञ्जान क्षेत्रव कविद्रा विद्रारिष्ट्य । अने स्वार्थ অনেক অনৰ্থ ঘটিডেছে। র বস্থাপ্য স্ভা ना क्ट्रिक रंग गढ़ारनत सार्व कान्न 👸 भरत्मापन कतित्व १ औ आहेर्जद्व, अनु शाहात आद्रष्ठ, योगाही श्रीवंकांक द्वांश्र आता प्रवित्र पानित नाम प्रतितारस्य, प्राक्षा

भेरमात्रं बुगाः प्रकाशि केने करत्त्वी कार्याः Ben fem sides regined Many and ARTO ALBERT I PROGRAMME मंत्रि करनार की हो। अयोग मामना हो करिया विक्रिय कहा चाह, दब शहिन ওং কবিদেন। ভাহাই জীহার মুক্তে বুক্তির অসমারী। এইবংগে বার্টার १कि, **अवस्थात्व वक्षि विश्वय गृहिन्द्र** रा, छारः रहेरत छ श्रमाता कीस मानु अ शक जात अकी शोबा विकित (प्रवहा केठिक। व्यक्तिकास म्हणूना मून। दृष्णांविकश **८४ क्टश्क्री शर्वे** আছে, তাহা রহিত করাই কর্মাই छ क स्मरमञ्जू रमारक बाजना क्रिकेट বিধ কর নহজে কিভিৎ ভাবিক হিছাল লেবার পর নাই কাডর হন, স্থা कार्यात्र त्य गरम गासिक कीर्न हिंदू ভূৰিতে সামিভাভিয়ান ভাৰিছাটো ক ात्र निक्डे स्ट्रेडक , जारिक असू ভাগায়া অধিকভাষ্ট আৰু वना विका । खोव:हो खेकुन कह অভ্যাচার আন ক্রিবে মহমুদ্ধ নাই । ১০খা देश्वत्र के धावामित्र एक प्रविद्यासम मन, क्रेज़ीन बाजन क्रान्य क्रिनेट्ड बाजना मिटनेंद्र त्य कंडि के अन्यान इंड्रेग्रीट्ड, कार्य-ता कामा स्वन क देवह नामक महिद्दा मेर्बेटन ।

े विकीतः, विरूप्तान समूतं दर्धतेन । दत्रभावत करेंग्ड बजुड़ जानतक केंद्रिया आयोग जनना क्षेत्रविद्वालापि क्षिताः 'चार्यमायम द्वक्य हैcours, cours on 'গালাবিতা স্ক্রান্ श शहरात शीख क 'लिक्न नर्व । मसूत्र व র্নাবহার হারাই স্ট काम्ब्रीवरम्य, अन्ति मार्चिश्वका म्मर्ड लह १ इ.रेजा शास्त्र । जुः न मिथाहेवा महेवा क्षक बस्तुरक शास र्वाक्ष्री श्राः शराणहा खंबाख शांख्या योष मन श्रीसंक्त वारेशः हेकाम दक्षाम ना किए

া থাকে । প্ৰিমধ্যে এক এক
ক্ষিত্ৰ জড় পদীৰ্বের নায়ে বহ
কলে নাকুর করিয়া লইলা যাওছা
চালানিকের করিয়া লইলা যাওছা
চালানিকের করিয়া লইলা যাওছা
লাকে নাত হইলুকি ভাহারা করণা
তে পরিত্রাণ পরিমা। লে খাবে
কর করুমাত্র আধীনভা খাকে না। শোলার বাকে না। শুনিতের পার্থানিকে তেলা
কর বাকে না। শুনিতের পার্থানিক।
কর্মার বাকে বাকি হালা। এই সম্প্রান্ধিক।
ক্রিমারণার্থার ক্রম্মী নিলেন্দ্রিকি আন

মুক্তেকলিগের বতন হৰি প্রাপ্ত করেকটা প্রাপ্তিত্য এবারে ভারতা গারাভারে ব্যবস্থাপদ সভার ভারতা কটি করিব না।

क्षेत्रक किया । छ त के के के अपने मार्थ के के अपने के किया भूक प्रशासना है है जो ज्या अवस्थ ा अन्त्रे स्टार्का हे है शहर य ता जान हिर्मित्र कार देवे । स्वट्य अविकास - अन्तर्भ कानिसीएक हैं हैं a way to all the same of the s के दहनी के हैं। हरका अध्ये हैं। क्रिन्त है। देशक भी पर हानि ্যে এই কাখা বুরিছে क्रिक हो है। है। ये भी है। ५ ब्रिक्ट औं एमसिटन इत्र ; भाग गाहाता াৰুবার নিনিত্ত ত্রভী **মাত্রহাপর পরিক্যা**প अविदेशित (य कि श-रिनद्रा जानान

ভাঁভাদিবের কথা কহিছেছি মা; যে সমস্ত মীচাগায় সঞ্চাদক অকারণ অপরের মান প্রন্যানাহানি করিয়া বীর পত্তের জীর্জি সমস্যান বাসনা করেন, অদা সেই কঘন। ব্যক্তিবিশ্যার কথারই প্রস্তু হইতেছে।

भारतमांक मान्यानकटक छिलिशिङ ज-

ा प्रम्माम**रू घल श्रविक (म**र्दिमा चामा-প্ৰেম্বৰ আ**ত তিক কোত জ**নিয়াছে : व्य मना क्ष्यंस जीहात अभिके कहि साहे, ाः ईके माधम क्रिके क्रिक्सिंह, त्म करा ভিনি সমুখেই স্বীকার করিয়াছেন। কিউ তিনি যে কেন আমাদিগের খনিই চেইটা পাইতেছেন, আমরা বুঝিতে পারিকেছি नः । श्रीकात व्यक्ति आमानित्वत क्षकित्यः দিতা নাই, ভাঁহাকে আমরা প্রতিযোগী আনও করি না। কিন্ত ৮ই কার্ডিকের পবি-वर्जादक धरे जात्व निविष्ठ श्रहेग़ाइ (य था: महा अयुक्त बाबू कानीश्रमंत्र जिल्हा न কটে গিয়া এই অনুরোধ করিয়া আসি-য়াছি বে রেষাভ্রামীশের থেরিত পত্র भित्रकर्नरक अक्षादिक ना इत्र । आवता এত মুৰ্খ ও শীষ্ট মহি বে কাহাকে এবছিধ क्रमक कनूद्राथ कतिय । अ कथा कांत्रता গত বারের নোম্প্রকাশের ,প্রেরিভ স্থান লিখিয়া বিয়াছি। কিঞ পরিষদ্ধি সম্পা मक कि अवार्ध ७ कि काइएन क डे ज-গুলত কথা লিবিয়াছেন, অবিলৱে তালু क्याबोलिशास कानाइटवर्गः क्रमाथा शर्व-कार्ड केंद्रात निक समिनिताव नाकार रहेरवर्ग जामना वन के खान जटशकाउ **इतिज्ञादक फोविक प्रकृती खास क**ड़ि । शतिम-र्भक मानास्य स्थानहित्तात तारे निर्यन क्षित्रतक कंगुकिंक स्वतिष्य खेंगार्थ इरेश-(इत । क क्रिकेटि के क्रिकेटिया का विकास हर वह, जिसे इकि शुक्र मास्त्रित्वह क्षतिक गायदम् क्षिकादम् इन्त्रका क् Gu Binten auff feilungun : we-ाव डीरांव के बेशकांत रहाति करते हैं। ATE CAPE ACE !

জীপুক্ত জাসপঞ্জন্ত কোষাভাগানী শের প্রেনিত শর প্রকাশ করা

प्रमुख भावे **(क्य** ?

পাঠকণণ ! আজি আমর। আপনার্থিগাকে কিরৎক্ষণ বিরক্তি করিছে চলিলান ।
আপনারা অন্য করিবেন ৷ যে বিবরের প্রসদ করা ঘাইতেছে, ইয়া যে কেবল আপনাদিণের বিরক্তিকর এরপ ন্য, আনাদিগেরও নিতান্ত জারুচি; অসুধ ও কেন্তেকর। কোন ক্রেন এবংগ্রালার আমাদিগের ইক্ষা ছিল না ৷ অগত্যা আমাদিগকে
এবিয়ে ছন্তক্ষেপ করিছে চ্টতেছে।

যে বিষয় লইয়া বেদাৰাগাণীলের স-হিত আমাদিণের বিবাদ ফলজেন্টে পাঠ-কগণের যদি শারণ না খাকে, সংক্রোপে কগ্ ভাশ উল্লিখিত হইজেরে!

প্রায় তিন মাল হইল, বেগতিবারীল ছা-কিণাতা কুণীন বৈদিক কেনীর কুলসমধ্যের কাল পরিবর্ত্তন সংক্রান্ত একটা এতাব লি-খিয়া কভৰণালি পুত্তক মুক্তিত ও প্রচারিত করেন। উহ'ব একখণ্ড আমাদিপের নিকটে প্রেরিত হয়। স্থামাখিগের ফেব্রুপ নিয়ম আছে, আমর। উহার গুণ দোষ বিচ চর क्षेत्रस इंदेलाम : मिसिलाम असू बासि मा-त्रवान रह मारे; जे क्षाट्य त्य त्य त्या द्वांध क्रेन, आवता छाड्। ,२८० खाट्यक নোম প্ৰকাশে জিখিলা শিলাম। বেদান্তবা-গীপক্তাৰ বিদ্যান্ত অপনিদানত হইয়া পাৰ্কি मा किति प्राप्त भड़ मारे, कृशिक ()) क्रेबा केडिटलम अवर देवब्रवियाच्या द्वारी र्वाबर्ट मानिद्रमन। विनि व्यवद्रम नाश-कार गरमंत्र क्रांन स्थालस्य ज्ञानिक च जानि-গের নিষ্টে এক ধানি জেরিক পান পা-रे विद्यान । अर्था शहर के लिग्ड के विवास करें at the life of source of a factors that

AND THE RESIDENCE OF THE PARTY OF THE PARTY

1:

सिकिद्देश्व ३ के इ. इ.स. हिंदू । स्मानित गाँउ ८७४ स्मनारक्षाकृषिस्य वेणाविक वदेवारक्यः शृत्या **८व बृद्धान क्षत्रक चेवेल्लीहरू, जारा चार्कि हरे-**८व । উक्षतार नदस देवसमाता का वर्णाम दक्ति ८५-क्षेत्र क्षत्रिवारम् । क्षाक्षवार्थभाव क्षात्रक रेजना डेक्डिंड ब्हेब्र्रह् ।

मक्षत्र २७ दम्प्टिवेवतः । क्षिन्दिरागंद व्यक्तकः रेनझा विक्रिकोटक अविविधि कविराज्यक्त. चर्चाकीह (आरक्षत्र) काशिक्षक जवाहर शूक्क शहन कः PICE

न्य श्रिक्ष के विकास

চোরবাপাননিবাসী অত্রে বধ্যস্থানে গি রা স্বান্ত্র পশ্চাৎ প্রাথাদিগের নিষ্টে পত্র **अनुनक्तिराम मा कानिया श**िक्षा काम কৰা লেখা ধ্ৰেইর কাৰ্যা, আকরা ভাষার উ-**ध**ढ़ जाम अतिएक हांचि म.।

জীবুরু সোমপ্রবাদ সম্পাদক अश्रानंद अवीरशब्

जन्माक्षक चेश्रांचक्ष । त्य जनसम्बद्ध । स्वीत् भारतह समा सामनात लावश्रकान विवास वहै श्रीरहं भागकशांकिता काश्रीव वर्षा अवसे अवी-म । ह्यू किंद्रकृष्ठ परेमात्र मत्या सुवाक मन्त्रिक बील लिंबाब बाांब माराब वर बटडार्ब अकि दिव था:क छारात शकि मस्त्यात स्कार मा आह-১ ইংখা কিন্তু বিশাস্ত ৩৩ আফু দিবদীর সোবঞ্জান त्व आक्षानित्वत शृष्ट्विरक्षक कर अवीतक काशान क्षिका बूख्य देव आक्षांबर्कि कि अन्त करेन देव देव, कारा भारे कृतिहा क्षत्रहा (यन कि) आधार नाविता। व्यविके अविविद्यां निर्मा निर्मा (क्य क्यू दिस स्मिट খণ নিশ্ব বা খনিয়াই ভাজপর্মাহ্যারী পিছ-ब्यारकृत व्यक्ति विद्यापी वहैत्र। प्राप्तन-कार्य विभिन्न देव वर्षापुर द्वाक बर्गण महत्रा शृंब्दि है। म इत्रिक्षा हैने। किंग नाफर्ट अञ्च विशेष हरें। खाशाविक छोत - ग.मात्र जनाम व्यापनान करितर COCK MII

व्यक्षिक्षां व्यक्ति व्यक्तिक व्यक्तिक व्यक्ति व क्षेत्रदेश देश रिक्किशोक स्रतिप्राहित्त्रम्, जारा दव शकान काव वस व्यक्तिका क्रिकेन बेदकक मनिस्तर को क्रोमिंड। बहाब धरे मात्र छ नेडारे खुरबारकके बद्ध हुन बरक्षके प्रवेशादिक, गरिएकर word the wester of the far-क्षेत्र महित्रक काक्रीरेड क्यान मरमक माहै। क्षा क्षेत्रक के जिल्ला करता नामून संस्थारणका विव विवक्तां विविधित विविधित व वार्तारक विवा-THE TOTAL STREET, STRE

विषे उपकर्णांत्र कर्कारमन नगव १२४ गड़िएड-, ब्रिन्टी श्रीक बाक, निर्वास क्षार्याक कुन्नर त्वम स्थानका क्षांकृति कार करा किक कार प्रति का प्रति का प्रति का करा प्रति का क विच्छ लोके हो, दक्तक ८४ - विद्यास सम को शकान शर मध्य खण्डांदिक छ सन्यक्त कर्य अभरता वर्षे गरक छात्र्व का श्राम क्षेत्र अभि, ही व्यान माई विद्या अवस्था, दशाकाम मेगा अत्यक्ताल खाविक । केतिए पादसम किन्नु क्षीप्राप १४० ८ छ। य छेन्द्र छिकि १ कि. स.टा ताहे कुछ प्रान्ता आकर्रिकेड क्षारक्षत अधिक को बर्गार्स का कामा । ने प्रश्निक कामा हिन सं कार क **७ व्यवस्थि व्यक्ति, विद्य**े श्रीमाणव अबे असा को दब व्याप्तक अन्द्रभा भारतम करिए। मन्द्रिकोडे 🕒 मा. 🕳 সন্দলে প্ৰান্ধ বুৰিজে পানি হন 🕟 ন্য জেখা 🛊 ছইবে ভখনি आवनाक दा सेख पाहारी करामधा लिड लाक किन्नु मध्यक्त केशलक कि जि स्थान्ति र है। भार अधिति कि कि कि कि स्रदेशक हैंग भन । विद्याग । विक् कमा क्रिक्ट्र निकर अधिना, प्राप्त । रेप्टर क्रिकाटक प्रदर्भ ष्ट्र अक्षप्ति आक्रिय हमान हमित्रक माहि

(५) अष्टान देशांगर । इन्नेत्र, हुल । द्वान्तः । त्रीवनिक्रांत्र मिर्टशत कहे अकाव कका अवर प्रकानतूरे करें | टा कि के दूखि। क्रका थाका क्रिहिट, रम क्षेत्रिकारण रक्त न कर्षा **रक्ता** माक्स्यानव**छ**। कारण सकति जेगा राष्ट्र प्रधानि राजसः शास्त्राः भूगा वस बाज भारे का द्विक रकान कार्या क्रियरमय देशांगम क्रिया क्रियरक क्ष्मप्रभाग क् क्रेचंद्रिटङ सम्प्राप्त कविद्या परि ऋक्ष्रिक मा। आक्रमक आभा प्रमुख लेगारीय सक्त महत्र । छेना-टक शृंद कांट्याय गएमा 'कानिएक स्केटन 'लांका- | आक्रमांत आह आंटलाक । **त्यार क्यांक मे**रावाक अश्माद्वाद मध्या को नेप्री अखाराहिक करिएक इत्रेटन, करवेषे उपलक्ष्याच गथार्थ (भोद्ररः क्षराम गःहे र अधानाव मा इ-हिराम बुश्चधर्म कीनरमय धर्म ववेरछ भा र मः, स्ट्राम्ब धर्मा ३ हे. ए 🔗 🖂 ना का कहारा श्रामिक धर्म प्रदेशक भारत म । ज्वास्क्रका गंकि जेन्द्ररहरू निसंहेक्सी बहैट अपने करहे स्वित्तरस्य व কৈশ্ব হুটাড়ে নিমুদ্দ চ্ছালে ভীষারলের সামু व्यक्तिक व्यक्तिक हो इंडिप्र, मान्य ।

(০') সিভার প্রতি কৃতজ্জার প্রকাশ কর, শ্বইদাছিল। গিভাগ প্রতি এতার কৃত্রলভা একটি উত্ত ভয় না, আপনাৰ সাধুইনে অভি ভট্টি विभूत मानव क्वरल इन्द्रि चानव मुक्दार अवश क्षम् स्थापी कर्ष कवित्रा व्यवस्थ प्रा-बारमार बाजाल कृषि दिन कारबड बाह्नमध मा प्रदेश शामितक गाँदत मा। क्षा गांक व्यक्तिक स्थानत्वत दन प्रदेशक विकास विकास स्थाप gengel aufe Con eine Gmifenighet भौरक करन करना है। हो इस्ति स्वीत सहित्वक कार्या अने अन्ति अन्ति अन्ति अन्ति अन्ति अन्ति अन्ति अन्ति अन्ति अनिक निक्षिक मिटलाय नावा सबुल दर्गायकाचे लालियां दिवेता। प्राप्तित ना क्षत्र ना, वह त्रकात व्यवस

मिन कार्रोम निविध वर्षेत्राटक स्व मिन्न

• क्रुड. | स्किटे ज होते । भ्या स्ट्रीय সমিত পৌশ্বলিং नामा वामा विश्वा

ल्या जानकः व देशक

शांश किन्न श्रीका गर्काल स्वीनित्व प्रदेशक tei ceux asil uniuis, uist fin die-एम एक मि शरिकाश करिएक व्यक्त है है। िय क्षांत क्षांत्र हिम्मात । ११ महिल्लाहर हे स्थान कार " वरे नक्षि नक्षांत नद्धा पहिला निवर्त उदा कि काह आक्रिएयम यहिनाओं केन्द्रक nes, a Bet fficet gienn enfuffen वर्षेद्रक २ दर्गकि मिटकता मक्तरेकीरज्ञ कर्म करते द-ভিত্ৰা ব্ৰাক্ষেত্ৰা কিন্দাৰ দিবৰ ভাৰীৰকীৰ জীয়ে न्द्रभाग वर्धान क्रिक्स्प्रेक्ट, केलरम्बर्क क्रांक्स्क केन्द्र-(कर केशान्त्र) अविक्रमें 'गानिक्ष्म का ? वनि के उपा मालाफीरकृष्यक्षिक फीर्माबरन्य स्ट्य गरिय फारम्क नक्षामा कान दनकारम किया छेगानना ware cera fer

, र्रक्ष इत्क्र हैरसम् ब्राज्य पर्याप मध्य प्राप्ताय भारतीय मान्या प्रकार जानामन भागीक रेन्द्रकार । अधिकातन विधान गरे, व्यक्तिका भूषि मंद्रांत पर्वात क नाशिक व्यक्तिसम्बद्धि कृष्टां क न्यारके वे जास्त्र नर्याय शोवर क्येका छ। क्रांक्रवर्ग वेशालीन धर्य नाम त कांकांत्र व्यक्ति- या निर्दे व्यवस्य मानाना निर्देशा निर्देश केति । इय[= प्रशास जील प्र^{त्}नद कहा**हि**की।

७। लिख्य मानात हैबेडिय न्या चार्गर । श्वानम् मेचन अमेरिन आर्बिस्<u>र क</u>्रिंग कि:सम शिनोत्र मिखात्र मानाञ्च देवहिंद कना ए न

কিন্দু পূৰ্ণি बा हिंद - ध " (एत्) क्र**ाल्-**¢ 5, €₹ 」 化酸氢钾钾 वंद भा दू अञ्चल में हरे · # > 7 4 5 * 1.135 19

PROPERTY FOR WITH क्ष्में के एक एक मार्च हैं कि के कि हैं कि हैं

क रमाक ११ में का स्थाप किया मिक्सिक के एक मिक्सिक के **एक मिक्सिक के लिए मिक्सिक मिक्सिक के लिए मिक्सिक मिक्सि** णि अति विकास माधुम्बद छेन्। के विद्या करिन ८६८कन ६६ ६७ क्लिकेड फुन्नि नामान क्लाइडस यकाल केंद्र, खन्म केंद्रिक्ताहरू र २/६ हे ला पू क्षेट्र न : **८७१ च्यांत्र क**्षांत े ा श्राह करेंद्र आ। डीवांक्रा केष्ट्रव किंद्र क रूप्या प्रशास कार्या र- करिष्टे कर कारण कतिराजन 💎 🚉 रहाउँ लिस हें के जदमब भाज आधार १००० र्व अ.सम् किष्ट्र मन्द्रमार है। नाव्ह जब विवास मा स्थान है 🕐 🤏 😘 👫 প্রি স্হি কৈ ছিল্মান / किन क्रेन्डिटर का अप्रकारण ४ ,तरश**व मध्य देख**िका । १ १ वर्ग है है ভবে উ হাৰ গ্ৰাম ই প্ৰভুগ্নি । বলচা ১৯১১ । 斯斯斯(李 潘]撰字章567 多格18 7 7.4 多 49 1年 4 治性 "你说我你是,我们一个一个,我们会会 有类似。**对数据《数据》**4779 。 多上次,不可 भ्याति विकास अभिनेत्रास्त्र । । तर्राजात भ के की न है । है । अपने महिल कार के में में में में में में लिखान विकास क्षेत्र मार महनार न श क्षिति है है है जो जा मात्र मन, के उन क्रियो के में हैं कि अपने के बा दनहें अकाव क्षिति अक्षा वट च्छक, दीर्पट ब्रीह्म्बर क्रिक्किक्किक्किक्किक्किक्ष । भी दश्य भारतः । अधिक एक राज्य के राज्य करेंगे भी से साम र्वे विभिन्न नेपारिक क्रिकाल गांग ए विभाग कि The same was a second TO AR CEPTER ARRIVE

मध्की भ हीए छ १ । १ १०३ तीय निवंदन्तक त्वमुन, फ्रांशक्तित्वत् यदम व व विश्व सुख्य हार्थ-८०व केमब एवं कात पनि छो॰।ता सन्नीकिंश्वा शोक् कावाश कावाश्विद्याद शाहे काटनावाहवासी-কোন কৰা পায় ভবে দেই প্ৰাক্তন কথাকে,ছ: श्वा क्षिम आधार्य गरिए सम्ब करर, ह भक्त मनाक धोतन करवा के क्रम आंभ क्रक्तिक কেমন প্রান্তন সংখ্য ভাষার উপ্র একট व्यक्तिकीय (अर्थ अयुक्त) व्यक्ति जानाई स्थान मात्रिभटक एकन, अञ्चलाच छात्र्रष्ठवर्गीत्रविभ्दक्षके न भ्राउद शक्ति गक्ताको भरत।

আপনি ব্লিরাছেন পোঞ্জিক্লি গর সভন নকলি বহিদাং কি বহিল, জাগাছো বুরিতে পা तिल्पेस मा। व्याक मार्गित हिन बढी यक मिन " खड़ा " नम. था नित्य खड़ांबन शिक्सांक শলও বাণ্ডাত মইবে , সতুৰা ভিন্ন অভিধান প্রেট করিছে খয়। ভিল ক্ষরিধান প্রিট কর। विकासिक सका महत्र छैं। बाह्य भीवराजिस् े नरकत, क्यां स्व ८म छात कहेर ३ **आहे**सा र्व काव का का वास्ति अविदेश भावित्वाहे हरे-ल य काम अकारिई विक क्रेबारिस महिमा ন্ত্যান ক্ষিত্ত প্রিলেট উল্লেখন সকল आम भून बहेल, नरम'त्वत्र छाउँ कार्या केच-त्रक व्यक्तित्व शावित्ववे औद्योत्तरमञ्ज वीतंव हिंद তাৰ্হই।

মান্ত্ৰ, ইবৈতা , জ্বান প্ৰকাশনকাগ্ৰ

মহাপর আৰি ক্ষম্ভ ক্ষাল ছিল্লা স্থান্ यागभकार गाठकानाक सञ्जूषि , अविका शासि । পুড়ার থাকি জাপনধার নিবিধ সংঘটি ময়ে शास्त्रकात्र, अधानम् भागी अध्येष विवयः आर्थि अश्रि गंज गड़ार्थ केंक्र सारम केंग्रविश्व बहेबा नाजी (वेद प्रवेश मूर्ज व्यवस्था वृद्धिक मही मात्रीकत जांत्रस व देश: अदे कटकक कृति संदर्श ही plica atasica genn mastes, stales पुरा ह भरका कह स्विक स्ट्रेडिकेट देन हुई AND THE WILL SHAPE WITH THE PROPERTY CHANGE IN MICH. AN LAIS AND ALLING MAINTEN AND MAIN के काहान क्षेत्रकान कहा है के क्षेत्रकार है THE MANAGEMENT AND A TANK The state of the latest and the state of

िवारको वानः राष्ट्र स्वाहित स्वाहित वान वि त वातिका वश्च करणा स्वाहित स्वाहित क्षित्र अतिरक्षत्व, वार्गरस्थित स्वाहित स्वाहित्व । यात्र। से स्वाहित स्वाहित्वा स्वाहित्वा रणा प्रस्तित से स्वाह यात्र वाहित्वा के क्ष करे का । शाक्षांत्र वार्गरात्र स्वाहत्वा स्वाहत्वा नेवाब स्वाहत्वे स्वाहर स्वाहतात्र स्वाहत्वा

केल करेले जान शिक्षांत्र प्रारम्भ जिल्ला जीवान एक वर्षि जान एक कार्या कार्य कार्या का

ক্ষালড়াক্স। : ১৬ ৫ আদিন ১২ ৮৯, নিজ । শ্রীভাগান্চ জ ডটে,পাণা ক্স

न्द्रवानी सिन्धर कांब गाँछ महि।

-

ক্রবুক্ত সোম প্রকাশসম্পর্ভিক মহাশন সমীপেরু।

নহাৰর এবং জীগ্রুপ নিক্চাল বেলান্ত-বার্গাৰ মহাৰত কুলীৰ টালিক জোনীৰ সুকাৰ ১০ জলাক কিডকিন বিষয়ে প্রায়েই আংক্ষাল

ধন প্রথাপবিষয়ির বিষয়ে প্রায়ই আংক্ষান চ'বাডেছের দেখিয়া, পাদেরা অভিনয় আন্ধান দিও আছি। হান্ত এই কুনিড প্রথারিছিড হয় ভাহার আন্ধান্তির সম্পুদ্ধি তলাস বিশ্ব ফালকটা বিশ্ব দেখিয়া শুনিয়া, আহাস্ত মুক্ষিড চহাত ছি।

প্রথম এ বেলান্ত গুলিল সভাশাখন কৰিছ কংগনাৰ মডের অনৈক্য ছত্রায় ও ছ'বে কুলং বাবেশিকী দি (১) ব'লব, কট জি করা জ্বা চনা কোম জৈকাশ ভিন্ন প্রকৃত বিষয়ের কিছুই

कल त है।

দ্বিভীয়তঃ কোন বিশ্বস্থ লোকের মুর্থে ও-নিলাম যে, আংগনি যে কট্ডিল গুলি প্রকাশ করিয় দ্বিসেন জাতঃ অধ্যক্ষতঃ কলিয়াছেন

.

বৈদিক জাতিব কুলসংখ এথা পৰিবৰ্তন
বিষয়ে আলাদেরও কিছু কাধিক আন্ত্রাল আছে
ন্তেকাণ সর্কাটি আমন তা সকল বিষয় কারি এবং সোমপ্রকাশ পাঁচিকো সকলি বিষয় কাছিল অত্যেত্র তা
বিষয়েটানই অন্তন্যকাক করিয় অ'কি। গও গোম
বাবের পাত্রকায় দেখি" মে অ'পনি কিলিয়া
ক্রেন নে, লীপুরা আন্দেদনত বেদাপ্রশালীল বে
পত্রবানি আলাদের নিকট পাঠ ইনাছেন ভাঁছার
স্থিত আন দেব যে বিবলে মডাযেন ভাঁছার

(२) 'त्रवास्त्रपंतित्य िक विष्कृत में उकिसोहि भव द्यांक्रक द्वांक्रक भागा न तर क्षि उक्त विष्कृत क द्वार ने क्षित्र अनुशक्ति भूष तर द्वांक्ष सामी प्रमाद निष्कृत अक्षांद्वर अन्तर्भा दिवां क्षांत्र ज्ञांत्र अक्षां भिक्त क्षांत्र दिवा (वात्र क्षांत्र क्षांत्र क्षांक्र क्षां मान कावस । द्वान दर'न वाक्षिक क्षांत्र निर्माद

कार्त कथ जा बालक कर्तक के।
वार्ति हिटल ना किये। कार्ता केला
मा कियं मा केला कार्ता केला
मा क्ये क्यांता गढ़ा (क) महाकार
मान क्ये क्यांता गढ़ा (क) महाकार
मान क्ये क्यांता गढ़ा (क) महाकार
मान क्ये क्यांता गढ़ा कारकार
मान क्यांता क्यांता कार्या क्यांता
कार क्यांता क्यांता क्यांता महाकार
कारका मान क्यांता क्यांता क्यांता
कार्या क्यांता क्यांता क्यांता क्यांता
क्यांता विवाद विविध मान क्यांता क्यांता

व्यानांत क्रिकानन म्हेर्न क्रिकेशिक यांगनि के गत्रशनि अवान का कर्नीय हैं की दात्रीय अधिवर्षा क वा व कार्या के दिरमय। गाँउमुर्वेक मण्डाकृत्रक स्वासी की राशीय अधिमर्थ क वर्ग न स्वीक्षेत्र मुक्कान निरंड मर्थ श्रदान की। बराइन की मर्गक अन्यामदक्त महि व जार्थन है eiste ate Dem eige wiedene fi ग्रहित श्रहित्यात्र जन्मीकृत्यातः विश्वास वाकार 'लेंग न माकि मिर्ड (क) प्रदेश व तो गतिमध्य मार्गाम प्रदेश के केर्नु है कि CET OF MITTER CHARLES IN भी को है। वस कि । वो दबन 'मिन्नियमिक बेह्ने कि 中国 F 在1 ! 医学 8 1977 有效定例明, 海()进 1 通過影響機 मूथ केम्प्रम प्रदेश कर या बार्ड्यूक होते हैं ए। मध्य सम्बद्धिः महानभव**्यानिक** ठा गोहर शहरे पविषे अहे, धना केलाहर ८कामा पत्र कार कुछ। क र उद्गार क्रिके नेप्रक्रि मार समीब दणवारी यात्रम वर्गा है स्त्रीक में লাগাল মহাশয়। আপনি নাকি ্ৰায় का भट्टे व्यय व्यवश् क्रिक्स्यन्त्रव्यान्त्रवाहर केर्ड्डि मा। बडेंग्रे कि भागमात श्रेष्ठ सम्बद्ध हो uifer (a. datt na matain (4) mm.

् उन्हा अन्न त्यांक विकास स्वाह निष्य क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट व्यावक त्या व्यावकारण द्वित्र स्वाह क्रिक्ट क्रिक्ट हार्दा क्रिक्ट क्रिक क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक क्रिक्ट क्रिक क्रिक्ट क्रिक क्रिक क्रिक्ट क्रिक क्

े हुँ । कांभाविष्य कांभाव कांकिक कव कींस क्र मेंबि केस कांभात कर्मक कर्निये साथिक करियाक केंग्स क्रिकेस कांमा अपने करिया कर्निया करिया केंग्स

अवार्धः विषे गठ-(८६। याद्य कि विक्री किल्लिका अवर अक ারণিকভার, বলৈ জাগালি জনুতার क्षकारण देशी क्षा हैंग्से खाका वर्ष है। रिक्ष विश्वा दर्शनिक निर्देश कागूरवान 'स्वेश्वारक्ष क्यां ३ व्योष किति ३ न न लाई केंद्रिक स्थाप के श्रीक स्थाप · अविषय : २७५ ।

अञ्चरद्वाप है। कि नहा 🤄 ~ं**ंश्वांकर एक्षा**ष्ट्रमक्ष्रीश्व,र ।

, भी भीव ध्यातक विराध विकारि व-্রান্ত্রী, বেলাপুর দীপের সহিত ছটি दिक्र आधारिकाने मा मा मा निका है है হু । একঃ ভিমি নিজার করিবাছেন, ন'হৎসঁরের'পর স'ত বৎসরের মধে। शाह आधुमान स्टेटन, चामता निकास क-मुद्धिः विव दण्य चवावण्डि शृंदर्व कनात च्चन कड्ना कर्छवा। िछीत्र, जिनि कि इंडेशंड श'टड क्यांशंव मीट्ड বৃদ্ধানে। ভাগ্ডে আমরা জিল্লা मित्रहासिम थ, कड लाएक य वि देव विवाद क्रिएडए, त्र मकल विवाह वयबी प्रेटफार ? धरे हुई विवत नहें अनि देवस्थितात अ मुक्तिनर छेखत मान हम, जामहा- निर्देशकार्य क्रिया गरेव पू लावे तारे गढ लावशकरण थकान हरेक में अर्थ पूर्व मा, रिक्स विनि अ क्या महेश जायानित्तव लाउक्त-ह दिव्यक कविवाह क्रिकें। कविरक्त, कें।-**शब धकानिए एंदेरव ना. जिनि नि**-मन्त्रावक कानिर्देश ?

ر الفار

।।वक महानद्र' स्थाप श्रीत कुम किलांत्र व ्राष्ट्री व किका अभिव । वर्गक के भावायाकुछ स्क्रीवर्गानएवर् निकक ३। कार्या भयुक्त क्लि मे आहासिन बहेन जया बहेरछ शाहिन हिंद बहेरी न ৰিছা বিভাৱে অন্তৰ্গত বাটুবা কুলে আৰিয়া ছি। क्षां व्यक्ति का आम । एवर्टन करमक सन्।। विश्व च मान्न खन्याम (स्टोइक्स वामधान अर् ক্ষাৰ পুষৰা,সহবিত্ৰ, সুনিক্ষিত লেপে ও ब्रोह्म के क्षतिएक शाहे बाजाय सर क्षत महित क्षित्रकृष्टि इतिक इतेका एक्षिमा वसार्थ क मिन्ने द्विप्रकार क्षांक्र्जीन र अगार ए अरन्य-क्षा वास्त्र गर्व पूर्व भारे।

लमा केविद्रात क क्षानिकारण है यह के अधिकार देवने-भ ४३ मा । घरामाम, खशासारणंत्र ह्रवयन्त्रोष्ट्र कर्य लिबाएक प्रकृतिकृत व्या क्रम्मकृत कृतिह तिविद्या महामने महामा ५० कर की नाम अस-मृक् সন্পূৰ্বস্থানীয় লোক পাওলা কঠিন হট্ছ নতে रकाम स्थाम वाणित चावाण हक मश्रातवाम मक-तहे दक्षाम महिवास २१५ कम नाखीक नमनीत जीवन इस भ्राचम बार ७ भी वाद्यांचा जामांखा उ.**ङ्क्तित्वन्न स्थान ७ ग**णा कि १,1 सिवियद्व द्य ক্ম ৰাষ্ট তোলা সকলের সংক্ষেই আয়ুজুড় ভইছে-्व। **क्षां नाम क्षां**डिकिन्त्रा छ निवडरीनी हरेन्ना शीरमुख सार कालश्रदीयः करिएउएक् । बाहा वेह कि नर कमांच > खरी चें आक आजि सवा वह बह क्यान्य प्रकीत अधिकृषे विषय क्यां नवर দীৰ্ণ কলেকৰ অসংসাকন চ্চিত্ৰ কোন ব্যক্তিই অসুঃকর্ণ স্থিত ব'ল প্রা बद्धीमध् विकास महीतः पति । सं कार्य छ तक व अभग कीम कीका कहेंग्र का का का का काल बहै श्रमाह नीकृति लामूक वि कृति कर में । कि मान करता । खरकाहन अहे देश विक्रिकर्की खा **म शक्रतारक क्रमणूना ख**तनाथाय करेता. राहे S. MICHERY

প্রিকাতে ক্ষান্ত থাকিলাৰ

निक्रुलोड विवाध सार्यक्त कर्ता छ निकट । अकार्य अश्रतीषात्त्र कृणांवृद्धि वर्गकान्त्र के विश्वतीर

श्रीकृत मीकृति कार्तिमामा वानमाव कु अप्रि राष्ट्रभ बीमांवण बहेबाट उचिवत किया लिबिटकहि । हाळिनि:शत डेमचिकि संदर्भा थ-स्त्र बहु बहुता विविद्यारम् ।त खन्मातः वासाना मारुटियात ममधिक बाग्याख छ राक्षावश्र इनेट ्या कि आकारत ऋषिय कहे कर शासाती-ा ३० सम स्पन्धानकरमा २१७ सम गांव हेरे वर्गन-न कहा अनम और डीय (अनीव बनाडः (अनी ८० ७१**३ कम छेईगर्थ।** य इ सन गांत्र हात्र लेश-कित स्वेता शास्त्र, सावात सना शाहाता छेन विक हरेन बन्दर मानासूरकाम कला जानाम छेन विष्ठ इदेख गांद्र मा। यहांनय खद्रार भारताव वयांक्त कृत्वतश्यांह । काव्यत ५० प्रिम गट डेश्री श्रीत अभिन, कार्यावत में कारत अहिम स अविक्रिष्ठ दो ७ निय चडन ? निम हेडाएँ। क-दर शास्त्राव सिवम । सामाज्य सामा वार्त शासा स्तृत पार्तिल, स्राय विवश्य वार्शिय सम्मान म-ক্ষাপ্ত ব্যাহত কমন্ত্র হৈ কর ইপ্র পর পর করিব। ात्भा मत्था निक्षक चरनत्व छहै। श इहेन थी-क व आहि बाद कड लिविद । एक दें मण्ड द केंद्र क्षेत्राचि आप १२६म इ काल गरेटन, े ज शक्ति काल काल काल माहि। को । कहे व स्थाना ारणेर पूर्व रचीत कि कार्य कारणात केवेटन मा।

ा खना करतक विका खडीण रहेल बहे विश्वां च बडिशमंदरी त्यादर्शन थाहेश बारमत देख गहीम अम त्या विक्ततमी ताम वाक्षी निक्ष प्रदेश हिल दनर राजार । वामन कविक प्रदेश कर्नन करिया राजिकारिक वास विक्रविद्याद करा दिक्द-। कोर्न भरणव । भएन मार्ट्याको क्रम्भक्तिकार्द्रक अकृष्टि आप नकत कल । जातिबा काशाद कांद्रानटक लाजेसका विकारकन् विकासिक परेपार त ए। विवाद ववार्यकार बनावेस आहे विका विव

क प्रशासन : श्रीक्षात्र. जेव्हारमक प्र अक्षेत्र भारकारे। अधुक और में देवनि वि (ব্যক্তি ব্যব) আপনী পুরুদ্ধিনীয় কুমাণার্টে ক্ৰম ক্ষুদ্ৰি মাহিতেল চাৰা বোপণ ক্ষুদ্ৰীয়া कोर काराम कह कछहाटत से श्रीमद्री (हाता) - हिस्स अवायमं त्यप्र (व : भोतिर र्क सीह देखीमारक गरन मा " जाहारक स्वे के मुमाक्ष मान्तिरकत्वाताः देश दिश एक्षिका स्वय नारशास के नांत्रियकारांचा था व विकास हैदिय,

 মধানত! আমি দাঁতকা হইতে আদিবার সময় একটা সকৌ ভূকন্যাপার শুনিদ্ধা জ্বাদিয়াছি, ভাষিবরণ এই বীরজুম জিলাব অন্তর্গ ও স্থায়ক। अस्मित जमितिक्षरवेदी करमध्य सार्य बक्र है श्रीम काष्ट्र के अधिमाश्री धकति अञ्चादकृष्टे हतः मन्तर करमध्य मायक अवनिव क्षेत्र व्यक्ति है त्मन ये शांदक कर हा ममस त्माक कामानि व ११ प्रदेशक काहन करें 'ए तर करें 'हेन कर (वी पांच | sie (हनक) मिल्ला किशुक्तिक शका कि कहिए। विश्वाप्रदेश मिटे यानिग्यय श स्वतिश्री असी पूर् गडमाधा अध्यम स्वामी महीक व्यवस्थि कार्र है. मचर्च तरक । दर्शभ क्या जा ३१ गत वर्ष भाग । दमके रकाशी को आदर मनदशा कागाहक वर्षमहा था:-

> -11 -faib! Aflu@'d'&'&(4) ला व्यशाहक श्रेटिल अले श्रेटिशास्त्रव स्थादि কিঃ শৈলাক্ষম কৰিয়া কিঞ্চিং সংখ্যম কৰিয়াছি ন সঞ্চিত কর্ম ভাষার ভাষার অঞ্চাত ছিল মা त्रमः, श्रांत्रज्ञाक्षक विक व ानास्वर भवन करि ल्य राष्ट्रण खर्के हो। यावाकित् मधनवित्र नम াত গ্ৰহণ করিব। উপপত্তিকর্ত্তর কোন জনিছি धेक्रिय मीक, वर्ष, शर्ब कु-शिशांश ई व्यशिद्द ভিকাৰততে প্ৰভাগত তইবং শ্ৰায়ৰ অবলো क्य क्यू । धटक्यारच । स्वाक्टल्डर माछ क्षेष्ठ कि व क्षीत्राण करेता श्वात हव के काबण ब डेकावन श्रीत क बाकशास अभाव सूचा इन जिम्मा बहेन। एके अकारत पर भारत माखि खर्चिक व्यक्ति थ कि करत खेलाबाउर ना स्मित्री खनाबाद । িলাত কলেছৰ ব্ৰিল্ড গ্ৰহুলা ¹⁷ বিয়া বাকিল। কিবু লিংগুৰ নিকট ^লডে কে'ন अकार्यन कामाख्यात कार्य जन व स्वानन ৰং মু ল'ড কটয়া বঙ্গুৰ্মাক নোড়ার আছিতি कदलबात अञ्चलका पूर्व करिया। दक्ष लेक्ट्रिया क् লেখনের এইক্লণ অপুষ্ঠি প্রানম্প্রক্রীক্র সময় লোক খেত হতীর মৃত্যুতে ধর্মানান করেছ মা।য মাতিশ্য শক্ষাই জ করি। গ্রামেন আসক্ষম গণ্মা क्षिएछाइ। करणवरत्य क्षेत्रीशह क्षेत्रक कर्त्रीश इति मायुन्। ब्रेजन्याच क्रयमहाज्ञ मा क्रिम स्वरूप त्रवृत्र कांत्रवम शुक्त र आंत्रच् मुख्य अमेल्लाटक छ। बाहेबा लिंड मध्यात्रमा द व्या त्यांनित्य निष्ठ-चित्र भू लिएन, धरा नहाँ है जे विशे मानकार कर बीरम रकार स्वापन अहिरम ना बहाना कराना विश्वेस क्षि क्षां क्षां है। 200 CHM BER 24-32 HIM

of his which the state of the control of

OF CHICAGO

CE Wastan

P CHIEF WE WITH And tale on a श्रीक्षण परिवतः पार्क ांहै। छाल ना क्यू विद्याः चीव छात्राञ्च ्षं अतिहासन, क्ष विदेशका चाटवार्थ तः विरुक्ति । एक् भीन ब्रेबाब वामबः बार्डः ग अनुरक्षि पारिक्ष ्रम्म, वजुराभ কোৰে হোৰ ও।

द नारक क्राप्त · 通师[可 : 数] 装[带。 "用 神像中心照得 अभिक्षित्रिय दश्य र ভুলীৰ পাত্ৰ र्थे कुउषात र 1916年 「南「空夜」 was Cho. とり不養し

्कार केरणना बट्ड । योशिक्षात्र के उन भ। याः नाम सारम क्षत्रवार **दे**वां वाजीक १ १ जिल्लाहा प्रांत्रणस्य अंशास अञ्चादमञ्ज सकाः राण, आयात अवा विक अवेक्षण कू में েন।৪) আনাম অধ্যমে কুটলার পাঁচর কন্য।

(5) स्थवा अया अयी प्रमि कुण्योऽ शास्त्र ाम कवि क ल्यादिशमा, रेक्ट्रिक छ्यानी

प्ये क्षेत्र विकास के कि विकास कि असियार स्था के असियार स्था के प्रशासिकाः त्यांन भारति नक्षत्र मत्य । याजन्य आहे महिन वास्तान विश्वविद्वार विश्व निरम सुनीन देशीक अहैता कि विर प्रवाह के क्रम मिनियारके में ब्रॉमिट्ड गाड़ि में . दलवाजि सिथिएम छोडारक क्ष्मिक्छ त्वाव का जा बन्ध नावि स्माक्रिकान ! विक्रुप्रकार मध्यांबारः वर्षात अर्थाम अन्य नार् । यादा श्रीक विकास्त्रिय कि बेकांचित्र काशीन अपोरत-क विका कि होरे आ के मध्यम २ छिनि निर्कारण नदम भट्टा जिन्ही विषात पनिष्टास्त, अधकी कुल नवस्थ कुलीरमत समा वि जीए ८ कुर्जीवीन दशीलाक्य क्या । वहि क्लीम द्वलीक ट्यानी 🔏 मरधा कृषकार्य शीक्ष कर्नामिन अन्। अहिल ८ प्रवत क्रमारभेगः बाक्षित्र, कांचा प्रवेदम केंश्रित अवग विवर्णन कृतीन क्यांनि गढ प्रदेश १ वन किन कुछम्द किक्षरभद्दे वः अञ्च । व्हेन्नोहिस्सन, उथन स्रोह रून पूर्णेश्वर कर्ना आंश्व बंदेरम्य २०० हेड्,व किंड्ड मरवाप्त कि विभिन्नाक मरहम ? खन्नवा आधिवात स्मान উপাধ সভে্ত যে ৰাজি অভাণিয় হিচৰাত্ৰ भन्दाम् कांख व्हेटड शास्त्र हो। १४७ वास्कि वसि भागतिन प्राचीम शास्त्रक अन्त्रांत्रकांत्र खांत शहन करब, अष्ट् । बबैरक प्राचीत १२ क्यूंट प्रश्तीत-নেত্ৰ কৰ্ম ও সৰ্জা সাধাৰণেৰ যে কিল্লা নান: विश यथार्थ मध्याद माहियाह महावना, जाना शार्कक मनाबरक्रमाहि विश्वसमा क्राहरवन :

> का क्षेत्र । विकाशकुष्य प्रश्वितार है बान छी-बिट्स निट्स्त् भी इ चानमून करवन धकत्रभ श्राप्त स्वार विश्व है सुद्र त्य १ वृष्ट्री कि वेड । य दी छि क्षामांक श्रेष्ठा है श्रेष्ठा करे ही भ्रेष्ठा वर्ग वर्ग वर्ग वर्ग वर्ग सिंख कुलमध्य अथा श्रदिन्छ करा फेंडिए कि भा अवर धाविणामिक शक्तियाँत बहेरत गवि

Alemanter general femilie Offin 49 vigota & mon चर्च का का का खारी _{कार}ा क्रांट्स विका विश्वका वाला २ । कारणक स्मामध्यकारक विवादको कार्य नार वास्वाम अतिवाद अका अमहिक सं करवन, किंद्र खालनाई नगरेत्र महस्रक, मानि व वंग प्रत्येत ५-वयम् वस्त्रम् (१)मध्य प्रतिकृति

 । नाश्चान भएकत चर्च बहुका क्रांत क्रम তাহার অনিউ ফারিতা শক্তি নাই, কে স্কুলুলু तिहे वांग्राम कतिएक घडेटब, भीक्ष कांत्रातृ है र्वत्र वित्रत्वा विरुद्धक्त वा । शक्ताकृष्ट्य कालोबाहर्व वाश्वादनय एवं विकृष्ट आवी তাহ। অভিদর অনিউক্তি रर्ख करा जानांशिर्मह

ষ্টাৰ সন্তাৰনা कि । स। (१) गर्ड नर्ड स्वयं स्वरंगी है कड़ा त बाडाब गरिक बर्ब, बाह्यके can wear wear gegennals en क्य रम। छत्रवर्षि कामि बहे बहुन बहुन विति, या कहा बहान महाह रेड् पूर्वक दिशा शिवा शिका क्षेत्र के कविर मा। चा ाह अपूर्व श्रीक मू क्ट आमानियात सादीय क्यांब्यू गरक करिएक क्षेत्रहरू कृतिहरू थायात भूस्युष्ट अधिका विश्व करा ब्रक्तः व्हेस्त हा । पुरस्कि स्वर्ध

ि श्रांत क्षातिष्ठ मिद्दव गीड " बडे े गएमच विषये प्रेटिक ने ज

) रेब फिक दक्षकी घटका **मृत्यी**रशत क्रमीन कर् र शास केमाकाम-अवा माहे. जनमू ्याक्ष कारम् । त्यक्षाला कृत्य नण्ड वर्षेत्री ে া, ভাষতিভ এইল প্ৰকাশ কৰিবাৰ সভাবনা ः कृतीन क्ष्मार शास्त्र क्लाशांत कृता र र काम, स्वेमां क्रांचीरण वे नाम क मामा (१९८) रम विशास **डिलेफिड केलस**रिंग विश्वीत एक कलाहि व्यक्तिस वित विश्वनेत्रक दक्तः त्रात पार्ट्स स्थापन द्वार व के विष्ठ विष्ठ किया. TENTER MEGENERAN TRAD AND. . 4-। : 'रीक्र अक्टूब दिना के का है। हारा देवना

47, 91

सारत आधार कृतः कारवः

ুক্তিকে ক্ষিত্রন। পরে ০১ সংস্কৃত বের্ডাক্তক্রি। শে অংমি লিখিশাৰ্থ, ছিলি এই প্ৰথা থাকেবাৰে

(४) किया र्-मध्य १ भव माठ नश्मद नवीख राब्द्रामंत्र काल क्या एडजीव शास्त्र नेमाव क्षेत्रभाग कद् अस्टिएक महत्त्व किन्न कृष्ट्रीह्न गाउँ वस अबा बाहेत्व आन्त्र मात्र मार्च बळ्न क्षेत्रिक्टक মানুক্তি বেদাত নাৰীণ *উত্ত*ল অধুৰ নিয়াত कारिकारिक्त । बेबाटक कूमराकृति आवार वार्व वि-कृष्टिक हिंदे। काद कि एका नक्षण स्वेदक गारत ?

व्यापन योष हार्वे योध्यत क्याप्त अञ्चल क शहः त्येष्ट्रे क्यातिह अनुष कावुणः वहेरव, जबन जांगात श्रूरजीत । कान् रहत बहेरर, बहुल अवस्था करि महि। त्वकत् क प्रमा नवक संभावह । काहे प्रस्ति के निर्मात कर में अधि वर्ष कर्न देत्रिक बादमेश महत्रा क्थम रश नारे ferie affent fien ebaten ! महोत्राहिक क्षार नव अधिक वेशक नाज न

সোধপ্রকাশ।

Mir.

की जामध्य है व्यक्ति करिया गाउँक मुखानाधार। गी-हे करत्व क्ष्मामना गरू वाद्यत शरत सिम्बाय এফটা থেকের আক্ষর পাবিব ও আহে একটা শক্ত সু इन त्यांत्र के बेहेबारक, म्बड मा अवन्त्र त्यम त्मक की बाद पाठक दरभाइ बांशीन ह क्लोबिन ३१५३

्रकार्ठकननः (मध्य तमायसंदिः अत भारत हो। मृत्य वर्गा । विश्वत त्य कृशं क्रेग्राटक कि छ । अ अंग्रेस भक्त केरहर मारे, विको क्रीत सं ह औं त्या दहर है न्द्रके विक्कि क्षेत्रकार इस्तिमाह्य संभातिमा नावि 15 個個標門に変が 1.7 4.564 会) 基地山 सिक्षिका अधिक विषय के अने छेल कि वि महाप्रकार के बहार के बना (अनीत मास्वाती गटक प नामक के र बार्डिक का त ना विक् मा-अकारकेश कुम्बाब भारत कमामारमञ विकि किंग क्षेत्र हो हिन्दू गरण करिया विश्र (अंक) कांक्षा कि त्ववत कुलीब रेविनिक পর মা**লান্ত লান্ত** জোনীর **উ**পুরে নারকা: विदशक कि 'विश्वय दिल्ला दिलाम दिलाम कावित्राचन्द्रं कुनीय देशिक्यमिश्यनं कुनीन कुक्तमंत्र शास्त्र . चा मान्य अवस्थाने करे

(m) व्यापना दमाना क्षेत्राच्या त्यावर्गमण दन-मास वामीरणय पूर्व शावित ग्रह विमादेश [दि: चिलाम, जिलि दा. चर्चः चिलिशेशक्रमः चादः वर्षाचे । आमावित्यतः करण्याकित्यतः दशविष भाष्यप्र करंत्रकी। (६०८ १ ककार से ४ % क कहिय विभिन्नसङ्गः। श्रीकारः श्रीकारः वाजाते क्षित्र क्षित्र । ठोगान्ड मा १ भ हमान्यक न अस्माहक अक्षामह कामी भारत व विकेट क्रिकेट ख शीरमत स्थितिक शाम । जार्यक्षाम्, मूर्य मश्रामदम् " बहेकल निविष् मृत्या वर्षे न भू उन भन त्यांन करेगांदक । विक्रीय के स्वी भीन जिल्लाहरू " जरमाक्रद के अंगिर महिना न क लक्ष पश्चिम काम कार्यक्ष । १९ महास्था समान्त्रं तन त्वत गाउक " बार्श न " बहे रु में वाकित्य " मह " बेरे किया कारक वस करे विश्वहर्ग दिया '' अन '' अवेद्या क्षिया क्षिमाहित्सन्। दिश्राचे मानीटलंब स्मय रेमपाट छ

था यक्तिहा आर्था 🤊 हेट्ड भारतम महि ार्ज क्यों केन इन, त्नकी वादः विश्वादित्यम, वि क्षा बाहरण भारः (रेश्वत्रा यात्र मा। द निश्वित्राहिनान, गारक कमा मान कीय रेबिक्किश्च কেন্দ্ৰ >

খাহা ইকক কোপ পরিভাগ भ्यूष्य , ध्वदः दृः কান্ধ কান্ধন্ত কা नेक्:८३३ जड् . त्रिटल व्यामद्रा ায়তঃ ক্রিনার

四次第一个人的现在分 東京 海绵 人名加尔 A STATE OF THE PARTY OF THE PAR विकास अवस्था प्रवास न राजन्मात्र पिन्स ल विश्व का श्रीष्ट भी में स्टीक 公置(多等) (ध्राव किंत्र १४ क में क प्रकृष किन किन निक है है दिस्की । टाव अभि वाधा वाधवाले अहेति हैं... **द्ध** त्य अत्यन्न विशय केंद्रशिकेर 🎮 वर ७ भारतम मा : विना क्रिक्किः 🛭 **हिष्ट इत् ना । त्म विश्व विश्व**राज्य पुर्विक प्रदेश, वेश्वारकता वर्षे हो। नीकित राक्षिकिरशत माहायार्ग, १२७ बात्र केन्द्रांत्र ७ कर्षमात का अविक

त्रतेनरकत प्रक्रिक् कारमंक ।

WATERS TO S THE REPORT OF THE SAME

कर के विशेष की में म किने दिवस दे विका, अ अमूमार्थ छ-्रीमक श्रीकृत्य विना महत्वा चार्छ पूर्वाक्ष क्राचित्क मन्धं क्षेत्राधिल, टाजी সুংগিত ভুল সংজ্ঞাপ ्वर्वविक्रिक्तिको अभगा ८५ ज्ञान कर मह विकेशियाँ देशक छेशास माहै, रमधारम बर-পরি ভারা ক শীষ্ট নিভি করং কি বৃত্তি ামাদিগের শিক্ষাও জ-हैति क्रिकारक, कानहा क्षेत्र का हजूरनद कि की व कार में गांग कि क वस-क्ष्मित्र। जानाविदशद ते ।। **पर्किम्।** य**उ ह**त र, व्याः मं जलातन CVI IN THE STATE आविषा यां छ श-ि केंग्रेक्ट विका**ं व विकास का**र्य সমা সমাক বহি-🔀 कृष रहेन्नी पडात हरे, नमात्वन शक्ति कामाहि-देशह त्य कर्त्र वर्षा कार्य खोटस्ट क्रिक्स्त्रश्याच प्रदेशां घटम-আৰ দিশের সামর্থ। বাকিবে দা, গুডরাং ওয় कडरके भण तात जांकी शहरत शहरत। धहरक ८व-मार्खेदा 🥙 (टक अरुडी कथा, क्रिक्सात्र) कहाँ व्यादमाक याला विश्व छिठादेश प्रकृत अटकह

> ध 📢 दनेशिंग लामा क्रिया प्रदेशिया **ভূকুলখে**ল নিমিজ হইজে,ছা বেদাপ্ত k% (মাগা গাঁজে ৰলিয়া লব্ব প্ৰিষ্ঠ coin wind with हिन्द्रः कर्गन ६४ व अधिक

१**ए**य, राक्ष २ ८२६ (छ. **मात्रीन कि मर्थर्स**

इक वामा विभार छेशाईक क्रिया

शिक्ष्मि≪ - म

N. 164 . 44 क प्राथमित क अन्य १, था, वाकान देवस्त अवन्ति मा क्षिता सुभूदक्तः कार्या स्टानमा

काद्य दियान गर्रे । अखःदर खनिनेतिः भारतिक्रिया छै। ्त ल्लादकेश क्यी व्यवस्थित, रू मताहरू चा बाज खेमी ट्यांजी चेचियांच्या सह तां कशिरोट्स्या अदेवद्रभ अत्र भन्ना अत्र । व रेर्ट ।। ब्रह्मप्टमं क्यामा किएम ३ ज्यान्छ नव क्षि हे हरे हेट हैं भी अदय क अनल नि र्वा हर्, श्यान चाकात रमया बाहरकटक कृताथल .विद्याप **कृ**दल केवत शक का में का प्रेटन करिया महिलाहे प्रदेश नक्षत व्यक्ति व्यक्ति स्थान । . वस्तिक्त वाजूनीति मञ्जाङ र ५ मध्विर जनभाग्न एन, अग्रसक्ती 'अक्रवाविकी स्ट्रि! शहरूम । डेल-রুদে উজ্ঞানক জুল্টা বল, বীৰ্ণ, আত্ৰ ारमार्थं अभिमानामा हुन्छै क्षेत्रकामा ।

िक यो अञ्चलका कार्रिया स्वती श्रीय. ान छ्या **इंडिया क्येतात्र मञ्जादवा** ः रूपः । इँदैं। विद्यक्षं प्रशासूत्राम ভট্ডা **ই**ইজি যদি আপনা ाउँ कास ना इतः देखातारशत् वाश्राम् ान दाध्यानरक अवस्त्रक्षि स्क्या मृद्ध 💆 ি দারা ই**হালিব্**টেশ**ুনাত্ত স্থানিতে স্**ই-गाक्त माहै। विकित्सान विक स्थापन 'पनः भागा संकृष्ट विद्याप्त विद्या १९८म एक करेने भारत आका " गक्ट गहेर किला भाषा महानवान हुन जिनाई रेक्सन बंक हुन समित्र रहा. . कर्षे का दिवस क्षित्र क्षाकिर गर्न

म अनिहान सहा उन्निष्ठ वृक्षणा-

কুর্বে পরে উভর পরেকরই উৎসম

情与意味()

महिल्ला है है। इस प्रमान उभक्त ह MERCH THE BOY WENT THE STATE वर्ष रेवेटक कुन महिता से केविश्वन कवि-बाज रेव जाला जिल्लाहरून, मन्त्र काल थ श्रीय काहाड केंग्सकी स्ट्याद महा-वया नाहे। अमेरनक विश्व चाटका ताहे म-कम तिहा पिकांच कडिया चाला हेरे नि-শ্বি করিবার সভাবনা, কি ে পতিশয় বাত হরীদে শেষে ভারত হের্বও জানুবছিক चित्रिके चित्रिक्ष के 'द्य ।

कन्नकः जानद्रां विदा हत्क स्विद्ध ल रेटब्हि, रेंश्नटखन्न महिन्न जात्मनिकान कुक क्रिपश्चि व्हरने त्यवत्य खेरात लाव स्रेशहित, चारमहिकांत्र धृर यूक्छ त्यहे करण स्पन स्ट्रेटन । केवत शर्मत गवर्गस्म-ক্টিকে শেরে দক্ষিণাংশের স্বাধীনতা প্রদান ক্ষ্যিতে হইৰে সন্দেহ নাই ৷ উভঃ পক্ষে-त जन भृविवीत्र प्रमा चमा चरशत वरू का कार्व रहेन वह बाव । हेश्नावा अ-रिक मारमितिकात कृरकत धरः जारमित-কার গৃহ যুধ্বের পরস্পর বিলক্ষণ সৌসা-मुभा जाएक । स्कब्साबात केवाजीन नएवन। देःमञ्जीशनिंदगंत यहिक चार्रमतिकाननिंदग-त रवक्षण निक्षे भव्यः, चारमहिकानिरगद्रश **शत्राचेत्र (महेंबल अवद्या मक्टले बक** প্রমৃত্যুদ্রীক্তে ও এক শোণিতে উৎপন্ন। পোচান ব্যৱহার, ধর্ম, ভাষা, বুলি, বিদ্যা অভূতি ডায় একৰণ :

১৮৫৭ चरचत्र निरक्षण कारमञ्ज्ञ मह-खत जनर्भ महैनान शन विश्वा करिकवर्ग न উন্তিবিধায়ক ইউ চল লাভ হইয়াছে, আ-দেরিকায় যুদ্ধ অবসান হইলেও সেইৰূপ ছ্টবার সন্তারনা আছে। আমেরিকার শা-नेंद्र व्यनामीशंक त्य तम तमाय चारक, अवर (स्ट्र शाव श्राकाटक मृहित्रक्ष चित्रादह, লৈ স্তুপার পের জানিরাৎ সংস্পেরিজ্ঞ ছটুবে नःसह नारे । मिक्शारण प्राप्तितको छाक कारिक के उन्नार त्यान निर्मा के कार विकास-

क्षेत्राके महत्त्वादात्र तक तकत्वादा कर करानीपन कका दरशा भन्दी याम ने बाहा कर करिन्द्र के की की क को बहुद्देश क्यानामा बहुता है महमानकात नामि स्वेटन, मा पान क्रिकिंग ए अक्री अंग्रा कार्य शना हरेएकरे केमानिएस बहुत कवित्व । क्षेत्रकृति कृतिहरू AN GRAINING MAININGS स्वाविक नरहः

692 विविध गरताम् क्ष्री पार्टिक देशामद्यक्षित्र

णानतः **शनिका प्रतिकः, वर्धनान**िक् प्रविवास भूगीका विमालक सुविक्षी ! ni Dere, Grein mile Croup, and PURITY CHAPTER STATE AND किंड ठें। शामिनात्व क्रिनाहोत्व कर्मात्र विश् আৰ বিণের কাভিনের কাই । এইবংশ্বর হারা ধর্মের নিমিত বা করিছি ক্রেমের দের নিমি**ত পুলা করেন, তারামিগারে** न कतिया चारकमा क्यांकि के आर्क्सकार् দেশ্য : অভিনিবেশ, পুরু*ট্ট "পাই: ক্*রি असारवत् अर्थे श्रिकाना, विशेषि क्रिके THE STATE OF THE

ন্টির। হইতে এক ব্যক্তি বিশ্বির: গত ১০ই আধি তত্ত্তা আমুশ্রীনীয়াই কৃতীয় সাধ্ধারিক পারিকোর্ট্র বিশ্ব ক্ট্রা নির্ভে। সভাস্থলে ভাইকে: 🙊 कृषः विकारी कीपूरण बाबू, मीबली क्षेत्रहें किल्ल পাশ্যায় ও সাজকীয়ার ক্রেন্ত্রী শালা बिगुक राम् बिगवर्श विशासिक स्टिक् CO STITUTE ATTACKED BUILD BUILD AS के दिशादस्य रा 🐴 📆

भागता अस्तिक प्रताक बूटच असिमार बाइरा दबानकारिक के क्रिक औरवर्ष बाहीय केश जिल्ला महीसाहरू हैं के स्वास्था के का बाहिए। प्रत्याह जिल्हे हैंगोर गरन स्थायहा जनमें ज कारिका वर्षाका विषय परिवाद, उनका वा गानीको अधिके दिवाबरात अपने अवन्त । नाइ अनुकार के इबाद (5)। कहिएउटहर्न न्य क्षेत्रियानिका सर्देद । क्षेत्रिय विका विका विकासी क्षेत्र कांत्रेशकान पूर्णानायां वर्ष

া এন বিশ্ব প্রকাশ করা করিব।

ক্রিক্তি ক্রিক্তির প্রকাশ করিব।

ক্রিক্তি ক্রিক্তির বিশ্ব করিব।

ক্রিক্তি করিব।

নেতিয়াত তাৰ এই চুটাতের 'ৰাজনারী অধ্যতি উল্লেখ্য কাউ উইতে পাবে। 'কিনিজ উইকা জীয়তকীয় সভাৱ আগৈ জাৰে গৰ্ণদেন বারালক কি অন্যান 'ন সকলের প্রতিত বাজিনিবের সালাব্যাপ বে ও চিকিৎসক থ্রোসে করিবার জাকা।

विक्रीश्राधक कंटरनः गोविंग्लाबाटन व्यक्ति इ केड ७ वृद्धि करेग्रा निवादक । अख वृद्धि वश व्यक्ति व्यक्तिया निवादिक। व्यक्तिक कि व्यक्तियाँ अवाद्धि वनीत व्यक्तिक (कार्यः

के आविश्वासीय देश को स्टब्स ख्याकात इस्त विक्रिक्ट वर्षों देन समस्य बोडी जाटक छ। हो

विश्व विश्व जोका रहेशादः।

हर्गानस्ति कास्त्र व्यक्तिकान कार्कात्वत्र

क्षित्रका स्वाक्ति कास्त्र व्यक्तिका कार्कात्वत्र

क्षित्रका कार्कात्वः जन्म मः जारणका

क्षित्रका कार्कात्वः जन्म मः जारणका

क्षित्रका कार्कात्वः करमार

পেট্রিট গরেন লাজেসায়ারের সাহার্থরের ্বজন্তের ২০০০ চাকা সংস্থান্ত করীরাইছ। প্রস্থিত সংক্রাক্ত বিশ্বাস্থিত বিশ্বাস্থিত বিশ্বাস্থিত বিশ্বাস্থিত বিশ্বাস্থিত ।

ক্ষাক্র ক্ষারের করেন লাফিলান্ডের ছুর্তি-ক্ষাক্রায়েক সর বার্চল প্রিয় নাকেন নকন ক্ষাক্র ক্ষাক্র দেওগু হয় এন্দ্রণ আছে।

THE PROPERTY OF PERSONAL PROPERTY.

त्र अवस्थित क्षेत्र पात्र । प्राप्त का व्यक्ति का व्यक

্থকাইচনে নিয় লিখিত সুলোয়ে কৰিছেকা বিক্ৰম কটগতে।

ে পেট্রিরট কচেন কেবেহ,রের রাজা নয়ে-জ্বনারারণ মহাবাস ব হাত্র উপাধি প্রাঞ্ ইইবাডেন।

खेल नक जारतः नर्धम शर्भस्य वस्ता ज्यानका वस्ता क्रम् ह से यथ्य ज्यानका क्रम् ह से यथ्य ज्यानका व्याप्त क्रम् ह से यथ्य ज्यानका व्याप्त क्रम् ह क्रिया क्रम्य जिल्ला क्रिया क्रम्य व्याप्त क्रम्य क्रिया क्रम्य क्रम क्रम्य क्रम्य

<हे का किक मक्रवात्।

विकिक कर न शवर्त्य स्थानम्य केर्न्स केर्न्स केर्न्स कार्यास वाचे रवस विवास देशमा केर्न्स कर्न्स्स कार्यास कार्यास कार्यास कार्यास कर्नित्र केर्न्स कार्यास कर्नित्र केर्नित्र केर्नित केर्नित्र केर

खेल भव जात्व स्वत् । होर म नहेट मिली भरास म्यान भरते हिन्द्रण प्राप्त हैं गरभत्र कवा के क ब्रह्म जाएंगाक रहरतर सर्भवातील उक्ष स्व देव जाएंगा के हिन्द्री हैं।

अवकी क्षेत्रव श्रीकाटक नेक स्वत्रक व्यक्ति व्यक्ति क्षेत्रक व्यक्ति व

AND THE PARTY OF T

for the present the colors

ed alon because a na ं अन् जाका बहिएक किया वर्षेकारक। with with minim fablant श्रिक्ति श्री क्रिक्सिन जिल्ला वे कार्यामक। एवं म बारका गढ अकि बादम स्ट्रेप्स्य ।

त भ्रमित्र क्षेत्रका मामबीरण कड़ १ **अन्यरं**भाक क्ष्ममां इत्यादक्, र्थानिव ६० सन लादिकत बद्धा रहेंद्रांटक् ।

कुबिदेकत करस्य अमुक नदस्य (!म म'रम अक बाक्कि- मीकांत कति क्री मंत्रिया अन्य गालिका क्रीन वर्ष भार्य बखनाक्षित्र गहिनात्र বৰা সিয়া বল করিয়'কেন চ গুলি न्तु एक्ट्रा कड़ा कि कि कि एक प्रकृति मा। পুলিবের এই হাতন নিয়ম বই-্ৰোডা রা**ভ**ে শৰ বার দিরা रिक्तिक किया अधन करही पु

ीं इंट्रेंट्र । क्षेट्र स्था, अब अध्यत्न अ १3 **अ**श्र ७ डेकि छ १ मान, **घटेशाहिल** বক্ষ স্থাতে গ দিনের কন্য কার **আলো** মইরাছে। নিম্মারী আলো চা লালাইটা লোগে মণ্ড কর। কা ।। किन्स बर्गम मुख बातु स्वयंत्र भरखव

्य बाद विक्रिमञ्चा रहत भी देशकान ाविमस व्यायक्षा श्रद्धके अपनाम कवि **कर**ण व शाठेकश्रदण द फ्राइन्टर्स विश्वि , রশয়ে খার্ছ জার এক পুত্র বারু वस प्रकार महामहाद्व भगविवास और ब्रिन केर्रेबार्ट्स व्यक्तित्व स्व ७८५ स देशिक्षित्रक सः किने करत्य।

· ४ के का जिसे राज्य ग्राह ! ' ताम देवे कियोक देशकादात नाहे **福度 电影 电影 明明 明**年 明年 明年 明 कि न किया निवादिक अविद्यान मनोक्ष नाव बारे। महिन्द्र अंति में प्रदेश । श्रीरेक्ट का बाब साविकात के THE WINDS

Paris dies Ann that

असे तक्रामान क्षान श्राम इ न्बेरफ निवद्ध हैलाबाद बर्निवादक। अब setter & gifte en an an Sica evis wi लिय दिन, अकरन (म नका पुर व्हें। CD हैंगेडि हेक्स ध्याटकहाई टेमना त्य नेवट विकिष्ट महिलाईक । कडिस दिन्छ चानित्रां कर

২৯ নেশটেবর আহামত ভালের গুর ৫০০০ সৈন্য নাইবা আনীয় বোভ নহৰদেয় সেশার সহিত এক যোর তর বৃদ্ধ করেন, **উ**-তর পকেই অনৈক লোক হত হইরাচে। অন-স্তর সাধীর স্থান সৈম্য প্রেরণ করিয়া লে कत्री बुहेदारहन। अकरन कह कालाव की। रहत। जाशायल जारतत्र जहधनिंशी কলৈ প্রাণ জ্যাগ করিয়াছেন ভ ক্রার মূত্যু স্বাচার জ্বল করিয়া স प्राथिक श्रेय राजन। जाभीरत्व सी ट উঠার আশ ভাগে করিরাছেন পতক দহা একত হইয়া পথিক দিনের প্রাণ করিত ভাষিরের পুথ তালাদগকে। क्रिवारकम् अवः काशक्षित्यत्र मांत्रित् काः रहेवाटह ।

भूनी व्यवसायवर्त्त कत्या : अ वश्यव वा क अरू बाजक कालकारवह ल्लाह्य कार्टेश क নের একটা বালকের আণ হত্যা কবিরা সে-**৭ত হংদ্বাছে** এবং ভাষার য**া**নি এইবাস জা का रहेशांटह ।

रकुष करका अभाग भारत अनेतरभूत कि **५ ६ चात्रखबर्द** ५ ६३३ अस ८० क्टिक लिकान = লাম করিলাকেন তথ্যগে কলিক'ড়া ও দ খা विश्वास्त्रहरू वाक्षारम र्यात्राहेरसम् छ भूगात महारि है 209 예판가 ¥283

जाउउरर्व ज चारनीत्रणात्र विकासम्बद्ध च ar 2 3>26 Bief all Calletin Balli चात्रकार वेद्यति विक्रिये हेन्स् व्यास्था होत् शेक सरेशाता

mile milesche beweit bie mine be

সরটি কবিয়াকেন স্বভন্ন यक्नका है है क्टर्ब जिल गंध पाचनाव्यविषय विक्रि र्गाहेशाहिएका । **अवश्र**क नक्म चीकांत कराम कि ्रिका भवन्यके प निहाने के स तिया सन्त्र काराहे अ विश्वति विश्वि का का विश्वतिकार विवयं कर १० वाक है कि है गरतन भर पर्वाच्या सूह मानिम विशिव र्डम्पे ^बर जर_{िट}डेब्रॅबासीम् लक्ष TO THE PARTY OF

41 10 वरेंद ্মা मान ' THE

िक्षिता के है दिनम बरकर किर्वाक्षित है जा की देशीयामात्मेव अने के वे वे विकि काका करिक विकित्त काल बाह अराजन मात्र के निकार बाला आटब नियमित्र सर्व निर्माण पहिन ।

特色均 30 Thinks they bet CAPACAMI MINERAL **的时期的原理等有值。据图CFT** 神経神経で

त त्यान क्षेत्रकेट के जाने निष्ट । **गावह वर्गा**न निद्या क्षित्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र रमत का क्रिकेट महत्त्व अवर वना क मानम की जिल्ली त्यान जन बारक कारा है amenta wifen sten ein wir wer ार्शकि व्यक्तिना । भाषा र भाषा । थाः देवामका विशेष एकः मारमकार्यकार्यः विधान थ्यत किर्मे भागाक माहे दकर देवालीक केर्मे : affergen ".ca fevena com beffer 京都 中國中國 京 京 · 中国 中国中国国际 श्रीर, न्यानारमञ्ज कत्यरन रवस्त्रे व्यक्ति मा । व्याकात्मक बारम यउ कर्का विकेश महिल्ली ं ाहा क्षांबह जब छडक, 'अध्यादार क्षांबह त्वाक्रमम् अवश्वाव मिह्न त्याप्त कृष्याहे अ NEW CHISPINES WELL TO WELL THE WEST हैंव खब्कवर्ग जोका क्षेत्र । के केला किये, कि बिह्न करहे में। इसे भान ने बहिया हाका खेकाल करने । एक है जानाम अर्थ के र रामम अलिए जिल्हा मीलका अर्थकारी আৰীয় ও সভাক, স্মত্তবাণ ভাষার নিক क्षांबन। अविकार शाहितः विकि मा। विका भक्षा कः पाकिक्य कि बीतकर मार्क , এছ ছুব্র অভ্যাচার কবিতে পারে 🖟 মহা े कार बंद कवा करिक कि विवाद, आमोरहद প্ৰশাস ও ছেলে গদ্ধ প্ৰধান্ত কাড়িয়া লইবা প্রভাবত আমরা আধার ও চাল বাস করিতে शिक्टेट हैं भा। यह अब प्रिस्तर निश्चित कारात হতকে পরু ভাড়া করিছা আনির! চান করিতে वादि क्षांबां कथा ६ का किया अहेत्रः वात्र । अहे रक्षा बाजना कहे ममक्ष विषयाद मिनिस अवर्ग स्थरके सहसील कतिशामिलाय, जामान देखन कार्जिकेट्ड । १ , सदा बत्रवाटिक स क्रिक छ नव न्द्रमद्भित्र जेखात्र भार्क के देश दर्शियात्र दर मनी ত্বা ক্রিকার ক্ষরিসময় সাতেবের উপরা তথ্যমূলী त्यक क्षत्रांच्यान च विहारत्रव

रुपद्रवंक समित्र क्षेत्रम् अस्ति। चित्र एवेषारसः। स्थान्यवेदप्रदेश है Maje Hiftelia' afect little क्रमेन कृषिकारहरू । 🐃 👉

२१---(मक्तिन् नक्तार् छिर A. PRINGERIER PERLER श्रमात्रम् अस्तिहारस्य । ८०महेकि ६ वात भावता क्षा द्वारा हा वादा

ंक क्रम गडेंगांक शांत्र संदेश ব্যায় উপস্থিত কইয়াছেন ফেরিয়া १वींबेक्क कर शीम व्येषां निवारकः क क्षेत्र के विश्व के स्वति । जन्निकार कार्यार्थ्यः। रथान्यस्य केवत्र शरक ३३० मुक्ति तैषकात्म । ७१०, मार्ज व्यक्तिक २०४ nth with the state fee or र्शेन्द्रर कार कृतिशक्ष अहाका 可見有にも、「多一切」。42年 《海湾里 25 लि**० ६ दे** लंदि

गदन्त्रके विज्ञालक वावानाटमनीय (नदलें म के अवर्द्धक **ंदन्याञ्चलको निद्यान ६ १**१ b प्यक्ति व--शिक्ष मि बंध वाश्वित में সিংহে নাধারণ বিদ্যালিকা ক্ষিণিত কে ্ৰদ, ধাসু স্বাকীচৰণ স্বোৰ ৬

Leste-FEBRIA

....... TACH! **5.** ₹₹~

व्यक्तिकारिक विशिष्ट का करें। व्यक्तिकारिक विशिष्ट का करें व्यक्तिकारिक के क्षारित कर के यह अप आखादक को क्षारिक क्षार्थ अपने का आखादक को क्षारिक क्षार्थ अपने का करें।

हर वस् अ. सर्विटिशन — हम निर्देश श्रिप्त अश्रिक — मृत्रतिस्थात स्थाप के हम — विश्वासम्बद्ध अर्थे हम — विश्वासम्बद्ध अर्थे हम — विश्वासम्बद्ध

ः या, ककः वाल माट्यम - २८ श्रह्मानाहः १के तम् अविभिन्नि विद्यानः

किशाब आजिमिन बाबिएमें हैं शासन है, दक्ष, नारवब डेक श्रास्त्रण था। त्या व व्यक्त बहेरबुक :

्रें जिल्ली, द्रां, काष्ट्रस्य गाइकः, बोलावार्क् विश्वितके के कारणकेत क्रेटका विश्व कर विश्व खना ज्या का वर्ष कृत द्वारणिक विश्व के कृतिकृत विश्वितक का किस्ति के क्रियम।

्र कार्कित्-िक, विश्वास्तिक नावर हर-भूतिक व किल्किक के कार्यक्रिक्क जिल्लि करेक्सन

क्षेत्र विभाग भा स्व त्यकि स्वपंत्र द्वायात्र कर्मेत्र व्यक्तित्रक्ष मध्याति स्विमवन स्वरंत्र वर्ष व्यक्तित्र व्यक्तित्र (३५-४५ महिलस् १६ वर्षिकः) २६ श्वा सम्बद्ध विक्रीत व्यक्ति स्वी-वर्षिकः) २६ श्वा सम्बद्धित्र व्यक्तित्र स्वी-

ंड गृति स्वतिक के हैं के विश्वासी कार्यक्रिक विश्व के विश्वास के तर श्रीक्षिक के क्षेत्र के के के विश्व के विश्वास के तर श्रीक्षिक के कि कार्यक के त

PAR PRINTED TO THE PARTY OF THE

THE WITTER SECURIOR AND

The state of the s

के अधिक परेट वार कोलगाड़ि सारिका (केलके बाटका २० वारेन) - व्यान केल केल बरिका क्रिकी क्यान स्थीत ब्यान परेड करक गुरुक्ता

ं निर्मा निर्मि हैं (सरमदा) शत्म दमन्द्रिक हैं माझ विकारकुत ।

वाद उज्यावादम सव

मोनिव ब्रिक्टिक्त ३५ ७० मध्यम ৯ चारिस करण कांकात राजभूति कांग्लिकेट्स अस्तिविधि स्न

्रेन आहे। यह- जार्डे मित्र का सम्बद्धित कृतिन्त्रीह अधेन दक्षीत श्रीवास्त्र एक्कारी स-भाक करेतान।

,ध्यक्तिम विश्वतिमानः भवन्ति हैत शक्ति। निधि निजय क्षेत्रिम श्रेष्ट्र महुनाथ गुन्छि है विजय क्षेत्रिम क्षेत्रस्य।

क्षांत्रक्ष विष्ठात्र 'बार्ड प्रवर्गमानेत शक्ति सिंध कूर्मित्रत के कम बांबू क्रम्मान कृत्यांना -बांक क्ष्मित्रत के किस व देश्यन। "

२० व्याक्षेत्र - कृतीय स्थानीय श्रीमारवर्त्त म-इक्षाती व्यवस्था, वि. ति. व्यक्ष केनेति मास्यर, स्थानामान क्रेटक स्वारम् व्यक्तिका ।

क्योव (अवीव श्रं कारवह नरक हो स्वधाक सर्वाक्षेत्र, क्षत्रीयके, का कि मारहत यह वजेरक दर्भाकोकशक्ष्मेय कहति बुदेशका

यान् क्षेत्रेक्क स्वाय वानव्यव्य विश्वित्रात्र स्वतः स्वोविद्यतः अखिमिति वदेश्य अवः क्षेत्रः अस्म्बर्ग मृत्तिरके स्वतः मृत्यान्यः भावेत्वसः।

३६ वरकेन्द्र—गंगांत क्रम्मिनां क्रिकेट व क्रिया गंगांत कर करेंग क्रिया गंगांत व विकास विवासित कर साथ वहेंद्या क्रिकेट स्वाह रे वर्गांत क्रिया क्रिकेट क्रिकेट गंगांत प्रतिवक्त कार क्रिकेट क्रिकेट क्रिकेट क्रिकेट क्रिकेट क्रिकेट क्रिकेट क्रिकेट मास्त्र अपनेत्र क्रिकेट क्रिकेट क्रिकेट क्रिकेट मास्त्र अपनेत्र क्रिकेट क्रिकेट क्रिकेट क्रिकेट क्रिकेट क्रिकेट मास्त्र अपनेत्र क्रिकेट क्रिकेट क्रिकेट क्रिकेट

्थिति

Alertaine Landsterle Los 海京山山東京 明日日本 中華 海洋 海洋 海岸 SANLE CHAMMASHE ASSESSED AND ASSESSED ASSESSEDA ASSESSED ASSESSED ASSESSED ASSESSED ASSESSED ASSESSED ASSESSEDA MAP WIS TO COURSE OF SHARE ON SHARE देशि विष्ठात स्वायदमे वृश्वित है स्वार्थ है कि है क्षेत्रम कार्शक त्यांचरका भी कार्यक है। क्यारन कित्ते। मन्त्राक्षक स्थानिक व्यक्ति COM WIND WHEN WHEN WE WAR THE CHAPLE water give where the water that will PERSONAL PROPERTY STATES Com te minimiste Manter Com te Minimistre Com THE IN THE PROPERTY AND THE PARTY AND Ge until Adonesia en mille A Septemble alalacas andla del alla la series nd stall ferner . All Giffelle मानिक र क्षेत्रीरम रक्षेत्र र काम र काम महाम करियो क्षात । बाक्ष भीकार किहिलाई करी बा PINEST PROPERTY OF THE नीतमाहता अवसूर्यक अस्ति । अस es enter milet melden eifere nielle werte Biege befe f होकांत्र शांतिक व्यमान्तर्केषु रहेर वह विक्री मानाम के

THE PROPERTY OF THE PROPERTY O

CHEST COLUMN TO A CHARLES

Will be the late of the late o कार कार्या शिका जीवे पान दे 性神经神经 特别 AND SHE WILL BEEF THE THE wasters with the state of the st mittel e war with the Continue with कर शारी कार करती हैंगा निर्देश entite de la constante de la c क बकुन जांदर कर ६ मः यहेश अविश्वतिकारी की प्रदेशक आश्वमाडे × मनगर्छ निकार সভাবৈ বিখ্যাল্যপ মুক্তর টক স্ব'র্থী बाजिएक सारव माते । वि'लव विटेक्स का मध्या एकोपना कि कारणवर्ग के वर्ष की अक्षेत्रका अक्षेत्र केरिक्टर । क्या क्षेत्र में विक किक्सि व्यक्तिवास्य अस्य शाया व सं ? असि ক্ষু নিউকে কি মন্ত্ৰাক্তন নিবছ কৰিবা সুসায়িত काया गांक ? बंदामंत्र संगानी गिकात चर्नांदेश-शंक मर्वास विभिन्न हैं जिल्ले के के के किया में किया जो कीश मान की रोजनाय जर साथ रकति गर्ड किंग्ड महत त्यावर कविशोधिन सक अर्थ अर्थ अर्थित क्षात परवा राष्ट्रक विभिन्ने अर्थे कि निर्देश

ए ए दिल्ला माना विम कम क्षेत्र केर हैरा । तह नेवल व्याप क्षिक्ष क्षा अध्य अधि । ज वि क्षक्ति के किया दि करायां त्रजा अभवेशिक्षक कर के विश्वास शा 'अक्षा के अमान के अमारनंड অ'ব এইদ ইটি হৈলেন ভাষারাও ত Ang Beifelen wa und winnich क्ष्रे इत त्विष्ठात उत्र के में नेष्ठ विधिक्ति ্ট্রির নির্ভি হইতেছে লা। অভাগি ক্রিব দল বেরপ পরাক্ষান্ত ভাষাকে क्षेत्रिकं करण एक जावांत्रा मित्रिटमरच वा क्षेत्र रहिषा एकतिहर । एक कनटला प्रक क्षेत्र पत्रि दूषिएउ शाहित्र। दशा अहिता क्षेत्रिक्षा क्षेत्रकः व्याद्यः स्मीमञ्च स्त्री क्रिक्ट प्रदेश निवर्ष रशहे कहा है। निर्वत व শন্ত্রি আবোচণের পুর্বে জিল্লানিড চ शिक्षिक महामाहक मेल महा कारान ঞুক্তি বার প্রস্থার ব বুরি ভারত ্ণ হা কথা প্রবণ করিয়া কলিল পার্ च्ट्रांब शतिबाबाटमं दिलांग्ड नथ ए पाउरह

स्वति सहस्य क्षणि संस्कृति स्वति स्

THE RESERVE

त्र विद्यक्षण व स्थापन स्यापन स्थापन स्यापन स्थापन स्थापन

প্রায়ীরিক ও বাসনিক क् इन विश्व आयर्थ स्वितिक । या मकल दाकि प्रचार के सम्बद्धित प्रदेश स्थान स्थान ्य विशिष्क केलिए, जाया करका के face freezist was war winifered व इ मार्ट्य के शिवात । वे क्या विकास या ८५ एक प्रवृत्ति कि विश्वि नवदेन विश्वि में नमर्ख निय व्यवसूर्य লতে উপস্থিত **अहि श्रेम स्टब**ं गानि नडनीय काटकंड - করিয়া জী भारतम् मा, जीशांपि-विष: इं है टारमंड र मर्क मा े अन ७ ७(वर्ग ५ वर्ष 1 EX F- 1

্দেং দিৰোৱ এত আৰু কিন্তু ভীছাকি र्व - है - गुक्क ३०० क्रीका । कुरुक्क ग नेत्र कृति त्यानी दिवार । ह (बक्रम ১००, के इस स्थिति ১৫० का। वदम रहरी 📜 में विम शक्तिहारक, कारड >०० क्रीकानु के साम खेंस राना-र्च म्राज्यभिदेशके कि रचका किए, क्यू-IT THE A

में शब की डिंक खेंबरिंह । की MEN DES BEREITE PROPERTY OF क्षित्वत्र कृषि नवस्त्रात्वेतं पत्तारस्य रपंत्रण अर्थाको प्रयू इंदैरकरह, चना रहान अविकासिक क्षेत्रि क्षिण बहर । अधिक क्ष कि नक्षी के केर्यान ता नमक द्वारे जा रामक पानिक स्रेडोट्ड, पारीत अधान क्किनित २० है।का विकेत शहरकर हनः ाठ वर्षेत्रका । भारति किस विकास क्योत व्यक्ति । अक्त म B अरे स्टेम : देशके किन के किन भान ना 1 अपने देशपितनक रख अस्टान नाच एरेनाहि। अरे वरना योषात्रा वार्षिक, यथार्थ विकास कामा व्यक्त व्यक्तिकी इंग्रेटिसकी स कि या. जीशविदेशत 'मदन मना अर्दे । त्यकि व्यानामक्टर व्याना कृतिता वीदक प पारक रकीम कर्रवरे हिरस्त्र शति-। म । छेशतिस कर्जुर्लक देशविश्वत वस्त्र বৃশির বিশ্বরে নিভাত্ত ভালানীন হইছ। আ एवन, अक्नुनंत वना चारेएक भारत हो <u>क</u> कुर्व परण वयन ४ पार्टिन अपने अ स्रोव क्त, करकाटन बरणकन्दिनद्व २८० होका (यष्ट्रम्ब এदः २००० है'क भर्या ट्या वक्कान विकाद क्रमण स्टेबान क्र मृत्रः क्षि ब्राम्क नरशत प्रमुखे कार्य ३४७३ चंदल ४ चारेन निवित्त प्रील. इतिराद्ध श्वयम वृद्धि इरेन वृ THE PROPERTY AND A STATE OF

a ferifala नुसा निश्वभागित साम जर्मनामि नियात्र समाविकाक इत, पनुसार व मकारि रंड मा किस तारे पूज यशि बाह्र डेव्रम ७ वर्ष शदी गर्डका ভহ্মত পিও খানাদি দারা পিড্র **म्य सा । पांशव, की गाणिह** मूर्विक स्ट्रेरल कालार्का क ৰক্ষাৰি ঘটিৰার भेर के बहे कर अधि ब्रेट्स नहीं-ইকে অগতের জি হাস হওয়া বিচিত্ত কলভং ৰাছায় বাভিচার দোব নিব

अवदा रेशक विद्युष्टिक वर्ष क, रक दिवाझ अटबटमत भावित्र कर्ष मग्न, धार कूटनिक क्लोनीना कर्या -लात्का कान नानमा श्रेक है है श इक्ष वरेशारक। बार वह भारका प्र ब्यानमं पूर्वः वाकुकः, र भवा भवा रिलाइका का प्रमाम स्हैरक, हेंहा चन १८ बन्न मिन् विक्रम् । भाजकारतता M. 787 3 स्तित्म छ,हात्र स्वदि কাল প্ৰায় त्यु कतिया विकीत भा বিক্রম্ কা विव:८६/

जिट गर्ड मारे। पंश्व

कीरमान कारा करते। क्र

विना (व:४ वर्षेयांत्र म

THE STATE OF THE STATE

াৰ্ণিড MATO -विदेशक 'ই ভানী त्रम मा। ानि(श्रंत ं क्रेग्रा-जात्रव क् বিরস্ত र कारम

गर्यम क्रीया कि

विकास विकास करणा विका

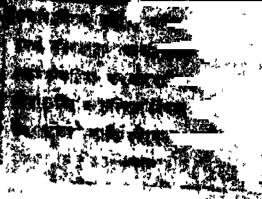
ाचित पेस्त शर्मे, जीत्याकवित्यत क'ः। १२ व्हेटम अवर महातिज बाता कावात क्षावधान नितन क्षे हाण्टिस्त ठित्रात अधिक स्ट (भाष ति नवाबन। कि

हरू माणिकालिये काम करते यक हरू माणिकालिये काम या माणि भाविकाल करते संकलकार वास्ट्रिय स्थाम किलान विश्वम कर्या क्या माहे। विश्व की माणिकाका ज्ञास्त्र भाविता. में बार्किन कालात ज्ञान (काम- क्रांत करेंद्र है के कालात ज्ञान (काम- क्रांत

कतिएकं क्हेरब ; 🕡 बर्वे अगरण विध्याणिरनम् विध्यस्थ व्यक्तिमात किंदू र इस्त. व्यक्ति। छोड़ी-ता काराता पश्ची नह, बरे ि स्ववता कड़ि-য়া ব্যবস্থাপকুৰণ ভাষায়া ব্যভিচাৰিণী ছ-हैटल न्द्र श्वापा करत्न माहे। कि কার্গাদিশের ব্যক্তিচার মূলকও বছতর অ-नोर्वे ज्यापत्रिक हत्रेष्ठ, वादल । जामहेर अक-नात भारत्क त्मिश्वताहि, धक विधवीत वा-িচচায় প্ৰদাৰ এক ব্যক্তির জানাতে ওন ইর্ন ক্রি इप्र अमेरिक कीमां पत्र बांच स्वेतार है। वह १ विक्रिक তিচাৰিণী, বিধৰাৰ শশি হৰ বিধান স্থান আৰু এই কুট্ৰা war mense. Maintens to the near the क, कारा प्रशंपक बारा कारा कारा कर giffe en. feranfant, feffe ten क्षेत्र वर्ष मा । नगावर के कारणा कृतिका

चीनि केर्निन, तम बेन्ध्य अञ्चल स्थाप-

ভির আভিই তথ প্রতি পালন ভার সমপ্র



2 feet affin giften mitte en fematen ? SISTEMATE WASHINGTON AND THINKS पहेगात बान्टन पु**र्वित्रीक वाद्यदेवता एवं अक्** · वार्ष्टरात वर्ण क्षाक्षिताहर्ण, कांका कि अमारित विहार्वक विदेशन क्षेत्रकर्य येश माह ? क्ष्यन त्यांकी क्ष्यों दव क्षावांकी वृश्वितक शास्त्रन ता, देशहे वा क्यिक्श महिन्छ शाहि । खरव কি তাঁহারা আদিয়া ক্ষমিয়া নীলন্দরের আছি: "त श्रुवनःर्वः **धाणातः सर्वनाण कविरक्रदक्**वः ाजका करात-,व्यक्ति शास कियो स्टेरम क्षणाता त्व चालां,जिद्रक शास्त्र ना पूर्विशान म'रहरवन्तरे होता निकानक स्वाद्यक स्वाद्यक प्रादिश्य । হিল সাহেত্যের **সম্বাধপুরের ভৃতির পর্যাক্ত একা** नीत दुविश्व क्षां के क्षेत्राहरू, क्षांशाया कर tas sir des mailele altrice जिन महाको सार्थि सार्थ और महाच कर्णाहरू गती व्यक्तिप्रकृति के कार्यों के किए जानen a de fert with the gray free with रानी बार्का किया विकास हो। मण्डामून वरानक । जाकि विकित्यक्ता जीनवादक हा PERSONAL PROPERTY AND PROPERTY PER CHARLES MENTED **モン・シリング 神田**田田 PALLIC MANUAL MANUAL PROPERTY PROPERTY AND PERSONS AND TV What you say that

विविध गरवाम । १ वे वाश्विम आक्रीत

विक्रित प्रदेश परके बैंक गा कि लेवक क्षेत्रकी, ाल क्षेत्रबाहर । लियाकि स्ट न कोर्बोंड बांगे कावाब, कारा क्रिकेंड वस गर ।

वरत्रवसूत क निकारकारमा अन्यक उड़िन आकं महिरक महे स्ट्रेग्नारह । ज्यार आस्तर कारम जकामात स्ट्रेग्नारह ।

नोट्संत्र क्रिक्टनंत्र ध्यक्षण भारति श्रात्र वैद्यान मूनाधान वहेटेख नोट्संत्र भारति द्व या खा च्याटक, खांका व्यक्ताभित्र जनभग तहि-वाटक। माधक मोनीत चाटनंत्र कि करेन।

অক্তে দানিবাতে। প্রচ্র পরিবাবে রাষ্ট্র । ইতে আরজ হইরাতে। তথাপি অনেক উ. শকার দানিবে।

- जिनिका स्थान कड़िडाएक (याद्यारकड़ वि. दर्बारीड़ा कड़कबर्दकड़ कनिवालंडकिटचड़ बेटख कड़ी क्रेडकट्ड १ ९४
- हेक नाम मोजनूत वहैरक मरवान नाहेबा-हेकन क्ष्मान नाबर कानामी एवंदा मर्बात मिन्द्रम क्षम महिनान कानाम दहेनाहा: क्षरजान दा-किएक का अकन बादमहिन १० होना किएक बहुद्धा: बहु जुन्मान का बार्ग का एवं जाना करिना नाब जनामी क्षमा

मृति वायोग् व्यक्तिया मृतिया विकाश मृतियाम स्थाप क्ष्मव क्ष्म श्रीका वहेरक क्ष्मक र क्ष्मेश में क्षिति योकात स्वक्षाय क्ष्मिरिक प्राथमित स्थापना क्ष्मिति यो

है कार्यको आका विदाहन होन दानी इंजानि आक्षीत गंगकीत जिनाह बरणा दा में अंश्वास केंद्रिक गांतिस्था है एम होन हन-राष्ट्री सुद्धा जातारता सहस्य होरायहत्त अस् सुद्धा केंद्रिक विद्यालय

The party width of the latest age of the latest

बारहोध्यद्ध अस क्षिक्रेन गरिष्ट्रक्य किश् बार्षि प्राणिष्ठ व निनम निष्टि स्ट्रेन असे बामि क्षितिष्ठ वृद्ध कार्यक्रिक्षण क्रिक्ट सिक्ठ स्ट्रेन्स्ट्र : गद्ध द्रायक्रिक्णः क्ष्मिन्द्र केक स्ट्रेन्स्ट्र : गद्ध द्रायक्रिक्णः क्ष्मिन्द्र : मात क्षिरक्रद्धन, विश्वत्र व्यवस्थित् क्ष्मिन्द्र केक स्ट्रेन्ड क्षित्र विश्वत्र व्यवस्थित् क्ष्मिन्द्र भाग क्षिरक्रद्धन, विश्वत्र व्यवस्थित् क्ष्मिन्द्र भाग क्ष्मिन्द्र विश्वत्र विश्वत्र व्यवस्थित् क्ष्मिन्द्र भाग क्ष्मिन्द्र विश्वत्र विश्वत्र व्यवस्थित् क्ष्मिन्द्र भाग क्ष्मिन्द्र विश्वत्र विश्वत्र व्यवस्थित्

वन मनार गरास मेहरवत अति तम त्रीिक्यस गाड़ि हिन्दि मा । तहिन्वत्य त्याः मानि कारमञ्ज केमत्र तहेम यमादेशो कीश्र कारमहिनिगरंक महेशा वाहेगात क्रिकेश्मित कि कारमहिनिगरंक महेशा वाहेगात क्रिकेश्मित कि कामगुत स्टेस्स भूरमञ्ज गर्गास नामगीत मन के हिनस्स्टर्स ।

पूर्वनामभाद रहरेणकाहः स्थानीय । इ बरवरत पूर्विया गर्धाच रहरेग काल पूर्वियम वर्धा श्राप्तक जानिस्तहः सामग्रीत चारमक प्राप्त वर्तिया गोन्यसारक यान्त्रीत अस्त्री हेशा सहस्रक ह

व्याचना क्षिणांन शक्ति व्याचना वर्ष माच भारत्य निर्देशकात गार्ट्सरस नाइक्टब क्लरक्षीण व्यवसानक मचार्त स्वकान जेव्ह व्याचना वर्ष माण शक्ति वर्ष महिर्द्धार व्याचित्र व्याचिरकत वन क्षाचात्र क्षाक्ति

THE RESIDENCE OF THE PARTY OF T

१. १, १९१ वे का लिटिल । प्रतेषक श्रीवारी नि निक बजीय बाब श्रीकारिक १६,००० कविया विद्यार कर । अस्टिक में स्था कि कि के शतर ल बजी अधिकार १०,००० बाज बाव कविश्वी ८००। जन्म सर्वे के ०००० क्रीका शश्मीक क्षेत्र विकास

नितीश्यास्त्रहे अक्षात्र , तिविद्यादश्य निद्याः ।
निषीर जिक्षेत्र सूत्रम "मश्लुद्ध मुख्याः हिन्

উ জপত্র বালের সম্রাতি এক জন হর: বা ভাকের জানেক চিটি বদুমানে বিক্লেপ করি-রাণ্ডেঃ জাল্যাশিও গৃত হর সাই। হরভরাবি গোর এবিবরে গুলে বাটি মাই।

আউরার শেশর ব্যান তথার পুনর্বার শ্রু পান আসিরা কেব্রি, করাচি প্রভৃতি ছ-শ্রু পড়িরা বিস্তব্ধ শস্য মই করিবাছে।

३७३ कार्जिक दूधवादा।

চাইবল্ পাৰ ইপ্ৰিলার বেকলারাবানের সংবাদ মান্না-মন্তান এক দুলা আক্রিয়া অলার
এক আক্রিয়ার ফুটনে পুনবা কলান্তে প্রাথার
আনী প্রার্থি সেলারা আর্বিয় করিছে ইলে
ল। তিনি সাধ্যারা করাছে রেকিলেটের ক
প্রেলা নিকটে নীলিন করা হয়। কার্নে তারা তার
কে ক্রম করিয়ার আ্লার্ডা কেন্দ্র কিন্তু প্রাথারিলার
কে ক্রম করিয়ার অলার্ডা কেন্দ্র কিন্তু প্রাথারিলার
কে আহত করিয়ার অলার্ডা কেন্দ্র কিন্তু প্রাথারিকার
কে আহত করিয়ার ক্রমের ক্রমের ক্রমির প্রত্তাল
হই গা রুক্ত আন্তর্ভার বিলাল
কে আত্যাহিক প্রবাপানে তিনি উৎপর্যের্জা
হত আন হইবালিনের। সার্ভারর বিলার ক্রমের
আন্তর্জান ক্রাহারিত পাইবের ভারা ক্রমের
ত ক্রমের পথ বিলালব পাইব্রু ভারার ক্রমের
ব

ইংলিসনান সর বিউদ্ধোজন ইউনাইনীক সারবিদ্ রুবে প্রেরিজ এক পত্র ও প্রায়ের উত্তর প্রকাশ করিয়াছেন। সর বিউদ্ধোজ অধ্ লোর, জিনি উক্ত গভার সংগ্রহ অধ্যান বিক্রি বিলেন বহিত্ব জ করিবার পূর্মে উল্লের মন্ত বিক্র জালা করিবান দাই এই হেড ভিনি সভাপতিত্ব ভালা করিবানন। সভা ভাষার পালভাবিদ্য করেছে প্রায় করিবাছেন। সভা ভাষার প্রায়ের করেছে প্রায় করিবাছেন। সভা বিউদ্ধোজন

कार्याक स्थिति सामान, उपाप महारि कार्याक्त सामान क्षेत्र कार्याक्त स्थापन स्थापन

্রত : ৫ - ইন্কার প্রাণান এই - ইন্ট্রির গর নামে পুলিমে নালীল ২০ - শ নালীল বিভা, ক্ষাতে রছবিংক - ইন্ গা জারিমান। সুস্থাতে । সকল গা ক্ষিক-রেয়া গোলখোপ করিছে: তন, নাজ। স্থা

वादरं द्वान दिवन वर्णन, मञ्जूषि वर्गात महत्त्व अक कम देशनिक पत्न का मान क मुझे श्रमा सम करत्व । काशात निक हे कार क स्थादत हिन, शृद्ध काम का कि काशाक वध करिता क्रमें प्र क्षित सदेशारक श्रकादत क्षमा शिक क्रमें क्षारक।

টেরিপ্রাফে সংগদ আনিরাছে সভাপ-ভি বিশ্বন নিরোহিপ্রদেশস্থ বাবভীর দানকে স্বাধীনভা দিনার এক ঘোষণা পত্র প্রকাশ ক-রিরাহেন বিয়োলীরা একবে পুরস্কার শর'-

34रे कार्तिक प्रकाशिकांक ।

निनिश्चात अर नव म्याहि का विकस्तारक करां मक करू करेशा शांत १८०० हाति क्षां क विक्र त्योका कल् वश्च क्षेत्रांटक । अव्यास महत्य अन् सम्बद्धाः

व्यापता व्यापतातिक परेकांच निवित्र हैकि-विक्रम श्रीवित्र बाट्य प्राप्तातिक गाँउना व्याप्ति। व्यक्तिक श्रीवार कवित्रास्त्र ।

कार्रेटका किएटे विश्ववद्दीता से क्षेत्र व-देटलेट्स कार तथ कविष्य भीका एदेवरेट्स सर्वा आह त्यार क्षेत्र आहेल अपने तथा क्षेत्र काला ! (स्पूर्णका कि पश्चिमका विकेतिक पश्च क्षित्रम्य आह्य ?

catalogists category careful after order and category favia coulds the audit category and fraction allowed attentions of automory of and attention there are suppressed and attention with the suppress of allowed and and are all suppressed at the same and and are all suppressed at the same and and are all suppressed at the same and and are are all suppressed at the same and are are all suppressed at the same and are are all suppressed at the same and are all and are all and are are all suppressed at the same are all and are all are all and are all and are all and are all are all and are all are all are all and are all ar

महत्रक मि व जू है विक् रेपारंपर किया है। ब्राह्ड करमान बाक्कि कहा की विक्राहा बाहे. विक् कारमहाता विक्रा की विक्राहा क महाता परिवाहरण परिवाहण मानाविक मित्रका कार्या के विद्या भागित्य है सार्थ

अवर्गन के व्यक्ति विद्यारक्ति वक देखि वक अर्थित व्यक्ति पूर्णित क्षूषि क्ष्म कतिहरू भादि त्यमः किन्न श्राक्ति कार्ये क्षित्रकृष्ट स्वर्गनिक क्ष्मिन के विद्या मार्थित व्यक्ति क्ष्मिन क्ष्मित्रकृष्ट क्षमिन , विद्या त्या कार्ये क्ष्मिन क्ष्मिन क्ष्मिन क्ष्मित्रकृष्ट क्ष्मिन क्षमिन क्

রাইর ্ক ক্রেরের সভারক পরিবর্জ হ ইবে : উপস্ক সোড়ের করে পরিবর্গরিল। ক্রেররাগ কার্য সভারির হয় এই আমারিবের, স্কার্য

क्षण्यात्वत क्षित्राह्मण प्रश्नास्त्र काका, क्रान्तः, विनिधाता नष्टाकि कार्यकार्वत विकास अस्य कार्यान्ति आत्र वस्त्र कार्यकार्वतः अस्य कार्यकार्वतः वस्त्र कार्यक्ष विचान एक कि विनिधाता वस्तरिकारकेत क्षेत्राह्म विचान कार्यकार्थः

विनिध पटाने, वर्गस्तिक के निकास हो। व प्रियान परिक्रिया निकास क्येष्ट विशास ८३ नोश्याम परिक्र क्यिक्ट क्येष्ट परि प्रवेशक्त केला क्येष्ट्रिक्ट के विश्व कार्य परित्र, निकास १३००० क्रिका क्येष्ट्रिक क्येष्ट हैंगा, क्यार्ट प्राप्त १५० क्रिका क्यार्ट्सक्रिक क्येष्ट विश्व :

Reference a very employed continued of the continued of t

of!

८०० वर्षात्रवार कविश्वासिक्षणतः । वेद्यारक्षकः प्राप्त-उत्तर्वत होका अहेश छात्रा कि कवन किरावेश fraics# ?

क्षिकारताह वार्षिका क्षेत्र काश्वक क्षेत्रक ांश्रीहरात समा करमकी ब्लाव बहेरकरहा छ-ंबिक क्षेत्र (सः क्लाबि कवेदवन)

>ला मध्यम् अभिनात अविधि मृत्यम है।का या किंद्र क्रकेट्य ।

विष्यिभगोलरशस रमिक्केस ऋषे विषय मारवय भी ग्रांचमात्रः केशमान मना नवाटक स्माक्ष्मकरे । क्रीका क्षतिकामा, स छात्रांच महितार्त् ७० क्रिया rea Gieta Miefa's berten :

रोक्षात्र अन्यक्ष अन्यक्ष भारत पूर्व दहेला, ·*:अन्ति म'रक्षकेट्य क्षक मक्षः) ध्वेत्रोः व्हित क्ष्टिश्च-🛬 দালানা ভাগ শুক্ত করিয়া জন্ম রৈণ বস্তু এইছঙ कत् बाह्य अ भारतः निक्क शक्रमी मञ्जाप्त व्यक्ति १९० अर्थ १८ अर्थ ६६ । स्नीतरत्री स्था संस सम · ५२१४ अहिन्द्रश क्रिया रहा शक्त क्रीवरिन्द्रशहनः विश्व लोडे जुनाव कार्या कविटक लोट्य खादा » नेरण पंचरित्रण क्राह्मश्रीक स्थितिक स्थापिक स्थापिक के विश्व म भएगाएं का है। "

ter affår maris,

क्षिक (कांत्र कवनाव वन्त्रे महस्य श्रीमध्यत 'ছঙীয় ৰাজিটেট খইবেন। কেবাৰ সাহেব। ·• हेर्का ८२७८म अथम मध्यिक्ति **एकरव**न । , १५ यह किस युक्तमण मा**टक्ट म्हीय श्रेस भूमा** াৰণ ক্ষা ক্ষিত্তত্ত্ব কত দিল বিদ্যাল ছেটি भ लेलांक पेक्षित्वतः

এ,কোলাবেৰ নিজৰ্ম: সমুব্দিখেৰ ক্ষম্য কে एक वर्षे क्टाइ ए. · यक्षात्रिय छ। वाष्ट्र संवाक्षण ं गरबनः करमनी भागा कर्मगरम कालनामिरसम् ··। वाका भारकात भारत्व अभारत करिया करहेस, ः । अभिन्दिरशत् अञ्चलः । सः

कारारा खनिक क्यायक इहेलाम मिरिक के छन्नि शांतिर कारमध्य **है हैया का**देश है। कारम टार शविषदर्भ ८३६ ६६ अ कोटलाक करिसन क मन नारू अक्टि एक व्हेटन विक्रिक्टिन (व कांक क्षेत्र, अर है क्रांटम कि खांका कहे-व व मध्रादमा च्यार६ २ व्यालत जे झामही প्राप्त टा 'क कार भट्सर (कांत गट्स रशिद्य र

^{३६५}वि कमिमनट ८ त्लाख सारबन व**म्मरमणीय व**क्र नेकाल में जोते जोति । नेस र्शलिश्व । देव कारदेव कहे के^{र (}क्षण, फंक्स्) क्षण्याक । वक्षण्यात्मात्र के**र्या** छोत्रा,

ल इ. महरहर वर्ष महरहत क्रमा शहरेन्य कवित्रारहम् । है। सर कहास कवित्रारहम् ।

विकास व क्याप्तव वहेबारकः न्यावा निवास व्यान वहार्श्वकृष्टि खाँदा व्यक्षमान क्षतिकादिनाक ।

উক্ত পত্ৰ ভারতবৃষ্ট্যি সভা ও ভারাবিবের माचा त्रका बर्ध किलिकिकिक्ट स्थान त्रवान-ডিম এক আজার অভি বাদ করিতে অভুযোগ महिराहरूम । अहे चाच्चार पर्य अहे बादाया जि-विद्रित र काल्डीम (क्ट्रिंड) मरशा वाम कहिएकैने ভাষারা যদি ভত্ততা নিয়বের বিক্লম কার্য্য করে अ, कांट्लीबरवन्ते भाकित्वेष्ट छीश्राहरणत e. দেয়ার বিডে পারিবেন । যে সকল বাভি रेननगांवर्गंड मूत्र, बद्रण बख्यमनीव व निवित्रि-'बरनाय छें शहर से चारे में के बहिरत । मह विके द्राक्ष क्रमणः उपदर् मूर्डि धात्र करिराउरहरू। आख और आमा हरिक महिरात करें। यहां कर्जुशः ।

हे दियम चर देखियां बदलम विवि मिछ प्रथम डेरकार् नगन करवंत्र. उथन मह उक्तरमहिल कि कि कोई कीशरक 5०००० है।का मिनारकम।

३७वे काञ्चिक गतिवात ।

कार्वे बेहेजियन पुरर्थ भारतम प्रशास म्बद्धां वहें। उद्योग प्रवेशक नेग्रीयन अन আলিপুরের বেলবিভিন্নার বাটাতে হাইবে।

ক্ষাকান্তান্ত দিল্লী ব্যাক্তের একটি পাশা বই-ग्रांट्रि । अहे दर्शक्तिम क्रमणः बीद्रकि वहेटल्ट्रह । रम्भेषके बाक्रम्यारवंत्र (विमि कर्यक्रवांव क्ष अन्यात के किए। भेजांत्रम करत्रम) नामतिक विहास मार्थ मानका जिस कारक बनेनाटक । माना *বংল আমশং ছই ভাবের নতা বইতে জাণিল*'৷

মূদিৰ ছেবালড বজেন রাজ গুডনাৰ নালু-म् ^१त्र श्रो**कः दिराज्ञः** ही करूबांट्ड खावात्र विव**रक्** এক দল দেবৰ প্ৰেমিকে ছটাৰ। এই সাক্ষা উপৰ পুরের রাজান অধীনত। ই ন ভিন্নলিখেন সহিত अक भग्रामर्भ श्रेषा विद्यां श्रे बहेबाह्न

श्वकवा बदलन महिर्धन क्रिक् श्रेनक्रीय नि-र्जिक क्षेत्रारक् । देव। अकरन कारकेत क्षेत्रारक्ष । क्षमण्ड हैटलें बहेटन ,

विश्व लाह बरना छहेन। and without देखियान अभावात न्यामित है जिस्हान विकार है । अञ्चलात सर महीके अस्मान देखानाही है के ए হিলিক কলিকাতার আলিতে আজা দিয়াছে-सा क्या के हिंदा है के निका कि कदबन रका का

मान्याम प्रेरियम बर्जन, जिबाब रहता प्राका 'कमिक्क क्रालम, मह अतिशाम । काटककेटवत ममूबित्रकृत महाप्रकात समा करा करा का करा करित का करा करा करा करा करा करा

far falles profi Bafrat de Marage file क है।काह निश्च के किनात काम्मानित e Bials fre क्ष हैं।काम क्लाका हिन्द

াপীয় গৰাচাঃ ।

द्यारमञ्ज विवरत रव मक्क महर्ष 📆 निर्मा कानिक व्हेसारब जाना सहित । विकास विकर प्रेटकाष्ट्र । अन्य बामानिक विदेशी भव दिवक द्वारम का नी देखाई संद्वित क्षक्रियांच क्षिप्रारक्षम् ।, अंक्रोलिक अस्ति वेद्रीनिय प्राप्ताः पाक्षित्रभक्तिः सं स्थीतं संस् भारक काका कविषयम । वेश्वहिकको भौतिकी প্ৰতি নাজিবৰ বেৰ অৰ্থ ক্ষাৰ্থ কীৰ্ शव कांत्र। देश्वाण ,कार्यक्रिक्, सम्बद्धाः पतिशास्त्रम्, नदर्गनिशः स्ट्रेश्कः हुवै अन निधि देशमा बंधु हो है जिस्के भार वारा क्रमीशांत विवास अविश्वा श्रीतिश

विषेश्वर्म २३७ (लग्दरेवत्र) बेन्हाल লন এক বোষণা পাত্ৰ ক্ষাত্ৰী ক্ষাত্ৰী › লা ভাতুৰানি অবধি ধাব**ী**য় বি**টোলি** त्पत्र मीरमध्य चापीय प्रदेश, १५कि भागम क्षामा को काम्बी क्या व क्रिकारक्षमः। जिल्लाम विविद्यम कर्मी রহিত করিলাছেন। সকলে আধুনার্ क्षा नवर्गस**र्वे साथ ६ म्या** स्वास nimi fecen i gulf Dag cunten নদীৰ উত্তৰ পাৰ্ছে **সংস্থিতি** যেইটাইট कान पूर्व कर मारे। केवल काका कि वर्ष **े एवं दनवाजा भी खंडान अंडी में**व क् त्व अविविक्ति कविट्य । श्रीहिरेशकिटके E Police

त्री करके व अरदार विक्रिक्त कर विद्वार লালীন বলিয়াছেল ছব্দিব বিভাগের জোটেবরী करणारे जागनाहित्यद अवधिवाद सहाम है fuca-

pial fares butter. 心 可能性 मध्य पर्वे नारमात्र मामात्र , १४१५ म्बेशारेस है क्रिक्षेत्री हुन देवे क्षित्र हाना ७ ल्यालाहीयदिन मकार व्यक्तिक मा शाहिका विश्वक वर्षेक्ष क्लिक विद्यास्थ्य । अवक क्षणक किनि कार केंक्र प्रमेदक अकारभाषा कतिरका गर्न । व्यप्ति पुरस

गवर्गामणे विकाशनाः यानानादमः । इ त्यद्भावके अवस्त्रक चारस्थान्त्रमात्री निरम्भः

১৮ दे रमर्ग्डवेंब्स--रबहित क्रोक्स जिल्ला का क्षेत्र चालि कार्यक्रिलिएक्षत्र दशान दर्गीरमङ हि-क्रमानद्वय खेंब्र आख बहेटवर्म।

२२ ब चार्डोबर--- है, हैं, देई बह शहरू दहरन-बंधे द्रांदर्भ अम अम श्रीफिनिधि मछा हरे-

লে,এ,ক্রফার্ড নাবের কলিকাতার এতিনিধি किंग महिला स परिद्यम ।

क्रिक का मार्टक के के मा क क्वेनन दिन क्रमाज्यकाल करेरवम ।

হানভার ভেপুটি মা'লটেট ও ভেপ্টি কা-लिकेड इक्रमधीन कियेग मार्ट्य २८ शत्रभगीय किनी विका को अम्।ति व्यक्तित २२ थात्राञ् शहक विक्रीय (कानिय संधीन नाकिएके एकेंच कान-अंत्राहित्या ।

২২এ ছটোবন। ত্রিপুরার নিল্ল লিখিত কর্ম विश्वित अ-७८ व्यक्त > वाहित्मत ७ वातः क्रिकेश बारकड ?॰ बाडिय ७:१००२ बारकेश २» मुद्दिश अकुन'त्र निषम क्रीकित खुण ब्राकेरक' और जिल्हा मन्योग करका शक्रिया ।

काष, क्रम, माहक्रमम, माजिएके है। दक्क, क्र नि-कै ज़ीत्रवर्षे . श्राणिविधि बारिके वाकिरके । ८५ असी ल्यानात्र दशहमत एक पूर्णि वीकिरके है। , १९७६ साझेवर-बार, कि बहिर गाट्य कि-क्षितिक ज्ञा क अधिक प्रति । भाव प्रदेश, টার্টার মিকক্সমতা ব্যাতিরিক্ত ১৮৫৪ জালার ১০ क्रोहिटमई 🤰 धांबाख्यार्थ्य क्षयटा शहिर्दम । होरिय मार्ट्य कायुक क्लोक्सरीय क्लिंग्स अन अज्ञालनाहरूदिन निवादन क अधिकासम विकासका त मनर्भन कहिराह स्वाक्तकाह अवव विशेष क-

শহিরণের জেপুটি মাজিকৌট ও জেপুটি খা-,পেইটৰ পি শি কাউৰে পুৰীয়ায় বদলী ছইয়া दिनेष्माति व्यक्टिनत २२ धात्राञ्चनाटत विकीत 'বিশ্বীশ্র অধীন মাজিন্টেটের ক্ষমন্তা পাইবেন। अक्रेस पाठि। वय-- छवशिके जि (छेलद मुख्यमंत्रिश-**প্রাক্তি কেরিফ**ণ্ড কলিটির দেখনী চাইবেল।

বীবস্তু'মন '- এ লিখিত সুনীসফের। বছাদে-পীয় ব্যবস্থাপক সভাব ১৮৬২ আক্ষর ও আইন ज्ञञ्चन्द्र ८७ देशि क'इल केट्र्य कामक (शाहेदनम ; , ্ৰাকু ৰাখল,ল দেন आममाञ् ि। क्याद्रियंत व य (गांभाग्यत - अनिमनाथ प्रतिभागाम । ग्र **ক**†ভিন্ন क लक्ष्मिक अब वटन्यां गांधा है। [4.0.ft. 48 টি বছর অটিটি সমন সংগ্রে প্রভিনিধি अक्रके सारकारे , वार भटरगाउल तान क्षात-अधीय ब्रोक्सिके होते क्रमडा शाहरवन।

্ৰীৰ্মন্তি ক্ৰিয়াৰ প্ৰতিনিধি ভেপটি কালেইব मंद्री अकिकारि वेस ३५8७ वटन र १ छ।इन क्षारक तक्ष्मिका वा वार्के के कहेता को वार्क कि एक दिन चार्ति तम २२ चार्का आक्रमंदन विकोश दर्शानत ज-

बाब् विक्रमाक् ब्रह्मा सर्ग्राध्यय मृत्याक ए ₹(4F |

भेडरशेहरकड किः

व्यक्ति। अविकृष्ट देवक्रकेराच गुन्कहीर शब अकाम कविरक महिलाब सं। छात्रास कायन ! **बहै, आंवहा शक्किं।** कविशाहि, विलाह थांथी-শের প্রতিভূপ ক্ষিত্র আর অন্তুক্ত স্টক, কে:-ন পত্ৰ গোৰ্ম কাল্ম প্ৰকাশ কৰিব না

পাঠকা ' এতং আক্রিত পতে নাব ম্থ: मा चीकरिक खिलान करा रशन मा:

माध्यादीय कर्तवा धाणनाव बक्तवा छ। अ কর্তার গোচর কল্পন, তাগতে যদি কা বিষ **না হয়, ওখন স্থায়পক্তে** প্রকাশ কবিবেন। ষর্ভালের পালে কোন ফুন্তন কথা নাই।

প্রেরিভ ৷

এবুক্ত সোমপ্রকলেসম্পাদক

महास्य मनीर भर् ।

क्रियर काल करेन जानि शाननाथ भिया हि-**লাম। তথার দিরা দোধলাম, আমার**লিংগ্র পরম ৰাজ্য মেশছিতেরী জীযুক্ত বাহু গগৈত **क्ष मर्फा मरशहर मिक वाट्य ७ वर्जा उन**ह मन कारब अक्की व्यक्तिका विकास्त्र प्रश्चाम करिन श्वारक्त । वहि विमानित्रय रामिका । यथ। वि-म्राम निका शांख ४ है एक इं। अकर भवात विषक्ष अवस्त वह शक्ष अ क्ष माहि, छै। कांत्र वाँही-ভেই বালিকাপণ বিদ্যাভাগে করিতেছে। উলি-थिए बाबूब की क्षीत्रपुर महत्र अन्यः, बामान्यस्थी चन्न निका अन्य कविरक्षण । पित कि वि-शाष्ट्रकः । अधिकामाध्यत्र व्यक्ति स्ट्रेन्टरप्र पश्च काल घरपा वालिकांच मन्या। ७ २० कि बडेग्राह्म । अडे श्रीवना मन्द्र चारमक धन का दाकि कार् म बर्छ किश्व कि कां किंग खेश कि का मर्था चारमध्ये चंदमान्य देशकित राके, कर्य हरूर ! चाकुक, बाबारक बार्ड्सभ गर्सा अःशावः वदः 🗓 नार्गकत महत्रकेश्व पद्धिक व्हेटक मा लाद्य, ভাষায়ই বন্ধু পাইভেছেন। জীযুভ বাবু লোক-माथ रेमक महानवक छेन्द्र- विमान्त्रा रह छेन्नछित **८०३ । बेशहिक व्यूवाम फारहण । अमिलाय** ইচার স্থায়িছের নিষিত্ত ডিনি অন্ত্র সংখ্যাস্ত্র। असारम मनार इत्याद्या। धंशाय श्रीक गानि कांगरवत निका शाम गरक अन्य खनवडी । ३२७% वांचित परेएड १० छास कार श्रीमञी यांचाक्षक बोटक महिराम माझारा कहि- | ==

क्षरक्षित्र शक्तिक श्रीकारक अस्ति विकाशियोष्ट्रिका विकाशियाले वाले या व्यक्ति स्थापनिक स्थ

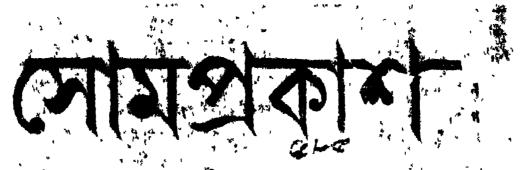
क्ष्मक बाब मीमवाब-व्यवस्थ (विभि शृहर्क करें भारमा जिलात मरदेगाम्मकेति गरम अधिविद्य ছিলেন।) বড়ে নংক্ষালিত হয়। ভিনি এই স্থান শক্তিয়াণ কৰিলে বিদ্যালয়টা উমরোভর মুক शाब रदेखहिल। अर्थुनी ब्रीहुक दक्षिण बादू य नवांत्ररम, कामना हेशत सम्बद्धि अंडाना करि-**८७डि । ५**डिन सोबू धने रिशामदार श्रेनक्रविट-त कता चार्मनविध यद्भ श्रीहेटउद्भा, चिनाः म क्षेत्र विकासित वा सक्ष्मन क्षाञ्चात है । दिल्ली एउ जिक्काक्षांच ककेरवन । अहे महसूक्षेत्र स्थानिक व-विवाद अभिमार् प्रशासिक वक मधा व्हेप्राहिस. खालारक चारनरकाने वाहे मानावरनव विकास श्रम्पाद्य मधाजि श्रकाण कत्रिष्ठात्वार । अवेष्टाः। जानमा जनमीयन नवीरले क्षेत्रायिक छोटन है। ৰ্থনা করিভেছি এখংক্লিড বায়ু অস্তাবিভাসদমূ-क्षेप्रत कु रकार्य। बहेन । ऋणि छिलि थेड वार्ट क्षेत्रहारम् क्ष्मी मृत्यः। सञ्चालम् अरम्।भारतः ऋ७ मध्यक्ष प्रदेशास्त्र । अस्ति निवामी अपूक्त वान होबसून्त्र योष्ट समानव से धन्तानदाह च नरव, भाइत्य व्याचा कार्या कार्या निर्देश के करे व्याचिक्त । क्रों मुखानायत कांद्रा निकाद करा जीवूप्त वा ৰু ছবিশ্চনা শৰ্মা, জীগুড় বাবু ব্ৰহ্ম চক্ৰ বৈৰ্থকী शिवृष्ठ द्रांतु ब्रामधन हासी ७ खेवुछ सद् तकान সাত্র মতে।দ্য অসুঠাকুগণের অ'ডকুডে অণ্ড ৩০০০, টাফা মূলধন সংগৃহীত ছইচাছে। ১৯ भावमा तथाइ (म विशेषका मध्याचीह अपूर्वति क्टें(दक, डेक: स्कृष्ट क्यूक्क क्यूक्क क्यूक

> जिर अभिनाम क्रमांत्र निश्व CHINA

मुला भावि

জ্ঞীয়ক্তাৰাস ভগৰান চক্স তেমিক কৰিছ ১२ % का कार्य हम का के एक देशमा में शासा खा एक' क्राद्रिमम माद्रव एक्टि भूट कार

- ্ডিপ্রীমাজিয়েটি যাকুটপুর কোণ " शिक्षिक्ट दूरभागांचा व **)२७३ कार्कित हे बेटड रेडड अर्थाय कार्** &' बाका खगीदब मध्य दां हाचून कहेत
- अहे श्रेत क्रांजकाचांक भूग्रेर क्षांचल। दक्ककरसूर टमां-र्ग विमान बानमा विमानकरी मध्यकि माजाक नायुद्ध किमानव कविन क्रामकियानिक विभावकार्यन



प्रवर्णतां प्रशासिकाक यार्थियः वरकती स्तिमहती न ए'यता ।

W. C 1 ् जर्मा

मन देरको । उस कार्खिक। हेर असकर। अनानात

प्रकारत त्रावाधकाल (शह-

ে পের নিয়ম। গ্ৰম মুজ্য না পাইলে মক্তমে সৌম-अपूर कर्ता बाह्न मा। केनांत्र नार्विक আপুতা সংগত ১০ এবং বাঝাসিক **শ্রুপ্তি আর্ডে: , ছর মানের জ্যুক্তে** अस्य कवा बाबू सर । शक्य दलब्र किन्नु द्वराज्ञ अकोण अव्दलक है की युत: महिन्छ श्रेष्ठ लिथित्वहै

. BLS 91146

fi গ্রাহরণা, তেছে কাৰিন! 近"夏春村中心市 梦。声" ख अवद मा ४ - इ.डीव्ह इ.छी(५ रू बार्ष कंटिक **४८ गटमङ्ग कृत्या शिक्षणिर** क् मुध्य दल्य मछी ७ वहंदर १ क ১১ ক. আজ্ঞৰ জীক্ষো 'ব্য়া हेशा (प्रम केंग्स मुखा करि ज्ञाह का मानिया वर्गे ं निर्विद्य कर्ने छ

(भागश्राम् । レナ ・、修事 (所知する 1 जान् अवनीय वानभन्न (स्वनतनहरू वाभी লভা প্রধান প্রহান।

्येहें अहार है। ब्रिज़ के इत् म क्रिक्र मिटिस पाया हो। अत्र अवर्थक् अविकिकादिम लात केंग्रे क्य का करेशाद्वार । जे एस व्यक्तार साम काबिक-কে পদচাত ক্রিবার নিমিয়ে যে ৰূপ প্র পপথে চেকা পাইয়াছিলেন, চার্লম উ । ফালাগলেও কেল দও না হয় : রাজ্যের । হাদিত

क्षेद्र विषय्व अदेवश (५वें। कविएड- । महश्र वर्ष श्रशम 🍂 त्स्ता । जनताथ केजरतत्रके अक्वित ! काउँ । अव जाएक ता नमून्त्र चे क्रिंगिड अथरम जीवृद्धिकादिमलात मत्नावा क्षा पूर्व कतिया अरमनीय्रमित्त्रत यन्त्र, अथि- त्वत नाम काशमितात नक्काती किर्मा कांत्र ७ च र्च केटलका करतन नारे, हात- शारकत । शारावरत प्र किनीत्रविद्यान वार्ष मन छेड क्रिटिश्इन ना, वर्ष व्यवहार । वर्षे, देशीली वस्कालंदिर वर्ता स्थान व **बिहुक्तिकात्रिकत कि अ व्यन्तिय मञ्जू क**्षता व्यक्ति स्वाधी सहस्थिति । बिट्ड शारकम

कात्रवर्य अकर्य जाकारमग्रह्म हेर-লতেশরীর শাসমগত হহরাছে। এখন **আরু সেকেলে ই**ক ক্তিয়া কোম্পানি केक्ट्रब्रह व्यवहारल हाई। 💣 काम्लानि । প্রির্দ্ধিকারিলালের উৎপতি ব্রূপ নি বোন। কাছারা ६ । এতন, জ বতব্য श्रक्षांश्रम् अ अविकासियम केल्यात् मा र्भ अकवित सह अन्तर्भाव दिहास विकास । **क्षितांक्रिकांत्रिमिर्शत गामम ४ .५५। ३६** যে গ দেশের যাবছার ভা (अंद इक्षण्ड ६५ , ज्ञाडाङ्ग्रे छ (ए.ज्या म (र्च गर्ना इस. बाहुए। श्रुकाश्च व्यक्षीरम क्रु किया कारदर है र जिल्ला असूराय क्रीय अ वानिकारि कामा विस् । नात्व की-होता बहरस मध्याम कार्य शतक करिय क्:इाट्य ब्राप्य वा १ क होम क्षेत्र'ः ४व करतः, । तड 'एड्ड किंग्ड मा श्रीरतमः, हि कें,हार के छ मा Carry Cold F E. नव्यति स. भंगास 📑 🚓

शक रह, अ क्येनीटाली क्येन महिला वन्त शंकिया चाशमानिरभन्न अभैनिक्त

मना । सर्हेड विकेष মার সে খাবীন**কা বুলিক্সতা** না**র**্ क नाहे, त्म माहम महिल्ला मनकिया त दिना मारे मनेतर विस्तान अर्थ वरेपारम ; ता शामत वेशाह कृतिक स्थ त , उकात कतिए स्टेंग्स चार्य क्लींग बर्श विना निकाय छेशात कहिंता निर्देश हरेर ; मुश्चिका वाश्वितदक एक दिखे। মনবিতা ও বাধীনতা রসজভা প্রভৃতি কৈন্দ करनदर वाविकाय महाया मही । अद् हेर्फ़िट्याओं एपिट्यंत्र महिन्द्रः विकेट

> করিতে হইবে। वि धरे नक्त जानि-·ভারানুরপ **কড়ক** া ভাঁছায়িলে একপ क्ति विश्मंत कांत्रकु शर्भना स्त्रिष्ट वकाठाः स्ट्रेटः શેદર બહાર હૈ. नके करत कीहा-

विश्वित हैः हा আপদের শান্তি हर्के रहेगा किए जन, अभागे इस्तान कारा-क्रिक प्राप्ति क्रिक्टिश क्रिक महिन महिन ें हैरेंग्र । बंदेश्वन, ए क्री स्थित प

新聞代學 四 丁醇 क्षात्र काः सर् श्रिक्षम देशे क PERSONAL PROPERTY AND ASSESSMENT OF THE PERSONAL PROPERTY AND PROPERTY AND PARTY AND P MARKET ON HOME FROM THE THE PERSON NAMED IN THE PERSON NAMED IN BY WHAT IN THE TOTAL WAR WAS AND THE TOTAL WAS A THE SHE STATE OF THE PRICE OF THE PARTY OF THE PARTY AND A PARTY. THE PART PARTY THE PARTY के की रे रेग्या के करिए जिल THE COURT OF HATT PARTY THAT अस्तिक (त्राव) नित्रं कार जान ५३ रिकार के लिए के माने के निकार न्य विकास के तम विकास निर्धा र के मन क्रीस्ट्रिय कर मानगाम हन, काले क्रीtere there are sit a languages. कुन्नतंत्रहरूक भारतः । सन्तरा सम्बद्धां कृतिहर श् THE STREET NAME OF STREET संक्षा स्वेतिका, कल्म न्या स्वितराध The property was a supplied that THE PROPERTY BETT THE PERSON THE THE WAR A COMPANY

THE WEST REST WHICH SEED WEST STATES WITH THE WEST STATES WITH THE WITH STATES WEST STATES WITH STATES

1 鐵馬 / 八

लक्ट्रें क्विंगादक्षा ! शिवनम अहे कार्या-**हार्द्धत नगर्य अस् अस् अरेग्डिमक मार्गिक** हरेत्य केंक्षान काम काविता विद्वकर केंद्रि-स्टिक्स !!!..

্মিনিকা ক্রিক্সাপেক্সিরটের এই প্রস্থাব क्षित्र किश्रिक क्रिके प्रदेशात्वत् । क्रिनि वटन-ন হিস্তপেট্রটের পত্র থেরক্ত যে বৃদ্ধান্ত निविधारकम, काश वर्षार्थ महेंक । এই रहकू िबि छेशात अमरी प्रवस द्वांक जिथिशा- रिश्त शत पिन स्रितिक प्रवस এ० स्वक (दन) त्य करे:---क्**म क्रिके मोदां**तिएक त्रिष्ठगढ्छल सूच्छिएक क्यूक्रिक केथ करत्र, ब्र्कि पूक् कतिया अध्यक्षिक्रमा राज्यादक উঞ্জ চা-কর আহার বাইল এক চলেটা-घाक नित्रण । स्ट्रांद्रि नारम् विनदा का नः स्पतिष्ठाः अस् क्षांस्थितिकाका आहेता जारादक वाधान **समिति** वासे पाहेस्ता **डा-का अरे हम क्ष्मिश महेशक अरा**ड वाता कारास्क क्षूक्रक्रीताचे कार्रेश १ ४ वटन **जारारक श्रम्भार अक्टूलिक का का का** मा विद्रा मात्रक किस्टी स शाम च भागित्य केल्या - पिरमार पश्चिमन " त्यतिक अने वृद्धिक मध्य विद्या का CONTRACTOR ACTOR COUNTY OF Saw. MICH WINCHAM fruntum with respect to market mit-A PERSONAL PROPERTY. THE RESERVE AND ADDRESS OF THE PARTY. AND REAL PROPERTY AND ADDRESS OF THE PARTY OF athers out and the second of t with the second was strained

त्वस्य त्रिष्मर अलाटक निर्द्याय विद्यवस्या क्रिद्रिय मा, बद् दिस्माद्रसम् सम्बद्ध भागी बिनिया ल्यारकत निकटके आकीतमान स्टेरव । जे अन्यावित निविद्या द्वारम् मा-त्कत्र मध्या धारे शहत, कितिका विका शक भारक मकत विवद्यन गथायथ बुकाल वर्गम कतिशा पाटकन विलिश टेश्मित या प्राप्ति बिन, छाड़ा लाश हरेट इलिन किए-সংক্ৰম গিৰসংব্য অনুমতি লইয়া বিধা-লাকে, ইলাতে কি ভালার অপরাধ লায় स्टेटक्ट्ड > यक्ति हा-कृत व्याधकता कुक्-ब्रिटक करकवाद जहानक कराब कड़िक, कारा रहेरल पारेटन ना रहेक, पुक्तिएक ভাষার হোষ কতক কমার যোগা হইও। क्षि त कारा करत माहे, अन क्षिक्षाहर-क्रिंटक अप कतियां बाटबं: देशाव अटबा ষ্ট্রার কোন্ধের শান্তি হওয়াই স্ক্রান্তি। किक तारीय मास्ति वा क्रेश क्यानक्रम क्र-ক্ট্রারির দহিত পরামর্শ করিয়া মুক্ট্রিক में केंद्रजा मनत्क ता निकृत कार्यात आहा महाग्रहा तकी प्रमुख्यकान स्रेगांत्व म-ক্ষেত্রাই। তথারা গিবসন ও বিভগতেন क्षात्वर प्रकार : प्रकाश्वकात्रिकांत्र स्वित्नव अतिकत्र स्रेशास्य १. जात्र अल्लाः দক বলিবেৰ, বুছরি ভাহার উপজেন্ধ প্রদা-कर्ष के के के जिल्ला चरापाक कर के लिए के क क्रीरह रे ग्रहतिहाल स्वयंभाटा २ क र्यक्ति। ধ্যায় এতি ভূমভার > কামণ কি শবিশিল केंग्रेकिक कि दिए के बार को ज़िला है রুলামত বাজিকে **স্বৰুৱা মান্ত** স্থান

निन क्षत्रकोत्र कश्चित्रशास्त्रकाले क्षा अवस्थित स्थापन

महो जनम हिन्द हिटल सहिएक महिन्द

Region on casion coins, handles

वावहात कतिया भारक अवर्ग एक मन्त्रमाम चात्र व्यवन केत्रीर क নোৰ যুক্তিতে ক্রিকেছে গ্রায়া तिकान कतिरंगरे के नेयुक्त শাক্তি হর। পরিক্যার জন্ম रम रहेश कि बना बहाद-निवातर्थ अवर्ष स्त्र मा ? एक त्वात्र धरे श्रमात्र प्रकार क्षामात्रारे क्यम मासनाका केलिका (कर् जामाका कार्य) बर्दक काराह कुछ विधान उह व्य का पानि प्रशास में के ने क्रज्ञ. शवर्षामाचेत्र माकिला ४३ WHAT PROPERTY WIT

मध्यका जारक प्रदेशीह व अवद्यानीत सन्निकार्यद्वा कांक जवांकाओं अन्यास स ज्ञारनामा जास्त्रिको स करे के शाबित है जा नामरकता क कि का कतिका दारक रे अन्य अने CALL ROOM TO साप्रमिष् स्वीता ? MICE COS. 4

म म, अवर्ग स्मार्थन STACK SAME · PRESENT बंबार्क महत्त्व । ए क्योबिक क्यो THE WATER A STATE OF

रेडोएतत शिंड मकल नंबएय वार कतिएड भारतम कां। कीं-भा ७ ल्मी तिन्द्रित स्ट्रेंड अप च्याहात निवातिक क्रेंट्र राहेरचाक रेडिशमदब्धा भा-नित्त, नर्वाटबढ्डा च्याहिक मा-त प्र च्याहात क्लाएकरे हैं। कित्रम ७ व्यवस्थारतम् स्टिं न्याह्म च्याहारत् स्टिंट

नाम काणाहारम नकरा गरमिकि छ वाणा क य ग वेसारम। मिनारी विरक्षाक कार्कित मिनका नकरमन, नेककम, वाशे छ मासाक ह नामन्त्राक काकी काम ह ध्वकणाय छेम् थ बहैरक के देशीया धकनाका छ क्याव का जिल्ला उस धक्कि स्थान का जिल्ला कि स्वय प्रदेश हैं ह नेमिक कर मा नानिकारम ही बहिन्दा कर मा नानिकारम हो बहिन्दा कर मा नानिकारम

ুপ্রাক্ষ। বিভিন্ন বেডন চন্দি।

_{दर्भ} क्यर्न्ट्यून

'वे किएका नर्व खनात्विस्कृत बक्कवा अण्य ए काश्चन विस्कृत दक्कवा । फालकिएक नर्व ब

রাজ ধর্ম চাছিব থর্ম শ্রিকা করিলেট কোন শ্রীপুথার নিযুক্ত কান চ পারি শ্রুক্তি উচ্চালিনে অনাত। ইন্তোন বিষয়েরই তিনের

শ্বৰ বুল্লান দাবোৰা ক্ষাৰ ক্ষাৰ হ'বল ক্ষাৰ ক্ষাৰ ক্ষাৰ আ ক্ষাৰ ক্ষাৰ ক্ষাৰ বা ক্ষাৰ ক্ষাৰ ক্ষাৰ বা ন। জীকান একপ অপমানকৈ অপনান বেব করিছেন না একণে মুকোকনিয়েগর পরীকার করিন নিয়ন নিকিই হইয়াছে। নেই নিয়ণত সারে গরীকো তার্ব ন্যাক্তিয়াই মুকোকি পদ প্র প্র এই ভেলেন। বর্ষান কালে মুকোকে প্রেনিক অধিকাশন কালে বিভান ক বিদ্ মান দুই হইভেছেন, পুর্বের ন্যান্ত অবোগা,

THE THE PROPERTY OF THE PROPER

ত দুল বুৰিমান না হন্ততেন তাঁহাবিখার ক্লিক ট আঘলার ক্ষমতা চিত্র দিন সমান বাজিত -अकार ३४४० महिनद्र ३० आहेल स्वीतांत छ জ্ঞান বিৰ দ গটিও ৰচতার কেনীবানী হয়-भाग करिन्द्रीय माजाविर्ड विठाय प्रज्ञेश्व नेग्य एक्षांद्र भिवितिश्वान अतिश्वेक कर्षक ক্টা ও ভেপুটি কানেট্ৰই এক্ট্ৰেকামেট্ৰই সা-क्ष्यितात रमञ्जानी विज्ञानिरेखन कार्यर कि-क्षांत एक मह्यान वहेग्राट्ड बर्ड किन्न अल्डल ने क्यू के बादन में ब दिन में बा किरहे हेक्टबंड क्ष बहानी मध्या स सार्थ कि খিকা, সমূলায় এবং কৰিবাতে দেওৱানী आज्ञानरकत्र क्षी शाहेत्त क्षियम ना कहा न वर्गायानीत व्यक्तित स्टेडाए विनिष्ट बहुरंद-क । जो . जावेदन इ १५३ धावाइछ बहे छा-দেশ হইরাফে বে, ১৮০৩ সালের ৯ আইন मराज रव मकन रहलू है कार्र होते हैं विवृक्त हम गेरिशक्त अधि वृद्धि स्मीमिन मरकाछ देनान লমতা গৰপিত হয় আহঁ ভাষারা এই আই-ন মতে বিচারপতির বিজ্ঞান কোন করতা-क्रमारक कार्या चहिर्देशी मा। क्रीअमाही उ रणा वित्रम् अन्य समात् अस्मादक जिल्हासमान विष्याद्वात्मकः अधिक अध्यात्मक्षेत्रीः स्थेदपंदकः भाषाः

The state of the s

air

विवादत्तव अग्रह पृष्ट्यंत्रकार्यय शास्त्र आपत्र अ-टेटा की नामी अपन भारत है। महसाब ৈ সক্ষমান বিভাবের ভারতিন করা হয়, প্রবেদ के मुक्त रक्षश्री वाश्वित्ते है । रक्षश्री कां-त्वक्रेंच्र क्षेत्र , प्रवरमास्त्री मध्य विवास स्विन क्षिक महेता अविवाद एक अन्य क्षकादत त्यांका क थानसभी क्षिष्ट शांदबन अवर सामा बहेदन खबियादाव दक्ष्मक दिवयन इ.व. जिल्लाम अटब अ-वर्गस्तकेक च्या वस्तुक मध्य , तक्ता अवस्तु तक्तु বিষয়েরই বোগ্য পাত্র অবাহায়ের পাইতে शाद्रिक । समि त्यह विस्तृत्वा कर्युक हा अञ्चल नियम रहेवाब नहांदन बाहे एक्टमा हेरा उ यानानेटङ्कि ए अभरत श्राट्य जिनाटङ आह अब कि कड़िया नय किवियन क्रियाण ভবিষাতে সেই সকল পৰ জিবিজান ভিত্ৰ भक्ता शास्त्र मृत्कारकक्ष काश्वीक शहरतक मा। मन जिन्दिस्तित (ज्यूष्टि कारमहेत्र ७ (ज्यूष्टि माक्रिटहे है कि कार्रेक्सिकिटहै देखा क्लेक. माही व काइन्डिही मध्यांच मक्या मक्त प्रमायक्तिरभव निकडे चतुनि कविरम प्रमारसूत्रा क्रमाशारमहे काहात विक्रांत क्रिक्टिक शास्त्रम । আর যে সকল ব্যক্তির হজে গোলিবের ক্ষম **छ। शास्त्र : • आहेब मर्काष्ट वरुक्षेत्र हि.** চারের ভার জাহাছিলের প্রান্তি অর্পণ্ হটলে কি জানি বদি তাঁহার৷ ডাহাতেও পোলিবের খনতা প্রকাশ করেন থোগ করি ঐ আলকা जन्दम भवन्द्रान देशका किशास देशका अवस-गांत्र विष्ठांत्र कत्रिराखं क्ष्मका स्वम नाहे । किन्त चावि विचिद्वंद्विकेश दक्षेत्र प्रमुख्य प्रमुख्य ্যার অজি নির্ভন্ন করে, প্রথম সিবিলিয়ান ক न्यकांत्री कटनात किनात श्रेष दिसंकी दल विवरंत श त्यक करवन मार्के क्रथन कार्बेटकारी है कार्बेट ही-क्रिटमङ् अक्रि (य महाबर महा क्रणूर्व बालाज) বিলেষভা একলে ক্লেক ক্লিয়াভেই কড়া ८णी निय वन्त्रकारी विक्का देखार हैं गाजिएवर व्य कि तकीवारांकी विकासकतिरशृत केर्बुश्च माहे ।

TO THE PART AND A COURT

महिला क्यां केता केता कार भावता या, मभूका। त्यन खीरादर भाग्याक मन्त्रिक देवेत. देशास्त्र दुक्तवश त्महे वास्त्रिहरे विद्रमधः हा व जनमान क्षेत्रक नाम लाटन निस्ताल के ही-কেও এজন্য নিভাস্ত অনিবেচক বলিছে স্টারে कारिक्ड देनरे कार्याचा नाट्यत क्कू केली बाज्ञा नाजी व्यक्तिनात्रिक्तियात त्यक्तन व्यक्तिके বর কার্বা মনা নার না। সদি ভেপুট কালেইর 🗢 ভেপুটি বাসিট্টেট এবং মুক্তাক 😼 छेकीमामिश्वत महीकांद्र अवहे निवृत्र कहा হয় তত্ব ভবিষ্টেত আর উক্ত,গ্রহার ঘটনা ষ্ট্ৰার সভাবনা ও বারংবার পরীক। স্ট্রার व्यदेशकम पाटक मा। बूटकक्तिरशङ्ग स्वानाका पृद्धे मटजना छेखम दिरगाई केतिरम स्वम छक् दर्वे वीदाविद्यात शक्त वृद्धि हेन्द्र। थाटक क्ष्म व कारमहेत ७ बाजिए हे हेरता खड़ है जा লেটর ও ভেগুট মাসিতে টলিনেঃ কর্মা পূ.ই শ্বমণ রি:পার্ট করিলে তার্লারিগেরও পদ इषि रहेट्ड शास्त्र, अव्ययन छाता वा एहेट्ड-**८६ अवस्य वटर। चर्नारमे यहि बहात अवस्य** नमस्य व्यक्ति शहिमार्थ एक्पुक्र कारमहेन क (छन्। मिर्क्ट्रिटेन जानगर श्रेटेड भारतः কিন্ত এমপ শরীকা সইলে পরীকোত্তীর্থ হয় জির সংখ্যা সেরপ বা হইতে পারে এবজ नदब, दमभा बाहेरखद्ध (य पुरमाकि कि कामा ब्याभा भन्न मा शास्त्राहण शहीरका ही ६ करत-蒂 वास्कित नाना आवानएड क्राविक क्रावि *जि रहेर्डिए अथऽ भारे मन्न जानामस्ड* अख व्यक्ति क्रिके क्रांटिस्स (य डेकीटलड अस्ब्रह्म कविशा रभरम जाणनएजत्र कर्णात्र शामि हर्षे-बाब्र म्यावस शक्ते छात विश्व क ब्रेट्स नहीरकार्टरमें वाद्यित समान हेरेले कर्षक का थन विश्वास क दुनित्र म हमांक वाश्रीन केंद्रिका विवा शहीकांग्र (कान स्वान का किएक किल्ली वाकित्व है व एकपूषि कारमहरतम् अध्यक्ति युक्त कृतिरम् रक्षेत्र स्थित स्वरेश्व भारत है।

ा त्य सकत राजित कर्षी जोगांत्रीहरू जार्च त्यांन मान्त्र करका शिक्ष त्यांन "राजित्र परित्या किया कि त्यांक अधिकारण जात्री परित्या विका अधिकारण जात्र जात्री विषय विषय विशेष बीटकाडीन वार्षि जामागटका देखि जामागटका देखि जारका दर्श आंदर्श जारका दर्श आंदर्श जारका दर्श आंदर्श जारका दर्श आंदर्श जारका देखा जिल्ला का कारका का जारका का का जारका का जारका का का जारका का जा का जारका का जारका का का जारका का जारका का का जारका का का का का का का का का

· I PENN ! किर्म जा मान्स्य क्षाम गाकि स्थ रहेरक शासनका किए मारे, जांड व्यक्ति विशेषकरः ठाक्रयद्व नि गरचंद कि के যোগ্য বারিঞ্জ ब्रामरक्त्र विक मक्रांडि व में .द्वाचारर जी। वरम्बद्धात दशके. हेश्वरा जन देखे क्रिकारी अधिके कायन कोई द काडेन 🗸 वीर्र क्रामा । "इंड सीर 🐧 🔥

TO STATE OF THE PARTY OF THE PA

वेक्गरमा (क्यूने Bear with the sales PROPERTY OF THE विकास अधिकारम শাস্ত্রীপ্র বার পত **ए**नं बहुतकान कारम देन नाम, खेराना ने मा न्नरमारकम कि क्षेकान कड़िद्दन াৰালডের কোন गेर्वा चीकांत्र कवि-ৰ্মনেট ভবিব্যতে ালা আদালতের े कांगानिशस्य म ं चाविद्यंत्र कार्या ্গিহারা ঐ কর্ম रा धक्क म-ু পদ না ফেও s, water mi-महिएक रहेंदर ्ष्माटस्य बद्धा ्रान डायाबिट्ड. न अवर खशाम र्गाणि निविद्य शिनविद्धाः, मध-

> "मान मख मर-रिग्स

उर ३६० होस्र खिलात (लाहे , अक्टन क्षरका । मर्चा। च्यतिक म त्यांडे च्यां थ দ্রক করিতে হয় 何。 COTA COIS

গোৰ্ছ আপিৰে উপস্থিত ক্ষাত্ৰ বাহনান जिन पिन गर्प गर्प क्ष्मं ब्राह्मंत्र, कथन कथन লৈৰ তুড়োধো নিয়াছাত্ত্ব গাছতলায় বসিয়া রাত্রি প্রভা**ত কর্মেন**্ধ **এই কর্ম বালালি** ও কিরিলি ব্য**তীত ইউলোপীর কোন** ভর সহা নকে থীকার করিডে**ছ হেলা নাম্ম**লা, বোধ করি এই কারণেই উঞ্জা স্যাক্তিবিধ্যার বেতন ভাতা ल व्हेबारक क्रिकिट्लाइडेश्टलाई मार्डाक्रियक नात पविषय के श्राम चीकांत्र कविएक अवर्ग-**(मटनेत प्रका स्थान कर्पहातीत रम**ी बाह्र ना, শোষ্ট আশিবের প্রথান কর্মকন্তারিনের স विरक्तनात्र व्यक्तिक कृष्टि कक्रम । व्यक्तिकाकि । :পাট্ডমাট্ট:ব্রটিলের প্রবোসন পাইবার সম**ঃ** উপস্থিত মইলে যালালি বাবুরা বিশেষ যোগ্য शक्तिश्रमणांगी स्ट्रेंग्न कि कि वितिता प्रध्या অবোদন পাইগ্ৰা খাটেন কৰক যাজি বালালি | জের প্রশিপাল কথন বা হেন্ত মাইর কইডে ইনিশেশ টিং লোটখাইছের স্বিভ আঘার পরিচর আছে। তাঁহার। তঃ স্বাদ অতি मृष्ठिति अपर अस्म विकास क द्वियान त्य औदानिरशर्वे माग्र त्याचा लाक का उक्त পাঞ্জনা আন্ধ 🗢 বোধ করি স্থায় গৈড়ক ধ্রসম্পৃত্তি হা থাকাতেট্ ঐ ভত্ত সত'-নেয়া খতাব্দ বেডনে এখন পরিভাব ও বট चोकांत्र कतिरक्ष्यम्, देवीविष्टनत्र काना कान नक्ष नाष्ट्रियोक्क काळाला बाहे, विष्ठात काया यान्द्रीक प्रवर्गराहरू या व्याप्त वर्ष 🔫 त्रिकाश देशका मा नाम त्मव ? बाहा श्रीय ?-' शाबिरगार देशका हाकि कर्तिका दणकरा व्यक्ति कर्त्वता । कृदस्तां (अनुमे देनिदल्लिक विद्यात श्रिक्षम् के क्षण के बिटलाईत श्री देवादी वृति (शह. अधिक: क्षांत्र कुला: वेच किंद्रशह बांता त्मरामत्र राष्ट्रं खेलकाञ्च क्षेत्रेरेकरेक् सवन्यस्मित्र जना दक सन्वर्षक्षात्रकि, विक्री, दन कन, बहुताह मध्य, ८७ मूर्ज द्वितान क्रिटेशका. अक्टनहें विवास ध्यर कार्या चारवांचा क चाचकारणांक व्याप्त मा है। देवीता जा अकार के अवस्ति विस्ति विस्त भादेश बारकमः देनिहामक्कि महिन्देनिहत्त्व भागिक रक्कन १५% वास्त्रक है। कार्य क्रांक नरव, माध्यक्षिक न्यारिकारिका

অপিন ডভাৰবান ক্ৰিয়া ওচেলা বিভীয় এবং নচুধা নগে ভাইচেট্ৰা জেন্ত্ৰেলনে পত্ৰ লিবিয়া এই অনিক বের্ডন লান্ত্রপাক করিয়া परिनन क एकत रव भिट्ट जनातक कि उनकित क्रिडी फासा नमुबद रहाभूती है विराम्मकेरवरा करते । अवस्य व्यक्तिभिद्धते वंबीटवीकी द्वस्य विश्व कतिया रमध्यां कि लक्क्षा कर्क्षा নতে ? সম্প দক মহালয় • এক্সণে উভয়েনীয় • দিলের ব্যবস্থাপক সভার সংখ্যারত প্রথাসভার বিচারালনের বিচারকের পদ পর্যন্তও পাই बाद्र निस्त्र बर्देशायम्, भगन्यवर्गे कारमस्यत्र व -कांनि निक्कतिरंभम् कांना कि बत्राव्यक्ते पाक ৰূপ থাকিব: **প্রাক্তিগনের পল** পাওয়া দুরে ধাকুক এপৰ্যাপ্ত কোন এক ক্ষক্তি হালালি নি-क्करके करवरबाद स्वयु साझेरद्रप्त शह शाहेरछङ क्या राजना अवेष्ठ कितिकिनिर्गत मर्था कान या किएक कथन है निराणकेंद्र कथन करन स्थि यात्र, किविनियां कि यान्ति निक्तिनि रनत अरलका विवास क लिक्किक रहा है संदर्भ ৰোগ্য -

বিবিধ সংবাদ।

১৯ এ কার্ক্টিক লোমবার।

८गटके है अनाने श्हेत्राटक, बाद ज्ञाबदना-পাল পোৰ বৰুৱেশীয় ব্যবস্থাপক সভায় 🖼 ন্যতির সভাপদে **নিচ্চাঞ্চিত** স্ইয়াছেন। রাম হ্যোপাল বাবুকে **অবতে**- ন্যস্থাপক সভা এ-दन मृत्र कड़ोटक व्यवस्थित्वह स्य भ्रमःस्थाक कविद्यंदिन, कार्य पूत्र'व्हेंन। हेनि এक सम ৰথাৰ্থ ৰোগ্য পাঞ্জ । **ইহাঁদ্ধ নিজ্য** কৃষ্টি ও ৰজ্ ভালি শক্তিয়নায়ি বহুবেংগবর হিত্সাধনের আন্তায়িক ইন্ধা আছে। উন্ধানকা বভ্চননের रमान ब्रामा क्र काश्रीकन इकिया अरमणीय मकासन् करिएक्टम्स मा दस्य १

্লাকিন্টাপুরাই, একটি কোট আখালাড স্থাপি-क क्षेत्राहरू । भू विशेष माना का मा वार् राजा. pan from Pulphule wanter.

THE REPORT OF THE PARTY AND AND CONTRACTOR OF THE PARTY OF THE

भागक्राक्र

" प्रवर्तना प्रकृतिवितास पार्थिवः सरसती युनिवहती व दीवतां . >

8 명(영) 조0 가(영())

मन १२७२। २० कार्जिक। है १ १४७२। १० न्दब्बत

वाजिक वर्ग वाजिक वर्ग

िकाशन ।

গ্রাহকগণের প্রতি

্রাহকগণকে ভানান বাইজেছে আখিন
ন সাহতি হাংকাতে অন্তেকর প্রান্ত সো
্রালের মূল্য নিংলেণিত হাইরাছে, কাতিক
হাল অভীত হাইলেও অনেকের মূল্য শেল
ভটকে, অভানহ তাঁহারা হারা করিয়া মূল্য পা
শিইনা দেন। উক্ত মূল্য কলিকাতা সংস্কৃতি
নালেতে আনাদিপ্রের নামে পাঠাইলেই আন
নরা নির্মিলে ও শীল্প পাইব।



निकाशम ।

নি যুক্ত কালী প্ৰণৱ সিংহ বজেছর অণীক্ত পুৱাণ সংগ্ৰহের ভাইম খণ্ড কীম্ম পর্বা ,

প্রচারিত হইয়াছে। নির্দিষ্ট আছকগণ তা বং এইণ কলে। যে সকল মহাশর প্র-শন, ছিতীয়, বা তৃতীয়ে থক্ত মান্তা লইয়া বি-বাছেন আর ফার থক্ত শন নাই, ভাঁছারা শেষ প শকল সভবে এইন কল্পন শিদ্ধ পরে কোন কেঠ আরু পাইকেন না।

শ্রমাতা বোংক্লিক | শ্রীরাধানাথ বিষারের শাং ২১ কার্ডিক ন ১২৬৯ | প্রধান বিভারিত

द्यांग्यक्रांगः।

ক্ষান্ত ক্রান্ত বিশ্বন বিশ্বন বিশ্বন বিশ্বন বিশ্বন বিশ্বন ক্ষান্ত ক্যান্ত ক্ষান্ত ক্যান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্যান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্য

মর্থকাশে প্রচার করিলাম না। ভাছার কা-त्रन करे, भामना किका कतिनाहि वर्विन-য়ের বিচারে প্রবৃত্ত হইয়া আরু পাঠকগ ণের বিরাগ উৎপাদম করিব না ৷ বেদাস্ক बाजीटनत यनि व वियस्तत मीमाश्मा कता অভিথেত হয়, জামরা একটা সংপরামর্শ বলি, ভাবণ ও গ্রহণ করুন। উভয়ের এক বাক্য হইরা কলিকান্তা সংস্কৃত কালেজের म अवस्तातावन कर्व शकानम, प्रतकारम শিরোমণি, প্রেমচন্ত্র ভর্কবাদীশু এবং ডা-রানাথ তর্কবাচস্থাতি এই কর মহোপধ্যার महानंत्रत्क मधारचंत्रं भटण बत्तव क्त्रा इंखेक । ইসারা উভারের এদর্শিত শাস্ত্র ও যুক্তি "अंबन कब्रिया या श्रीभाश्त्रा कब्रिया निर्वत, ভাহাই আনরা সোমপ্রকাশে প্রচার করি-हा निव अवश कम्यूनाती कार्यात बाह-तर् भत्राचि रहेव मा । ऐभन्दशत स्टान -পুদরার কলিডেছি, রণা বিচারে কল 和多·

মারী হয়।

পান্ত যা এছি আনের মারীজয় সংকান্ত চই থানি পত্র আমাদিধের হছে
আদিয়াছে, যথাত্বানে উহা প্রকটিত হইলা অনাতর পত্র প্রেরক প্রীড়িত বাজিদিবের সাহায্যার্থ পারাইয়া রিবার নিমিন্ত
আমাদিধের নিকটে প্ররু মি টাক্ষ পারাইয়াহিলেন, কিছু ক্রীড়িত্তসাহায্যমারিনি স্তাবিশের নাই, অভিনিত্ত হরও হাই,
বোরায় পার্চার্ডার বিশ্বিক

त्वत्र त्रिकात निरुद्ध वाकि । शक्यादत कलिकाका ज्ञाक १ मा जवर क्षेत्रक बाद दक्तेर विवदत क्षथान केन्द्रवानी स्टेस जवादत कार्याक केन्द्रवानीका त्वदादत कार्याक केन्द्रवानीका त्वदादत कार्याक केन्द्रवानीका त्वदादत कार्याक केन्द्रवानीका त्वदादक वात्र क्षयादन कार्या नीकिक।

পর বেরকের ১৮লকার (हर्न, **भारत सारत स्वास्**त देशिक क्रेंब्रांक्य गरकर मन्त्र शन भक्ति एशामु विश्वविद्यात म সাহাঘ্য দান করা অভিনয় क्लिकाका च चना चमा वसी वर्गिका क्षकरन लाटकनादसद्वत काम्स् जूत वरेग्राट्सन, कीक्षा करि उक्राप्त ক্ষিয়া লেপত পাঁড়িত ছালে রিক্সা ক द्रम, काशास्त्रिमंत्र यहमञ्ज केनाकान करेरन । আমরা প্রেরিও কবিয়াছিলার পুনরার करिएकि, शक्यक्षेत्रस्था भ्रमा प्राप्त क्हेंटक त्र अर्थ अर्थेड अहिंदिक शास्त्रन, अक्षेत्र किन्न केंग्रिंगिश्तात कर्षेत्र त्ये त्य The night bridge strice, was ल्याक विकास और महामर्ग तक त्र थी इक्षा अर्थावर केंद्र नाक्षा । तक्षा का कर ৰ্জা ক্ষিবাৰ এবং প্ৰাম পরিস্কৃত রাখি

> লাকে লাবেরের সাহায়ার টোন-হালের লভা।

होत गारत चाका हिनिश्दन अक ब्रस्की সভা হ'লা সিয়াছে ৷ স্ক্লান্ত উল্লেখ্য লা **(क्याराहतूत मार्या- काम। बिटनछात्रि,** निनिन विवयहि, विविक श्रकृष्टि गर्विष रेकेटब्रा होत्र ७ अट्टजीय रिन्ह, सूत्रलयान শর্কী প্রভৃতি নানা জাতীয় লোক সভা बाल के अधिक हिटलका भेरगत किनतल उ

> লেক্টনক্ট গ্রবর্গরও আসন সভাকে অলহুত করিয়াছি থধান লোক গমন করাতেই াভা হইয়াছিল, এৰূপ নচে, াবিধ রকিল বসন ও কুতিম

াজিত হইয়!ছিল। থেমে সভার উদেশ্য ব্যক্ত াহার পর ক্রমে ক্রমে লাভ अधिका आहि । एक नाट्य ोर्ग वर्क्ष्या करावा । ज्ञाप

বাহি যেগর পরা ও ব্লালাভাশব্রির अकुक कृतादे 'तारे तारे वर्ज्युकात श्वा **डेट ११ त डेटबना निया स्टेहाट्स।** नकः ब्रहे बद्ध ७६काटन माटकमाटबद्धव विना नम वाक्रिकिरमंत्र इंग्टंब छ्रबं द्वाध ও তদ্ধ বিনাশের ইচ্ছা ক্রছে। সক-েই ক্তা অবণ করিয়া **উজ্লীবি**ত ও উৎসাতি হন। লাভি এলগিন বক্তৃতা কালে ই অনুরোধ করেন ক্রেউন্তর পশ্চি माक्टल कृष्णि नगरम एवं धन नक्षिक हरे. ्रे हिन, कारांत्र करिने ए होक कारह. काहा म उक्नाटबटब भाठी हेश (मृखः । इस । मार्की होगात दक्षि (८ इन कतिहा धन व्यक्ताव धवश (महे धन व ** अभिन्न कार्किटक महाभीज कतिहा রের গার সভা ভাগ করা হ-

बेग्.1

ঠকগণের গোচর করিয়াছি সর চারল্স উড়কে পদচাত করা "জীর্কিকারি দলে-त » धकास भन इंदेग्राट्ड। कलकः खे पन ভাঁহাকে" পেচাকেওঁ, করিয়া তুলিয়া-ह्न। छेश्निएशत्र वाटका वियान कतिया। हेश्लाध्य प्राप्तक व्यथान लिएकत् अहे क्रभ मश्कींद्र इहेशारण एवं छ।त्रचवर्ष क कि । जी नक्रव विवास वाटन दर्शन वार्षिक १ कर देखे**द्वाभीत्र कि अ रम**भीत्र जकत ल्एक । क्रिशंद बंध्र्डांकति शिहालग् । क्रांत्र स्व ब्रहे नद्र हाद्रल्य केएछद्र कार्याद्र शक्ति था । अर्थवरत हित्रकां ही वर्यनवश्व हव. य शास्त्र ভাষ্কিক বিরাণ জ্যায়িছে। এবং সংক্ষার । রিক ইকাটী কার । পতিত ভূমি বিক্রা স क विवास अक्षी विनिधे कांत्रने वार्ष । ' शक्त म (मनी किर्मन महरक स्पूरलाश छ চারলস উত্ शरीमूद्रित রাজকুমারদিগকে eo नक होका नित्न शत थ मिनीहतूत्व अव्यक्तिकातिकलथणातिक हरेया होनका লের সভার ঐকমতো ঐ কার্য্যের যে প্রতিবাদ করেন, চতুর শিরে মণি জীতৃত্বি कांत्रि एम अकर्न छाहाई अ एममीय्राणिटशव विद्राश लक्ष्य विलाग क्ष्माय विद्रा # (क्म ।

बाहा रेकेट, हेश्लट अब श्रधान वास्ति षिरशत **উलिখিত अमृ**लक मःकात शाका ভাল হইতেহে ন।। ত'হাতে ভারতবর্বের স্বিশেষ অনিষ্ট ঘটিবার সম্ভাবন। মাছে। गाहाटक के मःकाति पूर्तीकृष इस अवन চেঠা করা অভিশয় আবশাক। ভারতব (म्ब्र मधुमास अभिएड जित्र लाटक अहे मन्द्रा अवस्थाका स्ट्रा महानाम के छटक অবিলয়ে এক থানি অভিনন্দনপত্ৰ প্ৰদা न क्यून। छाहा स्ट्रेलिटे व प्रत्नेत ला কেরা উক্ত নেকেটারির প্রতি অনুরক্ত कि विवक्त देश्लखीरववा कानावारन वृक्ति তে পারিবেম ৷

जब होब्रम्भ छेड थ दिनीव्रण्टिनंब क তঞ্জতা প্রস্থান ও অভিনন্ধন পর সাতে র যোগ্য পাত্র সন্দেহ নাই। ভারত্ত্বী য়েরা যে অনায়ানে অত্তভা ব্যবস্থাপক স ভার বাক্ষাবেশ খ্রুরাচর্চন, বেনু কার্যার पानुबारकः देशायाः का क्यांत्रकान्यं प्राथितः विक्रि प्राप्ता प्राप्ता व्यापानि पर्व पत

লেন, তাহার অনুকৃল কারণ কে: কোনু वाङि यञ्जवान सरेष्टः अञ्चलनीयमिशास्त वस समर्थमूल कर्णु के विल हरेए ब्रक्त করিতেছেন: এদেশীয় পদচ্যত রাজগণ ও श्रधाव वास्किमिरणत श्रार्थिक भूतर्व कहिशा মনংক্ষোত দুর কয়া প্রধাম উদ্দেশ্য কাছারক प्यभिक्षे करेवाव वा महावमः इर्हाफ्ल, কে বা ভয়িববৈণ কবিয়াছেন ২ এক সর চা রলগ উভের নাম নির্দেশ করিলেই এই अर्थ छालिक मङ्गलक इंदेर नम्बद बाहे। य वास्ति अ लामत अमन हिरेडवी, जिनि কি অভিনন্ধন পত্র লাচের যোগা পাত্র नर्इज -

नव प्रतिस्म पेष्ठ स्व करें ही दिन

যে বাজি মুর্নীগানাদিরপ অবাতর रामत्व यामस इत्र, अक्रवात्व शक्ष्यां प করিণ বশতঃ ভাছার তৎ পরিত্যান চেত্রী জ্ঞালৈ সে যেমন এককালে চন্দ্ৰাগে সহ र्थ ना रहेगा अकराह अ सामक प्रदा त्यदन अरुवात अभागक छवा म्बन कतिया छ **হিরটিভ**ত। প্রদর্শন করে, কণ্টার বিল লইয়া অত্তা চাত্ৰগুলি ইউরোপী-(युद्ध (महेक्ष मन्) यहिंगाद्ध । जे दिस केंद्र, निरमञ्ज दानम चन्य महेब्र:८इ । हें-शता कानकार है हैशंत भाइरी माज विकार क्रेट्ड शाहितकत्वम ना। नह छा-ब्रम्म डेख वीक्ष्य मार्ट्स्व

क्लें कि विल विद्याश कतिरलम, ब्रिकि ना-रहर काशास्त्र बर कर्नार संप्रतानी मरकांड করিয়া বাবস্থাপক সভায় উপস্থিত করি-লেন, কিন্তু ভাষাত্র সম্ভারতীস উত্তের भाविक अटब्रेड परिषे शक्ति क्रेडिशेटक 1

Companient of the state of ार्थातं हाता श्राम, महमभी काम-

"श कामानामा । सक

अहाअम मगीरभय । ्दामा हिट्दम्म स्पार पर् । श्रांखकारम मान्नीकान्य गर-ात्वव संबद्ध भूति क्यां कवित्रा व किः कल लाइ ३ व्हेडार्छ । ALS: 国籍 中国品 由26 क्षेत्रेश्चित्रं। साधुन। अक्षा अक्षेत्र किर्मान समान ना कन् आविभाग का। म विशेष १मी विकारित कारम अकति उथाय क्षीय हो के सारावर्त्र, चारमक शांधी अकारत में न (金) (中国 西) 电影 面 東有一 , इक्षेष्ठ भी ए बाहै, ग्रम्टल कित्र उरहा कुरावर देरे – বিভ বা ভি Cath पुष्ट । रक्ष क स्टेब्रोस्ट () उद्घे कामा अधिक गाँकिमन ল কথ্যই পূৰ্বচিত বলিয়া जागाः सर्व श्रीकांत्र श्रीवर प्र विरूप्तिन कि क्यान्य व्यक्ति र १३ औरमक केल्यन एइव সভাপত ! উত্ত ঘোটিন্য-केटराइ शाहित क्षेत्र दिन र अक्टियांच क्रमे विषया 1-8. CS:# 9 44 5 45-। केरिया विश्वकारमञ्जू नि-के देव हैं खेशकार ग्रह एश्वास्त्र महारे हैं। निव े क्षेत्रनेत्रक ध्याक्रम काल-海柳 医毛癣 多面儿虫 ल अब्बा महिला छ । ्रेड्रीक निक्ति माना सम्बद्ध WINE THEY ARE & SICH! (माबदे क्षा मीन । अवन्यान डान क्षा) rufen felben men es nim gnage feren a Line folge all feren a Line folge all feren a Line will and a series vione alle wills and wildelien रल , २ चारिका श्रेष, वर्तव है है हो हिए । बेल det delesa the sale In the fact of the same of the (रम माडे में ने निर्मा

没有一种的

35

शास्त्र शाकानगरमा वर क्षां स्था

श्रहानेत्र मा

वाल्यसम्बद्धः वार्किक्ट व्यानक्ष्याः न नाव्यात् व्यासक प्रातीकस्य विश्वतः नाटक व श को बहिक के बढ़े कि के के कि हमाम। नरशक ध्यक्षीय विकार के किला भी स्टार्थ अस्व ভথাতু প্ৰথম ক্ষিতাভিনাৰ : পাঞ্যা বছকালা-वहि श्रमकाथिकात्रेच अभिन्ने के विभवन, देह--स टाम्ब्रियम्भारका १: १०००, चन्त्रास्य विन्द्र विन त्युद्ध द्वारा कवि क्षेत्र कार्य द्वारामधीन मिर्गात शी, केब्रेंब कि से काउन नहमा यूजरनक मदर जामिन् रनोक्षति 🐞 महरू जाना जार दर्भाषीके क्षेत्र पुरु दश्र मा। श्राक्ष्मात विवास म निरुष्त निक्षे विश्व खानाह खेळा. ७ सहस दम्बिन्ना इक्षरकृष्ठि व वेलामा अस्तिलाम अस्त द्रमा-कता द्वाव्य विकास प्रांत्रक कारण निर्विष्ठ देवेश वाविष्यत स्थल द्वावा । वहावान स्थाव वाविष्य धकाम गर्का मार्था केल्बीवी के प्रतिकृत कत्र अप्रेम जारव विकास । जैन निवाद व निक्ते एक प्रयास पाकिश विका विकास स्थित सह अकर्त कामान महुद्द अहन केलाहिक प्रकृत, ्रेवार ভয় ঐ সকল মহ ঐতি দর্শন কমিছা আসর। क्षमध्यात्रक कुलिसां क्रिक्स शाहित स्। প্রিয়াতে একটা মুখ্যে ককাছার একটা ভারবর अक्षी थान:, धवर अक्षीकांशवाकुड देखांक वा भाग विषयानम् अक्ष्यः विश्व क्षेत्रक्षे नात्र हिन्दि-গোলার নাই ও ডাডোরে নাই যে এক কল আছেল ভাষাকে ভাষ্টাৰ বলিংগ খল ভাজ ৰ বিংগ্ৰ व्यवसानमा बद्धा दम् । ८७ मूर्णि दर्गकिरीकि शहरि का खेलहा कामान के अवैद्योश की उहे। स्रीतिमान विश्वनाथात्रक्षात्र-० योगरंकत्र यदशा ५०। ११ 🗓 माm Berfem Alte. feniferen eineleng (जोकता क विमानिक के यक विमा पास थी धरेलाम, काटलालत विद्यार्थित ଓ खाँचाँत मका दर्भ नेता वर्ष के के के कि देशने हैं कि कि विकासिताय क्ष (क्रम के क्षेत्र के व्यक्तिक के विश्व क्षेत्र के विश्व क्षेत्र के विश्व क्तिन दिख वंडा-छंबिक्राक्र्यानिका समय स्था-ল্লকার লাউদ্ধণ চ্বৎকুত চইবেন,ডিনি নি-त्य श्रामिकक समः केथीनि अधिमारेन विकातन-(शह काश्रामुर्थ-द्श्वति क्षेत्रिक कविका वाटकत-धन: विक्रमेश्राहित गार्थित लेका ३६ है है कि। धर्मी-त्या कार्यकात अ वृत्ति निक्त विविधिकाश्व दर्गरम् विशिक्षक देश्यूरा जानाव कृतात्वत वाष्ट्रकरी क्ष्या, व्यक्ति का व्यक्ति विश्व मात्री का ना विश्व क्षेत्रका लाके कि के निर्मा के कार्य का कार्य के वि # 7 Micacala fabb" a All Was "alfe Become 's wante war wilden with (a वरमार्क्षीक देशारमणी जानमें जानिक निर्देश men wan wingicen) for wigir Bann attell mar in Witceller Geffe THE PARTY OF THE PARTY THE PARTY. NOW CHICK SAME WESTER WESTER

HI TO THE PARTY OF THE PARTY OF

র লিখি শহন যে ভেতুল ও বীশ গৈছি ছ कार दर्शक यह निर्देशन का माहि ! शक्रदिबी खामा निरंतर रक्षस्त्रीभाग रा लिए। ६ इ'रह, अप्रम आम बाडे संबाद की अकड़ मा दर्, खुछ बद के जकल प्रतिकृत का कति। तिरम द्वासक्यम मिकारे व चायाम्य व थ ন। দায়ে। সা বাহু আবার কৌত হল নির। विश्वति अधिकारक अभिरक शास्त्र शिकृति। रभटलम । महाभद्री: अहे क्रंक्स विश्वासन रा त दिविद्या शासात सम्बद्ध विशेषिक । का বা উপৰ্বাপারি শবশবা। পভিত্ত র ইয়াছে, বে ওবা অস্থি ও বস্তব্দ পুঞ্জিনীয় চতুঃপাৰে হইতেছে, জোৰাও বাপ বিষয়ে দলি স লোকে रणास्य व नीज्ञारक सम्बद्धीकृत प्रवेत्री महत्त्व है বিভাছে, ভোগাও ব। স্বৰ্জটা সঞ্চ সকল ছে 'कामादि सम्मादि स'तन स्तिनारम् । सी ानको दावित्व जानावको द्याव वह हो व 'क्रेड करहक प्रोरमह मस्था संवर्गस्यकी क्रेथे।प्र वर क्रमक काकान गाउँदिसम मा। आमा प्राम त्वानव धन'का लाएकहाहियाकि करवस, दीका চাঁচা করিয়া লাপুডাছ কৰেক ভাক্তার পাঠাব্য लाइबन मा शुकार्त्वी व्यक्तिविद्याद्व करेल वहनर : সুনিক্ষিত ও বনটো লোক থাকিকেশব্দে বে कविराह विमा क्रिकिशीलक कृष्ट्रा क्षेत्रक (इसर कत्रक कामकारमध्य शहरतक ना । क्यांत अम दिश्व जीरमांच क करमक वस्तु में स्कृत में पर दलाकनिटमंद्र क्रिकिंगांत समा के के कामा अव कतिष्ठारहत्। जागति ज्ञास्त्रकेशुक्रक शहन क त्म कीश्राम महिना व विक वर्म। THE ROLL OF BUILDING উন্তৰ শাহা

५१ का विक १६ १ के बीम । おおべけ 🏂 在《日本》 \$600 在海绵的产业的 · 大小村子子女也 新疆的人的人

LAGRICIA ALL BARROLL ... THE WINDS OF THE PARTY OF THE P গাভাষ্য কর্মনী AND WISH PLANTS 1. T. W. W.

प्रशासिक प्रवासि संशास निष्ठ निष्ठि (Margal के कि के हैं के कि का नाम कर के

. ग्रहाद्व वश्चात्रध्य 635'3C'A KN. 1. O. 7,28,244

李琳兰 流 全

अवात हैनकाडीका अधिक प्रदेशन कान्न क्षात्र वाकी है।का जाहार रहेर हुई, व-या किस सारमा क्षेत्र कर कार्यात दा सारे ।

een william warsing प्यक्तियाचारमञ्जू अव्यक्त मारचनाहरूएक मी-১ - ০০ স্থাকা ইয়ারণ করিবটাইশ :

हरशिनवान वर्धनि, दर्जनवादि विदेश मा-अन नज का स्थाप नामा नामा क्याप नज जनमाजिक केणांकिक क्रमान, अवन all fiell a weitht & facilities

केटर राज देशकोशको स्ट्रिके में सहस्र और शास्त्र त्र कोवियांत्र क्यांत्रज्ञांगाडि जाने के किन, ८२ वय वहेनार्थ १ वायववायां भा स्थे ात्र वंशावर्थि चारम 'क्यावित सामक सर्वे

ুঁ উল্লেখন আবৰ করিবাহেন আয়ুকুমনীক क्ष्मराज्ञ विक्रीत निःच त्रांचश्रह वश्रह प्रक्र क्षांबाई बारमहिक 🗠 .. डीका डाक क्रियाड क्षेत्रकादका । त्युक काशास्त्र केंद्रिया

क्षिण के देशों के हैं शास्त्र हैं ्राप्त निरम**ा व**िकार · Carrie

मिनांक किलिक का इ उपर्य का निवार हुन, कान रानिद्वत आधात मरखत कथा कि ?

২০এ তাত্তিক শনিবায়। र्डाक्र्राण अक्कि विष्ठांनव स्टेडांटड हिरा তে ইট্রয়াণীর ও কিরি ল বালংকরা অধ্যরণ । अवन्तिके छविषित १,८०० है।का

बोर्डहोत्र क्रिका वरमन, जलिएनप्र म (व नेत्र द्वराष्ट्र धक्रेशन द्वि अस्त स्वत्राम् कविशा न्द्रांक वन करेक्डिक माजिएहे हेटक एवन-क किटनका वक्टकभीक कार्यमध्ये शवर्त्य अ क्षेत्र काम वास्त्रम मा

কিনিক বালন প্রধানতম বিচারালনের আপীল আদালতের (পূর্মতন সদরের) 🖫 कीरमहाकाटकमाटकटत्र्व महात्रकात सम्मा सूहे শহর টাকার অধিক চাঁলে, করিরাজেন 🕕

निर्दे निविष्ठ मुटला चनर्यस्य हेन्न कांशक वकोष श्रेटण्डा ।

- 8 क्रांकांत्र निका 106--64 ্ শৈন্ত কেশিপানির 2: -20k e টাৰার ঐ 7.8--2.81 e ह डिकान के 334-133214

रारकंशक गंखा ।

विकास मार्टक अक्सम-अका प्रदेश विश्वमान

क्षत्रार्वे भश्य कविरमम्।

সিলেই কৰিটা নিয় কোনীয় চিকিৎসক বি-रभर क्थ कि दिया काका वयाव्याचा भारत विक-तम् मुहिर्गात विद्या द्य दिल्लाहे महिनाद्यम् यान-द्वितीह द्विश्ववेदाके बहाह आहा आर्थन कहि दक्षता

ু খুবৰু মুখ্যা এক্তিড ও এখ নিৰ্মায়ৰ্থ হ ক-ब्रियोह ब्रिट्स निटमके क्षिति एव ब्रिटमार्ड साहिता ছেৰ ছাত্ৰা আছুছিল বাবেৰ সভাত ভৰ্ণৰ BEEFR !

uf high sires for for ment there জ সাণিত করিবার বিজ লগন করিবার জ क्षेत्र व दर्भन । अञ्चनिक दनका वर्षेत्र । 🔭 केंग्रे तथा व्याप विश्वविभित्न विश्व अपन क्षीत स्वतिकारा -- केर गर क्षत्र है के जिल्ला है स त्म त् राष्ट्रम त्यांच्यात यात्रील प्रदेश छ the de fan i ber fe fantine is fe fage

a see a stage state and the water that a sain what a see the water produces property (see ***

त्य क्षार्यम्भिक स्वीतास्य स्था स्वीतिक वृत्यस्य स्वातिक स्थापा

GRE HIGHINGS COME SEN ME WELLE CHAMP विष्य। देशकात्रा वालिक अधिका निम स्वेदन। क्षांच्या विद्या क्षांच्या माधारण कार्याचे एवकि देशे स्वेदन। अस्त्र ने स्वास्त्र हैं

रेडेजानीय

मध्य ११६ मध्येश हो विकेश्वर्त ।

o a Bosee lattiel willen विश्व का नाम मान्य आला श्रम विश्व ह saute | attentie turial "a भकार भारतात वहेबादहा विद्वार ख्यांच कड़िया। विक्रमः श्रेष विद्याने श्रेष क्षां । गर दिव**्येष स्था**री स्थान क तिश्री श्रीकृतः व देशाया । वृत्रेकारसङ् इक् रहेटल:इ। शर्गद्यातीय दुन्याह উপৰাধ। জাগ করিয়াছে। বিস্তা लिक सुदेशिय सद्दाःत केल्क्रेय बुक्त कामिकाओं।

महांशीय मिक्ता कीए क्यांटक विद्यारीतः कालिका किरमा कविशास द्यापना कः निकारी अवहीं दृहद पुष्ठ हेंहे योंत्र माहै।

क्रामी इञ्जितका शास्त्रत चंद्रश्राम्य प्रशास स्था क र मञ्जी वर्षेत्रारस्य । मन् १६ व क्षितकाल्या अभिवास अका ভব্দা নাধারণ লোভনিংগ बाका ब्राह्मां विश्वन प्रश्न क.

श्वन्दमक वि

सामगाटम-है। त्यक

海中数 चाक्ष्मवाद्याचे, विद्यार्थ।

244 meğten-n fennfenten मरकांच कर्षत्रात्री तकश्च के सम्मानिक शा west fan efen, france nine : with morning to state of the state of STORES NO 1800 ST . CE SIN

24.2

चना कर

यक्ति मुक्तिक केवार मध्य प्रदेशीय ना, जाश्राकि महत्त्व कामक्री क्षान्त्राम क वि-बटग्रह व्यापनः कविन । छात्रम् मे के विक्र रित्तर कृत्यु कि वितिश श्वका विवासकः क्रियाद्य, का दिवसिंदन म्लंक क्रिक्सिय हहेता. किनि अटमर-महाचामानरकत चवरा। श्रीवृश्चिक्तंत्रिकारमञ्ज भारतम् अपन अन् औ पाइन विविध्य वर्ता आहमिक व्हेटन जेटर त्मत त्य मन्द्र **अ**न्दि चर्डित्यः जाहा व्यक्त करण कृत्रिप्रारक्षम । ऋ मन्ना भूग्यः ह्य संबंध कहिवादिलाल. अक बाजन दिल दिथिनक क्ष्यान अरहरण कर्षे के ध्वाना के हैता था-টাব, ভিনিত্ত সে পঞ্চা করিরাছেন। ভাঁন र'र एक शकांक न्याकीकारतरे न्दी वर्षता-१६. त्व भूत युक्ति व्यवलाम क्रिका क्रि य हेर्न्य क्षाचान करा **परेग्रस्, पार्** विश्वक्ष नहरू । (बाध करा, अक वाकि ओक काइ। क्षा क्षिप्रा विदेश दनिया किष्ट দাদন লইয়া কোন জৈন প্ৰতিব্যক্ত বশতঃ [ucs পারিল না, কিন্তু সামনদাতা অসার र्राह्म पिट्रमान, या सुर्केटी क्रिक्स क्रूकी-, भ्य वर्षे, विद्वाद्यक्षां काषाव क्षांकि अक-वर मदब्र काबाबारमञ्ज भारमभ कविरसम । ট্যার জুলা **ভূজি বিভ্লম অসমত আইন** আর কি ছইছে পাছে? চারলুপ 🎉 😜 त्तम, **रकाम ब्रांटका ब्र**ंडन म, प्रा**क्टन अक्**ष নাই ৷

Anteine Buffeltes Chile

THE TREE STATES OF THE TREE STAT

वीर वर्षक्री केरकरे टावाद क्षित्र के रागव विराय पूर्वक करवादिक

क्ता कामका प्रश्रिक प्रत्या करता। अकार काम जिला अकारक स्टेरकार ।

হয়। একজেনীয় বোধা ব্যক্তিনিগের চিক্তিক চি.ইংক্তের পদ লাভ।

७प्र । **अक्रदणनीग्रनिटनंत्र विक्रि** जा-

वर्ष । या मध्या क्रीचित्रक वसीत क्रिति क्षीचार्क क्रीचार्ति क्रिति क्रि

ত ম । যে কাণ্ট্রান্ত বিল বিভিন্ন হই-লে ভারতবর্নীয় স্কুগক্ষিত্রক নীলকর প্র-ভৃতির ক্রীত কালের নার্গ্র হইতে হইবে ভাহা বিধিয়ক হইতে না'পার।

देशह मधानक हुँहै क्रकान जानानियान जन्दाननी करेंदिकार ना। जरू, या नक्त जन्दाननी करेंदिकार ना। जरू, या नक्त जन्दान क्या क्षेत्राटक, क्षेत्रानियान विपास सहामकात जाटनमा करा जनावमान । का-कात क्षकि ववार्थ जनाव हरेत्राटक, यानि अवस्थ क्ष्मां क्षेत्राच्य हरेत्राटक, यानि जन्म क्ष्मां क्ष्मां जीवारमा करिएसमा कर्ति। जन्म क्ष्मां क्ष्म THE COURT OF THE PARTY OF THE P

ANTICATED ANTICA

परेल्ड अपन कार क्रिकेट पर्वतंत्रं कामच क्रिकेट

公里中有了一种农民中 AND PROPERTY AND THE THE BUTTE STATE वेडि क्रमान क्रमान क्रमा THE BEST BEST OF THE PART POPIN विश्वामित्यम् अशास्त्र मछ। EN COUNT WITE I WHILE क्षा करिया भागिरेटकरहर, भेता कडका व्यक्तन भूकर्गन विन कार्यका संकृति व सामा विकेशना व केलात कांत्र कतिया सक्तकत्वन ज जारकार्य है समि निवा शास्त्र एरे THE WATER OF THE PARTY OF 198 4 1 1 Fre Comment of the same रवर्ड स्थाप शहर हैता ग रक्षा, जिल्लाहि क्षे THE PERSON SE

रेरक्ट देश कारि कार्रा प्रतिमारिक केरिय क्षिक वर्षेत्रा क्षेत्र कालाक दशत्र करिया ক্যুৰ্ত্তে শ্ৰেষ্ট্ৰ কৃত্তিবার চেডা ক্রিডে-दिन । प्रति विक्रम यथार्थ न्याप्रश्राप्त्र इन, ডিবি কৰ্ট্ট বিউড়া পরিত্যাগ করিয়া ক कैंक्ट्रिके और कथा कहित्यन "यनि छो-यांत्रिक्तिका अपूर्णन कतिवात ज्येका বাঁটেছ, বৈ ৩১ লক্ষ লোক (আমেব্রিকার **জ্বীত সংস**্ঠিপুৰাল বন্ধ হইয়া গোমেৰ মাৰিকাৰিয় ম্যার তোমাৰিগের কর্ব বহ-বালি প্ৰপাদন করিতেছে, তাহ

প্রতি সেই দয়াপ্রকাশ কর**ু আমি খ**রেশ ,विश्व अवेग्राहि, यथार्थ वटहे, স্বাসি শুর্মালবদ্ধ নহি। * * * * ছরজের जुलकान क्षानीटक त्रका कतिरक्राह्म ।+++ স্থানি ব্যাহ ভোনা দিপের প্রতি ব্যান প্রকা-मं कंत्रिया पद्दताथ, क्तिरक्ष्ट्, रखावता পঞ্জিন নিকে (পঞ্জিন কান্তোলিনার কান ্বিলিয় ক্ষতি) মুদ্দিশ্রত কর_া উত্ত র্ভা লাল্যে ভূতিরাছিলের " যে হা**ভি** ্রা ট্রেটার ক্রীক্রণ।সম্বামনিধের অভিনি क्रेड मानिद्रक, जानि केंश्रंक वर्गर्थ कार्यकेवर के कार्यक निर्मा किर्देश किर्मा कार्यक का । व

ंश्रीकार्य असे म**ार्च वाकाश्रालाह ज**न क्षान गारक । " जाहरवर्षत श्रीवृत्ति " क्षे जनक शुर्व अस शक्ति वित्रशत कारा-जिक्कांत्र क्रांच्य दिवस्थाः क्यादिकार क्रिया क्रिया है। विक्र क्षेत्रका नाकि व तनीव्रक्तित विक्रमण्डे कुम्म क मुख्यप्रियात पारीयका माक क्रमीत संस्कृत साथरेता अकृत क शक्तिक संबद्धि विशेष सहस्रीत सहित्री क्षां विकास रहाकी: कार्युरकार्य के लागा से कार्य BACKAT P CHAIR AS

क्ष्यां वाकि वाक्षां क्षित्रां क्षणिएक मा-रक्ष्यों के क्षेत्रक देव हैं क्षिक स्ट्रिक्टर : देशान मक्षत्र ग्रांकि क्टब्रक कर विद्रव मैनिकत के हो क्टब्रेस चोर्डिताव्यक कामर-बर्ट्य में क्रीवृषि बनिया गर्नमा क्रीवृष्ट हैर नीरी सरेएनम 🐔 🗥 😘

भाग समर्थे अहे दात्रम केम्स्कि सहा वरेपाटक, त्म धरेग--शक कुलाई करिय हि-স্পেট্র রটের আনামত্ব নংবার বাঙা লি-वित्राहित्सम, त्रिकंगरकल मारम अक क्षेत्र नरकाती हो का क्यहाती चाशवात चरी-নত্ব এক তুত্তিকে এক নিৰস আভানিক প্ৰ वात्र कटड अवर भी विवन काश्स्य अस श्र-कारबद्र करवा वर्षः कतिका द्वारथ । अन्त ८ सुर्गतिर्वित्वके जिनमद्भव मण्डि कट्य পর দিকৰ ভাত্তে ব্যবতীর বসুরের সম-क्कि व्यानजन कहा क्ट्रेश व्यवस्थ व्यक्त संक् माठी तक कानियां काशाद आश्रत कति-क्ष चाँबैंड क्या स्टेल l: क्षिप्रध्यान शरह त्य जानिया त्यम हे क्यक्रवाद अक्डा क्लिका अध्यक्ष क्रेल । आवास विषय स्थानक अस्ता पूर्वि प्रदेशका हरे । श्वित । ब्रिक्टकाइनं महत्र अधिक, सूक्तिव व्यक्ति वि-**ध्यान वरेमाट्ट । काराज कुन्यानर** समाहित कतिरोह अनुवादि प्रदेश । किन्दु क्वडनान गरन त्या त्यान, का बात स्थान विदेशन दर्श मारे। जन्म देवचमा स्टेश स्ट्रिंग देविक **সুহ বহঁচল ভাষ্ট্রক আলাম কোলা**নির करी प्रति प्रदेशक स्थापना स्थापना दणकर। AND PROFESSION FOR REPORTER MARTINET PROPERTY BY

चनारमञ्जू हा कहा विक्रुश्नी क्षेत्र ७ किशिका १९५ है।

क्रेक्ट पार्क कराय, कामाना आयोज টুক্ৰী বাভিয়া সাক্ষুদ্ৰি হলা-क्रिय बोनका सागत्म समातम उ शता-জালাত্তৰ পলায়ৰ করিলে শুই-अस्मिक्षेत्र थङ्ख चारम-क्रियुधिक बारमञ्ज-

वक्षार्थ हैनानिक कार्यार के जुड़ा शास्त्र इ तमन वह देखें दिनान कार्तिक छो-हारक वाक्षांक क्षान्यक्षां के कार्या गरम म माजेश क्षान्यक्षा क्षान्यक्षां कर कार्या एक क्षानिक कार्यामधील क्षान्य कार्या

विति देने क्षित्र का प्रति का गरका का का वाद्यान का का का गरका का का गरका का का गरका का का गरका का गर

The Articles are alleged and and are alleged a

THE REAL PROPERTY.

्टर्ब बाडिडेब कार्यका जनन कि स्विद्यमः इति कुल्यकाम् कि स्वामित्यव करण श विद्यार कुल्यकाम् कि स्वामित्यव करण श

वाह क्रमान नरणक महणाह गरिजाहर कर करण क्रमान क्षिता । जिल्हा कर के क्ष्मा करणाह महान कर करणाह कर करणाह करणाह

রালা প্রকাশ নানে, তর্তা কার্নাবনা
রালালের স্থিত ট্রারারী ব্যুপারত অবলা
উলিত এক লাজা লাক ল করিলাকেল। এত
লব পর্যাশ থাইল ক্যা অক্তি বে লার
বিশ্ব কার্যাশ থাইল ক্যা অক্তি বে লার
বিশ্ব কার্যাশ লাক। কিয় ইয়াতে ১৯০০ টা
লাল কর্যালে ক্যাল ক্যালিকেলার কলে নিং
ক্রিটার কার্যা ক্যালিকেলার কলে নিং
ক্রিটার কার্যা ক্যালিকেলার কলে নিং
ক্রিটার কার্যা ক্যালিকেলার কলে নিং
ক্রিটার কার্যালিকেলার কলে নিং
ক্রিটার কার্যালিক ক্রিটার ক্রিটার ক্রিটার
বিশ্ব ক্রিটার ক্রিটার ক্রিটার ক্রিটার ক্রিটার
বিশ্ব ক্রিটার ক্রিটার ক্রিটার ক্রিটার
বিশ্ব ক্রিটার ক্রিটার ক্রিটার ক্রিটার ক্রিটার ক্রিটার
বিশ্ব ক্রিটার ক্রিটার

Section of a section of the section

विकास करिया । जिल्हा | जिल्हा । जिल्हा | जिल्हा । जिल्हा | जिल्हा

CALCAS CONTROL CONTROL

Lating of

त्र वर्षा क्षेत्र क्ष

। व्यवश्राक्ष

ांगा नावि वेद्य रंगणन ७० तरनम जावेग नि व रहत । यक विद्या क्षेत्रिक क्षेत्रक क्षेत्रक

CONTRACTOR OF THE PARTY OF THE

"Mala" (नीक) निर्मा का RANGE BRICES AND THE WAT A BIREY menter Anten एको यानिन, र प्रशास THE STATE OF THE S Initial affice, 1 गान राष्ट्र व्यक्तिक POSICIO BIEL. जिला है अ स्वीतिकार विकार वर्गायक स्ट्रीक TACTO I MARE THE 4144 र्था गाँध पर् क राम केली विदय देशकी है

min Biel (min befreiffin cone be, es elle)

केवेशिया जाता गासक क्षाणकेका त जाकिया जात स्थि केविया हरता शासाहण्य व्यथानक्ष किश्रामहा कार्यात गाँउ सोच ति योग क्षेत्राच्छ । कार्यात वर्क केविय बास्तारम कि यक्ष जारिय कार्यात १

माञ्चारका कित विकासका वर्ष सन् १-त्रीका रहेगात सावा रहेगारह । क्यांस वर् अ त्र गत्रीकाची स्टिगां मत्र रहेगारह है।

वित्री रंगरवरित अन क्षेत्र मरमावनाणा वर्णम क्षांक्रिक में क्षेत्र कर कार्किम क्षांक्रिक क्षांक्रिक क्षांक्रिक क्षांक्रिक कर्णा कर कार्किम कर्णा कर्णम क्षांक्रिक कर्णा कर्णा कर्णा कर्णम क्षांक्रिक कर्णा क्षांक्रिक कर्णा क्षांक्रिक कर्णा क्षांक्रिक कर्णा क्षांक्रिक क्षांक्

नारेना, क्षावन्त्र अवेदान दशके वावन्त्र व जानारमञ्जू प्रसिद्धक कांग्र प्राक्तिर्थ है। रमह एक एकेटक जीननक्ष्मशास्त्रितक रूप निर्मादक र प्रकारक उन्हें स्थान स्मेनीस स्था

Total design the state of the s

THE RESIDENCE OF THE PARTY OF T

विक मञ्जाहाः विक्रिकारकम् इतिकारकम्

The Party

विकास कुल जी:-

(माययकार्ग)

" प्रवर्तनो मक्ति। विनाय प्रामिनः चरकति युनियस्ती न दीवतां। क

१ काम ।—व्य

मन ३२७७। ७ व्यवस्था । इर ५६७२। ५१ नदम्ब

বাসিক কুলা ১ চন সাহিত্য আন্ত্রিক ১০ ছ

रिकालम ।

धार्कभरनत् अवि।

क्षांक्कनपद स मान वाहेरक्र, व्यक्तिन म काठीक कक्षणाद व्यक्तिक क्षेत्राक्ति व्यक्ति द्वी ध्वादमात पूना विश्वविक क्षेत्राक्ति क्ष्मि हैं म काठीक क्षेत्रक व्यक्तिक व्यक्तिक पूना क्षिक् म काठीक क्षेत्रक व्यक्तिक व्यक्तिक प्रमा व्यक्तिक म क्षिक्रक व्यक्तिक क्षांक्रिक्तिक व्यक्तिक व्यक्तिक

विकाशन '

চালড়িংপান্তা নিব'নী জীবুক্ত রজ্ঞশিবর নিংহর পুত্র জীবুক্ত নালীকুষার দিংছ আল-কেল ছাইরাছে। ইহার বর্ধ মোর বরঃক্রন ংই বংসর, সঞ্চিশ্লিগের জ্বলপির নিক্ট বক্টি ছোট আনচিত্র আছে। যদ্যপি কেছ উফা লক্ষণান্তান্ত ব্যক্তির আলুসন্সান করিয়। নামপ্রকাশ সম্পান্তকের নিক্ট সংবাদ লিতে গারেন, ভাচ'কে ২৫ টাকা পুর্ভার দেওৱা।

।'টারে।

সোমপ্রকাশ।

"इ" काळेश्रासन्दर्भाषाचाड्य "

धना क्षणनीयद्गदक धनावीय पिवांत धवर लावेयनारमद्ग विकटिक्ककका धनः भ नित्रवांत्र विन क्षणिक व्हेद्धादक् । क्षणनी-पर्दात्र कृष्ण क लावियनरम्ब केश्नाक नारम प्रक क लाविय क्षिक वहेत्रा लाग्यकान म क्षि लाव व्यमरत्वत्र व्हेल । स्वांत्रता स्टम स्टम केश्न सात्र स्टूब क्षणि क्षणित

বিৰয় অৰ্গত হুইবার নিবিস্ত নিতান্ত উৎ-मुक् क्विट्ड भारे। भार्रक्कात्व (महे কৌভূলে বিনোদন করাও আমাদিগের অৰশা কৰ্জন্য। আনুগণনায় সম্পাদকের পৰিশেষ বতু নাই। আয় অধিক হউক. भाव भाग रहेक, जन्मीनक माधानुमादव পরিজাম করিয়া ঘাৰজীবন সোমপ্রকাশ অচারণৰূপ অধীকৃত ত্রভ প্রতিপালন कतिरवत, अहे के हात के किसा। चक्रवर चारत्रत्र विषद्र क्रांनिशः शार्ठकशरनद्र विरम-ৰ ইন্টলাভ নাই। তবে ঠাহ বা এই মাত্ৰ स्रामिया ताथूम, यक चात्र दृष्टि क्रेट्स, कठहे ইহার জীর্জি তাঁহাগিগের নয়নগোচর হইৰে। বায়ের বিশ্বে ৰক্ষাব্য এই, সোম-প্রকাশের নিভা ও নৈমিন্তিক বাদ নিভাস্ত व्यक्त संदर्ध आहरानंत्रं क्रुशात महत्त्र **कारा प्रतिमा गारेटक्टर । (वाध रम, अविध-**যে কোন বাজালা সদাদগত্র সোমগ্রকাশের मान मिक्नामाली मा। अश्रुत आहर গণের এফটা গুণের বিশ্য বিশেষ করিয়া **উল্লে**ধনা করিয়া মৌলাবনায়ন কর। বিধেয় इंदेर्ड इ. । (मामलक, ८५)व आहरू निरम्ब व्यात (४०१ मृजामात्म यः। छत्र छ।, ऋश्वछ। ष्यथ्य। उपानीमा आपर्धन करत्न मा। अ क्टल भाग अक्षा शर्गर उ छित्रिय क्या चावभाक, राहांद्री अक्यांत्र साहक इस. র্ভারা আন্ত ইহাকে প্রায় পরিত্যার ক

উष्टि विवरम् विष्यम् छ। आप्रद्रा सक्तिः स्वतानम् व्यवक्षणानी भावेकस्वके

ভাষার বর্ষার্থ বিচায়কভাঁ, विषयात्र विष्ठ रहत्र अधिकाश्रक आरम् भागनी और बाज बनिएक भागीने, देरे ध्यकानै (प्रकाषं कीर्डेड गा। बरनी च बाबिनीक्टिक केंब्रेन मिंबर्डेड मात्र विश्वक्रम ७ इसँग नंदर । जका निमक्त राष्ट्रिकं **७ ऋक्त** (भ^{हें कि नि}र्भेज मक्तिक प्रेटकट्ट । देशं के जिल्हें, পদাৰত হইবে, ভাছায় সমূৰ আদিই কা রাহে ৷ পাঠকগণ বৃদ্ধি **উল্লি** ^{(চ}ৰ্টিয় বীকার করিতে চাবেন, আর একটা 🕏 किनकन अहे, भारतएक देशांत्र केंक्स क्रे कतिया विचाविक व्हेशास्त्र । श्रीकृ नर्वणारे मावानूनश्वात कत्रिश्च चेटिक्व ভীহারা যে অভিপ্রাহের হোব সন্ধান ক তালা মহোপকারের বিনিত্ত ভূইটো (ए। देश कुरुकाहिक स्देश छुदै मन क्षात्वत याच नरद्भाधम क्रिकी क्षित्रकत्व^म ততই ইহার **উন্নতিলাত হইতেন্নে**। **অগ** উন্নতি লক্ষ্য এই, সোমপ্রকাশে খবন দে বিবন্ধে বে অভিপ্ৰায় জাকাশ করা হয়, ভাহ ? विख्य युक्तित प्रमाद्यारे वाक करा हरे য়া থাকে, **ভাষাতে** ব্যক্তি, সম্প্রদার অর্থন काणिविरभारवत्र अनुएताथ वा सूथारशर्याः নাই। ভাষার্ডে অনেকে সোমপ্রকাশের। উপর শার পর নাই কুপিত হইয়াতেন देश जनानावुत रहेटल क्यन लाएक * কোনে পরিত হঠত না। লোকের কো क्षेत्रका मक्तर, हेई लक्षित्र बाका महर

करतना है जब अञ्चलका वेजरवानीवास ্থাপি ভার্মানিদের স্বরূপ মুইডেুছে, সোল-এই বলের লওলড় ব্যারেকাডা একবার गत इंडाइटियन अपर देखिन्नान मित्रद्वत **8 थक्ष महाम मोठा उन मिन गिविवार**हन, इन्द्रम्भक् रेफेज्राभीत्त ७ मधनक् रेफेता-छो। है ब्रें देवलेकना रुक्छिश्र । अ एएन াব্যে ক্লিকাইসেন, ভাষার অধিকাংশ ভারত াইন ক্রেড পদার্পণ করিয়াই নিভান্ত ছ্রা न्त्रा कृतान सरहात कतिशा थाएक। अएक-গ্রচাটি লোভের এতি ভাছাদিগের গরিত प्रदेश के अपने वानहात कि विशे पृशी करवा , বিলাবে, ইউরোপথতে ইছার সম্পূর্ণ বৈ-<u>ইহার ক্ষাট্রেলাচর হয়। তত্ততা ইউরো-</u> সক্ষণীক্রাছ অনায়িক ভাব; শান্ত প্রকৃতি

র ব্রহার দশ্ত করিয়া অভংকর। ব্রহম একান্ত আর্ত্র চইয়া যায়। ৰ প্ৰাৰ্থ কৰি কৰিব কৰিব কৰিব ৃঃ ইউরোপথও কি অর্গ ধান ৷ মনুযা-रहत्र निकृष्टे अवृष्टि नकल कि उपा हरे-া অন্তর্হিত হুইয়াছে ? তথায় কি কেবল নিত্য জামন্দ ও অমায়িক ভাবের ভ্রোত ।বাহিত হইতেছে : বিধাত। অন্য অন্য াশের লোককেই কি কেবল নৈসর্গিক াব সকলের অধিকারী করিয়াছেন 🗸 ীহানিগকে তাহার অংশ ভাগী করেন টি : ভাছাদিলের জনম**দেশ দ্বিতী**য়া চ-**্বস্তুর নাায় কি নি**মল বিধাত, যদি ভাছা ্ৰী**লাকে এইৰপ** দেবতুৱা বরিষা সৃ**তি ক**-ক্ষাথাকেন, ভারতভূমিতে পদার্কর মাজ **। इति जना**विधार कर साल ह*े हा रहन* । **ीत्रहर्दि कि धंस**का तिन्द व वक्रड ্বৰবিশ্ব ন্যায় এমন কোন গৃত প্ৰাৰ্থ আছে 1.सर्मार्ग मान देखे (ताशी महिरात शह-[ं] शक्तिवर्षः स्टेशः याव २

्रकर किर देशक अरे कातन निर्णाण एडान, रेफेरवान चरुखत यक अन्यक्षि छ चुन लोक जातकार्य अरेटन, कार पि- গের সহিত অন্তর্গার কোকের সুনা সংসর্গ হর, তাহারা ক্রীক্রাল নিজ হতাব গোপন করিরা রাক্তিতে ইন্টার্করাল না । তাহাতেই ইন্টার্করার রাক্তার ক্রাল্ডভাব সচরাচর আমানিপরের নাম ক্রোচন্ন হইরা বাকে। এই ব ক্যের ঘাথারা বীকারে জ মরা সমর্ভ নিচ। একেশে ভত্রলোক আইসেন না এ কপ মর, ইউরোপরতে অভ্যন্ত নাই এমনও নার। উলিবিভ বিপরীত ভাব দর্শন করি বার একটা বিশিক্ত কারণ আছে। এদেশী-মুদ্দিগের দোহই সেই কারণ।

ইউরোপধতে বিদেশতঃ ইংলতে স্বা **ধীনতা বুসজ্জভা নিভা বি**রাজমান। এতি-বেশীরা পরস্গরকে আত্মসম ৰূপে সৃষ্ট বা ধীন জীব বলিয়া জান করিয়া থাকেন। সু-ভরাং কাছারও উপরে কাছার অসমত এতু-व केत्रिकार हैका नारे। त्वर ता रेका कति লেও ভর্মানার ভাষার প্রতিকল পাইরা थाटक, कारक कारअहे हेम्हा-निक्र क कतिहा "রাখিতে হয়। এখানে সেরপাহয় না। ইউ-রোপীয়েরা বিশেবভঃ ইংলগুটিয়রা এদেশে । उनाइक करेटनरे काशानिद्यात व्यवश्यत्रदर्भ अटमनीयमिन्नरक निक्ष है । अधीन अजा जवः ত্ম প্ৰাদিগকে প্ৰধান ও প্ৰভু বলিয়া এক টা বিজাতীয় অভিমান জমে। এদেশীরে রাও আগনাদিগের পদ ও গৌরব বিস্ত হইয়া অনাযা কাণ্য ও আচরণ ভারা সেই অভিমান বৃদ্ধিকে প্রাথাত করিয়া পেন। **म्यार क्रिक्त इस. इंकेट्साशीएसरा ह्यादा** क्रेश উঠেন, এविनीय्रमिश्रक अहे मी-রাক্স করেতে হয়।

ইউরোপীর দিগের অধান ও প্রভূ বলিয়া অভিমান জনি ব স্ন এবং ভালাদিগের
অত্যে এদেশীরদিনের দীন আচরণ করি
নার কথেকটা কারণ আছে। ইউরোপীস
নিগের পথে কারণ এই— ইংলভীরেরা
মনে কবেন, ভালারা রাজ জাতীয়, ভারভবর্ষ
ভ লাদিগের অস্তলন্ধ এবং ভারভবর্ষীরেরা
ভাষালিগের অস্তলন্ধ এবং ভারভবর্ষীরেরা
ভাষালিগের অস্তলন্ধ এবং ভারভবর্ষীরেরা
ভাষালিগের অস্তলন্ধ এবং ভারভবর্ষীরেরা

त्तत्त मात्र पंक्तिकः अपूत्रः गालि विम णात्र अग्रेतिकाकः काइता विक्रिके किति-एक गाँतित मार्विक्रिक कितिन्दि कर्तिः णजका गाँतम अग्रेतिकाकि कितिन्दि समर्थ। पर्वत्र मम के नियाद्वर स्त्रा मा, मूक्तार केति-त्वाचत्र जास्ति त्वाद्वर स्त्रा मा, मूक्तार केति-त्वाचत्र जास्ति त्वाद्वर स्त्रा मा, मूक्तार केति-त्वाचत्र जास्ति त्वाद्वर स्त्रा अग्रेतिक स्टेट्टा स्टित्रां गीरम् स्त्र स्त्रा प्रश्वामिक स्टेट्टा थारक।

এ দেশীদের৷ ই**উ**রোপীদের অপ্রে যে मीत्र चाहत्व करत्व, छ हात्र सूर्या कात्रव ইহাদিগের ভীয়তা ও কাপুসুবভা। খেত **पृक्षि ७ (भण्डे मन भद्रिशन मिरिलरे** हे-शंद्रा (मव का'न करद्रन। (मवका क्रके १३-लে जात्र निखात्र नारे. अरे छाविशा मनि শেৰ আনুগড়া ছারা ডঃছাদিগের চিন্তকে স**ভো**ণিত রাধিবার প্রাণপণ চেই। পান: অপমানই হউক, আর ল'ঞ্নাই হউক, कोबारक केन्द्रत कन्ना मार्थ । भारहरवया हा লার জাতি, ভাষ্দিশের রুত **অপ**সানের পৰিলোধ চেকী কৰি শুভ ইকীলাভ সন্তা-বনা নাই। একে ত আপনার। হীনবল ও কীংদেহ, তাহাতে আবার রাজপুরুবের: উহাদিগের পক্ষ, কি করিছে পিয়া কোন विभारक পढ़िन, भारत धरे हिंडारे 💆 दिक इत । मूलवार काशार माह इरेबा अ তীকার চেন্টার প্রবৃত্তি জবে হা।

TA WIND AND DESCRIPTION OF THE PARTY. पराश्रक्त स्विति क्रिया गाँउ के सम्बद्धि है। स-किंगा के बहुतिया करिन अक्टलहरे अ ब अटकोडिक साम के क्षीत्रम महिला । व्यक्ता-व विकास मार्थाक विभागातिक विकासित লাত বেৰু ক্ৰান্ত্ৰীয় নিকটেও প্ৰজাৱ প্ৰ-(गाहिक में बाबना एक विन वार्या । विनि व-উন অর্জান্তাভ করিবার বিবরে কাহারও অধিকার ও ক্ষমতা নাই।

व्यक्तिकार क्ष्यां कर विद्या अहे, आर्थ-भीरत्रता क्षेत्रका भीत्र किर्मत वास्त्र उचि করিয়া আমনি করিয়া জুলিয়াছেন বে পদ म'न, मख्य ७ ७० धक्डि मर्बाश्रम क्रिके এপেশীয় কোন ব্যক্তি কোন সামান্ত হউন্ত্ৰাপী গ্ৰহে প্ৰাণাৰ করিলেও গর্বপ্রস্থাক প্রক্রিপ্রধান করে একেশীর নিতা নমকার কইতে বিশ্বত কর ন। একৰার যে ব্যক্তি প্রতি প্রণাম করিল ा, डाइएक चाड अभव कड़ा रकंत ? है-উরে:প্রীরক্তে প্রণাম করিলে কি পর্যসো-भाग मध्यप्रिय कहा। एवं २ **एक्सर्य क्रिक्** वां क्षि के अनारमा बाना ? तम वर्षि अ-ধান না করিলে কুপিত হয়, তাহার সংস-র্গে প্রয়োজন কি ? জিভেজির আলবাহীন **उर्हे अध्यक्षित का अध्यक्षित की** বিবা বার সর্ব্বেই উ নাটিত আছে। তকি বানি কোন দেশের নাবস্থা সংগ্রহে ত মিত্ৰ এত শহা ও কাৰ্ডৰতা কেন্দ্ৰ ?

दिकि मारमण्डक माने । हैं जिला क 'गड़ डायुग्य हैंग्ड

সর চারদেস উজ্ঞান্তান্ত্রণীয়া ক্রবক্ষরি-शत्क जिल्लि क्रांबिक रशोत्रस्य अहिक हुरे বাব রক্ষা করিছেল ৷ বীক্ষা সাইছেবের ক্র के कि विश्व थे 'ब्रिकि जारबादक, क्यार्क क **ंग्य विम् विभिन्न वर्ग क्या और जो जाला जिला** विवि ताम्भीविक्षण विवदः भाग असीन अपनीय सुनिर्देशिका है। ब्रीक्ट्रिजारस्टर्ड निम समकावः भारतात कार्याः शाकाः

THE PROPERTY OF THE PARTY OF THE THUR DER PER STEEL STEELS COURS विके विकि मारका के किया गाकार सुवक

क्षेत्र मार्सेन स्टेटन ता शक्ति क बाह्य क्रिटकर, बें.शहरे काताबाद बाब वर्षे । निके यनि अनुशासन कतिशा तथा यात न्यांके काकीतयान व्हेटन, क्रमरकता क विरमाध सूर्य नका । जाहाता वृक्ति मर्था बैक्ति महिक् कांद्रिकत्वत हेक् मह नमू-पात कार्य। निर्वाद कत्रित, अरे केटक्टमरे चेषुण विम्मृण चारेह्नद्व श्रवाय क्या व्हे-ग्राहिल ।

यत हात्रम्य क्रिक काकीकात्ररे अरे विलियां कात्रक्योंत्र शवर्गमिक कानूरयं श कत्रित्राट्य त्व भी मन्त्र 🕸 ध्यक्षांभटवत्र वि-ৰাপ হইবার পদ্ধ শ্বংমি জাঁহারা প্রথমোক্ত প্রত্যাচারকারিগরের সহারতা ও বনো-त्रक्षम कतियात्र निमिष्ठ विरुगंव माहेन कति बात्र क्रची शास्ट्रबट्स । तिकि गारश्द्यत अखाद विभिन्न क्वेंटल गर्वविध এडिका क्टलबरे कथ इंद्रांक्र महावमा, त्रांन वा-जिन्द्र शक्तिकान मार्टे । धरेकाल जाउन ক্রিয়া বর হারলুগ উড কিবিয়াছেন " বৃদ্ধি **धरे बिरमक कृत मु जिल्ला प्रतिक हरेक, कार**ी रहेटम देश देशक ७ जना जना (मरम्७ প্রচারিত করা অন্যায় হইত না । কিছ क्रकात चारेन एबिटिंग भारे मा। "

্ব : জিৰি জাল্পো বলেন বাৰস্থাপুঞ্ স্কার যাবজীর সভারও এ বিলেক विषया धेकमणा मुद्धे दश ना तक तक रेरादक्षतिकाक खवा, त्कर वा रक्षक वर् (मण्डे दक्ष वा वाविक) सदवात वियदे के निक-क्रविवात प्रमुद्धाय क्षित्राह्मक के वेक विधियक क्रेटिन एवं एन निकासभावित है। काब व किएक श्रीका कार्यको विकास एक प्राप्त स्वर्गने कुर प्रश्ने अपूर्ण स्वर्थ गानी स्वादन क्षण करिए। प्रतिक श्री

स्मर्के काशास्त्र क्यूब THE PROPERTY WAS THE PARTY OF

wice, win fi क्रि*द्रार प्र*केश चर्चना १ यहात छप कतिरक्षे चा র্ভার্কার পরের বিরয় নিবিত্র সক করিয়া সর ছার্মান বিশ্বী তা অথবা অসাপুতার বিশ্বংশ द्रवाविक मार्टिक स्विति देशकी शादक्षेट्र किंद्र अविश्वासी (SER RI | 1 SER. 12 MIN जानामध्ये शक्तियाची प्रकेश सहिता क्य करियोद्ध किन्तु देखक अस्तिम्ब महाभ मा कड़िक्क विकास के किए मा, काशांक व्यक्तिश्रीक वर्षेक भवता क्षेत्रके भएतक सभा विद्रास मधान कड़िएंड एवेटन करकारन नरके चरनक नजे इस मुक्क त्यरणेत्र अब बात्र हेर्रीहरू त्य क्लिमें भाषिका विवाह गार्थि **एवं वह हो** है.

এভাবিত আইনের লিখিত ভূটিট্র (नत कारण किनि विक्तितार्टाहरू, के विक् খিত হইয়াছে, কয়ার জন বিশ্বস্থা বে ক্ষতি হইয়াছে: কুবৰা ধ্ৰু পাৰী সভাৰৰা ছিল, ভাষা পুতৰ ক্ষুদ্ৰান্তিৰে प्रदेश । क्लाप कड_{़े} काम पार्टिक स्थाप सिंह বলিয়া ১০০ ক্রিয়া কাইল, মে-স্টুর্ন্ম কিবে शाहिम मां । पूना न्यंतिक स्वित्रह स

লাভ হবত : **এখন** ছলে -উন্নেরে ne the second with a बीटम क्रमनकाई संस्थातिका, अ माना रगरणी ना किया अवस्था कर्मा के निर्देश सरेदर हैं के किया के के क्या का शाह स्टब १ के मा शक्त कीन कविगाल विशेषिक क्षिक्ष के बिद्धा विमाश्री हरू, महन्त्र किया ক্ষাৰিয় করার পত লিখাই**র ক্রিয়া** হয়

करे डाँडाईकिनिशंटक अक्र खात छूरे राय रुत्र, रिया डिज्ञकोल बाँडावेडा लग. रहेटव वा ज्ञ चरग्रहकि वृक्ष मा ।

বেশন বিশ্বশ্ব বৃদ্ধি একশন করিইতে বহুলন উর্চ্চ প্রভাবিত বিলকে
ভালই করিরাছেন এবং ভারতবর্ধীর
শাস্ত্রীর এককে আহা রহিত করিবার
শীর হর্ণরাছেন। তিনি বলেন " বাণিজ্য
শির্মক প্রেক্স সুবিধার জন্য বিশেষ
করিরা আর পক্ষকে ক্ষতিগ্রন্থ
করিরা আইন অনুসারে আপন আপন
বারের উন্নতি চেটা না ক্রিলে বানিশ্রন্থির হয় না। যাহাতে শীত্র বিচার
যা সন্পর্ধ হয়, নেই বুপ আঘালত থান্তেই বর্থেন্ট; কোন পক্ষের স্বাধীনতা
লাপ চেন্টা বৃদ্ধিনিত্ব নহে। গ

পরিমূর্নক সম্পন্নদেরের বালকডা। ": উক্ত সম্পাদক আজিও অংমাদিন্ধ্য रिकार केंद्र विदेशन मा, जिनि सामानि-ধর এতি বে নোবারোপ করিয়াছিলেন, বাজিও ভাষা সঞ্চৰাণ করিলেন না। তিনি रिर्दे फेक्क ७ व्यक्तिश्वाकात्री स्टेश वका-্ণ বিদেব করাতে আসাদিলের সনে বে ক্ষাত ও কোপ ফা্রিয়ুছিল, জঁ,হার ইদা নীৰুম তীক্ষতা ও অব্যক্ষিতা দেৰিয়া ভাষা मांभना इरेट हे पूरी कुँबै इरेटक्ट । जिन श्रिकुक वांबू काली धमक निश्टबन काश्रोहे विशेष क्योमेल करन व्याप्तिशतक, विश्वा-**धाँवीं कारियात करो। शालेशा, इटलस, किख** निर्दे निर्दे निर्मे करते हैं है है। दे मिथा वाशी নিৰ্মাট্ছন 1 ক্লিপ্ৰসম বাবু নই কাৰ্তিক बोब्रानिक्षे निकरि ५७ रिट १० भानि পত্র পারিটির কেন। আমরা এছদিন পরি শৈক্ষেত্ৰ কৰিব কৰিবাস তাতা প্ৰকাশ ছার নাই। भार वैशेषात्म ভাষা প্রকটিত क्षेत्र, माठकप्रवेद शिक्त दक्षण वीकात कतिया

वायहा भूबीभन्ने महत्त्व भवाद्वाहमा क विशा (मिलिश्म, अब्रिम्म क अन्मामदक्त्र नि-ভান্ত ৰালকভা প্ৰকাশ করা হই যাছে। বাল-কের উপরে কৌন্দের ক্রোধ করা অবিধের, এই বিবেচনা করিয়া আমরা আপনা হই-ভেই তাঁহার অপরাধক্ষমা করিলাম। তিনি যে কিৰপ অনিষ্ঠাগাধনে উদ্যত হই বাছিলে-ম, বালকতা এখুক্ত তাহা বুঝিতে পারে । मारे। बाष्ट्रांटक प्यामानिरशत रहरनेत्र स्ना কের জনপ্রমাণ ও অমাবিধ দোব সংশোধিত হইয়া ভঁছোরা সংপ্রেত পরিক হন, আমরা खनर्गेत करे कि है। भा हैं। है, विश्व बामना यकि विशाशक्षिम कि उन प्रविष्ट हरे, क আর আ্যাদিসের উপ বাক্য হাবণ ও कुछ इन्दिन : প্রছণ করিয়া ভদর্গবা

> শ্ব্যার্শনা আত্মার সাধন করিতে পারে ? দেহ

ज्या अन्य मुद्रा শহরে, সং-व इशेर কার ও অভাসের কি য়া যাহার चढ़ाान, त्रुं विष् । मुक्किङ-(क्न वक्त (क्न ज्वा हरे) **मृष्टिश**ःध পভিত হইলে ভ এত শীঘ্ৰ म्धि विका-তীর ও বিশ্বটি এবি ভাষার সন্মুদে উপ-क्षि इरेल । विश्व यपि अनुशायन कतिरा কেধা যায়. কেদ শুক্তাধারির মৃত্তিত মৃত্ত-**८वं विश्वणों काम नदारे मण्ड रह । यूक्डि** ক্ষেণ্ড শান্তামারির সপক্ষতা করিতেছে 🖟 ক্রমদীশ্বর যথন পুরুষকে কেল ও স্মৃত্ত এদান করিয়াছেন, তখন তথারণ যুক্তি विक्रम कार्या नत्य। त्यांका मन्नामन इके-ক, স্বার অন্য কিছু হৃষ্টক, তাহার একটা উন্দেশ্য আছে ৷ গুল্লারণ মা.্ ক্রিচেন সে **উक्तिण जिल्लित गायाक सहस् । भागम्ब** देश्ताकी जुला भाव छ भित्रास नेत्र देवस् **এरे जशहार्य काशारक " वृक्षीत्र वना न्यत** क्षि त यति किञ्चामा क्षत्र, देश्या है? क्षि निर्मान प्राप्त भारति हिंदी

वृक्तांव परक्त जार्य । क्राप्त वृक्तित्व ज्यादकः শান্ত উপ্তিত হয়। ছলিম যদি নি**ৰ্মা**চ্ছেন विन्द्रा विनातकमारकोणमा अवर क्रेन्टब्रह অনস্ত শক্তি ও অনস্ত মহিমার বিবর চি 🚉 ও ত'ৰোৱ গুণ কীৰ্ডন করে, আছু রাস্তোব-্রতীরে অথবা মসিফের মধ্যে স্থায়সার ७ मुजिक-नशन एरेशा धक दा**त्र क्रुट**हा शः তিত ও একবার তথা হুইতে উন্সিত ছুই-য়া ন্যাজ না করে, গৌড়া মুসল্মানেরা এখনই ভাহাকে নাজিক বলিয়া ভাহার সহিত আল'প পরিত্যাগ করিবেন। পিক্র यनि मितित अधिवृद्धि भूटर ना द्वारथ, এপু প্ৰভৃতি এখনই ভাষাকে ধৰ্ম হট বলিদা ঘূণা ও নিন্দা করিবে। ফর্মের্জর যদি জনসংস্থার জিয়া না হয়, তাহার সহচরে-ता अथनहे डाहाटक हित नित्रानामी बिन्हा ছির করিয়া রাখিবে। ভাচাব অরপ্ট ঈশ্বরভক্তি শহচঃবিদের মতে তল্পুদ্ধরণে সমর্থ হইবে না। কলিকাতা ক্রান্ধ সমাজে-র আচারোর পিড় ক্লান্ধ প্রসন্দে, প্রার্থনা ছারা আত্মার উন্নতি হয় না,এই ১ এপযো त्त्रशां**रक जा**वाणिरशत्र विवर्गक जेन्नश घउँना हरेग्राट्य ।

षायद्रा शद्रम्भाता सुनिलाय, देशिय इ थ ন্তাৰটা বাহির হইবা মাত্র কতকগুলি ভ্রাক **এक कारम एक रथ चारीब इहेश के देर**लन। রোষাবেশ বশতঃ তাঁহারা আমাদিগের ৫ যুক্ত আর্থনা, ৩ উপাসনা এ উভয় শ **ब्या एक अहरून मधर्य स्टेट्सन मा।** छै। हाद्गी अवस क्ष्मद्रगहे का साहिशदक केंगा जनात षचीकांत्रकाती सांख्यित बॅलिया चित्र करि **लाग। किन्छ त्काभरका भावि इ**हेरल যথন তাঁহারা অভিনিবেশ পূর্মক এডাবটা शांक्र कड़िरमञ, छाश्चिरभन्न सम पूरीपृष्ट इन्हेंग । समा ५ माइन भटन राजा गाउँए (स्, ज्यम् कार्थ्या व्यक्ति कार्यात कः शेक्द्र नारसरकात्र केन्द्रकात्र कार व P. S. LIMP, PRESENT PROPERTY OF Marie and the second second

উপদেশ দিতেছি। আমাদিগের সৈ উদ্দেশ্য নহে। প্রার্থনা ধারা আত্মার উন্নতি হর কিনা, নেই বিচার উপস্থিত হইয়াছে। ফিন কেহ আত্মার, বল, লাহস, ও উৎসাহর নিমিত প্রার্থনা করিছে চাহেন কলন, ত হাতে আপত্তি নাই। কিন্তু প্রার্থনা বারা ক্যার উন্নতি অথবা জগতের প্রার্থনি লাভ সন্তাবনা নাই; আমরা পুর্বে একা, কহিবাছিলাম, এখনও কলিতেছি। কংগাপধানী হয়, একপ দুত্তর

াকিলে ব্রং আন্থার ও জগতের নন্মতিবই সম্ভাবনা। সমুদায় শীতার্ত্ব বা কি ক্ল সংগ্রহ পূর্বক বস্তবয়নের উপার উল্লা वन ना कतिया यपि अहेबन आर्थना कतिया িশ্চিত্ত হইড " হে কল্পানগ্ৰ আৰাকে ±ট ছ:সহ শীত যন্ত্রণা হ**ইতে** রক্ষা কর ^চ .হা চইলে কি বজের হার্মি চইত ৷ মানুষ যদি গৃচ নির্মাণ চেফা করিয়া শীষ্ঠ গ্রীয় ও বর্ষায় উপত্রর হইতে আত্মরকার চেত্রী না পাইণা নিরন্তর ঈশরের প্রার্থনা-ণ্যারণ হইড. এরপ উৎক্রম্ভ অট্টালিকা সকল कि आभाषिएगंद बद्धन গোচর इसे छ - '' कशमीमात्र ! धामाद व कटेवक मह्या कामीरक लहेशाबां के अहे व्यार्थना कहिरल यमि योनूत्वत आर्थना भूर्व इदेख, क्यम तिल अरात या कि सहस्र मा।

আনার ও তথ্তের উন্তির কারণ
বঙ্গা, প্রার্থনা সে কারণ নতে। প্রার্থনা
সে কারণ চইলে মুর্য, নীচপ্রকৃতি, ও জার
কানথ বাজিনিবেরও আনার উন্তি মুক্ত
চইত। জারক্ষর পদস্তাব মুর্য লোকে
কিবণ প্রার্থনা করে। " শ্রা বিপাত চই
না অ'নার এজার ও নিষ্যা বৃদ্ধি হউম "
এই কি তালার প্রার্থনীয় নর ৷ সেই বিস
প্রার্থনা পূর্ব চইবার কি সন্তাবনা
আছে। প্রার্থনা দারা আনার উন্তি
হল না, বরং উল্লা নারা আনার উন্তি
বিস্কৃতি কারণ বাইলৈ প্রের্থনা বাহার
আলা উন্তি কারণ বাইলে প্রের্থনা বাহার

or the second se

ভাহার মুখ হইতে কি ক্রম এরপ প্রার্থনা নির্গত হয়। ক্সতং যেরপ বিচার করা গোল, ভদ্মারা স্পাট প্রতিপন্ন হইতেছে, প্রোনা স্পাত্মার উন্নতি সাধিকা নথ, উন্ন ভির সনুষাপিকা।

> অচিহিত কর্মচারিদিগের প্রতি অন্তক্ত্ব আছো।

প্রথমে মর্থন বিনাশের সয়াদ পাই
য়া আর্ছ বিনত হইবাছে এই সয়াদ প্রচাত
গোচর হইলে যেকপ মনের ভাব হর, ব্রহ
লগতি বারের গবর্গমেন্ট গোজেটে প্রচারি
ত সর চ্যারলস উচ্চের আজ্ঞা প্রবণ করি
য়া পদর্চাত অচিক্রিত কর্মচারিদিগের মনে
সেইকপ ভাবের উদর হইবে। গবর্গমেন্ট
আফিসের ব্যর সংক্ষেপ হওয়াতে অনেক
কর্মচারী পদ চ্যুত হইয়াছেন। ভারতবর্গী
য় গবর্গমেন্টের প্রস্তাব ক্রমে সর চারলস
আজ্ঞা দিয় ছেন, ঘাঁহাদিগের ২০ বা সর
কর্ম করা হইয়াছে, ভাঁহারা অপারগতা বি
বরে চিকিৎসকের সাটিকিকেট দিন আর
মা দিন প্রার্থনা করিলেই পেন্সন পাইন্রেন।

আমাদিণের প্রাবে বেদান্তবানী শেব অসমতি।

আমরা মধার মানিয়া বেদান্ত নারীশের সহিত বিবাদেন মীর্মাংসার যে প্রস্তান
ৰ করিয়াছিলাম, তদ্বিয়ে আপনার বতু বা
লিখিয়া তিনি আমাদিগের নিকটে এক
পর পাঠাইয়াছিলেন, তারা প্রকাশ যেগা
বোধ না হওম তে গ্রহণ কনিলাম না । বে
দান্তবালীশ আমাদিগের মানিত মধান্তের
প্রতি মীর্মাংসা ভার সমর্পণ করিতে স্
প্রত হন নাই। তিনি বলেন, প্রস্তাবিভ্
ম্যান্তবিদের মধ্যে তিন হাক্তি তিন প্রো
নীর লোক, তাঁহায়া বৈদিক বেনীর ক্লান্তন
সমস্ক মংক্রান্ত স্বিশেষ হল্পান্ত স্বাধাত
নবেন। বিক্রীয়, মধার্যক্রা শ্রান্তিবিদ্যান
বিক্রীয়, মধার্যকরা শ্রান্তিবিদ্যান
বিক্রীয়, মধার্যকরা শ্রান্তিবিদ্যান
বিক্রীয়, মধার্যকরা শ্রান্তিবিদ্যান

কিঞ্চিৎকর বলিয়া প্রতীয়া वृक्षिमान लाटक य विष्ट्रबुद्ध **ত্ত অবগত** নহেন, তাঁহ'বা সে ি मकारन .थवृष्ट स्टेरल छाहा । थवा वृक्षिण शास्त्र मा, हेहा मू माम । चामब्रा मानिष्य, बुद्धिय हूरे व्यविषय नारे। वाश्वमात्मम कर् ল কোন্টা : এবং কৃতদার পাতে मान अधिविक कि रा ? अहे कृति के मीमाश्मार्थहे मधान्य माना हरेएछह -ছেরা শাস্ত্র ও যুক্তি অনুসারে তাহাঃ **চার বরিয়া মীলাংসা করিয়া দি** ब्बर्गीविष्णस्वत श्वहात्र कान् मा 👯 লে শাব্ৰজ্ঞ ৰাজিন্না তৰিবন্নে অসমৰ্থ हेरवन, अवश्विष वाश्वित्याम कि काश ना निक स्रेलंट । व युक्तिक किन जि শ্রেণীর ভিন্ন ভিন্ন ব্যবস্থাপক আবিশাব एत । अरमरम कि खानीविरमध्यत्र वावऋांश ৰ বিশেষ নিৰূপিত আহেন ৷ যুক্তি ও भाव व केंग्रह है निक्द्रअनीत सनुभए नदर् ।

বিতীয় আপজির বিষয় চিস্তা করিয়া चामता निवाद विकाशनम स्ट्रेटिकि ধাবেরা আমাণিগের সহিত অন্ধীরত। क्षत शाहर शंकरा ह दरतन, खराई-বাগীশ এই শন্ম ক্রিয়াছেন, এ শন্ম किकारण मरनामरथः केविक इंदेश ; केविन बाक्ट रत्रात्र हार्। मधा क्षिर्वत द्व्यत कर-मानना करा क्रेसटब । मामाना वासिन উপরেও যদি কোন বিধয়ের মধ্যস্থা ভ:-त्र नर्धार्यक् इतं, एक्कारम क्रीहात्रक गरन भक्तभाष्ट्र अद्भव मा, जात डामुन মুহাপার বার্ত্তিক বাক্তিবিধের তাদুশ इण्यूष्टि व्यक्तित, रेश कि महाविष्ठ का ? बिरम्बक की शामिरशत कुछ भी मारश माम-ক্ষরিদ প্রকাশিত হইবার কথা আছে। भविषाद्वा श्रीमाश्मा अवाहित स्रहेल रि कीस्तिरश्रद्ध मुथाणि स्टेटर । द्यमा वाशी (A PERIS NE RESIDENCE -

ুগর ক্লেদ্যে তাহার প্রাছ-ক্লেড্র্য কি ভরিবারণে সমর্থ

বোগীশ বৈদিক শ্রেণীর মধা হ
ত্ব প্রছণের গুল্ডার করিয়াচেন,

বাহারা বিশুদ্ধ যুক্তির অনুসারে

বিচারে পারগ, তাঁহায়া যে শ্রে
ত্রন, তাঁহাদিগকে মধাস্থ পদে বরণ

র বিষয়ে আমাদিগের আপতি না
থবিবয়ে আমাদিগের এই মাত্র ব ত্ত
নামরা যে চারি ব্যক্তিকে মধাস্থ পদে

ানীত করিয়াছিলাম, তাঁহাদিগের স
সপণ্ডিত লোক চাই, আর কোন আ
তুলাই।

পুন্তক গাৰি 📜

আমরা হওজতা সহকারে খীকার করি ছি, লিছ নিখিত পুতক্ত, ক্রাও বই-

্ । কোঁজাদারী গাইছের প্রথম ভাগ।
গারকপুরের ভেপুট নাসিতে ই এ ভেপুট
দালেইর জীযুক্ত বাবু গাারীবোহন বন্দ্যোশাধারে ইহার সকলন করিরাহেন। ইহাতে
-শং জন্ম পর্যান্তের স্থাবিধি, কৌজনারী

জন্য জন্য বিশেষ বিশেষ আইন

এবং কলিকাতা ও আগরার সদস্য আলালতের সরসুলার প্রভৃতি-সমিবেলিত হইয়াছে।
কলিকাতা তি রোখারিয়ো কোম্পানি ইয়া
বৃদ্ধিত ও প্রচারিত করিয়াছেন।

२। क्रुप्तिमी उंशाधान,

ইং থীযুক্ত বার ক্ষমন্ত্র। ংশানিক বিশ্বিত । গুলার বার প্রত্যা প্রত্যা প্রত্যা প্রত্যা প্রত্যা প্রত্যা প্রত্যা করি কার্যা সম্পান করিরাছেন উলার মূল্যা ছর আনা অবধারিত হটরাছে। বিচা চাপেলা পাল্য এই এ পাল্য কিন্দির নিট হইরাছে। বালার এই এ কার বিশেব বারে ছারিয়াছে অনেক ছরহ নং
ভারত বার বার ক্ষিত্রালে অনেক ছরহ নং
ভারত বার বার ক্ষিত্রালে বারপান না হটরা

ভারত শক্ষা বার্যালিক বার্থান প্রাত্ত্রা প্রত্যা বার্যালিক প্রত্যালিক প্রত্যা বার্যালিক প্রত্যা

श्रुभाराताः ;

ইয়া সংখ্য এছ। চানক নি সী আয়ুক ব'লাচাঁছ লিয়োদনি ইয়ার রচনা করির।-ডেন। ইয়াতে নক্ষতুলাল নামব বিপ্রত্বর -গোকবারা কয়েকটা তব কবা হট্যাছে। শি-বে'দনি পরং ভাষার চীকাও কর্যাছেন। শোক গুলি বড় দক্ষ চম নাই। এখন সংখ্য গ্রায় লিখিয়া কুভার্যভালাত সহত্ব নহে।

৪ : মশিহরণ :

জীমুক্ত থক্তেশর ভটাচার্য জীমন্তাগবতের আন্তর্গত যণিহরণের উপাখ্যান ভাগ ইকাছে সঞ্চলন করিয়াছেন, ইহা গোটার্যায়ে ছিড । ও প্রচারিত হইরাছে। ফুল্য তিন আনা নির্দাণিত দৃষ্ট ঘটন।

६। भाषस महाम ।

প্রীয়ক্ত বাবু রামলাল গুখোপাধ্যার এই প্রস্থ থানি প্রেসিডেন্সিপ্রেসে সুন্নিত ও প্র-চারিড করিয়াছেন। ইহাতে গৌরাল ও নি-ড্যানন্দের স্থিকিও জীবন চরিত এবং নেড়া নেডিও করিভিজা প্রভৃতির বিষয় নিশিত হইয়াছে। আমবা গ্রন্থলারহত বিজ্ঞাপনের কিয়লংশ উদ্ধৃত করিয়া দিলাম, পাঠকগণ ড্যারা গ্রন্থ প্রণয়নের উদ্দেশ্য বুরিতে পা-রিবেন। যে এইং—

॰ এक्ट्र अरहरण देवकाव धर्म चौद्रां वि क्र श्रकांत्र कामिके वागिरकाह स्वाध एव काणा मध-लोरे अपगढ आंद्यम । निकासम्म वह भर्तम প্রবর্ত্তবিতা। জিনি গৌরাজের একজন পরত ব-ছু ছিলেন। গাৰ্ছ তি শতাদী অতীত চইল.এই ধর্ম প্রচলিত ঘটচাছে। ইহার বত জীর্ছি হট-তেছে, ততই ছেপের অনিউ ঘটতেছে ; ত:হার कांत्रन क्षेत्रे, क्षारिकारण देखियशीयांत्रन कांत्रन छ সম্ভিচ্নত ব্যক্তিরাই আপন আপন বাসনা চ-দিতার্থের নিবিশ্ব ইতার জাঞায় সইতে অএনর इश्व । छाइन्त्र । " शक्तिकाम कहा देवकावधाना हिन मुक्ते कर्ष र वह रशिक्ष क्षेत्रांट- अवाधुनुवर क এবং ভিক্ষার স্বায়। জীবিকা নির্ব্বাহ করে। ব্রিক कात बाता क्याबाटन कीविका निर्काय दश र-निया प्रदेश व्यवस्थित वास्त्र मां, प्रकार वि-त्म मक्टबंत विकडे मनामूख स्टेर, किरमे छाणी: रमत पूज प्रथम कहिय धरेर कि संदर्शके ना जाते. দিগতে প্রভারিত করিয়া আপুন সবৌত্রত নিয় **पंतिय और विद्यान अध्यक्ष तथा वार्यः अवद् विद्या** win d mientalde entallem Mentale

৩২০ বংসর আভীত হট্ল, গৌরাল না बीट्य अनवाब बिट्याद खेत्रत्म छ नही एकीत গর্ভে জন্ম গ্রাচণ করেন। জিনি অভিনয় বি আছচবিত্র ও ধর্মপরারণ ছিলেন। তাঁবতে অবোক সাধান্য গুণ সম্পন্ন দেখিয়া অনেবৈ নারারণে**শর অবভান্ন বোধ ক**রিয়া **ওাহার** অ স্তুচর হয়। মেশ বখন জ্ঞান জন্ধভালে জা জন্ম থাকে, তথৰ কোন অসামান্য লোককে একপ জ্ঞান করা অসম্ভাবিত নয়। আমর। ভিন্ন ভিন্ন দেশে ৰত অনতঃরের কথা শুনিংক शाहे, **बहेक्दश मि अम्रनादात स्रा**ष्टे बहेग्राद्धः। গৌরাত সাভিশন্ত বিষ্ণু পরারণ ছিলেন। ঠা-হার সময় জাবধি বৈক্ষাব সম্প্রান্তবির প্রাত্মভাব চয়। প্রাথমিক বৈষ্টের: বিশুদ্ধ চরিত ও ৰবাৰ্থ থান্মিক ছিলেন। কিন্তু ক্ষিকসংখ্য गूर्य लाएक के मद्यागात अविके एउपाएक अ-কৰে উহার অভিশয় জখন্য দশা উপত্রিত रदेवाद्य । त्व मञ्चामात्र रखेक, खणात्मा अधिक. मरथा कुछविषारलांक ना बाकिएल कथ्रहे **जारात (भोत्रव अ क्रेंग्र**ि रुग मा । कर्ड धर्याङ এত. উন্নতি ইইয়াছে কেন > ইউনোপ খণ্ডের বিদ্যাপ্রভাবই কি ভাহার অসাধারণ কারণ नव ? धर्म वृर्थ लाटक्द्र रूप्ड शक्ति वहेला (व ভাহার অধোগতি হয়, ভবিষয়ে অণুহাত্র সং-नत नाहे। जायता महताहत स्विट्ड शाहे, 'ৰসৰ বন্ধা কোন কোন পদ্ধীপ্ৰাবের বাবতীয় मुर्थ देखा द्याकरक ष्ठेशक्षायमधी कतिहा (इन । किन्नु छेशानिरशत बहुरक कुढे परर्भत উম্ভি দুয়ে খাকুক, কেবল অধ্যাননাই হই-८करम् । पूर्व देखेरहाभीरवद्यां ७ देशह अवश क्यामाना इंडीस एन।

्ष्मात्र, मध्यमात्रकावर्गात्म क्षान्य वर्षे वर्

and market and a strike &

. 3

tau वस्तार्थ धर्मक्र एडि ब्लेबार्ट् । स्तरे धर्म ता आग्राविवाच लेकिक श्रूष्ट्य विकास করিয়া হারি লোপ ক্রিয়ায় এবর্ষিত করিবে, ট্রা কোন ক্রমেই লগরীখনের অভিপ্রেড নহে ৷ বৰ্ষমান সময়ের বাষ্টীর গুরুব সংসা त विवास हरेगा भीतातमा नारत यनि भाग ा बेडार्स अस्ति श्रीतार वा कान्य, अभवी . नरवृत्र एष्टि कि व भकान भर्षा विद्यान आंब ১৪ না ? এডমারা ম্পার প্রাতীয়বান বইতে-৮, সংসাধ ধার্মে জ্লাঞ্লি জিলা বৈরাণ্য | ভিবার ভালাকে জর্মন করিণা নয়নের কুতা जनसम्बन भवा स्थात्त्र जिल्हा अस्ति । छी-চার অন্তিত্তে কার্ব্য করিয়া কাছবের ভূ-अंभिजी नाटकत मुजाबना कि व देवकदबता या মার সংসর্গ পরিজ্যানী হইতে লাগিল, ভড়ই व प्रता मध्यमीजित यस्त्रम इस स्ट्रेस्ड जातिल । an প্রীতে অহরক ধাকিয়া বি**তর** সাংসা-বিক সুখ কোগ দুরে গেল, ভষ্টিকাচার প্রবেশ नात्म । गस शुरुशत् के मन्त्रपादित्व जान-कृत पूर्वातकारवङ्ग निकारि शक्ता शाहरण ना िल। आधिरकत्र भरशा बाहे **एहेन, जरनहरू** কপ্টপাটৰ শিক্ষা ক্ষিলেন। প্রক্লন্ত ধর্মের ...भा (गाटथ फानवर्ग छनेता विक्**ष्ट धर्मा ध्रीय**-किन्त कतिहरू (व अञ्चल घरेश सम्र हेश গতিহাস প্ৰসিদ্ধ কৰা। হোমান কাৰা**নাকে** ा अवकारम भावति घरम भदिवत् अख्यिष ्रही शाहेशांक्रियां, देश्वस अकृष्टि छात्त 'ব্যাস বিলুজ্ব ব্যবহার উপস্থিত হট্রাচিল। ংগলৈ উপপদ্মী রাখা ঐ দলের প্রার স্পাঠ अशाहे इतेशा छेतियाहिल।

कत्रकः शांवश प्रमत्काम देवस्य मञ्जामात्र करेर उ अ **(मरमद य य अमिडे परिएए)** শ্লিয়া বর্ণন করিয়।ছেন, আমরা বত চুর ५ 'न व्यक्षिक्त करिएक 'ाति, जाहात धक ५ ७ जाउँ कि महि।

প্রস্ত বিভ প্রস্থের গুণ দোন বিষয়ে আ-अभितास वर्षात्र अहे, अद्भव ब्राम अविका .तथ अग्रम् तक्ति वर्ता ७ विवस्त अप्रमाधा ध्यात्म शिनि जमश्रामाम चित्रभाष्ट्र । ब्रह्मा छैर-দই না হউক, নীরুপ ও বাজলা ভাষার রীডি ি ৰূপ হয় নাই।

の地し

(वधून मान्हिति। इम् द म काम अम्रह्मम् कास्त्र रम पावि-

या स्मामिक राम पूराय श्रमवात राधुन **লোলাইটি আ**নানিবের সমকে উপস্থিত .स्टेबाटइन ! ब्यित सूचम भटनक विदेश पुत्र **রেশে থাকিলে বেমন বন্ধু** গাল্পব **ভাহার** দৰ্নাৰ্থ ব্যাসুদ্ধ হন, এবং তিনি উপন্থিত হ ইলে প্রীতি বিক্ষারিত নেত্রে ভাগতে আ-नियम क्रिएड भाषमान हन, क्रिकाडा वा সিরা বেথুন সোসাইটির নিষিত্ত এত দিন দেই ৰূপ উৎকাঠত ছিলেন এবং ণত রহম্প र्यक्षा मान्य कतिवारहरता अने मन कारावान **फटी डि डोजन मर**हन। शवर्षत क्रान्त्रताह প্রকাপ্ত সভা ভাঁছাকে তুক্ত জ্ঞান করেন নাইন वक्षरमान्त्र वा वच्चां भारतहा । अवका करत्रन মাই: কালী, মহারাষ্ট্র ও কলিকাতার রাজা রাও ভাঁহার সম্মান বর্ছনে ফ্রাট দরেন নাই > বিসমবিত্র ভাষাকে পার্ষিক ও অপবিত্র বলি ত্বা অন্তর্ম নাই। সংবাদ শত্র সম্পাদকে-রাও তাঁহাকে অপ্রীতিকর বলিষা হেয়জান করেন নাই, জন্য জন: লোকের ভ কথাই नारे।

রাজি ৭াট ঘটিকার সময় সভার কাণ্য লা वृक्ष न्हेल । ज्ञाव निश्मिक क्ष नमायन स्हे লে ভাত্তৰ নৰ্ম্যান চিবস একটি বক্ত ডা ক রিবেন। শানীরিক স্বাস্থ্য বিধান শান্তের প্রা-ধান্য প্রতিশালন করাই বক্তার মুখ্য উ-टक्सा। हिवस कामानिशत एडम किह भिका प्रिटंड शास्त्रम माटे बढेरे निष्म मुख করে স্বীকার করিতে হটবে থে অনেক গুলি মহোপকারি বিশয় আমাদিগের স্মৃতিপথে ক্লৈছে করিয়া দিখাছেন। তিনি বলেন, পরি-দ্বে থাকা, নিশ্মল বায়ু সেবন করা এবং নি র্ণাল জল পান কর'ই আগাদিগের শারীরিক সুস্থ পাকিবার প্রধান উপার। কিন্ত ক্লিকা তা বেমন অপরিক্তন হইয়াছে, ইহুর ভাল বারুও তেমনি মন্দ হইরাছে। অব ব্যব্দক্ত ২ওরাতে হার, উদরের পীয়া, কাশী প্রভৃতি ্রাণ কালকাড়ার মৃতিমান ছইয়া বিয়াল করিতেছে। বারু সূর্গক পদাণের সহিত মি ' आदि हरेता मात्रा स्टब्स्, स्टाटम स्विद्रा शी ভার বার উদ্বাটিত করির দিভেছে। করি-কাডাতে যত জলাশর লাছে, ভাষার এক-

हिटल केरकडे जन गान्सा बाह्य में नवर्गाक क्रम क्षाव्य क्षाव्य কোন গুৰুবিণীতে পাউত হয়, কেইটান্ পুৰৱিণীতে বা দুৰ্গছ নৰ্ভাৰাৰ ক্ষম আইছা शरकः। शामीत करनत कमा चुक्त क्षेत्र भगन नहां कर्डेंग जवर तारे शुक्तिनीरक मान बाट्ड विस्त्री विशे शिक्षा इतिह स्मा सानित्र रे পত্তিত হয় এবপ উপায় করা অভিন্তিক : ७९भारत छिनि बरमन अहे मक्स विश्वह्य विके निनिश्त क्षिमनद्रविद्यत्र नाम क्षिक्क वानिषित्रत्र नम्पृर्वत् महारवीनी क्षा উচিত। কলিকাভাৰাসীয়া বন্ধি কাৰ্মণ অস্ত্ৰ-নদ্ধান করিবঃ কার্য্যে ,প্রস্থৃত্ত হন, ভাষ্ট্র মুইটে আদার বাকোর ভাবপর্গ ভাঁহানিবের খুকুর चम स्ट्रेटन मराजर नारे । छात्र हा निरंपन्ना क तियो रमभून कविका डांब्र सर्था खदानक शासी... ভর কি নিবিত উপস্থিত হয় ৷ ইংলভেই বা अष्ठ काला मन्या स्माहकत प्रकृत हो हकत है কোন রোগে কর্ড লোক প্রাণজ্ঞাণ করে তাহার। প্রথমে ইহার নির্ণয় করুন, ভাহার भंत छत्रिवातरभुत **উभाग ज्यमभूत महिर्**यन 🛊

ভাকর চিবসের প্রভাব পাঠ সমাপন হ: ইলে পর রাজা কালীকৃষ্ণ বাছাছুর এবং ताको जिनकात ता**न धाराच कान्यक वन्द्र वाल**े र्धमान कतिरकतः। भकार व बुकानीसूत्रात कानः চিবলের সপক্তা করিয়া এই একটা আধিক ু कथः विशासन्य एवं चारणास्य क्षांकि जासरेना स्थास व्यानामिरशत **कारमान्धकारम् । अवस्य अवस्य** অওরার হইয়াছে। ডিলি এই বাল্যুলী বিজ্ঞান শাস্ত্ৰীয় প্ৰৰাণ দাবা সকলের বিলক্ষণ ক্ষমন্ত্ৰৰ করিয়। দিলেন। তাহার পর রেশরেও লাল-विश्वित एक गार्ट्यक जास्ट्रहारध्य वन वर्डी रहेत्रा अखर महत्य किंद्र किंद्र केरिसन : ৰেবে ডঞ্চ সাত্ৰেৰ এক স্থৰ্মাৰ্ছ বক্ত তা করিয়া সভাভত করিখেন। তাঁহার গত দেশনের হজেভার সহিত্ব এ বক্তার বড় ইতর বি শেষ সাই । **স্তত্তে**র মধ্যে কেবর এই মা শুনা মেল কাকাশ প্রদীপে বাললা দেল অধিক টাকা ব্যয় হটয়া থাকে।

> विदिध मर्वाम १ २ १ व कार्डिक लावबाद्र । आयश शङ्खादत निविद्वादिनाम,

াৰচন্ত্ৰ মিত্ৰ পেন্দান লওয়াতে ওঞাইন নিম্প • 🗠 एर निवृक्त रहेशां एक्न, किञ्ज मुविद्रभय 🗃 🕆 ব্রহান কারা জানা গেল, আজিও জুংপদে ा.. > निर्णी उ इत्र बाहे। अदक श्वर्गरमाने नि-ধ্য, সংক্রান্ত কার্ব্যে অপিয়াত্ত দিয়াছেন, ভাহা হ'শার **অবোগ্য লোক নি**ছোগ ছারা অপ - গত না হর।

বেলাই সাটত্তে রিবিউর সম্পাদক মাকলি া গেছের ১০০০ বিশা মাসিক ,বেজনে হরকরার ः । इन्हें प्रहेदछ एक । भाकतिन वालितान क া এই বারে ইংলিসমানকে হারি মানিতে erca !

১লা ডিলেহর লেডি এলগিনকৈ স্থাম হ-িতে ভাৰিবার জন্য কেরোজ নামক বাস্টার । নামে নানা সাহেবে। এব জন খণ্ডর হামদ শংহাজ প্রেরিড হট্বে।

্রান্ত্রী শুনিলান প্রেধানতম বিচারলিয काळा क्यिबारहम এक बारनब मस्या स्य डेकी াকে আর তথার ওকালতী করিতে দেওয়া হটবে না। সরু বার্কেস পিকক আপীলের সং नः। वमाद्यात ७ अञ्चलभोग्न उकीनिमिश्राक ब' इव कदिवाद छिडोग्न चारइन ।

লঙন টাইম্স লাভ কানিঙের ভূনি সং-ह ' अ आ छात् श्रीखनाम कतिया विनयाद्यन उ उष्पाता काम्मानित नगरम् द्वाना ब्रायनी ভিজ िरान धन मनीव ब्रायनी जिब्र, जा पक के, ভার চবর্দে কামানিগের রাজনী,ভিন্ন এক शेरिया भारविष्ठ क्या इट्रेटक्ट्रांट अस्टिक ্র ব'চন গুরারে ধীন মত পরিবর্ত করির, লি**ছা**ড়েন, সব ১ এলৰ উচ্চৰ ভূমি শং**কাভ** श्री 🗯 छ।त्य ८५त च .गडे छेशकान्न कतिरय । रा**र्क क**िस, महावार्षक हिंता उपनामान ইবেল্ল মহামতি বীড়া সানো ভাৰোল क्षांक्षितां के स्वादिश्य कराई अन्तर्भाष ाउ आधान कर्खवा विदयहन। कियाहिएलन । ইশ্লিমান বিধানে লিখিত হঠয়নটো, বল্কন র প্রা**র্জার মারজিলিকত** যে**নি**র ক্রমন ভদুর্ব প্ৰেন্যায় এক প্ৰকার খুলি ৰাভিয় চট্ট্যা । রা**তা ভাই র কিঞ্চিৎ ক**লিকাডাই ৫ে। স্ত্ৰপায়নবিং পঞ্জিপ্ৰাপের নিক্ট প্রেবন nicea i

অযোগ্যাগেলেই বলেন, তত্ত্ত গোল म्बाय त्मनापरमञ्जू अक अन शास्त्रक्षी अक चानवादथ ऋष दहेबाहिन। स्न नाति,पिटनद অজ্ঞতিসায়ে এক কুপে ধনিশ প্রাণত্যাগ করিয়াছে : নরহন্ত্যা, আত্মহত্যা, দৃংতক্রীধা, প্রধানের প্রতি অবাদ্যতা প্রভৃতি বরেকটি লোন এক্ষণে দেনাদলে প্রাচর পরিমাণে প্রবিষ্ট হুটয়াছে। ইহার মূল সংকোধন আবশাক।

উক্ত পত্র আরও বলেন, সিন্ধুর কবিসনর (चांचना कतिहारहन, य या कि लक्षण न मह ভবিবার ভাষাভিচ্চিত উপায় উদ্ধানন কবি (रम, डीशांस्क ६०,००० हाका भूतकांव किए र बाईरव ।

है। डिमन क्व है। खन्न वरतन, यानिव छ রাবাদে পৃত চটবাছে বিদেহির সভাবেরা अद्भ अदल मकत्लाई ५ उ इहेर उद्धान ।

আমরা কবেক সপ্তাহ অবধি চ কাব দেশ 🚶 শব আটিটি খান আপীল কাগ্রাহ্য হইবে, তাঁ। হিতৈদিনী সভার কথা শুনিয়া আসিতে, ছ, हाकानिष्ठेत्र या जिवन विविधिक्तन वा इयह পরিতাগে করিয়া সভা অধিক শাল কনিতে (इन ! किन्न हाकाश्चकारण जन्न'त विवतः भाते. করিয়া বিভয়োপর হটয়াছি, সভাব বেবল আড়িবুর সার সভে,রাবভ চলাট্য'টেন া वांकाल दलरम मरकिशामानगद्धारवरमहे अरबक वितय चार्छ।

২৬এ কার্ডিক সঙ্গলবার।

श्रु कना हेश्ना अन्दीत (जाड श्राबव ! বন্ন, প্রাপ্তির উপদক্ষে যে বঙা হয় ত হাতে বতলোকের স্মাগ্র হৃত্যাভিল।

গত कता बित विश्वित अहि एम दिवी ७ इडेशार्ड ।

মোট শক। न का 18 4 0 শেহ হৈর 7.0.4 কাশীর 2201 \$6,85,640

জ্ঞার্টিল হোনেন নামক এক জন ভুড পুর্ন বিদ্রোধী ও মত্যাকারী বৃত কইয়াছে।

विभीरधर्मने बर्तन, **क्यु**य इवेट७ स ८ क इला । तथा है त्यत प्रिटक दक्ष विक हरें य-ः । ना छ शहेरन ६ क्षरमञ्जा चणः व्या व इ हेवा इला छि: भाषम वातिरव, छोषां विरुगत निविष्ठ नाम् कि दिल अथवा अवस्था काम केनास का निर्मा स्वेता स्थन महिलाम स्वाटनारिकार्य

বলগন করিবার আবশ্যকত। নাই। যাহার। बरकिकिर निवा कृतक निवादक सामवर भागा देवा नहेट हाव डाशक्रिश्वव क.के हिन क्विमाक ।

উক্ত পত্র হেরাট হেইতে সংবাদ পাইয়া क्रम अर्क अम श ब्रग्ड प्रस्कृत यर प्राप्त वहणा. प्यत महिल जनजान स्माप्तत मिन्न स्टेबाटक

উक्त भारा व्यादन कत्रिशाद्यम, ভाর ভবরীয় গৰামেট দিল্পু নদীর ক্লড়ল করিতে ধে নি নেধ করেন, সে আজার পরিষষ্ঠ করিয়াছেন। শীক্র তথার ক'ন্য আরম্ভ হটবে।

७क ३न गाउँ वर इहेटड मिनियां १३न, क ক ব্যাপ্ত তথায় ছুই ডিনটি বালক ও নাকি कांद्र आव नाम कतिगारह।

২৭এ কার্ত্তিক বৃধবার।

আগামি সোমবার ভারতব্যার বেল্ডায় পাটনা পর্যান্ত খুলিকে। জাপাড্ডঃ এই নিন্দ कत इडेगाटक प्यादबाहिणियास अकवारम छ थान लहेत्र' या उत्ता सहेदन ना, अन किएम ज् ক্রের থানিতে হইবে।

এই শনিবার পুর্মরাজ্যারে বেইলওডে नु **है** त्रोभभास भू निदयः **अङ**ङ्गल**ः**क अक ्रकाख अभेदतः

আলাগ্ৰাদ গেছেট এলেন ভাৰতস্মীয (इहे**ल€**.त काण्यांनि वसनुत्र धानी कारहा ছীনিনের স্নির্'র জন্য একপ্রবা**র স্থতন** भक्ते कतिरवन कार्य भर्या नयः। च 🛅 ८५ 🔻 व्यास्मितकार्य (युक्केल छन्छ। भाकटी के ध्या र भग्रा कार्य

क्षींका निवेशकत हमेश्राद्यम स्थिति । भार शांता काना विशिष्ठ हो यक्ताल माहमान्य भारतार्थ कक्षा है छ धक श्रीसकान र ४४८७, हैं হার জন্য ২,66৯ টাকা সংগ্ৰীত দটগণেত, बारेडि ममन बाटें क्या कहरा, नद्दु दिएकी म दहराव था हिंद्र नाम कान नक जिल्ला है? त कहिटल मबिद्रलय केलकात प ब्रीक्ट मा । प्र हा बडेक अधिमदन्दि छडे बादनत देवीकिकिनाल ঢাকার সমাজের ভাগে**ক** ভাগেক ভাগেক ভাগেক করিতে হই 🕆 ।

किनिटका अक कहानी शह उस एक দ্বাহাতে কহিতেছে দেনাশতি গাড়িটি

कुछ हित्यम, उत्कारम श्रीका विक्रेष वेमानिक । विश्वितितात छेलत काउमह मरश्राम क्षकाम এল একদিবস ভাঁহাব স্মিত দালা / করিতে निवाद्याक्षरमञ्ज्य । हेडी विचारमञ्जू नरहा द्राक्षा ए शतिबालिय अक्षण्या श्राम्य खादह। द्वीष लहेवाज्ञ विवरम हा अ. '७ मिनाभिति है छ-গেরই মত সমান এবং ট্ডারেট হরানী সমাটের উপর বিরক্তে। এইনিমিক গারিবা-লভি ইডালী গ্ৰুগ্ৰেট কই ক নিণী টুভ ছ हेगा अ नामान डेला अन्दर्भ अन्य करत्व । हेरवन নাই

ঠিক্ত প্ৰ হাদ্ধয় বাদেৰ মতে মটিত হয়ে 🚶 তেন্দে চুবিন প্রকৃত্ত স্বতান্ত প্রকাশ করিথাছেন। ঐ ৰ।ক্তি বিৰি ডেবিভসনেব নাম ক্ষিয়া ন্বাৰ हेराक्षात हैन किटा स निक्ते करेंदा , धकना দীকা এল নাগ্ৰ সালালেচ্চকে দেয়াত ক विशाह क्रमा है।का एमम दलिए। या क्रमन करा । -ভাহ: বিখা: : ময়ে একছন দাক্সাদী বিনিদি, হ সুদরা দের বাঙ্গার এনাতম কণ্ডারী। এইছে ; ভাগত ধৰীয় পৰ। যেতি ভাছাকে নি ाद्यव इत्छ विद्यावार च्युप व कविष एउन । এক জকের মধ্যে ৪০,০০০ পাওয়া গিয়াছে।

১৮ a কাহিক হু**হস্পতিব**ার। ভানেরা ভুঃখিও হটল ম, টাভিয়ান একা -দুল্ল স্থাদ পত্র দৈটিরা ঘাইতেলে।

त्राधावेनगात छावि सम इंडेटराशीय है-कि अक छ प्रका अपर्यात्म । इ. निकटी अहे दः लिया कार्यात्रम्य प्रत्येस प्राप्तम्य सम्मारिखाङ्ग **ए** थनःमः थद्ध हो। । संडिकास नाटन*रणन् प्र'*अ ISकिएमा कार्यः धार्यः स्थानारक कान्नर स নিও ঘটিতেছে অতএর এংগলিগকে চিকিৎস। করিতে নিষেধ কর। গ্রাং সর বাটল ি য়াৰ ভত্তেৰে বলম স্ব, ষ্টি ই দ্ৰুল চি বিংস্টের লে'ন বিংশন দোষ প্রথণিত হইড ए हा इहेंद्र फिक्कि शांत्रशस्त्र निट्वहनः इति-(क भाविष्ठतः दिख यथन दिन। याद्रेष्ठरः, টুলকাৰ হছুতেছে, ভপৰ ভাহাদিশার ব্যবস बाल करियो क्षेत्री करहा करना है कि का का ्ष्याति एक १८ हैं वो के वियो स्तर है मा नामा ও চটা চচ্চেমা। সর বার্টির প্রিয়ার আবেদন হাল্লিদেনের সানর ভাষে টুকিটেড পারিয়াছেন

भक्ति देश के वास्त्रकातिका है-देशक ा बाटक क्रमुका माजिएक है आ दूर्या नि । देव পুলকার দিবার যোগলা পরিরা উৎকোচ আল-লাধনকে খুড করিবাদ আছা পরিরাজন गोहांद्वी बृष्ट अहेत्व, काश्तीन्यशंत्र १०० हेत्या क वदाम ए इंग्र : भ (बनाय इंट्रेंट ।

श्वकता व**्लम, कार**्डीन्त भीत्र धक रामि न्या तुत्र खाद्यां कृत्रस्य कृत्रिता कम ५ वदा हिमन नाश्चक पूर्वे अपन क्याएंक हैं स्वाकृत कांधाक उ मानिकिषिश्रदक सक्का क्यांट अ (अवस्था के भ्वत्य ।

क. शिष्ट्र

व्याबाहरमञ्ज ৮ वाष्ट्रिः जन्मि श्रीरमानस्य ভাইন জ্ঞান করিয়া তালার নাসিকা ছেমন করতে ভাহালিগের ৫৩:১ বংসর করিরা মেয়াল হইগাছে। মূর্থতা কি বিভ্যনা ?

দক্ষিণ হেরালড বলেন সহাবাজ সিক্ষিয়া আগামিপুণিমার ৮ক রামণ ভোজন করা-

নিগুলিপিড মুতন নোট প্রচলিড হই-

व्यक्ति त ना প্ৰতিভূ পৰামেন্ট কাগড 6 जिन्दिराहे २ ८० **..**, उन्क ३ ३३,६३

কে ও অব ই ডিয়া ংকেন, মনি নামক এক छत्र वाञ्चित्रेत्र माध्यक्षेत्रत्व अभिन मध्यमास्यत अशाहरत । प्राप्त कार्य कार्यक | निकास अखार कार्यम किरान काइएसम कु-ল। উৎপন্ন করিবার জন্য প্রান্থ টের ত্রলকর प्रिक्त का नांच जुनकदर्व ক্ষতা কেনি মতা উচিত কণিট সম্প্ৰায় वश्रक्ताम अञ्चलित हिंदादिवन । ४ ५ मनि कछ भूज প्रदास कति १५०८ वि के उन्हें स्थार्थ े । प्राचनमा अने करिएडर हन नी ।

बांध इन विश्वेषप्र । दानम, साकिशादका वि-(अहरु: शुक्त (वहादर एक्षा इकित माजिनन अप्तक्षीय क्रेमिक । "अब कडेडे हेब्रिय क्येंत्र । ভারত হর্মের সকল স্থান অংশেক্ষা বেরারের ভ[্]নি সংখ্যা নতা। ভাছে, বোপ সাংখ্যারী পৃথিবার বাবভার দম্য অপেকা চতুর।

ब्लाए दिनक धाक काबीटकत गर्दे अक প্রকার যাদ জন্মে, ভালার ভুলায় উত্তৰ মন্ত্র अने एक इ.। किन्नान मगद्ध अक धनी निक

ইহার ব্যবসা আরম্ভ করিরাছের 🖼 বোগ হয় ভূলার ভাবেক গৌরৰ বাইছে 🤫 ২৯৭ কার্তিক শুক্রবায়, ঃ ..

वीराता नाटकशास्त्रस्त्र वर्षे स्टिन् হারভার জনা সভা করিরাছিলেন উ ইহার মড্যে ৩৬০০ - টাকা সংপ্রহ করিয়া এডডিম জর পুরের রাজা ডাক্তা সিংই 🥙 টাক: প্রদান করির ছেন। রাজপুরুলার ' ` ভাষা রাজারাও শীর চাঁলা লিবেন। ইডি এখান হইতে ৪ ল : টাকা প্রেব্লিড হইরা

সম্রতি নলগাট টেসনের নিকটে 🤏 वास्त्रित थान नहें श्हेत्रार्छ। अक स्नन चूहि हेनरम्भक्डेब्र, इब्र जन कन्दहेरल ७ पक 🛎 ক্ষ দার এক ঠেলা গাড়ি ভাড়া করিয়া রেই अस्त निया याहेरलहिस्सन, अवज नवस्त्र युटेन রের বাস্পীর শক্ট আসিরা পড়িবাতে ডা-शहा जकरम २६ म.रम हुन दहेदा निर्वादक्त । य वास्ति होता शांकि कांका विवादिन कांहा কে রুক কর। হইরাছে।

हेश्लिमधान धार्य क्रियांद्रहरू, मझ बिरे রোজ এক দিন অখাকত গইয়া থাইভেছিলে আতপ তাশিত হটয়া মুক্তি ড টারা ভূতা পড়িত হন, একণে ডিনি কিঞ্চিৎ সুস্থ হইং CEA !

১লা অগ্রহায়ণ শনিবার। 💎 একজন চক্ৰকোণ হইতে লিখিয়া পাঠাই शारहत, किहू पिन स्ट्रेन व्यक्तिनीर्युत जिलाह অস্তর্গত নেড়ালেটল নামক সরাইরের কিঞ্চি-সূত্রে গোবর্ছন খালের তীরস্থ ভালা ভূষিয় উপর হঠাব এক আশ্চণ্য দ্বর পঞ্জিরাছে। দ্বর্জী অভিনয় গভীর ও **য**ং। **অনেকে বলৈ খোন** পাচড়া গুৱাতন ৰুৱ বাত প্ৰভৃত্তি অনেক প্ৰ-কার রোগাঞার লোক ভারতে হাল ও ডা-হার জন পান করিয়া আত্ম বাত করিয়াছে।

प्रक्षित .इड़ान् छ यहन्त अक सन आहि-স্ম বিচারকার্ব্যে নিয়োজিত এক কর্মচারিয় খ্ৰীকে ব্যাভিচারিণী করাতে উহার সাধী তাঁহ ক্ষে অভান্ত প্রহার করেন। জাফিসরকে ডরি বন্ধন কর্ম ড্যাগ করিতে হইরাছে। সেনাদ্র दि मुच्या जीवरमत्र महात्र धर्ममीखिरक छूळ जान करत्रन ?

निवृद्धि विक्षा मुर्गा भवरिष्ठा ने तो तो व विक्रील स्ट्रेफ्ट :-

#8 টাফার সিকা 1 Se- 54 ৪ টাকার কোম্পানির #36-- 5G द हो शत निका 203Na--33 ধা টাকার কোম্পানির 22510-7756.1

প্রধানতম বিচারালয়। অনুষ্ঠ ও হেমর এ ৩০০ টাকা চুরি করাবে ভাহাদিগের ২০ বংসর মেয়াদ হইয়াছে।

্রাচরণ ও নিরিধারী এক শত **টাকা**র थानि लांहे हति कतार्ड खाराफिरगत भव विद्याप स्टेक्ट ।

াব্লাচাদ মাল এক বেশ্যার করেক খানি ার অপহরণ করাতে ভাহাকে তিন বং-नवानादब्र.थाकिट्ड इड्रेंड ।

श्तिमान नायक अकवारिक अक करनद गणि শ্ব দেওয়াতে ভাহ র ১১ বংসর দীপা বালের আদেশ হইরাছে।

গম নামক এক ব্যক্তি কতক ওলি অলকাৰ · ্ব ক্ষিয়া নকর নামক অপর এক বংকিকে য়। ভরিষিত্ত প্রথম ব ত্তিব এক বংগর ও তীল্পের তিন বংসর নেয়াদ হইয়াছে।

जानक मांग अक एशं कानांत दिन हुति ব্যেরা বেণীয়াধব চৌধু বীকে দেয় ' ভার্মীন্ত চাহার ৭ বংসর বীপাস্তর দাসের ও বেণীনা গ্রের এক বৎসর কারাবাসের জাজা হই

মসন্মনি শাহ; নেত্য়াবি নরিক ও খে দা া একখানি কাঠিশি মলমল চুরি করাতে .হাদিগের স্কুই বংসর নেরাদ হইয়াছে।

দিননাথ দেন ১০০১ ট কার নোট চুরি ক-শেছিল বলিয়া ভাছার তুই বংসর মেয়াদ व्हेब्राटहा

ইউরোপীর সমাচার।

(जर्भाग) ७ हे अस्तिश्वन । कात्रक शामती ও বোৰধন পঞ্চীরেরা রাজা · वेक्केड्ड देगानि डेबल्टन विक्रःक वड़राष्ट्र कतिया ষুত্র হইয়াছে। যে সকল কাগজ পত্রপুলিবছার। খুঁত ক্ষয়াহে তফাবা বোলীয় প্ৰামেন্টের क्षांव मधानांव वहेत्र'हर्।

मध्य ५०वे छा छोत्वर ! -

্ মারিলন পট্যাক শদীতে এক সেতু করিয়া किट्यारीया यूक दिरा करेवा छोशव अखिरवांच व बहै वन । श्वितात (क्यांग कर्का करे के प्रोट्स

बिडेकांत्रदा प्राप्त थें। मार्टिन दलियाहरू বিজ্ঞায়ী সভাপতি ডেবিস সেনা ও রণভরিদল কং**এছ করিরীছেন, অ**তএর তিনি শীস্তা স্থান रीत एक्ट्रिंग। बद्धण क्रमक्क व व करीह भवर्ग-अहे भीज एकिन स्किन्दर स्थान रामग्र वीकात्र क्रांबद्दन ।

ল্ডন ১৮ই অক্টৰর—অ'মে বিক' ও ইটালি-क्षित्र विद्वष्ठमार्थं ८क विद्वय मञ्जिमकः इस । २१० **कडेरत-४ हे दक्**रिकट छन्ना क गुक्क हेब्रार्ट्ड । विद्धादीका धामारू रूउ ७ शराबिक बेब्राह्म । सर्वदम्दलीय ७००० ल्यांक इठ वडेग्रा-. ८६। विद्यादीया महेनाक भाष बहेवा १६६न नर्ग । त्यम उन्हानिस अब कामिकाकी अवस्था बाबू कांव-अधिकात क्तिकारक । अवर्रमके कान्ति उन्नित्र িশের হৈছাৰ ভাগে করিয়াছেন। বিভোহি দিগের िक क्षेत्रकान अवाक क्षेत्र क्षित्रका कावना विवयक

क जुलांत बद्धा देखेरब्रारण विकाश व किया क

निউदेवक अवे बाह्यावत । निউवेवरक नाथावन दलाक प्रत्येव अक मका व्येष्ट्राणिक (६६) मनावा-ডি লিক্ষলনের ঘোষণা পতের প্রতি দোষাবা-শ কর, হইয়াছে। বিজ্ঞোধীয়া পেন সল চেনি-शांव वस दिस्त अस्य मध्य कविशास्त्र।

गानिम २१व कछिरद्र-छि. लाटि व करार्शन त्तारम. টो लिबांश बांबलि'न ও माउँकिम विके-तिराय हुउ इहेब्राटइस । बाट्टे 🗩 इंछे। मीय मिश्र ব'গুর মধ্যে রহিলেন।

शांचित्र**लांख भारतक सूत्र वह**े शांखन । औरत विद्यान बहेगांद्ध। देशांक महा विभाग आनाइ কর ছইয়াছে।

ल अने ३४ हे चाक्रेयत-व्रावस्थान श्रमकार्थ क বিশংছেন। জুহেন জিল্টন জনীয় পদে নিযুক্ত ছইয়াছেন। কোলড ও পারিসিগিনিব পদ জা। ८शव अञ्चारना ।

अनीय भवर्गस्य श्रेनद्वाय आह वात्यव হিসাৰ পদ্ধিবৰ্ক কবিয় ছেন। মহাসভা ভা धाओहा करोट इला जल। वस् क विद्राहित शांतिवांमिक व्यक्ष व्यक्ष व्याद्यां शांतिवांमिक व्यक्ति । किनि खुड बहै ल बेश्मध मर्भ न कतिरवत !

विद्धाशीया क्रिइट विकास सर्वात्मणे मन मामिनाक जाकमण करत, किन्न कृते विनम स्त्राम क बुद्धित श्रेव श्रेवाकिक इवेबा'इ । वावत्वम (इ. তে সম্প্রতি গারিবাদভির বিরুদ্ধে এক সভা হইয়া उद्यासक लोका इंड्याटड अवर्गदम्के लखन ७ म-ছানগারর থাকাশা ছানে সভা করিতে নিবেধ कतिष्ठारधन ।

गवर्गां विज्ञां शन !

वाक्रमारम्भीय स्मरिक्टे भवनावृत् चारमभाष्ट्रमात्री निरम्नागः।

ওর। নবেশ্বর । নিম্ন লিখিত কর্মচারীনা লারপার ফেবিতে পার চইবার চেটার আছেন। আপন আপন জেলার ফেবিকও ক্রিটির মো-

रबक्द ब. बाउ. भ'र्डनंत्र, भारतंत्र मू लावत **डिक्टिके खुणकि छै। छ है। व**

কাপ্তেন বিবাস কিছতের लात्सम, निवाद माद्यावात्मक कांत्त्रम नि. छि.अभ क्रःक्, विश्वातिन टलप्रेम के आव. अम.क्रिमांत मध्य एवत अस्को-दी भू तिव खुश्रीदा छ ।

881 सत्त्वत्र । मानकीत्रात मुक्ताक वातू न-द्धांतभ महिक बक्रामणीय वाबक्राणक मखात क আইন অভুগারে ছাত্রের তেপুটি ছালেটবের क्रमङ अहिरवस

েই নবেরর। যত্তিন ভাজের জুন। আদি-क. माथ क्रके हाथा खनमण्डात विनदस्यादित চিকিৎস'র ভার পাইবেন।

क्षेत्र अरवस्त । श्वात, त्या, ऋष्ठेमारिक व्यक्तत्र एक विशिशास्त्र ति किनि वसानुर्यात मण मा । निर्देश ए तिनिशास सक्न प्रदेशमा किस वस्तिम

े स्वाहिकान स्वाह्म ना स्य द्वासनारीय अस्तिनिध क जिल्ला व व कि दिन ।

अक्रियान शक्तिथि निवित्त छ मिनियान अब है: बक, लाटिंग्र मारकर उथाय म भूर्व मिनिम छ (अभियम स्व इडे(वन !

ब.चात, हैभनन मोटबन बांखडांव मा कि है है ख कार सकेर प्रकेट का किस प्रकाशन खना (का-न वास्त्र, ना प्य नशियाद अधिनिधि निवित्र ७ (मिनिश्चन कम श्रीकर्यन ।

এল, সি.ফাউল সাংছৰ বাজশাণীতে প্ৰথম (अभीय माजिएको है अ क स्थापित करेरवन किन्न गड जिन सभा कान काला मा वया नाशानातम প্রতিনিধি সিবিল ও সেপিয়ন অন্ধ থাকিবেন।

(क.चा.त. मन्द्राष्ट्रि भारत्व तक्षिमार्शेत शक्ति-निधि मालिक्षेत्र । कारल हेद शास्टिबन ।

এচ.সি. সদ্বল্প র'ক্লণ হীর প্রতিনিধি অঃ ইন্ট মাজিবেটুট ও ভেপুট কাম্পেক্টৰ ফটবেন।

वात् क्षिमञ्जूद विभाग मुर्व गकावः कव ८६ छै। আলালভেত প্রতিমধি জল কইয়া উল্লেখ্য-ৰ সদস আনাৰ ক্ষমতা গাইবেন।

<u> भाष्ट्रमात्र (इपेष्टे क्यामानर अस प्रवासिक,</u> ন।ইট সাছেব নিজ কর্ম্মাডীত কুনার খা লব त्। उनिधि क्षक क्षत्रेशमा

दिवदव**् का**त्र मु:छ ।२. एगवि शू:व; हि. ३ **है**-

रदबातना छविकिष्ठ ध्यादके विकासिक्य-उद्गाप्तिक क्षेत्रिया ।

भू दिन का निष्टि गिविस कामिका है नव-खन्ना १ १ विस् मारह व रेख्य द्वारन मध्ये व शहर इक्ट्रियम । अग्रयम जिल्हा अ अ अभिनिध जिल्हा जा महोती महस्रत यात्र, बानवित मेर्ट्स उपाय भुष्टा ने श्रामुख कड़े दिल्ला।

में का कि के के प्रवास को ने विकास की ভুগিত্বি বহিনাড়ের দ্বা তবা তিকিংগলৈ মুব ভার श्वेद्वम् ।

Sल् वरनदर--- लि? हेनां से अफ स्ट्रांत स शक्त का स्थापन का स्वर्गन का महान का ब्रिक्स केंद्र अप्ति विधि । । इयते के वेशास्त्र ।

আলামের মন্ত্রপাতী বেংশটার অভিবিজ मक्कादी कविमनद्र था. मि, कोटबल माइक मनत शामिदमञ्ज कामञ्जः शादियात्ह्य । अ

बारलचरत्रत शास्त्रिनिधि एउन्ने विकासि है ए (ए श्वि कारमकेर स्थोमधी क्यामाय मक एव निम् क सूर्वारा अध्यातिक विशंदनक स्वयं । श्री -BREBICEL :

वहे महबद्द--- (मण्डन खोड़े अब हेममन > श नि उ बन्द्रवर्णीय श्र. नय त्रनामत्त्रय आगाम वहे

अविमान मानःवत्र एक प्रति हिन कानेन एक-ात् भिष्ठे स्थलभूत्वस्य । छन अप्रका 🕜 🥱 सर्व्य ब्वेडम्बर ।

, दश् रक्षरम् अथमद्या व-नेरश्चे इंहेरवम्।

बिक्षीक (अभीक्षी महकाही (时限 九二)等。 श्रीम स्मित्रिकेट है । लग्हेमाँ विश्वमात्रम माधावादम वक्षणी बहैवादहर ।,

भारतात्वक महत्वाती श्रीति स्वान्द्रवेदक्ते बाठ बाउ. कुराम (इस माक्टर एवं लक्टर हे मूर्युक्ता) च्यल वरकीर धने हैं, ए ६४ मा हो। मध्यान प्रसाहत ्र प्रदेश इस्त

भग्राशहरकत अहि ।

भार केशाहर स्रामद्र शङ्क वर द्वा वाधनः 倒古 在海州

'ব ক. প'' এডং স্থাস রিড প্র ফিন্ ক্ষেড়িড বচন'য় প্ৰ

জ্ঞাতিজ্ঞেদ রুষ্টিত ফ্রিশ্র প্রথবেমারীর धुक्ति राज्या क्षेत्र का का भागिता कहि पा 😅 🚜 भागक (अधिक तु करि) कर्ना सा । ७८७-१ तह विद्यादी 'आ ११ कि मुख्याका करिया উট্ন পশ্চাৎ জ'ডিজেল বুজত কৰিবাৰ £5 दें। अ के 'दब ।

वस्रविष्ठानकः व महिल (कान अञ्च हरून) °ক'্ষা আপনাৰ ডিভ বিচা**দন ব্র**ন।

এমাব্য লিও জীবত চন্ত্ৰকনার ভক্ষানী ব য়ে পত্র পাঠাইয়াদেন, ভাষা জাপাত্তঃ অপ্রকাশিত বটিন ভিনি দেঘাখবালীশের পঞ্জি অমাদিগের বিচার উপস্থিত দেশিয়া 'आभाषिकातमः उत्र 'अञ्चयम्बन कवित्रो *या ना*व স্থা প্রেরণ করিয়াড়েন, ত'হাড়ে লামারা প্র ৰোপড়ত ও অভুগৃহীত চইল'ৰ।

পাৰনার পত্রবের্দ ভব্তং ক্রেদ ফন अभीमार्ग्यरकत विका कविद्रा स शत शाही ট্যাড়েন, ভাহা আমরা এই ভা্রিয়া প্রকাশ কবিলামনা যে মুখের ভাতৃণ দৌষ সভাব বি भारतम् नामः।

22

প্রেরিত।

প্রীযুক্ত সেমেপ্রকাশ সম্পাদক मश्मश्र नजी(भवू।

, हो। कार्डिक्व काश्यक्षाम धक्रशीह '' কেবাঞিৎ ওল্লাসুসভায়িনাং 🚜 আক্ষয়িত পঞ পাই কৰিয়াজনে বইয়াছিল ভাগার উভয় জিখি य. किन्द्र निकास सनदकानं मिन्सून छात्र। यूप्रेश উঠে मार्ड । खनामान क्रुडे कार्तिकत अधिकार ोठि रुतिसा बात वाविट्ड श्रातिष्ठाय मा।

वैकि श्रार्क देवविक क्लम्य भवेत्रः क्रियुक्त विल्हा तकः व्यानकार्य त्रवाद्धांभीत्वत्र महिन्ने व्यागनात म्द्रज्ञ परेनका व्य छ विश्वकेत आश्रीन दाकाछ अधिमाक क्रमरकातांविक रामम । छाहाः छ ें के विग्रांशिक्ष मंत्रांभव (३) के के के के

(>) चीके एक काविकां प्रताद्ध दकान दकान व्याप 4(45) at \$64 33

নপ্ৰকাৰে ছাপ^{্ৰ}ত কৰা চনু আগৰি ভাত, श्वादिश्य माहि खन्दा स्म 🐦 🗸 🛊 🕸 दशस्ति भगोन सामानांत प्रा'क्षानादण (भारत स्वांद्रत स्व सन् क दिश्राष्ट्रित अनः सार १६ में १८ तक शैक-খানি সে,মপ্রচালে হালিত হল। ১'হ'ব (5%), কবিজে ক্রটিকরেন্দ্র গুরুষালিং ভিত্ন भवाबिहारण एकं दें कहा है । ० इस कर्ड জাপনা কা কিনিয়া ছান্য একে ব্যালেক (शादक श्रेष क्षित्रश्चित्र के दूर शहकर में, खेर ষাহ'তে অন্ত্ৰাপ রও বেন। ল'বীলের তে সিঠিপাল'দিনুঞ্জি, নাহা, ভাষাটে স্পৰে, यञ्जाम् व्याटक्ष्यः, नग्रन्तिक व्याप्तः व्याटमर्गन भव न गोलकरक निता वार्थ था। जा मार्य छा-क्षात्राच । २ १ वर्ष , इ. स्ट जिल्लाहरू हर । १००० নশক সংক্রিকৰ সহিত্ত হৈ বি প্রায় জং ছ ष्ठाजन १ चामुप्तत्विष्ठी विकास करे १४ : १ विकास कित् गर्यकः (८) १६६८६ वर्षः विका प्रस्त्रव कीगांदक, डांको चार्म श्वाड ल विलाम मा। যত ছব প্ৰণ হয়, ত'চ ডেসাহস স্বিয়া বলি-CS शांत एक, क्यांकि मंदर भरवद श्रेम (मोडाफ भिषयतम् भाभार कवि ६ वर्गम्य हिस्सा । ८स-१ हरू भवद्भवक स्टारह का 🕾 भवि । आवा त्र खांडु निर्नि मास *द्वा क* दन ও जामान एक बान शहम शिश्रीरिको वृं छ'डा म ूर्ड है ला शह-ध्ययक निर्विद्यात है। (ए. वार्शन क्लान ले जागुरहाथ करियात किनिकार जातक आधा व আংসিয়া ছিলেন, নতেব, আবে কৰান স্বয়ং আ মা क्रिश्च भिक्षे खारुशन नहि।

আপনি দ্বিষ্ট প্রেম অংগিনে প্রথমে আপিনার স্কিড অন্যার বাজা'ল সাহিতা ও नमाक विवास कार्यान्यम ध्या श्रीमार्य आमिहे आश्रम । १ रेट केल । श्रामा १ । श्रम कथ बिछामः कवित्राहिल ए, छात्र १० वर्ग्यान ८४-कामुन्नेरमात डेमत का ना तर्रञ्जलका हुन्द श्रोकुक की म नक्षु ५ छ' में १ । स्थान को इश्रोहित्स-स क क्षांम'(मह घट ध्या / B) रिवान दव-

न राजाती । या व स्था ड विकास मासिटल की दब ष्यपुक्त नी दिलाज शर्वदनस्य सा । विद्वास হাপনি টিনিন গোলালের বিশ্ব আক্রেন कार दे कार माना है। दा मनाम व्यापाद कार्जी भीपुर कंद्री स्था, जिल्लाबङ्ग श्रीपुष्ट छिल्ल ेमानिक, कंपुल अध्यक्त । एक्.सह e আৰু আং কডিগ্ৰু জনাপক উপ্তেত তল म । ई भार विश्वहनामुख्य ६ इत्रुष्ट यांत्र शक्षाम १ वर्ड द्यारा करत्य निष्ठ कृत्रमा श्रीत व्यान्य सन दय चान डेशम'द'श्रं नरह, छेहा विस्तृत क्या (स सम्दर्भ द्वास स्वाधीतम्म सहम किकपृष्टमान इस्मान उप्रेशामा iğena i

यान्यव ४४त श्रीतमर्गहरूनाविक প্ৰদৰ্শপ্ৰোচ চৰ শিক্ষ কৰিয়াও एउ निम बे भन्न महत्व शासन हरेट ह कालबाद श्रकानिक मा हरे। छात्र निमित्र वानिकदवडान निस् गणातंन क ছেন। একণে পরিবর্গকের উন্নতি সংখ নদ भिक्ष आविहे माही। खडरांग आगम मण्यास्त्री ^{থণাৰ প্ৰভুক্ত কৰিবাৰ নিনিত কাহ'বও অসু-গ} त्राध जालका कर्व म । तिकृष्णिम इकेन, दन-मार्चाकीना अभि अक सानि गर्धी भविष्टा क फिलियाहिलाम अवर अविवस दवसास्वताधीरमात्र) हालु (कार्र) एकिया व कुर्वित अजिनमां के कवार सा-आरमानिक वया शास्त्र भवे मानामा विस्ति है क्रमदन क्रांत्सालाम श्रामिक श्राप्तिक गर्ने यभाग्नि रयः त्मके निवित्त है आति तमहिनाम् व्यावीत धनाउन मध्यती श्रीशूक बाद्य कानी अन् भव जातरक कविश्वीक्तांम त्यः ,शक्तिमर्गक् म का झात का शिक्षा देशका कि दिवस, अदिक्षा -क्ति अधिक द कमर्थः श्रेष्ठां म श्रेष्ठाः गिछ न। स्यू । रुप्त थि अविवास साह त्यान कथात्र के जात षग्र माहि।

मखनी श्रमांत सिन शक्तिमर्क जन्मास्य मः र वाक्षाधारम चाहितमा विवक्कारमंत्रे मिरनव क्रिया आयान चाबि छै। इ। टब बील त्य. ** त्माम श्रमान সম্পায়ক আনিয়াছিলেন ভাঁচাৰ পতের উন্নতি निविश्व काबि हुई भाः, हेक. (१। शहरा केंद्र-

⁽ २) किरक १ गहर कर्नदर्शन कानम् । उपनेक र्जातीर नर नम् कारा हिन्द महार भागी दिन है कि का है। হী ঘটিব'ৰ আগজ্' ছিপ ভাছাও আলা। বুৰিছে भादिए इकि वर्ग । मिर्चे भव कक्षान के कालिक के बर्गाटक wiaif, no fo while unaicu, word mifacu

⁾ भार शान । अने शामके **आ**जिन्दिन शूर्वीक भार्ड के दिएयम । म १

⁽ क) सि कवा बहेशिका, किहुमांत चार्त मारी। भागानिरणत् अपे मान नात्रन के नश्यक्षात्र कार्रह আমরা বেরারাচারীলেয় জোন কবা কভিচ্ছ আছু] मारे. कांश्रंत कृषा कृषिक कृष्टिक क्षांत्र हा कांग्रं अवस्थ 🏞 🌞 শৈ ক্ষাৰপ্ৰায় নাই কৰ্মন পত্ৰ লিখিয়া সো- । আগেন তরি নাই, কথাও অধিকল্প চয় নাই। বিংশ वानिय समा प्रवेटम कि ना प्रश्नीय चायका छात्र। रिक **দ্যি সাই**।স*্*

⁽ e) शक विनम भागा। १८० वर्षिक श्रीता निश्चानगरहत् । संस्थान म । यसान क्षाप्ति, असन जनस्त ক্ষিত্ৰ ৰাজু কানীআন হ চি প্ৰের অন্তব্ধ প্ৰিছ নীযুক্ত। क्षप्रप्रदेश कर्क लका । कार्निया करें क्यों प्रतिया कार्यान ह एक क्य किमे तिलाम भारत काबी आमन बाबू (मान-वका दिनांचवोगीत्मत स्कृतिक ग्रेस स्मानकाकारम काः विकासमा केनित निर्मित मुद्दे भक्त देशका कार्यन के क्रेन बार्यम । गर्क क्यां खनिता व निता प्रानिया आमानिश्मक 不過程度 \$56 明島 (京小公 衛州(南江 西南田 一十一)

a care ica i citian Graco-. र शारितास्त्रतः प्रदेश **स**्यास् र , र ५, र १ १ वर्ग कि. अ वर्ग वर्ग वर्ग कि र क अरवण्डून, ब्रह्मिय वर्षेत्र ,फ(स्ट्रां स्टब्स्ट्राल्डिटन हर् क प्रकार, श्री ए व (धार क्षे व्हेर र द्राय्डमः कालिमान्द्र गाउँ है। e -- a rear, whether faith the 's 's r ं कि कि समिति स्वाहित के राज किला ብር ማ የነ**ክር**ደነሳ কৰ পশ্র শ प्रिंचित द्वा का कि अश्वता कर াক আহালে এবন বিসম হুলাত বাল 'ভি. স্থান ভাগান ব : - - ' न्द्रिक अल्पा क्षेत्र करित कु भारतार अर्थन श्रीद र जन्मी व दश्रहात सहित्र ५ र । सन्तर वहार गृरहार, क्रां∗आलक प्रदेश ५

> 1 41.7 (.. () . হাপ্নি ভাষাস ं संस्कृतिका कार्या रणात्र प्रतापदा

जर्िंकः ५ ५०

ইযুক্ত সে,মপ্রাথ-শসন্সাদক মহাশ্য সমীপেয় ।

CRIM क्षांति श्रेषात्र । हेडिहिट में केहै, इ ্ব **ভেটা** নাম্প सर्विक्टिश बोल्डिक, नग्र रखीर बासक दर च पर मणा । सूर्याष्ट्र मनाम रे ं ब्रहेशन ल (स्थितः, १०१०) म दिश्वक्र न रहितः, ন'ব প্রায়ত এক কুজ THE SILE 477 (7 5 **2 5 5 6 4-**) स्थव श्रीयः ८४ 🔧 र उठ्यक्ताल ं के. श्रांस शर्मा . उन्हें रव शक्री ् ७ डेश्टबब्बीय, म ६४ १० र ল স্মানী অভি **本。東[唐 斯城**夏 - 马 खुनत हु क्रा व्योध 海豚 東 611 " 1" 1

अक्रीब सुष्टि भाष के लि विशेषण पान क 1170 6191 Comini wienter, fafe inge in मा । दिनि दिन सम अपे मात के कि । बल याति काश्रावत श्रेष विश्विमा कि आजवा किंद्र विनाम, क्रांकी अनद र दे मार क क किस आंखार प्रश्न साझ विशेष कर रेट न न ह ध्यामक्षा क्रीक्र न विश्व अक्र विस (नदी न न न न न न भाभाषी के जाता, अभिनेतानव राज्य में कड़ क विटल विकासितां । जीवीय साहितां के पूर्ण के वर अन the wa, west falls atte viffen cellent ife wa's fechn, u ghast fagen freit a

ভীচ, কারণ দিল প' AMERICA WALLET

さ Safeman (中国) Political 4. 회[fait] '최 4 스크트

्र हमा प्र**ाधाः । विश्वति** ३० । र a रम्य अध्यव दक्ति, हेट^{*} हे • डा ' मुचार फिक्ट व महाका 医胡木酚红红菌科(夏醇)四十十十 ন লোচ ব সমৃতিক আমানিনিকটি চইত্য ा राक्षा र माना प्रा^{दिस} र ' रर क्षाड्ड (प्रकरमण सर्विष ट°राम गर्व , ८ ्र में । (प्राचीनः श्वल्याः । १०,४१ ड र एक रहेता खालां ए कार्यंत शहनीर লে প্রেম্টোস অভি াত বাসং २ क्षा १९४ मू अक्षिक १९६६ - प्राप्त के ना कि -বহল্প সংক্ৰিমণ কৰিয়া আনি কৈ আন্ত THE B SEE MENT WENT TO CAME

ある ことない まるでいかがてもあってん श्रीतर्गत्त प्रदेश स्थल कि गर अधिनात अप াত বিহন নাত্র নাত্র হাত তিন্তু বাস চেম্বীলে জেটা সংবৃদ্ধিসালি ল 祖 いけらみ オイン 事情に 海田 (本中 かけまか) rents कि के लगानिक काकी हैं है। है है है है । ॰ ॰ भक्त महर्गास । ३३**१ का** राष्ट्रांक म[ि]ष्ट । ली ্লাল লাব মছুন লটা ছিল্ড পাৰে আপেনিই フノーコリアスト おうたちも重づって 思いる 下輪です ७ ६, १,वर प्रेश्व, व देश आशिम ए । ए। हो। त २ अ.१२ २५ क के हिल्लिक क्रिय टाइ । र्रास्त्र, भागानाम । रञ्जूड व नास्त्रिष्ट ७ ४-, ৮ল', খাল'ল, লাড়াল'ত করে কার সাধা। ' দ্বেল'ল এ'দৰ পানা ভালি কলোন। भड़कार कर कालेगाल कान महिला ए ए जर इ.स. अधका शक्त पनिवार्ष महिन ्यम् तः वायमध्या निर्द्धाः वयः । सूर्याद्यः अ े केमान नामा प्रश्नी अला धारार क्ष्मी अब त्य क्षाप्त माहरक आल्डानन नामिय স্থানিক প্রিটি তেওঁ ক বলাম । পাইতে হ ইটে কাজ বলি ভালাগেল। জি স্থা কি প্রশান্ত ন हुदर्श्वि १ हिए (अभी भ रश्यामानांत का त्य (१) कि व त्रा न इनाइक हिनावांकि अंगत इतिछ े । जभन नद्य धवः श्लीरमाक दिला माना मार्च देल कि एक दिल्ला की कार्य । श्रीक की दिल्ला की प्यंत है, म अर्थ करवन।। शक्तिश्वासम्बद्ध दिला भवाकेतात समा यामावित्यात धनवीय है ए। श शास्त्रांन अध्यो यात्तान कविवे कृत कह रयाल विस्मर कालाभशिक्षिती छ्रेशाल व्याध इंडेल २। ! सरामाय गण्यमपूर प्राहेश। पेथीन व লাল। লগবটা মধা বিধ, গোৱাবাটী হ'ত সুখা-द समित्रकाकवित्र उथोग्र किलांग अडाः है क'रमक (मधिएड गांचेडाम) हेडांच फाउर) श्रुक् পোন্ধা আনেক ইং কৃষ্ট হুইয়ালছ শুনিজাঃ ।

श्रीध. हर, उप ३० है व विंक Bu it

প্রযুক্ত সোমপ্রকাশ সন্দর্শাদক महाभग ममीरशम् ।

२० कं बिद्धा श यमन्दित शास्त्राहित क लागा ामाहित माठे बना श्वाकांत्रक क्षक सामित्व के 一, 对方 对话 申[2] (这一样的现代中,「不同

्र र हिला Ca विश्व चुरु र र र ेर े अक्षिक स्थापिक, स्थापिक स्थापिक विश्व स्थितिक । क्षांटरक अक टर कि ५ छ जान विषय निर्धिय ছিলাগ লগতেই প্রসূত্র কিন্দু হুগগত শিষ্ক ए कड़े एए मा वार्ति श्वारे की का विष्वहरू। " हेक (T, (तर्गः क्षा लग्ने महत्त्वप्र पहिन्द्र) ्राद, ग'म्पान तिकाराण: अविश्वपाड ए । अन्त ्राधिक अध्यम् मा द्वार कष्ट्राप्तम भन्न सिती क्ल े क मिया अंदिलों के शिक्षक करेंद्र अदिवस मिल हें दर दाप वर पहिल्या मर अहम सम्माय ाति । अपन्य त्र तिकारिको कृति । इति ११ । १ लचक र गौलाविक को कुछ्रत कर्यस १ , १५ सहस्र हाडि ज्ञानस एकि व के १५ मा विश्व कि एक एक एक क्ष भारत्वादान स्मृतः वृष्टिक काँच उन की र

> अन्। ७ २ का न भारतात बङ्गा । के 'या। इ গোৱন কৰিছেনত হলেই - ২২মিড ৯০ च स्थापित के संघात नेता है। अस्टाई के उ य करिकार भेरक राजा । र क राज्य । १४ हम् (व.स. १२ त्यु १) व (क्षण्यास । व्यान उत्तरावह बक परिवर्ग कि । बेक्क के इस के ए र रव एक ज्ञार गाँउ का अपूर कर सर्वे के-२६) देश्वीत धूर्व । खना रावक्क श्राहरू आह र र प्रक दौर (दन कार्स) माध्यम देश हैं। डक मंत्र किंग्रदेव था अञ्चलक है। क्रिंक विक ं हो महत्र न्यामि य मध्यम् इहेक्कि द्वारताह दिन अग्रज्ञान्यम जिल्लाम् अप्ति म् क श्रोसर्मार त्रावय क्रिम क्रान कि » विश्वह देखका है शामकीक्र मानात Biट्रेजात यश्रं का 'श्लिक के द्रकार पाठेक उरवर के क्षेत्र हैं इक भी सीक

ক কবিংবন। क,लाला अन्यस्त्र ५ 👺 🤼 🦫 ያች ዎ(ነኔች 1

1/3

সোমপ্রকাশ

" प्रवर्शनां प्रकृतिविताय पार्थिवः सरसाती सुतिनवतो म वीवनां। ।

२ मर्बार!

मन १२७६। ३० छ। श्राक्षास्त्र । ३१ ३४ ७३ । २४ न्द्रमर

net a gut 5 1 रादिक कार्यिम ३० क्रिस

বিজ্ঞাপন ৷

ধ।। হৰগণের প্রান্তি।

প্রাহকগণকে ক্ষমাম হাউত্তেহে কার্কিক েস অন্তীত হওয়াতে অনেকেব প্রবন্ত সো मध्यनाद व मृत्रा विश्ताविष्ठ व्हेत्रांत्रम्, कार्यश हुन बांज 'कडील कहेंदन करनरकव मृत्र रन्त इडेर्ड काछ कर डाइक्स करा कतिया भना भा-শ্রষ্থা দেন। উক্তঃল্য কলিকাড^{। সংক্ষ}্ট। ভাপে করিবে। करतात्व व्यावाधिकात्र बार्ध भावे हेटलहे जा-न्द्र¦ निकित्य **७ मोध** भाই**र**ा

विकाशन।

हानि रोजा निवामी ख्रीपुक हक्कानियंत्र সাহের পুরা ত্রীয়ক্ত কালীর্মার শিংহ সত্ত-यम करेग्राटक। नेवांत का शांत, क्या अक्स १९ २२ **स**्मात्र, अभिनिक्षिदशेव खुरुणित निकेष्ठे कि छि। । कानिम आहि। यस्त्रिः कि हेन्स सक्तवाश वाक्तित 'मग्नमका'न दक्षिश সামপ্রকাণ সম্পূর্ণকের নিকট সংগ'ন দিজে ণাবেন, ড'হ'বে > চ টাকা প্রকার দেওয়া । हेटन ।

त्रागथकान । २० के प्राक्षांचर क्षांसवीत र অনুভিন্নার বিভোগ।

ঢাকা নিউদ লিখিয়াছেন ক্ষান্তিয়ার প্রাহীয়া অদ্যাপিও অস্ত্র পরিভাগি ক त मारे। आके मारक्य भूटर्स स्वमा ए पर्मा विषया क्षित्रा विशाहित्स्य, यीज्य, अ व्यक्ष स्वार बाजारम अवन क्रिया मुत्रमात नगरक कृष्य पत्रबोद्ध चाकास क्रदर

धानर श्रूनचीत्र क्या श्रम्भित्र (चावन) स- | सर्वस्मिने कर्ष्क्वातिकिरमत नामक्य র্বরিষা দেন, কি**ত্ত** কেংট ক্লকাব্য হঠনত তে চাহিতেছে না বা কেন हैं। পারেন নাই। প্রায় দল গহত বিদ্রোধী কর্মচারিরা যে ভাষাদিশের 🕬 শমবেত ছট্যা আছে। তাহারা গ্রণ্য- । চাব করিরাছেন, তবিষয়ে আমগ্ন েউর বাক্তের বিশাস করিতেতে না। ভাষ্টা- । অণুমাত্র সন্দেহ জনিকেছে না। শা জীয়া রা কৰিতেছে, প্রণ্মেন্ট · যদি নিম্নলিখিত করা উত্তাদিশের একটা রোগ স্থাছে গ চারিটা প্রকাশে সমূহ হন, তাছারা শক্ত ' আমাদিলের অবিভিত নাই !

চারিদিন্যের হলে তংলাদিগের শাসনভার भव्यानिक वा इट्या महणानित्वत इत्छ म-मर्लिङ इहेर्द ।

षिठीत, मर्बश्रकात्र कत डेटार्गा पि-(७ म्बेर्व ।

कुठींग, क इंक्टिशत (मरमेर गर्दा जिलाही शंकित्व

চতুর্থ, গ্রণমেণ্টকে ভালাদিগের দক্ষে माञ्जामिनाक मनर्भं करिएड ब्हेर्स

ভাছারা যে করেবনী হস্কান নাবিচা-ছে, জন্মারা ভাষাদিশের মনের ভাষ ও বিজ্ঞেত প্রকৃত্তির কারণ স্পাত বোধগম্য হুটাতেছে। গ্রণ্মেণ্টের কর্মাহণ্শয়াস এব॰ ভাচার তদ্ধানে অসমত হইলে ক-ব্যারিদিগের অভাচার করিয়া ভদাদান চেন্টা এই ছুটা ভাগদিগের জ্বরে বি-त्याद्वक्षि अमें भिष्ठ कविश्वा मिसाद्य । क्फ जातिकरनंद्र यकि व्यक्ताजांत्र ना बाहिन- नवर्ग्यके नात्रभाविषदक जावादि-श्रीत रुखा नवर्णन कात्रम्, सार्वाता स्वकृत चनुदर्शय कतिएव (का) चन्त्र, फार्काक्षा

क्रिक्टि वनाक्राठीरवृद्धां **वरू. टारु**क्रं ' थारम, अत्र द्वारी स अवगामा केत कर्य- | शाधीमण आएकत आर्थमा कतिसादह ! । धर्मना करेननिक नटर । मानूरक थ्रेस् স্বাভাবিক স্বাধীনতা প্রহৃত্তি আছে। যধন অনাকৃত , অভ্যাচারকণ বাছু নি क्रुष्ठ स्य. खेळीलिक स्वेता क्रेट्ड । क्रिं शवर्गमण्डे य छेशान्तिशत कार्यमा भारति त्रत्य जनर्थ इटेटबन, त्याच इटेटबट्ट क्रिक যদিও ভাষারা থুকি সমুশ উপার্য 🛡 📆 नीमका बीकारत केमूब स्का जीवनी ठाँहोनिगरक छिष्दर चनुष्ठि धनाने हित्य मा। खात्रखेरार्व छ। यात्रा वर्त्रावत्र. পনাৱাই সাম্পিনিয়ন একাদ করিয়া প্র नहिंख निक्क कतिया जानिशास्त्र, जा ৰে ভাষায়া শতকুত নিরীন প্রভাবে সং চইয়া সন্ধি করিবেন, কোন ক্রনেইকা বিভ নহে। বিশেষতঃ খলিয়ারা অভি मास भंज ।

करे विवेत लच्छा जमानात **शब** मक बद्दन जूबून वांत्सानक क्**रेब्राट्स** । घटनटक पेक बना भरक अक्रमारम के गुलय कार्न विटक्ट्या के जाना मत्मामत्था

প্রতি কিলাক করিছে। বেজুবাদ ছলে
পর্য প্রদর্শন করিছেছেন। গ্রন্থনিন
সেই অলাক বাকো ভীত হইবেন, এত
অসার নহেন। বিপক্ষরণ ব্রিটিন জাতির
নিকটে খলোভ ছরপ। ভাছাদিনের না
বাহে অপ্রবল, না আছে শিকা নৈপুনা।
। আহে সেনাপভি; তাহারা কতকান ব্রিটিন
ব পর্বর্থনেকের সহিত প্রতিযোগিতা করিতে সম্মান ছুইবে;

के **सर्वेटमके** अनुमात्तिक अंत्रः शता-ৰশিকিশের ব'কো একটা জাতিকে যে উ-म् सम कृत्वम, रेश काम कत्मरे चामानि त्नेत्र चन्न्रामिक मट्ट । कॅ.हाता चाच्राकी **চৰ র∌া করি**রা উলিখিত বনাজাতীয়দি-গকে আংশিক স্বাধীনতা এদান পূৰ্বক বা গতে বিবাদের শেব করিতে পারেন, সেই ক্রি করুন। ত হাতে ভাঁহাদিগের মহ त इकि विना कुल क्रेटव ना । यमि छा দিগের এৰপ শঙ্কা থাকে যে বন্য জাতী - दो नमरत्र नमरत्र जिप्रिन व्यक्तित्र मरबा -विके हरेगा छेभछव कत्रित्, तारकात [ু]শ্বা শীমার নির্মিত সৈন্য রাখিং। দি-লই সে শহা দুরীভূত হইতে পারে। অ নার রাজা অধিকার করিবা স্বাধিকার ুদ্দি করা এবং অনা অন্য জাতির উল্লুলন হতা করা বিশুদ্ধ রাজনীতির অনুমোদিত হ। এতং কাব্য হা । ২৩তর অন**র্থ ঘ** ্রিক্টরা থাকে। ত্রিটিস গবণমেন্ট বৃদ্ধ জিলার আমাণ আতা দ্ইরাজেন। আ **ারিভাছ- রাজ**নীতির অনুগ,মী হইয়া ক্রান্ত্রী কাষ্য ত করিয়াছিলেন বলিয়া 🚁 🚉 হারা সক্ল হইতে পাণিতে

> রাজনার করেবার অক্টাত্তরেই উপার। অক্টাত্তরেই উপার। অক্টাত্তরেই উপার। অক্টাত্তরেই করেবার অক্টাত্তরেই করেবার কর্ত্তরেই করেবার করেবার

এতৎ সংক্রান্ত যে আইন আছে, তাহা জ-शिरातन त्रिवटम अच्छा क्यां एम मा। अक्रमिय-খান চতুৰ্দিক হইডে কয়ণ ও আৰ্ড বিলাপ ও আবেদনহানি সক্ষম ক্রতি গোচর হইয়া ণাকে ৷ রাজপুরুষ্ট্রো এত যে অনামনক, তথাপি ঐ কল্পবৃদ্ধি ভাঁচাদিগের প্রাত भरवंत छेटदगकांत्री इहेतारह । গত > १ से मदब्दत्रत्र वश्रदश्रनीय वावदाशक मखःव खे न कथा **छेवानिक इरेज़ा शु**र्द खाईन मर्रशासन পূর্বক একটা মূতন আইনের পাগুলেখা कता बरेगार बचर के भाग तिलहें ক্ষিটার বিবেচনার্থ সমর্পিত হইয়াতে। অ.ডবেকেট কেনরল, বাবু প্রসন্তর্ম র शेकुत, स्मीनदी चावकुल मधीक धवर जा-লেন সাহেব ইহারা সিলেক্ট কমিটির অ-স্তর্নিবেশিত হইরাছেন : আলেন সংহেত এই সাটনের প্রস্তাবকর্তা। প্রস্তাবিত আইনের ভৃতীয় ধারাষ এই বিধান করা হইবাছে যে কর্মচারী আইনের বিরুদ্ধ ব্যবহার করিবেন, ভাঁহার ২০০ টাকা অ-वेवा छ्रहे मान काहाबान मक्ष हहेरव १ दि-खाशानि काटन मामिट हुँ है अ काटनकेंद्रा-দি ভারা বলপুর্বক শকটাদির আহরণ এ-স্তাবিত আইনের অননুমোদনীয় নচে।

দৈনিক পুরুষেরা মকস্বলে যে প্রকার
অভ্যাচার করে, ভাষা কাষার অবিশিত
নাই। ভাষার পরিচয় প্রদান র্য অধিকতর
প্ররাস পাইতে হয় না। গোরার পল্টন
আসিতেহে শুনিলে প্রামের লোকেরা গৃহ
বার রুক্ত করের। কাষান
বন্ধ করিয়া পলারনপর হয়। ইহাই ঐ
অভ্যাচারের উৎরুত পরিচায়ক। বারু
প্রসর্মার ঠাকুরও উহার বিষয় সভার
গোচর করিয়াছেন। সৈনা মধ্যে এই নিরুম আছে, সৈন্যের যাত্রাকালে কোরাইয়
না্তর ও ভাষার করেকজন অনুচর অ্রে
যানা। যে বিষয় যে ছানে ছাউনি হুইছে,
ভিত্তিভাষ্য ক্রেক্তিয়া ক্রিক্রার প্রা

गरवार कडतम । तारे गरवार कालकी ज অণাচার হইবার একটা প্রধান কাল। কে: शर्षेत्र मार्केदतन चनुष्ठदनना थे समरहःकाः व्यवेखिएक मुक्तत्रकाल हिन्नार्थ क्रिक्त नन । ভাহাদিদের ভদানী इन गृरहाइ ब মনি মনোহর যে ভাষার প্রশংসা করিছ শেব করা যার না। বোধ কর, ভাছাদিশের मक्ते कर्शक्त स्रेगाहरू, छोशेता जनत्त्र यगार्थी इरेश वहिर्गन इरेन ; किसमू (मिनि, क्रांक्यांनि भूना भक्ते ଓ क्रांतः थ। नि जवाशूर्व नक्षे याहरणाइ ; तां पूर्व मक्टित निटकरे मुर्द्वाट्य ভारामिट्या पृष्टि निर्शाष्ट्र हरेरवः, जनवरगाधार्थहे का হারা নিভান্ত ব্যথ্রমনা হইবে ; পূদ্রা সকট চলিয়া গেল গেল, ভাগতে ভাহাদিগেঃ क्षि नारे। भूर गक्ते क्रम स्ट्रेल ए.सा মির। কাতর হই । তালাদিগের শরণাগত হয়, এবং ভাহাদিগের শ্র**নাদন ও শ্রী**রি मन्मा मत्त्र त्य खेशाह चाहर, छाहा क्रिहा মুক্তি লাভ করে। স্ত্রীজনপূর্ণ শক্ট দৃষ্টি পথে পতিত হইলে উক্ত অনুচর্দিগের আহ্বাবের পরিসীমা থাকে না। ইন দারা ভাহাদিগের রসরক প্রকৃতি ও অর্থ লোভ উভয়েরই চরিতার্যতা হয়।

চরিত বাজিকিবিরে আবেদন छ । भित्रित अविद्यान व रहेवान अवजी महान अखतात्र चाट्य, छ।इ।टाई भ्रजाहात्रकातिभित्तत नक्त नम्द्रा श्राक्तिकत इत्र दा । आकि-महात्रः। मकत्त्रत्र व्यथिशमा नहरून । ८.थ মতঃ প্রামালোকেরা শিবির প্রবেশে সা-हती इत मा : यभिष्ठ (कर मारम कतिः) ষার, প্রভুষীরা ভাষাদিগের গাননের ভাষ-CETY TOTAL

रिममा म-कान्य कर्मनातिका य अधि-ব্যুক্ত অত্যাচার করিবে, ভাছা তাদুশ বি-भारमत विषय मानु, त्राष्ट तका कतिराज्य বলিয়া ছাহাদিগের একটা বিলক্ষণ ছতি-मान प्राटकः व्यक्तिमहत्रवाक मभग विस्महर ठाहानित्रत्क व्यवण्ड श्रुवांश नियं वात्कम । क नकः रेजना भरकां य व्यक्ताकारतत्र विमय मर्वरनरम ए नर्व सारिए कित अगिक आहर ! कि अ जीन. कि नदा, यावधीन है-। ১৯।স ই এত্রিবুরে সংক্ষা দান করিতেছে। ८५ (मरम विश्वक के डिकांस म हे, तम (मरम-न कांश अब भारे अन्त्रा ३ हे बात मीतरमब পরিচর পাওয়া ফার। শিশুপাল বধের वक्षान वर्तिक स्टेग एक, कृष्ण मध्यम गुधि-ফি বের র করের গভের হাল, তৎক লে অ-भश्या देशमा काँछात अगलियाह दर्ज किल, কিছ সেনাগণ কোন গ্রামের কোন ধনিউ अक्षा करत्र न'है।

> निःदमयभाकः, प्रमशिकाला अदेश म्हलन अभूत्माविं। नमूक्ति चिविः। प्राद्मधु रेत्रा नातकरवामगाविदेशः किमबाबदार इतिएड'र्ला कमनः।

मयुक्त अल्य कारल वर्षन हति ह इयु, ধল দারা সময় এইতিল সম্পূর্ণরূপে আ-क्रमन कतिया (बला क्रथ मर्या के छेल अन किंद्रात, किंख क्रम चनत्था तमना चौत्री ভুত্ৰ ব্যালিয়া যাইছেছেৰ ভথাপি আন वाकितिदशद विषद्ध मर्या। मात्र क्रें अध्यन य धीर क्यान (मोत्ना करन्य मारे।

ক্তপত্তি লিখিক হোক হারা স্থতকর

প্রদাংসা করা হইতেছে। প্রদংসা এই। शृर्वकारम अरमरमंत्र ए एव कान मित्रा राजीन রণ গমন করিত ভত্ততা লে:কনিগের উপরে দৌরাস্বা করিত, কুফের দাসন ও মৈপুণা ৰশতঃ সেনাগণ প্রামীণ ব্যক্তিদিপের প্রতি क्रुर्जावहात क्रितिष्ठ श'रत नाहे।

যাহা হউক, অধিকতর নিশ্বংগর বিষয় **এই, या थाएम ब्राह्ममश्यु (महे थाएमई श-**র্বিত, উশ্বত ও অত্যাচারকরিত ভবে নয় . मरशान्त्र इस । विभिन्न किरके ने चानानरक कि **चसकत ! यादात्र या शक्तिकारी** त्र भगाडिएकत्र भग भारेरलम्, के स्त्र मरन মনে এই অভিমান জয়িল, তিনি যেন ঋয:-শৃত পদ পাইথাছেন, ওঁাহার সহিত তুলা ज'द्य कथा कट्ट माथा कातः श्रीकृतका-রিভা ও অর্থ সংগ্রহ চেফী ফাঁহার গর্বের কোন অংশে মান নচে ৷ ফলতঃ রাজস प्रश्न निरक्षन मत्न बर्ग (य शर्व ও অভ্যা-চার ারিভা প্রবৃত্তি জন্মে, এটা কিছু মুভ न कथः नरहः। वषु २७ लारकत्र ७ हरेः। शास्त्र। हिंखेम अलिएअस्टर्शन व्यक्तित वननावजदत्र अक् श्वारम लिथिनादणमः ''श्वामा ख्या मध्यह क्या दलकारलय अधिकांत ; वाककर्पहातिशन के व्यथि गत वत्न द्राक्रमः সারের নিমিত্ত সমিহিত জনপদ হইতে আ-প্রাদিপের ইচ্ছামত গাদ্য সংগ্রহ করিতেম এবং তাছা লইযা যাইবার নিমিত বলপূর্বক প্রজার শক্টাদি গ্রহণ করিতেন: ঐ সকল खरवाद प्रजा निर्षिके दिन वटेंगे. किस खवा স্বামীরা প্রায় মূল্য পাইত না, যে পাইত, সে শীঘ্র পাইত না। * * * প্রজাগণ রাজ **ग**्नारवद **এই** অধিকারকে **উৎপাত प्रक** প काम कतिए, धवर थांगा मरवार प्राम কণ্চারিদিগের ঐতিক হওয়াতে ভন্তনক **घटनक विश्व घणां होत्र ३ हेख । कलकः चा** माहित्वत न्याके त्याथ स्ट्रेटकेटस, असिदके त्वरथत कर्यहात्रिता कें हात्र भारतिनीं मुल्लंक শক্তির বলে শতাচার করিতেন। শেরে कमन शास्त्रम् अविश्वात्रगार्वे अवशे याहे न कहा निवास क्षानगढ हरेहा है, देन।

ভূতীর এডওয়াডের मिवाजनार्थ मन्छि विशि विशान इरेशाहिल।

為

महित्यय चाण्डरपद्धि विका ছিন শতাব্দীর পূর্বেবাদুশ त रेजिश्न मरशा लिचिक मुद्रेतर् তৎসভাতীয় অভ্যাচার রুভাত স্থানীয় ক্ৰতি পথ প্ৰবি উ হইতেছে । ক্ৰেপ্ৰাটো कि रेशत निवातन 'स्ट्रेंट सा र अस् नशरक थाधाना चाटक, के कार्क कार्र बारन बनाग ७ च्यांडिक स्वीक्ष পাওয়া যায়। **পালি-শুনাপে**ল, কিন্ত্ৰ অনুক আলালতের অব্য लान, कालि खना लाल, प्रमुक प्रमुक् राहरू हि मामिक्ये हेटक अश्वत कृतिहार्ह्यन

छेशगःशत स्टल सामाहिटसङ् **এই, तालमक्स रा পরিমানে हाल**े রিদিণের গরিতা, উদ্বভা ও ব তার মূল, প্রধান পুরুষক্রিমকৈ সেই ণে প্রয়াসবান হইয়া ভছুত্রনা তে হইবে। সৈন্য সংজ্ঞান্ত কাহার উপর অক্যাচার 🐺 যে ব্যক্তির বাহা প্রাণ্য হয় ন গণ্ডান হিলাব করিয়াব্দিঞ্জী थ कब्रिय़ा (पन, मक्ड़ी मिर्शत नाम खब्र **(क्म** ?

> পাতিয়ালীর রাজার স্থুত্তা ও তর্পকৃত্ সভা নিয়োগ প্ৰস্তাৰ 🗥

আমরা ছাবিত হইয়া প্রকাশ করিছু **शांक्तिज्ञानात्र महात्राक नदत्रक्त निर्देश** পরিত্যার করিয়াছেন ৷ তাঁহার কালভি সম্ভর্বতী হইয়াছিল, তিনি ত' 🗥 আনিকে পারিয়াছিলেন। এই 🛴 भूटर्बरे खान्नकवरीत बावस्थि, ্রে অবসর গ্রহণ করেন। কি ভিনি আণ্ডাগ করিবেন. ৫

५. 🕫। करत्रम नार्हे। नरत्रस्य जिश्ह ১৮৪৫ कः मृतिगरहामदन चादताहन केदतन । अहे ^{১৬ বছ্}নর কাল তিনি খীর রাজ্য সুন্দর कर्र है है। नम् रुब्रिझाहिएनन । कूनश्कात छैं।-अव क्रेसिनध्या जना जना त्राकात नाव ক্লান্তক সম্পূর্ব বিশে সপরতন্ত্র হই ল, জিনি ভত্ৰতা বিধবাদিগের আংশিক কঠ নিয়ারণের ঔপত্নিক যে আজা প্রদান করিয়া **ইলেন, তন্ত্রারা তাঁহ**ার চিডের উ-দার্ভবের পরিচয় পাওয়া গিলছে ১৮৫ অব্দের বিজ্ঞাহ কালে তিনি নিজ बार्ब्ह् भाष्ठछ। दव द्वाविषा भवर्गागरे हे **যে বুঁছাৰতা ক**রিয়াছিলেন, তন্দার। তাঁহার রা**ন্নীতিক্ততা ও** প্রতুত্তির সবিশেষ প-র**চর হইয়াছে। তিনি অ**ভিশয় বলবান ও 🀌 হিলেন। সাধুতাও সরলভাব ভাঁচার

ন্ত্র. ভাষার বয়স চতুর্দ্দশ বর্ম। ্কু:ছারাজ **নরেন্দ্র** সিংহ ভারতবর্থীয় ব্য র্ধেক সভার সভ্য পদে প্রতিষ্ঠিত ছি-এ। ভাঁহার মৃত্যু হওয়াতে তৎপুদ পুনা ্ৰা একণে কোনু ব্যক্তি তৎস্থানে নি-্রুজত হইবেন ৷ এই প্রশ্নের সমাধান ্ৰাক ইইয়াছে। কেছ কেছ রাজা মান-ক্রেক্টের কপ্রতলার রাজাকে ্লীরতেছেন। কিন্তু আমাদিগের মন ্ৰামানসংকো এতি পক্ষপাতী হই-রাজা এক ইফ **ট্রুব্রের কন্যার** প ভিত্রহন করিবাছেন। **ইন্টে,তাঁহার এ**কা জলিমাতে বলিয়া दक्क विकास क्षेत्राच। ५कन छत्त ক্ষিতিত সভা পৰ গ্ৰা, চইলো क्रिक्न किरिक मध्येन प्रतिरु प-

ক্রেরন কার্ বেল আমানিদের আর একটি প্র ক্রেনের অপ্রাস ভাষ্ট্র প্রাস্তাবের অথাস नरहा अहे भवस्त छि क्षेत्र हाम । स्थित अक का

প্রতিনিধি গ্রহণ করা অভিশয় আবশাক। । ছে । না, ২ক দেশে বর্ণমেটের কোন এতদ্বারা কেবল যে বাসলা দেশের চিত্ত बुक्षत ७ व्योडि मण्यामम कृतः इकेटव अ बाग नाइ, रेश अरे आमामा आखातिक ভাব অবগত হুইবার এবং আনেকবিধ শ্রেয়ং সাধনের ছার স্বরূপ হইবে। সভা हिंसी **द्राधितक भारत** नाहे। जाभ किन े छ त्व यर्थन एवं अदमरभद साम्र खान ধান একাব উপস্থিত হয়, ৩২ এদেশীয প্রতিনিধিরা কি অশুক্ত পরিহার ও শুক্ত সন্বিধানের প্রাণ পণ চেম্টা প:ন ন ` দৃশ অৰুপট চেষ্টা বাভিয়েকে কি সমাত कर्ष हेखेलां अञ्चलना प्राट्ट । ३१ल ७ প্রভৃতি স্থানে এতি জিলার প্রতিনিধি গ্ৰহণ রীতি প্রবর্ত্তিত হইয়াছে কেন > বা कला क्लीटब्रहा ভারতবদীয় ব্যবস্থাণক সভাকে আত্মীয় ভাৱে দর্শন ন। কবিয়া উদাসীন ভাবে দর্শন করেন, ইহা কোন ্রুইসিন্ধ গুণ ছিল। তাঁহার একটি পুত্র 🖁 ক্রমে প্রার্থনীয় নহে। কিন্তু যদি 💇ত নিধি গৃহীত না ছইল, ঐ সভার এতি এ এদেশের আগীয়াতিমান জগিবার সন্থা বনা কি - এ ছলে আর একটি চিস্তা ক-রাও আবশ্যক। ভারতবর্ণীর ব্যবস্থাপক সভা এক্ষণে প্রবর্গর জেনরদের নিত সভা विनिता भगिष्ठ ७ म मानिष्ठ इहेवा थारक। এখন উহাব উপরে গ্রন্ব জেনেরলের সর্বতোমুখী প্রভূতা আছে। উহার এই অবস্থাই কি চিরকাল সমান থাকিবে > আটকিয়া যায়। এই কারনে, বারকেন ক্রমে যথম উহার উপরে ভারতব্যীগদিপের প্রভূতা ও আত্মীয়াভিমান ক্রমিয়া ভারতব ধীয় বাৰস্থাপক সভা এই নামটি অন্বৰ্গ इरेटि, उथन कि वाजना (मन विभिन्न থাকিবে , ৰাজনা দেশ কি ভারতবর্ষের অংশ নভে: এই সময়ে ভালার স্তুত্রপাত ना हरेल ७९काल कि जनत छाद्र हर

লাভ নাই, ইছা বেবল উৎপাত খ্ৰূপ হই हा चाटक, धरे विटवहना कतिहा छौकाता रेकात উপরে বিরক্ত হইয়াছেন > কিন্তু আমরা স্পটাক্ষরে কহিতে পারি, ভারতবর্ষের জনা অনা ছানে বন্ধ মোনার ন্যায় যোগ্য প্রতিনিধি লাভ সহল নছে। বছ দেশ शवर्गत्मरकेत्र উপकाती कि मा. छिष्यरम पामापित्रत पश्चिक बक्ता बाहे. अटेशास विताल में भगांश हरेए भारत, यथम छा त्र इत्यीत वर्वरमटल्डेत वाचित आह ताय রতান্ত একানিত হয়, তথ্যুদ্ধের বছদেশের আয় সর্বোপরি প্রধান মূপে ক্ষেত্রপ্যান हरेश शहक 1

७१३,२४ **शंबरत** ४ विक्लित्र

গমার চড়া পড়াতে এখন জার কুল্ছ রুহুৎ জাহাজ কলিক:তাম অ,সিত্তে প¦রে না। এক শত বংসর পুরের রণভরির ল धाक उपाष्ट्रिम क्वार्टरवर अ'हारराधी हरे য়া চলন নগর প্যাস্ত বড় বড় যু ৫ জাতা क लहेश शिषाहित्यन । मित्र कांगित्यत সময়ে মধাবিধ সওদাগরী জালাক মুর্সি-দাব'ল প্রান্ত গিরাছে। কিন্তু এগন ব্য[্] কাৰেও সামানা বাস্পীৰ জাছতে চড়াব হেড লগুনের যেরপ কলিকাভার এরপ একটি বাহির বন্দর আবশ্যক চইয়া উসে ম।ভলাকে সেই বন্দর বরিবার ও তথা हरेएंड दिल उर्ग वात्रा खवा मामश्री जानि বার একাৰ হইয়া রেলওয়ের ক্যা আব-ह इत्र । जे कामां काम रचय इदेश चानिः श्वत्छ। खेन। विश्वेष्ट्राः धरे कानूशित খীয়ের। বন্দ দেশকে উদাসীন দুর্ভীতে স্বাচন মাজলা প্যান্ত গাড়ি চলিবে। এ मर्भन कि दिन ना ? अधान श्रुक्रदाता दक किएक काकारकत अधिक आधानी विकि দেশের এতি এক নিরমুগ্রহ হইয়াছেন রা গ্রন্মেন্ট কলিকাভা ছইছেডারমগুহা-কেন: এখানে যোগা অভিনিক্তি নিয়ে না 🖁 রবর পথান্ত একটি পুতস্তা রেলওরে একত विनिया कि चैन्हा सिटमङ संस्थात स्वितिया । स्वितिया स्वितिया स्वितिया स्वितिया स्वितिया स्वितिया स्वितिया स्वितिया ३५ मा**श्र**ीक को एवं मनदा ना ज खादा किनस्य कांच किसी गार १८० काम द्यान धर्नाक्ष्य " " 化外侧顶 飘起 含化 部 出本にN変 多っ दक्ष ख को इन्द्रेश उ 6 43 । प्या वि अवी अवीया -त्र **क्षांव केरियाङ का**न्य । विरुध ॥ माकि शक्कान कर नह सर निरक्ष बहेरम अन्त बालना करे असी शांत कतिर - भा कार्यान **পস্ত**াৰৰ: : এই ভিল'ডে হানোনই विकाद समाहरू २% रिया कृति , को**हां व कान्न**ा ५ । रिशाह न्द्र काशिक छ। ८ विचारक कालीना शंदक, धवाजाहत त्वनम अनवे ह रत नारक्षेत्र शनिष्ठक अभाग करिया के कार्राष्ट्र मा कं ७ कि कि वान। या हिटल भावित्वन । ३७ का विष् पश् हान हिएक डिन्थॉन नामन 'त्र वाच्चात्र कटक ख'गाद पूना 'व विद्या क्रिएक अ.५ - नि 🐃 को संदर्भ, कार्यात प्रमान নিষ্টিভে এত্যেক বার s भारा कालिएक पू सम क्टन व किटल देशिया पाचा गांडिएक मन 💃 🥫 🤛 सम्बद्धन व वरम्य दल वन WINE. €a.

由 14 (本) 电影 本語 医 经产品 电 क राइक ब्रामान कामान The grainest dien Belle. **८६ । जंदोलकोश श्रीम अधिका'णडें** প্ৰতি সাঁভিতে তে নাটাৰ ভাল 🐯 त्य थरन व ७ कि यमा। वस, अदे ५९मव 三位 "李朝,到北京 李明四十、宋 中国 经银行 थादक :ूः अञ्चल वयाः 🕒 । ३६ वंश्वरतिष्ठ ६० किम समुच्या। त्यक्ति नम प्राचानाकः स्थन प आ कारण, शक् विदेश भाषा वामा कार्रि विषा के ८२। उनहां कांग्रेड 🐪 आप जिल्ला 🕏 देशक्षिक ८५० जाक विक्रुप्त अधिक श्रीष्ठ वेद না ছারি কাটাতে এক আ উ্নাইটি । ডিটা अक विश क्षा । चेटकी अक् न घरिनात सांव हू लामात्र अभिक्ष किया ना १० व्यवस्थ व जाका कु हेशपूर्व नाक्षकर्व हे क्राकृत का । विवासिक के क किंगिक सके। भारतीं से निर्देश का त्या है कार काक अजाश जा हुना जन स्वतिकास बालक्षादेवा बारक, ब्याक्तान, विश्वेष हेवा। यंक्र ्। रश्त्रहमा करूम, में बेस्ड वात किया सवा त रिप्रका कक बादिक दे किस्ट्रिक जा देन शोक खेर साम देश्य प्रेम, रेम्ब्राइक बान ,मांक प्राट् mi mico aca ace for traffin: select चूबिहरू अब बर्ध क्री क्रमसम्बर्ध है। इ.स्क्रिक्स त्यात्र त्यात त्यारक वांना व्यक्ति **वेषा वर्गाले हैं** कता । वास नजा कविद्या श्रीहर हे अने हिंदू क्षादक (क्षांसम्भवि पूर्वि बदले ३ ६६ लगा कविरक्ष कि लिए ने महिला 1-

3. 4 7

洒

THE REAL PROPERTY AND THE PROPERTY CARE STATE के विकास में विकास कर है । इस महामान के उस महामा कर है है है है है है । ार पार्क देनुस**ाव करा, भी स्वो**र **काल**ी । चार्य अव्यार **कृतिया** छ। ना महार है जिल्लासकरें के किया गा in statement to un *** कर्ने हैं हैं असिवशम जार जा रहे से किय विकित्री क्षिक्र सभी किलादक कान- न नां वर्षा कारिया कि स्थान कर राज क्षितिक स्थाप के उन्हों के अपने कि स्थाप का का सार्थित क्षाप्ति के कि स्थापित क्षेत्र निष्ठा अदे के कि देवें के अकार के विश्वास करिया कर अवर न किंदा तार जाती कार्रिक के के के के बार मार्थ क्षेत्र के क्षेत्र के ब्रह्म उपने करें की विकास कर किया है। र्भ क्षेत्र, जन्मी र अन्तरिक्ष नी स्थाप ं ५% क्या अथ जिल्हा मोना के 👸 🦂 · भ भा त्मके नका सरामानका ८००% के स्वाहत ुकेन, "एउट्ड दुक्तन जोशासे गाई े ... स्वा डास्ट्रिक्ट डाय सार रिक बहेबा छेबिकार । विष्ठांबनरि च्या अवात का उत्ता गृहिणां eten and a wind with the sale

িয়া, **প্রকারে বদ**্ভি সাবিদ্যান , अवस्य गहरू, के की हैं। ११४१ १८ म ्र स्मिर्टिंग (नार्ट्स काश्रहर) प्रति । न्या १ . ।স বিভাগ করিয়া জনা সাল্ল करिरेदा रवाभ क व्र । जो ५ १७ कड़े शक्तिक अध्र 🔧 कि विकिय का इस्ता त पूर्र क्रिकेन्द्र बर्साकुरुस ए। स 😘 🗗 . কর এত করিয়াছ ৬ ় নি কে এই

१४४८ महिसार्व .० झ हो, त. ्रिक्टिक के कि कि व्यासास सकत काल करने पूर्विक क्षेत्र के किया है। विद्युक्त किया किया विद्युक्त कि कि मिल्ल के हर भटन व मूला दकान बरनत -क्षेत्र के विकास के जान राज्य ক্ষ্মিট্রের এ বংসর ভাষ ক্ষ্মিট্রের এ বংসর ভাষ

STAILE OF THE CARA STAIRED LANGE त्य नहि । स्थीतात बाहरक्क्क के जन क्रमान _{3] रे.} १७ हिन भव दिवालिक कि को क्रिक विक क | मार । कार्य स्थान श्रीशासा श्राटमान्द्रस्त **श्र्व**ी गर्स अ लिजार निर्य अधिका नारच हुँ इस् pafer gutein acenten gent gift-हिम, उपन देखा अतिमारि अहिनकम हन हिर प्र कहिएक विनिधादक्त । स्त्रीका, यहि हिनाह स् १ अपे कहिए। व्याकित्म स्मारण िवमा कविवाद कविकास कतिका श्राटकन, केंस ভাগতে গ'নি মাই। কিছু যৰ্ম প্ৰশ্মেট ्वित अभित्र अधिक क्षित्र विकास क्षित्र का ्रत क विश्वदृष्ट्यम, खर्चम अठ व उक्तावा स्वरम ·ल'कमि' भन (कांस **देश व क**त। छ। श्रामित्शन তিও চইতেছে। বি**লেষ্ডঃ স্থাক্ষাক্ষর** বিষাদ निक्षा वान (तक कहा किवा) करिया होती-ং ১, ৮০ ন' এ ল'টি ৷ ভালে সম্পাদক সহাল্য ार्त, हे विरवहन। कतिय विसूत आ मामिर्शन र- श्रही स्थान े कि **दश कादी कहिए। दिसा**नी कविरलन जयन छीडामिशक किलेश -1, म स'धन कवा फेंक्स !

ा भ नहें अध्यन नितृत्य, देट अ मृहेटक द्य ध्य १७७२। **यद्धात्मातम कतिमृह्यामः श**्चितः ষ্ড ৮, ন, নিধিয়াও কাও থাকিতেইপারি ণত কালীপুঞার পর দিবস নৌকা १८१ व लकाड इंड्रेड बाए। स्न यहित्वधि-্ন, নালী পুজার সময় যেরপে ভয়ানক র্থি भ एक ए हा दार्जिक महिन्द्र क्षर्वश्र का दक्ष शहात वना न। दिल्लिबाटह्य देशिबां अ-ा कवित्र भी ब्राव्यक (व, डेक्ट इकिवांका कर-तः। ५७३: म्झर। यांच्या व्यक्तिकाका व्यक्ति डेशुरविकाय **चाल मि**या मस्य द्वीचाम **डे**श-उ र डेलाम (म्बिमाम मारम्बन ऋषि छीवन । थात्रः। कविष्ठारहः। च्याचि चटके श्रांटवीमत नी रहेल म शरव चांश विका बादेवांक चार मा-करणेक सह चुल चात्रा मझक मसूद्र विश्वव े (b) बरबदशाहत स्वेदात शांतिक, खास्त ा क्रांक तक तक है कि कि कि कि कि कि है है है। जि.२५ : १८१८ **वर्ष्ट अवस्य ८व्यकीयक स**्रोध ३१६५.३६, कार्यास्य व्यवस्थान् दक्ष्यसः व्यवहार भिक्ट हिल्ला <mark>कारकः सर्था मध्या स्ट्रे</mark> भान पर ऋशंक्षाक अधिका शास्त्रक स्टे ६ वर्देनका क्षेत्रिक देशीयक क्षित्र वि ⁵⁷ प्रति समान जगानिक सहस्रकारिक रहे

कि विश्विता व्यक्ति स्व वर्गना पू पू विश्वन रहा क्रार्क क्षेत्रक अक्रमक क्षेत्रक स्थान ने स्थानिक स्थान क्षेत्रक क्षेत्रक स्थान क्षेत्रक स्थान क्षेत्रक स् कार्त्वाद्रेत्वं माध्र सम्बद्धेक्ष्यं हरेटव गानिम्। त्मक विश्व अध्यक्ष काटक क्षावता अन्छ। गृण्डच-त वाणिएक के बिद्धी, चार्वाहावि कतियाम, शहत নৌৰ্দায় ছড়িছা খানখিছি হ শশুসকল ভনিভে क्ष नि:स रेडिकेंड निश्चिमा भागता तकरीएड বেশ্বামে পিয়া অবস্থিতি করিতে সামস করিয়া हिमानः कवान ना गरिएक वाहिए बननी छैश-बिंड इरेन । व्यागारका गमम शाय व्यवी जुनीर्र হানাও পতিঃ হইয়াছিল; তালার ভ্রোতের ফ-वा कि कहित. प्रश्न बहैरक स्व बरम अ क्षम विला- ! क प्रदेश हैं। जानांद्यत क्रीकां करे यान निहा यारेट जनमं उर्जना। गाव छ। हा कि स्वर र्श्यक्ष काव अवधी कामात्र मक कर्ग श्राप्तत्र क्रिक, यांकिया (महे निक्के मोका नेनावेट अर्जन কিছ ভাষারও সেইরূপ ভয়ত্ব রূপ দেখির, शकिमिन्न करेका। अक्षरण यांशायत्र (कार्यात्र-क বাইবাৰ উপায় নাই ; ছুইপাংখ ছুই স্থবিস্তীৰ্ণ इ।म. शक्ति इ इहेन्ना श्रावल खटन शर्वा के उ CSCE, अञ्चर्ध क्वांत्रिक देशि वाग्यांत क्वारह. প্রতিনিয়ুস্তী ছওয়াও গ্রহণ নছে, সুভ্নাং দে রক मी (अमे बीरम्ब शार्व मिका मांभावेश यमारा-द्य कार्याक्ष्णि कविराज क्षेत्र । अरक ज कार्याद्यव करके निक्षा इक्ष्या व्यवद्वत, जावादक व्यक्तिय अ-দ্ধান বিশেষ জলাব মধ্যে পড়িয়। অলের হাই শব্দ ক্লিডেড : ইভাতে নিজা হইবার বিষয় কি ? मध्या मध्या कि क्षिक्वदर्शी त्न,कि परिवर शृष्ट শন্তম শক্ষের সঞ্চিত ভয়ানক কেলাংল ও আর্থ माल, अवर जांकांब्र महिक था। मध्या विमाल्यव कथा जुल दिल मा, कूब्र तर्वा छ। यन छ। हा दिल कु: ब बुक्ष बाद क केंग्रा कांद्र कांद्र महाम द्वामन कविटड क्यूनिका। अहै नेवटच हर, महन महन कट-আকার বি প্রাণ উপস্থিত হট্টাছিল, ভাষ্টার্ , **লচ্ছে পান্নি ন**়ে আন্থবত নয়ন বালে বিগলিত इक्टेंड आर्थिक, बारे ममर्थ प्रामानियात (मार्का-व महिन्न मध्रत्वात दिशाकान नागृगा स्व. छ इतेत -मार्थः माथा मार्किकीरमञ्जूष्टमा अवस्त अव | दिस । अवसार्थः काली व्यक्ति। विका टाएक मानावत नित्र। ८८ता, छोदिष्ठीत समस्य क्षंडिंदिम देशीय इहेमाम। द्रिविकाम विकास बळील विकासन दरमवली बहेग्राह्म । वेहाद हुई भाष' त्यम प्रस् मस् मान्यान का वटका द्रापित Co चीछे। दशक प्रक्रिश्तिक्य वीतः छोलिया ८०म : এक नमात्र (र अक्षि न्यूम्बर देकानाक्स देखिय बहुताहिन जाना स्निटन शानुनक जन् बीकृत रहा यामता अथम प्रकारम विश्वक

PRINTER OF THE PROPERTY र्भ रहार कार्य, रहारिकाक विक्रिक्त कार्य घटन ्याचि हो अध्यक्षका व्यक्ति चाचक वहित्य महित्य मिन् भगादेश व्यक्तिकरम् । व्यक्ति देखाँके ई सर्वाकृत मुक्ता केहिएक इस । सांबक मी डेशत विश्वा बोखांब देविताचे श्रांक्यांच्यां हत जाकात त्याकेरम क्याप्त व अहे पंजित कान कतिएक शांशिक " होयूँ देव नीति कात भी मत्त्र थात्र, का-बांक के हैं में बी সকলি ভূবে থেল। হুইচে খাহলে ছেল খিৰি राट (र एका राव दान जान कार्य नेवि माहे * बाहे के किए, एकम दर्शको करितदेश केरिनिकी ए यस स्वय दिन विशेष शाम प्रवेशको सप्रश्मित है অঞ্চল কোন দ্রণেই সধরণ করিছে সামুদ্রী देशांच ना । कांत्र दशके महास महस्र मध्यांदा अल्ह लिश्व कि इस्ट स्मिन्ड ग्राहेडकहि मन्। मे बब्रड रव बाल्य बाह्रि बाह्रा स्नाविक बह्निहा विक्र ता मन्त्रीयक महानम् ! अवैकावन विकास विकास लिंद कि किष्टे डिलाइ। खेंद्रे नाई ?

বিবিধ সংবাদ।

ওরা জগ্রহারণ বোষবার আমরা ২৮এ কা উক্তের চাকারীকার रमिश्रा यात्र शत्र ना**रे फूस वर्गाम** । किं**हें** केछ বাহাদিনের সম্পত্তি, তাহারা নিভাই কার্যক (याहिक वावबाद कविदारस्त । पूर्वकर्म मुन्नी দক ভত্ৰত্য দেশহিত্যকী সভীয় মধাৰ্থ হতান্ত বান করিয়াছিলেন। ছার্যার্ড ই ইড়া । नवा मण्डाचारवद करवक शासिक साम हरेथ वावशास्त्रत विवन मिथिक परेन्द्रिकी। अहै कि शहादय जागादकता जीवादक कालाविक विकास (इत । नन्नाकृत कि विका क्या कि हित्रान ? प्राकाटीकान व्यावाहित्तक है व्यानियात श्रद्ध कार्या ने मुंबार शाँकी fenin, coun profinate for अकाम इन्द्राहेक जिल्ला क्रिकेट केमान करि वारे । क्याटकता ब्राह्मी क्याटतास्य कार्याः आवासिक अन्द्रशास्त्र वर्षम कार्यात्रश्य शास-ज्याचे करिक्का क्रिया क्रिया क्रिया स्थान स्थाउ स्थ केशमञ्जू मा एक्ट्र केलावन। व्हेराहिन, उनिन त्व ज्यानवा प्रकान व्हेनाव । जनस्करा विका भक्षारक विकार राज्य शकास्त्र । कार्यर াই র ব্যবহার ভাহাভিগ্যের বোগ্য মইয়াছে কি না : ২৮এ চাকা প্রকাশ পড়িয়া আবদা "বথার্থ ক'শার আহাত্মক বৈজার 'চ এই প্রাসিদ বাক্ত নীর ভারে একটা উলাইরণ পাইলাম।

কুনারখানি হইতে এক ব্যক্তি নিখিয়া পাঠাইরাছেন, উহার সরিহিত স্থান গকলে খানার আত্যান্তিক প্রায়ন্ত্রাত হইয়াছে। পঞ্জী কুনার্ক্তিক আছে, বিনা চিকিৎসায় অনে

क्षीनजान कहित्वहरू।

চীনদেশ হইতে সংবাদ আসিয়াছে ইং রাজ ও করাশী দেনারা সম্প্রতি বিদ্রোইছি- । গতে পরাজিত করিয়া কলোরা ও কাদিও না লুকজুইছি ছুর্গ অধিকার করিয়াছে। ভিলোহী-হা শেষোক্ত নগরাধিকার কালে সবিশেষ সাহস প্রকাশ করিয়াছিল:

কিনিক জাবণ করিয়াছেন চাকা কালেজে টাইন্স ভাব ট ভুই এন অধ্যাপক নিযুক্ত করিবার জন্য সংবারণ বিদ্যাশিকার ভিত্রের প্রথমেন্ট্রে বাহির হট্যাছে।
অন্নরোধ করিয়াছেন ট্রারা প্রভোতে মা আউরার পে
প্রিক্তিক টাকা বেজন পাইবেন, এবং ইহা ইউরোপীর নালি

শ্রী মধ্যে এক জন আইনের অধ্যাপক হ টাহেন্ডা তত্রতা অধ্যক্ষেরও বেতন রন্ধি করি-বার প্রভাব হইয়াছে। চাকানালেজে অধিক সংখ্যা অধ্যাপক নিয়ে ক্লিড হন, টহা প্রার্থ-নীয়া আমানিগের ইক্ষা হগলি কুক্ষনগর ও মহরসপুর কালেজেও তাল তাল অধ্যাপক রাখিলা বি, এ, উপাধির পুস্তক পাঠনা ও প শীদ্ধ এইণের নিয়ম প্রেবজিত করা হয়। তা ই লে দিন দিন বি এ, র সংখ্যা রাভ হই-শৈ হথক।

ই ক পত্র আরও ববের রস নামক যে বি থাতি জালকারী জেল হইতে পলায়ন করে সে হাবডায় ২ত টেলছে। বন জলামান্য লোক, উচ্চাত নামান্য বারাগৃহে রাখা উচিত হয় মো। উহার থোল একটা শত্র কারী গৃহ নির্মাণ ইঞ্জিত।

লিল্লীব্যেকটের কার্লক্তিত সংবাদ দাতা লেকৈ অধ্যাদ বার দৌহের প্রলাচানজাংকর কুলার কর্নীয় পুরু ভারতুলা বার চতু ভারে এক ভূটার ক্ষান্ত করিয়াছেন। স্থাত সভাটনত জীয় দুলুর ক্রিন্দে ক্ষাব্যকা খা ভারার দুত্ত-ভেছ স্থাক্তিক করিয়ার ক্ষমা ব্যোটের বাহি রে এক প্রাক্তরে প্রকৃ ক্রেন আর্থান্যে

উক্ত পত্রপ্রেরক জারও বিলেন পারস্য সৈন্য হেরাটের নিকটে আগমন কর রাছে, আমীর এক প্রকার যুগ্ধ ভগে সন্ধি করিরাছেন। যে করেপে ১উক সন্ধি ২উরাছে, ভগনেকের বিবয়।

টাট্যস ভাব ই ভিয়ার এক জান পাছতেই বৃষ বজেন দক্ষিণ নহারাষ্ট্রে এক স্থানে খুর্ন বাহির ফুট্যাছে।

আউরার পেপর বলেন, কোব্রিডে বে ইউরোপীর নালিকানৈ এক জন ধীবরের নি কটে পাওয়া বার,লে ওয়াটসন নামক এক জন পাদক্রি বাসিতে আছে একপ জনপ্রতি কন্যাটির পিভা নাভা উভরে জীবিত থাতে, নে আরম বলিয়া ভারারা লক্ষায় ভারতে ধীবরের হচ্ছে সম্পুণ করে। ব্যক্তিচারের এ

T. F. T.

ইংলিন্মানের পারিসম্ সংখ্যা দাত। বনেন, ক্রান্স ও জার্মণিতে জনরব উঠিয়াছে ইংলতেশ্বনী লীজ সিংকাসন পরিভাগিকরিন বেন। প্রিন্স ক্ষাক্রবাহির মুধ্যে পর ক্ষরণি উঠিনি একস্থানে ভূম্বি হইনা থাকেন না, প্রভাই শোধ কর এই জনরবের ও তাঁহার পুন্রার বিবাহ চেটার ক্ষরতানের কারণ।

श्वन्द्रबद्धेव क्रित्र क्रित्र चनाज्यस्य निव

विश्व है। या ज्या आह्य-श्राप्त वर्गेष्ठ भवर्गमध्ये वर्गमध्येष्ठ अ व्याप्त वर्गमध्यक्ति श्राप्त वर्गमध्यक्ति श्राप्त वर्गमध्यक्ति श्राप्त वर्गम्य श्राप्त वर्गम्य

23-24 244 203-24 203-24 203-24 218-25 204-25 204-25 205-20 205

হিছ পেটু রট বলের ক্রিক্ত সাহেন ব্যাবের কান ক্রিক করিয়াবের। এত দি নের পর হালিতে লাকেব প্রকৃত ক্রে দাব। ইয়াকেন।

उस शत कामारम कृति त्याहर ते कित.

त्यत तिरणां विकाणिक कित्रवाहन । दी हि

वा कृति विकाणिक कित्रवाहन । दी हि

वा कृति विकास कित्रवाहन कित्रवाहन । दी हि

कृति तो कित्रवाहन के कामारम कित्रवाहन कित्रवाहन । क्रिक्त कित्रवाहन कित्रव

8ठे। ज्याशत्म वेजनावातः।

টাইম্স কৰ ইতিহার নিমচের সংবাদ নাতা বলেন, গুজরাটের বণিটকরা জন্ত। সমুদার কুলা ক্ষা করিয়াছেন। কুমকের। ইহাতে বিশুর লাভ করিতেওে।

* हेश्लिमभान निमला क्षेट्र मध्याम शाह-गार्ट्स. मन विके द्वाम केस्ट्र कान्यक्रम रेम गिक टेश्निर्यण क्तिर्छ हेन्स इत्याह्म । जार्छ अनिश्च व विषया मण्ड अनेगार्ट्स । वेशात समा वक्ष्यभीय तालाविश्मत निक्दि कृति तस्य मना क्ष्रेट्य । कान्यक्रम केश्निर-रमत र्यांश क्षम सरक ।

किनिका बर्धन, कालीत दहरेल बरम कृति वांत प्रते मखाए भरत नित्रक्षाभुन भर्गत या लीत लव हे भूगारत। यम्भात उत्तक निर्मिष्ट ना रुप्टेरन कर्मनाद्यागरमञ्ज्ञ मिल्ड दहरेन कर्मा-रक्षण रुप्टेरन मा । ज वरमत खारा रुप्या करिन यम्बात स्मान् भिन्दाल कित्रक रूप्टेन खर्मन क्षिक्छम नम्म रुप्टेरन । सिन्नकाभूद्व राजी लक्षण प्रतिस्म वानिर्द्यम् विकामन स्मान्य र

खान्त्र शहा कति विकास (विशेष के काल्य में काल्य काल्य में काल्य काल्य काल्य में काल्य का

ক্ষেত্র কেডবের পুর জারীয়ার সেউ^র ক্রিটিক শেবেল করাতে তলার জভাত ^{বে} त्वार अपनिष्ठ विकास विवार अपनिष्ठ विकास विवार अध्यान स्वाप्त विकास विवार अध्यान अध्यान विकास विवार अध्यान अध्यान विवास विवास अध्यान विकास विवास विवास विवास विकास विवास अस्ट रिकास अध्यान विवास अध्यान अध्यान अस्ट रिकास अध्यान विवास अध्यान अध्यान अध्यान विवास अध्यान स्वाप्त विवास अध्यान अध्यान विवास व्यारह

गार्थात अभिरंका चरणने, क्लीकाती लग्डेनके आक्ष्मरंगत्र 'गांगतिक विद्यातीणरंग विद्या देहरान 'रावादिशत' अवस्ति वात्रिकेत जार प्राप्त मंद्रीय क्लिएवंत क्लीका वात्रिकेत ल प्रजा खावात 'जा क्लीक्लाका करेते,' खावाति-गात सान वर निवद्य निवेदा करेते,' खावाति-गास गानिकरंग का निवेदा करेते,' खावाति-भावता स्वित नामातिको कर्ना क्लीका व्यवस्था मनाहरोगांत्र क्लीका विद्यातिको विद्यातिको व्यवस्थ मनाहरोगांत्र क्लिका विद्यातिको विद्यातिको व्यवस्थ

उद्राज्य अथ वर्ष एक श्रीक्षिण अभिनेत अथ उपानमाधिक रंग निवास के विकास कर गारत जन भारती कर स्त्रीक के विकास कर गारत पिता विश्वासाल पान स्त्रीक का बाद स्थान नथा करा हम बाद स्त्राक आहारक अथ होनी रम देश एक भारतिक अध्यय का शाहरज करा कान करिया का स्त्रीक अध्यय का शाहरज करा आहारक स्त्रीक स्थान का स्त्रीकरण विशेष क्षिण्य क्षिण्य व्यक्ति वाहित्य त-विशेष क्षिण क्षिण्य व्यक्ति व्यक्ति

কিনিকৈর ভাগাপুরের সংবারদাতা ব-লেন, ভালা একজন অবীলার করেন্ট পর-লগ্রেকর করিরা কর রখি করিবার চেটা পান প্রভার প্রতিন বৌগল রাজালিগের সনক শ্রেক্তি বা হর করে। সর্ব ভাল ২-লক টাকার লাবিতে নালীক হইরাহিল। তর্তা প্রথান সমর আজন এবিবরের বিচার করিরা জনী-লাবের কার্থনা অগ্রাহাক ররাছেন। নীলকর প্রতার করেন্দ্র স্থাতেন। নীলকর প্রতার সমস্য প্রিয়া বার।

১ই অগ্রহারণ রহপান্তবার ব ক্লীয় গ্রহটেন্ট সেইপিট্র্গর্য হইছে লিখিন প্রচায় এক টেলিগ্রাক কর্মান্তেন। এমিকে ট্রহারান প্রচায় আরু এক টেলিগ্রাক ক্রাট্রে। আনানিগের পার্য্যক্ষীয় টে লগ্রাক গ্রহু কর্মণ ভাষ অবল্যন করিয়ান হেনা।

स्वत्रवात व नारकाशासत प्राणात वानाता व्य-रुवन नारकाशासत प्रवृत्तिरुक गांवाचार्थ रुवन केलि विद्यारक । भवनंत स्वत्रत भूवद्या त्र २००० केलि विद्यारक । भवनंत स्वत्रत भूवद्या त्र १००० केलि विद्यारक । भवनंत स्वत्र व्यव् त्र १००० केलि विद्यारक स्वत्र स्वत्र व्यव् शास्त्र । जेल्ल शास्त्र स्वत्र स्वत्र स्वत्र शास्त्र । जेल्ल शास्त्र स्वत्र स्वत्र स्वत्र शास्त्र । जेल्ल श्रीत श्लाम स्वत्रिक स्वत्र स्वत्र शास्त्र । जेल्ल स्वत्र स्वत्य स्वत्र स्वत्य स्वत्र स्वत्र स्वत्य स्वत्र स्वत्य स्वत

निवाह्मसङ्ग्रीत न्याह स्वाह है एडेस, नावाक्षास्त्र, सामा नद अस्तुर क्रम १,०००, व्यवस्थात हैस्स समा देशनरकारी A CAN ART A CANAL AND A SANGER OF THE PARTY OF THE PARTY

व्यक्ति आयक त्य विकास के असी श नगरित दासांगिंद प्रदेश जिल्ला कि असी मनन प्रतिकादितमा विकित्ता कि व्यक्ति व्यक्ति स्था प्रतिकाति जावासम्बद्धाः व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति त्य व्यक्ति वे श्रीमाद्धाः वे श्रीम द्वारा विकास जीतामान क्षाप्त ३०,००० प्रविक्ति व्यक्ति

न्यस्य प्राथमात्यं वर्षेत्रं पर्वतः वर्षेत्रं स्थानं स्यानं स्थानं स्यानं स्थानं स

गरको एक अवस्था कार्यका गण मेन्यत क्रमका कार्यका शास्त्रका द्रा जानावात क्रमका जानाव गरिक क्रमका कार्यका प्राप्त का चारक क्रमका प्राप्त का एक स्थापन करियो

 वि निका निकित्वरण केनिहार्ट्स, नह इंडिन के विभिन्नन क्षिक मार्ट्सिन गरा नि इंडिन के विश्व कानिर्द्धिक के विश्व महा करें, क्षेत्रका क्षेत्रक किलाना केनिर्द्ध केंद्रदा केनेक्न क्षेत्रक किलानिक के कान्यकर्षित किलाहित किला किलित्वरक । किलाहित समर्थ के नव्यस्त्र क्षेत्र किलाहित का किलाहित हार्टी। क्ष्रक्रिति, बार्श कार्यक मान्य किलाहित भारत, कान्यकर्षितिहरून क्ष्रितिक काणिक (क्ष्र) बाना कानम चुनिन्न हथा कर्य नहीं क्ष्री क्ष्रा ?

ं।हेनम चार हेशिया धारन कवियोदहन, क्षिकः (स्त्रज्ञ अवशुः ज्ञानात्र मिङ्गः । विकि क्षित्र हेर्बेच . निःशानन 'मर्रेशिहिटनने') 'छनि चांच रका चंत्रित्तरहेंमें । चटांच क ब्राज्य भीत्र वीष्ट्र ब्रोज्य वाहेदस्य । क्रियास क्लानस वटनने, चेत्राकिटच पूरे विकासीय ज्याद ज्याद वेश 🏗 🗯 🏗 । निकृषीरनाम जाड कि करत ? जा-देशक्रियात एक प्रेटच सुका क्या-किथाध्य धार्य रागंगिक क्षांग न, त्व दक्षांच्यांनि अथवां स्व यनिक : **र रेशक घरेडल 'जानरन ज**िट्यन पर्व 'खार्राहीं महेंचे "गंग्रेड्ड के करियें वर्ग वे विकित कि त्रिक त्रिक का किएक प्र मित्रा दिश्मिटेश माजिदिश स्मृत प्रापः। याराद्यं अर्दे व्यक्तिये हु-. ভালবাপ কাৰ্যের অসুভান হয়, 'जनना कर्दाता। अक्निया है हैटहाँहै जात्र जनमञ्जू वर जात्र हुन वहें-

ारे ज्याराज्य राजनाज्य न यरमन निष्ठ निष्ठित वास्ति के विश्व निष्ठ निष्ठित के निर्मेश निष्ठ सार्थी के स्थानित के स्थानित

्राम्यः प्राप्तिः यश्यम्, प्रहारम कृष्यः विश्वास्थाः कृष्यम् अस्, जाद्रजस्मीतः

প্রকাশ বিষয় । " ব্যক্ত ক্রিনিয়েকে সংবাদ প ইয়াট্ন, এক দক্ত ক্রিন্তার বিকটে নেপ্টন্দ স্বাহিক ক্রিয়াছে। কর্তা হত হটরাছো।

े र नेक्ष्ट्रे प्रक्षशास्त्र भगियातः । हरिकाममान यटमन छेल्लामाय निरम् मामक

আরু এক বিহোহী গুড হইরাছে। নে যগুরাও রের একমন অহচর।

क्तिक बहुतम्, द्ववाद मधाकात् अछ क्लिनेत जुक्जम नदा विक्रमकाती भएक किए (इ. वळ विकास क्रिएक बात । अक्छन टेनिक ভাষাকে এক বুলি মারাজে বে অটেডন্য হ ইরা পাৃধ্রের নেজেডে পড়িয়া প্রাণ ভ্যাগ করিয়াছে। হত্যাকারী ক্লম্ব আছে। আবরা अभिनान, बद्ध विकड़काड़ी ध्र पर्धा अविके ৰ্ট্য়া দেখিল, গোৱার, যাডাল ব্ট্য়াছে। অভএব সে আর অগ্রসরীয়া হট্য়া পলাবনো-শু ব বইল। গোৱারা ভাকিতে লানিল। সে দে কথা না অনাজে একজন গোরা দৌকিরা भानिया ভাষাকে এক युनि मात्रिम्। त्म ज्र-জুনাং ছুড্লে ্থজিড হইল। ভাষার ধ্র গোরা ছই ভিন লাখি যারিল: ভাহাত্তই ভাষার আগ বিরোগত্ইল। বখন এক মুসিডে দরিয়াছে বৃদ্ধির কাগজে উটিয়াছে, তথ্য व्यावादिकात्र विमाननंदर्गं वर्षे छट्छ, विहास भरे बहान ता वेशात वहर कील बहुता पूछा बहेबादक ।

केल श्रेड चाउ करणा त्य गार्थ भागरनात व्यक्तियि वहेर्ड शारतम प्राहे। किति त्यंत्र देगातिशक्ताती व विद्वारणाति-गरमा प्रश्राप त्यांची वहेगारणा, छांगरड किति श्रीनिगरमाने व्यवंत्र महिल छान्नक-त्य चानेते वहेंगात महायन, चारत हर्गान-गरमा त्याम चार्यांचा क्यां मात्र वहेंग।

্ত আন্তৰ্ভাৱ ব্যক্ত প্ৰায় । ২৭এ কড়িত ব্যক্ত । শাসা আত্ম নামা ত ব্যক্ত গাড়েব

गोगव शूर्वक गर्की निव खाइन करि । शिक्षित गारका जाड़ीनिक दिन न विकास जानेन करितान जाड़नी अहिरतन। रमध्यानी स्वाक्षामा कड़िनान जाड़िन नः भागम दिवहक विका । निवासून अक्षित १ निन नररनायम विकास विका

 বিভেগিন উপনিবেশন উপনিবেশন রিছি

নিভেগিন উপনিবেশন উপনিবেশন রিছি

নাকে প্রেরণ করিবার বিলে নিবেল্ট করিট বে

রিপোর্ট করিবাহেন্দ্র, ঃ রিংটন সাহেব ভাষা

সভার অর্পন করিবেন। ভিনি ভংগরে বিদ রিখিত বিল ভালিও অর্পন করিবেলঃ

े ১৮७<mark>५ जटकड़ ५२ काहेन नर</mark>हनायंत्र वि. बदक वित्र ।

রক্ষমেশত দেওরানী আলালাকতের ক্ষাতা নি বি করিবার বিষ ।

ি নিয়ম মহিতু ড আন্তেশ ষ্ট্ডে জিবিকে। লিলে আগীল করিবার বিল।

ক্ষণকেনীর লেপ্ট্রট গ্রণ্ডের প্রস্থারার গারে নির ক্ষেণিত চিনিৎসক্ষিগের ক্ষর সংক্রোম্ভ রিল বিধিবক হইক।

পাচ বিনিট ব্যিকা সভা ভগু হইল।

रमरमनीत रार्ग्शनक ग्रेका । २०० व्यक्ति मृतिहात ।

देशका क कांग्रेजन गाइदर कहा स्थाविष मणव वृद्धक तका शह आहत कृतिस्त्रतः।

কলিকাতা ও করিকটবর্ত্তি ছানে নানা প্রকার করেবানা আহে ভাহার বুনে রে অ নিষ্ঠ বাটভেন্টে ইয়েকর নামেন করিবারণ বিষ যুক্ত বুল কর্মণ করিবারণ

हेमना क्षण्डि गरेश परिवास स्था ना वि व्यक्तित सारा दिश कृतिया स स- । । १ वन् गाम परिवास स्थापन स्थापन क्षिया प्राप्त क्षण मार्थ्य अकृतिम स्थापन प्राप्त मार्क गार्थ्य अकृतिम स्थापन प्राप्त मार्क गार्थ्य । हेरसम मार्थ्य स्थापन के व स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन

पहिलाई पेड़हाँके हारियान । पार्टिन मार्ट्स साम्राह्म संग्रं जाए। पहिलाई स्वित्रक अक दिल गढ़ाई सर्गन गरि

and the sound from the sound

ा वज्ञारमन्द्रितः हार्रहेश्वरम् एक्नेनके अवर्गस्त्रत त्रे धारात वक **एदेशांटर । आके** नारहर 😥 अधिशाप्त असीमें क्षित्री निर्नाहरू য সোন।পুর ইইছে 'ভেলা রেল'ওয়ের এক শালা বাহির করিয়া কুম্পি, অধবা ाधन करोत्रवंत्र भगा क जे त्राच्या लहेशा था-ওশ হয় **। সোনাপুর হইবা ভা**য়মগুহারবর श्या ह तम्बद्ध कतित्य ३५ व्यान थ-াব অধিক দুর হয় লা, আর কুশির প্রা-: ত্রিলে ২২ জেশি হয়। ীড়ন সাহের ্রালী সাহেবের প্রস্তাবে অনুমোদন না বর্ষা কলিকাতা হইতে এককালে ভায়-্রাহরের পথান্ত একটি শ্বতন্ত্র রাস্তা করি <u>থাৰ প্ৰস্তাব কৰিয়াছেল। কলিকাতা হই-</u> ে ডায়ম গুছারবর ১৪ জোশ মাত্র ৷ পো-ল পুৰ হইয়া যাইছে গেলে ১৮ ক্লোপ : . বীভন সাহে<mark>বের প্রস্তাব গৃহীত হই-</mark> n নেরি জেশশ পথ কমিয়া যায়। একাণে 🗗 উভাবিধ প্রস্তাবের শুণ দোৰ বিবে-िंड हरेएडर ।

चामानिरशद मण्ड मानानुत हरेगा कू-িপ প্যান্ত বেলওয়ে করিবার প্রস্তাবটিই जनविक यूक्तिमङ् द्राध स्ट्रेटक्ट । ध निटक যেনৰ পথ কিছু অধি হ হ্র, তেমৰ এ দিকে लांच अधिक हहेत्त्। अहे विदक्षे अधि-ক লোকের বস্ঠি। **লোক সকল নিভা**ত্ত नित्रम ९ नटह। भोटनाही ७ व्यना भना वाधिका खवा, केन्द्रबहरे आहुका श्रदेवांब दिलका महावमा काट्य । अकाक्ट्य, कलि क है। इरेटक महता दहनीय अवकादन छात्र-্গারবরে রাক্তা করিলে নিংসংশয় এ লাভ गा^ड हरेरद । स्वित्र द्वणक्रमारक ग्रमा ंग्न कत्रिवात स्थाना स्थाक चौरक मारे। जलद, कृष्णिहरू यामून इंदेरन क्यांत यक वड काराम व्यानिटक शांतित्व, जान्नेमखरा-वनद्व रमक्षण अस्टेंब हो। संबंधित करा M 1 1

भाषता भाषत कि निर्माण वेषवंद्राय छीतात्र महित्या भाषतात्र के प्रमु भाषता । भूव राषणात्र द्रमान्द्रायं क्टब्रक्कियाया किनि लाकार्वी सर्देशः। शक्तिपूर्णाद्वता आ

ক্রিবেন । **ভুরসিকারাক প**য়া স্ত লাগা করি ৰার প্রভাব আছ হইয়াছে এবং তদর্থ रेकिनियत अकृष्टि बिरशाकिक व्येश्रह्म । यटणारुत रुरेताः कतिमभूत भगान भाना अ-স্তুত করিবার যে গুস্তার হয়, ত,চার কি হইল ১ কুটিবার সান্ধুধে চড়া পড়িয়াছে ঢাকা ও আসামের বাণিক্য করিদপুর ७ बर्णास्त्र मित्रारे कतिरु हरेरव । এ **चित्र भाषा ना कतित्व दालश्रह दलाम्या** নির লাভ হইবে না। কলিকাছার বার আনা ভ্যাক ও গুড় বারাসভ হটতে 🗔 ইলে। যশোহর হইতে ধানা, তনাক, খ্রাড় সর্বপ প্রভৃতি নানাবিধ দ্রবের আমদানী क्त । यनि छा तात तानिका भूटर्तत साय **जनशद्य इरेंट्ड पाट्य ११० (भाक्**रि গরুর গাড়িতে করিয়া বারাসাত ও মশো হরের দ্রব্যের আমদানী হ্রা, ভাছা হইলে পূর্ব শ্রেশলার রেলওরে কোম্পানি কি क्वल बाजनाही, मनीवा ও পাर्यात छ-ব্যে লাভ করিছে পারিবেন?

পরিদর্শকের স্থ্যাদক পরিবর্ত্ত ও ফলেবর রাখি।

এই অগ্রহারণ মাসের প্রথম দিনাবণি
পরিদর্শকের সম্পাদক পরিবর্ত্ত ও কলেবর র্জি হইরাছে। এ চটাই আমাদিগের
আনন্দের হেতু হইরাছে। পরিদর্শক দৈনিক পত্র। পাঠকগণ দৈনিক পত্র ঘারা
বছ বিবর অবগত হইবার বাসনা করেন।
কিল এত দিত উহার ঘারণ ক্রে অবয়ব
ছিল, ভাহাতে ভাহাদিগের মনোরথ পূর্ণ
হইবার সন্তাবনা ছিল না। এখন জাতবা অনেক বিবর উহাতে স্পাবেশিক হইবে।
ভিতীর আজ্ঞাদের বিবর এই, ক্রিয়ক বার্
কারীশ্রেসম বিহয় এই, ক্রিয়ক বার্
কারীশ্রসম বিহয় মানাম্বর ভার শ্রহণ
করিরাছেন । ক্রেয়ার ও কর্ আল্লা

রের স্থানতা দর্শন করিলে ভিনি য়োৎসাচ হইবেন, সে সন্তার্নী র্হ্লকার পত্তের নিভঃ কাষ্ট সন্মাণ क्रीवास माधा वर, कश्मीचारत्रं क्रमी **হার তৎসম্পাদন সামগ্যত আছে।** হ ध्यथमावधि कटशक शांति शतिक में क निरवर्শ भूर्वक भार्र कद्रिलाय ±> ए। रर काव लिखिंड इरेगारह, नाम श्राहान দার গুলি অতিশয় ক্ষর এই। বহুয়াহে । नमामाभित्र विषयः भागता कि ह भूतृति তৃপ্ত আছি। এৰিবরে সাপ্তাহিক প্রায়েত্র ন্যায় পরিদর্শক যে পরে।ভিত-প্রাহীত্রর, ইবা আমাদিগের অভিপ্রেড মহে ্র সভানী मन मक्दल ७ शहरकार्ड अपूर्ण होर्स महान मध्यशर्थ लाक निर्ताकिक क्यून. **এই जायानित्मत वित्नम् जन्दत्राथ । ध्वानन** দিবসের পরিদর্শকের প্রথম প্রস্তালক किय़प्रभ फेक्क कत्रिया पिलान, नेन्स्। मिर्ही अत्र कतिया कारा करत्न, षामानिक्षत्र वामना। छोट्। इट्टाइ द्व নে আমরা পরিভোগ লাভ ক্রিই এ नम्, रक्टकरणम् मूर्यक्ष केश्वम क्हेरव !

" जाजात्मभीत व्यक्तिश्य लाक गुर शटकात्र छावृत्तं समावतः करतस्य वर्तः, प्लाइस्ट्राट्ट গার কলোপবার্কভার বিষয় ও প্রাকৃত্যক্ষ : , न । बाहाजा है रहा भी काबाद दुए महित क कतिबारक्त, काशायिकारक सर्विक अर्थान है পাঠে ভাতহাতিশয় প্রকাশ প্রিক্ষ थात वरते, किश्व हें हताओं केन शहते हैं 🤭 मिर्गत सन्त्रा स्थापना विश्वास होते हैं ध्व ना शाहरमक केस्सेहिस्स्त्र स्वत गाउँ विराध कि काम मा। मासन अहे त् वास्तु गरतांत्र मुख्या चारू अमार व पांच्येता, तुम्ब हुन्स, वेशम श्केटक कर बारमूह गुनाकर नश्माप क्षित्र कार्यक्ष के कार्यक वास्त्रक, तर व अस्ति शर्म गर्म कान कार वि भारत राजा स्वाप स्वाप गण्या क्षिक्ष र देशी देशवा शाउकवा, संबद्ध वर्गमृष्य चाटहन । इरहारे

भी नदर अवाग वांचांमा अस्वांच भंडाहे बिएमवजः हैश्त्रांकि शाक्षत वक पृत সংগ্রহ ও বডরুত স্থাবিধা হয়, বাজালা তত দুর সংবাদ সংগ্রহ ও সুবিধা চট্ট भार नाई, हेरब्राखि कामालिख अधि गारिक है डेव्ह कादाल बालाना भरवान रहे चोषुण चान्हा श्रद्धन करहून मे। : जेंद्री ^{केंद्र}ान्त्र मण्लू र सब कारून वा 'करणत के कि निक्ति के जिल्ला के वर्षात महाराष्ट्री है खाक कांडि वहें कि मन्धूर्र विकि ল উ°রাজেরা কোন বস্তা ব। ব্যাপারকে নিভা य वृत्रभीय व्यवना कान्य्रभीय विद्वहमां करत्न. চয় ত ভাষ্**র দেশ ও অনস্থা তেনে** ভাহার अल्ला विश्वीष विद्वहमा कविदा थाकि। वि. Cमनक: अपूक कार्यक अपूक द्रांत अगिताह । অ ক দিন অমুক জাহাত্ত কলিকাত। পরিত্যা ेश कतिया हैश्वारखः गमम कतिएव हे॰ताजी পত্রে এই স্থস্ত পাঠ করিরা ইংরাজের চার হর বটে কিন্তু ভাহাতে বালালির প্রার হইতে পারে ? যুলাড: বালালা बालालिइ छेगरगाी यक उड़न डेंडम नि াকানিত হয়, ইংায়ানি পতে তত দুর तामा कता बाइटक शास्त्र मा । हेश्त्रारकता লিদিগের ন্যায় বাঙ্গালির রীভি নীভি াক্রতি অবপ্রত মহেন স্রভরাং দেববিতৈ লোলৈ সম্পালক বালালিদিনেত্ মন বড ·ভাব্দ্ধিত করিয়া সংপধে স্থাপন করি शास्त्रम हेरहारखन्ना एक मीज गानिया ন। বিশেষতঃ বে ভাদা সাধারণের াষ্য হইতে পারে, সেই ভাষাতেই সং াত্র প্রচার করা উচিত্ত কারণ কোনী এ তকর প্রস্তাব উপন্থিত করিবে সাধার श् अविमास अरग्रन्थ कवित्र। (भाष स्थ क्रिएड शास्त्रनः जात्रा वक्राप्तरम ता थानि वानाना पत अष्ठात स्टेटलट्ड **म्थ्यपृष्ठीरवर्षे भागप्र कृत गु**ख्यार अस्याम भटाव डेशस्याती मध्यात भाभिक बन्दा हुन है होता अरखा 🏭 अंतिहा अडे शतिपर्वत्वत् करत-ক্রিকার। বালালিদিগের উপ श्रीवर कामाना एउ वालाना AND THE SET 小湖南 中国下午

वाकामाः शहसः आधातरवतः कानानाः व्यक्तियाः हः, ः त स्वयनी निविद्धः स्थानीक्राणे अवर्षे स्थ सः। যাহাতে সেই সকল কারণ সম্পূর্ণ মণে ভাপনীত হয়, ভাষিয়ে স্থিপেৰ বন্ধান হটব। আমরা প্রতিজ্ঞ, ক্রিতেছি যে, জ্ঞান शूर्वक मुख्य अब इहेट विधिष्ठ दहेर मा. বাহাতে কোন বিষয়ের জাভিব ন লা হয় তা-बिष्ट्य महिटन्य ग्राम बहुः प्रति श्रीस्वीः র কোন মন্তব্যুই পক্ষণা কেন্ন হাত এড়াটাডে পা রুম ম ভেথাপি আসেশ অন্ধীকার নবিতে-हि (य. खान भूर्तन नचन भक्तभाड लान कि स स्टेंब मा । याजाराज स्वरूपन कुन एकात वानि निवाह ७ ५ ७ विमात निय अ निवाल था ক্ষা দেখের জীবুদি সাগন, সজ্ঞানাত্ম স্থাত-গণ্যে জ্ঞাননেত্র প্রদান করা, পরাপকাতি s शक्षांशी एक एवा छा। मिरशब अमेगाचा निया রণ এই সমত্ত কার্যাই আমাদিনের প্রধান উচ্চেশা। ভাষরা পাঠকদিগের নিকট নিভাস্ত অপ্রিচিত নতি আম্রা শিশুকাল হটতে বালালি সাহিত্যের যার পর নাই দেবা করি তেছি পরস্থ তাং তে কত পুরু কৃতকার্না হই-এই মাত্র প্রত্যাশা করা বাইতে পারে যে ব ए शि (नगहिरे उसी महाभद्रशंश आयारितरक সাহাষ্য ও উৎসাহ প্রদান করেন, ভাষা হইলে আৰাদিণের অভীষ্ঠ সিদ্ধ হইতে অধিক কাল विलय स्ट्रेंड मा । म

প্রাপ্ত।

धर्भ म क्यानात चादर्श च मारमानत मरमञ्ज लाम्डियिक्स वर्षे अर्थ लिला-दछी समीत शुक्त प्रकृष्टी दलाक्षिरभव पूर्वभा

शास्त्राच्य नष्ट व्यक्तिण खर्मार जाना करन-त्यहे विकित चार्डिय। दाल अस्त्र त काम समा देवांत श्रेक्षणांत्र्य प्रवृक्षण योग व्येतारम्, लिक्ष्य शांच ब्रिक्ट विक्र मुना । मत्था महत्वा विक्र रकाम क्लिम स्टार्टन बीम हिल, शांदह दहनसद्वाह में रिवर्ड कार्योक देव अवना अवन्दिक्त केंद्र दलाई-क्या काम **बर्क्साइसे निम्नुन स**न्निप्रादह । नीमार और बर्फ नाम मही बद्दा विकास क्रिक्ट नारम नवर्गासके विकासन्तरित वे के अधिकारमू n. We windlich fore alle i work at Borte aured constitutation fent bein-- WARM A

क्षे मधावर्की दानकी वर्षाकारक क्षेत्र अस्तु ब्देश बोरन : केरारक शक्ति स्थान क्षेत्र जना ६३ वाव मञ्जावमा समि। ए छ नःसामा बमा। वहेरल ३ ইকা প্লাবিত গইরাযায়। বর্ষা চারিমান প্রায় কের কাভারও বটোডে জলবান ভিন্ন গভারতি कविट छ शारव मा। अयामकात अधिकारम ८ १ वरमामि मण्याखारक आवशांश करत, खर्गाती যাত: থাকে ভাতাও কোল কোন সৰয়েব আংল नमीकटल अनिकदिए लाहा मध्याविश्वत । कण अवका बहेशा वालका अवस्ति नहा मां हुन য়াব আব কি পরিচয় প্রসান কবিব, প্রায় কোন गृत कुनवारा आक्षानिक सरह । शक्तिरणत ३-ৰ্যান্তে প্ৰান্ত নকজনেই আপান আপান ৰাস্ত্ৰ। চী इटे बक रख डेडर लिका एकर धर निकार क-विष्ठ हेड्ड। छ। इन्छ दस्तान दहना छ छ। लाग्र वाद। काल्यानिष्ठ। यनिष्ठ कान दक्त शहरह थ-कारा काराक्राम धाना वास्तिक कानामा (कान क्रिश मराजा । शामन करहा, डाङांख क्रकींख करा দাবেষা সমূদায় আ**ত্মনাৎ ক**রিয়া লয়। ১^৬০ বে বাহা উৎপাদন খংল, ডাচারা ডাছতে 'দ-किन पक आश रहाता। स्थीनात्त्वा अक्षान-রাটি তাহা বলিতে পারি না। তবে একণে। গের দিবে শত, পাঁচ শত, চালার এড়তি বাকি-ক্ৰিয়া রাখিয়াছেন, স্ততাং ভাছ'দিবের সেই मस्मय भविष्यम शकि होकात खरम्बं ७ देशरक हर मा। वर्षात्म समामित साहित शास शास मा। शहे मकल कांबरन शकादा बारका एत का का वः अधिवाद्यः। उथानि समीपाद्यतः जागमियद श्राटकुम मा । बाबुबा अवश्रकाट्य मीलक्ष्र हिटशन महर्गालय श्रेषा अधिवादब्रा

वर शरमानव काकि बाह्यसार काम्यत माधारा माजिएबर्टक त्यांत्र श्वामत करेवा बाटक क्रमीकंश्त्रका बेट्यांटवाने कतित्व क्रांट्र्या करन्त्र कारम केक बाना बहेटल शांदतः बाबूतः विकि किर महिलाम चीकाल धरर कर्ष वाल करिया ममीत करणह कार्या शका विशय एका वान कार्निक ठाव कतान. कार्य इंदेरन दीवाबिरगत्त मान वहेरक भोरत करर काकुक क्षत्रित । अनीवांत्र शास्त्रात क्षापा का वा पार्शिक्षण मी एक्नेनेम् वामनेत्री द्वीदम् द्वाद मान क्रिके के क्षेत्रक क्षित्र के क्षित्र के क्षेत्रक के ज्यान है प्रक्रिक स्कृति स्वापित विश्वास स्वतं क्षत्रभा प्रदेश कार्यकः प्रांतिकः वाद्यक्तिकं निर्देशः समृत्यः हो। कार्यकः वाद्यकः प्रकारकं क्रियोद्धकः व्यापकः सर्वतः।

) **मा प्रत्येत्रक्षिक प्रतिक**्षा

रेशमानिगरक म्हामानृष्टिक कविवाह कारक रवन त बहिबाह विक्र मारकृत गाँदश्वह धा-स गासुगारत धायनबाह गाउँक हरेस है,

इंटिन शास्त्रक आकार्यक्षणात करिकान उ. १ एकिकेट चारमक मांगा अकार कात च नंद धरमत बार्च दन चारिक क्रेंटिएट, च विवाहन विवहक-वित आधारमंत्र गरिख क्रेंग। आतम मारस्यक आधारमञ्जाद गरिख स्था एक महेतास वित आधारमञ्जाद गरिख इंगा

আভবোকেই জেন্যুলের প্রস্থাবাসুনাতর ব্দ্যুলে রেজিউর ও জেপুট্ট ছেজিউর নিয়ো শের বিল বিধিকর হইল। ব

ভাল্য বাৰু স্থানগোলালা 'বোৰ বৰাবিধি লগ্যসূত্ৰিক সভাগাদ গ্ৰহণ ক্ষিয়াহেন। '

गवर्दमके विकालना

वाक्तारमभीत्र ,कारण्डेक्के शवर्थक्रत च्या क्लाइलाडी निरमाच :

७६ नदरवत्र-श्यक द्याविक मक्कारी द्यारन-िंड नदरवत्रात्र है, अम् क्ष्मकेन नाद्यन कात्रीय-विद्या गण्डिक्षित क मब्द्रमात्र कार्य श्री ध छ-हेरवन।

च्ये सरम्बद्ध--विकित्ताः विद्विष्टित्ताः विकास विन् नगाभाजाः अस्त्राम् व्यक्तिक स्वतिक विकास विकास रमोसमाजि व्यक्तिक श्रद्धाः स्वतिक विकास रस्तित व्यक्ति सर्वकार्यक्रिके स्वयक्ति व्यक्तिकाः

निय जिर्दि क वर्षकाहीश्रा क्षित्र क्षित्र क्षेत्र का गानि के वे क पहिल्ली हात जनकही , बहुत्र को जगाति वादेर नम् २६ भाषा क्ष्मित्र क्षित्र क्ष्मित्र गित वादेर नम् देश भाषा क्ष्मित्र क्षित्र क्ष्मित्र क्ष्मित्र

२१के बरवहत जिल्हा है के दिन्हार है किन शक्ति श्रीवाद अरंकिया है कि कि दिनाई मध-कांच कमिनवह बहेरहरू

त्मन इत्ते प्रमु भागे प्रत्यम् सम्प्रापनीय ९ गाँवत्र श्रीमन ज्ञानीयराजी प्राप्तानीय परे-स्वर

CAN CONTROL OF THE PARTY OF THE

क्रिक्ति के क्रिक्ति हर्दक्षिण में जादबर भूनियात मा-क्रिक्ति है के क्रिक्ति के क्रिक्ति व क्रिक्ति । क्रिक्ति व क्रिक्ति क्रिक्

ध्य कि. देवेकि मेरदब्द यक्षरम्बीत अववृद्धाः है। य अधिकिथि कविते स्वाधिक कि विद्यान

अप, त्य प्रांत्मकाशास गारदर क लगूरतत जिन यन यह लाकस्थानित माजित्ये हैं कारिक माजित्ये हैं के (अगूंटि कारलहेत हरे- मारवरदत महिन्द मायार कर्रदत , वीह्नार राजन ।

বিভীর জেনির নগকারী রেনেনিউ সহ বে-রয় এ ডি. ফার্ট সাহেব আসাহেমর পভিত জুনি-র অভিটোর কর্মে নিযুক্ত ছইবেন।

याद्वे सदस्रवीत यटका १०१थात्र जिल्हाद्वे श-एक स्थानिम के निवस सूर्याक व्यटिनेस ।

क्षांतिय वर्षः कर्गाठे त्रगरित वन्त्रमभूत्वर विगोलिको क्षांतित वेश्व कर देवपुर प्रदेशन । होनि कार्यक्र वेश्व किर्ताक भूरत्व कात गहि-या केश्वरत वेश्वरति क्षेत्रको शकीत ३५-०३ क्षांक्र ३६ कार्येत्वत ३ वार्याक्ष्मार्थि व व्यवस्थात क्ष्म का गहिर्दर्भ ।

্পর্জেরকের অভি ৷

"ক্সাচিত শানুষ্ঠালাতি" পাৰ এটিকর সন্তাহ মাই।

शकात लाज त्याप्तक क्षेत्रिया प्राप्तन, जाकवर्तन कार्त्वार्त्व क्षेत्रक क्षेत्रक स्त्र कर मा क्षेत्र क्षेत्रक क्षेत्रक व्यक्ति व्यक्ति जात्रक क्षेत्रक क्षेत

শীর্দিইবের পরিপ্রেরত উত্তরতা ভাক্তরের ভিতিৎসালীপুটের অপটুড়ার বিষয়ে লিবিচা বৈ পুর পাঠিছিরিছেল, ভাক্ ভীতার বিবৈধ সমু-পিত্রতি বা মিশ্রের বৃদ্ধিতে পারিসাম বা।

ৰাষ্ট্ৰবৃথ্যে গেলাগুৰানীৰ বটত পত্ৰ বাহিন প্ৰতিক্ষান্ত বটক ভদুৰ্থিত পত্ৰ এচানে আৰু আনংস্থিতি ইন্ধানাই।

> হোৱিত। নোনমনাৰ ৰশ্বাৰ

THE MINISTER SERVICE BY

বল লাভ করিছে পারি বিয়ে ভাই मुकार अकरिल पहेर उरहा छ प्रशिक्ति कीर्ति हक मनवादय बक्ति श्रक्षाना ने वें विव वर्षात्र मदरम् च जनम कम्बरी विवेध नवर छतिराहन का राज द्व मकताहै 🧍 কট গাইর; থাকের, সংগ্রতি চন্দরসময় जिन कर कड़ लाक क्यांनर माबिट्ड है क्रांटन क्यांभवन कतिएक क्यांक्टलोथ क्रांत्रन, व क मा कि के हैं नारहर अक विश्वन शास्त्र प वेगचित्र वर्षेशाचे सवस्त्रिः एकः करिरामन रव द्रष्ठामात्रा यरबंद्धे सर्व ही। সাএছ করিডে না পারিলে আনি এছা त्य नर्कांत्र कविएड श्राहित छोडाएड व राष्ट्रिक करिएमान एवं क्यानवा विशेषां के हैं। वि के अपिता नाकि चांत्र का **भा**रति किहेरे ना क पूर्ण आवश्व प्राथित प्रदेश र गोरिमविष्या क्रिक्ट कार्याच्याक प्राचित्र महत्व क्षेत्र के अपन स्वाहक हो महत्त्र है। प्रेम रम सिनम शाजानम्य विक्रिक्त अ करे हैंदर गारतम, राक्षाति प्रदेश में क्ष व गारद्याच प्रवृ श्राम्भ अर्जनातीः रक मारक्य ५२ कि बामक स्थानिय करि^के विकामाप्त मरकात कहरवेष्ट्रश्रेष्ट्रभ शक्ति लगाय क्षाना स्थापन स्थापन गदर। वैषाय सम्भागा म्<mark>त्रावर्गसीकार</mark>ण এই একার উপান্ধ আবলার আছিলগাঁলালাল जानगणन कारवह नक वाडे ग्रह्मको है अही नारवन। विक्रीक नगक्षकाचे बकानक होती र्कार्ड क्यांकार श्रीवश्यासीय अधिकार colleg wing water wien in beite in विकिश्माय केना अवर्गालके**स** प्रविक्रि See Mital wies frime Siene B curitud ante errige march fiel facts of war and widow to the work of the last Transper : which will be with the wife THE RESIDENCE WHEN THE PARTY OF THE PARTY OF our engineering water more tall-COMPANIES WAS INCOMED TO THE TRUE OF CHIEF. मा अवस्था अवस्था नीत जा गानागर TO SECURE WE BY BY CHIN THE CHI mes mille a the viceces from क्षेत्र सुद्धाः क्षेत्रभाषे कृत्रभार्च वर्षेत्रक

विकास का किया है। किया कि किय

चेहर का नव करि वेकारि

मनाधारि ।

व्यक्तिक रमक महिल्म 5रेके अज्ञाहानर्ग प्रहिटक पर का<u>र्तिक भव</u>ील बाद्ध मध्यम् मार्गः स्थादः **३२७२ मं अन्तिन वर्षेट्ड १० कोर्डिक शही ह** गार्फिल्मोस विश्व TEU'S

३२ ७३ कार्जिक करिया रेडाब कार्याफ e # × अधिक कान दर्भाका अधिक नरकार भाग भारत **可怕**(27%, ~

३३३७ वार्षिक वेष्टर हेट । अवास खीपुक्त बाबू निमाहे इत्य बटमहारि र श

५२७**३ कोसे बहेर्ट १० साबित गर्वा**स ३० अ শ্ৰীসুক্তি ৰাষ্ট্ৰ সমুস্থল কে'ৰ্য বাউল 🕬 🥫 ১२७३ ज्यानामा स्टेट्ड १० कार्तिक ग**रास्** २०३

क्षिपुक बाक् मामः इष्ट्रव क्षित्रायी ১২ ৬৯ কার্তিক ক্টেডে চৈত্র পর্যাস্ত <u> अवस्य वाष्ट्र अन्तिवाहतम् व स्टब्स्थारः । स</u>

अरुके कार्डिक कार्याय में कार्याय गर्यात अर **व्यक्त वर्षक् कैनीय इक्के विचाल** स्वत्रप्त ১২.৬৯ অঞ্চায়ৰ **আ**ইছিলট বৈল'ণ পৰ্যান্ত ৫ ট **ক্রিকুক্ট বাবু ভারতদাধ শুরু । বিশ্**র

१९७७ **प्रत्यक्षात्रम् अवस्थित् १० देवैभाग्यः गर्वत्यः ५** छेत् **ত্রীপুত্ত কার্য্যকারীবার্য্যর হাম বাজি**পুর ১২৬৯ অঞ্চায়ণ ক্ষাৰ্থ ৭০ বৈশাখ পৰ্যান্ত ৫ ঠ

क्षिपुक्क भाषुक्रवीमक्षेत्र महीश ५ (४ ४३ १३ 古美國歌 阿爾斯斯 斯斯斯斯斯 医甲基氏 中國

क्षिपुक्त वार्ड् देशकृतकाक रंगल अस्तु है । म ३६७५ **वर्ग क्या जनाम दिवस मार्गाह**े

विश्वक राम् वटर्गक्क विश्व मध्य उ व त्वन Separation materials along 1.11

ः अनुका श्रीक्ष स्वाकारिक्ष । दश्यानानी है देवर महते। मा representation and top bir challet sight of

THE PROPERTY STREET ३३ की प्राचित्राम् केषा च वश्रीतिका क्रिका करता है व

FREE CHIEF CHIEF THE PROPERTY OF WINTERS THE REAL PROPERTY AND CO

नम करिष्ठा थ:रकत । डीष्ट्रांता रखनाम । त्य ब्याटम मात्रीखन देश दिख प्रदेश हि प्रोटमय *जारकप्र याच्यर कर* हेश् (⇒) न त्थानन कहादिएक भारतिहरू वस्त्र नश्चाक র প্রাথ রক্ষা করিতে পারেন। रोक्षा ५५ मध्यस्य ५৮७२ । । करहरिया

बियुक्त रंगविक्षकीन गम्भागक भश्यम् नमीरमम् ।

🎚 দ্বসত্থ নিমফ অত্যাচারসংবাদ 'কি অপনাদের কর্ণ গোচর

।वेरमञ्जू क्यादवन महिनका के अक :CBBAI-शक्याद्य नाथास्त्रकः स्वक्षण व्यक्ति करे वारा ना कीकात,करतम अवस श.क्रि. **अवन् अवस्थितः जाहेकः स्थानः आका**रा ण मठम्, त्राका म्बेडा-वाविका करतम, क्या-ছাইভ এছ ক্ষ.কৰ্মা। বিভীয়, এবক্সলে अर्थादांकी अञ्चल कहा वह जाकाकिएकेह ्किष्ट अञ्चल कर्मा कर । वेदरहरू मांक्षेत्र व्येष्टकाष्ट्रः अक्चायम् अ-व श्रमात्र क्योताका मधान प्रवान-ष्ट्रहर्भ क्षास्य अवर्यभीतः। ज्ञानानिय-

arvincant prant. Black bin, ame. TIES COME MANAGEMENTS. FOR MANAGEM शिक्षांत्र क्रियान **्योगन अपनाद्यान-एक-स्वेडक** वान्त्रिक विश्वक्षा क्षित्रकः व्यक्ति अञ्चलाय · दलत् न्द्रक्तं अक्षां अदय कदम् अवस्थानस्य ে ওঁ৷ করি হা আর্থ লাখন ও এক্সেন্সিভুন করিছে: वं दक्। स्कान दकांक क्रमा अवस क्रमांक **महिन्।** G. Z. CE CERRY STER ATTACK TRIBUR REPR ৰি উ: ৰাই ভেছে, প্ৰদিন এ!জঃ **ভাজেই স্থা**চনীয় वृश्चित्व कारम ८३ छ।त करेका क्रान्टाटक "विकास-,महमञ्ज न'यूर्व डेशनीड वकेट्ड वकेल अध्यक् -ध्याद्वीचि कोशाह विन्धृदिगर्भ ७ कारभक्त-वाहरू।

्रहरमास्त्रके के अपने वाक्षेत्र समिता किया करेंचा किये। wedgen an inter of dealer of the Conti-कर कार्किकां के के किए हैं के मान कार्किट के

neicule den fien fie ein to-

विकास कार्या मरक ! धरनंदश्रहें स मक्त्रावश्र सिय-कटहीकीटकं बाब बाबका हाटगांचा विकास अक द्व ७ होब्रीत खेशुद्व अक्सन ५ (दि!ण: निर्दारिक बहेबाद्या फ्रेंक होबीटा बारमात्र बक्क्स कहि-म् श्रिक्षांत्रं बाहकः श्रिकारतया भवत्ववे स्थ मक-नियं या कामकातिस वहेरत, धमन स्थान क्याह ,मार्चे। चार्महक मक्त बत वार्का क भारत मरनाव कि ? किंद्र अप्र अप्रक्रम अस्मि प्रजूत दय. खोद्यादन-त भ अंखान विवरम दिराम अभागा का कान्न क्षाका कांत्र वा। मध्किष्ठ कांगावत वासकेश्रद मुक्ष्यम् (क्रकी माम्रक ए। अवस्रत भूगलमाम ला-ন্ধার অধিয়াছে এবাক্তি ঐ শেণীৰ পরীকো-कीर्ग (बाक्षक्त । हेहान हालाकी अन्दिलहे नही-भुष् अवर् त्राष्ट्राकारमञ्ज्ञा भावेकश्य व्यवाह स्वहे मू ब्रह्म शाहित्यम त्व अहे उसी मारवहुक्तमम श्रामात्रभीत च्राटकोमश भारतास्य कतिर्विष्ट्रम । क्षांस दर्गन दर्गक राज्य अनुक्ष कालाम का CE (व. अवन वावमाविक्रियरक देशयुक्त अवत्व हाङ् निविष्ठ। या मा। क्रिक्ट हाङ् अकि हुरे এक शहरा हा दिया करेया बादक, कांद्रेक, खाँका-তে দাতা এটাত। উত্তর্ভর উপদার আছে। किन हो इस अपन का का मिक्स । राज है भूरकत पश्चक उनी, 🏯हारमत अववन नरन विटक्कारक रकांन कांत्रन आयुक्त कांक्र ना विद्या मार्प-विकास, कविरक्ष स्थित्यः। व्यवस्थितः विमान श्रद्ध कविष्ठा बादक हमुद्रे श्रद्धांत्र विक्रम् क्रिट क .सा.सिम । प्राकी भारत्य स्कान्य, चारकान सम्राज्य केमी शाक्षेत्रका विकासाम् विद्यान स्वय दक्षका-ा क्षेत्र । राज्यक्षत् वस् क्षे (धर्मानांत्र शुक्रीह) ররা দিন। কর্মভারার জাশন বিশাহক বিশক । বর্ম জানীপুরে চার্কাক ক্রিয়া বিল, সেবকে ्रवस् विवास्त्राच्याः वाल्याः वास्त्रवेश्वरत्त्रः शालुके मुर्गिक्ती क्षेत्र विकास निकास विकास विकास है। uifpie fingen glauf. Eige ei mur, geb ्यु रश तुल्लाहरू , क्रिकेय , क्रिके , क्ष्मिरक , क्ष्मिय क्रि · 原文明表 北 明年中華 、 海州) 20 20 美国 - 東南田子 मध्यक्रियां । को गर्दा हुई महत् के ही, अहिन नाहर करिया महि दासीरी एक विकार करेंगे। त्य, विमा हारकु अवन

का व रहे न रेगरे सहस्य दि वर्ग जाएमें सहस्य atticities of the After of Co. HATT WEN काय त्य है या क्षेत्री द्वाराहर से सर्वाय कि प्रश्ना कतिया हिमा से वा प्रसारत प्रदेशका नी बी

বগৃহে আন্তাদন পরিবার, মুর্রকালের ভ দ্যুব অগ্রচন কর্লার একটু অন্তর্মানে চাইলে ভাজারা কুরাগুরে বাইভে পারে, নাব অভ্যুবের বাছা বেক্তা করুন । এইব-ডে ভাজাকে খোরভার বেক্তাখাত করিবা ন। ভয়বো দের আভিকুল খান মধ্যাদা

公林! を日列! 変味点! नकाहेटलक दक्षां जानांनरजन सल बानू अछ গুড়েনার লছ:১)বহুজুট্রাগানো ৪ কইবা মান यतोन्। मरवद्गम कियादहर, नात् जाजि हेण बुक्त बाक्ति हिटलन। यरणाइटलन्न क्रांकरिं। किननदब्र (अरबुद्धांनात गांडु माः माहत्य ह्या वर्ती छेरटभाइ झूरेश ध्वनद्वाटश ध्वन्तियुक्त र-हेम्। रगमन सम भारदश्यक विष्ठारक ममर्गिष হইয়াছেন। ধণোষর জেলার ব্যক্তর্গত তিছো হানী খানায় পুলিষ দায়েরাগায় উৎকোচ এবণ कार ब्राय मध्यमान सक्यांत्र कि- त्मरकाहेत्र नारम म जाबाटक शबंदू। छ कतिहा २०० होक। व्यर्थतर इत्रक्षाम कांद्राबादमव क्यादमच निवादकः । ्लारम नेटल रव हैंनि श्रुवाजन भागी वर्ष किन ধর্ম ক্লাস কুলা অলিকিজ লোক, উক্ত পুদ आ अ प्रदेश एकतिन अहेन्त्र वहेना वहेरव मान्त्रह महि।

कृषेशक रहेटा हो बन्द पर्यक्ष वन्ने का भक्त शब कालक रहेदारह । भक्ति व त्यान कन शबनी शब्द विस्तान प्रतिया रहेन । प्र कंशर क्रिक्टारम्य जीवना क् रोकिन यरपत्र स्ट्राह कालेक के कालकारपत्र शबिरम्य रेक्ट्स शि क्षेत्र कालेक्ट हिलाब, व्यक्ति स्थान व्यक्तिय रहाह के कालेक्ट हिलाब, व्यक्ति स्थान व्यक्तिय

্তি ক্রাব্যক হয় ওবে লিখিৎ নরুব লিখি। ব না। বেল হণ ই ্যুল্সরেই জাহার। সার্থান। শুইসেন ইতি ২৩ সবেশ্বর

निविच मः बाम !

इ. अध-१३५ /शानवाङ्गः।

্ সম্প্রতি লগুলীনগণে " গুলারলভদ যে ।
রার ৮। পৃথিতীর মেলা । নালে বে এক মেলা ।
হয় তাহাতে লাজেনায়ারের মজুবদিশের
জন্য ১২০০ টান, বার্ক ইরিয়াছে। বজাগনে ।
রামু ক্রিয়াইং। ড টিয় প্রানিক আছে।

গাবন্দেট ও সংগারণে সেনাদিগের বিবাহের জন্য ঘণাবই ব্যস্ত হইয়াছেন। মাত্রাক্রে ব্রটি বা লিকা বিদ্যালয় স্থাপিত ইইবা

হে তর্তা তালিত বা সবিবাতে তৈমনিপালগাবে বিবাহ কবিলো ই লাভে জাসং প্রীলোকলিলের চরিল্য গোধনার্থ একটি সভা মইরাহৈ জানার্থা জবচ ফুমর্লের রাজ দ্রীলোকনি
গাকে ই গাভোমনীর নানা উপনিবেশে প্রেয়ন
মরা এই সভার উদ্দেশ্য। তাছারা কিন্তানা
ভারতবর্গনিত রাজকীয় ইউরোপীয়ে সেন্ট্রিন
দিলের প্রতি
না ক্রেমার বিভার
সোলানিগের প্রভার ভিতরাপীয়ে সেন্ট্রিন
বিনার প্রতি

कार्यक्ष वर्षकः अद्योगं नार्ष

क्षक क्षेत्र होको पुत्रके क्षेत्र वात्र दश्य दश्न स्टाटिक क्षक क्ष्मच स्त्रा स्थापनामिक

पिती शिरकों कार्मकों सन्त्र गाहिक करेगांद्र कार्कों शिविह कार्यक श्रेक्टकः करेगा गह हिने ह्यांक स्व गरम्बोंद्र कामरणा कर्य विशेष

एक भरतात काष्ट्रांति कार्य गांगविष्टक्षेत्रं छतिरस्वत्रं वि मृदेश्व स्थाननेन मतियारहमः। कार्यतास्य मस्तियारहमः। कार्यातस्य मस्ति क्या विद्वां कार्यात्वरक्षत्र स्थाप्त मस्त्रार्थं कार्यात्वतः। क्षतिष्ठं भूस कार्यः व्यक्तं किति इत्र कार्योतस्य भूस कार्यत्र कार्येत्वरस्य भूस कार्यत्र कार्येत्वरस्य श्री कार्यत्र कार्येत्वरस्य श्री कार्यत्र कार्येत्वरस्य श्री कार्यत्र कार्येत्वरस्य विकास क्ष्रे कार्यत्र कार्येत्वरस्य विकास क्ष्रे कार्यत्र कार्येत्वरस्य विकास क्ष्रे कार्यत्र कार्येत्वरस्य क्ष्रे

্সন্য **ইনিউ,টেউট প** নৱ**ল ডাবার অকটি হুত্** দিনী**ডে বহুলান্**য়িবি এই:

হিন্দ পোটা বট বচন্দ্ৰ ডাকাটা বিনিয় প্রদ আরুত বহুতে :

हाक अकारना ने कहा के से गक नवर्ग कतियाँ कर ने हैं अकानिकान मुख्य करियाहरू काम क्या जान क्या नाहें। संक्र देखिका मुख्यादक शूटकी है किसाहर

स्त्रं वर्धा के विश्वादक का रक्षांकि स्वत्रंदक प्राच्यक यु वर्षे किया निवाद के गाग ज्ञान सर्वादक देशादक ताम न्यन अंक व कता व्यवादक । २ द्व क्यांत

भावता भाका विक स्ट्रेक्ट्रिंग् सात त्रदेगक्ट्र त्था भावति स्वित्रेत्र भाव उत्तरीत शकातं भाष्ट्रेत्रं (भूष्ट्रे रातिकां त्र त्रकृष्ट्रेश्वरकात् स्वीकृति त्र व प्रकास व ।

त् उ प्रकास किलीय कृषि

त र प्रवा अक शर्मा कार्या

त किली म जार कार्या का कार्या

किली म जार कार्या का कार्या
किली म जार कार्या का कार्या
किली म जार कार्या कार्या
किली म जार कार्या कार्या
किली म जार कार्या कार्या
किली म विश्व कार्या कार्या
किली म विश्व कार्या कार्या
किली म विश्व कार्या मिली कार्या
किली म वार्या मिली कार्या
किली म वार्या मिली कार्या
कार्या मिली में कार्या
किली म वार्या मिली कार्या
कार्या मिली कार्या
कार्या मिली मिली कार्या
कार्या
कार्या मिली मिली कार्या
कार्य
का

ভাৰ,লা হয়তে সংবাদ

चन्द्र निष्ट्य समान

외 교 소리 회약

महागारहे।
श्री तम दिन श्रीक्षांकरसद श्री क्षांकर के जी कर के दक्ष करन मर्क के जी कर महिष्ठ विमा का कि हो श

मेशंद्रवस यरमभ उछ। "राज गिर्माम का दिन र प्रत्यः" स्वीप काम विकास कर दान गण्डल पूर्व मुख्य कर्यन, स्टूर्स महारक पूर्व मुख्य कर्यन, स्टूर्स

है नार्डे, जिल् माद्यत कार्यविकात त्या अरमहे जिल्हान ने क्रिक्टिंग अन् डान सिलिया देश्यामा साहित्य प्रेमार्टन : देश्यार क्रिक्ट्स

लिक निकारमङ्ग महायुक्त। क्षित्रक्षा कामिएक . १६न, व्यक्त केस्त्र निकाम मानक निकारण यह राम। य मानव क्षणा है रहारेश्वरा केरे हिंहा कि ग्रीक्म। किन निकार विकास है रहा के क्षणि वक्षण मान दरक मन क्षणान कर्यम ना । कि। सङ्गा नी नक्षरत्वा क्षणक जिल्लाक मानव मुख्यन रहा किवार (क्षण निकार मानव मुख्यन ना । कि। सङ्गा नी नक्षरत्वा क्षणक जिल्लाक मानव मुख्यन रहा किवार (क्षण निकार क्षणकारा हहे ।

রাজপুতদান্থিত ভালরারের রাজা লাখে-সায়ারের এক্সর্রনিধের সহায়তার জন্য ১৫০ ০০০ টাকা প্রাদান করিয়াছেন। এতাদেশায় খনীনাতেই এবিষয়ে বিশুর টাকা দিতেতাল।

কৈনিজন বলেন, মুজন অহিনেনজনান ইতার মধ্যেত অকন্মধ্য কর্মান্তে আপান্তঃ সাইকেন পর্মিট গুলামে রাখা নটবে। মুখন গুলাম আনেক ব্যয়ে নিন্তি ভ্যাং বাং। কটন ক, প্রাইয়া দিখার প্রথাকে ধন্যনান, ভূমী নাস না ঘাইতে বাইতে ভাকা ভিড থাই-বাছে।

উক্ত পত্র বেজুণ হইতে দংবাদ পাইয়াছন, জেল ধহিছ ত ভুতপুর্ব লিলী ১৯।
ব ধালান্তর লাহের মৃত্যু হইরাছে
বংশের গৌরৰ ইছাভেট লেন হট_{ার}
পাতিকে এ চ কঠ লেনমা থে জান্যায় ।
বিভিন্তি কিন্তুল হট্নাছে তাতা ভবিত্যবংশ ।
ব্যায়া ভাবশাট স্থীকার করিবেন।

চাকা নিউদের আসামত সংবাদ দাতা বলেন, করান্তিরার বিদ্যোগীশা প্রায় ২০০ কোক লইয়া লও জিন্নি নামক আনে এক তুর্গ নির্মাণ কবিতেতে। ২০ কন দিপাহী তথার প্রেরিত ক্টরাছে।

श्राक्त अरमनीय विश्वतिशामी म्रक्षां छ अकते छेरवर्ष अखान निविद्या (भव कदिया-राज यह विन श्रुवन निविजिशासिया अखरम् रोग नाराव शर्विश्वक मी करेरवन छात्रिन छै। व्यक्तियार महकाती वालिएड्रेडिंग क्षेत्रस्थां राज पान प्रमाण सञ्ज्ञास्त्रम्य कदिवास ।

চাৰা প্ৰকাশের এক জন পঞ্জ প্ৰেম্বুক বৃথেন, ন, কালীপাড়ে প্ৰায়ে হিন্দু ধৰ্ম ব্ৰহ্মা ও প্ৰাক্ত-ধৰ্মা কোনে ম চেপ্তার এক নক্ষা ভাগিত ক্ষিত্ৰ-ক্ষো ৰঙ প্ৰসংগাল আন্তঃগান্ধী বান্ধকীয়ানাৰ ক্ষুণ্ সঙ্গে ला जिल्ला। कक्षिकांकात सम्बन्धः है । दश्र माहे १ क्षांत्र का त्र क खुट्क है। दश्र २ २२ हे क्षांत्रहाह न बुधवात ।

विष्या रोग भणाञ्चल देमन ७ सामनाता. প্ৰত্ন অভূতি লয়েছ বাঞ্জি গত ওয়া জ ८० यन स्त्रीवदात स्वता हात्रि पुंचिकार समय नीवृक्त पार्व वीजकृष गायिक बाजिएक लेक म ভাবরিণ 💐 ছঙী স্থাপী অনুমদীর চেওয়ুনা ঞীবুক্ত ব'ৰ স্বাক্তীৰ লৈচন ৰায়কৈ এক ক্ষতি-ন নন পৰ প্ৰদান ক্রিয়াছেন। উহাতে স্থান্ধী-ৰ বাবে চৰংকারিণী ভাষ্যপরিচালমঞ ও দ্বাপ্রভূতি সদ্ভংগর বিষয় স্বিশ্তর विधिष्ठ 'इश्रोदक।' कार्यविद्या **'काष**ता' र পত্র ধানি এক্সেক উদ্ভে করিছে পাঁক্কি न। अन्यता ताबीव वावुदक बर्फान्स स्वा ডিনি অভিনন্দন পত্ৰ নামেৰ ক্ষয়োগ্য পাত एकः । जि.मे मुक्तिम'म्, विरूप्तक चीर् धार्गा छ छ वक्रमणी ध्रवण जरकार्साट केंग्स्त हि मन फेश्नाम (मध्या अ'८६।

বোশাই সাটতে রিষিত বলেন, ও.তা ভুলার কমিসনরেরা সম্মতি, ভুলা পরী-করিরা দেশিয়াছেন, ভুলার প্রায় নিকি " জীজান থাকে। ভুলা জীজান করিয়া-

विन्ना क्ष्मिस स्वाधित पूरे मान विग्रात व ठाँदां नगुम्ब जुला एक महा इर्हेशाट । जु लात क्षेत्रका निमानमें कार्यमुख्या नाम्मद नारे। त्यदे जिल्हाम बार्यमहोत स्वयाम प्रव शांव द्वेदादह विस्त नंत्र वृद्धि कि शांत काः वृज्यित कार्याद्व विश्वित जुला सम्बद्धितन

यांबा क्षेत्र, चामता यम चीक्ष्य कतिलान, रेनकम है। स चंडिक मिनिडे अलीव कतिश তাঁহার কীর্ত্তি কলভিড ছইরাছে। কিছ छिनि त्य त्महे काक कालत्म मक्स हरे-বেন, ডাহার প্রমাণ কি ? উ, হার অন্তঃক রণ স্বাধীনত্বতি। কার্যাকালে ভাঁছার শা-ধীনত। রুদ্ধিই বলবতী হয়। ভলিবন্ধন উ গ্র্তুপক্ষের সহিত পুনরায় অসৌ-तात्र व्यक्तकावना नाहे।

কনতঃ, উপরি বণিত কার্নর্থ লার একটিও আমাদিগের হৃদর্গম ৈতে ছে না। আমাদিগের এই বোধ হইতে ছে, ছিনি অসাম্বান্য প্রতিভাগ্তণ সম্পন্ন लाकः ए इत् वानाधात्री ष्रदावनी भक्ति ও ভারতবর্ষের কলাণে সাধনের আহুরিক ইচ্ছা ও চেষ্টা আছে। তাঁচার সেই শক্তি ইজ' ও চেন্টা সকল ও পূর্ণ করিবার অক্লড ञ्च क ब्रष्टवर्ष । कख्य दशांत्रक हरेगा निन এ দে<mark>ৰে আগন্তৰ</mark> ক্রিভেছেন।

न्य भावनम विविभिन्नात्मद निर्ता-গ ভারতবর্ঘীবনিগের সৌভ,গোর বিষয় अरमाध्य मार्च । दिया चात्रचवर्षे स्पिरशस्त्र क्त. मकल खानिहे पक्ताणि ह स्ट्रिन । বুন্ধি, বিদ্যা, কার্যাপক্ষতা, ভারতব্বের **অবস্থায়তে ও রাজনীতিজ্ঞত বিষ**ণে সর চারলস টি বিলিয়ান ভারতব্যবিত কোন क्षहादित्र निकृषे नट्टन । किनि मान्तारक প্রর মালের অধিক ছিলেন না, ভালার मर्था क्राज्ञात चरसकदिश मेशक्य माधिक इत्र । देनाम कृतित वदनावक, लामावतीत धाई दुन्ति, विहात अवामीत छेर कर, विना শিকা, ধগর পরিস্কৃত রাখা পাতৃতি কয়ে য়টি বিষয়ে ডিবি বিশেষকাপে বশোলাত করিরাছের। এতফেশীর লমীদার ও সম্ভা দু লোকবিশকে পদত্ব রাখা ভাঁহাব একা किनिहे अध्यक्तः लाङ कानिएकत क्षेत्रक महत्रमात्र क्षाचान करत्रम । वेगक्य छोडा ध्विषिक स्हेरम् शास का के व्यक्तिक व्यक्तिका

निक भूकरवत नगा किनि य बारकात छै-পনাস করির। যান, ত'ছা পুর্ণ হইয়াছে 1 धारे इभिक कह निवक्षत विक्कां चरिता इह माई, यथा वाट किन्दु मकल (अभी है। তে निद्रक इट्नाट्ड्य : काटममद्द्रद्रा त्य ৰূপ অভাচার করেন, বিজ্ঞোহ শাস্তির অব্যৰ্ভিত উদ্ভৱ কলে বলিয়াই পুনৱায় विष्डांशि अक्रिक इस महि।

সর সারলস ট্রিলিয়ান এ দেশে ই केरवाकी किमिनिद्यामत अक क्षेत्र - अधान मशक, चिक्र व एम्बीरप्रवा मिर्शत लाम हतेत. यारकन, अथवा उँ शम इक्ष्रं ग'ब, हेश हैं। हात् अख्टिक्ष बट्ट। নে অভিনেত হট কিনি কণ্টু কৈ বিলে খুবা প্রদর্শন ক । ইউরে:পीध मृत धन विनित्यात बाहा अहि ठवरप्त केन তি সাধন সম্ভাবনা অ'ছে বলিয়াই তিনি উপনিবেশে। সপক্ষত। করিয়া থাকেন। के. ह'त अवस्थितक मठ खन। खक कि म মে ব্রহম কথা। কিন্তু ঠানার উক্তান ভ मध गरंश, इंसेर, जीवृश्विकातिया र्जं: इ निका है यदपाहिक माहाया शाक्ष हरेटवन महस्तर बारे। किन्नु ल्लंड मारहर्द्य मा य जिमि नी नी वटन मक्कि कदिएदम मा। ত রচবর্ষের ব্রীকৃদ্ধি ও ভরেত্রবর্ষী বদিপোর कलात माध्य छ इन्तु कथान छेटसमा 1 , ৰোগ হয় ইনকন টাকা যে স্থান হইছে আ সিষ' ত র চব্বে অধিঠান করিয়াছিলেন, চারল্ম ট্রিলিযানের গুভাগমনে ভারা কে দেই জয়স্তানই ভাঞার করিতে रहेटव । जाशामि अटक्षम माटमह बटकट्डिक्न পৰ আর আনরা ভাই কে দেখিছে গাই व रा। याहा इकिक, काट्यान कि करेंका। रा उहेनाम मारहरवत्र कार्याम अधिवास করিতে বিরা তিনি প্রভাগ ক্রীয়াইলেন विभि (अर्ड छेडेश महस्य कह्न सिश्का रहे लम । ए जब बहिष कतिवाल क्या किम पूर्व व्यानमार्थ क्रिकी माहित्रहरून, व किन र कर्त रहा के कि कि है। देश के कि कि कि कि कि कि

क्रांत्र " কর্ম করে নণ্ট FIE बद्ध : TIP. বে:

धक्व त माकित्यो एउँ विकार है काशासिकारक লাই গ্ৰাই ে হইৰে এবং ভথাৰ ভাষাতি গের গছবা স্থান, ক.মা. বেতন প্রভৃতির विनय स्थान्त वर्णकर्म दुवासेता मिट्ट करेंद्र । । ओ शकल कृतिया या**णाता धामणण व**लेटर फाल पिस्टक के नेगा ना **दशा क्रेटव मा** । का ত , হার গরে মংলির ্ট কুলিপিরের রেঞি ষ্টব ারিমা ভাহার এক নকল নিজে ?' थिटवन, थात धक श्रामि कर्णे छिमाइटक

পিচৰন । কারীৰ স্থিক নিশ্র ভাক চন বিশস্ত লোক কিনেৰ ভন্তাবধায়ক জন্মক লি **७३ करब्रक्ति कथ। क्रिड्ड'म!** विविदय-নিজের গস্তব্য স্থান ও কর্ত্তব্য কার্ল প্রাস্ত- । ডাগেদিগলো নিজ্যু প্রাস্থার ও অসমত कि मा । उथने अ यान किह ' मर इर । इहाम दिनि अथर हा कहरक अफर्क कवि তে পাঠাইবা দিতে হুইবে। ভাষার পা ार । टिकिश्मक मक**रमत भरक**िम भद्रीकः य-ित्यम । পर्वे का कता ६३८म व्यक्तिकाः পতা প্রস্তুত করা হইবে। পাঁচবৎ নরের এধিক কালের একিছা পত্র করা হইবে ঞ্ডিজ্ঞা পত্রের ভাৎপদা ও শর্ষ ्रिकिम्भारक युवा**रेश (मधरू^५ रुटे**स्न করানা রে**॰ চজু'ব্ধায়ক ভা**হা**তে** হে নৌকা বা বাস্গীৰ িমার ক্রিকিন ্র ১৮৭ কুলি প্রেরিঠ ছইবে, ভা-े : जि २ क्टलन्दर अनुमिष्टि ইবে পুরিরা জাহাজে সংশ্ৰ ৰ এক এক **অনু**লভি পত্ৰ

(राजा) । १३ ७ स्तिशहरू **उक्का छ**न्म

· ^(स) एटर इ.स. स्थान स्थिति ।

कुलितः कर्षकारम श्रीक-

के के किन्द्र के किन्द

-1

いべしご क्र राष्ट्र

6 य

निष्ठ इहेन

4.60

PER PE

अःवाम मिटनसः छा-कः अधिनाम कुलिमि গাক বাধী যাগ্য আহ্যকর বাস স্থান দিবের ' পদি তিনি বিলয় করেন, মাজি ্ট্টুট নিষ্ বাজে তাহাদিগকে বাসা দিয়া ^१ गर का कदब्रत निकट है होतन **आना**श क-१११ तहेरवस् ।

कर दिल्ही घरनक चल्टम क्षम् ननीय-द्धेनातक मत्माच् नाष्ट्री किन्द्र हेका उ २३ भेन जुनसङ्ग स्मरङ्ग नागः। বন।

2. না বিজী গোল এভৃতি গণ্ডা স্থানে পদা
পরে নাছাতে কুলিদিগোল বাল পা বিশ্যাত উক্ত বিলোগ সহিত তাহা কত লা হয়, ভূমের উপার শিব দিলের স্থান্ত্রের লেব হ্টল চ কিন্তু তথ্য করা হইয়াছে। , আভ্উর্শ্রেট সংগ্রহ ; তঃহণদগোর প্রতি যে অভাটার ও অন্যায় वा ात क्या श्रीदा. डेक्ट बिराम डिबिवाइएन.। नाचितितान । काम छेराम सता इस माहै। अविवासित्र ভাবি । নিমিত্ত এক**টি স্বতন্ত্র** ধার, **কর্ম্ব**া। **যদি** ি মাঙি খৌুট কুলিগণেৰ আন্তৰ্গন স্মধ্য পথে সে কোন কন্ট পাইমাছে কি না সে 🍦 অন্ত বে ন উপায় চায়া হা িতে প্রেন কির বিশ্র ভাল কলে অবগত হইরাছে । পরিশ্রম করাইবা লওয়া হইতেছে, ভালা ङाङाहक कञ्चेति मादब्र वार्ष भि"≥वाणि । १। लिट्ल । उन्हाट उपनि कल् मा छन **डि**नि कुव्यितिनाक हा करतत बारस आशामिरशत िक निक ऋत्रम ८३१ इन क्रिट्रिस । अहेक्श একটিনিখন ন' চইংলা ইডেনসাহে**চের** বিল इथा इटेंदर । भरथत यसी छ हुई मांभ साम, যে সংগ্ৰ বৎসর থাকিতে ছইছে, ভখাগ কেনে ব্যুট লা ক্যু, বাৰ্স্তাপক্ষিণেব্ল ভাষি घटन अनिरमध राष्ट्रमील इ.७६१ व्यवसा सः र्खना ।

আর একটি বিশায় বিশুদ্ধ যুদ্ধি ও বাঙঃ শাম্যে নিভাস্ক বিপত্নী ভদুনী হাইভেছে। नदर्गस्यके बदलन, काहाना चानीम काहिए ও স্থীন পরিজনের বিষয়ে হ্রাপ্র রিষা ভাষার 'বাস্থাড় চেইটা কদিন্দ্রী কিছ এক ব্যক্তিকে এক একার্ लीक **पर नहीं काम अक**्रिकार के THE STATE OF 相相和相談

(मयश्रक्त

ं प्रश्तितां प्रशतिविताय यार्थितः सरसातीः सुवित्रकती न प्रीयतां। र

ৰ ভাগ। ও সংখ্যান

यन ४२७२। ५१ छ। शहास्त । हेर् ५५७२। ५ फिटमधुन

म । शिव का विक

িজাপন ৷

আছ্কপণের প্রতি।

গ্রাহকগণকে জানান যাইতেতে, কান্টিক

ম স ক্ষতীত ই বহাতে অনেকের প্রান্ত নো

যথকাপের মূল্য মিনশেষিত হইগাড়ে, অগ্রহা

য়ণ মাস ক্ষতীত হইলেও অনেকের মূল্য শেষ

ছইবে, অত্তর্গ্র উহিলেও অনেকের মূল্য পা
হাইরে দেন ব উক্ত মূল্য করিবাতা সংক্ষ্

কালেজে আনারিকের নামে পাঠাইলেই আন

মরা নিকিল্পে ও শীগ্র পাইব।

নে ম প্রকাশ।

১৭ট জনসায়ন সোলবার।

নে কল বইলে কি রেলগুরের পাকী
রা নিস্তার পাইত

ক্ষা রোগ যেমন ক্ষমা ক্ষমা বহু রো গের ক্ষান্তার, প্রতিক ও হার্ক বিশেষতঃ' রেল প্রাথ ভিগা উল্লেও ভেমনি বছু লোবের আক্রয় ক্ষান হুইয়াছে । এখানে ধর্ম ও ধর্ম নীতি ক্ষীনবল হুইয়া একার ক্ষান ভাবে আবিপতা করিতোকন । সামানা চৌয়া ক্ষানিপতা করিতোকন । অধিকতর ক্ষেত্র ও নিক্ষানি ক্ষানিক লাছে । অধিকতর ক্ষেত্র ও নিক্ষানি বিষয় এই, স্বরাচর ক্ষেত্র ও নিক্ষানি বিষয় এই, স্বরাচর ক্ষেত্র পাওয়ামার, এই ভিপাউনেক্টের ক্ষান পা প্রিয়া বন্ধ ও ধর্মনিতিক প ক্ষান্ত ভারা ক্ষান্তা করিয়া চরিতার্যতা করিয়া পাকে, ক্ষানি ক্ষানি ক্ষানি ক্ষানি ক্ষানি ক্ষানি সংলামও ক্ষানিক লালে না।

दिन्धर्य कर्षादिनिष्मंत चाहत्रम् अ ৰ্যবহার রক্তান্ত সতত আমা,কৈপের আক্তি भश्रक्षिके रहेशा शास्त्र ! सामना आहरे শুনিতি পাই, অমুক ক্রচারী অমুক মাসের অযুক তারিখে বেলওরেতে প্রবেশ করি वाहिलन, धई षण्य कात्मत्र मर्द्धा এछ টাকা সংগ্রহ করিয়া কর্ম পরিভ্যাগ করি দোন ! উলিখিত ডিপার্টমেন্টে অর্থ স্থাপ **ए**ड्र १ क्रियो की श्री विशेष विशेष विशेष विशेष উপায়ও আহে।ুএক গুণে ত্রিগুণ ।।য় লিখিণা দিলেও কেই সহসা ধরিতে পারেন मा, धविद्वहे वा त्कः छेष्टा य इ: किट्नाब मन्माद्धि, काँहाता क्थेन हत्क स्मर्थन नी ; क्षातिविष्णात्र छेलात्रहे निर्कतः। अधान কর্মচারী যদি ক্লডমুভা দোবে দু।বত হই লেন, তাহার ত কথাই নাই।

রুষ্টার নায় আর একটি দোবের
সমধিক এ তুড়াব কৃতিগোচর হইরা থাকে।
বেল ওয়ে কর্মচারি কিলের অনেকের কার্যা
ও বাবহার বারা বোধ হর, তাহারা গর্ম
মেন্ট সন্তা বীকার করেন না । তাহারা
ব্যংই অনুগ্রহ ও নিগ্রহ কর্মা। এক ক্রম
সামানা অপরাধ করিয়াছে, হয় ভ তাইর
অপরাধ করিয়াছে, হয় ভ তাইর
অপরাধ করিয়া সামানা কতে বিশ্বর
অপরাধ করিয়া সামানা কতে বিশ্বর
অপরাধ করিয়া সামানা কতে বিশ্বর
পতি, ক্র্লিগাচর ক্রিয়াও প্রার ক্রমাভা
কাত হয় না। রেল্লভরে ক্রমাভ ক্রমাভা
কাত হয় না। রেল্লভরে ক্রমাভ ক্রমাভা
কাত হয় না। রেল্লভরে

'अर्थेड क्लिं क्लिके ता रहेक, च्या আনুগত **কি নিবভ**য় (क्रेडे ७ माजिए<u>क</u>्रेट्डेक् र्याभ कर्त्रम मातः तिनिर्भन निक्द थारे विकल हरेटा गर्थन चन्नर चालकृति ल, जयम श्रद्धीयान्तुः देक ? जिमश्रद्ध है के बादह, भू जर यमः मधः विश्वाद्य विकी मुख्य हुन र्रेश वर्ष्ट्र किय वि कार्राक्ष अधिम, ज्यान न्यान माण रहेता । अवस्था त्नाहरे या अकान यान 🤝 देशमध्य मध्या है द्विने विकर्त् चरनार् मितिएक शास्त्रन । देव् वर्ग भारक, कारम् রেলওথেকে হোট থিক, ছোট দোৰ কাংশ সুৰ্ব निकटने अधिकात

্র এক ভ পরাধীম रत्र । मुख्याः छाहा विश्वक वावशास्त्रप्र ं भारत या। ब्रिकीय, न्त्र विद्नष्ठाः देखेद्रा রিরাবদি অসভারা रेटटन, मिका भारे শনুভা রাকারা যদি . जन, जन्म कर्याती র্থ করিয়াছে, তাহার বেতন ছিল, পশ্চাৎ शैका रहेशाहिल, किंख ৫০০০০ টাকা বায় করি 4 আৰশ মাত্ৰ ভাহার বিষ कांत्राक्ष इ रहेड गरमह ' গর্বদেণ্টের অধিকার র ভাঁকাইতেরা নিতার

ख्यारेकिमिरमञ्ज जाक हेनी भिष्यंबरि । जिम्बद्ध का विमेन थएक क्यानित শৈৰ্শৰ প্ৰণাদী প্ৰবৃত্তিত াধীন কর্মচারির এতি অ নি অনুরাগ কেমন > তা 🖣 क्ट् मल्लाह दरत कि ব্বপে সময় অভিবাহিত है निदिल्य चनुत्रकान क्र जरनक निवाद्गव इह

विशिद्याद्वाद्व चात्र छत्त्व

19

ক্ষিক্ষাৰ নোমপ্ৰকাশ कि महिन । इस्ति त अति भूमजोती विदर्भन है क्रिकिटनाथ ८०की। के शाक संदर्भन कर्मनी ।

যতঃ বর্তমান মন্ত্রিসংখ্যক বের অহিকার { नमत्त्र छ।त्रण्यस् भागममः केतिरदन, रवाथ क्य खटमध त्वर व्यवन व्यवन सारे । अख्यात देशात अत्रक्षत्र आश्रमन সমাচার প্রতিগোচর ফ্টলে প্রিক্ণরের नुबन क्क एत्र मा । हिन्त हम्बह्म हहेत्व मरमहे कि ? किंदू দিন পূর্বে মাক্রাজ টাইম্স নিবিয়াছিলে-म, गत ठावलम है विनित्राम लिख मार्ट বের ব**র্মে নিযুক্ত হইরাছেন। আ**মরা তৎকালে এ কথায় বিশাস করি নাই। বিদ্ধ গড় সোমবার যে টেলিপ্রাম আসি-রাছে, ভাছাতে ভাঁছার নিয়োগ - বিষয়ে षात्र षामानिरभेत्र षश्याज जः मसंबाहे ।

যে মন্ত্রিবর্গ ভাঁছাকে পদচাত করি য়াছিলেন, ভিনি ভাঁহাদিগের অধীনেই আবার কর্ম খীকার করিলেন কেন ? चार्यात है वृक्षित भावित है । 🐫 বুঝাও সহফ 🕞 🗷 । সচরাচর त्वारक त्यार्थ का**त्रर** त्राष्ट्रकर्ण श्रीकांत्र क्ट्रेंज, श्राहात छाश्रह किंद्रुत्रहे अभविष् মাই । ধন, মান ও পদ গৌরব এ সমুদ- । তাহার বিচার হইতেছিল। রাজপুরুবের। রাই আহে। তিনি খরং ধনিলোকের স- ইনকম টাজা এখাবের প্রতি পক্ষপাত स्तान क्षेत्र स्वरुपत्र भूसक अपृष्टि जन्म निवस्तान सङ्ग मा हरे:। यदि विजयात्र ७ स ভিন্ন অধিকারী ভ্রত্তাহেন। কেল কেছ, পকার গণনা করিয়া উচা বিধিবভা করিবার কহিতেছেন, মাজাজের গবর্ণরী কালে তিনি বিভিন্ন করিতেন, কংনই উহা বিধিবন্ধ উইলর্গন প্রবর্তিত টাজের বিরোধী বইয়া । হার ন। চারলস ট্রিবিলিয়ান জীহাসি পুনরায় ভারতবর্ষে জাগামন করিভেছেন। কিন্ত এ কারণ টি আমাদিনের শ্বনমুপরি ट्यांक्य स्ट्रेप्टिक मा । अध्यक्त विकित्ते ाठाइ करा क'मानिटबंद्र बेंग्स कीश्रह त्या (पत्र निमित्र हम् बाहे । किबि अक इस की त्रव्यस्त हिटेख्वी क्षकाती ह कावा ষারা ভারতংবের অক্লিট মটবার সন্তা

वना कारह, यकः नहस्र संबद्धि १७३,७६

তিনি মিনিট আচারকেই তৎকারিরোগের উৎকৃষ্ট উপার बलिया क्रवंदलव्ये क्रिया हिरानम । किनि देनंकम छोका अवर्षित না করিয়া বার সংক্রেপ ছারা আরু বারের সমত। दिशास्त्रत शहामर्भ विवाहित्वम । **এট পরামর্গের অনুসরণ করিয়া কার্যা** অনুষ্ঠিত ছইলে यनि आश राष्ट्र नयका वि धान महाराना ना धार्किन, जीहा हरेंग्ल किनि लायी इंट्रेंटिंग अत्मंह न'है। किन्ह यथन धनारकं जरे वाव नश्स्क ৰূপ উপায় অবলয়ৰ ক্রিয়া আয় ব্যয়ের সমতা বিধান করিতে হইয়াছে, তথ্ন তাঁ हात्क पृथिक कहा आंगा हहेरक्टह ना। তৎকালে ছবকোটি টাকার অসমতি ছিল. हेनक्य हाका कि ७० पूत्रत्व नमर्स इहेता-ছিল > এ ছলে আর একটী বিয়ন্ত্রেও বি-(बहुन दर्श प्रांचन,क । हात्रलन हिविलि ग्राम यदकारम अधिवामी इम, खरकारम हैनकम छोजा अखाव विधिवस इस माहै। थे अधाव विधिवस करा कर्चवा कि ना, त्व विनिष्ठे निविशा क्षेत्राहिक अंद्रिय, क्ष्या पात क्रूककाकाकाय कर्दक्य जात्मह রা ভাঁহার অবিস্থাকারিভার প্রিচর হই ় নাই ৷ এভাসুল কলে ইনকম টাক্স বিধি য়া তাঁহার কীর্ত্তিতে যে কলক লাভ হই বিধারী রাজপুরুবেরা ছোবী না হটয়া गएड, उरकालम कतिवात केरकारण्ड जिल किनि विवास स्मानी कहेरछ सारतन অনেকে এই বলিয়া ভাষার এতি দোঘা द्वी १ क्टब्रन (वे यावन मुक्का क्षेत्रांन ताक ज्यूतर्य अवस्था कृष्टेशं अकेन काम कतिएक दिलान, क्यन विक्रम वाणी हरेगा कारात **७**६ क्षित्राय हम्सीक्षा विद्यप्त क्षेत्र महि। हेकान केवल करना काकानियाई वंश्वना करे. प्रकार हो सहस्र को जातिको योग अवसे ज न पर के के करता. प्राप्त क्रांक्टर के अवस्था

बरक् । दील छेरनब स्टेश रक्त : ब्रिन्न नाट्य अधि वास्टिश चारि माना विद्रष हारिया क्रकीया इरेटलन मा त्कम ? श्रीकारमञ्ज शक सभी दिस्म भू विद्रामप जदरात अक अकात प्रका निकातन क-ब्रिया ताबाई व्यनाता । अव्यटन व्यक्ति वर-नत जेक्दराखर खात्मर ज्ञा इकि वर-ट्टर । छूरे वदमब मूर्त्य रच मस्तरक थ-क इ इस श्रमान थो होन क्वेसाटक, ज अकरन अकि किन होति जाना छैना क्रिन कतिरद्धाः। अञ्चल श्रालः पूर्व ଓ निर्दिशः বাজিবিক্ত কোন ব্যক্তি পাঁচ বৎসরের कता अक्षिप (वज्राम वक्ष शंकिएक म-किलावी इंदेरवं ? (भारव बीलकहानिरशंह जाब बहेना इंडेटर भटकह नाई। क्रमकः নিয় খেণীর লোকেরা আইন ও আদানত ও সূক্তাযুক্ত কাৰ্যা বুৰিতে পাণাতেছ। কুলিরা যতদিন নিভান্ত মুঢ় থাকিবে, তত-দিনই চা-কর্মিগের লাভ, কিন্তু তাহারি-গের দীর্ঘকাল বিমুচ্তা দর্শন সম্ভাবিত महा । अञ्चाविक हरेरान्य कि कार्गिशरक ক্ষতিগ্ৰন্থ কৰু৷ গ্ৰহণ্মেটের কর্ডব্য > এফ अन वृक्षिमान मध्य छूट सन जिसा मण्टत्र ক'লে করিছে পারে। বেতনের নিরম এফ विभ बाकिएल जामाय अपूर्ण चारन वृद्धि-মান মঞ্চরের গমন সম্ভাবনা কি : আনা-দিগের মতে কর্ম স্থানে অবস্থানের কাল निश्म कहा नित्थय नाइ अवर ए वर्मन यक्त वंकात क्हेर्य, अमनुभारत मण्ड দিগের বেতন নির্ণয় করা কর্তবা। এই নি ध्रम श्रीत ना इहेरम छि. मिछ এखाविछ वि-লেয় সোভ্তমাল ও সাল হইবার সন্তাবনা बाहे !

> कारित व क्रेंब्रेट्झानी एको अरमनीस-ब्रिट्शंड कास्त्रकहर नर नाव वृक्षिटक स्रोहित न है।

২৭এ নবেশবের েও অব ইতিয়ার " ব্লাজা দিনকর রাওণের তারভবরীর গ্র-

र्गायकी कर नहांस्त्री क्षेत्रक अरे नि-त्रोबाटमत् अवशि क्ष्मांत् स्विधा लागा-पिरमत अनुःकतर्**य अनुसद् हुई ५ विन्य**-दात छेनम रहेल । चाल्याम ऋकियाँक का-त्रथ थरे, त्राका मिनकत्र हान्य अक्लन च সাধারণ বৃদ্ধিমলে ও ভারতবর্ণীয় গবর্ণনে-ণ্টের হিতৈবী। িতৈবী কুবিয়াল ব্যক্তির রাজেন হিতার্থ প্রব্যেক্টকে বেক্সণ প-রামর্শ দেওয়া উচিত, রাজা দিনকর রাও मिट् थकात भतामर्भ भिन्नारह्म । जिमि यत्मन ''धक मङाकी शूदर्व धरमभीत्र द्वाम-গণ লোক রঞ্জন করিয়া প্রজা পালন 🐔 विशिष्टिलन । वित्नवद्यः आक्वरवद्य अणि मकरल दिर्भव महारहे हिल । जाक्यत जू-मित्र ब्राष्ट्रय भश्यनाष्ट्र केश्क्रके बरम्बावर्क , করিয়াছিলেন ; অন্যবিধ করু ক্রমাইয়া শিয়াছিলেন; এবং পঞ্চাইত এখা প্রব-র্ত্তিত করিয়া শাসন কাষ্য নির্বাহ করি 🕟 🤫 ন। কিন্তু তাঁহার উল্পরাধিকারিগণ ভ দর্শিত পর্বের পথিক না হওয়াতে ং द्रा जनसर्वे इहेल : जनसर्वे इहेन्नार्व রাঞ্চলিগতে রাজারক্ষার্থ আঞ্চান কৃষ্টি देश्वाकविरश्व भागन द्यवाली अला অঞ্জিকর মহে। ই হাদিশের রাজন্ম काब वरकावस छेखम ; मनुष्ठकत्।। पन म अ म। दात्र त्री छ । छैश्क्रकी ; काइनक है-क्र ल अकृष्टि चरनक स्टेग्नाट्स ; ख्रिम्प्टर नियान ७ थ'लामि थनन करा इहेशाटइ; এবং ইছাদিগের 🕆 তিজা প্রতিপালন ্ত্রি-यत्य मुक्का चार्ड । व स्य स्व कांद्रदेश करण-শীগ্রদিগের ব্রিটিস পর্বমেন্টের প্রতি অসংস্থাৰ কৰিয়াছে , দিনকুর রাঞ্চ স্কান্ধার करशक्रीत ७ केटलच कित्रशहरूम । देन म-(सक्ती करें - रेनक्स होता, क्षा क्षा क অপ্রভু ভক্ত উভয়বিধ লোকেই নিজ্ঞী र्देटकरे पूना बटन चल कार्यकार चन-विष्ठ रहेश किन किन कुर्दिस श्राह्मिक्या

विकार तथा विषय के जा का विकास कर का दिन्द्रा । उ

· 4 (A) 18 C 10 m # 16 m **酒 いっぱ 伊藤川 間かけり जन** हिंद के किए **जित्त्रीया** है । दिल्ला । तन कारा के किया विषयि अर ही द और विभि उत्तर कि 柳 铁瓷工作 赞,于4 ١

भरवान विश्वद्ध महोत्र दश्यनी अञ्चलका विश्वा. म केंद्रिशद्भ, जानुना ७ (कान जानासून) नाः শার উপস্থিত নাই, তথাপি স্কিহিড নগর व शती बहेदछ गाहा किছू मरश्रह कतिशाहि, फारा व्यवस्थ ८ अद्रन मा किन्निक कास **থাকিতে পারিল'ন না > ধেনপ ছুলব**ন্ধ পড়ি-য়াছে, কি জানি আনার ফোন পার্থির জনজন भवियादङ् धन् न भ्रामय महाभटयुत्रं यदन छिएय **२र क्या जानम्। शत्राज्य इंट्रेग्रा महामा**रप्रत পাঠকৰগতেক এদেশীয় কোন কৌভুকজনক ব। হিতকর ব্যাপারের জ্ঞানলাভ হইতে বঞ্চিত दाभिन्नां भाग करत्रम, तिरे व्यामकाय আমি অসময়ে লেখনী ধারণকরিলাম। এবং শর অন্যান্য দেশের প্রতি ধশ্মরাজের ধে ৰূপ দৃষ্টি, এদেশের প্রতিও ডন্সপ ৷ ধর্মরাঞ্জ, खद्रे ७ विकादापि व्यवसमाधनरक महाग्र করিয়। মনোবাছা পুর্ব করিডেছেন, নিজ কোট চাদপুর যদিও ভাষার দৃষ্টিণবে পতিত ৰু নাই কিন্তু পাৰ্শ্বন্তিপল্লী সমূহে ভাৰার ার দরা। গড় গুইমাদের মধে। কড পরি। যে ছার,খার ২ইগছে, শুভ রুষণী জনা-ইয়াছে, কড পতি প্ৰাণাধিকাৰণ প্ৰতি भरनत मास्त्रिमर निमर्कन निम्नारह, कड ার ক্রোড় পুন্য হইয়াছে, বভ পিতার ां अपामा ४३ अप्राथन डेव्हिन स्ट्रेगार्ट, র তার সীমা নাই। নহানয়। দৌলতগঞ ানপুর ও বজরাপ্তর আনে নিরম্ভর হাহা-

নিয়ভি হইতেত্ত না।

গভ বুধবার রক্তনী বিশ্বহর সময়ে এরানের এক জোশ অন্ধরে তৈর্থী নদীতে এক
খনি কর তরী জলমগ হইরা একটা প্রীলোক
গানি কর তরী জলমগ হইরা একটা প্রীলোক
গানি পর ভাইছাছে। ঐ তরীতে কোন ভর
লোকের পরিবার ঘাইতেছিল। ও টা কুলকামিনী ও টা ২ । ও বর্ষবর্গ লিশু ছুইলন মুবা
পুরুষ তল্পথে। ছিল। পোভস্বানীর অবিমৃদ্যকারিতা দোশনিবজন পোভ জ্বলগ্য ব্রঃ
জলমগ হইবামাত্রই উলিখিত লিশুনিবলর
প্রস্মিত্রে মুখলিতের ন্যায় মদীজল্পারী হই-

कात भानि क्षाजिरशाहत एरेएउएए: युट्टा श्रवत्यत

षाद्र षाद्र जन्म क्रिएएह्, नक्न श्रह्हे छा

হার বোড়লোপঢ়ারে অতিথি সংকার হটুডে

ह्न. खथां नि खांचात्र त्र कामत्र भून क महेत्रामन

বার বিলক্ষণ সভাবনা ছিল ক্রিক ভাগ্যক্রমে णार्थाटमञ्ज क्षांनद्रकः **रहेत्र**, एष्ट्र, काहादमञ्ज स नना जगङ्गदबर पूष स्ट्रेग्न जागन क्षीरतिष्ठ মনতা পরিভ্যান করিয়া বালক ওলিকে বক্ত ত্তে স্থাপন করিয়া কেবন **পদস্ঞাননে**র খার। বস্তর্থ দিয়। **নিরাপদে কুলে উপস্থিত** হধেন। কয়েক দিবস আভীত হইল খালভুল্য।.. नियान कानीकुमांत नद्रकात बाटम अद्वराज्यत একজন প্ৰসিদ্ধ স্থাসংগ্ৰহাণী অখানকান জিপু-টা ্র, এটর কর্ত্তক ধৃত হইয়া বলোহরের কেম্ন লক গাংহবের বিচারে সম্পিত হয়। জল সা ধেৰ ভাষার ৭ বংসর কারাবালের আঞ্চা দিয়া ছেন। এখানে **এৰপ জনশ্ৰণতি বে চুক্** ভ্**কানী** কুমার বিভর লোকে**র সর্কনা**শ **করিরাচ্ছ এবং** ये बाध गोऽहाँख व्यवस्था कांत्रिया की विकासि বাহ করিত একথাও খিখ্যা নহে কিন্তু উপস্থি-ত বিণয়ে সে দঙাই হয় ন। ভাহার নহিত অভিযোক্তার বিষয় শক্ততা ছিল, সেই म ५वटळ छोड। दक विशादक त्कम हेया हिए। त নকল ক্রন্তিম মোগ্র, ভুলিকা, মসাধার প্রভৃতি দ্রব্য ওাহার গৃহ হইতে বা।হর করা হসু ও য'= হার বলে ভাহার কারাবাদের আচেশ হট্রা ছে, সে সমুদর তাহার নিজের মধ্যে, নিজের बहैटन दन विनक्त सावगाम क्तिया बाधिक, বহিৰ্মাটীস্থ গোগ্ছের কোন প্ৰকাশ্য দ্বানে রক্ষুব্দ করিয়া মূলাইরা রাখিত না ; ভাছ,-त विशक रवत्रमिशाजनम्बदम् दम्हे नकम व-क्रांपि क्लोमन क्लाम श्रृकीटक्ट्रे उपाय ब्राचित्री আসিয়া তেপুদী যাজিপ্তে টের নিকট ভাগার नारम अक्टियांश करत । शक्त र जाहारक मदल नहेबा निवा के मनन सरा पि स्वया हैया দেয়। যে সুত্রে ছউক অপরাধীর শাস্তি **হ**ঞ-ব্লাই অংলাদের বিষয়। গত পরব রজনী-(यादन जक अन मिनाविक हरवर वास्का वि-খাস করিয়া ভেপুটি অপর এক জম লালব।ৰ-সায়ীর অলুসম্বানে গখন করিরাছিলেন। ख्या **बहेटड अक्टी क्षूब ध्या**रत अक्टी नक्न ल जक्कि स्नीन र्लम कामिन्राट्सन। जर्ने । जन् টি দ্রব্য ভাহার কথামখণের কেংশে এক ষু জির ভিত্র ছিল, গুনিডেছি এয়াজি অতি ভছনোক, কোন কালে ইবার এবপ योशांकि बाँहे, 'श्रेशक अंव अंव अकियां गत



I MAN AND ASSISTED TELL. term winds ! , while engage wa

वि क्षार्थको अवस्थि महिल्लिक व्यवस्थि क ब्रह्मक । ज्यान कक कड़कतीर स्टेक, अवटला ৰতে *বাইভাই* শাস সংকেপ 'ইইকে সঁলেহ 明年本のというでは、これに

ঁ উৰ্জ পৰ্ম বৃষ্টিদাল ঘটতে সংবাদ লাইনা क्ष्म, क्षाका रक्षेत्रकातित गार्कित क्षेत्रि क्ष ভাবে আগন ভূডাকে আগুন জানিছে গাঠা-देत्र। स्वकारक स्न अङ्खोकात वृद्धिः स्वि न ५८ जन 'ब्लांक निक्का पांकी प्रमुद्दक् त्योकात (बार्ज क्लिक ज्वक अविद्योदक क्षा वा क्लिक्टक সংখ্যাস সেওবাহত ভিন্তি ক্লংকণাং প্রবিচ্নের क्षांकविषदेक जटक अहेडा-क्षांकक्रियरक क्यी করিয়াছেন বরিসালে আব্দিও সেনেফ 'বিধ ভার বাবু হ আছেন।

পারিলে এক ব্যক্তি এক প্রকার ছাত্তর দর্শনের আবিদ্ধিয়া করিয়াছেন। ভাষা স ব্দুতেখ ধরির। সুখব্যালান করিলে গলার নলী ও ছদরের কির্দংশ দেখিতে পাওয়া ব্যু নিৰাস প্ৰধানের সময়ে সে শুলির ছান পরি वर्छ रहेशा देखन क्षाय ;

मरी छटतब दाक्छ वि वांशारमाद्वद व्यक्तिनव বিধের রুক্তরিক্রজাবিশ্যরের অতিবাদ করিবা रक्षन जन्नोड करूरि नांडामाना **फारक क**रे বহাৰভিত্না ভথাত্র বাইকা প্রৱাপান, সারসী अवर कामहान्। कामिमीनिरशत जन .न क्रांत्र । अन्दर्ग खनु ना शंकित कार्वि रद्रह त्याच्य इड्रेरव रक्त भ

আমরা গুলিলাখ গ্রথমেক শিয়ালট হের ঠেপনে দৃত্য ও ভোজ দিবার বিষয়ে বড় সন্ম ও মহেন : রেইলওরে কোম্পানি কলিতেছেন a विकास : •, • • • होको यात्र स्कृदेव । शवर्गाय हे ৪০·০ ই কাম অধিক দিতে চাহিতেছেন না। ব্দাপাতত। পূর্ব বালালার রে:ু ভরে কোন্দা নিয় টাকা অধিক च्छार गर्गरम्हरू ध व्यक्तिः व्यमाप्ति म्रहरू

১৩ই **অগ্ৰহায়**ণ ব্ৰশ্যভিৰায় ৷

ध्यहे वादत क्ष्म ु ,ास्त्रतिकात यूच म्य इत । क्रिका 🚁 🕻 क्रिक्स विकारण टारवन करि /क बहुद्रोटर्। छारापिरगत् ज-र्व ७ दुक्कना केल्यद्रप्रस्थे चाटाकून स्टेबार्ट्स ।

निकास क्रिक्ताम जिला क्वाएक विद्यारेखाः वस्तिम्हायह श्रदेशांटम् । व्यानामिटगत्र शामनीम् आहे सुरुवन मृद्धिक द्वन सामारक्षत्र भाव स्त्र ।

णूर्णादन्त्र त्वभम मञ्जाजि विकेदस्योहः । শ্তুদেশীয় অনেক সভান্ত লোককে এক ভো অ নিরাইছন। রাণীর মতন হার অক্রিবার गांबरगडिह विकास अवे त्यांच त्यावह कृत्। কোঁজের সমরে ডিনি সগরিবারে ভবার উপ-ছিক্ত ছিলেন। বেগম কি কেবল বাম আক্ষর बांबा अञ्चित्रक्षि गांच हाश्रीय जारहर ? निक মুখিঃ ব্ল অভ্যন্তরীণ উন্নতি দাধন দারা *আ* विमंद्र यत्नांगीरक्र े शाहेरखर्म कि ना र

शिक्षांत्रक्षंत्र अक थानि मश्वीम शरक मृहे एटेन व्यतादार शर्वां शक्ता ३५ जन करवंदी কান্স করিভেছিল, হঠাৎ ভাহারা প্রহরী मिटभंद्र नम्बन क्रिया गरेया शतायन क्रिया -**হিল। পদার্থনি ৩৭ জন ব্যক্তির মধ্যে ৩**৭ चन भूनकार प्छ इडेवाटकः भूनिम व्यवह हा चामाजिनात्म वृत्त कविवास यत्यातिक हाडी : एक नाइ यनिया खारामिश्यत पूर्वेयश्मत क्षिप्र मिः वर्षेत्र स्टेमारकः। जुलिस्यतः। क्रुणावृद्धि वाखिद्य-(कं व्यक्ति त्कान क्रकच वत् । क्षत्र श्रेष्ट्रवितः श्रुनिय कि करत्रन (मथः योहेरचः।

রণবিং সিংহ অমূত্রহের বিখ্যাত নী খির নিকটে এক মন্দির করিয়া যান। ভত্রভ্য ल क्व बहेरून मंद्रांत साहरू, के मीविट्ड স্থান করিলে তুঠ আরোগ্য হয়। ক্রন্থং তথা म प्याप्तक कूछेरताची नगरवन्त रहेतारह । ইহাতে পঞ্চাব গৰণ্যেট এই ২ন্দির্টট এক আত্রালর করিবার মানসে মাসে৮০ টাকা मिट्रिन मरक्ष्म क्रियाहिंग। मूत्र द्वराष्ट्री शकेनभाति व्यवस्त्रतीय **नत्यस** नाई।

সম্প্রতি সমূটি আলেকজঙার আছা জিয়াছেন, কাশীয়া রাজ্যেয়া বিচারপজিত্নি-तात श्रीतातत छेगदत क्याणा चाकित्व सा । कदत । क्यांच नर्याप, छवार विमालमन व जात्रजनर्देश **अहेन्। हिंदी नहेरजंद**हें। केली-ग्राटक कि कांब्रक्षेयर्देब गावि भूमियमच्चेर् উৎকোচ প্রোভ প্রবাহিত ক্রাছে त्यान् दमद्रभन्न १

क्रमण मोरस्य जानासंग्रह अवस्थि ।

ि विभिन्नाम व स्वाद्यानी भीरतम् निक्रमात्र प्रदेशः व्यक्ति

~ # " " WAR WELL

गुरुष्ट्रोशक नहीं देखें हो। निनांत्र गरेवां हे शाटक स्मिन् अकरण गई हाई जाहासा **८०। मिळीरम श्लीवाद्य विके** र करते कर साराम समारक मुक् नाविकविशस्क दश्र कृतिसम्बद्ध मायक व्यवस्था जानामा माना हो। रे, निवारिकारण अधिक विवर्ध পুৰবার আৰু এক থাকি জাহাত

কাহাতেকর আন্তক্ষরিগ্রের এক ও

व्याचार रमध्यके क নামক একজন ইত্যি # नव निर्मान कड़ियांक ऋ विद्वास्त्र ३०,००० है। त्वन। देशांटक २०० जानाम, कार्म रहेरर । मन वार्षम कि बाब जार एक निया विकित्नानम निर्मान कहिनांत ह पिया एन ।

गणादतात दशान ए अस्तन प्रत्या नांग्रे भागात प्रदेशन को जिला পতिঃ विकृत्य द्यांत क्या तरहान, कर अकिनव जादानिहसूत सीवन होते हि ्चत्र वेकडे शत्र विस्थान । **क्षत्रक्रम् १**५ जाकिएकता किश्रीक्षियम् स्टूब्स स्टूब्सिका गत सिंद्रांस कि अप भीता क्षित्रेकी रामार**कृतिकृ** विद्यादक्त है।

३ व्हे कियारावन क्षेत्रकाता গ্রেশান্যার চীপাড্ডার একটি ও गावशास्त्रकादकः। श्रीमाथ द्याव छ ८१ नाकि हा भाग कविता अक ' दिशानिया জাব্দ্ধি ইচ্ছ ভত্ৰভা একাদ বালিকাচ বরিয়া অংপনার চরিতাঞ্জে। কালিকাটির 🖰 **जासक र । " व। बुद्धा ग आहे** कर्माण्डाकि (क्याहिक हैं)

सन हिस्कित्स स्वाधित स्वाधित

ক্ষাপ্তা লাভে নামেরের মলুর
নিয় জন্য ৪০০০ টাকা দিরাছেন।
টাইক্স মহীক্ষেরের রাজার বিনর
আপ্তানে সিধিরাছেন,রাজা এত
ভিছন বে ভাছার পরিলোধ করা
বহু এমনন্তনে তাহার হতে রান্
কর্ত্ব ভার দেওরা বিধের নরে।
বিভব ফর্ননার্থ এক জন ক্লি
ব ক্ষেত্র এক ক্ষি ক্যুক্ত

াৰ শবিবার। 💇

भर चारताक स्वश्ना स्टेर्स । াথের বিভ সভেলের অভ্যাচারের বিবর नारम्भोग त्मल्डेमके शवर्रद्रम वर्रशान्द्र া স ডিনি আসাম চা-কোম্পানিকে এক ভিপ্ৰায় জানাইয়াছেন, ছুলিদিগো উপ ান প্ৰকাৰ অভ্যাচার হটলে ভিন বৰা-उधिय'त्र ८० छै। कशिद्यम । व्यामिद्रशतः জিজাস্য উপস্থিত হউতৈছে, ঠাছার तिङ काण्याति विकारित विविध्य शहेक, म्हेल कि जिले क्रिक्रिशत एडि का-াৰু নিবারণ বিষয়ে চেষ্টাৰ্যান সন্তা কত-হইতে পান্নিতেন গ । ब्रिप्नर्थक बदलन, " कलिक लावमधावहीं शंका मोहरू शांदन रमरथय वाश्याय कि वक्**त जांकी र**खा कार रहे। जिल्ला द्र**्ष्यक्षित्रीक्षं श्राष्टःकार**म हेर ४:५२ द्र প**নির মুক্তি পারনালার** ভিরে এক

संस्थानी श्रम क अराष्ट्र

किलीनमहित्य जटप काय ह

पृष्टे प्रक्रिक्त । अक शक्राद्य र-

डाक्षाक देवीक स्थित का मा

The street

श्री क्षेत्र के क्षेत्र के क्षेत्र विश्व विश्व के क्षेत्र के क्षे

त् व्यातकर्वी समस्यात्रातक गर्छ। । १२ के व्यातकाम समस्याः।

वाहित्येन गारका ५% ६७ "ब्यापम २५ (बार-काही) आदेश नश्रमाधन विश्वक विन गाउँ कवितात अञ्चलकि व्यक्तिक व्यक्ति व्यक्ति विश्वनिधिक विक्र क्षित्र गुंदिस व्यक्ति कहिरसन ।

সাধারণের 'ব ভোন বাজি ব।
কালানি কুনি সাইতে পারিবেল এবিবরের
এক বিজ। ইয়া আশান্ততঃ বছরেশে প্রচলিত
হুইবে। নিজাপুর, মলজাগ্রভৃতিব পুলিব সংগোধন বিষয়ক বিজা। এই উভয় বিল নিজেই
ব বিটিয় বিবেচনার্থ অপিত হুইল।

शक्तिम भारक्रवन अखानास्त्राहत नित्र हि न अक्षि, बेलिन्दरम खेलिन्दरमकांनी व्य-महाम विद्यास अञ्जि निर्मांक कमिण्य निर्मार्थे शक्ति क्षेत्र !

আরন্ধিন সাংহবের আজানাস্সারে স্কর্জ-বিষয়ের বিল পঠিত ও সিলেক্ট ক্রিটির চয়ে জর্নিত হইন।

ব্যবেশার ব্যবস্থাপক সভা। • ই অগ্রহারণ পনিবার।

रेडिट्याशीत समाहात । स्थान अशास्त्रवार ।

आध्यतिका २२ आक्रिके माकिनाम आधा-गन सम नारे। महामानाह महा महमानीक स्त्रि-गांद गमदत आधाहन उद्धा शकीत सहस्र क्रांक गांद गमदत आधाहन उद्धा शकीत सहस्र क्रांक

विवेदेशक २८० चासुरहे|पट्टा

प्राक्त नामक सक्तानिक क्षेत्रक विक्रिक क्षेत्रक क्षेत्रक क्ष्मिक क्षेत्रक क्ष्मिक क्षमिक क्ष्मिक क्ष्

পুৰিত লোক ক্ষান্ত পাল্ড বালেন ক্ষান্ত কৰিছে।
ক্ষিতিক (তে সি আন্তান কাৰ্ডান ক্ষান্ত ক্ষান্ত কাৰ্ডান কাৰ্ডান ক্ষান্ত কাৰ্ডান ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত কাৰ্ডান কাৰ্ডান কাৰ্ডান কাৰ্ডান ক্ষান্ত কাৰ্ডান কৰিছেন কৰিছ

আমেরিনার সূত্র স্থানরবাল উলিতেরে।
নাটনিতে বুলিবুদ্ধ হাঁইলাকে বিলাছে। নাবর্গরেন
নির সেনারা জন্নী ঘইলাকে বলিকেছে। বিজো
না সেনাপতি উল্লাই তে ভালার ইন্না আইলা
প্টমান পাল হাঁইলা মেনিলাক, পোননিল হৈদিলা ও বার্গনিলাল এবেল করিয়া এক দ্বজ্ঞা
অব.ও বিজয় এবা লাইলা বিলাছের। মানিলাল
চারলান টোনে আমান লিখির ছালিতে করিছাছে,
লা লাক বস্তা। তুলা জ্যা জবনা বল পূর্কাক লাইলাইট উবোলে বিজ্ঞাবি পোরণ করা উল্লোভা বা
না বাল বিরাধ ঘটিলাছে। বালা ওবো বিংছা
না ভাগা করিবা প্লায়ন করিয়াছেন। কর্মা

म श्रामी क्रांशिक करि ग्रांट्स । शीक्षक करा वेश्वाकी रगठही कर्म माल्डेर गरिकाम कर्वित्र गाईदाकिक गाईटक काळा गाईदाटक । करामी याञ्जीत काहांक दकान्यांन मात्रामित्म काव्य काह्य क्षित्राट्स : कर्मश्री इवेटक श्रक्षाश्यम करिवाटक ।

श्रीम श्रीदान वाष्ट्रि किष्टु ज़िर्मद समा बस भाग-

> ्राष्ट्र क्ष्यकृतास्य इंटिन्स्स्

यानानंत्र

1355 als depleted were that ability and Pleas grat & arry affent wie feit. कात त्रम अन्त्र श्रेतांगृह और सही १ मा westering antilythe view of a separat fran i die decut fin and expire. क्षतं के नेक्षतं निक्रमानिक करियोज केले. क्त व्यवहरू । यहमूलक वृद्धवानावक्षा विश्वितक क बेटल वंबीय क्याबिट कवी असंबाधिकवस्थात डेरझ,व मा करिता कांच पोक्टिक चाति मा बमा क्रीयूक्त बाजू बाक्यूमांत बांब क्रीयू कि मर्च-গর বঁহার অবিচলিত বন্ধ ও ক্রেটার্যারঃ বারুই श्रीरक, वनवंदिकातीकः माणावाक्यं केरतांकी क्रिकान अञ्चलका^रंक क्षेत्रसङ् । ता विकास्तव वरची-गिष्ठ वष्ट्रांटक वेरवांकी छ राष्ट्रांका विकास विज्ञान चांक्षांत्रमं क्षेत्रहरू । समय कि चान-র।একমিচেছি বে উক্স বিবয়ালর, বং,সম ,বং,সর पूर्व अववि त्रञ्ज अवव कजिल्लाम् । जन्मीक्क वृक्षी-নয়: প্রায় পাঁচ মান অভীত চইলে এই পরীয়ত अकी जासम्बाध मर्बालिक ब्रेंग्रास्था अकरन बरे शक्रीय रव किएक म्यानांच वृति वार्का 🏎 रणत्र विकारमाकताः अभिविद्यते गताना नवस्केत यात्राविद्शत महत्र गर्थ गाउठ অস্ত্র করণ অপার ভারজনাগরে উচ্ছায়ত হছল উঠে। अनुष्य वान् ब्राटकस्म्बन्धतंत्र ब्रावन्त्री कृति-কেও ধনাৰাম, ভীষাত্ৰ হজে ৰাক্তৰপুত্ৰে ক্লাঞ্চলকাল প্ৰতিভিত্ত মুকুলাৰে। যে সমাজস্থানা কথ কাছ জ मांक राजिय चलाकान क्षेत्रक प्रकृत क्य जेवन ভিবেদিত ক্ষুদ্ধ সভাধ্যের একুত জ্যোভিঃ व्यक्तान महाबना क्षेत्राह्य अवश् विकि नामा श-

यत्र व क्षेत्र वात्रा वह विज्ञानकार्य कर्डि उ क्रदेश हैं। रोक्रिकेश्वक Manifest when has Alem Etalalana

कांत्र त्मान मक्क करियाक्ष चरम्हत्यत्र खित्राक्ष प्राथरत

ভংগর আছেন। একণে আনহা ভর্তাট ক্রিছে

কৃতভাৱা সহকারে প্রথা পিতা প্রচেদ্রের

मिकडे विजीख छाटव है जिर्देशक कहि द

वरे विमानात । आकारणाम विश्ववादी वर्तक

अन् दमने मधानीका कित्रकारी स्वेम, नीबादकत

नक रमानक काण्यकामक विकास निर्मा निर्माण । न्यान्य क्रांबाहर उपनीय क्रांचना क्रांबाहर

क्षिक अविका का अ अविकास कि है क्षिणमान किया क्षिति। क्षेत्र अजीवि वर्षेरक्षक स्वाक बर्टका सर्विश (১) चार्गीत महिर्मक स्थान क्षे जिल्ला त त पता वार्यम वार्यम रवेदक लाईक मा चनित्रा हुछे. TOWN, COMM वर्षेत्रं वर्षे हाँद्रि वष्ट्रवादक थ। हैएक काविट्डिसे नीकार्ड बहेडा रहेक्केड बना क्षाबना केंड्रांकि और श्र्वीय श्रीविश्रांटक आह्मा वा रहतम जाविरकेष्टिक जीविमा, जैयर जीशमि ता मुकास विज्ञाहित्सम द्भ केने बोकि बोकिन ता है अपने भागावर्ष करप्र^{क्ष}ेत्र (जीमकन्न करणंत्र मात्रि) वर्षस्था अस् । वह व्यक्तिक शार्यमा मत्क, देवारक आक्र নৌৰিক প্ৰাৰ্থনাৰলেন। কিছু বৰি ভাইলে না-र्यमा वर्षाचेद्र जाखितक वस छाउँ ता छाउन्स आंक्षा वथार्थ केमकित (१) विटक है , पूर्वन ,खोशांत महेशांत महिला रिट क्ष कार्यात कराकत (२) प्राप्त का कार्या का कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या त परंत्रम मा । जाकतिरगत मरक कार्कः, चिन व जाव तक बार्चवारे आवापरेवा बाद है। আৰ্থনা কিবলৈ ভ্ৰাকলিখেব সভাৰাগৰি ক र्जीवर्ज्ञकाम ७ व्यक्तिकारमञ्जू शक्तिकारमञ्जू ह १-

निक्टिंड शहर एरेगान । ८ कतियां आक्षां गमविद्यत आर्थना दि ৰোচৰ চইতে পাছে। অীতিই প্রার্থনার প্রধান সাপান (ঈশরেডে

এতি লা থাকিলে ভাঁচাকে পাইবার জনা এা-

jiaja æ

व्यादि क्यांनि नशक्ति ।

(>) पुरु धकारमहिदा या शटक ** श्रिवत स्टमन, अ: कहा यह खानाह " बार्यना ,, बहै अञ्चर्य-षं कतिया बाटकर्न, छावा कहैत्स कामून, खासून कुछ अर्थना बुबिएड भारत मारे बक्दा चर्चार्थ দ্র্যে। " প্রেরর " উপাসম। ও প্রার্থনা উত্তর ছ-টিভ। কিছু আযরা এখনও কহিতেছি ,প্রার্থনার (স্বার্থ হউক আর পরার্থ হউক কোম স্বতীষ্ট विचरत्रत विष्ट्राम त) चश्न त्रकत इद्देशात महावित्र माहै।

(২) পাশকারির অকণট TEBIN. প্ৰাপকৰ্ম পৰিভাগে চেউন গাঁথায়া, কিছুট गांभवियात हिन्द्र के किवारान के विका fallig o Gue ferce ficer file was Daigh कार्य यात्रः व्याचात व्यवस्थि वृद्धः । किस्स् 本人は (金) おおお 一 ধনা (কাবলৈ প্ৰাণাই शामिराजिक 🐃 野竹

A) (A) Landanies Albeital I for Evi [电] 對地 (中) [在於 例(中) (中) (中) ब्रह्मण का काक्तिहरू काळ त्म आर्थमा किस्ति प्राप्तिक स्थाप T carlo nella care la दराज साथिका करें। महत्व क्रीपना क्रिके क्षेत्र कार्य कार्य कार्य कार्य die mi bant ette femille wi ale cafe au, to ? Welcen weit वार्व की जारिका के क्षात्रक स्थानिक en Cempt lang. and finder mit find कार । विवाद पत्रिया बाटक दव केवत व्यावाटक स्वत्राटक स्वात पूर्व कर्ति का व्यावाटक स्वत्रात स्वत्र का शां चडीकिंद्र नशांत्र का व देरक शास्त्र ; ब्रोहिक (क्षेत्रकार्तिक इतिक शास्त्र को । स्मृ खारात नावान नवान WEAR ! WAY STOWN MIN TO WAR THE त्वीचित त्याचे क्षेत्रक का के के कि कि का कार्या विश्वविक्र इति । स्वीत्र स्वा करंग नेचळ कविष कार है। क्षेत्र विक्रमच में दिल चहारण प्र क्ष पर अवस असिहिट के 14 · 日本中國 14 · 日本中

गत केंग्री कार्यादाक के के कार्यान केंग्रिक मा करिया करियार के स्थान मा उसे अवस्था है। cor mat, Gloty anti- Ares beis fine Print was and print to more the IN MEDICAL WAY STATE WHEEL BOOK STATE sale a later digital de la lateralie at stee sin mar film alle i ade वि राज्येत्र । कि विश्व नेपान वी ता नावेज किस्पूर्व स्वाहित्य केरबंब सूर्य स का बहित है से के किया के किया है जानि से HAR BING ACIF CHAIR MAIN कार्य रेन्स्स अस्ता एक वर्षना त्यत्र व AND WAY - STATE OF −वेशः। गर्दिकः ।

(io) Pas Allaria v अक्रिकेट देश के केरोड़ के रहा छ। " बाहा THE PROPERTY OF L CHAPTER ब्रिकेटिया द्वामारण र क्या करत्व m eiferen ? wund & fall के के अपनि नामादमंत्र महिन्ता । ज्या E am Cantant Mice

लिए इस विक्र के बहुएक एवं वाकित ।

के उपार हा उपार के के बहु है आर्थना कि विक्र के का लिए के का

ক্ষ লাভ করিলেও क्षमध्यत উপযোগी व्यक्तिकारकम स्वास्त्र के स्वतंत्रम स्विद्ध हेन केन्द्रहरू प्राप्त काकार कार्यना बलदम कहा क्रेकः कात्रव र्का जारे वेश व कीशहक क्षां व वच : जोक .१ कार्ट्स " बादवाका अवस्थान थका अवस्था आरक्ष्यक्ष्यकेत्र द्वारूट . के , त्यान मुखार (ट्रा नवशावा विश्वन महि। रा रमधा स्रोता का ग्रह्मावन चात्रा हिंगा दन मा त ভাঁচাকে প্রার্থনা করে নেই ক্রিক প্রাপ্ত হয়। ইবনের বিষ্ট জার্গনার সমস্ক্রীবর্ণনা করিছে शाहि और कारि वारिकांकः व्यक्ति वारिकां म बहै दर केबरबड़ दर महाम क्रिय काकार महिक সমভাব ভইড়া বোল বিভে প্রীঃ; ভাঁতার সভিত कांत्र की कि देखारक ममकार केंद्रेश वर्षन मन्द्रण-त मध्य हिरोक और मधित 🕎 वर्गा परास्त्र म-নি দেই সাধার্ণ दिउ दीएांड महिवारमें नाव লাধু **ইভা** হইডেই বিশেষ বিশেষ সামু ইন্ডাঞ ৰ্জিডেপিকি সং-नाक निवाकी नि क्षितारम देशि सूर्व पर्वत. De PRINT AND ভার আছার depart bush

7547 最調 在真真 MARK ALE in Fille 4d St. • हेर्स विहास क्षेत्र 机线道度 面海原 有证的 है। वृद्धि स्वत् जार र्थना कतिएक कार्यन मादे। केलातमा मा 中 机多种管 网络飞机 की बाद क्रिक्रोजीर प्र

मिश्रका

" प्रवर्तनां प्रक्रतिष्टिताच धार्षिवः सरस्ति। सृतिनस्ती न सीचनाः।

त **छोग**। ८ जश्मा।

সন ১২৬৯। ২৪ আছা রাণ। ইৎ ১৮৬২। ৭ ডিসেম্বর

गानिक मृ ১ है। वार्षिक खुब ১० है

विद्धांशम् ।

গ্রাহ্দগণের প্রতি।

প্রাধকনগদে জানান বাইতেছে বার্তিক ক'ল অতীত হওরাতে অনেকের প্রদন্ত দো মপ্রকালের মূল্য নিঃলেণিত হইরাছে, অপ্রহা রণ বাল অতীত হইলেও অনেকের মূল্য শেন হইবে, অতপ্রথ ভাঁহারা হরা করিয়া মূল্য পান ঠাইরা দেন। উক্ত মূল্য কুলিকাভা সংস্কাত কালেকে সম্মানিক স্বাধিক স্বাধিক মানিক মুল্য ক্রিকাভা সংস্কাতিক

বিজ্ঞাপন।

विवागलास्य च्यानार्छ।

विश्वांशम ।

এই ব্যালমে নিয়নিখিত পুতক ওলি বি-ক্রার্থ স্থাপিত স্থাতে।

विकास व्यवस्था । अत्र कांच महित्य पूर्वा ।। विकासियां नक्त्र कांचा १४ जात प्रश्नित क विकासियां नक्त्र कांचा १४ जात प्रश्नित क विकासित कांचा प्रश्नित कांचा प्रश्नित कांचा प्रश्नित कांचा प्रश्नित कांचा प्रश्नित कांचा একেই কি বলে সভ্যতা । ২র বার নুপ্রিত ॥•

শব্দিটা নাইকের ইংরাঞ্জী অপুবাক

শীতাহরণ

বাসবদ্ভা

গাহিতা মুক্তা,বলী

দুলোক ক্ত্র

ভাক্তি করি মান্চিয়

প্রেক্তি করি মান্চিয়

প্রেক্তি করি মান্চিয়

প্রেক্তি করি মান্চিয়

নেলেকেৰ উপলোগিতা ইনক্ষটাকের আইন ব্যানহোপ ব্যালর বং ১৮২ বহুবাজার রোড

अक्रिश्रह हु**स बन्न** कार

এ -----

শাষার প্রণীত ভারতবর্ষের ইভিহাস থাহার প্রয়োজন ইইবে, আবার নিকট মূল্য (দশ আনা মাত্র। পাঠাইলে অথব। ছগাল প্রেনে অনুসন্ধান করিলে পাটতে পারিবেম। গ্রীফুফ চন্দ্র রার, ভাটপাতা।

সোৰপ্ৰকাশ।

२४० के अर्थित स्मानकांत्र ।

সর চারলস উত ও বীর্তিকারিলল।
পার্লিরামেনি সভ র আগান বেলন
ভারতবর্বের রাজকার্য সম্বাদ্ধে একটা
নলার্থকেত হইকের যোগপুর এই অবদি র্থনজন করিছেকেন। বিভাগপুর
আহত ও নাজিত হইকেনেন ব্যাক্ষ্প
ক্রের্যাক্ষ্প ভারতবর্তীয় কেট নের্যাক্ষ্প
লক্ষ্প ভারতবর্তীয় কেট নের্যাক্ষ্প
লক্ষ্প ভারতবর্তীয় কেট নের্যাক্ষ্প
লক্ষ্প ভারতবর্তীয় কেট নের্যাক্ষ্প
লক্ষ্প ভারতবর্তীয় কেটা নের্যাক্ষ্প

श्रीविकातिमन । अत्र १८ वेत्र कार्या श्रामी यूपानी यूपानी यूपानी व्र क्षेत्र कार्या श्रीमीत १ क्षेत्र कार्या श्रीमीत १ क्षेत्र कार्या श्रीमीत १ क्षेत्र कार्या व्य श्रीमीत १ क्षेत्र कार्या व्य श्रीमीत १ क्षेत्र कार्या व्य कार्या व्य

লয় লাভ নিদ্ধার করি তে হয়।
সর চারলুস উডের আ ক্যাত্রিরী ব
সন্দেহ নাই।
ব হারা ভারতনা ক্র ক্রেরার

वाहिषिकातिगरगत प्रवृक्ष श्राप्त रम वामी क्षित जय रेजिन जिल्हा विश्वाप जारागम र याद्विकाल विश्वपिकारमा स्थ

ाना छ*० (वर्षा* हेगाँ/फून । এथन 'কে'ন হ অবলয়ন করিবেন > বলস উদ্ধে কার্যা প্রণালীন প্রতি এই আরু। ভাঁছার কায়ের্যার এতি ার ভার বর্ণীযদিগের স্বার্ণ পরি ্রিয়া ই বৃদ্ধিকারিদলের স্বার্থ স দানুৱেশ, এ ছুইই এক কথা। অভ ব্রু উড়ের বিপক্ষতা করিতে র্ভ্রের্থর বিপক্ষতা করা হইবে। 🕏 জিকারিদলের সপক্ষতা না _'খ**ি গ**়ালি খ¦ইতে হইবে। ওঁ:-रवन, अरमनीरशता चाकि अ পত্তি লাভ করিতে পারেন हेर्रामित्रव कर्जवाकर्षवा আজিও অক্লুহজ্ঞতা ইহু দি रेट पूरीकृष एम नारे, रेए। ্ংরাড াতির প্রসাদে মানুষের মত হন, ভাহার ই বিপক্ষতাচরণ করি-र। याहा रुक्ट क, वावूंबा अहे शालिब গর চারলস উত্তের বিপক্ষভাচরণ । यक्रम ভূমি র খনিষ্ট সাধনে প্রবৃত্ত ্ন, ইহা কোন ক্রমেই সম্ভাবিত নছে। क्रिंट क्रिंट वाटनन, अर्थन खमन दि है দটারির ভার তবর্যের কাবোর সর্বন্ধব ठा चाटह, अक्तभ ना अकिया यनि है অক্পতা হব ভারতবর্ষের সবিশেষ ্ল খ্ইতে পারে। লেও সাহেব সেই বি কল্যাণ লাতের প্রমাণ হলে লাই-ভা ও ইনকমট:কের কিয়দ শরিতা। क खेशाइतन् चक्य निटर्मन कति।।। दह । ভারত্তৰ্নীর প্রণিষেক্টের যক স্বাধীনতা া, ততই জেক্লেতব্যীয়দিগের কল্যাৎ । কার করিরাছি। কিন্তু এখনে আমাদি ाव धकि वक्तवाकात्य, द्वंशात्न क्रीवृक्ति कार्तिमदलते मध्ये अदननीप्रनिदमत चार्थ

±क क्ष इर्देश, **लाई** खोड़ी दार कारा।

া িনম করিরাছেন এবং লেভি লিভে চইতে প ব্রুষ্ট বিন্তু পরস্পারেও থার্থ वामात्र किश्वमः भ छेक् छ । एक कृत्य विकास मा किश्वम किश्वम किश्वम भित्रात आक्ति সম্পুণ সম্বাৰণীৰ **র্ প্র**ণ্ডুগট্রট্র করেদলের মতই 🐞 ্ৰিয়া সেই মহ নিকটে সমবিৰ প্রচাবের প্রবল যন্ত্রে স্থানের । সে যন্ত্র हैश्वाकी समाप्तांत शक्तः। हाः शुक्रविष्टाः व व्यत्तरक व्यत्नभीशनिरशत भएड व्यन्ता कर्त्वन ना । व्यक्तिकृत अक्षा भःषाविष আছে যে এদেশীয়দিগের একটি সংধারণ মত নাই (এটি সামান মুর্থ চার কথা নচে. আমরা দেখিতে পাইতেছি এই সাধারণ মতের উপরে সমাজের অনেক গুণাগুণ নির্ভব করিতেছে) ভাঁহবো জীবৃদ্ধি করি মতানুসারে চলিকেন সন্দেহ माई। ভाषा श्रदेल अस्मिनीयमित्रात देखे শক্ত ও স্বাধ সিদ্ধির সম্ভাবনা কি -

যে মত যথন প্রবল হয়, ভালনু ं (द्र कार्य) इंहेग़ थाटक, हेश চिরপ্রসিদ্ধ चारह। देश्मरखा च्यीचंत्र मक्षम् रहमति-त नमरत अम् नम ७ ७७ (ल मारम प्रे क्रम क्ष्माती ब्राकानूरमाणिक क्रेश ध्यकः পীতৃন করিয়া অর্থ সংগ্রহ বরে। এজা রা ভাছাদিগের উপরে খড়ুগৃহত ছিল, অর্ত্তম হেনপ্লির রাজত্ব হইলে ভাহাদিগের দ্রবিধান চেন্টা হয়। কিন্তু পীড়নকারী विनिहा ভाशिबरभद्र मात्र अखिरयोश के द्र য়া ভাদুশ কুতার্থতা লাভের সম্ভাবনা না থাকাতে এই বলিয়া কশ্পিত অভিযোগ कत्रा हरेल या काशात्रा मक्षमरस्वतित मृक्षी-র পর অভীম ছেনবির প্রাণসংহার করিয়া খহন্তে রাজ্যভার গ্রহণ করিবার চেন্টা পাই ताहिला। धरे व्यक्तियादश्रंत विष्ठात स्वैता তাহাদিগের দণ্ড হয় । জুরিরাও ভাষাদি ্ত্তর সম্ভাবনা, আমরা বছবার একথা, গের দণ্ড হওরা সকলের অভিমত বেধিয়া ঐ কম্পিত দোবে তা 'কিগকে অপরাধী कतियां इरलम । व्यक्तिक व्यक्तिकदर्द स्य ইউরোপীর অপরাবীর যবাবিধি মণ্ড হয় ना, जाराहुक काहन और । देवेंद्र लिएकी

भारक जम्बुके इस, शवर्गरमन्त्रे अई छन्न ्राद्रम । व्यव्यव यावश करननीयमिटनव মত ইউরোপীয়দিটার ভুল্য ভাবে আ দৃত না হইতেছে, তাবৎ ঠেট সেক্রেট রির ক্ষতার হাস করিবার চেফা ভজ मायक नरह।

> সত্য অন্ত কালেছেও বি এ উপাধি गाएकत १ शैका अहम हो जि প্রথমিত করা উচিত।

সম্প্রতি ১৮৬০। ৬১ অক্টের এডুকে শন রিপে,ট প্রচারিত হই গাছে। পাঠক वर्ष हेरू द कृल मर्थ अख्वासुद्ध मर्मन किट्रिन । रेश आहे किन्न मार्ट्स्त् दि-घीत बरव के कारय के विवत्तन। अहे कहे वर-সরের মধ্যে আমবা ত'ঁ_।হার নিকটে অনে-কৰিধ ইউ কল লাভের প্রভন্নশা করিয়া-ছিলাম। কিছু অনেক বিষয়ে পূর্ণমনো-রথ হইতে পারি নাই। তবে উঁ.হার বি-বয়ে এককালে হতাশ হওয়াও হয় নাই। বোধ হয়, তিনি দীর্ঘকাল আর আমাদিগ কে কোত প্রকাশের অবসর প্রদান করি-त्यम मा। यमा यात्रहा अहे क्षत्रहम हैं।हा-क इरे अकि मदश्रामर्ग मादन अवृत्त रुर्लाम ।

वणरणर्भ यक विणालग्न श्राटिक्ट व्यक्त, य अर्यास अव्यक्तनीत विमार्चित-ণের মনে বিজ্ঞান, নীডি, ধর্মনীতি, পদার্থ বিদ্যা ও বার্ডাশাস্ত্র প্রভৃতি দুয়তর্ম্বপে বন্ধসুল নাহইৰে, সে পৰ্যন্ত প্ৰক্লুত কল্যা-ণ লাভ সম্ভাবনা নাই। লামান্য নেধা পড়া শিধিয়া বিশেষ ইফী লাভ সন্তাবিত नटर, दब्र छारा अनिटकेनरे रुक् म्य । এক जन সংজুত कवि निविद्यादहरा-

আলাঃ কুখবারাখ্য क्र्यक्रमाद्राचाटक विद्यवकाः। कानगरपूर्विषय १ **उषाणि महर म स्थापि ।** कुर्यदक्ष क्रांत्रीटन अक्की क्यां यात्र विकास कार्या महस्त्र माध्य पर जरूक कर्व ; क्यि देश हा कि प्रश्निक कारम, अचा ७ फार्म मरमास्थ्रम कहिएक शास्त्रम मा ।

পোপত্ত এক স্থানে এই ভাবে লিখি-

অস্পজ্ঞান অনর্থের কারণ, পেথিরি-ग्राम निर्वत कल भगांश भत्रियात भाग मा क्तित्त क्यांव क्राम् ।

ফলতঃ অংশ জ বংক্তিরাই ক্ষারভবর্বের केंब्रिक लाटकंत्र क्ष्यान व्यवतात्र स्टेश्नाटकः। छात्रकवर्यगानी अधिकाश्य लाटकंत्र अण्य জ্ঞত। নিবন্ধ যে অনিষ্ঠ ঘটিতেছে, সাম-রা অণুক্ষণ ভাষা অনুভব করিছৈছি। ভবে অ'পজ হ্ইতে এত্ৰিম গ্ৰণ্ডেক্টের কিছু क्षेत्रकात्र लाख हिल बट्डे। क्यांनीशिति श्रकृष्टि करण्किष्ठि कर्ष अवाबार्टन छिनाता गारेटकहिलान किंद अकारन क्छागरखन मश्चिक প्राक्ष्यं इंडब्राएं तम डेनका-कत्म द्वान इहेन्ना चानित्वत्ह ।

पक्रत् विरवहना कड़ा कर्खवा अ वि-শে বিজ্ঞান শাস্ত্রাদির সমধিক প্রাতৃভাব হইবার উপায় কি : প্রথমতঃ এতকেশীয়-फिरशंत यम, वर्ष माहाश मान, अवर शवर्ग स्मर्केत चानूक्या। याँचाता वनतम-भारक छेखमबरभ कारनम, डें।हाता व्यन'-गारम बुबिट्ड भादित्वन, अरमनीरमद्रा चाकि अडामृभ कमराभव स्न नाहे रा এবরিধ রুহ্ং কারেটা হস্তার্পণ করিয়া স णूर्न**करण इन्ड**कार्या इरेब्रा केटेन । भण ७० वर्ष्त्रत्व मध्या भरनक विश्वयां महिमारम्, (मन्द्रे **अटनकटक श्रृषिकिन्छ** कतिहाट्डन ; व्यात्म भवर्ष्वात्मेत्र वागारम विकासि भ.८**॥ जिंदाभव बृादशम इदेशार**क्त । जीत **७वर् ८क मध्यानाञ्चकात्र एरॅटफ छेकात्र क**ति রার অনেকের ইক্ষা ও চেকী কলিয়াছে। .चात्रदक तुन्दे ८६ छ।तूक्ण कार्या ७ मात्रस क्तिशास्त्र । किन्द्र वीद्यक्तिशंत नाराया। मूद्रा मिक्सिन केश्रकाकः वृहेशक महावसा । व्हेत्राद्य क्षेत्राट प्रकान वयर प्रकार

चाट्य, रग्रे क्यिकितिमिरगत मरधा ভাতুৰ ধনী লোকের সংখ্যা ছতি ছেম্প। इंकानीक्षम धर्मिपरभन पार्यस्य विद्या-अब्द क्षिकेंद्रिक अक्षि व्यानवादवन सर्पा विश् करतम । कलकः व (क्मीरव्रता का জিও বছৰামানাসসাধা বিজ্ঞান শান্ত্ৰা-मित्र धनुनीलनार्थ विमालगानि अ विक्रांत्र নমৰ্থ হন নাই। গ্ৰণমেন্ট প্ৰতিষ্ঠিত ভা-मुण विमाल्द्रावत मश्यां अधिक सन्न। বে মুই একটি প্রতিষ্ঠিত হইয়াছে, স্বাপ কাল মধ্যে তাহাতে আশাধিক কনলাতও रुदेग्राट्य। এই मन्द्रा ज्यामानिद्यात्र विष्ठ-তম ইয়ঙ সাহেবের কথা স্মৃতিপথে উদি-ত হইল। ইয়ও স: হেব তিন বৎসর পূর্বে म. छेथे कनिष्य खुटिंहे विमिशा निर्विशाहि-त्नन, शर्वरमणे यि अक्टन निका मान का-থ্যে পরাধ্য চন, ক্ষতি হইবে না, বালা-लिता अकटन विमात त्रमळ हरेत्र। एवन এবংকাহার কলোপধায়িতা বুঝিতে পারি-স্নাছেন, ভাঁহারা একণে অন্য সাহায্য নির-(अक इहे:। बुग़: निकाक!र्या भीकिक হইতে পারিবেন। বোধ হর, ইয়ও সাহেব ভ্রমেও কখন চৌরশির্ভসীমা অতিক্রম कतिया त्रीमालक्षम मात्व पूर्विण हम मारे এ দেশে विकासि भाष्ट्रात नमधिक पासू-শীলৰ না হওয়াতে এ দেশের কড় অনি-ষাঁছারা মফস্বল পরীক্ষা করিরা দেখিয়া-ह्म, जाहाबाहे बुबिए शाविसाहहम। আমরা বাহুলারপে যে যে বিষয়ের শিক্ষা একথা आञ्जा अवीकांत्र कृति मा। शवर्ग मान श्रञ्जाव कृतिरुष्टि, कृतिकांका श्रिकित লি কালেক কেবল এক ভচুপৰোগী খাছে। भवर्गतालेंत्र व्यर्थतः व्यनक्षि निरक्षम इ-क्षेत्र, व्यथवा निकाकादयां हा, वर्षातान्त्रिण-গের অনবধানতা বশত হয়ক, আ ব্লুবে ক--(प्रकृष्टि प्रकृष्ण विष्: लिय व्यक्ति का लिटबार नवककाना लाखार्थ खेलाख प्रदेशी हिन, काशनिरभत केम्प्र लंबे प्रक संक्रा

कार्ड (महे श्रीत भूमान ত হয়, এই শবার ডাইব্লসাহেম শ্রী বৎসরত ভাতার সুভলা অ.ঘাত করিয়া থাকে:**নার্যাক্র** বার তান নাই, সক্ষতেই স্থানে **धकनो ध्यिनिर्दछन्ति रःस्मान** शिक्षकारमञ्जदक न्मार्थ। छेरखन्ना कत्रिमाहिल, শগ্ৰবৰ্ডি ছও ম ড়িয়া সাও। পাঠকরব : করিয়া ১৮৫৪ অব্দ পর্য श्चनमञ्जू ७ स्थानी कार्य थ। हिल, अक्वांत्र मर्भनः ১৮৫ - ক্রেড ৯ মন প্রথম পান, ভৰ্মো ঢাকার ও পুত্রী २ ज्ञन, दशमीत्र धक क्य^{्राटकार} ब्बर २ जम । ১৮৫১ वटक्री णकात २ जन, दशनीत c. श्रीक्रिक 8 जन जरर हिन्छ कारला 🐺 इंकि भारेताहिलन्स्री मत्था जाकात २ खुत्, । नमधरत्त्र छभनीत ह सन वार्ट्स सारम्हाता में जन भरीकारण केंद्री प्रशासिकान 8 जन, अपर कशिकारके १ वर्ष **पेंड** १६ सन शास्त्रकि काल रहा। के अ शवर्रामा कर कि इन्टिंग्स, अने अवस्ता कार कार महिल्ला कर यरनात्र कारनाक कृति। द्वारा कार्राम हिन्द कारतरणम् विकृषे विकास । चरवे जेन पर रिगामक व्यवस्था केंद्रगणाक्षयः होत्र त्यसः सम्बद्धानिक प्रयोश ७ इनक्स्रीरि रेवाह केशन बार के नवेन मने त्यन अर्थ ৰ আৰ্মেক প্ৰকৃতিক অপ কারণ এদৰ্শন कतिशाहिएसम्, स्रोम (१ अवंश सक् स्री प्राटम् ।

अध्यक्त । ४३ चटक यह रक्टकटन अं

ৰ্বেৰেটয় ১৬ কোটি টাক্। লাভ ছইয়াকে

केंद्ररथा निका कार्या क्यांश ४ मक आ

वाशिक देरेबाटक । दिमानी कतियाँ देनेकिस

वाक्तिक्ति मन बारा शहर ना । हेश्नटखन्नाटकन्ना ७ छ (य मछा, শেখানেও মেন্টকে প্রতি ছাত্রে २५२ मिट्ड । यहरणनीय भवर्गसन्छ विष्णाविष्यः । कुन्नवं क्रिएण्डम षामत्र वेएक शांत्रिएक हि न। । ইনে গ্ৰণ্মেন্ট কি তা न रहानमा २ अक्टर म विशालश ब्हेशारक। ্রায়ে রিয়া অনেক ছাত্র প্রবে 🌉 জানেতছে কিন্তু ভাছালিগের ্রিভাহন নাত্র সার হইতেছে।

किर्म कि कादनद्व वर्गासन क

্রিরা। কলিকাতার অবহিতি

ইবের ধাৰতীশ ব্যয় নির্বাহ

क्रिकाटक जरूज तरह। यमि 🎇

কালেজ থাকিত, ঘন্

हिंचि कारलटक व्यथनाम

न्ध्र हेक्रा । ान्त्वाथ **अहे, : । एक विकास** িও বহরমপুর এড়তি স্থানে বি এ উপা রে পরীক্ষা দানপ্রধা প্রবর্ত্তিক হর, ভাই वर्षे हमारहर छि। एत यक्तवान इन । 📲 आं किरगंत वक्ता लंब तक्ति. बाट्स घामतः भूनतासः अविवटस एखटके ₹त्रिव ।

रे गक्ल कार्ला

বাইলাদেশীর হিছুরা এত অলগ, ্থীপ্ৰলাভ হীনগাহস কেন? मूर्ष रेवणाटक त्य कान त्वारशंव निनाम प्टें अक मान के किया के किए के मान के किए किए के ो ए एक कि व्यक्तिमी समिति काल मा छ गैनवीया क्रानित्स अक माज कांत्रदन भगा নিত করি। বেন **ভারণ—দেশের** দেখে। ारामक देशावर क्षेत्रि अब बाज कातन हरेड. े क्रूबर स्टूडिंग नामिल क्रूबस्याटनग्राथ दिन्हिंग भार मार अनुम क्षीवन ७ जीनगार्म **इट्टिन मटलक् आहे**।.

काणुक्रदबद्गा व्यवद्रश्र देवत्वत्र छेशतत निर्कत ক্রিয়া পাকেন, বেইজ্প আমরা কেবল এক **(मटनंब मोबदकःकांद्रश कृद्रश** निर्गत कृदिया निष्ठिय ना **करेता यशि खना ख**ना कांद्रश्व অবেদৰে প্রস্তুত্ত হই, বাল্য বিবাহ, অসার स्रवा जन्मन, जूनक भीविका, खारमद अन ভাগে প্রভৃতি অনেক গুলি কারণ আমাদি গের বৃদ্ধিপথে আবিভূতি হইবে সন্দেহ नारे । चना व लाविवाशिक अनम द्रा আমাদিদের অভিত্রেত নাহ, শ্রমের অন-ভাষি, প্রবৈশর অত্যাচার, পরাধীনতা, ও যে সে ক্রান্ত ব্লাভিনে পরা খতা এই ৰী করাই **অভি**প্রেত। শারীদিক পবিভাগ অভ্যাস मती दिला है हरेल कथन दन, कि के क्षेत्रकार कर मा, दिस दश বিশের ছঙাগা কেন্দ্রোবহার দোবে দেই শারীর আমের মহানুর্বিল্প উপস্থিত হইয়া- एवं मन् व्यक्ति थाहीन ताकशालत অধিকার কালে 🎇 নগাদি বর্ণ বিভাগ थया अवर्षिक रहा क्षितर् रुटर्मत त्रोक-या है (नहें क्विंसित छे। मना १ छ०कात्म ৰাৰসায় ও কাৰ্যা খ্পন খাপন ব্ৰ-"**गरूल व**ंगरक्टे वाल्या-করিতে হইত। এমাভ্যা-দের য়ীতি ছিল বটে, কিন্তু স্বতন্ত্র স্বতন্ত্র বর্ণের স্বতন্ত্র ব্যবসার নিরূপিত থাকাতে भातीतिक यम बीगांकि विवरत रक्छत है-**जन विरागन मृखे ११७। अ**ना (कान वर्गरे छविवदत्रं कवित्र वटर्नत जूना हिन ना। क्रकिटराता रेगमेवायुधि चन्न ७ व्यासायाचि শिकांय कालरक्षण कतिक, मुख्तार बना যাৰতীয় বৰ্ণের অপেকা ভাহাদিলের বল, বীয়া, উৎসাহ ও সাহবাদি ঋণের উৎক-र्य माख इदेख !

सानि विकास विशव काख क्रेसारक। किक ভারতবর্ষের জনা কোন জংশ বাজলাদে-भित्र गात्र व्यटनीकाई भानी नटर । समा काश्टलक विकासित वानगास विकास माहै। छेखद्र পन्धिम अस्टल जीवन कद्र, अहे वि-भव न्त्रके मस्मरभाष्ट्र हरेरद । यक्तम, या-জন, অধ্যয়ন, অধাপন, দান, ও প্রক্তি-এহ এই ছবটী যে ব্রাহ্মণ জাতির কর্ত্ব্য वर्ष विनशा निर्णिन इहेशाहिल, अकरन নেই জাতি বহুতে লাগল ধরিয়া ক্ষেত্র क्वंन क्रिडिएइ ; क्रीवाद्रिक्टा अकृष्ठि অতি নিক্লয় কর্মণ তাহাদিদের অনাদৃত अन्तरलिक नरह । याहाता कर्यन वहना-দি করিয়া থাকে, ভাহাদিদের অ্রা र हैर छहे खाया छात्र इहें में छैट है। से नकल দেশে এমনি একটা বীতি চইয়া উঠিয়াছে, যাহরা অন সাধ্য কার্যে বার্টিয়ানাণ না हम, ভाषातां अ नातीतिक वस वीरा किन व्यक्ति ७ वर्षन क्रिकीत शताश्य महरू। हिन्छ्यानीय बाह्यादमताहे हेरात अभाव

वनपारम हेराज मन्तृत् देवभजीका ल-ক্ষিত হইতেছে। এদেশের কোন শ্রেণীরই প্ৰায় প্ৰকৃত ৰূপ অমাভাগে নাই। এদে-শের উচ্চ ত্রোণীর লোক ব্রাহ্মণ ও কায়ছ। बाराड नाजीतिक वल वीयां भित्र द्क्षि राम कं. हा विरागत कामृभ साम जन्म कं अहै। মত্ৰতা ব্ৰাক্ষণ ভাতির জীবিকা যেৰপ मूलक, कॅ.र्:मिरशंत यमा कमाहिर व অভচালনা হয়, তাহাই অনুত। এই জা-ठितक चकीविकात आक्त्रनार्थ क्षत्रामदान् रदेए रहना। यना जना व्यनीत छेलहत्रहे हेर्दे। फिरअंद्र की विका चर्च्यत्म काद्र । अना चना व्यनी देशीनिशतक (शीरताहिका कारगा वतन वैतियाटस्य । देहीता जीहानित्यत शत्रदलांक्यात्रांक्य मीषम क्रिश (गन, कें। होत्राक कदिनिमर्स, ब्रेंक विरान किहरू व्यद्रशासन कृषिन करतम । शतन्त्राद्रत वम अकरन नर्रवारे दिन्द् काकित वायनाः विश्व काकी कामायायका कार परेतारक, त्य

मही अपने देशकों है ता एक एकार कार्य क्षेत्रं केंद्रिक व्यवनार किकिन खान्नन जार करिएक परेरवन केवून मुगक केवि-का जट्यू 'बे'याट मनाथा कारवा रख-্জেগের সন্তাৰনা কি ? বস্পেশের দ্রামাণ वंदर क्याहारत थान छात्र कतिराम, छवाणि वहास हल होलन क्षिद्रवन ना । टक्स् **बाकार** नहें स्का होतान अभक कहिता ভারার সহজে মুখ হইয়া লাগুজভার প तिहत मादन छेरभूक क्न, किंक छै।बामि-গোর অনুষ্ঠীধ্যান শান্ত্রনিধিক অন্যবিধ वावज्ञात विवय अञ्च स्टेरल मूक व्हेश बाह्य

हैरब्रोक मन्मर्ग ७ देश्योकी विभाव शकीय गरल मिल मिल विष्युधरण लादिन অনাস্থা, ব্রাক্তা দথের সংখ্যা ও ভাঁচাদি-গের বিলাসীরতার বৃদ্ধি হওয়াতে প্রাক্ষ ৭ ফাতি শাস্ত্রপ্রতিবিদ্ধ আরু একটা যে মুত্র শীরিবা অবলয়ন করিয়াছেন, ভা হাতেও বলবীঘাকর আমের নাম পদ্ধ गाई। (म कीरिका हाकती। हाइ। एक पिन मिन वल तीरगांत्र काम महायना विना वृक्ति সভাবনা নাই ৷ কায়স্থিবিগেরও চাকরী উপজীবা। ভাঁছারাও বলবীয়াকর জ্ঞা माध् कार्या इन्हरकल करतन मा 1

অন্য অন্য শ্রেণীর শ্রিরিক শ্রম অভ্যাস व्यार्थ बर्टी, किन्न वन्राम्यमञ्जूषि निर्मेत বলিয়া জীবিকা সুমত হওগাতে ভাছাও यर वरिष्ण बरहा वर्ष्ट भिन्नेत्र कृषक मिर्नित विषय भगोरिलाइमा एदिटलरे जामानिर्गत वक्करा भाठकगरेशत श्रमग्रम स्टेरव । अ-वंशकः अरक्षीत्र द्वाविकार्या भर्यात्री वल প্রভৃত্তি দ্রব্য স্থাত অতি সামানা ও নিতা-ন্ত লবুভার। ভাত্রি পরিচালনাঘ আমের ছাদুশ আৰশাক্তা হয় না । ভূমি ৰাপ व्यक्टपूर्वे भन्ना छ नेना क्षेत्रां करत् । एश न এक्ष मृथिया क्रीक्शार्य, उथन क्रुवरन वा वालगानत में विदेश (कम , जलरमत चित्र के भारीनेकाली स्मितिस्त्र राजना

े अनम नाथे विश्वका थाटव ना । अग्राक्ष विका कार्य, ৰাজিৰ অধিক পরিয়াণে তাৰা ভোজন সম্ভাবিত নর। যাচ'র আচাব অংশ, সে भुःभवीया मा इटाव क्रम : भुग्भवी-অেন্ত্রি সাহস অসপ হওয়াও অনৈস্থিক ও অসমত নচে। আমত্রা বিলক্ষণ পরীক্ষা क्षिता द निवाहि, धहे बामलात्मदास्य বে স্থানের ভূমির ক্ষি ্বার্য অশিক্ষর क्यानिका, उनके (महे जारमंत्र स्नारकता **অপেকারত অধি**ক ভোষ্ঠী ও অধিক্**ৰী**য়া। এই ৰাজনালেদের পূর্ব ও পশ্চিম ভারা শর্শন কর ; পূর্ব ভ'গের অংশকা পশ্চিম छारभन्न ब्लाटकत्र, बनवीर्गाफि विष्रम বিলক্ষ্য-প্রাধান্য লাভ করিয়াছে ৷ ভাহারণ व्यथिक अभ करन, व्यथिक बाङोव करत्र, সুতরাং তাহাদিথে, বীয়া বন ও সাহসা-मि नक्सरे अधित । अम, चाहात ও বल বীয়, সাম্সাসি প্রম্পারসাপেকা ে অব অধিক থাকিলে জয়ে সারবান দ্রবা ভৌ-करत्त्र व्यक्षेत्र धार्वार्ष्ट कर्मे हेर्

উপত্যে যেৰূপ প্ৰদৰ্শিত হইল, তন্ত্ৰারা न्त्रके मुद्धकांव २३८७.ए. वन्नामान्य क्रय-कामिक्रमधीव हावनिरात्र गर्पाहिण 🕆 र बंकार का बैधि गश्निमि विवर्ष सून्वकः क्रियारह । अवस्त्रिव, धार-। লের ক্তুত অভাচাব সহিষ্তা ও চিরপরাধী নতা এত্তি আর কণ্ণেকটী এই স্থানতার कात्र । चार्ड । क्रन ह'ि त' ी दिवा हित পরাধীন হইয়া বরাবর এবল বাজিদি গের অত্যানার মহ বরিলা আসিতেছে। मुख्तार डार'मिएशत नेन्द्र नंख या किছू रेनमर्जिक भारुमानि खन दिग, करा ब्रिक ष आश्च का हरे तो करण विकास आश्च हरेन ছে। যে থে সময়ে তালাদিলের সাহস।দি क्षन कत्रामा में एवं, अवस्त्री व्यवस्ति 🖼 কৃটাৰূপ অল্সেচন, করেন তৎফ্রুণ্ড কা रां निर्देश हरे.।। यात्रा (वास हरू प्रक्रिः) কেছ একটা বুফ রে পণ করিয়া কল্লৈক্স **एक् मिट किन्छ ि मार्गन उ उपरत श्राप**

क्रिशा (मझ. अं इ লেও কি আপনার ৰারা আখা স্ভাবের श्रदेश :

পঠকগণ আমাণি পাঠ করিয়া একপ ম वकरमरणंत्र अल-वाशुः अरुचा वला जागामित मा प्रामिश्तित वख्नव द्यमभील प्रशासनायः ম্পান হইয়া সেই ब्रिया व्यामनारक छै.ब्र রিবার চেম্টা পাই, কুত নাই। আসমা পরিভাপ (महे (छकें) कबाई कईवा।

ভারতবংগর লি ৭ ও বাঁ৷ 📆 े चा श किस र ते मा के किस " भ्यादमकान्निम हेन्स्रिन्। 🗥 🤊 भी। कार्क काम्भानित वा^{तिक हे} हैं। त्र प्रिवटिंग क्योंनी व क्या ग्रह्म क्या কার্যা কারক মধুর জ্বোলুড কলিয়ে ট্রিক্সিন্ मम वश्मद्र भूदर्व क्षुंत्मद्र त्य 🌉 विद्या दिया, शक्यत्वकाराष्ट्र स्मृष्ट 📆 📆 थिक इकि रहे।एहं। देके क्रिक्र कि तिक , छ तक्षर्भ विद्राप्तकः हासरे का विद्रा त्रो विशयका हेश्हाक विकित्ति एउटी नीह काम काम चर्न में अधिक्रमा और तरकरहत । द्वा कुर्रामा के सब रह रहा देर के निरमार बर्गामाना भवता हिन उस क्षकरव,व अ अ अति व्यप्ति विवस्त विलाम खर्मात्र च कवारिमारे. - रेश्मरश्रत भग्नकष्क ना रं 🚊 एक व्यक्ति शक्कित्रके नदर। व लिए क्या २०वह पूर्व 📆 💏 क्याम नाम तार तारे - sc.i हिस, डाह्य क्रिक्ट्रें लोक्सप २०: तात गाति दृशिक क्रिकेतिक क्र श्रीवरभाष (व ल् " (मानकाविम^{क्ष} (दर्भ म्लाबिः पूर्णे ए स्मर्यस्य । कारास्थ्ये करीः

সানি বংশক থামি া গাড়িও বাস্পীর ौ ছिলেন । ১२७२ ক্ষেক্ত প্ৰা धत्रम कतिहा देश्लक्षण शक्योबित जुलाककरः विकास, निःश, वानिः व विभविष् आंग म् स সভাসর হইতেরে কি,লিপের রাজান্ত্র

ফরিং। করা**সী ই**ভিম্বৰ া অবশাই জিঙ 🤚 াড়ি ইফার মূল কারণ ধ্ ্**লার** করিতে সমর্থ হন

র্যাক হার ছাবা সম্পাদিত সম্রাট ভূতীর েবেগ্রাদেশন

অৰ্থ দৌজ্ঞ, নাতে চবিতা ৰা **কেন**ৃ ^{এট} শ্ব ব্যৱস্ত विकाशियं नर । ध्या । ध्याराश लुम्म िनिद्यारण अवृद्धि া তার ভারে ভারে হার উপরে নির্ভর করিতেছে । স্থামরা নিজে कित्व करबा**मरमानी प्रव**श किल् দ্রব্য প্রস্তুত ব্যবিতে পারিতেতি 🔏 ব্যক্তি

কোনু ড ইহার উর্ত্তর দান কিন্তু কিন্তু প্রায়েশ মেলা া তা অধিক ই সাম্যের এই আন্তল **্রিক্ট**িটি, **বির্ভাগি প্রকৃতি**টি বিলের হা विकास कि अपनित्र महायम প্রার্থকা বিদ্যালয় हिठा देखा है स्ट स्ट अ अरु गरम नुतिशाहिदानी क्रिकेट प्रकल निर्शाहित नि জনশারেরা **উন্**থিতে পারেন না স্থ ভ.রতবর্গী য়দিগের ায়ে তাহার শিক্ষা কাব্যে পটু অভিজ্ঞাপ

> चानाय आमिनी मिलान वानिकानि কায়ে পরা থেতার বিষয় উচ্চেখ করিছা আক্ষেপ করিয়া খাকেন এবং ইহার এনা प क्किंश बहे जिमास्त्रम ध्वमर्गन करत्रन स्य अरमगीरगदा त्रलक्टा अङ्डित अश्म कन्न ত্রিতে উনুধাহনন। ক্রাক্সে কি খাদল বর্ষ भूदर्त अरे नश्च समान्। हिल ना ? किंह अ মন্ত্ৰ কি এক ক্য়াসী কোম্পানি সুই**জের খাল** यंभरम माख इस मारे । देशबाक काणि वहे काव, जिमाधा दिवहमा कतिराहि दमम ।

ধাঁত তীয় রেইলওয়ে করেন না ও बुद्धिक मिर्गत निष्टिक पाक र । भन्नरमध्ये यकि मुल विशेषिकार तम, छोड़ा है টিকার মরিচা পড়ে ম'। ক্রি কোটি টাকার বাণিকা में कि उन्हें कि उन्हों है तम अब विविद्य की क्षेत्र । । (कवल त्वात्र हेट व कट प्रकृष म क्षित्रिको विद्यालया वानिका कविद्वारहरू এই নাত। এতদ্বিদ্ধ তারতবর্ষের সমুদ্রায় विकटक मिकाममात ও मूमस्थात वैसि त्व ४% । इंडेलाली। प्रतिस्कतारे समूचान বাণিক্ষা এক চেটিয়: কৰিয়াৰ্ছেন : জীৱাছা-বৰীয় গ্ৰহ্মণী কৰে যথাৰ্থ উপায় অবল त्रम कतिरायम ? कत्य छात्रछवची त्रावः विराप भी। वादिएकात शक्ति गन्नवान क्ट्रेश्न : বৰে আমনা বাৰ্বিক বনিক্লিগকে জাই क्ष्म कड़िश नामा (मटण बाविका कड़िए) (पश्चि / ध खुन जित्र छ। ब्रह्मदर्शत मा স্থান হইছে বস্ত্ৰ ও লৌহ ফ্ৰাং প্ৰভৃতি क्ल रहेरा धुम बाहित रहेरत, अ लिउई ৰ' কত দূৰ ২

क्ट क्ट अपटन अहे बिहा। अकरि অ.পজি উষ্পের করিছে পারেন, জাডা खिमान वारणनीविष्टातत व:बकीन लिहा भिका ও विरम्दम वानिका कारवाँ ब अक्रि মহানু অন্তরায়। কিন্তু আমাদিগের নিক **টে এ पार्शक प्रथंश**नीय दिनश क्षीत मान रहेरण्टह ना । जाधनाय म्यायना থাকিয়। শিক্ষা ও উৎসাহ **প্রাপ্ত হইলে** ই হারা জাতাভিমানকে ভাদুশ গুরুতর জান करतम मा। व्यक्तिकाल क्यांटल क्रित क्राम जाका बाज परमञाकीक भवदक्र के नेता বুৰ বুইটেটেন ?, কৌন ব্যক্তি ঢাকরীর

যাহা

(इत । ध पनि को इंडेम. डाव निश १९ ना १९४४ न्या का जिल्ला । जात्म कि । डाडिनान करेटव बनिया ॥ जन र नाश टि दिस्स थाविटकन ।

ेद्रेनका होता महकापत ।

आहि स्वित क्षाइकि काइव निष्य विष ना अगरमधिए व्हेश काल्याडा लाइब ३ शुन्दात खाइति इस्ट्रीय द्वार किन क्षाइ ना विश्वित शिक्ष इस्ट्रीय का क्षाइकि ना विश्वित शिक्ष इस्ट्रीय ना किन्ना खालिश्वर के काल नाइ, होने के नाम का दा भारत कि का उत्तर के का नाम करें विश्वर महि हो जा का का का नाम करें विश्वर महि हो जा का का का नाम करें विश्वर महि हो जा का का का

🎍 বতীয় গাড়ী ভিন খেলিড়ে বিভিন্ন तया बहबाहरू। इहातीन अञ्चार शहात भागी এবং লেশি ভাক্ত গ্রহরে । ইশার ভাভার নি ा कन इस् बाई । ±खरित क्यंत्र अक्त लाई ্রতীয় ৫ তৃতীয় শ্রেপিতে বিভাক্তি কইবে। সিভীয় কেপিয় ভাড়া প্রতি ঘণীয় বার আনা প্রতি নোশে আট আন। **ভূতী**র এখণির এ প্রকার চারি আনা ও ছুগু আনা নির্দায়িত रवेगार्छ। जीर्ष्णायांगन्निगरक अक अक काणवान विभिन्न प्रकेरन, ध्वनः द्यां छ नव्यतः ३ होता। क निया कि भिया दिस्मिनेत कहिया सकेएल एके (न, "डा भोत निगरभंत अन कि कड़े शां वि शहसः र शिएक स्केरव । शांह ज़िल्लामिहिरान (कह यक्ति অবাধাতা **"প্রকাশ** করে অথবা নালি দের ाशत नारम मानीम कविवासात प्रश्त सहैरव उँ८५ (८६।इ:विरमञ्ज शास्त्रीत काञ निर्धा-নিত ভটয়াছে। ভাষারী এইভি দিন আৰু নোলে তিন আনা পাইবেন

गाँड दिन क विकास किरान को है। देश के निर्मा के निर्मा के निर्मा किरान के निर्मा के निर्म के निर्मा के निर्म के निर्मा के निर्मा के निर्मा के निर्म के

का का वाकरण किये। क को एक के उन्हें पर वात्य का पांत्र विकास भागा । अने को द्वार अवश्व के श्विक्षण, भागा । अने ताथ भागा कि के किया । अने के वाकरीय योगि विकास प्रकेश । विकासिक के स्थापिक का करेंगा । विकासिक के स्थापिक के स्थापिक के के शो प्र (किस् का प्राथिक का स्थापिक के हैं शो प्र प्रकृतिक के स्थापिक के स

বাবে অভ্যাচাৰ ইওয়া এগও নি

رن:

भूखक गांख ।

ক্ষানিয়া কছ জন্তা বছকালে এক।
চেনি, নিয় লিখিও এই চন্দ্ৰ পূৰ্ব
চেনেয়া হ বংগা, চহবাছে। প্ৰথম ভ রথ ভিতামণি প্ৰতাত বিশাবদা না গ্ৰেমা নিছ,এদিশেব পাঠা বাজলা ুস্থানন নিয়া। ছিতীয়া, মী ক্ৰ বায় ঠাকুলোল নেন প্ৰনিয়া প্ৰদান বিবো দিলাগাৰ স্থাপতি অভনাই হাতে আনাৰ কিছু ছাত্ত ভেলিলে পাইলাগ না পিঠাপৰণ করিয়া। একলালে নিশাহা ইংগালৰ কৰা বিধেয়া হইটোচন । পাশুৰ

अधिन किशादिन आर्थन यहि।
भागाभागिनी ना इस् त्येक्थर्णान फाउम प्रभा छेशदिक तिल्दाह के दिन के प्रकार है। इस्त कार्याद विदिय मुम्ब के लाम ना । इस्तिम । द्राभ पर्याद कीयन कार्यान्य।

93

थायः।

समको चार्चन <u>प्र</u>त्रन्ताः

সন্ধানক বহালর । ব ্র ইঞ্জী ত্রস্ক, ও চইপ্রাম প্রভৃতি হু'নের লবল পোলান বহা করিয়াছেন । ও৯ বা আবি-কাংক লেগীরটা পর নাই তুর্নলা ভট্ট-হাছে মলনীগণ প্রায় অবিকাংশই মরিল। ভালার ব্যৱশা সাম্প্রিকাংশই মরিল।

प्रति स्मादिक्य स्थित हरेत, हिप्रति हिन्द स्थापिक स्थापिक स्थापिक स्थापिक प्रति है क्या प्रति शादिक प्रति है स्थापिक स्थापि

्राभ प्रशेष्ठ प्रपृष्ठ रिक्षा प्रशासक्तिक स्त्री । रोक्ड नो, ए। र मारमत सहरहत द न क . । সাবতে হইত। পত ছহৰ বৰ বাবে বিবার घटा ११४ इंड्यार्ड, १३१ धन्नर्य हेड मध् र रहा । अर्थ प्रतास्था के देव लवटनत पुना, श्राम. अहार अधन में बारनाय अवस्था व्यरणका हा ল হটগা হিনা। সকলে ভাষে কি গ ত সংস্থা বল বে খেল করিতে হইন্ড, উঠ্ভ কিয়ুৎ অন্তিম,লে পরিত্রণৈ পাইট্য নিয় নি প্রি**ভাবের বিষয়** । ক্রী প্র (प्रचल भागः को: अना स्ट्रेस्ट्रे **अक्टा**र्स-क्रिन कर्तिया खादार বাদ ঘনখা, 🕝 সন্দায় আশ, আছল করিল। এবন্নেট দে ক্তান উঠাইবা পিয়াহেন, শুভরাং স্বাহা अन्य क्वंतिकारमा द्वेश अधियाद्य, 🐿 ার্বে কি হইবে কিছুই দ্বিম্ন ক রুছে পারিট্রি (इ.स.) (शांखान इश्वि **रहेन स्टि**म् खाः श्राहत भाग मान यक्त क्रिप्रांटक, अयर क्राफ জাণন পূর্ক প্রাণ্যোর নিমিন্ত সক্ষয়টে ভাব न। महिएउएड। अभिदेश कालीय स्थापाद । ात क्षित्र विश्व था क्षामीय खेना क्यांन मुह पविश्राद्ध। एकिएन क्यांशांकिएनक लाहिनादर ने अवस्थादन क्रिके दकति कलनत् , नट छ इह দীন বীন নলঙ্গীয়া এখন কোন্চিক রু करत । विष्टनवाद्धाः अवद्वयं भाना मि भगा छ। न ল্য **হইয়াড়ে সুভয়াং** তথারা লভে হওয়া -दश शिक्षके श्री व्यक्त त्थावाश वि मा, महस् नीत्रः अदेतरमः व्याष्ट्रकंभिष्ट्रशासन क्रतिथा ্ৰে তেইটাৰ্ডন কৰিয়াও বৃদ্ধা পাই के स्वीके मेरोलक ककरात छ वित्र, रमध्य 🚴 अक्षिकी क्षित्रम मुख्य भी बाद है से

्या: क्षेत्रिः १भ ७ व्यक्ति बहेन्। ह्य . - अस्कानमञ्जूषिश्वरहः। द्वाक्रभुक्रस्य प्रक्ति व्याप्यानिधि अहे भण्डकानाति । গাড়িং লোচন নিজেন, ত হা হইজে কি ইহা हर्त न के प्रेष्ठियाँ बहेज, श्रेक्ता विक्रियमील न्। प्रशिद्धा कथाहा है जिल्हान करिएउस चर्. 1~ र अ कि है कि र स्था की नव वां ... ख -इन् कांत्र गरिए अटमटा स्ट्रिट्ट ह्यू ट्रांसूर उ अवा क्टेटन कि कार्तिक क्रिक **"特"(1)。**

कारता है तिकां होता महाहै। তে ব্ৰহ্ম পায় এৰ প উপায় অচেনৰ কর্ম 👍 নি ধুয় ৷ আমাৰ স'মান বুজিতে ভাষাদের ণরিব্রাবের একলাক্স উপাধ দুর্ম ফটতেছে ! र पर्-शाक्षश्चारताता अस्मान दाल्लाकाला িণ ও রাভা লক্ষ্ম প এবং খাতানি ধনন লক্ষ কৰি শীভ কার व बसलीय तर कार्या । विश्वास्तात्त्र वर्षे देवलकन । "তাহা হট"ন কেবল क्टिश े शिकान मन अन्नत्त्रवर्ध পেল্য ন।ই। ভাল , ত প্র চিন न ९ का जि. **ए**ई दूब स. ভিন্ন সক ১ - हिंग इंडेरल निजामने डिकार इंडेरनक, र्रामित के मनन वृभिव विक्रत रा वित्रहा

विस्ति महत्वाम। ১৭ট গত, যেন গোমৰাব

Z--1 1

, বন্ধোবার করিবঃ জানেক জান্ত করিন্তে পা

न्।िक रत्व अप्र चालि でを さい彼む ন,দে এক ব্যক্তি मणा विक्र े इंग्लंड किहू कि िष्ट्रीकात्र क_{िल}्ड ि <u>ठाल</u> द्वार वर्षेत्र व द्व धु,कुटपुन्। श्रोतकन ক্রিয়া সাভাগ্র क्षिणकेलाओं निर्देश * MA MA 70 May fa

কণী ভাল কটে, প্র প্রেণত আংকাপ করিয়া क्रम, या अर्थ है जान अन भाषात ना वारे में गांतकरगत शक्त शांतिवारे कार्यातक विकास्ट वाधित पुरित क्त कतिया ८ वर्ष वाविया कानाय कारेग्राटक्त । किनिया में के एव व्यान जाना किस्तित नामा-मक्त गाबितके हे काइन आलाइ अंगान मा। कि विश्वास के स्वीतिक अवेतातक, अने सम हिक्कित्मक পত্র শ্লের্ট সে ক্ষেত্রত করি ; খাল কি করি

A STATE OF THE STA (मई १४ कांग्रियान : अन्तर्ग शास्त्र जाव) (महरू। बनिय (१) ८० ही अभिक्र १०), शास्त्र পত্ৰ প্ৰেৰক কি গেই। ক'্ষা গিট ছেন ব ू भूटर्भ समा । त्यां के व सद्यान ने जूब ए के জন কাহাৰ ১০ জন উল্লেখ শঞ্চ ষাছে চ একলে ওন, ঘটিতেকে, 🔑 🕫 টাকান ত সন্ধার আগ্রেইয়ালে। তের সংক্ষা সার চা

ত কারণে বাজবিইন जी भदनदम कृष्ट्रेश्वात्कः द्वा प्राप्त प्रतास्त्री स्मितिन। बीटिश श्रमन করিলে পায় কবেক জন শৃত্যুত্ত বালি কাংগ্ৰ-মারদিংগ্র হতে শাস্ম ভার লউ

পাদুদত কৰিৱলৰ 'একে বিমা বিয়োগে বি ' कांश्रह को से कशिया का कि पांस भनायन करि न्द्रह्म । विद्रशिक्षियदिनम् वापन अप्या বধাধ রাজ - শ্বস্তুপারে রাজ্য শাসন করিয়া-क्रिक्सन रहें कि संचिति और व हां का नृत করিবার চেঠ। পান মাই। যদি এই লারণ बार्ट्सक इन, लाछ (डमहाँडेनि सीविक था किला श्रीमामानं मिक्शमन आ लेखहेर उन श्राम् वाहे ।

् ज्यांतिहरू ५ म अवस्थि एने राउट ने राउट वर्ष काश्रीकृष्टिक वन्त्र कार्यकार्यन कडिय'रहन । टेन्शिव মাজাত লোক কালো অফ বংল আহৰ্ প্ৰিয়া भ । विष्टेहें किन्स्य । अ समग्रदक अकृ मिनिनामू, न न छड़े। दे मा । देश सर्व माविक वादा का रि ्रीरमारंकत् आह्न क्षांचारं क्षांतर हत्। । क

प्रक्रिय दिशास इ अवस्थि मिहनीस अने शिबिर े कारक प्रारम्भ कर्ष गर्थते अध्यक्ति नाम वेडीय व्यक्ति गण की विकासीय के दिन में मिला के किया है।

डीइति बाब्रिड अंबिटेक्स के देखकीर किन्न भाई ह अगा 🎉 HITE ST ST TO ST ंनि आदिनिकार श्रीतासन े के विकार मा देशक्वारी इस जिलि ক্রিটাত সামত না হওয়াতে চি কংনক তাহা-का अवस्था आहे. विशेष के अवस्था अवस्था करिया करिया करिया करिया करिया करिया करिया ক্রিক ক্রিকের প্রাটে : 🗝 ও ইবর্তা। সভি সরিতাপ করে। জাগতেই ভারার পর ্রিয় । সে নিরপরাধ উক্ত পালেরিকে লো। क्षित्र होने अही केल का बाद ए भारतिका विकित्त किला का नार है। बाद का नारा का नारा का नारा का नारा का नारा ध्री ब्राट्य । करमक गड्य कि गड्या आप क्षा व कतिन শে মৃত্যু কালে অপত পিত হুইর। সীয় দে। সাঞ্জ করিবারে । কি ছ রাক্সত । ২৫ র ও কে নহিমা ।

्र**। इं स्ट्रांग्यं मन्त्रवाह**्य

बहरतात्र श ७ । व्ह भारतात बाल्का (बल कर्य 🛪 ু জাপন ভুডানিগের শ্রুতি ক্রডাচার ক রাতে ভাষারা সকলে ভাষাকে সাবধান হট-ুত কহিনাছে। ওতনেশীর ভূত্যের ও অধন कारकरे, मध्यात कुछः निरात्र खना धानने त-ेु हि जाड़ेन कहिएड स्ट्रेंटन में कि 🤭

हे। हेथ् मः कार देशिया बटनन ५५० नद्दरय ल्युनिया मनाद्य स्विकल्य रहेना नियाद्य ।

निश्चरक्षभीत्र अञ्चल मराताद्वीग्र है। भ चाहांब कदिवाह ८के छैं उन डेशाह्मनाविह व विवादक्त । जन बाह्य देशका विहटी करे-ছিলেন। ভাৰাই নিকটে জোন জ্বাহাত্ত ট্ৰেট আলার নাহভয়তে সহারাষ্ট্রীয় সিশিবন शह्य अव विकार । निवा विका कार्यका के हो बना जनामान काबादक निकीयम है। আপেন স্থিতে বন্ধ নাই 🖫 🎉 👵

ारचारक शास्त्री मिहिन्दिरिया विभेन श्रीक देशात करांत २० शर्म देशा सिंह करि शंदक्त । कामग्री अभिद्रक्षे कार्षिः अस्यापः पंत्रीका क बातिएका ब्रेक बेग्रेयन न

े उन्हें देवेंदुनंत जा क्रान्त संवादिकी व अवन्ति केत्र मा क्षेत्र अपनिष्ठा है। 对强 中国四中 对门 医原

वित्रक्षीपारणकु जेवी गांकास खाए बांडक बेटबर्स गांकामार्थ ३०० केला, विद्यादक्ता

वित्रशिष्टी गण क्षेत्र क्षेत्राच नाम व्यक्तिक विद्या नाम विद्या विद्या नाम विद्या व

१० व कार्यातम बुधनोड्ड ।

ভার নবার রেইনওরে কোন্দানি ভানী-জি বান্দীর জাহাজ ক্রের করিয়াছেন। এই জাহাজে উত্তর প্রিবাজ্যে রেইনওরের হ-ব্যক্তি বাইবে।

রণভরির জ্ঞাক বুর জেমস হোপ আন্তঃ কলিকাডার উপ্নীপ্ত মুইনাছেন !

তপনীর করা সাহাাদিত ছইন।

গবপনেই ৩০% ছতন ইউরোপীন লৈনিককৈ
চ্চড়া হইতে বিশ্বান বিশ্বানে কাইতে আত্মা

দিয়াহেন। হুবালীতে ইনলেরা কভাতে অভ্যান্ত করে। ভাষামি নালালীয় নালা অভ্যান্ত করে। ভাষামি নালালীয় নালালালীয় নালালীয় নালালীয় নালালালীয় নালালীয় নালালীয়

টাইন ন কৰ ইজিয়া কলিকাটা ও বোগা ইবের যাণিজ্যের বিশ্বলিখিত বিলাব প্রকাশি-ত ক্ষিত্রতা (বোগাইলের প্রাথান্য দেখা বাইডেছেল

Flavier Care is a second contract of the contr

विकास कर्मा के प्रतिपत्त क्षिण क्ष्य क्ष्

क्षिण के बारन उपन शास्त्र करा हुना-रण से प्रदेश मारक प्रतीत गरम के मारक रण से प्रदेश मारक प्रतीत गरम के मारक निर्माण कार्या में स्वामन के मारक नारण निर्माण करेरका। प्रदेश मारक छेल-पुरा लोक उपन बारे, किन्न वाहिएक मार्-कर माधाहरण के किन्न जानी के

रंग्य क्यांसंदर्भ इक् लिखांत ।

त्यांचांचेरतत यायण्यांच नृष्टी एकछा छ कार्तादित ह्यांचे प्यांचानएक क्यांछा हार्क कृति । वाल ह्या प्यांचेन करहत, छात्रा अवर्थत स्मृत-ह्यां प्यांचानिक पूत्र पार्च । ६०० होकांत छ-वाल ह्यांचे प्यां , नामरक्त क्यांचा विरक्त क्रिस्स प्यांचीरका विरक्त क्यां व्यंचा ।

अनोत मा तिमरम नखन किनि बहैतारक। गांक बर्स ६०, १०० में देश अविद्या ৮०,००० व्रेस बहैत्सरक। अ

वार्यभाषाहर सामा विकीय तार्यामा क्रिक्टिय कार्या त्यार बहेराहरू। अस्तर हैर साम क्रिक्टिय क्रिक्

माक्षाण नावनीयके छजाछा, विष्ठेविभिनाम कविननप्रतिशयक लाक नश्था। कतिवात ज्ञाला विद्याद्य । छात्रख्यार्थत स्माक्त नश्यामि विद् िछ खडान कर्रा दश्या । ध्यावद्यक निविद्य क्रम स्मान विद्यास कर्ता विद्यास

্রক জন ইঞ্জিনিয়র ব্রাজী স্থানবলের করম জন করিয়াবেল। সাধার পাঠানটার কহিতেতি উত্থ সাধা সম্বোদ্ধির মহেন্দ্রি রাজবিদের বেল বার্মান্তির তাহারা জাল-মহলাকাভাজির ন্যায় একটি বাহী অস্যাশিত नारक हैन्द्रिक गड्डाक नारक हैन्द्रिक गड्डाक नवाब त्यां कारकायनक कार्य विस्त्रनीविष्ट्रस्थ निष्ठ प्रतिक्ष वीविष्ट्रस्थ व्यवस्तित्व । हीर्यस्थ नारक काल न हेन्स् विस्तर्थ नारक वाल न हेन्स् विस्तर्थ नारक विस्तर्थ । त्य गड्डाक

प्रश्निक स्टब्स क्रिक्स क्रिक्स द्वा प्रश्निक क्रिक्स क्रिक्स

vindet fend mim effent

वृक्त रहेरात, काशाही आशिक जाना । बरण कृति कह कहिएक नाशिक्षण मा के गतिहा रा कारम बारका हम्बाक्षण क कह कहा काशिक्षण अविति क्षेत्री हता रहेशास्त्र रा कर कालीकाशाह क्षेत्र क्षेत्र का हैन कहिएक एक्टकार १

চাকা নিউন বলেন ভূমতা ইউলোক্ত্র নেনাদল অভিনায় ক্ষেত্রিভ হইবে। নাক্র আনান।

नित्र निर्वित वर्रशत कृति दिक्क अवस्ति। चित्रा बहेटक स्थीच स्थान

ना विश्व देश क्या कि विशेष के हैं। किन प्रण करते किनोंने के के किन किन किन बाना करियाक्त । क्या कि ने कि ने कि ने कि सबैद्य के कि कारिन के बानाना कर निकास निज्ञा के कि कारिन के बानाना कर निकास निज्ञा के कि कारिन के बानाना कर निकास निज्ञा के किनों क

জালাবের অন্ত পাতি নগাঁতে পাঁচ ব্যক্তি ক্ষিত্র বৈশ্ব কালিয়া একট ব্যক্তী ক্ষিত্র ক্ষিত্র সেহন ক্যাইয়া অন্তেক্ত ক্ষেত্র ক্ষিত্র প্রায়ন করিয়া এক মানতে রাধ্য ক गर्थ प्रहे याकि जोस्वित्वत हुन सहरक के बीरमान्तरिक केन कितिया विका एक रहेगा-एए। जनका रेकपूरी केनिए तक स्वीधरण मा रूप कर्मक केन कियानी करिया जासीरिकारक र्यंद्रेन कर्मक जिलाही करिया जासीरिकारक र्यंद्रेन कर्मक जिलाही करिया कार्या एक रिया क्षिक क्षेत्र वाकि क जोसी एक स्टेशा रिका क्षिक क्षेत्र वाकि क जासी एक स्टेशा स्व इन क्षेत्रिमीक कुछ स्टेलक स्टेशारक

নির্ম নিষিত ছাত্রের বিশ্ববিদ্যান, বর প্রবেশিতা গুরীকা দিতেট্যু-

स्वाधित २२० जन कांत नि, क्षेत्र क्षेत्रा वित्र अजीका किरकरका "

किल नज जाइन य जिला त्रिया नारम मिनिन देशिनिहादिक क उन्नित्र पहिरा वित्रा ६४ टनाइन दहेशा शेला माण । नवर्गायके अविनादन काल का

१एकि कारमहरू, ज्यान मात्र हात्रंस छ। ४९मा शत्र एण्डहा बरेबाएह, कात्रव श्रवर्थनके मकमरक कर्ष शिष्ठ शास्त्रत्र मा ।

উল্ল প্রেক্ত লখনত্ব সংবাদগাতা হোস্বান সাহেব) নিখিয়াকেন ইংলতে জনমুব
উঠিয়াকে গর্বপর জেনমুল বাবতীয় ইউরো
গীর বণিকের আর ব্যক্তের এক হিসাব চাহি
যাছেন। তাহা দর্শন করিয়া ইনকর চাকা নি
বারিত করা তাহার অভিত্যেক। আয়ানি
গের স্পাই বোধ হইতেকে এ জনমুব অনীক।
জালেসারেরা কি কিছু বাকী রাখিয়াকেন হ

নালা হয় দেন, তিনি তাহার উত্তর জরাছে

নালা হয় দেন, তিনি তাহার উত্তর জরাছে

না লেও সাহেব ইহাতেও সর চারলস উত্তে
ক্রম্ম আপন বৈরি তাবের পারচর দিঃা
ক্রমা তালাও টোহার প্রদত্ত উত্তরের প্রতি

লাভিত্য ক্রমা প্রকাশ পাইতেছে। তিনি

ভারতের ক্রমার ক্রমান ক্রমার ক্রমার

ক্রমার ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমার

ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান সউত) এক

ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমার করার

स्वित्तान शक्त किया त्वांत् राक्ति स्वित्त्व शास्त्र शक्त किया द्वांति स्वातात्वा स्वित्वत्व ना १। क्षेत्रकृष्टीतं स्वत्य त्वन्यस्य स्वित्वत्व स्वीत्रका स्वतित्व त्व के क्या वास्त्रिक स्वाताः

क्षेत्रकार यहान, व्यह्मानी क्रिक्स स्वाव नविष्ट क्षेत्रकारणात्र निवटि ज्ञाननात्र का रवेष व्यत्रका ज्ञानादिन त्रहे ज्ञाद्यत्र हेर्ड रिश्वतिष्ठ विक्रेड स्थान क्षित्रवात व्यवस्थाप त्रित्रदेश्य विक्रेड स्थान है। का क्षेत्रवात व्यवस्थाप त्रित्रदेश्य विक्रेड स्थान है। का क्षेत्रवात व्याद्याप त्रित्रदेश्य व्यवस्थान स्थान है। का क्षेत्रवात व्याद्याप रवस क्षित्रवाद व्यवस्थान स्थान व्यवस्था का क्षेत्रवाद व्यवस्थान व्यवस्था का वात्रदेश्य व्यवस्थान व्यवस्था क्षेत्रवात कर्षात्रवात क्षेत्रवात व्यवस्था क्षेत्रवात क

করেক জন বিসাসী কান্ধীরে জাত তা করিতেকেন। রাজ রুণনীর গতে জন্তুমতি জি

অনীদার দিং ই ক্রিনি চার ক্রেন্সেরির প্রেণীর উপৌর ও — ক্রিনি রিণ হুটভেছে। সম্পূর্ণির অনীদার কিন্তু আনীদার কর্ম হুটভেছে। বুণীণের অনীদার ও গানা অভিগর ই ক্রিয় পরকণ স্তরা অসম অভ্যাহার মধ্যা অসম স্বাহার মধ্যা

ক্ষিতিক বলেন, সর চারল্স উজ বার্ জ রক্ত বল্যোপাখারের কানারোধের বিবকে এক পার্ট লিখিয়া বলির ছেন, প্রিবি কৌশিল উচ্চার অন্যায় মুখ্ত হইয়াছে বুকিতে পার্টিরা-ছেন কিন্তু একপ খকজ্মার পুনর্মিচারে জাহা মুখ্রীত অবলংহারা কার্য বাহন্য ১ইবে বলি-লা আশীল প্রাক্ত করেন নাই। ফলডঃ অন্ত-কৃত্ত বার্ নীয় মুক্ত হইবেন।

উন্ত গত্ৰ আৰও অবণ করিবাছেন, কনা-বাবা ক্ৰমণ্ড পাত্ত ভাল অবলগুৰু করিবেছে। পুথাবহার শান্তির কারণ।

২২ ৰ আন্তাৰণ কৰিবার। প্ৰনা বাইভোছে ২ ই ডিলেম্বর কালা প্ৰায় কেইলভাষে প্রতিবাহ যে কালা ভাষা আলাজভাগ হজিত কৰিব

strong spracus actor was fine and and and an actor of strong was a state of the strong and an actor of the strong and actor of the strong actor of

The same of the sa

The page we made after the following of the page of th

कितिका गरमत है श्रारंश समाव छैतिहार मार्ज अभिन पी कार्यका के हैं ग्रेड पान पान महित्यका कि है के के गर्य निप्त प्राप्त कि विष्ट के विष्ट के गर्य निप्त के विष्ट के व

न्द्रशाहरमके—न, डोनं कर विश्वास हे जावात हैय—नि, हो—श्रमका व द्वार हो—कड व—कव्यक्ति—कडाई लॉग्डिंक व द्वार हो—308: व व्यक्तियोस—अव्यक्तिकीण्ड

en (क. १ हो--- ३५) क्रें -- च्यव वि--- ३ ५ मेरीस

ভারতবর্ষীববাস্থাপক সক্ষা। ১৯ এ অগ্রহণ

G ब्रिट्मार्ड स्टिंडरन ।

RESERVED TO

Personal States and Parties of the Control of the C

Appropriate the second of the second वता चीनिकिता भाषा काम्यिक (कारवर प्राप्तन Gin ding ming bren i ne marte fern wenn angunta annings & de mis मूख वर्षेक्ष विकास मानीक वर्षेक्षार । कारबर् मात्र वृद्धिकीमा कृषिक विवास श्रीकृषि निक्किनीई नाका सावक ह्यादन । दशह क्यान्त्रमध्येतन कि प्रवितं देश्तर्वेष्ट्रिकं अमेग्रिम क्रिकां हिन । श्रीनिन कई क छारत्रत बार्माकामांनी कर, जाबारक के-क हिंदद अवाजाबीक बाद्धा बमाना वस्विद চুবর বালও কাবির হুইরাছে। স্তুল্লর মূন্-नीत वातात क्कांप्र में जे अकृष्टि ও करमध्येत होंग-**छ है जाबिलें केंक्र काइबर विक्री आंश्व वड्डा** विश्वाप्त । व वाकि नामाना कात्र मत्य, क्लिकार्श छ। इत्नीवार त छ प्रावायोग आवृत्ति स्थापन চুরি করিয়াছে i 'চোরের থানাড'লানীয়ত ভা হার একথানি কুমে বাভাবৰি বাহিব কইরাছে, धवानि विकास्त्रधम क्रम, व्यवीर व्यवनार्व वहि । त्म त्यवादम त्ववादम हृति कतिका यात्रा नांदी वस-গত কৰিয়াছে, তাৰিব সহিত ভাৰণ উক্ষ' বৰিতে ইংরাজী ভাষায় লিখিত আছে। বৃদ্ধি লিখনা ভূত্ৰণ সভল বিষয় কৰুজও,করিয়াছে। পাঠকখন অনেক চুরির হস্তান্ত শুনিয়াছেন, কিন্তু এসন একটা ব্ৰশিক্ষিত চোলের কথা কথনও তনিতে भात मारे, चड्डव भाइंडलर ! चालमाहिटलड को जुरक विस्तालन निशिष्ठ को यह। क्षेत्रकानी-द्वतं वित्याद्वश्चातं अविकश्च अञ्चराम निदन्न এক'ল করিল'ম।

)। जुलाके माल ১৮६२ । महन्दिता दवला। हेन्सामध्रेय जाना ५।। छत्रि 39 10 58

अंश्रे मात्र। प्रामाकश्रास्त्र वास्तिः

৩। আগই মান। ছাঙা বেওয়ানী অ'দাল-८५। त्यत्वधामान भूष्ट्राक्षत्र मुखीत नामा स्टेट्ड दम'न्य मार्ग অ'রকরান মর্কোল ইক্যাক্রি >\$

 ४। दनगृरक्षेत्रस्य यातः । दक्षम् । सूत्रमीपादावः षात्रकामाय मधीर निक्षे इंडेट्ड मश्रह 20

৫। কলিকাভ , রেপ্ টেবর মাস। রাজনো-वन क्रिजायहादस्य मध्य है।का 74 역생각

७। हाका हरकत सिक्षेत्र (जाबद्विकानिना) कारा कामरीक् कार्यात किया र । २४ की

९। कनिकीफ़^{्रमा}ल्याकायम् अन माशङ दि-CT 31年 時代第4 9·特殊 可可付的明 美国 3 使传 9/. नामार्थि । श्रेमीको :40 न स्था देश के वि ४ देश

क्रमा अवस्था अस्त्राचन प्रति—विसे हे 210 CTT 20 DI कार्र्स है 5 है। पड़ अन्यान डिक्नना त हरांज अवही 剛學 5 章[百

»। इानाचाँ विश्वतिमान त्म क्षेत्र्वीय अप्राक्त किन्नाति । भाग भाषित्वत त्यांते > है। प्रक्रि होते क्या

>। छाकात व्यक्त निक्षे धक्सन सूत्रमणा-ন চাক্সর সোণার শিকি একটা 9 10 क्षणाह वह 61/• গিল্টাতর বাসু ₹/•

245 .

देश'रत त्याथ एत, बातक,माथ कृत एश्ल-बावे कोशा हाँड साबक्ष करियादा, किंद्व क्लीक বুলিবলে এডক স বাঁচিয়া ভাসিয়া ছ'। আসর নিক্ষরবিভাতে পাবি বলি বাঁদীরাম পাচেন্য **দন্তকে চন্তাৰ্গৰ** ন[্]করিছ, এবং অব তা দারো গ। বাৰু যদি প্ৰাণপাণ চেউ। না কৰিতেন ভাঙা হইলে বারকামাথ অবাধে এড়াইয়। বাইতে পা-ब्रिकः। च्रान्तक्षिनाटचेत्रं वयुः क्रमः अव्याद्य २० वर्ष्णद्य-त अधिक पहेरत ना, धेकात मनी स्ममाना श्रमान श्रभाव कांद्रकर्ष स्मार हांगालीय मार्ड्समा महा-শয় বিৰিশ চেটা: কবিয় পরিয়াছেন। ঐ সকল कांत्रक वित्रवात समा मध्यात्री वातू व्य नकम क्रकोगल क्षरलक्ष क्षिया हिल्लन, क्षारा क्षत-त्रा व्यापत्रः केशिक भगात्राम अस्ति करिन माम । "80

ইউরোপীর সমাচার।

मध्य पर्वा मध्यप्र । मध्यिलय प्राध्यप्रय प्रह्य-তে পাৰেন মাই। ভাঁছাকে সেনাপাভিত্ব হইতে विषक्ष क कत्रिवास विषय महिता वक्ष व्यवस्थित ष्ठेर उर्द्ध । भवर्गाय के बलश्रुर्यक रमन । महाश्रव क्रिया करास्त्र नकरम अखिरक्षकका कान्त्रशाह-न । किन्त रामाधात। देशांत निरायन कता क्षेत्र उ-ছে। বারজিনিয়ায় এক কাক্সি"বিজ্ঞাত 'ব টারায় बांगका प्रवेशारक। मुक्ति, देशक, व क्षित्र। গ্রীনের বিষয়ে যম্ভার্গণ করিছবন জা পাণ ক্ষায় ষ্টেছন। প্ৰচাত রাজাও রাষ্ট্র বিউনিতে ইল-, क्षिण प्रदेशांद्यमा विमित्न अर्थ क्ष्या सन विक्य अक्षानिक म देशायक । ३१ वन मिनिक्र नक शाक्ति रमण्डित महीरत्रत करणाह विवस विदर्भन कहित विति विकित्ता करिया । देश्याधीय वर्गात्मत्र ब्लात्मत्र म्वाबत्स प्रति व माना महिकारमत्र काव गाउँदवन।

Me was wrote to addital Man बद्धारमके कृतात हारकर केरकि स्था कर वर्ग गढ वाचित्र करिकालका (श्रेष्ट्राक्टकर) निक श्रीवर्धकारी काविश्वसकार है। बरम् । शकितिथि) वाल्यसङ्ग अधिक रमनात्र अन्द्र मखात अधिक वात्र व हर्रास्त्र de wiceffene siwe'lewis fe fin वक्त रहेक्ष्रस्थात्राहात्व नवक्षाक साहि होत्री ताम प्रभीण विश्व शाक्षात महाराज्य विश्व नावण पूर्व क्या करिवास्त्रमः। त्वामुख्यानी व्यवस्थ त्व क्वमः क्षित्रं कि विवासं कार्टि अन्य कृति व्देशांकः। यहम्म द्वातं वानावन्ति । क्रांकंकः हि রে।জিত ক্ৰয়াছেন। সর জেনস বিক্রাপ্ত ক্রিট ने इ हरिष्ठ चामकेष्ठिम वृद्धिकार्यम अवर् नेष् बुकामन वात्रतिहत्त वाद्यिक्टस्य । ऋति अक्रिकेन हैन विकेतितह इंड इंडेब्राट्डन। न निविद्धारकम त्रम चढ बदबत शब शाहेदवत । त्यांनि वाकाला मानक रव जीरामाःकन्न आम्रामा अवस्त्र हेकान्त तार्थ कानी प्रेक्त सम्बद्धि वहा कार्यात होती. म् अस्ति विद्यास्य अस्ति अस्ति । 💎

বেছি বের ভিউক, লাভ গৰাও লাভ ক্রাই বাস ল উপাধি ও চিক্ত পাইরেব। স্বাচক্ষিত্র बाद्यित ज्ञानक ३२ जान छ। मा उद्दिश देख त्यत्र क्रमंत्रारथ भुड इच्चित्रहरू ।

निविद्यानंत वनिक मण्डानांत विश्वादी साने क जानरामात प्रधारकत कार्यात अस्ति है করিয়াছেন। এই জাহাল ভারা উত্তর বিজ্ঞা बारमक कांकाक निवाध स्टेडा स्थाप करेडा वटनाम हैरहांक कर्यग्रामिया जाता विशिक्षक लगांकि विका गांकाण, बदान । अध्युद्ध के क्रांकोंके गामन तमापूर्ण वाह समित्रात समाप्त समाप्त हरे विटा हिमिरभन अक हरूर मिन्सूका व्यक्तिकार त्वी कत छ दे। व ति ति वित्व वित्व क्षेत्र के

मिर पड़ांम्छ रामान, क्रमिड़ार्स संस्थान के क्तानी चवर्रस्टकेत्र आखाराष्ट्रमाहक व्याह्मीक-कात दृष्ट्य स्थापका चीकारत क्षाक स्टेस्ट्रास्त्र । देश्मरक्षत्री मह हाहमम हि.सिन्बाहमह सिर्द्धा (त चल्लाहर क त्रहाटक्ता।

मक्षम ३२वे मध्यवर्षेषु

विमक शहस क्षेत्र द्वारक काक श्रीवरवेव micentegen wiefeme fere Gene want. क्लांड क्षणां कतिवाद्यं करः कृष्टिगार्द्यं का मित्रिकांत पूछ कीचे एक्व के के शह मुझावता माहि।

वर्षि एक्सेनक मरनज, क्षेत्रक हो रनत श्र-कार काळाडू कशिक्ष कांग्रही गांत सुद्ध एक: कथ क्षिद्रवस् मा 🔊

गेववद्वार विज्ञाशन।

पानमा जिमीत क्लिंगिने शवर्राहत

काटमनाञ्चाती निद्यागा उंध्वे मेर रवंद-नाका वारमज्ञ अकिमिनि का-मा कारत चारताचा जाक निकास कतियो। ह्या । किंद्राविकेन जारह व किंद्र विश्व समा जारता।

ই, কে, সটল ওয়ার্থ বাহের খাঁকুড়ার সাধা-त्र विकाशिका क्रिकिश अक क्रम शक्त हरूरवस ।

निय जिबिक सु:सहस्कत वक्तत्वीय वावश्-পৰ সভার ১৮৬২ আন্দের ও আইনের ১০৪ ধারাত্সারে ক্ষতা প্রিবেশঃ---

वाबू मरीमध्य (याव। वाम , छाका।

বার রাবকুষার পাল চৌধুরি। বাজিউপুর यक्षमय जिल्हा

এতঃক্ৰীয় চিকিংসক সাবদাপ্ৰসাদ গুড় **এছটের দাতব্য চিকিৎুগালরের ভার প্রাপ্ত** ण्डेटबन !

এতখেশীয় চিকিৎসক শীতাল সিংহ নৰগ্ৰা-त्मम पाउँचा किकिश्मामस्मय छोत् शाक्ष हते-द्वन ।

১६६ नरवद्य--- ८४, आंत्र मांख्यम मारवद [ী] সেদনীপুৰের প্রতিনিধি দাব্যিষ্ট্রেট ও কালেষ্ট্রর स्ट्रियम ।

ं ृष्टि, दम्रदबस्य गारिष्य माध्यरणय आहे है नाबिर्ड्डे ७ ८७९७ नाम्मकेत इदेखनः किछ ুগত দিব বেজর বিধর না আইনেন ডড দিন *দ* ुक्तभा गुल्लुक नीमांत बदयकीत छात्र आश्च इहे

वावि, ककुम जारकर छोस्राह आदिनिधि स्राहे-क्यें क्षित्रे हे ७ ए एम्डिकारमें इ वहेर वन।

🥱 ন, ছমপ্রি সাংহর চট্টগ্রামের সাংগারণ (सम्मानिका कमिष्टिक स्मरक्रिकी कि क्रिट्रेस ।

· খাসামের নিম্নলিখিত কর্মচারীরা ১৮৫৮° ্ অংক্র ১০ আইনের ১ ধারান্ত্রাতে ক্ষতা পা-केर्द्रम ।

মহকাৰী কলিগনৰ

क्लिश हैना के है, ब, काट्यल दशाहाल शाक्षा । लिश हैना है जनति है, ति, धन, क्लांक नव आने

म। ध,धन किलिश्रम हुद्र।

তে, ত্রিগি —শিবসাগর।

. अन, सक्ति— प्रिश्क्रगछ।

व्यक्तिक महकाती क्रिममन वातू छन। जि ্রাম বস্তুরা গোয়ালগাড:

मार्च भिवशाचेत

পিক্ষমুশ্রের তেপুটি মালিকেট ও তেপুট कारको के अधि क्षेत्र के बार्च को विकास के कारे-त्वत ७৮ वा**वाक्षत्रक्षत्र त्व**निवरम अभ्यान कविया

वहें मदबब्द--- (का. भारत महत्वन स्वटनत / सूक्ति मोक्सा क्षेत्र मा मह म्हिस स চৌশিয় অভি সিখি কান্ট্রালার বইয়া ১৮৩৮ वास्त्र ३३ चाहित्यम् ७७ धाराजुनारम चम्रकः शाहित्यम । (श. हेमानशूरत्रत महक:ती कमिनमन केदेशांद्र वट्टे ख्यांत्रि खासह अधिकांद्र कि लग्रेमारी आह.ति. यति शालामाडे विका-গের ভারপাইছাম কি:ইটুটের সমূর্ণ ক্ষতা-शाहेद्यम ।

ट्रिश् हेनां हे ब. किलिश्च हाहिनां प्रश्न-द्रव अक्षम महकाती क्रिमनव इहेरवम ।

প্রেরিত

জীযুক্ত সোমপ্রকাশ সম্পাদক महाभय ममीरशबु।

थेड पिटनद गर जामारमन आरमर छेडरहा-ন্তর জীর্দ্ধি ও উল্ভি সাধন ছইবেক তাঙার পুর্বাক্ষণ দলিতি ভইতেছে, যথা বিয়দিল গভ হইল আমি মহাশয়ের পতিকায় লিখিয়াছিলাম य अवानकाव कोकिमाद्यका आग्र क्रोकित्जु आहेरम न। किन्नु श्रीमय चामिर्किने जुगातिम ८केखांके द्वास मादहरवड़ खर्मानम्बार्याध कथा-मकाव क्रिक्निद्वादत्त्व ७ व्यमाना श्रीत्रथ मरक्र इ कर्षात्रोत्राः सीग्नः सीग्नः कार्या नकम स्रुतानकरश সম্পদ্ন করিতেছেন।

किष्ट मिन गंड स्टेल गांजिएक है पन माटहर बर्यात चार्तिवाहित्सन, धरः चात्रिया धर्यान-কার ল'ডেব্য ডম্পেলারিব ভুরবস্থা অবগত হ-ইয়া অভিশয় কোভ প্রকাশ পূর্বাক ভংগল-मार्थ अक मछ। कविश्वा अवर क्यांगमिके के मछाह সভাপতি হটয়। বন্ধারার শীম ডাক্ষরবানার वंबड श्रेंब खुडांकुक्रार्थ हांक खानाव विवास क्रेंश ্রপায় করিয়া গিয়াছেন।

এখানকার রাক্তা ঘটের হৈ কি অভিহাল, ब्दः वर्वाकारम बनाती स्रेट अना नहींदछ গমনা গমন করিতে হইলে তে কি ফেল ভোগ ক্রিতে কয় ভাছা মহালয়কে জামি ব্যাকালের शाहरक्षारे अदलक क्यांदेतः दिलायः किन्न मधी-भन्न फानितः प्रति। कति य अमिक विश्वविदे ্রান্তা ঘটের ছার্থ হইতে উদ্ধার হইতে পারিব, कान्त्र अयोजनात जनाताचि मोजिएके है नवार्त्) जजारात्र रहेरछ १० वाक्षित गरीक । का व्यक्तिक अवकाती कमिमनन अह, स्काल / अव ९ डिझिबिड ख्नाहिन् दिखनी साम अदे हुई महाक्षा तांखा रणतांबल कतिवाद समा च्याला गद्ध गंन् इनेय (इस । महानय, अधान्त्राय की न तालात मरकात ४७० मा ना बडेक देशात जा-त्नामम र अप्राटा**डरे कामना मन्निटकान का**श क मानवामात्र व्यथम विकास पतिएक शानिएनन । इक्रेसां है, स्यमेन क्लांटक दलिका व्याटकर्न पति

क्षांत्र १ ।

अकरन अवादम नीत्यम अधिनाम स्तान क्षत्र माहे। क्षत्र मुक्ति स्वेद फाइक, अवस् माहि नत्था पूरे अन्छ। अनाकेश्व माहा काम आश করিভেছে।

TRUE PROPERTY EAST

२१ व मददवर इक्ष्णाडियात धर्माम्लाह क्रिक्र-मिनन नश्कांस विशामात्रत सामग्रद्भन ग्राह्य १-श्चिक भड़ीका एड्रेट्स्स, अर्थ अक्रम क्रमेंड्रेस हहे शांदह त्व, छालात छका माह्यत से शतीका कर्य गमांथा कतित्वन । महालय, वह समद्रवृति वृति नला दश कारा स्टेटन दे या बादक माजियह वांबरशत विश्व।

क मारकारक अविवर्ष अवादन अक मुखन एक पृष्टि मा किरके हैं का शिवादिक, कामका खरमा कति है नि अछा न बाबूर मछम निया। कार्या जबब वाय का कवियां आकामिश्वर मनन (50) शाहित्यम मध्याह माह

२७० मरवःह। ১৮৬० 🔪 अक्षाहिक

मुना था। छ।

श्रिषुक राष्ट्री एवटणाविष्य बद्दस्तान मालिशनश्रत। ১२७৯। ১৫ व्यवश्रत करेंदि १० । ३३ जाबांग्रन शबीस CALS 20-BAR!

জীযুক্ত ৰাৰু রাম গোপাল রিত্র: নমিনী ১২৬৯ অঞ্চারণ হইতে৭০ কাজিকপর্যান্ত ১৮ দ

" টমৰ ক্লক নিকাভগণান গোলা ১০৬৯ আৰাত **ৰটতে অ**গ্ৰহায়ৰপ্ৰায়। কোং ৫ টাকা <u>শ্ৰীণুক্ত বাৰু ভারকনাথ ৰক্ষো।পাধাায় খাগভিয়।</u> ১২৬৯ পোষ চৰুতে **জৈও প্ৰৱন্ধ জে।** ৫ টাক।

🕮 যুক্ত বাবু ভাষ লোচন খোৰ স্থুক্তনগৰ। १२४२ जानके सहेटड ५७७ जुलाहे शहीय ३० व

जीपुक्त नायू स्त्रमाम मार्ग कृकामगन। १२७७ व्यास्त्रित इते ५० वास्ति ग्रीया Cate so Blan

'' यूको राज्यक जानी मारमधा याध्या । >२ ७३ कावाह क्वेटल व॰ देकाई शर्यास । >० क

खीयुक बाबू धूर्वाहत्रन थश्च बिडेके विश्वन मा है स्विति क्षार ३० हाक।

खीयुक बहुबू हाजहक्क स्थाव जिल्लोहा ১२७०

শীপুজ বাছু বিপিন বিহারী ভাছ্কি হাবডা **>२७७ कंबाहारन इंडेटड ५० टेंबनाय ग**र्याक

at the smetals मार्डड त्केनरकड शकि रिकार ह्यरन ह कार्यास

লোমপ্রকাশা ২৪এ অকাহারণ ১২৬৯।

বিজ্ঞাপন 1

নাৰী নাৰ্টিট্ৰের আকাৰে জানান আইডেছে হৈ শ্লাপ বহাল ডিহি ৫৫ আমের স্থাবিত নিয়ের লিখিত হোলছিট্ আপিন প্রাপান জ্যোষার বাকী আদারে না.করার সন ১৮৩৫ সালের ৮ আইন ক্রেম্ব সন ১৮৬২ সালের ১০ দীকার ইন্ট্র ১২৬৯ সালের ২৬ অগ্রহারণ মুখ্যার মোকাম আলিপুরের ডেপুটি বালেউরি সাছারিতে নিলাম বিকর হইবেল থে বিরিদ করিছে সালস রাথে ভাহারা এ তারিবে হাজির হইরা নিলাম ডাক করিছে গারে আর প্রকাশ থাকে বে মুর্ নিলাম ধরিছ করিবেক তথক্ষণাথ শতকরা ১৫ টাকার হিসাবে শাখিন কবিয়া অবশিক্ত পণ নিলামের ভারিধ হইকে निन प्रे अर्द्धत नम्य माचिन क्तिएक स्रेट्क ।

710	-	AND WATER THE	The second secon	·						
िड्यम् नष्त्र	মব ডিবিজান মধ্র	(हानिहर	বাকি দারের নাম	100 H	ट्यां सिक्द्र	्ट दक्षाम् भूकत	में दिस्सिय	ংশি ডিঃ	वाकि मादब्रब नाम ।	affarta.
\$	٠ ٩	25.6	त्रमानाथ यमाध	- لوا	- I'vo	1 3	4	3.	मटनाक्त्र भाग	ا در
à	9	6.0	গোৰিক্চজ ৰড়াল	9/5	9/9		a	9	म्बीमसी जार्चस्	251/2
&	b	2540	मर्केलमन हालानात	1/2	1/2	3	>2	256	জগদোহন সজোপাধ্যা	
ئە ′	4	>>>>	বণির্দীন সর্কার	> 110/2	درداد		1	>8.	\$	000
	>2	>>•	सभूष्ट्रमम शासमात	משוט	143	à	1 >2	363	মধুসুদন হালদার	10
ঠ	30	>2	बटकार्य वानमात्र	39/0	1/2	8	.	330	(नच बनीत्रकीन	394
2	>	9	। ত্রাধাকান্ত ঠাকুরসেব। বংশীধর নিত্র	ימוטיב ואי	; :0w.	3	.	₹8 ₽ 14,	विदि वर्गीसानकः	2/0
\$ }	ર	*	रितानान पड मीर	2,2	 २	خ	ৰি	383	ष्ट्र गामनाकान	400
3	à	>¢	· .	8 0	8 %	3	خ	385	পীতামন চল।	No.
	\$	٤٥	5	6.53	[מנום	\$	<u>ئە</u>	366	চিন্তামৰি দাসী।	> 4-12-3
4	· 🕉	, 88		र १५	२ १७	3	Ť	\$ & & &	শানির নিজি।	400
P	*	83	A s	(th/0	<i>แพ</i> ่ง	3 €	fs.	>2	वनार्डोंम बाब :	5 100
	\$. ৫২	\$	2/0	2/0	3	₹,	: 50	जामकरुख जनहीर	She
	3	9>	अत्रामाना यठाक्ततम्बा र	RHOLD	(14)	à	क्षक,	>0	মধু ধানসাম।	3010
	à.	356	वंश्मीधन जिल्हा दिनामांन भजमीर	>20	>00	8	藝.	,	गणीकीस सबीबीर	440/2
	\$	b 9	রাশাক্ত মিত্র	२।०/১०	211120	\$	à	303	মহেন্দ্ৰশাৰ বাৰ ।	tile 9
	*	, 52	क्यमासाम् भन्नोमानीकः	81%	8,00	&	% -	209	S	8-/2
,		82	विवनार्थ मखनीर	> 2 0 0 d 6 c	3245 A	\$	3 .	>85		\$ 242 3
•	5-	223	जगदञ्जली जानी	84160	99.05	\$	3	e.	কাৰীশাৰ দক্ত।	35, 30 33
	. >	24	मङ्क्ष्मण योगमातः।		.J.	à	*	>64	মান বৈষ্ঠ নাথ চৌধুরি	٠٠٠
		.52	*	47.5	42	3	*	22	त्मभ भृष्ट्रे महाकी ।	28"
		8 to 1	হক্ষিণ্ডক্ত দাসগুগু।	.3.	5.	\$	& .	353		w's sa
21	3	43.00 (N	ম তিয়া প্যারী	ESIA.	9310	*	4	>280	[23
*			- 500	1	`	٠ .	3	> 2 \$	বিনি পাসবর। বিভি কোএনা তল্য আ নিধানালান ধানসালা।	

10 M	नव जिन्दिनात नव्	्र्।जिडिश्कान नष्त्र	बोकिशादब्रब्रमान ।	माजिशाया सम्ब	call affes	Totalia ars	त्रत जिल्ला,ब ब्रह्म	(दार्ना िप्रका न बद्ध	বাকি দাবের শাস।	atterstar	**
	चारे,	>28	কালিনোহন সরকার।	1/9	142	2	à	D4	एक्रमाञ्च काम्रान ।	10/4	* 10
	त्क,	ğ.	বিবি পর্ম।।	40	310	•	ডি	P8	পতিও কর্মকার।	2 9	24
à	ળગ,	>4.	ब्रामधन मिळा ।	२ ्७	२ 🗝	٠ 🚡	À	२७२नि	ৰিশ্বসই দেব্যা ও	ide	100
	4	>69	कानिनाथ एउ :	W/30	3114/6			t •	কাজিকনল ৰস্যোপাধ্যায় A		
**	*	296	ĕ	عاماد	२५५•	,Ā	\$	शक.	ন্থগাগতি ভটাচাৰ্য্য দিং	29	₹₩*
ŧ	4 4 ,	88	ৰুনদী কঞলেরহমান	राजक	२१०/७	3	Ši	٦	ं औ	8448	- 8148
ig	خ	89	^ব ৰুনসী গোলাম রহমান৷	*	6,046	4		70	∑	le	14-
۵	এইচ,	320	ভূগান খোব।	>40/2	340/5	ক্র	٠،	50	.	३०/२	३०१२
4	4	280	কালীমোহন সরকার।	178	3/0/8	3	ক্ষে	२ २ २ १	কৃষ্ণসোহন সিত্র।	100	11g/ -
4	3	२७५	মহু খাঁ।	21/0	21/2	S	কে	604	৶ জীধর ঠাকুরের সেবাভ	94/8	448
۵	CM.	۵٠	প্রসন্মুমার দে।	> i	i ; >; '>				काशीकान्द्र इंटडी प्रिर		
¢	CT.	250	কাভিকচরণ বহু।	BNJG	` '40¢	碰	কীউ	29	রাধানাথ বস্তু হর	>9/33	29/25
P _=	ir _{in}	650	मधुरुक्त श्लम'तः	b -10	> 5# •		•		গোৰিক পাল ৷		
•		68	कुक्शनाम रख्।	3 20/2	2010	4	3	3.9	कामाधीन मधन निर	แหม่ จ	CHE
*	*	>25	কৈলাসচন্দ্ৰ রায়।	8 ,8	ho	*	**	₹₽@	इक्काम रहा	2100	2:019
ħ	পি	ھو	मनीवसीन नवकांत	#/-	W-	A	"	299	কাশীৰাথ ঘোষাল।	1/0	100
*	আর	60	केम्ब्राच्या बल् ।	155	1	*	*	२ॐइ	ছোট শিস্তারিণী দেবী	P	>2
à	3	@b	এলাউজা।	5.3	5 , 5	4	স্থাব	>>	करकान्य क्रमार्थ निः	120	10 \$
\$	4	, 50	নেখ জোনাব জালী।	8400	E#./9	3	*	400	ক্ষেত্ৰৰ চক্ৰবৰ্তি নাৰ	>91	>61-
, å		702	দেখ জোবান জালী।	20%	השה				লগের অসি ও খোদ রা		
k 🎽	4	>8¢	মধুস্পন হালদার।	j 519	919	Ĭ			কুদার চক্রবর্ত্তি ও দিশ্ব	<u> </u>	
ek.	4	>98	। , त्रगानाथ चंग्रेकः।) 	450	Å			बरम्गाभाषाम् ।		
	2	36	3	3104	2104	4	. l	90,90		2001	2867
		48	ŭ	84/-		*	"	৬৩ছি	वे पिर	Haris	· low
		२७।	s के	l ia		* *	₹\$.	80	त्रामकुगांत प्रक्रवर्धि वि	1	
	The	ं । ' ५२६	হৈকঃ প্র'সাচ বস্থ।	3/3			₹\$,	વક	बाकि भागमा योगी।	ho	1 1
	1	204	मध्य ये	, , , , ,		*	*	>23	1 . 1. 7	1.0%	1 3
	उन ि	-	्रे टेनश्रह शोलात्र जा र्ली	i		*,	*		देवमामहस्य भाग ।	240	

Ä

मियशका

" प्रवर्णतां प्रकृतिविताय पार्थिवः सराधनी श्रुतिमदती न दीयतां।

द क्षाप । द अश्यापा

मन ১२७२। ১ (भीष। हेर ५৮७२। ५৫ फिरमश्र

मार्थिक भूमा ३ होका है

বিজ্ঞাপন ৷

গ্রাহকগণের অভি।

গ্রাহকগণকে জানান বাইতেছে, কার্ত্তিক ম'স অতীত হওয়াতে অনেকের গ্রাহার নো মপ্রকাশের মূল্য নিঃশেষিত হইয়াছে, অগ্রহা রণ মাস অতীত হইলেও অনেকের মূল্য শেষ কটবে, অভ এব ভাঁহারা দ্বা করিয়া মূল্য পা ঠাইরা দেন। উক্ত মূল্য কিলিকাভা সংস্কৃতি ক'লেছে আনাদিনের নামে পাঠাইলেই আন্ মরা নির্বিশ্বে ও শীপ্র পাইব।

বিজ্ঞাপন ৷

আমি কাব্য নির্ণন্ত নামে একখানি জল-খার এড় ব, গলা ভাষার প্রেণরন পূর্বাক মুদ্রি-ত ও প্রচারিত করিরাছি । মুল্য ১ টাকা। কলিকাতা মুজাপুর বিদ্যারর যদে জেখবা সংস্ক ত কালেজে জীয়ুক্ত গিরীশচন্ত্র বিদ্যা বদ্ধ মহাশরের নিকটে জন্তসন্থান করিলে পা ইবেন।

গ্রিলাকমোহন ভট্টাচাণ্য :

বিজ্ঞাপন ৷

এই ৰঙালয়ে নিম্নিনিত পুক্তক গুলি বি
নেতাপ সাপিত আছে।

মেঘনাল বগৰাৰা ১ম জাগ সনিক মূল্য ১০০

ই গম ভাগ ১
তিলোক্ত্ৰা সন্তব কাৰ্য ২য় বার স্থিত ৬
বীরাজনা কাষ্য
গলত
কক্ত্রারী নাইক
প্রাক্তির মাইক
স্পানিকের মাড়ের রোঁ ২য় বার স্থিত প

একেই কি বলে সভাতা : ২ব বার সূপ্রিত ॥

শব্দিতা নাটকের ইংরাজী ভাগনার

সীভাবরণ

বাসবদভা

শাহিতা মুক্তাবলী

ভূগোল সূত্র

আকি কান নানচিত্র

প্রাণির্ভান্ত

গোলোকের উপধ্যেণিতা

ইনকম্টাকের আচন

ইয়ানহোপ যন্ত্রালয়
নং ১৮২ বছবাজার বো ড

নিহতাপ ব্যালয়
নং ১৮২ বছবাজার বো ড

--- 0€¢:--

विकाशन ।

আমার প্রণীত ভারতবর্গের ইতিহাস ঘাছার প্রেরাখন কটবে, কামার নিক্ট মূলা । দল আমা থাত্র) পাঠাইলে অথবা ছগলি প্রেসে অন্তসক্ষান কবিলে গাইতে পাবিবেন। গ্রীমণ্ড ভল্ল রায়, ভাটপাড়।

विकाशन ।

সর্কনাধারণের গোচরার্গে প্রকাশ করা ঘাইতেছে ও গলিক্ষাতাত্ত গরাহিন্দ ও গর বিদ্যুল সাধারণাত ওবং অপার বক্ষরিদ্যালর সমতের বালকগণের উন্সাহার্থ গরান্দেউ বার্ষিক যে নয়টি কবৈডানিক ছাত্রহান্ত প্রকাশ করিয়াছেন আগামি ২৯-শ, ৬০শে ৬১শে ডিসেশ্বর সাম, মধল, বুখনারে কলিকাভার নর্দ্যাল ক্ষুলে ঐ সকল হান্ত্যাকাভিকলিগের পারীক্ষা হইবেক। ১১ সংস্বরের অধিক্ষরত্বক

বালকের উক্ত পরীকার গৃহীত হইবেক কারে কলিবাতাত ভাবতীর বালালা পার্ট্রন্ত লার বালকগণ উক্ত পরীকা দিতে পারিকৈ কেবল ভালাদিগের সচ্চরিত্বের এবং ক্লিক ভার এক বা একাধিক পাঠশালায় জান্তার ছ মাস কাল জাধারনের বিখাস বোগ্য প্রক্র বাহার। দিতে না পারিবে ভাষারা পরীং দিতে পারিবে না

বে বাগত প্রতা লিখনে এবং পৃত্তর প্ অপারগ ইইবে ভাষাকে অন্যান্য বিদ্যু পরীক্ষার গ্রহণ করা বাইবে না :

যে যে বালক পত্নীভোগাৰ ছইয়া এই কল ছাত্ৰৱন্তি প ইবে ভাৰারা হিচ্ছস্থুতে অনং গ্ৰণমেন্ট স্কুলে বিনা বেভনে শাহ সর পাঠ করিতে পারিবে। কলিকাভা

:৮৩২ সাল মধ≀<mark>বিভাগের ইন্দের্ট</mark>ি^জ ১১ ভিসেদক

বিক্তাপন ।

त्रदक्षेत्री शहिया किशाहि में **वाह क्रिक** লক্ষ্য 🚧 নিৰ অনীয়া বিশাভার সহিত ---- 🗸 ্রিয়া যে যে গান্তি আ**য়ার যাতা-**্লের্ এমারত ও ইটকালি ক্রের করিয়াছেন ্তামান জন্ত ডেডাই খানাডুর করিয়া জাবাদ করিয়াছেন উল্লেখন বা তাঁলা मिर्। त अग्रोतिमानरक स्मेडे स्मेडे निवर्शन मा वि আগালে বা আমার এবারিনানকে আইনামু সাস স্মাইয়া দিতে হটুনেন। প্রথমতঃ উক্ত नण हिर्छ ⊌ शेलक्षे (॰रमव विभाष्ठ'त क्लाम कार्यकार म है, श्विष्ठीयक: भारत: औरवारयव ান বিক্রায়ের অস্বাধিকার নার্য আনভাগ তা ত বিক্রক করা নিভাপ্ত জাগিছা

ক্রিয়ালুকানাথ বায়

न, १ अद्विका オンシャン みずみ क्षित, भाजर पश्चित । ru 可过到到外

(मामधकाका)

১লা লৌ**ষ** সে'ম⊤'ড় • बल्दल्लीय नःवद्यानक मुझ् अक्ली अवनःशक कालन कितानम ।

প্রতিভাগুরসম্পন্ন ব্যক্তি, নি:গর লেখ मुध इहेट अभारत अभारत (य अमरा भ ৰ্ধ ৰাক্য বিনিংহত হ্য, ক্ৰেন **দেল্লে** ও নে কালে কলাংশে তাহার অণুমাত্র इक्स इस् मः। यहः कथन कथन व्यक्ति বও দুফী স্টামাধ্যেকে। পোপ কহিরা न ' जान्द' विक्वास्त्रिमानी 'हरे में **रामन** र्व भुक्त-र्राष्ट्र ३ विष्ट्यीय । या **य क्रिटिक** र भाग १८५४ - ५ स्टर ४ वेक्स विका शास्त्रियांची हरा या ए शास्त्र निर्दिश াধ করিবে। के अवस्थात महास द्या मद्या क्रजार १४।। १ १ । सूर्राची । व्हिंड एत । व्यामहा - LE 1 - L等 **य वादश्रीक अ'श्रामा । या १ क्रिक्** व्ये विधित्त क्षर्ये। मान 🗇 नार्माय (शास या कावह 1,1 उद्भारत, व्याप्त ध्यक कान ठ ६। अ.८ स् .स.४ ।বিরঃ ব**হিত কাতিতেছেন।** বিজু দিন পুরে আমাদিদের ভুতপুর্ব ব্যান্ট **সালের সভাপ**তির আ-

मदम केशविके हरेगा, अहे काहेन कतिवात क्रेखार क्रिजा हिंद्युम (स এक अथन क-য়েক ব্যক্তির কোনে আনে দাখা উপ্তিভয়ন, নেই অপরাধে আমের मम्मात वास्तिक मुक्ति । अक्टा वी-ভন সালেব সঞ্জীপতির আসনে আসন হুইয়া ঐ প্রস্তাবটি ব্লহিত করিলেন। গ্রাপ্ট मारहर रा कि कांब्रान ७ कि युक्ति व क्षण जनावि विधासिक असाव कति য়াছিলেন, এখন সে চিস্কায় আর ওংয়েজ न न। है। बादशाशक प्रका 'घकी खिं श्रेर उ **এবং বৃদ্দেশীরেরা আন্যায় দও** সইতে ধে রক্ষা পাইলেন, এই নৌভাগে ব বিষয় ।

वि, अ, देश' विव भवीका

আমরা পুনরায় এবিষয়ে হস্তক্ষেপ করিলাম। ভগলী, রুক্ষন্থর প্রভৃতি ক লেকে বি, এ, উপাধি লাভার্থিদিগের পা-ঠোপযোগি পুস্তার পাঠনাররীতি এবর্দ্ধিত हरेल जनिर्भाषकोल मध्या केनकल विकास লয়েৰ স্বিশেষ উত্নতি হইবা উঠিবে সন্থে र नारे। (थिनिएडिंग कारलटक्द वर्षमान रेकिमामाभागक क्रीयुक्त रे. वि. क.डेकम সাহেশের সদৃশ সুপণ্ডিত, সচ্চরিত্র, ধীর **क्किंक, मयावान् शर्विक वास्तिया प**नि অধ্যাপক পদে নিয়োজিত হন, কোনুবাজি **च्छ्र-दिगाल**एव**र ओड्डॉक** निवादन कहिया ब्रा**थिए ममर्थ इटेर्ड २ अक्षां पर्वे निर्**गत গুণে**ই ৰাজলাৰূপে ছাত্রদিণের** বিদ্যা ও চরিত্র শিক্ষা গ্রন্থটি যাবকীর সক্ষান অ--রাচর শুনিকে भारे, अभाषक ७ उच्चावधात्रक डेड्टा মিলিয়া অনেক বিদ্যালয়কে উৎসন্ন দি-তেছেন। একপ হওয়া বিচিত্ৰ নছে। ব্যা धिके देववत् महिकामिक नत्न, श्रेन्टमायश्र েক:মিক **হইবা-ধাকে।**

त्म इ हेट उद्याद नः । शवर्गामके निकानके विकानके विकानके विकानके विकानके विकानके विकानके विकानके विकानके विकानके

ति चलान्यात्रं नीन स्थान महान्हे व जाटकान कतिहा बादका । जानी केल कि, निका कारण व स्थानकम पारा के किन्त्रम महिक्षण दश किसे ३५%। १, ७३ मी-रकत निका मश्कांक जिल्ला मरका व वि ব্যার প্রস্থ করিয়া আক্ষেপ করিয়াছেন ! किनि वरलन, ১৮৫৯। ७० **अस्य क्वल** এই এক বৰুদেশে ১৬ কোটি টাকা আয় ও ৮ लक् माज राज स्ट्रेशिट । ज चाटमूल ज. রোদশ অংশও (এক কোটি) যদি শিক্ষাকায়ে প্রদান হয়, সমুদার ভার-ভবৰ কি কুতাৰ্থ হয় না ৷ প্ৰবৃণ্মে ণ্টের এ বিধরে হস্ত সঙ্কোচ করা कि नाग्न मिप्त इरेएजरह ? यनि क्टर अक्न क्षत्र किळामां करत्रम, यर रमत छावि मर्चा জীন মুলল লাভের মূল কারণ কি 🗧 চীনদে র্দার অন ত র সম্রাট্রয়েরপ এক গৃহস্কে পুত্র भोज, कराज करी, शूजरम् क्षकृ विक्रत পৰিবার পরিবেটিত হইয়া সুখে ভালাতি পাত করিতে দেবিয়া বিস্মগ়াবিষ্ট হইয়া জিক্সাসা করিয়াছিলেন, তোমাকে ভিন্ন সভাব অনে হবিধ পরিজন পরিনেটিত দেবিতেহি, অগ্য ভূমি গ্ৰপ সম্ভৱন কাল हतर्ग ममर्थ इहेर्ड्ड, डेडाइ वीक कि -গৃহস্থ উত্তর দিলেন, সহিষ্ণুতা সহিষ্ণুতা সহিষ্টা; আমরাও সেইদ্রগ উক্ত এশ্রের উত্তর শানস্থলে শিক্ষা শিক্ষা শিক্ষা হিন বার উচ্চারণ করিব ।

निका मध्या ह या मश्यक्ष श्रादा छ **এন্ডাবিত বিশয়ে ব্যদের আনুকুল্য**ু হইবার मिक्त मञ्जादका भारकः। निका कार्यः এ**দত অর্থের অ**ধিকাংশ তত্ত্বাবধায়ক ও व्यक्षकिरात केमद्रमाथ स्ट्रेश बारक। ভাঁহাদিগের সংখ্যা ও বেতন স্থান করিয়া ताहे छ गृष्ट पार्थ यानि शिक्षक ह प्रशानक পিপের বিষয়ে বিনিধে:কিত করা হর, কে न अनुकारका यकि वारमत कथा जूनिया कि ए पामानिरमत करा कि विषय मूर्ति व विगरम केनामोना काम्मन करतम, विक्रिक देश कराम मग्न, निका मध्या कि विश्व

।। अरे छिनाईरयर विकी विश्री ह ेहात चानुगृष्ठ मुख्क एरेएछएए। जानाना বেজনে সামান্য োককে (অপ্প নেজনে ভাল লোক পাওয়া ঘাটবে কেন >) শিক্ষ क भारत निरशाकिक कविश व्यक्ति है।का বায় কবিয়া ভজ্বাৰধান ক্ৰিয়া সম্পাদন ক্ৰা करेरकरक्। योद्याता अहे वावक्रारत् अवर्डन কর্ন্তা, তাঁহারা মহাত্রমে পতিত হইয়াছেন। তাঁহার৷ মনে করেন, তন্তু'বধানই শিক্ষা সংক্রাস্ক ডিপ টনেকের জীবন খরপ। व'खदिक ভाष्टा नट्ट। উৎक्रुके भिक्क नि য়েগেই ইহার জীবন। শিক্ষকগত দোব ধাকিলে তত্ত্বাবধানকেরা ভাছার কত সং **लाधन कतिर्दन : (म (म)रधन मश्रमाधन** মেন্দ্ৰী করিয়া যে সম্পূর্ণ ৰূপে কৃতকাৰা ছওয়া যাদ না, অনুদিন ত'হ'র অসংখ্য এমাণ্ড পাওটা ঘাইতেছে। কিন্তু উৎ রুক্ট শিক্ষক ও অধাপক নিয়োগের এধা শদি এবর্ত্তিত হয়, তত্ত্রবৈধানের বড় আ পেকা থাকে না। ভ তানিপের জদযে এক বিশুদ্ধস্বভাব স্থানদৰ্শী তত্ত্বাবধায়ক (অপক্ के भिकादकत क्षरा हेन्द्रभ चल्कातवाराटकत প্রায় আধিপতা ধাকে মা) আছেন, তিনি नियुक्त काल अधिदिक ও अविद्युष्ठ इहेता ঠাহ।দিগকে কর্ত্তব্য সাধ্যের প্রেরণ করিছে एक्त। वाहिर । क्यांवश्वादशासकिर शत (मन्त्र) कार्या क्याईवात क्याका साहै । छं.शहा मृद्रा थ:रक्य, मर्दमा उद्धावमान कतिए পाद्रत ना, मकरलव चावात्र स्था करण कारा कर्म न क्रिवाब क्रमफ: ७ मारे। এই मरुल काव ণেই মচরাচর দেখিতে পাও্য় যায়, যে मक्स निकारकत चायत कल्यसंहरकत क्षुविधान नारे, काँद्राहा व्यवज्ञ नारेल স্নায়ই ক**ৰ্জন্য সাধনে অপ**সা থে গাকেন না । এতভিন, ভারতব্বের টাকার কড়া ই ল তে, কড়া, জ্যারণও অসমত মুদ্ধে, কড়ক শ্বৰত বেতন সামে, কৃতক চোন কৰ্ম हातिभिष्टचत्र केन्द्रित, कक्षणे व्यवावनात्र रेन ्रिक्टिश्व क्रिकेशिक अवस्थि स्ट्रेश

शांदक १ अरे नकन भनव ८ उ अश्वात निवं'तिक श्रदेश कि ताजभूतरपता छ।वक वधै प्रिविदेशेष्ठ भिका कारण पानकारल मुख्य एक वरेटक शादन ना हरेवाँ परश्र বিদ্যাশিকার অনুরোধে ২৩খন্টভ চেষ্টা পাইয়া সেই সেই অপৰায় নিবারণ কি বিধেব নয় । রাজ পুরুরের। ভারত ভুমিনে কামছুখা বোধ করিয়া নিবস্তর অর্থ শোহন কবিতেছেন, কিন্তু ইছাৰ সন্তানগণ অজ্ঞান वक्काञ्चरम मध हरेश विमन व्हेरल्एक. ইছা অত্যন্ত কোতের বিষয়। এই প্রসদে সংস্কৃত আরবী ও লাটিন প্রভৃতির বিষয়ে বি, এ, পহীক্ষার সয়স্কে কিছু বক্তব্য আছে। এফণে ইংরাজীচর ভাষার পরীক্ষার কলা কল বিবেচন। কালে বাখালা এভৃতি চলিত ভাষা এবং সংস্কৃত প্রভৃতি সচলিত ভাষা উভয়ই তুন:ৰূপে সমাদৃত হইয়া খাৰে। किन्द्र रिष धनुशावन कहिरा (पर्धा चीव চলিত ও অচলিত উভগ্ৰেধ ভাষার ভূ-া नमानत विरथत स्टेरफर्ट मा। अहिल्ड ভাষায় ব্যু২ণন্তি লাভ যেমপ পরিশ্রম ও ক্তুসাধা, চলিত ভাষায় সেৰূপ হওয়া कात करमहे मुझाविछ नटह । खाड धव के छा छे छ। यात्र भद्गीकाफाः किरभद्ग कलाश्या ख्यानुक्तभ भूतक'त ए ७गा क्खेंवा। त्रहे পুরুকার দ'নের তুটা উপায় আছে। এক य मगरत প्रतीकः इष, প्रतीकत्कता চলিত বাদলাদি ভাষার লিবিত এত্রে দু উত্তবের সহিত অচলিত সংস্কৃতাদি ভাষার নিধিত উত্তর জুলামুল্য বলিযা शन्स सा कार्त्र । छेनार. জায়া আমাদিগের বক্তাব:টা সমধিক পরি क है बार्स भार्र कार्र इस इस के कि हा (मध्या याहेटलट्टा (व'व क्क्न, अक्क्न বাদাল। ভাষার আরু এক জন সংকৃত ভা वाय भरीका विटङ्क्षात्मम । भरीक्षक केंड য় পরীকার্থিকে পাঁচ পাঁচটা ক্রিয়া এক নিলেন। উভাবেই প্রস্থানির উত্তত 📆 व कविद्राम । भड़ीक्य व्यक्ति व्यक्ति मेंगी भाक

नवत कतिया विशा आकाकाक का तिया नवत कित्तन । भूगीकाक का जूना मूना न कतिया विक नश्क का विश्वन नवत क्षित अवश् का का विश्वन नवत क्षित अवश् का विश्वन नवत क्षित का कि वा का प्रमा विवाद का विश्व का हरेला है नश्क किताब निवास का

বিতীয় পৃথকারকান চাক্ষ্মী কর্মন, এককর্মপ্রার্থী, হইরা ক্ষ্মী উপস্থিত হইয়াছেন । মূই পাধিধারী। কিন্তু উহাসিপের বি বাদালার আর একজন সংস্কৃতি তীর্ণ হইরাছিলেন। একপ ক্ষেত্র তারে কর্ম দেওয়াই উচিত্র। আই তির বিষয়েও এই বিয়ন্ত্রের অনুষ্ঠ

> শারভবর্ষে স্বর্গ সুক্রা বুলি বার আহ^{ত প্র}িক্ত

7 1

वाशिका ७ वाव्यात कार्या युक्ता ७ त्यांके श्रञ्जा ग्रांस् । अत्राक्तनानामानी ত্ৰব্য হাজা ভাহাত ভূন্য ক্ৰিকিট पाटक, ভাষার সংখ্যা, ভারাই **जर्या जाकात देवनाति कार्या** পণ করা হর মার আন্তেই এ প্রকার মুদ্রা এচলিক স্কর্মান বি atia युवास नकते कर्मा ना । धरे जातकार तो जानी हुन निक नार्ड, विक देशक कार्याचरा भटनक भगटत भटनक सञ्जितिया बढते क्षा कर्मण स्ट्रेट्स ८ रमभावत्त्र चुका संदेशा गरिवात व्यवभाक्षा एउ লেক অবার কঠ উপত্তি হয়। 'জীবি भून मुखाद जेदिरनय छेशरयाधिका हू क्रिक कालेंड एवं रनसे चर्न करते हैं बाहे। ७,६। उन्ति क्या अक्सि

ক্রালিকর্ণীয়া ও অত্যেলিয়ার স্বর্ণ থান ্চিত্র হউ মূর পর অবধি এক ইংলতে ্তিব্ৰুসর দশ কোটি টাকার স্বৰ্ণ আ দিতেছে'! ফুলে ও আমেরিকান ইহা আ পক। संक साम नहा । এতি বংসদৃত নত্র্য পারিমাণ রুদ্ধি হইতেছে। অনেক ঘ**র্জাশার বিহু এই আশকা** করিয়াছিলে নু, লে**েৰ স্বৰ্গ অংশ**মূল্য ও হতাদর হই रव किछ अकरण अ आनहा अमृतक विल য়। এতি পদ ছইয়াছে! বিংশতি বংসর एक क्षा भाषा वर्ग मूखा किल, তি ৰংগর তিন কোটি করিয়া ্ভেছে। এক আমেরিকার গৃহ ्क्रम छथा इरेट इंडेटबाटण थाप ্ৰাক্ট টাকার স্বৰ্ণমূজা আসিয়াছে! विक विक ७ गर्वगाधावरणव , ना इध्छ, जारा इट्टल कि देश চলিভ 💱 ভ 🤈 উইলসন সাহেব্ बर्स पर्वक्षा वा कारतात रा दानाव , छोहात्रं । , एरेल : धक्राटन " ্য প্রায় ছুই কোটি টাকার গিনি, প.উ রাশী কুল্ক প্রভৃতি এবেশে আ কিন্ত ছুৰ্ভাগাৰপকঃ ভাষা এদেশীয় गत्रमित्मत्र कोषां ७ छमत्रद्योगा क्रिएट १

ওজন না করিয়া ইহার এক রতিও গ্রহণ করেন না। স্বৰ্ণ মুদ্রা প্রচালত হইলে তাল বা বিশেষত ৰণিকের। হাছা ভবিব দরের কি^ম বে লুইবেন। প্রসার ভিসাবে টাকা, ভা-থবা টাকার হিসাবে নোটের নাম তাহা श्रुहोड **क्ट्रेट्ट मा । অভ**এব গ্ৰণমে हैय 🗬 ফ পূর্বক হণ মুদ্রার মুল্য নিরুপত কর। व्यथेको छ।हाट्छ श्रीम (म अय्रा माधान्यछ इहेरद मा। किंकिवियन, प्रजाति धार्तिश्रम-ধিয়ান এতৃতি কংশকলন ভূপতি নুদায় খাদ দিয়া শেষে ফ্রিড অপ্যান গ্রস্ত হুইরাছিলেন। যাতা তটক গ্রহণ আমাদি গের বক্তব্য এই, প্রধান প্রধান বণিকদিগকে ভাকাইয়া কত মুলোর খণে মোহর প্রভৃতি প্রান্ত করা কন্তব্য ইছা নিৰূপণ করিয়া স্বৰ্মন্তা প্ৰচলিত কয়া উচিত ৷ ঠিক যদি ১৬ টাকার খণে মোহর হয়, ভাহা লইয়া ১৬ টাকা দিতে কে অসমত হইবেন: বাঁটার ভয় কর। অন্যায়। টাকারও কি दाँ। लारमञाः विश्वभाष्यर्गत्र मुखा स्ट्रेटल ७ যদি বাঁটা লাগে, ভাছাতে ক্ষতি কি > টা কার ন্যায় ইহারও ছু আনি পর্যাস্থ করা কর্তবা। ইহা ছারা যে বিশেষ উপকার লাভ হইবে, ভাহার বর্ণন করা বাহুলা। এক্ষণে গড়ে প্রভ্যেক ভারতবর্ষীয় দ্রীলো-কের গাতে ৫০ টাকার মূর্ণ আছে: স্বর্ণ মুক্তা প্রচলিত হইলে অলমারের প্রতি करम এ मिनीविष्टिश्व डेमाजीना इंट्रेंट्ट. क्टिन्द्र धनवृद्धि स्ट्रिन, धनः गर्नायर्केत्र ७ दिलक्षन मुनिधा हरेटन ।

দ্ৰু লাকিণান্ত কুলীন বৈদিক। ক্রেণী পুনর্বার ।

বিদ্ধা হ। ও মাস বয়কেন কালে পুরের সামর্থ্য আছে, তাকুশ মধ্যক বেন মনে বিদ্ধান কথা ত করা হর। আমরা বেলস্করাগ শকে ব বি এবং অপৌর উপ্রতির একটা প্রধান প্রতি- দিক অেণীর বাগুণান বিধরে ও পর্য বির্বাণ বক্ষা করাছে। প্রিয়ক্ত আনসভজ্ঞা বে- লবন করিতে কৃষ্ণি ছিলান, গ্রস্কা ব্যালার পরিবাণিশ সেই বৃদ্ধি ও পাশ্রমিকত ভট্টাচালা অভুতি প্রতিশ সাক্ষিত্র বিশ্ব

हरेशा अहे (क्ष्मंत्र मरहालकात नापरः इक हरेशारहन, किस डांहात चारी जग इक्ष्मारड त्मरे किस डांहात चारी जहादमा रमधा बाहेरडाइ मा। त्मरे जम जश्रादमा रमधा बाहेरडाइ मा। त्मरे जम जश्रादम रमधा बाहेरडाइ मा। त्मरे जम जश्रादि हरेगा यणि अहे (क्षानीत डेलकात भाषिक हश्र. अहे जालाग्न चामता श्राद्म श्राद्म अ विगरमत चारकालार श्राद्म हरेरडा हि। शांह्रकण्य जामाणितात अ चलताथ श्राह्म क्रियरन मा।

এরা অগুহায়ণের সোমপ্রকাশে মধ্য ত্বানিবার বিগায়ে যে অভিপ্রায় একাশ কর। হয়, বেদাব্রাগীশ ভদন্যায়ী হইয়া ৩০এ অগ্রহারণ ব্রহম্পতি বাব আমাদিগে র নিজ্ ট এক পর প্রেরণ কবেন। ভাছা তে मृखे हरेल, বৈদিক खেनीत २७ वास्क्रि র নাম লিখিত হুইয়াছে ৷ বেদাস্তবাগীশ উহ'র মধ্য হইতে মলোনীত করিয়ামীমাং সং নিৰূপণ করিতে কহিয়াছেন। আম ता अथरन य कम्र मरहाशिका मधान ননোনীত করিয়াছিল'ম, ঠ:হারা বেদাস্ক বার্গাপের মনোনীত হম নাই ৷ অভএব আমরা আরু মনোনীত করিবার ভার এছণ করিতে অভিলাধী মহি, এ ভার বেদান্ত বাগাশের উপরেই সমর্পণ করিলাম। তিনি যাছাকে ইচ্ছা মনোনীত করিয়া এবং কোন দিন কোনু স্থানে সভা হইরা এবিধ রের বিচার হইবে তাহা ছির করিয়া পুর্বে পত্র লিখিবেন, আমরা সেই দিন সেই স্থানে উপস্থিত হুইব। কিন্তু এস্থলে এক है। कंथात केटलब कता निकाद आयमाक হইতেছে ৷ উপস্থিত বিষয়ে স্বিদান্ত महेश विठात छेनिएछ। योहामिटनत रेगहें স্কৃতি শাল্পে পান্তিত্য ও কাদ্যে মর্থএতে गामधी चार्ड, टाकुण बधाय (यह मरतानी **७ कहा इसं। भाषता (बणक्यान,भएक देव** किक् (अभीत वाश्वाम विवटत है। अप 📆 लक्ष्म कृतिएक कृष्ट्रिक दिलाये, श्वनुवासन ভুট্টাভাল অভূতি জনিত্ব সার্ভনিব্যার্ভ

कार एक लंडना क्रिके स्वरंध ताथ करि का हा नारतरक स्वरंध रूपन स्वरंध प्रकार अ तर स्वरंध कार्य रूपन स्वरंध प्रकार

म्बल्यां स्था स्था भंदा ।

ভবদীয় লোখনিত, সোৰপ্ৰচাশ পঞ্জিতে (बशंब्द्वानीम बहामदबद्ग मुल्ब्ब विठाहार त्यादध स्व क्षावञ्च क्षाविक ग्रेशांट्स, त्य ज्यका ন্তাকর্যকর বিবেচনীর খনভিপর্যক্ত শাস্ত্র্য त्यक्डेरन अवस व्हेनाम । मरानेष ! 'मञ्जाद त्य নাশিয়া ভনতীয় ভাগবিশ্যাত শীট্টকাতে ভাগ श्रमादन वाविष्य क्रियम मण्यांत्रंक वर्षः भव । ্বগারবার্নান মহালদের স্থিত স্থৃতি লা-দ্ৰের বিচার উপস্থিত বিধার আবরা ত্বী **इडेशांक जा। वेरिशां अहे ज्यांनिक स्वीराजांग** गरभातरण चाकानिकृष चार्यमण गणिता त्रंत्र न्धामकात्रियां शास्त्रमें, केविरसंग्र सम्दूतक वाला-न कारणात क्रम अ अपि मार्चामा नम बरम । प्यार्ड-वना करवामधीती विकासि नाम वाँच विवासका कागरवाधक बन्न अवद व्यक्तिसम्बद्ध पूर्णकर ৰত্ৰ কন্যা বিশহাতে ইভ্যামি শাস্ত্ৰও ৰমি वाजानकामस्याधक वस्त खरव विमोक्तवीभीन महाभारतम् वेत्राम् विहासार् १ देश्यः भारतः विश्व নেট পাত্ৰ, যুক্তি ও ব্যবহায় এই বিভেন্ন বি रवांची त्याच क्ष्रेरकतकः। बाच कि व्यक्तिः। প্রাচীন পশ্চিত্তজনগণভূত বিচরতে এবং ারসভা ঐতহ এবং আর্ড ভট্টারার মহাশর্যর -एविडवाति अ.६ क्डोफ शांड मी फ्रिश रवतासवासीम असमस अहे पासून विवास जेनचिक बहिद्यादिक, व्यापक्ष व्यवस्थि हारी नकन नाञ्च , विश्वकारन अक्षेत्रक कश्चिमान प्रक्रि भाक-विद्यालन्।

আৰাধ্য, চুয়াই ইডামি (১) বচ নৰসাতি পৰং ইমানা ম্যামানে আৰ্তঃ। অভ্যান্থ অঞ্চনাথানাথভাতঃ-পৰ্যং ইড্যা-দীনজিগাৰ কেডিয়া অভ্যান্থাতঃশিক্তানিনা मेलांदुर्गाणमध्यिकेनेनानक्षर विशेषिर वि-पैत्रास्त्र, व्यवकार्यक काग्रीविश्वकार्यक काग्री-विश्वकार्यक केनवज्ञन कान्नकेकि व्यवक्षात्र मुख्य पूर्वकार्यकः ने प्रस्त प्रशानाह्मन्यमध्यक्ति, मुख्य वर्षियार विकास र गर्वक्षियक केनवज्ञन वर्षावक्ष्यक विकासकार्यकार वालानकार्यक व्य वालाविक केकिंग्निंग । म या विवाद काल्या वालाव काम्यद्य व्यवान वर्षि केकिंग्राह्म वालाव

वामानमा विश्वकृतिवर्षवाष्ट्रीय विवासमाह পরক্তব্যস্থাৎ ডয়োঃ পৌর্বাপ্য'ংং বিষা এঞ্চ कानक विराद्धः व अक्षविक कर्ताः भीषानीय महन्नाः ल्योकार्थानिम्यार ज्यानि बहुतारह्य कांसर्थ वान्यामरत्रम शृथ छणा प्राप्त देवप्रवीत्रणः ८क्क ७८७। विवास्थवासः योग्रहस्वीयदेवस् ইজানেবৈর গভার্যথাৎ বস্তুতঃ বান্দানল্য 🦚 ধাহসন্ধারকদ্বের বিবাহস্য চ অভ্যানীর প্রীকৃষ र्श्वनाद्य निर्मित्रेषा । वकामान्यकारि विस्ति । **अप्तर विवादकाला९ श्रम्भारिक ए. यामामर** করিব্যবিক্তি স্থিতং। অভন্যভাষ্যভূত্যাদশিং ৰালানভালোধি চূড়াকালাববিবিবাহপ্ৰান্ত্ৰকাল-नर्रावर देखि। क्यानदर्याभागाविक्यकार्वाहर्गाः ি দালানস্য বিশেষকালামূপকেশাৎ বিবাহ পুৰ্বকৰ্যাখাল চুড়াকালাৎ পরং নিবাৰ कामभूबाक्षर वालामर विविजिमिणाव। आई-वक्ष प्रमृष्ट भोती त्रवर्गात श्रीविभी वेष्णांत्रि শাস্ত্ৰদ্য বিবাহকালনিরামকতে ত্রিংগকর্মো बद्दर कार्याः सम्गार सम्बन्धिनि हे कार्षि সম্বচনস্য বিংশক্ষঃ ব্যক্ষবর্ষাং ভার্যা-বিশেষ্ট নরিকাং ইক্রাটি নহাকারত,বচনদ্য চ কাগতিজ্ঞান পিতৃষ্ঠে চ বা কৰা **বজ**ঃ शर्भाजात्रक्ष् **छ। जनरङा। निरुष्टना**ई त्रा क महा अस्त्री लक्ष्य केंद्रशक्षितकरैनकम्बा ঋতুদৰ্শন প্ৰাস্কালএৰ বিবাহকালঃ, ক্ষমী-वर्षा करमप भीनी केनामिक्क श्रीमधा म'स्रान्द्रशः व्यवायां यशकात्र महाकात्रकः मही ৰাৰাপ্ৰকার গৃত অনাশীকত বচনানাং (বিজ্ঞা 🗸 ধা কেনাপি পরিবর্গ ন পর্যুক্ত ১ ইউ कारमा विवादस्थ निष्या माधिको हिपियो-हर अपन देवन में काइनिहाँ प्रकृषिक हैं बहुतिहर्न क्रजविविवासम्बद्ध क्रजूर्व विवास विशासा स्वीति बामक्राभिकंषिय गावि महि विविध्यक्तिका क्षित्र विवादः अवनिविद्यार्थः । विद्याराधः विवा-

रमा, चाटकॅसमा . नमकर माहिति है

Danie Par

जानकार्थ हेंक्स्टर हरू নিশীয়ক ৰচন পরতাস্তার शत अ**वहें शहे जारहें (**श) অভঃগর গলের ज्यार हुर्जकार रहेशें 'बीर्जी रत जाशत, गत अवेशक विद्या क्ष्य कि कि कि गांकछकाम कार्य कांग्रहाहरू ३ **म्हिला जा जाना कि का जाना है** त्य भवत्य श्रद्धान विश्वतेष विश्व एत, रनहे कांनेहे काराति विधारकी त्रक केव् क महिना जाई मेडाईई त्रा च्यम क्षित्रास्थ्य, वर्षि विक्री কই কন্যার নিবাহকাল বিশিক্ষ 🦚 खेशनवन **१९कांत्र माहे, खावा विश्वका**र्थ यायमान विकास निर्मीक अस्टिम । Car is two and the spott हेम् विश्वनकी शहर । चाह त्य वास्तानकान काशांत्रहे मा अवस् वाटरह श्रूबंक्या वास्त्रेक महिल डेटरपुत्र अक्**रिम क्**र्क्सिक्स् कांत्रक देशाच दन्शकीत्राहर्वीत हो। sácaca : a gaintiúi क्लिन बहेना जान भारत PROPERTY OF THE PARTY IN trails property rate. Bullette wi भाग स्वी विभिन्न महत्व विकित्र प्राची भूग पुरुष नेश्वीक्ष ग्राक्ष विनास्तव चानाव ह विक्रीवर्षे विकास कांक छाविनाग्र गटकर व जबक कार्या र न्यान है शाकावा वार्के क्षितिक विवादनांन निविधा "निवाद मिनुदेशिवा , ध्यक्ष ७ थानेन शक्रिय बीहर्ष विकारमञ्जू राम विरुग्ध विविधि

^(ः) श्रीवाक्षप्रक्रमः अस्तिः श्रीकेरियः कासिट्ट गाः विकेशः कास्तिक्षेत्रस्य अस्ति । एकपिएक कासिट्ट गाः विकेशः

ा प्रश्न का सामा निवास का निव

कि केंद्र द्वाराक्षण होएल कि पूछरक क विवस्ताद्व कराइकान टाडिनिक बतिशा रा क दर्श क्षेत्राक्षित, छविषदा इटाइनांत उर्ते वर्षको व्यक्त क्ष्मणांत शाद्ध कि कराइनांत रेडरूक होत्र क्षाण क्षेत्रण प्रतिता विज्ञात वर्ष क्ष्मणांत विकासक राव कथा कहिराद वर्ष क्षेत्रणांत विकासक राव कथा कहिराद वर्ष क्षेत्रणांत विकासक स्वत कथा कहिराद वर्ष क्षेत्रणां क्षित्रणांत्र क्षाण स्वत्र र कथा है

प्रधान अवेशियां अरण्यांत अन्य कर्म प्रधान अपन्ति । नेशिय मर्डि वाल्ति व्याद्ध आहे । न्यांत्री स्था हिलाउट । जिल्ला त्यांत्री क्षण्यांत्री क्षण्यांत्री व्याद्ध व्याद्

काशायको जेरगायका स्वीतक एवरन मा, अ कथा मिटिल देवाच स्वीतकाला कि एवं मा।

विशेष, विशेष भाव वीकातवन त्योव क्ष्म जावार कड़िएक हरेटव मा। श्रावम श्रावम विशेषक काल क्या। भारत ममराष्ट्रका हरेटव रहेते, क्षित्र क्रांम क

पृथीत, अकारन या क्यां और उ क्यां योक्तिक वांग्राम व्यथा अविदेख क्यांकि, क्यां प्रक्रिक एके हा लाखीत व्यथा क्यांन्य क् क्वेट्य। शतिरमंद्य क्यांन्य भूनतात क्रि-क्यांन्य क्यांन्य अके मकल वित्यक्यां क्रि-क्यांन्य क्यांन्य क्यांन्य क्यांन्य क्यांन्य क्यांन्य क्यांन्य मानित्यम, क्यांन्य विक्रिक या क्यांन्य मानित्यम, क्यांन्य विक्रिक या क्यांन्य मानित्यम, क्यांन्य विक्रिक या क्यांन्य क्यांन्य क्यांन्य

পুরকগারি ।

এ-সধাহে নিয়লিখিত পুস্তব্দ্ধ আমা-ছিনের হস্তগত নইনাছে।

त्रभ कात मित्र मा हेड न नीटन टन आह जाएं, वांतांत्र एउंड जावाना के नीटन टन आह जाएं, वांतांत्र एउंड जावाना के नीटन हो जावाना के नीटन हो जावाना के नीटन के

शाहरात सम्मानी हैन नरप से सुर किंद्र पदनाथ साम्बद्ध हैनात टानहरू हैराटड पाइमान मुचारेड पाइपा नकत स्वय नकत नम्भ श्रेतादेश मुख्यांचा काम गाहिका के तहादिन किंद्र मेरफ के श्रेत डावाद क्षवाद्यन क्या महिल्ह मुकार स्वा वाहेटडाइ मा

विवि" स्माम ।

২০এ জন ুৰ্ন বৰাৰবাৰ।

ক্ষিত্ৰ বলেন, সম্ৰোক্ত জাৰাৰ কাল ব ক্ষিত্ৰ ইউক্তালীয় সৈনিক ও ডালানিলের গ্ৰী ইউরোপ ক্ষিত্র আনিবাহে। ইবারা আ-পাততঃ ক্ষিত্র আহিলে। এবার ক্ষাণকা

प्रक्रिंग रेनका का गिरखरह कांत्र^{क्ष} कि. ३

मा अपनिकार करता कर नाम कर साम मार्चित करता कर नाम कर स्थान करता करता स्थान कर करता करता स्थान कर करता करता स्थान कर करता करता साम करवा करता करता साम करवार करता

(Be ville Girls of Sand Ger, as acrises suga: Complete for soil of the free stails or calula vibes for water arminaria and

Fed Sales at well and states.

The party where the all the action and the states are all the actions and the states are all the actions and the states are all the st

FOR THE WINDS WIT

मानवाक क्षिण्या क्षिण क्ष्मण क्षमण क्षमण

्रवृत्विर्वासाञ्च विरामीः, चेतुम्ब्रीमारं , विक (अविक अभे कारीका विद्यान विक्रु जानमान ब्रामिक स्थानात केनत वित्रक बहुता-क्षीब्द्रिक स्वभक्ष्य अञ्चल समेदन नर्देश जिल्ला कर केत्रिवारिक । स्वत्नात्र स्वाप क्रिका व्यवस्त कविनात नगरेत कारीत कार्यिक बर्क नामा-टर्ड म जारा क्षेत्र निवास प्राप्त स्वाहिता ब्राप्टम, श्रीमय कर्पनाक्षित्रा द्वार्क्ट का विरक्षत्र दक्ष ट्येंड्र महत्रा व्यवसांक बीटनेत 'श्रीक शब गार्डेडा क्रोशास्य एक क्रिया विष्ठाक्षरिश्रवर्गेण करेड्स । করালী প্রাথানতন বিটার্যালয় ভালায় আৰ मर्चन कोका निर्दार्शन किनानों ने निर्देश বিশ্বে আলীল করাছত জীলাভড: ভাষার आने प्रश्व देवेटपोट्स मा है जो बाह्य फेसा आग उराष विद्वारा विदेश राज्या का विद्यार्थिक विद्यार निकेष्ठ व्यक्ति क्षाप्ता व्यक्तित्व । के

বিশ্ববৈশী কৰি মহিলো নিৰ নিৰ্মিত সংকাৰ কালি মুখ্য মহিল

श्रीनरकाम काकारमक स्वीवनामा भव मा के व नारमा जीनाम कर्मनाम कर्म पा-चित्रिक द्वारामको क्रिका क्रिका क्रानीम मा मा क्रानिकोस स्वीवन क्रिका स्थाप क्रानी विकास क्रिका क्रानी क्राने क्रानी क्रान क्रानीका

वक्षिक्रमा दशके जागाराक्षण क्षेत्र राह जन्म क्षांके प्रश्वत क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र जन्म क्षेत्र क्षेत्र क्षांक्ष क्ष्म क्षित्र क्षेत्र क नामिक्ष क्षेत्र क्षांक्षक क्ष्मिक गरेगार क

THE PROPERTY OF THE PERSON AND PARTY OF THE

A STREET OF THE STREET

विश्वासकारणाव तांचा जात्र उर्देश स्वर्णना विश्वासकारणाव तांचा जात्र उर्देश स्वर्णना तांचा जात्र उर्देश स्वर्णना नांचा जात्र नांचा वांचा वांचा वांचा वांचा जात्र जात्र वांचा वांचा वांचा जात्र वांचा व

जैक्कांगरवात गातिमच मश्याव प्राणा आह्मा जातम् तदेनच्छि देश्याकः स्मान् श्रीकारम् संक्रिम विकारण धकरन ७०,४०,००४ भूका पूजा चारम् । देशाच भीज क्या शास स्ट्रेशात मकावना ।

मारण समाप्त केवितारक देश्मरक्षत्र जा व्यक्तिमात केवत विकारमा मृश्कि वृक्ष स्ट्रैयात भक्तावमाक्ट्रेसरक्। कादा स्ट्रेरण सार्थ, वर्षमी कि व देश्याक्रिरमात विचा व वाधीमकाव्यित-कारक स्ट्रिस विवा ।

কাষরা কাষণত বইবাব এ বেনিরবৈ তথ্য বিকার বিচার বইন না। বলোকর হইতে কে সকল্যাধি আমিরাকে তাবা ইংরাজীকে কেন্দ্রাধিত বা কণ্যা ইয়ার কারণ।

ৈ 'হৰ্ম ক্ষাহারণ দৃদ্ধবার।

भावनवाद यर नगरताद का क्रम करक इ शिविका विकालरात भागेका परेश विमान इक्षा कानता क्रमत विमान भागेका परेल इन्हें क्रमता क्रमत विमान क्रमता इ विद्य गाँउ मारे क्रमत क्रमता मार्गक्षण उपलिख दिलन । क्रमता क्रमता क्रमी क्रमता क्रमता प्रकार क्रियादक इस्नी क्रमती क्रम क्रमता क्रमता क्रमता

CONTRACTOR OF THE PROPERTY OF

ATT OF THE PART OF

The series of th

হিত্তের্ডন না। ভারতিই ছাতিরিউ খনঃ কোন দেশে পাতিবটেন্ডার একাশ সচরচিত্র हेशास्त्रन गाउता सर्व भी उ

कता (यता कृष्टे ध्यश्रद्धक्र मध्यक्र धक्की इक প্রালেক চালাভকুর দীবিতে ক্ল আনিতে तिया जनमञ ब्हैरी व्यानकाति कतियादह । कार्रा क्षमा भाग शंकतिस योगात्म अक की-बुद अबंधे चामिनाइ चटन क्ला हिन। क्ला এক জেলেকে লেই স্থানিপাছ তুলিয়া দিতে ক্ষে : জেলে জানে ছুবিয়া বেষৰ খানিগাছটি কুলিবে অন্তুনি গাঁচটি ব্রিয়া ভাষার ভাতের উপর গতিত হয়। ছাত আইক্সি বাওয়াতে উটিতে না পাল্লি। প্রাণড্যাণ করিয়াছে।

আৰ্য়া ভালাম লাভ এলগিনের গ মত্যালের জ র অলাক,'ডিনি আগাৰি কে क्यांति बादव इत शक्तिमांक्टन भगन क्यि-। ৰেম

र्वेश्वर अवादन वृथनात्र এও কল।। সিঙ্কনি কটন কলিকাভার উ লা ভি খুইবুলি। রণভরির অগ্যাক সর কে

बक्यताईई क्यूँबॉन क्रंद्रन, जुन्छ नारहर अन्नर्नरहोत्र नारश्टवत् करण विवृक्त_व

· উक्त शब्द बरलन, १२ शशिष्ठं हेर्डेस्ब्राशीय रमनेपारशह रह नारम **अरु जन देनेनिक अप** स्थ्य त्रष्टद्वरक दश्च क**्रिया शनीयन करते**। अ**न्य** বশিক ভাগানে ধরিবার চেষ্টা করাভে সে ভী हारक छनि । हरत, व्लिक छात्रांदक विरुप्त च्याचीक द्यो । नः इडेश अश्त च्यांत दक्षां-ক্রির সাহায়ে। তাহাকে ২ ত করিয়াছে। अहै राजकाना वर्षे क्षित्र मिहाएँ का भी रहरव।

শিশ্ব শিশু পতিত ভূমি চা-র নিমিত্র WE SEED T

AT A	ক্ষিত
শাসাৰ ক্ৰ	22,52
্যাছা ক ক্ষুত্ৰ ইবিশিষ্ট বৈশ্	195,9
- 5 3 b 3 8 8 1 3 3 3 3 3 3 3 3 3 3 3 3 3 3 3 3	2",200
SILI & MAY TANK OF	ः क्षेत्रिः दशस्यः
ernice beigen waren	सिंहा आद कहे

रहेबाड्ड प्रथानि अविदेशियात्राम गाउँ उ कृषि २ विकास क्रीश्लेख करिएड कारहम मा : ो

इ_{.स्}र्वाविक्रेश व्यक्ति छक्ष्णः मदानः पात्रापात प्यारक्षम स्कटन रज्ञा हैनले अवनव छ। गाँउ हैन-वित होका अस कांट्रमून् कु 66° होको शांता करि-श्राद्यम् ।

সম্রতি বেলিরা ঘাঁটার একটা বাটা ভঃ र्वेद्विया कटमक वास्तित क्यान विवर्ध करेगारकः देशाङ्ग नक्टलरे पतिप्र बस्त ।

গ**ভ পুর্ণীন্মনের শেবে প্রা**ওসুরি দব মর্ডা ঐ ওয়েলনকে ৰবিয়াছেন, মাঞ্চিট্টে টের। অভি সাৰান্য সাৰান্য ঘোৰদ্দশ দেনিয়নে তেইৰণ করির। ভূরিত্ব কার্য্য বাভান। ভালাদিগের বিজে এসকল মকজনার নিস্পত্তি কলা কর্ত্তব। । न्द्र मर्खान्डे । अर्थनाम । डार्गामरश्र मराज व्याज ৰোমৰ করিয়া প্রধান বিচারপতি ও লেপট बके शवर्रब्र विकटि डाहाब्रिश्त गडा स्थात्र করিয়াছেন। সকলেই জ্ঞাপন আপন কটের रूख रहेटच मृख्यि नाटचत्र क्रिडी करत् ।

টাইম্স ভাৰ ইতিয়া আৰণ করিয়াছেন मन द्यांन व्यक्ताव्यांनी स्ट्रेट्ड याजा कतिहा । नत वाटर्नन निकक कांत्र अक्की कत्रहिक नः-काल संस्थाय रव मछ ध्यकान कतिहास्त ভাষা হিল্পবটিত ব্যেক্তৰা কালীৰ প্ৰকা-শিত মতের সম্পূর্ণ বিগরীত ! বিশুদ্ধ অঞ্সরণ করিয়া কাব্য না করিলে এক্পী ভাইনগ্ৰন্থ রোনীর , প্রলাশ বাকাই थोरक।

> ভারতবর্ষ হইতে ক্রমশঃ অধিক পরি-बीरन जुना निरत्भूतन याहरेकास । अ वन्त्रव : ७, ००, ०० वका शिवादक, जालीवि वर्डक আৰিক বাইধার সভাবনা স্মাহেছ। এই সভুকা के त्मरन प्राथिश। अडेबादनेके सामग्र कान क विराह्मित्रक्षर्यद्व वि अभवते के स्वयः !

> > कुल जो अरावन समामानि स्मा ।

felicecule rent felig fin a di-होत जम कहा बहुदर । जानका कहे जमाना हिन्द क्षेत्रीयुद्धीस्त्र मार्क्क स्वितंत्रः नामित्व वि मा । शवनंदर्भके किहैंनिदेशकेश मार्थिको "करहा-म ? यपि छार्रात मकावृत्ति वाह्य वाहि के **की**-होत क्रम काराजा कार्यिक गुरुवासूस अवस्थि বরং তাহার রাজ্যুই পভারিনা ৷

des nu vicul acad nu februir de

ण्युष्टि रनावानिवरत् वर्षानुवाद्यस्य अस्य श्रीक श्रेवाटकम १.५% 🔻 🕠 💢 🖓 🐉

विन न गरजह अक्रमन शक ब्याउम नक्सने, निकु भरमप्र एउम क्याँ डिडिंड कि में नक्दरब-के अविषदम्ब अक शिर्टगांचे प्राविशास्त्रम् । इसक-य प्रक्रियन ७ कर्नम किनदश्च विद्याद्वीय क्रिया त्त करे कार्या विक्रंत क्रिटिएट्स । स्थन सूक्क আর্ড"হয় তৎকালে কি গর্পদ্বেক আঞ্চ ছি.

সম্রাষ্টি বোদাই নিগরে জয়ারক মড় ও २६ परिया गर्याच यृष्टि व्हेन्ना निवार हा।

वाचाइरत्रत्र व नक्त मिनिकान, शही-কোন্তাৰ হইতে পাৱেন নাই, প্ৰৰ্থেক ভা-रापिनत्क वाक्योविषरामस्य छैन्द्रेमम् अत्रन् করিবার অসমতি দিরাছেন। সিনিলিয়ানেরা मार्कि मोत्रा यान (क्य १

अक्षानि हे ताकी शद्ध वृद्धे व्हेन, १४२६ অনে তারত বর্বের নানা অংশ হইতে বছকে: ্ল ২৬.৬০.৫০ বস্ত্রাভুল, আইলে : তথ্য স-प्रशंत कतिवर्दर ५,५०,००,००० वक्षा कूला হৰত। এতি বস্তায় চান্নি ৰূপ ভুৱা থাকিত ? এক্ষণে বুলার চাব অপা হইবার একটা 🕸 भान कात्रभ च्याटक । बीटक्ट्रेटला वक्क नवीक श्र হীত ও দেলীয় বন্ধ কান্সভুক্ত হট্ডাডে, হা-**খেটর আরার ভারতবর্গ হইছে না সইয়**: আমেরিকা হইডে অধিকাংকা কুলা আনরন क्टब्रम । ू '

টাইনস আৰু ইভিয়ার আলেকজান্ত বা-শ্বিত সংবাদকাতা বলেন, সিকটোর পাসা স্ট-रक्षत्र थान थनन गोशांबक कि ना, कवियरह मिन्दिक प्रदेश अञ्चल हेश्याम प्रेकि नेन्द्राज खबिवद्य ब्रिटनार्डे क्रिट्ड बनिसाद्द्य । त्यान হয়, উৎলতে বাইছা পানাই:এই সংখ্যায় জ-विकारकः। त्वरक्षित्राभी सन्न ऋत्वयः हैं।शी. য় ইভিৰিয় বলিয়াটেৰ ভাইনেচামে দুট খাল भनमं अन्तामं स्टेटल नाजित्य े अत्यादणका व्यक्तकार्वकार केल काली क्लेक्सितिक THE PROPERTY OF THE PARTY OF TH

culting private worm farty can non all that excession maintain go-Throng was conserve floring building প্রকতা করিবের না। রাজ। উৎস্ট উপায় चा वसक्रम कड़ियादिक्त ।

गर्शसारीक जिल्ल जिल्ल धनातारक निक जिल्लिक देनियं असी खाँदकः ---

العناسي فليسترين والمحالمات	-
ভারতবর্ণীয় গণামেটের	४, १०,२२,०७२
বল্ডেশীয়	: ४०,७०३२१
देख्द्र शक्तिमाक्दसद	2 84,9b.,4-0
শঙ্গাবের	F 2,08,00)
্বাথ!ইয়ের	२,७३२०,१०३
গণ্ডার্ডবর্ষের	و حد, دو ه <u>ه</u>
फ्रा क्रिनाटकात्र	15,00,000
শাক্রাম্পের	\$.38,04 44.0
(बांडे देंकि	>6,84,86,90

हेश्नलीय भवर्यम् हे क्रायक मानाविष छ-তিমানে ৫০ লক করিরা লইতেকেন। সম্রতি ভবাৰত্ব সুম তেভুতির মন্ত কিঞিৎ বি ब्राट्म। हेबाटकहे बाथ इंडेटकट्स बढीर ः ३ शिष्ठि हरेटल ३४ काष्ट्रि महे<u>बार्</u>ड । बोडी सडेक शवर्गदारकेत हेशत कार्य धामनंत कता rist.

<u>क्ष्मिय देखिया बरमय है डैम मार्ट्य</u> क्षाप्रवादारमञ्ज नाश्चिविधिक्क क्ष्रेयारक्न।

উক্ত পত্র আরুও বলেন আপরার সদর ভজেরা গাজিপুরের ক্ষেত্র উপর অসোজো-य अवाभ कतिशाद्यम । अहे कि प्रश् । अख्राक नीर प्रवास कि अरे पूर्व स भिवितिहान विशं ব প্ৰতির নিষ্ঠু রতা সথ করিবেন ?

২৮এ অঞ্চারণ শুক্রবার।

সর বার্ণেস পিকক জাগীল সংক্রান্ত কা ৰ্ণা ত্যাগ করিয়া সোমবার আব্ধি কান্য কার্য্য कतित्वम । मन् हाव्याम आकान आशीम अ१-এ"ভ কাৰ্য্যে বাইভেছেন।

পুনা ভাষদান্ত বর বলেন " আফ্রি-কার নিজ্য আছে কোন যুবক বত দিন পগ্যস্ত যুদ্ধে শশ্রুকে বাধ করিছে না পারে ভত দিন ভাষার বিবাহ কৰবা ভাহাকে মুক্তা ব नियां शभा कहा हम मा। हैयर रक्नारनद **अफि कि ज निज़ब शांट्डे जा ? यांड्रा ध्वा वाका** লির স্কাব ও ক্লান্তার বহিত্র ড। কিন্তু জা-मन्ने अल्लान करिएछहि, चछतिल गरीष मन् বালাবী:ভেক বিষধাঃ,মোলনাবা উপাপ্ত करिया भाग प्रतिम्, विशा मानी । निरम

कार्डक विषय विशेषा वानडीय दिहातामस्त ও জাপীল আদানত গ্ৰাও অনী হটহা व्याममाधिनदक छैरदकांत निर्म निरम किथिर লইতে না পরিনেন, তত্তিন ভাচাকে বিবা হ করিতে দেওছা ৬টিশ মহে বিশ্বা করি व्या अकश्रीमात्र 'क्य लग' । कृत्यिक अधिकास्त्री এতানে বাঙ্গালিদি:গর হল্পগত দ্বিল বথার্য বটে পুৰা ফাঙ্গ বংব মিখা, বং-ৰ নাই, किन्त अविति क' बढ़ा बक्षाम्याम न्यामिता या ক্লালিলিনের ভূনক ভিত বা অধিকার্টী হরণ করিয়, লইমাছেন পুনা অবভারবর नीनकिमास्य विद्यारिक (प्रशिक्तक शास्त्र) मरा कि विथा। १६८ इकि ब्रावित्व गावित्वव পুনা ভাৰজাৰবয় ওদ্ধপ প্ৰস্থাৰ না কৰিয়া यपि धक्राण अस्तोव कविष्टम विवासीनिया যাবৎ ঘন ঘন জোপদান ও ছায়াব নাবে আ-মুগত্যাদি ছার: বিচারপতিদিগকে ভুলাই-তে না শিখিবেন, ভাবৎ বিবাহ করিতে পারিবেন না, ভাষ্ট্রে ডিনি নিংস্কেই 29 धनावाम भाहेरजन।

গতকন্য কৌনহালে একটা ভোজ ও সূত্য হট্যা গিয়াছে। প্রায় ছয়শত ব্যক্তি তথার উপস্থিত ছিলেন। শাকেসায়ারের স**ল রদি**-গেল্প সহার্কতার জন্য এই ভোজ হল্প নিমন্ত্রিত वास्त्रिता अध्याप्त ।। होका निवाद्यन। শেকা ও উইলস্ফেল হোটেন হইডে ভাঁহারা विना सारत आश्रीकीय प्रवा शाहेश्रीहरून ।

कांडे नांगानुस क्ट्रेटड आक्षाम विनिका পত্রে লিখিয়াড়েন নিশ্ম বহিত্বত প্রচেপের कानहोद्रमति श्रुमिथ हर्ने उद्धा प्रमिद्र वक-प्रात्म हावड़ा १ श्री ४ डेक्ट श्रुतिस क्रेब्रोट्ड ।

উক্ত পত্ৰপ্ৰেরত চাবও বলেন ছোটনা হ ওরাতে উচ্চয়ে গ্রেণ্ডেরে নিকটে আবে- । তড়ই মললের বিবর । मन क्षियाटह्न । आंश्रन मिट्नेंब्र शृह विवीस আপনারা নিশান্তি করিয়া সওয়াই ভ মুখ্য কন্দা ভালা পানিলে বান, মধ্যারা ও ভাবীয় ত। अकृष्टि नगुनात तका रग, ठोका मा भाषि -रमानद्रमान विवास महिला प्रेशम मा सहसा अहे 3.4 छेशांत्र व्यवस्थान कहा वर्ण नरहा

টাইন্স অৰ ইতিহান কলিকাডাত সঞ यात माच्या बरकाम हाच्या विस्तवस्त हा ७ शहित्रा

म नरकारेत हैं १३ जो जाश्रावन लागू के विवर्ध (प्रव। ब्राम्म धरत् याही मोत्र क सामग्र তিঘটত পুস্তৰ গঠ করিছেছেন :

নাজাৰ টাইণ্স বলেন, সংগ্ৰন্থি কৰিছে माजिता (देशांता भक्ताह काम लिक्के हैं क्रेस शर्क देशनत्क द्वारिट्ड वहाजवाद्धावः **भूके** निविव से मशर्तिय शमन क्यांटक काशासिह से নহিত জন্য জন্য শ্রেণীর- ঘোরতব সাকৃ হইয়াছে। দক্ষিণ ছায়ন্তবৰ্ষ ডিঃ ব্যৱসূত্ৰী ক वानि अकरन धर्म क्षेत्रा क्षात्र विवास समान्त्र वक्राप्तरम क्विन अक्षे क्रुनान चारक्र भर्मिक्र थात्रात्व श्रानिका विश्ववर्गत स्ट्रेट्यन शास्त्र बाहर, काम रिष्टु बाजना बाजाहेशा बाहरभाडे फजार्ट मुनक्यारमञ्ज्ञा माजाक्रासः।

विश्व मानाइंगिल गर इक्का बाद किल्ल রীচাদ মিতা কা श्रि औरमान्नमस्मेन् अवश्वीत विगदत अक र शार्र क ब्रहारक्ष धारावत कान ऐकी ট্রা কার্বের ক্র करण जातित ?

২৯ আহাত্ত পৰিবায়।

किनिका रहनन, कांब्रुकर्वीद्व श्रवर्द्धकी **जाउबरमम बहैरछ २६ क्रि डेस्ट्रम जान जाबिस**ः র জন্য কাথেন কুপার ২৪ একক্ষন অখ ট্রিকিং गकरक्कर थात्रन कंद्रियार एम । वाहे जक्क कार पह यना भवर्रको २१,८०० डीका द्रांपाय कतिया. ह्म। धरे मचवाता ज्याला छेरहरी आहे Beetra क्या **क्ट छिटीत पूर्वा ऐंदर्बना** । अरमान त्माकरक यमवाम क ब्रमाब किए (5%)

ৰাজ্ঞান টাইবস্ বংলা, ভত্ৰত্য আভ্যি-्निटहे हेत (करमदरमञ्जू केंग्रा अक्टम विवस्त হওরাতে উক্স পদ:**উটির**্যাইবে। অন্যবদনে श्वारतत ब्राज्ञात चाङ्गा देखे निर्देश निर्देश विश्वास के भाग के जिल्ला विश्वास विश्वास विश्वास निर्देश के निर्देश विश्वास विश्वस विश

> সম্ভাতি ৰাজানের প্রান্তম বিচারাল-**८इतः अवस्थितः कार्यात्रक्रम्यः गत्रः प्रश्नम** विश्वीद्रहरू अवीत जानांत्रवात मर्या जाता. म क्षि क्षक्रका भ भ उ जन्मेल हरू: **ब्राट्ड**ा ६०।७० जन लाक ্বেশ্যা ও ভাহার উপশতি खिन्द्रक् वथ कतिया जारात मृ 🕫 है। बाहिया म्राट्य । अक दनिक अक

मक् किएड यादाः दिख (・ついらず 与原則 日で মূন্ডন কারে এই ' ন করিয়া ক 四季 ारताच्च **डिटम्ब्टम** क्षिरवद ষ্টিল ्''त्र वाया कांग्रिः ें हार हो ता है अल्डि 不包儿 ्या ल ३८ग मक्डेड्रा खन नद्धिम শা এ চন হট্যা 1 71 वर्तः इ। बढाद्वेष , - ः - छेटे ना , दश्र के कारक । अप শানামা ইটা প্রসূতি धागुरक्य, चर्गा-व कित्रिश्**ड स्थर** नेय एजन नाम डर्-, 4, UND 85 45A. व्यवद्या नर्सन क्_{रा} व दिशाद्**ष्ट्रम** । क रक रखंडा कारक भून न । रज्ञदल्याम । दिक बहसा बदय-उन्हें व कार्य बाह्न क বাটিভে জাসিজে "

ধ উদর্শের ও

,र १ विमश्दकारमः भा ८० मा ५ व्हेटळहरू। भेड कार्स, इंद्र नक न . ** इन वाङ्गट १; ह बट्धा बिलंब एकम 🙏 च्यायाती त्यांक पूरे व तक रेम्रा उपांत्र क्ष्यं करते । जन्म मात्र स्नाक कारणाहे । নিভাত পদে ২ । এছ লোক কোন भाकिता । पूर्वे नियर-शहरंड शास्त्र मा। इत्य निषिष्ठे जान শ**িত ৰওনীয় অনে** ভা গৈল্প শতাব্দীর : विधिन्न म्लाडे लिचिन्ना ८क च क्षेत्र ४६ दक ि यान किन्तु कर'नी 🔃 निवक्त समुद्रात्र র পুনর্কার পূর্ব সং বিশাবিত হটসং (**কার জালে**। একরে। া ফা'নামু স্বাণীৰ চি-শ্রা আর্ড করিলে रेःलधीय तिरिम त्मानाइति निकार्य থ **ভীণ্ডণেম্ব অনার** क्षुं मध्यमान् कतिहाः ্যাডাহউক **বাঁপ্ৰা** ৰে ধৰ্মের উপাসক 'ং বখন বি**পক্তা** THE PRINT THE .હ્મ કથન થ છે થર્લ્ય त अ । श्रम् चढ्र मही नही uml षडेरव म्लाई (वाध क्षेट्रेस्ट वाश्वास काभर कि हरका त्रिक्ट गोहर ब्रिट्गस्य जान्य राज्यरहे क्षेत्र व्हेटव ।

বিষ শক্ত উপটিড

याचीत्र मस्यां^{ति} तिहा हो मण्डेख स्टेबाट्स्स , 公司其中1回 主律 美国中口

वंकान करदूतक भट्ड पडे एडेन द्रांका 🌞 ভিয়া 🏅 ইমানিউএলের ভিতীয় পুত্র রাজসুমাব আম' 🗎 **দরস এটালের রাজা হইবেন। ১৮৩**২ জালেন दा बाज महें निश्च व्यवसादत के के देशा छ के क्यों बाव उस्म मोद्ध च व । व भी व कह उँक 🍅 मह भिद्र भिन्हां मा भा है। उ त्री कानिया। भारतिस्वत या । जीनास्यक्षा चाव स्तान क्यांनी कर्युक क्रम रिक लड़े बन मा । हेडाजी अकर्व हे॰स , व्यतास স্বাধীন অভএৰ ব্লাহ্মকুষার জালচ্ছেড বিং कामन न। भारता काश्वित्रप्रमु । इ.स. শসম্বাধিত নহে।

বৰুদেশীয় ব্যবস্থাপক সভা

২৩ এ আগুলায়ণ শনিবার।

অ'লেন সংহেব কলিকাডার ওজ অ'ল'ৰ मरकास विरम्भद मिरमाकेक विधित विर के अर्था ! क्रिएन। अहे विक्रिक्तिका विक्रित । अहर हो। তে প্রিডাক ১ইল।

भद्गी औरम अस्त्र अवन करमक वास्त्रिय अभ । वाद्य काक, क्वेटल भारमंत्र मम्बर स्मारकन खर् भामा करवरांत्र विस्तार विकास निरमके कमिछि उन विश्वार कविद्यारसम्बद्धमा मार्टर काष्ट्र। मञ्जू श्रर्भतं क त्र । व्लि:सन अधन देशाव । श्रादनाक छ। बाक्रै। विक्रमांश ७ शिवेश में मारहर देश्य প্রতিবাদ করিলেম। কিন্তু সন্তাপ্তি ও অনা । ज्ञा नजा क्षत्रक इंडिगांट विम व्यास हरे-। मा। (यहैना & माइकटबब अलावास्मादन लिएमान वामिएउटक। वा 'दमविक। स्ट्रेंट इसाम विद्यास भारत्व कृति दश्वतरमत्र विरक्षत्र निरमके कमिणित | **এक अन वर्षा ४ हैर ज**न

ভাৰতব্ৰীয় ব্যবস্থাক সভা ৷

२७ व साक्षाक्ष सूचन्य ।

व्यक्तेन मारक्ष कत्रात्र खरमञ्जू विरम मिरमक्ते কবিটির রিলোট এবাব করিলেন। তিনি ইণা-ब विश्वास काम अपन विश्वहै विशिक्षण मा जित्र आवर्ष ३४-७३ व्यक्तित रशकारीन मश्त्यां-धन विषयम अम्बद्धिम अर्थन कृतियात सम्मणि , हाबिद्रतम् ।

द्दाविश्वेस बार्थ्य द्वावश्वामि मकसमा कविवा-त आहेरनत मध्यापन विवक्त निम वर्णन करि-

माध्यत कार्यात कमा कृषि महेवाव विरमत त्व निरमके कभिष्ठि प्रदेश करें । विशेष के विशिष्ठ श्रीरक्ष क्षांत्रके केल जन नका वदेशा मा

रेष्ट्रवांनीय नेवाहात ।

हेरल**७। हेरलट⊕ई**ही चहाटला व्यक्तानंत्रम , कविश्वरिक्त, काशोंक स्मक्ष क्येला कुरहारकह त्मणाम् प्रश्न : ब्रांकी शूनकात योग 'विवाध एडेटवक । त्राक्षक्षणाकी कारणक किया त्र:क्षीय भिन्नाचे गांत मृतिष्टाच्याः विद्या व अस्तिन । विशाद में बहु, फर्फ़िन हाकी प्राक्रक्षाहरण बहु-

क विद्राप्तमा इ अकृताब छीलाह स्वविदे । स धिनीगडि अकरन इंडोनीटड आह्मा। अवड क्ष्मप्रव यक्षिकाएक अभिनिष्ठ मान स्थाप कर्रहरू, र मत रावजभ विविधान मरहेश आविधालह खितेक डेक्क्शाम **व्यक्तिक व्हे**रियमः अक्षरम अन जिना ए खाल्य वहेत्र एक् ।

क्षा मान्छ व्यामानियान कार्यातकात युक्त इलार्ग : कवियान समा क्रमीया ७ के सारक्त शनविधारिक विक्रि शक्षा के ब्राम, किंद जी-দাৰ ভাগাতে সন্মত দম মা

অনিয়া। র'কার একার সহিত বিবাদ অ'রয় হটয়াছে। ৰ'কার জোঠ পুর ভাঁহার কার্যোর श्रीष्ठ गाम किन्यारहरू। छेन्द्र स्माम श्रीष्ट विद्वाव ঘটিবার **সম্ভা**লন। :

গ্রীন গ্রীনের বাজবিল্লোর না রাজ্যের সম্-দায় ভাব বছকে এছে করিয়াছেন। কে। ন বাজি ভত্ৰতা বৃক্তি। চন নিশ্চয় ন'ই। বেখি হয প্রীস দেশীয় রাজক্মার ইঞ্লিলাটি বাজা श्रदेख शासन।

कैंगेलि। प्रतिव'ल्डि च्यामक श्रृष्ट कडेग्रा-। ছিল। কুলের সভিত ইটালির পূর্বারত হো इक्षित्र है। तमु हि ब्यटलास्त्रिय द्यारण स्तरा हा:-বিলার বিষ যা দুঢ়পাডিজা ছত্মগুড়ে রাজা বি-ते । क्यानिए कम शुक्क अरहर कम श्रांकिन । पिरक म्युक्क कियादक दियादक दिया मनद्रदेश विषयानी कदियाद कमा यहि छोष्ट्राटक सुकृष्टे ওজাবন পর্যাস্ত ছারাকতে ছয় তিনি ভাছাতে भवन्त्रम् बाद्य । अकान हेत्रांकाः अर्थान्य চারি লক্ষ দেনা গটনাছে। জেওগতি বলন্টির্ব तः राष्ट्र कांक्रेस आहे।

भवन प्राने विकाशन।

कांकन (अमीज़ स्वटक्टेन के श्वर्रद्राय

भारमगान्त्राची निर्मात ।

२०० मरनवर--- मङ्गीय एडग्री मिक्टिके हे ७ (**ए** श्रीप्र को सहित (यो सही सीम बहलन (यहि मीत्रव मामिल्डिएने क्या शामितमा

२२ ध न दिवकु --- ब. दि दि । । व नाः इव हा-चीत्रदात त्छशू हि क्यान्य इत्रेश्वम ।

কাপ্তেন, টি, লাখ ছুবুঙের ছেপুট ক্ষিসনৰ क्ष्रेटरन ।

टमप्रेमके यह. त्यांक मेदिय दशाश्रीमणा-एति श्री दिनिधि ८७ भूति कविवनस् कडेरदन ।

थ्यम प्रशिष्ठ रक्षाम्नीव श्रृतिव (सम्बन्ध प्र-क्षःच भवमः कविद्रमः सिक्ष मिलिकः स्थापिनध्यतः प्रमारको कावी क्षित्रवाकः...

इल्लाइनके जरू, छव्लाइ-५७ ७५ ५५ ।

"精病、血体、管理制体。」

** 4\$, 4\$, 安野,河,东(河)

"何, 如, 难得;

कामान तक श्रेति क्रिक्टि है के तक श्रेति, स्रोतन-क्रेंब शबू ब्रोपक्षपात क्रम क्रम श्रामात गामिरग्री-द्वित क्षण (क्षणको भावदिनम्। 🏂

अन्यो किरनदम् — निद्यांगरम् मू व्यक्ति हिन्द

PROPERTY OF THE PROPERTY OF TH त्यप्र ५७ मध्ये क्या क्या । १८ १८ व्या का के र इहेवा ट्योक्सावि कावेश्मव रहे वाडासमध्य विकीय देशनीय व्यक्तिय वाक्तिकेटिक व्यक्तिया পাৰিপেৰ।

श्रीत सरकार वाचे विन्द्रमां निर्व देख জেলার চলিত দত্তাবাজের বেজিউর বইবেন।

७ता जित्मको---नि. लि. यह शांक्रिय गाटवर লিপাল বিমাৰণভাৱে ও প্ৰথমেন্ট্ৰ এডিনি-थि केवील इहेरवन ।

cm. शि, अह 'अपोर्ड महिष्य मांगाराहसूस य जिमिष माणिए है । कारशक्ति हरे देन।

cm. fo. Bu nices miamistican wie आश्व च्येतः स्थिताचा चाइरता १२ श्वाश-जारत अथम ध्यानीत वाधीम मासिट्युटिन छ Swee चा:चव so चावित्मव 5 शावा ववर 5505 चारमह ३० क्षारेम बाह्यमादा एकपुरि मारमहेन इटेश्व: ८/ जिल्लाम जयर्गन करियोग छेभयुक्त स्थाप-स्वात श्रेशम विद्वाद क्षित्य गाप्तित्यमः

त्यभूति वाक्षिक्ते व त्यमूति कारशहेत वास ब्राधारणाधिक काम बक्रावर्गी काका के कि कमिन-भरतत अधीरम सर्क कर्न्या अवस् परणांत्रत २३ शहरावा, नारमा, क्षेत्रकूत ७ नाकद्रनाक्ष माकि के देव मान्य के काका नावेदना।

के, जि. दर्श जिन्दा भारक्त जानानगूरत्त कार शहिता कामना व काहरनन २२ शहामनारत श्चन (अनीत महान्यी माणिक्या एक अपन्त कारकर २० जाहित्यतः १ धारा, ७ २५०३ व्यक्त ১০ আইম আনুসারে মরননসিংকে ডে.পুটি কা লেব্রবের ভার পাইশ্লন: ভিনি আরও সেরিয় ८न अपूर्ण कर्तियोत (म्ह्यूमाह आयम विवाद श्रविद्याः भाषाद्ववस्य ।

Cक. अन्त नारहर छात्र: त माखिदके है छ का-दलतेदयव महकाती व्हेटबस ।

क्रक क्रांक क्रियम भारत्य योष्ट्रांगर हव ्रोत পাইয়, ২৪ পরগদার মামিস্টেট ও জেপ্টি 🕕 Cशक्रीटरम जाव भावेरवम ।

as. भि. दि, ति. वराम मोदबक टर फुछ -खाउँ भावेश **इन्सोहरन माजिएके** ए कारमकेश्वर कमा शहिर्दम ।

त्तरावश्च प्रवार्षे भद्रिय अधिकाम विवाहक ८व करीव वर्षे व्या

(द्वर्याक क्ष. क्ष. क्ष्म वाक्युमा किया क्र La mag etten !

abi किकाबद--- अन्तिहे. ८अगम मार्ट्स ध्धिनिए कि कारमस्यत धर्मनी के अपनादि-स्थान अ नाम मारक्षत्र श्री डिनिधि स्थापिक ६ है-

निय निष्य उस स्माटकता हु शादमन म'भारत विद्या: निका महाद्र मखा प्रहेरवरह----

बक, ब, बक्किमरके म, काल द्वीतकान गा-**C**\$ **T**

करिक्षेत्र दल, अन, दलुक्षाम । ८क, के जान म{ध्या ।

र्विकिही अभिष्यीय वश्यन भूनिवास रखन्-विश्वाक्तिके च क्यून कारलकेत्र वेदन केव्य क्षण'त श्रीवन अस्तित का<u>रीत</u> वाक्षिक रहित कर क्का शहरता

eरे कि'मक्ड-कर्गाडिएक, आरमन मा-८४व अंतीकक वार्श्य महाभूषि वहेटबस ।

७वे मिरमध्य -- मिश्र निर्धित छत लारकहा प्रतीक्षण मुखात मधा प्रहेरवत:---

खबिन छै, अम. एप्रांटकान मारक्व, मि, वि। के कि, वार्क शहर ।

त्य, नि, बुा ने माहा।

cw. an, आवश्ये ଓ मारहर क्षित्रात म'-थांबुव विकार निका मेंखात मारकनेति उद्देशन। নিল লিখিন^ইভাত নোকেরা কবিকাতাব व्यदेव अभिक्ष भाषास्त्री है व हेर्दान ----

क्षितिक कि मध्य माहत डेडेडियाम, निश्व **स**न, (१९६)

वांत्र शिक्षिण्य यांत्र तक्षश्रद्धत महत्र व्यानी न ও সদন मुरक्षक बहेरबन । किन्नु गत किन चाना क्वीं कांको वा वह बाकरगाहर अडिमिध मध-व आंभा अधिकत्वन ।

প্রেরিভ

শ্রীযুক্ত সোমপ্রকাশ সম্পাদক 20 মহাশ্য সমীপেয়।

की वन एटिंड अहारिय दर्श्वया (मामुक्त र

व्यक्तनमारण कीवन इविड शहारन शहा शहरिष्ड चार्ड छोड्।वहे मर्सर डाबुबी डेब्र्स ववर यथाय छानाव आजाव छाज्यवरे आधामिछ সচব চব দে খিতে পা ওয়া গায়।

প্রাকালীন সালাক সামান্য গুণ্যতী রুষ্ণী-शंद्रपद ह वटा की गा कितान खनीय च (क्लारक কলেবৰ পুল কড ও মা বিসলিভ চই ু পাডে प्रमामीखन गविणाः 'त्वत की दंद्याहिक धना উলে আদাণি অপ্রতিহত দাশা বিরাজস্ব ৰ হয়াছে। কতপত সীম্তিনাগৰ অসাধ্যা ছণ প্ৰভাগে আ আ পিড কুল ও প্ৰথম কল আল-ए क करिया निवादक्षेत्र । रक्षत्र इक्रेल छीक्षावा प्रक्षां के हरियो क्रिन, धर्यन्य अधिकार स्वादिक त्री (क्षित्र क्रमाजन्ति रहा मारे । क्षित्र वर्त्रभाम अभाष अरल क्रांतिर हरिक अहत्वव क्रम बन्धार्क পুলের প্রেটিসত বর্জনি প্রার্থ। প্রাঞ্জিত না প্রাক্তির इक्षांनीयम पानकात्म शुनावकीत खन्याम ানিগ কার ডিক্ কাম কার্যালি ল মহাস্থালা ব্রস্তরা-रि व नाम भः नव गरास्य अशिक्षां इविद्यारह । अकान रा अन्यक्रीत की नम हिंदिछ जिस्कि प्रके-८७'इ जिनिहे नेश्त क्ष क्षा प्रमान स्म ।

১৮৪० थेर व्यक्तित क्यानावन वार्यत क्याना জেলাৰ অন্তঃপাত্তি কৰুৰুৰ ৰাগাটী মামক প্ৰাংখ ইশীর জয় হয়। ইং বি সাম মিন্তাজিনী জেবী। देनि উक्तिपंड आयमियांनी यात्रनम् परकार-

TINIO TEMES कारम कामकारम कामकारम । बहुन महाबाद श्रेष निर्दिष्यक कार्या अक्टी लम महिद्दाहरणमः। मिश्वाक्रियी क्षान्त्र कृ क्य कारम वेक चाकि मामाविक क्रिकेट ebniferma | Ciein feine gin काराय कीरमाना शतिकाल कुली निष्ठ अधिकीत कर्मामालय विश्व विनि से वेश्ववे छानि न्हें के क्षेत्र (**57**4)

निशाविनी गुणानकार विद्यालक **अभिमोत्तिरभर अभिरमस्य मयञ्ज १३४। स्थ** তালগতে ৰাজালা জৈখা কোনাল চৰ 🖰 **এकामम ४९म३ व्यक्तीक क्षेट्रांक व्यक्त** অৱগোড়ী সংলৱাধান*ণ*়ারী **উ**ন্ধ্র নাৰ হটোপাখ্যাত্ব মন্তাল CETTE SE. TISTOBER BEDFOTATION 64 R14 उन्ना विवादयन्त्र श्रीत भी हो 🐪 **新年 44 -**पानिएक देवराधिन। **स**ञ्जरः चीशकाः कः रांग ७ मध्यादम मारक रे प्रश्न विश्वा लाजना रजनकी क्षत्राटक किनेन अस्म विशामान्य अधीव मनुस्कृत है बुद्धा व नोलायन र स्वतं वक्त का अक्रिय हैं, के द्वार हिटेडविजी श वका व्यक्तिमा शास्त्र छ मारम अधिकारत्मम् मन्त्राह मृत्रा मृत्र देनपूर्वा जांड कतिशाहि। जना १ वर क्रीप्ट शहिं सक्त बड़ाबुम यात्र ४ स्टेब्र्स ভিনি ঈশ্বৰ আভিপাদক দেব 🎁 🍇 श्राम नवत्र याश्रम कतित्रप्रका कि दीय कतिरहम । विश्वचार छ। च का वन विश्व सूमरकात्वर काशीन दिल : का विकि क्षिरेश्वर करे महाबादकात कर गती स्थ व्भिन्न किरमन कर उहाद्वेव , किन्न आ वृष्ट्रकाल क नामाहित । रणी देशाक बहुकार स्नादत कीशत चलत बहा, है स सन्ति। सन कीशास (मजा) अवन्ति जिटक कूट অম্যারাধ করিলে তিমি ভালতে ন क्षेद्रः अक्षांज क्षेत्रहाश्लोकनाम परमः क्रियाहित्वमः डिमि अक्रमाक्षेत्रप्र क्षा क्षिएक अवर् सामीज जिस्हे याष्ट् वर्ष शादेख्य छोडा बीम गवित का हुन भिनादक मान कहिया खटर्बड ना बेक्छ। ला **एक । जात १ ७६ गडी** कीरन ४३ ৰ্জাণাৰ স্থিয় নিজান্ত ছিল[া] ফলভং 🕓 দীয় আংশে হ্যতিরেকে ৪ জৈ সামণ্য, **अञ्चल्ला का अध्याद के ब्रह्म अध्याद के अ** 4 H11

विश्वातिरीय जानो काः र्राटिन्टलटकः **८** भूव शवस कविरत छ। इन मः उपांत्र स्वित য়াছিল। ভথার ডি'ন একবার খোনছর किकारबारमा ख. क.स हम । व्यक्त रोशाव शतम्बद्ध श्रीषु इत्तर । भाग स्थानासः िकारके नवस्थानय 'ाविश्वास खे की के चर्यकृत कार्केन ए जीवुक मानिशीन जिल

1 金銀貨

भिने मा हार अपि खेलाई अशह अ**ह**' उ विक्री उर्फ किन । किनि वश्मदम क्रू किन াণ ভবনে উপত্তিত ক্ট্যা বাধ্যাসুদাবে श्र त्या अन्त्री कविष्ठम । बाकेराह ग्रथ्यंत श्राहक चानि श्रीत ज्ञान कति-

54 W 1 न्म दर्व श्रद्धक्य नगरप्र औं कांत्र अलग गर्क स्था, क्षेत्र कलाणित नाम याष्ट्रमणि। ্পাঁচ শ্ৰমৰ উত্তীৰ চইলে ডিনি ভাষার श्रुत श्रुप्रकी बहुमा हित्सन। मलामन व व्या जिमि धक्ति श्रम महाम अमा क-প্রতারির নাম জীমান সভাগ্রির। এক-বিহানে তিনি প্রকাষ্ট্রতী চন। ' কয়েকখাৰ ডিনি অক্তান্ত কণ্ট সহা লন, কিছু দাত্তে আছার ক্বিতে পা-া, সর্কার্য কান করিছেন । ১৮৩০ ंदन ऋदश्यस्याद उद्दे का जिल at caten आक ख इन। श्चीब विर भिष्ठाका निवानी खटेनक **TP TT** , কালে ে ন্যু ছাত ছড়াক্ পৰি**ভাষ** পু র চিকিং 'ছ: মরিয়াছিং লন। কিন্তু তা-हूमांक हु इस इस माहे। श्रीफात ইনে বে 🚾 ট শহৰেৰ সময় তিনি े लाग हो। छोण परेश चामी पंखर িকট ভিট্ন প্রার্থন। করিলে ভাঁহার शास हि देश कविद्यान अथन का-স্ভাবৰ বা ব্ৰুল্ম ভাৰাতে ভিলি ট-मन" : कार्यात क्रम वहेत्यक वात-हिंदश्री है अविकि शक्तरिय निष्दित প্রিত দ্বাদী । ভাষাতে ভারার সা निक्छे ^भ्ड इ श्रा दकान करमहे रथा सदद विकिए जास्मारमत्ते रिवतः कः हिज्लाम ^{अप्र} शहजवक्ता शहत ८७।मास 'न वा न ^{जा '}हि कि में धड़े कथे डांडा-विकास के देश । अने अन्य थरडी अक-्रिक्षीरकाकान अपनिया किंद्रिया किंद्रियान क कि इस् में के इंटर अवर आधार ए निव ानि करा रक्षाक्षांत विकासिता कि. লাধা মংগা অ'নাব ,পত। ম'ভার कृत करित " इ.६. हा भटवाशकर्यमञ् इन्द्र जामी है। इन्हरू कहि सन ?' वागावा क प्रथम कि विष्य १ (१५/१) ना। घडना মালে সম্পাণ কৰিল ম, শ্ভাৰ ভাষ্ডময় विद्या द्वाबाद थ (नाज न राज्य दे ए) . **(शाक्र स्वा** भूत शृहित कराज स्थल क्त **कानिएक** जा। बग्न, शब्दम्भार न निक्के **बहे बकास**ं शार्थनाः कनर ीन किन्न तभाव दक्क माहि खहे कल है। निहारक न कृति । कि क्यांभादी सूना , तिने सृपूर नय, 39 इंदेश **श्रुमध्य लागे प**रण गरा छ।य ्का के छाति, क्यांक शांके कतिरसन । जडे दिलक्षिक छाउँ कति, विविध शांवांग ॥ · कार चार्यत्र विकासक क व्यमहोताः का^{र-} . চথ্য আৰু বিশ্বাসাক্ষাকে পার্চ্টে সংল ছথেব পর ছিল ভার গতি ৷ , कां का महा करिया और दिया प्रमार्थ । कार्य कर मिहा कथा, किंगिका क्रमा ् । ७ महोत्रज्ञे 🖓 हा व अङ्ग्रिकाम छ हो इ. व. े व्यू की प्राप्त के मिन, आणि भवा सह ।

ुमिर्धाः सर्भु आर्थानां कांस कविशाहिरकतः। योष्ट्र मश्रीमत चत्र स्टेरशह कर्ण मञ्ज असान कारतक खेबाड कहेदलम् अध्यक्त खाँवात वांगी ! शहे विशवः जीवाविश्वत्व सिवाबन कदिएलन एवं 'सिवाब की सम हाथ मीन बीन सके। দর্মবিষয়ে উ।ভাস বে*শ্*রুমসংখ্যার ভিল ৫ সনর ভাষাৰ বি**লয় ভাষাৰ কৰিবলৈ ভাষাকে** বিৰক্ত কৰা উচিত নৰে। **এই <u>স</u>্ভিমন**খনে ভাঁছাৰ খণ্ডৰ मकाभारतम् अञ्चरका विकास कीशाह कामी जाएक मंग्रिककरतम् दक्षितिमा देवसम् कहान्दराम । कियरकार भारत साथै देवरधन क्या कान विग्य-ৰ হঃ পরন্ধিন রাজিনের ভাঁচার গর্মপ্রাৰ ছওঃ।তে जकरलंके घटन कहित्यान दर फिल्म ख्वात एका পাইবেন । কিছু স আশা মৃগড়ফিকা রূপে श्रीत्वक परेन। शरा १६६ मार्जिक शामकात ভাঁছাৰ মৃত্যু ছ ইল । মৃত্যুত্ম কংক্ষ দিন পার उँ। बाद चेन्द्रा के ज़िल्ला में कि का विश्व के किया विभिगदत ५० छ। का विकासिक विद्यास्थित ।

कडामनीरवृद्ध। श्रुक्तारशकै। श्रीनिक निर्वेदव বছৰাৰ ছণ্ডাতে আনকানেক ভক্ত পরিবারে रिमान्जी वयभीद अश्या इक्ति इकेट उटक रहि, किन्न विमारिक कुनश्य द व क्रेंड, गा क्रिंडर् क. স্থানীলা, ও বিশুদ্ধ ধর্মের প্রথিক বিশেষভঃ 🤊 🚉 সময়ে পুত কনা। প্রায় ভির জন্য ক'ভেস না হইর। প্রমেশ্রের প্রতি অবিচলিত ভব্তি এদর্শন ও विशालश आकृष्टि मध्कार्या मान कविष्ठ অভিলাপ কৰেন এক্লণ উদাবপ্ৰকৃতি কানিনী वासतः अहे शायम बद्यन द्वारत कहिलाय ।

१ हे बदबध्य ३४-७२।

ब्रम्बर , **बीत्।मगन्ः "र्मा**।

লিখিছে শোকের কথা, তুলী ভূলি করে। किन्दु जुली धूर्य छत्त्व. आह नाहि गरा। হায়! আমি কিন্তগোলে ক্রিব বর্ণন। সচনাৰ আংগে জ্নি, কেশন কেশন 🛚 ্স যে নারী গুণ্যন্তী, গুণের সাগ্য । मत्व ट्राप्त यात्र छन, विस्तत भाष्य १ ছ'র ছায় ' বস্থান, কতে গুণ ভার। वर्ष भारत वर्ष कार्य, स.ब्रह्म अहारा ॥ चक्रांश्व चक्रांग छोत्र, अभग निर्मूष्ट । मध् क्रांच देन्द्रीयत्, यथा धन धन ॥ क्रार्भ ह कि करत चाहित खर्मन च क्या । कथात्र शक्तित गाँउ, क्रिन भाषत् 🛊 क्वा इाम, क्वा छान, लकी का अवन । चाक्क भाग्न काक्कत्रांग, त्नां जिल कमन ह ভিন্ন ভার স্ঠেছার, ব্রাক্ষ ধর্ম। खाहे कृषि क (stra, किन न। यह भ कड मिक्त भरत शह, कड मिक्त भरत। काराधा । कांडाव गांधा, वर्गन (क करत ? ॥ (महे बहुन क्लवर्डी, स्ट्रांस शिव्रत्व । क्षिभूत्व इ प्र श्रुत्व, श्रीक्रक भारत्य ॥ क्रिए धार्मात्र कथा। श्रीभाउँ धामन । एवा अर्थ खुश्रक्तात्र, खुवा व निवत ॥ दाय त्वन सुधा द्वामि, त्य कटवटक् शीम ! ভিল ক্ল পুকুনার, পুকুমার মডি:

क्रूनः प्रश्नित पृति, क्रुवाद्व प्रकार वेश्वित्र मध्यम दिला, यटन दिल स्में चकदिन्द्र वदर्ग (श्रंष्ठ, श्रक्कत अव्यव व कतित्व द्वारचत कांद्र, त्याक्रम ऋद्यात । করিডেন সাধ্যমত, তার এড়ীকার 🛊 ষামীরে ভাবিত আৰু, জাপনাকেকীয়া। माकत मक्रिमी यथा, कांग्र। कांत्र कांत्र ॥ क बिर छ विसी दिस, मा बर ए निश्योत । তন্ত্ৰাণ কালে বাহা, করিল একাশ 🖁 न। ८६ का एकन, अक शरकात कांत्रम । छ।कि**ल ज्ञान्त्र (**कार्य, त्म छ<छ'द्रन । অন্ধিনত প্রকাশিকে, ধবি প্রভিন্ন। यथा हान व्यवसाहरण, विश्व मृत्रकत ॥ जनका कालक कर, क्यान, विक विदय । क्लार्फ निल सूचे ह क रक्षात्म है। निरम ॥ (कांक एअ प्रश्वनंत्र, खुशा ना**हे सा**च ! व्यवादात बक्कत्रा, कदत कावाक है । कवि क्यू व्यिष्ठ हम्म, कब्रुटक खावन । मरमा छ जिम्म स'स् , १४१८ छ स्थ्य ह अध्य अ गर्जा (म)क, अगार समाव। এড किन सुध। क्लांकि, बर्थाम विक्रेड़ ह যত পরিমাণে ইছা, হুইল গভন। আশাৰ অভীত ব্যোক্ত কৰিব গণন 🛊 ভেবে দেখ **ভূখ চেত্রি হোল ভাব গতি।** হাব ভাষা অধানধী লোক ভাব জোভিঃ ॥ আর লা লিখিতে পারি, লেখনী না চলে ৷ निविष्क रमधनी केंद्रम, मिनाफ इन्सर ब्लाय कि'ल ब्लाकानल, अम्बि धारम . साम् विधि यस कि.म. इक्के मीखल ।

> 5WH+ HX শৰ্মা

लाञाश्व।

ब्रीशूक वांक् अवकृषः सुरथार्गासान । २२०३ च अहाग्रव इंडेट्ड व० देव**णांच** शर्वाष 化异体 CPI জীযুক্ত ৰাবু জীবান শালিত 464 3514 ১२७७ काबिन बहैएउ काबन अर्थाष्ठ कार ब और्फ रायु कामीनाय एउ 'वाश्वाच्यान'म ১২৬৯ কাৰ্ত্তিক ৰইতে চৈত্ৰ পৰ্যন্ত কোং ৫ গ্রিয়ন্ত বাবু জীনাম চড়েলামাণ কৌবালান ১२७৯ अञ्चल्या ४ठेएउ १० कार्डिक शर्यास्त्रः। अभ्रेषुक राज् हतिस्थाहन ब्रोह ভুকেন ট্টিট ১२५৯ काहिक व्यस्ति पर व्यापिन शरी छ। **(**₹ 5 • শ্রীমৃত্ত বাসু শচুচক্র বাস ভাড়| >२७७ क!स क्ट्रेरक व॰ व्यादन **गर्यास** दकार >●

এই পর ক্ষিকাভার গর্কালাভ্যা রেপকানের সৌ-माञ्च द्विमध्यप्र कृष्णिन प्राथित्रत्राष्ट्रां विवानकार्याः विकास्त्रहरू मेर्डिटक व्यक्ति कार्यक्रियोश कार्याणिक कर ।

(माय्यवः

" प्रवर्णतां प्रक्रतिविताच पार्थिवः सरस्ति सुतिवस्ती न सीमता ।

e ভাগ। ৬ সংখ্যা।

मन ४२७२। ৮ (भीष। हेर् ५৮७२। २२ फिरमध्य

. " বিজ্ঞাপন।

আমি কাব্য নির্বিয় নাবে একবানি জনং ভার প্রায় বাজনা ভাষার প্রবন্ধন পূর্বক মুদ্রি-ভ ও প্রচারিত করিরাছি । মূল্য > টাকা। কলিফাতা মূজাপুর বিল্যার্ড বত্রে জখবা সংখ্ ত কালেকে জীয়ুক্ত পিরীশচক্ত বিদ্যা-ক্র মহালয়ের নিক্ষে অনুষ্ঠান করিলে পা ইবেন।

क्षेनामस्मानम कहीवर्गा ।

विकाशन ।

এট ষ্মানরে নিয়নিখিত পুত্তক গুলি থি-ক্রমার্থ স্থাপিত আছে। **व्यथनाम वधकारा । ३४ जोश महीक गुला ।।** र ब्रुकी वर्ष তিলোভ্যাসম্ভব কৰিছি বুমু বার সুমুত বীয়ালনা কাব্য 100 ক্ষত্ৰাকী নাটক গভাৰতী নাটক বুড় সালিকের খাড়ের রেঁ। ২য় বার মৃত্রিজ ৶ একেই কি বলে স্কাডা ে ২ র বার সুঞ্জিত গ্রু भन्तिका माहरकत देखांकी ज्यस्यात . সীভাহরণ ١ Ŋ. বাসৰগভা माहिका मुख्यापती 230 पूर्णांग रख আৰি কাল মান্টিত্ৰ J. প্ৰথম পাঠ 110 গ্ৰাপিয়ন্তাত शामदक्त केम्द्रयाभिका i. हेनकाडी दसार जारेग केर्रवास्थान वर्षान्त्र नरे अन्य रहनीजीते हाजि

'क्रोकेशक प्रशास सह (कार)

বিজ্ঞাপন।

नर्कनाधात्र प्रवाहित श्रीकां क्या वाहें एक एक व्या वाहें एक एक व्या व्या वाहें एक एक एक व्या वाहें एक व्या वाह

কলিকান্তান্থ যাবতীয় বাজালা পাঠলা-লার বালকগণ উক্ত পরীক্ষা দিন্তে পারিবে। কেবল ভাহাদিগের সচ্চরিক্তের এবং কলিকা-ভার এক বা একাধিক পাঠলালায় জন্মন ছয় বাস কাল জন্ময়নের বিশাস্থাগ্য প্রমাণ যাহারা দিতে না পারিবে ভাহারা পরীক্ষা দিন্তে পারিবে দা

বে বালক প্রণত লিখনে এবং পুস্তক পাঠে আপারণ হটকে তাহানে অন্যান্য বিষয়ের প্রীক্ষাৰ প্রহণ করা হাউদে না।

বে বে বালন পরীক্ষোন্তী (হইয়া এই নকল ছাত্ররত্তি প ইনে তাহারা হিন্দুভূলে বা
খানা গাণনে ট ফুলে বিনা বেতনে পাঁচ বং
লর পাঠ করিতে পারিবে।
ালিকাতা
১৮৩২ সাল স্বাধিভাগের ইন্দুপ্টির।
১১ তিন্দর

विकाशका ।

শ্ব প্রত্যাপ্ত বিশ্ব বাইছেছে বিশ্বর নার পাতৃনপুরা ৺ নীলক্ট নেনের সুস্তার

गत **डाबात स्वाम क्षेत्रहारिकाडी** स्थ তাহার শিভাগর ও আহাত্ম মাঞ্চাল ৮ শ্রাফাল নেল হেলিয়ের থল ক্র गुरुप्राचनारंत जात्र व जारका क्रिके षावि अकरन नम्रतस्य श्राविकित्य আনস্থিত আনায় অভানহের কলা 🌡 राजी प्रकृतिनी के बाह्मन २० व्यक्त বার ইংরাজী > ডিগ্রেশ্বর উক্ত 🗃 बिद्धकं बांब् स्वायामान्य बरकाहना শয়কে বিকল্প ক্ষরিল, ২৬ স্বাঞ্চলান্ত্রী करना दारबहेत्रि करिया विक ⊌ नीनक त्रात्मत्र **परीक्ष** गांदबान कविशा त्व है वाकि जातार মহ সম্পত্তি এবারত ৮ ইইকারি আরু ক্রিক্রিয় এবং আমার অভাতে ডামা প্রার্থিক জীয় भाषागार क्रियोटक्य छावासिन्छ स् भाषा निर्गत अवस्तिमानरेक देनते उनके जिल्ह कामारक क्षेत्रकां क्षेत्र के विश्वकर्ष श नाटत रूपा देशा विकास की उनके । आयोग गम्पचिटक अ नीमक देशका विश्वित ? मधिकात बाह्य विकासका अवोद्या और वान निकारमञ्जू अवाधिकाम् अन्ति प्रकार হার বিজয় করা বিভাগ্ত আসিছ।

নৰ ১২% সাল সাং গারিছ ২৮% সাল্যাধন হৈত লেলের প্র

महिम्मून जिनार गरःगाओ वर्षितं प्रमुख्यम् नादम द्य शक्ति जानून के कोने मनगडान द्या जानून विक्ता परिद्य । योगान द्यारे जानून वर्षभावति प्रमुख्य जान्य कार्यका नेका गीरिक क्लिकांछ। या मार्क न किंच वर्षां आनिएड । हो कारव मन क्रिटन मुब्दि भारतक

*নো*ৰপ্ৰব

ক্লা এই লৌৰ নে তা চপ্ৰক্ষার তর্ন
ানি বি প্রেরিত বে ব্যবস্থা সলা, পৌবের
্যালকালে প্রকালিত হয়, তা ক্লান
ক্লান্ত বেঘাত বালীল তথ্যবিদ্ধে একথানি
প্রেরিত পত্র আমাদিখের নিকটে প্রেরণ
করিয়াছেন, ভাষা বর্ণালীতি ও সংক্রেপে
লিখিত হওয়াতে অ'দরপূর্বক গুরীক ও
গুণাছানে প্রথমিত ছইল। অর্ক্রাম, এ
রণা বা বজ্ঞা না করিয়া বর্ণালাল্র উভা
দান ক রিয়া প্রশ্নকলির সংশার ছেম্ব করে
রালালিগের কন্রোধ।

পৌৰ সোমধার জেলা ১০ ঘটি

মেয়ে নিম্ন লিখিঃ পত্র থানি আমা
হস্তগত হইরাদে। পত্র পাঠ করিরা
র নাই বিস্মান হইরাহি । আম
রা এন করি ক্রিটি বিষয়েরস ভোগ করিব,
রাই ক্রিটি করিব না, পাঠকরবণ্ড ভাছার
ক্রেপ্রাইটি করিব এবং বাঁহাবিগের হতে
। বন্দোবত করিবার ভার আহে,
ও দেখুন, দেমন ব্রিটি অর্জন
হতেন। সে পত্র এই —

त्द्राभरत्र ।

নাগামি শনিকারে গুজোপনকে আমাবিদ্যালয় এক ম স চারি নেব জন্য
ইবে, এবং আহি ও নিজনাটাতে ঘাইব।
বি আপামী লোমনার মইতে আমার
বিশ্বাস্থাত মেন্ডেরপ্রেনা শাঠাইয়া

আন । আরো একথানি সংক্রিপ্ত পত্র লি কাশ করিলান। যদি এতৎপত্রা কাবা আনুষ্ঠিত:ত্রা; এনেকের অ-। মুর ক্ইম্পে পত্রা এই—

সম্পাদক মহানার ! পূর্কবাদলার রেলওয়ে क्लिमानिय द्व कथकी द्वार पृष्टे श्रेटन, एप त्या क्षान बन्ने जाना डेलिंगड स्ट्रेस्ट्र তাঁহারা ভাৰণাভ হট্যা সংলে।ধন কর্মন। বে সমুলার টিকিট মুদ্রাঞ্চিত হইরাছে সে সমূল: রই ইংরেজি ভাষার স্তরাং সাধারণের বো चनमा मदर, नगरंश भगरंश हिक्डि तिलि वर्षात्रा विता पूरवन रेप्डेनरमद भारत नहेता निक्छ-त है है नटनत है कि है पिया है दिक्षि कावाय অনভিজ্ঞ লোকদিশকে বঞ্চনা করিয়া আপ नोत्रा विनक्षन नोक कतिएउएछन। ध्यविक्रक লোকেরা ভঞ্জন্য অপয়ানিত হইয়া খিওল ৰাস্ন দিয়া আৰু পাইতেছে ৷ 🕶 ইহাকেই वटन नारम कडि मिया पूरव शान " এऋर्व কোম্পানির উচিত, ভাষারা টিকিট ইংরেসি ও বালালা ছুই ভাষাভেই মুদ্রিত করেন।

ভোন আরোহী কুবার খালী

शब श्वित्तक य निधित्राह्म, अक हेकें,जरनत माजून लहें जा जना हेरकेंजरनत
किंकि रमख्ता हत, अकथा जयशार्थ नरह।
जामता मर्बना त्रमखरार अमनाशमन क
तित्रा थाकि। श्वातहे रमिरिंड शाहे, हेरत्राजी गनिष्क जारतारीता, रकान हेरोजन हरेरड रमा हेरकेंजन शर्म ड विकि
के शहरनन, जामानिशस्त विकित स्थाहे
त्रा कानित्रा नहेंगा थारकन। विकित्ति य रमान्यान हत्र। थारकन। विकित्ति य रमान्यान हत्र। जाहा के हेर सम्बद्धित्र।
मध्यान हरेरडहा। जरन विकित्ति स्थाहे

গোছি গড়ের পাছ। "
ুঁহুবন, ভাহা হইলে
ুহবদন ইভি:
ুবিদ্যা

णन कामा नांधावा । श्रेष्टक नांधा भेड सरक । स्नारकत

sts ! foreix emean

হইরা থাকে। বাহা হউক, পত্রপ্রেরক ইংরাজী ও বাললা উত্তর ভাষার টিকিট কুত্রিক করিবার যে পরামর্শ দিয়াহেন,, ভাষা উৎক্রুক সা: ক্ষ্ নাই। রেলওরে কোম্প্রামিদিধের এ পরামর্শের অনুসরণ করা অবশ্য কর্তবা।

মঞ্চৰলের বিচার কর্ত্তাদিগের কাব্য ও চরিত্র দর্শনার্থ জ্ঞাবধানক নি-

গোরে আবশ্যকতা।

অদ্য আমরা আরো ছুই থানি পত্র এই স্থলে প্রকাশ করিলাম। প্রধান পুরুষের। অভিনিৰেশপূৰ্বক পাঠ কল্পন, দেখিতে পাই বেন যে সমস্ত বিচারকর্ত। সক্তরিত্র, ধীর %-ক্লুভি ও ঘণাবিধি শ্বকর্জন্য সম্পাদন করিতে (हम, फं.हाता व्यूक्तांशत्वत्र त्रमन चानूत्र'। जाजन रहेरणहें में, चात गाहाता हेशात বিপরীতমভাব ও বিপর্যতকারী ছইতে-ছেন, লোকে তাঁহাদিগের এতি কিবাপ বিরাগ থাকাশ করিতেছে। প্রজারা প্রা-ভূৰিবাকদিগকে যোগ্য গ্ৰৰ্ণমেন্টের যোগ্য প্রতিমিধি জ্ঞান করিয়া তাঁহাদিগের হজে ধন, প্রাণ ও মান সমুদায় সমর্পণ করিয়া নিশ্চিত্ত হইয়াছেন। কিন্তু প্রাডি ববাকেরা যদি ক্রোধাদিরিপুর একান্ত পরতক্স হইয়া তাঁহাদিবের দেই সেই অমূল্য পদার্থের त्रकट्श वाद्यमना ना रहेश ७, हात हस्ता हन. প্রজাগণের বিরাগ ভাজন না হইবেন কেন: व्यन्धावन कतिहा (मिर्विटन धरे विज्ञांश কোথার পর্যাবসিত হইতেছে বলিয়া প্র-कीत्रमान एरेटव ? जात्र, आण्डियवाटकता ঔদ্বত্যাদি কারণ বদতঃ প্রজার এতি জ-मार्ग कतिरम् उष्टामिङ अजार् १४७१वीहे दा एक इंट्रेट्स । अवर्गरमण्डे कि स्मिट्टे वि-द्वान ও প্রভাবায়ভানী নহেন। সাত্রাজা क्रटम क्रटम च्याड हुए० स्टेश পड़िशाट्स, প্ৰকৃত্ৰৰ সৰ্বাদ্ৰ সভাৱিত ও উপযুক্ত ক্ৰা<u>ত্ৰি</u> ব बार बिर्फार्च बढाविक बा, बहर्व

"ইয়াক ক্ষেত্র অবাবহিত পরে এক দুপ্রে

দার বনিক ঐ ও'দেশের মরুকুনিতে হত

"ইইলে পর উহার অন্যতন বনিকের সাজা
গজনীতে উপনীত হইয়া ঐ বিষয় সুলতান
নায়ুদের গোচর করিয়া বিস্তর বিলাপ করিলেন ! মায়ুদ বলিলেন, রাজ্যের তত দুরে
দান্তিরকা করা জাহার সাধ্যায়ন্ত ময় !
তাহাতে জীলোকটা নিঃশক চিতে এই
উত্তর দিলেন "তে মার যে দেশ শাসন
করিবার ক্ষমতা ন,ই এবং বিচার দিবসে
তোমাকে যাতার রক্ষণাবেক্ষণ কাথে। র

জবাব দিতে হইবে, সে দেশ গ্রহণ কর
কেন : ই

স্থানে স্থানে বিচার পতির দোবে বে অবিচার হইতেছে, ভঙ্গিবারণের ছুটা উ-পায় আছে। প্রথম, প্রাট্টিবাক নিয়োগ কালে সচ্চব্লিত্র ও উপযুক্ত পাত্র দেখিয়। मिट्राफिक क्या ; विशीत, निर्दाकिक वा-ক্তিভিগের কাষ্য ও চরিত্রের তত্ত্বাবধান त्रीडि व्यविक्तंत्र कता। धरे छूपि खेलारतबरे অবলয়নে যত্নবানু হওবা উচিত। কিন্ত প্রথমটীর অবলয়ন নিয়তকাল সাধ্যাহন্ত इटेट्टाइ ना। अज्ञीका सहेगा काष्ट्रियाक नित्रारशक ब्रीकि चार्छ। किछ महत्राहत 🧸 দেখিতে পাওয়া যাইতেছে, বিদারই टक्क्स भतीका स्हेता शाहक, **उद्गिरम** भ ব্লীকা লওয়। হয় না। সুতরাং যাহাদিগের চরিত্র গত দোষ থাকে, কার্যা বালে ভাগা ध्यकाम इरेश भट्ड । हत्रित्र भरीकात নিয়মও সহজ নহে। দ্বিতীয় উপায়ের বি वट्य आयासिटनंद्र कट्यक्रि व खुन्दा आहरू। প্রথম, যাঁহারা ভঞ্জারখান জিরার নিয়ে क्रिक रहेरवन, जीशांपिशहक जनलग ए পক্ষপাতপুনা চিল্লকে সহচর করিয়া চতু किंक अभव शूर्वक अर्थ शाहनत विठातानाः। কর্মান করিকে ছইবে। ভাঁছারা যে যে বি চার পতির কাষ্য ও চরিত্রগাচ সোণো विवास विभिन्ने कामन शाहित्यम अवद्या :

कैंशिनिश्राक नायभाव कविया किरवन किंद केंशिया नायभाव ना श्रेता चुन्नि विकी त्र बात केंद्रश करवन, कें.शिनिश्राक क्षाना-कविष्ठ कविष्ठ श्रेट्य क्षवर केंग्शिनिश्यात्र नाम न्यत्रभार्थक विष्ठिक केंद्रश निश्चित्र श्रेट्र-(व; केंक्शन क्षणाव कारल केंग्रेय भगवा क्या श्रेट्य । काश्राद्धक वा सुधविया केंद्रिल केंग्रिय। नाम्हान्त श्रेट्रिया। श्रेय व्या करें-

ষহাশর! রাজা ও প্রেলাতে রক্ষা রক্ষ কল্প এবং বর্জা বর্ত্তকল্প সহস্ক আছে। তল্পথে বর্তন পেনা রক্ষণই শ্রের:। কারণ রক্ষণান্তা বে সক্ষনগণও অসং ব্যবহারণান্যান্ত হউতে পারেন। শাল্পে কথিত আছে -

প্রজাং সংরক্ষতি মূপ: মা বর্ষয়তি পার্থিবং। বর্জনাক্ষণং প্রেয়ন্তদভাবে সদপংগং॥

রাজা প্রজাকে রক্ষা কবেন, প্রছা তাঁহা কে বিশ্ব করেন। কিন্তু বর্জন অপেক্ষা রক্ষণ ক্ষেয়া কারণ বৃক্ষণাভাবে সংও জান। হকী যা বার:

সেই রক্ষণ নানা প্রকারে উক্ত হটয়াছে ।
নবর র নামক এছে লিখিত মি'ছে—
উৎখাতান্ এডিরোপয়ন কুড় সিভাং শিদরুম্ শিশুন্ বর্গ্যন।

প্রোত্তার ন্যায়ন ন্ডান সন্দ্রন্ বিলেশয়ন সংজ্ঞান

<u>जीदान् कलेक्टिनावदिशियाः भ्रानान् गू</u>

নেচয়, মালাকার ইব প্রয়োগণিপুনোবাজা চিরণ নক্তি

বেলন কর নাম নাম পুনরায়
বোপন, সা, শক্ষের চরন, বালয়কের
বর্তন উচ্চ রাক্ষর নামীববন, নাড মন্তক রক্ষে
র উন্নয়ন এবং গ্রাম্পার জানিত রংখ্যের বিভিন্নী
কর্মা, ভী শক্ষেব যুক্তা হলের বাইকরণ ও
দান রক্ষের বারস্বার সেচন করিয়া স্বকীয়
উদ্ধানের শ্রাম্বার সেচন করিয়া স্বকীয়
বিদ্যানের প্রায় প্রয়োগনিপুথ রাজা
ভিন্নকাল ক্রমা প্রায় প্রয়োগনিপুথ রাজা
ভিন্নকাল ক্রমা ক্রমার সিবনে।

আমশা মুক্তকণ্ঠে কৰিছত িবে বর্ত্তসালি গাবর্থসমন্ত ছুট স্থিচাপ্তকাক প্রেসন করিয়া আলাকান্তের নাধি এতিকেলক্ষণ উপাসনে নক্ষ

यप्रयोग एड्रेडाएएन । 💐 ं निपुक्त काने शहर বিচার মবুখ শা খরতর কিলা বিষ অভিশয় মুক্ত নছে म छ विथा मि यां बर्ख জনীতির ন্যায়ায়ণ ब्यंक्टिक स्थानसम्ब करवाम इहेब्राट्स 🖂 এহ াৰধি ৰাজি আই শ ভানেক অংবে দুরী खोलाकप्रिभन्न शतः আদান প্ৰদান (ৰাছায় রার প্রায় গুডান্ডর स्ट्रेग्राटकः जिनिव র স্বিচার করিয়া মহাস্থা আটেটর সুশ यान। व नाम नर्न जन ছে। ইয়ার অভাগন দক্ষাভার ঘটনা হয় চ । मान नक्रदवत प्रिन^{्धि} न : अमाअल्लाबन विख्यात ३५ अविक होत्र कति. अनमरि ্রায় দৌর ভাগারণ ३३ जिनदक्ष इर ५(०)

जा का हिर निवानि जा कि का हिर निवानि स्मारक देवडा १:९

17.1

.क्यादम् कुडंत कार्टि क्रोंक्ट. उस

বু আন্দানিয়ে সাচ এই কুট ১ বইনা বিজ্ঞা ्वा, द्रीकि नेकि, विष्ठांत ध्रमानी विवदस नि्राष्ट्र क्रमकिक, टक्किं वी बीद मात्र मानवारद निकेंद्र हिंदि हैं। इंट्रेक्ट्सन । द्रशंथ
क्रम होने हें रक्षण हहें क्रम मानिवादहन
वाहा इंडेक क्रोम मा. ट्राह्मियादता हहे

ন্দ শেতাল প্রশান এবং ভাষনা প্রভূ ॰ , ख्रम्पूत्र स अक मण्ड सि गोका এই প্রকার সন্মান ্য তাহার দক্ষিণ হস্ত कौतर् विरमंद श्राटका-1 44 দৰ্ম খীন হইতে ইকা **डिट**क ন্তি, ভাতে ভাৰার किन ? जाबादमद्र प्रश विश्वित ध्यक्तातकन नि वि ^{के} बाहिया शाठीहेबा अट्रागटक এগ্রহর্ণন ইয় ওলি हैं 3 कि ग्रह्म ! ক্তার দিগের আইন বান সভ জাল ভা ৰো ইয়ানু সভাবনা আ-শাউ णं का बाह्य कत्रि व श्रीवर पे नाटर भागा असाव क्रियाटस्न। ধা শর্মিভেনে হই ांद्र रकोर कर्व अस्त्री विष्ठांद्रांगद्रत्र स्था षु ते कतिए७ ग्राट देखन, विश्वा शतीका

থিতে না পারিও চধ তাহারা শাক্তারী হটতে বাধারিল হইনেন কে স্কাদিপতি গ্র কডিপয় দিবস ইটান উপাধি প্রাপ্ত ট ক্টতে রাজা শির বাসাবাটাতে বিধার ও কা

কর বিদ্যাহিত চইণা নিয়াছে ব ব নির ক্ষাত্ত চইণা নিয়াছে ব ব নির ক্ষাত্তক্তর ক্ষতিরার হ'ছে ভ্রান্ত

\$ pr. .

নিন্ত।।

(তিন্তু প্রতিষ্ঠাপক সভা

ইহার স্বাধীনতঃ দ্বিত্ত হতাল হইয়াছি-माम । मुख्याद्वा केन्द्रुका कारम चामन हरे-তে উপিত হুইছে পারিবেন মা: গবর্ণর **ज्यान रच्या श्राह्म यथन छ**थन ७ एर पारम मिर्पारम मका कविरक शाविरवन . তাঁহার অনুষ্ঠি ব্যক্তিরেকে, কেই কোন विम मखाश चार्णन कतिए ममर्ग इहरवम না; ইত্যাদি নিয়ম দর্শন করিয়া অত্রতা বাৰস্থাপক সভাকে স্বাধীন বলিয়া জ্ঞান করেন, এৰপ মন্দমেধা লোক অভি বির-ल । बाहा इंडेक, आमता छ:वियाहिलाम. প্ৰথম প্ৰথম যেত্ৰপ হউক, উজ সভা. ক্রমে স্বাধীনতা লাতে সমর্থ হইবেন। কিছ ক্লোভের বিষয় এই, ক্রমে প্রাধী-নভারই জীর্জি ন্যনগোচর ইইতেছে লার্ড এলগিন সে দিনের সভাগ যে বজুতা করেন, সভার স্বাভন্তা লাভ এসৰ দুরে थाकुक, ए ज्राष्ठ व्यवमानना कताई इहेगा-**ছে। ভিনি বলেন '' সভার সেসি**য়ন অর্থাৎ নিয়মিত সময়ে অধিবেশন হয়, পার্লিয়ামেণ্ট মহাসভার এরপ অভিপ্রেড महर । श्वर्गद स्मान्त्रल स्वष्टा कार्य गङा গণকে সভাস্থলে আহ্বান করিবেন এট ষাত্র। অবৈভনিক সভ্য গ্রহণ বিষয়েও महामुखा काम न्यक निवस करवन नाई * * * * কোন বিল সভায় অর্পণ করি-বার পূর্বে তাহা গেটেটে প্রকাশ করিবার ्कवल क्षेत्रके प्रत्यवद्भावते

বাহিরের সভা গ্রহণ যদি পার্লিশা
নেতি সভার অসিনত না হইল ভাঁহাদিগের যদি কোন কমতাই না রহিল, "বা
বিশ্বাসক সভাগ বাহিরের সুক্ত গ্রহণ করা
হইগাছে গ্রলিয়া একটি আক্ষর ক্রিবার
গেল জন কি ন সভাগণ আপুন আপুন
নানীয় বিশ্বাস্থ জল বাগু পরিকাণি ক
নিয়া বিশ্বাসক জল বাগু প্রেকাশ

षाट्य। ,

গ্ৰ র অভিন্তাত ৷ আমরা অধিক তর ক্ষিত হইলাম থে মেইন সাহেব মন্ত্রী লাভ এলগিন উক্ত একার বস্তু

আইন শব্দের যদি এটক্প ব্যাখ্যা हरेल, এकरन विठाया अरे. हेश्**ला अय**ही ভারতন্যের রাজক্মছার অধিকারিণী ছ ইণাছেন। তিনি আবার আর এক জনকে আপনার এতিনিধি ক্রিয়া ভারতংর্বের প্রবর্ণদে এতিন্তিত করিয়াছেন। বিশ্ব সেই এতিনিধীভুত বাডিল কর্ত্ব ও বাবছাএলেকুত্ব উভন্ন কাৰো সমৰ্থ না হওয়াতে ব্যবস্থা প্ৰথমনাৰ্থ স্বতন্ত্ৰ अधिनिधित अद्यासन् इहेगाटह । व्यख्यन गथन वरुष्ट ए डिनिधि क्या इरेन, वर्षन ভালকে অপর প্রতিনিধিব নিতান্ত পরা ধীন করিয়া দেওয়া হইতেছে কেন ৷ এরপ করিয়া কেবল ্যে যুক্তির বিপরীত আচ-রণ করা হইতেকে একপ নহে, বাবস্থাপক সভার উন্নতি পাৰে কণ্টক বিরোপিত হই তেছে ৷ ব্যবস্থাপক সভার উন্নতি লাভের গ্রন্থত উপায় কি ৷ সে উপায় ঐ সভাকে वारीनका व्यक्तांक मारिस्मा मकानगरक come des est bents confr **阿拉斯: 加州 中国的 阿斯斯斯 (1998)** PECT. WEST WIND WEST TECH AL-

किर्द । मेक्स केर्निक वरेर्सिक प्रकार क्षेत्रकि। एमेरे केन्नकिमाध्यात के पर्याप कि बाहिएबर गंखा अवन करा वस मारे ? किछ विष भिद्दै महिलाई। अवकादीन हरे লেন, সে উন্নতির সন্তাৰনা কি > ভবে ইংলব্রেশরী সভাকে এতাবস্থাত্র পরাধী নতা শৃৰলে বন্ধ ব্লাখিতে পারেন, সভ্যো-ना यथम त्यानि व्यवना मन्त्रभाग विस्मापन স্বার্থসাধনাধী কইয়া অপর শ্রেণী অপবা जल्लाणात्रत्र भार्यविद्याधी भारेन विधारम উদ্যত হইবেন, তথ্ন তিনি তাহাদিগকে निर्मा कतिर्दूरी त्मरे निर्दात्र कमरा कि कि कि कि विकास का कि गरिन गरिन में ভার হরগত থাকিবে।

हेश्मर **अव**ने याम अ**हेब भ** मतल जाव ভাবলম্বন না করিয়া বক্র পরে গমন করেন ভারতবর্ণীয়লিগের অনুসাধ ভাজন হইতে भातित्वन ना । अक्टल हेशिएशेत हक्क শীলিত হইয়াছে। ইছরা সকল বুকিতে পাবিতেছেন। আমরা কি ভানি না ইংল গ্রী য় গ্রব্মেণ্ট ভারতবর্ষের মাম করিণা এখান চট্টত প্ৰতি বহু সরু কোটি কোটি টাকা ইংল ८७**व जुविधाद स्वता सहित्त्रत्वत । स्व**त्राया কি জানি না যে ভাঁছার, ইংলেওে দলাদ িব অনুরোধে অফন ও বুদ্ধিরীন ব্যক্তি দিগকে ভারতবর্ষের প্রধান প্রধান পদ দিতেছেন। সে ছিনেও আমর। অবগত महेलाम की होता भी छ । छ । तप्रवर्गत स्थव প্ৰিশোধের নাম কবিয়া সাল্ডে লা'র বেল্টি টাকা জারুণানি মামেণ পথে-लग्रेटबर । श्रितिक्ष धार्माक्रियन व हवा अंडे, **राग्नन फिर्म फिर्म अ**प्रज्ञ निषद्य । नि ં જાતુરા બામની ર્રામાલક માન્ય નવ পরিবর্ত্ত জাধীনতা প্রকৃত্তি প্রভাৱে द्रिक् क्हेरङ्ख, एकान हेशालीय 🦥 🗉 'रेके अधिवक्षक श्वन्य म' रहे , 🗦 र्या, जेइन रुविद्या अहे । मर् अहर् ठ कब्रिकात एक है। द्वारस्य

৬ - দুটিরালিংগর শাড়া নির্বর প্রস্তাব हेल (कन > 💂

- यथन य ब्रीडि ও চलन एम, आवेदा **य विषद्य प**विकाश्मारमारकार कामकावि-ভা ও স্বার্থসরস্কা হন, ডাফা নিভাস্ত অ্কুড **चबारनाक घरे**नमधिक ७ युक्तिविक्क হইলেও আদৃত ও পরিগৃহীত হইয়া পাকে, ভাষার দেখেও। বিচারে প্রায়ই কাৰাকে উল্প দেখি।ত পাওয়া বাস না। मिन कड काल वेक्सकः हज्जिति पृष्टे क्ट्रेंट नाशिल, क्टेंड्रेशनीएयून हैं निर्दे थक शका कफ़¦हेंग़। ४ हिर्नक इंटेर **४ रहन** । **এখন** এচলনটা **অন্ত**হি ত इंडेन'एड । মধ্যে मरमा भाव्य भारत ती बिन प्रिमर वाबि कृष्टि इहेर अहरू। आमानिरगत *निर्*ग चनुरुद्ध अनुरुद्ध जान्य दलवडी नग्न, उथा भि अश्वास बार्सक सुडम वी । अर्यम क विघारह। अभन (लल्ड ल्यां मध्न ही चाह উপছদি, ও ভথ দিও হন না: পুরে মুভি ভ মুভেরা লুঞ্ছিতকেশকে দেগিলে উপ ন্ত্র এখন মুশ্বিরুপ্তে। হেভুরু দাস্থ বলেন। क्रिक হ'র সহি। वारे फेल्क्टिक करें देवर में किया के विवास केल्किक क्या दिवास चित्रकरेंबर्रिक कात्वर क काहिता गाँकि छ। अकति **छेणाञ्चल त्म ख**दा श**ाहित्यर छ**। পালকি ভাগে প্রসংগীত তরপ জেম 🖟 বেখে করা এক ব্যক্তি সলিকাভারে ব क्रिकियाद्या के क्ला के व्यारमां क्ला के १८६ , जो ब्रांच **करेंग्रक** मामन स्थान वाहित्न । क्रि ছাবে গ্রাড়ি এক র কার, ডাম নিশ্র নামে। বর্তা**জাল্লেন্স্ন প্রাড়ি ভাড়া করে** वाल्या एडि.च. ५% ए 4.26 4 দিলেং অন্থাপ্যালা ও মৃতিত্বির ন শক্টবাছ ব্লিল, ব রুশামবাজারের মে विकार दिया १०१ मा . वर् यहा विश्व विकास किन्न वालुत करन करम कार अहिताम कविन प्रजाम दक्षिण आनारक काञ्चाक्तान 🕩 उन्ने रहेगाएम 🕻

सन्दि (वन्ता, इस्टायन - विया हा कृति लेश्विक्षक छ। क्वः शवनस्मान्केत छ। किए, कर्य विनया ज्यामहा (स चुन्सि **अमर्भक**ी কবি ছেলাম, লি ক্রাণিদিং গড় ক্রছ কেছ कारु व प्राथक्षिमी वका प्रीतात मा द्वराहरूम ? किए व्हें होते. हे हलको म धारमराभन मुख्ये 🛊 🐧 रहे 🤫 🖰 दमकीत करिया के जिसे हैं के लिखाएडड आदि ! मार्ग्हे

भारका शक्तिभारत भक्तां स्व स्व ইংলও প্রভৃতি স্থানে যে কোম ক্রীক্রি প্রথাদি প্রচলিত আছে, যে সামুর্যা विसक् युक्तित अनुस्थानिक, अकक বীকার করি না। বিশেষতঃ অপ্র थःमि नर्दिपरभंत ७ गर्ब कारमः रुष ना । देश्लखी इंदिए इंद्र निष्ण, মত্যান বতরে। তত্ত সাধান্য বংগ্রি এমনি শিক্ষিত যে চালরা প্রায় करण टाइड क्रेंग्र मा . भागांचित्र, ব্যক্তিদিগের অশিক্ষা নিৰ্ভান প্ৰত প্ৰথ নিয়ম ভাল জরুতি দুর্ভিলোচর হয়। ইঞ (५ क्ह द ' वाहिएक क्रिक क्रांबिड ভাহার স্থি . (र काळ नित्रवाज के থাকে সে র অভিবিত্ত কাম 👭 না, এইও 🔊 ক অভিনিক্ত কাজ ् काइन सा। किस्र अधीरन ইছার গ্রিথটাত ঘটনাই হইবা ব্যুক্তা 🕰 সতাকৈ আৰু নিয়**ৰাতি**বি**ক্ত কাল ক**টো

एक शार्ष्या ना । मुख्यार व **प्रका** निक्रि

व्यन्तक व नाग्रगत (प्रशस्क 👼

শ্যানবাজানে যাট্যন এই মাত বলিলেন म्यामधीकारवव क्यात स्थारस स्केरवर अक्षा करता यकि भित्रवास मातः। साम द्व at the age of the Arian and the Arian and the **एका इंदेल्स् वाबुद्ध म**ि है गाउँ छ ফিড। একদিন দে च कर हा कि ब्रि পাছরানেরা হিচ া হৈ, কিন্তু ৫ নিশ্স হটারা 🔻 द । वहाद्वा र ं इंटेंदेश । पूर 4 AX

·- भटर्न श्रेष्ठांव काविमित्रांत कर्खवा **धरे** गंत्रा कलिकाचात्र मर्ज इंदन मार्टेल शाल कित छ। जा निर्वत श्रम कटदम अवर आटब्रांकी ও শক-रं^क्क किছू पिन निश्म शाला,नह

👻 🖟 সম্প্র 🏥 কোন বাজির এ ষ্ঠারি কুলা দেন্ত্রা, উক্ত প্রস্থার বিধি। সমান রহিতেছে। গড়ানে ও, বেচারা बाज इंडेट्टन व्यक्तिः। य व्यक्ताहातः घटे 'बा छ। नकरि किल्लास, दिएक धिता था नटह। धहे अलाव विभाग अभीमसर খ্যা 💢 , ষাম স্থার্থ 🚉 🚉 🗝 স্থীকার ক। অক্ষর পংক্তিতে বিল সিত হইলে পর त्वर बहर, कि कु संक्रिक ार्वव जन इस्त्र करेंग्रा cheten, er fice fe eit. ४४ मिन्स् **क**्षिताहा (मर्ट ११३ अभिज्ञो कृषिशारकत । वाह इकेन | मुक हिएल जानिनादक शर्मक शहे करि , प्याच्या विद्याधिणित्रात नियन्ति ্রা শ্রম্ম ক্রিক্টি, তাঁচারা উত্তর দান সা ধ্র । ক্রিক্ট বারিধর অকিছিল ধাব:- । নের প্রতিবাদ করিয়াছেন। ः अवस्थाः **कतिरस्यः प्रश्नित**ात्रत 🔻 🖟 दल १४० वर्डिएक, दूमि विक्रि 🖰 🏃 🕝 🔭 । তেইয়া কছিলো । আমি 🖟 প্রকালত হলে। আধে এরপ এব একটা DA WINNER 可能 多 第字 海海湖 翻 化二 1 中部議議論中1:

" The state of a

"神"的国际中国的

क था. किमादकत शुक्ति वात्र समा शांकि थ किि मादस्यत करें कि विद्या विद्यास দদি যুক্তিনি क रहेल, बृद्धिक जित्तात छ जा निवस कता ন, হইতেচে কৈন > গাড়ি ও পাল কি বাদ িত্বর আপেকা্র্টিয়ানিবের সচিত 🔻 ्र्री आभावित्रत प्रकरित्त्राथी दहै । विकामत्था लात्यत मन्त्रकं हर । डेहांनित्र मूर्विक इहेर्द्ध। कलक- यूक्ति केन्यनाटकहे पिरश्रव चारलका स्किनाइ व्यक्ति अध রাইয়ত ফুঞ্পনে আম দিগের হল্পগত হ डेल। खाम्म, नाड्रि इ माहिक नाड्रा मर াল অভ্যাচন বিনাধ প্ৰথাবেৰ শিবোভাগ দেখিলা উৎ शहसुकविनाय, पश्चित क्षे क्रेमाम ं मन्त्रः के भाषात्रश सहय अव्हित रत बाहे । া গ্ৰহ্ম হৈবন। বেংধ কর, আবন্। কিনি আনাদিগের নাংয উল্লি 🤊 প্রস্তো

कर्ते। इ.स.

ध = व बहुन धन्द का बेनन किंद्र नृता अन्य अक **मक्रिक्टर** के काम्मा, किन्छ व्याप्ताणिकार कानका. ্, ইংকা দিয়, ভোষা / ভগ্তর গ্রাইন এমব করেন যে নাম ক্ষমি ा १५७ च मा पहि । मुन्ते अक्षार ना भा भूकर सुद्ध देवर ५(व) ं राज के विकास मार्था वक्ता विकास के विकास के विकास के स्थाप ্দ্র একমার ' প্র্যেশ ছার্মানার বিধি ও ভারতব্দীণ া ন াব। । র বৃদ্ধাপক দভা কণ্ট্রাক্ট বিশি এই চুটি া বিশ্বস্থাত আইন এসৰ কৰিবাৰ উপজ্ঞ ार्यक । एकि शिक्षिताम, व्यवेक्या समिता अका া গাণেৰ লালে অভান্ত আছেও উপস্থিত ा मध्यां म कृष्टी छेर भारत्वहरे াম ভত্যপদ্ধ। আমরা গল বারে ্র্ণান্ধ কবিখানার বিল পরিত্রা ে প্ৰায় ৰ প্ৰক্ৰ**ে**গৰ কোচয়**ু** সৰি তি ৷ শ্রহণবীয় ব্রুস্কাশ্রহ সূত্রার

न, ज्यम लेतिबिङ क्षाव विधिवक कति । क्ष्यार न जनमरश्रंत यम् । गरेर ठरक । क्ष्य । विधान विधान विद्यान विद्यान विद्यान विद्यान রিপে:ট এদান করিয়া ত্ৎপ্রিভ্যাপের অনুরোধ ধরেন। সভাও ভৎপরিভারে क.तत्राटहन । सन्त, शक्त. शांत्रश्चेन, আর্ত্তিন ও ক.উই সাহেব্রিপোর্ট প্রদান करतम । छ। हात्रा क्षथम छः अविदलत क्ष्रं সর চারলস উড়ের অসম্ভির কথা উল্লেখ क बिशा विलिधन " कान क्लान वादक. गरदाङ् अविविध नियमटक जान धनान करत न नार्छ। । अक्टन केश वक्कवा बीएन मादह द्वित मण भातवर्ड इड्लाट्ड । यनि कात्वव । में क्या किया मार्ट्स क्यांनी अल वादय कोकाराहीमख्रीवश्रामञ्ज প্রধান বিপক্ত এই সেমপ্রকাশে এবি वर्षत वक्षकर्तिः । स्थानन ११३। एकः। शूनद्रात ेशत वाकल कंग्रल फेरल करवा कवादक है।

> েডিক'ন ক্ষেতিকের সাধ্যান্ত ও **ड** इन्निश्चामानः

बामदा स्ट्रिक हैं। ये क्रिकेट हरेन प (मिष्ठकाल काल्ला क्रिक्टा वर्धा है कत घटेन। इहेब्राइक्ष्ट्रं य कला ज्ञापनत अव म, तिर्गाप्त ७ कृतीय । पूरवत रावजीश छाड (ग्रामधिक माः। वक्ष), ७०० कः दिन् अपल ন্ধানু চীকন সংগেধেকা অসহাবজা র অস दक्षे रुवेगा कारतक असिका, व कविराद्य मा थ मतः आमानिः होत्ति एति सनिनामः मिटर्स व'नाकि'मेहेर्स में अरव eकरे का ভাবিক বিবেশ ান্ধি প্রেম্বা, কি ইংরাজী कि नामना काम क्रिक्स हमा ६ एवत्र छेनदर विभि श्रीष्ठ अ अनुभू अपन्यु विद्यावक, र। कला अन्य भाषात्र द्वरक्षक के त्रुका अन्तर्भ रणेबाटक : उद्ध ब्लाइक ब्रिइडि सञ्दर्धत थटि अ एक भारत्य मुह्म क्रिक्ट महिट्ट जवर रेमबाद करिया। अध्यानी के व्यानुकारिय ड रहेसा पाटकन, १८ स् १५ का छ । भक्षाप्रित्य अ भक्षा स्टब्स् के कि छिदिशीक बारदात कराई है एक नाई क

यहनिमायमि इक्तिनिटेशत माम निहाश यहि প্রধানত হুইতেছিল, সম্প্রতি একটা ঘটনা ৰূপ ৰায়ু সহবোগ ছওগতে সেই অগ্নি উ জিব হইরা প্রবলিত হইবা উঠিয়াছে। त्म घडेमांडी अहे----

বাদসা ক্লাদের ছাত্রেরা ভততো নিয मानुनादत अधिकिन आठःकारन भगाति ক্রমে চিকিৎ দালগ্রে উপস্থিত চন। ডাক্ত ्त्रद्वा (व क्षेयध ७ भधा बाबजा कंद्रब, ठाँ ত,রা ভাষ্য স্পান ও অবেণ কবিঃ! স্থচতে तानिषिभटक खेवथ (अवन कदाई वा शास्त्रन। ছাত্রদিপকে কৃতক্রী করাট এ নির্মেট উল্লেখ্য, ইয়া এখংসনাৰ সন্দেহ নাই। কিছ কে.ভের বিষয় এই, কভক গুলি **অ**विष्णकाती **अखिमानमस** जास्कत शरे উ क्रमाणि विषा छ इहेश मदम करतन, शव 4C के शादन पर की शक्तियंत 3 त्विभिष গের পরিচ্যার্থি নিয়েজিক করিয়াহেন ! याहा इछक अक विवन वसमानी हटडे शिथात নামে এক ছাত্র আপনার কর্তব্য করিতে यान । जे चिवन कह्ना अक श्रीकाहरकत সহিত ভাঁছার বিরোধ হয় ৷ তিনি চলিয়া আইলে ঐ পরিচারক বৈর্নিয়াতনাথী इहेश करतक त्यान कुहैनाहरतन पक्ती ्य डा **इटल्ड क**दिया अथम देश्ताकी क्राटमत এक यूबरक्त्र निकटि तिश्र कृष्ट्ल, वनमाली हूरी क. देश लहेबात छटनटम अडे जुडेनाहेन शक्क क्रियादिल, लहेन याहेट शादत न'हे। युवक क्रिक्डांना क्त्रित्तव " जूनि কুইনাইন সৃহিত ভাছাকে ধরিলে না কেন > পরিচারক সমৃত্তর হিছে পারিল না। **चनध्र (म लिक मार्ट्स्वर निक्ट है** शिहा थे क्या कहित। (मक्छ हीरहर्म ब्रमाय राजला ज्ञारजङ्ग शक्ति और ए अज्ञा नरहन পরিচারীকৈর কথাই ভীলার বেদজান হই 🎳 বিনি বন গালীকে চোর দ্বির করিয়া ्रिज्ञानादमञ्जानि । विद्याप्ति क्रियान ै एक्टिक्वम् हा कि निशास विरम्द जनूरकाम मा क निक्क के मरुक्त हो भूतिएव

शाहीर शिम्तिन । भूतिम छेखा श्रीतहातक / 'अ भिर्देश बीरका बनमा लिख क्रम किरमह কারাবাস হও ক্রিলেন। গ্রিজিপাল যক্তি সৰিশেষ অনুসন্ধান করিছেন বনমালী কথনই পোণী হইছেন না। তি,ন ভাহা না क्तिया यथेन अक क्षाकारी भारता ब्राद्क्य वांद्का धक क्रम अख लांक्टक विशा পরাথে কারা এন্ত করিলেন, তথ্ম কাহার कि छुर्भभा घटि, बहे मंद्रः क्रिया बबर বাৰম্বার অপমান হইডেছে, ভাহার এতী কার হইতেছে না, এই ভাবিয়া বাদনা ক্লানের অপর ছাত্রগণ এক বাক্যে কালেক প রভাগে করিয়াছেন।

चामता चनुमन्त्रीन कतिया कानिलान, गर्वाय वृक्ताता अहे वृक्तात व्यवन করিয়া অ মাদিপের কোন ৰূপেই বনমালি কে অপরাধী বলিয়া বোধ হইতেছে মা। वनमानित क्रेनारेन हूरी कता गणि अञ्च প্রেত তইত, তিনি পুরিয়া এল্লভ করিয়া কে,লিয়া আসিত্রে কেন > পরিচারকেরা তাঁহাকে সেই পুরিয়া গৃহত ধরিল না क्नि ? क्विल वक मरल्एह्य छेशस्त्र निर्ख्त क्रीत्रश वनमालित पश्चिवधान क्रा हहेसाटह অত্তব আনরা পুলিসের উপরেও সম্ভর্ট रुरेलाम मः। तमाली यम वाखविक्र हूती कतिवात अञ्चित्र क्रेनारेटनत भू क्रिक कि तारे त्याव मध्यभाष्ट्रमेत क्रिक ब्रिशा वाधिक शास्त्रम. अवः विश्वृष्टि करम অথবা সুযোগ না হওয়াতে ভাহা কালে त्म (किनयः भा, महा थारकन, छाहा इहे लि प्रथम भूलिम दिनिके क्षमान भारे लान ना, छथन रक्वल अक जरमहरूत त निर्कत क तेता एश विश्वास व्यादेश व्याद माद्र नात्रामुगंठ रहेट शाद्र मा। यम এই, দে চোর হইলে >৫০ ছাত্র ভাস্থার ष्ट्राटचं कृत्वी स्देश[ि]कचन्द्रे कारलक शक्ति তাপ করিভেন না। জন্ম লোকের ক্রা

দুরে খাকুক, ছোরের করিছ চোরঞ্জন

प्राचेत्र्यका अवलेन करहेता; कहिनाह रे

का बाकित्मक बोहित्स क्षेत्र

যাহা হউক, আমরা উপ্র পুনরাৰ কহিতেছি, বনমালিল দওটা ছাত্রদিগের কালেক । निमिक माळ। हीवटम् त समस्य র বাত্তবিক কারণ। একটি সমুগ মেডিকাল কালেজের প্রধা वक्षिन वक्षी कविष्ठि कविशास्त्रि বাধ্য বলিয়া সমুদায় ছু.বেল্ল- নাম कं.राज्यात्र व्यवधातिक सहैतारक १

नर्थ न् होदर्ग थ शादनंश विवाह या रे जामानित्त्रत्र निकटी शक्ति है। व्यकीतमान क्रेटक्टक् । जामुझा त कनीन वायरात क्षिप्ट नार्के লেরা ছাত্রগণকে পুত্র নির্ন্ধিলেকে करतन, किन्तु हीवर्ग ए शक्तिशहा জান করিতেছেন। কোনু 🌣 🍀 🎠 ধায় কৰে কোনু ছাত্ৰকে পুক্তিয়ে পুঞ্জী रहन : धीशर्म ता शासनि शासकारिका দর্শন করেন, ইহাই ও তাহার এর भातन क्ष्मान। शास्त्रका वार्गक, क्रानिक मञ्जात कर्षनाकर्षया त्यारक महाके भटन भटन काशांक्टनंत्र जन्महान् क्रिका मडावमा जाटह । शूनिहम द्वार्क त्र नारे : भिणियाम भू सहस्र का राष्ट्रिया यनि चत्रः व्यवद्वाति व्यवक्षिक व्यवस्थिति वर्गन नाम् कर्पनं साहितः व्यवस्थान कि तिरे पृकीक पर्नाम अविद्या आर्गन भागन रगाय मध्यम् कृष्टिक् मदिसम् माः उत्र वि जिनादनते कि क्रेंब्रेन । दर्शन वानक क्रेंन ৰুক্তিতা শ্ৰন্থক বুকিডে না পারিয়া কোন নালী যে নিদ্যোগ, ভাগার অপর এমাণ / অপকর্ম করিলে ভাঁড়ারা এথমে হিভার 🕏 পদেশ দারা ভাছাকে সাবধান করিবারী ভাষাতে নাৰধান না হইলে অৰ্থ কৰিব बाबक्षन करतन, किन्न जाना विर्देशक निर्देश क्षकृष्ठि, परालूष्ट व, विक्रवृष्टि । हिनान সাহেব মূতনবিধ গুণালী অবলম্ম করিয়া

हि_{.ए}। খামরা শুনিয়াছি, চীবর্স সাচেব ত্র দিকে " হারাবজান, চোর ও ।দি অবণ মধুর সুলিলিত বাক্য ात्र. वान वन कतित्रा शास्त्रन ! यणि ध ্_{ত্যা}, গর া হয়, ভাঁহার ভুলা অপরুষ্ট क विक्रिशालात मध्य त्व इ যাইছে: মুামাণিদের ত একপ বোধ হয় না। ছাল্মেরা " চোর ও কুলি ' তাঁহার এ जःकात काषा **एहेरण ज**ियल ? कूटे अक কন ছাত্রের চৌর্যা দেখিয়া কি ভাঁহার এই সংকার সন্মিরাছে ১ তালা হইলে ত তালা র অন্তঃকরণ অতিশয় উদার ও বৃদ্ধি নিতা स जी क वेलिएक स्ट्रेटव ! ! अटकरणत या म कन गोंकि २।८ कन रेफेटन श्रीग़टक अन्द ৰেখিণ বাৰতীয় ইউরোপীয়কে অসৎ ব লিয়া ইর ক্রিয়া রাখিরাছেন, চীবস তা-হালিকৈ কি বেখে করেন ? ব সালা ক্লাসের श्राक रिनी दे प्रश्र अञ्चानभ्र मान माहे, একবা আনরা ক্রিতিছিল। কিন্তু আমরা यण कृत जानि क्लिकाकरत कहिएक श ति छेशावित्यत अत्मदक्तरे प्रतिज छेशकृकी धनः चानाकरे उत्र गृहर क्या शहर कति রাছেন, তবে পিতা মাতার অসদ্ভি প্রয ক্ত জাল ৰূপে লেখা পড়া শিখিতে পাৰে न गहे, जारे वाचलां क्रारम क्षितिक इरेगा (इन ।

ছাত্রদিগের প্রতি আমাদিগের ব্স্তব্য এই, ভাঁছারা কালেজ পরিত্যার করিয়া র হিন্দ্র কর্ম করিয়াছেন। চীবসের অসন্তার क्ष्मकामि द्वाहावित्तव व्यमञ् हरेग्राहिल, ভাৰাল্লা কলেলে থাকিলা উপৰে জানাই लाने को दक्त ? कें.हाई। कि धरे महा के दे गाहिरमा स्व जेनरत्त्र कर्ष्णक शिक्तिशा टलक विद्यार्थी विलिश की शामिता बाटव ভাতি। প্রিশিক্ষার ছত্তিন, আর বিনি হউন, व्यक्ति के स्वाहित के स्वाहित के विश्व भाव शाहरक भीरवन वा । देशांबी व छेश "र क्ष्मिद्रकत निहान बान नेक के ला

म ह्र्बह् ब्रह्म । अधावनात्र ७ चेन्माभरक जरुष्ट्रत क ब्रह्म कार्र्स श्रद्ध इहेरल नक লেই কুডার্যক্রলাভ করিছে পারেন সন্দেহ নাই।

हेराव हत्रम कल कि रुट्टेंब, कानियांत निश्चित्र भार्यकान विश्वमुक हरेरवन महस्त्र मारे कि धर्मन निम्हत कतिया कि'न कथा वला पामानिरशत माधाः छ नरह । अकरन ममुचाम् विवन त्मण्डेनलैशवर्गदद्र विद्युष्ठनः त উপর নির্ভর করিতেছে। শুনাগেল ছাতেরা আপনাদিপের কালেজ প্রিছ্যাব্যের বিষয় জানাইয়া গিলিপালের নিকটে যে আবে দন করেন ভাহা লেপ্টনউগবর্ণতের নিক টে প্রেরিত হইষাছে এবং তাহাতে এই ৰূপ লিখিত হইয়াছে, ছাত্ৰেরা এক জন চে'রের, সহিত সমত্যথতা ও অবাধ্যত, श्रकाभ क्रिडिट्स, घटवर ए।श्रिंश्व নাম কাটিয়া দেওয়া গেল। এত লোকে কালেজ প্রিত্যাগ করে কেন > ইহার স বিশেব অনুসন্ধান না লইয়া লেপ্টনণ্ট গৰৰ্ণর কেবল যে চীৰসের ৰাক্য প্রমাণে বাদাল। ক্লানের যাবতীয় ছাতের নাম্ কাটিরা দিতে কহিবেন এবং যত দিন মূতন ক্লাস লা হয়, তত্দিন অধ্যাপক ্দিগকে বসাইয়া বেতুন দিবেন, ইহা काम करमरे स्पत्रमम स्रेटिंट मा रियान **6ि/। जनाय जनुद्धार्यभवकी इरेश**्र श्चिमिशास्त्र भागवकार्थ हाजिमरभव नाम কর্ত্তনের অনুষ্ঠি দেন, অত্যন্ত অন্যায় করা इहैरव । এ विवरम्र मृत कांधी अिनिशाल, ছাজেরা নহেন। বিনি মূল দোধী, তিনি दिना मर् ७ व्यवाशिक शाहेश विद्राल कृति বেন, আর সেই মূল দোবীর দোব যাহা मन च्यांश केंब्रिट्यन ? निण जैक्शियात | निगरक चनुष्ठिक कार्या धावर्षिक कतिन जीहारी मुखिक इंदेरबन, हेड्डा कि कथन নারানুগত হর? আমাদিগের মতে উত্তরই म्**थ**भीस् । *स्मन्देन्*नेश्वर्यत् केळहर्स्य क वाज नावधाम क्रिको निक्षी क विवादमेन में

টিত আছে। मााया প্রার্থনার ভাহাতে প্রবে / মাংসা করিয়া দেন, এই আমাদিলের 🐙 ভিপ্রেক। ভাহানা করি : যদি ঐ ১৫০ 街 ত্রের নাম কটিয়া দেওয়া হয়, বাদ,লাং (परभव्र अक्छी सङ्डी काछि हरेरव । छेहा " ता मि कार बहेत्त वाषाना मानद कृष्टि किरम करखेव पासक निवादन इहेर्द गटनहरू न है। जाभा प्रदर्शत (यक्षेत्र ज्ञास लाव, वाकाला क्षारमञ्जू हारणदा कम्मून्त्रभ সুশিষিত না ইউন, উহঁ।রা যেরপ শিক। পাইতেছেন, তাহাতেও বালালাদেশের অনেক উপকার লাভ হইতেছে। উপক র स्टेप्टर व लियारे जामदा मत्या मत्या के क्षारमत्र छेरकम मञ्जापनार्थ श्वनंत्रक. काटलराजव कर्त्तु शक व्यवः निकासभारक **উट्डिजना क**्रिया शांकि !

> পরিশেষে আর একটা কথার উল্লেখ করিয়া প্রস্তাবের উপসংহার করা ঘাইতে ছে . পরম্পরা শুনা গেল, এই **ঘটনা**র পর অব্ধি নাথান চাবস অনেক শিক্ত र्देशांट्स्न !

विश्वाविवाह ।

গত ০০ অগ্রহ'য়ণ রবিব'রে জালানাবা দের সমিথিত হাজীপুর গ্রামে বহু সমারে হে একটি বিধ্যাবিবাচ সম্পন্ন হট্য়াছে। 💐 गुरु রাজারীম মুখোপাখ্যায় বর, বরের সম্বাক্তম २६ वरमञ्ज, अहे जाजांव अवय विवाद। कनांत्र নাম 🗃 মতী ভর্কিণী দেবী। ৭ সাভ বংসমু बद्रात खद्रकिनीत धार्यम विवाह ७ म काहे वरमञ्ज बहुदम दैवधना मध्यक्रेन इह आकृद्ध উহার বয়ংজ্ঞা ১০ দশ বংসর মাত্র। জিলাব কুড়ার আন্তঃপ তী পার্বভীপুর নিবা-নী নম্মুমার চৌধুরীর সহিত ভর্মিণীর 😂 थम विशास् श्रेषां हिला

विषयाधिनाव निर्माण व्हेप्राटक, उर्देशाख भि: दि: बदन क्रियो बीहाता छेडानिए हहें-রাছিলেন, অ্দান্তনীয় স্থাদ উচ্চাধিগের निगामकत, कांत्र वीवात। स्टम्स्नाव ्ष्ट्रेया क्रिलन, केंद्रिक्षित क्रिशामक वर्षेत्र अस्त्र মাই । পরীক্রামে মুখন [্]রুরেকর্মি বিবাহ नेवरिकादिक मण्याम किव्नेक प्रचल देव देशां विका

विस स्वाहित वहार उपा के प्रवाह काला-किरशक्क अध्येष इतिरक्षक् मा। तिप्रतामाशक इंद्र क्रीकिकीय कीवी तन, जिनि कारनक गर-मिंदे विवश्वविवादिक शिलांबाकात्र -व वश्वदत्र ইনা এবর্ডিত ও আথমিক বিবাহের ন্যায় সমারোধ সম্পাদিত দেখিয়। চরিতার্থ হইবেম मद्रमह नाष्ट्रि

বিবিধ সংবাদ। **इसा दर्शाय दम्बियाद्य**ा

वेश्ताक्षीक भिक्ताक्षत्रभावी मक, **कम व्हे** यादकः। चारकरशद्र विवयं अहे अ स्वनाः १४०१

भनीतांत्र अकन्त्रम में शहरू अक टाकाटक रमधूर्कक अपार्य राष्ट्र करत्व । अपक उज्रहा चें डेरवाशीय एड शृष्टि वाश्विदहें एडेव विकटि वा नीम करव । भीनकाल जाशांक छात्र पान पनिया অভিযোগ করে। জীত্তিকারিসহার প্রজার নালীৰ অগ্ৰাহ্ম করিয়া ভাগ্ৰেৰ বিশ্বাদ দেন এ নে সেদিয়ন অজের নিকটে নালীল করাতে क्य नथी उत्तन करान। एक पृष्टि छाराए অসমত হওয়াতে প্রধানতম বিচারালয়ের निक्टने अस्मित्र कानान रुप्त । क्षांन विठाउ পত্তি তাঁহার পহয়তির শ্রপ্তরোগ করেন। কিছু বীতনু-সাহেৰ ভাষা না করিয়া ভেপুট মাজিট্টে টের বেজন ও ক্যতার হাস করিয়া-ছেন। আবার ছুইবাস পরে তাহার যে পূর্ব-मेख दिख्य इट्टेंदि १३३५, देनी विह्ना।

गवन्याले गत्रात्र गर्क हिंदू करिवात निविद्ध यप्रदाम रहेशारक्त । हेशारक क्रुंति नाच रहेद्द, এক, লালেনিয়ে এ ১৯৪৩ গ্রহার পতিত হই न करियाबद्वा वैश्वे का जिल्ला जनवा जन शाबिक क्षेत्रा 🛵 🗯 उपरणत अभिते 🛚 दश्खा-किन कार्तक ताल प्रदेख्या विकीय, भणांच व्य চয়া শীলাছে ভাষাল উভার **হটবে**। शकारमञ्जू एक अञ्चलक मुद्रा ब्हेगारक । वह विश्वामणाक्षक ब्राष्ट्रा मेरिक्यागीनका छ :- रे ना कि विश्वास हमा स्थापन ।

प्यामाश्रामाम क्षरपात वरमन, अपन

(बहुँकि शादस्य शंत्रज्ञांभ कवियात्र समस्य कट्यक बन श्राटकोडि ७ कोई जाएलएकड् बद्बद द्वालन **स्था** कतियात द्वाला कतिता निवादस्य । 'सरजहे स्था बारव , नृरन्तरस्ता शक्राका পরিত্রম করেন, উ৮র পুরিয়া খাইতে পাৰ না কিন্তু কেইই ত'হাদিনের নাম करतमें था ।

'উদ্দ পত্র মান্তবের বিলেশকঃ দ্বী জাতির चकार होकरमात्र ८०३ डेलास्त्रन विदारहरू। এক ব্যক্তি (ইউবোপীয়) এক যু ক্রীর পাশি গ্রহণাথী হইয়া তাঁহার পিড়া মাডাকে এবিষ-য় জানান। তাঁহারা ভারার প্রস্তাবে সম্বত इन, किस कर्माणि उरमारम अनिष्कृ हिन। ब्याची किछु जिन जै भ तेशेद घरण वाम क दब्ब. क्रमण कराजित अगठ शिरा श व रहे लाग दा স**্তা**তি ইঠাৎ ভাষার পিডা নাতার মত প ব্লিবর্ড ছeব্রান্ডে মানুক নারিকা গৃহ জ্যাগ ক-ব্লিদ। পলায়ন করিবাছে। কোটনিপ প্রথা আরু পিতা যাডার প্রভ্রু এ উভয়ের একর সমাবেশ হওৱা কঠিন। 4

कारबाधारभरकडे बरमन, वांषात्र विधाछ बद्धा मण्यूर निरम् रख श्रेग्राहः । এই ভाকা-ইভ বিংশক্তি বংশর পর্যন্ত উক্ত এ সংশর আরু বৈশ্বণ চইরাছিল। সে সম্রেড নগার निकरहे निक्षिक हिन, अवक नगरब करवर स्व वाक्ष जाशास्य ध्रियोह्न।

দিলীগেকেট পাভিবালার রামার মৃত্রে বিবৰে বিস্ফানি ভাষার নিঃ নিখিত ভোড প্ৰকৃত্য করিবাছেন, রাজ, মুহাকালীন লাভ শত -ব্যাদিকে মৃক্ত এক শত গত্ন ব भग घ छ त ने हिम्म नाहित्कन बादा मेर बार হয়। গদার রাজার ভেন্ম বট্টা গেলে চুই শত ब्यांडा व म लाक्षणिकृतक (मन्द्रा देश) कांचा-ब मृज्या नकत्म प्रकार प्रशिष्ठ व्हेसिक्स ८७ (क्ष्ट् जिन निवन सम्बन क्रांत्रन नार्टे। के বিচারাধার ও সরকারী ক'কিস স্কলু সা किन नक रश शाका नाइक निएर हुए कुनाई क्षत्रा दिखरी कितन जाना अञ्चान क्षान र भारे। काक् । ज्याचा विद्या क्या क्या व्यवस्था

रि वर्षे बगळवात जीवाजि माजाण डेरियत ? क्रिय विनिद्धांस ३ की फिटम्बर है। बाटकन। ब्याह्यादि मारमङ् তবৰ্বে আসিবের। সাক্রীয় मुनिरचर ममार्ड्याम् अ आवद् क्रियां केरमान क्रिएक्स्स् ह

বিস্তুপেনু বট বাড় হইছে প্ৰ ह्म मळाजि त्रमकत्व मध्याब प्रमुख रहेकारम्। करशक चाकि बाटलेक ভাজিয়াহে, অন্য কোন ভানিষ্ট বৃদ্ধ शह, विवाशूत ७ प्रत्यदेश, विद्_{या} दिने करत वित्रा निर्दार है।

উক্ত পত্ৰ আসাৰ হইকে স্কুটা ब्राह्म, अरु कर गरकादी हा स्ट्री मुननबाब बदाबीटक अक्की स्वर्धी 🖟 বলেন, দরজী ভাষাজ্যে অসমত ইউট্টাইডিটা কর তাহাকে এখন জহার করে বেংকার था कारिया त्रक वारित वर्षेश्वरह 🌤 🗱 किया भिदारक माजीन क्वारक महिल्ला है। होको अतियाना स्रेग्नाट्य । अत्यास्त्र होस्त्रक ব্দাণরাধ সে ধে কাজির মন্তব্দী লাখির বার্চিত্র এই তহিরেকাগ্য।

क्तिक राजन, पूर्णकहिर्यक्ः महामाध्य নাজিবের বেতন স্থির করিয়া বিশ্বনার্থার স্থা পনাদিলের বেতন হবি করিবার আক্রাক কর্ম-एक वनरामीय भवारत के अविवर्ध कि গের মত চাহিয়াছেন। প্রস্তৌর আইয়ি বলে न, म्ट्रायापारव्रव ७० ७ व्यक्तिक्षेत्र रेष्ट है . का द्वा वर्ष वर्ष वर्ष के हैंगा देश का का दिल आध्वा आकाष्ट्रित हरेगाय, कात्र उनसीत / पूरेनहम होता ७ कातक विडीत विख्य के १० होकांत हैन दर्शन स्टिके कामाला वि-कतियादिका । एवं गांडि क्रमन कार्क किन नित्य मा। कास स्वेदमहे नित्र हानाव नित्यंत एडि अधिक अधिक बादिक अवस्ति विद्य আর কিছুদেন না কেন ?

केंद्र शरम यह अने कारन नगृह स्वेटंड ুলিকা(ছেন, ুবারীসতো (সেল^{ি বা}রাস্ট্রী महरू) हा जिल्ली पूर्व ह अपति त्वातिक स्व कु करशके मवन वाक्क्रीत माकान यक हिला । क्रिक्ट वर्षेत्राटक अने भार है क्रमण विक्रिक । इउक्कड्ड

> शिहान भितात अवन सहिताहर्क केवा भी बीहाडे अपन नगरत कही भी किया निका) वियोग करा करवा 🎉

उन्हर्ना मुन्हि निवस्टा अकि स्थेनत अक क्रमीक्ष कर्डक राहि के कारण विश्व भिका raibiffe fen ein ein ab ांव क्यांत्र शास्त्रिक त्व शास्त्रका निकास ारणक्रिय बेश्यम् शवर्गावर्षेत्र वर्षा विदिश्य । गरा के नपांडे जानक विवेदत क्रांबाविद्वाह व्य गरम् ७ मनाम कासम स्रेग्नारहम । जामानि-रशह बत्नाहर अहे, इंट्याबीय क चाहकवर्तेत গৰ ব্ৰুষ্ট তাঁহাৰ স্থৱীজ্ঞের অভগামী হউর৷ ि द्वार्कियश्यत्र करत्रकम्बनस्य हे श्नरश्च विद्यानिका-र्व देशतून करहान ।

ভিত্তির বেশিনীপুরত সংবাদ সাতা ব্যাসন, সম্রাতি ভত্ততা চুইজন জন দার পর-স্পার দালা করাতে করেক ব্যক্তি আহত इहेदांटम् । अबीमादादा अवकात आम्राणिक जा'श क**दिएंगन में**।

বারাসতে এক " আই চাড্যের পুর্ণ সড়-নী বারা একট লক্ষ বধ করাতে ভাহার এক नश्मक व्यवास बरेबाटम् । अङ्गीतानायुवक नक নী বাহির করিতে না পারিয়া এক ছুরি ছারা ভাষা বাহির করাজে **প্রকৃতি**র মৃত্যু **কর** গ

আষয়া ভাৰিত হুইয়া প্ৰকাশ করিতভঙ্জি উক্ত স্থানের গীড়াজিখবা অল্যাণিও বার নাই। একণে বিভন্ন লোকের মূত্রা হট্ডেছে বাঁহারা আনাছরে ছুই বংলর অরজোগ করিয়া স্মানিতেছেন ভাঁহারা একনে কিঞিৎ খন্তা ्धिरता आंव छात्र विदिश्वस्त । जुव देवीह পাড়ে সৰ দাহ ও কেপৰ স্থায়ত হইয়াছে। নাবৰ্ণজ্ঞে অচ্যাপিও কৰিমৰ নিযুক্ত অৰ্থৰা अवस अबूष कतिरंगन मा है . ..

१३। (०)व भण्यावाद्व । . .

विक्रिक अवर्गस्यक्षेत्र स्मराज्ञेति मिर्देक मान्यर बीच करफांत छात्र भुना हन क्षाक्ष हैएक गाटर वार्ट नियाह

শেষা ক্রিক্স ক্রোন পত্রে প্রকাশিত कर्ताहरू मार् स्वादमाक मान एकन त्वर ক্ষায় আৰক বৰিক্তি কাল বলিয়া অধিক্তর क्षेत्र बाह्यस्य क्षित्रं बाह्यस्य शास्त्र । हेर ट प्रमान विविधा मोद्यामान स्थापना करिया । गाउँ । Pricas will coin gifte uniques liber uniquestre deut being ber ta wie Greite Gemele wie ber Birt biete

সভাষায় ও অক্ত অক্ত বাণিকা সভা হটতে वहिक् क क्या शहरव

क्षिप्ती त्यार्थिंड बहुबाम शंकादन प्यांत्र केल कशानि को के जानामक जानिक स्टेब्ब

উক্ত পার্র আরও হলের পাতিধানার স্তন রাজা বহেল সিংহ প্রাপ্ত বর্ক সন वित्या करमुक्तम् अधिनिषित्र करण भागन ভার দেওয়া হটুবে : অপর, শতরূর : সংগ ক্ষেত্র) কবিস্তবর প্রৈক্ষেপ সাহেব একজন প্রক্রিবি ছইবেন । বালক রাজার বিদ্যা निकात कथ अक्कन डेशवुक हेर्द्राम्हरू नि कि क्यों कर्रवा

क्तिका खरण कतियादका शर्गरम पृत इड्रेन ক জকাভার রুণভব্তির এক আড্ভা করিতেছে ন, বোহাই হইতে লৰ্ডেক জাহাজ এখানে আ দিবে। ভরিষিত্ত বিদিরপুতের ভক পরিষ্ করা হইভেছে: একণ জনশ্রতি রণভরির क्षशुक्त त्रव (अवृत (इंशि अविवादत विविष्ठ हे কলিকান্তার আলিয়াছিলেন।

🐔 শীত্র মাতল। পর্যন্ত রেইনঞ্জুরে খুলিবে। পিরানির সে গু প্রার[্]প্রস্তুত হটুন। বিব ত स्ट्रेटल क्टब्रक्थानि आहास बनाव अक्कारन ষাভলার আসিতেহে।

কালীরেব রাজা সরার উপরে অধিকত্তর क्ये क्हेंट्डिका शान लाग निरामभे छारान **अकिटक्षिछ । आ**ज़ाबिरगत मस्क अ छैरक्षेडे छै-পান্ন নছে। সুরার মূলা অধিক হইলে দাতা (महा थावाह ठाउँम विकास ऋतिहां छ छहा। क्ष्म कतिदव । दृष्टी , क्ष्म्याक्षीतित्र नात्रि,अस् খারা উহার নিযারণ চেষ্টা বিধেয়। 🕝

७वा ८भीय पुषनाह :

২২ এ ডিনেবয় ছাল্য পর্যন্ত রেইলওয়ে पुलिएक समा बोबेरफरक।

हीवरवर्ग श्रेट्ड मश्यक जानिवारक याव-তীর সম্ভান্ত লোক ক্লেম্ডো নবন্ধ হইতে লগ রিবাংর প্রস্থাত করিভেত্তের। বিজোতের সম্পূর্ব স্ত'হন। পিকিনে কোন গোলখোন নাই। इन्डमी नायक व शासनी व्यक्तिकरन व्यक्तिहाँ করিবাছিল, ভাষার কৃষ্ণ বিধ্যার বেয়ার বহু-

क्यमीयरक वश्र क्यियाहिन । भावतिक विशेषाः नाम अविष्ठात आयुर एक ना । किक तार्वे ना है काम्यामद कि पर्म १

শ্ৰদান দেবাপতি একৰে নানা স্থান जन्म कतिशा जिनामित्यदं करका एनन कति-তেছেন। তিনি শীল্ল বাঁশীতে প্ৰমন করি-

शतिवर्षक मण्यानक वर्णन, *द*िनिएङ्कि कारकरक्षत्र बाक्ष का काबात् खाँचेन कामागिक शरम बीयुक्त इस्तामन कही। गि, विजीव शरम ব্ৰাজ্ঞক ৰশ্যোপাধার নিরোজিত ইইরা-ছেন। আমর। ৫ শবা করিয়াছিলাম ভাষা

१ के लोग हरू अधिवाद

बाउदादि बादमत आद्रदेश व्यक्तिन १ १-गांख (त्रहेन-एटब पुनिटव। ज्यांब २२॥ क्यांच **इहेटन जानांश्याम ज्यांध विज्ञी भवाद दाहे** नश्दर्भ रहा। यनि २०७० (१८१६ यह १४) छ ৰম্নার দেতু প্রস্তুত হয়, মাগাৰি পুজার সম-रत्र जात्मरक स्वकृति विकिष्ठ वर्षेत्रा विजीएक नाभिएड शौद्धिरन ।

লেণ্টনতী মাকলিন বিকুছুলক 🖟 নামক এক অন ভুত পূৰ্ব বিদ্ৰোহী ও হড়্যাকা-तित्व पात्र बतादत युष्ठ कतितादहन । ये वा क्षि योजनम नाद्यवटक वंध कब्रिवाहिल

बराहा है है सुर्धाकान बरमन, अक सन ताचन हेरताथ शहेरणाइम। अयविष पृष्ठीश्र নিভান্ত আৰ্শ্যক।

পুরাক্ষরমারবর বলের জেনিও সাত্র নামক যে ইছদি পুনাতে একটি চিকিৎসালয় क्षिद्कटकन. चिक्क अक्षे वेक्षिविन्दिरात क्या ६० ०० होका विद्यादकतः

माञ्चाक ठावेवन बदनम, नाटनहबन्न ला-(क्या अक्षि हैं स्वयंद्ध कतियात सना अके त्का ण्यांकि कविएवम । वक्रप्तथीवकि मैंब अवस्वत अविधि महि (सम ?

बोक्साटब बकाबके राजाई: बाँबाह कर चानिहार्ष्ट् । खबाहा नीय बाबा व्यक्ति तर्ग नाक्षेत्रकेश बारक । जास्यक्रियोष के देशनत्त्र **建设设计划的 电影中心影,但中心的地位中间的**

मार्क्स काकारक्त ल्यारकती क्यान में केंग्रे ब्रा केन्द्रीय विमीतिय प्रांभिक कत्रियात खेळाव कहारक लाग्रेमचे शदश्व विद्यादन जनाने त विभागम क स फालिए बहेरव मा श्रवनंदन-ने देकरम 'आञ्चक्या स्तिद्वम अहे माळा जन का धारमध्य कान मानुकृता क्षेत्रा धारातिक कतिया हेडेनि एड मसायमा माहे।

फुर्लाहरूद्र दिशम श्रीव द्वारका हैहाँ मा या-হশার **আরম্ভ করিয়াচে**ন। **ঐ সঙ্গে আযকা**-वी अध्यक्त प्रति !

নিৰু লিখিত টাকার নোট প্রচলিত হুই 4.3TE

> AC IN त्मक्ष दोगम् त्मित ग्रांसा कथा विकास 我的人物的人 即外 即 山田 * क्षिकां छ। अदिक क्षांतिक श्रीका

वक्रवानीय नवनिक अंदोर्क कि गाउँ वर्तक নিয় লি খত কর্মচারিলখ ১ প্রথান ইঞ্চিনির্দ্ধ ७ अनिहरूकेकिर देशियपुत्र अध्य स्थानी

व प्रकाशिक्षिय है विवृद्ध नारवाद्य स्वयोद्धका स्थान केवियारयम राम **जान कार्य समझेत्रे आहा कात्र कियोग १**न दिया ७ न्यानम् न्युकारकः क्रियुरम् ध्वतिष् चयान ग्रीमिर को न्या **विद्या**त के विद्यालया है। जिल्ला है। जिल क्षि देशीहे स्वेत्रकाः क्षीबीट उपलब्धः वरिया

वर्षेत्राधि । ''व्यक्तिताटमता' द्वारोडते छ दिवेटवे রবিরাইছ। পারুস্য দেশবিত সধ্যাধ্রী ইং. श्रीम प्रेडिं असि अन्नाधनार्थ (स्त्राटेड सानि

मोसीरेक्स अक्षांनि मरनाम मरेख पृष्टे स्क 'শ জিবাঞ্চরর স্থাক। তথার বিশেষ স্থানটের महिल वृशेष बहेबाट्यन । बाबट्यक मार्ट्स्स व्यवनार्थ ১०,००० हे.कः हैं कः व्यक्तिय बहेशा-ছে। লাভ কানিও ও চরিদের ভাগ্যে কি ব্রুক্ত

शवर्षाव के का कित्र के किए के চ। जेवा बक्खरन गाँडेरन खिन्हों गाउँ हत कार्कार भाव के के नरहर का कि कारन अब के कि नारन के ति য় লইভে পারিবেন বে স্বল চিহ্নিত কর্মচারী **ওটাকা করিয়া প্রভা**হ পাইরা বাকেন তাঁহ। রা বেক্ষাবত এতি ফোশে চার্বি আন[,] লইডে পারিবেন। বাহাটিগের অধিক বার মকত্বলে । वार्टेटल एक फाराजिटशक महीत ए क्यों केन त्या भर्टक है अविधा

रेश्मकीय भवन्द्रमके कांत्रमदनाबादका हीन দেশীর সরাটের সায়ত। করিভেছেন। ইং-লিস্মনি ৰলেন ২২ গণিত পাক সেনা মন **কলিকান্তা**র আসিবার সমরে[°]চীন বৈস্কা দিগ त्क भा:शमानिद्रभव अञ्च निश्ची भागित्रादर्क । क्राक केन हैं स्त्राज आक्रिय है। न त्रिशटक ত্তশিক্ষা দিতেয়েন 🕟 এক ক্ষ্মী ক্ষা মরিকান मजार्केन धार्मन रमना के स्वैत्रिक्त ।

মধ্য ভারতবর্ষের নর ভত্তি পত্তিত कृषि विजन्त कतिवान ।वंशि असम कनि. विद्यान । कान का नदम्य । ०००० काषाम या १००० अकात द्योश्मित्त विकृति सहैत्व। শ্ৰেডি একার উৰ্দাংখ্য আড়াই টাকা ও ছান |-সংখ্য এক টাকায় বিক্রীত হইবে। মুখ্য ছাত্রত: বর্ষের সাজ অংগের একাংশ দান্ত কবিত জা-ছে। আৰৱা দেখিব পজিত, ভূপ পাইরা म मा वनिया क्षितिकि क्षितीश त्य सुद्ध क्षिती. ह्म त्म दब र्थ फार्च्या मह हादूसम् केन्द्रके दि ब्रक्त कहिनाम निविद्ध ।

বৰিক সম্ভোৱার সম্ভাক্তি পুনৰ্যাত্ত ১০ केल बारकगारबरहरू मक्कुकिरंगर मुख्यानान कता स्थार्थे **क्षिश्चाद्य**म 🗥

" नेवान वर्षिक्त जाक" कडियार

PRESIDENT

विष्यादिक कावा वि কি আৰম্ভ আক্ৰাক্তিক হাঁকুৰে व्कारप्रदेश अवनः चार्यमापिरोहे কৰিয় বুৰিবভৱেন। সম্ৰোক্তি সভাই ট্ৰ কারের প্রবাব হট্ড ছিল সকলে জান प्रदेशांच्य कतिहार्यस्य । यश्चर्यस्य । e ভাজনিতীক বাহৈছে ইবার <mark>জাবন</mark> चीकांत्र कृष्टिपादक्त, फ्राट्ट 🚁 विवस्कृ क्याद निकृष परेटलट्ट द्वार है

" - कि.निक्त बद्दान द्वांशाहेरवृद्धः हरेशा वा चार्निश चार्शश विद्या चारिए व शुरू भगे छ या जी है, में हैं है कि यक विशय नाहे, उदन छेक्ट ब्रीम खर्रान র কারণ কি ?

मधरनत्र पूर्वाच्या द्वारेयानद्वा न शहरू । भीक्ष बाज्जीय अस्ति इतिहेंहैं मर्पा चटाराई चारवीन (इ.स.) क् चना बदलांबच्छ बहेगारक, श्रा : न्याप्रिक्ति रकाम कड बहुद्द मा । शिक्षा

रबाटगांक स्रोम देखक्षेत्रीम्बाब किरदब दर्ग चारे महत्व हिन्दि भागनेते भनात्रक अ कुरू वास्तरक्ष्मीकृषिवरक भ भावित 'दणकारा ब्रांक अकटाब किलिया हरान । जरम है १३ स क्षेत्रकारीय अभिक्रिक्षा निकटी वर्ष हावि हिं वर्षा क्षक्ष कर्मानी इत कथन जरवांच गर ক্রীছিনিকে লাগি নিতে ভারত করেন > স इंदर्ड दिविक शब्दामक मान्नतिम देखाटक कि क्षित्र विकास सामा स्थानिक काली अंदर्भ आवात जिनि वनि वाशना स्ट्रण कं क्षिको जानाहरू बनिया धीकाह अ स्था द्यापन े वा क्रांबन छाहा रहेरल छंशत नाज क्ली হইবে। রাজগকভার সম্পাদক বলিলেন, তিনি বাহা লিখিয়াছেন লো নর্দার সভ্য কিন্ত তিনি যে মেপীর কথা বলিয়াছেন হল্পে। যাক্লিন সাহেনকে প্রণমা করেন নাই। চাই

ध्दे लीव भनिवाद्वः

গবর্ণমেন জাঁগরা হইতে করেক জন ছশিক্ষিত মুরজিকে জালিপুরে জানিবার জন্য নেনাদিকের বঙ্গের জজাবধারককে ৪০০০ টাকা দিরাছেন।

বে সক্ল পঞ্চাবী সেনা চীনদেশে হত হয়
এবং ধাহারা ভত্রত্য কারাগার হইতে মুক্ত
হইরা আসিরাহে ভাহাদিগের পরি নব গণের সাহায্যার্থ ভারতবর্ষীর গবর্গনেন্ট পঞাব
গবর্গনেন্টকে ১,২০,০০০ টাকা দিতে স লরাহেন।

श्रीत्व क्यां जित्र दित शृह्य क्षताट श्रीत्व इ वेडिवार्ड व्यक्तिक कारमस्य छ९णरङ्ग द्धाः जितिक व्यक्तिकः

নোনেনিন্ত তেমপাল ঘটত বিষয়
লাইয়া ক্ষেম্প প্ৰিক্তর গোলগোগ উপ
ভিত হইছেছে। বোহাই গেলেটের সম্পামক্রে নিষ্ঠ এক ব্যক্তি ১০০ টাকা
প্রনা করিয়া ক্ষেম্প কর্মা দিয়াছেন
ইংরাল ও অফ্রেল্টার বাবতীয় বলিক
ভাতার ভলে আমিক টাকা দিয়া ভাগ
টাকা নিবাটনা দেন টিভিন্নি বনিরাছেন,
আগানি নেইন ভাতাতে বে সক্ষা টাক্রার
বাকা আনিবে ভাবা পুলিবেই নেপ্তা বাইবে,

होनाम फोरणका वास्क करिक होका कार्य विक हेग मा दश्न, खाद्याहरूस खिल छड्छा व विक मध्यमाद्वतः विकाह के होना हादिर्वम ध्वर खाद्या नार्यमाद्वत्त्वत्र माद्यपार्थ थ्यति खर छहर । विविक मध्यमात्र विक जानगानि रक्षत सामकानम् कन्निक होर्ट्य के कण वा अ साथिया जाक्यसाय कानम कन्नन ।

किनिक्य श्रा वर्तमः नाष्टं क्राधिन सत्त्रवादत्रत श्रूर्कं क्षण्टममोष्ट वाष्टः छ सक्तात्रविशयक श्राह्म क्षण्डियाद्वनः। छी-स्ति जन्म महस्त्र वाह्मा खाह्यन, भवर्गत स्वादाक्रमा क्षण्डिया क्षण्डिया

ভারতবর্ষীর ব্যবস্থাপক সভা।

তথা পৌৰ ৰুখবার

ক্ষিলেক্ট কমিট সভার কার্যা প্রধানী সংশোল কালেক্ট থন করিবার বিষয়ে রিপোর্ট করিয়াছেন, সভা ক্ষা হকু
পতি ভাষা অর্থান করিবার প্রস্থান করিয়াবল বিষয়ের অন্তান করিয়াবল বিষয়ের স্থানি ভাল প্রভিত্ত করিছেলন, এই জ্বানা স্থান আলি নিজেন করি ভাল করিবার আলি নিজেন করি ভাল করিবার আলি নিজেন করিবার করিবার আলি নিজেন করিবার করিবার বিষয়ের করিবার বিবার বিবার করিবার ক

মেইন গাছেৰ করার ভত্তের বিচলর অভি
কিলেক্ট কমিটিছে বিপোর্ট অদান কবিলেন।
ভিনি আরওকুলুধানত্ত্ব বিচারালয়ে উইটালের বরচ লইকার বিধি ১৮৬৩ অব্দেহ ২১৪
ফুলাই পর্যায় বিধিবার অন্য এক বিল অর্থন
করিলের। বিশিক্ষারক নিজাপুর অভৃতিতে
বিউনিনিশ্র করিলে

श्रातिर्केन महर्षः विश्वनीत पृथीवानिक-राजत विश्वास क स्वाब- हो स्वादेन मश्रानाथम विश्वन होरे दिल स्वर्णन स्विद्यनमः

ে ইউরোপীর সমাচার।

महम १० है बरवात । जिस्स अव उरस्म राज्यमा विवरण वावजीत साविनात जेल गर्म शाहेतारहर । कताची ववर्रमाने सारमित्रमात प्र हत गांग कांस सहित्रीह त्य अकाव करत न देखा अ समीपा कांसी सात्रीत कित्र रहन । सारमित्रमात सामाना र्लामित्रभात सम्बद्धा हाँस विवारह । विके देशक अरम्भ के १९ सम म जिस आहित्य शाहीति परमामित विकारमान विव सत्र रमारम सम्बद्धा सम्बद्धा होत्र स्वारम्भ विव सत्र रमारम सम्बद्धा शाहीति विकारमान विव मा रम्मिक्टियम शाहीति स्वारमान विकेश स्वारमा

मध्य २०व मरनष्ट्रः। वाक्षित्रकः क्षेत्रं मध्य ।
मध्य २०व मरनष्ट्रः। वाक्षित्रकः लेकपूर्णः
हरेषारष्ट्रम ७ वस्त्रमारेण एक्षेत्र लेकपूर्णः
हरेषारष्ट्रम । वेशरण लाह्य प्रतिकारिक वेशरणः। वाक्षियरकेष लेकप्रकारिक व्याप्ति विद्यानिक विद्यानिक

্ গ্ৰণ্ডেন্ট বিজ্ঞাপন। বাৰণ দেশীয় লেগ্টেন্ট ন্বৰ্দ্ধের আদেশাসুসাধী নিয়েশি।

২বা ডিগেবর—বার সভের ডেপুটি মাজ ট্রেট ও জেপুট কালেটর বার অভ্যচরণ মালিক চামেশপরগুলুর সমরতেদনে বদলী ভইরাছেন অরং ডিনি, কলিকালার ডেপুটি কালেটবের ক্ষমতা পাইরাছেন।

১০ই जिल्लाइ—नि, नि, खिनम नीबक्ट्रायत कानिका के मांबारके छ कारम छेत हरेरवन अनर को अमांति कारेरमत (১৮৬) कान्य अर्थ का-हेन) १२ थाड़ा हमारत के अर्थ कान्य किलोब स्थानि कारीन मांबारके रहेत कामणा माहे-रन।

त्य, उद्योगानी वत्नावद्यत जानिकानी मून् वित्यू है क कार्नकेत व देश्यम क्षर कोव्याही जादेश्य (১৮-७) करकत २० जादेश) २२ था-ताज्ञाद विकीक्ष्य क्ष्यमित ज्ञाकित्यू -देश क्ष्यका नादेश्या।

नावावादमत अखिनिवि (७९०० सामित्कृष्टे के एकपूष्टि कारमकेत बाद्य बद्दमानी (नश्य क्लीक-माती कारेटमत (১৮-७) कारमत १८ कार्येन) १२ भाताकृतादत के आस्मार अवस (छानीत किसीस माकिटकेटकेंद्र कारको गारिटमन।

क्षि, अस्त्राम सम्पद्धि व्यक्तियाँ व्यक्तिका जानिमद्भ वर्षसम

 क बाबेस पाश्चमहा जिल्हा । किन्छे वदम्यनिश्च pie , खनन शृह के वाब्द्रवटक रक्षणि कारन ^{ভি}ষ্ঠের সম্পূর্ণ ক্ষান্তা প্রাপ্ত ব ইংগন।

 क्ष्म क्ष्म क्ष्म अपने क्ष्म शिवित अभिका के अवस्त्र बहेरवन

लासन बन देवि कि कश्चिति कम्मा निष्क बना টিমি, कुलकि बाँडे नकत विषया शकिनिधि काशाक इदेश्वन ।

क्रमान्द्रवा **क्रिपे**चे माक्रिकेचे अ क्रिप् कर्मक्रेर मोनदी बाजाइ छेल एक वाकद्रशस्त्र रहित परेशार्यम । जिमि के अरमान पानिकोटिय সংস্**ৰ ক্ষমতাভূমান্ত কাৰ্যা করিবেন**।

বাৰুরগপ্তের তেপুট মাজিট্টে ও ভেপুটি পের মিউনিদিপ্ল কমিটিন দভা ছইবেনঃ---কালেইর বাসু প্রভাপত্ত চটোপাধান চম্পা-ब्राव्य प्रमुख्य प्रवेशायाम् । जिन्न जे शास्त्र को कर्माती आहित्यत (১৮ ৬) अट्यून २८ आहित) । त्रायण त्रतः स्वाय निवृत्त आखि आलि थे। । वि ेर धारास्त्रपारत के शामान श्रामा क्षापीर प्रस्त ভিনেট মাজিটেটের ক্ষমত পাইবেন।

खपूर्णि माजित्रे हे ७ ८५ पू है कालकेत स्मो∙ लवी मृत्रीम छन्नेन छ। हान्यस दनवात नर्ज छ वि-শ্রীনের ভার প্রাপ্ত কইয়াছেন । তিনি নদীয়ার माक्रिक्ट्रिटिय माभून क्षम ए नाहे न्वत ।

नात्मधात्रत्र चारममत्र ७ एउन्नी कात्मकेत्र नाष्ट्रमाह्य । य यू क्रोक्सविद्यांत्री शांक ल हरम्स्य ५५०७ कर क्षित्र व्यक्ति चल्लादि (ए पूर्वि काटनकेंद्र वहे-বেন।

किर्दाक्षण देव एक्पि या कर्ये है व रहत्यि क, रमकेन (मोनवी जावज्ञान शकांत इ। अपृति व-मिन् इडेब्राट्स अवर (को अव नी जाहित्वत २२ भागाश्चराद्ध से श्रामाण श्राम व्याप्ति नवः ডি নেট মালিটেট্টেল ক্ষমতা এণার ছইছা-(इस

পাৰনায় ভেপুট মাজিক্টেট ও ভেপুট কা लिकेर बोह् भूर्यक्का बदलाहालागा वाक्रमध्य दम्भि इडेम्रारक्ष्य । जिलि वे धामान गानि-**्रेटिय मन्मृत् कामका माहिर्यम ।**

নগোরার ভেপুট বাজিউট ও ডেগুট কা-लिक्केंब द्योगरी खत्राजिक छेवीन भारत प्र वनगी व्हेबारक्ष । फिलि के आस्ट्राम कोजमार्थ काहे-त्मव २२ श्रा**त्राञ्चनारत्र अध्यय द्व्यकीत** सर्वार्णात्मणे माजिरमेद्रदेश क्षाप्रकाशुमाद्य कार्या कति वन ।

नि, अक, घटले तम ह सम्मानतानांत्र माजि-्कृति अवर् १७० आक्षीका आनिश्व कालाव स्थानिकोद्धिक्रिक शह व्यास स्वेताहरून । · भेता विदेशकेष--विश्व शिविष शक्ति शेर- ভান্ন, নিউনিলিগল কমিটির সভা ছইবেনঃ---रक्षिगारमत क्षित्रगत अल्लान्ड ।

श्वकात शक्तिक अविक अविकास সৰভাৰ, আপান আপান পদ পুনারে ৷

थि कि निवेश ; कि : ३5 ग्लिस , निक्स मा-खाखन (क' के बार्ष अब' फि' मासिकल का- किनिकल, कम के शर्ष . एडे लग्न के कार्र , च न ध्यम बर्ध्यम, (का, धम, (मम) ७ धरतन म!एव-रववा , अवर बांबू व'क्रामध्य बस्, शांशांगहळा চৌধুরী, ও ক্ষেত্রশাহর মির।

> ৮ই ডিলেখন- বাবু কাশীনাথ পাণ্ডিড ১৬ই मद्दब्द खर्द्ध जिल्लाक खाटामह ब्हेब्राइस्स।

> ৯ই ডিংসছন - নিম্ন বেখিত বাজিরা ১৮৫৬ व्यक्त २० व्यक्ति अव्भाग्य राक्त्राकी विछा-

अवशिक्ष राजः

शव ,द क्लानदालय अध्यक्ति द्वांकः आगन्न ना-कर्नलिक डेमियम मार्टक्स, व मुध्यमाल मिश्ह ष्ट्रगंड , अवंदिन क्वन्याहरू । क्वि क्रमाह सीय श्रमाण्यमध्य दशको वि ।

वश्यमश्च ।

ৰাবু পুলিন বিহু'নী সেন .

উক্ত স্থানের এডিনিখি সেনাপতি স্থীয় প-

यक्षीय ।

थ थन के बार्षे , थम थम जार्खिन मारहरदत्रां , । लाहिनात मखात मखा बहेदनत । वांबू वदलाल मि इ. मृङ्क्षित्र एकवर्की, ब्लिमि ংগজস সাহেব স্থীর পদাতুসালে সেকেটারি।

এह, हे, यभ ও बाबू प्रश्लेषां<u>त्र</u> व्यक्तम क्रांमध्य (बाग्ना नक्रा।

ষাৰু নাৰায়ণ প্ৰসাদ দেন। मह्मश्राप्त मुक्ति वनिक्ति नवच्याः। শাবনা

(इडि जाक्तांलाउद कक , बाबू श्वीननांवाकन बाब, कोलाहाँ म अधिकाशी, साम उच्च भाषा; গুরুপ্রাদ লাছ: , ত্রজনাথ লাছা ও হরনাথ সাহা!

क्यांत्रशंभी।

ভোট আদালতের জন্ম পি প্রেক্টো সাধে-र, बाबू कित रहक मञ्चमातः वरणीयतः तमः 📢 महन्यास्य म्लूमहात्।

CRTTTH

्राष्ट्रभाषां जटा करू चात्र. ४४, श्रामि तो-হেৰ, এয়ে লালটায় ও ললিভবোষন এই বি-होशे छन् गड २८० जिन्ह से वि CE CE

· PIEBLE

द्रिकामानाउत्र एक । क्रूबांब क्रूबांब त्रात कोषुत्री मस्यान चाल्यु ची। ^{श्री}ार्ज ৃ

নিয় কিখিত কর্মচায়িয়া আশন্ অঞ্চিক্ धनाकार मध्या चीव चीव तताबुबादस क्रिक्ट সকল ক্ষিটিয় সন্তা ষ্ট্রেমঃ---

ক্ষিসলয় : এক্ষিকুটিৰ ইঞ্জিবিয়ন্ত্ৰ 🐞 বিশিক্ষ সৰজন : বাজিইটুট খীয় পদাস্পারে সভাবেছি

>•वे डिटमबन---थः, a. शांदकीम अध्देव कहें a ক্লেব নিবিল আসিটান্ট সরক্ষম ছইংবন

নদীয়ার অভিনিধি ভেপুটি ছালেট্র কাবু গোপাল্ডজ নেন বলোগরে বছলী চউল্লা ভলজা अफ़िलि क्षिममध्यय क्ष्मीटम कर्च क्षिट्रक अवर क्लोक्साँब का हैरनत २२ बाबाह्यमारत है। ার জেনার অধীন নাজিক্টেটের ক্ষমতা পা-

ऽ२ हे जिल्लाबह----एक, जि. जिला**एक व्यक्ति**- ^-পুৰেৰ প্ৰতিনিধি সৰ জেপুটি অভিক্ষেত্ৰতা

্১৩ই ভিনেম্র---ই এচ, লবিংটন প্রয়ের रक्षामधीय भवर्षस्थित कारकनेन्द्रि बहुद्द्य ।

टक, नि, एक्नन ७ जन**िक्री, शिरक्**जन श्रीर ८४८ र इ. मध्यमा मिर्देश का का किए के मिलिय में

नियमिथिक क्या क्याक्स्या वर्ष्ट्रवादमञ्जू अतःशां उ ठकियोत सात्रका विकिथनामय हा-

वर्षमात्मकु सम्बद्धि अञ्चलित । वर्षभारतय निविध आमिका व महामा

বাৰু মুখ্যবনচন্দ্ৰ মান ; ছবেকলিন, পঞ্জি, मेथंबहत्त विशानांश्य, बांबू बिताम् इंडेड्रांश्व:-थाति, ७ दिवातिमार्थ स्मन । इक्लिकी विकार-मरम् अथान निक्यः विश्व नाम्याकामान वाष्ट्र महा । क्रिक्किंकिं।

त्ववारकत रखक्ति का किर्देश के **रक्ति** के रमहेत स्थान्ये व्यक्तान कार्यक निष्ट पिरानत निविध मान्यूय दल्लाह नीमा निर्देशक मना नह त्व क्रिशाहरमञ्जू वयनी बुहेशा 3 करर आस्पत १ चारिन ६ अन्यानसङ्ख्या ॥ चारिन चल्यारम হাজারিবার, লেংছাবডাজা, সিণ্ডুম, বীরভুষ ख व क्रिकृष्टि कारशहरणत मन्त्र क्रमकः लाहे-(43) (S.

३७६ जित्रवह--छानलपुत्र विकास ଓ मानून ভাল প্রগণার তাতি নবি কমিনন্দ ভটাস্থিত आंद्रश्य मि, दि, উक्त शारतब मन्त्र क्रिसम्ब्रे RECENT!

भक्टशहरकड़ क्षेत्रि !

অ'নরা সন্তিলের অনুসন্ধান না করিরা প্রনার রামসুন্দর রাবের পত্র প্রকাশ করি .च পार्विमान मा।

কান্দির অন্তঃপাড়ী গোপীনাথ পুর পর-গল পটবা ৰেহিদি আলি খাঁয় সহিত নবাৰ ংভিষের বে বিবাদ দালা ও ডগ্মুলক আড 🛎 চাৰ হ**ইডেচ্ছে অহুষ্টিত প্ৰেরিত গত্ত** এইনি प्रश्व अकर्त ७ क्षर्य छात्रात्र निविध इंडेक्क श्राह थ छारा कान क्रायरे ध्रकान बागा লোব হইল না।

ছাডিরা কান্দির পর ঐকাশ ₹রিলে জ্ঞার শত্র প্রের্দের সহিত কেবল বিবাদ मन्द्र बहेदब ।

र्णाश्वतिक पर्श्वारमधी कान अक उत्तारक ্বাক্তা করিয়া ব্রাক্তালিগতে গালি থিয়াছেন। এই 🏰 ূ ভাঁচার পত্র পরিভাক্ত হইল। সোমগ্রহাশ कंड उ देवड्रिनिशीखन यज्ञ नटक् ।

এনণ্ডাব্রী চাপরাসীর নাবে উপরে এক 🖈 নি অ:বেছন 🗫 কেবল তাহার নর আর कारात ज्याम बाचन नहेवात जान भारक, ভাষার **প্রভীকার মই**বে ।

'ক্যাচিৎ ক্রল্যোতি গ দাকরিত পত্র প্র কাশ করাগেল না। ইহাতে ইনক্ষটাকা সংগ্র ক্লারের অভ্যাচারের কথা লিখিতে আছে। এ পুরাণ সম্বাদ।

রোসনা নিবাসির পত্র জত্যন্তদীর্থ বলিয়া পরিভাক্ত হইল।

প্রেরিত

মালাৰর শ্রীযুক্ত মোমপ্রকাপ সম্পাদক महामग्न मभीत्मय ।

वक मात्रवीय श्रमात खतकारम नामा स्टान আৰশ করিয়া পশ্চাৎ জেল, নদীয়ার অন্তঃপাভি खेला अहिन्द्र गरांगांत्री क्रांति ह प्रदेशका दिन्दिङ शिक्ष हिलान । मरानाही बना जागीत थीत छत्त क्षेत्रम् भक्षभक्ष् अस्ति लाक भूता ७ रताहरू . ক**ইবাছে: হে অন্ত কংকাইলোক আ**ছে, ভাষাসা बार क्रिक कावितक्राचा (कार्ये सकता मानारव वा-भाव दा का बंबन केंद्री केंद्रीन एक्नाम, उपन আমার শেকিলিয় কিছুলিট চইরা উঠিল। आवधानि पाकि उपने देशके वेद्यम शृद्ध देश रेर जीयम ७ आवरिक धूर्व दिल, अर्जुर्करक

ভাষাৰ বিলক্ষণ এলাৰ পাইলান অভ্যান্ निक्ति। ति नक्ष्य वः शक्ष नक्ष्य वत्र (नः कत्र नम তি ছিল। রাজপ্ৰের জঞ্জ চেৰিয়া বোধ হটল পুর্বেটিয়া **অন্তি** পরিয়াত ভান ছিল: किन्न धकरण हाजू किन कवरन भी तभून कहेरा. ह । इंडर इंडर व है। मकल शक्ति इंडर उर्द (कान सारन पूरे हाति सन बसूबा बनिया आहर । जश-রাপৰ আমে অবেশ করিলে কলুণ কুলে কুল वालक वालिकाशस्त्र कीष्टांत छेलात प्राचिद्ध পাঁওছা বাছ ভাষা এই প্রাংসন কুরাপি দে'খতে পাৰিলাৰ না। ভাষাতে যান সু: ধ হইতে লা-গিল। এক শ্বামে প্রায় ৫০/ বিঘা পরিমিত এক-টী বেরা স্থানের দ্বা কইতে কোন প্রাচীন ৰশবিশালী ব্যক্তিৰ পুৰ,ডম অউ লকাৰ ভিড়ি म्ल रेखेंडन् रिकाम रिवेनल्या कि! नावि कर्नुक ! উৎপাটিত চটংতছে। তাগার স্বান্ন স্থানে অ ড়াফ নবরত্র শঞ্চরত্র শহুডি পূর্ব্ব সমৃত্তির পবি-চর দিতেছে। এই বাটার ভিভিম্নের চিহ্ন ख व्यवनिष्ठे ज्ञःभ मकल ध्वित्रा व्यक्ति वित्रश পঞ্জিলাম। অবশেষে লঃৰ সংয় করিতে না পা तियां भाषांत्र काफ नियां कम्मम कविटक ना -লাম ৷ এমত সমরে কোন ভজ সন্তান আনাকে क्रमारमङ कार्य जिल्लामः क्रियममा धार्माङ श्रपुष्डित व्यवस्य जिमि ब्याबादक " प्राथ प्रदेश-बरे विवयं बट्टे, कान्तिवाय हे विवयं बट्टे " बिल्या বৰেউ দাধুৰাদ অদান করিরা ভাষার পরিচয় ক্ষিকান। করিলে ভাঁহার সভিত আলাপ ভইল। प्रिचित्रह कार्शन महीय चात्र चात्र नीर्व इके बाद्ध । अन्न ७ राष्ट्रवय कीन, उन्नर की उ ७ जून मधन कालिहाटड आक्षत प्रदेशीट्य। खीरार নিক্ট আবের প্রকা সৌভাগোর ও বর্তমান ब्रुव्यात स्थान कथः एकिया । एकिया सा-मात्र श्रमत्र विशेषि वहेरक लाभिन। अब क्राप्त (बना अक्टी कविष महार भवास आरवन प्रांकर পূর্মা ও উত্তর ভাগ ধর্ণন করিয়া পূর্বা ভাগে विक्री व देशाय। शुक्त ७ रशम अब प्रारम किङ् मन बाब बुके बहेन । हंजू क्रिया चलीनिकां, छ यथा जान मिन्ना धार्माना त्रांखा। इति हरन देव-টক্ষানার লোক গদ্ গুড় করিভেছে। **ছেবির**-বিছু সালন দহিল। জিলানা ছারা জাত হইলা-म के कांत्रित सांकी अकरन ब्राटकत मटका श्रामा धनी। धीरात समीपाती, विषय, विख्य बाह्मक चारकः। अभिनाम त्यके वाहि वहेरछ ७६ सम लाक कामाहीएक किमके करेबारक्य । शहर साम गविकान केविका किन्न इक्टब्ल्युक्तिकरूव बीविक

कतिएउ कतिएक गाँच बर्धा हिन्दिलाम कछक-ষ্টাৰ। এক প্ৰকার নিজ্যন্ত ক্ষিলাম পূৰ্ণ্ডে ইগাড়ে 🕽 গুলি কর সন্ত'ন কোন সভায় প্ৰনান কৰিছে 🚉-म । कामिनाम व्यंदन विवन द्वान मध्य अक्ट्री উৰ্থ। সহ স্থাপন করিবার উল্লেখ ভাঁচার। এক मछ। कविरवन । आमि श्वित्रा छी। विश्वक কৰিলাম ৰে এও জিন এখানে ঔষধালয় হঃ নাই क्ष्म । जीवारी कविरामन, अंक विरामन विश्वन এখনি ভরানত ছিল ও ভক্ষরা জামরা জাপন ष्यांशन वहेता। ध उदे वाख दिलाम, य उत्रशालक कि धक कम कविवाध छाक्षेत्रा छिकिएम। क-गर्डियात अरकाम काम गाउदा श्रांच नाडे। अक-त्व महायांती सन अवन एकानदम् किष्टू नावि प्रवेश'रक्, कांकाद्र**क्षेत्र वांगत्र। गारम**त मधना'र्थ अउ मि नव शत जेरकाशी कडेर इक्टि। आउरश्व তাঁহাৰা আমাৰ পৰিচয় জিলামা কৰিয়া জাহাা-न करितल कामि छोडाय महभव महभ मिडी-य भवन कतिकाय। ऐ क ग्राध्यत इस्ताकी प्रकान-त्रविद्यात वाजित १ **के अछ। इंडेल**ा मुखाकी मन श्रीमामिद्धत माय कामान शृद्ध छना हिन। ्यात्र (नहे श्विवाद्वतः काम काम महानात्रद সহিত আলাপ হওর'র অভিশয় আনক্ষিত • हे मांभ ।

> সন্ধাৰ পর ৭ ঘনীর সময় সভা আরম্ভ ছই-न। किन के का महान श्रवान गान लिविन्दर महत्त्वाधन कतिया मछात्र डे:स्ना मध-च्च बरू रख्युछ। कडिएमम 'उ**०**गद्ध श्रीका श्रू-क्विवचा ७ वर्डमान ध्यवद्। विवयम अस्मीर्च भवस भाउ कतिस्मत । एश्माद स्मान्य वक राक्ति धक रख्युकः करिराम्म। अरामस्य महाद कार्यात्र विवत्रण ७ दिश्रमाति लिभि वस्तु सके-লে পর রাতি ৮ ঘটিকার সময় সভা ওক চইল। वरे मठात कांचा क्रिया चामात्र महम चाडान चास्तारमत नकात इटेन । देवारक व्य नकन पुन-क उनिविध हिटलन डीडाइर जारानातरम्ब मः यज्ञ खनिक करिएक्क्षेत्राहित्य औरवश शहरवाश-कांब्र ६वेटवक ।

আমি যে নকল সহাপত্তের সন্থিত সভার দিন प्राद्यमाम जीवाता आमारक महामदात महिड टम हाजि की शहसिटभन्न वामिटक महेबा दगरमन, अवर कावाब आर्थना अध्य हेक्क व कुछारी का-मार्क चानिया दिला चानि क्रांशेष अर शिंड लिथि नरेनान। जातांत्र और जुन्न ह्वाड नरा-नरबद्ध समुना महान शब्द अकानिक रहेरन **गर्जार परामाप्तर निष्के हैं , प्रश्नुका शाहिर है** कर्षा नाउँ कश्चिम अस्तिम अपनित्र अन्यन- व-THE WALL RESIDENCE IN THE PROPERTY OF AL-

कात प्रत्यको (त विकास क्षांका जावार क्ष्मिनी श्रिकेश देनवे प्रतिराध भारत में। कामा कर्म महानंत प्रमुख सूर्यन का हि और गर्व याति ্ৰালিৰ কৰিব। জানীকৈ ভিত্তৰাৰিত কৰিব নে 🕽 3 ft 1

र दियांग ७६६ चार्मामन K# 55

প্রিযুক্ত নোমগ্রকাশ সম্পাদক वहानंत्र नवीटनेषु ।

মকস্বলের ছেটি লাখালত !

वियोग्न व्यथात बहे चक्रिया विश्वासम क्र लिक बरेशाटक, आह तम मधुनादत्रहरे द्यांत्यह কথা শুনিতে পাওয়া খার। ইহার ভিনটি কারণ প্লাছে। এখ. বিচাৰপতিগণের পীন্ত শীন্ত দি-ল্পত্তি করিবার প্রবল ইচ্ছা,**ছিত্তী**র,বিচারপতি-গ্ৰেষ ক্ষৰে অনেত কাৰ্য্যে ভাষ সৰ্বৰ্ণত ঘই-য়াছে, প্রতিদিনের অপরিবিত পরিশ্রমে তাঁ-इ'निरम्य किरलब विद्वाबारवह जिल्लाका करेंद्रा › ন, প্রভরাং অভির চিত্তের নিকট কিরপে দ্ভিচায়ের প্রজালা হয়। বাইকে পারে ? তথা-পি যে লে বিচাবপতিব অধিকাণৰ বহিচার বার: লামাদিবের জ্ঞতিমূদ প্রতিষ্ট হয়, জা क'र्या कारणाके वयोर्व धमानाः मह त्यामा शाह । कृतीकः (इ.हे आधामाज्य क्र मिण्येवित है ्राद्य आशीस मा बाकारङ सरमक्रामक विष्ठार-<: তি अभिरण वस्त्र अकडे मत्नारगांशी हरवन मा। छात्र) छात्रा स्वत्रमात्र निरम्ब बीटनास्य।शी स्वेतात भाशवार्धक्रण बक्ति विशिष्ठ कांत्रण आहरू. ें शास्त्रव कुछ विवाद छेक **का**ना ना उ जगांत्र वर्षिक सहित्य क्षिकिं। अभाव छ भाग हक्षि सहित्रा शहक, खुरुदार स्व विश्व कम भारत स्व विश्व हाकि श्विटक व्या अभिरतानीय गांव दह मन्या भाजिदमधे चान भक्रमात्र निष्मिख 🚁 🗸 कार्टेन विषया अक सकाव अभाव। वाच एकेया াকে, কৰে কে **জা**ৱ ভড় প রঞ্জন কৰে। ছায় দের **অন্ত**্রহশী বিচাবপতি ইর কি বিবেচনা কারৰ ৰা, যে, ছেইটামালালতের পরাজিত বাজি গলের হক্তা, কর্ত্তা, বিশ্বান্ত, ভিনিত্ত, ভাষাদিনের ভাৰ উপায় নাই।

विश्व काटन दशहे १०३ वर्गीत श्रीकालन विख्याहरू।।

मुहेबा विशेष केविटक गरणात अभवाश हरेगात वक्र महाकार्य बादक था :

ट (गामक्रकाथ गम्बाहरू मराचंदत्र ।

গত ১লা গৌৰের সোমপ্রকালে কুমার-वाणि निराणि श्रीपुक हस्तकृषात पर्वश्वीम छ-উচার্য্য মহাশরের বাগ্দান কাল প্রভাতির নির্থ-म विवस्त विष्ठारंत व्यक्षीय प्रतिमः आक्रि शक्ति-ভোৰ লাভ করিলাব। আবার অভিলাব ছিল, स्मान अधान चार्ड अधाशक अविवास अहस इ-ইয়া ডল ভল করিয়া বিচাস পূর্ব্বৰ মীশাংস। 🛎 🥤 ा । गरम यहि विष्टु साम 🚜 बिष्ट, मिल्ल, जामा वन्त्रावहरू छ'र। प्रतिकृत स्टेटन। पर्वनातील बर्गनरम् मानि कोमन स्विमा खाँशास सब् ও প্রাচীন উভয় শ্লিরদর্শী প্রধান আর্ত্তা-গাপক বলিয়া ৰোধ ছইল, অতএৰ তাঁহার নিক ট্ট উক্ত বিষয়ের কোন কোন খাংপের প্রশ্ন করি-म्राप्तः र मृत क्रिए यहिमाय क्रिः श्वामान मानः एक मक्त अन् शक्त आकर्षात जिमि-লে বাছ্কা জনঃ পাছে সোমএকাশ সন্থায়ক ७ छानात्र आष्ट्रकान विक्रष्ट नरवन, धर्वे दिन्तु नगरम् गमरम् व्यक्त व्यक्त निर्वयः, जन्मनः अक अकि ार-वार्ड्ड अन्न कविरक शहक व्हेलांम, फर्करी-গীৰ মহালয় বেন কুণাপূৰ্ব্যক ভাছার উত্তৰ किश आर्थना थर्भ करतन। जिनि, जिन नर्सित श्र विवाद कारकार श्रृक्षणवास वाश्वादनह काल (5) अक्षेत्र क्रार्श निरम्भ कवार 5 व्यामात्र थे वि-ध्यति निध्यक्तिक प्रवेतारह, खंडधर कविष्टर আৰু কেনে গ্ৰন্থ নাই। কিন্তু কুৰ্ববাগীল মধাশয় कडुमर्गरमञ्जू श्रेक्स कामरक स्य विवादकत काम (२) विच करिया लिथिवाद्यमः अविचास सामा- व वेटक लादस ? व अत्मार पूर नग गाड़ि; क'दन, मिष्ठि अद्यर् जूड पूर्वकाल कि वास भाजून पूर्वकाल। विम क्ष्म-र्भन बहे गम्ही । भिष्का राम कपूत पूर्वकामाक বিরাচকাল বলিয়া নিশ্চয় করি, ভাদঃ ইইলে

(३)--> रा ल्लोरबर लामधनाः वर প্ঠ'ব ২ বৃত্তে জী চুক্ত জাতুমার ভর্ষাগীপের পত্ৰে 'ল'ৰত আছে, " ভিৰবাৎ পৰং বিবাহ ক'লাং পূৰ্বং বিহিত' ৰাগ্লানং কৰ্তামিতি শ্ভিত ., '' বাগ্দান লালে।ভিচ্ডাকালাবধি वाक् इष्टेक, अवर्गामध्य अविवाह अक्षि निवाह अक्षिक वर्षास्य । ' हुक्किकार र प्रभाव स्वतः काष्ट्रभाक, काकः विध्यतः विध्यतम् । अररः विधादकालश्वास्तरः वाग्रहासरः विकितः

नकन कनांत्र अयांत्र वहस्त्राम् कार्याः up un n', wonie fectoles faires a fiele pere i wiede femien Gifte न्य कि नीएक कस्तात कर ब्रह्मात सम्बद्धियोग दु^त नंश रह राजिहा निर्देश संस्थित हैं

बारे क्यांबर विरामि नर्यानामामारकारी है। वर मियामिक व्या-स्थापन प्रदेशहः व्याप्टन বিভাতে লোকপ্রভাগ সং গৈক হা জীয়ায় এইছব बरवद विक्रक्षित दर्भाग मा 💢 हारि । ৪ পৌৰ ব্ৰহ্মাজিৰ'র ১৭৮৪ 📳

अवानमध्य विशेषशानीम ।

बैर्ड (गांवथकाच्यकाच्य मश्भन्न नवीर भन् ।

(১) विशव ১৮ वे कार्जिल्या लावअकेहण मृत्लाकिश्वत्र (बस्त्र हृष्टि विष अक्षेत्र अक्षेत्र अक्षेत्र দেশিয়া ভাষিবয়ে কিঞ্ছিং লিখিতে ইঞ্ছা হুইল। मूरकाण्मिरगद्र विख्य हाँक अब अकास[े] क्षेत्री श्रजानात मान परेप्राट् एउन कीश्रहिर्देशक काषा क्रकुंशरकात व्यवस विवरत शास काम का करेकरन कर**क कारहत मा<u>म्र</u>ूटीश विरंगत क्रा**र् शीरवत नक्षांत्र चन्नुष्ठ । কাল গ্রহা উ টিয়াছে। আনাদের পুর্বাহ্ম ভেগুটা বনুর্বস विकास अभि गाराव मांध्यस द्वाल माह्य हैं।-কার ন্যায় মুদাকি আবাদভের আম্বানুজুরাট্রির। चागमान ८वेजन इक्ति क इस्ति शिक्षी मानिक ड^{क्} क। मक्का व चंद्रण धार्या कदिवा भिवाद्व्य । दः সময়ে মালে ২৫টা মোকজন। নিল্পান্ত করিবার বিধি ছিল অৰচ এড়োক আলালতে দুপ টাকা नक्षांत्र पार्वा हिन, ब्रहेक्टर शर्क व्याखाक वह-কুষার এক শত মোক্ষমার কম বিশেক্ষিত্য मा। अक्रांत कि 8 विकास दम्हे वहसू मर्फू

मुल्लिय शामर्थ क्र्रेटिन योगात प्रथार রীতিমত পাধারা আবশাক ভাষাত্তে স্থানকল্পে अक इतिक देखदलकु व्यविभाक के विज्ञादन प्रभा আনার তৈতের কম চটুতে গারে না। কছে।রি ষর পরিক্ষার ক্ষরা মেধরদেও এক টাক। দিতে वद्या कोली कलरम 🕪 कान। वाग्र वन्न, नर्ने নাথ। হ্বা ও লাদ। এড়ভিচে ৫ জানা এবং वानक ७ है। कांत्र करम दहान मा छे बाद अखिदिकं मध्य वीधाई शका आवनारका बनिवान विद्यान, राग्या वे वीषाविवान चंत्रह च्याट्स

() अहे ११... (१९१५ म श्रीवास्त स्वेत्र क्षांण भागा अध्यक्ष स्वतंत्र विवादि

काशांत्र शांत्रा यात्र, देवांकि वर्णलाग **ह- । वर्णान वर्ण वर्णका** वसीत । ्षिशरक मिट्ड स्वेट्ड का. यवि रत्तम भव व भाख मयद्र वार्य दक्ष माद्र व किट्ड বে। ইচা জাত বছেন ভাষা নয়। এ বিবরের । ভূলিয়া ভোষার ? ক্ষব স্থাননা কালে ংগড়ত সৰল কাল হ্ইডে লওছ ছইয়াছিল চ ইহার অভিবিধান না ছওয়ালৈ 🕻 🥳 গৰণবৈর অভিশাস এই যে এ খন্ত স্ব-न्ध्यव (**प्रिट्यम् ।**

> धनास- वणक्ष अकर्णभागां यामान्यां भागांक

প্রযুক্ত সোমুপ্রকাশসন্দাদক मरक्षिरशयू।

াডভোত। 1.5; ?. · বিহুমার বির আনশের ভোড। क्र केरिकेस्था कांत्र कडरे बहुत. খীবু বেল সাধ্য ভাষা বৰ্ণিবানে পালে ০ জেমনে বৰ্ণিৰ জোমার মহিমা মূঢ় আৰি, পাৰে কি ক্ৰিক পড়ৰ নথাৰে ি রুপিতে সীমা "তি আকাশের সীমা ২ ভোষার ৰক্ষণা নাথ অচিত্য অসীমা ! ভৰাব শোভায় ভাতে ভোষার সোন্দর্যা, प्रमण करून करत अकृत क्रुट्राम ;

a जानत्स्व **ज**िन मृद्द् मन्मद्दरश रिखाद जानक मार्ट्य, नगरद, शाहरव, ्रृथ, चार्छ, बहीकूरण, कानरम डेझारम স্তৰ্গ ১ল সমীরণ, কার না যুড়ায় क्षांप २ एनि १८० कि मक्षम, भाग यहर 'খীদল মিলি একডালে মঞ্কুঞ त ना कारम, या तरमन स्थारक । (विश्वित (त्रच. र स्र त स्राज्य र र **তে পারে ব**র্ণিতে তার অনন্ত মহিসা भ**्देऽडर्ड भाषी**∳ल ऋभत्य ::"म > পৰিষা নিক্ষে, ভব গীতি সুধানে, रिष्टेड भारत चारत चारत कालाईन **अक्षांत सून क्ष्र**ण्यात , यशु ल'र व ·श्रद**ाणि कृष्यम शर्फा शि**श्रराज्ञ हि अधु । वर्षे **हेटलटाइ लग थन, खन, खन,** व्यन, व्यन १ नि यात पुषकी विशा इतलीय धृति স্থ- গুর অনে **বাঠে পর** পন্য ক্ষেত্রে योक्टिश्व अभागवित्र कर्गविद्याक्षिप्रः निमाद विद्धार**य हुक्क श्राहर क्ली**न, शोरोहिए खखाइम मिंडएक विवास अंश्र करते हार के विश्व मार्च क्रम्

করিয়া বসাঁজি কেবা ক্লুসিটৰ ডোমায় স जूबि मा**डि बिटिंग्डर्ग, स्वेट्यू**प ४--चम्मा त्रक्र कि। बी जि अञ्चर , ভুকি চিন্ত বিলোধন জানগ রঞ্জন। आरका कि आहमना **स्था** बहिब अखोरित. ख्र'व्या, त्य शाःच वर्गित्व त्यत्य छन, वस्त्रम् १२७५ २७० छ छ। । । स्थानम् क्रम्हे। इविकालः स्वर्षः গছান, উদ্যানে, জলে, ব্লে, রক্ষে, मुक्राम, शक्कार, खूब मांगत उपरम, **छेथाल वातिशित क्या "म्बना मर्नाटन ।** 🚜 উবার শেভার জুনি . 🗚 াল 🕻 ए किटक मित्र व स्थित खोग कि खर्ज़ काश्विक्रटल क्टम मृत्या ट्यामावि कित्र।। ভোষাৰি কির্ণে মন মান্স জাকাশ প্রকাশি ছ এডাক্র করে বর্ব। বঞ্জে मक्क फूरन , फूरिक पत्र व्यापका । এট কে সন্মুখ স্থাওল বাবিপূৰ্ণ জোভস্বতী, বাবিনদা মহিন মানদে কল কল কৰে পরিভৃত্ত কর্ণছুগ धारेट्स क्षवल (बर्ग धारेट्स दर्शमान গুণ, কেনা বত সদা ভোষাৰ কীৰ্মনে । এশাস্ত সময়ে, मार्गिय त्रम श्रञ्जयन তৰ লাভি রসে যেই জুনাইয়া মন धानिष्ट् जियाय थना त्रवे श्रमाद्याचा । তে কাৰ বন্ধা সনীরবে প্রকৃতিছে ল্লাম সম্প্ৰাপ ৰস ক্ষাপ কৃষ্ণ লইয়াছি ভাগা পূজা হেতু ওচরণ পুৰাও ভজের বঞ: মনোবাঞা জুমি ৷ कि धन मां मारण रहिंचे रह'मांत क्रम क्षार स्वारात लाएक क्षारा ভব অপক্ষপ রূপ হেরিয়া সন্মুগ্য **১ইছু ম**গম ত্থ আ;নক সাগৰে **इ.स. वस जब इ.१४** छाद्रभीन धना भा भारत दलिय कि श्राद क्या में वित्व (हायांव यद्भः भागि,निर्म गीणी ললে বিয়া খোৰ ছায়া কৰি না সন্সতি ও-ছল নিকেৱন চিব মধু সাধা भड़े पा दिनका ठाकू श्र**क्त विरक्ष हैय**। ^{२ की} थर इ. दबल क्रश्न**क ब**रमारका छ। हिन्न (र्रामाध्या वटनार्य ेर्जनाष्ट्र) ধনা বৰেছিত ভাতু কল্পে স বিকাশো মজিনী ভাসংকর। ভূঞ্জীবৈ

कारणहरू १५३ तसरी क्रवाह्यी

व्यक्ति दहरन ৰন রাজি পির গৃহ চুড় শুসা ক্রেন্তে। व्हर्भ करम सभा निक पेहेल क्षकांभा। मिंद्रम् केम्प्य पत्री श्रीकाः अधूर्व con many i men Gibte wenffelle भागांद भाषी छेड़िन क्वीमिटक रेंदि महिया दश, माल दशक्के बाहेटह नाम क्रां भना न्याटक कु विश्वीवि वादनां ही कर्या ভূসে আর লোক নত রাজা প্রকা ধনী मीन वृथ मुर्थ हक् दालक मधल कर्म न करें हु बन्ड धनाएड काटक CB नांच (BE क्षिम्) मेझू यह विश्व उद ভাকিছে সংযার ভাষা কাধিতে আমার थार्थना शार्यन मम अहे शिग्न कार्या ত্ব যাহ। পারি যেত সাধিতে **অস্তা**ন . मृर्थ पारक राम भन सका राजामाश्री বেন প্রতি পদে ও একলেবাছিতীয়ং ; কলৈকাভা ঠজনিয়া ২৬ এ অপ্ৰধায়ণ शिवातकोमान ७४

म्लाधा थि।

अध्युक्त कामन्त्रम्य वरका।शाधाम माहिनशक : ৮५२ कांशके इहेर ह त्कार क्रिका " श्वांनक श्रूटबाश्रीभाग्न नीन सुब ३२७३ खार्यस्था इहेटल १० टेबम्ब गर्वाक दकार ए ्ये " यानमध्य वय दक्षिता है। इसिना है)२**७৯ ध्यावन इंदे**टक Cato 6 a " नवीमहक्ष स्थाप হাবন।ভি ১০৬৯ আবৰ ঘইতে ८कार ६ व '' (केनोब्रन) थे सूर्यां शेषांक فلايك ैं र य**० देवलांच लादा**स ३२ ५३ च्या श्रह *द*कार **ड**्बे ⁶⁶ যতীজ্ঞান গৈতুর লাগু। বছাট। :২৬৯ অগ্রহায়ণ হইতে ৭০ কার্ন্দিক পর্যাপ্র (कार ३० जे

७वे श्री कविकोशीय श्री मांडिया। दहरा वर्दाय देनी-मोश्रु क्लिएबर मिक्क प्रांतास्त्रायांचे की . ब्लोमार्च विषयक्षियक्रम अधिक धार्वि काम्यादेश महस्र नेव १०

o seem

.महीनक हुना अहीका। वार्षिय कांग्रिम ५० छाक

१ विकालम । সরিমপুর জিলার অহণপুতী বাইকোটি মচনতপুর নালে বে পত্তনি, ভার্ত্তক স্থাতিত, छोटा एत्रशस्त्रिक स्माट्या सूचरार विस्तात करा ঘাইৰে: বাঁখায় সেই ভাৰ্ক দর্শতনি লুই বার মধনা ক্রম করিখার ইক্ষা আছে, ডিবি কলিকাভার আড ন কিনর কোল্যানিক্সনি টে আবেদন বায়িলে সবিশেষ, হুডা**ছ জা**ৰ্চি भारित्रक्रम ।

সোৰপ্ৰকাশ

- १६ (सीव मिनवारी)

चामत्रा चानम महकादत्र भावकादनत्र াচর করিভেচি, জীযুক্ত বারু শৃদ্ধু নার্থ প্রিত প্রধানতম বিচারাদরের অন্যতর বিচার**পতির পঁ**দে **অভিজ্ঞি ,হট্**রাছেন। রমাপ্রসাম বারুর মৃজুর ইওরাজে এ দেশীর অপর বাজির স্বরায় তৎপদ লাজ-কেবলূ ्य विज्ञहर्माश्वा इरेग्नाहिल अवश्रास्त नरम् rana वर्त्ना किहिला हिला। अक्टन पीताः निर्भन्न रम नात्मिक पूत्र करेगा ?

बाबस्थानक सक्तीत कः मिनीविन्तित श्रद्धातिकात मारका वनम श भमिष्ठ এ কেনের সৌভাগা ফুটন। ক্রিরা বিচ্ছে छ । व श्रुष्टि विकासि देश्याक शवर्गरमेन्छ छ गत्ववर्गि प्रमिद्यात अभीका प्रान १व । डेखा भवर्गरमके ज़रू कावाहर भूतीकात डे बीतं वरेश्राद्धम् अवस्ति अ-रमणीरस्त्रः श िका स्थाप केंद्रांक्षीय इंटेट्सन । अवर्गाम . ज्य नहीं के केंद्रे, केंद्रिक अवाशक नरकारड

िरापुराम अस्मित्री प्रानगटक चर**न्द्रभग्न ब्राम्मार्ग स्था**र्थ ७ পদ লাতে ধঞ্চিত করিন ব্রাধিয়াছিলেন । ধ্নিভূম বিচাৰালয় প্ৰতিষ্ঠান প্ৰটিশ কুণুগল रेत्र, छर्दकात्म, शवनरमुके हित्रकृत, गरका अक्रू एक रहेरक सूक्त हरिश्व क्रियान शहर क्रम्पर्यक पूर्वक अरमणी समिगीतक क्रमार भव ध्ववाद्य गमर्थ सहस्त्रतं कि.सा. **जा**.सं. ক্ষেত্র মনে এইপ সংশব উপস্থিত হুইরা-হিল্ডুভাচুল সংশর জনিবার বিশিষ্ঠ कात्रवर्ष िल्। ध्ययाम्बय विष्ठात्रामक অভিভাগভাৰকারিরা জজেব সংখ্যা নিৰ गैथकांद्व धार्यक अत्मनीविभारक भगना के त्वम नारे । छारांत शत यथन ध्वरमनीयनि शरेक करें केत अन अनान केंद्रा स्ट्रेटन, चित्र अहता रहेल, न्धनव क्रिज़िक्रांती अकाम्बिद्धा अफकाटन चक् भरूष रहेका सिहि ब्राह्मित्रः। श्रवर्गमिके स्टाबक नुमान अवृद्धिकाति विश्वति भक्तं वित्रिशं हर्दानं, সুতরাং আমাদিগের মনে শক্তার উদ্ব 🔊 अहा बरेबन, र्शक नारक्श वाश वर्षक, अवर् मिक दि महात मानू क्रिक् मारे। जासी विटाव आह धक्के नहीं काथ बरेश विहा (ए। a (कृषीय विश्वा भेड्ड वार्ष पांचुड रक क्यानि विवास है केंद्रांशीत क्यानित्सन रिक देकत विराग्त करें। क्या नाई.।

व्यक्तिक देवेलारवत, काराता पनि पु गरकार्ध्य वर्गाविधि व स्क्री, बच्चा वर्गाध्य म् अथान भूक्रविर्यंत्र किन्न प्रकर्ष क शासन, क्यमें क कि के कि कि क्लान बाद्र के साहिक व्वेटन अबून अहुई বাঁহারা তাঁহাদ্িরুক কন্তৎপরে অভিনি क्क्रिप्राट्यमं, क्येशिक्टभन्न सूर्य দ্ববৈ। ই হারাও বে পু বেল, স্বস্থাপক সভাবী শীগুৰিবের ক্ষিপিক্তা বাসা এক প্রকার ज्ञां तथान स्रेतारह ।

्रामानात्र भटकत्र मध्यक् क्रीयम चयाभ्य किंद्र त्रहे अद्वाप स्वीर प्रकीय वद्य, सीर त्वेत संभवन् इत मरकार बाहै। अर्थाप् দাতা ও পত্ৰবেশ্ব দেৱে সময়ে স गुरुन भटावत्र दे तारे चनावर्ष पृक्तिकार हरेता बाटक । किन्द जन्मर्गन-अन्योगक्ति-গোর অভান্ত ক্লোভনার হয় ।" এবন কলে স্থাদ দাতা ও পত্রতেইদুক্তিপের বিশেষ करण सावधान प्रकृत सावजुरू । रत निम ह्मात्रक्षकाद्वेत्र केक केव शक्ष रक्षत्रक स्मृष्टे है। मनुब स्टेडिं शिवूक नानू भागानूमाई क्ट्रक्ट्स क्ष्मकर नेयोद्योज लियग्रीविटनेन। चावडा ७६७।एन्हें वे महारम नियान कृषि आहे। भारतार अनुगकान करिया नंबायकी विथा। ('अविटेन्स वा भारतिको अवस्थातस्वत्र बास्का निवास वाजित वाज्ञानम् के सावाज्यस न्यानागरके । क्षतिराक्तीशागरम् न्यानागरम् वन

এই ভাবিরা কেবল সহক্ষি - প্রাচার प्राहिलात । आयहा वैकि के नवारक विद्याली করিতান, আর বটনাটা রাজনিব পত্ৰ প্ৰের্ক আপদাকে জ্বীনানিত क्रिता कूर्णिक स्ट्रेटक मत्माद मारे। बाह्रा হউক, তাহারা উত্তর কালে সাবুধনি ইন। करें जामानिरंशन जनूरताम् । जीहासा शृंदर वित्रशा व्यात्रद्यार्थकार्द्वात्र मुक्ते हु ज जवाब ब्रह्मा करबन महि पार महिल्ली ता विमक्तव . वार्ति । जीशाही पुतर जी व्यवदा वास्ति विदर्भक्षते प्रदूष मा केल् काम क्या लिएक में क्यार कि वर्ष তাহারা লোক মুখে কোন সমাদ অবণ ক রিবেন, সহাদ দাঁতা কিবপ লোক, ভাষার बाटका विधान कहा यात्र कि मा, धरे नकन বিবেছনা করিয়া বেন কাজ করেন। আম-রা পত্র খেরক বিগকে এট সাব্ধান করি-त्वि काशाह की अहे, क्र्यामहा नक्ष वि बाजान कतियां बिन्सं आद्य । जलाता কশিত লোবের আবোপ করিরাও জ্ঞ-लारकते श्रामि ७ त्वात्रकत् कार्यात् निश् कतिवात टांचीतं कार्ड करते चा, चातु वर्षि ভালারা একটু প্রধ পার, ভালা ব্বলে ক্র আর নিভার স্লাবে ? মহাক্ষি স্থানিদার मिक नश्रकार थरले विकार में मुक्तिकारी वर्गन कविशाद्यम ।---

অলোকসামান্যকচিন্তাংশকুকং
বিদ্যাল করিতং সহাজ্মনাং।

মহাতারা কি কারণে কিব্রপ ব্যবহার

ক্রেন, খলেরা তাহা বুরিতে না পারিয়া
ভাতাতিসের অলোকসামানা চরিতের

ক্রিয়া করিয়া পাকে। মহাকবি ভার্কি ক-

্টিকাটেছন ।— . . ় শুনিকশি নিরাগদঃ কুডোরে

क्रमानिएकांच न क्रुडियर उत्तरकः। चार्क्रमानुस्यम् स्वतानाः

ি বিশ্ব হাতি মুটাখন বলকাং। বিশ্ব তপৰা। কালে এক বুৱাহকণী বিশ্ব কৈ বিশ্বা, মুখি সুক্ত কি হিচেছেন, বিশ্ব প্ৰতি, বিশ্ববিদ্যাধ, আন্তান তয় কি, uisi nige alle cales pri state es.

- সম্রোপ্ত আমরা-" প্রেস নীমক স ইং-লগুরি এর সমাচার পরে " তারভবর্তের আত্ম দাসন > এই দিয়োনামাছিত কু টি গ্রন্থাথ পাঠ করিয়া অপরিন্দ্র 🐔 প্রাঞ্চ हरेनाम। लावक रेहारण हुरनुर्वत्र (व र কর্তব্য ও ভারতবর্তের বৈ যে ক্ষাব্যুক कार् केंद्रव बर्श वर्गन कतिहारहर । करते न्य वरगतन्यात् रहेल, कार्याल (बहुनेकार्यः, রাতা, বলু প্রভৃতি হইতে আরম্ভ হইয়া-८६ । जिमि , यरमाम, हेशम भूटर्व , यनि সাময়া ভারতবর্ষ ব্রুতে বলিছ্ ও চইত,ম, काहा हरेटन व्यामानितात व्यतनार्थ हिन् বাহিত না ৷ পুৰে নিদিও আনানি क्रमात्र जात्रज्यस्पर्क क्रिकाधरमत्र हेका क्रिक बटि क्यि बामा बद्धत कुमान तासनी किन चनूनवरीकि हिन मा। जानवा अब निम কেবল আমাবিশের ব্লিজের, লাডের লাভ শরেই ভারত্ত্ব পাসন ক্রিয়া আসিছা-हि। यात्रता अवति चार्यमत्र क्ष्मान . त्य **छोत्रकवर्षी प्रतिकारक के सामिरमञ्** भागत मध्यास सामा क वाराक सामा

্ত ব্রিক্তার আন সাধিয়াছিলার। জা-হালিটোর অধ্বংগাক্ষমাধন আনালিটোর যে-কণ অভিনেত জিলা, উল্লিড নাধন সেক্তা জিলা না । ১৯৯৪

अर्थ कर विद्वार सामानित्तर प्रेंबन क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र महत्त्र क्षिक्ष किसार । भूदर्व वासरा वाका समय हुन नाहे : हिस्त अधिने, क्षेत्रिक रहेग তাহার মাধুর্য রুসের আ-मर्थ इस मारे। विद्याहर है दा क्षिक्तरकत देहण्डाम्ब स्त्रियः कि। प्रमुची श्रीनशत्क पूता कहा हिंदी करिंग्जी हत किय ना । अहे क्याना ह क्ट बहेगा शब्द अवधि श्वन्त्यने वास्त्रिः क्रिनं मानवर्षान यश्रमीन हरेश्वरहेन ; ब्रिक्ट्रेंस्नीविकारक वावज्ञानक क्ष्यात्र क्षेत्रनीक्ष्येनात्र मादन मण्ड-हरेश-त्वत अवश् श्वर्रायके व्यक्षीतव द्वाकश-८ न त्राका सहेता खताका हाँका कतियात ইক্ষা পরিত্যাগ করিয়াছেন। তথাপি জা-मन् अक्षे अवस्कात प्रतिक्रिः कात्रकर-र्व चाणित अवश् अक मलं चारहत, सी शक्ता गर्बमा अकूटमानी गनिरात मानमान कः রিবার চেন্টার কিরিডেছেন এবং আমাদি পের বেলৈর রাজা, নবাবুও সজ্ঞান্ত বান্তি विश्वदिकु व्यवका स्थानीत पूलाककं केत्रियात (क्कान प्राट्यम । " जात्र्वरर्वत **अ**वृत्ति " এই শক্ষা তাইাদিবগুর প্রকৃত ভাষ গো भटन व्रा**थियात**्र क्षेत्रद् केवैद**ङ्कः "जूलादे**यात श्रिक्षामञ्ज वर्षेत्रोटक् i. क्षाकाव्यक्तमः व्यवस्थ ৰুৱ প্ৰফুড ভানু কি ্লাচকথণ জানি প্রবিশ্ব উৎসূত হইতে পারেন। আ मूहा दियामी देन स्वाटमुद्र मईक्षणाम व छ । क्ष अक्रमम् छेशयु क ब्रामनीकिटकात वाका केष् कृ कतिया कांद्रा शांठकमंद्रश्र स्वयंत्रमम क्रिका विट्रण्डि। वर्कबटनन " चनका दक-क्रमन विकित्र सामित्र सुना क मानवान

होत सर्व, प्राचित्रिक, बाह्य के जातात वायबोह विक्राविक के निविधिक कहि- | कानुकवादहेश एकल कहा द्वार मकरन केर्त्त दहरी भाषा चित्रपामत नीवा विभाग অ করা, সাধারণতে দারিল্যাকৃণে নিক্ষি श्र कता प्रांका क महात वाकिनिगरिक निर्दे वर्षेन क्यानि वृक्तिका व वाकिनीक-व्यथानां कि कता करें गरून विवस्त्रहें का ह्या मर्डेड येष्ट्रवार्य एत । स्य मक्त विवत বা বাজি ভারা ভাহাদিসের অভ্যান্তার বি বারধের সম্ভাবনা পাকে, তাছা উদ্দেশ হরা ভাছাদিবের একান্ত অভিত্রেভার । ''🗗

षात्राण्टिमत खेतुषिकात्रिम्टलत कि এইমপ চেউলিয়া উ হারা কি এতকেশীয় রাজপণ্ডে পাদচা্ড করিয়ার ও সজাস্ত ব'ক্তিদিগকৈ অবস'নিত করিবার প্রধান केनएगानी संस्था । य अक्त बाकाहा शह b छ करेशारहम, खाँकानिरशत नाम , भग छ লোপ করা কি ভাঁখাদিপের অভিপ্রেভ নয ৷ আমাদিগের দেশীর আত্মগর ক্রেডের लिखिक स्तिकितायाम ७ मात्रमद्राबाटमद मवादवत विद्राधी अधावश्वाम भारे क वित्त साविष्ठ गाहित्वन ।

डेक्रिकिड अद्योव लिक्क करवाधात ভাৰতবর্ষীয় সম্ভার প্রশংসা করিয়া ওঞ্জতা ত লুকদায়দিখের ছক্তে কোন কোন ক্ষমতা দিবার প্রস্তাব করিয়াছেন এবং ভংগ্রাসলে বিধিয়াছেন '' এই সকল লোককে আমরা পূর্বে অপসান করিচা উ,হাদিগের নাম প যা হ লোপ করিবার চেন্ট। পাইয়াছিলার তথ্প ১৮৫৭ **অন্দের** ভয়ানফ বিজ্ঞোহ উপাত্ত হইলেবৰন আমরা ক্ষমতাহীন ও উপায়লীন ক্ষুৱা হতাৰ প্ৰায় ছইয়া জিলা म, अरे त्यानीत मधा बरेटकरे जामता वि मन्द्र रक्ष् अ महकादी शाहेदाहिलाम । ? শাভিরালার রাজা ইহার দুঝাও ওল, ত भानि अञ्चलनीत हेरहाकी भाव के स्टाहर विश्वानवाडक शर्पा ह दला हरेताटकः। अन कत्र क्षाचा रतार्थक अब छात्रस्थ छे छट ष्ट्यां धात्र अस्ता स्रमः स्टाटन वित्रकाशी वरणायस काम निका क्रियोह चानुदर्शन

'मिदा मिथिशास्त " आयाधाव त वर्ष विषयं कतिएउटम उसादा र पंच रक्क का मक्तित भाग कार्य। धान निक वर् ক্ষতার পরিচর পাওরা গিনাছে। তাঁছারা त नकत विवत्य छई क्रिएंडर्डम, ए श কেবল ক্ৰোবাার নহে, সমুদান ভাৰতং-র্বের ল্ডেকর বিশ্বন এই সভার এ প্রকারে कार्या जन्मशीमक इंडेटल्ड, ह्यांन प्राप्तवा न्यक्षाकरत कहिएक शादि, अन्नकारीय উচ্চ শ্রেণীত্ব লোকনিগের এক সভা করি हा मात्रम ও आहेग विस्तृत श्रदांभर्म लख्या कर्खना ! छ।त्रष्ठवर्षा त्रितिशतक भाः मतका-যোর অংশ ভোগী করিবাব আমাদিগের বে ইছা আছে, ভাল আমনা এই উপাব बांडा मम्मीमन क्रिए ममर्थ इहेत । ह

छैलिथिष्ठ श्रेष्ठावत्त्रचंकरक धनावः म मिना अरे श्रिष्ठाटवत्र छेशत्रश्रहात का रहेरहर । **बारका** একটি জাতি সাধারণ স্ভা করিবার সময় উপস্থিত হট य'रक । आंभवा बांद्रबाह हेहात अन्द्रांव क तिसाहि । **जाम**किरगत नूरभंत विवस এहै, यथेन व्यामानिस्थत छ,वस्त्री य मछ। नि **किरु भा**रहत. अविषय देश्लास्थ लारमा लिख इट्टिएड । यक जिन हेहा ना इट्टि ছে. ডত দিন আমাদিশের বৰাৰ্থ স্বাধীনকা उ यथाथ खेक्षीं महेराजर मा मकल वि যয়েই গ্রন্থমেন্ট্র বল'নাতার উপর নিষ্ঠ র কবিয়া থাকিলে কেবল আপনাদিপের অলম ও নির্হ্মভাবের পরিচয় মেওয়া হয় এই মাত্র। চেওঁ। না করিয়া কোনু **লে** म्बद्ध समझ हरेग्रा ४ द्वर 🗸 देश्लाप 😘 ইট লীর দিকে দৃষ্টিপাত কবিলেই আসা मिर्शित नाका**णि स्थाये क्**ष्णासमा इ**हेर्**त ! আমাদশের দেশের লোকেবা কি এখনও जह मशकीके नाधरम श्रास्थ श्राकित्वम । ভারতবর্ণার সভার এত নিমা

আসর: এবারে ভারতবীর সভাত্ত এত অভিভূত দেখিতেছি কারণ কি? के कांब्र काल के बाह्य समितक शहरा না কেন া লাওচোলতর সা लातिया कि छै.दाह भंदीतर क িলস করিয়া পরিশেষে নিজাভিভূত করিয়া ভুলিয়াছে: বছকাল হইল, সম্ভাৱ কৰি (वणन वार्ड) अथवा कार्य। विवत्न क्रांबार्कि গের অংতিপথপ্রবিষ্ঠ হর নাই। अकर्ग भरमकश्रील मकत्रंदलत स्त्रीवात এবেশ করিয়াছেন, ভাছাই কি সভান ध्वल अवलब्रिक्ट कात्रक मा अस्ति কোন নিগুড় কারণ আছে । জনরবে শুনি তে পাওয়া যাব, সভা পুর্বের নায় কেবল कभीमात्रिक्तित मध्यात्रश्चन कत्रिट्यम मध्य ^{পো} করিয়াছেন , 'একু<mark>রু স্লমীদার্দ্রিগের</mark> वार्वहानिकत काम विवेष छेशच्छि बाहै, मखाल निक्षिण रहेगा चाटहन ; चाहुम वि वग উপস্থিত रहे(लहे मछ। निका हहे(छ উখিত হইবেন এবং স্বলেখিত সিংছের नाय सूटन दल व्याल हहेता स्मीम माहम সহকারে যুবিতে ভারত করিবেন। ইরাই कि दक्षण कार्न

याहा इछेह, जामहा मखन्त्र भूर्यह ন্যার তেজবিতা ও উৎসাহলীনত। দেখি তে পাইভেছি না। এখন কি ভঁছার উঃ সাহ ও ভেন্নং প্রকাশের বিবয় উপস্থিত মাই : অনেক আছে। সভা কেবল নিদ্রা খলৈৰ ভাষা দেখিতে ও ফানিতে পারিতে "रहम मा। कात्रकवर्षीत्र दावकाशक मछात्र **ৰিভার অধিবেশন** হট্যা গোল, তথাপি ভৰায় ৰাজলা দেলেও -চিনিধি গৃহীত **ঘট্টোন না** , ভারত গাঁবি সভা জি তাহার **এতিবাদ** ক্রিয়াভেত্ত সূব বার্তের সিক্ত स्मि मारहर राष्ट्रिक कर नर्जन्छ सकल्यात যে মিশাভি বিবিন্ধেন সভাকি তাহার व्यचितार केर, बालनाभित्रज्ञ (ग.शा विवस

ৰলিয়া বিবেচনা করিতেছেন না । উহা । র গোচর করিয়া উৎ সাধন চেটা করেন ए हैं। कि अकृषि नाथात्र पूर्वित अनुनत्र महर देखे काफ स्त्र नरक्ष माहे। छात्रफ র প্রতি প্রত্যাচার হইবার পথ নির্থিত । প্রেরণের বব্যক্তিত টেকা পাইমাহেন ৷ क स नाई ? आत हित १. ना एकेल, वाता । विक्रीतिक ७ व्यामकाफिरवाद ए। एवं एव मिर्व गार अकृषि कात्म माही उस इहेबार । । b'गाउनक सक्क इहेर**नर** , जावन्यी स मण विरयान ও व्यवादन शीफा क्रम इंट्रेंट्रेंट्र. जात्रकवरी र मजा कि चक्श है हिएस हो हा त्र अधीकात क्रिये। भारेब्राट्य : मञ अ থামে গ্রেপ্টেম্কে উত্তেজিত করিয়ানিংস म यथार्थ वर्षे किस शवनंद्रभनी विभिन्न নিয়োজিত করিয়া স্থানাদায়ের নিদান মির্ণর করিবেন স্থীকার কবিয়াও গ্রন भौनावनक्रम क्रिलिस, न्यम कि मका जे विवय कैंकारिशदक मार्च कवाहेशा निया ! তেন - মাজেন্টরের তন্ত্রাট্ন সম্প্রদান লেড সাহেত্ৰর সহথেতী ভারতবর্ধের হিত্তিথী क्टिंट (महक्टोरित अत हाइनुम উভকে प नगर करिया जानक कतियात गरशाहिक চেষ্টা পাইতেছেন, ভারতবর্ধীয় সভা কি হঁছার সহায়তা কবিবার চেফা পাইয়া ·ছন : আমরা ভাঁহ র কাযোর গুণানুবাসু-কবিয়া ওক খানি অভিনন্দনপত্ৰ প্ৰাথমি করিবার প্রস্তাব করিবাছিলান, সভা কি ভদনুস্থ ক্রিং ছেন .

এ কেব্রিভিবে উল্লেখ্য**ানর জ** (前都 海南 名 4 年 14 日本 ্ ' ১০ পরীকা धरे काउ **(व प्रदानक (प्रशाय : १०१० । अस्त प्रतिक**ी ত দেখিতে পাওয় 🕛 🚎 1 ruth i पुष्टि भरीकाथशाँग अवस्थित ह **बक्छि बट्टाभकात काल का अवस्थाते ।** खात्रकवारित मखा कि न्यंत है। ति िक (हकी क्रिशिहरू), अपन्ते . . . क गणि ख व**क्टरार्व**क ५५ कि जिल्हा है ह क्**रक , ज.1 काह्यक्टर**र्शन का गर, कालरा क्टा, ७ **आर्था इ**क्स इ.६.५ भूकर्णात

वा। माठ ও उगु मक स्मिक्त का त्या दि वर्गी । मका कि देशमा छ । जिल्ला शिक्त मुक्ति छ विक्र कार्यक्री বিনা চিকিৎসাম অমুশ্রা লোকের খান বছ ও অধাৰসায়র ীছইলে কি ভ্রিবারণে भगर्थ हर ना - अधादमात्मत विकास मक्स ्करे वर परेट्ड एंत्र, मखा हैन कारवन म ্ন্তহ নাই। যাহা হউক, সভা সচ্চদ্দে নিজ্ঞা মুখ লোগ করিতেছেন, আরু আজি আমরা ক্ষাঁহাকে অধিক বিব্যক্ত ক্রিটনা ^চ

সম্ভূসৰুপান।

कि कृषि, कि दानिका, कि ठाकनीडि, कि भर्ग, कि चाहाद्व दावहाद्व स काम वि ব্যের উৎকর্য সাধ্যমর ইক্ষাক্রিবে, পাঁচ ক্ষনে মিলিয়া না করিবে। কপনই ক।ছার বাঞ্চানুৰণ উৎকৰ্ম লাভ হহবে না ৷ ইউ রোপ ও আমেরিক, গুড়ুঠি স্থাছে যে এত শীত্র উপতি হইতেছে, পাঁচ কনে মিলিয়া 📭 🖚 করু: ভাহার একটি প্রধান কারণ: 🕍 ঐ খণ্ডের লোকের। একটা সামান্য काक क्रिएड इहेटलंड अक मडा अर्थन এক কোম্পানি ন। করিয়া ভাষাতে হস্ত क्लिश करवन मा। अधिक लाक धक्छ र

कार्या कांत्राल व छ। हात उक्कछत म विद्मार डिव्रांड लाख इट्टा, ड'इ। चरनात्र প্রদান্তম করিয়া দিবার নিমিত্ত অধিকতর अञ्चाम भारेट इस मा। अक रखी य ख শ্ৰুতার দ্রব্য স্থান।স্থারিত করিতে অসমর্থ वक्षीत्क उरकारमा निरम्किङ कवित्त जाहा बारायात्मके अ मार्ने ६ इहे যাধ্যক। এক কাৰ্যে। অধিক লে। হয় दृत्ति, विकार, गङ्क ४ लक्किया विनिध्यामिक रुहेत्व सम्भक्ताल प्राप्तः छ। हाव छेदक्यं स भिष्ठ मा इहेर्द (कम :

त करते व त्याप विभावा अवस्था सह, को मांत्र संस्थितिक क्षिति करिया है। ज

चंत्र व नार्रे क्षेत्रमं स्व, किन्न क्षेत्र क्षेत्र গড়ার সম্মিক অমুখীলন না গাঞ্চা मात्रिगी हरेशा मशक् कत्मानु नारे। श्रहीक्षार्य महन्नाहरू रा यात्र, शाम नाधारकः रहेटल आभवातिता अकता रहेना कर्डव র্ছব্য ছির করেন: কাছ.ফে সমাজচাছ क्तिए इरेल अथवा मनद्र क्रिया मध्ये 🔏 क मध्या व्यव्य कतिएक व्हेटल श्रीह कटः একত इन, कि**स नक्**रम **अक्ट इहे**या र[ी] आत्मत्र कृषि वानिकाामित छेन्नछि विश्वादिः নী সভা করা অথবা অনাবিধ গ্রেরঃসাধঃ (हर्षे' दहः (म नक्स मारे। तिथ दास्त्री তি সম্বন্ধে ভারতবর্ণীয়ে সভা এবং ধর্ম স प्रदक्ष **ख। जाममाम এই प्रृ**ष्टिं गरा ४ उद्गाटि এ एएटम्ब क्छ छेत्रकात बहेश्वरङ । बेक्स ভূষি ও বাণিকা সংক্রান্ত সভা ও সম্প্রদায় कदियां योन काक करा ग्रांत, अ (मानद মহোপকার লাভ হইতে পারে। আদ 701 করিবার প্রাসদ করাই আমাদিদের অভি (2 T

এक निरम छूषि कुछदिमा **बास्कि**त्र म हिरु जामानिरम्ब व विवटा जनक कर्य প্রধন হয়। উঁচে,দিপের এ বিষয়ে বিল ক্ষাৰ অনুৱাৰ্থ দৃষ্ট হইল। ভাঁছারা বলেন. ৰাৰু রামগোগাল ঘেতের সদৃশ কার্য ক্রম बांकियां के गुरमाती ७ व्यव व्यक्त वर्षेश यहि क विवास करूष इस, निःमश्यम पार्का छ भिक्ति इंटेटल शास्त्र । এখন षरभरक हेर है मर्चाद्यादी इटेग्नाट्डन । >० छीकान क्की जः भ क्रिल ज्या व नी न ७३। बाइटव । य अनानीक कार कतिएक स्केटन, काहात्रक कथा हरेल। म स्थानात बरेटल शत या नकतं कुर्णावण वाक्ति क्यांक्क, कृत्शक्ति ७ व्यावनाय भार कारम मिलिसी काक कतिवाद ही। भीत बलिस अध्याविक व्हेत्राद्धमः अन्य

দৰ্মণি ও আৰেবিকা প্ৰভৃতি স্থানে প্ৰেব্ৰু कतित्वम। अक्टर्ग कार्या चात्रस स्वेटल গ্রনেকবিধ উপকার লাতের সন্তাবনা খা তে। সেই সেই পেলের সহিত্য সবিলেব সম্পর্ক হইলে পর পরস্পর বাধ্য বাধকতা হটয়া উঠিবে: এ কেশে যে যে বিদয়ে জ্ঞা थ्रद मश्कारब्रब शाव्यांत चारह, करम छा হার হাস হইয়া আসিবে, লোকের উৎসাহ मक्ति नक्तिक हरेगा छैठिए। धन् धन्यून ক ক্ৰেছে জাহান্ত চালান শিকা ও কল এড় তিব এ দেশে আনয়ন নির্মাণ ও চালনাদির শিকা কাব্য সহজে সম্পাদিত হইয়া উঠি त। वर्ष लाएकत क कथारे गारे। याँशामित्रत অর্থ সদতি আহে, তাঁহারা এড দিন নি রীচ ভাবে কোম্পানির কাগজের সুদ খা ইয়া দেশের যে ছুর্নাম করিয়াছেন, ভাহার আৰু কথা নাই। কিন্তু এখন আর ঐ ব্যপে प्रमास करें। উচिত इरेट्टए ना । केंश्री অভ্যপর এবরিধ কাবোঁ হস্ককেপ করিয়া অর্থের সহিত আপনাদিগের সাহস উৎ नाइ वस वीया विकास मित्र दृष्टि कल्लम । व्यायता व्यक्त अदिवस्त त्रस्तात्र व छवा स्वव কবিতে পারিলাম না।

(मानलबर्म (मान)

(वानास्त्रत्रा क्षेत्रचात्रकन्दव वस्त्रता व्यव ল প্রত্যাপ সহকারে রাজত করিয়াছিলেন। अड़े ४८८म (मोद्या बोया माली फानामांना कन ात्रकाह करहाक बाहित **अन्न** धारण करहान, उद्यापिरभव खरनहें कहें बरम्बत मनिर्णय है-विकि अहेता हिला। किन्नु अवनाविक खाउन अन हैं। मुश्य द्वाव क्ष**रे, क्षत्रका**वान् कास्किनिरभन्न मःतर्ह्य द्वा**कति त्यवत केळ्ळा हरे**का हिरहेन. তেষনি ভাঁহালিগের বিনাশ হ'লেট হীনপ্রত टर्स **ना**ङ्ग। जागसम द्वासांतिरशत कांश्रकाणा निवस्त के बर्दान्त करण हीन क्यां छेनन्ति उ वश्व । आरमार्थः व्यवस्थातम् । नवश्चिति शत के परहणत शांकप दण्यम नाम घाटक ^{रस्तर} वितिष्क रहा १ १४०० व्याप्त्रम् विद्यार व स्थान करे नाबाक्षत आदनत मृक्षा करकारक ताले भाव था। त्योष क्षेत्र पोनहत्त्व क्षाह्मक त्यापन करिए।

ৰাজ রাজ্যের সহিত রাজসংশেরও লোপ रहेवीटस्,। व्यानदा अला के बर्शनत मरक्तिक इंडियान नार्कनारनह लाज्य कतिएक श्राहक रहेनाँग ।

যৌগল (১) রাজ বংশের আচিম ব্যক্তির নাম বাবর । তিনি সুবিখ্যাত টাইমুর ও জঙ্গিদ খাঁর বংশোন্তব। তিনি অভিগর শৌগ্য भानी, मार्गिक ८ अक्षिक्ति जिल्ला है। হার মানা থেকার দলা বিপর্যয় হয়। কিছ ভাঁহার 'সদামাস্য খুরুত্ব ও মনস্বিত্ব এই চুটা গুণ ধাৰাতে ডিনি কখন কোন[®] অবস্থাতেই करधारमार ७ भिषममा इष्टेरजन मा। कथम বচসংখ্য সেমার অধিগতি হটরা সুবিস্তু ত রাজ্যে আধিপত্য করিতেন, কখন বা জন্ম वमरन मात्रिमा ममात्र कर्त्वात स्मान नहा कत्-ভেম : ভিনি বারমার নানা কট ভোগ করিরা পরিশেবে দিরীয় সিংহাসনে অধিকঃ হই-(सन। त्रारकात कार्कन, वर्षन, ও त्रक्षन कार्रा ভাঁহার বল, বীর্যা, ও অগ্যবনায়ালি যাবভীর গুণ বিনিয়োজিত ছইরাছিল। বন্ধুলিগের প্রতি ডিব্রি সময় ও গ্রেহবান্ছিলেন। ব-होति कई देवांन कारत ए कथन छोरांत पत्रा ख বাংস্ক্য ভাবের অণুমাত্র হ্যুনত। দৃষ্ট হয় बाई। डाँहांद्र लात्यत घट्या এই हिन. डिनि श्रुवाश्रिक किरलन। किन्न महा शांन कतियां हे-मानीसन चत्रां शाति मिटशत नहां व जिने छेचल হইতেন না। ডিনি নদীতটে, ভরুমূলে বা অন্য কোন মূৰ্য্য স্থানে প্ৰিয় স্থাদগণ বে-ষ্টিত হইরা পুরাপান করিয়া আনন্দ তথ জ মুক্তর করিতেন। তিনি নিম্ন হস্তে আশন জী यम युक्तास शिविद्या यान जानाव ताना निनः সাজ্যের জীবিদ কপে ত ও লগৰ প্ৰাৰিণী ভিত্তির স্বিলেশ বন্ধ ছিল। ভাঁছার স'বিকার লালে খানেক লাপী কুপ ভড়াগানি খনন করা কয়। ৩৮ বংশর রাজপু করিয়া ডিনি মুড্রা সুখে পড়িত হইবেন।.

यं यत प्रानवसीमा नयत्व कद्वित नद्र जै-

बांत पूज स्वाद्त जाज्यम्बद्ध हर्ड हिंद দেশ শাসনের ভার সমর্পণ করিবা রিখনার चारत्रांदन कत्रिरमय । काश्राह्म हांकुल क्ष्म र প্ৰাত্ম সংপ্ৰাদেই পৰ্যবসিত হইৱাৰিত। भारत ताळाडाळ स्ट्रेशन । फ्रम्लाह व चात्मक वर्ष रकांग कतिएक सरेकालिका करहेत नवरत सगविन्यां जान्यसम् रहा । ১७ वरनह गरत किहिः अस निजीत निरहानन आंश्व हहेराना । क्रिक्क गत जिनि जिन कि निम की विके हिंद्या के जाराव मृद्याकारम ब्राचा चुनि विक् थनावक हिन। फिनि २७ प्रथमत प्रांक करतम । ७३ काम बरधा स्वीत ४७ वरमत बाह्य हा छ रहेता थाएक । वयाता बाह्यसङ्ग सहस्र यह জি ও প্রতির স শর হয়, ব্যাহ্নের আনুশ্ विरमय छन हिम मा, यह र त्यांव क्यांव विवास তিনি जाननात माननिक पूर्वनकात श्रीवृष्ट्य भिग्राहिटलन । 🛥

व स्वाहत्वत मुद्दान शब श्रीशक्षिम प्रान वत निरशनतम् भूभकृ सर्वेत्रम् । अवस्तिहरू छारात वदाक्किकिकिकिक स्टाहरू व नाव हिन । एउदा र केंद्राह महिनू तार्की की म ৰতে রাজ্যের বার্ডীর কার্যা ভার প্রতি্ত रहेत । कडीवनदर्व सद्वास्त्र कार्याः कार्याः चत्र हार, गाँव निर्वाद कतिएक कालक क्षि লেন । রাজ্যের শাসকভার-আহন ক্লাইলাই ভাষাকে দালৰ বৰ্ষন গাঞ্জালেক জিলা কিছ कारणत शूनत्रविकातकत्व, अञ्च अवने के महिला यम्भन। यागन देखादि सहस्यक्रिका थ्य स्ट्राप्ड स्ट्रेन। जिनि निक्त. बुलिवुंबंड हे খনতা ও ধুর্মণরারণকা ওগে কংকু করে স ল বিশ্ব অভিক্ৰম কৰিয়া উঠিলেন। কিন্তু ভিনি जीननारशाम भगान जिल्लाम, निवासम ३ প্ৰস্থিত হারেন নাই। ক্ষান জ্বাধ্য ও ধনলোক্স প্রাদিণের সহিত যুক, কথন आव्यविद्यादिनिग्रहक क्षत, क्षत वा श्र्वाविक् ত সামস্যার পুদরুষারণ ইত্যাদি কার্ব্যে জীবনী নের মাৰিভাংশ কাল ভাঁহাকে কেপৰ, বাইট্রেয়া रहेशिका। जिनि धायागरनत रक्षेक्ष्र कृत् त्मात्र व्यक्तकारम जिल्लामा । मूख शहे তে ক্ষৰদুৱ পাইলেই ডিনি ডছিবলে ব্লেম্নি বেল কৰিতেন। তিনি বে উপাদানে নিৰ্দ্দিত

⁽১) ভারতক্ৰ[দির। ভাওগান জাত্তি তির উত্তর অন্নেশস্থ বাবতীক সুসলমানকে নো-शल करे नक बाजा विदर्भन कतियां नारमत। वावरतत सम्भी स्थापन सामिन विद्यापन विश्व-

ाहित्सन, खाँ॰ निक शरहाशवारि ণদিগের বিভক্ত কার্ফ্যের অনুষ্ঠান না श जनम बहेबा बाका मझाविछ नहरू। ্রাজারিকের অধিকার কালে ধর্মাক্রিয়া ্জে বে সমস্ত কর নিরূপিত হইরাছিল াহ। ভিক্তিশ্রহিত করিলেন। ভিনি অভিশয় ্রশন্তুচিত্ত ছিলেন। ডিনি কোন ধর্মের বি-(वर्ड) व्यवस्थितीका हिरमन ना । जिनि अरक भद्रवाही हिट्टाई । विश्वष्ट धर्म व्यवस्था कड़ा তে ভাহার ঞতি জোড়া মুসলমানের। অভ্যন্ত বিরক্ত হইরাছিলঃ পরবার্থ তত্তর্গপানে মাক বরেয় স্পৃথা একাপ বলবভী ছিলা হব ভতুৎপর্ট্ন সুখভোগার্থ ডিনি আর সমর্ড ক্লাক্সি জাগরৎ कविटा भाविद्राचन रेकि विकृति र महाजान, कि খনীয়াৰ সম্বল ঘৰ্ষেত্ৰ আনোচনা কল্পিট্ৰ ডিনি ভাহারপার ভাগ গ্রহণ করিছেন। সাহিত্য ও विकासकि मारसम् चारम हन। विन्दान छैं। बात जन्द्राहलन क्यानको हिलामा। मरक्ष बंदेरक सक्तिय सहार, प्रयंत् बीमनाविजापि পার্নীক ভাষার অভ্যাইন্দ্র হয়। এটক ও दे दानी कांचा बहेहक अध्यातमञ्जान वि-বরে ভিনি বর্থান ছিলেন। এই সকল বিবয়ে কেজি ও আবমুল কজন নামে ছুই সংহালয় তাহার সবিশেষ সহাত্ততা করেন: বিশুর ঘ ৰ্মের ভাৰপ্রহণে ডিমি ক্ষেপ সমুদ্র ছট্যা চিলেন, ভদমুদ্ধশ কাৰ্গ্যের অন্তর্ভাবেও ডিনি উপাসীন ছিলেন না। জিনি মুনলবান ধর্ম निर्मिष्ठे क्षित्रम् अर्थोक्तिक धन्द्रा कियान विरमाण माध्यत क्रही शाहेबाहिएनम । विक् 'ববালিগের 'সমতে স্বানীর মুলফিডার [ি] স্বাহণ এবং অপ্যবয়সে স্ত্রীগলের বিবাহ निद्वसः सुद्धेन । विधवाणिशदक शुनकीत विवाह व्यक्तिका व्यक्तिक स्ति। जुः १ शत विश्वत अहे বে জীহার এই নকল শুভ চেঠা ভাষার শরী-(ब्रेंड क्रांट्स मंद्रस विवास था स रहेवा बाव . ভিনি অধি কাছয়া ছগে বিদ্যাশিকার উপায় । वर्षाम कश्चिमां व्यक्तिकारण लाटकत समग्र कन्य-া হাইডেড্জালারারারারার মুরীপুত করিতে পা-विश्वास अस्ति प्रदेशको कोकान वक्तां कि शान कांत्रके गुर्वितिरम् मन्त्रत सहैक मरण्य नाहे । व्यवस्था अद्भाव जिनि व्यक्त दिश्वनित्व বৈত্য ক স্কুলিয় গল থাবে পরাত্তর ছিলেন

में। ब्रांमांब अवाग छेनांब जान में बहेरत जिन्न অভিনি প্রজার কি কখন তুব সাধন হর ? সংগ্রাদ স্থলেও ভাঁছার সক্ষণ নেত্র বাস্প करतं व्यवस्य इटेख । दनकात वन्ने मिनदक গোলার করিবার এখা ভিনি রহিত করেন। থাছাতে দুৰ্গ অট্টালিকালি নিৰ্মাণ ক্লিগার উৎ কর্ম ছব্য ভাষিবত্বে ভাষার স্বিশেষ দৃষ্টি ছিল :

काक्यक बाक्य मरजन्त विवासन भाग नश्रामाराम् **द जिन्में डेशा**च अवस्थन कड़ि-হাছিলেন, ভদারা ভাহার প্রভিতাশালিতা, উদ্বোগদীলভা ও কার্যদক্ষতার স্বিশেষ পরিচর পাওরা বাইতেছে। সে এই--

প্রথম। রাজ্যের সমস্ত ভূমির বথার্থ পরি यां ।

দ্বিতীর কোন কেন্দ্রে কত শস্য উৎপদ হর ও সেই দলেরে হত অংশ রাজাকে দেও-দ্বা উচিত, ভাছার নির্ণর।

ভঙীর। রামার প্রাণ্য সম্যের মূল্য নি-

বিচার প্রণালী ও কৈনিক্দিণের বেডন দানের রীতি ঘটত বেসমস্ত দোব ছিল, আ-क्वत छात्रात् अ मः लाधन विवद्य नेप्रामीन हि লেন না । ভিনি বে বে কার্যের অন্তিটান করি ডেন, ভাষার মনুখারেট ভাষার সরাভাগের স্বিশেষ পরিচর ষ্ট্ড, কিন্তু একটা বিশ্বরের বিষয় এই যে কোন কোন অপরাথে তাহার कविकांत्र काटन श्खनभाषिट्यम्भ घटसत विधि উन्न जिन्न स्म नारे।

प्याक्तव अरेखन बार्माविध कार्या बरनारगंत्री কট্ডা প্রায় ৫০ বংসর ফাল রাজ্য ভোগ করি या मानवजीला अवद्युव करत्रम । छात्रांत ७५ (मार्यव विवय श्वारताहना स्त्रित अहे ध-ভীৱৰান হটবে ৰে ভাঁহার নয়ন ভূপতি তুম-শুলো সচরাচর জন্ম এইণ করেন না। তিনিক লাম, কোন কোন বিদয় অসম্পৃতি কোন वितक्ष भूमि । वारान् हिरमन । केंद्रांत भ স্তঃকর্ণও নানাবিধ সম্প্রণে ভবিড ছিল। তিনি ইঞ্জিয়পরারণ ছিলেন না : অভিনয় প রিশ্রমী ছিলেন। ভিনি ভিন খন্টা মাত্র নিত্র। যাইব। পরিভাগ ইইডেন। ডিনি কথন কথন शतकारक ५६। २० टकांच शंध अवस्थितक मध्य চলিডেল অখপুটে ১২০ জোশ পর ছাই ছি-বলে গমন করিরাছিলেন। ভিনি অভিনর माजा हिटमन !-

त्भव न्यांचाचि चार्ष्य प्रवेदवं ।

সূতন পুত্তক ও পঞ্জিকা।

कां नहां के खब्क छ। तरकार्य श्रीकां के कि ভেছি, নিম্ন লিখিড ছুইখানি পুত্তক ও এঞ गानि गक्षिक। व्यागिकित्यत् श्ख्यत्रेख श्रेत्रोट्ह ।

)। সামুক্তারা **সুবো**ধ ব্যাক্তরণ । 🗐 पुरक বাব বিষ্ণুচরণ নক্ষী ইগার প্রেণসুনক্ষা। अञ्चलोत्र शतिक्षम श्रुक्तक जारमक विवस हैह दक নমাবেশিত করিয়াছেন ৷ বাজলা ভাষায় গে সমস্ত ক্রিয়াপদাদি ব্যবস্থাত ছইবা থাকে उद्योद क्ल ७ नक्लांकि करा इहेगाटक । ज পর বাজসা ভাষা সংখ্যত হইতে ব্যুৎপত্র হ नैश्राष्ट्र, हेराएउ प्यामक प्रतिक्रक मः ५ ७ শব্দ ব্যবহাত হয় : সংক্ষ্ত ব্যাকরণ না জা निरम छोराष्ट्र गांधम क्यक्तिया जाना यात्र ना এই विद्युष्टमा कड़िया सुद्राप्ट गांक्युनक्ष्य भूभारवार्थक कारमक एक अञ्चलिक दिशा कि স্থাছেন। এই ব্যাকরণের কানেক ভাল আছা দিগের মতে পরিবর্তনীয় ও পরিভালা (योग क्ट्रेन: अष्टकांड अक काटन लिक्शिट्डन " শুদ্ধ বৰ্তমান এবং ছুত সামীপ্য বৰ্তমান कार्रल आह भी विख्लि वह : यथा, जिलि था-ইতেছেন, আমি নিখিতেছি, তুমি দেখিতেঃ, आभि धरेमाञ आभिएउছि। १ अहे कुल क. বেকটি সত্ত ও উদাহত্বৰ আছে। বাললা ব कत्रान व (कन >

२। भनार्थ ७७ । वेहा देश्ताकीय व्यप्त-राषः किना एननिव अष्टःशांठी परमगांग सिवानी 🕮 हरू बाद बादकानाथ लाग जलवान कर्छ। हेराए जानक श्री छेनवाडी विन्द्र महिर्विण बहेग्राह् । युवना निष्ठां विर्मान मा इंडेक, मीतून 🗢 करून बर माहे। आधाः। कर्डकि दिवस अफिनिटरम भूक्ष भारे कहि त्कान विषय हेरोटक महिरवन्द्रमा व्यव्याना बित्र विध इंडेंग। अथस्य "नाई १ ७३ भिरहानांव रिया धक्छि धाखान विभिन्न वर्षे রাছে, ভাষা আয়ো কিছু বিস্তারিত করিয়া ल्या चारमाक हिल। योग्यामदा मनिहा व अञ्चलके निविक हरेग्राट्स, ভাষাতে भनारे क्षेत्रिक क्या क्ष्मा क्षा क्षा क्षा क्षा क्षा binfen attrice mater der Gite fe-CONTINUE WAR WITH SITE नवार्य उच्च आरम्ब छेनरमानी यनिया स्माय ष्ट्रेटकरष्ट् मा ।

ও। ১৯१+ সালের ছড়ব পঞ্চিকা। ইহা গেওার্স কোম্পানির যথে প্রশারকণে সৃত্তিত इतेशारह। यांनी निवानी खेक्ट के केटल वि मानिधि वहे शक्ति अन्यन कांद्रशास्त्रन : काबद्रा सानि स्माछिमभारत वैश्वरक्षद्र विज्ञासन गुरुशिक फाएक।

विविध সংবাদ। **५ हे (शीव शांभवाद्या** ।

অবোধ্যার ভারতবর্ষীর সভা বাবু ক্ষকি-শার্ষন মুমোপাধ্যায়কে এক ষেভাল পুর-ভার দিয়াছেন। সভাপতি রাজা দিগ্রিজয় দিংছ প্রকাপ্তথ্যে স্বীকার করিয়াছেন, উক্ত वाबुद कार्याचात्र पांउद्या व्यविष कांसुक्ताद्य-রা উৎরাজ শাসনপ্রণালীর বিষয় অবগড হটবাছেন। ভারতবর্ষের সমাজ সংখ্যার ও वासनीषि घरिष प्रेरकर सम्दर्भ स्ट्रेटकरे हैदन महत्त्रह बाहे। किस चारकरशद विवय कड़े, रक्षरक्षणीरप्रता विभ निस यन पहाइन हे 🔨 तिचिक कार्यास्कला क्षेत्रर्गत्न मधाक मधर्य । यथन वालीनक भगिष स्रवेश विमादि छ 45'CECBA·AT:

বেখিছিয়ের অধানতদ বিচারালয় এক क्षत भावती आहे श्रुदोरक देश्वाकी खावा আলেন না বলিয়া বৰিষ্কৃত করিয়াছেন। এক क्य वासिक्षेत्र बरमन केल शासनी देश्यांकी जारमम अवर भरमक दरम अहे छावात वरहा. ভা করিয়াছেন। উক্ত পার্থী বন্ধি খান্তবিক্ট हेरब्राकी मा कारमम अधम एवं मा का निवा ভাষাকে জ্বন্ধী কর। হইল কেন । জানার জণ-मान क्यांचे या (कन >4

আফিস: ৪ ছুড়ম সিধিনিয়ানেরা জকারণ খণগ্ৰস্ত চইয়া আপদাৱা কঠ পাৰ ও জ- / নেরে অনিষ্ঠ করেন ক্ষিয়া ঐ রীতির বে এ-ডিবাল স্বায়িয়াছিলোন, ভাষায় কল বইডেছে -मक्षका है ३ द्रावा, क्षश्चन दनना शक्त व्यवा-द्यादी भागामद्रम्य चार्किमद्रमिश्टक **स्ना**नाहे-बाटब्ब, विवि चाटबेब चंचित्रिक राग्न क्रि-रक्ते केश्यक मिनामाम चात्र वाकिरक स्मर्क-मा महिद्देश को । मात्र विशेषक्षा का बावकीय क्यांकि

मरहात वर्णह अक दिमान हादिनारहन, खनरवा দহাজনলিগের বাক্ষর থাকিবে। জনেককে বিশবে পণ্ডিত হইতে হইতে সংখ্য নাই।

किनिका व्यवस कविशाएम बालादिका व শিক সম্প্রদার বঙ দিনের উপস্কাকে আপসং वाशिक्षा कांगा ना उत्तिन त्या द्वाचित्वन । कति কাতার কেরাণীরাও চারিদিন পাইতেছেন।

বল্পেনীয় ব্যবস্থাপক সতা কলিকাভাত্র বিউনিশিপাল বিল রহিত করিয়া ছতন আর এক বিল কব্লিভেছেন। ফি নক্ষ বলেন ভাঁহা রা এক জন বেয়র (পর্যতম সহর কোভোৱা-নেন ন্যার) সহকারী মেয়র ও প্রতি বিভাগে अक अके जन देवछनिक क्षित्रमञ्जू इहेगांतु क्ष স্থান করিরাছেন। কলিকাডার ভাগ্যে এড एका जनका। मणा लोका त्विकेंद्र कहि-বার বিলও জ্যাগ করিয়াছেন।

मारहात क्रिकित अवन क्रियारह्न, छो-ब्राञ्चवरीक दाडेम अस्य काम्मानि विज्ञी विज्ञा ना कविया थिवाँ निश दिल्ल अस्य कवियात न ক্ষপ করিভেছেন। বোৎ হণ এ কনরব বিধ্যা, খন ভাছা ভূলিয়া পুনস্থার মিরাটে লইবার কারণ কি ?

আলাচাবাদ গেছেট বিখ্যাত দত্য বাৰ নামাজ সিংহের সাহসিক্তার ছুটি উদাহর-न विदारकन । मञाणि श्रीनरमद देनरम्मे हेन ब्रामनाभारकार अक कन नक्षत्रक मूख करत्ना ভাহাকে এক মল পুলিস সেনার অধীনে গাঁ विश्रुत्त (क्षेत्रन क्या व्य । यावनावाक अवेगर-यांत्र शाहेबा अव्हत्रक मृश्क कर्तियात्र जना अक লাকীৰ উপত্যকার ভাষাদিয়কে আক্রমৰ স্ব আৰম্ম বেখিতেছি সর বর্তান্ট ওয়েল্স, जिल्लेबा আপন অভীই সিদ্ধ করিরাছেন । এক मियम अहे प्रद्रा करिएक्स (यटम अक शटन व-নিরাছিল, এযত সময়ে একজন পৰিক একট টাই চড়িয়া বাইজে বাইজে কাবাকে বেলাৰ कंद्रिरमन । इध्याननी क्किन्न फास्टिक व्याप ६. ইতে ভাষতমূপ পূৰ্বাৰ সেলাৰ করিছে বুল-म : गोधक काहा क्यादक प्राथमार्थीक किकार मा क्षिम, एक्षेत्रांक्ष द्रवायस्य विश् श्रीवेक स-नित्य होका । शायनाचाच चाया हाविकारक चिति विकासन विकास पार्टी आस्त्रीकर

कि । जयम इच्छानी ककिङ्क व्यानमञ्जू 🕸 পরিচয় বিবা ৷ পথিক বিস্মন্তাবিষ্ট ইউর্ছা 🤻 🖰 ফেলিরা আৰু সইরা পদারন স্বার্ত্তির 🎉 🛬 चात्रा कांनी गर्वाय दाहेन तर्व पूजिवादम्। गिकवाकत्न व्यक्तिक व्यक्तिक व्यक्तिक वर्वाच (मरम ।

> উক্ত পত্ৰ বলেন, সম্প্ৰক্তি কানপুন্নেত্ৰ 🏰 कटी इन्हा दर्शनाम अक क्रम इन्निक्त **फ्रीय भक्टें रफ व्हेंब्राट्ड** : ब्राब्डिट সকলে চরবি দিজেছিল, বাঁণী বাক্তি त्रकटरा शमादियों ट्राम, अर्थ वर्गकि स्टक त्म शनाहेन मा. हेजियरण भाषी संस তে নে চাপা পড়িয়া প্রাণন্ড্যাল করিয়া

विशेरशरमधें मरके विश्व मरवाम वरशन व पूर्वे पूर्व व वाकिनद्र व रेक अवि श्रीशास्त्र वेशव गरात्र वाक करत्र, छाश्रामिरभन्न स्त्राचिरमके करको है 🚄 ভানান্তরিও হইরাজে কিন্ত ভারারা ভবার ক व जाटह । जटबायान्त कविनवत्र अवर्गहक्तिहरू किकान क्रियाद्यम बक्षद्रम फार्मकी अ क्य विहासामध्य दशकाम । देशकिक्षम विह्य इडेटर नामश्रिक्त विष्ठातानवर काराविष्ठकंड् উপৰুক্ত বিচার স্থান।

হিপুপেটি য়ট বলেন, ইডেল সাহত্ত ক্ষেত্ৰ धनम माध्यदवत् भद्रियदर्श्व चल्यदेनसम्बद्धाः शक भणांत्र शास्त्रम कत्निस्यम । 🐣 🖙 🥌

केल श्राप्त आहेल बर्गन (बर्गन मिट्स्ट्राप्ट यांकिका विकामित्रकृत्वानिकांद्र मध्याः व्यक्तिकाः ८७ अवर अवन्दान क्रिया विद्यासार केरी वैद्यान बाजवा ८४ बाववर सहैवरहिकः कांग्रेशंकरपूर्व वि-ना। अक्रवार्थ ५२ के अलिक विकास करें 14

-वाका क्षाकान बरमान क्षाकान रचना वक्छ शहीत्रावद विकासिका स्वारकार जना ৩০০ টাকা প্রধান করিবাছে অব্য ভরতা क्षेत्रीश्राद्ग-क्षक शहराक्ष ८५न मारे । देशंद्र क्षांभंतर जीनमा जीनमिरे धनानित रः Truck i

🊁 किंक श्रीकारणह जल जन मध्यान काफा पर *"स्वातः बद्दवाब्द्ववः व्यवःशाखी क्रावकी अधिकः* पानाम् पान स्टेट्डा अस्त्री आहे. जिल्ली लाम करशक जिन्दान बर्गा व्यक्ति क्यांन क्रियाटकः भवन्तिके क्षिम्सक नगावे.

मा. अध्यक्ष विरागन ना । कायकवर्षीय कि निमा बाहेरजरहम । डाबाहा चरमभीह ার অভ্যাগ ভাষন হইবার ভার বি ছ-গ পাইবেম ?

১ই পৌৰ মজলবার ৷ श्र्मा व्यवसायस्य चरलमः व्यापः हेरवतः त्र-क्ट रहेर्ड नर्यम् स्वापि इति यात्र মুখ্য রেইলওরে কোম্পানি গ্রপ-'নিৰ ভাগি কৰিয়া আপনাতা পুলিব नेयुक्त कत्रिटचन । अञ्जी अवर्गस्मर्केत .র সংক্ষে নাই। কোনু দিন আসামের शक्त माति पहिला पनिवाधिनदक पूत्री-রিতে বাইতে হর।

अक्षांनि मश्चादिक हैश्द्राको मश्याप াছির হইতে আরভ হইরাছে। ক্রমণ: था कामकार्यद्वक केमांक मुक्तिरशास्त्र वह-जद्य ।

चारवाध्राद्याचे वरमन, चानगर क्षती, नारक-अक्सन कुछश्रम विद्यादी गरको গেরে গুড হইরাছে। এই স্ট্রেড পোর ভিন জন সহচয়ের সহিত কিটল মামক একমন ইউরোপীয় কেরাণীয় পরিচারককে ব**ধ করি** क्ति।

এড দিলের পর কলিকাডার ক্ষক্ষম काम्मानिद्र (चर इड्डा होना मास्ट्रके म बर्फ हेरा यावछीत्र नीलायकादी स्वान्नानि অপেকা প্রধান ছিল। অধ্যক্ত ও কর্মহারি शिरगत्र प्रांट्य करमूक वश्मत्राविध विष्यक्रशाच ক্ষিয়া আগিতেছিল। গত কলা যাৰ্ভটি কেরাণী ও সরকারকে ছাড়াইরা দেওক্সিঞ্জুই. ক্লাছে। ছারিজন যাত্র বিদাব পরিভার দরি याङ्ग निविक चार्टन। क्लाम्यान्त्र क्लोकः-र्लाक् विवयं काशिष्टिशत यन नाई। सना बाइएकदंड बाबू क्षीविष्णक्य भन, शेवानाम भीज के जानाँद्वां।किश्यामाय भूमकात्र के कार्या आद्रष्ठ कविद्रवय । आयत्रा अनिवस्त्र छीहानि-ত্যাগ করিবা একটি বস্তু ক্লম্বতকারী কোম্পা-मि कत्रम । काश वहेंद्रम् भै नवंद्रव भारतरमद मारमक क्रिक्षित सहैदर ।

बाक्तीय बाराटबाइः मरबादार्व ३२०-३ ८ ध्यान महिवाद्यन । अवर्ध्यक्षेत् धरेक्श কাৰ্যাই অংশক ৷ ভাল ভাল জাৰাল বিক্ৰয় मित्रा तथा है कि नहीं करिएछ हन ।

গেজেটে ক্রেকখানি পত্র প্রকাশিত চট माटक : इक्रे.शास्त्रम निवित्त आिहोते महस्त्रम ভাক্তর বিট্যুর ও নিম্মের সহকারী প্রণরি-ভেলাক জন সাহের জন্তভা প্রতিনিধি কনি ननदरक कि विदारक्ष हतेशाब अर्परण फेलम কাকি ওচা ক্রিডিড পারে। তথার করেক थामि हात्र क्या इहेबाट्या अक क्याजत है। - এ**মন উত্তম যে লওনের একজন** বিখ্যাত ব-গপুরে " মধ্যভারতবর্ষীর টাইন্স্ " (শিক বুলেন, ভাষা ভারতবর্ষীর যানভীয় চার **অপেক্ষা উত্তয়। পর্কাতের মধ্যে অনেক** স্থানে চা আপনি অনিয়া থাকে। ডাক্তর বিট্যন আরও বলেন, তথায় বন্য আরাকট নামে এক প্রকার মূল কলে, তথারা উত্তর কাপ-ভের মাড় হটতে পারে:

> किनिक बरलन लिश्टेनके भवन्त्र वार्छत जापुरत्रोध मा श्रमित्रा देशेक्ता आक्रियन था তাঞ্চির বেডন ২৩- হইতে • - টাকা করি বাছেন। বীডন সাহেব বলেন, বখন খাডাঞি-কে অধিকতর টাক^{্তি} সামীন নিজে ও গুরুতর कार्य, इ. प्र. यो व्हेटल व्हेक रहा, जन्म जावात विक्रम क्रकि मा नदा जनग्रहा । यथ. व विक्रांत !

উল্ল পত্ৰ আয়ুও বলেম, ভারতব্বী যু भावपंद्रकी ज्यांच्या मित्राटक्स अवर्ग्टस्ट हेत् यख शक्ति बाला ब्लाटक कारा केलिया बाहेरन। भवर्षको बाजात बहेरक शक्ति अन्न केंद्रिरवम । रक विशे शक्ति जाएक ता ममुनाय विकास করা হটবে। হাতি খাদায় যক্ত সায় বয়, তর শুৰূপ লাভ হয় যা। আগরা ভালি চইপ্লানের थामाक अवर्रायक्षेत्र क्षित्रक विदिश्क स्य. অবচ চইপ্ৰাৰ ও জীবটো প্ৰধান, যাতি খাষা আছে। এমজেইবা সভাকার সম্পূর্ণ বিয়োধী।

जनकार दिनिकारम गरवाम जानिहारह. श्व क्षेत्रस्थातम् कृषि क्षा, छोत्रादा व क्ष्रेशं, इतित्र प्रश्चित्रं कृष्य क्ष्रीशं कृषित्राद्यम् । ফলতঃ রাটেনি প্রধান মন্ত্রী খওরা আবর্ষি हेतानीत शर्वद्वके क्रमायुट्य क्रम्मक्री हिर्मू-िणात कार्यः ऋतिहारकत् । द्रकृतस् अभाव णात्राज्यकीच भागनीयां व्यक्तिकांक मामक । त्यारम विद्वास सह साक्षेत्र सहित्यां सहित्यां सहित्यां सहित्यां

ৰুদ্ৰ ভিও বিশ্বক্ত হইয়াছেন ৷ কেবল বেমন ছিলেন ভাষার তুল্য লোক একণে ইউরোপে नाई। महाहे निर्मालयन निरम यनियाद्वन করিয়া গৰণমেই একবে পঢ়া জাহাজে তালি । " ইউরোগৈর মধ্যে যত লোক আছেন ভাহা-व मर्था आबि दक्यब्राक खन्न कवि । दक्यरबुव মৃত্যুর পর খারন্রিকেলাল ইটালির সন্ধান व्यवहारक द्रालियोक्टिनन, मदानी यक्टर्स डीहारक शप खांश कांद्रेर उ हम ! किन्न यथन সমুদায় ইটালির লোক ও রাজা একলিগে হট্য়াছেন, তখন রাটেজি আর শাসন করিতে পাবেন না :

चात्र वक्षी द्राध्यत भवान कर्रे गाहियान-ভিন্ন কত স্থান হইতে এক জন ফরাগী চিকিৎ मक अविधि शिक्षि बांकित कतिग्रोटकमा रममाश তি শীক্ষ শীগ্র সত্ত স্ইতেছেন। ওল্পেনিটেন वितिशृक्तिमा अक निर्मानियम इक्षिम महत्र উত্তৰ দেশার ভুল্য , সেই প্রকার এক গাবি-বালভি অহী যু গ্ৰ-ধ্ৰেটের ভবু ও ইটালিব সাহসের কারণ হইছাছেন।

५-३ (भोव दूषवाद्र।

माळाज गर्नध्यके जिनाक दवत तालाद्य **এলাডিশয় সমাদর সহকারে গ্রহণ করিয়াছেন** । रिक, मुगलबान ଓ हैं डेटब्रांशीय नक्त (अंशी একত্র হটয়া তুলাকণে রাজার যথোচিত সন্ম নৰা ক্ষেত্ৰ। শাসন কৰ্মা সত্ৰ উইলিয়ন ভেনি: गम चत्रर मोक्सारकात क्षांम अधाम क्यांकार्थ. गरक ब्रोकांत्र शतिष्ठिक कतिया विद्योदक्त । জাতিবৈর বেষৰ কলিকাভার প্রথম, এগন काथा ७ मस्ह।

जाशामि अञ्चाह हैएक वांशास्त्र अक्ष (वर्गामधीन वृद्धिरव । जिन नाम अक वृद्धि छ: হাতে মার্ট্রোহণ করিবেন আমন্ত আরও 👏 निगाय, विद्यालय काश्राम समहैतम्य सी धेनतम उद्दिश्य ।

व्यक्षकात भारत्यहरू वृत्वे वहेन, बीकू स्कार-व्यक्ति प्रदेशियायाचे श्रीमकीच वक्षक्रमीक शर् कादी निक्ति दन माउँदात करकेंद्र पात अस्य स्तिपादक्त । कार्यम् , केवंत्र शन्तिक । शकाः द्या भिवित त्य मार्डदात यम सुनः, प्रदेशकी किनि के शह शुहेरका।

े अस्त्रकारी ज नका भाकि नाम नीज दिला-क महाज्ञा पहिल्ला का का का का বাৰ্ণন কৰিবলৈ কৰা হাজান বিটানিনিপাল ভানি সমানিকলৈ কৰা হাজাত বেলিনিরের ভার গ্রহণার কালা কালাছিল। বাজি নি-নের বিবলৈ সভার ভালত। ভারভার্থীর সভার ভার ভাবে বুলি আজি কালি নিয়া তল ক্ষা-হে, বোধ হয় এখনও বুনের খোর আছে ন-ভুবা গাড়ি গাল্লির ভাড়া নিশ্ব বিবরে যত নিলেন কেন?

र्ह्यामिकेट्टन नार्ज सरमरमञ्ज अक्यानि পত্ৰ প্ৰকাশিত কইবাছে তাৰাতে ভূষ্ট বইল क्षताभी मझाँडे कहें क्षत्रांचे कित्रहाडिएमन, ए।। প্তিভঃ মগুত্ব কইনা হয় মান কালের িড্ড আমেরিকার যুদ্ধ বন্ধ করিবার চেষ্ট। কর लोर्ज दरनन अपूज्दत विकास्कर, र উত্তর বিভাগের বলফর ও অনুরাগের ৫ ার हम मोहे, अध्य मदाल मानिवात अखाद यन प्रनिद्ध मा। आंत्र किंद्र किंग वित्र , भीवा अश्वात कहा कर्डवा। महामी शवनद्यक दहे के बाराक विष्य विवास देशमध्यत व महाव्या করেন, ভরিষিত ইংল্ডীর প্রথমেন্টের নি करते धनायांच शाहेदारहरू। सभीव भावनंत्राचे वनिद्राह्म हेश्नथ ७ कृष्ण बधाय बहेरन छं-हाता महकाती इंडेएड शार म, कि ह ति मनत व्याधित नाहे । व्याध्यक्तिकार्गामिकः स्मृत्रुन हेरमधीद गवर्गामके केशालहरू खेवा कार्य । करबन ना। यहां इंडेक, क्यान नवाहे अ र मासिविश्वहिक्छारांची शामब्रहेत्मव निक्रिक शदाक्षिण स्वेताद्वेत ।

কলা র ব্রিকে ব্লেরের নিথে বাবিয়ারি ভোসনে মালের গাছি ভালিরা গির্ছে! বি শেষ রগ্রান্ত প্রকাশিত কন নাই। এই জনা গুক্তির গাছি রাজি নাড়ে আজার সময় না আসিরা নাছে জিনটার সময়ে আসিয়াছে। এই শক্ট দারা অনে ্রে আনা ক্টরা-ছে। একংগ ভারতব্বীয় কোম্পানির রেইন গুয়েতে এসকল দুর্ঘটনা এত ঘটিতেছে

১১ই পৌৰ *বৰন*্তিৰায় ৷

্ দিল্লীকোজেই বলেন, লেপ্টন্ট স্থাকসংন র বিচার আরম্ভ ক্ট্রাছে। থোবল নান্ধ একানে বোকাইরের বারিপ্টর উভিন্ন পক্ষ সমর্থন করিকেছেন। তুই জন বিবিশি সংকী বলিরাছেন তাবার। খানসামার প্রকা দর্শন করিয়া স্থেপ্ট ক্ষিস্নর্কে সংযান দেন। কিল্লীক্ষেরের স্থান বিচার বন্ধ স্থিয়াছে।

এক কম ইউরোপীয় করাচিতে স্বা চুরি করিছা বিছু টালা - দ্যা পলায়ন করিবা রাজপুতনার গর্ভা কলে। তথার সে আপা-নাকে লখনতিত " ইনটে টেড্ লখন নিউ-সের স এক কম সংসাধানা তা ভিত্তকর ব-বিশ্বা পরিচয় লেয়। ওাহানিত কাষেক ইউ-

द्धानीय कहरमादक जारात्म नेपाद करवन, अवर, स्क्ट स्क्ट किंद्र है। कांक निशेष्ट्य। পরে হঠাৎ করাচি হইতে ভাহাকে ক্লী করি বৃদ্ধি পদ্ধ ওয়ালা আসিয়াছে। সে আউয়ান্ন গ্ৰেগ भंद्र अन्याविकटक अहे यनिया नद्य निर्विद्योदक ¢'খহালয় : **একুএই** করিরা যভগুর পারেন সহারতা করিবেন : আমি বাহাতে নির্দেশী হুই এ চেরী 'ফাপনাকে করিতে হুইবে। ++++ बाबोर्ड काबाइ वाबाहरत्व अधावक्य वि-हांबामास विहाब म्य कामि त्म हहरे। क्रिक् কাস্ জামি নিশ্য কানি ডৱডা ছবি জান त्यक्रीवी विका '। व हेरब्राकी नवा ।।भट ॥ स्मानी इंडेटबानीवर्षि চার পত্র গোর সহায়তা করেন এবং জুরিরাও ভাষা विशक्त पृक्त कविया विद्वाद कहे। कदान, हैरा क्ष्म (४ इडेरब्राभोत्रिक्रिया প্ৰবৃত্তি রন্ধির কারণ এবংশ নহে, এডক্সুসক अर्जनीव्रक्रिरावय बाहे मरकात कवित्राहरू (व । রাজপুরুষেরা পক্ষপাত নিবন্ধন ইউরোপী बुलिट्यद्ध प्रश्न विधान करत्न ना ।

মক্ষণাইট বলেন, অবোধার ক্ষিণনর উইওফিলড় সাহেথের উত্তরপশ্চিনাঞ্চলের আসন কর্তৃত্ব পদ পাইবার সম্পূর্ণ সভাবনা।

অবে ধ্যা গেডেট কলেন অস্গার্তালি
নামক বিদ্রোহী ও হত।কারী এড দিন বে।
নাহ মহলের বাটার দেওরান ছিল। এজনা
বেগা "কৈনিধুৎ াাওয়া হইয়াতে তিনি
এত একার সোককে কি জন্য আপান
বালীতে রাভিয়াছিলেন। সদর দরোগাকেও
এ নিমিত্ত ব্যালা ভংগা করিতে হইবে।

मानांक होहें हैं नातन प्रांतनम हि नि निवानएक ममानद ८. ब अस नाधिक ने-भवानांद्र नहां निवाद १६८०। प्रमान सान कहा इत्याद छाइ एक हे स्मार्ख्यती, लाड अलांतन, मन स्वतिमान एडिनमन, जिया क्रिन्न बाद्या, करायेत्व नवांत ७ मन होतनम हि निल्हांतन बाद लायां ७ डीशंपिर शत था मण्या, कना एडेश्वर । मन होत्रनम् हि निलि-यान गांद्रा मण्या मण्या । अह होत्रनम् हि निलि-यान गांद्रा मण्या । अह । अह होत्रनम् हि निलि-यान गांद्रा मण्या ।

ফিনিকা বলেন গত মঙ্গলবার নিষ্ডলার
কেন্ত্রন গনি নাজির বালীর সন্মুখন্থ নরসমার
কর্মি পাল পা প্রা বার । তাহা খোলাতে এক
হবা প্রবের গত দেহ বাহির হুইয়াকে । সে
কে, ও কেন্ বাজি ভাহাকে বধ করিশীছে
ভাহার অনুসন্ধান হর নাই। পুলির কর্মচারী
ক্রিণ সালেব হত্যাকারীকে ধৃত্ত করিবার বি
লেগ তেই। করিভেছেন।

উক্তে পত্র উংলগীয় একবান্ধি স্থাপত হ-ইতে একটি নিসাব উজ্ভ স্বরিয়া গনিরাছেন। । এবংসর ভত্রতা সংবাদ পত্রের নিবিস্ত জা।

त्रणाकण जाना हैवाना अधिक कोकारक। युक्त के स्थान किया की मरः म नारसात श्रीचक का किया की कोन नावे पनिया श्रीचक का का कार्यक्र कर्मन नावे पनिया श्रीचक का कार्यक्र क्योर्ज, क्रिक्शिक केवीन का कार्यक्रिक नामान श्रीचित्रक केवीन का कार्यक्रिक कोठ सम्मानक नामक कार्यक कार्यक्रिक कांत्र पूर्व के बीरमात ब्राह्मिक क्रिक्त कार्यक करिया

১২ই পৌৰ গুৰুষার ।
পত রাজিতে কর্টোলার বার কেন্দ্র ইন্দ্রী
হন মজিক আপনার ছাব বইতে ক্ষম প্রসামী
র পড়িরা হতথার, বইবাহেন টিকিংন্দ্রিক
রা কহিতেতেন ভাষার ক্ষিক সংগ্রাম

রার ২০০০ প্রভন লৈন্য ক্ষেত্রিক ইইবে । উক্ত পত্র আরও বলেন, ক্ষরাক্ষ ক্ষেত্র ইউরোপীর লৈনিকের ক্ষিত্র ইইরা বিয়াকে ক্

उक्त श्रामाता जातक जाना तात गण्डा । उथाय अस्ति त्याच्या स्टेशः व्यक्ति येत्रः व करतक जन श्रामान्यं करण जास्य स्टेशास्य ।

চাকা নিউ- বলেন সম্প্রক্তি চিরীপুর্কির কবেক জন সভার নেজর হউনের সহিত দা-কাং করিরা-বৃধ প্রাক্তান গারিক্তান ক্রিকার কথা বলিয়ালাল । বিভ পিটি প্র প্রাক্তি শেব হয়, ততাই ভাল।

১৩ই পোৰ দৰিবার।
গত শুক্রবার অপরাক্ত পাচ বটিকার কা মরে ইভেন বাগানে বিবাশিত সকরে জিল কা বেব ভারার পুত্র ও বাঁগি বেরিয়ার প্রান বানে আকাশদার্গে উ বত ক্ট্রাফ্রিন নামবান ক্ষমণঃ পূর্ব গ্রিকণ ভাবে স্নান

ानवान कानगर प्रस सामा जाएम मनन १ क्षित्रकित विक्रे । अज्ञालकि शक्ति इत्तरहा

विश्वीदशरको बरमम्, अञ्च निष्य कि कारण अवर्गनिक कार्यका कार्यक

উত্ত স বিদক আবিও বলে ট লভে ।

বহীর ছুইজন আকিসর জালির দিবি দিবিত্তে

প্রিয়াছিলেন। সিলিরার লোকে তার দিবি ।

কে বন্ধী ক্রিয়াছেন। ভালারা তেল গুড়ের ।

ভিতরে কাছার ও বাটাবি আভাতি নাই।

এতক্ লক বেধানা একটি ভুনুকলাও উপান্ধী
ভাষ্ঠতে পালে।

स्थान । स्थान वार्य वार्य के स्थान कार्य अवस्थित । स्थान कार्य अवस्थित कार्य कार्य

क्षें भीव भावताता

। भारत कांद्र। शिवकाक केंद्रेस ! क्रित शक्काशक्रमादन देखन मारदन त्यांक, हांच भरवतंत्र विश्वतं विश्वत ' 4क क्स मका इवेटमान।

तिक्षित्र क त्रवास क्षित्र धानावनाक

र्धेदाशीः नमानाव । हुक वन्दी दुरुष र । यत्र व्यवस्थितः प्रान মুল্ডান ক্রিয়ালে र ानाना क्षांतिन १९६० %, श াতে বাবে, কিন্তু বতা বিউলিলি-14 सः। एक अन्तर् क्रेब्र्यह्म। वे , .बक, मिन्द्रम नगर्धन व्यक्ति ल र १८ इन । १८ १ व्यालीट ८४ मावासा हरास्य उँध व ६ १४७ (३४ हे.स.) ि भाषीय स्त्री १ व व क्या हेजारम । ्रीन दमनामित्यव व्यव ना निव्य निविधान रद्र अवस्था कहिन्दु व्यागहः, १६ । न्यान-ा कारहा जुन्ना भगवा उन्न कः शि^लंड **एकदिम् म**ल लक्क बन्द जुन ार विश्वक विकास कवित्य गामिया । <ः, अ**च्चिरक्ष** निक्षे युक्त ६३.०४ ing with t

" মাৰ্কা সম্প্ৰদান কৰা তাপে কৰিয়া-े जनातक बहेरहरू।

त राष्ट्राजिवनक विद्याप रशका रागवर्गाम श्रम अश्रामिक र खुर्च का व. पर्वेट उद्य कारक क्री-। शान कवेटल बालक, हिटल्स, किन्ह विनि स्वाह्मकार क्या पंत्रा कटबन वाहि, क পত্তি পর্ব A SEST ME SETS 以我看你到了一个事情 二十多一 ing retrieved white, alletate winn an LATENCE WHEN THE STATE OF THE SECOND क्ष्मान के क्षित्रक क्षित्र के कि कि कारकार को क्षित्रक क्षित्र को कि कि कारकार with the state of the parties and the land the state of t the rest resident with the party and

গ্ৰণ্টেণ্ট বিজ্ঞাপন।

बामगारण्यीय (गर्ग्डेनके १ । एकम व्यक्तिभाष्ट्रमात्री मिट्या..

२८व वदर्य-निष्ट्रतिषेषु वर्षाशिवः эь ५२ वारक्य ३ काहेन कक्षाताहा किंग किंग क्रमान क्रिकेट है। ना---

不宜 例。 " 真血炎和新!

ज, ज मार्किम, साम्बद्ध । भाक्तरी खद्दा डिविम, जनमध्र । बाब क्षाविक एक छो भूती बीन छन। णाकत त्य, वि. ज्ञालन, दरहाव । का कर, पेट्रे जिल्लाम् म् । एक्सिम । वर्षः इत्रक्षः हरक्षे लायात्रः, वीक्षकः । भोक्कर खर्विनिष्ठे, वि, विष्ट्रेगमः इक्रेप्रायः। (मोन्सरी सनिक्रक्तिम ग्राच्यात, कड़ेक। पान्त्र व, निमनम, छाका । धन, ति, चायम् वित, विनाजनीत । क, (खरिमन मार्डन, छपनी । श्रष्ठ, श्रम, क्रांचिक्र¦की महत्वरं, य'मांच्यू । या, प्रश्रिक्त विज व्यक्तिशीतः। erm: B. B. artigram ! यो ५ कक्षणे किंदरियोग श्रीहरू या विष्वादांश । (म'लते वहत्त्वल नारिक, माने माने कार कार बोद्र ६५ भी बाच रख, बनीया। व व जादकसाथ (मन, २८ भदनमा)। ^{७ राम} व्य महत्वल, शहिला । भिष्यां कार नामां का कि. सूर्वकः। ए कि जि. क्यांत, श्री। र इं रगांशांमाज्ञा स्थार, इंकियांची ।

লিখিত কণচা বিঃপ্ৰ

· crieffeet aff **国国际代表中国** भ. माहाक के हैं। के किया

चित्रे कांत्रकारका मार्ट्स, कांत्रमध

'বু ালাকান্ত স্থাপোধ্যায়, করি রপুর। ी विक्त माटबर्ट माटक्वतः कावका। ् । भरी नेत्यु दृष्ट्रम्भन्न गर्भावार्थः alat sal tarby balan alterthe

्योशके दक्षित्र होत्राहित स्व were the middle during the con-

Saland ে তেপদী

2 2 mer winder die entre french and familie ta ma file attaces the चाका ना इंड कडांकन, त्वाक, कार्रिक स्थापन क भवनी मिन्स चानिकाली मयक्रामद शास दाहिन (44 1

: देवे (कटमान- विमृतिधिक पाणिक्या मार् नर्यन माधादण निमार् " क ब्राह्मेत सका कहे

'प्रराम है, क्षक, 'ख का है सि. १ 🎢 बा स्टार्ट म न टक्रन जनर नामू दनाकुश करा दक्षेत्र हैं।

निम् मध्यक नाक्षा स्टब्स्ट की स्टब्स्ट वि-मालिका क महिद मद वहादमा

भारा वालाः काञ्चल बाह्य व्यक्तित ह्यांचांचक्क विकास, क्रिकी कर्यों 📶 TIP (No.

वात कुक्कमन क्लामाना লি কালেকের এক জন জন্যান্ত্র

वाः शरकत् अक कम करा । वाद्य त्र क्ष्मुक कामाना श्राह्म हे स्कृतिक जि कारमध्यम् अप जन गणकाती सर्वे

यात्राभरकंत सरभाव स्थाप क्षित्र (द्वारान बकाकनीय काबकाशक काश्रीय ३५७२ वाटकर क भावेरमञ्जाक भाराष्ट्रक व २३ शहरानाम (७०%-क्षि क्लंद्रक्षक्रेद्रवय क्षत्रकृत शाहित्वम् ।

अंके किरम्बद्ध- कहा जि. देशकीय चारम्य 20 海红出菜 出。 新仁安 真 母 本 [C 田等 b · , · g · a x / g] बनेदनमः क्षेत्रः वेषा दशकात वाक्षित्रः । । । । वृत्तिः कार्तिः कृतिः कृतिः ।

ভাই দিই বি, জি, টেলৰ সাচৰ ।বচাৰের আইনী সাজিতেই ও ভেপুটি কালাইর চইবেন, কিন্তু বছালিন জানা লোক আজা সাহর, বালাল গণ্ডের শুভিনিধি মালিট্টে ও কালাইব । কিন্তুৰ।

यक्रमिन रिकारिय एक्पूर्वि में क्रिके हे इस्तिन रे मार्टिक स्मिन विकास मार्टिक स्मिन विकास मार्टिक स्मिन क्रिक्स मार्टिक स्मिन क्रिक्स मार्टिक स्मिन क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स स्मिन क्रिक्स क

্ল। ভিগেছর—ই সোগান শাছের বলদে শায় পুলিবের এক জন এখন জেণির সহকারী তের।বধারক চটনেন।

২৫এ নবেছর—বারু মগুরানাথ পার্প্ত চল্পা বংগর ভেপুটা বেজিউর ছউবেল।

- । क्रिक्यन — निम् क्रिक् कर्मान हिन्। अस्तिन विकास क्रिक्ट (वावाक) युकार्य गमन क-१९ ६.२) कर्म क्रिटनमा—

कारधन टक है अल डेक्टिश्नान्। टलभावेशरी माहेशन गाधिन।

·· प्रद्राला है कि स्मृत्रेश शि

্ ই স্বয়। শ ১৯৪ জিলসভ্য—সি. বি. এটারট

>> कि किर्मेश्वर-मि, वि, श्रीद्रिष्ठे नार्षक कि मिर्टिय करा २३ श्रीदर्शन कार्के मिन्सि-८७ व क्रियो कार्यक्ष श्रीकरवस्

হাৰজাৰ দেপুটি মাজিনৌট ও ডেপটি কা লেউন ই, এক, গ্লাড়টোন কিংচাম মুয়সিলাবাকে ৰদনী হটলা কথায় সাজিন্টের সম্পূর্ণ কম-ত পাটবেল।

মেন্দ্র টা, ডাঞ্টের অপেন মদকুদার ভার্য কইতে আনসর এটার আলি বৈ প্র অভিধি ছেট মারপানেধ কমিসনত্র ভটিবেন।

প্রেরিত প্রেরিত বিষুক্ত নোমজীকাদাসকানক মহাত্ম সমীপেয়।

गह गए जानाव भक्त वारतत रहित गिंक गांम जारमकाकृत नावश्वनकीत महित मुक्तिक ग वन्त्रार क जाना कृत्य विद्याप्ति । क्रिकेट गांस जानात कर्ष क्रक्तित गतिवस क्षेत्र गिनारक। ३० जानात्राम्ति स्नामध्यनारण ७७ गिने। ३०, ३२ वन्द १७ मधिकाक निभिन्न करे-गांक, वारकात क्रिकेट स्वाना आर्थना श्व विद्या जावाद क्षेत्रास्त्र मुक्तिक कर्मा केन्द्रार व्याप्तिक क्षेत्र स्वान्त स्वान्त स्वान्त स्वान्त क्ष्या क्ष्या स्वान्त स्वान्त स्वान्त स्वान्त क्ष्या क्ष्या स्वान्त स्वान्त

(५) वै:द्याः चार्ड्स विकासिश्रद्धिमन, की-। विद्यम् कार्यस्थापकात्र स्कृतिकात्र वर्तिश्रद्ध । म वैशासि स्था स्थ १)। स्वृत्याशकात्र वृत्तित्र मा स्वत्रास्य लियात्र स्वयन विश्वतित सर्व कर्षा मास्यकारम् । अविद्यास्य योशस्य ध्वस्तात्र मा स्त्र स्थापित स्थापित प्राप्तिक क्रिया क्रिक

^১ প্রেয়র ^১ বেরুণ নাগাবণ ভ বে গু**ীত হ**য आर्थमा त्मक्रण महद । शार्थमा छेलाममातु अक्षि **अक्ष भाव । वेशांत कर्ष गः। एकः। आश्रिक विज-**ब्राट्सि ' नेषेव आयारक मक्रम अरद अलाव कर এল্লয় এইবিন, (ছাস্তবিক চটালও) ছায়া নীলকর নদুশ প পি বাভিন্ন আন্দান কথনই देवां उ वहेटर मा "। कियु इत्तल आर्थना यान आधितक एव फरवडे ता शकान म है छिए स তাহার বিশ্ব কুরুর্দের প্রতি রুণা উপন্তিত চইতে ছে ও ভাষা প্রভা/গের জনা দে সচেটিভ(২) थार्थ। भारत्य थाउँ ह रूडेशिया मा क्हेल ा १ व व वेटल शक्ति शविश्वयं स्था, संश्रुतिक य-जनलंदर मणाइ क्रियांच समा शार्थमा यांचाह चौडिविक कि श्रेकार्य वहेरत ? यात तथन कान মন্তঃযাব কোম একটি পাপের প্রতি রুণা উপ-बिक ब्रेबाइ उपन वेश बना बाह्ना मात्र व সে ইং: হইরে ছবে থাকিতে চেটিডট্ট আছে। क्षिय आवाद मि श्रीकार मिंबर हासू रा পালের সহিত বছ দিবস পর্যাত্ত সহবাস করা-তে ভাষাৰ আত্মাৰ বলেব অনেক সুাস ছ্ট-शांद्र । धार यथीन चाश्रनात दुर्जन (र'भ रह ত্র্বনি অভাবভাই সেই অভাব মেটিনের জনা ঈশ্ব रक्षा निकारि श्रीर्थम। या । .त यथन खालनारक प्रकास (मधिए। क्रेश्वर्टिय मदनाश्रेत स्व. (क्रांबिना ভবাৰ অৰ্থ শ্ৰণ্পন্ন চঙ্কী ৷ সেই শ্ৰণ,পন্ন क्छमाटक अव'य धक्षि वहान कानमा **व्**य निके-আংলক্তি জ্ডিয়কে কোমল ৫ ন্যু কৰে এবং চেন্ডী, ও উৎসাহকে (৩) শতশুল মুদ্ধি কৰে। সে

(२) जान्य श्रीक विश्वादिलाय, अध्य अ क हर्ड ह क्रार्यय श्रीत हम अ जिश्मित्रामा उत्ती के जाशांच उद्यक्ति। धन, धार्यमा नर्द्या जान वन्द्रत अकी कथा किजामा कर्वाया है छ एक, 'नोध कक्षण एक वास्ति शार्यमा भवात सुध हडेग्रा स्करण एक वास्ति शार्यमा भवात सुध हडेग्रा स्करण एक स्थाउ अप 'उ जश्मित-जाम रुक्ती जाया। जाशांच हे के जम्म रुक्ती करिर उद्यक्ति, जा व कम वास्ति क्रार्यम सुक्ती जावाय जाया। उत्ती जाला क्रार्यम स्वया शार्यमा जेम क्रार्य क्रार्य क्रार्यम अवस्ति ज्ञास्त्र वास्त्र क्रार्थम अध्याम शास्त्र वित्र क्रार्यम अध्याम क्रार्यम अध्याम हिन्द्र क्रार्थम अध्याम क्रार्यम क्रार्यम अध्याम क्रार्यम क्र

(3) द्वीर्गा छ विशानाका कि स्वाह खाँ-र्यता निर्विष्ठ कर्ण नटक ; श्राविता विशा कि ला स्वाह, अववाछ क्ष्य करण आहे. क्ष्याहाः विहे! काशह क्षेत्रमात्र हृद्धि कहेवाह नशानमा केटक, क्षित्र श्रावित्त केस्न मालकि कि ? क्षित्र मानहा

उपन चानजारक अन्दर्देश साही এক প্রকার আশাস্ত্র ও কভীর জী क्षित्र वारक। किह जावि वादी व क्षरतकारम गत्रीकात विक्ष, क्ष নাৰারীরা বে শীক্ষ টকা বুরিকে व्यानात विकास क्षेत्र का । हा रदेश क्ष्मण आर्थशान् : তাৰায় কথন আছাত্মক এটা ८७ व'बाद्र म्लुडा द्रविके ∙् देखा विकाश वदेश्य। संख्यार औ षांवा दन जेथेवरक आश्च वेंद्रेरक ल शार्थना बारकात अञ्चलक सार्व উথিত চইল ক্ষাৰ আৰু এৰ্ণু कार्यात्र इतिम्हा आह आश्रीन हो। বে স্পূত্ৰ ও ইন্দ্ৰায় গহিত্য গ্ৰাপনীয়ে कर्व प्रकारक कांश्री माक्षतिक (३) काक्ष्म हिं। नेपंत्रत निकार एका चाप्त है सरवर्त 🗗 पर पडरीबी, वैषे:इब्र निक्षे प्रशिक्ष क्रि প্রায় সমান। বেমন লোক ক্রি मन बाहित लाहे अवाह व्याहा केंद्र व वेटमारे श्वत छ दूरबंदि आर्थित करिय णिक व देश। शार्थमा बाका महत्व संबद्धि व्हें क बारक। जारकान्न (बार्जीक रेसे য়াছেন) কু ভলতঃ ভক্তি এটাতি ইয়াক্টি न दि छ। पेना भरकात भरका भरवा महान मा कारका स्वेटक किया । आ विभान भाषी कांगनि अवस्था विशिष्टास्थ रव क्षित्र शार्थना कता बेडेश ना दक्त काही क रा मा। किन्द्र पहि हैशा अक्षयान क्षेत्री न असूरवात व्यक्तविष्य ध्यवर श्राक्त कर् বোৰ উচ্ডিড ভৰে আপুনি আৰ্থ लक्षत्र। करकेच कि मा ? कार्यक्षः **व्यक्षिः क्षां** शेटकेंड कविशाहिकाय, अवश्वा

उत्पत्न आर्थना कहा बाद, कांदा संस्कृत

क स न च केठा।ति दल वार्न ककांद्र हार्ल

কি ইউসাত সন্তাৰনা আছে সংস্কৃত্যার্থী অবিধা তিম কি অন্তের আতুর্জা য

বাংক ৷ প্রার্থনায়ত ঐক্তপ উৎস্থাইটি

व विक्रं के कार्या महत्त्वव नावे । चात्र विक्र शार्वन। चार्चन निश्व वद्य पर्दा त्य नेचन वचरनात सन्हरे जानाविश्रदक आर्थनाटक अधिकाती कृतिहार इन् अविषया के दिल्ला में भारती वाकिएक भारत ना । वाकि रणात समापि कु अधिनाटक आर्थनांटक अधि-ही क्षित्रा करिया जार आर्थन, करिएन क कर्राय कार्यायारे। केवन आवा निर्मय भाग विकास कार्याया हिल्बहरू -स्वाद सामक मिन्ना हन बन्दांव। तिई ब्रेक्स के देश स्था करण निरम्भ करिएक भारत है स्वदेशन विविध किमि काम मिनटक নিচত অধিকারী কৰিয়াছেন ভবাপি কোন

131

विश्वित समा द आवता आर्थमा कति देश त्वित्र विद्युष्ठमात्र छेशत्र मिर्छत्र कतिरछः इ : বাস্ত্রপথকে আমরা এক অক্ষো কার্যকারণ मुक्तांकर रह मिथएडि कित पासिक जन-এটাই থেকাল এক মীতির ভাব স্বাধীনতার ভাব উপুৰ্মন্তি করিডেছি। আয়'তে আধীন ভাব ৰীকান্তেই একজন আধীন সাধু সভূষ্যের সভিত অপ্তান জাৰীন সাধু মুখ্যবাদ বেল্লপ নম্বৰ পিতা शूर्व विक्रेंग अवस्, वेचन क बाबाट्ड विदेशन नवस कुर्मुनेष्ठ व देश्रीहरू । वसूत्र निकटि श्वाप वेक्चारिक सहित्स स्वय छोत त्यक्रण नेतृ रह ধর্মারা আচারোর নিকটে আপনার পাপভার बाक क्यांक सकत्व गति छोशेत त्यर मह धरा क्षेद्रशिक्षेद्र भाग क्षेट्रक इत्त वाक्तितात (ठके)

म मध्यिक इस, देखेरमय मिकडेडि व ति एन ্ হইতে পায়ে ডায়াহত আই বিচিত্ৰ টা ছি। देश बाह्य जार्डेह संबोधि सहैत्यत्य व जाशिक द्वारका चारीम दक्षित श्रीवित द्वारका है चांचा-क्षिक कार्यना शाम केंद्रिएक भारत धरा धनार्थ-माह समाव धारणाहे चारह। विमि निधन कान हा क्षत्रत्र देश्यरमञ्ज्ञा स्थापन क्षत्र विकास বিনি আমাদিনকে ইঞ্জিয় দিয়া ভত্পবোধী ्रीरबंड मुक्त क्रिस्तिल, विति क्रूथ। विष्टा क्राप्ति সুস্থন চু বলেন, বিনি ভৌতিক শরীরের অভাব ब्लाहर्ने क्रिडिट्स्न, डिमि कि कांस्त्र कर्नन, ক্ষান্তাৰ কুধ। অৰ্থাৎ আত্মার প্রার্থনা মোচন कतिर्वन ना ? यहि आर्थना व्यवस्थित एक छद्य मेचबुरे शार्थना कविरत चारमण कविरत-ব্ৰেন, অও এব তিনি আপনি প্ৰাৰ্থনা করিছে প্রায়েশ করিছেন অধ্য তিনি তালা পূর্ব ক-किंद्याचा देश अगद्भव कथा। जिस किंद्रहे শুক্তর করেন নাই, স্তবাং প্রার্থনাও (4)

্ষুধুরকে কুভজতা ততি ীতি দেওয়া ও क्षित्र क्षित्रहें शार्यना क्याहे डीधाव खेलावना। क्ष क्षेत्रका वशार्व । आश्वरिक व्हेटन शिक क्षि चित्रक महत्व वहा। क्षेत्र का नाम बदक्कान क्षा के का अनुसार के कि वर्षः के तरक दिन क्षा किया निएक एकि प्रकार निक, उपन कार्य आक्र निकार

रहा, कार क्रावीस विद्वारी एक्डा में सूरवात चर्चा वथन मार्च क्या में क्या च्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या তে প্ৰতিভাত হয়, তখন থ্ৰীতি নিয়া আগুনা व्हेर**ाहे जानारण कार्यालका करत** । यथन श्रीवि র্ভার সৌন্দরো মিনীয় তর, তথন তাব মিয় कार्या भव्याच्या महित्य व्याचातित्वत्र श्रुवात वर्ष वर्ष वसन भागनाह मध्याह , यस करत करियां कं द शिव कादी नायात अनमर्व हरे, उथन जाति थांव महत्र छेरकाश्रम कवि, हेर्'रकरे थी-ৰ্না বলে, আমলা বলি ভূচেভূত উপদিউও रहे त सार्वना कन्नवा जिनी नेटर, कात्र यह अ क्रम कारका घटि दा त्मान कक दशव उन्न महा भारत शिक्षं रहेश मेचहरू स्विध ना गाहे. विम अञ्चल का नहां बाहे दि का शना द वह कि है वन क्षेत्रा कतिवाल केषात्रत काम धन शित कादी नांधरम जागांत्रश इहे. उथन महभन बहन ভৰ সংস্তুত আগনা চইতেই আৰ্থনা আনিবে নাথ! আমি মহাপালাপকে পভিত হইবা অজ **হটয়াকি আমা**ব পাপ মার্কন। কর, তোমান প্ৰসন্ন মূৰ লে বিভে কামি অক্ষম দটয়ছি, কুপা বিতরণ কর, তোষাব প্রায় কার্যা সাধনে জা-मान महमान का शताबिख पहेट उद्द. कि:मान डेरनाष्ट्र काम पूर्वकृति मन्तु व शकान कर चात्राव श्वाच मंज्ञान बालत थानाम बहैरव धार्माव (छ्ये: भक्षश्र इन्द्रि बहेरव । जकरम वि-বেচনা কবিয়। দেখুন বে এথকায় বাকা আভা-বিক উথিত ছুৱ কি না। ধলি একটি পুত্রের মৃত্যু, इम्र जात व में **व्यक्ति**शान वज्नवीकारवता छोहात माजात्म मुबारे 'उ किया करते त्य जुनि त्यन हथा। शांव डेशत स्मार्थाताश करते । आर्थना त्य छ-ক্রন্দন করিতেছ, ক্রন্দন করিলেই ভো ভোশার পুত্র আর প্রাবর্ত্তর করিবে না, এরূপ ছুব্তি ছারাকি সেই মাজান ক্রন্দনের উপাশন চয়? মাডার তথ্য এরণ বলিবার অধিকার থাকে त्य ज्ञामानिशाव विव कानाव मात्र कावदः এটেই ট্র ডবে ভূরি তর্কসমেত তোমানিগকেও নছে। ডকেতে পরাজিত হটতে পারি কিছু বাং-बाहे क्रम दिलाग कदिएड घटेखा श्रुट्य प्रकार स्ति अस्त करेख व दामन छेविछ वकेट उट्ह त्ने (क वह कदिरव) क्रम्मम कि मा कार्ड विक श-ৰল কাউয়ভাৰ অকাশা ভাব । বৰ্ম বালক अब्राखाद भीन इदेश माखाद निकार कमान করে তথ্য মাতা আপনার মুখের জনও সেই ब्राज्यस्य मृत्य जिल्हामन कतिया एमन। किङ यप्ति अप्रस वद्य विकास स्त्रीयन कतिराजस्य, जन बंह माठांत निक्षि किहुरे नारे, बक्रन माठा यांत भूबटक बरमब, त्य वक्त कामात निकार छ। किक्के मादे, देशांद्ध कि श्रावत कावतकात कड रहेरक नारत, बतर बाह्या समिते वस । छाहात गणक भागा भारता स्त्रवृत्त्वतः कारात त्यर विचटहर याम छिनेहा याह । वेशम किछत र পাণ বল করিতে কাকে আবচ আবার আঞ্চি ছা। সংখ্য কাৰাকে যুদ্ধে পরাজিত্র করিছে जनवर्ष होर्छाह, छथन खळावडवे नेपरवर्त जिन विकास के का बहुत क्षेट्र करे ने वा कुछ छ। करते आधान बाहा, दर के बाह ! पुनि में बिक मीर ক্ষা বাৰ্মান ক্ষাৰ্থক ক্ষিত্ৰলৈ দলে কৰিব। এবং ভোষাত মুখজাৰ ক্ষাৰ কৰিব। আনিছি ক্ষাৰ্থক ক্ষাৰ্থক ক্ষাৰে বিশ্ব নিম্নত্ত। উৰ্বাহ কোৱৰ কয় । বৰ্ণক আৰুটিক স্থাপনি

क्रिकेटम क्षत्रवर्ध क्षत्रक शार्थित पाक्ष विक्र क्रिक क्रमान कात्रम, ख्लम मिहे शत्रम मार्की विश्वीन शापत जन्मम अनिया जातात कृषा महिक-ब्रिटबंस मा ? निका परम भागाम चार्किक्क महिहस অসমৰ্থ চইলে ভাগতে কি সমায়তা উন্নিৰেম बा ? कि अंतर बाजारक वर्णन्त्र जना लागः-शिक्ष व्येटन लिमि कि मर्भन पिटवन मा ? अक्न बोका वाक्षांत्रा विज्ञाद्य हेक्या करहम, बमुन, किन्द्र माथू क्षत्र है है। अस्तात कानिटक्क शास्त्र मा बार्जान तक. एवं डेडिं रेर क्या निस्न वस्त्र आगाहि -ভ করিলে মাড। কি ভাগাকে জোড়ে এছণ করিবেন না, ইছা অপেকা অনুরভা আরু কি আছে ০ কিছ জাবার দেশ, বডক্ষণ পুত্র মাতার बिक्टि वाहिट्ड वा **चाँचमा**व करत. सङ्क्ष তিমি যদি জাহাতে বেছের সহিত্ত কোডে লন, সে তথ্যও মাচাৰ স্বেহ বুঝিডে পাছে না, ম.ড'র ক্রোডে পিয়া সুখী ছইডে পাছে ম क्रमानहे कहिएछ थे।एक। जिथ्रव मिने क्रमा अमन जबब त्रिका स्वामाप्तिक श्रेष्ठ करवन, गर्यन कांत्राविरंगर क्षाप्त मिलम कांगनाएड भून नः थाटक, रथन क्रमुक्ताति क्रामः क्रिट्राइ श्रव्ह श्राम शक्टिक शहरू, कथन छीवाटक शाहेबाद सना व्यामामिरभर व्यक्षांच रहांच छ आर्थना छैमन पर्छ-তে থাকে ৷ বাঁচারা আন্তরিক প্রার্থনা করিলে त्म आर्थना आश इस ना बरमन, याँचीमा आर्थ-न। दिर्ताधी इहेत्रः अर्थ करतन, औषात्रा मधूबाद প্রিবর্ড ক্রিডে চারেম। ভাঁছার। ঈশরের ক্যু-পাসনার একটি আল ইয়া ছারাই ঈশবের স্থিত আমালের খনিউড়ে চয় সংবাদ হয়। প্রার্থনা আকাশের অভীত ঈশ্বরকে নিকটশ্ব ক্ষিয়া स्या। बहुद्ध रा भवन चांकारिक छात आहरू जारा जरूब शबर उर्व बाहाय जगहुर रहेगाह যৌর সময় প্রার্থনা নিজ প্রজুত্ব বিস্তার করিবেই। কোন এক ব্ৰাহ্ম।

मृनाशांखि।

জীযুক্ত ৰাৰু ভাৰতানাথ ছেবুৰ हावडा **३२ ७७ वर्गार्कक वर्षेट्य देशक गर्नाह** e Birt .. ., शकायत प्राप्त 🍇 村田女生 ्रक्षक अञ्चलारंग स्वेटक में। देवनाम गर्याक व से MIGHT .. , नक्षाम् मुखकी ১ই৬৯ অঞ্চলমূপ হয়তে ৭০ কাঞ্জিক লক্ষক ১০৯ ग भ अपूर्णिय रेख् বছবাজার २२काः त्योष वेदेश्यः १० वासयायम् गर्वासः २०वे ११ व वृक्षम् प्रमुख्यातः विशेष्टरमासा ১২৬৯ লেখি হইতে নি কোঠ লাজত ক কোলাজ্যুল পাল ইট र्ड की अक्षत्र बाजवासक्षेत्रकेशक कारेशकाच वर्षास्त्र व वे

de am minutain qui miunt consume on-प्रकार करिन विद्यान करना विदेश करना विद्यान कर्या समेत्र व्यावद्यात आर्थन आर्थन क्षाविक आर्थन क्षाविक क्षाव



(本類性)

जन उद्देशक ११२१२ दर्शन । हेर ५४७२ । १ स्वास्कृति

विकायन ।

ক্ষ্মিশুকু জিলার জ্ঞানগারী বৃদ্ধিজ্ঞারি प्रदेशकार्क हारत ता गर्वान कांत्र कारह, कारा उत्रभूक्षि (स्थ्यू) जनवा विकास स्त्रा বাইবে। বাঁহার সেই ডাতুক সরপঞ্জী নই-बाब जानेवा जन्म कतियोद देखा जाएँहे, किनि के आरंबरक पहिटन अविद्यान वश्वी है जो निर्देश

CATA STATE

देश्य क्लीव क्लांचवांव

नामत्रों व नवादर नवदिवर वक्षी त्नाक नवाम विद्या भावकंपरनद्र विश्वतक **पञ्चिक कंतिएक अहुक व्यक्तान । दिनि** अहम नवीम क्रांनितारक, हैं लाएँडेात माट्स्य-त प्रका रहेशाहरू । योशाती देशीहरू विटनप बर्टन कारमम, अरे महापत्री शुमिता जीवा हा परिकार प्राथित रहेरवेन मरमह मारे । विधानका विश्व केर्या जिल्ला ना इस भंडा किंगा स्वाहर के विशा सक क्या अभिने देवा इटक वृत्ति विश व्यात अंदी रहाक ना इरकत मा। रेनि रचन २६ समामधीय माद्रवास साटक विद्रालन, व्यास ता मेचेकाल करवालकाल विकासित काणश्मा

কুৰিয়নের অধ্যে ডিনি বে বিনা পঞ্চপাতে माका राव मदान, छाराई व दिवद नथ ষাণ করিয়া বিভেছে। ঠানার স্থা অধিক हिना। त्रह त्यह छोहाद क्षेत्रि और बिनान र्त्रविद्यां कवित्रा वाटकम त्व अवत्मव विभाग सम्बद्ध मिली প্রান্তি তাঁহার এইটা বাভাবিক বিবেব বুজি ও পু ওরতে একেশের পর্যক मन्ना अधिक दिन, अरे हरे कान्नरन किनि क्षत क्षत इर्वत्मत शक है। निहा কুরিকেন, ভাষ্তে কখন কখন প্রবলের भरक्षिकाम परेष । धरे कंगदार क्य पूत्र নত্য, তাঁহা আমরা নিশ্যর করিয়া কৰিছে भाति ना । विद्वादकार्यके भावाकार्य अक सूच स्रेट्स अक्न पहेंचा एउता उ जनका বিশ্ব নয় ৷ যাহা হউক, যে কারণ প্রকৃতিত ब्देश कावात अधि के क्रेबिक त्माव चारता শিক হয়, তাহাতে অধিকাংশ সকল্যান্ত त्य श्रीकृष परिना करेगात मञ्जावना हिला ना. ভাজা আমরা প্রতীক্ষরে নির্দেশ করিছে शाकि। अधन ' इर्वटन मध्य हरेटन (य क्षरण भाषाहै जनगढ़ करतम, देश जक्षर शूर्व व परेतज्ञतिक वाका नाहा.।

ं गक्म लाटकारे विषय विटम्स्य विद्रा जरुति विद्याय जब प्याटक । फ्रांबिक्क्सेन व निक अवद्य भटनक अवर्थ प्रदेशी विरम्बन्ध्य विश्वास कंतुन के क्रिके वि विक जासक, वीके बेरेटिक जास्क धारेयात्र मञ्जावया । योगानिता विकासीया ा मिन**क अविद्या**ण महम्मदार वि

त्यांच क्याचिक स्टेशाएँ कांत्र निर्देश को जिल्ला निये परिवर्त महावया नक नचारि कांश रहें: कार्या अनुविद्धं स्वेशास्त्र ।

मकाचि त्याना त्यानी रेक्टिनिहरित्र निमिष्ट ३६ कद्रिप्राट्य । जीवार्ग क्य विश्वकार पूर्व हरीकार ক্রত নাবের করের র এক नवत्र निहरू, निहिन्

दिवाद्यम, क्रीक्रामिद्रमञ्जूष क्टबक्लिज मार्थ वरम मिटा दर्जनिक स्रेटक्टर-

17

> । वर्ष २**ण्**ंषिकाद्यकीष

9 ,

8 र रेस्ट्रें

क्षा वृद्धिकाम हेन्द्रानि ाई प्रशास के कांस्ट्रिकारिया नाम नवम 🙈 राहित एवं पूर्व प्रदेश। अवार्त मिछलि अवस्ता अहीको सरहत नारे। भून ७ जाल आर्थि हाक बाह मीरह लील रक्य ? रव रव ন্ত্ৰন লালি ও কিব্লিখিতে এতিবোগিতা ६८३ स् तारे चरलरे भागना वामानिय पार, , पाना गांक सहित्यं त्यपित्वं नाहे भाग पा कि नारशरक करक देशात विका तरक म म मायून कि ? बाक माज शक्तशास গভিত্তিক পাছ কোন কারণ কাছে ভাষা रिश्त के बाबिश द्वाध व्हेरक्ट्ड मा । याहा - डिक, क्षि, जनामहिद्दांत अस्थ अस्थाए বাকা অভ্যন্ত অনদদের কারণ সন্দেহ बाहै। (व रव चून अक्शास्त्र डेव्ह्ना-র্ব এডিভিড হইয়াছে। সৈ সে স্থামে প্ৰকৃণাত দৰ্শন, অনুন্ধ ক্ষোত্তের বিবর

्रवाष्ठ्र भावत्रहेन 👁 भारक्ष्टेरब्रद्

ত্তিক সম্প্রা

अत्याह मारे।

• চলিত ভাৰায় যে কছৰগুলি প্ৰশিদ্ধ वाकी चाद्र र राजा बैटनई कार ল্লাক্ত হয়, অনা কে:ন উপায় ছারা নেৰিপ 🐞 ৸ १ । (यमन दुः १ । उत्त (छमनि वाद्या

" अहे अकिए° अभिक्त वीका **जारह**। क्षा करमस्य समार विश्वास्त वाश খালিকাড় জনাগত নিগৃত অভিপ্রায় সক किए केरमात्र समझ्यम कतित्र। क्षाह्में निकारि मार्थिक (इ.स. मा**न्यान** लहेत्रा व अस्तिका अविश्वास्थाने व ধান সমীক্ষেত পরেম্বরীক ক্ষুদ্ধার লে উত্তর

यान करतनः कारों के कारोद कत शहिक शरनत स्वत्रपत्र पृतिश्री विवाद निविष्ठ चा महा बार्गावर व्यक्तिका मा करिया केल क्षत्रिक प्राच्येक क्षित्र क्षत्राहेता विट्वि. बाठकर्मन केन् पूर्विति अधित १ व्यन्त विन हरेल, बाटक्केएइड बैनिक अन्ध्रवात लाख भागतेकी मन भारत अधिक अधिक करिया ध्यक चारवक्क श्रेष्ठ अस्ति अस्ति अस्ति स्ति উত্তের কাম্যেরি প্রতি দোষারোপ ও ভার क्रवर्णन नामम धानामी नित्रवर्णन समु त्त्राथ क्टब्रेस । चाट्यममकात्रिता चाट्यमम मत्था अवत्यनी संघितात रकत ও कांत्रकर् র্বের এই ক্রিকা করিয়া পতিত ভূমি বিক্রার ও তৎসরদ্ধে এই বলিয়া লাড কানিডের অক্সার প্রশংসা ও সর চারলস **डे**ट छत्र निका कतियार इन त्य लाख कानि ভের আজা সর্ব সাধারণের প্রির ও সর চারলস উত্তের কৃত তৎপরিবর্তন সকলের আঞ্র হইয়াছে। ভাষার পর কণ্ট্রাক্ট বিলের কথা জুলিয়া বলা হইয়াছে যে এই বিল রহিত করাতে সর চারদাস উভের " আনারকারিতা, বিশেকাচারিতা, ও নি ब्रीकिश क्षकाण स्हेब्राट्स । व क्रान्याव नम् अवधाउ कहा इर्जाइड.य र्दे हे সেক্টোরি ভারতবর্ধির এখান শাসনক র্ডার কাবের সভত হতকেশ করিয়া গবর্ণর त्यमञ्ज्ञादक रमलीत स्नाद्कृत मिक्टि अन वस् ७ (स्त्र क्रिशा क्रिशांक्त । पाक्वर छ ब्रुडक्टब ब्रामाधन विवस गाफिरबर्क मात्रामा विवदम क्षित्र दमहत्क्रकेन्द्रि ७ किस् त्र जकात्र एको मैंने कहा काया परेटक्टर का। পরে অনে তাঁখাবিকার সার্থপরতা উচ্ছ निक रहेता केंद्रिक । कीश्रहा कामूल अप CAR PERMA, ME DISMA PROS CARRY काइकदर प्रदेश कुता व्यानितंत्रहरू, स क्षर केंग्स्क्रि त्याव क्षर मारहत्व म्हन्स ार्वत अनव विश्वपूर्ण : क्वेड्सिन श्रीमाना । क्विस् स्टेश्वाटक । THE PERSON NAMED OF

मा मार्गिय गाउ

त्र काम कतियादकाः व्यक्तिक रिक वर्षेका स्थान क तारन कर्मका विकि: अके कार्य केवल निरामन १व जानवानिहें नह শ্বী আবেদন যারা লয় চারলন সিডের मार्गि अधिकरमान कहारे केंद्रकान्। किस আমি থিলকণ বালে স্বর্গত আহি, সর চায়ল্য উভ এক জন উপস্কুত দোক, **जिमि व विगरतत गरकारकत जैसस-मारम** ममर्थ इट्टेंबल मरकार मारे। छार्श्व : शद তিনিজারজবারে ব্লাশাসন কার্যা সম্পূর্ণলপে भवर्गत रक्तनत्ररमञ्ज ७ क्यमीनम् कर्यहा है দিগের হত্তথত কয়িয়া দিবার জসত করি या कहिरतन " यविश्व (मारक रें त्रव्य) विक मल्लामारवत् रेहा क्षेत्र क्ष्म बेलिया त्वाध हरेना बादन, किन्त देशनदक्षत चात्र क्रि ७ महामका देशांत्र चतुरमामन कृद्ध न ना । भूषभूषं स्मान्धानि वानिका विष-রে অধিকতর বাত থাকিতেব, তাঁহালিগের ताक्रीकि वाभिक्तात अनुवित्त शताबीय ह रेबाहिन, जुलकार, जीराक्षा नामका दिवास रकार्णन क्षिएक श्रीतिएकन यो। , अब्दर्ग সার সেক্প নাই, সভাবৰ এখন আর উদু न क्यान भाषत्रीय स्टेट्ड शाद्ध ना 1 -वृक्त मकी पारता वरनम, " पामि रम्ब्रिटक शहर, आश्वामा तिवत्रभूत व्हेट कृत्व 'अक्षि चात्र रिक्रशर्थ जुला (अब्र्ध क्रि তেছেন, কথাপি কি কন্য আপনারা ভূলা भा**रेशाय का विन्छ। (य हो ६ काज कतिएक**-(इन कार) दुनिएक श्राम्हिकहि स्था ..

, चामरा मार्के शदका करिएक शांति भवका कित्रक्रियात्रकात भवूरतारम क त्त्व महास्त्वत्र पटक । करे महाद्वासम् अनुता क्षेत्राहरू । साम्न त्रामकृतिन ६५ वर्षत कार कार कारण किया कारण 1.1कन state of the state of the state of काम अनुन कर्त्वन हाते। जिति, कारण व properties . John 48 an alte के ब्रेजिएन क्षेत्रके दासकि दिस्से। अस्ति THE PROPERTY AND A LABOR.

ं ब्राटका ध्या WATER THE THE THE क्षिण अस्टिक्ने कामा विकार प्रज उन्हें विकार करें जाका निरमहें विकासियम संध निवित्र है क्षेत्रं थाह्य हैनाव हैशायन ्रक्षं अकारम लागरक कृती , न লাইবার চে ই। পাইতেহেন, ু আনুগত্য, অনুর্ভি ও অনু रानीकृष क्रिक्टक्स, 'क्ष नार्एडएएम, किंख किंदूरकरे क भावित्वतहरू मा, ख्यांनि

जाबादगार रहेर्डिहरमा मा ; अलुंक यह क्राम्द्रवात्रमं स्ट्रेट्डिस्न एक्ट्रे काहितिक व छिरमाहः येशादमात्रे छ पुरुक्षाविकाणात्र विक श्रेंप्याह ।

चनद्र निचरत्र दिन्द्र बहै, चार्मान-গের দেশের লোকেরা অনুক্ষ এই সকল त्विद्याद्य, उथानि मुचित्र वरेता का ছেন চালের মধাদেশ আলিরা উঠিয়া टा. कीहाता पृष् माता त्रितांत्रक्त, कथानि থার রকার চেক। করিকেমেন না। এই क्रिकादिभन क्रम जुमित ३ वसू वास्तरिक भाग शतिकान शूर्वक कछ दृक्खन समस्ती ও তুক্তৰ সাধার পায় হইয়া এই দূর লেশে वाश्यम कतिशाद्यम : जीतृष्ति मध्य कति ॥ णामाविद्यात ७ त्राक्षभूक्रमिट्यत हत्कः काल किया ज्याका जिल्लात स्थित विना वादत লইবার চেন্টা পশ্লিছেছেন; কটা কি বিল नुभएत दक्ष कंत्रियात किसीत जारमून: महेबाद (हरें। श हे**रक्टब्स : किंद्र बा**भग । बेटरे अक्र गट्ट. बन, बीगा, दुक्ति अक् मः आहि: बाबाजिलात्र एकं काम विश्व वालम, विद्धांत्र रमदा स्विट्यक्ति । सामहा ात करकारा चालदर्शनां कुकिया ও ठाकि वितर चात्रस क्रिया, केश्यात आतरे क्रिया ताकक्षण हो शहर्यानमाक निमितिए दरे

क्षे रोहें फिला निकारित अप दर्वन नामा काना रत्न नेतिय है जानता जाते कर विदेश मा **भगामिक्समा विकादार्धः मगर्थः स्वेषः व्या** वाबिक्षत्र कर वकन कि विक् में हर्मा क्षः क्रिकंपीक शक बाहा निविधः व्येहारकः? देशोह कि क्षम केंक मजिल ? महस्स हहें बाह्न महायम नार्ड > दिशका कि आशाबि शटक वृक्षि दण्य बाहै : जायतः कि हेश्सद्ध जामाजिएशङ्ग दाजिनिधि शाहारेगा वास्तुक **অংশ্বেণ** করিতে পারি না > গেরও আ। माक्टिशंत स्टिमंत्र त्माटकतः खेनः गंति इ উন, নজুবা ইছার পর উভালিগণে এই करमक्षि कर्मम उत्तर्तत मानी स्ट्रेट्स स

गारकादित खीति ,

३४७)-७२ व्यटकर दित्याते हादा : ভানা মাইতেছে, ব স্পালেশে অ বকারি-त्र मग्रद्धाः भूनं २६मतः व्यट्गकः, ७२७५৯১ होता अवश्रवारणेत आध द कि इस्तारह । जित्सता अक वात मानक स्थवन स्थापक करे এই আর কুজির সংস্থানতে গরণত্মতেইর বিলে ভাষাতে নিভান্ত আসন্তদ্ হইয়া লিছে भामतमञ्जू इति इतेगाई मासह साहै। विलियारे अपना नत नावाकाताही सीहाही किस श्रीम बाबुशावन कहि। अशा धार, निमान कहा पूर्व श्रीकृक स्थानामां के निमान ष्यामिरशत नम्भ २ क्षा जिल्लेश मुख्यकी । अध कतिशा क्षांम क्षारम क्षेत्र प्रदा १४देव एकम बाजशायन मात्र कार्य दिवस्त्र धकान्त प्रस्

श्रीवसादन स्थान कार्निक र्कारात्रा केराइक विकासः वार्तिक **ल्ट्या । ५वश चात्रका** कांत्रन चारह । এक, बेहा आक्रायनी चारमारू ७ महीत तका विवास होन मटक् । यो कामा किवान क्राया क्रायां क्रायां राता मारमारमञ्ज निमित्तरे कृतिक्षे निष् সুত্রাং তঁ,হালিবের উহার বিশ্বস্থ त्मवन मस्तिक वर्ग। निम्मविक दिसम् चकांत्र अवनी कांख इस। स्वह कत्व छेरांद्र चादमाच्यामध्या रहेता यात्र अवश् विम विम अवस्त्र इकि रहेना बाटक । विक्रीत अटब्र भावक क्षेत्राटम्बिक्टशब्र अर्था मार्थ । जारा, मरबद्ध स्थाब सूर्व क श्वांता दक्यल अलाक अन्ता कौरम क बहेगा ब्राह्म ज्ञार स म करत । अहे निमिन्डरे काला মাদক দেবন আৰ্শাক হুইয়া

शवर्गरकत्र क्षत्र क्षत्रकत्र कार १- क्षा व मानक मियानत् कच कमर्थ कारिनी ক্তিতে আনুক্ত প্রবিশ্য কোন ফ্রামটা সগতে ^ট শক্তি আছে, আমাদিবের বিভৈন্ধ নিবর্ণ विलिश श्रेष्टीश्रमान क्रवेटव सः। मानक खुवा । जाने पा कि कांत्रदेव ,कवानकाटमा-(मद्दिश कुल, काशक वृत्रानी विता अता मन करिया कविवरित के काक नाम कित-किहू मारे। विक्तिशः वेर अध्यानिकात्त्र , ट्राइन, वीरी वासता वृश्यिक शातिक-তিবিওক ক্রিয়া আরাজিগকে দাস্ত্ সর্বাদীন অসদলকাত্ত । এনে উদ্দ চি না। আ্মালিকের গ্র**বিটে কি অসভা** अवशा सर्वात्र स्वाद्यास्य वाधीम क्षिण ड अन्तारे श्या नम् हे है अन्तार प्रदेश करि । जारे वा किक्टश वला गारेट १ ए। थातः **आभवानित्यात्र मत्यात्रथ भूर्व क**्रियाः । तम् तम्मताय वार्त्तिमन्ति करेतः । य'का**रक शवियतः अनुसम**क तमाउधः क्रमः জীছাল্ল মধ্যে মধ্যে একপ গ্ৰামশ কৰি-विक्ति । किन्न कार्य मुद्र महरण वित्र अक्टाम अन्य क्रेट थारक । नहता हा व्यवकारित मन्द्र स कार्या वाकारेवात চর আমরা দেখিতে পাইতেদি, অভা- তেই পাইছা থাকে। চিসন্রির এবিষ-हे: क्रम् क्रिमिक बार्ड, क्रेड क्रिनिया मूर्ज विक मानक खबारमंदी नीचंकीवी इस ना । दस वास मिक्सिक कर म मा, क्रेड व्यामक এলেলের বাঁছারা মাদক প্রব্য বেশন क विश्वा একটা চমহলার দেখিতৈছি। কোন

हा यक् कान इलीक्निक्त जानदर नेवन করিয়া অভিযা পর্শন ও আহাত্রাসি করেন পৌত্তলিকভার উৎসাহ কেওলা হইতেছে विनिन्ना कें,शाहा कूलिक श्वः। व्यवका धवर्न ताके रिक्र प्रवंदा प्रमानाम क्ष्यकान दिव ্যের বজোবজের ভার এহণ করিলে মিস নরিরা ক্লোব করেন, বলেন পৌতালিক शत केंद्रमान् मध्या नरेटक्ट । निष ভাষারা যদি অনুধানন করিয়া দেখেন. (व्याप नार्ट्यं, भवन्यके मामक অন্ন্য শ্ৰন্তক করিবার এবং ভাহার বিজয়ক त्रिवाह अनुविक निया धर्य, धर्मनीकि, भवा कं च ब्राक्क्य यावकीय नियम लक्ष्यन विवटत

> गाङ् विरक्टहन । जानि सना ্**প্রাপানে মন্ত** হত্রা **অসু হ** রে-िंच प्रश्चम मिणित यगम ह्यय ेशि श्वना ताल, जबूक प्रमाप p বলাৎকার করিয়াছে ; জ-रिक्षांग अन्यात्र व्यक्तिप्रारह्।

এই काम श्रांत कि मैथारह्य, तामक्रथ । ९ जगाम कुछ जिस्त्यव विक्रम नटह ? जात-কারির উৎসাহ দান ছারা কি এই সকল कार्या छेदनाइ मान कता हरेरकर ह ना > নাবকারি শ্রীয়া 🖛 🛒 এই সকল कूकरचंत्र चारतक चारान मिन'वन कम मा ?, डिश डिठाडेमा मिनात (ठकी कि सम्पन्ना র্থ মিলনবিদিগের কর্ত্তব্য কর্ম ন্তে:

शवनाभने '३७। क्रियन स'मूल इक्ति कतिया गणक 😘 (मध्य व्हिट्सिन **चनूद লাহ দিবার** ে দেউ পাইতেছেন, ভা क्षेत्र नकन ब्रह्मात । रा. घाएक सि **मा ७ विगर**मत २ विवस्ता निवस साम्दर **८६। बे डेना**मही उद्यास धानुःश क्षिक महरू। केन्. अपने प त्वत मानक सन्। (नवस ि दमा चारह बढ़ी किस ग्रेशीन (b) **তেতু অসতের ভাবিকতর** আলং ১৯১৭ন मञ्जादनः, क्राकृतिरशतः कथ्मिनिकः

ब्बा लाहे। कामामिरनद्वाक शहे, २०- राज्ये

मायक खरवात केलाहाम ७ काहात मासून | कारन अवति विकास क अस्य केन्द्र नामुक्तीय सहस्रम अवर अरे विषय करिया क्षेत्र है एपि एक स्थापत काश शक्क केंद्रक 'दन भवनीत्र रहेरन। काहि केंद्रियां औरम ७ (मासान मा पाकि দে মাৰক সেইম সুতরাং পবিভাগে করি **८७ व्हेट्य । अवर्गटम्बर्णेन श्विपदम् ८प** क्षि हरेएव, डीहान्ना २ मि वात्र नश्टक्त ৰারা ভাষা পুরুষ করিয়া লইতে পারেন, পদ্ম মন্দ্রের বিষয়, বনি। একান্ড তাহা मा भारतम, बानिका करवात छेभरत मानून दृष्टि कृत्रिया छात्रा भूद्रभ कदिया मध्या। अटबर्नीराजा माकार मश्रक करवृक्तित महाम शुनित्महे व्यमस्य हन, (क्यु व्यमा कार कराइमाइक रामुण द्वाम नीमश शन्मा करतम सा ।

ইউলোপ ছইডে সুরা প্রভৃতির যে अ मनानी इत, त्र भवां छ त्रिष्ठ मां कति লে আর এদেশে সম্পূর্ণ রূপে মাদক সেব ন সম্পর্ক রহিত হইন,র সম্ভাবনা নাই। शवनंद्रमञ्चे एलपूत्र भगांच कतिया छेठिएक পারিবেন না: তাঁহা হইলে ইউরোপীয় मिरगत (कारण शिक्ष रहेर्ड रहेर्द। আমরাও মে অমুরোধ করি ন , কিন্তু আমরা যে পুরামর্শ দিলাম যদি ভাষা অনুসূত হয়, ৰাজন্য পরিমাণে আমাদিগের व्यक्तिकच निष्य इहेरद महम्मह नाहे।

मञ्जूष--मञ्चल'नः

সর্ম-সমুধান যে উন্তির একটা প্র ধান সাধন, গত বারে ভালা এক প্রকার গ্রেভিপন্ন করা হইয়াছে। পাঠকগণ থবি টহার মুল মুঞ্জিল অনুসৰণ করিয়া অনু-भ वन कतिहा (नत्थ्रेम, हेश्नां छेश्रावाशिका भूभान्छे कारण काचयक्य इंडेर्**व गटलाइ नाहे**। সলামের মূল **জীর্জি** হয়, ' **ভত্ত লালুবের** यो के निवर विवह्यत जानक किन **वाह कर कर**े भाषा ह निवास साथ राजी ७ शहराजन इकि व्हेंग्ट श्रीतं के क्रिके दशकाणि । एक

क्टा ते रहता अभिनेत HILL MINT WITH MANIES ना न पुष्कार अष्टरश्रामान्त्र राक्तित नामराजिक क्रमी जिल क कर १- (नरे नामकातिक क्रां भवें बरध्दीय ना स्ट्रेस्ट कारेक का महिल्ला, महारमा बाह्म वा

नीह जरम धक्य हरी

धन गःबाह भूर्वक वरि छान धर्क मा स्रोक्त, आयहा আমেরিকা ও ভারতবর্গকে 🔾 আক্ষা লেখিতে পাইভান ? রে হস্তরাতে পৃথিধী যেন স্বপান্ধর ধারণ क्तिप्रध्यम् : गर्वत मसीवका लक्षिक इहे তেছে ; সর্বত্র সভাভা বৃদ্ধি হ্ইতেছে ; স-र्मत लाइक आयनील उ कार्या एक रहेश देशार्क्त गहे स्ट्रेस्टर्स ; अर्द्वा दानिहा कारण ते केविक थ क्यूनक क्रवार्तन का त्यांत्र निर्दर्शकं अञ्चलि व्वेटकदाः । धन-क्ल कि जरशूरीक विभाग शूलध्य ७ जा मबासिक क्रिकेश कल नटह । देशकीटग्रह. কৃত্ব স্থূলখন বিশিয়োগ কব্লিয়া ভারজববে त्र अधिकाश्म फाइन क्षेत्रकात नियान अ ক্তিজা করিয়াছেন, বৃদ্ধ পরিমাণে জহকা वी अननेत्र क्हेसा ७ ज्यानिसाटक । ज्यान प ि (भंत (भाष्यंत क्योदकत «विष**रम भा^{रका} म**ा **সক্ষাৰ্ক আছে। অ**শ্য মাত্ৰ লোকে ভত্তৎ क्लिअरस्त्र **अश्म क**त स्त्रियार्ट्स (हें हें ' ब्रिट्यून कि अथन अ जम्मेटकं बाहेबात जा किरान्त्र बाह्ने । देहीता अक अक नर्दाः य कब्रिया मूलध्य अश्वाद शूर्चक माथा ८८ লওয়ের নিৰ্বাণ কাৰে। প্রবৃত্ত হউন। শাগ (इन उटराइ **चटर क कारणाकरा चा**टछ -विरमनीय क्यांटकत्रा त्य कदमञ्जात मन्नाः कतिया कुलिएवन, काइन्स मकावना नाहे -तमाश्रद कि सामका वाविका नटर भवनंदमाणे कामानक मूदनेक सूत्र हाहिः शकां भरताया जयविष्या अवृत्ति विशाः

कामानित्रंत्र स्वरूपत लाटक्यांक्य पा 'रू ९ अविश्व में हाशकातक विवास खेलाती न अ चनमूत्रकं हरिशार्थन, चरमद करेशेत कार वातू मञ्चारत क्लोकू काविक क्षेरवर्ग मत्न इ माहे। इक्ट्र क्ट्र और कांत्रन मिटार्यन करत न ता इंड कितान वर्षनीकि विवास मुख्या নাই, চরিত্রগছ লোৰ থাকাতে কেহ কাহা-्क विश्वाम करत्रम मा, विश्वक लाक काल-यां ३ प्रकार: 1 किंद्र अ कांत्रन चार्यानित्संत्र লনুমোদিত নতুই শ্বাদি কেছ কাচাকে বি-সংস্কৃত্য করিছেন, এডমিন জারভবর্ণে কর্ম-न दावजाध हिन्छ मा। आरमरण अवही अ-িনির কথাই আছে: কুদ্র ব্যবসারিদিপের रित या अखातमा करून, महाजानता क-ाम श्वनातः हक्षील्यक व्यवस्था कति-ं लग मा। विद्रमुक्छ। देनामी सन क्रण्य-मानानव महसामंद्रक विषेत्र स्नाक शाल ा नाम । 🏋 🌣

আমানিকের অনুব্যালিক কারণ এই,
কাননিকের সাবোর
নাথ সন্ত্রন্ত্রাকের একজ নতেন।
তথ্যক মানেকেরাকের জালার কবলাযো
তীন ও অভিনালের অলার দুই হন। ইহার
তন করি জীলানিকের অন্যান হত, তাহতি, কথন সভায়ে কুইবন থা।

় আগলবংশং লোপ। প্রভারের শেব।

আঞ্চিব্রের মৃত্যুর পর তাহার পুত্র দেলি-य त्रिरेशनंदन भारतास्य कतिता साराजीस (बार्री ६ कुंबन विश्वती) है शांधि शहन कत्रिटनवा ভিনি শিভার বোগ্য পুত্র বইডে পারেন बाहै। ब्रांटबाद आहेड कारन जिनि व करत-क्षेत्र क्षेत्र विकादकार्ता क्षरक्ष करत्न, ভাছা ভাষার বদুশ সমাট দারা কম্পাদিভ **५ अयो मछाविछ नरह विलाल जाजाञ्चि रय** না ৷ কতিপদ্ধ বিব্যক্তিকর শুল্ক, গৃহস্থদিগের बामिएक ज्ञांकशुक्रममिरशत यलश्किक बान, म-দ্বিরাপীন এবং নাসাক-ছেদনের দশু এস-बच्छ छिनि धककारम द्र्छ कतिसन। छिनि क्षणामिनादक मिना भान कतिएक मित्रथ क-ব্লিলেন বটে কিন্তু স্বরং অভিশর স্থাস্জ हिलान : গোপনে প্রধান প্রধান রাজপুরুব-দিগের স্বিত সুরা পান করিয়া আবোদ ক রিভেন। বাই কেহ সেই আবোদ বটিভ কোন कथ। প্রকাশ করিভ,তাহা হইলে ভিনি দণ্ডার্থ হট্তেন ৷ লোকে ইফামত রাজদাকাংকার লাভ করিয়া আপন ডুাখ প্রকাশ করিভে शाहित्व अहे.डेटक्टम डिनि निष्ठ जारांत श्रह कर्डकश्रीत प्रवासन घडार अक मृथ्ने रखन क्षित्र। भृथातत् अगत् श्रीष श्रीनात्तद् स्वि-क्षीरत स्वाडेया निरमन । चाराद यथन व्यद्धा-কন উপস্থিত হইত, নে সেই দুখল নাড়িয়া ঘটাখানি করিড, সম্রাট জানিতে গারিডেন বে কোন আবেদনক রী তাঁহার সাক্ষাৎকার লাভঃর্ধ জানিরাছে: ডিনি স্বরং পিডার স हिक विवास कतिबाहित्तन, धर्म सारम की হার পুরুত্র ভাষার সহিত বিবাদ করিছে अक्षे करतम मारे । ताल्या करमण्य कि নিন পরে, ডিনি নানা কৌশলে বিখাত হর জাহানের পাশিগ্রহণ করিলেন। মরক্ষাহান काष्ट्रिमम् दृष्टिमञ्जी 'त शनव की हिटलून । न মাটের সহিত বিবাহের পর তাঁহার প্রভাহান (जूरनाजााजिः) अहे किशापि गार्च सुर् मगटित डेलास डीकान विमान श्रेटाकृष किन्। नपार्टेड मार्थ्य निक्क जाराज्य नाम प्रतिक पृतिक बहेता। व्यवस्थाना क्राप्तन विदेश जीवांत निशक्त शहा क्षता मकि क्षिता केरिक

পাছিত পরাধন বা ভারত প্রথমিক বার কার্য্য করিছেন বা তিরিছেন বা তিরিছেন বার কার্য্য করিছেন কার্য করিছেন কার্য্য করিছেন কার্য করিছেন করিছেন কার্য করিছেন কা

वाराजीरतत हाकड कुरिन कि हिंद गविरामा जालमीतान, सरेका दिन के हिन द्धां कट्टम, खिनिश्लोक विकास महिल চৌৰন বৰুণ একবান ছবি 👁 🎉 विक्षां हिटनान जाना के विकास **७ वान कृष्य वद्या : अवर प्रमार के स्मार** গুলি চিত্ৰ ও পক্ট প্ৰস্তুত বৃহ জ্বিষ্ শাসন কালে ড়াউডবর্ণে জুলা হার আরম্ভ ও বিবিশ্ব কর্মাঞ্জিক ब्रोक्ट कारण श्रुवर खेवर होते हैं। কিন্ত জাতার রগ শাইকিমকার কারিকা পাওছা বার রা ৷ ফ্রাবাক্স মান্তিপাল তাহার পৰাতর পুঞ্জ মানু এইক জু আনে জর লাভ করাতে জাবাল্য সাঞ্চাহাত (ভূবনাবিশ্যক্ষি) ব करतन । भाषासरमा भाषि 📲 विद्वार हिना । अधिकासम प्रविद्यान शामिना कविद्या गुन यह । शामिन সহিত বৃদ্ধে পরাজিক স্থানী CHA I ME WHITE I I THE THE TIME राज्य जानांच्य लेखा संस्तित्तुत् । विनि প্ৰায় ২৩ কথাৰ বাজৰ ক ইয়াছিলেন ১ अत्र व्यास्त्र के कार्य निर्माण कार्य सम्बद्धाः विकास कार्याः गरमञ्जू अर्थाल विकासिक वरेग । श्राक्षाविक नि श्रीकृत्य व्यक्तिन परेश छारात नासीन २ के निर्मात के क्षेत्र मार्निक इकि निर्मातिक सुनि क्षा किलान । व्यक्ताना स्वयापान विकास अभावा भीतिक हिला । भागाबारणक निष्मी महरू जाकि इहेगाई श्रूर्य हैं।बाह हरें का-कांत्र कृष्ण दश , औरविष्ठ साका विद्याप

প্রবৃত্ত হওয়াতে ভিনি ভাঁহার আণ সংহারের | আক্রা দিবেন। তাঁহায় রাজ্যাভিবেকের প্রথম সাধ্বসায়িক মিন্তের উৎসব কার্ব্যে প্রায় সার্ক্ত কোষ্ট মুদ্রা বিসর্জিত হয়। প্রায় ৩০ वरमञ्जू बोक्य जामस्मद्ध शृद्ध मोक्यांचान छैरकहे রোগাক্রান্ত ব্টবেদ। ভাষার চারি পুত্র হিল, আর্ওজের আপনার বুরিচাতুর্ব্যে ও নাইন र (न निष्ठा क किन बाका की विष्ठ शांकिए है িংহানুরে স্থান্তোহণ করিলেন । পিডাকে रात्र च्याचामधूर्यबद्धा ऋच कत्रिका बाधि ন ১ বছটাৰ্শালী জ্যেষ্ঠ আডাকে রণে त्राभागकोत्रा मर्गकोविद्यानकातिहा निगङ् न्य : विकीष महिन वस्तरम

कि के बिहारें। मार्कारीय े ब्राकावर्ड वरेना मार्क वश्मन गिरिक हिन्दा । छक्षांपरकान चात्रकटकर शरीय क्षाकि काकि क नवांत्रत क्षानीत क्षेत्र करतम माहि हे देवियांत्र सांकामानवणस्य छ। वज्यति बाहुँमा मोक्स्प्रकानिनी परेवारिन, मः लोके विजनवान जैकेर्डिय नवरप्र छोड्न প্রতিলাভিনী আলাই। তিনি ভিন্ন রাজার गरिक केंद्रकृष्ण केरेकाइन निश्व वर्षेत्राहि एनन किंक क्रीकृति किंक श्रादका आह क्यन मास्त्रि রকার খ্যাখাত হর বাই স্থেতিকি ব্যাননালজ্ हिरमन वर्रेंड, किंड मिडे भागरम 🗢 पूर्व प्रवर् अनवहिष्ठ हिर्दान मा । फिनि चन्नर क्यन का-**अ'त्रं निर्ी इन क्टब्रन मोहै। नोकोश्यान**त ্ৰুজী সৰুদ্দিসভাগ সম্ভাট ভাৰভাৰৰে চুট ্রি। হ থসিৰ বয়ুরাসম বারা ভারার সমূ क्रिकात्र विशासन भतिहत् ब्हेटखट्ड । वैक স্বৰ্শ্বাসন বহুমূল্য ধীরক মণি মুক্তালি ছাল্লা নিং **चिन्ने** क्षा । निर्मारभइ राग्न be नक डीका। अभिनेता जिल्ली रुप्ता मि निर्मात शहर पार्व ৰ**্জিক্ষা**ৰ ডিনি দিলীতে একটা সুত্ৰ লগায় ক্রিজীপ ক্রির্টিডিলেন। প্রাচীন নগায় कर्णको उदाव श्रीकथानाम मनिम ७ वाक लवानि मुक्तिकार्डम छैरक्डे । मन्द्राक्ष-प्रकाशी खाँचां हेलांचनी वस्तित नवाधित क्या जाडाम्बद्धे अवस् अञ्चल वागम बिहि क इक्षे देवाएक काबाएक के का अभवत अ गामको बादको अ खाक्का च व्यर्भको क्ट्रे **व्यक्ति** कि देवेद्वाण कि व्यक्तित

कूडोलि नदेनदेशोडाँ एवं ना नानारान ু শৌষ্টা ছবিয়া নিমিত্ত অনেক चर्न स्वाहित्र हिरमन। फिनि वर्गन द्रोबा চাত কর_াটোভ বলেল তাহার ধনাগারে বার্টি-मक, क्ष्मिक्तिन कार्यात प्रवृक्ष न नगर है।की ছিল : ভারিম বাণি, মৃদ্রো, খণালকার প্রভৃতি ज्यमः था बद्यमा अवा ज्ञाकरकारव मःश्रीक হইয়াছিল *৷ লাজাহানের অ*ধিকতর প্রশংসার दिनम् अहे ६व जिलि अक वर्ष मध्यार कतिया বান, কিছু কেহ ভাঁহার উপরে প্রস্থাপীড়-নের ছেবিজ্ঞাপ করেন নাই: ভিনি মূতন शक्ति क्रियाम अवर कनिष्ठे जाजार विष क्रावृत्त श्री क्रावृत नाहे । रूपन निवृ बिक ब्राज्य बहुटक वह कर्य मिक इस । **बहेद्रण द्रांका ७ द्रांका**हे क्षार्थनीय महत्त्वह नाहै।

> আরওজেব সিংহাসনে আক্চ হইরা **ছ**ल ७ कोचरन जाड्डरयूत जीवन नार्च করিলেন মহারাষ্ট্রীর ও রক্ষ:পুডদিগের স হিত যুদ্ধে তাঁহার বছকাল অভিবাহিত হয়। মুদলমানেরা ভাঁহাকে মহান্ আকবর অপে ক্ষাও শ্রেষ্ঠ বলিয়া জ্ঞান করেন। ভিনি শিপ कार्यात्र ७ विलाविगत्त्रत् छैरमाइ माछा हि লেন। তাঁহার অধিকার কালে অনেক বিদ্যালয় শ্রেডিভিড হর। বিচার কার্য্যে উচ্চার পঞ্চপাত ছিল না। এডাই প্রভাবে গারোধান করিয়া ভিনি প্রার চারিলও বেলার মধ্যে সভাসওপে আসীন হইডেন। তথার স্বল প্রজাই বার্ট-তে পারিত। তিনি সকলেরই অভিযোগ শ্রবণ করিতেন। কোন মরিদ্র ব্যক্তি বিচারাখী হইয়া সভায় আসিয়া যডকণ আৰম্ভ থাকি-ভ, ডতক্ষণ কর্ম করিলে সে যাহা উপার্জ্জন কবিভেপারিত সমাট ভাষাকে ভতুপমৃক্ত অর্থ লিয়া বিলায় করিছেন। ভিনি বিলক্ষণ দাভা हिर्मन । जिनि विद्या अध्यानामनीत छी चन्ति कार्यातक टेमग्रामानी मावनी 'का ভূাংপরদত্তি ভক্তিবান্ ও পরিজ্বী হিলেন, সেইবাপ বলি উলার সলাশর উলজ্জ্ব প্রাণ-অসৰা চইভেন, ভাষা হইলে ৰথাবই ডিনি **अवस्थ अनःगरीय महाहै इहेटलम मटल्ड** নাই। কিন্তু কোডের বিবর্জনী, জীহার করেছ নি বিলেষ লোব ছিল। ডিলি স্তুৰ্ত্ত ঋ কণ্টাৰ-ख:व किरतान । खेळाडू का श्रीकंक **मामसिंक कुर्य**न ा नाम। दश्क कि ने दल्य । इस

यूर्व गण्यामध्य व्यवस्थ स्टेश्राहिस्त्रत अञ्चल व. (र, नाथन ब्राम) दिसंबे श्रेषां प्रश्न भाग कि য়া বাম। ডিমি সভাস্ত প্রোড়া মুসসমান ছি-লেন। হিন্দুক্তিবার প্রাঞ্জি জাহার, অভিশর विरचव किया। व्यवहाना मधीरहेद नांत्र जिलि ভীহাদিণকে সন্থায় ও উচ্চপদ্ন দেন নাই। व्यक्तित कोशंकिरगंत्र निक्षे ष्ट्रेट्ड (व क्तु-আহণ রহিত করিয়া যান, ডিনি পুনরার এছণ করিতে জারম্ভ কয়েন। ডিনি জামদানি ও ब्रुसीमि प्रवासित छेशत् । प्रमानकारिए शत्र प পেনা হিন্দুলিগের নিকট হইতে অধিক ব্যু अश्लब त्यारमण दमम। िश्वितिरशत्र (भोक् লিক উপাদনা কালে বাহা আত্ৰুরের বিচেপ্ করিলেন। এই সমস্ত কারণে রঙ্গ:পুত 🛊 🐇 **হারাজীয়েরা ওঁহার এতি ফ**্রির বিরুক্ত হটর। তাহার বিরুদ্ধে তাল্লখারণ করিলেনুখ ভিনি কাছাকেও বিখাদ করিজেন ন 🔻 🎉 ভেডু জাঁধার দ্রেনাপডিগণ তাঁধার প্রতি 🐯 इक रहेन्। घर्षाविधि ज्ञालन ज्ञालन सहया क र्षे निष्णापन कविएकन ना। धर्रे पार्षरे जिनि কাহার ও ঐতিকাতে সমর্থ হন নাই। প্রভার-ণা ওঁহার আভারণ ছিল। সাহনী হইছা একপ মীচর্জির বশবদ হটুড়ে আয়ু স্মাহাকে দে-খিতে পাওরা-বার না। ভাঁচার ব্রাক্ত ক লের শেবানত্র:য় তাঁধার অর্থের এঞ্চণ ভাগ-লভি হইবাছিল বে ভিনি রীভিনভ সেনাদি গোর বেডন ভানে অপর্ণা হইল্লাভিলেন। গাজাহামকে যে কলে তিনি বাষ্ণ্যয়ত করেন পাছে তাঁহার পুষ্ণেরাও তাঁহাকে নেটৰণ ভুরমম্বানিত করে এই আশকা ভাঁহার স্বদংহ मधा जानक किया। अहे श्रकांत्र व्यवादक ल्यादक " पारिपेद कन " करहा वांचा बंडेन **अहेत्रात्म ६० वश्मेष्ठ द्वाक्षरवृद्ध मह किनि** स्मर পরিত্যাগ করিলেন। তিনি **আল**ননীর উপা-पि धार्य कतिशाहिर्देशमा अहे भगत कारण अवा तोच वस प्रमाणाटनमा कि वाटन का-कर्य कारशका दशके खान करते ।

পুৰক্ষাৰি 🖂

चात्रपा वृक्षकारा महकारत कीकार करि-रक्षि कि विभिन्न की नामि क्षेत्र अवन क १ और इ. का बोलिएं एक क्या के बेहे बोर है।

১। নিছালয়া নিবাদী জীযুক্ত বারু বোল গেল্লনাথ চাটোপাথারের হুত বাকলা বক্তু-তা। গত ১১ই ডিলেবর বে বেলুন সনাজ হর, গ্রেমুক্ত বারু কিশোরীচাল নিজ ভারাতে এ লেলীর প্রীলিক্ষা বটিত একটা প্রভাব পাঠ করেন, তৎপ্রসক্ষে অনেক বক্তৃতা হয়. এ বক্তৃতাটা ভারার অন্যভর। বোলেল্ল বারু সমরোটিত ও সুন্দর বিজ্বতা করিয়াহেন। ভিনি বিবিধ উত্তেজনাবাক্যে এভবিবরে গলেলীর্নিগের উৎসাহ বর্জন চেটা পাইরা-ভেন কিন্তু বচ্চালের অন্তৎগাহ দারা ইহাঁদি গের মান্য এমনি শীক্ষা হইয়া নিয়াতে যে মান্য উত্তেজনা বাক্যে উক্ষ হইবার সভাবনা

ই। চাকা পোগদ বিদ্যালয়ের পৃত্তিত নিযুক্ত মাধবচক্ত চটোপাধ্যার প্রধীত ভারত প্রবন্ধ । হিন্দু মুদলনান ও ইংরাজনিগের লাদন কালে ভারতবর্ধের বেশ্বপ ভারতা হিল ও কইয়াছে, ইহাতে ভাহার ধনন করা হইন্যাছে। এপ্রবন্ধটিও চাকার শাখা বেখুন স নাজে পঠিও হর । প্রবন্ধ রচয়িতা সংক্ষেপে স্থানবর্ধেণ্ড হিন্দু, মুদলনান ও ইংরাজনিগের অনিকার ভারের ভারতমা করিয়া বৈনক্ষণ্য প্রদর্শন করিয়াছেন। রচনানিও সরল বই বাছে।

বিবিধ সংবাদ ৷ ১০ই পোৰ দোমবার ৷

নির্নীগেভেট বলেন, চিহ্নিত আসিহানী সর্জনেরা আপনাদিনের বেতন র্যন্তির নিনি-ও গ্রব্ধনেকৈ পুনরায় আবেদন করিয়াছেন।

उक्त मन्त्रामक जात्वा शत्म्य, गवर्गयकी उक्त मन्त्रिमकात्म बाम वस्त्र कतात्क ज्यात्र क्षिणात्म मन्त्रिमक ज्यात्म ज्यात्म क्षिणात्म मन्त्रिमका क्ष्मिका क्षमिका क्ष्मिका क्ष्मि

नेपार्काक्ष विश्वहुत्राह्मीः चटनन, व्यव्याभागः व्यथान स्थितनक्ष विदेशहरूमधः नाटस्य प्रकाराः লেপটনত প্ৰপ্তরের পর্ম প্রা র হইবেন। ডিনি ই পাদে নিবৃক্ত হইবেন ডারড্য লোক্ষিপের আজাদের পরিসীমা থাকিবে না। উপা
মুক্ত লোক উপাযুক্ত পর পাইলেই ভাল হয়।

দিরীটোডেট বলেন, গাডিয়ালার য়াজপু
ত্র যজনি প্রাপ্তবয়ত না ঘইবেন তভ দিন
গাংগতেওঁ ঘইতে নিযুক্ত এক জন ইউরোপীরের হতে উবার সমস্ত নিবরের ভত্তাবধার
ভার সমর্শিভ থাকিবে। সেই নিরোলটা বেন
ভারার বনভরের আর একটি বারস্কুলা না
চর।

লক্ষে প্রদেশের অন্ত: পাতী বোধপুরের এক জন গড়ান্ত ভালুকলারের পরলোক প্রা-প্রি হটলে ভাঁহার স্ত্রী সহগদনের উল্যোগ ক-রেন। পুলিস কর্মচারীরা ওঁ হাকে হডকার্য্য হইতে দেন নাই।

সোলাপুর হইছে চারম্বরাবাদ পর্ব্যন্ত ত্রি হুছেন রেলওয়ে হইবার নিমিত্ত ভূমি স্বরীপ সাক্ষ্য ক্রা চইরাছে।

গত শনিষার ই এচ লিনিংটন সাহেব বিলাভ হইতে প্রত্যাগমন পূর্মক তাঁহার নিজ কার্যভোর গ্রহণ করিয়াছেন। ইডেন সাহেবও ভাঁহার পূর্মকর্মে গিয়াছেন।

হরকরা সালালক নলেন, নকছনের এক জন অচিহ্নিত সদর জামীন জাপন কর্ম বধা বিধি সালালন করিব। পোলন লইরা ছিলেন, পোলনের টাকার তাঁ বার পরিবার জন্দ পো বণ না হওরার গবামেন্টে জাবেদন করেন। গবর্ণর তাঁহাকে জন্য এক সকলল কোর্টের উ কীলের পদ প্রসান করিবাছেন। এই স্ববোগ পাইরা জ্পর পেলনধারীরা গ্রথমেন্ট জাবে লন করিভেছেন। এই ত রোগ।

গুলা বাইডেছে এডজেশীয় সমুজি ব্যক্তিরা বাব্ জয়ক্ষণ মুখোপাখা য়কে মৃত্তা করিবার উচ্চেশে লেপ্টন্ট গ্রন্থের নিক্ট আবেদন করিবার চেঠায় আছেন। এখন চেঠা সম্বাহ্ ক্টবারও সভাবনা আছে।

विष्ट्रशिष्ट्रिके बरमम, अम जब अवर्थनिके कर्षाती अहे अधान कतियादम, विष्य नाटक भव माद मा स्टेश नाम् वास्ट्रास (कांस चाटि दश, नियकना गर्दास नगर बहेद्दा क्रिके स्टेशन क्षिकाश्चला स्वाहकक जानुक व्यक्त नियाक्ष्रीहरूक

वैक गणांत्रक सार्रहा प्रसंह विदेशी द एउर्ज जय याद् कानीपुद् विकास यात् वनीवद्यक शानिक नियुक्त हरिहेत् নীলকর মহায়ডিরা **ইহার এডি***র আন***র**ু म । गर्गरदर्भेषु क्रिकिक क्रिन क्रमांस अवः নীলকরসহার ক্ষত্তক পাঠাইরা ক্রেক্ট্র: 🖓 🐼 प्रांको क्षेत्रारुपत्र पूजनात जन्मान संस्था ন, ভত্ৰতা ব্যবস্থানি চৰ্মান জিল পা রোগধারা গোহত্যা করিতে আর্ড ক্রি त्व जन पृष्ठ व्हेबाट्ट, च्यूनक्षाम क्रि त जनाना गांगीकांशं व इसे हरेडक हो **गर्न्टवंटकेंद्र के विवंदन किएला** । য়া হত্যাকারিবিখের বিশ্ব कर्तना । जानदा मध्या मध्या हो धारन करिया शाकि। अ महीते मन नेष कि

া কই পোৰ বজনাত্ত্বী আন্তিনিক করে। নার্থ্য বংখ্য বংখ্য বংখ্য করে। নার্থ্য বংখ্য বংখ্য করে। বংখ্য বংখ্য বংখ্য করে। বংখ্য বংখ্য বংখ্য করে। প্রকাশ করে। প্রকাশ করে। প্রকাশ করে। বার্থা করে। বংখ্য করে। বংশ্য কর

পুনা ভাৰতায়নত্ন বলেয় নোজাপুর, বেলুগা ও ধানওয়াত্রে বোখাই ব্যাহেছা নান্ত্রী, নং-তালিও ধইবায় কপ্রান্ত আছে।

गतिवर्गात एकं वृदेश, क्षिक्षांका क क्षिता-ना पारिना बक्षीरक ब्राजिकारमं स्व गक्क क्षा-राज क लोका बार्किस्य का अवस्थानयम क्रिन-रा काराज क्षिक्षांकरम कारना मा किरम नाविक्षित्रमङ क्ष्म अक मक होका क्रियांना क्षारत।

विक विक शांत व रागत, त की युक्त भा-त्यां शांताम शांक्यां में शिकांत मुद्दावित का-क्षेत्र क्षांता भग्नम व रिवराण क्षांत्रमं क्षांत्र कृषि विक्तिरंगत हित्रदाहणिक क्षांत्रम्भारत विक्ति क्षांत्रभ विवरत दिव्या संव त्यां स्मार्थिक क्षांत्रम्भा क्षांत्रम्भ त्यांत्रम्भ स्थान्य व्यांत्रम्भारत 1 1

ক্তি ক্রমে ব্রাদ্য আত্ম সম্পন্ন করির ছেন। আরুত স্থান : ক্তে বদ্য বুবক্সিগের কাল কি উপক্রম ও উপসংখারে একরণ হট্যার নহে ?

কলিকান্তা বেভিকাল ক,লেকের প্রিণি-· 图 四种种 इंदेश्बिनवादन अक. अधिक कवित्राद्य । 4 र शहर के स्थाप का व्यवस्था करें वादर तर जेंक नारमस्य ने कि के देनते हाटाडा त्नान हरून क्षेत्र व्यक्ति क्षेत्र विद्यारिक रहे या का के स्वीकृति में मित्राट्म । मारन-रमें के किया है जिस्से परना किया जानवावकात कर्त इस्ति क्रिकें जावाविद्यात यह त्यांच হ তেছে, পৃথিবীয় সকল লোক চীবৰ্স সাহে-वह काहि महरूवकार मरसम, ज क्यांत्र कारी दा विधान कतिरवन मा। से शब धानि श है করিয়াই ভাছাবিগের মবে এই ছটি এর फेरव स्टेटव स्वत्विमा कान्नरन कि स्वर कार्यास्क कुष्यत्रभी क्षित्र? चान्न व्यक्तिकान कारमध्यत्र छ।-ব্যেরা কি মুক্তপোষ্য বালক বে ভাহারা পরের कुमध्रार कृतिया जानवाविष्टशत लावि अक मारखद जामां शिविष्ठांश कब्रिस्ट ?

>१३ दिशीय युषयात् ।

আনরা এবারের বালালি পত্র পাঠ করি ।

র! অভিনয় আনজিত হইলাব ক্রিনিটির বিলেন, বদেশহিত্যের প্রাক্তির প্রাক্তির করিছে ।

বালীপ্রেসর সিংল ঐ পত্রের জিলিটির বিলেনিটির বিলেনিটির সংবাদ করিছে ।

আল্লয়ারি দাস অ বি সা বিলেনিটির বিলেনিটির বিলেনিটির বিলেনিটির বিলেনিটার সংবাদ করিছে ।

করিছে । করিপ্রেসর পরের জিলা সংবাদে বিলেনিটির প্রাক্তির করিছে ।

করিছে । করিপ্রেসর পরের জিলা সংবাদেশ

ত্রীলনেশ হইতে সহ দ আসিরাছে, সমা

ত্রী পালে জনে প্রথা লইতেছে। বিলোলী

রা লালের নিমার হইতে প্রথান করিবার উলেও

শে একর হুইতেছেও ছক স্মাটের অতি
ভারার উলিই স্থানিয়ানে নীতু হইগাছে।

স্মাটের সেলাগ্র বিলোলিকিগের হত হইও

कामदा बन्ध कामनिक महेनाँग, कारम । रिटनस नुद्र कामि ? हात मगरम कामकार्थीय अन्दे क्षेत्र हरूलकियात् ।

বালালোর বেরার্ড বলের, উক্ত হানে তেরেন। ত একংশ ১,২৩, ১০৩-নাক্তির বদতি আছে।

ইহার রুপ্তে ১৮৯৬ জন ইউরোগীর, ১২৮৬

করিরিজ, ৮৬,+৫৫ হিছু ৫ ৩৪,২৫৬ মুসলমান করিরাছেন।

ন। তথ্য ছইখানি, ইংরাজী সংবাদপত্র নক্ষলাই প্রকাশিত হয়। শাখা রেইলওরে হইলে ই ক্লেকির নীরে নগরের আরুও জীগুলি হইবে।

রিজিগে বিং

कार्शन कहेट य करतक का हुए है है

तार्शन बान फीह ता इलार्ट्य गर्नितन्त्र के

वार्गन कार्गीन कहेट के कन युवन उथाय

विका निका कि उटि गर्निता ताना जाहा
निराम कार्य निर्मा के को दान के को कार्गन कहे
ता चर्मिश गर्निरम के के को दान कि कार्य कार्य कि को को कार्य कार्य कि को को कार्य कार्य कि को कार्य क

্ৰেছি ক্ৰণিকেল বলেন, সম্ৰতি রাউণ ক্লিডিট ক্লিজপাল আসিয়া অনেক শস্য বিন-

ইন্ধানিউস বলেন, আলাম, কাছাত প্রভ্ বিশ্বানে উত্তম রবর অন্তিতে পারে কিন্ত নাল্ডে নর এই অঞ্চল অল্যাশিও অবিভিত্ত নাল্ডে নর এই অঞ্চল অল্যাশিও অবিভিত্ত ভাক্ত ভিনিয়ন বলেন, তথার বিশুর প্রশেশু ও উর্নর উপত্যকা আছে। মণিপুরের রাজা করেক জনকে ক্রিবিদ্যা শিক্ষার্থ বিশেব প্রে রণ করিতে ইন্ডু ক হইরাছেন। তথার অবেক বুনো টা গাছ আছে, রুবরও বিশুর জন্মে। ভূতরক্ষ মণিপুরে থে প্রকার কর তদপেকা বজনেকের কোন স্থানে ক্রিক কর না। চেটা করিলে অধিক চা রবর ও রেশন নাল্ড

প্রশান্ত তি আইনটিক সাগার টেনিপ্রাক হণ্যাছে। প্রশান্তমহাসাগার গোন্দামি নিক্তরী নদী প্রাক্ত তার পাতিত করিয়াটেন নিক্তরী স্মাটের কিছেবটি করিয়ারে উইন্তিটি উর্কিট

হইতে এক ভার সাই বিরিয়া পর্যন্ত আমি-ভেরেন। ভাষা হইবে এক বংস্রের বুল্যে ৭০০ ক্রোল টেলিআফ হইবে। দ্বলীর গব-প্রেট নিজে ২০০০ ক্রোল পর্যন্ত টেলিঅফ করিরাছেন।

মক্রলাইটের এক জন পত্র প্রেরক বলেন ক্লম কর নীচে গলার খালের বাধ ভালিয়া চা রিলিগে বিজ্ত ব্রয়াতে নিক্টয় খুলা ক্লেত্রের মহতী ক্লিটেড্ডে;

उन्छ॰ करम निरम्मधील विश्मक नक लाटकत नश्या करा इन्द्राटकः वेशाविद्यत भट्या ६৮१५० सन खोत्रख्यवीत मसूत छलाव ३०७ कि गवर्गस्य विद्यालय ६,५०१ सन काळ जन्द ३७११ कि खाञ्चनला आस निद्यालय खाटकः वक्रमण काति काकि लाटकत वन्दि ख्यालि ज्ञानल गवर्गस्य खाद विना लग्न मार्चः

विश्वीरगरकरित्र कातूनम् मरगाव प्रांकः गरमन, जाम'त्र प्रांक्षम्यम् भी द्वतारित ह-कृष्मिक विरम्पकः श्रीष्ठि द्वात अवारण कृष्ण कः द्वित्रः मिनित म्हांगन कतित्रार्ट्यम स्व नर्गत स्वेन-रक्ष क्य निर्मित्य विश्वित स्वेरक शाहित्य रक्ष मा, नगरत्व भर्षा विश्वक्य भाग्र करे स्वेत्रार्ट्यः क्यांगि मूनकामकाम आक्रमभूषण कृतिहरू वेष्कृत मरदन ।

সবজোয়ারের হাকিম বিজোহী হকরাতে বোধারার রাজ! উক্ত প্রবেশের যাবজীন লোকের প্রাণ বিনত্তী করিবার ঘোহন। করেন। হাকিম করেক জন এককে প্রতিনিধি করিবা রাজার কমা প্রাথন। করিতে প্রেরণ করাতে তুপতি আগনার লাজ। রবিত ও হাকিমকে এক খেলাত গারিভোকি দিরা-ছেন! নিরাজ বুঁকোলা কিরিবা সানিয়াছেন না কিন

क्र निष्णणकाष्ट्रमाहरूक वा व्यक्तित कामध्यिक दीनद्वारण काव्रिणत लाकन क क धारणाह व्यक्ति कामहाक नकात व्यक्ति वार्याक व्यक्ति कामहाक नकात व्यक्ति कामहाकात । वध्या कामहाक्रिक्ति नकात क स्वत्राच्या कद्विक वार्याक क्षित्रक नकात पूर्व कार्यक क्षात्रक नाम क्ष्महासक कामहा



(4011) THATE WITH THE TO WEEK (शह कार कर कर करने अपने चानि है स्तामी लाहाक एक कर्रको। यह व्यक्ति व्यक्ति विवाद मैंबर्ट्य कोर्ट्सेन विद्याद्य कि काछात्र रेक्ट विकारन वर्ष भाराम भारत रन नम-ए। इ किनि सर्थ सहिद्देश । अ की बार्च प्रकीता द्ध महत्त्वह महि।

इंश्वरक व्यवस्य केविया है नव विके ताक-ে শীক্র ভারত্বনীয় প্রধান সেবাপতিয াল করিছে হইবে। আয়ও জনক্ষতি এই, ইংলভীয় যুখদংকান্ত অধানত্ম কর্মচারী দ্য ভার্চ্চর গ্রহীন গরভ্যাগ করিতেছেন, সর া-्तन केंख छोराद्र कर्ली ए मार्च खानविन अब्र हार्त्त्व केरखन कर्ष विष्युक्त व्हेरवन । ्राव कि है क्षेत्रिय स्थाक क्षित्राहरू अ कार्यक धन चार्थभन्न हे हेटनाभोन्न भीतकरत्न कथाग्र বিমাহিত হটবাছেন ?

সম্প্রতি নর বিট রোজ ইরেওলর অখা-্যাৰি দলের কয়েক জন আফিনয়কে স্বত ग्राह्म । जीवादा दिनामस्यद विकिमिर्गत निकटि कर्क्ड कतियाहित्सन ।

হ্ৰকাঃ বলেৰ, জেনন নামক একখানি क्षा शास वा आरिक्षत्र पूर्वे ब्यान উत्तरत मनुद्रम भन्न इडेग्राएइ। का धिकारण प्रव अवर नाविक ए ाःदा**री त्रका भारतादस्य ।**

, ১৯এ পে ব শুক্রবার।

अवर्दन है है जिल्लिय के हैं मनन नाटहर्वटक भिरास्तर **क्रेट्ड गंजा प्रशंख देवरेन ८३** क देवाद प्याच्या विदादक्तन । शदिबिट्डे भाग भागभागि कही हैं। है है एएमा । এश्रंप अन-শাতি শিয়াগ্রার ১ ইতে সাপ। পর্যান্ত রেইন ১-ার ইউবে । তাহা হট্জে কলিকান্তার খাল সকৰ্পা হট্টা প্ **ড়িকে জংকাহ** নাই।

है किनवास बर्धमा, ब्लामा व भागक्या "। टेमना **या बहादछ अ**निमःया "ह्य अपूर्णः াল্যান আধীনতা স্থানার করিতেতে । বংশ ব উ আহমর সন্ধারের। সেনাপতির নির্ দ বজি আখনা করিয়াকেন।

উত্তর প**ভিযাক্তরের** তথাৰ কবি সংক্রাম তপ্রানি পঞ্জ বেজেটে গুকানিত হইয়াছে। তদার, জানা - গেল মিরাট ব্যতিরিক্ত অন্য

काना-कारण (सामार्थाक) कृषा अभिवाद । । पात्र विवटका मही (बासीय के एक बार्कक मध्या छयी बहेरड कतिवाछात्र 5. इंक् 'बंबर मने क्या चात्रिवाटक। जरू खहे-म्बद्धिक प्रदेशांग क अरु महाद्देश बद्धा विकेश्य वर्ष केला जाना स्टेबाटक । इस्टक्बा ক্রমণ: অধিক তুলা উৎপাদন করিভেছে। ভারতবর্ধ শীল্প আমেরিকাবিরহ জোভ নিবা রুব ভরিবেন একণ বোধ হইতেছে। কটা ট্র विन विधिवक कड़िया क्वक्षितरक मान कड़ि-यात कडी यप्ति का यत्र कि.अरमञ् देहेरिकि स्हेद्र ।

হোম'নিউদে দুই হুইল, লাভ' পাষ্যুষ্টন লেও সাহেদকে কোন উপনিবেশের খাসন कही क्रिया ध्यातन क्रियंन। अक्षे डेन बिहर्म डॉबांब निक्य कतिया न। बिहन कि ह উৎপাত্তের শান্তি হটবে না।

८इडेरमद्विकोति मदक्रेरवर युर्वन द्यास ম্ব্যু বেনাদলে বিভক্ত করিবার ভাজা দিয়া

মাপেটরের মন্ত্রদিণের সহায়তার ক্ষন্য के नशरत जन बक् हाकः होनः इहेग्राट्ट। লণ্ডন হইতে প্রভাষ ৬০,০০০ টাকা বাই ভেছে। সকলে অনুসান করেন, বড়দিন পৰ্যস্ত এক কোটি টাবা সংগ্ৰহ হইতে পারে। এবিবরে ইংলণ্ড অ্রিডীয়। আমাদিগের त्मन बाद्ध छेपना हरेखाइ, एतु (मुस् नी क छ है;का ज्यान स इटेन।

स्थानित त्रायकीय विष्ठातांनास्य अविष्ठ আশ্বয় মকন্দ্ৰ। হটয়াছে। অৰ্থী সাভেট লোবার এক জন বারিষ্টর, প্রভাগী করাদী গ্রন্মেন্ট। যখন মারু পার্বদিনি লগুনে করা-শী দুন্ত ছিলেন, তখন করানী গ্রণ্মেটের সহায়ভাব জন ২ি এণিংগল নামক মৃত भटबर भागापक क्षान्त्रक दिन गक ठाका । हरा : कथा इव । कारत जांधविस यन्नाभी স্থাটের ৮৮। সম্বন করেন। ফরালী গব-वंद्यके दिन तक होता भिन्नाहित्वन किछ त हे का नामा हो उ किवारण भागरबंद राख ৬॰_{ু -} • মাত্র পড়ে। ডিনি বাহি টাকা পা**ই** यात्र छन्। नालीच कत्रियारहरू । बाकसमात्र কারণ ইংল্ডে হওয়াতে তত্তা বিচারালয় मञ्जू शतिमिनित्क (अक्टन क्यांभी तम म-

बाटहर । देशक अनुषाद व्यव्यक्ती তর ভার দ্র এই বে পোবস্থাকি याप्रि बाजात वह शाम बाहि 🖅 🥻

मञ्जािक करबन सन हेडे।नीई টকে ৰথ করিবার চেটা পায়। টে তৰ একটি রাস্তা পুলিবেন ব্লিয় करद्रम । अञ्चल गनित्रं मण्डल स्व র সিংহাসন স্থাপিত হয়, ভাহার পিপে বাৰ্ম রাখা ছইগাছিল। ३० नीय ५७ स्ट्याट्ट।

প্ৰিল ভাল্ডেড এীলের সাং লেন না বোধ হইভেছে। ইংলঞ্চ ত'হাতে **অমত**। কুলাও ভারিদ वाम कतियोत्र नशावना आहरू 🛴 💯 📈 সের রাজা হইয়: প্রবাতানকে জার্জিন র চেঙা না করিলে ভাঁহাকে আর্ व्हेटर । हेश्मक के बादिक कहाई के बी সাহাধ্য করিবেন না।

'बाद्धांक हेर्हिस्टन्द्र नन्शांक्क ै मृद्रा वरेशास्त्र। हैनि अक सन हेशव पक किरमन ।

টাটমূল অব ই,বিয়ার এক অম পত্র প্রের ক বলৈন, মাক্ষটের ইমান স্বীয় রাজেঃ; বন্দ-। तत्र छ्विधात जना मन्द्र कृटन अक्षे शहा (পিয়ার) করিতেছেন। ইবা ব্রিজ্ঞা ক্লা মানা ইবার ও নগর রকা করিবার একটি উত্তর উপা য় ৷ ইমান ত্রিমিত করাচি হইতে কয়েক জন সরবেরার লইরা ঘাইভেছেন। বাশিক্ষ্য বিষয়ে भक्षर**ेत है**यान **७ जागरन्द्रनम् माना जा**हिन याद्र भट्या विथा । इन्हें दहन ।

क्रिकारहर मालारकर्त्र सनिक महाध्रारित्र । অভিনদ্দ পত্রের উত্তর দিরাছেন। ভিনি ব্যক্তির রাজপুরুবৈতর ইণ্ডরাপীর জিগতে प्राति किर्ण मृद्धि साथित। समञ्ज बुकिसा काव्य क. রিবার অপ্ররোধ করির ছেন। কাজই কর আর সর চারধন উত্তকে ত ড়াও গবন নৈউ करे क्रिविन विधि क्य क्रिडिंग महिमी बहैदिन #1 IF

সম্মেডি বেহার ও কাশী হ'তে বিস্তর জ क्रिकंट्रमञ्ज किन्छि जानिग्राह् । वाट्ड द न ভোৱা ও সেত্রেন্টারি তাবা দর্শন করিয়া আ-नश्मा क्रियाट्डन । ममुनाय छीटन द्वायिक-ब्रेंट्व । हीन (क्या (क्वर अक व्यक्तित हैरू সমূহইল ।

a পৌৰ শ্ৰিদার !

कि वालम, कलिकाजा दहीए াত্ম শক্ষাট ১৯ ঘনীয়ে পিরাছে ীমাড়িতৈ বিস্তৱ লোক তথায় িশকট য়াজি সাতে ডিনটার স इ इत्र । देवहेश एएश द्यांगा ७ अ. •কালীডে প্রায় ৫০ লক লোক , १ ६ + वरमदर्बेन भर्षा उर्वाय अङ ব্ৰৈত হন নাই। "

हि जोरहा बरनन, मध्यदित भिन ्रिश्व बाग्न माहे । अवर्गत टक्कत्रटल · প্লাৰপুতনার হাজায়৷ নিমন্তিত

াত্রের কাশীর সংবাদদাতা বলেন, পাতী গুটু জন ইংরাজা আ-্রবহণ্ট করিয়া নগরের চত্রনিকে ''ছিল, তাহাদিলেক্স মধ্যে যে ন্যক্তি ্ৰহাকে স্বশ্বংসর জার কয়েক জনের ্সের করিয়া মিষ্টে ইট্টাছে। মহা-क्रांत करे कार्य यात्रा निष्ठ अध्ययः वियोदक न

ात्र अपनित्कल यहस्ता याण्डीम है छा। जात्मव विशेष्टमंत्र त्मिष ष्ट्रेगिए । जेशित जेकी ल डेड्ब बदल डमी। लक गर्न भि करियाद्भत । , , दरमुक्छ दाल्य , ६३० मृष्ट मानवासाप्त ক্ষীত যহৎ থাকাতে "ভাষার মৃত্যু মুট্ট্রাছে। প্র ণ তারা হয় এমত প্রহার হয় নাই। ফেলি কেন ভালমান করেন এই তুর্ম তের দুই বংসর . भारतात सङ्घेरका क्रिका या डेका । **अटलकी प्रक्रि**कां ज्ञ भाग इतिसालीग्रसिटशंग निकटके क्यादिक ্দি সংশ্ব লোল্টা টি**নিডেচ্ছে •**

(मध्य १४) । मामक छात्र्यकर्शीर्माल्य একজন আফিগর এমলি নানে একটি অবিহা হিড়া যুবভীকে বর্মা ক.ेश দিব স্ক্রিয়া জা ধনার গুড়ে লাইনা কিনা প্রথম্বন প্রয়াকান কল্পেট্রা ভাষার স্থিত ও শ্বেচার করে। পরে । किस्त नरेशक्यांत्र (मण, १, ४ . . স্থারিত একটি মুক্ত ক্রাক্তি হ करहक जियम डेक्टब्स माथि वर्डेवर्गर তি ভাষার পিত। নালীল বলি । ভ आब भाड क्या ब्यादिक स्टान खाः त्रत हरेदर । जैन्**नदश्चम गर्दामा**णाउन अन्त "বিভেছন নেজয়ের ছার্ড্র 🛊 কম 👀 🕆 में दर्ग मिलामहन्य स्थीयन्य ।

ালন্তন উন্নাইডি নিজন্ধ। কেন্দ্ৰ নিকন্ বৰ্ণে কেন্দ্ৰ विश्वता 🗢 क्षेत्रस्थित हो सहि। प्राप्तात व्यव-वा कथकात हम अवर्गहमहरोत (मनाभन अधानर बहेटक मीबिटकाइ सा । रिन्छाबीना आगमानि (नेर मिन्द्र मेर्ड वर्ष कवि छ । जावाहा মিনিসিপিকু মুখ্য গ্ৰহ প্ৰদেত প্ৰাচীর করিয়ান चि आरम्द्रिक्षि मन्दाव श्राप्त मधावराह थाउनि सम्मारक के का छ डेन्स धन निरम्बस्ड (मार्योक्क - एक्: मार्थ क्रांड वित्रक्ति क्रांकां कृति: **उद्देश** । ,

२) भ महत्वदात्र म निष्टेशक हो है मान निष्ठ ছবয়।ছে, আলেবাম। (বিজে'ছিদিগের যুদ্ধ আছ্কে) ছাবাবে লুড় চ্ট্ৰেছে, ড্লিন্ড भारत्मिका कथा मा कथा है लाएत निकारी ক্ষতিপুর্ণ করিয়া লটবেন। দলাদলি ঘটিত विश्रम अधिक मिन शाबित्य ना। विद्रापत म-हिछ युक्त छिलक्षिक कहें त्या है के स्थाप कहें रिश আ'দ্রিক,র বিশাদেন সমায় টণ্লাথের যত माधा करमानमा करियादार, दवर एक मिन धक्रम खार्ट्स्क, मर्स भी विज एक्टियन, एड क्षित है लए देशांद क्षता च दिल क है रवत । (मान निष्टा इहेटच क'लिएडीहा अधिक अफ बाल्कीय बार्शक एक करेंग्र, याहेरङ्क्रिक एक्ष्र खान-तिकास अन्त्री का, छान्यत व 'ता, भुड बहेगा छ ।

निटिवेशकी २२ व मरत्यतः। द्यस श्राप्त अपसत ्रिशतिक्र्यत्वर्थन भिष्टिमिना**स क्या**शिविम पाल विद्याधिकित्यान महाश्वाप्त। कविष्टा निर्माय ও উটোৰ হাস্তে নগৰতি সন্ধৰি কাৰতে ৰবিয়া-एक । विकेतिशिकार्ण श्रीक्यां एक, छीलाई। বিজেপিটিদিশেষ নাইয়েত। করিলেন না, কেন্দ্র মগৰটি স্বাণীন বংখিবেন। নেনাপতি ভাঁছাদি-पटन विटरहमार जना 55 चरिका रामग्र एवत ছেৎপার মধ্য সাধোম, নিজেপ কর। বই ভাছে। ল্লীকাক জ শিশুদিগকে মধান্ত ভাগুগের বিনিত্র अंड यहा गगर ति १३१७ व्यानदक व्यवह है कहे রুছেন। দেনাগতি লংকিট নগ্র অধিশা-कतिनांत क्या नगानत निकार हो जिल कहि 到[美杯]

গ্ৰহ'লেক্টেৰ লেনাল হ'পান হক নমু পাতু इडेट उस शास्त्र, देश हैं। या भारिताकीय सरस्य क्षं क्षिपिक्ष क्षेत्राम क्या है द्वारह । अवर्ग भए हैं द रममावः काल भोरय चारह । रममागुडि (काम প্রয়াল জাক্ষন কি কবিকেল্পেন ম্যাণিপুর জ্বারা যায় নাই। নিমিপিপির নিকটক থেলি পিছে। युक् व हेराव मन्त्र महारसः । अस साक्षत्र ६ व्यक्षित शव दिश्व है देशन। श्री फिल्ड ४ हेइ.द्रष्ट् । तिकिय विकारः य मार्ग प्रथाय रामल दिवागित ग रहन राहकण भारतय प्रत्या (यालाक हारक পীচ, ও বুংক ৭৫,০০০ লোকেব সূত্য ক্ট-

नत् िकः. छ न गाएक मिन्डे-ইনকে ভারের বিচার চলিতেছে ।

र्ण धन ३० है । छात्रपत्र । सारम्भिता १ कथ

TO THE STATE OF TH (न ७ ख्रमनाष्ट्र नांगानः चंद्रिनतः संस्कृष्टिकाः । काशक व गाति अक्था निवसी बंबेश्वर्थ

मधन ५५। जिल्लाका । महनेमा केल खरार बर्केस काश कडिया। एक ए दिनम् वर्गदक मुख्य प्रमाना क तिर्द्ध मनश्च क त्रवारधन । युद्ध कहिराब नहा-वना आहा। क्षाप्रानिकम्बर्भ छ हिन्दरशह मध्या विद्रक्षे विकट्यंत्र द्य अव्यक्ति दमन क्रम काट्य फोडांद्र। विक्यर्भ नेयंद्र का क्रमन कविताह खेटला:-গ করিতেছে। মাকিলন নিউট্রার্মপ্রন করি-श्री कठिणह अजामदत् शृहीठ बहेग्राह्मा हे है. বোপীর মূলধনতা মর। রিচনতে বিজ্ঞোটি দি-ণের বিশুর কংগজ (গ্রামেন্ট) ক্রু ক্রিছেন, নিউইচুকে এমত ম প্রতি সভাপতি ডেবিহ দশ লক্ষাৰক্ষা তুল বি এ ক্ৰিডে চাৰিয়াছেল, গ্রীসের যাওড়ীয় লোক শক্ষেত্রার আলকেডের দি হাসন পাস্তি বিষয়ে খাঞাহ সহসায়ে সম্ভি দিয়াছেন। রাটেজি মন্ত্রি সম্প্রদার লদ তাংগ करियां हिन। जुलाह प्रज्ञ भटना प्राथ मिनाह-व व मारक केटब्राज है। इस्त्राहरू १ ५० सम्बद्ध है। या ीमा ध्वेयारहा २८ व्या क्लीक राष्ट्रका तीवात स्मिक अध्यक्ष अद्याप क्षेत्र कराइ अड इहे. ग. एए। या वास्ति या एकत् के एल लिखे हिन ্ মন্দার ক বিচাসার্থ সমর্পন করা ছইরাল্ড : हुन क्षा उ व दे जान पर क्यांची मना है है हान সংগ্রাম চক্রান্ত হুইডেছে। জায়সা আৰাংক क्षेत्र विदेश क्षित्र काहिद्दित काहि "अविताला । 'ठाइडम्बीम समामानम य्यवस्थ वर्ण वक्री भी-লে,ক্ষে ব্যাভিজারিণী ক্র,তে ভাছার বিচার ষ্ট্ডেছে ! ফুরির সভ তেও হওমাতে মুক্তন করি न्तियारस्य। महामद्धार मधा स्वितिश्व नार्यन দেনী আপ্রধূর বিশ্ববিদ্যালয়ের লংড'ংকডব **४ हेर्नाञ्चन । ताक्रकृषाधी, ज!रमक क**िंशून ८०० পোন হেংগালে প্রাভাগিমন ক্ষিয়াছেন ৷ নিয় ्रिं शं 5 (कं म्णा) जब नचा विवेशा है:---

कांद्र इवर्धीय सहा (महम ७ थान धननकांत्री , সিদ্ধার কৌচ বাস্থাব (ট্রায়অর) ্ भाउन दरहेन ५६४। अ: खारिकार क्रमा (महत्व ७ व मा नजर महत्व) প্রকাপারি।

शदर्ग के विद्यालन।

মাল্ডাংকেশীখ লেকেইন্ট প্ৰ-বিৱয় कारमना अविकेशिक विद्यापा

২০এ ডিসেন্র ৷ সোলারডালার মুক্তোই क्रीकिस था(वक्क्स कविय क्रीसम्)दि कार्डिताव २२ थ नय - अतिरहेशनी अविनिष्ठि निर्वि द्वित । भागास्त्रभीत्य देख शिक्षांश अथन व्यक्ति स्थीन

३ के ब फिरमधन । खश्चिक, बह, श्रवेशि मध्यक क्षांबरद्रवस मध्याकी भाष्ट्रिक में बच्छा में ma min a manife - 宋秋的节题才 如何可! 可怜。

टबमा किन्द्रण ह विकासित प्रकार प्रकार भारता था। उन्हें किन्द्र द्वाराच्या अकिन्त्रीय कावित माकित्ये हैं व राष्ट्रीयिकारकारित विज्ञासम्बद्ध

जनकि (१.कन सर्वेश मस्त्रम विर्देश मध्न नी मां करके वेदेश मां करके है अ एक पूछि, कारमहिल्ला कम्का गांकरवम । किस यस विक कमा दक्त कम्का मां क्षेत्र रेक रक्त थ अ क विभि कार्यके काकिएके के अ एक पूछि करकहर भाक्रियम ।

টি, এই বিগলও সাংগ্ৰ পটেনাৰ মহসাৰী মালিটেট চটাঃ মালিটেট ও তেপ্টি কালে-টাৱেৰ ক্ষতে পাইবেন। কিছু যত দিন প্ৰনা কোন আছিল না ছাই উক্ত জেলায় এতিনিমি ভাইকী মালিটেট ও ভেপুটি কাল্টিৰ পাকি-শেন।

लि, এ विक् मार्कन क्रिक्रेशास्त्र मक्कारी मास्त्रिके हुँ कुँ के, क्लिक्सार्क कार्करत्र २२ धान-क्रमारत श्रवम रचनीत्र सभीत मार्क्सके छिट का गड, शाहर्रका, किन्दु रख सिवे क्रमा रकान या. क्रांगा न के क्लिक्स क्रमाय श्रीक्षणिति क्रांकेणे मा-क्रिके छ ७ ७ ५५ किरके स्वर्ग क्रीकर्यन।

८७. थर. व द्राये १ शांष्य विश्वतात एक काशी मालिए हैं ३ इस आहेत करेंडा एकेक्सांति प्राहित्सन १२ थार सम देत व्यापन ८० सेन "कथीन मालि ये देवेन कमका शाहित्सन दिस्स बर्ड प्रमान खना कान बाका ना इस देखा क्षांत्र व्यक्ति निर्मित सार्वे मालिए ये ४ एक्सी कारणहेन्द्र बाकिएन।

धक, त्यः, त्यः, विक्रिकेष्ठे मार्क्य मार्काशास्त्रः । मन्कारी मः[सन्ध्ये हे त क्षिणमहोत् विद्या क्षिण- । माहि धारेरमह २२ धाहासूमीस्य क्ष्मकः शारेष्ठा मः[महाम विकारभद्र कहा शारे**शा**म

८०६ फिरमाह । है, खन्तमा हन सम्ह ना-म कृतीय ८अनीय मश्चाती श्रुति व सून्धीयर्ग्ध-द्वारे कहरवया

च, चह, जाडेण मारहः वर्षचान पुडीश ८.अ-भीत महकाती प्राप्ति स्थाति रहे थांकी शहरवन ।

है. स्वाटका गाँउव श्रुविशाह छुटीय स्वाची व न्यूकारी श्रुवित श्रुविति छान्ते स्वाटका

প্রেরিড

'মিযুক্ত্ৰামপ্ৰকাশসন্ধাৰক নহেবিয়েৰু।

्रिट्यम निर्देश्य

कां क्रिक्ष क

क है बाह्य का करें, आहि एकिशाय अग्-क मार्गावसाय किशा किशा अशात किशा का क व्यासाय किशा के कि के किशा मिल का कि किशा किशा किशा कि विशेष मिल किशा के शिर्णा किस, मिल विशे किशा किशा के किशा के विशेष

पृत्रि , रुक्त चार्चिक गुरमाव छार्चमा , कृत्या किह हा का जब चारत शान्द शाह गात किन्द्रव क्षा करा के द्वार कि वास के ब्रिक्ट के विकास के के कि Alafig delse mu nam abni tabib! জ্বিনাতার দিশ হীদলের তেও ভের ভার্টের দিন প্রোশাক (বমাতি তুর্বা) বাদার চারুর এ-हि ज नासामा कानत्वत्र निकडे विक्राह,कटडा ?। ৪ কিন পারে ঐ কাপড় সহিত য ছবিক পায় शंहारक ध्रतिस वरण बाद९ ६ व क्यांचात्, कार्णाहु, पूर्व प'इत निक्षे किन्द्राह छोडा के स्थि हेक्का होता. विश्वाह काला काला करता कथन क्षाचारम थिया किहै जिनिव लाउ साम छा बिटल নক্ষে বে নিতু ক্ৰিড বা পুটলী গ,তে, সংক্ৰাৰ পৰিবংক উলা রা ধিয়া সাইশ্য, কিছু কাল পুশ্য গু न । इन क्षेत्र कहेत् आ जिल्ला मान्तिक आ ক্ষণণ করে এবং ভাগার (মিপালীর) পুটলী কা ভিন লউর^{াত} অমত ভান কবিয়_িপবিশেষে ৮েই কানীৰ সৰ্কাৰাঃ ও প্ৰাপেণ্ড ক্ৰিয় ছ'ড। এপ্ৰ कांत्र शामारवारण शुःर्का अथाकाव अकलम क्री

खप्रीलांव िष्ठाव घटल शुप्रेली काड़िया में था.

লপ্ৰাণ ছইয় ২০ টাক। দণ্ড ভইয়'ছে ! । ! 🐀 **७**डे रमप्ट स्ट्रिंगः **ए** निश्च व्यानस्य स्ट्रंस 😻-বিতে পাবেন আনাদেব কি বাজ। নাই ? की। व्याहन ! उद्दुशलाक अत्रा (भीरवर विश्वन में क णिनिटउहि। थे निन कशकात क्रियां ही बाजार त निया प्राप्तमा न। निया हे महि लहेंग्रा य'त, मान हाहि वाष्ठ स्थानव अर्डि केंद्रय मधाम आहाग हता। ধানাৰ একজন লোক নিগাণীকে মাচ ছাড়িতে बाल, के कशनाथ वनाउ: देवन दल ह है। व 'अपन %। १० वन मिशाधी महिन्द्र चा प्रान च्यार इप्टेंड चाठित्यमः जिलानीतः चाहात्म अस्तिम जिसि (কাপ্তান) তাত্তেই প্রেপ্তার করেন। প্রথ-मिद्रानीएक छलग स्मन बद्द छूनि आधार्त्र ম্চ ছিনাইয়া রাখিয়াছ, দ্বেশীয় লাটি লা স্কা-निवाह कमिनावरम्यः नरक व्याभा क्या श्रास्त्र भक्छे:ना द्या यह देश्याम्बर्ड (शब्देमद्यम् अद्रम्) जिड़िक रभावितास लेक्साव विवेडका । आर्थि प्रतिकृति । क्षिति । क्षके शकान कुछ धनमंदन गहन मार्गास्ट्रेस का कात मधान आप वर्षेत्रका छ । बाद अस्तिकार्यन गार। इतेक केन नता श्रीमादेशन एक श्रू**रि मा क्रिक्ट क** राज्य काटि जेश क्षित्र करेंद्रकार क्षित्र क्षेत्रका है।क्षेत्र ाशतामी स्वया है है। यहि। ज शहर अपने विश्व यय जनतारी (नियानी) युड इरिक्र (मोक्रांशा बारे २ व्यवदक मात्र कार 沙海山中河南 双联市 市山 山東 直接市

मा, वर्षर ८७० है जान समूच मा, वर्षर ८७० है साम स्वर्धने वित्र वार्थात निर्माधीत अनुवास छादा व्हेटस स्वतित वित्र व्यक्ति वित्रात केल्प स्वतित्र हैं।

প্রীযুক্ত সোমপ্রকাশ স্থ

त्मानश्रकाल से किन्नु में केंद्रे केंद्र केंद्र

पनपती - आवार निवाह क्या है। व्यक्ति का निवाह के स्थाप के

किंत्रकेष ने किंत्रकेन ! बिश्तरानिशास श्रद महर्क्ष ब्रिक्स क्या जीवार विराधनात्र कर्वन

१ ब्राफ मा । ब , किन् नम मुडासीटा त्यक्र क्षा अम्बादाव काक्रक काहाहत क्षेत्रक क्षेत्र के अभाग विकित साथा विक्रिक्टिक हरित होता | देरे रकत मनहाथ कि? विश्वादा क्षा करिया (इत्यान । भागांत्र मध्य पूर-STREET OF STEEL

क्षेत्री आरक्ष पर्वेश जाने हो। विश्वित छ प्राप्त-हुए धारबाइष्ट्रे । अन्यास्त्रक नकावाद दे 🎉। क्षेत्र के दश्चामक थान सूचे के कर्

ू (ब्याक्षिकः वहेशा वेशक्षक अवान सह क्याकश्राम, क्रांक क्यान करिया मा THE REST OF SE

एक। यहार पियामा पवि क्रमाता। सूत्रा देश देशक एर्ड জাৰ জনুতে I

न्द्रा च्यामारस् पा का मार्ग्स के दिन रागन ं क्षा (चन्द्र) क्टि, जावाप देश-वस्यान्त्वान्त्राचीरकथ अ प्रव लाख नव्यक्ति व्यक्तिकाम क्लाक है वर्षे मध हे कि शर्विक मन्द्रत कडकरा में राजा-शिक्ति जा स मार्ग करेला।

bal (बांखान शांक केल हैं दिया) पर्यक्राक রাজ করেকটা পাপানার বেরার কুর্বেচে। তা-पत्र इस्तिवित्रक कालगार कि काका हर ?

可有 | 电图1 C平 }

किंकि । जासा अंतर मध्या अवेकन जय-में करते हिंगे, जोत्र अक कर्ने 🕕

क्षिम । अस्य कि भाषा (मध्या स्वरूप ? য়ু ওকে ধাৰ্লিক লৌচনিৰ্দিত জীয়ুৰি ्रिवालिकिक क्टब दाना घटहरह । 💈 " वाशीयातीय श्रद्धम ७ वस्यवं नम्पद्ध क्षणत प्रदेशीयो मनाम श्रेष्ठ द्वार्थिश स-

্রিয় একজন— কুঞ্ছি অংপকা কর শুন্তি (বিশ্রু ৰ্মাটন ও পাত)

प्रकृ! ब्रह्मिक ब्रह्म क चाबि ब-

क्षिणे (स्थाधनाम डेम्य हेन कहा. नारं करिएक की सम्बद्ध

मभ र व्यक्तिकाम द्वापित्का द्वेश क्रम व ज्यानूमात्र वंद्वका अस्ति । भरे जामादनत

441745 WILLIAM Medis.

44 1 Ta क्षित्रोद्धाः डिमार्टेश्य-क्लेंद्र कथ 🏋 THE WEB-EN 62 | 731 4. T

Bie, wif withige com agien चे।दर्गन है

मेर । जा ! अवस्ति हैं के रा जीवड़ मा छुन्दर रामा गुड़ी गाँखीं। हिन्दछ । एतम द्रवन्त्र (नवें जीवपुरेत कृषेक मेहत। दरिष করা কেল। আর জৈনের পাঁচার লিপে রেপে त्तक बनाटम बद्धम बङ्गाकमदम कुष्ठीलाक महरक (मृद्रमा एटेवे । (विटेक्कव्याम) वत्रकत्र। हुक्कवेव। ওয়াতে আগ লাভ ৰ বিশ্ব

किया प्रशास । पृष्टिश क्या कतित्वन ष्मार्थाङ अविवास षिष्ट्र रक्षका ष्मारह।

यम । जान्या कि यम ।

किया आधुद्धन्! मशामदर्वत्रा स्टब्स् खर्न, ब्राइड अर्फ अयम निमान्त्रन मध्यियाम केन्ना क्रिकित इस मा। विरम्परका क्षेत्र क्रम करि ্রিযুক্ত ক্ষেক্তঃ ফোলর বিভনাধনে আগ পাৰে ৰড্ন ক্ষেত্ৰ পাকেন। দোষ গ্ৰহাণ সন্দাৰকৈর विष्ठकानकांत्र क कथांत्रे नाहे। वर्तमान हिन्छू. **१**निहेत्रके जन्माक्क श्रमश्मा खाना। त्रावन জ্পূৰ পেট্ৰটেৰ ভত সম্পাদককে পুৰীয় উ-खर्त चुँक चूथ महरम ८ थर्ग करिएलम । वर्ज्याम मन्त्रश्चिक छाराज प्रश्नुक छन्जांविकाजी ম্বেট ৷ বেশি হয় কোন প্রাভারক পত্র খেরক স্থার। প্রতায়িত হলে একপ নিবা। সহার আকাশ क्रद्राह्म । चाक्र वं चाभाव विद्युष्टमात्र अनि बद्ध वय स्वत्रः छिवित महत्रः।

वस् । मारव मा छूपि दशक मा क्षेत्रा मिरानद व्यक्तभाभ मा स्टब्स धमन शक्त ब्रह्म वियो। नवाप Concel (क्या ? त्यामान्यत्र त्यांच क्राव्य (अउ क्षच्या मानु स्थितिकृत्य चार्याचीं कहरण त्ववहा बार बाठ किन्द्र यदमाह अवस्तित करत जीतमञ्ज स्थारकत पूर्व केलीव सन्दर्श हरते।

्यनाथासि ।

क्षिपुरः होत्रः गर्कभवनं त्यावाम कुरिनेनान । :২৬৯ আন্তৰ্ভাৱৰ ধৰীতে ৭৯কুছিক পৰ্যন্ত ১০টাক্ষ

· কালীকাদ্যস দত্ত সম্পাদক - জীহ**উ** .२७७ ३६६मीय **स्ट्रेट्ड १०**-३६६मीत ग्रहास)वर्त

त्मव कामबद्ध कामी श्रीवन्। >२७५ वर्गा र्वेष प्रदेश्य देशंब नदीख देशा । एवं भी **(त्यद्वश जिट्यम मार्डिंग** १७४२ स्वितिह्य व्हास बेक्शक्त एका वर्ष मरीमहद्धाः साम 🤘 २२ के **अंदिक केंद्रिय दिया गरीफ इंकी**न ह

Seen क्लीई क्ट्रेट्ड १३ डेकार्ड भेरीचे बर्डे Total and the service of CHRISHIN RE <u> २२७२ प्राक्षक । इस कहिएक वर्ष्ट्र के विश्व</u> और के बाबू बहुमान के हैं। हाई। > ०० माहिक प्रदेश देशक शरी है . १ किंग " **485**1 र्वक्षेत्रात्र भागाम भागेराज्ञेत्री १५७७ ब्राइयाती हरेटड 'बरनदर्व "गाँख १० जे · BINTE ना भाजानन स्टबान्धनान **>२७७ च अस्थित स्ट्रेटक ४० देवलाय भवीय ह ले** THE शिवडी स्वरमस्त्री बन्द ১२७० लीय बहेटड देवार्ड गर्बाड CHIP & C **电话性对抗** नित्रिष्ठ अं ट्यों बेरी ১२७৯ लोग **इंडेटड १० देखाई अ**संख् द ने TO PARTY OF क्रीग्रंड पाउ पर्टम्माटक पर् **>२७३ भीव इहेट्ड १० टेकाई गर्वाख** ⊾कां॰ व के

त्यांष्यमान गरक'ख स.सम्ह বিংশ্য নিয়ম ৷

चालिय जुला यः शादिका सम्यान दरायथ-काम ८ शहर कड़ा बाह्र ना ।

याशवा त्यामश्रकारमञ्ज्ञ स्वा योज विकिष्ठे পাঠ। 🗫 টাবার। এক অথব। আধ আনার অধিক मुरमात ७ त्रभीरम् ही करें मा आद्रप करवन ।

यथन थिनि सक्कम स्टेट , मि मधीकाटनद मुना भारतिहरून जाहा स्वन स्विक्ति क्रिया CHA !

পুৰ্বাগৰৰ মুলোৱ কাল প্ৰতীত মুইলে মু-भा भाके हैं दक्ष दक्ष क्षत्र कार्यक विलय मा TEST !

र्यावाद्यां प्रकार क्षित्र मनग्र काठीक वर्ष-वा शहरर, अवस्य वर्ड नमप्र धारोका कतिया अथरव हिक्कि शिविद्या कामान क्षेट्य, विष का-शह्य देवार देखन कथन। शुला नः शदिश राज কাৰ্যক বন্ধ হইবে। ছুলোর নিনিত চিটি বাস্ত্ৰল न। विश्व नाडान वेदेखे । योजकांका नरसूष कारकारक प्राथितिकात्र मादव किकि मादित्व भा ह्य न ज भावेर।

ক্ষাৰ্ভাৱ ৰূপন্ লোনপ্ৰক'শ প্রিকাশি ক্ষিৰ্ভ त हैक। एवेटर किंदि निविक्ष मा मीमाहरम कांद्रा आह. केंद्रा पानरव मान

क्षेत्रक हिंदी ने नामि निवित्रके अर्थाक्य हरेद क्रिकाः। मध्युकं कार्याकः माहादेदम धानमा भीच ७ निर्कित्य शावेद ! . ..

्रक्षक द्वारामकारण विकासन (शासनिका क्षिण क्रीकेरक अपन नाज क्या ज निर्देशिक अन् काम, विश्वीक के छात्रिक की अर्थ की में कि लिए PRICE WHAT WHEN THE AND WHAT WHAT with all the last of the last

अप नक्ष्मिकाचाडाड एक अधिको भूकिकोल्याङ स्थान

" प्रवर्शनी प्रकृतिशिताच पार्थिनः चरसती पुत्रिवसती संश्वनी

本事[可点 治理(中)[_] मन ५२७२। २२ द्रशीय। हर ५५७७। ३३ कालुबानि

ATTEM TO

বিজ্ঞাপন ।

कतिनश्रेत्र किनात कर्ण्याकी राहेक्याति महत्त्रकुश्रेत्र नाम य गड़िन कात्रक काद्य, जाहा कर्णकृति क्रिक्श क्यूना विक्रय कर्ण गहित्य। पीहात त्रिहे काक्क सत्रश्रेत्वति सह योत्र क्रिक्श क्रियात्र क्रिक्श कारक, क्रिक्त क्रिक्शकार्थ क्रिक्श क्रिक्त क्रिक्शकार्थित निक् क्रिक्शकार्थ क्रिक्त स्थानिक क्रिक्त क्रिक क्रिक्त क्रि

> द्रम्भिक्किन्सः । एक स्मेर स्मानगढ

मार्क स्थितिमें भववि मानेकिकीरनात चांत । तत्रमा बाजारेबात क्रिका केंद्रि-कि । क्ष किम बेंट्स केल्यां रहेंदे भातित्वर्थि मा । क्रमा शास्त्रहर तर्व गरण गरण भक्क विवासित है वात होति इ-रेटव । औं 🖦 ना ५ र जन्म महत्वे कृति-ा हरेर्द । विकीय, कार्यक, काली, क-क्लाबिके ७ को जन नहें क्रांत बोड़ा-रेट हरेंदेन। क्छीय, यम मंदरनाथक क ्रव्यक्त मध्या होने कतिएक स्ट्रेट्स । जेरे मरक महत्व अर्थापरकत्र स्व शतिकाम ७ चा-शानकृषि वर्षे अवैद्य काछ हरेटेव, कामता कार्य अवेदिन नगती स्मीटकिस जा। जात्र न प्राह अविक साह गाविद्यादक जन्मन १७ म नेक्षिक नर्दर । किस त चात्र हसित " ' र्रोबिककार्णक" पूर्व दृषि निव क्रिके मामानित्यह महित्यह

र्भन्न चनुरमं चे रह, चिन्निक निर्मे स्ट्रेटक शाद

त्य अवंति लामधकारनी मानिक विकेश पालिक बार्षिक क्ल शिका पूला करों हरे कारण, क्रमुखानि सक्यरमेल बामक्रवरिने निकेष्ठ वरेटा जाक बाजून खेर्च शहि है क्यो निवादस्। त्यस्य क्षित्राप्त कार्य करें, क्लिकाचार केरिक मक्स्ट्रेन्स वर्की शकना चाटक । वशहराविश्वा व्यक्तिके निमा भारतक विवस भवनक स्वेटले नार्यक ভবিষ কৰাবৈ সাধাঞ্চলৰ সৰ্বাচীয় चारम, चरमरेका चवराव काली वि बक्षमं केनिविधात व नक्षे कृषिक्षकार्थ कैं। का निर्देश में 'एक्स के के कहा कर महिला। র নির্ভন্ন, সক্ষতির অবস্থাও আল বরুটো जिन्हें वान करिया जनाव केव अर्थ करी म । अरे मंकंग विर्वष्टमा कहिना जावहीं দ্বিখিত নিয়ম অবলয়ন ক্রিটি অধুন আমার্গিগের সে নির্ম ব্যক্তিকা করিছ वर्षभावामी चणक तार्वश्रक्षण अदिक वि গকে গেই লাভ ভোগে বাইত ফাট্টবায় रेका नारे। ज्य जानीनिर्देश रेक्ट्र क्रि र्यं स्वारं भवर्ष क्रेप्टरम्, छोक्तके विश्वि পূৰ্বক ৰতন্ত্ৰ ডাক সামুদ্ৰ বৈদ্য पार अने कार्या रहि केलिये लेकि সহিত আপ্রাণিগোর ডিক कतिएक नाहि । जासकान

efficiel, effett screen and all and an interest of the street of the str

ाषकाहर जन्म क्रिक्ट ना । विद्यानानंत्र रहक दहन्त्रत क्रिड्डा निवादका है शहा प्रवादि तक के हिंदा कांग असन दर्विक

कार्यक्ष विषय मार्टिं क्रिक्ट क्रिक्ट

e de la companya de l

अन्य स्थाटर, कार्यान्त्वन

THE RESERVE OF THE SAME OF THE PARTY OF THE

वार्ष कृतिमा कि ज्ञानिक रक्षण्य रक्षण्य किलामावत कृतिक क्षिणांद्र निकामवद्य स्थ निकामक्षण क्षिणांद्रके, मृद्ध कारमञ्ज किलाम ज्ञानिक क्षण्याची क्षणां स्थाप स्थापांच्य

धरे गर्द्ध कारमरकत थाँच भवन प्राप्तेत अंग्रेस | विश्वता । काहा वामावित्तात म किन्दर्व क्षा अधिनात स्वनकात स्वा रिकट्ट। त्रांकशूक्र. ताबा पुष्टिएक पर्णन भरतम नाः" का-্ত প্রক্রের > ইত্যাদি উপাধি বারাই विश्वाम रहेरकरह । शुक्रिम मश्क् রাজপুরুবেরা অততা অধ্যাপক ও ক্ষিতিগর যথোঁ,চড সম্বাদনা ক্রিয়া ক্রেন, ভায়ুও আমর। অহরহা বেবিভে क्रीहे । दि 🔏 वशाशकविदशत्र एव स्वरूप প্রতিব্যাল আহে, তজারা ববি কেব্ ইবা-शतिहरू अवन करतन, गामानाकून **प**-लकां वेशास निकृषे क्रांत क्रियम । ब्राटक केक्ट्रन स्ट्रान्त अधान निकरका ह्युक्त ३४० क्रीका ; क्रिक अवस्तित विनि नर्भवात ७ वर् मार्गनाथात कारात द श्रीक ३० है। जाना श्रीक कार्डिस करा करा। १० ्रिकि काहाम नक्नाथ ज्ञाबरकाव हरे**र**क मर्बाह क्रिंडि शास्त्रम् मा! अक विन वा वरे ब्राहरू का क्रेब्राहरू और चनिरवन्नात कार्या है। अथम जान सका क्रेट्टिंट मा । जारता भवात राष्ट्रकः विवाहांका वाक्त्रका कारत त्वत्र वधानस्वतः नश्यः व कारनस्वत व्यक्षानात्का विक्रम स्मूल न द्वापन भारेता नारक्षम् । अवन्यत्वरकेषु सामग्रमा कारमरका Alex CHALLES AND ALEXANDER मुश्यिक अधिकातः चात्र का देखा विज्ञान

বার উন্নতিসালেক, সংস্কৃত ভাষার অস্থিত। সংজ্ঞ ভাষার লাশন শীলনেই যাখনাভা-श दिन किंग नित्र ने उर्दननीन हरेएड -ह्म । अहे कारमहत्रक मरक्ष जिनाकरमक त्त्र अमित एककांकी त्य देशन অন্তর্নিবিক্ট ইংরাজী ডিপার্টমেঞ্টের সহিত প্রতিবোগিতা করিছেও সমর্ব নছে। मक्कि पढ्डा प्रशासक (मक्किनिरमह त्रक्त वृक्षित्र (१) ८ छात् व्हेत्राहेंह, स्था দোল, ভাহাতেও উলিখিক বিসমূপ ভাব चनक्रिक रहेरल्टर मा। हेरब्राकी निक्क बिरमद्र दर्भ २०१२० अपूर्वि होका बाफारे वात्र अनूद्राथ क्या स्रेजात्स्, क्सिनेश्कृष चशाशक्तितंत्र चनुके वन चाफिता केंडि (क निरंत्र बाहे। जात्राविश्वत विका, जन-क्रमाकी, वंशार्यकर्नी ज्याक करें क्रांत विदय চনা ভুরিয়া ইণার এভিবিধান চেউ: करतम जैरे जामानि नत जनूरताय ।

ভারতবর্ধীয় সভার বিহা ভগ।

এই সভা নিজা ভগ কি ' বুলিনা

ইত্তে উলিত হইরাহেন। সং
ভারা বহু কাদের পর গালালা

এহু হারা সভাগৃহকে পরিত্রিভ করি

হার চারলস উভলে এক
পত্র হিবার নম্বাপ করিরাহেন

হারিভানের করিবার।

সাইরাহিলার, ভাষা আংগি:

হারে ।

गकात (र मिना कर कामात कात करावि देश विद्यादगढ़ि तरे करा निर्मात कर करतावि कतिता जासलाक सक कति देशक स्टेक त्वत सरकार नेत्राचार प्रक्रिय व्यक्तर वर्ष स्थान नेत्राचार प्रक्रिय व्यक्तर स्थान केत्राचार प्रक्रिय केत्राचार स्थान केत्राचार स्थान केत्राचार स्थान केत्राचार स्थान केत्राचार स्थान केत्राचार स्थान केत्राचार प्रक्रिय स्थान केत्राचार प्रक्रिय स्थान केत्राचार प्रक्रिय स्थान केत्राचार केत्र

हांबद्धात बुक्तिस्य समावश्यक्ति मुलिक वर्षेक्ष शत प्रकार श्रेष्ट्र श्रेष्ट्

्राञ्चा विश्वविष्ठ विश्वविष्ठ निर्देश काला । काला विश्वविष्ठ विश्वविष्ठ निर्देश । विदेश भूतक भूतविष्ठ अविष्ठ मानाः विश्वविष्ठा काला कालाविष्ठ ।

भावत होता है कि वहेर कर कार्य भावत होते हैं। भावत शक्ति कार्य भा तक कर कर कि कि कि कि कि हरे क्रांक कर कार्य कर कार्य त समुख्य कारण क्रांक कर कार्यात समुख्य कारण क्रांक क्रांक क्रिक करेरलक

THE PURPLY THE PROPERTY. क्षा है। हुए जा हुए और प्राप्त विवर्षेष्ट्रीरेड मुख्य हा मन्त्रांशन क्षीराध्यक्तर म न्यक्रिके अन्या हुई क्ष शह क्षा अर्थ क्रानिवृध क्या हैश एकान सर्वाद व्यासारी क्षेत्र 'अमुरमानिक मरन् । कें हास्तिमंत्र रक्षान ब्रुट्स कारका निकार सुध हिस्ता नक, कीरामा व्यापना परेटकरे जनूनाच ब्याहर मार्ग्य व्यक्तिविष्टाः चीकात कतिनाहस्थान रव र्थकान केलारत (त्यर केलाहत महाबह मंदि) रहेम. याशास्त्र जात्रजनत्त्र मनाव **एप, व्यानपरन काशानिकास ८७ ८०की कंत्रि** ८७ पुरेदवी अधावनात्रमान स्रेट्स कुळ्ळाल **श्रेटवंग गटकष्ट् नारे । चन्नकाः ५ मित्रक्रि** কাঁক্লি বল ? কিবাগ কথাবসায়কে এনহার ক্ষামা সার্ক্ষাধন চেন্টা করিভেট্ডের, ভাঁ-सङ्गा कि **काश क्रिक्ट, शाहेर्डाइय की**? कौंशक्तिक वार्ष गात्रामुगक नव, क्रवीकि ভাষারা পুল: পুন: প্রভ্যাব্যাভ ছইয়ার काशमानिश्राक लिक्किक क भ्यूनाविक জার করিততত্ত্ব না, আর ভারতম্বীরি সভার সভাপণ নাাবা প্রার্থনা করিয়া ছুই এক বার প্রভ্যাব্যাত হইরাই আগমার্বিক্স কে অৰমানিক জান করিরা কারতহারের हैके माध्य रहरे। महिलाब कहिल्लाहरू देश कि विश्वदेशक विषय क्लार 🖟 देशों क क्षांकांकित्सन धरे नावशन क्षिता कि महत कतिरद ? कात्रकरार्यत क्लाम् नास्त्र का रामिश्रम पास्तिक वस्त्र, तम्राह्म कि अरे বোধ করিবে ন। ? জীহার। এক বার আর্থ कब्रिप्ता (क्यून क्यि, अक्टिबिह्नएक्क्र सुत्र য়েও পার্লিয়ামেণ্টের কিন্দুণ, **শ্বৰ**ন্থা হিল। কোন গড়া, রাক্টার শ কিঞা क कान नाचा वार्षनाक क्रिक्र नास्त्री क्रेंट्रिंग मा, रक्ष भावती, क्रेंट्र्संड क्रिंट्र रंश्यार क्रिक्ट क स्पर्ध स्थितिक विकास MINCH CHE PILIFICATE BURNE STATE भा क नम् किए स्वीति भा विश्वासक्त प्रार्थ

প্রাপ্তি একার সহিত চিত্রত দ্বী সংক্রান্ত

শান্ত্ৰা এক কিন্তে ভাৰ ক্ৰিছ আন্ত্ৰা ভঙ্জি সভাৰ সামুদ্ধ শীতাৰ নিকটা

ेत्रारक्ष्य । धाळात्रारभन्न अविक विन्नकानी ्यमान्यक्षेत्र विद्वम हा परीम्य क्रमेन क्रांत्रक र्व बाह्यसम् द्वाकाशानास्ति। सहैदन ं। गांच कर विश्वामित हर चित्रकान सबी जनन्मीक विक्रम के क्रिकाल करिया टनन. सुनीचाइनम् इम्राटन् हेम बेटान्य fest erfeine affanten a en demen े व्यक्तात व्यक्तिः प्रकारकात विद्यातन च गिरतिक्तिक मेट्ड कार्क्स्टर्स कर्त्रका रना कृष्य क्षेत्री काशायराज सूच अक् का नेक्शांपन । किंदु बान्सा व्यक्तिएकि. र व द्रवर्गीत के बीलका केवाविव केवीना इतरे प्रकारता पुक्रिक्ट मा । समीना तरा केंद्र कार क्यापातीएक पाक्स का ात काषि लाक्ष काकी सहित्यका ना । रवर्गात क्षेत्र कार्य में अने अने हा की हा त्रका पात किस्से बंदर । अपना पा

वाकाषितरक जाका प्रत्य जानेन मानदा जानाम करियात जोशांक्टलंड स्व मनक दिन, >- जारेन काश क्रक क्षेत्रि गाटर बढ़ेंडें, क्रिक देश क्षेत्र वृद्धित निगर्देड म्म के निधि मा रम्भवादक व्यकाता जाका। हात्र क्षेत्र क्षेट्रक शाहिद्द्यहरू मा।

र्वाराजा त्यान प्राप्ता नास्त्र, तार्यान राकृत । कार्तात क्षित्र क्षेत्र अपूर्ण के र र्वातित क्षेत्र क्षेत्र क्षित्रकरूर, ट्राहेसन ाजाविनाटक जाकाविकास अच्छाता प्रदेशक पुष्ट परिचार कार्यो जानांक स्वीदन पाद्द मा । जन्मराहास कृषि कृष्णक विष्ट्रे केवकि कटतकः अब्दिक्तिका काश्रीवरगत चनविक्ति । वार्षिका, विन्यो, नामाप्तव गर क एका अक्षेत्रि कं मेंब्रेजिम्ब्राक्ष्म काशांत्रि रनत विकार करी प्रदर्श क्षेत्रकारियात श्वरको कार्यक्रिया क्रूटक्ट्रीप्र करा। अ ৰূপ ছলে ভাড়াবিলেয় স্বভাটায় বিবায় रवत व्यक्ताव दक्ष का समिद्रवय ? व्यक्ताविद्यंत्र শবিত চিত্রস্থারী বলেশবার স্থানিকে প্রাণি ও বাণ্ডিয়োর স্থিতেশ্য মিন্তুন্তি খ্টাবে সংখ্য नारे । काराता काशसामिटनहरूनं निव शक्त স্বিয়াও ভূমির বর্ত্তাস্থালিভা ঋণ্ ব र्कटन-वच्चनीन स्वेटन । अध्याता चात्रः अवे क्षक्रि मान श्रदेश त्य मगाय ७ मीह त्यनी জালে ধনী ও সভা দুইয়া মুদেশেয় উল্লেড मानदार भागमं स्टेर्डन । अटे अस नाम है लांत्र जामानिरंगत वृष्टिनरने जानिकुछ एरे कारका और कातरको मूर्ज बाबना गर ब्रह्मक लिक्क्क बाकात अधियात कति क्रोब्रिमान । निकन गार्ट्य कविन्द्रत गरी-श्रीत मुसारका करतेय नाहै । क्षित्र काहात ficepal wat \$,500 feet, grav, vers **परकार्य अपने क्यानि वीतः। जायापि** त्ति स्थापना 'यदि वर्षाकिए देवनार कांच्र एक गृषिक्षित्र परवा क्लीकानामाली रहेटचं शादप्र। भागा भिन्द देवटेनंत्र क्षपक पिरंगा, मार्ग देशविरमा नीमाग्राक क्रिक विक्यातिकारि एश्य बाहि । एक्यम अक कंप्र न्यक् चंडिक स्थानस्थान वाकारकर रेड्रांडा प्रत्यकाषिक वर्षेट्याम् । अ विषयः कामाहि भारत कामान्यद्व क्ष्युटकान कामान्य केन्द्र इंश्लि।

AND REPORTED AND IN visites and bilates are क्षाकृत ति देशनहरू , वृद्धिक्ष alfrens over Laufe partierens नोर्चकांन ब्रोक्ट क्लिकि नेवेर वेंद्र नेहिं। गर्सकः प्राप्तन पर्वत्रः योग यात्रः ताका भागव करवर विके कार्या कार्यक गृहशृद्ध के निर्म ()) के वर्गका कि कि महिक मरकदिन क्षेत्रिक दिक वहा क्षेत्रका ভারারিগের অধিকার কালে রাজ্য রিবর ক্রিয় हे व्हेश-काहरमः। जायक्ष्यक् मन्त्रिकेक्षिक्र क्षरकाशहरू के विश्वतिरक्षेत्र व्यक्ति विश्वत मणकः मान्य गोर्णके ८४ विकासना कृतिया बाब, छारात बेस्डाफिमांत्रिता मानुबाबिहणन আবোগাতা ও ব্যসনাস্তি মেট্ৰ উহি वक्ष्मण केतिया जाके शिक्ष केतिया प्रदर्शन ।

क्षित्रकार माह्रकर महाक शहाकात आफ कर्डर महाहाजी हा जा का का कर जार जिले क्षिरांत हर्डि कार्यांत निर्देश का कि की । क्षेत्रका हर्डि कार्यांत का कार्यां का कार्यां मार बांक्रोंकिविक क्षेत्रको । क्षेत्रक का कात्र रूप करम सामा कार्यांत का कार्यां का हर्जि महम महम कार्य हर्डिक्ड क्षिणां कर्यां क्षेत्रका । क्ष्रकार्य महस्य कार्यकार कर्यां

THE STATE STORESTS AND ALL STATES OF THE STA

काराम क्रांम्य लोक्स्य स्थानमा विद्यानमा मरथा अन विवाद विकास केलाविक तथ, कांगा त्की त्यानक शामा जनगरक विनेदनी-म् व बहेश । शासभादम्यात विच्याच स्थ-পঞ্জিত নাৰির নাঁথ বিধীনগর আক্রমণ করি-हा में समारक्षा कांच्र शह नाहे कानिहे करतन : त्यर गरमम वह त्याहि, त्यर गरमम जिल त्याहि डामा गरेका गम्। अवदिव क्षण्ड, कास्त्र, वन्, प्रकारि निर्मिष , तक्षुमा अधि प्रापि बरादि च पत्र पछ रही, त्यार्टेश्विक सरेश निवाहित्तन । मानाबारमा अनिव वर् द्वानवः नाविद्रातः रेखनक श्रमः बोक्टिस्ट टेनरनाहा अम तिनम व्यविद्वारम अभवना निविद्यात आंश বৰ করে ৷ ভাগতে কেহ বলেব ৩০,০০০ কেহ बद्दांब ३२०,०००, व्यानिव्यमं स्त्राः व्यक्ति-গৰন কালে নাৰিব্ৰ হতভাগ্য শ্বহণৰ পাহকে নিংবাসনে পুনঃ শ্রেডিটিড করিয়া ভাষার সহি-ত এই নির্ম করিয়াখান বে নিভুন পাকা-ত্য তাৰৎ ছুড়াগ, পারুস্য প্রভিন্ন ভাগীন হুট-(व) अहे (लाइनीच्र. चंद्रेबाड ৮,) ३ वरशत शक्त वर्षाय गाँव (क्रांकासम् शब्द कंडिएनम् ।

বহুৰৰ সহিত্যে বুড়ার পূর্ব আবেদ সাহ, विजीइ जानुमनीह, मा जारान, जारूक मार व गराम्बाहर स्थात जनाम्रस्य महाहे छेगा-पि अर्ग कर्मक अपन्य राज्य कृतिक चारमकाह सामाहाक महात्मन अवर छेलात नगनवा केरणांकि हरेगा । व वरमा तामक कतिका विक्रीय मानिवसीय, बीव् महि ^१८वत **१८७ मिर्छ क्टें**र्लन । जानक्रीरतस म् ३७व नवे बारफेंबरन स्ववंद जिस्हानस्य जाः त्वार्व कविएक अवर्व एवं कार्रे। मा कार्यात्मा मित्रीत महाहे केन्द्रीय अवन कारम, काक्यान, वशासके हैं। इस चूक के देशबाहबुदा श्वापत कात्रजनम् अवस्त्रा नहेनाव दहेश विशेषका त्मम १-१६ तम्हाला न्यामाम हर्शिक घटनक राज शक्तिक हत है है श्रमहरूमी केश्व नदना गदराणि वाजिए हाहि देखा एका । ५० वर गत स्वश्चिम कार्य छोडाई क्या रहेता। छोडा व व काम्याना क्रिकेश कार्य अक्षा केनावि आदन कारिका कर समात नहरून काराम 3 EI es Caleig Market Cardini alei-विश्व करते। (१-४१ क्यांक्रिक किया करेगा । अव

ं भी क्षीव्यवस्थ नवृत्तात्र कांद्रक्षत्र व्यवस्थ ६२ के ^{प्र}े जान गर्याच सामवक पासन कड़िका হিলান, ধে রাজ বংগের খানর কালে ভারত वर्ष अञ्चल, केलवीजांकी बहेलांदिन, उनदे क्ष जागाविक संस्थरम अक्यादा विमान आंध रहेन ! त्यहे चात्रीय दाव वरत्य व्यक्तिता एक चाना वाबाह्य गांव विद्यादी दनिश्च (स्पूर्व ন'ড খইরা প্রাৰজ্ঞান করিলেক। কি আক্রব্য नरमारितंत व्यक्तिः। मक्तरे पदिवर्डननीयः। '' চক্ৰৰং পরিক্রিছে ছুংখানি চ ছুখানিছ। ভ नेचटत्रत्र विवय हटकत्र गणि क्षेत्रदे थाणिटवाय विविद्यालय विश्व वर्ष । मेला वटहे, अहे शक्ति-বর্তননীল অগতে কিছুই ছাত্রী নহে, কিছ चावि महानव अधि गका कतिया विदेशना পূৰ্মক কাৰ্য্য কৰিলে দে কাৰ্য্য কীৰ্মকাল স্বাধী बन्न मेरानाव नाहे। मधरगुन्न छेडिक द्रम स्थान त्रीत कर्डना मांबरन निवित्तवत् e कर्मासाकः या एवं ६ वर्गम क्लामडा कार्ट्याड क्ला_लकाच করিডেছি, ভগন কর্ত্তব্য নাখনে যয়সুক্ত না ৰওয়া আৰাদিগের অভ্যন্ত অন্নচিত। বৃদ্ধিও উপর প্রতিষ্ঠিত পরিবর্ত্তন নিমুখালুগারে কাল নিলেক্তৰ ৰোগল ছাউজ্যৱ নিধন ক্ষৰধারিক ছিল বটে, জুৰ্থাণি বদি আন্নওজেৰ ও ভীহার উত্ত: ভাবিকারিদিগের পরধর্মধেব, আলস্য ও বি-লালপীয়ভাগি করেকটি লোগ না পটিভ, ভাষা रहेरम ५१०० वृत्र अरबंदे ब्यागम ब्राम्बर्ध লোপ হটত বা। ব'হার পিভার রাজহুকালে ভারকবর্ণের সমৃত্যির ইয়তা হিস না, ভারার निष भागम नगरत कि चना द्वांचा नार्यन प्रश्न भीक : इरेन १ जायब्दास्य काकास अस्तिक्षिः क्र. के विश्वविद्यार्थिको विद्यान । अहे क्रुष्ट পাশাজে কাহার দেনাগতিগণ ও বিশ্বস্ত্রী अन की बाद केनरत विद्यास वन । काबाई ह्या-भग बाजा करत्व विश्वात एवं । जिनि मुक्ति अ

(1) with all view fraits formation

₩ (**१)** 4

वीश्व वाक्यतंत्र नाम नामका । व वी वापनंत्र कतिएक, खावा वहेगा भागम कारमें कथम प्रांचा नारमा विक्रा कर क्रिक मा । क्लाकः किनि वापि विक्रा कर केक्शक्य प्राचकर्यमातिविर्द्धतं व्यक्ति मा व्यक्ति गका कतिया कावा विक्रा क्ष्मा व्यक्ति गका कतिया कावा विक्रा क्ष्मा व्यक्ति गका कतिया कावा विक्रा क्ष्मा व्यक्ति कथा हरन वाक्य, वाक्य व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति कथा हरन वाक्य, वाक्य व्यक्ति व्यक्त

व्यानगरिकात ब्राम्य विद्यालय কটি কারণ এই, কোন একু পরিষ্টা যজিব অভি –্নে হাজি রাজ্ঞা रकेन जात या रहेन-नावा जानाना অপিড হইলে বেনন ভতউন্তান ই रह, लारेक्य क्षक्कानि व्यक्तिहें বাকে দিনাসৰ কৰ্মায় কলেই কাৰ্য 🥞 य गरम, बेरडेब जान व्यक्ति ভাগ অধিক থাকিলে অনিটেয় আ स्य । देखेन स्थाप जनानार हो हैरक नाइत । किए मन्द्रिके दूर्वा क्ष का पाछित्र महिन् যাল্যের অভিশুরু হয়বন্ধা হয় क्रम श्रीकारक शाहे स्थापन क्षित्रा मोचारनात्र मानास्त्र विशा गाम । किन्न च्याकेस्य में অবস্পান সুগতি সুন্ধানে স্ব चाहात महम्म महाहे एवि बानियादी परेटक कार्य कथन चात्रस्टब्स्स् त्या वर्षे का अध्या का स्थापेर शामा कर-कार्य का का शामा का नारे रहा minn ain mart fiere miten aban बंदेना इंक्ट्राव्ह के हिंग कामानर पणकात

्वेश्विकेशिद्यात्र हाथ दशास्त्र कि विश्व : द्रमा, कि स्प्ताप्तिके , कि

अभीतन द्या गाउँ। विकास धामानिकात । अदिका आकृति किस किस करण करणा समनः ह अक्रोडिएगत बन्डे ब्रांकाय वता विमान व्यक्तिक वेनिक कि प्रभटक्तिक, कि बी जन हो। कें की श्रमाणिक निक्र, कि विद्यमणकी बर्गा क चित्रकीखिश निकंड मकंड दादन जालन आ उर्क भिक्कित भातिहरू कैंसोन कविएक नम रे हर . अविशिवकाम संदेशन ताथा, कि नहिव कि था क विवास कि विश्वयं मध्यालन कहीं कि लाया ह देननाथीक नर्के ध्वयात्र स्थाना दलक करायाः त्म अं स्ट्रेंड करें गाद्वन । खामादा विमान क्ष्रिक वानित्यातः देवाँदेरे सम्मान कृतीटि দুংলৈখিন, খণেমুল বিশুল্ডা ইত্যাদি মহাভা प्रतिक कार्या जैकल जीनांगी घटेराउटे मन्यून कृष्टेका कुछि । दे ब्लीविक्षेत्रिरशत अधिक त्रकारल लिहे शहर क्लानकादिनी विलास नम क প্ৰবিদ্যৰ ছিলু'ল[ি] ইবা তাহাদিলের রাজ শীর উৎসর ইইবার ভুডীর কারণ। বিদ্যার काकदिव के बर्रामंत्र कंशिकारण वाक्रियक निष्ठं ब कि किहाराय (३) दिनियर पा - 11 बादः सुब्दि प्रदेशिय वहेंदन बाका हारी S A LIBERT N.C.

পূৰ্বাগ^ট পুৰিব্যায় রাজত কালে ভিন্ন ভিন 'ই স্টেম্বর সাইত ভারতঘরের বাণিকা সকল । वे बहुता हेश वं केवांक इहेबाब्रिक ने अवन त्वाप । । या दहेगात कातून के निक्छ। হ^টতেছে ৷ এক জেলজাত দ্ৰব্য জন্য দেশে ্_{কর বা} তদেশ জাত হবেগুর স্থিত বিনি योता गानिस्कात **वि**विच दहः। स्व स्टब्स ৰ পৰিমা ংগ যে মধ্যের অভাৰ খাতে, সেই চলের _{কোনে} নেই পরিমাণে ভিত্র দেশ ্ত এবা ভিল্লার: ভাগনালিকোর **জভাব** श्करवर् (उही क द्वा हे कार ७ 'आबामरना शिक्षाणि साम। ५८४)त अञाप अञाब व्यक्त क्षु इंदर, द्विक्यां है सारान्त्रा जनकर्तन, आ .. (.) विश्वित मनुषिविद्यम अस महे

क्रियान क्रियान मिछाद्र केरमका । । । । । । । । ।। इत्तर मानवा करना नरशासे कवित्राहित । खर्मक ৰাজকুৰাৰ ক্ষ্মিক আপন পিডাৰ সভিত বৃদ্ধ আরক হ ইবাং শিক্ত কৰিছে, বিজ্ঞান প্রবিচয় নিয়া ८६ न : ठक्क के**र्जाहिलां कृष्टा** ऐनत् नेशी ठन कन । व्याक्रमामुद्रमा में क्रिके में मिला अपूर् A MARKET WHEN PRINCES WITH !

कतिया जनानेनि क्यानिकास कति। छ रहनः अञ् क्ष्यू (महे भारे **क्षित्रक विस्ता**न संबिध्यान क्षीतिक वर्तेग्राटकः। श्वाक्षकट्रां श्राटकाकाद्मः श-বোলি আশন বসমানি শ্রেচ্য় পরিমানে উপলয় उरेश बा**एक: खळाना** जाहजरवर्गानिरशह किम (प्रामा क्रिक्सार्थ अवस्त्रम के छ। स्टब्स्स है के ब्रह्म के स्टब्स के स्टब्स कर के मार्थिक स्वादिक स्वादि त्याचे विकास के विकास के विकास का विकास की थाक्रिस ६ (बांशरमञ्ज ज्ञालगा छ ज्यां भरतात्र कतिताहित्समा किन्द्र हे तानिहरू गर माउ त्या গলেরা য'ল ভারতহর্ষে বাস মাক্রুরিয়া ভারত বর্ষ শালম করিতেন, ভাষা ঘটলে, উক্ত ধন रामि ভারতবর্ষে क्यमहै मध्यको इकना. গুডরাং ভারভবর্ষবাসিরা ভাষার ধল ভো-গেও সমর্গ হটতেন না।

এই প্রস্তাবের উপসংহার কালে পাঠক पिर्वात अञ्चल्ल अक विषय्युक्त करता करें। याने हेरखरक । *(बांशन जवा*डेनिर्श**त घरनरक्टे** २) नगामिक नरमुख बीर्चकाम खीविक ছिलान । ব্যসন্ত্রক না হইলে ভাহারা আরো কভ काश खीरिक शंकिएकम यशा यात्र मा।

পুত্তক নাছি ।

আমান হভজ্ঞতা সহকারে খীকার ক্ষিতেটি নিগুলিখিত পুস্তক ও পত্রিকা आध सरेशहि।

১। পদা পুশুরীক : কুমারখালির বাদা-লাগাঠশালার পণ্ডিও 💐 জ বারু হরিমাধ में खुमरात्र ४ ७९ धानव्य स्वतितारहम । जहे भू गरक शरका कडकस्थान मोखि वर्ड किंगरमन ৰাক্য সন্নিকেশিক হইবাছে। পদাগুলি বাল-कतिरभन्न भारताभरयोजी इहेशारह । मुखाशून আলার সর্কিউলার স্থোতে বিধ্যারত যতে मुक्तिक । देशहा मुला 🗸 जीना ।

২ ৷ বাজীক **দ্বাৰায়ণের আয়ণ্য কাচনায়** नामाना ज्ञूनाम । नामम्बद्धानु विदेशनदर्भ गर्क जा वर्रान्य विश्वक जावद्यक विश्वतंत्रप थरोड । देश के नेश डा चार्यक्र देखे PERSONAL PROPERTY.

श्रा कामना छुत्र कान्नरन क्रांसबंतिक रहेनाय । कर, धन्तु पश्चिका मात्रमा सामान को सामा প্রভাষ্টিক ক্টাভেনে একবাক্স বুলোপ্রায় नाच मस्यवन। साहकः विक्रीतः हेश कि प्रक क कारात क असम तीकिएक किलेक एई-.करक्। अधुक वाद्र वाद्रकातांचकात्र देशाः नन्भानकका -चान ठार्न क्लिकारकर । हेरा ফ্লিকাডা মুখ্যপুত্র ব্লগুরেল্স বেন্দ ১ নহয় बावीत्यकृत्यका, गण क्रवेलकाह्यः।

ह। अव्ख्यार्विनी। अश्रीति संक्रिक म जिका। इ.स. विकासीम घरिक विदिन विषय शिक्षिक स्ट्रेटलकः आधाः वन्त्रभ्दक्रेटक (क्रमा) कामहा विशयन कात्रका काँत्रहा मिरिएटिश, अधन करेन्द्र विषद्ध छ।ल ज़ारिक श्**राक्षण क**तिरहरूक्त । साथ छ अविनि यानास्त्र वरेत्यामः सेवा । वराम त्मत् धक्ती **सक म्मन** विशिष्ट **स्टेट**न। अट मिन बक्दारा जेवूच विवद्य नक्षात्र जासकाः मखारमा हिन सा।

विविध मरवाम। रेर्ज लोग मामरात्रं।

कामोहात अब ध्यकात र्रतमस्य का इ व বিষ্ণু ত হইয়াছে। ইবার আঁস তুলার অংশক, नथा क नक्त । डेक्स्न डांड विनाय हेश हा नय व नाहिन जर्राको उरक्रहें।

व्याचाइटवर देहाँ कालालाटकड निर्देश र्थों वात् मानकाम क्**रि**नेडेमी डेंक मनरहर निविषे व्हेर्द्वम । जन्दम अहे वृद्धी छ देवम कलि ক'ডার অন্নহত হয়।

केल (अनिर्द्धिका ग्राम्बार्गक शका छ। **बात बातारको करिवकतिक आक्रिट्ये हे क**न्निया अक विम कहिन्नाद्यम । अस्ति। क्डि अभीश्रात्रविरगह अत्मदक्त आंश्रित पृथ का सूत्रीकृष्ठ एवं मीहें काहा यक किन ना र्वेटफर्ड, एछ किन न खालाय विधियम व्यक्ति। वर्षः कृति है वहिराह्ने मुखावन। कार्रहः।

कार अने बर्डिंग ज्याना के बेहर के किया है कतितारक्ष, केकिया बलान का कारिका रि CRIP PRINT N'S CETILER

विष जानतक्षम स्टब्स अन Ter Antique (te

বিশ্ব কর্মান ক্রিক্তি কর্মান কর্মান

" १००८भीय प्रसंस्थाय (

শুনা গেল বোষাইরের প্রতিনিধি জার-বিন সাহের বাবস্থাপক সভা তাগি করিছ। উল্লেম্বরের প্রধানতম বিচালালহের জান্য-তর ক্ষম ফইডেডেন। আয়ুদিন সাহের জানেক বিদরে এতক্ষেনীর দিগেও প্রির্ণাল 'ইইরাছেন। তাঁহার ব্যবস্থাপক সভা পরিত্রগান্ গ আখাদিবের ক্ষেত্রের বিষয়।

গত কল্য নিয়লিখিত টাফার *নাইকেন* । একাডেগ্রখহে বিক্রীত হটবাছে:—

রাজুক প্রতিপিতুক মেটিটাবা বেরারের উত্তল ১১৭১৪৮১০ ১২,৫১,৭৮৮ বালীর ১৪১০ ১২,৯১৪১৫ ১৮,৫২,৮০৫

निविधारनसः मह हास्त्रमः छैरछन् नि कः है या प्याद्यक्ष क्षिण्ना हिह्हन छिर्यट् भाष्ट्र खाद्यक्ष क्ष्यका हिह्हन थादन मार्थ २ वात्र यदाक कार्म भाद्य मकन हर्षेत्रीहरू उंत्रादा धक्ष्यम वायमितिक ७००० होता रणकान भाकेटक भाषित्वम । रणकाम भाकेटक भाषित्वम ।

সরচায়কন্ ছৈড ভারতবর্ধীর রণতরিদল উংক্রো দিবার আছা পাঠাইরাছেন। জা কিসর ও নাবিকেরা পেশান পাইবেন। এপ্নে ইন) বলা আবলাক পূর্জতন কোম্পানির সে গাদলের ভাষিপর্যিকের প্রতি বে প্রকার কবিচার করা ছইরাছে, এবিবার সেবাং কই তিছে বা, সকলেই যথেষ্ট ছবি পাইয়াছেন।

সামাজি হাজাহালর নিকটে জেনন নামক। বে বাজাহাল ভার হইয়াছে, ভাহাতে লেভি এলালন কালিভেছিলেন। ভাহার ক

सामग्रीम सक राजिनिक जात सहसाह क्य

্ৰীনেশিকান কৰাত্বা হাইতে সংবাধ পাই জাতিকা সক্ষাভি প্ৰোৱা এক কৰা কুলিকে বন

্ত্রাক্ত করিয়া এক কর্ত্ত হত প্রশাস ক্রাক্ত করিয়াতে ক্রিয়াতে ক্রিয়াত গাতী হত বইরাছে। ক্রিয়াক্ত ক্রিয়া শাতী করে। প্রারুক করিয়াছে।

া নাজাল টাইন্দ বলেন ওয়াড়া টোনহালা লয় চারলদ ট্রিলিয়ানের প্রতি হুডলাডা প্রকালার্থ সঞ্জি যে স্থা হর, ডাগাড়ে নাম-ভীর প্রেণির লোকে আগ্রহাতিনর সংকারের উপস্থিত হইয়ুছিলেন। সকলেই পূর্কানে খা-লন কর্তার প্রতি জ্বলা ও ভজি প্রকাল করি-য়াছেন। উক্ত নগরে কথন একণ সভা হয় নাই ভগাণি সর্নালাই বলা চইরা থাকে, ভা রভবর্ষীর্মিলের হুডলাভা নাই।

দরকরা বলেন লাটোর সাহেবের মৃত্যু হ পরাতে সাহাবাদের মাজিটে ট ও ফালেটার হবহেনি সাহেব ৩০ পরস্থার জন্ম হইছেন। ভাইট সাহেব গুলকার ২৪ প্রথণার ফালেন্ ইবের পদ পাইদেন।

আল্টোবাদ শেষ্টেই বলেন মাঞ্চাজ্যের প্রধানগদনাপতি সব ভ্রেন্স প্রাণ্ট উপত্র প-কিমাঞ্চলে জনগ করিতে আসিবেন যাবতীয় সেনাপতি ও গ্রাব ক্লেন্ড্রল যখন এক স্থানে ফ্রিডেডেন ভখন ভাইরে কোন গোপনীয় সের থাক্ষে

লভেণর ইউবোণীয় স্ত্রীক্ষাকেরা ভীর ভূড়া শিক্ষা করিবাব ভাডপ্রায়ে এক সভা ক বিয়াচেন। উচিত।

নবী এক নেশার বাসীতে মধ্যে মধ্যে গমন
নায়ী এক নেশার বাসীতে মধ্যে মধ্যে গমন
করিত। সভাতি সে ভাষাকে এক কিনী পাইয়া
ভাষার মূল বাধিয়া প্রার ২ টাকা সমুরা
গলায়ন করিতেছিল কিন্ত ভথাকার প্রতিবা
সিবা ভালােশ পরিয়া পুলিকে নিয়াছে উক্ত
ব্যক্তিকে সেনিয়ান সমর্শন করা হইয়াছে।
এই প্রকার স্বান সর্বান গ্রেভিড গাওয়াবার
ভিত্ত এই সুশুরিত্র বাজিবিরের প্রতি গুরুতার
স্থাবিধান না করা হয় কেন ক

जानता मकण क्रिक्ट गाँदे, देखेटहालीब

किन्नुक्रम क कि किन्नुक्रमा किन्नुक

रे रगट्ड नद्धां के अवस् अस्त अस्ति के विद्यां के विद्य

नटावि के कार्यके दोषान विशादणिय न तम् दोष ने कार्यके वोदिन ने कारतन व प्रशाद के कार्यक पश्चिपान कृतिशादकी क्षेत्र कार्यक्षिणां कृति कार्यका कार्यका कार्यका क्षेत्र कार्यका क

ग्राकृषि विवादिक सा यह मुहानकी वसुरविवाद जार अंग्रेज क्य क्रिया । अनेक्ष मानदे स्ताचामिरगद्र मिन्सम्बद्धमा क्रिक्ट व्यागियाँ ।

वैक्रिजीतं वर्गनका जिल्लाम पनियात्र का चार हरेबाटह ! ब्रांक्। ब्रांकनश्च अधियाद करियोसे वृत्र अधिकार्ध कत्रिवादकतः। शाहितक कि क्रमण बाधा मान महिद्यद्व ।

चारवीचा त्यस्म वद्भव नट्या छ अध्यक्ष काबाहरू देनिक क्षेत्र जाकिनदाह रहा व जान (इस अवयं ज्यनस्त्रम पतित्रा नवात्रम पतित्राहरू के शाकित दलांव काल्यामान एवं गाँदे।

ক্রেক্টিবলাখনি কলিকাভার পথা ব্রুডে ইসিব খংসা আসিতেহে। মুটিরা হইতে द्विमन्त्रस्य कृतिः आहि क्षकृतः योगस्त्रस्य वन्त्रा गरेषा चारेला

२६७ (भीव वृषयोहः।

গ্ৰহাতি ছাচ্চাড়ে বিসন্মিদিশের এক সভা श्रदेशांकिक । जाको विषय क्षणंटकम गाँव करत्रक জন এডজেলীর খ্রিরান বিসনরিভিগের নিশা ষয়ে ব। একমান বিনানী ক্রিবিড "ভাবারিণ (व 'कर नवा कतिकारहेव के कतिकवन विराहत व्यागरवान क्षेत्रिक क्षेत्राहिन । वादा क्षेत्र. विभव्यक्तिकरभन्न क्षान्त्रशास विषय करे छ।काना यक्तांशिक्षक एक्षण पर्यम्य कत्रिवार्ट्स । अकारमनीत बांबकोड मृहिद्रारमत व्यवसामनी क्टान बारे। अटबनीय मृष्टियोदनश्वरथा यदना व्यक्तिपरभव मिन्द्रां करत्वन । ऐसाव कान রুখ লাই আবা বংগর ড একণ বোধ বর 👫 । ধৰি কারণ থাঁকে, দিসনরিয়া তারার विशेषिक की करतन (कन :

সাক্ষেত্র গার্ডিয়ান নামক এক খানি উংস্থানী স্বাহার পত্র সর চারলস্ উভকে এই वितिको नोहि विदारक्त किन क्षेत्रक्तीय (द-देश बेटबुड़ खेल जाया गए है रत्य वहे एक बनाव টাকা এটাড়ক জোরণ করিতেভেন তথার इंश्वरक्तं, वानिक्युत्सनित्र मञ्जावन । जाक ধর্ব।র বিষয় ইন্ট্রেইরান সর চারণাস উচ্চের পদ गर्भन क्षित्रहरूक किनि बटनन दाईन स्टाइ कुछ त मक्त है कि सक्ता यह प्रायः हे स .स्री बारक त्रदेश मामकाहि वर्ष हो उत्रज ারতবর্ষ গ**ংক্রান্ত ব র মির্ক্রান্ত করে**। তিনি

त नका दिन देवांकी केवल जारात गांता নিকটে টাৰা কাই কিবিয়েখান ভৱতা পুৰ্বাৰ विविश्वविक्षा भे अविवेद्य सम्बद्धानम छेल निः र्कारी, कीक्षक्षतामा अहे अक इन, पतिश्रा र्फ स्टिक् म्युक्तां क्षित्रकात क्षरीय जाएका ! व হঠাৰ অসুপ ভাৰ লামুমৰ্ভ কেন ?

এক জন জন্ম কিব্লিখী বারণ না অনিয়া वर्गस्वके बाबैर्ड साहेर्डाहन, डाहारक पतिक्री भूमिद्ध भागतन यहा रहा छाराह बद्ध अरू बानि वकु हुन्नि हिन। शनिदर्शे है कांद्रव किकांगां कदिला रंग छैठव विन जावि শক্তি লাহের্ডক লেলাম করিতে পিরাভিলাম। পুলিৰ কৰিবৰত্ন ছুত্তিখানি নীলাম করিয়াছেন, अवर बाबिरहें है छाहारक मकर्क कतिहा हाज़ि मा विद्योद्धन । क्लोहे विज शवर्गन (क्लनदरमह ৰালীর কোন্ কোণে জ্বারিড আছে, বোধ বয় এবাজি তাহারই অস্পদান করিছে भिवाहिनः ।

किनिका कांत्रकथर्वीय भवन्याकेत्र काङ्रल **ক্ষতামু একটি উ**লাহরণ প্রমর্থন স্থারিয়াছেন। विद्योरक्त नवरत्र वथन मिनानि वारकारकत्र কাশপুরে থাকা নামগ্রীর অভাব হর, তখন माना वेषद्रीक्षमान विख्य प्रवा: व नगन है।का বিরাছিলেন। নিপাহীর। ডমিবিত্ত ভাঁহার ৰাসি মুঠ করিয়া ১২ লক উন্কলের: ইহার शूर्व कांबाज़ा अक्यांत १०,००० है।को बहेबूं। ছিল। খৰ-বৈদী লানার এ ক্ষতিপুরণ না ক ब्रिया जानेशिकीरस्य निकटि ठीशटक १००० है।का मध्य यामस्यादि रह जर्भ जर्म আৰ দিতে চাহিন্নাছিলেন, দালা ইখরী লগাদ हैना गहेरफ जनचक रहेना हेश्नरक जानीत ক্রিয়াক্তন। গবর্ণযেন্ট ক্ষক্তিপুর্ণ করিবেন স-**ट्या मार्डे। किन्न कारामिट**गत्र ७क्की विरुग्य ब्यान अहे, विमय क्याटक कैंग्लिशिशत वर्षामा-ভার আর্থেক কল লোপ ইয়।

२९८ ८गोष ह्रबन्धक्रियांत्र ।

वैश्रीमनमाद्रमञ्ज अक क्षत्र नश्चा माठा परण-ন স্থলতান আৰম্ভ আছিল জিও ছইয়াছেন ! ডিনি বাৰ্ডীয় দেবাশক্তি ও লৈনিক দ্বৰুত্ৰ **जगहिष्टिक कर्व काम क्षतिहारक्ष्म । बक्करन ^अन्ता** त्र अच्छी **आहे प**्तिबद**र्ज ८० है। इतिहार्ट् । अ**ह या अक्षा अहै अध्य स्वित्र भा

Burtimeliere engend weite atwiswall's auffinit atreins afauftens i nelle manne munt lighten. fulle ne यम प्रोक्कारम् सक्तान धार्मम कश्चित्रम स्मूलक द्यम मक्क प्रदेश अक अव्यक्ति मेका प्रमा अवश्वन भौत्र व देवेश्वरीयत वक्टलवे देवाटक सावृक्त करिए मा। मारकेमारकरतात्र मकुत्रक्रियात महाविद्यात करा देवि करा केवार केविया है कि है कर नाकी डीकाड़ कि प्रदेश ?

रगात्रात्र अर्जु निक नागमकर्ता केल वसंप्रदक একটি ভূজার কর্মার করিবার বিলেধ চেউ সা-ইভেছেন। ব্রিটিন অধিকার নীমা অব'ব 'বনায় गर्भात अवि हाला प्रेम्स । मान्य कर है। त्राज' ७ मारविकांत - पूजकर विकास कृषि चन्न करत्र छूका कर्षात्रत्र क्षत्रा शाहितारक्षत्र अद्विक अक्टर अक प्रिन निक्रम मटर्।

নিউলিলাও চইডে সমাদ অনিয়াছে তথার . बहां भिष्ठ (गोन:यात्र इनि:उंद्र । इनीद्र (ना कब्रिटबंद चारमध्य धय क्रम श्रवहाल द्वाकात न-शहरु। क्रिएएएड्। मानन कर्द्यः तन वर्षः 🖎 কিছুতেই সম্ভাব স্থাপন ক্ষত্তিতে পারিভেছেন^{ত্র}

कर्ने कि विभिवेष में श्वदारक भवर्गका-**के ১৯৫৯ करणात ১७ मा**विन व**क्टाल्या करवक**ि ও উত্তৰশিচৰাঞ্চলর অনেক জেলার এচলিত্র করিভেছেন। অথ্রে টালা লইয়: বে সলুর কবাব মত কাৰ্যা ভৱিৰে না, ইৰাছাৱা তাৰ্শ্ৰ দেৱাদ **१हेरव**ा आरमत मूला इकि म्खनाटा मर्म्यक्रिशतः त क्रम क्विया बरेबार्ड, इस् क छेन्दिक मा प्रदेश बाद बादन महेराव अद्योक्त वृत्र ना ।

<u> শাক্রাজে ওলাউটা আরম্ভ হইয়াছে: সর</u> চারলন ট্রিলিয়ান নথা শ্রিভাগে ভরিং'ব বে মচল সত্পায় ক্রিয়া যান, বোধ ভয় সে जकरलज्ञ अहि कुछन भर्गादर्श कुछ मानाहरः। माहै।

শিশ্বাল দৰের বাজার শীত্র শীত্র প্রস্তুত বই-८ इटक् । दब्देश अध्यक्षित्रसङ्गात मात्र कार्या विदन-त्र द्वाप ও लोग वाम प्रकेटन। देवः मीटन ७०० 日本日 にゅうまいぬ む

क्षशामकम विकासमस्य विवास वाहिकेद ক্লাৰ্ক নাংহৰ ব্ৰেজ্বে গুড়াজতি ক্লিডে ব্লিডা-**८५**म.। ১৮৫৯ चटकड़ ৮ चारेन के विश्वासामध्य अविभिन्न वर्षेत्राह्य। भूर्र जल देक्षे, व्यक्तिमः मा बाकारकरें वाद्विकेन बरगद डेल किना कर नामाक स्ट्रेडार्ड ।

बक्रदबनीय बारक्य थेक बाबाजिक विश्लाह क्षकान वाह्याहरू। करनीया मक्कान देशक्ष हेक्कि बारक १२ है कि मान्त्र,श्रीवेशास्त्र ।

agaical months being an and a miner of the control of the control

भवादि ह्यप्य कांनिकाविष्ठात्रात्रका गडी-कार्यकार वीक्ष्य भेटक्य कांनिकाविष्ठा कांनिक कार्यकार केंद्रिक्त विक्षित्रका कांगित केंद्र कर्याक कार्यकार केंद्रिक्त विक्षित्रका कांगित केंद्र कर्याक विद्या विक्षा का कांगित कांगित केंद्रिका कांगि विद्या किंद्रिका कांगित कांगित कांगित कर्या विद्या कांगित का कांगित कांगित कर्याक कांगित विद्या कांगित कांगित कांगित कांगित कांगित कर्याक कांगित कांगित कांगित कांगित कांगित कांगित कांगित

नश्रक (कामका क्षित्रकार्य मात्रक शाह ८४ क्रेस्ट्रक्शिक्शकरक्षेत्रकार्यका महीत प्रकर रेगमिकस्य जीक्ष क्ष्मके समय क्षित्रक कामी श्री श्रदा क्षित्री के सक्ताक बढ राह करेंग्रह

विज्ञीत्य जी जिलाह स्वत्रज्ञेशिक वहेरकहरः सभरत इति ७ केशनभरत जीक्षणि विद्यालिक स-केहोर्ट्स भरक द्यालाहरू ७० कि व्यक्तिका विद्याल-रह केशन्त्य क्या अन्यत्य कि स्वत्र मानक स्वान्त्रका

विश्व शिक्षित्रम्य अक क्ष्म मध्यक्षिण । स्थान, केक अधिक्षिण प्रदेश अध्यक्ष हेउता शीव भिन्नो ७ मकत्वता द्विषाद्य क्षाशान ७ स्वामाती कविश क्षाणा । मण्डि हरे क्षम मक् य विश्व ब्रामुद्द क्षाट्य अक क्षम सङ्ख्य हरिय कार्क रहेबाट्य। द्वित्रकेटिय अकि क्षम क्षा

विशिष्ठ पराम कर्ष्यक्रम क्रांका आश्चित्रक विशास महीमधिक निवृत्तित्वक भए करेशो क्रिकांडाइ कार्निरस्ट । क्रिन क्रांकशमीरक स्मिने कर्षीय शूर्व्य वर्षात स्मिन्न कर्षा रव स्मिन्ड क्रेट्यम । क्रांकीया संस्थे 'पर्टया क-मिनास कर्षित स्वितः मानम क्रांकी निवित्रा कान कर सामिता।

নিম্নান্থিত স্থাদ ছাল ক্ষেত্ৰ আৰু ইতিয়া হটতে স্বস্থা গেলঃ—

नृष्टी प्रसिद्ध हाटकी यम, स, डेगाविष

, ,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,	अवश्वको	पशिष्ट
থেনিডেলিকালেক	4	24
इशमी *	•	53
141	•	>
कृक् न पत्र	5	*
रहत्र मश्री	•	>
च्यां गंत्र)	• " '	१
क्षक क्षेत्रकाश्वर	7	>
ক ংটন	¥	8
टनकेणश्रेश विश्व मेश्रम	>	>
THE RESERVE	•	2
falan Bimfanfac	}	2
काची		4
Me steacen at M.	•	t
CO-F (MINNY)	4	>
TAMPING IN	k e.	19
可持续市		٩

स्वित्रक्षः । १ विश्वकः १ विश्ववित्रकृत्याः । विश्ववित्रकृत्याः व्यक्तः वर्गात्रकः व्यक्तिः वर्गात्रकः वृत्यमानकः विश्वकः वर्णाः । भारत्यः । वर्णाः वर्णाः ।

ক্ষণীয়ার গ্রগ্রেক ইংরাজ ও করাণী ছিবে-ই সহিত চীন ব্যাটোর সহারতা ক্ষতিভেলে।

ख्यान देकानदाम रहा नाक आन दिन कर्णना नाक कार्यनिन महाराजनकेंद्रका कर्णा निर्मे कर्णा कार्यन ''दीनादिश्वत क्षव दृष्टि नादे कार्यक दीनातः कार्यकारींत सम्मदिनीतः , काराय मिन्द्रकारी करानतः) शता वर्णात मर्थना, । कार्याय क्षवादे कर्णा, भर्मा नात्रमाक कार्यना, । कार्याय क्षवाद क्षित्रमा नात्रमाक कार्यना, । कार्याय क्षवाप्तमान क्षितिस्था ना द्विष्ठ शास्त्रमान क्षेत्र हिर्मा ।

নাজাজগবৰ্ণবেক জন্তত্য প্ৰলেজ্যে পঞ্জী গেল অবস্থান দি স্থাবিধার জন্য ৩১৭৪ টাকা দিয়াছেন।

किरिक्न कर वेशिज्ञा व्यवसाय मध्यम् मश्कीम माठा वक गर्यन नाट्य्यक विषयः 'एम, अरे एउन गर्या (व्यक्तिक कार्य म-काल्यन) ठिमि क्योडि क्यमः केल्याट्यम् । डीलांस अरम्य क्या क्या कार्यक आस्त्र आस्त्र अर्थः स्मिनीइनिरांत निकालासी कार्य यादे । काः-धानिरांत पट्ड डीशाय मान्य स्मार्यक मार्या कर्यम् भागा क्या कार्यक स्मार्यक स्मित्र (मध्य वा कर्यता, क्या कार्यक स्मार्यक स्मित्र (मध्य व्यवस्था वेडेट्सानीइ क्या कार्यक सिद्धिनिद्धा अरु स्मिनीइनिरांक क्या कार्यक साहित्या वाइक्य । 'श्रीहाद सालाइ कृष्ट क्या हैक साहित्य ।

समरमनीय नास्तरमने व्याक्ता क्रिक्काहरूके, नियानस्य स्ट्रेंट्स हैं।क्रियां नास्तर्थ हें स्ट्रेंट्स करत स्ट्रेंट्स खारा स्ट्रेंट्स चूढ़ मिर्ग्स स्ट्रेंट्स जा। सक्टमंत्र पूनक फ्रिक श्रितंस क्रिक्ट्स क्रिक्ट क्रित स्थात स्ट्रांत स्य क्रियांना क्रांशांन स्ट्रेंट्स

क्षेत्रचे । दुन्दे चीत्रा क्षेत्राक्षण्याः कारकेनचे सम्बद्धाः प्रस्ति स्वर्के क्षेत्रचे प्रस्ति सिक्षा विश्वते

क्षिक स्वाद्धः स्वयं विक्रियो स्वित्वाद्धः द्यात्रं यात् स्वर्णाः स्वित्वे त्रियद्धः वयर्दस्यकेष्ठः द्यापा स्वर्णाः स्वर्णाः स्वर्णाण्याद्वः यात् क्षेत्रपुष्णः द्यापः स्वर्णाः विष्ठः क्षेत्रां व्यवनामा स्वर्णानाः प्राप्तिः साक्ष्राः हिणः

२१स दर्शम महिराह

गारदात सनिद्यको भाषन व्यक्तिहर्मन्त्रेत्री त्राम् सनिन विरद्ध है स्वद्यक मेन्द्र विकास लोह कनात भानि अदन केदिसम्ब । स्वत्रक्ति कह स्वदम देवगाविक सम्बद्ध हरिका क्षेत्रिक

नं वर्षावरकेषु व्यापातां वर्षावर्षः को व दार्थनं का का का का बारि वर्षिरका देशाई को की कु वहना संक्षित्र, वर्षावर्षः कित वास्त्र अधिवादः हास्त्र व्याप्तिका विराय वर्षः का विवादः हास्त्र व्याप्तिका व्याप्ति वर्षः का विवादः वर्षः

र्गा नवस्त्रिक्ष क्षेत्रक विकास विकास क्षेत्रक क्

रम त्याप्त महित्य वास्त्रीत विद्यार अवश्राप्त स्थापत अन्य स्थापत व्यवस्था स्थापत अन्य स्थापत अन्य स्थापत अन्य स

् दिक्रदहातीत्र नयागतः।

ं स्वारंग अपूर्व किरानवा निर्वेशक राज्य नदवसाः, अपूर्वित्रेश पूर्व द्यान युव वश नाहे। न्याद्याया वित्रेशक विद्यादा । केवर कादाक्रियाद दिवसानितः अपूर्वित्रेशक व्यवशे दिनावित्रकः, निर्वेशकार्वितः अपूर्वित्रेशक व्यवशे दिनावित्रकः, निर्वेशकार्वे क्रिक्शक्ति (७००) दिनाद्य प्रतिकृति क्रिक्शक्ति व्यवश्रेष्ट व्यवस्थितः वारंगरक व्यक्तिक क्रिएटर्ड्स देखां क क क्षेत्र विकास क्षेत्रकार प्रकार प्रकार करेंगा है। मू ८७४ लहिन्छ चुक्क कहिरदम । वाकिसारमह चेव्यूनfat afte the way wante | negle ou शक्ता. विजवतियो ७ वद्योद्धी स्थल जवस्य छ त्रक्षं द्वारम हैश्मरश्य शक्षि मक्क ग्रंब श्रामा महिन ट्याइन। ट्याध्य के कि किटनेत क्याद्यापन करि **एउटा, क्राप्त्रण नोप्त स्वामित १५/ क**र्तिनोत ८६**के**. क बेबादक्षेत्र । विद्वासीका विकास स्रोदश नामन खन्दानक्ष क्षिप्रकार स्ट्रेट श्रमकात छन्न 'विकार संस्था स्था स्थापार शायम कविया-हिन। नारणाहा नेपकि हान गत बरलन हर उतित सर्वाक प्रदेशका भागन कड़ीर पाछा या भागिता प्रमाध्यां एकार्गा अवस्य ब्राह्म करि ্বার মান্য প্রমাশ করেন। কিছু বেইব 🗱 উপ कृत हरेए अन नाइक्रिक निम (आह प्रदेशाम) प्रदेश क्षेत्रकृतिक करवेग । वाकि वान नेक नामक अर्थन केरेलकाम्य प्रशिद्यमध्यम् असून देशमध अध्यक्तिकात महाज युद्ध वहेटक महिंद्र ।

उत्पादा वार के बर्जन वाद्यतिकात वर्ण-अदि ने काराव वर्णाद्यातात्र कार कर देशाया वर्णात (वर्णाता विक्रम् कार्णन व्याप्टित वर्णाता गण व्याप्टिता (वर्णाता कार्णन व्याप्टित वर्णाता (वर्णाता विल्लाका) मुख के हेलाएक। महामकात अनुकाल विल्लाहित ५००० महाविक्षण विल्लाहिता व्याप्टिता व्याप्टिता व्याप्टिता वर्णात्र व्याप्टिता वर्णात्र व्याप्टिता वर्णात्र व्याप्टिता वर्णात्र व्याप्टिता वर्णात्र व्याप्टिता वर्णात्र वर्णात्य वर्णात्र वर्णात्य वर्णात्र वर्णात्र वर्णात्य वर्णात्र वर्

जिनक्षेत्रकी क्षेत्रके जिन्हों ने । है नाव व काल दलाई बारका के क्षेत्रकों के कि नावदन की जन जिनका का किसी के किसी किसी के विद्या निवाद एक । उनके निकान वृद्धकों के की किसी दिया है के इस स्वरूप देश विकास के हैं किसी की की ভারতবর্ত্তর জিল্পালক সভা । । বন্ধ প্রের ক্রিবিল্যালয়।

সিলেক ক্ষিট্ট প্রেক্ষার দেওবানী জা
লালত সমূহের ক্ষর্ত্তির কারা প্রণালী বির
ও উক্ত প্রচেশ কি ব্লু কোন জাইন প্রচলিত
লারবার বিজে হে বিলোট করিয়াছেন হারিংটনসাহের ভারা জভার কর্পন করিলেন। তিনি
লারও সিহেলা করিলেন। বিনি
লারও সিহেলা
হারে বিরুদ্ধি করিছিল নিজ্বলি ও রিপোট
প্রান্ত্র করিছিল নিজ্বলি ও রিপোট
প্রান্ত্র করিছিল কোন কোন ঘোকলা
নার আশিল ইলিব।

ু সিম্বাৰ্থক প্ৰাক্তি প্ৰক্ৰিবের বিল।

लाएं अल शर्म स ज्ञासानिय प्राचाय नहित त्य निवाद प्रविचार प्रविचार अलि पाहिन कता सारमहरू अविद्याद हम्हेन गांद्रव अल दिले पार्थ-य क्रिकांड स्वाचाय क्रिक्टला। जिले गांद्रव स्वाचित्रिक प्रेणीयद्द्रमा स्वत्वाची त्याक्रमाय स्विक्षांड विल पार्थ्य क्रिकांड प्राप्त्य क्रिकांड स्वतिक्षांड विल पार्थ्य क्रिकांड प्राप्त्र क्रिकांड

নিক্ষাপুর গ্রন্থতি স্থানের মিউ.নিলিপাল ক্ষিত্রমর স্থাপর ক্ষমত কিছু স্থাধিক দিন বাখি-বাস্থ বিষয়ে যে মিল বইয়াছে তিনি ড'কা সভায় অপনি মবিলেন।

্ষেনমার্ 'প্রবেশ সেউ ক্রাইতে ছাল থ্যেরখের ডি ও' মেইন সাংহ্যের স্থাব- অ-পিও হুইয়া

ষা । । ব্যবস্থাপক সভা।

ं ५.. व लोग मनियम् ।

আজিবেক্টি জেনেবল বলিলেন নিউনিলি-পাল বিজেকিলেট্ট ক্বিটির সভা ভেল হওচাতে ডাছা কিবাইয়া সওয়া চইডেছে।

ইতের সাংখ্য মলিকেন এবিখনে এক সূত্র বিল খ্রতেছে, ইলারাধা অবৈত্রিক নাজ-ক্রিটেরা মধারের পোকা মছির উপারে কর্ড্য মরিজে পারিবেল।

विकाशका पूर्व द्वारा लाटकर करे ना दर अविवाह दर विका दृष्ट्रशादद उद्यादत निरमके अविवेश दिल्लाई देखन नारवन नेकांग व्यर्थन कविद्यान ।

माज्ञान एक वादान कविना विक निवि-वह रहेन ।

गवर्वद्यके विज्ञालन ।

१०५० किटनबर -- ह विवनगत्रशामा । इस-जित्र काजिनम्ब अक है कि द्वित गरिवन गर्क-वारमत्र शूर्वक्रिकारण निवित्त करकत क्रमण। अन्-श्र क्षेत्रारक्षन ।

যাসনিম ভারনিউ আ।গ্রিউ সাংক্র অনুতা-ভিত গ্রিবেন ভভারন এচ এগ বিধার সাংগ্রি অ:সংযের জু ভাসিয়াল ভাসিনর, প্রতিবেন।

विशासिक एक प्रीति मालिएक के एक प्रीति क'रमकेक एक प्रांत काक भी मारक के विश्वविद्या ant tobacontille uterient

(छण्डे मा चित्रहें हैं के तक्ष्म कारणहें कारणहें व भाग कह कि चाम नम मार्थक दवसे विद्वत विद्वति क करम कार्यकाम आहा स्वेदार्थम अवर १५००३ भागका १० चाकरमा १ मोना समाहत्वि हिन्द्रर वीवान मिक समाहत अतम मार्था मुन्हित्स

त्कर्णि वाक्षित्रहे छ दक्क छ काटककेत त्यी-नवी व्यायक्षम महीव किंद्र कर्मात्र वतकितिकात-त कात्रशास वहेत्रात्व्य वर्षित शासक व्यक्तित्व-देवेते वन्यू में क्ष्मशासकाटक कार्या क्रिक्टन-।

ও রা জাজস্বাবি—ভাগ্রন্থার প্রতিনিমি ম্ব-জিন্টেট ই লি কুটার সাধ্যম ১৮৩৫ আক্সে ৯ আইনের ২খারামতে নিমকটোকির্লেপরিক্তিত ক্টের স্ভিনিয়াল কলিড: প্রাপ্ত ভ্রমাত্তন।

निशिष्ट प्रकार भारत्य प्रसिन्ध शहरामात्र निरिम ७ जनस क्रम प्रकार देवेदन ।

अक नि कांछेल नार्वत नाइ वार्त्तव वार्ति-रुके के बारल केंब्र कहेरवत। किन्न कर्कन क्षान्त्र क्ष्म ना वन्न करुकित के श्राप्त विविध के स्थ-नव क्ष्म वी कर्वन।

রাজসংগীর এতি নিধি মাজিটেট ও তালে-উন্ন এক, লি. সন্প্রাই সাংস্কেন প্রথম জোবীয় মা-জিটেট ও তালেটার হইবেন।

श्रीम ७ ज्यानश्रद्धम् जानिकानी ज्यादिकेन छानि दण, जमरकाम गाद्यम् जामाद्रम् ज्याद्रके मणीश्रद्धस्मा ज्येत्रहरूमः। क्रे श्रीम छ मणीश्रद्धस्मानिकानी ज्ञादिकानी छानि ज्यानिक गाँउदे माद्यस् जनमन्द्रम् स्थाम् इक्रे-साद्यमः।

৫ ই জান্ত্রাবি---কেনি-শ্বের আংরিকান্ট নাজিন্টেট ও কালেক্টর জি. ই, দাক্সিল সাতের ১৮৩৫ আন্দের ১ কাইলেক্ট ২ ধারাক্সাবের নি-সক্টোকীর স্থারিকেন্টেণ্ডাক্টের ক্ষরতা পাইরের।

.जी कियान नहस्तात श्रीतिकृति स्थितता व श्रविकृति स्थादित गार्थि । ৮७० व्यक्ति ७२ श्रीवेग श्राप्तादा तालग्रम विकारण व व्यक्ति ए स्थादमभद्व ७ रक्षणि स्थापक्रित्व यान शास्त्र स्वेदन्य।

প্রেরিত

ক্ষিত্রক সোম প্রকাশসন্দারক মহের্ছরের ।

स्वाणम् । तथात्म करके वृज्ञाति स्काणः वर-शाणिक व्यवस्य शान आत्मारको मरकातः मान कतिवारक्षाः। असी आमत्र निर्देशे आकार्यन् आर् शास्त्रवेषुकुकः त्य मक्ता स्वाप्तात् मरकाः, भरपाः लोक कतिकाः क्षत्रकाति कालात् स्वाप्ता अस्य स्वाप्तानिक स्व Alternative spirite (1)

The state of the s द्रामधीक मीनकीक केरिकानकी अर्थाद्राम प्रकृत ाम् **बाईशा वस्तरस्य यामाना मान्तरस्य मान**ान आप्तिक केलाक के विकरित शर्य शक्तिक प्रकार के गर्न क्ष क क्षितिक क्षांत्रहं कविष्ठात् । अवस त्यकारम शहर एडि केंद्रक मारक लग्न यशकी विलिधे हा-मक्षेत्रेश्वर क्षेत्रिर के मार्च : किन्नु अकाशन वा अ-কারে ভাতার নংক্ষার ভরিষাত্তে আল্লা বিবেশর बद्धा सामान महनाव काका श्रुक्तिक मेन्निम उ इक्ट्रेरक सरमान जाहे, छ'द्या मिला जामन जाड शर्म क्रिके मा, क्षाकामा अहम करन वज्र छन्। कहिना-ह्य क्षांक्रांकरे काश्विश्य विकास क्षेत्र अंख इट्टि अपर काँग्ने मध् काँगर क बहेबाहा। ताखा बाबाटल प्राप्ती इत अनर्यदमके (२ रे छाडांत लेगा-मु आन्ध्राम्बरण मञ्जूनाम स्टेम ।

এकाम मन्यम आकृती सम्माी दर्बमान २ के किएन में ३५ ७२ नाल ।

HOLIFF HEIME!

গত্ত ৮ই পৌষের সোমপ্রকাশে প্রকটিত প ातकार'छ निवास कामा'म दिवसके विछाटम **किन्छ** च नक्षा द्वारा स्थापात्र वा का उँदराष्ट्र कर्पात शहसूत्र अस्त्रावः काञ्च **परिमान** । আৰি কতু দুৰ্লনের পৃষ্ঠকাল্পকে বিবাহ কাল - बिन्द्रा कि हो च क्रिता हि क्षियाम ceकास्त्राणीय নহাশয় যে বাহা ঋতুর পুর্মকাল কি জন্ধ তুব পূৰ্ব্যক ল এই এল ক্ষিয়াছেন ছেছ্ডৰ নিয়তা ८९ शक्किक व्येक्स दरश्यकात्रीन मध्येनत प्रश्न क्षकात्म पुरिक्षणं क्षत्रिकः स्नामान गाँउज्ञासक शकलाक विधारम हतिकार्थ कल्पना

खराहि। गःवस् अम्भाष्ट्यः न्यून स ेरेसक जन्मामार्थि वास्त्रसम्बद्ध ভাৰতি পু গলি হু গালি কাৰাং কৰি মাভাপিত্রামিতি ধর্মনানঃ ঃ

हैकि विश्वविध्यक्तिवीय विक् बहरन छ।वृद्धि छू-ক্তানি 'ছ ভানীত্বাপালানাহচনসা কৃষ্ট,ৰ্থকত্বেন वर्ष । भनीकृत्रक्षकरकारवर वर्षे मणावनकरह-यक पूर्वा श्रेकुक वा । काकादब्रु विवास काल नि-श्रामकष्र मञ्जू धार्कीर्थ कहित्त्रता गानिकारिकमा-स्व हे जार र जन हिन्दू कि महिन्द्र विकास के दे काबी। विद्याप मिलिशिकि मधी कारण विद्या क्रिकाषिकि विध्ववद्गारामान मन्द्रवाकश्ताहः। (बाग्नक विद्यो कुमारक) क्षरा (जोड नक्दिर्वर गहरायः ।

द्रवस् संवर्षीण वृद्धांभग्न निर्मित्राह्म द्रव नव-ल क्यादि प्रकार स्थापन कारल राष्ट्र के से

वाश्रीकातम् अवश्यापिक वास् । गः।

नाम क्षान कार्यकार मान मान महिले क्षान post paiding to a claimetus bitoria. वे मुख्यानामान का छ। विश्व का वासक केर्विक्षेत्र्यस्ति काथ। पृष्ठ व्य मः। यक्षान्ति सक्ष्मा ক্ষাৰ অভ্যতিৰ নানাখাল হয় তথালিও ক্ষু कारकीय के किया का विश्व कर कर कर किया है। य क्षेत्रक औं क्षेत्रक कामकुषक स्माप मारि ह

বৈশ্বান্ত্রণাণীল মধানর ভিজ্ঞানা ভূরিয়াছেক বে আ ডিবাল্টে ক পর কড লয়ংস বিবাহে হ'ব 🖫 श्रोक्रील देखिया जिल्ला न करिया रे मुख्योहरू महानिय श्वारिक्षपारताञ्च व्याति । व्यञ्चनात्रशास्य व्यवस्था चार्ड च्याहाया महाबदात वहे समिद्धात वहे-श्रीरक् द्य प्रभास. जनम. अकिन दर्श कलाग्य निर्मार्थ क्षामा के के अवल कारणकर मुंचा काल कहा सःच ।

म'रश्रक क्रिकार्थ वर्ष बहेबार्ड (य प्रेंक्शक বিষ্ণু সভনে কন্যার ঋতুক্দবি পি গালির দল্প গাড় জাড়ি ছেন্ডুক সপ্তবিশ্বনাদু মুহ বিবাৰ अर्थ्यविक्तिक अञ्चल नगर्वेद कां**व्र वाक्क** ৰতুর পূর্যাক ল বিবাহ কাল শাস্ত্রে নির্দ্ধিত ছই-शाद्ध जाकात भट्या खरीय नवम मणम केवांबा প্ৰশন্ত মাত্ৰ ফদ্ৰিম বে কাল লে গৌণ কলে ; ইভিভারিধ:৩গৌষ

> कुरा इंचे लियों ने শ্ৰীচন্ত্ৰকথাৰ ভৰ্মৰাগীল

ربرك

প্ৰযুক্ত সোৰপ্ৰকাশ সম্পাদক महाभव नभौर शब् ।

एक्षित्र कि सुनमृति, कृष्ठिया शर्वास 'बक प्रदेश धुणिल डेजनभावित भुवन वह बहेन। इन्स् इक्टिंड क्रिज़ाब कम्लाव वास्त्रीय शास्त्र वेज्यान সাবি নদী অভিশ্য অবিধা ছিল, কাৰণ ইংসা मावि नमी स्थान कारक के अपना नम अवन खे भन्नी खु'बा ए का धहेरल कविष्णात प्रहे बिटम लोक्कृतातु । देशमायानि त्य छोटम शक्तामधी-তে পঢ়িৱ।ছি ডথ হছতে কৰিল্পুৰ এক এছ-(इस वाखा । कांद्रमधन क्षेट्र नथा खेळाडू गांकित्य थाकृष्टि मिन मारण। यानव रा समा पथ चार् তদারা কৃষ্টিবার ঘাইতেও মত্রনিন ক**লিকভি**র शरिएक ७७मिन, उर्व कृष्टिया स्नेटस स्नुप्तत न सन रहा व महा व ति उठ द्य मा। क्छिया दहेरा छ , कृष्य प्राप्ति। शहल, कारान शहा के राज्ञे हा अक-টানা। একণে এত যে খুবে কাসিতে হয় ছবাচ অন্তক্তৰ এবাৰ সহকাৰে কৃষ্টিৰা ছইন্তে ডাৰার পাঁচ দিনে আসা বায় : ভালান কমিনময় বন্দ্ৰার मार्ट्स मर्ट्सम्य देल्शामाजित सूच काणिया क्रिक्क र्व कविट्डाइन कियु त्म श्रीवान मक्का इत्याह मधानना नाहि, मादन हैशमाना दन सुमान सुक्रा

Santa a figure হাত্য একটি বাস। বিশ্ die frent warne देशको दशक्षकः **पश्च** कृषि के जिल्ला स्वापन केरिए ग्रंड ग्रंबा इतिहास है। रम्भ फेंग्डाडी स्ट्रिकेट स्टब्ड सम्मादन क्रिया स्टब्स्टिकेट THE PER PERIO मा है। जारमा माध्यक्षेत्र, अर THE SELECTION OF SECTION OF নারবাদি পর্যন্ত বার্তার জন্ম বহুতে জুমারবাদি পর্যন্ত রাজ। স্থাতে ভাষা কর্মনার बरर नाहात देवान दवीन वर्ग भार काश्यादसम्, किन्नेक वि RIBI ART ABIN SONS अध्य कि. ति जिल्ला कि वास्त्र water and ner, praire

कार्यान कहिएक ! हानांत्र कारी विवेदी विद्यालिक हिल कि कार्याल करियानी कीर्याल 本《 1-410] \$P\$ 有时的 प्राप्त मि- कार्या अनेपक व्याप्त करें ज्याद्वर करर प्रचटकार के स्था निवानातान पद्मीम् असमान इ के द्वांक नशास्त्र कह कि অতীত হটল প্রকল্পনার বার্মী ক্লির বংসর বয়ংস বিশ্ববা হয় क्या क्रमबाद देश्वरा क्या क्रमें सार भर गांचे स्थानादिक्क क्या क्रिक SICE. CHIST TER BR LESS. THE ार पत्र मिकारी विश्वती सन्तर्भ । एक अपन्यसम्बद्धाः करणाः । भारतरे अकृत्यों एक रहे गाउँ हैं। इंन्ड्राटक शहर कर विकास की मु प्रताहार रहे होंदे रेडेडी के प्रताह वह मारे। दिन्द क्लामें अपी SIFERITE PLA SAME PARTE an wallish with the trans ताची क्षेत्रक विकास रहे जिल्ली मृद्य मुक्तिका कार्या क्षेत्रक समय कर पूरा प्रका क्रिकेश क्षेत्र कार विशेष कहिला क्षेत्र क्षेत्र कर बाद कर कृष्टि

⁽१) संस्थात काम निकास सरेगाम। (१) क्षेत्रक अवन द्यारकेत्र सूत्र कावितः भागा

LAW A. CARIN BYING TORY भा ने अर्थ Ren's Afguicus FIFT ट्रांसको है। देशको के कास करने है। कर्मा क्षेत्रको क्षेत्रको कार्यको कर एटल वस्का सक्कालों कार्यको कर कार्यक कर्म क्षेत्रको कर्मा कर्मा करने कर दर्भको स्वतंत्रको के किस कर एटा সেয়াপ का केंग्निएक विकास प्रकार मनाव परेट क क्षेत्रक हो है। कि क्षेत्रका में बार्ड में त्वकृष्णी क्षेत्रं आर्थारम् आया क्षण्यायो दक्षणक्षण क्षणीआमित्यक छ। उत्तराम् स्टब्स् स्टब्स्टिसिम्बर्क छ मानिक अर्थाक् Ramilla Lie Canten acen THE BUILD ON | HE PASCAS. fore werm mifnm ein fam ann क्षिण (अक्रमाह बाह्य कृतवी किंव अमेडिक्रक अन्दान आमि वामिर्क ्रिकंशकात्र शेष्ट्र कित कत्रिमाहिएलम सम-क्षेत्रकारिक एकक्ष निकास स्तिर्वन, शा-के बाद्य मानिएक श्रातित कथन है अकर्प विद्यम मा क्रिके विशाप निकीश्रमक्षे विश्वीस्था क्षेत्रका श्री श्रीत्रकार्य क्षि-। मानीव जनकार्य सामूत्र क्ष्मी सन-क्षेत्रकात क्षेत्र सामाज्य काहे र

क विकासी बनावा विषया विषया विषया । जिल्लाक्षेत्र आ गादेश अवस्थापातत क विकास के किय बाकाज प्राचात्र क्रिका अपरे, बामांका क्रुशतायम क्रिक वस अवस् विक्रुक्त कतिका द्रमा दर किनि श्चान अभिकृतिन क्षित्रात क्षेत्र शासा ह रकान करमें क्यमेंह सेव कहिएक न ना ख्यकार विश्वना क्याहरू मध्या श्रीतांक्यू वं इंदियम । वनांका ३३३ मा-गांद्यय द्वितिक विश्व च है। ब्रिक्ट किर्म कृष्टिन फोर्ड्स स्वेदन दर्शन वर्शनांक च-विक ना। अञ्चलका बाह्य विश्वना छतः ांग विटक संगीतक अवेटलाम बेलिया ही-र्जना कता निर्मात अवः क्यूनिक्रिकत्रद्वात ৰে আমি এই মাত্ৰ খলিতে গাছি বে ह यांद्र कहे दशक्तरयारमञ्ज, शत्र एक एक

^{- भारत २} विश्व मान्दिना **व कुछ कार्या** किएक जीवात किहू है बिराम की. अपने अपनिक आयोजिक क्षेत्र कहिरश्रम काता वर्ण-भार क्षण है जन्मीविष क्षा हरिन मा, बडे क्रापाडे दक्ष क्ष क्षान अथवानिक पाछित्रक कि वा अधिका युक्तकारा बनर महान व कारकारणाक चारमाह ।। कवित्रा दम विक्रिक्सरे चीका कविद्यम त्य क्षेत्र क्षेत्रकार्याच व वाशाद वाद-विशेष क्षेत्रका क्षेत्रका प्रेमा किटलन, क्षित्र क्षित्रका क्षित्रक क्षेत्रका क्षेत्रका वक्ष व्यक्ति क्षेत्रक क्षेत्रक क्षेत्रकारन क क्षित्रक क्षेत्र क्षेत्रक क्षेत्रकारन क क्षित्रक क्षेत्रक क्षेत्रका क्षेत्रकारन क वर के लेख के का वाक के के किया है। यह इव विक दर्शकी विश्वना विशेष अवसे मान

Atte Land Allthum alute समयान काम क्रिकेट स्थाप के विकास कर में सा क्षित, रक्षकाराजीत भाषाकथ कराव मुनाव करा का में में में में में किया में में किया है किया है किया किया है किया है कि किया है किया है कि किया है किय

विषयं करणां करणां करणां करणां करणां । विषयं करणां करण करन बक्तारह केम्मारह माहित्य बरा रलसूर्याः क अराजि क्लेकि कार्य मुक्ता डा र ज रहता गतिगार्व सम्बद्धाः मध्यतः । याकित्वे वे आहत-লা পভাষারী মেলাই ধরু মাজা পার না। বড়'ল-ন উপান্ধ্যেক হউচ মান্ত্র সকলল ভয়াবল উপ-नारक है इंडिंक अधिकरके है अधिक मध्यमधीय कु विष्ठ विश्व शिक्षां क्रियान, रमशाविद्यालय कर्ना स्थान **ंधेनमंदिः माध्यपं नामि है। हेद प्रशा**मी শ্রমী**লভাল, ⊲ংট অবসংল লেপাই**গণ **অ**ভিলয় कोत्राक्षाः कवित्राहितः। खनाभादः मा कवः स्वतः-পালে অহার কবিয়াভিল এবং ডেপ্টিমালি টে-प्रेटन महेन्द्रिक खेलाफ इडेश किल। यविष्णु द्वर क्ष दोष्ट्र म्हिक्टम शिवज । किमि विध्वविदेश विरुक्षणी जर ब्रांकाधना विरुद्धारी एके वस व्यानक बी मय, छार प्रशासेंक निषय करे एर निहालागत्मक अभवन विषय मध्या उष्टान क्षत्र केसल वयः। ध्या दिन द्वाराष्ट्रका व व व व महानका कर वादव क्षार्ते भाके बहै छ इस. विवेगमान क्यूनस सश्चाकाको केकिन उंद्यान समावेक १ धर्मा बजाद करे जुक्छाएव चीय विश्वा कमादि वि-बाब ब्रिट्ड डेटब्रवाची प्रेगि प्रिक्ष " कहे अर्थ श्वीयांगाळ सक्त वासू मृथ थान गिंत्यांगे वि-कांग्रे कहिया दिलालात, आंत्र शिष्ट्रिक वहैरिक का रवाका निवाहत । एक वांच्य कविष्युरवत उन्नवाष्ट्रीकरभेत अवेगां धकरत आंगांत करत-स कि मा छ। इ। विशव इत्रवादमञ्ज बाधा कामि-बाब दक्षान जेगांच एक मार्चे।

भारेक्ता ।

225 यमा श्रीश्रम

জীবুক্ত বহু মাধালেয়েন গোলালী ভেজপার ⁴¹ ५२७५ (शोव स्टेर्स ५) फाउंस्त्रन गर्नास टकार ३० केका . निरमात्र स्टब्यां श्रीपाप CHARIT " ১२७৯ व्यक्षमध्य वहेट्य १० कार्किक निर्वास seit to 🏓 बहुनांच इंट्डिंग था।इ NOTITE! " ১২ ৮৯ व्यक्षांत्रन स्वेटक ५० देशमान-लाग्रह्म त्यार के ले শাসীকৃষ্ণ বস্ত निवेशांकि कहिर म " >२७७ के व्यथांत्रन स्वेदक न॰ देशनीय नार्व्य

(明)公康 養

20 1200 and Agen, in States beiter Carle 35 4 ३१७) कार्तिक श्रद्धात १**.** 'बेरेन समान 'द्रश्रीत " >२ ०० म श्रास्त्र रहेटक देवनाच नार्के हैं से AND WALL PROPERTY. " ३२७क मार्थकार व्हेस्स १० कर्रावेक सम्बद्ध CHIE 30 d # · . त्मांगळाचाच नरकः व कः वस्ति বিশেষ বিশ্বস্থ ।

A STATE OF THE STA

चाजिम कुना वर महिद्दा मक्काल दग्मिश्र-কাশ হোরণ করা বার বা।

देशांत्र काञ्चिम कुमा शार्षिक ३० व्यवश्यांशा-निक दा छ। का बहु बादमह सूर्य सालक पांच कान

वैद्यात । मान श्रीकारणहरू पूजा केरण विकिष्ट शाहित छीराता धक कावना व्याप व्याचाह व्यापक पुरमार ७ व्रमीरक्त हिं कड़े मा रक्षत्रम मरनम।

ष्यम विनि येक्षम हटेट ३ म्याम्यमादनात ज्ञा गारीहरवन छावा त्यन ताकिक के अतिव CVA 1

र्थ्स्यक कृष्यात काल क्छीए हरूर मु-मा गार्रेहिटक स्वयः स्वयं क्षयं कर विमान ना मर्बन ।

र्वीश ब्रिटनंद भूला किशांत्र गमत कडीक प्रके-हा राष्ट्रेटर, मक्कामक मनव अक्रीका करिया शब्दकृति शिविद्या काक्षाम क्रकेटर, वहि 'डा'-शांद्र कोर्न डेसर कथना मृत्य मा भावता यात्र कांगज वज्र इंडेटवं। कुटकान विभिन्न विडिट्समा-हिर शांक्षेत्र करेरत। कलिकांडा मध्य छक।-म्बारक आंकाविरशत मार्ट्य विक्रि कंदित का-মরা শীস্ত্র পাইয়।

ৰীখনি বৰ্ম যোগশ্ৰহাণ্প্ৰিভাগি কৰিব; त केव्हा स्वेटन विकि निर्मिशी की कार्याहरण कार्। औष क्षा कावेदव मा।

टकर मान्यकारम विकाशन विदेश केन्द्र করিকে ভারতি প্রথম বার প্রতি সংশ্রি ৫০ সান। বিভীঃ ও ছতীয় বার 🔑 জালা করিয়া बिटक बहेट्य छात्रात शत /० चामा कवित्रा मक्ता सहित्।

3451 , 37

with the my the of the control of the sanin au den de gara de gara de garante de la company de l

(माराशका

" प्रवर्तता प्रकृतिविताम पार्चियः यरखती मृतिमहती न वीयतां। "

e छात्र । 3071 W

मन ১२७२। १र माव। देर ১৮७७। ১२ ब्लास्सानि

বিজ্ঞাপন। मृश्रीद्रीकरा ।

১৮৯१त अर्केटला निविष मूर्वाद्राकत পুনঃ লোধিত হইয়া কলিকাতা মূর্কাপুর বি-महात्रच वट्डा ५ होका भूटना विकास स्ट्रेटकट । বিদেশীয় গ্ৰাহীভাগৰ ভৰায় বা সংস্কৃত কা-तिएक अशिवित्रणहत्य विष्णादास्त्र निक्के शा-ষ্টেম্ব ও মূল্য পাঠাইলৈ পাইবেন। প্রভ্যেক नीज भागात एवन धक क्षित्र ।

श्रीविदियम् मर्था

বিজ্ঞাপন। वानवश्रहा ।

কবিবর 🗹 মদমমোহন জর্কালকার প্রণীত পদ্যময় উক্ত উৎমুক্ত কাৰ্য অতি উভ্যৱপে পুনমু'ত্রিজ করা হইজেছে, জাটিরে প্রকাশিত इटेटवर बीदाव ज्यावणाक एम लिलि चीत्र नाम गाम चामन पूर्वक अन्त्रभागून निवामी व्याप्त योबू द्रायमाम मात्रदाद सिक्डे मना मह भद्ध भि-**থিলে পুত্তক সম্বর প্রা**প্ত হউবেন। মূল্য ১ এক টাকা মাত্র। বিদেশীয় আহক্ষণ পুস্তক ভাবে 🕽 **्धारण कार्यण मास्ट्रालय अग्रा 🗸 व्यामा अ**चि বিক্ষ পাঠাইবেন ইন্ডি।

> छार वड़ी मांच। ১२७० मांत। व्यक्तांभगाग रमन ৰহরমপুর

विकाशनः।

বিচার শহতি।

ইংলক অভৃতি দেলের প্রধান প্রধান विज्ञान।मध्यत्न विज्ञातः त्रावामी पृद्धे य मक्त মহামান্য মে ভবলিউ নিখ সাহেবের প্রণীত থৈ বিচার পহুতি প্রধান প্রধান আগালভের बाबशातार्थ है वाजी जागांध वितिष्ठिक सहैता निक्षिण रहेबारङ, जारा रहेरज 🛥 व्यय-त्मत्र स्वत्रशङ्ख जिल्दाको ७ श्रारहाचनीत अवर বন্ধারা বিচালের নিয়ম বোধ পদ্য হয়, এমত বিবিধ বিধান ঢাকার ডেপুট কালেইর জীবুড दान् बलदगार्न प्रद e अन्ताना वाकिशन क-র্ভুক সরল বদ ভাষায় অনুবাদিত ইইরা व्यापुरुष बाद् । श्रीद्रश्माञ्च मत **। व्यापुरु बाद्** তুৰ্গাকান্ত চক্ৰবৰ্ত্তি কৰ্ত্ত্তক একাশিত হইপ্লাছে, গ্রাহাল্যার কাষাদিনের গ্রহালনে ভব করি-ल आब इहेरवन मुना ५ कक है की बाज । श्रंश वापर्ग

> निड देखियान नार्डिखरी ्रहे सानुवाति १४७०

> > বিজ্ঞাপন ৷

ফ্রিদপুর ফিলার অস্থ:পাতী বটিকেমারি মহস্তপুর ন'মে যে পত্নি ভাষ্ক আছে, তাহা দন্পত্তি দেওয়া অথবা বিক্রের করা ষ্টার । বাহাব দেই তা**র্ক দরপত্তনি লই**-वाब कानना व्यव कित्रधांत है एवं आदृ , जिनि কলিকাতার জাড় ন খিনর কোম্পানির নিক. টে আবেদন ব্য়িলে স্বিশেব গ্ল**ার জানিতে** পারিফে ।

> (माग्यकाना **গ্ৰহ্ম লোকৰাৰ** ৷

১৮২৯ অব্দের ১৫ আইন। त्म निवम वामला द्वरणंत्र द्वारण्डेयके বিনার পাছতি আকৃটিত হইয়াঙে, বিশেষভঃ গাবর্ণর আজ্ঞা করিয়াছেন ভাবড়া, রাজসা-

री, पूर्वनिषावाष, कांध गांगव, पांत्रजिनिंह, वर्गास्ट्र ३४७३ मरम निक स्ट्रेटरा अहे चार्टरम কোন সভুর যদি কর্মায় । पार्वी जापालएक अक्षामा मक व विज्ञान इस्टिव भवर्षस्यत्येत्र 🍱 विश्वि **উলেশ कि, विश्वा मा** पि मक्रम वृतिष्ठ भावित বিল ভারতব্বীর (ररवंत्र थित्र श्रृ इक्ष्राटक संदर्भका 🕏 लरेफ्टब्न । डेखन ल জেলায়ও এই আইন চা मन्द्रेशमंत्रि छ नह र मार्ट्स्स्य मेचान श्र वना बास्ना ।

क्रांत्रक वेश्याह स्वयंत्र क्षांवर्ध गारेटकट विविद्यालिक बाजीन बक्तनटक व कुटबुद्ध करेका १५ केशिय भन किसी भारेक्टरम । देशमरक মূৰি এবেটো জাডিসাধার সভার শেশীর্মিটেগর স্বাতাবিক 😗 🖫 🔻 অৰ্থৰা ব্লাফনীতি সংক্ৰাই স্বাধীনতা अंकार रह. जमनि महानूबर्वती बरमम, छ। ज्वरत देश्मरश्रह के পারে না ; কিন্ত কাপি ছোল্ড, 🌉 প্ৰভৃতি ভূমিশংকান্ত যে সমস্ত ৰাছেন্ন এক দল মাতের ভুমাধিকারিজ मक्त त रहा. रेशिन्टिंडे मटक तत को क्यर्यंत कार्याचा मटक १ मा कार्याः गर्नेश ६३ कटकत ३० ६ इनके कि.सत क्यांनिंट्यंत क्षेत्रि र्नम्बद्धित क्यंनिंट्यं छ वर्ष्ट्याम कत विश्वाद कार्यांनिट्यंत सूर्य वक्त कति तथांनिट्यंत्र शहम वक्त्राट्यंत १ कार्यो देनंद्र कार्यांनिंट्यंत १

। अस्ति कि प्रतिमात्र व्यथन ७ विकीत क्ष्य कर्टन जाना मिटमंत्र धर्नाम হেঁরাহিল যে গুভাবকারির: একটি ক সংকারের পরাধীন হইরাই ঐ की क्रिक्ट्म। किस अथन मा-শাৰ্ক বুৰিতে পারিতেছি, ভাঁহাদি-वि महिद्धा काम देशादा करेक, क्र ाटक (ध. मिटन, चटल क्रवक ७ चटल नारे, हुर्ब्यु नतारे मन्त्री करत) काता नाबामधारमादम श्रीकृत कृतिका भीत यान क्लिका (पश्चार कीव्यक्तिक थर्क । निर्मेश कि जना ब्रिकि नाटक त्मत प्रकृति भेत करनरे ३७ चारेन ३ हा वैवास अटमरन कहिन्छ कहा ছে : বিশেষ আইনের আবশ্যকতা ধারণ দণ্ডবিধি ছারা কি চরিতা তের সম্ভাৱনা নাই : এত দিন উল্লি मम मकरम कई चार्म श्राप्तिक नाई, एकतिन कि उत्तर अस है। वह सर्व दक्ष छिल > यक्ति दल हैश्ल গু কেবা 'ৰড়'উৎপাত করে; একটা चार्रेन मु, कतित्त छ।त्र ठवर वं छ त्रक्क विद्वार भारत। अभारत भा **इ अवस्** केकामा ०३ हेल्ल ७३ । ভারত হৈছি মজুর কি সল , श्रेष्ट्रह्मा क्षेत्रमुक्तिमादक जीलका. रा-मण्डाहर समग्र লামে গু... तेश भागकीय बाह्य न गणन রের ই বৃদ্ধান্ত্রার ক্রিকের ভারত তেরা প্রার প্রভুর্গুস্কিঞ্জ্ সমহাব क्षंत्र क्षंत्र इति विक्रम्रेष २। ६

জনকে বে ছুক্ত ক্লেমিতে পাওয়া বার, জ बीमादित शब्दा अष्ट्रकित सावरे जारात व्यक्तिकारणात्र व्यक्तियो के विद्यासा । व्यक्तिक व्यंत्र क्रवत्कत्रा चण्यान्यः एषं भीतकत्रितात्र विद्राधी एवं मार्ड ; कारोड़ा वस्कान कन-य अकार्गात नय कतिता (भय नीलक्त न ম্পর্ক পরিত্যার করিয়াছে। নিউপোর্ট, গ্লানগো প্রভৃতি নগরে নজুরেরা বেতন वृक्तित्र **चानदम अवस्था**का एरेसा य ध्यकात প্রভূপিলের বাটি বন্ধ ও প্রভূপক অপর মজুর দিলের প্রাণ বধ করিয়া ভয়কর অভ্যা চার করিরাছে, ভাষা এ দেখের লোকের क्थन अदम ७ मज़न भर्ष अवसीर्ग इय নাই। এখানে কোন দল অত্যাচার সহ্য करतः भीत कमिनम, अष्ठत्मभीत नश्वाम পত্র, মিসমাইরা কোন্ দলের অভাচা तित कथा बंलिया शास्त्र ने नीलक्त ७ চা-करत्रवाई एवं अन्ताहात्रकात्री अवर्गकां र्कि এ कथा अश्वीकांत अतिएक जास्त्री इहे-বেন : কোনু চা-কর বা নীলকর এ প্যান্থ निक इत्यक अथवा मण्डात निकटी श्रहात সহ্য করিয়াছেন > কোনু নীল বা চা-ক্ষেত্র মঙ্গুরদিগের অসকত বেতন প্রার্থনায় উৎ-সন্ন হৰুরাছে > নীল চাব পরিত্যক্ত হইল क्वः क्वद्धंतः (मःव ना नीसक्दत्र क्रणाः-চার ভাহার কারণ : যথন প্রীর্ত্তিকারী দলে तरे अजाहात मध्यान रहे (कटर, यथम क বক ও মজুরদিগকে ভয়ানক অভ্যাচার হ रेट इक कुतिवात आर्थनात हजूर्मिक इ रेट क्रम बनि छेथिक इरेटकट्ट, एक्शांत षाण षाजाानात व्हेटनरे भवर्गत कारनतन প্যাস্তি তৎক্ষণাৎ জানিতে পারেন, দেই কলিকাতায়ও যথন আইন দোৰে সময়ে সময়ে মহান অপকার হইতেছে, তথ্ম গ্র भागि कि माइटम निर्वास्त्र मील अटमरम अधार्वेन अफ्रिकि क्रिक्रिका । जाल ! श्रां वर्गत्मक मञ्जूतिमरभन्न क्ष्रवद्भात विषम्न यम চিও ন: করিলেন, সর চারদাস উত্তের

किति त्य त्यदे केक जानम एक्टब कार्य वर्षत्र महत्त्वाक मधा है का का कार्यक स्वितक्ष्म

> होंको निष्ठेत ७ अउरक्रमीय नव्स गजानित चारीनजा

विट्याट्स्त विटमपकः मीलगाँछ त्भा लट्याटभन्ने शत्र व्यवि व्यटमटकन्न अहे जर कात कशिशास अक्टबनीटम्बा, विटनवका বাদ।লিরা ইংরাজলিনের অভিশর শত্রু इंटेबाटइन। मट्या मट्या द्रकान (कान है? রাকী সংবাদ পত্রে এই ভাব প্রকটিভ रुत्र । मन्नामरकत्रा क्षन क्षम व रमजीव णिशत्क विद्धाक्षामुद्राशी ७ हेरला अमहीत এতি অভুভজিখুনা বলিয়া খ্যান বৃদ त शानि निशा थातकः । आमहा ७७ निम কভিপথ ইউরোপীরের বিধেববৈদ্যািত यिनता अ विष्टा छेटशका कतिशिक्तिम. কিন্তু ঘর্থন এই স কার ইউরোপ্টাদিদেশর यत्नामत्या जन्मकः वक्षमूत्र स्टेटकट्ट उथन केरात अधियाम कतिया । अधियोगिरशत অভিথাদের সাধুতা সহমাণ ও ইউল্লা পীরদিপের কুসংস্কার দুর কর। অবদা ক र्खवा ब्हेश्रारए।

গতসংখ্য চকা নিউসে এক খানি বাসনা পুৰুকের সম'লোচন কালে বলা क्वेतारक, बाक्स्ती, अफराव अवर्गामा केत व्यक्ति विवाध क्षणमाः स्तिराष्ट्रक्षम्, छीहः দিপের প্রণীত ও এড বিভ সংবাদ পরে गर्सनः भवर्गस्मत्तेत्र निम्मःताम मुख्छे इत्र। चात्र कृत कटल किवर्ग माटकटवन्न निधदन निश्चि हरेगार्ड, हेछेद्रांशीय कर्बामात मिर्गत (मान मर्मन क तरमाई अछरक्रमीत यांबर्कीत मद्राम शक्र काशादक दिशादक एक निवात कही भाग । छाता विकेश कान চজেও কিন্তুপ অবছায় এককেনীৰ সংব্ৰুদ পত্ৰ সৰুলকে বিজোছানুৱাণী ও প্ৰভুত্তক্তি चूना क्विटलम । शवर्रमणे कर्मनी प्रविष्यंत अविके ७ जिल्हा कार्या त जन् े रे १ १ एक मुक्ति विकाल अफाहित्यम ? े क्षेत्र कहितन काम् हे के विकास कहा कि



हिटाउर्रहर्ते केव्यम हे सर्वेदम्दर्भे बदर्शका छात्र नियाति यक्तिमा क स्मेनीम्मिरशाह देन भितिक चेषु च अधिकात जानेके छ रेश कि यक्ति कार। इत, काहा हरेटल के देखा शीव महामखीत मात्र विद्यादी मछ। अरे देशम ্ৰান্থ প্ৰধান প্ৰধান ইংরাজী সমাচার প ত্রের জুলা বিজ্ঞোলী সন্থাদ পত্র আর না है है लिखबाजिनियात यह ७ व्यक्तियात्त्र অধুমাত ব্যাহাত সম্ভাবনা ২ইনেই ভাঁছারা ভারস্বরে ভাহার প্রতিবাদ করিতে আরম্ভ करतन । ১৮৫९ प्यरमत विरक्षां कारण কোনু জাতীয় সংযাৰ প্ৰ গ্ৰণ্মেটের भविष्ण्य महायका कतिशाहि दलम । य दम শের যাৰতীয় লোক বিত্রে হলিপ্ত বলিং! অসুসক অসহৰ তুলিখা দিয়া কে.ন জাতী য় সন্থাস পত্র গবর্ণমেন্টকে নিরপরাধের নোণিত দর্শনে প্রবর্তিত ও অধিকতর বিপদাণৰ করিবার চেডা পাইয়াছিলেন? আর কোনু জাতীর সয়াদ পত্রই বা তদি बास संबर्धां करें केंद्र क्षण ज्ञान के द्वरां एन > মীল খটিত গোলেযোগের সময়ে কোন্ क्रांडीव्र मधाम मैंक क्रुयक्तिशतक विकास প্রমুক্তি হুইছে নিবর্জিত করিয়া রাখিয়া हिटलने हे विमा ब्राह्म शास्थ में विवादमंत्र वि শাব্দি ক্ইয়াছে ভাষ্য পুলিল সেনার হারা मञ्. शर्वर्यसम्बद्धाः चात्रा मञ्. छाका निष्टित्तत দারা নত্ন লামরা পাঠীজনে কহিছে পারি रशबल ऑक्टमनीय महाम भव क्षेत्राहे म क्लामिक इहेत्राट्ड

'চাকা বিজ্ঞা আর এক হলে এলেশের विश्व अञ्चल्न आरेष्ठ वांका टाइमान कतिहा ছেব। প্রতিভূতি বুজেন, এ দেশীণ মুক্ত। নত্তের वारीवरी क्रांचा स्थानक्रण नत्र : धारात्र मरक कृष्यास्तिकः श्रवनंत्रमरकेतं कत् दारकार न मात्र १ आमानियाम् र वर्गरमन् गनि स क्षा मुद्देशका कार क व दीनका काम मूल वेरिक केरिक करें प्राटर, ठाटा मा दुवि (के अकि के देन भागता व कारीनका

कामरक अन् यह া বীকার করিছাম, किछ गाँशहा हात ल दबन, डैं। इ.निदशत्र। निकटी देश पान १.३ िरहा अजीवशास हेश्ला अमेत्रीत अकि विहाल अमर्भेस किन्न । मा कहेना वाजातिक इव दिशा अकीत्रम स **ह**हेंद्व .काम बारका का खेशनिरवान वाहा गर्खः चापीनका नाहे > त्य भवगद्रमन्ते स् । य तिम्बद्धास्य, र हाङ्ग कि व्यटनार अधीनमा धरेण कहिंगा किखरक विर्वे ७ करिय प्राचित्र शास्त्र । क सम्बी स्त्रता राषि आश्वामित्वत श्वाधानक। सुना काकट्ट महर्थ सः इतेषा अ एवं नगान, जू त्मार माप्त, बल्प टर्शन नाम प्रारक्त. **ए**ड्र रहेरलमें कि हेरु 13. याका निकेशमा निकरि জতুতকি সম্পান কলা। প্রশংসিক ক্ त्वन : এ जनीय मुद्धा महश्चत जागोसका थाकितन श्राहिकाति ग्रिश्व यरथकातात इस बा. धहे बि.सन्हे कि छादा विखेष छ चरमाम महाबाद, व (प्रशीध बुक्त) बरुक्षर वाधीनक सत्रत्व छेमाछ इनेत्रात्म् न यहान ভার্থ করা এই, ইংরাজী সমাচার পাত্রের क्षांनीमक क्षेत्र मा इहेरल कार्त्र ८१६ ६ **দেশীর মুক্তা যদ্ভের স্বাধীনতা হবণ চেটা।** कद्विश क्रुडक्ष्कः हहे एक शाद्यम मा । जन्म भः এ দেশীর, ইউরোপীশ ও ইংরাজ ম लिया जिल्ल कांव व्यवस्थि क्रेडिक्ट । गथन मत हारत्रच जेक्स श्रेष्ठां व कार्यन, कर्य गाम लंड मोट्डव यथार्थ कथारे करिहास्टितन विकि बुक्तावरञ्जन नाधीयका गान्न, टाका करेरल লোকের মনোগত ভাব একশি খনা প্রকারে इन्दि। भूनदीत ठाभाषि इलिएड शाकिरंद । २ विताश ७ अञ्चल माहन सक् ब्रेटल त्याक, व्याप भवीरतत वियम व्यक्तिकत इस । अ क्रम जामर। हाका निष्टिगत निकटहे चात्र अस्ति शहा कविर्विद्य समीत वीष वीषेप्र विद्या বুদ্ধি করিয়া ভাষা, বন্ধ করিয়া, বিক্রের कल अपिक्क्ष्रचा क्ष्मदत् क दमदन इंक्ट्रेशनीय नेक्स्

शिम किस निक्ष का शिकास दिखाँक के दिखाँक

ह्यादक जिन जिन जानन जानन काळ

क्ष - ,वाटक सक्क स्ट्रिक पार्किमा, मर्पका ७ क्रीक के किं परेएकर , मक्दलके विक कृष्टा लक्ष्यादक्ष स्ट्रेंबा 🍇 निमा निकान से श्राकंशहर बद्दा बद्दा बद्दा मार्थ स त्वर नक्ता विष्ः, এসত হয়, ভারতাধী রাষ্ট্রী धरेक्षण राजिशाव स्ट्रेस्ट्रिक् অপমান, অভ্যান্তার ও নিশী किन किन दकाब निकित्रदेशाली क्रम समार्थ हा वृश्यम अहे . म्यू 內付 帶軍 等例的 實際 भारे , दिनि स उपक्ष अधिक क माम्बर नार विकास मर्:म राका शास म सम्बद्ध #150 ą, ं रुषा क्यन पान कारा करान साक्ष (F. to stalling on which the CPI'L TO A MAINTEN AND चवका आहेग, यम क्र रहेशार । नगर्मा अने वाहिकः नी अभिना क्टाक्री माननिभाक के व्यक्ति भट स्थीर क्लिका त्वाकेत क पति एक व्यक्ति ्कन, रेल्लिनिक्स्प्रेसि त्रांत्र पान्तिक केलि निर्देश micha, tongthe offender with the nestrate la familia all all living न्यानीय सूत्र मामान्य शासक अ कार्या के देश में देश में देश में Mich of the Party Bolto Stille के कि कि के वर्ष र पर पर कि हैता कड़ाकी घशवाद किति क्षेत्र चत्रश भारत काल

मद्राश्यम् हि मिनियाम । हे महार अब अना माथ कतिकां छात्र ठ हरेना वंबोविधि भणवणूर्वव शब-त्वतरलः मधात व्याक्त मणा भटन ि इतेशांट्स्न । व्यामाणिकात (मरण-ভিনিধি ভারতবর্ষীয় বভার ও কমর্স ুসুগগৰ অতি শীল্ল ইহান সভা-क्षा कतिरवसः देशील मधामनार्थ सूर्व इहेटल कालश्रम इहे गटह : শও বলদেশের এডিমিধি হণ্যা मळामा बाद्वां ध्यक्षण है सर इ है-र्वना कडिएएटड । अरमने रभन्न ाक विषद्ध जिल्लामःथा কৰ্ম-ইৰ্বার খুলা কোভাগ্ন' St 19-थित्रा योत्र । खना खना লকর্ম-अदम्दर्भ छिश्नीक इ বর त्र जनुकान नाहा हेर निए ोंड । कतिएक रहा, किंक हैनि ' ।धिरे) लोकन **ए हे**न्ना व्याट्टन । .नटपंत्र ाकता रेवीतः काकि धमनि शिक ७ ात्र (य देनि " हस्य शवर्णत्र (क्ये अत् शर्म) ाश हरेरवम गार्वमा धरे कॉम ।। कति-दश्म ।

क्षणा विश्व करत्रकारे हें हा इहेटक एक्टना ए महान् अञ्चान कार्य कर एक्टना ए महान् अञ्चान कार्य कर्नत एक्टन करका कार्य कार्यात्रक स्व कर्नत करियाद्वन ए हे किर मर्यात्रक स्व कर्नि वाय केन्द्र शी केन कर्ना गायकी शहरी है वाया केन्द्र शी केन कर्ना गायकी शहरी है वाया केन्द्र शी केन कर्ना गायकी शहरी है वाया केन्द्र शी केन कर्ना गायकी शहरी है व्याप कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य करिया कार्य कर्ना कार्य कर्ना करिया कार्य कर्ना कर्मा कर्मा करिया कार्य कर्मा कर्मा कर्मा करिया कार्य कर्मा कर्मा कर्मा

अपनिर्देशका व्यवस्था । तन कीवि

शः गणि श्राणां देखेणां स्व क्षितां देखां भंटक, छे: ए पूर्व इंख्यां सूची इम ना । जिनि यनि भूक्तवकारण आसं विदेशत नियम करियां भ्याधिक आस देवधां क्षित नियम करियां आधिक आस देवधां क्षित क्षित शाहित्स, आमाहित्यं स्वाल क्षित्र क्ष्यां क्ष्येन शहाब कित्र विभाव क्ष्यां क्ष्यां दे क्ष्येन शहाब क्षित्यम ना ।

कि कि कार्याह अपूर्णन करित এटमणी श्रीमदभन अविद्याय छेलकात हरेही প্রতি ক্ষরিবার সম্ভাবনা আছে, ভাচা की हात्र कामध्यम कतिया निराव निर्शेष्ट অন্যকে প্রশ্নাস পাইতে হয় 🤛 ৷ তিনি अरमरण चंदनक मिन जिल्लान . श्रम्पात বিষয়ে ভাঁহার স্বিশেষ অভিন্ত্তা স্থান-ग़ारह। छथािं भागता छे हारक धक्छै। বিষয়ে বিশেষকপে মনোনিবেশ করিছে অনুরোধ করিতেছি, ড'হা সম্পাদিত क्देरलके अरमदमात यावकीय विषद्यत छेत्रकि দ্বার উন্নাটিত হইবে সন্দেহ লাই। সে विप्रत- निका। इहे हातिणे लक, इहे वाति वि ७.८वटचंत्र नाम. ७ इंदे ठाति**णे** गण्य শিকা হইলেই যে শিকা সম্পূণ হয়, সে শিক্ষার মিমিস্ত আমরা সর চবিল্স ট্রিনি लिशमदक वर्माद्वीभ क्रिएकहि ना । छार। अक क्षकात्र विश्ववसा विनिदेश हत्र । (र निष्का मात्रा अटमनीव्यमिटशत धर्मनी कि व वृत्तिवृत्ति প্রভৃতি যাবতীয় বিবর মার্ডিড হয়, ভাদুপ লিকার্থই আময়া মনুরোধ করিভেটি।ভা দুল উদার শিক্ষা বাহিরেকে কার একপ जानका कारक, त्यु हिंद्रकारमद कालग्रहक र অপুরীত করিরা এমেনীর লোকের চিত্ত **८क रुम्। উৎসাই सम्मेक्ष अधारमाह्या**स कृतियां जू नाज नी जि ? कांत्र अक्न नाम र्था चारह रेप चनस्य केंद्र क्रीझकारक प्रती कृत क्रिया जाक्**म के मध्यिकामार्गर्**क क्षारत रक्षमुन कर्त्रिण विदेश मेरित ? कांत्र হন্দ লামধা আছে বে বি उ कार्याकि विवित्रिनी विश्वके आति पानी न्या शहरिक केली निक करिया क

S 25 -

्र प्रक्राक्टल केंद्रण केंद्राद्व निक्श्यात रखवात्र विमः भन्भत्र रहेवात्र महावस् सार्वे, कार कर्य दकाशा क्रेट्ड कानित्य । या व्हास র ক্ষাবার প্রকাস পাওয়াও আবদাক। চারলুর টু বিলিয়ার লাভ বে কিছ সম্প্র দারের লোক। বেকিকের গবর্ণরী পদ कारमः किनि अरमस्य हिरलम्। बात मध त्क्रभ कारवा छाँदात विलक्षन क्षावीना चाटक । बाग्न नश्टक्कशार्थ कें शिटक समाज वृक्तिःकथ कतिएक इट्टेंद मा। चिनि क्रक दोड़, रेमना मश्या ७ रेमरनात वात्र, भवनिक उन्नार्क अवर हेरल छ। इन्डर्या ई विक्षिया त्य वात इहेटकर इ; काइन्द्र कि ষ্টিপাত করুন, এই সকল বিষয় সংক্রান্ত ঋপৰায় নিবাব্লিভ হুইলেই বুৰ্যাকালের গৰা ভোতের ম্যার আত্তের ভোক বৃধিত अव्यक्ति इंद्रेक चिक्ति । वाक्ताकृत्भ क सम्बोग सांगा याकिमिनटक केंद्र श्रन এমান করাও ব্যয় সংক্ষেপের একটা উৎ

किंगत । केंगलरहात स्टम जात अविने विषयत केंद्रां कहा जायना करियाद । जटमरकत देवना मरकात किंग्लाद अवन वर्वेद्रम स्वरंग मार्ग्लाम जात अवा मा केंद्रिया यकि रक्षण मार्ग्लाम जात अवा जयस्वम करतम, जमातारम कुळ्याच वरेटक गारतम, कांद्रसम किंदिलियाम राष्ट्र कुम्मर कांद्रम, नांद्रसम किंदिलियाम राष्ट्र कुम्मर कांद्रम, नांद्रसम किंद्री रचन कांचा मा क राम । जामना नहींकारमह जान कांच्रिय कांच्रि, किंद्रमें क्रियारमह महानत स्वरंग जानका किंद्री क्रियारमह महानत स्वरंग जयस्वम किंद्री क्रियारमा महानत स्वरंग जयस्वम किंद्री क्रियारमा मार्गित स्वरंग जयस्वम किंद्री क्रियारमा मार्गित स्वरंग जयस्वम

er finn effen femin musik per er finn effen deus enten ficere erzen, ent frecht menze finn erkente erzenkente erzen megerinen auffen etwaren fin den Aufer etwa et e

美國 156 "但" "我国的城市,由该企业,海域经值 আনা প্রাহে নেবাণ্টি বর্ডনাইড अक्रमान क्यांच वर्षेत्रा वाणावक अहीत WAY THE PERSON ASSESSED IN the wife of the control of the terms to शाबनिहरू राजानकि होने व विके पनि इटेन्स् रवेशानांकि पश्चिमक्क न्यारकात । जनकारक धक अपूर्व दर्गनी कार्र प्रशासिक्षण समझ प्रका न्यारिक्ट्र । (न्यानिक नाक्न प्रका भ गर्क क्ष्म के महाम शाबि शाबारमह त्वीका करेत्रा प्रक्रिन जिल्ला विकारक्य 1 के जात नवा दुव एक किस्तिवर्ग र कामोन अक frem frequent confere of the se भागतं निहन स्वयास्त्रवि कि ४०००० देवता गव विवस्तवाद्याः स्वतंत्र अच्याः स्वतिरस्टात्त्रन् । केका प्रमुक्त बानावर नरीय विनाहे अप वक्ष कड़िएकएका नारमुखातिक वर्ष जाति काम भूजिक खोरा चूरका जून काम काम म म्बन्तिक विकास जानाव कति। विकास की निर्देशकान्। रुवंद निर्देश निर्देशकान्ति निकृत्य अप्रकारित्वत्र अस्ति नाकार एति त्री कारारक पूटन कराना स्वीप ब्रामम्। कर्तनारक विकित्ता का सम्बद्ध का स्थान न्यतिक्षे भागायके गाम-प्रदेशन्य । विद्रा रीका में स्टब्स क्री बाद माध्यम करिने, पूरे बार्व क्रिक्ट के अंतर जन करता हती हुन ररेल । के नाम कार्या निया पूर्ण वनी जान केंद्रोट प्रत्यक्षक करा चित्रात कतियां क्षा क्षा विश्व तियम किमि विद्योशि विद्यार्थ कृष्टिक विश्ववस्थानम् विद्यार्थः । A THE WAR IN THE PARTY IN क्षा है स्थाप कर की है। MANAGE CHET CHAT ER स्ति श्री के स्ति अवन्य के निवासिक विशेषक भाग स्टेबा सुर्व निर्मित विशेषक प्रतिपादिन। जीएक विशेषक प्रति क देखा निरम स्टेबाटक। विशेष अस्ति क्षित्रका कि मा गटनह सुर्व।

नारा रहेक, जामना जाहमात्रकाम मुख्या ক্ষ্মি পাতি নত বনা কেৰিছেছি না কিন বিভাগ যে প্রকার সাহস প্রস্কার্যনার अवर्णन क्रिटिट्टन, डाइहर, क्रम्या व्यंभवि । त्याभिविभादक प्रविद्धिक त्मक अभिरमा कतिए**ड स्टेटनाट**ः श्रीकृ विद्रशंत्र कि अक्षा ! कि मान्य ! गक सह भक्कार रामग्रहरा कार्यम क्रिएक्ट्रा, क्रक नामर्थे भन्नाविक स्टेटक्टर ! शकावरेंहु केवी পতি নিবনৰ বিভন্ন লোহাইভ ভাইছে। সেনা সংগ্রহ করিয়াছেন। সন্দিন বিভাগ अक्कार्टन अस ्वरेजेंटर । एकका बीविका अक्कारल वक् वरेत् तित्रारह । आया अ त्यात प्रकृष प्रमण्डि 🕦 पार्थक 📆 भगक्त रहेशास्त्र (करन अवस्त्राहे नुर লিকলনের ঘোৰণা অনুসারে সামবিদ্যার स्क्र क्रिश स्थ्या स्रेटक्ट्र ।, इश्रीक्रे क्षिप्रके क्षांकि स्मना मध्यूकीण अवैद्यादक है र्देशको विलयन नार्न अवर्थन भूक्त हुन क्रिक्ट्र । स्था वार्ट्ड्ट् वर्ष क्राप्टवरे क्षात्र मारमहा अक्रिक्त वाले मुक्त क श्वन्द्रवरकेत्र (ननाच्टल क्यूटिक क्यूटिक ए । क्रमका विद्याशिषित्रक विविध नेवृत्र স্মানুষ্ণ মন্থ করিতে হইতেতে। মারিটার্ড रकार्यक्र विवयं करे, व क्टब जनस्याक्रिक विकेश रावशांतक स्रेटक्ट हैं विकासित भाकेनीम केन केन विद्यारी ट्यांटिक बूटि র পর বধ করাতে সভাপতি ভেক্তি शाह्य, गाँव भारतीतर शहाह स अवर्गन कहा ना रहा, जाना पर्देशन स्मी भर्गदश्रदेश चाक्रियुत के एवड एक्स् का बाज ब्यामिशियर के कि स्था निवसन रेरात्र अन्तिनात् म् तरका हा बाबका । बाह्य अ बुद्ध करण क्रेनकी थात्रन करिता । कडा-ी विद्यादक्त जनदेत । कार्च

अर बीलको शतिवानिक स्ट्रिंग संदेशक माने वाहि कारि नक्षेत्र वार्गिकांक्रमा TITLE, THE O POS MORE WELL वारीनका प्रवृत्ति कुलको कुक्र स्वेटकाई. तम बेरात परि प्रतिमाल स्थित ्री क्षेत्रकार समर्थ एन, काशरक ए क्ष्यतंत्र केले कालिका (क्ष्यम (व पार्वम क्षा व कर्षा अवन मट्ट हेगानीकर न्तिकी श्रीकृषा अञ्चित्रके अनुवा ्रेता । विद्यास्य क्षित्र कार्यास्य । गाव व शतिकाल करिया मन्त्र के यह विकासिक कर्मा कर्पण । केली विकास ाटकाका, दीवाटक मानिक क्लिक िश्रक विकेश रहेश मेख राज ^{दर} चंद्रके चेंद्रभाषक कड़िटकटक, देश ⁶⁴ नेक्शक्त विका गरह । THE STATE OF THE S

CEE . विविध मेर्नाम श्रेष्क द्रवाचे द्रमाचनाच ।

₹₹

णि । शत्रवादी क्षेत्रकारकी क्षेत्रहेरूटस जा-था कामकरीति अकी क्षेत्रिक रहे जीवन बाह्य बाल्यान हो । को देशी अधान बेटना की । तन्त्रे हर्गह अवह का क प्रानिक्षण , व्यक्ति , अपूर्णिक ब नेवाबरवड (हरें। अब्रिक्ट राष्ट्रिका अब्रि क्षेत्र करिएन श्रामान होतेना के अस्ति। क्रांडि, काशाहः केशायन क्रिक्का कश्माध्य ারিতে পারেন, সম্বিক এতিরা ভারাক

क्रिकारक परवन, मह विवेदांक गर्कन ভীক্তাৰ করিতে নিয়াভিতাৰী ভাগাঁৱ क्षिक्र कतिवाज जान क्रिज किश्विक विकास विक्रीत थानित उप कहा सहे-क्षेत्र के विकास के किए जा राजवर ने स्व 71

कि क निकास स्टिशांटरन ध्य या कि Auf laufgen allem Beiten Biefa क क्रम शत सरमान के निष्य क्रमांड स्प पूर्व न्। दिनशास्त्र भेक कहा जिल्ला काश्रीब अप कि बाई अने मात्रिक मेंबीचे बहर ए

THE PERSON NAMED OF THE PARTY. che catali es ann antes e giati क्षां विकास करते होता कर्या हाते । (क्या शकात विवास क्षेत्र व्यक्तिकारमारे जानिक क रेमिकविद्या स्थापक व्यक्ति वहेना वर्ष । ह्याहै जाकिनई

११ शनिया द्रिमान्द्रवर्षे या करेण प्रत नामक त्य देश्विक श्रेष क्षितिक मात्म दमविनी बाबेक क्षेत्रवृद्धिक श्रीक क्षेत्रिक बादम कवित क्षा भी क्षेत्रीय क्षेत्रीय क्षेत्रीय क्षेत्रीय । जबनेत्र देवान-बुध के क्षांक्र देवीक्षणकि नामविक विष्ठावीक CHE WHILE STREET STREET LEVEL S

ं देशिक्षिक्ष के भागम निविध देशिन क्षेत्रिक कार्यक कार्य प्रतिश्रा साहरण कि मी क्षेत्रक महत्त्वम चारक । शवर्रायके स्व धः খার ইঞ্জিরিয়র চাংলে, তরূপ কোন ছার্ वासित केंद्रकर है तो। देशात बरशहे स्रोटनत श्राक्षिक नियागाम्यक्तं देशिनियतं अविष-वर्दर् हे कहा। जनस्य। अन्त वर्दे अक्रम जाना बादि । काक्रमेर क्षित्र यति विस्तानम् । केन्-क्षेत्र कर्त्वा क्षेत्र, क्षानीत मुटनाटक्षम रहेत्रा या **टेंट**न ।

ें केट्रिय म कीर्य केट्रिया बंटनमें जानानि सम बोह्य अपूर्वाद रेडिएबाहर निव विविध पूजाबं विक्रिक की का अवस्था करणा 🛶

The section of the last	क्यों
A SERVICE MAN OF 1 1	4,++,***
without about	4 to 48 *
के नीम वरेस	5,40,000
निसद क्योंच्या सामृति	

> 1030 05 **460**0 (1) COUNTY TO SEE THE PARTY OF the signature in the state of the signature of the signat the wind the plant of the same control of the nife for water to a standard we the अपर अभीतातः जनुसातं क्या यथ बहैतादे चारवाहिकाह कुल कुछ जानिक किस काही औ (य, प्रांत्री विश्वद्वाचेत्र म्याटवा अपि

উভেশতের মধ্যতারভারতীর্ত্ত প্রাঞ্চ माका सर्वन होन्यम आहरूप कवाबहः अविद कर अभा कतियार आका किरायक।

Market : Challe backer cotto, mai ani packin alega ni an हिंगिटची महान करेटक लादन ।

THE HALL WAS A STREET

that with the residence of the least पुरस्य पूर्ण स्विटिंड क्षेत्र क्षेत्र करावति । करत । जिलाकित राजाकी विकासकत, व जर कर गाँउ क्यों दिन जिनक नगरन व द्वापिती कर्षक क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्रकार करेता क्षेत्रकार भाजन करोड के का निर्देश मित्र के किए भारतको विश्वास क्रिक्ट के स्ट्रिक स्ट् निकारिको क्रिक का बादिक्षिणात् । मानुसार प्राकृतिन 可是是"明日"四时间,中国的第一年的"人一种"的"人一种" न्त्रभाव निर्वासीक्षक्षण्य व्यक्ति प्रतिस्थान रुक ७ भन जनरक जारक व्यवस्थित अन्त भिन्ने कर्राक् कन शन्तिक कविवादक ।

feifem mitt, wifigicen tigig bein भीक गर्म (निवर्त), पड़ा प्रेट्स । जाकक्ष छात्रक्रवींस दुनमामरमस मुख्यकाची संत्र न नरेटछत्र प्रेटा एर्साट्ड " ट्टडिय स्पीतिक रण केवंद्रविराध श्रमकाद किया किया क्रिक अस पक्ष का पश्चिम गणिएमा, जानामान • म **बेरेस पुजरते गाउँ क क्षेत्र**ेतनं क्षेत्रक सिर् विर्देश मरण किर्मान आने मुख्यान अधिकार CE & WHITE PART PRINT BEFORE WHEN appear were in the fire was countried as कारोतान अस्तिवादसङ्गः अस्तिवाने विद्यत् विद्यापात् । 🗟

· Out file newstra े जिल्लारं अवस् स्थानाच अधिक हो छ प्रहे nicht michan fiedelle mier wier स्तर मिरिट्याम् १: अस्तिका स्ति पद्यक्ति हेन्. **阿斯特**斯斯特 (1)

- Alliant Paraluca Acus and क्रिया बार्यक्रके क्यान विश्ववर्गिक क्य City of an allow water fare क्षा । क्षानीय कृतिमृत्य रक्षीक नादक CALL IN THE CASE OF THE CASE O

गुरिय होते पद्धाः भागा which there without it will be विश्व : विशिव्यक्षितिक क्षिण । वाश्यक क्ष्म क्षिणिक क्षिणिक क्ष्म । विश्व क्षणाटक क्षणाटक क्ष्मिक क्ष्मिक क्ष्मिक क्ष्मिक क्ष्मिक गणाव विश्व क्षम क्ष्मिक क्षमिक क्षमिक क्षमिक व्यक्षितिक क्षम क्ष्मिक क्षमिक क्षमिक क्षमिक व्यक्षितिक क्षमिक क्ष

भावांश्वाम अद्युष्ट क्षत्रका वासिर्दे हैं शाहिताच न दर्द्यक कतानक काक्ष्राहादक अक पृष्ठीय अपनित्र महिहाद्यम । से मामिरहे है अवीक्षात्र वायू केयती निरम्हक विना केयिक इंडाकांद्री विद्या हुन्द करत्रम । आहे मान श्रद्धान देशिए व्यक्ते व्यवसान साथा एव । क्षती निरम् बाह्याङ विक्रारम् सार्थमा सहिता जाइकार्स एक्स्ट्र वर्ष सम चार्डेनेट्र िर्देश श्रेष भौग्यीय परिद्राप्त वेद्राग्य । क्षापण उर्द माक्टिके हैं जिलादन हैनोक्टर पनियो चौकार करतम महि। मासिटर है सामगान वाहिए त्राभीकिरभद्र अधानवन्ति समेहारहरू । सावी-त्वत्र क्रिका विशा काश का महिं। कारेगी **এविक्टन कविज्ञाहत्त्रम् तिक्टन कार्शम् कर्**त्रम् । क विभवन वर्ष श्रम कड़िया अनुसारक र्लग्डेयले **गर्नेटक्ट विकट्ड व्यक्तिमार्क्समा क्रिक्ट व्यक्तमः** तान जाना मा स्विभिन्नाहे श्राह्म ग्रीनाटक ন। উদ্ধান পশিক্ষাক্ষণের স্বয় পাছারতে अविवासम् मानीन वरेशास्य । मानिवारे हे त Prafem stell fell firent affectel. गत करि देश क्षानीक । क्षीर्य में कृतिक बहाय जा

THE THE PERSON NAMED IN TH

केटकामा कि नाम्ब्रोहनसम्बद्धात नहीदास नामा-अक्टका

শিক্ষিক বলেন, ভারতকর্মের থোরবার্ট্যুর ক্রেক্ট্রেডর ক্রিনার্কলের প্রের্টনার্ট্যুর থেকন ক্রেক্ট্রেডর ক্রিনার প্রভাব ক্রিনার্ট্যুর ৮৫-৮ টাকা হিন্দু, ২০০০ টাকার প্রভাব ক্র্রুন রাজে। ভারতা ইবার কোন কারণ সেধি ভেটি লা। দ

আরা সর চার্লস ট্রিনিলয়ার, মেজি এনসির্মাত উড্রো সাহেব ক্লিকাভার আসি-রাছেব।

र त्रा मांच मुगवातः

শ্রমণিতে সক্ষতি একটি প্রীলোকের চারটি সভান জজে। ইছারা চারিল ঘণীর মধ্যে জজে ও জাটাইস বিবস মাত্র জীবিত থাকে। লী লোকটার জাতিকতে প্রাণ ক্ষমা ঘর্ষাছে। ক্লান্সের বিখ্যাত চিকিৎসক ঘটিন বর্ম ভাষার চিকিৎসা করিয়াছেল।

नाटरात क्रिक्न बटना मर्वात हार्बात जल्लाव जल्लाद सर्वटमके द्वात द्वाति हेमार्ग विकटके काराज बक्त कंत्रिया द्वात्व क्रिक्न बाटर्ग। द्वालें विक जाजान निकटें क्रिक्न बाट्य मर्थें होंदा दक्त क क्षेत्रव ट्यावट्यं क्रिक्न म्याहर्टिं क्रिक्न क्षेत्र माहिट्यमं। क्रियान म्याहरूव माहिट्यं क्षेत्रवा क्षेत

श्रमिकिन छाडा बारमस्य छाने संशो भर मोहे रिनेश स्मास्त्र कतिशास्त्र । संखे परमृत खारमिका भृतीकात हाका अयोज हत्। ध्रमात नका कारमस्य क्रिके क्रेसिंट । अस यम विपाद छैगात्र कर्ष्णस्य कर्ष ब्रह्मा छित्र कृष्टि ब्रहेरर ।

नक्षति महा वृक्ति क्रम्पः गाँवक रहे क्रियाण्यमः क्रमाणि महाता क्राक्रियः सहात क द्वीवाण्यमः क्रमाणि महाता क्राक्रिक्यः । क्रमाण क द्वीवाणित्रत्र तथा क्रम्पतिक क्रिक्यः । क्रमाण विश्वतिक क्रमाणित क्रिक्यं क्षित्रक क्ष्माणित्र हेश्माण्यां क्षातागारत क्रिक्यं क्षित्रक क्ष्माणित्र द्वार क्ष्माणां क्षात्र क्ष्माणां क्ष्माणां क्ष्माणां व्याप क्षित्रका क्ष्माणां क्ष्माण CHARLES OF THE PARTY OF THE PAR

THE STATE OF THE PARTY OF THE P

रतं वीविष्यक्षेत्रे किया त्यां क्यांनि त्रक वर्षेत्रा-वि दिन देव जाने जिएका बहुता कार्तात्र स्थान वि-तान राज्य शामरमङ के बेहर ?

क्षाती दर्शकांकि करनी है-कि बाटन इन्होंना गांक विद्या

নী নিক্তিনের লোকেয়া সর চারলস क्षारक्रमास्य शब्द क्षाना क्षित्र। पणियाची के कारण स्टब्स् वापान क्षा हा तर्यात वापान त्रांच रहेश कारमध्य मुख्यित्रहेत्वस्य । अवहर स गर्गन् विक्रम् अस्य ग्राह्मन स्था स्थान Berr Mit Saiter febn f.

tient finn ind bad dats attal NA de artes melangelens 1 11. 1. 7.4 1

अवर्थात्रकार किंद्र किंद्र वर्गातास्त्र बद्धावत रनक द्यार क्रिया किया के के का स्था रहेगा। P refige statement ***** T, 6870 12 3,34,45,754 ellentere properties THE STATE OF THE PROPERTY. ATOMS 1 जीत क्यादेश्वर · 下京 3年 新维 神经化物理 STORY MAKE । दिनंत्र 5 - N. 95 200

306 6,53,500 रिमार जार्गका क्रिके াৰুলন উভ নতাভি শুনৰীৰ

होका

ু বিল ভারতবর্ণেন ইপরে Mar while service to write which the अपनि वहाँ वह जायारिशतक मेर्च कहिर्देख क्ष्मेंद्र । किनि कात्र व वनदन्ता है विकास প্রকার আছাৰ আছা ক্রিয়াছেন।

व्यानिकान नश्नाम शहेशाहरून विद्यादी ৰ্থ ৰাহ্ম আনাৰামা সমতি মিল কৰ उद्योग नाम मानि चारमद्रिका शवर-বেটের ক্রা সাবাজ বিন্ত করিয়াছে। অনেক e calment ance militare mitte extre entreffente marine in militare entre finale e antique similares, marine finale finale Treat Par all the second

केंक नक नकान, चार हिन्दी नीच अन्तर যায় সেনা প্রয়েশ ছারিখেন। কনিনন ভিয়ারী क्षितिर्देश केला विशिष्ट अन्योष्ट्राकर यथ्य । जी कि काकि कर्ण वार्ष के सेन त्याव व वर्ष गठना देकाश केलांस विकास करिएएर क्यम स्योग चौक क्षामक देखांचा चान्त्रकर कावान देखांन পাখাখ্যপদ ধর। এগবংগ্ন ডিন চাবি পোট डेक्क् वर्षं क्षित्रं जना कम इत्त निवित्र क अभिकारणक कार्या गरमार नारे।

्यनरमनीय भग्नदमने भाषा दार्गनदम ও ভাৰার শাখা রাভা সকলের বিবরে করেক ्यामि र्गक्त अवाम कडिहाट्टन । महीहा जिनाह কলেকট শাখা রাজা হইডেছে। বারাসভ ब्देब्रा व्टलांब्टब्रज्ञ नः वात्र क्य हुद ?

्रम् ७ **जर है** थियार अक्कर मुद्रिमानाम स्केटक निविद्यादहन, यपिश्व निविनिद्यादनंत्रा আ্পন আপন সীমার মধ্যে ভূষি কর করিতে পারিবেন না আইন আছে ডথাপি বীডন

৩০, এ৭ ২ টাকার ক্র করিরাছেন। অপর, নধা-र गुलाफ जागमाह करें जी ७ अक कनाह सवा अविकास हिंच इंदियादक्त । किंच धी-काल बहेबाटक केरबात अन्ति बाज विवादिक थीं, अहीं कुम्बर्स दिनारे । कनावि दिवारिक वीत गर्कजाक मध्यमः मनारवत देखिरवत प्रक्रिकार्यकाः, निवित्र जन्माति प्रकृतिन परे-टब्र् अवाही हीरमाङ्ग अहा कहा करेशा बारक। द्रमुख्येक्त नव हा व महान अव्कित ताचनी-क्रि'के पूर्वितिक आपूर्णि जेशसात कांव कि !

टक्क चान के किया जिया करता मधी वाथव मान्त्रक कर्यायस्य अवसे छर्महे असाव निविश्वरक्षा है बायन अन्य देखानीएक सन् क्षित बहेबाद्देश , जिनाक देवर एक बाका क्षांबर का का का विकास करना निकास कारता केरोरक विकास कारत, वर्कवान क्रांस कारात शांव । प्रकृति वीवत त्वारर । बार्यात कड नियुक्ता वह देन जाना जाना थाद नाम् जोप्रजन्मक सब्दरमञ्जू TOD MANIFES SAN MI MINT MIN मडी बर्डिकी ज्याचे पर्य नागर

THE RESERVE THE PARTY OF THE PA In the state of the state of _{सर्व} केल त्यान , बरमान श्रीमानी श्रीराम अस्मार करा गोक्ट्रेक्ं गांवदकः द्वैश्मकीयः संस्थितहरूद्वेद भागीता निर्मात असारवरक स्विक्रीरकन । कारको क्रांका क्षेत्रक होति, वै मदक अक्टबन वर्षि काम, काम्म, काम् स्ट । 👸 🔑 🔆

。 [1] · [4] · [4] · [5] · [6] निशामस्टब्स् व्हेग्द्रबन्न, जिन्हों देन शामान 🤧 भूषतिनी वरेटकटेड्, ध्याने भूषकिनीत वृश्चिष्। प्र वर्षः क्षितः रहेप्राटमः । पाद्यम्बन्, असूर ध्यके हिरित्र मोट्ड बहेटक स्टिक्न अनम क्रिएकहिन, रठीर डिविंग मांचा फोक्सिंग शक्तिक सरेश छुट्टे ক্ষম মৃত্যু হত হইয়াকে। নমুরেরাভ আহা-भन छत्रावशाहरकहोत्र कि जेन्द्र हिट्सन 🤌

वैश्विताम विक्कारत एडे क्रेंग फातकवरीत 'नका खीरनांकत्रिक्त अना वर्ष ह भाकी करि বার প্রার্থনায় রেইব্র্ডুরে কোম্পারি ও গ্রণ-

वारका । जाना तिरुष्ट नुसारका अकरन रव श कान कारचा, धादारक कुराहान अकट्ट विकास जातनार, किंद्ध, मणाद्य, जारवसन, क्यानुस्त्रम करे धार्यमा एको रेस, दिन्याको के भक्की वा উঠিছে পাঙ্গে।

द्रांचांबेद्रबर् जुक जुन ना, ते बुन्क जुज का मार्टकमारबरबंड क्राचिवांत्रनी मुकारक विज्ञा **छटन १०,००० है।का कर्ना निपादक्**न । कांत्र अने ज्ञा प्रक निकास महनाय अक्रू जेन है है। म छात्रि है।का ऋरवत भवन्य के कांसक के कु विदा काराव केंगवन् असिव मार्किक्षेत्र क्षेत्र 4 criteria maia minicipa i minicipa क्ष्मित सम्प्राप्त सहस्रका जाना<u>त्र</u>्वक नार्थे। पीरिमाहक पाकित नुस्क क्रिकेशारतंत्र

त गरतो क्रांस्त्र क्रांस्त्र क्रांस्त्र क्रांस्त्र क्रांस्त्र क्रांस्त्र क्रिक्ट क्रिक्ट क्रांस्त्र क्रांस्त्र जान स्वतित क्रिक्ट क्रांस्त्र क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रांस्त्र क्रांस्त्र क्रिक्ट क्रांस्त्र क्रिक्ट क्रांस्त्र क्रांस्त

कारवितिनंत के हैं देवा का कि कांग्रेक किम का वा कि होना कि कि की मिन्न मान है वहें ने हिंदा के कि कि कि मिन्न कार है की है कि का का मिन्द्र के कि कि मुख्याय की साम कि का का मिन्द्र के कि मिन्द्र के कि मिन्द्र है ने कि कि का मिन्द्र के कि मिन्द्र के कि मिन्द्र है ने कि का का मिन्द्र के कि मिन्द्र के मिन

मश्चरम् अस द्वर्शकरम् स्थाप्नाचि द्वास्था-म मन शास्त्रिम शहूरवारम अन्छे हानाहेगात हार्डा कतिरस्ट्रह्म । हेश्वरस्ट स्थित खरम्राप्तम मण्डे। पक्डे अस्तिवनेत्र ५१८० ह्याप्तम बाहेद्द। स्थापन क्ष्म शिल्लाह्म स्थाप्त १६० हिलाप स्थित हो।

ফিনিক বলেন গাড রখনাব লর চারল্স ট্রিবিনিয়ান পোষ্ট আফিস ও টাকলাল লগন করিছে গিরাছিলেল ৷ ডব্রভা কর্মচারিকা ইনাডে স্থির করিয়াছেন ডারালিলের জনে কেম মর্ম ট্রিলা সর চার্স্স এস্থিয় বিবরে বেন প্রথমে হস্তাপ্ত না করেন ৷

हे भाप भीनशव।

खाद्रखर्गींद्र देगानात् अक कान कर्याणंते यक्षकारिक मयाणात शद्ध निक विशा निका मक्षर्यत्म मन्त्राप्तकत् नात्म श्रीमाम खिल्डांश करत्रम, डाष्ट्र'टि छरत्रम शास्त्र खामामीत श क स्रोत चित्रार्द्यत् द्र खामामी अकरण ख काद्रथ मिथा निका कत्रा बर्डेग्राट्स द्रिक्टि श-तिश्वा खाद्यजाल करिटिड्स अवर मानीत ग्रीस गाव स्टेन्नाट्स खास लुना क्षत्राम क्रिट्ड हेम्-ड खाट्यम । खाद्यजालहे स्र बंदे माखि ।

্প্রেশ্যায়ে পরপাল টাউয়াছিল বিস্ত কোন ক্ষতি কয়ে নাই।

বিদ্যীধেতেট বলেন কানুৰে ব্যক্তিন লোকে ধরা পড়াতে জীয় মন্তক ও পুক্ৰের কান্ধ দুওৰ করিয়া ভাষাদিলের দোনের বিশ্ব নগরে এচ র করিয়া দেওবা হইবে। আয় এক ভারেয়ে হল ভোনা কাণ্ড হটবে। কারুল আজিও সেই পুর্কাল করণ করাইরা দিতেছে।

शक्षांचांच खेशसरक मान्। शतम इतेर्ड १००० विक स्थाप कांच्र (नगरित्रत २००० योजी कांचीरक संबद्धक इतेर्गाहरू ।

गांछ बारबूबू करबडेमिनिडेब विविध मानक

गम्। जान गाः चात्रकारीत विक्रम् काना शाहि चीन मत्र गणिता कर्व निक्र क्रमा क्षेत्रहरू । है र चित्रकार्य , सहसा निगरत काद्यमासम्बद्धान्त्रहें स्टीम-विक्रम् स्मान निगतन स्टेटक शास्त्र ।

ं वैश्विक्षाम विश्वत गरमनः यामाना स्मरम्ब स्मर्थिके भवनत ११३ वाणवानि भावेगान यामा कतिरमन। श्रीकानमन कारण कि विश्व-कामानिरक याकिरमम।

উক্ত পত্র আরো বলেন ত্রিবাভুরেররাজা নিজ রাজধানীতে গ্রহন করিরাহের এবং কো-চিনাধিপতি সাজাতে আসিবের।

ेक शब कारतः राज्य राष्ट्र क्रमण्डल राज्य वाक्षणीञ्चारत् ज्ञाश्मानशृद्धतः ज्ञास्त्रीचन विद्रार्थ्य । ज्ञाशाशिरशः अक क्ष्म श्राह्मत्रकः विभिन्न शाहित्या क्ष्मोर्क लोक्षणिक विरात नाम । ज्ञाह बाव, क्षिमान क्ष्मणीक श्रार्थनां क्या क्षेमाहित । राज्य वाद अवश क्षित्रन ज्ञा क्षेमाहित । राज्य वाद अवश क्षित्रन ज्ञामां विरात ज अवश राष्ट्र क्ष्मेर हार्यन ज्ञामां विरात ज अवश राष्ट्र क्ष्मेर हार्यन

ভারতবর্ষীয় বাবস্থাপক মঞা ৷

- নই সাহরারি বুধবার ব্রহ্মকেনীর প্রাজ্যর সমিত অনতা গধানেক্টের যে করি করছেছে। নেইন সংঘের ভংসংক্রান্ত এক বিল নিজিট্র কনিটিন ভঙ্গু অর্গাৎ করিবী ছুই সপ্তাহিদ্যা নাধ বিংগাই দিকে অক্তরতি করিবাহের।

ভিন্ন আগত সার্থিলিও উপনির্বেশের বাজ-কার্য বিচাবের উলিভব দিজ নিজেক্ত কলিটির ১ ক্ত প্রভাপন করিছ। ভিন্ন সন্তাহের সংখ্য বিপোর্ট নিজে বলিয়াছেন।

নারিংটন সামের রটবাবিকৃত ব্রক্তবেশর

দেওরানী সেক্ষাবার কার্যা নির্মিত অনিবার

হ বাফানীমান্তর্গত বিচার ক্ষমতা বিধিবত

ন নগর, আর উক্ত মনেশে ক্তপ্তলি কার্যার

গু. লিচ কবিবার অভিনাতে যে বিল করিয়ারি
কোন সিতেই ক্ষিটির বিকোর্টে আরা শাশ
হলাকে। সাধানণ নির্মাতীত আনেশের বিচার
পুনে বিধিবত হইতে ন্যার্থীর নিকটে আ
কিবা ক্ষিবার করা হারিংটন সাহেব বে বিল
ক্ষিয়ারিকেন সিলেট ক্ষিটির বিলো্টাক্লসারে
তারা গুল্ল ক্ষ্মাতে। প্রিক্ষা কর ওলেলর প্রক্রির
নির্মা সংশোধন ক্ষিবার করা ভিনি বে বিল
সিল্লে নার্টির হলে কর্পন ক্রিরাহিলেন। ভাত্তর লা এ বিরাহে।

ইউরোপীর সমাচার।

स्वा १०० १० वे जित्र वा वित्र स्वर्गायकी ।

प्राणिक एवं को वा विकास वेश्वत की विद्य स्वाचित
निव्यत थेल इंग्लेश स्वाचित्र विद्या स्वाचित्र की स्वाचित्र की स्वाचित्र की स्वाचित्र की स्वाचित्र की स्वाचित्र की स्वाचित्र स्वाचित

क्षां विकास अस्य का क्षिति । इसमा क्षिति का विकास क्षिति है है है है है

त्यामतम स्वाम्यस्याम प्रमान स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स

विक यार करमाँग हैं। जान विकास कर्मा करा कर्मा करा कर्मा कर करा कर्मा कर

তুলার আমানে না প্রায়াক । মণাকট উপাছিত ১ই৮:ছে। গারিবনী আহা লাভ কবিবেই।

विश्व निष्ठ है निष्ठ निष्ठ निष्ठ है । विश्व निष्ठ है । व

निकेष्य --- ५० वे किर्मिष्ट । स्वीति विकास कार्य कार्यका । स्वीति विकास कार्यका । स्वीति विकास कार्यका । स्वीति विकास कार्यका । स्वीति विकास कार्यका विकास कार्यका विकास कार्यका विकास कार्यका । स्वीति विकास कार्यका क

शांत्रिय-१०५ क्रिक्रकः। विशेषकः बाक्रक्रातं क्राबंद्धकृतिः विश्वतिकार्यः वातं विविक्तं सक्के वृक्षतिः वृद्धिः।

संस्थान-वर्त के जित्यदेश १० के जिता सम्बद्ध पूर्व आरंगितियां उत्तर्गर्भतः १ का स्थापिकार्थ आक्रमन महित प्रश्नान सिक्ष प्रदेशक मन्ताभिगास प्रश्न किता से पूर्व प्रदेशन मन्ताभिगास प्रश्न किता सीप्त के सामक स्टेग्डिन नाम करता भ स्थापिक क्षेत्र स्टेग्डिन नाम कर्म भूगक्षीत कुम स्टेग्डिन भारत किता निगक्त

জেনবাল নরণসাইত রেপ নক নদীব বিশ্বীণ কবিলা প্রণাবে আনিয়াছেল, ই ক্ষান্ত্র প্রণাত ক্ষান্তে। ক্ষোন্তিল, ব প্রাবিকন নাম কবেবে ক্যাটাবিলি স্কান্ত

्ह के पूर्व केक्सहरमात्र ७००० रेममा आ**न** इंड्रबाट्ड । अंख्लेकार्क नार्मिक किविनि गां-क्षिकां के विश्वेत स्वयं लाइव विश्वक वर्षेत्र

ज्या--- १९वं किरमध्य । आध्यक्तिया देख-१८गत् त्यारक्षा २००० रेममा एक मध्यारक শূৰ্বক্লপ পথাজিত খট্ড। য়েপানত মন্ত্ৰী ्र अलोक्स कविकारक.।

गरंगीयके विकालन। बासमाहतानीय तान्त्रेनकेवीवनरम् ्र चारवणाञ्चाकी विद्यान ।

1) & uchten-feufelfen unterleunt भूत्रविणानीत्त्रत विकासक विकासिक क्षान शीकर कमा नांधातन विद्या निका कृतियत नेका 6岁(4**有** 人

व को अनुमन्तिक देवन । यहान देवन काकार कालीन।। मनाव देनक आक्रिक आही की। कि, बागमात गाउँदेव ।

: २६व किरमध्य-कि:सर्थात्रते, विश्वित नार्वर शिक्षा की बिकाम को काम है ?

: hu क्रिक्रमा - छ ब्रिकेड, अत्र, आंक्रिक जन ्य दर्भन विशासिका स्थाप अभाग नेपा

Sa Gibil Balle Pienens fen 5 भतीरकाषी वीरवर्ग पाकारियाम वि-्रद्भविते महार्वत इं डीव (अमीत भवी-

मर आमिकाले बहेटरेन । व्दरगद्गिम बन्, बि, किन ।

THAT W US. CF 1 अधितिक महकारी कविश्वत बर्ग, नेरक्त्रम ्र क्रामाल बहेटलें मर्जाटेश वस के बहेटवर्त । र होई क्षित्र मार्टकर केंद्र-कर-बादकर के ब्याकित मार्ट्स विकृत्वितरमञ्ज सामा क्रके शांतमञ्ज सामीक ्रत्यत् (दक्षिके इंदेरम ।

वह्य आञ्चाति-वे. त्या देशिके मध्यव अनिधि नियम्कोकिय मध्ये । इ स्वेश ३७ वर्ग ३० धारेलम् ७৮ धार्म्स्याहरू १ वर्ग वर्ग ३० धारेलम् ।

वे काञ्चनाह-- व. चहेठ क्यांक नारवर्ष भारतहर श्रीकटवन कुंगेत हवानीय नवकावी Hate Berten

वृत्तं अंद्रेश्वय -- अन्त, हि. अक क्रिक्सन

न मोरबंद द्वार्कि कार्निकाल मानिया भव-र १९ प्रश्निक स्ट्रिक स्ट्रिक स्ट्रिक अस्थित था। स १९ प्रश्निक स्ट्रिक bie cuella willen aufmaßeba magi y required.

er migulige die Greigen Chin-के महिन्दिक गांदन तो मनदेशके मिलत

एक क्रिका क्षित्र २७ ०६ मार्का > व्यक्तिक व बीड्रांक बार्ब्रशास्त्र जिल्लाकिक वर्षातीया अन् धक्रमहें में इंदिर थे अधिकार के अध्ये महिन्द्र के व्यक्तिश्चित्राहर्य निमयटके किन स्थानिक केर হঠন ক্ষত। আৰু হইনা নিমু লিখিত দলে क्रिक्क श्रीष्ट्राहरू।

शि में द्रांचा शाहर मावेलेश्वाक्ति है व তেপুটা স্থালেটারের প্রতিনিধি হটবাছেন।

ভৰ্তিট সারস্য সংক্ষেত্ত বৃদ্ধি ভগৰানচজা त्यांव दक्षण्या त्यांबारके हैं क्येयांदक्ष

खान्न, शाम्बदि मारङ्ग द्वभारमन सम्बाही निवित्र महक्तराय अधिनिव क्षेत्रहरूम ।

(स. सि. क्या देममानश्रम महकाती नि-विश जहकरनन शिकिनिध स्रेश्वीरक्ने ।

(म्प्डिन हे जि. ८६ है। हे मध्यम ३५ ७६ मेरलद >o कहिंद्यक् देश श्रीवृष्टिमाद क्यामाताला मह-কারী ক্ষিসনত্ত হুইয়াছেন !

ভাষমগুষাববারের ভেগুটা মেলিট্টে ও **८७ शृष्टि काटलक है है जि. जि. जि. विके** जार देव বীরভাষে গল ল কইয়া ভারতা সংক্রিয়েটের সন্ধু ক্ষতা প্ৰাত হইয়াছেৰ !

५ के समाति--त्मसद उर्दाति था था केंद्रमल मारहर यह वस्त्रभूरहर मिडेनिनियान क्षक्रिति अक्षम महा इत्याद्वन 1

জে, এ, ৰণ্ডভিন্ন সংখেব বেছারের মেকি हो होता क बारमको दाव सन्वादी वरेवा >>७३ आरम्बर २४ था,देशम्ब ३२ थावासूनाव्य विकीय दिन्तीं व दमकिट्ये एवेत कमका भारत प्रकाशिक विश्वासिक ।

बहेर हार्क मान्यव राष्ट्रकांव मान्यिक्टे है छ कारमञ्जरहरू मह्दादी बहेश केल बाहित्व अल-नारत किडीह दर्धनीय वाकिक्ष्मेर्टिय क्रमण र'' ल व हेटबम् ।

(म CB अधिक्रम मार्ट्स श्रीत मा किट्से हैं : करलंडेक के प्रिज्ञह अञ्चल जनकारी बहेश जेक कार्षेत्र कार्यगात्र विजीत ध्यशेत में कि छै **्रेक्ट कार्या मार्थिकार हम।**

वर्ष्ट्र जितिमहत्त्व त्यांत तक्षणेत्वत अर्थाम मुख्य काश्रिम क्येटरम। लिख (न अर्थाम्बर्धान) काम अञ्चलि मादब करुपिम याचन्त्रेरकत क्षाम जमद स्मान्धिनम क्षाजिमित पाकिएनम।

अक्ट का बटमंद आदिनिधि दमक्ति किम म-शिक सक्त देशका मन्त्र व्याचित । मन्त्र किंगरत्र श्रात्मक कड़ेको हेन ।

त्यांकरी आजि हादेश्य किष्ट्रमिः नव समा न-वत् कर्षेत्रमं एक्योद्धम ।

बाह् बादवरक टहांदूरी वाक्षाह नमत का श्रम ଓ महन्द्रस्थिमरेणक में लिय परिवारक्रम ।

गिर्डाट्सक् **केन्द्र का के ग्रहणकेन्द्र** के बेद्राट्सन ।

·利利者的在 · 斯斯马克拉斯 电电影的

भार मार्कीर्थ सामिता सामित गानी कर्मक ८एव स्थाप मृद्या प्रमित्र वर्षिक विश्व में महत्रक महान व क्रिकी राजि जाकाच क्रिक्ट श्रीके व ८६की छ। -केता विकास । सीम अभिकास कियान गाँउ जान

काचीत विकास वाच्याः ब्रह्मानाथाः ह्य জাপত্তি করিত্র-১৫ম, জড়িবরে মধ্যমা এই, পরি-हिष्ट क विश्वक याचि विश्वित मा नार्टाहित्य कामहा गरक दिस्य क्षकाम कति मा ।

व्यक्तिका मान्यका विकास का विवस्ता है। देग्दा महित्राद्दन, छात्रा बेश्विम विकार, छाहाटक त्याकक्षमा भागमा उत्त महस्र प्रतिष्ठ भारत मा । -

माधीत देश्याचि वियागि केंद्रेट स्व मह व्यानिष्टारकः कार्यस्य क्यान शक्तिकः वास्तिव সাক্ষর মাধ্যকতিত একালিত হটল দ।।

नांबद्र नरक्षत्र कांस ब्रह्मात्कत्र के त्राव्यंत्र के ख स्माबादराभ कतिया । ग भाव चालाविद्रधन विकटहे অেরিড ঘইনাছে, ভাষাও উপরি উক্ত ভারতে পত্ৰিকাজ দৰীল।

व्याभीनान भरतव हाजाब यहिङ शह ଓ सात ক্ষ্যেক থানি পচ এবারে রচিন্স]

आर्थम, विवयम कारमक शह तमामश्रकारण अठानि इ हेग्राट्स, अडर मश्क स मा अठाइ কাৰ আলালিখেৰ ইকা নাই, এই ছেডু '' किरगणांस हवा हक्तवर्षी 4, वहे साक्तविक পর পরিভাক্ত হট্ল।

नगरशांभान वस्त भारत खड़ांखि लाव कारम रवाध ५ अगरम अभागिक महेल सा।

উर्यम हरू मार्च ए या विषय लिबियाहर उद्दिट अभागितियात मर्ग्य इत्रम्य अभागात शकाम करिएड शांतिलाम मा ।

भ न हम , अबे न्याक्षति । श्रेष्ठ श्री करिया र्थ, क्रेन्ट्रमन्थ्य श्रीहि साटल्य, महारमा माहै।

व्यवनिकास पर मार्वायन भटलप सामान्य हाः শ সাক্ষিয়া যে পত্ৰ এইবৰ ক্ষিণাছেল স্ভা शक्षित बबेस मा। अधान कारर बहे. पान्ति-চিত থাকি কুডনিদাব লায় প্রৰণসাতে आयाप्ति शेर विश्व मर्भत्तमामूल व्हेष थाटक ।

পোরত (नामध्यकानामका) वक

मर्काणात्व ।

वृह्यानग्र । क्यांक्य। इस्रोकश्रकाने शास्त्रेत्र निभि-स चित्रपत्र छेरायुक किय निवृत्रित मगद्य छर-मार्क कामाप्तिकास समृद्ये प्रतिश देशके मा, क्रमम क्रिकेट एवं कारकत थे नहें क्लेक्टिनेंड नाम बन পূঁৰ ১৯ই আৰ্থিনে ও ১১ই কাৰ্ডিকের পত্ৰ ভব্ন, मीक्ष ग्रह्म एक मिन्दरम था ५० खाउँच विद्यालय था उपा -मीक ३१६ विश्वतीय श्रेष पुरागर २४ (म हिन्दम श: श्रि इहेश्रद्ध । म'मामाउः मर्खाव काल छ-**ब्रिंड मा क्ट्रांस एकाम् भाव व्यक्ति वक्ता** 'इसेंक्षा अंश्वरकत्र शरक सक कांग्रीकी 'बंग्रेसी । क्ष्मंकिर नद्वाकासास्त्र द्वार शक्सास + हेरल 高级的事故。由此明显 明显 無知金融報告 1 由風化 MARINE COUNTY CON PORTION WINES COTTO

मर्था, क्ष्मेष्व अधिक हैंवें अधिकामारि त्याव लाव- विश्वाचीता,) विश्वाचि वरमान्य द्वाराम्य आव का-ज्यां कांक्। कांक्षकां कांक्षक वाक्षक वा व गाँक वादक्षितियाचे प्राट्टन ३ वंडाणेड । व स्मार प्रा-शमा त्रांपण विश्वामात्र कर मात्र काशन. क्षत्रिय क्षत्रा दशकु दक्षत्रे मदश् । धन्दरम हैगांव अ'श्रम श्री कर्या और हा स्था देश महिल्क कर साथ र अर्थ-जानकार, भेरे ५क्किं। क्रिक्ट को व्यवस्था क्रिक्ट कार्यात क्ष ब्राम्बद्ध क्षेत्रोडक य बद्ध वाकि शर्भर माहि प्रक्रिमाश्रम् प्रदेश प्राट्यतः वार्षाच प्राप्तः प्राट् क र जार र जारे व हा का देश हैं कि व है कि व है के व ব। ফীট কবিত ক্ষত পদীর ৪ লাপত হয়। যুলতঃ क्रमण विषय बाजार देशांगीया चलता विषाद क्षतान बार कांत्रव है शेर अ आंदकत अब कि हुई लाहे। बामान दर केबक्से प्रशंक्षक प्रारक्षण, शांव अमा कार्या केंद्रिक्ष अधिमा अक्रुंति, उत्राधा প্রথ নটাত প্রক্রিয় উপরকায়টা। আবিক বি विकार देशान वाद्मिनामात्र श्रीकांत्र क्रिका क ईश्वी अवायी चित्र जाका आहे अहन करनम मा. प्रार्थ मंद्री होका का विकास संदर्भ संदर्भ न बु.य. क्या निया क्रोटन प्रश्नेत शांत प्रदेश्य थ। ६ '८१' जावा नावे, रक्क कड़िशाय रक्का भी िक्र प्रश्नका व्याप्त निवस्त भवान जीत सीता

रिडोप्टेंबे निष्मित्र बंदेश बर्ग्य । स्कान रिव (15] 實行過程過程 心不敢性質 單句(許 IS 安)的 रगास कर्तकार दवाइन्य ०१. दम मक्त्र काहरपाछ के उर्ग निवासीय मश्चि मशान गडम आफार कर्यग्र जारक, दम मक्त **सर्वत कथा** विक्रांति उक्तिकः। लि रि इ बब्रेड्स श्रेष्ठ छ। इ। ब्रोप कार प्रवेदा है। है। ण प्रकारिकारणह विस्तृतिह वर्षे के एवं के व्यक्त अने. इस अक्षा अभाग का स दक्षा कर राज्य १९६० ± भी कोग्य ८ की। ७ करवन मा । फीकु डा, (मरस्था-प्रना श्र क्षापके श्र क्रिके का संस्तृ प्रहेवन. का ना व्यक्तारमाह बंदमंत अंत धारा छा द---े विशिष्ट विकित्त है के अन्तर अन्तर है । र त (रक्ष्या'मी ४६ - ठावाल मध्य माज्यकात wints a sale which relate a state र्वः दा । स्रोतनाम कि "किष्ठः भारत्मादवा यहे विदय-। 'द कटम प्रश्नेष्ठ का क्या पदा हैतान क्या का प्रश ८ अहर ५ श्रीक्षणायात्र सम्म ६६ छा निक्के प्रेट ५ म - १ । १६वे व्याप्रस्थान व्यवस्था ना । व्यापदा स नाक ग्रह्मपद्ध क्षेत्रायस्य विवरम्या ५ मिर्जर् नेव 'कल संकान श्वाकादवन संदेशित्व द्वापा क र द्वांका के दिन्त कि विक्रिक हो से उन्हासन गोन न का निकास महित्य महिन्द निकार । यहान " - जिन " शकीकारबय राज्ये हरत शाहरू र १०८७ । १ वर्ग सहित्य । अन्य सूट्य १३% करिटक वर्ष सा दक्ता के 'का प्रशास अ अध्याम के विद्याल करें-. . कर्र १६४१ व्याम्स्विरणात् धाम्म अनुना कर्मा अमिनकाणात् चारामः ६ ३२. प्राप्तांत्रत् स्वाटकन एको तीय बर्शकर विज्ञकान कहा थ एकाल एडि अपे एवकण मुख्य करण नाम क वटकरक्रम, जायान छ रं । र व कार में विद्या के इंदर के देश के के किए के किए हैं कि है ेरकृष्ठे हु, सञ्जनम् आध्यम् एकामिनी व्हेटन यां र अया एक कि मानामूर्य व विरक्तित करन म 😘 इर्ट 🔉 वैदनाकी क्या । भाषांख्यान कमा ५ (८४ म) িৰক্ষাৰ কৰিনে ভাছাৰ অপভূটি শ্বনিদান স্ रण मक्षित्र क **कर्मिन ह हरा**ई थाट अरा स्ट्री भा । माध्य**ेग्ड ख्रा**क्षे श्रीवास श्रीत देवट भ मह थान , किन्न करिन के केशनिक (१३० किन है । अनुदेश विद्यान अन्या के के के के के के ते । किन रे । इति

म काम । त्व काषा देवक नगणवा । बीवा कि किस-दिवित्ति विक्रियक, जागह कि सूर्विक्रहान आहेरवरियोज्यकेरयक ना > त्म द्यारत्य कि छेलागुक्त देवथ मार्डे ? भारतकात्र व वेट इ अन्तरकाई जान-र्लित मुख्यां कत बर्धनाताल प्रहेटबन, खाद्यांका हरे-रमध निष्ठांत्र नाहे , किन्द खाशास्त्र अस खाना-व त्म द्वारिक चाक्रमण मः करतः। द्वाषुन---वान-नामिती राष्ट्री किष्टु इहावे नहा वाहाय स्वयमध क्य महा, किन्न क्ष क्ष किला हिन्द्र स्मारक स्मापन क्रिक वर्गम प्रविद्ध कवित्रा क्लिकारक व्यक्त क्षांटक माधा माछ तम भए यो बाद कवितक है। करव वर्ष, ट्लिटक महम्बद्ध र लाग थ.३क भम्राह्न-न निवी कर्ण व्यवस्थात विश्विष्ठ किवास हम अवर क्षीर क्षाप्र नग्ना है वहैग्छ पत्र भ किस क्षि-क कम मोवना मधानाइवाई (र डाशंव कांब्री-कुछ ब्रेबास्थित, छारा एक्टरे सञ्चातम कर्य-W#1

१८ (भीष । ו שוב הצייר क्याहिर एकांक विकासिका । (4 1 I

অৰুক্ত যে,ম একাশসন্পাদক মহাশ্ৰু मभीद्रभव् ।

म्हानाय । मृत्र के मञ्जूरवाव श्रद्धान कुष्य अवस् एको ने धर्मात दश दब हुन्स कवित्रः साहक । स्कीश र्भ कर शांडि शंभीत काषिकारण नारकर ख अधिद मृत्मिराङमांख्य यात्र, ७४ मे मन्त्रन द र । वे काश्रीय भगाउर अधान क .क.म ५८र्थाव डिंव नगत डेमदिख इनेबारक धावर धाक भाषात के कि मनत्कव मृद्धि श्रीहर्मात्व. निर्मा हो गर्छ पुष्टिक देशनाक होन्स नगाः अह क्षप्रकार विक्रम् वक्षवीन बहेग्। क्षेत्रः अरश्रक क' रक्ष। प्रक्रिक भौड़िक राक्तिस्थित मास्यार्थ ्रीप्रहेश एमन कर्र किटरनी, बार भंड, ब्राम्नमध्य ८ 🚎 मार्ग भन स्थार खग्नांनस गांबीयः 🖫-भक्तिक र न है (इंडारे जाश्रमी क्रेमा हीए। स॰ ध्रा क[ा]रण कदिछा ७ ली कि व वाद्यिक्ति । व हि-किद्र : ६२। १ ज म दन मध्या दिनियम्सिय भूगा । असर ए एकान का देश के शिव का बाबि जुल्ल ब्राप्तर र कि कानत्त्व मन प्लाकृकी बहेदा-CE । कि द्वार भाषीय त्य शापाय सहाय जान अहर ६ के जिल्लाम एलीय अशंद के दिन का अहे प्ला-वक्रवरा ५ कु कविय व श विकित्त महत्र शृथिबीव ः क सं ,नामः उपक्रशः परिना खेणाविक प्रकेष वाय वर्षान करा दिएक। म कताबिर करभूध २ ८०१ व . ५%

जियुक्त (मामधानामा गर्मामम प्रदान्य मधीरभद्र ।

बाबु मञ्जू नाम भाषा अवर्गामा ने वास

TICE GRAITER mighten! Wind SIANI ALKANIAN प्रक भारत विवेश S. distincts and 'क्रेडर्स'। अवस्थित सिंहर मद्याप मिल्ला प शाबीक केवि वर्गरमा का निक् factice acceptices are श्चरंत्र कारनाक देखा व श्रेष्ट्री केंद्रश्री नाम कांद्र । कांसरा देशक केंद्र stellam uig fice Sifes wiellich मनाबय एकेटर मदलब नटक विकृति हो म बाहा जामाजियक जाहे। वेशकार्थी त्यरकेड स्थमस **मर्च**ेक्षश्राम्भक्षण् कटनक दमीयन अम्झन्नात् दर्भमा मिन ११ ३ च्या स्टब्स् शहरायुक्तमीत रेकान

मध्येत्वा भावन वह त्यानीयावक्ष्मामक अवस्ति। লিখিতে চটলে বিভাগেরণ পাঁচারী (पर्यक्षात्म दश्य दश्यो में श्राम आक्रो रिक्रां निगामिट्ड के कविव^{म्ह}ः ऋतुः कटदम) ७ ॐ। हात्र 🤻 म्राचाम काक्वर्य हार्कित याम जेमराम देखाता र^{ा श्री} । मक्ति भग नारकत्वन प्रकृत कार है कि से को कि जिस नामाहर के त्वनहण्ड केवरीविकाली वर्षकाल श्र विकास समाहरीत मुल्लीक है कवित्रा रमनेमाक व्यक्तिशाली व्यक्तिक है क्षित्र क्षित्रशित्र व्हेट्ड (विकासि क्षित्र। हिम वान करवम । जनम श्रेष्ट्र को भीन निर्मा अनुसा हिम स्वतार जनारकान अक्षत वर्षेत्र, क्रि वणक बरेश देखांत्रशय चरान प्राक्ति श्रादि अब धव (श्रीकृष्ट महिल सह (मधा गड़ा करिया सम्, अ मक्का क्रिकिस fa ma forent arcetta Manifert ८४४च सर्भगायमें मार श्र**म्या**न कर्यम मञ्जाद माह्यम् एवम्मि केम्स्या परियोग गमान कडिएड क्रिडी कर्डम सबिन हमनाक्रिकी वर्तवाम गर्वव केट्छ दशाकीमापणीत महेबाम जा र्वेशास्त्राज्यम देशास्त्र सक्षत्रं काकिरवर वय चार्छ, किर्योगमा भूषण क्षिरकार्थम ? व व त्यात्वत चामनः विश्वहै महत्वत्र मिटल भारित पटन अदेशास संबद्धि श्रीति, त्व शाद्ध मार्च क्षत्र मनाम् ६६ ? प्रधुनः वे विवह पण्डि अव त्याक्काणा व्यव का गुरमानी चानाना**छ छैना**दि चाटक, बहुक्कम बाजू द्ववान खविष्ठांत्रक थ कि क क्षेट्र इ.दर अ वरेट्ड इंट दर वर्श्वति का बहुत क्षित्र मंत्र शांकहाँच नव उत्तर मारिय मही टम किष्टुके कवित के शाहित्य मा। कि**क्ष कि प्र**कार श्र विषय अमानिया विश्वात स्वयं माहै। वि Pringer o .v a mistate a" Alme किंद म ्हि : जालका देखम भाषाम हो

कार्याद नाम्या न-H MENTATORS WICH 刘信 聖明明 明明 শর ওয়ালার পর্যা-उ शिक्षा के स्थित C श्रम्भारमा दिवस देशव FUSIE, WHEN EL ্ ভাষাত্র বিজ্ঞায়িত , जनामक क्रानाम ८ %ः विकाशिका वहेरका न ज्ञल क्षीताचा पहिट त ज़ले क्यांनामा पर्य के ह सम्मामा ! यलामास अधिक क्यांनिक क्यांनामा कड शका क्यां नंदें। वाश्वाकांकांक महि, व्यवहा व्यवस्था রপ বৃত কবিদ্ব। লইদ্ব। মাইতেছে। ভাগাব। न ও नियानाका स्तर्वा छेगांत्र व्यवस्थ कानु क्षेत्रि विधामार्थ कहेन आह वहेत्स्वरद् रित्र महरम डेरमा मिनिएउ अमगर्व इमा प्राप्त कविकाति ।

नाम्।

5. ম, স हरप्रकी विमानिय काको !

१३४ जित्रपत्र ३४७१ -

-• চাল সম্পাত্তক

यहां नटश्यू। ख्रुशंकरहर मश्री-विशेष्ट्र अर्वाष्ट्र भा क्रिकेवि-विश्वज्ञेश्व भड ी महिला मामनश्रा 神通河 海湖 电平小 मामनिविश्वितार्थन त्य भ भाग स्थापित सर् रवामम् कात्र मिक्कि । जाणवाममाका प्रमान काल्याम् भूटकर्गान्द अञ्चलार्थ विक्रिक्त विकास के प्रतिक किए। ये अहिंगावि किएनर अभिटिक्षामि किटिब्र्टकत पर्टनेक काळ व्य केंगा श्राम कर्यम् छात्रा छेत् वालिकाविमानायत विशिषाक आधिरतान न धार तिहै नकन छै।-। विशासिकार काम हार्या वाशिक क्य ना। अबर राहांता है है। तम छार् दा विसामाय व अधारकत व्याकतिक प्रज करेता है।का स्वतः হাহাত্তলৈ বিস্নালন্তের বর্ণার্থ নাচাল্য করা क्षा । ,, क्षित्र कामांव आम जिल्लामा गई त है।-बांध का शर राष्ट्र पांडांग्रीर नाम कि

् विशेषकः एक वालिकानिकानदम्ब नाम-क्रिया (कर् मिन, लन टा.म क्रू देवेद मद फाउं, इन्हे - 🙌 🚧 मि कशिक । 🕫 ८५ जिए छन्नि कारला सब श्रीवादन ७ यम्। । इम् म्य महाराज्यान् , शिक्षी वहेटक आशो मान्य प्रच वि.स. नाम-🖚 शांकिकाबिटगर्व दिना, गाज्यार्ग छ । अनावा 策 **विश्वेष** (व**र्ष्ट्रमञ्ज्ञा** मांडरा भःश्वेष्ट क त्रश्रा मन अकिमधूत, महमा ७ कः प्रति छ हा - द्यार नव सालक ७ फ्यांकाय मेनिस न.-१० फिरा - विना **जिल्लाक्ष श्रांशावस वास** कविका अपने ८०६ । सरका दक्षां अक्रीम विद्याभाष्यं बार्टर दे त त्या म भावित्काविकक दक्षक्षा वाम । ११ वर । विक्षानदम्ब अविश्वामः अद्यो (अवीव अविद-व श्रीमृति (वक्रभ्र मध्यम्बद्धन) क्षान्तिस्य नामर ः हेट्रबन्ता का नरम् ।

७ श्रु शिक्ष विश्वासि प्रकेट र राय किन्द्रे भाव ने, । ख कड़ाका दव निकेट व के शिशुक्त बाद रिशन। Ch. El. & simnamete 43 Millala.

त्म नगरम ७ आविश्वासम्बद्ध स्ट्रिस्टिय समिल्।म का-भाव मिलायूत चहेरक संदर्भ व शर शर का मिल मान व्यवस्थितिका विकासित मात्रभन नार्दे ही. नारकाह अक्रिक इस अदह क्रीयुक्त वाजू गंडानहत्त्व वित्र प्रक्रुश्चर कहिया केक कारमान कांत्रश्चन व्यक्तिसम् । श्राकृत्व स्थाप्तात्र म्हिनप्रेत्व मर-वामगां को अक्यान वाह्यान वरहून आह्रकार छनि-शाद्यम मा दकाम कश्चिक व्यथात्वाच सः व क्वि-क्षा अहे अर्वाक श्राप्त कविष्रार्थन ।

8 वें। अ शृशेख है। काव किन्हें वालिका वि-शास्त्रम् कमा वाहिष्ठ हय नः हेशांभा । कि निः वा। वाणिका विभागतिसम वक्रमा मन्त्रापक আয়ুক্ত বাৰু হাৰা চল নিম ইছ।ব উত্তৰ বেন वहे स्थान समुद्राध ।

मल्लाहक महानय बक्तव क्रांमि विमय शूर्कक भागमाःक निरंद्यम क तर इ हि । विरंद्यमा कति ছা দেখুন এবিষয়টা বড উপেক্ষার বিষয় নয়। উक्त श्रूपाकत मर्वाममान। आयात्विताक कर ছুর কলবিড করিয়াদেল আমি দেশের বিভ্রমাধ न समा ए'खना जः अरु कृति अतः तम अर्थ छिद्वि बरम् अभिन्न स्थाः है। ज्ञान्नामाद्यस्य कथ माइ। मामत आला । भाग माहि सुधाकत म कामक देवार अमांग ଓ मन्द्रीय साफार साम আপ্ৰি স্মধান্তৰ শক্তী কৰিয়া নিৰিবেম ৷

अल्लोब्राक्तक क.दी प्रशिष्ट शक्त । विशे वर्ण । भगाव। वा ' गांड क' शंड ही श विश्वविद्याल । 🖛 ভাবে সক'ভিমুখ ছওয়া এচ্চেক স্পাইন্টর **45**4)

এনুক্ত নোমপ্রকাশসন্দাদক यरक्षिरवर्ष

মুক্ক শৃষ্ণ গুড়াৎসর এতামেশে বাছিছ নে কত সভুষ্য যথ করিয়াছিল ভাষা সংখা: করা নচিন। এবংসবত হায় তক্ষণ শ্বৰার উপক্রম চটয়ছে मच्च कि दर्भ दाव देखा कि श्रीक किर्म की विवस করিভেছে। কিছু সভর্ক। এরু কু মন্ত্রানওলী-एक श्राटबन कतिएक शास्त्र मारे। कि उक्क कि खल-स नवरलहे पूडे क्य नश्च (रामः गांकिटङ चीत्र স্বীর কর্ম সম্ধা কংখন।সঙ্গার পর কেন্ট্রের वहिन्द्र कर ना । दनहें खदमाहे महास्त्रेत मध्या कवितक भी बट उट्ड ने ।

ब काह्य वाधः श्रीदेशका नाथ काइकि क खिनमी

मनाथां थे।

জ্ৰীতু ৰাতু বাগাবলভ সিংহছেৰ স্বচিন্নাকোল ১२ १ के व्यावाक क्षेत्रेरण वे क्षादा गर्वा इ ३० है। का · राध्यत्वस कृत्यांशायात्र विश्वितः विश्वतं चा**ठत कारमाञ्चल वि**र्ण केर्द्रसः . ६ ३ श्रीय श्रद्धाक वेश खांडाव । **श्रद्धा** ३० खे " कुक्कि जांगांत महत्त्व निरम ७३ भी व व व ६८० १० व्यक्त शहर असी छ । ० वे ♥ को तको तर्थ यह सारका धार्यस **का**का सी

and the property of the same o याम १२७० माथ महत्क पाव ए शर्वाक के के " যতুন'ৰ দেন य लाउँगानाः ্বভার অপুৰায়ণ হউচ্চে ৭০ বৈশ্লাল প্রায়েশ্ব আ ত ত চত আন বায়ণ ৫০। হুবী অংলগৰ २६७५ अशुरायन वर्षेट्ड १० देवमाच गर्याख 🛦 के ** में बर हम्म एख (व) व(काव । २२७**৯ माथ बहेरड ५० रंगीय नैर्या**स " উপেঞ্চাে । इस्की केलादीय गणव **ऽ२७७ ल्योब स्वेटन ५० टेब्सफे शर्वा छ दकार व** क, के अधिक क (ब,त कारमटलन मुक्ति)२७७ **व्या**वायन बहेरल १० कर्ष वस श्रवीह ५०

(मांमध्यकाम म॰ क'छ क्राइक्डें বিদেশ নিগম।

च्या मुला मा भावेता मक्षणाल त्रामध-कांच दश्या करू। यात्र म

ইছার অগ্রিম মূল বার্বিক ১০ এল মাণ্যা-निक देश हैं का एए मार्टिंग ज़ारन में इस यांग के रे विष्टीका स्थागव्यर ५ भी भूला कीला हिका। गार्के साम्बद्धाः क्षेत्र, प्रश्नेतः कार्यकानाम स्थितः

्या में के अपने के निर्माण के विकास के क्षेत्र क्षिके मुन ४० महें ५ ता सम्मन १०४ ब्राक्त, प्रश्निक्षी शहर दान दर्ग मधिकि करस्य।

भू देशका पूर- व काल वार्त १ व्हेरा गर क्का न केली के देवचा (यस अनवाम विमान न *61.

र्शेश्वर्यक्रितः 👍 🗱 त्रामध्येष्ठ 🔊 লা 🚧 । শ্ব । গ্ৰেম্পু বল প্রীক্ষা হলি। म कड़ेरन, याच्या क्षावरम । मुक्की मेन्स्री भाग म्हि स्थान डेडन अथर मुलाना भाउतागा क्षेत्रक वत्र बहेटवु महाराव "नविक प्रिक्तिताया-विः गाप्ति । हेरव । कनिकां । मण्डु ठ०. क्लाक व्यामाधिक मारम गिर्विका बात र ময়া দীন্ত পাইব।

ৰীহাৰ ৰখন সোমগ্ৰহাল পৰিভাগে নবিং अवेष्णा इतेरव किंकि लिखा। मा काम देतन जांदा आब कहा यहित्व मा।

त्मर त्माचश्रकात्म विकासन विवास स्ट ক্ষিকে তীহাকে প্ৰথম বাব প্ৰাক্ত প[্]জ ৫০ আম। বিভীয় ও ভূতীয় বাব 🗸 ১০ জান, ব[ে] য়ে, विरक इंदेर्ड काहार शह / काना करि अक्षा वांदेरवः

व्यक्तकात्र चीवात्रः मधर्व । देश्यनः छ। हो

कदे श्रा क्षिक्षकोत्र श्रुक्त माज्याः (भ्रमकर्मन (भा-भागम दक्षमहेंबह बाकिन प्रामितिहानांचा विद्योहर ेर रिक्राचूबरवह बांबरक कावि स्वामवर्ग कथानि व है।

(माय्यका

" प्रवर्ताला प्रवासिकाच व्यक्तिः वरकती चुनियकती कृषीयहाँ । 🚓

क्षात्र । क्षात्र ।

त्रमा १२७७। वे ५८ मान। वेर ५५७०। २७ क्वाह्मादि

मानिक क्षातिकः अनुस्

বিজ্ঞাপন ৷ ভূমারাক 🐇

अन्भवत अर्जे त्यत सिनिक हुमोत्राकन थूनः त्याविक-वरेको स्विक्षाका हुकं शुद्ध वि-युगातम वर्ष १ है। वा गुरता हिक्क व्हेर्जुरक । विरम्नीक धारीकावन १ या गर्क क को-त्याक विविद्यानक विवासिका विवासिका विवेद त्या-रहेक व मूना भागित्व व्याप्त भारेत्यन । धारकाक भाव थानाक वयन वय रगः

क्षिशिविष्ठक पर्या

বিজ্ঞাপন । বিভাল প্ৰতি

विश्व कार्य के क्षिण कार्य का

বিজ্ঞাপন ।

করিলপুর জিলার সতঃপাতী বাইকেবৃত্তি বহুরতপুর নাবে বে পভবি ভাক্ পাতে ভালা মরপদ্রনি দেওয়া অথবা বিজ্ঞানি করা বাইবে। বাঁহার সেই ভাক্ মরপ্রাম করি বার অথবা ক্রম করিবার ইকা আঁটি বু ভিজি কলিকাভার ভাভান বিশ্ব কোলানি বু কুলি টো ক্রাবেরন করিবে স্বিলেব হারার কা ক্রিকা

সোমপ্রকাশ টু

Carried was the sign of the same of the sa

र कर करा तिया रिपून तिस्वितित थापी पी नित्र कातन्त्र केडरक किलामा कतियाहि हैंक एक के विशेष विहास्त्रत नेप सन्त रहेल 🗥 🏨 अन वर्षार्थ धूना हिन्ना पुनि वन्त्र ए क्या **प्रदेश सम्बद्ध हरेल विकल हरेल ना** ? अ बहु कि विकरस्त करमा-ানি প্রান্ধ রেজেন্ডরি করিয়া লইড তাহা क्षेत्रम् प्रश्निवारम काशत यस दश्य स्टब्स अर्थ क्रिकांत्र अरे व्याप्त सार्वधानका-रवर्ष के बाबाब मकन पत्तु नाम र एका ক্ষান 🛊 শালীয় পান্য কোন সহল উপায় प्रकारिक क्षेत्र स्वाप्त कर्षना नहर দ্যাৰ মুক্তিৰ প্ৰায়হ কি উপায়

লেন গৰণবৈদ্ধকীয় চিক্লিড দিবিল কৰ্মচা विद्वा क्लाम समित्र काम्मानित मश्मी रहे शीदलेक कि वा । छह्छदत मत ठातलम ^{छे}ड निर्दित्राट्न चंत्र कन्न कन्न रुद्रिवाद शटक কেন হানি নাই; কিন্তু ভাহা ব্যবসায় चब्न के बिकार करा निविद्य अवर ए এদেশে কোন্সানির কাল চলিবে, গুণার তীহান্না কোন পদ পাইতে পারিবেন না। लोज़क्दर्शित भवर्गटमके हा, नील, कुला अष्टित विवास किकांना कतियाहितन हिक्कि कर्महात्रीता इनि कार्यात कान काक्न नित्र पश्नी इट्रेंट भारतन कि ना? নর চার,বন উড ভাহার এই উত্তর দেন.

मामास्टा कालूक अकृति रस्य। चानारकत्र मील ७ हा मारह। यदि हेरा नका रहः प्राप्ती ৰীণ ও চা ষ্টিত অত্যাচা तात्रं विषय चरक । ज विशेष गकत चपानित चि एवं के महिल्ली আছে। ভাষার উপর কর্মচার ইয়েই বাব नात्र नशक् पाकित्ल चठा हाई के विकेत रकत । **भवजन जनर्गामा** स्थाप साव की व कर्यातिक निकटि परे शिल्हा सुरुप क्त्राहेश लग (व, (व (व व्यक्तर्भ क्ष्र्या) कर्ष कतिरवन, ककर एता कारावित्वह कृति वर्षका वाक्ताद्यतः अक्ट्रिक अध्यक्तिका बीटक । बाहाजा क मन्त्र शिक्षांत संहित्यन काशानित्वत्र केत्र व शत मा दक्षका सावि गरह ; जाशांतिकः IN THE PASS S कड़ा कर्खदा ।

THE PART OF THE PA 「中心の一般である。」では、「中心の一般である」。 「中心の一般である。」では、「中心の一般である」。 PROPERTY OF STREET, ST क्षान क्षान स्ट्रान करात इंद्र शिक्षां मा अभ अदमकी का कि व्यवस्था बरिएक रक अस्ति। एउँ । भने 'समा स्टेटन वतः प्रमुद्धारः नश्या अवश् काल-ধেৰ আল্ফরিবার প্রকাশও অংশ ः भ्यानाम् । शक्यावर्गाः भागम् क्षितिके कि सम्बंधित पूर्वन, रक्षांन -- বি করিবার উপায় क्षेत्र कि कि कि । वावस्थानक-क्षेत्रक करतन अकटन

व्यवं काम अकारत वावनातीत कार्या 🏰 🧣 পারিবেন মা। যে প্রদেশে চা-যা ্ক্লি ক্লে বাধিৰে ভগান্ন ভানা কোন क्य भारेरवन 📇 । लाउँ क्या 😅 अखाव क्रविश्र हिटलन स्व कर्यहात्री के कार्या कत्रि বেন, আহাকে আর উনুত্র প্রদ দেওয়া **रहेदब ना । সর ছারলস উ**র্ভ ভাষাতে স वक सरेग्राह्म । भक्ताबद्ध विल्लेग्रि ক্ষ্যারীয়া ওক্তকেশীর কোন রাজারু অ নিকার মধ্যে ভূরি ছুর্ন্থা জন্ম 'পাকি कृत कृतिएक शाहित्वम सा ।

िक चामता कानि चनुर्वस्ता<u>रिक भार</u>त **ক্ৰ্**কারী আসাবের চা ক্রেন্ট্র मश्मी। त्रष्ट त्यस् वे क्लाम्मानितं अस्तु क्रब्रथ कोवाँ क विज्ञा बाटकम । अवर्गरवर्ते **स्थातित मेट्स !रेखात मन्मर्क ताथा प** गढ चनाम । अवस्थित कान्यानित गरणा वालक्षा । व्यक्तिक आट्या कर नवटक যে সঞ্চল অভ্যাচার হর কংক্রি क्षिणका, काजनाँ अ वक्त विद्यार्क्का 'परचा कर्दरा 1. चड्रि-सामान् जाता हुई. JUL STORY BIR MINE

नर्बनाथाद्रद्यक्त वस्त्र कारताह क्रिकान व्यवन कतिया शवर्द्धानी क्षेत्रिकाण क्षेत्र विक वच्चान बरेबार इसे करान कर कर ग्रिकाणक मजा विकास क T. LE DISCHARGE CONTRACTOR য়াতে ভাহা পরিতাক্ত হইয়াছে ক্রিক্তি স ভার অর্পিত ক্ইবার সময়ে ভাহার ধারা गक्रमत गररकार विवत्न मिविक ऐरेन्ना-ब्रिल, चडका म गर्यतात्र क्षेत्राच्ये श्रूमस वात स्त्रा प्रमारनाक । दावज्ञानक प्रकार क्रिए ५ जन विवास है एक सार्व क्रमा क्रिकेम विद्याद क्रमण कृतिस्टिक । दिश्व विकास भारे, वाविकामात्र करेन्छनि-ह क्विंक्ट्रेट्टेड्ड रावक्रेड त्थनीत श्रीविन के प्रस्प रहेश भार गुणा स्तिर्दन । विकास अभिक् अन्ति होका त्रका विका कि विकि क्षान्यक्षिण्यं है व

क श्रीकात का भी अपूर्वती परेटरन

क्तिकाछात्र विकिश्मिकाल विकि

ইব্ৰিয় বেউন ছালিক ১৫০০ টাকার অধিক **परित्य मी १ अकि वर्शाहत आहार गठा** পতি ব্যাকধানীয় শোজা বৃদ্ধি হেজু এক শ্য বাণ্ডের হিনাব ও মিউনি, সপাল কর বৃদ্ধি প্রাকৃতির প্রস্তাব করিবেন ও উক্ত माजिएके देशक। अरे शिनि विद्यक्ता के ब्रे-वा वात्र अश्टलम वा इंकि, जयवा जना क्षान अतिवर्ष क्षिएक शाक्रिक्य । वित्यव এবোজন উপস্থিত হইলে সঞ্চ.পতি সন্তা 'भटक जलाक्टन क्याचान कदिएन, बानः নি ও সহকঃকী সভাপতি আর পাঁচ क्रम मका अक्रज स्ट्रेट्सरे महात कार्या रहे (व । शक्त खरत मन क्या मना कर यह হইলে সভাপ ডকে সভা স্বন্ধিতে বলিতে পারিবেন। যদি তিনি এ অনুরোধ রুফা मा करतमं, काश एहेरल जे मन या क धन অ'' সভাবিগকে আখান করিয়া আপ ২ টি করিতে পারিবেন। সভাণতি प हराप्ति म**ांशकि वामूश**म्खा कर्ष वा व्यथि कथा विक डिन क्टरणह पूरे অংশ সভা এক মত 'ইয়া মলেন, ভাষা **११८म कीशानिभारक शम्बूछ कड़ा इट्रेंब**। সন্ত,পঠির সহায়তার হাম্য এক জন ইঞ্চি নির্ব টিকিৎসক ও কর নির্ভারক নিযুক্ত करेटवम । अटकाला हे ही निगटक नियुक्त व्यथवा भवकृष्ट कितिष्ट शाहित्वन। त्य সকল কর্মচারির তেন ২০০ টাকার সুন ওঁ হাদিগকে সভ:পতি নিযুক্ত অথবা পৰ इः क्रविष्ठ भादित्वत । म्रास्त्रा ममाद्र नगरत्र कान सूचन कार्या वित्रहमा कड़ि बाव अना विरम्ब कमिष्ठि क त्राफ भातिरव ন। কিন্তু এই বিশেষ সভা কেবল পরা मर्भ किर्दन ; काम विष्राप्त श्रिवाम क ब्रिट्ड शाबिट्यम मा। त्नल्डेम के शवर्षत यणि (योगा (बांध करत्रम अञ्च) शक्ति इस्ड ब्रामधीत भूमि। वत छोत्र । भाग भावित्व म । नश्रद्भत्र (भाका दृद्धि कर्दिशंत्र समा তে তে[°]নার আবেশাক তাহা নগরবাসিছি भटक बिटक हरेटन, द्यांनदाल महत्या १ ने के केंग्रिकार क्षेत्रिक ०२०

थाइत द्राव्यय प्रदेश्क (ए ७५) हरेट्य मा । कहे द्रश्वाची भारतक चार्य केश्क्रके रदेशारह मरस्य मारे। किंद देशांत्र चार-लिक अवदीनठाटवाव७ मुखे इहेटस्टा । এক্ষৰে কলিকভার লোভা বৃদ্ধি হেছু এ-কাৰৰ লক্ষ্য টাকা কর বৰণ আলার হুর। ইহার মধ্যে ইনক্ষটাকোর শতকরা এক টাকা আহে। কিন্তু আপ্রতভঃ যে এক ভেন হইভেছে ভাষাতে ও অনা অনা বি ব্যের ব্যয়, আর অপেকা অধিক হইকে ছে ভলিমিত প্রায় দল লক্ষ্ টাকা কর্ম্ম করিতে হুইবে। ইহার সুদ এবং নিয়মিত ৰায় নিৰ্দ্বাহের ভবিষাৎ উপায় কি ? ইডেন সাহেব ভাহার করেকটি উপায় প্রদর্শন করিয়াছেন। গবর্ণমেন্টগদাতীর (द्वीख) ছাড়িয়া দিতেছেন : তথায় সভা কয়েকটি গড়া করিবেন। যত দিন গড়া না হইতেতে, ভচ দিন তীয়ে বাণিচা স্তব্য রাখিনে তছুপরি এতি টনে ২ টাকার অনিক কর लख्या इरेटव । जे श्रकात भवर्गप्रकेटक ্ লিকাভার খালও ছাড়িয়া দিতে হইবে। ্.হার ভীরে দ্রব্য র থিলে কর লওরা হন্তব। আপাততঃ ধাপার যে পরিষাণে सां ल लख्या इत छ: हात्र थ किसिंद इ के रुद्रा श**्टेरफ भारत । रे हारफ छ विम ता**त्र কুলান বা হয় মুটে, পাইকেড়, শোকান দাল প্রভৃতি কুত্র বাবসারিদিগকে ক্রতি বংসর ছুই টাকার অন্ধিক কর দিতে ध्रेति । **का छम य गरल क्छ क्**छ খড়ুত, ঘরের ও কুটারের কর নাই ভাষার কর লাগিৰে। গাড়ী, ছোড়া প্রভৃতিরও कत मरभृशीष बहेत्व । ७२० ভারতব্যীয় সাধারণ ধনাগার হইতে

কোন বিলেব স্থানের উন্নতির নিষিত্ত টাক দেওয়া আমাদিখ্যে নিভান্ত অন্তি যাহাতে ভারতবর্গরি গবর্ণমে फाड जावजार अवश जटन

बहुत के जिल्ल (मामन करें ব্যা• জোর: कुष बावना ৰে প্ৰস্তাৰ : প্রের ব্যক্তন इक्षिकाः अक्र नारे वटहे किन्छ । হ**ইভে কর** গ্রহণ ' ঘটিত অত্যাচার অ পঙ্গীঞাম হয় रहेटव मा। क्टबाद डेशट ছির একটা ই

মিউনিসি र्**टबर्क** निरम्न এডাৰ কয়া : चन्द्रमानिक । त्यप्रदेशक भा कि.नेषि एः করিলে কি ত ভারমানব যে ক্ষমতা म:बिट में है ৰ করা না 👡 আর বয়েক বং অবশ্য জাতিস: व जल्मह बाह्रे त्रिवात द्रश्री और লিভ করা ভাঁচ নিয়োগ ভার চ ربع سيمكا)

4िनद्या (य হিত করা বৈর বায়ও क्टेरव । हे সভাপ 14 িলিগু শ্ন উভয় বশ হওয়া ছুৰছ

্য সভাপতি, যুদ্ধ উপদক্ষে বিশুর বাগ আবশাক হও য়াতে গ্ৰৰ্থমেন্ট নোট প্ৰচলিত করেন। ঐ মোট প্রথমেন্ট চলিভ টাকার ন্যার নিজে কর স্কুপ গ্রহণ করাতে ভাহার সুলোম বিশেব ক্ষতি হয় নাই। বিশ্ব বরা বর কাঁগজ অচলিত রাখা যুক্তি নিজ ন্য বলিয়া তিনি নগদ টাকা আদান প্রদান করিবার প্রস্তাব ক রলেন, পর্ণবা বলিলেন मूखायथ किছु भन्निवर्छ कता हरेटर । अक **ণে আমেরিকা**য় প্রতি বৎসর ১১৬ কোটি টাকা বায় হইতেছে। সভাপতি শাসন ध्यनानी विवसक करमकृषि शतिवर्षित्रध একার করিলেন।

া মহাসভার এয় যে বিষ াতি লিখনৰ র সহিত্যসূত্র नन शुर्वत्र द बाहे गरहे ংপ ছুরবন্ধা ন, ধেরিকার চছেন জাহা র ক্রীভদাস যৈ সন্ধি ाठि मद्या বিভাগের ' লিলেন কেড় STATE POSTOPIO ग्रवना हिल ना. हारी काश्क করিতে সমর্থ -টর বিস্তর মুক্স े वर्गान्त्रका का

দাস্দিগের বিষয়ে লিক্সন বলিলেন য ্হারা এই যুক্তের সমধ্যে স্বাধীনতা লাভ করি ্বেন, ভাঁহারা ভাষা চিরকাল তে গ করিছে 'शितित्वम । क्रिमत स मकल व्यक्तिमान রাখিবার প্রখা ১৯০০ অক পূর্ণ হইবার भूर्त्व **छै**ठिया य:३८०. ७८छा .लाक**विश्वत**क ক্ষতি পূল্য স্কুপ গ্ৰণ্মেটের কাগল জ थवा मध्य होका स्मध्यः इन्द्रव । এ श्रक्ता বে, বিশ্বসনের উদার্য্য প্রদর্শিত হইয়াছে বট্টে, কিন্তু তিনি অগা:পিও দক্ষিণ বি ভাগের মুখাপেকা করিতেছেন। ভাছার থমাণ এই, তিনি বলিলেন, যাহারা গ্রহণ स्कि काशक वर्षा मानमिश्रक मुक्त कति र्त्तन, कैं। हाता यपि भूनवीत के अबीत अनू मन्न करतन, छ'ए। एरेटन छै। हा मिश्रदक व्य काशक व्यकारांन कतिएक स्टेर्स हेशन भर्ष कि । ভবে कि मानमिश्रक भिक्रभा ধিক স্বাধান্তা প্রদান সভাপতির অভি (१६० नत्र > भिद्रि सूक्त मात्रमिश्रंटक कानश দের বাছিরে স্থান প্রদান প্রস্তাবটিও আ ेन्त्रत्र निकटडे मो। ज्ञानूगङ् बलिया अंडी प्टब्ब मा।

ाम विकास ३३३,००,००,०० च्हेशांटक्। सुके **ल्या**चं क

>०८ वीनि **शामि (मृ**ख्या **काराक**्षाहरू । लोशपूर्व आशंक थ विषय कामास्वर भोका क्षाप इहेरपट्या भाषे लक लगा যুদ্ধক্ষেত্ৰে আছে ৷ এত টাস্থা, এত আছ 'ফা ও এভ বৈদ্যা থাফাতেও পুৰৰ্ণমেক্টে, ্লর হইতেছে লাও ভাষার কারণ গবর্ণমে ণ্টের এক জনও উত্তম সেনাপতি নাই। তাহা হইলে দক্ষিশ বিভাগ এডসিন নিঃ সংশয় পরা**জিত হইত। মেপোলি**রন নিজে এক কালে এত সৈন্য রণক্ষেত্রে কখন দ হ্যা যান নাই। সভাপতি বিজেভ নিং রণ করিবার নিমিত্ত মৃষ্টর প্রতিজ্ঞা করি য়াছেন। বিশ্র**াহিসিগের গুরুতর দও বি** ধান কৰা তাঁছার একান্ত অভিত্রেত।

সভাপতি লিক্ষলনের বিপক্ষেরা যেরপ. বলুন, আমাদিগের বিলক্ষণ বোধ হইতেছে ্তিনি এক জন যথার্থ উপযুক্ত লোক। निश्व डं हात्र प्रधीटन छेश्यूक ब्राव्यनीष्टिक অথবা সেনাপতি মাই। গারিবল श्राम डिनि, मार्च हारेख अथवा बार्नाल (लिलिनियार वर्गा अक कम स्मन, शांक थाकिरानं चारमहिकःटक अ मृह बुर्श्व अस काल मस स्टेट एटेड या।

अक्रपरर्पत अधिवधः।

यक्टमटम दक्वलै (रक्ष्भार्तेना दक्ष्माक्रिक যাৰতীয় ধৰ্ম্য ক্ৰিল্লাকলাণ বিশ্বপ্ত প্ৰায় 📦 वाटक । व्यक्ति दन वर्गाणानाम गांभ मध्ये. त्र कविष्ठीय नाहै, त्रा काएछछि माई, त्रपूका রই লোপ পাইয়াছে। কিন্তু কভিপর এংকের যথ্যে সেই জ্ঞানির পুন ক্লানার হুইবাক উপাঞ্জ पृष्ठे रहेरण्टर् व मळाजि. साक्ष्मान्नम"दन् क्रियुक्त, गृह्नि दक्त रहस्य दिस्त ह विस्त तक्का नक विशक्ति शाहेब्रारण्य) श्रात्वव सायकक बहेब्रा নিয়াছে ৷ স্থাত কর্মদ্রেশকে পরিভাগে করিয়া এক দুলে প্রস্থান করিয়াকে বে নার্ন क क्यान वे/नुत जानदर्श केहे कितान कैंग क्षेत्रकी दम्भिता यथार्थक विकासी नव कहेतार हन। विके क्या कि इचित्रामें विश्वय के आमानिद्रश-कारका नेता कार्क की बन मिन

ভ মেৰিয়া আৰাজিগার এই এব ছবিয়া হিল বৈ ইহারা অব এবুক্ত আর প্রাণন পর্বকে আক্তবর্গ পথ হারা উল্লেখ করিয়াছেন। কিন্ত এক্তবে জানরা স্বিদেশ অনুসন্ধান হারা আন্ ক্রিডে পারিলাল, আ্লাকিংগারট অব হইরা-হিল, ক্রেশ্য বাবুর গৃহে আন্তেটিয় পুনংসং-ভান হইরাছে।

जीनांबिटगर जागतांध महि, जानता अहे বলচেন্দ্র কাহাতে আতকভেঁর অনুষ্ঠান कतिएक क्रिक्टिक शाहे म! । वस्टमस बर्धा का. नवा अनिवाहिलान, समनाकांचे विद्यालकांव করেক বার জাওকর করিয়া করেকট পুত্র क्षेत्रीहित्राहरमय । ८४,४ एत. प्यावानिरभन्न गाः ঠক্মণেয় অনেকে কাডকৰ্ম কাইডেড গিয়া বি-मामकारत्त्र शुद्ध विमानः **म्हेन रक्त, पुनिए**ङ शांतिएकर इन ना । भारत भारत नांदीरकरतंत्र शृद्ध बारफडि ब्रिडिंड व्य, ब्रडक्थ के किया স্থাত না হয় ওত্ত্বশ সভারতে জনপান क्यार्थवात्र निरंदध चारह। संबन्धकार विद्या-লভারের আরব ক্রির। পরিস্থাপ হইতে বি-লৰ হওয়াতে অচিয়মাত শিশুয়া অধিক কৰ ভব্য তুৰ্থ বা পাইয়া গৰা অকহিয়া প্ৰাৰ ভ্যাগ করে। অভএব বে প্রাক্ষণণ উদ্ধ চুহ त्र काष्ट्रकटकत्र भूगः मरभाव महिर्द्धिस्त, कायां विरश्न विकट है बनद्यरंगद्व मंख मंख बाद ' বে ক্ড**ভভা প্ৰদাশ দল্ল উচিত,** ভাছা বলা राष्ट्रना । अध्यक्ष चांत्र अक्त्री कांच क्रिजा बक्राएटमब्रु व्य क्षेत्रकांद्र कविद्राट्टन, त्याप एव रक्षरम्भ क्लां कारमः तम जेशकान्नम्भ व्हेटक মুক্ত ঘটডে পারিবের না। শাস্তে নাড়ীজেনের পূর্বে কাডেটির বিধি খানাডে সভানের অ-मान पृष्टा सुन त्य व्यविद्वे नवा हिन बारवदः। फाए। पुत्र कतिशास्त्रन । खरवारिश्न विरन न**ा क्षत्र मंदल (क्षत्र नार्**त्र शूद्धत्र कोल्डन्प रदेशोदर । क्यांसः । क्यांस्क्या कल जरिया करि रनवा चार्डक्य कार्याचा माराव पता वारश्य शास मा स्वेद्धम ।

আৰম্ভ গড় সভাহে ত্ৰাথাদিনের স্বত্থ ঘটিত মুঠ্থানি শাত্র পাইরাহিলাব, তাহা এ-সভাহে বৰা স্থানে প্রকটিত হইল। একখানি কেশৰ বাবুল পুত্রের ভাতকর্ম ঘটিত, আর একখানি অন্যত্তর ত্রাক ত্রিযুক্ত বাবু অবো- या नाव लाक्यानीय जिल्लाक याँछ । ल-विक लेख श्रियं किळाना करियाश्यन कर्यायानाव याय्याक्या । किन मन जिन का-न केस्त्रीयान्य क स्वियाः अञ्च क्षियां क नावन्तिस्य वाय्यक्षाञ्चायी लिख्लाक क्षित-स्मा के क्ष्म देवना बार्क्या कि शनय निम अ वर प्रेष्ट वार्क्या कि क्ष्मण करनोड़ करिया वाद क्षिरवन । यांचा स्क्रेक जान जिल्लाय वार्क्य यां वाय्यक्षित अञ्चलीनक्षणानीरक क्रव्य पूर्व श्रीय क्षियां जुनिरक्षका क्ष्मण्याय श्रीय श्रीय क्षियां जुनिरक्षका क्ष्मण्य क्षियां रायम क्षियं मृत्र क्षांचा स्वीत्र क्ष्मण्य क्षियां रायम क्षियं मृत्र क्षांचा स्वीत्र क्ष्मण्य क्ष्मण्य क्षियां रायम क्षियं मृत्र क्षांचा स्वीत्र क्ष्मण्य क्ष्मण्य क्ष्मण्य । जिल्ला सार्व्य क्ष्मण्य क्ष्मण

अविदेश बंधार्थ विवद्ग हाहेदा भारत व्यक्तिक ঋণ পরিহাস কয়। বিধের হটতেকে না। ক্তি পর রাজের আচরণ ও কার্ব্য নেপিয়। জান্যা ৰধাৰ্থই অভ্যন্ত ভূংবিত হইরাহি গের কিছুমান্ত্র হৈড্যন্য আছে, ভালারা কখন এবল দুব্রি ও পূর্কাগর বিরুদ্ধ কাব্যের অই-क्वीत करत्र मा । स्वाथ रुप्त देशका यस्य करण्य महब्राह्म द्याटक कियापृष्ठीनशेन पर्यशंभाग-बाद्र नवर्ष इत्र वा । अञ्चलका क न १ काल सन-त्व अवह स्ववाटक देशवा विकास वामध्याप সহিত অবিশুল ক্রিয়াকলাপ দিজিও করিয়া ঐ পৰিত্ৰ ধৰ্মকৈ দিন দিন অপথিত্ৰ ও অভুড कदिया जानाखरम्य । श्रातीन व'रन गार्श कि নের মনে বিশুল্প রক্ষান প্রথম প্রতি-ভাত হয়, ভাঁহার।৪ কি উনিবিত শাক্ষ দিন গের নার অমে পতিত হহরা বালকালি প্রবর্তিত করেন নাই। এক কন দর্বিণ কবি करियाहिका ।

भागा मरकामत्रभादर्थ किः किश्म कि क्रका महा। पानतीयिक वारक्षकीर

नासंबाधि श्रद श्रद ॥

वहें (शाका केमरत्तत्र मानाः आधि कि कि मा महिनाम, जानि महत्तकोरक महेन्द्र यानती त्र मात्र शरद शरद नागड़िया (वजाड़ेरककि ।

ত্রাব্দেরাও ঐকৃণ বিশুক্ত বৃদ্ধিপর্বতাই ইবা আর কড নির্মিণ ত্রাক্ষ্মিকে বানরের मान बार्डिका । बाटमहरू बार्डिका बाट्डिका द्वारा जांचे जी बाट्डिका देवा बाड्डिका बाह्र काला जोड्डिका विकास बाड्डिका बाह्र केम गांवाहे व काला जांडिका प्रकार काला प्रकार जांडिका प्रकार काला प्रकार जोडिका प्रकार काला

> থাণ ক. কু মাটেজন ভ ভূৱী হাই. দ্যানিটি

বাহাতে বজবার্গ আমরা অহোরাত্রাপ্ত ! श्रवीरभक्षा जवज्ञवभद्र 🕮 इसि ध कथा कान्यों श्रुविदमंत्र वैश्रवि शाहि, शाहनवर्षम् **-हेसा सहित्या** शार्रभागा श्रामक देवदनंत केंत्रकि व प्रकार कि.श्रु हर्ड करडे कीकार्ड आय देश इक बहेग्राटन कार्य वाको शक्षिण अ इंटड्ड वर्षे में में अध्य भक्षप्र किता उ विद्यापि দেখিত পাওয়া বায়ুছে। জৰম द्राविष शविध्यम म महत्राह्य प्रदेशि शतनः निका ध्यवाद्यस्य युद्दे बकेक प्रतिक्रम यातिम विमानित नात सहरातीता व महिलागटनत विमात्रित मास्य बोसक सहि श्रीतम वृद्धे बहेरलम् एक जारहरू, **सर्**द्रश्यनद्शकेर अन्त " विका शाबाहैन खा. হইতে পার্ভ চ व'नोता शुद्धव म विषय अपि किषि बहेल लाद क्षा, व्याप **्छ छे**।य **इडेर्**वन औ अम् छिन्य व्यवनत् । अद लग इंडेश पं'र य क्षेत्रक्षि स्थाक्ता देश ः 'हादा बहेरस व ् (५ क्षावना ""नि नीमान I CHA SI ID SHITES त्रवा 'दिएक मां प्राची ।

fressige or all white

कांब्र (कांद्रक क्ष."

८६० हे ही. कुछन छ आ पृष्ठे स्थामा । कः माँ व्यक्तनाद्वाह स्वतान क ^{१९९१}, र्र. ११ शतिखरम् त्र पुरच सूत ी ने सम গণ অভ্যন্ত , , विश्व आविक ا۔ مع ا বির লোকেরা देशकीम जन्म स्माटकंब ভাই ভাষিহিয়ে। পরে'রডি । ক্ষতি ব্র । হি, আর খারাই বে উমতি ংগ পরতায় ইন্দু নির্মাধিতার কা . দেখিতে পারে নং দক্ষিত কুদংকার गंजत जरिए आएइन, जमर्गतिह িন। সেও এক প্রায়ান্দ উণ্ডি প্রা ं व चत्वरक स्मर्ट शास्त्रक कहे लाईन গ্ৰহ'ড অণক্ত হন৷ হালে চাইতাৰ कर्म धुर्सक वक

^{भ-} हि, किङ्क अगका भानेशा का ग ंद अरमद नाइड६६ ११ ्कृ**कत्व**नी हे कृता में स्केश मात्र

'क अधकरी का यहि **के दूर**रचंद्रा म क्या कांत्रदरकी**ल पहेंगा ब**हुवा क तथा मान्यामाई है कि स बरवानी ^{२५६}२ दश्व कार जिल्ला करिएक कोर्डि, ' भगभूषकृत हा बिनिहा त्यो। इस डेव! ন বে পলে ল কু िया का_{रेकरेक}ः अवस्य मृत्यू

े विविध गरकामन

९ हे नार्वा स्त्रामसंख्या है। व

কাছাভেৰ বি**য়োহ আন্দৰ্যত আ**ন্য **আ**ন্য স্থানে বিজ্ঞ চই**ডেচেইঃ লোকরা গুনিলা**ৰ পাগ্ৰু ও ও রিক**টবর্কিস্থায়বর** লোকের_নও ক্ষর গাবণ কৰিয়'ছে। **এগকন ভূত্র বৃদ্ধে আ**র কিনু না হটক লাধারণ **লাক্তবর** বিগক্ত

কোপেন জেগেনের এক অন : জ্যোতির্বি-व अक्षि एउम धार आविष् । स्तिशाहन। क्षेत्र हरेटक देशन कि आदाई नाम हरे বাচে

্র চাকাকালেজের অধ্যক্ষ রেলাও সাহেবের **विषय हित्र रहेबाटहः छथाव अक स्था ता**व-ফাগ্যাপৰ নিয়োজিত **হটবেন** : <mark>আ</mark>ৰৱা শুনি লাগ উক্ত কালেকে বালালার এক অন পৃথক व्यवस्थिक इंडेटरनः व्यानानिध्यतः व्यक्तिनाय कड़े शर्ववद्ध ने कक्कन मन्न **रननी अवस्क्ष्मभूरत्रत** की जारक व व्यष्ट व्यवस्त्र कृतिहाद करबन

জনপ্তম সণ্ডলৰ পুনৰ্কার ব্যোগবালে উট্টি-नांत्र छहे व भारतम । शलनांत्र खीनांत्र प्यटनक ক্তি হটবাড়ে এবার রাজধানীর সকলে চাষ্ট করিয়া বংহার ক্ষতি পুরণ করেন, এই व्यार्थभाष्ट्र ित अक विक्रांशन मित्राहरून । क्रिक्स प्रमुख्य देवान प्रनंत कतिता स्माटकर प्राप्त कछ काल (क हुक शांकित । अथन त्वजून श्वाहेगद्र छहे स्थून।

ৰায়জিনিকে পতিত ভূমি বিক্ৰীত হইতে প্রতি করিতে আবন্ধ ক্রয়াড়ে লাভ কানিখের আক্রাহ্সা-अर्थय ु तु विक्ति दे योग्हाका फुल्यक व्यार्थनांक जार्यक्रम कतिका " । বিশ্বাসাল ভিজেন। তালালিগতে স্তন নির্মাল্লারে ্কর করিতে হওয়াতে ভত্রত্য চা-করেরা গর इंडिनव्हत्तव निकडे अक् चार्यक्रन ट्यांत्रभ करिश दक्षत , क आदिएन ह्य अश्रीच स्टेटर হ বলা বাছ্লা।

শালেশীয় ব্যবস্থাপ্**ক সভার গভ অবিবে** थकाबद्वा अक्षकृत्र । १८१८ में इंडिक्स माद्वय **इंडिक्साटबंब किस्**प्रदेश " । त रनव काशीनम् कतियात समा अक ं ले अर्थन रजियात **टार्खार कतितादस्य**।

के जिल्ला करणहरू मि**श्रामिटश्रम शर्मिटक वि-**छद कृषि " स्वाद्र**नाक चाटक, जानावा नर्वना** त्में ब्रा करत । क्रक्रेशाय क्**ट्रेटल कांक्**चित्तव

স্থানৰ না হং FASSA FOR THE PARTY OF THE PART (क्य । विजयस्थिक स्थापना । किस्सिक The state of the s

हेरियम् चय देशियः बर्गाम् अस्तिकार् अहेबन करकारि, किसाबनार का किसाहक ৰেম্বর আর্থরের হতে পতিত হইছে স্ক্রী ক देशाद्दन । किरहास मार ना स्वाटि विकास का दनशिक हुक नदाव श्लोगांव स्टारमान्त्र कि किद्रबाजनादस्य विस्तु कावश्रक नदस्य १ है के

श्रुवा च चात्रस्त्र वहनम, छङ्गका व्यक्तिकः चटा रहेगान, ७३ गासि कान विकित कि तांजि बाटबर क्छीन व्यथीन मन्दरे वाहेराका क्रिते कतिया ध्रुष्ठ शहेतादक्। कि. क्रुब्रफ्ता र अक्रें/: नि इंड कार्या, कहिया, दक्षवत् व्याणनाटमञ्ज नक्री:-म्बार्कात्रक त्यार्कात्रक कथा स्ता

रहणून डोटेनन नदमन **जा**कान सामक 🚓 🖰 ব্যক্তি তথার গ্রন্থেনেক্তির তদ্ধিল তদ্ধ্ করে ভাহার বিচার শীত্র কলিকাভার একারিং তম বিচারালয়ে হইবে।

আগাৰি মাৰ্চ প্ৰথমিতম বিচারালনের 🗷 त्नोक्षनाति त्रिनितन कावल वहेंद्द**ाः अन्नात**ः रिनित (योकस्या अधरम इट्टेंब

अक कर क्रिकिमान अक शांक्यांटमन विक्र[ू] টে চারিপারন। যুদ বাওছাতে তাহার হর মাল্ল ষেয়াদ ব্ইরাছে। পাবারাওয়ালার। সর্বলা 🕸 धनात्र यून नहेत्रा आहम ।

विकार महिन्द्र वालन, व्येशाय दिनिशा क्ष्म यांकानात मान्य व गाउँ अ**य क**्ष्मे যাজিকে অন্তে নিকেশ করিয়া প্রদানতৰ ক্রি চারালর হইতে মৃত্তিলাভ করে ভালকে পঞ্জী शृष्ण करा श्रेत्रांटक् । श्रवलंटबके e विवासन्तर्भ হত ৰীমাংবার কি একডা ?

উক্ত পত্ৰ ভাৰণ কৰিয়াট্ছন নদীয়া বিভ গের ইঞ্জিনিরত্র <mark>স্বল উভ স্থাত্ত্ব অন্যের নাইই</mark>ট कर्ती है वरिश्वाचीरक्ष, अविषय अब दिश्विका 🚧 দালতে সপ্রবাণ বইয়াছে: খনল উডের উপর रावछीत्र । अवार्षिक (आहे महरू वह किल्ला नह । नह हाइन-न है। निहान অত্যে প্রার্ক ডিগার্ট থেক্টের পরো-

कतिहार्यम् अध्यक् स्था विश्विकाती करहर सर्व खन्नकः सीय क्रीत्मांकंटक 'क्रिकाखान 'निक' हैवर्डि अक्डान्स्टेट्ड बडकद्विष्टा जानिका निक डाटकटक सर्विश हिन । के शिशंदि कावित क्षितिक अक श्वाकों किश्रीवर्ग क. मोशाब क्रियो**ड करन लोकांत्र फ्**रियां अक यां भीत साहाटस यम्भूकं स्टेश योत्रे। भटत कें। व कि केंद्र के केंद्र के केंद्र के केंद्र केंद कविशाय অভিপ্ৰায়ে একাৰ্য করা হটরাভিল। कर यन पारहाशा कार्यक्रिशनरक ख्याब निया अहे बडास सानिया तिर्शार्ड करवन । श्री লোকেয়া হাত ম্ট্রাছেন। ভারত বর্ষ ক্রমণ, प्रक्रिन कार्यानिया वहेरक इतिस्वय, यपि ग. ৰাদ গতা হয় ভাৰাহইলে চা-ক্রেয় বাব-क्यीयन कार्यासारमञ्जू काष्ट्रा (मध्या कर्षया । छुद्राश्चीद्व अब्दर्भ खन्न मध्यमा स्ट्रेरम मक्त हे देहा भी सुद्र अखि कांद्र उन्हें विभिन्न ह अविष्यंत्र अभिद्रव ।

इ याच मलक गात्र !

নিনিকা শুনিরাছেন ২৪ পরগণার মাকরেই টের ক্ষাম করেক পানায় নানিক ১৫
চাকা বেতনে কডকগুলি ভাক্সন্সি নিযুক্ত
১৯বেন স্কান্তলেই এই ক্স হইলে ভালহয়।

থেছে সাটাতে রিভিউ বলেন যে ২ র।
াহরাবি বিহেগ্রী কিবোঞ্চার ধরা পতিয়াছেন। পেবে নানা দাহেবের ধরা পড়ার
নাব না হয়।

व्यानीश्वाप (शटकने नहस्त उथात गर्नः (मन्द्रेण) विस्ति । अ दिसिश्चाम व्यापित निर्माणीय विस्ति । अस्ति है । स्वाप्ति । अस्ति है । स्वाप्ति । स्व

ডিনি ভারক মনেন যে ভাগর। পোই
অভিনেয়করেক জন বাবু বিশুণ নাভল নওয়া ও জন্যান্য অপবাধে কারা রুখ স্ইবাচেন
চৌশ্যই প্রারু কডক গুজি অস্ত্রে লোকের
বাবুলিরির উপার হইবা থাকে। তাই সকল ম
গাপুর্থই আসেনের কল্পের কারণ হই
বাহেন।

আমহা আন্ত নিমু নিখিত প্রথানি প্র'র কটম্ম বক্ত ভা অংশটা পরিত্যান সরিয়া এই- कारम् अवन क त्रमान। जानि नाजिनक जा काम श्रक्त नर्समाधात्मात माहमार्थ कामम क त्राव्यक्ति व वर्समाधात्मात्म २१ क ह्यांन वाक्षक्ती मवद्यात जाटकनियात कारमनीय हा-चि लाकप्रिरमेश माहाया जना जार्य मध्यक्षादर्व काम मण हम। जावार्य काम ए०० मण्ड होत्स नश्यक्षेण बहेनारह। के मणान जावजा विन्ना नश्यक्षेण क्षांन भागे क्षांत्रम यहांन्यत विन्ना भागा हिल्कि जावश्यक भूक्षक महांन्यत विन्ना व्यक्षिण हहेन। निर्वापन।

ৰক্ষলবাদিয়া এই রপে স্থানে স্থানে স-ভা্কবিয়া আগনদিনের গরত্বখনাতরভানি-তাগের গরিচর প্রদান কঠন:

> व बाच दूधवाव।

কিনিক বলেন লার্ড এলখিন ও মেডি এ
লগিন উত্তরে একটা সভা করিবেন। ২৯এ সা

ত্রি ৯ টার সময় ঐ সভার অধিবেশন হইবে।

তিনি আরও বলেন কেনাগিয়াল মেবর সম

চারলস ট্রীবিলিয়ান শনিবার নিবিটার ফিনাশ্র

ভিণাটনেউরে অব্যক্ষদিগের আফিস মেশি
ভেণাটানেউরে অব্যক্ষদিগের কঠম হাউস দেখি

তেন্দিয়াছিলেন সোনবার কঠম হাউস দেখি

তেন্দিয়াছিলেন।

আউত গেলেট বংশন বে, এলাহাবাদের লকমোটিত গ্রপণিটেওকৈ, ভবলিউ ভবলিউ
ক্যাম্পনেল গাহেব এলাহাবাদ ও অবরলপুর
রেলন্ডর ক-ঠাক্র'বদিগের নিকট হইডে বালি
ক ২০০০ টাকা বেজনে লালনা ট্যাকিক ম্যা
নেকরের আজিনে নিবুক্ত হইরাচেন।

ভিনি স্থান্ত বলেন য, আহামদ আলির বিপক্ষে হভাগেরি বলিরা বে অভিযোগ
ছইযাছিল একণে লজেন ভেপুটা কমিসনর কা
পাল সাহেবের উপর ভাগের ভ্রতাহসম্বানের
ভারপ্র ইয়াছে, গুনিরা সম্ভাই হইলাম।

জিনি আরও বলেন বে মারকুইন বিভাহ-বেনের মৃত্যুর পর লেগটনট নবলিট সি কা-ম্পাবেল সাহের জালান গলের ও সম্পৃত্তি, ট্র ম্বরাধিক। টি হইল্লাড়েন। ভাগের সম্পৃত্তিও কম নয় ৭৫০০০ টানার অধিক ছইবে। কাম্প বেল সাহেব এই অতুলা সম্পৃত্তির অধিকারী

विशेषण चन् देखिले स्थापन वरणम वार्गाक वार्षण नावक जिन सहन जेते सा ५७ वर्षणहरू जन्म मारे, फायका ज स्थापन वारे। वर्षण्य वेत्र स्थापन निजास कारणहरू ।

নক জন নাকালবাংকে টাকা লইবার উপজেন করাইক করি ইবা পরে আহাকে-প্রক্রিক ক্রেক্স গে অক্তি প্রক্রিক্সইকে প্রক্রিক ইবাতে প্রক্রিক্সকর্মী। প্রক্রিক ব্যতীত আর বিক্রান ক্রিক্সক্স

নাজালে একটি হতল বিশানীয়া বিলালে একটি হতল বিশানীয়া কেন টোহারা পাৰ-চিন্ত আঁ কেন টাহারিচেন্ত আঁ কেন টাহারিচেন্ত আঁ কার্ডি অংশ এক গড় । অকট্রননী পার-চিন্ত আঁ লাজন ইবার জন্য গানু কার্ডিক ভারতবর্ধ ও সিংসার ভারতিক বে। পার্বিক করাক কিন্তু ইনেক্ত কর্মান আনক শক্ষীর বাজাল ভ্রমক লাভিক্ত বাজালে একজা বিশ্বর বাল্যক কর্মান

রাজা নামোজে আনি নিজেছেন।
উক্ত পর আর ক লিবিনার
ব্যংখাপক সভার এক জুন নিরি

है। बन्द्रां से बना निर्देश कर है। बन हा बहेरा, अवर दिन अहत सेनाह साम अवशः **क्रेंद्रव मी, है मिक्रता क्लिम्ला**नि वन , এ: ল করে কার্ব্য আলেছ করিবেন।

ाराचाहेरात अधान (म्हा: 🗂 मा हेहे-ক্ষিয়া শব্দবিলভ সম্রাতি ওজরাটের রাখার মক্তি গাকাৎ করিরাছেন।

उंक्रुशनारक गरेवा जातक 14 Ball आक्रिकित ह গিন্দ্রামূদ্র শক্তাতি ম্যাভ त्राम अप्रदेशि कान्नामि कृतिकान्। हर्मिकान् का श्लीन्यानित माटम अहैनानित अपेनिजय विशाहामाद्य मानी प करतम र अन्ता श्रीकी STORE WASHINGTON विकृत्य परमम । जाण्डकारनम् ः। ले विक्रमें कि कि लि किस्ते विकास १८३. १८२ १८वर प्राप्त श्रीदेवरिशत तम व्यक्तात मध्य 🗸 🙉 क्षेत्रिके 🧗 🗯 🖟 अवाह रवतारर<u>शर्</u>कीक कानानित केंद्रि अध्यक्तिहा मन्न वकाने चरवनम किनवन्नशहरू র্ভ্যক্রার কাশত বিজয় ারিতে নিবেধ করিঞ্ की श्रीप्रदेशांता श्रीव्रशिक क्ष्मिणां निव । हेरावा हुँ सेचे गांचे खान हिरक्रहे (खन्न करतन) विव-(জ্বিনিরাছেন " তাঁহারা অতি অন্যার করি **ছাঁ দুশ্যর ন্যার ব্যবহার করিয়া লাডটোন** कि कि कि कि कि कि विश्वास्त्र । कायता यभित्राह्मे सम्म !

'(स्ट्रिंगेन के अवर्त्त आका क्रिवाट्स यः निक्षिक्ष जिन म' मखन्न ना स्हेन्ना अजि WEER ? ভিড ভূমি বিক্রীত det.

विमी । को _{गर}े, डाउँगणिख **रहेरछ** পারারে _{বিশুর শস্}াল গ্রন করে, কিছ মার্কিনীর ভাল (৮৫গ্র দ্ব: 1 কোন কভি হয় । छार्श्ति यथन भाग करव आकाम स्ना

विक्रीदर्भ इट्टेग्लिका नित्त व विकास अट्टे का मद्भान मुना इकि नहिंगार्सन ।

हरक है दशरमहे का जिन भूगात एवं करा (शृक्षाति । ई काहे।। जानि नेशाक देवजा **इंडिकार खराइडिक**

5 भःयाम ानेब्राट्ड, । तर त. गाणिक महिना महे गा 一次正一大 教教的人, 海山山山 新春 सा क विष्टा वर्गा करिया है । वर्गा के विष्टा कि नार के विष्टा षोरण ८ ध्रतन कतिरवन । बीक्ष्य अधिक, हीष्ट्रक लात चांधीमकात लाग रहेता।

त्त्र-वद्याटक विश्वत क्यूजा काटक, भूरिर्मा नत्र भूदर्भ जनफराम माट्य क्षेत्र विकि **ছিলেন বির্জাপুর হইজে তথায় এক রাজ্যী** করি**নে ভত্রভ্য** খনি হইতে অনেক কর্কা ব্যাসিতে পারে। ইঙার ৭০০০। টাকা ব্যয় নি ছাঁরিত হয়। রেওয়ার রাজা ধনির স্বিধা सम्बद्धाः क्षित्रा क्षेत्रे भागचात्र धादलवरीम क्ष्मिर्क् बौर स्क्रिकिया व्यवस्था व्यवस्था विश्विक विश्वक के ब्रोक्स राज कड़नी गर्य किल के स्वर

चार्याच्यात्रात्रात्रके बरमत जानवीत चानी भूता अधिकारण है कि जात गुरु है और वर्ष के लोगी minimikal gurantite : Buch betat नीपात्र का मानव का मोड़ का भी का राज्य ! राष्ट्र वाक्ष्मेंद्रिक्षेत्रिक्षारकमः। एत्यार्थनः क्षेत्रप्रात्रिक्ष देव, ब्राह्मां वर्षा के ल्यां के प्रतासीय संस्था वा वीक्तिवार्षे केटि यक्त्वकः की द्वितिकानि क्षिक्त जाकि ।

रिम्बाई मंद्रदल विकित के भी है दि है। केल्येहरिके उन्तराम कामध्या कविशास्त्र ब्रोक्ट क्षा नदस्य निरम क क्यू इसमान ग्राक् नं भारत राकति ॥ विशेष केंग्सरं राहेन्द्रीवेदगद भवारी कि पाकि सबन् छवाति होश्र विशेष भार्ति के जिल्लान । गिरमणीय किर्णाय क्षांकि के बाह्र क्षित्रेशम बद्दा प्यादश, जेदर हें क्रिक्स महिल्ला याँहाडक भरेभरन अञ्चलक रहे हुई है है है। कि बांब केला। बनाम नकेरक शिक्षे क्षावरमा कामहारक्षम जनम अन्या काक केशम रकाक दिश्यत गरमान मार्चे । गुण्यासान न्यामाना हि निर्माण क्षिण वास्त्रितिक्षमः स्वरणकाः जल्लामः व्यानसः निवर्ष र अ द्वार्थने क्रिक्टवर्ष केल्लाक ह

नेमान हेन्द्र क्लेल महामने, सम्बद्धां क्लेक त्वक विन्द्र फाराव के विद्यालय है। विकास ** STREET TO THE WAR AND THE

Color Box Countries and Marian de management of the second With spilling the Printers, Street, and The state of the s WHEN A STREET LAND SHAPE THE WAY HIGH STATE & SCHOOL

निर्माह के का न सर्वाहर कृति क्षेत्राह । चिति विश्वकातीय य विश्वविद्यान पारवाचा बिरमः बार्क । इतिहासिक्तिक महिता है। खबा-नि शव-दिर है दिन्देश और निक मादबानादक भागा क के ब्रा चहुन्ती के করিখ়াছেন। अर्थ जायन रिस्मिक सर्वामध्ये जानि मन ७ विल्लामिक हिं।

मिली देव^{हु१ क} अनी(मङ्ग प्रमाण) नम् সংবাদদাতা বংশদ গুলুড়া এক জন আনসা-ষ। এক আরার নারিকাতেছন করাতে ভাহা-त । वरमत स्वयं क बहेग्राह्म । अधूनमायात न ণিত আর'র কুনহত চিন্তু। दे साँछ সাত ৰ্থসত্ব শীপান্তবের জ্বন্ধ 🕦 🕅 🔐 ক্ষা अवंश्व करत, घीरमारवत्र वाहिकारकारम अञ .वण वैदा दन कानिङ मा । भरतावराख, बरनम के प्रक्रिक वांनी क्षेत्रांत काळा क्रमप्राटक कांत्र, कांब्रिक शक्त जीटक यनिस, स्मन ! बे ৰাজিল চাক কাটেয়া জামার নাক করি ম 🎮 एड मो १ , व्यादक वटन, जोस्वय मारक्य प कार्य क्रिट्ट भारतम्। मार्मापदलत् दवन दर्भाई मन्त्राको १६६७ क्य प्रदेश कारहत ।

व्यवस्थात्र प्रकृति । अकः स्वतिक्रमके वेक्रस्यः ্ীপ স্থেলী আইটিক ধইরাছে প্রধানে উত্তর फा श्रेकी अध्यक्ति बजारे कतियात का का रिवर

🖓 ुंब्द्रेक्ट्रिंग्यान जिनिता नामक खाश्रास विक्रिक्तिक व्यवस्था विकाशियन क्षिया इ**स्हें**।१केµेर्**कित स्थानविश लख्या कक्**रा ह

भूतेकृत अव देखियात मध्य द्वाराह्म वर राज्य व वाभवता । भारता क्षेत्र क दमकेक प्रतिक में। दिने दशादमान नाम क्षेत्रादनक अन्त प्र मुख्येनुहार नव विकेत्यां महत्वः अवस्थाः । P. SAMEN A RACHESTAN I

अधिकृति । अभिन्य नेतिक विमा क्यांच (। कि में कि कि



कविशादक्षः ज्या कवित्र विश्वत स्ट्रेटक्ट्रे । त्यक व्यक्त हैं शिक्षा व्यक्तमान करत्रम अयुक्तक ভারত্তহরে অব্য এক প্রকার জেওরানী আই: कतिवास द्य कविश्वत एवं छोडाहा छोड्राक्टवर्सेह ব্যবস্থাপক সভার জাগত অধিরেশনে জগলা দিগের রিপোর্ট প্রকাশ করিবেল। ভারত ৰবেঁর এক আকার কাম ভাগ হওয়া আলউক ভবে জ্যেষ্ঠাবিকার গ্রাচনিত করিতে পারি धक किन मछानन। बाटक ।

के कर्भ में नव प्रावनन केर प्रव निविन्त्राम क्रिट्ग, पूर्वि ७ वहबनाटवृत विष्टत आंख्यान প্রতিবাদ করিয়াছেন। সত্র চ রলস উত্ত বাহা করিবেন জিরামপুরের মগানতি তাহার কিছুই जाल व निरंदर ना । अधान कथा ।

কিনিজ বলেন ৱৈবিনিউ বোভের হজে ইনকর টাকোর কার্য্য বাইতেতে। পলিকাডার कवित्रमञ्ज वर्ग विलाग गाइँहदम अवर छाहालि ात कारको दिन शम के किया बावेदवा कान ষ্ঠি মাই।

উস্তপত্র বিশেষ কারণে যতিরাক্তের সং ारना है विनिद्राम भीत देनकाडीका छैठीहेब দৈবেন। ভারত্বর্থ তাঁহার নিকটে এই প্রভা केट्यं ।

১১ ই মাম শুক্রবার।

चात्रवर्गीत् भवनंदमस्केत्र चल्लादाः पाञ्चनादत সর চারলস উড আজা দিহাছেন ১৬ লক টাকা ব্যবে আলাহাবালে মুক্তন আকিস প্রকৃ छि इड़ेरव। कारश्चन भाईन यहे छात्र आध এইয়াছেন। ছুত্ন কলু ক্লিকোনি বাটা প্রস্তুত্র ভার লইবেন।

वेक्व गिक्तिकाक्षरमञ्जू क्षव्य स्ववस्थानी जा দানত ৰাজা দিয়াছেন বে কোন বিচারপতি কোন ৰাজ্যিকে মিখ্যা সাক্ষী নিজে গুভ করি वन, डाबाक देव मीसिट्ट एकेन निकटके थाइ শ ক্রিবেন **নচেৎ নিজে অনুস্থান** করিয়া সে সিয়নে সমর্থন করিবেন। স্কল স্ময়ে এক। স रव खटबहैख।

देश्निननान मिक्य करण व्यवसङ रहेवा ছেন এডমগু প্রোনসাধের পরত্যার করিলে বারিংটন স্পাছের জনীয় গালে নিগু জ হইবেন क्षामः विदेशद हैक क खाई।

विक्वीत बर्गन सक्तावीत अक अन माना

की कुँदेशात मुखेदनर गनात जानिएकहिंगी कीराहरू रूक कहा रहेडांटर असक त्यान सरे शाहिन ।

ছেন নর হিউরোজকে পদ্যুত করা হইবে ছির ঘইরাছে। ভারতবর্ষীর এখান সেনাপতি ৰ শদ উঠিয়া বাণরা সম্ব। প্রভ্যেক প্রোস ভেশির এক এক প্র ান সেনাগতি হইবেন। সর রবটি নেপিয়র বৃদ্ধ ডিপার্টবেটের সেক্রে है। विकास सम्बद्ध केशात कर्कुच कतिरवत । কেৰি জের ডিউক জনি নর হিউরোজকে বি गांतीत करवत सन् वित शाम्मा करत्व सार्व श्रेष्टा हे रलशीय श्रामा अब अब वीत हांबी हेरवन : जूनी ७ क्रिडेनी चंछेल विवय विश এত দোবের হর ভিউক ভার কেছি । অপেকা গুড়তর দোব করিবাচেন। ধর্মনী जित्र विवरम हे रक्तीय क्षणान मानाशिक विश्व ! ত নহেন অধিক কি বাণীব পিড়বা ন হইলে ি তিনি নিজে এও দিন পদচাত হইতেন।

हेर्डियम कार हे खिना बरमन मनील मिश्टर-র তত্তাবধানক সার তন গোগিন বোৰাট্রতে

किनिका राजम किन्नुजिम शृद्ध छोत्र उन्हें ब রেইল ওয়ের এজেন্টের আভিনে এক সভা হর : তথার চতুর্বশ্রেনীর শক্টের আবশ্রক্তার বিষয়ে তর্ক হওয়াতে অধিকাংশ সভ্য ইহার विक्रभ में अवांच महित्राद्व । दाहेम बद्द काल्लानि जालनामिरगद्र शांत्र जालनाता हू ঠার শারিতেছেন।

(ब्रहेन करवर**ः डो**रनाक प्रिराद संक्रंहे विमांकिनाक गाउँएक एम्बन्नः छेडिक मट्ट कारबा धरे व नेया त्य शिखाव कविवाहिनाम ইণ্ডিয়ান রিকণার ভাষা গ্রীসম্বত ও হাস্যের উপयुक्त विनिष्ठा विकामा विविधाद्य , द বেশ্যা, কে ভন্নখংলা, ইহা কিপ্ৰকারে ভাৰা याहेरव ? आंड आइमिटन विनाता किसना ना चना क्षेत्रा क्षेत्रिकत महिष्ठ ,, अक भक्ट्रे যাইতে পারিবে গারকর্মার এ প্রশ্ন এড क्लीय मधात्र वर देवेटहालीय विश्वत्क कत्नि-बाटकम ? केंछेटबाटल शक्। क्षेत्रक अटकटल द्वलाई ও ভত জীলোক কেবিবা মাত্র জালা বার ৰমি ভাড়া দিলে এক প্ৰকার সম্ভৰ্ত্ত ভা

नवांत्मत कि त्यव कारणां विकास भक्ते वंचन आवनाक, स्थान द्वांची क्रिक्ट वैक श्रा मध्य रहेट नश्योग शाहिता- विकृष कतियात आधार जानकक नक्ष य न विक्रमात्र जानिस्तन जानहा निरुत्त গম্বক, কিন্তু আৰম্ভা এক কালে বুল ৰুণা ও অসম্ভ বেধি করি।

আধরা হতজতা স্বকারে খাকার করি नाषात्रभ विकामिकात किर्बाहरता है एक वर्षणान वर्षत्र शासकोषि को के গের ছুইখানি বিলাব প্রাশ্ত ব্রবাহিন প্র च २३ अन निनिश्त ७ ३७, जन व्यक्ति वृत्ति गारेवादरः। निमित्रव त्यानीद्याः देवाति कि कारमरका कार्रिकारण कांक क्षारिक इत्त कबूटवेंनि। विन्तानित । क्षेत्री केंद्रि প্রথান। হিন্দুল নারাসভ কর্ম 🕷 करतका छेखन विकाशन अवान कर्मक रहेबाटक । आयरा जीकेकियनम मार्थ कोड वर्तिराहि, विशानिकात महत्वका ब्रिट्लांह क अन्य अन्य कांगल कांगाबिद्या क्टि नित्रमञ्जादम् थ्यात्रम् कत्रा स्त

नियानिक शास्त्रता विश्वविकाश्यक्षेत्र वेश्व भवीत्कांकीर्व बहेता हातह के साथ बहेतातूम ।

उप व्यक्ती ।

ब्रामिविकात्री स्थाय থোঁনি ভেলিক নিৰ काखिङस वर्षमानाथा। क्ष्मवनाथ विभि ' থেবিডে বিভিন্ন উম্বাৰ চটোপাথায় 🕐 থেশিভে জি ক্ল व्यवाप वस् প্রেনিভেন্দি[্]্রের _এ ठिक समाह कान ध्यिनिक्षिति वर्षक न नीवत्र बरमाश्रीधानः जिल्ल इते विक्रिन ज्रमामाण्य ल्यारम् TE THE PARTY भिविक्राज्य स्वीव শ্রেনিভেগ্নি কলেজ

रं स (व्यक्ती। ক্ৰিকাডাবিভাগ

दिशीयांचय हि প্রেসিডেসি কপ্রে ब्ब्राच्या ह्यावही गरक्**उ म्ह्लाल** । **चर्यामडे, ८४, मित्रक** ভবুটন কলেপ্ৰ विवादनहां मृत्यां भाषां म ্র্রাসিডে সিক্সেক णामीठइ० इक्स्सी প্রেসিডেক্সি কলেক

ছগলি বিভাগ। क्षिणक्रका वाय र्भ नक्रमण বোগেখর, চন্দ্র রবাপ্রসম সিংহ

308 কুক্তনশন বিশ্বাস मनिक्रम ब्ल्यागिनेवाहेक **医性性** 第 400 NG অক্ষর্নার রায় काली अनम मूटवाणी धीर्म । वण्या श्रुष्ट विस्ति ভবানীচৰণ মুখেশি (ধাংসা, ক্লাকস্মগাল কলেক 百十年十年 日 গোচরণ চক্রবর্তী प्रांका का नव .श्र**ाश्य (मन** 李泽 年 月春 正·申/ 海集司幣 िनवाश रमम मिमुनिधिक ছाक्ष्मा विश्वनिस्तिकारका आदव-'ब श शतिकात्र देखी व स्टेत्र।' हावहत्ति स्वीश्व-**५०४ (छून**। ১ম খেলী। WHITE MICHA TO IGH STRIP জি. চৰিলিট, ডেছি BALL MICHA रायपद्रश विक कन्दर जा महिल्ल न স্ক্রান্ত লাভ বিভাৰত। ড্রিকটনটিট্রট্রণন ्यं। पन्न स्र्यामानाः कन्द्रीकः आकृष् न -a.i.u. a. u.i.a. श्रक्ष म् २०१ क **बरकामश्रीवाह**

्र **भ**ः । । दशोष्टन **रस्ट** २ इ (वाबी

जार, अनोप ब्रोध

छाकांकारमध्यात्रहे भूम

रैममननिः खुन

ৰলিকাভা বিভাগ। D1. 3/60 কলিকাত। মাজাস। क् इस्विक विदेशन अप्य बहाजी ने जिस रेक्ट काम्युश बन्ध् कुल १९ (म. सम्बद्ध কোলুটোলা ব্ৰাক্ষ্ত ्रिं^ड महस्र (क जर्डेन करमञ् প্ৰা- ক্ৰি ৰম্ম কোলুটোল: ব্ৰাঞ্জুল ই পুসচক চাটাশাধায় কেনারেল এসেবিল-ইন্ডিট্টেউপন निकाम बाब छोबुटी (कानुरहेनमा जाककुन ধছুৱাৰ শিক ग ठाठ है ने कि विज्ञेभन ছবিয়াত বক্স धिकुकुल दर्भ देख व्यमान प्राप ८ । १२मा ठळा द्यांच **এम, कांद्र, नाका**हिकन ७ ४ जैन कर ल्ख ভাশংপ্রসন্ন **বন্দ্যোগাধ্যার কোলু**টোলা এলফ্র अविकलेल मिमिन्ति দে:পাস মাল পিল কালিকাডাট্টে নিং স্কুল 主要活动 电弧 क्राइडीश्राम निरम् कि इक्टेनिकिएडमन সেনীপালের ক্ল **इ**'रल्भ श्रिहरूल

年[南海1四/河流 |年] D1-464 美国1本 হুগলিবিভাগ। **উত্তরশাড়াম্ল** क्ज़नामस बरकारिश्रीशास्त्र হ্পলিব্ৰাক বুল निटक्षत्र बटम्लां भी शांच इशिक्ष का लिखाइडे स्वा আ্যিরআলি উত্তর পাড়া কুল यत्रकांकत्व यदम्याशीयाक विवासध्यमान वस् है। कि था उन्हें के न मक्त्र हत्त्र हत्के विश्वार ছগদি ব্ৰাশস্ত बनभानी बरन्त्रांशाधांत्र छ्श्रसि कटनिकररे है न BUT OF HE किरगातीनाम को प्रो অবিনাশচয়ে চটোপাধ্যায় বলাগড়িয়া এ.ডঙ

स्वति काल्यिकारे प्रत्यकाम माम উপর পাড়াকুল दक्षात्रमाथ हत्वाभाषाव किरवनी हिन बे क्षांबनाथ मान क्यां कर्ना क्या हिंदी अूहा र्वननाल जान रेमश्रीमश्रुव अरक्षक ल मरमञ्जान एउ কুক্।নগরবিভাগ

बढ़ाल (एउड़ इन् भागमान एउ পিবিশচন্ত্র সিংছ কুঞ্চনগর কলেভিবেট কুল কেদার নাথ যৌগ রাময়ত্ন বন্দোপাধাত্ন লাখিপুর এডেড কুল বিষয়, প্রসাদ দেল গ্র रमा दमहत्त्र मतकार ভগলথর কুল। প্রিক্র শিত্র ক্ষেত্রপোপ লে রায় बन मान करणेश्यापात स्थलि कारमिलाये कृत्ती क्षावाम मानाम

চাকাৰিভাগ।

एकिशिशिक के व मनिख्याङ्ग द्रोह ৰেছিৰচজ্ৰ চড়োপ।খাৰ কালিপাড়া এভেড্ৰু ন ক্রিদ্পুৰ সেরাজুল ইসলাস ष्ट्राकाशरशांक वी वस्तिकाति अक्ष ৰাজনোহন দে हाक काम किर्म के भाषाहरून (मन টাপ্ৰিয়, এডেড এল रेवक्रेनाथ यात्र न त्रिभाग थे কালী এসম ৰস্থ इंकि अस्तिक जे केन तहत्त्व भन्दार्थन क्षिक्ष्रुत थे ভাষানাথ চক্ৰৱি

তমু শ্ৰেণী।

কলিকাত। বিভাগী।

कन्दोन। उक्कम् প্রিচুনাথ ম্যাক **७ वर्षे न कोट म**ण बह्ब, किन्द्रवर्षे ৰল্টোলাব্ৰাঞ্জুল তুলসীধান শীল কলিকাত। ট্রেনিংক্ল ८वनीयां ४व प्रख श्चित्रमाथ मृत्यांग (शांत्र कि करेम किए छिएन। শতিদাল কৰ कलूटिंगाञ्जाकम् न हित्रमाल विश्वान क ठाठ देव कि विषेत्रभव स्प्रमाथ वका क्लुटों ला ज'क्कुल क्षानाच वस

कामी स्थापिकार শিপস ক্রিডেয়ে GA ME WIN COLUMN · মু: বটন কালেক का भी भी देन द क इक्षां जाउ। के हैं म কল্পটোগাত্রাকদ্ব with him and the CHIEF THE WAR विक्रम देवकि विकेशन रविकामधारी विकास Chile California 罗尔斯斯 处例可以明确。 भः क् उकारमञ मञीकारं विद्वार्थः अस्तिमोद्धाः है मिरवकार्खाः नि इक्ष देनकि है नन व्याधान होते होते हैं कृष्ट हैं नाउ।क 电子可引用 计行电弧 TETOWA. क्यावास (स्व শিশাইচন্দ্ৰ ধশু नाय नरहत्वन भे हार्र व 对你!好 在水海角 कुरुक्त वरम् । भीका । ग "长楼" 新草母 心之耳睛 "碧 **《新的信号可以 "**" শ্ৰীনাগ মিত্ৰ ্ ক্ষিত্তা ট্ৰেম্ডিক একাড়মি मीनवाच क्यांशिक्षाय विश्वन कि उ.५ (% তৈলোকানাৰ পাজ_্ জজিকজো চট্ট লিংএ২ জিব

ब्रामाहत कुमं के लीनाथ ठां छै। शाकाल रैक्स क्षेत्र । ब्राह्मक क्ष्म भारतिकालिया अस्य পাৰমা আৰু নাজকুকা খোৰ THE DELT WHEN রাজস্বি কুল। গোপাল চাল মুখেলি। এ জালুয় এতেত ক্ষ ব্যিকলাল ,বাব अधिक करणा मामिक वर् প্রাসমকুমার সেন (五)祖司司董 《(公)》 建 號 কর'লীচ্বণ সংকার श्रिक्षनीश्रह कुर (म)मामाज मत त्रहाँ वर्षक भूक भरहत्यमान वरा क्ष्यांक कर्यां क्राप्त क्रा कालीकुमान रमन त्रमञ् श्रुव रक्षा क्या व व्हान कार्डिक ठड़न गाम एमें स उक्तिकुल শব**চন্তা ৰন্দে**।পাধ্যায় र केथ इंड क्ल ऋशिक क.सिस्यिष्टे के स वसनी नाथ गिज ক 🗫ৰ প্ৰভেড্জ ফ গিহিশচন্ত্ৰ রাম কংশিপুর্বাহেন্দক্ত, স্থা:শুদুগণ ৰায় মালকে এডেড বুল धानवर्षमाय व १४ शंबक दून अविकारत्रम् बटमरांशांधाः प्र বিশ্রদাস চটোপাধার औद्रामश्रेष करल्य ভা,মটা এডেডজন্ম म मिळूबन बरकाशाधाः यात्राकश् सक्त रष्ट्रकाथ वस्त्र शिवनाथ रामाभिश्यांव बाराय उक्क विष्यातीलाम घटकेशिधांत्र বোরাএ.ভডজুল (मिमिनीशूत्रक म विभिन्नविष्यो हुन ইল্ছোবাসওলাই विक्तिक्क प्रशानांपांत्र बर्खक्रम् ल

न्डाल जारूर कुन THE PROPERTY. वर्षमान गणात्र कात्र काल क्षप्रदाय । कर्नरही কুঞ্জবিভারী সমস্য কা নো, ৰ্ড হাননিটেই,এন वानकानांच छ्लाहांचा कुम्बनश्य करणांवरप्रवेश क क्षीमनक् रहीधूनी की बद्धार स्म मरबारगांक न अवकांब श्रीकांपर देशसांच व । कूड़ा अनुवा मास्त्रिक व्याप्त कर्म ड ११वन गल नाधारहरू हे करेंगेडी क'चना लिक देनि खिछिडेन र **अभवत कार्का खब**हे मूल श्रीभग्नहस् (अध क्षित्रमण्डला मदक, १ क्षीत रक्षस रेवक #4 7 **थां ल अरङ्ख स्**ह · 海(計)

ि जमका माद्रा इंशिडा कुल ६५ वरे शामा क ভগলপুর স্কুল कानमी नाथ मीहर वह रम्भ लग्म किए हो के ल , कन 'सम्बद्ध । सन র'ব্যাহির জ गण्डबहुत्व बुरखे कि वह राष्ट्रण व दल कराहे छ ल ्रेक्टक्टा (ब्राह ८क माल बाय द्रश्चिक्त्यों मान 副市市市 実すな খাৰ শহিস্কল ३९म्बीकाल ভগলপুর খুল 'लल'म: अ अस्मि क लिशिष्ट के ल दश्डमञ्च माम्मामावस्त्रम् । माहत्यमः अरबस्न ब्रह्मां म . ा ह इस^{के}व आकि পাটনা কালেজ किक्। विश्वा

Cear marten? ... दरिन, शक्र क क्रियाच हर्तिका भारत व क्रांकानाका के क ब्रीनाथ भिन्न ज्ञानियः अध्ययम् का सि अनक रही धुर्वे । ববিশালক ল नकोषत्र भर्माः मिन्न'श्र ভগবন্ধ ভাত বালালাকার CALFARE DEGINIALIS क्षान्त्र के माध्यनाच हार्क्षणाधार 4.4.4 simple size ેદગ્રહ#•

वानवकु नाहा छात्र। का नामित्र है के वानवक्ष्म स्थाना है। का नामित्र है के वानवक्ष्म स्थाना है। का नामित्र के वानविष्ठ है। का नामित्र के वानविष्ठ के व

১০ট মাঘ লনিবাৰ

গত শুক্রবার সংখাত কারল জার পারিতোলিক দান ক্রিয়া নির্মাহ হইরা গিরাছে:
উক্ত কাল জের ক্রিক ই, বি, কাউঞ্জলনাত্রর পাল বি
অয়ং জ কার্যা নির্মাহ করিয়াছিলেনা, ডাইরেট্রর লেন।
প ভবিলিন এস, সাইকিনসান, সাহেব ও
উপ্রিও হইয়া ছাত্রগালের ব্যোচিত উৎসাহ
কর্মন করিয়াছিলেনা। অধ্যক্ত মহামারের প্রায়
ক্রিয়াছিলেনা। অধ্যক্ত মহামারের প্রায়
ক্রিয়াছিলেনা। রম্প্রস্থিনী নাম
ত্রি

কার্ডা স্থা
কারে পারা করা বিবেচনা করা বিভিন্ত বা সংখ্ ত
কারে কারে চাত্রেরা গুরুতব পরিজ্ঞন সহ
কারে পারা চলিত সংখ্ ত পুস্তক সমুদয় পা
বিবস্থা কুল
বিবেচনা করা বিকেচনা করা বিভিন্ত সংখ্
ত পুস্তক সমুদয় পা
বিবস্থা কুল
বিবেচনা করা সংখ্ ত পুস্তক সমুদয় পা
কারে পারা পারে প্রবেশিকা পরীকা জন্য প্রথা কিপ্র
কারে প্রবেশিকা পরীক্ষোত্তীন হইতে পারে।
সাবে উদ্ধেশী সাবিশ্ব প্রত্তের নাই, কর্তুপজ্ঞীর
ক্রিয়েট স্কল
ব্লিয়েট স্কল
ভা বিব্রেক শিবিতে উৎসাহ হইবে কেন।

হৰক্ষা ব্যালন বে ইউই প্রিলারেল ওয়েকো স্পানি নিয়া ঘাইবার যেগ্যা ১ ম প্রেণীর পাড়ী প্রান্ধত কবিতে মনস্থ কাশ্যাকেন :

দিলিগোপট বচনন ্ ব্যানার দারী ক্ষেক বিসন্প্রশাব সহিত্ **সাগ্রার** ধাটবেন ব

তিনি জাইও বলেন বে, গোরালিগরের মহারাজ গঠ সন্তাহে ফাঁদি পরিভ্যাগ করি-খাজেন।

ই শিল্মান বলে তিগেডিয়ার জেনের্ক নাডিয়াল লাখেন কালকাড। ইইতে মুর্দিলাবা দ গিবাছেন :

मोतनाक 'डेमम बर्गन महीखरतत ताका इं अति 'नेक्टारकात ध्रमान मानन क**डी कहै**। ध्राणान : المحدد

दशरमभीत बावश सम्बद्धः । १ हे बाव मनिवात

क्षिकांकांत्र भूम निर्वाद्रश्य विक विभि मा

১৮৬০ অন্দের ৩২ আইনের করন র্ত্তের বিল অর্থণ করিবার অন্তর্যাত কেন্দ্রর শ্রুপণ থানার অন্তর্গত বৈ বে বাল করিবা

হ। তাৰা পুনৰ্কার সাধার্থ নশহ বিচারালয়ের অধীরত্ব ভইজ।

ইডেন সাধেব কলিভাডার ভুজন বিউলি পল বিল অর্পন করিবার অভ্যতি প্রাথ লেন।

বৌলবী আবছুল সিংহের প্রস্থাবাছী ঠিকাগাড়ীর ডাড়াব বিল বিবেচিড মুক্তি । আসুয়ারি পর্বান্ত সভা সম্ভারতিল ।

্ কলিকাভা হাই কোর্ট। ।

২০এ কাত্যারি কালিপ্রসায় রায় ৮৬ করি।

মূলোব শার্ম চুর করিবাছিল বলিরা ১৮ করি।
করো করু হইয়াছে।

৮৫ টাকা চুরির জন্য লালা বেইছাক্। ই এই মাস করোবাস ক্ষরাছে।

ভণির ড়ে চ্নিলাল ক্ষেত্রিব ১০০ টাক্টির করিরা হল বলিয়া ১৮ মাল জীবর গ্রহেল ক্ষিত্র রাহে।

শাষ। নামী বেশার গৃহত নজি আই। আইছি জিনিবপত গ্রহণাপরামে স্কপ্টাদ ২ বংকর আন রাবাদে শিলাজেন।

বাত জনী বেশ্যা ও শহু চক্ত চড়োপানিটি গোবিদালালের জহুরত ভৌবীশেরটির ১৮ আশু কবিয়া কারায়হে গিয়াছেব।

मारमा नारम अन सम दिनाहरि असूह केन्द्र है कि कि वीमार्ग के माम सामार्ग केन्द्रिक के देशारह ।

শির তামলি এড়তি দরক্ষের ১৬ ০ টিবির র নোট চুরির অপরাধে ভিন বংসর ক্ষিত্র ক্রোবান মইয়াছে।

কলিকাভা হোটআবালক। -

২০এ জাছমারি গোলকচন্দ্র বিব জারার ক্রীত জুবির উপরিস্থিত গৃহ ভগ্ন দিনিত প্রলিব ক্রিসমীর ওয়াকশ সাহেধের নালে ১২১৬ জালা মারীতে মালিশ করিয়াছে।

কৰিকাতা পুলিব আফিস্।

अन कन शारकाशारमत कछ छव र सम शासी शाकि हालाहिनात कमा २ प्रदे होना स्वीतिहास स्वेशारहा

इप्रिक्ष करक जालम मामक आवास शिक्ष कार किरना नारवरनत नारम कजालकार वान करेग्रांक, नाकी व आंग्र जालकार देखाँ कि स्त्र नन। यात्र ना विशेषकार केस्ट्रोड

जित्र जातारी सदरात जना का के कि जित्र जित्र ७ ग्रेस ७ जात अक्लरम् ५०: के कि स्टेश्टर একজন কুলির নামে সেল্ফছ্টতে একএ গাড়ল লইবাছিল বলিয়া অভিগোগ হও-াতে দালিট্টে স্তেব গুরুত্ব পরিপ্রথের তেওঁ এক দান করিবালের জাত্মতি দিয়া দেন।

উইলিয়ন শ্বিধ নাথেৰ কিছু স্থানাস জিনিস ুটিক্তিরাছে বলিয়া একজীরনামেনালিন ক আ কাৰ প্রমাণ ছওয়াতে ভাষার গুলু প্রিক্তিনের সহিত্য ৬ নাম মেরাল হইরাছে।

ব্য গ্রেপরি সাংহৰ আমার ১।।০ মুলোর নাংল চুরি করিলাছে বলিলা চীন সংখদের নাংল নাঞ্জিল করার মাজিন্টেট সাংহৰ প্রাথাণ শাইলা ভাষার ছইমাল কারাবাসভ্যিতি করি-রান্দিন।

থক ক্ৰ বুৰ্লমান এড়ওয়াভিভিন্ট নাহেব কে ক্ৰিয়াৰ ক্ৰিয়াছিল বলিয়া ভাষার দ্ব টাক ক্ও ক্ৰিয়াছে।

ন বার্ট প্রেরান নাবে এক জন ইউরোপীয় সি পি ছণ্ এই সাংহ নীলবীজারের পোজারের দোকারে "না শোলার বারু কাব নিজ বেবে, ল কে বাটিছে বাওয়াছে সারজন সাহে, ভাষাকে অভয়ন্ত নামেক ইলিবে জানিয়া ছিলেন। বাজিউটুট সাংহয় ক্রিয়া লইয়া ভাছাব এক নাস বেয়াল দি-লাইন, ইউরোপীয় কি না ?

গ্ৰণ্ডেশন্ত বিজ্ঞাপন। ন্দুল্নিল্শীর লেপ্টন-ইগবণরের আলেশাস্থারী নিরোগ।

विषाम्याति—-त्यः विभावके मारक्व नि-विषेक्षितं स्पातिक्विकारकेतं महकाती छ विकास स्पातकेत छ उद्येखारमत नेमारवत् स्था-सार्वेद्यारस्य ।

क्षाप्तवासम्बद्धम् निमक अटकार्केन महकाती छन-विक्रिकित द्वारिक मार्ग्य यश्रेट्यनीटक देखिङ विक्रिकिम ।

क्षेत्र स्थापनाति -- त्रहात्म व शिविधि श बाक मृत्य कश्विम बाज जानकनाव विमाशाश्यक के देशकांत्र कृष्णिक स्वाद्यद्वाद अजिम्बिध द्व क्षिका ब्रेडाटकम ।

अधि काल्याति— का क्रिकि नारहर हते. वारमंत्र वाक्तिकृष्ट्रे अ कार्यकेदन महकादी क्षत्रदृष्ट्रका अक्टि वाक्तित २२ कार्यक्रमाद्र अब्देशका अधीय वाक्टिकेटकेन क्रमका आक्रिकेटका

ন্ধীয়ার **ভাইতিয়াভিট্টে ও** জেপ্টি কা-কেন্ত্র এইচ, বেভিরিজ সাংহ্য বঙ্গলি ছইয়া মেদিনীপ্রয়ে বিয়াহেন। गि. कि किन्छ गांद्वव ३५-७० व्यक्ति २६ व्यादेशन २२ वाला के १५-६३ व्यक्ति २० व्यावेदनत
ऽ वालाक्षणस्य महीला दलसाठ - इत्राक्षणात
ऽच तव्यगीत व्यक्ति मास्तिरकृति ३ - इत्राक्षणात
ऽच तव्यगीत व्यक्ति मास्तिरकृति ३ - इत्राक्षणात
ऽच तव्यगीत व्यक्ति मास्तिरकृति ३ - इत्राक्षणात
ऽच तव्यगीत व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति द्वार्थणात् व्यवित्र विवासि व्यक्ति व्

583 काश्वादि-का है महाराजि (तमा मिहताली) शिक्तिश कार्कि महामाने हैं स्मान्स्य के स्मान्स्य कार्कित कार्य का

১৩বি মান্ত্র বি— নিমা লিখিছ । এইট মাভিটেট্ট জেগুটি কালেট্ট । ১ম প্রেণালে
প্রমোশন গাঁই য়ালে।
ভবলিটা লাখ, ভেডিস গাঁতের ভগলপুর
নি পি মানু গাঁহে ব জাগরবন
বারু স্থান গালেগ্রেলা, লাভ্যু বন্দাল

भोस्ति देक्छ्फि॰

এইচ. ডেভিস সাবের

यूनिन एविक्रमिन

क्षाद्र महस्क्रमाथ वस्र

भौगती भागाम (वारमन

বারাহপুর

गुरमन

বিশ্বা

वर्ष्णाम

महत्त्व कि विश्विक

সিউয়ান ভৰ্জিউ, ও বেলি মা ই बाबू मधुद्रानाथ वरकामी गाउ ৰাজগাণী খানভ্ৰম मोनवी कारमन कारमन ২৪ শ্বগণা [बाबू सहिकामार्थ वर्णा श शाप PIREG खब्लिड, मात्रमन गाँध्स् मन्दल खिलाईरम्के ডব লিউ, জে शकादिकां श यानू कालि P12 214 (भोत्रहर अध् (क्षणित्रजेगः) ति, प्रवशिष्ठ, উইलम्पे नारक्र ृ कि आान माटच्य Ö নভাইল ि. के≉, रू अध्दर्भ त्योगरि व्यक्ति व्यक्तिम वी হলোচ ব এম, জিন্ট সাহেৰ ৰ জিমান বাবু ভুর্যাক্তমার মুখোপাণ্ড্র ण के किक्षे म रांबू वेश्वत्रध्य मित्र . कालर्व रोत् प्रवर्ष्ठद्रभ वन्त्र वंद् माममानम ब्र्यामाय ক যুৱাকালি চডুৰ্ঘ জেণীতে

खर्गान है, कि खिश्रामि मर्दछ व **ब्य. ब निक्किन जा**रहन **८क, क**ष्ठे मादहर TITLE. cu'à vibran ricau कर्नान डेटक्टबन्डम माद्र व **जोत्रमक** व् बाबू क्ष्महत्र वाम 4,5,80. * क्रिशनश्रम्भ माध 张 李 4 u, कि. वि. द्यारंत्रकः श्चिम रस वर्षि हर्साध्य मानः 🏑 , कर्षक এফ জি আৰু ওয়াকাৰ স'ছেব नित् के शक्ष बाद बामनिषादी बञ्ज す 更早 ज्ञानकुमान करा TT T এড পেনাব (ম_{ন্ত্র} বিভ Ğ बहेड धनः त्राः में हर 更利用制作 है, बदा जि. हिर्म अंदित मुन्नियाचा व बाव बाह्यकाल करहेगा वाह्य वि, व 事「門か」 बांबु मांभणक्षय (सन किरम् वश्व धम, मि, शामक्रम मारहन 311992 भिक्षि एगानिम क्राहि मानाम राजू त्रंथाः जारियान्त्र < "म", इ.स वाद मिनमाश आर्राङ ह न किया देः हि, १७कि, म १८६३ यः त्रः वटाः स्योगिति व्यावसूत्र सूर्याः নাড়।বিপুর ৯ াণুনি গঞ্জ ツ 学 不

वार् अवद्य स्वाब कं । हजु भागा । ङयम्बरम्ब म ३, মেদলিপুর यक्रम'ध दर्द 道:古 (मोल) दिन मृद्या, er :1 याव । ताबू नामान्त्रण का ज्ञानाधाक ভগসু-ব कृष्टि। १० कमिछि नावाद्य मिर्ह স্বাৰ-मोगरी देवन वालि 華麗 水(数)で बाबू क्शवास हम्र रङ्ग **₽**₩7:-भी बागिसाकल मार्डन भूद*्रिक र*्राक वाय किनव्या देशिक W CANNY S 🤲 শ্বিচৰৎ স্থেষ * PT 1

নিমুলিখিত সাজিলা ডেপ্টামালিটেট্ট ও ডেপ্টা কালেইনের প্রতিনিধি চইছ, ছে মধিয়া বংগ, চর ২৪ প্রথণ :

नावता वट्डान्ड २८ । वातु चानकारगास्य अकुमकाद

निका परणाक्ष्यक्तुष्ट श्वत्रावा शादम।। वाजु प्रश्नाम कोह्नि

" কালিচরণ খোষ নিঃ ' নিলিয়া ধণোছর ২৪ পর গণং পাবন , করিলপুন " কুকাবেছারি ফুংগাপাগ্য স্ব

১৪ই জানুয়।রি-- ও খণ রসাংখ্য সাউগল্পের মেডিকেন কথাচারিব প্রচিনিধি ধইরাছেন।

১৫ ই আছুরারি--লেপ্টনান্ট জে পে, গরি বাবেব লিবসাগরের গ্রান্তিক ইন্ট্রগনে লো-কাল ক্রিটির মেশ্ব হইগুছেন।

त्म, वक्त छरत्रम मार्ट्स रेममन निरश्हत लाकः, का क्षिष्ठिय स्वश्व ब्रह्मारस्य

১৯ এ অভিয়ারি—বেছাবেষ প্রতিনিধি এ-প্রস্তিবাভিট্টেও জেপুটা কলেকটাং সংগুক্ত ক্ষমতা পাইয়াছেন।

भवात्वत्र त्यं श्रीष्ठ ।

জীব্যুখৰচন্দ্ৰ আমাণিক স্বাক্ষরিত পত্র থা-ए'म् अत्र । जानगाम तोष घटेल ना, श्रेत्रशास ि के किन स्वभूत करिएन गरि भूतत्राम छेशस्य करक. भूनशांश ब्राव्यस्थाहत कत्रिरनम, व्यवणा अलीकात इन्द्रिं।

औशंद्राक्षक्रकात काम कोम्बी , बहे व्या-क्षतिक शदक्षव सिथि ३ विषय (भौगक्षकारमञ् उभरवाती महरू !

• श्री इंदिनीहबून श्रूरवाशीधारण्य " ce-बिड भाजत रक्ष डा याना है भी में बॉमामां अवि-उच्छ इरेन धरः मूल गत विविधम्शन इरन গুধীত হইস

दश अवशार्य कहिएअएक, निकार करिएक भा राष्ट्र 🖰 औक्रांलीक्यल हां। , ७ हे चाक्रशिक পত শ্ৰুটিত হুইলা ন'

बड़ेबग्रेटलब अर धकाल क्यूड टलल को. छी-क्षर कार्य वहे, डिनि स ब्रांडियाय श्रमाण क-িছাছেম, তাছা সকলের অসুযোগিত চ্ট-

हेनहार असम है म.श्वाकृत विद्यास्य ঘটিত পত্ৰ ডে উদ্দেশে লিখিত গইয়াছে, সম্বাদ भाग अठ" व कत्र, आर भाग मारवासना सर्वात (भा-इव करिएक इक्षिराय धार्थिक व्रेशकांव प्रार्थित ।

ভাৰতবৰীয় সভা সংক্ষান্ত পঞাৰে যে বিষয় ्टाचि ५ व हेब्राट्स, क्वांचात्र आहा अभूताल्ये भाग কোশে একাশিত প্ৰস্থায়ে, ভবে প্রঞ্যেত भाषा **मछाव ब्रह्मंख ध्यमान इप्र मा** विश्वश दव क दिक्क कड़िग़ारह्न, छोट्। खरुष्ट्रक बहर, जाया ণভার কার্ব্য বিষয়ণ প্রকাশ কর। অভিনায় আবে-

মালিশমর নিমানির; প্রতি বক্তর। এই. .b)-किसारी है। ज्ञ इंडेय: यभि द्वीष्टे आर्थ वास्तरकाय ं व न। इरेग्रा अध्यक्ष केन्नजित निधिष्ठ वाश्विक न्यः च है।क्ष क्षत्रः क्षत्रक्षः नग्नः। ५८२ वित्रमृष्टः। कारा बहेग्रांटक विनिद्या शव व्यवक ए एका ल न निशंद्भन, मास्त्रिक्ट्रेलिंद श्राप्टव क्रियान াথৰ নিৰামণ চাইতে পায়িৰে।

পরমপুজনীর জীযুক্ত নোম এক শ मध्योषिक अष्ट्रामरश्र्य ।

^{क्षित}ान सोबंहे ज्वांक[प्रशतक डेस्सान प्रवा | ^{र तक्}र व **जानमात्र एक म**रकात **वहै ए**ग दिक्कि िर भन ५ हि. बरमरणम् 🗃 🎒 🗷 एवरन अपन 🐃

কার পাত্রিকার দেখিতে গালে নাই। এই সকলে। সংবাদ পাঠ করিয়া বিশিক্ত বছলাকে ই অভ্যাৰৰ কৰিলা দেখিলাম যে খ্ৰাফা থাৰ্ড লৌচ প্ৰচৰ পূৰ্বাক ব্ৰাক্ষ থাৰ্ক ৰজে বিক্ৰু व्यामीत्मत्र त्याम किङ्ग कतिराठ शाहिराजस्य मन मक्तिमार्द्य । देश याँग मद्या वस्न, देश বি প্রণালীতে গৈতৃক প্রাদ্ধি করিলের ভাষার সেন > ভিনি যদি লোক**ওরে এটাই জীজ**ুর (फा अपि क्षेत्र शांकेलाम मा। मन्द्रिक स्वाव क्रिक्तन, करव द्वाच मरक आहि कहिएक स्वीट्र প্রার্থনা শুনিলাম কিন্তু ব্রাহ্ম ধর্মের ব্যাখ্যানে মত আয়ু क्रिन क्षेत्र क्षित्र के का कि ना। अम्बर विकृष्टे ठिक करिया উঠিতে পারিলাম हम करिएलम **एक देशंब मूख देवना अस** ना। ए एएरवस वांतू कमिकांडा ज्ञांक नगरक 130 विमा खंख जारकता अक बांग आर्थाहरू आ राविशेष निष्क मिर ५ फेक्स शकांत्र वाका शासान দিয়াছিলেন তিনিট আৰাৰ কেশৰ বাসুৱ शूरकात्र कांक्र क्या डेगलरक वहे अवाद राका व्यामि यथन धीर मकल চিন্তায় ব্যাকুল আছি তেখন আবার কেশৰ ধাবুৰ পরিবারত্ব কোন ব্যক্তি আমাকে সমাচার দিলেন বে ''গ্রিয়তম' বাহিবে এই সকল ধুমবাম দেখিতেছ কিন্তু বাটাৰ ভিডৰ পৌন্ডলিক ক্ৰিয়া खञ्चमादत वर्ती शृका मण्यत एवेत्राटक् " **बहै**, वाका क्षमित्र। कामांच कमन अक कमिक्तिनीई ভাবের উদ্ধু হুইল, স্থিলাম ব্রাক্ষণিণেদ সকল सागाहे क्यांत्र व्यक्तिक शाहे !! स्थान बानू--गाँ হাকে আমব। নিশ্মল গৰিব ত্ৰান্ধ ৰলিয়ে। জানি, धौश्रंत द्वीएड अरे अकांव वाव्यात बहेस । या বার মনে করি শান্ত্র্যুত বারুত প্তের বে দিন व्यवधानमञ्जाक धर्मालगात स्टेग्नाहिल खासार দিন ছুই পৰে ভাষাৰ মৃত্যু দ্বীয়াছিল বলিয়া ८क्षमर बांबू फांचारिक जगजासम्बु वधी-**कुड हरेग्र: वधी श्रृका क्वाहिलन अवर वाहि-**(४ आक अञ्चेशन कहिरलन।

8वा भाष अक्रिनमाथ भन्ता। >> & 4

জাযুক্ত সোমপ্রকাশসন্পাদক मदश्बद्धन् । महानवः आंश्रनात २२व शोदयव त्रीय-

ধনই ব্রক্তিবেশর নিশ্দ দিয়া কুৎসং আধান- এফালে বিবিধ সংবাদ মধ্যে একটা ক্ষত কাৰ্ব্য ছবিশ বিশ কণ প্ৰজীয়মান চট্ডেছে বে বাব অবোধানাৰ পাকড়াৰি কছালয় জীয়ী আপিনি আমুনিক ব্রাক্ষণিকে অভ্যাগ করেন। পিতার মৃত্যু দিবনাবধি রশ দিব প**র্যাক্ত উ**ন্ ও প্রাক্ষদিগের এক এন বন্ধা আমিও পূর্বের রীয় পাবণ, পাছকা পরিভাগে, করলে শর্মান আপনকার নতপ্রবিক ছিলাম, সম্প্রতি বিলক্ষণ ছবিষ্যার ভোষন প্রভৃতি হি**স্তু ধর্ণান্তমুগ**ুণ্ ना ७ जाक्राभिरायत् कार्या अवाक्षः जामात्र चञ्च- करे चसु छ जश्यांत अस्माद माहि । श्रेष्ट िन्हे বুকিতে সমীচীন বলিয়া প্রতীব্রাধ ছইতেছে তালি মহাশল ছই জৈলের ব্যবারকার কুট্টিট্রা ना । किहू मिन वरेक खरराधानाथ शाक्काति । शिवा कि निर्मात खांक धर्क समझारताल काँका বার্ব প্রেব লাভ কথ দেখিতে গিয়াছিলাল কেন? ব্রাক্ষেরা কি বলোরাণি বিভান্ধ নির্দ্ধি দেখানে 'বিভব আযুদ্ধেও জীবেও ইভানি । বার জনা অনুষ্ঠান করিয়া থাকেন ? ক্রিট্রার্ডর কি অস্যাপিও লোকভয়ের এড লাম 🤉 সুম্পু প'ড়াছ লাৰ যে " আমর। পৌতুলিকছিলের বহাণর! বুলি পাকড়ালি মহাণয় 🕻 বৌশ্ধ 🚚 कतिरवम, देवांत्र अञ्चरत्राद्ध अभिनिश्ले अहि टिक प्रोकांत्र कतिएक व्हें**का । वक्**र्वे कार्रकार বিবর। সন্পাসক সভাসর । মহত্য মহনুহ, ক্রামার र्भत्र वर्थकृत कार्याञ्च विमुच्छान् अवस्थिता हा रुदे जाक पर्यत अपि विकास करि स्वार्थ কবিয়া পাকেন। কিন্তু জীখালা বলি ,বিলৈচনা ক্রিয়া দেখেন, উপাসকের সেইছ কর্ম্ম ইংকীর

> वनात्व जानवार्गाम्बस्य विद्वे मा बन्दि वर अखारवह केननश्चाक चाहिक भौतिकारी না। বাহাতে আর উপরি উক্ত ঘটনা গা ইছ अवना जाकतिरमत नावश्रीय श्रीका निकास क्छ्दा।

रहा माप

মান্যবর অবুক্ত নোমপ্রকাশসভাগেক बर्गित स्वीत्भव ।

मर्गमञ्जा रेफ २२८म जित्मवत्र त्यामश्रक्षेत्र অভ্রেছ করিব। আমার বে জমণ হস্তান্ত প্রকাশ করিরাছেন, ভাষার লিখিত প্রতিজ্ঞা অনুসায়ে चैनाओटमत्र मात्रीचन्न निरात्रशे मचात्र बच्छा हाई। ভাৎপর্যা নিয়ে লিখিলান। একাশ করিরা বা-⁵ विक कदिर्दन।

" छेना " धरे आंत्मत्र नाम द्याप वश्र महास वक्रवानिभगदे छनिपादस्य । देशांत श्रुक्त सुवामी- ভাগোর বিষয়ণ না জানিলে ইহাব বর্ষান জাগুডে উদীপ্ত হইল। চিতাগুনে গগন আলকার হিচাব গাঁচ সমূহ স্থাল উল্বের আবাস এল । ক্ত'ব সহিত ইহার পুর্যান্ত্রেরও কথা বলি-

" डेमाओम चीत्र भूकी भूकी मखानगरनद्रा बीवय मिरकान बीवनगत मास्य विचाउ। बहे প্ৰকৃষ্ণনগবেৰ ৬ কোপ দক্ষিণে ভাগী পী नानः हुनी नायक समीव छीतुहुन्ती। देशांव देवणा উত্তর মন্দ্রিবে ২ জোল, প্রাদ্দির প্রতিয ১ क्लान। ১२७७ वज्रात्मत्र शृत्स् हेना चायूमा-রিক ছাত্রিংশভ সহজ ব্যক্তির আবাসবান ছিল। इर्ड्ड्र घडेानिका, लाकाकीर्य दावर्य, राख-ভাপরিপুর্ব হাট ও বাজার হাবা স্থানাভিত ছিল। নিত্তা উৎসবের ও স্বাহন্দভার উলাস-খুলি ছুটু ডিল জোল পথ লইয়। প্ৰিতেম মনঃ আকৰ্ষণ করিত। ইহার নিবাদীবৰ্গ ,আর্থপৰত। विशेष, बाह्यसम् ७ महायस दिल्लम । कि ए व-ত্বের কুটার, কি ধনীর আটালিকা আভিধারতে নিয়েজিত ছিল। ইংগতে শত শত সৰ্জ', महा. क्राव्यक काबी ७ शक्तिक लाक हिलम : সমস্ত **প্রাধ্যের যথে।** একটা অব্যুক্ত দৃষ্ট হইত। বিষাসিধণের সন্পতিরূপ সমুস কমলেব প্রিমল अहर क्या शिविशृष्ट मिय्रडरे रसू विवार जाशमन क्रिएक्स । अर्दक्रशेष्ठः अक्रिगृब्दे शहर या म-দেৰ ছান ছিল।

' হায় 'সম্প্রতি ইহার সে সৌভাগাত্রা। অৱণত হটয়াছে। সে স্বৰ্ণনিনী মূচিত ঘটর। शिवाद । देशंत कथना उक्ना वर्षेत्राहरू। नगर। शिव लाग्न अनल गरामात्री देशांत अधि-कारण निरामी कल कविग्राष्ट्र। देशांत्र कोविक शांखिनन्द्र अवधान ७ मृडदर क्रिया वर्षि-

• अस ३२ ७ । तक तक छोट्यारम अबे भवी **খাদ্রী ক্লপ** ভীষণ ছ'বাশন ভলিয়, উঠে। **রে**স जनरत दर्भन गृह बहाय हिल न , रायारन प्रार्क्त আনিকা ও উল্লাব রোগীৰ আর্কন,দ ও গৃত্য स्मा अन्यस्य शरीविभित्र इत्र माले। शतिभाव कश्चिम ब्रेडिटि, श्रेटीय छित्याम व्हेटल्ड अंत्रेष्ठ ममोद्र मश्मिदित मकत्म बदक बदक क्रा-कांस इंदेरना । खीशीत्मत्र करणान भूति छ।म किन्द्र इहेट्ड मोशिम । शूमांव मार्श्व वार्यः उ कहेता वालाकद्रभेग वासमा श्रीविज्ञान किल আমোদ পরিভাগে করিল। ছবি ভিন দিনের মধ্যে কোন কোন গৃহ স্থান হইয়: গেল।

ভুরবত্ব। কাহারই জ্বর আকর্ষণ করিতে পাবি- । ছইল। কিছু দিনের মধ্যে ১ ৪৯ ৪৯ ও উপার त्वक मा। अकना देशांत प्रश्वाती कनिए प्रवन- विकास मा। एक्स द्वास्थलक, साम, त्यांक, प्रजात. मृडस्टर गति पूर्व प्रकेश । शृष्टिशक भूगाल छ गृथु अप आम कथिकां क्र विकार महिमारी कनतीय। खाइविक टक्नोटड़ खराका ह चुक्ता ना नहान। জননীর বিকৃতাবভার বিকৃতি পার্ত স্ট্র। জী वन जाश कविज्ञ। 'काम भारत वर भारत प्राप्त बांका अननीक ए किश छेटब र हैन ना ন্তন্য ভূষ্ক ও আছাৰ অভানে গৃত যপ্যে কানিয়া कांन्सियां रव्हादेशः अवरमध्य कारहरूकः कननीतः। क्लाएं जीन इंडलें भेरदर जनकि विलाह गङ्ग ভাষার অভিনৰ এক্টিড কুন্তম সদৃশ ৰাডিৰ करूव कविद्या नहेल। कांत कांत कांन वाकि भौडा हहेर्ड अम्बे आर्यांशा स्व क्रियांत्र. এখন সময়ে গৃতেৰ আহি আরি সকলে কল্প দিয় পতিকেন। ভাঁচাকে পথ, মের এমত কোন ? विस्त मा। एकि भधा छोटा लाजनीय। महरूप করিলেন। এই কণে চতুলিংগে মৃত্যুত তেন ডং! প্ৰবাহিত ভইতে লংগিল। কতশতে গাজি দেশ विकारण भनायन क्षित्रमा । अभि नामार्गन छ । वह मुर्दि भारतकरिन । विनानिय मकरनित्र कार्या वर्षित बहैल। युरमायी कोहारी कान'-ন্ত্র হ ইন।

शवर्गरमञ्जे करप्रकलन छ।जन्द माहिष्टितः विद्या আনক উপড়ার করিয়াছিলেন। কিন্তু ভাঁচারাও व्यातस्य क्षत्र अन्त इहेग्रा श्रामान क्षत्र हिन्द । बहे कर्ल जाम चार्वास एकोर भर्गाम गए मोरनद मर्पा अञ्चलक श्रेक महत्व ना कि गंड बहेरलन माथ मान अर्गन बाबीक्षार आकान कि मास इहेल । २०० । ১०० कविष्ठा त्यांक মৃত্যুর্থ পতিত হইতে লাগিল। পুনরায় वर्षाकाल लेडिएड शिंडिड महामानीं अनन জ্বির, উঠিল। ৫। ৬ মানের সংখ্য অভ্যান ছিনহত্ৰ লোক কালগ্ৰানে পতিত ছটল। ভাষা-व शव अभव इवेद्र: उठिम त्य जिलांत निरमणी পদাৰ্পণ করিলেই পীড়া হইছেলাগিল এবড কি डावृन चर्मेटक टलाक नील, महत्वन कविन्त्रन সেই অৰ্থি এক্ষণ পৰ্যন্ত প্ৰতি বৰ্ষে কাৰ'ড় আনণ হইতে পীডাব উপত্ৰৰ আৰম্ভ হ ইয়া,'জ-এগায়ণ পৌৰ পৰ্যান্ত থাকে। ভংগায়ে ভাবলিট करतक माम किছू चार्यात मरक गञ वदा। अहैकान इंट्याहिक शृष्टा, शृष्टी केरमान, बालक विलिय। अध्यक्षीत्रव अध्यादम आम कि किय सूक्ष वृत्ते हहै-

্লু ন্<u>টাম ক্লা,</u> স্বাস,বিল, গর্ভের ধার, চিডাব[া] ছে। ইণার স্কটালিক। সকল শরিকাক্স ম্টপ্রাছে,

शास् । तांकाणवं वनाकी । अवेशिष्ट् । वृष्टि वोकाव ब्लाक भूना ७ উरमरापि कार्याक भूना रहेगा-CF । धर्म आहीम निविज्ञ यम्बि शूर्न, यक्तकर नमोकीर्न स्वर्भात हरू এक खद्धायात कृषा 🦩 ড়িয়া আছে। সঞ্চাব পদ ইহার রাজালাটে আন লোক যাড়ারতি করে না। কিন্তু সন ১২৬৩ সাল व्यक्ति नम ३२७७ नोल भगांख ह वि वर्गद्र (व ভাবে গত करेग्राह् उप्टानक, क्रांच **डाल** एका श्विष्ठाह् । जे 8 न्यमात्र आध्यत् स्वित्ना मण्डा मध्या निरामीय मध्या मश्चमण मध्या दलाज কালেব কৰলে পভিত চইয়াছেন। অভুযান পিথা সম্প্র লোক স্থানাস্তবিত হুইয় ছেন। জ্ব-শিষ্ট দশ সহজ্ৰ ৰাজ্জি মানা চিবেকে ৰেংগ ভোগ रहिराक्ट्स, व्याय व्याय केशीमारश्य भवीत भीत क्षेत्रोटक् क्रिकिश्मोव द्याय ८ आध्यम ऋहाजान केक्षीया निर्कृत क्वेगः शिशोष्ट्रन : धारमहत्र প্ৰক্ৰেম্বিক নিকাশ কৰা ছুফাগে চইয়াছে

 बड़े छड़्द्रसक चूबश्य हा थ्यंड्रिशंब अध्यः छित्सरण अर्थ मान इक्केग्न (छू। फार्रामझः श्रेष्ठ हिन **क्रियम् क्रांशनः काशिन स**हिश्च **तालः** क्रियां ।। াকাল আহি সকলে সময় কেশে করা অভুচিত व्यान। मर्गन गण्यूष आंभव कौविक वास्तिर এফৰ প্ৰায়েণ্ড নিয়ত জ্বত তেওা কৰিছে লন ्या भागविभाग स्केट इट्टा अने क्रम बन्नात आहे. কাং পি আসৰ সন্ধান্ত জুলি সম্ভূপাৰ দেখিতে हिं। अ**क श्रांत्मन अक्ला श**्वित हिं गाउर धक्छ। क्षेत्रप्राम्य व्यक्तिक कता । रहे दुव বিষয়ই গুরুতর ও নিডার গ্রেটেন। এবং এই क्ष्रके निष्यां के अपना क्षिरणंत्र क्ष्यां सुर्ग्टमर्गीय । সহিश्य अधिमाक । अकस्य बङ्गदान इडेक्का । अर दगर की व निकट है । थी मा कहिए का मा मि अप थार्थनः निकास ४वेटलास्य। । संख्याति । शास्ति मक्रमार्थ जांगोभिऽभद विद्याप महभारयांगी २० 🗀

* अन्नार शक्ति पूर्वक वाविश्वन (प्राता म मध्य गरिक्षांत्र कहा यहि ६ छट श्रेप्ट कोवी। निष् **छोडा भव**ारयर**न्छेत्र भाषाया वाद्यस्य अस**कद রেই হইতে দ।সিবে ন।। বিশেষভঃ ভাই। ভान्त वारा मधा । धक्की **अध्यालय (श्र**ापताः নায় তাথা সুসভ নৰে। বলতঃ একটা ঔষণ किय भित्राह आधनाक बहेगा छेतियोद्धः भरे मक्कलकर कार्या माथ। तर्यन छेरमार आवण व रमण विरम्राणव धनिनारणव मार्थाणा । कर 66 কিন্তু ইছার ছুর্বভার্ঞকলেই ছুইছা নিয়া- প্রয়েকন। মতুবা আবাদিগের গ্রাম হইতে ड६कश्कांक बब्रुस्य साम्र निर्द्धाः कल्यः व्यवः

अञ्चल आंग्रता बाद क्रिमांचक क्षकाव निवित व्याख दर काल तम दमीन काल।

বান্তি বা স্থানীয় সভার মেছর নিযুক্ত হইলেন

उरश्दं धक धक वाक्तिय क्रीखारन, धक धक হা ক্রিব পোষকভার সম্মাতিকার জনা নিমন্থ । तथ्म गक्त अवश्वति **ए हरेत**।

)। अहे अलाप क'र्या विवतन अवनी विका ाम जहकारत सुच्छित करा। योग्न धार कार्यात गरक क्ष'त्रे का विष्मुत्म (अति इत् ।

э। গ্রাহা সংগ্রহ জনা নিমের লিখিত वाधानकान सारत स्थान क्यांका ही निवृक्त हर । ক্রিযুক্ত বাবু ভারানাথ মুখোণাধ্যায় প্রকৃতি

डेमा । গাগলাল বিত্ৰ প্ৰভৃতি কলিকাও। প্ৰভৃতি च [स वर्धमाना प्राप्त ' চক্ৰদেশৰ ধন্ত প্ৰভৃতি ০ চন্দ্ৰ হৈ মিত অভৃতি वक्ष्यंत्रीति श्राप्त - রামনৃদিংছ মুজৌকী প্রভৃতি **ब्**रमीम। याम থ্যদেশে

" शतुस्त् म मुरस्तिकी कुक् स्थाय। मिरमरण ৩। উক্ত কৰ্মচাবিগৰ যে টাকা সংগ্ৰহ ক্রিবেন ডাহা মানে মানে কলিকাডাছিত কর্ম-हार्बिव निक्षे गार्शिकेटवम ।

8। कशिकाउःचिड्डक्सांश्री बे है क कान बार्ष क्या कविया निया खावनाक्यर असाराend अञ्चलि क्रांच होका वाकित करियन I

 श्री कार्या नर्वास विनद्रण मृतिक । उन्न श्री श्री । ংইলে পৰ ভাষাৰ একখণ্ড শান্তিপুৰত্ব শ্ৰীযুক্ত **एक्ट्री मालिको है महामरहत्र निक्छ गाउँ**नि

এই প্রান্ত অন্ধাবিত হট্যা, রাক্তি ৮ ঘটকাব मन्द्रा मन् एक इतेल ।

वर्क्षभाव ्डब (भीष ३२७३

ত্ৰীযুক্ত সোমপ্ৰকাশসম্পাদক মহাশ্র সমীপেযু

গড় ২৯০ পৌ্ৰের সোন্ধানাশে यांनि निर्वाम प्रकारकार्याचा । यार्ड व्यक्ता-ार श्रीपृक्ष हञ्जक्षांत्र उर्ववाशीण चडे।हार्या म-^{ড শ্র} গড় ৮ই পৌষের সোমপ্রকাশে থকালিড यागांत शासाद अवेक्षण श्रीमार्शा कवियार्श्य प वाभ कषूर भूकीबाल भक्तास विवाद काल विजय: অভগত করিলে শাল্পে,রাগা, দুউ হয় না বটে, िक थाहीन अब्हादशरनद्व क बाई उक्काहार्या-व लाके किन्द्रात्र अहे त्य, जे अनुसान कारलव माश्रा (कराम आक्रिम, अवश्र ७ मुगम वर्षके कनाति निवादश्य मुधा काला, अक्तित वाक् चलूत अर्थाला ।

उर्वेदांशील बदालात (११५) वर के न मुद्रि वक्षा नवां शिव श्रेत केंद्र आह्मा क्षेत्र केंद्र केंद्र विश्व विश् ন্যার বিবাদের মুখ্য কাল্য ২টল তাবে ফুডব-০ बहेब्द्रा वित निकास था छ मधाना है। जाइ है । (जन वरमत गरी हु कृति पूर्ण काक करणाव कि मार्थ के अपने के अस्तर का मार्थ के अस्तर के कि व व व বংশর পর্যান্ত বাগ্লানের মুখ্য কাল ভদ্তিশ কাল ভাষার পৌণ काला अवश्वास । जाम अञ्चल १ अन्य १ क्षेत्रक एक हो का उन्हें का उन्हें का उन्हें का उन्हें का वास ভাষার গৌণ কাল বিশেষতঃ কোলে কর্মা कर्म नक्स भीन कारम कतियां e चोरक धारण कर कारम क्यांके श्रमेख । उर्करांशीम महाभाग्नव अने অপক্ষপাত্ৰী বৰাৰ্থ শাস্ত্ৰীয় সিদ্ধান্তে আমাত গ্ৰ कान अन्न नाहे,

व्यामि कुलमादि कनावि वाश्म'न निःवधक ; বে মন্ত্ৰ প্ৰমাণ 'দয়াছি, স্তি ল'ল্লে উক্ত ঋন্যান্য বচনে দ্বিতীয় ভূতীয় চতুৰ্থ বার বিবা হেব্যিষি দৃষ্ট ছওয়াতে ও অনেক খলে বু ১৮াব া পাতে ক্যাদান এখা প্রশ্নত থাকাতে, ম-। ভূব ঐ নিষেধ ৰচন্টী ১ অংশস্থ পৰ বল যা ইতে পাৰে কি না ।।

> **शिकामगा**इस दिमास वाशील ह के बाच फक्न बाद ३१४६

প্রযুক্ত সেক্ষেপ্রকাশ সম্পাদক

" ह्वांश्वाद हि विक् कि कि मक्ता छएक। इ उत्तर नीननम् विभूक्षमश्रक्षभढळ विकायदा विज्ञितिहानमानिमः कन्। ॥ चञ्चक्रियम इडेन अखुट्यन शिक्टि और तम

२ व्यक्ति मिल कारन अनुक ठळकूम'न उकता-গীলের পতে লিখিড আছে, কুডদাৰণা বিবা হ**েচং নিবিদ্ধালাং ইত্যা**দি।

ৰচক্ৰ চ্ছৰ বুলী করিও একগানি প্রোবিভ প্রায় कालि: करणार : ठेकारक रक्षमत वासू भीत्र अवित्याकति ६. तः वर्गनकथ्यक्षान्त्रप्रशः शावनाष्ट 3:4 াক্ষ পিছতম কৰি-भेवानूव विश्व मिदाक भन्नाम स्मित्रां क

डाहाइ भी काल. ७ जिस वर्ग-दन शह म हो त्या सारी न ग्रांट्स थ म - 2 श्रंत्म बादू व हार्वि-्य दर्भ में रेन में के त्यार र एवं अके रामभावामन-বংসর ক্ষার বিবাহের মুখ্যকাল ভশ্তির কর্মান এছেন হণ্যত্ত লাভত্ত প্রাকৃতি कार्षित वर्ग चेठे। स्तार्राधान अधिकत्ते अष्टा निक् होत. केम प्रक्रियाओं के क्या करी हैंग विद्याल जोको खिनिक कम न। वृद्धि, किन सूचा विक्रिक समीत्। म महादूर अकि स्वश्रासम स्थाल-

इके रहरू सा। ५ व रा गर्कर भंतीका विवास ों दें हों। ६ अ० 'सा । मर्डक पांध राज्य, अक्षल म्मृर्व नः खाव क्रामिश्राष्ट्र, व्याञ्चव তদিবয়ে আবে [†] তি কত ক্ষাৰ্থ কেন তুখা অৰ্থ ৰাম ক্ৰিবেন। ্ভিক্র'ম - মুহৰ কভিপত সল্প : ধাৰ্কিক अकरन भेक : का स्कीरबंद : नामश्रकारन डिल्ल विकित का कारक यह के विकास नाथांत्ररनेत्र त्य निर्वित्रोद्धन, कृष्ठमादद्वद्र निवाह एपि निश्वम / १३ व्योधन निर्वित कि ३१८वी वरणव भूके इहेल ছইত, তাছ, হইলে ভূতীয় চতুর্থ নাব বিবাহ দিন। পুলার পদ চাঁদা করিয়। নিজু কিছু উষধ আনা-ধারক মুনি ৰচন সকল অসক্ষত চইত (১১এই টিয়াপ, গন বিষ্ণাত উল্লোভীয়ো কবিয়া विवास आवाद माहः अन्न आहि छाहा । सह ना वात हरिम वात विवास देवा कि में করিতেছি, ভর্কাগলীশ মহাশার কুপা পুর্কান উ- | জানাটছ, ছি লম । ছরিশ বারু ভর্মধ্যে কিছু ु।छिङ्कारेखिः 'हिरकतः **'उद्यावमात अ**ङ्का থেট কেল্ড লেট। জাতি উৎকৃট ব্লাবি, স্থাক্ত-्र क्राकारक एउटन सर हद नायु नव्यक्ति वाह-क है। छ॰ दिस सः विषय इम्र अधिक महाहो 🖝-ন্ধায় না গলিয়াই ভকশবাৰাৰ উক্ত ব্ৰাধি কুলি-भ विर्देवहमा मनिका प्रविभ वासूक हरिएज शांकाः (मार्थ मिन्टिक । 'क स्मोटकरणज विवस ! **टक्न**व वार वि.वहना कावग नाहे दि, अनाखेशह कि क्ल प्रित अपरमाक न्द्र है। स्विकान कारलाक्त कृति करिन र १६ विकास समित के विकास स्थाप বগার হাতেল ব কেশার বাবু লিখিয়াছেব, যে - নি বাই পরীক্ষ পে **কোন এক জন ভাল** रा ० क शास्त्राहेगा हिस्सा क्रिक का शास्त्र

क व्यक्ति 👝 कि हु ३५ व 🔁 । 春 अमधिक व ্ম কেন্দ্ৰ বৰু কি বু জি ক্রিডে সম্পাতা-ान कि किमिक्ता उठ काधिकात स्वाटह २ हि हि श्रीः नाब्रित निर्माल ठीवर्थ कार्यार्थ द्वास लिया িঠানাৰ কিচটাৰে ১ মচাপায় 'আমি উত্তা রূপে ভাৰণ**ত আ**হি যে ^{কা}ন ৰাতি কতি বিজন। (3) अला द्यीद्वत त्वावध्यकात्मत ६७ तकेल्य विषय इडिक छविष्टार र ११ तियु एम दक्षि दय-मधिरेड[बर्गाफाय ए रे कि मोर्च दिश्व कोटक म । इंक्क्टि छ। होता व ाम वार्ष माधन हरे ्व मा अप कामण अभरेष अ भिन्न ने**ड करें**

् । इर्द्रवन , शिंगतम । व्यक्तार । १५६ हिन- विवर्तिश्रामधृतिहराष्ट्र एकः है वैशकारबंद अक्षा-2 (R < 1 17) P(B) & 2 (B) ! ... A 43 (A-) िल से ६०० किए के स्ट्रेडिया **लाग्न**ार **पूर्वा**र - **** (17) ま 「 17) ま (17) 日本 A RE MINIST AND THE MAN HE LINES HE EAST

> F # 1 (* # 14.81 ॅम्_{र र ,} सङ्**र[का**द्रण

व्यक्तितः गार्टा 10/20 J 1 15 % "我們生,而

क्षेत्र अयक्षेत्रभागमा। प्रक भक्षात्राष्ट्र।

यह भाग । প্রণ্রেশটির এরতি সভত সহস্র ধ-া। >১৬৯ পেন্ হউশত ৭০ জৈতি শ্বান্ত छ कुछक्रहोडू महिए सक् मांधांद्रापन लिक्टे धन न नवार देखाडाक, ता श्राप्त पानाम प्राप्त पान ए.स.न्ह ट्रिमटाच के का श्वास ए स्थार ११ ए मधून देखाला। बादम अवधि हेन र जी निम्नालय र निज्ञ ভ ছবীয়া বিপতে ১৮০১ ১) পদ ফুলাই হুটা ৬ একান পর্যাত্ত ওৎপ্রায়েশার কলগণদ্বাল, সুবল্ধি न इडेग्रा उद्योध असन्तर भ निशामात क्लेग्स् ा। भारत वर है।का या भिन्न रोन भारतिय स्रोम। शवः (शतके आपीन) कर, इ. शवर्गमाने पष्ट २१० भारतक्षय जिल्लाम क्षक श्रीक कृति। परिमाणिक भार খন : পূৰ্ণ ক্তিশাৰ অভি প্ৰায়ে প্ৰাণা কবিয়ুছে-का शक्र १ विकासिया **(यहाः)** शहर किशाहिक क ा प्रशिष्य कार्याद्याकतः, ७,७६४ प्रशिक्ष का । ग्रेड्नियान विषया किंकु भारत्या करित्स कामन अवेटियर केंग्र वहां देह हिन्न बारि छ 133 ×

अधीषात । अञ्चलका ७ क्रांकि न्हें गर्म **प्रांक स** क्षरामि भीत्र र भणहार कड़ेका । जनगणकी शीद्धा-व व्यापना द ।। दिः भ 'दःसम् खु क्षेत्रवर्षसम्बद्धाः भागाः । जिल्लाम् विकास कि अवधानियं रुष्टि ए : अप . १०० विकेशमा व दम्म अक्के क्रिकिर÷ ते ः ारः र करिकाः -(व**े मूल** क्षा पॉलर के, कर कर की स्वास कतिहरू इंदेर ६४ घर्ष 🗥 👍 लाग्न क्षत्रे अन्त स्वेत १,५०० ६ १७ ५ १ म्हूल ही भुमक्रमात्र एक्टिंब ५ विष् क्_रत व्यव्यक्तिक, रुक्ति द्वास्परतः । शः प्रज व्यव अभिक्ति स्था अवस्थित । 1.4583 ४६किট ज्यान भाषाय जिम डीवर्ग्ट 🗤 निक

वन न(हे(१)

२ (ग) ह किकोतीमा ४ ७६ मा

मना अधि।

श्रीमजी वा । यूननी (मरी Pitant :২৮৯ পেৰৈ ছইডে ৭০ ফোন্ত পৰ্যান্ত শীয়ক্ত ব্যাতৃল। "বসার ভগবানপোল। ১০৬৯ অগ্রহায়ণ জ্বতে ৭০ কার্ত্তিক পাষ্ট ১০ अपूक राजू आसमक र हो धुरी । बाइकाठी ১२ १० क ब्रह्मिय हरें 🖰 १० कार्डिक शराब 😘 '' '' স্বভিদাল ভটাচাযা

माउन कनकारतह गाँख: खिँहे " नागर 5 कि **ह कर्न** वि *বাৰাপ্তু*র ্ৰঙ্গ কাৰ্ডিক হ'ল্ড চৈত্ৰ প্ৰান্ত " " भाभाभारक रमन চোরবাগান ১২৬৯ মাল চইতে আগ্ৰচ প্ৰায় " गरभ्गेहना गित `২৬৯ কর্মিক হইডে চৈত্র পদাপ্ত " ' देवदलाकानाथ दम २५% खुश्होग्रुप इंडेटड रेनमोथ भ्याय " " **উ**गःहत्रग भटकाशाधाः। বছবম্পুর ः ७५ कार्षिक भवेटल रेडक भूगास ¹¹ " गांगभग मू(भ)भ्रााष्ट्र ১২০৯ অগ্রহারণ হইতে ৭০ বৈশংশ পর্যাস্ত্র 🗷 ৫ '' '' গণপতি ছোহাল া ১৯ অনুযোগন ৭০ বৈশাৰ প্ৰয়িপ্ত " नदलाल वा स्वीमान নাড়াকোল

১२ ७৯, धानुषायन क्वेटल १० देनमा**थ भवा स** " " राकः भा काली बांध বছরুমপুর ১: ১৯ আধিন বইতে কা**লগুর পথা ত ''** (शांशांसङ्कः वटन्द्रांशांद्रांद्र स्वटबद्रशूव ১২৬৯ অগুৰায়ণ বইতে ৭০ কাৰ্ত্তিক পৰাস্তি ১০ · · · • हिस्त सुरथाशाधांत्र

.মলেটারি আডিটর আফিন ্ব ৬৯ কাৰ্ডিক ছইডে চৈত্ৰ পৰা ও " द्वरतिश कोरमक काशांत्र केंद्रन जारमव विश्वत विकास कामावा विरुक्त केंद्रित। वर्षमान ্বত্ন অপুৰায়ণ ঘটতে ৭০ কাৰ্ডিক পৰ্যা স্ক ১০ '' '' अकारमाहम महिक ১>৫5 खतुर,प्रन स्**रेट्ड १० कार्जिक शर्यान्छ** ১०

(১) ত¦ডয়ৰ ভাগ নবিভাজ হটল। স।

" भागांधि भोग राक्ष क ल ১২ ১৯ মাখ হউত্তে ৭০ আবাত পরা 😵 " " अख्यानि । व द् धमहरव छे छि है। ১২৬৯ অগুলায়ণ হইতে ৭০ কার্ত্তিক প্রাস্তি 🥫 " अगाथ मिक मक्त वाश्वा ১২৬৯ মাঘ হইতে ৭০ জাবাঢ় প্ৰাৰ্ভ 🧠 🚓

भागश्चकाण मध्यकां काञ्चकति विष्णव ,नाम ।

चार्याम मृत्रा मा भारेता मकचात्र (११४ श কাল প্রেরণ কর। যায় না।

ইহার অত্যিম সুলা বার্ষিক ১০ এবং হাগ্রা-নিক এট টিক।, ছয় মানের স্থানে লওয় খান না।

नै। चौत्रां त्रायशकात्मन यूका के 🗝 हिक्कि পাঠান ভাঁহাবাএক অথবা আধ আনার আধিক म्रामाच ७ वर्गीयम प्रिकिट ना त्थावन करवत ।

यथन विनि घण्यल इहेट उत्पन्न स्वर भूमा गारे।हेरवन छात्र। स्यन द्विक्किति क्रिक

पूर्वाश्वष्ठ श्रामाह काल कडीड इंड्रेन ह ना गोडे|बेप्ड त्यव व्यव व्यवहार दिश्व 🗤 क्टब्र ।

र्थेशिक्षित मुला क्षितार मगर कर्डा उन्हे-য়। বাইবে, সম্বাহ্মত সময় প্রতীক্ষা করিয়া অপ্ৰেচিটি লিখিয়া জানান ছইবে, যদি চা-হাতে কোন টে অথবা সুলা না পাওয়: যায় कांश्रम बद्ध प्रदेश । भूरतात निमित्त विदिशा-রিং পাঠান হইবে। কলিকাঠা সংস্তৃত্ত **ट्यांक व्यावाहित्यत्र मार्ग्य क्रिक्ट व्याक्टिया** महा मीख शबिब।

যাঁচার যথন লোনপ্রকাশ্পরিভাগে ক্রিং प्रक्रेम् इरेटर किंद्रि जिल्हिला या जान है। न उद्धा आह कहा बाहेरव मा !

रक्ट मामहाकारण विकाशन मिर्ड हेमें করিলে তাঁথাকে এখন বার প্রতি প°িত 🕫 थाना विजीय ७ पृष्ठीय राष्ट्र /> जाना क विग मिट्ड श्वेर जाशंद्र शत / • जाना क^{्त्र} सक्ता यहिंद्र ।

म्बलामात बीकांता मन्दं इदेदम, जीवां

বিষ্ট পত্ৰ কৰিকাখার পূৰ্ব্য বাৰণা রেলএংছব ^{রোন} मानूब देवेष्टम् वृष्टिन ठाणकिरणाकाश विदादकार्या विकार्यम् वानित्व कार्वि स्वाचवात्र अकार्तिय रह

प्रवर्त्ततां प्रकृतिविताय पार्थिन, धरस्ती अतिमहती न दीयतां

C E 17 ! Se MOUT 1 मन ১२७२। २५ अ याष । ३९ ১৮७०। २ क्लब्साति

विक व्यक्तिय ३० हेल्लि

त्मामध्यकारमञ् अवस्य तृष्टि সংক্ৰান্ত বিজ্ঞাপন।

ভাজি ভাৰণি পোনপ্ৰকালের আরু এক সরমা হকি হইল। সতংপর মাহারা মান্তা 'नक पुरुष् कान कब्रिटबन, जाहा क्रिशास क्या. ा ए नेक देश क्रिएंड ब्रेडिंग निक् फा বিষ ফুল্য (১০ টাক^{া ১} ভাপবিদর্ভিত বৃহিন। मक्यलित भारकिमिशाक चाउद छाक भायन পিতে হট্বে। বাহিক ভাক মাজ্ঞ ৩।• হয়, क्षित्र यो हिता हु। अञ्चल माळाछ हिति स (अर्थ के किया (मेरन्स) केंक्स्ता काराब बार চাবি আন·) বান পাইবেরী : গাঁচার: খড় द प्रांक बाउस मिर्फ 'ध्रमवर्ष इंडेरबन, स्नाबा ইবেন আমাদিগের মধ্প্রতাম হটলে তাহা-जिल्लाम भी तन शिंद उ **एडेट**ब नः ।

বিজ্ঞাপন । भृक्षांद्राक्षत्र :

. ५६ त अर्के दमत विश्वेष भूजोर्गकत थ्र^तः (नाषि**उ इहेश**। कलिकाना मुख्यान्त्र वि भ जे व पटक > केंकिं जुरला विकास क्हेरफरक । বিদেশীয় প্রহীতারণ স্থায় বাসংক্ষণ্ড ক'-टिक बिनितिमहस्य विमात्रद्वत निक्षे ल्या-ং জ শ মূল্য পাঠাইলে পাইবেন প্রজ্ঞাক পাচ খানার ওকন এক গের।

শ্রীণিরিশচন্ড পর্যা

विकाशन ।

বিচায় পদ্ধতি।

উংল্ড **প্রেকৃতি দেলের** প্রধান এখান िर्वेशनास्त्र विकास स्थानी मुद्धे एवं भवत

महामाना अप खबनिडे चित्रे मार्ट्रवर श्री उ বে বিচার পদ্ধতি প্রধান প্রধান আদালতের ব্যুখনারার্থ ইংরাজী ভাষার বির্চিত এইরা নিৰ্পিত হইয়াছে, তাহা হইতে এ প্ৰদে-**ब्लित** का क्या के परिवासी के श्री हा स्वीय अर বৰাবা বিচাবেশ নিয়ম বোধ গ্যা কয়, এনত বিবিধ নিগ'ন ঢাকার ভেপুট কালেক্টর জীযুত वाद तक्षां अव क्षेत्र का का वा वा कि वा क ফুক সর্ব বলভাগার অনুবাদিত হুইরা ভীগুৰু বাবু পৌরমোহন দত্ত 😕 জীব্জ বাবু পুৰ্পাকান্ত চক্ৰবত্তি কৰ্ত্তক একাশিত চইয়াছে। श्रद्भाव का माजिरान श्रद्धांनर खन कतिता **व्यान रहेर**क पृथा > कक ठाका बाउ।

> खश्च वामन निष्ठे हेलिगान नाहरतदी ्र हे सामग्रीति १४७०

বিজ্ঞাপন ।

क्षत्रित्रभुव जिलात अयः भाउर नक्षत्रमाति ষ্থ্যতপুর নামে যে পড়নি তালুক জাছে. ভাষ্য দর্পথনি দেওয়া অথবা বিরুদ্ধ কর। যাইবে: বঁ হার সেই কায়ক দরপত্তি লই বার জাবল ক্রং করিবাধ ইন্ডা জাছে, জিনি কলিবাভার জাত্তন ভিনন বোল্গানির নিক-के फारवण्य वृद्धित मृद्धिन ब्रह्म स्निटिं भातित्वम् ।

(मामश्रकाना।

राज स्थापनात ।

আমর' গত বারে কোন কারণ নালতঃ लामक कारनद्र नमुमाग कार्या कार्ट्स म-निए'ट भक्षि अक्षेष्ठ रहेशांक. रित्यवकः, र्मन क्**तिएक भाति नारे, स्मन स्नाम विव**- যে সহক:রিদিনের উপরে ভারীবি হইবাছিল । ভাঁহাদিপের স্থাবৰ গত বারের সোমপ্রকাশৈর ক্রিক্টা रित्रालिकत्रभ रहेत्रा **छेडिवार्ट्** । ভলিমিত যার পর নাই কুম ক্রিমার বোধ হয় পাঠকগণ শাপনাদিগ্ৰের গুণে এ অপরাধ মার্ক্সনা করিবেছ

वाबारेतात ब्रामकळ वालक ওে গমন করিবার সঙ্ক^{নতা} ক্র चायता भाजवादत व नवाजात भी করিয়াছিলার, অবারের **पाचीरत्रत्र निक्ट्रहे कैं।शत्र देश्यक प्रबंधे केटकमानि अवने कत्रिमाय। क्रिकेट** मारम रेश्नरक गांजा कतिरवन कियोगि রের করেক জন পারসী জীহাতে আলো कतिया भागिरिकारमा । स्वी लोगी, কাভার কোন কোন ব্যাহ্ম কীৰ্ नार नाटन छ गूर्व सरेशाटरण ! बिह्न का व्यानत्मत्र मधाम । अटबनीत व्यादकता वक मिन धरे बाग धरकाने ७ क्योंकिमिन इरेना रेफेरवान चरल नमन भूचक कार्या निर्दार मा क्रित्यम, एक किन अरक्टमन कार्किक मडीके लाख प्रंडावना मारे। बामता अव-বিধ বিষয়ের নিমিন্ত কেলীয় লোকসির্গরে **দর্শনা উদ্ভেজনা ক**রিয়া থাকি।

রাষচন্দ্র বালকৃষ্ণ উপযুক্ত লোক **ভারতব**র্টের অরস্থা সংশোধন বিষয়ে **উ**দ্রি হার সবিদেশ যত্ন আছে। **ভারার অন্তঃর** রণ উদার ৷ তিনি ইংলঙে অবস্থান করি-

অনেক বিষয়েই শ্রেয়োলাভ সম্বাহন। कांट्र ।

াস হইতে মুক্তি লাভের সমাদ এংগ করিয়া আমরা যে মন হুই হইগাছিলাম, হ্লাদিত হইলাম। শুনা পোল কারাবাস দ ও এখনও তাঁহার নিকৃষ্ট এর্ডির দমন ! কাৰ্যো আচাৰ্যতা করিয়া সম্পূৰ্ণকপে कुरुकार्ग इट्रेंडि भारत नारे ; এখনও তিনি বৈর্নিয়াতন এ হান্তি পরিত্যাগ করি তে পারেন নাই ; এখনও তিনি অসতের পরামর্শের বশবত্তী হইয়া বিপক্ষগণকে ্রের বিষয়। কোভের কারণ এই, ক্যক্রফ ' র ছেন। बाबु (क्वल मनुषा अम। क्लित कर्णे ≉ अवश '**অফর্মণ্য ও অপদার্থ নহেন।** তাঁহাতে প_া করিবার তংৎপর্যা এই, এদেনের ভারন कार्य আহে । ভাঁহার তুলা অধাবসায় 🙏 না থাকিত, তিনি এক জন মহাত্মা বলিয়া 🕴 দেশের মুখ উচ্ছলে করেন : আমাদিপের 🕴 ঐ দোৰ ভ্ৰুকুডে বিশ্ছ মাত্ৰ গোমুতের ী ন্যায় ভাঁহার সমুদার সৎক্রিয়ানুষ্ঠানকে **ৰিম্বল করি**য়া তুলিয়াছে।

ৰাসী হইয়াছেন, ভাষার নিমিত্ত আমর: ক্ষণকালও কাতর হই ন।। কারণ তিনি কে **রুগ মনুব্য সমাজের** কণ্টক স্বৰূপ ছিলেন ১ किंद्ध (य त्रकल वाक्ति इहेट एएट महा উপকার লাভের সম্ভাবনা আছে, উ.হাটি গের দেখে তুর্নাম আবণ করিলে ভাতু কর 🖟 • कियम आवश कतिलाम, वाबू काली था | आमानिश्तत इत्य आमिसा नित्नन। छैं।- ।

मामा सभा द्य मा व स्था ठाठाए महिक किছू आत्मालय १ विहास कि : कि शा (अव्टिक्नमात्र) मिक्किक कृतिशा शृहि । सूनग्रनिटकता गरकाश्रदीक धात्रण कृति। য়া প্রাণভণগ করিয়াছে ৷ এতৎ সংক্রাম্ব বারু জয়ক্ষ মুখোপাধ্যারের করা ব এইৰূপ একটা ভরমর জনবরও 👣। দ্বির করিয়া উঠিতে পারিলাম না সুতরা। ছিল যে কালীপ্রসন্নার রচ দেখিবার নিমিস্ত মদে মর্ফিন, নিশ্রইয় দিবা তেমনি আর একটা জনতাতি শুনিয়া অনা- ! ছিলেন । যাহা হউক, এই স্থাদ তাতি গোচর হইবামাত্র আমাদিনের প্র কবন यदशरतांबान्डि शृतिहात्ति इवेस । श्रांत्रहा পের কারণ এই, কানী প্রসন্ধ বাবু হইছে লিখিকে লিখিতে আমাদিপের একটা ভা বৃদ্দেশের অনেক্রিখ উপকার ল 🖰 🕫 : তেছে, ভাঁহার আলয়ে একণ এবসী আন র্থকর কুৎসিত ঘটনা হছল। শাহ্রি রুপ্তেক র। ভাঁছার **এতি সন্দেহ ক**রাতে ভাঁহার ভব প্রদর্শন করিতেছেন। যাহা হউ বিপদ ঘটিবার সম্ভাবনাও হইর হিলা খা क, अभाष यकि जला इत. जलाय का । का दणत विषय अहे त्य जिनि नि दर्भारी हरे

याहा क्षेत्र, आणा अविष्राप्तत अपन বানদিগের অনেকের অসৎসংগগ প্রভা শীল চতুর ও দক্ষ লোক এদেশীয় কমী বৈ অনেক লোবও অপবাদ ঘটিয়া থাকে। मात्रवाल जन्म मुक्त इसने किसि प्रमार्क है. हाता (म मश्मर्भ श क्त भारतक मध्यित्रात अनुष्ठांन कतिशाहर । तिकाश कतिया मन्यरक्तिय कन अवर न। छाँहात यनि छुटे अकति व्यथान नाम 🏥हित्र मामन मर्दामग्रात चानूकान कतिहा পরিগণিত হইতে পারিতেন সন্দেহ নাই। ' অস্থঃকরণ ইকালিগের প্রশংসাবাদ তাব (१६ प्रटक्ष केश्युक, निकावांच खबरन नरह ।

कि भाषात्र करस्य अन्य खाषाहे (य শিবকৃষ্ণ বল্যোপাধাায় যে দ্বীপান্তব । কেবল ম ্যা ভাব দেখাইডেছেন এরপ मय, जाह वत उल (किशिश्राह्मा । कर्शक জন সুৰ্ণদ্নিক বজ্ঞোপৰীত ধার্থ করিয়া रेवणा रुरेटः । ८०की शारेटस्टरहम । स्टनक भिन व्यवधि এ वियर बद्ध शालस्यां अ भाव ह इहेगारहा ५७२म जान्य अक्ती वाद श्रंख প্রকটিত হই লাছে। এই সপ্তাহে আমাদি-ে অভিশয় বাধা ক্রমে। আমরা মধ্যে। গেব এক অর্থীয় তক গানি ব্যবস্থা পত

्य (क्वल वानिका विलाग - काक्षणवर्षात्र निम मिश्टका होष्युरावत वाशास्य अक वास्ति । काम आहे, आमता अहे विसय स्थाप জগতের যে কি ইন্টলাভ হইবে কিন্তুর व्यविषयप्र विकारत अवृत्ति किम्रिल का । भ মুরোধকারী আন্ধীের প্রতি মামাদিগে বক্তব্য এই, অনেক জুটিশাছে, আমাদির কে এই স**েল** কেলিয়। **আ**ৰে দল ভাৰা कितिय शरराक्त मारी अहे असावती वना देशदिङ इहेल. य काल ए विषया मिवर=ाव श्रीष्ठ्डीय हत्र, त्म क्:त्मन्न এड একটা বিশেষ বিশেষ নাম ছইয়া থাকে. गथा-- " महा, क्रिंग, बाश्र के दिल हैका দি ইংরাজী ভাষায় গোলুছেন এছ মাইরন এফ প্রভুতি আছে, কলিব তাত এট হার্তমান অ্রস্থাসূদক তেমন একটা কি নাম দেওল' হ'ল। আম্রা পারকগণে य हें भरत है (महे नायंग्री महानी न कविबाद ভার অর্পন করিলাম ৷ আমাদিনের মনে ्य नामकी फिन्य ब्हेगाटक, आंभहा छ।इ বাক্ত করিতে সাহসী ফটলাম ন ।

> भव हर्तिन्त्र हि विद्धित्वत्म का अ এক্ষর পার দে

কমস দেশবের সভাপতি জে, এন দুশেন সাকের প্রাকৃতি ব'ণ্কসম্প্রদাবের ও ভিনি ধি হট্যা ১০ই সাম শনিবার এবং ভারত वर्षीय मुख्य मन्त्रभिष्टि द्वास्य द्वाधाकास्त्रप्रम वाहालुत अपूर्णि अटमनीयमिट्शव अधिति।त यक्षणहरेना ३६ हे मललाना नह हो। 🗥 ্রিবিলিয়নেকে সভাজন করিয়া এক এক অভিন্যান পত্র দান করিয়াছেন। 💐 উভগ্ৰিধ অভিনন্ধন প্ৰ অনুবাদিক इहेश सामाग्रत अक्षिक इहेल।

সর চাবলুস ডিবিলিয়ান উচার যথ-যথ উত্তর দাম ক্রিয়া অভিনন্দন পত্র লাভুগণের সন্মান ধর্মক করিয়াছেন। উভঃ পত्रहे एक्तिम्मन कर्ज़ा ७ **উ**खतुभाषा ^{कृ}

नत होत्रलम हि विलिशान अरमरम षा গমন করাতে অভিনক্ষম পত্রদীত্রগণ কে-বল যে অকুতির আহ্মাদ প্রকাশ করিয়া एम अबुभ मग्न, याहा हरेट खाद्र हर्वा বিশেষতঃ শ্ব সম্প্রদারের মহাতীই লাভের যে সম্পূর্ণ আদা আছে, ভা হাও প্রকাশ করা হইয়াছে। কাহার কি वाक्षिक विषय, चाकितस्मम श्राप्त शार्व क রিলে ভংশরিচয় হাও প্রক হয় না। বাণিচ্যা ভ্ৰবোর কর কমিয়া যায় এবং বাঙা ঘাট প্রভৃতি স্থান্তরপ হইয়া উহার সবিশেব উন্নতি হন, ইহাই ব্লিক সম্প্রদা (यत्र क्षथान क्षार्थिक विषा। जात्रकवर्षी । मञा अरम्दान्त श्राजिनिधि ; देनक्य है। ज श्रामभी त्रिक्शित विश्व विश्विके भाग के টাকাটা বৃহত চয়, ইহা যে এই সভার প্র हिनिधिशर्गद क्षधान क्षःर्यनीय ह्हेर्य धक्या वटा! वासमा !

চারলগ ট্রিকিয়ান হইতে উভয়নিধ
অভিনন্দন প্রজাত্পণেরই যে ননোরথ পূর্ণ
হইবে ভাহার বিলক্ষণ লক্ষণ দেখা গাই
তোহ। তিনি কলিকাভাগ পদার্গণ করিয়া
অবধি কৃষ্ণির নহেন, বিশেষ বিশেষ
কাষা লিয় দর্শন করিতেহেন। কর্ম

হতিশ ও ইনকন্ টাকা জাকিস উত্যা হলৈই ভাঁহার জুলারপে দৃটি নিপতিজ হইরাছে। তিনি ত হয়ংই ইনকম টাজের জানুবাদী, অতএব ভাঁহার যে ততুন্দুলন কেন্দ্র জানিবে, তাহা কিছু বিচিত্র নহে, বাণিজ্য জবাকে,করপ্রহাইকে মুক্ত করাও ভাঁহার অভিত্রেভ। তিনি ভারতবর্ষীয় সভার প্রদত্ত অভিনন্ধন পজের উত্তর দান কালে স্পর্ভাকরেই ক্রিয়াছেন, অ জভ্য সমুদার শ্রেণীর বিষয় ভিনি জুলা বপে দর্শন করিবেন।

যে উপার দারা এতদিব্যিনী অভীক मिश्चित महानमा जाहरू, जनवटव स्थमा याहे एट ए, जिनि छम्बलयन क्योश डेमानीन नरहन । नाञ्चारक कनत्रव উठितारक, रेभमा क्योहेचा (मुख्य: इहेट्य, क्य ट्रम्ख व्यक्तटक কর্ণাকর্নি করিভেছেন যে সিবিলিয়ানদি গের বেতন কনাইয়া দেওয়া ছইবে। আর পঞ্জিতা গ চেফী করিতে গেলে বার সংক্ষেপ ৰ'তিরেকে তছিবরে কুতার্থতা লাভের সরাবনা কি > প্রয়োজনাতি বিক দৈনা ও সিবিলিয়ান্দিগের মোটা বেভন্নই जात्रजनवीं व रक्षिण्य एक ७ प्रा कति ভেছে। অ'মরা বরাবর সৈনা সংক্রান্ত অনাব্দাক ও অসমত ব্যয়ের বিষয়ের প্র তিবাদ করিয়া আসিতেছি। চারলস টি विलिगांन यकि श्वलिक्छशार्कत विरम्पकः রেলওয়ের ডাকাইডিলিগের বিষয়ে কিছু म्रात्यांशं कार्यमः वास मः कार्यक्र করিয়া আনিতে পারিবেন।

7

ছিলিন মফ্ডমা, সাক্ষির স্থবান বন্দী ও বিচার।

১৪ই মাখ সোমবার ছিলির বিচার
আরত্ত হয়। যাবজীন পেটিকুরি, বিস্তর
দর্শক ও অন্য অন্য লোক উপস্থিত ছি-লেন। বেনা ১১ ঘটিকার পর বিচারপতি
সর চারলুস জাকসন আসন পরিগ্রহ করি
লে কার্য হিলির অপরাধর্তান্ত পাঠ ক-

तित्मन । रेश्नरक्षणी नामिनी विके शिवाणी । रेश्नरक्षणीत श्रम केरीन भाजरनारको स्वरत्नत्त ७ स्त्रमान कार्यक शिवाणीत शक केरीन करेन ७ शाम ना रहन । नानीत केरीन भाजरनारको स्वरत त्रम काकेर मारहन क्षथरन निम्न निर्माण

ক্রি মহাপুরুগণ ৷ আমি আপ্রা र्क रव मक्समान विहास कतिएक सम्बद्धि করিতেছি, তাহা অতি গুরুতর। সামুদ্র वियदत्र त्य त्यान देवलकाना शाकुक मा क्रिक् व्यवश्याम भवाषितक त्य किहू सम्बन्धि উক না কেন, আমি প্রার্থনা করি আল नाता यथार्थ क्रमान वाहन कतिया जिन्दरशेक ৰূপে আত্মমত প্ৰকাশ করিবেন । ছিন্তিয় विषद्य जाश्रवाणिद्वश्र विष्ठाणा अक्टू के वाकि सरिश्काटक २४ कडियाद कि मा ? ১৮७**১ - घटम**त २७० मटरम् हार्य রাত্রিতে কতকগুলি লোক এক পারাম গী হইয়া বরাধালি জাম আক্রমণ সুত্রে : জার্জি সণকারিদিগের বিশ ত্রিশ জানের হতে বস্তুক্ हिल। छाहाता अर्थरम अन बाह कि রাতে ছুই জিন কর আহত হয়। রুইই सांख के नगरत आहर रहा। त्व आहें ररेश (माकिता , समन वीलग्राटक कारि কেবল তদনুসারে বলিছেছি } আপুন আ ন্তঃপুরে গমন করে। তথার ভারার বংকঃ হলে এক গুলি লাগাতে তাহার মৃত্যু হয়, পরে তাহার মৃত দেগ এক নৌকাতে করি মা স্থানায়রে লইয়া যাওয়া হয়। ভাহার মৃত মেহ অঘাপিও পাওয়া যায় নাই। ष्णक कर क्षा कर कि स्व स्था स्था कर कि स ধার্থ প্রাণ্ড্যাগ করিয়াছে কি না ৷ বিশ্ব ভাষার এক ক্ষম নিকট অন্থীন বলে লক্ষ কের গুলি লাগিল তাহার মৃত্যু হইখাছে, এक क्रम इंफेट्सानीय उ ए. तक वध कति द्वाटक देवाल माध्यिन विलिहाटक किछ प्रके হা,স্কৈ হিলি কি না ভাহা বিবেচনা শব্ধি তে হইবে। :বর্ণমেন্ট ভালকে হভ্যাকারী

বলিয়া কেবল অপরাধী করিতেওইন। সে त्य आक्रमान्द्र ममग हिला, धदर समाहक हता व मुक्ते अज़्डिएक व्यव् कि एवं , य विष्टा भवर्गमणे वामी नर्दन । णाज्यव জ্বানারা যদি দেখেন সে নিজে হতা ক্রিখাছে, ভবে ভাছাকে দোধী বলিবেন, क्य अककारम मुक्त कविवास अनूरमाध द दिउवम ।

काष्ठेरे मारहर उद्भारत मूठ अङ्बित िवस উল্লেখ করিলেন কিন্তু स्पन्छ বাবে। ্রির প্রতি কোন দোষারোপ করিলেন ा। श्रीदरन्दय दलिएनन शिल मुख्य स्टेटन হিনি সম্ভব্ট হ্ইবেন। আরো চিনি এ ক गां विलित्स्य माकि भिरात व दका वस े नक्त बादक दर्श माकिभिरशत मकरन িহিকে স্পান্ধী হত্যাকারী প্রমাণ করিতে িবে নাই। ভঙ্পরে নিম্ন লিখিত সাকি ^{*}ंशत क्रवां<mark>बदक्ती हरे</mark>ल ।

হিলির ভাগনীপতি কু.শিংস বিযার মনিবেন হিলি এই দেশে কৰিয়াছে, ত হা া চ্ছা পিতা উভয়ে আয়ুরগণ্ডের লোক, অ গ্রমী এতেলে ভাহার ২১ বংসর ব্যস 🤼 इंट्रेर । भर्र अक जन अञ्चलनीय শালী বলিল গত বৎসর ১২ই অথবা ১৩ই ^অ-গ্রহণ্যণে যে দালা হয**় ভাহাতে রহিমু** বার পানে এখনে ভলি লানে, পরে সে বাটার ভিতর প্রায়ন করিলে বাহিরের দার হইতে হিলি বহুতে ভাহার বক্ষঃস্বলে কালি করে। তাহতে জাহার মৃত্যু হ্য এই সেই হিলি ত,হার সন্দেহ নাই। সে তথ**ন খেতব লু প**রিধ ন করিবাছিল। ডই ন সা**হেত্যের আর নুসা**রে সে বলিশ হিলি ীরেরঙ দের নাই এবং সে আর কা ८.१ ३ तुष्ठ भाषा (मृद्यं सारे !

ু আৰু ও পূৰ্ব সাক্ষীর ন্যায় স্পন্ধতি । কোন সন্দেহ নাই।

धारम विताल, रम् मर्दतलः मारक्रवत करतक জন লাঠিয়লি ও সিপাছীকে দর্শন করিয়া ছিল। আর একজন সাক্ষীও এরপ শপথ পূৰ্বক হিলকে হত্যাকারী বলিয়া নিজেশ क्रिल ७११ हिलिटक हिनिया पिल । छैत्री বদিল, আমি ব্রহিমুলার বাটাতে থাকি ভাম। হিলি খনুতে রহিমুলাকে ৭২ করে, পরে তাহার মৃত্ত দেহ ও আমাকে এক (व)कांत्र सकेशा यात्र । किलि अथरम सके নৌকায় ছিল। ছিলি যাবভীয় দসু:কে লুঠ ও বধ করিতে উৎসাহ দেয়৷ বড়ও ঐ একার সাক্ষা দিনে। রচিমুরার স্ত্রী ফলগা বিবি বলিল, আক্রমণকারিরা বাটী র নিকটে আসিলে রহিমুদ্রা গ্রহণমেন্ট ও देश्मार अवेतीय (माहाई मिया हिलाटक व লিল " আমাকে যেখানে ইচ্ছা লইয়া চল বিস্কু আমাকে প্রাণে নষ্ট করিও না. আ মার অনেক পোষ্য পরিবার আছে, আরু यिष अ मादक वर्ष कहा होमानिरगत अ कार हेका हरेग़ा थाटक, माहारे जेबरबुद আমার পরিবারের জীলোকদিপের কোন अकारत अभगाम कतिए मा। हिन य इ.च ब्रहियुझ: रक शक्ति करते । शक्ति ভাছার আজ্ঞানুসারে আমাকে ও সূত বা ক্তির দেহ অন্য অন্য ব্যক্তির সচিত লইর। যাওয়া হয়। রহিছুলার একটি পুত ও কৰেকটি ক্ৰীলোক গুলি দায়া অ'স্ড হয়। কোন একারে হিলিম্ন লোকের। বিম ্য শ্রবণ করে নাই। সে সময়ে পারি এম नि की छ इहेशां इलान त्य जिलित कि अ বার বঁদ্র ভাগে দর্শন করি নাই।

ভোবি বিনিও ঐ অকার বলিল। সে হিলিকে চিনিতে পাল্লেনা, কিন্তু নিক य कर्भ विलल এक क्या हेडा ब्राभीब छशाय नशत माकी मनिक्रमिए के ८काव ! छेनच्छि हिल ! तथहाँमए के बार दिल ा मा जा जिल्ला **हिलिएक वर्षार्थ** इन्छाका े ल। दिल्लाद्व मध्या अहे दिल्ला द्व हिलि ः विशिष्टा निर्द्यम् कतिल । त्र माणात नम | त मृत्येत कियमः म त तिविधारम, अवः ः श्याजात निकर्षे मधायमान हिल । या पर महत्रहात सूलविर्णेशके छवियस

माफेफि विलित, तम हिलिएक चहरख গুলি করিতে দেখে নাই, কিন্তু নিশ্চয় ক রিয়া একপণ্ড বলিতে পারে না যে হিলি स्ट्रेंट क्लांक स्व नःहै। एक्पूरि माकि र्ष्यु हे विश्वहस्त हर्ष्ट्राशाशाश विहासन আমি গত ব্থস্থের অগ্রহারণ মাসে ব্রা বালির দাখার কথা তাবণ করিয়া ভবার গমন করিয়াছিল:ম ৷ তিন জন সাকীয় करामर्गि लहे. ाहात महथा अक क्रम गुरु थात्र **हिल । ১**२३ जि**रमध्य श्रूमलि**श्चात्र হিলির সহিত আমার সাক্ষাৎ হয় ৷ মরে लित करतक **कन** शकात डेल्द्र **मरम**ह ह ওয়াতে আফি হিলিকে ভাহশীলকে ধরিয়া भिएक **वील। हिला विक**रंतन कांश्वा নিদের্ফাধী। ছিলির নমি ছিল্ডাসা করাতে তিনি তাহা বলিলেন না। মরেলের বাটার जिन्द्र इंट्रेड पूरे वाक्तिरक वाहित कव-হয়। ৬ই ডিসেম্বর হিলিকে গ্রেপ্তার করি বার পর্যানা দিয়াছিলাম ! হিলির এক জন বন্ধু গত জুলাই মানে বলেন যাহণকৈ হিলি বলিয়া ধৃত করা চইয়াছে সে বস্তু 🕟 হিলি নহে। ছিলি যে ছতাকারী একথ। আ নেক বাজি ওঁ,হার নিকটে বলিরাছে।

भूलिय क्यामाज मीनवम् जिश्ह दनि ल, यात्रि विशिष्टक विषय कावाबुरल क র্মান করিয়াছি। ভাছার পর সে ছিলিকে हिनिया मिल । कुम्द्र दिविमात्र केरण বলিল। ছেনেরি লুই মিচেল ছিলিবে আসামে ধৃত করেন। ধধন সে ধৃত इत, खर्यन त्म अवस्य क्म्मन कतित्र উঠি।ছিন। পেৰে সে আপলাক হিলি বলিয়া পরিচয় দেয়। সঞ্চীর জনানবন্দি শেষ হইলে যিনি কুরিছিপের এখান, ভিনি दिलालन हिलात अक ममर्थन कात्री छैकी লের বাক্য প্রবর্গের আবশ্যকতা নাই। বাদী ভাছার দোষ সঞ্জাণ ফরিতে প.দে क मारी। ज्ञबद्धत जुर्बिद्धा नकदल ভारादक **এकवादका निर्फावी विमित्नन । विभात्र शिक्र** ভাষাতে সন্মতি দেওয়াতে ভাষাকে ভৎক नार क्षारका क्षानामा क्षानामात्र त्नव क्षेत्रारका

कि काम्रत्न दिनिदेक कास्त्रियां त्या क्या -स्ट्रेश युका त्यन ना ।

श्राठेकत्रव! चाश्रमात्रा कि कुठर नहा-म जागरमाध्युक स्रेत्रा मानशकारमात्र नेर् तिशीक्ष कतिशा चार्टन ? त्वांकशक्षण প্ৰতি সপ্তাহে যথাপত্তি ফুডন নথাপ দিয়া जाननाविरशङ्ग स्केष्ट्रस्त पूर्व कहिता पारक वर्षे किन कानि सं जेकेने क्षान् के **उम मदाप निरुक्त छलित्रारम, जेन्न्य नर्मा-**हात्र कथन जामग्रीणिटनत्र श्रादन दिवटद्र अरवण करत बारे, धावन सता पूरत नाकूर এমন আশ্ভয় সহাদ কথন বে আপনাৰি গের ভাবণ গণের অভিবি হইবে, ক্লাপনা त्। **अक्रथ क्यंन भटन७ क्ट्रिन नार्-१** त नश्य धरे--एडंनिन हिना विमा पट्छ चवाःशंक भारेसारह ! ! ! अक वृववारक्रकः नात्रश्कारम अहे नवाहोत्र वर्षन नगत्रवत हरेन, ननंत्र विश्वत्र, ह्यांच, ट्यांच, ७ चहत्र ব একান্ত পরাধীন হইয়া স্বপান্তর ঘারণ क्रियादिल । ये शाहा चकर्य व्याकायान व्यवन मां कड़िज़ार्क्टिनम, छाशाहा अवस्म इहारक विश्वान करवन माहै। काँहाविरशंव **चित्रांत्र इंक्षा चान्डरवा त्र विवय मरह।** হিলির ছুরাচারতার বিবয়ে কাহারও সন্দে হ ছিল না ; ভাছাকে বরাবালির অরাজক কাণ্ডের কর্তা বলিরা তাঁহটেনিদের দৃঢ়তর সংকার অভিয়াহিল; ভাহার অপরাধও रक्षका भूग्यके अभाग बाजा अध्याग सर য়াতে , **অৰ্থচ কেই ছুৱাছা অব্যাহতি** পা ইল ৷ এ সম্বাদ শুনিলে সভ্য বলিয়া তাহা তে কাহার **বিশাস জ**ঞ্জিতে পারে? যাহা र्डिक, के बूथबाई मिकिंगात, मारिक, जैपटत র নিয়ম ও ভার**উব্**রের ক্**মু এ সমু**দায় পাপের বিকটে পরাত্ত হইরাছে ৷ সামান্য মুটিয়া অৰ্থি ধনবান ৰ্ণিক প্যাচ্চ সক ্নই সাভিশন্ন বিশ্বরাপর হইরাছেন। ইউ

कालीत्मम चलक्षांच कतित्व एक रत्न मा विवास करणामितिकारणत य मःचात्र दिलः लेक त्यसंत्र चारा लाटकत स्वत्त मृत्यत वटण वस्त्रम कतिया विवाद । त्यत्थांका तत्मम लेकम कारण चारात त्यनाता त्यकथ स्वाधिक १० त्वावश्वत्रम स्रेत्राहिल, वज्ञा सालित च्याबल माधकातीत मुख्यि लाख संवत्त अरण्यीय ममान चरणामिक स्थिष्ठ स्रेत्राह्म । स्वतः जात्मक्ष्य क्रिक्सः क्ष्मिक स्रेत्रमः

चुन्तिता स्वतं गढ धकां म क्रून ना क्य, जीवता कुक कर के कहिएक शांति दिनि प्रदेष बतापानित रकााकाश इरेहा **ए । नाकिन्टिनंद्र बाटका जाबानिटश्चद्र** পণুষাত্র সংশয় সবিভেছেনা। এ একার স্ভ্যাচার, এৰপ মৃশংস মানবস্তাৰ, এৰপ অনুষ্ঠিত ব্যবহার অন্য কোন দেশে কথন मूके रम्र नारे। कन्नामी वित्लादर मर्द्ध সহস্র লোক এক এক স্থানে হত হইয়াছেন यथार्थ वर्ष्टे, किख ध्वनाष्ट्र भाषित्र, नगरत्र কোন সভাবেশে ও সভাছম গ্রণমেন্টের অধীনে ছুৰ্বল ব্যক্তির উপরে এবপ অভ্যা চার হ্ইরাছে, ইহা কখন আবণ করা যায় নাই ৷, ই তহাস এরপ আরু একটা দৃষ্টান্ত প্রদর্শন করিছে পারেন না। অতার অস ভা কালের বিচারও ইহার নিকটে লক্ষিত হইয়াহে । মনুষা কোধ লোভ যার্থপরতা ও रेवज्ञानियाजननिकेषाणि यात्रा व्यक्तिक स्रेश বে সমষ্ট কুক্রিয়া করিয়া বাকে, সের্যুদায় এक हिलित बाता अक शाम मन्भानिक हुरे ब्राट्ट। हिनि शृंश्याद शृंश्विलूकेन र्वेता বলাৎকার জ্ঞান হড্যাদি কোন পাপ ক্রিয়া রই অনুষ্ঠান করিতে বাকি রাখে নাই। ভরানক যুব্ধের পরও জয়শীল সেনাগণ শব্দ দলের গড় ব্যক্তি বিগের , অংক্যাউ ক্রিয়া করিছে বের নিভাস্ক ছুরাস্বা হিলি त्रहिमछेबाटक अनमामः अनाम क्ट्र मारे। कि थवान ७ कि यूकि भरतवन नहीं

का चूजिता व्हिलिदक पूर्ण कतिरलन्। कारा কুৰিয়া উঠা আমাদিদের বৃদ্ধিপ্তে<u>র</u> স তীত হইতেছে। ৃসাশীরা কি বলিয়াছে? তাহার কি বলে নাই বে এক জন ইউরো भीत नामात नगरत क्रिनुक्तिक क्रिनुं जरत्नहे कि नाकाकाज करन माहे हैं मदबदलब लाय. स्टेटक जे काछ प्रेक्सिक है भविकाश्म व्यादक कि हिनिएक एका मुख्ये बनिता बिट्रम्भ, क्टब नारे ? त्राजिकार्य माना ७ रजानाथ स्रेश हिन ; कुछ ब्राह्म উলার নিকটে বাহারা ছিল, ভাছারা, সুক্ रत नेश्व शूर्वक वित्राहर रह क्रानां क् চল্ফে দেখিয়াহে হিলি ৰাশ্বক খ্লান্তা প্লান্তার व्यान वथ कतिलाटकः। वाक्षाता मुद्रुत क्रिन् তাহারা মুগার্থ বাহা দেবিয়াছে, আহাই সু निप्तारह, चर्चाय थक सब हेवेद्धार्थीय गर् पांचरन हिल, किन्न मिलिकि खान स्कर् তাহা তাহারা সক্ষরার ৬ পুর প্রবৃদ্ধা স্পৃত্ত पिरिष्ठ भार मारे। हिलिब श्रीब्राट्यम बद्धत बर्पत विवरत्र गाकि विषय बादकात- चनुमाज देवलक्षना रह माहै। करन देनलकरनात मर्था भई इंट्रेड्ड् কেহ বলে ভাহার হাতে বন্দুক ছিল, क्रिक जाश क्रूज़िंटक रमरथ मारे, रक्क् बरल वक्टक नवीन हिल, दक्ष ब्टलकांहा हिल ना। धरे रेतनक्या राषिश्रम विश्वादि

कराका विशा काम क्रिश्राद्यम ?

बेन्य र उत्ता कि देनगर्भिक म्याः दनदे मामः

ग गाणात नमतः ; त्नाक दक ७ व्याद्य दन्दे

एक्ट ; इतावात्रा जीत्नाक पिरमह व्यवपान

मा क्रिएक्ट, ७ विटक पृष्ठ गांव हरेएक

रह ; त्न नमद्र कि नकत्नत क्रिक्ष नमान

व्यव्यात्र शाका महाविक ? केत्रविश्रमका

रह्यू कि वृद्धिविक्षम हरेगात महावनः

मादे : मक्टलदे कि नमान द्यादम ७ नमान

व्यव्यात्र शाका देशाहिल ? वे मण नामान

ग्राक्षम एक्तारक नाकियाका रव नका

व्यव्यात्र शाका देशाहिल । वे मण नामान

ग्राक्षम एक्तारक नाकियाका रव नका

व्यव्यात्र प्राक्षमा हरेग्यह ना । नाकिता

विक्रिक हरेतन का शामिरगत्र वादकात्र देवन

ক্ষুণা ছইবে কেন ৷ কোন সাক্ষী ভাষাকে हिनि विलग्नाटक, त्यंक वा विलग्नाटक हिनि ना ; ভাহাতে कि दिनित जिन्दीरेश क्रान তা হইতে পারে ? অবেকে কি হিলিকে न्मर्क वास्त्र इंड्याकात्री विलिश विदर्भन करत गाँदे ? जरमरक कि जीशास जानान তে চিনিয়া দেৱ নাই ৷ হিলিয় কি মরেলে র সহিত পরিচর নাই ? সে কি সুরু,লিরা-ट कथन **यात्र नार्ट** ? फेटंब रय काल ख দুরভা ষ্টিত বংকিঞ্চিৎ বৈলক্ষণা হইয়াছে, কুবকলিপের সেত্রপ হওয়াই বৈদর্গিক। আমরা খনেক ক্লিবককে দেখিরাছি, ডাহা पिरभन्न काम '७ पूत्र**एवत्र का**न नारे । विरभ যতঃ এত অধিক দিনের পর ভাহা, দিগের সকল বিবয় পারৰ থাকা কি সভাবিত? যধন ভেপুটি মাজিন্টে ট বন্ধিম বাৰু সন্দেহ করিয়া জিলিকে পরিতে বাম , সে বারবার আপনার 🕯 নাম ওঁ ড়াইয়াছিল কেন? त्र लोबी श इरेल नाम कें,कारेबात कि **2. दशक्य हिम ? जामका श्रमिशोहि वर्षम** বিশ্বম বাবু ভাহাকে চিনিভে পারিয়া ত্রে প্রার করিবার চেকী পান, তথন ঐ তর্ম্ব রলিয়াছিল " যে মরেলগঞ্জের উপরে পদা ণি করিলে: আমি ভাগকে গুলি করি

चांत्र हिलि यनि स्मिथी ना स्टेटन. ा कि कमा शंलाप्तम करिल । येथम **जा** সামে ধৃত হয়, তথন ভাছার সহিত এ ুতে টাকার অহিকেন ছিল, ভাষা বিজয় गन्नाम कदिशाहिल।

এই সমস্ত দেদীপ্যমান প্রমাণ খাকি **७ यणि हिलित ज**लद्रांष क्ष्मान ना हरेल. কিলে যে এমাণ হইবে, ভাছা ত আমনা বুৰিতে পারিতেছি না। আল্লেতে বছ সংখ্য সাক্ষা উপাস্থ হইয়াছিল, ডাডাসি াের মধ্যে ছুই চারি জনের বাকাের আং निक किছू किছू रेनलक्त रहा किन्न व क्तरकत्र वारकात रेवलक्कना इस बारे। या দিগের বাক্যের বৈলক্ষণ্য হয় বাই, যদি

কেবল ভাষারা নাম সাক্ষী খাকিত, ভাষা वेरेरेल कृतिहा कि कृतिरकतः काउँरे ना হেৰ খা কিন্তপে ইলিভেন যে সকল সাক্ষী হিলির কোৰ আমাণ করিতে পারে নাই ? र्वे चेंद्रल चेंद्रबंक भाकी चारक, मिचादन সকল সাক্ষীর ভারা কি সকল বিংর থাকা न हेत्र अंक्षेत्र क्षेत्र केलेट्डानीत भाषा करन ছিল, কডাকের বারা আখান হইয়াছে; সেই ইউরোপীর বর্তনের লোক কভকওলির খারা ইয়া এখাণ হইয়াছে; খার কডক क्रिक्न बाका क्षेत्रां क्रेज़ारक, बरवरलब लोहें लोहें हिन हैं और दिनिहें ब्रह्मि উভার প্রাণ্ডিথ করিয়াছে। বাভবিক স स्थितात वागर्या ७ गामन्दि तर मूहि हा गिर शक्त अर्था अर्थ লাম ছারা বাহির করিবারপার্ডরিক চেকী করিছেব, ভাষা ঘটলে কি ভাষারা

রীতির অনুসারে প্রসাধের বলাবল ও সভ্যাসভাতা বিচার করিতেন না > ভাষা इट्टेंट्र कि ट्लिट्स यथार्थ (मापी पानता कीशायित्वत स्वयंत्रत रहेक ना ? काशांति গের বাডাবিক সে সকল চেকা ছিল মা, (क्वल खड ब्रका क्वा स्टेबाटक धरे बार्क । कीश्रत दिनिटक चतुर्खेर क्रिका 'स्विक्त विशादिन कि ना, रंग विवरंत्रत्र विशादत चार्वापिटनंत्र अट्यासंन मारे ।

'ভাল আমরা বৈদ সীক্ষর করিলাম मुतिता (व॰ विकास कर्तिशारसम, कारारे कांत्रश उक्त ७ हीनटमर्थ याहेट्य तम अहे किंक, शिम स्मानी मटक, क्या मनूनी क्छा। अञ्चलकाणि त्य जमस्य दिवम कास स्टिन, त्म के केत्रिल ? शवर्गरमण कि कि कि कि (इन) **छिरिल कि अनुग**िर्देश के जक्त काल कतियादह ने बाकिअदबल बेलिशोदह ন কোন পাপজিয়ার অনুসন্ধান করিছে হ্ইলে অঞ্জোপনা আপনি জিজাসা স तिरव, कारा कहा रकान वाकिन्न वार्ष > ? এ যুক্তির অনুসাংরে রহিমউলাকে হতা कता चार्च काम्नः चाट्य करे वित्रहमा क्या चारणाक । अरे चंडेनाज शूटर्व घटत्ररणत

সহিত মহিনউজার ছুই আই বার বাজ হইরা বার। ভাহাতে মরেলের অক্তরের ক্রেকজনের মেয়াদ হয় ৷ মর্ট্রেল ভাছাতে व्याक्तम् स्म । इश्मिकेशाद्य क्रम क्रा বরাবর ভাঁহার আত্তরিক চেন্টা ছিল নে সেই ক্ষা আপনি গাঁতি ক্ষা প্রভৃতি क्रें निवित्रटक विवास क्रिसा मानामा क्र्रिस कार्या व्यवस्थान कटाता । माक्षात्र मनद्वत देव সমেলের জরক লোক ভদ্মধ্যে ছিল ভবিব त्र कारावर्ध प्रदेशक गाँदे, आकः क्रम हैंके রোপীর বে ভথার হিল, ইহাও ক্লেই আ বীকার করিছে পারিবেন'না। করে নে ইউরোপীর কে?খন্য ইউরোপীরভাজুরী ! অ'প্ৰি দাদাহলে উপস্থিত থাকিলে পাছে উজাকালে কোদ বিপাতে পড়িতে रत, और जावित्रा महत्रम चत्रः सामान त्रच ररेता व्यक्तिच लाक बाहा कि काछ শেৰ করিয়া লয়েন নাই: হিলি ফি ভালার **অধীন লোক মহে? দৌলত চৌকিবার বৃত্তা** कारन कि वितिशाहिल । हिलि इहेरफ त्रश्चित्रात नर्बमाण स्टेतारह धरे कथा कि ल बटन बारे : अक्न अवान महत्तु । त्य दिशि निर्फाय स्टेश, चामना कान करमरे रेश वृतिरच भाषिएकहि मा। हेड ताभीरमना जनगंद अष्टकनीन्निनरक त्वथ कतिया पुष्कि माध्य कतिवादस्य वरहे. रिख थक कृष्ण कतिया विकि प्रक्रि লাভ করিবে ভাহা স্বশ্বের অপ্রোচর ৷ ভোল দে বেন-রহিমউলার হড়াাকারী বলিয়া শর্মিত না হইল, নে যে যাখার मगरत छैनविक हिल, कहात कि हरेल ভাষার দশু কোবার ? আমাদিদের সূক্ মতি বিচারপতি-ও জুদ্মিরা যাহার অধ্য আতা ও উৎদাহ দাবে কুকারবার অনু काम बन्न छाड़ाटक कि दमापी स्काम करतम मा । अर्थम अर्थाथ कि अर्थ निमय प्रदेश व याहात जैभटत गाहात जान बाकिद्द, भ चरुट्ड डाराज थान वथ मा कब्रिका जना बाबा कशहेबा विना वटक व्यवादिक शहे

m +17 -4 ggs

বে > আমরা পাঠাভিধানে বলিভেছি আ फटवादके दक्कातन विलिटक माची कहि वात क्रकी शाम मार्ग । अर्तित मिकटि তিনি যে প্রকার বক্তৃতা করিয়াছেন তা হাতে ভাঁহার বাদীর ওকালতী করা না इहेंद्र' हिलिद्ररे अकालकी कहा इहेश'रह । তिনि बरत्रहारक मांकी भागिरालन ना ्केंस - किम्ला जात्हव धक वांत महत्रण छ রহিষ্টারা ঘটিত যোকক্ষমার বিচার করেন, ভাঁচার সাক্ষ্য গ্রহণ করিলেন না কেন ? তাহার বস্তা মধ্যে উৎসাহের নাম গল্প िल मा। विनि अहेक्टम काक करतन, তিল কি গবর্ণমেন্টের প্রতিনিধি ও পরা নশাদাতা হইবার যোগা লোক : গ্রন্মে ত বার্না হইয়া আর একটা অন্যায় করি বাছেল। মর্গাল সাহোবর নিকটে যশে। रात हिलित विठात इंटेर्स एवं कथा हिल হ'+৷ হইল না কেল , তথায় কল'ইটোলায় মহামতিয়া নাই বলিয়া কি হইল নাঃ ध्विष्ठात त्य व्यक्तिमात्र व्युक्तास हहेशाटक डाङ' वला वाक्ला। এक्स कविहात!

> किलित सक्फमा बुख, य हेश्लद्याव ে তেওঁ গোচর কর कर्खेशा ।

সুগিমকোর্টেও হয় মাই।

অন্মবঃ কলিভেক্টি, জিলি রাজ্যউল'র ণ্ল প্রাণ জাতি, ও নান এ সমলাংগ্র সংহার এক, কমাইটোলার মহাপ্ররুমেরা কৰিতেছেন ेर्सन **मटक** । अध्यम अविस्तासन मीम(१५) ८० व्याप थ्यः विकारिक बहुल मा। हाहरवाहिक ^{''है} किलावड़ें '' किन| कित्र र मत्भा करेश्वा-দন। কলিকাভায় উচ্চতন আন্দালক প্রতি ত হওরাতে আমরা যে উচ্চত কালা ব ^{শ্রাহিলাম}, **ভাৰ, ভ বারুকান**য় সেতু বরুপ চটল। **ডিলিয় মকজ্ম। দে**খিরা বিশক্ষণ যোগ म्बेटबर्क के**कउम् कामानड** करणस्पर है ह-**उम अमिर्द भाषान्त निमिष्ठ २**०३१८६ । ५ ° त्रसङ्घ अक अविवास्त्र भीमा शास्त्र होता । स्था । हात आहे आहेलाम, मान्त कतिनाम, लाह মণ্ড, ন্যায়পরতা, অপক্ষণাতিকেদি তথা

स्ट्रेंट्ड अकेटिंड नरह। राभारत कमाईरही-লার বহাৰতিলিপের আধিপত্তা নাট। ত-ক্র**ড্য লোকে**র। পক্ষপাতপুন্যংইরা বাবভীর বিষয় ভন ভন পরিয়া বিচার করিয়া থাকেন ।

डामिरगद्र निकट्टे श्वित्तद्र यथार्थ मीमाः ना क्हेर्टर नरमाद बाहे ,

अविषय है कार रूपतीय (शांहत कविवास कात अन्ति कांत्रभ घाटकः। हेरलएअस्ति घटन করিতেছেন, ভারতবংগর আধিপত্য ইট ইভিয়া কোম্পানির হস্তগরেম্র হওয়াডে সেই সজে দলে অভ্যাচার ও অবিচারাঙ্গি স সুদান প্রস্থ ন করিয়াছে। ডিনি দেখুন, ভার-ভবধবাগীরা কেমন সভিদে আছেন। নকৰল-বাসিদিগের ধন, প্রাণ, মান কেমন নিরাপদে द्रविद्राटकः किषिए कार्यवन बाकित्न अचात्म ना इटल व्यम कर्मा मारे! अधारन रामन পুলিদ তেখনি বিগারকর্তা, তেমনি জুরি সকলই স্থান। প্রবল কাজির বিশেষত। ইউ-রোপীংদিগের মুখাণেকা না করিয়া অপক পাতে কেইই প্রায় কাজ করিতে পারেন না। ब्रास्त्री इंडेर्ज्ञानीमहिन्नरक पूर्वम माक्न बार्ज्य ভাষ ছাডিয়া দিয়া এদেশীয়দিগকে উৎসন্ন করি বার নিমিত্ত কি ভারতবর্ধের শাসন ভার প্রহণ কবিয়াছেন ১ জগদীবর কি এই নিষিত ইং-রাজ্ঞান্ডিকে তুক্তর সাগর পার করিয়া এদে-CM का निर्मेटका ? कांत्र उदम नवस्य अ**हे** कि ঠাহাদিলো কত্তন্য কম ? যদি উলিখিত প্রকার আরু, ক্রক কাপ্ত হটয়া অসমনি আসনি লেগ ভার ১বাদিছিলের ধন প্রাণাধি রক্ষার काह काम, कि / भानता अंध किन व परना-भिकारत्व मिला ७ विधिम भवनस्वरकेव धामः त् । । भ्रम् स्वेद्राजा (म ध्यम्भा । । १ वि बाह्य तक्ति । यवनाधिकादत्र अञ्चल घडेनी (मानी त्कार व अर्थ বির্ল ছিল ক্ষেত্র দেখাইশু-অন্যকে ভুত্তিয়ায় প্রবৃত্তিত কবে দেই কি প্রাণ ন দোষী নছে গভাহার দেও না হচলে কি কুকর্মের নিবারণ স্ভাবনা আছে ইউপস্থিত বিষ্টেষ ভাষ্ট বৈ ছইল ? त्रकथ शिक्तित एश वहेबाह, डिशि**मिश्ति** ্লোব কি ৪ ভাগাল্ এই মান্ত বিবেচনা ি ্ কোন উপোত ইপাশ্বত হয়, সাহেব

तका कतिरका अभावशिका अमूक मार्ट्सकी ভর্নায় ভাষারা অর্থ নোভ স্বয়ণ করিছে পারে না : ভারতবর্ষীয় গবর্ণনেই ক্রিট্ট গৈই भूग ब्लोव गरदमायक **बद्धवान महस्त**ी 🚉

উপভিত বিষয়ল ইংল্পেশরীকু গোটা कतिवाद क रत कात अक दिवस केंद्रस्टक क्यूं मान कारणाक। सूत्रि श्रेशांत्री (यम कार्याक्षीलोहा प्रतम ना चारक। ऋति ध्यमा आकात्रसम्बर्धाः थीनका अ अविहात मूल वर्शा बरहे, किन्द्र ब्रह् ন ভাষার এই বাগ ছুদাশা হট্ডা, ভাষা ভাষা 🦠 এনেশ ২ইতে যত শী**ন্ত অন্তৰ্হিত হয়, তভুই** मक्टल्य विषय ।

উপস্থিত বিষয় বেৰূপে ইংলভের গোচর করিতে হইতে, আগরা ভাষারও প্রকার ভেদ কৰিয়া দিভেছি। সর ময়ভানী ওয়েন্ সের বেলায় যেবাপ আবেলন কর। ইইরাইছ-न, ভাষতে প্রয়োজন নাই। दिनिश्च. सम्मन মার ধাবতীর রক্তান্ত আন্দ্রোপান্ত পুরুষাকার্জ্যে-मुक्तिज नित्री देशनध्यत्र ध्यपान ध्यपान ध्यान কেব্ল নিকটে প্রেরণ করা উচিত। **ভাষ্যকে**-**क्**त्रित विচারের কথা বেন বিশেষ **করিবা है**।-থিও থাকে। বত দিন আনরা ইউরোপীয়_ে तिरंगत जूना क्षण नारक नमर्थ ना श्रदेत. এবং বত দিন ইউরোপীয়দিগের সমসংখ্য এদেশীয় লোক স্থারির পদে প্রভিত্তি না হইবেন, তত দিন ভূরি প্রথা বারা এলেদের অনিষ্ট বিনা ইউলাভ সম্ভাবনা নাই : কসাই-টোলার জুরিদিগের যে কেম্ম গুণ, ভাষা कारतवन नेखन गार्ट्यूबद्ध अवश्री गर्किक বাকা বারা পরিচিত হইবাছে ৷ ডিনি বলিয়া-ভিলেন, " ভাপরাধ করিরা বলি আহার ভা-ব্যাহতি পাইবার আশা থাকে, ফাছা হইলে আনি স্প্রীন্নোটের বিচারই মনোনীত क्रिव । र

স্থীমবোটের প্রসন্ত ওয়াতে হাইকো-টের ষহিত উহার তারতমা কারির একটা हेका काशांक्रिशत खनरत डिनिट 🐫 🗥 । 📭 -बिहात अलानकरक के ने कर का 'रावटक्क द्वरद्भ का कार्ट्स (क्ष्रहे क्य गर्डन বাললাদেশের নীলংরণীডিড প্রেলাশের ভুরসম্ভার বিষয় সাধারণের গোচর করিবার Co है। व तिशाक्तिम, मिहे व्यश्ति प्रेडिश्वे

পুঞ্জীমকোট ভাষার কারাবাস দশু করেন। আর হাইকোট প্রস্থার সর্পথাতকরী ওরা-चारक रेपदीभागान अवान मत्य । दिना परख হাইকোট হওয়াতে কাব্যাহতি দিলেন ! ভারতবর্দের যে মহোপকার লাভ হইয়াছে, এই প্রসক্ষে ইংলভের লোফেরা ভারাও । এ ভোষারই অপার ১পার মহিনা !। এই জানিতে পারিবেন

প্রস্তানিত পুস্তক মধ্যে আর একটি বিশ-য়ের উল্লেখ করাও আবশ্যক। বদদেশের धाजाता बक्तक ও काळापि धार्याका शर्हे बन, এবং ভাছাদিলের গ্রেড অস্ত্রাদি থাকিবারও रवः नाहे ! शकास्तरत्र वक्तामवाभी वेकेरता পীয়েরা সম্ভব্দে হগুহে বস্কাদি রাখিতে পারেন, তাহার প্রয়োগ বিষয়ে তাঁহাদিশের रिनक रेन्थून अक्षांह, अक्षां नक मक्ष्रिन जयरम नयरम यहाजी अवर्थ घटेना इहेमा थारक মরে লার লোকজিগের যদি বস্তুক ন্যবহার নি নিল্ল হইড, ভাৰ· হইলে কি গুলির ল'ব। রহি মউল্লান প্ৰাণৰণ স্বাধনা থাকিত ? উভয় প কে তুলা খ্যবছারুই উচিত। হর এবকালে সক লেরই অতা ব্যবহার নিশিক হউক, ন_ুবা प्रकारतपूरे काल सामहात काल्या क्रिका ज अवामधनीत मध्य, काळ्याती के छेद्राशी য়েব বাদ কি ভগুৰুর ব্যাপার নর ?

व्याख ।

১৷ এখানে এক্টি কুণ্ন প্ৰাক্ষসমা**জ সং**-ত্য'গত হইয়াচে | ইহার প্রারম্ভ অতি অ'গ দিন চইয়াছে, বলিজ্লে কি অল্যাপি মাসাল क्यूनाहै। आंशानी कना मजनवाद हैनात हुई অধিবেশন হইবে। ৩.তিশয় আহ্বাদের বিষয় এই যে বিরুদ্ধেও বলগী মহাপুরুষেরা ইপার **জানুগ্ঠাভূগণকৈ** গ্ৰুচ্যা, ৷ কোন বিজ্ঞীবিক। **अन्यम करतम मार्चे । एडे ज्ञा भिष्टिक है श्री-**কা হয় না সভা ৰটে 'ক্যু ভূমানগুলে বেৰুপ পরিজ্ঞান লাভ করা গিয়াছে এব অত্ততা গোঁ ভা মহাশবগণের থেকপ নিটিএ চ.বজ্র, লাক ংশার প্রাত ইহঁলের যেরাপ একা ডি্দ আ শাল ভাষ্ণতে সভাবাৰ বে এত দিবসা এব এ জ্ २-२भन करिया **देशरायामा कार्या नि**सिद्ध ं क्ष्या किट्रिय धक्तेश वेष खेत्रश किन मी। इंडिड সংক' গিডেমিবস

কেহ কেহ এসভান্ন বাড়ারাড আরত করিয়া ছেন এবং কোন সভাকে সম্পূৰ্ব বাপে আন্দ-ধৰ্মাবলম্বী জ্বানিয়াও কেচই প্ৰকাশ্যে কৌন বিরাগ প্রদর্শন কবিভেছেন না, ইহা কি শত্যন্ত আহ্লাদের নহে ১ হে ! জগদীশ। বিশুদ্ধ ধৰ্মেল্ল জ্বলতাৰা এখানেও যে উজ্ভীন হইবে ইহ. কে বানতে পারিছেন !

२। क्यारम क्याँ हे श्राम रश्रविशानग्र वहकाल गांवर क्षितिष्ठि । कर्यकदरमत गांवर क्रमण महेगा काज्य कर्यक्रम स्मारकान भवन्तिक जाइकुमा ७ छ। छ परे छ छ। কিন্ত ভাহার জীবন্ধি বিচুট্ হর নাট বলিলো व्यकुष्टि इश्वनाः धनाउं पिनपिन देशंत मूलकराहे श्रृटेखिए । है । (करता मांश्राया का রিগণের যতুশীরভাব পেভাব কোন হিডকারী कांग्र कायर विका वस ना । एवं विकालियां निव त्य त्य त्या जायाहरभव पृष्ठिरमावत्र वहेरात्र किया वहेसारक हेसारमत (शूलियरमत) आयरमा আরম্ভ হইতেছে, দন্দর কি আংশিক মারও যদি গব-দেন্টের কাগোচর হয ভাহা হইলে । বাঙ না কৰিয়া চলিবার লে। নাই। কি জার তাহারা ইহাব শাহাত্য মানে আরু वाशित्वम । अञ्चाल नाशियामान विश्वहरे চইবে। অতএব কুলাটর কাঠ্যকারক হেড ৰাষ্ট্ৰার প্রেট্ডির সকলকেই জামার পাত্রন निरुवपन करे याश्री है है होते वार्या खनानी मर শোধিত হয় তাহ'ব প্রতি দাহারই 'দবদ্ধ না वादक ।

ा अभिनिम इहेन अर्थानकात मुत्नाकी हि উরিয়া গিয়া আগতেতঃ গোব গাঁনের চে'রী 🛭 ভুক্ত হইণাছে। এটি ব: ভাল হয় নাই। এই পেরপুর স্থানটি নিভাস্ত ক্সুত্র নহে। এশানে महामद्भारत ए८ एकति अभिषादत्तत् व्यक्षिमाण्ड, इंश्हास्त्र निक्षेत्र न। थाकिशा मुनदम्के होकीश। চিরভারী চওরা নিডাক্ত অসভাবিত বে.গ रहेट्डर्छ ।

৪। এখানকার থানাটি মক্ষ নয়, আপুনিব দারগা নাহেবও হিতৈনী ও সত্তপাহী বটে ন ৷ কিন্তু সম্পাদক মহাশয় ৷ একটি বিষয় এক-পও উল্লেখ করি নাই সেইটি আমার ভাজিকার বাঁহ করিতেন। কেং কেঃ জ্বালাপি ধন প্র अधान डेस्मण, स्म कडेस अधारन आंत्रि য়াই শুনিশাছিলাম একণে ২০ আইনাস্থা বি s)वीषाति डाक्न वनित्राहरू **अवर श्रु**निय नाम-भारत कांखिलय हो किलाज जाकक निकार करें-

ब्राटक जन्मरण नकम विषय खोश केद्रिया रहका গেল, এ কেবল নামে গোয়াল্য আমানি ভ ক্ষণ। বিখ্যাত (দূলিষ) পুলিবদের কর্ত্তবং-विमूहण विवसन अञ्चल अवन्यत्व वहर भूमी পেকা অধিন ক্লেম্ট সহা করিতে ব্রুত্তেত काषिकद्य अवकृत्य विशासित काशास्त्र " शू-निम भ ना करिशा " ८ जी नी मात्र बिन्दिन-छा शास्त्र विभीशाहरण याहरू वहा पूज्यू के 😅: इंग्रेगिक्टिट्रेटित निकटि उक्कश्चल कार्कि दा क्तिशांद्र ।

शुनियशन (छेक नांच थाती (डोनोमांव-ग्न) क्निहे (य जाकारमत किंद्रवात अंकि मरनः যোগী না হয় তাহা বুঝিল উঠাও মহাদায এक दिनाबान शुर्दे का है है (अकर कि प्रो माद्द्रदेवत् धविमद्धं मद्माद्यांभ क्ता जालिस्य (पोधि छोग धकान । डा ब्रास्ट। मित्रा पृथ मान

डहे डाका। Culकोलानि है। स. निकारिक क्ति। त भगदर ७ कट्सकज्जन शकाङेङ 🗥 : म्बद्ध दिद्ध निर्दे। उत्मृद्ध भावा काकी अन्त म के 🤆 য়াজেন, ভৰিবন্ধন বে ক'ত গরিব বেচানা ল'ব' শাইতেতে ভাগার প্রতি ক্পানের ব হ'বচ मृष्टि मार्छ। छि, भाषित् है है नादम्ब शक्तित ৰছিয়া পঞ্চিত নিযোগ বরেন, ভাষেরা ১ कि बजिन >

যাহা হটক ভূতপূর্ন ভিপুটা সাহেব বস্তা। গুলির সংক্ষার করান আবস্থ কবিয়ার্ডন কিন্তু ভাহার কাম, জানি ল' বেন মতে, মধে ল গিত পাঁকে স্থানীয় জনগণ জো টাকা দিতে ভিলাৰ্কিও গৌৎ করিভে পাবেন না, পুলিমগা है।का अपनेत्र कार्या विश्वकन सक्त अशहर পুनिष धारती नियुक्त रूपमा अविद हाँव छ। कहि जित्रक का उद्ध आकृष्टी व , इहेरोट इ भूटक मन्नाव राक्तिशन बाहियांन अ वस्तुक्यादी वतककार्के ठाकद्र द्वाभिया श्रद्धीत कांगा नि পের ভরে ভাহাই করিতেছেন।

৫ ১/১০ আনির জমীদার ত্রিণ্ড বার গোবিশকুমার চৌধুরী মহাশয় সম্ভাতি একটি কটোপ্রাক্ আনাইয়া অত্তর ব্যক্তি দিংগেব इवि खूजा ध त्व निर्मिष्याद्यम । यात्रा इडिक

বের পুর **३२७३ : ३ वान :**

विविध मर्याम । ১१ हे बाच (जानवात ।

ু গত মঞ্চৰাৰ লেণ্ট্ৰন্ট গৰ্মৰ বাঁকীপুৰে এक प्रत्योत करतम । ये भगरत विश्रासत स्रोत তীর তাতুকদার ও সমুত্ত লোক উপস্থিত ब्हेबाहित्नन। त्मर्थेनने भवनंत दिशदात स **छन शृशिय प्रश्नेन कतियां शर्वोत्र स्थनतरणत** সহিত কাশী পর্যায় গমন করিবেন।

চাকাপ্রকাশ বলেন, সাভারের এক জন ব্রাপ্ত। এক স্বর্থকারের পুরুকে হত্যা করিরা বিচারালয়ের গুণে অন্যহতি পাওয়াতে ধাম ব্রাটারের যাবভীয় অসং লোক কুকর্মে উং-সাহী হইয়াছে। ভাহারা, প্রকাশ্যরণে বলি তেছে যখন এক ব্যক্তি হত্যা করিয়া মুজি লাভ করিল তখন সামান্য চুরি করিলে কাছা त्र अपन्त क्यां क्यां करा नाहे। यथार्थ कथा, विहासाम्बद्ध स्थाय मधारम वहीय, विकाखा-व अविशिध्य विष्ठांत्र क्षांट्य में केटवां भीव बिटन র অভ্যাচার রুছি হইতেছে।

बिकुट शिष्टे व्यवन कतिशादक मार्टमादन র শেব পথ্যস্ত ভারতবর্ষী য় খ্যুসহাপক সভার | কাষ্য চলিবে। ইহার মধ্যে সরচারলস ট্রিবির য়ান ১৮৪৩: ৬৪ আন্তের আরু ব্যবের হিসাব আরতবর্গ আসিয়ায় বত্তেব বাণিজ্য এক চ অগণ করিতে পারেন।

केंख्यभद्ध वरत्वन, किशक्षिवम श्रूरक्त हिन्दत्र | वर्गान मारहद वांदू किनावत विरक्षत स्थान-र योद अधीषांद्रद्र नांद्रद्रद्रा त्योद्रशी शाक्षेत्रि লে ভাহা সুসৈন্ধ হটনে বলিয়া বে আঞা দি য়াছিলেন প্ৰধানতৰ বিচারণতি সম্প্রতি ভা াধ বিরুপ্ত মতে প্রকাশ করিয়াছেন। জন, भिनत मारहर नामक अक सम समीतात नारह. विकास सरदार वालिनस आहरू न क्षेत्रारक। ্বর মৌরসী পাট্টা দিবার ক্ষমভার বিষয়ে আনীল করাতে বাবু দিগহরমিজের মে'কদ-মার পুনর্বিচার হইতেছে। এ আভাটি রহি-ত করা ক্রমণ্য কর্ম্বরা, অম.ধা প্রতায়ক गारवरवत्र श्रांटकः शक्तिवा कारतक सभीभारतव স্থানাল হত্যার সভাতনা

जाना की नहांता अकालिक शहीका जा-फिनि धेरे निक्कि जन्मना बनावामार वटनेन । तुछ स्टेबाट्स । ट्रियत, शिक्त, आधन किक्डी, ७ व्हारकार्ड नार्ट्य भन्नीकनभान नियुक्त स्टेब्राटकन ।

> উত্তরপশ্চিমাঞ্চলের নিজামত 🖘 এলেড भाका नियारक्त शांत महाहे वा शांकित কে:ৰ ব্যক্তি অত্যাচার করিলে অধ্যক্ষের তা হাকে বহিক্ত করিতে পারিবেন : মদি তিনি नर्ख हिन्द्रा ना यम छोड्। इहेरल श्रीस्थित व्यादकता कीशांक मूत्र कतिया मिद्रव । एडे **জাজ্ঞা বলবভী করা উচিত তাহা** ফ্লাস আর গোটেলের শান্তিভজের কথা আমাতি গের অভিজোচর হটবে ন

मिलीरगरक व शहेब्रावारक द्राकान की बिल प्रमंदन विरामय दर्श क्ष्रांगाम कत्रियादक्षन । जिल बरमत बहेन अहे सनः जातुष्ठ बहेगारकः। अन्द **नत नर्करुष्ट ১**৫२.৮৪৮ हेक्क्षित प्रत्युत नाः जा **ब्हेबाटक। हेबाद बाब्य ७२:८५ होकाव ८**५१: মহিন আৰু প্ৰভৃতি বিক্ৰীত হট্যাছে ৷ এদৰ্ মেন্টের উৎসাহ না থাকিলে বাণিজ্যের সবি लिय बीतिक रम ना। शूर्ककारल मिनवरम्य विरम्भ भिन्ना वानिष्ठा कहा अभन्ता विषया गरि গণিত হইত কিন্তু রাজা টলেমির উৎ 😘 দানে বাণিজ্যের এত জীর্ষি হইরাছিল যে তে **ল তাহার শ্বনেক শাসনের ব্যয় চলিত** : এই সকল কারণেই জামরা সর্বালা বলিতেটি 🞳 : ভবষীর গবর্থমেন্ট য'ল ধর্মেটিত ন্টৎসাহ দেন क्षिया कतिएड गारद्रम ।

আল হাবাধ গেজেট বলেন, আগভা উক্ত নগরে এত লোকের আমদানি হট্যাক্তে दर ८१८**३८ल श्वाम २५ मा। कोमी भ**षा इं ८०३ ¹ न बरह त्थानाटङ विखन्न स्वान कॅथिका जा देहें তে তথায় গমন ব্রিন্নাঞ্চন।

उन्हर्भाद्यय अक बार भरताम माजा नदम्य । ভথাৰ ব্যুন্ব ভাঁরে একটি ছাত্ৰ ট্রিঞ্জে श्चेष्राः इक्षाः

५७ हे मान मजनवात । 🔑

हेश्लिमबाम बहिम्ह ब्वेट्ड मरवांव शाहिल ভেন তথায় বি**ত্ত**র চিনি **প্রত**াহইয়াছে ক্রির সে সমুদায় বিক্রীত হইবার ভারুল সভা ৰনা দেখা যাইতেছে না । সন্তিসস ক্রেমণা একটি ধনশালী। উপান্ধে**ন হইয়া উঠিছেটে**।

तार्राः तिरस्त क्ष्म **क्षम क्षमित्र शतकात्र** লিখিয়াছেন, সম্ভাতি তথাৰ পঞ্জিত ছুৰি विज्ञाय वर्जेशां नमाद्र काशनी ग्रेस माउँ अकि य गरत १५॥० डीक । बीका, व इन्हेबार्ट्स विक्र ० -- अकारता अकड़े इंडर नाहित आहि °का, को ए'डे हाकात अधिक शास्त्र स्त्र नाहे, াহার করেণ এই এক ব্যক্তি প্রথমে ভাষাই खनः भारतकत करवन । **जाशत अक कन कार्य** দন করিয়া বিক্রয়ের সময়ে আপন আর্থেটাই পতা ফিরাটিলা লন। মিরুম **হট্**য়া**ছে বে ভূমির** विशोध कार्यप्रवस्ति छेपश्चित ना **बारक**न চাহার নীলাম হয় ন। ব্রস্তরাং উদ্ভ ৩.০ একার^শ থাতি একারে ২য় টান্যাসু**রিকীত হয়** भडरक्षत्र अस्यान करत्व आरब्यन कातीया এক প্ৰামশী হইয়া এই প্ৰকাৰে প্ৰৰ্থেন্টকে ठेणांच्यादक्षमः , मार्ग कशित कांत्रुखः।

किनिय बराब, विक्रयुश्वरणत द्वासी (राष्ट्रम मन्द्रममन हिन्दाशिरः, योजिकान्त। बहेरण कानी शमन न बेशारकर र

ব্র জান(হাষাদ্ভিত দংবাদ क्रांका रहत. न्यानाअवहिन्द सूक्का व्यक्तिन নলব এক্সৰ ও লোকস[া]না **নিম্মিত হউতেছে।** प्रशाहक नामार्थन । जानाथ किंह कहिरण ना न्द्रियह स्थान स्थान स्थान स्थान भव होत्राम छ ह दा ५० लक्ष होका विद्यापुरुद उ वाब्र मा उ कथ है। कार मनाभारवर शहिक क्टेरल्डाक् : वाद्रिक् विश्वीरण क्**ड** होना का, बहेदत : ्नमांशन दा सानकादर्य कादर्वत पूर्टि

समित्रा स्टेंटिक (डिलिझीटिक श व 🛪 ग्रांद्ध १ व जालबाति कार्यन्तक विद्राची भिगदक স্থাতি যোগে करिया मा ४ नगड़ इडेग्ड प्रनेष्ट्र -(अभिक्रिके किस्किर मा इस के राज्य

क्रामाभिनेष क्षयंत्रियो । १८० 1197 महर्गाम क्रिक्स का 🕝 🕝 महर्गिन ऋष १४२ छह ল কৰেল বিভাগ কৰা বাবে পালে প্ৰায়াছি গের এক। ঠেয়াল লাক লাক ধালি সাম। **अगुम्बर्**ग स्थित हर वाक्रमाक ए छाए ४ मा द्वी जाबादमार भटक हेक्कू रू काल युद्ध कर्यु ।

うつ 引起: いき 職権 हो भार । कहातक स्रा

নার পর বৃহ্যা অপ্রীণ ছার

हेर। बद्रशास्त्र देका कदर । १००० देव ে স নিগকে রে। এরচিজ্ঞার সভিত স্বর্থনার ও तर। अंगा वसाक्षां(देह गुहक्त अंधा नहें। 'বাইয়া ছিডেডে: 🍟

७३ भाग वृषस्त्र

विभिन्न देशा को किमाइयुद्ध पूर्विक राष्ट्र ० हार्या अवश्रास्त्रकी एक भण्या क न्त्र नहीं **इस किंद**ि १००० के मिल देशक है खि द बडार अ ३०००० है। या अहर स करियाहर ।

ेल मन्यक्ति चाद्रा राजन, क्लान हेल ৰণৰ গেদি**কেল কালেভে**ৰ বা**লালা** তিপাই भिक्रें अब अवि**ष्टिशंत** त्रमद्भंत निरंशहन, शह ফেন্ডিকে ডি**পাটিয়েটের প্র**ধান প্রয়েশাইর न एप्ट्रंट 🖹 १ इन अञ्चर्तन् कारिष्ट्राहरूमा । ५ स्थाप भाराफिरणर खार्या धने इतिह विकादहर ः ^{तर}ंद शिवि5ाद सं ≢गः।

त्तर । १२५ व हिंगीच व्यक्तिक छ। े हैं इकामहूज एक बाहरि भारत निकार पर्य इंडेटड

Read the Later High ानम स्पञ्चित्स ን ት መጀብስት _ከክተዋል

취상에 스탠드리 이 수 JANES TO BEEN - १३ मिय हिन दक्ति । र है। मञ्चरारच अक्षित संग्र

> ाडे **ाननहर्मके फुट**रा कर्मा ५ र २ ४ कण् अतिवाद शिवा । स सदम्भ वक्त प्र इना क्षत्रियामाञ्च कार जीवात इत १५७३ भारतीय विशे हा है । भी की अ) वाहरः । आउप्राचादक्ष मान्यक नाहि।

गवनस्मरङ्गेत दननात्री यद्धकरहे (म गङ्कि सक्टे- े मसूत् मा **भावग्रास्क गवनस**के करविष्यात्री ,बारणकीर। विकास अवले बारणक दे किएक के**रखरहर । श्वर्गरमके खीकांत कतिया-**भविमक ख्यार्क यक वारम वास दत्र, ামেশন । ব 🗥 ক ৮ বৈ। কনে এ বৈচাত । ভাত কাঞ্জ হয় না। ঐ ডিপাটনেনেট কি ভন্ত- । হিলির সন্থপ তুর্বন্ত লোকদিলের হন্ত 🎎 লে ৯ প্রবেশ করেন নালনা, যে লক্ষার যার স্থান পেবিতে চাহেন, ভবে একটা ছুঞ্জ ্ষ্ট ব্যক্ষ হয়

া হলের সোকেরা ভত্তা ছুডপুর্ব अधारकारित रहिस १६ । एक महत्व सुध्य । अवस्थ नव इस्तिति अग्राटक वे अन व्याखनस्त्री अिया हे कदिशाहिन।

अकर्ण कालिकर्शियात्र जल हीत्व विद्यादक त्य शब्द्रश्री ভारामित्यत अक किंगा बरेवादक বলিক্লেইয়। ভত্ৰজ্ঞা ব্যবস্থাপক সভা ভনিষি क 'स्व (प्रम क्षर्डाक हीत्मद निकास मानिक ্দাপর বাজিটিশের সাহায্যাধ কিনীর । ২০০ **ভলার কর লওগা হটবে । বিচারালয়ে** এবিংমের ন।গীশ হত্যাতে শ্রস্থাপক সভার আছে৷ রুজিত চইয়াছে । মাদে **নাদে এই ৰূপ** শাদু,তাক নিগম না করিলে ব্যবস্থাপক পভার ्रा यव श्राटक रेक २

> ্ঞ, জি. কর্জন নামক মাজ্রাজ বেইনও ্রের এক জন বর্ণ্মচারী ২০৮ টাকার এক ভ্স্তি

বোলাইসটতে বিবিউ বলেন উক্ত বন্দর বুলা করিবার জন্য গ্রথমেন্ট করেক খানি ৬ ছাম বামানের জাহাজের মাায় করিজে-১৮ন ৷ কিন্তু ভারতবর্ণীয় রণভরিন্দলের কো-ন াফিসর ভাহার অধ্যক্ষতা করিতে সন্মত म, अम। छेरांद्रा के काटर्ग पाणधान कान करवम मां कि?

্ম ই কেব্ৰুৱারি ডুক্সনা ও আলিগড় প্ৰ-६,स ८६वेन अस्त पूनित्य।

गवर्वदमदन्दे च्याका विद्योदक्त ज्यालव्यक, প, ছাত্র প্রাসানে গাঁছারি আবাদ করিবেন राजियाः ५० वरमय म्बारिम कृषि नहेसारहन. - श्रद्धा यक्ति हेक्टा करवन मूना किया कृषि िक्द हरेएड शाहित्वम । उभ्यवत्त्वह पूर्वाः , ४२: वं ता अहे नघरत अनवात ना का**डि**हा 🐃 'স্যালয়া হইতে উবিত হউন।

রুলভুরের রাজা মান্সাক্ষের জিন ভিন া সমস্থ বিদ্যালয়ের উৎসাহ বন্ধনার্থ ১৫০০ उ^वा **प्रश**ेद्**इन** ।

আমরা শুনিলাম সর চারবাস ট্রিবিলিয়ান

ভারতবর্ষীয় সভায় প্রতিমিধি গণেয় : 🍇 वनरमान्त्र विमालय अध्यार्क कर्याक्षेत्र করিরাছেন। ভারতবর্ণীর সভা ধদি শ্রীক্রী निकाक्षभागी चांशन कडी क्षत्र्म।

श्लिम भन्न बर्णन रमहोजूदन भवति 🕍 রলের শরীর য়ক্ত সেনাদলেয় এক চি निर्मिष्ड इटेएडरङ् । त्रवर्त्त (अनवूस निर्मेश) হইতে দেরাত্বনে গখন করিবেন।

ক্ষিসরিএট ক্ষিসনের কার্য্য শেষ য়াছে। তারান্ধিণের রিপোট শীম এচারিউ হয়, এই আমাদিণের ইক্ষা। সর চারদ্র ট্রিবিলিয়ান এক বার প্রবলিক ওয়ার্কেণ जिर्श कि जृष्टि कड़िर्टन मा

গভ বংসর কলিকাভায় ১,১৬,২২৭ গ্যালন ধেনোমদ ও ১০২, ৫৫০ গোলন রম বিক্রীত ब्हेब्राट्ड: यक्टन्टम अक्टान **७**१कि **डॉकिड**े. वाष्ट्र। अकः क्लिकाडां इत्र ७ (४८नांवर्ष গতবংসরে ৩,৮৬,৭৯৭ টাকা ল 😎 হটরাছে : আমরা দেখিতে পাইতেকি গ্রণ্মেট স্বরণ ক্রাল কলাতে ভাহার : হাস মেরাদ হই- তিংসাহ দিয়া প্রকাদিগকে মাভাল করিতে (छन। यरकिकिए कार्न (लाइक **अञ्चा**शनाक **এট বাংপ উৎসম করা কি সভ্য গ্**ৰণ্মেটের ! हवीई

> तांबभुटतत नवांव लाटकनाटत्रदत्त मण्य দিগের সহায়তাব জন্য ১১,০০০ টাকা প্রদান করিরাড়েন। সম্প্রতি বীরভূমের বিখ্যাত *জন্* बारमहे नारहरदत्र यस्त्र ख्यांग्र अख्य नरज्येष्ठ এক সভা হইয়াছিল।

> আমরা সংবাদ ভারত বন্ধু নামক এক থানি মুডৰ সংবাদ গতের কয়েক সংখ্যা প্রাপ্ত হট ग्राष्ट्रि । देश विवयत्नात्रथन यद्ध मुत्रनिर्मारा দে সুদ্রিত হইতেছে। পত্র খাবি চিরজীবী इहेशा लाजराजन बस्तुष्ठ। करतम, अहे प्यामानि-(शद्र खार्चमा ।

> किनिका बर्जन शंबदर्शद्रास्त्रदान ५एए अ-दात्रि क्लिकाला करेटल शावनाय गाँवेरवनः তথায় এক দৰবার করিয়া পরে কান্দী ও अवानात्र महतात कद्वितनः। अवानाग् शकः त्वत विकेत्रके शवनंत्र लोर्ड धनशित्मत সাক্ষাৎ করিকেন। গবর্ণর ক্ষেনরত গ্রীক্ষ কাল বিষিলার পর্বতে অভিবাহিত করিবেন, এব

১৮৬৫ অংশর শীভদালে ফলিকাডার এড্যা अम्ब क्रिट्स्स । ' छात्र्राष्ट्रवर्षत्र अवर्गत् स्थनत्त्र विराम कि अखालत वह काम एकेटन ?

डेक गढ़ रहान बार् महमार गस्टिख স্বন্ধ অন্যাণিও আইসে বাই : আগাভড: द्याशात्र जिल्लाह्न अर्थ यादनत्र नहात्र सहेवाद्यः। তিনি বিচার কাধ্য অধ্বা ওকালতি এসুইরের किहूरे क्षिएक न्यांत्रिएकहरू मा । उडेडे म्यदक টারি ভাবিরাছিলেন ভারতবর্ণীর গবর্ণনেক ठांशंत्र निर्द्रांगध्रक क्षेत्रांन कहिरतन, क्षि তাহারদিনের লে কমতা না থানাতে ইংলতে अ विषयत्रत्र निमिश्व लाश्री बहुताद्य ।

हेड्सिन कार देखियांत्र शांतिमक मश्यांत গাড়া বলেন যদিও ক্রালীসরাই প্রতি বংশর विश्व वारवर बना जन को हि हिम नम हैका পাইরা ধাকেন, তথাপি তাঁহঃর ও রাজীর এত ব্যস্ত বে ইহাতে কুলাৰ হয় না, নব্যে কৰে৷ इंश्विपिरगद्ध निक्रिंग कर्या क्रिएक रहा। नहीं টের ১৬ টি বাটা ও বিভার পাব আছে। রাজী বন্ধ অলম্বার প্রভৃতিতে ভয়ানক ব্যর করেন। বুই নেপোলিয়ন বেমন রাজনীতিজ उपन गंधाभावक नर्दनः

माखारकत विठातांगरा अव क्रम सवर्रात्के রিপোর্টার নিযুক্ত হট্মাছেন। ইনি বাবতীয় व्याकक्षमात्र विवत्रण निधित्र। क्षकांण क्रतिरवन । আমরা এ অপায়রের কারণ বৃতিতে পারি-ডেছি না। সংবাদ পত্রের রিপোর্টরেরা ভবে कि करत्रन १

কাখলিক দল বহিক্ত এক ব্যক্তি সম্প্ৰতি वाहेशित्वत्र कांधिक शिव्रकांत्र व्याग्य कर्तार्ड গিরস্বার বাবভীর লোক ভারাকে ভয়ানক छाशंत्र करतम । श्रुनित्यद्व लाएकद्वा यथी नवरत्र 'আসিরা উপস্থিত না হইলে ভাঁহার প্রাণ নই ইইবার সভাবনা ছিল। নিরাজার পুরোহিতঐ निवदम् छैरनांच विद्याद्दित्वय विवास छीरांत्र তুই নত টাকা করিবালা ও ছুই নত টাকার মুচলকা লওকা হইরাছে। বি ধর্ম বে পরি নাণে আন্তিসভূল ভলবলবিরিবের সেই ণরিষাণে অসভ্যতা ভৃত্তিগোচর হয়।

১৮६ माप एकनात्र।

मिडेनिजिशांच क्यिम्बद्धस्य क्लिकेणित्र हर्रमाः अनानीम (त्यु (नम्) कमा जाउँ

शक्तिका कर्षा का इंदर्ग र व्यापान विश्वादकन । ভারতবর্ষী মুখ্যা ৮ ৮৪।ব বিক্রে আহেলেন **) করিরীছিলেন** ০ তাঁছারা যে ক্ষমিস্ম প্রেলন क्रान, खांशांत्र कि हहेता।

स्त्रकत्रो पूर्व व दिनिष्क नग्न मान संस्राह वांची ज्यमाति स्टेबाएए विविधः अधिकार कतिब्रोहरून ! जिनि यटमास्ट्रतत् मालिएस् होहे विভ मिनादान क्रिया बडरफरे हिर्मित **हिंदिखंद अं**डि मिगाउवांश कहिद्धार्थाः राज मध्य रेक्टदांशीव्रक्टिश्व सुम्बदन शांतन **त्र वार्यानका क्यांहक वाक्यिय अस्य रहा** महि। प्रवर्गाः प्रम शमन क्या अखरक्षभीतः स्म ককে বধ করিয়া আবার হাজত কি - লাভাহো লভাৰ্স সভাকে এবিবল্পে আচৰদ্ধ কৰি তে बना इडेक ।

ि निकुरमण्ड शंत्रम्यावाम् मन्दत्र १ वर्गस्यक्ते हे গুলামে ৬০০। টাকার ভাহিকেন রাখা হয়। কিন্তু সম্রতি বাকা পুলিয়া দেখাশহনাচে, ভাষা কেবল খুলিতে পরিপুর্ণ রুটিয়াছে ' পি পীলিকা অহিফেন খাহ্মা কি চুলি ভালহা विश्वीरह ?

श्री व्यवसायवर वरतम व्यक्तिम स्टेन व व्य नार्ड भूनियत्र लार्कत्र महिल करतन अ-**আবিপরের এক দালা বইরাগিরাছে : ১**০না মলের এক যেনেডাব ভ্রী এক হিন্দুর পুড়রি ণীতে স্থান করিল তে পুলিব কর্মচারির। या-वजीब (बरम्का ७ जब करब्रभ करतः : नाहिः मरत्रत्रा (बरमण्डांबरभन्न शक्त स्वेश मार्क्स महि द्वा जाशकितरक मुख्य करत्व । एउ डा १११३ मात्र भूनकात छ।शक्तिशक करम्म कविया व का 🕶 নেওয়াতে পুনিবের সমিও আদিসর দিংগং ভয়ানক দালা হয়। আফিস্টের। পুলিয় (১) কিলারনিগের লাটির সম্ধে ডিনিডে ন' পা तिया **गराक्षिक व्हेब्रा शकार वृक्ष व**हेब्राह्म । **अक्र अन शक्रकत्रकाण आह**फ करेपारहरू । वक्त गाणात्र नद् ।

সমাত্রার হিন্দুস্থানী বলেন এক্টোর নুসন शास्त्रत्रा अन्त्रव कृतियां विचाटहन विभारतः সহিত ভারতবর্ষীয় গবর্ণনেটের শীপ্র এক যুক্ত হইবে। তাহারা আরও বলেন নহারাজ দিগ विज्ञ निश्व मिशाल भवन क्वार्ड अलव ছুद छै। हो उन क्रम क्रिया हिन । छाप्र मिश्चि । क्रियान अवर क्रियान से दिन निरमके क्रि

सन् भिष्य सम्बाशकुरमञ्जू मस्टि भीकार करि ८८ कर १ करे नकम कारतम विदासि सम्बद्धारकी ্ন প্রতি ১৯'কের ফলের ভাবের বিলক্ষণ পরি 52 33 1

विभिन्न रहतर अकटकर्लीह अवर्गदम्हे व्यक्ति मिरारक्षम अभन व्यवस्थि बहिल्लान्त्र में यथ केन्नि ্ব ভাষাদেশতে প্রতি স্বার্গ চারি শার্রা প্রস कार मा किए। इन्ने कार्ता उन क्या क्रेंटन। क्षेत्रि ् बरलद्व बक्रास्त्रज्ञ हेशह स्रुत्ता २०००० होना लाव अश्री बारक। काकि कांचि मीजन नांद्वदन्त भागा आहीत महर्गत देशक यह राण सहै-

३३अ शय मेनिसंब्र ।

শিকাগুৱের একখারি **আরেরিকান আহা**-अन कारक्षम अन अन माविटक्ड (मानाव् বোপ হটাতেছে) উপর বিরয়ে হইরা এক বিলাভর ছারা ভাহার পারে জালা**ভ করে**। ড, স্বান্ধ করা ভাষাক ক্ষচিপ্রেড ছিল। क्रमञ्ज्ञ काटसम्ब १ वर्षस्य स्टेब्स् स्वाक् बार्स 🚁 प्रदास begree एक। व स्राचीन निवा सूच्य হয়। রাজিবেংগে করেক লন নাবিক কা**থে**-त्यव छेश्मारक आहात माविक**रक वस्पूर्वक**् চিকিংশানর হইতে জাহাতে চাইরা বার ৷ কিন্তু ভাষাকে পুৰস্থায় পাওঁছা গিয়াছে। राक्ष्रहर्कि, भव**ंतिके अन्तर्भः क्षत्राविद्या**त्र জীবন ও সম্পত্তি জাধিকতার নিরাগন করিছে 1 54 1

আলাধান্ব গেৰেট বনেন, কানী 🕫 ছবি-ংবারি খানে ওলাউঠান্ত্রীনবিধেন প্রায়েস্টান दर्गादः ।

নিম্নিভিড মুব্রো প্রপ্রেটের কাগল निकास श्रेटसद्ध।

৪ রাকার শিক্ষা 25:251 ৫ টার্কার কোম্পানির **∌**8.1 | >84= होकांत्र निका 30841306 ্যা ভাকান্ত্ৰ কোম্পানি タンらめし マンちに

ভাৰতবৃধীয় নাবৃদ্ধাপুক কলা 🕻

২৮৩ লাক্সাবি রুগ্রায় ⁽ प्रस्तारकात्र । इ.स. हेन महिन्द विविधान । म व अपूर्ण ह (महरू। ७ क्लिपून भवन्। नाधा यत कार्यन्त्र अधीनम् महिरात विश्वत आसाव भारतात्र का बार्डका रावनाम् क्रिकेन अन् २० वन द हि नार्वरक्त

ান্তর তার কারি আলা স্থানি কার্যার কারিকোর সাল বা বিল্লান্তর কারি জিলা নিতি এটার কার্যার কার্যার বিল্লান্তর কার্যার করের ক্ষেত্রার কার্যার কার্যার

स्वति शांद्वत ब्रिड्स्स अवर्गत स्थानम् द्रिक्सम्बद्धः विद्राप्ति । विद्राप्ति क्रिक्सम्बद्धः । विद्राप्ति । विद्राप्ति क्रिक्सम्बद्धः । विद्राप्ति । विद्राप्ति क्रिक्सम्बद्धः । विद्राप्ति । विद्राप्ति क्रिक्सम्बद्धः ।

₩

গাবণ্ডেন্ড বিজ্ঞা পি । বাক্ষণানেনীয় বেপ্টন্ট্ড (র্ধ আক্ষণান্ত্রারী নিয়ে :)

>८ हे कांग्रमाति—नाषु पूर्वकः वायः - ०४ वाप्तत्र ५० काहित काञ्चनाद्य ०६ति , द्रोदद्वव औ्र-. नभद्र ७ प्डल्की काटनकेंद्र ४१८ हता।

५% हे अध्यय हि—सह शिर्विष्ठा शिक्ष कि निर्म् सन् ५७८० व्यापन २७ व्यप्ते अन्ति व्यक्ति विर्म्म सन्द्रिक स्थापन स्थापन ।

১৯ এ জা প্রণার্ত্ত ত ত এইচ. বেন্দের

সাহেবের থাবে অসুগ গ দাল অথবা বে পা
ব্যস্ত জনা কে'ন হবুং াব অস্ত দিন এ. সি
আহমেল লাহেব ক্ষি । কে আচ্ছাবিন এ ।
ভিত্তিক সহকারী কা সাহিদ্দেশ ।
২০০ জাল্লাবি আ স্থান স্বাদ্ধি নাম্বর ভ
প্রের শিক্ষাব্যক্তি ।
ত বিশ্বিক প্রাদ্ধি বিশ্বিক বিশ্বেষ্টি ।
ভইবেন ।

২২ এ— আত্মারি বি উত্তর বিদাপের বেডো^{ং ক্ষি} ৬ ফাল ব বীর সংখ্যাসী স্বাক্ষেত্র ও বং

হত প্ৰসংগ্ৰহ জেগুনি গালিংছ। ও তেওটি কালেক্টৰ ভৰালাই ছেমাল গংকৰ কলিকাভারও ভণ্টা কংলেক্ট্ৰ ক্ৰিয়েন।

२० १दिन एक, इक्रान्याक, ने नगर्य २०६ विभाग । गहिल ए (क्रान्य संग्रह दें) में।

সি. পি. হবজেন সাত্র গ্রাহানীর আই | ন সংক্রোপ্ত ভার্যোত ভাগরিকেটভানী ও রিমেন্ত্রা নার ভাইবেন

ব'দান 'দের অভিনিধি মাজিটেট্ট ও জালে ইন দে দি টেচ ত্যাত সংস্থেক জী জেলার মান্ কিনো এ কালেট্র চাইবেন।

শ্ব নি গলি সাত্তব পুর্বিয়ার মাজিক্টে ও

া (, শিষসম সাংক্র কালেশ্বরের থাজিশি হলার্ট্র ক্ট্রেন। এবং বডলিন জনা
পূলাত বাচ্ধর ডাড দিন প্রতিনিধিরালে

দিল প্রতিনিউ ও সারক্তিটের কনিকার্ট্র করিবেন।

দিল পার সেডকম সাংক্র বলোক্রের কাই

ताके प्रतिकार नाद्य परणायक्रम स्वय ताके प्रतिकार स्वयुक्ति सारमक्रम स्वयुक्ति । जिस्सानक्रमां स्वयुक्ति सा स्वयुक्ति । जिस्सानक्रमां स्वयुक्ति सामक्रम्पति स्वयुक्ति । जिस्सानम्

নার বিচ ব্যালিকা জীহতের লোকার্থ ন ট্রন ক্ট্রাবেন ট্র

े के नि दिवात मारहर विश्वक करनिके

' ४४ हर्ड को**द्यांश्वन वड्ड**

べいは常時が可る。りかける。 ・ 実際報告の「中央の」

THE PROPERTY OF THE PROPERTY O

THE RESIDENCE OF THE PARTY OF T

ৰণ্য গোপীকুক ৰম্যোপাধ্যার জী ডিশ্বাল ন্তর আশীন হইবেন

रात्र काराकृषः गणमात्र श्रस् नश्चमाद्रम्पः किंग्स्स मामक व्यक्तिम ग्रहेरयम । বাবু সংখেশচক্রাসের বরষদ বিংবের এটিশ নাক্ষ সময় আবির ছবাবেন।

সুদ্ধি কিরাট্যোবেন ২৪ প্রগণার এডিশ। নাল নদ্ধ আধিন ছববেন।

এক ভ্ৰমিউ'ছ্চিল্সন সাচ্ছের পূর্ব্ব-ই'্ম!-নের এতিসনাল আধান নয়র আহিন ইইবেন।

वानू ग्रमुक्सन त्यांच वरणांवरतत्र जन्द आणि त्यत्र अजिनिधि ७ अवत्रक्षेत्रत्यत्र क्रूडणणं वर्षे रथन :

২৭ এ কাছুৱারি ২৪ প্রগণার ও ছপলিব প্রিডিনিধি এডিপনাল নেসম করা দী জি বার্চ সাহের পুরু বর্দ্ধানের নেসম জাজর ক্ষমতা পাইরাছেন।

এইচ বেভিরিম সাহেব জীহড়ের দ্ব ইন্ট নাজিট্টে ও ভেপুটা কালেক্টরের প্রতিনিতি হুইহাছেন।

> ্**ড**়া ্ **গছতে** প্রভারণা। ,,

किमा प्रश्युद्ध अध्यक्षां है जनगारे छिन् রাজসুনার জীবুকে চল্লামের দেব আগানী কে-ख्यांवि मांदन वक्षतक्षांश धरेदमन। अन्निन कि.श-অপ্রাপ্তবাৰহার ও কোট ওয়ার্য সের অধীন ি্-त्त्रम । केंद्रिष्ट व्यक्षीश रावर के 'स्वार क्षक्ष है ছুট এডারক এডারণা প্রাকৃতি তাহাব নিচুক্তি ৩০। ৭০ হাজাব টাকাই ক্রিটি কোট লেবাইছা जादेशारकः अरुवाशा क्यूनिवाल अयुक्त स्थि त्राटमञ्चल कि मिल भूति भेट हैं कि विश्व दिशा भू का यश्य इ हेर छ शास में भेरिक किला कि में किला के नकम प्रके नंड अकि।वर्श क्रिको वर्श अक्रिक Calculant में।।हेन लोक स्केटबर केन्छ अञ्चलकार स ब राष्ट्राता दर्शन न्देशन स्तु निव्यक्ति स्वित्रा, क्रांका काटम रेएका क्लांबे हिन् कुर्ग क्षेत्रहाहरू, काराजांक 海中では高に上てよる。 बच्चार्य द्वाच व्यवस्थात भाकिए न अक्षितिक में हिराई मान श्रापत केतृन गेरेका निक्ष में में में में में माना कि कावत कविवार में । अभिन्ने की के के न के कि या ज्यानगर्भक्ष बहुता हुई सहोते शहराविकास एउ

কোম যাত্যি নত্ত্ৰ ভোটিত পারিক্ষণ ধরিণ করিয়া क्षेत्र शाक्षात्र मिन्हे आशित्रः राख्य करव रह. च्या-शास्त्रकार के वा १० जाकार है। का बिटल व्यामि COIN करा कि क्या >"माध" कवित्रा निरंख श्राति । शक्का विश्वामी व्याख्यावित्रांक व्याण्यात । क्रिका मा करिएक व ता व का किरक वार्त होक। क्रिका छाक कर निरंद होता अवर्गमि क्रिका (७७॥ एक्टिएड शर्मा के मा कार र प्रतिमा मझरह निविद्य हमा छ नाही विकेश असून अमून निविद्य श्रीशास मस्माय म प्रणाह शवर्षस्यक्षेत्र खादी बखाय आधक, श्राक्तदोर क्षेत्रा श्रष्टेट इत कालाहान दकान कार्सान निमित्र है। का क्रिश्त महावन, महि: अत बरमन यखड़ीका मुश्री ह बहेरव, छाशात म-त्माञ्चात एक माध्य विश्वः कहिल एक अहे वर खिल् । समाप्ते कि खाकवतपात पर्वाविक विदेशयाहि-(क ए० । के क्षेत्र में के कि एम। के काल है'- | व्या अमाना स्वित कथा हृद्र या कृत, व्यास्त्र। कार विश्वाम करिया। एम अयूर या है ८ के अन्दर्भ किन्द्र है ब्लंबन क्रांकाय क्रमिनावी खान्कव क्रांबवाय विदय बच्चा न प्रयास, हेल्या माडे । भागता विश्वहता प्रमानियाहे बाउद आश्वरतीयांश्मा कतिराहि । ক্র ইহার একটা সত্পায় জাছে, বদ্যাপ ঐ চাকায় বংগর বংসর ৯ লক্ষ টাকা সদর মাল্ড-याप्ति अक्षाद्र अध्यक्ष कात्र कात्र केटल विमा किसी आदि कात्र करेडी शाका केडाव सरशा Co वा । শত ই কামা বিকি ছই০০ ৫ টেখ। আপ্রি । টাকাব অন্প্র মালগুলারগণের মালগুলা

স্থানে হা ও নেটে পিলিছা, 'দ্যান্ত্র' একালে পেলালে কে জেলাকটাকা অধ্নিত থাকে। শতক্ষা ইটাক, এ। বুকু বারু বা ক্রাপ্রাথম আই বিবাঃ গালিতে বিরেডাক-কর প্রচলে এই লেক ছইতে বংসর रा विशाय के हिन्द्र स्थाय के दिन छाड़ि भविधान राष्ट्रि, (इस कदर गड हुद अ द) के असूक्षां हुन-বয়ের অন্ত কারত নিব রধ্যেপার করিভেও ্তি কৰিতেছেল নাং তিনি এক্ধে ধাৰুল। বা- বিদ্যান্তিক। সম্প্রতি চাকার ১৪ টা বান। (১) < বৈ কৰিতে তত্ন, ত হাতে ত', হাকে আরুলাই । আছে। আ্মনাহত টা গাবল, এইলাম। প্রত্যাক সরিলের প্রশাংসালের হল আমের। ইতিপু । পানায় স্তি পড়ে এন চরকর। নিযুক্ত রংখিলেই । ंति मि स्वाहित निवय लिथिया दिलाम, अवे अस्माहतूम कर्क हिल्ड शहत । अहे तकल इत्-। িবর্তী ভাগের বিশিষ্ট উদ্ধান্ত । অধ্য এ বিষ্ট্রে কিন্তার প্রতেত্বের নাসিক হেওল ৫ টাক। কবিয়া ার হাধিক বক্তবা নাই। সময়ান্তবে বিবেচি- ধরা থাটক ইহাতে প্রভিবৎসর ৬০০০ টাকা ा इंक्ट्र

জমিদারী ডাক :

गधन समिनाती सारकत शक्त हम विद्रम शहिन वर्षे कतिया प्रक्रिय निवास १५०० स গভাব লক্ষেত্ৰ, চথা আমাৰা কৃতি ছেলাম প্রিবংগৰ যত টাক্ষ জমিদারী ভাকস ক'ল পুৰাৰমত চলিতে শাংকে গাংকমেনী সাতা ভ'ৰ। दानस्कृत्भ विद्वष्ठहा क्षिणा (प्रचिश्व- २ -शाव टोक, मह्मात स्थितिकारत्व सिक्छ १९१७ हाणा-াৰিমতে এছণ কৰিবেন। কিও এঞ্চল ভাগার िलक्कन देवलंबीका माकिक १९८७(b) किंगूनावी प दक्त वर्षिक वाच्न निर्मत्। इर्थ वटन १८वं क्लिंग कः व अध्याक्षेत्र, कश्चिम्विश्वर वृद्ध । ६ विकास व

का । कर क्रिया देख बल करना भाषा व्यापन क्रमांचा क्रिया छाइ। है व क्रिक देकि छ। एउ भवर्षमणे हेशात किकृते विस्थासम् विद्यक्ता করিয়া দেখিয়। কার্যো পরত হন নাই। ভাঁহার। नांधांत्रकः बहेक्षण निव्न ८०।त्र कृतिया निवा-(छ्न, e. টাকার अ'तक शहर माराधनारमाद्रत (अशिष नमूमांत अधिभागतकहे मखकद २ होका ু প্ৰাৰ্থিত ক'রলেন, আমৰা ত্ৰিয়াটাটতে পা-विटिडि ना। भड़कता २ छोको कतिया सहैटम वर के दा जिल्ल कर बार का छ तमाने जिल्ला । म ्त्रीत मध्या आह्मपानिक र सक है ति श्रीता सह বাজা: বিশ্বাসী সে, ও প্রিধেন পর্যাশ মুন | লান। নী সু সলক চাকা ছইতেই ৪ লক । বৃদ্ধি बरमद २००० होका राध्मील स्टेटर । देखाई छ कात समिनाती प्रांतित जलमा तिक वार्विक व्यात्र । अक्षरण वारत्रण विषयत्र अ विद्युष्टमः। क्रित्रा नाशिक हरेक त अक्षेत्र । अभा विद्यास विद्यार | ध्यबाधन धनरहर ि शिष्ठ क्षाणना हैशहरू खारता खादि। वर्ष्ट : urr b'm, (योश क वर्ष: ৮००० कति. लाम। हेराहे : कार किमारी छारकर आसूत्रा-निक विभिन्न माह। धामनः माद्यालास्क विनिष्ठ পাবি, ইহাম.পক্ষ, অপ্রবাতীত ক্দাচ অধিক বায় লাগিবেন:। পুৰ্ব্য হ্ৰীকৃত আছুনানিক অনি ২০০০ চইতে এই আলুমানিক বায় er•००) राम मिटल %; [मधि २००० हाक। थाटक। अनः नः , कलात्र अभिनादी आदित आधारकेट । नागवाम बार्यबार्य अवल विकृ विष्टु छक्ष ৴৴ব্রিসম্পূর্ণ সঞ্বন তেৎসমুদ্ধি একল ক্ दिए। ठिक भिरम व्यक्तकः १०००० श्रीकांत है।कांत्र कृति कर्ताः इदेश्य मा। यहमम बहमझ धाई छाछि ।

লাভ কৰ্বভয়ালিৰ বাহাছ্য কেবল মুছভাৰি প্ৰ निया ७ ग्रामि ध्यत्तम तस निर्माश्री अभिनाती जाककरतत एकि करतन । क्यांका अधि विक वर्ष गः शह कतिहा दासरकाव श्रूनकहा क्र থবা অন্যকোন কাজনারা ভাঁথার অভিত্রেড 🕽 मना। जारा पुक्ति निष्कु नत्य। छदर व्यक्ति কর্ত্তশদীয়ের কি নিশিত দেই ক্লবিক্লী ভানি कर क्षेत्र। सारवर कार्जिक कर मध्यक के विदेश उगा परेशाह्म : बाहाप्रिया वर्षे चार्श्यकी रहात मिरकान अभिषात्रभागत बारम शिक्तामें प मध्यादवत मधात वहेगादा । देशकवरीक समित অসভোয় ভালক্লংগ ছুৱীক্তত হইয়া স্বাইটেড সৰ্ জ रेटड कारांड कमिशातिकांक्का खेलाहा कार्नि भावविश्वदक छोषुन चनक्ष कविद्वा खुना सप्परिय त्कितकर्त्वा मरह। शामत् । शव**्रमक्ष्म आहर्र्द्वि** করি ভাঁথারা সম্প্রতি বেনিরবে জবিদারী ভার্কি-कर मन्द्र कतिरा शहस बहेबारक्ष, छार्य मी-अहे तरिङ क्रिता (क्लूम धरेश क्षाया क्लोबी অনিদ্রি ভাস্থারচের নিসিত কর্বে করে हें।कात् चावणाक, खांका वित्यवत्रण .वित्वेदिनी कवित्रा (मधून । ७० गटत स्त्रांश कवित्रात्रकारीक करे वहेटल द'वांवांविमाल अदन स्विटेक आविक क्रम । डाहारहेटम चात्र भाषता स्वित्रक्रिक्त दं अक्नकातमात अक्रम चम्बर्क कार्यिक भारे-र मा। आह वृति शर्रायकी अवस्था जिल्ला विद्युष्ट क विद्या स्वित्र है भ प्रकार में के निर्माण त्त्र क्षांकरत्र अन्दर्गत्र निव्नय अन्दर्भ स्तिका सी-কেন, ভাচাতে বংশর বংশর মন্তর্নীর সংক্রীয় इट्रेश **ाहा हरे** हैं के क्या के के बार जा-हारमा मा बाटक, जनवंदबंके व्यविवाहितास्य छा-शंत दिनांव श्रम्भ न कडिए उट्य-देकी है जोशाँत গের শীস্ত্রই জমিদারি ডাকের আর প্রয়ের্ক্সটিট হিলার প্রচার করিয়া **জাওয়া নিল্ফার কর্ম**হা । জা-बादा यक्तिन व विषय क्रिनानीम वास्टिन क्रिके हिन करिमाद्रशत्यद्र महत्वत्र **उक्तम्य अवस्था**रं भ-मांठ हर स्टेटर मा, जानवाल जीशानिस्त्रीत (গ্রথ্যেন্টর) প্রতি লোবালোপ করিতেফটি

अभिनाती छोटकव अना यक्ती।.. দিপের নিতান্ত **অ**প্রীতিকর বোধ ২২১**৪ছি**। িবিয়ম ছইয়াছে, বাঁচাবা নিয়মিত জন এর এক-मारमत मरधर। २। छाक करतव छोका खालाज ना कतिर्वत, डाँश्वािक्शत मामामान क्रिक् केतिहा নির্দ্ধারিত করের বিগুণ টাকা আলারকরা বাই-(व) यक महीदकत कर वाकी वाकिट्ड खर्मीकः तिष्क छोक । अलि मिश्र शत : मन कि कि कि दिस्त ? मनि । कि के स्वार के ब्राह्म के ब्राह्म के ब्राह्म के कि कि कि

(वाध इस शर्गत्मा वह नियम् दांत्र ममग्र अभिनांत्रभागत दिखा विदास संस्थित ह्यात पृथि निरम्भ करत्रन नारे । द्यवस्त्री डिटिन शिक्त एकि कहिबार केड'ब श्रेष की संवि-য়াছেন। একজন শরীকের বারুও ইক্ট্রিজীটিংলে गम्भाग समाती नीलान कलिया व विश्वता रामभा ग उस स्टेटल यानित स्टेग्न हिन्तुं भूकियमजिल हिन टक्का मिलिक करेटक वाकि है किया क, म त्कण नाहे। अञ्चाता मसस्य मध्ये आस्तरक । निवर्षक विमेक्कन क्रांडि महा खेँदिएंड बहेटर ! अम्मित्र व्यक्तिकार मार्था , विश्वित्र नाक বাটিয়া পৰের ঘাত্রাভঙ্গ কারীব শ্রেণীত্ব লে'-ক অনেক আছেন। ওঁ)ছারা অন্যান্য শ্রীককে অক করিবার নিষ্ঠি ইচ্ছা পুর্বাক আপনার দেয় · तोक्य वांकी क्षितिया न्यूक्ष विभीक्षेत्री मीला-न कर।हेद्र। तनम । खांक कर खांक। देशव टेक्ट नि-**5िय नव! अक भरीक अनामाभरीकरक अ**नर्शक দ গুড করিবার নিমিত বথা সময়ে ভাককর ভা-मान क्रियन,मा। खुडवार धानामा महीरकरा ३ ভাষা আৰাম করিতে পারিবেন না। কাঞ कांच्य मकरकत्र है मालाम: ल ८क्टाक इटेग्रा मकाज-द्र निक्र विष्टि विश्व कर आंशांत व्हेटर ইহা কি নিভান্ত পৰিভাপের বিষয় নয়। যে:দানী ! (नहें, बन्धे इं। बन्द्यान इ.स. स्वाद्य घटनात था, অনৰ্থক দ্ৰুবিধান কৰা কলাচ বিধেয় নছে। আ

कर्त्रिकृतं रक्ष्यः , शिक्रिडा । करिएड शिरक्षांग नः। अभिम् । खार्किय गविज कि हे की ाः,,बह दवलाबूरे **क**्षिष्ठादश्येष अ**र्ह्सल** करा

का किया

क्षा देश हो का च

পত্রপেশ চর প্রতি !

खा छग्रहब्र न र वि : हेन तक ल कार्यारी ! बहेल के महाभी अवस्तु ए के लाहितन विक्रम कतिया मिट्ट भारि विनया श्राह्मका श्रेक्टक কাছাত । দল'ব পাওগত এক প্রায় ভইভেও ১০০ अक्षप्र रशिया है लिक्टि **इहेग**।

चित्रिमाठक इलिलाटना रहन (केश्रास मनी 4वे किमान माञ्चल कामान कामान प्रभाग ल उप हम , खूर्य विनिद्ध लक्ष्म हम मा, बैकः ग्रह्मत तन्त्रारम् अन्तर्राप्त अक्षा चर्चना घर्षे। दिन । आ उत्तर्भ अन्तर्भ । अन्तर्भ छान छत्र माहि विसर् श्विजान करा (धरा

> ८शर्पादन हाक ान १४७ - **मकर**ाल वृद^{्ध}िमकव करी, १ मार्ग

প্রেরিভ। अध्यक्त स्वाम श्राद्धां भागमा । एव

महरूषिहरू ।

निक्किरभेत खुरुका अवर्गस्यके हेरू। विद्यानकरण किन्न शक्ति अक्काव अञ्च ६३४ ह, वाहः स्तोतः ख-काबिका गुलियां ५ करें कुनियंत्र क्षेत्रा इत्या शूनः । सक वक्षत्रभाराभि ५ मवित्याः ज्ञान्यासम् कति-क्नि कि.श्व १ देर हायुक्के १, लक्ष्य १९ कि मा। श्रोहा । श्रोहहूमा, छोडा क्रांभाप निकटी मार्शक्ति । अपन **बहैक এ** গণে পার্নে**লের নিকট আমাদি**গোল। য়া বোধ হউতেভে না। সদা বটে, একটা স্থাৰৰ । তে ব্রাক্তর্যক ঘটিত কোন বিষয় সোনঞাশ क्ष्या, बहे, बह महीरकद छ।कहद शांकी थाकि- जन्माखि वष्ट्रशाराम विख्डा होई मा, त्यांगी शवि- । अवाम कविरात होई ता गाँउ मा विकास कारण ভ্ৰে আনানা শৰীকেনং ভাৰ¹ আদি,য় কবিভে ়িশেষে উ.ছেদ দ°় আবি হয়, সভা ৰটে, বছৰা-কারিংখন ন । ভাষারা অনিষ্ঠাটী রছিত কবিয়া চক ছইলে। আন্তবত বিবিধা বিধান বিস্থান **रक्त्रूय । देर**ाष्ट्रिक कविराल फ क कव कांप्र!रस्त व्हेसा चव नके ब्रेडिक गांग, अला वर्टी, खंदी किथि মিল্রৈ কিছু গোল গা গায়তি বিসম্ভাবনা নাই। কাষালাবিল্যাভিড ছওয়ার অলেকানেক ব্যক্তি बक्दकांगर। दाम भर निष्धानीय शका- विमानिकांग आहा १ मन कारन ना, 'क्य शिगारक बाल्डर आलांदरद कि (१६ नियमीकुछ नः । धकेष्ठी लाका दक्ष रामधा एडेस या अहा दक्का खनिये कतक (करण अब द्वा) है र तहे र शिक्षित विधि। विषि क्रितिम, हैशंड (उम्मि प्रकिंड मि । निः किस उमानि डाकामिश्रात आधार प्रमा । कार्रे व वर्षाक कुल-जिला क्षेत्रन किया । इस्र क्या क ल रा. मिन मार मिन क्रेर <ात्र शिक्षीरदत्त हारण शिक्ष्छ क्षेत्रव। अभितार । প্রতি বিবেচন, ক্ষণ ছইণে নাং। কেবল, জীছাং र'त्वत सर्था जरमरकहे ज्याच स्मर्ग छोडर'म्ट्यच । वट्यारकाक अवहे और उक्का थाकिटन, हिन कि विकास कि व्यापकित व कि केंद्र निक् ि। + हे क्टेट्ड शोवाहेडा अदेदवा। जायर, एक | विश्वित वटक वस्त्राप्रमाव स्वाण करिस्स, 🗮 भनक्ति । পুত্র নিগের নিলা।-লিক্ষায় প্রাগ[্]চ ম-ার এই বাৰভাব দেখিয়া অংগিতেছি। গলা । কেলোগ ছাওলে নছাবিত, কেষত্ৰ কোট প্ৰা বিষয় পাটবার বালভা ছাইলে সর্বাচিতি । य नर्निश्रान्य शिविधधन रम्मण कर हर । अभि भी इदेरमा किन कि मूर्य व रिविधिक । मावध मि खुर महादन कारहा गः।

ख्रांभम कत्त्रम, छाहात अधिकारनाँह निष्य ध्यानीय | कांगा निष्या, बहेरणम मा २ भ वाभिहे यह ति-প্রকাগণের ভরাকুটার হলতে পারার হয়। আব বিভার অধিকারী ও মনে মনে এইরূপ সংখ্যার कडक म अवदा अनकत खनागरात ए पिट्ड । विकास कि विना-मिकाय, कारमाशार्करम ख धर्मा । ज्ञान के बात का कृष अत्य क्षा माना महा-वेमा २ औं हात्र कि विषयकार्यमा है स्थानीन अवि-লাস প্রায়ণ ৩৬%: ১৯টিবত নাটে হৈ যদি ভিজ मूर्च विषय कार्बर्गनिष्ठिक छ विस्तर्भण ब्रोपन क्षेत्र-लाम. डांडा ३६:अ खाँडा: ख.व.विहरकात मश्चारका जिल्ला अक्षामांत्र विशास आदित देशम अन्बंदे वेदेनंद व्याव । आधानां (एक्न) एकानि कारतक धिकियान कति एकम्बि आहे।धिकार्यक উল্লিখিত কাবণে প্রতিবাদ করিতেডি প্রান स्मने बंधेक्य धक्री विश्वन क्षिमा विस. संकृ है। का भारत करिया । त्याव कि विशेष्ट । अकास | शरात माश्रा विनि काश्रानाव विमानका वृक्षित्रहा विकामध्याविकाता । स्थानीकाता विका गरीका पिष्ठा असी (करेटक का पिटन : क्रिकेटिक विस्टिव कारिकारी इदेरवम । जामा 🛪 अहि। प शादनम, मान मना अहि निक्र कहेन, उक्षम करल कि विविध्व इमेरब ने गांधाव छेखरव ना मात्र @डावगांक दशारा भक्ता मा - हे निष्क निकाशम ভাতির ভটাবন না । ভারমধ্যে গিনি ভাবিকার विश्व ଓ दुद्धिय संकेटिना, कि छ छ विश्व शांभु **इक्रेटवर्र । ८४**'श कर्ता १डेसाथ ५ के अस्तान के र्मार्क रामित्रे । अन्तर्क यस्त (१) वर्षेत्र भारता

(म्राज्यकाम मम्मे पन

अल २६ हे स्ट्रीस्य र अंभ्यक (म. मिर्टि कारवाक्षात्व छ। तक्षत्रमेष्र भक्ताः च तमाकेषि- (भक्ताः भक्त जिल्लामुख कात्र कम्म कस्म अक्तिमान त भूटबर काछ क्या छ .सब कर्त्रहा १० २० १ गड १ व कण, 'लांबाड कडनारह, तम कव माठा -'-कोड शर्धावरकत खन्नाभीक किथित होते वेक । वर्ती श्रेमा क्य माहि । अक्टब कृषिन क्रमा परे निकड़ प्राप्तिश्वामा शनि शक्षामा का क्रिक्त, में ह (कान नक्क तिव मां) ित र कि भेगान करें। आदिन अञ्चह्र के शहर अलाम (१, १ हम है।

जिल्लामण हेन्स द्वार (द्वारी ने " क्लिक्षेठ। त्राक्षकः (स्वर १ / १०

১) এ প্রসাধনী উপল বটে কিল গণনকা Confession #87 पक्ष भड़ेग्र| रि १३. .स. भारत খণেক fufun an mit nifanena milanti हत, ए. १ व इक्टेड विकास स्टेश्व र । करतान श्रुष्ट थाएक, स्मिक्ट वाण्डि मणुन कीन विस्तृ भावेद्यन १६सम् अभव्यत्र कृतिक गर्भ

िराष्ट्र अन्तर्भाषकः ।

আপ্রমিক্ত ২২এ পৌৰের সোমগ্রহালে चारकाविक विशवा वर शकार्यते निविद्याद्यमं -क्षेत्रं श्राप्त कविष्ठः कार्यमात् उत्रत व्यवहरूष कि बारनक म् ।म मुक्ति हिंहा। का शाम त्य विकेष त्माचन, क्रांमि क्रांनिक्रीक्रिक्षीय क्रांशीन के ।पिटक जाति भाग करनव। जन्मानक प्रांता । जानि मान ্ৰাল ছই নাই, আৰি নাক কেখাও বিশিচন নাকে इन्डि ब्रिट्रेन भी वि. अधिका एक म्लाम केंद्र दिनारन ताब इन्ह नमर्भ कृति मा, व्यायांव निसाक्त छ। म सारह, ७६त किहू विश्वित वर्षे । शवर्षाम्बेटक স্থাপুনি দোষ দিজেকেন ক্ষেত্ৰ ৷ আপুনি স্থানিয়া (इन " अस किटम कुछै भिक्षामाता ., किन्न अवर्ष (गरी भाषकोदि महरक अन हिस्स छिन पिक क्रांिट्डिइन। क्षांभ्य महत्रर क्षक्टकर किवर। अ-প্রনিপ্ত ধনলাক ক্রিডেছেন - ছিছীত আপনান व गड विश्व ଓ भागता विश्वक दशक्षिण्य में दृष्टि करिए उद्भाव राष्ट्र कर साथा करा ८ पराच अर बांख्या विश्वान विश्वान । कुछीय । भाष्मा लाक्काक्कराधीशण्यक हैदशाह विट**डट्ड**न ধ্যু 🗲 বাৰা খুব থাও, অমুদ্ধ ভেপুটি লাক্ষরীবের अदिर्धः म्यान्त्र व्याग्र कश्यित्राहित्य नामा कोनास्क ডিপ্রেড করা গিয়াছে, অমুক ডেপ্টকংলেটার বি **्राभाग्यय क्रम इक्ति करियार्ट्स बलिया दशाय** अन शृहिष्ठाहान, खरेश (भाषाहरूत स्थापन हात गारेटल दहेरल द्वान वस निवा (जग्माटमान वः-ভীৰ সিকটে নিকটে ভিন্টিগারি নির্মিত ছইয়া-< । जापिनिया बङ्गन का बङ्गन, अवन्यमिक जान मारमक यर्थने विश्वकारी। कामारभन मन्या क्र'हर कमा भवर्षमळे (य वायांत्र भाहित्याह्न छ। हार छ সান্তা হত বাধিও তাহা অপুনি কি বুবিং নি: व अश्रेरकी क्षाप्त समास्काम शब विद्या कर्या हरू थानिट प्रदेख, अथन त्य मित्य होते हैं। एम्ब वांग्रे राष्ट्राता अक मिटक छूटे ट्यांगा, अक मिटक (PSC कोण स्थम प्रदेश जान सक सक कार्य 3-এই। বুবিডে পাবিয়াছেন । গ্রামের নিকটে ছু-^{केण} सूरम **क**ाँगि थ.िस्सिंस बहेबारम् । केटार्स चार दिवस्य अधिम भाष्ट्रेडाम ना, अकान श-वर्ष श्रेक बुक्तांचे । प्रश्नां क्षा अवर्गरमध्ये श्रेष की । कीरा कर्ण व वस्तु करियान । अपन मन पूर्ण ীৰ হাত ভইতে খাঁচাইয়'ছেন। সপাদক ^{८ अर्ड} । जान्यसि रेवपिक् छाज्ञा त्रमासानीन मक्बाद बाबादेशहितान, जाश्य कावन वर्ष अविष्ण वदश क्षाब रेट मिटक व मनाकु क्षा, देव मिक दलत एए श्रीपा। आर्थि यहि सन्तर्गा व शहिन ম দিতে পারিভাগ বে আপনি অপাদানিব দল-

রিদীয়া খাকিছ না। েধে কবি আপনি আয়া वित मुग्राष्ट्रक श्रीताम मिक्टि भारती इन मा আগনাত স্থিতাহৎসমূহের দ আৰুছি .. এইও ৫০ , কিছু বাপন্তি সে ভয় कर्ता हुने। कोगा ला १ . ५ ७ दर्ग उत्तरमञ्जू च्या-মাৰ দেক অৰু ডিনেকি অংকে। আসত কোন व्याप्त वस्तु---र्शिव भग्रतम सहोत्रकमकीशव साथ স্ক্রীয়কোকার্ডী উক্ষাস্ত প্রকাশ উল্লেখ বলিয়া-क्टिलर " कारि इस ५ मूक प्रमां अ साहेरण भाति। ए.उ विशाध वाहे ७ भारि ..। वाकि সেইকণ বলৈতেছি সালি দিখিও পান করিতে পারি বিলাভিও পরি কবিদে পারি। একদিম হতে হৈ পেলাব সমন্তিলাহ পদ পদ্ধবাজের অ-केलिकांच भाग्यंव कत्रिमहिल्यं हे॰वांक वर ल म। बाब्यामां व स्थान यान जामिन मिया হাজাসক। কিছুকাল পাবে আংসিভিটি নিবাকা-दर हैं भारत कर्मक नाम् क्षा क्षा अर्था र खा दिन आधनः कविलामः उरकारार पुर्वछ भाविका मार इन्द्रभेड ०१ छ। ७ भ नातः (५मन कीलाम মিলিড ক্ষীৰ গ দে আগন্ধই জনমি প্ৰাৰি ময় त्या अमेरेक्षाः । उत्थित्य कमा विराज **१५ वि**ष्णाः জামি ব্ৰাক্তইল'ম এবং সজলন্যনে বলিলা-স 'এনে অ¦মি বৈনতেয় বভৰাঞীতে ভিনাৰ ক-ট্রাএই ন'নয়। হত চউডে কচি পাত্র আড্ডা-हें। (एक्टिन,य वट० चम्र किविधात उभाजाकाम সাতে ভিন হাত চটল'ম। অতথ্য আপান বি-माजि प्राप्तत ए । गर्गान त्रहित क्रिनेश्व देखा াইতে দ্বাহাত চাৰ্চ জালা হ'ব দাধান দেৱক अर्थिक ब्रेश सञ्चर्भावन उन्नेन । अप अक्रीविंश ব্ৰাক্ষণে বভৰণ বয়ক। ব্ৰাক্ষণী আপানাৰ দৌশা-र्या द्वापु वक्रमाहकार्त व 1° है। काणिगाहिएलमा भारतकाश्वद्या अक्रीमधा एकाक **देश** ভাষাকে ভংগন। কৰিলেন ব্ৰাহ্মণী কাঁপটা का टम्माक्त इतिहासीय चात्र छाल दम्भाग मा.। उ.भगै बिमान छात উद्धर हिस्सम क्षामुहार्गं प्रतीकारे जुरक विकितामा या 🙃 । 🎫 -প্রিল্প ভাটি ভুলে দেব, সেরি স্থাপিনের क्ष महिक्षि का कर्वन, उर्ग स्विप्ति कन। कि নিহাছে অ'পল'কে একটা কথা জিতা'না করি ব্যক্তালা সংবাদ পত্রে কি ভাল কাগচ দিছে । त[हें : क''। ह च ला म, हेन्ह्। फाहे (५)

े ९८कोठ जारन रच कुर्यन्त्रामुक्तानरवस व्यक्षकि श्राम (राज, जाक) वक्र**म्मनाटक मर्कास वि**न् দিত আছে। কিছু জীহটে সেই বেপি ঐক शकार (प्रभावति एवेष्ट्र) **छित्राह्म । अयोगसीत** বত আদালত সৰুদেৰ ভূষিত আক্ষান বিষয় शवर्गायकी भूगांख योगांन हर । 📭 : 🍽 📆 📆 येक्षरिकारकत्र (व कांबर्मारम्, इरेस नेत्रास्त्रीक हर्ममा इदेखाइ जाना क्वर मिथान स्वित्रक-ছেন না ভনিয়াও ভনিভেছেন না।

जड़ दिरम **एडेन पानि बदानका**त्र केरिन**क**े तिराउ क्षक है।क। त्राक्षण विरक्ष विदेशिक्षणीय हैं। যুচ্ছে প্রবেশ করিয়া **আসমারিদের পৌরীন্ত্রী** प्रिया वक्षाद्ध एकाम इरेनाम । दिनिनाम প্রত্যেক কেলাদার, একশত টাকা সাক্ষরীয় উপর 10 আনা, তহসীলগার 10 আনা, স্থিত্তর্ন উরির মহার 🌬 আনা সলর পাটআইরি 🖋 অ:ন', পোদার ১ টাকা কিলিক্লার 🌬 আনির্ मा शहित जालाम चाक्त कि छोका कर्म কি নম্ব রেজটরি ইত্যাদি করে**ন না। সুর্বি ঐক**হ এ সকল না দেন, ডিনি প্রাতঃকালাব্যি সামুহত কাল পর্বান্ত দেওারমান হইয়া যার্যার বিশক্তি কুবিলেও তাহারা ফিরিয়া চার**্না**্র **হিনি সম্বা** विष्ड आमिशाकि, अन्यानि ने निम्यूर्ण आमि नो किमनी सन छाहान पूरे जिनिष्टित वरशहे नि कार्या माधन एत । धाधान व्यक्तिपद्वतुर्वे विकास बत्र मिट्ड रक् कृष्टिक स्म मा, श्रीवर्रकेष्ट्री ह¦तिश्राप्त विक्र श्रीचित्र वन **श्री विक्र**ी ভালুকদার ও রায়তলোকেরই ব্রত্না। স্কুল कथा त्याथ कति विष्ठातक मिलाने अधिकारि 🚉 ८गोठत नट**र, विश्व उपर देशाह अवस्थित हैं।** द्रव कदिएक मरहरू देन मा। आवश्यक किरिन केंद्रे कारलकेत की बुक्क **एवं जात नार्ट्स** क বাৰু বছুনাথ বস্তু ও কালিকালান কল্প ভিন্তি- 🗟 কালেক্ট্রনিগমে নিডাম্ব বিবয় ও প্রার্থনা কর্মি-ভেছি, তাঁহারা কালেক্টরিয় শিবিভালার, পে-कार, नाकित, ७ अधान आधान क्रमीलांड ए^र মিরাসদারাদের পোষাভাষিণতে ওলার মির্র্ট कांद्रारमञ्ज्ञ स्वयानयाम अव्यक्तरम कारमकेतिए करपास्त्र अर्थगृश्वमिरगत्र छे दकांक द्वादलक्ष्रे চিকিৎসা বিধান কবেন /

> (行道 6 4 TE 1 >2 5 7

^(:) त्राच्यक्रांग्लर (क"स ख"रण दक्रांस (प्राथ १३ व्हण्डिन) व्हार ने ने ने निवस्त व्हाइ क्रिक ज ८५की जारक । जाय हाम जनकारत यक केश्री ্ত্ৰবন্ধার উৎকর্ষ হইবে, ডভেই ইহার উৎকর্ম পা-े चंद्रेरेन चार्यात्कप्र हरकाव । कोन्टवन भ- । ठेक्न ४८०४ वसून रवाहत् व्हेटव ।

ত্ৰীয়ক্ত সোমপ্ৰকাশসম্পাদক महाभारत्व ।

ालक । अरे द्वारम रव क्यक्ती अवर्गमेली "१uith ভोड़ोड़ कर्यहः निर्शतक श्रेष्ठ किन ए प्राप्त किया । मण्डे क विशेषां कांत्र म, मक व्यक्तिताल वेटणोहरून को खर्चाहरू । स्थानिक रार्ज अक बन जिल्ली जा क्रक्रमा व्यक्तिगारहन. जीहार नरक रच के कि महिल्ली महाना करें के शहर की ं राटमन आहात वानम्बिहेन्द्रस्तिकारम 🐣 ४ हर त्य क्षेत्राय ५११२ महाक्षेत्र विकास के अध्यान है। को निवर्णाएक देश कि कि कि कि कि कि कि विक्री स्थित न्द्रधारे चुटवज्ञ वटना महा क्टब्रन मा। ্শাসন কর্মার শাসর এছিত হটত। রহিত **হই**ত।

विजीवता । क्षेत्रकार्यकार्यं क है। बग WAR BEN CONT वायू चंडप्रमान के हैं। ं प श्रम नश्य के कि (क्षिणीकिका) की पात विकिथमारक किना हिमा क्षेत्रका हो THE WAY THE SE সিয়া মুলতবি :

-তুতীয়তঃ 🖟 **海州·小**梅 जिन्द्री मग्रह He was Avain क्षांत्र कर मार् Hem With **知可行。如何**意 विकारमान्य कारणेन देखारमा निर्माण के व

। ३१ जिले सहस दासाकी क्षेत्र समिति गर्च

कुन्य दन्डान्डिंद्रिंद्रात ्य, श्रोत , भारमध्यक्ति स्ट्राप्स

क्री, नव र नक्षशिक

है कनकी

किक्किक: अभिनिधिक स्थानिक स्थानिक । ३२ ७७ व्यानीय प्रवेश्य १० मिलिक **अवीध ३०**

केरेग्रारसम् बादः भीज मरायतः अमन कारशः नातः। था, माजब मात्र मार्जिटेश व मह्या अध्यत पूर्णिया भाकिरात छेल्बुक काक निर्देशास्त्र कविद्वत । त्य बद्राकृष्टि हिन् कालेक कालेक कहेग्राहरूम, प्रश्लेक काहिक वहेट देहन गर्गास आयुक्त बाबू समर्केश शरकामात्राज्ञ जाहान ! अनास्त्र । अधर व्यत् तः शन्ति **शहिककालह**ि কট নিডাপ্ত অপনিডিড ৮ ছেন . বিনি বেবদেও জল স্বাংগেরের নিকট এ চনাব-বাফি খৃটিয়ান[৮-रगव घ्यां हिंद परण में। भिन्न बहेगा विवेदरान बावर का त्याव मा भगन कावग्राष्ट्रिकान (यान कन्न এতাৰস্থাত বলি দেই আপনাৰ পাঠকৰৰ জগৰ ৰায়ুল্ভ জননিত পাবিবেল। कश्दवात्र्य काश्यास अमनीश्रद्धन शतक अख्यास नामान নাত তিনি এখানে আলু বিন মাত আসিয়াই কাণ তোলে করা যায় লা। এনটি লাকলিকে বাবেষক আতু ঠাল কৰিয়াছেন जीकाद लेटलगांदन शंड परिवाद व्यवित अवस्ता- निक el विष्का, क्या गांदमंत्र च्यावर्थ রীর বাজন। বিন্যালয়গুছে সামান, এমোপ-कांनी वाष्ट्रिंगरभव निका लोन कमा बक्छी माउ कांकीन विमासम् मध्याभिक श्रेताहः स्रवका शवर्गरमण्डे वृक्ष्याः १ हेर्द्रण्डि बस्त्र शिमः सारग्रह না,না কভিপয় ভত্তাকি 古事中の1 のくで भाग हे बार मि संकठ कादी श्रीांग करण मिली हिर बहेरल्या । अह तार्व वर्षे अञ्चेत सन्त भी बहा छी इरक मक गठ धनावीस थोलान करि শূৰণ তি বেগৰীখন সংবধানাত প্রাচন क्षित्राम् अनेप्रशादिकं काशा निर्वात करि क श्चीब डेट्डि क्वांबाकित्यत का ज्लामगीह !

ें द्रकार वागवन शदर सम्बद्ध ইতে Elikala 4: Administration

यना था वि

क्ष राजू ज़िमनाथ धर で、調学を持ち ऽर्चेक्त माथ करें 5 वर स्विक्ति "र्गा के क्षिणिक " वहिष्ठा म**्**यस्ति । 🗞 🛵 ं २४७ अध्यक्षाय क्रिटेड १० देव : किसी किस AGA, भीतहरूद्र चार्नी सभीमांत्र नारम्भ ১২৬৯ মাল হইতে ৭০ পেটা পৰ্যাত 2.0 (महानीशृह " অধিলম্ভা দত্ত >२७ क अवस्थान वहें€ क ने० देवणांच शर्या क মেদনীপুর · अध्याद्यातान शाम ४२७৮ का शह अब ब्ह्रेटिड प• रेवलाय निर्वा**स** € (मसनीश्रंत " मधीनहरू मार्श >२७» च अहामन इचेट ५ ० देशनाच शर्मा **व**

क वह नाव भित्र **确于申以**4 ১২৬৯ মাক**্ট্ডে ৭**০ গৌৰ প্ৰায় " नात्रसाधान'म **५३**।ह। व હી મજ ર " गुरुत्वम् शिक्षां अद्यान्त्रा भाषात्र विकास **>२७७ माच १६८७ नहीं है। है और अर्था** " वाग जुगोक विकास न न उ का दशक **५२७७ मोम की बहेर** के बाब अवंदरी

> নৌমপ্রকাশ সংক্রান্ত করেছ [बर्यय निराम।

अधिय मृता में शावटक सम्बद्धिकाथ थ-

देशंत काजिम मुला वार्षिक र्याधार प्राथिकात्मय र मिन्सिक देशके পাঠ'न छ। इस् । এर कवरः बांग क्वितीक्षेत्रा भूक

यसम यिनि भगायक स्ट्रिकार/कामस्ति। एस्स पुना शारीहर जाए। अन्य ४७ विकेषि अन्ति।

मुरलाव ७ त्रमीरम् ति करे के लिखे के का कर

पुर्वा अपन अपना । अपन अपन अपने अपने शिक्ष मा १ हेहिएत १३ ई सेवर्ड सेनक मिलक ह 1 5535

में हर ज़िट्या मुल्हर है हे बहुई माना आई कि अहिर या विकिर्त मणकीयक महत्ते जाडीकर्त के क मार्क हरे न क्षेत्र इंग्लिक ला मा अस्ति है कार्गक्षिक व वेशक के उपनेत निमिन रिक्रिके **建设设施** 机氯铜(水平均平均) 对中国电影 THE PARTY STEEL OF THE PARTY OF THE RESERVE

े देशिक महासंख्या गांच माना शतिकान कविः । त्या मा कानाहाश

क्ष क्षिया देन। के बार्क्स विकालन विषय रेन করিলে তাঁহাকে অবস্থা বার প্রতি পংক্তি 🛷 আনা বিভীয় ও ভূতীঃ বার />• আনা কার্য়ণ मिटक इंडेटन छ।दान शह /. जाना कनियः कालग्रः रोहेटव ।

मध्याक्षित गीवाद। ममर्ग महर्यक, छाँदी क्तिरशय **चल्क काममायम पिटल स्ट्रे**टर ।

এই পত कांगकाचोड़ भूजी यायको द्विम बद्दाई हैं। " अवस्थान विक हाना खेलाहेन, कृत वालून क्रिनरमह क्रेसिन सम्बद्धिकार विद्याहकार विकास ferriveres utiles mile wingingie

(मार्थकार्का

" प्रवर्तनां क्रक्रनिहितींच पार्थिनः चरक्ती सुतिनहती न दीवतां। •

६ संभ। ५०मःचन्।

मम ১२७२। २४ अ याष । हेर ১४७०। न दकक्यांत्र

व (तिक हुना) हैकि वार्तिक चालित ३० है

সোমপ্রকাশের অবরব কৃষ্ণি সংক্রাম্ব বিক্রাপন।

আজি অবধি সৌন্ধানানের আর এক
বর্মা ধৃতি হইল। জাতঃ পর বাঁহারা বাথা
পিত মূল্য দান করিবেন, উথোনিগকে গা॰
নাড়ে লাচ টাকা দিয়েত হটনে বার্থিক আ
াগ্রান দলা। ১০ টাকা। অপারিবর্ভিত রহিল।
নক্ষানের গ্রাহ্বনিরকে অভ্যন্ত ডাক মান্ত্রল
লিয়েন হউবে। বার্দিক ভাক মান্ত্রল ও।০ ত্র
কিন্তু বাঁহারি। মূল্য প্রের্থ সংক্রান্ত চিতি রে
ক্রেন্ত্রী করিয়া ক্রিবেন, তাঁহারা আছার ব্যার
চিবি আনা। বাদ পাইবেন। বাঁহারা মভ
রু ভাক মান্ত্রল ক্রিছে আশ্রর্থ ছইবেন, আনা
ইবেন, শাম্যদিগের ছৎপ্রভাব না
দিগকে মান্ত্রল দিয়েত ভাইবে না

বিক্তাপ্ৰ

'শৈরিদপুর জিলার অন্তঃগাতী থাটকেমারি মহব্রতপুর নামে যে পশুনি তাল্ক ভাচে, দোলা দরপত্নি দেওৱা জলনা বিক্রের করা বাইনে। যাঁহার সেই তালক দরপান্তনি হাই দার অথবা ক্রেয় কবিবার ইক্যা আছে, তান কলিকাভায় জাভান ভিনর কোল্যানিব নিক্ টে আবেরন নাইলে স্বিদেশ রুশান্ত অ'নিতে পারিবেন।

বিজ্ঞাপন ৷ পোটকল ৷

ক্ষর্যাৎ জনগথে কলিকাতার সীক্রেক্টি। ্যাভায়াতের নিয়ম।

সরকার কাহাসুরের ওবুরাসুসাংস মর্ক-শাধারণকে জ্ঞান্ড করা গার্গভেত্তে যে অন্য

ভারিখ জাশ প্রবুগ, জাহাজ, মালবোর,
ভাড়, বজরা, এবং উপর মুদ্দের নৌকাসকল
এই লগনি নকীতে রাত্রিযোগে কলিকাতা সী
মা মণ্যে মাডাসাতকালীন সম্মুখে লাটানের
ভিতৰ আলো রাখিবেক লগাং কেছানে রা
খিলে নুস হইতে কাই চুছি হয়, যদাশি উক্ত
নির্মের অনাধা হয় তবে একগত টাকা
(২০০) অরিসানা দিতে হইবেক।
ইংসাক্তা

জনপথে প্রবেশের নিয়ম কঠা কলিকাতা :

विक्राभित ।

ু রামবার, হক ঠাকুর, রাস্থ দৃদিংছ, গৌর কবিরাঞ্জ, নিভানন্দ বৈরাগী, ক্ষমোহন ভট্টাচার্যা প্রাস্থৃতি প্রাচীন কবিওয়ালানিগের উছন উত্তন গানক্ষি সংগ্রহীত ও এক্সিড করিয়া সুক্তিত করা বিরাছে। পুস্তুকের মূল্য ১ এক নাকা মাত্র।

কলিকাত। সহব্য বৃদ্ধি ৭৬ না কালী। ইয়া, লোপাল চটোপাধ্যায় এবং সোং

সোগপ্রকাশ।

সমন্ত্রা মোসসার <u>৷</u>

নত নেইলে বাবু পানু নাথ পণ্ডিতের
সনন্দ অ'সিষ্টে ৷ গত সোমবার জিনি
ভাষা প্রাপ্ত ছইগা চাইকোটের বিচারাসনে
আসীন চইয়াছেন ৷ শালুনাথ বাবু প্রথমে
অভি সামান্ত্রপ শিকা পাইয়াছিলেন,
ভিনি কেবল আপনার অসালানা পরিজ্ঞান
উৎসাহ অধাবুসায় ও বিশ্রম্ম ব্যবহার

ঘারা ক্রমে উল্লুচ প্রস্তু হুইয়া , ক্রিট্রা উচ্চতৰ পদ লাভ করিলেন श्रुवि विवास सर्थ प्रकाशकुरा हरेंगे रेश्नरक्षत्रीत अभात अधि वि নাই; যিনি আপনার গুলুব্ পরিচয় দিতে পারিবেন, ভিনিই ক্রিক कट छ जानत्रीत स्रेट्य वर्ग ७ जानिह क्षण्डिक स्ट्रेट्स मा । विक्रीत, क्रिके भड़्ताथ वाबूटक चायल क्षिया পूर्विहरू छेश्कृषे अव्यक्ति मुख्या भीन १रेटरन । भद्रमाथ बार् 🐠 মান্যৰপ শিকা লাভ ক্রিয়াও ব यर्भ परि थक पूत कतिया चूर्निहुन निरमत जैनाविशाती पूरक नर् रेश चरभका मेरखन गुर्की है हैं। দিগকে অবস্থাপিত করিছে

्रि समोगाहित ताटम आहे। काटक वटन है

जन जम नय (श्राम जानामनार उनित निविच व्यक्ति जिल्लामा जानामनार म। वर्ष व्यक्तम् जारम त्याप मुद्देण्या जनीपारम्मा चारक जानाम २ विनक्षा व जान विक्रेष स्टेर्ड त्य व्यदेश वर्ष निक्षा व करतम, ठांश माधान्तरमा त्यापन क्रिक्स जनीपान परभन जनाम सम्बद्धाः व्यक्ति हम (पश्मा भन्नव्यक्तमा स्वक्ति व्यक्ति व् मार्त्वत यक विवास विज्ञान एत, और नाइक আদারই ভাহার একটা এখান কারণী

वाटक चारात व क्षेत्राविततः, चित्रकः তর রেশকর হর, ত হার আর্র্রিকটা विरमन कांत्रन चारह । जे चर्च रक्यल सबी দারের কৌনগৃহজুক্ত হয় দুটা নায়েব शबता अकृषि छेरात जारता जैरेनैक जर्मी আহেন। বোধ কর, জনীবার পিতার जामा कुछा छेशनटक अञ्चात मिंक्ट है अक्षि চাঁদা **ক্ষিলেন। যে প্রভাকে সেই চাঁ**দায় **এक छोका विटल क्हेंटर, त्म श्रमखाटक छोका** थि **क्षान कर^{ाक्ष} 🗸 ब्लाबा बा कि**या नि कृषि भारेष भारत मा। येवभ मारत्व । পদাভিক প্রভূতিরও অংশ আছে

अक्टन बारबर ७ भगकात्र किथिए পরিচর দেওয়াও অভিশর আবশাক হই ভেছে, ভাহা হইলে পাঠকগণ অনায়ংসে कृषिए शादिरका, कि देश चहु छ थानी । ত্তে অবীদারীর কাব্য চলিতেছে। নায়েব ও গমন্তা অধীদারের কর্মচারী। তাঁহারা मक्त्रतन शंदकत । श्रकांत्र गरिष्ठ कें।श्रापि গেরই নতভ ও সাক্ষাৎ সহস্কা প্রস্থা থাজনা আগায় করেন। তাঁহার অধীনে **धर धर जन भारेक शांदक।** नाटम्ब श्रव क्षांनिरभद्र कार्या ७ क्यीमान्निरभन्न यक বল সংক্ৰান্ত অন্য অন্য কাৰ্য্য দৰ্শন क्टब्रम । अक अक मारग्रद्यंत्र व्यक्षीरम 🕻 । १ **মান্ত্রি ভারারও অ**ধিক গমস্তা বাকে। শম **ভা ও লামেবদিগেব ক্ষমতা ও বেভালের** क्षा स्टेट्स । > १ शत्रश्राप्त मह क्षिक्ष विकास भाषा वाच, अमलादा क्षि अध्यास (६७० शाहेगा थाएकन, । मा जना-बिलांड २ ७ ३ होको७ जारह। রৈ। থাকে, ঊর্দ্ধ সংখ্যা, ৫০ 🖟 ৫০ টাকা। ि धरे जम्म जिल्हाने महिल्ला भारक रेशांटकरे कि देश दिलात किया निर्माण

. एत ? होंहा चरलका कि देशीनरगंत चात व्यथि ह छेन। व्यक्त बाई । व्यामताहे छेवत नि Cofe with जातक लेगार्कान जाएक। अक ট্রাক। মাসিক বেতর পাইরা কি এক জন । গৃহক্রের কখন চলিতে গারে > গমভারা खेमात्रीय सरहत. उँ हाणितान श्रुख क्लावा শি আছে, উ[্]ছাদিগের মূহে নিত্য নৈমি खिक किशाब अनुष्ठांन इरेश चारक, क्लिन কোন ব্যক্তি ভূৰ্পোৎসৰ ও শ্যামাপুৰা প্ৰ **कृष्टि छ केंद्रिय । এ जकन कि वा**य विना जन्मी णिक क्हेबाब महायमा चारह ? मारस्टबरा फेट शम्ब, कीशिंग्टगंत बाबात ताहे शति मार्टन के अकल कार्ट्या व्यक्तिक दाय एरेसा । থাকে। সে সমুদার ব্যয়ই ভাঁহার। প্রজার নিকট **হইতে সংগ্রহ ক**রিয়া ল**ন**। क्रमीमात्र ७ नाटयविष्टलत नाम् भमकापि গোরও আৰবাৰ আছে। সন্তিম তাঁহানি। গের একটা নির্দিষ্ট আচ আছে। ভাগরা वार्विक रख ठीका भाषाग्र करव्रव, खाइन्ह्री প্ৰতি টাকাৰ হিদাৰ আনা বলিয়া 🔑 আনা করিয়া লট্য খাকেন।

পাঠকগণ গম এ। কিসের যেমন সামাৰ্ **विट**न्त कथे। ए। रालम, छीक्षिप्तनंत्र हेर् मड़। किंदु (छन्न मामा नम्। डांशामिके क्रिका स्टेम, थाटक, डांशांत अल्डी क्रक द्र कम्प्रकाद जीमा गाँवै , व्हें हात् । व्हारिस 🕍 🛊 षापानक मार्टनन =`. (य श्रका दावना पर्य वा शमकाविद्यात थ. शा विद्या विकास करता. खाशादक (शमखात केट । स्नाकटकरे अर्थक म्याशादक अधिक अपवाधी (वाध करत প্রহারণি করে, ভদ্র প্রজার সহিত এবং ব্যবহার করিতে সাধ্সী হব না) উপানং গ্রহার করা গমস্তাদিগের সহক (এবন অনেক কমিয়াছে বটে তথাপি অনোর পর্বত) কথা ৷ এজারা কাহাদিগতে গম चक्य रमर्थ। छ।इ।किट्नंत्र हारज्त्र गान्न **इ.स.च.त १५०० महात्राष्ट्र २०। २०** छोकाई । सूर्यत्र अविलयन स्था आरम् । सूर्य क्रमनि পৰিত্ৰ যে প্ৰজালিগের সহিত বাৰ্হায় ठेकर्मन कि विरयम्भा कक्किएकरक्त- देर्। कात्म काशामिरजंत वाका आपने कतिरस করে হাত (গমন্তারা একে অশিক্ষিত্র, ভাগতে সভত ইতর লোহেবুর সভিত সং

मर्ज, अक्षम इंश्वता वर्ष भाग्नामा में विवत नग्न) विष्क रहा। माद्राविष्ट्राम् व्यवस्था আবার ইহার বহু গুণে অধিক। এক এক मीटहात्वत व्यक्षीरमधा १ कम नमका बादक। **मिर्ट ६ ६० कम अवस्तात कारकारकत्र वर** ক্ষড়া, ভাষা একতা করিয়া বভ চয়, এক মায়েৰ ভঙ্ক ক্ষমতা ধারণ করেন

शमखा ७ नादध्वनिरभन्न वाविक आह **২ত, অধিদিতবৃদ্ধান্ত পাঠবগণ বোধ** হয়, এখনও শাকী কলিয়া টুকিতে পাল্লেন नारे। धमछोता नहताहत बार्षिक २१७ भक जबर बारगटवत्र' २ । ७ शकात केक: উপাৰ্জন কয়েন। ইছা স্থান কৃষ্ণ উপ।

কোন কোন গমস্যা ও নায়েবের हेश प्रशिष्ण **प**रिक हत्। समीमानुनि रभव नाइय नारमध्यद्रां अक्षानिरभव निक **৮ নজর** পান, এবং পুরুফির **অন্ন**প্রাশ नामित्र काटल होमा कदिया बाटकर ।

प्रामह अमिष्य का से क्टम वाटक का भिष्टिक चन्त्रं भारिकभटनत्र ज्ञानत्रकम कति ए। निवात विज्ञिष्ठ शमका **७ मारम्बन्सि**श्ह ব্রান্ত এত বিভারিত শরিণা দিখিলাম। ज्ञाकरण व्य व्य वादव कामीमान्निकरणन बादक द्वार्था साहित्याः ।

- ১। थळात्र अभू प्र विवास कद्विश कुनीमादित निकृष्टे छे । इन रहेटल अनी निर्म, छाहात व्यथं मन्द (समीमादब्रब निर्देष अर्द्रामि मर्का चरभक्ता चर्च भरकारी প্রাধ'ন্য) করিয়া থাতেক। । এঁ।কাদিপের লোভ রিপুটা কিঞ্জিং প্রবল, ভার্র। উত্ত लांब निकड़े इंट्रेडिंट किथिन कियान ग्रहन कर्त्र ।
 - २। উৎনব, পিতৃ মতু ক্লুডা অথবা चुक्रामित्र अञ्चर्थामनामित् छेशमक क्रिया होंगा
 - 🧿 🕩 পঞ্চিত ভূমির যানের জ্যা।

 - ৫ ৷ কোন কোন ঝলীয়ার, লোফ

क्षेत्रकारिक नाम क्षेत्रक मिली

चामता त्मिंद्राज शहराहीं, मीनिक्यें-बिश्तिक मार्ग अवैश्वाकृष्टिशंक क्रियाक करम लारका मुर्कि मिना वर्ष क्रेटक्ट । बाठ धर की शामितित बिट अ गाँवमान संवसार के हिन्द्र के बाबर के बाद के अपने के बाद की देश दिवरभेद रेव केंब्स्ट्रिक देखा है वर्गन के क्रमा य. क्यीमारवदा अक्वाई किंग के भन्ने किं पूना विद्रके विद्रविद्या स्विति देव देव देव क्रम नक पंछ प्यानिक परिकृति कि मा । या माता जानमा निरंगत नहीरतत मानिक सक করিয়া যে অবী উপান্ধান করিখেছে: আ रता कारात महत्ति एक स सामा क जिल्हा की विक्रीमाद्युत के के कि ना क-रात्र मात्र केंबला के बार व्यक्तितर के हो-निरभव बर्दी छ। डिटा कि सी छ। होनि (शत त्य **(देवक केंबेक्ट्र व्हेट्टिए अर्ब**ल नव अभक्त मार्वा के माहेक विरुद्ध हुन-वश्रत पर्यान ७ पूर्विका स्थवन होता छ।वा मिटशत हतिकाश पूचिक क्षेत्रा याक्टला । धकामिरातं अभि है किहें स्न त्य अभि है कात । त्यांने कि अभी मार्ट्यंत अधिक नय । थाधारे जमे निर्देशिएनो गर्बत । यार आनि या छनिया भागनी बिह्म अनिधे आशना शो अविराज्यक्षेत्र होत्राक्षिके निर्वाहरणा

等。中华美国中国中央第二个 **海南海南部 海河 (京湖)** SERVER SE CHARLES ESCH AS SIZE নভাগ কলে অনুষ্ঠার ডে বিয়া তেই জেটা अंक्षेत्रकारा प्रेट कर प्रत्यक त्याप्तिहरू হতে বেপ্টার সমর্পণ করিয়াছেনঃ প্রায় यवार्वकाण काविणातिक स्वेटन धवर पाण काम मर्या अकामिगरक स्मोनःश्रामानी रण विरोध के विराध । व्यक्षा विराध है जो छ। वह भागनिक्षा कि एसमाजित्से स्वरूप होते पहास्त्र । यो प्राप्त व्यक्ति । व्यक्ति । দ্ধান ৰ্জাক বাবিতে ক্ষরীল গোলিক ক্ষ **एके**ट्रेट्ट्रिक मार्च रकाशाह भारतीय रहा सार्व अर्थेक्टरम् जरम्ब महुन्छ च्रिट् स्वक्राध्यके त्यरे केन एत्र क्या केता व स्वाध्याया विकास অভিতেত মান ভামরাক্তি বিভাল বুলি দ্বিত অনুষ্ঠার পরিভাগ করিয়া মার্যালয় विसं क्रिकेन्द्रीय केन्द्रावयाम क्रम, वंटकार अट्याक्षम क्रेट्स का. बंदसम्बद्ध वात्र ऋतिहा; স্থানে অনেক অৰ্থ-উত্তা ক্টতে পাছিলে, amigra mang mangga meta kan क्षिण भाग प्रतास करें सामा कारीहरू काकिसार न्यू किन्तु । हा हा राज्य

ः (शिक्षा निक्रप्रेय महीवर्षः) ३ -

च्या वित्र । त्यशंत्र मानः धनवास व्यक्तः व्यक्ति । व्यक

THE CHIEF PHEN TO अक्षांका निकाधिक श्रीकारिक नमान परिश्वास दिपक्रियर् स भाषतिक प्रकार परे दिस्त ACES FRANCISCO FOR (सारायां ने श्रामीकेट **वेंत** सारि शामा र वाक्ष नवकार अवस्था THE STREET PROPERTY PORT OF MES CONTRACTOR OF THE PROPERTY OF THE REPORT OF THE PARTY OF THE ा पर्यक्त का कार्यक का सामग्रा, ज्या है। व ताम प्राथमिक स्थापिक स्थाप Mind which the transfer of the contract of the कार्किकियानिक काटक । वेक्ट्रांशर (क

and a sile of water or seem feature with the BETCE VEITE THE meet da state 42 1961 नाम के जान चलानावी करेश की गर्गामक करते । के अंदेश के मु

नर के सामीय के न PRESENT AND CE TOP PROPERTY OF THE PROPERTY IN नेनात कानावहरित्र निवटने महिल्ल 13 रीप चंदर, 16.2 FIN WITE

PRESE की बहेडी अधिरिक्ट केशिकिएन ANTHONY OF THE PROPERTY OF THE के भी प्रतिष्ठ भाषामधी स्वतिष्ठ

के बोर्क का मारे र देश का ten bien affend annen fine ti min न । मना ু বিশ্বক্তি বাবি ক্লিপ্ৰায় সভা কৰিবায় देव वाषाः य कविर्देश देशे। किन्न कान्त्रेश वरशः ेत वितक केंद्राज कालको क्रिकेटस्स ोकार्थ छो। ৈ উ.ডাড় সৰিত্ৰাল জনাংসাল বিষয় ১ ह रहेगा अधियो हेस्टम **काविनासक्ष** प्रिय दक्षा । विटर्भभ कड़िएक समाख्यातिक। ही होड केल्ड हैं १ क्षेत्र, अक्काटल कांक्जियांत्रेश, कहा ्र पन् ইবে এরূপ এত্যাশা করা বার বা, বিক্ রাজা বরাংর অসীম খানস্কান্তালন করি আদিতেছিলেন তিনি বে বেক্সপূৰ্বক ^{র)} রেজিপ্লার হন্তার্কিত সভার হন্তে সেই **খ্**সী वर्ग मुक्किकश **वर्ग**ण कतितलम देश कि मामीमा A PRINTER TO का कड़िक, जारमान्त्र िटिशास्त्री गोत्र विशेष ं टॉकांत्र क्रमणः शक कर्मा विकास शास्त्रिका करत्व, वह बाबा

^{तित (}क्लोरमन **चम्दिनक विश्वनित** महावडा बक

चेत्रक इक्ष्यकी विकास । इस

-12" B K .

व्यक्तिकार्यक्षा व्यक्ति स्थान क्षित्र मानव डानानी अवस्थित स्त्री विकिश्वेषार्व चार्टेश चामुनारहः प्राप्त क्षेत्री विक्रीत कविद्या विक्रा, वाश्विक "क क्रिक्टा , टार्जु के जो है , बाह अवाम अस्त्रम, श्रीविद्यार्थं सं भाग्नवशृत्र क्षेत्राच का विन Miles Bit ?

, ্ প্রেট আছিন 1

💯 - স্থানরা শুনিয়া আজাদিক -ছইলান পর চারলয় ি,থিনিয়ান পোঞ্চ আক্রিয়ের প্রা**ক্তি দুর্ঘিণাত করিয়াছেন** । ক্ষমক্রারি এই ক্রান্ত্রায়ক বিব্র ছইল ভিনি খোল मक विकास का का का वा त्रिक विश्वविक्रिक्टिकार्श क्यांकी पर्णम क्रिडा

ু সাধায়ণে ও সংবাদপত্ত चरेत्रत कर्यका क्रिकिरशद कतिशा अश्विद्याद्या है। नाज क्रेटक्ट्स मा । ंधीय नियमिक करण स्त्रम, मार्थावरवर्ष शार्थ वय इंदेरके तरमङ् मी পাৰ্ক বিষ্ণা কৰিছাৰ পোতৰ ক্ষিত্ৰী निविष्य सामानिकारक स्वयंक्यम अमान रेट्ड प्रेरिय मा. किंकिश महिकाय । ^{40]} शिष केंद्रांत्र य পারে সাধিকু ১ ্ইবে। একটি ∫ **क्रिक केशांक किंदू करिएक बाजा**ै रेका स्टेप्पट्ट । (शाके माक्तिप्तत्र, क्रिस्टल विद्याम ल्याक अर्थक आहि-ভা কি তেখুটি গোর্মমার্টরগণ, चानी (लाकनिर्देशक गणा) क्लाकेक्सन दिवतात दकर्षे का बाह्य

त्याक विदेशक हरू है। प्राप्तक रकता क्या वनि गई उत्तरक our market of the sales of the बाज केंगरम्भ केंग्निय्युर ज़िल्ला ज़ूर महारोते देशरामा केन्न निर्देश महान्या क्रिक्ट क्रिक्ट भन्न की, क्रिक्ट तिक जे भटन मूर्यंत व्यक्ति च्याना स्थान स्थानस्थान अध्यानिक लाज मधानमा 🐣 हो। अहर किसिर अर्थ > **डे**्ड चटर পে-উমাউ, ফরিয়া ঋদি দেখিয়া করিছে প'রিবেন t

電視での の対策 देश्मर क्ये श्रीव উপন্তিৰেশ প্ৰভাৱি महर्मी स्टिन्ह का का काया विक

應消却

THE PERSON

प्रकीति लाकाना विषय एक ने क्षा करें। कार्यि है मूला जह मरका वासंस्था कारगं है जेन्द्रं म एउतारण कार्य ज **अ बद्धानिये अ**ल्डिंग गरित्न शह क्षि वर्रेसार्छ। वेदाई विश्वीक कार्य अनु किंड एंडप्रांटक विके किलाटंड प्रणानिक ভয়ন্তর আডি বৈর ও বিজেহ ব্যাপীর ार्क इडेटक्टड[ा] भौगेन कर्फ। गत कर्का (ख त्महर्य निक्वे किलोर खत्र मन्न क[्]त मिरन व इरके শাসন ভার সমর্পণ ক'রতে বাগিত হই রা তেন। উদিখিত বিষয় সকলের ভারতবর্ষে कि कि कार्रक ? भीतन कीत कार्रात कर श्रुक हे **कि का की वें लिक एम**ए मेर की बीग প্রধান পর পাইয়া থাকেন ১ কাহার স্বায়া এটেইশের ব্রাক্তম্ব আমায়াও ভাষার ব্যব হইয়া থাকে ৷ অপব্যশ্ন ঘইলৈ তামজ্ঞ প্ৰ ভিৰম্ভ ও নিৰ্ভেণ করা কাহার ক্ষমতা / ! बहे जकम अस्त्रित धक याज छेखत बाह्य : **१वर्ष श**िलाञ्च**त्रकत्**वी प्रविधात स्थान वाहै। भागाविष्यंत्र व्याप्तं चाहेन, ताज्ञक छ वा सभी कि 'बर्किट कान कमका बादे। "का ' समा प्रकल विद्यान शहर बवका है स्लाजी वर्षे अकृत्य जातिकि यानका भका करें। म श्वर्गत्मतिक दशकत के दिएक भारतम यादक, किन्दु ये काहा ध्वायकल मखाद काया । या । ध्वाल प्रदान कि अहा कर्र । यावर দৰ্শন করিয়াছেন, ভাঁচরা ভাঁহাদিগবে । এলেশে স্বার্থন শাসন প্রণালী প্রতিতি काकीत्र क्रकिमि गडा बना मूर्त थे कुक े हैं, हत् हत्य क्रमर्गक करतक वालिएक গৰাৰ্থ ব্যবস্থা প্ৰাণয়নী সভা বলিভেও সঞ চিত হ্ম ৷

कामा क्रिक्टिक्, देश्लरखन्न मात्र अरमान । क्रानिएक ता अलारक एवं एवं व्यक्ति विदेश শ্বাধীন দাসন প্রণালী প্রবর্ত্তিত করিবার 🖰 চেঠা পাওরা উচিত কি মা । সাধারণ ×अ चान्न करो दिस्य कि वा - पाइक কি চিত্তকাল দেখিৰ আনাদিগের দেশেন भारेत, कृष्ट्रभागन अपूर्णि एक्टव काया ज बाग इट व्रक्षक्य शवर्गस्य कर्माठ वित्र बाता निव्यक्तिक हरेटद ? कहा किन व्यापना ... **त्यात्र भीतम ७ पूक् म**हत्त्वास कार्या हरेटक । विविद्ध ब्राक्ति > आवता अटनक वात अध्यक्ष क्षितिहै, विश्व व्यवन भगा ब्राप्त

भटकेनीदेवता कांकात के छता मार्टन द्वीताव मंबी संदेशा चाटकता शहे मर्केस विषद्य रहेकी क तेत्री झुककारा इटेबात कि नर्बत इतं भारे । थामता दलिएछहि, इरेगाए । ভবে আর বিনয় কেন >

े द्वाव इत्र, अक्टलई काटनन आर्माकि भारत प्रतिक वावका ७ मानन चित्रक स्थान তর विषय मकल्वंत्र मधाधान हेश्लाट हहेगा बीटका देश्लेखींग शवर्गस्मत्मेत आखात উপর আমাদিগের আর অপৌল নাই। मठा बढें छेन्द्र शवर्गाम शक्त शक्त मालगृत्य. काँइ'इ' खरमच कांत्रकदर्शियमिशस्क समूची क ब्रेंट हार्टन ना, कि छ छ। हाता नर्द्रश সকল বিষয়ের স্বরণ জানিতে পারেন না। ভাষার উপর থাবার আমাদিদার विद्रक्षिकाती य'लवशन चार्ट्स । कॅ.हाता " छ'उडवी पिटिन्त सथल ७ इंखेट

मुलधन विनिद्रारिश्व ? नारम यावछी ! विव स किस वर्ष विश्व व विवा अमर्थन करत न । छात्रध्यभित्रं भारतासकी माहनी इतेन। जामत्त्र अविभिन्न सक्त्र हेश्माल निहा ফিড ক্রিয়া রাখ, উন্তি। আপাততঃ ইং धाकारन व्यामहा चरणनीएनिएटक कि क्रिक्षीत सदगरमाने प्राप्त द्वापन कृतान র সভাবনা আছে, প্রতিনি,ধ্রাণ ইংলাণ্ডে श्रावकात कंद्राल करून व्य छित्रिवाद्रश्र म मन हरेदान कक्ष नय, कीहादा कृत्य छ। व्रह्मार्थ याधीन भागन आगली श्रद्धिक क किया कार्या कार्रिश क्षर्यकारा स इहेरल ाविद्यम् ।

> क्षिविधि व्हिन्द्र हा द्यानीहरू काया विकास कतिए स्ट्रेंच, लाहा । जान রা কহিছ। দিতেটি । ভারতবর্ণীয় 🖘 धवर वर्षाक्षा (वाप हे ७ मह्मारका राज

हेना, कानी, बांगांडा मार्ट्स, नेम नक वाना क निषदे कर षां भाग कर्ता, एकेक 🚉 मान करणा किन नेक्स कर्ल मूल शामत निर्देश क निक था, रहाइ है, क षाशक्षा दिम अस संक्रिती रुकेर । जीवकवरी वे नेपा खात्र व्यवस्य क वात्रा कावा काव र्यक्रम । अरम्दर्भन्न सङ्ख्या भाष्ट्र कतारे व्यक्तिविष्णा वा श्रदेष । गुब्दान्य हासी मर**ार इयर प्रे**टिय मा । **प्रायम**ी **७**निटक **भारे (कामार्टर्डा) वेश्वनी** नीत्रा क्यान क्यान शक है।का स्ट्रि क्टन्य। वर्णायम क अञिक चार्ट्स । अविनदेश रेगाँदा कार्य स्टेट्रन ?

ইকপড়ার জীযুক্ত বাবু বোণীয়ে देशंत क्रमा सर्वेत्राट्य । क्राइत् नारमहे हेहांत्र नाम स्थलका इहेतारह। कांत्र विकाशत्वत्र भावत्व लिखिका " देश्मधीप्र कायात्र मदम मारम महना वानिक डेशाबाब अब नकन त्व वनामीए भवनिक प्रेमा चाटक मिरे क्यांनी कर्न त अरे शुक्क अंति अहिए हटेवार কিন্তু আমার এই উদাম সম্পূরিণে সং হইবার কোল সম্ভাবনা বোধ হইচে मा । त्यदर्कु इंखेदबाशीय लाक्ता कार्या नकल एकश करू छ छ इय क्रमक, कारकवर्ष हिस्साव भिरशंत्र हा ৰুপ দেখিতে পাওয়া বায়ুনা। সু शकरक्षीय जात्का कार्या का यति । नामाना छावास हेल्हाति च

त वार्यक बहुता दुवा बुक्दिन । ? अर विकास के ब्रेग्नाट्डन, दिख व्यामता ব্লি আছ্যোপাৰ অভিনিৰেশপূৰ্বক क्या देशीयलाम, छाहात आमाधिक में नाज स्रेतार्छ। फे.रात करना ক্রিক শক্তিরই পরিচয় দেও : ্রি খ্রিরা খনেক খলে তাঁহার র ক্রিয় উৎকর্ঘ দেখিয়া পরিভোগ টিলামা ক্রেক ভাবে ভাষার বর্ণনা প্রমা ও উৎপ্রেকালয়ারের মৃতন্তু |ক্রিয়া **অধিকতর আহ্বা**দিত হই , क्रिनि निष्य ब्रह्मसंदर, जमा जना ছারাও অলম্ভ করিয়াছেন। খিলের হেশের অচার ব্যবহার ও क्ति अनुगाप्ती हरे ना यक मूत देनन भुद्ध चडेलाच कष्णना कहा गाहेरठ अध्यक्षकाङ्ग चाङ्गात काणि क्टबन नारे। निमद्रेष विकादकारकत थान नकते লা বুত হ্ইয়াছে, নৈসনিক উপায় বারাই ৰ্মি সে সকল ছইতে উদ্ধান ছইয়াছে । বাষাদিরের নব্য গ্রন্থকার এদেশের शहीत अध्कातिपक्षत्र गात्र निक अद्युत्री ায়ককে আত্মরকার্য অসৌকিক উপা इत जातार करन कहान नारे 1

क्रम्भकलका अरख्त मानिका। एव कात्र ও যেন্ডেপ বিভাগবার ডেব্ল প্রতি ভাঁছার সঞ্জ হয় এবং প্রস্থার যে ं 🖟 के সাৰধান হৰণা ভাষার অনুরাগ বর্ণন **ট্রিয়াছেন, ডালডে ডালার ভুয়সী প্রদাং** ब्रिटक हर। किनि धरमनी । काषित्रम विष्काद्रिमित बाह्य निक ध्यान । तका (मार्य मूर्विष्ठ करत्रन गाई। हम्लाक य, प क्येंग विकायहर ७३ - १६१ कल मर्जन कहिन्नाई विस्माहित हरे १५००, ্রীলা **আনরা এছ কর্ডঃর** স**হাদ**গভার थानःता क्षिए छैश्तुक इहेच म त्र काग्रदन छमाखनुश्लीय श्रीकार्क रङ्ग क्षिकि क्षेत्रा मु**ङ्ग्य**त ब्रह्ममून ह*ू*,

MA SULLABOR FORMAL

অস্কার ভাষার সূটা প্রধান কারণ ঘটাই .भ दृबन्दे कात्र कुचार्तका कास्त विवेदत प्याचा | ता विज्ञादका । विज्ञादका भीगा अकाम क्रिया सुक्रीस बाह्या वन व्हेप्ट वन्नक श्रष्टाटक त्रका करतन धरे धक कार्या बाजाने हम्मोक्नकाब क्षान् अधारतत इति कात्र ণ উপস্থিত হয় । এক, বিজয়বল্পতের (भीगा : विधीग, व्यान तका चात्रा सरस्वत উপঞ্চার সম্বন্ধ। মহাবংশ প্রস্তুত রমণীগণ बीत श्रुत्सरवरे व्यक्तिकत व्यनुत्रक रहेना षाट्कन ।

वारब्द উপসংश्वती अस्तान्त्र वहे বাছে। কথেকটা স্থানে কেবল কিছু কিছু भूतक कि स्रोव मृखे केन। य य स्टल পুর হৃত্ত স্ত বর্ণন কর৷ হই গাছে তাহা তত िखातिक वित्रिश मा बिला मश्यम्प विवास ममस्विक क्षत्रकाती हरेल मान्यक नाहे। विकास आए७ स्र दिमा कृषि देवप ५ সোমদন্তের অসাধ্তাই বিজয়বজভের যাব বর্ণন করিয়া নিজ গ্রন্থকে যেনম অধিকত তীয় ছুৰ্গডিৱ কারণ বলিয়: বৃণিত হইযা (इ) अहे क्षत्रक अख्क'त वह विदाह्यक **रह जनए** द यूज रिलेश क्षरिभन्न करिया ह्म। नियंत छणी यात्रा (वाध इशेरक्टर, ইহার দোষ কীওঁন করিয়া এভবিষয়ে লো কের বিধেব ক্ষমাইয়া দেওয়া প্রভাবিত কথার একটা এখান উদ্বেশ্য।

এই এছের আলোপান্ত পাঠ করিয়া आञ्चापिरशत धरे तरकांत्र कथिल, विकरव ল্লতে কিল্ডিডের নিম্লোজ নামক নৰলে व अत्यक अनुक्रम आहि। फेल्स नाम्रत्क রুই জন্ম রুক্তান্ত প্রথম অধিদিত ছিল; **উ**ज्यु नात्रदेश अभःयांना केन्।यां अ मान् जानि खन जन्मच बलिया वर्नि १ इट्रेस:रहनः যে কারণে উভয় নাথিকার উভয় নাথকের প্রতি এবর সঞ্চার হয়, ভালত গৌসাদুখা ্ৰাছে যে কারণে উভয় মায়িকার পিতা डेलव नाम्माक कम्मानादम जगन्य হন, ভাহারও এক ৰূপত, আছে ; এছের উপসংহার ও গাও এক **বংগ করা হিই**রা

किश्वर जात स्थान स्थान महन (माह्य स्ट्रेल्स्स । हेम कारणा इहि व त्यान किल ; विकायनक जिल्हा स्किव दशिया वर्निक स्टेशाटक्त । अति " क्यांत । कर्ति अधान व्यार्थनीय स्थ। कथा मार्ट लार्केड यन रामन साहित ए निहन्दे स इंखि नकन छे ग्रानिक स्रेश छेटी, अवन षात चरा किहूटा इत्रहाः, क्वांशाहेक দিলের মধ্যে ছর্বলচিত্ত লোকই অধিক দুফ হয়; এৰপ স্থলে ৰাহাতে নায়ক ও নারিকার চরিত্র গছ ছোধ বর্গিত ঘর্লার ক রিয়া পঠেকগণের নিষ্কৃষ্ট প্রবৃত্তিসকল नमुक्टि रहेगा छन्तुकान शहिष ना करवा, অত্কারের এরপ চেতা পাওরা অভিনর উচিত। বিজ্ঞান্ত্রভূমধ্যে এ কুন্টা ৰাছকু। ৰূপে লক্ষিত হইন।

কিলডিড নারিকার পলায়নানি হুডাছ त बत्नारात्री कतिशाहरून, विकश्यक्षकात्र **लब्ल श**ारतम बाहै। सामाचिकात करणह জীলোকেরা পিঞ্চরবৃদ্ধ পদীর ম্যায় স্থান मरभारे क्रफ धारकन, छोड़ानिराद्ध धायाना पि वर्निक स्टेटल भाटक व्यवसाधिक इत **अस्कार लाय रहा, अर्थ भन्ना कतियारहरा।** কিছ আমরা একণ শহরে কোম কারণ मिरिए के ना । धनाकत्र मृश्कृष महाकृषि মালতীমাধবকার ভবভৃতি মালতীয় এখান ब्रुप्टान्ड वर्गन कहिए। घटेनगर्निक वर्गनाकारी द निज्ञा छै: श्रीक्ष इन बारे।

चन्दिक चनुकानकात्री जाचितिरशत शका जगर्मन !

्या स्टब्स्सार्वेस है छिप्नान विस्तर गाउँ ক্ষিয়া আমবা অভিশব্ন ক্ষুদ্ধ ও বিশ্বিত হই नाय । विष्यप्त ७ देखारच्या चार्रन करे— क्षय, बोक जन्मनाराष्ट्र स्व स्व का कि अने स्व हिंद का-इतिष्ठ जासुक्षेत्रम क्षेत्रं वर्षे ग्राहकम, मन्त्रामम खीशकिएशय अभ अध्याधन छड़ी लाननाडे क्षा ह्या छ । हो को किर बहुत शुक्त अन्तर्थन कहिया । तुर्वे ्ड, कटब (काम स्कान विवदा विकासमाहका । अब कामाविद्राम् समग्र विवास विवास

দেন ইয়াতে জীয়ার কটনা কর্মো অনাণা-हतन कह क्षेप्राटम् । विजीव, अ गर्वक मान-প্রকালে রাজধর্ম সংক্রোন্ত বে বে বিষয় লি-ৰিত হটবাছে, ভাল ভিনি কৰোচিত অভি-नियम महकारत शांज करतम मारे। खारा हरे ता कि न कर्चम अवाश निश्चितका या काम-श (अशुक्रिक खधना क भगात विषय विभिन्ने: উল্লেখ করিবা ভাষাতে লোকের বিবেব কথা-हेश्य (६६) शहिएकि। क्यांभ्य मन्त्रीएकर्क कामरवाच कडिटाडिंड, (मानश्रकारणंड व्य व्य श्राम शार्थमा परिष धाराच निधि उ प्रेयातम. ভাছা উদ্ঘটন করিয়া দেখিনেন, দেখিতে शांडित्वम व्यामद्री व्याहीक्टत्वे निविदांहि ्रश्रदाहतुद्व छिलानमः स्म सहसालधारी, आर्थमः रम महाराजधारी बाह जिलामन। बिडा करेता कर्म. ना कति स अज्ञाबाय करता. आर्थना अवना कहता महर छात क्रिक्स थाल मध्यमी, किन्न चेश्राहर का की है करा का का मधायन। महि, बन्नि .क.इ. छेरम्: **७ काज्यका का**टडब निविष्ठ করনে ভাগতে धार्यमा कविएक हाएइन. चावातिरशत जालंबि गारे ।

ভতীৰ সম্পাদক ভান্সদিনের প্রতি আ शामिरवात्र बच्छवः स्वार्थ स्वर्थ दम मार्थे । ता-ৰোৱা সমাজে ৰসিয়া বিক্তন্ত প্ৰণালীতে শবি भीरबंद केलानमा करूब जबर ग्रंट विश्वा विश्व ধৰ্মের নিমিট ব্রীভিক্তমে মাবভীয় ক্রিয়াকলা (भन्न च प्रकेशन ककन, अज्ञल केलातम स्म अहा কোন ক্রমেট আবাদিনের অভিপ্রেড নংই: खारा, प्राचेत्रा आक्रिक्ति शतुम (सार्^{क्}म **अधिकार्यन्यरमा विश्व आंग्र**सम्बद्ध छाहारयम् প্রতিষানী নৰি ৷ আনারিবের এতাকমাত্র र छन्य डारभन्न विश्वत वृक्तिन अञ्चनन कदिया हरह स रावित्व गर्यक नरकः व सप्टे व्यक्तिकेदप्रस व्यासाधना व्यस्तन । उत्यक्तिकार मिळा हान मर्नान हे प्याचा प्रिट्शक प्राप्त पा प्राप्त : का बनेबारम् । कामबा स्विच्छ गाईर उहि. क्षीशाह्य क्षिम क्षिम विवाद विवाद विकास क्षीत ब्याम ब्याम विवर्ध दिख्य वृद्धित राष्ट्रगद्वर्ग क्रिटिक्टक्स ! "माम्बद्धी ज्ञाहरत रक्षाव गांबूत া পৰ আওখন বিষয়ী দুৱাৰ তথ্য এইণ

पुत्र मंजित्ल, स्रोडकर्फ कंडरफ

क्रिक मेर्नावृत्ति क्राला व्हेटक

अधिम विशेष एकि कि व मः बाह समाहि। मा क्टिड्ट > हेश विषक्ष वृक्तित अप्रवाकि তি ইইলে খনা খনা স'তিতৈত এ ব্যবহার पुढे इउँ७ मतलह बाहे। हे ब्राष्ट्र, व्यक्तीन, क. রাশী ও বুসল্যান প্রভৃতি কি আওকর্ম ছ-बिया थारकम > कही (बरमापिड कर्ष प शुद्ध **আঁজে আ**তেটিং কুগাং ৮ এই আতি **আছে**। वास्मता अ कर्पाली त्यम कहेटल अहन कविद्या ছেন, কিছ অভয়ান গালে বেলোক্ত অভগ্ৰান खान के बेग्ने युन्तित अञ्चलक कवि**याद्यन** (१) একণে আমাদিনের জিল্ঞান্য এই, বাঁছারা विश्वक याद्धिः व्यष्ट्रमयन कहिता अधि धर्म প্রারে উলাজ ছইয়াছেন, ভাঁছাদিশে **डॉशक्टिश**त •०**६ाल प्र**कृति दक्य र कारशहर कि १८६५ मां युक्ति । यति धार्यमही खादशब्द इन 'छाडा इहेर्स चाम्र्यंत्र मा अविद्यासन (कन ? য়নি ভিতাহের আশ্রম গ্রাম্প কবিলা থাকেন. ক্ষাভকর্মাদি পবিভাগে করুন। আমরা ত্প-शैक्टर दिलापिशाक कविरुक्ति, अवरण कार्या ক্রিলে তাঁহার। কাহারও প্রতি ও ভক্তির ভাজন হুইতে পাবিবেদ না। যাঁহাদিগের বেদে বিশ্বাস আড়ে তাঁহারা বেলোদিত অন্ত-क्षेत्रमा (प्रचित्वरे छोहाप्रिशस्य (बायपिशस्य) माश्वक का न निविद्यन, ज्यान व हामिरशद द्वरण विश्वान अधि, बीक्षता निखक व छन्द बन्नादी प्रदेश अहे अहे दिवल प्रश्लेष চইতে শেই অনিভীয়ের উপাদনা কর্ত্তর विनिधा निका विविधाहरून छोडाहा छाडानि গতে অপ্রচিত অন্তর্ভানকারী ও কণ্ট বলিয়া काळ हा इहिट्स । ७ इडिय अपने सेम होते लाएकता घरन करद्रा, ऐ अंग भक्षे द्रका कदि ्यम किन्न हेंद। कथन गर्धाविक वय -ध कथाहे ७ व्यार्क् " या का कि मकरमात्र भ-साव्यम क्रिए । या दन काकावर भरनाव्यम कविराक पादिन सा । व ष्यप्रशानरात्री आकारितात्र एपि अवाश

অনুষ্ঠানবারী আক্ষণিগের দ্বী একাপ সংকার কমিয়া থাকে যে প্রথমে কোন ছ্ল-তন সম্প্রদায় প্রস্তিন কবিতে ছউলে নাগারী লোক্ষে মনের গতি বিধেচনা ধরিয়া কিঞ্ছি

वाटकता करि कर् भ अतिका 'द्यारमध् -श्राम হইয়া ভণ্ডিভাবেখনক সং আরাধনা করেন, তাংকি ইয়র্ছা कारी पाछेडान पश्च विद्याला উপাসনা ঘায়া 🏖 উটা Winni with a City हिटल विद्वन्ता करिया अस्ति उगामना विश्वि के मर्के लेखें उद्येष कत्रिया मिर्ड अवर्ष स्टेटव मा । **प्रश्नितिह** म अवक नाहें। जन्नेश्वरी जिल्हा । करियोंकः जिल् **पतिनाम प्राप्तन हेरेक्ट केटी**श्री উপদৰ্শেষ হাটি ষ্ট্ৰয়াট্টেডিট ত্তকার প্রথমে ক্লিয়া প্রতিশি था उ करबेन, जिन्हीश जुड़े हैं। हिटनन, किएनोप्तर्वति विकास तारक जार्था के व्यक्तिक विकास वर्षात वर्ष अध्ये किया है और कि । व हा जाना दाना उपने दिना है। डाएकि। अहे क्षित्रोहित्सम रव ४ र्यक्तिक दिहेंदेशेई बच्चा वाद्यका ,ब्रिट्नेब्र केट गर्म इटम निर्देश कार्र 🖔 क्रिके वर्षे व्याध्यम् मन्यात भूतक है विष्युष्टित बहैस्ट सूर्यमा 🐟 🐲 প্ৰবৰ্ষিত হিছেপ্ৰাই কি এটোট

^(:) প্রিকরণ ভবংশব ও পশুপঞ্জিতে হ'ই।ই অনুষ্ঠান আক্রিয়া দেখিত পাইনেন।

.डेंब^र कार्यक्री# नरर १ डोरक्का क कि क्षांब व्यक्तिक क्षियां से विवरश्र वर-हो क्रिएकदानुब को ? ज्योग्यादवन मुक्कि वर्षे रक्षेत्र है इस्तान यात्र श्रुव कवित्ररिक् **विश्वकृतियान सहिता छैरनव**ा सहिताह বুটুগাহিলা, ভালাই, ভিনি কেব আখীৰ ^(अवस्थि) जुरारम्। च धारमामरणाजन मि 👊 🛊 प्रानामित्र वनि सेन्द्रा घरेत्रा , কাৰের অজৈক স্নাত্র আছে, ভাহাদি ক্ষিত্র ক ক্ষিত্রের মা'কেন ? ভতুপনকে কুৰ্ব্, ক্লিক্টেড আয়াগৰা করিতেই বা विश्वकृष्टिक विश्वकृष कड़ियादिन १ फेंग्संबर्ध ক্রিক্টি একটা আডবর করিয়া লো क्षेत्रक कृत्याथणटक केनदब्र आवाधना क्षेत्रं विक्रमा परित्र मानकी पूर्व इक्स्यूचा अक्षेत्र कार्यस्त्र किशास जङ् কৈ ক্ষিত্ৰ সুক্তিয় অনুনোধিত বলিয়া के विकास अविद्यारितन ताथा इत्यान किंदुके शामिक्षा सेयरतम जानाचना क नेवाहिक कि इस्ति केन्द्र चरनरे पूना Marie Contract Contract Con (un क्यामनाह भार हैश वृतियात ं मिक्रोर्व आक्रे करनेत्र जन्नेन करा रहे क्षिक्ष आधार्यक्षेत्र वृद्धि क्रिष्ट् सह नेपदान ध्यादे नाव और विद्वास्त कविशा क्यांक _{,हि "६} ब्राचिक पूर्कि नव्यूटर्व ब्राविहा केव-हे हुन्नामा कहाएकई स्थाप कि १ पीवाजा ্ন । মুৰ্ভিন্ন পুৰা করেন/ভাষারা কি বনে क्षं त्वे जायहा अहे मूर्जिटक मेचरवड

বা পরস্পরা শুনিতে পাই, অনুষ্ঠান
বা পরস্পরা শুনিতে পাই, অনুষ্ঠান
বা আনাদিনের অভিপ্রায় বুনিতে
বিশ্ব আনাদিনের অভিনান ব্রেন। বা ক
বিশ্ব কিন্তি সাধন বিবরে হত্ততেপ
কাষ্যকার সহকারে কার্য করিতে
কে ভাহারিরের উপরে আমাদিনের
বাব আহে। এনই সেই আনাতে
বা বাবন উল্লেখ্যাক প্রতি
ত পাই, অভিনান্তর আমাদিনের
বাব বাবন উল্লেখ্যাক প্রতি
ত পাই, অভিনান্তর প্রতি

णान जान। मराभाषन (ठडे। गारेषा चालि जानाप्तिद्वात मकल्यिक क्षण करे, दिनि बहैन, यथन बाँगात क्षण (पश्चित, जरक्यांव जानतः) जरमराभाषन (ठडे) कतिन, जानाएक त्यर क्षडे बहैन, ज्यात पूडे इडेन, जानाएक जामापित्यतः (पश्च नारे।

জাইনা জাবোৰ ও বাবোৰভোৱন এই প্রস্তানটি ক্রমে অসমত দীর্ঘ হইরা
উনিন, ইণ্ডিয়ান থিররের অন্য অন্য বাবোর
উন্তর দানে অদ্য আনহা বিরক্ত রহিলাম। স
আনহা ক্রিয়ার আনহাল করিছেই বা
আনহাল করিছাইল ই উলিয়া
নাধারণে লোকের গোচর করিয়। সাধারণকে
আমে পতিত করিয়াছেন, অভ্যান করিয়। সাধারণক
আমার্থিয়াই প্রস্তান করেয়। ক্রিয়াইল ই উলিয়া
আমে পতিত করিয়াছেন, অভ্যান করিয়া সাধারণক
আমার্থিয়াই প্রস্তান করেয়। সাধারণক
আমার্থিয়াই প্রস্তান করিয়া সাধারণের
আমান্তন করিয়া সাধারণার
আমান্তন করিয়া সাধারণের
আমান্তন করিয়া সাধারণার
আমান্তন করিয়া সাধারণের
আমান্তন করিয়া সাধারণের
আমান্তন করিয়া সাধারণের
আমান্তন করিয়া সাধারণার
আমান্তন করিয়া সাধারণার
আমান্তন করিয়া সাধারণার

উপসংহার স্থলে আমরা পুনরায় অনুষ্ঠা-नकांत्री बाष्ट्रियरक दिनत्र वाटका व्यष्ट्रहाथ क-রিভেছি, উত্তারা যে উচ্চ সোপারে আরোহণ করিরাছেন, ভাষা হইতে অধংপতিত না হন 🔻 ভাহার। যে ত্রাক্ষণর্মকে হও ধন্ম করিবার চেষ্টা পাইডেছেন, আষ্ট্রা এমেও ধ্বন ভাঙার প্র-তিবাদী নহি। জামাদিরেয়ে চুচ্তর সংস্থার अहै, विश्वष्ठ टाक्यपर्ध शायर आप्राज्य श्रम्बर्ध না হইবে, তাবং এদেশের সম্যক উদ্ল'ড লাভ প্রত্যাশা নাই। ওঁহারা থে অস্তৃচিত অস্ত্রা-নকে গৃহ মধ্যে প্রবেশিত করিয়া পরিজন গ পের চিভের লমুডা ও নীচতা সম্পাদন চেষ্ট। পাইতেহেন, আষর। ভাষারই কেবল প্রতি-बाबी। कन क्या धरे, नेवंग्रहिछ পতি निव পত্নীর পুরুষভিরের সহিত রহস্য আলাপের न्।। विश्व बाक्यक व्यक्ष्मं न्या निर्देश भारत्रम् मः।

विविध मरवाम ।

হৈ এ যাব সোধবার।
বাজাজের হলওরে সাহেব উত্তভা প্রথামতন বিচারাসারের এক জন জজ হইলাহেন।
- ভাজের উইলির্ম্স ও ভাজের উইলস্ম
গৃতীয় গর্টের লোব প্রেলণন করাতে ভারারা
এক বংসরের জন্য নিজ নিজ কর্ম ফুইডে রুই

ত বইলাচ্চন। ভালাগিলতে ব্যক্ষার ব্যক্ত

निटल श्हेर : छोशाहा क्रिनिटको निज्ञ आहित रहत्र जानीम् कहिरान ।

ক্ষিপরিএট ক্ষিপন বলাতে সাধারণ রাজ্য হট্ডেএক লক টাকা বায় হইয়াছে। বাবে চুঁলে ভাঠার খা।

সক্রতি সর চারল্স ট্রিলিরান ব্যবস্থাপক-সভার সভাবিপকে আছান করিয়া ইনক্ষটা-লের কার্যপ্রেণালীর বিদয় জিজ্ঞাসা করিয়া-হেন। বোধ হয় ইনক্ষটাকেনর অভিয ক্ষাল উপস্থিত।

ष्ठांका श्रीकांन यहनम प्रायाच्या करत्यक्रम ह्या রাসানবাদী জীলোক, পুরুষ ও বালক বা-লিকা আসিয়াছে ৷ বাকিয়ে ভাষায়ু৷ বাঞ্চিক रतत नारमात कारणधन कतियः विज्ञाहिक **कर**त কিন্তু গোপনে ভাষ্টাদ্বিগ্র জীলোক্ষ্য়া স্থান তীর ভগুলেকের যাটাতে বিয়া জীলোক हिटचंद्र महिन्द्र जालां भ कन्द्र । यथन शुक्राव রাবালী না খাকেন, ডখন ভাহারা নানা প্ৰকার তাব ভন্নী প্রকাশ ব বুজে ধারে। এ চ सिटक पूर्वे अक सन-५८देकांत्र करव, क्यांत्र क्रि **८क प्रदेशक कान मिखुक गांक का क्रियो स**्थापि ব্দপহত্ৰণ করিব র চেষ্টা করে। সম্প্রতি ছাকার দারণ। তাহাদিগকে চোর বলিয়া ১৯ বারির। বিজয় টাকার জনখার প্রভৃতি বাহির করি রাছেন। খোরাপানের লোকেরা মন্ত্র। খ্যাক-সানেরাও ভাষাদিগকে ভাষাইও বলিয়া মুনা

উজ পত্রের চইপ্রাথস্থ সংবাদ দাতা পুর্ব ৰাদলার ক্রীড দাসী রাখিবার প্রবাস একটি উদাহরণ গ্রদর্শন কবিয়াছেন। ক্ষতে জানি या नामक अक जरीनादबर अक वीली शनाय-न क्षारक करक जानि होते कानानरक करे ভাবে এক প্রতিজা পর দাখিল করিয়া নালীস করেন বে প্য'রী (দাস)) ভাঁহার र के होसान 82 हैं। मन्म ख भद्रमा सहेवा चौकांत्र करत्, त्म यो बब्बीयम छै। হান্ন বাসতে থাকিবে আরু সে বাহা উপা-ৰ্জন কৰিবে ভাষা ভাষাকে দিবে। বিচার-পতি বাৰু ফানীকৈন্দ্ৰ ৱাৰ এ নানীৰ করাই वृद्धिप्रार्ट्य । यथम वीष्टी द्वाणियोष्ट्र व्यथा गर-बार शहर चांद्रमानिक स्त छ" निविद्यादिगाम अर्जनामनात पढ



त्माक विदेशिक जिल्हा कार्नि स्नित्र वाटका। भवनश्चितिक जिल्हा केटलाँदेवीची वरेटला दक्ष दक्ष कार्निटक जानाविद्यांत्र केन्द्रत चन्द्रत इक्ष दक्ष । बाह्य केन्द्रत जा १ कार्नास्त्राक्ष केन्द्र त्यांनी वर्षेत्रा किन्नता जिल्हाहा जनके जां-दक्षम से करहत १

টাইনুস অব ইঞ্জি। ববেন সর বোপ এটুক বাধহ ও পাকমারী পর্যতে নেনামনের এক আকুর নিযাস ভাগিত করিবার ক্ষার তথার গঘন করিরাহেন। সর ইউনির্দ্ধ বাজকিল্ড রাজপুত্তবার পর্যতের বিধারে ২ অবণ করি তেন্দেন ৮এসকল বিধারে কর্ম ব্যস্ত করা একবে অভিশব্ধ অন্যার।

বিরীনেকেট বলেব এই কেন্দ্রারি কাশী য় রেইলওয়ে টেননে একটি কোজ ও নৃত্য হইবে। গবরি জেনরল তথায় উপস্থিত থাকিবেন।

खेळ गढ आकाषिक स्टेबा ध्यमंत्र कति-बारम्य नरको भवात अविधे माथा दिस्त्र थ दि स्टेर्ग । खंश स्टेर्ग ग्रांशस्त्र कार्केत वानिरकात्र विदेशकारियो स्टेर्ग।

व्यागार्थियं (शदगर्धितं वकं वन मर्याय गणा यदमन देव असी केविल कविरण विवा कविलकाषिते। वैश्वां केविल कविरण विवा यका लाईएकेंट्सन नां वाक्यों करोल कवी व्यागार्थ एक्यारक वाका कार्यगिक्रियन कर्मगितीयों कार्याय योगित बोर्गाक्तियर एम्पिट स्टिस्स (दिनिट के क्यांना महिस्स वर्षे वेस पूत्र कविरोद केटम्प्स वाक्येत विवर्धे गमन करियोटसन।

া শিশুন্তি নাগদে অভিনয় লিলার্চ হইয়া-বিয়াহে। কলোত ডিয়াকার এক একটা নি-না লিভিড ইইয়াছে।

दशके जायामरण्ड क्षथान जम वृजनत गारह-व देश्मक स्ट्रेरण क्षणांगयन कतिया भूनकांत वीष-अर्थ बादन कतियारहन । जानता श्रमिना-व क्षणान मारह्य भूमिरव क्षणांगवन ना कति-भूमवीत अस स्मा वातिश्व स्ट्रेरण्ड्न । भूमवीत अस स्मा वातिश्व स्ट्रेरण्ड्न । भौता नवस्य वातिश्वतिरभत जम क्षाव क्षणांस्व स्वाप्तिरभता गारहव वि जा-भाष सूनवीन साविश्वत स्ट्रेरण्ड्म जारा जा-वता स्थित्व भाषिरस्थ में।

"विवेदिकाम चित्रिविद्यान अश्वाप प्राची करण । व्यक्ति रहा

न मंद्रपंकि खड़का काताभात बहुँ कि हा तुन्नेन करहा मिन्न करहा । किन्न कार हो। हा कार हो। वा कार हो।

हीनदान बहेट्ड गश्वां जानियदि मद्रादे त त्मवाता है डेट्डानीय जाकिमतिरिश्त बाता निक्षित बहेती युक्त विवस्त विशेषन भावन करेट्डम् त्मां शिक्ष बहुतहैन भन्न हाज बहेताहन । होनसनीय शर्वत्य हैत विस्मित्रविषय महिल क्ष्मनः मद्राव वृत्ति स्टेट्डम् । जारिक्टन्य युका जन्म बहेताह ।

निव्यविश्व अश्वांष श्रीन हिन्द्र एनि वृष्टे रहेट श्रीख हहेंग । शवर्षक श्रीकार्य करत्रकृष्टि वालाना जावर्षक श्रीकार्य करत्रकृष्टि वालाना जावर्ष विद्यानव श्राणिख ७ खाँविश्व वक् सन विद्यां हेन्द्र स्वाहित विद्युक्त स्विद्य

বেলিবী আবছুল লভিক বিশ্ববিদ্যা-লয়ের এক অন সভ্য ব্ইভেছেন।

ক্ষিতার অংকারীপ্রবিষ্টার হণ শাসন সাহেব গাও ইর্নান্টার অ্রাচ্রি সংক্রান্ত করেকটি স্থান বিষয় প্রাকৃত্তি ক্রিরাছেন।

মৃত দেবরি রিকেট্স সাহেবের এক-চিত্রি ত প্রতিমৃত্তি ভারতবর্ষার সভায়হে যাখা হইরাছে।

পরিমর্শক ববেন এক ব্যক্তি ওকাশ্রডির পরীকা দিবার জন্য ভবানীপুরে বাসা করিবা ছিলেন। পরীকার দিবস প্রসালান করিছে শিলা তাহাব হঠাৎ মূত্রা ইইরাছে।

२२ अ मजन बाद्ध।

এক বাজি নিশিরা পাঠাইরাছেন ২ঃ
পরগণার অন্তঃপাতি বারুইপুরে সম্রাতি
লাভাগায়ারের ছবিকবিপদাপর ব্যক্তিবিধেন র নাহাব্যার্থ এক মতা হয়। সভা ছবে অনুষ্ঠ কেই উপাহত হিলেন। সমলেই কিছু কিছু দিয়াদেন, বার রাজ গ্রার স্বারতীগুরী ১৯৯ চাতা ভাজর করিয়াছেন। এববিধ বিশ্বর্য় লা নের-কবা ভানিলে ক্ষামানিলের ক্তিনায় জা वाकिर्द तेन क्यांति कर्माणिका व्यक्ति निव कर्माणिका क्यांति रवज्ञार परित्रक प्रदेशी वाक्य वाक्यंतिक वर्ष । वाक्रिक्ट केथन क रच्या व्यक्तिक वर्ष स्थान

देशनियाम प्राप्त हैं देवदारंग देखिनशूह १ ८ जेनिक देवनाम्बद्ध हैं ज विद्यादन ।

আলাধানার বেচ্ছাই নারী নেডলি নাজেনের ইড স্বার্থনাল সিংগ্র বাণাভাষিত হাইবাটেইন

किन जारे बेटेंगे हैं। चित्र रहेशाटह, कंपानी संस्कृति ह सहेटन जनर के गारे, क्यांक नीच बेटेंटन

उस गाव जार्या कापन विमान जानमात्र पारिस्म जानस्थानी ६ वानि वर्षेत्र जनन रागमन्दर्भ साथ प्राचीनी निक रहेग्।

ক্ষিকান্তার পথে বান্ধি হইরাছে। ব প্রেল খাণা ক্ষিত্রকার অপর সরকিউলান্ধ ব্যেক্তি ইতে বেচুলাবাকার ক্ষিত্র ক্ষিত্রক সেইবার হইতে একটি পরি, আর একটা ইতর ক্ষিতে ক্ষিত্রক মের অবেক উপরার প্রায়ার ক বর্নাত ডেবুলি করেন প্রায়ার ক চলিতে সেরাকে করা খানিকা বর্ম ক্ষিয়ার ক্ষাকি সভাবনা। আ মন্ত্রী ক্ষাক্তির নাত ক্ষেত্রক ক্ষাক্তর ক্ষাক্তিয়ার ক্ষাকি সভাবনা। আ মন্ত্রী ক্ষাক্তির নাত ক্ষাক্তর ক্ষাক্তিয়ার ক্ষাক্তির ক্ষাক্তির ক্ষাক্তিয়ার ক্ষাক্তির ক্ষাক্তির

রসংবংশের বর্তবান উর্লি রের সংভাব স্থানত হউডেক্টে কি উর্লিক ১৮টা ক্ষিতিকারের টি প্রতিক কৃষি ক্ষাক্ষিক ক্ষেত্র

নাবল্লি জনস এইছেছু, চীনদেশ पूर्वे जल पूर्णि जानिया अवस्थरनंत्र रा निकीय स्वितात मानन

किं के विशिष्ट शक्त वा विकास र्टिका प्रयोग करिएक निवासिका में नामने परवाठिक जनारमा भू-गरिक्तिन क्याहरण है विनियान व वीनि और नवस स्टब्बिस गमन पढ़ि एर होति। किनिमीक दर्गि श्रीकृतिक, दर्शय एवं क्राट्य मध्य रायामुक्ति वर्षे कर्ण नवन कतिएउ

ুপুন্শোরারের শাসন ভার-का बिरशिष्ट्रयात्र रहति मारहरवत्र विवादव । देशे अधान त्रवाल-हिंद, श्रेत्र-(अंद्र अधीन हरेटन চৰিত্ৰতেছে ইবার পরাতর একটি ाइर्ड़ी पूर्व अन कर हिन्न कि कि पुरु के देवता।

े ना आण मूथवाता।

পুৰালায় সহকারী ক্ষিসনা ডার 🕏 ,बाद्ध्य वभिद्याद्वम । अवः नद्व **एक्स श्रहादर फ़रिक दागम क**

ध्यन गुत्र छ्रिकाम छ्रिविनियान **डेटोरैनाइ डेम्**रनाम स्विट्ड विरश्क पूर्विवाक्षण वाक्षण्य-र कड़ित्र कन्छ ।

শান্তিবার ছৌমহালে ওকালভি ইপতের অধিক পরীকারী ইপ इंदनन पानता छनिता सः विक मेर्फिक्ति कारतरस्य अकस्य छेलाः , वेशंत अन्य कर भरीकार्वित्व ख नेचित्रा लोगेहिया किशाद (5टी शा-কিত্ৰ অপ্ৰ ছাত্ৰেৰা ভাৰা

খুলিকিও ব্যক্তিরও যদি একা विंग विश्वता (वार्थ मुहेन वा, छत्व किति कि करा बहुता है 🥫

च्यात्र पद्मतः मिना श्री बहुत्रा निमः अमि ५६ देखित कार्यका

विशेष्टिक्ट बार्मन ७ गनिए बाँग्रेशियन স্নাইকল গৈল্যদল গভ রাত্রিতে আগরা বাত্রা क इत्राह्म ।

हैरनित्रमान बरमन केन्द्र शन्तिक व्याप्तरम त्र (मध्देन के नवर्त्र अञ्चनहैन मारक्टब्द्र भटन अङ्गेष्ठ, बि, हान्नि १ष्टेन माद्रिव निव्**ष्ट ह**ेरवन ।

বোৰাই হইতে চারিজন পারশী কলিবা ভার আগমন করিরাছেন। ইথারা গড় কল্য नःष् ७ काटनदम चानिवाहितन। वेदीवि গের নাম ভারার ভাই দালী ৷ অর্থের ल्लामको । चत्रमञ्जी तत्त्वमको कांबा । धवर च तनको नामात्र अञ्चालि कांचा। हेर्दाञ्चा हे हेट्या-পের অনেক মেশ মর্শন করিয়াছেন। সমুদায় काञ्चक्य वर्षम क्रिकाल स्थापितास है स्था ·चाट्ड। रोबानी समीमांत्र ७ ४मी रा सिन গের কৰে এই এপ প্রার্থি ক বিধে ?

२१ अ माच दृष्टमाजियातः।

ভাক্তর নিলেসিয়ন নামক এক অন ক্য়াসী টিকিংসক মারিবল্ডির ক্ষাপ্ত পর হটতে এক नम्बद्धम्यः शनि वादितं कतिवादम्न । इहामीद्याः রা ঐ তাজ্জারের মাজিশয় সম্বান বর্মন, করি রাছেন। একার্যাটা বাস্তবিক জাড়ায়ে সন্মানের দইরাছে। করিণ স্মুদ্রার ইটালীয় ও টংরাজ চিকিংসক পুর্বে বলিরাছিলের জানার পদ मर्था छनि नारे अक कुन देश्यांक अहे छनित्र জন্য ২০,০০০ টাভা (দিজে চালেন) গারি-ৰলভি ভালা ফেলিয়া দিভে বলেন, কিন্তু নেনাপতি টর জাধা মেপল্সের চিত্র শাবিকায ইহাতেই আরও প্রকাশ गार्ड एड गातियांन छित्र महायू अयार्थ गत् चरम्भ विरेखनी अर्थ माज अंग कार्य कहि }

भशादि कूरेगारेन **७ श**र्छात इटचन्न हार एके-(करहा कार्याफाइड के बेहदू वीज वनव **जा**-त्रक रहेत्रारम् । यायता मृह्यभिनिर्देश एरकह বিষয়ে বেৰূপ আৰং ক্রিভেছি ভাছাতে প্র-कार्ट निरक्षांना हकः हरुया जनकव नरह ।

🖲 मुल्यां 🥫 हो हैं यून कार है सिया बनियादहरू পেনিশুলার ওরিএটন কে,শ্রামি প্রতি-त्यानिका निवादन कदियांत्र केटब्राम 🍎 ,प्यास्त्रः, नाविरणत्र वन्त्रकातिविरणम् त्यकतः मृत्यि ह्रिक

व्यांगमाबिरशङ्ग माक्र लागम कड़िन्नोः वीक्रकः ! जायब्रा स्टिक क्लिनानि ज्ञानमाविद्येश मा-পুড়া পঞ্জাণ করিতে পারেন কি বাঁ গৈও।

1

রা কবুনায় বো লাগ বছন্মদ লার্ড ওইটেছি এলগিবকে আগন বাঁটীকৈ নিমন্ত্ৰণ ভরাতে তাহার। ভাষ, এহণ করেন। ভঙ্গিনিক্ত শ্রীপ্রবি কান্ধি সহায় পত্ৰ সমূচ আজিলয় বিষ্ণুঞ্চ হট-त्रारह्म। अक नरामिक यराम नका वर्षे आ। नाम मर्थेण देश्नात्थ ताकीत नाडीटल नियक्ति-ভ ধন, ভথাপি ভাষার প্রতিমিধিকে বিজ বাটী:ত নিষত্রণ করা অসম সাহস। অঞ্চাত ছুল শীল জীহুদ্ধিকারিরা এইবংপ কাধ্যনে অসম भारम तोष करतन बट्टे कित तासकुबारहरी তাহা বেধি করেন না।

शासनतावारम अहे चाड् छ जनत्व छेटिशास রোহিলারা বুঠ জারত করিয়াছে এবং মিল:-নের এক জন সেনাগড়ি ভাহারিপ্রকে হয়ন করিতে গিয়া হত বইরাছেন। বণুরাও নামক रव वाकि नाना मारवरवज्ञ महस्त्र विन्त्र। ५% हन, डीहार निकार कार्यक्षानि श्रेष्ठ शास्त्रः शिवारक। धनवृत्तोत्र यानः। नारक्रक्त्र विश्विकः। এক খানিতে ডিনি জিখিয়াছেন যুদ্ধে পরা-জিল হইড়া ভিনি এক ভাক হতকাত্ত বেশে लबाह्न करहतः। छिनि अक वाह **हमस्**यत्न क-বিবাভার অসিয়া বড় নাজারের বণিক্ষমের तिक्टो जालमांत **भवर्ग स्वटकेंद्र कालक विकी**ख क्षिया व्यक्त निर्माहन प्रमापन क्ष्युन । नाना नात्त्र वधुत्राक्टक शक्तिशाटकः विश्वाद्यक्तिया-পিত করিবার জন্য করেকখানি পত্ন বিভিন্ন **८इन । ८वाप एक नामा जाएए८वड नाम श्रामिक्य** अञ्चल काढुक सानव्रदेवत्र निकृष्टि सङ्ग्रेद स्थाः ।

मित्रीर्शिक्षे बर्जन अरकात । क्षेत्रहासः,) अकारन नारमात्र बहेरक धूनकान नामक स्वरे-कट्य मन्पूर्व बहेटलट्ट् मा । हिहेनबहार स्था-न्नानि छत्रिपिर्द लोटबर कटका नाकिस्करक्त । गण वरमञ्जू २, ৮३, ৮७७ सन कार्याकी गमन: िनावन कटहन, हेवा विटापत्र बहुश्चा २,१४,०५० कः @उटकशेरामा छ विथाछ क्राराम । क्रिंड वात मान्य लोककता किन वैक्षित स्वाहत । मानवंग , वास्त्र , व्हेच्छा, महत्र । शहन हैव्हा नार्मि विरंगर स्व रहनारी ना संवेदन व्यक्ति ming far sky bler mileste i

निकार्यक कि व्याप बरम्य मिश्रास विद्यास न्द्रशाक् । किर्माक्रियां ७००० महान्योदक त्वक्रि छ क्रिक्श किन्द्र किथे क्षाशास्त्रक विस्ता वि ए । हीमरमण दे^ह हुँछ अ. १ मर्स च साभी जाना छ कांच्र भागन कविराष्ट्रीर । विर्ताह दक्ष्यक पार्थ खं ेन्या क्या व ब्रागेय, हो साह स्थितरम् ७ प्यान्ति লত ছানিকর ৷

श्री रहनम, ३४५:'५३ फाइन मिन भारत के अल, se, e 2 व हो बोर्ज व निष्मात्त्रजा कुश्चा মী ও ৬,৫৭,২৭,১০৪ টাকার জারচানী হইয়া ८ । भिश्राभुदत्रत्न सम्बन्धः श्रीहत्ति क्वेटउट्यः কিন্ত কৰে আমারা উক্ত উপনিংখের যায় ভার बहेर ७ सप्त बहें ब १

भाक वन भुरतद सामा इलात तावाकानी क्य दिशेष्ट्रेश प्रियात च्या का क्षित्राट्स्न । देख ব্রাফ্রের শাষ্ট্রীর কুলার ভূরি পাঁচ বংসরের सना विकार (प्रवंदी स्ट्रेट्स । क्षान्तरक जना विभ द्यान क्युश विटक क्हेंद्रिय ना । नीह बरम রের পদ্ধ রাজ্যের ব্যবহার ভারসারে কর লওয় कहेरता अकरन आह्मरमञ्जू कारनरक कविनरम या । निर्मित्यम् मरम्बद्धाः निर्मित्यः मिरफर्डन ওঞ্জালি ও জীবুনিকাবিধিয়েগর নিকটে নিভা त्र मार्ड ।

্লোখাইয়েই বিশ্ববিদ্যালয়ের মহাসভা দর चारमंक्ष्मास्त्र अन्तिरक चालनाविरशत गर्हे-স চালেনর করিরাছেন ৷ সর আলেকজাওর आके अनारमञ्जनपार्य केनवृत्तः, त्व वास्त्रि डा ছারু বক্ত ভা পাঠ ক'রবাছেন ভিনি ভাছার **অয়াধারণ ক্ষমতঃ খীতার করিবেল**ঃ

, पारवाषा दिशादमध्येत अरु सन श्राह्म (श्राहक বলেই, সিনবা পর্যন্তর বাজার স্থানাত্তর क्तिबाब समा कबर्नह । समझन एक जक्त होगा व्यक्ति कविद्वारहर । अहे है कि बारी । कह बा त्रः **कानांत्र स्ट्रेट्य**ः मध्यक्ति ख्याष्ट्र स्मृतिम क्यान के के के काफ करेंगा तक र तक के नाहि ভয় বিট্য়াছে। অনেক বার ও আনাল বা তাৰ্শ্বি বেলে আপ্নাপনি শুনিয়া বিয়াছিল : এবাস্ত্র এত বর্ক পরিছাছে বে রাজা সকল क्रवी अवेदा है।

কুরাশীমঞ্জেই লগুন হইতে না কটরা ত পরিবজে এক কাইন বিসর কারতবর্গ ও চীন २२८७ द्रमम महेग्रा याहेश्रह नक्त क्रिश्राटक न । फारा ब्रेंटन भागम मनत है दितारशय दिग्दमञ्ज योनिकाः अक्टूहिहिद्रा कतित्य ।

मोनदी भारकृत लिख्य बाद बारखना कान विकास कामात्र उगासुबार एकक्टी कतिः काका विविधिकाशियस्य तरा इहेस्राट्स्न । यक्ति अवस्थानेत मेम्राहणह क्षांक्रिकि चक्न वर्षे कात देखी बादक किस्टूल खा**ल**त हक्कारो चामाहिरशत क्षेत्रियम शहरक शारवन, चा महा वृष्टिक भौतिकार्थि सा। जिनि व व्यवण । व से बावार इति भावक दरेवार ।

र्कटम्मीयविद्यायः मक्तशकात्रं सरमर्ज शतिकाश क्तिश्रोद्यान अक्ष्यान्त्व अन ब्रह्म छन्दिक शाहि । किमि अस्मिमीविवत्त्रत् अपि अम्ह । नावन

टेम पहेनल शन हि जा छ। विशादक या-बिरहे हेक्टिन छात्रम्डि शह बादिस्सम् स्थ मस्यदान क्रान मध्याद क्रिक्क शांतिक्रम मा । पात्रिकारिक (यो.अज्ञाति साङ्ग्न क्ष**्र**िष्ठ **एहे**

পঞ্চ ব পাবৰ্ষেট লাখেলে ছইতে গ্ৰাহ ধানী স্থানাগতিত করিবেন একগ বন্যর উরি য়াছে। গভা ড বাচধানী স্থানাথরিত ক-ह्या अक्रों होश क्लेग्राट्य ।

शक्त वरमत मगुनाय कात हर्ग हर्ग हर् १२ २७१ वस्त्र। पूजा प्रकानी श्हेग्राटक् । वर्छ শ,ন বৰ্ষে আরও চওয়া সম্ভব ৷

भं कता। अव्मदिश एटर निश्रमिषिष हे विश्व अविस्कृत विक्री छ स्ट्रेग्नाट्स :

নি**স্ত**∓ 7173 द्वक्टिव्य १४ ७। 2866 1 1/30 कामोब्र ३५७० 3023 N 6 विषे है। का 27,00296 50.0046

ए अब हे छित्र। जिनित्र बाक्काबाव विवदत्त बिनिहारक्षम विद्यालया नाकिशिरमञ् क्षांत्र श्रीकात कहा गांत मा । स्नाव अक चारम लिथं। बहेब्राटक खूबि बणि निर्फानी कथाछित्र পরিবর্টে ভটলগ্রীর প্রধান্তনারে বলিডেন দেৰি সঞ্জমাণ হইল না ভাষা হইলে স্ক সাধারণের শাইত ভারাদিগের মতের একডা হইও . » এই লেখার লাবে স্পষ্ঠ নোধ **হট उद्ध छोगात भएए दिनि निर्फाय महरू।**

1 茶店配粉 阿泽 和 95

हे श्लिमबान बरता : अनाहडि अगुक्क दक्का রে ও বালবে 'অপেকারুত অপা অহিকেন জ भिनिटिष्ठ !

भक्त क्या भरात (अवत्य छेखा शक्तिया থ্যলৈ গমন করিয়াছেন। আগামি পরস্থ কাদী व दिहेन अप दिन्य क्लांक थ गुक्त बहेरव। আনেক ভালোক কলি শতা হটতে তালিছে। ইবার বোগা বলির বিশীত বইগ্রাহানে। शह व कविशाद्धित। नव हवाँ विशिवन मर्नाख-ধান সভ্য বলৈয়া সভাগতিত্বপদ্ধে প্রতিষ্ঠিত रहेश भवनद्व : 'उद्गलिंग खिडिनिधि रहेश का

क्रवेका वरमन भूगतमान महाभाग स्थान বী আৰত্ন গভিত্ত ছারা সর চার্লস টি বিলি য়ানৰে এক জড়িনজন পত্ৰ প্ৰছান করিবের।

कोनोरांगंप भएको बर्गन, उस्तू शुक्ति-माध्यता रहिना इंड्याट्ड गटमात्र थिय क्ति-বার সভাবনা। এবার 'গলার খাল প্রায় ভাভ क्षेत्राटक् । प्याक्तारमञ्जू विवयं करहर मिवन इहे

শিটৰ, ৰে. বিভ নাৰত ক্ৰেন্ कर्का कुणवरक पण क्षणनीत कांग्रस क्षण त अन्। कांत्रा कृत्व एवं तम अक्षेत्री मुक्त रहेताह । अविभिन्न डेस्स नृत्या भवर्गमान्त्र व्यासन् विद्यारक्त स्रेशनसङ्ख्या व रमके दे कान कवा शहर मा ने मिल्ला र का क्ष छात्रा सहित क्रेश । ला कि व जागनाय कर्ष भूनः शास मार्व

स्त्रीया विकाहनय है कि निवस ्त शनांत स्थीयक वाशीमारस्यक सार , गांकोत व्यवसारक बांजीन का नक्क हिंहे जोशोगस्य यस स्थान रव नानीम वद छावारक अध्ये विश्ववर्ती जिनि हे किनियात्रक विकटके व्यक्ति माहित न्यत उँ७ खादा विन्ता व जन्म प्रक्रिक मी করিয়াছেন। আমন্ত্রা ভর্মা ভরি এ ট্রাক্ত্রি নিৰ্ফোৰতা সহামাণ কৰিবেল

वक्रम सम्बद्धि है रमश्रीप क्रांक्ट्स राजीत स्थाप । बर्क स्थापन अस्तित निर्म भी ग्रेषिशास्य ध्वान विशेषक विशिष्टक विश **७ भागवर्धन अन्य निर्दशक वृद्देश्य**ाली ক্ৰেছ ৰা

रेणियान विक्रमातः सम्बन् विकास कारमास्त्र करता के दिस्ता **উक्त करनारकत होजिथानक से उन्हें, को** अवार रहा । किन्न नियमिक्तामध्यक्त अवि শোনর ভাব। সঞ্জাব করিয়ার্ডের 📳 गाउन व्यापा अवस्थित व्यक्तिक व्यक्ति ত নহৈ।

উক্তাশত আমার ব্যাসন প্রাথ काउटकेन अमधिन क्रम सारम्बद्धाः विकास e नातिना विशासन वर्षत कृषिक सम्बद्ध ट्टन 🌭

२७ ज माय महिषा 🖫

क्षरमञ्जा ३६ अस्य विश्वास वि, अस तान, उपार्थी कि विश्वित के बावित वि, धन गरीकार उनीर बाह रेन के मुख्य ava al course an a buille ma nibi

ALTER PRINT मरक्तां माना मौन भारत्विताच ह्याव द्वप्रामीच मम्बर्धाः क्ष्मरमाच्य युट्याशाधाव टेक्ट्रव इस बद्याणां शाह ্টারাপ্রসর দাস मैश्रा इस इस्टारहीं অধিকাচরণ বস্ত্র эь जन जल जन देशाचित्र शहीना

७ मार्यः > अन छेडी । इहेब्राट्य इनशे मान भीन

खड्कडण एट्ट्रांशायाच् রাম্নাথ শীক্ষ

कि बहुन्सीभाषािक ग्र प्रह 'बाउनन बरमहाभाषाञ्च

महिल्ला वर्र -पाइन वय

গ্ৰমদার

क बदल ने भी यो जे

:धर वज्

७ वि. अं अनीकान क्या जिन्न कर নাৰ আ**নাৰ্য ক্ষাৰ্মী প্ৰয়ান্তে** ভ**হিব**য়েব সংগ · प्रिटंड भार्तिगाई का ।

ভাৰ হওৱাজে ৰান্নাঞ্চুর হুইতে এক বাফি बिधियादक्षं है श्रीकंदिमक स्टेट्ड स्तेनोत नि म आणिकी है मेंब्रस्त एक अनीकि भारकतन्त । कार्या निक्षीकार्थ (श्राक्ष) निरक्षीय ଓ जाकासिर्थन প্রতি शौक्रिक मास्मिविदशंत्र कावण्डानि कावणा কলের ভার হয় / সভাতি ঐ সাহের এ জ ৮লে श्रार्थं क्रिक्टिक्टिके क्रिक्ट वर्क कर का अप भटक मरिशा क्षेत्रक आव व्यवस्थित कश्चिम दिन । लान, शीक्षि व्यक्तिमारक स्मात वा अवस । अपन वित्या, में महिमारेन आहत्य असाममान्य দেওবার ক্রিট্র করিলেন বা প্রতরাং ভাজার সাহেব আসী 'खं शवर्रायदेव से एक्स प्रस् বার কি উপধার হইল বুকিতে পারিলাম না, नवर्गद्रबंधे अ खास्त्रांत्र नारश्र कि मान निर्देश ছেন, বে ভাতকর আঁপিয়া গাঁপুরিয়া কেলেই चात्र (त्रान जनन त्र पूच स्ट्रेंट मा । डेस्ट সাহেৰ এক্ষণে ৰারাসডের মিলে সুবিভেট্নে, भरगंदम है छ और विकल अथन जना छ छ। नार्ट्टिक बाजवंद्रमात्री बद्रुष्ठ मिटनम १

হ্য়হরা মলেম কলিকাডার ল ও বিশপ अहे शादमङ हिन्द्र शक्तिमालक शहेरछ क्षा शबन किदिरान ।

चेक्चलाहिक यटनम अगर्यत टक्टनग्रहन्त्र জেল অমূপ কালে বিশেষতা একস্থানে অধিক ! क्रिय बान कहि। दश कि सञ्चा कि साम्र भूकटनहरू भीका 📲 🏕 मरनाद्र पूजा इति स्ता । ज्यानतात्र वाकिसीय अवस्य पनि कान देशाय कारणवन न्यक्षेत्र क्षा । इतिहरिक्टल फूलक व्यक्तिमारखन्ने क्ट्रेड्ट्रिंश शांख हां डिस्स्य गरान करेंगे कुछ कुक है जावक रे हैं कि द अ अ अ अ अ अ विश्व व ३ • डोक्ट्रे क्ष्रुटने विक्रम्प एक नाहे अवा 'अ न्याना प्रवास स्वतंत्र प्रतिश ६३६१६७ अरा व (न्डेन्डल इड्वा**है नख**रिन्हें) शबर्रत (करन[्]त-पिरशर दिन्न व्यवस्था वर्षे व्याभाष्ट्र । वर्षे 平河 [

विकीरकारकडे बर्द्धक, आध्यतीय अधिक সংখ্য দৈন্যখন উপস্থিত হওয়াতে ভাৰা

रेमना मिकाथ पूनि स्मिन्य वाय वय वय **ठळांच्टरा व्यक्ति** । द्विश्वादक .

ডিনি আরও বলেন তথার অমেক ব্যক্ত का अर्थ में अर्थेये एक । क्षीय १ ४०३० सन चर्ने ভথায় কৰা হই: (ছে :

पुर्वे जिल्ला न पारश्त बरधाई कनिकां धी विश्व-दश्रास्तित ज्ञास्य रहीका प्रतिष्ठ व्हेटव । । ১ অন প্রাফার্থী উপস্থিত আছেন।

ভ'রতব্যীয় ব্যবস্থাপত সভা !

সুধবার ৪ ঠা মেক্সমারি। व्यमस्यतम् इति। हेन मार्ट्य कार्यकार्यय क्षाञ्चलक উল্লেখনকা विद्यालक को बोर्च के विदान ৰবাদ্বারপুর জ্বি**হার পাড়ার অতাত** আছি। রক আইন সংশোধন করিবার বিলে সিং লাই जीमि श्रेष्ट दिश्मार्ड मध्येष्ट श्रीवान विदिल्ला এবং উত্তর পশ্চিমাঞ্চের দেওয়ানি মংক্রান্ত বেড ম বিশয়ক আইন সংলোধন ক্ৰিবাৰ বিজে 'त. लक्कि करियों एक बिटमाई विद्यादक्षण, उहिन नक्षा अलाब क विद्याल । व्याद्व अ १३ ७४। में गर य कि लाधिय नर्रमाधन कानवाब उपनित निरमकी कत्ति है करण क्षा करेश किल कोश्रिशाय

> अमानदेख अहिम् मांट्रायद अध्यक्तिमाम रमन्त्रे क्रक्टीरभद एक्स्यानीय उभागदास कार-াদ্দীর অংমাপদীবিদিগের গমন ভরিবাস বি-নে পিলেক্ট ক্ষিটিধে বিজ্ঞাটি সিয়াছেন उ'श् विरविष्ण क्षेत्र विधिवध हरेल ।

উপশ্চিক ক(ংলের।

् दणरमनीत्र शबक् भक् मछ। ৩১ এ কাজুয়াবি শ্নিবার।

विश्व विश्वनि गाँछिक् गर्काष्ट्र वेशिविछ । क्षरदिष्ठे , (क का'रलव श्रांति र । है, बहेर्स भारतन गरिंद्र : क्षमद्यवस्य क्षांत्रिः चेटलम् अ५८०व । (बोसरी अन्य हुन न छिन बें. यो शहूत । ডৰ নিটি, সেটদা ও সাহেব। বান্ধা তা তাপচন্ত্র সিংহ: থাৰু প্ৰায় কুনাৰ ঠাকুৱ। दाय बागागः भाग त्यांच .

व्यागिक वेटकन मांक्र ३५-७० क्लान २२ आकित्मत्र क्रमतिल मध्यम्भवत् कवित्रा इतिशास्त्रत् । धेनेनस्त्रकेत् स विक्रिनित्रा यदिशाय कित्रमध्य । शूर्क शाहण, माधात्र तिष्ठम ७ लाप्टिमन लाधीन कविबाद विम शांत्र कविबाद आलाग कहिएस के विक मुखाब गठिख बंदे मा 🖰

काः विदेशका नारम्य वक्रमण्यव सम्बद्धानी चानाल जन कार्गा निकीष्टार्थ (श्रद्धांश निरहाय ও दरम विरहक चाहिन मध्याधम मध्याद वि-त्मन क्षराप्त्र कनिराद शुरु**की विकासने अश्रामा**-भिज १४७५ ज क्व २७ कावेटमा २ श्रीवाय रक्ष ए। भ। भिर्माण के कामानियम देखकरमण विषयक रिटमर निवय मादि नाकिएकमा द्रवस्य मुख्य द्रवस्त 'अन कान्या के जान शतिश्वर करेनाटक । शाव जान कमरकामीन क्यू क्रिक लेकिक क्रिक

अवेर करेत्र किमि आ'म लगाहाता पेरह बहुल जाक विका जोका स्मिटिक विक्तितिहरू दशक्य किरल के केला कार। ज्यांनामास्त्र हार्नक केस **८ कहे** 🕳 भारत की अव्यक्ति हरूको बहुशाबीक छ जीना

(म) महि कारकूल लहिन वहिन्दान कलिना-তাও ডারিকটবন্তী হাসে লাভি লাম কি অনুডি य छाउपर निषय रहता ह बिरश जिल्ली कविते रथ दम विद्नार्धे कतियादसम् कविवरशक विद्वास अ-क्रान मस बाटक वर्ग कास्त्रावित क्रम्टलस् आस्त रहेल। यानपुत्र मेका क्षण वहेल।

১৭ ই বেজয়ার শনিবার পর্যান্ত সভার স্থান र्था दक्ष दहिला

ইউরোপীর সমাচার।

नदन ७६ माध्याति । स्माधातिकम् वर्गात विकटके वयन महिन्छत श्रेतकारात विश्वय **कृता**ल াকাশিত চইড়াছে। এপ্ৰায় বছ প্ৰকাশ 📸-व व्यक्तां का विश्व के स्थान । विद्यासीता क्रिया भरासिक भ्रामित्र स्थापित स्थापित है। रेट्ड मिन जो न जूना गरिहेट्ड मा । वास्त्रिमदन काञ्चान क्या बहेब्रास्ट्र । किन्नु कि कायन झाना याम माने । श्रीतमय यात्र होत्र दलाक अक्र मुख्य स्ट्रेश त कक्यांत्र जातः क्षाक्र काम विश्व अध्यक्षिक क विकास है । है ज्ञास जी नटक का (ब्रामीय की लक्षेत्रक काञ्चित्र सिट्ड अधिकाटस्य । किन्द्र-विकास । अ-थ न न्यूष'न बाक (प्रत्यव नक्ष) ड क्षेट्रड ब्रह्मेद्रर s करविष्टिश्वत कारका प्रभिन्दिर वे अध्यक्षीय क्षित्रह न विषयाध्यम । बुद्ध राज्यास माम्योति । शास्त्री य माग्रहकर्त्वा निगटम बीबशाटस्य ाता व्यास्त्रकृतः নিব পৰ বলন্টিয়ৰ দেনগঢ়ক এক্সেড ক্ষিণ্ডৱ ক্ষেত্ৰ कार्यस्य आहा स्केर्या मन्। हेरलकीय मस्याह बर्गमक संघ क्षत्रीटल घाटनक (स्नारकत शाक वि-नके ३ तिस्त मा । कि केलबर्ग ६ हेश एए। , यक्त ्टेम्पार पद्म (३) विक्र क्ष बक्ष बद्ध वागलीय सहस्र न कृतिभिर्मन याज (क्षेत्र के खेत्रीक्ष के क्ष्र चार्था-超 更考明行妄 ! .

मिडेहैवर्ग भ काष्ट्रवाहि । जालि द्विवाह ,के वीररणंव रमम्बान मिल्ल व्यक्तित्रकाररण कार्याम क्रबाटक मिडे हिरक सक मार पृष्टि विश्वित हरे-वारकार मार्कियान्टपंत ध्यानामा द्यानिहरूत्यः पूर्वः ब्राप्ट काशिकात के ब्रिकाट्ट । या य गाँउवर्व ८० श्रीज সুষ্টাতে যায় জাবাদির সংগ্রহ করিতেনিগুলার **স্থা**-ৰায় ভাঁছার পতালি পেৰণের পৰা বল্ল কলিয়া-८ळ : अभिष्ठभा ८ळको क का विकास कर्मनार छ - करर ते त्युक्त होति गाँ। क्षेत्राटमाने सकता व्यक्तिसम्बन्धः क्रेट्स ; खुलांव पांचाप मनाम इशियार्थ।

मिछक्रिक रूप व क्रिक्स्यतः। क्राप्तिक्षेदयः में ज সভাম বড় গোলেবোগ উপজ্লি ইয়াছে। তেবে है क्योद नांश्रंद्रवाद्याक क्षत्रक क्षत्र मरा बहे व्यक्तिश्रास क्षामानं क्षित्रांत्रम् ह्या क्षार्टिना केत कालि की शामित्वर विश्वास नास के विकेश्वार के व अक्रिकीश्वासमा काण अधिक । निकेशमूक छ०क्षमार, कालबुरंड सर्व गरिकाम् करवर्ते । कार मन्त्र दक्षा है। जनाक राज बहुर पर के कवित्राक्षित्र विकेत्र स्थानिक विकेत्रक अस्ति। स्टिश-

स्वर्क निविद्यार कर्म कार्यमा आवा महत्त माहित । अवस्थि क्षेत्र क्षिण किया कर्म क्षिण क्षेण क्षे

बिरेहेबुक्र १७६ किरमचत् । त्मान के बहुत मारेख क्ष म किन्नारमय आसाय करिका हिम्सम किन् भवानि विश्ववा (गर्दे शार्थमा प्राण कविएक क्षत्रक इंडिक्ट्रेड्स । टक्क्ट्रेडिक कार्यम कर्निक ह्म छेडनारम्ब बिक्रम्ब राव पविवर्त वहेरत । क्षामानिक कारतक के की किरमह खेलन माध (इरवर विषयपाचि मिन स्ति वर्षित परिएक्ष । गर्छ। लि कि इसन ६ मिनार्श्व का सक अ के है म इंदाना मान्तिन पंदेश क्यानमन्त्रीयाकः মণ কবিতে কৰিয়া,ছিলেন কিছু সেনাপতি বরণ সাইত ভাছ। না কৰিছ। কাল ম'উব বছতে আ खन्द ऋद्वित, अक्ष, डिलि फीकात के द्वार्टकत. कॅश्वाह अञ्चल देवना स्टब्स के प्रहासाह व्याहर हुई होट्ट बहुरश कि विवासमान करतन बेक हरकार-গ্ৰণ্ডিমনীলৈন্য মেডিল্স প্রিস্তাপ করিয়া বিকাশন আপৰা এইনাড়া আফান্য করিতে Sagirea 1

निकेषेत्रक्ष २६ श्र किएगान । २०० भाउपन का क्रि रेगना श्राष्ट्रक के ब्रथन अवदी विस्न विश्वयद्ध प्रदेश । ६ । दि करीन क्षांत्रक कर विस्न श्राप्त प्रदेश । न । द्यांचा निष्ठांत्रक कर विस्न श्राप्त कर्मक करियान क्षांत्रक प्रदेश प्रदेश करियान क्षांत्रक क्षांत

माधन १३ है काकुशाबि, त्य शिवकत गाव व्यक्ति कार्ने किया, काशामिश्या त्याप मान-मान पहिलाक क्षेत्रपृष्टि विशा वेश्याक करेट जात कर्म देविकासक क्षारिकाल कार्य दहेंदि। ं विके देशक है द्वा प्रश्नीत । क्ष्यानित चक्ष-भंत क्षिण भरतेन सगद भी हिम्मिन क्षण हत प्र क्षित गर विद्याति । भौताकिक - देशम्य । शवर्ग विद्योक क्ष्योक विकाय श्रीक्षण के बाक विद्या द्वी कु इ क्ष्मिम् । की इम्मिन गर्म प्रक्रिक व्यान ग। निवस विक्रम दिन्द्या महास के 'हार इ मच्चके इस महि।

লাওন ১০ ই জাত্যারি। আমেরিলা ছইচত किश्वरे गुडन मरवात आवेदम म छ । शवदिम क्ष्मित्र क्षित्र विकास क्षित्र विकास क्षित्र विकास क्षित्र क्षित्र क्षित्र क्षित्र क्षित्र क्षित्र क्षित्र क्ष CS शारव अक्रेम्स कामझा करेटछाक। विकास वां श्रेनकाव दशकित्या । वांश्रेना व वर्गात নাপতি প্রারেটর মুল্ডানে বাইগার পথ বল্ল ফ ब्रिवारक् । कर्षनित्यव कृष्ण कृष्ण रामावर्ग रका के किंद्र कड़र्गड धामरथा मेश्व जेश्विमांद्र करिया- तिरक्षाश्चेता छेडेस्व के। जान क तनारहा. ভরক্ষেশে মত্রিপবিশর্পনের যে আলক। ১৯ जाय। वृत्रं क्षेत्र परेवार्षः। ४ हे व्यक्तातिहरू সংগ্রহার অধিবেশন ১ইবে। সকলে অভ্যন্ত ক ब्रिट्डस्ट्रन पूरे अन विरायन श विनर्ज कड़िया मछ পতি লিছলন ১ল: লংগুয়ারি জীত গাস্ত্রণার मुक्ति क्षांत्रवा श्रकाम कति दुन । नि उ देशक अक बन था.कुछ छड शिव मानव कर्ता छहेगात महा बना बलबारक प्रकास के बात करेगारखन

সভাপতি ডেবিস বৈর্মষ্ডিনামী ছইয়, क्ष्मार्गां व व हैलद ७ छ होत आक्रियद्वित्वत दिनदृष्ट् अस (यायना कविद्वारस्था । श्रम्हमद्खेद व्यक्तिम्द्रवर का है। है सहसावित्र हो को प्रश लाश करिया ५० व्हेब्राटक्त । जानारामा छ। ह -क छ!बडवरीय ७ होन नब्दाय खानिरव । शिक धाव लाइम्हानक विशेष योर्घ मार्टन इन्टेंब 😭 র ঘট্যাছে এটোর গ্র ডিনি ও ভাঁছার জী ইং লভেশ্বীর হাতিনিধি শ্বরণ প্রধান (সঞ্চ:) क द्वरवन । कांडे हैं। बाइसकी, स्वयानिक भांद्रव **ट्र्न विकेशिय हुक इनेशांद्रन। हैश्मधीश धनर्य-**(बार्के व्याक्टिक क्षामा कड़ियां इत । शीमाप-নীয়েবা বলি আচোনীয় দ্বীপ সমূহ উভ্যক্তপ শ! সম কবিতে পার্যেন ও তুরক্ষের জ্লতানকে আ क्रमण मा करवम ए।शा सहरम जारामा केल श्री अ मकत आल प्रवेटनम । स्मांशिक नाक्षम बहे লায়ের পবিব ঠি নিউআলিয়:জার দাসন করে: ষ্করাছেম। তেনের মন্ত্রী পার ত্রাগে করিয়াছেন সমাষ্ট নেগোলিয়ন মহাসভার বস্তা করিয়া शक्ष्यक्राद्य धर्मन नकल देखा क्रियां ह्रा

গাবর্ণ টে বিজ্ঞাপন। বালনাদেশীর বেপ্টনইগবর্ণরের আদেশালগায়ী নিয়োগ।

১२ वे बाख्याति—कतिक्यंतित (ख्यंकी मान्) सिर्ध्युक्ते ७ ख्यंकी कांग्रकरेत कात्र खनवामक्रमः वस्त्र वे क्ष्माप्त माजिरम् १६ मन्यू व क्षमका व्यान् श्र क्षेत्र (स्वा

২৬এ লাছ্যারি—লেণ্টনট জি. এম. বিল্য নাধ্ব কিছু দিনের জনা নিবিল ইঞ্জিয়ারিং কালেকের মতিনিধি শিলিপাল হইয়াছেন।

१৮ व चाएगीत—त्ये, कि. बर्डि की विष्ट्र विस्तव क्रमा याचीशत विक्तिरही कि डिनिध चुलविने हे देखें

বার কালীপ্রানার নের কিছুকিলের ক্রিকিল কোলসম মালার বিশ্বানের ভার আন্তর্গতিক ৮ ৫3 আক্রে ২০ অব্টিকের ১ মার্কিলের সার্থাকরিবার ক্রমার প্রান্তর্গতিক ১৮ ৬১ আক্রের ২৫ আইন্রের ক্রানিকের ক্রমার নাক্তর বার ক্রমার ক্রমার ক্রমার ক্রমার নাক্তর বার ক্রমার ক্রমার ক্রমার ক্রমার ক্রমার ক্রমার ক্রমার ক্রমার

२३ व काश्वर हि— उपनिते से क्रिक स्थान ३५ १० वाक्ष ३६ वाक्ष स्वत्रीति व्यवस्था र श्राविति (अश्री वाक्षिक है के ३५ के क्षिक स्वर ३ म निवस्त्र स्वर २, क्ष्रीक्षां १५ के क्ष्री एनके व्यवस्था वर २, क्ष्रीक्षां १५ के क्ष्री एनके व्यवस्था वर १० वाक्षितां १५ क्ष्री एन १६ कार्ट से १० व्यवस्था वर्ष क्ष्री एक विश्लित संस्था वर के १ क्ष्रीक्षां वर्ष स्थापक व्यवस्थ वर्ष कर्म स्थापक व्यवस्थ

नातु मामनान मुद्रमानाभाव क्यांका के कामी क्यांगक क्षेत्रन।

২৬ এ জাতুরা দ্বি—লোরারা কিছু ভেন্টি ব্রিটি জাউট ও ভেন্ট কালেটর এইচ, বি, ব্রিটিটি সাহের :৮৬১ জাকর ২৫ জাইলেট্র ক্রিটিটি হুসারে এথানতন বিচ্ছিলেড্র জাইলেট্র ক্রিটিটি ক মোক্ষ্যা ও ফোবী ব্যক্তিই প্রথমিক্রিটিটি ক্রিবার ক্ষতা আও হুইছাছেন

२० व णाण्याति— जन्मित, विश्व विष्य विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व

७) व बाच्या ३—प्रशिर्वत स्वाहर्ति हैं के कार्यमार्थ कि. वि बगर्योग नार्थ्य किर्माचेत्र स्टेट्ड रम्मि स्वेश नवात्र विश्वतिक्र

स्मिर्वर है दि है है, পুলিমের সংক্ষারি । लिडे क वियाप मारक्ष यम मि क्रेड़ा व्यापन इ ६ देख् चूबड शिवांट्यत ।

भागाम पुलिस्यम रहकाही खुश 🗰 देख है ब এইট জেম্ব সাহৈত্ব মর্গা জেল যু গিয়াছেন।

एक्टिन विदेशन मोरहर यह हिन में। बन्द्रम रायङ्क्षम स्था कान सहस्र के में इंग्लंड देन धनः धनः निद्धासम्बद्धाः नारम्य २ १ लट्डानाने निः । स महकाती मार्बकरमञ्ज्ञाकि मिश्र कुरण कादी कहि-

९ ता व्यक्तभावि-व्यक्तिक कि.कि. क्रेन्स-मारण्य मानवभाक्षत मानुषि या संग्रीत छ एए-भार कार्या है। वह देवन असे बक्किन सना दर्गन क्षत्रविक्षित्र वह कर्या मानित्वे हे ७ वाला-केरबाद अधिक्षितिकाल कादा कविद्यत ।

क अन्तर म्थरपुर समयम निग्टरम् आहे हैं। मा किटके व कियुपि कारमहेल ध्वेटबन , अवन्य-छविन देवलाहम्य बारवर वा चारमन एउपिन के मानकात मेलिए के हैं के मारमकेर हत थे ज-विविश्वाक्षियः । 🐔 ः

कि वार्केटम्स मीर्टेश्य बामाश्यक बाहे-के बर्गक्रिके में सं क्षेत्रपृष्टि कारणकेत स्वेरमन, अवर बाइकिस कार्या क्लीमें कार्यांक मा वह उड़िम के बामके के बोकिया है के बामके दिन अजिन विकाल कर्ति करिएवम ।

कि हि. दिन्त मारक्षे प्रमाण्यान कार्रिके याजिएके के रक्ष्यति मान्सकेत एकेरवस अवर वक्षित्र क्षेत्रा स्कॉन अर्थनकि ना वह कर्जावन के स्मात वालिएके छ कार्ककेरतत श्राचिति विक्रिका

cm. बन् प्रवक्त नारक्त . त्यक्तात्वत्र काहे हे माजित्कृति 🔒 रख्यी ने कारणकेत स्वेदनम धानः রভত্তিৰ জন্ম কোন অসুৰ্দ্ধি না হয় ভত্তবিন के बानकार शांकित्यु है क बारमकेरहरू अधिन-थि पाकित्रम ।

क्षेत्र, स्वाह रमणकम मार्थिय महिलाह स्वाहे ही क्षक्रिक है से स्कृषि कारमक्रेय केरश्य धारत বভারিন অন্য নোন অভুনতি অ'ছর ভড়নিন তে-क्विमीन्द्रत्त नामिरण्डे उन्हामहेदत्त्र शास्त्रीक्ष पाक्रियाः

ें बेब्रिट: इंगिफि मारकर क्रिजारंगर कविने भा-किरिक्के के एंक्प्रेरिकालाटे व इवेदवन अवश्यक-क्षिकं क्षेत्रं देखान काक! ना इस उठकिन ब्याहा-वालिक अव्यक्तिथि गाबिरणुष्ठं उ कारलक्षेत्र वा-किद्दम ।

क्षा क्षित स्वापन प्रशासन का विश्व का है के बाक्षिक के किया के बाद क

अस क्षिप्तिर में जारक विश्वाव कार्यक nimetit a Gitt picmet weren wee वक्षांक प्राप्ता क्यांक प्राप्ता मा देव उन्होंक शाह-अ'त मा कार्के हैं वे कार्के देवत श्रावितित पात-L APD.

ৰাৰ প্ৰকৃতিশোর ছোৰ প্রধানতণ বিচারা रबद्ध जिन्मेम्ब धर्मरमती खेकील कहिरवन ।

बोद्धाद मर एक पणि छ त्यक्षम क्रमाने क-

निजिते. प्रशिवन, मार्ट्य क्रवर्ष ध्यानी खिवार | या प्रश्नीत केरेट ब्रह्म । श्रीक श्रीक विवासी देव **क्ट्रिश**क्ता

" क्षांभवात मन एप्पूरी खेलाम बाक्क बन. কুপান সংক্ষে চতুৰ প্ৰেনীতে একোশন গাই-ग्राट्डन ।

পত্র প্রেবং 'র গুভি।

क्रिया हुक रहींय श्रेष्ठ खरश्मध्र स्थाप ब छ-য়াতে পরিভাত্ত ছইল।

>> वे मार्थ एक । द वाकू अमृत्यस्थानीय है।-क्रानव गृष्ट ब्राक्षशिरभव स्व माध्यमविष्ठ छ ६-ना व्य छर्माकाषु अध्यक्तिः वय विद्याशी व्य পর আমাদিধের হস্তশত ছইয়াছে, ভাছা আমি मिर्गित अकाम कविश्व देव्हा मारे।

প্রেরিত।

শ্রমুক্ত সোমপ্রকাশসম্পাদক म ह पर्यव

शबर्धमान मरश्राणि । विष्ठावालस्मान कार्या স্থাণালীতে নিৰ্মাণ ধই বার উদ্দেশে এবং বালী প্রভিষাদীগণকে কট সহ না কবিতে হয় এই कविद्यारम प्रतिस्थानां सक भवनं (मार्के व्याप्तिक দালের ৮ অট্ন এচাব করেন ভদমুদারে বি-खरशद मञ्चल दश्च मरमाञ्चल। हे किन्द्र कि अदि ाण । क्षित्रां के कार्यम मा। कें होता क्षित्र के कि वहन करिया कित्र मा क्शनमा रहेम हेह्। यदि लका करनन। वानी का श्रीमहृति वा चना क्ला खनान मनिके एपि कळ्छांच । त्यांकस्य निष्येष्ठ कविरायन क्रिका खित्रकान कविरायन । विराय क्रिकार क्रिकार स्थान दाकि धरे किया कति का बादकत। स्रोतन नद 🕒 काल्य क्रिना बन्नु ६ मडर्कड, मध्यादि स्था क ८१म । किएधिक छाशनमिखि ।

। एक्षर ही प्रदास का विष्य मुकामन्यंद ।

श्रद क्षार वर्षे ।

প্রযুক্ত সেমিপ্রকাশসক্ষাদিক मश्मन महीरेश्व । र्भारि वदारम् विमानम् व्यंत्रात् ७ वरत्र

कान ना त्यान वामित्क जिल्ह त वाहै छहत । शत प्रदेश किर्देश के देशा कि महास्थान प्रशास कारिया आरमक वेश्यांत अगानि आश्वत्य कति-म् । क्यक भिरमम समा एकर देन । विस्ति विक कहे-प्राक्ति जो वाद गळ मळनीटड अन दब्लापुत पश्च गुःच व्यक्तिक्षप्रसम् ध्यम भिन्न व्यक्तिया बह्न प्र ला अवार्थ विक हंडर निम्हक वाविष्ठा शासका क वि उ दिल, अमन निमा है रामा। छ निमा दिल চীংকার করাতে তত্ত্বপথ আগমার রিজ্ঞ চল্লে अश्रीत क्षिणाम । अनका क्षित्र । अनेश्रीक आर्था हिटशत नगरत क्षामध्य मध्य राज्य कि ह माख पपुरान स्ट्रेटल्ड मा। वेशाना श्रम्बद (ब-গারটা ছইতে ধারটা পর্যান্ত)এন ঘটাকাল ভি-किर दशका का मा खुन्य जिल्ला यांच किन्दु भाग राज ' इंड्रेट्स कांत्र भाषा निश्वीतिरु है। क्रम्य बद्ध श्रामा क्य प्रिटन 🗸 मन्द्रांत्रक ग्रह्माय । संभग ज्ञाक प्रतिरंशन हेर्ना विश्वास **क्या ए पर्वे क्यांश धर्मिक म्यांश बहेर** ्रिक्षा नटक । देश जिल्लाक स्वाहन (: व्राह्म क তৰ গুলি ছুক্ট লোভ রজনী ২। ৩ ছুটা ব্রিচ্ছ, य मगब शहण भर शह चारांदम चांच जाना है। श्रीकृतिक स्वाह्य क ब्रह्माट्ड । अष्ट विश्वता एर क ज दलांक्टक का का कि मध्य करिएक व वेदकाश ए इ. मिस्रा ८मन क्या याहेटक गार्ट का। ध्यक्तिम था,प्रजिवद्यात्र नमरम रकान अक भई अक्षांकात्र धन চারপতিগৰ কার্যা করিলে ব দী প্রতিশাদী উ- ধন:চা ও তীর গুরে অটি পালাইরা মুলখানি-नीटक मनखारन रगा शहिबाब दहरी कविशाहिल. দেশীয় হাকিম বিচাৰণভিশা বছরে সাক্ষির কিছু গৃহস্থানিনী সংগুলিরীছাবারশহন কঞ লাক্ষ্য না লেখাতে পুনরায় সর্ব্যানী আনকা⊦ [†] কটি সন্ধান ন্থিত পরিতাপ পা**ই**নাছে ৷ আড় ২ यन रच क्लियां म्ह च जातां के इंटल्ड्स कार्य क्रियां स्थानि ज्यामार स्वेतां स्थान क्रियां स विना कातान गांव ना । विहासमिकाय कांका भारति के जिल्ला वारकार्व मारह व करे बन्ही अखिरामीय मर्क्षमांग रखेक ना दक्त छीष्टाता जित्र प्रश्यमगर मिने छी किलाबुटक वश्रक्षण । त्याचे मर्थार्थ शक्ति मृश्चि क्षित्रा शाम्त्र है। क्षित्र मन्त्राहम क्षित्र खुक्तार खुक्तात्र अ क शाः ছিভাৰ ছিলনা। বালা ভটক আমানিপ্ৰেম্ব বৰ্তমান बाजिएके हे बार ६६ जे सुरा बन्छी बिहन मध्यार ह कृतिया। नगरभक्तकियाक क्रियामिन मा कतिरम शक्षानिस्थत रक्त मारे।

भारतिकार विशेष ante du

३६ हे-जीव ३२ कक्षाताः व वेष्ट्रहरू शांवा

श्रीवृक्षः व्योकश्रीकानामानक्याक्षकः भट्डाक्टसन् ।

अभागम बहालका कांग जनकाद कर्तना क्य अल्लानमञ्ज्ञ अन्दर्गात चाल गतिनविष्ठ घरे-তে চলিতা, ইছ। কেৱল কৰ্ত্তৰাবিষ্ণুত কক্তম গুলি कार्ताक्ष्मवाद्यक्त स्माय वहे आह कि विनय । वसानि मक्टबारे जा का कर्नुंदा कार्या व बाही कि मालाम-त्व बच्चक वहेरकम, खारा ह्वेरल आक्रत स्वोवा-(दाश **७ कामात स्वा**ष्ट्रशक्त क्रमान क्रमाने धार्व कर्त्रकाम ना । स्राचि এই सम्मादिश्री মোকাৰে জম্পা ৫ ব-সর অব্ভিত্তি করি-দেছি, এবং ৬। ৭ জন পোলিবের ছারোপা দে-বিলাস, বেবই অমূপবুক্ত হিলেম না, কিছ 🗵 রিকিখা ভাকাইভি নিরাক্রণের কোন সম্পায় क शर्यात्र कांबाद बाजा यह नावे वहर थानांद्र क बार्ड कमणक ममुद्द ब्राप्ट म्या हु त इछ। धान्तर्भित्तम् कर्गत्मावन करेश्वरहा मण्डाणि क्रिक्ट देवत्रवहत्त हक्तरही मश्रमा विन धडे था-बाद प्र'दर्शशितिति शास वयकि प्रदेश चानिश क्रित होशंत वाधावनांत्र अवर व्यास्तिक याच्य अक काटन चूरोकृत विश्वाम प्रदेश चानिश्राटक् यशि-Co 9 प्रमा श्री किमि अवृद्धा ममाने छ प्रेमा ⇒ '>. श्रात्र मध्या श्राप्त ७० । १० क्रात्र वश्याखित ल्लाम पुरु क्रविवादस्य अवर क्रीवाक्रियंत्र मध्या अधिकाण्य त्यांक मुख शहिष्ठात्व । पश्चि हेवां मारदाक्षा महाबरहद कर्डवा कर्य वरहे किछ जिलि त छै।इ।इ श्रुव्यंश्यक् भगावाविद्यात्र मुक्के।एकवः च्युजनम्ब करव्य माहे देशहरू लेशिएक धना शाह (२३व) काम **कममकि**निकटवर्ग ।

31. 782 AIA 2649 !

ক্যাচিৎ সোমপ্রকাশ পাঠকল জ**ল**গাই গুড়ি

মান্যবর **প্রিযুক্ত সোমপ্রকালসম্পাদক** মহাশর মনীপের।

२० व व्यावाद्यानं प्रशास्त (मिलाम देव श्वीकद्यस मणांत्र केंद्वास विवासित मध्यो-म माखाँद मश्योग व्यक्तांत्र विविद्याद्य मश्यो-मश्याद्य व्यक्तिमण्डक्ष मश्यापमाका (मध्यम गिन्धाद्यास व्यक्तिमा विद्याग्राह्य माश्याग्राम गिन्धाद्यास व्यक्तिमा विद्याग्राह्य माश्याग्राम गिन्धाद्यास व्यक्तिमा व्यक्तिम

ar id 夏夏; 可可。 वेदे समीक, स्थाक्टर्ड मन्याब्टकड मन्निम्यूड-इ गरवामधाए। त्व कि जनवभटः के श्रवाह मध-शंभ नियाद्यम कावा केल मन्त्रावस ए ज्योग ना-इक्शन निम्न विवयन गाटंडेरे क्यांनिएक गाबिएका । धवनकः हामा एक र्यालकः विभागः वृत वारबृद हना मार्ग्हील क्यू मां। यह हैकि। मार्ग्हील कह চাৰার বিষয়ংশ কড়কগুলি মজিলপুরুত্ব ভঙ্জিত্ত कारकब विद्यानिकात, विद्यवः म सर्वाद संबर्ध-। धीक्ष वक्रविशामात्त्र, विश्वकृत्य विक्रिय-वालिकारिसालायः ও विवस्तान ामामा विशामाय क्षर क्षेत्र मकम विशामाय ह 'ব্লিভোবিক প্রদান প্রভুত্তি দেশহিতকর दिया वाहिक एक्षा अनावा विषय कार्यात । পরিষাবে দেওয়া হয় ডাহ। আনি বিশেব रगड .मरि किन्द्र राजिकविमालिय एग বিশাৰে দেওয়া হয় ভাষা দিখিলাম। বে देषि चानि वानिकाविद्यानसम्ब नेन्यावेदीव प व अरव कतियोहि अर्था९ ১৮७२ भारताय तम ম স হইতে গত ভিসেহর মাস পর্যান্ত এই বালি-ৰ বিষয়ালয়ে উক্ত টাদা হইতে ১৯, টাকা পাওয়া ি হাছে। এডবাতীত চাঁদার টাকা মইতে কিছু हे शं त्रांत्रिकाविकाानायव विकासिक निर्मा-ে। নিমিত্ত রাখা ছইচাছে। অধাকর সম্পাদক म मन्त्रप्रतियोगी प्रतियो अध्याप सम्बद्ध विव य : खाल्लम्मान ना कदिया कि श्रकाट्य अक्रम मि-থি ছেন ইহাতে আৰি অভিনয় বিশিত চই-ल ।। याद। इंडेक डें। दाद सुभावत यहि बशकात প্য । মধ্যায় বারবার কলঞ্চিত হয় ভবে কৰে**২** क्षा हार्य वाश्वादिक क्रमक व्यादिक होते शा-ইয় সমস্ত জ্যোতি লোপ করিবে। উক্ত সঙ্গা स्क हिला डाँकार सूर्याक्टरन बडे सका खनि-केव नी सम हवीलवन अधिका गाठेकहुनाक धरे मळ चरेमा बानाकेत्तमः वीम काराह अस्म नः (मा क्यारा बाटक उटन नावा व्यक्तिएव इर वह विदेशक ।

श्रीश्वात । १८ से विकास विकास

मय स् । ५१७३ ১৮ प्यामण्डला

महानद्ग मगीरशद् ।

डाहारक विरामन विक्रांश सामान विकास केंद्र আৰি অভিনয় ডীভ হইৱা বহাপান্ত পাত আন ভবিয়া আনাত জা উর্জ জনাই वाद निकर्णकपूर देनरमण आर्यस कि राष्ट्र चीत्र चित्रधात्र धानानं कास्य क्रिके निर्देश চরিতে আজা হ**ইবেক** } া বৈশবকালাবধি শৌস্কলিক শৃশীৰ্ভাইন पृष्ठि किशानार्थ अवदा । अभिन्ति क्रिमार देवरत्व शक्ति प्रदेश प्रकार विकार के कुर कि जिल्ला में कि के कि कि গাধ কৰিবা আমি তক্সনালে উপালম্ভি । থাকি, কিন্ত এপৰ্যান্ত কোন বিশেষ আইটো পথিত না হওচায় বিক বিবাস ক্ষেত্ৰি ৰ অপ্ৰকাশিত মহিয়াছে। একৰণ ইক্ষ্টেশিৰ্ নভার বে প্রপ অবস্থা ভাষাকে বৈধি উল্লুপ্ত ेहीता देश्यांक पतिकास क्तिरंदन 🗓 🖟 ু তুরাণী আমার মনের বিশাস এক্সক্র ाणाविशा आप गर्यागारे कामाहक निर्दे । जन ता '' ब्याचीत मृद्धा प्रदेशन वि ऋक्षे व ब्रेट्र '' छाड्।टिड चानि कि कहा कर्डरा है র প বুৰিতে না পারিয়া এই রূপ উদ্বয় বির य वा रहे न बाबा हरेता छिन्ने छात्राहि वहाँकि छ ि ह गांडा बहुश केहरत मुख्ये मा प्रदेश प्रकार व क्या " (मर्द्या वाच् निक्या व्याम स्थित-ন ও রীতিমত প্রাছটা করিও"। নহালয় ! আপনাকে বৰাৰই ক্ষিত্ৰীকৰ या नि बहुन प्रवाद परहे छात्। व्हेटेक वर्ति क। य किहरे द्विष्ठ मा गातिया अंतर द्विति क रठ आहारि किहारक अकाब अस्तिका मा का है, जानबादक शरीन, विका व अनवादी देवाँकी क ।। महानात्रत निकड़ और कार्निता करिंदि অানি অনুপ্ৰহ প্ৰকালিয়া অভিনীকীকাৰাক্ষ वि रद्वत देशस्का अश्वास्त्राही न्युविक नेविद्वत कर । हारबारक है का किसने क्लिक्स कवित्र कर ज्याहरू या किराकारत मन्त्रक करिया गाँवरन य व म्याज्यस मर्जनायस्थीसांच स्थादिदेवसी शास-

ঠা ত কৈ কো অক ব্ৰাহ্ম।

भाः कृतिको असम सरमाप्तथ रहेर ।

প্ৰায়ুক্ত সোমপ্ৰকাশ সন্পাদক

কা প্রকাপ করিবেটি আনি ধন্যবাদের সহিত

৮ মহাশহের ।

त्वस्य मण्डाहि वयावयात स्वरमि ज्याने साम ७ वन कविति सः स्वरमेक कार्तिसारस्य है। सामि नरसामग्रीहरूक जीवा सामि विस्तिस

সংবয় করিছাছেন। গত শনিবার ৪০টি **বোক্ষ**-াং, অধিক নিস্পত্তি হইকাছে, এতথ্যভিত্তিক্ত ार्डाधिक नाटकाङ्ग क्रवानविक बहेब्रा विद्याद्य, शास्त्र राजा स्था विकाद वहेरा के विकास कर ्ञिमिरशेत्र विकिश्व क्षेट्रिक । अश्वरण अहे मांज व-रा बाद क्लांका जांद्र खांग टेश्टबम्द्र कि. चां-प्रमत्र बांत्र बुख्य पार्ट्स । देशमध्येत्र । साचि महिन त्र विश्व किथिश निधिष्ठ मानम कतियादि। हा बहे, देश्वरक ३৮७३ खरण शक्तिक कात्रा जनताथित मध्या २४कि जीकान, देशकि अ ভোক ৪বাজি অপরাধির মধ্যে ১টি ক্রীলোক হই তেছে। अक्रुड चनद्राध्य स्मित्री नर्या। ১३७৪৯ পুদ্ৰৰ এবং ৩৯৭৭ জীলোক, জন্ম জী গংখ্যা ৩১ ৫০০, আৰু হত্যাব্যতিরিক্ত খানাবিধ দৌৰগ্ৰন্ত **व्यक्तीय होत्यास मध्या मिर्छ ६३३৮) अर्था**र देश्कारशत नद्भवत जी मर्था मध्या ४०७० सन जारेताथी जार्थार श्राद्धांक ३०० करनह अक अन्दर्भावी !

প্ৰাঃক্ষ্য 'মোং আমতা

প্ৰতি নিবেদণ। শ্বন ট্রিকেলন মলামতি। কত আশা করি তোমা প্রতি। तिहक्तन मरक्षित्र. হও তুমি ৰহাশর, ভারতের বিভকারী অভি ॥ ১ ॥ **द्धाः ६ जाम्य धन्धाम** ! श्रं होन्द्रांत्रक्तं काम । যদি ভার হর লায়, कांक्टब कांब्र हांब्र, हिन्नमान प्रत उन मान ॥२॥ নিবীছ ভারতবাদিগণ। कष्ठ पूर्व मरङ् फाकांत्रव । श्वरिक विरक्षां करता निर्णे कर औरने परत, भिरके कड़ जिल्ह धर्मन । ७॥ क्षवरमञ्ज कथ अञ्चाहति । महित्य छोत्रष्ठ खनियोद । wiefe Mwgny. अध्य मात्र मात्र्याच्या, इस यज्ञ कविट्ड विखान ।। 8 : ज्ञान अक स्टब्स्स दिवन : कांश देशका अन्तर्भवः। भू प्र कवि लाह्य क्यू, विकास मामाना नह, स्त्रिरक्षत्र सर्व रख्कि वर्गा । व ।। शृक्षरशृज्ञ अध्य व्याप व्याप्त । ्र खारक देशका किया कांत्र ।

जीवृक्त नत्र अधन्त हित्यना।न मत्यामग

এবে হাড়ে যাস মাস, प्रमहेन यात्र मात्र, **क्ष्मकोरक त्यरवरक दोवांत्र ॥ ७ ।!** कफ ल्यारिक हैमक्या इस्त । (शार्थःत कडरे इत्ड करता। (इंट्राइ इन्द्रंद द्वार क्षित्रं भारतक दिना, शिक विरय दर्शाम श्रीत्क चरत्र ।। १ ।। लीह मह साम भीत का है। वर्षे भाग मुख क्ष कात । চক্ষে তার বর্ষে শূল, কিন্তু কন্তু সিভিউল. (कर्त्र (करन करनर अक्तूर । ৮ ॥ সভ্য ৰটে যীরা ধনিবর ৷ हेमकाम नाहि गांन खत्। কিবু আৰু কানাইতে, সেই হাতে গুণে দিজে, মর্মান্তিক ভাঁব ও কাতর।) ৯ ॥ এउ कड़े महा कि कार्य। ভাৰতবৰ্ষের প্ৰজাপণ ?। সিজুসম বাজ আছে. हैनकम विन्द्र शीय, ক্লিসে খোচে ভাতে অন্টন ? ॥ ১০ ॥ স্থাকাৰ সংগাৰে মিছা ব্যৱ। লান ভূমি কঙইত হয়। हाष प्राचि श्रवांगरन, (महे बाग्र श्रष्ट्राय, इंटिइंट्स्टि चांट्ड शंकु क्यू ॥ ১১ ॥

চুঁ চোমেৰে হাতে গল্প কয় !! ১১ !!
থার এক আছে নিবেদন ।
বিদ্যা দানে দাও তুনি সন ।
বাধারণ জনগণ, ' থাতে পায় বিদ্যাধন,
ভাতে ধন কয় বিসর্জন !! ১২ !!

ক্যাটিং ছুঃখিবাজালিজনসা লাং কলিকাতা

यमाथाशि

্, তাবিণীচরণ মুখোশাসার বাদীর। ১২৬৯ কার্ত্তিক মইডে হৈনে শর্মান্ত কোও ও ,, মবীনচনা নিভাস্ক

১২৬৯ মাঘ ধ্রীতে ৭০ পৌদু শর্মান্ত বিধান ১০ ১৯ রাজা কল্যপথির সিংছ ক্রিয়েভা ১২৬৯ ক্যার্ডিক হউতে তৈত্র পর্যান্ত ক্যোত ৫

> সোধগুকাশ সংজ্ঞ'ন্ত করেকটি বিশেষ নিয়ম।

অত্রিৰ মূল্য না পাইলে মক্ত্রনে নোমগ্র-কাল গ্রেরণ নর। যায় না।

টিকার অগ্রিম স্পা বার্কি ১০ এবং যাগা-সিক ৫৪ টাকা। হয় মানের ভানে লওয়া যায় না।

याहोता त्यामशकात्मव मूला छोन्त्र छिकिहे शकिम खीहोता अक खेलवा खांच खामांच खीनक मूरमाव ७ द्रमीरमह छिकिहे मा दशहन करहम ।

যথন বিনি মকজন হইতে সোমপ্রকংশের সূলা পাঠাইবেন ভাষা খেন বেকিউরি ক্রিয়া দেন।

পূর্ব্যশ্র মূলোর কাল অর্থান্ত হট্টালে মৃ-ল্য পাঠাইতে কেছ বেন অসক্ষ বিলয় না করেন।

ঘাঁহাছিগের মূলা দিবার সহায় অন্তান্ত হ ?

য়া ঘাইবে, সঞ্চত্মত সময় প্রতীক্ষা, করিয়া
প্রাথমে নোমপ্রকাশে প্রচাল করিয়া ভাষার
পর চিটি লিখিয়া জানাম ছইবে, যদি তা
হাতে কোন উত্তর অথবা সূলা দা পাণ্ডয়াবার
কাগল বত্ত হইবে। মূলোর নিমিন্ত চিটি বেয়ারিং পাঠান হইবে। কলিকাতা সংক্রেফালেজে আমাদিবের মানে চিঠি আইলে আমরা লীপ্র পাইব।

যাঁথার যথন সোমগ্রকাশপরিত্যার করিব,স ইক্ষা হইবে চিটি লিবিয়া না ভানাইলে
ভাষ্য গ্রাফ করা যাইবে না।

কেছ সোমপ্রকাশে বিজ্ঞাপন দিছে ইছ কবিলে তীহাকে প্রথম নার প্রতি পংক্তি ৫০ আনা ছিতীয় ও জুতীয় বার /১০ জানা ক'নয়: দিতে হটবে ভালাব পর ৮০ জানা করিয়া লগুৱা শাইবে।

নকৰভোৱ ঘাঁচবিশ ছইবেন, ভাঁহ'-নিবের শতক্র ভাকনাক্তন দিতে চইবে

 में श्रेष खेलिकांकां वृक्ष्यांकाता दश्यक्यक त्यां-वास्त्र द्वित्रह्मक वृक्षिण क्षेत्र विद्यांकात्र विवादकार्याः दिव्हांक्ष्यप्त वृक्षिक खाडि त्यांगवांत्र खेलाणित वर्षः

प्रवसंता प्रकृतिहिताच पार्थिकः बरस्वती मुतिनहती न क्षेत्रका ।

38754 TI

সন ১২৬৯। ৫ হ ফাল্গুন। ইং ১৮৬৩। ১৬ কেব্রুয়ারি

गानिक मुना 🤰 ষ্ট্ৰিক অগ্ৰিম 🕍

धन्यमञ्जयसम्बद्धाः जयप्रस्य श्रीकः সংক্ৰান্ত বিজ্ঞাপন।

ভারি অবধি সোমপ্রকালের আর এক করমা রক্তি হইল। জাতঃ পর গাঁহারা বাঞা-निक मृता मान कब्रियनम, छोश्वीक्षेत्ररक en-गाएक में हो होग। निएक बहेरव, वार्गिक का-গ্রিষ মূল্য (১০ টাকা) স্মূপরিষত্তিত রহিন। वक्षात्व आहमनिशतक भेकित छोक बायुन দ্বতে হইবে। বাসিক ভাক মাসুল ৩,• হর, िच चैं सिंही पूर्ण अवद्या ग[्]षा खाँ (हे*हि* दूह ब्ब्रेडी कविश पिरवन, डांश्रां ज्राहात वास । চারি আন।) বাদ পাইবেন। ঘাঁধারা স্বত छ जान **माञ्च मिटा जनमर्थ इ**हेरनम, **जा**ना-ইবেন, আমাদিগের অধপ্রত্যের হইলে তাঁহা-দিশকে মাজন দিতে ২ইবে সা।

বিজ্ঞাপন।

कतिमश्रुत विनाद खडः गाउँ। वाहेदकमादि । হবংতপুর নামে যে পজনি তালুক আছে, চাহা দর্পত্নি দেওয়া অপ্রা বিক্রয় করা াইবে ৷ ব'হার সেই ভালুক দরপন্তনি লই াৰ তাথবা ক্ৰয় করিবার উক্তা আছে, ভিনি লিকাডায় ভার্ডার ফিনর কোম্পানির নিক है 'कारवलम कतिहल किविटलंश हाहास स्व'निद्रक *Personal

विकाशन। ्रशर्धिक्ता । वीर अजनात्व कतिराजाय भागीगाग्र

সরকার বাহাছুরের তকুমানুসারে কর্ম-ा ते १ तक का का का वाहर करहा वाहर कर वाहर का विवास का किए के देव का

ত। ত্রিত অব্ধে পুরুপ, জাহার, খালবোট, ७५. रखता, धदर छेशत मृहत्कत्र लोका मक्न अहे छगनि नमें एउ ब्राखिखाता क्लिकांडा नी ৰা ৰখো যাতায়াতকানীৰ সন্ধে কাটানের তিতর আলো রাখিবেক সর্বাৎ যে স্থানে রা-भित्म पुत श्रेट अर्थ पृष्टि श्रेष, यमाभि जेल নিয়ণের জন্যথা হয় তবে একশত টাকা 1 >००) अद्गिमाना मिटा श्हेरवक । इ८७५७०।

> व्याप्त श्रावरमञ्जानम् कहा কলিকাডা ।

> > K

148674

নামবার, বন্ধ ঠাকুর, রাজু দৃদিংহ, গৌর विद्रा भ, निज्ञानम देवद्वाती, क्रकत्वाहन গ্রীচার্ব্য প্রভৃতি প্রাচীন কবি জ্বালাদিলের ত্তম উত্তম গানগুলি সংগৃহীত ও একব্রিভ तिया एडिए क्यां नियारह। शूखरकत मूना

न विक्राजी বছৰ জার টি ট । ৬ ন ° বাটী। धीपक्रां, शान हर्डेशियां यु अवर त्मार

বিজ্ঞাপন ৷

দর্কসাধারণের গোচরার্গ প্রকাশ করা বাই-डाइ (य, केनिकाछान्ड शवर्गस्य छ शवर्गस्य छ হাৰ্যকৃত এবং অপর বন্ধ বিদ্যালনের বাল-ाटर्गत उरमामार्च गवर्नदमके वार्षिक व्य 🔊 🖨 रिक्जिक शांबहाँड धारांन कतित्रांट्न छ १... कारियामगरक वर्तवाम वदमात्र विम्न कि विक

मन्दरनदब्द स्त्रमवद्गक कृत् कांतिथिछ विषद्वत्र शतीका किर्

योजानाविका । চারুপাঠ ১ম ভাগ, রুণজিৎমিয় 'ভান্ত, কৰিডাপাঠ, আঠনিখন ব্যক্তির ।

मश्चि, तिल, क्रिया, कांद्रक ! कृदशांना । পৃথিবীর চারি প্রধানখন্তে াৰচিত্ৰ লিখন :

বালালা ইভিহান

ভৈরাশিক পর্যন্ত। ३३, ३२, ३३, व्यक्ति । श्नव वागकनगरक गणाजिल्लि का निष्ठ रहेएक वंदा ।

বালালা জানিজ্য। नव शक्तनात्र, हिनिद्युक्त्, ३ वर्षात्र ঠি, শেতনিখন ও মুদ্রাখনু ৷ यार्कष्रव ।

गरिंड, निज, किया, कांब्रक, नवांन,

ইভিহান ৷ লাল। ইতিহাস ২ য় ভাগ ও কৃষ্ণচন্দ্রাটে 🛊 🛦 ।রভব্ধের ইভিহাস।

ভূগোল।

তারিবীচরণত্ত ভুগোলবিবরণ থিবীর চারি প্রধানখণ্ডের ও এনিরা य्र एम्ड व्यविष्ठित लिथन ।

नायां ना स्थारम नहास।

ा बालक अध्वलिश्वत अवः बालाल शूर्खकं है, बिलिया छेशमान्ड इहे बाइह। है रेश की া অপাবগ হইবে ভাছার ভান্যান্য বিশরে াক্তাহণ করা যাইবে না ৷ যে যে বালক প ·্ডে বীৰ্ণ হট্য়া এই সকল ছাত্ৰৱন্তি পাইবে ত'হ'ৱা হিন্দু বা জন্য কোন গৰ চেন্ট জুলে ্ন বেডনে পাঁচ বংগর্কাল পাঠ করিডে

'ব্যুগ ১৮৬৬ সাল। তারিখ ২০এ । इंग्रह बहुक বালালা মধ্যবিভাগের ফুল ু সমূহের উন্জেপ্টার ।

: (माग्यकाण।

e हे दर्भवदाई।

🗦 নধ্যে মধ্যে দেখিতে পাওয়া যায় সোমপ্রকালের মকস্বল আহ্কগণের কেচ কেহ বিশ্ব ভি ক্রমে মুল্য প্রেরণ করিতে चन्न दिला करतन, छाहार छामानि-গোর নিয়ম ব্যাখ্যত ও অসুবিধা ঘটে। **এই নিমিত আজি অবধি এই নিয়ম করা** যাইভেট্টে, যে মাসে যে যে ব্যক্তির মূল্য কলে অতীত হইবে, ত হাদিগের সার্থার্থ "প্রাপ্য স্থলা" এই শিরোনাম দিয়া ভাঁহা দিগের নাম, বাসস্থান ও মুল্যনিংশেষকাল লিখিয়া দেওয়া হইবে । তাহার পরও যিনি অসমত বিলয় করিবেন, তাঁহাকে আর একবার জানান হইবে, ভাহাতেও यक्कि मूला व्यथवा क्रिके ना व्याहरम, टाँहांत **মেট্রি**প্রকাশ লভয়া অভিত্রেত নয় বিবে-চনা করিয়া কাগজ বন্ধা করা হইবে ।

্শাসরা অভিশ্য তুংখিত হইলামা, পরি ্রী **সূর্বক অকালে** দেহ পরিতাগকরিয়াছে। . जना जीवाय এक शानिए छेश्कू है, रेजनि जवार शक्त बारे। श्रीत्र मर्कित्वः (मिथि আমাৰিগের কথঞিৎ এই আ াতে সমর্থ হৃইবে, কিন্তু তাহাও উল্ र्वेल । जन्मीकरः विक्रकः व्हें ता श्रीत ह উঠাইরা দিলেনু। তিনি বিরা-पंच कात्रण निएक्न कतिहारहन,

গণের অনাদর উহার অনাত্র

শ্যাচার পতাদির ন্যায় স্মাচার পত পাঠের মর্বজ্ঞ ও তৎপাঠে অনুবক্ত লোক বাদ:লিদিনের মধে আজিও অধিক इन नाई यथार्थ वर्षे, किञ्च यम् अनू ধাবন করিয়া দেখা দায়, ভাঁহাদিলের ক্তব্যে সম্পূর্ণ দোধক্ষেপ কোন ক্রমেই ন্যা-য়ানুগত ব্লিয়া প্রতীয়মান হয় না ৷ একংগে আমরা দেখিতে পাইতেছি, বাদালিদিগের দিন দিন পাঠ কুখা রুদ্ধি হইতেছে। কিন্তু সেই বুভুকার অনুরূপ ভোজা লাভ ন হওয়াতে ভাহার আবার মানদা হইয়া যা ইতেছে। কলতঃ আমাদিগের সংকার এই ৰূপ, সম্পাদকদিগের যথারীতি পত্র স ম্পাদন ক্ষতা বিবৃহ বাদলা সমাচার গ ত্রের উন্নতির সমধিক এতিবন্ধকতা করি তেছে। ভাল সমগ্রী প্রস্তুকরিয়া সম্মুখে উপস্থিত করিলে কাহার তাহাতে লোভ না জ্ঞানে ভাল মন্দ বুঝিতে পারেন, এখন এরপ অনেক লোক ভইয়াছেন। আমরা সম্পাদকের একটা সক্ষোভ অনুচিত প্র-**िष्ठ**ा (मथिश यात्र शत बा**रे क्**ता हरेलांग। তিনি এতিজ্ঞা করিয়াছেন, বাদালি সমা জের এরপু অবস্থ: থাকিতে তিনি সার বাদ।লিদিগের উপকার করিবেন না। জা হার সদৃশ দেশহিতৈথী উদারম্বন্ত ব ব্যক্তি য়া যদি এৰপ প্ৰতিজ্ঞা করেন, তবে কাহা হইতে সমাজের অবস্থা সংশোদিত হইবে? र्थ (य क्रभ दावहात क्रक्रक ना रकन र मण् থে যত কেন প্রতিবন্ধক উপস্থিত হ'উক না, সমুদায় অভিক্রম ক্রিয়া সংকর্মসাধন করিব, মহতের এইরপ মহতী প্রতিজ্ঞা **हाई । क्टम्स उत्थादमाइ इ**७३१ व्यामानि हिल य देश काम ताह कि ज मुरे तात अकि रेमिनिक माय, जाहार उहे ्राप्तरभाव छेवनि अठ शण्डावर्तिकी करे-য়াছে।

> বছ দিন হইল, অচিছিত কর্মচারির। था अनामिरशंत राज्यन विवर्धतं मूर्विश्राट्य-

यी इरेश मत हाद्रमम छट्ड मिक्ट वक অংবেদন করিয়াছিলেন। সম্প্রতি শুনা বা ইক্রেছে, সেই আহেদন পর ভুল্লার অনু মতি সহিত রাজধানীতে উপন্ত হহগাছে किन्न जामिल श्राटमट है अहादिक मुक् हर नाहे। चा. द्वमनकादिमिटशत और বৎসর করিয়া ল,ভ হইয়াছে। পুর্বে ২০ও ৩০ বৎসরে স্ব স্ব বেছনের তৃতীয় ও অর্থ অংশ পেক্স পাইবার নিয়ম ছিল, এখন a अर क्रेट क्रिक मिक प्रकार के अर अर वर्शात (भन्नन सहैरक इंग्रेटन ज!कुरत्रत मर्टिकिक्टे फिट्ट इट्टेंब । ७० वरमत इड् ल च त मिं किक्ट्रोत अस्माजन इहेट्य না ৷ অনা কারণে হউক আর পড়ি নিব कार र्घक, (र'न कुछिरे कर्य क्राटनत मर्गा পরিগণিত হইবে না, কেবল গাণ্টেমট অনুগ্রহ করিল, প্রিথিনেজ লীভ ধলিরা যে চুটি দিয়া থাকেন, তহো পরিগণিত হইবে ' কর্মড'রিরা প্রচারৎসর করিরা তে लाञ दहिरलनः देश माभाना लाख नरः, তবে আক্রাক্রার ইয়ত। নাই , এই ইচ্ছ; ভইতেতে, যদি বিনা- ডাক্রেরে **স**টি জিক ট ২৫ বৎসর, আবে সটি কিকটে ২০বংসর প্রয়াস্ত পেক্সনের নিয়ম হুইত,ডাক হুইলো ভাল হইত। ভারতবর্গে অবিচ্ছেদে অভয় महीरत २६ वट्मव २र्ण कहा महक्र क्या मध् অনেকেৰ অদুৰ্বে ইছা ঘটিশা উঠিৰার मखादमा नाहे। अद्धी दिवास व्यक्तिय खनाय जाडा इहेगटह, श्रीष्टा कालटट কৰকাল মধ্যে গণনা করা অভিনাব উচিত

যে বিষয় যাহার নিভান্থ প্রিণ ও কা जीके रश, अनुशर्थ घरनाटन उ त्य जनन् ल दिल्या भवना करत ; आंग्रता अस्ति भ সর চারলস ট্রিবিলিয়ানের যাবঙীয় চে खीरक वेनकप्रकेरकात खेळालन विवरत्र चन् কুল বলিয়া গণনা ক্রিতেছি। শুনিলাম, **छात्रलम कि विलियाम अधिक श**्रिकाटन

त्यां के कालक कतियात क्रकीत बारहर का माजिएनंद स्थाप एरेल, रेश् रेनक्मिणेक वित्मिष्ठः रेश अठिकन अवगरमार्केत कवि छहाइयात भूर्व पारश्रीकन । इनक्षिण क्षेत्रहेर्ड इंदेरन य य छेशाय व्यवस्था करा जावगाक, ज्ञिक शतिगात्व त्यांहे প্রচলিত করিয়া আন হ দ্ধ কবা ভাষার জন্য হর। এ উপারে কোন জেণী অথবা সম্প্রদাবের বিদেব জাগবার সম্ভাবনা নাই। কাছার প্রতি অভ্যাচার হওছ্বাও সম্ভাবিত नहर । शवर्गस्मरणेत कि कामात यनि वि শ্বাস থাকে, এ উপায়শ্বারা অর্থলাত ছ্রাছ ताथ क्ट्रेटकर में। शवर्ष्यणे कर्म अकात প্রিয় ও অভীক কাথ্যের অনুষ্ঠান দারা অনুবাগ ও বিশাস ভাজন ও হইণা উঠিতে (इत । याम तक व शृदह नगम **होका व्य**क्ष সঞ্জিত থাকে, আর অধিক পরিমানে নোট এচ-িত হয়, আকেন্দ্রিক তুর্বটনা কালে शवर्गरम्पेत विश्वमा<mark>श्च हरे</mark>वात मेखावना অ ছে, এই বলিয়া আনেকে যে আশকা क्तिया थाटकन, छ। । आना, पिटशत निकटि र क्रिप्तर दलिया अधीयमान रहेरस्ट मा। ष्णां जिल्ला अवर्गरमण्डे नित्रवलयन ७ निः जञात नरहम, देश्नर छत्र धानारम देशाँत। क्रश्मारक रेफ्रेसिश थल स्ट्रेंट व्यमःश অর্থ সংগ্রহ করিছে পারেন। গত বিজ্ঞো ছই ইছার সাঞ্চা দ'ন করিতেছে।

এতদিনের পর বুঝি বিধাতা হতত,গ্ \ युष्णक्षित्रत्न श्रीष्ठि श्रमञ्च हरेटस्त । এछ দিনের পর উন্থাদিগের বেতনের বিষরে ' গ্রণমেণ্টের দৃষ্টি নিপতিত হইবাছে। বা पानि मण्यापक खनिशाह्म. छाटापिट्यंत छ्दे (अभी इंद्रेश १ १ अभीत ७०० ও বিভীয় শ্রেণীয় ২০০ টাব: বেভন কইবে। সঙ্গর আহিনের পদ উঠিয়া ঘাই । এতদিন থে কারাক্রেশ দিলেন, তল্পিনিত্ত (व, युक्तास्कत्। (महे क्यं कदिएवन । खना ন্ৰপ পুরস্কার লাভ না ছওয়াতে কেবল যে মুকোকেরা ভয়োহসাহ ছিলেন একপ নয়, জম্প বেছন কেধিয়া লোকের ও বা

হাদিকের প্রতি ত'দুশ গৌরব ছিল না। विष्ठमात्र धक्षी माफि स्वश किल्।

হিলির কি স্থিশুড়া গুণ !

বিধাতার ভাটি অতিশার ছবোঁধে, কথ্যু क्लान् कार्या कात्रवन्छ.टर कि घटेमा क्रम, नमू माग्र महत्क वृक्षिया छै। यात्र मा । वृक्षिवात्र निभिष्ठ अपनक अगरत अपनक अत्रांत शा ইতে হয় ৷ আমাদিগের অ:দালতের গতি ইঞ্চ অপেকাও অধিকতর দুর্বোধ ত্রসাছে। অসামান্য পরিশ্রম সহকারে ইহার কাষ্য কার্ণভাবের বন্ধতর অনুসন্ধান ক্রিয়াও বছ সম্যে নিভান্ত বিকলচেন্ট रुकेरक रुप ! मन्ध्रिकि (य हिलिब नकस्त्रा) इन्या विज्ञाद्य, उन्हाजाई आभामिरशत वाका मध्यमान इहेटडटइ। विधिमृ के धहे, सारल / নামিবা মাছ ধরিতে গেলেই গায়ে কাদা मार्ता, किस आयामिरशत धर्माधिकद्रव विक धनानां हेटकत नात्रक हिलि नशुपात मद्रा বর আলোড়ন করিয়া মৎস্য ধরিলেন, কিন্তু গাতে অনুমাত পক্ষপৰ্শ হইল ৰা ! विधि मृष्टि अहे, क्रण्युत्वम कर्णक्वत्य क्ष বেশ করিয়া ফল আছরণ করিতে গেলে শরীর কণ্টক দ্বারা ক্ষত বিক্ষত হয়, কিন্তু व्यामामिरशत पत्राखि हिस दिलि छुर्शम कर्णे क दरन अत्वाभ क्रियान, मक्रम कन আহরণ করিলেন, কিন্তু গায়ে একটা আঁ চড়ও লাগিল না।

এন্তলে হিলির অসামান্য সহিষ্টা ও ণের উল্লেখ না করিলে আমাদিগকে পাত की इरेट इरेट्स ! जूतिता साहाटक " महे গিলুট " করিয়াছেন, কিন্তু তিনি এমনি श्रुक्षन त्य अवर्गटमके कैं। हाटक विनाभनात्य তিনি গ্রথনেট্টের নামে নালীশ করিলেন मा। जाँशक्रथि अकः। अभाषामा अस्त्रिका গুণলা ধা,কত, আময়া এত দিন লগুসাহে বের সময়ে আণ্টশহেরের নাম বীভন সাচ্ছেবের নামে আদালতে অভিযোগ উপ হিত দেখিতে পাইভাম! হীড়ন সাংহৰ नीलकत परलब थिय दलिया क्यूनरे जुन् পাইতেন না! অন্যার দশুকারির ইক্সি আবার থেম ও স্নেহ্ কি ১

এই % मटन योगानित्रत दनदम् লেঁকৈর নিরীক্তা ও সুস্থিরজ্বসমভার প্রেশংসা করিবার অবসরটি পরিভাগে ফ त्रां विरथम श्रेटकट्ट मा ! विलित अकस मात्र रेडेटवाशीरतता सुनि रहेगाहिरलन, ভাল ভাঁহারা যেন এমেশের দ্বাক্সিরেস র লতা ভীক্লতা ও অন,ভিজ্ঞতা প্রভৃত্তি বিবয়, অবগত নহেন, সুভরাং সাক্ষির শ্রবানবন্দী পেথিয়া তঁ,হারা মনে করিলেন (ভাঁ,হারা হিলিকে অপরাধী জানিয়াও ছান্ডিয়া দি একথা অবিভূত্যকারি হৈগতে तार् वटन) क्रवत्कता निया क्रिएएए. कारक नारकहे के मात्रा हका किर्याम हहें তে হিলিকে মুক্ত ক,রলেন। কিছুবিলি যে দাবাহনে উপহিত ছিল, ভাহার উৎসাহ मात्न रा रचाकांत, शृहसार, ७ औरमाः কের সভীত্র হরণাদি ঘটিয়াছিল, ভাৰবয়ে काशत्र अटम्बर मारे । काउँ वाटर्य কৌশল ক্ৰমে অভিযোগ কালে ক্ৰম অংশ य भ तेशांत कतिरलन, जात्र:विरुद्धतः इष्टम त लाटकता न विश्वता लोनावनकी विर्देशी त्रहित्नन (क्स) अक सम अम्हान अस्ता চার ও অরাজক কাও করিতেছে জানিতে 'পারিয়াও, যদি অপর কেই ভাহার অর্থী ना इस श्वर्गद्रको कि स्वतास्त्रकर्खादक विमा मृद्ध व्यवशाहकि मिद्रबंद १ अ ७ श्रुणित मोमारमा कदि । लख्या कि व्यामाणियात যাবৎ মীমাংস। না হইবে, তাবৎ এদেশের **ल्याक्त धम धार्गाम तकात जायागन** কি > সকল অভ্যাচাবে লে অধী পাওয়া बाम्र मा, हिल्लिन मकलमाई ७ फाहात अक ही छम। इत्रवद्या । এত द्वित्र खर्शी मा इहेना র ধন লেভিঃদি অনেক কারণ আদ্দ

উপসংহার ছলে আগরা এতৎসংক্রা ই আর একটা বিষয় পাঠকগণের গোচর রিতেছি। বিশক্ত লোক মুখে শুনিলান, হিলির বিষয় লেখাতে বালালি সম্পাদকের নাম লাইবেল নালীল করিবার ভার প্রামর্শন করা হইয়াছে। সম্পাদক এখন কি করিবেন স্থাপনার বাক্য গুমাণ করিবার চেন্টা পাইবেন স্না, আর কোন উপায় অবলম্বন করিবেন স্পেধিবেন যেন প্রেড্রাদশানা হালে।

নিনিল স্পাদের প্রীকা ভারতবর্দে না হওয়া জান্যার চইতেছে।

ইণ্লণ্ডেশরা একজন এতদেশীর বাবহাবাজীবকে প্রধানতন বিচ'রাল্যের প্রাক্ত বিবাক পদে প্রতিষ্ঠিত করিছা তা তবর্ষীয় দিগকে এই কথা জানাইবাছেন যে ভারতবর্ষীয় গবর্গমেন্ট যেরূপ পক্ষ পাত দূষিত মুক্তিবিক্তর বাবহাব করুন লা কেন, তিনি নিজে সাহন্ৎসহদ্ধে যে 'বাবে হন্তার্পন কবিবেন ভাহাতে পক্ষপা। ত সমন্ধ থাকিবে না। এত মূলক একটা করুতর এল্লা সমাধান নিতার্ভ আবশাক হব্যা উটিয়াছে। সে প্রশ্ন এই—

ত্রেন্দনীর্বেরা যথন দেশের সর্প্রেচ্চ বি

চারালরের বিচারপতিপদ লাভের যে গা

হইলেন তথা ওঁছোরা কি জন্য মাজি
টোরর কর্ম প্রাপ্ত না হন - ওঁছোরা প্রধান

চারির কর্ম প্রাপ্ত না হন - ওঁছোরা প্রধান

তম বিচারালরের বিচারোসনে আসীন

তম বিচারালরের বিচারোসনে আসীন

তম বিচারালরের বিচারোসনে আসীন

তম্বা জজ, মাজিন্টোট প্রভৃতিব আজ্ঞার

বিরুদ্ধে অপিল প্রবেণ, ও তম তম করিয়া

ভিষমে বিচার এবং যুক্তি ও আইন বি

যুক্তি কালেক্ত্র দিগের পদ পাইতে পারিবেন

না, ইহা সামান্য বিশ্বরকর যুক্তিবিক্তর বিদ্যাক অগ্রতা ডিল্লাম্বর নিয়ম হওয়া
ব্যাপার ন্তের প্রাক্তার নিয়ম হওয়া

ভারতবানীয় গ্রণ্মেন্ট বার্ষার বলিয়া । ও ছেজেন দর্শন

আসিতেছেন উপযুক্ত হইলে ভাঁহারা नितरभक हरेया आहि धर्म ७ दर्गटिन ना क्तिया जरुनारक जुनाकारण बाजशरण आ তি প্তিত কবিশ্বন ৷ ইংলপ্তেশরীয় স্বয়ংও बिक प्यायना मत्म, मान्य भूर्वक व्यविवरात অদীকার করা হইল'ছে। কিন্তু কার্য্যকা লে এ এতিজ্ঞাত বাকা এতিপালিত হই তেছে না, কারণ কি ন ইংলপ্রেশ্বরীর ও ख:রতবদ । গবর্ণমেটের কি আমাদিদের প্রতি স্নেহ নাই ৴ ভঁ.হারা কি অন্তরের সহিত আমাদিগের উন্নতি সাধন চেষ্টা ক त्त्रम ना > अटलामं अवत प्रा अवत दक.म् वाक्ति चाटक य धीवरण मत्मक् कतिरव न । তবে य यात्रता माजिएकु है, काल्डेत প্রভৃতির পদ পাইতেছি না, ভাহার একটা বিশিষ্ট কারণ আছে ৷ ইংলত্তে সিবিল স র্বিসের পরাক্ষা গ্রহণ রীতিই সেই কারণ। ঐ রীতি আমাদিগের অভীষ্ট লাভ পথের কণ্টকস্বৰূপ্যহইয়াছে ৷ উহা পরিবর্ত্তিত হই য়। ভারতবর্ষে পরীক্ষা এহণ প্রথা প্রবর্ণ্ডিত हत, এই धार्यनात धरमनीरत्रता बात्रवात ভারস্বরে চীৎকার করিয়া পরিশেযে প্রাস্ত रहेता शिक्षांद्य । कर्जुशक कालवर कान मह्मारा क्रिट्सन ना । अरमगीरम्बा কি অসমত প্রার্থনা করিতেট্নে - পরীক্ষ যে স্থানে হউক না কেন, যে বাস্তিৰ আপনা त क्रमडा अमर्गन कतिया शतीकाय डेवीर्ग **এই নিরমই ন্যায়:নুগত হইতেছে, নতুর:** পরীক্ষা স্থান ভেদ করিয়া অকারণ এদে শীরদিগের উমতি এতিবন্ধকতচেরণ িধ म इरेटिए मा। किए किए राल्म, अरन শীয়েরা কুপমগুক খনপ, খদেশ পরিস্ত্য। গ করিয়া দেশান্তরে পদক্ষেপ করিতে হই ल रेहँ। पिरशत थाना ख राम इत, देश्लर ७ সিবিল সর্বিদের পরীক্ষার নিয়ম হওয়া তে ইহঁ।দিগকে অগত্যা ভিন্নদেশে সমন कतिएक स्ट्रेटन ।

देश्लक क क च का कि मार्गन कहा ए। पान শ্য কর্ত্তব্য তলে আমরা অধীকারকরি না, णशक्तिदत्रक अटनभीग्रमिरशत बल्खाः লাভ ও বাহ্বাদি গুণের বৃদ্ধি হওয়া সন্তা विक नग्न । किन्दु धहे कावन धामनि कतिग्न रव अटनटन श्रीका शहन वस्त कहा आग দিগের মতে কোন ক্রমেই বুক্তিসভত বলিয়া প্রতীরমান হইতেছে না। এদেখা । **बिर्गत हेश्लुख**'नि भगत्नत **अ**न्ति श्रीन महान अधिवक्तक चारह, तिविल निर्वित পরীক্ষা দানের লোভ তদভিক্রমে সমর্থ नटर । जाहा हरेला अठिमन चार्निक रेला क গিয়া পরীক্ষা দিয়া আসিতেন। সে প্রতি বন্ধক গুলি অন্য অন্য কারণ যোগে কে'ন करम अवृतिक दहेरवा याहा इकेक, मृति র জপুরুবেরা একান্তই নিজান্ত মধুর ও জগ ওনীর যুক্তির অনুসারী বোধ করিবা অপ্ নাদিগের অব্লখিত মত পরিতাগে না ক दान, था.भाषकः अहे क्भ कक्रम १

निविल निर्दित भन्नीकांद्र छेशएवांनी যে যে পুরুক ও ভাষার পাঠাজাবদাক এই **प्राप्त कम्यासन निक्य उक्त । श**तीयक र्थ को भारत मान इहेटल हेश्लार है निया श्रा का निया जानित्वन । छ यह वर्गी य शवर्गत न के धडमर्थ धव्यक्ति विमालग २ डिक्ट। कडू न विमाला निविल खवादिकेंद्र शन লাভের উপযোগী বিবর সকল অধী চ হইবে ৷ এছলে পাঠকগণ জিলাসা করি তে পারেন, এবপ করি । বিশিষ্ট ইউ লাতের সম্ভাবনা কি ২ ছটা লাভ আছে। कर, रामकल वा कित हैश्ल ७ नगटनत जमा কোন এতিবক্ষক নাই, বেবল একমাত্র व्यञ्चिक अहे या छ। हाजा है श्लाट भीर्प কাল বাস করিয়া আবশ্যক বায় নির্বাহ शूर्वरु व्यथाप्तन किन्ना भन्मान कतिए शारत न ना, जाँशिक्तित्र शत्क त्रुविधा हरेरव । बिकीत, ये विमालदत्र अधात्रम कत्रिता या इ.ता देश्लाटक शाहेटक ७ व्यामर्थ इटेटवन जू भिका निवस्तर উ,হাদিবোর

> জাবেরিকার যুক্তের ধথার্থ কারণ কি ১

আমেরিকার বর্তমান-পুত বুজের সুস क'ता कि । हेश्रा निर्गत कतिएक स्टेटन অত্রে একটা প্রেছের মীমাংকা আবৃশ্যক। উহার সহিত ভত্তভা জাতীয়ৈ সন্মান, বাণি-का बीद्धि এবং यामव मश्रमीत मूर्थ प्रमूखारु র্ভিয়াছে। ভাহা এই—ভাবেরিকার **ঐ**ড দাসত্ব অব্যাহত থীকিবে কি না? এক বাব্তি অপর ব্যক্তিকে অসম্যতিতে বল পু ৰ্বক কে'ৰ কাৰ্য্য ক্ষুমাইয়া লইতে পালেন না, এই যুক্তির বলবন্তা সম্ভালতিয়া-ब्रिकात कतिया चारकम । देव्हारक ह-**डेक ब्यात लक्कांग्र প**ड़िया रुखेन, रंखेटताश খণ্ডের যাবতীয় ক্রেশেশ ক্রীক্রণাস রাখি-ব'র এখা ভাগে করিয়াছেন। কিন্তু বিশ্ব-্রর বিষয় **এই, উ লিখিত ঈশ্মক্ত** নিয়মা-নুসারিণী বিশুদ্ধ যুক্তি অত্যে জাত্মলামান েকিটেও আমেরিকার দক্ষিণ বিভাগে কেবল যে এই জন্ম; এবা এবর্ত্তিত রহি-त'रह अमन मरह, खबात अहे अवारी गाव-ভাষ সুখের মূল ও ঈশবের মিয়মানুগত ব-লিশা প্রতিপশ্ন হইয়া থাকে। সভ্য বটে আ গিযার **কোন কোন স্থানে ক্রিত** দাস প্রথা দৃষ্টিগে,চর হয়, কিন্তু ড,হ্'দিধের অবস্থার গৃহিত কারোলিনার কা কুদাস্দিলের অ-বস্থার ভূলনা ক,রলে সমুদ্র ও গোলাদে য়ত প্র**ডেল, ভঙ্ক প্রডেন বোধ হ্**য়। পার-

ना,: डीन, क कूंतकरकतीय अक्त कान चानिके भेश्राक शतिकान वित्तिता अन्ता ७ कान करतम, छाणां निर्णत महानानि स्ट्रेस कांशाचा चरनक कंटल वादीनठा क्षांख इत्र, धवर अजूत खेत्राम कान मानीत शर्ख मधान क बिरल रम महान बातक स्ट्रेना ख সম্পত্তির অধিকারী হইগা খাকে। এ সক म सारम मामिरशत किहू किहू चप छ অধিকার আছে, এভুয়াও ভাহাদিগকে नहत्त्व छारा रहेरछ वक्षिष्ठ करत्न मा। ক্সি আনেরিকার দাসদিগের ভাহার কি ष्ट्रे नारे। छाशांनिशतक शास्त्रवसहित्वत ভুল্য জ্ঞান করা হর, অতি সংমান্য লোকে णांशांनित्त्रज्ञ श्रांन मक्षत्र इट्या बाटक । ভত্তভা দাস ঘটিত আইনের বিষয় কে না व्यवश्रक व्याटहन । व्यादितकत्र व्याक्तरराज्ञ বিষয় এই, ভত্রতা পাদরিদিশের স্থানকেও धरे कच्ना क्षशास्त्र वाहेवत्तत्र चानूरमानिक बिला अञ्चलम कतिश बादकन । बादम-রিকার দক্ষিণদেশ কি সভ্যতম প্রদেশ मद्या পরিগণিত নছে ?

একণে এই প্রদর্গে আর একটা প্রস্কৃতিগ বিত হইতেছে। উত্তরাংশের বভাপতি নিছ लन कि छेटकटर्भ धृहयूटक अवृष्ठ इहेगाटहन, আমেরিকার ফ্রন্ত প্রাকৃষ্ণি দর্শনে যাঁচারা काष्ट्रत, फाँहोत्रा निक्रमण्यत निक्रूकी ध्रतृित চরিতার্থভাকেই যু র প্রার্ভির কারণ বলিয়া निर्द्ध म कविष्य भारकमः छ। इन्ता वरलम लि দ্বলন রাজ্য লোভে অন্ধ হট্য়া এই অকা-যা করিতেছেন। কিন্তু বাজুবিক তাহা नरह । नामञ् अथात्र हुछ कदिवात क्रिकारे উহার মুল। উক্তর বিভাগের লোকেরা। ব্রাব্র দাসত্ত্বের প্রতি ঘৃণা ও উহার প্রতি বন্ধকতা করিয়া আসিতেছেন। কিন্তু এত ্যান নহ সভায় দক্ষিণ বিভাগের প্রতিনি-ধি গণের অধিক ক্ষমতা থাকাতে ভাঁহারা এই जस्ता अथात के गुल्टन नमर्क रून नारे। একণে লিক্সন সভাপতি হওয়াতে ভাঁছা मिट्गद्र धार्थाना इरेगाट्र । पिन्न ४७

चमर्गात मागरपुत्र विश्व मखानका कडिया विख्यारह श्रमुख हरेशास्त्र

चना कटर वास्त्रात्त्रक्त्रहन्त्र स्वत्र् करे, चामता सनिका चाकाविक स्केलाम, मन्द्रां माटक इंट्यूड कथान कथान दग्र रकता व्यवकीविधिनात विश्व आवता सहैता এক সভা করিয়া বভাগতি লিছসনতে वक चित्रकान शत क्षणाव कतिहासून । जन, के तार्ष विम गाइका अकृषि सदस्क कम श्रिकी राक्तित गर्या और मुख्य सुद्ध । मत्लाता विद्यारिक्षित्वत कात्या ह किः वार ७ निकल्पात्र मशक्तवा अविवादकूत् । . শ্বীতিগান करिशादसन, " मानज् छेडारेबात क्रकीरे जिल्लाहरूत করে। । সভাপতি আহেরিকার সময়ার षश्य अकवा, कश्चित्त । व्र.विदाञ्च । व्याः व्याः क्तिर्डिट्स, द्रांका लाएका कमा सुरह् 1 দাসত্ব উঠাইয়া দেওয়া অন্ধি কর্মবা, নজে পष्टि निक्रमन थ किंग क्रिया मुस्तित थनावारमञ्ज शांक स्रेशारहन । हेशम् वा-निभिर्मत अस्तरक कामाधिकातिकिरधन क्षति ए ममनूष्यका अवर्णन करतन তরিমিত সভা আকেপ ক্রিয়ারেন। প্-রিশেষে সভোরা, সভ,পতি শীক্ষবিজ্ঞাহি निषदक পরাজয় করিছে तमर्थ एव, এই सुभ षक्तिगव अकाभ कहिरत्व । अस्ट्रम् प्राप्त अन्छै। विवदत्रत्र **উद्धान कत्रा, कर्चना, निष्ठे** देवक शहरि केवत विकारभन्न मुभन जन्मर लाद्यमात्रादात क्रुक्कि विश्ववानम् याजि मिर्वत महाप्रकात कना विश्वत है।का मरशू-হিচ হইয়াছে কিন্তু হক্তিণ বিভাগে এক भग्रमाथ एवं माहै। मना व विवाहि क्रु ख्या नहकारत च्रेकांत्र कतिरलम ।

আমেরিকার যুক্ত রালার্কেইংলতে একটা আশ্রেমা বাবহার নখন গোচর হইছেছে। বিশ্বান, লোকেরা উত্তর বিভাগের শুভাকা ক্রমী, কিন্তু সংবাদ পত্র নার্টেই বিজ্ঞানি দিপ্রের সহয়েতা করেন। অপর ইংলগী-ম সাধারণ লোকে দাসত্বের প্রতি মুণা প্র- *

भटकता भारक करतात स्माक भरतात धरे थ-শংসনীয় কার্যা কর্তুন করিয়া সৎপক্ষের সপক্তা করিবেন না? আমরা আরু এক টি বিবয়ে অধিকতর বিশ্বরাপন হইরাছি, এছলে ভাহার উল্লেখ না করিয়া মৌনাব लयन विरथत स्ट्रेरफरस्मा। जारम त्रेकांत গৃহযুদ্ধ উপাদ্ত ছওয়াতে যে স্থানের লো কেরা ক্লেশ সাগরে নিমগ্র ছইয়া ও লিছ লনের সপক্ষতা প্রস্তাব করিয়া আপনাদি গের অননুকরণীয় উদার্য প্রদর্শন করি তেছেন, সেই স্থানের লোকেরাই আবার **फ ब्रज्यार्य र न्हें किंदिल विश्विक क**्रिवात क्रिकी श'र्मा क्रूपकिशतक नीलकत ७ जू-লকরের খাল করিয়া দিবার চেকা পাই-ভেছেন! আমরা সাঠ বুঝিতে পারিতে हि, धविषदम् कै। शामिरशत रमाय नारे, छात তবৰের সবিশেষ রুদ্ধান্ত জানা না থাকাতেই তাঁহারা ছ্ডাশর লোকদিগের কুহতে পড়িয়া একপ করিতেছেন।

ेश्रीतम क्रिक्शिवस्थित

২৪ পর্ণশার অন্তঃপা,তি রাজপুরের উত্তবাংশে "বসু পুকুর ? নামে একটা প্রসিদ্ধ পুষ্ণরিণী আহে। তাহার দক্ষিণ তীরে এক পঞ্চানন ঠাকুরের স্থান আছে। শক্তি ও মদলবারে তথার তাঁহার পূজার সমারোহ ও ছাগ বলি হইয়া থাকে। প্রা म्ब वाशवाक व्रक्तिवार आत मह -वतीक्रण कांश वलपूर्वक करेश भिंदा প্রীতি ভোজন করে। ছাগ ছিলিয়া লই वात नमत्त्र कथन क्वन (म्मात्क्वि, पूर्वी मूखें ७ वकाव कि इहेगा शास्त्र । शह भूई শনিবার পাঁটা লইয়া ঐ ৰূপু কাড়াকাড়ি हत । किंक धवादत धक्की महत् को कुक বিক্ষয় ও অত্যাচার কর ব্যাপার ঘটিয়াছে। পাঠকগণ দেখিয়া, শুনিয়া ও ভুক্তভোগী स्ट्रेश काजिएक शांतिशांद्य गांक् बारे,

কাশ করিরা থাকেন। এখন কি আর সক্ষা) বাললাচেদদের অনেক স্থানে মূতন পুলিন **क्टोकिमात रेजना इस्तारह। त्रास्मभूत ज** নৌভাগো বঞ্চিত হন নাই। গৃত সকলবার क्रीक्षित्रमात्रमहात्रचित्रमञ्ज इक्षेत्र, আর তাহাদিগের নিয়োজরিতা মহার্থির হউক, ছাগ মাংলে লোভ দৃটি পণ্ডিভ हत । जुड्याः करतक कन क्विकान जुन জ্ঞ হইরা পূজা স্থনে উপস্থিত হর। পূজা র শেব না হইতে হইতে পাঁটা কাড়াকাড়ি আরম্ভ হইল । এক দিকে চৌকিদার দল আর দিকে প্রামের কয়েক জন উত্তত স্বভাব সুৰহ। কিয়ৎকণ্ পরেই হস্তাহত্তি আরম্ভ হইল ৷ আমের যুবকদিগের মনে মনে অহলার এই, আমরা বরাবর ছাগল ছিনিয়া লইয়া থাকি, আঞ্জি চৌকিদার ল ইয়া মাইৰে ইহা ত হইতে পারে না। প कांच्देत .क्टोकिनादत्रता छ:दिल, आमहा একে পুলিদের লোক, প্রামের হর্ত্তা কর্ত্তা বিধাতা, ভাহাতে আবার মৃতন ক্ষমতা পা ইয়াছি, আমাদিগের হস্ত হইতে যদি অন্যে পাঁটা ছিনিয়া লয়, আমাদিগের স্কীবনে ওপাৰ এয়োজন কি : এই ৰূপে উত্তয় मल मममख ও वज्रशतिकत हरेग्रा नमद्र श्रृष्ठ श्रेटलन । अपृथ नगरम सक्त कल লাভ হয় উভয় দলই পথাঁও পরিমাণে ভাহা লাভ করিলেন ৷ তবে চৌকিদারের৷ দলে কিছু পাতলা চিল, সুভরাং ভাগদি গের তৎকালে কিছু কলাধিকা হইল ! কিন্তু পশ্চাৎ ভাষাব্রা সে ক্ষাঁত কতক ष्यश्रम शूत्र कतिया लहेशाहिल । शन्हाद च्या विशक मरमत य पूरे अरु वास्ति কে দল ভ্ৰম্ভ ও পূথক দেখিতে পার. ডা হাক্রিগের উপরে আশা পূর্ব করিয়া বৈর নিযাতন করে।

> এবিষয়ের ত এই পর্যান্ত গোল, পাঠ क्शन चलत बुखाड अवन क्स्नम । क्रीकि मारत्रता अमिरक अर्थ कांश कत्रिया शिक्षा व'ऋरेश्रतत एउश्री माजिए द्वेट हेत विकटि अकित्गान कतिल । एउनुके मारक्व महत्र

समित्व क्यांत्रक क्रिक्का भागांची विश्वत्क শ্ৰেপ্তার করিবার পরস্থানা বিলেন। চৌ क्रिमादब्रहा अक्कारम निरम्धकार्थ रहेता छै,डेन । এই नगरमङ चडानर कारधर क्या छनित्व भावसभाव अक्सारम विभाग **शब स्टेरवन । क्वीकिमारज्ञत्वा रक्वल** य বৈর্নির্যাতনাথী হইয়া আসামীর অন্তেব र्न अबुख स्ट्रेन अब्न नरक, कार्क्षानरात्र উপাৰ্ক্তন অনুদাও বলবতী হইয়া উঠিল: ভোমরা আসামী লুকাইরারাধিয়াছ বলিয়া ছল করিয়া ভদ্রলোকের অভংপুর মধ্যে প্রবেশ করিয়া নানা প্রকার উপত্রব করিল. স্ত্রীলোকেরা মাননাশের তরে মহারাতর न्**रेटलन ; च छः भूव मट्या जूब्ल श्रील**र्या ग छेश, देश हहेल ; त्क्वल और माळ मत्र, र्थ कृरकेता चक्निमश्कारम् क्रिकात निटर्फ.व वा किमिश्रक धतिया होनाहै।नि क्रवरह লাগিল। আজিও পদী্রামের যেরপ অ বহা খাছে, পলীগ্রামবাসিরাই ভাহা ভার বুঝিতে পারেন ৷ ঐ টানাটানিকে নিরীয় ভীর-স্ভাব গ্রামা লোকেরা মণাভীত :ই য়া কিছু কিছু দিয়া পাপ বিদায় করিতে लाशिदलय।

अक्टन चार्चाप्रिरशत क्रिकामा उड़े. **क्टोकिमारद्रद्रा भावि कश्याक्षमार्थ जिल्हा** জিত হইয়াহে, ভাহারা পাঁটা কাড়াকাড়ি করিতে গিয়া শাধি ভবে প্রবৃত্ত হইল কেন) যদি বলভাহারা দালা করিতে থাব मारे, मामा निवातन कतिएक निराधिन (আমরা ভাল লোকের মুখে শুনিয়াছি. वाखिवक ७:हा मटक) ए क्री क्हें त्रिंद छाइः **पिरशत पाणात लिख ६ ३३। विरथत २**व ৰাই। যখন ত:ছারা দেখিল, দালা নিবাব ণ করিতে পারিতেছে না, তথ্ন তাহাদি ণের ধানায় সন্নাদ কেওয়াই উচিত ছিল. ভাছারা ভাছা করিল না কেন : ভাছাবা कान् चारेन चनुनात्त अरे कल मक्समात আসামীকে গ্রেপ্তার করিবার নিমিত সহসং चाश्वःभूत बार्या शमन कक्रिया । गर्मा औ

लाटक्षेत्र बाजकारमः बाटबर्ग कहा जकल का ভিন্ন নিৰিদ্ধ, ভাষায়া সেই সাধারণ নিৰে ধের উল্লেখন করিয়া ভত্তলোক দলের অ ব্যাননা করিল কেন? কোনু আইনে 📽 যক্তিতে তাল,দগকে আসামী গ্রেপ্তার ছল ক্রিয়া অর্থ সংগ্রহ করিতে কহিয়া ছে > আমর। এবারে ডেপুটি মাজিট্রেটের निकटि धरे अन्न शिल कतिया कास वरे লাম, আমরা পুনরার এবিষ্যের হৃতকেপ कतिव 1

মুচন প্রস্থ।

আমরা রুভজ্ঞতা সহকারে খীকার করি-**उहि, मरक**्ठ का**रमरखब्र अ**धाक है; वि, ক্তিএল সাহেব বেপুন সোলাইটির " ইতিহা দের প্রামাণ্য সংস্থাপন 🦛 ভারতবর্ষবাসী ব্বকলিনের ভংপাঠের আবঞ্জকভা । বিবর্ক ৰে উপদেশ দেন, ভাহা কুদ্ৰ পুস্তধাকারে মূ দ্রিত হইরা সম্প্রতি প্রচারিত হইরাছে, আ-यतः डेवात अप अप श्रीश्र स्टेतावि । काउँ এল মাহেৰ এক জন বিখ্যাত পণ্ডিত ও ইতি হাসজ্ঞ, বে বিষয়ের প্রস্থ করা ঘাইতেছে ত হাতে প্রস্কারের অন্য গুণের পরিচয় দি ার অত্যে ইভিহাস বিশরে পাভিভেরে পরি **इत क्षणानहे नविश्वत जावणाकः जातत्**क ইভিহাস বিবয়ে বিভীয় আর্নল্ভ বলিয়া फेंग्गिक खन ब्राच्या कतिया वीटकन, अहे मध्य কি প্র পরিচয় মারাই পাঠকগণ পরিত্ত হই-বেন। অদ্য আমরা যে প্রতকের প্রসদকরি জেছি, ডাছা ভাৰয়ৰে কুদ্ৰটে কিন্তু গুণে ক্ষ নহে : পাঠকগণ ইহা মস্তে পাইলে এক ঘটাকাল পরম স্থাথে অভিবাহিত করিতে भाविद्यम नरसङ् माहे ।

व्यक्षाविक अध्वधा बतनन, और प्रिमीव হিরোভোটন ইভিহানের জনমাতা। ভাহার পুর্বের শোকে কেবল কবিদিগের কপিত বর্ণ-নাতেট সম্ভুষ্ট হটতেন : বথার্প এতাত্তের অপ্র : ছেন, মধাকালে (মিডল এজে) প্রেমরি নামক नवादन श्रव्य वहीं उन मा। कुछशूर्व वहमी । अक अन डेमोनीन य अक हेजिहान लाटचन, বেরা কি করিয়াছেন, ভাছাদিগের কিবাপ 'अवद्र', कांश क भागन क्षणांची किक्श हिन, **डावा हिट्यू प्रदेश प्रमान क**तिता कि नाम मी- े उ देखिदामदवस्था मसूत स्थाना खादा **दहेर**ख

ब्यानात रहेए हे या विद्रख वाक्टिख हहें(व र হিরোভোটদের পূর্বের লোকেরা এ স্কল विदयक्तः कतिएकम मा । स्वयक्तां किरशत श्रमत ७ क्लाइ ध्याकृषि कारेनगर्तिक वर्शनाई (क्वल ভারাপিগের সাতিশয় গ্রীভিকর হইভ ে হি রোড্রেটস খুর্ডের পূর্বা ৮৮৪ অবে জন্ম এইণ করেন। ভাঁহার সময় অবধি বধার্থ ইতিহাস আরম্ভ হয়। তিনি ইতিহাস শঙ্গে অনুসন্ধান कार्च दुविहा मन। क'डेजम मादश्य मिह का-র্থেই অপ্রোদন করিয়াছেন ৷ বস্তাতঃ অতি দুর অতীত কালের ১টনার ধর্ণার্প রভাত জা-নিডে হট্লে অক্লান্ত অধ্যৱসায় ও অনিবার অসুসন্ধান আবশাক হয়। কিন্তু ইলানীন্তন কালে ইতিহাস শক্ষের উদায় ও গভীরভর অর্থ হইরাছে। ভার নিশির্প ইহাকে সৃষ্টান্ত यक्ष प्रर्भन भाज विवश निर्देश कविद्याद्यन । बर नीत मिट्टानियन एन के क्रान्नात काता-গ্ৰে মৃত্যুর অব্যবহিত পূর্বে সলোক আহ কার পূর্বাক বার্ডার ব'লয়াছিলেন, "ভবিষ্য-षरभीरत्रत्रा कांशात दिनद्वत् यथार्व विठात क-ब्रिट्न। र नहा है चन्नकारलय लाक्षिशस्य অনাদর করিয়া ভবিষ্য বংশীয়দিগকে আ-পনার আখায়ত্বি করেন। তিনি নিজে এক অন প্রগায় ইতিহাস পাঠক ও ইতিহাসবেতা ছিলেন। ভাঁহার মতে ইভিহাস ভবিষ্য-कश्मीयुम्प्लित विहात विश्वा विक्रिंड इहे-**८७८इ। कामप्रद द**"रमाद्री कि खेशांद्र कार-नचन क्षिय। সেই विচার क्षिर्यन, अकरन এই প্ৰশ্ন উপিত হইতেছে ৷ কাউএল সামেৰ ভমিমিত স্থলমকালের ইতিহাস, জীবনচরিত এছতি তর তর করিয়া পাঠ করিতে অসু-রোধ করিয়;চেন। অব্দ বুদ্ধি পাঠকেরা কে বল ঘটনাৰ বননা পুৰ্ণ ইতিহাস পাঠ করি তেই সম্পিক ব্যগ্র হন পকান্তরে বুলিবানেরা भन्नत्तु मुक्तत्तु मानाना वर्गना भारते विद्वास হন কি তু এটি উভায়েরই অম : কাউএল সা-क्ष्य विवरतत्र प्रदेश्य अन्तर्भन कतिया वनिया जारा हेश्नधीत अभाग हेजिशनरवर्ता नीतन यशिक्षा निर्देश करत्र । अवह श्राटनात विश्वा তি শিকা করিতে হইবে, এবং কেনু গহিত। অনেকবিৰ মুডৰ আৰিজিয়া করিয়াছেন। বি । য়ন প্রভৃতি গুরুতর কামা সভি সাল কা

मन बहुकहान के आई मारबरबह कुछ औरनई ইভিহাস গাচভর অন্তসন্ধান ক্রিয়ার একট 🖁 केरहर्द पृष्टीख । जाराज शुट्य मिटिन्स अह गः चात्र हिन, प्रेक शहरात है किहान क्षेत्र क्षक ইইরা গিরাছে ! তথার আর বিচ্চ ইতন কা विश्विता कतिवाद माहे। विश्व श्रीक श्रुक्ति का ক্তিয়া প্রগাহতর অনুসন্ধান দায়া বাহা করি: ८७ भारतम, चत्रमाञ्जाम ५० ८वाटनेत्र आहरू **जारा मध्यमान कवित्रा मिटलटम् । 👑 🖫**

হিরোভোটন ইডিহাস লিখিয়া পথ প্রস্কৃতি न कतिया राग्टन शत केंब्रेटब्राटन काकाम्बर्ड के तिकत्रः श हे जिहा तरस्ता । जाविष्कु के के । গ্রীলের কেলোকন, খিউনিডাইডিস, পলি বিশ্বস এবং রোমের সালই, লিখি টা সিউস প্রভৃতি ব্যক্তিয়া ইতিহাস প্রাপদ্ধ কর্মেন। রোমরাজ্য অসভাবিগের ছারা ক্রিম ক্রিয় रहेत्व देखिरात्मत्र भीवर खिद्दतादिख रह न है। फश्यारम विष्णात क्षणा विष्य क्षांत्र रहेशंडिन वटने किस प्रांतक समानित & शा पति क्षणिक निष्म निष्म कार्रेलक वशायन हुना ন্ত লিখিয়া রাখিতে উদাদীন ভিলেন না। কাউন্ট মনীলাখাই আত্মহত " প্ৰতীয়া (খ-डीय) প্রবাজকরিলের ইডিইাস প্রায় সংখ্য লিখিয়াছেন বৰ্ডমান সভাতা বিজন ধৰ্ম ম क्षित् अन्य शहर करत्न । ध्वेतास्यक्त शूर्क তন ইতিহাস ও কাষ্য প্রস্তৃতি বন্ধ করিয়া না चित्न धवर उरकात्मद्र देखिशंत मा निषित्न हेमांनी युन कारलय अश्विदखद्वा श्रृक्तकारलय घडे নার প্রমাণ পাইডেন না। বঙ্ক সময় অভীত ঘইতে লাগিল, তত্তই ইভিছালের গৌরব इकि रहेटक नानिन। अहे खेलांद बादा खिव यात्रश्मीरवृद्धा ज्यामामिरनात्र कांधा प्रपंत कतिहा আত্ম মত প্রকাশ করিবেন। ১ .

है डेट्रार्थ एक चडेना च छेवार इ जयाण कदानी विश्वदेव यह ने जिनाम ७ को बमहर्विड এড়ডি পাওরা যার অন্য কোন নালের এত পাওয়া যায় না। উসময়ে সমুদায় পৃথিবী থেন উৎসাহ পূর্ণ মুডন জীবন মাথ হইয়াছিল। कड़ांत्री ब्यां कि नाथ तथ क' एं डो बांद बखक **(कार्य हे** डेंदर'ल्यूब द.इड युक्त, म्बल्पीलियटन द সমর্মণ রুরভূমিতে জাগমন, তাহার জছু-তপুর্ব দুঠান্ত বহিত বিএচ, অর, ব্যবস্থা প্রণ-

, লর নগো হইয়ানিয়াছে। এই সময়ে আনে

ান স্বচন্তে ভাপন আপন জীবনচয়িত লিখিয়'

নিগাছেন। নেপোলিয়নের বিপত্তি ঘানাব'

াব যে ব্রিংশং বংসর অভিবাহিত হয়,

তালা ইভিহাস ও জীবনস্থিতের কাল বলি
ল গোলি হয় না

এই क्ष इंडेरब्रार्थ क्रममः ইভিश्रास्त्र चित्रकि हया कि के यथन जानता छोत् उवस्पैत केएक हुडियांख कति, खश्काता मध्यां या प्राप्त × न्याय प्र**डिर्शास्त्र हरा। कोडि** अन प्रारह्य अ বানে অ**তিলয় আফেপ করিয়াছেন। স**তা নটে সকল দেশের প্রথমকার ইভিহাস গ'প लविश्व, किन्न अमा स्मरण करम यथार्थ है ় তহাসের প্রাতুর্ভাব হইয়াছে ৷ কিন্তু ভারত-দর্গে তাহার বিপরীত ঘটনা হইয়াছে। কবি-न्व श्रथम य डेशांचरान ब्रह्म करत्रन, जा ্র ও ভাষা অপরিষর্তিত রহিরাছে। পুরণি প্র চ্তি অঙ্ভ কা সমিক ও অলে কিক পৰ নেই পুর্ব। ভাষা হইতে যথার্থ ইভিচা বর ক্ষঃবিজিয়ার সম্ভাবনা ভাতি অপ। ক্টিএল সংহেব **এখনে হতাশ** হইয়াছেন। ভালার হ-তাশ হওরা অসমত নয় বটে কিন্তু আন্রা ≘বৰালে ভাগোৎসাহ হইতেছি না। ,ভারত বংগর সূর্বা স্থানে জমণ করিয়া গাঁচ কাল্লসন্ধান কবিলে অনেক মুক্তন বিষয়ের জানিগ্রার अञ्चारता जारह । मुननगरिनता িলে পর ধর্ম ইতিহাস আরম্ভ হয় । ড পরে দেরস্তা, আর্ল ফ্রন্ডন প্রভৃতি তাঁ: দিগের अञ्च न (त्रन : 'ठे निहाल फारनक वास्तिक हडाउँ का ানতে পারায়াশ বা উওল সাহেব প্রস্তাব করি 'ংছেন এই সবল ইতিহাস মুক্রিত বরিরাও ্টেরে:প ইইডে যাবভীয় ইতিহাস আনয়ন ক ानमा **अद्भरम** अकति शृष्टनासम् सन्। कर्युवा। এপ্রবারী উৎফুঠ সম্পের্ক নাটা আরিগাটিক ন-স্ট্রীট মুসলমান ইভিডাস সবল অনুবাস সাধিতে ভারেন্ত করিয়াছেন। বিভায়েট সংপূর্ণ ा এ**उरममीय धनी स्नांत ७** शर्य स्मान्ते ह ১ ল'র উপব নির্ছির করিংডেছে ।

অ'নরা কাউএল সাহেত্রের বাব্যে সম্পূ ।

' অস্ত্রোলন বরিয়া এলেশীয় স্থিকিত

' বিশেষ্ট্রেম স্থাকে বিশেষ্ট্রেম স্থাকিত

বে তাঁহারা ইভিহাস পাঁচ ও তাহার র চনা বি
ব্যেস্থিলের মনোযোগ করিয়া আমানিথের
কোশার একটী জাভার দুরুকারেন। এলেশার এক
জন প্রস্থার এই নিয়া আক্ষেপ করিয়াছেন
কে ' জালাদেশীয় প্রধান পণ্ডিতের) সকল
লান্ত্রের আন্দেশীয় প্রধান পণ্ডিতের। সকল
লান্ত্রের আন্দেশীয় প্রধান নিছ ইভিত্রশ্বের প্রতি দৃষ্টিপাত করেন নাই। সংস্কৃত
ভাষার এই একটি যাত্র বিশয়ের জাভার
জাছে। একণে, সেই কর্ম সামাদিগের উপরে
পঞ্জিছে। স বাজালাভাষার জানেক ইভি
হাস হইয়াছে বটে, কিন্তু তাহার ভাবিকাংশ
ইংরাজীর অস্থান মাত্র। মূল প্রান্থের ক্রচনার
প্রান্তি না জানিলে ইভিস্কানের উন্নতি হওন।
সঙ্গিতে নয়।

প্রাপ্ত । বর্ষমান হাফনগর ও যশোহর ু গুরু ট্রেণিড স্কুল।

সেনিপ্রাকাশ পাঠক বর্গ অবগত আছেন যে আমাদের ভূতপূর্ব লেপ্টন-ট গ্রণর বা হাছর দেশীরভাষার উন্নতির নিমিন্ত ইং ১৮১২ ও ৬৩ শালে ৩০ হাজার টাকা প্রদান করিয়া যান।সেই টাকা কিন্তপে ব্যরিত হই-য়া সাধারণের বিদ্যা শিকা হইবে এই চিন্তা র ভাইরেক্টর, ইন্স্পেক্টর প্রভৃতি মহোদ্বের রা বছদিবল চিন্তাকুল ছিলেন। ক্রমে ক্রমে উচার ২।১ক প্রণালী উন্তাধিত ও হইয়াহিল নিম্ন কাণ্যকালে ভাষা ফুলোগ্যায়িনী হইল না দেখিয়া এক্ষণে পরিত্যক্ত হইয়াছে।

গত জুন মাসে প্রীযুক্ত উড়ে। সাহেব
বিলাভ গমন করিলে বাজালার দক্ষিণ পকিম বিভাগের হুতন ইন্স্পেট্র জীযুক্ত
ক্রে জি মেড্লিকট সাহেব প্রতিনিধি নপে
উড়ো সাহেবের কার্য ভারগ্রহণ করেন এবং
জীযুত বার ভূদেব মুখোপাশ্যায় মহাশ্য তা
হার সেই কার্য্যের সহলারিভায় নিযুক্ত
হরেন। উক্ত জুই মহোদয় প্রথমান্ধিই পূর্বো লিখিত ৩০ হাজার টাকা কি প্রাকারে যথোপ
যুক্ত কপে বিনিয়োজিত হইবে ওচিন্তায়
নিমম হইবেন। ভূদেব বার প্রায় ২০ বংসর
কাল শিক্ষা সংক্রান্ত কার্যে নিযুক্ত আছেন,
বিদেশতঃ ভিনি প্রায় ৭ বংসর কাল লগনী
নন্দ্রিল বিদ্যালয়ে পাকিয়া বাজালা ভানার

প্রতি দেশীর লোকদিবোর কিবণ অনুরান, किंबन बोलामा निका समीतरनारकता आर ने करत, अकरन किश्रम निका स्वया छोड़ा मिशादक काविमाक अने अप्रतमंत्र कावेला अतर লোকের অন্তর্গা অন্তস্তের কিছণ প্রণালী भवनच्य न द्वरमहे वा छात्रा भरमाधिछ इहेएड পারে, ভবিষয় জনেক ভারগত হইয়াছেন। তিনি বিভান ইফিমান চতুর ও আমাচেত্র प्रभीय लाक । प्रभीय ताक वाजिप्तिक हे. डेटहाशीरवृद्धा कथन ७ ज एएटमङ्ग संबद्ध कार-या जनभेज रहेगा अहजनत्म कार्या निर्वाष्ट করিতে পারেন না। মেডলিকট সাহেব ইন-স্পেক্টর পদ প্র'প্তির সম্বে কিছুমাত্র বালসা कानिएकन ना अवर भिका अध्याष्ट्र कार्या उ নম্পূৰ্ণ জনভিজ্ঞ ছিলেন, এলনা ভাষার নি-(शांदिशंत समस्त्र कारमहरू भरणांस क्रद्रम माने। কিন্তু উত্তে মহোলা কাৰ্য্যক বেকণা লক্ষ্যা প্রবীণতা ও বৃধিষ্ট। এদর্শন করিভেছেন ভাষতে লোকের সে খনখোৰ বোধ হয় অনেৰ ভাংৰে ভাপগত হয়য়,ছে। ইন্ডোৰট. রদিগের নানাকণ লোকের সভিত আলাপ পরিচয় করিতে হর এবং নানারূপে লোক. मिगरक व्यक्तिया दनस्य खर्डिक कर्षाहरू হয়, সূত্রা ভাষাদিলের ভাসরাপ্র গুল্প-ভার শহিত লে কালুর্থকতা নিভান্ত আৰ भाक, (मर्श्वतिक है भारकद्वत आहे छन मना (शकः। ध्यमध्यतीयः) यिति अवस्यत्र छोड्। प সংহত খালাপ ক্ষিয়াছেন তাঁহারই ভারেক উনারাম্য মহান ও ইনস্পেক্টরের উপস্ক্র লোক বলিয়া, বোগ হয়, সংকাব জন্মিয়াছে। यांका करेक, के का मारहव बरहाक्रम । कुर्मन ববু একব্রিভ হইয়া পূর্কোক্তে ৩ হাজার টাকা बार्यत रा अनाली हैसानम करवम धवर भवर. ^ মৈটেই সম্ভাষান্তি কইয়া কিয়দিন কইতে যাহার কার্যা জারের হটরাছে তাহা নিয়ে ি খিত হইতেছে।

বর্ষনান, রক্ষনগর ও যশোহর এই তিন খানে এক একটি ট্রেলিঙ বিদ্যালর স্থাপিত ইইরাছে। ২০ টাকা পাথের ন্যয় সংমত মানি ক ১০০ টাকা বেতনে তিন জেলার জন্য তিন জন সব ভৈপুটি ইনস্পেক্টর নিমুক্ত হইরাছেন। তাঁছারা স্থান্থ জিলার মধ্যে প্রামে প্রামে পরি

দ্রমণ করন্তঃ -রষ্ট্রীনিটের ছাত্র' সংগ্রহ করিয়া निक्टिस्म। श्रीक्रिस्मित्र निश्न अहे (व. क्रा म व क बहुआहेक्या " মের পাঠলালার শুরু यश्याद्या व्यवस्था निक्र जिल्ला अन्दर्भ व প্ৰপৰ্ক বয়ৰ হয়েৰ ভবে ঠাহার পুত্ৰ, ভাতা-বা চন্দ্ৰ কৰি সম্পূত লৌক অথবা বে কোন ব্যক্তিকে মনোনীত করিয়া ট্রেপিড ছালে প্রেরণ করিবেন কিন্তু তাহাদিগকে এবাপ এক অঙ্গীকার পত্নে স্বাক্তর করিছে হটবে যে তাঁ-হারা যে ব্যক্তিকে মনোনীত করিরা ট্রেপিঙ খুলে প্রেরণ করিবেন ডিনি তথার জ্বায়ন ক্রিয়া প্রশংসাশত্র সহকারে প্রভ্যাগমন ক-রিনে তাঁহারা ভাহাতে পাঠশালার শিকা কাটো নিযুক্ত করিয়া জাঁহার বারা পাঠশা-লার শিক্ষোপযোগী বিষয় সমস্ত সন্থান সম্ভ-তিব শিক্ষা নির্মাহ করাইবেন, কোন যতে ভাগার অন্যথাচরণ করিবে**ন্দা** । যাদ করেন **उद्ध के व्यक्तिक हिं निश्व कृ दल निका क्ष**रांग করিবার নিমিত্ত সরকার বাহাতুরের ঘড টাকা ব্যয় হইবে ভাহা শ'শ্যপণ করিতে কোন মতে जाशिषु कदिएका मा।

জিলার সব ভেপুট ইনস্পেকটরও ঐ অ থাকার পত্রে এক জন সালী থাকিবেন, তাঁ হার থাকার সমেত ঐ পত্র লইরা ছাত্রেরা আ সিলে ট্রেনিঙের প্রধান লিক্ষক তাঁহাদিগকে এইনপ এক অন্ধীকার পত্রে থাকার করাইয়া লইবেন যে তিনি বে আম হইতে মনোনীত হইরা ফাসিরাছেন এখানে অংগরন করিয়া স্টেকিকৈট গ্রহণ কবত সেই আরেব পাঠ শা-লায় ঘাইরা নিক্ষকতা কাগ্যি গ্রহণ করিবেন এ বং গ্রহণেক বড় দিন রন্তি বা পুর্ভার অন্ধপ মাসিক পাঁচ টাকা ভাঁহাকে প্রদান করিবেন তত দিন ভিনি উক্ত কাগ্য স্কচার ন্ধপে নির্মা ত করিতে থ কিবেন।

পথমে জনেকের শক্ষা হটয়াতিল এবণ অক্ষীকার পত্রে এটামস্থ লোকেরা ও ভাষী প্রথমনাশরেরা কখনই আকর কবিষেন লং কিন্তু দে শক্ষা জনেকাংশে জপনত ন্ট্রাছে। এক্ষণে এটামন্থ লোকেরা পর্বস্থেত্রের এই সাম্ এই কার্ট্রের মর্ক্তরেই করিছেল। ভাষারা ব্যিতেছেন গর্মপ্রেক কেবল অন্তর্গ্রহ করিয়। ভাষাদের নন্তানগণের শিক্ষার উৎক্ষানাধনে- র করা থাবে থাবে এক একটি পাঠদারা করিয়া দিতেছেন। একনা ভারাদিগকে মুক্তর রূপ কোন ব্যর দিতে হইবে না। পূর্ব গুদ্ধ ব হাশরদিগকে ভারারা যেরপ বেক্তন দিরা আ-সিতেছিলেন একণকার দিক্তিত মুক্তন গুদ্ধ-মহাশরকেও সেইবেপ বেক্তন দিলেই চ্.লি বে, কেগল ভারার পাঠদালার ছাত্র সংখ্যার বাহাতে রবি হয় তবিবরে কিথিং চেক্সা করি বেন এই মাত্র। এরপ ফলীকার করণে ভারা-দের শক্ষার বিবর কি ১

छारी ७क वह मध्यद्वा अजीकात शह्ज পান্দর করিতে বাস্তবিকই অনেকে ভীড হইরাভিলেন কিন্ত বিশেষ বিবেচনা করিয়া मिथा उ'राम्य करवर विवद विकूरे वार्था যায় না। কারণ উ'হার। বাবজনীবন জাবিত্ব रहेनाम ভाविद्वा छील रहेटस्टरहन । किन्न भवर्ग मिणे कि बावक्कीवन छैंशां किश्तरक कीका कब्रिका দিবেন এৰণ অস্ট্ৰকার করিতেছেন ? বিদ্ধু বদি ভাহা না হইন ভবে আর শহা কি ৷ প্রবাহেন্ট তাঁহাদিগকে ৫ টাকা দেওয়া যদি রহিত করে न अवर फोर्टाएक कता को को देश सुविधा হয় তংকালে জনায়াসে ভাঁহারা উঠা ভ্যাগ করিতে পারিবেন। ভত্তির গাবর্মেন্ট কছেনিন ঐ টাকা দিবেন ভাহার স্বির্তানাই কিছু গুরু महाभरम्या एन भिरवन य शवन्यके बहावन छ। शंपित्रक । होका कतिया स्मन शर्व हेंहां हो ·होभिटशत्र आर्थनीर्य हरेत्रा डिडिटर। कात्रन छ খন ভাহারা দেখিবেন যে তাঁহারা যে কার্যো নিযুক্ত আছেন ভাহার আয়ু নিভায় কম হই-दि मा। शवर्षमञ्ज इ**डेटड** निम्नमिखक्रण « है। কা পা ওয়া যাইবে, ছাত্ৰদত্ত বেডন ও স্থান বি-খেষে ৫-৭-৮ ও ১০ দশ পর্যন্ত হইতে পারি-তে। বিনা বাসা খরচ বাটাতে পরিবারের স भागंड भाकिया डाहांद्री आ कांग्रि मनाधा कति বেন। তত্তির ফ্রি ভেজারতি প্রভৃত্তি আরু গাহা কিছু তারাদেব বাবসার থাকে ভাষাও অবিবেশ্যে চালটিতে পারিবেন। প্রায় এই 📝 क्ष निव्राम बन्न (य मकन लोकरक खन्न ३६ টাকা বেডনের উপর নির্ভর কবিল্লা পরিবারা দি ভাগে করিয়া দেশ দেশান্তরে পমন করি. তে হয়, গুরুষহাশয়ের: বিবেচনা করুম ভাছা-দিগের কার্য্য উলিখিত লোক সকলের কার্য্ অপেকা কডগুলে সুখকর .

य रा रहेक की पूछा स्वाहतिक है माद्रस ५ क्रमय बाद् डेक्टम विशिष्ठ वर्षेश आहे अवाही: व्यवस्थि कवितारकम् देश भूटर्स विशिक्ष कर्षे बार्ड किन्न जांदा दहेंदन ३ क्टबर बाबू दक्तीन নৌৰ হত্তাং ইহার অধিকাংশই বুং জীহার-द्विविष्ट्षण देश जनाबादनहै रहेटलाइ। त्र कानक्षण इस्त्र अनानी अन थार विक कहा यात्र धावर्डविकाटक हो। বৰ্ণান হইয়া পুঞাহপুঞ ৰূপে ভাৰায় ক্ৰ न कतिएछ रस, अवन स्ट्रेस्ट तार्ट खनावील क व अश्य महताय वा अत्रम्भू बाहक, केव्य क्रि या मान प्रा ७ मण्यु इरेश कर्ड है पूर्वर বার্ পুর্বোক্ত হুতন প্রণ;নীয় প্রবর্তন্তঃ প্রক अव भवन्यके जीशक एकत हैनटणहेंही सं-प्त निपूक्त कतिया जीवात आकि के कार्या **उचारधात्मत्र कात्र धानाम कत्रियात्र ह्व मान्** कतितारहत, छाषा छाषारमञ्ज सहस्र विद्वारती ह कार्य हे शहेबादइ अवर अख्टकनीत ब्लाटकवी के च ननाविर्धात मर्था अक सम इस्विता बाल्कि त्व[ं] हेनत्माङ्गिद्दीशास चारहाड़िक : स्वतिवर्धः অৰশ্যই খাদশিত ইইবেন সংক্ৰম নাই ৷ কিছ श्वनिटकृष्टि कृत्सर वार्त्त के क्षण शहाब बाब " त्यानियम देशरायक्ति । व्यारम् सामक्रि अक कारन जार्यातात गांधिनम् श्रिक्त हिंस क्षकरन छेटा कांबाबिटश्रह गटक व निम्हदह (यरपत्र व जूना के बादक । च्याज्य वार्यन्त्र के डेरात नामास्त्र क्षणांन कतिरम अधिक सुरस्त्र विवय रहेक हेकि।

र्श -- --श्रवित्र विश्वप्रत -

নহাশর! এস্থানে (বেহেরপুরে) আপননার কোন সংবাদ্দাড়া নাই দেখিরা অব্রভ্য সংবাদ নিখিতে আগ্রি অভিনাব হইরাছে। কিন্তু উহা কভবুর সকল হইবে বলিতে পারি না। ভাষা আপনার ও ভবদীর পাঠকগণের বিবেচা রহিন।

ি । এই স্থান নদার। জেলার অন্তর্মন্তী ইক্ষনগর হইতে এটা ১৪ কোশ (২৮ মাইল) উত্তরে অবস্থিত । ইহার পশ্চিম পার্মে ট্রের-ব নামক এক ক্ষা শাখানদী প্রবাহিত । উক্ষ উত্তরের জল নিভান্ত নিহুঠ নহে। কিছু এই গ্রামের সম্পায় লোক ভাষার ক্ষা ব্যবহারে

এইতে উহা প্রায় কর্ম জোশ অন্তরে অবস্থি-ত। পূর্ব পরীতে একটা রহৎ পুরিবিণী আছে, ভাষার जन बातार উক্ত পদ্ধীর প্রায় সমুদ্রার कार्या निकीर रहेवा थाटक। हेरा चांद्राव ाटक जामृत उरहाडे वानाया । वाथ एव मा। ६ इंदिन जानक थाँन आंक्रम ७ देवहादश ীর জমিলার বসতি করেন।

२। अथारन अकडी हेरदाओं वानामा वि-্যালয়, একটা পোঠ আবিস, ও একটা ধানা ানেক দিন অৰ্থি অৰ্থিত আছে। সম্ৰাতি 'কছু দিন পুর্বে ছুইটী যুলেকের কাছারি, এ ্টী ভিপুটি মেজিটে টের ধর্মাসন, ভিনটী **ंडशृडी कारमङ्घरतत विधातामय, ७**वर अकडी ছোটআলালত ছুতৰ সংস্থাপিত হইয়াছে। শুনিতে পাই বে, মুলটী পূর্বে অভান্ত উৎ রুর্ত ছিল। কিন্তু সম্প্রতি আর ইহার তাদৃশ উৎকৰ্ম দৃষ্ট হয় না। পরস্ত একণে দেৰণ দম্-क्ति नाष्ट्रे धर्थार्थ वटहे । किन्नु विम्नानवहीरक नि **जान्न विकृष्टिक बना बाद्य मा। वर्डमाम जनस्य** शहरू अर्था ৮०। ३०डी व्हेटवा

७ । आर १ । ৮ वरमञ्ज स्ट्रेन अर्थाटन अरू টী ডাক্ষর ছিল। তখন এই স্থানে পূর্বোক্ত বিচার লব্ন সকলের একটীও সংস্থাপিত ছয় নাই। মধ্যে গবর্ণমেক্টের ক্ষতি বৌধ হও ব্লাতে উহা এবালিশ হইরা বার। পরে মত্রভা क्षिप्रांत्रभग नकरन अन्यक्षांवनचन शूर्वक शवन (अर.केंद्र निक्षे चौरियमन **करतन व्य, भू**न কার এখানে একটা পোষ্ট জাকিন সংস্থাপিত হর, এবং যদি ইহাতে গ্রণমেন্টের স্বাভি হয়, তবে আমর। কভিপুরণ করিয়া দিব। ভদক্ষপারে ভাক্ষর পুনর্বার এভিভিড হই-ब्राह्म अवर जनविष हेश हलिएउएए। अकरन स्वरहत्र प्रांतक शिल विकाल सरा र अर्गाटक উহার কাষ্য ও পূর্বাপেকা রদ্ধি পাইর।চেছ। প্রভাব প্রব্যানেটার ক্ষতি ইউন্ব ভাগবা উঠিয়া যাইবার আরু সম্ভাবন। নাই। পোঠ মাঠার (ডাকমুপিন) বাবুটাও অতি ভন্নকোক। इ ३६व ।

अच्छान्त वार्या चार करे सहिता । १ । ६ किता । के श्रीम निकल करेंग्री भारत । अचीनकांत्र वा-

রিতে পারেন মা। কারণ ইবার পূর্ক পার্ম বংখ্য একটা ছালল, একটা গোবংস, গু এক-ही त्वव, बारज नहेन्न,शिन्नारकः मर्था मकाः খাতে ও নগরাঘাতে এক ব্যক্তির সর্বাদ ক্ষত বিক্ষত করিয়া দিয়াছে। ঐ ব্যক্তির এক-টী ছাগল য় ত্রে লইণ গিরাছিল। সে ভাছা র ছাগলের উদ্ধারার্থে যাওয়াতে ঐরপ ভূদি-শা সংঘটত হইরাছে। যদি নিকটে লোক না থাকিছু, ভবে নিশ্যুই উহাকে ব্যাঞ্জের প্রাদে পতিত **হইতে হইত** নিক্বন্তী লোকেরা ভাৰুতি কিবাতে ব্যাপ্ত ভাৰাকে পরিজ্ঞা-গ করিয়া পলায়ন করিল। জাবার জন্য চারি पिन रहेन, ७ जन हरक ब्रास्टिए बाट्टे छो. হাদিগের শশ্য ক্ষেত্রের রক্ষণাবৈক্ষণ করিভে-ছিল। এমত সময়ে এক বাঘ ভাসিয়া ভাষা-দিগকে আক্রমণের উপক্রম করিলে চুই জন একবারে ভরে জঙীভুত হইয়াছিল, একব্যক্তি মাত্র অধি আলিয়া মড়াস্ত চীংকার করিডে नाभिन। উर्वाप्तरभद्र आर्डमान अनिदा निक-টবন্ত**ি লোকেরা সমাগত হওরাতে** ব্যা**ন্ত** ভাহাদিগের কিছুই করিতে পারে নাই। लांदक विनिन्नी थाटक (ब, मरथा बरधाई कहे क्षण बहेमां घटहे। किन्तु ज्यान्त्ररशांत्र विश्वत कहे বে, এই ৰূপ দেখিয়া শুনিয়াও অত্ৰত্য অ বিবাসীর মুশ্য কেহই ইহার প্রতিবিধানের क्ट्री क्रिएक्ट्र मा।

। এই এ। स्वत्र अधिरकारन आह्र पूड़े কোশ অন্তরে কোলা নামে এক কুল গ্রাম আছে, ভাষাতেও এক হৃহৎ পুংশৃগান অভ্য-ত দৌরাজ্য বারিভেছে। ঐ শৃগালের এবগ শাহন যে, রাত্রিযোগে জননীর ক্রোড় হইডে नर्बानिया पुरेही वानक्टन क्छ २। ७ हीटक আহত করিয়াছে। উহা যুবা ব্যক্তিকে দ'শ-ন করিতেও পরামুখ হয় নাই। ফলড: এক সামান্য শৃগালে উক্ত আম নিভাম্ব ব্যতিব্যস্ত করিরা ভুলিরাছে। উহার ধারা এই ৰূপ 'স ভ্যাচার হওয়াভে করেক ব্যক্তি উৰাকে বান্নি-बात (5है। कतियां हिन। किन्त नकन क्षेत्र हहै-তে পারে নাই। কারণ শৃগলৈ ভাষাদিগের বিচারালয় সকলের বিবরণ পরে লি.খিত এট রূপ চেষ্টা দেখিয়া কোখার পলারন করি: ল, যে কেহই ভাহার অনুসন্ধান করিছে পা-৪। সম্রতি কিছু দিন পদান্ত এখানে। রিল না।এই রূপ বখন উল্লোগ করে, তখন-

বের ভরের ন্যার, সেখানকার লোকেরা, খু भारतम् वरम् वायाच म्। १० व রাছে। অধিক্ষি দে जना करहे गाहिता था केटड

विविध मरवाम ২৮ এ ৰাখ লোমবার।

नहीता विভारतत क्षित्रमद्वत क्षित्र **जन्माद्र वक्रमनीत शर्माद्रमें बाद्रालिके** भेड़ তি হানে ১৮৫৭ অংশর ১৭ আইন প্রচলিত করিতেত্ন। গ্রণ্টের জ্বয়ত্ত্ব হট্য়াছে অপরিষ্ড প্রকরিণী প্রভৃতিই অরের প্রধান कार्त्र। अहे चाहेन श्रामित हहेला आंगवाति . দিগকে আপন আপন বাটা ও পুন্ধরিণী পার্নি-ভূত রাখিতে ঘটবে। বারাসতের শাখা 🐲রি ভৰ্মীয় সভার উত্তেজনাই এওদস্ভানে র্ফুল কারণ ৷ অন্য অন্য গ্রামেও এই আইন ব্লাহ-লিভ করিবার চেষ্টা করা উচিত।

(त्रवद्वर्थं, अ, कि, नहेनद्र क्षश्रक इहेश श्रुद র্বার হালিবরি কালেজ ""বরাছেন। ভাষর্ত্তঃ वर्षीय निविध निर्दित क्षरबन र्रिया अहे छा स कार। इस कहिरवस । शक्ति रहित्र साम क्षिमान সিবিল সর্বিসের একচেটিয়ার কথাটা ভাষ'-দিগের স্মৃতি পথে উদিত ফটন।

ভাউলিশ সাহেৰ সর চারলস উভকে ব নিয়াছেন গভ শিপপ্রমূপনী সভার ভাবতং বীর রাজা ও সদার্থী যথোচিত উৎসাং সহকারে দ্রব্যাদি প্রেরণ করেন নাই ডালার কারণ এই ভাষার। তাঁহাদিগকে ক্ষণ্ডি এন্থ হইতে হয়। তিনি ভনিমিত প্রস্তাব করিরাছে स दीशाही प्रवाणि थ्यातन कतिराम उदन वर র্ত্তে তাঁহালিগকে দ্বিলাভীয় রব্য উপভোবন (एक्या केठिक: नत **हात्रन**म केक डेकाटल म-भाउ ब्हेब्राट्डन । अध्यक्तिश यञ्ज क्षेत्रा व्यक्ति শিশ কাথ্যে উৎসাহ প্রদান হইলে ভারতবর্গে **बै नकत विवरवृद्ध च भरात वर्षा** प्रवित्ता উন্নতি হটুনে সম্পেহ নাই।

नारक्षमारवदत्र मक्रुतमिर्भय मधास्राज्य खबा बन्न शुरुष्ट बाबा ४००० हाका धनान क विशिष्ट्रम ।

चारवित्रकात कतिनविश्व देखात्रभारवर्श ভরানক জুরাচুরি করিয়া ধরা পড়িয়াচেন।

अक वाश्वि केन एड जिस्सेने जिनात मगुमात क् छ। मित्राटकः। किन्न अक श्रामिट्ड इंट्रिका य। दशक मार्चे। सभी आकृष्टिङ जन कमा स्वत्र वाहित बरेबाटकः। कल्वा केत्र अवद्र। मर्न दहने मधानः।

हाका श्रांक मान्य मानिक १ १४व क्षण में १४९ मानिए हैं हे नाई १४व विद्या को समाद्विष्ट नानीन कित्रप्रोट्टन । धर्मान पूर्वे कित नाई १४वा भरूकमा इत्राह खान, खारा रहेटन विद्यातन हिम्स्या हेटल-नाइक।

উত্তপত্র তথার সুরাচিবির দ্বিশেষ প্রাপ্ত ভাষ প্রেম্ব করির। আংকেপ করিয়াছেন। এই ব্যক্তি চাকরীর লোডে এক জাল জনীলারের সহিত তাস খেলিতে গিরী কয়েকটি টাকার জল দিয়াছেন গুরুত্তিরা নানা ছলে টাক। লই-য়া থাকে। কলিকাভার জুরাচেটোর দিন কত বঙ্গাক হইয়াছিল কিছ এয়াকোপ সাহেবের প্রসালে ভাষা এখন কবিরা গিরাছে।

निती हेनहिछे हैं है स्थान व्यक्त नटा है उथात शहर हि हहेता विकारका के कार का एक वड सुविध हहेशाहर

ভারতবর্ণীয় রেইলএতে কোম্পানি হঠ ,
আশনাদিগের মত পরিবর্গ কলি ।
করিরাছেন দিল্লী হইয়া বেলএতের ঘাইবে ন ।
ভালরা কিরুদ্দিবস পূর্বে এই র শ একটি জন্
ব প্রবণ করিরাছিলায় ভালতে বিশ্বাস ন ।
নাই কিন্ত ইয়া একলে সভা কর্রাভে দিল্লী ।
ভভদেশীর ও.ইইয়োপীর অধিবাসীরা ।
চারলস উভেব নিকটে এক আবেদম করি ।
কোশ্পানির এ প্রভারের প্রভিবাস করি ।
কোশ্পানির এ প্রভারের প্রভিবাস করি ।
কোল্পানির এ প্রভারের প্রভিবাস করি ।
কি ভালা না জানিরা এবিনরে লামাদি ।
গাভিপ্রায় প্রকাশ করা বিধের হটতেতে শা

সম্প্রতি পাটনার বে দর্বার হয়, তা। তে লেপ্টনট গবর্ণর তত্ত্বতা সংগ্রান্ত লে । দিগকে বলিরাছেন প্লোকের উৎসাহ না ও লেনোন গবর্ণমেন্ট কোন মেলের নহল সালেরিতে পারেন না। আপনীয়া যদি নিত্র বিদ্যা শিকা না করেন, ও নিজ নিজ সংগ্রান দিগকে ভাষা না করেন, ও নিজ নিজ সংগ্রান কির কালেজ ও ছুল স্থাপন করা শানর্থক। উক্তর ভারাক্রান্ত কাগ্যের উপগ্রহু না হালেল গবেনেন্টর ভাষা প্রদান করিবার উক্ত প্রাণা নিজন সক্ষেত্র সাধারণ বিচারালগে পালের প্রতি বাদ হইলে কাজ হইবে না। তের নিবারণ করিছে হইবে। আমি ভাগ তর নিবারণ করিছে হইবে। আমি ভাগ র

विश्वतं में आविष्ण कार्य में जांचा याथ देवार मध्यमान महेता है। जान किष्ट्रत आकाव श्रीक त्म के जानमानिष्यतं सार्थ है स्वतं श्रीक्ष महेद्य। योजन मादर यथार्थ कथाहे माँच्या हिन। जानमानिष्यतं काल जानमात्रा ना कृति तम नथन तम कात्मतं मनाक देशिक स्त्र ना किन्छ या किन तम कालकी जानमा मर्मना यिनार्थ आरम्भीय पिर्यतं वाथ ना महेद्यहरू, जलिए श्रीवर्गता निर्यतं महेदिक भारतन्ता।

দিলীগেডেট বলেন, ১৫ ট কেঁকয়া

কিনিকা নলেন ইন্কুম টাকোর আনেস
দিনের পদ উঠিয়া যাওয়াতে গবর্থনই উ ।
হাদিগকে পুর্কার পদে কিবিধা যাইবার "
তা দেন । কিন্তু অনেকের পূর্দা পদ বাধ স
ক্ষেপ উপলক্ষে উঠিয়া যাওয়াতে তাঁছা ।
বিসিষা আছেন । এফাণে গ্রন্থনাক কিপ্রান্ত ।
বিবেটির হটাতছে। আমাদিনের মতে
হাদিগকে জনা কোন কর্মা দেওয়া কর্ত্তহ ।
যে ক্ষেক মাস তাহারা স্পিরা আলে ।
তাঁহারা ভালার বেভন পাইডে পানের,
ভবে বাঁহারা এককালে কর্মা হটতে ভবের ভ
হটতেকেন তাহা। দগকে পেলনের বো গ্রন্থা কর্তির।
ভালা গোলান নতে। ছা বাদের বেভন পু।
ভার ক্ষণ দেওয়া কর্ত্রা।

হিন্দুপেট্রিট বলেন রাজকুনার গোট ম নহজেদর অন্যায় নিজাকরাতে ইংলিস ন সম্পাদবের নাথে এশন্তম বিচারালয়ে না

२० अ म'र मक्तवात्।

ইংলিন্দান বলেন বোপাই বিশ্ববিদ্যা য়ে সংক্তি ও লাটিন শিক্ষানানের প্রস্তাব ইন্যাছে।

তিনি জার ও বলেন রাজপু তনায় দব র দিনের বিরোধ উপস্থিত হওয়াতে বিং ছ শক্ষায় গ্রন্থন্ট একদল আখালোকী বৈ ন্য কোর্থ করেয়াছেন। দাবধান হওয়া দর্ম ড। ভাবে বিধেয়।

তিনি জারও বলেন জাগুরারি মাংক। ম-খ্যে কলিকাভায় ১০০০৬৬৬ টাকা আ ছেতমধ্যে ১০৮৫৫৫ টাকা জন্যান্য দ তিনি আরও বলেন ১৮৫৮ আপের । প্রোহিরা চার্ডরা বাদে যুক্ত ব্রহাইছে। ব প্রা প্রমাণ্ড হওয়াতে তত্রতা বিচারপত্তি ভাবেছি। গের যাজীবন দ্বীপান্তরিত করিরাছেন।

দিলীগোজেই বলে বড়কেনে অক্সর শসিয়া প্রথমন করিয়া কুঠ আরম্ভ কর্মিয়াটের র গবর্ণমেন্টের এগদল গৈন্য বাওয়াতে ভার্য-রা পলায়ন করিয়াছিল কিন্তু আবিশ্ব সেইম্বাশ উপদ্রগ আরম্ভ হলীয়াছে।

ক্রিক বলেন রকপুরের রাজা এউ কিন
গবর্ণমেটের অধীনে ছিলেন, একণে বয়াপ্তাথ হইনা খনেল গমনে অনুমতি শাইষাটেইল।
বস্ত-দিন না ভাহার বয়ঃপরিণাম ও কর্ম কর্মবিভানা হয় ওও দিন এক জন বার্যাক্ষ বন্দ্র
ব্যালাধানের এক জন ভেপুট মাজিট্রনা
ট বাসিক ২০০ লভ টাকা বেজনে ক্রাক্ষ্মি
নিবক্ত হইবেন।

হরকরা বলেন সি এম জাজান সাহের ইংলণ্ডে গমন করিয়াছেন এবং লেভিজ্ ভাহার পলে নিযুক্ত হইয়া শীপ্তট এখাটেন আসিবেন।

লাহোর জণিকেল বলেন ৩১ এ আছরদৈ রি জলকরে ভরতর বঙ্গ মৃতি হইরা নিরাছে। এখন কি রুক্তের পত্র সমূহে পথ রুভ হই-রাছিল।

রোগভানিলো নাবে বিবি এক ক্ষাক্ষাবুলী ব্যের নাবে এই বলিয়া অক্ষিবোগ করে বে ই বাক্তি আগার সাগ চুরি করিয়াছে কিছু কাবুলবা সী বলিল আবিশ্বাচ আনার পারুলা পাইব বলিয়া গল কাভিয়া লইয়াছিলাম ভা-হাতে বক্ষরা অগ্রাহ্য হইয়াছে।

ড-এ ম**ুৰখনায়। ^{এই}** কিনিক বলেন যালগাঁই **লপটনত** গ্ৰণ্য কালীক্টতে আলিপুৱে **অভীনিকন ভ**ীয়তকল

চাইনস কৰ ইভিনা বলেন, ভন্নভা এলফি নিটোন কালেজ ও বিশ্ববিদ্যালয়ের বাটা নি-নাণ প্রভাব হইভেছে। অনেক দিন হইল কলিকাভা বিশ্ববিদ্যালয়ের বাটা নিশ্বাণ প্র-ভাব হইরা ভাহা মিবিল্বানিরাছে।

হরকরা বলেন পাডিয়ালার মৃতন মহারাজ তাহারনিধ্যের প্রাঞ্ডীর তাব ইভিয়া উপাধি চিন প্রব্যেটে প্রভাপন করিয়াছেন।

হাওলদার কালীচরণ আসামের অন্তর্গত বড়পোধার গ্রানে এক দল নাগার সহিত যুব্ধ কালে বিফেল সালস প্রদর্শন করাতে ভারাকে ভৃতীর শোণীর সন্দান চিক্ন কেওলা-হইরাছে।

পারস্বাদেশ ক্রমশ। সভাতর হইভেছে। মাদৃদ শাঁ চিহরণ হইতে লগুনে দূত হইরা শহন বারিতেছেন। বাশিকা সংক্রোন্ত সভি

ি'রের অভিপ্রেড।রাজস্নার অধাক ' हेपूल'ड भित्रकांत्र यहा छेखः । प्रत्य द्वाहे 😘 😕 ८६। ति.श्री क इत्रेट ५५ हु।

यक अहादित दराया है परकार जान काथा उ शायन अहे नाचा । इनाव म्था डेरम्भः

नकेम बदलन शवर्तावरी अक लाकहा का কার , দলগাং কার করিয়াছেন : ভথার ,গর বারিক চইবে।

ী নিপ্রাফে সম্প্রতি যে সংবাদ আসিয়া-্ক 💤 তে জান, যাইতেছে সর চারুস্স উভ 🍅। লাভ হইতেছেন। আমেরিকার বি ারিশ ইংলভের উপর কুপিত হইতেছেন। ''इवि कत्रिन वहे खडाखा नुवर्रामनी का ্শের 'ইত মধ্যস্থ ইইয়া তত্রতা গছবিবালে ব্যুক্ত প করিছে চাহেন নাই।এদিকে উভয় **इंक्किंटिय (बारक्त) बारक्रमारग्रदाय ज**न्ह র্চাঙ্গা শরিয়া ইংলাগ্রীয় লোবের প্রীতি ভাল ा न वर्षेश्य दिन ।

🕏 🛪 पन्धियाध्यानत् पञ्जनका अवर्गास्य 🖰 ্র দে। ''র বিষয়ে বিদেষ বিরক্তি প্রধান করি ্জেলেন। তথায় গ্রন্থেন হতন নোট বরা श्रांकिष्ठ ! यक्षण लहेंद्र डाटहन,मा । यहि कहे ंश रुके ग्यार्थदेखाँ जिल्लाक स्विद्ध भारत ।

১ লা ক্ষান্তন বহন্দ ডিখার।

বেজর বিবন্ধ আরব জাতির সহিত সঞ্জি করিরাছেন : ভাষারা **আর ভরভবর্ণীর** গবন (अकेंद्र मीरा भएषा का निया को कदिएर ना : এবং গ্ৰদ্ধিকৈ প্ৰজাদিগকৈ সাপনাদিগের ্দলে যাইডে দিবে। ভাষাণ্ড ফ্রেফ্রা ক্রায়ে বিটিস অধিকার মধ্যে বাঞ্জি। প্রভৃতির জন্ত भागित्वे भातित्व, किए अग्रंड मगरप्र डाहार्य দা বাতীত অন ান আন্ত লইয়া আসিতে भारित ना । शब-द्रमणे विश्व मौशाटक दक्ता বরিতে পারিবেন, এবং আগরেবা জাপনা किटगत मीमात्र भूतिय कतिरतः शवर्रामणी প্রতি বংশর ভাষাদিরের পুলিষ ব্যব্ধের ক্রম্য ১০০ क्लामानी, ७० भग मरम, ४० त्रांखन द्रम् २ मित प्राहित्यन, धर > मन उमान विद्वत। ভाशांत्री व्यक्ति दरात शन्नीत्मलेटन कट्युकरि लक्द ७ मुद्रभी किर्द । अकरन अन्न करेरहरू न्नाता अहे श्रिष्ठा भारत स्थाप करीत किना ३

ইংলিসমান বলেন, সম্প্রতি কোচাই ট্রপ. ভাকায় ১ গণিত পঞ্চাব পদাভিক ও এক ৮ঃ শফরনির সহিত ছাঞা হইরাগিয়াভে, িকে া বহাও জানা বাধু নাই।

डेक शत्र रतिन चानभएरहत् नाडेहेर्ड न ্শাতা কাথেন কেন্দ্রার কর্নেট বীহুলের **ं. एक वक्रामणीय अवुनं स्वर्ध हेत्र अविक्रक स्वयूद्ध तु** বর্ণীয় ১, १० लिक क्यादकेत द्वारक होति इंडेर्गन

किनिद्वास हालभाटिय मध्याम माजा बर्जन मूख हा आ। धानल नोहांग्रेश (नरबंद्र अ खा थ ४ शृह्यान निवरी निकास **क्रमा** कनि को जात अमृद्धि १८० ८० १५ वर्ग स्ट्रेटिए । কিন্তু ভত্নতা ক'লেই ই ও ঐ ধালকের যাত। তাহাকে কলি । ভার প্রেরণ করিতে 'গনিছ । के कि बा महान में हिल्ली अवार्क श्रेष बहु एक প্রতিগ্রন ব্যবন তিলো নানা প্রকার ছুক न्द्रीभिश्चित्र, गाम ! अक स्नम ("रियममाथ द्राव्र) মুরাপান করিয়া প্রাণতাগ করিয়াছেন। ্তা লেকের এই সংখার জন্মিয়াছে ওয়া-

গুরু বালকদিনের চবিত্রের থাতি দৃষ্টিপাত করা হণ লা ভারিমিত্ত তাঁহারা ইহার প্রতি ताप्र कार्यश्चा अवन स्मर्दित निकटि आदितन कविद्वन । यनि अब्रेड शिद्ध व खड, अ अक्षेत्र ্রিসু ড'হা হইনে ভ ইহার স্রখ্যাতি বত।

গত দেউলিগা অগালগতে কয়েক জন পত্ত পরা পড়িয়াছে। মুই এক ই রাজ বশিক। हेर'त बर्धा हिला । कि ह गर्कारणका भरीयूत ज्ञीय द्वाञ्चक्यात अनिवृद्धिन नियाः इते बाद्वन : हैनि ६० ६२ हे का अन प्रारंध उपने-लिया इडेबांत ८५१। भाग किन्न मह मर्ड है अरय हार्भव छर्डक्रमात महाक्रमसिर्गत महिङ् ন্দোৰত করিতে স্থত হট্যাচ্নে, তরিমিড हरूबान नव्य ८००मा इडेयाएड । यद होदनन উ**ष्ट वि**श्वन भोग्रामिशस्य स्थ १२ **तक** है।का (চন ভন্মধ্যে ক্ষিক্ত্রিন্তে coos টাকা (म्म) পরিশোধের জনা দেওয়া হয়। तिह তিনি ভাল দিবাই ও জামোনে বায় করিয়া ম্যাজনকৈ ভুবাইবার নিনিত আদালতে উপ শ্বিত হটবাড়িলেন। সধ মণ্ডট ওপ্রেলণ তরি-बिष्ट विद्रमन विद्रक्ति ५ कोन कदिया**ट्य**ा व्या মরা এ বিশয়ে বিচ'র পাতির ক'টোর সম্পূর্ণ काप्रसापन कदिए। इं करव कड़े शक्स नि র্কোধ স্থান্তক্ষারের চৈতন্য হইবে।

নিয় বিখন্ত সংবাদ গুলি যেপুও অব ইভিরা খুট্টতে গৃহীত চইল। বাডু ছীরালাল नीत पूर्वेशनि राष्ट्रीय खाशक क्रम करिया ভাষ: ঐন্ধর্মান পাঠাইভেছেন। এভচ্চেন র বণিক্লের্ড ক্রিক্র পারসালিতের দুটান্ডান্তনারে य के कि प्रतिका विका विद्यार यो । तर्वे के

का काञ्चन अकताव ।

भक्षत्र हिंद्राः दरभून काहित मधात्र मध्य कार्ष्यकार्य किल्लानाभाग के.वि. कांख्यान नारका केपरिवादिक केंद्री उधारमञ्जू श्रास्त्र विकास वक-ी केमार्क्षक विकारहर । जीवान गत्र व्यावाहेरसह क्षेत्रकारिक : कृत्रकी श्रद्धानव शी रख्य । तथा व्हेरक शहरीत कारवरत्या पहिन्द कृत्या. द्मरक्रिकि १ हर्ष्ट्रहरून। कर्नन वीष्ठत छ। त्र में क्रिकिन क्रिकिन क्रिकिन क्रिकिन क्रिकिन क्रिकिन क्रिकिन क्रिकिन

লেই ডাগাদিশের ব্রস্ক। ত, নিঃরু সম্বর্ত হ ই

६ तकत। टोक्सीम कृतिकादक शांकि विश्व अविधि शक्त कि विषय देवी के सामाणि वादत आ म বা এদিবয়ে আশনাদি গর অভিথার বাস্তক विवा-

वीक्रममाद्वय वाक्रमः, भवाद्यात्मेन स्माद्रमः विभिर्वत श्रीष्ठ बहै आहम् कतिवाह्नन, लाहर-ता शर्वन श्रवासण्य विवात सार्वत सम्म मिनान পতাদি লিখিবেন, তথন বেন সম্পিক স্মান সম্কারে লিখেন। আমধ্যনে করিভাম, অফ वाक्तिया प्राक्षमण्यक इदेशन विकास परिवा লে:কের সহিত্ত ক্রিচ বাবধার করে ভাষা নর রা-क नम्भकं विका वास्तिभित्रवत । विकास विकास কবিয়া ভুলে। এইনিমিডট আময়, সচরাচর দে पटि शहि मक्षण चांचालङ अ**डि महास**्वा खिएक ३ लिथितः शास्त्रम " एडामारक लिथा यात जून बामानाऊ शक्ति इडेड्रा १ देखानि। रीष्ठ-नोटबर करे प्यरकारन व तिवरमङ किङ्ग महत्राहर ! म मः कात्रम दक्षम ह

डिडार्गरक व्याप्ता तरलम, श्रवति क्राप्ततः এক मिन काणी एक शंग कड़िया आमावागाएम गाम-ন করিয়াছনে। পার্দিন তথা চ্টতে কানপুরে यांन भू हे एवं। इहेग्फ आंगज़ स निसारहमः त्यारे च'रन किङ्क्षिन चे।'क्या वासक,खा मशीरमाहन

है। हेबन कर हे किए। नहान, महाबाक म निक निःश्चाबिनात्र मवजन शिकालत्र कनार शाः গ্ৰহণ করিছে:

ंत, योद्यान मनियान

किनिक रहेशन अब्रहात्रमम देख कर्षे कि विद्रावत বিধি ক্ষ করিছাব নিধেধ বিষয়ক পায় জিপিয়া-क्तिम विनया हेश्सध्यति छावछ।वीत वस्तान महस्रम महिना मन (श्रीमृतिक कृषि धनश मिना छ शकुंडि चामरक कारों क थनारोह इ.सान कति-याद्यत । शक्तनाल जुना स्वापनी वाक्रियादहरू द्रमण्म कति। त्र गटक इस है।

चालाङ्काम १ "क्रिके स्टलन भवर्गद्व (क्रायद-ल खपात्र जेपनीठ बडेब्र, अवडा वांबाक निर्माण न खुम समाम कतिया विश्वाद्यम द्वान व क्राया सिविशेर किथ्<u>डि</u> हिम किथ मध्य शहर के र मण्डा रहे सहि।

উक्त भर बाद्री यासन कर्नल खितन मान नामत चाल निकार्यत स्य असार कतिया-ছিলেন সর অ্বর কটন ও লেভিছা ভাগ হোল তে পিয়াছিল্লন।

व्यविशिधकार्यके राज्य योक्क्ष्डमात्र छश्-क मरम्बा गड मश्चार मान्योर अपनिवाहि-লেন পাৰে কাশীতে গ্ৰ-ার জেনেখালের সাহ্য माकार करिएक निवारक्रम।

সমাচাৰ হিন্দুখানি বলেন ১০ ই এধানতে मानिक मर्स मामक मीडाशूरव विद्यान्त्रम, এर

केंक्र भव चारिया ब्राह्मन (मरोक्रन कारमहर्क মেধানের সন্তাল আবেশ কনাতে ভত্ততা ছাতের। বিভাগে করিয়াছেন। ওগইরোর এভিনিধি ত্মশমান বোধ কৰিয়া ইভিপুর্ক্ষে কালেক পরি-ভাগ করেন। সম্প্রতি ভাষারা ভিটোরিয়া নালে একটা কালেজ ছ পন কৰিয়াছেন।

প্রায় ভিন বংসৰ জাতীত ভটল বৈষ্ণবয়।টা নু একটা ইংবাজি বাঙ্গল। বিদ্যালয় স্থাপিত চ-ইয়: ছল গণ্ডিমন্ট্রএড দিনের পর অনুকুল হট श काक्ष्रपाद माजिक ७० है।का माहा । अभीन क वग्नारक मा

चेकुरु,त्य स्राद्धा बलाय. यह ब्राह्म म'मशिए ! शं कता नरको (गो हिम्राह्म उथा इहेट अन র্ব জেনেবলের সভিত সাক্ষাৎ মান স কানপ্র-্ৰ গাইবেন

भिन्नीरमस्क्रेपे यस्तान कोटक्षेत्र कोवनको भ दर्गी। इ'रड श्रीब्रड व्हेब्री एचरीत गर्धा करान করলে পভিত ইইয়াছন। ও লেভি আবেমটুঙ অভ্য আৰ্ড ৰইয়াত্ন বিশ্ব নাৰিও না

इंडे:द्राभीश मम्ह व ।

लखन : के व चाहा। जि। उहेन श किः हती १५ लाज शामरकेर, तर छ दलन लेख ଓ देनिन, मधीन विकास, खारा हे अपूर्व, व्याह्मां विवा करास दर्शन दांबेडे अबे कह राख्टिक शीवर ८९८-६स ट्रां में सांध्य है। बरल्य अस्ता प्रदेश करी पान बहेताहर मेरा उनम देख रा लिक्ट के अध्यक्षताम क्षात्र । वर्ष ণক ভা ক'বয়াছেন ' মনিউব ফোন আমেবিকা ा मिल्ल ८ ४,४ बहैर ३८**छ । अन्यास्त्रत्य ४८लन** बराव्हीं बनेतः श्रीवराण व्याग्यविकाय मस्टि अंतरक विश्वपद्भाव तात । सं क्षमदा इश्र क हा भया व्याटम (कार छेछ त्रश्टमाद रेभर माना दिह यर ७ इके भदशास्त्र अवसीता वित्र ७ जुरेन-त लग नदारिक (क्ल अस्त सक किलार अ ेर्न्स रदर्शन कृत्यु एपक् भिद्रश्व ५००० र किये व ामा मणे दश्यादक अन्य मंत्रित दर्भात ५२००० लाक निमाश हिमाहरू।

्राष्ट्र हुन को sta ल क.गा.सर कार्याच म-नात्रक्षणी विकेशक माज क वस्तक अभ कि विविधि লাইবে ভাষার নিশ্লয় লাটা তেমা তি মীচাই नव्यानोडेटकर भक्तारे छोडा को रामः र'नग्रहस्त, 'গখা'ত লে)খারত মনিটব নালে ".এ এ ছ'টা- বিলে সিলেই কমিটি যে রিপোর্ট করিয়াছেন, त्रभ तनगढ कलागः वहेक्षाः हा साम्मिशाः । विद्युष्ट : डांदा धायाद्य विद्युष्ट हेके । **अवस्था** डेवा भ्याचनाम् रेम्स्टात्। अमध्यान अतिमार् । मर्म्याच इकेम विधिवक इकेम।

এবং অনেক আফিনর আপেন আপিন পদপ কংপ্রেস সভান্ন বিদেশীয় দিংগার সধাস্তা বিষয়ের আগ্ৰুলা একটা বহনুত কৰিছে অভিনাধ ক-রিয়াছেন। ক্বানিব। পিউএবলা অধিকার করিয়াছে। স্পেনে মৃত্তন মল্লিক্সাদার ছইয়া-ए । अभिनाद मठोर प्याधिदशन करेग्राह्म । तो-জ আপ্নার অবলভিত ব'জনীতির অভ্নরণে ই অংগ্রহ প্রকাশ করিতেছেন। কে: বর্গের ভি-উক গ্রীদেব গি°ছ¦দৰ গ্রহণে অসমত ছট্রাছেন। ইটালির স্থিত জুলের বাণিলা বিষয়ক যে স-थि १ व व प्र उ१ गढ अ। यन करा इतेश (दह । है जि পটের গ্রার কালগ্রাসে পতি চ চইয়াছেন।

कात्रक्वर्षीत वादक्शंभक मछ। 🏅 ब्धराव १३ हे स्वज्ञानि ।

व्यनद्वतम् द्वातिरहेन मह्द्व भवर्गस्य केन वाष्ट्रण विश्वपुक काचिन मः द्रणायन का ब्रवाद विदल मिलिने क्यि अपन विल्ला आहान कतिलम এবং চ্যাবপুর জেলাব তাপ্তগত নেহব। ও ক্রিড थेश माधायननियमाधीन कतिवाद विटल मिटलके ক্সিটর বিপোর্ট সভায় অর্থণ করিলেন।

মিউনি সিপাল ক্মিসনর দিগের সময় রুদ্ধি করি-श्रामाश असुरहात कृतिगृहकून । तिरशस्ति । नात विस् महास डेशिया कृतिस्ति । डिसि खावे क्रालकेत वात क्रमाणा वर्णाण वहाँका करे अभवाषी वाक्षिमित्व इदिवदात्री वा भाषाद्रव (बहुम नक कविटक भ !नवान विषय (वर्ष दव,पादेद्यव श्रमान हम विराज्ञ हारबर सम फिर्मिन के स्नामा विष्टा गरी दिनियान कर है कि तो है अर्थ विसा महा-ध्र यः " । कत्रिया " अञ्चलक्षि श्रार्थनः । क.ब्रिटननः।

> भारतत्त्व क्र'वि हेन म्राह्म विकासन अस्त-শীয় ৰ জাং পেৰ বাজোৰ মগৰ:খি বাজি দিগেa कारायान विषयुक्त अधिन नश्मायनार्थ विद्या সিলেট্র পমিটি যে বিপোর্ট ক্রিয়াছেন ভাছার িধয় িবেচনা শর, হয়। জনস্তব উত্ত সিলেক্ট क्रीबार्डित अप्रारंकिका मार्गास्त इंदेश विधि-्छ ४ देल । काट्या उन्होत्र अखायक्टम (मञ्जा-নি ও ইন সংশোধন বিষয়ক বিজ গি**লেট্ৰ কমি**-ति। अञ्चाराञ्चल मर्टमारिज हहेश विधिवन

प्यनत्त्रदश (महेन म.८६१ र लिलन मेर्डिक-**७ अस्मान दिए त ्राली मध्यमा अस्मिनीय**

गुरुर्धियक विज्ञा याक्षणारकनीय द्वार्थियकेश्वर्यसम्बद्ध चारमभाञ्जाकी निरवर्षि ।

२७० क छ्वादि-वाबू कुत्रव शहरानी शार्रमानात्र अखिमनान देनरम्भक्केत देविदेव

৩:এ ভাতুরারি--বাবু অভুলবেটারী १৮३७ घा कर ५६ चा बेटन इ चा कराइय ऋडेकी ভাগের ডেপুটা মাজিকৌটের প্রক্রিমি ৩৩ অংশ্ব ৯ নির্মানুসারে তথাকার তেওঁ कारलकेत इहेरवन धरर बाटलबंदर बाहिका ১৮১১ অফের ২৫ আইমের ২২ থারা অন্ত্রসার্য তথাকার ২য় জোণীর অধীন মালিক্টেইট্র छ। भा डेरवन ।

৪টা কেব্ৰুয়াবি—শারনার ছোট আইপিট कक, खर्रानिष्ठ, दार्षेष्ठ गारश्य किंद्रविष्ठक्ष के क्रमांव मिल म्यादिका अधिमित्री क्रिकेत श्रेत्म।

দৰ্শনাউ ভিগানী নাহেৰ প্রেনিভেন্টি ভার্মে त्वत रेडिशामत ও गर्डामाट्डन महसाक्री **म**् थ्यानक इहेटनम ।

प्रक्रिन विভাগের রেভিনি বি, সাটে সাছেষ ১৮৩৩ সালের ৯ মিট্রী অন্তর্বল মেটন সংহেব সিঙ্গাপুর প্রভৃতির । রে ভেপুটা কলেইরের **ক্ষমতা প্রাপ্ত ভূইটে**

> গড়বেডার ভেপুটা শালিক্টেট 🔌 🕬 (यह ।दन शिवा माजिएके दिन मन्म व कमका नीके

शहरवक विचारगत रक्षणीम मालिएक है 🕬 त्यश्री कामकेर नि, कि, विदय्येन वाद्या की क्र्या ७ व्यक्तिनेश्वरत्त्र महिल्ले देवेई मन्त्र वि মতা পাইবেম।

त्योसरी अमध्य जान अक्षेत्र अस्ति । वारेन बहुनादत बीत्रकुत्वत अविनिधि वाकि-क्षेष्ठे ७ ५५७७ मालब अय निवस्क्रियाद्व 🗱 🥇 चांकात उपयोग करमकेत स्टेट्स बन्द वे व्यक्ति माजिट्यु: ४३७ मन्त्र्य क्षणा भारत्वा।

পূর্ণিয়ার প্রতিমিধি ভেপুটা কলেউর মৌল-वी आध्यानुस्ति गरणम शका वस्ति स्ट्रें

कोलरी जाताक किने भरता श्रीकांद्र एक-श्री कालकेटरय श्रीविनिधि इदेशमा ভেপুটা মালিকেট ট ও ভেপুটা **কালেটর ভেশ্ব**ন ६ उम मारहर *५*०० जस्त्र २६ **आहेरबद्ध २२** ू थातालगांदा - 3 गतनगांत > म दश्रमीत खुशीस माजित्के दित कमका **आंख १ हेराएक।**े

ती रेजग्रीय थालि स्ट्रांटमन, डेख का हैन अझ-'रव मुरक्ररवत १म रखनीत प्रतीन मास्त्रियमु, छित्र ।মতা পাইবেন।

১ই কেব্রুয়ারি উত্তর কাছাড়েন প্রতিনিধি সহ বৌ কমিদনর লেপটনত ভবলিউ দি এস হা र्गाहर के क्लार माकि छै है अनहर आगि-नत क्रमण शांख व हेग्राह्म।

১৩ই মৌলবী আৰম্মল আলিৰ অন্পৰিতি াল পৰ্যান্ত ৰাষু গোবিদচন্দ্ৰ বস্তু ১৮৪৩ অন্দেহ ১৫ আইন অত্সাবে ত্রিপুরার মাজিট্রেটেব প্রতিনিধি এবং ১৯৩৩ অক্ষের ৯ম নিয়মান্সা ়বে তথাকার ভেপ্টা কালেক্টব চইবেন এবং যত দিন আনাকোন অভ্যতি না হয় তত দিন े ১৮৬১ শালের ২৫ আইনের ২২ ধারাব অসুসা ∼রে তথাকার ২য় শ্রেণীর অধীন মাভিট্টের कौरा किवरना।

এইচ ই ক্ষুস সাংহ্য রাজস,ছির ভাভাসের श्राक्षितिथ क्षेटवन ।

প্রেরিত। **প্রযুক্ত নোমগ্রকাশ সুপুরিদক** मर्मिट<u>श</u>्च ।

নিবেদন, গত শ্নিবার বাত্রিতে আমতঃ নি-नी अयुक्त मरहणव्या विषादनव शाकांवाणित । লোনের ছারেব ও মিড়িব ছাই ছারের কব টের স্থবদ। ভাসিয়া লোবার সিদ্ধুবেদ্ধুর চাণি স্মাদি ভগ্ন কৰিব র অস্ত্র ও বস্ত্র বছ লিড একদল নিদ : क्षात्वां क्षात्वां कवित्र। देशव - , व स्टेरवंत क-বাটের শুরুষাভাগ্নিশার উপাক্ষান নিকটার প্রতি-ক্রাদীর নিজাভগ হইবার চোবের। ভয়ে যন্ত্রাদি 🎢 লিয়া পলায়ন করিয়াছে। পবে উক্তবিশ্বাস ক্রিব্রুল এই মণ্ড প্রিয়া আপন পুরের 🛊 ্ 🖨 সহ'দ নিকটত থানায় আনেটিনায় ইশতে চাব निर्मित्र हिटलन टन**्क्के** ति विकेट < विभक्तवाल **इट्टेंग श्र**ाटः स्ट्रेटिन श्रीति-ार मा_र खड़न दक्त अखोला हैम: उठ्यंत्र ,कार्यत ∫ थाटक। म

बेक्सम बस्रामापि कादि इन्त्रा धक्यवका जिली बरेबा का अरकत मर्जन (१) व्हेट ८८६।

মান্যবর জীযুক্ত সোমপ্রকাশসম্পাদক মহাশ্য সমীপেয়।

সম্পাদক সহাশ্য! অভান্ত পৰিতাপিত হট-তা নিম্ন লিখিত প্রস্থান্টা আপ্রকার স্থীপে। প্রেরণ করিতেছি । অনুপ্রচ করিয়া ভবদীয় জুবনবিখা: ১ সোমপ্রকাশে একাশ কবড় পাঠ-কগণেৰ গোচনীকৃত কৰি লে, নিভান্ত অন্তৰ্য ীড ছটাৰ। মত শায় । বজুদিবস্থিতি অত্ত্য প্ৰথমেট विकासकी निकासाराज श्वान शिकारकव कर्यना ৰচেত্ৰ অনবংগনৈত , 🗱 হঞ্জী সাভৰতে প স্কুলংক " व-निदक्तन-श्रद्ध ५-४ मृश्के "अ विष्क्षी परः। अ ्डि নাল' প্ৰকং, নিন্দাৰ'দে জ্ৰাংগ কৰিয়া আসিতে-ছি প্ৰায়ত ভাষ। নিভান্ন সময়ৰ ও অলীক বলিয়া এন্ট্রীনি ছিল। প্রতবাং ভাষার তথা। कृतकारम धहर बहेराउथ कान करनावे था/छ इंस् न हिं। क्रांश क्रांस ग्रंस एक सिना । अधान-कात शीय श्रमाय कृष्टरिमा स्मारकडे अकदाका इहेग्रा माना काल क्रिया के विवासको आरम्बा-लन कविशः भीवन्देव निख्येष्ठ क्रूटन्के विवयमांग যৎপরোম কৈ প্রিডাপিড হটডেছেন ও ভুলে'-खुशः बीर्ष निश्वाग পরিত্যাণ কবিজেছেন, ত-খন আহতোছ প্ৰাপুক বলিয়া উপেকা কৰিছে भौतिसाम गा। उपविध करणक गांन गांविभाग थी-यपु प्रकटाद्य अवन्यु प्रांस दक्ष्यक में विभागत्रहें यावार्षाञ्चमकारम अप्रष्ठ ६ हेलाम । सहामय । त्रञ्जकान ब'ना य'ह, घरण्ड इहेर। हि ड!ह'-তে নিশ্চয় প্রীত হ্টতেছে, উক্ত মহাস। এখা त्वन छेर कर्म नष्ट्रान्य अक महान् ऋछताग्र ছটয়াছেন এবং এই জুর্মিশার অন্তর্ম অন্তর ক-विष्ठ अभगर्थ दहेशः, श अन्तिश्वरकी चामिन हर्ण ক্রিবা कि ভাগমন পুরাক দৃটি পাত কবিয়া উ । বী বিদ্যোহসাহী মানবগণ নিবস্তব অন্তাৰ্সনে-ইবিটার বৃদ্ধবিষ্ঠি কটিয় শিষ্টাভ্নন, বিষ্ঠান ∫ নায় অনিভ্ত চটলেও ভাদীয় জাদ্য বেদনা শা-জাংক্র অবসাভাল। ডিন মনা অপকার হল নাই জালু প্রকাণাকাপে ডংগ্রে বিধান**ার্থ** ড'লোক 🎥 पूर्व काहि। कोहै। ७ काहे इन ८५ वे काहे। यञ्ज विस्ता इन्द्राक्रम कतिएक जाइमी इनेट इस्न ेदन नीम जिल्लामहाद्वाद পিত ও কখন দেখে নাই। না। বাজে কি সম্পাদক প্রস্থা। এই মহানিটিকব থান। দাবগা মদাশর আবি কিট্দিন থাকিলে। গুরুত্ব বিশ্যুর প্রতীকারে সাপনার। (সম্পাদ-এইরপ কুতন্ত আনেক যন্ত্র দৃথ্যিগোচ্ব হই বক , িকের।) দেখনী পারণ না কবিলে এখানক।র খ্যাবাৰ ত্ৰি ৰালিকেৰ ৰাসিতে একটা সিদ চুবি । কলেটা লোন ক্ৰানট বক্ষ পায় না। এছিলাতে च हिरा शिवारह महा मिथा। १८ औँ राज् । जहां महा | राजान पानि ख उपार अहे कालत कांद्रा माना

> (১) थीन। साल। हेरलहाद स्वादित नियम क्केटल बारे फानिके निद्युत्वत मन्धिक मञ्जादन।

প্রকার উপকারের এত্যাশা বাগি। সম্প্রতি জু-लात व्यक्तन इत्रमा इत्राह, जम्मीम काम क्राप्टि निम्हित । निरम्हि शक्ति । देखा हरे-তেছে না। তাহাৰ প্ৰবয়।ৰ কাৰৰ আপ্ৰাদি-গের পোচর কবিরা তৎপ্রতীকারে মন্ত্রান হট-বাৰ নিমিত্ত 'স্ফাৰ সমুদ্য প্ৰথমে মনোর্ভি धक रारका आंभारक भूमः भूमः हेनदम्म धम म কবিতেছে।বন্ধ প্রদীন প্রচাত্র। ব্রিচাগি-इ.स्डिन ' काम्यु¦वार संद कुरार द्वाराधार प्रकि वृत्राटि " (कदान केंडे माकाग्री गावन कब्रिया करा-ল পর্যান্ত ভাষা করি লাখা। করেণ চেড লাইটর धक खन कृष्ट्_{रिमा} स्माक । जिन कृत्रकृष প্রভাট হট্টা। সংক্রায়োর প্রতিষ্কৃত্ত চিবল ও कर्द्रशा कर्त्य हिम्भा अभूमान करवान , आश्रीक्रक ইছ নিড'লে সেম্ম'ও অংগীতিক বলিয়া হ'ং-माहि उस गगाद प्रवित है है। इंग्रेग्स किन्नु ३३०) আগ্রামাণের এবং ৮ই কন্তর ্বাধেশ প্রিয়ন (स. गोवबांद ः, वान्त्रांच ७ श्वाट्यानक ए'इ-দদেৰ কথাঞ্জিত্ব।লাক" হোড় আনতা ভিন্ন সমা কে ১ শির ই ৪য় শিশা থা কুক, এগানিকার পক্র হিটেডনি বলিয় ধার প্র নাই সমান্ত ও সক্ত नि इ. इ.चे.प्रा. १ इ.स. एक एके का भारत (अके राम् का प থ শস্থা সহাক নিধাকত। চট্টযাগড়। একং कार ६३ भाष श्रम भा करिएड । कान प्रकृष्टि ह है। राष्ट्र मा विल्ययण्ड मान्य है अली तह रिक्षा लाही, दकरल किर्मालय दकर, दक्कि १ अव्ही ह क्षम माञ्ज श्रीसान निकारन अक्राउन (n 🖰 হান্য বিদ্যুত্রায় ৯ই ডাছা আত্রণ এক জাবৈ কাল বিধান বৰ, দিড়ান্ত আফু ১৬ 🕫 ,৫১ নায় নিঃশ্ৰু চি.উ খুসুত রুঙাপ্ত অবিজল ক वर्गम् अदिएड शहस्य इहेन्स्य । प्रश्नातः कि वृद्धि व अञ्चर व्यापनः कटेलकी महरू कृत्यतः अकृतः त टेबकर्ष र 🗝 सन्। र्थ (स. सहर क दर्शन स्वद्यान कदन, क्षानान लिक्षक छोटावहे मन्त्रुय दिन्हा ने ছইয়াদীছান। আল্ফনাম আৰণ সাতে তাঁচার मनी:त क प्रेक श्रारवम करता (निकाल, जु:फ़ां_सः -কে পরংস্ত ও সমাজচ্যু ত ক্রিবেন ; কিন্দুসে, 🦠 किक निमान्त्रदित अञ्चल । व्यक्ति । व्यक्ति इनेरन, किकारण दिश्वनातिनात्र छ। इ। नार्थीना कलक्षवज्ञ ९ चलाजुर हम इंदेरम ; वदः विक-পোই বা, এপ্রান্ধনের তাবিৎ মন্ত্রা ভালীয় গাভাব লঘী ঃইয়া জেবল এক মাত্র ঠাইরেই আ মুণতা च्योकाय क्लिट्र . अर्थाली मिरुविक्त धर्मे किए र कामाक्ष्मभ कराष्ट्रि है है। ये अब अवीर निडा उट इडेग्राट्ड । याद्र। इन्डेक की जनल विस्ट्राज़ निब्नि-ম্ভেড আমর: ডভ বেদিওও জয়ত পি ১৬১ **अध्यक्ष । क्रिक क्रांक्ट (मञ्जूष ३) उठात करत**न क्षण थाव थल दर्वकोल प्रतिस्ति, िल्हन क्यू-

ली डेहिनो पॉर्टेस्य । अन्तर्गरे खरनक झाध खुन পরিতাশি ভরিষা স্থানারতে গিয়তেছ ৷ কাশ ंडि को गडिएक स्कार महाजा ! अकरलाहे छ ্রাণশণে অর্থ ব্যয় কবিয়া কেবল স্থালিকায় नमञ्जूषे अखामभाषाक क्षार्टन ध्यादन करवान । याच ए। इन्द्रे वाशाक्ष्यकार एवं आव कि विभिन्न अङ चार्थ वादा क.वि.सं 'छा हुं। (३) क.वि.स्व २

५२ ७५ माल र्क ३५ मध अर् शास्त्र

कर्गाहर अध्यमित जिस्

সোমপ্রকাশ সম্পাদক महानय नभी श्रा

° कञ्चावः यर भारतसम् की छन् । कारकः भाजातः हि- 🚶 उरमञ्जय किर । छरेनक्रीय ग्रंड गाहरणाञ्चल यक्षा एटेगाउ शहा निष्य किश विख्यान । । ^{१९}

यशीनाः । काम मध्य वाकित छेन्न छविट इटार क्लान ज्ञान कुछ कड़ेला यम यावृत्र दिया-চিত্ত হয় কোন ভা দৰ্শীয় পত্ৰিকাগতে প্ৰলাপ अनुमा कार निर्माय वास्तित मिथा। व्यापाम र्राप्ति (२) छेपार हार दक्षि भागांत करा कि প্রক প্র সংখ্রে গুড়ীত বইলে ডভোধিক কটা । (১) দীননাথের প্রতিব বিষয়ে কান্ত্রিলে আকারণ তাৰব্দীয় শত্ৰ জ্বছ। বেশ্ব হয় ফ প্ৰি অনৰগভ নহেন। একখা পতে সংখুচরিয়ে দে'ব বোপ र्भाषाल यदश्रदानान्ति क्ये ८४.४ इशः। ১४० भाष निवनीय द्रमाम श्रवारमा असीममाथ नर्क अ न्द्रांचरत्रत्व अक्षात्र द्रांकाम **इहेग्न**रहा छेदांराज मानदात् भीए कूष्टिलखाता शाम दिश्ववद दम ^रे े प्रि शिश्चा क्या क्या का का स्थाप का कर्राते एरिया (भाषांद्रांत्रा ल देश्वाद्यम, धन्यः কি ছঃখেব সিং, আপানি উহাৰ সভাপেতা নি ার নাক্রিয়া অমনি বেন আগ্রহাতিশ্যের সং ে উহ। প্ৰচাৰ ও ভছুপলকে এক গল্পাদকান ^{केरिय} (क्षियाद**स्त्र ।** कि व्यक्तिर्य; ' देवदनियं। इस १४ कि उग्रस्त ! भाष्ठ वर्गक्कि गृक क्रिविग्रहरू, र राख्नि याद्या आवश् कविद्यारक, देवन विद्यालय 🔻 : যিন ধনীভুক্ত হ ইয়া লোকে ভাষারও একট মিখ্যা অপ্যশ বটনা ক্রিচে

ें . अंत रस्त्ररेश का । करन्म, शार्टिं, प्रतिस्ति शास्त्रीमा स्वाप्त कवि स्थामानिक्षित स्रक्षेत्र ইহাতেই যেন সাবধান হইছা, িব্নিত সময়ে । আয়োদিগের প্রবাক্ষিক ব মধ্যে কেবল এক भ स्म देशकित हरेहा दथाही है अकना भन | वि आहर, त्र बहे-कि धर्फ, कि बाहाद वारहा-ंक्श क्रिडिंक व (स्व । ज)

इत्र । दक्षित वीकृत सरकृतारदेश कालकरमीशिक-दक्क याक्षा कांका कडेग्रांट्रिंग । ठाहा : तांच हर ऋका ৰ শত বাজি ছেবিলাচ্ছন, এবং ডভুশাল্লে দেৰেন্দ্ৰ ৰাজু যাছা বলিয়াড়লেন্ ও।ৰাও সকলে छ निम्नारक्त, किन्नु मीन दाश छात्र:त्र धक्ता भिषा। अभवंत रहेन। कति लगा काहे वा क-রিবেন না য়খন জনাবাদে সোম প্রকাশ সদৃশ পরে একথ অনার পদ নাদ্ধে গৃহীত হটভেছে, তথন অল্ল দিন মধ্যে, এপ্রছ'ব শত শত প্র প্রেরক নাজনা ভাষার শ্রীরন্ধি সংখনে গড়বংন ष्ट्रियम, महामध्या माहे। शिश्व मल्यानक ! विदश्य-ना करिया मधून, मीन वातूद शत्यव नाम्य अमाव পর লোম প্রকাশে প্রচার ক্যাকি ভবংসদুশ रास्ति है हिंड । स्थानसम्बद्ध धरावशीय कि ۴ वि লক্ষ্ কুজির অভ্যোদিত । / ইক কি বালকো-উপৰ নিতৰ ক্ৰিয়া ব্ৰংক্ষনমাঞ্জৰ উপৰ, দেবে-मा बोपूत উপৰ, क्रिमाय शकूत छे॰ ७. ⊴!क्राग्रांग्य

रुट्यार अभिवाद महात्रमा कि । डिनि अकार्यन मिथा करिया अक जन अञ्चल कर किए। कर्न-(**उट्टन, वर्गे** रूस कि महस्र / दिनि स्य क्रींपे-ভার কথা লিখিচ।ছিলেন, কেশ্ব বার্দ অমতে अंश्रुव माधा उ'इ।व अस्रोत कड्या अम्या- | श्रान्य कतिया छरमरामायन छची शावे, कारा-वार्यामा (३ सामाधित्यव एएव ६० माने । भीन मधि दोत् प्रवागः अगर्धन करिया श्रेमताम अपगा मिट्ट दिक्ड **अञ्** लिथिय इक्त । २ पृष्ठेकः अविषयम को यानाम जाम आमा विकास है-জানাই।

(২) ব্রাক্রামের উপর আনবং শেষ বাকা এত্যের তারব তেল ১ ভালাধর্মের দেখে কি ? कडिशम जारकात अनिमृद्द-कांति छ। स्मार्टर भी अन র্নোর প্রতির বোরের ভাল ছে। দ্বিভেট্ছ দেখির। माथा माधा गामव छ। एक्सिशक मावधान कति-इ' वा क, र हून, आक्रांकिश्वद स्थानधर्मात अजि विश्वम न हे, लाखहिटमत देशदा व विश्वम मार्के, ১। ছেত মাইব সে সমরে জুলো উপ্লিড বিজ্ঞানিক দিশের ছন প্রমাদ প্রদর্শন কবিছা আশ-ः । 'न्यादिक करिए। हिम्बिशाह्य, काम्या । धकाल भरि। अभियेव आमिनिः भव स्वता छ-্ত তাত্ত প্রকাশ কলিলাগুলা। ২ে ্টের বিকাজকার ভাল্ত প্রাচতীর করিয়া দেন বাই। · - कामामिश्रदक काय दान अनिवट्य कन्तु- : द्र, कि वलवीर्गाति, कि वृद्धिमङ्गा, मकलविवदशहे

भिन्न शक्षा मन्त्रावरकत जिल्ला कार्या के য়াছে - প্রিণরর ' জাপনি কে, ও জাপনার ক্ষা তঃতৰ কাৰ্য্য তাহ। যেন সৰ্কাদ। বি:শ্ৰন্তঃ ব্লি-া थिन द मभग्न खद्दन थोटक। खालनाटक क्राह्मिक्कि विस्त्र ।

যে দিবস কেশৰ বাৰুদ বাটাজে ক্ষাধান্ত

गवक्रमारतत कांडकर्म भन्नात इस, दन दिवस **क**रे-

টাৰ পৌতলিক পৰিবাৰ মাতেই বাটা জাৰি

कवित्रा वाशादन भगन करत्न, अगम कि चारमहरू

चोध कोश ग्रंदर के ना रह कतिया दारही मिनुस्क

कतियः, दाविका यान, त्य त्क्रमद बाबू खाद्दानिद्शक कान गामश्री वारकांद्र कतिरात मा भारतम-। देख-वन जाक करवरू अन वाजिएक बारकना सुखबार यशी श्रमा मखगात टडा कान महायमाह नाह । क्रिशन वात् चयर विमिन्नार्ड्स, " चक्रार्श्ट्स क्री-চিত্র বাবহণর (১) নত্ত লেল সামান্য পলের জিকাপণ প্রিত্রা ও উৎসাহ সহকারে ব্রক্ত ান সংকীর্ত্তন করিয়া ত্রকানদ্যে এ গৃহ সমুস্ক্রল क्तित्लन "। क्मार राष्ट्र कि अमन्द्रे जानांत्र छ, উপর এম . কি ভঙ্গীত: - শবম পরিম ব্রাক্তধ- অপদার্থ হ**ইলেন বে জিনি একটি অপকর্ম গো**ল পুনার্থে আর একটি যিথ<u>।</u> কথা কহিবেন। অগ্ন-ट्राय पिट्ड मा पाद्रिम, गर्क स्थान द्रम्प श्रेयक्री-कारल कामाभिरशय रम्य विक्रीप्र बहित ु क्रिक्स-निक ना एक, गर्रामा जात्रामिटनंत्र अहे बानना । वाहे धुन्नाभावतम प्रदेशांके ज्यामना च्यावटनन त्लादकत जम ध्यमानामि वर्णन कतितारे जांबा (क अश्रम्ब कता क्षुण्या कार्गात अस्तिकाञ्चल कता आमा मिरशत स्वीत्राध्यक नरका खानून सम-ना অভিপ্রায়ের আমাদিণের হৃদরে হান পাই-रात्र क्यांन कादन स्मर्था बाहेरकरक् मध्य स्माप्त 🖊 कार्थ मधन वर्गणांड महावना ना स्विधन क्यन কাহাত অনিউ করেনা। ব্রাক্তিবের ছইতে जामाहित्शत कि जार्बतावास महादमा जात्ह ?-एकि छ। हारा वरलम्, आध्या **छ। श्रीकृतरम् धन-**मध् कविया यानामार छत्र व्यवी इत्राह्मि, छञ्छ-रव काश्रीमिश्नात वख्नवा **धहै, जामामिश्नात स्म** প্রথমানাই, কেবল ভাঁহাদিপের বিষয়ে কেন, ভীহারা ভাল করিয়া পরীক্ষা করিয়া দেখিবেন, कामा क्रियात दकान विषयह वे वर्णालाक आर्थन। महि। ता शार्थना शांकिता छोगांत्र। आंगांसिक-<u>তে সমন্ত্রার প্রকাশ্য হোলে মহা আড়ছরের কছিছ</u> मक्तार अ लगिए अधिक शाहित्व । मुक्त-मा धराविकाय काल जारान महाहे जानाहि গের অভিযোগ । আমরা বে ক্রিক্টাই করি। कर्जुवा त्यांत्रथ ७ क्लालब यम्बाह्य कावमाहस्रहे. क-@:मणीरमदा महर्का कर, एक दिनान अप्टम । हिन्ता, आहिक, काम। विदेशक कुर्जीत केटमणा बाहे।

व यनि जाकनिरभन कालगाव देकालगारम् कर्म हरेश चीटक, धान रथन वांगिटक आबा वित्र क्षत्र हिल ना, उथन क्षत्रे वा भवाध्यक्त मीन **वांबुटक "** शिग्रडम " मदबांश्वस भूं**क**। इ. मर-राम मिटल कांतिर । अद्रश म्मरे मिथा सन्वाः বটনা কবিয়া কেশৰ বাবুর নির্মাণ অকপট চৰি ত্রে দোব(রোপ করিবাব অভিনন্ধি তিয় জার किष्ट्रहे श्रेजीयमान वय ना । जातक श्रुवियः मीन वाब् देवत्रनिर्वाख्टनत छक्तम खेलात्र चाविक्र् करियादिन। अने एका हाई। नामा दारन नामा श्रमात चारिस्ति व देखार, बांकनारमान कि कान चानिक बाहै इहैरव ना।

मीन बाद्य निविद्यादद्य दर " त्मर्थादन (क- | नव रावूत वांगिएड) 'आधु प्रच[े] प्रचेत र्यमा स्थितिनाम " क्या " क्या उक्त " श्रेष्ठ ह ৰানিতে তো ইহাব বিল্ফু বিমৰ্গও দৃষ্ট ভইল मा। यपि भूजाकरमद नमत दमरवस साद व। दक-শ্ব বাবু শঠত, করিয়া থাকেন, ভাল শাংগব। জাতকর্মে উপস্থিত ছিলেন, ভাঁহারা জ ই " चार्श्य तम्ब " काय किंद्रवे खरमन स এক স্থানে আছে " তিনি (ক্রগদীখন) যেসন ূৰ্বএই শিশুকে আপুন ক্ৰোচ্ছে রক। करियाहिएलन, ७ एटश्रुद्ध रमन चयुर धारी इद्देश देवाब आगव किया मणाव करिया क्रिया ভেম্ন ভিনি সভার ন্যায় ইহাকে ন্যান। রক্ষা कक्रम, देशांदक कारम जी, क्रोमाधा ६ माधुएरन वि-फुरिड क्क्रम ११। द्वाध इत्र हीन यो दे हेर्स्किहे " आंश्व (मृष्ठ की (मृष्ठ " मृत्यू वाश्वान करियारह-म । कि क्यांटिक विवयः थिएवर ! विव्यवस्थ कवित्रा त्रभूत, तारे गक्तमारशत नक्तम काँवी द्रि-থিয়া যথম প্রার্থনাকারী মনোছার উন্থাটিত কবিছা প্রার্থন। করেন, তথন একপা প্রার্থন। जराम निर्शं हा कि ना मुल्ला हे ए बिएडि रव अभिनेत्र मकलरकरे गर्यामः स्वाग्नास्त्र वर्षा कतिराख्याह्न, अवर प्रश्लागित महान नाधरम यञ्जरीन जरियोद्या य.श.उ छाश्राप्त नाधुका-বেৰ মুক্তি হয় জাণাই বাঞ্ , ক্ৰিডেছেন, তথন रर **डिनि मिछरक** तक। कतिरस्त ७ छ। हास्क শ্রীৰাষ্ করিয়া ভাষার সাধু ভাব গ্রন্থর করিবেন ভাষার আর সম্পের কি প্রতীন সভই দুর হয়। যত্ৰ প্ৰাক্ষ্ণ ৰয় মনও তত্ত উমত ও তত ধৰ্ম প (र क प्रमन् इंटेट्ड मनर्व इप्न : ऋत्र, अक्ष, यशित, खबर, शंकु वाखि या छूड **खधान**नाग्रमीन ६ हेग्रा বৰ্ণপথে অপ্ৰসন্ম ছইডে পাৰেন, ক্ৰড়িষ্ঠ তলি-के गर्काम मोक्रेव विभिन्न वाष्ट्रिक एक्के। क्रिया उ।रा व्यव्यक्ता व्यक्ति हम क्षात्रमम १३८७ शा-

আছে, তাৰে কাৰ এপ্ৰকার প্ৰাৰ্থনার ছানি বিছাল প্ৰিকা প্ৰহণ প্ৰযুক্ত সতঃ পার্থন বি বারিদিগের নিকট ও আর্থ-ममेर्र (कार. नद्रार्थस, स्य छाह्।सिरमञ् षाशीजिकत घरेटा छो। १८७ जोम्हर्ग कि १ किंद्र कार, वालग्राके अधिन, विद्या पहिटास मिथा। कथ अड्रान बना कर्डवा नरह । शहा इक्रम बक्रम कार्दा हीस बादूर कार चार्च नाधन बहैरव ना वनः अञ्चला जिलि मध्य ममाक प्रविक्त एकेरवन । প্রিয়ণৰ সম্পাদক। সাধুৰাক্তির অকপট চৰিত্রে च्यक्र|तर्ग एम।यारवाश एमधिया प्रश्विकासुरव এত ভিত্यमान धकना विज्ञक ना इट्स छवनीत कान ध्यात कर योह ना। বিধাতে সেবিপ্রক্ষে গই ক্ষুত্ত প্র থানি থ-कांभ कतिमा अधिक कवित्वन ।

के लका छ। वं कान्त्रिक शंशा ২ ফেব্রুয়ারি 🕽 প্রী খন্যায়সহনাক্ষ্ম্যা

थाभा ग्रा।

নিম বিখিত মক্ষল গ্রাহকগণের এমত । দেন। মুলা নাখ গ'লে নিঃশেষিত হট্যাছে। বৰ্জমান খ্রীযুক্ত বাল ক্লোবনচন্দ্র বায় मिकाम वःजि " রাজা কালীথাতর দাস গজেন্ত মহাপাত্র মেলিনীপুর গড়খ্ঞাই '' নাটোর পুস্ত হালদের সম্পাদক নাটোর ক্রিদ্পুর · रगरशस्त अ निक्यांत्र " भागकांछ छो ध्री চাক। " ह' तड़ांक निः ह बुद्र निमारी म " হবিকৃষ্ণ সন্ধিক জেল। নদীয়া মেহেরপুর " (शंकूलमाध छह । वहत्रम्**रेव रेनव**ाराम " कृश्भरमाध्य क्षांधूरी পূৰ্ব কাছাড় * রপনবায়ণ দাস জিরটি स्थम:ला

প্রাপ্তমূল্য

ইংরাজী ফুল

খ্ৰীযুক্ত বাবু মডিলাল মৈত্ৰ শান্তি পূর ১২৬৯ মাছ হইত্তে ৭০ আফ'ড প্রয়ন্ত ৫ টাকা " " भाविक एक वस्र শাস্ত্রিপুর ১২৬৯ मान **इ**बेट७ १० आवाक शक्या 4 9 " সম্ভাল চটোপাখায ১২৬৯ মাখ হইডে ৭০ আবাচ পথান্ত ৬৬০ " " वासीवटलाइन बाब कशिकां ३२७३ गांच घरेटच २० (०) व **ग**रा छ मधान कृत क किए (क)

निर्देश, हेडा छ। এक श्रमान निर्काविक । १२७० व्यवनावन वहेट १० कार्किक भवा है ३० ३२७३ माच स्ट्रेट्ड १७ छ।वाड भवास ए। · * अर्थानात्रात्रम् बरकारामाभाष वहि" १२७७ योगांत हरेटा संध्र हिन श्या ह * " **एविकानां वर्**स ১২৬৯ কাৰ্ডিক ছইতে চৈত্ৰ পৰাস্থ

व्यामध्यकाम नश्कास काग्रकृष्टि विरमध भित्रम।

चित्र मुका वः श∤**देल अक्चल (**न¦म् ६

बेबोव अधिम युक्ता नार्दिक >० এवः मांशुा-निक क्षा है कि !» इस वर्गना कारल कारल कार वास ना ! गैंदिति तामधकात्मत पुला देन्त्र हित्ति

পাঠান ভাঁহার। এক অথবা জাও জানাব জ্বিক मुरमाद 'अ बगीरमंब हि.किंग म। स्थारम करकम ।

यथन विनि भक्षा १६८ : ८०:मध्यक'रम्ब मुसा शांहोहरवन छोटा राम विकित्ति करियः

प्रविधनस म्हान काल कडीए स्हेल मु-ना शादि डेंख दक्द यम सम्बद्ध विसद ना कें(इस)

याँ शिक्षात्र ग्रमा विवाद मनत प्रशीख बडे. ह। याहित्त, मझकमक मगत्र श्रीक्षीका करित এখনে বে'ৰথকাৰে এচাৰ ক'ৱলা ভাষাৰ পর চিটি লিখিয়া জালান ছইলে, যুরি ছাল গতে কোন উত্তর অধব। সুলা না পাওয়া गय काशक वक्क इंडेटर । मुटलात निमिन्न विकि दिया-রিং পাঠান ছইবে ৷ কলিকাতা সংস্কৃতখণ **म्यामाहित्रत नारम हिठि था हे** स्मार्थ মরা পীড়া পাইব।

যাঁহার যথন সোমপ্রকাশ পরিত্যাণ ক্রিব:-त्र केका स्टेटर विकि लिखिता मा कामहिल जहा अ'स कहा गाउँदा मा।

त्यह स्थामश्रकारण विकासन विद्याहरू কবিলে ভাঁচাকে অধ্যুষ্ঠার প্রতি পংক্তি ক আনা বিভীয় বার /১» আনা ভূতীয় বার /-व्यामा किएक दबेरवा छात्राज्ञ शत अशा हो। क्षिम्म वांग एवं अया वाहित्व।

गककटलत याँचाता मन्द इहेटवल, छीहा मिर्गत्र चाउत्र कांक्सांक्रेस मिरा करेंटक।

बहै लड़ क्रिकाणोड़ पूर्व मोक्स (दुसक्टर हान মাপুর ভেনমের ছজিল ডাকড়িলোডার এবারকানাথ বিদ্যাতুৰ্দের বঁটিতে অভি বোৰবার অভানিত সদ।

(मायशका र

" प्रवर्शनां प्रकृतिविद्याय पार्थिवः वरखती युनिवहती व दीवतां। व

৫ ভাগ। 20 754T() मन ১२७२। ১२३ काल् छन। हेर ১৮७०। २० क्यार्स

সেমেগ্রকালের অবয়ব রুজি भरकास विकाशन।

আজি অবধি সোমপ্রকাশের আর এক अन्य। इन्द्रि क्हेल : कालः शब्र याँ हात्रा वाजाः । या बर्धः वालावालकानीन नम् त्य जानेत्वव 'দৰ মুলা লাম কাব্লিবল, ভালালিগাকে গাং प्रिटंड ब्रेडिश, वार्थिक व्य গ্রিম মূল্য : ১॰ টাকা। অপরিবর্ত্তিও রহিল प्रकारति श्रीहरूप्रियम् अख्य जीन मे। श्री लिट्ड बहेटव। ब्रांतिक छाक्रभाष्ट्रम ०.० वन्न, भिष्ठ यो बाह्य पुना स्थातन मध्यां छ किनिया বন ভালার ভালার বায় ८ इंडेवी कब्रिय , हार्वि । (म)) दाव लाइँ दिन । याँ हार्ता चाउ ए छाक भाग्रम किट्ड अनवर्ष ब्हेर्यम, जाना इराम जामानियात सरक्षानुग स्ट्रेल जाहा-क्रिनाक **बा**गुज क्रिएड ब्रेटेंट मा ।

कतिमधुत क्रिनात चक्र:शाक्री शहेदक्मांदि য়ংকডপুর নামে যে প্রনি ভার্ক কাছে, ত'হা দরশন্তনি দেওয়া কথবা বিক্রয় করা শেইবে ৷ মাঁকার সেই ভালুক সবপত্তনি লট ব এ অথবা ক্রের করিবার টিঞা ভাচে, ডিনি কলিকাভাগ ছাভান ছিনর কোম্পানির নিব ে সাবেদন ক্রিলে স্বিশেন র রাখ্য জানিতে 🤾 ""दिद्यम ।

স্পাং লগপতে কলিকা তার সীমানার बाजाबादजब मिनम ।

শরকার বালভুট্রের ভতুষাভাগারে শবী BINTER THE " FRE USER (4 ME)

ভারিখ ভাষ্ধি অলুপ, জাহাজ, মাল্যোট, फड़, रकड़ा, अदर डिनद पृह्यकद जोका प्रकत **बहे एशनि नमें एउ इं.जि.साल क्लिका जो** ভিতর অ'লে রাখিবেক অর্থাৎ বেশ্বানে রা-খিলে দুর হইতে স্পষ্ট দৃষ্টি হয়, বদাপি উক্ষ नियुष्मत अनाम इस छाउ अक्लंड डीका

›০০) **জ**রিমান, সিতে হটবেক ;

क्रमणात्थ श्रायर्भय निवन कडी বলিকারা।

विद्यानम् ।

व्यवदातु, ६ जिक्दा, द्वास मुनिष्ट, भीत ক্ৰিবু'ক, নিজ্যানক বৈৰুগৌ, ক্ষমোহন क्षेत्रीहावा शकृष्टि आहीय कवित्रशानाविदशब উত্য উত্ম গানওলি সংগ্ৰীত ও একবিড कविया प्रशिष्ठ कवा निवादिः शृक्षत्कत्र मृना ठाम होका माज

ক্ষকিক, ডা

সহবাজার ষ্ট্রেণ ১ নং বাজী।

ক্রীতভুগোপাল চটোপাধ্যার এবং কোং

विद्धाः भव ।

कीहिमान वर्तिक वेसद अञ्चलमान (मामादेन টার যে সকল পুস্তক, বাইবস ভিপঞ্চিরিডে अपुरु मञ्जान माट्ट्टबर स्टाः। ১१ हेरिका क्षि সানে বিজ্ঞান হইছে, সম্প্ৰতি জ সকল সুক্তৰ क्तिकाका विक्री श्रेत अवस्टतरे हि हे १: अवस विषय के देश 👼 वृद्ध अस अधिन नहिंद्दर । गोलांस सीमामान्य र क

|माथ चुननीत दर्मणाव का कवित्राय वादय विकास विकास विकास

्षरप्रभीत ब्रावकाशक मध्येष्ठः कीया

विवत्रण कर पक्षे घरेल, आषू अ STREET AND THE THE PARTY AND प्राटक्ष्य, प्रथम दन आहेत्वस्था क्रेट्रिक क्रमा मान्यामान समित ज्ञाबना चारक, जिनि भूरके विशेषक ल गांधा + गढा जवंदर लिख ভাষার বজাবদান্তব্য করিবেকা শ্রেকি इंडेन, घर । डाँश्राह अस्त्रिविधि स् त्र छेशक्षिकं क्षेत्रा बद्रक्षका नाप भातित्वतः। वावद्याशक मणातः वृत्ति व्यवि छेहा गडा वाडिविक क्यान की শবার রুদ্ধ করিয়া সাখিলাছিলের, জ त्मरे बात केशाविक श्रेबात केशकन सरेरक (र । वर्षमः स्व विषयं स्थल एतं, **धर्मा**ट्रन कारात्र मनुवात्र स्थाव मश्रामाधिक रहा नेक कतारे लाधिक हरेश शास्त्र ! ूरि

नामानि भज भागागितमा २५ औरि করু সহাদ দিতে আরম্ভ করিন্তিই ডিনি শুনিয়াছেন, সর চার ব্র ब्रिक कर्माहिमिटमेस स्टब्स् রাজ কাব্য ভার সমর্থণ ক

अत्मनीत्रिक्तना काश व्यक्ति इरेटव ! . ब त्रशामि क्विन श्रीकिन्द्र नम्, अद्भूत्नद्र o शर्वरवाक्त नकालंत्रहे त्थात्रकत्ती केंक न्याता वाक्रमश्राक्षण महकारत अरमङ्ग्रेमंत्र म विद्राप्त श्रीवृद्धि श्**रेट्य शरकर** मारे में यथन कार उदार्वत्र चाहा वाटनक्षेत्रमणा विधान क्ष क्षाद महेता जुनूम चारमानम रत्न, ७२का त्न जार्ज कीम्लि वात्रवश्राकरभव वरे छ े।। प्र विश्वारम करतम । देश स्कर्तन राजनः व्यर्भत मत् अस्मनीत्रमिर्मत अनुतान লম্ভৰত অ**ন্তৰ উপা**য় ৷

बायुम्ध्यूक्षण काल ! क्र**्रामिट्य-अवक्षण जनश्य श**ना गारे-**जालारक र न्यांके** द्यांथ रहेरा रहे, भाकित्वर्व**्युकार स्टब्स है। रशहा व**्यावन **्रिक्ट अपर्यक्रिकोल कडीक :** हा बाह ५१ कि पार्क मान बादबर । विधानवाश्य ें **किश्विक एक्क्रिक प्रकारक** यथि जर्का स्था खंभके विश्वकात आधि "ज . देशत

्यं शदर्दम्ब वी विका महरक के बदा हो कि जिस्स পৌরিমাধে কর-বাস্থ নরিচেত্রনে, ভাঁছানি क्षेत्रपदे काशांत्र कृष्टमवित्र कन्न । भागी मृथि विकास कामा नहर । तम् अवादान ि क्रांन्स कर्ष कि काटक वाहिए हरे ाह्य, किवन विदंतन्त कतिरले थे जम 🍟 🔁 শ্ৰন্থীয়মান হটবে। সেই অৰ্থ লাইয়া **चित्रकृष्ट ७ जनावमा क वाग्न कता हरेटक्टह**। শ্রেপে পরিবর্ত বিষয়ক জন এব আমাদিগের कि जिल्ला के दिखें इहेरहरण, भागकभा का ্বণ**্করিলেই** সেই অসমত ও অনার্শ্যক रात्र कि कारा क्रूक्टक शाहित्वन ।

জবা সামগ্রী ক্রন্ন করিতে ও ভাহার তন্ত্রা বধারক ও কার্যাকারকলিকের বেডন দিতে অকারণ কত্র পিটা অর্থ মন্ট চ্ট্যা গোল विधीत्र समत्त्व, हेनकम होस भाक्ति, विदि ণিউ বোর্ড, মডিটর কেবরল, সিবিল পে মার্থর ও আক্রাউন্টেণ্ট জেমরলের আফ্রি त्र वद मिटलहै:वि कारेनान आक्रित छैठि या शाहरव । अ नकन कर्मातिविक्तात का যাভার অপব কর্ণচারিদিপের হত্তে সমর্পি छ हहेरद । यथा- त्यान आक्राफेरकेके িবল পেমাউরের কাজ করিবেন, কি नाजिशाल डिलाईस्मिके जाक डिक्के অভিটর জেনরলের কায়, ভার প্রহণ করি (तम, अवः द्वारविष्णि कमिममम द्विविष्ठि (वार्ड व कमडा श्रांश हहेरका। बिलिहेर्व েন্ডের আকিসহইতেই মিলিটরি ফি माफा आफिटनत कार्या निर्वीक इंडेटर । थदश कटलकेत्रपिटशत खेला व हेनक्यकेएखात खात ममर्लिट इट्टेंग (शास चाकिटमत छ। ইরেক্টর জেনরলের পদও । টয়া ঘাইবে। बे भम्छनि कि এতদিন আচারণ গ্রন্মে তের অর্থরাশি ভত্মসাথ ক**ে, নাই** ১

महाबद्धम डेट्डब अजिनस्म।

चामापिरशंत एणानंत लारकता रमभून ভাঁহারা দীর্ঘস্থ ক্রতা পরিত্যাগ করিয়া অ ভনন্দন প্রদান ধারা সরচালুস উডের কাবের অনুমো ন না করিতে করিছে ইংল ७ त चनुत्यांकन किहा तन्श्रह हेसादि । कारनक ममदत्र जामत्रा (पश्चित्क शाहे, उत्प *ा*त लारकता श्रीवृष्टिकातिमस्मत अवृ 'ত ভীত হইয়া কওঁৰা সাধনে সাহসী ় হ্ইতে পারেন না। সরচাল স উডকে 🖦 প্রথম জুজুর এই, গবর্ণমেটের হত | তিলক্ষন পত্র দিবার নিমিস্ক বছদিবসাবিধ **উট্টিল্লা হই সাহে, প্রাহা উ**ঠিয়া যাই বে। কি আমরা **এদেণীয়দিগকে উত্তেজ**মা ক हरित । धक, रा काल मत्र विक्ता अ मत्रम वर्षम कर्तिहा সম্পন্ন হইত, ভাগতে আ ইভততঃ নৃত্যিকেপ করিকে করিছে ইংল্লছে PROMETE STATE SEEMS LEVEL SCIENCE

वात माधुर्या ७ तीमचा देश्नकीरमना रवन ক্ষিয়া ল্ইলেন। গতসংখ্য হিন্দুপেরি রটে আময়া ইংলত্তের একটি সভার কার্য্য বিষয়ণ পাঠ করিয়া অত্যন্ত পরিভোম লাভ कतितादि। मञ्जिलिका छेटमाना, महमान्छ ভাষ ও জারতবর্ষের এতি সঙ্গেছ দুটি, এই कृति आंशिक्तित अनिर्वहनीत शर्मत কাবণ হইয়াছে। সম্প্রতি লগুনে পর জন লরেশ, সর জ্রেডরিক হালিডে, বর্ষমা नित्र कुडभूर्व कमिननत्र हेलिश्रेष्ठे अटिक्व कुक्रमश्रद्धत विजनति जन्न जाट्य, इस्ट्रिंग নরি সোসাইটির সেক্রেটারি ও আর ক য়েক জন ভূতপূর্ব সিবিলিয়ান ও দত্র লো ক এক বাক্য হট্য। ক:উল্লুস্ত নিলের প্রতি वाम कत्रियात निमित्न धाक ছিলেন। তাঁহারা সকলেই একমতে। স্প दें कित्त किशिहक्त. ये बाहेर बहाय ष्य निष्ठेकत् । (य नत् अन लटव्स १, मिक्सिमारि भरलद्भ रमयका श्वरूप, डिमिन् शैलियारहर এপ্রকার আইন করিলে জা 🔑 🗯 বিজে হ घढेना ও देश अभिटाव नाट सन्दर्भ करिनः इस्ट्रिय । व्याद्रशा किमि न्या की विक्रियोद्धा विविद्या । न नीजकत अङ्खि ध्वष्टामिर क्षेत्र भ णाणात्र **कटत्रम, अफ्जाय प**ि क्षेत्र अस्ति विधिवस क्या जावना क हत्, क हा दीना माज्य অত্যাচারের সহায়তার জন্য না 🤊 🗥 🕾 का क्रिक्ट भीक्षत स्ट्रेस्ड द्रका कविरेक कान्। क्यूरि कर्डवा । कालिएक जन्दक्व ५ ম্পূৰ্ণ ৰূপে ইছার পোষ্কত। করিয়া ব লেন, ১৮৩০ জন্ম অৰ্থি ১৮৩৫ জন্ম প্ৰ स वारे क्षकात कोक्यांति मेख रियाहक করার ভদের আইন ছিল, কিছু ত বটিত জন্নানক অভাচার ছঙ্গাতে ভারভবণী গ গবর্ণমেন্ট তাহা র**হিত করেন** ৷ ১৯৫৯ चारम कर्ना उ इस मारमझ करा रा व हैन दुर्देशन, उरकारम म्मरी किश्रास वरः रहेशा के अपने मात्र करेद ना भ्रष्टका मुख्या क्षेत्र क्षेत्र विद्यात अवद

कृत क विकास जान करें। स्ट्रेशिट्ड व्यास भना महत्त्वाकां की तक्तिविद्या है। व क्षकाचिर्त्रत निरम्भाष्ठा विवरकते, क्रिक्ष कतिया (भरत अक बाटका अहे श्रासूत्र कति लिन (प. नव ठावन न' केड दूरे बात में भा हैन तृहित कृतिहा यथार्व दाकती एकता अपर्णन अभाषानुषठ कार्य। क्रियाद्यन । व्यक्त विकास कार्य त व्यक्तवादनार्थ के शास्त्र अक् चित्रमान शत क्षान इता कर्डवा १ व्यवस्त्र सूत्र कर ,गाउका भूनतात्र वित्रान यकि जब हात्रम के छ थ कार्या ना क्षित्कत, कारा स्ट्रेटन किनि कांत्रक्री व मिटक है। ति वहेबात स्थान बहेर्डन, गा.। नालाना अक्टलरे बुक्ककर्छ क्रहिएनेन, छः वृक्त्री प्रश्नवनंत्र के कर्ते के बाहरनद्र श्राव व क ब्रमा ज्िनं व जनाय कर्न कतिशार्यतः ।

चारांशिरशत्र विरागत द्वारकत्री रवत् अहे अब जन्यामहि सनिहा निकिद रहेश भूनवाध मूर्वक्षणाः दगवन करहत ना । क ণ্ডাট বিলের এখন ও অভিন কাল ইপ विक इस मारे । इंदा लरेशा अकृष्टि (बाह्यक র বাগান্দ হইবার সস্কাবনা আছে ৷ এক, नित्य मार्ट्सक्टरहर्त्त, श्र कात्रकवर्ष त नित् कि कात्रि एव व ११ रेश्जुखीत द्वीति एम, ध्वना क्द र्वेटव्य । अटाव्यीक्षिटबंड कायम्टना ৰ কো চেইণ শাইয়া সম্ভারত স উডের भरतात वल दृष्टि कर्राः व्यवणा वर्क्ताः।

रत्रकता । अख्यक्तीत सूति। थक वान्ति देशमुद्धकती विटलेतियात थान वस कतिवात रहको क्रिका मृह इहेरल नकरन काशास्त्र सिकामा कांद्रस्थान, जूबि ति समा प्राचीत थांभ मश्यात (हर्य) कति शहित्का दम संस्थानवमरत वृत्तिक 'विधार क्रेवांत्र समा । कृ. अक्रूबन क्युक्यांत जूठ वर्ष मन्त्रापक कृतिह महारव कार्यवर र स्थान स्क्रियुक्त स्कृति मार्टरा विधान हरेगांकिक्स ने अधिक केन्द्रानिकारी करने

मन्त्र पर्केट वह नेक्वीरड नव्यक्ति कवि सर्वे । म्यावि अवस्थिते । स्वीत्रवा विवास अवस्थात । धन ८ छ:व निवित्र हरे मारक विका भागता विकित स्ट्रेशिक् नामी मुक् दार्थमका खड़का विश्वित म

तकाका, वर्ष, मनाक, ७ ताकनी है मरक ह निकृष्टिणात धारण कतिया निविद्यादश्य, "(व इक.(क्रिके) हेश्स्ट व्यक्तिहाटक, काहा का ब्राचनार्व करेटक भारत ना ; अरमनेष ल्लाहरू हो खब्श जगारक चलान विभिन्न चाक्स वरेश क राम, जा। क शह माथा (क् बुक् कहिए , बहर कर्मन बाह्य रक्षाच न हेर्ड्स्ट খুর; বর্ষ কোন ফাভিসভা অবস্থা চর্চুড়ে পতি ছত্ম, ভগ ভ লাগু পুনক্লার নের আর क्लिन नक्कान न बाद हरू। । १ जन्म कर्क विष यथार्थ बद्रभ नेव्हिन म् शांठ कति । बाद्रवन. ত:হা হ**ইলে একটি বিষ**া জানিতে পারিবে न, रुष्ट् क्थमरे चन दर्ग बानि विश्व चा ছোৎকর লাভ করিতে পারেন ন ই ; ছা

রা কেবল পরাক্ষিত লাভি লেভুগণকে का क्रिक निकारता छ त्रव्यत्व हे मानीक्न नका हा मिह विवय स्टेश नक्यांक (कत्र त्रहिक चामानिएशत दुवा विक**्**त्र প্রয়োজন নাই। সন্পাদদের প্রক্রি আমা मिर्म नत्र ठातम्त के छ । कर्ष मन वक्षणति | निर्मात अक मात्र व स्था वहे, या राम भूष তন উক্তৱন অবস্থা চইতে অধ্যপতিত হয়, ভাহার পুনরুখে নের সন্তাবনা অ হে কি না, वर्जमान रेजिलिहे छ हात्र निमर्गन एल । छ ধায় কি সাহিত্য, বিজ্ঞান, বাণিয়া, ও না নাপ্ৰবার শিম্প নিদ্যাদি নবীভাব প্রাপ্ত হয় নাই ৷ তথায় কি স্বাধীনতা প্রবৃত্তি বলবতী ह्याः हे : बीटनव निटक धन्दात्र मृथि প'छ কর, আর এক দৃষ্টান্ত দর্শন করিবে। ভবে ভারতবার্যর পূর্বাবহা লাভ অথবা ভদপে ক্ষঃ অধিকতর উরস্থি লাতের বাংগ কি ১ ছব্ন कता मन्नामक यटनम मन्त्रुर्ग वाथा चाटका **बिह्**शिकादिमल कि तारे वाधा । भवर्रावर्क यमि बहेरभी असिकात निष्क ए टर क्रुलनेका के बारा ना उद्ध

का क्रांत त्व विकास 14 क्या **डेक्ट से**वाल के -PATE BY REPORTED हिट नव अधिकता व्या mini freiff Hibania a गार्र केंद्रिश अवसीर विश्वप्रकृति pisteres bur ut which [का एक **पर्य क जान का अकार्य क** red wir fe wir au au gur न वी क्टाम, के का कितानीत कितन । ीह एहिन शक नववर्ष क्रिकाहि स्वर न्थन (कर्टे क हात प पार्टीक निवास के ब क्टबन गाँव, रक्षण कांकांके आला कांत्रशाहरूम उथन छवियदर्व अधिक वना आमानुभाक । खकरा ब जानि के बेबिर दें गानि निप्ता केटेब्रानीक के कि ब्रेसि के ब्रिविट्य (प. व. व. কিবার চেকাশ আহম লাকি ল এ কৈ শিক্ষ रम् ब्रा ! किन्तु एक एक दिना वही अने बाम क विषा कृष्टि शाहेबात महिल्ला बारे। এখন जात मिनावालि बारें, दर्ज बाब (रबंगे दारे, त्य जिविज महाके के क्षेत्रिक den egret 's Erfeing ta. fand

SPIRAL BOTH STREET मान लाक केला च हिन्दे ।

केंद्रिक्वरहरी लाक में बीहि

कृति के कुछ चारेत्नत शाक रम्भा कहि-ब्राह्म (कारू नेश्वा करा আৰুশার ক্রেকার বেনের সভাভা मनुक्रियांचात्र सिम्ह विराग वर्ण भवनात्र सुक्षा शीव । स्वार्तात्र व्यक्तिम व वकात हरू देश होती वहना वालाना खारका हार्न करून, महाका व काशात म বুর 🙀 স্থাপ্রিলার বত উল্লিড হয়, वि करेगा केटर । हीन्द्रमान मर्बाटमान अर्थिक देशांह, दश्रद्धा व ग्रेग्रं व अर्थ मरह । मच्याक देखेदबाल बरक एक लाव इक्ति व्हेंट्केंट्रक दे दे किवबे नहा नएक विशे मिक लग्ने क्षांक छन्। श्रेट्र कि विश्व . पाल शमन किया छेशनित्यम् कृतिएक হে। সভাভার সহিত লোক রবির এত বৈ ,কট। সমন্ত্র যে সে দিবস সভাপতি নিক্ষা ब बहानजात यकुका कारम विमारहरू ইউনাইটেড ভেট্লে গণনায় আড়াই ক্লোটি লোক ছিল, তিনি অনুমান করেন, भारे केमविश्य भक्त की महा एका रकाहि

भातिर्य ।

कटबा सटबा त्माक भश्या अंदा यावकी। त्र माना भवमारवरकेत् कार्ववा । शृथिवीत हे िहान आह्न हरेगांत भन्न अन्ति अवटम মে জেনকে লোক সংখ্যা করিতে দেখিতে श्रीक्षा दाव। विकि मिन्द्र स्टर्भ देखन

विकार रहे । शहरादिरमन, किंद एकाना वेनकी के हात अक एन क्षूत्र क्षेत्रीएक ভিনি এই শভীউ সিম্ব করিছে সমর্থ হয ৰাই বিষেকেরা জিবিরটো সমীৰিক অনুর स्ट हिल्ला । लाक मश्या स्वीत स्वयी वि खानानि छ। शामितान नामेस केरवाई जहि ভ এবিত ছিল। ভাঁহাদিলের সেপর বিলি या अब क्षेत्र कर्महाती हिरलन, लीक সংখ্যা করা উভার এক প্রাথান কর্মবা কৰ্ম ছিল। ব্লোমীয় সাজাভ্য বিষ্ঠ হইলে शत करमक भेठाची शेरों है में खबा बहा रहेश निशंदिन। शफाँद सार्यादका का विक्रु छ रहेरल वर्षन मह्या मह्या स्नाक ঐ ধতে বাসাধী দহিয়া গমন করিছে লাগি লৈন ডৎকার্ফে ইউরোপীয় রাজগণ লোক সংখ্যা করা আবশ্যক বোধ করিদেন। त्नहें चर्चि धनवां क के चरे के छहे अवा क्षत्रमः महीत शादन व्यक्ति त्यादकत्र नम द्विविविव्यक्ति पृष्ट प्रदेख्यह । देशेत प्रोता (मर्टमंत्र धन, मिन्न) वार्विकां, खेर्दर मबांका. ধর্মনীটি ও রাজনীতি সংজ্ঞান্ত উল্লিডর विषय मुन्दंबरण कार्निए भादा यात्र। कें का ७ जाशात्रकार खत्र १.७ रेलाक भरनात्र कांना निवारंब, छंथाय निवार व्यक्तीय लाक দিগের মধ্যে অধিক সংখ্যা জারজ। স্থান্স ধর্মনীভিবন্ধনের ভালুন দার্চ্য না পাকাতে **অর্ন্য অন্য দেশ অপেক্ষা ওথা**য় লোক অত্প জনিতেছে। সম্রাট এই নিমিন্ত ক্লব ৰ ও শ্ৰমজীৰি লোকের শিক্ষাদান কাৰ্যো नमधिक यञ्जलील हर्देशीटहर्न।

> বে লোক সংখ্যার এত উপকার কারি ভা শক্তি আছে, ভায়তবৰে নিয়মিতৰূপে তাহা সম্পন্ন হইতেছে না, বড়া কোতের বিষয়। যথন এদেশ হইতে প্রতিবৎসর সহস্ৰ সহস্ৰ প্ৰমন্ত্ৰীৰি ব্যক্তিকে নানা উ भनिर्दर्भ ८२.व्र वका स्ट्रेफ्ट्स ; यथन প্রতিবৎসর মানা, জারার পীড়ার- অধিক oder bruck ben Career gan in agrant

अक्षिपादत अवस्थ कर । चारलक्ष्यक के अर्पिन मुनदान आकृष् का देखान, स्वत श्रीक नश्या केले निषान कर्ष्या नामह म है। छ। इरेल दबन दाताबह कह ভ অৰম্বা উভয়ৰ প মানা বাইতে পারিৰে এমুপ নয়, গ্রব্দেটিরও শাসন ভবাবছা नेय कादया महिरामव चातुक् । माध्व इहे (द । जात अवधी अहे विराम लाख हहेत्. यवि कान धारमा चनुत्रकि में कि हरू मका भवनीतिराधित वांभाग इदेरकई काहात কারণানুসজ্বান করিয়া তৎপ্রতীকার চেষ্ঠা ক্ষিবে। তদিমিত আন্যাএই শক্তাৰ করি ভেছি স্থানীৰ ব্যবস্থাপক সভার নাহইয়া ভার তৰ্থীয় ব্যবস্থাপক সভায় এ বিষয়ের এক विन एम क्षर दक्षा माकिटके है ७ बाना द्व छिभात निर्देश ना कतिता करप्रक स्व र्याभा क्षिणमञ्ज निर्वाशिक एत, लाकं मध ব্যা কালে ভাহাসিপের বাবসালাসি বিব্ এবং পূর্ব অবস্থার সহিত্ত ভারতয়া করিছা অবস্থার উৎকর্ম ও অপক্ষের বিষয়ট বি र्णिय करण मिर्नेत्र कर्ता भावभाकः।

शक्रदे भिक्य मा

क्रे , जिंद्रायारम् इ इक्श्रीन शास गड সভবারের সোহপ্রকাশে প্রচারিত হট্য ए । अविषया बाबामिटेशन किंद्र किंद्र खादा जाटक् । केनक् अपना श्रूमत्राज्ञ विव्याः त्र क्षांत्रण **वेश देखें केता (गल**। *ार्पा*शी সমাক্ষ শুরীর ও রাজনীতি সংক্রান্ত উর্জ ल्युंड विश्वत विमात बाह्यमा करण पान्ना লন ব'ভিরেত্ক সম্পাধ হটবার সভাব' मारे, धक्या दश्वल माधातरः। मह धर्व स्कि श्रीकात क्रितारण्य । **धरे निमि** ३१ ক্ষিনামুশীসম বিষয়ে অধিকতার যত্ন ও 'ব मूब्रांभ मुक्त करेरजरक । এই निविष्ठ रे अब मार्ट्य फान्नक्वरवंत निका कार्या १५ ।। त्यात्र शहिबदर्ख ४० मार्क है।का जिबार 3. कार् कंद्राम । किंद्र चारक्रतना विषय धरे. et tra met mete en an affi

ं नक हैंका संबंध र्देशार्थ। व्यापनीत अवन्तिक वा.चा ए होट नहीं त्रीत में देखें न दिना नहें हैं। ७०,००० होका विटिंग्स हम । व्यत्किक देन त्वाबरेडक विरक्ष ३०,००० कति । देविषेडा वर्षेत्राटक हे जिल्हा बचा करेटक विट्या कि ट्राकेंद्र कृटेंबर वर्जुटिंक डे -- छोका दिलकें ७ ३०० होका च किरेग्रेस बोध रेगकी वर्षे 📭 । दर्बनाम, ७ इकिमनगरत कुछि मधील दि कालक प्रेमाटक । "यर्जाक्त्यक ८क्की परे ट्ड इजिसारेड । धरे मॅक्न विमानरंप्रत केटकाटक अरू के का व य ए दर्व है अरी आंत्रक बंद्रवर्गितारी में हा है कि प्रक्रि भारेश अके बर्धात काल एक गयन विकर शद्य भेरी वर्ने कर्तिशा भूगर्वत विकासका कार्षा निर्माणिक करेरवन । स्वारं अक्रि निश्च त्वानीय त्याक्षींपरत्य क्षिष्ट किंद्र निका (क्याई अवर्ग्धर है। चित्रध्य, चमर्च और चात्रस प्रेमेस्स १

भवर्गस्यके अहे त्य क्रिया कतिरहाह्य. देश देतिक राजी हरे(के.इ कि मारे अवधि यदश्च वात्र प्रदेख, का भन्न व्यवस्था करा লাভ চুইবে কি মা? বিষয়াছবে এবার করি **তে অধিকতঃ উপভাত** দৰ্শিত কি না : **श्रामकाणप्रविद्यस्य अस्य २०**२३ श्रिकः। पि*र*ा ভাহাতিকার স্বারা বেশের প্রীচৃদ্ধি সাধন मञ्जानमा क्या बाहर ना द्वारी के में ने वाद्य धरे लग्न संभि छेमारिक एवंटरर्प । अधन वर्षन भन्न स्रोक् क्षाफि ए एड्स द है क्षाप्त क तिन, कर्यार्थन करणाल मक्टन कविनया বিষয়ত পাৰ্টিয়া, ছিলেন, প্ৰাচীনতলের ও सम्बद्धि देशक कार्य कार्य कार्य कार्य मुक्ताहर महादिष महा। पाकिल म

* NAMES AND PROPERTY OF to large the second second second second second CHARGE SIE 1 42 CATES NOW निका ना कुछ पाइक निक दक्षणके हैं। नारेष और त्यारक का र्वनन- कामरामः विराध अवस्ति क्रीय क्रमार्थण निका कतियात संज्ञानमा साहै । बीमाल हित्रकात सार्वितः कार्रित्रकार्यका , विक्रियंत्र विश्वान्याद्यादतः अक क्षिएक नेश ंडिटोनेंदें राजामा विशास पुकान स्टेम, ची-शिविरोग्ने माहिकाणि निकास क्यानकः MADEL AL NEWS TO > WATER **ক্লের এবল কোন:ইম্ব লক্ষি মাই** এক न्यार्थ ८ करवर मार्थ करणार्थमार्थ करहीति त्रित्र स्थान उच्चे के तेति क क्**ट्रेस**ा

चामहा करेंगे उपरकात देवविष्यक्ति खं संबंदरको श्रीक्र मंद्रका विवेदहरे शिवृद्धि मा धेन क्रिकी करवण क्षित्रताहरू वरहे, क्रिक এক একটা ভাষতভাষাক্র বিভাষতভাষ্ট প্রয়োগ गरेम चरिन, रक्षम र्यंत्रसङ्घ तक कालिएक क्षित्र मेर्डिक्ट बाजाचे अधिरक्षर स्थित गार, जारतक करों। विकास करें। पहिरक **एके. जोनीपिरमेत्र अवर्गर राज्य र हे सम** धर्मे है निश्च न जबस्य विषय खेरम क्रिक स्टेशिएडेंग । च^{ान्} वार्ष्य चार्यक कार्कर का णिका विदेशन के कि 1' या **कें** शक्तिकांड अक रेका हरेतारक ठारारे कें.साविरात अ म (मन्न मृत्र । अवज्ञान निवस्ताने के हान्ना दे बिएक गाहितकहम मा वर्ष की साबिदनक किया विकल अवंश अ^{म्म्} कल भ्यान का बिनी हर्दे । थे ७००० है। या महासम्म कार्या अथवा नमाल घुटल वार्तिक इंहरल धारिक्छत्र উপकात मर्जिङ रास्ट । **८४न भिन निन (मर्थ) याँदेरकाष्ट्र एक्क्रमध्** শ্যদিগের এতি সোকের বিরাপ ক্ষতিক ছে, সেই বিরাগ কারে আনাফিল্ডার মুক্তা, **উপাঠারেই সেই** সুনি গব প্রা श्रुक्ररवद्रा वर्ष योग्न कतिन। (म**र्वे द्वाला) विक द्वेरव ।** এक द्वनत निक्की 📆 भरतत मश्या दृषि कद्रिए इलिएनस्यः,

মুখক প্রভৃতি ইত্যুলোক্ষিণাকে ক্রিছ गरकारतम् क्षेत्रका सत्र माहे। (त्र मरकात्री किस निक्ती एमेक्स पेनि असरिवारकेत्र

कि जाका शाक्रिया कार्या निहर है अधियों सार्थ PRINT CAPTORING अनुमान विकास । देश TRANSA . कार्या देवीक करा आहेत बरम सुविधिक सहार (中华東京 明朝:孝本) CH TO S. TO WAR WINDS पातारे नक है जारी इस्तान रत, अन्धरमरकेत पाकित्य THE WEST PROPERTY. क्ष का का का नहीं के हैं। कि किए के ध्याप की ना कि कि कार्यमानाम्यका चार्य किएक मरेटच भारत मा १ आर्व स किन करियां विविधः हो श्रीकात (कस ? 🥎 🐠

VI CHIEFE REFERENCE व अ वाति व्यक्ति वाहक लिन धरमध्यद्व भूजरवत्रके **अस्तर** नेते विकास कि, ते का कर्रत दे आहे शिक्त हिंदि, स्त, पाछकार त्महे जिल्ला त्मकेश स्र्वेल. এই ববিয়া দেল কানৰ ক্রিটে ছান চন্দ্র अवक्रि, व्यक्तिय इंदेरन एक लाकनिष्टि सुनिका अवका चारणाक । तिक वित्र स सम्बद्धान्त्रस्थितमञ्जानिकत्ति निका जाउप हुन्। क्षि स्वायहानग्रपिटभन्न हर्नियुटी 🤻 थिक क्रेवाह ज्ञावन। क्राह्म म म्टब निक्रक नगर्भ मुख

The state of the s

ं अवसे साम समिताः सर्वर्थान्तः व विशेषम् अस्य प्रतिकान् स्वाहः साम त स्वीतिकान्त्रं प्रतिकान् स्वाहः साम त स्वीतिका अस्य प्रतिकान् स्वाहः स्वाहः स्वाहः स्वीतिका स्वाहः स

क्रिकेट-बिन्ने प्रवद्यान स्वयंक जात इसके । के जेवोशित है कि निया ः 👶, निका हान मोता शका शिक्ष होतः भागम् शवर्गरमट्क्षेत्र । भक्तिकोट्स्त বিবায়ে যে স্থায় করিতেছিলাম, এচক্ষায়ু কি গুংহা সভ্লক বলিয়া প্ৰভীয়**মান হইতে** इता ? क देखवर्ष भवर्गवार केंद्र ३० क्लिक गात एके एक, छ, हात मधा एके एक वर्ष नक क्राक् काम भिका कार्या विश्वास ज्या कि महिलाइ । देश अवर्गरम कि NE CHARLES OF STATE ENGINE ं भारतम् क्षित्रक्षात्रा कि छोड्। वश्रक नि कि विदेशक क्षित्रक देशक रेकेश TOTA : M. ST. WIND WIN 79 THE PRINT PRINT A PART PRINT A HE CAN AN AN ANNALE

FC PINE TIL

वित्रकृष्ण स्त्रिक्षि हिन्दिक प्रकार करकरमञ्जूष सर्व कि के प्रश्ने श्रीक विश्वक गृष्ट्यात करे, बरगरनत जी व क्रूनसमास्त द्विभिक्ता महकारत सावद मेंबेक्ट के कि ना प्रेट्ट, कार्य आर्थानंत्र संयुक्त प्रेडांक मास्य महारमान्याके । अवर्षात्रके आंक्राइन तनार्कत किष्णामध्ये हा वागांती प्रवतन म महिएकरक्षः आर्थेका रमन्त्र करनावरे था विभूगी । । अधानामीहरू व मुस्साहरू अन् ्रवंत्र क्**रुक्ताल अर्था क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट** मांखा रही। लिकाह नहार है है लिकाह नि খনবে গ্রহ্ণবেশ্টকে প্রভন্ত উপাট্ট করিছে संबंदि । पं:शहा 'एन जेलोन करियाँ विरू कि स्रेर्गेटकके अवीशक चार्च विशाल **क्रिकोची ईश्विमार्थ हारा अ.८**स भारति हिन प्रदेश बक्षानाइ परिक ना या अतिकारी वायर नहाँ नहाँ समान ; भू चकारि ता क्षिप्त कात कविरक श्रेटत शहरी क्षित्रक कृतिहास मात्र आहा कार्य सहित्य हरे. sa mas prous nous problems bearing শ্ৰিমাৰ্ক ক্লিছ ক্লিছ পাৱিছোৰিক বিভেও इटेर्ड १ धरे ऋत्म साझ लाखन नहः आर्थ क्षांक अमिनिक स्रेक्त कृत्य देविनिक प्रदेश करो यहान चार्किङ निकासका **এবেশ चंद्र गारे , जनमूसक वाक्तिका** কে অনুরক্ষ করিবায় নিবিত অর্থ লোভ क्षाप्रमास कि अन मान केरह है जिलाह मह । भवारा अवर्धायके हे सह प्रमाणक भएका । क्रानिकृष्ण गरम् ७, व्यक्तिमा ७ मानद्रका कार्ताटक क्षेत्र क्षेत्र वर्षे लाक क्ष्मान वार क्षतिया कि सुबर्गा के इन् मध्याद अवर्थ हरेत्राविद्याने १ जालित CHURCH PROPERTY SERVED FUR STA we come works after the second

> चन् ठेक सनूकाबुकारी द्वाक विरुद्ध शक्तु स्वर्धका

देशका विता शृद्धि वन वः नुवजात देन निविद्ध स्थान विद्धा स्थान क्षेत्र स्थान क्षेत्र स्थान स्थान

lete officelle alle tellerin miene fails with wine nat bie fatte un त्वर बार्बानेन एक, डेवा बाता क्षेत्र परचेत्र चाउ # जि मेरेबाईक मेजीवमा बार्ड, जारब द्या प्या प्रशंभित्रोक विकासी प्रतिक करने में कि कानमा ज क्रम रविकाम (व शारवता व्यक्तिम कारवह की গীৰ ও বোৰীয় পুঁৱোহিত বিধের নাগর জুপিটর क्षकृष्टित निकंदि आर्थना बाहा जनातत एका का व अल्लाक्ट्रसंब क्रम केतियाँ ध्यानिमानिरशंब का क्षीई जीवमें कंषिरंक्षरहम, कवि बहैदन जानता श्रार्था विरवाधीं बहेबी संबंधीरमं नित्रकत्र मा ৰিত কৰিছা ভাৰিতাৰ। ধাহা ইটক, আৰাকি तात काँडाडिक रकार्डम विवय के एके एक হয়, আৰুৱা বহুত্ব কৈই৷ পাইলায়, কিয় क्षेत्रिक क्षेत्रकीय विवेश्य क्षेत्रविष्या वड रवीतकरते विकितियोग स्थापन स्तिया कि देखें भाषिनार्व को । केवस काममून, दक जीर्द्ध रद श्रीत स्वेष केंग्रियमध्ये निर्देशीय स्वारका ष आत्राबद्धक निष्के किहिर्द > मिन्दिकारण देश्य व्यवश्रक्षात्रवक्या एव बाहे. देखिशन बिवंद व क्यांने (जोशन क्तिर्जन रकेन ? जिप बाद क्यांशिक्षित भड़ अहे. यहाँ व क्यांगाएम विश्विक क्षिरंगई कांश करन देशभर्य गति **१७ इत्, विश्वित चण्डा ७ कारमाम क्षारमा**-सित्र चल्छ जन्नेकोस स्त्र, देशहे जामामिरगद्व عاد_ पश्चिमक्षे ।

वरिषेत्रा चर्चारियं चर्वेष्ठं न चात्रम पहि-बारका, देश कोता डेंबड के भवित जाकश्यक অনুষ্ঠি ও জাপ্তিত্রটো ইবিবার সভাবনা मर्शिएहे. खोद्धारक्षेष्ट्रे च्यार्थको 'मश्मरकामास्टि ক্ষিত ও পরিভাশিত ধইয়াছি। এনদান ক फिना बार्फा मेंब्र बुबन चाक्त कतिया हा-विश्वीरक् क्रीक्षारक्षे क्रीकाचा क्षत्रहित क्षत्र-ष्ट्रीरनद्र व्यवस्थितिका स्व चिट्ठ माहेटल्ट्डन 🛚 । जाराज्य द्वांना जानाना छ्याद्व माजक्टम् **अप्रदानंत्र क्रीडिलाह्य ट्रेंडर्गीव आक्रिक्टान्नगारह** राजानशिक बाक्स्याक जन्द्रवानन कतिएउ शाहित्यम छ । क्या वित क्राक्शिक्षत अज्ञान रिंच मृद्धे, खाँब बहैदेन क्षाक्रियर समू सूर्वाचन मान कि व्यवस्था है है है के किया जात जनवान के पार अपना अपने के अपने अपने विश्व ta laugu bereite alagi ala bi

व्यक्तिः व अधिनीय स्व. काका व्यक्ति ज्ञाकि जनकि कांग्रहा अहे कित कड़िनाव, उक्किएक्स আনর কান উপন্তিত। আময়া বে বে স্থানে অন্তৰ্ভাৰ শঙ্ক প্ৰৱোগ দ্বিবাছিলাৰ, ইঞ্ছিন বিশ্বটের তাহা অপ্রচিত অপ্রচাল প্রবিধা লাগ कां कैंकिड क्रिन : त्यरे दाखाद्यत नित्त्रकाद्य कि बाबब्रहिए। भवते आकु स्त्र बाहे हे आह চিত অপ্রতান অভয়গড় উল্লভ ধর্মের অভি वाक्षक महत्र । देव उपहत्त्वत्र माक्षक वस्त्रत्र केवक অৱস্থাৰ আছে। সে অৱস্থাৰ স্বাভক্ত অধ বা উপনয়ন নয় ৷ ভাকপইটি:ভ লগভেয় থে कृत्राधन**े तरे क्षेत्र**कान । **काळकर्यः स**र्वत উপদয়ৰ যায়৷ অগতেঃ কি খ্ৰেছ গাছন স্কা ধনা আছে ৷ এতথায়া কণাতঃ জীনুত্রি সক্রা वना था करत केथतिक निवृत्र शांश हेशा दिवक कीय अधिक प्रदेश देविक मृत्यार साहै। सेव সংখ্যার প্রয়েশ্যালর। প্রনরায় ক্রিডেছি- এবার निरमंत्र अक्रिकि अञ्चीत्मत्र विश्वी मुनक थार्थना पश्चिक विठात छ पूज एहे बादक अने धानिक विकास विवाद ब्रांकशिरश्र अस च्यादनम दस्य ? क्रीबाह्य क्रेशनसद्यत्र विवदप्त क्रि क्षण गुरशंत्र कविद्यत, य:बाहेद्यत, खाह्रा स्ट्रे लाहे ज्यावड़ी कांच हहेर, आफर्क्स क नेप-मन्त्र केन्द्र सुरक्षान्त्र, जारचन्ना स्मिन्स्य स्म करमम् अधि प्रमुखाः ७ करमम् अधि विश्वर मा करहता आह दक्षी रक्षमा वह मादकर्ष-खित कारणका विवास्तक के परम महेबाब करें। भावेषाद्वम । विग्रं केष्रम् अविष्ठे सङ्घ । केशनवन ষ্ট্রীক প্রধার উত্তর পাইলেই আনর। জাহা-ছিপের এবিষ্টের অযুক্তপুন করিছা দিও।

मुख्या अप विश्व रहेशा अ के महत्व सावित्र मा कड़ेका महिल क्षत रमदा गामन कारके वह स्थान स्रेज कि आजिक जारोजित्य मोद्ध गरिश मानिद्ध बहेक । अने क वृक्ति विवयस्य वयन्। है । अहिन्द व्यविद्वे निर्वाहरण्य है दिस्तरण सान् टोकपर्य थाजारत था एक एक कार्री यकि डांशक्रिका केंद्रकेन क्रेके है। गारेरफर्स्स । क्रांसञ्जा श्रिक चाइक्रिक चेलिया কাতকৰ্মানির স্কুলা मान पश्चित्र शक्त साक्षा त्व ना वर्षमान द्वारकत् विक भारकत, त्याहे गार् sa villicen ? memica बहर काणना हिट्स का विक्र वर्गन करिया, त्यादक, द्रकार्य निवानिक बहेरत हा। क्रमून कि विर्मा कान की वेचन करेरक थ Affait marin at 'a si Tibaid'i middal रातिक हो ज मां । हरे क्लिक वावनि व प्रवेदकार कार्या नमाक्ष कर्मा हारका en sim with the are like cas wasti ste file al win विस्तर । तमहे अक्रम केरेक व बोटबेड्रा भीनां इतिहरू है। इति Maria de la companya del companya de la companya del companya de la companya de l मिला विश्वासाम् अविशा र रहण है अक्रमा । अहे करण मर्वा विक शामिक यशिया है। हिस्सिक के चौरक । डारमहा कि चाहरिति क नार्वाशायिक के परिवास

क्रिका

THE STA

7444

, डोशंब

'स्मिन्स

I Wells

A DIC

**

PALL SA

istain,

प गण्या

दिशांदह ?

RAIN

ट्रिक्स



att but mette attale attalement AND COMMENT AS AN ALTHOUGH THE PARTY OF THE We have special and the contract भी कर्मी के मानवास सामिताल करें। Marien De namigation be Charles and the state of the विशेषक विशेष भारत गांव गरेकर A STATE OF THE STA

स्व के ति गर्ते । भागासमा अक्षित्र क्रिकेटा (वसूत विक्रम ज्ञान क्रिकेट क्षित्रमा हसास क्षिक्ष 'किविशे नार्राहेगारहर क्षि भारत श्रीक क्षरेन कहिलात । के के के किया किया दिवास देवपूर्व त्मामा Production ten firster a "बार्ड केंद्र निवर्ग देश गाँह अपर केंद्रिक स्वयं शक्ति प्रदेशांदर चार्क केंद्रिक स्वयं शक्ति गाँह

निवास नेतर उनकि व्हेटन काउटान ices ber Agens ales Biseicas ten मा देवेच वर्ग अपनि कार्यक्ष नाई केन्द्रिरनेन डेर्रोंन महरूराई विजन्म कार्रेन-ल जा दे जेका गई जाका विक्री स्ट्रिक्टि ज्याय होते क्ष्मित्र अस्ति-रंदगंको विकि संखित्।महेक Production and but मदीर तर मार्थ हैंचों के जीवारिक ক কাল পঠির <mark>লক্ষ্যনিত বই</mark>দ্বার্থেণ क्य परेनात काम दिल्ल अधीत रूप मूल अपूर्णियान क्यांकिर कृता गरिएक भारत । कृषीय, स्व িলিখিত এবাণ পাওৱা বার বটে न रहेत्वर तारे नकन क्लाब क्षा कर्ष, कि कि स्वाहर क्षेत्रकात्म्य सामान गरणामिक क्रिके क्रिकेटिक विन्द्रन क्रम्पूर्क Supplemental Colors

The Colors of the Colors of the Colors

The Colors of the C

^{रा}क्षिप्रकृति जनमा (क्षेट्रा) जर्न्स्ट्रीय व्हर्म अधिक स्वयर स्वयरण त्यर्थ अधिकाः केम्प्येप्रदेश करियां विश्व क्या, 'केटिर्वक' मार्ट्व विकारिककरण कारोब क्या करिएका के व जि जीशांत्र करणात किन्ति करंग, कृति प्यापन किनि कार्यक्रि के किशाहिक केन्द्रिता महेबा व्यानमाह केहा कि व्यानीक व्यक्ताहर जीवीत वीवीम् वरक्षायवं क्विट्सम् र नेन्द्रार विश्वविद्यात है किसीरंगत विवय स्थित स्विति धीतरमञ्ज्ञ समि विश्वेषा ज्यानिमानिरमप्र स्थान ह राष्ट्रे ना मिथिए छन्। "कारा स्ट्रेस अवन ৰচৰ মাজত শালিক বে জীহালিয়েল কৰা জান্য मारा विषय विविद्ये बी वीर्ट के विषय है। बी ্যা সমূচিত অন্ধ করিছে পাতর্ন 'মাই ।পাইড डीराडा चराचे हकाक भक्षमन मा कड़िया करण র্বতে কাপনিক উলাখ্যান ক্রিলিবন ক্রিয়া नेतारहर यनिया चोषता छांचा चार वंतिरह गितिर वेषि मा र भेटकेशिन सं क्षेत्रिमान किन हाई कर्षि हिर्देशन । कैक्टबंडे ब्रॉरे खाठीन देवटन । बोबबीह बोडिए । अधिहाँ टाबरमंडि श्रेडिय वर्ष करो वर्षाचे अवगढ आहि किंद्र वानि নিলের জীবন হভাতের কোন অংশই জানা-पेर्टबर्ड का के ने हैं। देवरन त्य का बोर्डिं जीशह मैरिय विकारिको भण्डा चंत्रीकेक व्यवस्थान डीयात्र के अभिक सीरम स्वाह के कि के कि हिटण जामा हिटान जब जारहा शक्त हिंदी-**ए । दे विकास कार्याचन कार्याक्रा आया** जान ^{। भ्}ष्रकारक कार्यामी भारतीय अञ्चलका क्षक चंनमा कविशादक्ष, क्षेत्रिकेन्द्रिक्स साध् क्षि अन्दे अने प्रतिकृति वर्षाच स्थाप चानिः ण गाडी बोड : ध्येष्ट्याहिक में डेक्स्नाई देवल लिं। एकेन्डिनरनन्न स्निन्न कनिएकन

क्षितीत रक्ष । नवानन वेहेली भन्न जना रिख कि नाटर्य खेक्टिक व्यक्तरक व्यक्तिक क्रिक्कारिया गणांच क्रिया अवस्थाति इक्सिर्य ie de Miller de Marie et de Miller de Miller कि स्वित्रिक्ति एम् जनके ही प्रदेशी के स्वित्र will still bline stall mirtial of the different selection was represented to

म नियम दिस्ता स्ट्रेडिस मा, काल क्टार्स हम मामना का किएक जानांस अवेश सामना रक, अक्रे अभिकास सभी एक्ट्डे क्रिया है साथ के शक्त वास्तित विकिश्तांकि कान्न महि। के से कर विकार विकास के अध्यानक । किसीह करें। छ। नमालन वहें व शत्र अवसंध्यनासूरी संक्रिश रति **्रात को कुनन् जानि का कि काननाविद्या**त नात्र विवास अभिनाम लाइकड्र कांड्रो शहिएक हुई म चर्छ का कतिरदाम, इस करनेको ब्याकार क्य विगंत क्षेत्र कि स्ट्रेड्ड बीड्य,? ब्यान्द्रा द ৰাজীয় শটৰা হই না কেন এক নাৰ্যয়ৰ খা-कि वहेरक नकरनी नम्बन्ध बहुताहि मटक र गाँच । अकरण चानाता ८गरे अनिश्चित नवस অউসালে বাহাডে গৰুলে কাৰ্য্য কৰিছে পাৰি, रमहेक्य वज्र क्या सक्ताबहे कहेंगा। बदन्य विषय विकास सम्बद्धाः विषयः विकास নাত করিয়ায়েল, আবার কোন ক্রিল বেনহে व्याचारेत्वत आयामा च्यादह । अच्य यात्र च्यात्रक উভরের ৩৭ ও পাউভরে অনুষরণ কৃষ্ণিতে शाहि, व्यावाचित्रतत सीवरमङ हाकमाह्य वह १ नका बढ़े ही भिका कांबाविद्यात (सरम क ध्मक मध्यमञ्जूष्टीहरू ि । अवस्य महार्थ ह . गायक स्थितिक कामन् अतिहास शार्व वृह राहेर यक्ति । १००१६०० मध्य बालिका स्याबाहे रमास निका ध्यां व स्वेदकाम् स्था र ना है किय मर्दिर दिन्य विम्रास अधन्त जानम् निमा বিতে গাঁ রতেছি,রা, জাপনারা সবচেই বা जन ८६ अखाइन मृहर् क्षुद्धकीरवर्षे भट्टा उठ क्षिक कारक । अधिवस्त्रत स्तृत्रम्, क्षत्रियात वैरमन्। ।ই. বেলাইনের ন্যার কবিকাতার স্বীন্থের नेक प्र क्षांचि वद्र क्या वृद्धिकृत्य मा,देश जकार ।।८भन्न दिवतः। द्वाचाहित्यः ज्ञानः अवती सम किरनत प्रज्ञभाक हुनेनाह्य । तम् अहे समीत शक्षत्र केमिक नामदन् दर्शास्त्रीहरम् इ क्रिकेट रहेतारकन । जानता हुन गर्नन विवधा , निकिक प्रदेशक्ति (व गरी व कीश्र (वृभवागाः न्याम मन्त्रम् त्याद्रकते त्यांक्ष्मः कृष्टित्यं मः या हेब, द्वा श्रद्धक कांचाविद्याह दश्यके क्यान latifat tage antigene beit genete THE REAL PROPERTY AND PARTY IN The state of the s

नर्त का विश्वविद्या क्षांक प्रति शाह विद्या का वार्तिकार प्रति विश्वविद्या क्षांक क्षांक व्यक्त वार्तिकार प्रति विश्वविद्या क्षांक व्यक्त वार्तिकार क्षांकि व्यक्ति क्षांक क्षांक व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति क्षांक वार्तिकार क्षांकि व्यक्ति क्षांक क्षांक व्यक्ति व्यक्ति क्षांका वार्तिकार क्षांकि व्यक्ति क्षांक क्षांक व्यक्ति व्यक्ति क्षांका व्यक्ति क्षांतिकार क्षांका क्षांका व्यक्ति व्यक्ति क्षांका

थान्छ । चुळे^{त्र} १०० वार पनिराद्ध ।

আৰি অহা কৰিবাডা হইডে বৰ্ষিয়া জেলার অন্তৰ্গত থাৰা প্ৰশোধাটের অধীন রাশাঘাট নাম ৰ প্ৰামে উপস্থিত ইইনাম। এইগ্ৰান্ত কলিকাতা बहेटछ १२४ द्रमान । अन्य स्वयं छेखन नीमा वि वनिकाय क बाइडकांत्र वान । के बान भूर्य भ क्टिम बीबं। शक्टिय हुवों बसी। से बनी शक्ता ৰা সাঞ্চা ('মাডাড়াজা) হইডে উৎপন হইরা मिक्ट गोकांशाहित निकटि (निवशूत्र) श-पात महिल्ले विशिष्ठ स्टेबीट्ड! प्रक्रिटन ब्राम्यानान क्षेत्रर भूटक या श्रद्धवानी आव । अह क्षान क्रेक्टर क्षेत्रिल कीचे ज्यान जन क्यान। प्रम सम्बद्धाः व्याव किंग त्या बना अनेश्व वहे -त्त्र । द्वासकृद्धः चुट्टेशन बुटेन्छ आदेवतः था विका माजियुक् मेरीय अ कि द्वारत अब हेटलरहे । जबायका प्रशिक्त रहे कि है वानित मान भाषिक बार्कारेज ज्ञान मर्द्ध उदहरें श्र कतिनी क्र नोक क्रिकारना नहि। कान क्रांस कारोडक चन भा करण शार्ड ना ने क्रम दिवस अधिका आपूक्त महिया न Maica disject **भेग जाटि। उदित वहीत्र**

ं अध्यक्ति नतांकत नरमा आक्र स्टेशन मोर् करहरू किकिर का देक बहेर रक र अवस्थ ब्ला क्षेत्रण यह पर्वेटक को निवासी है। का कामह कं करेकी जाटक। क्लिकिशास्त्र मध्या शक्त संस्था बीस वरणा देखकार चारतक कवि होडेकांसह नहमाले हर वह बढ़े किया होता महिन अ वक्षा वक वेश्वर्ध बद्ध । वेश्वति वेश वनविक्ष नरपास नरभ वाक्रम कांड :७०० वर्ड भावद ७००, जिले १३० अवर क्लाबाला ४०० वहस् देटरका कारात, ह्वात, त्याया, वाणिक, मह-हो, क्षेत्रर कहा क्षेत्रकि चहतर स्थि कादह । এটেবর আত্তে ক্তক্তবি মুক্তবাৰ আহ্ন। এখানদার লোভনিগের শারীরিক ক্রব্যান্ত चित्रा व्याप वक् त्य हैराज विक्रकेश बोलानकंत्र का ভূতির বাার এখানে বারীকর ডাভ অধিকার कतिरक शास्त्र माहे । _{वि}क्र**का**डा सङ्गान हरे-क्टरम अधानकात समाजाबू विश्वश्व, विरूपन তঃ এখানে কয়েকলম কেন্দ্রির কান্ডব্র:এ ৪ট্ট উবধালয় আছে। হগলির ভাক্তর সূত্র ধ্যাধ্রকর সংখ্যা কৰিবার বিভিন্ন আক্রডা প্রয়েশ্যে পট্না हैन क्षिटक कानिहाहित्स्य । अञ्चाहत हिंह खिमिनाव दि व । गाउन्छ। आह्य ३२३१ **अ**ज क विकास अधिक इंदेशिय । कि अपने । धरे बानाचारके एक शूष्टि माजिए है होई अस्तुमा रहेशांख्या अकरन माधिश्रूष सहस्य जिनि मान गर्बन कर्तिहरू है इक ।

প্রামের অধিকাংশ লোক বাণিম্য ক্রকার করিয়া জীবিকা নির্মাহ করিয়া থাবেম। এন থামকার বিবাহ চাকরা এবং প্রামন্থেরা চাকরিও ক্রেনার রকা করেব। এখানে এফ-টি চচুম্প তি আছে। চতুম্পার্টীয়ত বেরুপ কার্য হয় নাহা বর্গন করা খাহলা মান্ত্র। এ-থানকার একে ড মুছিপা ভাত উৎকর্ম-ক্রেন্ত্রে, ভাহাতে ক্রুকের সভ্যন্ত আহ্বার, সুভারাং ক্রুকিলাব্যের উন্নতি হইবার সভাবনা ক্রিপ্তার্ক,

ज्यादन हैरताओं क योजना छोड़े भारत-राइक विकासत ज्यादर । योजना विद्यासदात विवर सर्वादमांकों कतिया त्याप रहा त्य हैस्ट राजात ज्याप क सिंग्यन हेर्र क्रियंत बेट्य स्वादक क्षित्रमा क्षित योजनीया क्ष्मांकों स्वादक क्षित्रमा ज्यापन क्षित्रमा क्षापन स्वादक विद्यासक व्यवस्थाति विद्यास्त्रिक सर्वर वि the sact and about the sactions of the saction

नातवा है कहे झांदार क र प्रित्ना करियांकि का निकास र प्रत्या नाम दोसी क्षांत स्थाप नक्ष्या निया क्षांत स्थाप नक्ष्य ने प्रतित्वा क्षांत स्थाप तक सन इति साह स्थाप क्षांत क्षांत्र कर सन इति सह स्थापित देश कर सन इति सह स्थाप कर तिया हुए स्थित के स्थापित क्षांत्र नाति कार को नक्ष्य क्षांत्र हुक क्षांत्र स्थाप कोट्याह

नश्रीकृष्टि दश्योगित के प्रतिकृष्टि विकास के व्याप्त क

नवाम कार्यक्रि शास्त्र प्रतिक्रिकार्यः गवाम कार्यक्रिका शासकार्यक्रिकार्यः विकासप्रदेशिक शासकार्यक्रिकार्यः व्यक्तिक् स्वारम्बाद्ये नवीस्त्रक्षः अपनिकार्यः विकास अगारम व्यक्ति कार्यक्रिकार्यः विकासिकार्यः व्यक्तिः व्यक्तिः विकासिकार्यः अग्रेकार्यः विकासिकार्यः विकासिकार्यः व्यक्तिः विकासिकार्यः विकासिक

विविध जर वाम ।

के के कांचन मांचवान ।

विविध करिए के कांचन मांचान करिए की किंदि के कांचन कर्मा करिए की किंदि की किंदि करिए के किंदि करिए किंदि किंदि करिए किंद करिए किंदि करिए किंदि करिए किंदि करिए किंदि करिए किंदि करिए किंद करिए किंदि करिए किंदि करिए किंदि करिए किंदि करिए किंदि करिए किंद करिए किंदि करिए किंद करिए किंदि करिए किंदि करिए किंदि करिए किंदि करिए किंदि करिए किंद करिए किंदि करिए किंदि करिए किंदि करिए किंदि करिए किंदि करिए किंद करिए किंदि करिए

के वेश्नाहर्क बट्डा ट्यापिक अर्ट्डा क्रिकेट करिंग कार्ड अर्ट्डा में एट्डान बहुँगोह क अ-क्रिकेट कर्डिंग कार्डा अर्ट्डान बहुँगोह क अ-क्रिकेट कर्डिंग कार्डा करिंग अर्था शहर विमालक कार्ड कर्डा कर्डा शहर देखा अर्थाक काश्रित ।

देवाबाव्यक्तं देवांके आज्ञानरञ्ज विक्रीत কৰাগৰ কি, করতেটি জি, ভত্ৰভা এখন विक्रीबागरेडी अखटम-ीय विधानगढि दरे दिन्ति विश्व द्वारिके केच अहार करन र विशेषि विशेषिशास्त्र । बोलास्यक क स्वर कार्या । विशेषक विशेषक विशेषक । विक्रिक्त में क्रिक्ट बहुत हैं। महाक के देश माधन विशेषिक विश्व में के स्टिएक गतिएक मा ি আনমা প্রভাহ ভারনীনিকের বর্গায়ভার भी धरेन के ब्रिटिंग किश्मियन बहेन विचाछि ^{र्ड}िशिंगी ब्रख्य क्षित्रांत्रांत्रकेकी स्वरंकत लोद-स्वित्रात जल कह जिसावरंगंत संबा ५६००० है। ी एजंडा कारमंडरत्व एएकं व्यक्तकं कतियां, 'মা। আর এক জন উক্ত নগরে । একটি নিপঞ্জী शिवादम्ब काना कार्यक देशको विश्वादक्य बटम के वसीया अंध देशांचाय है क्यांबड़ा वि में बिगाउंड राउ हिन आयहा वानिए मार्थी वहेत उठ विन आवासिश्वक वर्षा 🕶 पर्वा द्र महारमा नाहै।

विश्व विश्व क्षेत्र क

क्षेत्रकारभव गर्महत्त्वके । क्षित्र के सहस्र 多有有 ক্ষাপ্রায় পতিএতা ২ি ছ বিবাহ ক্রিকা ^कि किसे, के क्षेत्र, क्षेत्र, जिसका अमितिहा क्ष किया अधानकम निर्मातामाल अधानकि ক্ষান্তে দেওৱাতে কেই কেই আগভাই, ইইছা (इस) त्रविश्य अक स्थान वि अस अविश्वास डेश्किमधारम् जनर्दानं ध्यकानं कवित्रहिक्तः আয়া লাসত খনিয়াল প্রাধান বিচারপতি क्षदम् छ। अन, अस, ... अ:क मनन क्रिटिक स्वत चक्र रहेत्रां क्रिलेन । वि अहमता ७ क कांकत क्षेत्रका कार्या है कि होता है जिस्से समाजा जारम जिलाक्षम जारदन है जब निरमर्ग बहेंदर गरम्हकारे। जस्य जारा विस्तर विद्व महान करिक करा उठिक याते किन्न अन अस निवास गमण मा विवाद देखांजे किस्प देखा इक श्रम ना । एटर जेन बहनड नड़ीका छाडे कड़ा बहन

भह बार्शम शिक्षकरक काधिककत र्थात वाकाकको रवाध श्रहरकरङ् । नांदु सहस्य इं. गांश्रीरहत मुख्यित निगरत कि.नि वनि भ समा कतिवाद शूर्ट्स स्मार्थकिक गढ़न्दर अधानक्षम विद्याद्वालरहत यक मध्या केटिक । क्षमांत्र विद्याद सुक्ष नाहेगात स्मार्थका

नुमा जनमाहरत दिविह जिन्ह हिर्पित्री किन, " जाराज जाका वाल निश्तरहर रखा। लेख स्टेडारिन १ जायता सुनर्वेत विकास विदेशकि मानाह विकास विवास जगशाहर विविधिक सिन्दि विकास स्टेडक्ट मा ?

े हेरियन कार देखित। बलाब, ग्रीण निष्द भिन विद्यालाक विवाद कहित्सन वा हो व्य क महत्व दक्क कार्या

উক্তপত্র বাজন কো নারের রা না নাছে। ই সারেরের সং রভার কন্য ১২৫০ টাকা প্রানান। এ করিয়াছেন। আমরা কিন্দন্য বর্ত্তনারের চিত্তি রাখানা হইতে কোন মানে, সংখ্যাস প্রবেশ স্ব

करक विकासि क्रमार देविहास ना गाउनम देख काइक्समेंड बर्गरसमेंडल बीमहा रहन काइ रहान गांकिएक क्रमा क्रमान क्रमा पाइक क्रमण रहनही क्रमा की वृद्धि क्रमान मुक्त कर गांक क्रमान क्रमा केर्ट के कार्य प्रश्नाक कार्य क्रिका करेतारक केर्ट्य क्रिका क्रिका क्रिक क्रेटर क्ष्मित देश क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका

संबंधिक वर्ष हुए व अधिकार दिस्तिया । अव डिवियान) कावजूद क दिस्ति क्रिक्टि

कामाहाबाहा-१४८को व्यक्ति हाड्डिकार्य वर्षेत्र कार्या कार्

केक लाह भारत यहनन कहाहा नाम हो त्रायत होयु ही क सनार्थन नाहत कहा बाहर राष्ट्रायत गराहकात कना कर होता सहिताह । रेगांडा प्रश्नेत्र राष्ट्राको क्ष्युका सहिताह है वित्र गाहत १७०० हैका गर्थन कहिताहरू रिटम्टन व लिया जानाकी हो दर समाह साम है। हैन नहत्त्व साम कार्य है।

্ উক্ত প্র জবণ করিয়াছেন এক রেজিনে
ক সেনা উক্তখান নিয়া গবন করিবার সবত্রে
করেক অন রাজ্যের তানিগুলীবের উপর অভাচার বারিবাছে। একথা প্রতন নছেশ

টাইন্স অব ইতিয়া বোৰাইরের ঘান কোম্পানির কার্য্য বিবরণ প্রকাশ ক্ষিয়াছেন। কোম্পানির ২৫ ০০,০০০ টাকা মূল খন। প্রতি অংশ ৫০ টাকা। আপান্ততঃ ভারায়া ২০,০০০ অংশ বাহির করিয়াছেন।

উক্ত পত্ৰ অলেনিয়াঃ ব্যংখাপৰ সভাঃ এক আইন প্ৰকাশ কৰিয়াটোন : নভা বিয়ব-বিয়াহেন ধৰ্মাগল্প অন্য সংঘারণ রাজধ ন ইতে টাকা যে ওয়া কুইবে সভা করানী বিয়ো

क्ष फारणा गरिय अञ्चे अहे या विशेष क्षित्राम्, विद्यान यहेना व्यक्त विगये श्वी-महर्वा सक्षाटक है हैंद्रांगीय क्षित व्हान के यक्ष ब्राह्म वह नाहे। क्ष्मरंग गांवीय गरे अर्थीय मरकाय सहेटलटक।

Sys ou calulatus with sells of a calulatus with the calulatus with the calus of the

TION WATER THE 明海山岩 电电话 神机

्र अहे कांद्रम मणनवार ।

्रीकृतिका बहुत्रक काम हा म नि. वि. दि रह माध्यमं विश्वतिक माहियात्र केरब्रान करिएकाह अने काश्रीबृहेदन क्षश्रीवृक्षण विद्याद्वानदवन वारू ही नक्ष सूजा एड्स ।

क्रिक शक्क काइन्। यटकम क्रांकन्त्र म प्रिनन इ **्रिकारक कार्यक अध्यक्ष कार्यकाल अवन क्यार** क्षत्रकर जितिक साम अन्य के वि विश्वय के वि विवि एडेटमन ।

व्यट्यां भी द्वारक है वासक, ख्राम न्यान-कि अपने हेर्ड के किया में किया रह काश्रीक संदर्भ मार्डे ।

 উন্তা পটা আব্রো খলেন শ্রেণন সেনাপতি क्षेत्रभूत व्हेटक व्यक्ताहर व्हेर्। स्त्रवाशिक वांक्डरकत्र मांक्ड लाग्य मप्तर्यस्य निवा हन अवर इविवाह मध्यो बहेगा नीखानुद्व खेनाहि क बर्गेटनमें । दिया थ वह क्षांकृत नाव कि म विद्र-कि अवर्शा क्यान्यकारमात्र महिन्द्र मोकार कंत्रराष्ट्र बाहिट्यस ।

🕠 মনীয়ের য়েকড় য়ৈ বলেন গত বুধবয়ি 🦪 ত্রিকে বার্লীলোর বাবে একটা ভর্তুর চুরি बहेंचा निवादका कारतवा कारी नार्यक छ । क्षित्री जोटिक काटबंब के रे. छ। बाह बाह केटब **কটা ফোছিলে[।] সিন্দুক 'ভাবিষাম চেটা লাব।** কিন্তু প্ৰতাশনী হুইতে পালে নাই, কেন্স'কি-क्टकड हार्बि शाहेशत व्यानका पृष्टे अवही ডেমা ফ্রামিয়া হিল, ডালতে ক্রমি টাঁকা ম তা नारेबारक। द्वारवद्या पदा भरक मन्ते।

बाट्याक किनिक्ष स्थित एक वस्तानीय स्मिन्डिके नामनी डिल्य लिक्सिक्टिन सम्बद्ध मके नार्यंत्र रहेवांत्र खेना नार रिस्सिमहार्था। विकेर बाह्यमञ्जूक हिट्टाटक । दक्ष्य कि बाजा बकाब त्याफ मा प्याह्न त्यान देश छ। प्यादक

बाकांकि मुल्लाप्रक बहुत्वतः वर्षाप्रकीय राजश्री मुने भवन्त्रं द्रवर्षन दी विद्यानगात जनाक न-यां अटक विकासि कार्नेबाटहर, ठाकाव की न भाग निमाधक दहेरक जारह क मा १ दर्शन रेष्ठ डॉक्सेंब ,क्षायुक्त ।युन् द्वी अधान विद्यार ग्र अधिक्रिक केल्किक केल्किका महेवाच जनन्छ विशक्त कार्य । क्षिकांचात्र रायुग चित्रात्र GISTS MAPH FI

ाउँमि '**पार्श्न गालम** कान्यमे धारान-प्रय विष्ठां श्रीकारम् क्रियामा क्रियमल शर्मा य के क्षेत्रीत किन्नेक कहिबाद का हमान कहिना-क्षित्र है हिल्लिक क्षा कि प्रकल्पन है । व्ययान वेक्ट्रिक्ट मुन्दिक अवस्तु कान्। कविटाउ स्ट्ट्र जनके किस्ति में में में के ब्राइटिंग की हैरनकी

े हैं रू मण्यापम चारका बरकम मनुहानून म बालन आगायी ब्यास कतिकाका पश्चिकाम क तेवी है रवदण बाहिएक विशिश्च छाशास অভিনাদন পত্ৰ প্ৰেলান কবিবাৰ সামসে जरानी भूग वा 🛊 इंके किटनात इकें र वह वडीट छ नण्मात हैकीस अस्त सहेता अक्टी नका कविद्या दिलाम ।

णि.ने शाह्या वरमम बाबान्छनानिवः नाकामधारतम कुन्तिक विवादन, र्व अक्री न व विभिन्न ८३दे शाहेरक:इन ।

फिनि कारता बरलन किंग्रेश छेड़े शिवस शीव रमात्र अवर काली हक बाबायूत्र स्थलशास्त्र कति, কান্ডার কারাগৃহ দশন করিয়া সংস্থান প্রকাশ करियारक्य, शुर्त्वत वेड प्रयुक्ष काको रक्षत स-रेट केंद्रिया जिलादक अवर फरनविस्टर्स रुजि কার্য (কাপড়) করবের অন্তর্গতি হট্টরটেছ। ইছুৰজীগৰ জাপন আপুন ধৰ্ম ক্ৰিয়াৰ জা-ষ্ঠান করিতে পারিবে।

নোখাই সাটজে ব্রিনিউ ফলেন ছোৱাস্ক্রি काराणिक भागियाधिक माहेदबदिएक अरमजी य शक्ति अप मंद्राहा है ने हिशा मात्र के क किराटिश्व ।

१ हे सहित वृथवातः 📆 ने

किनिक बर्धन, शास्त्रिशकाद्व वर्शनाटकन्न ৰুবু। হওয়াজে ভারতক্ষী। ব্যবস্থাপক সভার मराख्त मखानव चक्रिन चुना हिन प्राप्त भूरसङ्घ नवं(८५३ जेशम शादेवाह सङ्गादन) . स्ट्रिशास्त्रः

शका निष्ठेरमञ्जितिश्री विषय नश्याम प्र'का गरमन, स ग्रियात गिरम दिया निम मिन भिनिम ্রায়ত হট্যা পড়িডে:ছ়া কেল কেল স্বয়ংই "ाशियु: 'कामोशिश्यत त्रामश्रक्रायम **स्टब्स** আত্মসমপ্ৰ ইন্তিহে, জার কতকণ্ডলি জলন यम्, इङ्केर्ड कुड क्षेत्राट्ड :

किहीरशरक्ते बर्सन जारकनामारहत पूर्वि क जिवादन कवा निकाम व वहें उठ २००५ होका 6 cm 电流射线 :

> हे (क्र्युर्शी कतिहाक) कीलाका ता अदिक शनिएड। विक भाग मन्त्र इहेग्रा िहार्ड । यह देशव अथव शाविष्ठाविक एवं मालाक विकास के विकास के नि कारियातारश्य बाबु भावीकीम नित्र ७ बाबु क्षां बर्का वरमार्गाणाचरात्र ध्यञ्जि व्यासक छन्न लाक छेनीव्छ इहेश हदिविश्वत धेरनाइ गर्दन करियादिस्स ।

ब्रह्मका व विकास मधान मा जा बरमाम ३६-४६ অন্তের শুপ্তন জাইন্ট টক কোন্দানি চীয়া ক किया वाशिक्षार्थि कर १००० । ही में। व्यंत्राय वर्तिराद्यः। उत्रत्या विश्वतियिव द्वाल्यानिया ক্ষেত্রত ভারতকর্মে নিয় সিপিড টাকা নার

年(李克·日本) (古) 李文·李文 शाम त्यान्या वि वर्षे जा दक्षेत्रभाषि एक्षेत्रकार्थ d. conon marting 2 ***** # E 34# of committee and the क्यानि ३-५०००० हैकि। अधूपेटेसे की "大","黄花

केंक नवा को हो। दिवस औ देगाःसम् कान्यान्यक्तिः स्वतः व्यक्तिः नाटक्ट (बाबाई विवासिक्क मत्र स्हेपाटस्यः।

केस गाउँ कार्रस घरतेस मग्राम श्रामा विवर्त हो वह स्था **छ। ब्रोक्शन विश्वास्थ्य केम्ब्रेश** पाकिमान कशिशासका व पर कि 明明サランド ドリ 緑山 郷美郷

केल गढ जाएल जात के हैं। উত্তর পূর্ব তাগায়ে আইন जारत क डिप्त मध्य मध्य महास्त्राहरू

केला प**र्क्ष प**र्वादश बनावल है। गण्यां वक **प्रकृतान वर्ण्यां वर्ष** के की प्रक्रियों eta tenonessa filmusa stat "At Elicent T

नवस चार्चाच कारहाद लाकरक क्रांक समिता है इस्तान के विकास CHE THE PERSON WITH HEREN PROPERTY THE REPORT OF THE PARTY AND ADDRESS OF THE PAR

· Freife gerieben : शास्त्र अस्य वास्ति दृष्टिक Botta profe Caritys (Carity) ण निवार शत सना खन्ना स्थान करिया करवन, गरेत निरंत्र के बाह मिन्द्र के निवार ain faill that berta

eal choises and the place of their TLE SICON SICON SICOND CHAIR WIER WINCE PROPERTY. काश्य दरक्ष पूर्वदर्शकरबंद का ्र । **बहें मशामीते नेशा**र्दिये

ίy.

-

3. 17

7

मर्ग व विद्यात्र निक्ति विद्यात । बाक बरमान्ने नेकाय बर्टिंट के र कुला ब्रब्धानी सहग्राट्य । अ ७३ ००० मन् बास (वाहिड सा । जा दला, नो करें हो दिरम अकार्र ही

श्रीय दियान विभिन्न श्री साम विभिन्न में टकटहर । टमरे नटल नेतात दिल्लिक के भक्त िकी व देश्य र एवंद्री के विश्व के Bi misim souths institution काराज काची जगाउनाच स्थाप

्र छनिन्त्र क्राक्ष्य मुक्त सूत्र क्रक है। क् 'Y # 1

. व सन मध्योश होका किविहारहन का छ भागा कार प्रकार कम बाडा है। सा है ूर्व प्रमाण के दिल्ला के इस कर गीत वक्तांबू = त्रीज इक्क्क श्वांब्ल रक यक दिश्विदर के जहां से हो है के एक ाते हें डेट्राणीय शताखिक अवर दक्ष লব দেনা আংশে ৷ এডিটির ডিনহালা इब्सर्व, नि शकी आएक । सक्त अकृषि मित्रिक्षणकं खांच व्याप्त १०००० संस्थित शब्द केट्रिएएएए। श्रव हा क्षित्रहरू हा चारम १८४ ध्यानकाष ध्यादकारे হয়। ই নেধেবহীর জড়িনিধির এমণ म हम् का इंडेटन रक्ता र

मिरोगोरक वारिका निकान अवसे (पा कार्क व्यवस्थातक। बाजान गण व्यवस्था कि **प** शक्त शक्ता श्वितक कानेत्र । ान क्रोकिएका दम अस इक्ष्मकटन भग्न किन काबाद भीता के बढ़ाकि ना श हीं देखें क्षा के कि विशेष कर के कि विशेष ा दि और अपने करा दक्षत्र करा ो कड़िक्को क्षेत्रिक वालकाक वर कड़ि राश्चिक न्याहि, देरेंद्र विकटें ज्याच । अतिकारक 🖰 के जिल व्य व्यवस्य के लि दि सन्दर्भ । कविश्वारक । भवत प विरमदि इए इ:का सि क्रेशक वे वीदा रहे । रिकालि केश्विद्यम मावृक्षांक क्षेत्र श-७९ क्यूना केंद्रिटक्ट्रह । हेरा क्यूर्डित क्यू-SEU !

প্রণমেট আক্রা করিয়াছেন বর্ণন ত্রিটিস श्रान, राज्ञां भी भी भी श्री भाग महित्य, ह्ये पूर्व एकडा वर्ष्ट्रभक्टम, मश्बोस पि PART!

क्षित्रभारमञ् भावित्रक मरबाइटाका व ভিন্তৰ স্থানীৰ প্ৰভাৱন জিবা হইবাছেন। চাল 🛶 খনৰ উৎকণ সাধন করিয়াভিন্তে ^क्ड्रांश करा। श्हेर**ंटरह,** वर्षे F 370 कृत्य ्रेक्स-दिन्ध्यंत्र क्षेत्राटकः व्यथानः र शिक्षी कर्फ जान रहारक का ना न िनानीय प्रदाद उत्तर केर्न ICEE! श्रिक्षेत्र श्रामा केल क्राप्तन मामन ঙ্গ ৰ্ফ ইন, ভুক্তৰ পালন কৰা পারিলে रहेर 1एग्रंग Fi

वस्त्र , अस्त्रातिः वास्त्र विक्रेड वेशानि का सम्मानिक एक अनुस्थित साहत कर्ता । अर्थि हरि हरि क्षान मा लग, जानहा नाक देशी में जीहें। के अध्यक्त प्रतासात महावह

गांजेरवाक्षित्र महायुक्ता कवियादका, व्यक्ष्म क्यांत्री महारहेत्र विश्वत्यका प्रबंध विवृक्ति ज करकात क्षांन क ब्रिट्स हैं है। का कर्ता है विवास महस्र ।

मत हात्रवन हि कि जान जार पूर्व स्मार्क हीकात (नाहे शहनिङ कर्निएका)

क्षित्र कर हे लिया नातन क्षाकि कामिक वि यक्त कामकात ए प्ररा केण:कोकामत प्रकृष का थ रहेगाहित्यन जाश विक्री क स्ट्रेंटर का । डेक्। केल्क मारभद्र जाउनदिरगढ़ दे**न्छक मन्**य क्त्रिय स्था बहेता

> हेफालन खळकासा

ই জিখান বিকশ্বৰ বলেন, এক্সকট জানাৱ-वस हाब्रिक्टेम मार्क्य है इंद श्रीक्षाकरलय (मञ्जेमके भवत्त्र क्ट्रेम्स्ट्राट्स

উক্ত পত্ৰ আৰু বলেন, সম্প্ৰতি ৰে ৰেন ক্যানিয়াছে, ওফারা জান। গেল ১৬ই জান্ত शांति क्लाल्यन दश्लान दश्यादकत्र तालक्ष्माती লালের জাঞ্চার সহিত বাজসুদার ওয়েল দেব বিৰ ছ সম্বন্ধ পাত্ৰে আক্ষর হট্মান্ত ।

डिक भढ़ा पुरे २३न मळा जिल्हा क स नाउर्व माल्डा प्रतिराज्य विषया बहे छाटन अक है दक्ष छ। कविहा हि नन, स्थं आह हिम वरमत राज रहेम बाज्यस्य लाखादकु विकास একটাও সাওতান দেখিতে পাওং। বারুনাই। १४२ व जाम धार्वि के चंदन माठान वानि তে আগ্রন্থ করে। ১৮২_৮ কালে প্রায় সাত্ত হাজার দৃষ্ট হয়। ডাহালা সন্ধানী ও সং। ভাষাদেশ নোন মননাম। উপস্থিত মইলেলা किन्न द्यारशासन वर्षे मा । खादावा जालमाव েলোৰ আপনারাই শীকার করে। ভাষাদিলের बहुषा काश्वित महारही शहरक बहुद्व माहे सह রাং সভাতান্তচর অভারণান্তিও স্থান প্রাথ · इष्ट मोर्टे। योगीती जल्ह स्नीकि स्निधी न्यस् अभिष्ठे रहेदारस्य जारामिद्यतः यसि ध्वे ৰূপতভাৰ হয় পুৰিনী কি' প্ৰযোগ ছান হটয় ₹55 i

रमण्डरमधे भवनंत्र बुधनाम् आख्यानस एवे-हा सम्बद्धात्र मार्ड मार्ग्य म'ब्रक्सि.नरक वाहेवाब अभीय भारत निवृक्त वर्षेत्राटक्त । यानम कविद्वाटकत । क्रेक्ककम मन माक कि क्य यस विश्वाम ऋग अने यो विशिष्ट ?

मिश्री (शर्फाडे गरलन, बाबभुरद्रत नवीब, कुशादनक दिन्तव युन्तिक बक्तिया है। एकत भ-क्रिक्रि के के कर (यात्र) वार जनतारम् वहाराज, क्रम श्रुत्मम महोत्रा क करवाद्यत बरावाक, बानाटक केंद्र करा वास ७ उन्न प्रावस महोतान, जन्द देशनियु-विश्वार स्थि के हिए हें हैं कि अपूर्ण के स्थाप कि दार बचारा के बार कि कि का कि (सर्वतरण्ड महिन्द्र मार्कार कतिरक्र कामिरक्षे।

> हेश्लम्बाद बालम, स्क्रिका मार्चेस स्थित TOT BANKE A: BEN BEN TEN TEN TEN, WHEN

याचा विश्वति सन्। ७ ३० होन्। । श्रीकी विश्वति क्यांक ८ जन्म ।

कि नेर स पृष्टे बहेत ज्याना द्वार सुवक्षण देवी भान: । व अन्ययनकात्र होत्र होते विस्त ६८ग मन्द्र बहै। छ । व निकाला बहैएछ त्र कृति व द के शहा थाति की के कालकता. कार्येषा कारमहरू व तुना बात व वारमहरू श्रेकारे दन करहा । हा क्या विदेशक एवं महावेखांत्र अर्थेणी m) bts (## >

: • हे का क्ष्म मध्यमात्र ।

भाषण क्र**अक्र**का महकादन खेळान सन्निः एक कि कावा मिर शह विम्हा गरम व वाम विकासि ज्या र्र भारत रामके ४०. वृद्धिमा चित्र मातु मान्य-क्योगान ह्या है हिल मेरबाजीगाव व भावकट्य बङ् ३. विजीव स्वीत्रहस स्थाप रू. हिका बान क देवार्डन ।

है जिन भाग करका, अवस्थिता अधान বিলোমী ওলিবাত নত্ত ন্তল্ভ স্থক बिट्टा श्रेत क्य बहेगाएक । एवं पत्रियाकिन फान श्रीरक ५००० है का भूरकात दिवस्ता बहेशरहर् .

किनिटका एडे एडेन हेर-टलक्री अक्षेत्र क निक अ रेमनामिताक हीन जार मान क्षे कि বার অংশতি প্রদান করিয়াক্তেন।

ष्य आशासक श्रीकृष्टि याम्य. अधिशृह আগাৰাৰ সেৰিট হা,তেই সম্বায় অধিয়েখক इंब्रेग्राह्म । क्रम मार्टन व्यवस्थितिहास ३४ हा-का करिया माक रहेबाई । मध्यकि बहे প্রস্থান হব, বলি ২০০ টাকা ক্রিয়া ২০০ লছ प्राप्त हुन्दि कहा यात्र छोटा बहेरत पाद्रश ८॰ शासात है। या ग्रायन द्वांक बहेना प्याधक शिवारण कार्य इतिहा जापिक कांक कहेरक TICE I

माक्त गरत पुरे एरेश बार्क अक्षांत्र बारक्षमारहरद्व एकिक विवाहबादर्व ३ जक होकः क्षेत्रात क्षित्रारह्नः। .

> ब्रह्मभीत यावष्ट्र शकी गंका । · 有 本·本本 叶 月有 (本) (अन्तरके भवत्र अ**ञ्चल** ।

रमञ्जानी काम्यानातम् क्यानामानिर्गतं दर्वेक एएक िया निक्रिक व्हेम्बर

व्यक्तिः।।८को स्थलप्रस्थाः संभावाध्यारक मधान कार्या अवस्तील किंद्र गितिमध्ये वर्षेणः र पुरुद्धानसम्बद्धाः के स्ट्रांतम् अक्षत्रभूतास्य नेस्टर-अंतिकी राज वित्र क्षेत्र क्षानिक्षण वाता टकरेन वार्ष्कित व्यार्थ काहिन मञ्जाबना बहेदका बाव-क्षानिक अपने व्यापन किर्मा क्षितिक अपर क दावे शक्ति रिएक, सन्दर्भ खेलीश बाहा ,सांभन गुण अध्येष्ठ कश्चित्रक शाहित्यमे ।

त्त्रीक्षणी व्यावश्चल लॉक्टकर बेह्मारीकृतास किया कामि भागानीत विश्व किहेश व्यटन कर्य र्मकार प्रमा नहेत्र मक्ष्यांचाचा विद्यम्भा किम्पर् was and the wind with the same of

W. 7.

वावचाशक गणा।

4 दे कालन दूधनात्र।

সর্ব্রাট নেপিরার ও সভাপতি চাবিভটক আ-(धर 16 देश कारण में चन आहेन केशामार्थन विश्वेष के विकास जिएक मिरलके कमितिय विरामि आहा म केन्द्रिक्त । देश विक्रम शक्तिमाक सन दलगाँ। मनी गंदर्भ द्वा मीमात्र मध्या बाह्न लड इहेटव । किनि आह्ना भारतांत्रीय द्वामून ७ मूनबीटन ह्यां के कामानक याना विषय विश्व विश्व निहन है क्षिशिक्ष विद्यार्थे अपान कविर्यन । व्यावकारी धार्षेत्र ३७१७ व्यक्ति १५ व्यक्ति ७ ३७७० चारम्ब २० चा दिरवह मश्याधन विकास विस्तर উপন সিজেট কৰিট যে ছিপোৰ্ট কৰিছাছেন ভাষাত এখান কর। হটল।

দারিক্টন সাংখ্য পভিত জু নর উপর দা ৬-प्र'त निव्यक्ति कविराह विस अर्थन कविष्यंत्र अ-छगडि ठारिएमम । देश चाना अहे दिवकता घडेशांदश सुनि विक्रीत व्हेटल शंद आहा काहात क काकांत्र केलक चाल काजिए वा! केलांक क छ।रक्रमाद्र निष्ठ मिनिक विधा विधिश्व हरेका। क्षित्रामी व्यामागदक्षत्र श्वामानिःशव दक्ष्टाम विमा जात काणिक चूरत्रव त्वक्षा छ टेकछ्पूत শরপণ। প্রার্ক্তার নিরম্ভাত্তরত আবেদ পরা পরি गैरिक क दिवाल दिला।

নেইৰ সাহেবের প্রস্তাবাস্থাতে নিম্নলিখিত ब्ल विधियक स्टेम । दशकाहरात वाधानकप विष्टाबामध्येत्र विष्ठायणिक्यः त्याका स्वरम् क्राप्त-वि विक्षारक रेष्ठ में। योषन (स्वरम) याचना याचन বাতীটেড করেল রাবিধার অন্তর্নতি করিছে পরি-€4**3** (

> गवर्षकार विकालन। राष्ट्रवारमधीयं कार्यमके वास्त्रव े जाटक गाञ्चमाकी जिदहास ।

a M

১७१ क्स्म्बारि--- डेस्डकाष्ट्राव्हत्र आडिनि- ! वि मध्यादि क्रियवद क्लां हेनाओं छव् लिले. ति, धन, क्वांक महिन्द के देशमांत मामि। केरे थ हेक्ट का किया क्षमका का स एके ब्राइक्ट न ।

३७ है दक्ष्ममा क्र-दिशेषकी मारक्रम मार्गन अञ्भिष्ठि काम भवास बायू (बारियाण्य रस २४ वर्ष करमूत्र ३६ काहेटनत क्रम्यादने विश्वात विश्वात विश्वात क्ष्मा क्ष्मा स्थित हेन् मृत्य क्षमा रें के मार्कि ,रेंग्रेस वास्तिशि ७३४०० वर विकेशिक्षाक्षाद्य क्यांस्था एकः श्री काटम-न पुनिवर्जन ३३-७३ वारका

'२२ थात्रात क्रमारह २५ ध्यमीत क्रमीन क्रांबं-(के रहेन कमक। भारे वन।

अके है,क्क मारहर शक्तावीक स्वक्रिका কৰ্মচাৰির অতি বিধি চইবেম।

अवैष्ठ, नि, त्यांनाव चांद्रव वीक्कात द्वांक्रकात क्मांडा बर श्रीकृतिश क्षेत्रम ।

>२६ क्लियादि--व ईगाम्बद क्ल्यूं गानि-र्धे हे व रक्ष्मी कारमहेत अव तिहेश मारहर श्विकांत्र शांकिकां ३४-७३ कारकात्र हैन काविरमञ् २२ धाराक्ष्मादत कवका अधन ध्यानीत स्थीन म। बिटके छित्र क्या आहेरवन ।

ভবানীগংগর ভেপ্টা যাজিট্টে ও ভেপ্টা कारमहेत मांगरि मन्यम देख वाहितन वाह-বারে ও ১৮৭৪ অন্দের ৯ আইনের ১ল বারাস্থ-मार्ग्य ब्रम्प्यः, वक्ष्याः । विमामपूर्वात्रः । म ८७१-क्षेत्र व्यक्षीन माक्षित्य द्रहेत्र क्षम ठा काहेदवसः अवर উক্ত ছাইনের ৩৮ ধারার অস্নারে এধানত্তন विष्ठ बानाव चानिकान छेरामुक समस्या वा दानी নাকিব এবৰ ভড়াৰখান করিবার ক্তমা প্রাপ্ত

बमीबाद एक्ष्मी चाक्तिरोहे ७ एक्ष्मी का-म्बित बाद् ब्रम्नाम ब्याव बाधव्यक्तम वस्ति इरेग्राह्म बनः ३৮७३ चाम्ब २६ चार्केसम २२ थांत्रात सञ्चनाद्य स्थानात २४ (सागीत स्थी न गंकित्ये हे कमडा शाहरवन'।

मधीवात याजितिभ द्वाश्री मास्टिक् । **ट्युरी कारमकेत** राज् करिकार्यन वस्त्रहोसूती नवित प्रदेश विनामधूर्य विद्याहम, अवर हेसू चार्केन अञ्चलात्त्रं छवाकात् २३ (च्चनीत्र वासीस श का ब्रिटनेत्र कमडात नविष्ठ कोची कतिरवन ।

ममीग्रांत अजिमिति क्लिपी मानिस्के हे 😁 ्रांभूवि का शहेत बांद्र समिछत्याह्य हर्त्वाभा-ধাৰ ব্যুষ্থসিংক পিছা উত্ত আইনের অভ্যান त्र उपानां रह स्माति स्थीम मा कट्यु है कहे-

CET. व्यक्तिनीशंदाय द्वांग्रेणाम्भागस्य स्था साम् ८रशेयान्त्र मात्र रक्षःक्षणीय वायवानक मश्चीह ७ व्यक्ति अवर ३५-६० व्यक्ति के व्यक्तिय व्य-श्वभारत खबानांत छत्त्री कारशकेरतक कृतका MIS FERICER I

माबागह रक्षश्री माजित्मे हे । अपूर्व की लिकेन ब्रांड क्रमधील मानावन मिरक लेकिनांक गावेशांद्रम् ।

चार्तात्मत लिबिबिध स्वित्रेयस स्वर्तिने अ-नि बहुद्देश क्षेत्र दिन्ति स्था (कार प्रश्ना कि प्राप्ति मन्द्रिय (सम्बद्धानिक प्रमुक्त प्रमुक्त प्रमुक्त प्रमुक्त ।

कामनावीक अध्य

क राजान महिन्द CER!

मधीत महस्राही क समन् महार्थेष विक्रिया के बहिएका ।

मृ लिक्स क्ष चूटब्रह र्ष श्रुद्धिम् न 🔻

रमगडेन हैं। २३ व्यक्ति स्वर्धा

क्षी नीश्रंत अक्षात्र 0年 秋東東 tilagi e antan किकास गांक है। बहा ferna wiedlie den काकारक किंद्र के बहुत प्रत कर्षा भीति हो। CAR BON ON WHAT **阿里斯里斯里斯里斯里斯**

क्षा के पर की

THE PERMIT विकास के किसिटक मा शवन ता विषय शिक्षित्रहरून जाव, काय Miles Wie al Gigi affe %: कार्य भन्न सकान करा अवस् "人生」也可是至一一个多位的 मानम प्रेहार्ड) मानामिक्ट किशारक्षम भूमार्थिक WEND OF BERNE

क्षेत्र विश्व का कारण करें वाक्ता के उपकाद अभीत चंद्राकार्क म क अधिका दे कि के विश्वास व्यक्तिक व्यक्तिक व्यक्ति ার কি সাও মাছতা নিয়তাপে প্রকৃতিক, त्वात है कि क्षेत्राचाय पश्चित प्रथम महत्त्वक क्षेत्रक हैंदल क्ष्वतार प्रथम-

प्रकृ क्षेट्स्ट्रांट्स अनुविश कि दाव क न अक्रिक को । । एक व्यक्तिक वी-, the fall of the transplanted ् तः विश्वविद्या क्रम्या द्वित निक्रक १८। चुँकेंकुक्रो चेक्कितंच शत्र मा राजिन न्य विकास प्रशासिक कार कर । यह **बेक्**रोन^{हें भ्}नाम ज्ञान शहिन्छ 'श्रेडिक्_{रिक्र}े श्रेथाश्रमात्र क्लिंड ्राप्तिक किया यकि माञ्चार्थ अर्हेट हर बद्धानखन्त रकार्र er . at , v

> ्ष्रंभोद्रवाणि दिश्ही ाद - डेक्क्क्रियाम खर्चना शेर्म

12

1 #

SEI

130

ૈત

4 164

क्षित्रका नक

मदस्यद्भव । e, fills. file of the state of । এक शास्त्रिक वातिएक वादिकार्य क्षत्रि नमा संग्र नियाद्वा देवरणत दर्भी-ক্লাক্সন্ত হয় হয় ক্লাক্সন্ত ক্লাক্যাক্সন্ত ক্লাক্সন্ত महिल्लाम्बिक्षे शिक्षी त्यम मा बहेरड नित्र को करिये के जिल्हा करिया विक्रिके केट्रांबरत कारणांभाग म लाकि कहिंदी कंतरमान श्रीर्थमा क'र-न की, वस्त्र टबन सूनियं कर्षा कि । निमा विकास विधास क्रविया मिन। श्री बार्डिकिक के बिले

महा क्रिकेट वाता जानीत्वत वाश

कित छ। हो। बहालहर का 'मेन शरह हो।

पीटायोहर कहा। इति विद्या कार्याह-व्यवभटन वस्त्रहाह, कृतित्व कार्राक

অপিটা প্রথমতঃ আ্চামের ছত্যুক্তি অগরত क्राह्म, बक्क व्याद्य कांच्य अ विश्वव विद्ववस्था कवित्र প্ৰিটিজ ভালা সভাষাৰ না হয় এটয়াৰ্থ চেটাই व्यक्ति इरेशा नाटक, शन्त क्षयं करण देशसूच রুপ প্রশাব লাভ না হইলে গৃহস্থানিকে কেন্দ্র শ ডিডে হয় :

· बाज कड़काङ (b) हिमारद्रदा सोबिरव.रश ইইরিন কার্যা করিতে পাবিজ্ঞেছ না।

मर्चा है अबारन शानामें जुग्मेत मगदीना বৰ্ণালয় আগমন করাতে অঞ্জা লোকেরা সাঞ্চি শয় আনবিংড হটয়াছেন! স্বারোগা স্বাশ্ত অতি ভক্ত ও ধর্মপ্রায়ণ।

উজ্পদশ বাদী মুন্শ্যক জীগুক্ত বাসু বিশাস্ত त्र विष्य क्षुपन यहामाग्र याहा हिम এ बंग्टन च्याफिशः ट्रिन, देगांत्र मत्या देशों व मात्र त्या कि पाकि-त्याच चान्न मार्कारयत निकटि कुछा कुछा পৌ (হতে ছ '

> THE GO FIF DAS পাঠকসা এলাকা দীতুল

সৌম প্রকাশসন্দার্গ , मःस्थित्युः।

जारायां वायक चाटन अक निवृद्धिक केरेए स विक्रांश हुक रेकन गतिक कर क्षेत्रात रक्ष विश्व बहैएक्टर, कावज़ा वंका हक्ष प्रति जासानता जाम कारत बादा निगरिक अन्त खला न्याद्व बद्ध श्राप्तीय कहारिक सक्दाना जावा भीम कविद्या প্রান্ত্রগতিকের নারে সকলেই ছামিট বলিডেছে ভদ্ধার কেচনা জুক্তাবশিক্ষ আন্ধে লৈপন, কেচ্-ৰা মন্ত্ৰতে লেপন কিন্তা বিভান অভূতি নান্ विष केलारसङ्घ स्त्रवा क्रिकाम स्थितिक । स्वयुक्त शिक्ष-तक्षक्षः मांगरत यह अर्थनः कतिरक्ष्यः। कि अक्षेत्रकारकाच एक स्थापन हिन्द्र अक्षेत्र अव रमेंच्या आरम भविभविक स्टेट्स रह क्षाइड দি ! কড়বিনে ভূমি এই কুসংক্ষাৰ পাশ এইতে वेंद्र के केटन २ व्हें गठा, के किया देशांत का का की किया मा कि दू व्यक्ति कारण का का का कर के श्रीका खेखडीयमध्य महेर्द ?

SPAN SIM १२७ माप

化金属 医山上山 क्रिक्टियां इस इस्टिवेटी विक्रिक्टियां इस इस्टिवेटी 本代目は

श्रीयुक्त (मामध्येक् म रम्भारक वर्गन्य स्वीत्वक

क्षमान विद्याहित। एतियान या छीवान वास राज दरक्रां देश। भीकार्य क्या शिक्किका कांत्र दका-म कर्मनारे। क्ष्यम ध्यं जिल्ला सर्वद्रमध्येर क्ष्रीमां आन कहिटलाइम । मा बहद दक्त, देनकम किन्द्रमत ऐक्सि भर्नामार्थेत त्यांच मध्यम हर

रथांनकांत्र ८५।डे जाक्षालाखा क्रक #: 33 मोरहर कामिया कथक जिल्लाविकका निवारणकः छ स्माडेक किरसर किन्नु क करन स्वाह स्म छोद नाहै। भुका देखिन कठीन मध्यादिक मध्यादि स्था क कावार धक्री अञ्चादक উक्त्य विषय प्रिया -(क्रुव । वं। करव देवन शिक्षा क्रिट्रमंत्र अ**स**् स्था खाउ न। कि ने म जार दम नाम के की दक्क को है दांखनानो परेटल चारिए क्रवनंत के द्वार ।

म्प्यक्ति वहे भारतार यहीत मान। माटन চবি ভাক।উত্তির ব'জ্লা চইয়াছে, ই। ৩ টি চুরি ড'কাইডিব' সহাল না পাওঁয়। যায় এখন্ত দি सरे शांत्र मारे। यामात्र व्यक्ति महिन्नक মিলেট গাংজত মনে মনে আৰম্ভাৰ করেন বে ডি-লি এই পাণলাকে বস্তু পালন কবিলাছেন কিছ कार्का अव। किएके नग्र। लग्नीरव व्यक्तिशास डी क्षाप्र एक भील लिहा मिन्य दाखि, द्रांकिए ७ बिन केंद्रिएत हैं, जोश दिनि छित्र भाम ना भि:तंत्रे मा ६व एग जेकल कामसाहरू **क**रिस्तान क त्रिका अकटन । याच जिलादक विद्यास कतिएकाध्य **डॅर**ांड प्यार्थित सांस्थ्य गांगा, धमकल विवास शा-८१व वर्षशक्तामन अवक्रे यम द्वाउप) ऋक्षा ।

न भैन्यकी भारतात महद जाविनी क सुमान मन्त्रात्क वदानुद्ध । बहे बाद्वाद्यव कुछ्पक थारिय हुद्दामही खावाशह बदालिया चनका विद्यारक्षं क्षेत्र क्षेत्रां स्वाहित सुमानास्त्र कर् कार्यन प्रदेशाञ्च ए किमि शाहनात युग्रामण कार्या कार अध्न करबन । उपन्याहर नांचु वर्षी श्रक्ष क्षांत्रभाविक प्रदेख आविष्ठा श्रीवनाः मुमदनरकम् ४।वी करेशास्त्र । शायनाम् इक्यन (ए) ने कारान्त :, श्रदान नवन चालिनी अवः प्रः-बरमक्रीकासामञ्जूषा विद्यालयः। विषयः सूत्रदेशकः वीद् यबन भाषतीय ग्रनटम्पीत किःचः ত্থন পাংনার আলল। ভাড়াইয়। নিয়া ভরৎক कार्य कृताववालित प्रात्रकाविकाक विवृक्त करा

> श्रीवृक्ष मानधकानमञ्जानक अश्वाम नवी

मकान व िकानग्रहार प्रदे हैं स्थानिक कि free was been and and कारक के में आधित एक पूर्व दिनकी कार्या-



नागशकानाः

क्षीनकृषि को स्नाविक उद्यावश्यक्ष क्षिपुक्त वाष्ट्र व्यावक्षी के इस उन्हों के व्यावक्षी के क्षिप्त क्षिप्त के क्ष्र के क्षिप्त के क्षिप्त के क्ष्र के

धात रम्स परमंत्र वहेम असम्प्रदा अकृष्टि हो-सिक दिना नेत शिकसिंग हरेग्न (का प्राप्ति स्वत वनान सर्वति महिम महिम शिक्ष के कि कि कि कि सात्र स्वाम स्वाम सिक्ष सिक्ष मिल्म है। यात्र स्वाम स्वाम सिक्ष सिक्ष मिल्म है। यात्र मर्थश्रीस हत्र । प्राप्ता स्म स्वीपुष्ट स्वाम अ-देश महम्म महिस महास्य केंद्व विद्या शामाम क-विद्या सहम महिस हिल्म कि स्वाम शिक्ष स्वाम मिल्ल देश सहमान महिस सिक्ष स्वाम सिक्ष स्वाम सिह्म सिक्ष देश सहमान महिस सिक्ष स्वाम सिक्ष सिक्ष सिक्ष सिक्ष सिक्ष मिल्ल मिल्स सिक्ष मिल्ल सिक्ष सिक्य सिक्ष सिक्ष

पः क्रमान करेल अथार्ग क्रमें क्रिके आमण्यन क नर्षात्रिक कर्षाद्धा क्रिके नात्र दिशीमाध्य मान महालड्ड करकड़ कार्या नर्जाइ कड़िक्का दिशी बाद्धा बाद्यगत्रका क्ष्य विक्रायनकार विवय वीकास्त्र कालमात्र लाउंक्यप्यत विक्रिक

বেচিনীপুর সন১৮৬৩। কিন্তুমারি , এক্সে বশহন প্রথারি জনস্য

বর্ণেইরের ছোট আদানত। মানাজন শ্রীমুক্ত সোমপ্রকাশ সম্পাদক শ্রীমুক্ত সোমপ্রকাশ সম্পাদক

क्षाकृत्य द्वाष्टि ज्ञानाम् गःस्तिष् स्ट्रे-यात्र द्वारकत्र कृष्णक्षेत्र स्त्रीत्सा स्ट्रेसाट् अवस्त् हे योकस्त्रीद्वार्थि कृष्णक्षेत्रस्य स्त्रोक्ष स्त्रीत्स्

वाजीएक छनिएछ।इ छाधः कामिनात कमा दवार्थ वय-कटनरकपृष्टे कोजुरम कवित्र गारतः। य-प्रमाण्य स्थानाम गर्कत करें। तहात कामानाक । चर्चत्या निक गरणांद्रत बक्छि, बन्द हक्किंगू-श्रुत विमानस्, मान्तरः, अवर मछाद्रितम् समा ৪টা সক্ষাস এই সকল নিজ্ঞালয় সংস্থাপিত विकारिक कार्यायसम्बद्धाः विकास व कार्यक्र महनाइ माळ माहे। अन्य प्रका मानी महना वन्द्रमध्येत्र विष्ठ।तामत्र बरर उरमरमास सूनिः ক্ষিত্ত কৰ্মচারী উক্তিল অভূতির অধিবাদে ক্লিক **ऐन्डॉ लाक मब्दरक वर ग**निमादन क्रामाधिका व्हेबारक, ऋक्षार विष त्यानीय लादकह लेकि খালু সহার, জনিদার, নাএব ও জনাব্য, কর্ম-চারির দৈনিক শক্ত শক্ত অক্যাচার ক্ষিত্র আ-निष्ठाह। नीशकाद्रशास निश्य आका नीज़ास व्यत्तक दावा शाहेब्राह्य। विनामर, ७ वाक्या क्रे अव अव अव्यक्तिक अव्यक्तिक विश्व विष्य विश्व विष्य विश्व विश्य मात्र अकुर तिक स्वेत्राद्धः। शूर्या आशुर्वक कृत अवाद। क्षांवामण्ड नामिन कृतिक स्वा शेंटक अरे क्रम हिमा, दर्क होका कक्क कतिया गॅडिप्साथ मा कहिटल अथवा द्रमांकामसङ्ख्य निकटी केरेन। करेता हमा ना निरम चीत कीत व्यविषाद्वित्र निक्षे व्यक्तियांत्र क्षित्र । क्षित्र 💥-বিদারের নাএব অভাত উভরের বিষ্টা ক্রিঞ্ কি কিং এছণ করিয়া পোলখেবেগ সারিয়া ক্রিকেন। আনালতে উপাহিত চইলে অর্থ বায়, শারীত্রিক কট, কর্মের ক্ষড়ি ক্ষিত্ত ৯ মান ৬ ক্র্যু क्रिय क्योश भवेख । এই उत्पादि प्रक्रामाहः नद-क्षत्र बद्ध लीखित स्टेट्स आनाह अवर्थनo के बाहामा आर्थिश कवित का, बाह क्रकेंद्र পর জিজি থাও ঘটনে সে ভিত্তি ছারি ঘটনার मेळारमा हिन मा। क्यम रा मामाहरूम स्थ्रस का कोट्यम मार्कारकंत व्यक्तिरपात्र अवद कथन का रिक तथ जिम्लिय व्यवस्थानक अहे अकल कार्क ৰে ডিকি জানির মহা বাাঘাত জারিত। অমালিক २०।२० नदमरद्वत्र क्रिक व्यक्तित स्विद्यक व्यक्ति মুলোকের ও সভর আমীনের কাছারি প্রিপ্তরি छ तौरवर्षाद्यः किन द्वारे काम्राटाङ अहे सकत कके अन्तर्भाष्ट्र वर्षे । अवन घटनक स्मान्यः इंडेट्डएइ ग्रहा मांभीरमंत्र सिन स्टेइंड ३० क्रियान র মধ্যেই ভিক্রিছটর। ত হ। জারি ছারা রভজ होका लापाम क्षेमा गहिए अट्टा है शहल अट्टाक्ट चारमाह प्रहाता वर्षेत्रहरू । किश्व मण्यासक मन हालन्न यरणांकद रहः है का नांकाड वाकि विश्वन क-कवाल हे करहरूमि जानामा छ विक्रण मध्यानुबुद्ध विष्ठांत को जाका स्मित्री तारे महन्त्र विष्ठांद्रक्ष शत् वक्री वा। भरमत् विधि च खत् । धाउन आप्त-भाक (बाब इंडे.जरह ' मङ्क्रिकान क्षक अर्थाद्व ७ श्रात्मत विष्णांत्र षार्देशो व.मिटक चारक्ष्य, च्रीक त्र कारबाव कात्र कारडा क्रक नाइदन कोटाक्कर ... डेश्रा बाएक। किंद्र मिन बडीख स्टेश्र हैकि নভাইৰ বাইকা প্ৰায় ১০০ মে কলমা বিজ্ঞান্তি ক্ষিত্র। ভাসিরাহেন। বিনাদ্ধের করা জীযুত্তা लिश्र गाम मार्थिय कार्योच त्यरमाच व्यक्तिको छ-मादिश्व द्राप्ता नाविश्वाद्य । नावश्री सम्माना-त्रम् के कार्रः, तत्नाक्षम कविरण्डस्व **१**.

ंश्वर प्रकाशको विषय प्रामापि-

海中

CHE FRE T faithm. वय शिक्ष क नहांनाका. भाग करनेति के का मा। किस श्रीकाता । किस कम करोडे सुविक स्थार 在13 图象"侧孔图 (图象) देशि स्थाना क्रांसिक 1 - 1 male sent यो के किशास्त्रक का कि स कर्मात क्या अन्य का स्थान पीक गुक्रमें सामग्र हैं। THE WAST OF STATE OF 211 A14 A1 A BAIL where the land main awas fresh erfemie, cefemie ses CAR MILE MARKET 1 পুতৰ পৰিছিত অনুপঞ্ পুৰি পূৰি লিয়া ক পাৰ উদিলালিখনৈ স্ব त्रक कार्यक विकास १ के कार्यक विकास १ के कार्यक चारका च क्या है। तरका पत्र पत्र ते वाला नकार माहत्र काराव eten entent film and PROPERTY OF THE PERSON NAMED IN THE REAL PROPERTY. COLD WITH MINE Sigira-magain रकेष का क्षा कि किया है। बाजबान क्षेत्रक क्ष EDITOR COLOR TING MUSE मची १३ श्रेषानिति milita preside CE : POS PRIME water wife it. H COLE WIN N SHIRT OF THE PROFIT IN THE PARTY OF **强力支援 另称的**[4]。 Edi Calla Cal. 河口森林 金二八十 · 海岸 湖南山 山(中 · জ্ঞান্ত ও ১০ জান: (कम। ५३ वाची 'म\हि:म निर्मा**ना**र क्षित्रकेष कार्या । सन काणि लहे ३ होका

TERES T विश्वताचा उ स्थाप विश्व क्षा खाँच-*********************** Twile's Marity 15. हि चार्काणात समया स्वापि-कर राष्ट्र है अस्तिक शरित

CIA M

Whatevan mitt Bornd wisspieces mie sie मिन कियोगी। है शह महा-कि कि एक से बहेगाहि। देनि বিশ্বর পূর পার্থিক বটেন। বিশ্ব বিশ্বন সভা স্থাপিত कर्षाम् वटा द्वाणिड निकार के हैं है है में के दिवस में किस मा माहित्य । श्रेष्ट्रा विद्याद्य विष्य । विकास विषय मह देशि आहामाउ आहे । मञ्चल द्वांटे क्रम क्षेत्रा १६ मनदर कि अर्थ के किंद्र देश विश्वा म क्षेत्री विकि महत्र ैं कि श्रेथावीमा । हे एडावान ৰ্শ্ৰীপ্ৰট বহিত কৰেন। 'सेवर्ग कथमरे छान

> क्षांस ब्लब्स izwise i हान जन्मीवरू

/ 胡萝卜(1) · THECH HAT PRESENTERS । स्टब्स् क्रमा छ-काश्चन माई न-कार्शका महिल 'BK # # 1 유명 가장 ु नेशिम कविषः हा-कित के ब्राख्यक

विनीश्रदा धकति विश्वतः विश्वतः व्हेश विवादः । दरत्व मधाप नरष्ट्र प्रव राज्ञका वीक्राका विकास-रवत करोग निकर जीवुक राजु क्षत्रवाच साम चा संविक वयु महकारत गर्क आधार करे स्विति-शिएक जालन कमिने मरशामरवर विकास दक्ता । विवाह मिछ, मभाकहाड इल्प्रोविश, विभि अति-वारत्व गक्षमा ७ शामधरणारम्य सूर्यमा अवर ফাডি কুটাখৰ অংক্ৰন্ত্ৰৰালি পঁণ্টা ক্ষয়িয়া অভি करके नानाशकात विश्वतानि कालिका कहिना প্রার দেও বংবর কাল অভিবাহিত করিলেন। অসহ বাব অৰ্থনোডে জবৰা জন্ম একার এতান भकार आधानात कहे सार्था अतुसाधन महि। जिनि क्यम क्रमा जिलका माध्यमा क्यान को कार्या शहर कर्षेशक्रिकाम । काहरवर्ष करे क्रुल महर राखिएम निक्दि के कि अधिक अधान। কবিয়া থাকেন সংক্ষম নাই। ইনি ধৰ্ম এই ম-इर कार्या शहस प्रेकांत्र केच्यां श्रामाण करत्रम, ভাৰন ইচার প্রধান আবারীর জীবুক্তা বাছু কে-লাবনাথ লাস ইছার উভান পোৰক কইখাছিলে-न। गरत क दी लिय पहेरल, यथव विक्रम प्रका-वसबीता थंडन । सं प्रदेश देशिन साहे धारमद्वे গ্রীফীক্তকভার বাসু ইছাঁকে পরিকাশি করিছা প্রা-प्रक्रिक कविश्रो क्रोडिटक डेडिटनम । क्यांगांत यात्र এক জন ভাতি প্ৰশিক্ষিত লোক। একংগ ইনি, অত্তৰ্য পেটাকোটে জেলপত টাকা বেজনে হেড কেরাণীয় পংল নিযুক্ত আছেন। ইনি ইহাঁচের का चित्र प्राप्ता असे क्षेत्र क्षाप्तान (लोक। अपर चन-নেকেই ইছাঁর অভগত। ইনি বে, কি অভিগায়ে প্রার্থিক ক্ষরিকের, ভাছ। আনর, বলিতে পারি मा। देखि शृद्धि स्माप्त राष्ट्र जाकानमात्मक यांडिएकम अवर मकरमय मिक्डे द्वांचा विमायां छ পরিচয় দিভেদ বিদ্ধ প্রার্থিত কবিয়া অব্ধি, डिमि अपन आठीम अपक्षणात्वेच मध्या अविके *क्ष द्रा*क्षांट**क्ष्टे** निहार्शन- | क्ष्टेंबाटकक, कांद्र खासमग्रहक वस वस ना । वसर ं प्रक्रिय मध्यमाद्वार मह्या ्र याचा याचा रशा ई।एवर व्यवस्थादिनय व्यवस्थ किक प्रदेश कतिया मिन्द्रिक किकार शकांग कविया पारकन । मध्यांन রু। বিক্রমন বলিতে । লে খেলিমীপুরের বিধব। বিধারের সংবাদ আগ वारा का कार कर्य । यक वि त्रांत क्षणात्म का व्या उटकारम ्रें व्यानवाहिन ने 🕾 नृत्र तांत्रुव श्रन अविष्टमय मा सामिशाहे छोणांव ইংজা কা বিষয় প্রশংসা নিবিয় আপনায় সোম্প্রকাশকে অপ-्रहादे चीक विरावत है विक करा बहेग्रा हुना । योगांव केस, अकारन विभ-Ber. Bietat | etfeeten Mag ebut, mile, porife ade '। त्रनावस व्या- | नाविजाक वर्षेत्र। ज्ञात वायुव स्व वर्षे वर्षेत्रात न्यून दश्किं.शा- कि विषदा जी कि दिशानां पत्र मनामा अक्रिक क्षा श्रदेश हैं ने कुर में शिक्ष मांश्री कारणाक । अक्षरण कामहा कालबारमा कार्यमा कार्यमा कार्यमान मिरमद दमके जी- अवस संबद्ध मार्च की वी कलन अवर खनक वास म अभि दक्षमा दिए द्वार विवाद गावक व्हेम्। म हान स्वयंत्वन शू-किरज्ञाहरू । किसे के किस कारणे शहत वरेगारक मा देशन विम दनव निर्धात्तंत्र प्रकारत, देशहे जामारमञ्जू अर्थना ।

১**५७**७ । २द: किस्नुग्रावि

क्लाहिर क्यांची वाहिनह (गरेंत्रजीश्रह।

आश्राम्या ।

कृष्टिकास राजाते. शिक्षण तथा प्राप्ताने राजा वर्षात्रे क्रिकार्यक स्थान राजा राजाता स्थान स्थान

১২৯৯ নাৰ মুক্তিত ৭০ আৰ্চত প্ৰথম " " प्रशासन कर्का विशेष क्रिकेट Stan Marine stem a. train wifte "il'. " Exper Fly MINN! **ऽर्कः मार्च हरियक्त १० व्यक्तिक नेपीक्ष** elle. * बहर्वायाच्य (प्रकारि renta y ২২৬৯ **শাখ ভাই**তৈ ৭০ পৌৰ পাৰ্যাল 19. ' চন্দ্ৰভাৱ দেল লেডাৰ লগগছি ডিছি ১২ ৮৯ পৌৰ ছইডে ৭০ জৈঠে শৰীক্ষ ø, " महस्क्षमाय हत्यीशक्षाम निकासक्ष १८७७ काम क्षेत्र हहेराच **१० छो**रन **लोही**छ क श्रांतियम कविवास त्यांकानी क्र **১२७७ मोद्धत एडेएक १० व्यापन गर्नास**

《有情中教学》中 有大器 往 等:世中語

विष्यं विश्वतः।

चा श्रम प्रमा मा भारतम् अक्षारम् विश्व श्री कांच ८ शवन कहा गांव महा

देशक चित्र जुला क्षेत्रिक ३० सहस्थान्।-निक es क्रिक : इस बादमह क्यान कुला कर्किन योग मी।

वैदिन त्रामधकात्नह मुना श्रीक विकित शांडाय खाँदांहा धर खबन, खांच खांबांह कहिक मुरगात अ त्रशीरकत हि.कहे में। (अत्रव करवम ।

यथन विनि संक्षान ६६८ ५ मार्थकोरण्य मुमा गाउँ।हेटरम छोडा त्यन त्यक्तिकि अविका

पूर्वभाव मृत्मात काल बढीउ इंडे(ल क्र) লা গাঁঠাইতে কেল বেন অসমত বিলৰ না TITE !

र्वेक्शिक्षित प्रका निवात मनत अजीक बडे-मा गरिए, नक्षक्षक नगर शकीका करिया श्रिपंत लामश्रकात्म शहात कृतिहा छ। वा शत हिति लिथिहा आनाम कडेटन, वर्षि छा-रांड कान डेस्टर अवदा मुला मा श्री का गृश काशक वक्ष करेटर। मुहलात मित्रिक हिडि (वहा-विः गोठीम व्हेर्य। क्रिकाडी प्रश्यकः-टलाक चामामिरनह मादम डिडिं क बेरन या মৰ। শীব্ৰ পাইৰ।

যাঁগাৰ মধ্য লোগপ্তক শ পরিত্যাগ কবিব ब बेका श्रदेश्वे किकि लिखिया मा कामाहरण डांद्रा आक् कतः याबेटव मा ।

व्यव मामश्रकारण विकाशन निर्व केन्द्र। করিলে জীকাকে আখন বার প্রতি পংক্তি ৮০ षामा विजीप क्षेत्र />० ष्यामा प्रजीप क्षेत्र क्षेत्र चामा किटक बहेटबा खांचात्र शह ३२६० है।का क्षित्रम बान ८४ इसः गार्केटन ।

मक्ष्यरक्ष्य योशिता अवर्ष धहेरम्य, छीहाः पिरान चड्ड फानमाञ्चल पिरंड बहेरर ।

·福里·州是 中国中门对于 对明 河流的第三人称形成的第三人称 rings Miles glan pluribanters Cateman क्षित्व अपि हमानवाद क्षेत्रानिक का

प्रवर्त्ततां प्रकृति। इताब पार्थियः सन्स्तृती सुतिनहती व हीवतां।

e 3141 56 मरबार । जन ১२७२। ১२७ काल्खन। हेर ५৮७०। २ मोर्क । पार

নোমপ্রকাশের অবয়ব রুদ্ধি সংজ্ঞান্ত বিজ্ঞাপন।

আজি অবধি সোমপ্রকাশের আর এক कत्रभा इकि व्हेन। व्यक्षः शत् व बाबा बादा-तिक मूना नान कुतिरवन, छोश्।नेशांक धा॰ नाएए नाह होका मिएल इदेख, बागिक भ-গ্রিম মূল্য (১০ টাকা) জণরিবর্ত্তিত রহিল। মক্ষলের গ্রাহ্মন্তিগঠে প্রভন্ত ভাক মার্ল দিতে হট্ৰে: বাৰিক ভাক মাত্ৰা া : কয়, किन्न बीवाब्रा पुन्ता अभवन मध्यनान्त हिनि स्व (महेन्री कतिया जिएका, छाँगांदा छाणांत्र राय ক্রারি আনা) বাদ পাইনেন। বাঁহারা হত-द्ध काम मामुन बिटड जनमर्थ स्ट्रेटन, स्नाना-ইবেন, আমাদিধের মংপ্রতার হইলে তাঁহা-मिगटक माञ्चल मिटल दहेटव नी

বিজ্ঞাপন।

कतिमधुत विमात व्यव्याणी वाहेरक्याति মহ্ৰভগুর নামে যে পত্তনি তালুক আছে, **डारी एद्रशङ्गि (२०१३) ज्यथ्या विक्र**य कहा है ৰাইবে। বাঁছার সেই ভালুক সরপত্তনি লই বার অথবা ক্রয় করিবায় ইক্ষা আছে; ডিনি কলিকাভায় জার্ডন দ্বিনর কোম্পানির নিক-ं आरवनन कविरम गविरमव इ**लास स**ानिएस भाविद्यन ।

বিজ্ঞাপন ৷

রামবাবু, হরু ঠাকুর, খ্লাসু দ্লিংহ, গৌর কবিরাঞ, মিত্যানন্দ বৈরাগী ক্ষমোহন क्ट्रीकार्या श्रकृष्डि श्राधिन कविन्द्रानामिद्ध्य

করিরা স্বত্তিত করা গিরাছে। প্রক্রের মুল্য ५ जरू होका व ज ।

कशिकाछ। ! वक्वाजात हि है १७ वर वाजे।

व्येष्ट्रशांभाग চট্টোপাধ্যাদ্ধ এবং কে। •

বিজ্ঞাপন ৷

पृष्ठ वराषा पश्चरवादन छक्तानकात क्षणी-ভ বাসবদতা গ্ৰন্থ কেই ছাপাইভে পারিবেন না । কারণ ভদীয় পিতৃত্য 🛩 রামরত্ব ভটাচা-ব্য বহাশরকে উজ্জ পুস্তক ভিনি দান করিয়া-ছেন। তৎসুত্রে আমরা ভাঁহার পিতৃব্যের উ-তরাশিকারী বর্ত্তমান আছি। আমরা ভিত্ত বাসবদতার দান বিক্রয়ের ব্যাধিকার জন্য কাহারও নাই : অভএব প্রীযুক্ত বাবু রাহদাস দেৰ মহাশয় শিখিল প্ৰযন্ত্ৰ হউন এই আমা-ছিগের অলুরোধ।

बीदामलान हरहें। भाषांत्र १२७०। २ कोइन क्षित्र

NO

বিজ্ঞাপন ৷

जाकृत शंनिश बद्रमद्र शांदर्दवद्र क्षश्रिम् ওলাউঠার ডিল্পেলরি একণে ধর্মক্তনা বাজা **अंदर वेखरत वाराकाबाद ववकिरमद विश्व श**-न्हिटम कमाईटिहाना हेश्चि एडेब्स ७७ मर बाह्र-তে স্থাপিত হইরাছে। বাহার উবধ কিছা ও-লাউঠ। রোগের চিকিৎসার প্রয়োজন ছইবেক উক্ত ৰাটীতে আমার নিক্ট আইলে অথবা ष्टिम प्रेष्टम आनक्षमि भःग्रीष ७ अम्बिर्ड र मश्याम भाठेग्हेरभ व्यविनाय अयर व्यक्ष मृहत्र

উষধ চিকিৎসা ও ভা त्वन्न वरि शाहरवन है।

কলিকালা সংক্ নিক প্রভৃতি অ্ধারন कारानिष्य अविवरः त्का ? सामानि वरे नि छेनचिक स्रेक्ष्रह। কিও ইহার দীঘাংশা अक्षी वि**रवडवी** हार् रात अर भटक शुक्ति, ম্বন সংখ্যার, এ উভায়ে যুক্তি কাহারো পুরু क्ष नेतिष्ठः करिए। गरकांत्रः नक्नाटक 🚁 (कटह मा । अपना क वना कात् ? जानि काः ৰণ একাধিপতা মে त्वरह, काश्चर अस्ति र्भक्ष बाक्क स्ट्रेटर, निकड स्ट्रेट्ड्स ना। হার পূর্বে কালেজে ভাঁহার কার্যও যুক্তি

व्ययम यसम मरहः रत, उद्दराज जान्य

(क्ट्रंड्)

त्रवात्र विकास के त्र के किल वित्यव्या करेग्राह्म मान्सर কেই

कता दिक्क्य नित्रधक अक्री

ा भूग्दार রবিবারের কালেজ इप्ता वर्षन निषय बात केलांडिक हरे হার আংশিক রুদ্ধ **চন্শংস ব্যবহার** बेदबहना कै.1 पाव দ্রর বেদপাঠ নিবেধ राज दिनशा ७९१। । किश. यथंन त्मरे কায়ৰ প্ৰভৃতিকে ामाब्दिक मध्या ना । च्टबंड अमं अर्था श्रामा जिएतक करतन s नीटि र**डे**क, आंत्र 'উভঃ খ্লেই ভুনা াবনা। যাহা হুউক; । এড়ড়ি देर प्रकृष्टी केम, ते व्हेताटक, িমেন্টের নিছ্প

কেরা উত্তর পশ্চিমা र्वत्र शटमत यत्वक निटिছिल्सम । रेक् ্বকে, কেছ হারিছ ्वा ज्याहरू अ भन ছলেন। আমরা নি ্যব্দীয় প্রধান কৌ জি ধ**রমিত সত্য হ**:রিঙ্ त थाल इट्याटकन। कम बाह्र इ चरमक विश्व ছন; ভাঁছার কার্যেটি दह। ऋख्या केशिटक **अब क्या क्या अवर्श**

আইন সওয়া উচিত। এদেশের উন্নতির **অন্তরার গণনা ক**-রিতে গেলে বছ বিষয় প্রধান পদ-লাত कतित अत्मार नार्रे। अहे कूर्जिक अवा नि वक्षन धटनटक्षेत्र त्य त्य व्यवकात स्ट्रेस्ट्र অনেকে অনেক বার তাহার গণনা করি য়াছেন, তাহা এক প্রকার পুরাতন হইয়া নিরাছে, তবিববে আমাদিগের সূত্র বস্তু वा नाहे। विट्याह घटनात भूटर्च धहे अघ मः अथात जेगूनमार्थ এक वात किया हरे য়'ছিল, কিন্তু তাহ,তে কলোদর হয় নাই। সম্প্রতি এদেশীৰ এক জন প্রধান সমাজ সংক্ষারক পুনরায় এবিধয়ে হস্তক্ষেপ করি য়াছেন এবংভারভবর্ষীয় ব্যবস্থাপক সভার অনাত্ত্র সভা এতংসংক্রান্ত এক বিল বাব স্থাপক সভায় উপস্থাপিত করিবেন, অপী করে করিয়াছেন। আমাদিগের দেশের লো কেরা রাজসহাযভার অপেকানা করিয়া খনং সমাজ দোষ সংশোধন করিবেন, জা লিও একপ আশার স্বকাশ হয় নাই। রা क विधि बोहा बलशूर्तकरे देवी निगरक उदिय রে এবর্স্তিত করিতে হইবে। এবিষয়টী অন্য ष्यना विषदत्रत्र नाथ धर्मनवृक्त नय । ष्यञ्जव ইহাতে হস্তক্ষেপ করিয়া সাধারণ প্রজার বি (द्य छ।जन रहेवाद मञ्जावना नाहे। यह विवाह निविक हरेला (कवल स्व आंगोणिरभेत्र म माङ একটা মহত্তর অপকর্ব হর্তে মুক্ত इहेटव अक्षा नम, अरनकमश्था इंडल गा রমণী অসহ যন্ত্রণার হল্ক চইতে পরিত্রাণ পাইবেন সন্দেহ ন। है। महे यद्धना अक **গ্রেকে অনেক দিন : বিধ ও একজাতীয় নছে। অনেকে এক** कारन चामि मोखांशा ७ मश्मात्र सूर्यं

वक्षिण इत्र। धटनटक किन्न कोर्बना दश्कू

আপনাকে ও পিতৃ কুগকে চির কয়ন্ধিত

करत । कारे कारे एककश्याशिक्षत सन्द्र

পিত্যমাতাকে জসংখ্য ক্লেশ ভোগ করিতে हत्। ज्यमा ज्यामानिरभत अविस्ट्रात क्षेत्रक क्त्रियांत्र छेटकमा धरे, धरे मटक मटक कता विक्रप्त निरंदशक अक्षी चार्टन कहा व्यानभाक।

वक् विवादश्य नाम कना विकास विव त्य**७ ताम रखटक**श घटेवथ श्रेटक्टक् ना । नमारकत्र प्रतिके उ निकर्षकात्रिका भएक **रए दिवारहत्र माप्त हेरात्रु दिलक्षण म**र्श ক্ষতা আছে। ইহা কেবল হিন্দুশান্ত্ৰ প্ৰতি विक नत्र, अरम्भीय जज्जानाकिक्रित्रद्रथ निड!स विश्विष्ठे। त्य विस्तत्त्र अधिकाश्म लाटकत ७ धटभंत विरश्य प्यारह, छिन्तिगटय হস্তকেপ করিবা বিরাগ ভালন হইবান मञ्जादना कि । कना। दिक्तर्रेष्ट्रंत्र (म.य-এक গুণ নহে। প্রথম, পিতামাতা কন্যাকে অর্থ লোতে গো মেন মহিথের নাার বিক্র করেন, কিন্তু সেই বিক্রন্ন যে কছপুর যুক্তি শিক্ষ, তাই। আমরা বুলিতে পারিতেছি না। বিতীয়, পিতামতের কনার উপরে প্ৰভূত্ব আছে ঘৰাৰ্থ বটে কিন্তু সেই প্ৰভ च वदन जरू शाधीन की ददक एक अब विकार कहा किक्श मध्य हरेटल भारत -याहाद्वा कमा विज्ञात करत्, छाहानिरशत र রের ৰূপ গুণ ও অর্থ সঙ্গতির বিশর বি (बहुमा कता नाहे, शतिशास कन्याव कि मना र्हेरन, ভाষাও এক বার বিবেচন। कर्। इस मा, या पाधिक होका निष्ठ शास সেই বিক্রেডার প্রিয় পাত্র হয়। এবটা अंत्रिक कथारे अत्रष्ट, कन्मा विज्ञत्वकातिन কন্যা জান্তা ভাষ্ট্র এক কালুক লাভ क्टेल. छ्यान इस्र।

ক্র্যা বিক্রেকারিরা সচরাচর যে সক म वास्तित इस्ट कमा जमर्गन करते. छ। ह त हुई अवणी केश्रह्म अभिनित इंडेट **८६. छन्दाताई हेशह अमर्थकाहिटा** 'ति क्षे सर्भ शांक्रकारनद्व स्वत्रक्रम स्टेर्ट । বোধ কর এক ব্যক্তির ৫ বিখা সাত্র ত্র পোজা জুক্তি ছিল ৷ সে তাহা বিজ্ঞান কমি मा निवाद समित । जीवान पठ जैनाक्त क्मका, विका ७ दृषि, अक जुनि विका बाहारे दम मधुनादेशक श्रीक्रिक्स स्वेन । ভাহার বিজের উপার্ক্তন ক্ষমতা নাই: ভাষার বে পৈতৃক সঞ্জিত বংকিরিক জ त्वत्र मश्काम किम, क्षाका क्षम । विश्वम त्म कि करने चानमाह ७ नहिनादहर थिडि পালন করে > কিবলেই বা ভাহার সন্তান সম্ভাতির লেখা পড়া হয় : উহারা যে পরিণী মে পরের গলঞহ হইরা উঠিবে, ভাষিবয়ে नत्मह कि > कलकः धर्मेक्ट्भ स वि বাহ নির্বাহ হয়, ভজাত সন্তামগণের প্রার লেখা পড়া হর না। ভাহারা পৈডুক সম্পত্তির মধ্যে কেবল পিতার নিংখতা ও মুর্বতার অধিকারী হয়। এতমূল্ড নিবিড় भूर्यंडा प्राप्तक शृंश्यक प्रविकात कतिया আছে, দেবিভে পাওরা যায় । এতদারা कि श्रिक्ति इहेटज्ड मा एवं केमा विकास কেবল কন্যার সাংসারিক সুখের কণ্টক मय, नमार्क्त ७ किम विषय क्षेत्र वक প হইয়া আছে। যে কন্যা বিক্রীভ হয়, সংসার ধর্মে প্রবৃত্ত হইয়া প্রায় ভাচাকে অনম্ভ প্রবস্থা ভোগ করিছে হয়, বোধ रुष्त, चार्याक च्रष्टाक रेश मर्गन कति ब्राट्न।

অপর. কন্যাবিক্রর বার্ডালান্ত্রের এ
কান্ত অননুমোদিত। বার্ডালান্ত্রের সকলে
কে ক্রম করিয়া জার্বিকা অর্জন করিতে
কহে, কিন্তু কন্যা বিক্রমকারির তাদুল ধী
বিকা অর্জনে প্রয়োজন হয় না। কন্যাই
ভাহাদিশ্বের জীবিকা, কন্যাই ভাহাদিশের
নয়ল। যে কন্যা বিক্রমের এত দোব, তমি
বারধার্য রাজ বিধির দারুণ হস্তাবলয়ন কি
আবলাক য়য় > উপসংহার স্বলে আমরা
বাবস্থাপকগণকে এই মাত্র অনুরোধ করি
ভেছি, তাহাদিশের কন্যা বিক্রমের অন্যা
ন্য দোনানুসজ্ঞান্ত্রে প্রয়োজন নাই, ভাহার।
ক্রম এই বিষয়টা বিবেচনা কর্মন, পি
ভাষাভার সোক্ত প্রস্তুত্তির চারতার্যভার

निविष्ठ क्यात्र पोरक्षीयम माश्मात्रिक सूर्थ विमर्क्य एत क्या छापून क्यात्रन ज्ञानिकात मयाक मश्चकी छ सक्छान क्थरनत्र कि क्रुणात नाव गरह । आयश्च श्रीका क्रिता त्र. हलाम, वस्र विवाह वि लात्र भरतरे वस क्या विकास विस्न वाव ज्ञानक म्हास श्रीद्वाल हत्।

> ভারতবর্দের ঐরভিন্ন প্রকৃত পথ কি ১৮

चाकि कालि " ভाরতবর্বে ভারতবর্ব শাসন গও " ভারতবর্তের প্রার্থি সাধন গ এই ছুটা সনোহর বাধ্য অনুক্ষণ আমাণি-भित्र स्वयं भावत स्ट्रिट्स । स्ट्रिट्स वा ष्यत मध्य मश्री व बांडा मृश्यमी सुद्रारगद्र माहि धरे इरे बरनारत व'रक्कात भूनः भूमः छका রণ ছারা লোককে মোহিত করিয়া স্বার্থ সাধন করিতেছেন। অধিক কো:ভের বিষয় बरे, छात्रकरार्वत श्रीवृद्धि नाश्रामत केक्क পথের আবিক্ষরণে অপে লোককে উর্ধ শেখা রাইভেছে। ভারতণবের প্রার্ভি সাধ-নের প্রকৃত পথ কি, ভদির্ণয়ে প্রবৃত্ত হই-তে হইলে, অগ্রে ভারতবর্থ শব্দের অভি-ধেয় নির্ণর আবশ্যক: এছলে ভারতবর্য শক্ষে ভারতবর্ষ বাসী লোক বুরাইভেছে। ভারতবর্ষে এক্সণে অনেক্রিধ লোকের বস্তি হইয়াছে, সে সমুদায়ই ভার্ভবর্য শব্দের বাচ্য সন্দেহ নাই। কিন্তু বর্থন 🚉-রুদ্ধির অত্যেবণ করা হইতেছে, তর্থন ভা-शांगिरशत भएथा याशिमरशत श्रीवृद्धित अ-প্রভা আছে, ভাহারাই এম্বলে ঐ শক্ষের युश वर्ष । এইबर्टम मुन्तार्थ खर्ब क्रिस्न অত্তা হিন্দু ও মুসলম:নেব্লাই নিংসংখয় 🎚 ক্রিবৃদ্ধির লক্ষ্য হয়, ইউরোপীয় ও আবে রিক প্রভৃতি লক্ষ্য হয় না। কারণ **লে**-বে'ক্ত ব্যক্তিরা জীবৃদ্ধি শোভিত হইয়া এ-(- रम श्वामित्राट्स, विरमंगडः a स्मरम श्री-চাদিবের ভাগ অভি অম্পনাত্র দুর্জ বর্ম। तारे व्याप मंश्या त्यादकत (के वी के वी-कारत्त्र) निशिष अधिकमश्या स्नारका

कार्या विश्वहिष्णाम् अभिन्न त्नरं ३৮ त्याक्रिक स्वर्शका त्नरं ३० का ५५ माजारतक स्वर्शक क्या व्हेरक्टक १

পरिष जेनि निकन्न रहेर्स्सर्थ बिहाक परेटन, क्या के दिला विकरतम नित्रमाम्ति क्षक्रिक त्मरे विकास कार्या बाह्य विकास वा रेकेटबाणीय टक पर्ववक्षक स्ट्रेटनमः। खान्नखंदन बाब्नुसः कृतात हार इंदेरम जात्रक्यहर्य ুহ্ইৰে, কথা উটিল ; ভূলোল্ড্ৰ্ मि चरिके रहेन, हाक चार्कि व সহত্যে রাভা বাট গ্রন্থভির ক্রিক্রের रहेटक लाशिल, काशाटक व्यक्तिक বাস কে হইল ১ তারতবর্গত নেটা সহজে উৎকর্ব লাভ করিছে পার্ম্বন क्ले कि दिला कि किया कि कि है त्मरे केरिये कं।शक्तिका स्वास এই ভাগ করিয়া ভাহা বিধিন্তু क्रका हरेन, खेडरम्ब्क हाहि न चिशामी स्टेटनब, खरकनांद हैं পদচাত করিবার জিলেশে 🐠 ভারতবর্ণাসম ৮, রব 💆 🕏 🤅 कि इंदर मानिक पाँच अनिहा नकत एव, दर्ग क्योतः परिक बान् एरेएरव रू अभिन्यूर जीमान क्ति अस्टि धेकारी जना विद्याप सं परन रहाडे पार्शनियं हरेरेन जाड़ **ब्रिइक्ट्रिक्ट्** एकि जानागड क्षिडिकिक वर्डे क्षांत्र कि अधिकंडत ल उने न है. নিবিল সর্বিদের পর কার স্বার कतिशा रेरनंद्य उन्हें रूप श्रीकि व्हरण कात्रकरत्व में जीव कि वह र्देल ; उदशका उवाह दर्बिक তদ্বারা কে সমধিক লাভিক্তি अव्हाम नामित्

किलिक विषयात्र कम द्रणान कः 5 मिवार १ स्त्रिया ब्राविशाद्यन हे त्यक् भीग्रिक वंद्र गाकार गर्दा के स्टब्स् वि हि क्षा जान नित्य करत्रम मार्ट प्रधार्य हे, किर भंतम्भेता जन्दाह नित्यं क्या हाटक् रेकेटबानीटबर्बा अटक्कीवन्टिशव शका बटनक विषदम आधामा माफ कति ছন্ত হাজিনের ধর্ম ও আচার ব্যবহা नेत्र ८क्य निवक्षत्र कें हानिटशत्र घटनक वधा । दशः अकथव कैं। शक्तित्त्रत्र महिष् क्र मिर्मित्र अिंडिरगांत्रिका स्टेरन अरम त्य कलाट्यारश स्थिक इहेर्सन म 🛂 📭 ছব্তিম ক্তকগুলি বিষয় কেবল ानी प्रक्रिप्त प्रविधा केटक्य कतिपार হুরা বাকে, তদ্ধাি এসেশের সানু · যে য**্**কিঞ্জিৎ **উপকা**র লাভ হয়,

' যে বিষয় বারা এ *বেশেরু _{প্র}*টার্কি त्ना चाट्स, छडिन्तरसंभि तमी সাক্ষাৎ সহজ্বে প্রবর্ত্তিত করা, ्र त्र्रे विषदः। है हानिशटक लिका ह एए अहर अटमटनत अवृद्धि मा **४कू**च-পर्य । क्रामर्टम द्वलखरम इहे केब अटमभीटव्या चाटब्राइनामिक्स ৰু সামান্য কল বিনা মুখ্য **কল ভোগে** ারী হইতে পারেন নাই; রেলভন্ম एमटम इत्र नारे, से हैं। त्रा कल अक्जित ও চালনাদি বিষয়ে তখন যেমন অন ছিলেন, এখনও সেইত্রপ রহিয়া ३>। >२ व्यमत इहेल, अदयटण র হইরাছে, এপথার এদেশের পোর্কে ক্রয় খ ন বল প্রস্তুত করি अटक्टनंत्र क्षेत्र कर लाटक मुक्छे गट्चेन ? अहेन्ट्रजेत क्य कर लाटक क निधिसीटहर्न । बटन ७ बटन धमनाथा कारवा बााशृष्ट क्रेट्ड র, তাহাতে আবার হাহার উৎ

् इंदेशनीरतता कि अरक्नीत्रकि ने सार एकता नारे, अकुछ चनुरनार एक । चारम् । अत्मनीत्मत्रा ठख्य कारण नमर्व हरे विम ना विनवारे चात्रक निकास क्रिया हो বিরাহেন। বাহারবুদ্ধি আছে; ভাষাকে শি थाहेरल भिथिष्ठ शास्त्र ना, अ किंक्श स्था ? निका ७ काक ना कतिरम कि क्षेत्र काश त तृषि मार्कना, भरीत शाहेन, नार्म छ वल वीपार्ज कित वृश्वि एत्र ? ताल शाक्ति कल ও তছুপকরণ ইংলতে প্রস্তুত হর, আর এখানে প্রস্তুত স্ইতে পারে না, ইহা বুকি রা লওরা সহল নহে। চেন্টার অসাধ্য कान् कर्य चारह ? अरमरम एक वारे विलिश मञ्जूषात्र विवटसद्वरे व्यमण्डि । वा খালিরা যে ুযে কারিক্রিয়া করিতে পারেন, সাঁওতালেরা কৈ তাহা করিতে সমর্থ ? ছা হাদিগের সে অসামর্থ্যের কারণ কি 🖟 ভাহাদিগের শিকা ও চেন্টা নাই। এদে শে জুলা দ্বিতেছে, কিন্ধু সে জুলা ইংল **ৰে পিয়া সূত্ৰ ও বন্ধ হুইয়া আসিডেছে,** भणात्राट≠त काराक खाड़ा लागिरकरह; এ দেশীরেরা কেবল মজুরী করিরা ভাহার উৎপাদন করিভেছেন মাত্র, সেই ভুলার शक्षक कमाखाती हरेएक शाहितकहम ना। **अरम्बर्भ कुला म, मेगा हेश्ला कि जा** (भन, काशांटक अरमरमात्र कि जीवृद्धि हरे म ? अरमनी गणिरभत मञ्जूती मान, देशहे कि अधिनित अविका । आतम्बीरसदा कि জুলা পরিষ্কার করিবার ও বস্ত্র এছত ক রিবার কল করিছে শিক্ষা করিয়াছেন ? ইহাঁরা কি সেই কল হারা বস্ত্র প্রস্তুত क्रिक्टिंग । अरमर्थ (महे क्ल क्षेत्रक क्रिटिंग अवः देशेनिश्राक (महे क्ल क्रियुक्त क्रिएड निथारेटन कि अएएटनव बरीव्रजी श्रीवृद्धि रहेक मा

আমরা উপরে উদাহর গ্রহণ কেবল करमकी विषयम अपन कविमान, आव ह महरक व्यालमा भवा। পরিত্যা । भीप्रविश्रदक कारक क्षर्यक्षिक कतिवाह भिका क्रियोज क्रांसक विषय्न क्यांट्स, हेर्हाज्ञा सावक त्रदे अनि चत्रः ७ चरुष्यः मान्नापन अहि

त्क नवर्ष मा स्टेटबर्व, छावर व लालंब न म.स अनुवि लाख जदातमा सारे । शवर्यम ঞ্জের বে তত্তবিবরে শিক্ষাদান ও 🗫 সাহ পাৰের ভার, সেকথা বুলা বাছলা। পিডাই भूका वेदनंद्र निकामान कांद्र अस्य कटव्रम । ৰে পিতা স্বয়ং প্ৰিত হ্ৰ, ডিনি ক্লখন भूबारम मकानः एव ७ ह्रंबरम् भारतिया निर्व करेटक शारतन मा । आमानिरक्त क्वर्यदम्बे यनि अस्त स्टेट्डम, जात्र शटन भीत्रता भिका तमकः इरेएकन, जामता कं.श्विगटक छेटलका क्रिकाम मा। जि টিস গ্রণ্থেত এ দেশের শিক্ষা, রক্ষা প্র ভূতি যাৰতীয় বিষয়েরই ভারগ্রহণ ক্রিয়া ছেন। এখন সেই গৃহীত ভারোচিত কার্যা मा रुतित्म छारापिशस्य कर्षत्वात्र सम्बू তান জনাশগুভাবায় তাগী হইতে হইবে।

> এল, এল, উপাধিধারিরা প্রধানত্তন বিচারালয়ে ওকালভী করিভে शांद्रियम कि मा ?

সম্প্রতি সর বার্ণেস পিকক এই প্রশ্ন-টী উধাপিত করিয়াছেন, যে সকল ছাত্র विषविगालय स्ट्रेट वि. अल, जबर अल, এস উপ।ধি প্রাপ্ত হইয়া ওকালতি করিতে षानिष्क्रदर्भ काशांपिरभग केलम (कार्य) दक একবিধ হাত্ব ও ক্ষমতা দিয়া প্রধানতম বিচা রালয়ে ওকালতী করিতে শেওয়া উচিত कि मा । धरे अञ्च छेशलक क्रिया करनक वि, अल, मयवावमाही अल, अल, खेलाधि थादिणिरगद्ग विद्वरक हि बनात जातुन कति স্থাহেন । ভাছারা বলেন ভাছরা এপনে वि, এ, উপাधि थाश प्रदेश भारेत्नव পदीका मिहा वि, अल, डेशाबि खांख इन, किंद्ध अल, अलाहा किंदल अल, अ, शही का किया यावचा क्याब्रम क्टब्रम । शब्दीकांव बहुत्र अञ्चान मरह। वि, धलिप्रित्र अि विवरम मसूराटम्स चर्चक सम्त लहेरच হয়, পক্ষান্তরে এল, এলৈয়া ফুডীয়াংশ आध इंटरमूरे अमरमा गज गारेशा थाटक

न । अधिएकं अर्थ देशकाने विश्व कंगाश्या रिवामक्ता मारे। चळवर टोर्ट कमाश्टन दिशक्त एवस केहिक।

এই সকল বা জিন্ন স্বার্থপরতা আলা गिरभन्न किंग्र विज्ञान छेरलायम केन्रिनाट्य यथार्थ बटडे, किछ आमता छ।शामिरंशत अ দৰ্শিত খুজিকে অসমত ৰ লগা বীকার क्रिंड शांतिरहरिया। श्रेताका व्यथ्य वधन दिलक्षा जिक्क इरेट्ड्स, छर्चन कलांश्टम देवलका इखताख छेडिक मत्मर কি ৷ পুরকার গত ইতর বিশেব না থাকি লে লোকে সচরাচর অধিকতর আম খীকা त्त खेब्रु व इरेरव रंकन : क्लडः वि, अल ७ এল, এল, উভাের কর্ ও অধিকার বিবরে বৈলক্ষণা খাকা অসদত নয়। কিন্তু এলএল । নিকট ক্বতক হইতেছেন না।পাঠকগণ কি দিপের এখনতম বিচারালরে ওকালতী कत्रिवात शथ द्वांटधत व कियी व्हेटकट्ट. আসরা ভাহার অনুষোদন করিতে পারিতে ছি না। এল, এলেরা যদি প্রধানতম অ मानएका निश्नमानुक्य चकर्खवा गांधन क রিতে পারেন, জাঁহাদিগকে বঞ্চিত করা कि काश नामानुगठ स्ट्रेट शादा ? वि. এলদিগের সম্মানমার্থ শ্রেণী ভেদ করি লেই ইইডে পারে ৷

এস্থানে স্থামরা এল, এলদিগকে এফ টা পরামর্শ দিভেছি, ভাঁহারা ভাহার অনু রণ করুম। ভাঁছারা মকবল আগলতে উন, তথ্যর ভাঁহাদিগের এতিঠা লাভ कारत विलक्षण अर्थ माछ इटेरव मरम াই। তথায় **অভ্য অ**থবা কাম্পত্ত উকী নপেরই একাথিপত্য। এল এলেরা ভ ায় উপস্থিত হইলে (জুজ্ঞ ও অম্প্রজ खेकीरमञ्जा) विध्यः भन्न आश्रमामिरणेत ता জন্বকৈ ছির পদ রাখিতে পারিবেন না. , ভিনি ভাষা বিজীত হইবার আনতিপু मुताक मारज थकाश्ररनत मार्य मण्डक लाता विरक्षाकी क्वेरव मरमाक् गारे 1 भाग दल जानालक प्रकालत्र कि कि पारल क लाख इंड्रेट्य ।

পডিড ভূমি, বিঞার সংক্রান্ত **जा**हेम 🗀

১৪ ই কালুগুনের আত্মনবর্তীয় ব্যবস্থা পুক সভার হারিংটন সাহেব পুডিভ ভূমি विकार मश्कास दिल देशहिक कृतिराहि ल्ला ।- पेश व्यविनात विधिवक्क इरेग्रा हि। পতिত ভূমি विकीष सरेगा वस्पूर्व ভুষি পরিভূত ও তথার নানাবিধ দাস্য ও চা প্রভৃতি উৎপদ হর, গ্রন্মেটের এই নিভাত অভিলাব। ভিজারা ভারতবর্ষে मण्ल रहेबात मण्लूर्व मखाबना चाटह । किस थानानीत लाटन गवर्गस्यक्ति सह छेरकुर्छ मरनावर्थ मकल स्ट्रेनाव वाक्किस ঘটিতেহে। লোকে তরিমিত্র তাঁহাদিগের মনে করিভেছেন, আমরা এই কথা বলি তে,ছ যে এদেশের অধিকাংশ ভূমি বন পূর্ণ থাকুক : না, আমাদিগের সে ইছা নয় ৷ আমরাই সমুদর ভূমি লইব, অন্য জাভিকে বিশেষতঃ ইউরোপীয়দিগকে এ (मटन क्रवि कार्य) क्रिक्ट निव मा हैश्राक আমরা এক দিনের জনা মনে করি না। ইউরোপীয়েরা আম্বন, ক্লবকদিগকে উৎক্ল ইকুপে কুনি কার্য্য প্রভৃতির শিক্ষা প্রদান করুন এবং সাক্ষাৎ সহজে হউক খার পরস্পারা সম্বন্ধে হউক দেশের ধন ও সৌ ভাগা বৃদ্ধি করুন এইছা কোন্ ভারতবর্ষী (यव मा इहेर्द : अञ्चल आभामिरशत क वल ब इवा धरे. धरम्मीसम्रिशंत छेनरत ভক্তরা অভ্যাচার না হয়, এবং গ্রণ্মেন্ট ं নিজে অবিচাব না করেন।

इःदिश्टिन जारण्यत विस्तत मर्प प्रे, প্তিত ভূমির উপর কাহার বৃদ্ধ বাকিলে र्ज क्रमांव कारमकेरवद निकटि काना हेरवन । काट्सहेत्र मि विवरस्त मीख (अभाति) विहात ७ निक्ने कि कतिरंदन । चवी यपि छाइ:एड चनकुई इन, कार्न इ हिल केळ जामानरक जानीन कतिरक ना

ब्रिट्यम । जे विश्वाता का व्यक्ति कि तारे भागीताम हार्रक भूगित Pers minut gund unt TIET THE PARTY WITH त्यां य दावा व्यवस्थानिकारिकारी गानत्यम् यथः अध्यः व्यः जाग्र एकेटल यनि तकक् क्षेत्र क्षेत्र रहे करमन, काम के एस ज्यानिक निक् ७ कीशात किए के श्वासी एत. च्याचि विकि विक्शासम्बद्ध 'क्टेट्यस मा । शक्रिकक्कि । अविकास ভাহার দুলা একাব কা : পাইছে জান্

त्य त्य कांत्ररंथ नक् र्ह ফানিছের পতিত ভূমি বৈ ভার এ शतिवर्ष करवन, कदर्या विशिष्ट व्यान वक्री व्यथान । है ज मुख्य निहल्ल क्र चना चना मण्यक्ति नार्त्र मण्यस् चच्छ कामानि कार्राम अस्तिन्त क कर्खवा । शाहिश्हेम नाटर विषय क्रिटम है बाता भवर्गस्यकः बालकः हिन्दः विद्रवकः या के होना दिशा कृषि हैं। के कार्य शास्त्र मूल्यम विभिर्दशंत्र लक्ष्मास्त्रिक हत्र, ৰতী করিয়া জুলিলেন_ি বৃহ কেন্ ১ জুগ্ৰাৰ कोश स्टेटक मंदिन्छ स्म, क्ष्मालन्छक् स त्र अधिनंत करकेत्र क्रेंट्न संच हाई क्रूक- द गंरात्र त्यं जन्मक्ति स्वक्तिकिक यह जारह, त्र कोश रहा ने क করিলেও যদি ভাষাতে ভাষার অধি न्। क्ष्या एत स्की कि केश्व क्रि करकेंद्र स्ट्रेंटर मा? स्रोश कि बुखिर्ग काक्रव वावशंत्र मत्र ? नर्बरम्यन कि हा कई नियम हरेशा चानित्यहर, चार्कत वाष्ट्रात्र चन्नु क्षत्रांन स्टेटन, तम वस छै। क वानाई निष्ठ इहेर्द, उद्यानि किहू लख्या जात ना लख्य जाहात्रहेक कांन माला कान वावशाशकरे जहा অনাগদোপভোগের এমাণ্য বঞ্চাপর त्रन मारे। छात्रक्रवी व भवनी मने भन ব্যবস্থাপক সভা ইক্ষামত এতৎপ্রিবংশ

कंग्दत किन काः । क्रथा बूंदतः वाश्वकः कू तिविद्य स्थेत्य । है। इन्ह्रेक्स आवस् जानक गरीक बीमारका का बहेबा कुछिन कि नित[्]र चर्चरा असम् ल्याद्भा सम्बद्धाः हिर श्री^ए ग्रिट्स्स । कुलकुत् कुल्क **सूर** केल रकर जानकि कि बढ़ अक्रमदाक्रभक वि मानविकासक क्रिक्क कविनाः है व वैद्येयक महस्रोती सामीन करि _{श्र} है व्यक्ति भूनकतीन क्रिक्त स्थन _{কলাও} ক্ষেত্রল 'ভাঁক' মুন্সিং ভোলার ভা _{নিক} •বেন ৷ ^{*} ুট কিছ আমি ভোমা क्लाल्या के । चार्यात त्र कथा गरकुष 🔫 किमानी जागालक जा वर्षे व्यक्ति व्यक्ति विलया है। ही विभिन्नाति के स्वत्यांनी जाना 'র প্রতির্ভা 🗚 করিবেন ড ? তাহা त अवज्ञक वर्गरमके कि यूकिएक न पर्वतान देखा निविध

বোধ কর ক্ল- প্রয়ন্ত कत कतिरमध मांशावन स्मारकत করিয়া ভাষা ; প্রথমেটের প্রে ाराज्ञभन्न यनि । अष्ट्रम रेवा ७ तिरंबह णाश रहेटल खेरांर्य व्यक्तिकात्रिक अभा । সভ্য কথা; ক্রিভার অসম্ভোব ভারে त ित्रकाश्रमा महेशा चारीनका. .दग्ठे - ा महक, अवश विनि ध षाभरम भरतत स्मिन कात्र कहिन মূলধন বিনিযোগ ও পরিভাষ 🤪 জাঁহার সেই বিনিয়োজিভ ् १ नु शतिकारमत श्रृतकात लईश मिक्का**श महस्र २ व्यक्त** यणि व श्रमू मह कतिएक वो बारहन, छाहा इहेरल हि म्लक्किय कतिबाद शुर्ख विदन া ধনা কৰ্ম্বন্য এতাবিত ভুমির মণিরৌ আছেন কিনা? ভাঁছার ध्यक्त इर्हेटन कि वर्षार्थ अधिकाद्गी १ अरे कवि रह, देशदे आगत्

বর শুনিয়া স্বাংশিক্তি, কিন্তু বাহার অম, वर्णन्त क्रियन ग्रह्मकाका अक्षाक विश्व माज, जाताह क्रि अक्षा कामहा और पूर्वन स्विमान ।

> এই বিলের প্রতি আমাদিনের আর अक विरंपन काशिक जारह, कीकिंगवा के আবাদিনের বিচারালদের অবঁদা উত্তর एक्नेनाई । माजिएकुँ है कार्टमंक्रेन वार्क्डिक चरमक नगरत शक्तां थाई हैं व जा कि देवत व्यक्तिक इरेशा काँगा करते के जान लानिटमतं ७ क्वाई मारे । छाकी वात कति ल এक वाञ्जि अभोत्राटम अकर्जरेंमत्र नारम ভিক্ৰী লইভে পারেন, অৰচ প্রভারী ডি জীজারির পূর্বে ভাহার বিশ্ব বিসর্গও জা নিছে পারেন মা। একপ ছলে প্রোপনে লোকের সম্পত্তি বিক্রয় হওয়া অসম্ভাবিত नद्र। वित्नवणः पद्भितं, वित्नभवात्री, जी লোক ও অপ্ৰাপ্তৰয়ন্ধদিগকে নিঃসংশ্য সর্বধান্ত হইতে হইবে। অপর, বস্থাসত্ত্বের মোকদ্যার বিচার ভার কালেউরদির্গের হত্তে দেওয়া অভাত্ত অন্যায়। এভাদুশ মো क्षमा (मध्यंत्री भागानारञ्जू भिकात । मिखतानी भागामक 'वाजित्तरक स्रवाळ **अविष** भाकेकमात्र यथीर ७ क्ष्म विচात वरेवात्र निष्ठावना नाहे।

खांत्रजनेशी है नवर्गमणी अक्टरन क्षतिम य अन्तर्भन्न क.तरक इलिएलन । कन्देशके विल রহিত হইবার পার অবধি তাঁহারা নানা কৌশলে ইউরোপীয়দিগের সহায়ভা কায়্যে \ श्रद्वक रहेशारहम, क्रयर् काहाता जकरक শীঃদিপের প্রতি অবিচার করিতেও ভীত ও সন্ধুচিতনহেন ৷ তাহার এই পক্ষপাত এভাবে বোজিত হইরাই বারহার ইংল शीप्र भवर्गत्मद्रकेत न्मके चाका नजन করিতেছেন। ছাছা হউক ভাঁহারা কি रेराटण क्रक्नावा रहेटण शातिद्वत । हेर লগুীয় গবৰ্ণমেন্ট কি ভঁ:হাদিগের ক্লভ এই । দণ্ডভাগ করিবেন। খাহার অম । শক্ষপাত দুখিত বাৰস্থায় স্বৰুলোদন করি ः क्यू कि विरक्षत्र गान कि देशन हत

बचा स्कूटर ना ? रमधा याधिक, नहीं होतान बेड कि करतन ।

কৰিকাজা ওয়াৰ্ভ ়

সমাচার পত্রে মৃত মুইল কলিকাজ ওরাত সু অঞাঞ্চ বাংহার রাজকুলাইদিনে त्र जन्त्रवंशांस सन्। ६ सन् वर्देश्विक ज चारभावक निवृक्त वरेत्र. इस्त । कः दश त्रमानाथ ठे:कुत ७ स्टब्रसङ्ग साराह्य धरमनीत्र, चाइ ७ जन रेकेटब्रानीत्र । चा মরা অনেক দিন অব্ধি ওয়াডের ছুর্না म खंबन क्रिएडिए, जातक च ह थ जक कारमकेत्र अकृषि धरे शास स्थाक व प्रकृतिशटक ध्येत्रन कतिएक कानिक् इसे রাছেন ৷ তাঁহাদিপের অনিজ্য নিজারণ मटर । यात्रा रखेक शदर्वतमणे (य छखान धात्रक निरहाश कतिष्ठिक्त, हेहारक चा মরা অভিশয় আনন্দিত হইলাম। তত্ত্ব বধায়কেরা বালকদিগের চরিত্র শিক্ষার क्रिकि किक्षिय विराग मृष्टि त्राविरद्य । डाँशमिटशङ्क छत्रिदशक् छन स्मारमङ्ग के পর অনেক এ,দেশের শুভাগুড নির্ভর कतिरहर । अधन क अहे क्य अक्ति জনরব উ.ইয়াছে, জহাপ্ত বয়ক রাজকু মারের। ওরাডে কেবল আবকারির 🕞 ह षि निका कतिएक चारेटनन । स्नामः। श्रिद स्पर्भन्न क्रमीकात्र । द्वाककुमारहरः यणि जानार्थ ७ जाविष्याकान्नित माहि हेलि प्र तिबा ७ जालातात इत्य मध्य मध्य मा कतिया क्रफिनिया ७ तकतिया हरेड चत्रसम्बद्ध अक्षि चक्ष्या माधन क्रानः विद्वि कि कांचाकिक अस्तर्गक्रियांवरी मोधवाकित नाव कावकरार्वत अकि मृ হের হারশোভা সম্পাদন করিছে কি मीर्चकान छेनाजीय बाक्कि

ৰাশালিদিনের অধিকতর দৃত্যার হইবার উপায় কি ? **री**ी**रीनक। जानरमात्र अक क्ष**रांत्र का<u>त्र</u>नः नीरा बोट्ट मा प्रतिक मिल्ला कराव क्रेकावनाजी, कारीय कामानियां स्थान स्टेबार न्यादा मा । कि इकेरबार्यः हो आर्थिशः के आद्यदिया, श्राचित्र ह्यू कुर्दून व्यवस्थान काष्ट्रि अववदशा-त्व रह*्में* क्षाविष्टे त्योग्त स्थन -क्षाविष्ट सुर्वे হয়। যে ছাইন বিভিন্ন কাডির বাস, ভ-थात्र जानाम क्र विक्रमामञ्जूषित जारायका जनस्क मृष्टिनंत्व अधिक एटेश बारक । देश्या अ ७ वनक्षीनितिक्तित विकि इंडिटनन क तिरम लाक्ष्मिन जानाबिहम्म बाटकान छा २ वर्ग रवार्थ भवतें व्येटनव जडलेव मार्चे भ[्]षे श्रीक्रक्ति रमत त्योश् अमियाार्छ, अयर क्रीयामिरमत आवाञ्चाल^{म्} विश्वदाष्ट्र (५) ^५ वाल्गेलिविटगद बीर्ग्यक्षेत्रक्षं 🍑 असूनक ेषानमाणवरणह বহুকালাববি প্রসিদ্ধ আছে। আমালিদের এ নলভের কি দুরী হুত চইবার উপায় নাই > चाटकः। शूडिक्द्र जया ट्याबर्ग, सिवनिष्ठकरण ব্যারাম ক্রিয়ার অন্তর্চান কার্য্যে সভত অভি-निरंतम अवरे छेबछ विवहत्त नका कतिहा छ९ माधम कडी, धेइस्थितिई मिर उभाव । बीवावा शेख अधान खरहरन वान करतन, छोशांपिटगङ्ग গ্ৰায় বভাৰতঃ এই গুলি হইয়া বাকে, আ भाषिनास्य हाडी नाहेवा धाई खीन विविध्य द-हेदव ।

এতার্কনীয় এক ব্যক্তি বাশুনে গিয়াছি-লেন, তিনি বলেন, চ্চৰার অবস্থিতি কালে বে পরিবাণে পরিজন করিছে পারিতেন, ক-লিকাতার প্রত্যাগানন করিয়া তাহার অর্কেক পরিজম করিতে পারিতেহেন না। আর এক বাজি উদ্বয় পশ্চিম প্রকেশ হউতে লিখিয়া ছিলেন যে কলিকাতার অপেনা তথার উং রাজেরা বিশ্বণ, ও ব্রিগুণ আশ্বি পরিজম স

(১) এত রণরত্ব ছাই স্থাজিত ব্যক্তি ল-তনে উপনীত হার। ইংরাজনিগের অবাহ রাণ সর্পন করিয়া বিজ্ঞাগন হার্যাছিলেন। তাহার। বলেন ইংরাজেরা বাজালিদিগের ন্যারকা গুপাছিতে কাল হারণ করিতে নিভান্ত গরাহার। প্রতি নিয়ত ভাহারা কোন নাকোন কার্যো নিযুক্ত থাকে। অর্থোপাজান বিবরে ভাহারিগের মত অবগালী, বোধ হর, জার কোন জাজি পৃথিবীতে নাই।

যা-উজা শালিয় এলেনে অধ্যিকর অবশক্তি सक्तिरात्र साहगः हिन्। दृष्टिनहः ज्ञाना कासमा 😘 निवृतिक व्यापानाचित्र व्यक्तमानिवस्तरम् वर्ताः विकारे कारांत्र कावन । देश्वास, सकानी स्नि ष, गाठीन, निच, अवृष्टि काख्यित कि काम्रस्न এক্ডাইন বলিই ও ইচকার হয় ? ভাহাঁয়া নীজ क्षपान चारन गान करते, देशदे कि अक দাত্ৰ কাৰণ? উলিখিত পু**ত্তিকা এখ্য ভোজন ও** ব্যাদাবাদির কি কার্ণতা কাই ? দ্বীক্ত এগান व्यक्तमवानिक्षी विक्र वाक्रांकिकिरशह महाक्र व নার ও অপ শরিমিউ হব্য ভোক্তৰ ও বি क्रिय ७ नित्रीर रहेवां कान इत्रम करत. कांदा-त। कि जन्दम निक्तींश ७ पूर्वम बहेश्व नाम ना তাহাদিগের বংশে কি আর ভারাচিগের ন্যার नवन ও एक्कांब्र लांक जल्ब १ छ।शंपिरशब् বংশ্যনোক্ষিণকে কি ক্ৰছে আৰু ক্তৰাতীয় বলিয়া বোধ হইবে । শীক্ত আলেওশন্ধ লো ক্রো আ্বারাদির ব্যক্তিক্রম করিলে বলি ভা-शक्टिशंत नगरीना नांश्न ७ व्यवद्ववातित वा-তিক্ৰম ঘটেঃ ভবে বলংগণ বাসিয়া আহায় 'ও राज्ञांनामित्र छेरकर्र माध्य कविद्रक, के मध्य বিবয়ে উৎকর্ম সাধিত না হইবে কেন > আরম্বা বলকর উপার অবলম্বনেরই প্রাক্তার করিছেটি. খাদ্যদর উপারাংলগদের প্রদদ্ধ করিডেছি ন। গরিজৃত ছানে বাস করিলে **ও** নিয়নিত ৰূপে আহার, পান ও পরিবাদ করিলে শরীর लूफ रह रहे, किन्छ दलिई रह स्।। अर गास्क्रि কলিকাভায় সমিকৰ্বে দৌন উদ্যালে বাস ফ-রিরা নির্মিতন্তে আহার পান ও পরিক্ষম করিলে স্বাস্থ্য কাত করিছে পারেন, ক্ষিত্র ভিনি যদি পৃষ্টিকর ও অধিক পরিবিভ স্বৰ্য (खाक्य ७ वाधानानि मा करतम, जैनात मः রীর কথম বলিষ্ঠ হইবে মা। কিন্তু সেই ব্যক্তি वित्र अथन के जित्रहोत्र क्लान करमात्र काटन निया वात्र करतन, कैशिय महीत दा कावन प्रव हरेख अदान बरह, विनर्ष हरेवा **छेडिट** । এতদ্বোর বে সকল ব্যক্তি লওল বা উত্তর পশ্চিম প্রেলের কোন স্থানে কিছুকাল বাম করিয়া করিকাতার প্রত্যাগনন করেন, শৃষ্টরা চর তাহাদিবের শরীর ক্ষতা ও বলিউড়া এই क्रेक्ट्र सर्व सुविक वृक्षे रहा। अवश्रिष देशन-क्षा वात्रवाद अञ्चलकारम आहेव स्ट्रेस्स छिद्दिः

सरमब्द्धार स्थान के विकास प्रशास नवित्र के देखा हैं। पारित्र पारित्र के देखा पारित्र पारित्र की दिल्ल पारित्राच करिएक पारित्र में हत जीवीय गर्मा के विकास पान गर्मात पार्मा करिया पानित्र के प्रशास करिया पार्मा महाचार्या करिया वर्ण महाचार्या करिया हम करिया पान द्वारा प्रशास करिया हम करिया पान द्वारा हाल होता है के दिल्ल पर्मा करिया हाल होता है के दिल्ल पर्मा करिया हाल होता है के दिल्ल पर्मा करिया हाल है के दिल्ल पर्मा करिया हाल है के दिल्ल

मानता पान प्रश्न नृतिहाहन निवा भारित देश पानित नृत्रकारण मान सं सारम देश प्रश्न के व्यवस्था के व्

चेशात त क्य का मेंच क्षेत्रः व्यक्तित कार्यात वार्यात कार्यात कार्या

⁽২) এতকেশীয় মোট বাৰ্ক, আৰু বাছ-কাদির এত ভৃষ্টিপতি করিয়া বিষ্ফেল্য করি-কে আমাদিনের বাকা সঞ্চাপ বহুবে

5-24 PM 19-1 3-4-5

वि चतिष्ठारवं ' क्यांचाँबिटनंत्र भातीतिक

 र भीभणा ६ विश्वत स्टब्स, छविषदा ়া শারী ু বিধানবিংপশ্ভিভেরাও ্বিছাত ক্রিছেন। এডবিবরে সং ध्यम् म *एक* । सीच मारबन कोश करमन সার ভাষা নিছে সম্বলিত হইল। र्जन में बंझे है स्व स्व स्वरूप योग करत ই দেশের বঁ গ বারু মৃত্তিকালির ভার-ংডু বাহুল্য ^{দুঁ} রুষাদে ভাষার শারীরি-ানসিক শ^{িবি}র ইডর বিলেব হর। ও, নাপনা প্রভৃতি মেশে অভ্যৱ াডা ও প্রা সংসর হয় দাস প্রায় শির অভাষ বীবন্ধন জন্তদেশবাসিরা र ७ पूर्वन <u>'श्मदमानी</u> विभिन्ने **रह**। लांक जार में जाना मोखन दल्यनी-আবার বিলক্ষণ স্বলকার ও ঘাবসিক विभिन्ने इप्ना ११ ७ ७७ फिजने রেখার মধ্যে স্থাপিক ক্ষেত্রাসিরা ইংগ-াণ, তাহারাই পৃথিবীত সকল আডি का इक्ष्मात क क्ष्म मध्य अतिहास मध्य-व्यन्तरम् । प्रदेश नर्वण अपूर् भद्रिवर्डम তলৈশবাসিদিদেরও ভৌতিক ও স্বাস য**নের বিলক্ষণ প্রান্ত্**তীয় হয়। যথা- ডে-ামু**ইভেন, ই^{ন্}লেও ও** তৎস্ত্রিহিত দ্বী-म म क्लाननां को स्वयं चादता यहनम া চল ভূমি ব্যুদ্ধের অপেকা অধিক 🤄 ार्थ जोतिय निकडेच, भारे मकन चान ता'विमान मृक्षकाम सहैमा बादक । छा-राष्ट्राम'लि कल काढ्या विलक्षण ब्राफ्ट खेवर ও বিঃ ছবিছ হোটেন্য অংশকী

অধিকতম বীর্থনিক হয়। ভাহাদিকে। জীবলাকে: অধিকতম সভানতাম ও সর্ম অন্তর্মধা হট্যা-ভাকে। স

মূতন পুত্তক ও প,ত্রকা।

করেক সপ্তাহ হইল, করেক খানি ইন্ডেন পুত্তক ও পত্রিকা আনাদিগের হস্তপ্ত হই রাছে। অবকাশ বিরুচ্ছে অমরা কেবল বে প্রস্থার ও পত্রিকা প্রাপর্যকারি নিগতে প্র মধ্যেরখ করিছে অসমর্থ হইরাছি এরপান্ত হ, আপ্যারা ও ফর্ডর্ব্য সাধ্য করিরা তাঁহামিগের নিকটে ঋণ মৃত্যু হইডে পারি নাই। অস্য বিশ্বৎ পরিয়াণে ঋণ লোধে প্রস্তুত্ত হইনান।

১ নৌডার অবেবন । পদাধর এর । চাকা বাজার রাক্ষ কুলের পণ্ডিত জীনদন নোহন মিত্র প্রনিত । ইবা চাকা কুতন বত্রে সুরিত হইরা প্রচারিত হইরাছে । ইবাতে রাম্যর করেই প্রনিত করি হার করেই করিব আনক্ষ সহকারের পাঠ করি লাম । রচনা সম্পর্করেশে নির্দ্ধোন হর দাই ব টে, কিন্তু লালিত হইরাছে । গ্রন্থকারের কাব্য রচনা শক্তি আছে, ভাষা সম্পর্করে কাব্য রচনা শক্তি আছে, ভাষা সম্পর্কর কাব্য কর্যান করেই ক্ষিত্র সম্পন্ধরার পরীক্ষা করেন উন্ধৃত ক্ষিত্র ক্ষিত্র ক্ষিত্র সম্পন্ধরার পরীক্ষা করেন উন্ধৃত ক্ষিত্র ক্ষিত্র সম্পন্ধরার পরীক্ষা করেন উন্ধৃত ক্ষিত্র ক্ষিত্র সম্পন্ধরার পরীক্ষা করেন উন্ধৃত ক্ষিত্র ক্ষিত্র ক্ষিত্র স্থানীক্ষা করেন

कति त्राय छैएकं ईयरमाक्य. वरण पारठक्रम व्याप (छटर गटठक्म, कृषि रह कीवम शांका, क्षीटवत कीवम शांका, अहे यात्र योगांक कीवम।

(०) वात्रामाण वात्रा त्य वरमानावर्ष्य रत, जारारक केर्जानीक वस वर्ष्ट : व्यात मह महत्त्व स्विति ।

त्यात म्यादन नक श्रीति है है ।

त्या स्वाक स्वत्य नक श्रीति है ।

व्याद स्वाक स्वत्य स

২। পদা পাঠ প্রথমভাগ বিতীপুরার মুপ্রিত। প্রীপুল্ল বতু গোপাল চট্টোপাগার ইবার সকলন করিয়াছেন। ইহা নালক্ষিণের পাঠার্থ সংখ্রীত ঘইরাছে। বিদ্যালয়ে পদাপ্রছ বিরল প্রচার, বহু বারুর এই প্রস্ত অংশক অং শে সেই অভাব দুর করিতে সমর্থ হইরাছে। বছু বারু বে গুলি বরং র না করিয়াছেন, এবং বে গুলি সংগ্রহ করিয়াছেন, উত্তরেতেই ভারারসক্ষরতার পরিচর বইরাছে।

७। धर्षातका । हेराएक बाइनाएतत नाम प्राथम स्मान् पर्ध भूमिक स्हेग्राट्स, कार्य नि-थिव नाहे। स्थाप श्व. स्निमाका बाक नमाक स्हेंएक हेरात नूसन क बानातन क्रिया मन्नात स्-हेराएस। हेराएक बाक पंची प्रतिक करतका के नएसम ज्यारक। अन्ती केन्यासम अन्यत केन् क स्हेत।

প্ৰৱে প্ৰতি প্তার উপদেশ। (द शिक्षभूख! पुनि नेपन्तक मका कतिका मकत কাৰ্বা সম্পন্ন করু, জিনি জেনেবে পিতা, মাতা सूक्त , जनन प्राप्त मनन परवाटि फिनि ८५।-নার একথাত্র সভায় ও গতি, ভাঁচাকে স্বরণ कत्र, मञ्चान कीरन फेंग्स्ट्रांत कार्टी निरहांश কৰ**, এক সুত্র্যের কন্য ও**্রিংকে বিশান্ত হইছা षाक्षित्र मां छ। होत्र स्थाति प्रक्ति कहिन्ना आण-मारक प्रेंचल कर, मर्याप्ता अने सुप्रांतना छेन ভোগ কর, সংসারের কুটিলকা পরিতা:-প করিয়া দেই পবিত্র জ্বস্ত্রান্তপের সহিত্ত দিন দিন मुचिनिक हुन। चाचि यथेन उत्तामाध्य नामम পালদ ক্ষুদ্রাছিলাম, তখন স্বামার মনে এই ष्यानः द्वित्र, स्व शतस्यवेदत्रम् अखि ष्राष्ट्रत्य प्रदेश। जीन जायात शृष् के जान कविरवः जायात शिष्टे जाना भून कता विषय किया कारा গতি নাই, তিনিৰ তোষাৰ, একমাত্ৰ পর্ণ, ডাঁ-হাজে এতি স্থানে, অনুবাদের সহিত ভাঁহার **ब्रिप्त कारी भाषत्र कविरद, अवेकवा जूनि अवे** श्रीवरीत्व सम्र अद्देश कतिशहः व्यवका प्रक्रि

चादन दीर्गहर नेक भी कर अवस Library d the field (t-भा. कि निक्के cultura की इस. दमरे श-नव सन्तर्भे क्यों क्रिक वर्षेत्व चित्रत करिक मा १ १६ वर्षेत्रीयों ! कृति क्षेत्र चीत्राचे चामात वंत्रक्ष-मेमनिर्दे के क्रिशाय: देशक मकार्य प्रकटणह প্রতি বের নার্কুটি ভোষার বৃদ্ধি বাবে, ভূষি देशक दक्षानुमें जिल्हा विकास केंद्र ।

र जाबिद्धिकीमान नेर्न्ट्न गरकार वल विद्यालामुक् क्छीत नावध्यक्रिक शत्रीका विवस्त । अदे विकाशिक अन्देन काटन चानिक इत्र । हैरात क्षाना उत्रिक्त स्ट्रेटक्टर । शतीक-ক্পণ পদ্ধীকা ক্রিয়া সভোষ প্রেয়া ছেন। ইহা পান্ধ্যক ও শিক্ষকগণের প্রশংসার विवय मटकर महिं।

২৮এ বাদ লোমবার : **८ममा मजीवा।**

অন্য স্থাণাৰাট হইতে কুটিয়াতে আনি यात नवस ১ व्हार्श, २ क्रकशक, ७ द्रावनश्रत, ৪ চুয়াভালা, ৫ জালমভালা হইরা সুটিয়াভে আনির। উপস্থিত চইলাম। ইহার মধ্যেতের কএকসি পোল আছে, জন্মধ্যে একটা পোল **जित्रहर। इक्शेक शर्वास मध्या मध्या जात्म** ৰাহট পড়িত ভূমি আছে। শুনিলাম নীলকর নহাজালিকের দৌরাজাই ছুদ্রি পড়িত হইবার व्यथाम कांद्रव । इक्शक हरेट जानवछाना ^{प्रवा}ख (चे**ब्**व, चेब्व, वन, क्रमान क्षकांत्र क **डाहे मतिया शका क्षकुछि प्यत्मक सं**ग्रा अवर স্বানে স্থানে ইকুত উৎপন্ন হইয়া থাকে। हेशाव मध्या मध्या छुट अक्षेष्ठ मीनकृति । एन-খিতে পাওরা যার। কিন্তু প্রকারা নীল বুদন না করাতে উহার অনেক গুলি অসনি পতিত रिवाटकः ।

কুটিয়া।

এই ছুরিয়া নদীয়া জেলার মন্তর্গত কলিকাতা হইতে একান ৫৫ নোল। এই .नत्र छेखटतः शकृहे मही। अस्ति । आस ার বিলা হইডে নির্গত হইয়। উত্তরাভিমুখে গমন পূৰ্জক পদায় সাইত মিলিত হইগা অত্য ও প্রশস্ত ভাব, ধারণ করিয়া পূর্বাদিকে গনন क्तिरखंदम् । प्रकार हेराक क्ष्य क्ष्य श्वात

कारो महत्र गिराट किया बाटक। अमरण और नहीं नहीं की अविक अवस्थानम्बद्ध अक्रिक्टिक । अक्रिक नवा उँचत्र स्ट्रेटच समिन्यस्ति स्ट्रेसस्ट्र वंशार्थ घटडे, विश्व शादन च एक आकार वक ভাব ধারণ করিরাছে। উহরি উদ্ভৱে ফুরিপ্লা मानक अक्थानि सात फाइक । के बार्क अक्टि পাঁনা ছিল। থানা দক্ষিণ পালে কানাজে ক करन करें जानरकरें त्यात नकरन संहित्री केश নামান্ত লোকে ছোট কলিকাতা কলে। ইয়া एक दर्भ एक अहे प्रति नमने कारन दिस्कि कः লিকাতা নামে প্রাসম্ভ কইডে গারিবে। একা त्मन्न छेखन । ११ भिन्न भीना भक्षे मही (अहे नही এখানে অভি অঞ্চন্ত, ইবার পশ্চিমে কমলাপুর গ্রাম) স্বাক্তিব मरुव्यमभूतः ! भूटर्क वाराष्ट्रतथानि आव । देशक কিছু দিন পূৰ্বে এই স্থান পাৰনা জেলার অ-ভৰ্মত হিল। একণে ন্দীয়ার সামিল হইয়া-E। शक्ष जिंड क्यांनक नहीं। देशके शर्ड चानक चान श्रीवर्ड श्रेश चानरक्य चानक क्छि ब्हेंब्रा विद्यादह । अथन अहे महीर्ड ভানে স্থানে জন অভি অপ। ইঠেসন হইডে ঈশান কোণে দৃষ্টি নিচক্ৰণ করিলে বেৰ্থ বর व्यव बाक्काबत वक्रपृथि धूर् कतिएक्ट अवर **ঐুসকল চড়ার মধ্যে মধ্যে ক্লবকেরা: খাল্য** রোপণ করিতে আরম্ভ করিয়াছে, জৈয়ন্ত মালের প্রারতে কাটিভে উপক্রম করিবেক: উক্ত চড়া ব্যাকালে প্লাবিত হট্রা সাগরের न्त्रांत्र व्यक्तित्र श्रांत्र क्रिट्रिक । 134

क्रियात निक्षेत्रस्थि श्रामः ইঙেননের উত্তর পুরাতন কুঠিয়া, ত্ৰ দেৰপুর, গোপীনাথপুর ও শিরালদহ। এই সকল আৰে কাষার সুষার চাষাংখাপা শুঁড়ি रैकवर्ड श्रक्षां अधिकारम । देशक मर्था कू ষ্টিরাতে ৩।৪ খর রাজণ (আছে। পশ্চিমে नपुष्टे महीत उच्छ छोटत मक्तरपट्क स्टत्रकृतः পুत्र कड़ांत्रिनगत नांकटरं ও উत्तिवां डि । आहे সৰল আমে তান্ধণ ও কার্ম্ম ভেলি ও 😘 ডি প্রকৃতি অনেক প্রকার জাতি বাস করে। **जन्मत्या उतियादिएक आकरमह मश्या अविक**् দব্দিশে চোডাই।স ও অগভী। এই স্কুই আহি নামণ কারছ ও ডেনি প্রভৃতি সকলই কিছু किहू जाटह। छारात बरण कासरक्षेत्र काश कः । स्ट्रेसा, बाकिटहे के नारकार्य

THE POST WAR WE SE WIN THE **लाक्षणीय चर्नकृति** महना पर्देश पूर्णानीय वर्षमा प्रतिकाश्य पाणाह को कार्रिक क A. o. c. 一名 本語 、 石田子 र्जाकविद्याह कारणका इ बहार जार है। ধানকার লোকবিভগরা क्षि हो ७ प्रवस्था विवास करू बांग्र विद्याणिक स्विक्ष न eteri 2,769,

अश्रीमकात सुनि नीन, छिन्। भ्रद्या, অভূতি নাড়াবিধ খনু ब्रिट्नन 🛊 श्रेनांस 🖘 वन बादू विखाल, जार-বোগাৰ্থণ ক্ষত্তি জন ছইভে,পারে বা।পুরু क्या भीक्षा योड, वि शांद्रं मां, यमीव मर्था ञ्जार मन्द्रकृति नदी रता अहे जनम क्षा वीव क्रोमब्रम ब्राटस्स, १ नक्त्र (कनि महिस्टब्स् नीनकत्र किमि शास्त्र स्य मकत्य अकाशः ভাষা ধ্ৰম করা বাছক; नारवरवत्र जनस्त्रत<u>्र कृत</u>ि" **जरे बीन आप्टिक्ट स्ट्रि** च्यवदेशांक्य क्यित्व मा च वाकारन रकाक ८. ভাষার সন্দেহ লাই। गोट्स्य व्यक्तां निरंगत छैन क्रिक्रिएक अपूर्व कतिर होडे जांबांगरखन अक শীলকরদিগের প্রতি পু ছিলেৰ, থোধ করি 'উাছা_{লা}

file bifordram अभाग गरका, अनुस् 'शि सर्व। अस्तिकीव ।। क्रिनिश साइस्त् शास्त्रमः योकाः अ देख कामामिक्स में ा. थानिएक व्यक्ति न, जनम कि मुनिक **एक माध्यस्य पूर्व** याना 🗝 विशेशनव भारतकी क्षांक्रक य-দ্ৰেল বাসা করা ভাল। ा रूपवक्तः बार्यानिक ্ৰেজক সাহেৰ নীল कि क्रिकेट एन, परि हरू मध्यद महि। गठ बाबिएहें है द छ-রু এবং ধারা ভাকজ ाना विमानक जाटह। ই এখানকার লোচ্ছ इडि क्विकांका क्टर प्र काम मरह । सम्बोध আহে কিছ অৰ্থ স লাম ডিঃ মাজিটেটের ह। रेज्यून्यक्रियत अ-গ থাকা উচিত।

र्वाम।

বেশ্ববার।
, অবোধ্যার ভাত্তক্লা
কলন পত্র প্রকাশ করি
পুরে লাভ একসিনের
অবোধ্যার সভার কথা
জনরল সজোব প্রকাশ
করি বালনে আপনারা
কর্ম সাধন করিয়াহেন,
করন্যাকে বধ করিবার
বিলেধ সংকার্য করিপ্রক্রিন বারু ছবিশা
বিলেশ ভাত্তার চেতার
উৎকর্ম লাখিক হইডেক্টে

मध्ये व्यवस्थात्त्रम् । अवन्त्र (समग्रम् कृतिस्था-स् अभागान्त्रम् अविवातं नगरतं मध्ये वर्णन स्वितः आजित्यम् अवीवातं कतिसारकन्।

्षितीर सम्बद्धित वक्ष सन शत व्यापक द्रांक श्रूक्षात विकासितात कानक जाक कर्ति-शत क्षित्र काण्यित कर्तिताहरून । क्षित्रोका-म व्यापक स्था २०० हाकात शाक्षा वात का-हा स्थान २००० हाकात्र विक्रीक रहेता थाटन। क्ष्मक त्राकाता वह नकत गृक्षित्यत वाता श्राह्मक हन। क्षक्र क्ष्मित्यत वाता क्षात्र, केक्यूरमा ज्ञाता क्षत्र कर्ता वहरूकत कार्ता।

দিরীবেকেট বলেন, প্রধাবের রেইন ও-রেকর্মচারিরা অভিনর অভ্যাচার আরভ করিয়াছেন। ইহারা সকল খানেই সমান মুক্তি ধারণ করিয়া থাকেন।

ব্যবহাট্ট বেগার ধরিবার প্রতিবাদ করিরাহেন। উত্তরপশ্চিমাঞ্চলে সেনাগুণকৈ ছানা
ভরিত করিবার সমধ্যে মুটিরা ও গরুর গাভির
গাডোরানদিগকে অভিনর, ভর্ত সম্ম করিতে।
ভর, আবচ ভাহারা উচিত আড়া প'র না।
এই স্কান্য প্রবাচী ক্রম্নঃ অসম্ম হইতেছে।
বেগার নিবারশের আল্য বে বিরা অর্পণ করা
হর ভাহার কি হইন ?

পুনা অবজারবর বলেন বে স্ত্রাণরকে ছোট আলালভের জন্ম কানবা ক্রম করিরাছি-লেন লে আপীল করিয়া মুক্ত ম্ইরাছে। পুনা লু সেলিয়ন জন্ম বায়ণ নার্পেট ভানবার জ ড্যাচারের বিষয় প্রধানতন বিচারাল্যকে অ-বগত করিয়াছেন। ইনি না ঐ জ্ঞানের এক জন উপযুক্ত বিচারপতি ?

আলাহাবাদ গেরেকট বলেক টেম্পল সাহে-ব মধ্যভারভবর্ষের ভূমির বলোবস্ত শেষ করি-বাছেন। তিমি এক্ষণে সধ্য পুরে আছেন।

विनान, ज्याना, विनेतिन अनुवि शामन वृक्त कांक्रेकेटकरदात क्करी अख्तावती अविद्र-वि व्वेटकरव । विकेतिन केक बालनीकिटक-त चालनोर्व चालक अक्कि वांकी व्वेटकरह । चानती चालानिक व्यक्ति चाली अक्कि मा माना वांक्रे निर्चान करिएक मार्च ब्रह्माय मा । अस्मनीय माख्या मवादस्य वृज्ञपद्मय चाला-व व्यक्ताटक कांक्रा माध्यस्यक कर्म क्रिक्स आर्थना करियासका । अस्म माध्य द्वारम्य विक्र-

व डेगकाव कंत्रिदकरका अवस्थित के कार्यक्रिया बाधानार्थ सम्बद्धित किंद्र किंद्र के क्षेत्र के बेग

চাকাঞ্চাল বলেন বিজ্ঞাপুর নিবাসী সার্বভোষ উপাধিষারী এক পশ্চিত সীয় পুরের উষাই ক্রিরা নিক্সান্ধার্থ একটি রাজ্ঞ করাকে চুরিকরিরা জানাতে দারগার নিক্টে ভাহার জাজীয়েরা দানিস করেন। রাজ্ঞ ভারমির সেই কন্যাকে ভাহাদিগের হতে সমর্পণ করিতে বাধিত হন। চাকাঞাজাল ব-লেম বে কেবল খুনিত পণগ্রহণ প্রেণাই সাক্ষ-ভৌষ মহালয়ের ভাল্প জাসদাচরপের মূল কারণ। জামাদিগের মতে সমুদারের মূল কৌনীন্য।

আমরা শুনিরা অভিশর স্থেতি হই
লাম চইপ্রামের বিদ্যালয়ের অধিকাংশ
কর্ম হইরাছে। বিজয় বেশ কেলারা প্রভূত
নই হইরাছে। সৌভাগ্যবশতঃ পুত্তকাশ্যটি
রক্ষা পাইরাছে।

> ३ हे कास्त्र वशकावीतः ।

চাকা নিউস বংগন রোটাস স্থানের পাচ ক্রোল লক্ষিণে শোণ নামের এক ইউক্নর সেমু নির্মিত হইবে, ইবাতে সুটলক টাক। ব্যার কইবে অস্থান করা হইবাছে। ইতাব কার্য আয়ুক্ত হইবাছে।

লোগনদের নিকটে প্রান্তরময় পথ মা ঠ্যান পর্যন্ত সম্পূর্ণ ক্টবে।

विक्रीरशस्त्रके गरमान अकृषि ३० वर्गारदेव व्यक्तिमान काम अवक्षी नामरम्य महिए

উন্ত সম্পাদক আরও ধলের চাকার জ-াঃ হটি ঘইরা নিরাছে।

कितिक वरमन त्यांडे काकिरमत स्व क्षंत्रम वाम क्षेत्रात ककामा कारक, फावा अवश्मत कात्रक क्षेत्र मा। देशायक व्य का ३० मकामिक वाह्य क्षेत्र ।

ডিনি আরো খলেন, ১৭ ই কেজছারি গ বংর কেনেরল আগরার একটি ছরবার করি-রাছিলেন। তথার গোরালিররের মহারাজ প্রভৃতি ভানেকে উপস্থিত হিলেন।

ভিনি জারো বলেন, করুপুরের মহারাজ আপন মন্ত্রী ও অন্নচরগণের সহিত কলিকা ভার বাত্রা করিরাছেন। আদিবার সমর আ লাহাবার ও বেনারস দিয়া আদিবেন, এবং তথা হইতে বিনারে জগরাব পেথিতে বাই দেন।

আলাহাবাদ গেলেট বলেন তথার নীন বাক বুলিবে। ভবার একটি হহুব কুঠী নাছে, সেই ছানেই ইবার কাব্য হইবে।

र । ७ सम लाक चित्रियुत्र वहेट तो कात्रांवर वाधवासाद्वर घाट घाडे टल हिल, शिव मट्या त्राजि इक्षांट मास्तिता स्वकारत ५ ड ट्रिसिट में। शाक्तांट त्रीका वृश्यित स्थित वाहेट मात्रिम, फ्रांक स्वट्य क्ष्यम वक्षांट के त्रीका सन मध बहेल। गाटित का दखरनत यह स्वाद्यादिता सकानह तका शाहे-शाहन । स्वयम यक इस वास्त्र शा व्या 🕠 ः , ३४रे म्युक्त युधनाञ्च ।

কিনিক খলেন, নাংখলায়েরের ছুর্ভিক নিবারণার্থ কনিকাতা হইতে প্রার ৬৮০০০ চাক্তরিও ক্ষিত্র প্রেরিত হুইরুচ্ছে।

जैक श्रा जाएता वरतन गवर्गत स्वरम्बद्धनः । त मत्रवात विकीरण ना स्टेग्ना विवारत स्टेप्तः। केष्म विरयम्भा स्टेग्नाटक, जवात सत्रम्भ स्ति। भिक्तित जनमानना वता वर्षकः

ं केक शक्ष भरवाशाम विद्यान कार्या मरका इ व्यव्यक्तिक जिरशाव क्षित्रका विश्वित्रका १५५५। ७२ भरके छवाम श्रुकिम कार्य जिल्ला दार्य व्याप २१३२४०२ होका बाम बहेनारक ।

১২ই আহরার স্থাট বেগোলিয়ন একটা বংশ তা করিয়া ল্রান্সের ব্যবস্থাপক স্ভার কাব্য আরম্ভ করিরাটেন। তাহার বস্তৃতার লোকে সভোগ প্রকাশ করে নাই।

बादेशक दि थ. वरनन, ग्लादनक द्वारक भूताकन श्लाह काकिरनह निकंड श्रथानकन विश्वातानसम्ब वाज निक्यां नी व क्यांत्रक इट्ट्यं: क्लिकोंकोत उज्यूष्टी कारनहेत ज्यूष्ट् मिंक निवादकन य क्यांगांविष ३६ विराद मध्या कक्रका ज्यांकितिक विद्या वाकेरक क्ट्रेट्यः। भंगरियकी श्रथानकम विश्वातानरहत्त क्यां के कृषि क्रांक् क्रियंगाः।

উক্ত পত্র ইপ্রিয়ান ক্লিড দেখিরা নিথি রাছেন সর বার্নে পিকক সাহেব ভূতপূর্ক স কর আলালভের সিরিভালারের পঞ্চ উঠাইবার জন্য গ্রথবৈটে অপ্রয়োধ করিরাছেন।

স্থাচার হিন্তুখানী বলেন গবর্ণর জেনক্ল প্রভারের হইডেছেন। এক দিন রাব্রিছে
ভাজমনল আলোকপূর্ণ হইয়াছিল। লার্ড
এলগিন ও লেডি এলগিন ভন্ধনার্থ নিয়া
ছিলেন। তথার অধিক সংখ্য লোকের স্থা
গম হইরাছিল।

ভিনি আহে। বলেন করাদী গ্রবণ্নেই ভাষারদিগের ছঃখ ক,রণ আনিব'র নিবিভা মরিকে আদেশ করিরাছিলেন। ভিনি বলেন এক ভিপাটনেকে ভুলার অভাবে প্রায় ১৯০০০ লোক নিভার্মা বইরা রবিরাছে। পারিলে চাঁলার,৮০০০ টাকা নাজ উর্লি গ্রাছে।

্ধ ই শান্তন রহস্পতিবার। পঞ্চাবের চা-্করেরা চার বীঞ্চ ও চার। প্রতন ত্বক দিবকে বিনা মুলো প্রকান করিবান

ड मक्ल कारदग्रह्म, क्रीहर माञ्चादत जनाव जन्मदान त होका आखार्चन, केहिबाह ছেন। আৰু একট্ট আন্ত্ৰ তথার করেক জন এডেজেনীয় रहर । **क्टब्रक जान कीक्**लुने के रमा जायन क्रमनः यो विक प्रदेश विवय बणदम्हल सर्व ६ दव रक्रास्त्रा नीरमहास्था अस् अस দে বলিকাভার প্রকারক প্রাক্ত रन जर कर कर्यहारिक रवाहरी क्यांत जीन वर्ष्टक ने देव कि मा **जिल्लाम् अधिकार् । अस्तिम्** त रेक क्षारत विकास के मुख्य इनक्षिरभन्ने साथ विश्वविद्या भा ता मीलकरद्वता कावचारमहे पूर्व 210 भाविद्वम मा ।

व्यावेशां रंगणं वर्णक स्वावेश स्वावेश रंग विश्वेश स्वावेश स्व

केक गढ चांकक परनगः विवासका कांत्र गक्तगारनत केगबन देवेत्रस्य

भिन्न शिर्ण छुँ भाग नाम कर्या कर्या भाग छुन्न करो बोला नाम क्रिक्ट कर्य छिति बनावोन स्वकाय भागतात वाह प्र स्वेदक होको तो सहेत्रा जाशतात वाह प्र स्विता स्वकारको स्टाइट विस्तानि क्रिक्ट विस्तात क्रिक्ट विस्तान स्वादा करियक स्व विस्तात वाह विकास स्वादा करियक सक्त विस्तात वाह विकास स्वादा करियक स्वादित्त । शामा नम्पूर्यक स्वक्र बाहि क्रिक्ट स्विताहका। स्टाइटक्ट बारका विकास নিবার আলিগড় পর্যাক্ত গোইল কয়ে

वाष्ट्रेण कि श्रांत कामाणात क्षण्य वर्षात्र अक् क्ष्मीय गयन कृतिशास्त्र । जास क्षित्रों द्याचारे कर्नदेवत स्त्रू अस्ट व्हर्णका। त्याचे कर्ने के, सि, देवें वास महत्त्र वर्षेट्रियन।

जान अधिनिक्य बरनम, युवानहरू मा स्-रायनवानादन वाल म क, स्नाविद्यात उटल विनिष्ठ रहेगे जान्यमा जाटहा य हेश्नलीय गर्न स्वर्णेय विद्यमानु यहाँ बरेगादह। अधिक धन श्राम गर्न, राजदर्भ स्ट्यादह। विश्वाकादन भूटर्स प्रमादक स्ट्यादह। विश्वाकादन भूटर्स प्रमादक गाइक किम स्थ्यदात महण म के जायक्षमीय स्मूलेन क्रमदात महण म के जायक्षमीय स्मूलेन दहेन व्यव स्ट्रिस म्हानिक क्रम्याय के स्नून। स्नूल

वा बहेरक्रद्र शकारवत निविधारनता व व व व विद्यालय किया कितवात क वश्त्रत कर्ष कित्रता किन वश्त्रदत्त गहेरवन। धीर्वस्य स्वात करण वा बहेना निष्ठक स्ट्रेश कि वारवत नाव क्य विवास किया निष्ठा कर ना ? ।त विश्रो क्रिंगा पनी विश्र हेश्नरक्ष कारहन।

পানের খনী খা দ্রা করেক খানি বামাহাল জর ক রা মানিলা আরম্ভ ক
হন। তথা হইতে একণে বিস্তর নীল
উল প্রভৃতি রও নী দইতেছে। বিদেশে
নাপার আমশ্যক । সকলেই বুরিতেছেন
ও অস্থারে কার্য করিতেছেন। কিন্ত এবি
বরে বিমান মূর্য কেবল বলদেশেই পাওরা
বার্য

ইন্দিগদান বংগন, পাৰণ্ডেন্ট বাৰভীয় নানিড়েশির নিলেটারি অকিন্দণ্ড স্বহণ্ডে গ্রহণ শুরিভেছেন।

देखे कर देखिया यहान आहाकांग, द्रा-[ग, के सोमिदिन जिल्हा विडेनिनिनान मार्ट्स कम्पार्क देशाहिन। छवात किन्सा ांद्र छुना वाडीं के कर कर्या भछ कहा गा कि संक्षा बहुटिउट्ड। द्राकूण्य बाढीत होका निकाछ हा सिक्य मित्रम कहात क्रायितहर्ना-प्राप्त कांक्ष दिक्यत विवस्थ लाइकत महस्य द्राय हरेशा केंद्रके।

কমনি গ্রাহ্ম বীক জন ইউরে।পীর আপনা মংনীর আভার জাল খরচ লিখিরা পলারন ফিড ড, হাকে খড় করিবার জন্য পুলিব ভি শব্য শনা বাহির হইরাছে। শংশাছ আনিরাছে আনানে বিরোধ উপ-খিত হটুছাছে। তরালীবিংগর থকে কেবল লেলন বগর লাজ আছে, বিরোধীরা ভাষাত আক্রমণ করিবার উদ্যোগ করিভেছে। ভরা শীরা ১৮৫৭ অকের পূর্বে ভার্ডবর্ষীর গ্রন-গ্রেটের নাায় অভি লোভপ্রযুক্ত এই নক্ষা টে পড়িয়াডেন।

१७ई गांजून **शक्तवात** । '

ফিনিক বলেন গ্ৰণ্টৰক ভাইভবাৰ্টর ব উন্নান বল্লিয়ের সৈন্য জগতে ১৮২৭ **অভের** ২৩ আইনের অধীন চইবার আজেন করিয়া ছেন :

তিনি লাঙ্গে বংলন উত্তর পশ্চিমাঞ্চলের কারাগৃহের ব্যর নির্বাহার্য ৪১০০০ টাকা কর্জ হইয়াছে। তথার গ্রায় ১৩টা জেল আছে।

টাইম্স অব টাঙিয়া বলেন, বয়োগা নে-সপ্তরে কোন্দানির কলনটিও ইঞিনিয়র ক-পেল কেনেডি আগানি মেলে ইংল্ড মইডে আনিবেন।

সিলিনেটি ইনলোয়ারর বলেন, ৬৯ বংসর বর্ষ এক রক্ম জীর গর্ভে একট সন্ত ন
জনিরাছে। উহার খানির বর্ষ ৭৪ বংসর।
সিলিনেটি ইনকোরাররের বাক্যে সন্তেহ করা
আমাদিগের উচিত ব্য না, কিন্তু বোধ হয়,
জনেকে ঐ কাশ্বকে জনৈস্থিকি বোধ করিয়া
ভাষার বাক্যে জনাদ্র করিবেন।

রাকাবার্ত্তাপ্রকাশিক। বলেন, মাণিকগঞ্জের ডেপুরী রাজিরেই ট চাকাপ্রকাশ সম্পাদকের নামে আইন্ট মাজিরেই টের নিকটে বে বাই-বেল নামিশ করেন, আইন্ট মাজিরেই ট তাহা-তে সম্পাদকের ১০০ টাকা মণ্ড করিরাছেন। যার্ত্তাপ্রকাশিকা বলেন, মাজিরেই ট পঞ্চপাত করিরাছেন। আমরা দুরে আছি, পঞ্চপাতের কথার অন্থনোমন করিতে পারি মা, কিন্তু আমরা এমণ। বলিতে পারি, চংকাপ্রকাশ ডেপুরী মাজিরেইটের যে নিলা করিরাছেন, তাহা কেবল বেন্দুলক নতে।

३१ हे काइन भनिवात ।

নিগ দেশ হইতে স্থাল আনিরাছে, নিকিরাত্ত প্রচেশে বিলোহিনিগের সহিত রাজ
সেনার্গনৈর এক বৃদ্ধ হর। তাহাতে রাজ সেনাগণ সম্পূর্ণকপে পরাক্ত হইরাছে। করাসী
আকিসংবরা রণ স্থলে রাজ সেনাগণকে কইরা থাম। একটী কাষান কাটিয়া তিন জন আফিনরের প্রাণ বিরোগ হর।

গমনর জেনরল ছাবে তানে সরবার ও তানে তানে বক্তা করিতেছেন। কিছু তাঁ হার আগরার বক্তাটা আমানিধ্যক নি্ডা-ত অপ্রীতিবিধারনী হইয়াছে। জেশবিহার

मन्यां क्रमां कर्षा स्टब्स स्

কিনিকা বলেন বোখাইয়ের এখানতম বি
চারালরের কর্মচারিরা পূর্ক্ষণত তী না পাইছ
নির্দারিত বেতন পাইবেন কেনর সাথেখ বা
পে ২৭০০ এখান রেজিরির নাল্টেন পাহে
২০০০ এবং আপিলিএট কোটের রেজির
শিন্ধি২০০০ সহকারী মেজির বারিরাট ১০০
টাকা পাইবেন। ইন্টরশিটরনিপের ও বেতন
রক্ষি বইবে।

তিনি ভারে। বলেন জরপুরের মধারাজ জাপনার প্রধান মন্ত্রী পণ্ডিত নিষলীন এবং এজেন কর্নের ভুক সাহেবের সহিত দনিবার ভূত্রতা গ্রথমেন কালেজ দর্শন করিয়া লি ভার উন্নতির নিষিৱ : ••• প্রদান করিয়া-ভেন।

তিনি আরো বলেন ত্রহণাভিবার গ্রন্থ লেনরল ও লেণ্টন্ট গ্রন্থ ভাজমহলের উ-দ্যান দেখিতে গিরাছিলেন, সেখানে প্রায় ৭০০ ৮০০ ছাত্র উপস্থিত হটরাছিল।

त्वाचाइरहत्र मण्डाक्ष स्ट्राटक्के दि स्ववत्व श्री मण्डा भारत्व मण्डा स्वत्व मण्डा स्वत्व मण्डा स्वत्व मण्डा स्वत्व स्व स्वत्व स्वत्य स्वत्व स्वत्य स्वत्व स

वणरमभीस वावञ्चः शक गणा। >• हे कालन मनिवास।

আসাম, কাছাড় ও এইটে মজুব প্রেবণের বিলে নিজেটকনিট বে বিপোর্ট করিয়াছেল। ইজেন নাজের ভাষা সভায় ভার্ণন কবিলেন।

व्यानक कर्क विकार्यत गत्र अहे दिन गाधावान प्राथानवार्ष व्यक्तिक दहेगा। प्रहे मक्षाद शाद देशा गूलकांत्र विदयिक दहेदगा क्रम्परीत राज्यानक मणा। अपे कार्क क्षराव

73

र के क्षेत्रकेंद्र में क्षारिक किया क्षेत्र के विश्व मेर -खन शति प्रमुद्ध विषयम् विदेश मिटलके क्याँचे दे बिट्याई कविष्ठारक्षत्र , क्षारक्षीक समय है बन्धे अब नंद छात्रा मध्यक वार्णन कहिरकाम । छेदा, विधि-28 6 6 円 1 1 1 1 1 1 1

रा कि अवंदा मध्यक्षांत्र विद्यारक्ष मांभागत्वत्र विकत्त कारकार कामा कृषि केहिनात विकासिक के विषि है वि जिल्लाई किविद्यारक्त, व्यक्तिक সাহের ভাষা কথার আগন করিলের। উলা বিবি-

त्य नवस्य कुनन्त्रशिक्ष वर्षे एक नवस्य बालक्ष्यक्रि कर। क्य छिष्णिम विश्वत व निम स्टेब्राह strat हैम नाटक्य क्या अध्यादकारक निरम्क क निर्मा विल्लार्ड वर्णन कवित्रांत वास्त्रांत कवित्राम । बहे हिर्लाई कार्शिक प्रवेश विम विधियक वर्षेत्र। ১৮१२ कारणत ३० चाहिन अश्लाधन विवयक বিল (বাজা উন্তর পালিচনাঞ্চল চলিবে) বিধি-वक्ष ६ हेल । व्यक्तियान, द्वास्त्र १, द्वीलमिन शक्रीक ত নে দেওয়ামী আদালত মালিত কবিবার বি लक्षिपद एवेगा

ध इहित यावकाती विक ७ मधनांगती सार्था-. ७३ मः विकासिकाय विद्या विधि रख्न प्रदेश ।

্ষ্ট্র পার্টেবের প্রস্তাবারুসাত্তে সিঞ্চাপুর श्वकृति विविधितिमाल विम विविधक स्टेम।

ইলিন সাংহৰ ছেজিইনি করিবার বিচা অর্পন করিয়, সিলেক্ট কমিটির হয়ে অর্পণ করিলেন। वा ति विव मार्थित मिलिक खिनित खेल्य सञ् বিশ্বভূমার বিল অপুপি করিলেন। ইয়া বিধিচয় इडेल (

अथानउम विहासामा भूत म.कीट्सन एटड (र नक्न कोर्र) चारह, ट्याड्रेन मारबर्द्य शासावा-प्रमादत छोडा भी प्र मिष्णिक क्षित्रशत विश्व अक कारम रिधिश्य शहेम।

ইউরোপীর সমাচার।

मध्य राजे आध्यानिक आधिविकार ऐस-दो ्रमव टेमरमादा विक् मैंबर्स श्रद्धां छहेगारछ।

শক্ষণাখনের সেনারা প্রাক্তিত ব্রয়াও গাল ভেণ্টৰ ও টেকসাস পুনৰ্ব্যাৰ অধিকার করিয়া-(६ ' क्लिक्स भवर्गत भाग विश्व प्रशिक्त क्रीत-नात व्यापना कतिका विद्यारहरू। कराजी जन्नाहे षार्यातकाव कर्र श्रेम मधात्र मिलात अखाब कति-गार्व क्रियाधिकक लानात्व विद्याप वर्ष ^{िर्}वल ७ विरमप्रे।शिक्षित्वर शत्रुष्टात स्वात्र्जत विव म जेशिष्ट व हेवाटहा दनशन् रण दक वक् ^{শসু স}ইশা**ছিল, ভাষা এফাল হ**ইয়াছে।

न उन २ हा क्लाबार्डाड--म् । या प्रशास वहेत्र विराद्यक विष्णितिय छिष्टी कविदयन, अप्राणि अप्रेम প্রিভগের লিকটে স্থীকার করিরাছেন।

ि उदेशक अभिकाशका जिल्ला निर्माणिक संवर्धिः ট গণ্ডাত ব্রীয়াছেন। সেবাপতি ত্রাপ দেবাপ-ि व्यक्तिम सुरुष्त्रमण्ड च्याक्रमण कदिशांत कता रेनना नमक्ति।कार्य छिटमीन ब्यायम क्रियाएक-म। উত্তবাংশের জেনাবা আর্ডেম্পন পোউ मि क्वित क्वितारक। श्रीक्वारक्त माउ हा-

काष्ट्र देवेवह केंद्रांत क विजिट्य द्वविद्यादम् । दलकत क्षाबदर्शन क्रिके कार कि जीएमन मिर्मामन अ इन कविष्ठाह्य । भववता र हे का विश्वविके RESILE I

शीबाद शब आमारमन त्य कमत्रव प्रमा, कार्या শ্বলীক বলিয়া এতিগন্ন কর: বইরাছে।

विभागत जिन्तन दे भारतत मधायका आसार षाष्ट्रमायम करत्रम माहै। जिमि ब्राह्मम, साम बाबभावरे विकिशार्यम् विद्यारिक संवित्।

वेक्किनारामन जिलानः व्यक्तिननम् इदेव्य क्रिमाह्मात मीछ बहेग्राह्म ।

রিচন্ত চইডে সহাস আসিয়াছে যে ইহা-দিসের আগমনে দেনাপতি ব্রাপ প্রুটেনিসি श्रीकानि कतिशास्त्। देवाना कल ७ पूर्ण था-मध्यम् ७ हे क्रिया चाक्यम् चतिश्वरिष्ट् । प्र-व्यिमांश्टलंब स्मादां ६ बान कीयात कादा केल-द्रोश्रामंत्र यह कांद्रांक अकल कांक्रयन स्टड । कां-ক্রীর ভাগালের এক থানি গুলীত হইরাতে। व्यवस्थि नद्भव मिडे क्रिक्टिक श्रेताप्तन क्रिन

দক্ষিণাংশের সেনার: শিশুও ফল্ড অনিকার করিছাছে। তথার অনেক অন্ত ও অবাস:দগ্রী चाळमनकाहि सरभव चल्रभक व्हेब्रह्म ।

উভরাংশের সরকারি 'চটি ছারা প্রকাশ इंदेश्वारकः मुक्तिनाःद्यय किनामन श्राप्त हरे-श्रीदक्ष ।

यवनमर्विष्ठ दमनोनिरशंद भिक्ट विष्कृतः कः ब्रियोत नगरम यानमारहम कारतानिया, आहरू।-মসাস ও ভেনিসিতে বে সবল যুদ্ধ হইয়াছে खाणाटक विकाशीकित्यर बनायत स्रेतांत्व । **छ ছोत्र। अक्टर्न ही नरहा हिंद्रा तांगान स्क्र** निकटि चाट्य कडबर डाइ:क्रिंगरक नके कनियांत्र এই প্রধান স্কুগোগ। বিজেছিয়া ক্রেভারিস-वर्भ योत्रीवावस क्रिएडएड्। रिएडां नैता अवा-निर्हेदबर गर दकार्य कराम पूर्व काजमन कविश्वा शद्रांकिक इंदेत्राट्ट । ७०००० शर्वट्य-छ লেলা কিন্তটনের দিকে গমন কবিয়া বিজে। চিমি-গের অপ্রস্থিত দেনা ধগকে প্রত্তীক্তর করিয়াছে। अखनन चुरर्भन्न निकारी चुन्न चुन्न युक्त रहेगा है। शर्बर्यक्रिय अधारित्य (वोकः श्रीत व्यवस्था করিয়াছে। বিজেভিব। জ্ঞিভিবিলভ ছইতে ছুৱীজুল হইয়া আর্ডান্সান্সের দিকে আর্থান इक्टेट्टइ, जिएलदक व्याक्तमन करा छ श्रांतिरभन्न অভিপ্রেছ। এটে গে খাদ ইইতে পুনর্বার বিশ ৰপ্ৰাক্তমণ ক্রিডে গম্ম ক্রিছাছেন। তেজ जारकृष बारश्चन रव क्षकांत्र कार्या व्यापनी कतियांत्र এপ্ৰাৰ কৰেন মহ'সভা তাহা কথালা কৰিয়া ছেন। সভাপতি লিছলন দশ কোট ভলারের बाहे शहनित कतिहा छाइ। किना किना छेन्दर जमाम ऋष्ण आह्न कतिनाह स्य आखान कारम মুলাসভা ভাতাতে সম্মত চইয়াছেল। সাধাৰণ खन शिव २७ वन महीमजीत मछ। मछ।गी । लि-क्रमन्द्रक अब श्रव अमान क्रिया वित्रप्राद्यन छ। हात मात्रम अशामीय उना कार्यामान कार्य विश्वाम नाहै। बन्धिख्याम धक फेसम बक्क जो क ब्रिया अक्षांव कवित्राहरून मुद्द्य गथान करो के ईवा चालद्वित ब्रद्धांशक गठा अक क्रेन ५३५ गरना

नी उपनिष्ठ जनवर्त व्हेबारस्य श्वासामान ভেবিষ বিভোগী সভাষতাকে মতিছাবিচনা ব বিভাগের আনীলক্তা স্বীকায় বুর স্বান্ধী रदेएक भारत मा। अनिवृत्त महिला महिला यदामठाप्र विद्याल आह्न्यालये विद्यालया रक्षम देवेटब्राइलाइ अवर्डद्रमुख्यम् सिक्ट रहेग प्रशिक्ष एकाता यानीसमान हैं বে ভাগারা উভর বিভাবের কার্যের সংগ্র कांक्री नरवन । ए किन विकादमञ्ज स्थादमञ्जू सुन् क्षित्र विमापित्रत एकविक्रकान आँक्रिकालेक् प्रदेश । काक्ष्य अरल सामाधिकरण क्रम कर्म देश मान बांदा अकृषिकाक वका। कहा मान्य आहे कारता उपरास निकासन निर्देश के साम कार्य मध्या वटवां अ प्राक्राविक कारमञ्जू हेर्डि করিলে ভাল কাঞ্চ করিছেন।

मधन ज्या त्यामाति।

विक्रांकिका श्रेताकिक बहेशार्क : क्रि गारमात रमनाता निमुद्धनिक्ष प्रदेशक स्था हर प्रदेशाय । गर्जानीय विकास 🕸 📲 कतिया विस्तान कार्याटक कार्कितीयात कांक्रा हा विद्रक्षांकी करेबाटक है ३००००० मानहक देखाँ (व्यवी कुक रहिराज करा क्रिकाशस्त्र कक्र<u>क्ष</u>क সভায় একটি বিল ঘটনাছে। কংগ্রেম সভার a.oooooo शिका जुलिशह समा दिल में के वहेबारका स्वामी स्मामी स्मामितका वहेरू य दिएव शास्त्र वृद्ध (स्)

কংগ্রেস সভার সাহিত্য কা**ন্তার ভারতিত**ে। निवे देशक हिर्देशक ४० वृद्धि शिक्षित वर्षे ছে। সৈনাপত্তি থিকা পদ পরিভাগির ক্রতিভারেন

দীপাত্তিত আঁতবি নের শক্তিবীদমেরিকার भवन क्षता ज्ञात्व बन्धि तका वहेंबुर्विक । क्षेत्र का व नवारे केवाबाध्यनक देवनातिकात स्थाप्ता wigeig wwie wigelinge, mies uitum निव्यक्त वर्षेत्रा विद्यापिशनदंके लाह्य कंडिएक वन লিয়াছেন। লগুন ব্ৰাভকোঠ ওকু ছিডিছ কৰিছিলং प्रक्रिक कतियात मधीन विविध्यान स्थापिक উত্তরাংশের লোকের। মালক ক্রিট্রার লে⇒ क्याना कतिकारकन कामोरा अवस्तिकोर्ग, अवि-तात्र क्षता अकाव क्या वहेंग्राह्य । अभिकार क्षता-अला कर दिन कित विकास अप अस्तिन विश्वतिक्रम देशात मध्या २६६ सन ' व " " म १६ सम् सम् । वा 733 विषय एवं।

मध्य ३०६ (परम्याहि ।

८ हे क्लिकाति में बागणांत अधिकामम आवश्च क्रेड ह्या जानीय मञ्जूष्टी चात्रा चंद्रा क्रेडाहरू विवरिष्य समा अक कमिमम विगरिष् । पूर्वतरिकार अतुन (भाषम स्था मात्र महिल्ला सन्ता हरेनाएक। **्रिक चर फरड़मून को छैन चार मार्थ अक** क्षत्र मजा चक्कम धार्यम कतिरत्राह्मा। चक्कि नमान गाम मकल ८५७३। ६ हेव' ह। वस्त्री-देख भड़ेभाक नथी छिन्दिङ त्य शामरमञ्जू चापा-ক্ষতা ভাগে করিয়াছেন। ছকার ভৎপরে নিযুক্ত इद्देशरहम । श्रमाशिक मुक्तिय । समय गेल-काक क्षेत्राध्यम । निर्द्धा भेदा शक्तम दिएस ছুরীক্তত হইয়াছে। দরাদীরা মাকাপুলকো নগ ca ce (ना निरम्भ) कतिया के क्र प्रम अधिकांक कतिश एकः जिप्ति के छित्र। द्वभाननानित स्वताक्ष्य

াৰে ৰাজ্যীয় জাহাজ ফ্লাইড হইণ্ড বো 5 जानिएकहिन छोडा जनवर्त स्टेशास्त्र । : दर्ज[ि] मानिटकता त्कहरे तका शांत माहि। हिताना मायक कार्याक चारमहिका वहे-निरत्रश्रम नारकमात्राहात मनुत्रविश्वत पीजा अना जानवम कविवादम केरे काल-: कतानी भवन्द्रमञ्ज खन्नाजिरहेदमञ्ज कर्जन क वर विकाश गांव निर्मिश्वारक्षम के काला केन .হু মানিছা সজি ক্ষুদ, সচেৎ সাক্ষাৎ সহ হত্তদেপণ থার্থনা করিয়া সৃদ্ধ শেব কল্পন। ালাতের বিজেটছয় সক্ৰ বিবয়ৰ জানা र नारे।

অসিয়ার সহাসভার অধিকাংশ রাজায় 'ऋरक बर्जन विरक्षक्षन । वाका के बर्ज्यन ।বিত ভাষাদিশের অভিনিধিপণকে এবণ করি ় অস্বীকৃত ছইছাছেন। উহা একটি সামান্য ।তের নামি প্রেরিড হইরাছে। করাণী সমাসভা সমুটিকে অভিনশ্ন পত্র স্লিভেছেন, প্রিল নে শোলিয়ন কেবল ভাষাতে অসমভা। স'সম্ব উঠা ইবার অভুযোদ্ধনার্থ লাওঁনের লোকেবা বিশেষ মাগ্রহ অকাশ করিয়াছেন। পিউবেলার সমূবত্ क्रमणी त्रमात्रा व्यक्तिकीश्राष्ट्रवाटक आक्रमण कवि एक अध्यक्त स्ट्रेरका**स्। ित**त्र मन्या कर्ना स्टेन्ना

কতকণ্ডলি ধন পরিপূর্ণ লাহাল ব্রেজিলের টে ক্ষমণ হওয়তে ভত্তা লোকেয়া ভাষ্ d बहुत, छत्रिमिख खब्दछा भवर्गध्यके @ वेश्वांक তের সম্ভিত্ত বিভাগে মইয়াছে ; ইংবাজ রণতবিষ অধাক পাচ থানি জাছাল গৃত করাতে <u>रब्रिक शर्मरमधे १०७ श्रुवर मेत्रिक भी</u> कुछ प्रदेशांखन। सर्क मंगदिन केनिकांखोद क्षयान । इस ग्रेंद्रद्र अिंतिथि निवित्त छ रागम सन्न एरे-' **छम विहारामास्त्र विहासम्बद्ध स्वेशास्त्र। छात्र । दर्म । ७२८र्वन जुला उल्लाह्यः यादककेदब्र वनिक मन्त्रा**ः माप्न क्षेत्र में वा करत्म । जो मका किनका बांद्र नवर्ग " शांख क्षेत्रम क्षर बांक्क । अ व्यक्तिमीश्रायत मा মেন্টের বিভ্রম অভিঞার একাশ করিয়াছেন।

গুরুটির লু (১) লাওবরণের আলভারদান হ हेश्राह्म । अप्राक्ष कि एउन श्रीवर्श्य जनणात्रना न इहेब्राट्यन । क्विष्टे निक्षणान क्वित्राट्यन । अत्रा मार्ड गाडि चाणिक बहेबारक। अध्यक्ष শিল্প প্রদর্শনী সভাব সন্মানার্থ চিত্র ৫ই জুন প্রিক चार श्राप्तानरमत्र स्वातः। स्वालिक स्टेटरः। जीव मारह व भाग खीरश्रद रमश्राप्टेनले शर्भत स्टेशांस्न खब्रांक्रेन मा एटदब शरिवटर्ड बिक मारहर ब्रवड ব্রির প্রধান ফার্নাছার হ ভর্ত্তর ছেন।

ति छेडेगर्क २१० व छ्यादि । অভিশার রুখ্যি ছ ওয়াতে ধরণনাইত রাপান क म्ली श्राप्त हरिंद इ शादनम नाहि।

गदन :गन्डे विष्यालन।

वाकताराजनीय ब्लब्डेमकेशवर्यब्र प्पार प्रमाद्यमाती निद्यांश।

मा दे, त्या. महेम अप्तार्थ मार्थ्य खाणांच मणांच

১७ हे क्यांगाति-वानू मनवण महिक क वानू वस्तीत्माध्य क्षीधुती स्वयुद्धक विका मरक'व रमाकाम कामग्रीत रमक्त **रहेरवेग**।

১৭ रताक्रमावि--- हि, अवेड अवेड मर्डे मार्टब वारमधात्रव शक्तिविध मालिएके केल कारमकेत क्टेटर्न करर 55-65 व्यक्ति रहे व्यक्तिम ११ धादा अञ्चनाद्य कथाकात रहा ध्यकीत अधीन मान কিন্তে টের ক্ষমতা পাইবেম।

एक एश्रोत मार्टस्य ब्रह्मश्रेरवत अञ्चिमिधि गा किट्छे है आलाहेत इहेरबन अवर है के आहि न राग्नादा खबाकात रह त्यानीह खबीन गानि ्ये हित सम्बद्धा श्रीकेश्वतः।

আর এ বার্কর সাংহ্র কাছাজের বেভিকেল कर्मान्त्री इदेश्यन ।

व्यक्तियुद्दह द्वां अभागमण्डह अस वीत् दिनीभाभव त्यांस ১ bb । कात्मव २० काहित्यव २> धाराष्ट्रभारत श्रथमस्त्रवीत अधीन माजि-(केटिश क्ष्यकः शहिशास्त्रः ।

उक्त विकारभव द्वारविके महारक्ष व्यक्ति বি, স্বার্ট সাহের ১৮৬৩ অন্দেব ৯ নিরম অছ-লাক ভথানার ভেপটা কলেটবের কন চা পাই-

अक् । स च्यारमक्त श्व नार्ट्य कि के प्रित्न सना स्थलपूर्वय अस्तिषि मासिक्ति । करम क्रेब करेंग्वस ।

১৮ हे क्लाग्नानि—अक, निकाउन गारहर

টা জে, সি প্রান্ট সংছেৰ গড়বেডাৰ ভার ভিত্তে ওভেপুটা কলে**ন্ত**রের ক্ষমতা পাইবেন।

लाग्डेमांकी, अक कवि मारवव जाजाति-शास्त्रक क क जिल्ह महकाबी क्रिममदाय शास्त्र निधि एके दिन ।

১৯এ কেফ্রারি— এইচ, জার মেডক্স সাহের छनलपूरवर ५ म ध्यानीत मालिएकुष्टे छ करलकुर **इटे**र्यम ।

 क. कांत्र ककत्वल भारवर्ष दमस्मिनेश्वरवद्य खांना नरव । माजिएके हैं अक्लक्षेत्र वहेर्दम ।

मि, त्य मोटकक्षि मार्ट्य विदारतम् बांबिरके ট ও কলেইব চউবেন।

खात्रात्मद्र शूलिय त्रश्याही खुर्ग द्वर्ग्टरश्रेष নি ভি মাকসুইনি সাহেব বদলি ঘটনা দিনাজ-श्रीत्व शिवारक्रम ।

১৯এ क्ट्रिक्शेरि--- (क. शांत्रकांत शांद्रव भारतात निकामः कांश्व रमामाम कविति (न-क्लिक्टीजि इडेरवन ।

(श्रीमधी प्रश्यम कतिह क्य की धीवः सूत्रीन विश्वाम नोवर्गत मिकान्याह लाकान क्यिति । अवत् इदेरवसः

মঞ্লদিবিদ অভিবিক্ত সংকারি কমিসনর . 5 के श्वाद्यार्श वे--- शके कार्क नारक्य योकूकांत्र कि, नि, द्वाम आरक्य 36 के कार्क्य के कार्केटन व लिका त'क'र रेक्सकोटा कमिनिय सम्बद्ध एटेरव- े अन बाहास्थातिनी कमका श्रीस एटेसरस्य ।

नि, त्याच्येत्र मारक्ष्यकान्य प्रदेश र पा: हरमध्य भाषा कथ्रमीन्त्र स्थानका वकार्यस बोक्तीय क्षीका स्मृत्विवात स्रवा अधिकिति अहः (बहुद्ध वर्षेद्रम ।

২০এ ক্ষেমারি-মাজিনিধি অধ্যাপক চে रेखन जंगार व व्यक्तिकाल कार्यात अमित् किष्णि एनोष्टि, क्रमादिक्षिक बनाहिति, क्रमाहित अधारणक इतेरवस ।

खर्न कडे, है, खन्नार्थ मार्डक भाषांबुरसर नि-क्षान कोड लाकाल कविद्येत सम्बद्ध हेहै (२३)।

२>० क्लामानि-राद् वानीश्रम निक की-কের অব্দরে ডিম্পেকরির এডিমিধি সব জা निकाली नदक्य प्रदेशमा

बहैरु, अम, हममम मार्ट्स किम्बिक्श्वद (हुंह व्यक्तिवादित क्षेत्र विदेश कि विश्व विश्व **रणान अञ्चलकि ना बन्न एक मिन दोकर्तश्रक** প্রতিনিধি লিখিল জন্ম ধার্থিবেন।

रश्च व्याद्धान्त्र--- व. जि. जोक्कार्स अराहर বীবভূমের সংকারি মাজিকৌট ও ভালেট্রর ৮-हैरवन । १४७० व्यक्त २६ अविदान २२ १२ ष्यञ्जोहर उथोकात अम ध्यानीत षाधीम म 😉 ভৌটের ক্ষতা পাইবেন।

याखता. विमरेतर, कारिहामशूत्र अ 🖘 है **लाइ अधिनिधि कक अहेह, द्यान नाइड** सहस ह রের ছোট আদালভের জল চইবেন।

थम, मि. ८वस्मि मण्डस्य यक्क्टप्रामीय अन्तर्भातः ब्लिह अञ्जिमि स्मित्रह दमरक है। वि इत्रह ।

ष्यांत, शि, क्षिकिक माद्यक माद्यांताहरू छ -हैके माजियों है है एक्पूरी मालिकेन इन्हेर्ट, কিছ যে পৰ্যান্ত অনা কোন অপুনতি না হয় 🥫 मिन बीन**कुरमद्र माखिरके हैं** 3 **कारश**क्केद शाहिन CER I

পত্রপ্রেরকের এতি।

निर्दे बन्न भग्नात धनि डेरक्के क्य न है। क्विम्युरस्य महामूचि थाकि श्रीक्षां ।

मस्टिमन म। स्मामित्री नाम्नद्देश्वेष निवासित भर क्षात्र कवा विद्यंत्र स्वेटलाइ मा।

(नाभागहण करका:भाषारसक शह शक्ष

च्यम्बर्ड विटमात का विक्यिकी कायामान बदनाबील ६ हैन मा।

, পুর্ব**রঞ্জ বাড়ের পত্র** থাকাশ কর ১ জ্ঞা^ইণ CO:E 411

থেরিত।

প্ৰবৃদ্ধ নোমপ্ৰকাশসন্দাদক

मर्हाष्ट्रायु ।

खीत्रांत्रक्षांत्र त्यस व्यवस्थाय देखि व्या ^{(र} व अक्की विकासन विशेष १६ मार्थिय जाश्रीका র প্রাক্ত পাত্র অফালিত মেলির। বিশ্রা^{র্গ}

इडेल'म^{ें}। खिनि कृतिरह अ वद्यमध्यादम उद्या ভার এবীত পদামর বাসবদতা প্রস্থ স্থাতিত ক lature में 1 के कि कवा ? जिनि कवित निक्रि এই পুশুক ছুলিত্ব করিবার অন্তর্যতি পাইলে a o कि कि कारमध्य ना त्य खर्का नहात सहाम ারর রচিত বারতীয় পুত্রক তর্গার পরিবারের धक मात्र जीवमां न मधन चक्रमा छ वनमूमम जा म् प्रिराद मुल धन। छोडा ६वन कविट कर्स प्रभावन करो निकास माप्रि विक्रक कांद्री महत्त्वक नाई। द्वाध क्य रमन स्थानक विरमध ना स्थान े हे बक्का कर्ष्य एखाम्बन क्रिसा हन। बचान त्यस महानद्भक कामता कान देखाँ हो कारा ्याक्य यहानग्र यथन कोवित कित्तन, उरका ্ ভারার পিড়ব্য মহাশ্য বার্যন্ত প্রশ্রুজিত ा दर'त निमित्त उंगिरक कु या क्यार काछरताथ जित्रियां अ मन्त्राचि ज्ञारिक मध्ये समें ने हैं। स्वटक छ ত্ত্ৰা লক্ষাৰ মহাশ্যের পাঠনাশায় বাসংক্ষা আ स्वासिक करेबाहिल, शदब खेक शखिक कतिएछ ্রিচার সঞ্চা বোধ দওয়াতে ভাঁষার পিতৃবাকে। व (नरवश्रहे कश्रिक्षाहरलन। छात्रांत शिक्षा म क इ कारमरकद रमयक हिरलः । युक्तविरक्षव व्य पुर्व १७ प्रोट ५२ वह महल दिनि श्रम्बा इ हर की मनदश उद्ग शकार महामन पूर्व निक्र विक्र গ্ৰন্থ ব্যবস্থাপক পত্তিক ছি'লন। তিনি গা गिएंड किश्वचित्रन सिन्द्रसम्बद्धिया वार्तिस वार्थन स्तम् उ इ श्वाट अध्वातमा नातम शह मिथिय। केप अनुक बार्नि झालावेगांद्र गठ ठारिशाहित्स '_{কম্ম} প্রভা**র**র পরে ভর্মারক'র ব-इंक्ष क्षेत्रकथा मिनिवाइटियम स्य दोनव-्रहरू व्याल्यास्य स्वाप्ताः स्वाप्ताः ন্ত_{্র}নামে ছাপাইবেন। আমাব মত্রে ছাপা इहै(50g 'क्षण श्रक म मा इय' हेला क.व लि-वर न्क्री क पुरुष होलीहर के काव व्य रहाव रे विटरम्मः कविद्रा कवीत्र शिकृत काल हिल्ला । ভাগত যে বিষয় সম্প্রথিকর নহে জাহা আমবা क्ति : अयावर महिमी के शक्ति । अकृत्म (नम নল্লাক জন্য সেই পুত্ৰক ছাপাইতে এরও इत्रेष्ट्र कर व अकरन छोड़ीत्य प्रदश्यामर्ग ति. रिक िक्षि अञ्चाक्षन विवास किए वाह लिया। थ किन उरव राष्ट्र राष्ट्र आया। विद, जिल मान, ज्ञात शुक्रक (मान्यक) म व्यक्त भागा है। क्न, श्रिया लहेबा खिलक (शाम्यारशास्त्र अ 1414 a d 5.

आना यन कि करकेशिया है व दान वाक्क हेना है। 14वभक्त

ইয়ন্ত সোমপ্রকাশ সন্পাদক মহাশ্যু সমীপেয়ু!

े देक, स्वरत्व सामश्रकाल क्रांन लि निरामि शिवुक्त हसाक्रमाव उत्र राजीन ^{ট্টা ক} ম**হাশয় যে কলিতে** কাল্মান নিবিদ্ধ ेला वे अब कतियाद्यात उचित्र क्यान की-े तीन कथी विभावात शहरशासम माने, ", हा-

त फेरुस विशाख्य किलारे जान इस (১)। छ- भक्त निरंबध बढी, स्रवाकि का क विभीन वहानेत कुछहार शास्त्र कमात वान्हांन वाकिताका देव हुन देखवीत सहस्ते निरम्भ मञ्चरानाक धश्यात्राच -वित्रा चीकात क्बाट उरे भाषांव शिव्रत्यांव क्वियारह. खिवन ছে বাহ। বস্তুৰ্য একণে ভাষা প্ৰকাশ কৰি-(3.E)

व्यागास्टिशय मक्तिशाजा देवस्थि दक्षश्रीद मध्या किन्नम आहान अहान एउटह कलीन. ११-मक ও गोनिक्द वावदात्र उप क्षत्रति जाहि ভাষা ক্ষাত কৰা আৰশ্যক, অভগ্ৰহ ভাষা নিৰি-**७ वरेल** अन्याहित्यत कृतीत कृतीत काहा य श्रामादन वाल्यान बाजी ड शहाबुद्ध नाहे। छे-म्। क्या गीरज्ञ अक्यांम ब्युड्डरबह शस्ट्रे क्या। পাত্র ফির করিয়া সম্পাদিত হটয়া থাকে, ভাছা-एउँदे कमा। लाख्यंत्र मगान वग्राम विवास सम्र। अख्य को हो अं क कुर्र तक बारहोत्। य बाद-बावकी स्मीलक ७ वश्यक्रापद माहै. जागविष्टि त क्रमांमा (अनीव ७ धर्मनागढ क्रांडिड माहि विवाहरत भूटर्स कमा। शाश्च दिव कशिशा विवाह हर ! के वावश्वकी (करन कुनीरनद वावश्व विश्वपृष्टि काण्या डेवाटक कुलमध्य विश्वपृष्टि जाहाट क्लीटन क्लीटन आहान अहाटन कुछ-नाय कुलीम शांदक कुलीय कता। व बांग मान इहे-वर्ट (कामज़र्ग है मञ्जावनां माहे। कुलीदमत वि-वर्ष्ट्र श्रार्ट्ड इडेक वा शहर बडेक वे वाशम-क्षा कता। कताना इकेटल मिरे शास्त्र वरमञ ७ त्भीनित्यना कमाशाम करत्र धवर विवादश्य भूटमा के भाव जनाया बहेरज त्वरे कुनीनक ना। दक स्रोत कूलीरनता अहर करत ना, स्रोनि-ल्याहे विवाह करत, उद्घित योगिकका मोनि (कब्र कर्गा के अञ्च किया बादक । वर्णकिविधान কুলীবের স্থিত অ'দান প্রদান উভয় বাবহার उम्र ना, जोहाता উक्तक्र कुलीन शास्त्र कना। रमञ्ज किन्द्र स्मीलिक्ट कराः अध्य करत् । जाया-फिटनंत्र कृत्रीन, रश्यक ও मोलिएकंत्र बहेत्रभ विम जिन बादरात अर्जागड चारह ।

क्ष मि यामाविद्याद कृतमास अर्था शविवर्ड বিষয়ক প্রস্তাব পুস্তকে যে কু চদাব পাত্রে কন্যাব राज्यान निर्वेशक मञ्चित स्थान जिल्लाहि, त्न निरुष्यकी यमि अधागेष्ठभाद बहेल, उत्त स्वृक्ति नारता त्य चिक्रीत कृतीप्र वात विवादक्त विधि आहरू, कारमा अहराक अश्रमख विशिष्टि इते व স্কুভৰাং আমাধাদগের ব শঙ্গ ও মেলিফেৰা ৰ। অনা ক্ৰা এখণী ও সংবাপর জাতিরা যে কুত-দাৰ পাতে কনাব কলাৰ কৰে, ভাছ যদৈও অসিদ্ধ নতে, কিন প্রশান্ত ও নতে, তাকাকে সংগ্র-भारत विकास के के के दिया। या मिल को निरम्भती स्थान

य नक ७ क्लिक्ट्र बार्यात दक् कुनीरम कुनीरम कामान केन्नास्त्रक कमान वाकारिक कहियांत्र महानकी बे प्रश्नेष निरंबर्गी प्राप्नांत्रक्तिः गरक शकुत विस्वाहरण विदेश छ इ राजीन मधानम विश्वहमा कृतिः त्न देशकुष कड़िर्सन हेकि

26 本は企业 74年3

Bingis Cinte

প্রবৃত্ত গোমপ্রকাশসভাগি

ছয় সাস অভীত হুইল, আহি প্রা আগ্রম করিয়াছি। এ **অক্টেম্ন টুট্টি** ন নগরীতে অবস্থিতি করিয়া ওভাঁইছ विवन धारतक श्रेत्रीकि । गर्बाक (धार्नी) শোডা, স্বিস্তুত ক্ষেত্ৰ ৰক্ষান্তি ৰাম্ नडा उँ हत्यात यडा करी ती सर्वा. অপেক্ষাকৃত অ'ব্যাহর ওব ইডারের' विविध भी शर्या करणांकन कविद्या क्षित्र वर्षेत्राचि । वाद्यवस्त्रम् वर्षेत्रस्त्रेत्रः, যাৰ্শন কৰিছ। কমিও এ অঞ্চলক **উत्तम काम बला वाह वर्ड किछ औ**र नामा विवय अवटकाकम क्षिक्ष 👯 . ज्ञाम ११ अक्यो दिलाफ स्थान देखील 🚓 বোর শর্ম কোতের এটি নেমপার্টার তিশয় সম্ভৱ ও বিশ্বিষ্ট হৰীয়ে হয় র বীতি নীভি, কি আচার পছভিনে धक्त अवामी त्य किरक्टे त्य विद्वार्थे दन करा बाब अहारखंड प्रश्निक के **रहेर**ङ हत्र, रिश्मवङ अ**ङ** स्वामिकी ज्ञात्वत विवय गर्याध्यक्तिमा अहित्य । चांजादिक क्लाटक्त डेव्य बहेट्स ब्राह्म দের আচার বাবচার তাবা প্রথানী ক্রমী लांव शांत्रण कविद्यादम् । व्यवस्थानि व्यक्तीद्रम् राटम्ब क्षय किवर श्रीवराटन स्नारकार्य venice att Exig, Piet hout ? ক্রিতে পারিয়াছেন বটে কিছ ভাষালৈ নথ व नक्षत ए अश्र कृत्य था कृष दक्षत स्वाकति है পন করিতেছে ভাষাতে পরিবট্টনির ছাও দিয় बिक रहेशा सुब रक्षिक मा बरेशा रहर छ।हाहा ব ছংখ পারাবার ক্ষীত ক্ষরিতেছে। এই ভা अन्यामारम्ब बास मठाडा दिण क्रवांत खुनक्री माभाविक खळाडा अवर लोकिक ममुडा क्रिकि जान जुड़ बाह्मानिक बहैरक द्या, खर्चन दर्दे ভইতে খাকে যেন ভারতেব সৌস্থানা **সুর্যো**র एव इहेगारह कि इश्वाः कि श्रीतकाश दे वसके উद्या प्रत्येत प्रतिदेश व्यवस्था पुरि गर्य उन्नी क इंग्र, क्यून आमारमञ्जू गरून आणा भवान जीतान जा निरंख्य हरेएं बहर । त्र जाब दक्षा भी कार काहत्रत कनकि इ त्यां, गांवा विशत्में

[।] ১) গেছেডু গভ ৩১৭ ভাস্তের সোমপ্রকা-: तम् निमाकृषः स्वत्रः स्विधिकाञ्चन व्यापः योकानि नास्त्र रूपे याका लाग कता। " " विवाहत अमा पाना बकु एथन इहिंड ध्रहें(न, उथन छ वी-ালাল বছিত দ্বীৰে লা। আনি আমার কল্যাব মুদ্ধেৰ পুজের সভিত বিধাছ দিব, এপ্রতিজ্ঞা ज्वन व क्षित इंदेर मर्क्ट माहे विवाद छै-ঠিগা না গেলে এ প্রতিক্রা উঠিয়া সাইবার স-श्चरिमा कि ? . "

্যুগাল্ভর উপস্থিত বেশ্ব হয়। া দান পৰি বিশ্বজ্ঞিত হইয়া কেবল ইপ্ৰিয় कि :। क्या च च च्यायत्म समीकृष মান ্য ডিকৰ্ডবাভা বিদৃত্ব হট্ডা হবেন্দ্ৰ-15.24. ।। ইম্বর করিতে থেন সংকর্ম করিয়া क नुक्त अपर्देशिक्ष कि विश्वज्ञीक मरकार्त्र सन

₹ 119 मश्रीपत्र! यथेम और रक्षर मिश्री 177 नक क्यनीय त्याव शांभरक्षत्र वर्तिtrest ex. ाम **अञ्चल पर**र्भक्त तथाय मुख्यल *एउप* ্লৈ মি পত্নিভাগি গৰ্মক বিলেশভিম-🖟 😘 🤐 मा करिएक बाबिएमन, उपन धेंगा ্, করিছাছিলেন ? অর্থোপার্ফন ক-🤝 शिक्षात प्रथ शाहम अल्लान ्राहरू 🚁 न. चकीर क्षीकांशा वर्षान, धनाय म-अक्षेद्रे: ^ ृर्व निवादन अवर शकांत एउ हेम्हा त्य । नियम आ'क् जाना कृष्टि कडेटन ठाँकारांच है-८ में अस वैवादम्ब अख्टत बलव की हिल हेशा-) का शूर्वाक जे शम चीकांत कतिरवस । बाद शादि ুণ লে সকল প্ৰিত্ৰ ভাব কেন অন্তৰ্ধা-্বাং 🐈 এক্ষৰে কি অভিনত অৰ্থ উপাৰ্ক্ষনে জ্ঞা ডাছার মধার্থ ব্যবহার বিশারণ ছ £ 1 प्रथम माद हर**लाई कि कार्यत मार्थका माध्य द**हा ? द्रान्त्रः । शांत्रक्षकः स्वादि कि वर्शार्थ मञ्जा हु क्रम र म बहामन । बैंबाना विरम्भ कानिया । शृतकाव बहैर व १ 🖫 र 😭 । कार्य व्याधीनका आक्ष करेबाह्यमः रिकास श**्रांके के बारमक के जिल्ला क्रमर का**-এক প্রকার সূলীকুড কারণ বলি-ንር ማለ ወነ हैटल गांद्य। मन्नावक महाण्य! राटक धक्या कथा किसाना कवि. मञ्जूरगत नेश्वत-पष्ठ आश्वाम अधि-' ছাৰ্য ा, तारे काबीमडारे कि वरे शकात ?

ইভিড বোৰপ্ৰহাণ সম্পাদক

¥

वर्गान्द्रम् ।

4 क्षेष्ठ मुखार मामका कारण मह नाथ वार्य श्चितिकार्छेत विवादांत्रस्य आतीम प्रदेशक मध्याप विकास क्षेत्रा यात शत नाहे आकामित है लाक्ष्या प्रदेश रा द्वा करा जराका करता-্ৰিৰৰ আত্ত কি ছই:ত পাতে? বোগ ছয় পুৰিক্তিখনতুক্ত বা তেগৰ ভিন্ন সমুদায় कृति वह मर्रेनाम आस्नामिक व्देशार्यम। এই বিভাগ ছানা চিহ্তিত ও অচিহ্নিত কৰ্মচাৰী विश्वा दे विकासितिक कर बारह जाराव कि-্ছু ছু ক্ষা ক্ইলা কটে, কিন্তু স্থাক প্রকারে ছর बहुन शा, त्यांव वस तम व्याणः श्र्न बहेवात ममस ध्यम् छेश्विष्ठं दश्च नारे। यादः एउक, मञ् খাতুরে সকল সলমূব পরশারার অধিকারী ছ देश होर्चनाम भूगांजिय गरिक गरेर भागा-मा अकाम ही कि इस का मानाम एवं वि-काप्रभावि प्रदेश । प्रमञ्ज है।का व्यक्त गाहेरण

् बंभनीक छोर भारत करत, देही- माभिरलय, त्मरे क्षकांव खन ख त्यांनाका वित्वह-मांब स्वाना आयामार उप डेकी जाता अरू कारन अधाम मान कालियों श्रं व श्विमां देखा दिन म मा शाम रकम र जह विषया आषि रकनाविष বোগ্য টকীল গণকে সংখ্যধন্ম পূৰ্ত্তৰ প্ৰতিৰ काञ्चत्यः निर्वतन कतिरङ्क्तिः अख्यान छ। मात्रा नवायक क्षेत्र। अहे विवद्याव खना क्ष्मिक्याः वृत काता वदर्गरमट-ए आर्थमः कक्रम, छार्श स्टेटन তাহাদিদের অভিযাধ সিভি শক্ষে বড় বিসর इंडेर्क जोन क्यांश बिरिय देशकांत गर्विड इक्ट्रिक। आफ्नीअडि अधना दिस्त अधना मक-স্থাল হাইতে অনিছা হণ্ডঃ যে সকল महर वाकि मुल्लाकी कार्का विरुक्त वेहा क्रमा कार्टें कामडी कतिरहरूम, काकारा मना-श्रुवन श्रम्क कांचा ७ विष्ठात्रक्य बहेरमञ क्षेत्र निहां वर्गां इंदेर अंदिन नां, बडे ता कानां ह इ मरचार नारे। किन्द्र कि दकारछत्र वि । श्रेयश्रम प्राप्त स्माकस्मानित कामानाट उत्त कर इ.स. রাব ন্যার জেলা কোর্টের উকীল প্রেণীর গৌবর ৰ দ্বিত হইয়া জেলাকোটেৰ উদীলগদ একটা স-মু ান্ত পদ হটৱা উঠিবে ৷ বিভীয় (" কেখন জা-एक महोनदर्शन कावन कतिया (कंतरन-। मात्र करन शुक्त वृथ (सर्थाय महाय ") अञ्चलस्य कु न क्कारत कारनाम कि व अव १८७ क- पूर्णाकान किवन काम नात किवन केकीर सर উত্তৰ স্থাপে জানিতে পারিছা তথ্যাক কেছবা পক পকার্তরের অন্ত্রেরিক সাহাল্য करते . निम्न करेक्कारक्त ? है क्रिक रमनाम विहास कार्या समाया कतिया शवर्षस्मर केर्य भूमि मित्र। या केन्द्र शक्ष आश्च इहेटकरहम जयन আর একণ না হটয়া বোগা ও উপযুক্ত পাত্রের। ছেন। 电子中 电电台点 ८ दे काफन वहत्वश्रुत्र ।

अश्विर्वा।

करखगड़ জীযুক্ত বাবু ভবতচন্দ্ৰ বেবিল ১२९० देवलाथ व्यवस्थि देवता श्रीका स्कार ५७।० পটসভাঙ্গা ॰ छात्रिनीहत्रन हरणेशियांब ১২৬৯ অগ্রহায়ণ চইতে ৭০ কার্ত্তিক পথারি क्षार ५० वे **CF 4 शांग** ' को कारोज वरमार्गिशाधाय (3 2 6 0) ু২৬৯ ভাল কইতে মাৰ পৰা ভ · चर्नातमाहन मान विमान ১২৬১ জগ্ৰহায়ণ ছইতে ৭০ ফার্কিক পর্যান্ত Cकार 30 के মলোক্রগর " दाश्रीदर्भाविक मन ১২৬৯ মাৰ ধই জ ৭০ আখাত পৰ্যান্ত কোং ৫ " कालीहत्व हत्केश्याधाम विनावश्र कुल ১২৬৯ মাৰ চইতে ৭০ আৰাত প্ৰাস্ত্ৰ ভোং ৫৪০ **চুনাগলি** " महिमाठक मान ১২৩৯ ভাল হইতে দাৰ পৰা স্ত उन्दर्भ ते ले गरिकाम नागि क्षा स्टानकात्रह अ ১২৬৯ কান্তন ছইতে ৭০ মাখ পৰ্যান্ত কোং ১৩ শাতিখ श्रीनित स्थानियांकः ১२७३ कालम स्टेग्ड ९० माथ भवाचि (कार ३७

" विक्रियोग्रह सम्बद्धितः , মেছিনীপুর ४८७३ काश्रहासून सहेटक नेन हेन्सीय नगांत्र Corte a de 不均等 等 等代可含 • भरक्षण्य विश्वान ১२**७७ क्षा**न क हैएक १० विभिन्न श्राह्म . *****(**? 280 CHAT TO AT 5 ¹⁵ मिन्क्षिय प्राप्त ১২৬৯ মুখ চটুলে ৭০ আবাত প্ৰাস্ত কোই ৫৪১ म्हणां वस दहीशाह. " শ্য'কাতবণ হোৰ ১२७৯ लोर बडेट ड १० देशा है श्वा के श्वा क cot: es. '' कालीक्क्ट्र नाम क्रों श:व ১২৬৯ সাম হইতে ৭০ আঘাত পৰা স্থ কো? ৫ ৫

সোমপ্রকাশ সংক্র'য় করেকট विद्रमय निष्म।

क्रांत्रम मेला ना शहरत मक्सरत रमामध-कांच रद्भारत कहा गांव मा।

बेहाव अधिम मुला बार्बिक ३० ८ वर्ग हरा। निक क्ष छ।क , इप्र वारम्य पूरान मुका न्या

बीबादा त्यांपश्चकारणह मृता के का हिन्दी পঠিনৈ ভাঁহাৰ এক অথবা আধ আৰাৰ ভাৰত মুন্দোর ও রুদীদের টিকিট লা প্রের্থ করেন 🖯

यथन विनि मक्या १३८ : सामश्रक , र भुका पार्रे विरुष जांचा स्थम द्वालिकेदि हो है।

श्रुविश्व मृत्नात कान कडीए स्ट्राल मः क्रीव्यव्यानिक बल्कानिधाः का मारेबिट दक व्यत व्यवहरू दिन्द :. SCAN |

> र्याशक्तिकार मुला जितान मयद्व व्यक्तीत हरे प्रश्व विदेश, मञ्जूषकान्य मन्त्र अञ्चिकः। करिय श्रम्हाम स्मामश्रमहारण अन्तिक कविका उन्हिन পৰ ডিঠি লেখিয়া কাৰান ছটবে, বছতা-হাঙ্গে কোন উত্তর অথবা মূলা না পাওস যায় कानक वक्ष धरेरव। भूतनात निमिन्न हिन्नै विमान विः भागाम ४३८म । कशिकाला म क्षान त्लारक प्रामांकित्यक माहम कि ए वे लेख মরা দীয়া পাইছ।

योकोव गथम भाषश्चकाम् शक्किकाश व दिर-त केल्या एवेटव किकि सिश्वित में, कार देखा ाहा आंख कर याहेरत मा।

एक एम्प्रेस्टिकारण विकाशन मिन्ड हेवी कविरल खाँबारक अवस बात खाँड श कि ए॰ খান ছিতীয় বার /১০ জানা 🗦 গীয় ধাব /৫ ष्यामा क्षिटक क्रवेटन। फाहाब्र श्रेत : १०० है। क क्षित्रम राप्त (५ ५ग्र) ४:हेर्द ।

मकखरणद गीतामा ममर्थ इहेरवन, छेही-দিগের শতর ভাকসামূল দিঙে চইবে

এই পঞ্জ ফলিকাডার পূর্ব্য নাড়লঃ বেল ars// मार्ग्य दक्षेमरमञ्जू सम्मिन शंक्षितिरशक्षित्र क्षेत्राहरू^{।हार} বিদ্যাভূবণের বাদীতে আভি সোমবার অফ-নিত চ

(मार्थक क

" प्रवर्ततो प्रकृतिस्तिगव पार्चिषः वर्द्यती मुतिमस्तो न सीवतां। र

द स्रोहर । '' 'अक्षेत्रवार'

मन १२७७। २७७ कान्छन। है९ १४७७। न नार्क

सर्भावक पूजा ३ हो। र'विंस स्वतिस ३०

द्रमामश्रकारमञ्ज्ञ चवत्रव

नश्कास विकाशन।

শোষপ্রকালনর ভার এক করন। হার্কি লইর ছে। অতঃ পর বাঁহারা যারাসিক নুদ্য দাস করিবেন, জারাজিনকে থা। সাতে লাভ দাত দাত করে বার্কি অন্তির দ্বা ১০ টাকা সিতে লইবে, বার্কি অন্তির দ্বা ১০ টাকা সাজাল জারাজিত রহিক। বার্কি জারাজিত রহিক। বার্কি জারাজিত রহিক। বার্কি জারাজিত রহিক। বার্কি জারাজিত রাইক। বার্কি জারাজিত করিবে আহারা দ্বা বার্কি জারাজিকের, তাঁহারা জারাজ ব্যর চারি জারা সাজালিকের, তাঁহারা জারাজ ব্যর চারি জারা সাজালিকের ক্রেডার ক্রিনে, জারাজিকের জারাজিকের ক্রেডার ক্রিনে তাহালিকে সাজ্য দিতে ক্রেকে না:

বিজ্ঞাপন।

করিদপুর জিলার অন্তঃপাভী বাইকেমারি মহনতপুর নামে যে পন্তনি ভালুক প্রিছ. ভালা দরপন্তনি দেওয়া ভালবা বিক্রয় করা মাইবে। বাঁহার সেই ভালুক দরপন্তনি দাই বার অথবা ক্রম করিবার ইন্ডা আছে, ভিনি কলিকভানে আন্তান জিনত্র কোম্পানির নিন েই কাবেদন করিবেল স্বিশেব ব্যক্তি আনিতে ্রিবেল ।

विख्याभम ।

রাষ্যার্, হর ঠাতুর রাজ মৃদিংহ, গৌব কবিরাজ, নিজ্যারজ বৈরাগী, রুফনোহন উটাচার্য আছুজি প্রাচীন কবিজ্যালাদিগের উত্তৰ উত্তর গামগুলি সংখ্যীত ও একটিত

। করিরা মুদ্রিত করা গিয়াছে। পুস্তকের মূল্য ১ এক টাশা মালা। কলিকাডা। বিহ্বাক্ষার দ্বিট ৭৬ সং বাসী।

ীবহুগোপাল চট্টোপাখ্যাত্ম এবং কোং

বিজ্ঞাপন।

মৃত বহান্ধা মননবোহন তর্কালভার প্রেণী ত বাসবলতা এই কেই ছাপাইডে শারিবেদ না কারণ তদীর পিতৃবা প রানরন্ধ ক্রীচা-ব্য মহালয়কে উক্ত পুত্তক ছিব্লি মান করিবা ক্রোধকারী বর্তনান আছি । আনরা তির বাসবদকার দান বিক্রবের মহাধিকার জনা কাহারও নাই। অভ্যন্ত শ্রীমৃত্যু বারু রাম্লান নেন মহালয় লিখিল প্রবন্ধ ম্ট্রম এই লামা সিংগার অভ্যরেখে ।

জীরামলাল চটোপাব্যার ১২৬১। ১ ফার্ডন কুমিলা

विखालन ।

ভাজের হানিগ বর্জর সাঁহেনের প্রসিদ্ধ ওলাউঠার ভিশোলরি একণে ধর্মজনা বাজা রের উন্তরে গালাঞাদার মসজিলের নিজ প কিমে করাইটোলা ইট্রিটের ৩৬ মং বালী ভে ত্যাপিত ঘইরালে গ বাহার ইবধ কিবা ও লাউঠা রোগের চিকিৎসার প্রয়োজন হইকেক উল্ল বাটাতে আমার নিকট আইলে অ্ববা সংবান পাঠাইলে অনিলখে এবং অপা মুলো উবধ চিকিৎসা ও ভাজের হানিগাবর্জন সাহে বের বহি পাইকেন ইতি

> আবসুর আরিষ 'অধ্যক

विकाशन ।

वेशम् क्रांक अस्त भग म स्व क्रां बोगरीय विकारमञ्ज क्षारसभी कृती भागाम हाम क्षायमानी श्रीकृत ५ क्रिय क्रांच्य बीगरीय विकासादर क्षांद्र बीयात क्षाया क्षायमान निर्मित्र क्रिय मुद्रमा भागेद्रवेस ।

期命 电3

সোৰপ্ৰকাশ ৷

१७ व मिनवोह ।

७ मेघीन हीर्ग !

বেড়িকাল কালেকের বাকাল

1

কলিকাভা ৰেডিকাল কালে লিপাল **বৰ্ধাণ চীবৰ্স** ,ভত্ৰতা বা_{ংস}ু সের প্রতি যেরপ খনার্য সাই _{ইন} রাহেন, তাহা আমা**বিদের** পা ্ল चत्रन चाटक मटमार नाहे । दंगदर् र्गत्र वाकांका ज्ञाटनत्र सोखनिरश्चेर् পরিত্যাগ সহায় প্রমিয়া অক্থি আ ভিঞার প্রকাশ করিরাগুদুর বে भाग कार्शिकी में पूरवाल कार **4 क्रबंब । किन्दु छाँहोत्र धनूर्डक য়াহে, ডিনি কে:ন রূপে** সে ফি তে চাহেৰ মা। তিনি এত দিন 👵 🖫 প করিয়া কাটাইয়াছিলেন। अ ৰূপ শুনিলাম, আর কীছার চে করিয়া শারিবারও পথ বন্ধ হইয়া সোমবার লেপ্টেনন্ট গর্যবুর স্পর্যী ष्याञ्चा कविशीतक्षे एक किन

भूनः अरवणिक कृदत्तम । शाहेक । ार्वाच सुनिग्ना कि मदन कतिरामन, তদিগকে আন্ধান করিরাছেন ? াহা করেন নাই; এখনও ভিনি ধিতেছেন যদি কোন উপায়ে ট গ্রহ্মর আক্তার বৈকল্য স

করিতে পারেন। বার্হার ভারা হুটা বিষয় সঞ্যাণ । এক, প্রিক্সিপালের স্করণত দোষ আছে, অনাধা ডিনি কেন ल्लाट्नेंसके शवर्गद्रत्र चाळात्र রুণ ক্রিবেন ? ছিতীয়, ভঁ,হার इ लाटवरे यांचाला ज्ञांटनत्र सा ক্রের পরিজ্যাথ করিয়াছে। তাহা হইবে, ডিনি ভাহাদিগের এভি এমর্শন করিতেছেন কেন > গব স্থারণ হইডেছে ডিনি এক ক্ষমানে লিখিয়াছিলেন, তিনি ক্লাসের এতি ছুর্বাবহার ওরেন ,ত্ররা কুলোকের কুমন্ত্রণার ত'দৃশ করিতেছে: কিন্তু ভিনি বদি न। कतिया पाटकन, शाजिपिरशंत াহার শত্রুকাৰ কবিবার কোন श गारेटक्टर ना ; राजिता निर्दे ভঃ অন্যের পরামর্শের অনুসরণ াপনাদিকের বালকভার পরিচর ।লিং। ভাষাদিথের প্রতি করণাই शादत, याहात व कि कक्कमा करण ि कि निर्फन्न बाक्श्रद्ध मण्य । हर्दे के नवान हीयर्थ अब पूर्व ं यकि स्थानीय स्मार्टियके श्रव ' 🗝 প্রায় জ্ঞাত হট্য়া কার্যা করি ी इंट्रेटल निःम॰भन्न घोटन घाटन ্ৰীপাদ্ধিতেন। বোধ হয়, এইবারে হল হইল, তিনি ইহার পর অবধি हरेश काक कतिर्दन। [खिक ध्रेवात **केशक्त म**म्हत 'মলাম গচ শুক্তবার ছাত্রবিগকে मामाम क्या स्टेशांट्स ।

ग्राकान्यकान अन्त्राप्रकार एक ।

मानिकशरकात एकपूछि मानिए के वातू म्यामहीम माथ छेळा अच्यामस्यत्र बाह्य स्व পভিষোগ করেন, তাহাতে সম্প্রাদক্ষের >++ **गिका एक हर्दशास्त्र। शाठकशन** ज नवाच गठ वाटब्रब्र विविध नवाटच दर्शक রাছেন। কিন্তু এবারে ভালরা, তাকাপ্রকা শে বেধিলাম, তত্ততা কাইক মানিট্রেট খন্যার করিয়া সম্পাদকের সাও করিয়া **एन। वर्षम, ग्रामाध्यमान वरतान, न्याम** চঁ দ নাথ চাকাপ্রকাশের নামে উৎকোচ গ্ৰহণ সংক্ৰান্ত অভিযোগ করেব, কিন্তু **हाकाशकारण भाग्यहाँ म अंधरण खेश्रहणह**ु আহী বলিয়া ফুকাপি লিখিত হয় মাই ৷ অভিযোগ একৰাণ ও বিচার অন্যৰূপ এ সামান্য **অনু**ত নয় ৷ অথবা অনুভই বা [‡] কি > অনেক আদালতেই আজি কালি विक्रिक विष्ठान स्टेटकटण । हिलात विक्रम কি হইল ৷ ভাছার সাধা ছলে উপ্ভিত থাকিবার অভিযোগআদালতে উপত্তিতই रुरेन ना । विरंभवजः द्वाकनःकासः कर्पछा तित **अचि तामक्य**कातित कि**ष्ट्र** स्थर स्देश বাকে। উপস্থিত স্থলে শ্যামচাঁদ নাথ ডে পুটি মাভিক্লেট অভিযোজন, আর বিচ'ব क्छा कारेक माजिए हैं है। छाराबिए बन व्रम्भव त्यस्याम एउवा चयुक्त नत्र। या हात छेव छ करणा, अक्र हि निव विमाल হারা যদি পরস্পরের প্রতি ছেহপুরা হন, ্র অন্যে অনায়াদে পরাত্তর করিতে भादत । अभवत्यत विकट्डि अवत्यत अता ज्द किवाल मध्य रहा ?

विधीत, कार्रके मासिट्डे हे हाकाशका শের বক্তব্য এবং জাহার পক্ষসমর্থনকা রির বাক্য ঘণেচিতবৃপে প্রবণ করেন नारे। किनि भूषीविषदे भगवहारणह जिल्ह চলিরাছিলেন। যাহা হউক, চাকাঞ্জাল কোনৰূপে যেন ভয়োৎসাহ না হন। এই कर्ल हर्नि विष्ठात कार्या व्यवनीविधि निर्दा ২ হয়, স্থিচার প্রভ্যাশা কি ১

क्षकरहें जिब क्षा

षावतः ३२वे कास्त्रकतः त्यावंशकारम अवदग्रकांच (य व्यक्ति निविद्यादिनाव উক্ত বিদ্যালয়-পক্ষপাতী এক বাঞ্জি জ হার এক্সিবাদ করিয়া এক পত্র থেয়ুণ ক রিরাছেন। পত্র বর্ধ:ছালে গুরুষ্টিভ চ্টল।

लबट्यत्रक रहमा ६९ मक्न सङ्ग्रह शंभरतम् काव करवरे सार्वियाः कडावमा बारे, जाराजा असाविक सक् हि विक स्टूल चवात्रन कतिरक वाहरवन्ता । ३५ । ५१ वर मह भाव कि ७० । ७२ वश्मन भवा के बहुक वाकिशारे के विमालात अधात्रम कतित्व। चात्र अक च्रम तिथिशास्त्र " वर्षाल सून मकल रचन छेनामात्म नि.चंक इरेग्र ৰাকে. ট্ৰেশিক্ত কূল সকলও সেইক্স উ भागात विविष **इरेट्डर । वर्षाम** क् त्मत्र कृष्टभूवं निकारकताहे हि निष्डत नि क्का क दशा निवृक्ष व्हेन्नाट हत । २ ०७ चात्रा वाकीत्रवान स्ट्रेट्टर, शक्त हिनिड क्लादक बनाएउ वर्षाम विकासम् विताश প্রতিপদ্ম করাই পরত্রেরকের অভিথেত। हेरा यांच सारास्त्र नयांन विचालप्र हर, ज्यानि बामारमङ्ग चानिक निहाद्गक इहे क्टिइ मा। व्यक्त क्यांच्य कट्यांच्य कि যে ক্রেকটি নর্মাল বিদ্যালয় আছে তা ग्रार्थ अपन कार्य (७००००) क्षामान कति লে ট্রেণিড বিশালয় অপেকা বছগণে व्यक्षिक कम मान्न हरेटक भारत । एक हो ণিও কুলের নিমি**ত খতত্ত ইনস্পেট**র নি য়োজিত স্থীয়াছেন ; ইয়ার নিমিল্ক একটি ष्ठितिक देनरम्भक्तं भक्षत्र एकि हरे য়াছে, ইহার গুছের বার 😘 স্বভন্ন সর श्रामि चत्रह लात्रिट्य . चयह विश्वादन नर्गः ल **क्टलब न्यात्र लिका क्ट्रेट्य जा। (न**यस्थ। **পত্রপ্রেরফ্ স্থরংই স্থীকার করিয়াছেন**। **এदन पनि इहेन, चठड हि निड कुन स**हि পা হুধা অধিক-বান শীকার করিবার **এ** शासमा कि । प्रमुश्निमादनम नाम ७ वास्म

चहार क्षेत्र कार्य क्षेत्र कार्य का

লাভ এলসিন ও এতজেশীর রাজপণ :

क्षश्रम भाजनकश्चा ग्रदश म्हा यनि क्षानित हास्त्रभं, नकीत 'उ समीनात গবের সহিত সাক্ষাৎ করেন, অধিকতর উপকার লাভ হয়, একথা অনেকেই শ্বী কার করিয়াছেন, আমরাও অস্বাকার করি না ৷ প্রধান শাসনকর্তার একত উৎসাহ াপ্ত হৃইয়া সর্ভার ও রাজগণ এড়তির श्रजूजिक स वक्तमूल इस जिवत्य स्ट्र विक्रक्ति कतिएक छैरमाही नरहन। लाख का নিঙ এ প্রথা হেবর্ডিত ক্রিয়া অনেক স হারতা প্রাপ্ত স্ইয়াছিলেন। স্বাহ্যাদের विषय धरे. धक्करन गावकीय अवर्गत थ ल्टरके मनी शवनम हेशांत अनुमन्न क्रतिरहरून। সে দিবস সর রবর্ট মঞ্চপমরি পঞ্চাবের ৷ গ্রার ১৫০০ ছাত্রকে পুরস্কার দিবার সম य मर्मात्रमिश्रदक जी भिकात निमिष्ठ गञ्ज वान इडेर्ड बरलन ; इंड्राटड क्षे हीन (या क्षांत्रव अक्काटल कानटक शकाम बहेश प्रधातमान इरेक्षा मुख्यक्टके चीकांत्र कति लान अ विवद्य मरमारयांची क्रेरवन । जनः श्वकारत अ पानीके माधम महक नरह । সম্প্রতি লাড এগাদন উত্তর পশ্চিমাঞ্চলে कारन कारने पत्रवात्र क्षित्रकारका। धारात

সকলেরই দৃতি নিশক্তিত রহিয়াতে
এবং উণ্যের বাকো মেশের ভবিষ্যৎ শুভা
ভক্ত অনুস্থাত রহিলাতে। কালী ও জান
পুরে তিনি সর্জারকিলের নিক্তেই বে হ
ভক্তা করেন, তাহাতে সকলেই আজাক
প্রকাশ করিয়,ছেন। কিছু আমরা অভি
শর মুখিত হইয়া কহিতেতি, তাঁহার আন
রার বজ্তা সে প্রকার হয় মাই। ঐ স্থা
নের সরবানে মহারাজ সিদ্ধিয়া, ভূপানের
রাণী, রামপুরের নবাব, ভরতপুরের রাজা
প্রভৃতি উপস্থিত হিলেন। রাজধন সভাস্থ
হওয়াতে তাঁহাসিগকে সভাজন করিয়া
লাভ এলগিন বলিলেন।

" অলার এ কথা বলা অনাবশ্য হ যে সৌভাগ্য ক্রমে ভারতব্বে দিন দিন শান্তি वस्त्रुम स्रेटिट । श्रमक्का मुत्रीकृत চইয়াছে, এবং বহিঃ শতাপণ ইংলতের সেমাগণের এভাব ও বলবীযোর মহি ষা অৰণত হইয়াছে। » তৎপরে ভাঁহাদিগ क चीत चीत्र त्रा**टका** विका ७ म**फ.फा** ८व র্ত্তন এবং সহমরণ ও কনাছিত্যা প্রভৃতির নিবারণ বিষয়ে উৎসাহ দান করিয়া শেৰে গবণর জেনরল অহস্কার পূর্বক কর সঞ্চাল न क्रिया विलिटलन " छात्र छ वर्ष त अधान व्यथीयतीत क्रिकिशि व्यक्ष अस्तरम भाष्टि तका कता भागात क्षरान कर्डवा कर्य । ह इञ्ज क्या इंश्लाख्यती आमात अधीरन এক বৃহৎ ও সাহসী সেনাদল রাখিবাছেন অতএব যে ব্যক্তি অসমসংহস পূৰ্বক সাধা বণ শাব্তি তথ কাবের্য প্রবৃত্ত হইবে, ভাহার क्मन ও यावजीय विभूत्यमा निवादग विवरत আমি অণুমাত্র বিলম্ব ব। সংশ্লেচ করিব तः। आवभाक इहेटल अहे स्नतामनदक অ:মি নিয়ে। জিচ করিব। -

এ কথা কে ল' জাৰে ইংরাজনিধার বল আছে ইয়া সকলেই অবগত আছেন। আদী হালার নেনা ভারতবর্ষায়দিগকে দমনে রাখিবার জনা ভারতবর্ষীয় রাজস্ব হুইতে বেজন পাট তেছে ইহাও কাহার

चविष्ठ महि । दिखा होए भीम शक्रिका स्थ कुछि THE MAINTEN WHE पण का जितिरामंत्र । श्रीवर्त्वा स्त्री (म क्रमी जनात्म त्यान ? क्रमिक्क चनमान कतिबाद क्रमा व्हेत्राहिम ? की दात्रा कोत्रक्तिक लिन मान देश कि फीशक्ति वात्रवात्रः सा विश्वसन् सत् हे वि दक्षित वेदीगालक क श्राटनंत्र ज्ञाकश्च नादनक् नहरू (कड़ बाजा अवसाविक व्हेशहर्क লাভ এল মন আলিয়া গ্রহণ্ড त्र कालुक श कानिहा अर् अर् जनीविक प्रेग्नाथ .स्य प्रकश कतिरमम देशरे मान्त्रा । महान श्टलन छात्रक्योंत ब्राइनिश्टक नाव वा ्हाइ नवा चेंकिए। नाज् ब्रायकारनब जिक्छे विमम् ७ म्यून भ कतिबाह्यन विनाश अविकास भक् अन ताथ विच स्रेमारक्ते मे न्म दे। विशास व धनात सन्हार বাস করিতেহি। অভিগর কুটেই **এই, हेश्ट्राटकता यादकीय श्रेट्स**ेष्ट्र য়াও পরাজিত শত্রুর হৈছি ঔদাবা করিতে জানেন না। নেপে লার স্ত রুজ্ ভূপতি ইহার সুক্তী शल बर्टमंत्र त्नंब काक्किटक त्रेन्ट्र कीटक निर्मान कार्ड कुरीरत अब विना क्ष्रेंबन कतिएक एरेप्राट्य ।

বলে এ

এনেশীরেরা কি চিরকাল হত 'প শুল রু

সন্ধৃতিত করিরা রাখিফেন্টেক বার্থি

এই ভারতবর্য আনাদিলের গোলার্থে

নুধাবন করিবা দেখিলে আনাম্বরা ঐ

ভূমির প্রকৃত অধিকারী। আন্দালব্যাক

এ দেশের রাজকীর কার্য্যে বাছে। ক্রা

ক্রাধীনতাথাকা উচিত ৷ আনাদিনাতিখালে

কিন শ্রীর্থি সাধন করিরা ইই্রেদিন্তে

त्रा जुला कर्जरा । किस कार्रा পরীত ঘটনা দেখিতেছি ৷ ভার कृषि जाम जाम क्षेत्र विकासि म ाक स्ट्रेट्टर । के साहा हाक्स्ने |माषिरश्रेत स्थिम'का मास्कित् न

'यार्ड्स । जात्रज्यार्वं ह द महा भूगावर्ड विकिश । शहन निम अपूषि हरेएटह धक्षा नत्र। विश्व छाश्चा अङ्गढ अङ्गढ পের সহচ্ছে হইত্রহে না। একপ हात्रण कि ? कात्रण चारक चारह । ষ্টির সার্ত্তালিক উদার বাবহার ! नर्गरमण्डे सूरशे बाहा बनून कारम ट्यटबद्ग महायुक्त कटत्रन ; चाहेन ইলেও বিচারালয় পূথক ধাকাতে हु आमामिरशह आलगा, मर्किया

বার ইংমিতাদি সমাত্রগত কবেকটি মহৎ विश्वास है। येथेन व्यामका विविद्याले 🖖 ছালেগের একি দৃটিপাত করি, যথন हाब डे.डाफ्टिशत रचन खमन, वानिना, ह्यांबहात्र ७ कार्या मक्का मर्मान कति, हिंद, चैमानिश्तत्र कि इव ' ଓ विष प छेड ह्या । हिन्दू का ना निर्मा निर्मा कि क দ্বভা বশ্যন্পা ধন, সৌভাগ ও সক্ষামলাভ हित्रिश सहस्र, उथन आभा मिर्शत आख्य म বিশ্বাহে কথামতা দেখিতেছি আর কোন इभिट्ड शहाबितन मुखेत हत अनुमत्र क श्रक्ष क्षत्र नः १६न जामानित्शत्र विवान व्या सम्बद्धाः न्या गर्क।

থ করিয়ালর। পূর্বে স্মু 🖰 ৮ পে লিয়নের দু ারের জানিউর্লন করিরা বলিয়াছিল ম, য দ তেন, ভাহা উপযুক্ত ও যাগৈ এলাহিতৈ शक्तिक ।। इंदेटल अक वास्क्रिक ভাষাৰ শি ভূত পূৰ্ব জীবৃদ্ধি মইতে পারে নাৰধান ক্লের যত হউক না হউক বানি ' খান্তাৰ মুখ্তি খতি অপ্য কালের মধ্যে অর্থবল ও ক্ষমতা আছে সাহস ও সক্ষু भागता छोत निक्र इहेटड भारत । शवर्गमण । अत्य व विष्ठात अनुहत् । आधा मरशह

একথা বলিতে আমরা ইচ্ছা করি বা; আমা विद्धंत नवारकत याकृष व्यवसा काहारक न क्तु कारम छेरमार मान ७ (कान दकान) স্থলে সহায়ত। করা অভিশয় আ্বশাক। भद्धे करारे यामता बोद्रश्चंद्र अरम्दर्भ जुला প্রভৃতির কল করিবার বিষয়ে উৎসাহ দানের ্ৰথা কহিনা আসিতেছি। মাঞ্চেষ্ট্ৰের সহা प्रकाद क्या भवर्गस्म स्थान द्वाचा श्राह्मक क রণ, উৎকৃষ্ট ভুলোৎপাদনকারীর পুরস্কার मान এবং কোন কোন ছবেন ছবং ऋषिकारण র ভার অহণ করিয়াকেন, দেই প্রকার স্থান রাও প্রত্যাশা করিতেছি, আনাদিপের বা ণিজ্যাদি রুদ্ধির জন্য তাঁহাদ্ধা ঐক্তপ সাহায্য मान कक्कन । भवर्गरमान्डेन मिकटि म्रमधन প্রার্থনার ভ কথাই নাই, ভাঁছারা রেলওয়ে क्रकालधात्री इहेटडर वा। এड किम्मोनिनिर्शत मात्र वाकिरशत कर्तात व धवारण राणिका नाहे विलिहा है हरन এতিভূ হউন, আমর। এ চথাও বলিভে চাহি ना। योगता करन अक्सांक छेरमाइमान প্রার্থনা করিতেছি। যত দিন সে 🕏 শাস্ দান না হইতেছে, ভত দিন স্মাসাদিগের बांविकानित मित्रांच औड़िक्त चामा कर র্থা। গ্রণমেন্ট পুরকার আদান প্রভৃতি ৰারা এতবিষয়ে উৎসাহদান করিতে পা द्भिन मत्मक नारे । शवर्गतम् यिक क्वा এক ব'পিছা বিষয়ে স্থোচিত উৎসাক্ষান करतन, अध्यक्तिल सर्भा करणसम्बद्धानाधि ক জীর্জ্বি দর্শন কবিতে পারেন সজেছ নাই। বাণিক্যই যে দেশের মন্দরের এখা न करतन, छ। इ। प्रकालके बीकात करत्रम । যে জাতি বানিজ্যে রস্ত ভাঁছাখিগের অর্থ बल ७ कमक पानीम विनदम इत । कहानी । विभव चणिष युक्त कारहः अक रेश्ल ७ रेखेरतः পের সমুদায় গবর্ণমেণ্টকে অর্থ ছারুং সাহ: এক । যা করিয়াছিলেন। একৰে আনেরিকায় প্র जि वद मन हेश्लार क्षेत्र ১ ७० (क' हि के का बाग চ্টতেছে। বাণিষ্যা হীন কোন দাতিব ঈতুশ

(महिद्रा भरनदक किकांगा कहिएक शाद्र এম্ভ অবস্থায় আম,দিপেয় - দূর (पट्न वाशिका कहा मद्भव कि मा ? हेहाह. छेखा गरे, बार्यंत निकटि छेश्यम श्रान्त इप्रा लाटक कि अकार्य देशमध्य वाह्रि উর ও নি বলিয়ান হইছে শুমন করিতে क्ष्म का ? अवर्गद्रम के यकि यशाई छात्रकत्त्व व मण्ल इंट्रिन, अष्टक्कीव्रक्तिवटक् वर् विका वर्ष कविष्य क्रिया क्रमा क्रमोश ধিপতি পিটর নিজ বার ও নিজ দৃষ্টান্ত चाता क्षकामिश्रदक निष्ण छ बानका नि थार्देश्टरन । এতদেশী ग्रजा निष्का कानिएव न, जाबाद्रा सावर अहे बादभाग्न खदलक्रन ना क রিবেন, তাবৰ যথার্থ সৌত:গ্যাশালী ও ক मछाबान इड्राड भा बारका ना । आमानिरश ভারতবর্ধের বাহিরে কোন স্থানে হিন্দু ও মুসলমানদিদের ব্যবসায় আছে 🗸 উপুসং रात कटल पांगामिरशत वख्या वहे. या মরা গবণমেন্টকে সাহায্য দানে অনুরোধ कतिनाम वटहे, किन्नु अटन्नीरहृद्ध। छैट्याः श्री नो इंदेरल कथन मिट माहासा लाएक नमर्थ इंटेरिन ना । व्यामता भूनताथ क्रिका मा क्रिडिছ, हेर्डां बाद कड किन इन्ह शन नि मह्युक्तिक क्रिया प्राधित्यम -

> कारा देख असुद्धानगाती जान भिद्राव शक्त नवन्त .

১ল। মার্টের ইতিযান নিরম পুলরার ব্দপরিকর হইয়া সমরভূমিতে খবতীণ হইরাছেন। এবারে ভিনি একাকী নচেন এক জন পত্রত্রেরক পশ্চাতে থাকিয়া ঠ-হাকে অভ্যাদান করিতেছেন। আমরা ক্র (भेरे । याषात्र । कारधामीश्रम (मधिर्ड 💎 हेर्छोइ। अज्ञुष इत्रा घरेन प्रीक नहर শ্বভাবের বিষ্ণুক্ আচরণ করিছে গেলে পিত দ. ম কাল প্ৰকৃতিত্ব থাকে না।

্অনুচিত অনুভাৰকা? ব্ৰেক্ষা ওত হাদি-কালেকে ।তে সকল বিষয়েই সহায়ত। করুন। কাভিডেদ অহুপ এ, ইমনাম গত দোষ। গের সহায়তুত ইপ্রিয়ান মিরারের ছুর,তিনি

त्मारमस्ति। स्थान त्याक्षण्येरकटकः वर्षेत्रकत रक्राक्रम क्षित्र मान्या काम स्थान क्षि नाई रवासार केंद्रितियान जानकेंद्राण करिया িয়া ইউ সাধন চেকা করিতে পিরাহিলা-म, किस क्राम (मिंब्ड) हे ऐसे मा क्रेश क्षानिक विद्यालक किन । येक क विश्वत्वत्र क्या (मालक कड़ा पारेख्या, छंडरे छ। हामिरभ त स्वारम अम मृष्ठत माल वसमूल स्वे-कार । केंद्रिनिश्तत खेना जाएक, र य विवास अधिकंत्र आर्थिक छैनिय्व रहे, भारतिनात्म डाहाबुदे धेन्नडि हरेश बाटक । व क्षि छेशिष्ठ बिगत अरे दारणात छेमा क्त्र वृक्त नदक, छ।का छ।कारा त्रश्वाम बन्दकः द्विद्य शाहितकाष्ट्रम मा। य य বিবৰ বিশুক্ষ ধৰ্ম, বৃদ্ধিত ও ধৰ্মনীভির অ मूत्राविक, क.रारे थे बाटकात छेगारतन । बाटकता व अनुक्षान क्षत्रक लहेता विवादक अबुख इरेग्न'रहन, जाहारक कि विसक वर्गासित व्यमुद्रमाणम् श्रम्भ व्याटह न मास् ह डेक, जामानिकात अधन धक धक वास (याम स्ट्रेटकट्डू, स्नामझा अधिवत्त्र इंड्डक्न ना कतिराम आक्षिमिटशत त्रशानुदार्थ हु म ए हेश इस इ इं.हाजा करम व्यापन मिरशत ত্ৰম আপনায়া দেখিতে পাইছেন। ক্ৰ ভ আমাদিপের সম্ভ উপস্থিত হইয়াছে, মামাদিলের কর্তনা কর্মও আমাদিগকে ेषानीन क्षेत्रिटक पिटकटक् ना।

আন্তর। লিখিক অভিনিবেশ সহকারে সলা মার্টের ই**ভিনাম মি**রুর পাঠ করিলাম পাঠী বোধ হইল, মিগুর সম্পাদক কেবন যে আমাদিধের অভিকাশ বেটো অ মর্গ (क्रिकृतिएड शाहिताल क्रमद कर्ल वर्गन कत्रिशास्त्रम अकलाही वनः जल ए थी। मा) क्षेप्राण्डम अज्ञाल नरह, 🗺 যে ধর্মের উপ্রাসক বলিলা অভিযান ১। ग पारकां, हेन स्टबंग्स वर्ग तुनिहरू शः शिक्षित्रांक्षां, संख्यां काकिए सं श्वास राज्ये (गा) োর আনক্ষ ছইয়া পাকে, দেত যদি উছ্ য়া থাকে, বেইছপে আল'দিবেয়া বৈদ্ধিকি

शनका शांठ कर दक् र स्वर नहेशी आ क्षाच अध्याम कतिए हात्स्म, क्ष्मम, छा कारक दक निरस्थ कतिरकरक् ; क्रेबरसङ्ग बि কটে ক্লডজতা একাশ করিতেই বা কেবাৰা বিকেছে: বিশ্ব ভটিমিন্ত ভাতৰৰ্গ নাম मिश्रो घटा चाएवर कतिहा निदर्शक अन्ता অনুষ্ঠান কেন? উহা ধর্ম বৃদ্ধিতে অনুষ্ঠিত হইদেই শরিণামে উপধর্মে পরিণ্ড হই दिकारक मार्थे : वार्थात्व किसिय वर्षे. पार्कारम ७ व्यनुष्ठीत्म এक्ज मिलिछ, मिर् श्रारंगरे डेनथरचंत्र धकाधिनका । देखियानः शिक्क जामाविरशत करे यास्त्रवा शदिक्र है **ब्राम माहक्तालंद (भाष्ट्र राजन नाई, ना** কর্মন, তাহাতে আমর। ক্ষতি রক্ষি জ্ঞান क्यि मा, मात्रश्रकान भावकान आत्रानि ्भन्न अधिकात्र वृक्षिणाट्यन माम्सम्मास् । আমা, দধের এই অধিকতর কোতের হট তেছে বে সক্ষান্দক শহিত ভাবে লিখিয়া ्य चाट्याम क्रांत्मान (निर्दर्शन नीत्मक কি >) "ধর্মের অংশ। ই মাপার, "আমার যত উল্লুভ অবস্থা হয়, তত্ত আহে: প আ (बोक ७ धर्म क छेत्राधद्र त्यांश क्य । » हे काई कि छेत्रक निशुक्त द्वांका वर्ष्यत चनूरवा বিত মত , ধৰ্ম ও আমোৰ প্ৰমোদ উত্য কে একম মিজিত করিয়া সম্পাদক কি এক বিক্লত পদার্থ প্রান্তত করিছে চাছি (डाइन: राष्ट्रापातन्त्र अक्षण **चासु छ न**र শ্ব ্ৰোধা হটতে এইল বেখে হয়, তিনি श्वनिगाटहर, " आंत्रांष करमाम সমূদ্ধ চওয়া উ,চত। গ বোধ কর এওস্ল इक्रेंग्ड्डे एँ:हात भी नश्कात स्विताद्ध । বাহা হউক, ধশ সমন্দ্র শব্দের ধর্ণে প্রতন্ত্র। इतक यम वार्रभव नाम अयंति धर्म ७ অলে গ্রেছ উভরের মিশুণভাব व्यवं नाम । केंद्रक भएकी व्यक्तिक केंद्रक केंद्रक चार्र दहे. रामन काल किरान उदक्षे 🗷 त्यम मारे । आधारी भूत्यं वर्ष कार्र लिखि । सितके अवृत्ति गरूक न ग्रिशतक । ७ रिका হিছবিৰেচাল ভার শ'লিত ও চালিত ছই

WICHT MICHIEL ST gran was Aussociated (ल काल करमान शहराहरेने का अधिक बादक महा। मन्त्रीकृष्ट मगण भारतात्र कहे पार्वहरूक्ष ক্ষেত্র করি তেত্র কা পার আধোদ এবাদ

চেকা করিকেছেৰ জের মাণ্টাক্র . देखिशान सिर्देश भागानिक स्थान न तम । जनकः व्यक्तिः दस शहरून, छात्रियदम अवस्थित यह क्यांकक व्याक्षांचवीहकत व्यक्ति रहेशाह्न, किन्द्र नाहारमान् विली जिकार्थ कारमङ अनुस्थि किसार्थ वहरम खारकता निकारी मुद्देश त निकटि वार्ष्ट्रदेश कहर त्र कार् जन्मत्वा क द्रह्मम् । जन्मासम्बद्धाः त वावका क तिला किटल है सामग्री हरे। अवस्थिक क्षान्यता किर्मिक व काल अकालंकतिशाहरूम । क्रांदो . अले तिराज शारतम, जाम्हिन्द्रम् 🚉 🚉 किनि बरलयः द्वास्पर्यकः सम्बद्धाः है न्नार्कीकट्ड गटकान्नीह श्राह्मके चारह, चामहा मा स्विता सुनियं अकाल विषद्भाव केद्राथ क्रियामिकाम । 🚊 षा विश्वार्थ । उत्त प्राप्तका अवस्ता मामिएशत एक्स कालवार्क वक्षी है। है केत्रिय कतिहरू शक्ति, किना-सुवस्ता _{विकास} भिल क्रेम. जाक्रममाम क्रेग्रहरू, জামরা ব্রাক্তিগের অন্তর মূজন नुष्ठान कि वि बाई, छाइएछई जाम _{गृहि} করিয়াছিলাম, প্রাক্ষাদিগের পূর্ব পু Gबद्ध अहिन्द दकार अम्म रं करि, कें क्षेत्र में कन्नहे खडम विति। एष्टम, क्षेत्रि है इस् चौडांदी प्राप्त के वृत्तियात महिन्द्र । मापिरगढ़ के बहुआ क्यार्थ संस्कृतिसम्बर्ध धादन कारन । अहे (व'ध कविमा वनाका ত্রাক্ষণিগের পূর্ব পূর্বভাছ **দর্শনীনর কৈ** भाक ए म स् बेग्र हिलाम। "优革

সেনাশ;ৰীয়া বে অনুষ্ঠিত আনুষ্ঠান প্ৰাৰ ক ক্ৰিভেছেন, ভাহা বৰি সৰ্বত্ৰ আন্তৃত্ৰ ¹⁹ मेर्किनकात मात्र कात्रकरार्वत्र अर्थ िनिर्दे स्टेटर विकास आमहा त्य जा শ্রিরাছিলান, ইতিয়ান বিরর ভাষাও व्यापनामम स्वित्व भारतम नाहै। वैनिद्दित्तन जाउन्दीनिष्ठ धक गहुजा

नडावमा नाहै; ज्ञा, भामता वर्ख विवेशिक्षानितात विवरत तम चन्ना कति हैनाम दिला ७ बाउक्वामि किंदू नह .७ नर्द्य लाक त्यारवार्य छेक अपूर्वाव ্ন **কিন্দাৰভিত্ত করিভেছেন। অ**ভএব मार्केनिके क्रम खूबी बाद्र कतिरवम ? जामता रं कर्व ही खाषाचिरात्र विवदसरे रा भन्ना লামনাংলাম ; জাহারা অনুচিত অনুষ্ঠান চুরীবলাররিবিধার অভিপার ব্রিডে না रांडमञ्ज व्यवभाकर्षया व्याप्य नमारतारक् 'ব ক্রামিন অনুষ্ঠান করিবেন, সুভরাং র্থা ं गैं किका । सरेता गारेटव ।

র দলের গ্রাম নিরর এক স্থানে লিখিয়াছে ু মরা বরা বিবেব বশতঃ ব্রাক্ষণিকে 🦳 ানুভারতেছি। যাহার অনুষ্ঠ ও অপক ান জানুষ্ঠানের সপক্ষতা করিছে প্রাকৃতি 🦈 উপায়হ, তীহার একপ অনুমত সংকার त्थनी उ चाण्डरगाँत विषय नरह । क्ष ब्रिट्ट बामना जुकीखार बरलदनरकई

🔭 ७ वर्गम् विदयनमा कविलाम । (अर्के क्षेट्रेट्स मित्रदत्तत **এक्**षे भत्न की ब्रिट्डर्ड् वादगात छै:सर' ना कतिया अ क्ष ছট বে **উপসং**হার করা বিধেয় হ**ইডেছে** कानि यालन जानतः आधीन चाह ब के ह्यांचित्र मनक, अञ्चव उरमः प्राप्त ^{গ স নে ত}ুর **হাজি আ**মমদিলের কান কথা ी इस, बंधिक नरहा अहे दल्यांकी प्रविद्धा } न हिंदुशादिशंद्र अक्छि शण्य भावत ३ हेन्। - সন ত্ৰ**ৰ উৎসৰ দি**বলৈ এক জন আধ क इति नथं निक्षा यादेखिहिन, भरवत हुदे ्र हुन्द्रभ्य मर्मामार्थ ए। जकत लाक म े ए। जमत व्यमूक्रामारक छ। हात्रहे अक सम य , दिन बरेग्राष्ट्रित ए डार्गानगरक केलि

য়া কেলিয়া দিছে লা,গনা ভাষা খেবিয়া এক अपन (मई भागनतक व लाल, रक्यन रह ভূমি ভ বড় খারাব লোক, সকলতে এমন করিবা কেলিয়া দিভেছ কেন : ভাহাতে भागम जेखन कतिता, खेनाता भागम, चा ৰার কথা শুনে না, ভাই আমি কেলিয়া দিতেছি। আমাদিগেরও সেই ৰূপ সুট ना रहेबाटकः। याँकाता ध्यकातास्तरत समर्थ কর অনুষ্ঠান য়কা করিতেছেন, জাঁহারা नमाज नश्कांतक ७ केशत्रजावानम हरेल ন। আর আমরা ভংপরিত্যাথ করিয়া উঞ ত ধর্মের অনুযোগিত উন্নত জিকানুতান প্রবর্ত্তন চেক্টা পাইকেছি, আম্বার অনুদার रहेनाम ।

जात क्षेत्र करण देखियान वितंत्र कि ঞিৎ উপহাস রসিকতা প্রকাশ করিয়াছে न, डिनि बटलन, " आमहा (मामशकाभ गम्भाषक) बात बात शतास क्हें एक हि. তথাপি আৰ্:র ভীকু স্বভাব ৰাখালি বাল क्ति मात्र कहिटाहि. देक भन्नाकत्र कत मिथि। " हेरांत जात कि छेखत निव : श होश खर्ने ७ मामान भूमा करव, छाड़ाचि ৰাপি ভাহাদিগকে কি ভাষরা পুনঃ পুনঃ তৎপ রতাগে করাইবার চেন্টা পাইছে,ছ ना । नन्गांतक कि जात्रानिशस्त्रकन्नात्त्रत माप्त छत्रवाति धात्रव कतिएक क्रावन । भा माबिटशंद मह्लट्डमहेबक माम अनुभन्न क नवल ।

अच्टल बिह्न जम्मीम्टक्त निकटी क्टब्रक्ती अल कड़ा चारमाक त्याथ करेल। যে অনুষ্ঠান ছারা জগতের অপকার ভিন उपकात महादना मारे, जाई। विसक बाक धर्मत अनूरमानिक हम्रेटक शास्त्र कि ना किनिय बाच कार कथानिय स चनुष्टान শারম্ভ করিদাহেন, তন্দারা জগতের কোন উপকার লাভের সন্তাৰনা আছে কি না প্রথেরক ঐচ্ছিক ব্লিয়া বিদেশি করিয়া

हिंग, क्याक्रवराज्य आवणाक्का कि ? केशि चिड जमुडीय कतिया द्यारकता कि त्यान छैन्। क् हिन्द्र प्रस्त चानिए गानि क्रांट्स्य ३

क्ट्रम्भीप्रसिद्धाय मदलक'व बहैवाज छेलात ।

गंड बाद्ध रक्तम् अवर्निक बहेत्रांद्धः, छचा রা স্পষ্ট দ প্রবাশ ষ্ট্তেছে, বস্ত্রা বে দেলে वान करत, ताब स्वर्भत करा, बाबू व वृश्विका मित्र थेन स्मान रह इ नवल कान्य। हवीन वह (१) वक्षास्तानंत अहे भन्नतं विवादः वक्षावणः দোৰ আছে, অন্তএৰ (২) বছজেশবাসিদি भारत कि मनलकांत्र बहेगांत्र छेशांत्र बाहे ? अ প্ৰশ্নের উত্তর এই হুনতে পারে ব বললেনে-त अन वाह् मृद्धिकामित्र निक्षींबाक्त शन दि महै बहेग्रा वाशाटक बीधा हिष्कत थन छेपना एत अवन जैनाव अवलयन क्या वाकाशिक

()) भवाषिक अहे निश्वादीन व्यवद्रा (ए। वजरमभीत वाचि;' वाकेकांत्रि कारणकः छेखन शिक्ष आप्रभीत गाणि, द्वारेकावि त अधिकरत । भीषंत्राष्ट्र इहा रू न' 理に4 >

(२) वसरमध्यत ज्ञा वाडू मृश्चिमानि व निसींगुक्त, जाश काशत कविविष्ठ নাই। জন্মন্য ভাষা প্রমাণ করা জনাব-শাক, কিন্তু এ শ্বলে আমরা চুটী বিবংগ केल्लब ना कतिया कांच बाकिएक शांतिना না। যাটি ন সাহেব বলেন যে যোলগদিংশর ब्राच्यकारम स्व न कर्षहाद्वी प्रवाहेश्वरणत रहा (१) पडिछ स्ट्रेस छ। साम क्छ निदाद कर বলদেশে বাস করিবার অনুসতি হইত।। বো भन नवारहेता रकावमस्य व्यक्ति खड्डानक द्वा-মনে করিভেন**ঃ ভাঁহালিলের মঙ্কে বং**্দল শ্র্ছ করোবার, প্রেডনিবাস, প্রভান উৎপরি क्षान थवर बमानवूक विलिश हिस्स हरेख नक्षीत होनम् मारहत करहन हर वस्त्रकार स्य क्य कतियात कही मा कतिक छाहा छता-नक बद्धक नागा क्षेत्रा किस्टिब ख गुलिबीय म-मक कीमरक काणन मरेकीयक स्तारत था ब क्षिरक ।

পোর উভিত। ভারাজীয় এক, পি. প্রীক (৬) প্রস্তুতির সম্ভারনারে কার্যা করিছে পারিলে दश्राम्ट्राम्य व्यक्त नाष्ट्रत (म:न काटनक गाँउवाटन निवाहक बडेटक मास्त्र गर्डे किन्ह वोश हथि-क्षत्र करवद केरविक इट्या भरक नय । निर्म নতঃ সুৰ্যুভাপ ও মৃত্তিকা ঘটাত লোগ দুরীকু ভ করিবার উপায় এবন গর্মান্ত জাবিদ্ধু ভ তর নাই। এই সকল চিয়া করিয়া কি আনরং इजाम इहेबा निटक्टें अ निष्ति ह इहेबा थाकि- क्शियुत्व कि का बाबिरगत दनवीगांशि র্ভির কোন উপায় করিয়া দেন নাই? ডিনি কি আমাদি:গর প্রতি এত নিদারূপ হইরাছে-च > चौहात ज्यास्य कब्रुवन्यति ज्यामे पिरशत् প্র'ত অনবরত পতিত হউতেছে, যিনি আ হাদিগকৈ পিডা, মাডা অপেকা অধিক স্বে হের সহিত লালন পালন করিতেছেন, যাঁহার অনুকল্পায় সহুখোর কর, মূর প্রাকৃতি সমান चान ब्रांश थाइ (६) मेमम्रश्यानकर्भ मरघ छिछ इहेट्टइ. डिमि कि अ'मांप्रिशंत वनवी शाकि द्वाबित लान छेलाए मध्यक्रेन कतिहा । ब्राह्म्य मारे १

মান্তব অভাব ও অভাব এই উভরের ।
বলবলাঁ দুইন্না বাবতীয় কালোর অনুষ্ঠান করিলা থাকে। অভাবের শক্তি লাভ্যুত্ব বলবর্তী,
ফাল্যাসের শক্তিও বড় ছান নহে। অভ্যাসের বলে মেন, রুব, ও অব সভাবতঃ নিরা
মিব। ৫) ভোজী হইন্নাও মাংস ভক্ষণ ক
রিরা সুস্থ শরীরে, থাকিতে পারে, অভাবেব
বলে সর্বালা পীডাকর প্রার্থের আন্তাপ কই
নাও বেবর প্রস্কৃতি সুস্কায় দুই হ্যু জালাসের বলেই এডাকেশীর বোলির। কঠোব গোগ্

(৩) সাঁধনে সমর্থ হইতেন, অভ্যাসের বলে পারস্য, চীন, কালিকনিরা প্রভৃতি দেশীর লোকেরা (৭) গভীব সমুদ্রের হার ইন্ত নিয়ে অর্ড অন্টাকাল নিম্ম আছিলা মণি, মুক্তান্তি সংগ্রহ করিতেহে, অভ্যাসের বলেই এক নমুব্য শিশু পার্লু প্রকৃতি (৮) লাভ করিনরাছিল। অভ্যাসের এতাত্বল পরাক্রম বর্ধন নমুম গোচর হইতেহে, তখন তাহার শর্মণ লইলে যে আমর। মুচকার হইতে পারিম না, ইহা কিরপে সভাবিত হউতে পারে ? এত্বলে কেবল বারোমানির অভ্যাস প্রস্কা করা আন্বাদিরে উদ্দেশ্য নর পৃত্তিকর আহারান্তির সভ্যাস প্রস্কার ভারান্তির

নিবাদিন ভোজন অপেকা সামিব ভোজন বে অধিকতার পুটকর তাহা প্রায় সমুদার পালীরবিধান বিং পণ্ডিত বীকার করিয়াছেন কিন্তু মন্তব্য অভাষতঃ নিরামিক ভোজী অধ্যা নিরামিক ও আমিক উভার ভোজী এত বিবর সাইরা বহুতর মৃত্তেদ দুই বয়, নিরামিক ভোজন

(৬) বোণীয়া যে কেবল জাত্যানের বলে

আত্ত কপে যোগ সাধনে সমর্থ হউতেন, প
ভালিখিত গ্রন্থ পাঠে প্রতীয়মান হইবে।

শ্রে, ট্রিক সন দি বোগ কিলক্ষি এন,

সি পাল সব আসিই'ন সর্জন ॥।

(৭) ভিন্ন ফিল্ফফি অফ বিলিজন,

দে) অনেক দিবস হইল আবরা এক
সংবাদ পত্তে পাঠ করিয়াছিল,ব বে এক
ব্যামী কোন প্রবারে এক সমুব্য লিও সন্তান
প্র ও ইয়াছিল। আপন আবক্দিপের স্বহিত্ত ভাহাকে লালন পালন করে। ব্যামীর মুখ্
পান ফ্রিয়া ব্যামীর শানকদিগের সহিত নাং
সাদি ভক্ষণ করিয়া সে বালক ব্যামের সমস্ত প্রতি প্রাথ ইইঘাছিল। যাত্রের নার হত্ত
পদ ভূমিতে নিক্ষেপ করিয়া জাতবেগে চলি
কে পারিত, ব্যামের ন্যায় বাক্লজিহীন
মন্ত্রাদিগের আক্রমণে তৎপার ও লোমারভ হইয়াছিল। কিন্ত লাজ্য বিশিপ্ত হয়
হাই। পীকারিবা এই শার্গুল প্রকৃতি
প্রাপ্ত সম্বানককে হৃত্ত ক্রিয়া সম্বানকরে
আপ্রেম্যাছিল। সণক পথিত্বৰ শ্ৰহ্ম কৰিছিল কৰ্মী মন্ত (১) বৰ্ম ক্ৰিক্টিক লা সে মন্ত্ৰী এইঃ—

" नर्मार लक्ष्मी उपका मण्डाहरू, धौर्यप्रश्नेत्रं নোপৰোগী ৰলোধপানক আইন रहेवा बादन अकातकरदेव के रगायम, कथुनाहि भन्ना औँ भन्ना क्षमात कम मुन प्रभावित के बहुन कि मार्ग करगका मंत्रा के केंद्र प्रतिनि রতবর্ষীয়দিনের শরীর কুছ ও সং अवर निवर्गक्षित्र भौरते आधाव किहै वत । » व देश्टब्रकानिटकत टक्न केंब्र^{हा क}रती. जे ८११मा भीष्यं, एचात्र भंगी कर्ति हैं। महिनामि भारते प्यापिक बांध्यी और कि विक्रि गरे **कारोरक्त अधान चोटा । चेत्र**ीकृति দেশ ভদশেকা উক্তম ভবারণীয়ন্ত্র बात्म, रहमन गाउँ वर्ष मा । तर्हे रहिन् हा कांत्र लाइक देश्टब्स व वेवेविदेशक के व्यक्ति অপ মাংস আহার হয়িটোট গটড়া कांत्र थाएक: अक अब इविश्वासी दनन, इंस्ट्रबंटकेश वर्ष वर्षने व করালিরা ভাষার বর্ড আইন স্থান केल्द्र नंशांभानश्चन कींद्रवर्की भ श्रातम जन्यः अ महौत्राचीरहत्रे की भानग्रामि मना छैरला स्थ मा । न्छंदी क्या क्या वहारी क्या प्रमुखारक करतः। जन्मेत्र स्थानः क्षा मुलाहि সেইৰণ শীডের ঞ্জাবে জাবে क्रडिट रह मा । अद्युक्तक्क विकटा সকল ব্যক্তি ভবার প্রম করিছুট

(३) अहे मछी। प्रे प्रस्त मित्र । विशेष प्राप्त । विशेष प्रस्त । विशेष प्रमाण प्रस्त । विशेष प्र

ভাজার ট্রাদের ছত কালকাতা ইলো

 গ্রাফি নামক পুত্র দেখিবেন এবং ডাড্নর

 নশ্মণ চীবস এডফেনস্থ সাধারণ অন্যদের

শারীরিক ক্সব্রুচা বিবরক বে প্রস্তাব বেখুন

নোগাইটিডে পাঠ করেন ভাষা দেখিতেন .

⁽৪) প্রকশ আম লাইক ইনপ্রাক্ত না.ম পুরুষ পাঠ করিছিল।

^{্ (}१) বাহ্য বজর সৃহিত মানা প্রহৃতির স্বন্ধ বিচারের প্রথম জাগ ২২৮ ও ২০ এর পাড় বেবিধের।

श्वानिकाषका का मृश ७ मना गाहि क्षित्र के । स्थित वा रत जाहात , जावतपूर्व ार्कित। ये मक्त रिष् द्रांश द्रां-ुवाल जुनुगुल नस, न्दी क শ্ৰী জা বুওৱা বাব) ভাহাতেই লোকের व्यक्ति । जाराद्वत् मध्याम् स्त्र । जाराजा शक्त विकृष्य सङ्ख्या **प्रक**्षिक स्तिता वि व भोजमान, जारा जशानात्त्र बर्टित्रत्रेष्ठ। द्वारांक्षेत्र कटत् (>) । १ वर्डे वज यान द्वीड्र अविद्यार्थ वित्रापि त्यायन माबे, र रमन । ता मक्त त्वरण ममानि स्वीनिज्ञाः व द्वा. इदि मक्ति नन्नाः वृधियान সঙ্গ প্ৰ গৈ ছামে অবস্থিতি করাই বা ভাৰার ট নিছ ১৯ - ভবিখাতে বিজ্ঞান कवितार गुड़, क्षांक्रकीय वहेता ता नवन | कृतिसा विश्वास (कांकी शक्तिमित्रत वान व्यवस्वतं काल्यम् वाचित्रं नरहा अकरन्त মাৰ্ক অভিনয় শীতন দেশের भातिया । आदिश्यम् वय, दारे खेटे अहे ঐ সক্ত্র এবং গোলভার মুখেই উৎপর क्रीका में इश्लोड़ अब ,क्षकांत्र शहिन करण, ें हैंपिक शान कहा बाब (३३)। र 🔻 আন্দ্র উত্তর গলের মত উত্ত '^{मूर} नःविवास जानगांविरात वस्त्र I TECT

> कित भूषक च भिक्ति।
>
> किताजा नरफ खकारमरमात किलि
>
> काउँ राम नारस्यत स्कारमंग्री म त्रामी प्रमुखाम। देश माध्याद्याद्वात र्ज्ञामी प्रमुखाम। देश माध्याद्वाद्वात र्ज्ञामी प्रमुखाम। देश माध्याद्वात र्ज्ञामी न्याद्वात माध्याद्वात प्रमुख्या कि-नित्रक कन, 'उरकारम किनत प्रमुख्या क्रिक्त क्रिक्ति के 'से 'प्रमुख्या माध्याम माध्य

যাম্বতর সৰ্ভ মানৰ প্রকৃতির

শ্টির জন্ম বিচার: প্রথম জাগ ২০০ জু

. 90

414.

ক্ছা

আম

श्रीमान्या ।

हारक्षत्र । कांबेरक्ष्म नारश्य प्रकृष्ट व्यक्तारेयक्ष भावाजारम जाहा क जिल्लू क कद्रिहारक्षम ।

চার্কাকের। পৃথিতী, জল, অধি ও বার্
এই চারি ছত তাঁকার করে। ভাহারা বলে
এই চারি ছতের বোগে দেহ ছাই ও দেই দে
কের চৈতন্য শক্তি উৎপদ্ম হয়। ভাহাদিবের
বতে দেহাভিরিক্ত আত্মা ও লোকান্তর নাই,
এবং বাগবজ্ঞাদি জীবিকার্য হুই হুইয়াছে।

त्रश्यक्ति देवज्ञानित्रात्र भारतीय अहे महाज त एडि करतन विनया निर्मित्रिक हहेताहरू " ठावीक म अभी भाषात्रम मरख्या। अञ्चलको वनश्री यावकीत व्यक्तिक ठावीक वाल वाल अकर मह्यमात्र क्षयक्तिका ठावीक वाल अक वाक्ति हिलान खाद्यात नाम हहेर्द्ध माधात्रम नाम हहेताहरू।

২। রহস্য সক্ষর্ত। ইহা একথারি মাবিক পত্রিকা। কলিকাতা ভুলরক সোলাইটা
ও র্ডানিকিউলার লিউরেচর লোনাটার আদে
শাহ্রসারে ইহা প্রচারিত হইতে ভারেত হইয়াছে। বিবিধার্থ সংগ্রহ রক্ষতি পুরণ করাই
পত্রিকা প্রচারকদিশের উক্ষেণ।

প্ৰথম সংখ্যামাক্ত আম দিনের ম্প্রগত ष्ट्रेबाट्ड। ज्यन हेशब खनस्मान विकास कति यात्र आमामित्रात हेका नाहे । आमामि নের মতে একখণ্ড দেখিয়াই গুণ দোষ পরী ক্ষাসংহস স্থীকার বিধেয় নব । গুড়ের আংগা তত৷ আমরা ইহার প্রশংসাম্বলে এই মাত্র ৰলিতে পারি, লেখকেরা যদি অধ্যৱসায় স म्लाब हर, कारब हैदा विविधांत गरशहदूत शह প্রাপ্ত হইতে পারিবে। এম্বনে সম্পাদককে अक्षी दिवदम् मावधान कता आवानक २१न, তাঁহাকে কিছু 'অভিয়চনাগ্ৰিয় বলিয়া বোধ रहेटकरहा " कून! कि ? व कहे निस्त्रामाय क्रिया ৰে প্ৰস্তানটা নিশিত ঘটনাছে, ভাষাতে এম नि चर्डिव्रह्मा श्रिक्षणा श्रामिक क्षेत्राटक रव मून क्वाइ क्षम क्विहाइ। श्रहाद श्राधक ক্ষাকেই রাজ প্রসাদ নিশ্মাণ ও রাজ্য জয় नित्र त्रष्ट्र विनित्रा निर्दाण कतिवादस्म । छेरात হেতু স্বভন্ত। যেকুপে প্রস্তাধের উপক্রম উপসংহার করা হট্য়াছে ভাষাতে এবানে क्षा नटक हैकाबाक वृक्षाहरकार मा

१ । एकिमाना । देश क्षिकाका क्षाक्रमश
 अ १३८७ नारमगद्ध श्रुडिक स्ट्रेंश - क्षानिक

ব্টবাছে। ইবাজে ঈশবের উপাদনা প্রার্থ। ও ভড়ি প্রভৃতি আছে।

WINE !

२३-व योच यक्तश्रोत् ।

অগদীৰনের কি আভগ্য হৃটি। ভাষার एडि३ विषद्र भर्गारमाध्या कहिरम रक मा वि वाजानात बरहात : कुष्टिहा बहैरफ छान्ति। ६४. चिनांव चीरशत नाम अक अक चानि साव . **छडिव नकति क्या ७ वक पू**षित्र शांत्र क्षान्त्र **४३। अथारन आवाहिदभद्र चाह अथन श**हि नात 😉 बसुवाक्तरिशतात स्था नान सहि। अधारन ज्ञांन क्वम अञ्चितिकोत महिन পরিচর হইতেছে ৷ অজ্য জাবাখ্যা নাবক এ কটা ক্ষুত্র ৰক্ষরে রাত্রি আভিবাহিত করিলায়। ৩০ এ বুধবার প্রাতে প্রবাভিদ্বে গ্রহ কারিয়া পাবনা জেলার অভগত নাজিরগঞে উপত্তিত হইলাম, তথার শুনিলাম এছল গা CEC वज्र अक्षेत्र नीत कूठे। अवश जीनकङ्गिशान রাখ। অহসারে তাঁহার প্রভাদিশের প্রতি 🗪 ভ্যাচিত্র করা সাছে। এখানকরে স্বল বায় ওত উৎকৃট নহে। ইহাব নিক্তি কাষায় ষ্টি পনিকেট দেপুর প্রভৃতি কতক্তনি अभि मीनक्त ७ कांत्र अक्षम्भदेव भक्षमि दर अतारक अवामितात काकाय कहे हहेग्राटहा এখাৰে কুষক ও সামান্য ভাষদায়ী অধিক, চাক্ররে অভি অপ। দেখা ৭ চার অপুনীলন নটে ব'ললেই হয়। বুধবার আমেনেচে নাৰক স্থানে অৰশ্বিভি করা হইল। ১লা কাছন इरुष्णिकियोद भावता इक्षिया वसूना विद्या क রিষপুর ভান মাতে রাখিয়া চাকা মেলার खारतम करियाम । अन्ता (शायान शानाम ज विद्विति रहेन । ६ हो काञ्चन खक्रवाद्व (नीव) माष्ट्रिया पाषिकनारम क्षेत्रीय व्हेताव ,

अहे कारनक छिएह तीना सालीव, शास्त्रव नवधान, मस्मिन बस्त्रवाम, शुरस परमध्ती नवी अहे नहीं क्यून। हहेरड निश्च हहेग्र नावाद क सूज्ञर्बर हिंद्रा वृद्धि श्रमाप्त शिंद्र प्र हहेबरिए। अधानकात्र स्मृत राष्ट्र प्राच्यक्तः, स्मृति वास्त्रवाद्य । वास्ति मरपूष्ट मधीव सन माविष्ठ हहेब्रा सरमादश्री स्वतं प्रकास वास्ति ।

क्रिकाडी वरित्र किचिए मानिकाम

थानात्र व्यक्ति अन्दर्भ यत्र यत्रीकि । यसुका गरवार्गः सीड ७५२० : क्रीक्सारतं गरवार्गः ২৮১ এবানে হিছ মুলন্বান ছুই প্ৰয়ন্ত जाकि गांग करत । क्षत्रदंश रिक्ट्स कार्य क विक, कृत्रका निकास गतिकाय गतासूत्र महरू। क्षिक न्यार्किक स्थाप योगाती, श्रणामा कामहा अवर ८ जाना रहाक हवि क्या कृतिया सीविका निर्दार करते। अधारम जरमक मश्यकान द्रवाक आह्म बंदेंगे किन्ने कीशेया गर्नमा बांगीएक बान कविटल भरित्व में किया देशाने में विक क्षेत्रकि क्रेट्डिट्ड् मा । व्यवस्थात व्यक्तिश्य लोक विष्यनीष्ठतिर्वाष्ट्र महिन्छ কথোপকথৰ ক্রিডে ভাল বাসেন। রাজা বাট প্ৰভৃতি কত উৎহুই না বটক ক্ৰিয় গলে मानाविष अर्थे विकयं हरेग्रा चारक। ऋत्वदकरे चावार संदश्चन कार्डिटेन यानके व्यथिता ইট কি এই কথা কিয়াসা করিতে এবং

वंदे गटक वयर अस स्ट्रेटचं , श्रेष्ट्र वक ক্রোন অন্তরে গ্রেটেট সাহায্যক গুলী हेरदब्रे**को बांकाको विकासिय फोट्ड**। शहस्त्र ষুনট সংশেষাকৃত পূর্বে হাশিত। আহি थार पूरे पंकी वामकनिगरक गरीका कतिया क्षियाम विद्यागद्रवैद्व राष्ट्रम जैवकि यापन रम नो है। श्रुहर्य स्थ नकत निधान हिस्सन ঠাহাখিলেৰ ছাবা কিছুই হয় নাই ভৰে **अकरन (व पूर्व क्वा नियुक्त ब्हेश्वाद्यन कैविता** देविक क्रिया क्रिक्ट भारत्व। विज्ञानत्त ৬৮ ধন ছাত্র কাধারন করিতেছে। ভার্মা ধা বন ভাগত ছিল। প্রার অর্থ ঘটার অংখিক হইতে ছাত্রদিলের বিদ্যা বিশয়ে উংদাঃ বৰ্ধনাথ বক্তৃতা করিয়া তথা হইতে বৰিপত হইলাম। বিভীয় স্কুলটি নিভাপ্ত ম**স্ক** নকে গঞ্জের জুলের শিক্ষকেরা আমার সহি अङ्ग्रिक्शक क्रिलान । अभीतन अक् है जोज कुठी आहा । कि शि खब्राहेन मारहत | कात्रक करता । हेशांत्र मुह्यविवरत्नक नामा कथ है गद्र कर्छ, ' इंहाइ कष्पात्रोबाद्रः क्षत्रापिरम র এতি পূর্বে বেরণ অভ্যাচার হইয়া গিরা ষ্টে এখন জন্মণ হয় না। এখানে জেপুটি माज्यित्रे । बुरनारकम् कामाति, ভाक्ता (**जन जन्हें याना जाटहा डिः मामिर्डि**डे ৰিদেন সাহেৰ অভি ভন্ন লোক। ইনি এ

्यारम क्षाम व्यामिशास्त्र । त्याप कवि हैशाह गाँबिहादत बादम मक्टलहे मुख्के सहेदछ शांदत । चंदन कानगाविद्यतः (नगरमः वा महोकः) बादक केक चारह। अधानकात क्रिक्सिकानीह গেরেডাগারের কিঞ্চিৎ প্রদংসা শ্রাইডে গান उद्यो योत् । स्था द्यान अथ मकाह सून्द्रमक तुक् भाका लाक बहरत : काशाब विकास "स्क हक् कुउँ नरहः काञ्चला नारश्य नारश्रासीः विकार रिपूष्य छै। होत विनक्ष आहा कारह बेंबडे वानिकारक क्षांत्र हिंदून चालिएक व्यक्ति हो त्व स्र वाव वहेशा कार्युटकत विव्यक्त कार्कि व देश विश्वादकः। अयोदनः निवृद्धांति छेन्सदक्र अक्टी त्यमी बहेता बाटक। फाबाटफ 🕒 🗓 🦫 विम नवाड नाना जना विक्रम् अवर नमूद्रवाटकः नवां शव एक । अधारन द्रावस्थः भूमणी नाम् একজন সম্পন্ন বৈষ্যা বাজীতে আভিমি সেবার निष्य कविता विद्यान होक्ये कविद्या शिवा . इन, किन्न वाँडी तकरकतः छात्रा मेल्पूर प्रका করিংডহে না ।

वाव ।

क्षरक्षत्रभूतः। ३७ वे मध्यम्, १५०० मध्यः।

" 🤊 । व्यरमञ्जूत व्यनिष चन्द्राम संस्थित स्वय ভূমি। উক্ত ব্যক্তি এক মুখ্তন ধর্ম ক্রাবর্তিক करतः । छोशं बन्द्रांबहरक्षत्र पर्य बनिद्रां विचरं-छ। बद्धान क्षेत्राम चार्ट्स (व, डेस्स नास्त्रि, वीह ভূম, বৰ্মমান, কলিকাতা, নদীয়া, য়াজসাহী, विनामभूत, त्रमभूत अकृष्ठि कानक विवादिक क्षतिक निया कविया तियाहि । व्याव वा ४ व ८ नव इहेल, यनवाम शक्ति बानयलील। नवपूर कक्षिपाट्या वनदाय ध्ययम प्रांज नायाना लाक हिन। यहे ब्राप्तत की केवारी कतित्रा কথঞ্জিৎ জীবিকা নিৰ্মাহ করিছে। জনবার কোন লারণ বশতঃ নিরুদ্দেশ হইয়া যায় । কিছু ছিল भरत कलागमन भूक्त धर्म खानाव कतिरख बाफ्या कथा क्षत्रिय जाएए। ७३ वासिन बर्बि নারু ভিন দিন অতো ব্লিরাছিল বে, আমি অমূক দিন এডকণের সময় বেহ ড্যাপ করিব। ভখন ইহার শরীরে কোন রোগের চিত্ই ল কিত হয় নাই। গায়ে ৰাজবিকও তৃত্ব থাকিনা পূৰ্বক্ষিত সময়ে দেহত্যাগ কৰিল। ভাৰার

THE PER PERSON कामार कि महीकीक स्रोतन सा वका कडिटन काराब हुन्छ will receive the first बान बाहित है ? एकी किस्ती है en wieft niele best THE !

हेम्बर वरीय गांव की and all the second किनांत । जातहा केल बीटनांक मार्ग्य क्यों मिलानी नीर्ग स सामा ८गाम प्रमुप हर रेक्ट्रारकार काल कीना क वयरीकात करत, अयर अव विशेषको ही भूते पर गाँच चाना ६ स्टब्स् । विश्व हेराना अस् a man applications with निया क्यम अर्ग माना भन्न काल बनिन्न शक्तिकवित्र । अ रक्ट कर गाँउ धानक लाजना क्नाकः 'हेराह्रक अन्तेत्राक् 'क्टा विधित्तक त्रता नामः। मृह्यस्थानस् वर्षः व्यवनाः मृत्यकानातः कालाः व्यवहा প্রকার ক্ষতভাষ্টি, ক্রিরায়ক, ক্ষতভাষ্ট चाड शर्खाक केलाक लाकारक आ किया गरिका त्यत्र अवक व्यक्तिका অবভার বনিয়া তান করিয়া-প্রাক্তি

the state of the s ः हे काहर हाकि काह अवस्थित ने अवस्था नवीरजन्मि सामिताहिक। स्टब्स्य के सामित आंतरे स्वास्क्य तथानकी हुन रहें सह বিলেকজঃ এইবাণ কৰিছ য়াবিংত ব্ৰুদ্ধ मर्पक्रिक क्षेत्राटक अनिक स्वान-वास्त्रिहे का ৰানিয়েয় বিশেষ সাহায্য করিতে শহর _{শতাই} কারণ উচ্চ সমরে অধিকা"ল কোক্ট রিপ্রিয় ইছিল। প্রতন্নাৎ লোকাভাবে বাৰি_{নি} করিটা না পারাতে সম্পায় এশ্য শহরিত গুরু ভার্ম্ব बर्लन बहेता शियादह । याहे स्वीडेन्टेन्ड आन ৩ ৷ ৪০ গ্রন্থ ভিয়াছে : সৌভাল্যের 🗦 🛊 🎻 (व ६क व) किन्न e आ**न, नडे** एन मार_ा

क्रिट्रांड ही दर्गत था। ज क्रिक्र के के के के ा अविषयमी यान आहे । अविषय के ने gre et frai falle fit ettal hau रान क्षेत्रक में बादमंत्र काणान व्यक्ति ्म शाबनाकित नेतिएक सबक्ष करिया रवर महामुख्य नवर क्रिकारी व चनका है। मध्य अर्थ भाकिन नामियानास अर्थ में Icu, at the current will with with ान कडिकारियाना । केक्ट काम अवस्थित संब da effecte actiffenta hill binte. Interel a Matelle Maid alle uten ! Tope acception we all we were रश्या विद्या निर्देश वर्गी केरिक नीर्रेश । एक लाम बुधिव प्रिक्तिपरिका प्रापेत भाषा मामक त वानिह्युक्क कार्नि हुई क्यानिहरूव बहेता निवा-कार के के किए ने मेर्न ने कार्य का विवास त्याचा अवस्थित नवीताम बहेवा थाटक । हेवी-ाननाथा क्रेसि असने महे छैनाविक प्रदेशीरिक महत्वकार्वका कि क्षेत्रिकें में ब्रांकि के व्यक्ति के च्यार्थं क्षेत्रीक्षरम्बद्धानिक सम्मनारण सम्मन्त्रीय wiels, क्रेड्डिक भाषितकर मार्गा ! 'बार्गका ने सब्दे के से हैं देखा है। अब के से से किया है। क्षेत्र देश्या प्रदेश । जास्या प्रति 평 4 बहेर्ड क्षि विकारभड क्या क्यांटन 4144 रका कार्डेटम, **छट्ट हेश्**स्टिकड़-जारता : अध्ययमञ्जूषात् अञ्चल पूर्वमा गर-ষ্টিভ হা না; ভাষা হইলে প্ৰথমেভেরও বহার্যভিলার করা হর।

उन्तर्थानकार जिस अस त्यं कृष्टि कारन क्रेड्डे करने कियुक्त बाद तत्रमाम त्यास कार्यन क्रेड्डा कार्मिक्टल बादेश्यन चित्र बदेशाहरू, असर क्रिड्डें बाद कीननाथ जाला के कारण क्षाकानके बादेश्यकान कार्या क्रिड्डेंड बाद सार्थाकार त्यास व्याप्ती त्यं क्रिड्डेंड क्रेड्डा क्रिड्डेंड्ड क्रिड्डेंड क्रिड्डेंड

৪। ক্ষা একানকার বেজিইরিতে বিক্র রার্থ সংশ্যক ইউডে চারি হাজার টাকাব প রনা জানিরাছিল। টাজার ৬৬ টা পর্যা বিক্রীত ইইরাছে। কিন্তু কাহারা ঐ ছান ২ইতে 'নিরাছে ভাহারাই কেবল ঐ মর

डि. इ. विविध श्रद्याम ! - अ-पार के क बीवन रंगायर के !

विश्वीक्षेत्र विश्वीत्राज्ञासक आश्वीकां किशाहित्य कि विश्वाहित है कि जा किशाहित कि किशाहित कि विश्वाहित कि विष्वाहित कि विश्वाहित कि व

भागित क्षेत्र क्षेत्र

द्वाचाहिता वह कलात विवाद्यात मण्ड के अक चारांची काञ्चक विवादार्थ अवस करता। विक जीवाल क्षकातिक की वेरक्षे क्ष शतिकान न करायक श्रद्धातिक विद्यान कार्या नवाशित क् विद्या चलाव कथा। कना। या क्षितिक नामाना व्या शतिकास क्षित्र चार्मिक होगाहिल। व्या नामाना क्षेत्र, काशी चलामाना।

मह है की महाहि वावजी मामम कर्जाह जावण पहार व्वदेश होना । जीवाह कृषि गाणि
का निका श्रेषकीिक मध्यास वावजीह कार्याहे
जावहरीहं स्थान पन देशपूर्ण वास्तिक अव कार्याहिक स्थान जन देशपूर्ण वास्तिक अव कार्याहिक स्थान जन देशपूर्ण वास्तिक अव कार्याहिक सहस्र जन देशपूर्ण वास्तिक अव कार्याहिकाम श्रेष्ठ क्षेत्रा राक्षात्र, कार्याहिक स्थानिकाम श्रेष्ठ क्षेत्रा प्रधान कार्याहिक कार्याहिक कार्याहिक कार्याहिक कार्याहिक वास्तिक। कार्याहिक वास्तिक वास्तिक। कार्याहिक वास्तिक वास्तिक वास्तिक। कार्याहिक वास्तिक वास्तिक वास्तिक। कार्याहिक वास्तिक वास्तिक वास्तिक। कार्याहिक वास्तिक वा

নমাচার বিজুত্বাদীর লগুনত্ব সংবাদয়তো ব-লেন লেগু সাতের এবন অবধি লাগু ভোলজান নজার প্রতিনিধি অক্লণ ফইরা বিল্লে: বোলজ নাহেবের নাড় নীজকর বলের জেরুংনাধনার্থ নিযুক্ত থাকিবেন। জাঁবার নীলকরের প্রতি থে-রূপ পঞ্চপাত ভারাতে ভাঁচার ভজ্ঞা জনজ্ঞ কার্বে বস্তুক্তেপ জনজাবিত নর।

আগাদী শনিবার ভারতবর্ষীয় নভা গৃছে নব চায়লুন উভকে অভিনক্ষ পত্র দিবার্জন্য এক নভা হটবে।

প্রকাশিত ছবরাছে গ্রণ্ডেই অন্ত্রতি বি না আরাধ্যমের ক্ষিচারিরা ৬০,০৭০ চাকা ইন-কন টাজ আধার করিয়াছেন। ইবাকেই বলে ব্রার্থ প্রভূতিক। नियं निष्यं मध्यात श्रांता विकास्याधिका परिस्य श्रांता स्वस्था

न्यक्रीयाम क्रिक्सिकाने चला शहर हरेशा रेक रम्पीय प्रतीक्षक नजार अक क्षत्र नजा रहेशा-

विष्टेष्ट्रेषीत्रं वादश्रान्य मधा जिन सम मधा वात्रविद्यहर्षम । निर्देशन, सूटमम छ द्याश्राव बादश्य वेश्रात्राध वेश्यात् अमन कविटक-व्यम ।

न्यान्यात्रमम केण जाता स्वातास्त्र कान्य-र्वात वार्यप्राणक मणाव जाना श्रीत श्रीतिहरूणि स्वेत्य अन जन ज्ञात श्रीकृतिर ज्ञानियात श्रा स्वाचन माहे। वर्षत्र स्वात्त्रसम्ब कार्य मणाव-क (क)ज्ञान मनात ज्ञात करा ज्ञान कर्ता कर्त्वना स्वाता स्वाता स्वाता ज्ञान करा ज्ञान कर्ता कर्त्वना स्वाता स्

किंग्रज राजम, जात्र अवसीत द्विष्ठश्वत के जावरणत जारण मण्यूर्व केवारण जात्रीत द्वारणत म केंग्रिक्ष जामाणि रदमस्य गास्त्र अक दिमार कतिरक जिल्लास्त्र । जिल्लाम जीका म लात व्यथान अथान कन्नामित्रा मण्या क कोर्याम अर्थ नका कतित्र विस्तान । अरुपाता राज निव्नाम-क करेरांत्र महाराम।

पितीरणस्केष राजन कर्ज क्षणांशन २ ०० स्व ज्याति वर्षता छा। वित्रश्च क्षणांशन प्रदेश छक्ष स्व भवन क्षित्रास्त्रन।

विकास विदेशन वर्ताम, एउटा व्यथमित्रम विवास दिया सर्वाम विकास विवास स्थापित देशी है देशा है। साथ मार्क विद्यास स्थापित है है हो है। मार्का प्रवास का का विवास विवास है। साथ प्रवास विवास है। साथ प्रवास विवास है। साथ प्रवास विवास है। साथ प्रवास का विवास है। साथ प्रवास का विवास है। साथ प्रवास का विवास है। साथ का विवास का विवास का विवास का विवास का विवास है। साथ विवास का विवास है। साथ विवास है। साथ विवास है। साथ विवास का विवास

२० व कायन महामनाह ।

ate i

छ।का जिल्लेन बर्मन स्मानिय देनिस्मिक्स क्ट्रामयल मि, अफ, मर्पार्क मार्क्व **क्**रामाचि म अरीक खबात खेश प्रिंड कहें। वन ।

ভাগের ফ্রণিকল ধলের মূলতার ভইতে একল্ল পঞ্জাল অসিয়া লাখের ব্যাপ্ত করিয়া

ভিনি ছারে। यहलान ভোষাই প্রথমেণ্ট ভ্রা र शीखित देखेरवाणीविष्टशक खना धक्यी विक-रमानव विश्वार्थिय क्षाप्रांच कविश्वारह्या है। t3 शांत € जाक है।कं वास इंहेरव ।

বাস্থলার পোউ বাউার তেনবল ভুতিয়া ও চয়াভারার ছটা পোট আলিস করিবার অভি-প্রায় প্রসাপ করিয়'ছেন ঐ আন্দিদ ওক্ষণে গ-बीका करम बाकित्य, ग्रेष उलम कुल कावी हत्म क्षात्र व बेटल विवयात्री व बेटर।

মহীকুর বেকডার বালন কুর্গের এখান (Michael क्योकार बालकहिस्तर गाउँग्रह निकी-ব'র্থ একটা ভাষে। কবিয়া ৯০০০ টাক। ভুলিয়া-क्ति । व्यवनिके बारब्र कता श्व (स्थरके विकास त्र काषा आर्थितः कव। स्टेब्राइ ।

ভর্কবাৰ মৃত্যে সন্ধাদ্ধ চট্য সাহেৰ কলি काठाव आजिशारस्य । आवर्षिय स्मायवाय अविध भ्यक्ष कार्या छ द खहर करियान । है ने बहरदान १र्स मन्त्रा प्रकाशिताय श्राप्त श्राप्ति मा इन बहे यामापिश्वं च्या द्वापा

天·峰 事情事 沒年有信!

किनिज बाजन, छात्र उर्धिय नांछ। आइति শাৰাৰণ কাৰ্গোৰ নিমিক্ত লোকান কণ্ড হইতে १८७२ ७२ चारक ७१५४००० है,का स्वता ह-हेशहरू ।

भूमा अवस्थात्रका गरमाम शामपान व राज भूगा . তন প্রবাদ্ত সংস্কার ও সূত্র প্রান্তির নির্দাণে २: ७१७ है। बाह । इस १ है सार्व

জল'কাৰেল সাহেণ কলিছাত'ৰ প্ৰাথ:নভ্ৰ िश्वामात्रम् स्था उत्त विहात गाउँ अवेशास्त । रतकता बरकार, ज्यातारी एर मान नर्यात प्यत्याचा आद्यादम्य बाग्न मर्थक्य कर इहेटन,

क्षित क्षेत्राहरू ।

किनि आद्या बदलंग, महित्रुम चौत्यन निक-टें नि, धल द्रिश्मि नामक का नाक कलमा ह खप्राटक 55000 श्रामित्र भेगा मन्छे कडेग्रास्थ

जिति चारत। ररमम, कांगी शर्यास विज्ञान < । तारक करन 'अरवास चामकानि तका नि क्रेटिन क .म रतअक्षको द**वाल्यां न स**र्गापि काने **स**र क `र" : अजमर्थ क्रिक्शिक्त ।

वाया क्यांचे क्षेत्रेशियम भूटर्शन (को र्यक्ष ध्या हैव निक्टी स्थापन माइबन त्यापन चौडन छेथि है के हैता **হলেন, দুই অন বাজালি ও এক জন** উটাবো িৰ প্ৰভোকে ২০০ টাক প্ৰালান কাৰ্য গেই স-ক্ষে আহম্বাহণ করেন। বাজালিয়া কংগ সংচলে-" হাস উদ্**খাটন কবিতে অ'বস্ত ক**বিয়া'ছন '

ক্ষেত্ৰ প্ৰেটাল ও আৰু এত ক্ষম কৰিছি भव्यम **अस्टिक्सन विश्व**कत निकारि छे रहे के क्षत्रेषा दिक्तितादक विकार मानाम दश्यन कहादक । भावि मा। भ अके नामक दश्ये अ खांदर ब्रह्मत अन वरमत कवित्रः स्माप एवं। छी-द्रावः अस्य वर्षेत्रः तीमहाम स्थान होत्र मानक এক জন ব শকের নাবেল উৎকোচ দিয়াছে বলি हा मानील क्यारक विकास मिन्सिम मधर्मन क्ट्री बरेद्रा ह। स्वया वाडेक, छेर्टकाहमान्त्रः অধ্ব। উৎকোচ গ্ৰহীত। ইবার মধ্যে কাছার মধ্য もかさて マセー

मक्किन महाताः हैं, निक्रय छूजिय बनावश्व म्यू ebatce i

षायर। षाद्धाः विक बहेशा क्षत्राम कहिरकदि मह बार्डेम विश्वात उपना गर्वजन व्यार्क्त छ-र्णवात्र मिव'त्रक्षीर्थं मितिएथय राष्ट्रवास व्हेब्साइम । वक्षः मृत्या चक्रकवा २६ होक। क्र्युक्तां अञ्चलक (बंडरनव बना बाब बन, किनु निक्रत क्रांब क्रांब শ্বানে শতকর, ৩৪ অবর্ণি ৭৬ টাকা কেবল ভড়া-दशांतरवत्र सना वाग्र ४ वेव। चारक । अवे समा जि मि कारी के बाता कार्गा मणा सम्बन्ध कविश्व प्रश्रेष्ठ कडिग्रार्डन। छोड्डन र्यंड म मः। दिवरग्रह शास नःरक्षण वरेप्राह्म, विश्व श्रविषय एग्राव खिला-টিমেণ্ট অভাবিও দেখন তেমনি বুডিছাছে।

घीनरमणीय এक भेत चोत्रः कोनांचा**टे**रल्टास् কোচিন চীনে করাশীর। অভিশয় বিপদ প্রস্ত হই-श्रोद्या । स्माहीन हीरमद मञ्चाह मन्त्रि एक अदिशा भागम व्यक्तिमन क्षित्रांग्ड्या क्षांची दनखरित्र जाराक क्षत्रिक्ष भारत्र हरेल्ड बावडीय स्वामी সেনা সাইয়া যুদ্ধ কৰিতেজাসিচেছেন। আমরা यक बढाक गार्टक विश्व है, लग्न व व्याप स्टेटिंड-ए ३৮४१ चारक जोवकतार्थ वेशव^{*}संग्रह स्व व्य कांच विश्रम क्षेत्राक्ति कवानि मध्यत अकत्व वन शास दमक्षकान इनेका इ कहानी मुगुर्छन छेन-निरुक्त माकाख प्राक्तनी कि छेश्कृष्टे वर्षे किन्द একটি প্রধান দোৰ লকিত হউতেছে ভিনি এক अधिक कार उरार्वर ना वि धक ब्रह्म मान कि थिकान कविएक हो विस्कृति ।

২২এ হ্বাস্কুন মুহস্পতি গাব।

Catai है (अध्यक्ति बरलम उत्तका महा ध्यका-मात्र मन्त्राप्तक व मू कर्षनकाम मूलकी बनाताक ষ্টিত বিষয়ে অভিশয় সাহস ও অধাৰসায় প্ৰৰ শ্ৰ ক্ষাতে ওঁচাকে কোন অৰ্ণীয় চিছ্ক প্ৰদান क्या व्हेर्त । छतिमिछ धक मछ। बहेन । छरक-नार 8000 है वि । हैं मा व्हेताह खान छ खाधक इदेशीय महारमा चाह्या व मकम विवस्य वा-बार्व बल्राम्माक अन्तक भीरत किल्रियां छन ।

व्यानित्त महत्रात अक्षि व्यान्य कार् চ্ট্যু গিয়াছে। টিকাবির আইস বর্ষীয় নালক বাজা হয় উড়োলন করিয়া লার্ড এলখিনকে रिल्लिन, ভिनि शिष्ट होन, चडक अवस्व भी-র গবর্ণমেট ভাষার বক্ষা কর্ত্ত। সার্ভ এল গল व्हिल्ला अञ्चलित अभित्र प्रश्रासन करिया न्ति. सन भावनंत्रको छवर्ष मर्खना बण्डनंत वर्षक द्यत । अष्टांत देश तल कर्तवा विकासित गुरु নাজা কেবণ নাচেবকে বিজ্ঞোত কালে দুকা করেন, বিজেধিবা বাবস্থার ভাঁছা ক সমর্থণ ক বিচে বলাতে রাজা বলিয়াছিলেন গলালি ডো মাদিগের হ'তে আমার এক মাত্র পুত্রকে সমর্পণ ক্রিডে পরি বিশ্ব পর্ণাথত ব্যক্তিকে ছিডে

मक्त व अनुस्तर गावा व देशांड स **चित्र निव औरकाब श्रमम स्तितिस्य**

智管 マスガス 年12012年 22.42.45年10年10年1 कार पानिका देवैशाद्या अठ व्यक्तिक 🖘 वरात ३.३६,३६,०७३ होका चालिक व्यवस्था

प्रोडेनम काव देखिया बरलम *द*्या रक्षा कि हैं চাৰেৰ অব হাজন বংলা ভ্ৰম কৰেজ জলি ও পেনাতার আলিন উটিউ ক্ষ नतं वि डेरहात्मत शक्ति भगद्वानाश्राणीय 🛎 रहम । कर्नक क्रिक क्रांच क्रांच अप्रकृष कार्य ८७ वर्षेट्य ।

मार्च बम्भिम इत्यावसम्बद्धाः के त्रव मरकां इ रह मन्य मन न महित्य मिल्

र्वाचारि नहेटल द्विविक बरेलम क्यूनरेलक 🖔 विवर्ध पाष्ट्रपायाम प्रदेश देशकार्थक निर्देश वादेवांव विवरत लार्स अमृतिर्वेष क्रिके क्रिके मत वर्षित विद्वार जास्तर शक्तिक केरिकीर्द वाववतायाम प्रेम दिवेशक्ष कृति वि उनकार इस्र

चामद्र। खर्म कविलोग जह कार्ने তন হতির (মৰি অর্ডার বিক্টে:মন্ত্র) ইট্রিয় উপকার ভটপাছে, আলিতে চাহিপাং ক্র বিশ্ব थि अन भड है। मांच मान प्रकार के प्रमा मकरमारे प्रसंख्य कारमहेती शक्ति समा मह ना क्षिएउए हुन।

देश निमनारमक निविधास अर्थाय सामा দ, সম্ভাতি সাইভমনবার আইসীক্ষাইটি निरमतं नगरमत ७००० मार्च कुका वर्ष देश कि ए एकडान किसे प्रशासक के क्यों है नका व्हेरकाइ।

त्कुक कर देखिश क्षेत्रके विकेश मोमका राज्यीतम क्षा वार्तीका विकासीय ভাগার বারা ব্যারের অংশক জীবন ভালিটাটে<u>ল</u> नाक्क क्या बदे:श कार्यात वर्ष्यादहा क्याहे 📆 AS THE পাততঃ কিছু ক**উ ভ্**ইডেডে যুটে_ট 👼 भीज पृत्र वर्ष यात्र नहरनना जाना । अ जिहासिक कि मर्जाद प्राणिनी अस्ति के

क्षित शरका सक्ष्मकृत्याम् अस्ति । १२ कते १३ ४००० nice welle ferme freis feine " धावता अरक्टच बाहिता में अरक्टिंग e विवयमी कर्ता के विरम्भ करा केंच्य केंग्रह य। त्य वर्गाक व्यवस्थात्व सहेत्स काहिताली विभिन्न कर्ते कि विरक्षक कर्यो वरकत । किन्नु महि न्यु के विरम्प विक्रम कर्ज नमान व क्रास्ति रम नारक्षेत्र छात्र उनर्रीत । हेर मुखीर नह বল শাক্তের ভারত্বন্য ত ক্রের এতি শক্তরা প্রদর্শন করিবার ব্র धविशाद्यम । मारक्कारतत वकार्य श्रीत क्रमका साहै. बेटर स्माटक के होएक अल्ल मा। (मध्या नी लात्य को समान में के हिन्द्र न त्र उन्नवादीत्क त्यवास् व्यंख्याः चना निर्माण दे वाहेरलाक् मा। अध्यक्त धवर्ग्यमान्तेत्र हर्वे क्रिक्स क्र: ६७ व्यवाशि कात्रजनाई वार्गत नहीं महिल

.. ुंड्य डेख साम व दौकात्र · ab Rage हेम क्षत्रित कन्नकर्ते व्यक्ताहास हरेल में देशक त्र न स्म गाम मान भारत्व श्रीह स्माति मुलान मानक ত तिर्विक मि अब प्रश्वि करी कि विराम में मुख्यामन हिश्व इतिएउ भाग

अव्यक्ति कालाहा.

्राश्यक अन्तः । जन्य प्राप्त । अस्ति । जन्य प्राप्त । अस्ति । जन्य प्राप्त । अस्ति । जन्य । अस्ति । जन्य । अस् विणा अन्या भुक इहेबा वालीकाृण व्यन्तिका दश । इ

সহায় হট্যাক্তৰ 🔑 उत्तर श'नंत्र मधूस'च् भागामका वटलब ३३a ক্ষারি শ্রার এজনেরল জ্গার উপান্ত ছিল ত সমৰ্থ কুলু চ तिए क विश्वान विकेतात बर्जन, Sad हर्णण जिलान वाभवाद सिर्केक्ष कार्याक्षत भावित्वाधिक वय करियान माराम अवेषा जिल्लास्थान कर्ण ाहे जनारमञ्जूष हु हिन्दिक व्यक्ति। हाजविद्यात ह्यूना देश्यां सुक्ति अज्ञातिकारक्ति।

भूको प्रकृष्णिक्षक बरल्या, भूता, द्वाराष्ट्र, ७ हें केंग्रेड मिन्न क्या किछा शहे हैं में मिरक हैं। केंग्रेड मिन्न क्या किछा भी मिर्च नार्थ । विका कि अवस्था । क्षेत्रकार कार्य CAN LEGICAL

ड क्षेत्र है सिक है। किसूत्र स्टालन, व की गुका छेन दिव विश्व किया के विश्व के विश्व किया किया कर कर कर कर क्रिकिशिय क क्षेत्र १० को में अधिक करि-हुक्वतिर हे अख्दान , क्रिक्शिक्स । काशास्त्र वाक्ष गदिक रिकरन, क निमा सह प्रहेराई माजिए।

क्षेत्रम । , २६० क्षेत्रम मानित हि । शंडवाद्य अमदनवन इ।विडिपेन मा-अविशे तार दनमञ्जूषा भ्रमात्रात्मात्र स्वभूतेमा के भगाव श्राक्षेत्राच । धरका समाम क्रिका है लाग, किन्न के शाम क टाक्षेत्रीयांत करियाद्यमः किमासियां स म्हिक्ति है. ब्रु माज्यक वे शह क्षांश्चित महाधना छन। Margret

> ्विटिक्ष्यं चारशं कर क्षेत्र समान कर्यात्रं वि-क्षांद्रश्य अक्षायम। काट्य ।

केक गढ़ाइ म गममाना दरल .. गद्यादम ४:इ े सी/पि निष्युत्व करियात अध्यात क देवारका।

🖁 🗝 🖭 🖅 🗷 अपन मञ्जी विस्तितिक। स क्रिकेन्द्रम् अञ्चारकेत्र शहित्र दिक नामनः কার প্রার নিধিত তপার গণন করি-বিক্তি

1315 ্রী ব্রাপীর নমাচার।

प्रमुख्या क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र । निष्टे वेश्वर्थ ७० त्या । प्रमुख्य क्षेत्र क्षेत् क्षेत्र क्षेत्रीत । निर्वेश्व ७३ वास व्य वर्गिका हुरेशांनि कामीदमंत दर्भका रिमके निष्य के त्रियादक्ष । त्रितावर्ण के नाम क्ष्यम क्षाद्य विभाग क विष्या है। देश महिला कि किया है। बाह्य के देश मार्थ के विद्या है।

७ युक्त काशक भेगेगा व्यक्ति वर्षक व्यक्तिका जाक्रमम क बेट्ट भगम कड़ियां हिन'। श्रीकां वाबर काराक श्रीवृत्र मामक बांचारमञ्ज भौकांक वि-मके विश्वतिहा भागभन्त व्यक्तताराक्रणाद गवरिमली विराम कहेटड आनामानी कुत्रदेवेत **कुल्लुं कब् 'हेड्**। मन् 1

मध्य ५० हे रक्कग्रा वि। ६वे स्वक्रग्रानि सर्गान-ভ'ব অদিংগ্ৰম ছ্টয়াছে। গ্ৰিক্ষ ধৰ ওলেস ছা एकि चार स्थाप्त अभेन शहन के रहा। एवं वर्ष्ट्र हा कविशास्त्रमः छोड्। हो लग्ना क स्वानिशोहा म क्कित। सिम्बाके बीम 9 व्य त्यानीय बीरणंत विवत्य বে কার্যা কবিহাছেন, ডাববি ও ভিগবেলি উষি বেংগি সত প্রকাশ ক'বছ,ছেন কিন্তু আমেবিকার गुरक्ष कल्ड र्यटमद दिवरग्र मिद्रका गाइ। पित्रं स्वित য়াছেন, ডা বিবিভাগর অম্যোদন কবিয়াছেন এব- এরূপ জালিপ্রায় প্রকাশ কবিয়াছন ভারত ৰৰ্ষের বিষণ্ম শীল ভৱা শিক্ত কৰা হৈছে। ইং लट्संब्रीटक मिनान निनिष्ठ अन खडिनस्तै लख মনোনীও কৰা ভইয়াছে। লাখিটানলা জিজ বা করিলেন সি.জখর গড়েবে সকল কার্যা ছইতে हि अधिवार प्रतिवास पेष माल्किकेटवर पू ला क्लान्तिक व कथा अलग्निक्टल अनाय ত হৈ বৈ বিপারী দ বলা চটয়াছে কেন এলব চাব लगाउँछ अञ्चारत चालका चीलांत करितलन ত্যালিকাকে ভিনি যে বজু ভা করেন, তাহ'তে खम क्या, केच्छा इ त्य कक नाज व्यक्तिय रहा छ हो। टा का अपादिए उट्ट के अपादि कार्या नम्ह कड़े ग्राह्म । जन हर्ष्ट्रमान उन्हार (यह श्राह्म श्राह्म व भ'र्नेक्रभ द्वित्सम स्मामिल अवश्वित क्षितीम विभाग कायक थानि काशक श्रेष्ठ छानिकात करा তিনি প্রার্থ করিবেন। ভারতমর্থের সেনাদলে श्रु छ। किमानदा व्याद्य करनेता विवृद्ध छ। विवृत् ক্রিয়াছেন, ড'হাতে হস্তার্পণ কর। কট্যাছে । अक्रुश करका कि अपकारी मान माटक विश्वमा इक তে शांबहारी ५८ छेड़ साक्त कराहितांव अहान। भवाषा में अलडायर (११ के या

म्बाड कडेवां हुन । ३ (११९७ स्मार विटल Cकार बाह्यि विक्राल करिया खनाएक कके व्यवसारक न्तर व प्रमुख्यामार्थ अक निष्ठ वालय विवाद । मदवर्षाः व मार्डिमम (क मि. नि. वहिंगार्छम । ১৮ है । भार्त (अस एवर अध्यक्तरमय निवाधिय जिन स्थित इदेश छ। बरभंता अध्यक्त मानिक जारवांकी एक व्यामितिक जिक्दि व्यवश्व स्टेश्वास म्।गट्युत रिक्र के डे का छ आति से में है। स्ट्री (ह। डेड (व) अक्तान हे मर्ड असि विकास तह एक: वन्ति चक्रांशिय कनियादिया।

काउपो (कः) व

গবর্ন নত্ত বিজ্ঞাপন। याजनारमनीय स्थान नेपावस्तात ज्ञाद्मभाष्ट्रनाती मिद्धांग।

 अ अ श्वास्त्रकारि क्यारत्यक थि. हे द्विष्य शिक्ष । ম পরীক্ষক সভার সভাশতি কইবেম ৷

कर्ना के कि कारकार महास्य कारांत्र व्यापत 1 To 1

वाकरवटक्षेत्र करः संविधिति विक्रिक्षेत्रिः । अम्बर काक्षव ३६ बद्धारमव व्यक्तिके अम्बर् क्राम वह विश्वम कामारिक क्षेत्रिकात ल्लांक हाल क्षित्रतात्व क्षत्रतः श्रीत स्वेद्धाद्य ।

काटखन कि. कि. दब तरकार्ड मीटडर्व मा बल ... गरदेव शाहिषाचाव हहे। बना

२६व क्लाक्षेत्र मानवी चार्वप्रस वाज्य । प्रांत क्षांत्रिंनिंच अनव काणिन व्यवः छथानाः। जन्त अन्तरस्य मृत्यक दक्षरस्य ।

२७**० क्टाएमा**ब्रिट्स धन ब्रिक्न नर्राष्ट्र (४०%) टक्कि कोटलक्कित श्रीडिनि शिक्षार्थक इंडेटेंडन

बाइ त्रमानाथ मनी उपाकांव मक्कानी अल गटकर अखिनिधि वहेर्न

७ वा माक्ट, श्री ज्ञातम् अधिनिधि दिस्स ञ्चलाबिरके छ है जात, बेन, ख केनव न'टप्टर এ বিহত পুলিন আফিনের ভার এ 🕫 💠

эণ্ড যেক্সরানি—নাকরগঞ্জেন ভেশুদি সা ट्रिके ७ एक ३ कि रामहेद वासू व्यक्ताल 🗠 Sb-32 अध्येत व याकेन ख : b-26 आ:सम् हैन कश्मारर छव कांच कारलनेंद्रह मण्डू 👊

२४ व खडागाति—च 'लाइ, 'रे हेता. . s व न संग्राव छ। हे जे भा कि हो उ छ एक हो। 🕛 केंद्र इकेटरन

रमध परावस्त्रभ दर्शामन विकास्त्रेत कारे हिं। मालि के हे के हिन्दा बदर री ७३ व्यक्ति कर क के जह १२ साम ल १ जिस्स व्याक्षण ५० छ। छ। াম গালং অন্সংবে ভগাকার ২ ল্ল প্রেণীর ৯.১% गान्त्रिक क्षेत्र क्ष्मका माहित्य।

र বা ম জে - প্ৰভিন্নিৰ ডেড্ৰী কাচেট राष्ट्र एवक गाँच एए। ऐक्टब दि आहेश अवस्थित । ስ ቀላ መነ የነቀር ይፍ የዚያው ወርብር ነላው ድ**ቃ**ነን ९ विश्वम अञ्चलका किन् १० हेन. न कमार्थी, वर्ष क , गोध्य छ अक्षपुर्वत् अगल्योद्दर् 🗸 🥫 प्राथ ७१ .श. १ के के हैं। र[ू] ।

मिनियार क्षा निश्वि एक्षेत्री मामकर्ष् ५ ६ रफ्टिन का नर्नेन रहोन्छी भन्यक महस्रक र ज बिचारण बर्गल भड़ेग्र ३५२० अस्कृत स्थान ३ े प्रदेश व्यक्ति । प्राप्तिक का उभागत होल , सन्तु " जीएक जिल्हा अवर ग्रमन १६८६म अहल्हे टरहण ुर कायल, 'शकेंट सा

कि इस्प्रिया के एक्प्यी प्राक्तिर 💆 🧗 🤼 क्स ब्रह्मेन स्मोमती कार्यकृत क्यांच ३५० व भाग द्रक्ष माहित्सर २ सार्व छ 🕟 क्र व्यक्ति र 🧸 व्या करा ५५ ७५ जालाह २० व. हेन प्राप्त 🗽 लक्षरणाञ्चार निमक क्योंकोत सुन्न प्रतिरोध क्ष्मक। भाष्ट्रेष्ट एक्स

७ द्वा मार्क--- रि. लि कारवा देव गाँउ र करु मछ च महा बहुद्रिया।

এकेह, क्या, क्ष:क्षा•ान नारश्य श्रिकें च म ट्यानीय महकानी श्रीलग स्पन्तिराउँ छ । १४

 क्षांनिक श्रांटक्त अविश्वासन २१ गरकाती प्रशास खागा वतने हुए । इत्यम ।

शिक्ष का का अर्थि शाहरू की वस्तुरभव स्थ बीह्न महकादी अव्यक्तित्वेदस्के इकेटरेन।

পত্রশৈরকৈর প্রতি ৷

नंदिगहरू हाइए शहिड शमा छीन यात्रा-(ब्राश्व वरमानीक व्येत नः।

" ব্ৰাহ্ম" এই আক্লবিত পতে ভ্ৰাহ্ম ছংগ্ৰ अगळ विमा क्या स्टेशाट्स, बार्ट का द्राव किन्द्रे श्विकाश्व इतेश।

ब्रामक बिटकटर इ शक खामा किरशत महमानी ड 1 [項 限复点

কেলার বাত্র পক্ষ সমর্থন করিছামেলিনী -राष्ट्र क्षेट्र देश श्रेष्ठ व्यामी क्षित्र निक्टि व्यामिया Co जोशहा छ। हा शकांग सहिताम सं, कोर्य (कमात बाबू विश्वतः विशंव निष्येष्ट याथ कि उना इक्षा करवा नाहे, शबद्धांब्राकन धक शक्तांव छ।-। कोकांत कड़। **प्**रेग्नाट ।

এবৃক্ত সোমপ্রকাশসকাদক मःश्रीपरशय

स्थाना छिक्त श्रमाकृष् वा कि निश्चन किन प्रशृह पुन एमंत्र क बहुत प्रदेश अवश अवश अगिर्यात-नीव औरिव देवत वह । मध्य द्व 'भा वकी गाउ' (जश्मि माजिएको हे आगुन्त बाबु आन्तरस निवा!-प्रदश्यों भ देशभाष्य अवश्वास का 'श्वास

'ह चून । किंन कांग्रेक शक्ति वार्थाहरु।ह "प्रशास कथा रिष्मय झरल किकामा कविया अक कित कारण जिल्ला आहा हथ है। काल आनि प्लान > रह द!काक शामायन गरीकः सहै। धर्मन-्रत प्रशास खेरमान 'क्रीन कविशारणन अवश न्य लिकिक स्वक नर क लिखिया निपादिन। म् १ --- " जा म समा अहे औशदबंह नम विभान ल्यू प्रवासीन करिया माजिया शीकि स उ करि र भाग बालारकत् स्व श्रीति श्रीवासन्य स्थानित ० टीका म न कविल हैए। छ।त: छड किश्वर म-নাযোগ ও মেধা ও বৃদ্ধিনতান বিশিষ্ট প্ৰি-्व शांख्या ध्राम, विस्थायकः खरमः सह छ दम নার**তি ভারা শুজ্জাপ উ**জ বিষয় শিক্ষা করাব अनिद्या आहोत करिटशन । ७। धन ८ धनीय अनि हा दाप्तकत्व निश्चिक्तल (भा**व**रा निरमारक् धदर ^এুৱান্য বিষয়েও প্রগাচ শিক্ষার শ্বিচয় এদান क मा अमू त्यानीत कविकारण वासकद अ-। कृत्व य व श्रीता श्रष्टाकर खाहाँख करिया. व्यक्तिकक्षत का क्षिएटवर्ग विषय अर्थ (य अवणि वा रामाञ्च के शामकप्रितात क्रम ट्रम्पीर्ट निविधे था करा। श्री भिकात खाल्ला प्रभाव मान करावेस । भए । बर या म करे दिशाला त्व शिक्षक और ए पार् व (में ६४व बदना। भाषा महाभाष्य क रेन्स्य ^२ इ.फ शिका **अवस्थित अहुद अ**भारम व^{र्रा}र श्रीनत्मास जीश्रुत द्वांमद मध्य छल र र र । भन्न १ परित ब है विज्ञान सुद क्रिक्ष कराय समुध्य यह टिक्की कतिए अस्तिथ कति ७ छाउत्ति क त । याथवाधारशीत स्वयस माम मात्र कार्छ, ७ विवशक व्याप्तिकार व्यक्त निकारणायुक्ति अवर्गरमान्त्रेय माध्या में ७ क्षिष्ठा कियाहिन छन् छ। स्व क्रूक पान बरे कर भरमञ्जू मध्य बचार्च कक ममाज मध्यक्त ास ह ि वस ३२ ५३ माल २३० वर्ग ।

वर्गाण्यः! हेरः हाता थाना करभन सुरमन থে কত উৎসাহ ত্ত্তি এইয়াছে তাহা বলিতে शक्ति में निरंतमन हेन्द्र।

> अस २१७० माला ७३ का बन क्षेत्र भारत स्व व्यापंत रङ्ग तका (सप्

প্রযুক্ত সে,নহকাশ সম্পাদক मर्। भट्यम् ।

- ৯এ ফেব্রুরারি বেপুন দে_{। সা}ইটে সভাব " त्नक्रमाल मिटिएकः ,, अध्य अधित्वमम छ-नेग्राहिन। लाक मध्यत राज प्रधिक क्या महिन বড় অজও হয় লাট। আট্টার পব সভাব কার্যা ष्यांदश्च इहेल । मरु! ष्यादश्च इहेटल एक मांट्इव भारताणांन कवित्रां कहरमन 🔐 ভাষর এত দিন পর্যান্ত কোন বে ন সভোর মৃত্যু, কা চাব কাচার পাড়া এবং অপারব ছবছেশগমন হেতু এই সভা আরম্ভ করিতে পারি নাই। যাহা-চটক এক্ষণে সামবঃ দেট সকল ৰাধা অভিক্ৰৰ कतिया मामनामिश्य कार्या अत्य इकेट श्रष्ट । ণ্ট সেকুসনাল মিটাডের সভাপতি সিং ই वि के पिरवला अस, अ रिक्ट प्रभान विस्था स्थ-अति शाहेश्राह्मन, छ। हा खादन वक्कन, हैर। नि-তাম্ব উপযোগী ও অভিশয় উপকাৰভাৰত।

मद्याः। काउँकल माट्य शाट्यायां क हि-त्र। कहिरलाम शक्त वरमत्र अवः उरशुक्त वरमञ्ज मভाর याष्ट्रम अमेडिय लक्ष्य पृक्के हरेश: इस. এ বংসন ভালুশ নহে। এই বিষয়ের দোষ আমি निक करकर नर्दे (क्रम मा आमि क, क्लाकर कारकी विजास बास शांकिय अविवास সম্विक गरनार्यान कतिएड पार्च नाष्ट्रे, किंद्र अहे विना नास्त्रात्रा १ त्य व्यक्ति स्था अपन महत्त्व, रही-कारमञ्जू मार्चर निव महत्त्र हराहित कारिमान । काः १-इंडेक. प्यां म अयान हिन्दु प्रभनि निव्यक अकृष्टि श्राहर व्याप्त स्वेदाधि। देव। विकास देशकार । क्ष्मक, मर्यन्य वाहे। देशहरू देशन वर्णन, श्रद्धाः ভিতাৰ দশৰ, বুলেশ্বৰ দৰ্শৰ, এবং বৈশেষিক দুশন এই চাবিটি দুখনের বিশ্বয় লিখিত ভূইয়া-(छ। आहे प्रति। विवयं नर्शक मर्भाग ना शह नः भक् এন্থ হটতে লিখিত। ম,ধৰাচালী নামক এড় জম माजिलांडा जाकान मुझ मरक ठ मर्मामर्थन मरखंड करमान , अव्यर्ग रश्न अञ्च मश्च का कारकारका छ-र्माम्य अभाष्यक राष्ट्राचात्र व्यञ्ज्यानिक कतिल्ली-(६२। এडे श्रष्टांव के नावांता, कारा देहरण मीड । माध्यात दिया साम मिडास स्थान-লাজ। এবং ছিলি হোন সময়ে ছিলেন ভাচাও ভ ব্যাত ছওটা: অপ্ৰায় প্ৰয়োজনে প্ৰোগী। ওঁঃ-इति अभरक्ष अर्थनु के सर्वर्गित व्यवस् कार्यनामा भारत्वत भूतसञ्जीवन वद्या छात्रखन्देश गमक अगामाना धीर्णाक्षमणा लाक ममुद्रवह गाव काम तिथिक के किहान मार्चे, क्ष्म न न ना निथिक कियएडी माज अंडिलंड भारत।

যে সময়ে হিন্দ্রধান বাননাক্ষ সংক্ষম তোগ-मक कर्जुक माजिल इब्र त्मक माइन कविन प्रमा:] विन बरेक्षा क्रम-भवः योशः प्राप्तः विन वर्णान

टित गाडिमा शहल । नहे मुख्ये श्रामिन र्व करमकी बाक विद्याणि प्रदेशा क्षेत्र है वक्षी मधा छात्रकार्य क्षेत्र आहे. क्री मिन डार्स । এই ब्याहाफ कहार है। गए बाम विद्यार पूर्णि चल्या ब्रांस्का अस्त्री হগ। তাখ্য অন্যতম বিক্লম নগৰ্া। এই নগরের সংখ্যাপন কর্ত্ত। সাধ্যাচার হি_ন जाप्र बक्ति नाम विश्ववस्ता बाधवर्षित उक्तान प्रवा । राताकाश्रावीय कीश्रावी मनायाक्रियत क्षापन क्रिम्। क्राप्त सर्देक् बरेक प्रतिशतमा व वीवाह यह महिम् जर्ष ममाधम हहेल मा। हेलाल बडाक পরিশেবে ডিনি সংগায় পরিক্রার পুর্দ্ধী भवी भवनवन कविद्यासत्। श्री उक्तरपूर्व श्री कार करेगा जाबाटक अक्षेत्र कार्य विद्रक्षेत्र कतिरलम । माधव छाराट छेल्ड विकास का नि अक्टन मध्मात्रकानी मन्त्रामी व देवादिक्री उक्द जीवात वार्षत्र आश्वासन् कि 🏖 मची कहरमन यहि जिल्ल श्रेनद्रात कुल्ली श्रविके स्म, छोड़ा वहेंद्रश छिमि अक अक्टू त्नाक क्षेत्रम । देशास्त्र माधव मुक्क वृद्धि क्र গুলি পিছা সংগ্রহ করিখেন, এইং বিশ্ব नाम भारत श्रमिक ऋत्याम चारक्षक केन्द्रि गिरमन । जे नगरत मध्यम द्वानमाद्वर्ष जेती ধক্ষিপদেশীয় সমস্ত জোক জীহার পুরি शिक गारेशन क्या शहतकात हिन्ने कहिं। व जानुन जनशर्वत जाजा चलन हरेडों केर्ड योगायुक्तम अवद्रमध्य विकास मनुष्कृत्वरकुरेल् मिश्र धरे निकारिक वरेन स्व अक क्षणे क्रोक्टिंग दर श्रायदात्र है सुन्ने क्रोनेक् हिर्द रमें अस्त भागि शामित निर्मा **ार्ग क्टरेश जे मध्य रिवर्शकी ब्रह्म** थाउर योनि का गढ इदेश गई कु कि देखी টিক সময়ে ভাগে বসাম হয় নাই, ছাইবাইটা व करिएमन से संशत हिन्दकाल मी बौदेशियां। म ७०० गंड वरगत मात्र चालियन। श्रीकारणी क्षप्त मध्य मध्या भाग करेला। पृष्ट्व देशकी के ष्टक्षक के मगदबन क्या किन्। 🎉 🍿 🖫

विषय नगर मःशालम कडियो मुख्य कोष्युक्ति या भिगडा कतिएड का बाह्मक, अमरे किंग स्मांका खत शांधित गम भिरमा देश में सम्बद्ध अप गांधिक क्ष अवि नगर्शन अस्ति । व अने क्षित्र वार्यक क्ष मु वेशिनिक ने ने ने में मुद्री महामान वर्षे, दश (शब्द) मात्र अपर माध्यमहाका असे नगरम वर्ज है मान दिस्ता दिवादक बरु खलतालव, अमान् षात्र विज्ञोकुक परेटलाइ य माध्यानांका अञ्च दका नां अरक खेंखड़ार्थिकारी मा कविया. खार्थारक রাজ। ক্ষিত্রা আপনি তঃগ্র মন্ত্রির ভাব এক্স क्षित्राहिएसन, खुडदार वामा मःकाष्ठ मनस को-र्दा उन्दर्श माधिक शहेक। बरे मदल कार्या मान टा ३ फिनि म छ। स्ति। हन सि स्त तभ तक हिस्सान । भ छाहा अवन कहित्स यथे। थ ि 🎝 छ। य রাজ্য সংক্রন্ত নিতার চিডাসমূল ব্যালারের व मध्याद जिन अन् निविद्ध अभग निविद्धार (त्रत , ७० वर्षे व दि वर्षा अष्ट कर्म त्रा के र

় সে দৰস্তই নিভাস্ত মহোপকারক। ডিনি क्षः ७ मायदराम् म मिना कदवनः वावशात क अक थानि अब जिल्ला निवादबन, भानि-तंकवरनय जिल्हा ध्वर मर्काममा नरज्ञह হসমস্ত ভিনতু দুর্শনের সার এছণ করিয়া थानि अञ् अवस्य कत्रियारहने अङ्क्षि-চনি পণ্ডিত মণ্ডলীর প্রচুব রূপে উৎসাৎ ন ক্রিগছিলেন। ভাষার কালে সংক্ত ति भूगक्कीयम मधाव इतः। अव्हल देशां ग्रह **रङ्ग**िकायमाक रव अहे नवस्त ২৪০ বৃঃঅংশ) ইউরোপে সাহিত্যের আ-।চনার পুররারত হয়। কিছু ভারতবর্ষ আপে-हिडेरवारणव प्रमधिक उपकार एक। छोरात তু এই বে, ভাৰতবৰ্ষে বিদ্যাচন্দ্ৰ প্ৰায়ন্ত रल शत्र (अहे श्रेक्षाक्रम विवस्त्रक्रहे चारनांसन রোছিল: কোন মূক্তন ভাবের সমাগম হয় বিরক্তে হয় ভাষা তিনিই জানেন। ই। স্তত্তবাং কোন অভিনৰ বিৰয়ের জাবি-কৃত্তন রূপ নাম ধারণ করিয়াছিল। ইউরে-বিদ্যান্তর্জার সঙ্গে স্কুতন বিষয়ের ক্রণঃ ম-क्ष इहेब्राहिक। छोडाबिश्यत विका औन, , পেলেটিন এবং বোগদাদ দগর ছইতে सर्रण जोड प्रेक् हिन। यार्जामारस कथिउ क्षेत्र मेमि और विकास अवस्थानारमध्य व्यातः । हज्ञूष । देवरेक चारमजीह श्रेय। जम डांव ममुद्र মালোচনা করিলে বিদায়ে «প্রচুর পরিমাণে অন্তেশীর বিদ্যায় সংযেগ কনিতে হয়, তা है हरार्वे ६ म्लीब्र थवर अमारम्भीय अधिनव हिं अक्कोरिया छ। इति अक् युष्टम क्रम स्वा (भेटा विवार्ष्टकींद्र श्रेमश्रमकांत कतिवाद क्रमा 📆 रोत्रोप्टन विकाश छ। वेखेरहाशीय 🗷 जिनव 🚶 ্টিবিষ্ট কবিভিয়া সম্ভ সংমিট করিয়। विश्व प्रतिबु छेक्षांचन निवरण अवछा यूवक ্রির স্বীতিঃকরণে অভিনিধিত হট্মা নিতা-क्षेत्र के में बाह्य शतिकाम सही कर्नुशा अरशरत ब्रिक्षि विषयात अञ्चादवन विश्ववश्य गाउँ State !

🌠 भार बज्जा नमानम सरेदन वाद्य कालीका 👹 म अष्ट्रे रङ्गुलः क्रज़रमामः खर्माह क्षिपुष्टि थे रियात निष्टू रिकान गर्ग उन्न 1

वीवीयहम् इ:सम्ब मार मालीयाह

।'गाउम अयुक्त मामाधकाम मन्ने:नक बङ्गानंत्र मुक्रीरभयू।

स्या आवाहित्यव वाकाविक इसि, अहे या-নিক চতির অভুগানী ঘটরা আমরা সুধার্ত-भन्न, लिश्क्ष्यक कन अपूर विशेष्टक चार्यम

धिनान क्रियां बाकि। मधुरा मधनीर मध्या गा-ना अकान धर्म धनर वर्षावध मण्डापान फार्ट्स किन्द्र अवस्य दक्षांच धर्मा का अस्थापार नाहें सहिता-स्मिन्द्रा मा कवः यादात छेशासमा । य य था-कांत्रकाश्चात्र (कांक कडिक वा एकम, छ।इ.व कि-क्षिश्मान चारहरे च'रह, धमन कि टिक्नूम ক্রিক। স্বারা উপার্ক্তিত ধন হা সামগ্রীও জন্য मितिस्टाक सिया गांडाया कतिरख्डा । काउपन श-दब्रह प्राथ निवादन व्य मण्डाहात म्याजादिक धर्म ভাষাতে কোন সন্দেহ নাই এবং এট নিবয় জ-ইয়াও কোন বিবাদ চইতেছে না। একৰে ভিচা-मा अहे दर कि श्रेकाद्र पान कहिएल धर्मार्थ छः थि দিপেৰ প্ৰাক্ত উপকাৰ হয় ? এই এয়া শুনিতে चाकि नामाना, किन्दु िक राख्टिष्य देशांत्र ऐस्त আদান করিডে ছইলে তাঁচাকে যে কত চিতা

াব না হইয়া কেবল নেই পুরাভন বিষয় এক ৷ লোক ফাছে, শাস্ত্রপ্রিয় প্রাচীনহিন্দু এবং স্থ-भिक्ति । इत्ररकात अर्क्डिन **गण्या**मात्र । श्री-वरमाख राखिता भारतम मांग देवेगा करन उर्न कान मिराहे धकुछ भन्न विश्वा कारतन, जना काठीत काकत्क धनमान कतिता उक्तिनक धनमारनद जुला कल नाहे अहे छ। हा मिश्न नि-हू हो, त्याब आदिव धम स्थवन समीत देश- । भाग, किन्न म्यायाक युकिम,म श्रीरतदा गकन म सुवाके बक्कांभग्न करानीचात्रव र्यंत्र, नकटलत्र म-वृक्ष मा। व्यवहरूनी व किश्लामिक नावजी | विक्रवे बामामिश्व आंक नावक, कथान अवस्था ्ष्म जानम् क्रिट् क्या विनाविक्दस्य स्थामित्तित एकन यात्रीय. आकृत छात्रा य-(शक्य) व्यक्षिकत्व व्यक्तिय नटक हैक। व्यक्तिय क्रिक गर्थार्थ प्रतिक्ष, गर्थार्थ अमाथ क्रवर गर्थार्थ एक मा। अश्रद्रमानीय मन समे छे कुछ जान । विश्वयक त्रकः कावन, क मारन रन वाकि जा-कार राक्षित्र मुख्य वा यवन । किन्त धरे नवा न-স্থানাত্রেরও এই বিবরে আমি তাল মনোবোগ (मृथि: इहिना। अहे मानकिया अकाको चरणकः) क्षमात्र मश्खि विकिष्ठ भवेषः क्रिक्ता य विकास উপকার হয় ডাহা এখনও তাঁহাছিলের হলরজন स्य नाहे। ज्ञाननः त्र ज्ञानकां त्र मध्य में बस न फ़िल्म भक्तक है नांधा छून। दव फोबादक मान क विश्वा बाटकन बटि, किन्न हैन। जटलका नाधांत्रव ধন ছইতে সানক্ষিয়া চলিলে কি অধিকতর ভত क्र क्ल उर्लंब इब ना ?

> अक्रम बारमक याकि बारह (व खादा विश्वा श्री आर्थक गाँकि अक बादबर बाब बारे। डांबा-वा मिर्टिन्स ३२ वर्ती। श्रीत्रज्ञम क्रिटिंड श्रीर्टिन किन हुई पणी बाम व कान अक कर्म कहिएक भारत, किन्न अयस राख्निविशस्य स्य क-टर्म नियुक्त करत, ऋड़बार टोहोत्। विकिश श-विज्ञानमंत्रि बाव्यिक कार्याकारम अवाधीन विक्रूक हरेत्र। शिक्षु । अवस्य कारमक अस शिवाल । आर्थितिक विवस भ नस वेहर , श्रीरत केति । कारह, नामान कडी लानोचरिक व्यारिक छ। अप्रकार के अप्रकारण कार्यका ब्रोस क्षेत्र क इत्र। कार्यक क्यांकरक वक्ष्म (सर्व) वाहराउद বে ভাষারা থাবলারী লোক হইয়াও পঁ কির জ-ভাবে বাৰমায় ক্লাজাইছৈ বা পারিয়া স্ত্রী পুঞ कर्मा क्रिक कर्न (शांचन क्रिक्ट कक्रम बहेन। মিডার করে কাল কাশন করিছেছে। এই লক্ষ नागाइ कि उपक्र नरम् ने हैंदो क्रम क्रिक् का

मोविद्यात घटम कि द्वारा एवं मा ? निद्याला हादनत मञ्जूषित्वत कर्षां छ। द व्यवस्थित प्रकाशित भाकत क्षान हरेएकरक अन्धन कार्यालगढन क्रमान व्यामारमञ्ज मार्गाम बना हे हिड. बहे व्या अन् क देशा काम ! मकरनार पर्वामीया मा स्था तथ इव के ब्रिट्ड हि, डेज़ब, देश मा के ब्रिटेश ब्रुवाह वकः इति भी किय शास्त्रभीरवृत्यं वस्त्रभूति । मावि चर्राकृति चार्यातम् अस्तिव स्व क्षेत्र का ক মানৰ জীলা সমূৰণ করিতেছে ডাছার কি চট্ট-कि: ह ? अवटल राम कर। छे: हिंड नरह किंद्र सः বলিলেও মনের ক্ষোত যায় না। বিলাতি দ্বিদ্র वरम कि अठ जासूत्र ?

একংশ আমার এত লিখিবার উদ্বেশ্য কি महामह धरे धन्न स्तिष्ठ शादन। आभार क थीय विभावनां का नगना । य सन् के सानि ष्टेश अध्य अध्य होत्रः अधिकः अवश् गर्गद्य-अकरन विन्द्र गम।स्मन्न मस्या ह्राहे शकांव ं कीत्र म र'ा लाई व विक्र देलग व्शनन कन्निक ह-ন, ৰৰ্মানতি স ধুযুৱাৰা বেল্পা শতাবন্ধ প্ৰচাৰেত क्रमा कामनत्व। बहिका छाउँ। कतिम, आक्र देशक স্থাপন করিতেছেন, সেইরাথ ভিন্ন ভার স্থানত দয়'**ত**্চিত স। <mark>মুমহা</mark>শয়গণ (বিশেষতঃ ভুনঃ धिकाति वर्ग) अंत्रन्भःतात्र माधाऱ्या भूम धन गरे ध-হ কবিয়া থাকুত প্ৰস্তাবে দ্বিতে ভূ:খ খে চন ক क्रन। क्रक्ट ल पुश्चिमान मक्त्रिय माधु से २-लिए क्छ मान है,जेंद्र राज्य इंडेस, अक सर्व ४-क्रियोदि इडेन, धर्म अन धर्म श्राह्म ध्रम क्रम ग्रिमणिक काला चे किया *खब्धा* (आहकर कर ছ। সভার জ্ঞাপন কৰিয়। সাংখ্যা প্রার্থন। করুন। र्थ क्लान भविषादरक छ। ६ वा ५० छ। का निवा योगीय पिटल छ। गाँश मध्यम काल राशः व ্বতে পারে ভাগদিগকে ভাত্তি কেওয়া চউক ्य शक्ति भूँ कर अकारन कान कार्यान होता हैश फिनगाऊ क्रिट क्यांत्रिक हा नाः गरः ह উলিখিত দাধাৰণ রিলিচ ফও ছই:ভি পুঁ জ দ अम् रक्षेत्र, अहे क्रश यास्त याहा आवात छ। इक जोशे खनितान ७ खनुष्मान, शुक्तक शम्छ हु है। क। डॉना बांदा व्य मूल धन अश्वृदी इ बहैर उद्यादकान बादक क्या मा द्राधिक कार्या क्यान कार्यशत हालाईस्य 'उन्हांत' व्यानक स्व¹¹ क छित्रिया जाउ वहेटक शास्त्र । अहेत्रश् अ... व्याप्त विलिय कथ भागारेति रहेरान शह करण। क ब्र लाएकत हु अन्यामि विकासन वार्म ६ है। या य बदर देश इंड्यांड इंडर,धा मरह र्य रहजू मक्रल काशन काशन हान अक्षिक हिलाहे

> २७० क्टिकान्। うずさら ずぎょ

> > 正都情况可可有 विदाधारमानिक एउ:

295

ं अञ्चलके नजीरभव । **७३ (है निश्च का म**ा

(বাষপ্রকাশ সম্পাদক

क्षणीति निष्यक निरमामाम विवा ১२३ का-बाद्यह रमामधानात्म चार्यात अवति विक्रम शब्द जिथियारस्य । धे व्यवस्त्र शांठ कति जिथिया गर-काल कार्या अवर्ग मर्ग्य कि कि कि वा कि शाहर ही-कात्रा क्षांक्षांक्रियात्क किक्रम निकः ब्राटम छेनान्त प्रवेशारक्षम बार किक्रम निष्म (मध्याहि पा छैडि-**७ हे**ाकि मांना विषय कानिटक गांदा वांत्र अवर एखर प्रका आंगिमि ए गक्त वर्ग विमान करि-মাছেন ভাৰতি যুক্তিযুক্ত ও লারবং বলিয়া হার্ডার্ম হয়, মিল্ল জাপনি গুরু ট্রেমির ছুল धारणस्य करिया व्यक्तन सारकन करियोरहर নেক্লণ আছেদশ করিবার কোন প্রকৃত বিবয় आत्य कि वा छिष्याग्र विविधमां कहाँदे आं-मात्र अदे शरकात्र मूथा छेरममा ।

আপনি লিখিবাছেন '* প্রাচীন তত্মের গুরু म क्रिम महाविक्त महारा धनः '' अक नवमहत्रह মাধা পিকা করা ছবে থাকুক পাচ বংগরেও रर्जनाम क्षेत्रमहामहिम्दलत राजना कांचा कान न्: " भिका कियान महायम। मारे " कक्या रवार्थ छाराब मागा माने धनर जाननान अवस्था प्राथा नाहे छ छ । मान बे छि-हिर उभार विश्वक करिया क्षारणाव व्यक्तिश्म রচনা করিছাছেন। কিন্তু আপনাৰ ভিত্তিটি ডা-वन वज्ञ वहेरल्टाह्य सा। ख'म्यीन (वीद क्रिंडिड एक न रण, आठीन भाकड़ी बांद. खक्रमशामरत्रवादिः (वह अध्याधान क्षित्रा धार हिन्द कृतन অধায়ৰ কৰিছে জাবন্ত করিয়ত্ত। কিন্তু বাস্ত বিক ভাগে মতে। মন্ত্ৰীক ক্লে একপ ছাত্ৰেক। श्रद म श्राविक एत. देशांत व्यक्तिशाम श्रीत (अहेक्कल हाज , बेबारक्क कांधकार लाव है उपनक्र ; १ ९ ६ है। इ ४०। ७२ गर्नारहाब माधा बन्द केशका खारतरक के का कर्ण निष्ठा लग्न छ आकावा কুত বিষ্ণাপন্ন প্ৰাক্ষতিতে বাংলাল। ভাষা কি.কং किथा कि कि कि किया हिंदा किया किया किया कि এটুত গুৰুষদাশ্য (যালানের পাঠশাল ছিল) আছে ৰটে কিছু ভাষায়াও এতাদুশ প্তিগল্পি হয় নাই যে ভাহাদের **গল্প** আণ করিছে পারি: ৰায় লা : কলভঃ গ্ৰাচীন ড:সুন গুরু মহাশ্রদি-(एड ब्राया छ ज काव इत म। बनिया पालकात । जाशवातके वा एकन महत्तका नास्ति भारतके । त्व अश्वदाह कां व कक् हिन्दिखर कार्या देश गर-স্কাৰের প্রতিধান কবিভেছে মা।

चञ्च बाद्य अधिक ल्लाक्ट् मिका पिनाव अवन्द्रभारता द्रम हेन्द्री बहेवाटक अवद द्रमें हैन्द्री ' ना भर कार्यक कार्या देखेशकाश्चल वहेर क ह न जनवान है का एक व्यावाश कतिरव ? किंद हि ; निडम्ब मध्या विश्वाप तिहे करी नगर वुष्णिकुष्ठ वृहेराज्य का । का स्व विरव्यक्ता क्यान षाण'वडे विश्विद्याद्वन ५ वे ७००० होकः गांवांग हात कः (वी अध्या मन्त्रील कृत्म वृश्चि वहेता व्यक्ति अप क्रिकांच्य क्रिकि महन्द्र माहे।"अव्हास मानात विकास वर्षे वा हितियत हारवता

बारम आरम नावेणांना कतियां डेसमुक्ररण छा कांत्र कांवा किस्तिह कतिए अभिताम अवनीयकी श्रीए'निशटक वांतिक & है का कतिहा आहाम क्रिक्न, देशकि नागावत्रिक म'स्था क्राम अविदे सरक २ मा के अवल शांत्रणालांत बारकता পুৰা নাত্ৰাকৃত জুলের ছাত্রবিদের নাম শিক্ষ: नाव के इरव मा ने बार्यात बरफ के से है। कारकहे नावांका मान अवर जे जकल शाहेमीनाहकर कुछ नाबांबाक्ट्रक स्न बना बाबेट्ड नाविटर. फटर क्षे मार्थामा काउं कहा ना रहेडा कांत्र किंहू का प्रिक देवेरल लाम वरेफ **धवधाल सम्बद्ध स्थित** हो। किंद्र जारा वह नारे विकास या, वाशामिक अरकरां/त निकास लाहि नव्या करेवारक छात्र। क्षित्र माल चीकांत्र कहा वाष्ट्र ना। एडिंड चाल नि निविष्य एक्त रव थे होका सर्वास स्टूटस राप्तिज रहेरल व्यविष जेशकीय सर्वित। कि अव्हाल करे आम छेन्छि वरेख्या ए मर्चाल फून ७ एझ (है निड क्ल बेबार) कि मन्म र्वेडस श्यक भार्ष ? जरव शरवायकी अञ्च हिताअह मधील मांग आहाम कतिरल त्वांच इव छात्र কোন দ্ধপ আংশতি উবিত হইত হা। কারণ शृद्धीरे वेषः वरेषात्य त्व नर्गाम क्षा मकन विक्रभ छेग।मारन मिर्मिष्ठ एरेस नात्क द्रवेशिष क् न नक्त अवेद्रल छेलाबाटन विकिन्न वर्षे তেছে, নর্দান জ্লের ভুত্তপূর্ক শিক্ষক্রোই **ট্রেনিঙের শিক্ষকত। কার্যো নিযুক্ত ছইয়াট্রেন** এবং নর্মালে যে সকল বাজালা পুত্রক অধ্যা-পিত হইয়া থাকে। ট্ৰেমিডে ভাষারই কড়িপছ कश्य क्यांशिक दहेवात स्वाना हहेशाया। ভবে নৰ্মালে দংক্ত গণিত প্ৰচুত্তি যে সকল বিবর অধিক ছুর পর্যান্ত শটিভ বর ট্রেনিঙে ,তাহা চইবেন।। যদিও শিক্ষকের পক্ষে হত **परिकक्षां**न। पारक छउदे छ। छ, छवाणि विद्या-र विद्वहनः कतिया प्रिचित्त विश्वक्रव द्वाध हुई। त्व का बांना कुलात (नक्किक्टिश्व कक्ष विवद्य मा क्षाना बाकित्मक वित्यव कावा शानि

スプほ ट्रिनिड क्रान्ड काम निष्ठानपु अधि कड़े।क क देशा जाशित स्व कवी विजयादहर छोडा धाव-স্যা শিক্ষোর্যা। ট্রেনিও ছাত্রসিণের এক বংসর बाब शांडे काम निश्चम करी गया म मुख्यियुक्त हरू बाहै। बे कान काउउ: चूंहे बदनब कहिया हिटक ভाज रहेक । व्यक्त के मिन्द्रमञ्ज लायश्रकारणज्ञे श्रवत्र पृष्ठेष 'वर्षन स्व विषय श्रुक्त हरा, अक काइन लाहांत्र मञ्चमात्र दर्भाव नश्या विश्व वह मा, करमहे (नाधिक हरेग्रा संध्या १ अहे महाताकाई छ विवाहत अरू अनात देखते खनाम करिएछाडू। हिति इक्टल कहानान निवम कहाएक शेवर्-त्याक्षेत्र त्य रक्षां वर्षेत्रीरक् यात्म कवः रव अर-रमाधिक प्रदेश काशांदि वा व्यवद्वानी कि है मर्थाम कृत्र वयन व्यवस्य स्थित व्यवस्था व्यवस्था । स्था स्थापाद्वत्र स्थितीयुरस्य स्थान विस् ज्यन त्य रू७ क'म **द**ोरवित्रा ज्यांत्र व्यथाप्तम क-्ष्र कथा कथा व्यापन वार्णन'त कि करा द्वान ९ বিলা পণ্ডিত ছবল বহিপাঁত দ্বীত ভাষা বোধা প্রাকৃতিভ করিও দেখিলাভান সালপুৰ আন **इश्र कारमध्ये हैं निवित्त कारह। कारकार इति। श्रित द्यान महिश्र छ। मध्ये के व्यक्तिल-६** ज्यम देवश्यक्ति अकारन मन्त्राका कुरमन कार्य

क्ष स्।।

वयम् छ निक स्थान त्रविक्षा देवसाकि। जियाह कि यांचा चार्छ ।

वितित्तरम् जात्री क्या विकास नमानन काराजिह त्य. हिनिर्द्धा होन्हिर निकेंग्रे कुरक नेसारनहारि शक्त कार्य कार्य का त्तारे वा गढ्क क्षाइक, द्वाक का विकास व देवाह महावनी मादे। घटन व्यक्तकाम्ब क्री मारमा देशव वाच काश्तरक वस्ट्रेशक्ति वार ज्ञाना वा व शवर्राम् के विक्र के विक्र त्कि त कारावा कारका आश्रीमार्थितीय की वेकारकर मिविक क्यार्ट मिर्टिक शक्तिका मार्ची न कुन करर कर्तका हाकहरनम् अस सम्म नारमंत्र निवंदार्थं निवंध सनानंद्र साम्य मक्रम देखि।

> 事の行うと वक्राहे निव शक्तांचित्र

ন্দুক সোমপ্রকাশসভানিক

मराभक्ष महीहर्भ र मन्त्र के बर्गनाः व्यानिक द्यानक्षेत्र स्ट्र काम किल बादा अधिक्रक क्रिकेट्सिंह अक्रम. air ce valautes butrieffming famiale পাঠ না করি, নে প্রিকা প্রক্রিকাই লক্ষেণ্ডকর আপেনি কি কেপিড়'ছেন সাকি ? সং আপেনা- : co mice allysten ! or Alle con ! gattle. र्गोष्टितंत्र निन्धांनातः अक्ष स्थ सम्बद्धाः ज्यास्त्रीत कि जनभड़ महरून हुए, शूंटर्स प्रश्नकीय साक्रि निरमप्रक बक्राक्यीत्रमा तगर मिहू प्रक्रिक सर्दन मिथन कि अर्थनाथ पर्देशका । चटन वीक्षर्भभन्निकारक (कान क्या अधिएका एरकरू-মান্তিত পালে। জাপনি ক্ষান্ত ক্ষিত্রণ স্বাস্থ্য ক विश्वेद्दिम छोदोन्न छ छोत्र क्येन्ट्रिक्षे मेह्नि, छन्निया. **उ चार्त बहुण करिएन मा। ब्राह्म क्रिक्स प्रान** बाव कात वावा चारब ल, आक्रमान श्रीदेशा-नीव (प्रिकेष प्रदेश्यक) स्थानकार्य नहांनकार कि दर्भ के का मा शहरा के किया है। की कार्य है कि कि राज रुपिरज्ञि, जांग्याम जामान्याम न त्वत पाट्य का. व हैयांन क्षेत्रक के के जानक ৰবিত আহে ভাগে কি কিবা। গুৰান্তু বুঁকিত আ र्भान व्यवस्था अवस्था अवस्था । अस्य विकास चित्र जिन चर्च बेर्डिकी बेर्डिकाल स्कट्सरमञ् অবেক উপকৃত্যি দৃশিধিক। একান্য এক ভেঁচাইতে-हि। यात्रात त्यात्र स्कर्णिक का जार वेदनां उ কেবল আগমার স্থিকিতা এব কিছুই লাড विनेषे एरेएछरए। चाका यात्रता धक्छी शह-কুতার দৃতীয় এদান প্রিতেছি, এতেও যদি किष्ठ व्यक्ति है, देश । जनन दृश्यात विवादिशी क विष्ठारबंध कथी क कार्शनांव श्रीतकांत्र अवधि हु র**ইতে ঃস্থিতেছি, আপুনি সভা করিছ।** বসা

া:ভিট্টে বাগছৰ যেরণ কার বিচার : अक्टरत्व बाह्य कार्यकारिका कश्चिमा बाह्य करते वि उत्हम, जाराह कडू मा मनिया काशना

्रवाध विष्ठ भाविसाम ना । धनारमं अक्टर्स छ 'কচ্ অধিক থাকায় সচরাচর জুভায় প্রেছ ভি शल ना र शिहित्न इटले ना । करवेक विन इहेन हिन्छे मारश्यक काम्हादिक खिखक क्रेसे संक गांखारतत्र वे क्रम मूजाव देक् देक् मूल बंबताई इंडेटब्रांशीब इटम टिव्रडी (शास्त्रमं) साधावि-गरक दे। दे हैं कि कित्रियां में 'डिएडोएन के के अक मलाह करवास्त्र इक्त विवादक्त। आवाह অনামান বলিভে পারি না। কছিবি না বহাজ-ा. थक्रजंत भाग मः इहेटल दमबाद्य दम्ह शह मा। जनकुछ चंत्राहीर तरा क्षेत्रएड मा शु-विद्या प्रः भीरमारकता अर्ड्ड व्यवस्थि स्वाधान कतित्व व्यर्पाद बांक्र मध्या दिएन, नारश्य किएद-भग शदत सत्रवाक्षकात्रीत्क प्रवेशात्र ह्यांच्या त्म विष वाहित्य बाटक व्यवना अक्ट्रेक्ट्र व्यवद्धार बाटक তৰে তাহাৰ ঘাইজে ঘাইতে অধ্বা উপস্থিত এইলেও দর্বাস্ত ছিড়িটা কেলেন। সাহেব शृंदर्भ २ । ५ छोद्र ग्रंब चानिएडम ध्रथम हिंस प्रण-টায় কাছারিতে ভাইনেম। ভিত্ত বধ্য ভাস্তন राजि ना प्रदेश जान कृति ए अनन करना ना । कर्षा भाषितक चरत्र मध्यम् । त्योभ कति मिरयभ थाएक । किन्न किरमह मुरशा जिन्नोक नार्वेद्वा क्र-टीएक बाबा बाह्या कामा जित्य माहे। बना-ত্য। একে শীড়কাল ডাঙেমিদ্বানে এন্তর:মি-কে৷ শীতাধিকা মইয়া থাকে, ভাতে আবার ভিন মুখটা ভইতে রাজি ৮। ৯ টা পর্যন্ত অনা-क्षेत्र ७ वर्गम्का वटल वर्गम् टकाटकन गरका 3 (क्रम्पण । **व्यक्तिक ७ जामका** प्रकारकरा क्रमान वाता नाम, क्षानामा **क्रम**ान ात व्यानावेशा बाटकवा अहिटवह देशांह कि व ग.एवक्थम् **(मान्यमा धतिका गरमम धहे जा**णाः य ও ভারে ভারার। ভীর্ষকালের নার সাঁড়িয়া थारक। जारश्यक मूर्यक कांच क्रियंक चयरक क्रिक्ट स्मा

অধিকাংশ লোকন্তবাই ভিদ নিদ। আগা ব-पात्र कथाप्र कारकत्र व्यक्तिगामा ७ मनायांका। का विशेष्ट्रकर्ता विशेष बोर्डा मास्त्रि बागम क-विदा थारकन देनि अविदानांत्र छोटा नार्वन। এত ছেটেছোট, ইহা ছটুডে এড় বড় ঘটন। হইয়। बाक । करे बार ए जामाम्बर वयानकात्र वक-मि डिजिइ'अ यम्बच्चे नट्ट २ अयम कि जामाद्रपृत्र এব'নে বিচার কার্যা একচেটিয়া ভইড়া পাড়িয়া-ছে। ৰাজিয়েট সাংখ্য কুজন সোক। কেপুন आमारमन कर बन्दानाता । এতেও वनि स्वाननात । क्ष्रु काम ला ६४, उद्ध भूनवार वाष्ट्रिया वाष्ट्रिया . कम अप्रांकि विष्ठायक मिर्गय अन वर्गा का अर्थ-শ্ৰাহেমুল **স্থিক্তা** বাজ করিব।

१। शक्र लामबाद अक कन शांद्वांशांम शां-विव जेगन बच्छी हरद कांत्रे उत्थानन कनिएक-'ছল, চঠাৎ ভাষা সরিয়। ভাষার মতকোপরি পতাতে সক্ষম ভূমি ছাইয়া সে আপ ভাগে করি भारतः । जिर्देशम देखि ।

१७७०। १२० (क्यूब्राहि : क्यां सर्भा (म:सनीश्रह ।

ষান্যবর ত্রীযুক্ত লোমঐকাপ্স্থাবক महानम् मगीरशर् ।

গ্ৰহ ২৮৭ মাখের সোমপ্রকালে প্রকাশিত करेतारक दन " लाटकमाशद्यत प्रक्रिक देतीकर-अपूर्व वाक्रहे भू एक ७३ है। अखा बन्न व वर्ष केला मनाव बाबू बाबकुमांब बाब को देवी अर्क गठ ठाका আক্রাক্তির করেন। "বে বাজি লাগনার সমী শে ঐক্লণ প্রেরিড থেরণ করিয়াছেন, বোধ ভয় তিনি র_াহাকুমায় ব'ছুর খিলে**ব অভুগ্র**ত পাত্র वदेशांत्र कता. ब्रोक्स मिथिवाह्म । शक्रदेशूंत याती नकरवारे देश। निवरणय कांछ आएक्स रव. वाक्क्मांद्र वाजू ১०० ग्रीका श्रामान करवन माहि। তিনি সভা দিবসে সে খলে উপস্থিতই ছিলেন ना। अध्यय बक्रण विका गरवान कमनगरक প্রচার করা ড উক্ত পার প্রেরকের কেবল বিধা। वाषिष्ठा श्रेकांग भावेष्ठाष्ट्र मदमाइ नाहै। य बरप्रक कन नशंभन्न वान्ति " बारक्रनानादाद हु-र्म्मनागत्र भ यसूबानियात्र कृष्य जाहनाय कर्य श्रमान करियारहन, छीशामिरगत नाम २२ व मा-খেৰ প্ৰিয়শকে একাশ ছইয়াছে; আগনি কি উक्ष विराजव श्राविष्णक पृष्टि करवन मारे ? च-थय। अद्रिमनदर्धने प्रश्वाम माठाटक मिथानानी विद्युष्टमा कविद्याद्यम २ बादा वजेक. अक्टब आर পনাত্র সংবাদ দাভার মিণা:বাছিতার প্রসাদ चक्रभ (১) त्रहे नवन वास्तित्र नोम मिरमु श-কাল করা হাইতেছে মধা---

श्रीयुक्त बांबू जमानम हाम छ्रीपुढी वाक्रवेश्व 500 ¹⁰ কুঞ্মোহর বিজ **जग**नगर >--🛰 व्हिमान अञ्च मको मन्द्र 500 " नवीमहस्य स्वाव ছব্নি।ভি 36 " লাৰাচনৰ বিশ্বাস গোৰিকপুর . 🦿 👔 38 • ' क्ला रहक्क ब्राप्त होते धुन्नी রাজপুর 74 मन ১२५৯ गांन । ठवे कांचर ৰসাচিৎ ৰাক্লইপুত্ৰ নিৰানিনঃ

(১) आभारा गविश्या अञ्चनक्षात कहिया का निजाय, प्रिनि जोपोहिशस्य शृहस्य मध्याय स्मय, ভাহার বালকতা প্রকাশ কর। হউচাছে। সক্ষ ডিকার প্রথোরকের একটা বিবর বিশেষ করিয়া मा (लया काम इस नाहै। जीवूक बादू महानम बाब (ठी भूती विक अन्नवादी छाना क्वेटल विदा থাকেন, ভাছাতে রাজমুদার বারুর জংশ আছে। স

थास गृना।

वीवृक्त पान् इतिकृष्य मिलन । (गाएद शेव

⁴⁶ भे औष्टानश्राचा स्वाचा स् ie mfa >२७० व शहरात्र व हेटल वर्व हेवांनांस भागा है ह • • । प्रमान ज्ञान नामा अभवाम (श्रीमा ১२७৯ भीय प्रहेटल १० स**ामधान भवा छ**ः ১, ' * স্থান্য তহবালী व्यक्तिश्व ১২৬৯ কালন্ত্ৰণ কইন্ডে ৭০ আবিণ পৰাস্থি " "दत्रवदत्रथ त्यञ्चल छारेवन महिन कुकान नज ১১१० देवमाथ घटेटा देहत शर्मा ह 301. '' ' সুস্থাও ভর্মানীশ **व्यक्तिमी**श्र **३२७३ धावन इंडेट्ड लोव नवार्ड**

त्यांवयांचांच अरकांख करवकां ৰিপেৰ নিয়ম।

चलिन मुना ना भारेरन प्रकृष्टन स्थानकः कोम दश्रत्न अतः राज्ञ मा।

देशांत काञ्चिम क्षूमा वार्षिक ১० अवः संश्रा-निक क्षे छै।क । इत महिनद मुहत मुना कर्युहा

वीषांवा मामधकारमद भूमा भेग्य हिक्छ পঠিনে ভাঁছাৰ। এক অথবং জাধ জানার জাধিক मुटलाञ्च ७ व्रमीरक्ष्य हि.क्ष्रे मा ८११६० क्टबन ।

यथेय यिनि मकत्यम एवेट ५ (म.स.अक्:६०) मुला गारीहित्वन छोटा त्यन त्यक्तिकेवि क्षित्र

भूक्यम्य मृत्मान मांग चाडीड स्ट्रेल प्र-मा शाटीबेटक दक्क दान क्रमकुछ विमाप ना करत्रम ।

याँ वासिर्धात प्रमा विवास मनन चाठील ४३-का भारता, महत्वमात मनम अञ्चलका करिया अवेद्य लोगशकात्म आहात कवित्र। श्रीकार गत्र विकि निर्मित्रा क्षांमान ७ वेटन, यहि छ।-হাতে কোন উত্তর অথবা ছুলা যা পাওয়া যার भागम वक बहेरन। फुल्मास बिजिक्क किटि विमान तिः पाठान **परे**द्द**िक्लिकोछ।** मःख्रुष्ठक:-लाक यात्राहित्यत नाटन क्रिक्ट काहेता या:-महा में अ लाहेब :

ৰ্ঘীহাৰ ৰথম সোমগ্ৰহাশ প্ৰতিপ্ৰাণ কৰিব:-म रेक्षा क्षेत्र किकि लिचित्रा ना कानावेशन **जांहां आंध् क्या** पाटेरव मा।

त्कह त्यामश्रकारणं विकाशम विक्र हेका **क्रिक डी इंटिक क्षाबंग नाम क्रेप्टि अर्थक अर्थ** আন। শ্বিডীয় বার /১০ জানা ভূডীয় বাব /• **जाना विष्क स्टे**टर । जास्पन श्रेत ३२३० हे। हैं: कविजय बांच दय अप्री क्षेट्रिय ।

मध्यालाह वीराहा समर्थ प्रकेटनम, छारा-বিধের ক্ষত্র ডাক্যাস্থল বিতে চইবে।

क्ष शक्त स्थित्राजीत शूक्त शक्ता द्वानक्टर वर्ग-मानुषु द्विम्दसम् मक्तिन अभिन्दिरलाकात्र विवादमानान २२७३ **काञ्चन स्वेटक देन आहर श्रामि श्रामि । 🔆 🌴 दिवसक्रियन अधिरण अधिरण अधिरमान्त्राह अकानिक स्म**ा

अकतिर्विताय पार्थियः सरस्ति मृतिनक्ती न देशितां। " ह्यू

जन ১२७२। ১२५ काल्खन: हेर ১৮७०। २ गार्क

र्जा मध्यकारणंत्र क्षवंत्रव इकि সংক্রোদ্ধ বিজ্ঞাপন।

আজি অবধি সোমপ্রকাশের ভার এক ফর্মার্থি হইল। জাঠঃ পর যাঁহার। বারা निक भूँका मार्चे कब्रिट्बन, छाशानिजाटक का গাড়ে পাঁচ টাকা দিতে চইবে, বাৰিক ভা धियं कृष्टा () • हेकि) ज्यानिवर्शित अस्मि । হক্ষালের আহকদিগকে স্বৰ্ডন্ত ভাক দাস্ত प्रिंड धर्देश शिविक क्रांक माल्य था॰ बर् किन्न बोबाना गूमा ट्यांत्र मश्कास हिति ज লেইবা ক্রিরা দিবেম, তাহারা ভাহার ব্যব াটেকি আনা) বাল পাইবেন ' মাঁহারা স্বত-य जाक शासल फिट्ड जनवर्ध स्ट्रेंद्रन, जाना টাবেন আহাদিগোর লংগ্রেডার হইনে তাহা-দিগকে মানুদ দিতে হইবে না।

विकाशन ।

ক্রিমপুন জিলার অন্ত:পাতী বাটকেমারি নংৰতপুর মাধে বে পড়নি ভালুক কাছে, **७'श मबूलकृति एए अब्रा अभरा विकास** रहा: য'ইবে। যাঁহার সেট ভোলুক দরপত্তনি লই ার সধ্য তার করিবার ইকা আছে ডিনি কলিব ভায় জাড় ম খিনর কোম্পানির নিক . उ जारवलन क्रिट्स मनिएम्स ब्रखास छानिएक ^भ्तिर्मस ।

विख्डाणम् ।

वीमवीयू, एक केल्द्र, द्वान्त्र नृशिएक, ध्यीत ^{भ दिवा}ण, मिळहामच देवताती, कृत्माभादन ^{जड़ा}डार्यः अ**ञ्खि काही**न कदिश्वानामितात করিয়া সুদ্রিত করা গিয়াছে: পুস্তকের মূল্য ः शक् है। वा माळ ।

কলিকান্ডা। বত্বাজার টিট ৭৬ নং বারী।

জীযতুগোপাল চট্টোপাধ্যার এবং কোং

বিজ্ঞাপন।

মৃত মহান্ধা মদনমোচন ভ্রকালকার প্রাণী ভ বাসবদত্তা এছ কেহ ছাপাইতে পারিবেদ না। কারণ উদীয় পিড়ব্য 🗠 হামরত্ব ভট্টাচা-ব্য ৰহাশয়কে উক্ত পুস্তক তিনি দান করিয়া-ছেন। তৎক্তমে আৰবা ভাহার পিতৃব্যের উ-ভ্রাধিকারী বর্তমান আছি। আমরা ভিত্র वामवष्टात पान विकर्यत चवाधिकांत जना কাহারও নাই। অভএব ঞ্জিবুক্ত বাবু রামদাস त्मन महामय निधित अयत हरेंन अहे जाता. দিলের অনুরোধ।

खेत्रायमान हत्याभागात : 2 化わ カ 存 番斗 **क** विला

বিজ্ঞাপন ৷

७। क्षत्र शामिश बत्रकत्र मार्ट्यद्र अमिष ওলাউঠার তিল্পেদরি একংশ ধর্মভলা বাজা রের উত্তরে সাহাজালার মদজিলের নিজ প- ব ित्य कमाइँढोमा डेकि छित ७७ वर वाही^{द्ध} লাউঠ বোগের চিকিৎসার প্রয়োজন হইবেক উক্ত যাটাতে আমার নিকট আইলৈ অথবা ^{ইত্ৰ ট}ে গালগুলি সংখ্যাত ও একত্ৰিত সংবাদ পাঠাইলে অবিলয়ে এবং অপ সূল্যে

উব্ধ চিকিবসা ও ভার্ডার হারিগ্রয় (यत यदि भाष्ट्रियमं हैं कि

কলিকাভা সংভূত্ কালেল ণিক প্রভৃতি অ্ধ্যয়ন করিছে পাঁট छारानिकाक अविवास विकित क्न । मुख्यांक **अरे दिवन लेरेली कार्या**क् **छिशक्षि इरेबाटक्। त्मुलीवर्ग संयर्**ब जिल रेरात मोमारमा करत्व बार्ड । अकति विद्यवनीय विषय गरम् मार्ट्स व ার এক পক্ষে যুক্তি, আর এক পট্ঞ खन मश्कात, अ केन्द्रप्तत्र विद्याश्व हरेर 🦢 😚 যুক্তি কাছারো এতি বিশানিকে क्रम कतिए किर्देशकृत महिल्ला गरकात गक्तरक लाक्स्ट्रान्त्र स्ट्रा COCE NI LEN SEN MEN MINES जका। भड़ा क्रिक्ट शाक त्यादः, बाह्यस्यः । साविष स्टानितं वि शका शांदक स्**रे**ड च कालंद स्थान मिकिक स्केटकर्स ना । जिल्लाकः नि বার পুর্বে কালেজের অধ্যক প্ৰথম বৰ্থন সংস্কৃত কালেজ

হয়, তৎকালে জ্রাদাণ ও বৈদ্য হাতিরিক

লাভিকে কালেজে এহণ করিবার নি 🚶 ছিল না। অপর, তৎকালে অইমী ও क्शरम कारमञ्ज वञ्च वाकिकः शण्डाद ,য়স্থ ও নৰশাক গ্ৰহণ ও রবিবারে কালেজ ह पाकिनात अनूमें ि हार । यथन निरम প जर्भन जग्न स्टेश बात केलाविक स्टे ় হৈ, তথম আর সেই ধার আংশিক রুক ারিয়া কভকগুলির প্রতি লৃশংস ব্যবহার कम ? अष्टल रेशक दिवहना कः। भाव াক, শাত্রে জী ও সুজের বেদপাঠ নিবেধ ্ৰাছে, ব্যাক্রণাদি বেদাদ বলিয়া তথপা १% अफिनिस स्हेताए। किस यथन महे ুইবেধ উপ্লক্ষন করিয়া কায়ত্ব প্রভৃতিকে াওঁয়া হুইল, তথ্ন অন্ত্ৰাভিকে লওয়া না ্রীয় কেন ? শান্তকারেরা স্থক্তের পদ সর্থা িনুসারে নিবেধের স্থানাতিরেক করেন ाहे । अरलद्भ अक शंख नीटा रखेर. आंत র্কি: হাত নীচে হউক, উত্তয় হলেই জুল্য *४ था। बिट्रांश मद्धादमा । याहा इंडेक, ণ বণিক ও স্থান্তর প্রভৃতি করেকটা 🛁 ু লোক এক্ষণে উদয়শীল হইয়াছে, ্রাদিগের প্রতি গবর্ণমেন্টের নিজ্প ≄য় উচিত হয় না ।

দ্রুলিন সন্পাদকেরা উত্তর সন্তিমা

দ্রুলিন করিনা প্রবর্গ প্রেলিন প্রেলিন করিয়া আর্নিউছিলেন। ইছা

দ্রুলিনেরার করিয়া আর্নিউছিলেন। ইছা

দ্রুলিনেরার করিয়া আর্নিউছিলেন। ইছা

দ্রুলিনের করেরা আর্নিজ

দ্রুলিনার, ভারতারনা প্রধান কৌলি

দ্রুলিনার, ভারতারনা প্রধান কৌলি

দ্রুলিনার, ভারতারনা প্রধান কৌলি

দ্রুলিনার ভারতারনা প্রধান কিলিনা

দ্রুলিনার করেরাইনা তালার ছিলার বিশ্বর্গ সভাকরিয়াইনা ভারতার বিশ্বর্গ সভাকরিয়াইনা ভারতার বিশ্বর্গ সভাকরিয়াইনা ভারতার বিশ্বর্গ সভাকরিয়াইনা ভারতার বিশ্বর্গ প্রক্রিরাইনা ভারতার ভারতার প্রক্রিরাইনার প্রক্রিরাইনার ভারতার প্রক্রিরাইনার প্রক্রিরাইনার ভারতার প্রক্রিরাইনার ভারতার প্রক্রিরাইনার ভারতার প্রক্রিরাইনার ভারতার প্রক্রিরাইনার প্রক্রিরাইনার ভারতার প্রক্রিরাইনার ভারতার

त्कित छेडिङ विरम्हमा इरेसाटइ नरकह मारे।

> ষন্যা বিক্রম নিবেশক একরি আইন হওয়া উচিত।

এদেশের উল্ভিন্ন অব্দ্রোয গর্ণনা ক-রিতে গেলে বছবিবাছ এখান পদ দাভ করিবে সন্দেহ নাই। এই কুংসিড প্রথা নি বন্ধন এদেশের যে বে লপকার হইছেছে, অনেকে অনেক, বার ভাছার প্রনা ক্রি য়াছেন, ভাছা এক প্রকার পুরাভন হইয়া গিয়াছে, তথিবয়ে আমাদিগের মূতন বস্তু वा नारे। विकाह घटनात भूत्व अरे अप ন্য প্রথার উন্মূলনার্থ এক বার চেন্টা হই য়!ছিল, কিন্তু ভাহাতে কলোদয় হয় নাই। সংস্রতি এদেশীয় এক জন প্রধান সমাজ नःकातक भूगताम **अविवर**स **रखस्किश क**ति য়াছেন এবং ভারতব্যীয় ব্যবস্থাপক সভার খন্যভর সভা এভংসংক্রাম্ভ এক বিল ব্যব স্থাপক সভায় উপস্থাপিত করিবেন, অসী কার করিয়াছেন। আমাদিগের দেশের দো কেরা রাজসহায়ভার অপেকানা করিয়া यशः ममाञ्र भाव मश्टमाधन क्रित्रवन, आ ক্ষিও একপ আশার অবকাশ হয় নাই। রা कविधि पाता वलपूर्वकरे रेटाँ मिश्रास् अविष रा अवर्षिक कत्रिटक हरेरव । अविषय्री जना অন্য বিষয়ের ন্যায় ধর্মসম্বন্ধ নয়। অন্তএব ইহ'তে হন্তক্ষেপ করিয়া সাধারণ প্রজার বি (दय अक्रम हरेवात मञ्जावना नारे। वस विवाह निधिक करेटल (क्वल एव च्यामानिएनत न মাজ একটা মহন্তম অপকর্ষ হইতে মুক্ত रहेरव वक्षा नम्न, चरनकमः श रुख्याना র্মণী অসম শশণার হস্ক হইতে পরিতাণ भारेरवन भरमह नाहे। साहे **राज**ण अक विध ७ এककाठीय नरह । व्यत्नरक अक কালে স্থামি সৌভাগ্য ও সংসার সুখে ৰঞ্জিত হয় অনেকে চিন্ত দৌৰ্ঘলা হেডু আগনাকে ও পিতৃ কুসকে চিন্ন কলছিত্ৰ करत । त्नरे त्नरे इंडकान्यारिएनंत्र सम्ब

शिकामाकारक जन भा द्वान रहां व विद्राल इत्र । जना जामानिरशंत अविद्राल अन्न कतिवात केरणमा अहे, अहे नरभ मरण कन्मा दिकान निर्वशंक अक्षी जाहेन कृता जानांका

वक दिवादकत नात्र कना विकास विश त्त्रच ब्रां**क रखटकश करेवर स्ट्**टिंग्ड ना ! मबारकत्र व्यनिके ও निकर्वकातिका शहक वस विवादस्त्र माश्र हेराद्र अ विस्कार प्रश কতা আছে। ইহা কেবল চিক্সান্ত প্ৰতি विक नम्, अरमनीम उद्धारमाकनिर्वाद्ध निकास विश्विष्ठे। य विवदत्र अधिकाश्य त्नारकत ७ **धर्म**त विरुक्त चारक, उक्तित्म रखाक्त कतिया दिवाश खाक्रम स्केरा महार्यमा कि । कमाः विकटतन्त्र स्माम क्रम গুণ নহে। প্রথম, পিতামাচ্চ কন্যাকে অর্গ লোডে গোমেৰ মহিশের ন্যায় বিত্র करतन, किस मिरे विकास य करानृत पू कि সিন্ধ, ভাষা আমরা বুঝিতে পারিতেটি না। বিতীয়, পিভাষাত র কনার উপরে अजूब जारह गर्थार्थ वटहे किस महे अलू च बरम । धक चासीन की बरक त्यकान ह विकास कता किवहन अभाव करेंटर्ज भारत याशावा कना। विकास करत, छालाभिरशत व রের ৰূপ, গুণ ও অর্থ সন্ধতির বিষয় বি (बहुना करा नाई, अद्विशास क्नाव कि नभा र्हेरव, छोहां अक बात्र विस्तहता करो इब्र नी, या अधिक होका मिर्ड शास्त्र সেই বিক্রেভার প্রিয় পাত্র হয়। এ**৫**টা প্রসিক্ষ কথাই অ'ছে, কন্যা বিক্রয়কারির कना कथित्व छाहात ७क ७:लूक मण्ड **হইল, জন্ম হ**র ·

কনা বিক্রণকারির সচরাচর দে সক ল ব্যক্তির হয়ে কনা সমর্পণ করে, ভাল র ছুই একটা উলাহরণ প্রদর্শিত লগতে ছে, তন্ধারাই ইহার অনর্থকারিত। পর্ব কুট কপে পাঠকগণের জ্বরত্বন হট্টে। বোধ কর এক ব্যক্তির ৫ বিঘা মান ও কোন্তর ভূমি হিলা। সে ভাছা িন্য কার

না বিবাহ করিল । তাহার বত উপার্কন क्षमको, विशा ७ दृष्टि, अक कृति विकास बाह्राई त्म मस्पादतत शतिष्ठत व्हेना। ভাষার নিজের উপার্জন ক্ষমতা নাই. ভাষার যে পৈতৃক সঞ্জিত খৎক্ষিকিৎ আ ষের সংস্থান ছিল, তাছাও গেল। এখন সে কি ৰূপে আপনার ও পরিবারের প্রতি পালন করে ? কিবুপেই বা ভাহার সভান সমৃতির লেখা পড়া হয় : উহার৷ যে পরিণা মে পরের গলপ্রাহ ছইরা উঠিবে, ভারিবয়ে मर्ल्यक् कि > कलकः अहेक्टम य वि वार निर्वार रहा, एका महामगरगद প্রায় দেখা পড়া হয় না। ভাহারা পৈতৃক সম্পত্তির মধ্যে কেবঁল পিতার নিংশতা ও वृर्वछात्र अधिकात्री इत । এडबृलक नि विष् मृथका अदनक भृश्टक अधिकात कतिहा আছে, দেৰিতে পাওয়া যায় । এতদ্বারা কি প্রতিপন্ন হইতেছে না যে কনাা বিজয় (क्वल क्वल जारमातिक मूर्पत क्फेक नश्. नमारअञ्चल अक्छी दिश्म क्फेन चन - প চইয়া আছে। যে কন্যা বিক্ৰীত হয়, मश्मात् धार्य धारुष रहेश थात्र जारात्क অনন্ত চুরবস্থা ভোগ করিতে হয়, বোধ इय़, व्यात्मादक च्राटक देहा पर्यात कति 7.30 शिटक्स ।

অপর, কন্যাবিক্তন্ন বার্ছাশাজের এ কান্ত অননুমোদিত। বার্ত্তাশাল্র সকল क अप्र कतिया जीविता वर्कन कतिएक ক্ষে, কিন্তু কন্যা বিজ্ঞায়কারির ভাদুশ খী विका चर्चात करासन इस ना। कनाई काशामितात कीविका, कनाारे काशामितात সম্বল। যে কন্যা বিক্রারের এত দোষ, তমি बाद्रनार्थ द्वाक विधित्र माझन क्छावलक्न कि व्यादमाक सम् ३ केशमश्हात काम व्यासती ব্যবস্থাপকগণকে এই মাত্র অনুরোধ করি ভেছি, ভাঁহাদিগের কন্যা বিক্রমের পন্যা ना रमायाजुनकाटन कटग्राव्यन नारे, कें. शहा क्वतम अहे विवश्री वित्वहना करून, शि ভাষাভার লোভ প্রবৃত্তির চরিভার্বভার সুখে বিসর্জন হয় কেন > ভাসুন কন্যাগণ আসাদিগের সমাজ সংশ্রন্তা ও ব্যবস্থাপ কগণের কি রুপার পর্ত্তী নছে? আমরা প্রতীকা করিয়া র হলাম, বছ বিবাহ বি লের পরেই যেন কন্যাবিজ্ঞা, বিল বাব স্থাপক সভায় প্রবেশিত হর।

> ভার ভবর্দের জীৱন্তির প্ৰহত পৰ কি >

षानि सन्ति " ভाরতবর্ষে ভারতবর্ষ শাসন " ও " তার্তব্বের শ্রীরুদ্ধি সাধন " **এই ছুটী मरनारुत वारा अनुकार जामानि**-গের আবণ গোচর হইতেছে। অনেকে ব্যা ধের মধুব সংগীত ছারা মূগবশীকরণের ন্যায় **এই ছ**ई सत्नाक्त व'टकात भूनः भूनः खेळा রণ ছারা লোককে মোছিত করিয়া স্থার্থ সাধন করিতেছেন। অধিক ক্ষেত্রের বিষয় এই, ভারতবর্ষের জীর্দ্ধি সাধনের এক্বত পথের আবিষ্করণে অম্প লোককে উমুধ নেশা রাইভেছে। ভারতগ্রের এর দ্ধি সাধ-নের প্রকৃত পথ কি, ভার্মণয়ে প্রবুত্ত হই-তে মুইলে, অগ্রে ভারতবর্ষ শব্দের অভি-(धत्र निश्य व्यावभाकः। अव्यात जात्रक्यर्य শক্ষে ভারতবর্ষ বাসী লোক বুঝাইতেছে। ভারতবর্ষে এক্ষণে অনেকবিধ লোকের वन्ति इहेशा ह, तम मसूनाशहे खात्रख्वर भएकत दोहा मरमह मोरे । किश्व पर्यन 🕮-রুদ্ধির অস্থেধণ করা হইতেছে, তথন তা-क्रामिरशत मर्था योशमिरशत जिल्ला ज-ম্পত: আছে, তাহারাই এখনে ঐ শব্দের मुक्षा वर्ष । अवेक्टल मुक्षार्थ अव्य क्रिटल অত্তত दिम्ह ७ पूमलमात्मतारे निःमश्यय श्रीवृक्तित्र लक्ता करा, इंक्रेट्साशीय ७ व्याटम রিক প্রভৃতি লক্ষ্য হয় না। কারণ শে-বে'স্কে ব্যক্তিয়া প্ৰীর্দ্ধি শোভিত হইয়া এ-নেশে আসিয়াছে, বিশেষতঃ এ দেশে তা-হাদিধের ভাগ অতি অস্প্রমাত্র দুই হয়। সেই অসপ সংখ্য লোকের (৫০ বা ৬০ ছা-জারের) নিষিত্ত অধিক্সংখ্য লোকের

निमित्र कनात्र यावच्छीयन जाश्मात्रिक (১৮ काण्डि) अवृद्धित व्यवस्थान निम्न कार्या विश्वतिककात स्वीकृति करें। নেই ১৮' কোটির উর্বাদ্ধির এই সেই ৫০ বা ৬০ হাজারের **শুলার্ডক্**র कड़ा स्टेटक्टर 1

পতিত ভূমি বিজ্ঞান মহুলো ভারান্ত্রা श्रीकृषि परेटव, कथा के हिल ; व्यक्तिक् বিক্রদের নিয়মাবলি **প্রকটিত ভ্রত**্রা तारे विकास कार्य। बाजा विन्तु, सुनका বা ইউরোপীর কে অধিকভর কল্প হইলেন ৷ ভারতবর্বে বাছল্য পঞ্জিল ভূলার চাব দ্বলৈ ভারতবর্তের: 🚉 हुरेत्व. कथा छेठिल ; जूटलाल्टयाजिकी নি পৰিউ ধ্ইল, চাৰ আয়ত ধ্ইল, সহজে রাস্তা ঘাট প্রভৃতির উৎক্র সার্গ হইতে লাগিল, তাহাতে অধিকভয় ল वाम (क इंदेल ? छ। ब्राड्यकी देशका सकती সহজে উৎকর্ষ লাভ করিছে পারেন না क्कु कि विम विभिवक कतिरल केर तिहे पैथकर्ष कं.हानिरशत इस्रक्ष -এই ভাণ করিয়া ভাহা বিধিবৃদ্ধ 🌣 क्रिका रहेन, व्हेडिटनटक है। वि कार्या তিথাদী হইলেম, তৎক্ষণাৎ ভাঁছ পদচ্যত করিবার উদ্দেশে " ভারজ ন ভারতবর্ষপাসন > রব উটিল : েই कि हो इरेट वाशिव, विव तारे किया সকল হয়, কে ভদারা অধিক লাভ वान् इट्रेंब ? खात्रक्रय नीलकत थक् তির সহিত এজার নদা বিরোধ হয়, মক चाल हाडि जामानक म्हेटन ভाরতবর্বের **बिबुक्ति हरेटन, अन्य**ना दरेल, काटन हाटन ছোট আমালত এতিটিতও হইল, কিছ ভদ্মারা কে অধিকতর লভেব নু হইলেন ? সিবিল সর্বিদের পরীক্ষার ভার উলাটিত कतिया हेश्लटक ठम्मु इव द्रीष्ठि ध्ववर्षि कहें एक जात्र करार्थ व आहे कि हरे देन, अर क्ट्रेल ; उद्देश छवाग द्वादिक देहेन, किंद छम्। दा क ममधिक ला। उदान इहेरलन এবলে অনেকে বিজ্ঞাসা করিল

न. इं**डे**डबालीटग्रजा कि **अटबजीवरि**-ক উলি**বিভাবিষরের কল ভোগ ক**-· নিবারণ করিয়া রাখিরাছেন ১ কেই া ফল ভোগ নিষেধ করেন আই বধার্য , किस शत्रमाता नशक्त निरम्ध कताः ाटक । देखेटवा जीट बना करण नी प्रतिपान ক্লা অনেক বিবরে প্রাধান্য লাভ করি ্ন, জীহাদিলের ধর্ম ও আচার রাৎহা ্ধা আছে; অভএৰ উভিক্তিগর সহিত न्नीविष्टिशंव अकिर्यात्रिका स्ट्रेटल अरम वंत्रा (व कलट्डार्श विकेष इरेरवन हु **হ কি: ভত্তির কতকগুলি বিবর কেবল** द्वानीविराभव मुविधा छे एमन कविवार া হইয়া বাকে, তদ্যারা এদেশের আনু ত্ত যে য**ংকিঞ্ছিৎ উপকার** লাভ হয়, 100

त्यं त्व विषय्न बाज्ञा क त्वरणात्र जीवृत्ति ্ৰাবনা আছে, তন্তবিধৰে এ দেলী ্ক সাক্ষাৎ সহজ্ঞে প্রবর্ত্তিত করা, ্ নেই সেই বিষয়ে ই হাদিগকে শিক্ষা ध्यांक मिलवार अन्तान अनुवि मा ध रत्न श्रकूष भथ। अत्मरम दामधरत्र स्रे ाट्य, किस अरमनीरमदा चारताश्वामकन ভাহার সামান্য ফল বিনা মুখ্য কল ভোগে ष्विकाती स्ट्रेंट भारतन नारे ; रतलक्षरत যখন এদেশে হয় নাই, ইছারো কল প্রভৃতির নিৰ্বাণ ও চালনাদি বিষয়ে তখন যেমন অন ভিচ্চ ছিলেন, এখনও সেইত্রপ বহিয়া (इस । ১১ । ১२ वर्षत्र इहेल, अट्राप्ट्रम ্ৰলওয়ে কইয়াছে, এপ্যান্ত এদেশের কয় জন লোকে কয় থ ন কল প্ৰস্তুত কৰি রা**ছেন > এদেশের কর জন** লোকে শকট 'লক হইর্ছেন > এদেশের কর জন লেংকে তের কাজ শিখিয়াছেন : একে ভ এদে ার সৌকে সহজে আলস্য লয়া। পরিতা। গ করিয়া ভাষদাধ্য কাত্যে ব্যাপুত হইলে

সাহু দেওয়া নাই, প্রভাত অনুৎসাহ দেও া चाट्य। अरमभीरम्तां उत्तर कार्या महर्व वर् व्यन ना बलिवारे चारनटक निवास कविया हो गीमिनिरात्र जावगृष्ट न्यास्य ७७६ वि विशास्त्र वारात्र क्षेत्र कारास्य वि बाहेरल निविष्ठ शारतमा, अक्सिश क्था जिका ७ काक ना रुद्धित कि क्यंत काश র বুদ্ধি মার্জনা, পরীর পাটব, সাহস ও বল বীয়া দির বৃত্তি হয় > রেল গাড়ির কল ও তত্তুপকরণ ইংলবে এক্সত হর, আর त्र डिएक्स निवस्त कें शिक्तित सामक विश्वास क्षेत्र को कि नात ना, देश दुवि য়া লওয়া সহজ নহে ৷ চেকীর অসাধ্য কোনু কর্ম আছে: এদেশে চেন্টা নাই बलिया मसूमाय विष्ट्यात्रहे व्यममुख् । वा খালিরা বে যে কারিক্রিয়া করিতে পারেন. সাঁওভালেরা কি ভাষা করিছে সমর্থ ১ ভা शक्तित्र तम समामद्दीत कात्र कि ? তাহাদিগের শিক্ষা ও চেঠা নাই। এদে শে ভুনা দৰিভেছে, কিন্তু নে ভুনা ইংল তে পিয়া সূত্ৰ ও বস্ত্ৰ হইয়া আসিতেছে, গভায়াতের জাহাজ ভাড়া লাগিভেছে; এ দেশীরেরা কেবল মজুরী ক্রিয়া ভাষার উৎপাদন করিকেছেন মাত্র, সেই জুলার প্রস্তুত কলভোগী হইছে পারিভেছেন না। अटमर्टन कुना कि.बहा देशार हिलाह शंग, डाशांट अरमरणंत कि अवृक्ति रहे न ? अरमनी मिरभत मसूती लाख, देशहे कि अधिनीय जीवृत्ति । आरमभीरत्रता कि ভূলা পরিষ্কার কবিবার ও বন্ধ গ্রন্ধত ক বিবার কল করিতে শিক্ষা করিয়াছেন **:** ইহাঁরা কি সেই কল ছারা বস্ত্র প্রস্তুত कतिरङरहन ? अरमण्य त्यहे कम क्षेत्रहर् করিলে এবং ইডাদিগ্যকে সেই কল গুন্তত क्रिएड शिक्षारेटन कि अरमटमत मरीशनी প্ৰীৰৃদ্ধি হইত না

আমরা উপরে উদাহরণস্থ্রপ কেবল करशको विषद्यंत धानक कतिलाम, अस्व শীয়দিগকে কাজে প্রবর্ত্তিত করিবার শিক্ষা किरात चरतक दिवस चारष्ट, देवींद्वा पांदर के व करहत, उत्हारक व्यावाद्र काहाद्र के दे रहे किन वगर क बहरक अम्मानम अक्रि

क्त नमर्थ ना प्रहेटुनमें, कावब अ क्रिक्स न म.क जीवृद्धि लाखं मद्भावना मारे 1 वेदर्शस ঞ্জের যে ভন্ধবিবরে শিক্ষাদান ও উৎসাহ দানের ভার, সেকধা বলা বাছলা। পিভাই भूकविर्वात निकामान छात्र अस्य सर्वत । य निजा चत्रः श्रीकृष्ठ रस्त किसि क्थत পুত্রকে অজ্ঞান ছব ও ছ্রবস্থাপর দেখিরা মির্ভ হহতে পারেন নং। আমাবিধের शवर्गरमणे यमि , व्यक्त हरेरजन, व्यात करम भीटसत्रा निका त्रमञ्ज क्रेट्टिन, श्रावता र्छ.इ:मिश्रांक छेटखकर। क्रिकांच मा । द्वि िन शदर्गतानी क रमरमंत्र निका, तका क ভূতি বাবতীয় বিষয়েরই ভারঞ্রহণ ক্রিয়া ছেন। এখন সেই গৃহীক ভারোচিত কার্যা न। कतित्म जीशिमिश्रांक कर्जादात्र अन्त् र्णान कता अज्ञातात ज'ती हरेए इहेरव।

> এল, এল, উপাধিধারিরা প্রধানতব বিচারালয়ে ওবলেতী করিতে भातित्वत कि मी १

সন্তাতি সর বার্ণেস পিক্ক এই প্রশ্ন-টা উখাপিত করিয়াছেন, যে সকল ছাত্র विश्वविद्यालय स्ट्रेट वि. अम. अवः अल. এল উপাধি প্রাপ্ত হইয়া ওকালতি করিতে আসিতেছেন ভাষাদিগের উত্তর শ্রেণ্টের একবিধ বৃত্ব ও ক্ষমতা দিয়া প্রধানতম বিচা রালনে ওকালতী করিতে প্রওয়া উচিত कि मा : अहे श्रम्भ छेशमक क्रिक्त करनक वि, धन, ममबादनात्री धन, धन, डेशाधि थाविषित्रित्र विक्रास्क हिक्कात चात्रस करि য়াছেন। তাঁছালা বলেন ভাই রা এখনে ति, .a. छे**लावि आश इरे**डा चारेत्र পরীকা দিয়া বি, এন, উপাধি প্রাপ্ত হন, কিন্তু এল, এলেরা কেবল এল, এ, প का पिश बावका अधात्रम करतमा भत्रीक . नश्रत अभाग संदर । वि, धलक्तिश्रत श्रवि विगता मनुमारमम आर्थक नगुत महेरक দর, পকান্তরে এল, এলেরা ভূতীয়াংশ श्रास इंदेलाई अभरमा श्राम शाहित्रा वाटक

स । अभिद्रक अंख रैंवर्गकवा विश्व कमार्शन रेबमक्या मारे। यक्य कारे कंतारोंन देवश्याका एउता क्रिका

এই সকল খ্যাঞ্জর বার্ধপরতা আমা बिरंगद्र किस विद्रांश छेर शामन केत्रियादह यथार्थ वट्डे, किस जामता ठाँशांनिएमत थ দৰ্শিত যুক্তিকে অস্তত ব লয়া বীকার क्रविष्ठं भातित्विष्माः भन्नेकां व्यस्त वर्षन देवलक्ष्म अक्रिक इंट्रेट्ट्स, छ्यन कलाश्रम दिलक्षना इख्याख छेडिक मरमह कि ? शुक्रकात गेष्ठ है छत्र विरागय ना बाकि লে লোকে সচরাচর অধিকতর আম খীক। त्र चेंचू च इटेरव (कम ? कनकः वि, धल ७ এল.এল, উভয়ের স্বস্থ ও অধিকার বিবয়ে বৈলক্ষণা থাকা অসমত নর। কিন্তু এলএল फिरशत अधानकम िहातालएस अकालकी कविवात भर्ष त्वारधन त्य क्रिकी इंटेफ्ट्स. আমরা ভাহার অনুমোদন করিতে পারিতে ছি না। এল, এলেরা যদি প্রধানভ্য ভ দালতে নিয়মানুৰূপ স্বৰ্জনা সাধ্য ক রিতে পারেন, তাঁহাদিগকে বঞ্জি করা कि काल मात्रानुषठ घटेट शादा ? दि, এলদিগের সম্বাননার্থ শ্রেণী জেদ করি लारे घरेटक भारत । 26>

अशादन चामता जल, जलिशादक जक টী পরামর্শ দিভেছি, ভাঁহারা ভাহার অনু সরণ কল্পন ৷ ভাঁহারা মকবল আদালতে | याचेन, ख्वाज़ छै।इ। शिराज़ 2 किसी लाख नरकारत विमाक्त वर्ष मान्छ इट्ट्रेस मान्य व त्रवा थरे. धरमणीशिमर्शत छेशरत र नारे। एश्वाप्त जल जलना जन्मक उनी । লবিগেরই একাধিপত্য। এল এলেরা ভ ধার উপস্থিত হইলে (সভ্ত ও অংপজ্ঞ : উকীলেরা) নিঃসংশয় আপনাদিগের রা ু পড়িত ভূমির উপর কাছার স্বস্থ থাকিলে জন্মতক ভিন্ন পদ রাখিতে পারিবেন না, i তিনি তাহা বিক্রীত হইবার জনভিপু मुत्राम माएक ध्रमाशानद्र नगत्र मधाक । वि क्रमात्र कारमकेरत्त्र निक्रिके माना लाता विद्यादी स्टेटव मरम्बर नारे। मक हैरवन। कारलकेंद्र रन विवरतंत्र भीज ষল আখালত লকলেরও কিঞিৎ আলো (সমারি) বিচার ও নিভাত্তি করিবের) क लाख बहरद ।

পতিত ভূমি বিষয়ে সংক্রাস্থ আইন :

283

>८ रे काल्खरमञ्ज्ञ जात्रजन्दीत्र नावका পক নভার হারিংটন সাহেব পভিত্র ভুমি বিক্রম সংক্রান্ত বিল উপস্থিত করিয়াছি लान । উहा व्यक्तित्व विधिवका व्यक्ता ছে। পতিত ভূমি বিক্ৰীত হইয়া বনপূৰ্ণ ভূমি পরিস্কৃত ও তথার নানাবিধ খ্স্য ও Di अकृष्टि फेर भन स्व, शवर्गस्म केने, धरे নিভাদ্র অভিলাব। ভিজারা ভারতবর্তের मण्ल इरेवांत्र मणूर्व मखावना चारह । क्ति थानानीत एएटव शवर्गत्मक तारे উৎक्रके यत्नात्रथं नकल हरेवात वाकिक्रम ঘটিতেছে। লোকে ভলিসিত্ত ভাঁহাদিগের নিকট ক্ষত্ত হইছেছেন না।পাঠকগণ কি মনে করিতেছেন, আমরা এই কথা বলি एक एवं पर नरमंत्र **अ**, धकाश्म स्त्रीय वस भूर्व भ कूक > ना, सामानिरशंत्र (म हेस् नत् । यामदाहे ममुक्त छूमि नहेव, सना कांटिएक विटमवर्कः इंडिरवांशीयमिश्रास्त्र व দেশে কৃষি কাৰ্য্য করিছে দিব না ইহাও भागता এक पिरनत सना यस कति मा। रेखेरतालीरतता चाइन, क्रुवकनिश्रतक छेरक ব্টৰূপে ক্লুবি কান্য প্রভৃতির শিক্ষা প্রদান করুন এবং সাক্ষাৎ সহজ্যে হউক আর পরস্পর। সহজে হউক দেশের ধন ও সৌ ভাগা বৃদ্ধি করুৰ এইছা কোন্ভারতবর্ষী (यत्र वा व्हेरव > अञ्चल नामाहित्रात क তজ্জনা অত্যাচার না হর, এবং গ্রন্মেন্ট नित्य चिकित्र मा क्राइन।

कार्ति हिन मार्टरवत विरामत सर्व अहे. অৰ্থী যদি তাহ:তে অসম্ভূত হন, তাহা হ ইলে উচ্চ আদালতে আপীল করিতে পা

जिर्दन भारते विष्ठातामध्ये विषय शकि दार्वे जानीत जर्म क्रिक्ट्र गिरमप्र व्याच्याचे ह्याच प्रदेश्य । राउ। यति त्याम विषयम मीहाक्ष्री विश्व परान, क्षत्रानकत्र क्षत्रा स्त्रीः मान्द्रका तक अवन कहिर्दर्भ हैं . का रहेटन यदि दक्षर जानकि जी করেন, আলু ভাঁহার নেই আপ্রিক্টি निवा ७ कें। हात र्वा के केवबद्धा में ले হয়, তথাপি তিনি বিজীক ছুনি পুনাই रहेटवय माः शवर्गस्यके स्थानः केरि षाराज्ञ पूर्वा थात्राम कत्रिएकक 🛬 282 त कातर नत शाम्यम के কানিভের পতিত ভূমি সংক্রমভাংকর পরিবর্ড কবেন, ভথ্যো **বস্তু মটিভ**্র अक्री अधान । **७ इ** मद्वी वृत्रिक्की অন্য অন্য সম্পত্তির ন্যার পতিছ-স্বস্তুত ভাষাদি আইনের অন্তর্জ্জ कर्खवा । शाहिर्देशन मार्ट्स व्यवस्था । याता किरियक दुरमन, त्यांथ क वा कि होका विशे जूनि जात करि शास्त्र मूल्यम विभिर्वाश कतिया ६ वर्धी कतिशा खुलिरमम, खःशहनद्वर ভাষা হইতে ৰঞ্জিড হয়, ভাষা হইত র অভিশর কভের হইবে। সভ্যঞ যাহার বে সম্পত্তির উপর্াইর শ্বত্ব আছে, সে ডাছা বন্ধ ক্টেট্টি ২ করিলেও যদি ভাহাতে ভাহার আ না বেওয়া হয় সেটা কি ভাহায় জুব करकेंद्र श्रेटन मा? खाश कि यूक्ति माञ्चल वाबशांत्र मग्न ? गर्वरागरण हित এই নিরম হইরা আসিতেছে, আদ যাহার শ্বন্ধ প্রমাণ হইবে, সে বস্তু ং त्क व्यवणाहे निष्ठ हहेरव. ७६भद्रिय কিছু লওয়া আরু না লওয়া জাঁহার ইয কোন দেশের কোন ব্যবস্থাপকই সহ অনাগ্রেমাপভোগের প্রমাণ্য সংস্থাপন त्रम नाहे। खात्रकवरी प्र शवर्गाक्रके व्यव ব্যবস্থাপক সভা ইক্ষাসভ এড়ংগাঁরিবর্ডে,

त। बहरतंत्र कवापूरक वाष्ट्रक, सू वा कि विनिध्यास आवार अववीत ना क्या के हेक । क्या नाटक सम्ब , अर्थ करत्र विश्वन प्रदेश मुख्यिक हैं। অধিকারির খন লোপে কলাত কি [सः । अहे जिल्ला नक्त नक्त क्रिया केन ाहिएव का त्याथ क्या, अक्कार्यक अक क क्योंकि काह सगरक विकास कहिलां भारत यंक्षेत्र व्यक्षिकाती मानीम कति रामबात चय मध्यान कत्रिक, क्यंब া যদি জীহাতে দক্তি ভোলার ভা হুমি পাইখে না, কিছ আমি ভোষা [मा किटकहि। **कामांत्र (म**ानंदी व्हेंटन छ ? क्लेबनात्री जानालड चा ভৰিমিক অপ'রণকারী বলিয়া চো ও ज़िर्दम् मा ७ > प्रथमनी जाना মার সপক্ষতা ক্রিবেন ছ ? তাহা ा भारतम, सब्रग्रमण कि. बुक्टिए निवत विद्वासिकत कतिएक छेगाक it farming ours signed के कार्या माधावय क्लांटक्त ब्रावृष्टि रत, भवर्षकारकेत्र । शदक (कम) चानत्र अक्टल देशक **वि**टन्ह शावणाक, थवार्च जविकाविकाळ्या ্সত্ত্বেও ক্লেন্ডার অসম্ভোব ক্ষয়ে **ংকিকিং সুন্য লইয়া স্বাধীনতা** क्षिण रख्या महस्र, स्थवा विनि स चाश्रदम शरत्रत्र कृषि कन्त्र कत्रितः इ बृत्यम विनित्यांश ७ शक्तिकां ह्म डीहात तारे विविद्याबिक েও পবিজ্ঞানের পুরস্কার লইয়া রিজ্ঞাপ সহজ > কেডা যদি এ অসু महा क्रिएक ना कारहन, फाट्टा इंदेरल तर्र मन्मविकत्र कतिवात शूर्व विष् পে জানা কৰ্ডন্য এক্সাৰিত, ভূমির चिषकाङ्गी चाटहन कि मा ? काँहात १। क्रकान स्ट्रेट्स कि वर्शर्व अधिकाती गत्र क्खरकान कतिर्वत । बाह्यत संब ু তাহায়ই ক্ষাঞ্জি হয়, ইহাই ক্ষাময়া বরা

कारांत्र माक, पारनात्र क्लिक विक्या शामता के कि करतन । वर्षे मुख्य स्विमाय ।

धारे विरामत थाकि जानानिरनंत्र जात्र এক বিশেব আগতি আছে-

আসাদিগের বিচারালরের^র অবস্থা হর নাই। মাজিকেটি কালেটর অভ্তিত খনেক সময়ে পক্সাড প্রাতুর্ভাব ও কা कि देवत व्यक्तिक इरेशा कार्या करतन जान मापिरशत ७ क्यारे नारे । ठीका वात्र कति त्त क्र वाक्षि चनात्रारम क्रम्बरमत्र मारम ডিক্রী লইভে পারেন, অবচ প্রভাবী ডি ক্ৰীজারিত্ব পূর্বে ভাহার বিন্দ্ বিসর্গও জা निष्ठ भारतन मा। अवश प्रम भागत লোকের সম্পত্তি বিক্রয় হওয়া অসম্ভাবিত नव । वित्यवकः यद्विक, वित्यवनानी, जी লোক ও অপ্রাপ্তবয়ত্তিগকে নিঃসংশর সর্বাত হইতে হইবে। অপর, ব্যাসত্তর त्याकक्षमात्र विष्ठांत्र कात्र कार्टलकेत्रिक्टिशंत হতে দেওর। অভ্যন্ত অন্যার। এভাচুশ সো কল্পনা বেওয়ানী আদালতেরই অধিকার। रमक्षांनी चारानक वाक्टिइस्स चमाळ এব্রিখ মৌকক্ষমার থথার্থ ও স্থক্ষ বিচার বইবার সম্ভাবনা নাই।

ভারতবর্ণীর গবর্ণদেন্ট এক্ষণে অভিশ व अमाप्त क्रिएक हलिटलम् । क्लाकि विल রুহিত হইবার পর অবধি ভাঁহারা নানা কৌশলে ইউরোপীয়দিগের সহায়তা কাৰ্যে প্রস্তুত হইরাছেন, তহও ভারারা এডজে শীর্ষিগের প্রতি অবিচার করিতেও ক্রিড ছু সমুচিত নহেন। ভাষার এই প্রকাশত क्षजात्व त्यारिक स्टेशारे वातवात्र देशन श्रीत नवर्गराकेत मार्क मास्ता मध्यम ক্রিভেছেন। বাহা হউক ভাঁহারা কি देशाय कुछकावा इदेएक शातित्व ? देश लकीय अवगटनके कि कें शिक्सिय क्रक अरे পক্পাক সুবিত ব্যবস্থায় অসুবোদন, করি त्वन : क्के कि विराम काम कि देशह कर

यत्र अनिज्ञा जानित्वहि, क्षित बाबाई सम, रे वृद्धी प्रदेख मा ? त्यंदी कृषित्र, यह छात्रशम

क्रिकां जा **ब्ह्यूर्फ**ा

নমাচার পরে তৃতী স্থল স্লিকাডা ওয়াড'ছ অপ্রাঞ্জ বাংহার রার্ক্সনার্গিলে त प्रकारकार जना र जन परिवनिक व चानशास्त्र नियुक्त स्रेत्रहेवन । भुद्रदेश রমানাথ ঠাকুর ও হরেন্তার্ক বাহাছুর धारमनीय, सात ७ जन रेकेटबारीय । सा बड़ा जरमक दिन जनिष अवारण द हुनी ন অবণ করিছেছি, অনেক অছি ও জন্ধ कांत्रकेत्र अकृषि वरे चारत काशास व त्रकिमारक व्यवन कतिएक व्यक्तिक हरे রাছেন ৷ তাঁলদিগের অনিকা নিয়ারণ नटर । यात्रा क्षेक शदर्गदमके या ख्याव थाप्तक निरमान कतिरहरून, रेशास जा মরা অভিশয় আনন্দিত হইলাম ৷ ভড়া ব্ধায়কেরা বালকদিগের চরিত্র শিক্ষার প্রতি কিছিৎ বিশেষ দৃটি রাধিবেন। তাঁহাদিমের চরিত্রগত গ্রন লোবের উ পর অনেক এমেশের শুক্তান্তভ নির্ভর করিভেছে । এখন ড এই রূপ একটা অনরবু উঠিয়াছে, অঞাগু বয়ক বাজকু भारत्र वा जगारण क्यम भावकारित केत्र ছি শিক্ষা করিছে আইসেন। আয়াচি भारति । जिल्ला क्रियोगात ए प्राक्रमुमादहरा यकि जनमार्थ ७ जविवृद्यकान्नित्र माहि देखि র দেবা ও আলেন্যের হত্তে সমর সমগ্রণ मा कतिया क्रुक्तिया ७ मक्रतिक स्देश খনের উচি খুকর্মবা সাধন, করেন: এইছি কি প্রাভাতিক অক্লণকিরণাবলী भौधवाकित मात्र कात्रक्वार्यत **८** वि वृ হের খারখোজা ক্লাদন করিছে বি **गीर्वकाल केनाजीय शांकिक** -

বালালিবিলের অধিকতর দুক্কার ब्हेबाब छेलाव कि ह वीर्यादीमका कांग्रस्तात अन क्रांगा नात्रण **।** नीर्वाष्ट्र विदेश बाह्य क्रथम उत्तरभगानी. अवनीतं क कार्यायमाश्रमाम् सहैताः शास्त्र मा । কি ইউলোপ, কি আনিয়া, কি আমেরিকা, शृक्षितीय त् व्याप्ता व्यापीत वाणि नवनत्ता-हा बहा अने बाविने स्नीवाबाद कृतिक नुई হয় : বে স্থানে পৌধাহীন কাভিয় বাস, ত-ধার আল্স্য 🔅 বিরুদ্যমতাদির জাত্রখকর অবস্থৰ দৃষ্টিপথে পডিছ হইয়া বাবে ৷ ইংয়া अ ७ वस्त्रमधीतिविद्यत्र क्षांकि पृष्टित्मण क तिरम शांक्रेक्शन ज्यामाविरशत बारकात छार गर्वा त्वाद्य जयमं इड्रेश्यम मटमाह नार्डे । हे १ वासमि तात्र लोग् अनियाजि, धर्म डाहासितात । अवाञ्चद्रांग विकादांवर ()) वालानिनिटगत বীৰ্যাহীনতা ও তক্ষুক্ত আলস্যালয়তাই বলকালাববি প্রাসিত্ব আছে। আমাদিগের এ कनस्मन कि मुन्नी बूफ प्रदेशन दिलाय नाहे ? আছে। পুষ্টিকর দ্রব্য ভোক্সম, নিয়মিতকংগ ব্যায়াৰ ক্ৰিয়ার অন্তৰ্ভান কাৰ্ধ্যে সভত স্বঙ্কি निरंदमं अवर खेन्न विवद्गत्क सक्ता कतियां छर সাধন চেষ্টা, এইগুলিই নেই উপায়। বাঁখারা শীত প্রধান প্রকেশে বাস করেন, ভাঁহাদিণের প্রায় বভাবতঃ এই গুলি হইরা থাকে, জা মালিগকে চেষ্টা পাইয়া এই গুলি করিতে হ-

এতদ্বেশীয় এক ব্যক্তি লগুনে নিরাছিলেন ভিনি বলেন, তথার অবস্থিতি কালে বে পরিমাণে পরিপ্রম করিতে পাণ্ডেন, কালিনা চার প্রভাগনন করিয়া ভাষার আর্কিন পরিশ্রম করিতে পালিতেছেন না। আর এক ব্যক্তি উন্তর পশ্চিম প্রদেশ হটতে লিখিরা ছিলেন বে কলিকাভার অংপকা তথান টংরাকেরা বিশুন, ও ত্রিশুন অধিক পরিশ্রম কালিতে পারেন। কলিকাভার অংশকা লাভনে

(১) এত মগরস্থ তুই সুনিক্ষিত বাজি লগনে উপনীত হইয়া ইংরাশ্বনিরে জনার
রাগ দশন করিয়া বিশ্বয়াপর হইয়াভিলেন।
উহারঃ বলেন ইংরাজেরা বালালিদিগার
নায়রখা গশাভিতে কাল হরণ করিতে নিভাত
শরার্থ। প্রতি নির্ক্ত ভাহারা কোন নাকোন
কাল্যে নির্ক্ত থাকে। অর্থোপাজ্ঞান বিশরে
ভাহাদিগের মত প্রমন্ধানী, বোধ হর. তার
ধ্বন লাভি পৃথিবীতে নাই।

या छेन्द्र शक्ति बारमध्य जानिकत्र बाग्नाकि ক্ষতিব্যৱ কারণ কি ? পুটিকর মধ্য ভোক্ষর ও নিয়নিত ব্যায়ামালিয় অনুষ্ঠান নিবস্তুৰ বলা रिकार खारात कांद्रन । इरदाख, क्यांनी क्रि র, পাঠান, শিব, অভৃতি স্নাতিরা কি কার্যন এডাচুল বলির ও স্কুলার হয় ও ভাহারা দীভ अपनि पानि गान करते, देशहे कि अक নাত্ৰ কাৰণ ৷ উলিখিত পুটিকৰ হব্য ভোৱানত ব্যায়ামানির কি কার্শতা নাই? দীত এখান व्यक्तिवानिः। यदि याजानितिःशस्त्र नाम् ज সার ও অপ গরিষিত হব্য ভোজন ও মি জিম্ব ও নিরীধ ধ্রীয়া কাল বরণ করে, ভাষা-द्रा कि उत्तरम मिक्सिंग ७ पूर्वन एट्रेग्न बाग्न मा ? ভাষাদিগের কংশে কি আর ভাষাদিগের ন্যায় স্বল ও ভূচক'র লোক জল্ম গ ভাছামিগের वश्मारनाक्षिभरक कि करन अंद्रि उच्चाजीव विनिष्ठ व्याप्त हरू है। भी छ व्याप्त हमा কেরা আহারানির ব্যক্তিক্রন করিলে বছি ভা-शंक्रिकात बताबीमा नावन ७ व्यवदावाचित्र वा-িক্রম বটে, ডবে বল্লদেশ বাসিরা জালার ও बाह:बाहिदा छेरकर्ष भारत क्तिएक, के मुक्क विषया छैरकर्म माथिक का स्ट्रेटन रकके जायता यमकत् उँभान् अवनयस्त्रहे असाव विद्याहरू, বাশ্বাদ্য উপারাব্যাহনের প্রদান করিভেছি না। পরিফুড স্থানে বাস করিলে ও নিয়মিত बारण आंशात्र, शांस ७ शतिखाम कतिरम मंत्रीत ग्रुष्ड इरा वर्षे, कियु विशिष्ठे इरा मा। अन वास्क्रि कनिकाछाव भविकदंव दशन छेम्हारम बान क-বিষা নিয়মিভকণে আছার পান ও পরিশ্রম कत्रित्म श्राष्ट्रा नाफ कत्रिट्ड शास्त्रन, किन्त তিনি যদি পুষ্টিকর ও অধিক পরিনিত তাব্য ट्यांक्रम ও वहादामाणि ना कटतन, काँचांत्र भ-त्रीह कथन बनिष्ठ दहेरव ना । किन्छ मिटे बास्कि यकि मधन मा मिद्राहेत कान मरनात्रम चारन বিলুল বাস করেন, ভাছার শরীর বে কেবল सुद्ध ३ हेर्ट अवाण मरह, विशिष्ठ वर्षेना छिटिय। अञ्चलकोष्ट्र । य मकत राख्य मधन वा छेखत পশ্চিম প্রচেদের কোন স্থানে কিছুফাল বাস কবিহা কলিকাভার প্রভাগমন করেন, সচরা চর তাঁহাদিগের শরীর মৃস্ক গা ও বলিষ্ঠতা এই উজন্ন গুলে ছুনিত দুট হন। এবছিধ বৈল-क्षण कांत्रलय अञ्चनकारन आहेए बहेरन देखिः

for sire are seri मामर्गरे । स्थान व महाक THE PRINT OF PERSONS কাৰিক পাৰিবিভ জব্য ক্লোক্সিক ক্লাক্সি हा हिट्टे। जरिन गडिलिक के प्रकार गहिनाक कहिएक गाहिएन सर्वेश्व म दत्र. क्षार्थात ग्रहणपू कि र मुन्तास्त्र हा वन नवनि भगार्थ बहुत । प्राप्त क्षेत्रकारिक रानिकं व्येशनरे एक बहुदद् अवन हिंदू गृष्ट्रि, किन्न के करवत का किरेस के के मुख्य हुन अरकत नवांत्रको, नाक्तिका<u>त्रक</u> मुख्यानेक रक्ता । विद्धानी मा क्षेत्रम शासकार कात सहैरांक शक्रमा नारे। अक्रमा म লেও কোন কোন পানীয়িক নিজা কা बारण मध्यम् (३) महिद्यापः (महाहै रका क्रिएक न्यर्थ इस सा ।

আমর। অপ অপ থারিনারে বুল কার অবাদ্যানর কাণ্য করিয়া মাকি বে ব্যক্তি প্রকাশায়, বাহার নাংস পো অভ্যুক্ত নেলের আম অংশক্ষাক্ত বাহিন্ট উক্ত থাকারে অস্থান্যাকর স্ য়াও হর্মান শরীরী ক্ষাণ্ডেকা, ক্ষান্যান

উপরে যে বাশ আর্থনিত মইন ।

শাই প্রতীর্থান বইতেতে যে নিয়নি
আনার পানালি নিয়ন্ত্র-পুজা লা
লেই মহার মৃত ও প্রথম কার হর না
নিধানবিৎপণ্ডিতবর বলেন পুটিক্স
ও ন্যানালি কাশ পরিক্রমন্ত্রকার্য,
শারীর বনিত ও মৃত হয়। কেই ওকথা
কার করিতে পারেন লা। কোন কোন
লেই পুটিকর রামা জোলন ও সায়ামার্য
রতি ঘতাবতই হইলা উঠে, আ কোন
ভাহা বদ্ধ পাইর। করিয়া লইতে হয়। ই
ও, মনিয়া আক্র্যান প্রায়ন ও কোন না
বানিয়া পুটিকর আহার ও কোন না
ব্যারায়ানি ক্য প্রায়ন্ত্র নির্মা সংক্রা
হয় কিন্ত ভাহারা শারীবিক নির্মা সংক্রা

(২) এতদেশীয় লোট বাহক, ভার বা কাদির প্রতি চৃষ্টিপাত করিয় বিবেচনা, ক লে আমালিগের বাকা সপ্রমাণ হইবে

'रताशक्रिम 'दोन्नो फल्यमस्य करत मोहै। দং বৰ্ষ অভ্যত অসভ্যাবস্থায় হৈল, पत्र गाही हिंग जिस्सा किये जाने जर्मा है के जैं। नात बर्धा केंक्सिक एक बाहि, किंबेनके है र-शानिता सुडिक्त हरा एकरन च स्त्रीकृत ः काष हिन । जनामा नीजन सम्बं गार्कबर्ध व्यक्ति मुद्दिगीक क्षेत्रिर्देश क्षेत्रे गिकि स्ट्रेंप व दिश्में विनिर्वित मान गमा भोडीविधानिय शिक्षणाद्वत रहे ना विदेशांख नवलें भेड़ींड़ी वेहेंबाड़ कें-ॅंड निश्चे व्यव्ययम् कंत्रियद्वाद्यः 🐪 🦠 ৰলভঃ জল বাৰু e সৃত্তিকাদির উপরে শ্রীকৃতি প্রাথানিলের পারীরিক 🖷 🕶 বিভাবে নিউর করে, তারিবরে ' নাই'। শান্ধীয় ' বিধানবিংপভিতেরাও হয় সিম্বাস্ত করিরাছেন। এতার্থয়ে স-দ্ল ক্ষেত্ৰ কোপলাও গাঁহেব বাহা বলেন নার ভাগু নিমে সভলিত হইল। লেন শি মছুদ্রী যে বি লেশে বাস করে त्यदंग्य वीष् वीष् मृतिकापित छात्र-र बाएको नेदिबाटन खादात मात्रीति-'সিক শক্তির ইতর বিশেষ হর। , নাশর্মার প্রস্থৃতি দেশে সভ্যস্ত ন ও প্ৰতি বংশর ছম্ম মান গ্ৰায় ার অকাব নিবশ্বর ভত্তকেশবাসিরা **७ पूर्वन माः मटभमी विभिन्ने इत्र।** াদি অংশকা আসলীভল দেশবা-সাবার বিলক্ষ্ স্বল্কার ও সানসিক বিশিপ্ত হয় ৷ ২৫ ৩ ৬৩ ভিক্রী ,तथात मरथा जालिख सम्मवानिका हेवा-াণ, ভাহারাই পৃথিবীত্ম সকল জাডি কা দূচক , ও ক্লেল সহা করিছে সঞ্চল **विगम** जिल्ला मञ्जल कड्ड अद्विवर्द्धव ভঙ্গেশবাসিদিগেরও ভৌতিক 🛊 সান বলের বিলক্ষণ প্রাত্ত লাব হয় যথা- ভে-, सूर्वेरजन, वेशमध ७ जरतविद्य भी-क्षि । 💆 🕶 जिल्ला 🖰 नाइटव ज्याहता बदलन :শ সকল ভূমি সমুদ্ধের অপেকা অণিক ও পর্বডান্বির বিফটন্ত, সেই সফল তান ाहा विज्ञ**क्षण मृष्टकीय ए**ईंग्रा थाटक। छ।-। बाह्मभिक्षि क्षण कार्र्स विमक्षण त्रुष्ठ अवः · ৭ সিগ ত্যিত্ লোকের **অংশকা**

व्यक्तिका गोर्वजीयी दम्। खादानियाः श्रीम्बाद्दर्शः व्यक्तिकान नखानवादः व वर्षः शृह्यम्या दहेवा वादकः व

এতবার। লার প্রতীয়নান হইতেতে বে বাদাকর অন বায়ু মুন্তিশানি বিনিষ্ঠ নেলে বাস করিলে লোকের কলাকতই পুরীকর লব্য কলপ প্রায়তি চইরা থাকে। লাপর, হুচ কার হর কলিরাই ভারারা শ্রভাবতা (৩) আভ্যাসিক বলোপার্জনে প্রায়ত হয়। ভারা-বিশের বেটা ক্রভাবত। হয়, আলানিগাকে ভারা চেকা করিয়া করিতে হইবে। কিন্ত বি মণে সে চেরা করিতে হইবে, আমরা আগা-বি বারে পার্ককগণের গোচর করিব।

মৃতন পুত্তক ও প. তকা।

করেক সপ্তাহ ছইল, করেক থানি ফুডন
পুত্তক ও পত্রিকা আনাদিগের ফন্ডগত ছই
রাছে। ভাবকাল বিরুহে অনরা কেবল হে
প্রাক্তার ও পত্রিকা প্রশন্তনারিনিগকে পূর্ব
বলোরথ করিতে অসমর্গ হইরাহি এরপ নহে,
আপনারাও স্বক্তব্য লাখন করিরা তাঁহালিগের
নিকটে ঋণ মুক্ত ছইডে পারি নাই। অলা
কির্থ পরিমাণে ঋণ লোখে প্রেল ছইলান।

১। সীতার অহেবন। প্রাবর প্রায়। চাকা বাজাল বাজার প্রাঞ্চ জুলের পণ্ডিত জীমদন বাহন বিপ্র প্রাণিত। ইবা চাকা স্থাতন ব্যে দুরিত হইরা প্রচারিত হইয়াছে। ইবাতে রাজের বিরহ ও বিলাপ বণিত ছুর্র হইল। আ মরা কয়েক ছান আনন্দ সহকারে পাঠ করি লাম। বচনা সম্পূর্ণকলে নির্দোন হর নাই ব টে কিন্তু লাজি ছইয়াছে। প্রভ্বনারের কাল্য রচনা শক্তি আছে, ভাষা ম্পার্ট বোধ হইল। ক্রেকটা কলিতা উল্লে হইডেছে, পাঠকান হরণই ক্রির সন্তাহরজার প্রাণ্ডা ক্রন উল্লে হরণ্ডার প্রাণ্ডা ক্রন

করি রাষ উর্জে বিকোকন, বলে অচেডন মেখে ভেবে সচেডন, ভূমি হে জীবন ছাতা, জীবের জীবন পাড়া, এই বার বাঁচাও জীবন।

(৩) ব্যয়ানাজি ছারা বে বলোণাঞ্চন হয়, ভাষাকে আজ্ঞানিক বল কৰে:

जाजि हरे सर्वत किन्द्रिक टमान क्षमध्यम भीत शहित वहसे मेलि. शक्षा वर्षा क्षेत्र क्षेत्र विश्वका क्षरणः महिमात्र वस्टिक या शर्कि স্থানি কা কি উত্তাপ বার্ণ ১ जागात देखान (क्षेत्र क्षा मी द्वाहर, क्षामान अमास्य सारस, क्षेत्रा क्षामीन मारह कामाहिटल द्वर्षन बहुत । ८६ वश्रास्त्र । वास्त्रि वन्तिः वन् कड़ नशी मार शूर्व कर चेव्हन पारन, त्यांत वांक्रांदर्भ करा, वहेंद्रा सरमान एउ. षाक व्यान-विद्यात समृद्य । विषय क्लिक श्रिमारीया. खन ध्यमांचीन महा कार्रम स्वामीहरू, चांत्र कि निवाय चानि, या दश्त हां क्रम यात्री कारी वटक अम स्वद्य किटड़। "

২। শালা পাঠ মাধ্যজাগ দ্বিনীরবার স্ বিজে। জীবুক্ত বহু গোপাল চট্টোপাব্যার ইবা: র সকলন করিয়াছেন। ইবা সালকলিবের পা ঠার্থ সংখ্রীত হুইরাছে। বিদ্যালয়ে পদার্গদ বিরল প্রচার, যতু বারুর এই রাধু জানের কা শে সেই জ্ঞাব তুর ক্রিজে সমর্থ হুইরাছে। যতু বারু বে গুলি খয়ং র মা ক্রিয়াছেন এ বং বে গুলি সংগ্রহ ক্রিয়াছেন, উভয়েতেই ভারারগল্পর্যার পরিচর হুইরাছে।

७। धर्षक्का । वैदादक व्यक्तवादत नाम कावदा कान् यद्ध भूक्षिक बहेग्रादक, कारा लि चिक माहि १९८१ प्रथा, कलिकाका आक नम' क बहेदक हेरांच बूजन अ' ब्यक्तित क्रिया मण्या १ हेन्नादक : हेटादक वाच्य धर्म क्षिक करमकति है शरमण कारक । अकति केन्द्रमण अभूदत हैर क

পুত্রের প্রতি পিতার উপদেশ। दर्शित्रश्रुख । 'जू म केश्वत्ररक **अका** करियः """ কার্যা সম্পন্ন কর্ন, তিনি ডোমার পিডা, মতি ख्यान ; जनत प्राप्त भूकन फारव्या कि न ६३ मांत्र अक्षमाञ्च त्रवांत्र श्र श्रीष्ठिः, जीवारिक स्वर्ग कत्र, मञ्चाम कीवम छ।हात्र कार्या लिया। कत्र, अक ग्रष्ट्र, क्षेत्र क्षरा दीषश्चक निष्यु व वरेष पाकिल मा उँ। होइ क्यारित मुख्यि कवित्र के। प मास्य देखाल कथा, मर्जामा, ताई जुमानम नेप ट्यांश क्यू, अश्माद्यम कृष्टिराखी रादशाः ধ কৰিছা দেই পৰিত্ৰ ফ্লাক্লপেৰ সৰিত দিন দিন मणिलिक हता आधि यथन टार्नाटक मात्रन श्राम्य कात्रम् किल'म्, उथन आमार मःन परे च्यामः द्वित, दर मृत्रदमभ्रद्धक श्रव्धि कप्टर्र इडेग्र **जूबि जामात्र गृह उज्ज्ञल क**न्दिन, क 'भोट तिहै आभा सूर्व कहा जेपहा कि का कामा । कार्य प्रक्रि मारे, जिनिहे छानाव अक्षाव महर्र " कारक औषि क्षित्र, अञ्चलात्रंव गरिक केंद्राव शिव कारी माथम कतित्व, अवेकमा पूर्व को পৃথিতীতে দল এবং করিয়াছ: পড়টার ভার क्षम दिख इ विदेश का । की शहर का आह माने प्रक्रियां उद्देश प्रकृत प्रदेश किनिके ४ १-मान अन्यवस्ता विभिन्ने द्रावाचा भीरमः त्यदे शः प्रम प्रमुखरेक कथन अवह पहिरुक्त व्यवत कतिल मा। दे पहुरूबर्यन । पुर्वि धरे श्रीकारक जामात्र काल जनकी क्रियांक, देशक क्यार्थ क्यारका व्यक्ति तम मर्जनारे क्षामान वृद्धि नादम, कृति ইবার কোনতা ছবছে বিরাজ কর ।

ত। আহিছিট্টোলার গাবপুরৈট সংক্রোভ বন্ধ বিল্যালয়ের ভৃতীয় সাম্বর্ণারিক পরীকা विवयन। अहे विकासिय ১৮৫२ जंदन दालिए **स्त्र । देशीत क्रियमः** উत्रिक्ति स्ट्रेट्किट् । शतीक-ক্পণ পরীকা করিয়া সভোগ প্রকাশ করিয়া **्या । हेर्या भाषाम ७ निम्म्यशर्पम धा**नश्त्रात्र विषय गटलह महि ।

বাগত। राज्य भाष (जाववाद। ८क्ता महीश्रा।

जना द्वानाचाँ बहेटल क्रिक्टिल जाति সার সময় > বলোঁ, ২ ফুক্ণাঞ্চ, ৩ রামনগর, ৪ চুয়াভালা, ৫ আলমভালা হইয়া সুটিয়াভে प्यांनियः डेशिव्छ स्ट्रेमानः देशंत्र न्राधः (य ক্রকনী পোল আছে, তথ্যগ্যে একনী পোল 'काजिहरूर। इकाशक शर्याच घटमा घटमा **'का**जिह **जहरै পতিত ভূবি আছে। छनिन:म नीनकं**र মহাজাদিগের দৌরাআই ভূমি পড়িত হইবার প্রধান কারণ। কুকগঞ্চ হইতে আলহভালা পর্যান্ত খেকুর, ধানা, বব, ও নীনা প্রকার ক अहे महिना लड़ा थाएंडि चरनक जना बनर **क्रारम चारम हेकूछ** छैरभन्न **रहेग्रा चा**रकः **बेरात बर्या भर्या पृष्ट् अविध मीनकृत्री अस्य** বিতে পাওয়া বার। কিন্ত প্রজাবা নীল বুনন না করাতে উহার অনেক গুলি অমনি পতিত तिक्तिदिस् । 280

কুটিয়া।

এই কুটিরা,নদীরা জেলার সভর্গত। ক্**নিকাতা হট্তে এ**স্থান েঃ জোশ াই शास्त्र केल्द्र शक्ट्रेनहो। के नहीं जाब-লার বিল স্উতে নির্গত গ্রীয়া উত্তরাকিসুখে পৰন পূৰ্ব্যক পঞ্চার স্কৃতি মিলিত হইরা সভ্য-ত জ্বৰত ভাৰ ধারৰ ক্রিয়া পূর্বাধিকে গ্রন **শরিকেট্ড। ভূতরা**ৎ ইবাকে কেই মেই শ**লা**প

कड़, त्मरे नव निकादक किया नाटक। जकरने जेरे क्षेत्र नीक क च्योत मक्डे शक्यांश्वय क्रिट्डिंड विकिक भवा **डेस**न स्टेटड समिनवासिनी स्टेशास् वशार्थ वटहे, किन्न जारम जे हमें केन्छोन वक ভাব ধারণ করিরাহে। উহার উর্ছরে ভুঠিখা নামক একখানি গ্লাম আছে। ঐ খালে একট্ট থানা ছিল। থানা দক্ষিণ পালে আসাইভ এ-দৰে এই ভাৰকেই আন্ন সকলে ভূতিয়া এবং নানাভ নোকে হোট কলিকাভা কৰে। ইয়া তে বোধ হয় এই স্থান সময় ক্রাইল ছোট উ নিকাড। নাবে প্রসিত্ত হইছে পারিবে। এস্থা-त्नत्र छेखत् । शक्ति नीमा नसूरे नही (এই নৰী এখানে স্বাভি **অঞ্চ**ন্ড, ইবার পশ্চিমে ক্ষলাপুর প্রান্ত স্থিক্ষ বহলসপুর। পূর্বে বাহাছরখালি আম। ইহার কিছু দিন প্লৰ্থে এই খান পাখনা খেলার অ-वर्गक दिन । अक्टल महीवात नाविन एटेवा-ছে। পৰা অভি ভবানক নদী। ইহার গটেই অনেক স্থান প্রবিষ্ঠ হইয়। অলেকের আর্থেক ক্ষতি হইরা গিয়াছে । এখন এই মানুদ্রে ত্বানে তানে জন অভি অপ। ইটেগৰ হইডে मेमान कारन एडि निरमन विदिश्त वाथ स्तः वर्देश्य गांवर वा । श्रवद्विनी अवव वन वोण्कामन महत्त्वि मूर् कतिरक्टह अवर ने नक्न हड़ोन्न मर्पा घर्षा इवस्कृती थीना রোপণ করিতে আরভ করিয়াছে, ভৈয়েষ্ঠ বাসের আরক্ষে কাটিতে উপক্রম করিবেক) উজ্জ চড়া বৰ্ষাকালে প্লাৰিত ছইৱা সাগৱেল माप्त भाषात्र चात्रभ कतिरवकः।

> कृष्टियात निक्डेवर्खि आश्राः 🕆 हेर्डिमानत छेखत भूतांचन मुद्रिया, एक দেবপুর, গোপীনাথপুর ও শিয়ালছছঃ এই नकन आदम कामांत्र कुमान हागादशांभा खाँक কৈবৰ্ত্ত প্ৰভৃতিই অধিকাংশ ৷ ইহাৰু মধ্যে ভু প্তিরাতে ৩। ৪ বর রাজণ "আছে। প্রকিমে शपुरे नहीत के का जीएत मननएवटक **एखाइक्** । भूव क्षानिकात नाबटी **७ ऐतिवाषि**। अहे সকল গ্রামে ভাষাণ ও কারত ভেলি ও ছাট্টি প্রস্তুতি অনেক প্রকার কাভি বাস মন্তর্ভাব ভন্মখ্যে উমিবাড়িজে ত্রাক্ষণের সংখ্যা অনিকা सम्मिर्ग हो छन्। म क जन्ही । अहे पूरे ब्रास्त মান্দৰ কাৰ্য ও ভেলি শ্ৰেছতি মক্ষাই কিছু किंहू केरिए। केरिन बट्या कांब्रटकु छोत्र क

The Paper States of the site of व्यक्तिकारिक का प्राप्त हैं जाति गरमं गरेन मुनगद्भान महरू अर्थन के जिला करते **有自己的**自己的自己的。有自己的 स कार्य कार्य हैं। क बानकार काक्ट्रियम्

THE REAL PROPERTY.

PARTY WILL MAN

विद्यानित समित्र प्रामित्र महिल

क्षांत्रकोषः पृतिः प्रकि ,作用,为新性,有有 中国。例如 क्षण्यि मामाविष महा केरणहर हैं विश्वम के समान जिल्ले विश्व MONTH BUILD MINISTER AL য়োনাক্ষ ক্ষিত্ৰপ, প্ৰকিন্ত भन गांक्श योद, किंद्र खोली गाँदत को, असीव बरश्व जानाक्ष्य चल्हार नक्टमति मधीतु वर्गे हा रप्ता क्षेत्र भएन क्षित्र क्षेत्र বাঁৰু দ্বাবছদ দ্বাদেৱ, কছক 🗟 गण्ड (क्रि गाँएक्टब्र क्रावस्ट्रि नीतकत्र किनि मार्यदेशी कार्य स्प मकरण क्षणात्रा अलिशन जीवा वर्ग कहा चारका वास्त्री गारकरका चनरतंत्र कृषि अवस्रि मेल्स अरे होन व्यक्तिक पत्रिक कालाहरू ज्ञानदक्षांकम अविदेश महात्रम् यास्त्री व्यक्तःच्यारम् व्यक्ति । ভাহার সম্পেহ নাই। এখনও 🗯 मारहर टामा निरम्स উপর এম 🚛 🔻 রি করিতে জটি করিজেকেন্ হোট আছালতের তেজ ও মার্ট 🎉 मीनक्द्रतिराज्ञ क्षिक शूर्क 👰 मी 🔏 हिला, वाथ कति छावाता क **ब्ह्रेया; बाबिस्<u>ड</u>े हे त्रास्ट्य छज्**हिल्

न नार स्त्र किर्क विकिछाइन। विजास मन्य क्लीय मध्यम, अकट्य कतिरम जाम एतः। अश्रीनकांत

🍴 নার্ভাক্টর দাক্ষালি। জিনিও সার্ভারনিং নাত্রতার করিয়া থাকেন। করা বিটক न्गावन्ति निरमा मश्चि कवानिरम्ब वि वर्तकाश्चन सारम्य क्षमानित्वम् क्षा भीनगर केतिर**ण्डहेंस् एक्स कि पृत्रिश** तिया १ अवेध्रियके समि मारक्ष्यक कृति তেক ক্ষিদিক্ষর খালা ও বিচারালর चेवत गम १ हैसे जारंगको आवटन क র এক্ষরং একমূলে বাসা করা ভাস। चरणक्य निकंड विस्नवकः शाम्यान व । एक स्ट्रेमान, जन नाटकप्रकृति क्य, क्षेत्रा विष्ठात कतिराख्यान[्]र्विति ।तक ।। प्र वहेर ७ इक् भटनक म है।

> बार क्य काशमध्य मानिहरे हैं के हुँछ-ना प्रम काशांति कवर चान मुक्तिया · (शिक डोमांश विशायक वरे विविष्ठरे वनावहरू विदादक) (बाँडे क्रिक्टिक) भर**द**े दर्ग छान है re छेरेशीय चाटाहरू नभ । छनिनाय विकास : व्यव्यव्यव

বাবৰ সংবাদ্ধ **२ हे काञ्चन उन म**न

रिक्षमानी अताशास ৫ স্থ ক্ষতিনদন পত্ৰ বিশ্বাস क्षांत्रा कानभूदत नाल कार्मा **चाः क्टा**न । जारगधान्त्रकृतिहाः हिर्देशायकी स्थानवर्ग मध्यक्षिति

ावित्रकार विश्वास अस्ति है व्यक्तिक विकर्ष गांधन के शिक्षास्त्रहरू निक्त आन्ध्रकमान्दिक यः अविकास मरकाम कश्चिमी विद्यांच मर्ग्युक्ती करि ইলা পর লাভ অলগিন ক্রিক্টালা ত্ৰান্তৰন্যায়তে ৰলিলেন তাৰি জিলাৰ ভাৰাত্ত্ব সকল উৎকৰ্ম সাধিত কৰিছ जिनि २ (शवर्षप्र स्थानतल श्रीकार्यक

ममुक्ते वहें ब्राइवेस । अर्दर्भ द्वमत्त्र क निकासी-हा आक्राह्मभन कहियाह मधरत राज्यो पूर्णन कृषिक्ष जानिदयम जनीकात कविवार्ट्स ।

💤 ক্লিমীপ্রেক্টের এক জন পত্র প্রেরক রাজ भूख्याङ्ग विविधारितत अनव्य सूर्ण विति-নার চেইার প্রতিবাদ করিয়াছেব। ক্লিকৃডি। य (य मकन जया २०० होन्।त श्री वर्ता यांत्र छा... श् ख्यान ३१०० हे काइविकी फ स्टेश थाएक। खद्या द्वाबाता अहे नक्त गुर्हितरात्र बाहा প্রভারিত হন। এতদেশীর ব্লাকারা বিবেচনা क्दब्रन, डेक्क्यूटना खरा क्रम्न कन्ना म्हद्रखन्न कार्या।

विक्रीरशरकंड बरलन्य श्कारवत् खारेन अ-রেকর্মচারিরা জাতিশর জাত্যাচার জারিত্র করিয়াছেন। ইং ব্লো সকল স্থানেই,সমান মুক্তি धात्रं कदियां बादका ।

व्यवनार्डे दिनात ध्रियात खाँखनाम कति-बाट्यन । केखबणिक्यांबाटल द्यनार्गभटक् चाना স্করিত করেবার সময়ে যুট্টরা ও সরুর গাড়ির বাঙোরানলিগকে স্থাডিশর কট সম্ব করিতে ভরু, ক্ষৰত ভাৰাব্ৰা উচিত কাড়া পাৰ না। बहे जनग् अवाही क्रमनः चनम बहेरफरः। বেখার নিবারণের জন্য যে বিল জর্পণ করা क्ष कांद्रांत कि बहेन ?

भूतः। कारकात्रवत् राजन त्य सूख्यत्रार ছোট আগালডের অল কানবা রক্ত করিয়াছি-লেম দে আপীল করিগা মৃক্ত হইরাছে। পুনা শ্লু লেকিয়ৰ কক বায়ণ লাপেন্ট কানবায় জ प्यानाद्वतः विवतं व्यथानकम् विन्तानहरू पा-वश्रक क्षितार्हन । हैनि मा 🎝 , व्यक्षरत् अक জন উপৰুক্ত বিছারপতি ;

আতাহাবাদ গেলেট বংলদ টেম্পন সাহে-ৰ মুখ্যভাৱস্থৰৱৰ্ষয় ভূমির ৰক্ষোৰস্থ শেষ করি हारहर । छिति अक्टल त्रवत शुरु फाइन ।

বিলান, জেনহা, ক্টউরিণ প্রাকৃতি ছানে कुछ क्रांक्रेकेरक्वरत्रद्र अक्ट्री क्षंच्यममी व्यक्तिपूर-**्रिंश्हेरण्डहः। विकेतिरः। ठेकः त्रांजनीकिरकाः** क्षित्रमूर्व जात्र व अवक्र वांकी व्हेरकरक । ক্ষিত্র অন্যাপিও হরিদের স্বরণার্থ একটা সা भागी वाडी विन्दांत कतिएक मधर्य बहुमाम ना । हा अक्षीत बाखवा नवारकड वृज्यस्वत जन्म-क्रिकेट उठ कारावा नाभावत्वत्व कार्य होगात क्षेत्रिका कविकारण्या । यो सुवाज द्वाराम विश्व- व्याक्त्रीय बाह्य वाह्य वाह्य वाह्य वाह्य

व वेगकाह कहित्यद्वन, चायक्त वास्त्रित्ताह नावाचार्य नवस्माहरे किंद्र विद्वारतका वर्षवा ।

किनियम अकः जन रक्षात्र वं सम्बन्धिक निविद्यारेष्ट्य खळका यरगाउँ। याक्यों केंद्राहिः तिशास्त्र प्रम स्वक्रिएक क्षांत्रक अंतिवादके । सद्याः णि करत्तक क्षेत्र हे हैटहा ग्रेडहः खेळाजिन्नक जन्छः क्यानीव करंत्रति अक भाने अविश्व क व्हार्ट গমন করে। প্রথমতঃ বলোদ্ধা ক্ষাভিনর মন্ত্রতাঃ व अवर्गन करिया छाराहित्यम मुश्यूकृत कृति. बाहिन किन्न रहाँ९ अन क्षेत्र बार्कानी रंक स्कृ प्रोटिक क्राइक्सन बनाटक श्रीत कड्डा एउ.। छा. হারা ভারবিত্ত অভিশন্ত কৌরাক্ষ্য ভারত করি-রাছে। বজ্ঞাকারিকে খৃত করিতে বাণারিয়া তাহার সহচরদিগকে বধকরা অ্তি অনাার হইরাছে। এরপ করিনে ব্যোরা কর্মাই বন্ধু-जीव ध्यांन कविरवन।।

डॉकंटिकान बर्जन विकासभूत निरात्री সাৰ্বভৌৰ উপাধিধারী এক পশ্তিও দ্বীয় পুৰের উত্থাই ক্রিয়া নিম্পাননার্থ একটি ভ্রাক্তণ ক্লাকে তুরিকরিয়া আলাতে লারণার নিকটে তাহার আজীয়েয়া নালিস করেন। ব্রাহ্মণ ত্দিষিত্ত দেই কন্যাকে উহাদিলের হতে সমর্পণ করিতে বাধিত হন। ছাকাপ্রাকাল ব. লেন যে কেবল ছুলিড প্ৰথছৰ প্ৰথাই সাহ্ম-ভৌম মহাশরের ভাতৃশ অসলচরণের মূল कार्त । जामानिरात्र वर्ष मध्यास्त्रम् पून कोनीना ।

আমরা অন্দিরা অভিণয় ছুঃখিত হই লাম চটগালের বিদ্যালয়ের অধিকাংল मश्र ब्हेग्राट्यः। विखद्र विश्व क्यांद्रा आकृष নম্ম হইয়াছে ৷ সৌভাগ্যবশতঃ পুস্তকালয়টি त्रका शाहेबारह ।

১ ३ हे कांसन मक्तवांत्र ।

ছাকা নিউস ঘলেন রোটাঃ গুলের পাচ द्यान प्रकिर्ण ल्यान नरमञ्ज अक डेडेक्यब সেতু নিৰ্মিত হ**ই**ৰে, ইহাতে ছটলক টাণ। राज इट्रेंद्र क्यूबॉन कहा इट्डाइड् । हेर्बाह कत्ना जात्रक रहेग्राट्ड ।

लांशमामद्र विकार शक्तद्रमम् लय मा-व्याम गर्यास मन्त्र्य बस्ट्यः।

विहोर्ट्स्को ब्रह्मन अक्षे ५० वरनदत्त्र

সারার করিয়া পান্ধক। এবারার দ্রু হার বাবে সালাব করিয়াহেন করিয়ার হার বাবের পি তা গাতা পর্ববরের নিকর করিয়ের বাবেরন করিবেল স্থানির করিয়ে পরামর্শ করিয়া মলিলে গাও লক হয়ে। করিব করে করিয়া ক্ষণার বা দেকের প্রাণ লংখার করে মাই, অভএম উহার প্রাণ দও লা করিয়া ২০০০ চাকা লও করা পে লাকরের বা শিক্তর শিক্তাক করিতে করিবেন। দক রাগ মৃত্তশিশুর শিক্তা মাতাকে দেওয়া হল। কার এক কাগ হত,কার বালকের গাতার রহিল।কার এক কাগ রাজ ভাগের পিতা গাতার রহিল।কার এক কাগ রাজ কাগেরে পিতা গাতার রহিল।কার এক কাগারাক কাগেরে পিতা স্থানির বালকের প্রার হহিল। শিশুর কাগারাধে শিশুর পিতা স্থানির বালকের প্রার হহিল। শিশুর কাগারাধে শিশুর পিতা স্থানির বালকের প্রার হহিল। শিশুর কাগারাধে শিশুর পিতা স্থানির বালে । এক ক্ষাণ্ডরার বিচার।

উক্ত সভালক আয়ুও ধ্ৰেন চাকায় অ-্যৱটি ঘট্যা বিশ্বাহে।

দিনিক বলেন পোই আফিসের যে ছন্তন নাই ংটবার কন্সন। আছে, ভাষা এবংসর চার্ছ ংটবে মা। ইংডে প্রায় ৮- লক্ষ্যক ন্য হটবে।

তিনি আরো বলেন, ১৭ ই কেন্দ্রণারি গ বংর স্বেনেরল আগসায় একটি মন্ত্রণার করি-স্থিলেন। তথার গোরালিররের মহারাজ মন্ত্রি সানেকে উপস্থিত হিলেন।

তিনি তারো যনেন, স্বয়পুরের মহারাজ ম'পন মন্ত্রী ও অন্তচরগণের সহিত কলিকা ধর বাত্রা করিয়াছেন। আসিবার সময় আ-বোরার ও বেনারস বিশ্বা আসিবেন, এবং ।শা হটাতে বিনারে স্পানাধ দেখিতে বাই ।ব

মান'হাবাদ গেছেট বলেন তথার শীত্র 'ছ মুলিবে। তথার একটি রহং কুটা 'ডে. সেই স্থানেই ইয়ার ফাধ্য হইবে।

>३३ कालन वृथसात

কিনিকা বনেন, লাকেনায়েরের ছুর্জিক নিবারণার্থ কনিকাতা চইতে প্রাণ্য ৩৮০০০ টাকারও অধিক প্রেরিত হইরাছে।

उक्त शत्र कार्त्या वरणन, भवनंत्र (वर्त्यव्रदण-त्र मत्रवात विकोर्ड ना क्षेत्रः विवारि क्षेत्रः। केलव विरयमना क्षेत्रास्क, खबाव मत्रवात क्षित्रः त्र विकोत्र कार्यानना क्यां क्षेत्रः।

উক্ত পত্ত অংশ, গার বিচার কার্য্য সংক্রা ব প্রচারিত রিপোট দেখিরা লিখিরাছের ১৮১১। ৬২ অংশ তথার পুলিস কার্যা নির্দা হার্থ প্রায় ২৭১২৩২ টাকা ব্যয় হইয়াছে।

১২ই আহ্মারি স্মাট নেপোলিয়ন একটা বজ্জা করিয়া জালের ব্যেত্রাপক সভার কার্য আরম্ভ করিয়াছেন। তাঁহার বস্ত্রায় লোকে সম্ভোধ প্রকাশ করে নাই।

রাইরজ দ্বে ধ বলেন, স্মানিভ রোভে পুরাতন গোওঁ আফিলের নিকটে প্রধানতন বিচারাল্যের বাজি নির্মাণ নাম আরম্ভ হটুবে। কলিকাভার ভেপুট কালেটর ভার্ম মিডি সিরাহেন বে অল্যান্থি হৈ ছিনের মধ্যে তত্ততা লোকলিগকে উঠিয়া বাইতে হইবে। প্রবর্গনেট প্রধানতন বিচারালরের জন্য ঐ

उक्त शब्द देखियान किन्छ सिथिया निथि सार्क्षम मद्र बार । ग शिक्य मार्ट्य कुछ शुर्क म बत्र जाकानर उन्न मित्रिका कारत शक्त के ते कि बाद्र कम्य गर्दर सिंदिका कारत सित्र सिंद्र स्था ।

সমাচার হিন্দুখানী বলেন গবর্ণর জ্বেন রুল প্রত্যাহন্ত ক্টডেছেন। এক নিন রাজিতে ভাষাধ্যক আলোকপুণ চইয়াছিন। নার্ভ এলগিন ও লেদি এলগিন ডক্ষণনার্থ নিয়া ছিলেন। ভ্রথায় ক্রাহিক সংখ্য লোক্রে সমা গম ক্ট্রাছিল।

ভিনি আহ্বো বলেন করাসী পদপ্রেট ভন্তবার্দিণের ছুঃখ ক.বৰ জানিব'র নিজিয় মন্ত্রিক আহেদশ করিমাভিকেন। ভিনি বলেন এক ভিপাটিয়েন্টে জনার আভাবে প্রায় ৩৯০০০ লোক নিজ্মা হইয়া রহিয়াছে। পারিনে চাঁচার ৮০০০ টাকা বার উরি ব্যুচ্ছে।

্র ই কান্তন হত্পাতিবার।
প্রধানের চা-করেরা চার বীক্ত ও চারা
ক্রম ক্রম চিগকে বিনা মুলো প্রদান করিবা-

র লকত করিরাছেন, ভারারিগ্রেম্ন 🤏 নামসায়ে পঞ্চাৰ গ্ৰৰ্থেক বীলা কেও त है। व्यक्तार्थन अद्भिवाद व्यक्ति व हिन । प्राप्त अक्षि प्रानद्रपञ्च म्रक्षेष्ठ তথার করেক অন এতকেনীয় ছা-কছ ই **८६न । करत्रक सम भीताकत्र ७ व्हेंग्रीएक्स**्रे বের চাবত ক্রমণ: বর্জিড হইডেট্রে 🗓 विदय वनद्वारण मर्करणस्य स्ट्रेट्स् 🗤 वक्रदेशरण मोदशक्त हांव अक क्षांब्र वंद्य क्ष **७ क्लिकांडांद्र बीगक्द्र काम्मीबिंगिया** त्म अरु क्रम कर्मागितिएक दर्वात्रव केंब्रिवीएकें। जवार नीन श्रेटफ न रह कि वा हैसे का **डाराविश्वत्र अन्धिक । आवीद्यविश्वत्र** श एवं उत्तर क्षारम् विश्वव मीन क्षित्रः। मीर क्वक्तिरभव गांच स्थादेवा वा विरुद्ध शाः ल नोनकरत्रता कानचारमञ्जू इन्हणार्गी ई हैं। शांत्रिरवन मा । 💢 🖁 👇

आउँदात रममत बरमन, रम्बारमें हैं केंगे रम कर गानि अख्यानीत आहां के किंगे रमत जात क करतक जन अख्यानक महा । वो आनिएडिन । उपकृरम तम निर्माणी निमित्र जानंज मागारेज हिनिबार हातिता वम्पूर्तक गानीनिरमत बाता गारेता गरेतिका । अविवस्त मानीन केंगे राज गमरियके रेहात अञ्चलका करिक कर्म ता अकरन अवान गारेरकर अम्म माना त्रात प्रारं कर खाता है । अस्त कार्या अस्ति एम वा स्टेनारह । अस्त कार्या अस्ति एम वा भाव महस्ता कर्म किंग गड भाव कर्मन महस्ता क्रि

মিসর দেশের স্থান লাগন করিছে।
পাসা উত্তৰ কপে রাজ্য লাগন করিছে।
তিনি ববারার্থ গ্রেকারত নাথারণ
হইতে টাকা না লইরা আপনার ব্যান
করিয়া লইরাজেন। সম্প্রতি বিদেশীয়া
বিনের আতার্থনা স্বত্রে, তিনি বর্ধি
বে জিনি ভিনিট বিশেষ কাব্য করিনে
বভং নিজের ব্যার নির্ভারণ, সাধারণ,
কেপ, এবং স্থাতানের মত্ত লইরারা
করিবেন। পানা বলপুর্বাক মৃত্রুর বা
করিয়াছেন। হয়েজেন বালের বিষ্ঠা
বিনেন বার নাই

শ্ৰিৰার আলিগড় পণ্যস্ত রেইলওয়ে

া বার্টিল ফি, রার কানাভার স্ক্রন বন্ধর।
রে পজ্ দর্শনার্থ গমন করিরাছেন।
হারাজ নিজিয়া বোছাই দর্শনের ক. ল প্রাঞ্জ হইরাছেন। লেপ্টেনক এ, জি, মে
চাহার সঙ্গে ঘাইবেন।

श्वाक अधिनित्रम यदमन मुमागदम न वः श्वाक्षम् अधिनित्र भाव्यां । अद्याक्षम् अधिनित्र भ्रेतात महत्रमा आदि । अद्याक्षम् अधिनित्र विश्वकर्णाः । अद्याक्षम् अद्याक्षम् । अपित्र भ्रेता विश्वकर्णाः । अपित्र भ्रेता विश्वकर्णाः । अपित्र भ्रेता व्याक्षम् अपित्र विश्वकर्णाः । अपित्र भ्रेता व्याक्षम् । अपित्र भ्रेता व्याक्षम् । अपित्र भ्रेता व्याक्षम् । अपित्र विश्व व्यवकर्णाः । अपित्र विश्व व्याक्षम् । अपित्र विश्व व्यवकर्णाः । अपित्र विश्व व्याक्षम् । अपित्र व्याक्षम् । अपित्र विश्व व्याक्षम् । अपित्र विश्व व्याक्षम् । अपित्र व्याक्षम् । अपित्र विश्व व्याक्षम् । अपित्र विश्व व्याक्षम् । अपित्र व्याक्षम् । अपित्र विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विष्ठ विश्व विष्व विश्व विष्व विश्व विश्व विष्व विष्व विष्व विष्व विष्व विष्व विष्व

দশনা হইতেছে পঞ্চাবের নিবিলিয়ানের।
দশীয় ব্যবহা বিদ্যালয়ে শিক্ষা করিবার
দ্যাত বংসর কর্মা করিয়া তিন বংসরের
দের পাইবেন। প্রথমেই স্থার করেণ ব্য
পিক হইরা নিবুক্ত হইলে কি ন্যায়ের নাথব
পরিশ্বন্ধ বিচার ক্রিয়া সম্পাদিত হয় না ন

न्द्र विश्वास विश्व विश्व शांद्र विश्व हुन्। स्त्रीहाद्र स्त्रा धनी विश्व हैश्वर्ध . . स्वारहन।

সাপানের ধনী থান্তিরা করেক থানি বানির সাহাল ক্রম করিরা বাণিজ্য জারও ক
রাছেন। তথা হইতে প্রকণে বিস্তর নীল
চাউল প্রভৃতি রঞানী জইতেছে। বিদেশে
বিজ্ঞার আবশ্যকতা সকলেই বুনিতেছেন
তলপ্রসারে কর্যা করিতেছেন। কিন্তু এবি
র বুনিবান মূর্য কেবল বক্তদেশেই পাওনা

ইংনিস্মান বলেন, গ্ৰণ্ডেন্ট বাৰতীয় াভেন্তির মিনেটারি অফিস কণ্ড বহুতে ্করিতেছেন।

প্র ক্ষর ইণ্ডিয়া বলেন লারাকাপ, রে

প্রালমিনের লোকেরা মিউনিসিপাল

ক্ষাক্ষর হুট্যাছেন। তথার কলিকা

গ্রালীর কর অর্থাৎ শক্ত করা ৭ ।

ক্ষা হুইডেছে। রেলুপের গাড়ীর টাকা
প্রালিগুণ। নির্ম ক্রার ক্ষাবিষ্টেনা

ক্ষান্তি হিতকর বিশরও লোকের

স্কান্ত হুট্রা উঠে।

নাৰক এক জন ইউরে,পীয় জাপনা থাড়ার জাল খরচ লিখিরা পলারন হাকে ধৃত ক বার জন্য পুলিব না বাহির হইয়াছে।

সংবাদ আসিয়াটে আনাৰে বিয়োৰ উপ-বিভ ইইয়াটে। ক্লালীদিশের হ'তে কেবল সেগন নগর মাত্র আটে কিলোহীরা ভাষাও আক্রমণ করিবার উদ্যোগ করিছে:ছ। ক্লয়া শীরা ১৮৫৭ অব্দের পূর্ণে ভারভবর্গায় গব-শ্বেটের ন্যায় অতি লোভপ্রায়ুক্ত এই সক্ষ টে পভিয়াছেন।

३७ई क्रांसन श्रामनाङ्ग ।

ফিনিকা বলেন গ্রণ দেনী ভায়তবর্ধের ব র্ত্তহান বল নির্বু সৈন্য দিগতে ১৮৫৭ ভালের ২৩ আইনের জ্বীন চইবার আলেশ করিয়। ছেন।

তিনি ভারো বলেন উন্তর পশ্চিমাঞ্চলর বাবাগৃহের নায় নির্মাহার্য ৪৬০০ টাকা কর্মা হইয়াছে। তথায় প্রায় ১০টা স্থেল আছে।

টাইম্স আন ই ভিয়া খলেন বরোদা রে-লগুনে কোল্যানির কলনটিও ই ভিনিরর ক-পেল কেনে ড আগাসি মেলে ইংলও ছইডে আসিবেন।

সিলিমেটি ইনফোয়ারর বলেন, ৬৯ বং
নর বয়ম্ব এক র্থা স্ত্রীর গর্ভে একনি সপ্ত ন
লগিলাছে। উহার স্বামির বয়স গৃহ বংসর।
নিলিমেটি ইনফোয়াররের নাংকা সন্দেহ করা
আমাদিগের উচিত হব না, কিন্তু বোধ হয়,
আমেকে ঐ কাশুলে অনৈস্থিতি বোধ ফরিয়া
ভাছার বাকো অনাদ্য করিবেন।

हाकार्याद्वाश्वकानिका यहन वानिकारक त एकपृष्ठी माखिर हे हे हानाश्वकान मन्नाम करते न'रन बाके माखिर हे हे है निक्र है है जाहा दिन नानिन करतेन खाके वाखिर है है छाहा एक मन्नाम करतेन खाके वाखिर है है छाहा एक मन्नाम करतेन माखिर है है भक्ताफ वाजाश्वकानिन बर्तन, माखिर है है भक्ताफ करित्राह्न । जामती हुद्ध आहि, भन्नभारक क्र कर्माम कर्माम क्रिक्र भाति ना, किष्ठ जामता जन्म निक्र भाति, माक श्रकान एकपृष्ठी माखिर है हिंद स्व निक्ना क्रिजाहन, छाहा क्रिक्श स्वस्तुनक मरह।

५१ हे कासन मनियास।

ীণ দেশ হইতে সন্থাদ আনিয়াছে, সি
কিয়াও প্রেমেলৈ বিশ্বোহাহিদিশের সহিত রাজ
সোনাগণের এক বৃদ্ধ কয়। ভাহাতে রাজ সে
নাগণ সম্পূর্ণরূপে শহাত হাজ সেনাগণকে লইযা বাব। একটী কাবান কাটিরা ভিন জন আকিসরের প্রাণ বিশ্বোগ হয়।

গবনর জেনরল স্থানে ভানে করবার ও স্থানে স্থানে বস্তু ও করিভেছেন। কিছু তাঁ খার আগরার বস্তু ভাটা আমাদিলেয় নিভা ভাতাভিবিধারনী মইরাছে। নিশ্বিভার

जनवा क्रमां गरनवं स्वादे क्रम क्रिनं कता प्रत्यात प्रतिवास केरण्या नय, हैं श्रम्राचनीत श्र जिमिति मकाश्रम प्रताह क्रमां क्रमां श्रीकान क्रिनं जाकाम क्रिया मुमान वर्षेन क्रिति विक्रिनं विक्रिनं विक्रिनं क्रिया क्रमां क्रिया क्

কিনিকা বলেন বৌখাইয়ের প্রথনেতম বি
চারালরের কর্মচারির। পূর্বনত কী না গাটন
নির্দ্ধারিত বেজন পাটবেন টেলর সাহেব হা
পে ১৭০ এবং আপি,নিএট কোটের বেজিঃ
পিনহিত্যত সহবারী র জিরর মারিয়াট:
টাকা পাটবেন। ইনিরপিটেরফিগের ও তেনে
রছি হটনে।

ভিনি আরে! বলেন অধ্পুরের নগবার আপানার প্রধান সন্ধী পঞ্জি নিবদীন এব এডেন্ট কর্নেল ব্রুক সাহেবের স্থিত ও নগর ভত্রভা গবর্ণমেন্ট কালেল দর্শন করিব! প্রকার উন্নভির নিষিত্র এব প্রদান করিব।

ভিনি আরো বলেন ব্যুক্ত বিবার গণ জেনরল ও লেপ্টনক গণ-রৈ ভ্রুক্ত মহলের ^ব্দান দেখিতে দিয়াছিলেন, সেখানে এ' ৭০০ ৮০০ ছাত্র উপস্থিত হইরাছিল।

যোগাইয়ের সভার সেকেটারি জগান।
সভ গণের সমতি ক্রনে, সর চ'রলস টির্নিয়নক ভারতাশীর ব্যাসভাগক সর
কিনালিয়াল নেম্বর হইয়াছেন বলিয়া একথ
নি ভাতনাখন পত্র প্রধান ক্রিয়াছেন।

চারলস ট্রিলিয়নক সাম্বের তাই। এনা ক্রিমান ক্রিমানে ক্রিমানে

ৰ্দদেশীয় ব্যবস্থ,পক সভা ১০ ই কাছন শ্ৰিবার।

আসাৰ, ভাছাড় ও — নতু হ । ৪/৭।
বিজে সিভেইকবিটি বে রিপোর্ট কহিছ ।
ইডেন লাভেব ভাছা সভাব অর্থন কহিলে।
অনেক মুর্জ বিভার্জের পর এট বিজ সংহ বা গোচরার্থ একালিভে বইলে। মুই সঞ্চ হ ইয়া পুর্ব্বার বিশেটিক বইলে।

ভারতবর্তীর হাবতাপক সভা 1 59 के काक्षम चंधराहै।

धर्मामायत मण्यक्ति छेल्प अवर्गामार्केष नर छार परिज्ञान क्षित्रक विदेश जिल्ला के किए है विश्वाह क्रिक्षा क्षेत्र । क्षेत्र র্ণর ভাষা মতার অর্থণ করিছোন। উহা, বিধি-वश्र हरेल

राष्ट्रि व्यवस्था मध्यक्षेत्र विद्यम्बद्ध भाषावर्षद्र । चित्रका क'रका बना कृषि कहें बाह्य विस्त निस्त क्रे क्रिंगि दर विरुप्ति क्रियार्ट्स, क्रिक्रिय সাহেৰ ভাষা সভায় অৰ্পণ করিলেন উচ্চাবিধি-वह इवेश ।

ए मन्द्र क्रम्कांति व्हेर्ट अपन् मांशक्तांति कर। व्य अधिवं । विशवन स्व विमा इवेश्रास्ट् धार्तिरहेन नाटक्व खरमरकास निटलके कमिहित दिर्लाएँ वर्णन कवियांत्र आकार कविरलम । अहे সিপোর্ট অপিত হউলে বিল বিধিবত চইল। ১৮০৯ फारक्स ५० का हैन मरस्थाधन विदेशक विन (याह। উद्धव शिक्षमां भटन हो सदव रे विधि-रक्ष इटेन । चानाग्र'र, स्वन्नू ५ स्थोनियन शङ्ख्य क्षारन रम्थ्यांनी का भागा प्रश्लिक क्रियांव वि ल अदिशिषक श्रेत।

बहर्मित यांचकां वी निल के मक्षांभवी बहर *इन्ट मार्विक भिर्मेश विल्य विधिवश्च प्रहेल* ।

त्यहैन न'इस्टब्ब अञ्चाराष्ट्रमादत निकार्यन এক তির মিউনিবিপাল বিলা বিধিবদ্ধ হুইল।

ইলিন সাহের কেকিটিবি করিবার বিল অর্প। करियः जिल्लेक्के कमिण्डि अल्ड व्यर्थन कतिरासम्।

খাবিংটন সাহেব পাহিত ভূমিব উপর আহম रिटर्डनाय विक व्यर्थन क ब्रुट्समें। हेडर विधियक । छाजार छ ।व साहीसिश्वत वसक्य हरेग्राह रहेआ ।

व्यव्यान अस विवास मान स्र स केरत इरल (म नकल कार्या चारह, दमहैन मोरहरवड श्रमु:वाँ-श्राध्य छात्र। भी य निष्मष्टि संद्रिवात विम अक कारम विधितक बहुन।

इंडेट्राशीय नवाहात ।

मधन २० व व्यक्तिपादि--- वाद्यतिकात छेख- । नाग्राम्ब टेमहबाद्धः विक्मियर्शं श्रेशं स्थेद्धान्तः

म कार्राट्यार भागाता भारास्थित क्षेत्रास गान তেউন ও টেকসাল পুনৰ্বাধ অধিকাৰ কৰিছা (क किंदिन नवर्य माग विक्रय विषय किंद्र बाब (चायका कविश्व विश्वादक्षण । कहानी मुख् चार विकास के , श्रेम में लोग मिल्ल अन्याय के ब्रिन विकास छ। आले व्यक्तिम इंदेरक श्रेम की स्र য়াছেল ক্সিয়াপিকুত পোলাতে বিচ্ছে । এবং । পি আক্রমণ করিতে গমন করিয়াছেল। তেজ िविक् 3 'मर्ट्स है। विकास अवस्था का कार्य मार्ट्स वार्ट्स व अभिन्न कार्या अभिने किताबा रिव म छिशस्तिक भेडेग्राट्ड । त्यश्रीय ग्या एक वर्ष एक + देवता जान , जाका थान भा रहेबारक र

मधन २ वा (कड़ाइ-दि --क् का मध्य बहेद। িবাদের নিক্সানির চাষ্ট্রী করিবেন, ওয়াসিউটন ব'বি'ছবোৰ নিক্টে জীকার কলিয়াছেন

ট পদ্বত্বাত ১ইখাছেন। সেনাপতি ত্রাণ দেনাপ্ত তি বেলিল জ্বাসমধ্য অঞ্মণ ক্ষিয়ার জনা ছার শাসন প্রবাদীর উপর ভারালিকের জোন देनमा नम्बिका नाद्य हिटन'म शायम कानगाह- | विद्यान मादे । वस्थितहाब धम खेखब बख्युका क

कात देशका हेकाव छात्रिक्टिश सरिवाटका दनका कार. भंत फिडेब चार 🐿 औरमब निश्वांगम अ दर्ग करियारधन अधकरा ६ छ। सा विमक्षिक

পীয়ার পদ এছানের যে জনতুর ছবু, ভাষা, মধানভায় বিশেষ জাজেছাল্য মুখী। यलोक विनया आजिश्य करा व्हेर्साइ।

मिलनव विदेशन देश्मारश्च प्रधापुका आखारिक অন্যোধন করেন নাই। তিনি বলেন, দান वारः ,ग्रहे एक्किन्।रटमव विद्याहरू क्रांत्रन ।

मिनिश्रेर्दित कामार्थ (मिनिश्रेश केरेट्ड के लाक्ष्माय बीठ बहेबाद

विष्यस व्हेट्ड प्रशाम आधिष्यादम् व्य हेहां-भिर्मिद स्र, भेन्टन रममांश्रक्ति ज्ञान शृ**र्का है** निमि পরিতাগে কবিয়াছে। देश्वा कम ও পুলে পা-লভেষ্টন ও টাকদেস আক্রেন্ করিয়াছে। স ফিণা'ের সেনারা ৫ খনে **ভী**মার ভারা উল্ল-२.°१मत युक्त कोहोक अक्का को क्रमण करता। को कांश्र काशास्त्र अक शांन शृशीक व्हेत्रारक। 'মণ্শিন সমুদ্য নিউ অলিবিন্সে প্লায়ন করি-या छ।

मकिनांश्रमंत्र जिमानां निम् इकिन्छ अदिकांत ক্রিয়াছে। তথ্য ক্ষনেক অঞ্জী স্বাসংমগ্রী का का नगरी है मिरनाय कखने व के ब्राटक ।

উত্তরাংশের সরকারি ভিত্তি ছারা প্রকাশ इनेग्राट्स, प्रांकना'त्यव त्यसायन श्रह्में इसे- रि FICE I

वत्रभाषेष्ठ रमनानित्यत्र मिक्टि वस्तुष्ठा कः विश्वेत मगर्य व लियार्ड्स कार्ड्सालना, आविष्-নসাস ও ভেনিলিভে যে সকল যুদ্ধ হইয়াছে छ होत! अक्टल हीमवल बहेबा प्रांगे:नदकत निकटी जाः इ खडवर छाइ'मिशक मधे कहिराह এই প্রধান অংশাগ। বিজেছিবা ছেভাবিল-वर्श आहिताबक कविष्डरक् । विद्यानीता अवी-तिरहेत्रात्र अथ वकार्ष कामन हुन बाक्सन क्षतिया लोबोक्तिक स्टेप्नाइक । ७०००० अवर्गस्य है (अमा किश्वचे:शह भिरक " गम किश्व विद्यादिति-८७ वर्षायक स्थापिक प्रतिकृत करियादि । क्ष्मान प्रश्व निकारि कुन कुन युक्त विश्वास्ति। श्वर्वरम्यात्रं कामाराव (नोक: श्रीम सक्याना कृतिगारहः शिक्षां हिना चित्रकेक्सक वरेख ছুবীক্ত ছইছ। আংকানসাসেব দিকে অগ্নসর इन्टिट्ट लिप्टेन्ट्रक आक्रमन करा खांबाबिटनत এল্ল'ৰ কৰেন ন্ৰাসভ: ভাৰা অপ্ৰাৰা ক্ৰিয়া-দ্রেন। সভাপতি লিকলন দশ কোটি ভলারের নোট প্রচলিত কবিয়া ভাষ, লেনা ছেনা উন্ভৱে भगाम क्रांभ अंडन क्रिनां स्य अव्यान कर्यम ६५,त्रक्ष जन्दांटक तथाक बदेशांट्या । नांधांत्रव নিউইয়ৰ্ম ১৭ ই জাতুনাহি--সেনগেতি লগতি- | তথ্য প্ৰিয় ২৬ জনপাদাসভাৱ সভা সভাপতি নি-কলনকে এক পত্ৰ প্ৰবাদ করিবা বলিরাছেব ভা

मीड करिएक समयूर्व बहेन्द्र होते । के **जिन्म (ब्राया) महामकाटम बालाग** न विकारमञ्जू काशीमका कीकान का 🐣 रहेटड शाद सा। कविषय अर्हेक्ष tena TScarcela nafcultus रहेक। क्रिकारकंग एकाका नाकीका त्य काँचात्रा केलक विकादश्च कांड्युम् कांत्री मरदन । ए किन दिखारश्रप्त स्वार क्षित रमनामिर्गत प्रमानिकाश्च अ ग्रांटह । उपयोगा बरका मानविशासका मान बाता अक्षमिन्न रका क्या का चारता उपल लिक्सन जिल्ला के कार मञ्चा स्टर्भ स च्याकाषिक काशनंत्र है করিলে ভাল থাক করিভেন 💤

सक्षम ज्या द्वालाक्षीति। विरक्षांविता शताबिक व्यवस ণাংশের দেবারা শিপুঞ্চিত্ত হাই हर परेशारक । मकार्गाक जिल्लाकी ণা করিয়া ছিলেন ছোহাডে স্থানী त्रा विद्याची परेत्राट्य । ३६०वे०० वीर (कारी कुछ कतियात समा के**क्ष्मश्र**क्षेत्र मकात अंकि दिल प्रेन्नारम् । विश्वहरी a.o... छाका जूनिरात सर्वा स्थि

परिशाहकः। कतामी लामाता क्रांकिकः

वादेटव क्षत्रांत वरेष्ठ रक्षा **কংগ্রেল সভাক সন্ধির**্গ**ঞ্জার ছই**র निके देशक्त भारतित ८० छ।का शिक्षिर ছে। সেনাপতি থিকা পদ পরিভাগর ক্ষ

দীপান্তরিত যাজিবিধার পান্ডির্মান্ত भवन करा सक्ता अक्षा करा बहेलाहि हैं। ट्यान नम् हि केखना १८ मन् देवना विद्यान ने प्रकृतिक कतिनात श्राप्तान कतिनारस्थाः मध्यको स्थित निवृक्त ना रहेशी विवाधिनंतरक गाँक कहिएक व লিয়াছেন। লওন ড্রান্ডলোর্ড কট্রাইজে ছানছিল। कृष्टि कतियात मधात व्यविद्यमान स्वेत्राधिक উত্তরাংশের লোকেরা দাসত্র উঠাইছাত্র ' কল্লা ক্রিয়াছেল আখার আছুবেছার ছবি यात्र कता अखाव कता श्रेकार्य । असियात सर् भका भव रिवर केन विकास अब अध्या विशेषक देशंत घटमा २८८ सन " हो" मु ७४ स्मा । मा विषयः दश्यः।

्रे 🗗 मध्य २० हे स्वयुक्ताति । 🤚 🖰 इ.स.च्याति वराग्यात अधित्ववर्गे साधि **इरेड:८इ: डानीड यक्त वाल वल:३३३४**। विवादश्य क्या अक क्षित्रव विदय । पूर्वहाद्वा क्ष्म लोक्न बना यात्र योहका क्ष्मा प्रदेशास **्रिक्ष चार श्रातकार क्रांक्ष क्रांक्ष है** क्य मचा भक्षा और वन कतिहारहर्मा, स्रीत विकास गाउँ मक्ता (विकास विकास्त । विकास इक्ष भी मान मही उने कि जमा पर कर था। क्षा छ। व कतिशाद्य । क्षात ब्रश्ने इदेशास्त्र । मनाशिक मुक्तान 🕽 मुक् कृष्ण क्षेत्रार्थम । विद्याकीता सम्बद्ध केट हरोकुछ वदेशाय । करानीमा चाकाराज्ञास्य स

(मागशकान्।

गिर्डिइन डांग सनम्भ रहेगार । विदक्ता (क्ष्मक प्रकार शाह नाहै। उनायक आहाम आत्मितिका करे-्रम लाटक्षमांबादयन मुक्तिमध्ये रा क्यानक्रम क्रियाद्य । भेषे कार्य-अवर्गाम उपामिरहेट्स वर्षा चा शत जिथियाद्यम छीहाता वस । अभि कक्रम, मटार जामार नव श्चार्थमा क्रिया युद्ध त्यव क्कूम । বিজোহের সম্প্রিবরণ অংসা

মহাসভার ভাধিকাংশ বাজাব ति विद्यास्य । ज्ञासा से काष्ट्रानज्ञ াদিলের অভিনিধিগণকে এচণ করে उ बहेबाद्यम । खेबा अक्टि मानाना র প্রেরিড ছইয়াছে। ফরাশী সহাসতা য়েভনক্ষ **পত্ৰ সি**ডেছেন, ঞিন্স লে ্ৰেৰে ভাগতে অসমত। দণসমু উঠা **रमाक्ष्मार्थ अध्यक्ष स्मारक्या** विस्मनः **রাশ করিয়াছেন। পিউ**বেলার সমুগত্ত इट्रेटक्ट्राइ । विख्य नक्षा करा स्टेग्रा

sলি ধন পরিপূর্ণ আহাল ব্রেজিলেব নমগ্ৰ হওয়াতে ভত্ৰত্য লেংকেনা ভাছ **उधियक उज्जा शर्गायक व वे** 'ताक ইভ বিভঞা হইয়াছে ; ইংবাক রণভবিষ শচ থানি ভাছাল গৃত কৰাতে প্রেক্ট ক্ষতি পূরণ কবিতে স্থী 🗯 হয় বুলুন। কর্ম কারেল কলিকাডার প্রধান क्षरिप्रजीकत्वत विठात्रण ७ व्हेत्रांट्यम । छात्र महरूर इक्ता उल्लाह्य मारकण्टतत विवय मण्डा

हिल्क विक्रिक असिक्षाप क्षणाम कवियाकिन। खत्र हेन भू । २) जाखरहरणत जानकात्रमान ह ক্ষেত্ৰ প্ৰায়ণ্ড কৰিটের পরিবর্ধে অলভাবনা १६४४ इत। कविष्ठे शक्षां भ कविष्ठारहरू। 'अग्र 'एक भक्षि दाणिक ब्हेबारह। ३४-६३ कासव দ্ধ প্রেপ্ নী সভাস সন্মানার্থ চিয় ৫ই জন প্রিক্ত कु छोडुक्करमद स्थान। स्थानिक क्टेरन। मेक मारह ब्राय कीर्टभार स्थाला हैन है। शर्मा करेगा हिन । श्री मार्थिक विकास के विकास क्षा मार्था कार्य करेग (इत ।

क्ष सक नर्स करवस । जे नर्स कलिकोडोद भवर्ग

किर्देश्य २६६ व . ज्यावि । ন্ত্ৰী হাটি চৰহাতে বৰণসাইত রাপান नमें अध्य इंडेंट ड लाइबन न है।

रिक्टिशके विकाशिन।

ा ंग्रामीय लाक्ष्मकेभवर्तात ्राध्यमाञ्चनात्री निष्याच ।

न्तीत सांबास क्रांकेड वर्के छ (था में के, त्या, मांच अप्रार्थ मान्य छोडात मन्त्राप य रहित्या।

> ১৬ हे क्यानारि --वोबू बरतपु प्रक्रिक ७ वाबू त्रमंगीत्मावम क्षिप्रयो त्रमभूत्यत्र मिका मश्या ख लाकाल क्षि हैन । अधन स्ट्रेटनन ।

> 39 त्ल्यामृद्धि-ाउँ, बडेह बहेड मेर्ड मार्टिय বালেশবেৰ প্ৰতিনিধি মাজিকৌট ও কালেটাৰ इंडेट्वन अवर ১৮-७১ व्यक्तित २१ वाडिस्मत २२ भाजा कक्रमारत एवंग्यात स्य दर्जनीत क्रकीन मान ब्रिट्डिट क्रम हा शहिएका।

এফ ওয়াস সাচেব বঙ্গাবের প্রতিনিধি माखिटके हैं । कारगड़े इ इहेरवन अरः डेक आहे ম অনুসাৰে তথাকাৰ ২য় প্ৰেণীর অধীন দ'জি টোটের ক্ষমত। পাইবেম।

श्चाद व पाक्र महाइव का हाए हत व कि कि क्रमं हाती इहेर्दन ।

त्यामनीश्रावन द्वाविकानामाख्य कक वाजू दवरीयाध्य रमाभ ३५ ७५ चरक्य २४ आहरमद २> श्वाताकाल्यादि श्रथमध्यभीत स्थीन मानि-(केटिंद क्या इ. गाईशा हन।

जेखन विकेटीन द्वारानिक महाराष्ट्र कार. বি, স্মার্ট লাহেব ১৮৩৩ অন্দেশ ৯ নিয়ম অন্থ-मार्क अथाकांव (छश्टी कलाक्टेरवर कम छ। भीडे যাচেন ৷

क्षक (अ क्षारलकद अ: मारहत कि हेनिया द क्रमा छत्रमधूरद्रद्र अछिनिधि मिक्किके उक्रम क्रेय बहे बन ।

১৮ हे क्युम्यानि-धनः नि कडिश मार्टन वक्षश्रद्भत था जि.निधि नि.विल ও मिमन कक इहे-

টা জে, সি গ্ৰান্ট স,ছেব পড়বেডাৰ ভাৰ आश्च इहिराम ध्वर राक्ष्ण ७ सिमिनीश्रावर म' 'ক্ৰ:যুট ওডেগুটা কলেইরেব ক্ষমতা পাইবেন। ।

লেপ্টনানী, এফ কবি সাজেন ভালারি-ব: পের অতি রিকু সহকারী কমিসনবের প্রতি निधि इडेटबन ।

১৯এ কেব্ৰুয়ারি-এইচ. আৰু বেডক্স সাছেব रुशनपूर्व ५ म त्यांभीय माक्रिया है अ करमकेंद्र

क्षक, क्षांव करावल मारक्य व्यक्तिनेष्ट्रेयक व्यक्ति वरण भाकि के हैं द करमहित परेटान।

कि दक्ष माहकक्षि माहक्ष त्वशहनत्त्र मानिएक है ७ मा अहै र ४५८८म ।

আমোনৰ থানিৰ সহকাঠী স্তৰ্গ বৈন্টেণ্ডেন্ট , ডেছে.না ৮ नि जि अ: अहिन ना इव वर्मन ववेश मिन जि-প্রে জিয়া ছম :

১৯. क्षेत्रवाति -- ८व. शांद्रकांत्र माट्डव পাৰনার বিকাশকোন্ড লোকাল কমিটিব সে-है दि के दिन ।

(मोलरी मस्यान करियु कर ये। अवर युनिंग विदानाम नांद्रावय निकागरकाञ्च लांकांश कबिडिड भिन्नत ब्हेदरम ।

মঞ্লদিহিব অভিবিক্ত সহকারি ক্ষিদ্রয় क प्रश्निक बहेर क्लार्क मार्ट्य बोकूड़ांन , मि, नि, व्यम मार्ट्य ३५०३ व्यक्तित्र काहेरमय 🚉 লেণ্ডাল কমিটির বেছর হইবেন ১ম ধাবাজুবারিনী ক্ষমতা প্রাপ্ত হইরাছেন।

नि, विधिष्ठेन नारहर ३৮७२ खर्मा ह छा-है। जरर शाहा अधूमां व अज्ञान वक्षरक राष्ट्रीय मोका प्रतिवाद कवा श्रास्त्रिविव वय-(रशह द्वेटरन ।

২.এ কেক্ৰয়ারি-এতি নিধি অধ্যাপত তে रेख्य 'र्ज नारभव स्थितिकाल कारमस्य धनाविति, किबिअनकि. कन्नारहरिस बनावित, अ बनावित আগ্যাপত কুটাবেন[ু]

खर लड्_स है. खगांचे मांद्रव माहाबार मन भा कांग कोस टेमाकाल कमिष्टिन स्मान हरूरिया।

२५७ क्ल्इमाबि--न क्लामी अनम्बित कर्षे বের আগতের ভিলেপদারিব এতিনিধি সব জা त्रिक्षे कि नव अन इ है (वन ।

व्यक्तिः वतः, व्रममन मार्कत् किनविष्टतः ए क्र आफ्रांमाएक्ट्र कक बड़ेटवन, किन्द्र देव श्रीश्च ए ही কোন অনুষ্ঠি না হয় যুত দিন বাকরণ 😝 **প্রতিনিধি সিবিস জন্ম থ**ংকিবেন :

२६**२ ८**ग अन्युद्धि - - **२, नि. जोकल**न अ(८० ६ বীৰজ্ঞানৰ সৰক: বিমাজিটেট প্ৰকালেট্ৰ 🕫 हेटरच । ५ ८५५ जा क्य २० आ हेटन व २२ स 💸 অনুসাৰে ভথাকাৰ ১ম ১৬ ণীর অ'টন মা' ' (सं छित कमकः १ किरस्य ।

মাক্ষরণ বিষয়দ্ধ, কেটিটালপুর ও মহাটু टमन अ'ए सि(न खक क\$5 C°म मारहर ग्राम र বের ছোট আদাল তের জলভ ইংবন।

धार्त, त्रि. (वृत्ति क दशः वक्कदम्बीम शवर्गतः ন্টের এতিনিধি জনিগর পেত্রেটা । ছইবেন

क्षांत, शि. क्षिक्ष मार्टक्ष मावाबारवन 🦘 डेके ग, करते हैं । स्थापी करिकारेत बहेरक, किन् स्य भर्मास अमा स्थान असुमित सा दर 🔫 मिन बीतकुष्यत्र गाकित्ये हे । का नक्षेत्र वर्गा <u>লেন</u> :

প্রত্যেরকের হাই।

भारणू वय श्राहेत श्राह्म विश्वकृष्टि ३१ स.हे. ক্ৰিদপুৰেৰ সৰ্দিটী অভি নামান। ' न विरागय नां क्यां निया वाक्र हेश्यु (- या कि व -शक्ति कवा feran इकेट जटक मा।

গোপানচন্দ্র বংলা,পাগায়ের গত প্র ---

व्यवस्य निरमात्र कार्विभाषांनि काम नि वि ब्दमार्के ड ब्हेल मा।

थू (ह आ दादान शद शकाण एवं ३ ° , ३ ° -

গ্রেরিভ।

প্রযুক্ত সোমপ্রকাশসম্পাদক म्(इ.म्ट्र्यू ।

শ্বীরাঘদাণ সেন বহরণপুর ^{শ্বিত}্ ব'ফরি ठ अवनि विकाशन निश्च १६ मा अविकालनका य शर्देबक शास्त्र शकामिक हम विकास शाम

बहेशाम हे किंमि करिश्ये कि महानहमाहन जड़ा नि क्षांत्र व्यागीक लोकामंत्र वर्गमनमञ्जा शक्ष द्वातिक क रिक्ष्याम । अ कि कथी । फिलि क्षेत्र मिकडे < **इ भूकक के जिल** कड़िवार खेला है। वाहर क ि जिसे कि काल्सन स (प किश्वीत महान् াৰ ৰ'চিত্ৰ সাণ্ডীৰ পুণ্ডক তদ্যায় প্ৰিণায়েৰ एक मात्र कीरेमरिमायम यक्ष्मा उदमब्द्रम धा य, विश्वित केल बन । छाइ क्रेन प्रतिक इन्छ ्त्राह्म करा निकृषि नार्यः विष्टक भौदी शहराजा अपूरे। दवास क्य तम्म अक्षामल विश्वासी स्वामि ! गांडे बद्रश कर्षा इक्टर्व श क जिल्ला हरते। धक्कर्य (पन महाभाष्ट्रक छात्रन) **कानाहिट उदि। का**र। द्वाक्त महास्या रथन को १७ हिल्लन, उरका লে ভাঁৱাৰ পিড়বা মহাপ্য বাসবদত। প্ৰশ্ভিত ক'বৰ'ৰ নিমিক্ত ভাঁগাকে জু.র- লুড়ঃ অভাৱোগ क तिश्र ७ जन्म कि व्याटि नम्बे इस में है। त्या ब पु उस लकात महानात्रत राज्यभीय वानवल्या का সুৰাদিত চইয়াদিল পানে উহ স্বাচিত কবিংত ! उंडित सम्बन्धः (वाथ च अवाहक कोवान । राक्ताक / निर्माहन शूर्व्य कताः शास वित्र कदिन्न निनाध त्वर निरम्भे कतिय हिस्सन। उँ। शंत शिकृश हुन। खे वावश्वती स्कृतस कुनीरमद बावश्व भ्यम् ५ क्षार्**कावत सम्बन्ध (इस्त**न) सून्नायाञ्चय

্, দুভিৰ বাৰ্ভ, পজ্প এই ছিলেন। ডিনি ৰ िट कियु मित्र निवरताय श्रीतक थे, निव छ, यह धम्म के इन्जार क मदिल्या शाम भाग । लिथिय ्रेक्क शुक्क वर्गात काश्रोविशोत सन्ध । विवाहित्या | दशीनितकता । कशामान वर्गात अतर निवाहकत ভিছ প্রভাৱর পরে এইবেডার ম इ प्र कड़े कथा चित्रमाहित ज्ञा चा सामय-· ८१ का अवर्षेत्र दल्खा (यन, डिश क्रांत्र नर र नादम होशावेदनम । काम.व राज होशा अहेत्जरम् १क्षण ध्यक्षम् म। इयः। द्वेष्टा, मान नि नम ज्ञीत्क शक्षक हाशाहर हा नाव वा अवि ! ংবে**চন, ভরি । ভিন্নীয় শিক্ত**া নামে ডিলেন। र.ड.त द्वष विश्वच त्रदेखांचार गरक एक एक अ.महा र्राट्ड अमादर आक्ष्मी ध्ये नाचे। अक्ष्य दनन ন্ধানমুকি **জন্য সেই পু**ল্ল ছালাইতে এরেড ১^৯য়া ছল ০ একণে উছোকে শংগ্ৰাদশ দি, र्राप्त डिटि भुज्ञाका रिवाय किए 'य रकत जिंदन दश्य लाख खाल्यका (ክ(ቸለያፈቀ) **ያ**ች (ለ,ክማቆ,[™] ፣ न ' कर्रियव लहेश्व स्थित ८८ ल

李 多 蘇河 , 4 F 🚧 এতেই ইয়ু ল।

14年 春(天 **南**[])

জীয়ুক্ত সোমগ্রেকাশ সম্পার্ণ सङ्क्ष्य मञ्जी ८५ य

ব লৈ নিয়লি আছিজ চল্লাড়ম ব ভ্ৰমণাপান के (हारी महाभक्त द्वा क जिएक न पिष्ट न निविक र नाता कि अप अभिकारिकन, ए. बिमान वर्षन प्रामा किया ना त्याल क अधिक के दिया मार्थित अ य व कार कथा व लियान शहा धन मारे, छ। ६१- । स्नायन। कि

त्र विजय विकाष्ट्रियः "अस्त्रवे श्वास वस्त्र (5 रे । क-क् वोशीम महामञ्जू कु न्यांत शादक कता. इ श्रामान मामिलांटा देव सक दस्त्री स अरबा निरवधक बसूरहम्दक सन्यश्व दिलग्ना स्थानात করাতেট আমাৰ পৰিচেশ্য জাগ্নিয়াছে ভাছিয়-त्य बांधा बळाता ध्यक्षाः अहा आवाण कविन

कामगम्दर्भव का किनाडा देविसक दक्षशीन गार्था किका आह न शतान छाता कुलीन, दर-শব্দ ও মৌলিকের বাবছার ভেন প্রচলিত ক্রাছে ए. इ. कोड करा श्रांतभाक, प्रदेश काका निर्म C5 व्हेल। अविकास प्रशीत कृतीत अवि न भेनारन वाशमान वाजी ड शहायुव नाहे। ए-ह। क्या: ११-छत् धक्याम नदश्कानव शह्यहे कना श्रीक्ष 'छन क इस् गल्मामिठ इडेसा ब्राइक, जाही-(फिर्त करा। शास्त्रज्ञ सभाग रहाम विवाह इहा অভ্যাৰ তাহি জাত ভাৰিত ব্যাহাৰ। এ বাৰ-क:वर्षे स्म'लक इ वश्यक्तानय नाहे, छोक्षेत्रसिक्ध त धनावा जिमीव ও घनतामत क्षेत्रित नाग्र विलिय है का गरा ऐशिक कुल्मा के विका निका প্রতিধি ছওয়াতে ২২৫৪ সালে লি পদ্যত । ভাছাতে ইলীনে কুলীনে আছ'ল আদানে কুভ के समाय छह। स्थाद महायम् सुद्राणि विकि मिन्न कलीन शास्त कुलीन कमान दांश्राणीन हरे-व,व क्लिनकं शहे महावना कुलोटनह वि-ोहरूब शु:क्रीहे क्रोक वा शहरहे बक्क क्रे बांशमू-क्' कमा। अनायं ५ हे स (तरे पाटक दर्भक्ष छ भुत्त्र में भाज यसायां इहेरल त्यहे कुलीन ह নাকে আৰু কুলীনেৰ। এজা কৰে না, যৌলি किबार करन, उद्धित भी लाकना हमील ्क्रक करा, **अ अङ्ग कतिय, ये**। दश **। दश्म क**ंश्येत कुछी। नव मां बड अपहान धानान केलग्र वावश्व क्यू मा, और या है क्यान कुलीय भारत कमा the किन्दु (में, लिक्स करा, अठन करन जामा-कि:भत्र कृतीन, मर्यम छ म्हिलिकर बहैत्रश विष् विष वान १व शहील ५ जारही।

व्यादि कामानिकाय ज्ञानाम ११ । श्रीतिवर्त विष्यक अञ्चल के हैं। के ८५ कु अपनि श्रीति के ना उ राक्षान्त् (कायसक यसूर्यक अभाग जिमा कि. तम चिर्विक्षी हिम छा अभागमात्र व्हेल, का व मा 🌼 नाः अत्य फिर्छ । कृत्ये वात्र विश्वविक विधि आ राष्ट्र मा लाला काला प्रमाल कितार है है दि क्षुन्दर्भ । अविभागत व नव अध्यो नियान दे वा भग करा । धरी ए अशदालय काहिता स्व कृष्ट र त्राहर दमा, ब्रेसिया, न करर, जोश स्थाप স দত্র, হ, কি , প্রশস্ত্র মধে, ভাষ্টেক আগ্র-करा वर्षा एक बक्राया प्रतिल खे विद्यवित अधि-

ে ১) যেতে জু গ্রন্থ ওচন লাম্ভন (খামঞ্চলা-म, रिन्मा इत्राव अप । त्यां श्रहा हिन (य ** नामा) न नाक्षत छन्ने भारका स्थान कताः " भ विद्यादित हाना अर मञ्ज राधन दहिन्द - दे क, खबन 3 दौ-ाड ३२३ काल शहसन त्रांमणका न कवान । स्थान विष्ठ करेशन । शांचि खामात कमाहि न्यपुरवन श्राप्तत निष्ठ दियाह निर्म धराडिका ज्यमञ्ज्ञात्र करेता करेता मार्ग माहे। विशेष छे-

भक्त-निरम्भ करते. एवाभि वयक य माम व (चीरिनरकद्र नायकान (अप कुनीत्म कुनीत्म काम्रोम श्रेष्ट्रात्मः कनाय नामभाव कविष ह बडारवाः के बाधनात निरुवश्री सामान्यिए हे स्मि পক্ষে অকৃত নিবেধরূপে ঘটিছে 🕱 🗱 ভক্র গৌল মঙাপদ্ধ বিধেচনা করিছ। উত্তর म प्रभाव क विदयन है छ ।

24月日本語学 かく

. 5: 1 श्चीनगर्डक व्यामान्यशासीला

繼續

উৰ্ভ বোষপ্ৰকাশসন্মান

इत मान वाजी इ इहेन, कोशि अभिनेत्रहास्त्रहे मंग्रीवन कतिया है। य संभागत स्टेशिक साथ ন নগৰীতে অৰ্থিতি ক্ষিত্ৰ অভ্যক্তি নাক্ষ্ निवस कारशंख क्षेत्रांकि। मार्काख ८००वीर अवस्थ লোভা, হংবিভুত ক্ষেত্ৰ বক্ষঃছিছে নাৰ বিধানীয लका के हिस्सार चकाएक्ट्री स्मीनाविष्ट केन बाह्य अभ्याक्षक मा वाकत थन वेखाकात मानाहिक বিবিধ দৌন্দর্ব্য অ১ লাক্স ক্ষরিয়া লাম 🦛 किन व देवादि । यहारस्त्र । वरण्यासम्बद्धानान ার্শন করিয়, বছিও এ **আঞ্সংক্ এ**ম_ন उत्तम काम का_र कांग्र व**ि किट अक्षा** ना,ना निरम **चन्द्रणाकन कृतिस ^१८ कार्यक** कान " अक्षा काना क जाना है का है जारे रवात कर्ष क्षाप्तक ज्ञाह रववनोत्त क्षाहित्री^तर्जा তিশয় সম্ভাপ্ত বিশিষ্ট ছাইচাল হয়নে ক্লিইডাই ব রীতি নীতি, কি অচোর **পছতি, কি** *ম্প্রা*ইচ धर्म थ.व। जी तव विटक्षेत्र स्व विषयक्षेत्र 🕊 🕊 রণ করা বায় ভা**হাতেই ছঃখ্রিজ্ঞ প**ঞ্জি 'যুর্ণি চ্ছতে হয়, বিশেষজ্ঞ **এডেও খুবুমবানী ব**ট*্য* पुणरश्व विषय भाषाद्रमानमा अस्तिएक আতায়িক কোভেত্ন উষয় চইন্ডে বাংক্-👫 (धर वाष्ट्रांत - वायवाय कार्या कार्या क्षान शानन कविष्ठारह । कामध्याक ब्राह्म श्राप्तत शामन किन्न अंतिमश्राम खनश्याक र रहेद्वार बार हैं जाता कि किर तका हैं। কবিতে পাৰিয়াছেন ৰাট ভিত্ত ভাষাটে স্ त अक्षत इ. इस्त शहर ८ वरण खाँके व পর করিতেছে ভাষাতে প্রিন্তের স্থান্ত্রী दिए एडेग्रा खुध वर्षित ना व्वेग्रा स्ट्रीर व प्रश्न भारतातात्र क्लीक कहितकाह । अधिक्री सण्डामाद्यस्य वाक्षमञा शास्त्र ज्ञात स् সাম জিৰ ভাৰত, এৰ পৌৰিক নমুভা হে खाश 3 st खाला मिड करेए एक एपरी बद्देर छ थ। दक्ष दन्न छ। वर दन को को माँ स्टेंडिंग म्यू = देशास्त्र तयु वायः कि श्रीत्र **वास्त्र विक**. ভিচা দিশেশ চবিংমৰ অপৰাংশ দুটি পট उद्य उभन आगादित नकल बाला मधी मा भएखद बहेरक बादम । त्य स्था दक मि-% द राहिद्दं कनकि एवं शाहा के

. ዺ ቝ ্যুগান্তর উপশ্বিত বোধ ধর TIC ार्थ विवर्धिक श्रेष्ठा दक्ष्यल देखिए। (1) 學 কিয়া যায় অভাবকে মুন্দীভুত 1 7% ওছে 🔒 ভিকৰ্জনা দা বিমৃত ঘট্টা যথেছ इडेन, प्रायुक्तन कतिएक स्वस नश्यक्त कतिहा । ছায়! ই ছামের কি বিপরীত সংক্ষার খ-

मण्यासक महाच्या मध्य बहे रक्षातिलन वयाताचा समस् समनीत एवस शानुस्कृत कति-। | थावश्र क्षांक्रम स्हार नरभन्न स्थान असान एका | ারিয়া অন্তর্কাশ পরিত্যাথ পূর্ব্ধক বিলেশাতিমু-श्रम भागमा कतिएछ थ। किरमन, छथन घँ हा कि मान्य केरियादिसम्बद्ध अध्यानाक्षेत्र अ-या शिष्ठांगः, खांत्र प्रत्यं द्याहमः, चारम् दान इहि मारम, चनीय मोडांशा वर्षम, धमाप ह-रक्षत पूर्व निवादन अवश्र्यकार्य **ए**छ, केका (व बकारल हैं बारमूत अखरत बनवर्की हिन हैशs बांध स्व महत्त्वह नाहे। किस कि काएछत्र वि g! একাণ লৈ সকল পৰিত্ৰ ভাৰ কেন অন্তৰ্ণা-ছইল ব্ৰক্ষণে কি অভিনত অৰ্থ উপাৰ্কনে াক্ষম মুট্টা ভাষার বর্ণার্থ ব্যবহার বিস্তর্গ হ ইয়া ভাত্যক স্বান্ধের কারণ করিয়া ফেলিলে ন ? ৰক্ষেত্ৰি ন ঘকারে জানোমতি ছওয়তে ক-**ইবোর ভব উত্তব দ্ধাপে জা**দিতে পারিয়া তৎসা (रम्बि इ. क्रेज़ारहन ? हे चित्र मार्थाप ন্ধু ক্লিক ক্লেন্ত্ৰ সাৰ্থকা সাধন হয় ? বৰ্ণ ক্লিক মহালয় । ই হাবা বিদেশে আসিয়। ে ^{টি'}প্রকার স্বাধীনতা প্রাপ্ত চইয়াছেন, ध था,बीमणारे रे गामह डिलिबिड सन् का-म्हि: टनस्थक शकांत मृत्तीकुड कात्रव वन्ति-ও বঙা বাইতে পারে। সন্ধানক মহানয়। মি মাপনাকে একটা কথা ফিফাসা কৰি, वा निका मञ्द्रवात नेथान कथि-ए हि वाधीनडाई कि बई श्रकात >

্জীযুক্ত সোমপ্রকাশ সম্পাদক

মহাপ্রেয়ু।

স্পাহে সোমপ্রকালে বহুনাথ বাহুর शिंद्रवेद्र विष्ठांत्रायत्न स्वातीय वर्षेवाद्र प्रश्ताम 🕏 দৰীয়া বার পরনাই আফ্রালিত হই-দ্বাহটৰ বা কেন, ইতা অংশকা অহলা-बुद्ध व्यक्ष कि व्हे उ आरत् ? दर्शन वज् **पृक्तिमंग्राकुका व**िक्तिभग जिल्ला अञ्चलीय वा अहे जरेबाटक आक्लापिक बडेग्राटकन। ^{এই} য়াগ **খারা চিহ্নিত ও** অচিহ্নিত কর্মচারী ^{ৰ্তি}ৰ একটা গৰ্মিত জন আছে ভাহাব কি है है बहेल बड़ी, किंद्ध मधाक ध्यकारत हुव ^{ম্মা}, বোধ হয় লে আলা পূর্ণ চইবার সময় **अध्यक्तिक एक माद्रे। योष्ट्रा** एवेक, यक्क ^{बाद्ध} निकल नक्ष्य शहलाहोत व्यथिकावी ह*ै*। ^{উরা} কিল ছখ্যীতির সহিত সমর আদা-^{मद्भ}ामको क्रियः उक्तश्रम **याम्रामर**करं नि-চাৰপ হইয়া গাঁচ সহজ টাকা বেডন পাইজ

विश्रीक कांग भारत करत, केही- | माशिक्सन, मिक श्रेशत थ्रव व वांताका विरंग्छ. मान क्ला आम्बाराज्य केनीरलम् अर कारण अथान मन्त्र काणिनी शव ७ धाविनाउ केका दिक ন লাপান কেন ১ এই বিষয়ে আমি জেলান্তিক বোগ্যাউদ্ধীল গণকে সম্বোধন পূৰ্মক এতং পৰি-काबादा निर्देशन क्षिडिक्, अवश्यत वीवामा नमत्वक इदेशः कते विषयात सना श्रेडेरकार्षेत कारा प्रशासी आर्थना कक्रन, क्रांका क्रेन ভীছাদিৰের অভিনাত সিদ্ধি প্ৰদে বড় বিসাধ क्रेड्रिक जा। अस्थाता **दिविध उनका**त मोशिङ इंद्रिक । अपने अिंड स्थना दिल्दन स्थना सक খন প্রামে গাইতে অনি**ভ**় বশতঃ **শে সকল** भवन वाक्ति शत्माकी कार्रका निवास प्रदेश (अभा कार्टीन क्वांसजी कविष्डरङ्ग, डींशाय। यनां-भावन छन्छ त्यांशा ७ विष्ठात्रक्षम बहेदलस क्येन रिक्षेत्रभाष्ट्र इहेटल शार्यम मा, क्षेत्र समाधि नियम का' ह, कार। वहिन्छ बहेटम छीषावां है-कः श्रुक्तक के श्रम चीकः व क्रियम । धवः वानि केरशन क्षेत्र भावस्थात आहामाउद क्रम ४ छ-गांव मा।श क्रमा कार्रिव क्रमीम व्यक्तीत श्रीवव दक्षित हरेग्रा स्थलारकार्षेत्र उकीलशह बक्षी न-श्राञ्च अम हर्देशी छेडिटर । क्लिशिय (" स्मरका प्रा-यात स्टब भूल पूर्व (प्रचार गा.प्र ") प्रमूलगुर्क मुत्भक्षक्ष (अहरा कांग्रन द क्हर केरोस्न (कहर) शक शकां छात्रम असूर नारमन मार्थाया विश्वेत कार्या अभाषा कवित्र अवश्वेत विष्क ধুলি দিয়া যে উচ্চ পদ প্ৰাপ্ত হউতেছেন তথন चांत वेदान ना व्हेबा राजा ५ डेनवुस नारवह 西南村盟 医阿米斯 श्रद्धात वहेटव । ८ हे काइन वश्यक्ष श्री

थाथ ग्ना।

জীবৃক্ত বাৰু ভৰতচন্দ্ৰ যোগাল

ফ**ভেপড়**

১২৭० देवलाब खरांच देश्य श्रमास .कार ३७।० · • • । विनी हवन हट है। शांचांब প্টল্ডাকা ্বভন অগ্ৰহায়ণ হইছে ৭০ কাৰ্ত্তিক পদান্ত त्कार ५० जे CHATIA ** को लगांत्र दरकाशि।धाप्ति :২৬৯ ভাজ চটতে মাৰ পথাঁত ८४ १ ६ में < दिनोन · इन्दिय क्रम मात्र ১२४७ व्यक्तकार इंदेख १० कार्किक शर्यास C#16 7 3 B म का क्राप्त • वाधादगाविक एड ১২৬৯ মাথ মই তে ৭০ আয়াচ় পর্যন্ত কোং ৫॥০ किनाक्रश्रंत के ल " कालीहरून इट्डिं। शाधांत्र >> ७ भाष बहैरज १० आयात श्रेगा स स्था॰ देश **कुमार्गा**ल " यहिंगाउस मान CTIC C A ১२७ .. क्या बहुटड माथ श्या ख यशिनाय वाष्टि " 京村 河内罗牌 有原 ১২৬৯ ফাস্কন ছইতে ৭০ মাখ পথা ও কোৎ ১৩। শানিপ্ৰ '' ত্রীবাতি মধোপাধারে ১२७७ काक्रम ६३एए १० भाष भाग **छ (स**ार ५७;०

'' विविधीशत माहे जिल्लि रमस्त्रीश्रंत ५२७० च शहायन स्टेटक देवभाव गया ह COTE & A ⁶' মতে শ্ৰহ্ম বি গাল **第1章 6 李代司書** ११७७ कोइन इक्टिए ৭০ শ্ৰেৰণ পথাস্থ CER CLO '' मिष्णुवन प्रश्ना **टबला** तोक्रमाहि १२७३ मांच स्टेट्ड प॰ व्योषांए शया ह दर्शर हा « ' नामाह्यन स्थाय बरमांक्त रहोशाङः ১২৬৯ পৌৰ দইতে ৭০ জৈয়ে প্ৰায় কোং ১৪০ '' কাজীকিকর রায় >२७० म:च ६ देख १० जांचांड शेवा क (कार e के

নোস্থাদাল সংক্রাপ্ত কল্পেক্টি বিদেব নিয়ম!

व्यक्तित्र मृत्रा ना शाहेरत मकवरत स्त्रावश कांच दशद्य कहा यात्र मा।

ইছার অগ্রিদ স্লা বার্ষিক ১০ এবং য**়**াুা-निक क्षे हैं कि , इस महिनद गुरुस मुना नहना

याकार वार्या कारण वार्या के विकास विकास পাঠান ভাঁচাৰা এক অথকা আধ আনার অধিক मुरम'र ७ द्वमीरम्द्र विकिट ना ८थद्व करत्यः

यथन विनि मक्ष्यल ६३८ । त्रांभ शक्रात्मन मूना शारीहर्यम छोडा त्यम स्त्रक्रिक्के कि करिक्र

प्रश्ने श्रमण भ्रामा व काल वाजीव वृह्द म मु-शिकगरशांशक बरम्यांशिधा व ना गिविष्ठ एक एवन अनक्ष दिन्द ने करतम ।

> বাঁহাদিদের মূলা দিবার সময় অভীত চই-क्षां यहित्त, मञ्चलभाष्ट भवत थालीका करिया थार्थर मान्यकारण शहाब कविया छ। हार প্ৰ চিঠি লিখিয়া আলান ছইতে, বলিভা-হাতে কোম উত্তর অথব। মূলা নঃ পাওয়া যায় कांगम वेस क्षेत्र । युरलाय (मिस्स किठि (बर्ग-রিং পাঠান হইবে। কলিকাডা সংস্কৃতক্ত टमटम याम:बिरमंत्र नारम हिति **य**ंदेरम या-মরা শীশ্র পাটব :

> যাঁহাৰ যথন সোনপ্ৰস্থাপ পৰিভাগি কৰিব व बेका इवेटन विकि सिचित्र। मा कानावेटन उद्देश अध्य करा यहरेरा मः।

> কেছ লোমপ্রকাশে বিজ্ঞাপন দিতে ইকা করিলে তাঁখাকে **প্রথ**ম ধাব প্রতি পংস্তি *প*ং আৰু, বিভীয় বার /১» আনা ভূডীয় বাব /• प्यांता मिटळ कडेटर । खांकांत्र शत ७२३० है। रू कशिमन योष (सृष्ठमः वृद्धितः।

मकबरमञ्ज यो होता समर्थ हहेरवन, छैंही विरशद्र १५ उद्ध एक्षिकाञ्चल विरुट बहेरर ।

अहे शब कविकाकोड़ गुर्क बोक्या दब्रम **दरा**व (^{हर} मानूह त्किमस्यह प्रक्रिय हाकिस्मिनाम क्रियात्रकार्याः विकास्यानम् वाणिरक काकि भाषावाद क्षेकाभिक रूप

गुरुक

" प्रवर्त्तनां प्रकृतिविताय पार्थियः सर्व्वती अतिमदनी म दीवता । "

द डार्थ। > अर्था ।

১२७२ । 8 में देखा हैर ১৮७७। 30 बार्क

यक्षिक जुला ३ व राष्ट्रिक काश्रिक ३०

विकाशन ।

খান্যৰয় बाब बाबनान हा होना-्राधात्र ७ महामन्। क क्टिंगांचांत्र सर्गमन् 7 -मधीरमध् ।

স্বিন্যু নিবেদ্ন ---

কৰিবর নদনমোধন ওকলিকার প্রতীত ' বাসবদন্তা) অতি উত্তৰ আৰু বলিয়ুং আন্ন'নু কভিপর বন্ধু কৰিয়াছিলেন যে উক্তে পুক্তক .लथरकत मृज्य स्ट्रेवारह, अहकारमत भूजानिस क्ट महे, आसीम्रान पंताहा वर्डमान আছেন ডাছারাও এপধ্যয় উহা মুক্তিত করি বেন না, অভএৰ আপনি ঐ বহি সাহিত্য সংবারের উপকারারে পুনর্মার ছালাইতে भारत्रम, हेडाटक बाध हत्न क्रिक कार्लाट करि কৰ না। আমি ভাঁচানিগের এই অত্রে শেই পুস্তক ছাপাইতে দি। ঐ পুস্তক ৫০০ শত रेक पूजाकानद का का का का का नाम कविद्राहि ও উহার ছাপা প্রের শেষ হট্যা। আহার ১২র अरमञ्जू के शुक्करकत काञ्चल २०৮४ । होका अरम েইয়াছে। সাপন্তা আহাকে ঐ বায় প্রচান করিলে সমুদার মুদ্রিক পুস্তক আপনাদিগের गर्भ मामक्षकाम मण्यामरकत्र मधीरण थाठे। ^{টৰ} ভা**ৰার পর আ**পনাধা পুস্তক নিক্রয়ে যে াত চইবেক ভাষা এছ। করিতে পাথেন বানা কর্মচারি সম্ভিব্যাহারে ২৭ এ কা িয়া আপনারা বছি ঐ পুস্তকের খড় বিক্রার ক্রিতে ইক্ষাকরেন, ভবে লামি ভালাকধ ক্রিতে প্রস্তুত আছি ইহা বিদিতাপে নিবে मनविष्ठि 🛶

डार्२३ क हिन कें मान

अव्याधकात्र दनन সা' বছৰম পুর

মহক্ষতপুর নামে বে পত্তনি ভালুক আছে, ভাগ দংগত্তনি দেওৱা ভাৰৰা বিজ্ঞান করা ৰাইনে : বাঁহার সেই ভালুক দরপভনি দাই ৰার অপনা ক্রন্ত করিবায় ইচ্ছা আছে, জিনি কলিকাড়ায় জার্ডান ছিন্যু কোম্পানির নিক্র हि भारतम्ब क्रिट्स महिएसन ब्रह्मान्छ आनिएड প' ব্লিবেন

> 200 বিজ্ঞাপন ৷

রাষবার, হরু ঠাকুর, ত্বাস্ত্র নৃদিংক, সৌর कविद्रांख, निरुशनम देवदांशी, कृश्रद्भाइन फड़ोर्राधा अपृष्ठि आहीन कविश्वानाविरवज्ञ উত্তৰ উত্তৰ গানগুলি দংগৃহীত ও একব্ৰিড করিয়া মুখ্রিত করা গিরাছে ৷ পুস্তকের মূল্য ১ এক টাকা মাত্ৰ ৷

ৰলিক:ভা

नक्ताकात हि है १७ मर बाजि।

अवस्तानान हर्षेत्रानाम वनः दर्भः

সোনপ্রকাশ। टेइव (मामनाव,

জন্মপুরের সহারাজ নিজ মন্ত্রী ও অ ল পুন ফ্লিকাতা সংস্কৃত ও প্রেসিডেন্ডি কংশেক দেখিতে অসিয়াচিলেন।

কিছুদিন অবধি কলিকাভার ওয়াড लहेश शालरशंत्र छिनश्राद्ध । जे के केंद्रि-য়। যায়, অনেকে এরপ চেডী। করিতেছেন। क्रिमभू विमान क्रमः शाङी वाहेत्नवाति | क्रिस व्यामानिरशत वर्ष क्रिकी देखेकन | च्छावकः विस्यव्यारम्, छामुर

गांत्रिमी मटका था विषद्ध विश्व বে পাতিপ্রার প্রকাশ করিয়াইইন पाणाह मन्त्र्व चन्नुत्वाक्त केति है। প্রাপ্ত বর্জ পিড়হীন ধর্মি ন या भूवंबर निक विक सार्द्ध শিক্ষার ব্যবস্থা হয়, ভাষ্টাক সা रेकेनिवित्र महत्त्वा चाँच प्राप्त । स्वि मिरानत विका ७ इतिम नि कुक् भारतक । किराना कर्क्टीर देने त्मरे शक्तिकाम सामना गरियाईन रत । केराता जित्रपूर्व रहेता वादि त्तरका पार्विविक श्रेम ब्री अक्षरम निकात विश्व व्हेटन ८ मान छ्त्रामत पार्वमत राक्तिविक्षेत्र প্ৰান্তভাৰ হুইয়া উঠিবে দ ছালাই श्विरशंद्र निव्रसद्ध चनुदृष्टि का जे अशासवावदात्र मिस्टिनिर्देश 🏃 পৈতৃক সম্পত্তির ময় বিষয় 🎕 🕃 निकात्र नश्राप्तकातिनी स्रेट्डि গৰে কলিকাভার রাধির শিক্ষা 🚉 निवन क्या रहेपाट्ट, कारा-कुटकरे-----------मारे। मनदब्ब नाम नहीं और्दा 🕏 কালাভ সন্তাৰ্ভি নয় ৷ ডংব 💵 **अप्राटक के कहा विधान** विवास রাহিলাম, অখ্য ভাষ্ট্র कि । याश्रास्य अताल व नामध्य ৰূপে বিলাভী পাপক্ৰিয়ায় অৰুব মা ক্ষরে, সর্বভোভাবে সেই জে ক। সেই পাপ ক্রিরায়

ठ कहा रेंछेक अवर तारे छञ्जावशाम । शक लिथिशाहित्तम, छीहात मात्र भामा- । शहनात हुकूवीरम अधिक विटि हहेत विल जीव नन्नाक्डिन इत।

स्माक नवर्गमक विमानामम् वार्था ं निट्कत जेगायू वारशास्त्र कथा वासमात শাং দিলে: আতি গোচর হইতেছে, সধ্যে मट्र काहात विशक ७ मशक केल हिन পত্রত । মদিদের হতে আদিতেছে। শাম থাতে অভিদার অসুবিভ হইয়া हि। हे अभाग निकर वक कर निकि 🖲 রে 🧸 ভিনি বে আপনার শিক্ষার অনু ' করিয়া বিৰূপ আচরণ করিতেছে ব্ল, ই । স্**রু**ণর্ভাত্তের কোতের হইবে ल निरे । कृषे विवदत भामता छ।हात ह जिनम् स्नाहरी रहेलाम । এक, जि ি বী বিদ্যালয়ের এতি সাভিশয় শ্বিয়া পাৰ্কেন, এমন কি তাহা উ নুষ্ট্র ্নিবিত্ত তিনি পার্ডরিক চে विकास । विकास भवर्गमणे वि ধ্র পশুতের প্রতি তিনি নিদারণ ্তি 🚉 ধরিয়াছেন। শিক্ষিত ব্যক্তির প্রী बिद्रापी चांहत्व, देशत जूना च ্র হার অস্প আছে। একে আমরা रत्भव्र जीभेरभव्र व्यवस्था अंदर्भाध ^{র রাপ্ত}ায় **কিছুই করিতে পারিতে**ছি না, ১ 🖓 ন নদাশয় মহানুত্তৰ ব্যক্তি ভাহা मन्छान करहान. चामहा छाहात्र ७ क्षिमक्षात्रज्ञन कतिव !! दिखीय विवटस ভর বিষয়ে) ভাঁহার অসাধু ব্যবহা ক্রণ স্থিম আমরা এখনে প্রভায়করি না ় ভাঁছার নগচ্চে যে পত্র আমাদি का ध्रेटि चानितारम्, ब्रह्माताचे नथमा भेर का किनि (करन विरुक्त बनवर्जी া এই পঢ়ি ব্ৰুপ্ত পদচাতির কারণ ক্ইয়া ই ু বিনের সোমপ্রকালে তা ্লাক্ত পত্ৰ প্ৰকৃতিত হয়, তাঁহায় ' तिक भव बाँद्रा व्यक्तियमान हरे े वि मत्य करिकारस्य, तारे शव ्वेत्राष्ट्रित्सः। किंद्ध राष्ट्रिक ः त्वत्र निर्वित सम्, विनि न

निर्णत निक्टी जाएह । गाहा रुखेक जानता चाराक भूनवात गावशाम कतिया किमाम, ভিনি যেন সভক হন।

हेनका है। का च खाहाद नक ।

मत्र हात्रम् म हिविलियान अध्यल मारन चार वात्र मःकांख अकृषि हिमाव क्षणान कतिरवन। तिष्ठे मिन जिनमिन म मीलजनवर्शी इरेट्डिश हेनकम है। स्कार कि मना इरेट्द । এই श्रद्धां नहेंगा अटनक विश्व चारकालन छेशच्छि इरेग्राटइ। चरनदक অনুযানে অনেক প্রকার সিদ্ধান্তও করিছে हन। तक करिएकहर, हातल्म है विलि यांन लिक मारहरवत नाम अक्कारन हैन কম টাক্স রহিত না করিয়া আপাতভঃ বা विंक मह्ळ यूक्षांटक नीमा कतिरवस , त्कह करिएंट्सन, धक्कादल छैहा छिठाईगा नि ि विलिन्नान गारहर धककारल छैहा छैठाई । इस । छेखर রঙ করিয়াছেন। সর চারল্স ট্রিলিয়া ্তা বিবেচনা করিয়া এ সকল লেভে পদ রিয়াও রাজ্যের আয় ব্যায়ের সমতা বিধানে | রি এটন সাহেবের পরিশ্রন ক্ষমতার কিঞিৎ ममर्थ इक्टियम, हेंद्र। मञ्जाबिक मह्द्र । व्यक्त आम क्रेसाइक बटते, दि स्त के शहम हम स्व धाद न्याखेरे (वाथ करेएकरक, रेनकम होता) व्यावनाक, कपश्च काहाइ मुहासका मारे। রহিত করা তাঁহার আন্তরিক ইচ্ছার বিষয় रहेटल ७ जिनि छ दिवर म क्रुकार्या हरेटक मक, ब्राम्य नःकास कार्या व जन् পারিবেন না। তবে কেই কেই লবণের। নহেন। উক্ত কারণে উক্ত পদ প্রিভাগ कत तकि कतिगां एय हैनकम है। अ तक्षि क्रिताएं है छ। हात করিব'র পরামর্ল কিতেছেন, আমরা কে । সবিশেষ পরিচয় কইয়াছে। म क्राम ७ नमूरमा मनकाती महि। कछक

অধিকতর জীতর হয় একপ বছসংস্থ त्नांक जाटह ।

> खेलत लाकिनाकरमात्र स्थान्येसके भवन्तु ।

भामना भूटर्व शाहिश्डिम मारहरवत्र ^{`डे}खंद्र अस्किमाक्षरलंद्र टलक्टें मर्क शदर्शद्र शरक এতিভিত হইবার সহাদ দিয়াছিলাম, এ द दत्र आवात्र कीहात करूपम अश्वीकारतर ভূমণ্ড সাহেবের তৎপদ লাভের ममोहाव बिट्छिक् । जिलि में भूम खहर् क त्तन नाहे, छाहात्र कात्रन धहे, छिनि वरत न, ब्ल्लिनने शवर्वत गटम अधिक क्रानः যোগাত। ও পরিশ্রম আবশাক করে, কিন্তু র্ভ হার শরীর হস্ত না থাকাতে উ, হার ভা मुन (गांशाहा । १ शतिकामकामहा सहै। षाणि कालि जात्र डवरर्व अक्त माह्म भहात বেন। কিন্তু আমালিগের বোধ হইতেছে, ান সাধু ও বধার্থ লোক অভি বি अक्तियाक्षत वस्ता हा भिष्ठ भातित्वन ना । हेश्त अक्षी आ ! भरभका वसकात वाकाकत, भाषी का ধান শক্ত উপস্থিত। মাধ্যেষ্টর আমদানী । বার্ষিক লক্ষ্য টালা বেতন) ও পৌরন কর রহিত করিবার প্রার্থনার চীৎকার আ উত্তয় সম্বান্ধই লোভনীয়। অ.পনার জ্ঞ न या अक कारन उच्छाविध कत त्रिक क ्रित चाकर्षन इक्त नक्ष सरा अल्ला क्र তিনি রক্ষীতি ও রাজবিধিতে 'শেকণ

(अटखंडे रहेम्।एड किमा, जाताल (अटकंडेर्गन শুলি লোকের কঠ নিবারণ করিছে গিয়া ই, ভূমগু সাহেব ঐ পদ প্রাপ্ত হট্যাছেন। যাবতীয় প্রজার বিশেষতঃ দরিত্র বাজি- ইনি চারিওটন সাহেবের অংশকা সকল निर्भात माकार महस्त्र कर्छ होता करा विषएत्रहे निक्क्षा देशिकिमाणित्रां भारत विद्यय नव। मन्द्रन व्यद्यासन एवं है विद्यान वटहे, किन्द्र नहजाहत सुनिहरू मा, अमन करहे नाई, अवर ताई नवंदन शाखता यात्र, हेंई क्र डिवरत छानून नवाटी

बाहे । कांकुंबें पंकिता वेशकरण देशक करे ८७ डेरेम्पर्म, रमक ७ मत छात्रम् म हिदि लिग्रामदक कांनिवाज खरशांक्य क्रैंच मा । जाइंटन७ हेर्देश एकम देनभूना मारे। अवस्थि বিচার পৃষ্ঠধর্মাবলধী ব্যক্তিদিবের প্রতি তর পক্ষপাত আছে। বাহা হউক, रत्त्र करणम माछ वकासीव ज्य अवनुरमाननीय हरेतारह । जा ा ताल, है, बार्च लिन्छ हैन मारहर छून े नार्ट्टबंद्र कॅटले स्ट्रेशटस्य ।

क्षेत्र. ब. উপाधित भन्नीका

অদং বন্ধ ভূমি মৃতন ভূবণে ভূবিত हे लिन। य १ बाल्टि अम अ शतीकारी sই য়াছিলেন, ভ**মধ্যে ৬ জন পরীক্ষাভে** উত্তीर्ग इरेग्नाट्स । रेश नामाना चानम । (इन, के एामिटमंत्र नाम निद्य निर्धिष्ठ কর ব্যাপার নহে ১ এত দূর ঘটিয়া উঠিবে त्रह अञ्चल मञ्जाबना करतन मारे। रक्षकृति বীর প্রাসব করিতে পারেন না বটে কিন্ত বুদ্ধিমান সন্তান প্ৰাসৰ করেন ৰলিয়া যে চিরুপ্রসিদ্ধি আছে, আজি তাহা বিশেব बाल नमर्थिष हरेल। य कब जन लड़ी কায় উদ্ভিদি হইয়াছেন, ভগ্ৰেয় ও কৰ াণিক শাক্তে, ২ জন ইতিমুক্ত ও বার্ডা শতের এবং ১ জন স্বর্শন পাত্রে পরীক্ষা रित्र **हिटलम । कटसक अन्हे व**श्रालि ७ **4য়েক জনই প্রেসিডেন্ডি কালেজের** ছাত্র। ই ছারা পরীকা দিয়া কেবল যে স্ব ৰ নাষের পৌরৰ তৃত্তি করিয়াছেন একপ नय, पूर्वाचा रक्षाचामत स्व डेम्बल এवः ্মানডেক্সি কালেজের সন্মান বর্জন করি गाएन। अफर्टन हें शांपिरशत निकटि का माणिएश्रेय ब्रह्मका करे, वणाणाया करे भक्षी कृतीय चारह, दांचालित कारमह निमिष्ठ अधाप्रम कार्यम मा, अपर्याशार्क नार्थने कें। शांकिएश्रेय व्यथासम अवस्थि । (मरे । ेड्**चित्र क्थिकिः इ**विकार्यकः इरेटस्ट

(वेक अमार्कति (वन। वेक वन, वक्क विका इकि विषदं मधिकछत्र बच्चमील क्षेत्रा लाहे क्यांक पूराक्रम, अवर वाशायक प्रतानीक निरमंत्र कामनीलका ७ विमान्तानिका क् कृष्टि नाम् न निकात कामने क्वेट भी त्रम, त्मरें किया क्यान । भारतान्य कीशा क्रित्रत विकट्डे क्यांबाक्टिनंत्रं धक्छि विस्थय चनूरवाथ करे, क स्थल स करेंगे विराम विषद्यत अछाव चारह, डाहाता छाहा हुती ভূত কক্ষন। সে অভাব এই, বাদলা ভাবা अधि मीन अवकात अध्यक्त त्वरे देवना দুয় করিয়া ইহাকে উন্নত পদে প্রতিতিত ক**ল্ল**ন। বদেশের ভাষার **উন্নতি** ব্যতিরেকে कि कथन कान एम केनक शरू कि कि कि मिनीक करा महान के माना। र्देश्रांट् ?

(य कड़ वास्कि नद्रीरकासीर्व इहैशी म्हेम्। ace বীয়েশর মিত্র मिष्ठ । गटकाचेत्र सूटवानाथ

नदीनकृष प्रदर · Pel. উপেঞ্জনাথ সি मर्भम । প্ৰসম্ভূমার বয় । তত্ত্ত ও ক্রিলাক্ত। तुमामाच मानी विष्ठ ।

> LOC সর চ'রক্স ইডকে অভিনক্ষম 竹雪 羽间 :

श्रु २८५ क.ल्थन भनिवान अरमभी য়েরা রাজসমুদ্ধে আপনাদিলের একটা कर्जुन, जाधन कहियाहरू । यो विवय जन्न **ह**्रद्रलम फेडरक अखिनम्बन शक्र पिंचांद्र জনা ভারতবণীয় সভাগুছে অততা হিন্দু ७ मूजनमान ममारकत चलकात चक्री প্ৰায় যাবতীয় এখান লোক সমৰেত হইয়া ছিলেন। বেনা আড়াই ঘটিকার পর অব वि में शहा शुद्ध दा क "एशिम व्हेर्ड व्यव ज्ञ इह, काया। तर हन नमर ह अक ल्याक 🕏 कराता शक्तिकारमा मिका अवृष्टि शक्तिक रहेगा हिस्स व केक अनव वाही

(本) 東海、河南江南州 रा । या इ जिल्हों अ इ.सा.स ्रदेश ब्रह्मात श्रह महा त्रावस्त वृष्ण अ माननीत प्रांची के के कि शक्ति जानम अपने कृति विकित मनदर्भ व र्षष्टम बेर्जुनकारिनंत्र, कीर्र বৰাসুল হইছে আন্তর্ভ বন্ধানী সম অকাপিও অরণ **অচছে। ইটি** भाव व जाः अधिनातः विमाहित् CE I ACTOS MISTE, MINES थनो नक नक देवनकतः व्यक्ति সমুদলি প্ৰবাহত স্থাবিয়া প্ৰতি एकत कार्या भएक । किस देश বর্তমান ভারতবর্ষীর সেকেটারি लग केंग्र करें हैं जाया कार्य है निर्वाह कहिएछर एवं। किंत्रि और है क रक्ष अरे जार्च रक्ष्युकोक जिल्लाकी षात्राह कांचि लाक हरनाहरू चारहम, डीहास्टिनेंग्र डेलक्स्क्रिके कहा चारात गर्न क्षणान करणांभी कि विश्व यवार्थ कथारे केरिबाटहर्क । किति क्लांकि वर्ग दा त्यांनी त्याप मा कड़िया क्रिक क्रिक পাতে এদেশ শাসন করিতেট্ডন **क्राम्मीविष्यं व्राव्यवीकि ।** (क उवि माछ इत, देशहें डांकं के तिक क्रियाः, देर क्रिक्ट नम् 🕬 🎉 অবাহত রাবা তীহার শাসনের ই এক শ্রেণী ইহাতে অভিনয় রাগা या ठाँशास चलमच कतियात कि^{लाहि} उट्टम यथार्ग चट्डे किस जातक हैं गड़ी ष्यवशारे चीकांत्र कड़ित्यम, कें.इ धीड़ी ভারতবর্ষের যথার্থ হিত সাধিত 🕬 💆 द्रक ब्राक्षां (भारव दिन्दलन, नह উত্তের সন্ধিবেচনার বিল্য কাল্য ক্র विष्ठ १६८व गरमह नाहे। অনন্তর রাজা কালীকুক্ ,হাতুর প্র

স্তাব করিনেন, সর চারল্স হৈ কর্তব

·····/३ के धाँगीत नर्कात अपूक्तित ि ^{द्व}्यात । **अथवीसूनरे वृ**ण्यकात SHEET, DIE DOS SECTION TO - प्रमुक्ताकि का मुक्का**काल का**त्रून ^{। के के स}ा के हा बाजरब काल्यक्टर्स स े विकि ७ श्माद्यपत्रीतः सम्मण स हर्द्ध में इक्शिएकं व्यवस्य स्वरं नका न्य केंद्रेक्ट्रज छारा स्कान सदिहा बाबाविरशत ত্রে 🚰। লিখিম করুন । কাহার পর भेड्डिशामाथ केंद्रमा आकाम भूवंक वहे म्बद्धाः देशाः त्याः कतित्रा वनिद्रमन, धरे TOTAL TIE THE PIRTURE ভিত্তা প্রকাশ না করি, ভাগে "पिरश्रद्ध अकृष्टि कांचि नांधावः । ভाরতবর্ষ এবং ইংলগুর प टानी अरमरमंत्र क्रवकेमिनारक বিৰাৰ জন্য কণ্ট্ৰাক্ট বিল প্ৰাণ ^b 'हेम महन दिश्विक कतिया क्षान्त । स्टब रेश्ताम माडि की क्षिक अनुवाद समा विश्मित ব্যার-ক্রিস্টেছন, সর চারলা हिर्मत अरु क्य अथान क्यांत्र ্ট্রিন্সিন ভারতবর্যায়দিগকে ভোগী ি ^{भारी} और कविरक शास्त्रम मा । शङ्क ভ'রত,বীর মাত্রে ভাছার সা ৰন। বাবুরমনে'থ ঠাকুর ছ ভূলি বিসামের বিষয়ে সম আঞ্চা ও কট্টোট বিল ্^{র হি}ন্দ্রবার পত্তের পোষকতা করিয়া विमा ध्रमान १.४'स दिवर । देशमञ्जीत कार्क्षक अरमरमात मानक कारवा करहा প্ৰ হৈছ কে গ্ৰা অভিনয় কৰ্ম ১ खाइकः व्यवंदयके काशीन इंदेश र म ं वरण तार्थ अवन द्रेट, छाटा व्वेटल धूनम्बाग्रात नगरम् चानाग्रातत् এछ।

গর্ এঃকুমার ঠাকুর ভূতীৰ প্রস্তাত ^{र इंटिल}न । १हाज मर्थ **এই. ऋामी**ः। शवर्र শক্ষা দেখয়া কৰ্ডবা, কিন্তু গুলুতন বিষয়ে देश्यकीय अवर्ग्यम्बद्ध स्वार्थनं क्रिक्ट मा बिटल मकल अगरत बंबार्च विहास एक म्रा स्ट त रहेटव । बाबू फिरनाबीडांब बिल ইহার পোষকতা করিয়া একটি ব্যক্তমা क्तित्तन । ए० शहा त्रीलदी शावकृत ल তিক প্রভৃতি করেক জরও কিছু কিছু বক্তা করিলেন, শেষে অভিনক্ষন পত্র **পঠिত रहेन। পাঠरूपन ज्ञानांडेटन जांगा**

ভ রতবর্ণীয় সভা যেরপ গুরুজার এই कतिशारहत, व्यथान डेम्ट्यांशी हरेशा मा EINER GETA WEGGERT ON ANE कहाएक काशह अबुक्ष काश्र कहा है। য়াৰ্ভে। সভাৰ প্ৰতি আমাদিপেত যে হয় তী আশা ও ভঞ্জি আছে, তাহার আরো রু জ হইল। অভিনন্দন পত্র প্রদান করা। তে এক্বন যে সর চারলস উডের নহায় তা লাভ ূহইবে **ুক্ত নয়, এ দেশের** ও लखीरग्रज्ञा जानि !

(45 में रक्वल भरजाः fei fattige

াকের জকুটা তে জাকৈপ মা ক্রিয়া এবশা কর্ত্তবা বোষে স্বৰুৰ্ভৰা সাধন করেন, উল্লেগ্ৰ बुचिएञ्जूभातिरवन, कर्चवा जाधरनह म.कर পুরস্কার লাভ আছে। যাহা হউক, এই অভি ममनथब धामारनव अनुष्ठानित कि कि भूटर्व । रहेटा कान प्रदेख। यादा रखेक নিলাম গত মেইলে সভার ব্যক্তিত কাষ্ট্রিব वंदरभत्र करसक भाग्न थेश देशलटन्त्र विकत्ररभत्र कमा थ्यतिक हरेतारक, धवर चारलक जिल्हिया इहेर**ड (हेनिवारक अजिनन**े প:তার মর্থ প্রেরিত হুইবে , ভাছা ছইলে कामुभ कानि नाहै। शार्लिशासकी नए ह व्यक्षिरवर्णम यश्च हरेनात शुर्द हेदाः व চারল্প **উত্তের হস্তগত হইবে** : এব র মহাসভার ভারতবর্ণ, ভুলা ও কণ্ট 🖡

वसा जारक ! केहिबिकादियस के ब्राटककेत लाकः गारम्बर्क स्मांशकिः क्रिया मन চারলস্ উত্তকে ভাক্রমণ করিবেন সামের महि । काइकतर्य (श्रातिक, व्यक्तिमस्य श्रह ব্দি বর্থাসময়ে সর ভারলদের হ্রপ্র হয়, নিঃসংখ্যা তিনি বিপক্ষ নিক্ষিঞ कारमह रेवकना मन्मः एटन मधर्च 🗪 অভিনম্বন পত্ৰ হান প্ৰসংস্থ আছে। किथिए रक्कनार्यं बाहरू, त्रापा स्वाम ७ नश्चाद अपूक्ति द्वात, पूर्वेद्वात जे ৰূপ এক এফ খান অভিনন্ধন পত প্ৰবুদ করা উচিত ৷ বর চারলদের বিপক্ষ যেন, প্রবল, ভেমনি **ঠ**াচার শব্দ সহা लाखक कार्यभाक ।

> च्छन श्रुनित को दिलांद्र **०**० ছুত্তন নিচারপতি।

मानूरवत कुछत्म अधिकछत श्रीकि विनिष्ठा व्याप्त अस्मात्र सुख्य विराष्ट्रहे नयशि क समा रहेरा थाटक । किस मुखन पहेरलहे **रव यावकीम विषय छनकानी ऋहेरव अद्भ**न নির্ম নয়। **মুক্তন আন জুল্পাচ ত্**রা বে কোন ব্যবসায় হউক, অনভিচ্চ মৃত্য লোৰ হৃহতে তাহার অবিউ বিনা প্রায ইফ্ট হণ না। বিচায়পতি সূতন (যিনি ম তন বিচার কায়ের প্রবৃদ্ধ ছইয়াছের ভাল মতেন। হাঁহা(প্ৰের ছইডে অনেক অবিচার হব।

পাঠকপণের স্মরণ অংছে: এমিরা পুর্বে রাজপুরের পাঁটা লইবা দাখার কং निविदाधिनाम, साम्रहेभूद्रम म्यम (रेमि त्य दनवन वाक्रहेभूदत कुछन व्यक्तिशादक अवश नरह, हैनि अ कारण मुख्न उटी হইয়াছেন) ভেপুটি নালিট্রেট দাল বা जिमिटनत श्रम्भ क्ष क्षित्राट्या किल চৌৰিদারেরা আলামীর অবেংগার্থ কণেক करमत वाणि मर्पा (व व्ययन कतिशक्तिः कवाना य यानीन इस कारी नवार के मधीना । प्राप्तिक वाशीमका ७ क जिल लंडेका सकता मध्याक कडेटाव । ते विचारकत । मासिर हेरे माकावादिनिया त शहर के विश्व के वि

कामहा नामित्रिक्त होते के क्रमां मा इस टेमकिडक केंक्सिट क्रिक्सिमा माजि क्षेत्र निविद्याद्येल क्रमां माज क्रिक्सिमा केंद्राट है, क्रिमिस क्रमां माजिस्स क्रमां प्रश्निक्त क्रिस्ट है, क्रिमिस क्रमां माजिस्स क्रमां प्रश्निक्ति क्रमां क

"आम धर्म में महिता आगार्गी जान कि दोक काम कि देश के महिता करें महिता के मह

वागरचना धनावते कतिमारक बानमा
प मुखि क्षण, जीक क्षेत्रारक, देश क कि गत, हैश भूताकन कनी। क्षणी पुत्र कक्षणारक कारणा क्षणी। क्षणी पत्र नावि कारण कुक्ष कित्रवान वाश्य क विमारक, कार्याक्षण कित्रवान वाश्य क विमारक, कार्याक्षण कित्रवान वाश्य क निमारक, कार्याक्षण कित्रवान क्षण कित्र मिनारक निमार्ग कार्याक्षण कित्रवारक। प्रमुखि मानिएक के कित्रवारक। प्रमुखि मानिएक के कित्रवारक कार्य देश किन्द्राल कित्रवारक कार्य कित्रवारक। प्रमुखि मानिएक कित्रवारक कार्य देश किन्द्राल कित्रवारक कार्य कित्रवारक कार्य मेनिकारल कित्रवारक कार्य कित्रवारक कार्य केनिकारल कित्रवारक कार्य कार्यक क ्यति पारकी व[ा]रमाएका चलक्के स्तान्धिक आविश्वासी स्थान एकि नारे हताकि AND THE PROPERTY AND PROPERTY A MANUAL MANUEL BARA CALL क्षिकेल बाबिका पूर्विक एक ना एकाकाकू-त्में के के कि का कि कारण का क করিং ইবেড়ার মাভিক্টেরেডার ভাষার একটা লিখী স্ভের্ম উচিত ৷ আরু, চৌকিবারেরু: श्यदे त्यदे वास्तित्य कृत्य कारण वन्ती क्क्रक, आरमञ्ज ममुभात ल्याटकरे बता शक्य कि मा। माबिट्र के चनासदम सामि **८७ मः हिट्यमः अन्यममः, या किट हेट हेन येगा** ७ बिद्दहमा करा केन्द्रिक हिम, क्रीकिमान विनान्मि शिक्ष वाली मार्था करिया करियारम বলিয়া বালায়া নালাশ করে, ডালালিগের বেহু দাকার লিশ্র ছিল'কি মাণ আরুতা। যের বাবভার লোকে ভার্যবিশের বলাস্তুত कि ना ? 'क:इ:क्टिनत चन्द्रताह्य कारनत সমলে মিধ্যা কহিতে সমত কি না ?

क्तीकिमारबंदा वामित्र महक्षा अध्या कविश विकासका वा सिमारिक क्रिकाइन প্রধার করিবে কেন ? আর কেবটু বা জব্য সামঞী নক্ট ও ডাবিতালা ভশ্ন করিবে ? क्षेत्रे विद्यात क्षो। याच्या अटक्टमा वक স্বাকারিবিবের মনের ভার প্রথভারতে अ, कीश्राचित्रिक देशक स्था अक स्वाह प्र मान्न ष्यरण वृक्षिया लखहा कठिया अध्यक्ष त्र अमेजिक स्माकनिर्धात और अक्की ज মান্তক সংখ্যার আছে, অফুডির বোগ না দিয়া বধাৰ্যৰ চুক্তান্ত বশ্ম করিছন আগালতে গ্ৰহম্মা গ্ৰাহ্ হয় না, আ মাদিগের আদালতের অবস্থাও এইৰাপ बट्डे । এই मरकात्र निवस्त्र न्याटकाता आह किছू किছू मियात्र त्यान विशा चित्रति क्तिश शास्त्र । साजिए हे हे अमुशायन क्ति आ पिश्चित्वन, त्य त्य स्टल अहेन्स्य नियंगव त्यान जारह, गांहीता यथार्थ उठ ७ विना त्क भक्षां कर्तनके काराविद्यात कृष्णांकारे आजि वर्षी हते।

CHI WE WENT WOOD IN PERSONAL PROPERTY. SHE'S SIFTER WITCH FINE British flows of the filters. THE MAY CONTRACTED मानी बनेशी नंदरन्ति के वित्र, भूतिमहिता निर्मात्रक स्थ क्या जारा करते असे असे वा बीकित्वः छाक्रत्यर्थे बीकि ज्याचित्र स्व विवर्गस्य । विकिट्स एवं अधिकार अर्थ पार्ट, मेंच्येडिकात वर्षे क के वामानाम् याच्य स्थानः नी (उन्हें माकिए के का किए बालामा चुनिक क्विकार्वा निरमांक प्रवानिया कि विश्वेष क्रिमहिक श्रेटन (छोक्सिंहनुई" श्रिष्ठ व्यवसीयमा समिति व्यक्ति सक्य जीवेश कावानिक दश या है क्षितिमाद्यमा केषणा मक्टिक कहानून मेरक और म । विका वाजिए के मुक्त मा দার চল্লে শক্তিত হুইয়া তথ্ इस मार्चन 🖫 😢

वर कंगरण सुष्य कर्याः राज जामेनिरणंत किंद्र राजाः एरेटलक्ष । वण्यतः स्वेद्यामा ह राजा कर्या जारणः गण्यक्षणः केंद्र तारे । किंद्र केंद्रावर्यम् केन्द्रा कण्यतः, काम रणकं पृष्टि अ ज्यातः, काम रणकं पृष्टि अ ज्यातः, काम रणकं पृष्टि अ ज्यातः, काम रणकं प्रतिताः । विद्याविक स्वारं जानमञ्जाक । क रण श्रम्बर्द्यरुक्तेत्र क्षणाम् ७ रणः श्रम्बर्द्यरुक्तेत्र क्षणाम करेत्र क्षणः क्षणाम जाना विकास स्वेद्य

209

countries lessing 建铸铁 व निर्मा कि कावि साहर ने स्व ालकारक रत का का का का का के बेका है. चार्यानका लाटक महर्थ हो। म क संशोधकारिक गाउँ द्यंत त्य जनश्री के कि जाकि 明明清明。到博,明明初,4至2 म्बोक्तिकात्राक्षः श्रीकात्र कतिएक न्यहण्डात स्ट्रिका मानस रुवि-हर्मन जानन एम ना। रेगाइ-**物理: 张斯河田, 明纪至 1 日本** 🍲 चांस्कारका, मामन 🕮: विशव देवलक्षा दिल, छड-रेख गर्बम ल्यालरमाम स्हे-देव शवर्गस्य क्रिका व्यक्तानात्र **्रित** काशीनका एका**व क**निएक ंद्रको इक्ति स्ट्रेट का एड 'রও সভাবনা দইয়াছে। লাভি ্কু কাড়ির প্রকি প্রচাচার इ स्था विद्याहर कित्रकाति हा अध्यक्ति देकेद्वाश सहेत्व र चा निहारण, कृषाज्ञी साहा- । নিপীড়িত পেনুলাভায়ের বি-প্র উড্ভীরমান করিয়াছেন। अक्टि चक्टि क्लिन्द्रिक्त्रम् ালে ইউরোপ দানা অসভা থতঃ তুর্ক কথের বারা আ-.क.टम (भागावक सम्बाह्य रु तथा। करत्व, क्रिक धून वि-र्शिलार खेब बहुक्ब क कुनी हराहरू ३१३७: वहक सभी ः धनिहात हालाः ७ अङ्कीशा इक जरम क देश सब १ ८मरे ्रिक्षणाटखन भोजभा जन ि इस्टिका नाटम चटकमाहि क्ष अववात ह्यामाक्रक चा-ান্ডা পান, -কিছু কুছকুৰা । मारे । कहानी विद्याप ७

~

व्यवस्थानितरमसः योगः व्यवस्थानितः दर्भम नहरूत क्रिकेश मुद्र मानिक्ष्म क्रिकेश क्रिकेश क्रिकेश क्रिकेश क्रिकेश एसम् अर केस्ट रिक्टम अभिनेत्रास्य क्रिकेस ्यरोत्रम् एव । ८गरे व्यक्ति स्रे एमएन् स्मा-नक च्यकताहातः वर्षेत्व च्यात्रेषु व्यवस्थातः। পরিশেরে আর শুক্রাচার সহা না বঞ্চরাক্তে त्याना**ोटबरा १७७० व्यस्य विश्वकरो व**व १ क्षि वनारीकन समीव अवाहे निक मान् বছকটে পুনর্বায় পোলাঞ্জ লয় করের। गरक्ष गरक लाक भूष्य स्थ स्ट्रेटन अर्ट निक्जान जारबक्दक मार्डेबिबिब्रेड निर्दानिक করিলেন। এই পরাক্ত-ও কারি বালা রণ অপনান লোলাভীয়নিগের মহনু এ-बिक इस्प्रिटिङ । ১৮৪৮ चटक वर्गन ज्ञान रेंडानि ७ वर्षा तिहरू विशव छेशन्ति वह, त्यामाटकक जी बार्ग वर्तेवांक मजानगा का । ফিল্ক তথ্যত নিকলান জীবিত ছিলেন্ পাত এব ব্যোচেদ পাক্ষাবেলুক্তা কৰিবলে লাহ जो हर्देख शास्त्र, मारे। 🤔

> বর্তমান রঞ্জট আলেকজাওর সিংহাসনে **डेम**िके रहेडा धरे एकडाना व्यक्तिक कि ফিং 'ঘাট্টনতা প্রখান করেন ব ডিনি অভিনয় ক্ষয় ও বর্ধার্থ প্রকারিতিদী बरहेत. किन्द्र। कीशह अधिकारण बाजी ভাষার আবিবন্ধকভাচরণ क्राएक हुई वर्णम् काम औ (मर्टन यहान्त शत्र माहे शीक्त व्हेरक्टर । **जन्**याक मामक **डे**निह ७ स्टेरलरे जनीत रमनाण एतः अधानपः भीतः लोकविष्यं के स्वयं क्रिकेट्स । त्रेस गक्षा वास्ति माहेरिद्रियात्र निर्माणिक स्के आरहत। देशायक श्लीशायक नावि हिना সম্ভাতি আৰু এক প্ৰধান্ত উন্নাসক অকণ हात चात्रक स्टेमाट्स । क्यामानका क कवि । हात्र, गरा कटबन क गरिविधियात निर्दिति करेक्टी धरमन गांग्सिक कारेन् क्षातिक क्या प्रेमारक। क्षणीत स्वतानकिता हेका वरु क्षान्यानेटन अस्तर कति। वृत्रभूर्व क पूरक्तिगरक पानिहा दैशनिक कतिहरू (सन । क्रदेशदब काशक्तिहरू क्रांकांत्र क मा The Court was a street of the sale

Crests Birth & Bra Court fabig at विद्योक्ति आवशी क्रियाम क्रिना । म् भ यकत् मण्डाई बागा गडिश्रांक स्कृति महिल्ला महिल्ला वा कि क्या अप नाहेलि इस्स विकासिक क्या. देश क महक्र क्या स्टेश्ट्य । क्लकः (भा नाक्षीर्म्युटन्द्र,देशग्रह्मका अविकास क प्रस्कृत क्षर महा सहस्त्राहर्षेक्षी आगर ष्टम्की क्षित्रदक्ष, ब्रिट्यादक् ब्रिड्सि निर्द দেৰু। জীয়ারা কে, স্বাস্থ্য সোধারী বা জ इ.इ. राष्ट्रा करवन, काहा क्रमीत भूतिन प তাক চেক। করিয়াও জানিজে পারে ন है। महासाम क्या-इहेबार है के त्याना ए बक्रीत त्नादक्रे वह जवाद अक्र महेना क ষ্ঠ ক্রিকেছেন ৷ সম্প্রাক্তি প্রয়াসীর স্বনি মুক্লে,তিন স্থানে বিজ্ঞান প্ৰস্কুকা উত্তীয় बान् रहेत्राटह । इत्तीत रानाञ्चा भवाकि रहेबाहरू धुनस्याप्र (यहन त्य विद्वाप्त विद् श्राक्षतिक हरेगा है है है, काश्राह विनक्त मानाव त्याप करेतवाक ।

ु शक्कांक्टइ अक्टल क्रिनिशंड विशक्ष रत्रकृत रहेशाद । ३४६६। ८८ पापर यूष्य सन्धीय बसाबात पूना हरेशाहः । न मुक्ति मानीसूठ सुनक नेश्रदक व्यंपीनक व मान कहाएक व्याकीन क्षेत्र विवक्त व्हेगार म । मुका मखामास देशम् ७ हेंग्रेनित मा त्र चाबीन भागम धाबालीहः चृत्राःनी बहेग ্ছন। এছভিন্ন ক্লীব্লার পর্ণমেত্রের পার वक् जग्रामकभक्त केश्विक हरेग्राट्स । स दलकक्षक श्राहम्बर, बादम क्ष कर हरी नजुःक राजिः निक्रशासक, मिकिना यहा क इस । विमि अक्टर्न मक्टर्स पारिया वर সংবাদ, পত্ৰ বাহিন্ন কয়িতেকেন। তিনি এই क्य भ्रमायामा लाक मन २८४, विस् 💤 ग्रांड बावजीत कुरुविका का कि के हात वार क् क्रियंत्र वारकाङ्ग बाह्य क्रांत्र कडिएटर। म । निर्मानिक भ विद्यालय । हेडाथ रिनि

200

क्षारं। चात्र कक्षि एषं स्ट्रेंट **ए**, देश्तव ७ लू:च शालाखाक बश कांत्र मिशी क्रिक स्टेट्ड मिरवन कि मा > न মুটি লেপোলি ব জমলঃ পৈতৃক শক্ত দিগকে পরাজিও করিতেছেন, বিশ্বতঃ हिन्दि साख्यामब्रहेटवर मात्र व्यक्तिकदर क ব্য়েছেন বাৰতীয় জাতিরই নিজং শাসন কর্ম বারা শাসিত হওয়া উচিত। একবা या व्यक्ति व्यक्तीयमान प्रदेशकाल (वालाख সাহায্যার্থী হইলে ভিনি তক্ষানে পরাত্র हहेरबन मा। करव अक कथा धड़े, कि न रेश्मक्रक भारतिकानि कार्तिश अकाकी नहा त्रका कतिरंक याहरवम, अवेश दार्थ इत मा । देश्मद्रश्चन्न अविषद्य भाषाया मान বিষুধ হওয়া বিধেয় নয়। উলিখি । ভগ্ন वक मानाहाद वहेटल विश्वाल हेश्मल যদি উদাসীন ধাকেন, পাপতান্ত হইবেন गरकर बार 200

थाकटमानीविष्यंत्र भवनकात्र इंदेवात केशांत्र कि >

আমি সমান করণা াতৃতি প্রতিপর ল বরার।
উল্লেখে প্রবিধ্যাত কৃষ সাংখ্য বলার।
ব বে দেখে লগা উর্পর না ক্য, তথায় প্রধানি প্রভার পরিমাণে ললে। তদ্দেশবাদির।
কৃষ্ণীবিদ্ধ মাংস ভক্ষণ করিয়া ক্ষম লগা
ভাষিতা বিরাদিশ আমিষ উভর শহরি
ভাষা হিল্ল আংশিক ক্ষেপ প্রতিপর পর

मा रह, उथ'ई बहुदर्गई वंद्रम बहु का-प्रक्रिय विक्रीय, छत्त्रश्चादव विक्रांत्र, के बांबि-भारत का क्वांच कड़ेवा अन्हाति व्यक्तियान काले. **धारमा माहे। अ वृक्ति क्यमः विश्वतः 'विकार्ड** भगवनीय वनिया वाकीवृत्रान स्हेएक्ट्स् मा त्य क्रीरम बच्चना बाम को करत खबाब माहिना विकान।विष त्यां कीव वहेवाँत्र लेकावना कि र **प्रदेश कोन करिया वश्यक्तरक विकासकित है**-विकि क्रिया भगरामित्र छेर्शावन क्रिएक स्ट्रे-ए मरमस्याहे, किन्न य**्पनि क्रि**हे विकार নালির উলভি না হটুবে জ্ঞালিল মাছৰ ভ-थोद्र कि फक्कन मितरम ? निवाधिय दशक्तिहा বলি বলেন বে বে ভালে পদ্যালি না এডেম তথার বাজ্যের কোন কারে বাস করা উচিত্ত नरह, छादा हरे-ल लाभनां ७ प्रस्त दानि छ-য়ার হরিণ হটি ও মন্তব্যের বাস্ত্তি হইন क्वि । नामना + ८७०१ । द्विष्कृतीय व्हिप्तय वर्षाच चारमान्त्रे क्रावश्च क्यार**्ट्य**ः स्व শের লোকে উহার যা°ন, জোব 🕫 ছুখ **যারা** मामा श्रकात ज्यानभानं ^वर्कार्वेड **नार्थम करत्र** । काशनाश्वरमन यनि मञ्चरनात्र वादनाश्वरनात्री না চইড, ভাহা *চ*ইলে বোধ **হয় সেই যজন** मह ऐतिथित स्वित्भद्ध स्ट्रेडि स्वित्यमं मा । প্রাচারিত বিষয়ে পারীয় বিদ্যা বিপারত জীমু-ক্ত জেব্স কোপলাভ সাহেব বে বৃক্তি শ্রম্থ-র্শন করিয়াছেন, ভাষারও কিয়দংশ প্রাথাণ স্থৰূপ এ স্থলৈ গৃহীত হইছেছে 🔞 🖫 ভিনি रक्ति व व प्राप्तव लाएक व्यक्ति । নিগ ছিবিধ পদার্থ ভগণ করিবাপুত্র থাকে তথায় উভয় পদার্থই আনুর পরিষাণে তার্ভি स्थ्या व व । धवर (१ एएम क्वित **आवि**ता হানে লোক স্বতা রক্ষা করে তথার আহা-রোপবোলি প্রান্তির সংখ্যা আবিক ত্রীয়া बादक , जान्न दग कादम बारम जादमका जाना-দি ভক্ষণে শরীর হস্তে থাকে, তথাত্ব শন্যাত্তিই অচুর পরিমাণে উৎপন্ন হয় এবং ক্রথায় জা-

Picture with the TEN WITH STEED A ACOT CHINES AND THE त्वक विक्रमा स्थानिक चाहार राज्य गुरु, द्रीनगढ, संस्थित भाग के माधित चार्क काश क्षिप्र जिल्ला स Mai ca cuid mile and Camp Lat a later a later a co त करा पना करण अहर । देकर तकर अन्यति विकेश शाह्यम् त्व वर्षम् वर्षाम् त अक्टू शिक्षारण विश्वासिक श्व वस्तानवा निविद्या स्थान वाविर कार्याः, विश्वितः 🗟 रेनमर्जिक महिन्द्रा विक्रिय वर्ष देशाव उपन शान प्रका अहे, अन् क्ष्ट्रेंद्या क्रांचि : व्ह जानिय **ज्ञान करत विद्या** के विव जाहारत अवनारम वृद्धि मडा क्म, हमाबि एक्न कर किन

(२) डेक मंदर्ब म रहेकी छ का क्रेन क्ष मि हेल्ला आक्रिक्क आहे हैं। हिका जंक कशिकां छ। शुक्क आणिक्रक

गाशास अक्यारन जिल्हे

অপ পরিবিত বাংস ভঙ্গু কুরিনের

बाजिरशत भन्नीत छूप 🗯 बेशिक एत, न

यात्रा कामा अरु कामात्र विश्वीतक स्तिम

চৰ্মিল লয়গুণায় ডাক্তম এক: লি, ই,াম

जाशनांत क्यानिक " (जनवानांत्र के अ

किटनत भी शं क मृहा बरको है। नि^हन्

मानदम कवात्र का निव चात्र-व्यव वार्य

অব্যতিত করেন, তথায়া বৃষ্ট্ৰ পা

(৩) এক দিন অন্তর চারি ইটার্ছ নিত নাংস কেওয়া হইছে।

⁽ ১) তাঁহার রচিত ডিক্ শনারি অহু প্রা-কু ট্রকাল নেডিনিন পুত্তকেন বিভীয় ভাগের ৩৪৫। ৩৪৭ পৃষ্ঠ দেখিবেন।

CHIEF FAM FAE के अञ्चलका अविश्वादिक वित्र अधेशांद्रश्य व्यक्ष्य क्रिंदिक ग्रीका क बेटी क्षत्रिवाद्यवार्थं भवन्त्रवर्धे छ-राटबर्व क्षिपिया अभाग क्टब अहोता अंग्रेडी मिकि यह । ाडे व्यक्ता, केळा का*क्*त बहुन शुक्क कुन बारम् নলৈক পরিষ্ঠাপ ভাষায় दि । तुनावन विकार वीती ুৱে অধিক্রিগের লরীর ्रा व विदेशम, करे कि च्यांस्थास १४३) साहित्रिश अवि ७ शह शूक का गंक ७ शृहिमांस्य शक्तिय प्र, क्षेट्र विडेप्न (७) **ন্দান শ্ৰে**ৰাস ক্ৰিয়া বোচন विमापन करता। अहे किन **।বটু**ুনুৰ্বালেকা অধিকতর ্ৰিয়াৰ উদ্ভিদ অংশকা कर बारहा निव धकिए চৰীকণ ভাষা অবগত হই 44 " 314 · 4

जिस् ५० त्या किय देवहरे **अव** कारमेंद्र शहर शहर अव

) निविद्धांत क्रक्रिक क्राभिनिशांत स्मित्रे। क्रिकिट भुक्तकत्र ५३७ ४७३१ शृहे न।

त्थारकगत अवंडेन कर्क् वित्रविख् रक-क्यन-माहेक भूखक रहाबिरवम । विव्यानम् खिक्मनाति काक खरमस्कि ≅ नारव श्रष्ठ रहाबिरवम ।

) তালিকা গারা ভিন্ন ভিন্ন ভীতিদ ও

वन स्वाहित क्षेत्र क्षेत्र कारणाहोत वह व्याहित कारणाहोत क्षेत्र क्षेत्र कारणाह कारणाह

মূতন পুরক।

আৰৱা কভজভা সংকারে স্বীকার করিল ভেছি, নিম্ন লিখিত পুত্রক গুলি আমাদিগের হত্যাত ইইয়াছে।

১ ভারতবর্ধীর সভার বার্ষিক কার্য্য বিবরণ।
দেশহিতেবী যারেরই এই সভার কার্য্যের
প্রতি ছাই আছে। এই সভার যারা এনে
শের বহুতার জ্যের লাখন ইইয়াছে, আরো
ফইবার সভাবনা আছে। এই নিষিতই
ভাষরা কোন বিষয়ে সভার উলানীলা অধন

ষাংশ মধ্যে কোন হবো কত পরিষাদে প্রাষ্ট-কর- শ্বার্থ আছে তাহা খুল্ডে: বুকিতে পারা-বার।

(৮) আর্থ হাউস বোর ভ হাও মুক ২৯০ পাজ-- ও ভাজার নন্ধান চীবর্শ নিখিত সাধারণ জনগণের গারীরিক প্রত্যা বিষয়ক প্রভাব দেখিবের।

(३) यस्तर विद्धां स्वाचित स्व विद्धां के स्व विद्धां स्व विद्धां

গজ বৎসর ভারতবর্ণীয় ও স্থানীয় স্বীত স্থাপক সভাসকলের এবং প্রথান্তম বিচারী -गरवंद कार्या आवस स्था गाँच क्षामक्षेत्र हैं -हाबानरवत कार्या अविश्वय अरहाकः প্রকাশ করিরাছেন দৈরেত্বাপক সভাস্থ ১৮৯৯-चटकर ३० चाहेन मश्रामाध्य विष्यः ३৮७२ छ। পের ৬ **অহিন) ও জনী**দারি ভাকের বিল্লু এই ছুটা বিধিবদ ঘট্যাছে। এগ্রোচ্চ আইন টী এড শীয় বিধিবদ্ধ করা হয় যে ভারত্তবর্ষীর সভা তৎপ্ৰতি আগবাদিগের সত প্ৰকাশ করি বার অবসর পান মাই। অভএব ভাঁহার। ব লেব " এ প্রকার মতগতি আইন ষ্টলৈ গা-ধারণের স্বার্থের স্থিলেন ছারি স্ফার্ম। ह विका गांकि भागकीर क विकेतिमिशान कि অংশাপিও ৰছফেশীয় ব্যবস্থাপৰ সভাৱ হয়ত রহিয়াছে। ভাবর্ডনর্থীয় সভা এ ছুলুমুর্থ लायकका कब्रिसाटहर । कर्म कि दिस्क श.-দীপ্রামের দালার বিল বৃহিত ব্রুয়ালে সক্ষ্ का का म अवस्य केत्रिया होता । या देखनार्वेद ग्राह प्यार्थको एक क्रांक क्रीको क्रांकिक क्रांक क्रांक क्रांक ত্তে ও ডমাকের কর রহিত এবং ইনকম টাকের শক্ষরা তুই টাকা ক্ষরিয়া বাওয়াড়ে সভা আকাঙ্গিত হইব্লাছেন ভারতবর্ষীর সভার চেষ্টাতেই তথাকের কর রবিত হইষ্টাছে। প तिर्भाव मधा हैनक्ष द्वीका स वावता-भक मणात कार्यात अखिवास क्रिशेरहम । বাৰস্থাপক সভা সৰ্বাদা সকল বিষ্ণ প্ৰচাশ করেন মা, তরিবক্ষম অভিশয় অনিম ঘটিবার সম্বাহনা। কলিকাড়ার ভেব ও নায়ারণ প র্মাধিবদের বিষয়ও উল্লিখিত ব্ট্রাছে। বা-হাতে সমুদায় ভারতবর্ষে চিব্লুছায়ী বন্দোক্ত **ब्रु, मणा तारे क्रडे:४ जाइड्न। तार्क्र क**्षिक 👁 व्यक्ति मारहर्द्यस भवन, बार्फ व्यवनित्र ७ मड हाब्रह्म हि विभिन्नारनंत्र काश्रमरनंत्र विषय রিপোটে নিখিত হইয়াছে।

२। (क्षांसमाधानामः। देश वालको नाहेक, कालीबाहेब ब्रीकुक नात् क्षेत्रक्षत्रव वाल्याणीः भाष्ट्र अक्षत्र कविद्योग्हनः। ** *

--

त्रामधकान ।

पें। क्षेत्रामिक्क साहक, क्षेत्रक चातु वनि मक्कान कार्योजः।

শারত ।

•के। साम्रेन क्र**ि**गंत ।

व्या व्यापि इक्षित्र, है श्रेति व हे नाव ।
क्रिंदन वांकांनारमण रव बर्दनकी श्रेपान नगर
कारह, किन्यां किन्न व्यापन व्यापन नगर
कारह, किन्यां किन्न व्यापन व्यापन कारण होना
क्रियां वांकान कर्ना 'वांग । क्रियां हे हे एउ
वांक्यां वें व व वांचां व्यापन मन्त्र केंद्री व हे एउ
वांक्यां व व व वांचां व्यापन मन्त्र केंद्री व हेका व व व्यापन वेंद्राहे नगरत क्षित्र हे हे एउ था
दिन व्यापन केंद्राहे नगरत क्षित्र हे हे एउ था
दिन व्यापन कांचांग वाहर्षि क्षेत्र वांचां क्षानि । वांचा हर्षक, वित्र क्षित्र क्षित्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र व्यापन व्यापन व्यापन व व्यापन व

আই ব্যাহের উন্তর সীমা ভাওরাল শংগণা। এ**ই জাওয়াল কেবল জনন**ময় ভূমি,। ছাকা **খ্টাডে প্রায় : •** ক্রোল উত্তরে কতওওলি ल्लाहरूई राम । এक सन समिनात कार्ट्स वटके किन्त बाह्यानि विश्वा महात करा काहास भर्षा क्षेत्रिङ ए बद्धा नरुष्ट 'दर्शनात নাহ ৷ উপরি উক্ত জলগড় কা হইতে বিদ নসিংছ পধ্য^ত বিস্তৃত। এখান হইতে বৈষন-मिंग्यत मीमा श्राप्त ७० क्लिम इंदियक। अपरंग कांध्र ७ कृषिम अधिक अवर छेशह कृष्णं इंटिक्पती साम्री अस्टब्रममी अक श्राटिमा আছে। চাকার পশ্চিম সীমা স্থলভানগম্ব स्वादशकः प्रकारमः वृद्धिकानः मही। अहे नही धरम**्मि** नहीं वहरेख विश्व क्रेश श्र्वाहिः पूर्ण भवमभूक्षिक भूषी क्रान्सिक के धरमधरीटल পতিত হওয়াতে বলেবরী এবং বুড়িগলা व्यक्तिक पृथित भीटनात आकात पार्श कति-इंट्रह । इंक्रिंब पूर्त नीमात क्रकि चान चाटह । बारमञ्जू भूकंबिटक यहिबाबात ए त्रशांत्रक ना-सन् पूरे चानि आम पारह जन द देशद देशद अक्षे क्षेत्रमा त्या मारका के त्यास्त्रम इक्रेक्ट मारम मास्त्रिक्षे समिति अस्तिमहित मारकरवत् वरप्र निन्धि उ स्ट्रेडारक् । दलानकि

ক্ষেত্র ক্ষিণাডার নারিকেল্ডারার গোল

क्रिकाफोई वाहिर्देश हैक्किके धन्म क्रिक ल रवमन महनायम् हैयानि के मर्टवा बर्टवा कः सीआय दमिएक शांध्या यात्रे, ग्रामश्चे वारिदेव मिन क्षिए शक्ति स्व मा, वर्धान कः বল বৈদ্যকি উদ্যান যাত্র আছে। স্বার্গাছা ६**२८७ भनात** शक्ति गारत<u>्वापञ्</u>य भागिका প্ৰভৃতি স্থান বেমন উৎকৃত্তী মাগন্ধ জুলা, ৰোধ হয়, ঢাক। হইডে বুকিগলার দ্রক্তির পারে তা-रात किष्ट्रमाज अपिरक शास्त्रभ राष्ट्र सा । अ पारन रक्षक इष्णिक राष्ट्रिक श्रीक खानि परमा ঘর সাত্র আছে। কলিকাডার নিকট বইডে ব দার দিকে গৃষ্টিপাত করিলে ক্ষাবিংগার্ক পরি পুরিত গলার শোভা সন্দর্শন করা বায়, যুঁড়ি-গলায় ভাষার কিছুই দেখিতে পার্বয়, খায় ना, करन कडक्छनि होर्मीतं नहिछ नचनिन रहेवा चाटक ।

চাকা পূর্ব পশ্চিমে দীর্গ প্রায় ছাই ক্রেন্তি এবং উদ্ধান দিছেও প্রশাস্ত প্রায় কর্ম ক্রেন্তি হইবেক। এই ব্যায় ক্রেন্ডিলাড়া ছাইডে উদ্ভান পূর্ব দক্ষে প্রায় ২০০ শক্ত ক্রেন্ড ভাষারে অবশ্বিদ্ধ।

এখানে বিজ্ঞানিকার কোলার প্রশান কথানে
নানদিনের নসন্দির ও নিসন্ধিনিকার বিজ্ঞান প্রেল
বর আছে। বিজ্ঞানিকার কোলার আবিক নির্দিত্ত বিজ্ঞানিকার বিজ্ঞানিকার

TITETHE AMERICA चेद**्रके** जिल्लाम मरायदिशाह 📑 পিন্ধ কাহার এ भागा नद्द्याद्व Service all the मदमानुः न्या स्थान्य है। অধ্বিতি করিকেইছাল ক্র 电台数 电动脉 海绵 編 त्र त्याप शा क्या की व्यानाच दिल् । व इतिवर वित उपावित के हैं। वार बाहे, दन बीचा बेहिन द्या वेदर राज महिल यदशा साम्या अविद्यालको है हान রাম্পণ প্রার নাই ৷ ক্রি त्वज्ञ **स्वर्वज्ञ (सङ्ग्र**) <u>वर्</u>ष पारंच, **पश्चिम नक्त्रज्ञे अध्य** मृद्ध अहरः द्रेषणान । उसाम् **८क्टन कोली कानकानक कृति** म्मापिका रेज प्याटन अस्टब्स् अस्टि पारते नेत्रमणी मारे श्रांक्षा है के श्हेनार्व जेगार्रेड नाष्ट्र, खेब रहेटल भारत खांचा कर्नन खेते. ज्यादन हासान भटन जीक नहि । श्वरिक्रक्षेत्र व्यवस्ता ह **इक्का कृतिया । मश्रह सम्पनी** ६९६० नेसकः जन्म है। ज राषः जान्ति " क्षांटन शक्ति एक्टिनरे ३ होका 🕾 णायत अवियोग माहे, शांकि वेत रकाल भगन कह **छाहारफ का**र् ঠ- হাভ ৰাও ভাষাতেও

2 विकि-गरका

२७ व मध्यम लाखाः जात्रवर्गीयः धर्मादम् के सा रेग्जरक्षतीय स्थापम् मुख्यः रमस्त्रीमात्र सर्ग देशस्त्रात्रस्त हेर्द ना। काम हेबक्य--उरहा

क्षत्रक्ष अक वस्त्रकात्र करत्रकः (क्षत्रवेशक्षित्र । अवस्य व वश्व द्रामधानीयः अवस्यानम् करा

त्या आनदाय मार्की बरमर्के .क वामि क्वा महारक शिलीरम-किमास महियारसम । क्षेत्राटक क्ष

ित्रकाष्ट्रं स्टामन, मच्छांका कर-निक्ष है अक क्षेत्र चार्मानी का-, क्ष बहेबारका

विश्वित अक सन लेखा अवत स्वार्थ स्वाल्य प्रवेदलाक सर्थ स्वाल्य विद्या व्येद्धाः वर्थ स्वाल्य विद्या स्वाद्धाः वर्ष स्वाद्धाः स्वाद्धाः वर्षा स्वाद्धाः स्वाद्धाः वर्ष स्वाद्धाः स्वाद्धाः स्वाद्धाः वर्ष स्वाद्धाः स्वाद्धाः स्वाद्धाः वर्ष स्वाद्धाः स्वाद्धाः

দ্যস্থানত সংবাদ ছাড়া বলে ভ্ৰব সাভিশয় প্ৰান্ত্ৰীৰ ঘটতে-তেৰ ঘটজেতে।

্প্রারক সভাত্তার্থক সভীপ भागमायव विद्यासामा प्रतिक संख कि चत्र (धन । अक श्वन विदेशका निकार व्यक्तिक हिए हीर अभी अह निवित्त थे, (अवित्र शार्टक) ल र्रवणा अक प्रति चाहा विविधा वर्ग महकादी क घरनव अहे काल विव । भारतम् अतिरसन् । किन्नस्त्रक দ্বিটেগর গ্রহ আঘাত প্রাপ্ত হট ्र रिर्ज श्रेंकिय रममाना करे मध्यक -তাত্তক কলিম চড়াইয়া ডালাকে र रक्षाक्राकी मुस्क्य बरु रकारन ए. । **(म स्मिक्शास्त्र (मर्के क्र्**तिक्रांदा) 'व श्रेटक्कारिक **कांका**ज क(त्रम । - 🗵 সংয়ক জন বিপাদীক্ষ জুমিতে া ওখঃ ইইওে পলায়ন করি ল লে-ार महात अक**लम जिलादी खाँगार**ण 'दे दिया कारक के बाखिएंक करें निर्के , अंशि कहारके एम बुक्तिक एवं ब-

े काणालात माझात स्मानक्रमात स्मय हरेता-द्या ने क्रम श्रीलम जिलावित पूरे माल स्मयंश इस माल लगास स्मान करेतारह।

माक्ष के विषय बर्णिय नव के विनियम रख-निसम भूनका, न भूकी संवर्गका गोणिक स्वानि कि हान। कथा स्वेदक संवर्गका या रखीय कार्किन भूनकीत द्वर्गनथा या स्टिक्ट । द्वांथ करे क्किन भूनकीत द्वर्गनथा यो स्टिक्ट । द्वांथ करे क्किन कार्यका द्वर्गनथा मोणि में इस्क भूजन योग शक्ष क स्विवास विवस्त मन्यक स्थान है।

अध्यात बाबोब काँची बहेशय आक्र व्हेश-क्त । क्षेत्रात कविके। क्ष्मिनी धक क्षम नामाना क-विश्वारतम् म इत राजिहात्रामार विश्व दशकारण দ্বাধী লৈওক মানহামি পথাক্ষিয়। স্থীয় আছোব जीकात्वा वर्षिकारम कीकांत्र स्थान वस करवन की ভার যুত্তভের এক কলাপাছের নীচে সমাহিত ১৯ बेर्के क्या नर्सकी रखान ब्रांबिटक वांगीव बाक्रिक क्रिमान । ता वा किर्के हेरक मध्यान (मश्राटक मुक रवध पार्टिय कहा दश । जिल्लाम एक तारी ७ छ। बाद कांडा ७ कार्न प्रदे करमह की मी ७ वक क महम माजवरमञ्जू बीशासम श्रीतर्भव व्याचन होना हम्म । माक्षारका अधानकम विष्यामध्य देशात अतिवर्त করিয়া রাণীও ভাঁচার জাডার কাঁশী সহচর ছুই ক্ষমের স্থীপান্তর ও জপর যান্তির মুক্তির আন্ত विद्याद्यम । এই আজা इওছাতে चारमध्य विद्यप्त। शब परेवारधन बद्धल विष्ठात विभारबहरे पर्छ

गडर्रावरात स्वत्य (नामपूत (यमप्रतिता क प्रथमात (स्वत्य पूजिप्रार्थ । श्री स्थाप्त त्र श्री एक, पूर्व प्राक्षाणात (उदेशक्षण क्लानि त्रविता-एक हान्त्रीत स्कृष्ट जानाहरवन । वेरलएक हेवर स्वित्रार्थ क्रिया प्रश्निक स्वत्रकार्य साम्

· २९ व क्षिण ग्रम्भरात्र ।

े छब्दिर जनाइन करिने कि कि विभिन्न बरमन कर कारकार शिविनियान करिन कि विभिन्न करिता क

मानदात कारा वजेश्वारक, जाकारक किया दन-दल ल्याद्यत वड़ काँच माहे, जवड़ अवर्ग्यद्वीत कियू माछ व्हेटड शास्त्र वटडे किया जाञ्चापत काँद्रता व्यव्यास के जाना हिटा वड़ जमान वहेटन वाटक किया जावचा मरत्वारिक इतेता केवा महिटाल गटक करणांश्वानी वस्त टाके क्रिके महिटाल गटक करणांश्वानी वस्त

নিম্ন নিবিত গ্ৰনিষ্টে ১৮৩০। ৬১। ৬২ অংক নিম্ন নিবিত গ্রিমাণে উল্লেখ্য

e Maic	K I		•					
हें माखान प्रवर्शनाओं इस्ति माखान प्रवर्शनाओं	वृत्कन द रिश्रदके	यशा लागोत अवश्चाद	हि बर्गास्ट्रिक	क्राहर	खेल्द्र श्रीकृष चर्ना घर छ ५३ अ		द्वारक्षांनाः विद्याके २५० ६७०५२	, ¥
33000	**	*	K. fly	187362	\$ C > 36	18 20	E4.03 .C	
4 4 4 4 5 1 5 1 5 1 5 1 5 1 5 1 5 1 5 1	ソスペン	گ	8 F & Y S &	0 t 8 t C	とというないに	66.A.A.	.	7
229 93	26 44 286	#8 * \$ C * 8 #	**************************************	P384	\ 8 \ \	82 LL4	****	
· ·							학	*

বোৰাই সটাতে ভিবিউ বলেন শীত্র পেন্নী জুলার অনিধানে কালাশির এনি প্রেটি চইতে যেল আনিবার ভার সমর্গিও হইবে, ই লও চইতে আহাল আলিলেই কানা আনিও চইবে।

सारक्षक्रिक्षिक्ष पर्यात ३५-७२ व्यक्त स्थान अपूर्व ५,०४३ व्यक्ति अपूर्व ५,०४३ व्यक्ति अपूर्व ५,०४३ व्यक्ति अपूर्व अपूर्व ५,०४३ व्यक्ति अपूर्व अपूर्व भाषा अपूर्व

िति चारत। घरणन, नत छात्रणन हिनिल यम ब्राज्यमरकांच कार्या वक्षः अप्रणः अक कम निविज्ञानरक सियुक्त कतियात क्राज्यम व्यक्ति। ब्राह्मन । अ.च विज्ञ मग्दमस्वाचे जेश्रम आधित अकार्य स्थानका । ावत काल्यन स्वाप्त स्विध्वयक हृद्यान ह्या । ते विक्रिये क्रिक्ष व्यक्तिया विक्र श्लीहिण्ड्य ह्रियंस्वयं द्यांस्वयं स्वाप्त स्वाप्ता ह्या विद्या ह्रियंस्वयं स्वाप्त स्वेद्यं स्वित्त । एक ह्या विद्या स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त । ह्या विद्या स्वाप्त स्वा

् विम्पादयानम वर्षाम् देशव कारणहे व क ल्यान निर्मित १६०० के कि. पुरम्मान कृति क लेका विकास कविद्याद्यत । व यशमा क्षित कृष्णा कारमा

पानामी ५७ वे मार्च कामन हा वित प्यत विक पाट न्या अभान्त्रीत पाक्तिकामान अस् एस्टाउ व्यासकार प्रदेश

२४- काल् अन पूपराव।

গঙ কলা এক্সচেন্ত গণত বিজ্ঞতিবিধা আ
গেকৰ বিক্ৰীত ছুইৱাছে।

গ্ৰে বা ১৮৬০ গ্ৰুত-১৩ ৯ ব্ৰছ ২৩০০

গোৰ ১৮৪০ ১৪৩৫ ১৩ ১/২ ব্ৰুড় ২৪৭

কিনিক্ৰ হলেন জে আন টি প্ৰান্তন সাহেইছ

निष् शिविक शूर्यमूम ख १० ८ डानि वरेस

र ८३।सम्बद्ध	
"11 bro 1 65	5 mg - 1 d -
विश्व	G:#1
** : F89 · " /	4482564.
1022 M12	47.28ep994
15/2 14 1 1 3 12 4 4 5 4	4450Pe
ng-Dool P	_ ~~15~ °
* なったいな。	。 (2) (2) (2) (3) (3) (4)
4 4 4 1 to 2 to 2 to 3	\$ % \$ \$ 9
だかる人	১ ৽ ৬৬৭২
179 ME 1 1 1 1	\$\$4 0# 434 0
े कारण्यत	844:458
A ST WAY CONTRACTOR	

^{ति,} 5रीव कडेश्व, मृश्व, अधिवर्श्व स्टेशां स्टीव

कितिम बर्मन यामा व्यवस्था । म हैटलन म रूप के हिंद्राण श्रमण ६ वर्गाय स्वद्याण या पैमान कार्यमा किवार्य । १व नित्रे द्यार्थ म स्मान कार्यमा किवार्य । १व नित्रे द्यार्थ म स्मान कार्यमा स्वयस्थान स्वयं स्थान स्वयं स्थान ।

जिल काइवा बरमन, कान पूर्व व्यवस्थान स्माणांव बालाव करवन कन कर्मकात करक दकात स्माणांव कावस सक्त कामांवरक दकात स्माण कव क्षा, मान्य भारत्व अरमव कामाइस के विके बहेवा विकास क्षात्रस्था स्माणां है। प्राप्त कर्म मार्ट्सिंग किस्सी किस्सी क्षात्र क्षात्र स्माण रहेवस्त इवेस्स वक्ष स्माणांच्या विकास स्माणां व स्थान कष्टिसार । व वक्षी क उन नवाम ।

भिन्नी त्यरकाडे बरनान, मामान्यान्य अञ्चल्हारसं उ छेरशां इ चन्ना यदिरहरहा मक्क छ कर व राक्ष्मश्रेम निवासमध्य 🐞 २ । शन्यसम्बद्धाः वज्र श्राक्रीयः অসণ করিয়া বেচ্না ও বালি দায়াবের উর্কা জুৰিতে পড়িয়া জনেক ক্ষাত্ত কৰিয়'ছে। স্প্ৰ ख उन्नद्भाव के निव्यक्ति होता कारतक का इवेष्ट्रार्थः से धेनास्त्रकात्री शरुप्रका अपूत्रः ह कु विद्वा<u>र्गमा प्रशास्त्रिक उत्तर असे क्यिक वि</u> मा (अपन 🍁 द्वाराज जनमा बहुल बाह्र क्या हिन त्म किवित हुत वदेश्य श्रिक्त त्मकाप प्र काष्ट्र हराचे प्रवेख । जनवंद जानक का ফ একত বৃদ্ধা সংসাধেকাৰ মন্ধ্ৰ ধৰাতে তাৰি। 2717 उदा इष्टेटक शहार कविशाह। ां । व्यवसारदह बरक्षण क्षक सम श्रीलम रही ी बार क्षेत्रे क्लाइमाहि १३ मिष्ड व्यक्तिवर है । क्षम देशीमटकत्र क्षत्रि सिर्धात्र वास्त्रशत कविष्ठाः। । कर सम रेन नरकत्र शाक्रक करूपि मरपूर राश्चित क्ति। ८६ कीम् रिवर्त ख्राह्म डाटक, (म. क्टड भवा व मलवादेश खाद्यामा खन् वाहर में खावांच श्रुतभन्न करते. लेक्ट्रांट क्यांक्षीश रहा रहे कार्य ध्य:८७ ८३ ८रा**उनकी फा**लिय: ८क्टिम, क (क्षु प्रकास अवश्य क्षत्रियां कारा का कर कार्रि

वाक्षण्य ह्यू वाल्य व्यक्षणितं विद्राप्त व्यक्षणितं विद्राप्त व्यक्षणितं व्यक्षणित् व्यक्षणित् व्यक्षणितं विष्वविष्यक्षणिते व्यक्षणिते व्यक्षणिते व्यक्षणिते व्यक्षणिते व्यक्षणिते विष्यक्षणिते विष्यक्षणिते विष

मारणात क्रियार क्रिकारण मरामे बेंग्के उस्की माराम क्रियार क्रिकारण क्रिकारण क्रिकारण क्रिकारण क्रिया है कि क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क्

বাখালি সম্পাৰক বলের ভারতি এই প্রায় ৩১,৬৬ ৯২০ টাকার ক্রমের উনিয়ারি নাছে।

किनि चान्या परमन सारक्ष्मित्रकृति। प्रश्न कान्य क्रियान क्रिटकरक्ष

कार्य अक्षा हरण हिन्द्र क्षेत्र क्षेत्र कार्य क

বাজপ্তনার এক বাছি জার্ছ প্রথি ন জান করিয়া এক কাসীর বিশ্বটে বা বিয়াছে। সে বাজি পুত হ্রীয়াছে। এমন সক্ষা জত্ত কাংগ্

व्यानना, नवृत्ता श्रम्ब वृत्ति वृत्त

गणनवमम श्रीकाष्ट्रे ख का.हाएक क्षेत्र कृष्णि स्थानिक करेताक किंग्सियान म जन क्षीरिक लाट्ट, जाना स्थलिक निक देशिक र

১৮৯২ আৰু ১ ৩১৩ বুলাই আইছি

शर्वाष्ट्र _{कु}लि (मञ्जूलग्र) (सर्क्स्व) । Proces @ 2014 E Bille Berte : Wet Alt-इ म्रेर्क ५५ है। स्वारक्षयत् ६ हा। अन ५७७, माज कामाज (भावेशका कि W47-1 ing and contract the state of অধি বংশ দিবস পামৰ নামৰ এক क्षणभवाद्याः क्षु वर्गासः विदयन स्थानमामः प नरम्भ क्षेत्र है। य श्रृष्ठ छात्र विरुपय का छिनाय है अंदिक्रम १ प . विक्रियान संदेश अपेट अपेक खुंखा र कि ? शुक्तिया अपि ध्वांत्रमाया वालका म छ। व, पृष्टिका च उ क्ये नहा कविरक्ष वह

व भिन्नी आक्षित्राह कर हिंछ काएनमें अछ পাগুলাসকাতের বে এভিবাদ করিভেছি, भवे ब्यामाध्याचि वेषेट्टटेस् । स्राप्तः धानाः भव कार अध्यक्षात्रक कहे ए। भारत कार्रकेश वित लिए क्षित्री व जिल्लाहरूम, यामा याना उपर र्गनकाञ्चात्र नवारकत धरे निर्के अञ्चाद स न महिमाद्रम । खाक नेमांक अ केंद्रि मिट्सव ार्क विदेश र बाहा बजुन मा (कन, जाक म-र्के क्र भी भेष, योजपाना फिरंड के न स्तर-म मध्यपंद्र श्रेष्ट्रियम मर्ग ।

'भागारुक्षप्र कृषि मनारक्षय अवस्य भूजकार राजिनिर्देशक मत्या जामका लाख रखनि-ठीषात्र करेग वि वि भारतन. ७ वि वि व्यक्त उ **घरगद्र मात्र द्रायिक श**ेषक है। **दे**र्हा स्य शुक्त छेरलाम्य कत्रिंगाहित्सम् । कि ir, कि कशिकांकार कुरि मगांव कृतिकांकी। উন্নভিদাশন করিতে পারিতেছেন না ঃুট সাধন করিতে হইলে সুবক্ষণের অগ্যো শিব ' ও উৎসাহ ধেওয়। জাবদান।। रहोरशरका काबूकविक मन्यार माळा र-धानीत क 'त्रिश (इंड्रांड कडेटक श्रांट्ड है। सरक्षा (त) भूजाका बन्धा ने वे दनने हैं। इडेटक व रिन्न प्रकेश आक्षित्रीत विश्वत्क 14 क्विए १६ १३२००**०भ**'त्रमा कानः क्ट-মূল যে ৷ অহল স্থিয়াত সম্পূতি ब्रुव दिवस्था । द्रार्थिताच्य श्रम क्याद्य श्रीहर-शंभिक्ष को बाज के रियोप करिया हिरमन। ्वित्रिहरून भागान भागमाव अधीनक अधिकं प्रश्नेश्व स्मना त्यावरण कामि माहे, • इष्ट दुक्कार मारक्व जिल्लाहरू कानियारस्य ঞ্ব ঞাতি তিনি সংগ্ৰ দইয়া আমীর 🎚

. भागांव हो। ८कः ल्यां वि क्षेत्रभविः प्रवास रम्डे को रिस्ताय कर ७७, ००, के एर दक्क एका क्रम शहर शहर विकार का ८० बार्ड त्राप्तिकात भणान्ति विकास विकास विकास अस्ति। का सार्व द्वारा का विकास का सामा का व्याप का विकास का सामा भरक्षत रक्षर क्षा व महिन्ना वाम। व्याहास वा 🛊 भन्। विद्वत्रात्मक का जि.क. जात का शास द्वाबिद्यम्

जिल्ला के बेक्स कर दांका अवाकिक कराई अक व्यक्ता कांब्रहाहित्यान । जिल्ला वर्णकावीय करे दिना स्ट्रेफिट्ट। धर्मम् व्यक्तिका । क्षित्रकेन केटब्रम क्षर ४,७४,०५, है।कांब्र क्षर दिन क्ष्री इ. इ.स. १ का नक्ष्म । अपने वा इत स्वयाम रक्ष्या । हर्षा । डेवा बरश्च वः । मा कवि वीक्रम म रश्य कविका शव रव विद्वा खाव দৰি করিবার প্রস্তাব করিয়াছেন জাত্ত, সকল

> মৃতিয় ওলাল প্রের বালাবা ভুলার উপর ब्राम्स्यामी कर उठारेश विश्वाद्यम ।

अभारती जाइडिशरवेंद्र कृषिनमारक ५५२ व व मका च्या इया दियानियम् मध्या ५०६ व्यव भक्तः बर्ग मध्य म्र अरबल कहिन्नाह्यम । मन्द्रा केन्द्र सम्बोध कुषक्षित्रकः भाष्ट्रवाच ५,५२० होकः। शूवकान ७ 30,0ge छोक्र'ह शेख विखरन क त्रप्ता हन। गर्जा क्ट्रेट्ड १-३२७ द्वीका स्मध्या प्रदेश हो। अवा अक्षाकात कुरफिश्राक देश्याणीत कृषि अवाकी , त्राकित स्वार्षित त वा व रहे । मनः वरेत 「阿爾·雷·山東 (15型) 李雲井(

करकृष प्रभाव विकास का करा अक्टरहरू मिक्छ এছ ক্লব্ৰ লগালী ইউবেংগীয় গেলিকের মৃত एक प्रकेरप्र, आ**र्जन वाली** नांद्य अल याणि ख!कात मण्यांखद ला:८क कामारक खोकवि महिन मा (जारन वध करता। जे खरावात के ल' करे-あに近!

अम रेडब **अ**क्यास ।

विक्षित प्राचन, प्रव एकगाँव अक कर कुँड। खश्का (कोव:सन्द कास्नार्थक उँभाव काफाइकः অপ্রীচ্চ পান করিছাছিল বলিয়া মাজিন্টেই তা-शंत ১० क्वामा मध कविशास्त्रमः । अनुसर्भवे नि त्र्वादपत्र मीखि निकास **खे**लाइ।

केळ शक के एक। बरमान गाविकशक्ति। चन्प-(मर्के माहावा आखि महस्मव अधाम निकास नि-चित्रारक्त हे फ्रास्त्य केनचित्र विभिन्न कार्गी नामध्यि महिन्द ३८ छोष्य श्रष्टान कविटक्टब्स

केल भटक फरदबा एक व्येष्ट विश्वमाय व्य स्थान के वार्षिक रक्षेत्रे करका अवस्थि अधिक নিভিত করিয়া টাকা বলিয়া এক টাকার বিঠাই क्रम कविशाकिल, विशेषि क्यांना क्षारिक परिश क्षे हैकि। मध्यक्त माह्याचाड विकाल छेगाविक । कटेल । क्या - (हान सर्दर्शकान क्या क्रेकेट के त्या है। का कहा। यूर्व दक्षिया किम, नाजिल्हे हैं। ভাষা শুনিয়া পরীকার্থ ঐ চোরতে মেডিকাল कारमाक (अत्रव क्त्रिकार्ड्स ।

लेख राज कांग्रहा बरणन देशकारबंद अक काञ्चि नाज्यिक कडियोड देशेशन कडक्कान कांत्र कारतार महिल मध्य पहिला हिर्दान । देमना मध्यम कहिलारक कोमी कनिता प्रतिप्रति

पार्म के 'भवर कर त्य वाकि वेश्व में कहा कि क्रिक बंबेटन ए। हान्य विद्यादिक राष्ट्रांक 1 43!

কিনিকা শংলদ পঞ্চাত্তম মেরল ভাবেক্ত शाह भव र शक्ष ३ ७ अहा १६ । खबका १३ (१४६) व्यक्तियाँ । मान करियां अपूर्वां क्रियांहर

किनिका हुव का बाद अहाता का खंडा च 'ब' में है ल एकमाबादित के असे विशेष त्रवार्थ अकति मानः कविष्टा मकलाभ व्यक्तिक विशास्त्राम् अभित्य काष्ट्र २०० जान के 有 (電)

२**त** रेऽङ **म** निर्दाह .

ক্ষিত্রক পালন বিখ্যাত ক্ষাত্রক পালা भवित्रम व हिनाब मभट । भागताबी १८१ एका दमक व्यवसार है शाका के व्याप (पाक्र का त्थिन क्षिण मारक र उद्देश्य कार्य कार्य करिया 447

िका का नव वास्त्र अपन वास्ति अथा श्री क्रां कड़क्छ नि अवरः नि अभिकाद १५ तेम् निवास कविश्वर्गकृतः । व्यासाक छ । इत् वृद्ध अक्षात्र करतः भरत भारते के ग्राह आहित हा द्व श्रीकृतिया। सायुराध स कि के अद्भावि জননা ক পয়া ^{শি}শ্ময় ও মু খেব (ব্যয়ণ র)

किनि आहत। यहमान, पर वा का नाम सह मिबारके छ द्वाजिल बार्स अन्यान्त्र प्रतास्थान किया अने प्रतास करें , रवा क्या लार्ड अस भम ७ ८ मण्ड अल भिन द्रशांव देशांव षर्वेषी जार किए न गाउँ कम करिएन।

मयन्त्र केंद्रे बरानम म - ज कृष्टेन क स्वाहान जानिएक एम जन्म व्यक्तिक कालिया विविधि CHCTO TO TELENT

व्यास्त्रमात्र भागः

सन्भिक्ति अधियुक्त तथ हारतल विष्या **८म्डे** चाइडक्के इ काक्ताति यक्रम्भूत्रम् ।

भागतीय वर्षाण्य । धा.श्रेगाव अत्र अवित्री লাসন কাৰ্বা স্থান ক্ৰিয়া জাপনাৰ প্ৰতি ^{সাং}' ब्रिट्स इर कांक क कुछ आहार विस्य हरेगा है। भाषा भाषा विकास विकास का अन्य । भाषा नका अविक प्रदेश करे पाक्रियमान गाउँ देशा हर अभाग क्षित्रंत काष्ट्रम कि शार्थन न सरहि

दिश्मारंश्वमानी क्यासङ्घल (क्याप्टन ४० हर हर **ी जास, उ हैका अश्राम करत** कार्य उद्य সারী **ংট্য়া এনেশের পানন** নান নির্ভিত बादक काव उपर्वेष्ट्रविद्यम् भाग्य कृत्यना प्रसिध **प्रकृत्र विश्वाम कश्चित्राह**

ক্ষানীয় প্ৰবিশ্বনী সকল যে 🕫 সমূচে ^{ইচ্} मांद्रश्यक्रीय आवक्रवर्षित शवकी अवह स्वा अक्लांड मन्त्रक क्रा काहेम ७ काइमा अविभिन्न क विद्याहिन, जबनि चार्काः प्राक्री भूकि क्षांबाबरका काला व करूप हर की। हिन । भागम मर कांचे भूकी कि निर्मा अन वाति । न्य, ७ मीमाजरवह **एवक्ति**माधन, व विकास धनगर अर. शक्ति अविविद्या के देशाच कार्त, अपर विकारमू व्याच्या विका दे भगन गा भवन्त तथ-त्रोत्र देशापि कामा संक्षा त्याम त्य देशमत्त्वत्र প্রতি এবেশীর ছিমের ভালের উদয় ও ভয়াল अवाहितरक्षांत्रम के उन्नेकि वस्त्र वनेशास वन्न ल नव प्रान्ति य नकाउम धनानी करनाव क-विद्या अप्यानिक भागम विद्यात वृष्ट्र आकाम करतम प्राप्ति सम्बद्धा विमानन अधिकन्य क्षेत्राहरू।

এক্সনে এডাফেশীয় ও ইউলোগীয় অবৈভানি-व रारक्षांभक शन वानकांभक गणांत्र आञ्चल कांत्र ! হাছেন, জানীয় ব্যবস্থাপক সভা হইছাছে, অধান ex रिश्वां लग्ने ७ जांस व मार्गा अक मन अज ন্দ্রিণর বিচারপতি হইয়াছেন, সাধাবণ সাক্ষ ে প্রতিবে'নিভা ছাব। কর্ম পাইবার শব্দে যে

राज्य शक्तिक हिल, उपनि व्यानक व्हेबारह । शहारक अञ्चलीरवंता क्रमणः चंत्रर । নাগম কাৰো সমৰ্থ হ ইতে পাংরেন, ভাষাৰ উপায় श्रामध्य कर्ता प्रकृतिहा । अ महामान वार्गानीय है॰ मध्य द्वीरक मध्य ग्राम भारति कता, उ विविख খালা থাপুনার নিকটে ছিব বারিত চ ইয়াছি।

महान्य । ज्यानिशिक्षाति निष्ठत्व म कांत्र के प्र इन्ह रा क्रीव तबर्धन संभागन कना देशका छ अक वर क्य श्राम अ छिलि पि कार्याक धरर कार्यन। र ता श्रुक्त क्रिक्स के विषय के अपने कि के विषय के न्द्राम्न वाका कारहर अहे क्षेत्रात अस मरकात भिष्ठांचु श्राद्धांक्षम । यामाप्राप्त कृष्टे क्षम देश कुक कावजरकीत दमरकिशिविव सरकाशकात्र व महकाती श्रीतम स्थानित स्थानित हिस्सी । कारिनी लागन अलीकी सिविधाई आमानिर्धात बरे मध्यांत्र काश्वितारक हेशाबाना आवता ला-ছ**উ**বেলী ও জ্বাপ্নাকে সক্ষ করিতেই আল-ন'ন.গর **কাব্য ছারা স্পন্ধি** ঐ চীয়বান চইতেছে (र प्रामीय भर्नारमण्डे छ मञ्जूमक्षा अ छेक्ट्यून मर्धाः भार बक्ष कर्य हार्यो श्रीका आरमाक करे कर्य **চবি অবশ্যই মহাসভাব নিকটে সাক্ষ**ং সম্বন্ধে शाही इंदेरवन्त ।

जिन्द वर्षीत्रिक्टियन अफि बावब्राटब्रेस विवटत रें में छ व का जिल्हा का थीन छ दला ना नाद बृधे-ेरेशपिक बाब कार्याप्रदेशक बदन दय जनस व धोन ो ब्यूज क्रिय करेशांटक काम। आस्त्रज्ञा रिलाखन महोगछ। ७ मर्त्सम ४। द्रानत ८५को छ रेड बार. श्र.क बर्देशकि। बाक्स ब्रेक्टरर , योगांत करिएड्राइ कियमश्रम खामा शास्त्र नामन ग्रेड्डरवर्ष प्रका कईता जारर कार्नीय ग्रेड्डिसके भिन्त कृतः कृतः विवर्धः मन्त्रुर्व चार्योगना ^{(১৯ল গ}ামশ্মিদ্ধি কিন্তু মূল মিয়ৰ ও নাধার-े भविनदर्शन विवास भावपूर्वक भागन विवास भाग ^{व.8}. यहन्ति **आ्वमाक ८४५८० आ**धाना व्यक्ति करण बन्तिएक हिंद आधार। देशकरक विकास का छन केंद्र । क्रशांत्र व्यक्ति हालनी किन शांक्री रिष्ट केशाला करिनोह स्माक्त ह अग्रदराध किंठ देश बानजीय (स्वय चित्र व शक्ता) इ विश कि छ विरयहका कविरेक मारबन ।

बद्राचा भवन्द्रिको 😸 💆 र माधीप्र भवन्द्रिको 🗗 विश्वत र भाष्ट्रका दशकासम् सम् कर्जु इवाहीय थान भावका कारह क्यांविष, श्रमानक का उत्हाव मध

महलाक विविद्यार्थ्य कि मक्तके देवात निवक র সাক্ষা বিভেক্ষে । আগনি এথলোক্ত বিষয়ে क्कृतिकटङ्ग त्य पृष्टं मठ अनाम कविद्राटक्षम, क्रम्यू বা জারজবর্তীরভিল্যার এক দণিত অনিউকর অভাং हांक हुंग, धनर मधाका विक्रंत चाहित्वत वाधन श्रदेश त्थानी विरमात्वत भाग श्रदेशात का श्रदेर ह युक्त इहेब्राट्स ।

क्षेत्रक मर्कात व्यवस्थि कामता काश्रक महकारत अवगरिक्टिक आणा छत्रार्वना कति ट्रिंश । जांब्रेखवर्षे मानदान वर्जन:म खनाली स्थन भविविश्विक मः वस अवर कक्रमाचन्न शायरमधात র অন্ত্রহে ভারতবর্ষীয়ের। আপনার শাসমাধী दम बाकियां चाणिन देशमरक्यतीत्क मदश्यामर्भ রিয়া তাঁটাদিংগর বে উপকার করিতেছেন তাহা ভাষারা দীর্ঘনাল ভোগ কবিতে পারিবেন।

গ্ৰণ্মেন্ট বিজ্ঞাপন।

रांचनारम्भोत्र स्मध्डेमकेनावर्गसङ्ख्या YAC

भारमणाञ्चनाती विद्याशः।

ट्या, बाइंड अनकेंन मारहर एशजीय २४ ८७ भीर महकाती भूलिम सुर्गिदिक्तिरक्की इंडेरबन । फर्वकिन्डे क्याल मारबर द्वरादहर ५ म दल्ली-

चात्र, अष्टेष्ठ, जि देवियं मार्ट्य स्मितियू तात र य त्यापीर महकाती भूमिम खुगातिरकेरक

निम्नलिकि गास्तिता निम्नलिक चारमव ও য় শ্রেণীর সহস্থারী পুলিস স্থপারিন্টেবেন্ট ফ-

हेर्दम ।		•
বি, ক্লেনিস	G	মে দিলীপুর
জে, এম মাক্ত্ইন		চাম্পার ন
ति, कि कारमन		হিচ ড
व्यात्र, अंडेड द्वलि		शृ र्विद्या
এল, টি বিশপ		পার্টনা
এইচ. উলবিসা		क् ग मि
কে চ্যাগনান		ব্যৱস্থ
ca, खि, अस प्रेम		द क्श् द
1 7 7 7 7		

२व। मार्क - एम गाँ हैन वि य शिराय जिन जिविस देखिनिहरिश कारनेटल श छ जिनि स शक्त न व्यथानिक व्हेर्दिन।

CF. ७२ लिये तम किल्लान वि. a ध्यान-एक कारमहमा अन्तिमित स्थापक इहै

বঞ্চারের পতিনিধি প্রধান পরর আমিন को । बामठोवन होत हरे फिरमक्व क्वेटल एथी कार प्रभीन प्रशास्त्रका दहिक्केटनन शक्ति व क्रकार्य ।

वांक्रमाहित महत्र चामिक वांद्र (भानाहा ह-ख लाव २०७ डिरावय प्यवस्थित इरोकांत्र बनील मञ्जादराब्यक दर्शक्षिक एकेम्राट्यन ।

ৰালেশবের সদৃর আবিম বাবু ফালীপ্রসাদ रेण किर ते अद्यासन करते हो। जाशिन कर्षेत्रहें, मस द है किरमसन कहेटल ल्याकांत्र संगीत नरहा विश्व के के में विकास छ विश्ववासी वत्नाविक | द्वरकार द्वरकारेत स्वेसारस्य ।

थ्या गार्क-शास्त्रम् स्वर्के व क्ष्मिक कारमाजेन क्षेत्रक देव में क्षित स्मित कथा भारत्य विकि एक्सि एक्सि बिटिएरेडेर मन्य न नहेंच्या साहित्सी है

8र्टी में कि— श्रीवासपुरकेष रेक्स्प्रेसिं ও কেন্ট্রী হলেটর জে, ভিক্রুত স্থি त गाँकरणे होत मन्त्री न क्रमाह । गाँचम

e के मार्क-मि संबुवाब आए e क्रम त > जादेन क्षत्राहार केलिक जा बहुर है ध मानि त एकेटतमा आध्य केवार करा त्र। क्रम्भारम् अविद्यान् विकासन्त्र

विचीय व्यानीतं कर अधिके कि देव सःवरतं वि कर्माके वेटने के लि कि देश मारहर ३ मरेखनीचे विदेशक क

भूकी विकार मेंते विकास के क्षिति के प्रति ३ म ध्यानीरफ टारमानुम स्विद्यम् न

कांकावि यात्र विकाशनत कुलीके व थानिका के दबरवनिके महरवक्त विकासि ८६व २ व ८७वीट उ विकित्र स्टिबर्ट है

Piers Testens The State of the दहरगणि मनद्रश्मम दक्ष, है, मन्न महिन **ब्याबीह अरमानम शुक्तियम, ३**.६

श्चर्या विकार गाउँ किन रहे चेत्र आधिकेरि निके महार बुग्रह अक, अब, विकासि अहिक (अभी: के देशिक स्टेंटिक हैं।

शन्तिम विचारमञ्जू कर्व व्यक्ति महत्यकत अवेट, जांच वि क्रेक्स विकास **ध्यानीरक शहनामन भौकृत्यः**। 🖓

জাৰাকান বিভাবেত সৰ্ জাঞ্জিনী निक्षे नहरवश्च कि. कि. वेष्णम निर्देश कृति भीएक छेचि व इहेरनवा।

236

পরশ্রে

অবিচার দ্বৰ্শ-দর त्राणात्रमात् शः , লিখিড চইয়ায়ে।

ভূমিক **পার এক**। नाके, रहां भूग भारताह · 中国中国中国 नवाद का व देशां न श्रेस स्वाहित

faul ffigg Bedick ala giant B गहरेश्व विश्व हिंदि श्रम कामहा

111

क्षणक प्रेगात शुर्धः वात्र, शक्षण लक श বিত হুইপ্লাছে।

ত ৷

জীয়ন্ত গোষ ान गम्मा हा महोग शादश्य ।

मर्गम्य ! ग চন্দন নগর প্রাব

'PISTER "41" 1078 ভূতীয় ৰাখিংনবিৰ

क्र करेक् मन्द्रक श्रेषेश विवास । विशिष्टिक श्रीय उपाप २०। पण क्षि विश्वविद्य प्रकेश किरमन। १ विष नांस रेन्द्र भग्नम् २ मि ख्रभ्य उप র্টরকল্পে পরিস্তান্ত করিলে,শ্রেছ না-শহু নাথ শৰ্মা উপাচাৰ্য্য মচাপ এ ५ हर द्वादा नकर लद्भ यम खाल क विष अञ्चलियम्बद्ध देशांत्रमा स्ट्रेश यात त्री, क्रेंश । छदशहत श्रीवृक्त व्यापा-क्रांणि महानम्, जासाधरकान् । स्य वस्त्रका करियात गराक कर हो छ। किरवह बार्या के हैं पूज मनाद निव " Buthag Diene Gu'a Danti 1 क्षेत्र अवस्थि शोषः। अमास स्थादक छ हो नात बुद्देश्च अवा अजी अव ७ जो । र क्रम कुलाल रहेश शास्त्र कर स स कि क्षेत्राहिका जेशनाक वक्कार म न बता क्या कहा कहित देशह वर्ध न 🖁 ,हाकी राष्ट्रिंग ,िसामप्र कार्ट्स, छ 🦰 भिक् क्षा के विश्वासिकात मध्य २ छ। क्षित्रका न्यान स्ट्रेश बादम । अहे रे -क्ष निर्देश अवश् अंश्वरादय विश्व सम्म केला महाकी उन्देश दिल, कानांत्र व विश्वन विवादस्य साञ्चलगार्थ वा'श्रनव । बहुत महा १६७, अञ्चा पूर्व छ दिशोह अस्टाहिनी मधाव मणावय महा प्रकेशिक्षेत्र। सि म हन्दननश्रद्धत है। i ्र अञ्चलका वाशित प्रदेशमा

MARINO BIT

হাকাপসকল্পে:

प्रश्चित्रकारण जाहा

স্ট কাইট সাংগ্ৰেৰ,

ो **ए. यश्चित्र जीवद**

এখান সদর আসী

बर्द्धाहे नारक

नवं िस कंत्यबरे प

र्मि कि अनात स

"पश्च । छोष्टा संखिटर

অভিনয়ণ, তথা

शेरबुद्ध स्वत्र्वि

स्वामि २३ के खादक के भागरण्ड कक र कार्य गाउँ। य का का बार्य काण प्रकान के स्वाम द्वाल, दव के स्वाम कि सादक ट्वाक कि सादक

নির্মান ক্রাণানী
ক্রিকান ছইয়া।
ক্রিকান ছইয়া।
ক্রিকান ছইয়া।
ক্রেকান ছিলে সংক্রিকা প্রগান
ক্রেকান ক্রেকান ক্রেকান ক্রেকান
ক্রেকান ক্রেকান হারেকান

वीरांत्र व व्यवस्था देशका हिल मा, विद्य का भी-चंदबच्याच महिर्देश दर्शायांका जात द्वापि कामार्थ 🕬-त्र क्षत्र क्रेबाबाइ क्षेत्र (मरब्छाक्षत्र कार्य श. विवास मन् स्मार्ड वा क्रिय व्यवस्थ मार्ट्स स्थान हो-वित प्रदेश, क्लाकाब आव्यापाती गाम कि इक करबन्द्र, रहर लहर अनेट्यन श्रेमवर्ष्य वनिता स्वेत्रः का मार्क जैस त्यद्वक्ष पृथ्य थर्का वर अवादमक र रष् क्ष ६ देवोरहम मन्नाप्तक महागत्र। अपुरान कि, बहै विध्वहमा एवं मा, त्य, जारेड मार्टिय केल दगद खामान किन कर्ष कतिरक भारतम मा, जानना ८ १८३ ख'मान बाहरे मादबर वाखिटाटक खना शकि अ-त मिक्डे कर्ना कहिएक मध्या मध्या, योहा इंडेक क्षे क्षेत्रमा क्षा माना नाहि नात्वरम क मि अथ। किसाना कृति, द्व, द्वेशिविष् मृक्ष्यकृत हो आध्य निव्हां क्रिक्टिक श्री का जान स्क्री के जारे है। महेत्रां विश्व कानोखात निकृत्व कविष्य ६व ९ १। भूनः निरंबध कविद्यारञ्जन कि ने दिन निरंबध का का क्य कि श्राहा करत्व ना ? 'खबरा भवर्गमणे !क সে আজ: হটতে তাঁহাকে মুজ রাবিয়াছেন 🤼

প্ৰদৰ্শনত সাহেৰ একানে **আ**সিয়া কয়েক দি न रव कथकी। स्थानकमात्र विकास कतिहासितन क्षाहार्र्यकास निमानीय नत्य बदर काम कान त्यांकक्ष्माय विस्तकान शास्त्रिका श्राकाण कविशाहि राजन। एक्स्मिन **आयम गांत श्रंड नाहे ना**ख र थां अधिक महार समाने बाद के निवार महाराज्य दरद अ कारन हिरकाकिएयत आर्थना करियानि म म किन्न अपन (म कर्षा भटन इन्द्रन इटन प्रेंके । हेनि कर हामार्का हर देश महाना अहै हा র্থনীয় হট্যাছে: সম্পাছক মচাল্ড! ভ্রুংও : কৰা ধলিতে গেলে অগ্নি অ'নিয়া উঠে, ডবে ।। विभाग नव अहे समा किस्पर दलि। अहे शावन क्ष अभीरम भूमाधिक कृतित मारवानत महित উজ্জ আছেলের ক্ষুত্র ক্ষুত্র তালুকদার এবং 1 काश्वत्वत्र कर्मक वेश्यु धविष त्यात्र छत्र विव হইতেছে, উদ্ধানীসকর সাহের ক্ষিড ডার্ क्यांत्र अन्य श्रमाशनत्त्र छेरशत्र विवाद स्रमाः चार्रेरमद अधिकाति चार्यामध्य यह शास्त्रा ८०म (क्षांकक्षमा क वृत्रा श्रदाख वृत्रेत्रः कथक विन विकास मीन वानपुर्व हिलान । विक अवीदन ছেটি আদ'লত শ্বপিত হওয়াতে উক্ত নীলক্য मोरहरान राक हरेल अवाधिरनव मोरम अव कारत 8.0। ৫०० मा दशक्तमा देशहित हरे-यात्र धानश्रीत सम्बन्धाद्य धार्यम सार्थ्य निन श्चिक्तरण विष्ठ:व कविद्या-नारबरवत्र शांत >ee (यहिन्यम्। ডिन्मिन क ब्रम्न। श्रेक्शनरूप क्रिके (मन। बड़े मधान कामध्यकि मध्य कर्री क वाहिन यात ख्या इंडेट्ड अक सन महत्र भारतात्र अवः क्ष क्षम धाराम कर्षाधाक मारहर कामिश्च दि यक्ष भिन्ना दशक दग दबदे कार्याच करा भारत्य क क्षानरवद्ग जेभव चेल् भक्क क्षेट्रमम अवर (महे चर थि बात डाइं।त इथ इंदेटड डिकी छिड़ दिगवि त्मत्र सूचा शांत्र वास्त्रि वधु मा, नगर व्य मकन त्याकेक्ष्म शृद्ध किन्यिन कतिकाहिलक श्रेनदी। द्र भूजीविष्ठारवर एक्ष्मीख महेशा राष्ट्र मकल स्म कथमात्र अवेष्मन विकी विटल्डाहन । मृत्यायम म श्रीचार विश्वत कार्याच कार्यामध्य केरेया अन

ये मकल द्यां नक्षमा शृंदर्स जामां म हार्थ विम करिवाहितान, जावाम कि जादिनाहर विमान विमान कर्माहे । यदि रहान अहे नक्न त्य मान विमान क्षांत्रमास्त्रमादन क्षेत्राहर, जात कर्मात क्षम क्षांत्रमास्त्रमात्र क्षमाची। इ.स. जात वरमन वास्त्रिकाहे विमादन क्षमा विमान क्षित्र क्षमान कारम क्षांत्रमात्र वस्त्रमा अहे या जिल्ला कि वि कारम क्षांत्रमात्र वस्त्रमा अहे या जिल्ला कि वि कारम क्षांत्रमा क्षमान मार्थन क्षांत्रमा अवस्था क्षमान मार्थन क्षांत्रमा क्षमान क्षांत्रमा क्षमान क्षमान

विद्यारक्ष >

महाभग । वेदारफ्डे ८भग हरेल मा आहरा ष्योग्ड् एक्ट्रम, मीलबरमञ्जा आसामितात ह এই বছাৰে সাড়া ফিলাইয়া (কে শেসুত ক' (इ ज'नि म!) अदेशांक (व * a's bin' का लहेशं क्षेष्ठ बर्भक स्वयंद्र कड विच' क नांकै। विश्विमा क्रिकाम , वेजान मध्य ग्रह्म , कार्रात ना करि छटि श्रीकांगारनात गुहा ? বিষা ভাষিতে ১০ টাকা (কেনি ২ স্থানে চার রেকও আছে) করিয়া কাত পর্বল দিব नी नकत मारहर । अहे कुश ना सामक छ। मः विकास बन्ना स्थाकसभा ए शक्तिक क है। रमन , किन्न बच्चारन श्रमान (भराउ अ रि.च) ना। जीशेटक दाहिए माटक्र मांद्रवामा प्र (ठ धकर प्रथ्रेष महेब्! ८७४४) प्रश्न र र र क्रिकी पिटलट्डन, बाक्करिक दावीब नाशित द्विष्ठ भौकायाः भग दुशा भ ७३ द आर्थन (६) अञ्चल नामीत सिकार के का विकास निवास । लक्षारे प्याद्रजीत विश्वतील म तत्वत है।वा ह CF 3व अभिन्ता (कोख्यक्त कार्याव नाष्ट्र, रा क शाद्रेकशंवने अविध्ये विस्वहमा कश्रितम ।

श्रीवरमध्य अकति सामान मा सिर्धाः। हा নীকে কোন আকারেই প্রিড্রাগ করি.ড পা **उद्या मा नोमक्त्रा (य अकार मः म न' र** ক্ৰিয়াছেন, সেই প্ৰস্তা স্টি:লিখিড চইং ৮ . १० वदमञ्ज श्रेटक मिन्नग्राह्म, (व्याप्त -कम्पा बद्रशंख इवेश्रास्) क्षर्यः, करु 🗥 नीमकत्र' । शहक ८मच्चे ८च १कक्षमः 🛡 🍪 🚶 🤇 योत काम्योजि निवारहरू । मन्योजिक " न्य मुलीक । अधिक सहिवाद 🌭 । ১० वरमव 🤨 त्य कालिन्त्र मुख्य वृक्षेत्राटश्च एक्कार अन्त त्याम प्रजीम स्वाचिम इक्ट्रेश कामान मान लील बल. बांध कि मा ? जबर 15 कण में शील चाम्।मद्रक माबिस कविश्न ३,६°ए४ त्रांश बच्च कि मां अधार दकान वाकामि वि स्रभ मान मनील आमानाड माथिल कि ভাবে ডিনি জীখর দশনি না করি নি भारेटक कि मा? साममिरे क्यून। की श्रीत ब्रायदिक एवं भीतिकत नोटक्व, माः कांत कांगांत काश्वाध कि २ वरांदा ^{वि}र्दार द ना श्रेशांट्स अथम प्रकार नाहे. fof निर्माय बहेरलन, ७४न এक छा। काम एमीम क्विता चार कर रह य हेरप २ फलका ८प आकात सामात छण्।यर शारह, क्रोहांत्य कांच त्वांन श्रकांत्र े ब

८व ब्लाबार्रिक्टवेश वर्षानान् स वर्धायके बह्दाल करें नानक्षरक यानांकतिष निवर अध्यक्षान्त क्षित्रकारं अक्षेत्रियां क्ष्मा वस्त्र ।

नावंगः

8

अक सम आधीम।

वाचित्रा शत्य वस्य द्याध्य मात्रा नाकि नव्यकाती mil egitee 5

बला अशास्त्र शृष्ट हिमाहरून, यह वाजू शृद्ध वर्छ- ' द्वामात्रा व्याणनामित्रान वृद्धि वित्यवत्राञ्चनादत्र माटमा मृत्या मृत्या कर्मात अवद्याम कामतः । सम्मृत्य जिथिया माविस कविशा द्या । शृत्या श्रक्ति कांड आहि, कक्टन शावनात्र बाडांग वहेंक्रेल प्रकृतांड मियांड कांद्र आसीएत मार्गिक गर्क श्री स्था मा अश्विद्र अस्त ।

জীবুক্ত সোমগ্রকাশসম্পাদক मर्गान्दर्यु । आभागाटका छेकीम वनर I FIR FIRE PREST

श्चित्रमन्त्रीपक मद्यालकः निवस स स्राम्भ ब्रिट्सन श्रम मध्यमस विवास सूटन महा है हैंग भाग अकारण छरम वृद्धा आश्वित एवं अस्त्रियात बाङ कविकारक्रम, छोवा विरुप्त भरमाया भण्नीक পা। হ করিলাম বটে কিন্তু নোগ প্রকাশে প্রক।শি ত ক্ষমণ্ন্য বিষয়ে আপনাৰ অভিপ্ৰায় দে বিষা বে क्रण मरवृष्ट्रिक्षांक क्रए देशरण अक्रण मन्द्रे क के लाम में होति अस अध्यक्ष अमिक्शिश विष्टा की भार यः ह। बळता, छ।ह। भारब लिचित । स्वारमान त जामानक्षत्र जिकीकानि मह मामाहर फारा है। बावधात बङ्क क्षांबाद कामा काष्ट्र, अर्थ म र पृष्टि किथिएक शहुड स्टेलाम ।

अवानम् । जान्।जाटाज्य हे शाम(परवद रम मक्त अम्मृत्यम् याप्यमञ्ज जनात्वा वर्ष क्र ग श्रार विश्वान बहे श्रुमिहे अधान (ना ্ক প্রামি আফীরবর্ধের অভি যে কথ-वार्गन कविष्ठ महत्रा महित कटा मा है-

कोलक्षिरतद आकि स्मिक्किकि गएए (स महार ६ जातार्थन काल धार धार छी। इन्हों एवं मीतामर्ग हिन केक्ष्माज्ञत् माम् कामा कविषा क्रम्पूर्यो वयः। **जाउधर क्रेकीमसिटगत्र कर्डश स्टे**श्हर अवन्यात्र महाभादे अवस्थि ७२मः महिस काश्च क्षेत्र स्था Cयान अन्बादिक व्यवस्था प्रवेश अवश् अखाः अखाः व्यं छ कृष्टि कड़िया विवि चाहेन छ अमार्शक्ताहब त्रहे त्यानमना **উপचि**छ कहिरल सर्थना छो-कात केवर जिल्ला मक्टबरनात लाख क्वेबात जहार कात्रवा छ वावक्या क्रमूचि प्रवास त्याह

चराप प्रश्**रकां श्रीह स्** चल जारत शहुत वहेशारहता किन्न कामर, तम उकीत्महे बहेन्नण वारहात कानुना चारकत. कामहत्य क्रीताल लोह कामलाजियाक अक ब्रह्म कानात वाहित्याकीत केवील महानशक्तात अ-र्नोरक अपेट्य अक्स्यांत करेका क्षेत्रिक कम मा धरः वाभवाभित्वत शोला नयून्त होनः स्थान-अवंतिकात बुरक्षक वांबू यक्नोवं मिलिक गट किने प्रदेश अवातक माराव व्याक्त करवा मा। मान इदेशोरह। भगानम दिस्त्रहमा कल्लम द्य कर्षी हुरे नदमन्न किए। स्थानकरम् अकरूरमन्न भरम मिन्सी ए क बेट्ड व हेट रक काशा छ। बोब व महास्त्र ८०७ म अवन कहा (करण अहीकात क्षणा इति क्षण नः । ८० ३ अहीडा शक्य शास वर्षे स मक मह वर्ष-:क्षलरक विश्वन पात्र क्रिटक क्या । यात्र सर्वाध्यागांप शोष भ्रदामक शहरकाक तमन कर्ताएक व्यवस्य वे क्रण क्रमारकात कविशाह्म । आधि कानि मा नः ख बाच बाबू शकेटकारकेंद्र कटकद कांगरन आवी-म रहेकात भूटका महाक्रम मध्यम नशित किनाम शवकात क वमारहन । श्रार्थ विभीमा मध्य राज-न श्रामात्रद्व जायान्य क्यामीजि हिन, द्यांकः मामा (तक्मांक्त भारत द्वेत्रोरमत। तक्म भावत्वन मित्र वर्गणान्ते भूतवात्र मित्रे कांग मञ्जाप करवेत उद्द उँकीम ए य अक्ल कार'दक क्यांक मेडा क्रीं (B क्यू मां। श्रम, माह कार अवशि कवा कहन. (समय केंडर क्यां रकता बंदन का एक स्टा कार् लाम न' गिहे सूल गमत (स्वत्रांती आवानाव्यत क्षिमील प्रधानाह्या चान व्यालील अध्य क्रांत्र स्य बुद्धिका का। अवह आह अन माड शह जानीरमत् मरधा अवजि मक्षुत्र, घवे इ कि ना भरक हरूका। जानांत्र काना जांग्ड दक्रम गाँउ गयुना ल लिख अश्नाम अधिवात विज्ञात कर्नवन्न। विर्मान य रमण्यी व हेंद्राहिए लग, अक्षरन मन वार्राम शि-कक रव मृद्धित विश्वम चारभृष्टिन कविवादहर कच्छा-লা আলার আল আলাদের সংখ্যা ক্ষাইবার এবং প্রাতন ক্ষত न्याप्तमा बहेबाएक, शृदक्ष स्थाप्त स्थाप्तका स्थाप्तिक क्रांक्ष क्रांक्ष क्रांक्र अन्तरित कांशिय क्यर व्यवसाय विश्वत विश्वत कर्दर-रात विवाधक पूक्ति भूतक क्लिन नचुर्गात उद्धा-यम कक्षाचामका शक्क अक्षांत्र के संवर्गमारतीय व्यय-ना कश्वता। द्वतारमञ्जा सङ्ग्रह्मश्वर शत्र कथ्नन श्र-मान्य व्यक्षक्षा क्रिक्ट शहित.द्वाधवाटक दक्ष भवी अञ्चाबी व भागवाय छ तथा करे वय करण मार् हेबार क नियम मान्या थे कुकिम्कः वनर था-

मन नरहा स्थापत व श्वापारका रा ७ जादेन सिव्रव वर रम्मान्य अकृति र्थ ८४ ८४ विषय भाषकार अस्ताना ही उन्नेमिन्सिस स्मेड्री स्म चनना कर्तुगा। क्या नुक्ति गालिकारि व्य तिया बंगरकार, द्या कृष्टि श्र मका वहेरवम । कार प्रशिक्त है भ विकास कार्या विक्री करें। सहस कर्ष निर्वाद कड़ा की वाशित, हर areal मानिहात करिं। सांकीम स्वा वया स्मर्विकारक व । कावा सर्व शास किंद्र ता को कान्यता हुनेत त्मार्य अक्टबन व्य 🕽 हालक केंग्रे श्मित काद्य कार्यक । अवस्थित व mi i adlate chart णालकारका अवस्य र 日子宝 中建射电源 त्यांव ५ इति वाही कीय विकास र है शाह टमांक, ध्वांध क त है CTRI الابد

यश्रीयद्र ! ऋगिर्देश वक्त्रम बाह्यमध्यः शक्तिकाल महरी ६७ भारित्यम बर्ग छ की निविध्यक्त व्यवस्था के माउद कि कर सार कति व शाना विक्रीले **८६म फीलाता फालन** क्वेटनस्मा। आह्र हा न्यसन्त्र क्रेश्रीय कान (फ. ७ सम्बद्ध क्यांनीर क्रिहारहम । टेक मर। **उ जनमान् अ**ष्टिशे। म महत्र क्षितिकारी के मा अ। व विक दिस्मर क्रय नि रि अस्य सः इत ए न वह ता वयन त्यान स्वां उ रा है। सन मा। है। किर्देश कि परि म मर्खन्त्वे महोत्र र AR G AH AM!

L. MAR

हेराहा जामाजाकत क्रीकि गक्कि विकृषे | राजाकत करिएक्ट । किस जबका गाउंक- कि अर्थ निर्कार वह । क्रांकांत्र कातन अक्षाका-का न्या। है मानिश्य अवंग अवंग रख्य (कर।।व्रकीय कंउद्राव (सर्थ) हर ह थ। क्रक क वंधाना प्रत्याख लिविट्ड रिकटल क-न्दर्भव इहेग्रा ६८५। वेद्रानिर्गत छ-ास्तिरिय नार म**र्याप में व्यर्थ (5**के) र दबन (विवाह कर शांशिक्षिक प्र वेदाक्षित्रक शक्ति । बन प्र प्रांट्, ई । हाब्रिक्ट निक्ट ব্যয় পের উপ্তর জাতের প্রভাগণ नीहें। ए दमहर अनि एक्टन जमिने ८०के। हिर्देशम । विरम्बन्ड अस्मान्यत बुर्यक्ष सूच्या

१६। जानाः FIET WHE! इनका परेट इस ना।

वन कि बन ब ্ব ওকাসতী দ रे निवन क्यां, । आंभाव विरयष्ट % वित्रय कति शास्त्रिहे अवर यक्षण जानागाउ कामधी कतिहर अवर यावर आमान-द्वित क्रांश क < अथान केकीर स्त्र गणकारी प्रदेश रम ध्यार व्यक्त াহালিগকে শি

,ध क्रम ध्रहे जकल দাশ এবং অভিঠা কি ক্ষিটার ডিপ্রো-ात्र विषित्त मकल्यत ভাল হয়। উক্ত জি াড় হইতে না পারি-केकीरमञ्जाल गांधा-मिटबन ७ मानावा रबहमा कहिएबन छी-

াকডি করিতে অয়-

विष्टाचा विष्टाबटकत

श्विमालिया गत्रीका किर पोसाउ अव-१ त्यंक्षिपदक निद्धांभ 'सबेजत विरमय कता के जिंदानिय कर्ता वर्ष a-क्थन क्रिशावें (बटले इ जटब दि अमझिरवंद र बहेरर मा कल कल-হাশয়। ভারতবর্ষে ^क्ठरिमा युगकक्रिशक इन्हें। विश्वत्मयः धाम শ্ব ভাব একাশ কৰিয়া िर्मित मात्र खांब्रखन-, ब्रिकिंड ब्हेबात क्रिक्रें।

A-杜勒|阿斯阿||甲本 त्मन्न नमीद्रशब् ।

গৈনার নহাত্মার বং-क ३३वे ल्लीरवड hain asien

गर्वत निव्धानिक नवस्य स्थानकाना नाउनकुष थांडि गांक श्राक्षं त्वक्षण विश्वयामा वाग्रेड, ब-कार्यक रमहेक्षण प्रविद्यारम् । सम्बद्धः क्षांसून विश्व मरको लाउन कार्या विकास विदेश निरमेश । स्थान क्षणा विश्वास विषय मरकः क्षा का किन रहेरछ आहिए भन्नापि सन्न' कारण त्यादनार्थ एव कर्नाणित राज काशन इ.इ. किंगि आंश मरवाम পার লইয়। কুটুবিজ। করিয়া থাকেন অধাৎ জাপ मांग रहा राध्यक्ष काट श नार्ड कविटक क्रिन, न दि ति ऐक्टिमा देवविमा **छाट्य स्टब्स्**कः क-त्य और्क मनीदश दशहन कटतम i कें। हो-त्र राज्ञशं मानुगं चार्वाव छोशास्त्र विश्वस् स ভোষের আগে এসায় পাইতে ফটি করেন এমত , বেন ! चञ्च वर मा। वेशांट अध्वर्गावत निव्याय मनदर भव भावेबाद अजिब्ह्य मा बहैदर (क्य ? किञ्च वर्षेक स्रेष्ठः मञ्जू कविरङ शिहा विरक्ष वि-वीर कर। मार्थाना विश्वीनश्रीधकलांत कांद्री महरू. बाबा ब्लेक अकरन छन अकाम बहेबः शक्तियारह, व्यञ्ज्यान मार्थाम ६ छन्। द्वेडिड ।

मश्रामत । मश्रमिक कथक प्रिट्यन माधा छेन्छ बारात गीमाञ्चक माक्त्रिश्त, त्याविकश्तर, জিতারপার ও শকর পুৰ এই চাবি প্রায়ে ভাষা-देखि वदेश विद्यारम् (चना वानाव गीवात व-(था ७ वन का भी। भेरे बार्ड) कहा, किय रहा ब - अंश्वि शिक - त्र क्वीलिय्लिय त्या- । ७ शंख त्यां का महामात्रता कार्यन, कार्यन क्यांठीपू बाबः ' विवत्र मक्कारणात्र का- | जिटन ज्ञान्यत्र दम्ब टकात्र ना दम्स त्वांत्र कतिहरू-सहित्यम उन्हों कांचे एक्स, (प्रारंथत विवेश की वि कार्का करें। में-वाधिकारक एकेरकारकेंद्र जानराव श्रम हाँच एकेराज्य ना, मीख एकेश्व আৰার বটে / ইয়াজে লোক সকল সশক্তিত ছ देशाह, धमी लाटक्या चार्डिविक धारती निय-(शहे नकाम, खेरकाधिक धनर च च त्रकांत मिन मिस राजिशास स्वेक्षाह । सर्थान बहै, गुजन धू-लिय बन्दरस्य बानाम मध्या कम बहेरल मा का-नि भारता कि एरव । अधन है वो मा एरव रमन---वृष्ट्रारम्य वटत व्यक्त क्ष्मा नाहे, क्षांवारवन का-बाद्या अन्ति का बाद्या वा कृति किन्ति कानगार আছে, ভাছাৰ উপৰু জাগাৰ নেশাটাও কৰা ছা-CE Cश्रमाताति & Cचमा चारह, नाम श्रुवि चानि काम होत्रव थानि छोल क्ठा क्वांकोंने न। ६३-লেও ভাল দেখায় না স্তভয়াংথদিক ওদিক টান द्धान मा प्रिःम स्थम क्रिया हत्या अविदय काराज अक्रमका सार्वाणा महान्यस्था दिना भातिक स्वेगारक कार्रिशा मिक्कि व्यारक्त, था-मा इहेटल शांत वांकित क्लेशा मार्के, स्म्रम म-(मानोड क्यांत्रकी क्यांत्रक स्टेशके मिका एक হয়। বৃক্তৰ বিজ্ঞায় অভিন্তুত থাকিলে হথা ত-करत्रश्रा निष्ठत्र ना व्हेरव किन र जीवांश वि काममा गरिकाम कहिया समगीरवारन व्य जीवात घरधा क्यांन काटन खत्र कान काटन नी-त्वव शारतांत्री स्थान कारन क्यांचात्र वहकालांक अकृषि निग्नेत्र मध्य द्वीवनस्य करहन । वादा-ব্যে প্রাক্তাহিক জব বাড়ীত প্রান্তর প্রবেদ गर्याम मोरे अवर याद्योत्मक मार्या महाक मानिक विश्व मर्पा हरे किया देशकार वार्षक विश्वविद्या वार्षक विश्वविद्यालय स्थित वास्त्रिकारणांशः विश्वविद्या हाँ जानक हता। अने का बाद दिनक बानिक जाति कार्य है। बाद परिवादिक वार्तिक कार्य दिनाविक कार्य वार्तिक कार्य दिनाविक कार्य

म कतिए। पणि छ।यांच आजीकारता रहके। करवन नद्रष्ठारकत महिङ माक्कार बरवहेम व हैन मा। गेक छाए। व देशम कि क्रिकारि विवादन व इस्केत प्रयम रह मा ३ जाह छार। कि कीरोहद कईश मग्न २ व्यक्तांत थन क्षान त्रकात विविश्वहे भवर्गस्य-के बाज्यकांच व्हेटल मारम माहम क्रीवारमङ (२७-म व्योत्राहिष्टाह्म, अब की वा प्रदेशक व्यक्तिकार. হ। মুক্তিকে কৃষ্ণ করিবার নিরিক্ত নর। এই 👢 🦪 अधारमाध्या अर्थक मात्राञ्चलक व देवा में दम-ন্টের আছন্ত বেভন রূপ এণ পরিপোধে ভাগ-লিংগর বছুবান মওয়া উচিত, তাতা হইবেদ ওঁ:-चारमञ्ज क्रमीक्रकान्य भागा व्याप्त व्याप्त महा दान गर्नारमधे डेक नम मारम मम्बन्धक एडे

> क्रमा हि ६ क्षका किलाना समना >> अ योजन। त्याः क्ष्माः プイタラ 可可!

थोशा मृला।

. निप्त मिर्चेष्ठ मक्यान औरक्यार्वित क्षाप्त मुना काकुन मारम विश्वणित्र विश्वार ।

श्रीपुक कुक नाम शार्ष : योखनंत्र वहत्य ग्रेय **बीयक वाब्र (भा**विकाष्ट्रीक कञ्च প্রিযুক্ত বাজা প্রাণকালী রাম্ন বহরসপুর লাভব क्रीएक जारबूल इर 最初した हीमायांचम रेमटका माध्यातित मण्यानक **क्रियुक्त बाजू विश्वकृत्र विश्व शामिशक स्वित्रश्**व कतिमधूत विद्यागास्त्रत्र णिक्कमेन कतिमध्य জীযুক্ত ড:বিণীচৰণ মুখোপাখ্যায় মুক্তেফ केंद्रेलिक्स मृद्य भिविक्त मिल्लिन ब्रामश्रंक दशवाध्यि इत्साम काम साम वर्षन: न

জীভারিণীচরণ দেব নাজীব 古野です मन्त्रीकाश इक्क वर्शी व्यविद्यक्ष । জ্ঞীগোপীযোহন ঘোষ # कि आदिष:बी लाल दांव वदिभा क জীলভািত মোদন রায় চৌধুবি 661¥ 1

थीशबुगा ।

श्रीपुष्क बांबू चित्रमण्डल ट्येश्सी ১২৬৯ माथ स्वेटक १० ८णीय शया छ トセス

১২৬৯ জান্তম হইডে ৭০ সাব পর্বাস্ত 30 · अति। प्रक्रिका विकास स्थापिक मार्डिश् ১২৬৯ ফান্তন ছইছে ৭০ নাম পৰ্যান্ত PHAR! · • • कुल्शानस् मर्दर् **३२५३ मांच परेटड १०**

क्षे गत व्यक्तिकांकाह गूर्वी मायसा दश्यानद्वहर 🕐

ज्याशकां

" प्रवर्त्तता प्रकृतिहिताच पार्थियः सर्व्यती श्रुतिमहत्रो न हीवतां। 🤊

e ভাগ। ১৯ সংখ্যা; त्रन ১२७२ । ५५ हे हेठव । हेर ५৮७० । २० मार्क

गाँवक सूत्रा ५ व्यक्ति । गाँवक साज्यकः क्षेत्रकी

বিজ্ঞাপন ৷

করিকপুর জিলার অফ.পাতী বাইকেমারি
মহন্তপুর নাথে যে পাতনি ভাতুব আছে,
ভাহা দর্শন্তনি দেওয়া অথবা বিক্রণ করা
ধাইবে। বাঁহার সেই ভাতুক দরণভনি কই
বার অথবা ক্রম করিবার ইক্রা আছে, ভিনি
কলিবাভায় আছে ন ক্রির কোন্সানির নিব
দে ক্রিবেলন করিবেল স্বিশেব হুডাও জানিতে
পারিবেলন

বিজ্ঞাপন।

বামবাৰু, কক নিজুব, রাস্ত্ন হং গোর কবিরাঞ্জ, নিজানিন্দ বৈব গা একানে, কন ভক্তীচান। একুতি প্রাচীন নাব ক্যালালিন্দের উত্তম উভ্যা গান্তাল সংগৃহীত ও একজ্রিত করিয়া গ্রিত করা লিখাছে: প্রকে গুর্ল ্রক উক্স মান্তা

কলেকাডো। স্বত্যসাস স্থিতি শুলা বাটা।

क्षेत्रहर्शांशांस धरक्रेश सर्व १व० १४।०

সোমপ্রকাশ।

E Com interia.

कलिकाणा मध्य ह कारणहरू हुवन्त दिक शकुणित अहगामुम्बि करेगा है।

हिराष्ट्र श्री वटकांद

'म्। मद्रा व्यक्तक दांव (माध्यक का कित हाथी दरमावरखब का भन कतियादि । धकारन उद्दे दिस्य लहेगा व्यक्ति चरान व्यक्ति कारमानम उद्देशकार । जावलगाय व (ग (य अर्फारमा ध मरमावस आहे, मद्र कांतल्म केंछ उत्हर

স্বলেও ইছা প্রবৃত্তিত কবিবার অনুমতি ট্দরাছেন। ইহা যে এদেশের আভান্তরীণ উন্নতিব একটা প্রধান কারণ, ভাগিষ্টের অণুমাত্র সংশয় নাই : ইছা সর্বত্র প্রবর্তিত হইলে গ্ৰণমেণ্টও লাভবানু হইবেন। ডা-क्रांपिशतक मध्या मध्या कत व्यशाली श्रीतव-র্দ্তিত করিয়া আপনাদিলের সহিত প্রজাগ একে উদ্বেজিত করিছে হলবে না। কিছ বলদেশে যে প্রথালীতে ত'য়ী বজোবস্ত করা হটয়াছে, আমরা ইছার সম্পূর্ণ व्यत्रापनकाती विष् । এठचाता वामानू-क्रश कल लाख क्रेटिंग्ड मा। क्रमीमादिता গবর্ণমেন্টের ও আপনাদিগের প্রাপ্য সং-এহে যেরপ যত্নবান,, ভূমির উর্বরতা গুণ বৰ্ছনে সেৰপ নছেন।প্ৰজাদিপের সহিত **फिल्फ्स्यात्री वान्स्यावस्य विदयत्र । ठ. श्रीमिरशंत** হত্তে ভ্ৰম্মান প্ৰদান উচিত। যুক্তিও ভালবিংগর সপক্ষতা কবিংভছে। ভাল-फिर्शित मधिक वरकाव**ख** ब्हेरल छांहाता গাণপণে আপন আপন ভূখগুকে উর্বর कात्रश जुलाद मत्म् नार्रे।

বঙ্গদেশের বর্জমান চিরস্থায়ী বন্দোবা থ গালী যে কারণে জেয়ং ও জেবোবাধে লাভ করণওয়ালিস ও ভদানীস্তন
ভিরেক্টর সভার একাস্ত অনুমোদিত হর,
ভাছা উলিখিত হইডেছে। ভাঁহারা তথকালে এদে গ্রমবাগত, সুভরাং এদেশের
সমুদায় বিষয় সমাক্ রূপে অবগত ছিলেম না। ভাঁহারা দেখিলেন ভারভবর্ষে
ভোগাল সম্রাটদিগের সময়ে যে ক্দর্যা

প্রণালীতে রাজা নির্মানিত হইড, ভাহার রিবর্ডন করা বিভাস্ত শবশাক नाम ७६काटन सर्वित्र রাজর সংগ্রহের ভার 🌂 কিন্তু ভূমির উপ ভারা कात विभिन्न भ हिल ভুমির উৎপদে তৃতীয়াংশু কোন স্থলে অর্থ পরাজন্ম हिल। खुनिव कंपने १ की त्रारकात **जात वेगीक**्ष भाव निर्गेष । हरेल শাসন কাৰ্য খাঁহ 📆 नरह। जुरुद्रार-स्कानं विद्र ভাছার নির্ণয় ক ইংরাজ র (भव ध्यान नहां हरेगा रातः वरे दृश्य भारत वीष्ट्र भी मात्र ७ कुचर दक्षेत्र विश्व मृत पन्मभान १ क प्रश्नि রাগত সহস্তা প্রিক্তিক ন বোধ করিলেন গ্রেছারা বার্ত্ত ৰে বয়াৰত ভূমাতি ও সকল দেখিয়া 'সিতেছে লেন ভারতবংখ ট ৰূপ খ^র কল্ল हित्सन मःकारः शांक्षाः । भरन इंड्यांड निम्तिः साम् হউক, তাঁহাৰা ইস্ততঃ চুজ্জালীয় পরিশেষে দেখিনে মোণী রাজন্ব সংগ্রাহনে 🕻 কান্ত্র (७३ ज्यामी नेत यांचे

िकाल हे_ल व जून विकित्सत चटनक भाष्ट्रमा कृष्ठे इ.स । काश्राद्वा निर्मित वाक अपे विकास विकास स्थाप क्रिक्टिन । कृतमुम् । 👸 ्षिरशत्र व्यथीत्व हिल । हैश- | पत्री, सूच**्यिक्टिश्त** गात **कांशिक्तित** व हा इत्रदादेश कालाव हिल मा , विटम-্ত গ্রহারা লোকান্তর গমন করিলে পর र्_{व इ} मरभन्न भूरत्वता छ शक्तिरभन्न छेखता-वित ही स्टेटिन।

वहेक्न अमनमूब करेग्रा हेश्ताम व राश्वास्तर .. । अधिमात्र पेश्वरक्रे नशूमाञ्ज সূদ্রি প্রক্রুত অধিকারী জ্ঞান করিলেন। क्ति जदकाँ रामु अवश नि,वहमा कहा इहेल ্লা রাজ্য থেছে করিতেছেন _{ধ্}রা**জন উ**হাদিগের এ।প্য क्रिक्टरका उंतिमस्त्र अधीरन ै, किंख छ ता छ। शिक्तिरात ज्ञात, ह्रमन (ग चर्टल াশীভূমি পাছার করিয়াছে, 🙀 করিয়া 'ধিক উর্বরা করি ছ এইং পুর পরন্দরা ভোগ नर्छरह, त्नकल धर्खवा क्वा

> অবশ্য শ্বীর করিতে হইবে, ्रत्यक भर मटल्डेन व्यविष्या 👣 ারিচর প্রায় করিভেছে, ভে টি প্রত্যেশ্রে উদায় প্রণেরও 💡 कितिहरू दल्देशटम्। हित्रसन 🚓 ভুমিতে জার আধিপত্য 📆 🗣 বৰ্ণু হু স্বৰুষাছে, দৰ সু পৰ 🕛 আইটে আমানিত দেশের উল্ভির ক্ষক্তিরে ভূমামি হই উহার মূল -ট্রাক করে করিছে । ভাঁছারা ভাবি । ্ৰীকোৰতের ধারা

क्रिया जूनिरमन । विश्व काष्ट्रांता व ना र्मक्ष लर्जिक्स स्नोत्र स्टेलन, शवर्ग ्य**णे** छोर्। तुबिएक भातिएलय या ।

· ७३ वटमावस एव क्छमूत्र कटलाश्याती स्रेग़ार्ड, जाहा व्यानस्य अज्ञक स छा-হার ফলভোগ করিভেছেন। সুঞ্সিদ্ধ ইডিহাস লেখক মিল বলেন, যদি এই বন্দোৰত ভাজিলবিত ফল প্ৰসৰ কবিত, 📍 ভাছা ছইলে এভ দিনে এদেশবাসিরা মোগল সঞ্জাটদিগের অভ্যাচার विष् इरेट्डन म्हार नारे।

আমরা বে প্রণালী অবলয়ন করিছে অনুরোধ করিতেছি, ভ.হার ফলোপ্ধ: রিডা স্থেক প্রধান লোকের জ্বয়খম হইয়াছে। তাহা আকাশ কুসুমের ন্যায় কম্পিত পদার্থ নহে। ভাহা আমেরিকার ও ইউরোপ খণ্ডের বছতর প্রদেশে প্র-वर्षिक मृक्षे श्रेरक्टाइ । देश्मर ७ वर्षे थ-शाली वित्रमुक्षात्र वर्षे, किस छेर्'त ए र कुछ अरमर्ग हेश लक्ष अरवन हरे-ब्राष्ट्र, त्मरे त्मरे श्वात्मद्र कृषिकारपा ब्र के লভি দেখিয়া কোনু সহলের ব্যক্তি ইছার উপযোগিভাব বিষয় মুক্ত কঠে স্বীকার না করিবেন - সুপ্রসিদ্ধ কবি ওয়াড় স ोग्न बर्खमामिक्रक्षांत्री बरक्यांव । अमार्थ या क्रवक्षिरभन्न वर्गमा कृतिमार्यम, **क्षत्रलख अवः 'अत्युक्तिमात्रलख क्षित्र हेः । नत्रखरश्राफ क्ष्यकाधिकात अवः प्रर्व**ाअ लक्ष बना त्यान अरमनवानी क्षथकित्तन । अविश्विष्ठ हम । त्यक वरलन. इव कि क এতি ভাষ্ অহিতি পারে ন।। কোন্। ধকেরা যেরপ ঐকসভা অবলয়ন করিয় वास्ति थे इहे अरम्भात डिमाछ विषय प বীকার থরিতে পারেন > ঐ উন্নতির কা त्र किस्कामा कतिरम रक ना विलयन स्थ

া সমস্ত ইউরোপ খণ্ডের মধ্যে সুইজর क्षिक्षित्रा श्रारं श्रेष्ट्रच धनमाली. वित्युत मात्र श्रेष्ट्रवस्थ समूर्वत स्थान समा व क्षारंक शिक्टक एक प्रतित्त । त कुत्राणि बारे । किस ज्यात क्षतिरात ্ব্রান্ত ও দুর্নার করিয়া ভূমি। ভূমামিত্ব থাকাতে উহা অধিকতর উর্বর রুই ও সমৃদ্ধিসম্পন্ন দুই হয়।
আংনীয় লিট্নে পর্বেষণ্ট আরো হইয়াউটিয়াছে। ইপ্লিস নামে এক ব্যক্তি ক্ষামেশির অনেক সংখ্য এট্নেটে কর্মেশির অনেক সংখ্য এট্নেটে কর্মেশির আশালী আছে। সেই সকল এটাতে প্রক্রিটার ক্ষামিশার আশালী আছে। अयन क्रिक्क क्रिक्क वृद्धि वृद्धि क्रिक्क मृति । क्रिक्ट ब्राधा नार्लिक मिन्द्रिक मिन्द्रिक मिन्द्रिक मिन्द्रिक

्कन करा योत, कजका क्रक्किएगंत्र धाना মান্য পরিক্রম দেখিয়া একান্ত বিশ্বরাপর र्टेटण रहा। चामि ब्राजि १। ६ छोत्र नवर .পুহের ৰাভায়ন উলাটন করিয়া দেখি রাছি যে কুবকেরা আপন আপন কেটে: আসিয়া উণস্থিত হইয়াছে এবং ব্দপ রাষ্ট্রে জমণের পর ৮। টার সময় প্রভাগতও হইয়া দেখিবাছি, ভাহারা ভূণকেৰ বা ত ব্দালতা বন্ধন করিতেছে, ঐ প্রদেশের क्यां विभाग विकास क्यां क्यां व উদ্ভিজ নাই, যাছাতে ক্লবি পারিপাট্য ও অদীম পরিজাম চিহ্ন দৃষ্টিগোচর হয় ম:: ष्मभत्र, भूदर्व वे श्रात्मात्र ममूपात्र ष्यः। যত শস্য উৎপন্ন হইত, কুবকাণিকার এব র্ডিত হইলে পর তালার চতুর্গাংশে তদ শসা উৎপন্ন ও তত মেব গ্ৰাদি সম্ভিত হইতে আরম্ভ হয়। গোল্ড স্মিধ ঐ প্রদে শের রুষকদিগের এই রূপ বর্ণন করিয়াছেন

" যদিও কুটারে বাস সামান্য আহার তাহাতেও অসতোব নাচিক ভাষার ঃ ছোট বড় নাহি দেলে সমান সকলে : **थरे एक नाहि कारन दिव कारत बुर्ल।** नाहिक निकारे छात्र हका उँछा इत्र । ष्य श्रम कुष्टीद्रि गार्ट इत् प्यमः पत्र 🗈

रेफेटब्राटशर्व ज्यास्या ५८५म जालकः যেত্রপ পরিভাষ সহকারে ভূমিতে জা সেচন করে, সেৰূপ অনতা কুটাপি দৃষ্ট হয় না। তিনি বলেন, ভুসম্পত্তি যদি উ ন্তুল ও স্পৃত্ৰীয় হয়, ভাষা ক্ইলে উল্ব व्यक्ति कुछारमाल खेखरा स न्ना इतीय गटन र्नारे, जात ए नय: क में मण्डि व खुडबार विख्ल इहेब्राटक, डाकाई डे.

ত্বকাধিকার প্রণালীরউপযোগিতা বেল্-সিয়**স প্রদেশে 'যেরণ দেখা** যায়, এ**র**প चना आरमान चन्न मुधे हरा। देखे রোপ খণ্ডের সমূদার দেশ অপেকা এই দেশের ভূমি অনুর্বর, কিন্তু এ দেশীর স্থুব क्लन छर्चत स्कृति हाटर ना। यक कमर्या चुनि र्डेक ना क्न, এक खन नाहार्या ভাহাতা ভাহাকে শসাশালিনী করিয়া ভু ल । काम मङ्कारत छारा मिरशत निकष्ठ ভূমির অপকর্য বিলুপ্ত হইয়া যায়। ভত্রভা क्षरकत्रा चिक्या विच्यात्री, चाहात्रा करम करम वर्ष मक्षत्र क्रिया मुखान भारेग्नर ভূমি কর করে। ভূমি বিক্রয়ের নাম শু নিবামাল ভাছারা অভিমান বাঞ চট্যা উঠে ৷ এইবংশে প্রতিযোগিতা স্বারা ঐ এ গেশের ভূমির মূল্য এত রৃদ্ধি হই !'ছ ে **ক্রেডারা শত**সরা স্তই টাকা মাত্র লাভ পার। ইংলিস দাগরন্থ বীপ সমুহেও 🗸 दश कृषि नक्षि अहिन्छ कारकः ये नः क्लबील जबटका छेहेलियम धन्ननहेन रलिया (इस, फूख श'दब्रमि क्षार्थ यक मना विकी | क इत, कड मगूमय देश्लात्स श्वमा। हिन बटलन, त्य अहे क्ष दीशवांतिश বেশ্বপ সুধী, এশ্বপ সুণা লোক আৰি ব্দনাত প্রার দেবি নাই। সর এক হেড ক্ৰিণাছেন, প্ৰিকেরা যে দিকে নেতপাত कन्नव, स्रथकलिएशत गुरा मक्ताचा मर्वज्ये लक्कि स्ट्रेटबुर्व । अ

क्रिकेट स्वाम अमर्जिक हरेत क्याहा

थाकी ग्रमाम स्टेटल्टर, क्रुवटकता क्रुवामिक লাভ করিলে কেবলবে ভূমির উর্বভাগ্রণ স জ্ঞাদনে যত্ত্বান হয় একপ নত্ত্তাহায় ভূমির শামিত্ব লাভে একান্ত ব্যঞ্জ। ভাষা সিপের বেনের কুষকেয়া এক কে আলস বলিনা প্রসিদ্ধ, ইহাদিগেরও ধে ভূমিতে निक क्य चाटक फ.इ.स. क्य शिक शहरी ইহাদিগের তাদুল আলস্য সৃতিগোচর ধ্য় मा । ५७ दिव, ইहाद्रा छूमित यात्रिय नाफ বিষয়ে একপ ব্যগ্র যে ভূমি করেছ সুযো भ छैगक्कि इट्टल ट्राया जानसामिटनत আৰ্শ্যক নিজ্য ব্যয় বন্ধা করিয়াও ভাষা क्तत्र करर ।"षठवर देशियत्त्र महिक द একটি চিরস্থারী বন্দোবন্ত হয় জালা একা सु व्यार्थनीय मरमार मारे। छारा क्रि.म এ দেশের সবিশেষ মজল হইবার সম্পূর্ণ ন স্তাবনা আছে। তবে যদি বাদালা দেলের नात्र मधाकृत्म समीमात्र व्यंगका अक स्थानी । রাখা হয়, ভাছাতে আমাসিগের ভারুশ আপত্তি নাই। করেব বর্ধবেশ্টের নিক্য মূতন কর সংগ্রাহক নিয়োগিত করা 🕶 भिका विव्रकारमञ्ज मक अक्षिय क्यू और আহক থাকিলে প্রজার প্রতি ভাষাবিগের ক্ৰছিৎ ছেহ জন্মিৰার সন্তাৰনা খাকে ৷

293 -

১৮৬৮খন কালের শিকা সংক্রাস্থ বিলোট

১৮৬১।৬২ অন্বের শিক্ষা সংক্রান্ত রিপেটে প্রকাশিত হইয়াছে। ইহা পাঠ করিয়া আমরা বাঞ্চানুত্বপ না হউক অপে কাক্কত অধিকভর সন্ধোদ লাভ করিলাম। প্রতি বৎসর আমাদিধ্যের দেশের বিশ্যা লয় ও ছাত্তের সংখ্যা বৃদ্ধি হুইডেছে।

১৮৬১।৬২ অব্দে বছৰেশে বিদ্যা গিকার জনা সমুদায়ে ১১-১৪৬৬ টাকা বায় হয়। বালক্দিপের বেজন ও দান প্রভৃতি হইতে লকা ২০০০,৬৮৮ টাকা ভালার শৃক্তবিবেশিত আছে, ভালা বাদ দিলে ৮,৮০,৭৭৪ টাকা মাত সাধারণ রা তথ কৰৈছে বাৰ কৰিছাক।
নিয়ে এই বাৰেনা ভালিক
কেছে।
কেতন
প্ৰভাৱ প্ৰভৃতি
বংষার প্ৰভৃতি
কাৰক প্ৰভৃতি বাকে বাৰ

मसूचात्र क्यटन्टम क्रांति । क्त्र नगवि, जाहेक्जिन गाँउ ইহার সধ্যে *আন্তর্*ণ ৪০ *বাক* শি বালক থাকা উচ্ছ। ক্রিড এক भिका बाब बहेरबट्ट हो । हि धरे (भाष्टमीत सन नर्भन रहा याहे कारांत्र करना असे त्यांच निक्तियां अष्टित्र । इत्याद्य । देशा है विष्य देशा है ১৫ কোটি টাকা আদার মর, क एक ४.४०,१९३ होका काळ. वित्र कना मध्या स्ट्रेट्ट्र क्ना व काण्टिवत् तिवस्त्रन चटनक् चट ८ वटि किन्द्र मधुष्राय कात्रकवर्ष अक হট্যা শিকা ক্লাব্যে অধিকতর ই कमा हिन्द्रांत्र क्रिक्टिस्म । धर होका अधुमात्र छ।त्रक्रवर्षंत्र कता क्षिष्ट्र प्रेशकात्र इत्र । किन्त अक्स्पर्न १० लक मात्र (ए७ग इटेप्स्टर) य অভি পলীপ্রানে এক এক বিদ্যা হুইতেছে, যুক্ত সিন ক্লুবক ও সন্ধু-সম্ভানেরা বিদ্যা শিক্ষা না ক্ররিচ্ছে विसं क्रिक्त मण्यूर्व समल मण्डा

ठीहाई जबारे आयता मर्चमा भवर्गस्य किछ खना शतियार गर्ने वा मानुकृता व्यवश्विता छ जमा कविशा वाकि। ' বট্টে'ক ভক্কণ ভক্করাজির ন্যায় সাহাব্য नटक बणालक ७ मरंथा मर्था भवनरबर्ध गिष्टि अकृषि किन्नी भागत विकालिय स्वाका र्ण का काक्नाक । अवर्गत्वरकेत्र विष्णा বরারে সাক্ষ্ম বয়স্কে হস্তকেপ পরিভাগে আবি: ক্লিও উপস্থিত হয় নাই। ভাষা া ্টুপাছত হয়, এই আমাদিগের আর্থ र्टन किंद्ध वाख्जा शतिबाटन ग'रु या मान रनमी व्यवस्य ना कतिरम त्र पड़ीक म के हर्देशांत महायमा मार्ट ।

> প^২ মধ্যে ব'বাসত ব্যতিরিক্ত ्त अवर्गस्यके निकालदात केव ় হইল। সমুদায় বন্ধদেশের नंत्री ও वाहामण्डरे चणुर . अयु । এই विकारन चानुकृता 3 छाटलत् मःशा अधिक, किस ইব'র পর অবধি বারাসতের चित्राट्ड। बना बना क्लाइ७ ংক্রান্ত উল্লাভি দৃক্তি গোচর ফইল 1 त क्षांश रहमश्या विपानराँत প্রবেশিকা পরীক্ষায় ক্রভণার্যা ইহা আমাদিগের অনপ্য আ › বিষয় • জাফে**পের বিষয় এই** যে উ'্ৰাদ শিক্ষার কিছু মাত্র तारे विल्टल चल्लाकि एम्र ना। ्र मर्श्वाच करत्रकृष्टि विद्यालय स्ट्रे

मरम्थकेर दा य य विराधि कति ্ভরধ্যে আমরা মার্টিন সাহেবের ঠ দেখিয়া অধিকতর সন্তোধ লাভ াম। বিদ্যা শিকার যে সমস্ত প্রতি ও তাহা হইতে উজীৰ্ণ হইবার যে উপায় আছে. ডিনি স্পট্ট করিয়া फिट्सच क्रियाटक्न । अक विषद्य তীহার সহিত আমাদিগের মডের हिएला ना। अभावता अक्सा निधि

ग्राह्मित्राच राजभूति हेनात्म्यक्रेत्रव्य मर्था। क मानेता निर्म (नर्दे क्वांका बाहा निकामात्मत উপাব বুদ্ধি করিলে অধিক উপক র দর্ম্পে। তিনি ভত্তরে বাপেটি বাধা লিখি গছেন "शूर्वं करन अतिवर्णात्मत क्रमा व्यायकत्र ডেপুটি ইনক্ষেক্টয় নিয়োগ আৰুলাক, ष्य'मवा यक्ति श्वहराम छे क्ष विख'र नव व्यवस्थ দর্শন করিত'ম, তাহা হইলে ডেপুটি ইন ম্পেটারে সংখ্যা কম্ট্রর প্রস্তার না করিশ তাহার রুদ্ধি করিবারই প্রস্তাব ক রিভ ম। " বে স্থালে ডেপুটি ইনস্পেষ্টর नश्या बुद्ध कृता आवनाक, छवात बुद्धि না বরা আমাদিগের অভিমন্ত নতে ৷ আ माणिटनान (म बारकार कुछी छार शवः व्य'रह। धक, ८७भूषि हेनटम्मक्केव्रपिरशंत चानरक | विरश. व मार्था क्रकानिक हत । चानता যথোচিত **জ**পে কাজ করেন না। দিতীয় দকল ছলে উপযুক্ত শিক্ষক নিয়ে ভিড না থাকাতে ভজাল্ধান ক্রিয়া সমাক ফালো পধাবিনী হইতেছে না। কিছু যদি ভাল শি कर ७ कांगांसक अमलन हेमान्नहेर ७ ए भूषि हेमरम्भक्तेत द्वाचा इत, ठाहा हहेर न কি অম্পসংখ্য লোকের ভস্তাবধান অ धिक भी तमार कहला र भी करू हुए मा । एव गिकार शमार्थ नार्डे, (क्यल धक छल्वाय ধান থার। কি ত.ছ। ছ**ইতে অধিকৃত**র কল লভ জভাশা করা যাইতে পারে ১ পকা ন্তরে যে শিক্ষকে পদার্থ আছে, ভাহার সহিত অম্প তজাবধান যোগ হইলেই ভাষা শুল্ক শ্ৰীৰুকে সণুষাত অগ্নি সং যোগের ন্যায় অধিকতর কংযা-কারী হব। পরিপেট্র আমরা স্পষ্ট করিয়া কহিতে ছি, আমাদিগের বাক্যের ভূল তাৎপয এই, जनम ও जनवार्थ देनएम्ब्रेटवृत्र সংখ্যা কমাইয়া যাদ সেই টাকা ক্ৰ্মখন্ম ও উপযুক্ত শিক্ষক নিছে!গ বিষয়ে বাহিত इब्र, नम्भीरक উপकात मर्ट्स मरमार नारे। ভাল শিক্ষক রাখিতে হইলে অধিক বায় আব্দাক হয়। প্রাঞ্জ পুরস্কার লাভ না হইলে ভাল লোকে ওয়ুগুর এন বীকানে व्यव्य स्टेर्ड (रूप 🖭

मार्गि व गारकरबन्न महाम बहुत्त । गारकरनम तिरणाई व चामाचिरमंत त्याचा च कत रहेता (ह। चामका (वहांक्र ७ च्युंगारमक्र हेमरच्युंक्र) রের রিলেটে দেখি এ স**কট** ইইলাম না। কিন্ত আমনা তঁ.হাদিপের সম্পূর্ণ দোব দিতে ছিমা।ভততা সমাজ আজিও উৎকুষীবৃদ্ধ হর মাই. ডঃডা লে'কেরা কুসংস্কার জ্ঞালে ष्यं व्यव रहे रा षा एवं। मुख्यार कतका हैन, स्थ केत्रमित्सत म हिं न ७ फेट्यू। माट्ट्टवत नाति क्रुक्त वात्र हिंद्या महस्र महस्र

तिरुप रहेत विवर्ध आमारि रे "द धकरी बक्तवा अ.एइ, छद्दिगार दे^डी _{गाँव} তীৰ ৰাক্তি বিশেষ ও:ভিডিড ও গুলুমহা नगनिर्भंत भारेमालाय महिरम्स दक्क यामनाय्यमिनतम् समुद्राथं क्यिट्टिह्या हाता भवर्गस्यकोः माहाया वा लहरहरून. ভূঁ, হারাও যেন ডিরেক্টবের নিকটে আপনা भिरंगत विणालटात तुष्टास थ्यातन करवन **এবং ডিরেক্টর ও যদ্ধবান হই**য়া ভারা আনাইয়া লন। ইহা ভাৰতৰ বি সমাকের মান সক মানচিত্র। ইহাকে সম্পূর্ণাত কর অতিশয় অবৈশ্যক।

ৰসম্ভ সমাগ্ৰম কলিকাভাৱ (वाका।

ক্ৰিগ্ৰ বস্তুকে শ্বন্তিব্যনীয় ক্ৰি निलिशा वर्गम कविज्ञाद्यम । कवि वर्गिष्ठ ४ लियारे जामना " न्रम्भीय " विट्यंसन वार ইহার গুণ গৌরৰ মুদ্ধি করিতেছি না, বা ত্তবিক ইহার ক্রেমিনিক। গুণ আছে। শীত काटल करा राज्य मीहोत काटल चाष्ट्रम ह ইয়া থাকে। ক্তিপর উদ্ভিদ তিয় তরুল তাদি সমুদায়ই প্ৰায় শীত প্ৰভাবে শো তা হীন হয়; ধীৰ ক্ষম্ভ সকলের স্ফুর্ডি थात्क बा; भगन पंखम निष्ठ काल जूपारा वृक्ष मृष्टे वतः स्मा ७ इस्त्रका भीवज्य कीक रहेशारे त्यम कड़ अ मनित जीव धार्तक करत । क्षित्रक अमानक इरेटन

्र जिल्ले कि महत्र कर कार : कीर्व केंग्र निकंत केश्ताह शूर्व हिरोग के हैं है । शामकत निर्मित बेलांजानि मीरियान इतं। य कांति . धामरन् ६ शरछत् । इक स्मिक्ता , केमा 'हेत. कहिए द दक्षित का (वर्ग ? करे तम्बीव कारण श्रेतीकारमंत्रे कि नांदेश के की एता। इन्हें बिटक संबोर्न अ किंश किंद्र भा श त्या छ। मेर्सम कुँगैर शद विवेहनी ि ीकि छेर भागन करते ; नामा बांधी । कुर्यु केंद्र जिल्हा माजा विवस के हमा পিত ইয়; কে।কিলেয় কাকণীশতক আৰণ বঁর যার পর নিই েটিলাভ করে; সুনী क्ष प्रिक्त क्षेष्ठ नगर में द्वित स्मात बनास विमातिक मान, क्याशास करेता द्वि ब्यास्टिक रेंद्र र व्यामेद्रा यथम करे मेंदल मुंध चें मुख्य केति, क्लोकी पदतत प्रतिमा खर्डे बामानिकात श्रप्त अभिक शहेगा कनिर्वत নীর্ম দশা উপস্থিত করিল বের। এতি রক্ষি, তি ভি লভার ও এতি জীবে সেই অবিভারের স্বর্চনা কৌশল, ভাঁহার করুণা, ভ ভাষার মহিমার পরিচ্য পাইয়া চিত্ত भागमभागात्रै निवध हरेत्रा नित्मह हरेत्रा नदफ् । छेरकार्टन आंध्रोमिरशत वाथ इहे चार्क चांत्रज्ञों त्यम ध्वमा धक चस्तु छ व्यवंदलाटक व्यविके हरेतापि ; प्राप्तता वन युर्केनविश कीवन काल स्ट्रैग़ हि ; जामरा त्व कांत्र क्र क्षिणिवित क्रीरकान छेश

কিছাঁ কলিকাতা এ সময়ে বিগণীত भारति कहिशारेष्ट । भारत चा दर्या ७ भेतरकारनेत गाप्त भीथ ७ जाउँ लिकाजित (बंड, भीड, बील व त्याविकार्य आग ৰ্মুন্ত্ৰাটা ক্ৰিন প্ৰা যত वनेतान संवेदकर्ह, एडडे अन्छ त्रा न्केटलंब देखेकेटबर् कृष्ण्यकृत्वंत न ।। जिस्मान हरे। नगर्रा १ व्यवन धक परिकं वर्ग केतिया कृतिएएए । चिमि

सूक बहेर वाक्यांत्र ये.च शिर्दिश्मित खक्ति जाचांत्र व्यक्ष्यकाल जर्म करतम, केंडिएक कि नियां मेख्य कात रहे। वा व वार्त्यकेदा र्छ कारकं कमवन्द्र (मिश्राम) करत विकास वर्देशी क्रमानित क्यांच चास्त्र कार्य मार्थिक मारे। कानकारात्र वण्डकारम मध्मिरीमा कीं डिलाएडा ७ बरेक्या (मन', अमा चरा रेखिए एउं ए हैं एवं भी अपने मंत्र, রাজ্যাব বাহির হইলে প্রায়ই বীরংস ও স क्षिक मनदाभाद हुएक शक्त (रवन माना বিষর নয় মন্তককেও ছার্নিভ করিণা খুলে क्लिक, ठाव का, करन अधिकात मानुन्ते, को नाम क्लिएकएक, क्षित्रकर क्रिक् ক তাহার পদ গ্রহণ করিয়া নিরন্তর সুষধ্ त्र चंदत भागं कतिया खावरणत्र छ।नमः विधान वितिही बार्टक ! डिक अ विह ख तागू परमें छ किरोत (व.तकतं तुन जिल्लाकम करते? वमध्यातन शली द्यं रम भगन कंत्रितन चा त्रीम ७ छैगानानि नर्गन कतिना 'संबन्ध मिहे अदि होर त अस्तिकिक महिमात न রিচর পাওয়া যায়, ফ্লিকাভায়ও সেইশ্বপ तः हा । सम्बा ६ इंडि मर्मन विद्रोत वि টীনিসিপাল কনিসনর দিলের মটিমা অপরি চিত থাকে না। এতদ্ভিন, ক্রিসন্র্দিগের মাহাজ্যের পরিচর পাইবার আরের অনেক षमाधादन अभाग व्याटहा । এই मशादाद छि ভরে এরপ অনেক স্থান আছে ভবার অপষ্টপরিছারকদিগের মাসের মধ্যেও हरे अक यात्रे भम भूमि । एक ना । सिर्वे सिर्वे স্থানের পুতিগন্ধি হয়েলে রাশি উন্নত শি हो इंडेडी अन्धात्रय करण करिमनद्रमिरशत् শুণের গারিচর **দিতেছে**।

> পরিশেষে কমিসন্র দিগের আর একটা মাহাস্থ্য বৰ্ণন না ক বয়া এ প্ৰস্তাবে त छेशभः हातं रुवे। विषय करेटचरं छ ना। একে ভ কলিক কার লোকদংখ্যানুরপ স ছেনে স্বাস্থ্যকর বিশুদ্ধ জল পাওয়া ভার । ए वटाकी मोचिक आंदर, पारांख जा शंड वात्र छ्तर्ड निर्वाच क्रम कार्व की

本計學 就是中國 湖南 與 के नाम हागर हागर । क्यांप वर देन क्षेत्रिक स्थापन अ ग् नकी र मंदे परिवादिन व्यक्तान करमञ्जू विभिन्ने क्षेत्रिक भक्ते पर्वा कीको क्योंकिं। देखान : अटमके काम् अति हमूकिम चार्ट क्याम द्वान र्भ रे ता एक रेगरे भंदिर्भ देखें बहा के मिंव के रिनन कहिर प्रिकारिक क वैदिश स्मादकतं कि स्रोपा कृष्टि मेडीवना चारह अक्मिनेस्ट्रहार्श नातः नानरक काराकप्र व नात है য়। রাখিয়াছেন । পরে লোইকরটন क्त सङ्ग्री विदयं सन्ति। कि वर्षन विनिष्टं कारहा १३वक्य कार्य निर्मत भीवन कि केवाडी समित्र स करतमः वाहामध्यः ल्याटकतः के पूर कारिवाद शिक्षिक क्रिक्नकर्वा সম্বন্ধ কলা উপাত্র, সন্তা- নিক্সান্ধ

फेलावि भागार्थ विचि दिल्लानस्य

किंगा विकास क्रिमानक शक वात है कित्रहाटल बंकही जला हहेगा **ःटिकोनो भीवनंत्रं द्धक्रिं बरनक** हैं भीत महान्त्रं कार्सि धरः धरमनीतः @ इंडि चॉर्निटक मछाद्व इहेशाहिए नमीक गृंध छेख्य काल मूमक्किछ উক্ত বিদ্যালন সংক্র'ন্ত ব্যক্তিয়া এক नदिष्ट्रं यात्रव कहाटक विकिन्हाटलाई র্ব শোভাহর। বেলা ৪। টার সম विमालर्यंत थाहेम् हाटमलत् । भेडानिड) जैनेद्रुधन चार्तिन म চাপতির আসন এছৰ ক্রিলেন

वक्षः मकार के स्वयं सुन्द स्तिमा क स्वरि काम शहीरकाहीर्व शाविकारक कैमानि बरः अन्त्रा पत्र व्यथान चात्रक कतिदन व । अव कि, अव थ, वि थम, विथ, केशा वि शामिता-शामित स्वास की बात विकट्टे के निक स्ट्रेट मासिकार । कारमदार कथा (बार्स मानवासमय वियोगतम कावनि त्याः लक्षित्र विद्रा विद्रान्त । मकालिक अवित केशन पारत करिय वा कर्य व क्षि वन १० पानि विश्वविकाशितात वाहेन् চ লদার, দেই ক্ষত,নুসারে আনি ডো ক্ষিপাধি এদান করিলান এবং কোমা

ध स्त्रिष्टि (य स्त्रि धरे डेना क्राम धीरानत नकन कार्या न म्ब । " खेलाचि क्षणांच ममास इ जल शिंख जक्तारक मरवास्य नामत् ।

। जामारिक्यम् कि जानस्कृतिम्, शाःम्बन्धस्यास्य एत्र वाहे, अवश्यत रेन । सार्वप्रताना वाता अवन वदः जि म थ, जनावि श्वाब कविलाम । ध ीत्र विलि देशमध्य विहा व्यवस्य अव गामि बाक करत्रन, किनिश्व भावाणि हिन्छ जाना छेशरवन्त्र अतिवृत्त्व । हे जानत्मन नगरत् करमक वा था कान रहेश चात्रावित्तत स्व त्कत्र क्षेत्र इदेश्वरह । त्व महाश्रा गुल्टाख गृष्टि च्यां व शङ्करमत श हारणलराइ कार्य मन्त्रम् कृतिहा গ্লাহেন, দেই উদারশভার সাত রঙ আনাদিগকে পরিতারে করিয়া रहम । जिनि देश्लाख शमन करत য়া বিরাছিলেন নানা ছুবটনা বশুজ विमानदत्रत कार्या छाम्क मरनारमा केनि विचविषाशिष्ठ कथा जुलि ्राबु ब्रमाक्षनाच ब्राप्त कवर, कर्न The first anderes consisted a रष्म, ।

क्ष्मानारेश महाद महि वह रहेगारहर मुरुष र वार्षे ।

विश्वविद्यालद्वा निर्किक गृह ना बाका তে সময়ে সমবে বিশ্ববিদ্যালয়কে বানা श्राकात चत्रु वर्धा १८७ व व देशक वहा। বোধ ক্ৰৈছে অন্তিক বিদ আৰু জানা विश्वास क विक्रिष्ठ अवर्गतम्बद्ध विक्रवे हा क्त क्विंद्रक क्रेट्ट मा, बोज्र हे बार्बावरनद कार्थना पूर्व एरेटर । ,कस त्वनन गृह रहे लाई स्ट्रेटन जा, प्रद्यास्त्र साटन शृक्षी जः क्वालिक क ब्राटक वरेटन धनश तमनीत कृष (4 शृहत्क कृषिक क्रिक हरेरव । श्रृक्षका लद्र म मा क्षकात भूतक ७ इस जिनिड हाज्या आकृष्टि मध्यार कतिएक सरेटन । श्रा त द्यारन छेनाचि धाहिमित्मत नाम चिक्र ७ कतिया दाविष्ठ वरेष । धरे नक्ल वरे ल विश्वविद्यालय गृह पर्नव कतिहारे ला (कब्र अन विषा व श्रीक श्रीवश्रीत श्रीदि ।

विश्वविद्यालया य त ति नियम आरह काश्च व्यायक श्रीतित मश्चायम व्यायमा ক। বিদ্যালয় সে বিষয়ে উদাসীন বছেন। প্রথমতঃ যাঁহরে৷ মেডিকাল রিয়া ইঞ্লি वाद्रिः काटलटकद कथानकम छेणाधि लाटक ब्र बामना करत्रम, वि के छेलापि हा लहेगा के बक्त छेशाधि लहेटड शार्यत वा विक वि व देशिश शहेश यहि यन लाइस् মেডিকেল কালেজ এভূচিতে অধানৰ करहम । याशास्त्र वि के ना भारेता कीश ता के जरून केन विन वित स्विकाती व्हेटक शाद्वन, जानून क्रिकी क्रमा बाहेरल्ट्ड । विकासका, कावाटक यें हात्रा अब अ, अही का निवात अजिलाव करत्रन, छ।शामिरशत পক্ষে এক্ষণে অভাস্ক কঠিন নিয়ন আছে, সংকৃত ও ইংরাজি উত্তর ভাষাতে সমাক हरेट शाद्मन नाहे कि हेश्लट ब्राय्श्व पार्कन नाशायन गालान नत, करे करा करे निश्च कतिवात श्याव हरे छाइ व रामीत करा निका कृत इरे क्ट्रे त्या कहिले चानिहा जात्मक नः कें काम उक्री क्यारमार्था स्था दह।

चावचा विक्रिंग अन्यस्त त्याः বেধিকেছি, ক জাতে আমা क्षत्रमा समित्राट्ड द्य व्यक्षण्य देश अधान । भव लाख कतिरव न शृद्ध यथेन होना ब्रामत्नाहन द ৰেকিক মেটক ক প্ৰভৃতি বিদা প্রথম স্থাপাত করেন, ভরনকার क्षक्षभाव भवषात भूगमा स्त्रियस , कि এक अभिर्वहरीत अभिरूक्त छैनत प्रेम्प्रे मुक्त नियंनियानम सम् वास्त्र । विवादक्त, रेशव यदशहे हरे कामाद्र विश्विक हाज कटविनिका शहीकांत्र केंद्र ब्हेब्राट्डन, ब्याब्र ५१ कन वि कविशायिका आटबन, eq कन वि धन इहेतारबन, ७ वन এম এ এবং এক জন এম ডি উপাৰি পাই ग्राटबन । क्रमणरे भन्नीत्कादी विरायक अश्या दृष्टि भारेट्याह । रेहात बरवा हिन्द्रे अधिक এवर वक्रायम वानीहे जात क । यूगलबादबद्रा अग्रकल छेगावि जारक মতুবান নহেন এবং ক্ষম খন্য দেশ বাস। অ'থক লোকও ইকর জন্ম অঞ্জনর হন নাই। কিন্তু অত্তঃ হিস্কুৱা যেন এব न बान करबन मां ता देखेरवाणीविष्यत সভিত সমান উপাধি ল'ভ করিয়াই ভাঁহা वा इक्षेत्राणीय मानव असम्बन्ध इहेरलन ! देखे.ब्राटम कड काल इट्टेल विचविमा मारबाद भू उ हरेतारहा कक काल हरेल रे **केट्डाशीरवदा विश्वविगालदात्र कल खान** क्त्रिटक्ट्न, अरमामत लाटकृत काहा দিগের সমকক হইবার অনেক বি मारह । घठ धव धकरन धरमरमञ्जू स র ডাহাদিগের জুলা ক্ষমতা লাভ করি वाजना वृक्ति ७ नाजानूमानिक वलिः **এ** छी प्रमान स्ट्रेटिक ना.।

क्षथमावधिर क्रमियाद्रिप्टशत विका विकात कता शवर्गस्यके माकिनम रपूराव चार्ट्स, क्रिक क्रिंटिंग बहे, क्रि मारत्रहा चपा। शिक विषात्र त्रमात्राहरने -मर् हरेराम मा । शुरु क्षम कमियां दिया

निक्षिक्तिहरम् रम्हेनत स्व शहिमादन छैन कि मुक्ति हरेगा। महार्थना आहर, महत्व भुभद्र लाटकत निकात छ पून कुट्यापत एत न्। य छेनात व्यवसंबन कतितन देशंक्तिंगटक विषा भिका कहान गाहे তে পারিবে, ভালাও ছিব করা বাইভেছে मा। मिन । लिकीनके श्रे केंद्र करें। दलिएनम व्यक्तिक न। इहेरल स्नाहकत्र निक **डि व्यक्ति**न व पूर्व ह दहेरक एवं, स्वश्या ख केबिनाई किर भर धर्म न मश्कात मा करिय বৈ, কৈ লহাছ ই দ রা শিকার এতি ভা ষ্ট্ৰপ ইনেইযোগ করিবেন নাঃ বাস্তবিকণ্ড ত্ত্রী,হারঃ বেপয়ান্ত শিকা না করিতেছেন, লে প্রাত্তিবিষম সুগার পাত্র রাইচে মাসচেন इ नारे। मन्द्रा प्रय পरिवाह कतिया मन् মাত্রের যে, একটি প্রধান অব বিদ্যা त्रिका. काश वरेटव विति व शक ब्रस्टि न ভিনি ক্পিকারে মনুগ্র বলিয়া পৌরব ক क्रिएक शाह्यम ? विवास लाक्षिएश्रेय छा ধার সহিত একর উপে খনও ছুণার বি ৰয় সন্দেহ নাই। পর,ক্ষোত্তীর্ণ উপাধি षांत्री ছाज्ञभग । तकः वट्डे क्रश्रिणाद्रमिटभव ন্যায় ভোমরা ক্ষমভাশালী নহ, কিন্তু তো মাদিসের মন কবিতি ও আকা উন্নত হইয়া **ছে, ভোনরা ই**হাব সাহাঁয্য লইয়া সমু শার ক দে। হস্তার্পণ কর। তে:মরা কায্য করিবার উপযুক্ত হান ও উপযুক্ত সময় আগু হইরাছ, তে.ম:দিগের দেশে সহস্র সহাত্র বিষ্ণোর অভাব বিরাল করিভেছে, তোমরা মেই সকল দুর করিবার চেকী **শেখা অরণ** করিয়া দেখা তে,নার্মিগের চেশ क्तिन प्रकान पश्च इसरम प्राम्ब इस्रा चारह। मरन क्व दि एउई इ एबी कि नकल ভোষাদিশের ৫८। यञ्च क्रिक्टिइ। দেই সর্বের মুদ উংপ'টন করা ভোলা ভাঁটেৰ মন্ত্ৰান হও। বোধ দর লাভ কেনিং यटहोन्दरत्र कथ। (छ। मिर्नित्रत्र यहन আছে। তিনি বলিমহিলেন ভোমরা এক

र्श (मञ्जात चर्डिंग, य चान इरेटंग भाषा गरेवान महिन महावसा! विषे एक्की ना कन करण इरेट्स च्यान्य एकि एक्कि चान यह एक्की कन, केट्स केंद्रिक मुक्त इरेट्स । इन्निज चान अमि विवत। याणेट्स कामानित्तेन के नेजिए केट्स कर, मना काम्मयन केन्द्रिय । मक्किन चान मना क्रिज में करेट्स मक्ट्स स्वाम के क्र किन चान एका चान ।

कें जात राज्य था बहेबाल अब क्य क्र त्त नमाम खन वहेन । धहे वखन गाम विव एत अधिक व**क्ष**का नाई. इंश फालनिहे हेंहा ব উৎকর্বের পরিচয় দিভেছে। ভবে আ मानिरात रक्कवा धरे चात्रकिन সাচেय ইউরোপ্রথদিধের সহিত এখেনের লো কের সংকক্ষালাভ বিষয়ে যে অভিপ্রায় একাশ করিয়াছেন আমরা কোন জনমই क्षित्रयत्र चतुरम पत् व तिरक भातिरक्ष ना ! ध्याननीत्यद्वा यति केखेत्वः श्री . विद्यान সহিত ভুলা ক্ষমতা প্রমুশন ক্রিভে পা রেন, সমকক্ষতা লাকে সমর্থ না ইইবেদ क्ति । वा इरेबात भएक कि विशुक्त वृक्ति খাহে, তাহা ত আমরা বুৰিতে পারিতে कि मा। পরিশেবে বক্তব্য এই, আমাদি গের দেশের জমিদ রগণ বিক্রিৎ অবহিত इहेश शहे बद्धा शाठे बक्रम ।

रेखिशन भित्रत्र। 29 क

ইভিয়ান নিবর সম্পাদক সম্পাদকোতিত লাখীগা ও বকই সা বিশা ত হই য়া ক্রমণ: ইকভা প্রকাশ করিছে জারন্ত করিয়াছেন
তিনি প্রন্ন ভ বালকের না য় কেবল আমাদিগের উপদেশ বাকা জন্মছ করিছেছেন না,
পর্ল বাধা প্রয়োগ বারা জামাদিগের হিছ
টেন্তার পুরস্কার্থ প্রদান করি, ভক্তেন ভারিথিত্ত আমরা জান্দ জানিত নহি। জিনি বে
লামাদিশের বাকেরে ভাবেণ্ডা বিশহার ক্র
রিরা পাঠকগণের গোচর ক্রিভেইন, ভারা
ডেই আমরা অ'ভান্তিক করা হই ভেছি
সম্পাদক ৯০ই মার্চের বিরুরে নিবির্য়াহেন,

काबहा डोर्ड के चारणानिक ग्रेकारि WIN CHANGE STATE A व्यक्ति वाक्क्स क्रिक्स महाकारण अवेत्वादिक स्था * Die lieut wall ers allega a fill by tin maicule toleta fi Character De Bull Statement मारहे। जिल्ले कान्या पाक चाम, छ या स्ट्रेस्स इड धमाबिद्धक सम इबिद्ध भारि बाटकई कि क्याईटकट्ट दर् webucun niem fanten. Siel staile : manage क्षा का बाकाइकें के सकति ेचिक जानाका च तम्हरू मासि रति शिनि वृषिभूषीय आश्री कारवार विवादीक सविक्षा का हत्र कतिहा सारकत_्रसंग्रह स्थ PRINTED PERSONAL PROPERTY. नवस, फार व्याद्धक लामुहा कार् अञ्चलारशह जिल्ले बाह्र set aicha ffacing

নিবর এখার কোনে রিন্তীর বি পরিত)!গ করিয়াফেন, কিন্ত ভাঁষ্ণর বি দেখিরা আনাদিশের অন্তঃক্রণে মুর্লি শের ও করুণা অনিতেছে। আদ্রাকি

ु अहि देखना महिः ক্ষার অভুঞ্জ কাৰিয় ार्क किल मो, **काउ**वन , शुक्क (प्रथिश कि सरे क किथिए जिस्तिराज रमंद्र 'सामध्यकाम भाडे हि स्मर्थात अहे खरिन'। श्र ष्ट्रेट्य । अनुरत्न अवनि ঠু উপস্থিত হটবাছে, তং .হইডেছে না, অধ্য প্ৰশ্ন हिट्य ? मित्रज्ञ मण्लामक द গভব কােন, ভাষার উত্তর ্রভাষার সে গুণটা বিলক্ষণ **।ক. প্রাথমি করা উচ্চিত।** সে াখণ এ,খ কি একমডা কাৰ লাপৰীত পরিত্যাপ করিয়া

म क्षेत्रक विवय नन्नाप्रस्केत ভ্যমুত সমূল ভাব প্ৰকাশ পা नामकं भूष्य विश्विष्ठाहरून. मञ्जीक शुक्राक याजानशीय बाहे, किंड डेगगुक वालिय ধ্ৰ বিশা করিতে হইবে, ভা ात व्योक्त कड़िया जिल्लामा कड़ि नाब, 4 क्छ वस्त्र बाटकरा निकारी । आहार्याद्र निकटि सहित्यन अवर कड रं वा अध्ववद्यां कतिरवस १४ मण्याप्रेक मन अष्ट्रक को इक द्विएड भारतन माहै। व्याप्त कथात्र कालिमग्र क्रिया । किन्न क्यांमता वाक्यमाटक करे द्वटमत নৰাজর, বেঁশিতে পাই না। ডাহাঁ হইলে त्वरस्थानाथ क्रीकृत भिरु आव कारन भू वाका चकाइएक र बहे देवितक मह शाहे त्रम (समा । मानामक चाउ ज्यू स रहेरम हिस्त ? भूकीभद्रे बादिविख्छ। हाहे। জানোদ আলোক, বিশুদ্ধ হলের অংশ । दिशास भरकेष्ठ भागसीय र कई धानम ুমির্ম কতক্তনি প্রনাপ দাকা প্রয়োগ रिट्न, छोरात हैखत सान त्यांना मद्द । उनम्रदात्र यत्न विश्वत्तत्र कान देवर्षः অভিনৰ করিয়াছে। তাঁহার এক্টেম্ব

सक्रियं सः । अहाजक्षां कि बाबा जनरजब कि क्षेत्रकात्र माच्य मचा च्यादि, यात्र अहे क थानि जिल्लि माधात्रभाक दुसावेदः विवास ८५वे. कट्डब, काहा इहें लहे के बंदा का प्रकासकारी आक्रिकेंद्र क्षाक्र दर क्रामाद्वाण कतिने ह ভীলা সঞ্জাপ কটুৰে ৷ বাঁলারা পুন্যন্ত चांप्रश्रीत्वत्र निवित्तं कान्त्रि ও करे तरा करवन, केशिष्टिनात्र कि केथिएत्व निभिन्न चर्डि नश कहा इह ? जि.कि.कि.के क्रिकान है कि वर्षार्थ थर्ष : जामर्थपुत : जानुक्वेश्व कि क्रेचरवृत्व विश्व श्रार्थ ? बिहुर्भक काम्रहीबड़े कि स्नगट्या क-न । न विश्वान ? क्रेमशानन्त्र व्यष्ट्र ठारन्त्र निविष्ठहे कि खारकता काक्यपरकात्र काव्यय अहन कति ब्राट्यन ? डेट्। व्यार्थका कि डेवड व्यक्तिन नाइ २ जाम निर्मत (एटनव (मःदिः। चळान जिभित्त जात्कव रहेवा तांक्वा छन, जाशांप হইরা পশু সম্থা অবস্থার জীবনবাপন করি **८७८इन, छांशक्रिश्तत्र अध्यक्तित्र भारीत्रिक छ** बाबनिक डेक्ट्रविध पूर्वतिक पृष्टे वनेटलटक दर अञ्चीत बाता जाँत दिश्य व्यवसा मन्दर्भाः विक रहेबा खेबांच माक रम, खारा दि आब ब्रिट्रशत च्या असुनी इ महर १ च्यक्ति विश्वत अञ्चोत्मत्र अञ्चताता यस बहेरा मिहे मिहे মহং অনুষ্ঠান বিসাত হওয়া কি এক্সিলের क्रेंडिक १ जारफदा कि बर्धा मर्था जानां विस्थत जीभर्भन कार्या भारत कतिया भारकन १ डाहा मुख्लिभ अवहे इंडेटन कि व्यात ध লীক এবর্ডান লইয়া আবোদিত থাকিতে ইকা হয় ? সেই হতভাগ্য ব্রীগণের কবস্থার डेब्रेडि मुम्लायन कि मुनागर्क खाडकचापि डि.शह। महत खीरमारकत भर्षा अक सन खू-व्यर्थका अममाच्य व्यवद्वीन नरह है

এই প্রস্তাবের উপসংহাব কালে আনর। বিনয় পূর্বক বিরয় সম্পাদককে একটা প্রাগ শ্বিক্ষাদা করিডেছি, তিনি বেন অসুগ্রহ ক রিয়া উত্তর দেব। মিয়র সম্পাদক আযাচি শের নাার রাজধর্ম কালক্ষের অগতের এক माञ्ज वर्षा प्रहेटव विनिद्या मुझाबना करवन मटन হ নাই। কিছু ক্তিপয় ক্লাফ বে ক্লয়চিত जामुक्रीन क्षर्यन क्रिडी विद्रिप्तरहरू छैर। कि अव्यक्तिक विश्वकतीय इहेनाक गुणियका

तह छा। । अपि मारे । शुरुषाक गुरुगत थलान आवाबिएशत क्षांकि क्षेत्र मा । अता आना आहि ब्राक्षिक वावन कारम शक्तिरात्र क्रिकेंड क्रिकेंच जान्य नघड र इस्म (क्यें होइयेश कि राजेर्सनातः क्रमाच्यिक भित्रक मात्र काठकप्रविद् जेयात क्षेत्री छ रतिया छ श्लादन विदेश के ब ८७ भाषित्व ।

> षात्र ।)•ेर काक्स :२७**२** । \$ 77 1

কলিকাতার বঙ্বাজার, দীনাবংজার, नियमिश्री अपृष्टि स्थम मक्त कारमा बिल्पम बिरम्ब नाम आहम । ११वें क्षेत्र मार्का मार्का भाषा नजरमाता। भाषाशही, वाह्र वामाह अ कृष्टि ५%: छि । वर्भा) कात्मत्र वाच व्यक्ति। क्लिकाछात्र बङ्गाकारतत्त्र माना स्वयंत्र इक আহে সেইৰূপ এখানেও একটি বংদাবাক इक कार्ट्स अने हरकत बाद्य, क्षानाम अन्ति कामान इंडेक बांदा भारा चारह । এই नर्दद क्षं मनात्री ज्यांकि:अत कोकिसोदी वरित दि: मादर लाकानमात्र मध्यक आम् ५३२०० वह क्षारकत वाम अवर ऋत्मभीय विश्वनीत्रे सकेशी खान अपन • काक अपना स्बेरनक । अथा . त्र म्यार्थका मृत्रसम्ब अधिक दहैरतक। তাতি ও লব্ধবনিকও নিডাত কৰ নছে। উভিয়া অভি বংশানানা কভকণ্ডনি বংশ भवाक। जाता जंगिविन्य: ज हाकाई बर्ख देवन করিয়া থাকে। গুলবানার বস্ত্র নির্বাংশের সমস্ छुड्डे करनत कायमाक इस । आस्त्रकीय मानवगन অত্যন্ত ভীকু স্বভাব, প্ৰাশ্ন অনেকেই জনা-ম জিক ও অনুস্পাতিক কিন্তু বৈর্নিগাতনে करी कार्छ कि ना मध्यर छल ।

अधान नामा धर्मावलधी मञ्जूषा यात्र कटव बर्ड, किन्न रिष्यु । मन्त्रसभावहे काविक । यांत কাতায় মাব্র প্রভৃতি মুস্কার নদিলের যে এক ल, भर्त रहेया चारक, अचारन डाशत कान अर्द्य क्रिके नाजे, अहा उत्कान (क्'न का'त्न অধিক হটরা থাকে। বিসন্তিরা কলিকাডা প্রভৃতি স্থানে এই কর্ম আছার করিয়া বেকুল कुछ कार्या प्रदेशादक्त ज्ञाना त्राह्म व्हेट्छ नारक कार्ये । भटनात् नामा जाक्यत थाव 81 3

महोत द्रिक्तिक शार में यान ना विक चारतं वर्षे कालि नामन जर्भात बदाय महाचा | कारत भूका वा नावादना कहा हहेया बाका | तरहादत बाज अपक अक रह कि चर्षे অভি অপ। চালার ও দী তাল্যবাল 'नारक्। क्षत्र'श अपल मृत् अक्ष्म मिन <u>त्वत्र यांकीर ४ म भगक्त इयः ८५३ हिडे मर्च</u> क्षधान । य विश्व क्ष अर्थ क्ष अरात न इंडेटन ধ্বতের সম্পূর্ম ফল সভাবন, নাই ভাষার । স্কৃত্তি করিয়াছেন । ভি নাধ্য এই আজে। केश्वर्ध माध्यम व्यवस्थ क्रकविष्ठा शास्त्रितक প্রায়ার দেখিতে গ্রহা যায়, ইহা সংগ্রহা **चाटकरश**त विवश काव कि चारक । कशान-**ভার বু'অস্মালের অ**পিনায়ক প্রীযুক্ত বার্ ভজ্জান বিত্র কোন কর্ত্তবং নিষায়র প্রতিজ্ঞা ষ্ট্রিয়া আহার অনাবচিয়ণ ফরণতে অনেক ক্তবিদ্য যাজির ভাষর প্রতি প্রথম হান হওবাতে এখানে ত্রাক্ষণপার উন্নতি শক্ষে অভ্যন্ত ব্যাথাত হুটতেছে ৷ আমি ৭ট গাহন द्धवित देखा नवाटक श्वम श्रमक मजाद ज्य रखा सम्पर्धन कविया चाउ।प्र हुर्गचंत्र स्हेमाय डेलाहाबर डेलानबाद शद छद्यानिबीद ছুটী প্রাপ্তার পা। করিলেন। ভাষার পর ১ দি শংগীত হইণা সভা ভঙ্গ হইল: আভার উং কই বা স্বাদেশের কল্যাপ বেবর্ক ক্ষত হ ব ক্র छ। यो करबाशमध्य विद्वत्रे हरेत या। सम्-মাথে ২৬ টি ভাক উপড়িত ছিলেন, তলংখা, क्रवन डेशाहारी आपूर्व पूरे किन सन आ মার সহিত কিয়ুংকণ আলাপ ক্রিয়া কল্য নে প্রস্থান করিলেন :

শুনিলাম এক্ষিদিগের প্রতি জনেকে ক্র मञ्जू इहेंग्रा स्वाम शक्तिलाय कतियाद्या । क्रिक्क शहिल्हां भाग करिका (मार मार्गावर । द CE कहा है के हा बिरनत करा । इस याहा নিগের ধর্মের বিশুক্ক ভাষ প্রদায়ে কর্মের **ৰ্ট**েডিছে যোগ সম, তাঁথারা কালার অস্থাব श्रीय प्रिचित्र, एवनश्रामाध्य नहीं । वितिहा निष्य बाद्ध भार्द्र मार्द्र मा। अधारन कार्क्स ७ मत्रवाधी शृक्षा किम हाति जिनम इट्रेय-পাকে। ছাকার দক্ষিণদিশক নারায়ণ্ড মতি नक करे पुरी द्राधान व.ि.म. प्यान ।

আৰি অহুন্দান করিয়া ক্রিমাম এ भारत (प्रे थु छ. नाई । स्माहितीय आहिता। तिथिव प्रक्तिन प्रदेश निवस संक्रिंग्छ। जा **র্ট**নে ২১ পর্গণা প্রভৃতির নায় এখানে क्लाविक्किशान वा मिल्नी प्रक्रिया रह मा। नहरू।

क्षांत्म क्ष्माङ्के। इहेरल सल्या क्षार्क (मार्क) क्षित्र किर भी भी सहैदल खान जान वि होतू त्र भीतः । उक्तजिल्यमाचारः) निकते श्रृक्ताः मानिया ভाराइरे जागधन, करिता बाटक । অখানকার কালেট্রল এক আত্ত টাংকার ध्यान कवियाहितान, योशता हाकानशासद मर्ग काहिक अ जवनही अल्डिश जाकाहेगा नाष्ट्राय गांबत कविद्य कान्यक क्षेत्रक দিতে চইতে। হ'াই'রা বাহিব করিয়াভিলেন डाङामि :<क है। स्म ब्रिटेड क्हेब्राट्ड · 🗡 🦓

ক্ষাত্র প্রাণ ক্লের হারেরা সংস্ত বিকাশিনী ও সভ্ত নতি মহুনা শিনী নামক ছুটি সঙা সংস্থাপন করিয়াছেন। আ**নি সং**-ক্ষম সভার কাৰ্য্য এপলী প্রত্যক্ষ করিয়া र्री भाग थीं उप अन्त सहैशा है। 2. कि < इ. च्या इताव (नदा) २ हे।त मधाय मधाय स्वात ভারেস হটয়। ০ টার পর শেষ হটয়া থাকে। উহা ছাব। ভাত্রদিলের বিজক্ষণ সংস্কৃত চক্রা •वैर्क्ड । **काळान** कि मेवनासिना मखान्न | बेहिन अभाजभार्यिक छेलग्रनिध दिन्द्रश्रेत आ-क्षाइमा बहेदा चाटक।

ৰঞ্চ বংগর কাবধি বিক্রমপুরনিবাসী ৰী যুক্ত চন্দ্ৰবাৰৰ চাঙীপোধ হৈ চাকায় ে বিস मारहरका कृत्य बाज्यांच निकरण कार्या ानेश र कारिए छट्डन , देनि शृथितीय वाति क | शामीय वमस्त्र अधिनद्व आधिनद्व आधिन গ,ত - 'ফাস্থ পকটি সাতরিক্ত গতি সাবি ধ ১ক.িয়া তাৰ্ষিয়ক এক খানি প্ৰাস্থ প্ৰা. विष्ठ अञ्चल इश्वमा । अहा तकवल हाद्दविद्वात बालक्का र रर्गाक्षण देशाक देशाह अलाग मा कार्यक्ष গু _{সা}ত উপেক, ক্রিয়াছেন। তিনি আমাকে र जिट्टलन हे कि दार्थ विस्तु असूत्र स्थालाई हैल-শ্বিত হটলে উক্ত বেশের লোকেরা ভাষা ফৰা সংখাৰ করিবার নিনিস বস্ত থক্ষ কন্ত শহিত্র ও বত জার্বা করিয়া কত উৎ সাহ প্রদান করিতেন কিন্তু আমারিগের দে শের মানবগণ ভাষাতে বণুপাত ও কার্নেন ।। ইয়াব নশক নৎসর বংসব পশ্বিটা ক্রিছেৎ পাভতঃ বোধ হয় এটি কর্ণপাতের যোগ্য

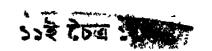
किइ कम चाठीख बहेन अहै লগন করিবা আগততলা নামক জন ज्ञा द्वाष्ट्रवातिरङ कथ कहिन्छ-সমদে তথায় সভাস্ত মারীভয় ক্লীৰ্ণা या-छ आधड मध्दल अकताका स्के विश्व इहेटल जेकान इहेराव. जानस्त्र वित अनान पूर्वक द्रकाकानी पूर्व। हेरः स्विता हेळा कृष्टेशकावनकी कुर श्रुक्षाकःदिक्षिशाक विक्रण कविवास आ प्रकार पहिला कारण कार्य हो है क काकी रुखि विश्वाप कतिया (मेरे माहे है विक दानाम करता। अहे ब्राणाङ्ग विया वाका विव्यक्त दहेवा क्डेंबरक व कात दक्ष ध्यान करत्व । अनुषः

े का का दिन शाल प्रदेश की ज्यानिवारकमा दक्षरम किमि 🕟 बाद्यातात शरक व्यक्तिक व्हेशार ইনি সভল ধন্মরই পোষ্টতা কা किए कान प्रत्ये हैं वि नदक शांतिदक देनि राधन थाउँ स्ताम, रहमनि कप्रतिक इदेशाद्य ।

29ने विविध मर्बाम् ! १क्षे देशक दमामनास । जक अन हाक। दहें के कि विश्वादक আগরার সেউ **অন কালেটেক্ট্**র ্রেরা একটি করের কাল্রের স্থাপন ক

क्षकात्रिक स्टेब्राट्ड, दवाबाहेट्ड ইউরোপীয় ক্ষিক ক্ষাক্ত 🛊 ক্ষম ভূষ कतिया निकास करान । सङ्घाष्टि र আট স্মিম কোম্পানি ৫০০০ क्षकारत सिक्षिट बहुबाब क्याब है। **८इन । अहेनकत्र विश्वह दकाल प्रा** পারে আখনারা ক্রার মারিজেক ब्रुक्त का,नेहें का,तरहरहर । हेहा पिर কি স্বত , এ 'ন ং ১'ল প্ৰস্তাৰ

कार होनेशाय नश्वान মুক্ত যো আনেকেড কিৰিং ব N : W1.



च. है। कि नादश्व भावनंदभद्र गत् आसाम् **लिका गर्बाए** अ. विश्व उत्र कीचा हः .ক ইছাতে আশ্চণ্য বে করিংবন্ वास्त्रिक कथा।

निकाडाय विषय (हे १० प्यानिया-গশ্পানির কেয়াণী ও বার্দিগকেও किथिए अर्थ धूरकात मित्रा हर। जा: ब्र काटनटक्रव क्रज्ज बिना छ। द्वाना दहा लि चारबान करान नाहे, वदर छाना,क रेट्ड विवक कब्रिवाब ८५३। कविष्ठाटक कानीत नात कुनरकात्रविभित्रे छा चॅत्र गुनदक्त स्ट्रेट अप्त, च्यानाकिद्रा राटक्यों आक्षरटक 🛴 . 📲 📗 ছেন্ ক্ৰেন ১

ाव अक अन मित्री श्रेटिक शिवि ब्रेड) शिक्षिरभा चार्यक्रम चन्न-उँ अन्तिन विभी रहेगा (हेन अरब दिवरम मनाख इहेशरहम । हा ७ एक युवात मक्तिकिता (हेनरनत পিত করিবাছেন। গবর্বর ফেনেরল টোন রাজধানীর উন্নতির জন্য জা ा क्रिक्रार्ट्य । क्रियु अक ८ छ्वी है-নগর্টী এক কালে সমভূমি করি

 টাইখন তেত্ৰত্য সরকারী তুইখান নাশ করিয়াছেন। ভিদ্দারা জানা भाराम मोनकात चीरशत निकरें তত্ৰভা অধীদার ও অধিবাসির दशके व्यांक विश्वम महावहाय व-क्रिक् अवर्षस्य के काला क्रिक्ट का अस्त ! कित्रियोद्दिन । ठेठ' 'यदशका छैदि" हु श्रृक्षकां प्र अया है 6 क हिल । «विशिष्ण वटलन সঞ্জ ि সর विभिन्नान दिनदक्ति है। दिन नाइन-ী **অনুসারে মাজান** প্রাচ্যে ও क माञ्चलायात है है। का जाईम, रहे- বোথাইয়ের সহিত ভাকের য় ভাষাদিলের অভিপ্রায় প্রকা-

বিরান বলেন, খড় প্রস্তুতে ফাণরিখিত ा हुव निवारमञ्ज विवरण निविद्याद्य । हे रेन्स्स को निवा चारक । हे हैं। का आदिन मर ৰোধন কর। তাহাব অভিপ্রেভ । যখন হারি॰ हेम मारस्य अविवास विल कारूम, छश्काल वाञ विनक्त द्वां । जाशह श्रान्तिवाम कदिया शतको याम सम्भूतिक वासा वानी | हिस्सम कि अखासनी । शतिहा खादान क ৰা স্বাধপরভার ফল ্রিয়া লোম চইয়াছিল : वैभिर ১১, ००० है।का छ। छ। एन। जानागट कान विवासत नकत नहें छ इंडेटन (४) डिडा के देशाला खुिया लहेरल क्व क्ति २ अप्री कि छ। वे रेश: वेंग्रं नव शक्ता मन १

> ह (न, ७ हाइनम् आरमक अधाद मा मर्क कुर रा कि काव उवनीय दिसे बदब का च्या नित् अता कानश्त्रण कतात्व हें केटता नी । (यत हाति वरमत अतिधानम् काहाराम् इडे ब्रोड्ड : किंख कि जिल्ल स्थापनम्बर्धाददेव স ভ বংসৰ জীপান্তৰ বাস করিতে ছট্ৰে। घर ७४ अ व्यक्त ति में छ। (कन?

क्षमांविद दवना १ घरिकांत्र शत्र बृष्टिय।-छ मारहद च्यानियाहिक त्रामाहे है। वाहर ड 'कुछ सु विश्वतक 'উशरमच ब्रिटन । करत्रक ब्रिव সাৰ্ধি ইহা প্রিড হইবে ৷ খাছারা ভাষা জ্বৰ कतिए हार्ट्स डार्ट्स हिराहक प्रभ है कि। करिया कि भिट्छ बहेद्द : अहे जक्त ईंशरप्रमक्तिन (क छे**९मारु (म उठा क** छन्।

दिन्द्वरमि ग्रेड अन्य कदिगोर्डन ३৮५७। ७८ मारमञ्जू बारयूत दिमाव ध्यक्क मा इहेरन ভূমণ সাঙ্গের উত্তর পশ্চিরাফ**লে গন্ন করিতে** _{| মহারা}জ সতীপ চক্ত রায় বাহা**ছ**র নারু ব ম পাণ্ডিৰে মা

कु उन करलबब भारी बगबास शब स.माबिरशब इन्छ । उ इडेगार्ट् । ए। इनाएक्ट्र निषय अहे हे

ए धकरण कात कान कानीन विषय लि॰ াখত হঠবে না। সম্পাদক ইহাকে সাহিত্য পত্ৰ ক্ষিত্ৰে কপনা ক্ৰিয়াৰ্ডেন ৷ খাহা ছটক हेरात भाषतिएउ । जामानिराज्य व्यक्ति विभि हाइक । अञ्चानक कड़े महन माम्बी अल्डिक्स

¢ हे हिंद्र मश्रम ब.ब ।

মরকরার কাছ।ভুত্র সধ্যিম। তঃ বলেন । তার-डा होत्र कोट्या नियुक्त क्रशिता नारकगांत्रास्वत्र ছডিজ বিপ্রপের ব্যক্তিদিবের সাহস্পাই এ-कारक ७ जाना कविश्व क्षिप्त देश के का का काम

इस्कित्तिक्ष्यकान्त्रिकः ब्रह्मम, खन्नकः भक्ष

गरिक नेक्टरमय को मामाजिका धानदात्र महिना स्, निष्ठ के कि महिला अप द दर्शको संहेटकरे ীফারিল বঙ*এনিশ্চয়খয়ন।ই।

ফিনিয়া ব'লন একাৰে আনেক ভাষাৰি আন नां स क्वेर अरहा

उपकिर्देश विषय है।	8-8 छैरिहा
বঃভিন্স ১ইডে	¢ % 9 . •
हरसारावस् १ है, छ	39-84-4
८ॐन इ ङाञ्	Ď****
'न के हे प्रकृति हो र ख	, \$2.000
<ा एँ ना श्च इट	£ = +00

मारमक का किया इंडे:ब रायण होकाँव खेरा कानकानि क्रेशांट्स अन् ७ प्रकेक अन क है। छ >८७००० है। केरि क्या रख मानगानि **क्षे**पाट्य । ज्ञासा दक्षत हेर्ल व गांदक ३२,६००० है किन त प्राप्त ने किया है ।

माध्यति क्रिशिक्षम व.सम, ভाষ उपर्वेश वन्त्र क्षणिक मछ,त्र ६ विमन न स्मार व्यनस्टरक्षक क वयाउँग नि. वि यक्ष दवत्र अभाग उम्र '। प्रायानद्व द्र कड़ कड़ेगा ह्र :

त्राच हे मठेटड विविधे बटलव अथाम् रमनाः गाँउ (नाव'बेर्स अंडा ह्रेड दवेष'रहत, सनावादे CS' इ चा श्व में युद्दे श्व, श्वम कर्तिद्व ।

देश्लाममहारक इत्हलना ताल्य महाम्बर्का उटलम क्रथीमान अम्का जोका प्रांगात हान जारभएवद वर्षक दिल बिला बिला श्रुक व्हेमारम् ।

विक्षांकि मण्याद्यक ५८कान वाक्षांआव ८८९७-मन्त्रे शव वि आस्त्रः। संबद्ध स्थ्यः, 📑 . 🗗 🕒 वरः। এইচ এল ভে: রর রাজা প্রভাগতঞ্জারহ নাৰ ঠাতুৰ সম্পান হরেন্দ্র কৃষ্ণ বাৰণছৰে দীৰৰ ह्या विमानामन कर माधानन निकामाहरू क्ष विद्यक्षेत्र ७ दब्र दिनिके क्यिमनद्यत्। क्षत्रा । ब उद्धानभाषक एकेरनम ।

के उत्भाग कारता परनाय भन गाउँम कि्रा_याओ वाषी स्म मारम निष्कुरम्भ मन्द्रभंत वं वाहेव व य जिलाय क प्रमण्डम ।

हे जिन्हा त या छात्र वक्ष छात्र कार्यान भाग यी बहारांक मन कक्षरांश्राह्मरक लिथिय रहे-स्य कि स विश्व देवें विद्यासि शालान किइटाक नाव-८क ८क विश्वादहम थर॰ कि नि मान्। ७ म'ला श.३ প্ৰিধার গালের পত্র বাহক ছিলেন এক-" जिल्ल दमके राज्य भारत कारत है। इ. एक लग्न एहर

७ के देख्य जूसवात ।

किलिल ब्राह्मन, क्षत्रपूरत्तर महाताक (म ু, জন্ধান্ত কালেনে ১৯০০ টাক' আধান কৰিব

हाता, अर्थ: के अनाक. तथ मात्राका कारणाक करमक्ति हात्र ह क अमान कति का विवासित । **दि**जि कांगाबी क निर्वाय-गर्वाय अभिकांडा बहै-ত্তে প্ৰাম কলিবেল। । প্ৰামনী প্ৰণ্ড আনছেবল ु देव ७ मवहाबलम हिं, ेपन शहां खनाना ক্ষেত্ৰ ৰাজ্যি কাশীপাৰ ভাতাৰ সভিত সাক্ষাৎ कतिया चार् नवा हन ।

खिमि बादया वरलन राजना (मनीव क्ला- j इन्ने भव व अहे अलाव कविशाहन जानामी ক্রান্তম্বার মাস পর্যাত্ত কৃষি সংক্রান্ত একটা নে-**前| 10** 1 1

हैक्क शह बाहरा रहनन मुहत्सर नार्व अपी-शास रेममाश्रापम बाग्न मररक्षण कर्त्रवान सहना इक्केश्वरह क्रिक्ड केंद्रेरवाणीय रेमना ना क्रवाहे क के डिटबना निक्ष स्ट्रेटन मा. २०००० अट्टनीय टेन-ब्राक्यारेटलक २० अफ है का उँगुर म्था। श्राव । कामब्र' वक्रावव केंग्रेटानीय देशका मर्थाः ক্ষাইবার প্রস্তার কবিয়া দালিতেছি।

खिन जाहबा बहान ३৮ ७३ । ७२ धान रहेक् रव शांक > १००० हेन आरकेद चामक नि छ १८ १८ हेर कार्डित इश्वाम महेशाह अ व्योग-ब्रिट्स शह : • ४००० हेटनव्र व्याममानि ख २१२१० है। सब ब्रह्मा सम्बद्धाः हा

भी जिलाको व अब अदर्श स्थानका ५० है मार्ट क्रमुक्ति त्रानामित्रम छेट्टावेषः चानिवाद्यनः এধান দেনাপ ত রুটির নিমিত্ত আনিতে,পা-(अन मार्चे।

केन्द्र शक्ष आह्नो यहमय त्रामानियद्व पश्चाराक ५० है नार्ड दिनाइटम खेलाबिक वर्षेत्र-.६न। वे पिन (म्ब्यान वक्ती क्या क्रेड्सिक. काराटक विकिश्वाना आध्यत द्वाका व्यानक छै।का राष्ट्र के रहार्ट्स ।

खिन का है। बर्सन करे मार्ट गढ़ मनेश्या-वित्र लाटभारत्र किर्दिश चानिशास्त्र । ज्याम ७-भाक सारवा अभूकाव प्रवेशास् । छाषात्र नि-करि चात्र छ : भन्नभारमञ् छेमध्य बाहे ।

कारतमान शास ७७७००० हैन कारकेत धान अवानि वहेन्नारह ।

वक्षपुत्र विकथानाम अल्लब क्लानिकारपत ৰাকা শারীবিক আছা লাভাশার কিছু দিনেব ক্ষমীয় যেশ প্ৰমন্ত কৰিব ব অভিনত্ত কৰিব। মৃত্যি। महिन्नाहित्मव, भारत छ। । १ वर्षादिन १५३ है। गदत विकास ना व्यवस्था श्राचना क्षेत्र वर्षेत्रा श्राम काम जासकाटनी जटनाट्या व विश्वादस्य ।

ইতিহান এপায়ায় অসুমান করেন বে হ-र्श्व बिकाश महाबाद स्वतं होत सब दे दिया छैलानि **व्यास प्रे**वात्र महानमा प्याटक ।

मीजिट्ड कारात्र सन्दाह^{ें}च क्षन्न क्षेत्र के **नेटकटर** ।

हैं जिनमान रटलन सर्वास्त्र अवास वि-त्यः। शे अद्यक्तिसम्बद्धारम धनिए व योगातः नाग-ধা কৰিয়ছিলেন ভাছার। প্রবিষ্ট ভইচে ६०० छोटा भूवकाव शाहेबारक्ता

में लि च १९६८ वटनाव का शब्दाय अभी वृक्षत विरक्षेत्रिय कारमञ्ज ऋाभित इंदेशास्, उपधा-क्षिक. मानिक २०० हेश्का (रहत्व अक क्षम अखा-পঠি নিখাগ করিবার অভিলাব করিয়াছেন :

म्यानात रिम्ह्यामी वासन आधाषात छा-व इत्था व मान- कर्णाम् खाम 😻 कर्णम वोरवास এক এক অভিনক্ষন পদ্ৰ প্ৰাদান কৰিবাছেন।

किन यारमा बरमन चार्यापाप विरक्षा बहै बाव डेशक्य इने जन्ह, मुन्नमाइनयः (काः रान लाम कराहेग्रः मध्य शक्तक स्माक कराह विष्य १६ व वेश्या व मिल्डाब. देखिमस्या करवक कम भुष्ठ इत्रेष्ठः गरीकार्य वस्ती ब्रहेश व ब्राह्म हु । विध्य . १४ था उक्क कांग्र इवर्ष ६ हैट इ रजल मा।

रेशियान भवव बलाम এहे क्रम व्यापारी योज्ञानवाहकत कार्या इन्द्रि व्ववहाटक मीति अनु তসর ও ফুলতান এড়ডি খানে শাখা বার্ড शां शंड इकेटना 290

१वे टेइब ब्रह्मां कि बीवः

जन्म के में।राजद अधुर्वात मोन्द्रित समरदार বিষ্ণারালয়ে এক অন্ত বোকলন। ১ইয়া পিয়া < । चाउँ-छै, छि क्रहेश यागक अक सन करानी কুলীন অভিনয় দারিক্রাফনাগ্রন্ত ছওগতে আ शमात अंश बोर्श कृति श्रीक करु क गमार्थ র নারে প্রদর্শন করির। প্রতার কিঞ্চিৎ কিকিৎ অর্থ সংগ্রহ করিতেন। কিন্তু উক্ত রমণী কিছু क्षित भारत कामज के खड़ी एक बार्ग माने मान मन मदक्त म्द्रायमान श्रेष्ट व्यवना र म्द्राप्ट कडिले ले श्रमात्र मीर्घमात्रा अक बद्ध विकास कावि निक तः मृक्त (७० हैका) प्राणिक व्यक्त चीकाइ क देश अध्यात्म क्या चानस्य करत्म । छीडा-म्रागत केटरम्य करे शास्त्रका वरेमाहिन' रव वान्ति अवस्य जनस्य जान कतिस्य कीनात्व · · · शृक्ष प्रक विटिंड वहेरव। कडिरकेन की निम विकास विशेष शिक्त मण्डी कारम विवक्ति ध-কাশ কয়তে ডিলি ভাষাকে বিষয়ে কৰিছ। দে-न । एविषय को जोतमान स्ववानी एउ मानिम করিয়া ৫০০ কাক পাইয়াছে। অভিলয় সভাতা व्याप्त धारतं, । कार माहामहि।

महित्रात करूनक स्व बाक्षाकी कृति करा इ-क्षि क बहु। पूछ व देशहरू । अहे कारक व देश माञ्चारकत दश्चिमाक्यक मार्काकत माह्न

अम है जें नहीं कारे का शक हाँन कहरी के क्षित्रक विकासिक विकास सुवे कुछ करी है हैं की हेरावं। वि वश समा आर्थी (इस । क्रार्के के TATE !

शाह पुरे वरमह श्रुक्त (शिक्ष्म दुनिके व सन वेश्यास अञ्चीत एवेश साहित ्याहीत कारिक क कांत्रक श्रमम , कांग्रम । कींग्री नि नद्या भाव वर्षेत्रः विचान जनक्षेत्री का शक्त के काविक कृत्य विद्या क्रिकेश करवन कर कार्य है शक्ति नव कुरकेक ? न डोड्डिनरफ वंद क निवारहे। कुनवृक्ष के পিয়, সভা ও স্থানিত না ২ইলে এ চেটি कक्षण कडिन ।

देखंड राज्यसम्बद्धः सम्बद्धः असमिटि वर्वेदित शाम समा भाग आहरू के केंद्र त्य-ते चाळा चहित्रारष्ट्रम **एक्ट्रा के क**ण व प्रके क ब्रेटर, का बादक अके हामा सुद्र ওয়া কইবে। প্রামধানীয়া এইভঃ ও সম্ব मश्चिमाश विषय अने कविरकेट्ट । खर्ग, दा प्रत्येत मध्या, मान प्रदेखेश्य न्।।

(रोप्रिया कंडम्क्लिक्स्य गर्मा क्षेत्राधनार्व केव गरा। ब्युडिएस्स । श्यमंत्रके विवादकत्र मान् क्यांचिशास कर স্বাছেন। কলিকভার ছার্ব কবিকেরা। भारत ,त करतेन को दक्कि है ^{। १९६}

कत्राती शर्वाटको व्यक्तिकाटम अर লক্তার করিয়াছের শস্তারী জিডাবাঁটি বি দ্যালয় স্থাপিত হবলাছে ক্ষিত্ৰট টু ব জোদ সম্পাদ করিতে জালা বিয়াহে ८७ (मन गोभीका जारनाः मेळाडचे - चार इत न्यू रहेत्रहै निष्ठां हेन्द्रो।

है। श कर्माप्त जन सम मूर्ज नहीं र्वात्र विकेश्य निर्देश के विकिश्वीकी নগট ৩০০ টার্ফা কর্ম্ম করিছ'

उ।इ।४ अञ्चलकाम् क्रिया য়া ঐ ব্যক্তিক পুলিদের হল্তে সর্বীপ ८४केश बारहरा। किन्न दर गांधीका र इरिश्वरक्ष अर्थाः जावात्र वाक्षितिः

ভাকা ও **চটাগ্রাম্বিভাবে ক**ন निय क्लिंड बहेशाह। र १ वे

पुरक्रमनीत स्मजान पूजाते । প'তত ভূ'ৰ নিষয়' প্ৰয়াশ কৰিছ রগরে এক কেশ্লিসি-ছব্রপ্তর্থ । 🖁 पूर्ण यथ ८० जॉक क्रिक्सेश खावर्शि कारी काशकरतकाँ अन्तिके क्रिका 电影射 明代集平十二年

व्याचनः धार्काकि इस्माय क्याव कार्यो। ्क जिर्मन गाँगे ता झांकि नाउन गाँउ वह তে नमन करनन हैनि अक व्यक्त से डेम्। धि १ खे ३ हे श्राह्म ।

উইলিমন ছাত্রজি নামক এক জান পুলিব ই

भनेत्र मुध्या १ ६३ हमन नामक एक राक्तिक ছোর করিয়া বধ করে। প্রধানতম বি-टाब्रांत अक वस्मव मिन्नाम कर्नेग्राहरू कडा व काशासन मुख्यास्त्रिक भीशासी মৃত্যু চট্টাছ এখন ঘৰ কেচ প্ৰীভিত্ত वध क्यूब खरन जाश्रद्ध योशी क्रोन्न खानी देश अना भाग क्रान, **फाँक**-

उन्म निकुष्ठ प्रवेशा शास्त्र मध्यम गाई

। ছ ছে। মু বা ডি ব দি দেই বিকৃত মন্তিক

रेग्द्राणीदहरू अान मरबाद नदब, 🗫-

एक नार्काटन कारमक ब्यार अपने वाक्रि माहा बाँकि श्रीशाड दक्का मेका ब-হ। এট 🎥 ভাল হয় নাই। বালি . व्यात अक्कि ४ डेक. ८व ८कान ऋत्भ हाका वर्के के देखाई वाचित्र कत ह-

शब्द दिन कांसूक् दिन सर्वासम्। छ। व-'ডি'স্কভাককানের বেনাপতি গ্না-। कायभावस्थितक एक पुरस्क शत्रीकिङ । कामीत 🛎 क्रीक्:द्र श्रीव का रहत थे। গম্পন্যতে বিশ্বর আেক প্রীকৃত্য আন ब्राज्यक्षः विक क्रिक्त क्रामित्वत

विक्रे करेटल कारकगारबाबक मशास्त्रा-प्रकृष्ठातिमक होका दशक्तिक रहेवा-है अपने हैं कि अवश्वीत बहुद्राहरू। ক্রিকার স্বায়তার্ধেশার দিয়া পাক-अङ्के सङ्ग्रिक्ट्या ।

्क्रकेत व्यथान धर्मान क्यादिकता **छ**-, ने अंक्षे का एका मारक देश निकटि क्ष वालिका विकासित सन्। अरः া আন্দেশ্ব করিয়াছেন। উপ্পর্ াশীয়- ক্রিন্দেশকারির। বছল करने म्बाइनियन केंग्नेश्रिक क्षांत्र क्रिक र निम्हान्त्र कर जिल्ले ज्यायनाक क-अ चामका पूर्वभिक्तिम तीलका s साम्राच्या व्यवस्था कवित कर् क द्वित्यक्ष (३,३००० हेक्

अध्यक्त कर्म । अध्यक्त कर्याहरीय अ दश्याम (का र्वेष था: राम का भाग म जिस्स कार्या वार्याक हे कि। '। इ. रहन। अक्षांन ः है रख अ मक्ता हे हैं।

श्रुक्त राष्ट्र 'लाक्त रवहेला प्राप्त र वर्षा वन भी-লিয়াৰ নামক এক বাজিল এক জন স্বালস ফুলি:ক এक कें) य द्राट: ह्यू प्रियम्बर म था जावाब मु ড়া হয়। এখোনতন চিলেল র যে নিছ্তি शाहेगाच्छ। किन्दु के दार्कि एक कि विव मा ११४ खरन 'श्रीसन क ब्राटन काल'कान क वर्गास् । स्रोत य मन्बिरशत (मृन्म ० कि विह'द केंद्रे क लाजि ल। (४६ व)ल:३व कङ्गण यन्त्रा ६वे ज्लाद्य दलादः স্বস্থান্ত বিভাগ ভাগ গৃহ্ণ কৰি বন।

भूतीत क राज (वहेसल मू आयुक्त व उम्राह्य अंत्रेखनरीय भव रिमली आधान देशिक्यर शहन রবিবার প্রাণঃখালে ও সরাবে সম্যার গালপ য हता दिल्लाका के **उत्तरम एमद विद्याह छै- े भक्**षि ए दिल्ली के के दिल्ला मार्क विभाग स्म कृषक द्रव स्था हरा।

> मर्गाप या ि शहरू योगिया निर्मय व्यवीन সেমাপতিব সুভ্রমৃত্যু সইয়াছে। আব এক জন गर्मन्त ७ भी व भन १ इन किन्यः (५ न । याष्ट्र) ४ छै-क रामाना श्राम् इडरल श्रेट्डाइ।

> प्रविभग काद ऐक्सि बहुतम दव**ल** उन्हेस्ट वि-লামপুৰে পেণ্ডল নী মামত এক জন কৰ্মী কি-ष्ट्र है। को कोरेयः दिन्हेल प्रदेशक आर्थिक हिस्सन । डीहारक भरप कक राख्यि हु आकड़िया कार्य वाल-बर्भ न दिशादकः नराजक ज्ञारम छ। हाद छ। दि सन মধ্চরকে ধুত করা হইয়াছে।

P 5 CP 2 G 24 41 2 1

हे हिम क्षत्र हे छिन्न। बल्बन, द्वामुद्दिन भव-र्वत्र ३८ वे मार्ड व्यवस्था भौहिताहरू । छवी-कात मञ्चाय विषय मनार्मन क देश। धारायाच छ সিভেশ্ব গড়েব সধাস্থিত আন্তাকিত ট্রাম ওয়ে 寶明年 李 李朝([夏]年]

উক্ত পত্ৰ আৰুৱা ৰজেৰ সত্ন ক্লোৰসেটজি। किकि छोडे द्वार्यक किंग्र मोखान। मारम प्-निशाहि । उथाय भारती श्राविष्ठत्वामधान सिना ९ रेशलवी खायात्र भिष्मा रम्थत्र। एउटन। উজ্জ ভাষাত্র পাবনী, एटशङ्क आत्मक धर्मश्री छक्

आभारतिम राटकहे बदलब त्यामाहित याव टक्ष मञ्जाद ७ स्त्र म स्व स स व करवेंद्रि विमादन । प्राथादार्थ पावेश्व प्रवेदित । অংশার অসুসধান। ধ নিসুক্ত চইয়াছেন।

के विद्यान निकर्मन बटलन माखाक विवेशिया -লয়ের ৮ জন খিন্দু ছাত্র বি, এ পরীকায় উত্তীর্ণ १ है शार छन ।

भवा कृत। दीव पत्र, का राज्या ६००० केनियान- वित्व कालित नाम वित्व कतिया किल्लित व-[神山 布尔斯斯 李章章(《董山》

> मी झ (अरक्षः बहुमान, खुरा छ नश्च शक्कि एक दश्मधानी सामा अप इत्यम काम **काम काम्यक** क्षा का न पूर्व भवा भी 441

> ট্লিস্গান বলেন ार्डा अन्यत्य सन्तिक्ष मिनिया उथानान उद्यत्नी भाषा । क्रिक्ट क।भक्त वादशांत अहांल उत्तविहा छूत।

डिनि स्व^रस्त न'लग शामक (क्वन्यसम्बद्धाः कश्चन त्र जनान प्रकात कि का का का कि है। कि विश्वा "" उभाधि अलाग करिय (हम।

নই চৈত্ৰ শনিবাৰ।

किनिक् रास्त्र, श्रदान तानाक के शास ही। अर्माण श्रम्भ क राज्य (कार्य हेन वार्ताव व्यक्त (क्रमवान अ. ८४६० ति. वि. উख्य अभिकृत **भ**्ना धर्णाहरू व्हेश कि है जि जन कमा के ध्यारि के-পিলে পেন শিভিন্ন ভার প্রজন কর বন।

खेकु भव यारता बालन जान, शि. शरिय ब्बर सरकाय भारत सामा क त्थांतर क्रांचान ্ডপুটা অভিটৰ ও এক ডেন্টালী এল ললিডটন प्राप्त है, अक्ष क् विभाग छ। यह व प्राप्त व प्राप्ति प क्राडेक्ट्रिक स्थान ब्राह्म अंत्रिधि स्थान क्रांचा केत्रियम ।

উফ্লপাস জাবে। সংখ্যান ভারত বের বেঁট एमरक्रहे।वि अहे निवय महिम रहून ८० रथन वि किंग रेमरमात दमान मर्माहादी जारखन्त स्हेरखे के जो ताल मा केरका, खर्यन मिल्ल मिल्ल में निर्माण mprica Mican din Mittan i

PATA CETER ्य। ग्राई इंडेप्ड Bon Bine >3• **₽** भागाम •हेट्ड খলিকাতা হটাটে અ⊭» ે હે " व्याना काशक, ब्रांदा ৮ १० है कि, कदिश गाँहे

माञ्चास हेक सि बिरोग रहेनन अकल कथा-कार सम्बद्धान क्षेत्राचाकर हरेग्राम । मालाक ग क्रम कर्षेष्ठांक्रके धार कथनरे क्षेत्र मारे। 'ठ०की टलाटकडा शांत्र केफरने दिसमें खबरन याहि COLE!

4"1 .

८वन ।

मील रशास्त्रके यहसम ५० हैं बेल्ट दाकिएक का विश्वपादाय प्राच्छा न्या इस्ति विवेशाहरू । प्राप्तु -खनर्व अक्रमण अक्षमान केंद्रिवार्ट्य । ८ अर्थति कविभवत्र (मसुद्र) (कतिष्ठिम श्रिमुक्तपत्र विकारेश्व এতিনিখি কমিদ্রর ছইয়াজেন।

देखें भूत्रे आरंग न्यंश्रम कुंगडान यांश्यम काम प्रविद्धमणहवानिविधारक दिशांके अदिसी।" कतित्र। निकरिश् थाना काम कारम याहेदक कहा मधि कांत्रगार्छन । विश्वादित निग्रम कर्त्त) व्यक्ति भिन्नारक्षम मनाकारन **१४,०३ ७ हेर्न**्कारियः

्ये केट्सं लेक्स नमाहात्र ।

बासन ५३ स किलाबारि कार्य नावस्क्रीमन्दर किंत्रकु मध्यम मनीवर्षः क्षेत्र कम व्यक्तिक्षः अत्र स्थमप्तर्शस्य व्यक्तिसम्बद्धः व्यक्ति वकरकरीक्षातक योगे मार्किर के हैं प्रवृद्ध मुख्य व्यविद्यान कर विद्यान कर विद्यान है की है । न्हें क्या श्रीय - अ' म तकात मु'क्ष जमाम का श्रीत कार्या श्रीता वार्य कार्य का अवश्य । स्मानामा । वहस्थान त्यवामा न इत्लान रह भूतकाह केलाउँग्य था। भाउ के बाराधान (Pr. लाम्बिया।क्षित्र १ दूबर १ ज प्रलाख अट्लंक के-गृष्टि महिन्छ प्रदेश किता जा सब मन्त्रिमाहर वी क्लांद्रकता छोटो क भ न आज प्रतिप्रभक्त धनः बीहार क्रिकाडे ता मनच निर्माय अत्याकत्या-भारात्री काणव धन हिल. जाना मक दाख अ िड क्रेक्सिए। मंतिन्त्र 'मात्र देशका" अतः क्षिक्षण मि पूर्ण आक्रमण करण धाक्रकरी व चेत्रारकः प्रशासना स्थार (धन अप्ति केंकेडेकिसा চার্ল্টন ছই জেনোল ইয় উত্নাংশ্ব ১ টা कार्यात अ ३०० (काके न यह वृद्ध कार्यक शता-कड़ कविया व मी कावयरहरून । वे छश मा नातारा भक्त मध्यात्र माँ एर अवश्री ६ इत्राप्त । ५१ हे स्मार श्वाति वाजिएड त्थाला स्वत निकारित। श्रीति न हैनजा प्रशास शासिया सू नयात आ मकाव करि 可管工

शक्षम २०० व्यक्तग्रादि- १५३ अल्ब्हार्य খাংনিকিব বৃদ্ধ 'দ থাকে । চালে । চালে । গোলভেলি কালে জা প্রাক্ষি ভাগাৰ গই-केटनय व्यास्त्रमण रक्ष यात्रमण्ड मास्त्रमण्डमण्य अर्थ रिखकं करिनाम सना प्रक्रिय छ উखराश्रायन क्लिकिस्पन्न अकृत करे शहर समा फ्राफी मन : त्व आक्षाय क सम छ । का अ। १३ व के छ। १६ পটোখাক ননীজীবত সেনার। ছিল ভিল ভইল ल फुटडर हा विकि । शांत अखन के मक्ट अव ००. (लाक C वि क क्षेत्राहि ।

भिन्न देवक अन्ते स्कट्ट ग्रादि-सम्मार्शक सिंगाव প্ৰশাস্ত্ৰ মত টেটা হ ৫%। ত ছাৰ্ল্ট নব স্থ' কুন र के छ इन्देश्वर छ. । शक्ति मिश्चित निवस विवर ह পর্ব হ লমক্রস দ শ্রুট কিব হাবছাপার সভাঙ্গ ংতে কংযুক ক্ষম ক্ষিত্মৰ 'নব্দে হটয়াছেন कामन अस्तित शहल महत्त्वाच्च प्रशासि ए ्याहित काल मा प , क्षेत्राहर । मा 5 हता 8 छै । के कि. एक देवे तीका मानक ह नीप न खानीत व्य । अग्रहाङ्केट १ . १५ शिवाद .

: इ. ए. अ.स. ४ -- १ लक्षात्रः छोए हत्त्वः क्षंक्षं किया, अप दन कार्यक्रम कर्ति । अब अदर श्राम् कविष्याद्वान, लाकः अनेष् स्मितिक श्रेमी छ। एतं, विद्यान विशेषक निमान रक्त त्य जे कारवस्त कड़िवार त्लान कारण लेकि क ५ के : "तरक्ष सर । एए । दक्षिण महत्त्वीय एवं पर्वाधिक व . . वटचे अयुक्ति चारहरू, अन्य आर्थितन कोहा क मा रिकास करिया कारे विकास मार्चित अरिनी अकडा क्रिक्ट अपित्रक मा। बर्ट । स. नश्का. का इ.इ.स.च (चार्यक इंडेग्रह्म। मारकार मार्कारल ध खिम अपन कथनम मस म हिनिगर । छ। स 🎤 व- । ग्राधिरानन । अत्यक्ति ममानाभने म मान्द्र (छरन .शक्षें किंद देखक, राम'मद किंट प्रत्म क कि कथनदाविद्यान्।नी - अवेगा ६ . भव क्या म दश्य देखदेखिया छ होत्यव देशनाल हा याः । :बर्टप केंच बाक्रम क व नंगा निरंश हन। यह किष्णिक करेन : • भीव इ नार्त कक देश- क्राल्स कार्यः दश्राख्या आगार्था का अभिन्य स्थान वाक्षाम वार्थासकेद तम कार्या महित्यम। रमस्ति। १:वी कामीन नरनाय अवनः 'रनाव स्माद अब बाजि वृक्ष कार्यक्ष वर्ती करिया है। नाथान्य विकास विद्यान करिया

क्षि क्षित्र अप्रात्त का का ह्या के वादमान्य ; उन्न गाफ मका गाम गाम गाम है। ्भ का'रशव नि छ।इ हिन क्रिय छग्न'नक खानांव भावन मनिः उत्त अभिय ७ ऋगिक्षान श्राम cmicara: व्याला १६ में जिल्लाक कि उत्तार सि राज्ञा वे रक्षी न क अधिवार इस के है। भी द सञ्जी व क'क्योत मि लगन (७३ टर धेरेक) क'क हाकिया-(毎日)

িছে। হি সভাব অশাক্ষেদ। বিনিসে ধন, পাড়ি

श्रीभव अस्य लिट्यक महा वादरियांकी क बेटे धालू वंध अविद्यारश्चन (व छं,हाहा छेने कर ्राक्षारस्य विज्ञाः विषयः कैमानीम भारकमः।

21-3 গ্ৰণ্মেণ্ট বিভাগন। कामलारमञ्जूष उत्तरहेन देशवर्ष द्रव चारमधा प्रमादी नित्रांग ।

क्रोडे मार्-क्रिकेट दश्याल (ब्रम ल) मार्किन ८८म ।

ক্ষে এস বিজ সাছেব ভবাকার প্রতিনিধি याशा श्रेष महित्वन ।

বারু বনানাথ নাটা ওখাকার প্রতিনিধি बहर्ता काश्राभक इंडेर्टन ।

১० के मार्ठ-कि द्वार स माद्रवस महिना বিভাগের ভাগ প্রাথ ৬ইশ ১৮৫৪ আন্দেন ১০ आ हैरनव मा शाव क्षत्र विती काप छ। शाहेरदम ध्यर १८४५ अप्यान २० खा हात्रव ७৮ भारास् সংব্রে প্রাধানত্তন শিচালালার আবিদার উপ बुक्त (प्राक्रमायः वो स्माविदार्धिक **थलम उदाञ्**त क्षांद्रस्य व भाउत्हाला च के देन र

. বাহিঃ। ॰ . গুৰ দৰ ১৪পুদী অভিযেন একে-किस्ति अश्वक केर्रादम ।

भाक्षा भाषा अवस्था की अवस्था का अवस्था की ্চেৰ্ড ডুব লৌৰ প্ৰতি নধি व, रः शान 1 10 F. Er & 1234

৫ম লেনীন গ'লপুৰেৰ 'বৰ ভেপুটী ঠ'ছ-্, একেটি দি এব আন্নাইছিল সং হর বছলি ५६४, १४८ (माम विका रहेने ।

तहे. अञ्चर्त भारत्य गाविस गाविल्या ए म ८३६-। भी। क इ.कम बाक्टलैंव अधिविधि इडेररवः।

55 7 16 一山 建新用信息 有规范者有事件 ि के 3 3 क**त्लके त्वच महरू। ।** के देदम व्यवद be) अक्त १६ साहित्मत २२ थाता यञ्जाहरू त्भातात्र २ तः (अभीत व्यक्तीन नाक्षित्रकृत्येत का-

और होत । क्यांकि नासि के ने स्ट त्क्योंने करण हें ब के हे बद्धां व वस्तु अवाकात मामिरके देत भाष्म वृद्धिमात्रः श्रु केया हिम्स

हेर हे । हाँ व्यवस्थित व वेटक्य महिन्द

ब (क्श्व) अभूटक्य क्ष्मित्र मिविन 🛡 व्यापत 🕫

नियमिविक गाविन। मुलगुरम्म क्य अध्यक्षात्र महत्त्व मान क्रेमाह भाभाग विकिश्व मिला द्वार **क्यानकी**. ५७ ने गाह --- कथ्री म किर्दे है है . लिक्षेत्र का व अन्ति मार्टन्य कावकायाह व विकार शत कात आ श सकेदरम । ১৯० २० अ के सब ५ म श्राहासुकारियों **या**ज र मा का द ३५ ७२ मा मान दह ७৮ धाताकाणगारव अधामक्रम रि द्यागित्व एश्वाकः वाकस्यां का दर्श

कारकार्याच्या वार्या वार्या विकारकार है। (क, भ cभा क्रम भागकत वस्ति स्**हे**श) श्राह्म । प्रदान निर्माण विशेष ।

श्राचेत्र छन्। एमसारमर कागङ नाहिर्द्ध

সি সি ক্টিডৰ সাহেত ধীয়ক্তামত্র দি काल (माकाम क प्रतित त्मप्रत वेदेइयंग ,

> ভোক্ত t প্রযুক্ত নোমগ্রকাশকশাচ-य : स्विद्ध

र भागिक सर्वानग्र ! करे मास्त्रीसङ् मधीय केंद्र आ ह राज्यम क्षदेवक द्राध्यामान्य साम करव । क्र অতীত ছটল উক্তস্ত্ৰাক্ষণ ছয়াৎ ছবি धक विश्वक्रिया भागम स्वित्र श्रमश्रम अप्राचिकामनिवादः अवहेः । देल (र श्रीकाम कार्या तक्क्षांन **ा**। अथ विद्वी**यान कविद्या** शक्तिमम क त्मा व भरन्मश्रा क्षेत्र एरेशा फर्का न्धानः विविधानसम्बद्धाः क्रिकेट काळ 'क वितिय भूति अकुष्ठ इस्त्र अवैविध क्षांत्र भरभगः क्या यश्च मा । अ প্রভাব কন্তমান ৫০০। ৪০০ জ্রেক্টি रिक्ष । अग्राधा अभिक्रिमंके विक কৰ জনজাতি কা কুছৰে আহিছি राष्ट्रमञ्जादनद्र मिनिश्व अक श्रेम दि · हेग, स्मिथ स्य कारा क्रिप्राकृति টিত গবিঠাকুৰ ব্যিয়া ক্রডালি एवि इवि माल माज कविश्वास र তসুথ নিংহত অভিকল বুলি, া गर्गे त्यामस्य क्रिकवित्रक हो। ি প্রানে ডক্তপথ মূর্যক ও করতাম বর্ণ बान करू महस्राद्ध दक्षिमाय मधीर्ड (कांत्र क्लांत कार में देश नहेंदा পুষিত আপেণ্ডেনী স্বিয়েশি इटक्द्र इस्ट्रिक्श क्यांश्व शृक्ष ख अकास व्यक्ताकतर्ग अति ८४। छ । プトノ क(तरफरक् ।

श्चय ३: चाडा किया हमस्या আমারও অন্তবে ঐ শক্তাবের ? क्रिम, गारत क्रांच क्रांच शिक्ष ভান ংশেভিন, উংশিৰ্থমৰ স यहाँ भारत अभीसन्तरम् । द स्मृद्धाः নৰ কৰ্ত্ত লুভ্যু ক ৰাজেছে, এক क्रिया विश्व के भारत के भारत के

मधाकःम धं अस्मिक्ष मृत्रस्थि াহাত ও ভলপ্রহার কবভেছে। .स्य ६३-७ शांत्रभाव धा त्रिया छहि (अर्थी इंडेल । कार्ड । मान्य (अर्-, অংসজ্ঞ ঘণ্ডেন। পাটয় বলিংড रेकिय का'व श्रीरिक्षक ज वर्गन ने। पा करबर कार्याशा लांक कतियाहिः रा इति आहराक इतित नगर निर्धाण उद्भाष्टिकाशिलः उपाउत র কাল অভি:নকট অগ্রভর করিয়। ह योडांद य किंकिश किला नांडा वक बू इत्यु जन्मींग कदांग्ड खर्चन गरि ভাষ ভুলা হটল। তগন পর্কণণ প-ধুনি ক্রিয়া বজিতে লাগিল যে, ने बाधा कक्षक एति । वाशी छेखनक भ मांख कतिमा, धक्रश एन्छ। क्रिक कर राक्षाक अभिगान्त्रभूवःभव ध्रतान्तरः বিবিছা গড়ি দিশত লাগিল। প্রথমত: গ্লার অস্তঃসরণেবে কিঞ্চিং ঐশিং त्र, करियाहिल, ज्याका करिय कुला দিগকে দশ মধাগত দেখিয়া চিত अक्कारत प्रतिखंड बहेन। राज्यस्य हमरकांत गानावा

> জীওক্ষানামূৰ কালিভ माष्ट्रीय क्ता

नि अंद्र वनश्रम

চ সোমগুকাল সম্পাদক महाभग्न ममीरभव्।

माम

মামি অকুত পাপ্দনিত অসুতা-मारे मध्य बहेबा १५७ क वर्षाकि াচার প্রকাশিত হওয়া আংশাক. म्नासस्य ज्ञूष्ठांभंदे भारभव शा অ'শিত পাশ ভুষামল অংপ অগ্-मिक्षिएउत्र श्रमय नक्ति। मोर् क-क्षि श्रेका भड़ बहेरत श्रेष्ठ । रिकर शरह विस्ति। शास एवं। " ভার অন্দিদ্রে থাকি কিন্ধ এপন किरे उदियम शक्षा क तम व्याप [4 क्रिटलम न।। श्रीवाशाय कि ,বৰ্ণন প্ৰবিদ কথঞিং ভদ্মিৰৰ এক: '**সফালে** প্রেরণ কবিংড'ছি, অ*য়া-*TAPS

भवादकोम शाहक कामाव निराम । প্যাচার জাবিত প্রকলিবছ Se ! Samm (माप्तारहर । अहिन्हें क्षेत्रि । का अब व धारामाना कांबात क्यांब कथा अवटल है की शहर ना পারিবেন। আমরে এশপ ত গুড়ে আখার আনি ভাগুণ স্থান-वर्षिकिर निका शांख प्रवेश में प्रजाहात

র কাণা কালা কুল বঞ্চ প্রভৃতি । অভাগে ভাল কোন কার্যালারী ভইগ্রেছ না কোন আয়ীয়নে এক চেটিয়া করিয়া দেওয়া। প্রভার পাল্ডানত অভুতাল বেংগের করেব बहैग्रां इ 'याबो इंडेक कामाव माविवद्य (मदक-्र्विनधा द्वांग ३ द्वेतंत्र मुख्यियात्रेदव । तम ध्वामिकाकः इक्सवा देशकृत प्राकः शाकः। वजा होत्र खेल श्रेत्य अक्षातः श्रीतकांग शाहे-(डाल्मा' स्थाप सर्वकर मिकिड हाडाव अमान अरे लागांव गांकशामीत्त " मानकृत्य राज्ञायारण .. अक विमागलक प्रायक्ति (b'कश्मा-सर भे दिख्य आहा. हेड: कियु जा भाव लेखवारी | ऋजा क्योदिन 🗝 २ यशांद मार्काट भीन 🖁 । 🗈 प शुक्रा धवन चालामा छेलकांत करावद चन्यकः ও স্থান ভাৰ অভুক্প নতে। আমাৰ প্ৰশংসাৰ ामन अके त्य व्यामात 🗹 भिन्न है दे दे कर्ज व द्वा-পিত ভুই একটা বাঁধ। অন্ত্যানের উঠাইয়া দিয়া। दम योकाङ्केक अथेम काकुछ निरुष्त शक्र यो ।

> প্ৰাঞ্চাপাৰেৰ প্ৰান্তি মংকুঙ জাহা চাবেৰি কৰিব। ा यामार खालक क्षरता भरित्मव विकरमानी । किए अ-ि निवीध, माश्राद। आभाव विशेक्त छ। यनम करिएक कार्य करः म । केल व्यामात | हात बिल्या द्वाप क्रव्या छ र उत्तर महिटक आर ख डां होर मिनारण मा हहेर'य अनेही संयग त्य-रब्जु बांध नः शांडेरल शांश:हात निशां्वड १३ १ मा, अलाउ हा अहे भावरण बारक.

?! आयाद रगणांदहरवता का स्काल खिलिय-ख अनः व्यामनाच। (अन कः हास्तः) क्रमीलाही थायन।। जांधात्रां मक्तिहे शक्षांद्रभव लेगद ख-ভा¹७।य क विश्वा **कार्याम**य शृज्ञानय टा**के**। कर्य এবং জমোন জেক্ষতার অভাব তেতু আগানাকে व गरमावय क्रमाझ'रमहे श्री कविता संय। वेदांत আৰ একটা কাৰণ এই যে ভাষাৰা আখাৰ শিতা त्र व्यामल स्थापक के अवस्थ कवित्रों व्याप्तारहास । এখন আমি কিপ্ৰকাৰে নিগ্ৰণ কৰি। আমাৰ भागमिक (व्यक्तिक: ५३ मझ (र विम्नुधर्णा का नांनत थोकार७ अविदारवय अञ्चरतास्य छोडा एक महिन्छ । हेर्फ्यूबरभद्र भागांव **ए**क्टिन्छ पा-हेम! भाकि ।

 आभात धनी अकारा अधिकाश्मिक कांत्र च अक्तिरतरह :

e : यामात क्लिमीर्शाह शक्ति यांशीव গণের অভ্নতবাধে আন্তঃক কানক প্রকাশীত্ন করিতে হর। কোন কাবণ দণ্ডঃ আমি ভাগনী गडित काठान अयोग। धिक गतांशीरम 🗠 🖼 रक्षांकीरम । वह ममग कामांत श कांदशव हुई अक[ं] मि निपर्भाम कविता लाई। क्वांन नगरत सामान जर्मश्रद्ध वर्ग श्रद्ध क्षां मान कर्म कामान ८७ मियानिशका असीन करहा, आव अक नमन क्ष दुनाम शकाल अविष् । अविदि दकान क्षत्र । अविदि दकान क्षत्र । अविदेश अविक्षिण हो। अविदेश अविदेश अविदेश अविदेश गाकः असीन कहारतः छ। शह शक्ता है। कः अ (द्रयामा कर। ५३) है। काशनांता व्यवसर्थ ! मान करिएका मा। किन्न आगांच अग्रिक्टि अर्ड 'বি অমীলাবীতে প্রায় দক্ষটাক পিতার। একনা সংখ্যাব কভাচার পাড়িত কে ন পুজ ই সাখাব লাগে অভিযোগ কৰিছে भारत् त । कांद्रव जावासित मिण्डत्र चारक, मा द्विप् तरक्ष जित्य करेल, आविता कांत्र कर भ|ेदव

२। मालित धार धारे शहांखत वात मारबाद केलान करा हाक । अवेति खाँतेम बादका त्र बर्डिक , श्रद्धाः अधिकावस बाहे स्वश्रुहे भक्षांतियांक छ। । धार्वा के कार्या मन्त्राह्मक क्रवा हेटल रम्रा

७। श्रीरमध देशन मिर्क्तानिस समा खारह, ह खीन करिक रा ०३ मान म धनर अकटल छ। हा ह योगिका करिएल गाँउ ना

অপাৰ একবাৰ গ্ৰাংনৰ অপ্ন বাছিনী ন্তীৰ रमणुनिमानिक चार्च कक्षान खना समीमारहर निक्षे इक्षेत्र खुन्यान्त्र श्रीमात्मय सन्। है। स कतिय महम्म अयाद निवह प्रहेट बाह्मक अर्थ मरश्रके वह । भाग चनीत वेमानुक मिनीहर य)शिक इतेष विश्व क

হার ' আমি কি নিশ্বেষ যে এসকল আন্তাৰ विदेशिक मा । जान अन्त्रः रहे श्रीकृकासम्हेक ठेकि इतिहा अवर्गस्य निवास कार्याताले आध्य . अभवन क्षां होते वित्र विक इंडेर व् छ ।

> पकुर भागाम का शिवा कर्रा छ ६ क्षत्रीम दश्यः ।

মানাবর জীযুক্ত সোমগুকাশাসকগাসক महानंत नदीरभव्।

यकानव ! मन्त्रकि अधारमनमध्या अउग्रि मका कृष्ण केल देश विक्र क्षेत्राका। एक बन्दन व है, यक्ति का नार्या (क्रमुक) फेडिवारम् रर 🕬 🖰 बर्गामा निव भी देवत्यांकानांच आयां एक धन ाखित क्यों पार्क प्रमुख्य । श्राप्त डिनर॰ नव इंडिट्य) लिप्त मस्याम, छ 'बर-म्यान द्वारवन प्यापिक वर्षा, गुर्खिक, धनन श्रेक्षक मान , क्रांज, अ.स्. क नाम। यर १४० नाना काकान खेवप (गाउक) व ' चित्र कनिराज्यक शहर रहा छे छेवस प्रमाणक रका नीत्य अक्षा क्रिकांडा, एर ८. ६ वडे वस (कब, रममन गांक जोक'त, (बर्श मुक्त प्रदेशका आबाह, काष्ट्रांबल निकट किश्वे सर्वेद्धा म के कियम (मदामह गाम्य), अपनीकुक शास्त्र गाँव क बाउर । अफ़रिनीय - काम केरिया, क्याँग -क्या मन, बार मिक्त राज्य यह अध्य क्रेंग (भावतंत्राक्षा ७ वाज्य भाषां वदी व्यवतामा वारावद ষাবতীয় কুনংক্ষাবাল গীভিত জনগণ। ভগ্না है इब फ्राप्ट के भगाविश मृदय्विष्टमर ही। स्मारकर उ(गर्वे अधिक) आंद्रकाल अवि भक्षाण्याब, व्यविद्याद्य (व्यवीवक वर्षेक्रा क्रमांक्रमूर्य शन्न क भटन चिट्डे कार्क केक्क दिशामकारक, श्रीत्रकाकांत श्रम कांत्रशाहिलाम भाव करे सम्बद्धिक स्टाल्स ग्रंडा विद्याय स्व निर्म अजाहिरात शिंक जामान कि मानिह में य समा को खूनानिक नहेता के कारल ं आंध्र, कथ व क्रिनिय छ कडेवा क्रिके. आंध्रां विकत क ८७वाणिकः ७ काधानमादम् .) । वःस्थामीत करमकी गारिका व्यामात्र वामि मामात्रवा। वामा १क, पूर्व को लाकक

পুষ্লব, ছিল্ফ ও মুনলখান নামা স্বাতীয় নানা এ-अध्य दल्कारक वाझि गाँच दुर्व क देशा प्रशिव (दक्ष, जा-मास्या प्रभौनार्थी करप्रक सन उंद्य ला,कश्र सानिया-'हत्मन । आध्यता .गर्च नवारधद अक शारवा कांद्राधक या कांत्राधक मत्या अक हत्कांशास्त्र कि करणा कदिया क्षत्र कांद्र किंगरक्रम मकात्रमान वर्षेता (मधिनान, इतिमान | विवादकत मिन वित बहेगा हुल) नात्म श्रुक्त काक ताहे ब अक्री टाजित देवंसकः यालाहिन की का कतिका रवका देर अप्तः करक्क কন ৰণ্ড প্ৰকৃতি পাণ্ডা ও এক ধন উদ্ভৱ সাধিকা जीत्नाक वृद्धेशास्त्र । छ। भागा देवर के स्वासन ও রোগিলিগকে বিভরণ ক্ষিতেত্ব দেবিয়া, कांवन क्रिकान। क्वाएड (शुरक्त सम हिन, ना-लक खरार सम्बेक किंग करिए, धारक) स्व १ (अस একণে ইহারা বালকের এতিনিদি চইয়া ঔষধ निश्चः बोटक, दम निरक्ष न्याः त्मग्न ना' बाबा बडेक. काङ्गदेश निक्षे किছू मा लडेब्रा मकल्यक श्रेष मित्रा शांटक .. बाहे कथा खाँनशः कारथि खामाहि-त्यद द्य अक्की जन्मार कव्यक्त (इ.स. अक्न अ क्तांक) त्रवाक श्रुवीक्रुप प्रवेत । सिचित्राम, प्रेक्ट गांधा-ধুণ, উপস্থিত দুচ্বিশাস ও অবিচলিতভজি त्रश्यक भित्रव सम्मीय स्काला निर्द्धाःमध यो**की**-प्रिरशय निक्षे इजिल लु: हेव नारम अब धक्की প্ৰসালইছা উত্তথ দিতে ভ্ৰা কোন কোন ৰা-ो रा मेदिस जुलिह भागधी आश्रनाताचे व्यक्त क'वत्र आमिश्रामिटउरहा ध्रथम श्रथम पूरे वका म् श्रमानीणि श्रामानिक छात्रा विष्ठात कता चा-क्रित क्षेत्र चुक्तित भग्नामा मध्यारे प द कुश श्रीहा थ क्यांक क्यांगर्श्य कृष्ठ विकारियत कार्य उद्वेष्टाहरू कि (अप्रकत विवत्र ! जानिक धरे रक्ष क्रुविदय वीस्थ्य सूत्ररकात्व व्यक्ति कवित्र। त्रांचिश्रां ধ ।

२ । महामध्य । आन्य जिल्ला वर्गन काल करे थ क्रेनः आकृष्ठि अधिम द्यक्तण उपनिक, क्रांकिय-कतीय खब्र ७ श्रीकाशि द्यारभव आक्रुकां व देवेता. ভিল সম্প্রতি বসম কলুর সমাধ্যম ধারু প্রি-वर्षताच मक्ति का शाह विकार माध्य के प्राटक । मानात्र कोल)। अव्यटन कार नेक कुकन व्यत्र क-हेट उद्युक्त । अहे शुक्क लक्षण (कृषिष्ठ) व्यादनहरू अञ्चाह का इ हम छेखाइ। इव अधारमणी श्र क केटल में ब्रिटन। अभवत्र, अहे (मनवाणी ভগানক লীভাবদন্তঃ মধ্যে ছাত্ৰ সংখ্যার নিভান্ত ঋক্সতা মঞ্জাতে আত্ৰতা বিদ্যালটাৰ বেয়াপ ছয় नका क्षित्राक्षित्र (काम् ध्वाध क्रम प्राणिन हा ना यन श्रीकटक महिद्या द्वामा मकारण अकरान छन्दि-मण्डिक कि दे । श्रम्भानिक प्रदेश विका । अक्षर्य । की क:त जरअकार्यम कारायाम ६ हेग्राट्ट। वि. सर्वे **उ**द अध्यक्ष वायु क्रिणहत्त्व विष्णाहतः ७ अध्यक वायु क्षित दक्षांक्रम क्षक्ष आकृष्टि करवन क्षम विमाराज्या-भी मनाम्य दल्लादिटेडवी अवानदंत्र धान्या-जिलाहा विकासिक देव देव कि शब केमनः विज्-A ESCRET

का बेक्किक्रारसंज्ञ करबक विषय भवान विकास क उन्हें की से क्षेत्र इतिहासिन, बाहिन शावन-कार्या के किए के देश के अपूर्व अपूर्व और में क এক **প্ৰধিক্ষত হ**া ৩ বালীতে চুদ্দি দইগ। থিয়া ८६ १ क्षेट्रे **डेबाइटच बाबाइका**ड नेमल टलाक किन् विन्त्रके मुद्देशे कि सिक्क अरिनिज आह रहेश निक अभिके के कामभानाय किन्त कृषि, कविटक । वानका बिला के बिला के दिलान।

निया थ् छ व वेया क्या माहान कमा कावादान मुख पुर कारक निर्माणक विश्वविद्या आर्थ क्षणांट छान्दि भाव कान केशक स- | क अधावन करवन अपर क्रिके बिहर भ अम गाम नारे। प्रत्यंत्र तियत् अहे, केल मान, देशायि लाक, दल्ल कान्न

4:75001 हे मार्क में हिंद

> 경역 방향 भी भूरतरमाहम ७७:हाई।

इंशैक।

८६:निएगापि-अवृत्त वावकः । (১)

সংখ্যাত সদৃশাস্বস্থা নামত এক মৃতন প্রভার विकिथन अनुसी डेहाविड इहेब्राह्य। अह-লিও জালোবি চিকিৎসার স্থিত উহার অনেক आर्डक, अभम कि डेडाइ मूल निश्रम श्राम अफ লিত চিকিৎনা শান্তের মূল।বয়ন গুলির নন্দু-ৰ্ণ বিপৰীক ৷ এটালত ভাজাবি চিকিৎনা লাজে विषाम वाकित्स महत्र शावका क्षमीक बलिएक रक, वनः नमुण रावदः। मठा बलिया खीळात कहि-লে প্রচলিত কাজারি চিকিৎসা নিডাম্ক জ্ঞা-(क्रम क्रम्म) भएछ । धरे छूटे अवाकीत बर्धा का-मारमञ्जाभा नरवः खुउत्रारः त्रकृतं वावस्य किः स-क्रम चानाता रचनम छाराहे निविद्ध शहर रहे-CTE! ントンの

नाम्मीनत्र प्रदर्शत का नामान्य प्रदेश का णि **इ**रत (अल्थ स्पेटेन। नवी रायास श्रामात मक्क बहेबार्ड छाडात्र (सक्टि) स्मिहेरमम साम र अक्षेत्र कुछ अप कारह। वे कुछ आवितिक ष्ट्रेडी पाछि विधाछ नडर शस्त्रमह उद्धव प्रकृ একটার নাম সুেগেল ও অপর্টার নাম ছানি-मान। त्मुर्गका वश्याव नाम मर्जात श्रुका इहे-ब्रांट्, अक्टल श्रामिशास्त्र कथ अधिक हो-21-2

५१६६ थृंश प्राप्त नाश्चित विश्वान (मुक्तिक ল্পিনান মেইতেন প্রামে জন্ম প্রান্থ করেন। र्कीणात शिक्षा धनवीन स्माक व्हिटमन सः वट्डे কিন্তু দারিজ্ঞাব সহিত্র ভাষার ভাষুণ পরিচয়ও চিষিত কৰিয়া জীবিদা নিৰ্মাণ কৰিতেন। এই -ক্লপ অবছাণাল গিডোৰ পুত্ৰ ছটল হা'নসাম क्रिक्र विद्याच्यान कविशाहित्त्वन ए इं वर्गन कटा जामानित्रक जिल्लाक निर्म खुलको है।-श्रीत विशादिक्षीय कका अव्यास अवश्रीत श्रीतिक्षा क्ष इर्वेश । काँगान लिका ७ की निकः निवरम गर क्लाम अवेशांक यम। यदिकाद त्य विनि ১**१**१३

(১) বসুশ, রোগ, ছাওরাং ফলিওপেথি শ-(क्षत ब्रावेगक्तिकाकार्य धवित्वः " अनुम द्वांश_{ान}ः बुक्कोन्न । एवं खेयथ म्मायन कज़िएन काम द्वाराधन मन्म (द्वाप उदलब इव (मन्ने क्षेत्रक क्षावाद क्रिक करके। विकास स्थाव हरका के कि का का का का का का का विकास करें विकास करें विकास कर का का का नाम का नाम का का का ভাষিত মইয়া তথাৰ ভিকিৎ न करत्र व्यवस्थानामा बद्ध अथान डिक्टिनक करेडा है।

देवा बड़ा बाग्डरवास विद ডনডা সৰ্ব্ধ প্ৰথাৰ ভিক্তিৰসম্ভ व याणांतिक प्रवेदक माविद्याद थपर विकिश्या मारसम् अपि चात्रस कविरसम् अध्य अक्षमः যুক্তি বৰিস্কৃত বলিয়া ক্ৰিয়ায় যু धनवत्र गीनमान द्विक्था हा कतिरणन, भरमग्र पूर्व किस्तारी करन पात्रिका शक्कि स्थरनर् वर्ष योगिया श्रीहारक याख्या

श्रीमशास्त्र ३३ की अस्थि जिन्द्र शरम अक मार्थिक अक्रू मत्र । विकारश क्रावायका विका

शिक्षका विकास समाजा है। न मनव केंडिक मक्यान सहिता कर र गीवन करा दक्त सामहित्र है। ने विकीय महिनी जाया विकीय त्वत केश्व श्रमीत का स्वित्र के क्ष्मक निष्ठ छ। क्षिरकान मा ।

भारतिकाच कानियान 🗐 🛎 प्रकार स्थान स्थान स्थाप के सहित ष्ट्र वर्ष गाहित्यम कारा विश्वपाद Mir wiscun duce ir franch 对神经不可有 对一种 对外的变化 ,则是我们 चारणांच वस मा । यह से स्थानित व्यक्त NI TISPEN ARREST SAFE WAY IN श महरू। सन्नीत सन्न १४ अहमहे १ राज्यसम्बद्धाः अविद्रश्रिक्ताः क वर्षेत्राद्यः, श्रीकार्थं वाश्विक्षेत्राद्व वर्षान তি কংলাদান্ত বিদাহের বাহি ক্ষা কোন। বিধান কেন্দ্রীয় এইড় বাহুল বিভাই এক বিন কাবিতে ক্ষা বাহুল শা বাহু

प्रतिक्षितं विक्रं हैंगे व कि यह बहुण क्षत्रांकरीय क्रां मा कविष्ठा हास्टिक्न कृति वञ्च कावाद्वास सूच जाम ८इन, सिम्ब क्रकि मायागः व्यक्तित सम्बद्धि गरम्म (दिश्य क्षाचिक ब्रह्मण) किथि ग्राप्त प्रक्रिक्टबन नारे 🤉 क्षि कांबादनत करें . मृत्या मेर् मह द्वानश्राक्षिक्षार दक्षान मध्य छेशांच स्थारह मोज करगक। करमाहे ८ खेशात्र काटह^{ा ।} बहेत्रय दीशंत मध्य महेल द्व भा महीरब डेयथ (एनम कड़िर

ment . There BEC : 150: 281 1 大學 41 माध्य इरोगः 14 ানিখা 🖁 RICE I 178 X 44 明明 李明 李明 村京 书簿 电点系统 TON PRINT THE नव नीव जानिक क्ष बहुत कर कान्यूनी

विन् राष्ट्र स्तु १६

سراد

াচার পর্ত্ত कार्का का 月至村日 ★ 万代和10/ CHI TO (विवय `_ড.গ্ৰে án S । इस्रोप APIG A ता गले 7 5 5 W · 概念·情况。

नदीशस्य ः

27.3

। प्राथमितः अप

। क्विन । सूच महीद्र छय्थ हाका कि बारकार के स्वरंभय व्य · 4.1

্বাটী ক্রমে ক্রমে ভাঁখাব ম हैएड नार्विन । अव सिम कुटे ो श्रद्ध चक्रदाप कहिएक .য ফুটনাট্টিন ড্ৰনাশক বলিব देश दह कि दू कि काउरम छेहा। हाँगढ हिकिश्मामाञ्च डम्टब-। এক্লপ লালা একান ভাবিয়া ৰ ছানিমান বয়ং কুইনাইন ्तिरमन। डाइाव महीद्र ऋष देशहिट्य कार्या कि छ ह छैं।-्रक्षन **रहिंचग्रोहे तुन्न। य**िहर व छा। क्रिक्षेर दे क्रिकार क्रिकार क्रिकार क्रिकार জনস্তর এক দিন তীহাই স্ক

ভ লা :রব ^ক र्क क वि कला, शदा खेळांश छ :शदा पर्य भारत पार्वाम बादद छेर्गाङ ? ্রিম বছু ইছার করেণ ভিজাস। ক'ন-াহীয়া থে। শুনিল ভাৰায়াই ভাঁচা কৃতিত্ব করিতে লাগিল। কিট্ট बटल मातिया शिमान शमस्त्र कृषे निवस का ना गिरमन, भूमकीत खरा। ्रक्रात्म कृतेन्द्रित चा उत्ताहेया (म ! ্যার্কার্য হল। অভাপর তিনি . . क्षरणम् बर्देशोर १११ मिकः अस्ति श्रीका Buign agaice :

क्षेत्र है कावा काइन क्षाव प्राथिश रश्या, विकार कता छेडिए नाइ विवरता हा कार किम रा क्षेत्रथ करेश जेलन नही-9

ब्रिट द्य, व्यञ्ज्यस्य त्य त्य त्यारशत्र कम स श्राक्षांत्रा है अबस महीदत्र मिवक बादबा मिह गिरमंत्र असूम त्यांश छेरशामन दिखा बादमेरन श्रामिश्रम निःमस्मिक विवयम्बद्ध करण, स्व वस्तु रमयन कतिहरू अस अहीरसमात द्वारणन समान छेरणः रेवां शहर मां के व्याध्यात क्षेत्र छेवन माजिल्ल चात उरलेंड स्केल । बिट्ड मान्य मिन कीनम हत सिथिट

प्रदेश करे जता: देशम अब डीस्व डेश्राह्मील, स्रीय निकल उन्हांमान्त्राम ्रा धक्यांम क हैर क कांना-्तम, कि । **लक्ष** शाशिकान स अवस्थ वर्गम व अधिक विश्व

डेरक्ष्या नरहा आंगारवृद खावमाक (म ५५-१० मृह ' सिछीत भिवतन श्वीनमान,

ine want bienen 3 m 4 4 1 · C 🔄 -্নত্ত প্ৰেথীৰ সক্ষয় একৰে 🦙 🐙 " अक्रम गरा (एएम्स बहै TING TENER state also espire · 不 四时时: 被甲 ा क्षेत्रश्रष्ट जनक माइ नगर , त्राहि अक्रम वर्ष अमेरिक गरिक जुलना প্ৰাৰ ভিt : আই शक्षकांत्र केडिनद्र प्रस्तृत ाल बहेकान है के किस क्रमणा और स्टान A TECH TEN म जामिरकार्छ । राज्यपर्य ्ट**्लक्षम् 🕏** कतिरक शाह्यम दव गणि । **阿克斯 共和 「時**

यथान हि'क्रमाक्ष्या छह। अवश्वम कार्यन माह (क्ये?) क्यांसवा केशात श्रीमांगांशाग्राग्राहणांत्र विव-ए कि के विकास शांति मा कि के विकास भारि त्य विस्ति दलादकड़ा छेटा खरून करत्रम कर के रिलग्न के व्यापक अध्यक्त महत्व क्षार आहेत व भन्दे श्वाच मणाली एवं महाचाराश्वासाय निरंतर भागासम् प्रदाक्तमा प्रमुख देश र मण्यातमा भाग, অপক্ষপাতী মইয়া চিয়াগত বিশাসের বিপরীত मण्डत थन तमाय विकास का बण्ड मार्ट क क्षम विवस भन मागार खाकि विवस । क्यान मुख्य व्याविक्या डेम्ट्यायाट्य त्रश्ताव मध्या डेम्बा-त्यर जाकम् अख्रिताध कांद्र अमर्थ इतेगा-एक २ भाठेक वर्षात कि न्यवन क्या न। य विश्वास लाइक्द्रांडे एक कर खातिक आतिक्र्यांटक वा छ-क्षांशास (अवस कांद्रवां इत्यान, वयान क्षांत्रवंदिति व भरताकः कृषि साम्ब उक्ति मच्छी। बानिकः या श्रिमा कि याँगे होता कतिया हिएनन विवर क मं भारत्या तालितः क त्करान सारम्भन खर्ण मक-ট চালিত হইবে শুনিছা কোড়ার্টাবলি বিভিট্ট क्षध्यस्य किंद्रल कार शक्षांच कतिश्राहित्सम ? :

शहा इंडिक धक्काल मनुमा बावद्यात कांत्र पूरे এনতী প্রধান নিয়মের কথা উল্লেখ কর, উটিত বোল ইইভেছে। কৃতন সম্প্রদায়ত চিকিৎসকে-या अक्रमाध्य अक्री खेरध्य चानिक मानवा करत न मा, जांत्र ए खैबर गरण। करंत्रम खोजांत्र का-वीत नर्यानमान ना भाषाम भूनकात खर्भ रमबन कविराउ (एन भा। ध्वामारमव जास्त्रव भ-च भिद्याता (यम म २५ ही अवा अवज कविता अक्री । क्षेत्रभ श्राञ्चल कविया श्रीटकन ध्यर धक्ति क्षेत्रध्य ওণ ধরিতে না ধরিতে আবার বেভিল থানেক क्षेत्रथ रशकावेश। स्मृत्य नाम्य नाम्यागरकतः स्मृ कुल करहेब ना ।

महर्भ वाग्यां भक्रत्व हिर्म अकि जाण्ड्या । ্ট্ৰাছারা বে নাত্রায় ঔষধ বাবছা করেন ভাছা ए निर्म गाठेकशन हमरकुछ इहेरवम। यथा-(दमांट्रणाना, अने बस्तु अक दमाना विरुद्धत नह-য়া ৯৯ কোটা স্বভাগায় শিলিত কৰিতে বন্ধ এবং ঐ मिखिक तथा धक्कि देशकटण ब्रानिया द∙ यात्र न। क्रिंग एक जाना महैरेस अथन श्रीतना नामन हरा वे वह कारि। श्रेथर कार्यमान्य गर्माव লইয়, পুনর্বাপ ৯৯ কোটা ক্রানাংকর সহিত বি-लिए कविरत विशेष जावनाश्राममं स्व। धरेक्-८०१ किने उठम ए दिलागिक न न कि कहेंगे। यीच কে। আৰু প্ৰাভুতি যে সকল জ্ব্য ভর্লভাবে ছা-ही प्रयूप्त (मर्दे मर्मेख खेन) हुन कंदिया जे कुल त्य छैत्रभ नियां बीटकम छारा। धर्कावेन्द्र महिल्ल संस कर्षातम् अत्र धं का बिला में की व जैना सीन-छ प्रेश बाद्या छन्द्र करा अकि नश्क कर्यन मध्य कविरम नक्षमंद्र क्षेत्रश्य कविरक शिरहमः किंद्र वाक कतिवीज स्टब्स् प्रति सुद्धि अन्तर्गम कः त्रा जारणाम प्रदेख जोता स्ट्रीम द्राप स्ट्री जन टमध्यह बाधारस्य किश्वां प्रशित्र विदेश प्रानिक (२)। कामारमञ्जानिक अधिकारित वेन्यं का बना

(२) भगवरत् हानम् असिङ्ग काक्स्य ह

मुख्य यह क्यांगादिक होई छ छ का कहें ला काशांव ^१ व्यक्तीन सुख्यार खेवशान त्यवस्य कि काशांद्र উপকার হুটাতে পাবে তাহা অপ্রভৰ করা আ-শালের পক্ষে নেতান্ত কঠিন ছট্ডা উঠে, ভিত্ युष्टि स्वायात्र है अने कि स्व केवागुरक हैन कार मर्लिएक शारत मा ह शकुष कामी वास्तित निक्षे किष्टुई आज्ञास न (इ)

ममुण ग्रावयांत्र धकति अधान छव वहे (४ ५६ च्यानगराधा, हांशीटक नावश्व क्षेत्रथ चाल्या উত্তেহণ না, ৰোডল বোডল ছুৰ্ণ**ন্দ্ৰ**য় স্থাৰা গা-मध्यकर्य कडिएल व्य मन्, व्यर् क्रीक वस्त्र क्षिक (बोल), द्वारुखा बनान (क्लांकान Cage भक्किमादे। आध्वा करद काणित्रहिस्त इ.a. ষ্ট্রতে পরিত্রাণ পাইব 🤈। জৌক, বেজেঞা e রি বচক ছালা যে কও অপকার হয় তাখা যাচ मा अध्य क किन वर्ग कतिए गानिमान मह ष्याभवी छ। छ। व न ए। भन्निभाग्यक बिर्माव करिय অহবোধ কৰিভেছি ৰে ভাঁছারা ভাজাৰ এ: নির'বেব * কন সবেজ্যের আন্তের'মওপার্ণি : নামক প্রাক্তের মরোদশ চাতুর্জন ও পঞ্চদশ পাতি-क्ष्म शांठ करून: छोडा प्रहे म स्टोध कहि आ प्रामीबाद्य शीलाव मनम आधानद शक्ति क लिन क्क्रुमा अभाग कब्रिटक भावित्वरः।

শুভদৰী প্ৰক্ৰিক

थाथ गुना।

শ্ৰীযুক্ত বাবু লক্ষ্মীকান্ত চক্তৰজী नम्हि हों **५२७७ टेइज वहेंटल ५० एंडल शर्याद्य त्कादाः** » রাজকু**ক** মুখেলিগিয়ে ভাষক 'ব **>२७३ क्षेत्रम इहेटड म**्र भरास 50 Bla .. इतिष्ठकाल निष्द **本!** ' ア・ ३>७२ मामसम स्ट्रैटड १० खोरनश्रांख বুক্তি কাজীপ্রসং দাস সক্ষেত্র সংগ্রাস লে'দনীপুৰ ऽ२७३ कोहासम ६वेटि १० माप शर्गाक ऽ७ ० भूषम त्यासम (डी पुरी 🕟 🔧 526% काक्षम करेटल १० औरन elle Bigle ৰানাৰ: ज्ञानाथ सीम

विका नम्मीकृष प्रविद्यास्थ्य ए पासून, मिर्काः अध्यक्त करे जिनकी उभाषित विके लेबेट हैं। क्षा का कामरा हाजियानाक त्रहे डेलाधि **海(海 湖西市 東川支)**

১২৯৯ সংখ মুইডে ৭০ প্রেমি পর্যন্ত

्र अंक शक्त कार्रिका कार्य के कार्यकार ट्राइका अन्तर रम ning elberrag minte attebereibile Anfrei-And the second of the second second

AT TO A SHIPMEN WAR

3. Ü.

219 10

प्रवर्त्ततां प्रकृतिदिताच पार्थिवः सरखती मृतिगद्ती न दीचतां।

e Sta : २० जःभा। मन ১२७२ । ১৮ वे ८०७। वे९ ১৮७०। ७० मार्क

বিজ্ঞাপন ৷

ফরিমপুর জিলার জন্ম:পাতী রাটকেমারি ২২বছতপুর নামে বে পত্নি ভাবুক আছে, ভাষা দলপত্তনি দেওয়া 'সথব' বিভাগ করা যাইবে। বাঁহার সেই তাবুক দর্পত্নি নই বার অথবা ক্রম করিবার ইন্ডা আছে, তিনি কলিকাভায় ছাড়ন স্থিনৰ কোম্পানির নিক্ *क्रे आद्यक्रम महिता मधितम्य ब्रहास स्मित्*छ **भा**दिएक

বিজ্ঞাপন।

बाबबाव, इस जेक्स हाण मुनिश्स, भोड कविद्याल, बिज्जानच रेवद्राभी, क्रक्रवाहन च्छोडां अकृष्टि आहीन कविख्यानां विद्यानां विद् উত্তৰ উত্তৰ গামগুলি সংগ্ৰীত ও একত্ৰিত कवित्रा मुद्धिक केन्ना शियोष्ट्राः भूखानन मूना क डोका बाह्य।

কলিকাতা

दर्शकात हि है ७१ सर वाजे ।

द्धीबक्ररभाभाग हार्जीशाधां मुख्या द्वा

সোমপ্রকাশ!

· HERIKS Edf du:

२**४७० व्यापन्न ३६ व्या**हेटन (ङा**त्र** र বৰীয় খণ্ড বিধিতে) বহুবিৰাহকালির দণ্ডের যে বিধান করা হটগ্নছে, ভাইনেত मदशा मदशा अदमरकत् सम करण । मन्त्री **चि नाशंक्रिशक श्रेक कर्म (अस्ता**न) रुत्रि त्राट्या, किंग क्रिक्शियरशत विगटन थाणिटव ्रं देशह छेखा मामक्टम योगामि

अवा भने, वस्तिवार नित्वक वि

धित मर्थ धरे, याह, मिटशत आहात बाबहा त ७ भारत बच्चिवारस्त्र । नताथ नारे, जा रात्रा वद्यविवाध कत्रिया मञ्जल ती इट्टावन नां, चांत याक्षिरशंत भाजाविष्क निरंदध चारक, छाङाबा कतिरत्तरे महन्त्रात्री हरे वन । हिन्दू काण्डित वक्षविदार अथा अइलि ত 'बार्ट, चरुवर के हैं शिर्वा निर्देश महा वना कि । छेहा यनि मश्च विधि मात्रा निविष दर्फ, काहा इंदेटल चात्र अटमभीत नमाञ्च मरकात्रकारिशतक वद्यविवादस्त्र निरम्भार्थ वरुद्ध शहाम शाहेरच हरेल मा। अधिक । इ मारे। मिन सर्वाध अविषदम्ब हान्छ। इन्ट्रेफ्टइ धार्मकातक चार्व करिया (मधिर्यम, कमा) বিক্রয় নিষেধক একটা সভন্ত বিধি বিধান অবিশাক বলিয়া মোনপ্রকাশে যে একটা প্রস্তাব লিখিত হয়, তার্লাতে এই নিষ্মের প্রমণ করা গ্রৈছিল।

উল্লিখিত দণ্ডবিধিতে যে বছবিবাহের निरम्ध चार्ड, टाइ! (६ मक्स कांटिन छ প্রেল্ডে, ভালার অপর প্রমাণ এই, সা বিত রেজিকীর সংক্রাছ [া] ম্প্রতি পারসীদিশের যে বাবস্থাসং**গ্রহ** इंडेर्ड्ड, डाइ.एड वसविवाद निरंप्रधन्न अ कड़ी विष्मय क्रकद्रव कहा इहेगोरह। त्य এই -- "হৃদি কোন পরসী পুরুষ আপনার খ্ৰীসত্ত্বে ও পাবসী খ্ৰীলোক পতিগত্তে বিধি বোধিত পরিতা গ পত্র না লইয়া অপ द्र विवाह करत, चाहारक छोत्र छवनी प्र भ विधित निवालिक एक छात्री क्रेटक क्र (व । " वक्षविवाह भिएवधक मखनिर्ध नावः

त्रग स्ट्रेटम अस्प :च्चर প্ৰয়োজন কি ১

উক্ত প্রস্থানারকের করা কর্ম , যে বিষয় স পরস্পরাগত আচার ব্য निक रहेना जानिया তৰিবারণার্থ বিদেশ বিদি त्य गामाना विधि पात ब्रिटबन, रेश क्लांब क খড়ন্ত প্রয়াস

(त्रमहेति ।

২৫ এ কেন্দ্রগারিয় व्यथित्यमन क्रिक्टम देखि भरतारदामत्र (तकिक्रीक्रीक्र ক্মিটির রিপোর্ট অপ্র ६१ मान मार्ट्साटमात्र 🕈 ফর্বস সাহেব গুরু ব্যবস্থ শেখা উপস্থিত করিয়াছি के कांबारे कवियर । ति এখন রেজিউরি সহা काष्ट्रा केष्ट्रिक दशः छम क्षित्र जमाक निवाद । इरे विटॅमेरव हैशत दुनि ? প্রস্থানিত আইনের প্ৰস্থাবিত আই

Fallsty go

, 4°

ক্রিকা চলৰ লাখারণ রেভিউর (রে-स्तित्र हानक्ष्म भ स्टेट्यन । श्वामीय भव-क्षेत्र जनम वहा भट्ट वक सन चक्त ব্রিক মিশু জ করিতে অথবা রেবে देशा व स्टांख में कारवा व जात थ-भाषित्व । अत्याक त्यमात्र ক্রিক্র বাবের রেজিউর (ডিট্রিক রে-অধান ভোষাদিগের অধীনে ছোট শ্রেক্তর জন বা অন্য কোন কর্মচারী (त्रिक्टेंट रहेट शांतित्वन। शव-ক্ষেত্ৰ ত্ৰি অপির ব্যক্তিদিগকেও বুর্ষ্য रेष्णाः জরিতে পারিবেন। প্র বর ^{বেশ্}ব ভ এক এক জন রেজিন্ট ए (व ^{र्निनर} (प्रश्नुष्ठि द्विकिक्टद्वित्र) कि गृत्व म्लिल दिक्छिति कतिएव বিশ্বীক্তা কোন দলিল রেলিউরি विकेशियदेव मत्था **उ**षियत्त छि **নিভূত্তহত্ত্ত্ত নিকটে আ** া লামি ব্লিয় ছিব্ৰ ডালিকা আ मिक्की चारम मश्मध वाकिरव । ६ एवत 👫 त्रिकियेति इटेर्स, विश्व निविक्त वन अवनिक स्त्र, खुकिक मर्थिका है। वामारक भिन्ना रहिनके े क्विटमवरका **के**रेल, मान शव

त वाणारक भिन्ना स्त्राक्रक विस्मवकः केरेल, यान शवा लहेंबात कारण स्निकेरत त्रिवात कारण स्निकेरत त्र गमन विकास कारणत पृष्ठ हरेस्त किन वारणत विलाद करेस्व । किन्न के एता का नित्रम नरह । ১०० स्लाद कर्यावत वस्न विका 'त्र पिलल द्रिकिकेति वा 'त्रावी काणानस्य साहा हल ७ करे स्थान स्राह्मा विवात हत्र मखाह भरत अवसीत ।

> विष व्हेत्राटक, मन्याकि वि खिक्किटत्रत अला-ल्लेटल अक्ष

র নিকটে ভাষা রেমিউরি করিলে চলি বে। কিন্তু এৰপ ছলৈ চেপুটি রেলিইর मनिरलत मकल छि ड्रिके तिकिकेरवर निक টে প্রেরণ করিবেন, ডিনি উহা নিজ পুত্ত क् निथित्रा नरेत्रा चमा चना एउ भूषि त জিউরের (খাঁছাদিগের এলাকার সম্পাতি व बारा बना बन्ध बारह, काश्मिरशब) निक्ट अञ्चल क्रियन । त्रिक्कि ति क्रि बात भगत्य क्रम विक्रशामिकात्री छेखा वा क्षिरक प्रेशिष्टिक इट्रेट इट्रेट । याँबाबा প্রতিনিধি ছারা কার্যা করিবার ইচ্চা कतिरवन, काँगा निशरक काबाब याचारधात বিষয় ভেপুটি রেজিউরেব স্পর্ট জ্বদয় प्रम कृतिया निष्ट इटेटव । भवर्गम र्णित काम मलिल (त्र अखेत्री कतिए स्थ লে তৎক্ষমতাপদ্ধ কর্মচারী নিজে অথবা পত্র ধারা আপন সম্মতি জানাইলে রে किछेति स्टेंटि श्रिति ! ति कांस मिल न र्छेर, রেজিউরকে ভাল স্বপে জানি ए स्ट्रेंट्र य चार्ट्यम्मकाद्वीद्वा स्थार्थ क्रव विकशं विकारी कि ना।

দ্বিলের কোন সাক্ষীকে উপস্থিত ক রিতে হটলে রেজিউর ভাঁহাকে পর্যুণা मिया पानित्व भाहित्वम। त्कर मिथा माका मिल्न मखिबिंद १৯२ बाह्यमुमाद्व ভাঁহাকে ফৌজদারিতে সম্পূর্ণ করা চই व । या प पण्यानी भाषामण्ड कांत्र म लिभ जाल मधायां। इस्, छाहा इद्येल जे था দালতকে এ বিষয়ের সংবাদ ভেপুটি রেজি केंद्रित निकाम किए इस्ति। जिलि निक श्रुक्टक के विषय दिशिया अधिवन । ১०० টাকা পর্যান্তের রেজিউটি খতের টাকা আদায় করিতে হইলৈ ছবিবরে ফুডন यांकक्या कतिएक दहेरव ना । मिख्यांनी খাদালতে ভাষা খৰ্পৰ করিলে খাদালত ভাহা ভিক্তিয়ন্ত্ৰিৰ ন্যায় এডাৰ্থিকে এক श्रृज्ञमा पाता प्रमाण कतिया कियाना अतिरवक विति वरामा अञ्चलता काता क A) 484 . 4

य द्वाम किमि के थक मिथिया पिताहरून. डारा रहेटल एक काटल डं:राज्ञ मध्यान विकाष कतिया अथवा अना छेशाटम है। है। चामात्र कता इहेर्द । यमि अधार्थी अन ভাগ করিয়া পদাইবার চেন্টার খাকেন ভাহা হইলে অত্যেই ভাঁহার সম্পত্তি ক্রোব ক্**রা অথবা ভাঁহাকে হাজতে** দেওখা ^{সাই} পারিবে। কিন্তু এরণ স্থলে টাকা^পি হইবার এক বৎশব্রের মধ্যে নালীশ কবা উ**চিত। অর্থী যদি ইচ্ছা করেন, ভা**নানি কালের মধ্যে মালীশ করিতে পারিবেন, क्षि भक् वरमत अधीय इरेका डिलिस कर्ण माक्समात्र भीज निकाकि हहेत् मा। छेरेल ७ एकक लाईबाর अनुमण्डि 🧀 कानि त्रां करोती रहेत्ल त्रिकिरात्त्र क কিলে তাহা রামিতে হইবে। রেজিউর मिरे नकन धन्नभ वाक्र मर्था प्राधित्व (र ভাষা অগ্নিডে বিনকী না হর। উইলকারী র মৃত্যুর পর সম্পান্তির উত্তরাধিকারী আ विषय क्रिल छोहाहक चोहांत अक सकत (ए**७**श्र) स्ट्रेटन । चना चना वास्क्रिक च! विषय कतिता कि विशा काशंत्र सकता त ইতে পারিবেন। এতি বৎসর কত দলিন ब्रिकिकेत्री रहेल ठारात अद धक ठालिय আকিসের প্রকাশ, স্থানে স্থাধিতে হট্টে

ভাষার অনুসঞ্জান করিব। বেজিউবের লে সফক্ষমার শীঘ্র নিক্ষান্তি স্ট্রার ও क्षामा केर्द्धता । या प्राचित्र छेश्टत कर्पज्ञ तिनिर्धत प्रमा बिर्डन क्रिट्स याबाधी निर्ना महाविष्ठ मारह। मक्समात नीख विकासि इत, ला। याद्य माफिएकाय मामित का हिंगा धकाल आर्वनी। मानक माहे किल ছটভেছে, তাবৎ তন্ত্রনিণ্⊅র্থ ছুটা কর্মচারিগণের অবসর সাধারণ হিতের छेशाय व्यवज्ञास कतिएक हरेता। वकः । कृ रामुमा हरेता भारत मा। विष्ठात्र भक्ति রে অন্টর স্বাং আবেদনকারিব বাস-স্থানে বিনা ভব্ন করেন, অথবা আ-বের পাঁচ হান ভদ্র নোককে কিলোসা क्या हत । द्वांककेवित चारवणन हरेटन चन्नठः छूरे मक्षारम्त्र मियाम मिहा এक পররাণা অ दেशमका हिनिश्तत वारीटि, कांकिटन, ७ এक क्षकांना द्यादन लहेकिया (म्ब्या कर्डवा । जे काटनव मट्या यनि ক্ষেত্র কাল আপত্তি না করেন, দলিল तिकिकेतो हरे**र्य। (**क्ट चाशिक कतिटन कदिवस निक्षेष्ट संक्ष्यानी वानामटक मीमाः भार्थ (अतिक स्ट्रेंस । ध्यम ः किशास्त्र किष्टू विसन्ध सहेदन यहते, किस एकदाहा उ विवारकते पानिके निवात्। इहे ति मिनिया नुबादमा चाटह । जीटलाक चाटवणमका ती **रहेला 'डीहा**ई सास्कादक माया क রিয়া উলিখিত প্রকারে অনুসন্ধান লইতে एरेटव् 🖟 विषय विदल्य कशिशन नि युक्त संदर्भ स्थायमारा । व्यामानियात रणनी त एसारका आब्र प्रकृत कारूह छेरेल का वन विनय विकास किया के नवान खाता श तिता बादकन। धर मदल केटेस लहेश खंब्रामक विवास जैनिद्रु रहा। यक्त द लि डिहेल लिथिक क्रेरामात कारा तिकिर्देशम निकटि व्यवन कविएक हरे त । दिनिकेत यनि विकामी मार्को गान, ভাছা ছইলে আপন আকিসে তাল রেজি चेंत्री क्त्रिया ताथिटवम । बट्ट किमि मि क्ष निद्रा व्यथना विवेखता है (2.19 पार) তাহার অনুসন্ধান করিবেন।

्द्रिकिचेद्री कहा थ्र मण्टन नाली त्मत विष्ट्र जामामिरशत क्रिकी मण्डी जा शिक्षि बाह्य वाह्रेत्व अन्यक्षी व बालगात अक्ष प्रक्रियालक क्रांति भी-लब, जिबिसाबित गांत छेशंत कास नित

भ, ब्रह्मम '७ मम्। मश्राक्षभ । इहे.व विभिन्न माधावनदक माथा विषय इष्टेटक विकिन्छ कहा विध्यत हा ना। दिक्तिये कारन यकि व्यन्त्रक्षानक्षांत्र (कः त्व विकिन्धेती यथार्थ ना-इतः छ हा इहेटल जि.किकातिह नाम दिक्तियों थेल शक्ति मदसमा हरेटल बद्धका धार्य घाँउरव अस्ति माहे। र्धक्ष ना क्रिया धक्ककात कार्यन्त व्यन् সারে উচ্ব র,ডিমক সম্বর মক্ষ্মী করাই উ.চিত। প**্রিশেবে আ**রে এ**ক্টি** কথার উত্তরথ অভিশর আবর্শীক। স্থাবর विवरशत काश विकासामित मनिर्देशेष साहा व्यक्तावत विष्टात्व वेख १ ए किए दिक्कि है। क्दा ३ (य चरिनक्कि क्दा इश्टरहरू देश) युक्ति नम्ब इहेट्ड ना । একপ করিছে িতঃ কর্ত্ব্য ক্রায় বিক্রানাদি ব্যবহার কাব্যে महाविद्य कथित गत्नह गारे। आमता স্পান্টাখ্যরে কহিছে পারি এ আইন কোন क्राइ इ.लिख हरेरव मा। चल्याव खड़ा বিভাগে কৰাই কর্ত্তবা। অপর, রেনিউরী ক্তি অতি অত্প কৰা আৰুশ্যক; অন্যাধা লোকে রেভিউবী করিবার বিষয়কে অত্যা চার ও অর্থেপার্জনের একটা উপায় যেও করিবে। 261

েও সাহের ও ভারতার। क्षत्र मारहर " भूई क्रामत क्रिक हे अटलद कल्डवा व धहे नाम निया धक श्रू लक् मृष्टि ए छाउ दिन कदिशास्त्र । भू শ্বক খনি পাঠ ব বৈলে ওঁ, হার নিপি চাতু যোর ভূরদী প্রশংসা করিতে হর। তিনি ক্ষক, বনা বাধিয়াছেৰ বে বঁছোৱা ভাঁছাকে পরিভাগে করিয়া সাধ্যা কৰ

। १८ ल्य ब्या का कारतन, की हैं 🎕 তঁ হার আশ্যের সাধতা ও ঔষ্ कत्रिता (माहिक **स्ट्रेशन महत्र्व** অপেনার অপক্ষপ:ডিডা ভাব এইছিট এবলে এছের উপক্রম ও বি

कतिगारहन सं कें, श्रा शति हिन् ভদৰ্শনে নিভ.ছ বিশ্বিত ইইটি **एँ.श्रंत टारबंत काकि कार खें** चारम शांठ कड़िएय, दमहेबाइमरे द्वा व. किंछ मिक्किशि मर हाइन म पाउनम् वदा ও अतुविकातिम्हल इका कहा कीहांत्र कहा कहारते हैं क्ष्मा। 'अथरम किनि देश्राके^य र्गे । डेडा काटिए वश पाया णाया ७ शूबिबोत सर्वा मर् भारेकात (कामा विनिधा वर्ष कर्षित प्राका विश्वकत हो छ. बर ए ड टर्मयमात्रायन जिश्हाद आर्थः हरू । के बाद क्षापरमान विवेद : হোলভদ প্রভাৱ সামীভুত ই নিয় জি रत्रकत्रा ७ एक ७ व्यव हे विश्वत निर्मा क कथा बर्टलमें मा (व 'छात्रर्ज क्रिकेटिं क्षत्र समिषि प्रदेश मा। वहर दिव की करत चौंकात कतित्रारकों अर्थ শীতা শেই পুৰতন উন্নত ক্ষাৰ্থ কৰে अधि श्रदेष्ठ भाजित्वन । अहे १ विश्वतान श्रेवात कर्मा खेलात मटक छा है, भार्टि गविरमेश क्षेत्रमांक्का कार्ट्य। देते किनि বিতীর সুপারিত্ব। পাতির বি. হন থে এই অভিযায় প্রকাশ করি রাচগণের লার্ড ডেসহৌসি ভারতবর্ষীয় স্থাপন 😝 রাজ্য গ্রহণ করিয়া শাস্তির মূল কিটী যে রিয়া পিণাছেন। উ.হ.র এই বণ আক্ষে কডদুর যুক্তিনিদ্ধ, ভাষা ১৮০০র বাহাই विद्याह ७ निवरणक देश्त्राकमिर्दा क्रियाः বাজ্যা পরিমাণে সংমাণ ক ক কিবেন্ট্র ए । यनि दशन पश्चा व्यापनाई न्द्वा दृष्टिः वानिशर्वत मर्बद ब्रह्म स्ट्रिश क्षेत्र

छाहात (महे म.धूटा ए.सून, १ भाग्मनी प्र क्य, छाट्या तथ्य, दश्च कतिया छान्यनात सारकात क्षि श्रीनम विवयक लाखं एडन होतित म ७ लिख मारकरव छमनू मायन (महेन्द्र मीय छ धीयश्मनी । मरकह

তা সা ভূইতা করিল প্রতিক।
বাল বিকল।
বিকল।

णात विशिष्ट के अविकातिष्ट ने विशेष के पत एका, या क्यां कि क्यां कि कि विशेष कि विशेष के शत समान के हैं, आणी प्रणित '' स्वयंक, त्राक्षणुक्त कर्य बार्च, के शत पाय कर्य का प्रणा के दिश्यां का स्वार्थ करत की प्रणा; शाद करणा के दिश्यां का करिएक एकत, के हिंगितात के स्विक्त भागा के स्वार्थ के स्वार्थ क्यां विश्व ये कहे कि शत प्रवर्ग के स्वार्थ के स्वार्थ क्यां क्यां का स्वित्व शहर अवर्ग कर्य के की शत के कि का स्वार्थ के स्वार्थ के स्वार्थ के की

विद्राधी चाहत्रन करत्रन ।

অনরেব্রুটনিসিগাল বিল।
অনেদীয় লৈ আসলি ইডেন সংক্রে
বিক্লার িবস্থাপক সভার কলিকাভার
নিস পাল য়া ও শোভাদি বর্তনার্থ মিউ
স্কেট ক'বলের যে প্রভাব করেন, ভাঙা
ক্রি হুক্তে সমর্পিত হুইয়াতে।

সিলেক্ট কমিটি ভাষা একাশিক করিয়া माधातर्वत मक अवनार्थी करेहारक्त । जा महा शूर्व के विदलत महमय श्रेवशरणत लाह्य कं,ब्रशहि। खना व विवदत चामा पिरशद्र (य **१ वर्**ष्ट्रा चारक, दास्त्र कहा य.हेरण्टहः। दावशांशक मछ। व्यदेवजनिक म:किर्म हे विशय स्वत्वत् विश्विमिणाल कारण नयुक्क कतिबात এ खाव कतियादह न, किन्तु हेश जामानिश्वत जनूरमानिष्ठ হইতেছে না। নগরের ধনী লোকের ই এ कर्ण घरेन्डिनिक माजिए हैं है भए अबि किंठ चारहर, यथान (अनीह द्यांग (उस्हे न.**हे। किन्तु मधाम (टा:ी उपरधा ना**र्था किरल यथीर्वाव कार्या मन्त्रम ७ उन्हे উন্নতি হুইবার সম্ভাবনা অতি অপা ধনী य श्विष्टा अवस ध्यानात भाग, काणाता मधास ७ क्लांब स्थानित भवदा गम क ब **বরত নছেন্। কর নির্পণাদি কালে ভ**া कानिद्रबद्धकर्देक वाठिकम चर्चिवात अम क्षावमा मार्चे। भाषत्र, देश्मक्षेत्र शवर्ष बादबाज विनिद्धा मा। মেট্ড ও সহাসভা षागिरकष्ट्रम कारम अरमरम-हेश्लरखन নশয় সংখীন শাসন প্রথালী প্রথর্ডিক করা 🖟 हरें। जारा कवित्व इरेटल व्यटक रिके निमिण'ल महस्त्र याथीनचा कमान धवः মধ্যম শ্রেণীকে কাছার অন্তর্নিবেশিত করা व्यायम क, अवाशा देखे निक्कि एउसा 'महा विक स्व । इंखेरब्राटलब्र वावकीय करमान একসে বর্গরদিগের (সধাস ফোণীর 🗅 স্বাধীনতা হয় ৷ সেই স্বাধীনতা কোন য क् हाती हुन्तु व मगानि रतन कति व রেন নাই। কলিকাভায়ও অত্যে সেইবুপ न्नाधीनका ८४७श सर्ख्या ।

গ্রণমেন্ট খ্যাং মিউনিসিপাল সভা র সভা নিয়োগ ভার গ্রহণ করিছে ছেন, কিন্ত আফাদিগের নিকটে একা যাটী যুক্তিনিজ বলিয়া প্রভীয়মান স্ ইভেচ্ছে না, নগরবানিসিগের হভেই এ ভার দেওয়া বিশেষ খালে স্কাটি ফুক্রে

নেপোলিয়ন এত যে ক্ষমতাথিয়, তিনিও नश्रदाम। विद्यात थे कामकः त १ कि एक्टक श करतम न है। वित्तत (य अश्रम मोमाना পাইকেড়দিগের স্থাতি পর সুইবার বিধি করা হইতেছে, তাতা আমাদিলের মতে केंद्रम कप्का दिन्हा (बाध हरे**एछएइ मा**। व्यानक प्रतिख क्रूथक मद्रश मद्रशा रुद्रकाती, প্রভৃতি অ'নিয়ানণার নিক্রাকরে, তাহা **থিয়ের উপ**র হার ধার্যা করা **নিষ্কুরতা** मरम्बर माहे। य'बाद्र। हिन्नस्त्री बाबभादी আর ধাহারা অন্তত, এটিবৎসর ৩০০ টাকা উণা র্জন করে, তার ভিব্নিক্ত প্রা কেনে ক্ষুত্র বংস ীর নিকটে কর লওয়া উচিত নকে। গড়ী এভূতির **করের** ি**বা**ষ ष्याय, पिरत्व रकान षा. भ छ नाहै। किन्द জ্ঞিস (বিচারপতি) তিনের অধ্যঞ্ গ্রিফ কর এত হইতে গ্রন্থ করা হ**ইভেছে** (कम > यथ्य श्वत्रद्वानक्ष्य, निर्म देनक्य টাক্স দিভেছেন, তথন ক্ষনা, ব্যক্তির সা थारण कत हरेएक सूक्त इक्ष्म विषय एव

र्ष शतिकार्य वाणित कृत् अङ्ग क्षास्य कर्ता बहेत्रारक् जाहा किंकू व्यक्ति दर्शन व हेटल्ट् । देकाटल महिल द्यार्थिकाम विटमय कर्षे करेदात महावधा जाएक । य'व তীর একাশা ধ রেরান্ডার পরঃপ্রণামী করি যা রাজ্যর জন দিবার উপায় করা অভিশ্র आंत्रभाकः। कक्टन द्राक्यानीतः ध्रवस्थः स ও দ্র ভাঙ্ক। দইযা উঠিয়াছে। নত্র্যাত ক लिक.छ.प्रत्य थर १ । १ । ६ अशाली स्वाह्मक्रक्त रहेब्राट्स, छार्। महत्य मन्धन १७८,। क्रिन অভ্যাত্র এ প্রদাস পরিত্যাগ কবিষা যদি দিনে ছুইবার মিজুবা ভারা নগর পরি ক্ষার করান হ। এবং রাভার চুই ধারে भग्रध्थनानी कनिया चर्वाविधि तथान जल मश्कात कदा हा। ध्वर साम साम साम भैनन करिया। अनेहराजिनिरंगर विमन स्वन मारका केशास्त्रका एम, बन्ध वादस कति काण व्यक्तिकात सामानत व्हेल केठित्व .मरम्स् ग्राहि ।

क्षेत्रात्यतः।

देक्षणिरिक्षेत्र कार्को शाला खाटक, जन्न-ष्टांच अक स्मामातक, मिश्य । मृक्त्र वध করিয়া ভাহা, বলের লোণিত মি আর্ট করা-े (उ लाकाद्रक ७ म.मह मुधे ३०१ देशव ভাৎপৰা এই, লোকে স্বভা ভঃনেব শিশুর ্বাপ্ন নমু খাকে, সুবাপান ক,রিন্যে সিংহেব गुर्ग इंकन इत, शतिरगत्व भूवतत्त्र नाय ানার পঞ্জে ভনীচ প্রবৃত্তি হয়। কিন্তু এই এমর্থকর সুরা সেবন অপেফাও অ'ব **এको अधिकत्रम अभिकेत** निवत आहि,

लाएक कुन्त काल मर्था भवंत्राख इस्र । दन विवस्ति --- जूशा वना । अहे (चे नाद) কৰে সৃষ্টি হয়, ভাছার বিণ্য় হয় নাই, কম্ভ मर्बकारम लाइक अध्यानक मनिके निव জ্বন আক্রেপ করিয়া আসিতেছেন। একে त्य शुद्राभारमह महिन्द करे खानक करेड़'त अविष्यं व्यक्तिंव क्वेट्टिक् । स्था करत्रक वरमत भूमित्यत् व वियत् किहू ভুতি হওপ্লাতে ইহার কতক নিবারণ হইয। हिल । क्सि अकटन हेहा भूनवीत भूर्व अभ थात्रव क्रिटिक्ट ।

ভুষাখেলা নানা অবয়বে বিভক্ত : বেষারা, কুপন, (১) চাপু দাম্ভা, ও

(,) भूगम दशनाह्न धक्छे कारके। घृष्टि আছে, ভাব। বুরাইনা এক সরায় নিকেপ বা। **হর, কোন বিশেষ** লেগ উপরে থ কিলে কৌণ **কারীর বিভে হয়**। এই ফ্রি' ফ্রাডনর তয **चत्र । डाश्चरक** तारहेत् कटार्नाठ वल बाटम **अक्टब्रह्म माह्य हेरा**हें क्लक दाल ज हैटम । इंडाटड विस्माम हिं। प्राने कार भाकः। अञ्चलिभिन्छ ही मिन्। प्रश्रो वर्गः। हा अ मा कार्या शक्तिविद्याक के अधिकार में विद्या ख कद्द । हाम डाव (धना म नर्गकुलुकी व नहां व कहा 🗥 🖰 **दा रंग्नें क अधू कि वो** ५५% ि ্ হা केंद्रे स्वयं ह्या । ८७६शावाच कियन अदन्ति छो-न्त्र । विश्विकाक क ्धान जारनम क्वीडा, हेडाएक ५०३ कथन कथन : इनानि छीत बादक। एकिका छा। यनिका, ८७ हिस्ति । युक्त, डार्राहा अहे (युक्ता कविया बादकः

গেঞ্জিত । বলিকভার যাবতী । চপুর সিয়া বাকে। আ रकाकारम धार व्यविकाशन छ। तमत्र वासिएक कूलन, हालू. ७ हामकृति स्थ न इत । ही-निता चठास मून्यामस्य । चहित्कत्वत् वृत পান ও দূতেকীড়া ইছা দলের জীবনের ाधान छ। माना वितास शता हैशामिता । त्र. के ठ छ दूर क्यांकारम द्रारकात सूर्व (क्यांत्र, भैं हे हे का है। करम् श्रालाती, खाकाहेख অড়,ত একতিত হয়।ইহীয়া অভিশয় এর্ড, व्यथात्र के अक्तवास्त्रिटक श्राम । इन्ह মন্ত করিয়া পরিশেষে তাছালিকের সর্বস্থান टरत । উक्त भूषा हात्र होन्सित अस नि थेका, य अक छ्कु विद्यान्छात्र (माकं:दम দত্যাকাও হইলেও খনা বাজি ভাল প্ৰ ক.শ করে না, সুহরাং পুলিকের চক্ষের উপর ও রাজধানীর বক্ষা ছলে থাকিয়াও ইহারা অনায়ানে ভয়ানক ব্যবসায় চালা ইনা সমাজের মহা খনিত সাধন করিতে (छ। क्लिक: ठा ७ सक्बरलंड व्याप्त यावठी इ গুলির অত্তা ও শুড়ির দোকানে প্রেমা রার প্রান্তর্ভাব আছে। এতত্তির অনেক ज्जात्नास्त्र दांगाटिल वहें क्लांका हहेग भीटक । २८ भव्रवंश ७ क्यालीटक ८२ बाह्य বাজের সংখ্যা অধিক। সচরাচর এতি রবিবারে এবং শাষ্ঠীয় পর্ব, বিশেষভঃ দিবরাতি, চডক, বথ ও পূজাব সময়ে ঐ ক্রাড়ার কবিলের প্রাড়ের্কার হয়।

ক্রিদিবস হইল ২৪ পরগণার অভঃ পাতি আগাড় পাড়া পুপানের নিমিত্ত খ্যাতি 📗 লাক্ত করিষাজে। এই ভাবে বিকাশ মাতাল হ,িরখার ও জুমাটোরের বসভি। ইছাদি ्यव क्रोविक। सिर्व.इ, विस्थापकः इेस्क्रि। দেবাৰ জন কোন উপাৰ না থাকাতে **र्ड्'या थे की फ़ाइड निकास व्यान क व्हे**क কাল হরণ করিতেছে। চতুম্প, ম বার্ত্তি এবির যত দখনা লোক ঐ অ'ড্ডার আ ना भारत. हे। लिनाश्च ७ यमाशाधनाय बहे (थना त क. फ्. हा भूनलभाविक्तिशत बर्दा याहाता

toolgao Bitt रत्। अपन निकान महामा च रहम !

मामका मामकुनार^{म् क्} यत्र वर्गम कहिलाच ब्रह्में कि विवरत २८ भवनभाष्ट्र स गज्भ जा करे सहस्र। भारत वर्ष, अक्रान कहा के व थ्य रुक्ति स्ट्रेटक्टर । ^{बहु} णात भूमिएय अनुहार्थभारि^{र्क} यट है, किख श्राकात क्र^म किर कतियाना विद्या नि সামানা দও ছারা এই বুরু নভাৰনা নাই। বাহারা ক্রাই रः पिटनंत्र अयर याश्तं वाहित्य হার কারাবাস কর বিধান কর্ম কারী অপেকা বাটার অন্তিক্ট্রি (माय । स्राप्त क्र क्षांकार क्षेत्र स्थाप খাকে। ডোর স্বপেকা ভোরের কারীর ন্যায় জুয়াথেলা 🤏 দিগের অধিকতর সভা ভেড় ২৪ পরগণার মাজিকৌটেট্টটি 🕮 দিপের অনুরোধ এই, ডিইট্রি 🍿 निर्ण हरिन: इ के देश पूर्व है एक है हिन्द्र पश्च (पना। ब्राह्म क काविन्द्रीहरू মাদিগো সমাজের বহুতার বিশ্ टिट्स, खुड़ाटवला यणि व्याव तिरेशत जन মুকা করে তাহা হইলে ও নিমন্ত্র কাইট্র

21-3

বোদাইদ্বেদ পালসা, গাঁ निविष्ठ ५ ०न भा^रे P 4.4.1

आकि कालि व्याद्यार । शास्त्रके **रक**वल छ:वठवर्ध नम्, रे**ड ग्रांग अ** लामा १८७७ विल्लान शाफिन विल्ला लाज कतिप्राटक्त । क्षात्र पाक्षीक विका छारानिकात देवनिक्तन अवृत्ति पृष्टिनी हरेटकाष्ट्र, दिएम्बकः वानिकामि कर्

। वार्य है। शास्त्र जो क्यटन व्यवस्था व्यवस्था क्षिपिश्वास्त्र व्यक्ति क्षित्रभाष्ट्रम । विक मान्दर्ग अभिन्नाक्षात्रक्रवर्षत्र व्यवा व्यवा नाम देशनिरशत कि उटलब अनि বাচার ঘা^{বরী} জুং-কি দায়াদি কোন বিষ गढ़रे दिन क्खिलिका अखिल बारे। यह 'क्रक क्षेत्र कारतक विश्वकता ैं है ; 🖷 रेशेन्स्ट्राह्म अधान । ७ ८ वस वा #বিশু^{ৰ ক্}য় ≈ও মুৰ্থই বাৰতা পদ্ধতির लास्डिपिंग मरहा थाएक । यक्तवल वानि মুখ্য দৈ ফেলগর বাসিফিগের প্রায় ্যাকা মে ছালুক্লভঃ নিৰূপিত বাৰহা ासकपि विके अटल जर्जात यादा निर्दाष व्हर् इत्र अटमहा बाहे। धहे नक ক্ষ্ট্ৰান্ত্ৰের ব্যবস্থাপত্তি সংগ্ৰ ় েশ্ব বন্ধ হয়। সম্রতি ভাছা সং हि इहेम्रह्म । कुक वरमद्वाप व्यक्ति 🕳 कीश्रीस्था च द्वमनानुनादत अरू नमर मिल्लाक इत । डीहाता अहे भारे र्देश्वह स्टब्रह्म्य । दिवाह, छेखता व ं । अप किक्टबक्छि विवटत कार्मा भरभव 🥦 প্ৰিয়ম হইয়াছে। কোন ব্যক্তি প ब एक भन्नेकि वाक्टित्रटल अरू की। 🤏 জা করিয়া অপর জীর পাণি জহণ क्रिएड गिरिएक मा जेवन जीएन। दन রাধ পূর্বপতিকে পরিত গে করিয়া পত্য দ্ধা গ্রহণকরিতে পারিবেন না। পারসী क्रिट्रांत वटः। जामानिरभत श्रुवतात्र रख अभिक्रीत हेका ब्रह्मा

> এত শীর্দিগের অধিকতর বিলকার হইবার উপায়

নিরাসি ভোজন সপক ব্যক্তির। বিরং ইন্দেন শল হেরর পুষ্টি বর্ছন ও বল সাধনার্থ দি সবস্ত শোর্থ জাবলাক, ভাহা বর্থন কল বিশ্বমি উল্লি রব্য মধ্যে পর্যাপ্ত পরিমাণে বাধ্যা বাহ ভথন নিরামিন ক্রেক্স বারা লোকে হওয়া কোন ক্রমেই জ্বসভাত নহে। দ

ंड.रास क्वरणत धामानार्थ निम्न निषित्र से पाइएम **एनि धापनी काइन। धार्य, निव्** र्वक्षि भन एकाओ शिक्षकानिया वरनग्रहायी ग्रेप्रारितिकात **कारशकात** अधिक वलश्राम । विजीत, आवर्तमध बीरगद खरमागमीथी लारकत्री क्वल शिक्षकान्य माशत क्रिया थारक, व्यथह खोशंहा स्वद्यंश बतवान ७ खर्म শীল ভাষ। প্রসি**ম্বর্ট আছে।** ভঙীর, স্পেম দেশীর গেলিলো মামক নিরামিশ ভোজী ब्लादकता अ न्यां श्री बनाइत मनाकादी जात वाद्यकरी अ श्रीकार वेजवान (व प्रांवादा जह माठ्य माख वन कोड बर्ब करहे, अवर ३०१३) মণ্ড লইছে পারে ইড্যানি : ভিন্ন ভিন্ন मिन्दानिकाल माहीदिक ও सामित्र महिः देवनक्रमा अवर मारम ७ डेहिस था वू भाव य ए भूष्टिय गाइ दिन मामक नेपार्ट विक् विराय श्रीस (व श्रवान श्राह्मन श्राप्त करा रहेोहि, छोड़ी बिहे विद्योगियलीक्स म शक्तिराह बरखर चलनीहुछा विवास ग. व्याच रहेबाट्ड ख्याणि व्यापना चारा अध्य-ए जना जमा अमान अपर्गतन अहस हहे-नाम ।

दुमाञ्च विन्ता चांडा निःमन्तिकताल हा তিশন ষ্ট্রাছে যে শলা ববালি অংশকা भारत त्यापिक शक्कांति । यारमरम्बोए-চভাকারি শ শাইনিশ ল প্রায় লাভ গুল ভা-ধিক আছে। এক পোয়া যাৎস ভাৰৰ করিলে ए श्रियारन तक वृद्ध स्ट्रिय, स्मृटे श्रियारन बक्त तिषव भना श्रीव बक्टमद्र जिन्द्रशीवा উদ্ভিন্ন বস্তু আহার করা আবশ্যক। এটে-भीरबुद्धा कि महद्राहद्ध अडे शतिबारन छेसिम না, করিডে আহার করিয়া থাকেন? সুমুখ হন ১ আহার করিলেও কি এব পোৱা যাংস বে সময় মধ্যে পরিপাক হয়, त्रहे मधक भरभा **अकटमद्र किन**(भारत) भन्ता দি পরিপাক হর > বস্তুতঃ মাংস ও উ हिटम व्यक्तन जानुष्णमा वृद्धे देव जादारक मार. भटक शह **७ छेडिसटक खादाद विदेश आ**हा-कि एक मा। अकरभावा बारटम (व मात्र जान আছে, এবং ভাছা ভঞ্গ করিয়া বে বল बीर्यापि श्रम माच एवं, काश्य व्यन्। अर्थनी-महिन्दर अक्टनन विनद्याना पंजानि विनद्य

ग.ब्राट ७२° ! () श्राम खेलिथिक हो . यादक (बहु मन्द्र) अनुगाशकी दिन्द्र दाविका घर-मा गाँ। (-) वानामीमिरगत व्याप्यका अधिरकुद्र 🛫 भारुष । ইहांत्र উखत्रमान ऋस्म कानाजिता । किलाना अहे, वाकानीता जवा-ना जामृष्ठभत्र पारमध्ये आकृष्टि चारम जाविक प्रिन व म काराल ,क कशिका**कात्र बाजाली** मुग्न ह्र्मल अस्य पृष्ठे सङ्ग ६ कारवाच्या सामनू 👍 লাবোর প্রভ্. ৬ প্রদেশের লোকেরা কলিকা» তায় দীঘকাল বাস করিয়া কি আপনাছিঞে শরীরের প্রবাতন অবস্থা সর্প করিয়া স্কুর্টি হন না ৷ এডফারা স্পষ্ট প্রাতীর্যান হইডেছে त्य व्यक्तमान न्यात्रवाच । ज्यादावनवानिहा আপনাদিগের দেশের জল বায় ও মৃতিবা-पि छान् वशिष्ठकाय स्य (७): विश्व**या**निया দেশের গুণে যাভাষতঃ বলবান হম যাটে কিন্ত ভাষারা যদি মাংসাহার্যে রভ হন ভাষা ঘট-লে একংগর কপেকা অধিকতর বলবাৰ সাহ-भिक्र ७ डिम्रामभाजी स्टेट्यम महस्य महि। सा-याप्रिराज्य दिलक्ष राभ वाजा कार्य का महत्व वासिक कतिकास, बहैएस केउद्र शनिकाकरल शबल कतिका थ रचन छात्राचि अब बद्धा वा-হারা মাংস আহার কবেন তাহারা নিমানিক ভোজী প্রবাদিয় অপেন্য অধিকতঃ বল ও बीर्मा विभिन्ने इस ।

নিরামিথ জোজন সপজে। বলেন বাংশ
ভালণ করিলে পরীর দীয়া দান প্রাপ্ত ংইতে
থাকে, একারণ তারা পুরণ করিবার নিমিত্তে
নাংনানী দিনকে পুনং পুনং জাহার করিতে
হয়। এবাবারী প্রত্যক্ষ বিরুদ্ধ বলিয়া নোধ
হইতেছে। ইতিহাসে করিতেছে প্রচুর পরিমালে মাংসানী এক ইমো জাভি এক মান
কালও জননল করিয়া জীবন ধারণ করিতে

(১) দক্ষি গণ্ডায়ামি ছংংকার শশুরা এই জনান প্রচুর পরিমিত উদ্ভিব জ্বা ৬ক্ষণ করিখা নিজ নিজ দীর্ঘ কায় সমল রাখিতে সমর্থ হয়।

(१) मरमा मारम जूना श्रीकृत निश् छक्ष माधक मात्र । जाराट्य वालामी विष्य स्था प्रश्-मा चारेराम या त्रीकि श्राकृतिक च्याद्य छानाक च्याद्वाहे केलकार जाएका महारम्। विश्वमा किङ्गमाति च्या कार्यक स्थाकित स्थाक मुख्य स्थितिक ।

(৩) এই কারণ মণকং সাপলাও এড়ডি আ ভাজ পীতলংকখন্যানিয়া বর্ত্তাবের বিশিক্ষ ১৯০

शास्त्राणीष्ट्रणाति य ए। भी उन्हार शास्त्रा **७** खिडियिम श्रेनः श्रेन नारम शांत्र **वा व्यव**ह विमध्यम मयमकात्र थादक । ऐतिह दक्षाओं च পেকা মাংসামী থে জাইকভর পরিজ্ঞান ক-ব্রিতে পারেন, ভারা অনেকেই অবগত আছে म भारम्(छ।छो जक दाहि॰ जब चकेकिन महत्व (शक्षा छिपन'ड न्डमाद्र सर्व कतिया থাকে, নিরামির ভোজী এক র্যাক্তি সেৰূপ क्फ्रं क्रिएक शास्त्र वः (8)। निरामित ভোলী ভাগেকা জ বিষ ভোপী অধিক সৰ য়ক্তা ও পরিজ্ঞান সহকারে কান্য করে বলির: শী**ন্ত শীন্ত ভা**চার শরীর কয় হট্যা থাকে : किन्न काश्रत नतीय अ व्यकाद्य कर श्वराट क्षनमहारक्षत्र "अ १क उत् मक्क छ् इट्रेस्ड । শরীর বেমন কর টউডেছে, আহার ছাবা ত্তেমন পুনঃ পুনঃ ভাষার পুরণ চইতেছে ভাৰচ জগতের 'অধিক পৰিসিত ব'ৰ্ব্য সম্পা-দিত হইতেছে বস্ততঃ মাংসভোজী ৰাব্ৰা अन्तर्केष विवासि मानिक शहेशार्थ मान्यन 200 নাট

মিরামির ভোজির। বলিয়া থাকেন সামিরামির ভোজির করিলে পারীর কাক্তর চইর।
বানা প্রকার রেগে উৎপান চয় । ভাছারা
ইহার এই উঘাহরণ দেন দে ' এতাফেশীর
ইহার এই উঘাহরণ দেন দে ' এতাফেশীর
ইহার এই উঘাহরণ দেন দেন দেন গাঁলিরামির নিরবহির লাজ গোলার অবিদিত নাই।
ইহার এই উঘাহরণ দেন দেন শাঁলিরামার মধ্যে
ইহার এই উঘাহরণ দেন দেন দেন দেন দেন দেন দালার আলাজ
ইংরেজাদি জাতিরা মাংসালী হটয়া বে প্রকার বুলি শক্তিসম্পার ভাষা সকলেই অবগত
কার বুলি শক্তিসম্পার ভাষা সকলেই অবগত
কার বুলি শক্তিসম্পার ভাষা সকলেই অবগত
আহেন । আমাদিনের সংখ্যার এই যে বি
আলোচনা ব্যতিরেকে কি মাংস জ্বেমী কি
মানিরামার মাংসালাকে তালা কালাজ কার বুলি গালিক মাংসালার হার্মান প্রকার কার বুলি ও বিবেচনা পাঁলে
কার বুলি শক্তিরেকে কি মাংসালাকে জ্বেমী কি
মানিরামার মাংসালাকে বোল কল্মে (২)
মুক্তামানিরামার মাংসালাকে বোল কল্মে (২)
মুক্তামানিরা কালিক পারিমানে সেই লোখা
বিজ্ঞামানিরা কালেক করে।

(क । कास्त्रक वर्षान होता विकित भरान त्यां ए नारक क्रूब श्रेषक ४०,३ कवित्व । এবিষয়ে লাভ নার সাহের বলেন যে পশুনিপার নাংব বান্তনের আম মাংস আহার পথা
নয়, ভালার। জার সংবোধে পাক করিরা
মাংস জকণ কবিবে ইহা যখন ছির ছইতেছে, ভখন আর উজে মাণজির ছল কোখায়
(৬) পাঠকগণ বলি শুভ ইজি জাম বেভি
সিন নামক তাছ শাঠ করেন উলে আপন্তির
অধিকতর সচ্ছোমকন উত্তর পাইতে পারিবেন, গুল সাহেব লিখিয়াছেন রে মন্তব্যের
অর মাণসামী পশুর অপেক্ষা দ্বীর্ঘ ও নিরা
নিব ভোজি পশুর অপেক্ষা দ্বীর্ঘ ও নিরা
মিলা আদির ও নিরামিষ উভব পদার্থ ভোলা
দ্বী কবিরা ভিরা সাহিত হইতেছে।

শত্য ও ফল মূলাদি জোভিয়া বলেব ^৫মাণস ভক্ষণ করিলে বৃদ্ধি মনিন ও ম**ল্টাভূড** क्यू, काद कम रूम ७ भंगापि क्लिम क्दिरम বুদ্দি সভেন্ন বিবেচনা শক্তি ইছি এবং প্র খান প্রধান নলোক্তি পরি**ক্ত হর। ? এ** क्या युक्तिनिक कि ना, विरवहना कहा व्याव-भाकः। दिन्द्रकानीः हे॰द्रवकः क्वामी अङ्डि ভাতিদিগের প্রতি নয়নপাত ভরিলে এবিব-রের নহজে মীমাংসা হইতে পারে। হিন্দু-दानिया नियविषय मण्ड :'ठाकी व्हेगा ७ व्य इंश्द्रक्रांकि काण्यित मारमानी श्रेता व य-কার বুদ্ধি শক্তিসম্পর তাহা সকলেই **অবগড** আছেন। আমাদিনের সংখার এই দেবি-प्राप्ताहना वाजित्तरक कि बारम स्क्रांकी कि भागा (ठ) की काशाबर्ध वृद्धि स विस्कृती में कि প্রস্তৃতি সডেক হয় না: তবে এবিনয়ে এক कथा कांद्र , प्राप्नुदब्रम नाद्यां नाद्ध्य वटन-ন ে ৭ , য, হাবা সভাত বসিয়া পরিভাষ করেন, উাহাদিশের অশ্য পরিমিত মাংস **আহার** কর। উচিত্র, আর হাহির। অধিকতর পাঠ ও णिश्वामि करत्या छात्रामिरभव मारम छक्तन লখ্য নয়। এপ্রকার বিধানের কারণ এই বে হস্ত প্ৰাদি চাৰ্না ছাতা অধিক পরিত্রৰ क्षतित ए शतियात शहिनाधन प्रवा टिल्म

ভালি হা য স্থ লায়েল **এও আর্চ** বান্ধ্য পুস্তবেদ খন্টন ভাগ পাঠ করিবেন।

্ ৭] উজ্জ সাচেৰ কৰ্তৃক সাজেল অফ লাইক নামক পুজৰ পাঠ কৰিবেৰ।

ভারপাত করে ভাষার অন্য নাই বে ভাজ পরিয়াণে আবশাক করে না ক্রি ক্রের ইর্ন রা গালতর চিন্তালি থারা মানারিক রেরিজন করেন ভাষারা বাংস ক্রমণ করিকে শ্রাকার প্রভাগ রোগাক্রান্ত হব (৮) অপা থাকার ব্যাভালিগের আশা আবিৰ আহার ক্রিক নালারা ভাজার হাল আপনার অবীক্রান্ত রাবালিলিগের মধ্যে বাহারা প্রকাশ করে না হত, ভাষারিগতে এক কির অনুর ভারি হ্রাক্র পার বাহারা আম প্রা হও পাইত অবারিক গতে এক দিন অর্ম ভাই হটাক প্রকাশ

293

আগৰল 🛫

५१**वे कावन** ५३८^{५१}५ চাকা সহর ও কেলার 💆 📜 चिक कर्युंगी विष्णानस निर्देश 👫 ज्ञाका कारमञ्ज अर्के खेराक, खरिन्द क्की, वाकामी प्रचंदि वार्मिक, ^{राक्का} বিবাহিতা মহিলাগণের শিকা ব शद्र जाइह । वस्त्रहर्ण देश्यादि সাহায়ত বাহালা ১৮ টী 👫 का विशासिक चाट्य । अवस्थित त्यम् विवृश्यम्थाप्ति (**नर्यक**्रि बानदश्च गाठेगांचा जाटक हे ै तत्र छेशनरक वह स्वयोद्ध ७,१८० डोको शक्तिक स्टेर्स विव कारमरमञ्जू मरश्र जीका करिन क्रि जरभकाक्ष शाधाना मार्च भूतिवारेक्ष मेनाम कारमध्य व्यवहारि ३६० हे स्ति व्यवहरू संस्थिति चार्या गरेका गमक वि देव में हैं, छाका कामार्स जादा करेशारक । 'क्यारका निहरूक किएक**्य** क সংস্কৃত কালেকের আশিক্ষেঠি প্রিটিশশন জীমুর্ त्यावनाथ पूरवाशायात केल भटर विपूर्क स्ट्रे য়াছেন ৷ পোগোদ্ সাফেবের স্থাপিক নিষ্ট্র লগুটি নিভাপ্ত মন্দ নহে। ইহার নেৰূপ উল্লে দৃষ্ট হইতেছে বোধ হর পাঠা পু**ভবের কর্তে**। वस जान इहें।न नमरिक जैनिक वरेंद्रक मुक्कि महरत्रत्र मध्या त्य करक्कांन् अवन्त्रके वि विद्रा

[[] ৮] बन, नि, श्वास्त्र के विक सक कर्म क्लिकिन नामक श्वरक रेर हमत श्राह दही दन।

्राते जार गुक्छ वानावा विकानित कार अअहल्दाना ऋत्याम देनत्याक्रेय नावि न माटर ८वर अविवृत्तिक वर्ष ७ गतिवय बाहा छेन्छ विल्यालय प्रदृष्ट्य शयां स्वित्रस्य निर्काट वहे ে গছে। বাটি ন সংহ্ব অতি অমায়িক, লোক ्यक अक्षारामक क्षार छाहात महकाति র। জাঁহার উৎসাধে প্রোৎসাহিত হট্রা তাঁ-র মতারসারা কথ্যি করিতে জ্রাট করি:ত নে না। ৰাটি'ন **শাহেব ও অত্ত**া ব্যক্তিনি-রে বই উপরি উক্ত বালিকা বিদ্যালয় গুলি াজি জৌবিভ আছে বিশ্ব সংশয় হইতেছে , ह्यांनातात्व च्यांच चित्रं क्षेत्रिकचा ামালের উৎসাহোত্মণ অদরে শেকি জে-াকা বোধ হয় ভাষা পারিবে না, কারণ স গা^ৰ দিখের শিক্ষাসংক্রান্ত বি টেৰ্ব 🛊 ৰলোবোগ দেখিতে পাঁ ি ই:পুর প্রাক্তপাড়ার বিদ্যাল 'स्ट कि क्रिन बार्ड निर्कार रहेग्रा !मेलिय विवन है क नगरत शिया ता-攬 १ व बर्धा : है। বালিকা আহার ः १८७५ कनि चान डेखबबरंग शार्ठ ্রিখননেক গুলি প্রয়ের উত্তর ক-हेंब्रक १ (हैं के क्षेत्र क्ष এফুর্ব এবণ শিখিরাছে যে ्रभर इड्रेटबक मा । नानवा ंक्_{र होट्स अ}हर् की वानिका चाट्ट । आसि ्रावित्र आहे चेएच याहे, त्य तिन ১७वि मोज ্ৰিছিত ভিৰ্।। 😲 খানকার বালিকাগুলি স विक् व्यावरखन अवि छा-12 हेमा जाइन हैं। जि रहे एक इन, वियादि भाषीक्षित्रवाद विस्तर्भिका केख देव वर्गे एक एक क्रिक्टिम्ब्रिका मा नेटल गाया महत्र नटर विक्रिक्त प्रांची देव अविद्युष्ट देशकात मधीव-म् अस्ति जाना दर्शन क्या योहना कुता ज क्राने सिक्ष्य विराज्य निकार्य अवजी विकासम द्रिक्षं सहै एक है जात हुए। त्व भकता वास्क्रि ंग केंद्रवा कवाविकारिय वास बादक हो। ोवि:यह क्षिजिएक किन्द्रीमा विवास निवित्त अववी क्रमाला (बाईक्ट्रकूम) च्यारस, करे विमा ১০**৪ জুনিক্টিকে**ুকুক্টাৰাৰ অধ্যয়ন করিয়া

ন্যুষাল ইস্কুল কোন বিবলে প্রাস্ত করিতে পারে না, প্রব্যুত্ত এথানকার শিক্ষারংক্রাম্ভ रार्व। थ्रनाधी फाँछ हेर इन्हें। ८६ पर्य निख সভা ও স্বভঃমিল্ক মলিকা ক্বডামিয়া ন্যজিদি-গের সংখ্যার অন্মিতেছে, বাহার ৯জাবে ৩-भारत द्यारक अंख कहे शाहेरखर्ह, गाहा पा-वसन्त कतिरम बाबवन्तर निर्माण वानमु हेन-ভোগ করিতে পাবে, সেই ্রাক্সপৌর ক্র मोलनार्य ५२३ कास्त्र त्यायवात अधारन अक ही जाकविकालक ऋ'निक स्टेशांटक, अनियदग्र **ज्यानकात (छभूडी** या किएडे डे ब्रीपुछः वात् हा मनुषात रख् अवर ८५ श्रुपे हेन ए अहेत जीपूर्ल ত বু কালীকাত সুখোপাখ্যার মহালয়লিগের विरुग्द यञ्च प्यारक्। ज है स्थितंत्र स्थात्र ५००० হাজার লোক লেখাপড়া কয়িতেছে, মসলমা-নদিগের অধিকার সময়ের সহিত বর্তমান ন মধ্যের তুলনা করিরা ছেনিলে তেন যুগালের रुर्गेष्ठारक त्याच क्य .

मरुरत्न मर्थः • ही अवः सक्षत्रम ७ ही # 8 ৡ বিশ্বস্থার মধ্যে ২১ জ উপস্থিত ! বিচারাসর জাছে। বিচারণতিব সংখ্যা ২২ অন, ভারির সহবে ৩ ও মক্ত্রে ১০ টা थानी जारह उत्तर्रा ३५ जन कारणी जरह २२ **ज**न नारवर मानशी आहि। आमण्ड ७ পুলিশে বেৰূপ বিচার হউয়া বাকে ভাকা সহ" চার শত্র সম্পাদক্ষিণের অপোচর নাই, বিচা রপতিদিগের অনেকে আপন আপন কর্ত্তনা दर्भ सनिष्ठाम निर्मार कदिवास ४५ हो। कतिश থাকেন কিন্তু কভকগুলি স্বার্থপর লোক শেই কউন্যের ছার রুক করিয়া রাখিয়াছে। বাহ **कडेंक अधानकात प्रस्तुकाता र बाखिरहे है** जा-द्भव विहास विगरम क्षेत्रभागा का कब्रियाद्यान, श्यानक व आहेक मास्तिष्टे छेत्र विहास ३७३ ধান্ত্রন চাকা প্রকাশ সম্পাদকের ১০০ বক্ত টাফা অবিমানা ভদভাবে ও সঞ্জাহ কারাবা-ুদর হরুষ হইরা নিয়(ছে: সম্পাদক জন্মের নিকটে আপীল করিরাছেন। যাণিক প্রঞ্জের । মৃত্তে আনিষিক নেত্রে গাড়িব প্রতি নেত্রপাশ **जिथ्हों मिलिट्ट्रें हे नामिह**ेश याचे अनाशका ये विद्वा-छार। जब भारत्तवत्र निकंत विजयन প্ৰতিপন্ন দুইবার সম্ভাবনা আছে। যদি বখার্য िठारत जनात्रसंदी इस जारा बहेरत काहे है वाजिएं है कि कर्ष भविष्णांत्र कवित्रा विकास्त । व स्त्राव स्ताब स्त्राव स्त्राव क्रांका स्त्र करहे कि গৰন কৰিবেৰ, মা, সম্পাদককে টাকা গুলি / বেখে কিছুই বুকিবত পায়া বাহু মা, সেই পা

कि [थि फिन्ना कें। हारत मान्य ना कतिद्वन १ करी নে তিনিটী মুদ্রাবন্ধ আছে ভথারা বে বিনেব डिभवाब स्ट्रेरलराइ खाद्या वांन कहा बार्चला

প্রাপ্ত।

(ज्यक्त अवन ।

জানি সম্মতি পূৰ্বা দক্তিৰ বাস্পালা বেল त्राट**ङ ज्यानमरङकी भ**र्ग**ङ (र**ङ्का**हेटफ** निमा हिलाभ, काञ्च ७क ८डेनन फाटश रगरमहे रवन **हाएएन वर्षमान भूम छेखद्र भीमा मूरहे भवास** যাওয়া ধাইও : ক'লক'তা পদ্ধাৎ করিয়া বেলেঘাটার পোল পার হইলেই ক্রমে পরী এটিমর ছবি দেখিতে পাওয়া বাছু। নগারের क्लिंग्रेस करण बरण अध्येख हरेरछ था:क. বাস্তার হুলে: বাডাদের দক্ষে উঞ্জিপ ও জার आंद्रामिशहक एद्रिएक लाए। सं व्यवश्यक्र यह देवेगानपु नकन ७ उत्तरम क्राप्य इसूत महिल्लू छ হয়। **বিচু** দুর পধ্যম্ভ কলিকাড**ান্থ** সভ্**ষ**্টস मिट्य पूर्वे अववानि यातान घरधा नद्या प्राप्त পৰে পশ্চিত হইয়া সহকের ভাবে স্বর্গ করা-ইণা দেয়, পরে ভাধারতি ফেলে জালে অন্ত র্হিত ইইয়া যায়। অন্তর খেলোছাঠ, দুংবং গী ও এনে। পুরুর দ্বি পথে পতিক ২য়, भवप्रभाग द्राप्ता ' (क'९ कि द्रिस्माई कार्यक्र भाज कार राज्य धाक्ष ३देश महीत मीउन १० व्यादवादानि न राभवाद दल्लिया उक्तद्व भीका ভুরীভূত হয় এবং থীবর জন্তর বাসভান স एम अक छोड़ी रह २४ , शांदशीबर ख अभ्यक्ता (संभा) भाषात अधिकाभ हे। व्यक्तरना **ब्वाँग पर नकन क्रिंग्ड शाहेग्र शही** ज ষের পবিচয় প্লাক্ত হণণা যায়। যে স্থানে रकान बारमत बदा हिड़ा व्यक्तीय ब्रथ नमन করে সে খালে প্রতি ঘর ৪ প্রতি ছার হটতে कारोन दृष्ट विकिटाटक राख मबख दहेंगा एक করিজে দেখা ধার, তারারা এতি দিন ও বেলা যন্ত থার গাড়ি যার ডুচ্চ বারই এব করিয়া দেখে কিন্তু ভদাপি ভাষ্টাদিগের জিল ও গাড়ি বেখিডে বিয়ক্তি কলে না, ভাষায়া

हिटक । अविके करिय निवर्गन देख नाटक कामाना

िन मानि, लोके स्मारकत चित्र रमके सामन **খোলা, ইয়াডে** বে ভাষাদিলের প্রতি দিন কি ক্সজন ৰোখ হয তাহাত্রাই গলিতে পারে। কিন্তু কোপের কোটাকেও গবাক ধ্টতে ঘো-मड़ी चुलिहा टाडाइ चूरि तका ाडि प्रिचि-তে হটবে ' শুনিগাছি ওণাত্রের রেলর্রাডের काटब्रेड कान कान बारभन गर्या गाडि वाहै वात शृर्ख मा (४, बांव, इन वाधिवात क की পত্ৰ পৰিবাহ ভাড়াতাভি পড়ে। "সামালেব LACH (प्रदेशक स्थादक रफ्। शा.व धारत পঢ়া জোৰা পেলেও ভার গোয় কেট একট্ मुबुष्ड् महबायहब्रु चान कव्रिक्षेत्र या भारधारात्र **ट्रिल कीकांद्र वर्ड्डन त**्रिकांद्र सम्बाग कथांद्र **खा भाषरे त्वरे, क्रिंग्टिन मक्षकका** भूगेह हि-छत्र अस्मिके मस्या अवला वरून श्यामता सन्दर्भ अविदय नाफिन भारत, हारहेत मार्थ प्रशीतिक নী লোকের সাক্ষাতে * * * * * * ফল কথা আনেক প্রাথেব নিকট ভঙ লোককে চকু মুদ্রিত कित्रिता वाल्टिक इस महस्य नाल्या यात्रा इहिन, बहेक्टन (परमा मार्ट) (पारफा स्वति, स्वाम राभाग वाभक म व मर्पा भर्पः जक करे খানি আম অভিজ্ঞা করিতে প্রিডে রাণা च है नर्वाष्ट्र आहे जर छाटवहें बाल्हा बाह ভবে ইছার মধ্যে মান কপুরের এইনকে না-(इव विविद्य भारत धारर खारा अर्थ अर्थान व्या ्कर किएक किथ्विप मही इसनी त्यांच करा, स्थान ্ৰিছ্ৰ **হলিক।ভা** কলিব ভা গান্ধ ছাটে 🕬 🖰 ति अधिक मार्ट्यट्य हामागुन अभिन्त वि विरम्भ कृत्या भारेन श्राविश अन्ते अनुमन **अ:किएक व्या** अ शाबारे पान्त्य कतिहरूई আৰু ক্ৰম্ম ভাৰে ক্ৰমে গ্ৰান প্ৰাপ্ত কৰ भडेड्। मार्टित कांश ८२मी कहेराज म 'ते, 'रिस क क्ष श्राटम शाह भाना भश्रम विकास : त्रविद्ध शांखदा यात्रमा दशन तरि विद्व पुष्कात कांडे कर्गतिस्थित्व अक्यांड विध्य । **बहुबा कांक भीवह कश्रीकित्न दर्दे हैं।** अमिरक स्पन्न कार्य मोटिंग 💅 বেইকুপ উশ্বরোজর কেডের প্রত: "3 রি^ছ: াইছে বাবে। কুল কুঞা ক্রমে 🗠 চা দিরা केटके : किंक कूचा कार-एका शिया शटके লোকৈ আভান্ত কাতর হন, সন্ধান্ত কল খাকিছেও কোন আনে এক বিজ্ পান করি

রা কেই কাডারত। দূর করিতে পারে ন।। नाट्यामत मनन जामहे स्वः दर दर्शनान गांकि नाटम रमहे चारमङ्क्रमः कटत नाटक. इस्ट्रे अन्। पान अः अद् अहेदा अकन शाक्ति निकट निकटि दिखान, हेन निव्हत जानत लातक लोध स्य त्य यस शाहेरक शासन বি দু যার ঘারে সেতের কয় তাব দে **ক**লের িকে ভাকাষার নো বি ? প্রায় কুজেভিয়ালা बाटातत्त्रे । भ प्रश्नि स्डवा र मारहद्वता यथ न कत वंद अवस्था जनम बहुत एएक करत कार प्राक्ति । १४ के द्वा शाक्ति व्यक्ति स्वरण গিরে বোন পঢ়া ডে:বাঁর জল খেরে প্রাণ বাচিয়ে আসিখেল ভতদুৰ প্ৰযুক্ত কায়ে৷ ভরসাহয়না, কি ঝানি কথন কোন দিগ मिरा " चन्द्री भारत' ए तव छेतिरव 'स्रोत स्थम नि वाच्यीय नाचन महत्र अहम डीहान हाई हहे Co व्यान क्रफरहरा, धार्य'न कहिरन। फाल ক্ষা মাল পাছেছে, রেলারোড হইতে আমা मिह अधिक जारबक विष्टु ते हैं कि की তেছে, ভ শার পথতে উল্লক্তি দেখা ছাইতে-টে : অ'বে এলেখে ন ভা নিৰাৱো » " ভাত ন'রে: ৽ ইডা:বি গুটিকত নাবো কথা হিল, दब्रमहत्र'ण स्टेग्रा अकरन + घन्ने बाद्या > अह अकि स्टब मार्ता कथात एषि स्टब्र्स्ट । प्रथम आग्र शक्स (डेन्ट्र्न्स्डिन शास्त्र शिवि বিক্রীত চইবার প্রশা ১ইরা চে উরির মধ্যে त्वाम द्वाम काष्ड्रवाह भारत करत् नाकारमा ক্ষোর মত জিলিবি এ ৭ পুরালে প্রোল আবুৰ মন্ত সম্পেশ বিজ্ঞাক ব্লিডেও দেখা यांच्य तक जिल्लिव भरमभ्य ना रमा रमारम रि नम्बद्धान्यत् कार्यः तमान्य द्वयः भावादः स्थितिन भक्त क्वितासम् भाषात् मगा इत्र स्था, क्वास एक न र भिष्राभः मास्ति न रिस्यम भरम गति সং ১০ নের বিশি কিনিষ্ থান ৩০০ জন্যকেও কিন্তু আমার (व' म मृत्र द्व तम मगत्र पूर्णाः नाहरूमा विशि , छन्न । वह द्वार कार्यन कार्य २/इ.स. हे ५ কল বিজ্ঞা বারুল। যে পাংকর খি.লডে ভান কব্রিণত উপজেশ করেন মা কেন বলা যায়

বিবিধ সংবাদ।

३३वे रेक्टब स्मायबाद्ध ।

বাবাসতের মানিকেট হারিনন ক্রিক্টির বহু তব্রতা সারীভয় নিবারণের জনার্থ বহু সহা এক নিবাসবস্থা টাকা চালা হ্রিয়েছে, জাবেও বিদ্ধান সংগ্রহিত হ্রতেছে। তব্রভাব্রক স্থানিক্টির ব্যাবক এক সভা করিয়াছেন, তার্থার ই ক্টিটের বহুবেলা বিদ্ধান বার করিবেন। ব্যাবক্টির লাথ, ভারত হর্ষীয় সভা একিবেন স্থিকেটির তা হ্রহাছেন। সাধারণের নিজ্টে সভা ক্রিয়ের বিদ্ধান ক্রিয়ের নিজ্যের বার্থানিক ক্রিয়ের বিদ্ধান

বোধাইয়ের পার টুলিনো বারম্বা ও প্রস্তুত চইরাছে। উন্ধা প্রশ্নমনিধার শিলি প্রীলোকস্থিধেরও সম্পূর্ক সিলা শক্ষা বিধান করিয়াছেন। ত্রী বাংশ কৈ ভ্রাক্তির ডের আলা মারাইইছে।

২১ এ ভিলেখন সিমাজে । পদত হইয়া বিয়াছে। ইবা প্রায় বেক্ বিজয় বাসি তথা হবাছে। নাম্মত আচীবের বাহিবে ব্যান ক্রিডাইছিল

मारशास यर ७ अर्जीवैठीव क्षेत्र शास । क नकाशावर वेदा स्वया दि

নদীয়া বিভাগে দ্বতীবুলনি প্র আলা হরাছে। বিহুতের ভিত্তি গুলি কাজেন বিশ্বলি ভেপুটি ইবলে। বল হইলাছেন। কাশিক নাবেশ কৈছে ইয়াত প্রভাগনমন ক্রিলে ইনিপ্রেটি নিয়েগলিও হইবেল। ছবলীতে প্রিলম হইবে। সে বিহন ভবাছ গুলিম হইবে। সে বিহন ভবাছ গুলিম হইবে। সে বিহন ভবাছ বলা হইলাছে। ই

নিউনিসিপাল বিজ বিবেচ দুৰ্ভি আগাদি কলা) ক শ্বিবালে নিৰ্ভি অদিবেশন ছইবে। কাঁচণনা ই ন্বিক আগতি প্ৰবংগ ক্রিবেন।

অব্যোধ্যা গেকেট বলেন ক্ষেত্ৰিয়া আছ্মদ আলী ও ক্ষেত্ৰণ নাক্ষ কৈ ভিকে লাইটলি নামক এক জন ক্ষিত্ৰি পরিবাবেশ হত্যালাবী বলিয়া জন্ম লক্ষ্মের তেন্দ্রটি ক্ষিত্রনার আর্থ প্রথম বিচার হউরা আছ্মদ ক্ষিত্র নে অর্পন করা হইরাছে। আসম্ভ

ছু।বিজেহের ইউডি একণে িষ্ড ১ গুছা বিশ্বন সহিত পুলিহে কছু করেন। ইনস্কেইতে-ANT COIN ER !

छेल "क बरमन ५,वंश मारहर & कारम वृत्ति कार्का क्या क्या हिं। शक्षात्र व विष्ठा जारक्ष वेसन अभिक्रमांकासन अवर्गायन्तिय (त (क्षेप्रीव स्टेटल्स्न।

कांग्रां वाष दशरके दरलम खत्रका दहनेल अटक वर्षा विद्या विद्या । भाग कार्या । वित्र कार्य-🖚। व्यवस्थात्र व्यवस्थितः 🕬 । व्याहरू वे विस्थाः ञ्चिशिशं विवरः किकूगार "श्व कत्रा कर ना। मण्या ক্ষিত্ৰ তেসৰে গড়ী লাগতে এক জন ভূ ্তুৰণীর আংকং ী যেমন নামিডেছিলেন লইয়ু____ गण्डम शक्ति : १६ চাৎ গৰন কৰাতে बीटक्, इन इन। लेंगाव धक । बेन्डे:बालीस्त्रता सक्न निका कविरव ना ! र दिए अपूर्व । य नये आप करे-(रहा। े इं पर्वति हो स्वी विक् चली व

 इक्र ना । ज्ञानक च्रांक चारताची-्र अक्षादेश द्यान इंहेट७ वेश्वित इंहे ভাষত বৰ্ষীয় ৱেইলওয়ে কোমানি চেডন্য হ'ইবে না

ध्यक्षात्ररत्यू श्रम कर राजस्थत्र ন ক্সতে ধাৰা হবা অভিশয় সুৰ্যু-🚁। प्रवात सवस्त्र अर्थे श्रवातः।

扫 श्रम बद्दशम श्रमहाटित विद्यानद्यत है-् भूना काटमटकड व्यथाक ७ व्यक्तिन रहिता विद्यालाक्षत अधान निकर्क श्चरकृति। छावाद शतीका निवाद श्रीका ददेश-क्षेत्र है है है कि प्रकृष्ट इन्देश करा हुई वर-हान्ह्र _{देशक}्षा इदेशहिल । ७वाणि देशका १०-क्रोडेका - **वर्**टक प्रक अथवा निर्दिनिकानियान

[मालाका , शरीकः मिश्रात खारिकम करहान ! श्रीय कीकोपिट मह च्याटन प्रकार । 📆 বিলৱে পৰীক। মিতে ৰপিয়াছেন। हेन्द्र कविषदः अध्यक्ष कविश्राद्यन ∤ क्षेत्र केर्ने में ब्रिटिंग के ही कर बरर्शन महशा 🏨 के 🎒 । । । । भागमा व न प्राः श्वरम अवर्था हम कर्निएक है चया कन्नाज १४ (स्था),

क्षेत्रीयो यक रक्ष्य महित्रा परिदर्शहर । ক্ষিক্ষ প্ৰিৰ এগরী তাথাৰ সহ-मुन्बिक्तिरक हाविराटक छेखरम विनाम क्षा विष्के नवरव श्रीवार देवरणकेत वर्द् दृष्ट्या । छात्र उरद्वत ब्राक्षण कविक इवेद्रारक क्ष्यांति व-

ेहिड। धनकम विषय अक्टान देनव निर्मात्रसम्ब / व क्षमाळ आग्राहालम छेनाहित इन्द्रशास्त्र किन्नि उथा वर्षा अवन कतिराम कार्यकार्त निरक्ष भू मिर्य धामिया व्यवस्थः होकिमार्वाष्ट्रांक शामि उर প্রতিষ্ঠাতে বাস করিবেন। ভাষিত্তি ওপটি পাবে আস্ত্রের আইনতে গালি নিয়া বলপ্রের কর্মনু क लंडेग्र महिवांत्र केटमार्थ कांग्रल (हो) विवादत्र हा জাহান প্ৰতিবন্ধকত। করে। জিনি ভরিমিত্ত এক ক্ষমকে প্রাপ্ত করিতেছেন এমত সম্প্র हैन""अक्रेन धालाभाग करिया साहार धार भ च'रल क्रिमिश् करिस्तान । काश्रक है छ दक्त নাং উটিয়া কেদার বাসুকে আক্রমণ বনাডে क्रकेकरम करप्रक मिलिके यह गुक्क दर्व । शिविष्टाय স্যান্ত একে ক্লুফ কবিহা প্ৰতিষ্থ সমৰ্থণ করাতে खीश्रद e • हैकि। किमिश्ता स्टेश्नारक । १ के ख কাৰ সুসির বদলে মুসি ন, হইলে নিম্ন শ্ৰেণীত

> शवर्गत्र कारचर लाइ प्राप्ताद्य कांत्र उपनीत (संदेशिश्व दशक्यांनि क क्षेत्र अक अक यानि विरुप्त खारकत छै । कविष्यन । क्यांगरी ষ্টাতে প্ৰাহ ভাক আনিবাব প্ৰস্তাব হটয়'ছে।

> ফিনিকু বলেন জয়পুনের রাজ। পণ্ডিত শিব-मीटर व महिन्छ शक्त मनियोत विद्याय हिंदूर। कलि-क्षान ज्ञान कवित्राहरूम। किमि २० मिनन नवात्र अक्रमश्रीष्ट कामीराड ७ वक मश्रीष्ट प्रामीही-राह्म अञ्चर्गाध्य कविद्वतः।

> खेळ्लाताः खनलपूर्य मरवान्नाका **बरम**न क्रथाए द्वारमह द्राजिएक धन्न वास्त्रिय वासिएक क रहरू कर गास्ति भिरम्भित हर। स्थितनंत्र श्रेत जीशांत कुछा नकताःक शाम किराल कौशांका अ(० उस प्रम कृष्टे वा जिल्ला कृष्ट्रा क्रेन्स् । यह क्षत्रक आ २०११ यो वेटल ६ मा । जारे करबर कर রক্ষা পাইমাছেন। ভূতা কৃষ্ণ ভাছে।

ভিনি অব্রঞ্জ বংলন অন্বর্ধার রাজান বাটার िकट्डे अक प्रल चुरक छर्त्रश्य एक्सिट्डिइस्स्य, क्षेत्र व्यवस्था वक्ष क्षेत्र महाति। क्षेत्र विद्या क्ष (ए। हा व डेभारीय क्यांटिक अंहार्व क्रिंटिक থেলিতে বলেন। সে বিধাকণ পারদ্ধিতি। এছ भनि कतिया विनित्न दम च्यार के कार्य द्वार व्याप मधे कविद्रार्थ, भ जनसंव कानकरन हा ल दिए अधान । शका छाव 'एक बिएम' की बीनत क्षिक्षिक्ष विकास कार्यकार्ति मार्टिंग्यर अक । जनमान्द्रित्त मार्किरकेट्रिय गास मंगर्भन कि.हो-(इत । करथमा अंग रहिं।

্ ইংলঞ্চীয় নৰি বাৰ্কেট বিশিষ্ট বজেন, জিনি ্ ভাৰ ভৰ্মীয়'বীত স্বাধা অবগত চইয়াছেল যদিও ु। व्यक्तिकक्षां छलिए वर्षेत्र वनगरिकि वर्षात ७० व्यक्तां १० सक्षेत्रां व्यक्तां व व्यान विकास

(ह । आयक्त विदाद क्लान कावन व्यक्ति

करबक मिनगानिध शबर्गरमधी निखन्न कॅलिए अन्त्र कविद्याद्यम् ।

३३ है टेक्स अक्टाबर्स ।

ভগবানুগোলা ছইডে এক বাজি **লিখি**র। शांक्षक रहन, दहे देव दिशा प्रति प्रति अपराज्य भगाप ७ वर्ष प्राचिकारक क्षीत्र महाविध श्रृष्ठ छ-भीकुड, बर बाहि इस्टबर हुई। वर्ष इस হট্যাছে। ভগ্তা দাবোগা গুড়ুডি পুলিদক্ষি-চারিগণ ও প্রামবংসিবা অগ্নি নির্বাণ করিবার परवाडिङ रहरे, ना भ'हैरम चारता चारिक च निष्णे हरे हैं। भवा अन्य किया की स्टूब **सा**र्याः भारत स्विक् उव शामारमा कविद्यारस्य ।

कि'मङ्ग मणापक बराजन श्लीमारक्षत्र विरक्षा-व पिन सिम ভवस्त्र तिम बीहर कविरक्षां है, दि-द्धावितः नात नात श्वाकिक व्येग्रां ३ क य ष है(ऋष्ट् म्।

२क रङ.हे. बर्क्सन 'कहिसकि श्रेयम्बर्कका-प्रम ऋक्षकिरङ्क्षत्रवाद क'इक्र¹क्ष्रकान, क्रयात्र व्यानक ल्लाटक । मधाराम व्यवसाहिक। श्रेष विन তিনি কৰ্ণিং উর্ণবুজ ও ৮ পণিত সৈনা দলেন मध्य कवामध्य गांचा कविद्याद्यम बर्ट उपः •है ७ क्षियाद स्मिर्ड महित्यम, यह जल **本製み、塩にき**:

फिनि भौरतः रटलन (शात्रांनियट३२ मर्गनः व्यवसार्थी बहेबा व्यक्तान, काली उद्धाद धीव স্থানে জগণু করিতে আরম্ভ কবিয়াছেন। পশ্চাং क्षेत्राक अञ्चलक वाहितात महावन। कारह ।

जारशेव क्रिकोल बर्जन अवग्रेशको छ। ক্তাৰ হট্যাতে যে মিলিট্রি কর্মচার্যার সিবিল কংশি নিযুক্ত ক্ইলে যি,লটবি ছিপাটমেন ষ্ট্ৰতে আৰু বেতন পাইবেন মা। তিনি কেখ' त्म क्षा क्षारत्म अहेबाम बहेरङहे नवुष ३ (राजन भाष्ट्रिया। √अप्रे विमाध्यत स्वित्राध ब्रेक्स कार्बाहरू कार्याः

धक क्रम क्षीश्रंत बहेटङ मिथिय। १५३/हेर -(इन " धेरे क्वियानियांनी मानु (म:स्क्रमाथ) मात्र २० वर मेर बम्राम क्रम क खेलानि थान्न हहे-त्र, २००० कास्त्रम कास्त्रमान >> है। व समस्य लिका মাতা প্রী ও পুত্র ও জনায়ানে চলিডে পার্য बज्जण भवन्ति मध्य अवस्थान क्षांन करिक (एन) भ जीन हक्त वि थ विनि भूति छेषक्र व्यागज्ञान भारतम्, जाज्ञान दानि वे अन्तर । বুৰক সম্প্ৰদ্বায়ের ধর্ম বন্ধন মুখ্য মুখ্যাতে এবং धर्क मी किंद्र नवाक निक् मा विश्वपुर करें व वे

क्तिम् अभव। शतम प्रम मत बहेरक मा হৈছে প্রায় বেলের গ অভি নীয় পুরাংব।

बाखाक मिरेश व लग छड़िश रेस बाक क्यी-न्याम प्राणिक के श्राधारङ छ स्कृति न म व ভিৰাৰ প্ৰস্তাৰ কলিয়াইছল

या**न व्यक्तित प्रदेश**'ह ।

व्यक्तिमा रवाखंडे वासंस्थान प्रश्रादय उपीय चक्तिमात्र सक् ६ वात्रिः संग्राटर क्षात्रास हस्ति एउ-য়াতে ভক্তা সমুদাৰ হান জ লা প্লাবিত চই-WICE !

केल अब जारता बरणन माम्बरमान व जून-खामश्राद क्षकाड अल'केशन आहर्जार बहेगा-ৱছ। আলাছাবাদ ও অংক্ষ্যাত্র বাত্তিপ্র গী-Bis setace

१ का कर के देखा है कि ए

আমরা শুনিয়া অভিনয় সুংবিত হটকাম इक्टिन अञ्चलवाद आधाम म्यन व्यक्ति त'ड ভারত্ত্ত্ত হটয় ছেন। ভাগার केलेब्राटक्य दिस्टब्र वर्षे सले छन। भाग, जिनि वास्त्रिक द्व मक्स्मन:व विष्ठांत करत्रव नाहै, छा-ভাব বিভাগ করিয়াছেন বলিয়। গাল ামানী क्रांच्या क्षित्रकारक्त । देशा वित गठा एव. व्यय-केजन प्रश्रेष विषय माना नाहै। अञ्चला कीकांस क्ष्मि कछान्यान मधानाम बन्दे छ। - ॥६, किंव भागम खडार, विखीत, नियात की। ইমুখ হোম কণ্ড নিচারপতি কোন ক্রম্বেই পালত कोर्किकां विकास महास्या विवासमा क्षेट्रकं हुक्यम मंब्रुक्त बार्याक करण मा, ध्य-लाह । · शय (८४८की स्था क्लाह हता।

ব্ৰীক্লিনের সাধারৰ সভার সভাপতি কি कुरह्मेनाम जारहरमत अल साता कारण कराया क्ष्मा के अवारत क्षाविक विवेतियां। विदेश जबज्ञ गाँगिक्षित अधिथात खाँ उ व्हेगात क्रम क्ष्मिक अवसी मान। इस, में मानाटक विद्रालत कैमेन सकत्माने भगवांक श्रमान करियोग्छ। ८०१५ यक्त स्थितिकाराज्य स्थापन्तिकेतिशाम विद्यात् थे कर्ग-क्रमंति दहेशात बहाबमा बाहे।

हर्मान। विडेम श्राम यक पूषराज क्यांगी प्रस्क व्यक्ति महिलाटक व्यवस्थ वृद्धिक प्रवास्थित क्षेत्रहरू, गुजन शकाद्य के दिन क्षत्रि नाशिता-शिक्षा किया पढ़ कि व शा गाँदे, पूदे अक शांति

वृद्ध केन्द्र विद्यारे (श्रहार्थ ।

फिलि ब्यारका बालन बीलन्त्र ७ कर्ते, कि वि-क्ष्मम् अविद्याधितन्त्रस्था अव अवस्त विश्वेष देशक्ति हुदेश- यह कर एक ध द कर चाहर इक्क्षिरकः। " कथालि वसू भौनीया यसप्रध्यक्रम

'' পাপায় দ্ব দ্বাও অসহকোর কারণ হয়। উণ্লিদম্ব কলেন ধোলপুরের শুরপুরী। मही वाना दानाहरम् अञ्चल कराएक छवाचाम वि-জেংকের পারি হটর'ছে।

किनि थार्ड। बरलम विकास भूनकी ह पि-ভিমি আছে। বলেন বাল্লালানে একটা পাখা জোৰ ভইবাৰ উপক্ৰৰ ছটভেছে। নিৰ্মানিত ভিলেনাৰ। প্ৰ: পুৰঃ ভয় গ্ৰদৰ্শৰ করিভোছন। निविद्या य'का बाह्यत व्यक्तियार्थ स्मितिक मोशीया व्यार्थमः क्रियाद्यमः व्यवर प्रवर्धः उाहाव डेटहा श कविट उटहम ।

जबाहाद (इन्द्रश्वामी बरमान जद विकेरताम नी प्रष्टे कांत्रक रहीत । तमा बार वय व्यक्ति । प्रकार श्रीकांत्र कहिर्देश छ ब्रह्माला वर्षकान रमना-প'ত मर्ज भारति छ। दाद भारत महिनक परे

উञ्चलक कारता गरमन **अक्रल व्यवस्थी त्य** शम डेडिया माहेरम् बरः छ०लद्विवार्त क्रांसाम् शहर अवति श्रथामञ्चम विकासासम् व्यालाह वर्षे- (क्ष्र विद्यात क्या ख्यांकात क्यांक विर्थ क्यां नवत विद्याद्यक आनित थ खुड पूर्व विभिन्न स कारिश्त मार्ड्य, अधान विशेष्ट्रक (विष च-खिन) चात्रम अवव चहिर्देशम ।

कि बक्र रासव. १९६ बार्ड नीडायुरर लक्षणा-त्मन छण्यात चारमक मध्य वर्क वर्षेत्रार्टक र्णाटन त्मेह शहराज जल्हीतं अधिशृत्य विवादह ।

উक्तशञ्च चारता बदलन, बक्रामनीतं रेमना ध-নৈর অংকাশ এলানার্থ নিম্ন'লাবিত্র নিয়র্থ ছব্ট-शेटक शिलाकाम मृद्यं रेगरमानी करे मीन भी हिल्ल शाहित्व , यांशाई बामि 'न० बार्डेल हेर्द कृष्टित किनि के मार्थ निवास धारकामा निविध्यम, अन्त वानि विक्र एडिटन तारे देवक्रां गहिमारन 20E यनकान व्यवहा परिश्वभी

ডিনি আছো বজেন সৈবেনস্থাদায় কৰি এ-ঠল কোলাবির ইংলতে ও তকে এবং কলিকা-छ।, त्यांशीहे, जिलापुत अवृत्ति प्राप्त संरवेत का क्षांत्र अन्त्र ५०००५० क्षेत्रा, क्ष्रणा, क्ष्यांक चार् बीत जया शिक्ष एक एक विकास जाते रेक्स का o ठेडिन गराटर्म २१००°, शास्त्रांत्र देशिनत्रम তকে প্ৰত ০০০, বাটা ও উদ্ভিন্ন ৩০০০খ ট্ৰীকাই जनावि चार्छ ।' '

शिक्षित्यदलके बदलम विवाद शान्त्रियाकः লের কালিকাবিবলুলা সমূহে প্রায় সংগ্র राजिकः वाधायम सर्वेद्रस्यस्य । 🕟

बकारेन रहेटच वर कालि: विशिश्वाहरू अ क्या (परे केन्द्रे) त्यांत ; व्यक्तिक्रे विक्र अवस abiga alta wag abigan 286 chia

pro butten right. जार्थ व्या मन्त्राक्षिम क्षित्रके

चगर, चार्या म क्षणा हरे जावांव लेहकीह नीम अवैश हरमन, क्रीकार कार्छ क्षिर्छन्न वस्त्रे क्ष मेरिकोट्स स्व मञ्जूष चया ्राष्ट्र किन्द्र क्रांबर्श खंड क्रिया मारे । ७७ हम मा बहेब अहिन्ह कारन कारन कार्याक बहुकार ज विक्रिक्त विक्रिक्त SEE CHE BERN! करनेक्ष्मीत की मूक्कीरका कट्नीका जाना के युन्दहर्भ कीटा शक शामा क्षेत्रावे शदस्य दर म केल आरंबरनम् जूनिएक बार्ड किथाना श्रेष्ट्राक्टन व प्रत्यंत्र वर्षः व वर्षाप्रका (बेंग बहिया ब्रह्मक केलाजू

> विश्वतीय देशायम विश्वा TROUB RESIDE and eleles this d আহাবিদের পশ্চাম প্র sun university of arie ppide eften कथा बाह्य स्टब्स् अवस्था व्यक्ति दशक्त, क्यांक व्यक्ति ent dome free, fr स्य मा।

व्यापा चीकात करता. "

Pas in the mean.

CHIPPERS THE MAN PROTECTION OF THE PROPERTY AND · 中華中國中國中華 D* 使物子行动计算中的 अभित्यान्त्रीय स्थानीय है क्षेत्रिक्षिक्ष व्यक्ति व्यक्ति जीक हैं। वेक्ट बट्ट वहें सकात्र

MOUNT PINE E ७८,००० चारहादी अववा 面似 的过去式和过去

त्यापाचेश्यक स्वयंत्रीय Ricen, & when walks ALL WEIGHT TO BUILD! क्षा करते के कार्र कार्ड की किया है। जन्म

াকারী কমিগরি কেনগল করে সংছেব ध विश्वात सनेता अविश्वित गारत छेउन कि ाति । प्रमारकाम न क थाराम कहां छ श्रीव वावर्गदश्रको छै। ११६क श्रामकु '७ कविया कर्महावी इहेग्रा मश्रामभारत न । जिल्हा ्यत निक्ष्णि व्यवाचीत ह्यांच कार्यान क

विस्मृतिय स्वाभी सामक शूद्रास्य द साह • हिस्स्य विक छ स्ट्रेग्राह् । देश क्रिश ইয়াছে যে ক্ষেত্ৰার ক্ষতিব মন্তাননা। ाड^{'रव:स} गपर्यटमके झा उग्रत्म. ও दीत्या विद्याह स्मान क्षित्र क्षित्र का किना है मा विष्या दिश्याहरू । अवश्वात अ बिडेंब, कां. दावा हैका ना लाब (कन ? राहित हाएं स महादे डिकाटन मूल्फ

ীয় সমু ট বিজ জিলের र এখন ভিকাতে দৈনা १. फुडबा[,] श श्रम वर्ष नात मधानना ।

ो फामका स्मादकत निश्च PICEN !

় মিউমিনিপাল বিলে .. । क्षिक्षेत्र अखार क-क्षिं रज्ञान ना क्रिश थ सम्बंधित ।

विकादि अक शहरात क्ष्मं स्थान । वास्त्र वार्यास (मास-भारतीय क्षेत्रम । धर्मन क्षित म महामा मधा रामन नारे का अ महिक्क का का विद्या क्र द्रवर्ण्याः निवस्तारस्य । यमि ातः व्यक्तिम्हाः स्त्रा क्षित्रकानि ्य कराव विकित्य सम्मन्दित स्टित्या

7 mar 2 1 3 3 4 22 करणात्र नामः जोति महोन गाउ इति व्योगस्यय निकारी अस्ट्रक अविश्व अभिना करें। भार to depote the war. , small faster t water & thicker was a

इ। ति कविशास्त्र के सकार्था क्यूक, उठाहिः बुँड के ब्रग्न छन्न कुछ विधान कहा देखि।

र्वाचार महेटल विविध सहस - छा धनी शाहरी लोकी मकारा अया महा " दे विका । ৰাপান ভইতে একটি ৫০ টাকা ুসুনে ব উত্তৰ कांत्र चार्ष कांत्रांत्र अक राज्यक्त मिक्टरे स्वर कारता चा श्रेन डेम्: (ज दहांश्रेष कहारेख श्रीतर्थ | चिक चाँव /एउन विशाद आकाम कविद्रोहिस । डेशब मारम नामीन एवं। बासक्टिक इब्र शक ন বা হুটুরাছে এবং পারসীর ৫০ টাকা জুবিনা ना इरेब्रा इ

भाषा । ७३ । दक्त द्वाचा वह एकाम एक श्रेनकी। র তথার আফির। তাঁচার আভুন্স কাপ্তেন क्रंटन्त्र वस क्रेट्ड भागत्त्र काउ महेग्राह्न। वर्षे क्षावाटका वक्षार्वर,८०,००० हैकि। वाक्ष व्यक्ति क्ये व मगुक्त श्राप्त क्रम केटल हैटि वरः । একবে উক্ত কেশে পূর্ স্থারণ উন্নতি স্কৃতক কানে। ব্যবিভ স্থা। সর त उभारतम् ७ साहर्ययक्षम्।

> **णारा निष्ठेश्यत ज्यागाय इ मर्शन छोडा बट्ट** ন বনোরা ক্রমশঃ ব্রিটিস আফিনরনিংপর হতে आधानमर्थन कहिटलाइ। धार्यमञ्चः १ व दिमले वाखिविक एक्षीकाद्राञ्चल्ला क्या क्षित्रक कि मा देशंत्र पत्रीकांत्र कता क्षत्रक सन आधानमर्गर करता खादावा क्या थाड़ बढशांख क्या मरम ৩৩৮৮৬ ট্র ব্যক্তি ভাল দিশকে অন্ত্র ভাগে করিছে বারহার 8,24,445 जित्यम कहारक सांवाद्धा खानाटक यस कहिया- हिं। अधिकाशिकात्र वावडीत कारकेत शक् अके इदेशारह । अर्थाय**के कुष्ठरका श**र्मान कठ शक्क **इहेड्डाइ्न एर ७५ थ.विक बङ्ग्यलीह रननोहनस्य** श्चित्र विश्वात्र विवास काला कित्रशारम्म । व्य कार्के ह्रूपन अक क्या क्षत्र यात्रा गलात्र स्टेन ভাষা করেক ব্যায়তি বহুলার কাভিকে হতা ক दिश्वा कड़िएक र्गनशाहित्सम् ।

> > शंकाची निविद्यारहत युविद्यानारायव सावे ঠ লাভিট্টেট দাক্তিৰ সাহেৰ বারালত ও ছণ जीत महिराज्यम स्थान व्यापन स्थित वर्ग मिनुक श्हेत्रांद्वतः। बीखन् माद्यव अख् वित्तत्र शत्र क्षित्रक यद्ध। क्रिक महम्मात्वाम विकासिन ।

व्यायहा व्याक्ताविक स्ट्रेगांग स्व गोत्रायहक লাখা আছতবৰ্ষীত সভাৱ মুদ্দুল নদীয়া বিজ্ঞাগের कवित्रवासक चानास्त्राह्मारवृत्यकाम् दहोविदाति श्र कुम्मानी स्थानवात । १४६

সমাচাৰ হিন্দুখানী ২.লন 'জা দিগ্ৰিজয় निर्देष (निर्माल हो 'क श्राज्य गांत्रन कर्तारक स्नापन क्षेत्रिगरम् जिनि स्वत्रवाशम्बरम् जिन्न शक्त होन्य सुक्षि लां । विता (धन । व्यक्ति शक्क ন ৌনার চইতে সর্বস্থা । (চির চয়।

रक् ७ कर दे छित्र। वस्त्राम ४८ ईत् विश्व कि-

418 BP HE > 7 OZ .

93.. P. 42. टमा ७ ×१८६४ ६२ २९,३२ ००० फाग्नि, ६२, १२,२.७ ৮७ । होका श्राप्त श्री स्वाहित्सम । किन्न अंश्वाल विमादव : १०,३४०, ६० छ। के विक् थारक। बेरकारश्चर गाव का धन वश्वारश्च का विक-ত্ত্ব আছের ও অকুলান ১২তেছে । ইংলাপ্রের क्षक्र कि कथिए बा र

উक्त शञ अध्यामभित्र प्रतिविद्यालय **डेश** (देव-क्या मुख्य क कार्क वार्ता छत्र नहरू, मानव माहि विम है।आ द्राधिएक वरताम है। किल्ली है। विशिक्ष कि वर्गा । विश्व विष्ठ विश्व विष्ठ विश्व विष्य विश्व विष्य विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विष्य विष्य विष्य विश्व विष्य नीत्क, अक्रमकन हैं क्र खाता अभिविधारक विश्वस्थ न। क्रिलि धिकः ३श्वन करा कर करे ?

উজ পতেৰ লওনত মংৰাছদাত। 🕻 উটন-्न छ) मिर्देश हो। एक ^द' काबि काल न∤एक विष्कृत বলৈতেছি গর চারলম উত্ত পছতারি ক্ষুদ আর नः कत्रम क्ष्मेलावी कत्रावस्थान वाहेन विधि त्क जास्त्रर्गत कतिशाह । जेवल्ला मामक कर | वह हरेट मा। " अमिटक ट्यूट छत्र हेलामा दस- ... बका मह क्रम लहतमा कहे मृश्यि काहिएमह शक्ति-वान करिकारक्ता इक मार्गमान मारम्य अह मध्य विश्वाद्यम । खर्वाणि करे वस युक्ति नामा-मरकत मठ भविवर्ड स्वेश का।

७४ वे किस सक्तात !

चात्रशं कालिया ब्राविक वृद्देशं निवेकनीत्र (बाठत करिए हि, बड़ कमा वेशिकांकांत्र वेश्विक खनाबीश्रदतंत्र (इंटमांगहीटक चात्रि मानिता ची-उन्तिक कार्क श्रेषाः है। आमानित्यक म्यानकाः क्षा बिलामान, क्रम्यान जरवादिक हुन क्रक कर देशाहरू, ३२ । ५७ जन स्मारकत्र ज्यान विमान द-देशाद्यः अञ्चलक सङ्ग द्वालन अञ्चल सरमञ्जान ণী হতাহত ঘটড়াছে। কলিকাড়য়ি খোলার দ-त्यम् अध्यक्ति एउमाराज चीत्रा कम् निसंत्र पर्येन बारक, क्वांनीश्रायत क्षेत्रण अञ्चलि मा दव व्य-म १ चम्छित्र मरबा। ७ बात्मम मकी किए प्रवा-নীপুর কলিকাতার আপেকা মুট্নাসংহ : 🎉 🗥

मिली रशरक्षे परक्षेत्र, ज्ञितिन प्राक्षेत्रप्रशिक्षि तरक निक्रूंबरीय अधिका यांचेरक वह अधिका-विक्रीत पुर विशिव करे व्यक्ति स्वारक मूर्क जानक मनत्व वर्षा कर वर्ष कर वान Care design them to be a com-

मास्कृतिकादमन मात्राचन चारे उर्जन कार किया किया जाका रह क्ष्या के कि का कि विकास के कि यां के अभारत रह (अभीत अधीव क्षिक्ष हैं के अ है देन ।

দ্রিকাটনট প্রবর কলিভাতার ্রিশ্বন প্রবাহ্য ক্রেইড এস সেইজা সা अक्षा महाम महा भटन विद्यान कवि

हरू कि कि श्रेर कि श्रिमी सरवदत के देन में शाहर विकिल्प (किटका कर्महानी

अ में किया विकास मारवर किय कि कार्रे किन के किनवास सरका अठि

विशिक्षः हा मारक्षा शावमात्र अणि विश्वमात्र होत्र विश्वमा

क्रिके के स्थापित माध्यक्षित है। (८५६ रम्बल स्टेश मा ः अभिवास्त्र ।

्य बारमचात्रम् चिका ^{रेडिश}नि माध्यत त्वयन From 1

أنبنية NO. द्यांत्रम्थः पद ने :शाष**र** हर्यू । * CM!

াল য়ে এক কৌতুকাৰছ कि स्था शाम प्रामा if this allies ब बद्धाल महा अहेवा-क्रिक ुर्गदमन्त्रे छा-तिकार्ट र व्यक्तिक मा जावा-विदेश अभिनंदमनी वालाल वि-विश्व बरर दिनिक श्रामीनper funt funtig ofece किल् मरथा अन्तरम थूँ वड मार्क मरभव आज्ञान आडा-का रह_रकति हैवर अधित हात क्षित्र भारत करराम . घर्नरम्हः देह राजाटक / के का ता नारमक वाकासन 曹 阿阿爾爾 斯门 智 医肾上

> देश ाष्ट्रमार्थ **न**ाः **新 神神 神**

CH न छा धकारन दंड क्ला खंड ता वर दिन ?. ৰ্ষেক্ট প্ৰদেশ বিজ্ঞাপন সংটক্ষিয়াছে, মুখুটা हैबर्काहेरकर विक्षे ए एड जा और मजे लड़ है। 🚶 हेब्राख .स पर्राष्ट्र उत्रः ल जातारस्व्रीकेशी अ মুলক ভয় ক্যোগ ব কৰেণ কি / ५ काउ विश्व है क द या व (काम का तरहें उटेश अक् ब्यू में, १ ८१६ वर छ। ४८७ वर १४ वर १४८० छ विक भारत था लहुन, वार्तीरमध्ये भारत्वे वा गाउ (क्रथावेष्ठ) लहेन ,क्रक श्रीनामाय बसाल तेन हो शाबिशक्य प्रती द्वीत्था शा अदेश निदर्द । शत्र পুস্থবিষাণ্ডীল পাশুৱা এগৰাৰ কট कारत मा (य, प्रमाप करिया सपूर्वा प्रदेश क्रिनाटक अदीष्ठमञ्चात (अन्य क्रिनाचे गाँव पान्यम रतीय थाजिए छा ५ उद्देश ए। ४ : ३ दे ला ७ । वासन बद्धार एको महा छ श्राहायन कि विश्व कि अदिना কত। ছিলা > ভাছাৰ। খনে চাৰলে ত উছাদিব ्क म'कुर⊅। इ. ४ डेंग्ड प्रदि⊿ं रूप, नेया सर्वोत्तन-ভবে পাঠাইতে পাবিংজন : য, গাছউচ্চ, ট্রেন্ড द्र**ायक्रोति वर्षेद्रम । क्**ल ख्रान्य गात व्याप्त गर्भाण मुक्के बार्ड क्षेत्रां देक माटर यस कान हर की अर्काल विकास प्राप्त कालाबार है अन्य कार्या ए हा कहेत्र छ। इ. १ हर्रा हो अवस प्रशासन अह था। बीख खबाग्र भगन रुन्छि बङ्गभ (वार्थ रम्र न) !

विश्वक (अधिकां ने मन्त्र) पक নহাশয় সমীপেষ্।

बडा देहदबन १ दमाम श्राम्यान्य " ह पूर्व कल भिव आवास मन्त्रीय है कि : भावनाय है :-বাজী বিদ্যাল যের এখ ন শিক্ষক মহালয়ের আ मार्थे बाबगारत्व निषेत्र सिथिस मिथित खडाई भूशीय इ. इ. इ.स. १ म म म म म म म म म म म म म (हम, द्य श्रधान निक्क भश्नम श नमांछ न। भिक्:िमारेम्बर्धत উरम्भाः थे यञ्ज क[हरखन्छन। हेहा क्षप्रके निर्माणनाथा गरक । दक्त मः विनि निक धर्मानीक रिका भिका सह देवाव क्या आविभाग एक करिया अंश्रिक (खर्षा) व्यानित द्वीदि) निवा क्या कृषतः कृषक क्रांत-मारक्त. विन द्वटमाश्वानार्थ अवकारव्यक्ष करिट्डरञ्जाः । विचि गङ्गान ३३॥, धालान हत्। স্কৃতিত একটা বাছাল। বিদ্যালয় ক্বংশিত কৰি मांद्रम, 'छ'महे या बालिकाविला'लाग्रद के छ स्वास्त्र । अपने से क्षेत्र क्षेत्र कार्य गांच करिएका, व्यास करि महास्वास्ति वास्त्र । विकास स्वास स्वास्त्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र कार्य करिया स्वास करिया है।

योष परिवासिकारियानिया था था वा निक्त विभिन्न में रिक्षक रहे था छन्। तर्मात्वय स्वा छ्मिर्ड वाणिक वर्डेन जार्च किया कर र विकास के प्रकेशन कर किन अवान मिक्क नश्मम कूनर-म'की आयु- काव बनाउर छेत्रेरिया भिवान कमा ८० छ। कवि-एक: स्न, रक्षा महा स्हेड। अहे भारता अक्षान ्तेत्रा **क्षक्रमः े (म**ाक्षक मञ्जाराय काल क्रुंगि नटा, ७"व उं्ट∤द न. अमन्त्र । श्वारम जे अमान क्वारक व मान्त्रान जारणा-कु मन्त्रे एथली- किन र यात्र बहे कक्ष कविटल। बर्धार बालि-व बादा था- । काविद्यान्तव केठावेवा बिट्ना) किंदूवे छणकाब्र । (व मक्क माह, अनंद वह लाक निगवित कर्न क ब्रह्म

প্রধান শিক্ষণ মংশোষের গোলা পাদ ও মুধান্দাক (मधे मक्ता (प्रमुक्ते कर्त्राहरती। «संगत्नक व भे हत्त प्रवाद कि गराभ कवि पृथिकीटक दमत गथार्थ एक मूळ कल १ क रक्ष म् छउ तका । अवस्त निहर १५ माडे १० विस्त सामर छलीत (अक्षा भागाला केटल 👼 कटका ्राप्तान क्षाप्त का अपने का स्थापन का अपने किया का अपने का अपन भावत्यक्रका व्यक्तिमान्। अब व्यक्तिस्य ं अर्थाद अर म १००० र मण्डादक) चाहरण लार करतारा २००० किया स्वादार शिक्षिक ন দ্বেস্থাঃ শাধ কৰিত পত্ৰে এক নাৰ অন্ত-धक्र शर्काक प्रक्रित क्षेत्र । त. १८५१ व्हरस्य **अस्ति** ं न्यक्षर प्रक्र नात्र १६ छ छ। त्रेन दे बढ़ नर्ल्यह बा क, १०५% "मा १ द ६ है ने।

'क अ'युक्त का अभि कि विशास्त्र स्ता १६ का ধুমানিক্ষক হছ শ্য পাত্তি সংগ্ৰাপুৰ প্ৰাপ্তি নুধ্য প্ৰৰণ্ড চল হ'ল ক পদ্ভাত **বৰাইয়া**-"食品" 1 第二 各型的 [《题·科 (E[例) 品篇》) 河門河灣 ्मा,क[ल क[नही छ। ४। न्या प्रदेश देशदक्के हैं। इंग व । भारती ते छ हान वत ना स्वत स्व श्रीत नक्षित्र नवार (शा कदा का प्राप्त क्षा क्षा कि भाष्ट्रक कर्राट्टाल , - अंतर क फार व्यक्त स्थास के, ब्रा/७० ८४ ° द्या न 'लक्क श्रह्' मह्यूप्र भगक लाबर वत होता क्षानीकुर क्षेष्ठारह (产工等 A ferro a x 61) 化 【 C bed e 4 (22 年) 10 個 মন্ত্রক গদতুত কর,বিষ্ট্রের 🔭 **যান্ত**্রি अ.इ. अटर २ : . . दे श्रदक अत्र अर्थार्थ वर्षार्थ ८७न, 🗠 आमाध क ५७ लिएकार भूनीकुड क.नः। चौषा करक श एड श्रहामध्यम धर्मना িলা থায়ে পুর্নির ছিলিখিল।ম. সামুখার **পুর্নেক** अक् वार पृष्टिक, उत्थन किमानि (चन कांचू का ध्यत अन्त संधान ,भाषात स्थान,ध्यत **शांत धा**र 19 3 वा । एउ अर २० मण ८० भिवस **८४** स थन, ६४ विक्रालाग्नर कारमुक प्र**ामक, का**र अंतिक कर्ट ५८६६, वद नह अविति निकार अञ्चलात्र " (मिनिःम केविजीदक" ५ छ द्वा वन विष प्र ५० ४ १ वह ६७ १ ८५ वह्या सभित्रे, भारत वर्ष मागप्रदार काना १ मान ()) त्यार्थ भ हाउ का है। व्राक्ति। नव्यान्त्र विद्वहर्ता, कक्ता, कह क्युवह्न कि अधान निकर अञ्चलद्व (५,६) राष्ट्रा छै। िक ? मेरा भी के दीन भिष्मक ग्रहामंत्र खांद शा-ছেব ভাষ্ট্রাবধান্ত। লা হাইর, লিক্সেন্ত ভাষ্ট্রাক, ভার हाक व है **का** दर के बिक दा। इंडेल, हा**व का**क मा है व्यवस्थिति विकास स्थापित्रक व्यक्ति स्थिति क्षेत्र भाषाच नाहे। आभिनात कांक ना ६४, भवता व्यक्ति विरुष्ट भरता शुःक्षित्रानश्चात व्यवेषा विध्याप्याचे नाम क्षा कार्या हास्त्र ৰলিয়া কি ভাইবে ভগৰ গতে চোট ৮ এই कना है कि एँ शास्त्र नेन्द्राः भनः न नमः इतेस । जार ७ है रेवम

なごす スタルバ

^() व अविद्याग व इस विकार अविकास वमाक (नाभ क्यांके ७ जर्मा ५३ मण् । १९ छ-তেব পারে গে সংখ্যকী শব্দক নিযুক্ত হুন, উন্ बाद्य एक बेबा ब्रिया श्रू . स्टब यह शिक्क किया क कार्या विश्वांग कड़िया शिटल कि छ लेख ना ?

দিলী ইনিটিটিইটজ গল বলেন বি লাহন। সে দিলী নগৰেব দে সকল গ্ৰহ ৩ এ হয় গ্ৰন্থ জেনবল ড.হার প্ৰহন্ত হাৰ্থি অনুন ড দিলা জেন।

্তিনি আশোলা খাজনে, তিও জনত চৌদাজি সহস্তুসপথ সমজিলাজিনে দ্বীলেলে এপাঙ্ড চক বাজন

व्यक्तियातं भारतायां का भारत व्यक्तियां है -कर बारी व्याप्तिकार सामक आधाव सम्मात करेकारक पाप्तिक अपन अध्याद सामा विभक्तिकारक होता का

है खेग्रान निष्कंत बर्शन है ज्या छ आयक है बाक कार्य कृत करेग्र, कर्मन्या स्पृति कार्यन कृतकाक्ष करेग्राफन । कर है जान-म्रिश्व निर्वार्थ अत्र है १ महानाव किया

स्थमन न्यान दलक्ष्मिन के गान आदिक स्थितिहरू, क्ष्मिन के किनियंत्र क्षामिन स्थितिहरू सिनियंत्र भारतिक किनियं स्थानि के जिल्लाक स्थान स्थान के हरिया क्ष्मिन स्थान किनियं स्थान स्यान स्थान स्थान

1 211 - 10 E 45 FE'

२६ शहणमाह स- म्यानी माळ १ द्व ० ५ क स स्मलकात याद वादिएक प्रतेश याव माद्या प्रके समाजीरकारका आण १९५ व निवार का १ किंगी स्मानी रक्षणि या काले का सार्था १ विकास विकेशिया अगाम स्थानिक एक स्थान विकास सम्भाव विकास स्थानिक स्था

জ্ঞানত ৰবিশ্লা ১ইডে শিল্প সিংকিত স্থাদ। গুলি আল্লে এইনাছি '

" ३ विश्वास्त्र उत्ताहिकै। स्वाहत विस्तर राष्ट्र इति। खाद्र वस्तुभक्त ६३८७ स्वान् अलीकारवत १६को प्रवेद्यक्त राष्ट्र

२। अवात्म अकते, स्टामिन समेव र्वका रत्तात्रात्र हेल्ट्डए, विषय शन्धाः । समित्र सामावेन। अवे मकल एम्बिम् स्थितः (बाद व्य अवादम एक स्माक विकास ए कृष्टिमा स्थापका मर्था मार्च व सामाव रहा विम्न वाल्यां में।

७। व्यव्हा विष्ट कृष्टि गर चार्य विष्ट कृष्टि कृष्टि विष्ट कृष्टि कृष्टि विष्ट कृष्टि कृष्टि विष्ट विष्ट कृष्टि कृष्टि विष्ट कृष्टि कृष्टि विष्ट विष्

शानके किलान अवादर्भ वह धन्या छ भूत्रभावती। केना स्कार क्रेश आह स्थापिन काहितिसमू भावना स्थाप मार्ग देशका एक स्थान

জেন সাজাণ্ড আলত বংশ্ছবে ক হয়। লাংক। অভান বাংক। ন ক বড়ে পাবিশা চন্দ্ৰ বা হংব হড় কৰে মাণ্ড

मिनश्रविष खातु शः जी शांसजीय आह वा श्रित १ है है है जिय श्रां के शिवा है है है है है जिय श्रां के शिवा है है है है जिय श्रां के शिवा है है है है जिय शांत श्रां के श्रां के श्रां के श्रां श्रां के श्र

इंडि.इ.लीत नमाहाद्र ।

म्बर्ध व्यक्ति । विश्व क्रिक्ष क्रिक्

भिष्टि सभी उतेष्ट कछ नश्च कि रिम्स स्थित भविष्टार्भ स्थाति इ इत्राह्म । इ बल देश्मद श्र-७ मक्टमब स्थित व इत्राह्म । स्थान का त्य सार्थः एक्सिम ७ ७ म । सम्बद्ध आ क्षामन क वर्ष्ट शिक्षा भारत का छ हेन्नार्थ्य । सार्थन स्थान स

ইতিয়ান। ব্যবস্থাপক সভাচ সন্ধি প্ৰাৰ্থনাৰ প্ৰস্থান কইয়াছে।

পোলাতের নি জার দিন দিন প্রবল হাইর।
উঠিতেক। আনক বুদ্ধ হাইন। গিনাছে। উত্য শংক্ষাই পর্যার এমে জ্ঞা প্রাজয় হাইম।ছে। ফনানী গন মেটি প্রতিয়ার এব মেন্টকে ডিসি লিখিয়া দেনাইয়াছেম, যে ভাগ্রা ফ্রনিয়ার সহিত্ত যোগ না দেন।

धारम त्रामल भागितीराम्म छै क्रिमाय का र्पात गाँउ प्यापामां करियाद्य बर २(स प्राद्धन र्प नेशमध्य क्रिमा भागात्मत विस्त्य बेकमञा धारमक क्रिमाद्धन ।

क्षीरम किन्न भिरमम समा त्य भाग्यानी क्या. मधियान कामधा कक्षमारक काश केंद्रम काड क्षेत्राटक । क्षेत्रिमधान महा द्वेटन क्रिमाटक मधि निरम्भ द्वेटन। मधन बहे भार - विके हैं ।
रमान महाब रेग्ना मह धह ।
रमान महाब रेग्ना मह धह ।
रमान भेरे हैं है अरु के समाम हो।
रमान के स्वाम स्व

গ্ৰহণ কি 'বিজ্ঞানী বাজনাদেশীয় গ্ৰহণীন আদেশাসুদা 'হী নিং

३५३ माछ — २८ शह । समाय क्रिकालको व ब्रुटील अपि १४ ३६ कावेश्वत सम्बद्धाः १४ क्य किटकेल्डेड श्रीकां संबद्धाः महार्थक्षिका शाहित्यः

२१ हे मार्-- उन्हिले निके द्वारण व स्मान भार एक भिन साना दका निम इसे शास्त्रक श्रीली दिना।

বীরভূবের প্রতিনির্দ্ধি রীৰ আৰু পি ক্রেছিক্স স্থি ক্রিটেটেও ক্রমেক্টর ভ

गि ति शाहरणे गाहरै मास्टिए ए ६ ६ ५ मुद्दी के सिन प्यना दिनान प्या छ। व वश्राम थाकि दसमा

এক সংক্ষাওন এই^ন সংক্ষিক্টেও ভেপুটা ব^{িন}

क्षा का ह दगरहा का वर्ष क के हिल (जन्दी क्षा का का व ता का मारकार का का कि का नहीं मादेशी माकि के दिवा के कि

लागवात्र । प्राप्त । प्राप्त का । स्थान का । स्थान का । स्थान । स्थान । स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स्था

₫å

कार्भा न राहणत रम क्षेत्रका महिन्द स्था विक्ति क्षेत्र का का का का का

्राधान वहाल वह महिन्द्र आहित ्राधान क्षेत्र क्षेत्र के स्ट्राह्म क्षेत्र क्ष

থাতিনধি ক বিসন্দ প্রিটেড লাল এম এইচ বিনি নমল কাট্টি লাল মিউনিপাল করি নির মতা কা এল লি কা, ক্রেলসাতেন্ট আইন এল লি বির প্রতান করি কা আইন অনুস্ব বির মা তান্টি ও ১১৮ , এ আন্দের্ভা আ ভারার ডে পুরী ক্রেলটিব লাল

क्षांकात एक भूति क्ष्मते व जान २५ लाकिता केक अल्ला मनः ८ श्रीति क्षांकेटभव २२

च, बिद्दु (७१

মান্যবন্ধ জীযুক্ত সোমপ্রকাপ্সভাগ্নক महानंत्र नमीदशक्।

নক্ষাতি উভয়প'ড়া আনে একটা বালিকা বিদ্যালয় সংস্থাপিত বইয়াছে। আপাতভঃ ব্যস্থ बांबक्क सूर्वाशाधाम विकासरमूद निमित्र च्यालमात्र देवकेकथामा वाणि क्रियंदक्त । अकारन ৫৫টি বালিকা প্রভার দিক আগু কইতেছে। ভাষারা আভ্যকালে ৬'টি অবধি ৯ট প্যার वाश्चानम् वरत् । अदियत् । स्वाद्यान पूर्वीक विक विक वालिकामियरक विमाशिया (अरूप कहिएक(क्य)

নিম লিখিত নহাপ্তের। বাবিক কিছু কিছু দান করিবেদ জীকার কবিয়াছেন।

ৰাৰু মাজকুক মুখোলাবায় ३६ है।का बाब विकासक मृटवालाधान 5 - Bimi वाब् मधीम कृष्य प्रवालीशांत्र वम व द है।कः · अवर भर्गदारकेत निकटि जिम क्रेकित मिनिक माश्या आर्थना क्या बनेबारह ।

> धकांच रमधन শ্রীষ্বিষ্য চটোপাধ্যার।

এইড সোমপ্রকাশসকাক ब्रहामदराषु ।

धारे हाना किसाब प्राव्ध गांकि विक्रम शुरुवर भ वर्षक द्राव्यवशव (शूंटक् द्रव श्वाटन क्राव्या व्राव्य-ব্যাত্তর বাসস্থান ছিল) ক্ষেপে সমুদ্ধিশালী हिन, उपर्नेत थालायन गरि, क्वान वह मात বলিলেই জাশনার পাঠকগণ বোধ করিতে পারিবেন বে, বড কাল রাজা রাজবঞ্জত জীবিত हित्मन उरकारण और प्राजनभैव छोका जिलाइ মধ্যে অভিটার ছিল। কিছা কালের কি কুটিল गर्ड ' यष्टेभात कि कांक्षर्या महिया ' कांतकदम **डाबाब बक्रमे क्ष्यकृष्ट व वहें प्रश्न करें प्रश्न करें प्रा**क मधरतम सर्वेकात है। जहक समिरण करे माथ नगहर्ष कोन्न तारे नाक्मशत विश्वा (वाध क्य मा। अवन्य बेचारम घरमक धर्माका दमाक चा-६६० वटी किं कैंकिंता नकत्वर विमात्रनाचा-मध्य अभिन्छ। जेबीदम् आप्त ७ । ८ मम्यापिक ब्लोटक्य वर्गांड क्वेटन, किस समन ८क्डी विका अग्र मही रा अञ्चमकामध्य कान्नहारण निका नाक केंद्रिएक भारतम । किन्नरशहे व, विद्यालय गण्याभित स्थार्क अवका थनि महामगर्यत वि-मानिशं मरेक्नामसंविद्यकं छोत्रम उरमार माहै : रतर खिंबार विश्वेष खाउँदै शकाम कवित्र। वा- (क्व । पुरिस्का विकेश कि विजय कार्यांकिंग करेंगा **ब्बरण क्षेत्रको (अबुद्धेका**) विद्यालय नःश्वाणिङ र रेप्पर हो । बीवुछ श्रीय कुक्क करण (मन परानंत्र वह विशाक्षात्रम् मध्यानित विषयः व्यवाग छम्-त्यात्री क्षिक बाह्य अधिक धन नाई गाँठ किछ कार्जकुष्टि क्षेत्रका विकास काष्ट्रताथ कारक। किनि fair fanting wirte offeten i arforete नेकार के कि स्वाक्ष प्रकल पूजा पान नाकि हा पति

कुक नान्द्र नाक केन्द्रसंस्तील स्थ , अ औरम कैरकुष विमालक रक्षका करिन स्ता मा। अकाष्ट्रम ३२७३।

ক্যাচিৎ বিজ্ঞাপ্র ক্রিগানিমঃ

জীযুক্ত সোমপ্রকাশসক্ষাদক

ৰহাশর সমীপেরু।

আমার মে বিষের প্রতিক্রান্ত্রারে এখান-দার ছোট আলালভের বিবর আপনার পাঠ-क्रमन्द्रक क्षत्रभक्त कति हुए क्षांत विश्वक कहा वक् जीन स्वीप्त मा। अवादन ह्यांके चालामाठ गः-दां भठ इंख्यांदे श्रेषान ननप्रकामिनी कादाहि केवित्र शिवाद्य । किंद्र क्षथान सम्ब कामिनी कार्शनित अरु सम सामगादि । भागना समिन मानामाउ प्रविद्ध शारे मा। प्रक्रिय सामना थनी नक्तिहे कृष्ठः स्नाक। स्वाठे आक्षानुष ण्खनारक्षे कांचान वयात्म शमार्थन कांन्ता-**(६न) जानमाक्ष्यी नक्ष्मिक आंजन दक्ष्म** এক জন নম। ডিনি আনাদের পুরতিক ভেলার वाङ्। (क्यांन वाङ्क अल आवाम एक ১०० वाङ छ।का दरखरम **अञ्चलक विरम्**म । अवस €• টাকা हडिन्न गरिक **द्धि चारामध्य** शहरू कतिग्राह्म । अवनिष्ठ आवलाक्ष्मी स्वती बाहुत जिकार्यक, शक्ष मदानंत्र, सक्षरंज, बनर राजित चढावनकातक जाकन । देशांता क्षतिम द्वनी वाबूक्क चानीस्ताव कतिबाहित्सम्। असन छै।-वात श्रमहाचि व्यथिता द्यांगव सर्वदन मञ्जूषित নায় নাৰ্যভান হৰছে আসিয়া ভাটিয়া পঞ্জি-एनः। दबकी बाजू क काँबादशत चाक्कारताथ अङ्।-हैए वा शाविता (देनि अक सम आहीस मध्य-शांत्रत लाक, खांकालत खेशदरांव बकान दक्षारम श्रीरत्तम) छोडाहिशरकदे नियुक्त कृतिहोरस्म । स्थ्म वेदांता अथवा निवृक्ष्यः व अदर आक्रीत चाम-লারা পদ্মত হইয়া কান্দিতে কান্দিতে বাজী यात छथन चामत्र। अकृषि छादि छन्न चर्छेनात अ-लामा कवित्रा लोगास्त्र प्रताम तक कांकत वरे नारे । त्यायका काविवादिकाम यथन व्यन निवृ र्वित्रो अभिन्नां कामका नियुक्त क्तिटक्र(इन, তখন অৰ্থীপ্ৰতাৰ্থীয়া আৰু বড় উৎকোচ লায়ে विज्ञ क्षेट्र का । किन्न आंत्रका महामाहता आधारमञ्ज्ञ दम आख्यामाटक वस्त्र क्षापिक क्षित्र क्षा-त्री हरेट एक नाहै। छारात्रा अहीमदब्द ज-পেका बण्यामि मसम श्रीषा केतिहास्स्य । मा श्रदम रकत अरक्ष जासन साहि छात्राह्म আবার কর্তার শেলুগুরীত। তিনি লানিতে পা-ब्रिटन छ वस् निवक १देए शांतिद्वम मा ! ब्रावन स्कृत ? खोबार क्षेत्रीटन उ श्राविणानस कहा महे। वाजाबकेक दसी बाबूटक अवन प्रकृष कारवात विविधः बाखाद श्राह्मकारशत महिन्छः नाकार कतिएक हरेएकाई क्षेत्र मात्र सहस्रह नावै । धरे बाटन मानाटका टक्नांत अस्ति। वि-यह कि कि दिश्यक कि विकास कि विकास विकास भाग । जिलि के रक्त कथ क्षेत्र में दिनि किर्दार्क मात्र को दिन केर्या प्रमुक्ति कारत कर्ति । स्वर्धा स्वर्धान करिका है। कारकार कार STATE OF STREET

Can't G'all Till Marie क्षां त्याच इक क्षेत्रशाह हिंद करण कि एवं क्षेत्रिक स्थान क्षेत्र स्थानका करते हैं। स्थान क्षेत्रक मादे। क्य क्रमहत्वक क्य विकृषे कतिएक शासिद्वक ना क्षत्र विषष्ट कि हा विश्वास कृषिक्ष स्थान नमानान क्षत्रिक्त क्षेत्रक्रीरक क्षर्वत मिक्क विक्रमान्त्र केन नात रमधनीरात क्या महस्त्र क्रिकेश म नव वानका श्रीवक क्या क्षेत्र ...

त्वभी वासू विश्वकात्म पान स्वर्ध । साजियह गातिकात्म । विश्वका all and a plant a pl face fiels vier Birin festfin culffe क्रिकेश स्थापना के आहिताह स्वेटल व्यक्ति महिले हिला है see टायमह टायमहा स्थान 🚁 🤊 किनि निकेकारी अर क्रिया है। ष्मायणास्त्रज्ञ (काटक्ट्रि, बीक्री) क्षाक्त विका नार परिवार महन गनित्म बतगर्गि सोधीर बिटफ गेर्डरक दक्त कुरस्त्र मा बं अन्याह यस अनुभूत है व्यवनीश्चर 👍 🚈 💯 ্ৰা কৰাৰ প্ৰদ

ن ي ا योगायम् अयुक्त त्यास्ट वरानम वि. ज. जर्भ. ज. वेशाविश् श्री क्यम मध्य

সম্পাদক মহাপর !--- কৌ পুরু इंग्लेश वालानि होते हुन्हें and states when the अभाग कतिहारद्व पार्शिक्ष षष्ट्रका कहिलांग कि सम्बद्धि शक्ति निवासिकाम उन्हें सम रा मा जिल्हा भाष का नकामक कि जहारकार म स्थापित है। स अधावन करवन नेर्ड बार गिर्म freng muin ante, col ma मित्रकार्यका क्षेत्रकार डाक्स भी क निका अविद्युष्ट कमार्थिन व य दश के किमारियातिया विश्व वि पिक्छत्र वक्षणील वरेता वाला व अम्मीकडा व विकासका व निकात कामनिक्रा जनादम ति द बश्लामा । अटण्ड । कड्रियान त्या वि थांगि द्यांकरके हैं। इं क दब करवारित बाम विख्यान । विद्य जात कहा र्षेत्र जात्र कर्तः व प्रकार का विकास जन, दक्षरक्षी जन अवश्रातीह क्षेत्र क कारकान जाता है क्रावनीत

ात निम्म निर्माण कि निमिकारका विमाश होके भोतीतिक कि मानेशिक**केवन विस् ग**ितिआरमें की हा बाक । इव १८क छेगा विश्वाति विदेश विदेश व (स्थ्या : शहेरक भारत मा किन मा अरन चरन सम् गरिक अप किछ। गलवडी प्रदेश। जुड़ा वि कर्षण जान का शान करत ायदा शह है करवन । अवटली शवर्गमानीव हे रिक्मा क्या आवनाक, विनि श विवस्त ्यो होंचा क उनस्त्रभ नान्यी नियुक्त कति न्त्र मन् कान मर बरहरण छउ दिलान स ानक्शासन दशा किंद्र मिन नगरक खटन सङ्ग हिल तक्त किन विद्यान क देन ना छ।।-द्रांधी शहबाजू नका व क्या है इसे । " मालूर क्षिक्रमीयर !!] अथानकाव हिंदि? ब बम ब खेशीच आहेरड iiCT িলাচওড়া মাহিনা দিয়াবি-, M - হেকসর ইনস্পেট্রর এড়ডি আ 6 " रणाक कि २ वे बांब्र: (अऊरस पंतिरक्ष वि, ज, जम, ज, जबर मध्युष्ट २ प्राज्य व भवर्ष मन् দিগদৈ প্রাক্তি অকার বিদ্যা बुक्त करवन उ'र। पहेरल चिनि-**४ भी**हत्त। श्रथमण्डः भवर्गस्मानीः क्षिजीयकः विभीवस्थारमञ्जूषि-ÆĦ. । जन्दल करे अन्न बहेद ह गा-341 यथात्री ७ दश्नीम छना विवाही-- 22 ाक्रमा चारह कि मा ? स्पन्नरम ישל াতীর্ণ, মে শ্বলে কোনগুরভার 7 सर मध्य नाम नाम कि का अन्य अन 11 বে বিসাভি উপাধিধারী অ-***** क्रुशिषि कुछिष्टमात् वस्थात ₹, प्र कथानकात केलाविधानीता Ħ; नवनीत्र क्हेरवस्त्र मा छाटा ! क क्याबिएक्ट (चारनाकीय पत्र । कमार्ष शास गावेश-बारमा के इंग्लिम विश्व के दासि ातक रेश कुरहे, श्रा छ निश्ननि मददव वित्या है जिमीयाँ अवार्ण करत-कृषि । अभिष्य बारवना कार्यान अवस् मध्याय जनाम छेगाधिशामी अवित्य अत्यानिमातक यक्ति शंवर्य कील मार्थ रेगर का कावन, काका करे-क्षण्य प्रदेश हरेटन जामह कि हे क्षण्य प्रदेश मान प्रकार शहीका क्षण्य के उपन शंका वाहिटन। 1810 T अहरिक वाधुनाकन वा-मान्द्रक जात्नरक ।। विभावता विकास के कि के किया कर के किया कर के

No market

দের ভপটুতা উৎপাধিত হয়। এফ চইরা শেবে डांग्रां कुष्टु विनया बरम्ब । अभिटक खर्मात श्रेत **्वक एक्ट विद्याम ७ विन्तान स्टूटश्रह द्रमानाप्तम** कविया विका महत्त्व अववादि विविश्वश्रयपु कडेग्रा क्रिक्स है लिया स्मर्थात आहा नमर्थन करबून বক্ষত্যিত কেন্দ্ৰ মাটিৰ ক্লোৰ জীখার সন্তান দি গ্যের অধাৰণান্বিতা গুণ প্রায় জন্মে না, অব্যবস্থি চিত্তত। ও অভিব এতিজ্ঞতা বিষয়ে বজীয় নতান भिगरक रकर ग्रीखिन करिएक मक्कम भएन न मार्टर व्यक्ति व कि म'इक्कांम अडमीनङ।वाश्रम वाहक ! म ? मां कृ व वानिका। क्षित्र अमल सूरवक्ष। मुखे द्या । महाचया धम व क्रियरक वालना कार्याह रेपना ছব করিতে অমুবোধ করিয়াছেন মনেই রহিল। ৰাক্ষালি ভাষাবা বহের খেলে বনের মহিব ভা ভান না ; যে গভিকে ৰাক্ষালা ভাষা উন্নত গদে প্রতিষ্ঠিত হইতে পাহের পা বিরে আমি ওপ্রিয়ে आबा कियात शकान करिय अहे गर्याख बहिल।

ब्रीकृष्ण ग्रंब

भू दे हे इस क्लाका ३२७**०** ।

ত্রীয়ক্ত সোহপ্রকাশসন্দাদক

बट्गानदस्य ।

अयोजकात्र ट्यांगयोमोत अक श्रीतीत छी शक्तिकांत्र स्थाप्य निश्व द्वित्र । ब्रह्म सिन धेरेन, ভাষাৰ ৰাটাভে সেই ভোপধানার জপর এক लावा के बालिहातिशीत महिल सामान अ মোদে কালছবৰ ক্রিভেছিল এমন নম্ভে ডাচা-র খানী বাটিতে জানিরা দেখিরা মানাল হইল वार छाष्ट्र से छेशाजित्र सांगमश्मात कति-न । जनस्त रेममा मरकास विठातांन्य वे सी अ-दर जाबात शांज (जे इकामानि दशको) केवरत्रत क्षात्र श्राम करेल बन्ध के करें। क्षीरक कांत्राना-त्यत याखा ७ एकाकातिएक कामित याखा हि-দ্বা এখান নেনাপতির সঞ্জী করা বিদ্বাহিল। अंद्यां के बाका महत हरेता व्यक्तियाद धरर की कि हिराब किमचित्र बहेता दिल। किन्न के द-जाकाती अलिय कांडानाट्य वस दिन, जे नवा-ष्ट्रात अधिका वड लक्ष्य काचिटक काक्षांगाः बन्न क्षात्र क्षांक्रका भगावनं क्षत्र । पुत्र क्षत्रियांच क्षेत्र मह्मित्र देशांक दशहर कहा बहेशांहिल अपर অনেক অন্তুসন্ধান করিয়া এখানকার নিকটবর্ত্তি अक्षारम छाहान गुक दक्ष नाखका विवादस । कतिरक भारे के भीत्र भिष्ठा भिष्ठिया वस क्रित के स्रोता व्यक्तिका सन्तामम क्षित्रारह।

१ किन ब्रेश बसादन श्रीमक्ता ग्रमणांण

वा व्हेर्टिक हेशार्क करमर :्माहिक व्हेवा অনেক শক্ষপাল সাহিত্ব কলিয়াছে। व्याकांग ब्राउनिशिध 6 of 16 8 COYA WE TIZE !

প্ৰাপ্ত মলা

ত্রীযুক্ত বাবু গৈ বাসচন্দ্র সরকার ১০৬৯ শাখ ক্টতে ৭০ আবাত প্রান্ত কেলে ৫৫০ गांधरहम छर्च भद्राश 41 M **)२७७ कोळन हबेटड १० औरव शर्या**स् 410 मामा शकालहाम मिद्द शाहिक लाउ! ১২৬১ কার্ত্তিক ছইতে ৭০ আত্মিন পর্যায় 5.0 क्षमहित्र: ., कुक्षधन ठळवर्डि ১২%৯ মাৰ ছইতে ৭০ পোৰ প্ৰান্ত 30 টি এইচ ওয়াবভি সাছেহ क्रिकाउ. ১২৬৯ কান্তৰ হইতে ৭০ আৰণ পৰ্যান্ত

সোমধাৰাশ সংকাত কৰেকটি विद्भव निवम ।

74.

चित्र मुला मा भावेटन भक्षान दर्गाम है है काम (धारन कहा गांच ना

উহাৰ অগ্ৰিম মূল্য ৰ'বিক ১০ এবং ৰাঞুই थिक दश है।का, इस भारतत ज्ञादन लक्का बार 📆 र्गोहोत्। द्यायश्रकात्मत्र भूमा 💜 🖓 🖓

পাঠান তাঁহার। এক অববা আধ আমার অইকী ছুলোর ও রগীদের টিকিট লা প্রেরণ করেমগুরি

यथम विभि नक्षम ६६८७ मामश्रका हिन्हें मुला शांशिरेदबन छोटा एवन विकिशित के

পূৰ্বভাৱ মুলোন কৰি অভীত চইলে মূ ेला भागेरिक क्य एम क्रमक्क विवय नः

याँ शिक्तिकार अभा नियाय मध्य प्राक्तीय 📭 🤄 मां बाहेर्द, मक्कान मामग्र आहीका कहिए। व्यवस्य मामक्राकात्म व्यवस्य क्रिया छात्रात गत्र विधि मिथिया स्थानान स्ट्रेस्स, वर्षि छोर:-८७ स्थान डेस्टर अथेबा कुला मां शोकप्रा याह मानम वस घरेट्य। बुटलाम मिनिस डिडि द्वान-तिर शाक्षेत इटेरव । क्लिकाका जरबहुक्काः त्माक आंगोहित्मत् गात्म विक्रि आवेरम मा-मका भीज मारेवा

यौषात्र सर्वन लामश्रकाण पतिज्ञाश करिया-न देखा ददेख हिंडि निविद्या मा कानारेजन जारा आय महा महिदन भी ।..

रक्ष द्राप्त्रकारम् निकाणमं मिट्ड देख। করিলে তাঁবাকে অবস বার এতি পংক্তি ০০ चाना विक्रीय यात /> चाना क्रिके यात/-ब्याला विदक्ष स्टेटवा काब्द्रस अंस ५२६० है। का क्रिक्स व्यक्त देश के के विदेश

वस्तुक्षात्र मृद्धात्र मध्य वहेदयम, छ।वा-विश्वत कृष्णा क्राक्तामा विश्व एटेटर :

and the second

क्रिया प्रतिकान स्रोतिका के विशे त्यान का विश THE PARTY PROPERTY. THE PARTY OF

en all state and state of the s

आयशका

२५ मध्याः।

मन ४२७२ । २५० रेघ्व । हे , ५৮७७ । ७३ এপ্রেল

নাসিক সুলা ১ টাৰি বাবিক অন্ত্ৰিস্ ১০ুট্

বিজ্ঞাপন ।

শ্রীযুক্ত বাবু নামলাজ চটোপাধারে কৰি বর মলনমোহন ত নালকার ক্ত বাসবদন্তার ক্রিবাছেন, যদি ভোনি এক মানের মধ্যে আবশ্যক প্রমাণ পাত্রের মারা সে মপ্রকাশ সম্পালকের নিকট বা পশ্তিত ঈশবচ্ঞা বিল্লাসাগ্যর মতে দরেব নিকট উক্ত স্থল প্রমাণ করিছে পারেন, ফারা হইশে উহা ত হাকে প্রমান করি মাইবেজ নালু ব ভ্রার সদ্ধে জাত্রার কিছুদ্ধার প্রথমের প্রাক্তিক না ইতিক

जार २० देखा १२७२ मान वैद्यायमान स्मन ना९ वस्त्रपश्चन

विकाशन ।

করিমপুর জিলার জন্ম:গাড়ী বাটকেগারি
শহকভপুর নামে বে গাড়নি তারক আছে
চাহা দরপত্তনি দেওয়া অথবা বিক্রার করা
বাইবে। হাঁহার সেই তালুক দরগতনি চই
বাব অথবা ক্রের করিবার ইন্ডা আছে, তিনি
কলিকাতার আর্ডন হিনার কোম্পানির নিশ
ের আবেছন করিলে স্বিশেষ রভান্য জানিতে
গারিবেন।

সোমপ্রকাশ।

ten tha caracle

श्वामता श्वामता श्वामता इरेलाम, उराजीनूदात ए नकल पतिज गांखित र मार्ड् गर्बशास इरेग्राट्ड, हारे कांट्रिंत क्ष बार्ड् मञ्जूबाब शिक्षण केंट्रमांभी इरेग्रा राष्ट्राक्षणां वाकामार्थ होना कतिगांट्डम । \$66

व्यवदिवस नि. क पाइकिन नारहर वाश देखन कम रुखाएक विश्व विशास-য়ের সহকারী সভাপতি (ব ইস চাজেল-রের) পদ পুনা হয়। সমাচারপত্রস-म्मापरकता जे भरत जाभनावित्तत्र प्रस् মত লোক নিযোজিত করিবার নিমিত্ত वान रहेग्राहित्सम । एक मन हानुसम ট্রিবিলিয়নকে কেছ গবর্ণর জেনরলের কৌজিল সভার ব্যবস্থাঞ্জ সভ্য অনুবেবল সমনর মেইন সাছেবকে, কেহ প্রসিদ্ধ ডা-ख 🛪 अक्र माट्याटक भी भरम बद्दान कत्रिया। हित्तवः ध्वाप च्रत भर्गरमणे क्रूक नि-र्याश बोद्रा जकल भटकह महस्त अस इंख्या क्रिन । किन्न भवर्गमिन ए वान्तिएक ए० প্রে নিয়েজিত করিয়াছেন, .বাধ হয়, २ १ > अन राष्ट्रितस्य नकन शरक्त्रहे **बाहारक मरदाव अधिहारह। स्वर्म म**े হেব দেই পৰে প্ৰতিষ্ঠিত হইরাহেন্

लाय, दिशा, बुद्धि ७ कमण कर ८क इरे मान महत्त । कि ह কে আমরা প্রাধান্য ক্রাম্ম ভাছার কারণ এই, সর চার্ক্ট্র श्रम ७ एक मार्टित्र धर्म और माय म'रह । विश्व विकासक (महे ,पाव जनरवंत्र निमित्र हरेड हाब्रमक हि विमयन खनाचन তঃ ত'সংশের যাবতীয় ভারতে चटत्र मुख्यिक कत्रियात्र क्षया क्षया বার চেন্টার আছেন। তাঁহীর 🗗 लात मण्यकं हरेरल के विवासी বিধাৰ,উপস্থিত হুইয়া উঠিত। व पृथ्वे भर्ष मख्यात । जीशातु 🕅 লয় সহজ্ব হইলে সহুদাম কৰি সুঁৰি সম্পদ্ম হওয়া সম্ভাবিত নয়। বেইন্ট্ व जीशांगिरभन्न माग्न काम बेक्स्ट के के বেন। তিনি অপক্লাছটিছে ক্রিন कतिया मधुषात्र विवरशत मुक्तत्र है कतिएक ममर्थ इन्देशम मरमाह मार्कि 600

मरणह मिन व गानहमा मान्या ।

प्राणद्रभा काटलट्ट स्थान मिन काटलट्ट स्थान मिन काटलट्ट स्थान मिन काटलट्ट काटलट काटलट काटलट काटलट काटलट काटलट काटलट काटलट काटलट का

वाशिक्ष भाग क्या करा

বলেন মহম্মদ মসিন আরবী ভি'বার অনু- ! না ন'ই। সংস্তত ত'বা হইতে যেমন ভারত থ্ৰা, ন জন্য নিজ নামে কালেজ ভাগা করিয়া বিশুর অর্থ দিয়া যান, একাণে 'দেই বিষ্যালয় উঠাইয়া দিলে দাতার উ क्लाब विक्रक कार्या व्हेटव. भवर्गरमन्छे ল্লাব ও যুক্তি অনুসংরে, এ কাথ্য করিতে স্কুট হন না। মৌনবী আবচুল লতিফ ^{ত ৬} জিল প্রদর্শন করিয়াছেন, ভালা সহ रंखन करा यात्र मा बर्छे. किस विषे ध ্রিপ্রম করিয়া দেখা যায়, ভাচা অথগুনীয় 'ৰাঃ শ্বাওপ্ৰনিয়মান হয়না। মহন্মণ মসিন লোকের ভাকারার্থই অর্থ দল করিয়া শিক্ষেত্র । এই কার্যা ছার। অধিকতর উ সম্ভাবনা আছে, তাদুশ বিষয়ে त्वर्रे अर्थशासक हरेटल कांशत कथीं क अधियात्र मञ्जादना कि ? धे वर्ष यपि भा धाराया निकार्य धामख रूप, (मर्लात कथि क्षांत्र है शकीत हरेता. जाहा हरेता फाँहात পার্ব করের প্রীকি না জমিবে কেন > ভবে গ্ৰীক্ষ্ট এ টাকা শিকা কাৰ্য্যে না দিয়া কাৰো ব্যথ করেন, তাহা হই

পণনা করিয়া যদি কার্যাকা य्क्रीसंख्या देवध रहा, काहा रहेटल आया · शिक्षेत्रे .मट्ठ क्वल सहयम मनिरानत कार्ट्या दिन बामहना छ। हेश रमा दमान सिर्वेक्षा में छेड़ा कारतक करेंटर ज र्भेश के मुक्त देखा दिन के प्रकार कर बारे, ब्रेस्टिंग के अनुभ महावर नाई । केंग्र क्र नुनिक्छ हाव वह विभालत हरेल वा हित हहेता निष्य याभालां ७ ७ (मर्गात छेंशकात्र नाथम कतिहारहम । आहरी जावा स्नम्बामिनिद्यंत्र देवत्र देवी विका कडा , . এই ভাষায় কোয়াণ লিখিত আছে বলিয়া ভাষার। ভাষা শিক্ষা করেন । ঐ ভাষা ভারভবর্ণীয় ভাষা নহে ৷ মুসংশলনদিপের

चिन्द्रक्षिश व्यवणारे व्यावजनीत क्रेट्य।

লভিফ যে আপত্তি করিতে

ৰবেৰি যাৰতীৰ মুক্তন জ্বান্ত উৎপান্ধ ইইয়া ছে. আরবী হইতে কি সেগ্রকার কোন মুত্র ভাষার দুরি ছইয়াছে ১ উত্তর দারা কি কোন ভাষার উল্লিড সাধন সম্ভাবনা আছে - কন্ : একণে এ দেশ্যাসী মু मलगात्मवा व'कालि इहेगा शिख्यात्ह्रमः काशामिरशंत हैश्वादी । याचामा छेखा ভাষা শিক্ষা করিলে যেরপ উপকার দর্শি বার সম্ভাবনা আছে, আর্থ্য ও পার্নী ভাষা শিক্ষায় ভাষার সাংগোধ একাংশও উপকার সম্ভাবনা নাই। একাৰে মাদরসায় প্রতিংহসর ৩৩.২০০ ও মহম্মদ মসিনে ७,७,२ हैं:क बार्र स्ट्रेस्टर । बर्डे वक लक्ष है।का कि बारा शास्त्र वात्र कतिरल ছাধিক উপকার হর নাচ ঐ এক লক होका श्राप्तिक्षत्रत्र माधावन भिष्माकारमा बाविष हरेल महस्त्र छेलकांत मर्मिएक পারে। তবে রসলমানদিগের হওছ नुष्टाला ७ हेश्याको निर्मार्थ कलिनः কুল নামে বে কুলটি আছে উলিখিত মুণ थन इरेट्ड किंदू वर्ष लहेश छेश्टर छेर्ड ষ্ট করিয়া ভুলা উচিত। পারসী ও আরবী जाबा एक काटल के हिंगा गांत सामारमंत्र व क्रभ काखिर : उ मर्ट १ विषविष्णालस्य यनि এই ছুট ভাগার এক এক জন অব্যাপক হয় काहा इहेटलरे हिंडार्थका इहेल। अहे पृष्टि विरम्भीत्र स्थायत् सन्। এक बात्र व এত আডম্বরের কোন প্ররোজন নাই।

वक्रमनीम अवर्गस्थित स्मरक्रीति तारकटि अकाम कतितारहर, २४७ व्यक्ति ভানুমারি মানে আলীপুরে লেপ্টন্ট গ্র ৰ্ব্যের খাটার সমূধে স্কৃষি স্লাভাদি ভবা क्षण्डीनार्थ अक्षेत्र (मना स्केटन । भवर्गरम क्षेत्र कार्टकाट्य क्षेत्रिमांक क विवरण मा ध कविएक सन्देश क्षेत्राहरूम । देखा

तिन लिथिस वास्तिता थे गडाइ पहिन विक्षे इक्रेट्वन । এ গ্রোট সাহেব। ত্রিগোড়িযার জেনরল সাউয়াস, সি বিঃ मि, अक मर्कि मन । ति कि इव कोता। व्यनदेशका थे. हेरडेन । लिल्डेनले कर्लन कहा मि. (क्रम्म) विषाशार्मन धम, छि। **ट**क. (वक डेर्थ । ডবনি.উ. সাওয়ার্থ। **उभनाम के ग्राप्ट**ा এস, পি. গ্রিকিথ। बांबू अमनकुमात राकृत। बायरशाम'न खाव। মোলবী আবছন নতিফ।

श्री, भिन, महिन, शक्ती, श्र अना अना (शांविङ क्ख, क्षावंत्र गत्र ७ च र, ७ माना क्षकाह ज्ञान क्षत्रिक ए छर भद्र छ'रः विक्रीक स्टेटव । आमानिरशत (मार्भेत लिकिन विस्त्र विद्नास विलक्ष कितीन चाटहा केश योन व विवदा क्रम শিত হয়, এলেশের অনেক বিশঃ উৎকশ লাভ করিন্ত পারে। আমাদিগের দেশে क्रिय माधन तारे भाषाचाव मगतात लाजन রহির ছে: সেই অস্থি চর্মাবশিষ্ট বল্ফ রহিয়াছে! সেই প্রম কাতর ক্ষীণকাবী কুম দ विभिगादकः अखिरमानिका- इहेरम अह प्रकल विषदम क्षेत्रकि इहेव'त विलक्षा मञ्ज्या थाएए। आमानिरशत हेन्द्रा धहे मकर्म जवा मध्यक्ष कृषि श्राकृषित्र है কৰ্ম সাধন জন্য এক একটি সভা হয়। जगीमादिका कृषिकार्यात उद्यक्ति माधनार्थ কেমন উৎসাহ দেন, এই বাবে ভারার ^ त्रीका हहेरव ।

बीखन मारहद कर्ने के बिरमक शक्ष করিয়া লোকের কেলন বিরাপ ভাজন হই प्राविद्यान. वरे अन्त कार्य बाह्य क्रम

(श्रंथ एक्टमेन कभी गात ७ अध्यासना एव भिका करार अविद्या महत्तारमान करतम, कादिवरत के दाव विचयन गर पारह। ये के इर्ध्य निकारे अर्परभव जीवा है मास्ख्य ক্রধান উপায়। এত ক্রিয় অনের বিষয়ে তা इ'्व छेग्राय श ७ यह जुन्छे इंड (इस्ड) कलकः ত্বই একটা কাফ দেখিশ প্রথমে ভাঁহার প্রতি আমাদিলো যে কিছু অনাস্থা জনি-गाँचल, छ हा जन्दम पूर्व वहेरलहरू।

कुछन र जला अ:४व छ छोगपारनव

चर्डामणाडा (लबक यथार्थ कथारे करि রাছেন প্রাশসা ভাষা বেওয়ারিবং যিনি যা মনে করিভেচেন, ভিনি ভাছাই দিখি (उद्भा । जिन जिन क्ष ता वाजला उद्घ वहे ৰেছে, ভাগার ইণভা নাই,কতই যে মূতন मृष्ठ । अञ्चल:व विज विज वाजामिरशत वृष्टि প্রেপ্ত উপস্থিত চ্ইডেটেল, তাচার সংখ্য নাই ; মুক্তৰ এফুকার্গিগের কল্যাণে শিন मिन केल य केलना बुखा यदात नश्या। वृक्षि इटेटलाइ, ठाइ/त भेगना मारे। ছাপাধানার গ্রায় অবসর দে-विष्ठ भाउरा याग्र मा, जकरताई वाणका वास सक्ता वादिवास । आमता वास्ता अरस्य मिन मिन मश्था वृद्धि मर्गन कति टिक्ट बट्डि, क्रिक्ड व'कला कावात केविट वर्ष्ट्रहरू मुलिया आगानिएनम् अकारस्य প্রকৃত্র হইতেছে না। এতুতে আমাদিগের निम निम महे बहुदान क्रिएटरह रा छिति বিত ক্ষম ক্রানি ছারা বাদলভোষার উপকার ना हर्ने स बद्दः जनकात स्ट्रेट्ट्र । जे সক্স প্ৰস্থু হারা হে বাছণা ভাষার সম্পত্তি इक्ति स्ट्रेग्, क्रायत्रा कनकात् अवन वि । इन्ड स्टेश्नाटम्। अवन्यके विभागत्य स्व व्यवसा अभि मा । दिवामीयी क्रेश वानमा प्रत्मक कुम्यान नायरन नगर्थ स्ट्रेरन, केश ीर्मक व्यक्तिक क्रेरणके छहा, विकारणके विकारणक अवितिक क्रियांच क्रियांच क्रियांच

थानगान कदिए। जे नकत्तव अकात মৃত্যু হইবে বলি । আমরা জু-খিত নতি। व्यामा मरश्रत प्रश्र थह विषय बहै, छैहा नाम লা জ্বার অধিকতর অনিষ্ট ক্রিভেছে. चारता किटर कक्ष मजावनाव चारह ! সেট অনিষ্ট গুলি সামানা ও উপেক্ষণীয নছে। উহা ভারা বাখঃ। ভাষার বিকৃত ৰশা উপস্থিত হটবার সন্তাবনা হটগাছে।

व्यक्षिकाश्म अध्युष्टे एमचिए इ भाखना यात्र ब्राह्म वंश्वा का थार । देश ह ब्रीटिव अन महिनी नरम। ब मिल्न वालाविवास कर निष्ठ थाकार्र राजन चरनरक चा छैला র্জন ক্ষমত্য অর্জন করিবায় অত্যে পুরের जवामः। इत्र महेक्षा चार्याक मास अ <u>শেপ শিক্ষা কবিবার আন্তাই প্রস্করার</u> **इहेग वरमन। वाषमा (छावांत्र (क म खगरन** কর্ত্তপদ, কোনু স্থানে জিয়ার বিশেষণ কোন স্থানে কেমন শব্দ এবোগ ক্রিডে হয়. প্রস্কুক্ষারদিনের জনেকে ভ'হা অব গত নছেন। " প্ৰশৃষ্ট ও মরাপোড়ান ? একা र्थ (बाधक बारे कृषि वृद्यातःही मन्न चारह. ইহার যদি ব্যতিক্রম করিয়া যোগ করা যায় যথা -শব পোডান অথবা মডাদাহ, ডাহা যেমন কর্ণের ক্লেপকর হয়, সেইবাপ ফুডন এন্ত্রার্শির্মের অ্যথাস্থান প্রযুক্ত শক্ত সকলও প্রবণ যুগলের অভিশর অসুখবর श्रदेश बाटक ।

यात्रकः छेशस्त्र स्व नक्स क्षरम् इ छन बाला कविलाम, काम विन ज्ञा स्टान चापुर वा रहेक, छ:हा स्केटल स्वित्रा ध বিষয়ের প্রসম করিতার বা। কিন্তু আন वा महत्राहत राषिए शाहे, के सिर्वेट व्य त्युत्र क्यशिश्म शदर्शस्त्रके विमानद्व वाद চক হুইবার**্কার**ণ এই. প্রস্কারেরা অনুরুত্তি প্রভৃতি নানা প্রকার কৌ-त्र मार्कः आहेल अप अपि अपन आरहा भारत देवरणकेत ७ एउनूहि देवरणके केश क्षेत्रशाहक अवन्। त्यात्र, व्यक्तिशाक वनीक्षक करिया तमहे तमहे अव

चन्द्रचित्र ध्वनि खन, त्य छेड्। नि**र्क** मा গুংৰাৰ খলিয়া পরিচিত্ত করিদ' ताः खोशाता मिट मिहे अ রত্ব জুলা বোধ করিয়া ডাঞ্ পন অধীনত বিদ্যালয় সং করিয়া দেন। ফলভঃ ইছা ভাষার রোগস্বত্রপ হইবাচ্ছে, কারের উপায় কি > একটি ই त्म अहे, याँकामित्रम् केन्द्र ষ্ট এখান অধ্যক্ষতা ভার আ वानना मूखन अरब्द छन एक्स् ভড়ু বধানার্থ এক সভা বিভ্রান্ত সভোরা পরীকা করিয়া যে 📺 🕻 चे ७ निर्फाय कार्य कहिरदन, रहरे 🚜 अब विकामात्र सम्बद्ध वरे त्या के हिरू रुरेटन इंग्रिंग करा मार्ट्य नहांक्य... ए । जल, श्रेटबंड मजाएड कड़ा क केंद्रेस, रमक्ता स्ट्रेंटन, याश मिरमङ्ग स्थार्थ व्यक्ति আছে, ত'লায়া উহা বায়া প্রোক্তনাঞ্চিত্র, হুঁ क्षां अप व्यवस्थान स्थापन स्थापन । माराश्यिक समाया के हैं, की राजा रक कर है ভাষাৎসাহ মুইয়া ত **ংকার্ম: ছটুছে_ংরিয়**া क्टेट्वन । मुकाह सिप्टह अक्टी अब्ह . त्यत्र व्याद्यः, त्यः त्यः व्यक्तित्यः व्यवस्थाः किडिंड कतित्त कांक इतिहत कां, .. সকল ব্যক্তির স্বাঙ্গণার-বেশ্ব কর বিচা করিবার বাজবিক বংগজা আহম লাড वाषमा प्रमुख वाश्वित्रविश्वत्यके क्रमार्य विदशिक किरक, स्ट्रेटर, **जना**री। ८ पत्र चालिके चिक्किन्द्र किटन ।

के विश्व कर्मीय नामा ६ वर्षे १ वर्षे १ केंद्र विशिषांश विशेष के विशेष . श्रांक्यवरी म म्ब विद्यान कोन काम कीन कीन स्व विद्यान ন করিয়াছেন, আমুহা উহ'য় এক প্রশ্ন 流 ছইয়াছি। উহা পাঠ করিয়া আছরা 🕵 खाव लाख क तिलांग। मखाद एयम मौत्र CALLA GEN A E.S BUTTON AFERIAN

न वृक्ष खामता शिक्र है । दिन स्मा श्विक करिया भिट्डिक के नियं भा र फेश्क्ष शिक्षण करूर । शिक्षा कदिवात शूर्विदे धाम के इ.त और अकड़ी केश्काम त म कदिक्डि श्व देश्लिममान त कि विद्य कर्म कित्र

श्रंथाम এই बलिया जारकल व ষে কলিক তাগ ৩০ জন ইউলা ् अन्य साञ्च । अरमनी । व्यवस्थित बर्के हे चारहत, वायह अस्मनी । दत्रमा व गर्थारि च रिक, क्ठजब गर्था मनान ক্রিলে জাতীন (বিচারপতিদিগের) न बाहा कार्या निर्दाटकत ए ९ छ।व ুনা হটগাছে, ভাফা সম্মত হইছেছে না। ংগর, **অভিন** সভা ছারা সভাপতি ९ अहरू ही जलांशिक निरम्नारमंत्र स्म अ मन करा करेबाटक, ज हा मुक्ति करिया वनर्ग्यको छ शक्तिश्रास्त्र सिर्झामिक करत्रन, এই ज्ञान विधि कहा है के हिस । सामा मा मतिला अरे कर्यकानिमानक मत्नामील क ৰাব সমন্ত্ৰে উত্ত জাতীয় জন্তিসদিশের नम्भन्न विवास ७ व्यताम छेभात व्यवस en করিয়া **যভ এহ**ণ চে**তা হও**য়া **খ**সস্কা विक मग्न । त्रका अञ्चल देशमञ्जीव महा এতার প্রতিনিধিগাণের উৎক্ষেচ পিয়া সভা হইবার চেইটার বিষয় ইপিতে উল্লেখ ুৰুব্লিয়াছেন। সভা আরে। বলেন, মিউনি 🕽 শিপাল সভাপতিয় হল্কে পুলিবের ভার দেওয়া অনুচিত। উভয় কর্ম করিচর গিয়া ভিনি কোন কৰ্ম সুচাক্তৰণে নিৰ্বাহ করি एक शाहित्वने मा । **का**त्र, मखाशिक २००६ फ महकातीटक ३००० छोका विकस मिरलिये नवांशि हरेटव । जे बिक्रटम धकरन छन পুত বিজ্ঞানবিৎ লোক পাওয়া দাইতে পারে : বিশেষভঃ ২০০০ ট্রাকা এক জেলা भएउद्ध (ब्ल्स्ट्राव नमान ।

कार्या व्यवामीत विरुद्ध गए। अर्थ स्वाद्धत कार्य स्थाप

व क्रिशिट्डिंग, असुठः अहि सन क्रिंग উপস্থিত না ধংকিলে ফটিস সভার কাষ্যবিত্ত হইছে পা ববে না, এৰূপ নিয় य जहां कर्द्धवा । ष्यःकित्मद्र म माना कः एक त छ'त रुख'পতिব हास ना मिक्र महकारी সভাপতি ও সেকেটা রর চন্দ্রে দেওয়াই কর্ত্তব্য। সভাপতি নগরের অবস্থা দর্শন 'বিবেন। বাৎসরিক আব বাবের উপরে েপ্টনণ্ট গ্ৰণৱেৰ ক্ষমতা থাকা উচিত নাছ , নগারের য ৫টা াবিভাগের অবস্থাও অভাব অনুসারে সংখ্রীত অর্ধবায় করা कर्खना । म्माकाटनय कटतन निगरम केंद्रिता बदनम, क्लिंग्रे महमार अने छेपात वासमिति क चा है है। का कब धार्या में कविया छटनाव मृला ध्रिया कविदश छ. न इयः। व्यर्थायः দুই শত অথবা অধিক টাকার দোকানে অ ট ট'কা ও তাহার ফানে তিন টাকা कः। कर्छवा। भाष्टराष्ट्र, काष्ट्र, खहकाती ওবালা প্রভৃতির উপর বর ধার্য করা স ন্তার নিতাশ্ব অনতিমত। এবিধয়ে আমরং যাহা বলিয়াছিলাম, জাহারাও সেইৰূপ কহিণাছেন !

বাটার কর একণে বাৎসরিক সম্ভাবিত ভাড়ার শতকরা সাতে সাফ টাবা লওযা इहेड़ा बादक! दितल जन छ।का नगा। स्कृतियात्र क्षान्ताय स्टेग (सू । नका । म्थकिशिक्षात्व हेशद्व अधिवाम क्रियारह ম। পত বৎসর বে কমিসন নিযুক্ত ছইয়া ছিলেন, তাঁহায়া যথন শতকরা সাজে নাড **हे.का त्मव मीमा बिलम्ना मिर्ट्सन क** রিয়াছিলেন, তথ্য আর ছব্দি করা যুক্তি निष् नदर । दिलात अक चरम लिथिक : र য়াছে ৰাটার নিকটে বে পতিত খান थ किरव छाड़ाइ कर बिर्फ डरेरव । अरे भ छि दान काहारक बटल । यकि अपन अ बंदा छेपान छेशाह चर्च रहा, छाराह कह मजा चनात्र, केरात हात्र श्रादिकातीटक कृदे व्यकार । क्षांकिक्क कहा प्रदेश । जनज्ञ,

क्टर कि क्षकार मर्खन कर ध्रकान क ज़ा ल ওয়া বি ধয় হটাব ১ সভা এই নিমিত্ত প্রস্তাব করিল,ছেন যে অমূল ছুই জল ক্টিস ্পৰ্বা একজন বিশ্বস্ত কৰ্মচারী चंडरक अञ्चलाय कर्णन कविशा दान ख्टान কর ভেদ করেন। সভা আরো বলেন, ধর্মা लारगत नाम जिन्द्र निरंशय इच्चा कारल शिकि वीत घर (अन्नारमधीर घर) अञ्चित कत खन्दा **छ हरू ४१। अक्ट**ा **गृत्रन्यानिक्रि**क क्वत इंटनन थे क्ल कर यू कि धार्यना কবা সভাব উচ্ছ ছিল। ;মউনিসিপাল बिराज भूगा ४ मित्र व्यक्ति कर सहेरात ৫.স্তাব হটগাছে, সভা ত,হার প্রতিবাদ করিম'ছে। ওঁছারা ব্লেন ত'ছ ছইলে ভ.ড়াটায়া ৰাটা করিয়া স্থুলধন বিনিয়োগে র ব্যাঘাত জনিবে। কেন্ বাক্তি অনুপ থিত ভ ড়।ৰ লোভে আশু কর দিয়া ক্ষডি সহা করিবেন ১ পারঃ প্রবালীর বিবরে সভা ৰলেন হিন্দুরা ঐ জল ব্যবহার করিতে পা दित्तम ना । **चड** धव के हिल्लिय निक्टि चना चना (क्षेत्रीय माथि भगान क्य लक्ष्या चनात्र, ठीहा पर्यात निश्चिष्ठ सुठम शुक्ष রিণী প্রভৃতি খনন করা ও পুরাতন পুক রিণীর শংকার করা উচিত।

প্ৰিচুলাধ ক্রিবার কনা একি বৎসর পেড লক্ষ টাকা রাখা উচিত। গলার রাজা বিভিনিসিপাল সম্পত্তি করা উন্তে, তথায় वंभिष्टकात्र कृत स्वरूप (व है।क। व्यापात्र र ইবে তাহালগল্পের শোভার ক্ষমা বার কর্য व्यावनाकः। मका वं.दलद्र मःमुल लहेतान মিউনিবিপাল করের অন্থরনিবেশিত করি एक कविशास्त्रम । छात्रकवर्षी ग्र नवनः मरिष्ठेत्र श्राम सनदन त्य वाश करेशातक, मका क्रम লঃ ভাষার পরিদোধ করিতে গুস্তুত আ (इस । मछा नगरत्रत्र (लाक म॰ शा, क्रम ७ गृष्ठ.त निव कतिवात अखाद चनुरवायन कविदादन । एर केंद्राता बरलन अकरफ শীর জীবোকের নাম প্রকাশ করিবার ब्रीडि ना धाकाटक मश्या ७ वयम पित्स भग्रांश हरेता जात, प्रजा तस्वाम जाति वि त्वज्ञ याद्या ना निता इव मखारश्त मद्या नि शक्त निश्चन कहिएल छ ल एव, थे नगरवद मत्था चारणीकास ७ व्याक्षामित्र शाल त्थम स्रेश यादेरव । कव face विलय स्टेटन এक विकालन (एउहा स्ट्रेट्ट) भाष्ठ पिरमह चिन्न मा विदल এक ठीका स्त्रिमामा चिन्न क्केशारक। अला वर न क्लियाना क्लिया नित्रम ना कवित्र। फणिम्पिरशत छेणत थे विषदम्ब विद्वहनात्र छात्र फिल्ल छाल इत्र। কারণ একপ অনেক অনাধ ক্রীলোক ও পিতামাভাহীন বালক অংছে যে ভাহারা আইন জানিতে পারে না, অভএব ভাছাদি পের কর্ম কণ্ড বিধেয় নদ। পুরাতন বাটা লার জলই পান করেন : সংটি সাধা-**च्या क्रिवात भूद्ध अग्रठः छ्हे जन अधि ं त**ा ताजव हहेए क्रिकालात खेल्डत नि-त्मव खाहा नम्य क्रिटिट यांख्या कर्खवा । भिष्ठ होका निवाह त्य श्रद्धांव करीबारहत. কারণ ভারিবজন থানেক অভাচার হয়। পরিশেবে সভা কর কিছু কলাইবার অনু কলিকাতা উপকার ভোগী হইবেনি সাধা त्त्राथ कतिशादक्त । कें.जात्र। यह जान शाफी ने तरण तम के किंदिन तमन > किंकि विव বোড়া প্রভৃতি গণনা বাবতীয় কর ধরিয়া বে সভা অতি শিশুবৰ বাকুপ্রার্থীণ করি क्षित्रम् मश्रम् विभिन्न मञ्च्या थात्र ७० त्राट्य । वृष्ट जीट नाकिमिटलङ्ग में दे व्यकान है।को बिट्ड इहेर्द, अवस्त्रि हेनदम है।का क्षिण क्रकि कि । जामही हैं जानन माहा

च दुक्द्यी गर

উপস্থিত করিবাছেন ভাছার অধিকাংশ 🖟 আমালিগের অনুমেলিত, কেবল আম 🖟 क्टाक मि विषया कै:हाविरशत अनुस्थावन है রিতে পারি তছি না। বিউনিবিপাল 🚜 জে বাধীনতা আবশাক কি না ১ যদি খানি-ৰশাক হয়, সভাপ্তি নিয়োপের ভার গ্রহ मर्ग्णेत्र स्टब्र (म ७ हा क.सात्र मिकान्त विरत्ने गरमार बारे। कान विषयम् अञ्चलको ह-देख शत्न यमि अवस्य निष्टू शामायाः 🗝 কট হইবার সম্ভাবনা থাকে, ভাছা বা 🚽 কি আমরা ভাচা ভাগে করিব ৷ সকচ প্রম রে জুরির বিচার ভাল হয় না, ভাশাব লয়া कि अहे क्षशा केंग्रेश क्षिण कर्दना क्ष আছে বলিয়া ধান্য কাহার উপেক্ষণীয় হয় ১ मका बाटबब विषय अवर्गिया के ज হিত করিবার প্রকাষ বরিরা অপর গ মার शमन कतिशादस्य । अविषद्य शवर्गद हैकेन কিছু কিছু ক্ষমতা থাকা উচিত, 'ইন্যাৰা **ब्यमी विस्मारक मूर्विश एक्ट्रं म**्री विद्या বের উন্নতির প্রস্তাবে তাঁহারা যে গোল যোগের আশকা করিয়াছেন, তাহাই দৈটিয়া **ड**.डेटर १

জলের করের ভারতমা করাও দায়াল-भित्र **अ**खिमक नटक । भन्नाला हरेर है छ। हा ए मक्टलबरे **खेशका**त पर्मिटव मर ।इ मा-है। भाग वाणिद्वरक करनद कि करा वाब হার নাই > ভাহাতে রাভারে কিন্দেবিধা क्ट्रेंट्र मा । देखेंद्रांशी प्रक्रां वि श्रामा-আমরা ভাহারও অনুমোদনকা: এছি । व्यानम खीत मारम मन्मिष केरिनी । जी সকল थां পणि ' লোক निरमत सरम कि स्माक्षा हत रा - वलवान वृ वकिशद व वन्त्र्यंक

चामश चार्चक विविध त कार्य माधारम क्रियाची खाद्या केर्नियाह कारणी সভা আর আর বাহা সিধিয়ার্ট্ট্র मापूर्व शृक्षितिका विरहासी मास् কেরা ম'ফা বলুন আইক্ম ক্রম্মার यनि कलिए। इस्पाद केन्द्रिक क्षेत्र তে চাকেন, ভারতবর্ষীর নভার क्षिति बाह्य कतिद्वमं ।

भागदश्चर विदेशह ।

এক জন ইংরাজ কবি:বলিয়া**টা** " বাধীনতা লাতের ইক্ষায় এক বায়ন্ত্ৰ भावत परेटन यक बाद भवाधि एकेंद्र क्त. त्मर्व निःमश्यम् अत्र महिन्द् এই স্বাধীনতা লাভার্য মুদ্ধ এবাই **७ जात्रह स्टेश्रीए । प्रीक्षि** ब्राटका महान ब्रा है विकास करे काराता रंग करगकति कर क्षेत्रिकेन कार्य ভ করিবার চেন্টা পান, ভন্তব্যু প্র आहित वाधीन मामम खेनामीर থ:কিবার প্রস্তাবটী প্রধান । যে **মেলো** বের দাস কলচ্চিত করিবরৈ भाषका सरेकाटस, सिन्दिस क्रम क्षांम व्यक्तिमान रेश्यक करकारम विकास केलीह महावीरातत्र अकृत्मद्रम् अक्रियः कटवन, रगरे देशमध्य धाकरन आहर् त्र वाशीमकात्र व्यापाव स्कू स्ट्रेशर्यकारी मितिएका ७ द्वासिन अपृष्टि असम्बद्धि चारीये अविश्वेष्ठ चीकात कता अवर कीक क हितानिक विश्विका श्रमान कर्ना हैस्त्र अ धाम पुर्वेश च चल । जना (शान, खिर्फ के जन भ कदिता आमता এउ० अतरफे अहा रहे S 176

'कामना भूटर्न कर बांग ल्लाकाहरू विष्यात्राहरू दिव , लिखित्राहरणाम । शत्र पेक रमरम बर प्रकृति इक्टी देश:८इ । ऋणित्र नवर्ग्टमण्ड

নিডে জাইবার ছেকী পার্ডীটিত বিজ্ঞো া কি উড় ডীয়মান হয়। প্রথমকঃ ধন जानामी मारहता अने कार्या व अनुरया পারন নাই। ইংলও ও ক্রাঞ্চ,ছত शाखीरतता के विक्रांत कर गा िलकी दलिया स्थापा क्रकाम क्रिजा कृत्तम । किस्न विद्याहिता क्रमन्। धारम हरेश केहिए हैं। क्षाप्त यावकीय नगत ইতে দেনা 'মঞ্জ ও যুদ্ধ সামগ্রী যাইডেঃ া সেনাপতি লাখুইকল নামক একলন খা বোদ্ধা (বিনি ১৮৩০ অংশের যুক্তে अ शहक करतम) मिट्यत श्रधान भागन ঠ। এবং সেনাপতি সায়ারোলক্ষি প্রধান ্দ্রাপতি কইয়াতেন ৷ ইহার সধ্যে নয় ' ইংরা গিরাছে। সকল বুজেই াঞ্জীয়েরা, জরলাভ করিয়াহে। তা ः। अकाषा बुद्ध मना व युक्त कद्विरक्रह म क्या वर्णन चाकिला मुरमान करम ্ক্র ক্র কর বছ হইনা যুদ্ধ করিতেছে। ুলিয় সেবারা ভাহাবিবার কিছুই করিয়া हैएक शाहितकत्व मा । नेकांकि त्य तहें न गानिवारक, पश्चात्रा काना (बुल विद्वा [।]त कम्ब^र जल ७ वल वृद्धि हरेटक গ্ৰিলের আর একটা সুবিধা हार निवासन विवदम स्मिन्सास .स्रोत मानाशी रव. क्यान्डाराज क्रांका ं विद्वारक वामचाक व्हेशाय । हेश्म ७, ंकृत्विया ७ देवानी देनात अखिदान क्रिकार्टना । अध्याता न्वकं आठीतवान ्रेटचंदक् और्निम व्यर्गस्यके गणि क्रभित्रिक নর কোনা কাকার সাহায্য সান করেন ंश रहेरल हैकाब, ७ क्यांबा आहित जन ा कतिर्दान गरकक वार्षे।

व्यक्तिया बीजिन, बेद्धा शक्तिकाश क्रिक्रियम ६। रेक्। श्रीकान स्तिमाहक्ता । स्थान कृष्टिक निर्देशाय कश्चित्रहरूस । ह क्षकाण करत. बजाहें बादनक म्हेश निक काका क्यकाका

ह नदक केक ब्लडमंत्र वाधीन वाका कहिना **র্গবার প্রভাব করিয়াছেন। এ সংবাদ** र नि नका इतः च्यातः, क्रम्थित शवर्गरमञ्ज 🍌 '>६ व्यय्पत्र निव्हित स्नात्त धिए हेरात्र व्य ब, बाहत्रन वा क्टब्रज, खाहा हरेटन श्लामां अ भि^{ध्मश्म}म भूनक्षांत्र श्राधीन स्टेरत । विरम व्यः नेका व्यवित, बुक्किय ଓ क्रेमानाभग्न छ ण, ध्वर चांधीन देश्मा क्षत्र यान्धीत त् दे श्रीहाभित्रमत् स्डाकारकी हरेगाए न यारा रखेक, राभित्र शवर्गस्यत्केत्र कर्फ या , काराता कि फिर विनीष ७ मज कार भर प्रत करत्रन । भाजिशांत दक्षा काकिष शर र में अपन कहा के कि रमनीय शवर्गस्य तिव भट^{ः महस्र} बट्डे, किन्हु काँहाहा भन्नाकिक त्रख, लाक निरमंत्र महमात्रक्षम क्रिट्ड शा त्रन या। लामा वाधीन हरेल वर्षान्त প্তে স্বিশেষ উপকার দর্শিবার সম্ভাব ना चाटण। अर्थम चात्र समित्यता हेका ক্রিলেই কর্মণি আক্রমণ করিছে সমর্থ रहेत्य या । चाजधार अर्थानंत्र (भानात्सार माहार पान करा निर्दिष्य धारणाक। পোলা:ওর খাধীনতা জর্মনির মুক্তার উপার অামরা নিংসন্দিশ্বরণে বলিতে পারি, हैक मध्य वादीन ७ ऋশিয়ার ক্ষম िगाट । अभिशात यदबिक्वाहादी जात हुन स्टेटल नक्षात अर्थनि देखा লিব নাম সাধীন ও এক জাতিমাধারণ भवर्गाय केंद्र मधीनय वरेटक शादिर ।

> इंख्याम् बित्रस्त्रवाक शतिवर्छ। कात्री > ना क व्यक्तित्र देखिशास् সিরর দেখিয়া পরিভোগ লাক করিলাম : वृषि ध्वेषियम्ब विवृद्धित लिथेत सात्र श्रद्ध कर यात्र, निः विषय साम निर्द्धम क्या बाईफ शास्त्र, षात्रवा अब किन छी-शत वर्ष व्यवसर्थ (व क्टिंश भारेग्राहिला स, कृष्टिक्तं सुक्कामां क्रेग़ाक्ति। क्रिनि नहम छ ८ दीकात ना स्त्रम, क्रिय हिन व्यामानिकां मुख्यानिक स्वैत्राहकृतः। विनि व्यक्तिकार निर्विद्यारक्त. बाह्यह (क्षु:क्) (तन, बाजूनरक के हात व्यक्तिज्ञाती हरेग

क्वीवि माम्बत) निविष्ठ छीड्डि बिन मारे। चामता त्य वत्रावत्र बाह्य चाक्करत्रत्र क्षि विराय काकाम अवेश शर्यक्र माहम উৎসৰ ক্রিয়ায় রুধা যায় শীলভার বে প্র-ভিবাপ করিয়া আনিভেছি, ভিনি ভাষা যু किं, नक्ष बिलाः। बीकांत्र क्षित्रा महितारकत। धर्षकं जाश्यातिक विवटतत्र महिक मिलिक করিলে আমরা বে খনিষ্ট খলছা করিবা हिलांग, किनि काश मझुनक विनेत्रा चीका त्र कतिशारंद्य । धर्मटंक चाटबाम & टबाटम পথা বসিত করিলে ভাছার মহন্ত্র ও ঔদায়া थाटक ना विलिहा जामना व्य पहरनांशनांम করিয়াছিলাম, তিনি ভাহা যুক্তিসহ্বলৈয়া গ্রহণ করির।**ছেন। তবে আর তাঁহার** স-हिड आमामिटनत मटडत अटेनका वि ? खाटकता त्य चानुकाम चात्रक कतिशाटकम, णाहा रहेरल खेलिथिक असूमाग्न मानकान घष्टिवात मञ्जावना चाटह विनिहारे चामका এক অপত্তি করিতেছি।

वक्षी विवटत (क्वन चीहाटक चाना निरशत मरखत अनूरमामनकाती रमशा या रेटल्ट्स् मा। त्म अननूटमानटनत्र कात्रन आ मानिरभत अहे दांध रुत्र, त्म विवर्ध किनि এখনও পথান্ত আমাদিধের অভিহায় दु बेटक श दबन नाई। किनि घटन कतिहा हिन, जामता नकलाक वहे छैनाल हि एक एक एक एक प्रति । ए षानिश्र (रुवल मत्नामरश्र तःरबन । षात्रा क्तित्र (म व्यक्तिशास महा। धर्मात्म विक সংসার সমুদ্ধে না আনা যায়, জন্মারা জগ তের কি উন্নতি সন্তাবনঃ আছে > ত্রান্ম धर्षटक व्य मन्त्रात्र मद्दाक्ष व्यामित्व इदेदिः **चिवरत्र मश्मग्न कि ? छटव द्धारकता व्य** প্রকাব এক পুনাগত অনুষ্ঠান সৃষ্টি করিয়া मংगात मग्रक व्यामित्क हाहिरक्रहम, वा মরা সেরূপে আনিছে চাহিছেছি না ৷ चार्मापरभन्न मक धरे, द्वाकार्य मानूरपन वावकीत कारवा है जानकर्का चुक्न वहें वंश्वी क्ष कांक क्षिए इहेरव ; वानूरवत्र वंश्वन यं कार्या श्रकृष्ठि कृतिरव, ज्यंनहे जाहारक कृषिए इहेरव खान्न वर्ष जाहात मन् र्ष मश्रीत्रमान ज्याहिन ; जाहा, ज्या विश्व भरवत्र ज्याज ज्ञिक्य क्षित्र १'६ क्ष्मार वश्वकांनी इहेरक हहेरद । अहे किछा निवस्त्र बानूरवत्र ज्यादत्र ज्ञानवार व्यक्तिरवा हेराहे कि अक्षमांज श्रावीत्र पत्र २ ज्ञान रखत मन्नात्र स्वारकत्रहे यहि धर्म अहे-क्ष्म कृष्ट क्ष वारक, रक्ष्म व्याना-रखत वर्षात्रमा स्वारक्त, रक्ष्म व्याना-रखत वर्षात्रमा हत्रमा २

ষিরর সম্পাদকের আর আর কথার
উত্তর দানে আমাদিগের ইম্ছা নাই।
র্থা তর্ক ও উপহাস রসিকতা প্রদর্শন
করিয়া জন্তলাত করিবার নিমিত্ত আমর।
এ বিচারে প্রবৃত্ত হই নাই, কতিপয় ব্রাক্ষা
আতি বশতঃ অফিঞিংকর অনর্থান
মুত্রবিধ অনুষ্ঠান প্রবৃত্তিত করিয়া জগ
তের অনিত্ত সংগ্রেম প্রবৃত্ত হইয়াছেন।
সেই আতি নিরাকরণই আমাদিগের এই
বিচার প্রবৃত্তির করেণ।

खेशनश्हात च्हान हेशियान जित्र म म्भामकरक खामामिश्वत मित्र खन वाथ धहे, डिनि यन खात खनूहिक खनू । कात्री खाक्कमिरजंत शक्क ममर्थन करित । क्षामिश्वर श्वादमिक मा कर्तन।

खाक्किनिश्चत इथा क्यूकं:त्यत्र' कात्मारक काल इत्रथ कतिवात गमत बत्त, कांशिक्षित क कत्क क्रांचक महरू कर्कवा भाषत्यत्र कात्र शक्कि इरेतारह। कांशाता तारे जकत विवस्त मत्मितिर्यं क्यून ।

এতকেশীরবিগের সবলকার হইবার উপায়।

আনিব ভোজন বিল্লোখিন, আর তুটা আ-গত্তি করিয়া থাকেন। **প্রব**দ, মাণসাহা**রে জি**-মংগান প্রভৃতি নিত্রই প্রধৃত্তির প্রবনতা হয়। विकीत, उपिकिवीया दक्षित कीपका शहेंत्रा थारक। हेरांत्र मश्किश्व खेक्द्र बहे, आयत्रा জগতের প্রায় খাবডীয় লোককে জাবিব ভোজী দেখিতে পাই, কেং মংস্য কেছ বা পশু পক্ষ্যাদির মাংস ভোজন করেন, আমি-यानित गरिक निवानियाभित गरभा। कविद्रम जगरण निवाबियांनी माहे वनिरंत पाशकि वय न। किन्न जानही जगरण ऐगिहिकीयी हिन्द्र হাস ও বিখাংসা বৃত্তির প্রবলতা দেখিতে शाहे मा। छर्द रह राम काम, शांख करत म नरत मनरत नियाश्मा इंडिस्क रनवंडी स्मर्था বার, তাহার কারণ স্বতন্ত্র। জগতের সমুদার লোকে আৰিন ভোজন ড্যাগ করিলেও ঐবংগ দেখা বাইত। বখন আমাদিণের ক্রোখাদি আছে, তখন উহার কারণের কি অসপতি আছে? বাদ্য দ্রব্য বে করিণ নয় এমনও নয় ৷ কোন কোন খব্য আহার করিলে কামে প্রেক হয়, জাব কোন কোন দ্রব্য জন্ধ করিলে (अग्ध ४कि इक्ष : अहे निव्यक्तिमादित माश्मीह। त देक्ष्मणा, मार्ग रेप्शांगनीयणा ब উপ্রভাষির রশ্বিহইয়া থাকে ভারে নিরামিন আহ'রে, 'ভীৰুডা, ক্লেশহনে কাতন্ত্ৰা, আৰ मा अज़्जि अवस स्य (>) विभाजनीममाप्तित স্থান'ভিরেকে ইহার বহু ব্যতিক্রম ল**ক্ষিত হ** वैद्रा भारतः रिमान्कीत काभाजा रहत्र श्रीक्र-দাভিদ্যিণর শঠত। প্রভাবণাদি অভি নীচ इंखि गकरनाइ आहरिंग इंडे इस, जात छैवा খভাব লাভিদিনের নিষ্ঠুরাচরণ প্রভৃতি প্র.

(১) বাছ বস্তর সহিত মানব প্রাকৃতির সহস্থ বিচার প্রথম ভাগের ২০১৩ ২০৪ র পাত দেখিবেন।

वन (क्या बाह्र। विकास देवकि स्वेद्ध केण्या-तरे व्यापिक स्थाप क्षाप बहैरक सीट्रक । शन भारत देशकान भाषितित्वहारम् अस्ति। र राज धारान भाष, जीक व्यक्तिरमह स्वीक् প্রকাশ পার না। ইহা এক প্রকার নিয়া याना ता फेक श्रहित्यांचा जिल्ला विकासि विकास केमार्वा, समा, विश्ववद्याचि উত্তার ওবে বিভূষিত চুট হয়, ্বছক 🕮 স্থ লাভিরা নেৰূপ মর। (২) পূর্বে উক্ষ্ ইয়াহে বে উত্তিম অপেকা আমিৰে অভিনি त्र केम भवार्य चाटकः। जन्मावस्थान्। बहुतः প্রভাগ জাতিয়া অধিকতর সন্ধা, করা, করা দির পরিচয় প্রদান করিবা পাকে আরু ট্রাক্ট্রি चारणका बाद्रश्य वयन केंग कर शहास्त्रितिक ভর আছে প্রমাণ হইরাছে, ভগুন আই ফ্রান্ য় প্ৰৱন্ধ পাৰ প্ৰকৃতিত্ব এতদেশবাদিক চুল পরিবিত আবিষ ভক্ষণ করিলে জনিটু মা या दर अधिक देहेगाच बहेदर खबिबादी मुहली 909

अक्राल कायता गातारमत कारके कर्या दानमंत्र १३ खनगर्गत द्वास रहेनाय । द्वासिक ७ मारनर्गणी कार्यामिरभत कार्योक्तिक वरने पूषा कादल बतिहा शतिशिक क्रेसारक। द्वा निज ७ मारनर्गनीत कारकानियक्त कार्या रभत महीत नवन मा क्रम बहेना बारक।

छ हहेरव जावर माश्मरणभी स्वतंत श्री हहेरव छण्डामारत भागीतिक वन दिव अछवियरत प्रविचााण छाछम (०) भागि प्रवे मार्ट्टव याद्या वरम्य छाद्यात स्वांत स्वांत आर्थ गाठेकनिर्द्यात स्वाहतार्थ स्वाहता निरंत छेष छ स्विनाय। रिजन वरमन " मर्काम माश्मरणभीति मश्मनम चाना स्वाहत बीवन यात्र स्वाहती

্ । শানুক প্রকৃতির লোকে মন্তরা ই চর উচ্চতর শুলে বিতুলিত হর না বলিয়া কিছু প্রথাবাহিতে কাতির ওপ্রেছণে অসমর্থন কি ইয়া ভাষার লোন কভিনে আশ্নাক্ষ কর্মকুল ভুৱা করে।

⁽৩) জাহার নির্চিত কিবির্গতি ব গাবেত টু হে স্ব এও এড কেশন সংবৰ্ধ গ্র কৈবিবেন।

প্রথান প্রভৃতি ক্রিয়া সম্পাদিত হইতেছে, ভাষাতা যদি করেক নিষেব কাল ছেনিয় ।কে সাহা হই**লে অবিলয়ে মৃত্যু উপস্থিত হয়।** এংগপে**শীর সহায়তা ব্যতিরেকে মনুদ্যে**র দুচপ্রতিক্সতা ও মানসিক উচ্চতর ভাব সকল কাৰ্য্যে কখনই পরিণত হইতে পারে না। সন্তান ও বাছ বিহোগ এবং অন্যান্য বো রতর রেশে পতিত হটরা মনুষ্য মাংসপেশীর यह वाजित्वरक कोव कारत राजना धाकान क. ब्रिट्ड नवर्ष रम् ना। मारम्टलनीत स्था-नंत्र व्यापना भानीतिक वन शास हरे। কোন একটা মাংসপেশী পরিষিত বাপে স খালিভ হইলে ভাহাতে অধিক পরিষিত র-ক্ষে<mark>র স্লোড প্রবাহিত হর প্রতরাং ভা</mark>হার লবয়ৰ দে সুগ্ৰা প্ৰভৃতি বৃদ্ধি হয়। পরি-ा, जाणा निवसने क्वन वारमणानी पू-াহ**ডি প্রাঞ্বর** এমত নহে, **রজের**ও र्गतियान स्ति स्ट्रा वारमर्गनीत सर्पा हू. ভাগার সকল সংস্থাপিত রহিয়াট্ছ, মাংসপে-শীর সঞ্চালনে সেই সকল রক্তাধার হইতে শোণিত মিৰ্গত হইবা বেগৰতী জ্যোতস্বতী-त्र गात्र मतीबुष्ट मान। ष्टाटन व्यदाव्हिष्ठ हर। ংসপেশী ও রক্ত এই ছুই পদাতর্থর পর -पना কোন বস্তুতে নয়নগোদ্র হর না। ामो मध्गति**७ स्ट्रेटन भ**रीत म**र्या** त्रस्य র বেগ ও পরিষাণ র্ত্তি হয় : রক্তা প্র খুদ্ধ ৰ পরিমাণ রক্ষি হইলে থে যে ছানে। ধিক, এীআ ও বর্ষা কালে অপ্সা—ব্যাস্থাম ক-कार्न नथानिक रह तिहे नकन दान शर्ड वित श्रामाधिक हेंडे कनना करता छेनारवन ৰয় 📒 পরিখন করিলে রক্তের পুষ্টিসাধক ক্রিপর ছুবি হয় সেই ক্তি পুরাণ করিবার ীক্ষুদ্র অধিক পরিষাণে ভোজন করিতে হয়। 'সেই অভিব্লিক্ত আহার পবিপাক ক্রিবার ভাষা কুষা ও পাকণজি হার হিয় হয় হিছেন শোণিত এই,প্রকারে প্রাপ্ত হট্য় ৷ দীরে লো-'খিত হইবে মালিয়া পরিশ্রেম কাংলে 'গামাছি'-भत्र नियान **अवान तकि रह**ा अहे करण त्या-ণড শাে্ধিড হইরা শরীরশ্ব সম্বস্ত অল এ ...ज इक्त वन बीवा आर्थ रह इक्तार मञ् া অধিকতর পরিজ্ঞান পূর্বাক কার্য্য করিতে

পদ এঞ্ছ, নাৰারোহণ, ব্যায়াৰ প্রভৃতি

पर्व, इस्र । अ

नाना छेलाव बांद्रा मद्रीत मकाशि । इडेग्रा बा- (क) हेराव मध्य मनकिया खावा माध्यर्भनी नर्कारभक्ता अधिक छन्न हुइ इस । मातीत विधान विर পভিতের। সুস্পার্ট বালে ইহার কারণ নি-র্ফেশ করিয়াছেন। বিখ্যাত আও কুব সাহেব बरलन " शतिश्रम कारन माना क्षकारत वेड শর্গর সঞ্চালিত হইবে, তত ভিন্ন ভিন্ন মাংস (अभीत अमिष दिश हिष्ट इट्टेंट नम्हांस मार সপেশী সঞ্চানিত না বইলে বাঞ্তি কললা-(छत् मञ्चावमा था: क मा। भत्रीरत्तत्र (य ज्यब-**भद्रियम कद्विर्य (कर्म (महे क्यांक्य मा** :माण-भी जकन जल्मानिष्ठ इट्रेट । किन्न भंतीरतत्र এক শব্দ নিয়ন্ত সঞ্চালিত হইলে সেই আন্দের माः तर्थने आह ७ पूर्वत हहेन्। भर ५ कथन পরিশ্রম, কখন বিজ্ঞার এই নিয়মান্ত্রসারে यारमाणमानिमान मध्यानिष्ठ कतिरन मतीत স্থু ও বলিষ্ঠ হয়। "ব্যায়াখের অভ্যাস 🖣 -त्र। कुथ मारश्रवत्र अहे मकल छेभरमम रव सभ পালন করা হদ, অন্য কোন প্রকার শারীর প दिश्रम बाता (मक्प इत्र ना । ' याहाता कथन কুন্তির আথড়ার গমন করিয়:ছেন ভারা জামালিগের মডের পোষকভ, করিবেন সঙ্গে হ ল'ই। এছেলে বে ব্লীজির অনুসারে (৪) ৰ ৰোগ বেষৰ প্ৰাড্যক ভৃত্তী হয় সেৰাপ | খ্যায়ান করা হয় ভাহাতে প্রানিত কল লা-ভের সম্ভাবনা অব্দ, প্রাক্তাত কখন কখন অ निष्ठे इहेता थाएक। एक्स मीज कारम मा क हिता. क्षेडि किंदन क्षजादन-भीड कारन क चया अकी विषय्भे छेट्टच करा राहेरछट्ड अरमरमञ् अक जन्नाक वान्याविध हर्ज्ञम বংসর বয়:ক্রন পথ্যস্ত অত্যস্ত রুশ ও তুর্কল क्रितन । ১६ वरमस्त्रत नमन फिनि यात्राभ পারত করিলেন। ভিনি যে বৎসর কুন্তি-র আথড়ার প্রবেশ করিয়াছিলেন ভাষা-র পর বংলরে ঠাহার শরীর এমনি স্পীত ও সবল হইয়া উঠিল দেখিয়া একটা থারের মত বোধ হইতে লাগিল। উছোর ভাবরুব রুদির

ह वांकानि क्रिरमञ्ज मध्य कार्डा न लाइक ব্যায়াখাজ্যাস করিয়া থাকেন, বাঁহায়া সুস্তি करबन डीशिंग्टनब मध्यः कारनटकरें किनन भीष कारन करवन।

नदेण नदण, नादम छात्र अ विस्कृत दृष्टि ह हेश ऐडिन। अञ्चल स्वात अकी स्वाहत्व श-प्रभव ज्यांवर्ग, क रहेंग। अव वास्ति वानाकान অবধি স্যায়াৰ অভাগে করেন। ৮০ বংস্ক वसाक्षम कारम कास वालामी बारबद्दी मदीद লে.শ হয়। বি ছ উলিখিত বা ক্রির স্থানীতি वरमद्भाव भागत अहि हिंदिन मा कतिया কেবল শরীনে ব প্রতি দৃষ্টিপাত করিলে ডাঁ हारक १० वा ४६ वरगरतत काविक वतुक विल য়া বোধ হইত না !! তিনি সেই 🚂 🕯 বৃদ্ধাৰ-স্থায়ও অপ পরিষাণে ফুল্ডি কবিডেম।

পরিশ্রন কালে চিত্রে প্রানুলভা ও উৎপাচ থাকা অভিশয় আবশ্যক। আৰু বিধের মনের অবস্থার প্রতি পরিশ্রমের ফলংফল আনেক পরিমাণে নির্ভর করে ' এ 5 বিবরে কুছ সাচে ব যে কথা বলিয়াছেন ভাষা একলে উত্ব ভ হ**ইডেছে। '** পরিশ্রাময় খাল ফর ভোগেব কারণ আমাদিগের মনোমধ্যে নি.হিড জাতে, ভাগার প্রতি হতাদব হইয়া পরিপ্রম করিলে चार्यापिरवात महीत्रात दावधना कता हता। मारभएग्सी मकत मरमञ्जू क्योम । मरमञ्जू का क्या बहन कतिवाद सन्। छानाता छुडे स्टेग:-ছে ৷ ৯ কুর সাহের এট মত্তপোষ্ক একটা দুষ্টান্ত প্রদর্শন করিয়াছেন[৷ ডিনি বলেন ম (३) त्रवरकट्य यथन गङ छेशक्छ न। वः ফিত ফরাশী সেনাগণ নিরুশ্য ও ডুক্স দৃই ছউত। কি**ন্তু কুলিয়ুদিগের** :তাগ্জান তাগ-क्रिराम कर कुरुद्ध आर्थम क्रिया म'ज करे রা যেন কোৰা হইতে প্রতন বল প্রাপ্ত চইত। কিয়ংক্ষণ পুর্বে ডাহারা যে সমস্ত গল্প বহন করিতে জাত্যত ক্লেশ ধোধ করিত, পায়ন बसरम भारे भारे किया मध्यत्र भू। इ बहारस्य নিকেণ করিত।

चित्रः अन्त्र, वल, लद्गीरत्तव 'अव'ः। अवः পুর্ব্বাক্তাস, এ গর্মায়ের অনুসারে পরিবাদ করা উচিত 🖟 ৷ এ এক'র নিয়দ অবল্যন 🍜 রিবার কারণ কুম সাহেব স্থাপার্টবাণে লিখি ষাছেন। জিনি বলেন " শরীর অনবরত 🔻 ८ ও शहे इंट्रेएड(इ: यथन क्यान व्यक्त शतिव्यन

विनाम आचान जान हाननाधि विवस्त महीत क्य अनः आदाहायि यात्रा पृष्ठे २३ बादकः

করে তথন কর ও পুষ্টির গতিরহি হয়। কভে-এব পরিমিত ক্রেণ া রক্তম না করিলে পুষ্টি **মণেকা ক**য় অধিক ৮ইবা প্রীর্কে **ত্র্বল** इन ८ कथन कथन नामा ८ कारत भौतिए क ब्राह्म महिला वार्गाध्य अस्तिविभवार । अय-भावतभाइ**रछ**।निमान क्या राष्ट्रका ॥ ॥ ॥ 'एक प्रश्नमादत याभाम कनिए। हे सतीदतत शूहि ৰন্ধ, আৰু শক্তি অভিক্রম ব বিয়া যদি খোৱা भ कड़। रुस, महीरतम् कम् इस्

क्रम मार्ट्स्ट ब्यार्ट्स, व मन " रव अरु प्रिरंगत **ক্ষতিব্রিক্ত** পরিশ্রি নাগ্যন কখন কথন চিব-कारकात्र समा भारी १ क. इह जाराजक गुवा भू ৰূপ শিকাৰ কাৰে "৯ ি,নক পাট্টিশ্ৰম কয়িব। कर प्राचीकार इन्सार का

काना का किए का मुख्यामही खड़ा विक শ্ৰ আমে দিখেয় े 8 अत्याम महस्रात कारम केवाँत। इकेरणल स्थानवर्गनिविधान गांच भाग्यद्रभागी। तत जनवाति व्यापाय भूद 🖲 इस मा हैशत्राप्त 🗸 स्वामी भद्धांकि खाकि-किरमन च्यालाक यह न्यूका । जानि कतिया चारमाम गर्छ न महरून जानवा সাদিনীছিলের নৃত্য এশন করিব। নান ও ও | ক্ষম্ম সংক্রান্ত করেকটা বিষয় ইথাতে নিবিত করি ! ই°রাজেনা নার প্রভুলিতি শিকারে অয়ং প্রার্ড ছন্ চিন্তু আনবা নিবার (কটী बोर्ड अन्य यन्तिक्षा बहुद्वाशीरवृत्ता नि লিয়ন্ত লা - বন, ও নৌচ্চলন পুড়তি िन्त्रीय श्रद इ.स. १०१मद्रा व अस छाल्याः स **का**य कर्यन र ज्याला १ ८ छ। व বশস্থাদনে বিশা হউ। , ' ব্দেশের ইডর । লাবে এর রচন। কলেন ইছা ভাষার সার कारकद्रोह ,भारतोडम कानिक कार्योक स क्षान कतिमः । (क कानमा ५, मिन्सिंगराय **व्यक्ति । अपन्य विश्व विष्य विश्व विष्य विश्व विश्व विश्व विष्य विष्य** ৰুদ্দ ন**াকি আভিচা**চ লে সংকাশনীয়াল কিচ कार कार्याजिस्ताव , य वैध्या ६ व्हि ३ हेर्स**, स**्थ न•क आह्यांक मह्यांत दोद्री ख्यांति नीऽ इकि जभन क्हेब्रा जिस्ता है. एइ एवं मांचन अस्मय इषि बहेटब, द्यं प्रकल कालिन वर्षाश्रम द्वार. कावना मानद्याणिक नार्य अधिन राज्य रहेन, দেপৰত আনোলে উপেক কবরা আমর ৰলক্ষ্য ও ভাষ্য স্থাকৰী আমোদ ক্ৰিয়াৰ পুৱন্ত कडेव: बाकि ।

মুতন গ্ৰন্থ

অ মরা কৃতজ্ঞতা সহকারে স্বীকার করি তেটি, নিমু লিখিত গ্রন্থ গুলি জামাদিগের ভস্তগত হইরাছে।

- া পাউনা প্রশালী প্রদানি । প্রিযুক ८६वरत्र ७ भाग ७८३५ मास्य ८० द्वील किय প্রাণালী **অবলম্বন** করিয়া এড॰ প্রাণ_নন করিয়া - এনে এবেনের যে সকল থাক্তি শিক্ষকতা কা-(वे) निरम्भक कार्या क्रिका क दि भारेना श्रवानी अवगठ नटकन। एहे अह তাঁগ দিনের উপকার কারী হইবে : বোমও-য়েচ সাহেব জার্মশির লোক । কিন্তু ভিনি রুচ नांत्र व्यक्तक यांकां निर्व शतांख्यू कविद्याद्वन ।
- >। প্রথম পাঠনা পুস্তকের প্রথম ভাগ। ইছা ও উক্ত রেবরেন্দের প্রণ ভা
- श्री मुख्य वाद कुमारमय शांक क्षान्तिक द्वान মায়ণপারসংগ্রহ ' ইহাতে রাম্ব্রান্ত সং ক্ষেপে কিখিত হুইছাতে 🕈
- ঃ। মহাদ্বি জীহৰ্দেৰ রচিত সংখ্ত নৈ বধ চরিতের বাজলা আছৰ'জ: শ্রীমৃক্ত বাবু-অগচন্দ্র নতুনদার এই অনুমাদ করিয়াছেন। ४। राम्मिनिको । अङ्गोदित् साम नाहे । द्वा همو
- ४। हेन पुटर्भ। क्रियक थानु जातिकी प्रतुत्र हजार हो " जासन हेम मा भागहत तुक मामक শহি দইতে ভায়বাদ করিয়া ইছ. প্রচারিত क्रियरिष्ट्र । ज्यान्धिकांत्र (य निष्ठे द्र प्रान य व সার আছে। নিবি है' है छाड़ा कानस्य कहि-मध्यक्ष भाज ।

هدو আগত । ३ । ही स्थान । ५ % व **6*净**[]

চাক্রণতে পাগল। e চোর দুইটি গারদ कांधि अरू हिन्म भागमा भारतस 'নিয়া দেখিলাম কোন দিকে কডগুলি পুক্ষ বস্তু পুলা চটফ দগস্বর মূর্ত্তি থারণ পুর্ত্তক ইতস্ততঃ ভ্রমণ কট্রিডেচে, কোন দিকে কেহ भिद्र क्राचांछ ও हांशकांद्र क्रिश द्वापन भाग क्षाद्य को कोक्ष्य भाग सम्बद्ध देशील, केलि-

তেছে কডগুলি উন্নালকে মনুস সীন্তক্ত क पूर्वीका श्रीरात्री कतिराज्यम्, दुक्य क्री ল প্ৰণতি পূৰ্বক **তান্তি ভাবে স্কুলাঞ্** য়া তাব করিতেছে। এ**খানে এক্লান্** লা ক্লানের ছাত্র আছেন। আঙ্গি 🐗 🕏 🗿 'সহ ও পদার্থ দেখিতে দেখিতে **টি** রেব নিকট গমন করি**তেছি আহন প্রয়ে** 🤁 পাগল আমার নিকটে ভাগসির। 🖣 ধুলি ভক্ষণ ও মন্তকে ধারণ পুর্বক কর হইয়া সন্ধ্য দণ্ডায়মান আকিল ভাষার আকার প্রকার দেখিরা ব रहेन (य रन्यन किति धार्कि 'डांशांदक महे कतिवादम् । **भटम एउं** য়ের নিকট অবগত হইলাম ক্তা আরোগ্য লাভ করিরা গৃতে গম্ম পকান্তরে কতকওনি প্রবিধীনটুলুমু রা বহিতে দেখা গেল তথান 🤒 **१५५ शुक्रम प्यारह । उक्त छोन्नद्वह**्य টি জীলোক ৰংভিচার থোকে মুদ্রত ৰ ল হইরা গিরাছে: ইহার বালী আ বিবাহের অব্যবহিত পরেই বিদর্শ সভব্ৰ বৎসৱ বহুঃক্ৰ**ৰ কাটোঁ ক্ৰ** সক্ত হইয়া ততুপলকে গর্ভ হয়। 👸 লিভ জনহত্য। পাপে উপেকা স্থা নষ্ট করিয়া কেলিলে **ওদৰ্শি উল্** रतान **करण। भरत हेशरक गणिर**्रह নিমিত গুরুজনদির্নের অভ্যন্ত ,চেক্ট্রী ছিল किन्ত সফল **ए**डेन ना । **है** नि बीची বহিন্ত ঘটয়া নানা আন আমণ পুৰ্বক শেষে আসাম অধ্যে প্রবেশ করিয়া কোন স্থার একটি শিশু সম্ভান ছভ্যা করেন 🍇 হত্যাঝাও উপস্থিত হইলে রাজ্য भुष्ठ कतिया यावक्कीयरमद्र निमिन्<mark>ड अहे</mark> हा লা গারদে ৰক্ষ কয়িয়া রাখিয়নটোটা ইহার বয়স প্রায় ৫০ বংসর, আজিত कब्रिटल्ड हेक्डा चाट्ड। यागंद्रा विश्वा কোপ অগবা অসংস্থান প্রকাশ করিয়া नाजिशास्त्र अहि द्याप करतन खाँशांचा "पि ख क्रवांश विरवहना क्रिया स्मूल বিবাহের অভাবে পাণস্থোত উল্লেখ পরিমানে প্রবাহিত হইতৈছে।

नामकि ३ विषास्त्रीवनां

্ৰে সাংহৰ ডাৰভবৰ্ষে প্ৰভাৱিত হটয়া প্ৰকাৰ _{स्वित्}दर्शेष्ट वादशायक मञ्जूत स्वताङ्ग महस्त व्याप्तात अथव क्षत्रिप्राद्धन ।

लगमान वालम सम्बद्धिमान विद्यानियन र्त । अधिक केंद्रेरबाणीय दबक्तियरंगेत ्रहेके स्मृत्रेनके आव. बना है मनदक सार्ड क्रियार्ट ।

্যনিন্তের নামে বীত্রই একটা কালেক প্রতিষ্ঠিত इडेटर ।

উস্ত পত্ৰ আছে। বলেন ত্ৰিপুরার রাজ। গারে। 🗝 ী; হুডকণ্ডলি লে'ককে একত্র করিয়: আম ও লুঠ করি:ভাছেন।

यक्षनाहेष्ठे बरमन यानामी अना करशन শর্মান্ত মন্ত্রিতে টে: প্রাক্ত সম্পূর্ণ ছটবে।

क्षांका निष्ठेत यानन छ।कवि धांत्र नग्नमात्र ইণাক্ষ এই অলিখাতে ভক্ষাৎ হইয়া গি-

२५० रेड्य सूधनात्र ।

¤- श्रीतङ्ग दश्यन लारङ्गाशास्त्रत प्रचिक्त नि-👊 ৣ, সভার সেক্টোরি লগুনে ৪০০০০ টাকা 🚜 कत्रिष्ठाटस्य ।

থেকাখাৰ নিহন্ত ইইয়াছে।

खेल शब घांटबा बालन रमुख क्षानाविधे 'পভার যে করেক সভী ভারতবর্ষের বিষয় জানি-शार जना देशमध इंदेरक चानिवार्ष्ट्रन, कांश्त **এখন আ** গ্ৰায় উপস্থিত হ**ই**য় ছেন।

- ২৪০ কেব্ৰেয়ারি পোলাভীয়েবা স্কুলিয়নি-প্রার সহিত্য এক যুদ্ধে অয়ী হইয়াছে। রুসিয়ের। ্রানিয়া নীমা পরিভাগে পুরংগর শলায়ৰ করি-" TALE !
- 🙀 আলাহাব্দ থেকেট বলেন দাহপুর হটতে ক্রি**ব্রপুর পর্যান্ত** সেনা ওরে সলসূর্ণ ইইরাছে। াবির খাটে নর্মদ। নদীর সেতু জাবস্তু ছব 医艾耳

31 रअब टेडिंग हर ग्लाहिक रेव ·

 अल्लान दाख गायक पा राक्तिक विद्यां । ्रीक्ष च्छाकाबी, नलिष्ट भूठ क्याव्य, अधिह भवारधन कान अवाय न। शांख्याट उंग्हाटक कत्। प्रदेशीत्सः।

(नारमाहारत्य उभाग्यमात्र (त्रमम हेट्यामा वेश्व क्या लक्षात्वत्र कृषित्रयांक मृत्रिलय इब्बाब बडेग्र'रहम । डीडांब्रा अमीकार अ क्रिक গতে পুরস্কান জিবার ছোবণকৈবিল দিয়া-। श्रीक्षं विकास कुछ हक्त दव, भर करा । है।

তেছে। এ চলেশীয় এক ব্যক্তি তত্ত্বাবধায়ক চই-शास्त । ऐक शहरण विशक्ष मेश क्रांग्रेड-ब्दयन प्राचारकांत्री जीतका काहै।

ভারতবর্ষ হটতে ভুলা লাইছ: বাটবার জন্য अक कड़ामी :लाम्मानि प्रदेश रहन । फळडा शंव र्गरम-छ एँ। वामित्यव मवायुक्त कविष्य । कर्यक উদ্দে পর মারে। বংলন কক্ষেট্ড লার্ড মানা। যি ভারতবর্ষের বিশুর ভুলা ফুলে যা-हेटलाइ। चा हा दाविव ययार्थ भूमा हिटम (क्याम म। थे । प्राप्त जुला कर्या ।

> নীলগিবি ভ এক্ষণে ১. ৩ং, ৭০৯টি সিক্ষোনা হৃক আছে। ভত্রতা স্থপরিটেঞ্ট বলেন मर्स्माफ इक्कि आंग्र भीत बख खेळ बहेग्राह्म। এই চাৰ বে'ৰ ছয় এবাৰ রুখ। इ है दि न।। দার-किनि.८७व निरक्षांना हुक्त नकरनव कि व्हेन २

মান্ত্র কেব প্রধানতম বিটারালয়ের বিচা दशाउवा "कडडा भवरिमधेरक कामहिशहि-লেন দ্বিতীয় এেণীর অধীন মাজিটেট্রটরা জা-ইনের মর্থ না বুরিয়া গ্রাল সামান্য করিণে অপ্রাধীদিগাক দেশিয়নে সমর্পণ করেন। অ उध्य क्षांत्री बह्मन हा अवर्ग्यन्ते १ साहित्यव ১৯ ধার ফুলাবে অচিহ্নিত কর্মচাবিদিগকে मील र्वाक्षि राज्य वाक्ष्मकांव महत्त्व वाक्ष्मकां प्रभाव के कार्या का जान महिल्ल किया क्रमका डीइरिएटमर इट्ड ममर्गन क्राह्म । सर-ीं शरी नेंद्रिशिय खार क्षत आहा कविश्वाह्म. किन्द्र श्रीमृद्धाः वास्त्रिता वावर्गदेवत निकटि जा'-পীল ক্রতে পারিবেন। চিহ্নিডের। কি অম अंशेष ब्रुडि ड

> मासाम अवर्रायाते वय वर्णाद्वय क्षा १८० । (वर्षाक्राय व्यानक काँ छ कविया। इ वेष। छ्रात्रि छ निष्य निष्याना ग्रांव कहिरवन। यात्रक काष्ट्रिकव अञ्चार्के स्व, कुर्न अ महीसार्य थहें ह(ब क.वि.टाइन i

खरय:पाञ्च कार्य छ। निराद्व कविष्य अवि টৱম উপায় উদ্ভাবিত হট্টছাছে । সম্প্রতি এক भारी शास्त्र कृष्भ अकृष्टि गुढ भिष्ठत (सर मुचे म्ख्याटङ उपचा क्रीक्सार अब अस म मेर्स । यात और दिवर्गत व्यवस् मर्जन वर्ग ध्यवन सः व । (महे पाहेरम्य वाकारक्षमास्य अक विश्व, भूड ছন্ত্রাল্ড সে আপন্যৰ চৰিত্ৰ ছোৰ জীকার করে किन्द्र महानिष्टिक वंश कविवार विवय खीमांत्र करत লাত। ভাষার পুত্র ৰলিকা সে সম্ভানটির ফান্ भूमि आवन कविश्राद्यिम । जे स्त्रीरमारकव मन বংসত মেষাদ ছইয়াছে: ভগালি বিধৰা বিবাদ **अहिलेख स्टेश्करक् म**।।

त्मकत् वारे**७ अ**खरामनीय मृश्चिताननित्रहरू क्षेत्रः प्रवाद्यस्य क केन्द्रस्यक्ष क्ष्यक, केन्द्रा । त्याव कार्याख्यक त्याव व वर्षः व्यवस्थिति ।

किटमेव शितका । दिना लिखा क्या भवर्गस्य है किकि शार्थ हिन्ना हन। नत्र कार्का कृतीत वटल म जञ्डा ल्यांक्य अजिनम् नक्षतिक श्रीतक्षी ও প্ৰিছ্য ।

क्षि॰ प्रेष के भेरतारीय ७ व उत्सभी देवते। स्त्-रक्षमांबादवर मस्तरमिटमद महाब्राजीय सना ১०७**१** টাকা গাঁদ[্] ক[্] যাছেন । লাজপুতনা ছ্টডে गका अक् ৮ '०: • हे 'का चा निगादह ।

निकृत पत्र के शांत्रवहाशांक नशरतंत्र काली भवन्त्रम द्वारका चैं। भेर स्कष्ठ अञ्चल सहाटक दनिन-ষনে বিচাৰ হইয় 'উ'হার ৫০০ টাক। জনিমান:

কলিকাডাৰ কমিষ্ঠ মাজিকৌট রবার্টণ সাহে र भू जित्मन एए भू े स्मानित्विकानी वाकिश्वा नगरत त्याराय माधक शक वाश्वि दक यामान क- · विष्ठ- कक्ष करांग्डि में बांख्य- अधामहम विहास:-লবে নাদীশ কবিনা ৩৯০ ট(ক: ক্ষতি পুষণ পং केब्राट्ड। (म द्रा'नन जानाग्रिक्षनट्रहोट्सन हुन्छ। ब এই. म ब्राव मिन नार्रेटलांचे बाद्य अक क्वी अ क-क निवाह कतिएड छ!८६, किन्दु ति मध्यक्ष दश सर् है। छवाति त्यानान मर्समा छ हाव विकटी আয়ুগভা কৰি দ, তাছ তে ভাষার পিতা নিবস্ত करेगा स्मानाक श्रुलिया स्थान करहा, वन्छित जाबाटक कराम करव ' करव आंग्रामिश्वास विहास शतिया यथाचे बाहिन ऋष्मादव कर्या कवित्रह निक्ष कदिवस १

ा मानवर्षः वर्धः १ १८८ ।

मार्कित के विकास राज्य वास प्रमान कर्

माञ्च(क है। इंगम बर्मन कामदा वर (भार ह ्रवाप्रक्षित्र मन्धा वोलक बडार्र **इ**देखाङ्ग है। **উरमद मिन्टम जोल »भिष्यक प्रस्तकात भर**हित - म**ाक्षाकेशः क्रि**श्तं क**ल**ा

ভারতবর্ধীয় গ্রন্সেন্ট্র অসুন্থাবে দর চা ब्रम्भ डेल **काळा.** भिवारक्षम क्षांत्रान्त्रर विक्र सर्वत ध्रमान विधाय शांत १ कविके का कर माज्यसमय ए.स्वयं अक स्थारतस विभाग लाहे द्वम , विश्वतिश्वत वरमात्र छ। इतिशास्क दाः गीता ১००० हैं।का दलक्ष्मा अहै।व । शिविणियान पर दशत विद्वारष्ट्रत विवया एक निवय स्थाप्त अन्त मिति दिव के केर्द । असी असी इस्टिंग अ' प क दिखान हिकिश्मदक्ष मार्डि कि.न १ देश है। है। शनव मात्र वादम्बिक प्रम महद्य है। कः ६ १७ त्म विश्वास सहैदक गातिहरून, केकात सर्थक काम के अधिका वर्षियम कथा वर्षकार मा। दि

क्या नक्तरक विषास स्मान्त्र राष्ट्र । उपारम्य श्रीकाण कत्रिमास्मा धार विवास रियारस्य, स्म काल (अन्तरभव नगरप कार्य- शता र्राज्य शति । अहे वालिकाविमालाकत छेन्छ । छ। हो हा नाथन भिक्त कड़ेर्द म ।

মাঞ্ছালভাস্মিতিক লগতের এতিনিধি बिक्का करी हिन्दा विभिन्न क बना यन यन

হটতে কংহন। পণ্ডিড জনিব ি 7 3 ¥str# वटलन ट किशिश कात्रका मा अध्यास अहम कर । दिस्स आवत मार्ग गाँव উপ্ৰিল্ল প্ৰভৃতি ক সংগ্ৰন্ত বয় লিখিল চন खीराया मा द्वाया अंद हावलाम डेडरक का इस-मान भाव टार्मास न वत खना ए कर पहार कार्ड श्रीमकी इस में सकावद स्वया व्यक्तां मार (5 श्रिक्षक'ती प्रश्न (रवक्ष प्रदेशाध्य । सञ्च्याः श्राक्तिक वृश्चित 'ननफु स्ट्रेडिन मना

ট্টাইমস ভাৰ ইনিখার এক দল প্রাংগাৰণ नरमाम अस कान घर भी जीवनांक कार्त हरें। अधिक शक्क करिक धन । व्यासक स्थार अक বে ক্ষার জ লা প্রায়ণ পরত ১ইতেছ

ভিনি আবে। এলন মাজাকে ওলাউটার MINGIA PERICE .

२७व के सम्बद्धा

भड़ कला है। डेबर्ग कम कुल धड़ डिख्न अधिरंदनरक (प्रयान इहेग्राहिन।

देश्लिममान बरनान आग्ना १००० है। हा मू-লোয় ভুলা জনগঁ: ছইছে বে,মাইয়ে আনিভে-क्रिया। देवन ए जैनमलको अ निकाद्वत मः गा अर्श काशियः मम्मय अज्ञान्यम् र्हेशाय् ।

श्वाता इकेड अन या, अ लिथि। इके. · • व वर्षत्र भावना नगःत एवं क्षेत्र उद्योगक अधिकां छ क्रेब्र, याहे : छाड्, लांडा खारन क्रिटन चा अभि हम्बकु इ इतिया । शाह अखाइ व श्व-स अधिकः महकार्य अ श सामिशः २० । २० थामा बाड़ी अञ्चानामाय कतिर अस्त । १८वे देवव रक्त' ७ किम **भू**चेकि समय स्टमा दाथ। समस्य च स्थिति।, वाध्यानात (छाउँ मानगाण्या)

र लिन्द्रामण्ड करे जनती जान करमनाहर क्षा बोह कहिया Ce जिथा है। अकी इक विश्वा अ अवशि जासक बन्दर बन्धि गरू व्यक्तिक वर्षे क्षारक, खाक्रियान को यस द्रामां दक्ष खत्रमा

बद्धालय स्तूष्ट्र डेनल्लक्टेर श्रीवृक्त मार्डिन সংচেত পাৰনাৰ कूल कर्णनार्थ छा। গমন করিয়া অবতঃ জীনতী ধানাত্মারী দেবীর নবসর্বিত शामिक्दिशामांत्रह अयत्र अवनिव कशकी वा-্লিকার পরীকা এছেন করিয়া অভান্ত সম্ভোব

कना जिनि यर्थाछि इ गजुराम क्रेटबन । १९

र्रेडियान विकरीय स्टलन माखियान म'टक्स कात्रखभग मार्टन ल प्रेरी मर्लाटक अर १ 6 व विकास लिखाटक बाजू एक करवाहम हरके।भा-খাত্ব বাললাদেশের এতিনিধি সিবিল অভিটর भ्डेग्राह्न ।

६७८वाली स मगाः । व

लखन ১० हे म"5-- जत (क म छ हेर्रिश कालाशास्त्र मांक्रिक इडेशा-एन । हेश्कालम् ी পোল ব্ৰেৰ বিৰয়ে মধান্তত। স্বাহ্য মীমাং । ক্রিশ্ব প্রাণ ক্রিয়াছেন। তুলা অভ্যন্ত भक्षाच् २ हेवा है।

, बडें हे वर्ष २९८ (फड़ायार्टन --- के पुरासें व CN वि विश्वान्य महोत्र शेष्ट्र शाहन के त्रमा है। मंबिदार्विय (भमावा (करों कि अधामानाराहरू **पद्र अंड इहेशाह।**

नि छेडेगर्क २४ व क्लाउगाहि म क्रवाश्त्यक भन रिक्रवर्ग ध्वाक्रमण क्रिया छेत्रवाश्रामन अक थानि काशक व्यथि भाग कित्रशास्त्र । टेखवारामन तमनाभव निष्ठेषांम्बं का किविया धार्ममाहरू गर १ कि मिक्रमान व छेल्य ऐखर श महा वि-ा' शन (स.क[मरशन विरम्भ कार द्वास कहेग्रा . छ । श्रावर वि । १२ हैकिश श्रिवियम कहेत्र। रहा ।

> ৯ व मार्च-- (महेल्यारा हो सम्बन्ध इंडे: ख मश्राम च्या मग्राह्य विद्यास्त्रः हिवास ७ मा छ-ইতে ভয়লাত কবিয়াছে।

সমটের শিক্ষিত সেনার। প্রসরীর পরা কিত ছুট্টাছে। পিকিন ছইতে কোন স্থায় গ।- का यात्र माहि। काशांस श्वर्गत्मदलैय युद्ध मर्-का छ दिया पनि प्रिन डिश्माष्ट्र ह्या बडेटखरहा।

कारका ১३३ (कळ्या ब--- मिनाश्रीत का প্রিউট্ল আপনাকে পোনাংগুর ভিক্টের ও ज्ञाञ्जि: **धाइन भार्यटमट होन अधान वालक**ः दर्शादनः क वर्गः निर्माह्यः।

बिडेवेग्न २४-७ व्यक्तगादि-एनमार्श उन-लिक प्रशिक्षिण अ आंत्रकिन्त्रम भगन प्रश् क्तिग्राह्म। अहे क्ल क्षित्रस्की एव रमनाग'ड रत्रवभाष्ट्रेख (मार्के मारल इ के ब्रिट्स विमाण भवि 3(SEA)

लक्ष्म १६ माई--- हेलियान क्लीनल गढ़ांव জাচ্ছিত কর্মচারিদিপের আবেদনের বিষয় वि:वहमा बहेरकरह ।

चार्यावका २० व क्वजः --विक्रेडेवर्क है-देशन बदलन, काना क्लान श्रवर्गामकी प्रक्रिनार्थ-(क यनि व्याधीन विश्वाः व्योकात करवम च्यारम विकात शवर्गमणे कहे निव्यक्ता कतिरवस रा ভাছায়া হাতে বকা সাগত বুদ্ধ গোৰণ। করিছা बिश्लम वे गरांश गढ करे क्रग चलुवान करत्न त्य कृष्ण बुहेमारगत्र मध्या मंत्रिन|श्यरक खासीन व्हिष्ठः चीकात्र कतिहरू शादान । विकास स्वत

करनून मछात्र अन्तार रहेत्र रह रह चात्राची हो मान गर्रा द रम भव दिन्ति विकारियरक चार्किक বলিয়, শ্ৰীকার মা করিবেন ক্ষরায় ক্রিকাংটেনিট্র त्व अत्करे आत्वम जानात्क जवी वृद्धि नहिः खाम कहा वृद्धित । उत्तवारात्मक हम्बीका विक क्षित हारमधिन ७ ८४ सामा आध्यादेशीय दिहें 📆 क्ति उद्धा विकृत्र चा का ब नी का के किया प्रदेशांक । जुनिशांक शक्ति **केशकेल** देशके गक्त विभिन्निभि महीत छ छ और विक विदेशी है है ेन्द्र १८ शर्व निकटि উत्तवार्यमा क्षामा महिला त व्याप्त । भाग का र्यमान यह विश्वकार कर्य पविद्यादम्ब चादवस्य चार्थाहा कविद्यादस्य है

ক্রেনেল্স ভইতে সহায় অনিয়াছে যে 🛊 জিন্ট व नम हे त्रामाधरक धक्छे च कक्क बाका काँहे-Cen : (अप्रेक कनके | महिन्द्र | निक्र | किरहे | क्रिक | अ भक्त प्रदेशका।

লণ্ডন এরা নার্চা—ইপ্রিয়ার আফিনরব্রির" অংব একথানি আনেম্ব পত্ৰ পালিছিচি मलाग्र मय(र्थाड परेदाएए।

नद कि, नि मुडेन व महोदहम दय ३५-७० धन-त्य होन तथ्य मुर्केटन त्य चर्च शास्त्रशासाम खोद ! वयन जान जान करिया (मध्या क्रिय मा ।

कार्याम वर्ष किस्तामा कहात्व पत होहसान উড বলিয়াছেন বৰ্দ্ধাৰ লুঠ আগ আৰ্থ ভ 🖟 🐃 विकास कतिता (मध्या केवेटन।

विद्याः कारण वामाम्यामा द्या मन्द्र क्षिन्यर थाकिनत शांक्जांच करतम, जांकांदि न स्वत्रार्थ हिन्द्र जीख, क्लिक्:औन अध्य इडेट्व ।

محو

गवर्षिक विकाशन।

वाचनारक्ष्मीय रजञ्चनकेशवर्रसूत्र च्यादममाञ्चनात्री निरम्नाम ।

21-3 माए--- (बदाब कि शि किम मादा विविधित्रक विविध्याद्यां अधिकेत पर

बहें का वा अक्षा वा प्राचीत कान को इ कामाल क्षिति स्वतं क्षेत्र

कांशनांशया द्वार्यां । देवारी -्बेष अध्यक्ति कारमहेत्र स्थामती मीव-एशीन छ वर्षायात्मत्र मास्त्रिक्त मन्त्रूः छ। शाहेरसम्। 🍎 🗝

मर्ग । दिखादगढ एकथुंकी माजि:बेर्ड विकास कारमञ्जूत (मोमनी महत्त्रात चालि चैं १५४० अस्य २० चारेटनइ २२ थात्रा ७०५-४३ चार्यक >० चनु-देश्यत > धारा क्रम्यगारत क्रियोशू तत असे दक्ष शिव अधीन नाम्बर्धिक सम्बद्धा माहेदवध are केक काहित्वर of बांद्री ककुतारह अध्य अञ्च विकास निष्य चानियात खेलबुद्ध भेर sa वा व्याविशास्त्रिय व्यवस ऋष्यासूत्रकास स भावित्वन अहिता ३५७६ अहिन्दे 🔊 २ थोता ७ ३५:३ घटणत ५%, मिक्स 😅 याम्य २३ वारेन बधुमार्को सिर्ह्ण

माइ--- व विमाजिम माहित २८ शत ग्रा, स्थानी ७ वर्षामारमद मा'का श्रेष्टिय Healt Eat

मार्ट--- (क छ र ल डे एक ल व क्लिल मारह-। विश्व क बेर छे हिंद्र (र इस) ্ৰাৰ্ড সিৰ্বান ও সেমন অঞ্চ ইবন। नवस बहें हि (फारव हैं। श्रे रहाव हि भगन कक करेरवन।

त्र त्यात्मात्मव मध्क व अश्वतिकी जि दश्कि भारध्य कि इस्टिय्य द्वाना भ शि व्हेश्यान ।

अ मार्ठ -- विश्व अधिक राष्ट्रिका व"रल-भिवित्रमञा क्षेत्रमा

ाष्ट्रिक विकास कि एक विकास कि एक । महत्राहन स्ता

शंबद्ध (४)

এ मार्छ - अक कि मिटलाँडे आहर कि-নতিনিমি মাজিয়েট ও কলেইর ঘটনে-

बाम धामा के स मारण्य जिल्लाव कारेती ुष्टे छ एकपूर्ण कारमहोत्यत अधिनिधि व-

्राष्ट्रिक का कि जिस्त मा कि मार्थिक व्यक्ति - देनी माणि। 📆 है । अ (खश्री काल देव ६० । अवः किक्ष्मिरनेत कता हुव अक्षाद शत क्षांव श्री श क्षेत्रम ।

প্রেরিত। ' . .

ত্রীযুক্ত সোম প্রকাশসন্দাদক

बहागटस्यू ।

পোদক মহাবদ্ধ বৈদিনীপৰ জেলাৰ অন্তঃ ্য পিক'লা নামে একটা বিখ্যাত প্রাম बरहर । जवांब :०। १२ वरमह काडी छ इ भवान स्थान स्थान मात्र स्थान व द्वि हि াওঁ একটা বংকাল, পংচুদালে। ধংকাজে ভথান অনেক গুলি বালক দেশীর শ্রাবার শিক্তিত ांद्रिम धरः ख्रम्यातः आत्मद्र खर्षिकेत जव श क बाला करा विद्वाहिल। किन्न ब्रुक्तीशा · 事例 物理 年間中 等可 (时代存页 (可,是)页) नामात स्वत्रभामि विकृष्टे यावश्व विद्यान) मार वामजारबारिं "तिहे गार्रेणामांति ्रम् काराजारम पाष्टिक भी। जाः विधिया া।তে আলম্বর বে কর ছববর। মটিরাছে বল। । না। অধিকাংশ লোক্ষেই অজালা গুক্:cg क्षा अवर विश्व . शहित्यां, प्राम:वारगान र्गेष्ठ वामरम कांत्रक ।

महास्त्रा (भवे श्रामानी करत्रक्षम अवे दर-ভগাত্র আবার একটা ব**জেলা পাঠদাল**। স্থাপ विशाहर । भावनामामि श्रमहक्राभ जन-शीव स्त्र यशामन मध्या माध्या ५८० सन 'रेग्नार्ड। ड्राटजन्ना गक्टल्ड बटबाटवान जनमानक महिल्ला की बाजा है। बा रमहे शोकांभाकाकीय भटन परनारयोः

रशरकीत विष्ठात्र मारकाश कान्छ। शांहे- | भी खादक । शांध्याकाण किक्कान बाकि ल | अध्यत व्यव्यक छेप्रनिय प्रश्लावना । विष्यु कि व्या-কোপে বিষয়, সেট এন্মের ও তৎ পাশ্ব ভী व्याग धक अारवज्ञ करवज्ञ क्षत्र छात्र देशांक हेशांत : श्रांख मानारयाच करा घुरव थाकूक, देवाव श्राप्त

> কি অ'শ্চরোর বিষয় সম্পাদক মহাশ্র च्याम्यान । हिस्स माथस्य बच्चनीम ४७ग्रः नि मानवकारित ६ इंड न(४) खामव) अ(र्थ भा-किल करिया लि उड् (कामश्रक बार, कम्रा श वाशकारव शिकाकिक कतित सः संगतिकः कि अहे अधिया आ यागामिशक प्रक्रित न्ना । ब्रु किया हिन १ डिक महान युवा व निया था-কেন ভাঁছাদি পৰা সন্তান্ত্ৰকে আনিক লেখা পড़ा भिषाचे भव अध्यासन जिल्लाको सर्वे। इ'मिन्नरक ध्रमन खावया मिन्नाह्म, त्व महत्त्व क्षीवनयादाः निर्दर्शक क्षेट्रेट शाखा किंदु है। र्फेश्चिम विधिविक क्या मधा मोम विकास च्छेरन। भः नाशा अंतरे कि विमाधा मन्त्र सूचा Brings >

> > स्मिति वीश्रुष

ক্ষ্য চিং অপক্ষণাভিনঃ

२७० मार्च

ক্তি সোমপ্রকাশসম্পাদক मरहापरत्रव ।

षा भनाइ गड ১১ है मि नोत्र कांब्रथकारण 'यकुडलाभागुडालियः क्याहिर क्यिहात्या ' এই जाकतिक ध्यविक शव धानि शक्रे कतिकः অ'ন'দিগের মলে যুগণৎ বিষয় ও দর্ষের উদয় इडेग्राह्म। अनीक चारमण्यामानाक चित्र শিक्तित ভারতের ভ্রাথিগণ যে , अकर्डना । रमर्थारम जारमक श्रीम उक्त रहाक । जावभाइरन महत्त्वे कहेरवम धवः व्यञ्चलां श्राप्त ডি'ভ আলাকুত পাপের পরিচর এদান कविशा जाधाहरणह छान ल्यांडव कहिर्यम केह, विश्वदेशत कांत्रण क्षेत्राह्य। धापर श्राम अवलय्य श्रद्धमध्य द्य अम्मान्डच त्लीह करा-টবদ্ধ ছাদ্বও ভেদ কৰিয়া সংস্থার জ্যোভিয়, धर्मात्र मध्याक्त मृद्धि क्षत्राम कृतिह्यासून---টছা ছর্মের নিদান। প্রথ্যেরক ভ্রমারী महाभाग, रव तकल रेगड़क ७ खकुछ शास्त्रद জনা অন্তত্তাপ করিয়াছেন, তংগমুদার भारत करिया महात्म **ए स्वर्भ ह**े करी वास्ति मा-टारे विन्यात ७ वर्षित वर्षेत्र महिला मानि, किन्द्र त्वांच कांच खश्रदांगत धाःशकः खामता **उधिया गाउँ क** ं कि इ विष्य अन्य निष् क वर्गाहि । दनके विद्यास का बाद मान का बाद के का म : | द श्रद्ध कि शिक्ष क है (बक्क, अक्ट्र व्यापना-भाव विदेश जिबिद उद्य । कुषाची महामग्र निवि-য়াছেন " বে জামার তেজীঘতার অভ্যব প্রযুক্ত पातात अमुद्धारभ[्]शकः श्रीष्ट्रम करिएक वर्षः, चार धर शरर्ग दयर होता दशकत वहेंद्र व्यापनीत चा-खाहत नकम निर्दासक स्वेटड गादस ^{१९}। फ्रीसात

अधिमाहीत जामर्गंड चान्गाउप मनम विवादण করিবার নিত্রামু ইন্ডা খাছে, শুদ্ধ ভেজমিতা भादे एकाना व्यवनात का जांप व्यक्तिकन कतिया। तम मधुन्य दक्षित न तर्छ **मध्ये ४**न रा। वेश्राद के श्राप्त नाम **अ**मुक्तामाद कामू-क्रम व्यक्तिक छात्रव धा । अ मा घटनव कि নন্দে জাল্মতে ছে। করেণ ভারের ভেক্ষিড্র न हे बालक्ष, गाँव ई खाँग शक्त का खाक्ष बाला धरेका। बारक लाहा ब्हेरट रम खना डिस्साहिल पर्के-ব্যব সম্পূর্ণ মন্ত্রাপন ১০০০ তার হার অস্করাপ है शार्या अध्योषिता । यो 🖟 🙉 यदि ଓ 🦫 ভাব প্রকৃত অমুড'ণ না ভ**ই**য়া থাকে ভণাপি ध्य अतिभाग्य विशाह उत्तर्हे आधा मृत्यह शर्टक अञ्च अल्लिक विश्व र व मात्रे । शहर क-क्राभियं गरमिन त्य कड अजनि डेगाएं छ। मा भिश्रास की कांच प्रक्रमाय श्राय लहेता वाहिएछ-CEN छाड सामा पटनत शत यू क्र शना मट्ट।

जेक कुरुपि मह गथन क्रेम से, ड शर्काक .न আল'গণ শ্রিড প্রির প্রুত অভাচাতিবিদ বিপাকতা কবিতে সাংগী থি না সঞ্জ ন্নে করেন (শেষন ভেষা^ন ছ শর সামুৎ **লি**গি शांक्त) भ उँकार अनाम आहत्रकार विभाग किरियान क इंट्रेस माफी श दे देन न चरा है। दि मात्री शिल्डम गांबेटन क पा । कि इ कि सामहमान विवय, थाक महाधान कुंक मिन! निक्क कहें हा 😅 कक्ष अभि श्वरमधन छ। । शांभक्षनित वाश्वासा न स्वारा मण्डल कतिरहरून ।

धक्रदंग प्रश्नित्विद्रश्व क्रियां में महामद्राप नशीरण अबे व्याट मान--- (व फिनि स्थ प्रकात ग माजार वाफ कविशादश्य एत्राहर च म्या मा ডিম্ম প্ৰিভোগ লাভ করম:ছি, ডিলি আব क्षत्र काम करणक इच्छ। अवर्गमानीय अधि हार्डिया चारकना

প্ৰথ পিত প্ৰতিমান্ত্ৰকে আগীনতা কুপ অস্তা অধিক'র প্রদান ক্রিয়াছন, ভিনি পতি অনেবই क्षत्य मः टाय वहा श्रमान करि य'(इन. व्यामहा व्यवपात थ बारकपृत थाता ভাষাদিপতে নাৰীভুত কৰিয়া ফেলিয়াছি। চে-को कहिरम यस्माहे छ,ग्रान्भिक भ अमार्कि ह ७ डेनड क इटड श्¦ार। आडबर जार्शास मटनाः র প্রতি নির্ভব করিয়। পাগ কর্ম ছুরীকরণে চে 🖥, कक्रुन, উष्ट, एवेटफ अञ्चर्सल 💵 🗗 व्हेट्टन 🖯 ভারণ ছইলে সভোর অমুবোধ পরিত্রান্স করি-্ত্রা কার ক্ষুত্র লোকিক অন্তরে।ধ রকার লনা कि बहेरड ववेरनक मना स्मृत्य कामहीच्या मा र्गनाम १८न्तु व्यक्षिक धन मधर्मन करियादस्म, व्या भनात्क वक्ष जर्भाक शास्त्रव **डेनर का**दिशङः প্রদান করিয়াছেন, আপনি নেই ধনাসুখারী, क्षमञ्जूषात्री जिल्हादात सना कीनात सिन्हे मधी विशिष्ट्रम । जिस् याद्य क्याउ विवाहरून ভাষার নিকট হইতে ভক্ত ছাবিয়াছেন এই সং ८ठात मन्त्र काशनि अद्य क्लूंब. ७ एक्वाडी कार्य কলন। ভেজবিভা দ্র্র বাহিতুল কি আসর। সেটা चात्रा छाराह श्रमधंक्य मेहिरङ मक्त्र महि ब्रमुवा कि ब्युट्डिक बेंचे अधिर्व ? देव देव कीरवीव ानवन यात्रा माने वानीवि वहेरकार स्व क्षेत्रात (व्यादकर, हेम्बात ब्रम्हारकर कामकान वहेरपर /

अन्त्रीयन कि खेलांक्ष्य जीवार अधिका ৰ আধীনতা গ্ৰাম করেন নাই স্থাপনি উাখ-क इंडेन, निकीशा हो हर भागात करून, शृक्षकार्थ क्षाकारण यञ्जाम क्षेत्र, । अर्थनात स्व हा आगिष्टिश्व क्यास्थित भारतक देशनात हर CB श्राबिद्य ।

अजिरमाद উপ्नश्कांत प्राप्त खामा माध्य विद्राप्त स्वामान्य कावन निर्माण कविद्रार्थ । खेलिकिट कुकार्या गरामग्राय मध्रमग्र बकुठ छ। टेश्डक षा ठा. ह व . य. १ जिल्ल इ ए प्रायल शक्कि विषय कि थे अधिक अध्यक्ति मारा कि (शह (मनक वर्छनीन ध्रप्तान क्रुमाविक) (१ मन्त्रान-रबर बर र की होते हैं रेज़ के प्रश्नेष्ठिक काला, कारव-র স্থিত সভার্ সাল্লা চউচেছে, এ বিমিত আমেটিবলের স্পন্ধ এডাতি জানিয়াছে যে আ-মালিগের আমন্ত ভুন্দ সাম্মধারনহ ঐ প্র প্রে त्रशिक्षः इहित्या आवता लाग्य भएटाविका ह या अभारत माहिनाय व्योध करिया की हारक की र बार बनायान आहान करिए हो ए वाक व कामरा ্রবিষ্ণয় বিশেষরতো ভারামুগকান করিছে প্রারু-न नक्षा देशिख्ड इहे-८ इडेल म. १ का CH WI - 44 WI. 17 (34)

225 €...

প্রাণানিল: কমাতিৎ সোমপ্রকাশ भारेकता

ল,নাবর জীযুক্ত পেমেপ্রকাশসন্দর্শাদক

भश्याः मगीरशयः।

क अलु का अक्षमहिद्द्य विश्वास के अमृत १८कार्तत भ्रहां गृष्ट प्राप्त । ते यहाँ श्रहा स्थान कारा ! र १७ कविश खडा क कवित्र हिलान, किन्द्र गर्थन ्न है विधा। विवयी भड़ामक कि सम श्रीतिक। ्डेट्ड कर्श्ये ड कदिया अथग्र : ठेर डार्श खा কোকন কৰিয়া আমাৰ মনোনপো কিনু সংগ্ৰ णिक्रम, अदर क्षेत्र भएका ए छात्र कविटात्र निविध মধান্যের ১৬ ভ বিংবর পাত্রিক। লাইণা এখান-कांब व्यक्तिक व्यक्तिक व्यक्तिक विकास विकास । । कि जिल्लाहरू को का का कि । (का विवस) ट्रामाम्बद्धारु द्वा कार्यमाद्यान दिवप्रति भार कवि । जाम, खाहर बादव करिया खिलि से मर्गाम्पी प्रवास्तिक। प्रवासीयर भविष्यं थे न सक भा-· कर्बद निक्षि । शहर कर्वन , शहर अन्तर्भ ্দ, জ্ঞানাত্রে মহালায়ের পরিকাপাঠ কবিয়া अहे कथा विलयहार छन त्य, निक्रेम भागा, इत ब-। 'फ्रिडेब्र क्विन अर्वाप (क)थे.य १ हेडा पीन |

ক্ষেপুর হটতে ল্ক্টো পর্যাত বাস্পায় শক-किर कांचा स्थानास्यान करंदर अहे विष्ण व वक-म'बन व्यवधि करबाशकरान इहेरछर्ड, धनः व्या-भवात होने जिल्लाम माथि कामीय मार्थ भवनीय-मन कविषक्ष स्थारमाइम्डे कालवाशम श्रदा रुखि । বিশ্ব অভন্নিপারে আমালিতেব অভিলাম পরি श्रेन बहेदन छोडा बना प्रक्रहा वकारन कानपूर विषेश्व माम्बर्ग महित्व वहारा व वाष्ट्राम कर (क्रम & क्रामेश्विक क्राका बाह्य अवर ममह

এখানে যত প্র'ইভেট ভার আছে ভাষার উপনাম করিয়'ছিলেন, ভাষ্কুত কাছার मध्या ब्लामभाष्ट्राव शांख अ अस डेक्स हैका मकर नहें विभिन्न बोहकन, धनश न्यामि धे समझ-विश्विष्याम करियाः किङ्ग्रिम श्राप्त इंडेम छे इति ভাৰপড়িতে লক্ষ্টে গ্ৰন কৰিয় ছিলান। किय जागांव अवा कटा यानि व विनय माय-कांट्स अथान हरे ७ मोद्रा कड़ि जाहाब शविभ-तम दिला हुने अध्दत्तत भगग्न छ। सम वर्शन (महिशाहिलाम । शालम तह आवम करिन) या (अन्यताम अक भूग: ७० मा अर्थ: भी। अर्थ: निका, व्य व सङ्गोद इस्टान । अहत्वद्र अवतः ।

গ্রণমেনী ভেরেভেও ছা ধনিয়ে যাওয় যাযু राजे किए बाङकाल बचारन बोटलत ए आहु-के वि 'डोक (उ ग्रंड कहेट्ड श्रंड के उग्रंड के अग्रं कुछ व অভগ্ৰ আমনা মট্টমন্ত্ৰি নেলওৰ কেলেন ন কে বিনয় প্রবাদ অফুনোধ করতেছি, যে জা-ांना ध्यामि युनाव लोक नद्य शिक्क विदेश कानप्र ६३८५ म क्यो अर्थ, करभव शास्त्र छाल न छाइ इकेटन आमाजित्यार धव नक्ताना-भारतय त्य व्यक्तिक्रीप्र छेशकः व इक्टेर्स इ. ३१४ भटका इसाहै।

मधानय नरम्हे सर्गायय खड़े निका (h नियः िरमयत कारेमद्र वाश धावालाकम कतिहा छा-भार गरमांगरभा अहे विरंत्रमा इहेल एवं जाल!-मित्तर श्रिष्टम हैन। आश्रिका छेरकुछ हेन्। कथंन हे अञ्चर्ध कि न दि ।

"इथ:श अप व अवती **आकर्षा** (म अनाम, त्रिती **अरे कउळ्छीन ठाउँशांगि (एँ रमनः अर्थ पूर्व** जिन्ही देखेरनाशीय कडकाल स्थान छवालिय जा नत्र (दर्गमरक लहेग्र) सुर्व कानगालन कवि-्रह्म। महानव एक हाउनि चाउँछ अवाक त्मन कविशास्त्र कि अदे थेन श्रूक्याम्ब सभा ?

अवारम द्विवादय भारतकात हो वह भारता श्यम क्षेत्र। यात्रक किन्द्र होने यी छित्र स्थित दिल ब्रोंख कर्ष, छ। इधर परिष छ। खाबु करेन, धार छ।-खन एक वर हुई नहां श्रा महाराणी करेगा भवनस्य केटक शितिमन कतिया आहे क्रेश्वर मिना। कार्याठी छेठाहिया दनन छांश स्टेटन वक स्थान-

কানপুৰ मार्घ रदाः ५७

ወቅ የተረቱ

শ্রীযুক্ত সোমপ্রকাশসম্পাদক মহাশন্ন সমীপের।

पामि ३६ है कालान त्य श्रेष्ठ दशहून कहि. ভাষা ১৯এ কাছনের সোমগ্রকালে একাল চইয়াছে, কিন্তু ভদৰ্যি চারি সোমবার প্রভীক্ষ। कतियः प्रिविकाम अधियुक्त एका कृषात फर्करातीम फ्केंग्राया वर्शनंत्र खाराज देखत मा विद्या (जी-नारमध्य श्रीकित्मन, भ्राप्त्रश्रीर छाशास्त्र मन्य-जिबहे हिन्स अनाम गाहिएछात् । अक्राल गाहिक-" विरव्हमा कविया क्षिप्त किन दा अहे दि-य चन्द्र शहस स्ट्रेग । धा ली विद्र स्थानश्च-**अञ्चय अस्था प्रश्नेक जननक अरंब्रा**रिय

श्रकाम शाहेम । रद्रः छोडांद्व दिकारम ६ প্রতিপাদিত তিন বংগরের শুদ্ধ সাধ্য भर्षारः (১) नांश्वाहतन काल **४ भाषामूलि**क्षः क्लोटनव कुडमांद भाग्व (२) बांभ मान कि धरे इत्ते विकार अवास करण निकारिक श्राष्ट्र, अवन कि न कात केत्रत अवाह क्रमान नाहे कक्रन कवि नांहे। (बाध एक्, विकां क्रि थे निक्षारक जन्मे करेशा वाकिदवर्श তৰিবয়ে যালা কিছু বক্তব্য আৰ্থনিট 🦚 দ। ভূবংশ্ব সঙ্গিত বিচার কবিয়া ভাষার करा जारणाक, रकत ना छ। व इंट्रेस क ৰাগাৰ অম আছে, একাশিত হুইয়া নিকান্ত কিবীকৃত হইবে। একংৰ প্ৰাৰ্থন ধ

() अ मद्र व अयुक्त आनम् 5 अ तक्षी গীশ ও জীবুজ চক্রকুনার ভক্রগীলের সমু ক[া] লইয়: বিচাব করিয়া মীমাংস। করি, আই- १ मिर्गन थ:बंभ **अन्तर ७ हेम्हा नहिं। मानक স**্প নির্ণয় বিষয়ে আমালিগের শাস্ত্র 🛊 🐒 अञ्माती य मध्याव अश्वित्राहर, अवस्तु ष्ट्रभावनवित्र विश्वारम् । न**म्ह्रमुद्धित** মার্ভ রখনজন ভটোচার্যা স্পাইট ুক্ मा हन, जिन वरमदात्र शव विश् अलेखेल कतात रागुप्तान काल, क्रिक मक्षम वर्ष मेंब्रिक त्क विवाद काल विश्वा विश्वन् व काल्य स्थित पुक्तित के कथा कहिरछा है। देशक मधीर्तात्र উष्ट्रिम महारम। नाहे। भूक्षकात वाश्वांत्र निह-जान करिया गाँ । हा मक्षम वर्ष *जाव हैं* स्वीकंट्र করিতে পারেন, তাঁলার। বে আর ২।১ ক্ষর अधिक चौकार के इत्यम मा क्या, श्राष्ट्रा खेंगहा রু কতে পারিছেছি না। বি**শেষত এ নীয়াং**দ जनार्थ्य। चर्डनांत महानना जहाः जनाः जनाः ८ अभीत्रक विवादश्य किस्मिश **भूदर्श अस्त्र** अस्ति । 386 A. नांच थाया जारहा

२। रेगमिक एकतीत वाधीन क्रांतीक्रीकृति कु उनाव शास्त्रव मात्रेज किसीय भीरता के केसाय ৰাদ্যান প্ৰথা নাই। জাহাত্বা বৃদ্ধি বিভীপ পঞ্ क्नामान चीकात करतमः, कुँउसेत आस हरके স্বীকার কবিতে পারিকের না ভাষাও জামত্ব বুখিতে পারিলাম না, পাল্লের কোন স্বাচনী कुउमात शांदित कनामारमञ्जू निरुद्ध नाहे । 🏥 স্ত্রের চন্দে বিভীয় পাত্র আর ক্রপ্তবার ভাংক্র আৰা দিপের ব্যবহারও আছে, রিনি ফুলীন্ট্র श्री विजीय शांद्य कमामान करत्राहु, विकि 🐠 द देश वान, बेक्स विनि कुठहाई शास्त्रकार দান করিবেন, ভিনিও ছোট ছইছা মাইবের विश्वास्त्राणीन विश्वश्यास्त्र व श्राप्त श्रिष्टश्च **ाव ७ कुछमात्र मार्रवत्र धमक क्षित्रशिक्षम, हो** क्षांमणी धुनिया एए विदयन, उपका कुनीस देशहरी जिरशंत वर्षमाम शावजात विवदत विश्वित सूध मारे, वर्जमान वावणात श्रीवर्विक वर्जधा क्षा यावरात्र शाहनिक कविराद्य मञ्जूता क्षेत्रेहरूके कविवरमञ्च सर्वेष्ट्रस्य । द्यानास्वर्धनीयन्त्रः 🦫 ष्ममा अध्येन উत्तर शाम है नहस्के अर्थाः गोरह, वाद चडत देखा प्रियाह अर्थ

१ त्यम ब्रुच। घाए व ८४७३ ५३ म क् वकान**न क्यार्थ** छेख्य अकारम विवय स

ভি আছে, ভাগাৰ এখাটা এই, ডি হের আবাৰ্ষিত পুশ্রে বাগদান করিতে ब। क ब्रिट्स कामात्र अभू अहे (उ. कूलीन शिटकब्र वार्याय (अम्ब्रंश मामास्थित ह। করিয়া কু এখা পারবর্ত্তর পূর্ব্ধক ्रथे। अवर्धित कर। कर्षना कि व। २ मांकिक रमःरकद निक्र रमो कर पुष्टि ा माञ्च मणाठ यूजिन वस पाधिक कि

৩এ হৈত সমলবার श्रीकानमध्य (बद्धाराजीम

অধুক্ত সোমপ্রকাশসক্ষাদক

महामद्यव् । क्कुारीमा देहछना मछ।।

* है कार्रत অভীত হল। এই কলুটোল। भ्यं 🚵 न स्थान घटा बान करान टेउना मान वर्गानीया प्रश्वाणिक वरेशारह, आंख वरिन दे जानातार की युक्त देवक वहुद व व व की ঝাদ ও হৈতন্যচরিভাত্তর পাঠ কবিয়া নাম ूर्विम क्रिया बारकम, अवर উक्त महाका . इ. चाडिमधित चासूमाती ६ है। है जि शूटर्स 🔐 🌬 इत्यत्र माना करण होता वाश्विता महाम-🖄 ে সম উমাসিত করিয়া নিজ অভীকী সিদ্ধ ক্ষাটালে।প্ৰায় এক মান অভীত ছইল উক্ত हिंगीके क्षांत्र महहत्रक्षक व्यक्त व्यक्त (प. पत्र)-क्षा है। है क्षेत्र हर्डीड क्षांत्र हरकार, छोर। है, महार कु अकि प्रस्थितर से बाबाकीय गाउ ৰূণ ধরিবান সিমিত্ত উক্ত সভায় অধিঠিত চন शिद्धक्र अभावाद्याद्य व्यावयान पाटकर, क्षूक्र गाउँ खरान अकृतिक प्रदेश क्षित्रसार हि. ए चक्रिक इस। मण्डस विकास केरेका देवकावहरनदक आत्मालास করিলেন, তিনি ও নবামার ্রাত্র করিয়। জ্বাজনবের স্থানে ক্রিক্রিক্স ব্যক্ত কবিলেন। ওচ্জের। शिक्षेत्रः क्षेत्र **प्रदेश जा**गन श्लानार ७ थु-क्षे क्षेत्रं राज्य कति छ। जारमध कवि-চা আন্তর্গাল সভাতে আতি ববিবারে স্থা-বিষয় ক্ষিত্র বিষয় ক্ষেত্র প্রবাসভাতে বিষয় ক্ষিত্র বিষয় ক্ষিত্র পাঁচ ঘটিকার সম্ব-বিষয় বিষয়ের বাহরবের প্রকটারোছবে সভা-क्षेत्र मंद्रक देशका कांग मनवृ हम वि-क्रिमा समस्य दिनि राधिका ্তিকাৰ চতনা প্ৰজু বাৰ ধারণ করি। জুপুতৰৰ ডিলি ডাজি বালাৰ ও नक्ष्मा थाका । अवतात्र जान-भाषिका कक्षमध्य मध्यानाका पूर्व क्षेत्र वेकियामान शकु जन्म साहाः

ज्ञाम भावेतार , एक्ट्सिके बूर्वालावाय व-ा (बंग अके) । विभाक्त कवितामात अमामा। ३२७० मीय वर्षात १० -शीय गर्यात 'देशम् ... वसः दाशुद्रवरशः दिसन् कशको हक्क कृति । अध्यक्ति कुलानप्रक व्यापा गानिकार्य विवर्ण । भारता वस दमके कुल मलाम १५एउन ४५६० श- । ৰ বিশ্বাজুবণের জন্য,পি দে ছুইটা বিষয়ে । ডিভ - ইজেন। পরে ভক্তপান ভানন্দ গেরে মণ । ছইয়াকের চ্যের জেহ 🕛 ও জার্ম্ব বীজন ও (क) कि कवरणि विश्वानिक के की र्सन कि ब्रिशा धास्त्राम दवरेन क द्रांड स्वाशिद्यान । त्राहे नांद्रमव শুটা ্।ডাক্ত পোলেলে এইগ। লিপথর সূর্তি भ' ५) के लाई जुड़ा के _{अच्च} ८ ठळशांचेह मस्तरीन हरी द्वार म ब्राह्मन ।

> गण्यापक वंदीयः ! यापार् १ १ वज्रे १ ८०१क কলিকান্ডায় বাস ক্রিভেডে। ছায়! এসকল লো-८कव कक्ष किरम टेइ-)मा क्हेरवा श्राखान(कड़ा श्रा-कि उ हे । बिगरक बनायार म अधिका क नाजा ह ইছাব। কিছুৰ ব্যৱত পাৰিভেছেন নঃ।

🄰 কাপনকার নিভান্ত বশর_স क्षू(देश) २१ भागी ७० मी । 🕻 वहेवाम

মান্য বি বি বি সোনপ্রকাশসন্ধাদক महामय अमीरश्रु।

ৰহাশ্য অন্তব্য পূৰ্মক নিম্নলিখিত পবি-का य'नि ज्यागनात जागांगी मरबाह्य श्रकान क्तिरम चलाइ वाधिक इंडेव।

काशनात्र बकास रमश्र আবে এস মাটিন। ৰজ জেপের পূর্ব্য বিভাগন্থ বিদ্যালয় সমুহের ইন্ন্সেক্টন :

बण्डापात्र प्रक्रिन शुक्ष विकाशक विद्यालय मष्ट्रक वेन्ष्णकेत त्यः चात्र, वम, मार्किन मार्क्टरब क्रान्ति।

मर्भव ! प्यांगनात्र ३३ क्विक्यांति सिवनीत्र ১২২৯ মন্বরের পতিকার কেলা ক্রিলপুরের व्यवश्याजी कांनावेश्वत निवामी बाबू वत्रयाकाळ लिक्षांट्यं अधिष्य भवन्त्रिके वस्त्रिकालाः ভিন বৎসংবন্ধ নিমিত্ত চারি টাকার একটি ছাত্র इंडि आमोरनद नवाम श्रीत बहुवा चाताह नशके **रहेनामः। देखः मर्ट्सम्ब (चक्यः) भूक्यम् वर्षः ७** क्रमञ् बोत्रा काणमात्र क्रमोडीरहत्र क्रांन बर्करम ष्यानय बहेबाह्म रक्षांचत्र। वर्षाःज्ञानास्य श्रीक হইলান। ইছা আমার সম্পূর্ব হয়ে যে এব্রিধ ছ্বৈত্তি ও পুৰক্ষার দাতাগণের নাম করণ হয়। অ্রানি অল্পথ্য করিয়া বাব্য ববলাকান্ত শিক্ষা-स्टेंक जामात बक्रवांत कार्तादेश करिएका एव व्यापि अत्रम। कृति जिनि अरे श्रोबहृत्ति अकृषि च-**एख विश्व चात्रः हित्रचात्री करत्रन**। छ।का क्षेत्रक ভাঁছার নাম অবস্তব্যংশ্যপণের মধ্যে ভির रमणविरेखवी पश्चिम्ना शिक्षिणविष्य स्टेटन ।

অংশনার একজি বশ্বদ क्षरणिक, धन् अविश्व मन नायोजन विकाधार्यान्यको व्यथान

अश्वि गुमा

MEN THE WESTERN AND ...**⊋**. भाव केतिया हमान कुमानी **व प**्रश्न है देवन हरिए प्रश्नास पूर्व 1 128

वरण दिरवय श्रीष्ट्रक भाग हीस्टमाध्य रेमव कित्रपूर े२७३ टेहळ ६३८७ **२०६१%० १**४७५ द्रावन हिं व्यासकताथ जाधानन नुक्कालर ्रेर का मान स्वेटा प्रवास का उन्हें प्रशास का उन्हें 30 ह्रायकाणांत द्व শালী গুৰ াৰ্ডাল ভালে ভাইতে ৭০ আগ্ৰেণ প : • यक्णान प्यांबद्दल हर ष्ट्रं म ২২১৯ টেম ছটজে ৭০ লাভ পর্যান্ত 9000 ध्यांक्लनाव थ वेद्द्रगश्च ३२७३ काक्षर इंदेख **१**० गांच शंगांख ভোলানাথ পাল বি এ শিৰু হৈছ ১২৬৯ মাৰ হইডে ৭০ পৌৰ পৰ্যস্ত भागातन द्रायटहोस्दी दम्भिन्ने शुक्र ১২৬৯ চৈত্ৰ হুইছে ৭০ উন্তে পৰ্যান্ত S8+ 🗐 🗗 সাধাৰণ প্ৰক্ৰ লয় 金章 >२७**२ म'ष स्टे**टड **१**० :शोव शर्दा हु

त्मामध्यम् माञ्चाद मरहकति विदल्प विश्वया

अश्चिम **मृजा**न। श्रदेश मक्ष्यः स (मन्त्र ४,० काम (धारण कहा यात्र मा।

ইছাৰ জাগ্ৰিম মূলা যা,বিকি ১০ এবং স্ণু¦-विक ६॥ ो है। इस मोटमब कारन लाउग्रा योग्र स

गाँकाय। कामभकात्मत मना में। श्री है कि भीशन डीक्टा अक व्यवन व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति মুদোৰ ও বসীদের টিকিট ন। প্রেখন করেন।

यसन यिनि मकचन इहेट्ड 'नामश्रकारनर मुका পঠि।हेटदन खाहा द्यन ८५वकी, वे क्रहः

पूर्वाध्यस्य बृद्धाव कोन कठी ५ ४केटम ५-मा गाउँ विकास कर वार कर कर कि विकास मा

योगी मिर्शन मुना मिश्त मगन कडीक हरे-या वार्टिन, १ व्यक्तमञ्ज नमञ् अश्वीकः कृतिहा अ-चरम रामिश्रकारण शहात क्षित्र छ। शहात पत्र চিটি লিখিয়া জানান ফ্টবে, ধলি ভাষাতে কোন উভর অধৰ। মূল্য ন: পাওয়: যায় কালজ বৰ চইবে: মুলোব নিৰিন্ত চিঠি বেলারিং े পাঠीन स्टेंद्रगः क्लिकाचा मध्युक्कारमध्य कामाविधीर नाम किंडि वादिश्य कायहा मांध भाष्ट्रेव !

यीराहर्यन मामञ्जाण शहिलाल क्य-बात बेक्टा परिट्य हिति लिखिया न बालाहित्स ভাষা গ্রাম্থ কর। বাইবে মা।

मक्करणह योषांचा मधर्य इंटरन, छोडा-দিপের শতন্ত্র ডাক্ষা প্রল িড ছইবে।

(क्ष्ट् त्यांमधकारम रिके **नम प्रिट** हेक्षः क-রিলে ই হাতে অথমণ প্রতি শংক্তি ল'কামা বিভীয় র 🖊 ১০ 🔻 । ভূতীয় বার 🗸 আন - M" 7580 glas at क्रिक्ट हैरव। ए 7.7 ' अस्तिम्

《新聞學問題》的學問的學

ومحو

कि बाँक्ष्रिक छोड़ न ्ी उरमान कर्नियो 5, . Hin dien = 4 : wif. a ? [4 মিক্রীটাতা সী 5 পরিভাগ ভরন एक्ट्रन्यद् १० ६ छन्, आधनाय घ'त ए। उभ छिलकात इद গর 🖎

1 32 ,नाथ ,उदागरकात पाल प्राप्ता भागत থাৰদোৱ কাৰণ গোলে। কবিভেছি। , उत्यामी प्रकाशन . सद्भार वाकू ० ७ बुद्या हुन स्थाप के प्रतिशित्र के अभिना । या (प्रशिक्ताम बक श्रीहिन শৃষ্ ধন্ত মান পৰে ল ভূমাৰি গৰা মঙাৰ र जीक्षि देशक के होते हैं भ के हिल्ले हैं कि इ. कल्ला नाम्मा ६ हेर्ड ०. स (प. मेख र्श्व कर्षे अञ्चित्र के तम छ व पा-र आगर जुन्य भी नहासपट के भद्र .अ इंदेरनमा आवता छाश्य मध्याविङ (१८ माडिनाय थां उ. हेयू, तेराटक बात र्शम अमान करिए इ है। शक्त न वासरी बिट्मधकः अ ७ ६। छ न्छ न व वि त छ। इ-त्में अकार त्मान नक अहित वहें. कृतिक (कर्ण माहेव)

> অব্দিনঃ ক্ষাচিৎ লোৰজনাত *(1.50 t)

্বর প্রযুক্ত সে:মপ্রকাশসম্পাদক अङ्ग्लंब मञीएभय ।

বিলা: **বিষয়টা মহ**াশসু কি নতা প্রিক। । मण्ध्रीक कतिया कि स्प्रीरहर छ को का-- करियः व्यक्तित्रं मध्यांबद्धः । वहुः महस्त्रः । वा॰ वे महस्य छ्छन क्षियात्र निमिष्ट । .यह ३७ छ 'द्राचंद्र भद्रिकः लहेश अधान-्तिक दब्दिकेन अम है (दक्षाक मारकद वद ः द्रमा अध्यक्षक दकान व्यक्तित्र प्रांती ति ए इटवर अभिश्वाद्यम् विवय्तः शिवे कवि ा जारा **अवन कड़िया 'उनि क्षे रूर्**राहरी ঃবলিছা মহাপ্রেয় প্রিক্রেবিলি অভ গাল , तक्षे ध्याद्व करब्रम । शहत अ नलाम । ্লনাহের ম্ছাল্ডের প্রিকালাঠ কবিয় करः बन्धिप्रारक्षम् दयः, सिक्केष् व्यथारप्रस्य व रद अविषय इर्राष्ट्र द्यायात्र माह्य या-

ানপুর হইতে সন্মে পর্বান্ত বালগীয় শক-थात्रा व्याजारवान इहेटन करे विवास दक्ष-व व्यवस्थि कर्यानीकथन क केर्डिट्स. अवर स्थान জালে হ দালবাপন করিতেছি। ভিন্নাধ প্ৰবি

क्षणारम यह आहेरजडे जाक चार ह जाशव। उपनाम कवित्र हिए "ा. शब्दक काशांत्र मध्या । कानमाद्यस्य पाति ७ कम् डेडम हेहा। धनाम गाविता व , काहात विहास और भक्त हम है विशिष् । था कि व श्वर प्राधि के सनद-বটী বিশ্বাস কবি**ত কি**ছু ाउ रहेम छेडात[े] ত্তাক গাড়িতে প্ৰকে किन ज मान अवस्य देशम न दश मिक्य निवर-कारम अर्थाम वर्षे ए गाँडा कति छ।व इ शवाम-यत दिला पूर्व शहर रा माथ आला वाला नार्व नार्व करून कांच नार्व दिवाध कर, विमाधियन छ পৌছিয়াছিলান। আলম - | See | - | 100 | विवय , ल विक्री कर करन ने न 'पर 'आमा' से निका अन्त्र महा तीय (ह अल क मार करवह)

शर्वरमती ८ ज्या ७ ७ हम च डीह याख्या राष्ट्र ৰটে. কিন্তু আজকাল এখানে বেচক্তের যে প্রাড়ু ভান ভাছাত্ৰে গুল ১২টো বলিপতি হ এয়া ছুক্কৰ : खाळ १व खांभद्र। वे के हैं- 'श्रुष्ट। त्मल १ व क्यान्य। न কে বিনয় প্ৰাঠিক অনুবোধ কাৰ ড ছি. যে তা- श्वार प्रकारि पुर्व प्र (को २ वर्ष अप्रकृत किया) भागपुर रहेट व दर्भ भगिष्ठ करना भ छ हाल म ए हि , इंडे ल हा ना मिर्लय धर नर्जन श्वातान त्र व्यक्तिकात प्रश्वात स्ट्रेट । छः "वि रे गरायाः वास्त्री।

মণাশয় কংক্ষা নগাংকে আটালিকা দেখিয়া िर्महत्र कांग्रेशव वाश अवदानाकम करिया था-মাৰ মৰোমতো এই বিশ্বচন। হ'ইল যে জালা-क्रिस्त (भारतम हेबा खारशका उरक्के देश) कसनके महादिख नरहा

'उब्राप्ट का व क्षणी' संभव्या (संदिनाम, मिनी . करे कडकश्राल हा छेथा मि (है रिमन) खेरर हुने चिन्नी देउदाशीय कडल्ल नवान अप्राक्तिम नश्रुत्व अस्तराहरूदन विवया के छित्राम । आसित द्वत्रमाक सहैत। सूर्य कालपाशम कदि-१ म: १ मात्र विविद्याचित्सन छ।।। १०१६न। मध्यम, ८७म माहित खाउँछ बनाक হবিশ আপ্তান্ত করিয়া ছিলাগ, কিন্তু বধন ৷ সেশন করিয়াছেন চি এই গুণ পুক্ষান্ত জন্য স क्षशास्त्र अविवादन स्थानकार दिवस अवस

अमभ बहेगा ाहक पद हैते श्रीकेश्वरकत दिल र्वेष्ट कर्ष, फटबर एषि छ। छन कर्षेत्र, धनः छ, अनुष्यक अहे पूर्वे भगाहा महन हरांची करेगा श्व रिक्रीटक शिक्षित के वहा अहे नेपद निका कार्राति केरिया स्वतं काश स्केटन वह स्वान-(गाट विश्व !

কানপ্ৰ यार्घ २८.३५ ७ -

वर शंक्ष

275,

ব্ৰিযুক্ত সোমপ্ৰকাশসন্দাদক महानम् नमीदशब् ।

थापि ३० हे क छत्न त्य खत त्यात्र कति. ভাৰা ১৯৭ কাছনের লোমগ্রকাশে একাশ হটবাছে, কিন্তু ভদৰ্শি চারি দোমবার প্রতীক। के कि अप आप बाज्यीक बादन समस्यात कि विश्व (श्रांश्यान की मूल कटा कूमात उर्वदात्रीण ভটাচার্য্য দলাপর ভালাব উত্তর না দিয়া নৌ-নাবলখনে থাকিলেন, স্কুৱবাং ভাষাতে সন্ম रकार किक अवान माहेटडरह । अकरन माहेक-क्रिया राष्ट्रतः कि 4 Y.

सं द्देश. . .

প্রতিপাদিত তিন বৎসারত পর সাত বৎ পর্যান্ত (১) বাগুলানের কাল ও আমার্শার্মিং ১ कविद्याद्वितान । | कुलो नव कुडमां शास्त्र (२) वाश्रमा मित्य ' यो प्रदेश विषये अञ्चल कार्य कार्य कार्य कार्य । যাছে এখন তিনি আর উত্তর প্রদান করুল বর্ণী प्रश्वम कवि-। ले निकारिक महक्षे ध्रेशा वाजिएवम, ब्लिकक्ष्य ভিষিবমে গাঁচ। কিছু বংফারা **আবলিট আছে, বি**-मा क्या वर गाविक विद्याल कवित्रा खारां है दिश्वान करा कावणाक, (कम भ छ। हा ह हरन छी द्वार কাণ্ডৰ অম আছে, একাশিত ছইয়া চুড়া-मिक्षां छ थियीकृष्ठ महेदर । अक्सरन आर्थना 📢

> () अ गरा (य डेंबेयुक कानकाठक द्वाराखन -भीन उ की दू छ उ जन्मा इ छ व भी त्वान शहान কণ লইয়, তিচার করিয়। মীধাংস। করি, আ, , 👙 मिर्धिय धन्तरा ध्वरंत्रत ७ हेक्का महि। योगमार्थ्य কংল নিৰ্ণয় বিবল্পে আমাদ্বিগোৱ পাস্ত্ৰ ও যুক্তিও অনুসাবী বে সংকাৰ জালিয়াছে, এখনও ভাছ अर्भात्रविष्ठ इष्ट्रांट्स । क्लाप्टमन अर्थाः সার্ত্ত বহুনত্তন ভটাচার্যা স্পঞ্চাক্ষরেই লিখি, য়াছন, তিন বংগরের প্র বিষয়ে পর্যায় কনাস বাগুলান কাল, ডিনি স্ক্রম বর্ষ পর্যান্ত 🕫 क विवाद काल विश्वा विश्वलय कार्य नार्टे ! पुष्टि के कथा किएए है। वेशएक नेवाटक छेटकार मञ्जाबन। नाके। **भूका बाद वादवांत भूति** ভাগে কবিয়া ঘাঁছোৱা সপ্তম বৰ্ষ প্ৰায় আছি कविट्ड शादिन, छैक्कार, स्थ खोत्र २ । ५ वर्ष् कार्यक की बाद के द्रावन ना किन, खादा कार्य: वृक्षित्व शाहित्तिक मा । विरम्बेक व मिन्ना अवार्ष्का चरेनान महाबना सहा, सना सुद त्यानीहरू विश्वास्त्र कि**लिय शुर्व्य मध्ये क**ि Som बाज अवा का एहं।

२। टेरनिक ध्यारीय अधीन कुमीनसिंद्धेर्द কুত্রদার পাত্রের ন্যায় দ্বিতীয় পাঁত্রেও ক্ষার্থ বাক্ষান প্ৰথা নাই। ওাঁছ'বা যদি দ্বিতীয় পাট कमानान चौकांद्र करतन, कुछमान शासाहर বীকার কবিতে পা:বিবেন না **ভাগাও আ**ই বুরিতে পাবিলাম ন , শালের কোন স্থাকে कुछमात शाद्य कमामादमत निरम्भ गारे। मं ্রের চক্ষে ঘিতীয় পাত আৰু কুড়দার পাত্র ডু আমোলিগের বাবহারও আছে বিনি ফুলীন হ या चिकीय शास्त्र कमामान करवन, डिनि स्टू হ ইয়: যান, ঐকপ বিনি কুডমার পার্টের ক্যা"-लाम क्रियम, जिनित हार्ड परेका बाहेरवन। বেলান্তৰ।বীশ নিজপুতকেৰ যে স্থানে জিতাৰ পাত্র ও কৃত্যার পাত্রের এনল কবিয়াছেল, নেই भावति धनिता हिस्टिन्स, छ है। कुनीन देनिक्क शिर्वत वेर्नुमान वावश्व विराय निष्कृ रहे माहै, वर्जमान वावनांत्र शत्वाविक वहेंची शाबहात थाइलिंड कवितात का मिन्द्र Can's Flat उविषया है 1 digits खबा चार्चर म्रारह, यात्र व्हा

धामांत्र कृलमस्य अभाग गविवर्त विस्त्रक शुक्षाक विशासिवाचि अनाति य पूर्वेति विषया আপত্তি আছে, ভাষাৰ এখনটা এই, ভিন ,बारबद्ध खाबार्यक्र अध्या व महान कविट ह bicen । क ख्राय कामाय शक्ष अहे (य. कूसीन **दर्शम (मोजिटकत** वावडाव (छप्न क्रेश जान क्रिक 🔐 वक्का करिया क्याचा श्विवर्तन श्रव्यक , कुरी श्रामा श्रावर्षि 5 करा कर्यवा कि मा ३ त नाभाविक क्षारकत नक्ष क्षारक पुष्क ,পকা শাস্ত্র সন্মত যুক্তির বল অধিক কি

५७ व रेइज महामर्गाद श्रीकानभाष्ट्य (बहास्वराधीय

জীয়ুক্ত সোমপ্রকাশসন্পাদক

महान्द्रभवु । क्यू छोनः हे इत्राग्ना

पश्च प्रहे वरमम अ.ड.ए इनेल अहे कलूरहेका, 'मक चारन काम महाद्वाव ७१८न हिन्छमा ना-ৰ একটি মতা সংস্থাণিত চইয়াছে, প্ৰাভ ব্ৰি-इ जगहारक औपुरत देवक बहुत वाराजी, প্ৰত ও চৈত্ৰাচরিভায়ত পাঠ করিয়। নাম ्बीर्जन कतिका बाटका, এवर छेक मधाय ং অভিসন্ধির অভুসারী ১ইর। ইতি পুরের खखाइत्यत्र भनदम्दम श्रीता नाविता मलाम-্ণয় মন উল্লাসিড কৰিয়া নিজ অঠাই সিদ্ধ मार्थम । शाम अक्रमांत करीड प्रेम केल খৌর কোন সহচৰ এড অপুর্ব্ধ স্বপ্ন কেবিয়া **নুম, নেই অগ্ন মুন্তান্ত অতি চুদ্ৎকাৰ, ভাৰ**া ্ৰহাএজু গুডি মুৰিবাহে ঐ বাৰাজীয় পাঠ ণ করিবার নিমিত উক্ত সভার অধিষ্ঠিত হন ं भेड्ख बाजनाखार इक्षेत्रमान बार्कन. ু, অপূর্ক পাঠ এবংশ এক্রিড ছইয়া ুলা ক্ষিতে ক্ষিতে অন্তৰ্ভি ইয়। সংচয करेगा देशकरहतनत्व जारमा शास्त्र 'বর্ণনা ক্রিলেন, তিনি ভ্রিবামার ্তিতা প্ৰটাৱেংহণ ক্রিয়া ভক্তগণের স্থানে '**थम भूक्तिक** ममन्त्र वालः कतिरामम । करलाता ! ्रसन्तिर्पात यशे व्हेशा जानम शामार ७ थे-্ৰ সভাপ আয়োজন কমি ত আমেশ কৰি-লেন উছা প্ৰয়ালি নতাতে এতি র'ববারে স্থা-শিক্ত **প্রাংক। ভজ**গণের ভাজেব প্রবন্দরাভে "४३९ ३०वे देवल इनियांत्र मिना भाँठ घरिकांत्र अध-क्टेबक वर्ष नमस्विग्रहारत नक्षेत्राहरन मछा-डेलिंक्ड बरेवा बाज देवक्य साम ममञ्जूदम दि-াক্সে ব্যাইজেন অবস্থা তিনি যোগবলে মতে পারিলেন হৈছলা আছু দেছ ধারণ করি-्वर्गित्रप्रदेश । अछवर क्रिन क्रिक गेमाम छ ्राक्ष्मात्रम् कृषिरंकाम आरक्षेत्रः त्व । चान-ेन् करणे । का क्षाप्तानर असी ५०० क्रा **स्था** अस्य प्रशिक्षण राज्य अस्ति का

्र त्यम हृष्यः क्राष्ट्रात कत्रकः उद्वानन्त्रः । ज्यानि नारे त्यम । ज्यान्यके मृत्यानायाम ना शिक्तांत्रम प्रवीर्थ छित्रम अमारिक विवेष मा । कांगा मधाम अभिशाक दिवामाक अमानिश । २२७० माप ६वेट्ड १० १९ वि १ ६ नानूबल ... वल बाग्नुदबद्ध (इम्रज कमली ह्रक स्वीम-(% भी इंड ४३ (मई न्त्रव क्यांनश्चराण त मञ्ज डिड भेड़ेरलम्। शर ুগ ড:লার্ড ীঞ্লন ও | **३ डेग्र**ं ८कड छ. यद (१६ (१६ १७ ७) ल ं . र्रजाम नर्मी छन कहिए। अञ्चल त्रहेन क्वरः लःशिखन। स्ट्रिनास्य । खर्ण बर्ध्ध के गणान इद्देश दिशवत मूर्डि ধারণ ক বন 🗞 🤊 ८७ २ उक्तगरंश्य म नारा-80: 21 7 4: 1°

अक्षांतक म्ड्रांनाः ' सामार्गित धकरा टलांक कलिकाञात्र । अ कदिरखद्य। राष्ट्र। युगकल छा-(क्यू कड मिन देहड़ना इहेंदर म्थड़(बर्कन) आन् कि ५ हेड (बियान अन्याह्मारिय का प्रकास के तास्त्रहरू, केटावा किहा विक्रिट्ड शांतिएक हम मा।

本河(計) 11) আপন্দাব নিডা**ত বশ**ধন ২৭ মার্চ। ৬৩ মাল 🕻 यहेगाम

মান্যবর শ্রীযুক্ত সোমপ্রকাশসন্পাদক महाभग्न ममीरभवा

মহাশর অনুগ্রহ পূর্বক নিম্নলিখিত পত্রি-का बानि जाशनात काशामी সংখ্যात शकान ক্ৰিলে অভান্ত,ৰাখিত হুইবা

> क'शन। इ धकांख नगध्र আর এগ ম:টিন। नक रमरमत शर्क विकाशक विमालक गम् इद हेन्स्लक्षेत्र :

रक्षाः चत्र एकिन श्रुक्त निर्णाशय विद्यालय नमुट्दब हैगुरम्भक्रेन्न त्यः आन्न, धन, यापिन माध्यस्य अधि।

মহালয় ? জাপনার ১১ ফ্রেক্সাবি চিবসীয় ১२२৯ वचरत्र शक्तिकांत्र क्विमा क्विमशूरत्रत **जब्दशा**छी सांबारेश्व निरामी बाबू बद्रसाकाळ लिकबादबन छान्नीय भवर्गमान वन्निमानाम তিন ৰৎসৱের নিমিত চারি টাক'র একটি ছাত্র র্ত্তি প্রদানের সহাদ প্রাপ্ত হট্টরা অভায় সর্ট रहेनाम। बेख मटशामग्र (चन्छ) भूर्याक कर्य छ ক্ষমতা বারা আপনার অভাতীয়ের জ্ঞান বর্ত্তমে षा अभव बहेबारक्त (म. चम्रा नश्यदामान्छ श्रीज इवेलान। देए। का:मात गल्मा व देखा ए अविधा ছাত্রতি ও পুরস্কার দাতাগণের নাম করণ হয়। অপেনি অন্ত্ৰ্যাহ করিয়া বাবু ববলাখাত লি ১১)-बर्ट कांगांत धनायीत कांना हा। कविर. ষ্মানি ভরুন। করি তিনি এই ছ ত্রুন্তি এক ভদ্ৰ বিক্ত ভার। চিরস্থায়ী করেন। **डीष्ट्रीय जाम जनडह्रपरभागिर्द्र त** क्षणशिक्यो विषय गतिश्विक वहेट . .

আগদার একা छर्किडे, अभू अरे मुक्तिन विमाधानिक

गामाभावत श्रीकाणा **है। भाषा इन देशक** । स्टब्स व्यक्त प्रवास का े २२ ७३ देखा बहेट एक का अन का रक्त वाकरतीय व्यक्तियाचे मार्थकी श्री त्राप्त े ०१ हर्म प्राप्त स्थेट 50 मान्य द्व ধ্রিকালাথ বস্থ ११७७ पाम १ हे: ख रे खारेग : आ द मध्यम ध्याब्द्रल तर ১২৬৯ টের ছাই ডান্ড জাল্ল পর্ব গুট بوءة द्याक्लन्।य खर वहत्रभ ১২৬৯ কাল্ড- হুই'ত ৭০ মাৰ পৰ্যান্ত ভোলানাথ গাল বি এ मिर्द्ध वि ১২১৯ মাঘ ১ইডে ৭০ পৌৰ পৰ্যান্ত माभावन नाग्रहीध्यी ध्यमि " १२७३ टेइम एडे अ १० जाज भर्या tj. 劉福縣 জ্রী হট্ট সাধাসণ পুস্তক লৈয় ১२७৯ मध्य इडेट उ २० ८मी व मधास्र 30 8

> मामश्रकाम भर का ग्रुक्ति िट्रम्य जिल्ला।

व्यक्ति भूजा सः भडेरल गकवरल ४४ मध् क[म (श्रवन कम। स्यू मा।

देदात का अम मुला वा विक ३० अवर म शान বিক ২ঃ টাফ ছয় মালেন লুমেন লওয়া যায় ন

र्योशाया गाम अकारणत मुका के क्षांशिकी शंहान टोश्परा अरू अथर, आप आनात अधिक मुरमात अ तभौरमत विकित मा स्थान परवस । 🔏

यथन विभिन्नसंख्या ६ हेट ५ मध्यकालन मुला शाठे।≷रवन कांका स्वम दवक्कित केंत्रण हु

श्रुक्यमञ्ज मूरमात काल कालीक करेरम प्र-मा भागिरेख क्ष्य स्था का भाग विमय मा

बीबा, सरशब, मुक्ता विश्वत असब बाडी उटहें ब्रा काहरत, र म इसक्त अभन्न आहिए। कहिए। अ ববৈ দৌম থকালে এলার ফরিলা ভাষান ^গ **विधि निविद्यां नानाम ब्देश्य, बाह्य छ।शा**र्थ ब्बान केंद्र अवदः मुला मः शान्त्रः यात्र सार्यः दक्ष कहेरत । सूरमात्र भिष्य किति रुग्यदिशी श्रीति श्रीति। कलिकाका अश्रहात्रशासी আমান্তিবের মানে চিঠি আইলে আমবংশীর 🖟 পাইব।

ৰীষাত্ত্ৰৰ সোমতকলে প্রিভাগে করিং 🖯 बात केवा कहेरव हिकि शिविश मा कः नाहित 📖 **डामा जाए** कहा यहिएव ना ।

मक्षरमात्र व । अन्य , बहेरवम, ए म शिर्मात चंडर माक्या का उंड रहते :इ है त्वहत्न शं र् 个市 15 . TO 0 सिरम जै॰ ह र्गम বিভীয় বা न् । शिर्ष इदे ो अने बाब ६